Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥



ऋद्धिः
लाभः

सिद्धिः
शुभम्

47

अथ दशवर्षीयमानवपञ्चाङ्गम्।

वैक्रमीयसंवत् २०६१ समारभ्य २०७० पर्यन्तम्।

पृथक्पृथग्विवाहमुहूर्तादिसहितम्।

पं. श्रीवल्लभ मनीराम

खेमराज श्रीकृष्णदास प्रकाशन, बम्बई

CC-0 In Public Domain. Kinkari Sharma Nalagarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

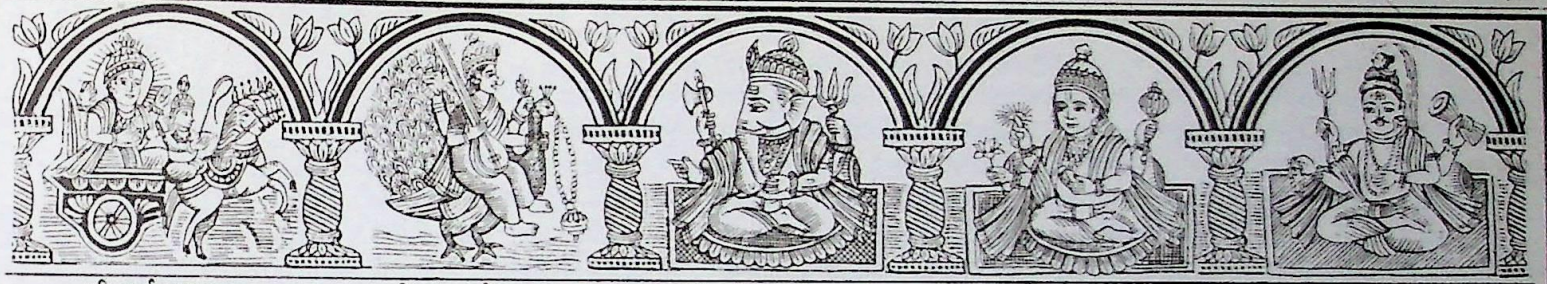
Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

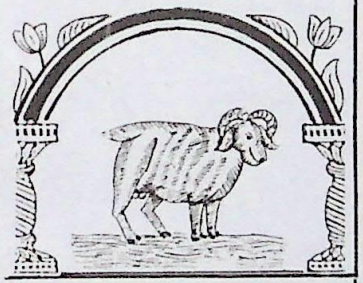
Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS



श्रीसूर्याय नमः। श्रीसरस्वत्यै नमः। श्रीगणेशाय नमः। श्री विष्णवे नमः। श्रीशंकराय नमः।



श. ष. स. ह. मेष श्वान वैर

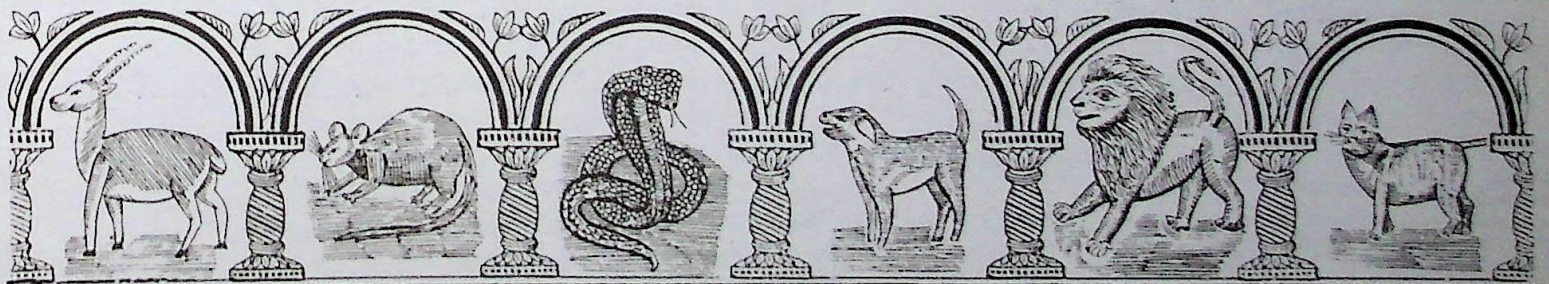
अथ दशवर्षीयमानवपञ्चाङ्गम्।

वैक्रमीयसंवत् २०६१ समारभ्य २०७० पर्यन्तम्।

पृथक्पृथग्विवाहमुहूर्तादिसहितम्।



अ. इ. उ. ए. ओ. गरुड सर्प वैर



य. र. ल. व. मृग सिंह वैर | प. फ. ब. भ. म. मूषक बिलाड वैर | त. थ. द. ध. न. सर्प गरुड वैर | ट. ठ. ड. ढ. ण. स्वान मेष वैर | च. छ. ज. झ. ञ. सिंह मृग वैर | क. ख. ग. घ. ङ बिलाव मूषक वैर

पं. श्रीवल्लभ मनीराम

के पुनर्मुद्रणादि सर्वाधिकार "श्रीवेङ्कटेश्वर" यन्त्रालयाधिपति के अधीन है

CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

संस्करण : फरवरी २०१०, संवत् २०६६

मूल्य : १२० रुपये मात्र।

© सर्वाधिकार : प्रकाशक द्वारा सुरक्षित

मुद्रक एवं प्रकाशक:
खेमराज श्रीकृष्णदास,
अध्यक्ष : श्रीवेंकटेश्वर प्रेस,
खेमराज श्रीकृष्णदास मार्ग,
मुंबई - ४०० ००४.

Printers & Publishers :
Khemraj Shrikrishnadass,
Prop: Shri Venkateshwar Press,
Khemraj Shrikrishnadass Marg, 7th Khetwadi,
Mumbai - 400 004.

Web Site : http://www.Khe-shri.com
Email : khemraj@vsnl.com

Printed by Sanjay Bajaj For M/s. Khemraj Shrikrishnadass Proprietors Shri Venkateshwar Press, Mumbai - 400 004, at their Shri Venkateshwar Press, 66 Hadapsar Industrial Estate, Pune 411 013.

CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

पं. श्रीवल्लभ मनीराम पञ्चाङ्ग के बढते कदम ...

प्रकाशकीय निवेदन

लगभग १३३ वर्ष से यह प्रकाशन संस्थान (खेमराज श्रीकृष्णदास, अध्यक्ष : श्रीवेंकटेश्वर प्रेस, मुंबई-४) सत्साहित्य के प्रसार कार्य में संलग्न है। हमारे यहां से निकलनेवाला वार्षिक पञ्चाङ्ग, जो पं.श्रीबल्लभ मनीराम, मनीराम पञ्चाङ्ग व मानव पञ्चाङ्ग आदि नामों से जाना जाता है - भी १०५ वर्षों से अपनी निरंतरता बनाये हुये है। जैसा कि हमने पूर्व भी निवेदन किया था, हमारा प्रयास रहता है कि प्रतिवर्ष नई नई सामग्री देकर पञ्चाङ्ग को अधिकाधिक उपयोगी बनाया जाय। हाल के वर्षों में बढायी गयी सामग्री का विवरण हमारे इस प्रयास की सफलता का द्योतक है ।

इस संबंध में हमारा प्रयास तो साधन जुटाने तक ही सीमित है। इसके मूल में तो कृपालु विद्वान गुणीजनों का इस पञ्चाङ्ग के प्रति प्रगाढ अटूट लगाव है, जिससे प्रेरित हो अपने उपयोगी सुझाव सदैव भेजते रहते है और पञ्चाङ्ग के वर्तमान गणितकर्ता विद्वान् श्री. पं. ग्यारसीलालजी शर्मा शास्त्री जो सदैव इसकी उपयोगिता के प्रति चिन्तनशील रहकर प्राप्त सुझावों का अनुशीलन, मनन कर अपने चिन्तन को क्रियान्वित करने में अहर्निश प्रयास रत रहते हैं। आदरणीय शास्त्रीजी ने सम्वत्२०५१से इस पञ्चाङ्ग की गणित का कार्य सम्हाला है, तब इसकी पृष्ठ संख्या ५२ हुआ करती थी जो अब बढकर ७२ तक पहुँच चुकी है। आगामी सम्वत् २०६१ के पञ्चाङ्ग में तो एक सौ का आंकड़ा पार कर पृष्ठसंख्या११२तक पहुँच जायगी। इन्होंने पञ्चाङ्ग के "नम्र निवेदन" कॉलम से पञ्चाङ्ग के उपयोगकर्ताओं से हार्दिक आत्मीय संबंध बनाये रखने में कामयाबी हासिल की है। बिना इस बात की चिन्ता किये कि अथक परिश्रम से अस्वस्थता भी बाधित कर सकती है, सदैव अपनी विद्या से सर्वसाधारण को लाभान्वित करने में लगे रहते हैं। विद्या बांटने से घटती नहीं, बढती है, इसके आप मूर्तिमन्त उदाहरण है। ज्योतिष विद्या के गूढ तत्त्वों का सरलीकरण कर आम आदमी तक पहुँचाने का लक्ष्य रखते हैं, जो आज के समय में अपने आपमें एक आदर्श उदाहरण है। इस कथन को बल मिलता है, निम्नलिखित विवरण से जो पं. श्री. बल्लभ मनीराम के बढते कदमों का द्योतक है।

सम्वत् २०५१ वर्ष में – विवादास्पद मुहूर्तादि विषये शास्त्रीय स्पष्टता, उपनयनादि मुहूर्त,रविक्रान्ति,दैनिक पञ्चाङ्ग देखने की विधि, दिनमान एवं स्टैण्डर्ड सूर्योदयास्त जानने की सुगम विधि,पृथक् पृथक् तीन उदाहरणों सहित पूरे भारत की चरपल संस्कार सारिणी ।

सम्वत् २०५२ वर्ष में– अवकहडाचक्रम् (अन्तर्दशा आनयन विधि सहित),विंशोत्तरीक्रमेण अन्तर्दशा चक्राणि व रामगढ(शेखावाटी)की दैनिक लग्नप्रवेश सारिणी से १०० नगरों के लग्नप्रवेश संस्कार कोष्टक।

सम्वत् २०५३ वर्ष में – मुख्यव्रतोत्सवतालिका,शकट(गाडा चलाने आदि)का मुहूर्त,गृहप्रवेशे द्वारशाखा,हलप्रवाह आदि,स्टैण्डर्ड जन्मसमय से इष्टकाल निकालने का सूत्र(चार उदाहरणों सहित), भयात-भभोग नक्षत्र चरण निकालने का सूत्र,सप्तमांश,नवमांशादि कोष्टक,विवाह मुहूर्त में लत्तादि दोष।

सम्वत् २०५४ वर्ष में– तीस मुख्य नगरों के गुरु-शुक्रोदयास्त, कृष्णपक्ष की चतुर्थी का चन्द्रोदय, आवश्यक मुहूर्त व रेखाष्टक, शनिचार आदि।

सम्वत् २०५५ वर्ष में– कुछ प्रतिष्ठित शहरों का सूर्योदय तथा दिनमान।

सम्वत् २०५६ वर्ष में– श्रीमहालक्ष्मी पूजन(दीपावली) के दिन प्रमुख शहरों के लग्न प्रवेश (स्टैण्डर्ड समय में)।

सम्वत् २०५७ वर्ष में– दीपावली दिन के चौघड़ियों का स्टैडर्ड समय में समाप्तिकाल।

सम्वत् २०५८ वर्ष में– आश्विन कृष्णपक्ष में श्राद्धतिथि निर्णय (अलग पृष्ठ में)।

सम्वत् २०५९ वर्ष में– कल्पादि से सृष्ट्यादि से गताब्द सप्रमाण सोदाहरण।

सम्वत् २०६० वर्ष में– अंगुल व्यंगुल पलभा सारिणी, सम्पूर्ण भूमण्डल (अक्षांश १ से ७० तक)।

सम्वत् २०६१ वर्ष से वार्षिक पञ्चाङ्ग में उक्त सभी विषयों के अलावा निम्नांकित अबतक अनछुये विषयों का समावेश होगा।

१) सूर्योदय कालीन दैनिक ग्रहस्पष्टाः सगतिकाः
२) दैनिक चन्द्र नक्षत्र चरण समाप्तिकाल (स्टै. घण्टा मिनिट)
३) दैनिक चन्द्रोदय (स्टै. घण्टा मिनिट)
४) दैनिक चन्द्रोंदय कालीन चन्द्रक्रान्ति (अंश कला)
५) दैनिक मध्यम चन्द्रोदय (स्टै. घण्टा मिनिट सेकण्ड)
६) दैनिक चन्द्रोदय कालीन चन्द्रशर (अंश कला)
७) दैनिक चन्द्रास्त (स्टै. घण्टा मिनिट)
८) दैनिक चन्द्रास्त कालीन चन्द्रक्रान्ति (अंश कला)
९) दैनिक मध्यम चन्द्रास्त (स्टै. घण्टा मिनिट सेकण्ड)
१०) दैनिक चन्द्रास्त कालीन चन्द्रशर (अंश कला)
११) सूर्योदय कालीन वेलान्तर (स्टै. मिनिट सेकण्ड)
१२) सूर्योदय कालीन साम्पतिक काल (स्टै. घण्टा मिनिट सेकण्ड)-
१३) कालसमीकरण गणित के वे सभी सूत्र दिये है जिनकी गणित के लिए आवश्यकता है।
१४) चन्द्रोदय/चन्द्रास्त भारत के किसी भी स्थल का ज्ञात करने की बहुत ही सरल विधि, सूत्र और उदाहरण सहित है।
१५) इष्टकालीन और अभीष्टकालीन ग्रहस्पष्ट साधन (सूर्य, चन्द्र, मंगल, बुध, गुरु, शुक्र, शनि, राहु,केतु) भारत के किसी भी स्थल के ज्ञात करने की बहुत ही सरल विधि और उक्त सभी ग्रहों के सुगम रीति से पृथक् पृथक् उदाहरण हैं।
१६) भयात-भभोग-नक्षत्र के वृद्धि-क्षय स्थिति में परिवर्तित चार(४) उदाहरण दिये हैं शेष पूर्ववत्।
१७) अमृतसिद्धि योग, सर्वार्थसिद्धियोग, सिद्धियोग, द्विपुष्करयोग, त्रिपुष्करयोग, रवियोग (स्टै, घण्टा मिनिट)
१८) ग्रहों के राशि, नक्षत्र (गुरु, शनि, राहु, केतु के चरण) वक्री मार्गी उदय और अस्त के परिवर्तन समय स्वतन्त्र पृष्ठों में ।

* इसके अलावा भी महत्वपूर्ण विषयों का समावेश करने का प्रयास किया जा रहा है, जिससे यह पञ्चाङ्ग भारत देश के किसी भी स्थान के लिये उपयोगी सिद्ध होगा और सर्वसाधारण के लिये ज्ञानवर्द्धक भी। कुछ टायप बड़ा करने का भी ग्राहकों का आग्रह रहा है अतः इसवर्ष से टायप की साईज भी बढा दी गई है । जिससे मौक्तिकाक्षर सदृश छपाई से पञ्चाङ्ग देखने पढने में सुविधा होगी ।

अधिक सामग्री देने के लिये पृष्ठ बढाने होंगे और पृष्ठ बढाने पर मूल्य वृद्धि भी सापेक्ष है। आशा ही नहीं पूर्ण विश्वास है कि कृपालु ग्राहकगण मूल्य वृद्धि को सहन कर हमारें सत्प्रयास में सहभागी बन सदैव की भांति प्रोत्साहित करने की कृपा बनाये रखेंगे ।

CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri Funding by MoE-IKS

॥ भूमिका ॥ इस असार संसारमें जन्म लेकर नीति और धर्मसे विद्या द्रव्याद्युपार्जन करके सर्व साधारण प्राणिमात्रका उपकार करनेमें बुद्धि देना ही उत्तम पुरुषोंका काम है; ऐसा मनमें विचार कर आज २२ वर्षसे विविध मतोंके पंचांग देखकर ग्रहलाघवीय (मानवपंचांग) मैं भी बनाता हूं. आशा है कि इसको देखकर सज्जन सम्यक् प्रकारसे प्रसन्न होते होंगे, क्योंकि आजकल ग्रहलाघव ही सर्वलोकमान्य और उत्तम पंचांग निर्माण करने योग्य ग्रंथ है. यद्यपि इसके भौम और शुक्रकी वक्रावस्थामें किंचित् अंतर ग्रहलाघवकी टीकाद्वारा मुझको प्रतीत हुआ था सो अब वक्रारंभके अंशांकोंमें बीजसंस्कार देके पुनः इसका गणित ठीक कर लिया गया है, अतएव जो महाशय देखेंगे उनको स्वयं निश्चय हो जायगा और जो रामविनोदी पंचांग है सो इसी ही ग्रहलाघवकी शाखा है. कारण रामभट्टने रामदास महीपति और दिल्लीके अकबर बादशाहको प्रसन्न करनेके हित ग्रहलाघवकी छायासे ही रामविनोद ग्रन्थ बनाया है और जोधपुरका चण्टू पंचांग है सो कर्णकुतूहल (ब्रह्मतुल्य) से बनता है परंतु इसके ग्रहोंमें विशेष अंतर देखकर किसी विद्वान्ने रामबीज नाम एक नवीन संस्कार देकर ठीक किया था तो भी आजकल चंद्रग्रहणके मध्यकालमें पूर्णीमासे दो घटीका अनुमान अन्तर रहता है जिससे प्रतिदिनकी तिथि दो दो घटीके अनुमान सांतर प्रतीत होती है और सूर्यग्रहणमें ग्रहोंके उदयास्तमें भी बहुत कुछ अन्तर रहता है। और जो आधुनिक नवीन युक्तिके पंचांग बनते हैं उनका गणित आर्य ग्रन्थोंसे भिन्न है जिससे वे इन धर्मशास्त्रोंके अनुकूल मान्य नहीं हो सकते क्योंकि धर्मशास्त्र लिखता है (बाणवृद्धी रसक्षयः) अर्थात् एकतिथीकी कलासे दूसरी तिथि ५ पांच कला अधिक और ६ कलासे कमती नहीं होनी चाहिये परंतु आधुनिक पंचांगोंमें १० कलाका न्यूनाधिक्य होनेका भी ठिकाना नहीं और प्राचीन ग्रंथोंसे बुध एक दिनमें ११८ कलासे अधिक नहीं चल सकता और आधुनिक गणितसे १३२ कलातक चल सकता है और सृष्टिके कोट्यवधि वर्षोंके पीछे ग्रहलाघवाचार्यने प्राचीन गणितके तुल्य ही सूर्यको आकाशमें नलिकाद्वारा ठीक देखा था और आधुनिक पौनेचारसौ वर्षोंमें ही नवीन यंत्रवेधी कहते हैं कि प्राचीन गणितसे अभी सूर्य ४ अंश पीछा हट गया और दूसरे यंत्रवेधी कहते हैं कि केवल कन्याका सूर्य आगेसे ३३ कला पीछा हटा है; कहो किसको सत्य मानें ? अब ग्रहलाघवके तृतीयाधिकारमें शुक्र और मंगलके संस्कार देना (शुक्रारयोश्चलभवो) इत्यादि विशेष लिखा है परंतु इसके टीकाकार मल्लारि गणकने और विशेष लिखा है कि (शुक्रारयोश्चलभवोऽत्यगतो यदांकेति वचनात् अनेनापि विशेषफलेन संस्कृतौ भौमशुक्रौ महांतरितौ दृश्येते कुतः अन्त्यांकस्य बाहुल्यात्। अत्र सुधीभिः एकान्त्यांकमध्ये त्रींश्चतुरो वा अंकान् कृत्वा शीघ्रफलसिद्धिःकर्तव्या ॥ इत्यादि) ऐसे ग्रहलाघवके गणितमें नवीन शुद्ध संस्कार देके प्राचीन ऋषि-मुनिप्रणीत गणित ठीक मानकर ग्रहोंके उदयास्त और सूर्यचन्द्रके ग्रहणगणितको यथार्थ करके और रामविनोदी सूर्य अवधिके आदिमें और ग्रहलाघवीय सूर्य अवधिके अंतमें देके और प्रतिदिनके सौर और ब्रह्म दोनों रवि और सूर्योदयास्तके घंटा मिनट देके यह पंचांग निर्मित होता है. आशा है कि, इसमें किसी प्रकारका दृष्टिदोष हो तो सज्जन अपने सौजन्यवशसे सब सुधार लेंगे क्योंकि लिखते छापते शुद्ध करते कहीं न कहीं दृष्टिदोष तो रह ही जाता है ॥

रामगढ़निवासी पं० मनीराम शर्मा, ठि० " श्रीवेङ्कटेश्वर " स्टीम्-प्रेस, बंबई.

CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

श्री गुरु चरणकमलेभ्यो नमः

गुरुर्ब्रह्मा गुरुर्विष्णुः गुरुर्देवो महेश्वरः ।
गुरुः साक्षात् परं ब्रह्म तस्मै श्री गुरवे नमः ॥

इस पंचांग के अंतर्गत गणित पलित या मुहूर्तादि जो भी मेरे द्वारा किया गया है इनमें मेरा अपना कुछ भी नहीं है । जो भी है उन महापुरुष प्रातःस्मरणीय, सर्वदा वंदनीय, विद्या वारिधि सुविज्ञ निधि श्री गुरु चरणों की महीनता है जिन्होंने अनुग्रह करके मुझे जैसे मंदबुद्धि एवं अपरिचित को भी अपना अमूल्य समय देकर अमृतरुपी विद्या का पान करवाया लेकिन मुझ भाग्यहीन व्यक्ति का पान वैसा ही रहा जैसे समुद्र में से एक गिलास पानी । प्रथम श्री गुरु चरणों के दर्शन से ऐसा लगा कि न जाने विद्या-दान देंगे या नहीं । लेकिन चरणस्पर्श के बाद प्रार्थना करने पर मुझे जो प्रत्युत्तर मिला उससे मुझे बहुत आश्चर्य हुआ कि उतने महान् विद्वान होते हुए भी इतना कोमल स्वभाव मृदुभाषी अध्यापन में इतने सुविज्ञ कि मंदबुद्धिवाला भी सुगमतापूर्वक अध्ययन कर सकता है । अंहकार का तो स्पर्श मात्र भी नहीं है । पंचांग गणित की जिज्ञासा को लेकर मैंने कई विद्वानों से आग्रहपूर्वक संपर्क किया लेकिन वाञ्छिवाभिलाषा से वञ्चित ही रहा और संयोगसे जब आपकी चरण रज का दर्शन हुआ तब से तो मेरी वही गति हो रही थी जैसे किसी धनार्थी को स्वयं कुबेरजी यह कहें कि इस खजाने से ले सके उतना धन ले ले । आपकी विद्वत्ता तो पूरा विश्व जानता है कि आपने लोगों के कल्याणार्थ "श्री वेंकटेश्वर शताब्दि पंचांग" का पूर्व काल में ही निर्माण कर दिया था जो कि पूरे एक सौ वर्ष (संवत् २००१ से २१०० तक) का मात्र यही एक पञ्चाङ्ग था । इस पंचांग के निर्माण कार्य से विद्या का अनुमान लगाना वैसे ही कठिन है जैसे महासागर की गहराई का । अस्तु, उन श्री गुरु चरणों को मैं पुनः पुनः प्रणाम करता हूँ ।

श्री.श्री. १०८ स्व. पं. ईश्वरदत्त शर्मणोऽनुग्रहीत शिष्यः
पं. श्री. रामकुवारात्मज ग्यारसीलाल शर्मा (शास्त्री)
मुम्बई - ४०० ०५७.

अथ पञ्चाङ्ग देखने की विधि

यह पञ्चाङ्ग दृश्य गणित से बनाया गया है साथ ही सौर पक्षीय एवं ब्रह्म पक्षीय सूर्योदय कालीन दैनिक सूर्य स्पष्ट भी है ।

यस्मिन् पक्षे यत्र काले येन दृग्गणितैक्यकम् ।
दृश्यते तेन पक्षेण कुर्यात्तिथ्यादि निर्णयम् ॥

(इति वशिष्ठ वचनात्)

इस पञ्चाङ्ग का सभी गणित व्यंकटेश बापू केतकर पद्धति (केतकी, ज्योतिर्गणित, म. ग्रहगणित मालिका आदि .. ग्रंथो) से रामगढ (शेखावाटी) अक्षांशाः २८/०० उ., रेखांशाः ७४/५९ पूर्व, अं.व्यं. पलभाः ६/२३ के आधार पर किया गया है । तिथिनक्षत्र योग करण इनके घटिपल रामगढ (शेखावाटी) **स्पष्टार्कोदय** के लिखे गये हैं जब कि इससे पूर्व संवत् २०६० तक मध्यमार्कोदय के लिखे जाते थे लेकिन आपके सुझाव को ध्यान में रखकर **स्पष्टार्कोदय के घटीपल लिखे हैं** । घटि-पलों में २॥ का भाग देकर भागफल में **रामगढ (शेखावाटी) के स्टैं. सूर्योदय का घंटा मिनट जोड़कर** साधारण जनहितार्थ रेल्वे (स्टैण्डर्ड समय के घण्टा मिनट लिखे गये है, ये तिथ्यादि के घंटा मिनट भारतीय रेल्वे (स्टैण्डर्ड) समय से समाप्ति काल के है । ये स्टैं. समय के घंटा मिनट संपूर्ण भारत में समान रुप से उपयोगी होंगे । उदाहरण के लिए किसी तिथि नक्षत्र योग का स्टैण्डर्ड घं. मि. १५ बजे लिखा है तो संपूर्ण भारत (पंजाब आसाम मद्रास केरल उ.प्र. राजस्थान) में दोपहर तीन बजे ही समाप्ति होगा । इस पंचांग से भारत के किसी भी गांव या शहर के स्थानिक घटी पल बनाने हों तो अभीष्ट शहर या गांव का स्टैण्डर्ड सूर्योदय इस पंचांग के तिथ्यादि के स्टैं. समय में घटाकर (ऋण) शेष को २॥ से गुणा करने पर अभीष्ट गांव या शहर के स्थानिक घटी पल बन जायेंगे । किसी भी गांव या शहर के दिनमान एवं स्टैण्डर्ड सूर्योदयास्त की विधि भी इसी पंचांग में अन्यत्र लिखी हुई है ।

विद्वज्जनों की आवश्यकता को देखते हुए दैनिक रविक्रांति और पूरे भारत वर्ष (अक्षांशाः ८/०० उ. से ३६/०० उ. तक) की चरपल संस्कार सारणी भी पंचांग में दे दी गई है जिससे भारतवर्ष के किसी भी गांव या शहर का सुगमता पूर्वक दिनमान बना सकते हैं । दैनिक लग्नसारणी और चंद्रवार का स्टैं. समय प्रवेशकाल दिया गया है ।

सूर्योदयास्त किरण वक्री बवन संस्कार रहित भारतीय रेल्वे (स्टैण्डर्ड) टाईम रामगढ (शेखा.) के है । किरण वक्री भवन सस्कार करने से वास्तविक क्षितिज वृत्त के उदयास्त में अंतर आ जाता है जिससे इष्ट बनाने तथा धार्मिक निर्णयों में त्रुटि होना संभव है परंतु स्टैं. सूर्योदयास्त समय से यदि घड़ी का मिलान करना हो तो पंचांग में लिखित सूर्योदय में दो मिनट किरण वक्री भवन संस्कार घटाकर तथा सूर्यास्त में दो मिनट जोडकर घटिका यंत्र (घड़ी) से मिलान करना चाहिए क्योंकि गणितागत सूर्य क्षितिजवृत्त के उदय से दो मिनट पहले दिखाई देता है और गणितागत सूर्यास्त के दो मिनट बाद तक दृष्टिगोचर होता है परिणामस्वरुप दश पल (चार मिनट) दिनमान भी बढ जाता है ।

ग्रहचार भद्रा आदि भी स्टैण्डर्ड (रेल्वे) समय में ही लिखे गये है । पंक्तिस्थ ग्रहस्पष्ट रामगढ (शेखावाटी) के प्रातः सूर्योदय कालीन (इष्ट ००।००) के लिखे गये है साथ ही सर्वत्र उपयोगिता के लिए अयनांशाः (न्यूटेशन संस्कार युक्त) और सूर्यादि ग्रहों के नक्षत्र चरण भी दिये है ।

तिथ्यादि ग्रहचार चंद्रचार भद्रादि का स्टैं समय जहाँ १३-१४-१५ आदि अंक हों वहाँ दिन के १२ बजे के बाद १-२-३ बजे समझें और जहाँ २५-२६-२७ आदि अंक लिखें हों वहाँ रात्रि के १२ बजे के बाद क्रमशः रात्रि के १-२-३ बजे समझें (१३ से २४ तक के दिन के १ बजे से रात्रि १२ बजे तक और २४ से ३० तक रात्रि के १२ बजे से दूसरे दिन प्रातः ६ बजे तक के लिखे हैं) । व्रतोत्सव-ग्रहचार में A B C D आदि चिन्ह दिये गये हैं इनका मतलब यह है कि उस तिथि या तारीख का मैटर उस पंक्ति (लाईन) में नहीं आ सका इसलिए वहाँ चिन्ह लगाकर शेष मैटर वैसा ही चिन्ह [A [B लगाकर पूरा किया गया है ।

विवाह मुहूर्त्तो में दिन के विवाह लग्न तो लिखते ही थे अब महर्षि कात्यायनोक्त नक्षत्र चतुष्टयी के विवाह मुहूर्त्तो का समावेश भी कर दिया है इन पर विद्वज्जन आवश्यकतानुसार निर्णय कर लें । पंचांग को अधिकाधिक उपयोगी बनाने के लिए उपनयन मुहूर्त्त, देवप्रतिष्ठा मुहूर्त्त गेहारंभ मुहूर्त्त नूतन और जीर्ण गृहप्रवेश मुहूर्त्त भी दे दिये है अतः विद्वद्गण आवश्यकतानुसार निर्णय लेकर मुहूर्त्तो का उपयोग करें । इनका अत्यधिक लाभ लेकर श्री वल्लभ मनीराम पंञ्चाङ्ग एवं प्रकाशन संस्थान **रवेमराज श्रीकृष्णदास** के इस परिश्रम को सफल बनाकर कृतकृत्य करें ।

जिनके लिए आप बहुत दिनों से सुझाव भेज रहे थे, वार्षिक पंञ्चाङ्ग में उन उत्कृष्ट, अलभ्य, अश्रुत, अलोकित, अज्ञात विषयों का समावेश कर दिया है । यह कोई अतिशयोक्ति या मिथ्या प्रशंसा नहीं है मेरा लक्ष्य आप तक विद्या पहुँचाना था परिणाम स्वरुप अहर्निश कार्यरत रहने से मेरा स्वास्थ्य खराब हो गया है, मैं रहूँ न रहूँ मेरी विद्या लाखों करोडों विद्वानों के पास रहेगी जो मैंने श्रीगुरुचरणों से प्राप्त की थी । इससे मुझे आत्मशान्ति तो प्राप्त हुई ही है बल्कि गुरुऋण और भूऋण से भी मुक्त हो गया । मेरी न्यूनताओं की जानकारी और विद्वज्जनों के उत्तम सुझाव प्राप्त होंगे तो उन्हें शिरोधार्य कर मैं आभारी रहूँगा ।

अवसान में करबद्ध प्रार्थना यही है कि इस पंचांग के निर्माण में हर तरह की सूक्ष्मता एवं सावधानी रखी गई है फिर भी अनवधान वश अथवा मुद्रणदोष से कहीं त्रुटि रह गई हो तो पक्षपात रहित बुद्धि से विद्वज्जन उसे सुधारकर उपयोग में ले लें और मुझे भी अवगत करावें । कहा भी है -

प्रमाददोषादिह या च काचिन्मान्यास्त्रुटिर्दृष्टिपथं व्रजेद्वै ।
ज्योतिर्विदः शास्त्रविचारदक्षाः धिया स्वयं शोधयतार्यवर्याः ॥
गच्छतः स्खलनं क्वापि भवत्येव प्रमादतः ।
हसन्ति दुर्जनास्तत्र समादधति सज्जनाः ॥

दुर्जन गण अनेक प्रकार से प्रार्थना करने पर भी अपनी आदत नहीं छोड़ सकते है; क्योकि- **खलो मृगयते दोषं गुणपूर्णेषु वस्तुषु ।**
वने पुष्पफलाकीर्णे पुरीषमिव सूकरः ॥

विद्वज्जनों को मेरा पुनः पुनः प्रणाम ।

गणितकर्ता : विदुषां वशंवदः पंडित ग्यारसीलाल शर्मा (शास्त्री)

CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

पञ्चाङ्गस्थ रामगढ (शेखा.) की दैनिक लग्नप्रवेश सारणी से निम्नलिखित नगरों के लग्नसपष्ट संस्कार कोष्ठक (मिनट), सूक्ष्म गणित, (- = ऋण, + = धन)

नगरों के नाम / राशि	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
१. अहमदाबाद (गुज.)	+ १४	+ १८	+ २०	+ १९	+ १५	+ ११	+ ६	+ २	- ०	+ १	+ ४	+ ९
२. अमृतसर (पंजा.)	- २	- ६	- ८	- ७	- ४	- ०	+ ४	+ ७	+ ९	+ ८	+ ५	+ २
३. अजमेर (राज.)	+ २	+ ४	+ ५	+ ४	+ ३	+ १	- ०	- २	- २	- २	- १	+ १
४. अलवर (राज.)	- ६	- ६	- ६	- ६	- ६	- ६	- ७	- ७	- ८	- ७	- ७	- ७
५. अंबिकापुर (म.प्र.)	- २९	- २५	- २३	- २४	- २७	- ३२	- ३७	- ४१	- ४३	- ४२	- ३९	- ३४
६. अनंतपुर (आं.प्र.)	- ०	+ ११	+ १६	+ १४	+ ४	- ८	- २०	- ३१	- ३७	- ३५	- २५	- १३
७. अयोध्या (उ.प्र.)	- २८	- २७	- २६	- २७	- २७	- २९	- ३०	- ३१	- ३२	- ३१	- ३०	- २९
८. आकोला (महा.)	- ३	+ ४	+ ७	+ ५	+ ०	- ७	- १४	- २०	- २४	- २२	- १७	- १०
९. आगरा (उ.प्र.)	- ११	- १०	- १०	- १०	- ११	- ११	- १२	- १३	- १३	- १३	- १३	- १२
१०. आजमगढ (उ.प्र.)	- ३९	- २९	- २९	- २९	- ३०	- ३२	- ३४	- ३६	- ३७	- ३७	- ३५	- ३३
११. आबू रोड (राज.)	+ १२	+ १५	+ १६	+ १६	+ १३	+ १०	+ ६	+ ३	+ २	+ २	+ ५	+ ८
१२. इंदौर (म.प्र.)	+ ९	+ ५	+ ८	+ ७	+ ३	- २	- ८	- १२	- १५	- १४	- १०	- ५
१३. इटारसी (म.प्र.)	- ६	+ ९	+ ४	+ ३	- ३	- १०	- १८	- २४	- २७	- २६	- २०	- १३
१४. इलाहाबाद (उ.प्र.)	- २६	- २३	- २२	- २३	- २५	- २७	- ३०	- ३२	- ३३	- ३३	- ३१	- २८
१५. उज्जैन (म.प्र.)	+ ९	+ ५	+ ७	+ ६	+ ३	- २	- ७	- ११	- १३	- १२	- ९	- ४
१६. उदयपुर (राज.)	+ ८	+ ११	+ १२	+ १२	+ ९	+ ६	+ २	- १	- २	- २	+ १	+ ४
१७. औरंगाबाद (महा.)	+ ५	+ १२	+ १६	+ १४	+ ८	+ ०	- ८	- १५	- १८	- १७	- ११	- ३
१८. कटक (उडी.)	- ३८	- ३१	- २८	- २९	- ३५	- ४२	- ४९	- ५६	- ५९	- ५८	- ५२	- ४५
१९. कोलकाता (बंगा.)	- ४९	- ४५	- ४२	- ४३	- ४७	- ५३	- ५८	- ६३	- ६५	- ६४	- ६०	- ५५
२०. कानपुर (उ.प्र.)	- २०	- १९	- १८	- १८	- १९	- २१	- २२	- २४	- २५	- २४	- २३	- २२
२१. काठमाण्डु (नेपा.)	- ४०	- ३९	- ३८	- ३८	- ३९	- ४०	- ४२	- ४३	- ४४	- ४३	- ४२	- ४१
२२. कुचामन (राज.)	+ ९	+ २	+ २	+ २	+ २	+ ९	- ०	- ९	- ९	- ९	- ०	+ ०
२३. कोल्हापुर (महा.)	+ ११	+ २१	+ २६	+ २४	+ १६	+ ५	- ६	- १५	- २०	- १८	- १०	+ ९
२४. कोटा (राज.)	- ९	+ ९	+ ३	+ २	+ ०	- ३	- ६	- ८	- १०	- ९	- ७	- ४
२५. गंगानगर (राज.)	+ ३	+ ९	+ ०	+ ०	+ २	+ ४	+ ६	+ ८	+ ९	+ ९	+ ७	+ ५
२६. ग्वालियर (म.प्र.)	- ११	- १०	- ९	- ९	- ११	- १२	- १४	- १६	- १७	- १६	- १५	- १३
२७. गया (म.प्र.)	- ३७	- ३५	- ३३	- ३४	- ३६	- ३९	- ४३	- ४५	- ४७	- ४६	- ४४	- ४१
२८. गुडगावाँ (हरि.)	- ९	- ९	- १०	- ९	- ९	- ८	- ८	- ७	- ७	- ७	- ७	- ८
२९. गोरखपुर (उ.प्र.)	- ३३	- ३१	- ३१	- ३१	- ३२	- ३३	- ३५	- ३६	- ३६	- ३६	- ३५	- ३४
३०. गौहाटी (आसा)	- ६६	- ६४	- ६३	- ६३	- ६५	- ६७	- ६९	- ७०	- ७१	- ७१	- ६९	- ६७
३१. गोवा (भारत)	+ १४	+ २५	+ ३०	+ २८	+ १९	+ ७	- ५	- १५	- २१	- १८	- ९	+ २
३२. चंढीगढ (पंजा.)	- १०	- १३	- १४	- १३	- ११	- ८	- ५	- ३	- १	- २	- ४	- ७
३३. चित्तौडगढ (राज.)	+ ४	+ ६	+ ८	+ ७	+ ५	+ २	- १	- ४	- ६	- ५	- ३	+ ०
३४. चिन्नई (तमि.)	- १०	+ २	+ ९	+ ६	- ४	- १८	- ३२	- ४४	- ५१	- ४८	- ३७	- २४
३५. जयपुर (राज.)	- २	- १	- १	- १	- २	- ३	- ४	- ५	- ६	- ५	- ५	- ३
३६. जबलपुर (म.प्र.)	- १६	- १२	- १०	- ११	- १४	- १९	- २४	- २८	- ३०	- २९	- २६	- २१
३७. जमशेदपुर (बिहा.)	- ४१	- ३६	- ३४	- ३५	- ३९	- ४४	- ४९	- ५३	- ५६	- ५५	- ५१	- ४६

नगरों के नाम / राशि	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
३८. जलगाँव (महा.)	+ २	+ ८	+ १०	+ ९	+ ५	- १	- ७	- १२	- १५	- १४	- ९	- ४
३९. जालंधर (पंजा.)	- ५	- ८	- १०	- ९	- ७	- ३	+ ०	+ ४	+ ५	+ ५	+ २	- २
४०. जैसलमेर (राज.)	+ १७	+ १८	+ १९	+ १८	+ १८	+ १७	+ १५	+ १४	+ १४	+ १४	+ १५	+ १६
४१. जोधपुर (राज.)	+ ११	+ १३	+ १४	+ १४	+ १२	+ १०	+ ८	+ ७	+ ६	+ ६	+ ८	+ १०
४२. झांसी (उ.प्र.)	- १२	- १०	- ९	- ९	- ११	- १४	- १७	- १९	- २०	- २०	- १८	- १५
४३. झुञ्झुनू (राज.)	- २	- २	- २	- २	- २	- २	- २	- २	- २	- २	- २	- २
४४. झरिया (बिहा.)	- ४२	- ३८	- ३६	- ३७	- ४०	- ४५	- ४९	- ५३	- ५५	- ५४	- ५१	- ४६
४५. डिब्रुगढ (आसा)	- ७९	- ७९	- ७९	- ७९	- ७९	- ८०	- ८०	- ८१	- ८१	- ८१	- ८०	- ८०
४६. डूंगरपुर (राज)	+ ८	+ १२	+ १४	+ १३	+ १०	+ ६	+ २	- २	- ४	- ३	+ ०	+ ४
४७. दरभंगा (बिहा.)	- ४२	- ४०	- ३९	- ४०	- ४१	- ४३	- ४५	- ४७	- ४७	- ४७	- ४६	- ४४
४८. दिल्ली	- ९	- १०	- १०	- १०	- १०	- ९	- ८	- ८	- ७	- ८	- ८	- ९
४९. देवरिया (उ.प्र.)	- ३३	- ३२	- ३१	- ३२	- ३३	- ३४	- ३६	- ३८	- ३८	- ३८	- ३७	- ३५
५०. नागपुर (महा.)	- ११	- ५	- २	- ४	- ९	- १५	- २२	- २८	- ३१	- ३०	- २५	- १८
५१. नागौर (राज.)	+ ६	+ ७	+ ७	+ ७	+ ६	+ ५	+ ४	+ ४	+ ३	+ ३	+ ४	+ ५
५२. नारनौल (हरि.)	- ५	- ५	- ५	- ५	- ५	- ५	- ५	- ५	- ५	- ५	- ५	- ५
५३. नासिक (महा.)	+ ११	+ १८	+ २२	+ २०	+ १४	+ ७	- १	- ८	- १२	- १०	- ४	+ ४
५४. नैनिताल (उ.प्र.)	- १९	- २०	- २१	- २१	- २०	- १८	- १७	- १६	- १५	- १५	- १६	- १८
५५. नैल्लोर (आं.प्र)	- ११	- ०	+ ६	+ ३	- ६	- १९	- ३२	- ४३	- ४९	- ४६	- ३६	- २४
५६. पटना (बिहा.)	- ३९	- ३७	- ३६	- ३६	- ३८	- ४०	- ४३	- ४५	- ४६	- ४६	- ४४	- ४१
५७. पटियाला (पंजा.)	- ८	- १०	- ११	- ११	- ९	- ६	- ४	- २	- ०	- १	- ३	- ५
५८. प्रतापगढ (उ.प्र.)	- २७	- २५	- २४	- २४	- २६	- २८	- ३०	- ३२	- ३३	- ३२	- ३१	- २९
५९. प्रयाग (उ.प्र.)	- २५	- २३	- २२	- २२	- २४	- २७	- २९	- ३२	- ३३	- ३२	- ३०	- २८
६०. पाली (राज.)	+ ८	+ १०	+ ११	+ ११	+ ९	+ ७	+ ४	+ २	+ १	+ २	+ ४	+ ६
६१. पूना (महा.)	+ १२	+ २०	+ २४	+ २२	+ १५	+ ६	- ३	- ११	- १५	- १३	- ६	+ ३
६२. बडौदा (गुज.)	+ १२	+ १७	+ २०	+ १९	+ १४	+ ८	+ २	- ३	- ६	- ४	+ ०	+ ६
६३. बद्रीनाथ (उ.प्र.)	- २०	- २३	- २४	- २४	- २२	- १९	- १६	- १३	- १२	- १२	- १५	- १८
६४. बरेली (उ.प्र.)	- १८	- १८	- १९	- १९	- १८	- १८	- १८	- १७	- १७	- १७	- १७	- १८
६५. बारंगल (आं.प्र)	- ११	- ३	+ २	- ०	- ७	- १७	- २६	- ३५	- ३९	- ३७	- ३०	- २१
६६. बांसवाडा (राज.)	+ ६	+ १०	+ १२	+ ११	+ ८	+ ३	- १	- ५	- ७	- ६	- ३	+ १
६७. बिलासपुर (म.प्र.)	- २४	- १९	- १६	- १७	- २२	- २८	- ३४	- ३९	- ४१	- ४०	- ३६	- ३०
६८. बीकानेर (राज.)	+ ७	+ ६	+ ६	+ ६	+ ७	+ ७	+ ७	+ ७	+ ७	+ ७	+ ७	+ ७
६९. बेलगाँव (कर्ना.)	+ ११	+ २१	+ २६	+ २४	+ १५	+ ४	- ८	- १८	- २३	- २१	- १२	- १
७०. बैंगलोर (कर्ना.)	+ १	+ १३	+ १९	+ १७	+ ६	- ८	- २२	- ३४	- ४०	- ३७	- २७	- १३
७१. बैलारी (कर्ना.)	+ २	+ १३	+ १८	+ १६	+ ७	- ५	- १७	- २८	- ३४	- ३१	- २२	- १०
७२. भागलपुर (बिहा.)	- ४६	- ४३	- ४२	- ४२	- ४५	- ४७	- ५०	- ५३	- ५४	- ५३	- ५१	- ४९
७३. भावनगर (गुज.)	+ १६	+ २२	+ २४	+ २३	+ १८	+ १२	+ ६	+ १	- २	- १	+ ४	+ १०
७४. भिवानी (हरि.)	- ५	- ६	- ६	- ६	- ६	- ५	- ४	- ३	- ३	- ३	- ४	- ५

CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

संवत् २०६१ पञ्चाङ्गस्थ रामगढ (शेखा.) की दैनिक लग्नप्रवेश सारणी से निम्नलिखित नगरों के लग्नसपष्ट संस्कार कोष्ठक (मिनट), सूक्ष्म गणित

नगरों के नाम / राशि	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
७५. भुवनेश्वर (उडी.)	- ३८	- ३१	- २८	- २९	- ३५	- ४२	- ४९	- ५६	- ५९	- ५८	- ५२	- ४५
७६. भोपाल (म.प्र.)	- ५	- १	+ १	- ०	- ४	- ८	- १३	- १७	- १९	- १८	- १५	- १०
७७. मथुरा (उ.प्र.)	- १०	- १०	- १०	- १०	- १०	- ११	- ११	- १२	- १२	- १२	- ११	- ११
७८. मंडला (म.प्र.)	- १८	- १४	- ११	- १२	- १६	- २१	- २७	- ३१	- ३४	- ३३	- २९	- २३
७९. मारवाड (राज.)	+ ८	+ ११	+ १२	+ ११	+ ९	+ ६	+ ३	+ ०	- १	- ०	+ २	+ ५
८०. मेहसाणा (गुज.)	+ ११	+ ११	+ ११	+ ११	+ ११	+ ११	+ १०	+ १०	+ ९	+ १०	+ १०	+ १०
८१. मुम्बई (महा.)	+ १६	+ २३	+ २७	+ २६	+ १९	+ १०	+ २	- ६	- १०	- ८	- २	+ ७
८२. रतलाम (म.प्र.)	+ ३	+ ८	+ १०	+ ९	+ ५	+ १	- ४	- ८	- १०	- ९	- ६	- १
८३. रायपुर (म.प्र.)	- २१	- १६	- १२	- १४	- १९	- २५	- ३२	- ३८	- ४१	- ४०	- ३५	- २८
८४. राजगढ (राज.)	- २	- ३	- ३	- ३	- ३	- २	- १	- १	- ०	- ०	- १	- २
८५. रिंगस (राज.)	- २	- १	- १	- १	- १	- २	- ३	- ३	- ४	- ३	- ३	- २
८६. लखनऊ (उ.प्र.)	- २३	- २२	- २१	- २१	- २२	- २३	- २४	- २५	- २६	- २६	- २५	- २४
८७. लुधियाना (पंजा.)	- ६	- ९	- १०	- १०	- ७	- ४	- १	+ २	+ ३	+ २	+ ०	- ३
८८. वाराणसी (उ.प्र.)	- ३०	- २७	- २६	- २७	- २९	- ३१	- ३४	- ३७	- ३८	- ३७	- ३५	- ३३
८९. विजयवाडा (आं.प्र)	- १४	- ४	+ १	- १	- १०	- २०	- ३१	- ४१	- ४६	- ४४	- ३६	- २५
९०. शिमला (हि.प्र.)	- १२	- १५	- १६	- १५	- १३	- १०	- ६	- ३	- २	- २	- ५	- ८
९१. श्रीनगर (ज.क)	- ५	- ११	- १४	- १३	- ८	- १	+ ६	+ १२	+ १५	+ १४	+ ८	+ २
९२. सागर (म.प्र.)	- ११	- ८	- ६	- ७	- १०	- १४	- १८	- २२	- २४	- २३	- २०	- १६
९३. सिकर (राज.)	- ०	+ ०	+ ०	+ ०	- ०	- १	- १	- १	- २	- १	- १	- १
९४. सिंघाना (राज.)	- ३	- ३	- ३	- ३	- ३	- ३	- ३	- ४	- ४	- ४	- ४	- ३
९५. सिरोही (राज.)	+ ११	+ १४	+ १५	+ १५	+ १२	+ ९	+ ६	+ ३	+ २	+ २	+ ५	+ ८
९६. सूरत (गुज.)	+ १५	+ २१	+ २४	+ २३	+ १८	+ ११	+ ५	- १	- ५	- ३	+ २	+ ९
९७. सोलापुर (महा.)	+ ४	+ १३	+ १७	+ १५	+ ८	- २	- १२	- २०	- २५	- २३	- १६	- ६
९८. हरद्वार (उ.प्र.)	- १५	- १६	- १७	- १७	- १५	- १३	- ११	- ९	- ८	- ९	- १०	- १२
९९. हैदराबाद (आं.प्र)	- ६	+ ३	+ ८	+ ६	- २	- १२	- २२	- ३१	- ३६	- ३४	- २६	- १६
१००. हिंसार (हरि.)	- ४	- ५	- ६	- ६	- ५	- ३	- २	- १	- ०	- १	- २	- ३

संस्कार कोष्ठक ज्ञानायः- पञ्चाङ्गस्थ रामगढ (शेखा.) की दैनिक लग्न प्रवेश सारणी से उपर लिखे नगरों का प्रवेश व समाप्ति काल संस्कार कोष्ठक की सहायता से किसी भी दिन का स्पष्ट ज्ञात कर सकते हैं।

उदाहरण - १ मई २००४ को अहमदाबाद (गुज.) में वृश्चिक लग्न का प्रवेश और समाप्ति काल ज्ञात करना है। पंचांग में १ मई २००४ को वृश्चिक का प्रवेश काल रात्रौ घंटा ८ मिनट ०० और समाप्ति काल रात्रौ घंटा १० मिनट १९ लिखा हुआ है। संस्कार कोष्ठक में अहमदाबाद (गुज.) के वृश्चिक में + २ मि. और धनु में - ० मि. है (धनु का प्रवेश काल ही वृश्चिक का समाप्ति काल है)। अतः वृश्चिक के प्रवेश रात्रौ ८।०० में + २ मि. का संस्कार किया (यदि - हो तो घटा दें और + हो तो जोड दें) तो अहमदाबाद (गुज.) का स्पष्ट प्रवेश काल रात्रौ ८।०२ हो गया वृश्चिक के समाप्ति काल रात्रौ घंटा १० मिनट १९ में - ० मि. का संस्कार किया तो वृश्चिक का समाप्ति काल रात्रौ १०।१९ स्पष्ट हो गया। ऐसे ही संस्कार कोष्ठक में लिखे हुए १०० नगरों में से किसी भी नगर का कोई भी लग्न स्पष्ट ज्ञात कर सकते है। - पं. ग्यारसीलाल शर्मा (शास्त्री), मुम्बई.

॥ अथ विंशोत्तरी क्रमेण महादशा-अन्तर्दशा चक्राणि ॥

॥ अथ विंशोत्तरीक्रमेण महादशाचक्रम् ॥

ग्रहाः	सूर्य	चंद्र	भौम	राहु	गुरु	शनि	बुध	केतु	शुक्र
वर्ष	६	१०	७	१८	१६	१९	१७	७	२०
माह	००	००	००	००	००	००	००	००	००
दिन	००	००	००	००	००	००	००	००	००

सूर्य महादशा वर्ष ६ तन्मध्येऽन्तरम्

नक्षत्र = कृतिका, उत्तराफाल्गुनी, उत्तराषाढा

ग्रहाः	सूर्य	चंद्र	भौम	राहु	गुरु	शनि	बुध	केतु	शुक्र
वर्ष	०	०	०	०	०	०	०	०	१
माह	३	६	४	१०	९	११	१०	४	०
दिन	१८	०	६	२४	१८	१२	६	६	०

चंद्र महादशा वर्ष १० तन्मध्येऽन्तरम्

नक्षत्र = रोहिणी, हस्त, श्रवण

ग्रहाः	चंद्र	भौम	राहु	गुरु	शनि	बुध	केतु	शुक्र	सूर्य
वर्ष	०	०	१	१	१	१	०	१	०
माह	१०	७	६	४	७	५	७	८	६
दिन	०	०	०	०	०	०	०	०	०

भौम महादशा वर्ष ७ तन्मध्येऽन्तरम्

नक्षत्र = मृगशिरा, चित्रा, धनिष्ठा

ग्रहाः	भौम	राहु	गुरु	शनि	बुध	केतु	शुक्र	सूर्य	चंद्र
वर्ष	०	१	०	१	०	०	१	०	०
माह	४	०	११	१	११	४	२	४	७
दिन	२७	१८	६	९	२७	२७	०	६	०

राहु महादशा वर्ष १८ तन्मध्येऽन्तरम्

नक्षत्र = आर्द्रा, स्वाति, शतभिषा

ग्रहाः	राहु	गुरु	शनि	बुध	केतु	शुक्र	सूर्य	चंद्र	भौम
वर्ष	२	२	२	२	१	३	०	१	१
माह	८	४	१०	६	०	०	१०	६	०
दिन	१२	२४	६	१८	१८	०	२४	०	१८

गुरु महादशा वर्ष १६ तन्मध्येऽन्तरम्

नक्षत्र = पुनर्वसु, विशाखा, पूर्वाभाद्रपद

ग्रहाः	गुरु	शनि	बुध	केतु	शुक्र	सूर्य	चंद्र	भौम	राहु
वर्ष	२	२	२	०	२	०	१	०	२
माह	१	६	३	११	८	९	४	११	४
दिन	१८	१२	६	६	०	१८	०	६	२४

शनि महादशा वर्ष १९ तन्मध्येऽन्तरम्

नक्षत्र = पुष्य, अनुराधा, उत्तराभाद्रपद

ग्रहाः	शनि	बुध	केतु	शुक्र	सूर्य	चंद्र	भौम	राहु	गुरु
वर्ष	३	२	१	३	०	१	१	२	२
माह	०	८	१	२	११	७	१	१०	६
दिन	३	९	९	०	१२	०	९	६	१२

बुध महादशा वर्ष १७ तन्मध्येऽन्तरम्

नक्षत्र = आश्लेषा, ज्येष्ठा, रेवती

ग्रहाः	बुध	केतु	शुक्र	सूर्य	चंद्र	भौम	राहु	गुरु	शनि
वर्ष	२	०	२	०	१	०	२	२	२
माह	४	११	१०	१०	५	११	६	३	८
दिन	२७	२७	०	६	०	२७	१८	६	९

केतु महादशा वर्ष ७ तन्मध्येऽन्तरम्

नक्षत्र = मघा, मूल, अश्विनी

ग्रहाः	केतु	शुक्र	सूर्य	चंद्र	भौम	राहु	गुरु	शनि	बुध
वर्ष	०	१	०	०	०	१	०	१	०
माह	४	२	४	७	४	०	११	१	११
दिन	२७	०	६	०	२७	१८	६	९	२७

शुक्र महादशा वर्ष २० तन्मध्येऽन्तरम्

नक्षत्र = पूर्वाफाल्गुनी, पूर्वाषाढा, भरणी

ग्रहाः	शुक्र	सूर्य	चंद्र	भौम	राहु	गुरु	शनि	बुध	केतु
वर्ष	३	१	१	१	३	२	३	२	१
माह	४	०	८	२	०	८	२	१०	२
दिन	०	०	०	०	०	०	०	०	०

रवियोग : सूर्य नक्षत्र से चन्द्रमा के नक्षत्र तक गिनती करने से यदि सूर्य से चन्द्रमा का नक्षत्र ४, ६, ९, १०, १३ २० इन संख्याओं में पडे तो उसदिन रवियोग होगा जो समग्र दोषों को अच्छी प्रकार दूर करता है।

द्विपुष्कर - त्रिपुष्करयोग :

भद्रातिथि (२ / ७ / १२) शनि मंगल और रविवार के दिन कृतिका, पुन., उफा., विशाखा, उषा., पूषा. ये छ नक्षत्रों की स्थिति आती हो तो त्रिपुष्कर योग तथा उक्त भद्रातिथि, शनि मंगल और रविवार के दिन मृग, चित्रा, धनिष्ठा नक्षत्रों का योग होता है तो द्विपुष्कर योग बनता है। त्रिपुष्कर योग में होनेवाले किसी भी कार्य का त्रिगुणित फल और द्विपुष्कर में होनेवाले का दुगुना फल होता है।

CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

हद्दासारिणी

मेष	वृष.	मि.	कर्क	सिं.	क.	तु.	वृ.	ध.	म.	कुं.	मी.	राशयः
बृ.६	शु.८	बु.६	मं.७	गु.६	बु.७	श.६	मं.७	गु१२	बु.७	बु.७	शु१२	स्वामि-अंश
शु.६	बु.६	शु.६	शु.६	शु.५	शु१०	बु.८	शु.४	शु.५	गु.७	शु.६	गु.४	स्वामि-अंश
बु.८	बृ.८	बृ.५	बु.६	श.७	गु.५	गु.७	बु.८	बु.४	शु.८	गु.७	बु.३	स्वामि-अंश
मं.५	श.५	मं.७	बृ.७	बु.६	मं.७	शु.७	गु.५	मं.५	श.४	मं.५	मं.९	स्वामि-अंश
श.५	मं.३	श.६	श.४	मं.६	श.२	मं.२	श.६	श.४	मं.४	श.५	श.२	स्वामि-अंश

होरा सारिणी

मेष	वृष.	मि.	कर्क	सिं.	क.	तु.	वृ.	ध.	म.	कुं.	मी.	राशयः
५	४	५	४	५	४	५	४	५	४	५	४	अंशाः १५
४	५	४	५	४	५	४	५	४	५	४	५	३०

त्रिशांश सारिणी

विषमे त्रिशांशा							समे त्रिशांशा						
अंशाः	मेष	मि.	सिंह	तुला	धनु	कुंभ	वृष.	कर्क	क.	वृ.	म.	मी	अंशाः
५	१	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	२	५
१०	११	११	११	११	११	११	६	६	६	६	६	६	१२
१८	९	९	९	९	९	९	१२	१२	१२	१२	१२	१२	२०
२५	३	३	३	३	३	३	१०	१०	१०	१०	१०	१०	२५
३०	७	७	७	७	७	७	८	८	८	८	८	८	३०

सप्तमांश सारिणी

मेष	वृष.	मि.	कर्क	सिं.	क.	तु.	वृ.	ध.	म.	कुं.	मी.	राशयः
१	८	३	१०	५	१२	७	२	९	४	११	६	४।१७।८।३४
२	९	४	११	६	१	८	३	१०	५	१२	७	८।३४।१७।०८
३	१०	५	१२	७	२	९	४	११	६	१	८	१२।५१।२५।२३
४	११	६	१	८	३	१०	५	१२	७	२	९	१७।८।३४।१७
५	१२	७	२	९	४	११	६	१	८	३	१०	२१।२५।४२।५१
६	१	८	३	१०	५	१२	७	२	९	४	११	२५।४२।५१।२६
७	२	९	४	११	६	१	८	३	१०	५	१२	३०।००।००।००

द्रेष्काण सारिणी

मेष	वृष.	मि.	कर्क	सिं.	क.	तु.	वृ.	ध.	म.	कुं.	मी.	राशयः
मं.१	शु.२	बु.३	चं.४	सू.५	बु.६	शु.७	मं.८	गु.९	श१०	श११	गु१२	अंशाः१०
सू.५	बु.६	शु.७	मं.८	गु.९	श१०	श११	गु१२	मं.१	शु.२	बु.३	चं.४	२०
गु.९	श१०	श११	गु१२	मं.१	शु.२	बु.३	चं.४	सू.५	बु.६	शु.७	मं.८	३०

तारा बोधाय

वर के नक्षत्र से कन्या के नक्षत्र तक और कन्या के नक्षत्र से वर के नक्षत्र तक गिनकर ९ का भाग देवें शेष बचे उसके अनुसार तारागुण चक्र द्वारा गुणदेखें। ध्यान रहे शेष शून्य बचे तो ९ संख्या का फल देखें।

नवमांश सारिणी

मेष	वृष.	मि.	कर्क	सिं.	क.	तु.	वृ.	ध.	म.	कुं.	मी.	राशयः अंश-क
१	१०	७	४	१	१०	७	४	१	१०	७	४	३।२०
२	११	८	५	२	११	८	५	२	११	८	५	६।४०
३	१२	९	६	३	१२	९	६	३	१२	९	६	१०।००
४	१	१०	७	४	१	१०	७	४	१	१०	७	१३।२०
५	२	११	८	५	२	११	८	५	२	११	८	१६।४०
६	३	१२	९	६	३	१२	९	६	३	१२	९	२०।००
७	४	१	१०	७	४	१	१०	७	४	१	१०	२३।२०
८	५	२	११	८	५	२	११	८	५	२	११	२६।४०
९	६	३	१२	९	६	३	१२	९	६	३	१२	३०।००

द्वादशांश सारिणी

मेष	वृष.	मि.	कर्क	सिं.	क.	तु.	वृ.	ध.	म.	कुं.	मी.	राशयः अंश-क
१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	२।३०
२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१	५।००
३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१	२	७।३०
४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१	२	३	१०।००
५	६	७	८	९	१०	११	१२	१	२	३	४	१२।३०
६	७	८	९	१०	११	१२	१	२	३	४	५	१५।००
७	८	९	१०	११	१२	१	२	३	४	५	६	१७।३०
८	९	१०	११	१२	१	२	३	४	५	६	७	२०।००
९	१०	११	१२	१	२	३	४	५	६	७	८	२२।३०
१०	११	१२	१	२	३	४	५	६	७	८	९	२५।००
११	१२	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	२७।३०
१२	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	३०।००

त्रिराशिपतिचक्रम्

मेष	वृष.	मि.	कर्क	सिं.	क.	तु.	वृ.	ध.	म.	कुं.	मी.	राशयः
सू.	शु.	श.	शु.	बृ.	चं.	बु.	मं.	श.	मं.	गु.	चं.	दिने
गु.	च.	बु.	मं.	सू.	शु.	श.	गु.	श	मं.	गु.	चं.	रात्रौ

अथ हर्षबलम् -नंदत्रिषड्लग्नभवर्क्षपुत्रव्यया इनाद्धर्षपदं स्वभोच्चम्॥

त्रिभंत्रिभंलग्नभतः क्रमेण स्त्रीणां नृणां रात्रिदिनेषु तेषाम् ॥१॥

अर्थ- वर्ष लग्न में सूर्य ९, चंद्र ३, मंगल ६, बुध १, गुरु ११ भृगु ५ शनि १२ वे स्थान में होय तो हर्षता है और स्वगृही उच्च का ग्रह होता है सो हर्षबल देता है और लग्नकुण्डली में स्त्री. स्त्री. स्त्री. पु. पु. पु. ऐसी द्वितीयावृत्ति करके स्त्री गृह स्त्री गणना में आवे तो हर्षबल देता है और पुरुष ग्रह पु. गणना में आवे तो हर्षबल देता हैं और दिन में प्रवेश होय तो पुरुषग्रह हर्षबल देता है और रात्रि में वर्ष प्रवेश होय तो स्त्री ग्रह हर्षबल देता है। इसी तरह एक एक का हर्षबल ५ पांच का होता है जब चारों में बल आने से २० का पूर्ण बल होता है।

पंचवर्गी बलम्

स्वर्क्ष	उच्च	हद्दा	द्रेष्का.	नवां.
३०	२०	१५	१०	५
०	०	०	०	०
२२	१५	११	७	३
३०	०	१५	३०	४५
१५	१०	७	५	२
०	०	३०	०	३०
७	५	३	२	१
३०	०	४५	३०	१५

नवांशाः

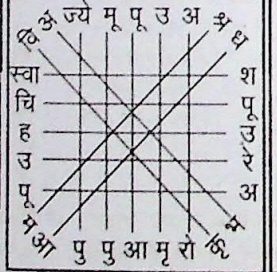
सं.	मे.	वृष.	मि.	कर्क	
स्व.	सिं.	क	तु.	वृश्चि	
मित्र	श्व.	म	कु.	मी.	
सम.	३०	६	१०	१३	
	२०	४०	०	२०	
शत्रु	१६	२०	२३	२६	३०
	४०	०	२०	४०	०

भद्रा-मुख-पुच्छ-घटी-ज्ञान

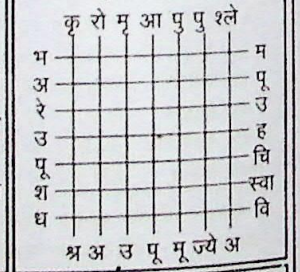
	शुक्ल पक्ष				कृष्ण पक्ष			
तिथि	४	८	११	१५	३	७	१०	१४
प्रहर	५	२	७	४	८	३	६	१
आदि मुख घटी	५	५	५	५	५	५	५	५
प्रहर	८	१	६	३	७	२	५	४
अंत पुच्छ घटी	३	३	३	३	३	३	३	३

तिथि भोग (आरंभ से अंत तक) के घट्यादि मान में ८ के भाग से लब्धांक १ प्रहर का मान होता है। तिथि के आरंभ से प्रहर की गणना करनी चाहिये।

विवाहे पंचशलाकाचक्रम्



सर्वकार्येषु सप्तशलाकाचक्रम्



अथ मांगलिक बोधाय

लग्ने व्यये च पाताले, जामित्रे चाष्टमे कुजे।
कन्या भर्तुर्विनाशाय भर्त्ता कन्या विनाशकः॥

वर कन्या के परस्पर जन्मांग और राशिचक्र के लग्न, चतुर्थ, सप्तम, अष्टम और द्वादशभावों में अवस्थित मंगल परस्पर विनाशकारी है।

CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

अथ द्वादश राशिप. न. मासतिथिन. योगकरणादिघरतस्य तथा स्त्रीचन्द्रघात कोष्टकम्

राशि	मास	तिथि	वार	नक्षत्र	योग	करण	प्र.	ल.	सू.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	स्त्री.	ल.भा घ.	ल.भा प.
मेष	कार्तिक	नंदा	रवि	मघा	विष्कं	बव	१	१	४	१	५	२	६	७	३	८	१	३	३८
वृषभ	मार्ग.	पूर्णा	शनि	हस्त	शू.	श.	४	२	८	५	९	६	१०	१०	७	१२	८	४	११
मिथुन	आषाढ	भद्रा	चंद्र	स्वाती	परि.	चं.	३	४	१२	९	१	१०	२	३	११	४	७	५	२३
कर्क	पौष	भद्रा	बुध	अनुराधा	व्या.	ना.	१	७	५	२	६	३	७	८	४	९	९	५	४४
सिंह	जेष्ठ	जया	शनि	मूल	धृ.	व.	१	१०	९	६	१०	७	११	१२	८	१	५	५	५०
कन्या	भाद्र.	पूर्णा	शनि	श्रवण	शू.	कौ.	१	१२	१	१०	२	११	३	४	१२	५	३	५	४१
तुला	माघ	रिक्ता	गुरु	शत.	शू.	तै.	४	६	६	३	७	४	८	९	५	१०	६	५	४१
वृश्चिक	आश्वि.	नंदा	भृगु	रेवती	व्याती	ग.	१	८	१०	७	११	८	१२	१	९	२	२	५	५०
धनु	श्रावण	जया	शु.	भरणी	वश	तै.	१	९	७	४	८	५	९	१०	६	११	१०	५	४२
मकर	वैशाख	रिक्ता	भौम	रोहिणी	वै.	श.	४	११	१२	८	१२	९	१	२	१०	३	११	५	२
कुंभ	चैत्र	जया	गुरु	आर्द्रा	गं.	कि.	३	३	२	११	३	१२	४	५	१	६	५	४	८
मीन	फाल्गुन	पूर्णा	शुक्र	आश्लेषा	वै.	च.	४	५	६	१२	४	१	५	६	२	७	१२	३	३५

चोरी, लाभालाभ को.

ऊर्ध्व	मन्द	मध्य	रात्रौ
रो.	मृ.	आ.	पु.
पु.	आ.	म.	पू.
उ.	ह.	चि.	स्वा.
वि.	ऽनु.	ज्ये.	मू.
पू.	उ.	भि.	श्र.
ध.	श.	पू.	उ.
रे.	अ.	भ.	कृ.

शीघ्रमि. पू. दिन३ मि. रे. मा. १ मि. प. मिले नहीं उ

अथ ग्रहाणां मित्र सम शत्रूद्यनीचस्वगृह दृष्टि रत्नादि कोष्टकम्

ग्रहाणां नाम	रवि	चन्द्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
मित्रग्रहाः	च.मं.गु.	सू. बु.	र.गु.च.	सू. रा.शु.	सू.चं.मं.	बु.रा.श.	बु.रा.शु.	बु.श.शु.	बु.श.शु.
समग्रहाः	बु.	मं. शु. गु.श.	शु. श.	श.मं.गु.	श. रा.	मं. गु.	गु.	गु.	गु.
शत्रूग्रहाः	श.रा.शु.	रा	बु. रा.	चं.	बु. शु.	सू. चं.	सू.चं.मं.	सू.चं.मं.	सू.चं.मं
उच्चराशयः	मेष	वृषभ	मकर	कन्या	कर्क	मीन	तुला	मिथुन	धनु
परमोच्चांशाः	१०	३	२८	१५	५	२७	२०	०	१५
नीचराशयः	तुला	वृश्चिक	कर्क	मीन	मकर	कन्या	मेष	धनु	मिथुन
नीचांशाः	१०	३	२८	१५	५	२७	२०	०	१५
ग्रहाणां स्वगृहाणि	सिंह	कर्क	मेष वृश्चिक	कन्या मिथुन	धनु मीन	तुला वृषभ	मकर कुंभ	कन्या	मीन
एकपाददृष्टिः	३।१०	३।१०	३।१०	३।१०	३।१०	३।१०	०।०	३।१०	३।१०
द्विपाददृष्टिः	५।९	५।९	५।९	५।९	०।०	५।९	५।९	५।९	५।९
त्रिपाददृष्टिः	४।८	४।८	०।०	४।८	४।८	४।८	४।८	४।८	४।८
संपूर्णदृष्टिः	७	७	४।७।८	७	५।९।७	७	३।१०।७	७	७
ग्रहाणांवर्षाणि	२२	२४	२८	३२	१६	२५	३६	४२	४२
नेष्टग्रहस्य वर्षे	हरिवंश	रुद्रार्चन	रुद्रज	कांस्य-	अमावस्या	गोप्रति	मृत्यंजय	भुजग	ध्वजा-
दानोपायसाधन	श्रवण			दान	व्रत	पालन	जप	दान	दान
राशी भु. प्राक्.	मास १	दिन २।	मा. १॥	मास१	मा.१३	मास १	मा.३०	मा.१८	मा.१८
ग्रह रत्नानि.	माणक	मोती	प्रवाल	पन्ना	पुष्परा.	हीरा	नीलम	पिरोज	लसाठी
समय	मध्याह्न	अपराह्न	मध्याह्न	प्रभात	प्रभात	अपराह्न	अपराह्न	अपराह्न	अपराह्न
अष्टोत्तरीदशा	६	१५	८	१७	१९	२१	१०	१२	०
योगिनीदशा	मंगला	पिंगला	धान्या	भ्राम	भद्रि	उल्का	सिद्धा	संक.	
वर्ष ३६	१	२	३	४	५	६	७	८	
जन्मनक्षत्र वशात-	आर्द्रा चि. श्र.	पुन स्वा. ध	पु. वि. शत.	अश्वि.श्ले. अनु.पूभा.	भ.म.ज्ये. उ.भा.	कृ.पू.फा. मू.रे.	रो.उफा. पू.षा.	मृ. ह. उ.षा.	

कन्यायाः ॥ योनि गुण चक्रम् ॥ वरस्य

योनि	अश्व	गज	मेष	सर्प	श्वान	मार्जार	मूषक	गौ	महिष	व्याघ्र	मृग	वानर	नकुल	सिंह
अश्व	४	२	३	२	२	३	३	२	०	१	३	२	२	१
गज	२	४	३	२	२	३	३	३	३	१	३	२	२	०
मेष	३	३	४	२	२	३	३	३	३	१	३	०	१	१
सर्प	२	२	२	४	२	१	१	२	२	२	२	१	०	२
श्वान	२	२	२	२	४	१	१	२	२	२	०	२	२	२
मार्जार	३	३	३	१	१	४	०	३	३	२	३	२	२	२
मूषक	३	२	२	१	२	०	४	३	३	२	३	२	१	२
गौ	२	३	३	२	२	३	३	४	३	०	३	२	२	१
महिष	०	३	३	२	२	३	३	३	४	१	३	२	२	१
व्याघ्र	१	१	१	२	२	२	२	०	१	४	१	२	२	३
मृग	३	३	३	२	०	३	३	३	३	१	४	२	२	१
वानर	२	२	०	१	२	२	२	२	२	२	२	४	२	२
नकुल	२	२	२	०	२	२	१	२	२	२	२	२	४	२
सिंह	१	०	१	२	२	२	१	१	१	३	१	२	२	४

नाडी गुण चक्रम्

कन्यायाः	वरस्य आद्य	मध्य	अंत्य
आद्य	०	८	८
मध्य	८	०	८
अंत्य	८	८	०

वर्ण गुण चक्रम् ।। वरस्य

कन्यायाः	ब्राह्मण	क्षत्रिय	वैश्य	शूद्र
ब्राह्मण	१	०	०	०
क्षत्रिय	१	१	०	०
वैश्य	१	१	१	०
शूद्र	१	१	१	१

वश्य गुण चक्रम् ।। वरस्य

कन्यायाः	चतुष्पद	मानव	जलचर	वनचर	कीटक
चतुष्पद	२	१	१	०	१
मानव	१	२	॥	०	१
जलचर	१	॥	२	१	१
वनचर	०	०	१	२	०
कीटक	१	१	१	०	२

गण गुण चक्रम् ।।वरस्य

कन्यायाः	वरस्य देव	मनुष्य	राक्षस
देव	६	६	१
मनुष्य	६	५	०
राक्षस	०	०	६

कन्यायाः ॥ तारागुण चक्रम् ॥ वरस्य

	१	२	३	४	५	६	७	८	९
१	३	३	१॥	३	१॥	३	१॥	३	३
२	३	३	१॥	३	१॥	३	१॥	३	३
३	१॥	१॥	०	१॥	०	१॥	०	१॥	१॥
४	३	३	१॥	३	१॥	३	१॥	३	३
५	१॥	१॥	०	१॥	०	१॥	०	१॥	१॥
६	३	३	१॥	३	१॥	३	१॥	३	३
७	१॥	१॥	०	१॥	०	१॥	०	१॥	१॥
८	३	३	१॥	३	१॥	३	१॥	३	३
९	३	३	१॥	३	१॥	३	१॥	३	३

ग्रहगुण चक्रम् । वरस्य

कन्यायाः	सू.	चं.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.
सूर्य	५	५	५	४	५	०	०
चन्द्र	५	५	४	१	४	॥	॥
मंगल	५	४	४	॥	५	३	॥
बुध	४	१	॥	५	॥	५	४
गुरु	५	४	५	॥	५	॥	३
शुक्र	०	॥	३	५	॥	५	५
शनि	०	॥	॥	४	३	५	५

बालाद्यवस्था

विषमे	अंशाः	समे
बाला.	६	मृता.
कुमारा.	१२	वृद्धा.
युवा.	१८	युवा.
वृद्धा.	२४	कुमारा.
मृताऽ.	३०	बाला.

पञ्चधा मैत्री चक्रम्

१	मित्र+मित्र	अतिमित्र
२	मित्र+सम	मित्र
३	मित्र+शत्रु	सम
४	सम+शत्रु	शत्रु
५	शत्रु+शत्रु	अतिशत्रु

तात्कालिक मैत्री चक्रम्

मित्र	शत्रु
२,३, ४,१०, ११,१२	१,५, ६,७, ८,९

भकूट गुण बोधाय

वर-कन्या के परस्पर राश्यैक, ३/११, ४/१० तथा सम सप्तम हों तो ७ गुण लेना। द्विर्द्वादश, षडाष्टक, नव-पंचम (२/१२, ६/८, ९/५) में राशी स्वामी एक हो तो भी गुण ग्राह्य है अन्यथा नहीं.

अश्वचक्रम्

सूर्यभात	५	१०	२	४	५	२
अंगानि	स्कंधे	पृष्ठे	पुच्छे	चतुष्पादे	उदरे	मुखे
फलम्	लक्ष्मी	अर्थ-सिद्धिः	स्त्रीनाश	रणभङ्ग	अन्न-नाश	अर्थ-लाभ

ज. जाग्रताद्यवस्था

विषमे	अंशाः	समे
जाग्रत्	१०	सुसुप्तिः
स्वप्न	२०	स्वप्न
सुषुप्तिः	३०	जाग्रत्

CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

१ मूंग
२ हरितवस्त्र
३ सुवर्ण
४ कांस्य
५ मृगमद
६ आज्य
७ पंचरत्न
८ दासी
९ हस्तिदंत



ईशान्यांबाणाकारमंडल अंगुल ४ मगधदेश आत्रेयसगोत्र पीतवर्ण कन्यामिथुनको स्वामी जप ४०००

१ चित्रांबर
२ श्वेताश्व
३ धेनु
४ हीरा
५ रौप्य
६ सुवर्ण
७ तंदुल
८ सुगंध
९ घृत



पूर्वे पंचकोणमंडल वृष तुलाको स्वामी भोजकट देश भार्गवसगोत्र श्वेतवर्ण जप १६०००

१ वशपात्र
२ तंदुल
३ कर्पूर
४ मौक्तिक
५ श्वेतवस्त्र
६ वृषभ
७ रौप्य
८ घृतकुंभ
९ शंख



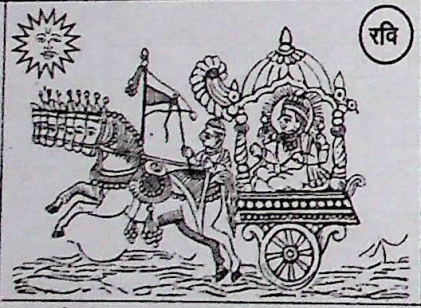
आग्नेय्यां चतुरस्रमंडल अंगुल ४ यमुनातीर देश आत्रेयसगोत्र श्वेतवर्ण कर्कको स्वामी जप ११०००

१ अश्व
२ शर्करा
३ हलद
४ पीतधान्य
५ पीतवस्त्र
६ पुष्पराग
७ लवण
८ कांचन



उत्तरदाघचतुरस्रमंडल अंगुल ६ सिंधुदेशाद्भव आंगिरस गोत्र पीतवर्ण धनु मीनका स्वामी जप१९०००

१ माणिक
२ गेहूं
३ धेनु
४ कुसुंभ
५ गुड
६ ताम्र
७ रक्तवस्त्र
८ रक्तपुष्प
९ सुवर्ण



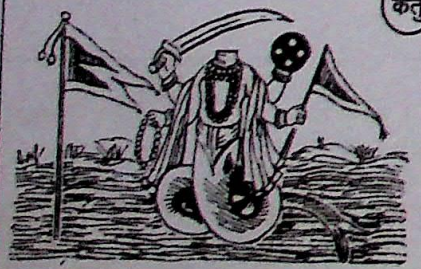
मध्यवर्तुलमंडल अंगुल १२ कलिंगदेशाद्भव काश्यपसगोत्र रक्तवर्ण सिंहको स्वामी जप ७०००

१ प्रवाल
२ गेहूँ
३ मसूर
४ ताम्रवस्त्र
५ गुड
६ सुवर्ण
७ ताम्र
८ कण्हेर
९ वृषभ



द. त्रिकोणमंडल अंगुल ३ अवंतीदेशाद्भव भारद्वाजसगोत्र रक्तवर्ण वृश्चिक मेषको स्वामी जप १००००

१ वैडूर्य
२ तिल
३ कंबल
४ कस्तूरी
५ शस्त्र
६ कृष्णवस्त्र
७ तैल
८ कृष्णपुष्प
९ छाग
१० लोहपात्र



वायव्य ध्वजाकारमंडल केतु अंगुल ६ अवंतिदेश जैमिनिसगोत्र धूम्रवर्ण जप १७०००

१ माष
२ तिल
३ तैल
४ कुलित्थ
५ महिषी
६ लोहू
७ कृष्णागौ
८ इंद्रनील
९ शामवस्त्र



प. धनुराकारमंडल अंगुल २ सौराष्ट्रदेश काश्यपसगोत्र मकर कुंभको स्वामी कृष्णवर्ण जप २३०००

१ गोमेदरत्न
२ अश्व
३ नीलवस्त्र
४ कंबल
५ तिल
६ तैल
७ लोह
८ अभ्रक



नैऋत्या शूर्पाकारमंडल अंगुल १२ काश्मीरदेश पैठीनसगोत्र कृष्णवर्ण जप १८०००

CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

नामानि	दिवा सहमानि नीलकंठमते	रात्रौ सहमानि
पुण्यम्.	चन्द्र में सूर्य हीन करके लग्न युक्त करो।	सूर्य में चन्द्र हीन करके लग्न युक्त करना।
गुरुःविद्या	सूर्य में चन्द्र हीन करके लग्न युक्त करो।	चन्द्र में सूर्य हीन करके लग्न युक्त करना।
यशःबलम्	गुरु में पुण्य सहम करके लग्न युक्त करो।	पुण्य सहम में गुरु हीन करके लग्न युक्त करना।
मित्रम्	गुरु सहम में पुण्य हीन करके भृगु युक्त करो।	पुण्य सहम में गुरु सहम हीन करके शुक्र युक्त करना।
माहात्म्यं सौर्य	पुण्य सहम में मंगल हीन करके लग्न युक्त करो।	मंगल में पुण्य सहम हीन करके लग्न युक्त करना।
आशा.	शनि में शुक्र हीन करके लग्न युक्त करो।	शुक्र में शनि हीन करके लग्न युक्त करना।
सामर्थ्यम्.	मंगल में लग्नेश हीन करके लग्न युक्त करो। यदि लग्नेश भी भौम होय तो गुरु लेना।	लग्नेश में भौम हीन करके लग्न जोडना। लग्नेश भौम होय तो यहां गुरु ग्रहण करना।
भ्राता.	गुरु में शनि हीन करके लग्न युक्त करो।	शनि में गुरु हीन करके लग्न युक्त करना।
गौरवम्	गुरु में चन्द्र हीन करके सूर्य युक्त करो। सूर्य राशि।	गुरु में सूर्य हीन करके चन्द्र युक्त करना। चन्द्र राशि।
राज्यम्. पिता.	शनि में सूर्य हीन करके लग्न युक्त करो।	सूर्य में शनि हीन करके लग्न युक्त करना।
माता	चन्द्रमा में भृगु हीन करके लग्न युक्त करो।	भृगु में चन्द्र हीन करके लग्न युक्त करना।
स्त्री	सप्तमेश में भृगु हीन करके सप्तम भाव युक्त करो।	सप्तमेश में भृगु हीन करके शनि युक्त करना।
पुत्रः	गुरु में चन्द्र हीन करके लग्न युक्त करो।	गुरु में चंन्द्रमा हीन करके लग्न युक्त करना।
रोगः	लग्न में चन्द्र हीन करके लग्न युक्त करो।	लग्न में चन्द्रमा हीन करके लग्न युक्त करना।
मृत्युः	अष्टमभाव में चन्द्र हीन करके शनि युक्त करो।	अष्टमभाव में चन्द्र हीन करके शनि युक्त करना।
देशान्तरम्	नवमभाव में नवमेश हीन करके लग्न युक्त करो।	नवमभाव में नवमेश हीन करके लग्न युक्त करना।
धनम्	धनभाव में धनभावेश हीन करके लग्न युक्त करो।	धनभाव में धनभावेश हीन करके लग्न युक्त करना।
वाणिज्यम्	चन्द्र में बुध हीन करके लग्न युक्त करो।	चन्द्र में बुध हीन करके लग्न युक्त करना।
प्रसूतिः	गुरु में बुध हीन करके लग्न युक्त करो।	बुध में गुरु हीन करके लग्न युक्त करना।
श्रद्धा	भृगु में भौम हीन करके लग्न युक्त करो।	भृगु में भौम हीन करके लग्न युक्त करना।
बलम्	गुरु में पुण्य सहम हीन करके लग्न युक्त करो।	पुण्य सहम में गुरु हीन करके लग्न युक्त करना।
देहः	गुरु में पुण्य सहम हीन करके लग्न युक्त करो।	पुण्य सहम में गुरु हीन करके लग्न युक्त करना।
व्यापारः	भौम में बुध हीन करके लग्न युक्त करो।	भौम में बुध हीन करके लग्न युक्त करना।
रिपुः	भौम में शनि हीन करके लग्न युक्त करो।	शनि में भौम हीन करके लग्न युक्त करना।

गोरख पतडो

पौ.	मा.	फा.	चै.	वै.	ज्ये.	आ.	श्रा.	भा.	आ.	का.	मा.	पूर्व	दक्षिण	पश्चिम	उत्तर
१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	सौख्यं	क्लेशः	भीतिः	अर्था.
२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१	शून्यं	नैःस्वम्	नैःस्वम्	मिश्रम्
३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१	२	धननाश	दुःखम्	इष्टाप्तिः	अर्था.
४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१	२	३	लाभः	सौख्यम्	मंगलम्	वित्तलाभः
५	६	७	८	९	१०	११	१२	१	२	३	४	लाभः	द्रव्याप्तिः	धनम्	सौख्यम्
६	७	८	९	१०	११	१२	१	२	३	४	५	भयम्	लाभः	मृत्युः	अर्था.
७	८	९	१०	११	१२	१	२	३	४	५	६	लाभः	कष्टम्	द्रव्यलाभः	सुखम्
८	९	१०	११	१२	१	२	३	४	५	६	७	कष्टम्	सौख्यम्	क्लेशः	सुखम्
९	१०	११	१२	१	२	३	४	५	६	७	८	सौख्यम्	लाभः	कार्यम्	कष्टम्
१०	११	१२	१	२	३	४	५	६	७	८	९	क्लेशः	कष्टात्सि	अर्थः	धनम्
११	१२	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	मृत्युः	लाभः	द्रव्यलाभः	शून्यम्
१२	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	शून्यम्	सौख्यम्	मृत्युः	अत्यंत-कष्टम्

अथ सहम करने की रीति :- सहमसारिणी में जो सहम करना हो सो देखके करना परंतु इतना ध्यान रखना चाहिये कि घटने वाले से लेके जिसमें घटाया जायेगा इसके अन्तर्गत लग्न नहीं होय तो सहम में राशि १ युक्त करना नहीं तो नहीं करना और वर्ष लग्न में ग्रहों सहित सहम लगा देना चाहिये पीछे उस श्लोकप्रमाण से फल देखना।

श्लोक :- स्वस्वामिना शुभखगैः सहितं च दृष्टं स्वामी बली च यदि तत्सहमस्य वृद्धिः।
यस्वामिना शुभखगैश्च न युक्तदृष्टं तत्संभवो नहि भवेदिति चिंत्यमादौ ॥१॥

जो सहम अपना स्वामी और शुभग्रहों से युक्त हो और दृष्टं होय या उसका स्वामी बलवान हो तब उस सहम की वृद्धि होवेगी और यदि अपने स्वामी और शुभ ग्रहों के संग और दृष्टि नहीं होय तो समझ लेना उस सहम की वृद्धि नहीं होवे ऐसा आदि में विचार करके कहना चाहिये। इत्यलम्।

CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

दशमसारिणी सुगमा.

अंशाः	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९
९ मकर	४ १९	४ ३०	४ ४१	४ ५१	५ १	५ १२	५ २३	५ ३३	५ ४३	५ ५३	६ ३	६ १३	६ २३	६ ३३	६ ४३	६ ५३	७ २	७ १२	७ २२	७ ३२	७ ४२	७ ५२	८ २	८ १२	८ २२	८ ३२	८ ४२	८ ५२	९ २	९ १२
१० कुंभ	९ २२	९ ३२	९ ४२	९ ५२	१० २	१० १२	१० २२	१० ३१	१० ४०	१० ४९	१० ५९	११ ८	११ १७	११ २६	११ ३६	११ ४५	११ ५४	१२ ४	१२ १३	१२ २२	१२ ३१	१२ ४१	१२ ५०	१३ ५९	१३ ८	१३ १८	१३ २७	१३ ३६	१३ ४६	१३ ५५
११ मिन	१४ ४	१४ १३	१४ २२	१४ ३२	१४ ४१	१४ ५०	१५ ०	१५ ९	१५ १८	१५ १७	१५ ३७	१५ ४६	१५ ५५	१६ ४	१६ १४	१६ २३	१६ ३२	१६ ४१	१६ ५१	१७ ०	१७ ९	१७ १९	१७ २८	१७ ३७	१७ ४६	१७ ५६	१८ ५	१८ १४	१८ २३	१८ ३३
० मेष	१८ ४२	१८ ५१	१९ ०	१९ १०	१९ १९	१९ २८	१९ ३८	१९ ४८	१९ ५८	२० ८	२० १८	२० २८	२० ३८	२० ४८	२० ५८	२१ ८	२१ १८	२१ २७	२१ ३७	२१ ४७	२१ ५७	२२ ७	२२ १७	२२ २७	२२ ३७	२२ ४७	२२ ५७	२३ ७	२३ १७	२३ २७
१ वृषभ	२३ ३७	२३ ४७	२३ ५७	२४ ७	२४ १७	२४ २७	२४ ३७	२४ ४८	२४ ५८	२५ १०	२५ २०	२५ ३१	२५ ४२	२५ ५२	२६ ३	२६ १३	२६ २४	२६ ३५	२६ ४६	२६ ५६	२७ ७	२७ १८	२७ २९	२७ ४०	२७ ५०	२८ १	२८ १२	२८ २३	२८ ३३	२८ ४४
२ मिथुन	२८ ५५	२९ ६	२९ १६	२९ २७	२९ ३८	२९ ४९	३० ०	३० १०	३० २१	३० ३२	३० ४३	३० ५३	३१ ४	३१ १५	३१ २६	३१ ३६	३१ ४७	३१ ५८	३२ ९	३२ १९	३२ ३०	३२ ४१	३२ ५२	३३ ३	३३ १३	३३ २४	३३ ३५	३३ ४६	३३ ५६	३४ ७
३ कर्क	३४ १८	३४ २९	३४ ३९	३४ ५०	३५ १	३५ १२	३५ २३	३५ ३३	३५ ४३	३५ ५३	३६ ३	३६ १३	३६ २३	३६ ३३	३६ ४३	३६ ५३	३७ २	३७ १२	३७ २२	३७ ३२	३७ ४२	३७ ५२	३८ २	३८ १२	३८ २२	३८ ३२	३८ ४२	३८ ५२	३९ २	३९ १२
४ सिंह	३९ २२	३९ ३२	३९ ४२	३९ ५२	४० २	४० १२	४० २२	४० ३१	४० ४०	४० ४९	४० ५९	४१ ८	४१ १७	४१ २६	४१ ३६	४१ ४५	४१ ५४	४२ ३	४२ १३	४२ २२	४२ ३२	४२ ४१	४२ ५०	४२ ५९	४३ ८	४३ १८	४३ २७	४३ ३६	४३ ४५	४३ ५५
५ कन्या	४४ ४	४४ १३	४४ २२	४४ ३२	४४ ४१	४४ ५०	४५ ०	४५ ९	४५ १८	४५ २७	४५ ३७	४५ ४६	४५ ५५	४६ ४	४६ १४	४६ २३	४६ ३२	४६ ४१	४६ ५१	४७ ०	४७ ८	४७ १८	४७ २७	४७ ३७	४७ ४६	४७ ५५	४८ ४	४८ १४	४८ २३	४८ ३२
६ तुला	४८ ४१	४८ ५१	४९ ०	४९ १०	४९ १९	४९ २८	४९ ३८	४९ ४८	४९ ५८	५० ८	५० १८	५० २८	५० ३८	५० ४८	५० ५८	५१ ८	५१ १८	५१ २८	५१ ३७	५१ ४७	५१ ५७	५२ ७	५२ १७	५२ २७	५२ ३७	५२ ४७	५२ ५७	५३ ७	५३ १७	५३ २७
७ वृश्चिक	५३ ३७	५३ ४७	५३ ५७	५४ ७	५४ १७	५४ २७	५४ ३७	५४ ४८	५४ ५८	५५ ९	५५ २०	५५ ३०	५५ ४१	५५ ५२	५६ ३	५६ १३	५६ २४	५६ ३५	५६ ४६	५६ ५६	५७ ७	५७ १८	५७ २९	५७ ४०	५७ ५०	५८ १	५८ १२	५८ २३	५८ ३३	५८ ४४
८ धनु	५८ ५५	५९ ६	५९ १६	५९ २७	५९ ३८	५९ ४९	० ०	० १०	० २१	० ३२	० ४३	० ५३	१ ४	१ १५	१ २६	१ ३६	१ ४७	१ ५८	२ ९	२ १९	२ ३०	२ ४१	२ ५२	३ ३	३ १३	३ २४	३ ३५	३ ४६	३ ५८	४ ९

देखिये न नतका काम न उन्नतका काम फक्त लग्नसारिणी में जिन अंकोंसे लग्न मालुम हुआ है उन्ही अंकोसे इस सारिणी में दशम सिद्ध होगा. उदाहरण जैसे सूर्य० मेषराशिका०अंशके दिन १५ पंद्रह घटी ४५ पैंतालीस पलमें दशम ० मेषराशिका ० पुर्ण अंश सिद्ध हुआ। **ज्योतिषी पण्डित हरदेवशर्मा (दांता रामगढ़)**

मुम्बई लग्नसारिणी अयनांशाः २४ चरखंडानि ४०।३२।१३ अक्षभा ४।७

अंशाः	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	
मेष ०	३ १०	३ १८	३ २६	३ ३४	३ ४२	३ ५०	३ ५८	४ ६	४ १५	४ २४	४ ३६	४ ४२	४ ५१	५ ०	५ ९	५ १८	५ २७	५ ३६	५ ४५	५ ५३	६ २	६ ११	६ २०	६ २९	६ ३८	६ ४७	६ ५६	७ ५	७ १३	७ २२	२३८
वृष. १	७ ३१	७ ४०	७ ४९	७ ५८	८ ७	८ १६	८ २५	८ ३५	८ ४५	८ ५६	९ ६	९ १६	९ २७	९ ३८	९ ४७	९ ५८	१० ८	१० १८	१० २९	१० ३९	१० ४९	११ ०	११ १०	११ २०	११ ३१	११ ४१	११ ५१	१२ २	१२ १२	१२ २२	२६७
मिथुन २	१२ ३३	१२ ४३	१२ ५३	१३ ४	१३ १४	१३ २४	१३ ३५	१३ ४६	१३ ५७	१४ ८	१४ १९	१४ ३१	१४ ४२	१४ ५३	१५ ४	१५ १५	१५ २७	१५ ३८	१५ ४९	१५ ०	१६ ११	१६ २३	१६ ३४	१६ ४५	१६ ५६	१७ ७	१७ १९	१७ ३०	१७ ४१	१७ ५२	३१०
कर्क ३	१८ ३	१८ १५	१८ २६	१८ ३७	१८ ४८	१८ ५९	१९ ११	१९ २२	१९ ३३	१९ ४४	१९ ५५	२० ६	२० १७	२० २८	२० ३९	२० ५०	२१ १	२१ १२	२१ २३	२१ ३४	२१ ४५	२१ ५६	२२ ७	२२ १८	२२ २९	२२ ४०	२२ ५१	२३ २	२३ १३	२३ २४	३३६
सिंह ४	२३ ३५	२३ ४७	२३ ५८	२४ ९	२४ २०	२४ ३१	२४ ४२	२४ ५२	२५ ३	२५ १३	२५ २४	२५ ३५	२५ ४५	२५ ५६	२६ ६	२६ १७	२६ २८	२६ ३८	२६ ४९	२६ ५९	२७ १०	२७ २१	२७ ३१	२७ ४२	२७ ५२	२८ ३	२८ १४	२८ २४	२८ ३५	२८ ४५	३३१
कन्या ५	२८ ५६	२९ ७	२९ १७	२९ २८	२९ ३८	२९ ४९	३० ०	३० १०	३० २१	३० ३१	३० ४२	३० ५३	३१ ३	३१ १४	३१ २४	३१ ३५	३१ ४६	३१ ५६	३२ ७	३२ १७	३२ २८	३२ ३९	३२ ४९	३३ ०	३३ १०	३३ २१	३३ ३२	३३ ४२	३३ ५३	३४ ३	३१८
तुला ६	३४ १४	३४ २५	३४ ३५	३४ ४६	३४ ५६	३५ ७	३५ १८	३५ २९	३५ ४०	३५ ५१	३६ २	३६ १३	३६ २४	३६ ३५	३६ ४६	३६ ५७	३७ ८	३७ १९	३७ ३०	३७ ४१	३७ ५२	३८ ३	३८ १४	३८ २५	३८ ३६	३८ ४७	३८ ५८	३९ ९	३९ २०	३९ ३१	३१८
वृश्चिक ७	३९ ४२	३९ ५४	४० ५	४० १६	४० २७	४० ३८	४० ३९	४१ ०	४१ ११	४१ २२	४१ ३४	४१ ४५	४१ ५६	४२ ७	४२ १९	४२ ३०	४२ ४१	४२ ५२	४३ ३	४३ १५	४३ २६	४३ ३७	४३ ४८	४३ ५९	४४ ११	४४ २२	४४ ३३	४४ ४४	४४ ५५	४५ ७	३३१
धनु ८	४५ १८	४५ २९	४५ ४०	४५ ५१	४६ ३	४६ १४	४६ २५	४६ ३५	४६ ४६	४६ ५६	४७ ६	४७ १७	४७ २७	४७ ३७	४७ ४८	४७ ५८	४८ ८	४८ १९	४८ २९	४८ ३९	४८ ५०	४९ ०	४९ १०	४९ २१	४९ ३१	४९ ४१	४९ ५२	५० २	५० १२	५० २३	३३६
मकर ९	५० ३३	५० ४३	५० ५४	५१ ४	५१ १४	५१ २५	५१ ३५	५१ ४४	५१ ५३	५२ २	५२ ११	५२ २०	५२ २८	५२ ३७	५२ ४६	५२ ५५	५३ ४	५३ १३	५३ २२	५३ ३१	५३ ४०	५३ ४९	५३ ५७	५४ ६	५४ १५	५४ २४	५४ ३३	५४ ४२	५४ ५१	५५ ०	३१०
कुंभ १०	५५ ९	५५ १८	५५ २६	५५ ३५	५५ ४४	५५ ५३	५६ २	५६ १०	५६ १८	५६ २६	५६ ३४	५६ ४२	५६ ४९	५६ ५७	५७ ५	५७ १३	५७ २१	५७ २९	५७ ३७	५७ ४५	५७ ५३	५८ १	५८ ९	५८ १७	५८ २५	५८ ३३	५८ ४१	५८ ४८	५८ ५६	५९ ४	२६७
मीन ११	५९ १२	५९ २०	५९ २८	५९ ३६	५९ ४४	५९ ५२	० ०	० ८	० १६	० २४	० ३२	० ४०	० ४७	० ५५	१ ३	१ ११	१ १९	१ २७	१ ३५	१ ४३	१ ५१	१ ५९	२ ७	२ १५	२ २३	२ ३१	२ ३९	२ ४६	२ ५४	३ १	२६८

CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

श्रीगणेशायनमः ॥ अथ लग्नसारिणी अयनांशाः २४ चरखंडाः ६३।५१।२१ अक्षप्रभाः ६।२३ अक्षांशाः २८।०

राशयः	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९
मेष	२	२	३	३	३	३	३	३	३	३	४	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	५	६	६	६	६	६	६
०	५२	५९	६	१३	२०	२७	३५	४३	५१	५९	८	१६	२४	३२	४१	४९	५७	५	१४	२२	३०	३९	४७	५५	३	१२	२०	२८	३६	४५
वृषभ	६	७	७	७	७	७	७	७	८	८	८	८	८	८	९	९	९	९	९	९	१०	१०	१०	१०	१०	१०	११	११	११	११
१	५३	१	९	१८	२६	३४	४३	५३	३	१३	२३	३३	४३	५३	३	१३	२३	३३	४३	५३	३	१४	२४	३४	४४	५४	४	१४	२४	३४
मिथुन	११	११	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१३	१३	१३	१३	४३	१४	१४	१४	१४	१४	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१६	१६	१६	१६	१६	१७
२	४४	५४	४	१४	२४	३४	४५	५६	७	१९	३०	४२	५३	५	१६	२८	३९	५१	२	१४	२५	३७	४८	५९	११	२२	३४	४५	५७	८
कर्क	१७	१७	१७	१७	१८	१८	१८	१८	१८	१९	१९	१९	१९	१९	२०	२०	२०	२०	२०	२१	२१	२१	२१	२१	२१	२२	२२	२२	२२	२२
३	२०	३१	४३	५४	६	१७	२९	४०	५२	४	१५	२७	३९	५०	२	१४	२५	३७	४९	०	१२	२४	३५	४७	५९	१०	२२	३४	४५	५७
सिंह	२३	२३	२३	२३	२३	२४	२४	२४	२४	२४	२५	२५	२५	२५	२५	२६	२६	२६	२६	२६	२६	२७	२७	२७	२७	२७	२८	२८	२८	२८
४	९	२०	३२	४४	५५	७	१९	३०	४१	५३	४	१५	२७	३८	४९	१	१२	२४	३५	४६	५८	९	२०	३२	४३	५४	६	१७	२९	४०
कन्या	२८	२९	२९	२९	२९	२९	३०	३०	३०	३०	३०	३०	३१	३१	३१	३१	३१	३२	३२	३२	३२	३२	३३	३३	३३	३३	३३	३४	३४	
५	५१	३	१४	२५	३७	४८	०	११	२२	३४	४५	५६	८	१९	३०	४२	५३	५	१६	२७	३९	५०	१	१३	२४	३५	४७	५८	१०	२१
तुला	३४	३४	३४	३५	३५	३५	३५	३५	३६	३६	३६	३६	३६	३७	३७	३७	३७	३७	३८	३८	३८	३८	३८	३८	३९	३९	३९	३९	३९	४०
६	३२	४४	५५	६	१८	२९	४१	५२	४	१६	२७	३९	५१	२	१४	२६	३७	४९	१	१२	२४	३६	४७	५९	११	२२	३४	४६	५७	९
वृश्चिक	४०	४०	४०	४०	४१	४१	४१	४१	४१	४२	४२	४२	४२	४२	४३	४३	४३	४३	४३	४४	४४	४४	४४	४४	४४	४५	४५	४५	४५	४५
७	२१	३२	४४	५६	७	१९	३१	४२	५३	५	१६	२८	३९	५१	२	१४	२५	३७	४८	०	११	३३	३४	४५	५७	८	२०	३१	४३	५४
धनु	४६	४६	४६	४६	४६	४७	४७	४७	४७	४७	४७	४८	४८	४८	४८	४८	४८	४९	४९	४९	४९	४९	४९	५०	५०	५०	५०	५०	५०	५१
८	६	१७	२९	४०	५२	३	१५	२५	३५	४५	५५	५	१५	२५	३५	४५	५५	५	१५	२५	३५	४५	५५	६	१६	२६	३६	४६	५६	६
मकर	५१	५१	५१	५१	५१	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५५	५५	५५	५५
९	१६	२६	३६	४६	५६	६	१७	२५	३३	४१	५०	५८	६	१४	२३	३१	३९	४७	५६	४	१२	२१	२९	३७	४५	५४	२	१०	१८	२७
कुंभ	५५	५५	५५	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५९	५९	
१०	३५	४३	५१	०	८	१६	२५	३२	३९	४६	५३	०	८	१५	२२	२९	३६	४३	५१	५८	५	१२	१९	२६	३४	४१	४८	५५	२	९
मीन	५९	५९	५९	५९	५९	५९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	२	२
११	१७	२४	३१	३८	४५	५२	०	७	१४	२१	२८	३५	४३	५०	५७	४	११	१८	२६	३३	४०	४७	५४	३	९	१६	२३	३०	३७	४५

यामार्द्धकुलिकादिचक्रम्

वारः	यामार्द्ध घ.			कुलिकाः	कालवेला	यमघण्टः	कंटकः
	सं.	प्रष्ट	नि.	कृ.	का.	व.	क.
सूर्यः	४	१२	१६	१४	८	६	१०
सोमः	७	२४	२८	१२	६	४	८
मंगलः	२	४	८	१०	४	२	६
बुधः	५	१६	१०	८	२	१४	४
गुरुः	८	२८	३२	६	१४	१२	२
शुक्रः	९	८	१२	४	१२	१०	१४
शनिः	६	२०	२४	२	१०	८	१२

यामार्द्ध ४।४ घटी के अन्यकुलिकादि २।२ घटी के ६ मुहूर्त्त उक्त वारों के उक्त समय में होते हैं। शु. कृ. वे हैं।

तीक्ष्णदारुणनक्षत्राणि तत्कृत्यं च.

मूलेन्द्रार्द्राहिभं सौरिस्तीक्ष्णं दारुणसंज्ञकम् । तत्राभिचारघातोग्रभेदाः पशु दमादिकम् ॥

मू. ज्ये. आर्द्रा श्लेषा शनिवार इनकी तीक्ष्ण, दारुण संज्ञा है इनमें अभिचार, घात, उग्र, भेद, पशुदमादिक कर्म करना श्रेष्ठ है ॥

ध्रुवसंज्ञकनक्षत्राणि तत्कृत्यं च

उत्तरात्रयरोहिण्यो भास्कराश्च. ध्रुवंस्थिरम् । तत्र स्थिरं बीजगेहशान्त्यारामादि सिद्ध्यति ॥

उ.३रो.रविवार इनकी ध्रुवसंज्ञा है ।

उग्रसंज्ञकनक्षत्राणि तत्कृत्यं च

पूर्वात्रयं याम्यमघे उग्रं क्रूरं कुजस्तथा। तस्मिन्घाताग्निशाठ्यानि विषशस्त्रादि सिद्ध्यति ॥

पू. ३ भ. म. भौमवार इनकी उग्र और क्रूर संज्ञा है ।

क्षिप्रसंज्ञकनक्षत्राणि तत्कृत्यं च

हस्ताश्विपुष्याभिजितः क्षिप्रं लघु गुरुस्तथा । तस्मिन्पुण्यरतिज्ञानं भूषाशिल्पमलादिकम् ।

ह.ऽश्वि. पु. ऽभि. गुरुवार इनकी क्षिप्र संज्ञा है ।

चरसंज्ञकनक्षत्राणि तत्कृत्यं च

स्वात्यादित्ये श्रुतेस्त्रीणि चन्द्रश्चापि चरं चलम् । तस्मिन्गजादिकारोहो वाटिकागमनादिकम् ॥

स्वा. पुन. श्र. ध. श. चन्द्रवार इनकी चर और चल संज्ञा है ।

मिश्रसंज्ञकनक्षत्राणि तत्कृत्यं च

विशाखाग्नेयमे सौम्यो मिश्रं साधारणं स्मृतम् । तत्राग्निकार्यं मिश्रं च वृषोत्सर्गादि सिद्ध्यति ॥

वि. कृ. बुधवार इनकी मिश्र संज्ञा है ।

मृदुसंज्ञकनक्षत्राणि तत्कृत्यं च

मृगान्त्यचित्रामित्रर्क्षं मृदु मैत्रं भृगुस्तथा । तत्र गीताम्बरक्रीडा मित्रकार्यं विभूषणम् ॥

मृ. रे. चि. ऽनु. भृगुवार इनकी मृदु और मैत्र संज्ञा है ।

CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

भ्रात्रादीनां दायविभागमुहूर्तयन्त्रम्। (सम्पत्ति का बटवारा)

मासाः	चैत्र	वैशाख	ज्येष्ठ	आषाढ	श्रावण	भाद्रपद	आश्विन	कार्तिक	मार्गशीर्ष	पौष	माघ	फाल्गुन
मासफल	शोक	रोग	मरण	पशुनाश	धनसंप.	दरिद्र	कलंह	वृद्धि	धन	आनन्द	अग्निभय	सिद्धि
नक्षत्राणि	पुष्य	अनुराधा	श्रवण	चित्रा	रेवती	मूल	उत्तरा	धनिष्ठा	मृग	शत.	०	०
वार	सोम	बुध	गुरु	शुक्र	चंद्रबल	ताराबल	शुभयोग	०	शुभतिथि	०	०	०
वर्ज्यतिथि	१	४	९	१४	८	६	१२	३०	१५	भद्रा	अपयो.	०

विपणि (दूकान) वाणिज्य मुहूर्त।

अनु. उत्तरा, पुष्य, रेवती, रोहिणी, मृग, चित्रा, अश्विनी, अभिजित्, हस्त यह नक्षत्र, बृहस्पति, शुक्र, बुध, सोम, रविवार, शुभ तिथि, शुभलग्न, लग्न में चन्द्र शुक्र हो तो दूकान बैठना श्रेष्ठ है।

भद्राअंगविभागफलचक्रम्।

घडी	५	१	११	४	६	३
अंग	मुख	गल	वक्ष	नाभि	कटि	पुच्छ
फल	हानि	मृत्यु	दरिद्र	उन्मत्तता	नाश	जय

भद्रायाः पुच्छघटीचक्रम।

४	८	११	१५	३	७	१०	१४	तिथि
८	१	६	३	७	२	५	४	प्रहर
३	३	३	३	३	३	३	३	घटी

चुल्लीचक्रम्।

सूर्यनक्षत्रात्	६	४	८	५	२	२
फल	सुख	मृत्यु	सौख्य	नाश	भोग	मृत्यु
अङ्ग	पृष्ठ	शिर	बाहु	गर्भ	कर	पाद

चुल्लीस्थापनमुहूर्तयन्त्रम्।

वाराः	सू.	सो.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.
वारफल	रोग	धनधान्य	भार्यानाश	लाभ	लक्ष्मी	धननाश	दरिद्र
ग्राह्यनक्षत्र	पूर्वा३	आद्रा	रो. पु.	उत्तरा	अश्विनी	चं.बल	शु.तिथि

स्त्रीणांचोटीआटीचम्बरमुहुर्तः।

हस्त, मूल, रो., विशाखा, श्रवण, स्वाती, उत्तरा ३ मृग, बृहस्पति, चन्द्र, शुक्र, सूर्यवार, लग्न ५।४।१२।८।२।३, इन नक्षत्रादिकों में स्त्रियों ने आटी माथा गुथाणा.

द्वारशाखा (चोगट) रोपणमुहूर्तयन्त्रम्।

काष्ठशाखा रोपण नक्षत्र	अश्वि. ह.	पु. श्र.	मृ. स्वा.	पाषाणशाखा नक्षत्र	ध. श.	पू.भा.	उ.भा.	रेवती
तिथिफल	१ दुःख	२।१० धननाश	३ शुभ	४।१४ अशुभ	५।१५ धनलाभ	६ अशुभ	७ धन	८।९ शुभ
त्याज्यवारादि	मं.	श.	चं.	सू.	त्रिपुष्कर	कृत्तिका	पंचक	०

गृहारंभादिखननेशेषचक्रम्।

कोण	अग्नौ खातः	ऐशान्यां खातः	वायौ खातः	नैऋत्या खातः
गृहारंभे संक्रांति	५।६।७	८।९।१०	११।१२।१	२।३।४
देवालय संक्रांति	१२।१।२	३।४।५	६।७।८	९।१०।११
जलाशये संक्रांति	१०।११।१२	१।२।३	४।५।६	७।८।९

द्वारशाखाचक्रम्।

सूर्यभात् गणना	४	८	८	३	४
अंग	शिर	कोण	शाखा	देहली	मध्य
फल	लक्ष्मी प्राप्ति	उद्वसन	सौख्य	स्वामी नाश	सौख्य

नूतनशकट (गाडा) चलाणेरा मुहूर्त।

अदितिक्षिप्रभशाक्रमृदुस्तथाभृगुजवाक्पतिपूर्णजयातिथौ॥
शकटनावसुखासनशिल्पिकाभ्रमणिकाद्यरहट्टकसिद्धिदम्॥१॥

टीका - पुनर्वसु, पुष्य, अश्विनी, हस्त,ज्येष्ठा, मृग, चित्रा, अनुराधा, रेवती, शुक्रवार, गुरुवार, ५।१०।१५।३।८।१३ यह तिथि गाड़ी, नौका, आसण, पालखी, हिंडोरा, रहट इत्यादि शु० काम में शुभ।

गृहप्रवेशकलशचक्रम्।

सूर्यनक्षत्रात्	१	४	४	४	४	४	३	३
अंग	मुख	पूर्व	दक्षिण	पश्चिम	उत्तर	गर्भ	कंठ	गुद
फलं	मृत्यु	गमन	धन	लक्ष्मी	वैर	शोक	स्थिरता	सुख

गृहप्रवेशेवामार्कज्ञानचक्रम्।

दिशा	पूर्वमुखे	दक्षिणमुखे	पश्चिममुखे	उत्तरमुखे
लग्नात् सूर्य स्थानानि	८।९।१०। ११।१२	५।६।७। ८।९	२।३।४। ५।६	११।१२।१। २।३
वामो रविः	रवि	रवि	रवि	रवि

स्तंभस्थापनेस्तंभचक्रम्।

सूर्यनक्षत्रात्	२	२०	६	०
फल	धननाश	सौख्य	मृत्यु	०
काष्टस्तंभस्थापने त्याज्य नक्षत्र	धनिष्ठा	शत भिषा	पू.भा.	उ.भा. रेवती

यात्रा मुहूर्त विचार

आश्विनी, मृग, पुष्य, पनर्वसु, हस्त, अनुराधा, श्रवण, धनिष्टा, रेवती यह नक्षत्र यात्रा में श्रेष्ठ हैं। रोहिणी. उ.३, पू ३, मू. मध्यम और भरणी, कृत्तिका, आर्द्रा, आश्लेषा, मघा, चित्रा, स्वाति, विशाखा, ज्येष्ठा नेष्ट हैं। तिथि ४।९।१४।६।१२।३० नेष्ट हैं। जन्म लग्न और राशि से अष्टम ८ लग्न नेष्ट, कुंभ लग्न और कुंभ नवमांश में मीन पृष्ठोदय लग्न और घात चन्द्र नेष्ट हैं। लग्न से शुभ ग्रह १।४।७।१०।९।५ श्रेष्ठ। पापग्रह ३।६।१०।११ श्रेष्ठ। शनि १०, शुक्र ७, चन्द्र १।६।८।१२, लग्नेश ६।७।८।१२ नेष्ट हैं।

तडागारंभेतडागचक्रम्।

सूर्यनक्षत्रात्	२	२	२	२	२	२	२	२	५	६
दिशा	पूर्व	अग्नि	दक्षिण	निर्ऋति	पश्चिम	वायु	उत्तर	ईशान्य	मध्य	वारिवाह
फल	जलशोष	बहुजल	जलनाश	शुद्धजल	स्वादु	जलशोष	स्थिरजल	कुत्सितजल	पूर्णजल	अमृतजल

CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

विषघटीचक्रम्।

नक्षत्र	घटी	नक्षत्र	घटी
अश्विनी	५०	स्वाती	१४
भरणी	२४	विशाखा	११
कृतिका	३०	अनुराधा	१०
रोहिणी	४०	ज्येष्ठा	१४
मृग	१४	मूल	५६
आर्द्रा	२१	पू. षा.	२४
पुनर्वसु	३०	उ. षा.	२१
पुष्य	२०	श्रवण	१०
आश्लेषा	३२	धनिष्ठा	१०
मघा	३०	शतभि	१८
पू. फा.	२०	पू.भा.	१६
उ. फा.	१८	उ. भा.	२४
हस्त	२१	रेवती	३०
चित्रा	२०	०००	००

तिथिविषघटीचक्रम्

तिथि	घटी
प्रतिपदा	१५
द्वितीया	५
तृतीया	८
चतुर्थी	७
पंचमी	६
षष्ठी	५
सप्तमी	४
अष्टमी	८
नवमी	७
दशमी	१०
एकादशी	३
द्वादशी	१२
त्रयोदशी	१४
चतुर्दशी	७
पौर्णिमा,अमावस्या	८

राशिचक्रम्।

चु	चे	चो	ला	लि	लु	ले	लो	अ	मेषः
इ	उ	ए	ओ	व	वि	वु	वे	वो	वृषः
क	कि	कु	घ	ङ	छ	के	को	ह	मिथुनः
हि	हु	हे	हो	ड	डि	डु	डे	डो	कर्कः
म	मि	मु	मे	मो	ट	टि	टु	टे	सिंहः
टा	प	पि	पू	प	ण	ठ	प	पा	कन्या
र	रि	रु	रे	रो	त	ति	तु	ते	तुला
तो	न	नि	नु	ने	नो	या	यि	यु	वृश्चिकः
ये	यो	भ	भि	भू	धा	फा	ढा	भे	धनुः
भो	ज	जी	जु	जे जो	ख खि	खु खे	खो ग	गि	मकरः
गु	गे	गो	स	सि	सु	से	सो	द	कुंभः
दि	दु	थ	झ	ञ	दे	दो	च	चि	मीनः

छिक्काशब्दस्य फलज्ञानचक्रम्।

दिशा	पूर्व	दक्षिण	पश्चिम	उत्तर	ईशान	अग्नि	नैऋति	वायव्य	ऊर्ध्व	मध्य	आत्म-छिंका
फल	अशुभ	अग्नि	मिष्टान्न प्राप्ति	कलह	शुभ	शोक	शुभ	धन लाभ	शुभ	भय	भय

हलप्रवाहमुहूर्तः

अनुराधा, ज्येष्ठा, मूल, पूर्वाषाढा, मघा, पुनर्वसु, पुष्य, हस्त, स्वाति, श्रवण, रोहिणी, मृगृ, रेवती, उत्तरफाल्गुना, उत्तराषाढा, उत्तरभाद्रपदा यह नक्षत्र शुभ हैं। गुरु, शुक्र, बुध, सोम, रवि यह वार शुभ हैं। ७।८।१०।११।१३।५।१ यह तिथि श्रेष्ठ हैं। २। ३। ६।१२ लग्न शुभ हैं।

ग्रामवाससेवाचक्रम्।

ग्राम नक्षत्रात्	७ मस्तके	७ पृष्ठे	७ हृदि	७ पादे
फल	धनीमान्य	हीनदरिद्र	सुखसंपत	पर्यटन
स्वामिभात्	७ मस्तक	७ पृठ	७ कुक्षि	७ पाद
फलं	शुभ	अशुभ	शुभ	अशुभ

सूर्यभात्हलचक्रम्।

नक्षत्र	३	३	३	५
फल	हानि	वृद्धि	हानि	वृद्धि
नक्षत्र	३	५	३	२
फल	हानि	वृद्धि	हानि	वृद्धि

सूर्यभात्काष्ठगोमयसंचयचक्रम्।

नक्षत्र	६	२	४	४
फल	रसपाक	शवदाह	सर्पभय	सुव्हृत्संगम
नक्षत्र	४	४	०	४
फल	रोग	भय	०	सुख

वर्षप्रवेशसारिणी

वर्ष	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	३०
दिन	१	२	३	५	६	०	१	३	४	५	६	१	२	३	४	६	०	१	२	४	५	६	०	२	३	४	५	०	१	२
घटी	१५	३१	४६	२	१७	३३	४८	४	१९	३५	५०	६	२१	३७	५२	८	२३	३९	५४	१०	२६	४१	५७	१२	२८	४३	५९	१४	३०	४५
पल	३१	३	३४	६	३७	९	४०	१२	४३	१५	४६	१८	४९	२१	५२	२४	५५	२७	५८	३०	१	३३	४	३६	७	३९	१०	४२	१३	४५
विप.	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०

वर्ष	३१	३२	३३	३४	३५	३६	३७	३८	३९	४०	४१	४२	४३	४४	४५	४६	४७	४८	४९	५०	५१	५२	५३	५४	५५	५६	५७	५८	५९	६०
दिन	४	५	६	०	२	३	४	५	०	१	२	३	५	६	०	१	३	४	५	६	१	२	३	४	६	०	१	३	४	५
घटी	१	१६	३२	४७	३	१८	३४	४९	५	२१	३६	५२	७	२३	३८	५४	९	२५	४०	५६	११	२७	४२	५८	१३	२९	४४	०	१५	३१
पल	१६	४८	९९	५१	२२	५४	२५	५७	२८	०	३१	३	३४	६	३७	९	४०	१२	४३	१५	४६	१८	४९	२१	५२	२४	५५	२७	५८	३०
विप.	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०

वर्ष	६१	६२	६३	६४	६५	६६	६७	६८	६९	७०	७१	७२	७३	७४	७५	७६	७७	७८	७९	८०	८१	८२	८३	८४	८५	८६	८७	८८	८९	९०
दिन	६	१	२	३	४	६	०	१	२	४	५	६	०	२	३	४	५	०	१	२	३	५	६	०	१	३	४	५	०	१
घटी	४७	२	१८	३३	४९	४	२०	३५	५१	६	२२	३७	५३	८	२४	३९	५५	१०	२६	४२	५७	१३	२८	४४	५९	१५	३०	४६	१	१७
पल	१	३३	४	३६	७	३९	१०	४२	१३	४५	१६	४८	१९	५१	२२	५४	२५	५७	२८	०	३१	३	३४	६	३७	९	४०	१२	४३	१५
विप.	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०

जब किसीको वर्ष निकालना हो तो इस सारिणी से उसी वक्त निकाल लेना चाहिये। क्रिया- वर्तमान सम्वत् में जन्म समय का सम्वत् घटाने से गत वर्ष होता है उसी गत वर्ष के अंक के नीचे सारिणी में अंक, वारादि है, सो पाटी पै लिख के जन्म का वार इष्ट घटी जोडने से वर्षप्रवेष होता है, परंतु इतना ध्यान रक्खै कि, उपर के अंक में ७ से अधिक होवे तो ७ का भाग देना, लब्ध त्याग देना और नीचे साठि से ज्यादा हो तो साठि के भाग से लब्ध ऊपर युक्त करने से वर्षप्रवेश का वारादि होगा। जन्म सूर्य स्पष्ट से देखना वार मिलेगा। इत्यलम्।

CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

॥ अथ अवकहडाचक्रम् विंशोत्तरीक्रमेण महादशा सहितम् ॥ (जन्म कुंडली के महत्त्वपूर्ण कोष्टक)

राशयः	मेष			वृष			मिथुन			कर्क			सिंह			कन्या			तुला			वृश्चिक			धनु			मकर			कुंभ			मीन		
राशीनां स्वामिनः	स्वा.	अयन	गोलः	स्वा.	अयन	गोलः	स्वा.	अयन	गोलः	स्वा.	अयन	गोलः	स्वा.	अयन	गोलः	स्वा.	अयन	गोलः	स्वा.	अयन	गोलः	स्वा.	अयन	गोलः	स्वा.	अयन	गोलः	स्वा.	अयन	गोलः	स्वा.	अयन	गोलः	स्वा.	अयन	गोलः
अयन गोल ऋतु. वर्ण	मंगल:	उत्तर	उत्तर	शुक्रः	उत्तर	उत्तर	बुध	उत्तर	उत्तर	चंद्रः	दक्षिण	उत्तर	सूर्यः	दक्षिण	उत्तर	बुधः	दक्षिण	उत्तर	शुक्रः	दक्षिण	दक्षिण	मंगल	दक्षिण	दक्षिण	बृह.	दक्षिण	दक्षिण	शनि	उत्तर	दक्षिण	शनि	उत्तर	दक्षिण	बृह.	उत्तर	दक्षिण
हंसकादि	ऋतु	वर्णः	हंसकः	ऋतु	वर्णः	हंसकः	ऋतु	वर्णः	हंसकः	ऋतु	वर्णः	हंसकः	ऋतु	वर्णः	हंसकः	ऋतु	वर्णः	हंसकः	शरद्	वैश्यः	भूमिः	ऋतु	वर्णः	हंसकः	हेमंत	क्षत्रिय	अग्नि	हेमंत	वैश्यः	भूमिः	शिशि.	शूद्रः	वायु	ऋतु	विप्र	वारि
	बसंत	क्षत्रि.	अग्नि	ग्रीष्म	वैश्य	भूमिः	ग्रीष्म	शूद्रः	वायु	वर्षा	विप्रः	वारि	वर्षा	क्षत्रिय	अग्नि	शरद्	वैश्यः	भूमिः	शरद्	शूद्रः	वायु	हेमंत	विप्रः	वारि	हेमंत	क्षत्रिय	अग्नि	शिशि.	वैश्यः	भूमिः	शिशि.	शूद्रः	वायु	बसंत	विप्र	वारि
अथ घातादयः	माह	तिथि	वार	माह	तिथि	वार	माह	तिथि	वार	माह	तिथि	वार	माह	तिथि	वार	माह	तिथि	वार	माह	तिथि	वार	माह	तिथि	वार	माह	तिथि	वार	माह	तिथि	वार	माह	तिथि	वार	माह	तिथि	वार
	का.	नंदा	रवि	मार्ग	पूर्णा	शनि	आषा.	भद्रा	चंद्रः	पोष	भद्रा	बुध	ज्येष	जया	शनि	भाद्र	पूर्णा	शनि	माघ	रिक्त	बृह.	आ.	नंदा	शुक्र	श्रावण	जया	शुक्र	वैशा.	रिक्त	भौम	चैत्र	जया	बृह.	फाल्गु.	पूर्णा	शुक्र
	नक्षत्र	प्रहर	चंद्रः	नक्षत्र	प्रहर	चंद्रः	नक्षत्र	प्रहर	चंद्रः	नक्षत्र	प्रहर	चंद्रः	नक्षत्र	प्रहर	चंद्रः	नक्षत्र	प्रहर	चंद्रः	नक्षत्र	प्रहर	चंद्रः	नक्षत्र	प्रहर	चंद्रः	नक्षत्र	प्रहर	चंद्रः	नक्षत्र	प्रहर	चंद्रः	नक्षत्र	प्रहर	चंद्रः	नक्षत्र	प्रहर	चंद्रः
	मघा	१	१	हस्त	४	५	स्वा.	३	९	अनु	१	२	मूल	१	६	श्रवण	१	१०	शत.	४	३	रेवति	१	७	भर.	१	४	रोहि.	४	८	आर्द्रा	३	११	श्ले.	४	१२
नक्षत्र चरण	१	२	३	४	१	२	३	४	१	२	३	४	१	२	३	४	१	२	३	४	१	२	३	४	१	२	३	४	१	२	३	४	१	२	३	४	१	२	३	४	१	२	३	४
नक्षत्र	अश्वि.१				भरणी२				कृति३				रोहि.४				मृग.५				आर्द्रा६				पुन.७				पुष्य ८				श्ले.९			
	चू	चे	चो	ला	ली	लू	ले	लो	अ	ई	उ	ए	ओ	वा	वि	बु	वे	बो	क	की	कु	घ	ङ	छ	के	को	ह	ही	हो	डा	डी	डू	डे	डो	मा	मी	मू	मे
योनि	अश्वः				गजः				मेषः				सर्पः				मनुष्यः				श्वान्				मार्जारः				मेषः				मार्जारः			
गण	देव				मनुष्यः				राक्षसः				मनुष्यः				देवः				मनुष्यः				देवः				राक्षसः				राक्षसः			
वर्ग	सिंह.३				मृग				गरूड				गरू.१				मृग.२				मार्जा.३				मार्जा.२				मेष:३				श्वान्			
	मृग.१												मृग.३				मार्जा२				सिंह:१				मेष:२				श्वा.१							
युंजा	पूर्व				पूर्व				पूर्व				पूर्व				मध्य				मध्य				मध्य				मध्य				मध्य			
नाडी	आद्य				मध्य				अंत्य				अंत्य				मध्य				आद्य				आद्य				मध्य				अंत्य			
वश्य	चतुष्पद				चतुष्पद				चतुष्पद				चतुष्पद				चतु.२				मानव				मान.३				जलचर				जलचर			
																	मान.२								जल.१											
वैरयोनि	महिषः				सिंहः				वानरः				नकुलः				नकुलः				हरिणः				मूषकः				वानर				पूषकः			
शुभाऽशु.	शुभ				नाश				कार्यना.				सिद्धिः				शुभः				शुभः				मध्यम				शुभः				शोक			
देवता	अश्विकु.				यम				अग्नि				ब्रह्मा				चंद्रः				शिवः				अदिति				गुरुः				सर्पः			
मुख	तिर्यक्				अधः				अधः				उर्ध्वः				तिर्यक्				उर्ध्वः				तिर्यक्				उर्ध्वः				अधः			
नेत्र	मंदलो.				मध्य.				सुलो				अंध.				मंद.				मध्य.				सुलो.				अंध				मंद.			
नाम	ल. क्षि.				उ.क्रू.				मि.सा.				ध्रुवस्थि				मृदमै.				ती.दा.				चरं च.				क्षि.ल.				ति.दा.			
स्वरूप	अश्वमु				योनि				वरूका				शकट				मृगमु.				मणिसद्द				गृहाका				शरा.				चक्रा.			
	३				३				५				५				३				१				४				३				५			
विंशो.क्रमेणमहादशा	केतु				शुक्र				सूर्य				चंद्र				मंगल				राहु				बृहस्प.				शनि				बुध			
प्रमाणवर्षाणि	७				२०				६				१०				७				१८				१६				१९				१७			

नक्षत्र चरण	१	२	३	४	१	२	३	४	१	२	३	४	१	२	३	४	१	२	३	४	१	२	३	४	१	२	३	४	१	२	३	४	१	२	३	४	१	२	३	४	१	२	३	४
नक्षत्र	मघा.१०				पूफा.११				उफा.१२				हस्त१३				चि.१४				स्वा१५				वि.१६				अनु.१७				ज्ये.१८				मूल१९				पू.२०			
	म	मी	मो	टा	टे	टो	पु	ष	ण	ठ	र	री	पे	पो	रो	ता	ती	तू	ते	तो	ना	ने	नू	ने	नो	या	यी	यू	ये	यो	भ	भी	फा	ढा	भे	भो	ज	जी	खे	खो	गु	गे
योनि	मूषकः				गौ				महिषः				व्याघ्रः				मूष.२				महिषः				व्याघ्रः				मृगः				मृगः				श्वान्				वानरः			
गण	राक्षसः				मनुष्यः				देवः				राक्षसः				देवः				देवः				राक्षसः				देवः				राक्षसः				राक्षसः				देवः			
वर्ग	मूषकः				मूषकः				श्वान्३				मूष.२				मृग:३				श्वा.२				मूष.२				सर्पः				सर्पः१				मृग.१				मृग:३			
													श्वा.२				सर्पः१																				मूष:२				मूष:२			
युंजा	मध्य				मध्य				मध्य				मध्य				मध्य				मध्य				मध्य				अंत्य				अंत्य				अंत्य				अंत्य			
नाडी	मध्य				आद्य				आद्य				आद्य				मध्य				अंत्य				मध्य				आद्य				आद्य				अंत्य				अंत्य			
वश्य	मूषक				वनचर				वनचर				वन.१				मानव				मानव				मानव				कीट.				कीट				मानव				मान॥			
													मान.३																												चतु३॥			
वैरयोनि	मूषकः				मार्जारः				मार्जारः				व्याघ्रः				अश्वः				गौ				अश्वः				श्वान्				श्वान्				हरिणः				मेषः			
शुभाऽशु.	शुभ				मृत्यु				नाग				विद्या				अर्यम.				रवि				शुभ				अशुभ				सर्वसि.				हानिः				हानिः			
देवता	मूषकः				नाश				पितर				अर्यम.				रवि				मंद.				मध्य.				वायु				मित्र				राक्षसः				उदक्			
मुख	तिर्यक्				अधः				अधः				उर्ध्वः				तिर्यक्				तिर्यक्				मध्य.				तिर्यक्				तिर्यक्				अधः				अधः			
नेत्र	मंदलो.				सुलो.				मध्य.				अंध.				मंद.				मध्य.				मृदुमै.				सुलो.				मंद.				सुलो.				अंध			
नाम	उ.क्रू.				शाला.				शल्या.				ध्रुवस्थि				क्षि. ल				हस्ता.				मौक्ति				प्रवाल.				बलि.				कुंडला				सिंहपु.			
स्वरूप	शल्या.				पर्यका				पर्यका				हस्ता.				मौक्ति				प्रवाल.				तोरण.				बलि.				कुंडला				सिंहपु.				हस्तिदं			
	२				२				५				१				१				४				४				३				११				२			
विंशो.क्रमेणमहादशा	शुक्र				सूर्य				चंद्र				मंगल				राहु				बृहस्त.				शनि				बुध				केतु				शुक्र			
प्रमाणवर्षाणि	२०				६				१०				७				१८				१६				१९				१७				७				२०			

नक्षत्र चरण	१	२	३	४	१	२	३	४	१	२	३	४	१	२	३	४	१	२	३	४	१	२	३	४	१	२	३	४	१	२	३	४	१	२	३	४	१	२	३	४	१	२	३	४
नक्षत्र	उषा२१				श्र.२२				ध.२३				शत२४				पू.२५				उभा२६				रेव.२७				अश्वि.१				भरणी२				कृति३				रोहि.४			
	भे	भो	ज	जी	खे	खो	गु	गे	ग	गी	गो	सा	सी	सु	द	दी	झ	ञ	दु	ध	न	ञ	चा	ची	दे	दो	चू	चे	चो	ला	ली	लू	अ	ई	उ	ए	ओ	वा	वि	बु	वे	बो
योनि	मेषः				वानरः				सिंहः				अश्वः				सिंहः				गौ				गजः				अश्वः				गजः				मेषः				सर्पः			
गण	मनुष्यः				देवः				राक्षसः				राक्षसः				मनुष्यः				मनुष्यः				देवः				राक्षसः				मनुष्यः				देवः				मनुष्यः			
वर्ग	नकुलः				मार्जारः				मार्जारः				मार्जा१				मेष:२				सर्पः२				सिंहः२				मेष:३				सर्पः२				सिंहः२				मृग:३			
	मूष:२				मू१श्वा१				सिंह:२																																					
युंजा	अंत्य				अंत्य				अंत्य				अंत्य				अंत्य				अंत्य				अंत्य				अंत्य				अंत्य				अंत्य				मध्य			
नाडी	अंत्य				अंत्य				मध्य				अंत्य				आद्य				मध्य				अंत्य				आद्य				आद्य				मान. ३				जलचर			
वश्य	चतुष्पा.				चतु१॥				जलच२				मानव				मान. ३				जलचर				जलचर				मानव				मान. ३				जलचर				जलचर			
					जल२॥				मान. २								जल. १																											
वैरयोनि	व्याघ्रः				मेषः				गजः				महिषः				गजः				व्याघ्रः				सिंहः																			
शुभाऽशु.	बुद्धिः				सुख				शुभ				कल्याण				मृत्यु				लक्ष्मी				काम.																			
देवता	विश्वेदे				विष्णु				वसु				वरूणः				अजैक				अहिर्बु.				पूषा.																			
मुख	उर्ध्व				उर्ध्वः				उर्ध्वः				उर्ध्वः				अधः				उर्ध्वः				तिर्यक्																			
नेत्र	मंद.				सुलो.				अंध				मंद.				मध्य.				सुलो.				अंधः																			
नाम	ध्रुवस्थि				चरं च.				चरं च.				चरं च.				उग्रक्रू.				ध्रुवस्थि.				मृदुमै.																			
स्वरूप	शय्या				त्रिचरण				मृदंग.				वर्तुला.				मंचाका				यमल.				मृदंगा.																			
	२				३				४				१००				२				२				३२																			
विंशो.क्रमेणमहादशा	सूर्य				चंद्र				मंगल				राहु				बृहस्प.				शनि				बुध																			
प्रमाणवर्षाणि	६				१०				७				१८				१६				१९				१७																			

॥ अथ अन्तर्दशा आनयन विधि ॥ – घट्यात्मक भयात् को पलात्मक बनाकर जिस ग्रह की महादशा हो उस महादशा वर्ष से गुणा कर पलात्मक भभोग का भाग देवें - भागफल में भुक्तान्तर्दशा के वर्ष आयेंगे। शेष बचे हुए को १२ से गुणा कर पुनः भभोग का भाग देने से भागफल में महिने आयेंगे। शेष को ३० से गुणा कर पुनः भभोग का भाग देने से भागफल में दिन आयेंगे। इसी क्रम से शेष को ६० से गुणा और भभोग का भाग देने से भागफल में घटी-पल और विपल आ जायेंगी। गणितागत अन्तर्दशा के भुक्त वर्षादि को अभीष्ट ग्रह के महादशा वर्ष में से घटाने पर स्पष्ट भोग्य वर्ष, माह, दिनादि आ जायेंगे।

-पं.ग्यारसीलाल शर्मा (शास्त्री)

CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

श्री गणेशाय नमः ॥ अंचित्याव्यक्तरुपाय निर्गुणाय गुणात्मने ॥ समस्त जगदाधार मूर्तये ब्रह्मणे नमः ॥ पञ्चाङ्ग रत्नं प्रसरन्मयूखं श्री केतकी दृग्गणितेन युक्तम् ॥ लोकोपकाराय कृत प्रयत्न प्रचक्रतु मोह विनाशदक्षम् ॥ २ ॥ अथास्मिन् वर्षे सृष्टितो गताब्दाः १९५५८८५१०५, तत्र कृतयुग प्रमाणम् १७२८०००, त्रेतायुग प्रमाणम् १२९६०००, द्वापरयुग प्रमाणम् ८६४०००, कलियुग प्रमाणम् ४३२०००, तन्मध्ये गतकलिः ५१०५ भोग्यकलिः ४२६८९५ अथास्मिन् - शुभ संवत्सरे श्रीमन्नृपतिविक्रमादित्यराज्यात् संवत् २०६१ शाकः १९२६ । अथाऽस्मिन् वर्षे राजा रविः १, मंत्री भौमः २, सस्येशः शुक्रः ३, धान्येशो बुधः ४, मेघेशश्चंद्रः ५, रसेशः शनिः ६, नीरसेशो गुरुः ७, फलेशश्चंद्रः ८, धनेशो गुरुः ९, दुर्गेशश्चंद्रः १०, एते दशाधिकारिणः । तत्र बार्हस्पत्य मानेन प्रभवादी षष्ट्यब्दानां मध्ये विष्णु विंशतिकायां ११ हेमलम्ब नामास्यः संवत्सरः प्रवर्तते । तस्य मेषाऽर्क समये गत मासादि १०।१९।५८।५ भोग्य मासादि १।१०।१।५५ पिता दैवतं युगम् । वर्षनाम माघ । चतुर्मेघनाम आवर्त्तः । रोहिणी निवासो तटे । समय निवासो रजकगृहे । समय विश्वा १८ । समय वाहन अश्व । स्तंभाऽभावः । सोमवत्यमा. ३ । सोमवती पंचमी २ । अंगारकी चतुर्थी ३ । भानु सप्तमी ३ । बुधाष्टमी ३ । रविदशमी २ । समय मुहूर्तानि ३१५ । समय दिनानि ३८४ । तिथि क्षयः १८ । तिथि वृद्धिः १२ । अष्टोत्तरी मतेन उत्पत्ति विश्वा ९९ । स्वपति विश्वा ९३ । विंशोत्तरी मतेन उत्पत्ति विश्वा १२३ । स्वपति विश्वा ७५ । वर्षा विश्वा ११ । धान्यम् १३ । तृणम् ९ । शीतम् १५ । तेजः ११ । वायुः १३ । वृद्धिः १५ । क्षयः १५ । विग्रह ११ । ऐक्यम् ११३ । (क्षुधा १ । तृष्णा ३ । निद्रा ३ । आलस्य १३ । उद्यम ११ । शान्ति ९ । क्रोध ११ । दण्ड १३ । मैत्री ३ । उत्सव १५ । पाप १५ । पुण्य ११ । उग्रत्व ३ । रसोत्पत्तिः १७ । फलोत्पत्तिः ३ । व्याधि १७ । व्याधिनाश १३ । आचार ११ । अनाचार १५ । मृत्यु ११ । जन्म १९ । चौर ७ । उपशमन ११ । अग्निभय १७ । अग्निशमः ९) सत्यम् ॥, धर्म १॥, पाप १८ । शनि दृष्टिः पूर्वस्याम । ग्रहणं १ चन्द्रमसः । उद्रिजः १३ । जरायुजः ३ । पिण्डजः ७ । स्वदेजः ११ । इस वर्ष का फल उत्तम है । आगे गौ प्रजा भाग्य प्रबल है ।

(१) वैशाख शुक्ला १५ मंगलवार, संवत् २०६१, ता. ४ मई २००४, खग्रासं **चन्द्रग्रहणम्**, परमग्रास १.२८

	स्पर्श	सम्मी	मध्य	उन्मी	मोक्ष	पर्व
रामगढ घ.	४६	४८	५०	५१	५४	८
स्थानिक प.	०५	४७	१९	५१	३३	२८
रेल्वे घं.	२४	२५	२६	२६	२७	३
टाईम मि.	१८	२३	००	३६	४१	२३

यह खग्रास **चंद्रग्रहण** वैशाख शुक्ला १५ मंगलवार, संवत् २०६१, ता. ४ मई २००४, को होगा । इस ग्रहण का सूतक स्टै १५।१८ बजे से प्रारम्भ होगा । ग्रहण के सूतक में बाल वृद्ध और अस्वस्थ जनों को छोड़कर भोजनादि निषेध है ।

(२) नोट - आश्विन शुक्ला १५ गुरुवार, संवत् २०६१, ता. २८ अक्टूबर २००४, रामगढ में खग्रास **चंद्रग्रहण** का अभाव है लेकिन भारत के अन्य भागों में दिखाई देगा ।

जहाँ ग्रहण दिखाई नहीं दे वहाँ तत्सम्बधि धार्मिक कृत्य करना आवश्यक नहीं है ।

सूर्यग्रहणाऽभावः

नोट- ग्रहणों का विशेष विवरण वार्षिकपञ्चाङ्ग में देखें ।

पञ्चाङ्ग गणित कर्ता -
पं. श्री रामकुवारात्मज ग्याससीलाल शर्मा
मु. डूमोली कलाँ, पो. डूमोली खुर्द
वाया- सिंघाना, जि. झुन्झुनू (राज.) पिन. ३३३५१६.

॥ अथ भैरव भवानि संवाद ॥

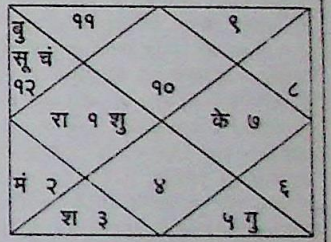


भैरव प्रश्नः जयजननी जगदीश्वरी तूं जग की प्रतिपाल ।
इकसठ संवत का कहो श्रीमुख से सब हाल ॥
भवानी उ.: सुनले भैरव प्रेम से मैं समझावुं तोय ।
राजामंत्री देखतां मध्यम संवत होय ॥
सौम्यग्रहों ने वर्ष में लिये सात अधिकार ।
समय निवासो रजकघर रोहिणी तट आधार ॥
पर भृगुजी सस्येश है धनाधिप हैं गुरुराज ।
सुख संपत्ति संचार हो जग में मंगल काज ॥
चतुर्मेघ आवर्त्त है वर्षा स्वल्प दिखाय ।
दुर्गाधिप शशिराज हैं मंत्री हैं कुजराय ॥
इनकी सैंचाताण मैं व्यापारां कुछ हान ।
व्यापारा घटबढ घणी रसकस तेजी जाण ॥
रसाधिप तो शनिदेव हैं समझो मध्यम साल ।
गुरु ईश्वरदत्त से गुरु नहीं कथन ग्यारसीलाल ॥
संवत् इकसठ फल कहा कर गुरु का ध्यान ।
हाथजोड़ विनति करुँ रखियो मेरा मान ॥
सदा विराजत चित्त में गुरु चरणों की धूल ।
क्षमा याचना विनय से हो कोई जो मेरी भूल ॥
विद्या वितरित कर दई जो मोहे था ज्ञान ॥
मनीराम पंचांग का माध्यम दिया महान ।

लाभ स्वर्च कोष्ठक

	अष्टोत्तरी मतेन		विंशोत्तरी मतेन	
राशि	लाभ	स्वर्च	लाभ	स्वर्च
मेष	२	१४	१४	११
वृष	११	५	८	५
मिथुन	१४	२	१४	२
कर्क	८	२	८	१४
सिंह	११	११	११	११
कन्या	१४	२	१४	२
तुला	११	५	८	५
वृश्चिक	२	१४	१४	११
धनु	५	५	११	२
मकर	८	१४	५	५
कुंभ	८	१४	५	५
मीन	५	५	११	२

वर्ष लग्नम् ९।१९



वर्षेश लग्नम् ५।१०



लाभ - स्वर्च देखनें की विधि और फल

जिस राशि का देखना हो उस राशि के सामनेवाले लाभ-स्वर्च के अंको को जोड़कर १ घटा देवें और ८ का भाग देवें यदि १ शेष रहे तो लाभ, २ शेष रहे तो सौख्य, ३ शेष रहे तो क्लेश, ४ शेष रहे तो रोग, ५ शेष रहे तो लोकापवाद (अपयश), ६ शेष रहे तो सन्मान, ७ शेष रहे तो विजय, ८ या ० शेष रहे तो हानि होती है ।

CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

॥ अथ संवत् २०६१ वर्ष फलम् ॥

॥ श्री गणेशाय नमः ॥ अथ वर्ष फलम् ॥ अथास्मिन् संवत्सरे श्रीमन्नृपति विक्रमादित्य राज्यात् संवत् २०६१ शाकः १९२६ हेमलम्ब नामास्यः संवत्सरः प्रवर्तते तत्फलम् - हेमलम्बेत्यीतिभीतिर्मध्यसस्यार्घवृष्टयः । भातिभूभूपतिक्षोभः स्वड्गविद्युल्लतादिभिः ॥ अथास्मिन् वर्षे राजारविस्तत्फलम् - सूर्ये नृपे स्वल्पफलाश्च मेघाः स्वल्पं पयो गौषुजनेषु पीडा । स्वल्पं सुधान्यं फलमल्पवृक्षाश्चौराग्निबाधा निधनं नृपाणाम् ॥ मंत्रीभौमस्तत्फलम् - अवनिजो ननु मंत्रिकतां गतो भवति दस्युगदादिजवेदना । जनपदेषु जयंसुस्सशंचयंनबहुगोषुपयो द्वीजकर्म च ॥ सस्येशःशुक्रस्तत्फलम् - शुक्रोयदाधान्यपतिर्धरायांमेघोजलंवर्षतिशोभनम् प्रियम् । गोधूमशालीक्षुधनं प्रियंगुवृक्षेषु पुष्पाणि सुस्सप्रदानि ॥ धान्येशोबुधस्तत्फलम् - बुधधान्याधिपेमेघाजलंमुञ्चितिवैभृशम् । सैन्धवेलाटदेशेचमाधवोल्पंचवर्षति ॥ मेघेशश्चंद्रस्तत्फलम् - शशिनितोयदपेयदिगोमहिष्यजस्परादिषुदग्धिरसंततदा । फलवतीधनधान्यवताधरांविविधनोगवताननुभामिनी ॥ रसेशः शनिस्तत्फलम् - रविसुते रसपेरससंक्षयोनजलदागदादश्चपयोधराः । अजगवांगजवाजिस्वरोष्ट्रहाजनपदेषुनरा न रसैर्युताः ॥ नीरसेशोगुरुस्तत्फलम् - हरिद्रापीतवस्तूनिपीतवस्त्रादिकंचयत् । नीरसेशोयदाजीवः सर्वेषांप्रीतिरुत्तमा ॥ फलेशश्चंद्रस्तत्फलम् - यदिविधुः फलपोद्रुमराशयःफलयुतावलिभिः कुसुमैर्युता । द्विजमुस्त्रावरभोगसमन्वितानृपतयोनयनाटनतत्पराः ॥ धनेशोगुरुस्तत्फलम् - सुमनसां च गुरुर्द्रविणाधिपो वणिजवृत्तिपराः सुस्त्रभाजनाः । फलितपुष्पितभूमिरुहाः सदा विविधद्रव्ययुता भुवि मानवाः ॥ दुर्गेशश्चंद्रस्तत्फलम् - गढपतिर्मृगलांछनको यदा नृपसुराज्यविलासितपौरजाः । बहुधनेक्षुजगोरसभोगिनो नरवरा नरवर्णितविग्रहाः ॥ वर्षनाम माघ तत्फलम् - सुभिक्षं पूर्वयाम्यायां मध्यमंपश्चिमेतथा । उत्तरेरौरवंमाघेवर्षधान्यमहर्घता ॥ चतुर्मेघनाम आवर्त्तस्तत्फलम् - आवर्तेछिन्न वृष्टिश्च । रोहिणी निवासो तटे तत्फलम् - तटे वृष्टिः सुशोभना । समय निवासो रजकगृहे तत्फलम् - वापीकूपतड़ागानि नदीनदवनानि च । जलपूर्णानि दृश्यन्ते वासो रजकवेश्मनि ॥ अपिच - रजके वृष्टिः रुत्तमा । एवं संचित्य देवज्ञैः कथनीयं शुभाऽशुभम् ॥

॥ अथ गुरुचार शनिचारात् वर्षफलविचार ॥

इस वर्ष में राजा रवि है । मंत्री मंगल है । मेघेश फलेश और दुर्गेश चंद्र है । धान्येश बुध है । नीरसेश और धनेश गुरु है । सस्येश शुक्र है । रसेश शनि है । इस ग्रहमंडल की विधानसभा में ७ स्थान सौम्यग्रहों को प्राप्त हुए है और ३ स्थान उग्रग्रहों को उपलब्ध हुए है अतः वर्षफल उत्तम होगा । प्रजा में सुस्त्र शान्ति होगी, धन-धान्य, व्यवसाय, राजकीयकोश की वृद्धि होगी । आधुनिक अस्त्र-शस्त्र, स्वचालित यंत्रो के विकास में वृद्धि होगी, स्मगलरों का ह्रास होगा । **चैत्र** - वर्षलग्न मकर होने से उत्तर में बड़े उत्पात तथा नृपगण पीड़ित हों और एक वर्ष तक अच्छी उत्पत्ति तथा सुस्त्र हो, मध्य देश में आधी उत्पत्ति हो, कुछ धान्य महँगा हो, अकाल में मेघ वर्षे और धान्यविक्री में लाभ हो । वृक्षों में रोग, चौपायों में पीड़ा, कपास वस्त्र और सूत की महँगाई हो । **वैशाख** - कहीं आरोग्यता कहीं पृथ्वी पर अत्यधिक मरी पड़े । सुभिक्ष हो, अतिवृष्टि हो । श्रृंगार की वस्तुएं महंगी हो, व्यापारी, वैद्य, नौका से जीविका चलाने वाले, जल में उत्पन्न होने वाले द्रव्य तथा घोड़े (अश्व) पीडित हों । रस (मधुर आदि) और मासांत में धान्य की महर्घता हो । **ज्येष्ठ** - अतिवृष्टि हो, जौ गेहूँ में रोग हो, ईस्त्र, दूध, रस और घी अदि सस्ते हों, व्यापारी, वैद्य, नौका से जीविका चलाने वाले, जल में उत्पन्न होने वाले द्रव्य तथा घोड़े (अश्व) पीडित हों । हाथियों को पीड़ा हो, चाण्डालों का नाश हो, तीव्र रोग हो, धान्य महँगे हों और वैर बढ़े, प्राणियों के धातुओं (वसा,रक्त,मांस,मेधा,अस्थि,मज्जा और शुक्र) की हानि हो । तिलों का नाश तथा भैंसों का विनाश हो । विप्रगण पीड़ित हों, मासांत में अल्पवृष्टि हो, अल्प अन्न हो मनुष्यों में ज्वर पीड़ा हो और कहीं कुछ उपद्रव हो । **आषाढ** - कपास, तिल, सूत महँगे हों, वर्षा का अभाव हो, आरोग्यता हो, कहीं कहीं अत्यधिक मरी पड़े । कहीं कहीं वायु से वर्षा हो । पञ्जाब, गुहा, सौराष्ट्र, सिन्धु के समीप तथा सौवीर देश में रहने वाले यो सब पीडित हों । चौर भय हो, आपसी विरोध से क्षति हो । वर्षा अधिक हो, गेहूँ तिल उड़द सस्ते हों, ग्रहपात तथा व्रन का प्रवाह हो, शस्त्रनिपात (युद्ध), क्षुधा, रोग हो । पण्यांगना (व्यापार की स्त्रियां -वेश्याओं) में पीड़ा हो, बालकों को पीड़ा हो, मासांत में कपास सूत मंदा हो । **प्र.श्रावण** - शस्त्रनिपात (युद्ध), क्षुधा, रोग हो, महावृष्टि से धान्य नाश हो, दुर्भिक्ष हो और साँपों का भय अधिक हो । तुष धान्य उत्पन्न हों । पृथ्वी पर अन्न की शून्यता महंगा) हो । धान्य की महर्घता हो, रस (मधुर आदि) और धान्यों का नाश हो । अत्यन्त सुभिक्ष हो । **द्वि.श्रावण** - क्षेत्र के बंटवारे को लेकर पडौसी देश से मनमुटाव हो, अन्न मँदा हो, क्षुधा, शस्त्र, चोर और रोगों की वृद्धि हो । कोसल तथा कलिङ्ग देश पीड़ित हो और अतिवृष्टि हो । अश्मक और विदर्भ देश में अनय (उपद्रव) हो । संसार में कहीं भी प्राकृतिक आपदा हो । कन्या राशि पर बृहस्पति होने से वर्ष में चौपायों में पीड़ा हो, गेहूँ, धान्य, शक्कर, तेल, उड़द, ईस्त्र और गुड़ यह महँगे हों । शूद्र और अन्त्यजों को कष्ट हो । सौराष्ट देश में कष्ट हो दक्षिण में स्थण्ड वृष्टि और म्लेच्छ देश में उत्पात हों । भेदपाट और शृगाल देश में शत्रु से भय और युद्ध हो, साँपों के काट स्थाने की तथा अग्नि की शिकायत रहे, मेघ और रस कम हों । राजस्थान में छत्रभंग हो । गेहूँ घी तेल महँगे बिकें । वस्त्र कम्बल धातु यह सस्ते हों । **भाद्रपद** - देश में चिन्ता और विषाद फैले । शब्दयुक्त जल वर्षे, भूकम्प अधिक हों, राजाओं में युद्ध हो और पशु तथा धन का हरण हो, वर्षा के अवरोध से चौपायों में पीड़ा हो, घोड़ों का मूल्य बढे, क्षेत्र के बंटवारे को लेकर पडौसी देश से मनमुटाव हो, अन्न मँदा उड़द मूंग और तिलों का भाव तेज हो, अन्य धान्य भी दुर्लभ हों । क्षुधा, शस्त्र, चोर और रोगों की वृद्धि हो । लोगों को सर्पो से अत्यन्त पीडा हो । उड़द मूंग कम उत्पन्न हों, प्राणियों के धातुओं (वसा,रक्त,मांस,मेधा,अस्थि,मज्जा और शुक्र) की हानि हो । हस्तिपति पीडित हों और मासांत में अतिवृष्टि हो । **आश्विन** - सुभिक्ष हो धान्य भाव मंदा रहे, गौओं को पीड़ा हो, स्नेह (तेल, घृत आदि), रस (मधुर आदि) के मुल्य में वृद्धि हो, अल्पवृष्टि हो, तुष धान्य उत्तम हो, घृत गुड़ और नमक महंगे हो । गुरु के उदय से बालकों को पीड़ा हो तथा गणिका (वेश्या) और वृद्धों को पीड़ा हो, गणिका, शिल्पी, और विप्र वर्ग पीड़ित हो, शबर-पुलिन्द जन पीड़ित हों और अतिवृष्टि हो । पुष्य नक्षत्र में स्थित शनैश्चर घंटा बजाने वाले, घोषिक (ढींढोरा पीटने वाले अथवा घोष-गुहा-में निवास करने वाले), यवन, वणिक्, किरात, धूर्त और पुष्पों को पीडित करता है । मासांत में चावल तथा गेहूँ महँगे हों । **कार्तिक** - मेघों की गर्जना के साथ कहीं वृष्टि और कहीं अनावृष्टि हो, कौरव और चित्रकार पीडित हों । सुभिक्ष हो, स्नेह (तेल, घृत आदि), रस (मधुर आदि) के मुल्य में वृद्धि हो, शस्त्र, चोर, अग्नि, रोग, जल और दुर्भिक्ष का भय हो । ईस्त्र, शाली और घी महँगे हों तथा घोड़ों में रोग हो । कुआँ बनाने वालों को पीड़ा हो तथा सुन्दर वृष्टि हो । दूत, वाणिज्य कर्म करने वाले, नाव चलाने वाले इनमें उपद्रव हो, पुनर्वसु का शनैश्चर पञ्जाब, गुहा, सौराष्ट्र, सिन्धु के समीप तथा सौवीर देश में रहने वाले इन सबों को पीडित करता है । **मार्गशीर्ष** - ईस्त्र, शाली और घी महँगे हों तथा घोड़ों में रोग हो, गौओं, चौपायों और पक्षियों में पीड़ा हो, स्नेह (तेल, घृत आदि), रस (मधुर आदि) के मुल्य में वृद्धि हो, भूमि अनेक प्रकार के अन्नों से परिपूर्ण हो, अल्प वृष्टि हो, मनुष्य सुस्त्री हों । क्षत्रियों में प्रधान का अभाव हो अनावृष्टि हो । **पौष** - धान्योत्पत्ति कहीं कम कहीं ज्यादा हो । लोकभय और क्षेत्रपति का क्षय हो, प्रधान वैद्य पीड़ित हों अनावृष्टि हो । पशु पक्षी और बालकों में पीडा हो, व्यापारी, वैद्य, नौका से जीविका चलाने वाले, जल में उत्पन्न होने वाले द्रव्य तथा घोड़े (अश्व) पीडित हों । धान्य मन्दा हो, क्षुधा, शस्त्र, चोर और रोगों की वृद्धि हो । **माघ** - क्षत्रियों में पीड़ा हो, तुष धान्य महँगा हो । गुड़ अलसी और चणे आदि धान्य में बर्फ (ओले) गिरने का भय हो । कन्या का बृहस्पति वक्री होने से सभी वस्तुओं के भाव मंदे हों । सुभिक्ष हो, कर्णपीड़ा हो । गायें दूध कम दें, जल बहुत हो, पृथ्वी अन्न से पूरित हो । शालि, तिल, घी और उड़द महँगे हो । व्यापारी, वैद्य, नौका से जीविका चलाने वाले, जल में उत्पन्न होने वाले द्रव्य तथा घोड़े (अश्व) पीडित हों । कहीं दुर्भिक्ष हो और कहीं क्षेम तथा आरोग्यता हो । पारखण्डियों में भय उत्पन्न हो । **फाल्गुन** - प्रजा में सुस्त्रों की वृद्धि और सुभिक्ष हो, शतभिषा का शुक्र शौण्डिकों (मद्यविक्रेता - कलवारों) को पीड़ित करता है, वर्षा हो, शालि, तिल, घी और उड़द महँगे हो । पूर्वाभाद्रपद का शुक्र जुआड़ी लोग, कुरु तथा पञ्जाब देश में स्थित जनों को पीड़ित और वृष्टि करता है । श्रृंगार (प्रसाधन) की वस्तुएं महंगी हो, गुरु-शुक्र परस्पर सप्तम राशि से रोग और प्रजागण पीड़ित हो तथा अवृष्टि हो । राजनीति में क्लेश हो, राज्यवर्ग में पीड़ा हो । मीन का राहु होने से बिजली का भय हो । अन्न का भाव मंदा हो । **चैत्र** - कहीं कहीं मंगल कार्य और धान्योत्पत्ति हो कहीं नहीं हो तथा स्त्रियों की अभाग्यता, चोरों की प्रबलता और राजाओं की उग्रता बढे । प्रजा में सुस्त्रों की वृद्धि और सुभिक्ष हो । रैवती में स्थित शुक्र पथिकों (यात्रियों) को पीड़ित करता है । मीन राशि में बुध का उदय होने से अति वृष्टि से दुर्भिक्ष हो । आगे गो प्रजा भाग्य प्रबल है ।

CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

॥ संवत् २०६१ मध्ये विवाह मुहूर्तानि रेखा सहितानि च ॥

सन२००४		वैशाख मासः शुक्लपक्ष
अप्रे. २२	शु. ३ गुरौ रोहि.	रे.९ ॥ऽशु॥॥॥॥॥ दिवा ल. ५, रात्रौ ११ (सिंहे बु. ७ दो.)
अप्रे. २३	शु. ४ शुक्रे रोहि.	रे ९ ॥ऽशु॥॥॥॥॥ दिवा ल. ३ (सोग्रांगः)
मई १	शु.११ शनौ उफा.	रे ८ ॥॥ बु॥ऽ॥॥ दिवा ल. ५, रात्रौ अ. गो. ११ (कुंभे ७ गु.पू.)
मई २	शु.१२ रवौ हस्ते	रे. ७ ऽऽऽबु॥॥॥॥ दिवा ३।५, रात्रौ गो. ८, ११ (कुंभे ७ गु.पू.)
		ज्येष्ठ कृष्णपक्षः
मई ८	कृ. ४ शनौ मूले	रे.९ ॥॥॥॥॥ऽ॥ दिवा. ल. २।५ (वृषे रेखा ८)
मई ९	कृ. ५ रवौ उषा.	रे.७ ।ऽ।ऽशु॥॥॥॥ऽद. दिवा ल. २।५, रात्रौ अ. गो. ११
		अग्रे वृषेर्कः
		(ज्येष्ठ शुक्लपक्ष पर्यन्त मघादि पंचपादत्वादभावः)
		आषाढ कृष्णपक्षे शुक्रास्तत्वादभावः
		सिंहस्थ गुरु दोषः - *गंगा के उत्तर और गोदावरी के दक्षिण भाग में करने योग्य मुहूर्त्तः प्रमाण -*
		भागीरथ्युत्तरे कूले गोतम्या दक्षिणे तथा ।
		विवाहो व्रतबंधश्च सिंहस्थेज्ये न दुष्यति ॥
		आषाढ शुक्लपक्षः
जून २२	शु. ४ भौमे मघा.	रे.७ ऽ॥॥॥ऽऽ॥ रात्रौ ल. २
जून २३	शु. ५ बुधे मघा.	रे ७ ऽ॥॥॥ऽऽ॥ दिवा ल.६।८, रात्रौ अ.गो. ((वृश्चिके ७ शु., अ.गो. भौमाष्टमः)
जून २६	शु. ८ शनौ हस्ते	रे ९ ॥॥॥॥॥ऽ॥ दिवा ल. ८, रात्रौ ११ (वृश्चि. शु. ७ पू., कुंभे गु. ७ पू.)
		अग्रे चतुर्मासारंभः

		कार्तिक शुक्लपक्षः
नवं. २३	शु.१२ भौमे रेवत्यां	रे ९ ॥॥॥ऽ॥॥॥ दिवा ल. ९
नवं. २६	शु.१५ भृगौ रोहि.	रे ८ ॥॥॥ऽ॥ऽ॥ रात्रौ ल. ६
		मार्गशीर्ष कृष्णपक्षः
नवं. २७	कृ. १ शनौ रोहि.	रे ८ ॥॥॥ऽ॥ऽ॥ दिवाल.११।१२ रात्रौ ३ (मीने ७ गु. पू, मिथु. बु. ७ पू.)
नवं. २८	कृ. २ रवौ मृगे	रे १० ॥॥॥॥॥॥॥॥ दिवा ल. ११।१२, रात्रौ गो ४, ६ (मीने गु. ७ पू, कर्के सोग्रांगः)
दिसं. ४	कृ. ७ शनौ मघा	रे ८ ।ऽ॥॥॥ऽ॥॥ अ. गोधूलि
दिसं. ५	कृ. ८ रवौ उफा.	रे ८ ऽ॥॥॥॥ऽ॥ रात्रौ ल. ६ (स्टै. २६।५० या.)
दिसं. ६	कृ. ९ चंद्रे उफा.	रे ८ ऽ॥॥॥॥ऽ॥ दिवा ल. ९, रात्रौ अ. गोधूलि
दिसं. ८	कृ.११ बुधे स्वातौ	रे. ८ ॥॥॥ऽ॥ऽ॥ रात्रौ ल. ४।६ (कर्के सोग्रांगः)
दिसं. ९	कृ.१२ गुरौ स्वातौ	रे ८ ॥॥॥ऽ॥ऽ॥ दिवा ल. ९।१२ (मीने ७ गु.पू.)
		मार्गशीर्ष शुक्लपक्ष
दिसं. १४	शु. ३ भौमे उषा.	रे ९ ॥॥॥ऽ॥॥॥ रात्रौ ल. ६ अग्रे धनुष्यर्कः
सन२००५		पोष शुक्लपक्ष
जन. १६	शु. ७ रवौ रेवत्यां	रे ९ ॥॥॥॥॥ऽ॥ दिवा. ल. ११ रात्रौ अ. गो.
जन. २१	शु.१२ शुक्रे मृगे	रे ७ ऽ॥॥ऽ॥॥॥ऽ रात्रौ ल. ८ (सोग्रांगः, स्टै. २७।५४ उ.)
जन. २२	शु.१२ शनौ मृगे	रे ८ ऽ॥॥ऽ॥॥॥ दिवा ल. १२ (गु. ७ पू.)
		माघ कृष्णपक्ष
जन. २९	कृ.४ शनौ उफा.	रे ९ ॥॥॥॥॥ऽ॥ दिवा ल. २, रात्रौ गोधूलि, ६
जन. ३०	कृ. ५ रवौ उफा.	रे ९ ॥॥॥॥॥ऽ॥ दिवा ल. ११
जन. ३०	कृ. ५ रवौ हस्ते	रे.९ ॥॥॥॥॥ऽ॥ दिवा २, रात्रौ गोधूलि
जन. ३१	कृ. ६ चंद्रे हस्ते	रे ९ ॥॥॥॥॥ऽ॥ दिवा ल. ११
फर. ३	कृ. ९ गुरौ अनु.	रे ८ ऽ॥॥॥॥ऽ॥ ल. अ. गोधूलि, ६
फर. ४	कृ.१० शुक्रेऽनुराधा.	रे ८ ऽ॥॥॥॥ऽ॥ दिवा ल. ११
सन२००५		माघ शुक्लपक्ष
फर. ११	शु. ३ शुक्रे उभा.	रे १० ॥॥॥॥॥॥॥॥ रात्रौ ल. ६
फर. १३	शु. ५ रवौ रेवत्यां	रे ८ ।ऽ॥॥॥ऽ॥ दिवा ल. २ अग्रे शुक्रास्तत्वादभावः

॥ कात्यायनोक्त विवाह मुहूर्त्ताः नक्षत्र चतुष्टयी ॥

सन२००४		ज्येष्ठ कृष्णपक्षः
मई ११	कृ. ८ भौमे धनि.	रे.९ ॥॥॥॥ऽ॥ दिवा ल. ४, रात्रौ अ. गो. (कर्के श. १२ दो.)
मई १२	कृ. ९ बुधे धनि.	रे.९ ॥॥॥॥ऽ॥ दिवा ल. २
		आषाढ शुक्लपक्षः
जून २६	शु. ८ शनौ चित्रा	रे.८ ऽ॥॥॥ऽ॥ रात्रौ २
जून २७	शु. ९ रवौ चित्रा	रे.८ ऽ॥॥॥ऽ॥ दिवा ल. ५।६।८, रात्रौ गोधूलि (वृश्चि. शु.७ दो., गो. भौम ८ दोषः)
		मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः
दिसं. १४	शु. ३ भौमे श्रवणे	रे.१० ॥॥॥॥॥॥॥॥ रात्रौ ल. ७ (सोग्रांगः, रा. ७ दो.) अग्रेऽभावः

॥ परे लग्नशुद्धया कुयोगादिनाशम् ॥

व्याख्या- अथ परे आचार्या लग्नशुद्धया समीचीनलग्नबलेन कुयोगानां मृत्युक्रकचादीनां नाशं भवंतीति शेषः । - पीयूषधारा

(दृष्टिदोषश्चेत् क्षन्तव्यं सुधिभिः)

गणितकर्ता- श्री श्री १०८ पं. ईश्वरदत्त शर्म्मणोऽनुग्रहीत शिष्यः
पं. ग्यारसीलाल शर्मा (शास्त्री)
५८, राम कुटीर, ३ रा माला, हनुमान रोड
विलेपार्ले (पूर्व) मुम्बई ४०००५७. दू. २६१६६७८३

CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

॥ संवत् २०६१ मध्ये उपनयनादि मुहूर्त्ताः ॥

अथ उपनयन मुहूर्त्ताः

सन२००४	चैत्र शुक्लपक्षः	
मार्च	२६	शु. ५ शुक्रे रोहि. ल. ९
मार्च	३१	शु.१० बुधे पुष्ये ल. ९।२
		वैशाख मासः
मई	२	शु.१२ रवौ हस्तेऽभिजिति
		ज्येष्ठ मासः
मई	६	कृ. २ गुरौ अनु. अभिजिति

सिंहस्थ गुरु दोषः - गंगा के उत्तर और गोदावरी के दक्षिण भाग में करने योग्य मुहूर्त्तः प्रमाण - भागीरथ्युत्तरे कूले गोतम्या दक्षिणे तथा । विवाहो व्रतबंधश्च सिंहस्थेऽब्दे न दुष्यति ॥

	आषाढ मासः	
जून	२७	शु. ९ रवौ चित्रा. ल. ६

सिंहस्थ गुरु समाप्ति

सन२००५	माघ मासः	
जन.	३०	कृ. ५ रवौ हस्तेऽभिजिति
फर.	१३	शु. ५ रवौ रेवत्यां अभिजिति

अथ देव प्रतिष्ठा मुहूर्त्ताः

सन२००४	वैशाख मासः	
अप्रे.	२६	शु.६ चंद्रे पुन. अभिजिति
मई	१	शु.११ शनौ उ.फा. अभिजिति
मई	२	शु.१२ रवौ हस्ते अभिजिति
मई	३	शु.१३ चंद्रे चित्रा अभिजिति
		ज्येष्ठ मासः
मई	६	कृ.२ गुरौ अनु. अभिजिति
मई	९	कृ.५ रवौ उ.षा. अभिजिति

गंगा के उत्तर और गोदावरी के दक्षिण भाग में करने योग्य मुहूर्त्तः

	आषाढ मासः	
जून	२७	शु.९ रवौ चित्रा. अभिजिति
जून	३०	शु.१३ बुधे अनु. ल. ६ (स्टै. १०।४३ उप.)
		प्र. श्रावण कृष्णपक्षः
जुला.	४	कृ.२ रवौ श्रवणे अभिजिति
सन२००५		पोष मासः
जन.	१५	शु.६ शनौ उ.भा. अभिजिति
जन.	१६	शु.७ रवौ रेवत्यां अभिजिति
जन.	२०	शु.११ गुरौ रोहि. अभिजिति
जन.	२२	शु.१२ शनौ मृगे अभिजिति
		माघ मासः
जन.	३०	कृ.५ रवौ उ.फा. ल. १२
जन.	३०	कृ.५ रवौ हस्ते अभिजिति
जन.	३१	कृ.६ चंद्रे हस्ते अभिजिति
फर.	१३	शु.५ रवौ रेव. अभिजिति

अथ गेहारंभ (भूमि पूजन) मुहूर्त्ताः

सन२००४	वैशाख मासः	
मई	१	शु.११ शनौ उ.फा. अभिजिति

गंगा के उत्तर और गोदावरी के दक्षिण भाग में करने योग्य मुहूर्त्त -

	द्वितीय श्रावण शुक्लपक्षः	
अग.	२७	शु.१२ शुक्रे उ. षा. अभिजिति
		भाद्रपद मासः
सितं.	१	कृ.३ बुधे उ.भा. ल. ९ (स्टै. १५।४८ या.)
		आश्विन मासः
अक्टू.	२३	शु.१० शनौ धनि. ल. ९ (स्टै. ११।४० या., शनि ८ दोषः)
अक्टू.	२५	शु.१२ चंद्रे उ.भा. अभिजिति
सन२००५		पौष मासः
जन.	२२	शु.१२ शनौ मृगेऽभिजिति
		माघ मासः
जन.	२९	कृ.४ शनौ उ.फा. अभि. (ति.दो.)

वृष चक्र रहिताः (भूमि पूजन) गेहारंभ मुहूर्त्ताः

सन२००४	वैशाख मासः	
अप्रे.	२२	शु.३ गुरौ रोहि. अभिजिति
अप्रे.	२४	शु.५ शनौ मृगे अभिजिति
		ज्येष्ठ मासः
मई	१४	कृ.११ शुक्रे उ.भा. ल. ६ (रा. बु. ८ दोषः)

गंगा के उत्तर और गोदावरी के दक्षिण भाग में करने योग्य मुहूर्त्त-

	द्वितीय श्रावण शुक्लपक्षः	
अग.	१८	शु.२ बुधे उ.फा. ल. ९
अग.	२१	शु.५ शनौ चित्रा. ल. ६ (सू. म. सू. बु. १२ दोषः)
		कार्तिक मासः
नवं.	१	कृ.४ चंद्रे मृगे ल. १२ (के.सू.८ दो., स्टै.१४।५१ उप.)
नवं.	१०	कृ.१३ बुधे हस्ते ल. ९
		मार्गशीर्ष मासः
दिसं.	१	कृ.४ बुधे पुष्ये ल. ११
दिसं.	२	कृ.५ गुरौ पुष्ये अभिजिति
दिसं.	९	कृ.१२ गुरौ स्वात्यामभिजिति
सन२००५		माघ मासः
जन.	३१	कृ.६ चंद्रे हस्ते अभि. (ति. दो.)
फर.	४	कृ.१० शुक्रे अनु. ल. १२ (स्टै.१०।०३ या.)
फर.	७	कृ.१३ चंद्रे उ.षा. ल. ११।१२ (कुंभे सू. बू., शु. १२ दो.)
फर.	१०	शु.२ गुरौ शत. अभिजिति
फर.	११	शु.३ शुक्रे उ.भा. अभिजिति

अथ नूतन गृहप्रवेश (वास्तु) मुहूर्त्ताः

सन२००४	वैशाख मासः	
अप्रे.	१७	कृ.१३ शनौ उ.भा. अभिजिति
मई	१	शु.११ शनौ उ.फा. अभिजिति
		ज्येष्ठ मासः
मई	१४	कृ.११ शुक्रे उ.भा. अभिजिति

सन२००५	पोष मासः	
जन.	१५	शु.६ शनौ उ.भा. अभिजिति
जन.	२२	शु.१२ शनौ मृगे अभिजिति
		माघ मासः
फर.	४	कृ.१० शुक्रे अनु. ल. १२
फर.	७	कृ.१३ चंद्रे उ.षा. ल. १२

कुंभ चक्र रहिताः नूतन गृहप्रवेश मुहूर्त्ताः

सन२००४	वैशाख मासः	
अप्रे.	२२	शु.३ गुरौ रोहि. ल. ५ (स्टै. १४।२५ उप.)
		ज्येष्ठ मासः
मई	६	कृ.२ गुरौ अनु. अभिजिति

अथ जीर्ण गृहप्रवेश (वास्तु) मुहूर्त्ताः

सन२००४	मार्गशीर्ष मासः	
दिसं.	९	कृ.१२ गुरौ स्वत्यां अभिजिति
दिसं.	१७	शु.६ शुक्रे शते. अभिजिति

कुंभ चक्र रहिता जीर्ण गृहप्रवेश मुहूर्त्ताः

सन२००४	कार्तिक मासः	
नवं.	४	कृ.७ गुरौ पुष्ये अभिजिति
		मार्गशीर्ष मासः
दिसं.	१	कृ.४ बुधे पुष्ये ल. ११।१२ (मीने मं. शु. के. ८ दो.)
दिसं.	२	कृ.५ गुरौ पुष्ये अभिजिति
सन२००५		माघ मासः
फर.	२	कृ.८ बुधे स्वात्यां ल. २ (स्टै.१२।५० से १३।३७, भौ.८ दो.)
फर.	१०	शु.२ गुरौ शत. अभिजिति

परे लग्नशुद्धया कुयोगादिनाशम् -

व्याख्या- अथ परे आचार्या लग्नशुद्धया समीचीनलग्नबलेन कुयोगानां मृत्युक्रकचादीनां नाशं भवंतीति शेषः । - पीयूषधारा

(दृष्टिदोषश्चैत् क्षन्तव्यं सुधिभिः)

CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

|| सन् २००४-०५, संवत् २०६१ || + (उत्तर) रविक्रान्ति-रेल्वे प्रातः ६।२७ बजे (अंश-कलादौ) - (दक्षिण)

ता.	मार्च	अप्रेल	मई	जून	जुलाई	अगस्त	सितंबर	अक्टूबर	नवंबर	दिसंबर	जनवरी	फरवरी	मार्च	अप्रेल
१	. . . .	+ ४।३६	+१५।०८	+२२।०५	+२३।०६	+१७।५८	+ ८।१३	- ३।१५	-१४।२९	-२१।५०	-२३।००	-१७।०७	- ७।३७	+ ४।३१
२	. . . .	+ ५।००	+१५।२६	+२२।१३	+२३।०२	+१७।४३	+ ७।५१	- ३।३८	-१४।४८	-२१।५९	-२२।५५	-१६।५०	- ७।१४	+ ४।५४
३	. . . .	+ ५।२३	+१५।४३	+२२।२०	+२२।५७	+१७।२८	+ ७।२९	- ४।०९	-१५।०७	-२२।०७	-२२।५०	-१६।३२	- ६।५१	+ ५।१७
४	. . . .	+ ५।४५	+१६।०१	+२२।२७	+२२।५२	+१७।१२	+ ७।०७	- ४।२४	-१५।२५	-२२।१५	-२२।४४	-१६।१५	- ६।२८	+ ५।४०
५	. . . .	+ ६।०८	+१६।१८	+२२।३४	+२२।४६	+१६।५६	+ ६।४५	- ४।४८	-१५।४३	-२२।२३	-२२।३७	-१५।५७	- ६।०५	+ ६।०३
६	. . . .	+ ६।३१	+१६।३५	+२२।४०	+२२।४०	+१६।३९	+ ६।२३	- ५।११	-१६।०२	-२२।३१	-२२।३०	-१५।३८	- ५।४२	+ ६।२६
७	. . . .	+ ६।५४	+१६।५२	+२२।४६	+२२।३४	+१६।२३	+ ६।००	- ५।३४	-१६।१९	-२२।३७	-२२।२३	-१५।२०	- ५।१८	+ ६।४८
८	. . . .	+ ७।१६	+१७।०८	+२२।५२	+२२।२७	+१६।०६	+ ५।३८	- ५।५६	-१६।३७	-२२।४४	-२२।१५	-१५।०१	- ४।५५	+ ७।११
९	. . . .	+ ७।३८	+१७।२४	+२२।५७	+२२।२०	+१५।४८	+ ५।१५	- ६।१९	-१६।५४	-२२।५०	-२२।०७	-१४।४२	- ४।३१	. . . .
१०	. . . .	+ ८।०१	+१७।४०	+२३।०१	+२२।१३	+१५।३१	+ ४।५३	- ६।४२	-१७।११	-२२।५६	-२१।५८	-१४।२२	- ४।०८	. . . .
११	. . . .	+ ८।२३	+१७।५६	+२३।०६	+२२।०५	+१५।१३	+ ४।३०	- ७।०५	-१७।२८	-२३।०१	-२१।४९	-१४।०३	- ३।४४	. . . .
१२	. . . .	+ ८।४५	+१८।११	+२३।१०	+२१।५७	+१४।५५	+ ४।०७	- ७।२७	-१७।४४	-२३।०५	-२१।३९	-१३।४३	- ३।२१	. . . .
१३	. . . .	+ ९।०७	+१८।२६	+२३।१३	+२१।४८	+१४।३७	+ ३।४४	- ७।५०	-१८।००	-२३।०९	-२१।२९	-१३।२३	- २।५७	. . . .
१४	. . . .	+ ९।२८	+१८।४०	+२३।१६	+२१।३९	+१४।१९	+ ३।२१	- ८।१२	-१८।१६	-२३।१३	-२१।१९	-१३।०३	- २।३४	. . . .
१५	. . . .	+ ९।५०	+१८।५४	+२३।१९	+२१।३०	+१४।००	+ २।५८	- ८।३४	-१८।३१	-२३।१६	-२१।०८	-१२।४२	- २।१०	. . . .
१६	. . . .	+१०।११	+१९।०८	+२३।२१	+२१।२०	+१३।४१	+ २।३५	- ८।५६	-१८।४६	-२३।१३	-२०।५७	-१२।२१	- १।४६	. . . .
१७	. . . .	+१०।३२	+१९।२२	+२३।२३	+२१।१०	+१३।२२	+ २।१२	- ९।१८	-१९।०१	-२३।२२	-२०।४५	-१२।००	- १।२२	. . . .
१८	. . . .	+१०।५३	+१९।३५	+२३।२५	+२१।००	+१३।०३	+ १।४८	- ९।४०	-१९।१६	-२३।२४	-२०।३३	-११।३९	- ०।५९	. . . .
१९	. . . .	+११।१४	+१९।४८	+२३।२६	+२०।४९	+१२।४३	+ १।२५	-१०।०२	-१९।३०	-२३।२५	-२०।२१	-११।१८	- ०।३५	. . . .
२०	. . . .	+११।३५	+२०।०१	+२३।२६	+२०।३८	+१२।२४	+ १।०२	-१०।२४	-१९।४३	-२३।२६	-२०।०८	-१०।५७	- ०।११	. . . .
२१	+ ०।१८	+११।५५	+२०।१३	+२३।२६	+२०।२६	+१२।०४	+ ०।३९	-१०।४५	-१९।५७	-२३।२६	-१९।५५	-१०।३५	+ ०।१२	. . . .
२२	+ ०।४२	+१२।१५	+२०।२५	+२३।२६	+२०।१५	+११।४४	+ ०।१५	-११।०६	-२०।१०	-२३।२६	-१९।४२	-१०।१३	+ ०।३६	. . . .
२३	+ १।०६	+१२।३५	+२०।३७	+२३।२६	+२०।०२	+११।२३	- ०।०८	-११।२७	-२०।२२	-२३।२६	-१९।२८	- ९।५१	+ १।००	. . . .
२४	+ १।२९	+१२।५५	+२०।४८	+२३।२५	+१९।५०	+११।०३	- ०।३१	-११।४८	-२०।३५	-२३।२५	-१९।१३	- ९।२९	+ १।२३	. . . .
२५	+ १।५३	+१३।१५	+२०।५९	+२३।२३	+१९।३७	+१०।४२	- ०।५५	-१२।०९	-२०।४७	-२३।२३	-१८।५९	- ९।०७	+ १।४७	. . . .
२६	+ २।१६	+१३।३४	+२१।०९	+२३।२१	+१९।२४	+१०।२१	- १।१८	-१२।३०	-२०।५८	-२३।२२	-१८।४४	- ८।४५	+ २।११	. . . .
२७	+ २।४०	+१३।५३	+२१।१९	+२३।१९	+१९।१०	+१०।००	- १।४२	-१२।५०	-२१।०९	-२३।१९	-१८।२९	- ८।२२	+ २।३४	. . . .
२८	+ ३।०३	+१४।१२	+२१।२९	+२३।१६	+१८।५७	+ ९।३९	- २।०५	-१३।१०	-२१।२०	-२३।१६	-१८।१३	- ७।५९	+ २।५८	. . . .
२९	+ ३।२७	+१४।३१	+२१।३९	+२३।१३	+१८।४३	+ ९।१८	- २।२८	-१३।३०	-२१।३०	-२३।१३	-१७।५७	. . . .	+ ३।२१	. . . .
३०	+ ३।५०	+१४।५०	+२१।४८	+२३।१०	+१८।२८	+ ८।५७	- २।५२	-१३।५०	-२१।४०	-२३।०९	-१७।४१	. . . .	+ ३।४४	. . . .
३१	+ ४।१३	. . . .	+२१।५६	. . . .	+१८।१३	+ ८।३५	. . . .	-१४।०९	. . . .	-२३।०५	-१७।२४	. . . .	+ ४।०८	. . . .

उत्तर (धन) — दक्षिण (ऋण)

महापात योगाः (स्टै.समय में)
संवत् २०६१ (सन २००४-०५)

	महापात स्पर्शः		महापात मोक्षः	
योगाः	तारीख	घं. मि.	तारीख	घं. मि.
वैधृति	२१ मार्च	११।४८	२१ मार्च	१५।४८
व्यती.	३ अप्रे.	२५।५३	३ अप्रे.	२९।४७
वैधृति	१५ अप्रे.	२७।००	१६ अप्रे.	७।११
व्यती.	२९ अप्रे.	२२।११	२९ अप्रे.	२६।५९
वैधृति	११ मई	२०।२६	११ मई	२५।१५
व्यती.	२५ मई	१९।१५	२५ मई	२५।५१
वैधृति	६ जून	२५।३५	७ जून	७।३८
व्यती.	२० जून	२३।१९	२१ जून	७।३४
वैधृति	२९ जून	२८।२६	३० जून	१०।४३
व्यती.	१२ जुला.	२१।१३	१२ जुला.	२८।१६
वैधृति	२६ जुला.	१५।२९	२६ जुला.	२०।२७
व्यती.	७ अग.	१९।०१	७ अग.	२४।०९
वैधृति	२१ अग.	११।३९	२१ अग.	१५।५०
व्यती.	२ सितं.	१३।१३	२ सितं.	१७।१६
वैधृति	१५ सितं.	२८।११	१६ सितं.	८।०२
व्यती.	२८ सितं.	८।०४	२८ सितं.	११।४९
वैधृति	११ अक्टू.	२२।१७	११ अक्टू.	२६।२३
व्यती.	२३ अक्टू.	२५।४१	२३ अक्टू.	२९।४४
वैधृति	६ नवं.	१६।३५	६ नवं.	२१।४१
व्यती.	१८ नवं.	२०।४०	१८ नवं.	२५।२९
वैधृति	२ दिसं.	१३।३५	२ दिसं.	२०।२९
व्यती.	१४ दिसं.	३०।४६	१५ दिसं.	१२।५३
वैधृति	२३ दिसं.	२३।५१	२४ दिसं.	७।४३
व्यती.	६ जन.	२९।०१	७ जन.	१०।४३
वैधृति	१९ जन.	९।२०	१९ जन.	१५।२१
व्यती.	२ फर.	८।१४	२ फर.	१२।५०
वैधृति	१३ फर.	२८।३५	१४ फर.	८।५८
व्यती.	२७ फर.	२३।३५	२७ फर.	२७।४१
वैधृति	११ मार्च	२४।४५	११ मार्च	२८।२४
व्यती.	२५ मार्च	१४।११	२५ मार्च	१८।१२
वैधृति	६ अप्रे.	२१।४१	६ अप्रे.	२५।१९

CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

संवत् २०६१ शाकः १९२६ की मास दशा देखने की सारणी

मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
बै.कृ. ०९ से शु द. उ. सू द. दि. २० प्र.	ज्ये.कृ. ११ से शु द. उ. सू द. दि. २० प्र.	चै.शु. १४ से रा द. उ. शु द. दि. ७० प्र.	चै.शु. ०३ से गु द. उ. रा द. दि. ४२ प्र.	बै.शु. ०५ से गु द. उ. रा द. दि. ४२ प्र.	चै.शु. ०६ से श द. उ. गु द. दि. ५८ प्र.	चै.शु. ०१ से बु द. उ. श द. दि. ३६ प्र.	बै.शु. ०१ से बु द. उ. श द. दि. ३६ प्र.	चै.शु. ०३ से मं द. उ. बु द. दि. ५६ प्र.	चै.शु. ०४ से चं द. उ. मं द. दि. २८ प्र.	बै.शु. ०५ से चं द. उ. मं द. दि. २८ प्र.	चै.शु. १३ से सू द. उ. चं द. दि. ५० प्र.
बै.शु. १३ से सू द. उ. चं द. दि. ५० प्र.	ज्ये.शु. १५ से सू द. उ. चं द. दि. ५० प्र.	आ.कृ. १२ से शु द. उ. सू द. दि. २० प्र.	ज्ये.कृ. ०२ से रा द. उ. शु द. दि. ७० प्र.	आ.कृ. ०४ से रा द. उ. शु द. दि. ७० प्र.	ज्ये.शु. ०६ से गु द. उ. रा द. दि. ४२ प्र.	बै.शु. ०६ से श द. उ. गु द. दि. ५८ प्र.	ज्ये.शु. ०७ से श द. उ. गु द. दि. ५८ प्र.	ज्ये.शु. ०१ से बु द. उ. श द. दि. ३६ प्र.	बै.शु. ०३ से मं द. उ. बु द. दि. ५६ प्र.	ज्ये.शु. ०३ से मं द. उ. बु द. दि. ५६ प्र.	ज्ये.शु. ०५ से चं द. उ. मं द. दि. २८ प्र.
आ.शु. ०५ से चं द. उ. मं द. दि. २८ प्र.	प्र.श्रा.शु. ०७ से चं द. उ. मं द. दि. २८ प्र.	प्र.श्रा.कृ. ०२ से सू द. उ. चं द. दि. ५० प्र.	प्र.श्रा.कृ. १४ से शु द. उ. सू द. दि. २० प्र.	द्वि.श्रा.कृ.३० से शु द. उ. सू द. दि. २० प्र.	प्र.श्रा.कृ. ०६ से रा द. उ. शु द. दि. ७० प्र.	आ.शु. ०६ से गु द. उ. रा द. दि. ४२ प्र.	प्र.श्रा.शु. ०७ से गु द. उ. रा द. दि. ४२ प्र.	आ.शु. ०७ से श द. उ. गु द. दि. ५८ प्र.	आ.शु. ०१ से बु द. उ. श द. दि. ३६ प्र.	प्र.श्रा.शु. ०१ से बु द. उ. श द. दि. ३६ प्र.	आ.शु. ०३ से मं द. उ. बु द. दि. ५६ प्र.
प्र.श्रा.शु. ०४ से मं द. उ. बु द. दि. ५६ प्र.	द्वि.श्रा.शु.०५ से मं द. उ. बु द. दि. ५६ प्र.	द्वि.श्रा.शु.०९ से चं द. उ. मं द. दि. २८ प्र.	द्वि.श्रा.कृ.०५ से सू द. उ. चं द. दि. ५० प्र.	भा.कृ. ०७ से सू द. उ. चं द. दि. ५० प्र.	भा.शु. ०२ से शु द. उ. सू द. दि. २० प्र.	द्वि.श्रा.कृ.०६ से रा द. उ. शु द. दि. ७० प्र.	भा.कृ. ०७ से रा द. उ. शु द. दि. ७० प्र.	द्वि.श्रा.शु.०८ से गु द. उ. रा द. दि. ४२ प्र.	प्र.श्रा.शु. ०७ से श द. उ. गु द. दि. ५८ प्र.	द्वि.श्रा.शु.०८ से श द. उ. गु द. दि. ५८ प्र.	द्वि.श्रा.शु.०१ से बु द. उ. श द. दि. ३६ प्र.
भा.शु. ०२ से बु द. उ. श द. दि. ३६ प्र.	आ.शु. ०४ से बु द. उ. श द. दि. ३६ प्र.	भा.शु. ०७ से मं द. उ. बु द. दि. ५६ प्र.	भा.शु. १२ से चं द. उ. मं द. दि. २८ प्र.	आ.शु. १३ से चं द. उ. मं द. दि. २८ प्र.	आ.कृ. ०८ से सू द. उ. चं द. दि. ५० प्र.	आ.शु. ०३ से शु द. उ. सू द. दि. २० प्र.	का.शु. ०३ से शु द. उ. सू द. दि. २० प्र.	आ.कृ. ०७ से रा द. उ. शु द. दि. ७० प्र.	भा.शु. ०७ से गु द. उ. रा द. दि. ४२ प्र.	आ.शु. ०८ से गु द. उ. रा द. दि. ४२ प्र.	भा.शु. ०८ से श द. उ. गु द. दि. ५८ प्र.
आ.शु. ०९ से श द. उ. गु द. दि. ५८ प्र.	का.शु. ११ से श द. उ. गु द. दि. ५८ प्र.	का.शु. ०६ से बु द. उ. श द. दि. ३६ प्र.	आ.शु. १० से मं द. उ. बु द. दि. ५६ प्र.	का.शु. १२ से मं द. उ. बु द. दि. ५६ प्र.	का.शु. १५ से चं द. उ. मं द. दि. २८ प्र.	का.कृ. ०८ से सू द. उ. चं द. दि. ५० प्र.	मा.कृ. ०८ से सू द. उ. चं द. दि. ५० प्र.	मा.शु. ०४ से शु द. उ. सू द. दि. २० प्र.	का.कृ. ०६ से रा द. उ. शु द. दि. ७० प्र.	मा.कृ. ०६ से रा द. उ. शु द. दि. ७० प्र.	का.शु. ०९ से गु द. उ. रा द. दि. ४२ प्र.
मा.शु. ०९ से गु द. उ. रा द. दि. ४२ प्र.	पौ.शु. ११ से गु द. उ. रा द. दि. ४२ प्र.	मा.शु. १२ से श द. उ. गु द. दि. ५८ प्र.	मा.शु. ०८ से बु द. उ. श द. दि. ३६ प्र.	पौ.शु. १० से बु द. उ. श द. दि. ३६ प्र.	मा.शु. १३ से मं द. उ. बु द. दि. ५६ प्र.	मा.शु. १५ से चं द. उ. मं द. दि. २८ प्र.	पौ.शु. १५ से चं द. उ. मं द. दि. २८ प्र.	पौ.कृ. ०८ से सू द. उ. चं द. दि. ५० प्र.	पौ.शु. ०४ से शु द. उ. सू द. दि. २० प्र.	मा.शु. ०४ से शु द. उ. सू द. दि. २० प्र.	पौ.कृ. ०६ से रा द. उ. शु द. दि. ७० प्र.
मा.कृ. ०७ से रा द. उ. शु द. दि. ७० प्र.	फा.कृ. ०८ से रा द. उ. शु द. दि. ७० प्र.	मा.शु. १२ से गु द. उ. रा द. दि. ४२ प्र.	पौ.शु. १४ से श द. उ. गु द. दि. ५८ प्र.	मा.शु. १५ से श द. उ. गु द. दि. ५८ प्र.	मा.शु. ११ से बु द. उ. श द. दि. ३६ प्र.	पौ.शु. १३ से मं द. उ. बु द. दि. ५६ प्र.	मा.शु. १४ से मं द. उ. बु द. दि. ५६ प्र.	मा.शु. १५ से चं द. उ. मं द. दि. २८ प्र.	मा.कृ. ०८ से सू द. उ. चं द. दि. ५० प्र.	फा.कृ. ०८ से सू द. उ. चं द. दि. ५० प्र.	फा.शु. ०४ से शु द. उ. सू द. दि. २० प्र.

संवत् २०६१, आश्विन कृष्णपक्ष में श्राद्धतिथि निर्णय, सन २००४

पूर्णिमा (पूनम)	का श्राद्ध	मंगलवार २८ सितंबर (भाद्रपद शुक्लपक्ष)
प्रतिपदा (एकम)	"	बुधवार २९ सितंबर
द्वितीया (दूज)	"	गुरुवार ३० सितंबर
तृतीया (तीज)	"	शुक्रवार १ अक्टूबर
चतुर्थी (चोथ)	"	शनिवार २ अक्टूबर
पंचमी (पांच)	"	रविवार ३ अक्टूबर
षष्ठी (छठ)	"	सोमवार ४ अक्टूबर
सप्तमी (सातं)	का श्राद्ध	मंगलवार ५ अक्टूबर
अष्ठमी (आठं)	"	बुधवार ६ अक्टूबर
नवमी (नौमी)	"	गुरुवार ७ अक्टूबर
दशमी (दस)	"	शुक्रवार ८ अक्टूबर प्रातः ७।०८ बजे के बाद
एकादशी	"	शनिवार ९ अक्टूबर प्रातः ८।५४ बजे के बाद
द्वादशी (बारस)	"	रविवार १० अक्टूबर दिन १०।०३ बजे के बाद
त्रयोदशी (तेरस)	"	सोमवार ११ अक्टूबर दिन १०।३१ बजे के बाद
चतुर्दशी (चौदस)	"	मंगलवार १२ अक्टूबर दिन १०।२० बजे के बाद
अमावस्या (मावस)	"	बुधवार १३ अक्टूबर दिन ९।३४ बजे के बाद

CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

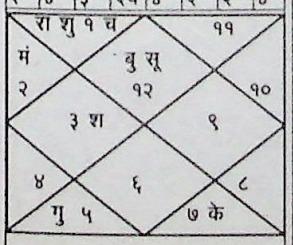
२१ मार्च से ५ अप्रेल तक श्री चैत्र शुक्लपक्ष संवत् २०६१, शाकः १९२६, दि.मा.सू. सू. तारीख्स स्टै. प्रातः दैनिक केतकी अहर्गणः ४३६८ वसंतर्तू रविरुत्तरे, मार्च-अप्रेल २००४

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति	यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।
नवरा.	१	र	५४	३७	२८	२७	उभा	४०	०१	२२	३७	शु	२१	४९	१५	२०	किं	२४	०८	१६	१६	३० ०४	६ ३७	६ ३८	१	२९	२१	मीने	१११०६।४७।३२	५९।३५	नवरात्रारम्भः, घटस्था., ध्वजारो., आरोग्य १, विद्या १, G
सिंधारा	२	सो	५६	४०	२९	१५	रेव	४३	१४	२३	५३	ब्र	२०	०२	१४	३६	बा	२५	२९	१६	४७	०८	३६	३९	२	३०	२२	मेषे २३।५३	१११०७।४७।०७	५९।३३	चंद्रदर्शनम्(मु.३०),पंचकसमाप्तिः २३।५३, श्रृंगार (सिंधारा) देशाचारे
गणगोर	३	मं	...	...	..	..	अश्वि	४७	५०	२५	४२	ऐ	१९	२३	१४	२०	तै	२८	१६	१७	५३	१२	३४	३९	३	१	२३	मेषे	१११०८।४६।४०	५९।३१	गणगौरी पूजा, मन्वादि, मत्स्योत्पत्तिः, अरुन्धती व्रतं पूजनञ्च, A
काण	३	बु	०	१३	६	३८	भर	५३	४५	२८	०३	वै	१९	४८	१४	२९	ग	०	१३	६	३८	१६	३३	४०	४	२	२४	मेषे	१११०९।४६।११	५९।२८	भ. १९।३२ उ., कृत्ति. शुक्रः २४।२९
लुम्बक	४	गु	५	०३	८	३३	कृति	...	...	..	..	वि	२१	१२	१५	०१	वि	५	०३	८	३३	२१	३२	४०	५	३	२५	वृषे १०।४३	१११०।४५।४०	५९।२६	भ. ८।३३ या., कल्पादि, मेषे अश्वि. बुधः २८।१८
छत्र	५	शु	१०	५५	१०	५३	कृति	०	४७	६	५०	प्री	२३	२१	१५	५१	बा	१०	५५	१०	५३	२५	३१	४१	६	४	२६	वृषे	१११।११।४५।०६	५९।२४	डोलोत्सवः, स्कन्द षष्ठी व्र.
श्रीवत्स	६	श	१७	२७	१३	२९	रोहि	८	२७	९	५३	आ	२५	५२	१६	५१	तै	१७	२७	१३	२९	२९	३०	४१	७	५	२७	मिथु. २३।२६	१११।१२।४४।३०	५९।२२	रोहि. भौमः १३।५९ [G कल्पादि, भा. चैत्रारंभः
सौम्य	७	र	२३	५८	१६	०४	मृग	१६	१३	१२	५८	सौ	२८	२१	१७	४९	व	२३	५८	१६	०४	३३	२९	४२	८	६	२८	मिथु.	१११।१३।४३।५१	५९।१९	भ. १६।०४ उ. २९।१७ या., वृषे शुक्रः ७।३३
काल	८	सो	२९	५०	१८	२४	आर्द्रा	२३	२५	१५	५०	शो	३०	१८	१८	३५	ब	२९	५०	१८	२४	३७	२८	४२	९	७	२९	मिथु.	१११।१४।४३।११	५९।१७	भवान्युत्पत्तिः, अशोककलिका प्राशनं
रामनव.	९	मं	३४	२६	२०	१३	पुन	२९	२९	१८	१४	अ	३१	१८	१८	५८	बा	२	२१	७	२३	४१	२६	४३	१०	८	३०	कर्के ११।४९	१११।१५।४२।२८	५९।१५	श्री रामनवमी, रेव. रविः २८।०१ (सौरः २९।४४)
मातङ्ग	१०	बु	३७	२०	२१	२१	पुष्य	३३	५७	२०	००	सु	३१	०३	१८	५०	तै	६	०९	८	५३	४५	२५	४३	११	९	३१	कर्के	१११।१६।४१।४२	५९।१३	[A मनोरथ तृतीया व्र., सौभाग्य शयन व्र., शिवशक्ति पू.,सफर २
ए.व्र.	११	गु	३८	२१	२१	४५	श्ले	३६	३५	२१	०२	धृ	२९	१९	१८	०८	व	८	०७	९	३९	४९	२४	४४	१२	१०	१	सिंहे २१।०२	१११।१७।४०।५५	५९।१०	भ. ९।३९ उ. २१।४५ या., कामदा ११ व्र., लक्ष्मीकान्त दोलोत्सवः,F
काण	१२	शु	३७	२९	२१	२३	मघा	३७	२४	२१	२१	शू	२६	०८	१६	५०	ब	८	११	९	३९	५४	२३	४५	१३	११	२	सिंहे	१११।१८।४०।०५	५९।०८	हरि दमनोत्सवः [F अप्रेल ४ ता. ३०, (व) पूफा.-१ गुरुः १२।५०
प्र.व्र.	१३	श	३४	५२	२०	१९	पूफा	३६	२९	२०	५८	गं	२१	३२	१४	५९	कौ	६	२४	८	५६	५८	२२	४५	१४	१२	३	कन्या २६।४६	१११।१९।३९।१३	५९।०६	प्रदोषः, जैन महावीर जयंती, शिव पूजन विशेषः
मित्र	१४	र	३०	४४	१८	३९	उफा	३४	०७	२०	००	वृ	१५	४२	१२	३८	ग	३	००	७	३३	३५ ०२	२१	४६	१५	१३	४	कन्या	१११।२०।३८।१८	५९।०३	भ. १८।३९ उ. २९।३८ या.
पूर्णिमा	१५	सो	२५	२६	१६	३०	हस्त	३०	३४	१८	३४	ध्रु	८	४९	९	५१	ब	२५	२६	१६	३०	०६	२०	४६	१६	१४	५	तुला. २९।४३	१११।२१।३७।२२	५९।०१	मन्वादि, श्री हनुमज्जयंती, पूर्णिमा व्रतंपुण्यञ्च, वैशाख स्नानारंभः

अयनांशाः २३।५३।४६

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

पं.५० चै.शु. ३ मं. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
११	१	११	४	०	२	०	६
०८	०७	२५	१७	२४	१२	१९	१९
५१	१४	४४	३८	५२	४४	२५	२५
१७	२९	४०	५२	२१	४६	५५	५५
५९	३८	९२	६	६१	१	३	३
३०	२६	५५	५०	४९	४५	११	११
उभा	कृ	२	पूफा	भ	आ	भ	स्वा
२	४	३	२व	४	२	२	४



ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	मार्च	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	सायं	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः
११।०६।५४।४७	१ र	२१	७।४३	९।१९	११।१५	१।३०	३।५०	६।०७	८।२३	१०।४२	१।००	३।०५	४।४९	६।१७
११।०७।५४।२२	२ चं	२२	७।३९	९।१५	११।११	१।२६	३।४६	६।०३	८।१९	१०।३८	१२।५७	३।०१	४।४५	६।१३
११।०८।५३।५५	३ मं	२३	७।३५	९।११	११।०७	१।२२	३।४२	५।५९	८।१५	१०।३४	१२।५३	२।५७	४।४१	६।०९
११।०९।५३।२५	३ बु	२४	७।३१	९।०७	११।०३	१।१८	३।३८	५।५५	८।११	१०।३०	१२।४९	२।५३	४।३७	६।०५
११।१०।५२।५३	४ गु	२५	७।२७	९।०३	११।००	१।१४	३।३४	५।५१	८।०७	१०।२६	१२।४५	२।४९	४।३३	६।०१
११।११।५२।१९	५ शु	२६	७।२३	९।००	१०।५६	१।१०	३।३०	५।४७	८।०३	१०।२२	१२।४१	२।४५	४।२९	५।५७
११।१२।५१।४३	६ श	२७	७।२०	८।५६	१०।५२	१।०६	३।२६	५।४३	७।५९	१०।१८	१२।३७	२।४२	४।२५	५।५४
११।१३।५१।०५	७ र	२८	७।१६	८।५२	१०।४८	१।०२	३।२२	५।३९	७।५५	१०।१४	१२।३३	२।३८	४।२१	५।५०
११।१४।५०।२४	८ चं	२९	७।१२	८।४८	१०।४४	१२।५८	३।१९	५।३५	७।५१	१०।१०	१२।२९	२।३४	४।१७	५।४६
११।१५।४९।४०	९ मं	३०	७।०८	८।४४	१०।४०	१२।५५	३।१५	५।३१	७।४७	१०।०६	१२।२५	२।३०	४।१३	५।४२
११।१६।४८।५५	१० बु	३१	७।०४	८।४०	१०।३६	१२।५१	३।११	५।२८	७।४३	१०।०२	१२।२१	२।२६	४।०९	५।३८
११।१७।४८।०७	११ गु	१	७।००	८।३६	१०।३२	१२।४७	३।०७	५।२४	७।३९	९।५९	१२।१७	२।२२	४।०५	५।३४
११।१८।४७।१७	१२ शु	२	६।५६	८।३२	१०।२८	१२।४३	३।०३	५।२०	७।३५	९।५५	१२।१३	२।१८	४।०१	५।३०
११।१९।४६।२४	१३ श	३	६।५२	८।२८	१०।२४	१२।३९	२।५९	५।१६	७।३२	९।५१	१२।०९	२।१४	३।५७	५।२६
११।२०।४५।३०	१४ र	४	६।४८	८।२४	१०।२०	१२।३५	२।५५	५।१२	७।२८	९।४७	१२।०५	२।१०	३।५३	५।२२
११।२१।४४।३३	१५ चं	५	६।४४	८।२०	१०।१६	१२।३१	२।५१	५।०८	७।२४	९।४३	१२।०१	२।०६	३।४९	५।१८

मास फलम्

इस चैत्र शुक्लपक्ष में प्रतिपदा को रविवार होने से पवन अधिक चले और धान्य, वर्षा तथा फल कम हों यथा -अल्पवृष्टिफलं तुच्छ मल्पधान्यं प्रजायते पूर्णिमा सोमवार और हस्त युक्त होने से धान्य महँगा हो। कृत्तिका पर शुक्र होने से सरसों उड़द कम हों और सब धान्य उत्पन्न हों। अतिवृष्टि हो, नदियों में बहुत बाढ़ आवे। कश्यप- भेदयेत् कृत्तिकां शुक्रो बहुतोयं विमुञ्चति। अश्विनी में बुध होने से जौ गेहूँ में रोग हो। ईख, दूध, रस और घी अदि सस्ते हों। व्यापारी, वैद्य, नौका से जीविका चलाने वाले, जल में उत्पन्न होने वाले द्रव्य तथा घोड़े (अश्व) पीडित हों।

अयनांशाः २३।५३।४७

पं.५१ चै.शु. ९ मं. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
११	१	०	४	१	२	०	६
१५	११	०४	१६	०१	१२	१९	१९
४६	४३	३५	५३	५६	५९	०३	०३
४३	०८	२८	२६	२७	१४	४०	४०
५९	३८	५०	६	५८	२	३	३
१६	२३	३४	०१	५६	२९	११	११
उभा	रो	अ	पूफा	कृ	आ	भ	स्वा
४	१	२	२व	२	२	२	४



CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

६ अप्रेल से १९ अप्रेल तक श्री वैशाख कृष्णपक्ष संवत् २०६१, शाकः १९२६, दि.मा.सू. सू. तारीख स्टै. प्रातः दैनिक वसंततूं रविरुत्तरे चैत्रकृष्णेति गुर्जराः. अप्रेल २००४

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
ध्वाङ्क्ष	१	मं	१९	१५	१४	०१	चित्रा	२६	१२	१६	४८	व्या	१ ५२	३० ५५	६ २७	४७ २९	कौ	१९	१५	१४	०१	३१ ९०	६ ९९	६ ४७	१७	१५	६	तुला.	११।२२।३६।२३	५८।५८
धूम्र	२	बु	१२	३१	११	१८	स्वा	२१	१९	१४	४९	व	४४	२६	२४	०४	ग	१२	३१	११	१८	१४	१८	४७	१८	१६	७	तुला.	११।२३।३५।२१	५८।५६
च.व्र.	३	गु	५	३३	८	३०	विशा	१६	१५	१२	४६	सि	३५	५४	२०	३८	वि	५	३३	८	३०	१८	१७	४८	१९	१७	८	वृश्चि. ७।१७	११।२४।३४।१८	५८।५४
क्षयः	४	गु	५८	३३	२९	४२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
राक्षस	५	शु	५१	५१	२७	००	अनु	११	१५	१०	४५	व्य	२७	३०	१७	१५	कौ	२५	११	१६	२०	२२	१५	४८	२०	१८	९	वृश्चि.	११।२५।३३।११	५८।५२
मुसल	६	श	४५	३९	२४	३०	ज्ये	६	३४	८	५२	व	१९	२४	१४	००	ग	१८	४२	१३	४३	२६	१४	४९	२१	१९	१०	धनु. ८।५२	११।२६।३२।०३	५८।४९
सिद्धि	७	र	४०	०५	२२	१५	मूल	२ ५५ ५८	५५	७ ११ २९	४८	ष	११	४८	१०	५६	वि	१२	४७	११	२०	३०	१३	४९	२२	२०	११	धनु.	११।२७।३०।५३	५८।४७
मृत्यु	८	सो	३५	२१	२०	२१	उषा	५६	२१	२८	४५	शि	४ ४७ ५८	४७ २६	८ ०७ २९	०७ ३५	बा	७	३७	९	१५	३४	१२	५०	२३	२१	१२	मक. ११।३०	११।२८।२९।४०	५८।४५
पद्म	९	मं	३१	३२	१८	४८	श्रव	५४	४४	२८	०५	सा	५२	५७	२७	२२	तै	३	२१	७	३१	३८	११	५०	२४	२२	१३	मक.	११।२९।२८।२५	५८।४३
मित्र	१०	बु	२८	४६	१७	४१	धनि	५४	१२	२७	५१	शु	४८	१९	२५	३०	व	०	०२	६	११	४२	१०	५१	२५	२३	१४	कुंभे १५।५५	०।००।२७।०७	५८।४०
ए.व्र.	११	गु	२७	०८	१७	००	शत	५४	४६	२८	०४	शु	४४	३५	२३	५९	बा	२७	०८	१७	००	४६	०९	५१	२६	२४	१५	कुंभे	०।०१।२५।४८	५८।३८
प्र.व्र.	१२	शु	२६	३९	१६	४८	पूभा	५६	२९	२८	४४	व्र	४१	४६	२२	५१	तै	२६	३९	१६	४८	५०	०८	५२	२७	२५	१६	मीने २२।३१	०।०२।२४।२६	५८।३६
ध्रुव	१३	श	२७	२०	१७	०३	उभा	५९	१९	२९	५१	ऐ	३९	५२	२२	०४	व	२७	२०	१७	०३	५३	०७	५२	२८	२६	१७	मीने	०।०३।२३।०२	५८।३४
प्रवर्घमा	१४	र	२९	०८	१७	४५	रेव	...	...	...	...	वै	३८	५१	२१	३९	श	२९	०८	१७	४५	५७	०६	५३	२९	२७	१८	मीने	०।०४।२१।३५	५८।३१
अभाव.	३०	सो	३२	०२	१८	५४	रेव	३	१७	७	२४	वि	३८	४१	२१	३३	च	०	२८	६	१६	३२ ०१	०५	५४	३०	२८	१९	मेषे ७।२४	०।०५।२०।०७	५८।२९

[B चन्द्रोदयः २२।१४

ग्रहों लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है ।
आर्द्रा.-३ शनिः १५।३१
भ. २१।५४ उ., वक्री बुधः १३।४१, रोहि. शुक्रः १७।५६
भ. ८।३० या., अनुसूया जयंती, चतुर्थीव्रतं B
भ. २४।३० उ., बुधास्तः पश्चिमायाम् ९।०१
भ. ११।२० या.
बूढो वास्योड़ो
मेषे अश्वि. रविः १७।२२ (सौरः १९।०५)
भ. ६।११ उ. १७।४१ या., पंचक प्रारम्भः १५।५५
वरुथिनि ११ व्र.
प्रदोषः
भ. १७।०३ उ. २९।२१ या., मासिकशिवरात्री व्र., मृगे भौमः १०।५९
[A सोमवती अमा., सायन वृषे भानुः २३।०७
पंचक समाप्तिः ७।२४, देवपितृकार्येऽमा., A

अयनांशाः २३।५३।४८

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

संक्रांति फलम्

अयनांशाः २३।५३।४९

पं.५२ बै.कृ. १ मं. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
११	१	०	४	१	२	०	६
२२	१६	०८	१६	०८	१३	१८	१८
४०	११	०३	१४	३८	१८	४१	४१
३०	२६	२५	१७	१४	४७	२५	२५
५९	३८	२	५	५५	३	३	३
०१	२०	०२	०१	१७	१२	११	११
रे	रो	अ	पूफा	कृ	आ	भ	स्वा
२	२	३	१व	४	२	२	४

ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	अप्रे.	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	सायं	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ
११।२२।४३।३३	१ मं	६	६।४०	८।१६	१०।१२	१२।२७	२।४७	५।०४	७।२०	९।३९	११।५७	२।०२	३।४६	५।१४
११।२३।४२।३२	२ बु	७	६।३६	८।१२	१०।०८	१२।२३	२।४३	५।००	७।१६	९।३५	११।५४	१।५८	३।४२	५।१०
११।२४।४१।२८	३ गु	८	६।३२	८।०८	१०।०४	१२।१९	२।३९	४।५६	७।१२	९।३१	११।५०	१।५४	३।३८	५।०६
११।२५।४०।२९	४ शु	९	६।२८	८।०४	१०।००	१२।१५	२।३५	४।५२	७।०८	९।२७	११।४६	१।५०	३।३४	५।०२
११।२६।३९।१३	५ श	१०	६।२४	८।००	९।५७	१२।११	२।३१	४।४८	७।०४	९।२३	११।४२	१।४६	३।३०	४।५८
११।२७।३८।०२	६ र	११	६।२०	७।५७	९।५३	१२।०७	२।२७	४।४४	७।००	९।१९	११।३८	१।४२	३।२६	४।५४
११।२८।३६।४९	७ चं	१२	६।१७	७।५३	९।४९	१२।०३	२।२३	४।४०	६।५६	९।१५	११।३४	१।३९	३।२२	४।५१
११।२९।३५।३३	८ मं	१३	६।१३	७।४९	९।४५	११।५९	२।१९	४।३६	६।५२	९।११	११।३०	१।३५	३।१८	४।४७
००।००।३४।१६	९ बु	१४	६।०९	७।४५	९।४१	११।५५	२।१६	४।३२	६।४८	९।०७	११।२६	१।३१	३।१४	४।४३
००।०१।३२।५६	१० गु	१५	६।०५	७।४१	९।३७	११।५१	२।१२	४।२८	६।४४	९।०३	११।२२	१।२७	३।१०	४।३९
००।०२।३१।३४	११ शु	१६	६।०१	७।३७	९।३३	११।४८	२।०८	४।२५	६।४०	८।५९	११।१८	१।२३	३।०६	४।३५
००।०३।३०।०९	१२ श	१७	५।५७	७।३३	९।२९	११।४४	२।०४	४।२१	६।३६	८।५५	११।१४	१।१९	३।०२	४।३१
००।०४।२८।४३	१३ र	१८	५।५३	७।२९	९।२५	११।४०	२।००	४।१७	६।३२	८।५२	११।१०	१।१५	२।५८	४।२७
००।०५।२७।१४	१४ चं	१९	५।४९	७।२५	९।२१	११।३६	१।५६	४।१३	६।२९	८।४८	११।०६	१।११	२।५४	४।२३



संक्रांति फलम्
ता. १३ अप्रेल २००४
बैशा. कृ. ९ भौमे मेषेऽर्कः प्र. (स्टै.)
टा. १७।२२ वारात् ३ नक्षत्रात् ४
वारनाम महोदरी चोरान् सुस्ददा
नक्षत्रनाम महोदरी चोरान् सुस्ददा
अपरान्ह ३ प्रहर व्यापिनी वैश्यान्
हन्ति, दक्षिणे गमनं नैऋत्यां दृष्टिः
गरकरणे प्रविष्टा मध्यमफलं
हस्तीवाहनं स्त्रोपवाहनं लक्ष्मीकारक
रक्तवस्त्रं धनुष्यायुधं लोहपात्रं
दुग्धभक्षणं गोरोचनलेप्यनं पशुजातिः
विल्वपुष्पं मुकुटभूषणं श्वेतकंचुकी
प्रौढावस्था (वैठी) मु. ३० धान्यभावे
सम वत्स पश्चिमा. राहु दक्षिणे मूलं
पातालें विवाहस्तंभो नैऋत्यां
शुक्रोदयः पश्चिमायाम्। पुण्यकालः
(स्टै.) ११।२२ से २३।२२ तक ।
(दान- मेष) ।

पं. १ बै.कृ.१० बु. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
०	१	०	४	१	२	०	६
००	२१	०५	१५	१५	१३	१८	१८
३१	१७	३३	३८	४२	४६	१६	१६
२३	३५	४५	३६	१८	५९	०१	००
५८	३८	३९	३	४९	३	३	३
४५	१५	२६	४३	५३	५७	११	११
अ	रो	अ	पूफा	रो	आ	भ	स्वा
१	४	२व	१व	२	३	२	४



CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

२० अप्रेल से ४ मई तक श्री वैशाख शुक्लपक्ष संवत् २०६१, शाकः १९२६, दि.मा.सू. सू. तारीख स्टै. प्रातः दैनिक केतकी अहर्गणः ४३९८ ग्रीष्मर्तू रविउत्तरे, अप्रेल-मई २००४

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति	यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।
अमृत	१	मं	३६	००	२०	२८	अश्वि	८	१५	९	२२	प्री	३९	१८	२१	४७	किं	३	५५	७	३८	३२/५५	६/४	६/५४	३१	२९	२०	मेषे	०।०६।१८।३६	५८।२७	[B ३, (व) मीने रेव. बुधः ६।०५, रोहिण्यां रे.९ ॥ऽशु॥॥॥॥ E
काण	२	बु	४०	५५	२२	२५	भर	१४	१०	११	४३	आ	४०	४०	२२	१९	बा	८	२२	९	२४	०९	०३	५५	१	३०	२१	वृषे	१८।२२	०।०७।१७।०३	५८।२५	चंद्रदर्शनम् (मु.३०), शिवाजी जयंती, भा. बैशाख्यारंभः
अक्षया	३	गु	४६	३९	२४	४२	कृति	२०	५७	१४	२५	सौ	४२	३९	२३	०६	तै	१३	४२	११	३१	१२	०२	५५	२	१	२२	वृषे		०।०८।१५।२८	५८।२३	युगादि, कल्पादि, परशुराम जयंती, अक्षय तृतीया, रविलावल B
मित्र	४	शु	५२	५६	२७	१२	रोहि	२८	२४	१७	२३	शो	४५	०५	२४	०४	व	१९	४६	१३	५६	१६	०१	५६	३	२	२३	वृषे		०।०९।१३।५१	५८।२९	भ. १३।५६ उ. २७।१२ या., मृगे शुक्रः २९।१६, रोहि. रे. ९ F
वज्र	५	श	५९	२५	२९	४६	मृग	३६	०९	२०	२८	अ	४७	४२	२५	०५	ब	२६	१२	१६	२९	२०	००/५६	४	३	२४	मिथु.	६।५५	०।१०।१२।१२	५८।१८	श्री आद्यशंकराचार्य जयंती [F ॥ऽशु॥॥॥॥ दिवा ल. ३ (सोग्रांगः)
ध्वाङ्क्ष	६	र	...	...	...	..	आर्द्रा	४३	४५	२३	३०	सु	५०	०७	२६	०२	कौ	३२	३४	१९	०१	२४	००/५७	५	४	२५	मिथु.		०।११।१०।२९	५८।१६	श्री रामानुज जयंती [E दिवा ल. ५ (बु. ७ दो.) रात्रौ ११
धूम्र	६	सो	५	३३	८	१२	पुन	५०	३८	२६	१४	धृ	५१	५७	२६	४५	तै	५	३३	८	१२	२७	५/५९	५७	६	५	२६	कर्के	१९।३५	०।१२।०८।४६	५८।१४	गंगोत्पत्ति [G ८ ॥ऽबु॥ऽ॥॥ दिवा ल. ५, रात्रौ अ. गो. ११
प्रवर्धमा	७	मं	१०	४३	१०	१५	पुष्य	५६	१७	२८	२९	शू	५२	४६	२७	०४	व	१०	४३	१०	१५	३१	५८	५८	७	६	२७	कर्के		०।१३।०७।००	५८।१२	भ. १०।१५ उ. २३।०५ या., भर. रविः ९।१२ (सौरः ११।१९), C
राक्षस	८	बु	१४	२८	११	४४	श्लेषा	...	...	...	...	गं	५२	१८	२६	५२	व	१४	२८	११	४४	३४	५७	५९	८	७	२८	कर्के		०।१४।०५।१२	५८।१०	[C मिथुने भौमः २२।२४, अगस्त्यास्तः ११।०३
अमृत	९	गु	१६	२३	१२	२९	श्लेषा	०	१९	६	०४	वृ	५०	१९	२६	०४	कौ	१६	२३	१२	२९	३८	५६	५९	९	८	२९	सिंहे	६।०४	०।१५।०३।२२	५८।०८	सीता ९, बुधोदयः पूर्वस्याम् ९।५०
काण	१०	शु	१६	२०	१२	२७	मघा	२	२५	६	५३	ध्रु	४६	४७	२४	३८	ग	१६	२०	१२	२७	४१	५५	७/००	१०	९	३०	सिंहे		०।१६।०१।३०	५८।०६	भ. २४।०८ उ., मार्गी बुधः २९।२४ [H गो. ८, ११ (कुंभे गु. ७ पू.)
ए.व्र.	११	श	१४	१८	११	३७	पूफा	२	३५	६	५६	व्या	४१	४२	२२	३५	वि	१४	१८	११	३७	४५	५४	००	११	१०	१	कन्या	१२।५०	०।१६।५९।३६	५८।०४	भ. ११।३७ या., मोहिनी ११ व्र. , मई ५ ता. ३१, उष्का. रे G
प्र.व्र.	१२	र	१०	२६	१०	०४	उष्का	०/५७	५३/३१	६/२८	४५/५४	ह	३५	१३	१९	५९	बा	१०	२६	१०	०४	४८	५४	०१	१२	११	२	कन्या		०।१७।५७।३९	५८।०२	प्रदोषः हस्ते रे ७ ऽऽऽबु॥॥॥॥ दिवा ३ (सोग्रांगः) ५, रात्रौ H
मुद्गर	१३	सो	४	५८	७	५२	चित्रा	५२	५०	२७	०१	व	२७	३२	१६	५३	तै	४	५८	७	५२	५२	५३	०१	१३	१२	३	तुला. १६।०१		०।१८।५५।४१	५८।००	भ. २९।०९ उ., नृसिंह १४ [D प्रीत्यर्थं जलकुंभदानं
क्षयः	१४	सो	५८	०९	२९	०९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[A पूर्णिमा व्रतंपुण्यञ्च, वैशाख्स्नानपूर्त्तिः, धर्म D
पूर्णिमा	१५	मं	५०	२५	२६	०२	स्वा	४७	०९	२४	४३	सि	१८	५३	१३	२५	वि	२४	२३	१५	३७	५५	५२	०२	१४	१३	४	तुला.		०।१९।५३।४१	५७।५८	भ. १५।३७ या., स्वग्रासं चन्द्रग्रहणम्, कूर्मोत्पत्तिः, A

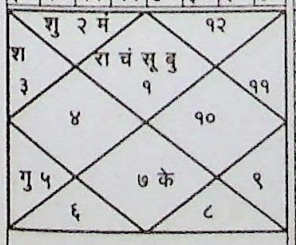
अयनांशाः २३।५३।५०

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

मास फलम् अयनांशाः २३।५३।५१

पं. २ बै.शु. २ बु. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
०	१	०	४	१	२	०	६
०७	२५	००	१५	२१	१४	१७	१७
२१	४५	३८	१६	१३	१६	५३	५३
४०	०१	२४	१५	३०	२८	४६	४६
५८	३८	३८	२	४३	४	३	३
३१	१२	२१	२९	४०	३३	११	११
अ	मृ	अ	पूफा	रो	आ	भ	स्वा
३	१	१व	१व	४	३	२	४



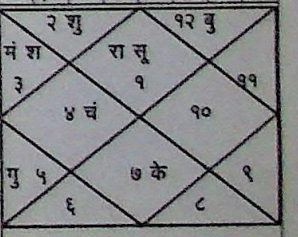
ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	अप्रे.	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	सायँ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ
००।०६।२५।४३	९ मं	२०	५।४५	७।२९	९।१७	११।३२	१।५२	४।०९	६।२५	८।४४	११।०२	१।०७	२।५०	४।९९
००।०७।२४।०९	२ बु	२१	५।४१	७।१७	९।१३	११।२८	१।४८	४।०५	६।२१	८।४०	१०।५८	१।०३	२।४६	४।९५
००।०८।२२।३४	३ गु	२२	५।३७	७।१३	९।०९	११।२४	१।४४	४।०१	६।१७	८।३६	१०।५४	१२।५९	२।४३	४।९१
००।०९।२०।५६	४ शु	२३	५।३३	७।०९	९।०५	११।२०	१।४०	३।५७	६।१३	८।३२	१०।५०	१२।५५	२।३९	४।०७
००।१०।१९।१७	५ श	२४	५।२९	७।०५	९।०१	११।१६	१।३६	३।५३	६।०९	८।२८	१०।४७	१२।५१	२।३५	४।०३
००।११।१७।३५	६ र	२५	५।२५	७।०१	८।५७	११।१२	१।३२	३।४९	६।०५	८।२४	१०।४३	१२।४७	२।३१	३।५९
००।१२।१५।५१	६ चं	२६	५।२१	६।५७	८।५३	११।०८	१।२८	३।४५	६।०१	८।२०	१०।३९	१२।४३	२।२७	३।५५
००।१३।१४।०४	७ मं	२७	५।१७	६।५३	८।५०	११।०४	१।२४	३।४१	५।५७	८।१६	१०।३५	१२।३९	२।२३	३।५१
००।१४।१२।१६	८ बु	२८	५।१३	६।५०	८।४६	११।००	१।२०	३।३७	५।५३	८।१२	१०।३१	१२।३५	२।१९	३।४७
००।१५।१०।२६	९ गु	२९	५।१०	६।४६	८।४२	१०।५६	१।१६	३।३३	५।४९	८।०८	१०।२७	१२।३२	२।१५	३।४४
००।१६।०८।३३	१० शु	३०	५।०६	६।४२	८।३८	१०।५२	१।१२	३।२९	५।४५	८।०४	१०।२३	१२।२८	२।११	३।४०
००।१७।०६।३९	११ श	१	५।०२	६।३८	८।३४	१०।४८	१।०९	३।२५	५।४१	८।००	१०।१९	१२।२४	२।०७	३।३६
००।१८।०४।४२	१२ र	२	४।५८	६।३४	८।३०	१०।४५	१।०५	३।२१	५।३७	७।५६	१०।१५	१२।२०	२।०३	३।३२
००।१९।०२।४४	१३ चं	३	४।५४	६।३०	८।२६	१०।४१	१।०१	३।१८	५।३३	७।५२	१०।११	१२।१६	१।५९	३।२८
००।२०।००।४४	१५ मं	४	४।५०	६।२६	८।२२	१०।३७	१२।५७	३।१४	५।२९	७।४९	१०।०७	१२।१२	१।५५	३।२४

चन्द्रग्रहण, ४ मई २००४, मंगलवार

इस माह में पांच मंगलवार होने से किसी बड़े व्यक्ति का अभाव हो। अग्नि का भय हो तथा कहीं वर्षा में देरी हो, सोमवारी अमावस होने से सुभिक्ष क्षेम आरोग्य वर्षा का प्रबल उदय-धान्य की उत्पत्ति और प्रजा में सुख हो, अमावस्या रेवती योग सुभिक्षकारक है, शुक्ला ३ को कृतिका होने से मध्यम वर्ष जानना। शुक्ला पंचमी को शनिवार होने से अन्न का ह्रास हो। पूर्णिमा मंगलवार और स्वाति युक्त होने से व्याधि और दुर्भिक्ष हो। मंगलवार की सक्रांति होने से धान्यादि एवं लाल वर्ण वाली सभी वस्तुओं के भाव तेज हों, प्रजा में विग्रह हो, कहीं-कहीं हिंसादि हो, अग्निभय हो, घृत तेल लवण रस कपूर चंदन ये सब महँगे हों।

पं. ३ बै.शु. ८ बु. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
०	२	११	४	१	२	०	६
१४	००	२७	१५	२५	१४	१७	१७
१०	१२	२९	०२	५५	५०	३१	३१
२६	००	२६	४०	५६	०३	३१	३१
५८	३८	९	१	३५	५	३	३
१८	०८	२२	१३	३५	०७	११	११
भ	मृ	रे	पूफा	मृ	आ	भ	स्वा
१	३	४व	१व	१	३	२	४



CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

॥ श्रीवल्लभ मनीराम पञ्चाङ्गम् ॥

५ मई से १९ मई तक श्री ज्येष्ठ कृष्णपक्ष संवत् २०६१, शाकः १९२६, दि.मा.सू. सू. तारीख स्टै. प्रातः दैनिक ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे वैशाख्यकृष्णेति गुर्जराः, मई २००४

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
घाता	१	बु	४२	०३	२२	४१	विशा	४०	४९	२२	११	व्य	९ ५९	३४ ४८	९ २९	४१ ४७	बा	१६	१८	१२	२२	३२ ५८	५ ५१	७ ०३	१५	१४	५	वृश्चि. १६।५०	०।२०।५१।३९	५७।५६
आनन्द	२	गु	३३	२७	१९	१३	अनु	३४	१४	१९	३२	प	४९	५९	२५	५०	तै	७	४७	८	५७	३३ ३३	५१	०३	१६	१५	६	वृश्चि.	०।२१।४९।३५	५७।५४
च.व्र.	३	शु	२४	५७	१५	४९	ज्ये	२७	४६	१६	५६	शि	४०	२१	२१	५८	वि	२४	५७	१५	४९	०५	५०	०४	१७	१६	७	धनु. १६।५६	०।२२।४७।२९	५७।५२
गद	४	श	१६	५६	१२	३५	मूल	२१	४८	१४	३२	सि	३१	११	१८	१७	बा	१६	५६	१२	३५	०८	४९	०४	१८	१७	८	धनु.	०।२३।४५।२१	५७।५०
शुभ	५	र	९	४१	९	४१	पूषा	१६	३९	१२	२८	सा	२२	४५	१४	५४	तै	९	४१	९	४१	११	४८	०५	१९	१८	९	मक. १८।०१	०।२४।४३।११	५७।४८
काण	६	सो	३	३२	७	१३	उषा	१२	३८	१०	५१	शु	१५	१७	११	५४	व	३	३२	७	१३	१४	४८	०६	२०	१९	१०	मक.	०।२५।४०।५९	५७।४७
क्षयः	७	सो	५८	४३	२९	१७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
लुम्बक	८	मं	५५	२५	२७	५७	श्रव	९	५९	९	४७	शु	८	५७	९	२२	बा	२६	५२	१६	३२	१७	४७	०६	२१	२०	११	कुंभे २१।२८	०।२६।३८।४६	५७।४५
मित्र	९	बु	५३	४२	२७	१५	धनि	८	५२	९	१९	ब्र	३	५१	७	१९	तै	२४	२२	१५	३९	२०	४६	०७	२२	२१	१२	कुंभे	०।२७।३६।३१	५७।४३
वज्र	१०	गु	५३	३७	२७	१३	शत	९	२०	९	३०	ऐ	० ५७	३२ २९	५ २८	४७ ४६	व	२३	२९	१५	१०	२३	४६	०७	२३	२२	१३	मीने २८।०३	०।२८।३४।१४	५७।४१
ए.व्र.	११	शु	५५	०२	२७	४६	पूभा	११	२२	१०	१८	वि	५६	०८	२८	१२	ब	२४	०९	१५	२५	२६	४५	०८	२४	२३	१४	मीने	०।२९।३१।५५	५७।३९
धूम्र	१२	श	५७	४५	२८	५१	उमा	१४	४८	११	४०	प्री	५५	४८	२८	०४	कौ	२६	१५	१६	१५	२९	४५	०८	२५	२४	१५	मीने	१।००।२९।३४	५७।३८
प्र.व्र.	१३	र	...	...	..	..	रेव	१९	२९	१३	३२	आ	५६	२०	२८	१६	ग	२९	३४	१७	३४	३२	४४	०९	२६	२५	१६	मेषे १३।३२	१।०१।२७।१२	५७।३६
राक्षस	१३	सो	१	३६	६	२२	अश्वि	२५	०८	१५	४७	सौ	५७	३३	२८	४५	व	१	३६	६	२२	३५	४४	१०	२७	२६	१७	मेषे	१।०२।२४।४८	५७।३४
मुसल	१४	मं	६	१८	८	१४	भर	३१	३३	१८	२०	शो	५९	१९	२९	२७	श	६	१८	८	१४	३७	४३	१०	२८	२७	१८	वृषे २५।०१	१।०३।२२।२२	५७।३३
अमाव.	३०	बु	११	४०	१०	२३	कृति	३८	३३	२१	०८	अ	...	...	..	..	ना	११	४०	१०	२३	४०	४३	११	२९	२८	१९	वृषे	१।०४।१९।५५	५७।३१

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है ।
ग्रहण-करिदिन, मार्गी गुरुः २०।२९, मिथुने शुक्रः २९।४९
भ. २९।३० उ., नारद जयंती, वीणादानं [D (वृषे रेस्था ८)
भ. १५।४९ या., चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः २२।१७, टैगोर जयन्ती
आर्द्रा. भौमः १०।२७, मूले रे. ९ IIIIIIIS॥ दिवा. ल. २। ५ D
मेषे अश्वि. बुधः ९।०४, उषा. रे. ७ ISISशु॥IIIIS दग्धा E
भ. ७।१३ उ. १८।१० या., कृत्ति. रविः २७।२३
[E दिवा ल. २,५रात्रौ अ. गो. ११
पंचक प्रारम्भः २१।२८, कृत्ति. सौरः ६।१८
[A व्र. (मरु.), वक्री शुक्रः १०।२९
भ. १५।१० उ. २७।१३ या.
अपरा ११ व्र. , वृषे रविः १४।१७ (सौरः १७।२६), भर.-१ C
[C राहुः १०।४९, स्वा.-३ केतुः १०।४९
पंचक समाप्तिः १३।३२, प्रदोषः [B शनिः ९।०९
भ. ६।२२ उ. १९।१६ या., मासिकशिवरात्री व्र., आर्द्रा.-४ B
शनैश्चर जयन्ती, पितृकार्येऽमा., भाऊका ३०, वट सावित्री A
देवकार्येऽमा., वटपूजनम् मरुस्थले, भाऊका-करिदिन

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

अयनांशाः २३।५३।५२

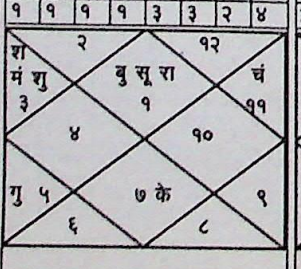
पं. ४ ज्ये.कृ. ९ बु. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
०	२	११	४	१	२	०	६
२०	०४	२८	१४	२९	१५	१७	१७
५७	३८	०१	५८	३४	२७	०९	०९
४४	३३	२७	०५	५७	२४	१६	१७
५८	३८	२२	०	२५	५	३	३
०६	०४	१९	०५	०५	३७	११	११
म	मृ	रे	पूफा	मृ	आ	भ	स्वा
३	४	४	१	२	३	२	४



ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	मई	रात्री	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	सायं	रात्री	रात्री	रात्री	रात्री
००।२०।५८।४९	१ बु	५	४।४६	६।२२	८।१८	१०।३३	१२।५३	३।१०	५।२५	७।४५	१०।०३	१२।०८	१।५१	३।२०
००।२१।५६।३७	२ गु	६	४।४२	६।१८	८।१४	१०।२९	१२।४९	३।०६	५।२२	७।४१	९।५९	१२।०४	१।४७	३।१६
००।२२।५४।३०	३ शु	७	४।३८	६।१४	८।१०	१०।२५	१२।४५	३।०२	५।१८	७।३७	९।५५	१२।००	१।४३	३।१२
००।२३।५२।२२	४ श	८	४।३४	६।१०	८।०६	१०।२१	१२।४१	२।५८	५।१४	७।३३	९।५१	११।५६	१।३९	३।०८
००।२४।५०।१२	५ र	९	४।३०	६।०६	८।०२	१०।१७	१२।३७	२।५४	५।१०	७।२९	९।४७	११।५२	१।३६	३।०४
००।२५।४८।००	६ चं	१०	४।२६	६।०२	७।५८	१०।१३	१२।३३	२।५०	५।०६	७।२५	९।४३	११।४८	१।३२	३।००
००।२६।४५।४७	८ मं	११	४।२२	५।५८	७।५४	१०।०९	१२।२९	२।४६	५।०२	७।२१	९।४०	११।४४	१।२८	२।५६
००।२७।४३।३१	९ बु	१२	४।१८	५।५४	७।५०	१०।०५	१२।२५	२।४२	४।५८	७।१७	९।३६	११।४०	१।२४	२।५२
००।२८।४१।१४	१० गु	१३	४।१४	५।५०	७।४६	१०।०१	१२।२१	२।३८	४।५४	७।१३	९।३२	११।३६	१।२०	२।४८
००।२९।३८।५५	११ शु	१४	४।१०	५।४६	७।४३	९।५७	१२।१७	२।३४	४।५०	७।०९	९।२८	११।३२	१।१६	२।४४
०१।००।३६।३४	१२ श	१५	४।०६	५।४३	७।३९	९।५३	१२।१३	२।३०	४।४६	७।०५	९।२४	११।२८	१।१२	२।४०
०१।०१।३४।११	१३ र	१६	४।०३	५।३९	७।३५	९।४९	१२।०९	२।२६	४।४२	७।०१	९।२०	११।२५	१।०८	२।३७
०१।०२।३१।४७	१३ चं	१७	३।५९	५।३५	७।३१	९।४५	१२।०५	२।२२	४।३८	६।५७	९।१६	११।२१	१।०४	२।३३
०१।०३।२९।२१	१४ मं	१८	३।५५	५।३१	७।२७	९।४१	१२।०२	२।१८	४।३४	६।५३	९।१२	११।१७	१।००	२।२९
०१।०४।२६।५४	३० बु	१९	३।५१	५।२७	७।२३	९।३८	११।५८	२।१४	४।३०	६।४९	९।०८	११।१३	१२।५६	२।२५

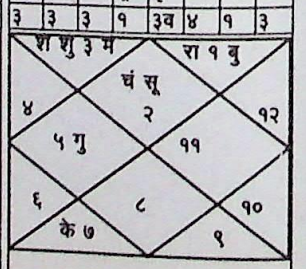
अयनांशाः २३।५३।५४

पं. ५ ज्ये.कृ. ९ बु. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
०	२	०	४	२	२	०	६
२७	०९	०१	१५	०१	१६	१६	१६
४३	०४	५९	०२	५२	०८	४७	४७
४२	४१	५६	२८	०८	०८	०२	०२
५७	३८	४८	१	११	६	३	३
५५	००	५१	२१	४४	०५	११	११
कृ	आ	अ	पूफा	मृ	आ	भ	स्वा
१	१	१	१	३	३	२	४



अयनांशाः २३।५३।५५

पं. ६ ज्ये.कृ.३० बु. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
१	२	०	४	२	२	०	६
०४	१३	०८	१५	०२	१६	१६	१६
२८	३०	५१	१५	२७	५१	२४	२४
२६	२५	३४	४०	२१	५३	४७	४७
५७	३७	७१	२	४	६	३	३
४५	५७	३१	३५	२०	२९	११	११
कृ	आ	अ	पूफा	मृ	आ	भ	स्वा
३	३	३	१	३व	४	१	३



CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

२० मई से ३ जून तक श्री ज्येष्ठ शुक्लपक्ष संवत् २०६१, शाकः १९२६, दि.मा.सू. सू. तारीख स्टै. प्रातः दैनिक केतकी अहर्गणः ४४२८ ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे, मई-जून २००४

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
उत्पात	१	गु	१७	३२	१२	४३	रोहि	४५	५८	२४	०५	अ	१	२९	६	१८	ब	१७	३२	१२	४३	३३/४३	५/४२	७/११	३०	२९	२०	वृषे	१०५।१७।२६	५७।३०
मानस	२	शु	२३	४३	१५	११	मृग	५३	३५	२७	०८	सु	३	५४	७	१६	कौ	२३	४३	१५	११	४५	४२	१२	३१	१	२१	मिथु.	१३।३६	१०६।१४।५६	५७।२८
मुद्गर	३	श	३०	००	१७	४१	आर्द्रा	...	...	...	...	धृ	६	२९	८	१७	ग	३०	००	१७	४१	४७	४१	१२	१	२	२२	मिथु.		१०७।१२।२४	५७।२७
ध्वाङ्क्ष	४	र	३६	०२	२०	०६	आर्द्रा	१	१२	६	१०	शू	८	५८	९	१६	व	३	०५	६	५५	५०	४१	१३	२	३	२३	कर्क,	२६।२१	१०८।०९।५१	५७।२५
धूम्र	५	सो	४१	२७	२२	१६	पुन	८	२५	९	०३	गं	११	०८	१०	०८	ब	८	५१	९	१३	५२	४१	१३	३	४	२४	कर्के		१०९।०७।१६	५७।२४
प्रवर्धमा	६	मं	४५	५०	२४	००	पुष्य	१४	४९	११	३६	वृ	१२	३८	१०	४३	कौ	१३	४९	११	१२	५४	४०	१४	४	५	२५	कर्क		१।१०।०४।३९	५७।२२
राक्षस	७	बु	४८	४५	२५	१०	श्ले	२०	००	१३	४०	ध्रु	१३	११	१०	५६	ग	१७	३०	१२	४०	५७	४०	१५	५	६	२६	सिंहे	१३।४०	१।११।०२।०२	५७।२१
मुसल	८	गु	४९	५६	२५	३८	मघा	२३	३८	१५	०७	व्या	१२	३०	१०	३९	वि	१९	३४	१३	२९	५९	४०	१५	६	७	२७	सिंहे		१।११।५९।२२	५७।१९
सिद्धि	९	शु	४९	१३	२५	२१	पूफा	२५	२७	१५	५०	ह	१०	२३	९	४९	बा	१९	४९	१३	३५	३४/३५	३९	१६	७	८	२८	कन्या	२१।५४	१।१२।५६।४२	५७।१८
गंगा	१०	श	४६	३४	२४	१७	उफा	२५	२२	१५	४८	व	६	४५	८	२१	तै	१८	०८	१२	५४	०३	३९	१६	८	९	२९	कन्या		१।१३।५४।००	५७।१७
ए.व्र.	११	र	४२	०५	२२	२९	हस्त	२३	२५	१५	०१	सि	९/५४	३५/३६	६/२७	१७/३७	व	१४	३४	११	२८	०५	३९	१७	९	१०	३०	तुला.	२६।२२	१।१४।५९।१७	५७।१६
मुद्गर	१२	सो	३५	५७	२०	०१	चित्रा	१९	४५	१३	३३	व	४७	०१	२४	२७	ब	९	१३	९	२०	०६	३९	१७	१०	११	३१	तुला.		१।१५।४८।३३	५७।१४
प्र.व्र.	१३	मं	२८	२६	१७	०१	स्वा	१४	३६	११	२९	प	३७	५८	२०	४९	कौ	२	२०	६	३५	०८	३८	१८	११	१२	१	वृश्चि.	२७।३७	१।१६।४५।४७	५७।१३
धाता	१४	बु	१९	५१	१३	३४	विशा	८	१८	८	५७	शि	२८	०५	१६	५२	व	१९	५१	१३	३४	१०	३८	१८	१२	१३	२	वृश्चि.		१।१७।४३।००	५७।१२
पूर्णिमा	१५	गु	१०	३३	९	५१	अनु	१/५३	१२/४३	६/२७	०७/०७	सि	१७	४१	१२	४२	ब	१०	३३	९	५१	११	३८	१९	१३	१४	३	धनु.	२७।०७	१।१८।४०।१२	५७।११

मन्वादि, कबीर जयंती, ज्येष्ठी

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह वारादि का समय स्टै.टा.में है।
चंद्रदर्शनम् (मु.४५), करिदिनं, श्री गंगादशाश्वमेधस्नान प्रा., A
रंभा व्रतं, रविलास्पर ४ [A सायन मिथुने भानुः २२।१८
प्रताप जयंती, भा. ज्येष्ठारंभः, भर. बुधः १९।११
म. ६।५५ उ. २०।०६ या.
रोहि. रविः २३।३९ (सौरः २८।४३)
[B साध्य व्र., वृषे बुधः १०।१९
भ. २५।१० उ.
भ. १३।२९ या., दुर्गाष्टमी, धूमावती जयंती
(व) वृषे शुक्रः २५।१९
गंगा दशहरा व्र., पुन. भौमः १२।२०
भ. ११।२८ उ. २२।२९ या., निर्जला ११ व्र.
वट सावित्री व्रतारंभः, कृत्ति. बुधः १२।२३
प्रदोषः, जून ६ ता. ३०
भ. १३।३४ उ. २३।४४ या., गुर्जराणां वटसावित्री व्रतं, अब्द B

अयनांशाः २३।५३।५६

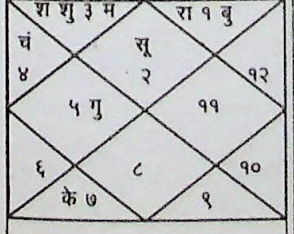
॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

संक्रांति फलम्

अयनांशाः २३।५३।५७

पं. ७ ज्ये.शु. ७ बु. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
१	२	०	४	२	२	०	६
११	१७	१८	१५	०१	१७	१६	१६
१२	५५	१२	३७	०५	३८	०२	०२
०५	४८	०४	२१	४७	१६	३२	३२
५७	३७	९०	३	२१	६	३	३
३६	५४	५५	४६	१५	४९	११	११
रो	आ	भ	पूफा	मृ	आ	भ	स्वा
१	४	२	१	३व	४	१	३

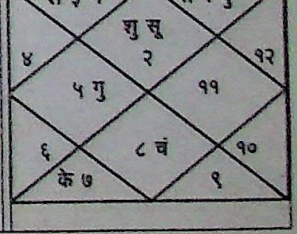


ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	मई	रात्रौ	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	सायं	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ
०१।०५।२४।२५	१ गु	२०	३।४७	५।२३	७।१९	९।३४	११।५४	२।११	४।२६	६।४५	९।०४	११।०९	१२।५२	२।२९
०१।०६।२१।५४	२ शु	२१	३।४३	५।१९	७।१५	९।३०	११।५०	२।०७	४।२२	६।४२	९।००	११।०५	१२।४८	२।१७
०१।०७।१९।२२	३ श	२२	३।३९	५।१५	७।११	९।२६	११।४६	२।०३	४।१८	६।३८	८।५६	११।०१	१२।४४	२।१३
०१।०८।१६।४८	४ र	२३	३।३५	५।११	७।०७	९।२२	११।४२	१।५९	४।१५	६।३४	८।५२	१०।५७	१२।४०	२।०९
०१।०९।१४।१३	५ चं	२४	३।३१	५।०७	७।०३	९।१८	११।३८	१।५५	४।११	६।३०	८।४८	१०।५३	१२।३६	२।०५
०१।१०।११।३६	६ मं	२५	३।२७	५।०३	६।५९	९।१४	११।३४	१।५१	४।०७	६।२६	८।४४	१०।४९	१२।३२	२।०१
०१।११।०८।५८	७ बु	२६	३।२३	४।५९	६।५५	९।१०	११।३०	१।४७	४।०३	६।२२	८।४०	१०।४५	१२।२९	१।५७
०१।१२।०६।१९	८ गु	२७	३।१९	४।५५	६।५१	९।०६	११।२६	१।४३	३।५९	६।१८	८।३६	१०।४१	१२।२५	१।५३
०१।१३।०३।३८	९ शु	२८	३।१५	४।५१	६।४७	९।०२	११।२२	१।३९	३।५५	६।१४	८।३३	१०।३७	१२।२१	१।४९
०१।१४।००।५६	१० श	२९	३।११	४।४७	६।४३	८।५८	११।१८	१।३५	३।५१	६।१०	८।२९	१०।३३	१२।१७	१।४५
०१।१४।५८।१३	११ र	३०	३।०७	४।४३	६।३९	८।५४	११।१४	१।३१	३।४७	६।०६	८।२५	१०।२९	१२।१३	१।४१
०१।१५।५५।२८	१२ चं	३१	३।०३	४।३९	६।३६	८।५०	११।१०	१।२७	३।४३	६।०२	८।२१	१०।२५	१२।०९	१।३७
०१।१६।५२।४२	१३ मं	१	२।५९	४।३६	६।३२	८।४६	११।०६	१।२३	३।३९	५।५८	८।१७	१०।२१	१२।०५	१।३३
०१।१७।४९।५५	१४ बु	२	२।५६	४।३२	६।२८	८।४२	११।०२	१।१९	३।३५	५।५४	८।१३	१०।१८	१२।०१	१।३०
०१।१८।४७।०७	१५ गु	३	२।५२	४।२८	६।२४	८।३८	१०।५८	१।१५	३।३१	५।५०	८।०९	१०।१४	११।५७	१।२६

ता. १४ मई २००४
ज्ये. कृ. ११ भृगौ वृषेऽर्कः प्र. (स्टै.)
टा. १४।१७ वारात् ४ नक्षत्रात् ५
वारनाम मिश्रा पशून् सुस्पदा
नक्षत्रनाम नंदा गणकान् सुस्पदा
मध्यान्ह २ प्रहर व्यापिनी द्विजान्
हन्ति, पश्चिमे गमनं वाय्व्यां दृष्टिः
बवकरणे प्रविष्टा मध्यमफलं
सिंहवाहनं गजोपवाहनं भीतिकारक
श्वेतवस्त्रं भुशुण्ड्यायुधं स्वर्णपात्रं
अन्नभक्षणं कस्तूरीलेपनं दैवतंजातिः
पुन्नागपुष्पं पिरोजभूषणं विचित्रकंचुकी
बालावस्था (बैठी) मु. ४५ धान्यभावे
समर्घ वत्स उत्तरे राहु पश्चिमा. मूलं
पाताले विवाहस्तंभो ऽग्निकोणे
शुक्रोदयः पश्चिमायाम्। पुण्यकालः
(स्टै.) ७।५३ से १४।१७ तक।
(दान- गौ)।

पं. ८ ज्ये.शु.१४ बु. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
१	२	०	४	१	२	०	६
१७	२२	२९	१६	२७	१८	१५	१५
५४	२०	३९	०७	५३	२६	४०	४०
४७	५३	०६	०५	२७	५५	१७	१७
५७	३७	१०/७	४	३४	७	३	३
२८	५१	२१	५३	३१	०७	११	११
रो	पुन	कृ	पूफा	मृ	आ	भ	स्वा
३	१	१	१	२व	४	१	३



CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

॥ श्रीवल्लभ मनीराम पञ्चाङ्गम् ॥

४ जून से १७ जून तक श्री आषाढ़ कृष्णपक्ष संवत् २०६१, शाकः १९२६, दि.मासू. सू. तारीख्स स्टै. प्रातः दैनिक ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे ज्येष्ठकृष्णेति गुर्जराः, जून २००४

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
सुस्थिर	१	शु	०	५९	६	०२	मूल	४६	२०	२४	१०	सा	७ ५६	०५ ३९	८ २८	२८ ०७	कौ	०	५९	६	०२	३४ ३३	५ ३८	७ ०९	१४	१५	४	धनु.	१।१९।३७।२३	५७।१०
क्षयः	२	शु	५१	३३	२६	१५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
मातङ्ग	३	श	४२	४१	२२	४२	पूषा	३९	२८	२१	२५	शु	४६	४३	२४	१९	व	१७	०१	१२	२६	१४	३८	१९	१५	१६	५	मक.	१।२०।३४।३३	५७।०९
च.व्र.	४	र	३४	४८	१९	३३	उषा	३३	३५	१९	०४	ब्र	३७	३९	२०	४१	ब	८	३५	९	०४	१५	३८	२०	१६	१७	६	मक.	१।२१।३१।४२	५७।०८
सिद्धि	५	सो	२८	१७	१६	५६	श्रव	२९	०३	१७	१५	ऐ	२९	४४	१७	३१	कौ	१	२१	६	१०	१७	३८	२०	१७	१८	७	कुंभे २८।३५	१।२२।२८।४९	५७।०७
उत्पात	६	मं	२३	२६	१५	००	धनि	२६	१३	१६	०७	वै	२३	१२	१४	५५	व	२३	२६	१५	००	१८	३८	२१	१८	१९	८	कुंभे	१।२३।२५।५६	५७।०६
मानस	७	बु	२०	३१	१३	५०	शत	२५	१७	१५	४४	वि	१८	१३	१२	५५	ब	२०	३१	१३	५०	१९	३८	२१	१९	२०	९	कुंभे	१।२४।२३।०२	५७।०५
मुद्गर	८	गु	१९	३५	१३	२७	पूभा	२६	१९	१६	०९	प्री	१४	५२	११	३४	कौ	१९	३५	१३	२७	२०	३८	२२	२०	२१	१०	मीने	१।२५।२०।०७	५७।०४
ध्वजा	९	शु	२०	३५	१३	५१	उभा	२९	१५	१७	१९	आ	१३	०३	१०	५१	ग	२०	३५	१३	५१	२१	३८	२२	२१	२२	११	मीने	१।२६।१७।११	५७।०३
धाता	१०	श	२३	१८	१४	५७	रेव	३३	४९	१९	०९	सौ	१२	३७	१०	४०	वि	२३	१८	१४	५७	२२	३८	२२	२२	२३	१२	मेषे	१९।०९	१।२७।१४।१४	५७।०२
ए.व्र.	११	र	२७	२८	१६	३७	अश्वि	३९	४३	२१	३१	शो	१३	२०	१०	५८	बा	२७	२८	१६	३७	२२	३८	२३	२३	२४	१३	मेषे		१।२८।१९।१७	५७।०२
चर	१२	सो	३२	३९	१८	४१	भर	४६	३१	२४	१४	अ	१४	५४	११	३५	तै	३२	३९	१८	४१	२३	३८	२३	२४	२५	१४	मेषे		१।२९।०८।१८	५७।०१
प्र.व्र.	१३	मं	३८	२७	२१	०१	कृति	५३	५२	२७	११	सु	१७	०२	१२	२७	ग	५	३०	७	५०	२४	३८	२३	२५	२६	१५	वृषे ६।५७	२।००।०५।१९	५७।००
शुभ	१४	बु	४४	३४	२३	२८	रोहि	...	...	...	...	धृ	१९	२९	१३	२५	वि	११	२९	१०	१४	२४	३८	२४	२६	२७	१६	वृषे	२।०१।०२।१९	५७।००
अमाव.	३०	गु	५०	४५	२५	५६	रोहि	१	२६	६	१२	शू	२२	०१	१४	२७	च	१७	४०	१२	४२	२४	३८	२४	२७	२८	१७	मिथु. १९।४४	२।०१।५९।१९	५६।५९

शुक्रास्तः पश्चिमायाम्

[शुक्रास्तः पश्चिमायाम् ७।४८]

भ. १२।२६ उ. २२।४२ या.

चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः २३।०२, बुधास्तः पूर्वस्याम् ७।०१

पंचक प्रारम्भः २८।३५, मृगे रविः २१।३३ (सौरः २७।०८), रोहि. B

भ. १५।०० उ. २६।१९ या., पूफा.-२ गुरुः ११।२०

(व) रोहि. शुक्रः १४।०६

[B बुधः १८।२३

भ. २६।१९ उ. [C मृगे बुधः २९।११,

भ. १४।५७ या., पंचक समाप्तिः १९।०९

योगिनी ११ व्र., [शुक्रोदयः पूर्वस्याम् २८।३६] C

मिथुने रविः २०।५८ (सौरः २७।२४), कर्के A

भ. २१।०१ उ., प्रदोषः, मासिकशिवरात्री व्र

भ. १०।१४ या. [A भौमः ८।५७, पुनः-१ शनिः २३।०६

देवपितृकार्येऽमा., मिथुने बुधः ६।३५

शुक्रोदयः पूर्वस्याम्

अयनांशाः २३।५३।५८

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

संक्रांति फलम्

अयनांशाः २३।५३।५९

पं. ९ आ.कृ. ७ बु. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
१	२	१	४	१	२	०	६
२४	२६	१२	१६	२३	१९	१५	१५
३६	४५	५५	४४	३३	१७	१८	१८
४२	४३	१२	२४	३४	२९	०२	०२
५७	३७	१२९	५	३८	७	३	३
२२	४९	५६	५५	२५	२१	११	११
मृ	पुन	रो	पूफा	मृ	आ	भ	स्वा
१	३	१	२	१व	४	१	३



ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	जून	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	सायं	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ
०१।१९।४४।१८	१ शु	४	२।४८	४।२४	६।२०	८।३४	१०।५५	११।११	३।२७	५।४६	८।०५	१०।१०	११।५३	१।२२
०१।२०।४१।२७	३ श	५	२।४४	४।२०	६।१६	८।३१	१०।५१	११।०७	३।२३	५।४२	८।०१	१०।०६	११।४९	१।१८
०१।२५।३८।३६	४ र	६	२।४०	४।१६	६।१२	८।२७	१०।४७	११।०४	३।१९	५।३८	७।५७	१०।०२	११।४५	१।१४
०१।२३।३२।४३	५ चं	७	२।३६	४।१२	६।०८	८।२३	१०।४३	११।००	३।१५	५।३५	७।५३	९।५८	११।४१	१।१०
०१।२४।२९।५६	६ मं	८	२।३२	४।०८	६।०४	८।१९	१०।३९	१२।५६	३।११	५।३१	७।४९	९।५४	११।३७	१।०६
०१।२५।२७।००	७ बु	९	२।२८	४।०४	६।००	८।१५	१०।३५	१२।५२	३।०८	५।२७	७।४५	९।५०	११।३३	१।०२
०१।२६।२४।०४	८ गु	१०	२।२४	४।००	५।५६	८।११	१०।३१	१२।४८	३।०४	५।२३	७।४१	९।४६	११।२९	१२।५८
०१।२७।२१।०७	९ शु	११	२।२०	३।५६	५।५२	८।०७	१०।२७	१२।४४	३।००	५।१९	७।३७	९।४२	११।२५	१२।५४
०१।२८।१८।०९	१० श	१२	२।१६	३।५२	५।४८	८।०३	१०।२३	१२।४०	२।५६	५।१५	७।३३	९।३८	११।२२	१२।५०
०१।२९।१५।११	११ र	१३	२।१२	३।४८	५।४४	७।५९	१०।१९	१२।३६	२।५२	५।११	७।२९	९।३४	११।१८	१२।४६
०२।००।१२।१२	१२ चं	१४	२।०८	३।४४	५।४०	७।५५	१०।१५	१२।३२	२।४८	५।०७	७।२६	९।३०	११।१४	१२।४२
०२।०१।०९।१२	१३ मं	१५	२।०४	३।४०	५।३६	७।५१	१०।११	१२।२८	२।४४	५।०३	७।२२	९।२६	११।१०	१२।३८
०२।०२।०६।१९	१४ बु	१६	२।००	३।३६	५।३२	७।४७	१०।०७	१२।२४	२।४०	४।५९	७।१८	९।२२	११।०६	१२।३४
	३० गु	१७	१।५६	३।३२	५।२९	७।४३	१०।०३	१२।२०	२।३६	४।५५	७।१४	९।१८	११।०२	१२।३०

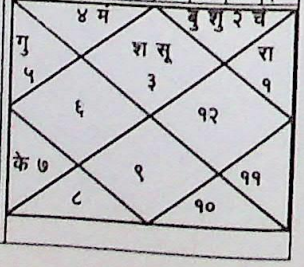
संक्रांति फलम्

ता. १४ जून २००४ आषा. कृ. १२ चंद्रे मिथुनेऽर्कः प्र. (स्टै.) टा. २०।५८ वारात् ४ नक्षत्रात् ४ वारनाम ध्वांक्षी वैश्यान् सुस्थदा नक्षत्रनाम घोरा शूद्रान् सुस्थदा प्रदोष व्यापिनी पिशाचान् हन्ति, दक्षिणे गमनं नैऋत्यां दृष्टिः गरकरणे प्रविष्टा मध्यमफलं हस्तीवाहनं स्वरोपवाहनं लक्ष्मीकारक रक्तवस्त्रं धनुष्यायुधं लोहपात्रं दुग्धभक्षणं गोरोचनलेपनं पशुजातिः विल्वपुष्पं मुकुटभूषणं श्वेतकंचुकी प्रौढावस्था (बैठी) मु. १५ धान्यभावे महर्घता वत्स उत्तरे राहु पश्चिमा. मूलं स्वर्गे विवाहस्तंभो ऽग्निकोणे शुक्रोदयः पूर्वस्याम् । पुण्यकालः (स्टै.) २०।५८ से २७।२२ तक । (दान- वस्त्रात्र) ।

अयनांशाः २३।५३।५९

पं.१० आ.कृ.१४ बु. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
२	३	१	४	१	२	०	६
०१	०१	२७	१७	१९	२०	१४	१४
१८	१०	४३	२८	२१	०९	५५	५५
००	२२	१०	४७	१७	३४	४६	४६
५७	३७	१३९	६	३०	७	३	३
१७	४७	३८	५३	५५	३३	११	११
मृ	पुन	मृ	पूफा	रो	पुन	भ	स्वा
३	४	२	२	३व	१	१	३



CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

१८ जून से २ जुलाई तक श्री आषाढ़ शुक्लपक्ष संवत् २०६१, शाकः १९२६, दि.मा.सू. सू. तारीख्स स्टै. प्रातः दैनिक केतकी अहर्गणः ४४५७ ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे, जून-जुलाई २००४

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	च.प.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
मानस	१	शु	५६	४६	२८	२१	मृग	९	००	९	१४	गं	२४	३१	१५	२७	किं	२३	४८	१५	०९	३४/२५	५/३८	७/३४	२८	२९	९८	मिथु.	२।०२।५६।१८	५६।५८
मुद्गर	२	श	...	...	..	..	आर्द्रा	१६	२३	१२	१२	वृ	२६	५१	१६	२३	बा	२९	४१	१७	३१	२५	३८	२४	२९	३०	१९	मिथु.	२।०३।५३।१६	५६।५८
ध्वजा	२	र	२	२८	६	३८	पुन	२३	२५	१५	०१	ध्रु	२८	५२	१७	१२	कौ	२	२८	६	३८	२५	३९	२५	३०	१	२०	कर्के ८।१९	२।०४।५०।१४	५६।५७
धाता	३	सो	७	३९	८	४२	पुष्य	२९	५१	१७	३५	व्या	३०	२४	१७	४८	ग	७	३९	८	४२	२५	३९	२५	३१	२	२१	कर्के	२।०५।४७।११	५६।५७
आनन्द	४	मं	१२	०२	१०	२८	श्ले	३५	२७	१९	५०	ह	३१	१६	१८	१०	वि	१२	०२	१०	२८	२५	३९	२५	१	३	२२	सिंहे ९९।५०	२।०६।४४।०८	५६।५६
चर	५	बु	१५	२३	११	४८	मघा	३९	५५	२१	३८	व	३१	१५	१८	०९	बा	१५	२३	११	४८	२५	३९	२५	२	४	२३	सिंहे	२।०७।४१।०४	५६।५६
गद	६	गु	१७	२३	१२	३७	पूफा	४३	०२	२२	५२	सि	३०	०९	१७	४३	तै	१७	२३	१२	३७	२५	४०	२५	३	५	२४	कन्या २९।०५	२।०८।३८।००	५६।५६
शुभ	७	शु	१७	५२	१२	४९	उफा	४४	३४	२३	२९	व्य	२७	४९	१६	४८	व	१७	५२	१२	४९	२४	४०	२६	४	६	२५	कन्या	२।०९।३४।५६	५६।५५
मृत्यु	८	श	१६	४०	१२	२०	हस्त	४४	२५	२३	२६	व	२४	०८	१५	९९	ब	१६	४०	१२	२०	२४	४०	२६	५	७	२६	कन्या	२।१०।३१।५१	५६।५५
पद्म	९	र	१३	४५	११	१०	चित्रा	४२	३२	२२	४१	प	१९	०३	१३	९८	कौ	१३	४५	११	१०	२३	४०	२६	६	८	२७	तुला. १९।०९	२।११।२८।४६	५६।५५
छत्र	१०	सो	९	०६	९	१९	स्वा	३९	००	२१	१७	शि	१२	३५	१०	४३	ग	९	०६	९	१९	२३	४१	२६	७	९	२८	तुला.	२।१२।२५।४१	५६।५५
ए.व्र.	११	मं	२	५२	६	५०	विशा	३३	५९	१९	१७	सि	४/५५	४३/५६	७/२८	३७/०३	वि	२	५२	६	५०	२२	४१	२६	८	१०	२९	वृश्चि. १३।५०	२।१३।२२।३६	५६।५४
क्षयः	१२	मं	५५	१७	२७	४८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
प्र.व्र.	१३	बु	४६	३६	२४	२०	अनु	२७	४५	१६	४८	शु	४६	०८	२४	०९	कौ	२१	०३	१४	०७	२१	४१	२६	९	११	३०	वृश्चि.	२।१४।१९।३०	५६।५४
काल	१४	गु	३७	१२	२०	३५	ज्ये	२०	३९	१३	५७	शु	३५	४३	१९	५९	ग	११	५८	१०	२९	२०	४२	२६	१०	१२	१	धनु. १३।५७	२।१५।१६।२४	५६।५४
पूर्णिमा	१५	शु	२७	३२	१६	४३	मूल	१३	०६	१०	५७	ब्र	२५	०२	१५	४३	वि	२	२२	६	३९	१९	४२	२६	११	१३	२	धनु.	२।१६।१३।१८	५६।५४

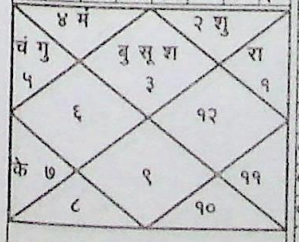
यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।
[C कर्के भानुः,सायन दक्षिणायन प्रारम्भ ६।२०, सं.स्त्री.स्त्री. E
चंद्रदर्शनम् (मु.४५), श्री जगदीश रथ यात्रा, पुष्ये भौमः १५।५८
जमादिलावल ५, आर्द्रा. बुधः ७।१५, शनेरस्तः पश्चिमायाम् १२।२३
भ. २१।३८ उ., आर्द्रा. रविः २०।३५ (सौरः २७।५५), सायन C
भ. १०।२८ या., भा. आषाढारंभः, मघायां रे. ७ SIIIIISSII रात्रौ F
स्कंध षष्ठी मघायां रे. ७ SIIIIISSII दिवा. ल. ६,८, रात्रौ G
[A गोपद्मव्रतोद्यापनं, हरिवासरः १९।१७ से २४।४२, बुधोदयः D
भ. १२।४९ उ. २४।४० या. [F ल. २, अयन करिदिन
पुन. बुधः १२।३३, हस्ते रे. ९ IIIIIISII दिवा ल. ८ रात्रौ ११
भड़ली ९ [E चं.चं.वाहन मेष अल्पवृष्टिः [G अ.गो. (भौमाष्टमः)
भ. २०।०९ उ., मन्वादि, आशा दशमी [D पश्चिमायाम् ९।१८
भ. ६।५० या., देव शयनी ११ व्र. , चातुर्मास व्रतारंभः, A
[B गोपद्मव्रतारंभ, व्यासपूजा, गुरु पूर्णिमा, आषाढी योगः
प्रदोषः, श्रावणे वर्जयेच्छाकम्, जया पार्वती व्रतं, मार्गी शुक्रः २०।२७
भ. २०।३५ उ., जुलाई ७ ता. ३१, कर्के बुधः १३।०१
भ. ६।३९ या., मन्वादि, पूर्णिमा व्रतंपुण्यञ्च, वायु परीक्षा, B

अयनांशाः २३।५४।००

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

पं.११ आ.शु. ५ बु. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
२	३	२	४	१	२	०	६
०७	०५	१३	१८	१६	२१	१४	१४
५८	३४	०३	१९	२७	०२	३३	३३
५१	५३	२१	४१	२२	४९	३१	३१
५७	३७	१२८	७	१५	७	३	३
१४	४७	३२	४६	५४	४१	११	११
आ	पु	आ	पूफा	रो	पुन	भ	स्वा
१	१	२	२	२व	१	१	३



ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	जून	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	सायं	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ
२।०३।०३।१०	१ शु	१८	१।५२	३।२९	५।२५	७।३९	९।५९	१२।१६	२।३२	४।५१	७।९०	९।१४	१०।५८	१२।२६
२।०४।००।०८	२ श	१९	१।४९	३।२५	५।२९	७।३५	९।५५	१२।१२	२।२८	४।४७	७।०६	९।११	१०।५४	१२।२३
२।०४।५७।०६	२ र	२०	१।४५	३।२१	५।१७	७।३१	९।५१	१२।०८	२।२४	४।४३	७।०२	९।०७	१०।५०	१२।१९
२।०५।५४।०३	३ चं	२१	१।४१	३।१७	५।१३	७।२७	९।४८	१२।०४	२।२०	४।३९	६।५८	९।०३	१०।४६	१२।१५
२।०६।५०।५९	४ मं	२२	१।३७	३।१३	५।०९	७।२३	९।४४	१२।००	२।१६	४।३५	६।५४	८।५९	१०।४२	१२।११
२।०७।४७।५६	५ बु	२३	१।३३	३।०९	५।०५	७।२०	९।४०	११।५७	२।१२	४।३१	६।५०	८।५५	१०।३८	१२।०७
२।०८।४४।५१	६ गु	२४	१।२९	३।०५	५।०१	७।१६	९।३६	११।५३	२।०८	४।२७	६।४६	८।५१	१०।३४	१२।०३
२।०९।४१।४७	७ शु	२५	१।२५	३।०१	४।५७	७।१२	९।३२	११।४९	२।०४	४।२४	६।४२	८।४७	१०।३०	११।५९
२।१०।३८।४२	८ श	२६	१।२१	२।५७	४।५३	७।०८	९।२८	११।४५	२।००	४।२०	६।३८	८।४३	१०।२६	११।५५
२।११।३५।३७	९ र	२७	१।१७	२।५३	४।४९	७।०४	९।२४	११।४१	१।५७	४।१६	६।३४	८।३९	१०।२२	११।५१
२।१२।३२।३२	१० चं	२८	१।१३	२।४९	४।४५	७।००	९।२०	११।३७	१।५३	४।१२	६।३०	८।३५	१०।१८	११।४७
२।१३।२९।२६	११ मं	२९	१।०९	२।४५	४।४१	६।५६	९।१६	११।३३	१।४९	४।०८	६।२६	८।३१	१०।१४	११।४३
२।१४।२६।२०	१२ बु	३०	१।०५	२।४१	४।३७	६।५२	९।१२	११।२९	१।४५	४।०४	६।२२	८।२७	१०।११	११।३९
२।१५।२३।१५	१३ गु	१	१।०१	२।३७	४।३३	६।४८	९।०८	११।२५	१।४१	४।००	६।१८	८।२३	१०।०७	११।३५
२।१६।२०।०९	१४ शु	२	१२।५७	२।३३	४।२९	६।४४	९।०४	११।२१	१।३७	३।५६	६।१५	८।१९	१०।०३	११।३१

मास फलम् अयनांशाः २३।५४।०१

इस माह में पांच शुक्रवार होने से प्रजा की वृद्धि हो यथा - प्रजावृद्धिस्तु भार्गवे, कृष्णा नौमी को शुक्रवार होने से सुभिक्ष हो। आषाढ कृष्णा चतुर्दशी में रोहिणी होने से राजयुद्ध तथा प्रजा में शोक हो। गुरुवारी अमावस और रोहिणी योग होने से सुवृष्टि तथा सुभिक्ष हो कल्याण हों दुःख का नाश हो। आरोग्य रहे और प्रजा स्वस्थ हो। शुक्ला पंचमी को बुधवार होने से पवन अधिक चले। शुक्ला एकादशी को मंगलवार होने से सुभिक्ष हो। पूर्णिमा मूल युक्त होने से दुर्भिक्ष हो लेकिन पूर्णिमा १५ घटी के उपर होने से चौमासे में वर्षा एवं सुभिक्ष हो। दक्षिण की पवन चले, धान्यादि सभी वस्तुओं के भाव मंदे हो, रस घृत किराणे की वस्तुएं तेज हो, लोक, महाजन प्रसन्न हों, प्रजा में सद्भाव अधिक हो।

पं.१२ आ.शु.१३ बु. इष्टघटी ०।०६

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
२	३	२	४	१	२	०	६
१४	०९	२७	१९	१५	२१	१४	१४
३९	५९	२८	१६	२६	५६	११	११
२६	२१	४८	३४	४८	५३	१५	१५
५७	३७	११६	८	०	७	३	३
१२	४६	१८	३५	५४	४६	११	११
आ	पु	पुन	पूफा	रो	पुन	भ	स्वा
३	२	३	२	२	१	१	३



CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

३ जुलाई से १७ जुलाई तक श्री प्र.श्रावण कृष्णपक्ष संवत् २०६१, शाकः १९२६, दि.मासू. सू. तारीख स्टै. प्रातः दैनिक वर्षर्तू रविर्दक्षिणे आषाढ़कृष्णेति गुर्जराः, जुलाई २००४

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
मातङ्ग	१	श	१७	५९	१२	५४	पूषा	५	३४	७	५६	ऐ	१४	२९	११	३०	कौ	१७	५९	१२	५४	३४	५	७	१२	१४	३	मक. १३।१३	२।१७।१०।१३	५६।५४
मुसल	२	र	९	०३	९	२०	श्रव	५२	३४	२६	४४	वै	४	२५	७	२९	ग	९	०३	९	२०	१७	४३	२६	१३	१५	४	मक.	२।१८।०७।०७	५६।५४
च.व्र.	३	सो	१	१२	६	१२	घनि	४७	५९	२४	५५	प्री	४७	१५	२४	३७	वि	१	१२	६	१२	१६	४३	२६	१४	१६	५	कुंभे १३।४५	२।१९।०४।०१	५६।५४
क्षयः	४	सो	५४	५३	२७	४१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
मृत्यु	५	मं	५०	२३	२५	५३	शत	४५	१३	२३	४९	आ	४०	४५	२२	०२	कौ	२२	२२	१४	४१	१५	४४	२६	१५	१७	६	कुंभे	२।२०।००।५५	५६।५४
पद्म	६	बु	४७	५७	२४	५५	पूभा	४४	३०	२३	३२	सौ	३५	५४	२०	०६	ग	१८	५३	१३	१७	१३	४४	२६	१६	१८	७	मीने १७।३२	२।२०।५७।५०	५६।५४
छत्र	७	गु	४७	४२	२४	५०	उभा	४५	५६	२४	०७	शो	३२	५०	१८	५३	वि	१७	३२	१२	४६	१२	४५	२५	१७	१९	८	मीने	२।२१।५४।४४	५६।५५
श्रीवत्स	८	शु	४९	३१	२५	३४	रेव	४९	२४	२५	३१	अ	३१	२५	१८	१९	बा	१८	२२	१३	०६	१०	४५	२५	१८	२०	९	मेषे २५।३१	२।२२।५१।३९	५६।५५
सौम्य	९	श	५३	१०	२७	०२	अश्वि	५४	३८	२७	३७	सु	३१	२९	१८	२१	तै	२१	०७	१४	१३	०९	४६	२५	१९	२१	१०	मेषे	२।२३।४८।३४	५६।५५
काल	१०	र	५८	१२	२९	०३	भर	...	...	..	..	घृ	३२	४६	१८	५२	व	२५	३१	१५	५९	०७	४६	२५	२०	२२	११	मेषे	२।२४।४५।२९	५६।५६
चर	११	सो	...	...	..	..	भर	१	१०	६	१५	शू	३४	५२	१९	४३	ब	३१	०४	१८	१२	०५	४७	२५	२१	२३	१२	वृषे १२।५८	२।२५।४२।२५	५६।५६
ए.व्र.	११	मं	४	०५	७	२५	कृति	८	३३	९	१२	गं	३७	२५	२०	४५	बा	४	०५	७	२५	०४	४७	२४	२२	२४	१३	वृषे	२।२६।३९।२०	५६।५६
प्र.व्र.	१२	बु	१०	२२	९	४६	रोहि	१६	१६	१२	१८	वृ	४०	०४	२१	४९	तै	१०	२२	९	५६	०२	४७	२४	२३	२५	१४	मिथु. २५।५०	२।२७।३६।१७	५६।५७
मृत्यु	१३	गु	१६	३५	१२	२६	मृग	२३	५३	१५	२१	धृ	४२	३४	२२	५०	व	१६	३५	१२	२६	००	४८	२४	२४	२६	१५	मिथु.	२।२८।३३।१३	५६।५७
पद्म	१४	शु	२२	२६	१४	४७	आर्द्रा	३१	०६	१८	१५	व्या	४४	४१	२३	४१	श	२२	२६	१४	४७	३३	४८	२४	२५	२७	१६	मिथु.	२।२९।३०।१०	५६।५८
अमाव.	३०	श	२७	४१	१६	५४	पुन	३७	४६	२०	५५	ह	४६	२१	२४	२१	ना	२७	४१	१६	५४	५६	४९	२३	२६	२८	१७	कर्के १४।१७	३।००।२७।०८	५६।५८

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।
नक्त व्रतारंभः, पुष्ये बुधः ७।२७
भ. १९।४२ उ., बृहत्तल्पा, पूफा.-३ गुरुः २८।१६
भ. ६।१२ या., पंचक प्रारम्भः १३।४५, चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः A
[A २२।२१, पुन. रविः २०।१२ (सौरः २९।२०), C
नागपञ्चमी (मरु.)
पंचक समाप्तिः २५।३१
भ. २४।५५ उ. [C सं.स्त्री.पु.चं.चं.वाहन स्थर वर्षाश्रेष्ठः
भ. १२।४६ या.
[B अश्वि.-४ राहुः ८।३१, स्वा.-२ केतुः ८।३१
कामिका ११ व्र.
प्रदोषः
भ. १२।२६ उ. २५।३७ या., मासिकशिवरात्री व्र.
कर्के रविः ७।५५ (सौरः १८।२३), निरयन दक्षिणायनारंभः, B
देवपितृकार्येऽमा., हरियाली ३०, अधिक मासारंभः

अयनांशाः २३।५४।०२

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

संक्रांति फलम्

अयनांशाः २३।५४।०३

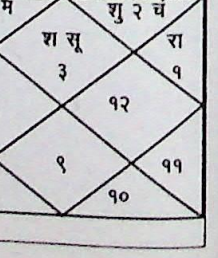
पं.१३ प्र.श्रा.कृ. ६ बु.इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
२	३	३	४	१	२	०	६
२१	१४	१०	२०	१६	२२	१३	१३
१९	२३	२१	१८	१९	५१	४८	४८
५५	५०	५७	५२	४५	२३	५९	५९
५७	३७	१०२	९	१५	७	३	३
१२	४७	२६	१९	५६	४८	११	१९
पुन	पु	पु	पूफा	रो	पुन	म	स्वा
१	४	३	३	२	१	१	३



ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	जुला	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	सायं	रात्रौ	रात्रौ
०२।१७।१७।०३	१ श	३	१२।५३	२।२९	४।२५	६।४०	९।००	११।१७	१।३३	३।५२	६।११	८।१५	९।५९	११।२७
०२।१८।१३।५७	२ र	४	१२।४९	२।२५	४।२१	६।३६	८।५६	११।१३	१।२९	३।४८	६।०७	८।११	९।५५	११।२३
०२।१९।१०।५१	३ चं	५	१२।४५	२।२१	४।१८	६।३२	८।५२	११।०९	१।२५	३।४४	६।०३	८।०७	९।५१	११।१९
०२।२०।०७।४५	५ मं	६	१२।४१	२।१८	४।१४	६।२८	८।४८	११।०५	१।२१	३।४०	५।५९	८।०३	९।४७	११।१५
०२।२१।०४।४०	६ बु	७	१२।३८	२।१४	४।१०	६।२४	८।४४	११।०१	१।१७	३।३६	५।५५	८।००	९।४३	११।१२
०२।२२।०१।३४	७ गु	८	१२।३४	२।१०	४।०६	६।२०	८।४०	१०।५७	१।१३	३।३२	५।५१	७।५६	९।३९	११।०८
०२।२२।५८।२९	८ शु	९	१२।३०	२।०६	४।०२	६।१६	८।३७	१०।५३	१।०९	३।२८	५।४७	७।५२	९।३५	११।०४
०२।२३।५५।२४	९ श	१०	१२।२६	२।०२	३।५८	६।१३	८।३३	१०।४९	१।०५	३।२४	५।४३	७।४८	९।३१	११।००
०२।२४।५२।१९	१० र	११	१२।२२	१।५८	३।५४	६।०९	८।२९	१०।४६	१।०१	३।२०	५।३९	७।४४	९।२७	१०।५६
०२।२५।४९।१४	११ चं	१२	१२।१८	१।५४	३।५०	६।०५	८।२५	१०।४२	१२।५७	३।१७	५।३५	७।४०	९।२३	१०।५२
०२।२६।४६।१०	११ मं	१३	१२।१४	१।५०	३।४६	६।०१	८।२१	१०।३८	१२।५३	३।१३	५।३१	७।३६	९।१९	१०।४८
०२।२७।४३।०६	१२ बु	१४	१२।१०	१।४६	३।४२	५।५७	८।१७	१०।३४	१२।५०	३।०९	५।२७	७।३२	९।१५	१०।४४
०२।२८।४०।०३	१३ गु	१५	१२।०६	१।४२	३।३८	५।५३	८।१३	१०।३०	१२।४६	३।०५	५।२३	७।२८	९।११	१०।४०
०२।२९।३७।००	१४ शु	१६	१२।०२	१।३८	३।३४	५।४९	८।०९	१०।२६	१२।४२	३।०१	५।१९	७।२४	९।०७	१०।३६
०३।००।३३।५७	३० श	१७	११।५८	१।३४	३।३०	५।४५	८।०५	१०।२२	१२।३८	२।५७	५।१५	७।२०	९।०४	१०।३२

ता. १६ जुलाई २००४
प्र.श्रा. कृ. १४ भृगौ कर्केऽर्कः प्र. (स्टै.) टा. ७।५५ वारात् ५ नक्षत्रात् ५ वारनाम मिश्रा पशून् सुस्पदा नक्षत्रनाम राक्षसी चाण्डालान् सुस्पदा पूर्वान्ह १ प्रहर व्यापिनी नृपतीन् हन्ति, पूर्वे गमनमाग्नेयां दृष्टिः शकुनिकरणे प्रविष्टा महर्घफलं श्वान्यानहनं शार्दूलोपवाहनं सुभिक्षकारक चित्रकवस्त्रं पाशायुधं वस्त्रपात्रं गुरुमक्षणं हरिद्रालेपनं क्षत्रीयजातिः कमलपुष्पं कोडीभूषणं कृष्णजिकंचुकी वंन्ध्यावस्था (उभी) मु. १५ धान्यभावे महर्घता वत्स उत्तरे राहु पश्चिमा. मूलं भूमौ विवाहरतंभो ऽग्निकोणे शुक्रोदयः पूर्वस्याम्। पुण्यकालः गुरुवार (स्टै.) १९।५५ से शुक्रवार ७।५५ तक। (दान- घृत, धेनु)।

पं.१४ प्र.श्रा.कृ.१२ बु.इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
२	३	३	४	१	२	०	६
२८	१८	२१	२१	१८	२३	१३	१३
००	४८	३५	२६	४९	४५	२६	२६
२९	२६	१२	०५	२६	५९	४३	४३
५७	३७	८७	९	२८	७	३	३
१३	४८	३२	५८	०५	४७	११	११
पुन	श्ले	श्ले	पूफा	रो	पुन	म	स्वा
३	१	२	३	३	२	१	३



CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

१८ जुलाई से ३१ जुलाई तक श्री प्र.श्रावण शुक्लपक्ष संवत् २०६१, शाकः १९२६, दि.मा.सू. सू. तारीख्स स्टै. प्रातः दैनिक केतकी अहर्गणः ४४८७ वर्षत्तूं रविर्दक्षिणे, जुलाई २००४

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
श्रीवत्स	१	र	३२	१७	१८	४४	पुष्य	४३	४५	२३	२०	व	४७	२७	२४	४८	किं	०	०४	५	५१	३३ ५३	५ ४२	७ २३	२७	२९	१८	कर्के	३।०९।२४।०६	५६।५९
सौम्य	२	सो	३६	०५	२०	१६	श्ले	४८	५८	२५	२५	सि	४७	५७	२५	०१	बा	४	१६	७	३२	५१	५०	२२	२८	१	१९	सिंहे २५।२५	३।०२।२१।०५	५६।५९
काल	३	मं	३९	०२	२१	२७	मघा	५३	१९	२७	१०	व्य	४७	४५	२४	५७	तै	७	३९	८	५४	४९	५१	२२	२९	२	२०	सिंहे	३।०३।१८।०४	५७।००
सुस्थिर	४	बु	४०	५८	२२	१४	पूफा	५६	४०	२८	३१	व	४६	४६	२४	३३	व	१०	०६	९	५३	४६	५१	२२	३०	३	२१	सिंहे	३।०४।१५।०४	५७।०१
मातङ्ग	५	गु	४१	४७	२२	३४	उफा	५८	५४	२९	२५	प	४४	५३	२३	४९	ब	११	३०	१०	२८	४४	५२	२१	३१	४	२२	कन्या १०।४७	३।०५।१२।०५	५७।०१
अमृत	६	शु	४१	२३	२२	२५	हस्त	५९	५३	२९	४९	शि	४२	०१	२२	४०	कौ	११	४३	१०	३३	४२	५२	२१	१	५	२३	कन्या	३।०६।०९।०६	५७।०२
काण	७	श	३९	३६	२१	४३	चित्रा	५९	३०	२९	४१	सि	३८	०४	२१	०६	ग	१०	३९	१०	०८	३९	५३	२०	२	६	२४	तुला. १७।४९	३।०७।०६।०८	५७।०३
लुम्बक	८	र	३६	२६	२०	२७	स्वा	५७	४२	२८	५८	ला	३२	५९	१९	०५	वि	८	१०	९	०९	३६	५३	२०	३	७	२५	तुला.	३।०८।०३।११	५७।०४
मित्र	९	सो	३१	४९	१८	३७	विशा	५४	३०	२७	४२	शु	२६	४४	१६	३५	बा	४	१७	७	३६	३४	५४	१९	४	८	२६	वृश्चि. २२।०४	३।०९।००।१५	५७।०५
वज्र	१०	मं	२५	५१	१६	१५	अनु	५०	००	२५	५४	शु	१९	२१	१३	३९	ग	२५	५१	१६	१५	३१	५४	१९	५	९	२७	वृश्चि.	३।०९।५७।१९	५७।०५
ए.ब्र.	११	बु	१८	४१	१३	२३	ज्ये	४४	२३	२३	४०	ब्र	१०	५८	१०	१८	वि	१८	४९	१३	२३	२८	५५	१८	६	१०	२८	धनु. २३।४०	३।१०।५४।२५	५७।०६
प्र.ब्र.	१२	गु	१०	३५	१०	०९	मूल	३७	५९	२१	०७	ऐ	५२ ५५	४५ ४०	६ २१	३७ ४३	बा	१०	३५	१०	०९	२५	५५	१७	७	११	२९	धनु.	३।११।५१।३१	५७।०७
प्रवर्धमा	१३	शु	१	५२	६	४०	पूषा	३१	१०	१८	२४	वि	४१	५८	२२	४३	तै	१	५२	६	४०	२२	५६	१७	८	१२	३०	मक. २३।४३	३।१२।४८।३९	५७।०८
क्षयः	१४	शु	५२	५७	२७	०६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
पूर्णिमा	१५	श	४४	१४	२३	३८	उषा	२४	२२	१५	४१	प्री	३२	०२	१८	४५	वि	१८	३१	१३	२१	१९	५६	१६	९	१३	३१	मक.	३।१३।४५।४७	५७।०९

{A पश्चिमायाम् ८।५२, सं.स्त्री.स्त्री.चं.चं.वाहन C
{C जम्बूक अल्पवृष्टिः
{B मिथुने शुक्रः १६।५८

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।
चंद्रदर्शनम् (मु.३०)
जमादिलास्वर ६, पुष्ये रविः १९।४६, भौमास्तः A
पुष्ये सौरः ६।३९, सिंहे मघा. बुधः १०।१८
भ. ९।५३ उ. २२।१४ या.
सायन सिंहे भानुः १७।१९, मृगे शुक्रः १०।००
भा. श्रावणारंभः [A
भ. २१।४३ उ., पूफा.-४ गुरुः २९।०३
भ. ९।०९ या., शनेरुदयः पूर्वस्याम् १६।१९
भ. २६।५२ उ.
भ. १३।२३ या., कमला ११ ब्र.
प्रदोषः
भ. २७।०६ उ.
भ. १३।२१ या., पूर्णिमा व्रतंपुण्यञ्च, सिंहे मघा. भौमः २३।४५, B

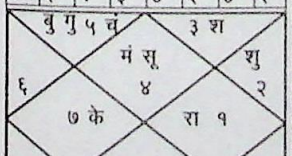
अयनांशाः २३।५४।०४

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	जुलाई	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	सायं	रात्रौ	रात्रौ
०३।०१।३०।५५	१ र	१८	११।५४	१।३०	३।२६	५।४१	८।०१	१०।१८	१२।३४	२।५३	५।११	७।१६	९।००	१०।२८
०३।०२।२७।५४	२ चं	१९	११।५०	१।२६	३।२२	५।३७	७।५७	१०।१४	१२।३०	२।४९	५।०८	७।१२	८।५६	१०।२४
०३।०३।२४।५३	३ मं	२०	११।४६	१।२२	३।१८	५।३३	७।५३	१०।१०	१२।२६	२।४५	५।०४	७।०८	८।५२	१०।२०
०३।०४।२१।५३	४ बु	२१	११।४२	१।१८	३।१४	५।२९	७।४९	१०।०६	१२।२२	२।४१	५।००	७।०४	८।४८	१०।१६
०३।०५।१८।५४	५ गु	२२	११।३८	१।१४	३।११	५।२५	७।४५	१०।०२	१२।१८	२।३७	४।५६	७।००	८।४४	१०।१२
०३।०६।१५।५५	६ शु	२३	११।३४	१।११	३।०७	५।२१	७।४१	९।५८	१२।१४	२।३३	४।५२	६।५६	८।४०	१०।०८
०३।०७।१२।५७	७ श	२४	११।३०	१।०७	३।०३	५।१७	७।३७	९।५४	१२।१०	२।२९	४।४८	६।५२	८।३६	१०।०४
०३।०८।१०।००	८ र	२५	११।२७	१।०३	२।५९	५।१३	७।३३	९।५०	१२।०६	२।२५	४।४४	६।४९	८।३२	१०।०१
०३।०९।०७।०४	९ चं	२६	११।२३	१२।५९	२।५५	५।०९	७।२९	९।४६	१२।०२	२।२१	४।४०	६।४५	८।२८	९।५७
०३।१०।०४।०९	१० मं	२७	११।१९	१२।५५	२।५१	५।०५	७।२६	९।४२	११।५८	२।१७	४।३६	६।४१	८।२४	९।५३
०३।११।०१।१४	११ बु	२८	११।१५	१२।५१	२।४७	५।०२	७।२२	९।३८	११।५४	२।१३	४।३२	६।३७	८।२०	९।४९
०३।११।५८।२१	१२ गु	२९	११।११	१२।४७	२।४३	४।५८	७।१८	९।३५	११।५०	२।०९	४।२८	६।३३	८।१६	९।४५
०३।१२।५५।२८	१३ शु	३०	११।०७	१२।४३	२।३९	४।५४	७।१४	९।३१	११।४६	२।०६	४।२४	६।२९	८।१२	९।४१
०३।१३।५२।३७	१५ श	३१	११।०३	१२।३९	२।३५	४।५०	७।१०	९।२७	११।४२	२।०२	४।२०	६।२५	८।०८	९।३७

पं.१५ प्र.श्रा.शु. ४ बु.इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
३	३	४	४	१	२	०	६
०४	२३	०१	२२	२२	२४	१३	१३
४१	१३	००	३७	३५	४०	०४	०४
१८	११	०१	४१	४८	२०	२७	२७
५७	३७	७१	१०	३७	७	३	३
१६	५०	१३	३३	३१	४३	११	११
पु	श्ले	म	पूफा	रो	पुन	अ	स्वा
१	२	१	३	४	२	४	२



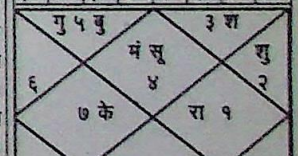
मास फलम्

इस वर्ष में दो श्रावण नेष्ट फलप्रद है, श्रावण माह में पांच शनिवार होंने से दुर्भिक्ष हो यथा- दुर्भिक्षं पंचमंदेषु। श्रावण कृष्णा प्रतिपदा को धृति योग न होने से धान्यादि भाव मंदे हों। श्रावण की नौमी शनिवार होने से संतापकारक हो और राजनीति प्रभावित हो। कृष्णा एकादशी को कृत्तिका होने से मध्यम फल हो। कृष्णा चतुर्दशी को आर्द्रा होने से अन्नादि भाव में तेजी हो। अमावस्या पुनर्वसु योग समर्घता कारक है। शुक्ला सप्तमी शनिवार योग सुवृष्टिकारक है, पूर्णिमा उत्तराषाढा शनिवार युक्त होने से दुर्भिक्ष हो। स्वर्ण चांदी के भाव तेज हों, गाय भैंस हाथी घोडा मोटर गाड़ी आदि (चतुष्पद) पशु एवं वाहन के भाव तेज हो, रस कस लवण घृत के भाव सम रहे।

अयनांशाः २३।५४।०५

पं.१६ प्र.श्रा.शु.११ बु.इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
३	३	४	४	१	२	०	६
११	२७	०८	२३	२७	२५	१२	१२
२२	३८	२४	५३	२१	३४	४२	४२
३३	१२	५७	११	१९	०२	१२	१२
५७	३७	५२	११	४४	७	३	३
२१	५२	३९	०४	४५	३६	११	११
पु	श्ले	म	पूफा	मृ	पुन	अ	स्वा
३	४	३	४	२	२	४	२



CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

॥ श्रीवल्लभ मनीराम पञ्चाङ्गम् ॥

१ अगस्त से १६ अगस्त तक श्री द्वि.श्रावण कृष्णपक्ष संवत् २०६१, शाकः १९२६, दि.मा.सू. सू. तारीस्त स्टै. प्रातः दैनिक वर्षर्तू रविर्दक्षिणे प्र.श्रावणकृष्णेति गुर्जराः, अगस्त २००४

योगाः	ति.	दा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति	यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है ।
गद	१	र	३६	१०	२०	२५	श्रव	१८	०४	१३	१०	आ	२२	३३	१४	५८	बा	१०	०४	९	५९	३३ ५६	५ ५७	७ १५	१०	१४	१	कुंभे	२४।०३	३।१४।४२।५६	५७।११	पंचक प्रारम्भः २४।०३, अगस्त ८ ता. ३१, तिलकपुण्यतिथि
शुभ	२	सो	२९	१२	१७	३८	धनि	१२	४३	१९	०३	सौ	१३	५४	१९	३१	तै	२	३१	६	५८	१३	५७	१५	११	१५	२	कुंभे		३।१५।४०।०७	५७।१२	भ. २८।२८ उ., श्लेषा. रविः १८।४२, सं.स्त्री.पु.चं.सू.वाहन D
च.व्र.	३	मं	२३	४६	१५	२८	शत	८	४७	९	२९	शो	६	२६	८	३२	वि	२३	४६	१५	२८	१०	५८	१४	१२	१६	३	मीने	२६।४६	३।१६।३७।१९	५७।१३	भ. १५।२८ या., अंगारकी चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः २१।२७, C
पद्म	४	बु	२०	१०	१४	०३	पूभा	६	३६	८	३७	अ	० ५५	२३ ५९	६ २८	०८ ३२	बा	२०	१०	१४	०३	०७	५८	१३	१३	१७	४	मीने		३।१७।३४।३१	५७।१४	[C श्लेषा. सौरः ७।०६, पूफा. बुधः २६।१५
छत्र	५	गु	१८	३७	१३	२६	उभा	६	२६	८	३३	घृ	५३	१४	२७	१७	तै	१८	३७	१३	२६	०४	५९	१३	१४	१८	५	मीने		३।१८।३१।४५	५७।१५	पुन.-३ शनिः २४।४८
श्रीवत्स	६	शु	१९	१३	१३	४१	रेव	८	२०	९	२०	शू	५२	०९	२६	५१	च	१९	१३	१३	४१	०१	६ ००ं	१२	१५	१९	६	मेषे	९।२०	३।१९।२९।०१	५७।१६	भ. १३।४१ उ. २६।०६ या., पंचक समाप्तिः ९।२०
सौम्य	७	श	२१	४९	१४	४३	अश्वि	१२	१५	१०	५४	गं	५२	३०	२७	००	ब	२१	४९	१४	४३	३२ ५८	००	११	१६	२०	७	मेषे		३।२०।२६।१७	५७।१८	[D महिष वर्षाश्रेष्ठः
काल	८	र	२६	०७	१६	२७	भर	१७	५२	१३	०९	वृ	५४	०१	२७	३७	कौ	२६	०७	१६	२७	५४	०१	१०	१७	२१	८	वृषे	१९।४८	३।२१।२३।३५	५७।१९	आर्द्रा. शुक्रः १६।०७
सुस्थिर	९	सो	३१	४१	१८	४१	कृति	२४	४५	१५	५५	घृ	५६	१८	२८	३२	ग	३१	४१	१८	४१	५१	०१	१०	१८	२२	९	वृषे		३।२२।२०।५४	५७।२०	[A रविः १६।२४ (सौरः २९।५८), (व) मघा. बुधः १०।१५, B
मातङ्ग	१०	मं	३७	५३	२१	११	रोहि	३२	१९	१८	५७	व्या	५८	५४	२९	३५	व	४	४४	७	५५	४८	०२	०९	१९	२३	१०	वृषे		३।२३।१८।१४	५७।२२	भ. ७।५५ उ. २१।११ या., बुधास्तः पश्चिमायाम् १७।०७, वक्री E
ए.व्र.	११	बु	४४	०९	२३	४२	मृग	३९	५८	२२	०२	ह	...	...	...	...	ब	११	०२	१०	२७	४४	०२	०८	२०	२४	११	मिथु.	८।३०	३।२४।१५।३६	५७।२३	कमला ११ व्र. , उफा.-१ गुरुः १८।०७ [E बुधः २२।४५
काण	१२	गु	४९	५८	२६	०२	आर्द्रा	४७	१४	२४	५६	ह	१	२३	६	३६	कौ	१७	०७	१२	५३	४१	०३	०७	२१	२५	१२	मिथु.		३।२५।१२।५९	५७।२५	[B सं.स्त्री.स्त्री.चं.चं.वाहन अश्व अल्पवृष्टिः
प्र.व्र.	१३	शु	५४	५८	२८	०३	पुन	५३	४४	२७	३३	व	३	२८	७	२६	ग	२२	३५	१५	०५	३७	०३	०६	२२	२६	१३	कर्के	२०।५६	३।२६।१०।२४	५७।२६	भ. २८।०३ उ., प्रदोषः
मित्र	१४	श	५९	०२	२९	४०	पुष्य	५९	१८	२९	४७	सि	४	५३	८	०१	वि	२७	०७	१६	५४	३४	०४	०५	२३	२७	१४	कर्के		३।२७।०७।५०	५७।२८	भ. १६।५४ या., मासिकशिवरात्री व्र.
वज्र	३०	र	...	...	...	...	श्ले	...	...	...	...	व्य	५	३४	८	१८	च	३०	३९	१८	२०	३०	०४	०४	२४	२८	१५	कर्के		३।२८।०५।१८	५७।२९	पितृकार्येऽमा., भारतीयस्वतंत्रतादिवस
अमाव.	३०	सो	२	०२	६	५३	श्ले	३	५१	७	३७	व	५	२५	८	१५	ना	२	०२	६	५३	२७	०५	०३	२५	२९	१६	सिंहे	७।३७	३।२९।०२।४७	५७।३१	देवकार्येऽमा., सोमवती अमा., अधिक मास समाप्तिः, सिंहे मघा. A

अयनांशाः २३।५४।०६

पं.१७ द्वि.श्रा.कृ. ४ बु.इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
३	४	४	४	२	२	०	६
१८	०२	१३	२५	०२	२६	१२	१२
०४	०३	२५	१२	५२	२६	१९	१९
२५	३४	००	०६	१६	४६	५५	५५
५७	३७	२८	११	५०	७	३	३
२७	५६	०५	३१	२०	२६	११	११
श्ले	म	पूफा	पूफा	मृ	पुन	अ	स्वा
१	१	१	४	३	२	४	२



॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	अग.	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	सायं	रात्रौ
०३।१४।४९।४६	१ र	१	१०।५९	१२।३५	२।३१	४।४६	७।०६	९।२३	११।३९	१।५८	४।१६	६।२१	८।०४	९।३३
०३।१५।४६।५७	२ चं	२	१०।५५	१२।३१	२।२७	४।४२	७।०२	९।१९	११।३५	१।५४	४।१२	६।१७	८।००	९।२९
०३।१६।४४।०८	३ मं	३	१०।५१	१२।२७	२।२३	४।३८	६।५८	९।१५	११।३१	१।५०	४।०८	६।१३	७।५६	९।२५
०३।१७।४१।२१	४ बु	४	१०।४७	१२।२३	२।१९	४।३४	६।५४	९।११	११।२७	१।४६	४।०४	६।०९	७।५३	९।२१
०३।१८।३८।३५	५ गु	५	१०।४३	१२।१९	२।१५	४।३०	६।५०	९।०७	११।२३	१।४२	४।००	६।०५	७।४९	९।१७
०३।१९।३५।५१	६ शु	६	१०।३९	१२।१५	२।११	४।२६	६।४६	९।०३	११।१९	१।३८	३।५७	६।०१	७।४५	९।१३
०३।२०।३३।०७	७ श	७	१०।३५	१२।११	२।०७	४।२२	६।४२	८।५९	११।१५	१।३४	३।५३	५।५७	७।४१	९।०९
०३।२१।३०।२५	८ र	८	१०।३१	१२।०७	२।०३	४।१८	६।३८	८।५५	११।११	१।३०	३।४९	५।५३	७।३७	९।०५
०३।२२।२७।४४	९ चं	९	१०।२७	१२।०३	२।००	४।१४	६।३४	८।५१	११।०७	१।२६	३।४५	५।४९	७।३३	९।०१
०३।२३।२५।०५	१० मं	१०	१०।२३	१२।००	१।५६	४।१०	६।३०	८।४७	११।०३	१।२२	३।४१	५।४५	७।२९	८।५७
०३।२४।२२।२७	११ बु	११	१०।१९	११।५६	१।५२	४।०६	६।२६	८।४३	१०।५९	१।१८	३।३७	५।४२	७।२५	८।५४
०३।२५।१९।५०	१२ गु	१२	१०।१६	११।५२	१।४८	४।०२	६।२२	८।३९	१०।५५	१।१४	३।३३	५।३८	७।२१	८।५०
०३।२६।१७।१५	१३ शु	१३	१०।१२	११।४८	१।४४	३।५८	६।१९	८।३५	१०।५१	१।१०	३।२९	५।३४	७।१७	८।४६
०३।२७।१४।४१	१४ श	१४	१०।०८	११।४४	१।४०	३।५४	६।१५	८।३१	१०।४७	१।०६	३।२५	५।३०	७।१३	८।४२
०३।२८।१२।०९	३० र	१५	१०।०४	११।४०	१।३६	३।५१	६।११	८।२७	१०।४३	१।०२	३।२१	५।२६	७।०९	८।३८
०३।२९।०९।३८	३० चं	१६	१०।००	११।३६	१।३२	३।४७	६।०७	८।२४	१०।३९	१२।५८	३।१७	५।२२	७।०५	८।३४

संक्रांति फलम्

ता. १६ अगस्त २००४
द्वि.श्रा. कृ. ३० चंद्रे सिंहेऽर्कः प्र. (स्टै.) टा. १६।२४ वारात् ४ नक्षत्रात् ५ वारनाम ध्वांक्षी वैश्यान् सुस्पदा नक्षत्रनाम घोरा शूद्रान् सुस्पदा अपरान्ह ३ प्रहर व्यापिनी वैश्यान् हन्ति, दक्षिणे गमनं नैऋत्यां दृष्टिः किंष्तुघ्नकरणे प्रविष्टा मध्यमफलं वृषवृषटवाहनं वानरोपवाहनं अपमृत्युकारक श्यामवस्त्रं वाणायुधं वंशपात्रं शर्कराभक्षणं कपूरलेपनं संकरजातिः जपापुष्पं स्वर्णभूषणं पाण्डुरकंचुकी प्रव्राजिकावस्था (उभी) मु. ३० धान्यभावे सम वत्सा पूर्वे राहु उत्तरे मूलं स्वर्गे विवाहस्तंभो ऐशान्यां शुक्रोदयः पूर्वस्याम् । पुण्यकालः (स्टै.) १०।०० से १६।२४ तक । (दान- छत्र) ।

अयनांशाः २३।५४।०७

पं.१८ द्वि.श्रा.कृ.११ बु.इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
३	४	४	४	२	२	०	६
२४	०६	१५	२६	०८	२७	११	११
४७	२९	०१	३४	५८	१८	५७	५७
०२	२२	४२	००	२०	०९	३९	३९
५७	३८	७	११	५४	७	३	३
३४	००	२५	५५	४०	१२	११	११
श्ले	म	पूफा	पूफा	आ	पुन	अ	स्वा
३	२	१५	४	१	३	४	२



CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

१७ अगस्त से ३० अगस्त तक श्री द्वि.श्रावण शुक्लपक्ष संवत् २०६१, शाकः १९२६, दि.मा.सू. सू. तारीख्य स्टे. प्रातः दैनिक केतकी अहर्गणः ४५१७ वर्षेतू रविर्दक्षिणे, अगस्त २००४

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
सिंधारा	१	मं	४	०२	७	४२	मघा	७	२७	९	०४	प	४	३१	७	५४	ब	४	०२	७	४२	३२/२३	६/०५	७/०२	२६	३०	१७	सिंहे	४।००।००।१७	५७।३२
तीज	२	बु	५	०६	८	०८	पूफा	१०	०६	१०	०८	शि	२	५१	७	१४	कौ	५	०६	८	०८	१९	०६	०२	२७	१	१८	कन्या १६।२१	४।००।५७।५०	५७।३४
मातङ्ग	३	गु	५	१२	८	११	उफा	११	५१	१०	५१	सि	०/५७	२७/१९	६/२९	१७/०२	ग	५	१२	८	११	१६	०६	०१	२८	२	१९	कन्या	४।०१।५५।२४	५७।३६
अमृत	४	शु	४	२४	७	५३	हस्त	१२	४२	११	११	शु	५३	२७	२७	२९	वि	४	२४	७	५३	१२	०७	००	२९	३	२०	तुला. २३।१४	४।०२।५२।५९	५७।३७
काण	५	श	२	४०	७	११	चित्रा	१२	३६	११	१०	शु	४८	४७	२५	३८	बा	२	४०	७	११	०८	०७	६/५९	३०	४	२१	तुला.	४।०३।५०।३६	५७।३९
क्षयः	६	श	५९	५८	३०	०७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
लुम्बक	७	र	५६	१७	२८	३९	रवा	११	३३	१०	४५	ब्र	४३	१९	२३	२७	ग	२८	१४	१७	२५	०५	०८	५८	३१	५	२२	वृश्चि. २८।११	४।०४।४८।१५	५७।४१
मित्र	८	सो	५१	३४	२६	४६	विशा	९	३०	९	५६	ऐ	३७	०३	२०	५७	वि	२४	०३	१५	४५	०१	०८	५७	१	६	२३	वृश्चि.	४।०५।४५।५६	५७।४२
वज्र	९	मं	४५	५६	२४	३१	अनु	६	२९	८	४४	वै	२९	५९	१८	०८	बा	१८	५२	१३	४१	३१/५७	०९	५६	२	७	२४	वृश्चि.	४।०६।४३।३९	५७।४४
ध्याङ्क्ष	१०	बु	३९	२९	२१	५७	ज्ये	२/५७	३२/५१	७/२९	९०/९८	वि	२२	१२	१५	०२	तै	१२	४७	११	१६	५३	०९	५५	३	८	२५	धनु. ७।१०	४।०७।४९।२३	५७।४६
ए.व्र.	११	गु	३२	२५	१९	०८	पूषा	५२	३७	२७	१३	प्री	१३	५२	११	४२	व	६	००	८	३४	४९	१०	५३	४	९	२६	धनु.	४।०८।३९।०९	५७।४८
प्र.व्र.	१२	शु	२५	०१	१६	११	उषा	४७	१०	२५	०२	आ	५/५६	०९/२५	८/२८	१४/४३	बा	२५	०१	१६	११	४६	१०	५२	५	१०	२७	मक. ८।४०	४।०९।३६।५७	५७।५०
सुस्थिर	१३	श	१७	३६	१३	१३	श्रव	४१	५१	२२	५५	शो	४७	४०	२५	१५	तै	१७	३६	१३	१३	४२	११	५१	६	११	२८	मक.	४।१०।३४।४६	५७।५२
नारियल	१४	र	१०	३२	१०	२४	धनि	३७	०४	२१	०१	अ	३९	२९	२१	५९	व	१०	३२	१०	२४	३८	११	५०	७	१२	२९	कुंभे ९।५६	४।११।३२।३८	५७।५३
पूर्णिमा	१५	सो	४	१३	७	५३	शत	३३	१२	१९	२८	सु	३२	०४	१९	०१	ब	४	१३	७	५३	३४	१२	४९	८	१३	३०	कुंभे	४।१२।३०।३२	५७।५५

केतकी अहर्गणः ४५१७ वर्षेतू रविर्दक्षिणे, अगस्त २००४

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टे.टा.में है।

चंद्रदर्शनम् (मु.३०), श्रृंगार (सिंधारा) देशाचारे

तीज, स्वर्णगौरी व्र., मधुश्रवा व्र.(गुर्जरे), सुकृत तृतीया व्र., रम्भ व्र.

भ. २०।०५ उ., वरद चतुर्थी, दूर्वा गणपति व्र. [H भा. भाद्रपदारंभः

भ. ७।५३ या., नागपञ्चमी, नागदष्ट व्र., सामवेदि उपाकर्म

कल्की जयंती, वर्णषष्ठी, पूफा.मौमः २५।०२ [L पुन. शुक्रः १९।२५

[A.नारियल १५, पूर्णिमा व्रतं, सूणमाण्डणा (भद्रा के पूर्व),वज्रर्वेदि, C

भ. २८।३९ उ., शीतला, तुलसीजयंती,सायन कन्यायां भानुः २४।२८,L

भ. १५।४५ या., दुर्गाष्टमी, रोटक व्रतारंभः, सोमेश्वरपूजनं, H

[C तैतरीय, हिरण्यकेशीय, बौधायन, काण्वमध्यन्दिन (काल्पा.), G

[D पूर्वस्याम् २३।३८, सं.स्त्री.पु.सू.सू.वाहन चातक वर्षाश्रेष्ठः

भ. ८।३४ उ. १९।०८ या., पवित्रा ११ व्र. [G अथर्ववेदि उपाकर्म

प्रदोषः, दधि भक्षणत्यागः, कन्यायां उफा.-२ गुरुः K

ऋग्वेदि उपाकर्म [K २५।१९, अगस्त्योदयः १६।१८, पवित्रारोपणं

भ. १०।२४ उ. २१।०६ या., पंचक प्रारम्भः ९।५६, ह्यग्रीवजयंती, A

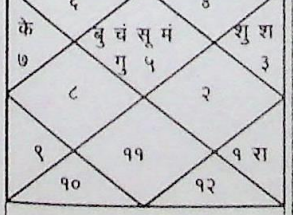
पूर्णिमापुण्यं,रक्षाबंधनं (पूरा दिन शुद्ध है), श्रावणी(मरु), आपस्तंब B

[B उपाकर्म, पूफा. रविः १२।२४ (सौरः २६।४२), बुधोदयः D

अयनांशाः २३।५४।०८

पं.१९ द्वि.श्रा.शु. २ बु.इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
४	४	४	४	२	२	०	६
०१	१०	१२	२७	१५	२८	११	११
३०	५५	०९	५८	३१	०७	३५	३५
३६	४०	०९	२५	५६	४९	२४	२४
५७	३८	४५	१२	५८	६	३	३
४३	०५	२८	१४	०६	५६	११	११
म	म	म	उफा	आ	पुन	अ	रवा
१	४	४व	१	३	३	४	२



॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	अग.	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	सायँ	रात्रौ
०४।००।०७।०९	१ मं	१७	९।५६	११।३२	१।२८	३।४३	६।०३	८।२०	१०।३५	१२।५५	३।१३	५।१८	७।०१	८।३०
०४।०१।०४।४१	२ बु	१८	९।५२	११।२८	१।२४	३।३९	५।५९	८।१६	१०।३१	१२।५१	३।०९	५।१४	६।५७	८।२६
०४।०२।०२।१५	३ गु	१९	९।४८	११।२४	१।२०	३।३५	५।५५	८।१२	१०।२८	१२।४७	३।०५	५।१०	६।५३	८।२२
०४।०२।५९।५१	४ शु	२०	९।४४	११।२०	१।१६	३।३१	५।५१	८।०८	१०।२४	१२।४३	३।०१	५।०६	६।४९	८।१८
०४।०३।५७।२८	५ श	२१	९।४०	११।१६	१।१२	३।२७	५।४७	८।०४	१०।२०	१२।३९	२।५७	५।०२	६।४५	८।१४
०४।०४।५५।०७	७ र	२२	९।३६	११।१२	१।०८	३।२३	५।४३	८।००	१०।१६	१२।३५	२।५३	४।५८	६।४२	८।१०
०४।०५।५२।४८	८ चं	२३	९।३२	११।०८	१।०४	३।१९	५।३९	७।५६	१०।१२	१२।३१	२।४९	४।५४	६।३८	८।०६
०४।०६।५०।३१	९ मं	२४	९।२८	११।०४	१।००	३।१५	५।३५	७।५२	१०।०८	१२।२७	२।४६	४।५०	६।३४	८।०२
०४।०७।४८।१५	१० बु	२५	९।२४	११।००	१२।५६	३।११	५।३१	७।४८	१०।०४	१२।२३	२।४२	४।४६	६।३०	७।५८
०४।०८।४६।०१	११ गु	२६	९।२०	१०।५६	१२।५२	३।०७	५।२७	७।४४	१०।००	१२।१९	२।३८	४।४२	६।२६	७।५४
०४।०९।४३।४९	१२ शु	२७	९।१६	१०।५२	१२।४९	३।०३	५।२३	७।४०	९।५६	१२।१५	२।३४	४।३८	६।२२	७।५०
०४।१०।४१।३९	१३ श	२८	९।१२	१०।४९	१२।४५	२।५९	५।१९	७।३६	९।५२	१२।११	२।३०	४।३४	६।१८	७।४६
०४।११।३९।३१	१४ र	२९	९।०९	१०।४५	१२।४१	२।५५	५।१५	७।३२	९।४८	१२।०७	२।२६	४।३१	६।१४	७।४३
०४।१२।३७।२५	१५ चं	३०	९।०५	१०।४१	१२।३७	२।५१	५।११	७।२८	९।४४	१२।०३	२।२२	४।२७	६।१०	७।३९

मास फलम्

इस माह में पांच रविवार और पांच सोमवार शुभद एवं धान्यादि भाव में मंदी कारक हैं, कृष्णा प्रतिपदा को धृति योग न होने से धान्यादि भाव मंदे हों। कृ.सप्तमी शनिवार योग वृष्टिकारक है, कृष्णा एकादशी मृगशिरा नेष्ट फलकारक है, अमावस्या को रविवार और आश्लेषा होने से अरिष्टकारी योग बनता है लेकिन सोमवती अमावस होने से सुभिक्ष क्षेम आरोग्य वर्षा का प्रबल उदय-धान्य की उत्पत्ति और समर्धता कारक हो। शुक्ला सप्तमी को स्वाति नक्षत्र सुभिक्ष कारक है। पूर्णिमा को श्रवण का अभाव होने से महर्धता हो। दक्षिण की पवन चले, धान्यादि सभी वस्तुओं के भाव मंदे हो, रस घृत किराणें की वस्तुएं तेज हों, लोक, महाजन प्रसन्न हों, प्रजा में सद्भाव अधिक हो।

अयनांशाः २३।५४।०९

पं.२० द्वि.श्रा.शु.१० बु.इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
४	४	४	४	२	२	०	६
०८	१५	०६	२९	२२	२८	११	११
१५	२२	०५	२४	२७	५५	१३	१३
१४	३३	४४	५६	२२	२४	०८	०८
५७	३८	५०	१२	६०	६	३	३
५३	१०	३५	३०	५१	३६	११	११
म	पूफा	म	उफा	पुन	पुन	अ	स्वा
३	१	२व	१	१	३	४	२



CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

३१ अगस्त से १४ सितंबर तक श्री भाद्रपद कृष्णपक्ष संवत् २०६१, शाकः १९२६, दि.मासू. सू. तारीस्प स्टै. प्रातः दैनिक शरदृतू रविर्दक्षिणे द्वि.श्रावणकृष्णेति गुर्जराः, अगस्त-सितंबर २००४

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प.	उ.	अ.	भा	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
क्षयः	९	सो	५९	०१	२९	४८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
काण	२	मं	५५	१५	२८	१८	पूमा	३०	३८	१८	२७	धृ	२५	४२	१६	२९	तै	२६	५६	१६	५८	३१/३०	६/१२	६/४८	९	१४	३१	मीने	४।१३।२८।२७	५७।५७
कुम्भक	३	बु	५३	११	२७	२९	उभा	२९	३९	१८	०४	शू	२०	३६	१४	२७	व	२३	५९	१५	४८	२६	१३	४७	१०	१५	१	मीने	४।१४।२६।२४	५७।५९
च.ग्र.	४	गु	५२	५९	२७	२४	रेव	३०	२६	१८	२३	गं	१६	५६	१२	५९	व	२२	५०	१५	२१	२२	१३	४६	११	१६	२	मेषे	४।१५।२४।२४	५८।०१
वज्र	५	शु	५४	४०	२८	०५	अश्वि	३३	०५	१९	२८	वृ	१४	४५	१२	०८	कौ	२३	३५	१५	३९	१८	१३	४५	१२	१७	३	मेषे	४।१६।२२।२५	५८।०३
घाड़क्ष	६	श	५८	०८	२९	२९	भर	३७	३१	२१	१४	ध्रु	१४	०२	११	५१	ग	२६	११	१६	४२	१४	१४	४४	१३	१८	४	वृषे	२७।४७	४।१७।२०।२८	५८।०५
धूम्र	७	र	...	...	...	...	कृति	४३	२९	२३	३८	व्या	१४	३७	१२	०५	वि	३०	२६	१८	२५	१०	१४	४३	१४	१९	५	वृषे		४।१८।१८।३४	५८।०७
जन्माष्ट.	७	सो	३	०३	७	२८	रोहि	५०	३२	२६	२७	ह	१६	१६	१२	४५	ब	३	०३	७	२८	०६	१५	४१	१५	२०	६	वृषे		४।१९।१६।४१	५८।१०
जन्माष्ट.	८	मं	८	५७	९	५०	मृग	५८	०५	२९	२९	व	१८	३१	१३	४०	कौ	८	५७	९	५०	०२	१५	४०	१६	२१	७	मिथु.	१५।५८	४।२०।१४।५१	५८।१२
गोगा	९	बु	१५	१३	१२	२१	आर्द्रा	...	...	..	...	सि	२०	५९	१४	३९	ग	१५	१३	१२	२१	३०/५८	१६	३९	१७	२२	८	मिथु.		४।२१।१३।०२	५८।१४
काण	१०	गु	२१	११	१४	४५	आर्द्रा	५	२९	८	२८	व्य	२३	१०	१५	३२	वि	२१	११	१४	४५	५४	१६	३८	१८	२३	९	कर्के	२८।३२	४।२२।११।१६	५८।१६
ए.व्र.	११	शु	२६	१९	१६	४८	पुन	१२	१३	११	१०	व	२४	४३	१६	१०	बा	२६	१९	१६	४८	५०	१७	३७	१९	२४	१०	कर्के		४।२३।०९।३२	५८।१८
मित्र	१२	श	३०	१६	१८	३३	पुष्य	१७	५२	१३	२६	प	२५	२०	१६	२५	तै	३०	१६	१८	२३	४६	१७	३६	२०	२५	११	कर्के		४।२४।०७।५०	५८।२०
प्र.व्र.	१३	र	३२	५१	१९	२६	श्ले	२२	१३	१५	११	शि	२४	५६	१६	१६	ग	१	४२	६	५८	४२	१८	३४	२१	२६	१२	सिंहे	१५।११	४।२५।०६।१०	५८।२२
घाड़क्ष	१४	सो	३४	०५	१९	५६	मघा	२५	१५	१६	२४	सि	२३	२८	१५	४९	वि	३	३७	७	४५	३८	१८	३३	२२	२७	१३	सिंहे		४।२६।०४।३३	५८।२४
अमाव.	३०	मं	३४	०४	१९	५६	पूफा	२७	०३	१७	०८	सा	२१	००	१४	४३	च	४	१२	७	५९	३४	१९	३२	२३	२८	१४	कन्या	२३।१५	४।२७।०२।५७	५८।२७

गुरोरस्तः पश्चिमायाम्

|B उफा.-३ गुरुः १७।१५, सं.स्त्री.स्त्री.सू.चं.वाहन स्वर अल्पवृष्टिः
|E कर्के शुक्रः १३।३९
भ. १५।४८ उ. २७।२९ या., कज़्ज़ली(बूढी ३), सितंबर ९ ता. ३०, E
पंचक समाप्तिः १८।२३, चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः २०।५७, मार्गी F
|F बुधः ३०।००
भ. २९।२९ उ., गुरोरस्तः पश्चिमायाम् २७।५३, A
भ. १८।२५ या., शीतला व्र.
मन्वादि, जन्माष्टमी व्र.स्मा. |A बृहद्गौरी व्र. (कर्नाटके डोली), D
जन्माष्टमी व्र. वैष्ण. |D हलषष्ठी, चंद्रषष्ठी (मरु.), पुथ्ये शुक्रः G
भ. २५।३५ उ., गोगानवमी
भ. १४।४५ या. |G १७।१६, कर्के पुन.-४ शनिः १०।१४
अजा ११ व्र. , जैनपर्युषण, वत्सपूजा
उफा. भौमः २२।४१
भ. १९।२६ उ., प्रदोषः, मासिकशिवरात्री व्र.,उफा. रविः ३०।१७, B
भ. ७।४५ या., उफा. सौरः २०।५३ |C लोहार्गल स्ना., मातृ ३०
कुशांग्रहणी, पिठोरी ३०, देवपितृकार्येऽमा., श्री शक्ति पूजा, C

अयनांशाः २३।५४।१०

पं.२१ भा.कृ. ३ बु. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
४	४	४	५	२	२	०	६
१५	१९	०१	००	२९	२९	१०	१०
०१	५०	५९	५३	४०	४०	५०	५०
०६	०८	२८	०७	२६	३०	५२	५२
५८	३८	८	१२	६३	६	३	३
०४	१६	०४	४२	०५	१३	११	११
पूफा	पूफा	म	उफा	पुन	पुन	अ	स्वा
१	२	१व	२	३	३	४	२



॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	अग.	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	सायं	रात्रौ
०४।१३।३५।२०	२ मं	३१	९।०१	१०।३७	१२।३३	२।४७	५।०८	७।२४	९।४०	११।५९	२।१८	४।२३	६।०६	७।३५
०४।१४।३३।१८	३ बु	१	८।५७	१०।३३	१२।२९	२।४३	५।०४	७।२०	९।३६	११।५५	२।१४	४।१९	६।०२	७।३१
०४।१५।३१।१८	४ गु	२	८।५३	१०।२९	१२।२५	२।४०	५।००	७।१७	९।३२	११।५१	२।१०	४।१५	५।५८	७।२७
०४।१६।२९।१९	५ शु	३	८।४९	१०।२५	१२।२१	२।३६	४।५६	७।१३	९।२८	११।४७	२।०६	४।११	५।५४	७।२३
०४।१७।२७।२३	६ श	४	८।४५	१०।२१	१२।१७	२।३२	४।५२	७।०९	९।२४	११।४४	२।०२	४।०७	५।५०	७।१९
०४।१८।२५।२८	७ र	५	८।४१	१०।१७	१२।१३	२।२८	४।४८	७।०५	९।२०	११।४०	१।५८	४।०३	५।४६	७।१५
०४।१९।२३।३६	७ चं	६	८।३७	१०।१३	१२।०९	२।२४	४।४४	७।०१	९।१७	११।३६	१।५४	३।५९	५।४२	७।११
०४।२०।२१।४६	८ मं	७	८।३३	१०।०९	१२।०५	२।२०	४।४०	६।५७	९।१३	११।३२	१।५०	३।५५	५।३८	७।०७
०४।२१।१९।५८	९ बु	८	८।२९	१०।०५	१२।०१	२।१६	४।३६	६।५३	९।०९	११।२८	१।४६	३।५१	५।३४	७।०३
०४।२२।१८।११	१० गु	९	८।२५	१०।०१	११।५७	२।१२	४।३२	६।४९	९।०५	११।२४	१।४२	३।४७	५।३१	६।५९
०४।२३।१६।२८	११ शु	१०	८।२१	९।५७	११।५३	२।०८	४।२८	६।४५	९।०१	११।२०	१।३८	३।४३	५।२७	६।५५
०४।२४।१४।४६	१२ श	११	८।१७	९।५३	११।४९	२।०४	४।२४	६।४१	८।५७	११।१६	१।३५	३।३९	५।२३	६।५१
०४।२५।१३।०६	१३ र	१२	८।१३	९।४९	११।४५	२।००	४।२०	६।३७	८।५३	११।१२	१।३१	३।३५	५।१९	६।४७
०४।२६।११।२९	१४ चं	१३	८।०९	९।४५	११।४१	१।५६	४।१६	६।३३	८।४९	११।०८	१।२७	३।३१	५।१५	६।४३
०४।२७।०९।५३	३० मं	१४	८।०५	९।४१	११।३८	१।५२	४।१२	६।२९	८।४५	११।०४	१।२३	३।२७	५।११	६।३९

मास फलम्

इस माह में पांच मंगलवार होने से किसी बड़े व्यक्ति का अभाव हो मगलवारी अमावस होने से राज्यभ्रंश, राजयुद्ध-क्लेश की वृद्धि-उपघात-अल्पवृष्टि और द्रव्यों की हानि हो अपरञ्च पूर्वाफाल्गुनी योग समर्घता कारक है, सुदी छठ को अनुराधा होने से सुभिक्ष हो। पूर्णिमा को पूर्वाभाद्रपद का अभाव होने से महर्घता हो। सभी पीत वर्ण वाली वस्तुओं के भाव तेज हों, धान्यादि भाव मंदे हों, अन्नोत्पत्ति उत्तम हो, प्रजा सात्विक कर्म अधिक करें। कन्या राशि में गुरु के अस्त होने से सब धान्य सस्ते हो, क्षेम और सुभिक्ष हो। शुक्र पुष्य नक्षत्र में होने से अधिक वृष्टि तथा विद्याधरों के युद्ध में विमर्द हो।

अयनांशाः २३।५४।११

पं.२२ भा.कृ. ९ बु. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
४	४	४	५	३	३	०	६
२१	२४	०३	०२	०७	००	१०	१०
४८	१८	५६	२२	०७	२२	२८	२८
१८	२८	४९	३५	५६	४७	३६	३६
५८	३८	४९	१२	६४	५	३	३
१६	२३	३०	५१	५६	४७	११	११
पूफा	पूफा	म	उफा	पु	पुन	अ	स्वा
३	४	२	२	२	४	४	२



CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

१५ सितंबर से २८ सितंबर तक श्री भाद्रपद शुक्लपक्ष संवत् २०६१, शाकः १९२६, दि.मा.सू. सू. तारीस्प स्टै. प्रातः दैनिक केतकी अहर्गणः ४५४६ शरदृतू रविर्दक्षिणे, सितंबर २००४

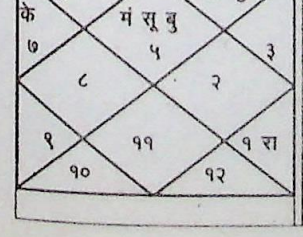
योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
प्रवर्धमा	१	बु	३२	५७	१९	३०	उफा	२७	४५	१७	२५	शु	१७	३९	१३	२३	किं	३	३८	७	४६	३० ३०	६ १९	६ ३१	२४	२९	१५	कन्या	४।२८।०१।२४	५८।२९
राक्षस	२	गु	३०	५३	१८	४१	हस्त	२७	३०	१७	२०	शु	१३	२९	११	४३	बा	२	०१	७	०८	२६	१९	३०	२५	३०	१६	तुला.	४।२८।५९।५३	५८।३१
मुसल	३	शु	२८	०१	१७	३२	चित्रा	२६	२७	१६	५५	ब्र	८	४०	९	४८	ग	२८	०१	१७	३२	२२	२०	२९	२६	१	१७	तुला.	४।२९।५८।२४	५८।३३
गणेश	४	श	२४	२६	१६	०७	स्वा	२४	४२	१६	१३	ऐ	३ ५७	१३ १९	७ २९	३८ ४६	वि	२४	२६	१६	०७	१८	२०	२७	२७	२	१८	तुला.	५।००।५६।५७	५८।३६
ऋषि	५	र	२०	१५	१४	२७	विशा	२२	२०	१५	१७	वि	५०	५४	२६	४३	बा	२०	१५	१४	२७	१४	२१	२६	२८	३	१९	वृश्चि.	५।०१।५५।३३	५८।३८
मानस	६	सो	१५	३२	१२	३४	अनु	१९	२७	१४	०८	प्री	४४	०६	२४	००	तै	१५	३२	१२	३४	०९	२१	२५	२९	४	२०	वृश्चि.	५।०२।५४।१९	५८।४०
मुद्गर	७	मं	१०	२२	१०	३१	ज्ये	१६	०७	१२	४९	आ	३६	५७	२१	०९	व	१०	२२	१०	३१	०५	२२	२४	३०	५	२१	धनु.	१२।४९	५।०३।५२।५१	५८।४२
ध्वजा	८	बु	४	५१	८	१८	मूल	१२	२६	११	२१	सौ	२९	३४	१८	१२	ब	४	५१	८	१८	०१	२२	२३	३१	६	२२	धनु.	५।०४।५९।३३	५८।४५
क्षयः	९	बु	५९	०५	३०	००	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
धाता	१०	गु	५३	१४	२७	४०	पूषा	८	३२	९	४७	शो	२२	०१	१५	११	तै	२६	०९	१६	५०	२९ ५७	२३	२२	१	७	२३	मक.	१५।२४	५।०५।५०।१८	५८।४७
ए.ब्र.	११	शु	४७	३०	२५	२३	उषा	४	३५	८	१३	अ	१४	२९	१२	११	व	२०	२०	१४	३१	५३	२३	२०	२	८	२४	मक.		५।०६।४९।०५	५८।४९
सुस्थिर	१२	श	४२	०८	२३	१५	श्रव	० ५७	४७ २६	६ २९	४३ २२	सु	७	०६	९	१४	ब	१४	४६	१२	१८	४९	२४	१९	३	९	२५	कुंभे	१८।०१	५।०७।४७।५४	५८।५२
प्र.ब्र.	१३	र	३७	२१	२१	२१	शत	५४	४३	२८	१७	धृ	० ५३	०५ ३८	६ २७	२६ ५१	कौ	९	३९	१०	१६	४५	२४	१८	४	१०	२६	कुंभे		५।०८।४६।४६	५८।५४
मुसल	१४	सो	३३	२७	१९	४७	पूभा	५२	५६	२७	३५	गं	४७	५६	२५	३५	ग	५	१६	८	३१	४१	२५	१७	५	११	२७	मीने	२१।४३	५।०९।४५।४०	५८।५६
पूर्णिमा	१५	मं	३०	३८	१८	४०	उभा	५२	१८	२७	२०	वृ	४३	०८	२३	४०	वि	१	५३	७	१०	३७	२५	१६	६	१२	२८	मीने		५।१०।४४।३६	५८।५९

[F श्लेषा. शुक्रः २२।५३, अश्वि.-३ राहुः ३०।०७, स्वा.-१ केतुः ३०।०७ [A श्री राधा ८, गौरी विसर्जन ११।२१ यावत्, सायन तुलायां भानुः २२।१०, बुधास्तः पूर्वस्याम् १९।३८ [B महेश्वर पूजनं, कु. संध्यापूजा, सिंहे मघा. शुक्रः १८।००

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

अयनांशाः २३।५४।१२

पं.२३ भा.शु. १ बु. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
४	४	४	५	३	३	०	६
२८	२८	१२	०३	१४	०१	१०	१०
३६	४७	०८	५२	४७	०१	०६	०६
५७	३९	२२	५४	२९	४९	२०	२०
५८	३८	९३	१२	६६	५	३	३
२९	३१	०४	५७	३०	१८	११	११
उफा	उफा	म	उफा	पु	पुन	अ	स्वा
१	१	४	३	४	४	४	२



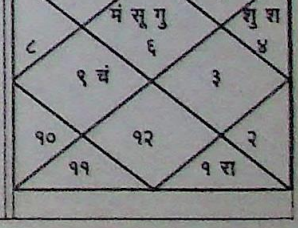
ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	सितं	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	सायं
०४।२८।०८।२०	१ बु	१५	८।०१	९।३८	११।३४	१।४८	४।०८	६।२५	८।४१	११।००	१।१९	३।२३	५।०७	६।३५
०४।२९।०६।५०	२ गु	१६	७।५८	९।३४	११।३०	१।४४	४।०४	६।२१	८।३७	१०।५६	१।१५	३।२०	५।०३	६।३२
०५।००।०५।२१	३ शु	१७	७।५४	९।३०	११।२६	१।४०	४।००	६।१७	८।३३	१०।५२	१।११	३।१६	४।५९	६।२८
०५।०१।०३।५५	४ श	१८	७।५०	९।२६	११।२२	१।३६	३।५७	६।१३	८।२९	१०।४८	१।०७	३।१२	४।५५	६।२४
०५।०२।०२।३०	५ र	१९	७।४६	९।२२	११।१८	१।३३	३।५३	६।०९	८।२५	१०।४४	१।०३	३।०८	४।५१	६।२०
०५।०३।०१।०९	६ चं	२०	७।४२	९।१८	११।१४	१।२९	३।४९	६।०६	८।२१	१०।४०	१२।५९	३।०४	४।४७	६।१६
०५।०३।५९।४९	७ मं	२१	७।३८	९।१४	११।१०	१।२५	३।४५	६।०२	८।१७	१०।३६	१२।५५	३।००	४।४३	६।१२
०५।०४।५८।३२	८ बु	२२	७।३४	९।१०	११।०६	१।२१	३।४१	५।५८	८।१३	१०।३३	१२।५१	२।५६	४।३९	६।०८
०५।०५।५७।१७	१० गु	२३	७।३०	९।०६	११।०२	१।१७	३।३७	५।५४	८।१०	१०।२९	१२।४७	२।५२	४।३५	६।०४
०५।०६।५६।०४	११ शु	२४	७।२६	९।०२	१०।५८	१।१३	३।३३	५।५०	८।०६	१०।२५	१२।४३	२।४८	४।३१	६।००
०५।०७।५४।५३	१२ श	२५	७।२२	८।५८	१०।५४	१।०९	३।२९	५।४६	८।०२	१०।२१	१२।३९	२।४४	४।२७	५।५६
०५।०८।५३।४५	१३ र	२६	७।१८	८।५४	१०।५०	१।०५	३।२५	५।४२	७।५८	१०।१७	१२।३५	२।४०	४।२३	५।५२
०५।०९।५२।४०	१४ चं	२७	७।१४	८।५०	१०।४६	१।०१	३।२१	५।३८	७।५४	१०।१३	१२।३१	२।३६	४।२०	५।४८
०५।१०।५१।३६	१५ मं	२८	७।१०	८।४६	१०।४२	१२।५७	३।१७	५।३४	७।५०	१०।०९	१२।२८	२।३२	४।१६	५।४४

संक्रांति फलम्

ता. १६ सितंबर २००४
भा. शु. २ गुरौ कन्यायामर्कः प्र. (स्टै.) टा. १६।२३ वारात् ४ नक्षत्रात् ४ वारनाम नंदा गणकान् सुस्पदा नक्षत्रनाम ध्वांक्षी वैश्यान् सुस्पदा अपरान्ह ३ प्रहर व्यापिनी वैश्यान् हन्ति, दक्षिणे गमनं नैऋत्यां दृष्टिः कौलवकरणे प्रविष्टा महर्घफलं सिंहवाहनं वृषभोपवाहनं कष्टकारक नीलवस्त्रं स्रुङ्गायुधं ताम्रपात्रं मिष्ठान्नभक्षणं रक्तचंदनलेपनं सर्पजातिः वकुलपुष्पं मोतीभूषणं हरितकंचुकी गतालकावस्था (उभी) मु. ३० धान्यभावे सम वत्स पूर्व राहु उत्तरे मूलं स्वर्गं विवाहस्तंभो ऐशान्यां शुक्रोदयः पूर्वस्याम् । पुण्यकालः (स्टै.) १६।२३ से २२।४७ तक । (दान- गृह वस्त्र) ।

अयनांशाः २३।५४।१३

पं.२४ भा.शु. ८ बु. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
५	५	४	५	३	३	०	६
०५	०३	२४	०५	२२	०१	०९	०९
२७	१७	०३	२३	३७	३७	४४	४४
०९	४५	३७	३९	११	१६	०४	०४
५८	३८	१०९	१२	६७	४	३	३
४३	३९	२७	५८	४९	४५	११	११
उफा	उफा	पूफा	उफा	श्ले	पुन	अ	स्वा
३	२	४	३	२	४	३	१



CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

२९ सितंबर से १४ अक्टूबर तक श्री आश्विन कृष्णपक्ष संवत् २०६१, शाकः १९२६, दि.मा.सू. सू. तारीख्य स्टै. प्रातः दैनिक शरदृतू रविर्दक्षिणे भाद्रपदकृष्णेति गुर्जराः, सितंबर-अक्टूबर २००४

योगः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति	यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।
उत्पात	१	बु	२९	०७	१८	०४	रेव	५३	००	२७	३८	धृ	३९	२४	२२	११	कौ	२९	०७	१८	०४	२९/३२	६/२६	६/५५	७	१३	२९	मेषे	२७।३८	५।१९।४३।३५	५९।०१	पंचक समाप्तिः २७।३८
मानस	२	गु	२९	०४	१८	०४	अश्वि	५५	१०	२८	३०	व्या	३६	४९	२१	१०	ग	२९	०४	१८	०४	२८	२६	१३	८	१४	३०	मेषे		५।१२।४२।३५	५९।०३	भ. ३०।१७ उ., हस्ते बुधः २३।२१
च.ब्र.	३	शु	३०	३३	१८	४०	भर	५८	५१	२९	५९	ह	३५	२७	२०	३७	वि	३०	३३	१८	४०	२४	२७	१२	९	१५	९	मेषे		५।१३।४९।३९	५९।०६	भ. १८।४० या., अक्टूबर १० ता. ३१, चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः १९।५९
ध्वजा	४	श	३३	३६	१९	५४	कृति	...	...	...	...	व	३५	१६	२०	३३	ब	९	५३	७	१२	२०	२७	११	१०	१६	२	वृषे	१२।२७	५।१४।४०।४४	५९।०८	गांधी जयन्ती, हस्ते भौमः १५।३०
धूम्र	५	र	३८	०४	२९	४१	कृति	३	५८	८	०३	सि	३६	०८	२०	५५	कौ	५	३९	८	४३	१६	२८	१०	११	१७	३	वृषे		५।१५।३९।५२	५९।१०	गुरोरुदयः पूर्वस्याम् २०।३३
प्रवर्धमा	६	सो	४३	३९	२३	५६	रोहि	१०	२०	१०	३६	व्य	३७	५३	२१	३७	ग	१०	४३	१०	४५	१२	२८	०९	१२	१८	४	मिथु.	२४।०१	५।१६।३९।०२	५९।१३	भ. २३।५६ उ., चंद्रषष्ठी
राक्षस	७	मं	४९	५०	२६	२५	मृग	१७	३३	१३	३०	व	४०	०७	२२	३१	वि	१६	४२	१३	०९	०८	२९	०८	१३	१९	५	मिथु.		५।१७।३८।१५	५९।१५	भ. १३।०९ या. [B मूषक अल्पवृष्टिः
मुसल	८	बु	५६	०२	२८	५४	आर्द्रा	२५	०४	१६	३१	ष	४२	२५	२३	२७	बा	२२	५८	१५	४०	०४	२९	०७	१४	२०	६	मिथु.		५।१८।३७।३०	५९।१७	श्रीमहालक्ष्मी व्र., अशोकाष्टमी
सिद्धि	९	गु	...	...	...	...	पुन	३२	१५	१९	२४	शि	४४	२०	२४	१३	तै	२८	५५	१८	०४	००/२८	३०	०६	१५	२१	७	कर्के	१२।४२	५।१९।३६।४७	५९।२०	सौभाग्यवतीनां श्राद्धं [A (सौरः २४।४५), सं.स्त्री.स्त्री.सू.चं.वाहन B
उत्पात	९	शु	१	३४	७	०८	पुष्य	३८	३१	२९	५५	सि	४५	२६	२४	४१	ग	१	३४	७	०८	२८/५६	३०	०४	१६	२२	८	कर्के		५।२०।३६।०७	५९।२२	भ. २०।०५ उ., चित्रा. बुधः १२।४२
मानस	१०	श	५	५८	८	५४	श्ले	४३	२६	२३	५३	सा	४५	२६	२४	४१	वि	५	५८	८	५४	५२	३१	०३	१७	२३	९	सिंहे	२३।५३	५।२१।३५।२८	५९।२४	भ. ८।५४ या., पूफा. शुक्रः २९।४२
ए.ब्र.	११	र	८	४८	१०	०३	मघा	४६	४६	२५	१४	शु	४४	१०	२४	११	बा	८	४८	१०	०३	४८	३१	०२	१८	२४	१०	सिंहे		५।२२।३४।५३	५९।२६	इंदिरा ११ व्र. , सन्यासिनां श्राद्धं, चित्रा. रविः १०।४७ A
प्र.ब्र.	१२	सो	९	५९	१०	३१	पूफा	४८	२९	२५	५५	शु	४१	३७	२३	११	तै	९	५९	१०	३१	४४	३२	०१	१९	२५	११	सिंहे		५।२३।३४।१९	५९।२९	प्रदोषः, युगादि [D श्राद्धं, तुलायां बुधः ११।१७
धाता	१३	मं	९	३०	१०	२०	उफा	४८	३९	२६	००	ब्र	३७	४८	२१	३९	व	९	३०	१०	२०	३९	३२	००	२०	२६	१२	कन्या	८।००|	५।२४।३३।४८	५९।३१	भ. १०।२० उ. २२।०१ या., मासिकशिवरात्री व्र., शस्त्रादि हतानां D
आनन्द	१४	बु	७	३१	९	३४	हस्त	४७	२८	२५	३२	ऐ	३२	५१	१९	४२	श	७	३१	९	३४	३५	३३	५/५५	२१	२७	१३	कन्या		५।२५।३३।१९	५९।३३	पितृकार्येऽमा., सर्वपितृ श्राद्धम्, हस्ते-१ गुरुः १७।०३
अमाव.	३०	गु	४	१४	८	१५	चित्रा	४५	०९	२४	३७	वै	२६	५७	१७	२०	ना	४	१४	८	१५	३१	३४	५८	२२	२८	१४	तुला.	१३।०८	५।२६।३२।५३	५९।३६	देवकार्येऽमा., नवरात्रारम्भः, घटस्था. अग्रसेन जयंती, मातामह श्रा.

अयनांशाः २३।५४।१५

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

अयनांशाः २३।५४।१६

अयनांशाः २३।५४।१७

पं.२५ आ.कृ. १ बु. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
५	५	५	५	४	३	०	६
१२	०७	०६	०६	००	०२	०९	०९
९८	४८	५४	५४	३५	०८	२९	२९
५७	५०	१०	२७	३८	४५	४८	४८
५८	३८	१०९	१२	६८	४	३	३
५७	४८	१२	५७	५८	०९	११	११
ह	उफा	उफा	उफा	म	पुन	अ	स्वा
१	४	४	४	१	४	३	१

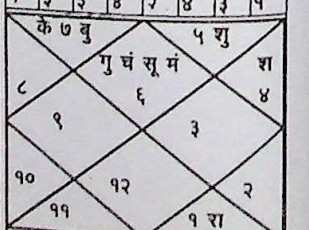


ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	सिते	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	सायं
०५।१९।५०।३५	९ बु	२९	७।०६	८।४२	१०।३८	१२।५३	३।१३	५।३०	७।४६	१०।०५	१२।२४	२।२८	४।१२	५।४०
०५।२०।४९।३६	२ गु	३०	७।०२	८।३८	१०।३४	१२।४९	३।०९	५।२६	७।४२	१०।०१	१२।२०	२।२४	४।०८	५।३६
०५।१३।४८।४०	३ शु	१	६।५८	८।३४	१०।३०	१२।४५	३।०५	५।२२	७।३८	९।५७	१२।१६	२।२०	४।०४	५।३२
०५।१४।४७।४५	४ श	२	६।५४	८।३०	१०।२७	१२।४१	३।०१	५।१८	७।३४	९।५३	१२।१२	२।१६	४।००	५।२८
०५।१५।४६।५३	५ र	३	६।५०	८।२७	१०।२३	१२।३७	२।५७	५।१४	७।३०	९।४९	१२।०८	२।१२	३।५६	५।२४
०५।१६।४६।०४	६ चं	४	६।४७	८।२३	१०।१९	१२।३३	२।५३	५।१०	७।२६	९।४५	१२।०४	२।०९	३।५२	५।२१
०५।१७।४५।१७	७ मं	५	६।४३	८।१९	१०।१५	१२।२९	२।४९	५।०६	७।२२	९।४१	१२।००	२।०५	३।४८	५।१७
०५।१८।४४।३२	८ बु	६	६।३९	८।१५	१०।११	१२।२५	२।४६	५।०२	७।१८	९।३७	११।५६	२।०१	३।४४	५।१३
०५।१९।४३।५०	९ गु	७	६।३५	८।११	१०।०७	१२।२२	२।४२	४।५८	७।१४	९।३३	११।५२	१।५७	३।४०	५।०९
०५।२०।४३।०९	९ शु	८	६।३१	८।०७	१०।०३	१२।१८	२।३८	४।५५	७।१०	९।२९	११।४८	१।५३	३।३६	५।०५
०५।२१।४२।३२	१० श	९	६।२७	८।०३	९।५९	१२।१४	२।३४	४।५१	७।०६	९।२६	११।४४	१।४९	३।३२	५।०१
०५।२२।४१।५६	११ र	१०	६।२३	७।५९	९।५५	१२।१०	२।३०	४।४७	७।०२	९।२२	११।४०	१।४५	३।२८	४।५७
०५।२३।४१।२३	१२ चं	११	६।१९	७।५५	९।५१	१२।०६	२।२६	४।४३	६।५९	९।१८	११।३६	१।४१	३।२४	४।५३
०५।२४।४०।५२	१३ मं	१२	६।१५	७।५१	९।४७	१२।०२	२।२२	४।३९	६।५५	९।१४	११।३२	१।३७	३।२०	४।४९
०५।२५।४०।२३	१४ बु	१३	६।११	७।४७	९।४३	११।५८	२।१८	४।३५	६।५१	९।१०	११।२८	१।३३	३।१६	४।४५
०५।२६।३९।५७	३० गु	१४	६।०७	७।४३	९।३९	११।५४	२।१४	४।३१	६।४७	९।०६	११।२४	१।२९	३।१३	४।४१

पं.२६ आ.कृ. ८ बु. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
५	५	५	५	४	३	०	६
१९	१२	१९	०८	०८	०२	०८	०८
१२	२०	२५	२४	४१	३५	५९	५९
२६	५९	२४	५१	३९	५३	३३	३३
५९	३८	१०४	१२	६९	३	३	३
११	५७	२३	५१	५८	३०	११	११
ह	ह	ह	उफ	म	पुन	अ	स्वा
३	१	३	४	३	४	३	१



पं.२७ आ.कृ.१४ बु. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
५	५	६	५	४	३	०	६
२६	१६	०१	०९	१६	०२	०८	०८
०७	५४	२०	५४	५४	५८	३७	३७
३५	१५	०५	२७	२०	२४	१७	१७
५९	३९	९९	१२	७०	२	३	३
२५	०७	००	४२	५१	४९	११	११
चि	ह	चि	उफ	पूफा	पुन	अ	स्वा
१	३	३	४	२	४	३	१



CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

१५ अक्टूबर से २८ अक्टूबर तक श्री आश्विन शुक्लपक्ष संवत् २०६१, शाकः १९२६, दि.मा.सू. सू. तारीस्प स्टै. प्रातः दैनिक केतकी अहर्गणः ४५७६ शरदृतू रविर्दक्षिणे, अक्टूबर २००४

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
क्षयः	१	गु	५९	५४	३०	३१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
गद	२	शु	५४	४४	२८	२८	स्वा	४१	५८	२३	२१	वि	२०	१७	१४	४९	बा	२७	२३	१७	३१	२८ २७	६ ३४	५ ५७	२३	२९	१५	तुला.	५।२७।३२।२८	५९।३८
शुभ	३	श	४८	५८	२६	१०	विशा	३८	१०	२१	५१	प्री	१३	००	११	४७	तै	२१	५३	१५	२०	२३	३५	५६	२४	१	१६	वृश्चि. १६।१४	५।२८।३२।०७	५९।४०
मृत्यु	४	र	४२	५४	२३	४५	अनु	३३	५९	२०	११	आ	५ ५७	२० २८	८ २९	४३ ३४	व	१५	५७	१२	५८	१९	३५	५५	२५	२	१७	वृश्चि.	५।२९।३१।४७	५९।४३
पद्म	५	सो	३६	४३	२१	१७	ज्ये	२९	३८	१८	२७	शो	४९	३२	२६	२५	ब	९	४७	१०	३१	१६	३६	५४	२६	३	१८	धनु. १८।२७	६।००।३१।२९	५९।४५
छत्र	६	मं	३०	३८	१८	५२	मूल	२५	२२	१६	४५	अ	४१	४२	२३	१७	कौ	३	३८	८	०४	१२	३६	५३	२७	४	१९	धनु.	६।०१।३१।१४	५९।४७
श्रीवत्स	७	बु	२४	४९	१६	३३	पूषा	२१	२२	१५	१०	सु	३४	०८	२०	१६	व	२४	४९	१६	३३	०८	३७	५२	२८	५	२०	मक. २०।४७	६।०२।३१।०२	५९।४९
दुर्गा	८	गु	१९	२७	१४	२४	उषा	१७	४७	१३	४५	धृ	२६	५७	१७	२५	ब	१९	२७	१४	२४	०४	३८	५१	२९	६	२१	मक.	६।०३।३०।५१	५९।५२
विजया	९	शु	१४	४१	१२	३१	श्रव	१४	४८	१२	३४	शू	२०	१५	१४	४४	कौ	१४	४१	१२	३१	००	३८	५०	३०	७	२२	कुंभे २४।०४	६।०४।३०।४३	५९।५४
प्रवर्धमा	१०	श	१०	४०	१०	५५	धनि	१२	३२	११	४०	गं	१४	०९	१२	१९	ग	१०	४०	१०	५५	२७ ५६	३९	४९	१	८	२३	कुंभे	६।०५।३०।३६	५९।५६
ए.ब्र.	११	र	७	२८	९	३९	शत	११	०६	११	०६	वृ	८	४४	१०	०९	वि	७	२८	९	३९	५२	४०	४८	२	९	२४	मीने २८।५५	६।०६।३०।३२	५९।५८
प्र.ब्र.	१२	सो	५	१५	८	४६	पूभा	१०	३६	१०	५५	ध्रु	४	०४	८	१८	बा	५	१५	८	४६	४८	४०	४८	३	१०	२५	मीने	६।०७।३०।३१	६०।००
सिद्धि	१३	मं	४	०२	८	१८	उभा	११	०७	११	०८	व्या	० ५७	१२ ११	६ २९	४६ ३३	तै	४	०२	८	१८	४५	४१	४७	४	११	२६	मीने	६।०८।३०।३१	६०।०३
उत्पात	१४	बु	३	५३	८	१५	रेव	१२	४०	११	४६	व	५५	०२	२८	४२	व	३	५३	८	१५	४१	४२	४६	५	१२	२७	मेषे ११।४६	६।०९।३०।३४	६०।०५
पूर्णिमा	१५	गु	४	५४	८	४०	अश्वि	१५	२०	१२	५०	सि	५३	४६	२८	१३	व	४	५४	८	४०	३७	४२	४५	६	१३	२८	मेषे	६।१०।३०।३८	६०।०७

केतकी अहर्गणः ४५७६ शरदृतू रविर्दक्षिणे, अक्टूबर २००४

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।

[A विसर्जनं श्रवणे, पंचक प्रारम्भः २४।०४, मन्वादि. D

चंद्रदर्शनम् (मु.१५) [D बोद्धावतार, चित्रा. भौमः २६।३४

आकाशदीपारंभः,रमजान ९, तुलायां रविः २८।२१, स्वा. बुधः १२।४६

म. १२।५८ उ. २३।४५ या., तुलायां सौरः १७।५६

उपांग ललिता व्र. [G (आश्वलायन शास्त्रा) कार्तिक स्नान प्रा.

सरस्वती आवाहनं मूलभे [F व्र., पंचक समाप्तिः ११।४६,

म.१६।३३ उ. २७।२७ या., भद्रकाली अवतार, सरस्वती पूजनं पू.षाभे

महाष्टमी, बलिदानं उ.षाभे,उफा. शुक्रः ११।४८,पुष्ये-१ शनिः ३०।३८

शस्त्रादि पूजा, विजया १०, शमी पूजा, पट्टाभिषेक, सरस्वती A

भ. २२।१४ उ., भा. कार्तिकारंभः, स्वा. रविः २१।१७, सायन B

भ. ९।३९ या., पापांकुशा ११ व्र., स्वा.सौरः १०।२७, विशा.बुधः २४।११

प्रदोषः, कार्तिके द्विदलं त्यजेत् [E वाहन अश्व वर्षाश्रेष्ठः

[B वृश्चिके भानुः ७।३०, कन्यायां शुक्रः ३०।३७, सं.स्त्री.पु.सू.सू. E

म. ८।१५ उ. २०।२४ या., पूर्णिमाव्रतं, शरद पूर्णिमा, कोजागरी F

पूर्णिमा पुण्यं, बंगीय लक्ष्मी पूजा, नवान्न भक्षण, आश्वयुजी कर्म G

अयनांशाः २३।५४।१८

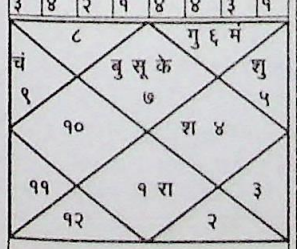
॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

संक्रांति फलम्

अयनांशाः २३।५४।१९

पं.२८ आ.शु. ७ बु. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
६	५	६	५	४	३	०	६
०३	२१	१२	११	२५	०३	०८	०८
०४	२८	३८	२२	१२	१५	१५	१५
२५	४२	४०	४६	५३	५६	०१	०१
५९	३९	९४	१२	०१	२	३	३
४०	१७	१८	२९	३८	०५	११	११
वि	ह	स्वा	ह	पूफा	पुन	अ	स्वा
३	४	२	१	४	४	३	१

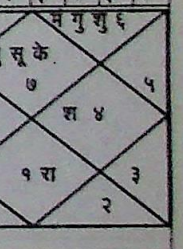


ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	अक्टु	सायँ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा
०५।२७।३९।३३	२ शु	१५	६।०३	७।३९	९।३५	११।५०	२।१०	४।२७	६।४३	९।०२	११।२०	१।२५	३।०९	४।३७
०५।२८।३९।१२	३ श	१६	५।५९	७।३५	९।३१	११।४६	२।०६	४।२३	६।३९	८।५८	११।१७	१।२१	३।०५	४।३३
०५।२९।३८।५२	४ र	१७	५।५५	७।३१	९।२७	११।४२	२।०२	४।१९	६।३५	८।५४	११।१३	१।१७	३।०१	४।२९
०६।००।३८।३५	५ चं	१८	५।५१	७।२७	९।२३	११।३८	१।५८	४।१५	६।३१	८।५०	११।०९	१।१३	२।५७	४।२५
०६।०१।३८।२०	६ मं	१९	५।४७	७।२३	९।२०	११।३४	१।५४	४।११	६।२७	८।४६	११।०५	१।०९	२।५३	४।२१
०६।०२।३८।०८	७ बु	२०	५।४३	७।२०	९।१६	११।३०	१।५०	४।०७	६।२३	८।४२	११।०१	१।०५	२।४९	४।१७
०६।०३।३७।५७	८ गु	२१	५।३९	७।१६	९।१२	११।२६	१।४६	४।०३	६।१९	८।३८	१०।५७	१।०१	२।४५	४।१३
०६।०४।३७।४९	९ शु	२२	५।३६	७।१२	९।०८	११।२२	१।४२	३।५९	६।१५	८।३४	१०।५३	१२।५८	२।४१	४।१०
०६।०५।३७।४४	१० श	२३	५।३२	७।०८	९।०४	११।१८	१।३८	३।५५	६।११	८।३०	१०।४९	१२।५४	२।३७	४।०६
०६।०६।३७।४०	११ र	२४	५।२८	७।०४	९।००	११।१४	१।३५	३।५१	६।०७	८।२६	१०।४५	१२।५०	२।३३	४।०२
०६।०७।३७।३८	१२ चं	२५	५।२४	७।००	८।५६	११।११	१।३१	३।४७	६।०३	८।२२	१०।४१	१२।४६	२।२९	३।५८
०६।०८।३७।३९	१३ मं	२६	५।२०	६।५६	८।५२	११।०७	१।२७	३।४४	५।५९	८।१८	१०।३७	१२।४२	२।२५	३।५४
०६।०९।३७।४२	१४ बु	२७	५।१६	६।५२	८।४८	११।०३	१।२३	३।४०	५।५५	८।१५	१०।३३	१२।३८	२।२१	३।५०
०६।१०।३७।४७	१५ गु	२८	५।१२	६।४८	८।४४	१०।५९	१।१९	३।३६	५।५१	८।११	१०।२९	१२।३४	२।१७	३।४६

ता. १६ अक्टूबर २००४
आश्वि. शु. ३ शनौ तुलायामर्कः प्र. (स्टै.) टा. २८।२१ वारात् ३ नक्षत्रात् ५ वारनाम राक्षसी वाण्डालान् सुस्प्रदा नक्षत्रनाम मंदाकिनी नृपतीन् सुस्प्रदा प्रभात रात्रि ४ प्रहर व्यापिनी गोरक्षकान् हन्ति, पश्चिमे गमनं वायव्यां दृष्टिः वणिजकरणे प्रविष्टा मध्यमफलं महिषवाहनं उष्ट्रोपवाहनं क्रैशकारक श्यामवस्त्रं तोमरायुधं स्पष्परपात्रं दधिभक्षणं अलक्तकलेप्यनं मृगजातिः अर्कपत्रपुष्पं मणीभूषणं पाण्डुकंचुकी प्रगल्भावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यभावे सम वत्स पूर्व राहु उत्तरे मूलं भूमौ विवाहस्तंभो ऐशान्यां शुक्रोदयः पूर्वस्याम्। पुण्यकालः (स्टै.) २२।२१ से रविवार १०।२१ तक। (दान-तिल)।

पं.२९ आ.शु.१४ बु. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
६	५	६	५	५	३	०	६
१०	२६	२३	१२	०३	०३	०७	०७
०२	०४	२७	४९	३६	२८	५२	५२
५५	२२	५३	२१	३८	१७	४४	४४
५९	३९	९०	१२	७२	१	३	३
५३	२८	४५	१२	१९	१९	११	११
स्वा	वि	वि	ह	उफा	पु	अ	स्वा
२	१	२	१	३	१	३	१



CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust. Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

२९ अक्टूबर से १२ नवंबर तक श्री कार्तिक कृष्णपक्ष संवत् २०६१, शाकः १९२६, दि.मासू. सू. तारीस्य स्टै. प्रातः दैनिक हेमन्तर्तू रविर्दक्षिणे आश्विनकृष्णेति गुर्जराः, अक्टूबर-नवंबर २००४

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
मुद्गर	१	शु	७	०३	९	३२	भर	१९	०७	१४	२२	व्य	५३	२२	२८	०४	कौ	७	०३	९	३२	२७/३३	६/४३	५/४४	७	१४	२९	वृषे २०।४९	६।१९।३०।४५	६०।०९
ध्वजा	२	श	१०	२३	१०	५३	कृति	२४	०१	१६	२०	व	५३	५१	२८	१६	ग	१०	२३	१०	५३	३०	४४	४३	८	१५	३०	वृषे	६।१२।३०।५४	६०।११
च.व्र.	३	र	१४	५०	१२	४०	रोहि	२९	५७	१८	४३	प	५५	०७	२८	४७	वि	१४	५०	१२	४०	२६	४४	४३	९	१६	३१	वृषे	६।१३।३१।०५	६०।१३
आनन्द	४	सो	२०	१६	१४	५१	मृग	३६	४८	२१	२८	शि	५७	००	२९	३३	बा	२०	१६	१४	५१	२२	४५	४२	१०	१७	१	मिथु. ८।०३	६।१४।३१।१८	६०।१५
चर	५	मं	२६	२५	१७	२०	आर्द्रा	४४	१२	२४	२६	सि	५९	१३	३०	२७	तै	२६	२५	१७	२०	१९	४६	४१	११	१८	२	मिथु.	६।१५।३१।३४	६०।१७
गद	६	बु	३२	४८	१९	५४	पुन	५९	४२	२७	२७	सा	...	...	...	...	व	३२	४८	१९	५४	१५	४६	४०	१२	१९	३	कर्के २०।४३	६।१६।३१।५१	६०।१९
शुभ	७	गु	३८	५२	२२	२०	पुष्य	५८	४४	३०	१७	सा	१	२४	७	२१	वि	५	५५	९	०९	१२	४७	४०	१३	२०	४	कर्के	६।१७।३२।१०	६०।२१
मृत्यु	८	शु	४४	०१	२४	२४	श्ले	...	...	...	...	शु	३	०९	८	०३	बा	११	३५	११	२६	०८	४८	३९	१४	२१	५	कर्के	६।१८।३२।३२	६०।२३
मानस	९	श	४७	४४	२५	५४	श्ले	४	४१	८	४१	शु	४	०३	८	२६	तै	१६	०४	१३	१४	०५	४९	३८	१५	२२	६	सिंहे ८।४१	६।१९।३२।५५	६०।२५
मुद्गर	१०	र	४९	४०	२६	४१	मघा	९	१०	१०	२९	ब्र	३	४७	८	२०	व	१८	५५	१४	२३	०१	४९	३८	१६	२३	७	सिंहे	६।२०।३३।२०	६०।२७
ए.व्र.	११	सो	४९	४१	२६	४३	पूफा	११	५३	११	३५	ऐ	२/५८	०७/५९	७/३०	४१/२६	ब	१९	५४	१४	४८	२६/३५	५०	३७	१७	२४	८	कन्या १७।४५	६।२१।३३।४७	६०।२९
धाता	१२	मं	४७	५०	२५	५९	उफा	१२	४४	११	५६	वि	५४	२०	२८	३५	कौ	१८	५८	१४	२६	५५	५१	३७	१८	२५	९	कन्या	६।२२।३४।१६	६०।३१
प्र.व्र.	१३	बु	४४	१२	२४	३२	हस्त	११	४६	११	३४	प्री	४८	२०	२६	११	ग	१६	१२	१३	२०	५१	५२	३६	१९	२६	१०	तुला. २३।०८	६।२३।३४।४७	६०।३३
रुप १४	१४	गु	३९	०२	२२	२९	चित्रा	९	१०	१०	३२	आ	४९	०६	२३	१९	वि	११	४६	११	३५	४८	५२	३६	२०	२७	११	तुला.	६।२४।३५।२०	६०।३५
दीपाव.	३०	शु	३२	३९	१९	५७	स्वा	५	११	८	५७	सौ	३२	५३	२०	०२	च	५	५८	९	१६	४५	५३	३५	२१	२८	१२	वृश्चि. २५।२९	६।२५।३५।५५	६०।३६

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है ।
भौमोदयः पूर्वस्याम् १८।५३, हस्ते-२ गुरुः १९।१४
भ. २३।४३ उ.
भ. १२।४० या., दशरथ ललिता व्र., करवा ४ चन्द्रोदयः १९।५३, D
नवंबर ११ ता. ३०, तुलायां भौमः २९।४५, हस्ते शुक्रः १३।३५
अनु. बुधः २१।३१ |D वृश्चिके बुधः १५।१६
भ. १९।५४ उ., स्कन्द षष्ठी
भ. ९।०९ या., होई (अहोरी) ८, बुधोदयः पश्चिमायाम् १७।१५
विशा. रविः २९।२४ |C प्रभात स्नानं
विशा. सौरः १७।३४
भ. १४।२३ उ. २६।४१ या.
रमा ११ व्र. , वक्री शनिः २५।३८ |B यमायदीपदानं, गोत्रिरात्र व्र.
गोवत्स द्वादशी |A ७।१८,ज्येष्ठा. बुधः ८।२४, चित्रा. शुक्रः १२।०१
भ. २४।३२ उ., प्रदोषः, धनतेरस, धन्वंतरी जयंती, B
भ. ११।३५ या., मासिकशिवरात्री व्र., दीपदानं, रुप (नरक) १४, C
देवपितृकार्येऽमा., महालक्ष्मी पूजा, कुबेर पू.,बलीपूजा,स्वा. भौमः A

अयनांशाः २३।५४।२०

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	अक्षु	सार्यं	रात्री	रात्री	रात्री	रात्री	रात्री	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा
०६।१९।३७।५४	१ शु	२९	५।०८	६।४४	८।४०	१०।५५	१।१५	३।३२	५।४८	८।०७	१०।२५	१२।३०	२।१३	३।४२
०६।१२।३८।०३	२ श	३०	५।०४	६।४०	८।३६	१०।५१	१।११	३।२८	५।४४	८।०३	१०।२१	१२।२६	२।०९	३।३८
०६।१३।३८।१५	३ र	३१	५।००	६।३६	८।३२	१०।४७	१।०७	३।२४	५।४०	७।५९	१०।१७	१२।२२	२।०५	३।३४
०६।१४।३८।२८	४ चं	१	४।५६	६।३२	८।२८	१०।४३	१।०३	३।२०	५।३६	७।५५	१०।१३	१२।१८	२।०२	३।३०
०६।१५।३८।४४	५ मं	२	४।५२	६।२८	८।२४	१०।३९	१२।५९	३।१६	५।३२	७।५१	१०।०९	१२।१४	१।५८	३।२६
०६।१६।३९।०१	६ बु	३	४।४८	६।२४	८।२०	१०।३५	१२।५५	३।१२	५।२८	७।४७	१०।०६	१२।१०	१।५४	३।२२
०६।१७।३९।२१	७ गु	४	४।४४	६।२०	८।१६	१०।३१	१२।५१	३।०८	५।२४	७।४३	१०।०२	१२।०६	१।५०	३।१८
०६।१८।३९।४२	८ शु	५	४।४०	६।१६	८।१२	१०।२७	१२।४७	३।०४	५।२०	७।३९	९।५८	१२।०२	१।४६	३।१४
०६।१९।४०।०६	९ श	६	४।३६	६।१२	८।०९	१०।२३	१२।४३	३।००	५।१६	७।३५	९।५४	११।५८	१।४२	३।१०
०६।२०।४०।३१	१० र	७	४।३२	६।०९	८।०५	१०।१९	१२।३९	२।५६	५।१२	७।३१	९।५०	११।५४	१।३८	३।०६
०६।२१।४०।५९	११ चं	८	४।२८	६।०५	८।०१	१०।१५	१२।३५	२।५२	५।०८	७।२७	९।४६	११।५०	१।३४	३।०२
०६।२२।४१।२८	१२ मं	९	४।२५	६।०१	७।५७	१०।११	१२।३१	२।४८	५।०४	७।२३	९।४२	११।४७	१।३०	२।५९
०६।२३।४१।५९	१३ बु	१०	४।२१	५।५७	७।५३	१०।०७	१२।२७	२।४४	५।००	७।१९	९।३८	११।४३	१।२६	२।५५
०६।२४।४२।३३	१४ गु	११	४।१७	५।५३	७।४९	१०।०३	१२।२४	२।४०	४।५६	७।१५	९।३४	११।३९	१।२२	२।५१
०६।२५।४३।०८	३० शु	१२	४।१३	५।४९	७।४५	१०।००	१२।२०	२।३६	४।५२	७।११	९।३०	११।३५	१।१८	२।४७

पं.३० का.कृ. ६ बु. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
६	६	७	५	५	३	०	६
१७	००	०३	१४	१२	०३	०७	०७
०३	४९	५३	१३	०४	३५	३०	३०
०२	१९	५६	४१	५७	१२	२९	२९
६०	३९	८७	११	७२	०	३	३
०७	३९	२७	५०	५५	३३	११	११
स्वा	चि	अनु.	ह	ह	पु	अ	स्वा
४	३	१	२	१	१	३	१



मास फलम्

इस माह में पांच शुक्रवार होने से प्रजा की वृद्धि हो ।प्रजावृद्धिस्तु भार्गवे। पंचमी को आर्द्रा होने से तृणादि (घास) का भाव मंदा हो और अल्पवृष्टि से चौपाये पीड़ित हो । कृष्णा दशमी रविवार होने से रोगोत्पत्ति हो । पूर्णिमा शुक्रवार और कृतिका युक्त होने से शुभ फल दायिनी है । दक्षिण की पवन चले, धान्यादि सभी वस्तुओं के भाव मंदे हो, रस घृत किराणें की वस्तुएं तेज हों, लोक, महाजन प्रसन्न हों, प्रजा में सद्भाव अधिक हो । कन्या राशि में मंगल का उदय होने से ब्राह्मणों तथा राजाओं में रोग हो ।

अयनांशाः २३।५४।२१

पं.३१ का.कृ.१३ बु. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
६	६	७	५	५	३	०	६
२४	०५	१३	१५	२०	०३	०७	०७
०४	१९	५२	३५	३७	३६	०८	०८
३९	३४	०९	२०	१६	३८	१३	१३
६०	३९	८१	११	७३	०	३	३
१९	५०	५७	२४	२६	१५	११	११
वि	चि	अनु.	ह	ह	पु	अ	स्वा
२	४	४	२	४	१व	३	१



CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

१३ नवंबर से २६ नवंबर तक श्री कार्तिक शुक्लपक्ष संवत् २०६१, शाकः १९२६, दि.मा.सू. सू. तारीख स्टै. प्रातः दैनिक केतकी अहर्गणः ४६०५ हेमन्तर्तू रविर्दक्षिणे, नवंबर २००४

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
शुभ	१	श	२५	२३	१७	०३	विशा	५४	०४	४८	२८	शो	२३	५६	१६	२८	ब	२५	२३	१७	०३	२६ ४३	६ ५४	५ ३५	२२	२९	१३	वृश्चि.	६।२६।३६।३१	६०।३८
काण	२	र	१७	३४	१३	५६	ज्ये	४८	१८	२६	१४	अ	१४	३३	१२	४४	कौ	१७	३४	१३	५६	३९	५५	३४	२३	३०	१४	धनु. २६।१४	६।२७।३७।०९	६०।४०
लुम्बक	३	सो	९	३५	१०	४५	मूल	४२	१५	२३	४९	सु	५ ५५	००३७	८ २९	५५ ९०	ग	९	३५	१०	४५	३६	५५	३४	२४	१	१५	धनु.	६।२८।३७।४९	६०।४२
मित्र	४	मं	१	४९	७	४०	पूषा	३६	३८	२१	३५	शू	४६	३७	२५	३५	वि	१	४९	७	४०	३३	५६	३३	२५	२	१६	मक. २७।०४	६।२९।३८।३१	६०।४३
क्षयः	५	मं	५४	३६	२८	४७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
वज्र	६	बु	४८	१४	२६	१५	उषा	३१	४५	१९	३९	गं	३८	१७	२२	१६	कौ	२१	१७	१५	२८	३०	५७	३३	२६	३	१७	मक.	७।००।३९।१४	६०।४५
ध्वजा	७	गु	४२	५७	२४	०९	श्रव	२७	५४	१८	०७	वृ	३०	४८	१९	१७	ग	१५	२६	१३	०८	२७	५८	३२	२७	४	१८	कुंभे २९।३२	७।०१।४०।००	६०।४७
धाता	८	शु	३८	५८	२२	३४	धनि	२५	१६	१७	०५	ध्रु	२४	१८	१६	४२	वि	१०	४६	११	१७	२४	५९	३२	२८	५	१९	कुंभे	७।०२।४०।४६	६०।४८
आनन्द	९	श	३६	२१	२१	३२	शत	२३	५९	१६	३५	व्या	१८	५४	१४	३३	बा	७	२८	९	५८	२१	५९	३२	२९	६	२०	कुंभे	७।०३।४१।३५	६०।५०
चर	१०	र	३५	०६	२९	०३	पूभा	२४	०२	१६	३७	ह	१४	३४	१२	५०	तै	५	३३	९	९३	१९	७ ००३२	३०	७	२१	मीने	१०।३३	७।०४।४२।२४	६०।५२
ए.व्र.	११	सो	३५	१३	२१	०६	उभा	२५	२४	१७	११	व	११	१९	११	३२	व	४	५८	९	००	१६	०१	३१	१	८	२२	मीने	७।०५।४३।१६	६०।५३
शुभ	१२	मं	३६	३०	२१	३८	रेव	२७	५८	१८	१३	सि	९	०२	१०	३८	ब	५	४२	९	१९	१३	०२	३१	२	९	२३	मेषे १८।१३	७।०६।४४।०९	६०।५४
प्र.व्र.	१३	बु	३८	५५	२२	३६	अश्वि	३१	३४	१९	४०	व्य	७	३७	१०	०५	कौ	७	३४	१०	०४	११	०२	३१	३	१०	२४	मेषे	७।०७।४५।०४	६०।५६
पद्म	१४	गु	४२	१५	२३	५७	भर	३६	०७	२१	३०	व	६	५८	९	५१	ग	१०	२७	११	१४	०९	०३	३१	४	११	२५	वृषे २८।००	७।०८।४५।५९	६०।५७
पूर्णिमा	१५	शु	४६	२६	२५	३८	कृति	४१	२८	२३	३९	प	७	००	९	५२	वि	१४	१४	१२	४६	०६	०४	३१	५	१२	२६	वृषे -	७।०९।४६।५७	६०।५९

[B पंचक प्रा., चातुर्मास्य व्रत समाप्ति, देवोत्थापनं, भा.मार्गशीर्षारंभः [A त्रिपुरोत्सव, पुष्कर यात्रा, नानक जयंती, भीष्म पंचक समाप्ति, कार्तिक स्नान पूर्तिः, महाकार्तिकी, रोहिण्यां रे. ८ ।।।S।।S।। रात्रौ ल. ६

स्टैंडर्ड टाइम का तारीख वार प्रातः ६ बजे का पंचांग

तारीख	वार	नक्षत्र	योग	करण	सूर्योदय	चंद्रोदय	सूर्यास्त	चंद्रास्त
१३	शनि	विशाखा	शोभन	बालव	६:५८	१०:२९	४:५९	११:२९
१४	रवि	अनुराधा	अतिगंड	कौलव	६:५९	११:२९	४:५८	१२:२९
१५	सोम	ज्येष्ठा	सुकर्मा	तैतिल	७:००	१२:२९	४:५८	१:२९
१६	मंगल	मूल	धृति	गर	७:०१	१:२९	४:५७	२:२९
१७	बुध	पूर्वाषाढा	शूल	वणिज	७:०२	२:२९	४:५७	३:२९
१८	गुरु	उत्तराषाढा	गंड	विष्टि	७:०३	३:२९	४:५६	४:२९
१९	शुक्र	श्रवण	वृद्धि	शकुनि	७:०४	४:२९	४:५६	५:२९
२०	शनि	धनिष्ठा	ध्रुव	चतुष्पद	७:०५	५:२९	४:५५	६:२९
२१	रवि	शतभिषा	व्याघात	नाग	७:०६	६:२९	४:५५	७:२९
२२	सोम	पूर्वाभाद्रपदा	हर्षण	किंस्तुघ्न	७:०७	७:२९	४:५४	८:२९
२३	मंगल	उत्तराभाद्रपदा	वज्र	बालव	७:०८	८:२९	४:५४	९:२९
२४	बुध	रेवती	सिद्धि	कौलव	७:०९	९:२९	४:५३	१०:२९
२५	गुरु	अश्विनी	व्यतीपात	तैतिल	७:१०	१०:२९	४:५३	११:२९
२६	शुक्र	भरणी	वरीयान	गर	७:११	११:२९	४:५२	१२:२९

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

अयनांशाः २३।५४।२२

पं.३२ का.शु. ६ बु. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
७	६	७	५	५	३	०	६
०१	०९	२२	१६	२९	०३	०६	०६
०७	५९	५५	५३	१२	३२	४५	४५
४२	१०	५१	४३	५९	३१	५७	५७
६०	४०	७०	१०	७३	१	३	३
३१	०२	०८	५४	५३	०२	११	११
वि	स्वा	ज्ये	ह	वि	पु	अ	स्वा
४	१	२	३	२	१व	३	१



ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	नवं.	दिवा	सायँ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा
०६।२६।४३।४४	१ श	१३	४।०९	५।४५	७।४९	९।५६	११।१६	२।३३	४।४८	७।०७	९।२६	११।३१	१।१४	२।४३
०६।२७।४४।२३	२ र	१४	४।०५	५।४१	७।३७	९।५२	१२।१२	२।२९	४।४४	७।०४	९।२२	११।२७	१।१०	२।३९
०६।२८।४५।०३	३ चं	१५	४।०१	५।३७	७।३३	९।४८	१२।०८	२।२५	४।४०	७।००	९।१८	११।२३	१।०६	२।३५
०६।२९।४५।४५	४ मं	१६	३।५७	५।३३	७।२९	९।४४	१२।०४	२।२१	४।३७	६।५६	९।१४	११।१९	१।०२	२।३१
०७।००।४६।२९	६ बु	१७	३।५३	५।२९	७।२५	९।४०	१२।००	२।१७	४।३३	६।५२	९।१०	११।१५	१२।५८	२।२७
०७।०१।४७।१४	७ गु	१८	३।४९	५।२५	७।२१	९।३६	११।५६	२।१३	४।२९	६।४८	९।०६	११।११	१२।५४	२।२३
०७।०२।४८।०१	८ शु	१९	३।४५	५।२१	७।१७	९।३२	११।५२	२।०९	४।२५	६।४४	९।०२	११।०७	१२।५१	२।१९
०७।०३।४८।५०	९ श	२०	३।४१	५।१७	७।१३	९।२८	११।४८	२।०५	४।२१	६।४०	८।५८	११।०३	१२।४७	२।१५
०७।०४।४९।४०	१० र	२१	३।३७	५।१३	७।०९	९।२४	११।४४	२।०१	४।१७	६।३६	८।५५	१०।५९	१२।४३	२।११
०७।०५।५०।३२	११ चं	२२	३।३३	५।०९	७।०५	९।२०	११।४०	१।५७	४।१३	६।३२	८।५१	१०।५५	१२।३९	२।०७
०७।०६।५१।२५	१२ मं	२३	३।२९	५।०५	७।०१	९।१६	११।३६	१।५३	४।०९	६।२८	८।४७	१०।५१	१२।३५	२।०३
०७।०७।५२।१९	१३ बु	२४	३।२५	५।०१	६।५८	९।१२	११।३२	१।४९	४।०५	६।२४	८।४३	१०।४७	१२।३१	१।५९
०७।०८।५३।१६	१४ गु	२५	३।२१	४।५८	६।५४	९।०८	११।२८	१।४५	४।०१	६।२०	८।३९	१०।४३	१२।२७	१।५५
०७।०९।५४।१३	१५ शु	२६	३।१७	४।५४	६।५०	९।०४	११।२४	१।४१	३।५७	६।१६	८।३५	१०।३९	१२।२३	१।५१

संक्रांति फलम्

ता. १५ नवंबर २००४
का. शु. ३ चंद्रे वृश्चिकेऽर्कः प्र. (स्टै.) टा. २८।०५ वारात् ३ नक्षत्रात् ४ वारनाम ध्यांक्षी वैश्यान् सुस्वदा नक्षत्रनाम घोरा शूद्रान् सुस्वदा प्रभात रात्रि ४ प्रहर व्यापिनी गोरक्षकान् हन्ति, पश्चिमे गमनं वायव्यां दृष्टिः विष्टीकरणे प्रविष्टा मध्यमफलं अश्ववाहनं सिंहोपवाहनं स्थैर्यकारक कृष्णवस्त्रं कुन्तायुधं पत्रापात्रं चित्रान्नभक्षणं ओतुमदोलेपनं विप्रजातिः दुर्वापुष्पं गुंजाभूषणं नीलकंचुकी वृद्धावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यभावे सम वत्स दक्षिणे राहु पूर्वे मूलं पाताले विवाहस्तंभो वायव्याम् शुक्रोदयः पूर्वस्याम् । पुण्यकालः (स्टै.) २१।४१ से २८।०५ तक । (दान- दीप) ।

अयनांशाः २३।५४।२३

पं.३३ का.शु.१३ बु. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
७	६	८	५	६	३	०	६
०८	१४	००	१८	०७	०३	०६	०६
१२	४०	००	०८	५१	२२	२३	२३
०३	०९	५२	१७	३३	५७	४०	४०
६०	४०	४४	१०	७४	१	३	३
४१	१४	१४	१८	१५	४८	११	११
अनु.	स्वा	मू	ह	स्वा	पु	अ	चि
२	३	१	३	१	१व	२	४



CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

२७ नवंबर से ११ दिसंबर तक श्री मार्गशीर्ष कृष्णपक्ष संवत् २०६१, शाकः १९२६, दि.मा.सू. सू. तारीस्प स्टै. प्रातः दैनिक हेमन्तर्तू रविर्दक्षिणे कार्तिककृष्णेति गुर्जराः, नवंबर-दिसंबर २००४

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	च.प.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
श्रीवत्स	१	श	५१	२३	२७	३८	रोहि	४७	३२	२६	०६	शि	७	३८	१०	०८	बा	१८	४८	१४	३६	२६ ०४	७ ०५	५ ३०	६	१३	२७	वृषे	७।१०।४७।५६	६१।००
सौम्य	२	र	५७	००	२९	५३	मृग	५४	१५	२८	४८	त्रि	८	४८	१०	३७	तै	२४	०६	१६	४४	०२	०६	३०	७	१४	२८	मिथु. १५।२५	७।११।४८।५६	६१।०९
काल	३	सो	...	...	...	...	आर्द्रा	...	...	...	...	सा	१०	२७	११	१७	व	३०	००	१९	०६	००	०६	३०	८	१५	२९	मिथु.	७।१२।४९।५७	६१।०३
च.व्र.	३	मं	३	०६	८	२२	आर्द्रा	१	२६	७	४२	शु	१२	२८	१२	०६	वि	३	०६	८	२२	२५ ५८	०७	३०	९	१६	३०	कर्के २७।५७	७।१३।५९।००	६१।०४
गद	४	बु	९	३३	१०	५७	पुन	८	५६	१०	४२	शु	१४	३९	१२	५९	बा	९	३३	१०	५७	५६	०८	३०	१०	१७	१	कर्के	७।१४।५२।०४	६१।०५
शुभ	५	गु	१५	५३	१३	३०	पुष्य	१६	२९	१३	४९	ब्र	१६	४४	१३	५०	तै	१५	५३	१३	३०	५४	०९	३०	११	१८	२	कर्के	७।१५।५३।०९	६१।०६
मृत्यु	६	शु	२१	३८	१५	४९	श्ले	२३	५२	१६	२६	ऐ	१८	२३	१४	३१	व	२१	३८	१५	४९	५२	०९	३०	१२	१९	३	सिंहे १६।२६	७।१६।५४।१५	६१।०८
पद्म	७	श	२६	१८	१७	४१	मघा	२९	०१	१८	४६	वै	१९	१५	१४	५२	ब	२६	१८	१७	४१	५०	१०	३०	१३	२०	४	सिंहे	७।१७।५५।२३	६१।०९
छत्र	८	र	२९	२६	१८	५७	पूफा	३३	२०	२०	३१	वि	१८	५८	१४	४६	कौ	२९	२६	१८	५७	४९	११	३०	१४	२१	५	कन्या २६।५०	७।१८।५६।३१	६१।१०
श्रीवत्स	९	सो	३०	४२	१९	२९	उफा	३५	५१	२१	३२	प्री	१७	१९	१४	०७	तै	०	१८	७	१९	४७	१२	३१	१५	२२	६	कन्या	७।१९।५७।४१	६१।११
सौम्य	१०	मं	२९	५६	१९	११	हस्त	३६	२४	२१	४६	आ	१४	०६	१२	५१	व	०	३३	७	२६	४६	१२	३१	१६	२३	७	कन्या	७।२०।५८।५२	६१।१२
ए.व्र.	११	बु	२७	०७	१८	०४	चित्रा	३४	५७	२१	१२	सौ	९	१९	१०	५७	बा	२७	०७	१८	०४	४४	१३	३१	१७	२४	८	तुला. ९।३५	७।२२।००।०४	६१।१३
प्र.व्र.	१२	गु	२२	२२	१६	११	स्वा	३१	३८	१९	५३	शो	२ ५५	५५ ५०	८ २९	२४ ४८	तै	२२	२२	१६	११	४३	१४	३१	१८	२५	९	तुला.	७।२३।०१।१६	६१।१४
मातङ्ग	१३	शु	१५	५६	१३	३७	विशा	२६	४२	१७	५५	सु	४६	०८	२५	४२	व	१५	५६	१३	३७	४२	१४	३१	१९	२६	१०	वृश्चि. १२।२८	७।२४।०२।३०	६१।१४
अमाव.	१४	श	८	०८	१०	३१	अनु	२०	२९	१५	२७	धृ	३६	१२	२१	४४	श	८	०८	१०	३१	४१	१५	३२	२०	२७	११	वृश्चि.	७।२५।०३।४४	६१।१५
क्षयः	३०	श	५९	२५	३१	०१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।

रोहि. रे. ८ IIIIऽIIऽII दिवा ल. ११,१२ (मीने ७ गु. पू) रात्रौ ३

मृगे रे. १० IIIIIIIIII दिवा ल. ११,१२, रात्रौ गो ४, ६

भ. १९।०६ उ. [C हस्ते-४ गुरुः १६।३५

भ. ८।२२ या., सौभाग्य सुंदरीव्र., अंगारकी चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः A

दिसंबर १२ ता.३१,विशा.भौमः २९।२३ [A २०।१९,वक्री बुधः३०।००

ज्येष्ठा. रविः १५।४० (सौरः २५।३३) [B विशा. शुक्रः २५।५६

भ. १५।४९ उ. २८।४९ या., बुधास्तः पश्चिमायाम् २८।३९, B

मघा रे. ८ IऽIIIIऽIII अ. गो., कालभैरवाष्टमी

उफा. रे. ८ SIIIIIIऽII रात्रौ ल. ६ (स्टै. २६।५० या), C

उफा.रे.८ SIIIIIIऽII दिवा ल. ९, रात्रौ अ.गो. D

भ. ७।२६ उ. १९।११ या.

उत्पत्ति ११ व्र., वैतरणी व्र., स्वातौ रे. ८ IIIIऽIIऽII रात्रौ ल. ४।६

प्रदोषः, स्वातौ रे. ८ IIIIऽIIऽII दिवा ल. ९।१२ (मीने ७ गु.पू.)

भ. १३।३७ उ. २४।०७ या., मासिकशिवरात्री व्र.

देवपितृकार्येऽमा., गौरीतपोव्र., महाव्रतारंभः वृश्चिके शुक्रः २६।३५

[D (हस्ते लग्नाऽभावः), (व) वृश्चिके ज्येष्ठा. बुधः ९।०९

अयनांशाः २३।५४।२४

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

पं.३४ मा.कृ. ४ बु. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
७	६	८	५	६	३	०	६
१५	१९	०२	१९	१६	०३	०६	०६
१७	२२	४७	१८	३२	०८	०१	०१
३१	३०	१६	२९	२८	०८	२४	२४
६०	४०	१०	९	७४	२	३	३
५०	२६	३१	३८	३२	३१	११	११
अनु	स्वा	मू	ह	स्वा	पुन	अ	चि
४	४	१५व	३	३	४व	२	४



ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	नवं.	दिवा	सायं	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा
०७।१०।५५।१२	१ श	२७	३।१४	४।५०	६।४६	९।००	११।२०	१३७	३।५३	६।१२	८।३१	१०।३६	१२।१९	१।४८
०७।११।५६।१३	२ र	२८	३।१०	४।४६	६।४२	८।५६	११।१६	१।३३	३।४९	६।०८	८।२७	१०।३२	१२।१५	१।४४
०७।१२।५७।१४	३ चं	२९	३।०६	४।४२	६।३८	८।५२	११।१३	१।२९	३।४५	६।०४	८।२३	१०।२८	१२।११	१।४०
०७।१३।५८।१७	३ मं	३०	३।०२	४।३८	६।३४	८।४९	११।०९	१।२५	३।४१	६।००	८।१९	१०।२४	१२।०७	१।३६
०७।१४।५९।२१	४ बु	१	२।५८	४।३४	६।३०	८।४५	११।०५	१।२२	३।३७	५।५६	८।१५	१०।२०	१२।०३	१।३२
०७।१६।००।२७	५ गु	२	२।५४	४।३०	६।२६	८।४१	११।०१	१।१८	३।३३	५।५३	८।११	१०।१६	११।५९	१।२८
०७।१७।०१।३३	६ शु	३	२।५०	४।२६	६।२२	८।३७	१०।५७	१।१४	३।२९	५।४९	८।०७	१०।१२	११।५५	१।२४
०७।१८।०२।४१	७ श	४	२।४६	४।२२	६।१८	८।३३	१०।५३	१।१०	३।२६	५।४५	८।०३	१०।०८	११।५१	१।२०
०७।१९।०३।५०	८ र	५	२।४२	४।१८	६।१४	८।२९	१०।४९	१।०६	३।२२	५।४१	७।५९	१०।०४	११।४७	१।१६
०७।२०।०५।००	९ चं	६	२।३८	४।१४	६।१०	८।२५	१०।४५	१।०२	३।१८	५।३७	७।५५	१०।००	११।४३	१।१२
०७।२१।०६।११	१० मं	७	२।३४	४।१०	६।०६	८।२१	१०।४१	१२।५८	३।१४	५।३३	७।५१	९।५६	११।४०	१।०८
०७।२२।०७।२३	११ बु	८	२।३०	४।०६	६।०२	८।१७	१०।३७	१२।५४	३।१०	५।२९	७।४७	९।५२	११।३६	१।०४
०७।२३।०८।३५	१२ गु	९	२।२६	४।०२	५।५८	८।१३	१०।३३	१२।५०	३।०६	५।२५	७।४४	९।४८	११।३२	१।००
०७।२४।०९।४९	१३ शु	१०	२।२२	३।५८	५।५४	८।०९	१०।२९	१२।४६	३।०२	५।२१	७।४०	९।४४	११।२८	१२।५६
०७।२५।११।०४	१४ श	११	२।१८	३।५४	५।५०	८।०५	१०।२५	१२।४२	२।५८	५।१७	७।३६	९।४०	११।२४	१२।५२

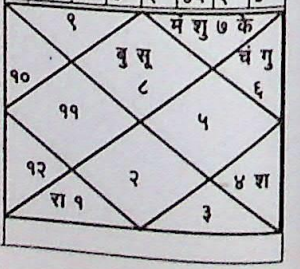
मास फलम्

इस माह में शनिवार और पांच रविवार होने से महँगाई हो। कृ. तीज को आर्द्रा होने से धान्य सस्ता रहे। राज्य स्वस्थ रहे और प्रजा में सुस्थ रहे। पंचमी गुरुवार होने से सुभिक्ष हो। पूर्णिमा मृगशिरा युक्त होने से महर्घता हो। विशाखा मंगल पर होने से कपास और गेहूँ का भाव महँगा हो। धन राशि में बुध का अस्त होने से राजनीति में कलह हो। रस कस घृत महँगे हों, वस्त्रादि और रुई के भाव मंदे हों, प्रजा में भय हो, चतुर्मास में वर्षा कम हो। विशाखा में शुक्र होने से तुष धान्य की महँगाई हो, सुन्दर वृष्टि हो, वाणिज्य कर्म करने वाले प्रभावित हों।

अयनांशाः २३।५४।२५

पं.३५ मा.कृ.११ बु. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
७	६	७	५	६	३	०	६
२२	२४	२७	२०	२५	०२	०५	०५
२३	०६	४७	२३	१५	४८	३९	३९
५६	१६	५६	४१	१३	२५	०८	०८
६०	४०	७९	८	७४	३	३	३
५७	३८	२४	५२	४६	११	११	११
ज्ये	वि	ज्ये	ह	वि	पुन	अ	चि
२	२	४व	४	२	४व	२	४



CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

१२ दिसंबर से २६ दिसंबर तक श्री मार्गशीर्ष शुक्लपक्ष संवत् २०६१, शाकः १९२६, दि.मा.सू. सू. तारीख्स स्टै. प्रातः दैनिक केतकी अहर्गणः ४६३४ हेमन्तर्तू रविर्दक्षिणे, दिसंबर २००४

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
काण	१	र	५०	०७	२७	१९	ज्ये	१३	२४	१२	३७	शू	२५	३८	१७	३९	किं	२४	४७	१७	११	२५ ४०	७ १६	५ ३२	२१	२८	१२	धनु.	१२।३७	७।२६।०५।००	६१।१६
लुम्बक	२	सो	४०	४७	२३	३५	मूल	५ ५८	५५ ३३	९ ३०	३९ ४२	गं	१४	५१	१३	१३	बा	१५	२५	१३	२७	३९	१६	३२	२२	२९	१३	धनु.		७।२७।०६।१६	६१।१७
मानस	३	मं	३१	४९	२०	०१	उषा	५१	४२	२७	५८	वृ	४ ५४	५१ ०२	८ २८	५७ ५४	तै	६	१३	९	४६	३८	१७	३२	२३	१	१४	मक.	११।५९	७।२८।०७।३३	६१।१८
छत्र	४	बु	२३	४३	१६	४७	श्रव	४५	५२	२५	३८	व्या	४४	४४	२५	११	वि	२३	४३	१६	४७	३८	१८	३३	२४	२	१५	मक.		७।२९।०८।५०	६१।१८
श्रीवत्स	५	गु	१६	५१	१४	०३	धनि	४१	२४	२३	५२	ह	३६	३१	२१	५५	बा	१६	५१	१४	०३	३७	१८	३३	२५	३	१६	कुंभ	१२।४१	८।००।१०।०८	६१।१९
सौम्य	६	शु	११	३४	११	५६	शत	३८	३७	२२	४६	व	२९	४०	१९	११	तै	११	३४	११	५६	३७	१९	३४	२६	४	१७	कुंभे		८।०१।११।२७	६१।१९
काल	७	श	८	०४	१०	३३	पूभा	३७	३८	२२	२३	सि	२४	१५	१७	०२	व	८	०४	१०	३३	३६	१९	३४	२७	५	१८	मीने	१६।२४	८।०२।१२।४७	६१।२०
सुस्थिर	८	र	६	२८	९	५५	उभा	३८	२९	२२	४४	व्य	२०	२०	१५	२८	ब	६	२८	९	५५	३६	२०	३४	२८	६	१९	मीने		८।०३।१४।०७	६१।२१
मातङ्ग	९	सो	६	४१	१०	०१	रेव	४१	०२	२३	४५	व	१७	४८	१४	२८	कौ	६	४१	१०	०१	३६	२१	३५	२९	७	२०	मेषे	२३।४५	८।०४।१५।२८	६१।२१
अमृत	१०	मं	८	३५	१०	४७	अश्वि	४५	०१	२५	२२	प	१६	३०	१३	५७	ग	८	३५	१०	४७	३६	२१	३५	३०	८	२१	मेषे		८।०५।१६।४९	६१।२२
ए.व्र.	११	बु	११	५१	१२	०६	भर	५०	११	२७	२६	शि	१६	१३	१३	५१	वि	११	५१	१२	०६	३६	२२	३६	१	९	२२	मेषे		८।०६।१८।१०	६१।२२
प्र.व्र.	१२	गु	१६	११	१३	५१	कृति	५६	११	२९	५०	सि	१६	४४	१४	०४	बा	१६	११	१३	५१	३६	२२	३६	२	१०	२३	वृषे	१०।००	८।०७।१९।३२	६१।२२
मित्र	१३	शु	२१	२०	१५	५४	रोहि	...	...	..	..	सा	१७	४९	१४	३०	तै	२१	२०	१५	५४	३६	२३	३७	३	११	२४	वृषे		८।०८।२०।५५	६१।२३
श्रीवत्स	१४	श	२६	५९	१८	११	रोहि	२	४६	८	२९	शु	१९	१९	१५	०७	व	२६	५९	१८	११	३६	२३	३८	४	१२	२५	मिथु.	२१।५२	८।०९।२२।१७	६१।२३
पूर्णिमा	१५	र	३३	०१	२०	३६	मृग	९	४५	११	१७	शु	२१	०५	१५	४९	ब	३३	०१	२०	३६	३७	२३	३८	५	१३	२६	मिथु.		८।१०।२३।४०	६१।२३

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है ।

[D रात्रौ ल. ६, बुधोदयः पूर्वस्याम् २८।३७, अनु. शुक्रः १८।४१ चंद्रदर्शनम् (मु.३०)

भ. ३०।२१ उ., रंभास्थेयं, जिल्काद ११, उषा. रे. ९ IIIISIIII D

भ. १६।४७ या., धनुषि मूले रविः १८।३९ (सौरः २७।२०)

पंचक प्रारम्भः १२।४१, नागपंचपी, स्कंदषष्ठी, वृश्चिके भौमः २३।३५

[A १८।१७, अनु. भौमः २०।४९, ज्येष्ठा. बुधः २७।०५

भ. १०।३३ उ. २२।०८ या., (व) अनु. बुधः २०।१४

कल्पादि

पंचक समाप्तिः २३।४५, मार्गी बुधः २२।३४

भ. २३।२२ उ., सायन मकरे भानुः, सायंन उत्तरायण प्रारम्भ A

भ. १२।०६ या., मोक्षदा ११ व्र. , गीता जयंती, भा. पोषा C

प्रदोषः, अनंग त्रयोदशी व्र. [C रंभः, अयन करिदिन

[F ज्येष्ठा. शुक्रः १०।४०

भ. १८।११ उ. ३१।२३ या., पिशाच मोचन श्राद्धं, बडादिन, F

श्री दत्त जयंती, पूर्णिमा व्रतंपुण्यञ्च, द्वात्रिंशी (बत्तीसी) पूर्णिमा

अयनांशाः २३।५४।२६

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

संक्रांति फलम्

अयनांशाः २३।५४।२७

पं.३६ मा.शु. ४ बु. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
७	६	७	५	७	३	०	६
२९	२८	१८	२१	०३	०२	०५	०५
३१	५१	४८	२३	५९	२४	१६	१६
०७	२६	०६	१९	२०	१८	५२	५२
६१	४०	५०	८	७४	३	३	३
०३	५०	५६	०१	५६	४६	११	११
ज्ये	वि	ज्ये	ह	अनु.	पुन	अ	चि
४	३	१व	४	१	४व	२	४

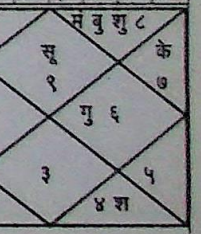


ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	दिसं	दिवा	दिवा	सायं	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा
०७।२६।१२।१९	१ र	१२	२।१४	३।५०	५।४७	८।०१	१०।२१	१२।३८	२।५४	५।१३	७।३२	९।३६	११।२०	१२।४८
०७।२७।१३।३६	२ चं	१३	२।१०	३।४७	५।४३	७।५७	१०।१७	१२।३४	२।५०	५।०९	७।२८	९।३२	११।१६	१२।४४
०७।२८।१४।५३	३ मं	१४	२।०६	३।४३	५।३९	७।५३	१०।१३	१२।३०	२।४६	५।०५	७।२४	९।२८	११।१२	१२।४०
०७।२९।१६।१०	४ बु	१५	२।०३	३।३९	५।३५	७।४९	१०।०९	१२।२६	२।४२	५।०१	७।२०	९।२५	११।०८	१२।३७
०८।००।१७।२९	५ गु	१६	१।५९	३।३५	५।३१	७।४५	१०।०६	१२।२२	२।३८	४।५७	७।१६	९।२१	११।०४	१२।३३
०८।०१।१८।४८	६ शु	१७	१।५५	३।३१	५।२७	७।४१	१०।०२	१२।१८	२।३४	४।५३	७।१२	९।१७	११।००	१२।२९
०८।०२।२०।०८	७ श	१८	१।५१	३।२७	५।२३	७।३८	९।५८	१२।१४	२।३०	४।४९	७।०८	९।१३	१०।५६	१२।२५
०८।०३।२१।२८	८ र	१९	१।४७	३।२३	५।१९	७।३४	९।५४	१२।११	२।२६	४।४५	७।०४	९।०९	१०।५२	१२।२१
०८।०४।२२।४९	९ चं	२०	१।४३	३।१९	५।१५	७।३०	९।५०	१२।०७	२।२२	४।४२	७।००	९।०५	१०।४८	१२।१७
०८।०५।२४।१०	१० मं	२१	१।३९	३।१५	५।११	७।२६	९।४६	१२।०३	२।१८	४।३८	६।५६	९।०१	१०।४४	१२।१३
०८।०६।२५।३२	११ बु	२२	१।३५	३।११	५।०७	७।२२	९।४२	११।५९	२।१५	४।३४	६।५२	८।५७	१०।४०	१२।०९
०८।०७।२६।५४	१२ गु	२३	१।३१	३।०७	५।०३	७।१८	९।३८	११।५५	२।११	४।३०	६।४८	८।५३	१०।३६	१२।०५
०८।०८।२८।१६	१३ शु	२४	१।२७	३।०३	४।५९	७।१४	९।३४	११।५१	२।०७	४।२६	६।४४	८।४९	१०।३२	१२।०१
०८।०९।२९।३९	१४ श	२५	१।२३	२।५९	४।५५	७।१०	९।३०	११।४७	२।०३	४।२२	६।४०	८।४५	१०।२९	११।५७
०८।१०।३१।०२	१५ र	२६	१।१९	२।५५	४।५१	७।०६	९।२६	११।४३	१।५९	४।१८	६।३६	८।४१	१०।२५	११।५३

ता. १५ दिसंबर २००४
मार्ग. शु. ४ बुधे धनुर्ध्वर्कः प्र. (स्टै.)
टा. १८।३९ वारात् ३ नक्षत्रात् ३
वारनाम मंदाकिनी नृपतीन् सुखदा
नक्षत्रनाम महोदरी वीरान् सुखदा
प्रदोष व्यापिनी पिशाचान् हन्ति, दक्षिणे
गमनं नैऋत्यां दृष्टिः बवकरणे प्रविष्टा
मध्यमफलं सिंहवाहनं गजोपवाहनं
भीतिकारक श्वेतवस्त्रं भुशुण्ड्यायुधं
स्वर्णपात्रं अन्नभक्षणं कस्तूरीलेपनं
दैवतंजातिः पुत्रागपुष्पं पिरोजभूषणं
विचित्रकंचुकी बालावस्था (बैठी) मु.
३० धान्यभावे सम वत्स दक्षिणे राहु
पूर्वे मूलं भूमौ विवाहस्तंभो वायव्याम्
शुक्रोदयः पूर्वस्याम् । पुण्यकालः
(स्टै.) १८।३९ से २५।०३ तक ।
(दान- वस्त्र) ।

पं.३७ मा.शु.११ बु. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
८	७	७	५	७	३	०	६
०६	०३	१६	२२	१२	०१	०४	०४
३८	३८	४२	१६	४४	५६	५४	५४
५२	०२	१७	४३	२७	२२	३६	३६
६१	४१	२१	७	७५	४	३	३
०७	०३	१०	०५	०३	१५	११	११
नू	अनु.	ज्ये	ह	अनु.	पुन	अ	चि
२	१	१	४	३	४व	२	४



CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust. Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

२७ दिसंबर से १० जनवरी तक, श्री पोष कृष्णपक्ष संवत् २०६१, शाकः १९२६, दि.मा.सू. सू. तारीख स्टै. प्रातः दैनिक शिशिरर्तू रविरुत्तरे मार्गशीर्षकृष्णेति गुर्जराः, दिसं.-जनवरी २००४-२००५

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
काल	१	सो	३९	१६	२३	०६	आर्द्रा	१६	५९	१४	११	ब्र	२३	०२	१६	३७	बा	६	०६	९	५०	२५/३७	७/२४	५/३९	६	१४	२७	मिथु.	८।११।२५।०३	६।१२३
सुस्थिर	२	मं	४५	३३	२५	३७	पुन	२४	१९	१७	०८	ऐ	२५	०३	१७	२५	तै	१२	२४	१२	२२	३८	२४	३९	७	१५	२८	कर्के १०।२४	८।१२।२६।२७	६।१२३
मातङ्ग	३	बु	५१	४५	२८	०६	पुष्य	३१	३७	२०	०३	वै	२७	०३	१८	१४	व	१८	४१	१४	५३	३९	२४	४०	८	१६	२९	कर्के	८।१३।२७।५०	६।१२४
च.व्र.	४	गु	५७	३४	३०	२६	श्ले	३८	३९	२२	५२	वि	२८	५०	१८	५७	ब	२४	४२	१७	१८	४०	२५	४१	९	१७	३०	सिंहे २२।५२	८।१४।२९।१४	६।१२४
काण	५	शु	...	...	...	...	मघा	४५	०४	२५	२७	प्री	३०	११	१९	३०	कौ	३०	१२	१९	३०	४१	२५	४१	९०	१८	३१	सिंहे	८।१५।३०।३८	६।१२४
लुम्बक	५	श	२	३६	८	२८	पूफा	५०	३२	२७	३८	आ	३०	५१	१९	४६	तै	२	३६	८	२८	४२	२५	४२	११	१९	१	सिंहे	८।१६।३२।०१	६।१२४
मित्र	६	र	६	३३	१०	०३	उफा	५४	३९	२१	१७	सौ	३०	३४	१९	३९	व	६	३३	१०	०३	४३	२६	४३	१२	२०	२	कन्या १०।०६	८।१७।३३।२५	६।१२४
वज्र	७	सो	९	००	११	०२	हस्त	५७	०७	३०	१७	शो	२९	०२	१९	०३	ब	९	००	११	०२	४४	२६	४३	१३	२१	३	कन्या	८।१८।३४।४९	६।१२४
ध्वाङ्क्ष	८	मं	९	४०	११	१८	चित्रा	५७	४२	३०	३१	अ	२६	०५	१७	५२	कौ	९	४०	११	१८	४५	२६	४४	१४	२२	४	तुला. १८।३०	८।१९।३६।१२	६।१२३
धूम्र	९	बु	८	२२	१०	४७	स्वा	५६	१८	२९	५७	सु	२१	३४	१६	०४	ग	८	२२	१०	४७	४७	२६	४५	१५	२३	५	तुला.	८।२०।३७।३६	६।१२३
ए.व्र.	१०	गु	५	०९	९	२७	विशा	५२	५९	२८	३८	धृ	१५	२९	१३	३८	वि	५	०१	९	२७	४८	२६	४६	१६	२४	६	वृश्चि. २३।०२	८।२१।३८।५९	६।१२३
क्षयः	११	गु	५९	४४	३१	२०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
ए.व्र.	१२	शु	५२	४५	२८	३३	अनु	४७	५६	२६	३७	शू	७/५८	५२/५५	५०/३९	३५/००	को	२६	२६	१८	०१	५०	२६	४६	१७	२५	७	वृश्चि.	८।२२।४०।२२	६।१२३
प्र.व्र.	१३	श	४४	२४	२५	१२	ज्ये	४१	३०	२४	०२	वृ	४८	५२	२७	००	ग	१८	४४	१४	५६	५१	२७	४७	१८	२६	८	धनु. २४।०२	८।२३।४१।४५	६।१२३
सिद्धि	१४	र	३५	०५	२१	२९	मूल	३४	०५	२१	०४	धृ	३८	०५	२२	४१	वि	९	५०	११	२३	५३	२७	४८	१९	२७	९	धनु.	८।२४।४३।०८	६।१२२
अमाव.	३०	सो	२५	१८	१७	३४	पूषा	२६	१०	१७	५५	व्या	२६	५६	१८	१३	च	०	१४	७	३२	५५	२७	४९	२०	२८	१०	मक. २३।०७	८।२५।४४।३०	६।१२२

अयनांशाः २३।५४।२८

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	दिसं	दिवा	दिवा	सायं	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा
०८।१९।३२।२५	१ च	२७	१।१५	२।५१	४।४७	७।०२	९।२२	११।३९	१।५५	४।१४	६।३३	८।३७	९०।२१	११।४९
०८।२०।३३।४९	२ मं	२८	१।१९	२।४७	४।४३	६।५८	९।१८	११।३५	१।५१	४।१०	६।२९	८।३३	९०।१७	११।४५
०८।२१।३५।१२	३ बु	२९	१।०७	२।४३	४।३९	६।५४	९।१४	११।३१	१।४७	४।०६	६।२५	८।२९	९०।१३	११।४१
०८।२२।३६।३६	४ गु	३०	१।०३	२।३९	४।३६	६।५०	९।१०	११।२७	१।४३	४।०२	६।२१	८।२५	९०।०९	११।३७
०८।२३।३८।००	५ शु	३१	०।५९	२।३६	४।३२	६।४६	९।०६	११।२३	१।३९	३।५८	६।१७	८।२१	९०।०५	११।३३
०८।२४।३९।२४	६ श	१	०।५५	२।३२	४।२८	६।४२	९।०२	११।१९	१।३५	३।५४	६।१३	८।१८	९०।०१	११।३०
०८।२५।४०।४८	७ र	२	०।५२	२।२८	४।२४	६।३८	८।५८	११।१५	१।३१	३।५०	६।०९	८।१४	९।५७	११।२६
०८।२६।४२।१२	८ चं	३	०।४८	२।२४	४।२०	६।३४	८।५५	११।११	१।२७	३।४६	६।०५	८।१०	९।५३	११।२२
०८।२७।४३।३५	९ मं	४	०।४४	२।२०	४।१६	६।३०	८।५१	११।०७	१।२३	३।४२	६।०१	८।०६	९।४९	११।१८
०८।२८।४४।५९	१० बु	५	०।४०	२।१६	४।१२	६।२७	८।४७	११।०४	१।१९	३।३८	५।५७	८।०२	९।४५	११।१४
०८।२९।४६।२२	११ गु	६	०।३६	२।१२	४।०८	६।२३	८।४३	११।००ा	१।१५	३।३४	५।५३	७।५८	९।४१	११।१०
०८।३०।४७।४५	१२ शु	७	०।३२	२।०८	४।०४	६।१९	८।३९	१०।५६	१।११	३।३१	५।४९	७।५४	९।३७	११।०६
०८।३१।४९।०८	१३ श	८	०।२८	२।०४	४।००	६।१५	८।३५	१०।५२	१।०७	३।२७	५।४५	७।५०	९।३३	११।०२
०८।३२।५०।३१	१४ र	९	०।२४	२।००	३।५६	६।११	८।३१	१०।४८	१।०४	३।२३	५।४१	७।४६	९।२९	१०।५८
०८।३३।५१।५३	३० चं	१०	०।२०	१।५६	३।५२	६।०७	८।२७	१०।४४	१।००	३।१९	५।३७	७।४२	९।२५	१०।५४



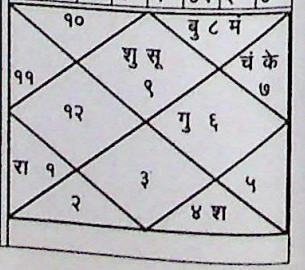
मास फलम्

इस माह में पांच सोमवार होने से धान्य सस्ता हो, पांच मंगलवार होने से किसी बड़े व्यक्ति का अभाव हो। सप्तमी सोमवार होने से भैंसो में रोग पीड़ा बहुत हो। सोमवारी अमावस होने से सुभिक्ष क्षेम आरोग्य वर्षा का प्रबल उदय-धान्य की उत्पत्ति परन्तु पूर्वाषाढा योग दुर्भिक्ष और कष्टकारी है। शुक्ला तृतीया का क्षय होने से मूंग घी महंगें हों। शुक्ला एकादशी को कृत्तिका होने से लाल वस्तुओं तथा धान्य के भावों में तेजी हो। सभी पीत वर्ण वाली वस्तुओं के भाव तेज हों, धान्यादि भाव मंदे हों, अन्नोत्पत्ति उत्तम हो, प्रजा सात्विक कर्म अधिक करें। पूर्णिमा पुष्य युक्त होने से महर्घता हो।

अयनांशाः २३।५४।२९

पं.३८ पौ.कृ. ३ बु. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
८	७	७	५	७	३	०	६
१३	०८	२१	२३	२१	०१	०४	०४
४६	२६	२२	०३	३०	२५	३२	३२
५६	०१	५४	१७	१३	२३	२०	२०
६१	४१	५९	६	७५	४	३	३
०९	१५	२८	०४	०८	३७	११	११
पूषा	अनु.	ज्ये	ह	ज्ये	पुन	अ	चि
१	२	२	४	२	४व	२	४



पं.३९ पौ.कृ. ९ बु. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
८	७	७	५	८	३	०	६
२०	१३	२९	२३	००	००	०४	०४
५५	१५	१८	४२	१६	५२	१०	१०
०७	२६	२०	१९	२१	३९	०४	०४
६१	४१	७६	४	७५	४	३	३
१०	२७	४०	५७	१०	५२	११	११
पूषा	अनु.	ज्ये	चि	मू	पुन	अ	चि
३	३	४	१	१	४व	२	४

CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

११ जनवरी से २५ जनवरी तक श्री पोष शुक्लपक्ष संवत् २०६१, शाकः १९२६, दि.मा.सू. सू. तारीख्य स्टै. प्रातः दैनिक केतकी अहर्गणः ४६६४ शिशिरर्तू रविरुत्तरे, जनवरी २००५

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
मानस	१	मं	१५	३१	१३	३९	उषा	१८	१६	१४	४५	ह	१५	४७	१३	४५	ब	१५	३१	१३	३९	२५ ५७	७ २७	५ ४९	२१	२९	११	मक.	८।२६।४५।५२	६१।२१
छत्र	२	बु	६	१६	९	५७	श्रव	१०	५५	११	४९	व	५ ५५	०४ १०	२९	२८ ३१	कौ	६	१६	९	५७	५९	२७	५०	२२	३०	१२	कुंभे	२२।२९	८।२७।४७।१३	६१।२१
क्षयः	३	बु	५७	५९	३०	३८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
श्रीवत्स	४	गु	५१	०९	२७	५४	धनि	४ ५९	३७ ४७	९ ३५	१७ २१	व्य	४६	२५	२६	०१	व	२४	२२	१७	१२	२६ ०५	२७	५१	२३	१	१३	कुंभे	८।२८।४८।३४	६१।२१
ध्वाङ्क्ष	५	शु	४६	०६	२५	५३	पूभा	५६	४६	३०	०९	व	३९	०६	२३	०५	ब	१८	२३	१४	४८	०३	२७	५२	२४	२	१४	मीने	२४।२३	८।२९।४९।५५	६१।२०
धूम्र	६	श	४३	०६	२४	४१	उभा	५५	४७	२९	४५	प	३३	२२	२०	४७	कौ	१४	२१	१३	११	०५	२७	५३	२५	३	१५	मीने		९।००।५१।१५	६१।२०
प्रवर्धमा	७	र	४२	१४	२४	२०	रेव	५६	५२	३०	११	शि	२९	१९	१९	९०	ग	१२	२४	१२	२४	०८	२६	५३	२६	४	१६	मेषे	३०।११	९।०१।५२।३४	६१।१९
राक्षस	८	सो	४३	२६	२४	४९	अश्वि	५९	५५	३१	२४	सि	२६	५३	१८	१२	वि	१२	३५	१२	२८	९०	२६	५४	२७	५	१७	मेषे		९।०२।५३।५३	६१।१८
मुसल	९	मं	४६	२७	२६	०१	भर	...	...	..	..	सा	२५	५५	१७	४८	बा	१४	४४	१३	२०	१३	२६	५५	२८	६	१८	मेषे		९।०३।५५।११	६१।१८
काण	१०	बु	५०	५८	२७	४९	भर	४	३८	९	१७	शु	२६	९०	१७	५४	तै	१८	३४	१४	५१	१५	२६	५६	२९	७	१९	वृषे	१५।५१	९।०४।५६।२९	६१।१७
ए.व्र.	११	गु	५६	३३	३०	०३	कृति	१०	४०	११	४२	शु	२७	२०	१८	२२	व	२३	४०	१६	५४	१८	२६	५७	३०	८	२०	वृषे		९।०५।५७।४५	६१।१६
मित्र	१२	शु	...	...	..	..	रोहि	१७	३३	१४	२७	ब्र	२९	०५	१९	०३	ब	२९	३५	१९	१६	२०	२५	५८	१	९	२१	मिथु.	२७।५४	९।०६।५९।०१	६१।१५
प्र.व्र.	१२	श	२	४४	८	३१	मृग	२४	५४	१७	२३	ऐ	३१	०९	१९	५३	बा	२	४४	८	३१	२३	२५	५८	२	१०	२२	मिथु.		९।०८।००।१७	६१।१४
ध्वाङ्क्ष	१३	र	९	०७	११	०४	आर्द्रा	३२	२१	२०	२१	वै	३३	१७	२०	४४	तै	९	०७	११	०४	२६	२५	५९	३	११	२३	मिथु.		९।०९।०१।३१	६१।१३
धूम्र	१४	सो	१५	२८	१३	३६	पुन	३९	४१	२३	१७	वि	३५	१९	२१	३२	व	१५	२८	१३	३६	२९	२५ ६०	४	१२	२४	कर्के	१६।३४	९।१०।०२।४५	६१।१३
पूर्णिमा	१५	मं	२१	३४	१६	०२	पुष्य	४६	४५	२६	०६	प्री	३७	०९	२२	१६	ब	२१	३४	१६	०२	३२	२४	०१	५	१३	२५	कर्के		९।११।०३।५७	६१।१२

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।
[A अभि.नि.रविः २२।०२ (सौरः २७।१४), उषा. बुधः ११।०४
चंद्रदर्शनम् (मु.३०), पंचक प्रारम्भः २२।२९
[G भा. माघारंभः, बुधास्तः पूर्वस्याम् १९।०८
भ. १७।१२ उ. २७।५४ या., जिल्हेज १२, मकरे रविः २९।१८, D
मकरे सौरः ११।२३ [D निरयन उत्तरायनारंभः [C २३।३०,
पूषा. बुधः १२।५३, पूषा. शुक्रः १७।३५, (व) मिथुने पुन.-३ शनिः C
भ. २४।२० उ., पंचक समाप्तिः ३०।११, रेवत्यां रे. ९ ।।।।।।।S।। F
भ. १२।२८ या., शांकभरी यात्रा [F दिवा. ल. ११ रात्रौ अ. गो.
[B १८।२५ (सौरः २३।५८), अश्वि.-१ राहुः २५।२८, E
सायन कुंभे भानुः २८।५१ [E चित्रा.-३ केतुः २५।२८
भ. १६।५४ उ. ३०।०३ या., पुत्रदा ११ व्र., मन्वादि, अभि.प्र.रविः B
मृगे रे. ७ S।।।S।।।।S रात्रौ ल. ८ (सोग्रांगः, स्टै. २७।५४ उ.), G
प्रदोषः, मृगे रे. ८ S।।।S।।।।। दिवा ल. १२ (गु. ७ पू.)
नेताजी जयन्ती, श्रव. रविः २५।०३ (सौरः ३०।२०)
मृगे रे. ७ S।।।S।।।।S रात्रौ ल. ८ (सोग्रांगः, स्टै. २७।५४ उ.), G
भ.१३।३६ उ. २६।५० या., पूर्णिमा व्रतं, शाकंभरी जयंती, A
पूर्णिमा पुण्यं, माघ स्नानारंभः

अयनांशाः २३।५४।३०

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

संक्रांति फलम्

अयनांशाः २३।५४।३१

पं.४० पौ.शु. २ बु. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
८	७	८	५	८	३	०	६
२८	१८	०८	२४	०९	००	०३	०३
०३	०६	४३	१३	०२	१८	४७	४७
१२	१४	०६	२८	३९	१३	४९	४९
६१	४१	८४	३	७५	४	३	३
०८	३९	५६	४६	११	५८	११	११
उषा	ज्ये	मू	चि	मू	पुन	अ	चि
१	१	३	१	३	४व	२	४



ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	जन.	दिवा	दिवा	दिवा	सायँ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः	दिवा	दिवा
०८।२६।५३।१५	१ मं	११	१२।१६	१।५२	३।४८	६।०३	८।२३	१०।४०	१२।५६	३।१५	५।३३	७।३८	९।२१	१०।५०
०८।२७।५४।३७	२ बु	१२	१२।१२	१।४८	३।४४	५।५९	८।१९	१०।३६	१२।५२	३।११	५।२९	७।३४	९।१८	१०।४६
०८।२८।५५।५८	४ गु	१३	१२।०८	१।४४	३।४०	५।५५	८।१५	१०।३२	१२।४८	३।०७	५।२५	७।३०	९।१४	१०।४२
०८।२९।५७।१८	५ शु	१४	१२।०४	१।४०	३।३६	५।५१	८।११	१०।२८	१२।४४	३।०३	५।२२	७।२६	९।१०	१०।३८
०९।००।५८।३८	६ श	१५	१२।००	१।३६	३।३२	५।४७	८।०७	१०।२४	१२।४०	२।५९	५।१८	७।२२	९।०६	१०।३४
०९।०१।५९।५८	७ र	१६	११।५६	१।३२	३।२८	५।४३	८।०३	१०।२०	१२।३६	२।५५	५।१४	७।१८	९।०२	१०।३०
०९।०३।०१।१६	८ चं	१७	११।५२	१।२८	३।२५	५।३९	७।५९	१०।१६	१२।३२	२।५१	५।१०	७।१४	८।५८	१०।२६
०९।०४।०२।३५	९ मं	१८	११।४८	१।२५	३।२१	५।३५	७।५५	१०।१२	१२।२८	२।४७	५।०६	७।१०	८।५४	१०।२२
०९।०५।०३।५२	१० बु	१९	११।४५	१।२१	३।१७	५।३१	७।५१	१०।०८	१२।२४	२।४३	५।०२	७।०७	८।५०	१०।१९
०९।०६।०५।०९	११ गु	२०	११।४१	१।१७	३।१३	५।२७	७।४७	१०।०४	१२।२०	२।३९	४।५८	७।०३	८।४६	१०।१५
०९।०७।०६।२५	१२ शु	२१	११।३७	१।१३	३।०९	५।२३	७।४४	१०।००	१२।१६	२।३५	४।५४	६।५९	८।४२	१०।११
०९।०८।०७।४०	१२ श	२२	११।३३	१।०९	३।०५	५।२०	७।४०	९।५६	१२।१२	२।३१	४।५०	६।५५	८।३८	१०।०७
०९।०९।०८।५४	१३ र	२३	११।२९	१।०५	३।०१	५।१६	७।३६	९।५३	१२।०८	२।२७	४।४६	६।५१	८।३४	१०।०३
०९।१०।१०।०८	१४ चं	२४	११।२५	१।०१	२।५७	५।१२	७।३२	९।४९	१२।०४	२।२४	४।४२	६।४७	८।३०	९।५९
०९।११।११।२१	१५ मं	२५	११।२१	१२।५७	२।५३	५।०८	७।२८	९।४५	१२।००	२।२०	४।३८	६।४३	८।२६	९।५५

ता. १३ जनवरी २००५
पौष शु. ४ गुरौ मकरेऽर्कः प्र. (स्टै.)
टा. २९।१८ वारात् २ नक्षत्रात् ३
वारनाम नंदा गणकान् सुस्सदा
नक्षत्रनाम महोदरी चोरान् सुस्सदा
प्रभात रात्रि ४ प्रहर व्यापिनी
गोरक्षकान् हन्ति, पश्चिमे गमनं वायव्यां
दृष्टिः बवकरणे प्रविष्टा मध्यमफलं
सिंहवाहनं गजोपवाहनं भीतिकारक
श्वेतवस्त्रं भुशुण्ड्यायुधं स्वर्णपात्रं
अन्नभक्षणं कस्तूरीलेपनं दैवतंजातिः
पुन्नागपुष्पं पिरोजभूषणं विचित्रकंचुकी
बालावस्था (बैठी) मु. १५ धान्यभावे
महर्घता वत्स दक्षिणे राहु पूर्वे मूलं
स्वर्गे विवाहस्तंभो वायव्याम् शुक्रोदयः
पूर्वस्याम्। पुण्यकालः (स्टै.) २९।१८
से शुक्रवार २९।१८ तक। (दान-
काष्ट - अन्न)।

पं.४१ पौ.शु.१० बु. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
९	७	८	५	८	२	०	६
०५	२२	१८	२४	१७	२९	०३	०३
१०	५८	५२	३६	४८	४३	२५	२५
५७	२५	३४	०७	५७	३०	३४	३४
६१	४१	८९	२	७५	४	३	३
०५	५२	३४	३१	११	५६	११	११
उषा	ज्ये	पुष्य	चि	पुष्य	पुन	अ	चि
३	२	२	१	२	३व	२	४



CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS and eGangotri

२६ जनवरी से ८ फरवरी तक श्री माघ कृष्णपक्ष संवत् २०६१, शाकः १९२६, दि.मासू. सू. तारीस्व स्टै. प्रातः दैनिक शिशिरर्तू रविरुत्तरे पोषकृष्णेति गुर्जराः, जनवरी-फरवरी २००५

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	च.प.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
राक्षस	१	बु	२७	१८	१८	१९	श्ले	५३	२५	२८	४६	आ	३८	४०	२२	५२	कौ	२७	१८	१८	१९	२६ ३५	७ २४	६ ०२	६	१४	२६	सिंहे २८।४६	९।१२।०५।०९	६।१।११
मुसल	२	गु	३२	३३	२०	२५	मघा	५९	३४	३१	९३	सौ	३९	४९	२३	९९	ग	३२	३३	२०	२५	३८	२३	०३	७	१५	२७	सिंहे	९।१३।०६।२०	६।१।१०
सिद्धि	३	शु	३७	०९	२२	१५	पूफा	...	...	...	...	शो	४०	३०	२३	३५	व	४	५७	९	२२	४१	२३	०३	८	१६	२८	सिंहे	९।१४।०७।२९	६।१।०९
च.व्र.	४	श	४०	५५	२३	४५	पूफा	५	०४	९	२४	अ	४०	३३	२३	३६	ब	९	९०	११	०३	४४	२३	०४	९	१७	२९	कन्या १५।५४	९।१५।०८।३८	६।१।०८
मित्र	५	र	४३	३७	२४	४९	उफा	९	४०	११	१४	सु	३९	४६	२३	१६	कौ	१२	२६	१२	२०	४७	२२	०५	१०	१८	३०	कन्या	९।१६।०९।४५	६।१।०६
वज्र	६	सो	४५	००	२५	२१	हस्त	१३	०७	१२	३६	धृ	३८	०१	२२	३४	ग	१४	३०	१३	९०	५०	२२	०६	११	१९	३१	तुला. २५।०६	९।१७।१०।५२	६।१।०५
ध्याड्क्ष	७	मं	४४	४९	२५	१७	चित्रा	१५	११	१३	२६	शू	३५	०५	२१	२३	वि	१५	०७	१३	२४	५४	२१	०७	१२	२०	१	तुला.	९।१८।११।५७	६।१।०४
धूम्र	८	बु	४२	५६	२४	३१	स्वा	१५	४०	१३	३७	गं	३०	५०	१९	४०	बा	१४	०६	१२	५९	५७	२१	०७	१३	२१	२	वृश्चि. ३१।१८	९।१९।१३।०१	६।१।०३
प्रवर्धमा	९	गु	३९	१६	२३	०२	विशा	१४	२६	१३	०६	वृ	२५	११	१७	२४	तै	१९	१९	११	५२	२७ ०९	२०	०८	१४	२२	३	वृश्चि.	९।२०।१४।०४	६।१।०२
राक्षस	१०	शु	३३	५४	२०	५३	अनु	१९	३०	१९	५५	घृ	१८	११	१४	३६	व	६	४८	१०	०३	०४	१९	०९	१५	२३	४	वृश्चि.	९।२१।१५।०६	६।१।००
ए.व्र.	११	श	२७	०३	१८	०८	ज्ये	६	५८	१०	०६	व्या	९	५४	११	१६	ब	०	३९	७	३५	०७	१९	१०	१६	२४	५	धनु. १०।०६	९।२२।१६।०६	६०।५९
प्र.व्र.	१२	र	१८	५९	१४	५४	मूल	९ ५४	०८ १९	७ ४५ २९	४५ ०२	ह	० ५०	३५	७ ३२ २७	४८	तै	१८	५९	१४	५४	११	१८	११	१७	२५	६	धनु.	९।२३।१७।०५	६०।५८
मृत्यु	१३	सो	१०	०७	११	२०	उषा	४७	०१	२६	०६	सि	३९	५१	२३	१४	व	१०	०७	११	२०	१५	१७	११	१८	२६	७	मक. १०।१८	९।२४।१८।०३	६०।५६
अमाव.	१४	मं	०	५३	७	३८	श्रव	३९	४२	२३	१०	व्य	२९	१२	१८	५८	श	०	५३	७	३८	१८	१७	१२	१९	२७	८	मक.	९।२५।१८।५९	६०।५५
क्षयः	३०	मं	५१	४३	२७	५८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।
गणराज्यदिवस, मकरे बुधः १४।४६,उषा.शुक्रः ८।५७
[A उफा. रे. ९ ।।।।।।।ऽ।। दिवा ल. २, रात्रौ गोधूलि, ६ धनुषि, D
भ. ९।२२ उ. २२।१५ या., सौभाग्यसुन्दरी व्र., मकरे शुक्रः २४।४८
संकट हरगणपति व्र., गौरी चतुर्थी, चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः २१।३९, A
उफा. रे. ९ ।।।।।।।ऽ।। दिवा ल. ११,हस्ते रे. ९ ।।।।।।।ऽ।। C
भ. २५।२१ उ., हस्ते रे. ९ ।।।।।।।ऽ।। दिवा ल. ११
भ. १३।२४ या., स्वामी विवेकानन्द जयंती, फरवरी २ ता. २८, B
वक्री गुरुः १६।०१ [B श्रव. बुधः २१।२६
अनु. रे. ८ ऽ।।।।।।ऽ।। ल. अ. गो. ६ [D मूले भौमः ८।२४
भ. १०।०३ उ. २०।५३ या., अनु. रे. ८ ऽ।।।।।।ऽ।। दिवा ल. ११
षट्तिला ११ व्र. , धनि. रविः २८।१०, श्रव. शुक्रः २४।२३
प्रदोषः, तिल द्वादशी, धनि. सौरः ८।२७
भ. ११।२० उ. २१।२९ या., मासिकशिवरात्री व्र.
देवपितृकार्येऽमा., मौनी ३०, युगादि
[C दिवा २, रात्रौ गोधूलि

अयनांशाः २३।५४।३२

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	जन.	दिवा	दिवा	दिवा	सायं	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः	दिवा	दिवा
०९।१२।१२।३२	१ बु	२६	१९।१७	१२।५३	२।४९	५।०४	७।२४	९।४१	११।५७	२।१६	४।३४	६।३९	८।२२	९।५१
०९।१३।१३।४३	२ गु	२७	१९।१३	१२।४९	२।४५	५।००	७।२०	९।३७	११।५३	२।१२	४।३०	६।३५	८।१८	९।४७
०९।१४।१४।५३	३ शु	२८	१९।०९	१२।४५	२।४१	४।५६	७।१६	९।३३	११।४९	२।०८	४।२६	६।३१	८।१४	९।४३
०९।१५।१६।०१	४ श	२९	१९।०५	१२।४१	२।३७	४।५२	७।१२	९।२९	११।४५	२।०४	४।२२	६।२७	८।११	९।३९
०९।१६।१७।०९	५ र	३०	१९।०१	१२।३७	२।३३	४।४८	७।०८	९।२५	११।४१	२।००	४।१८	६।२३	८।०७	९।३५
०९।१७।१८।१५	६ चं	३१	१०।५७	१२।३३	२।२९	४।४४	७।०४	९।२१	११।३७	१।५६	४।१५	६।१९	८।०३	९।३१
०९।१८।१९।२०	७ मं	१	१०।५३	१२।२९	२।२५	४।४०	७।००	९।१७	११।३३	१।५२	४।११	६।१५	७।५९	९।२७
०९।१९।२०।२४	८ बु	२	१०।४९	१२।२५	२।२१	४।३६	६।५६	९।१३	११।२९	१।४८	४।०७	६।११	७।५५	९।२३
०९।२०।२१।२७	९ गु	३	१०।४५	१२।२१	२।१८	४।३२	६।५२	९।०९	११।२५	१।४४	४।०३	६।०७	७।५१	९।१९
०९।२१।२२।२९	१० शु	४	१०।४१	१२।१८	२।१४	४।२८	६।४८	९।०५	११।२१	१।४०	३।५९	६।०३	७।४७	९।१५
०९।२२।२३।२९	११ श	५	१०।३८	१२।१४	२।१०	४।२४	६।४४	९।०१	११।१७	१।३६	३।५५	६।००	७।४३	९।१२
०९।२३।२४।२८	१२ र	६	१०।३४	१२।१०	२।०६	४।२०	६।४०	८।५७	११।१३	१।३२	३।५१	५।५६	७।३९	९।०८
०९।२४।२५।२५	१३ चं	७	१०।३०	१२।०६	२।०२	४।१६	६।३७	८।५३	११।०९	१।२८	३।४७	५।५२	७।३५	९।०४
०९।२५।२६।२२	१४ मं	८	१०।२६	१२।०२	१।५८	४।१३	६।३३	८।४९	११।०५	१।२४	३।४३	५।४८	७।३१	९।००

संक्रांति फलम्

ता. १२ फरवरी २००५
माघ शु. ४ शनौ कुंभेऽर्कः प्र. (स्टै.)
टा. १८।१३ वारात् ३ नक्षत्रात् ४
वारनाम राक्षसी चाण्डालान् सुस्थदा
नक्षत्रनाम मंदाकिनी नृपतीन् सुस्थदा
अपरान्ह ३ प्रहर व्यापिनी वैश्यान्
हन्ति, दक्षिणे गमनं नैऋत्यां दृष्टिः
ववकरणे प्रविष्टा मध्यमफलं
सिंहवाहनं गजोपवाहनं भीतिकारक
श्वेतवस्त्रं भुशुण्ड्यायुधं स्वर्णपात्रं
अन्नभक्षणं कस्तूरीलेपनं दैवतंजातिः
पुत्रागपुष्पं पिरोजभूषणं विचित्रकंचुकी
बालावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यभावे
सम वत्स पश्चिमा. राहु दक्षिणे मूलं
पाताले विद्याहस्तंभो नैऋत्यां
शुक्रोदयः पूर्वस्याम् । पुण्यकालः
(स्टै.) ११।४९ से १८।१३ तक ।
(दान- गोड़ - अन्न) ।

अयनांशाः २३।५४।३४

पं.४२ मा.कृ. १ बु. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
९	७	८	५	८	२	०	६
१२	२७	२९	२४	२६	२९	०३	०३
१८	५१	३१	४९	३५	०९	०३	०३
१०	५९	१७	५२	०९	३०	१९	१९
६१	४२	९३	१	७५	४	३	३
००	०४	३६	१३	११	४५	११	११
श्र	ज्ये	उषा	चि	पूषा	पुन	अ	चि
१	४	१	१	४	३व	१	३



पं.४३ मा.कृ. ८ बु. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
९	८	९	५	९	२	०	६
१९	०२	१०	२४	०५	२८	०२	०२
२४	४६	४०	५४	२१	३७	४१	४१
३८	५३	२२	२४	१०	०९	०४	०४
६०	४२	९८	०	७५	४	३	३
५३	१५	३२	०७	०९	२६	११	११
श्र	मू	श्र	चि	उषा	पुन	अ	चि
३	१	१	१व	३	३व	१	३



CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

९ फरवरी से २४ फरवरी तक श्री माघ शुक्लपक्ष संवत् २०६१, शाकः १९२६, दि.मा.सू. सू. तारीख्स स्टै. प्रातः दैनिक केतकी अहर्गणः ४६९३ शिशिरर्तू रविरुत्तरे, फरवरी २००५

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
मित्र	१	बु	४३	०९	२४	३२	धनि	३२	५१	२०	२४	व	१८	५२	१४	४९	किं	१७	२०	१४	१२	२७ २२	७ १६	६ ९३	२०	२८	९	कुंभे	९।४५	९।२६।१९।५४	६०।५४
वज्र	२	गु	३५	३९	२१	३१	शत	२६	५६	१८	०२	प	९	१४	१०	५७	बा	९	१६	१०	५८	२५	१५	१४	२१	२९	१०	कुंभे	९।२७।२०।४७	६०।५२
ध्वाङ्क्ष	३	शु	२९	३४	१९	०४	पूभा	२२	२५	१६	१३	शि	० ५३	३५ १४	७ २८	२९ ३२	तै	२	२५	८	१३	२९	१५	१४	२२	१	११	मीने	१०।३६	९।२८।२१।३९	६०।५०
धूम्र	४	श	२५	१६	१७	२०	उभा	१९	३६	१५	०४	सा	४७	२६	२६	१२	वि	२५	१६	१७	२०	३३	१४	१५	२३	२	१२	मीने		९।२९।२२।३०	६०।४९
वसंत	५	र	२२	५९	१६	२५	रेव	१८	४६	१४	४३	शु	४३	१५	२४	३१	बा	२२	५९	१६	२५	३७	१३	१६	२४	३	१३	मेषे	१४।४३	१०।००।२३।१९	६०।४७
राक्षस	६	सो	२२	४९	१६	२०	अश्वि	१९	५९	१५	१२	शु	४०	४३	२३	३०	तै	२२	४९	१६	२०	४०	१२	१७	२५	४	१४	मेषे		१०।०१।२४।०६	६०।४६
मुसल	७	मं	२४	४३	१७	०५	भर	२३	१२	१६	२८	ब्र	३९	४५	२३	०६	व	२४	४३	१७	०५	४४	१२	१७	२६	५	१५	वृषे	२२।५४	१०।०२।२४।५२	६०।४४
सिद्धि	८	बु	२८	२८	१८	३४	कृति	२८	११	१८	२७	ऐ	४०	०७	२३	१३	ब	२८	२८	१८	३४	४८	११	१८	२७	६	१६	वृषे		१०।०३।२५।३६	६०।४३
उत्पात	९	गु	३३	३९	२०	३७	रोहि	३४	३३	२०	५९	वै	४१	२९	२३	४५	बा	०	५५	७	३२	५२	१०	१९	२८	७	१७	वृषे		१०।०४।२६।१८	६०।४१
मानस	१०	शु	३९	४५	२३	०३	मृग	४१	४७	२३	५२	वि	४३	३१	२४	३३	तै	६	३८	९	४८	५६	०९	१९	२९	८	१८	मिथु.	१०।२४	१०।०५।२६।५९	६०।३९
ए.ब्र.	११	श	४६	१६	२५	३८	आर्द्रा	४९	२४	२६	५४	प्री	४५	४८	२५	२८	व	१३	०१	१२	२०	२८ ००	०८	२०	३०	९	१९	मिथु.		१०।०६।२७।३८	६०।३७
ध्वजा	१२	र	५२	३९	२८	११	पुन	५६	५३	२९	५२	आ	४८	०३	२६	२०	ब	१९	३०	१४	५५	०४	०७	२१	१	१०	२०	कर्के	२३।०८	१०।०७।२८।१५	६०।३६
प्र.ब्र.	१३	सो	५८	३५	३०	३२	पुष्य	...	...	...	...	सौ	४९	५६	२७	०५	कौ	२५	४२	१७	२३	०८	०६	२१	२	११	२१	कर्के		१०।०८।२८।५१	६०।३४
प्रवर्धमा	१४	मं	...	...	..	..	पुष्य	३	५७	८	४०	शो	५१	२१	२७	३८	ग	३१	१९	१९	३७	१२	०५	२२	३	१२	२२	कर्के		१०।०९।२९।२५	६०।३२
राक्षस	१४	बु	३	५२	८	३७	श्ले	१०	१९	११	१२	अ	५२	११	२७	५७	व	३	५२	८	३७	१६	०५	२३	४	१३	२३	सिंहे	११।१२	१०।१०।२९।५७	६०।३०
पूर्णिमा	१५	गु	८	१९	१०	२३	मघा	१५	५६	१३	२६	सु	५२	२३	२८	०१	ब	८	१९	१०	२३	२०	०४	२३	५	१४	२४	सिंहे		१०।११।३०।२७	६०।२८

अयनांशाः २३।५४।३५

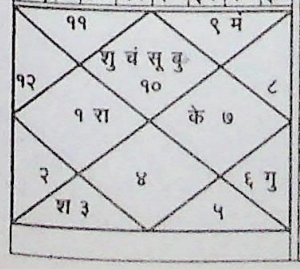
॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

अयनांशाः २३।५४।३६

अयनांशाः २३।५४।३७

पं.४४ मा.शु. १ बु. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
९	८	९	५	९	२	०	६
२६	०७	२२	२४	१४	२८	०२	०२
३०	४३	२६	४९	०६	०७	१८	१८
१२	०७	४५	३८	५६	२२	४९	४९
६०	४२	१०४	१	७५	४	३	३
४४	२७	१६	२७	०७	००	११	११
घ	मू	श्र	चि	श्र	पुन	अ	चि
१	३	४	१व	२	३व	१	३



ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	फर.	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	सायं	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः	दिवा
०९।२६।२७।१६	१ बु	९	९०।२२	९१।५८	९।५४	४।०९	६।२९	८।४६	९१।०१	९।२०	३।३९	५।४४	७।२७	८।५६
०९।२७।२८।१०	२ गु	१०	९०।१८	९१।५४	९।५०	४।०५	६।२५	८।४२	९०।५७	९।१७	३।३५	५।४०	७।२३	८।५२
०९।२८।२९।०१	३ शु	११	९०।१४	९१।५०	९।४६	४।०१	६।२१	८।३८	९०।५३	९।१३	३।३१	५।३६	७।१९	८।४८
०९।२९।२९।५२	४ श	१२	९०।१०	९१।४६	९।४२	३।५७	६।१७	८।३४	९०।५०	९।०९	३।२७	५।३२	७।१५	८।४४
१०।००।३०।४१	५ र	१३	९०।०६	९१।४२	९।३८	३।५३	६।१३	८।३०	९०।४६	९।०५	३।२३	५।२८	७।११	८।४०
१०।०१।३१।२८	६ चं	१४	९०।०२	९१।३८	९।३४	३।४९	६।०९	८।२६	९०।४२	९।०१	३।१९	५।२४	७।०७	८।३६
१०।०२।३२।१३	७ मं	१५	९।५८	९१।३४	९।३०	३।४५	६।०५	८।२२	९०।३८	९२।५७	३।१५	५।२०	७।०४	८।३२
१०।०३।३२।५७	८ बु	१६	९।५४	९१।३०	९।२६	३।४१	६।०१	८।१८	९०।३४	९२।५३	३।११	५।१६	७।००	८।२८
१०।०४।३३।४०	९ गु	१७	९।५०	९१।२६	९।२२	३।३७	५।५७	८।१४	९०।३०	९२।४९	३।०८	५।१२	६।५६	८।२४
१०।०५।३४।२०	१० शु	१८	९।४६	९१।२२	९।१८	३।३३	५।५३	८।१०	९०।२६	९२।४५	३।०४	५।०८	६।५२	८।२०
१०।०६।३४।५९	११ श	१९	९।४२	९१।१८	९।१५	३।२९	५।४९	८।०६	९०।२२	९२।४१	३।००	५।०४	६।४८	८।१६
१०।०७।३५।३६	१२ र	२०	९।३८	९१।१५	९।११	३।२५	५।४५	८।०२	९०।१८	९२।३७	२।५६	५।००	६।४४	८।१२
१०।०८।३६।१२	१३ चं	२१	९।३४	९१।११	९।०७	३।२१	५।४१	७।५८	९०।१४	९२।३३	२।५२	४।५६	६।४०	८।०८
१०।०९।३६।४६	१४ मं	२२	९।३१	९१।०७	९।०३	३।१७	५।३७	७।५४	९०।१०	९२।२९	२।४८	४।५३	६।३६	८।०५
१०।१०।३७।१७	१४ बु	२३	९।२७	९१।०३	९२।५९	३।१३	५।३४	७।५०	९०।०६	९२।२५	२।४४	४।४९	६।३२	८।०१
१०।११।३७।४७	१५ गु	२४	९।२३	९०।५९	९२।५५	३।०९	५।३०	७।४६	९०।०२	९२।२१	२।४०	४।४५	६।२८	७।५७

पं.४५ मा.शु. ८ बु. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
१०	८	१०	५	९	२	०	६
०३	१२	०४	२४	२२	२७	०१	०१
३४	४०	५३	३५	५२	४०	५६	५६
३९	३७	०८	३७	२३	५६	३४	३४
६०	४२	१०९	२	७५	३	३	३
२३	४८	४७	५८	०२	५०	११	११
श	पूषा	श	चि	घ	पुन	अ	वि
२	२	४	१व	३	३व	१	३



पं.४६ मा.शु.१४ बु. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
१०	८	१०	५	१०	२	०	६
१०	१७	१७	२४	०१	२७	०१	०१
३७	३९	५२	१२	३७	१८	३४	३४
५२	२२	१२	४१	२८	३२	१९	१९
६०	४२	११२	३	७५	२	३	३
२३	४८	४७	५८	०२	५०	११	११
श	पूषा	श	चि	घ	पुन	अ	वि
२	२	४	१व	३	३व	१	३



यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।
पंचक प्रारम्भः ९।४५, श्री वल्लभ जयंती, धनि. बुधः १२।३२
चंद्रदर्शनम् (मु.३०) [E १ सन १४२६ हि.
भ. ३०।०७ उ., उभा. रे. १० IIIIIIIII रात्रौ ल. ६, मोहोर्रम E
भ. १७।२० या., वरद (कुंद) ४, तिल चतुर्थी, कुंभे रविः १८।१३ C
पंचक समाप्तिः १४।४३, वसन्त पञ्चमी, रेवत्यां रे. ८ ISIIIIISII F
[F दिवा ल. २, कुंभे बुधः १४।१५
भ. १७।०५ उ. २९।४५ या., [शुक्रास्तः A
भीष्माष्टमी, पूषा. भौमः २९।२१, शत. बुधः D
[A पूर्वस्याम् ९।५५], मन्वादि, पुत्र ७, रथ ७, अचला ७
सायन मीने भानुः १८।५६ [D ३०।३३, धनि. शुक्रः १६।००
भ. १२।२० उ. २५।३८ या., जया ११ ब्र., शत. रविः ८।३९ B
भीष्मद्वादशी, भा. फाल्गुनारंभः [B (सौरः १२।०२)
पदोषः, कल्यादि, कुंभे शुक्रः २३।५४
[C (सौरः २२।०२)
भ. ८।३७ उ. २१।३३ या., पूर्णिमा व्रतं
पूर्णिमा पुण्यं, माघ स्नान पूर्त्तिः, पूभा. बुधः १०।१६

शुक्रास्तः पूर्वस्याम्

CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

॥ श्रीवल्लभ मनीराम पञ्चाङ्गम् ॥

२५ फरवरी से १० मार्च तक श्री फाल्गुन कृष्णपक्ष संवत् २०६१, शाकः १९२६, दि.मा.सू. सू. तारीख स्टै. प्रातः दैनिक वसंतर्तू रविरुत्तरे माघकृष्णेति गुर्जराः, फरवरी-मार्च २००५

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
सिद्धि	१	शु	११	५५	११	४९	पूफा	२०	४४	१५	२०	धृ	५१	५६	२७	४९	कौ	११	५५	११	४९	२८/२४	७/०३	६/२४	६	१५	२५	कन्या २१।४६	१०।१२।३०।५५	६०।२६
उत्पात	२	श	१४	३९	१२	५३	उफा	२४	४२	१६	५४	शू	५०	४९	२७	२१	ग	१४	३९	१२	५३	२८	०२	२५	७	१६	२६	कन्या	१०।१३।३१।२२	६०।२४
च.ब्र.	३	र	१६	२८	१३	३६	हस्त	२७	४५	१८	०७	गं	४८	५७	२६	३५	वि	१६	२८	१३	३६	३२	०१	२५	८	१७	२७	तुला. ३०।३४	१०।१४।३१।४६	६०।२३
मुद्गर	४	सो	१७	१४	१३	५३	चित्रा	२९	४९	१८	५५	वृ	४६	१४	२५	२९	बा	१७	१४	१३	५३	३६	००	२६	९	१८	२८	तुला.	१०।१५।३२।०९	६०।२१
ध्वजा	५	मं	१६	५४	१३	४४	स्वा	३०	४६	१९	१७	ध्रु	४२	३८	२४	०२	तै	१६	५४	१३	४४	४०	६/५९	२७	१०	१९	१	तुला.	१०।१६।३२।२९	६०।१९
धाता	६	बु	१५	२१	१३	०६	विशा	३०	३२	१९	१०	व्या	३८	०४	२२	११	व	१५	२१	१३	०६	४४	५८	२७	११	२०	२	वृश्चि. १३।१५	१०।१७।३२।४८	६०।१७
आनन्द	७	गु	१२	३२	११	५७	अनु	२९	०२	१८	३३	ह	३२	२८	१९	५६	ब	१२	३२	११	५७	४८	५७	२८	१२	२१	३	वृश्चि.	१०।१८।३३।०५	६०।१५
चर	८	शु	८	२६	१०	१८	ज्ये	२६	१८	१७	२७	व	२५	५३	१७	१७	कौ	८	२६	१०	१८	५२	५६	२८	१३	२२	४	धनु. १७।२७	१०।१९।३३।१९	६०।१३
गद	९	श	३	०८	८	१०	मूल	२२	२५	१५	५३	सि	१८	२१	१४	१५	ग	३	०८	८	१०	५६	५५	२९	१४	२३	५	धनु.	१०।२०।३३।३२	६०।११
क्षयः	१०	श	५६	४५	२९	३७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
ए.ब्र.	११	र	४९	३६	२६	४४	पूषा	१७	३५	१३	५५	व्य	१०	०२	१०	५४	ब	२३	१७	१६	१२	२९/००/००	५३	३०	१५	२४	६	मक. १९।२३	१०।२१।३३।४३	६०।०९
ए.ब्र.	१२	सो	४९	५७	२३	३९	उषा	१२	०३	११	४२	व	५/५१	०८/४९	७/२७	१९/३६	कौ	१५	५१	१३	१३	०५	५२	३०	१६	२५	७	मक.	१०।२२।३३।५१	६०।०६
शिवरा.	१३	मं	३४	१०	२०	३१	श्रव	६	११	९	२०	शि	४२	३०	२३	५१	ग	८	०५	१०	०५	०९	५१	३१	१७	२६	८	कुंभे २०।०८	१०।२३।३३।५८	६०।०४
मित्र	१४	बु	२६	३७	१७	२९	धनि	०/५४	२०/५३	६/२८	५८/४८	सि	३३	२६	२०	१३	वि	०	२२	६	५९	१३	५०	३१	१८	२७	९	कुंभे	१०।२४।३४।०२	६०।०२
अमाव.	३०	गु	१९	४२	१४	४२	पूभा	५०	१८	२६	५६	सा	२४	५५	१६	४७	ना	१९	४२	१४	४२	१७	४९	३२	१९	२८	१०	मीने २१।२२	१०।२५।३४।०४	६०।००

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।

भ. २५।१८ उ.

भ. १३।३६ या., चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः २१।२५, बुधोदयः A

|A पश्चिमायाम् १६।४०, शत. शुक्रः ७।५२

मार्च ३ ता. ३१, मीने बुधः १९।१३

भ. ९३।०६ उ. २४।३६ या.

उभा. बुधः १५।५०

पूभा. रविः १४।५५ (सौरः १७।३३)

भ. १८।५६ उ. २९।३७ या., रामदास ९

विजया ११ व्र. स्मार्त, (व) हस्ते-४ गुरुः ७।४३

विजया ११ व्र. वैष्ण., उषा. भौमः २१।१६

भ. २०।३१ उ., पंचक प्रारम्भः २०।०८, प्रदोषः, महाशिवरात्री व्रतम्

भ. ६।५९ या., पूभा, शुक्रः २४।०५

देवपितृकार्यंऽमा.

अयनांशाः २३।५४।३८

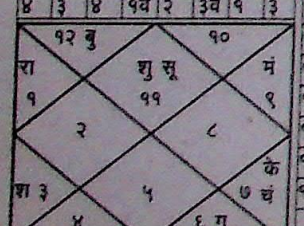
॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

मास फलम्

अयनांशाः २३।५४।३९

पं.४७ फा.कृ. ६ बु. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
१०	८	११	५	१०	२	०	६
१७	२२	००	२३	१०	२७	०९	०१
३९	३९	५३	४१	२२	००	१२	१२
४२	१६	२९	२६	०६	४२	०५	०५
६०	४२	१०७	५	७४	२	३	३
११	५८	३३	०६	५८	०९	११	११
श	पूभा	पूभा	चि	श	पुन	अ	चि
४	३	४	१व	२	३व	१	३



ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	फर.	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	सायँ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः	दिवा
१०।१२।३८।१५	१ शु	२५	९।१९	१०।५५	१२।५१	३।०६	५।२६	७।४३	९।५८	१२।१७	२।३६	४।४१	६।२४	७।५३
१०।१३।३८।४२	२ श	२६	९।१५	१०।५१	१२।४७	३।०२	५।२२	७।३९	९।५४	१२।१३	२।३२	४।३७	६।२०	७।४९
१०।१४।३९।०६	३ र	२७	९।११	१०।४७	१२।४३	२।५८	५।१८	७।३५	९।५०	१२।१०	२।२८	४।३३	६।१६	७।४५
१०।१५।३९।२८	४ चं	२८	९।०७	१०।४३	१२।३९	२।५४	५।१४	७।३१	९।४७	१२।०६	२।२४	४।२९	६।१२	७।४१
१०।१६।३९।४९	५ मं	१	९।०३	१०।३९	१२।३५	२।५०	५।१०	७।२७	९।४३	१२।०२	२।२०	४।२५	६।०८	७।३७
१०।१७।४०।०७	६ बु	२	८।५९	१०।३५	१२।३१	२।४६	५।०६	७।२३	९।३९	११।५८	२।१६	४।२१	६।०४	७।३३
१०।१८।४०।२४	७ गु	३	८।५५	१०।३१	१२।२७	२।४२	५।०२	७।१९	९।३५	११।५४	२।१२	४।१७	६।०१	७।२९
१०।१९।४०।३८	८ शु	४	८।५१	१०।२७	१२।२३	२।३८	४।५८	७।१५	९।३१	११।५०	२।०८	४।१३	५।५७	७।२५
१०।२०।४०।५१	९ श	५	८।४७	१०।२३	१२।१९	२।३४	४।५४	७।११	९।२७	११।४६	२।०५	४।०९	५।५३	७।२१
१०।२१।४१।०९	१० र	६	८।४३	१०।१९	१२।१५	२।३०	४।५०	७।०७	९।२३	११।४२	२।०१	४।०५	५।४९	७।१७
१०।२२।४१।२०	११ चं	७	८।३९	१०।१५	१२।११	२।२६	४।४६	७।०३	९।१९	११।३८	१।५७	४।०१	५।४५	७।१३
१०।२३।४१।३६	१२ मं	८	८।३५	१०।११	१२।०८	२।२२	४।४२	६।५९	९।१५	११।३४	१।५३	३।५७	५।४१	७।०९
१०।२४।४१।५०	१३ बु	९	८।३१	१०।०८	१२।०४	२।१८	४।३८	६।५५	९।११	११।३०	१।४९	३।५३	५।३७	७।०५
१०।२५।४१।२२	१४ गु	१०	८।२८	१०।०४	१२।००	२।१४	४।३४	६।५१	९।०७	११।२६	१।४५	३।५०	५।३३	७।०२

इस माह में पांच शुक्रवार होने से प्रजा की वृद्धि हो यथा-प्रजावृद्धिस्तु भार्गवे॥ गुरुवारी अमावस होने से वृष्टि तथा सुभिक्ष हो कल्याण हों दुःस्व का नाश हो। आरोग्य रहे और प्रजा स्वस्थ हो। शुक्ला नवमी आर्द्रा होने से अवर्षण हो। पूर्णिमा उत्तरा फाल्गुनी युक्त होने से समर्घता हो। दक्षिण की पवन चले, धान्यादि सभी वस्तुओं के भाव मंदे हो, रस घृत किराणें की वस्तुएं तेज हों, लोक, महाजन प्रसन्न हों, प्रजा में सद्भाव अधिक हो। कुम्भ राशि में बुध का उदय होने से मार्ग में हवा बहुत चले।

अयनांशाः २३।५४।३९

पं.४८ फा.कृ.१४ बु. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
१०	८	११	५	१०	२	०	६
२४	२७	१२	२३	१९	२६	००	००
४०	४०	२०	०२	०६	४७	४९	४९
०४	१६	२८	४७	१२	५२	५१	५१
५९	४३	८०	६	७४	१	३	३
५८	०७	१६	०४	५३	२५	११	११
पूभा	उषा	उभा	ह	श	पुन	अ	चि
२	१	३	४व	४	३व	१	३



CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

११ मार्च से २५ मार्च तक श्री फाल्गुन शुक्लपक्ष संवत् २०६१, शाकः १९२६, दि.मा.सू. सू. तारीख्य स्टै. प्रातः दैनिक केतकी अहर्गणः ४७२३ वसंतर्तू रविरुत्तरे, मार्च २००५

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	च.प.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
ध्वजा	१	शु	१३	४६	१२	१८	उभा	४६	५४	२५	३४	शु	१७	१५	१३	४२	व	१३	४६	१२	१८	२९/२५	६/४८	६/३३	२०	२९	११	मीने	१०।२६।३४।०५	५९।५८
फुलरि.	२	श	९	१०	१०	२७	रेव	४४	५९	२४	४७	शु	१०	३९	११	०३	कौ	९	१०	१०	२७	२५	४७	३३	२१	१	१२	मेषे	२४।४७	१०।२७।३४।०३	५९।५६
आनन्द	३	र	६	१०	९	१४	अश्वि	४४	४८	२४	४१	ब्र	५	२२	८	५५	ग	६	१०	९	१४	३०	४६	३४	२२	२	१३	मेषे		१०।२८।३३।५९	५९।५४
चर	४	सो	४	५९	८	४५	भर	४६	२७	२५	१९	ऐ	५/५९	३५/०८	७/३०	२५/२४	वि	४	५९	८	४५	३४	४५	३४	२३	३	१४	मेषे		१०।२९।३३।५२	५९।५१
गद	५	मं	५	४३	९	०१	कृति	४९	५६	२६	४२	वि	५८	१३	३०	०१	वा	५	४३	९	०१	३८	४४	३५	२४	४	१५	वृषे	७।३६	११।००।३३।४४	५९।४९
शुभ	६	बु	८	१९	१०	०२	रोहि	५५	०६	२८	४५	प्री	५८	३७	३०	०९	तै	८	१९	१०	०२	४२	४३	३५	२५	५	१६	वृषे		११।०१।३३।३३	५९।४७
मृत्यु	७	गु	१२	३५	११	४३	मृग	...	...	..	..	आ	...	...	..	..	व	१२	३५	११	४३	४६	४१	३६	२६	६	१७	मिथु.	१७।५९	११।०२।३३।२०	५९।४५
होलाष्ट.	८	शु	१८	०६	१३	५५	मृग	१	३९	७	२०	आ	०	०७	६	४३	ब	१८	०६	१३	५५	५०	४०	३६	२७	७	१८	मिथु.		११।०३।३३।०५	५९।४३
मुद्गर	९	श	२४	२०	१६	२३	आर्द्रा	८	५८	१०	१५	सौ	२	१३	७	३२	कौ	२४	२०	१६	२३	५५	३९	३७	२८	८	१९	कर्के	३०।३०	११।०४।३२।४८	५९।४०
ध्वजा	१०	र	३०	४२	१८	५५	पुन	१६	३२	१३	१५	शो	४	३४	८	२८	ग	३०	४२	१८	५५	५९	३८	३८	२९	९	२०	कर्के		११।०५।३२।२८	५९।३८
ए.व्र.	११	सो	३६	३४	२१	१५	पुष्य	२३	४७	१६	०८	अ	६	४४	९	१८	व	३	४५	८	०७	३०/०३	३७	३८	३०	१०	२१	कर्के		११।०६।३२।०६	५९।३६
आनन्द	१२	मं	४१	३६	२३	१४	श्ले	३०	१५	१८	४२	सु	८	२२	९	५७	ब	९	१५	१०	१८	०७	३६	३९	१	११	२२	सिंहे	१८।४२	११।०७।३१।४२	५९।३४
प्र.व्र.	१३	बु	४५	३१	२४	४७	मघा	३५	४२	२०	५२	धृ	९	१५	१०	१७	कौ	१३	४३	१२	०४	११	३५	३९	२	१२	२३	सिंहे		११।०८।३१।१६	५९।३१
गद	१४	गु	४८	१५	२५	५२	पूफा	४०	०१	२२	३४	शू	९	१६	१०	१६	ग	१७	०३	१३	२३	१५	३४	४०	३	१३	२४	कन्या	२८।५५	११।०९।३०।४७	५९।२९
होली	१५	शु	४९	४७	२६	२७	उफा	४३	१२	२३	४९	गं	८	२२	९	५३	वि	१९	१०	१४	१३	२०	३२	४०	४	१४	२५	कन्या		११।१०।३०।१६	५९।२७

होलिका दहनं, पूर्णिमा B

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।
चंद्रदर्शनम् (मु.४५)
पंचक समाप्तिः २४।४७, फुलरिया २, श्री रामकृष्ण परमहंस A
भ. २०।५४ उ. [A जयंती, सफर २, मकरे भौमः १२।३४, C
भ. ८।४५ या., मीने रविः १५।०२ (सौरः १७।१३)
याज्ञवल्क्य जयंती [C रेव. बुधः २२।०५
(व) पुन.-२ शनिः १८।१४
भ. ११।४३ उ. २४।४६ या., उभा. रविः २३।२१ (सौरः २५।२५), F
होलाष्टक [F मीने शुक्रः २४।३२
[B व्रतंपुण्यञ्च, मन्वादि, करिदिन [E केतुः २३।०५
सायन मेषे भानुः १७।५२, वक्री बुधः १५।४४, उभा. शुक्रः ९६।४४
भ. ८।०७ उ. २१।१५ या., आमलकी ११ व्र., बिड़कुला-डाल D
मेला श्रीश्यामजी (स्याटु), भा. चैत्रारंभः, मार्गी शनिः २६।०४
प्रदोषः, बुधास्तः पश्चिमायाम् १०।१७ [D थापणा भद्रा के पहिले
भ. २५।५२ उ., मीने रेव.-४ राहुः २३।०५, कन्यायां चित्रा.-२ E
भ. १४।१३ या., जेलपोणी भद्रा के बाद,

अयनांशाः २३।५४।४०

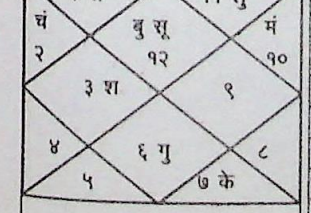
॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

संक्रांति फलम्

अयनांशाः २३।५४।४१

पं.४९ फा.शु. ६ बु. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
११	९	११	५	१०	२	०	६
०१	०२	१९	२२	२७	२६	००	००
३८	४२	१४	१७	४९	४०	२७	२७
५१	१७	२७	५६	४२	१८	३६	३६
५९	४३	२७	६	७४	०	३	३
४५	१५	५४	५०	४७	३८	११	११
पूभा	उभा	रे	ह	पूभा	पुन	अ	चि
४	२	१	४व	३	३व	१	३



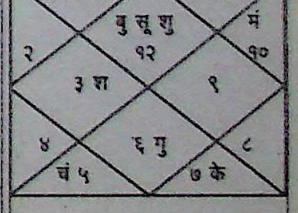
ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	मार्च	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	सायं	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः
९०।२६।४१।२२	१ शु	११	८।२४	१०।००	११।५६	२।१०	४।३०	६।४७	९।०३	११।२२	१।४१	३।४६	५।२९	६।५८
९०।२७।४१।२०	२ श	१२	८।२०	९।५६	११।५२	२।०६	४।२७	६।४३	८।५९	११।१८	१।३७	३।४२	५।२५	६।५४
९०।२८।४१।१६	३ र	१३	८।१६	९।५२	११।४८	२।०३	४।२३	६।३९	८।५५	११।१४	१।३३	३।३८	५।२१	६।५०
९०।२९।४१।०९	४ चं	१४	८।१२	९।४८	११।४४	१।५९	४।१९	६।३६	८।५१	११।१०	१।२९	३।३४	५।१७	६।४६
९१।००।४१।००	५ मं	१५	८।०८	९।४४	११।४०	१।५५	४।१५	६।३२	८।४७	११।०७	१।२५	३।३०	५।१३	६।४२
९१।०१।४०।४९	६ बु	१६	८।०४	९।४०	११।३६	१।५१	४।११	६।२८	८।४३	११।०३	१।२१	३।२६	५।०९	६।३८
९१।०२।४०।३६	७ गु	१७	८।००	९।३६	११।३२	१।४७	४।०७	६।२४	८।४०	१०।५९	१।१७	३।२२	५।०५	६।३४
९१।०३।४०।२१	८ शु	१८	७।५६	९।३२	११।२८	१।४३	४।०३	६।२०	८।३६	१०।५५	१।१३	३।१८	५।०१	६।३०
९१।०४।४०।०३	९ श	१९	७।५२	९।२८	११।२४	१।३९	३।५९	६।१६	८।३२	१०।५१	१।०९	३।१४	४।५७	६।२६
९१।०५।३९।४३	१० र	२०	७।४८	९।२४	११।२०	१।३५	३।५५	६।१२	८।२८	१०।४७	१।०५	३।१०	४।५४	६।२२
९१।०६।३९।२२	११ चं	२१	७।४४	९।२०	११।१६	१।३१	३।५१	६।०८	८।२४	१०।४३	१।०१	३।०६	४।५०	६।१८
९१।०७।३८।५७	१२ मं	२२	७।४०	९।१६	११।१२	१।२७	३।४७	६।०४	८।२०	१०।३९	१२।५८	३।०२	४।४६	६।१४
९१।०८।३८।३१	१३ बु	२३	७।३६	९।१२	११।०८	१।२३	३।४३	६।००	८।१६	१०।३५	१२।५४	२।५८	४।४२	६।१०
९१।०९।३८।०२	१४ गु	२४	७।३२	९।०८	११।०४	१।१९	३।३९	५।५६	८।१२	१०।३१	१२।५०	२।५४	४।३८	६।०६
९१।१०।३७।३१	१५ शु	२५	७।२८	९।०४	११।०१	१।१५	३।३५	५।५२	८।०८	१०।२७	१२।४६	२।५०	४।३४	६।०२

संक्रांति फलम्

ता. १४ मार्च २००५
फा. शु. ४ चंद्रे मीनेऽर्कः प्र. (स्टै.)
टा. १५।०२ वारात् ३ नक्षत्रात् ३
वारनाम ध्वांक्षी वैश्यान् सुस्पदा
नक्षत्रनाम घोरा शूद्रान् सुस्पदा
अपरान्ह ३ प्रहर व्यापिनी वैश्यान्
हन्ति, दक्षिणे गमनं नैऋत्यां दृष्टिः
वयकरणे प्रविष्टा मध्यमफलं
सिंहवाहनं गजोपवाहनं भीतिकारक
श्वेतवस्त्रं भुशुण्ड्यायुधं स्वर्णपात्रं
अन्नभक्षणं कस्तूरीलेपनं दैवतंजातिः
पुन्नागपुष्पं पिरोजभूषणं विचित्रकंचुकी
बालावस्था (बैठी) मु. १५ धान्यभावे
महर्घता वत्स पश्चिमा. राहु दक्षिणे
मूलं भूमौ विवाहस्तंभो नैऋत्यां
शुक्रास्तः पूर्वस्याम् । पुण्यकालः
(स्टै.) १५।०२ से २१।२६ तक ।
(दान- भूमि माला) ।

पं.५० फा.शु.१३ बु. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
११	९	११	५	११	२	०	६
०८	०७	१९	२१	०६	२६	००	००
३६	४५	३८	२८	३२	३८	०५	०५
०१	१०	३५	१७	३०	०९	२२	२२
५९	४३	२६	७	७४	०	३	३
३१	२२	४४	२३	४१	०८	११	११
उभा	उभा	रे	ह	उभा	पुन	अ	चि
२	५	१व	४व	१	२	९	३



CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

२६ मार्च से ८ अप्रेल तक श्री चैत्र कृष्णपक्ष संवत् २०६१, शाकः १९२६, दि.मा.सू. सू. तारीस्व स्टै. प्रातः दैनिक वसंतर्तू रविरुत्तरे फाल्गुनकृष्णेति गुर्जराः, मार्च-अप्रेल २००५

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
छारेंडी	१	श	५०	१२	२६	३६	हस्त	४५	१६	२४	३८	वृ	६	३४	९	०९	बा	२०	०८	१४	३५	३० २४	६ ३९	६ ४१	५	१५	२६	कन्या	११।११।२९।४३	५९।२५
पद्म	२	र	४९	३१	२६	१८	चित्रा	४६	१८	२५	०१	ध्रु	३	५४	८	०४	तै	२०	००	१४	३०	२८	३०	४१	६	१६	२७	तुला.	११।१२।२९।०८	५९।२२
छत्र	३	सो	४७	५१	२५	३७	स्वा	४६	२१	२५	०१	व्या	० ५६	२६ ०७	६ २८	३९ ५६	व	१८	५०	१४	०९	३२	२९	४२	७	१७	२८	तुला.	११।१३।२८।३०	५९।२०
च.ग्र.	४	मं	४५	१६	२४	३४	विशा	४५	२८	२४	३९	व	५१	०८	२६	५५	ब	१६	४१	१३	०८	३६	२८	४२	८	१८	२९	वृश्चि.	१८।४७	११।१४।२७।५०	५९।१८
सौम्य	५	बु	४१	४८	२३	९०	अनु	४३	४६	२३	५७	सि	४५	२८	२४	३८	कौ	१३	३९	११	५४	४०	२७	४३	९	१९	३०	वृश्चि.		११।१५।२७।०८	५९।१५
काल	६	गु	३७	३५	२१	२७	ज्ये	४१	१८	२२	५७	व्य	३९	११	२२	०६	ग	९	४८	१०	२१	४४	२६	४३	१०	२०	३१	धनु.	२२।५७	११।१६।२६।२३	५९।१३
शीतला	७	शु	३२	४१	१९	२९	मूल	३८	११	२१	४१	व	३२	२४	१९	२२	वि	५	१४	८	३०	४८	२५	४४	११	२१	१	धनु.		११।१७।२५।३६	५९।११
मातङ्ग	८	श	२७	१४	१७	१७	पूषा	३४	३२	२०	१२	प	२५	०९	१६	२७	बा	०	०२	६	२४	५३	२३	४४	१२	२२	२	मक.	२५।४९	११।१८।२४।४७	५९।०८
अमृत	९	र	२१	२४	१४	५६	उषा	३०	३२	१८	३५	शि	१७	३५	१३	२४	ग	२१	२४	१४	५६	५७	२२	४५	१३	२३	३	मक.		११।१९।२३।५५	५९।०६
सिद्धि	१०	सो	१५	२३	१२	३०	श्रव	२६	२१	१६	५४	सि	९	५०	१०	१७	वि	१५	२३	१२	३०	३५ ०९	२१	४५	१४	२४	४	कुंभे	२८।०३	११।२०।२३।०१	५९।०४
ए.ग्र.	११	मं	९	२०	१०	०४	धनि	२२	१२	१५	१३	सा	२ ५४	०४ २४	७ २८	१० ०६	बा	९	२०	१०	०४	०५	२०	४६	१५	२५	५	कुंभे		११।२१।२२।०५	५९।०२
प्र.ग्र.	१२	बु	३	२९	७	४३	शत	१८	१९	१३	३९	शु	४७	०७	२५	१०	तै	३	२९	७	४३	०९	१९	४७	१६	२६	६	कुंभे		११।२२।२१।०७	५८।५९
क्षयः	१३	बु	५८	०२	२९	३२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
मुद्गर	१४	गु	५३	२१	२७	३८	पूभा	१४	५८	१२	१७	ब्र	४०	२२	२२	२७	वि	२५	३७	१६	३३	१३	१८	४७	१७	२७	७	मीने	६।३६	११।२३।२०।०६	५८।५७
अमाव.	३०	शु	४९	३५	२६	०७	उभा	१२	२१	११	१३	ऐ	३४	२०	२०	०१	च	२१	२१	१४	४९	१७	१७	४८	१८	२८	८	मीने		११।२४।१९।०३	५८।५५

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है ।
वसन्त १, छारेंडी देशाचारे, करिदिन, श्रव. भौमः ९।१०
(व) उभा. बुधः २५।५६
भ. १४।०१ उ. २५।३७ या., कल्पादि, पुन.-३ शनिः ७।५५
अंगारकी चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः २२।२२

भ. २१।२७ उ., रेव. रविः १०।१० (सौरः ११।५७), B
भ. ८।३० या., शीतला पूजनं, अप्रेल ४ ता. ३०
[B रेव. शुक्रः ९।५७
भ. २५।४४ उ., (व) हस्ते-३ गुरुः २१।१५
भ. १२।३० या., पंचक प्रारम्भः २८।०३
पापमोचनी ११ व्र.
भ. २९।३२ उ., प्रदोषः, वारुणी योग ७।४३ से १३।३९ तक
[A बुधोदयः पूर्वस्याम् २३।२०
भ. १६।३३ या., मासिकशिवरात्री व्र.
देवपितृकार्येऽमा., केतकी अहर्गणः ४७५१, चक्र ६, मन्वादि, A

अयनांशाः २३।५४।४२

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

पं.५१ चै.कृ. ५ बु. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
११	९	११	५	११	२	११	५
१५	१२	१४	२०	१५	२६	२९	२९
३१	४८	५१	३५	१४	४१	४३	४३
३२	४७	०३	३६	३२	२८	०८	०८
५९	४३	५१	७	७४	०	३	३
१६	२८	२८	४१	३४	५५	११	११
उभा	श्र	उभा	ह	उभा	पुन	रे	चि
४	१	४व	४व	४	३	४	२



ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	मार्च	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	सायं	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः
११।११।३६।५७	१ श	२६	७।२४	९।०९	१०।५७	११।११	३।३१	५।४८	८।०४	१०।२३	१२।४२	२।४६	४।३०	५।५८
११।१२।३६।२९	२ र	२७	७।२१	८।५७	१०।५३	११।०७	३।२७	५।४४	८।००	१०।१९	१२।३८	२।४३	४।२६	५।५५
११।१३।३५।४३	३ चं	२८	७।१७	८।५३	१०।४९	११।०३	३।२४	५।४०	७।५६	१०।१५	१२।३४	२।३९	४।२२	५।५१
११।१४।३५।०३	४ मं	२९	७।१३	८।४९	१०।४५	१२।५९	३।२०	५।३६	७।५२	१०।११	१२।३०	२।३५	४।१८	५।४७
११।१५।३४।२०	५ बु	३०	७।०९	८।४५	१०।४१	१२।५६	३।१६	५।३३	७।४८	१०।०७	१२।२६	२।३१	४।१४	५।४३
११।१६।३३।३५	६ गु	३१	७।०५	८।४१	१०।३७	१२।५२	३।१२	५।२९	७।४४	१०।०३	१२।२२	२।२७	४।१०	५।३९
११।१७।३२।४८	७ शु	१	७।०१	८।३७	१०।३३	१२।४८	३।०८	५।२५	७।४०	१०।००	१२।१८	२।२३	४।०६	५।३५
११।१८।३१।५९	८ श	२	६।५७	८।३३	१०।२९	१२।४४	३।०४	५।२१	७।३७	९।५६	१२।१४	२।१९	४।०२	५।३१
११।१९।३१।०७	९ र	३	६।५३	८।२९	१०।२५	१२।४०	३।००	५।१७	७।३३	९।५२	१२।१०	२।१५	३।५८	५।२७
११।२०।३०।१३	१० चं	४	६।४९	८।२५	१०।२१	१२।३६	२।५६	५।१३	७।२९	९।४८	१२।०६	२।११	३।५४	५।२३
११।२१।२९।१६	११ मं	५	६।४५	८।२१	१०।१७	१२।३२	२।५२	५।०९	७।२५	९।४४	१२।०२	२।०७	३।५१	५।१९
११।२२।२८।१७	१२ बु	६	६।४१	८।१७	१०।१३	१२।२८	२।४८	५।०५	७।२१	९।४०	११।५८	२।०३	३।४७	५।१५
११।२३।२७।१६	१४ गु	७	६।३७	८।१३	१०।०९	१२।२४	२।४४	५।०१	७।१७	९।३६	११।५५	१।५९	३।४३	५।११
११।२४।२६।१३	३० शु	८	६।३३	८।०९	१०।०५	१२।२०	२।४०	४।५७	७।१३	९।३२	११।५१	१।५५	३।३९	५।०७

मास फलम्

इस चैत्र कृष्णपक्ष में शुक्रवारी अमावस होने से उद्धत मेघों से जलप्रंश हो, उत्तराभाद्रपद योग सुभिक्ष और सुस्वद है । श्रवण पर मंगल होने से रोग हो, धान्योत्पत्ति कम हो, पीछे वर्षा हो । उत्तरा भाद्रपद में बुध होने से राजनीति में क्लेश तथा पक्षियों में आरोग्यता हो । प्राणियों के धातुओं (वसा, रक्त, मांस, मेधा, अस्थि, मज्जा और शुक्र) की हानि हो । कन्या राशि पर बैठे हुए गुरु के उदय से बालकों को पीड़ा हो तथा गणिका (वेश्या) और वृद्धों को पीड़ा हो । चैत्र में बृहस्पति उदय होने से विचित्र (कहीं-कहीं) वर्षा हो ।

अयनांशाः २३।५४।४३

पं.५२ चै.कृ.१२ बु. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
११	९	११	५	११	२	११	५
२२	१७	०९	१९	२३	२६	२९	२९
२५	५३	३२	४१	५५	५०	२०	२०
२३	००	३६	३८	४३	१०	५३	५३
५९	४३	३०	७	७४	१	३	३
०२	३२	४१	४३	२७	४१	११	११
२	श्र	उभा	ह	रे	पुन	रे	चि
२	३	२व	३व	३	३	४	२



CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

श्री गणेशाय नमः ॥ अंचित्याव्यक्तरुपाय निर्गुणाय गुणात्मने ॥ समस्त जगदाधार मूर्तये ब्रह्मणे नमः ॥ पञ्चाङ्ग रत्नं प्रसरन्मयूखं श्री केतकी दृग्गणितेन युक्तम् ॥ लोकोपकाराय कृत प्रयत्न प्रचक्रतु मोह विनाशदक्षम् ॥ २ ॥ अथास्मिन् वर्षे सृष्टितो गताब्दाः १९५५८८५१०६, तत्र कृतयुग प्रमाणम् १७२८०००, त्रेतायुग प्रमाणम् १२९६०००, द्वापरयुग प्रमाणम् ८६४०००, कलियुग प्रमाणम् ४३२०००, तन्मध्ये गतकलिः ५१०६ भोग्यकलिः ४२६८९४ अथास्मिन् - शुभ संवत्सरे श्रीमन्नृपतिविक्रमादित्यराज्यात् संवत् २०६२ शाकः १९२७ । अथाऽस्मिन् वर्षे राजा शनिः १, मंत्री बुधः २, सस्येशः शनिः ३, धान्येशो गुरुः ४, मेघेशो भौमः ५, रसेशश्चंद्रः ६, नीरसेशः शनिः ७, फलेशो भौमः ८, धनेशः शुक्रः ९, दुर्गेशो भौमः १०, एते दशाधिकारिणः । तत्र वार्हस्पत्य मानेन प्रभवादी षष्ट्यब्दानां मध्ये विष्णु विंशतिकायां १२ विलंम्ब नामास्यः संवत्सरः प्रवर्तते । तस्य मेषाऽर्क समये गत मासादि १०।२४।११।३१ भोग्य मासादि १।५।४८।२९ पिता दैवतं युगम् । वर्षनाम फाल्गुन । चतुर्मेघनाम संवर्त्तः । रोहिणी निवासो तटे । समय निवासो रजकगृहे । समय विश्वा ५ । समय वाहन महिष । स्तंभ ३ जल वायु अन्न । सोमवत्यमा. २ । सोमवती पंचमी १ । अंगारकी चतुर्थी ० । भानु सप्तमी १ । बुधाष्टमी २ । रविदशमी १ । समय मुहूर्तानि ३७५ । समय दिनानि ३५५ । तिथि क्षयः १८ । तिथि वृद्धिः १३ । अष्टोत्तरी मतेन उत्पत्ति विश्वा ९३ । स्पपति विश्वा ९३ । विंशोत्तरी मतेन उत्पत्ति विश्वा ८१ । स्पपति विश्वा ११७ । वर्षा विश्वा १७ । धान्यम् १३ । तृणम् ९ । शीतम् १५ । तेजः ११ । वायुः १३ । वृद्धिः १५ । क्षयः १५ । विग्रह ११ । ऐक्यम् ११९ । (क्षुधा १५ । तृष्णा ३ । निद्रा ३ । आलस्य १३ । उद्यम ११ । शान्ति ९ । क्रोध ११ । दण्ड १३ । मैत्री ३ । उत्सव १५ । पाप १५ । पुण्य ११ । उग्रत्व १९ । रसोत्पत्तिः १७ । फलोत्पत्तिः ३ । व्याधि १७ । व्याधिनाश १३ । आचार ११ । अनाचार १५ । मृत्यु ११ । जन्म १९ । चौर ७ । उपशमन ११ । अग्निभय १७ । अग्निशमः ९) सत्यम् ॥, धर्म ९॥, पाप १८ । शनि दृष्टिः पूर्वस्याम । ग्रहणं १ चन्द्रमसः, २ सूर्यस्य ॥ उद्भिजः ९ । ज़रायुजः ३ । पिण्डजः ११ । स्वदेजः ५ । इस वर्ष का फल साधारण उत्तम है । आगे गौ प्रजा भाग्य प्रबल है ।

(१) आश्विन शुक्ला १५ सोमवार, संवत् २०६२, ता. १७ अक्टूबर २००५, स्पण्डग्रासं ग्रस्तोदयं **चन्द्रग्रहणम्**

	स्पर्श	मध्य	मोक्ष	पर्व
रामगढ घ.	२६	३७	२८	२
स्थानिक प.	४०	४३	४७	०७
रेल्वे घं.	१७	१७	१८	०
टाईम मि.	१५	४१	०६	५१

इस ग्रहण का सूतक स्टै ८।१५ बजे से प्रारम्भ होगा । ग्रहण के सूतक में बाल वृद्ध और अस्वस्थ जनों को छोड़कर भोजनादि निषेध है ।

(१) आश्विन कृष्णा ३० चन्द्रवासरे, संवत् २०६२ ता. ३ अक्टूबर २००५, स्पण्डग्रासं **सूर्यग्रहणम्**

स्थल	स्पर्श	मध्य	मोक्ष	पर्व
रामगढ घटी-प.	२४।२८	२६।००	२७।२३	२।५५
रेल्वेटाईम घं.-मि.	१६।१५	१६।५२	१७।२५	१।१०

इस ग्रहण का सूतक पूर्वदिन उत्तररात्री स्टै ४।१५ बजे से प्रारम्भ होगा ।

(२) चैत्र कृष्णा ३० बुधवासरे, संवत् २०६२ ता.२९ मार्च २००६, स्पण्डग्रासं **सूर्यग्रहणम्**

स्थल	स्पर्श	मध्य	मोक्ष	पर्व
रामगढ घटी-प.	२५।१८	२७।१६	२९।०३	३।४५
रेल्वेटाईम घं.-मि.	१६।३५	१७।२२	१८।०५	१।३०

इस ग्रहण का सूतक पूर्वदिन उत्तररात्री स्टै ४।३५ बजे से प्रारम्भ होगा ।

॥ अथ भैरव भवानि संवाद ॥

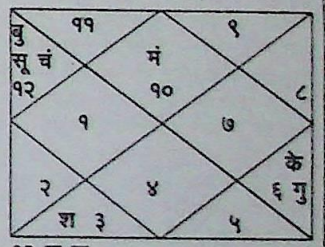


भैरव प्रश्नः जयजननी जगदीश्वरी तूं जग की प्रतिपाल ।
बासठ संवत का कहो श्रीमुस से सब हाल ॥
भवानी उ.: सुनले भैरव प्रेम से मैं समझावुं तोय ।
राजामंत्री देस्तां नेष्ट जमानो होय ॥
सौम्यग्रहों ने वर्ष में लिये चार अधिकार ।
समय निवासो रजकघर रोहिणी तट आधार ॥
पापग्रहों ने वर्ष में लिए अधिक अधिकार ।
उग्रग्रहों की चाल को ना समझें सौम्याचार ॥
वर्षा विश्वा सप्तदश भौम भये मेघेश ।
कहींक वर्षा अल्प हो कहींक होय विशेष ॥
दशाधिकारी योग से दर्शाया फल सार ।
गो प्रजा के भाग्य से भला करे करतार ॥
स्तंभ तीन हैं वर्ष के जलान्नवायु से जान ।
रामकुवारात्मज यों कहे श्री गुरुचरणों में ध्यान ॥

लाभ स्वर्च कोष्टक

	अष्टोत्तरी मतेन		विंशोत्तरी मतेन	
राशि	लाभ	स्वर्च	लाभ	स्वर्च
मेष	१४	१४	८	५
वृष	८	८	२	१४
मिथुन	११	५	८	११
कर्क	५	५	२	८
सिंह	८	१४	५	५
कन्या	११	५	८	११
तुला	८	८	२	१४
वृश्चिक	१४	१४	८	५
धनु	२	८	५	११
मकर	५	२	१४	११
कुंभ	५	२	१४	११
मीन	२	८	५	११

वर्ष लग्नम् ९।०४



१२ शु रा

वर्षेश लग्नम् ८।०१



लाभ - स्वर्च देखनें की विधि और फल- जिस राशि का देखना हो उस राशि के सामनेवाले लाभ-स्वर्च के अंको को जोड़कर १ घटा देवें और ८ का भाग देवें यदि १ शेष रहे तो लाभ, २ शेष रहे तो सौख्य, ३ शेष रहे तो क्लेश, ४ शेष रहे तो रोग, ५ शेष रहे तो लोकापवाद (अपयश), ६ शेष रहे तो सन्मान, ७ शेष रहे तो विजय, ८ या ० शेष रहे तो हानि होती है ।

पञ्चाङ्ग गणित कर्ता - पं. श्री रामकुवारात्मज ग्यारसीलाल शर्मा
मु. डूमोली कलाँ, पो. डूमोली खुर्द, वाया- सिंघाना, जि. झुन्झुनू (राज.) पिन.३३३५१६.

CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

॥ अथ संवत् २०६२ वर्ष फलम् ॥

॥ श्री गणेशाय नमः ॥ अथ वर्ष फलम् ॥ अथास्मिन् संवत्सरे श्रीमन्नृपति विक्रमादित्य राज्यात् संवत् २०६२ शाकः १९२७ विलंम्ब नामास्यः संवत्सरः प्रवर्ततें तत्फलम् - विलंबिवत्सरेभूपाः परस्परविरोधिनः । प्रजापीडात्वनर्थत्वंतथापिसुस्निनोजनाः ॥ अथास्मिन् वर्षे राजाशनिस्तत्फलम् - शनैश्चरे भूमिपतौ सकृज्जलं प्रभूतरोगैः परिपीड्यते जनः । युद्धं नृपाणां गदतस्करार्द्यैर्भ्रमन्ति लोकाः क्षुधिताश्च देशान् ॥ मंत्रीबुधस्तत्फलम् - शशिसुतेशुभमंत्रिसमागतेस्वपतिनारमते मदनक्रियाम् । बहुधनबहुवादिसमन्वितंयवमसूरचणान्नमहर्घताम ॥ सस्येशः शनिस्तत्फलम् - रविसुतेबदिधान्यपतौजनानृपतिभिः परिपीडितविग्रहाः । गदभयंतुषधान्यहरंसदादुरितवादविवादयुतानराः ॥ धान्येशोगुरुस्तत्फलम् - गुरौधान्यपतौ याते यवगोधूमशालयः । पच्यन्तेसर्वदेशेषुयज्वानोब्राह्मणादयः ॥ मेघेशोभौमस्तत्फलम् - अवनिजेजलदस्यपतौभुविश्रुतिविचारविहीनधरामराः । क्वचिदपिप्रचुरंजलमल्पकंक्वचिदपिप्रशमंबहुतापदम् ॥ रसेशश्चंद्रस्तत्फलम् - यदिविधौरसपेभुविमानवौनवनवांयुवती बुभुजे प्रियाम् । जलधराबहुवारिधिधायकारसवतीधनधान्यवतीमही ॥ नीरसेशः शनिस्तत्फलम् - अयः पिण्डादिलोहानांकृष्णवस्त्रादिवस्तुनाम् । अर्घवृद्धिः प्रजायेतमन्देनीरसनायके ॥ फलेशोभौमस्तत्फलम् - फलपतिर्यदिभूतनयोमवेन्नबहुपुष्पफलान्वितपादपाः । गदभयान्वितदेशजनास्तदाननृपतयोबहुविग्रहकारकाः ॥ धनेशः शुक्रस्तत्फलम् - द्रविणपो भृगुजो द्रविणैर्युताः समधनाः सकला भुवि मानदाः । समसुस्थाः क्रयविक्रयजीविनो नृपतयो जनपालनतत्पराः ॥ दुर्गेशोभौमस्तत्फलम् - अवनिजो गढनायकतां गतो विविधदुःस्वियोगसमन्वितः । जनपदेषु जनः क्रयविक्रये भयविशेषतया न फलं क्वचित् ॥ वर्षनाम फाल्गुन तत्फलम् - सुभिक्षंप्रचुरावृष्टिरुत्तरेयाम्यपश्चिमे । पूर्वस्यांरौरवंघोरं फाल्गुनेवत्सरे शुभम् ॥ चतुर्मेघनाम संवर्त्तस्तत्फलम् - संवर्त्तेजलपूरिता । रोहिणी निवासो तटे तत्फलम् - तटे वृष्टिः सुशोभना । समय निवासो रजकगृहे तत्फलम् - वापीकूपतडागानि नदीनदवनानि च । जलपूर्णानि दृश्यन्ते वासो रजकवेश्मनि ॥ अपिच - रजके वृष्टिः रुत्तमा । एवं संचित्य देवज्ञैः कथनीयं शुभाऽशुभम् ॥

॥ अथ गुरुचार शनिचारात् वर्षफलविचार ॥

इस वर्ष में राजा, सस्येश और नीरसेश शनि हैं । रसेश चंद्र है । मेघेश, फलेश और दुर्गेश मंगल है । मंत्री बुध है । धान्येश गुरु है । धनेश शुक्र है । इस ग्रहमंडल की विधानसभा में ४ स्थान सौम्यग्रहों को प्राप्त हुए हैं और ६ स्थान उग्रग्रहों को उपलब्ध हुए हैं अतः वर्षफल मध्यमोत्तम होगा । **चैत्र** - वर्षलग्न मकर होने से उत्तर में बड़े उत्पात तथा नृपक्षय हो और १ वर्ष तक अच्छी उत्पत्ति तथा सुस्त हो । मध्य देश में आधी उत्पत्ति हो, कुछ धान्य महँगा हो, अकाल में मेघ वर्षे और धान्यविक्री में लाभ हो । **वैशाख** - श्रृंगार (प्रसाधन) की वस्तुएं महंगी हो, व्यापारी, वैद्य, नौका से जीविका चलाने वाले, जल में उत्पन्न होने वाले द्रव्य तथा घोड़े (अश्व) पीडित हों । धान्योत्पत्ति उत्तम हों । सरसों उड़द कम हों, अतिवृष्टि हो, ईस्व, दूध, रस और घी अदि सस्ते हों । कहीं कहीं अत्यधिक मरी पड़े । हाथियों को पीड़ा हो, चाण्डालों का नाश हो, तीव्र रोग हो, धान्य महँगे हों, प्राणियों के धातुओं (वसा,रक्त,मांस,मेधा,अस्थि,मज्जा और शुक्र) की हानि हो । सुभिक्ष हो, तिल, वस्त्र, कपास, सुपारी आदि महँगे हो । अल्पवृष्टि हो, अल्प अन्न हो मनुष्यों में ज्वर पीड़ा हो और कहीं कुछ उपद्रव हो । **ज्येष्ठ** - धान्य और रस (मधुर आदि) की महर्घता हो, कर्क का शनि होने से लोग रोगों से पीडित रहें, लोगों के विचार परस्पर विरुद्ध रहें, देश में चिन्ता और विषाद फैले । शब्दयुक्त जल वर्षे, भूकम्प अधिक हों, राजाओं में युद्ध हो और पशु तथा धन का हरण हो । कपास, तिल, सूत महँगे हों । कोसल तथा कलिङ्ग देश पीड़ित हों, अतिवृष्टि. कहीं कहीं वायु से वर्षा और अभाव हो । गेहूँ तिल उड़द सस्ते हों, ग्रहपात तथा पवन का प्रवाह (आंधी) हो । अश्मक और विदर्भ देश में अनय (उपद्रव) हो । बालकों को पीड़ा हो, कपास सूत मंदा हो, शस्त्रनिपात (युद्ध), क्षुधा, रोग, अनावृष्टि और अनेक प्रकार के दुःस्वो से प्रजा पीडित हो । **आषाढ** - पुष्य नक्षत्र में स्थित शनैश्चर घंटा बजाने वाले, घोषिक (ढींढोरा पीटने वाले अथवा घोष-गुहा-में निवास करने वाले), यवन, वणिक्, किरात, धूर्त और पुष्पों को पीडित करता है । विद्याधरों के युद्ध में विमर्द हो, शस्त्रनिपात (युद्ध), क्षुधा, रोग, अनावृष्टि हो । सुभिक्ष हो, अन्न लक्ष्मी बहुत हो, कपास, धान्यादि भावों में महर्घता हो । आश्लेषा में बुध होने से महावृष्टि हो, तुष धान्य उत्पन्न हों । लोगों को सर्पों से अत्यन्त पीडा हो, हस्तिपति पीडित हों । तुष धान्य मँहगे हों । **श्रावण** - अनावृष्टि और चौर भय हो, शवर-पुलिन्द जन पीड़ित हों, रस सब सूखे जायँ । कुरु देश में निवास करने वाले, जाङ्गल (स्वल्पोदक स्थान) में निवास करने वाले और पञ्जाबस्थ जन पीड़ित हों तथा वृष्टि हो । ब्राह्मणों को पीड़ा हो तथा उनका शीघ्र पतन हो । लोगों में मांगलिक उत्सव हों, राजाओ में भय हो, शस्त्रनिपात (युद्ध), क्षुधा, रोग, हो । प्रजा में सुस्त हो । संसार में कहीं भी प्राकृतिक आपदा हो । **भाद्रपद** - मेघों की गर्जना के साथ महावृष्टि हो, कौरव और चित्रकार पीडित हों । तुष धान्य उत्पन्न हों, धान्योत्पत्ति कहीं कम कहीं ज्यादा हो । कुओं बनाने वाले पीडित हों । क्षेत्र के बंटवारे को लेकर पडौसी देश से मनमुटाव हो, अन्न कग भाव मँदा हो, क्षुधा, शस्त्र, चोर और रोगों की वृद्धि हो । कहीं सुभिक्ष और कहीं प्रजा पीडित हों । तपस्वियों के आश्रमों में पीड़ा हो । दूत, वाणिज्य कर्म करने वाले, नाव चलाने वाले इनमें उपद्रव हो । उड़द मूंग कम उत्पन्न हों, प्राणियों के धातुओं (वसा,रक्त,मांस,मेधा,अस्थि,मज्जा और शुक्र) की हानि हो । **आश्विन** - तुष धान्य की महँगाई हो, सुन्दर वृष्टि हो, वाणिज्य कर्म करने वाले प्रभावित हों । गुरु तुला राशि पर होने से तक्षक मेघ अत्यन्त वृष्टि करे और मंजीठ तथा नारियल महँगे हो, राजाओं में अन्योन्य युद्ध हो घी तेल सस्ते हों, कहीं छत्रभंग तथा राजाओं में विग्रह हों, मारवाड़ में उत्पात हों, कोट और जैसलमेर आदि में परचक्र हो, धातु सस्ते हों, गणिका, शिल्पी, और विप्र वर्ग पीड़ित हो, मनुष्यो की हानि हो, धान्य की बहुत समर्घता हो । भूकंप तथा युद्धादि हों, शस्त्र, चोर, अग्नि, रोग, जल और दुर्भिक्ष का भय हो । क्षत्रियों में प्रधान का अभाव हो अनावृष्टि हो । **कार्तिक** - आश्लेषा नक्षत्र में स्थित शनैश्चर जल में उत्पन्न प्राणियों और सर्पो को पीडित करता है । सुभिक्ष हो, धान्योत्पत्ति कहीं कम कहीं ज्यादा हो । प्रधान वैद्य पीड़ित हों अनावृष्टि हो, लोकभय और क्षेत्रपति का क्षय हो । गुरु उदय से काश्मीरी चन्दन तथा फलादि महँगे हों, वह्नि भय हो, अल्पवृष्टि, दुर्लभ अन्न, लोगों में कुशलता, राजाओं में कोमलता, एकत्रित किये हुये धान्यों की वृद्धि और सुन्दर मनुष्यों (स्त्री-पुरुष) को पीड़ा हो । ईस्व, शाली और घी महँगे हों तथा घोड़ों में रोग हो । **मार्गशीर्ष** - धातुओं के भाव तेज हों । मेष राशि में मंगल का उदय होने से तिल और उड़द प्रिय हों (अर्थात् महँगे हों) । सुभिक्ष हो, कहीं कहीं व्याधि भय और दुर्भिक्ष भी हो । उ.पाढा में शुक्र होने से लोकभय और क्षेत्रपति का क्षय हो । रोगों की उत्पत्ति हो । दृश्चिक राशि में बुध का उदय होने से राजभय और सुभिक्ष हो । गुरुवार की सक्रांति होने से सभी पीत वर्ण वाली वस्तुओं के भाव तेज हों, धान्यादि भाव मंदे हों, धान्योत्पत्ति उत्तम हो । **पौष** - गाँओ को पीड़ा हो, स्नेह (तेल, घृत आदि), रस (मधुर आदि) के मुल्य में वृद्धि हो । पुष्य नक्षत्र में स्थित शनैश्चर घंटा बजाने वाले, घोषिक (ढींढोरा पीटने वाले अथवा घोष-गुहा-निवास करने वाले), यवन, वणिक्, किरात, धूर्त और पुष्पों को पीडित करता है । बालकों में पीडा हो । व्यापारी, वैद्य, नौका से जीविका चलाने वाले, जल में उत्पन्न होने वाले द्रव्य तथा घोड़े (अश्व) पीडित हों । राजाओं में भय हो । रोग का प्रचार हो । अन्न और वर्षा मध्यम हो । क्षुधा, शस्त्र, चोरों की वृद्धि हो । **माघ** - अन्न की उत्पत्ति हो, छोटे बालकों में पीड़ा हो, वर्षा का अभाव और रोगोत्पत्ति हो । लोकभय और क्षेत्रपति का क्षय हो, जल में उत्पन्न जीव पीड़ित हों, श्रवण में बुध होने से गुड़ अलसी और चणे अदि धान्य में बर्फ (ओले) गिरने का भय हो, धान्य महंगा हो, देश में उपद्रव हो और तपस्वियों के आश्रमों में पीड़ा हो । मार्ग में हवा बहुत चले और संसार में कहीं भी प्राकृतिक आपदा हो । कर्क का शनि उदय होने से अनावृष्टि हो रस सब सूख जायँ सब जगह मारीभय से लोगों में पीड़ा हो । **फाल्गुन** - क्षेत्रपति का क्षय हो, रोगों की उत्पत्ति हो । रोहिणी पर मंगल होने से वृक्षों में रोग, चौपायों में पीड़ा, कपास वस्त्र और सूत की महँगाई हो । तुला का गुरु वक्री होने से बर्तन, सुगन्धवाली वस्तुएं, कपास, नमक, यह सस्ते हों । मीन राशि में बुध का अस्त होने से राज्यवर्ग में पीड़ा हो । श्रवण में शुक्र होने से प्रजा में सुस्तों की वृद्धि और सुभिक्ष हो, कर्णपीड़ा हो । **चैत्र** - पूर्वाभाद्रपद में बुध होने से कहीं दुर्भिक्ष हो और कहीं क्षेम तथा आरोग्यता हो, क्षुधा, शस्त्र, चोर और रोगों की वृद्धि हो । आगे सर्वज्ञ जगत नियन्ता जगदीश्वराधीन है । आगे सर्वज्ञ जगत नियन्ता जगदीश्वराधीन है । गो प्रजा भाग्य प्रबल है ।

CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

॥ संवत् २०६२ मध्ये विवाह मुहूर्तानि रेखा सहितानि च ॥

सन२००५		
		वैशाख कृष्णपक्षः
अप्रे.	२९	६ शुक्रे उषा. रे ६ SSIISIIIIS रात्रौ ल.१० (स्टें.२५।३६ उ.)
अप्रे.	३०	७ शनौ उषा. रे ७ SSIISIIIII रात्रौ ल. अ.गोधूलि, ८
		वैशाख शुक्लपक्ष
मई	९	१ चंद्रे रोहि. रे ९ IIIIISIII रात्रौ ल. ११ (सोग्रांगः)
मई	१०	२ भौमे रोहि. रे ९ IIIIISIII दिवा ल.३।६ (क.रा.७दोषः)
मई	१०	२ भौमे मृगे रे ९ IIIIISIII रात्रौ ११ (सोग्रांगः)
मई	११	३ बुधे मृगे रे १० IIIIIIIII अ. गो. ८ (वृश्चि.शु.७ पू.)
मई	१६	८ चंद्रे मघा रे ९ IIIIIISII रात्रौ ११ (सोग्रांगः)
मई	१७	९ भौमे मघा रे ९ IIIIIISII दिवा ल. ३ (सोग्रांगः)
मई	२०	११ शुक्रे हस्ते रे ९ IISगुIIIIII दिवा ल. ३।७
मई	२१	१२ शनौ स्वातौ रे ९ ISIIIIIIII रात्रौ ११ (सोग्रांगः)
मई	२२	१३ रवौ स्वातौ रे ९ ISIIIIIIII दिवा ल. ३।६
मई	२३	१५ चंद्रेऽनुराधा रे ६ IIISबुSISSII दिवा ल. ७ (बु. ७ पू.)
मई	२३	१५ चंद्रेऽनुराधा रे ८ IIIIIISSII रात्रौ ११।१ (कुंभे सोग्रांगः)
		ज्येष्ठ कृष्णपक्षः
मई	२७	४ भृगौ उषा. रे ६ IIISशुSIISSद. दिवा ल.३ (चं.७ पू.)
मई	३१	९ भौमे उभा. रे ८ IIISगुIISII रात्रौ ११ (षष्ठे लग्नेशदोषस्तेनत्याज्यः)
जून	१	१० बुधे उभा. रे ८ IIISगुIISII दिवा ल.३।६ (क.रा.७दोषः)
		ज्येष्ठ शुक्लपक्षः
जून	१२	५ रवौ मघा रे ९ ISIIIIIIII रात्रौ ल. अ. गो. ९ (धनुषि. बु. शु. ७ दोषः)
जून	१७	१० शुक्रे स्वातौ रे ९ IIIIISIII लग्नाऽभावः (अत्र मेषेचिन्त्यं विद्वद्भरैः)
जून	१९	१२ रवौ अनु. रे १० IIIIIIIII रात्रौ ल. ३ (शु. ३ दोषः)
जून	२०	१३ चंद्रेऽनुराधा रे १० IIIIIIIII दिवा ल. ४, रात्रौ अ. गो. ११ (कुंभे लग्नेशः ६ दो.)
		आषाढ कृष्णपक्षः
जून	२३	१ गुरौ उषा. रे ९ IIIISIIII रात्रौ ल. १
जून	२४	३ शुक्रे उषा. रे ९ IIIISIIII दिवा ल. ४ (चं. ७ पू.)
जून	२८	७ भौमे उभा. रे ७ IIISगुIIISIS द. दिवा ल. ४।८, रात्रौ अ.गो. १ (कर्के रे ८ दग्धारहित सोग्रांगश्च)
		आषाढ शुक्लपक्षः
जुला.	९	३ शनौ मघा. रे १० IIIIIIIII रात्रौ ल. १
जुला.	१०	४ रवौ मघा रे १० IIIIIIIII दिवा ल. ४ रात्रौ ल. २ (कर्के सोग्रांगः, वृषः स्टें. २६।५९ उप.)
जुला.	१३	६ बुधे हस्ते रे ७ IISगुIISSII दिवा ल. ७, रात्रौ अ.गो.
जुला.	१५	८ शुक्रे स्वातौ रे ९ SIIIIIIIII दिवा ल.८, रात्रौ गो., १ (मेषे चं. ७ दोषः)
		अग्रे कर्कऽर्क चतुर्मासारंभश्च

		मार्गशीर्ष कृष्णपक्षः
नवं.	१६	१ बुधे रोहिण्यां रे ७ SIIISISIII रात्रौ ल.५ (श.१२दो.)
नवं.	१८	३ शुक्रे मृगे रे १० IIIIIIIII दिवा ल. १ (सो.,गु.७ पू.)
नवं.	२३	७ बुधे मघा रे ९ IIIIIIISII दिवा ल. १, रात्रौ अ.गो. ६ (मेषे सोग्रांगः गु. ७ पू., कन्या. सोग्रांगः रा. ७ दो.)
		मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः
दिसं.	४	३ रवौ उषा. रे ८ IISशुIISIII रात्रौ ल. ३ (लग्नेश ६, चं. ७ दोषौ)
दिसं.	५	४ चंद्रे उषा. रे ८ IISशुIISIII दिवा ल. १२
दिसं.	१०	१० शनौ रेवत्यां रे ७ IIIISISSII रात्रौ ल. ६ (सोग्रांग, रा. चं. ७ दो.परमावश्के)
दिसं.	१५	१५ गुरौ मृगे रे ६ ISISशु.SIISII दिवा ल. १०।१२
सन२००६		माघ कृष्णपक्षः
जन.	१९	५ गुरौ उफा. रे ९ IIIIIIISII दिवा ल. २, रात्रौ गोधूलि,९
जन.	२०	६ शुक्रे उफा. रे ९ IIIIIIISII दिवा ल. १२
जन.	२२	७ रवौ स्वा. रे ८ SIIIIIISII रात्रौ अ. गोधूलि, ९
जन.	२३	८ चंद्रे स्वातौ रे ८ SIIIIIISII दिवा ल. १२।३
जन.	२६	११ गुरौ मूले रे ७ IIIIISSISद. रात्रौ ल. ६ (सोग्रांगः, रा. ७ दो.)
		माघ शुक्लपक्षः
फर.	२	५ गुरौ रेवत्यां रे ९ IIIISIIII लग्नाऽभावः (अत्रे स्टें. २६।२६ या. मृत्युपंचकम् तदुपरान्त धनुषि चिन्त्यम्)
फर.	३	६ शुक्रे रेवत्यां रे ९ IIIISIIII दिवा ल. २।३ रात्रौ ल. अ.गो. (मिथु. शु. ७ पू.)
फर.	१३	१५ चंद्रे मघायांरे ८ IIIIIISSII दिवा ल. १।२।३
फर.	१३	१५ चंद्रे मघायांरे ८ IIIIIISSII रात्रौ ल. ७ (शु. ३ दोषः स्टें. २४।०६ या.)
		फाल्गुन कृष्णपक्षः
फर.	१४	१ भौमे मघा रे ८ IIIISSIIII दिवा ल. १ (गु. ७ पू.)
फर.	१५	२ बुधे उफा. रे १० IIIIIIIII दिवा ल. ४, रात्रौ गो. ९ (कर्कः सोग्रांगः, धनुषि. रा. ४ दो., स्टें. २८।४७ या.)
फर.	२०	७ चंद्रेऽनुराधा रे ६ SIIISISSII रात्रौ ९ (रा. ४ दोषः, स्टें. २७।०३ उपरान्त)
फर.	२१	८ भौमेऽनुराधा रे ६ SIIISISSII दिवा ल. १।४,रात्रौ अ.गो. ९ (मेषे गु. ७ पू.,कर्कः सोग्रांगः, धनुषि रा.४ दोषः)
		फाल्गुन शुक्लपक्षः
मार्च	२	३ गुरौ रेवत्यां रे ७ ISIISIIIIS रात्रौ ल. ९ (रा. ४ दोषः) अग्रे होलाष्टकमीनेऽर्कश्च

॥ कात्यायनोक्त विवाह मुहूर्त्ताः नक्षत्र चतुष्टयी ॥

सन्२००५		
		बैशाख कृष्णपक्षः
अप्रे.	३०	७ शनौ श्रवणे रे.९ IIIIIISII रात्रौ ल. ११।१२ (कुंभे ३ दो., सोग्रांगः, मीने के. गु. ७ पू.)
मई	१	८ रवौ श्रवणे रे.९ IIIIIISII दिवा ल. ३।४, रात्रौ अ. गो. ८ (मिथु. सोग्रांगः, कर्के चं. ७ दो.)
मई	१	८ रवौ धनि. रे.८ SIIIIIISII रात्रौ ल. १२
मई	२	९ चंद्रे धनि. रे.८ SIIIIIISII दिवा ल. ३।४
		ज्येष्ठ कृष्णपक्षः
जून	२	११ गुरौ अश्वि. रे.७ SIIISISII रात्रौ ल. १२
जून	३	१२ शुक्रे अश्वि. रे.७ SIIISISII दिवा ल. ३।४।६, रात्रौ ११ (कर्कः सोग्रांगः, कन्या रा. ७ दोषः, कुंभस्तु स्टें. २५।१५ यावत्)
		आषाढ कृष्णपक्षः
जून	२५	४ शनौ श्रवणे रे.८ ISIISIIIII दिवा ल. ४
जून	३०	९ गुरौ अश्वि. रे.८ IIIISIISII दिवा ल. ४।५।७, रात्रौ अ. गो. (सिंहे श. १२ दोषः, तुला चं. ७ पू.)
		मार्गशीर्ष कृष्णपक्षः
नव.	२७	११ रवौ चित्रा. रे.८ IIIISIISII रात्रौ ल. ५ (श.१२दो.)
नवं.	२८	१२ चंद्रे चित्रा रे.८ IIIISIISII दिवा ल. ९।१२, रात्रौ ३ (धनु.रा. ४ दो.,मीने के. ७ दो.,मिथु.बु. ६ दो, ७ पू.)
		मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः
दिसं.	१२	१२ चंद्रे अश्वि. रे.१० IIIIIIIII दिवा ल.९ (स्टें.८।१४ या.)
सन२००६		माघ कृष्णपक्षः
जन.	२२	७ रवौ चित्रा रे. ९ IIIIIISII दिवा ल. २।३ (मिथु. स्टें. ५७।०३ यावत्)
		माघ शुक्लपक्षः
जन.	३०	१ चंद्रे धनि रे.८ ISIISIIIII रात्रौ ल. ८।९ (धनुषि रा. ४ दो.)
फर.	३	६ शुक्रे अश्वि. रे.८ ISIIIISII रात्रौ ९ (रा. ४ दो.)
फर.	४	७ शनौ अश्वि. रे.८ ISIIIISII दिवा ल. २।३ (मिथु शु. ७ पू., स्टें. १६।१९ या.)

(दृष्टिदोषश्चेत् क्षन्तव्यं सुधिभिः)

गणितकर्ता- श्री श्री १०८ पं. ईश्वरदत्त शर्म्मणोऽनुगृहीत शिष्यः
पं. ग्यारसीलाल शर्मा (शास्त्री)
५८,राम कुटीर, ३ रा माला, हनुमान रोड
विलेपार्ले (पूर्व) मुम्बई ४०००५७. दू. २६१६६७८३

CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

॥ संवत् २०६२मध्ये उपनयनादि मुहूर्त्ताः ॥

अथ उपनयन मुहूर्त्ताः

सन२००५		बैशास्त्र मासः
मई	१८	शु.१० बुधे पू.फा. ल. ३।४
		ज्येष्ठ मासः
जून	८	शु.२ बुधे आर्द्रा. अभिजिति
जून	१०	शु.३ शुक्रे पुष्ये ल. ६
जून	१२	शु.५ रवौ आश्ले. अभिजिति
		आषाढ मासः
जून	२६	कृ.५ रवौ धनि. ल. ४
सन२००६		माघ मासः
जन.	१६	कृ.२ चंद्रे आश्ले. अभिजिति
जन.	१९	कृ.५ गुरौ उ.फा. अभिजिति
		फाल्गुन मासः
फर.	१५	कृ.२ बुधे पू.फा. ल. ९।२
मार्च	१	शु.२ बुधे पू.भा. ल. १
मार्च	२	शु.३ गुरौ रेवत्यां अभिजिति
		चैत्र मासः
मार्च	२०	कृ.५ चंद्रेऽनुराधा. अभिजिति
जन.	२०	कृ.६ शुक्रे उ.फा. ल. १२
जन.	२१	कृ.७ शनौ चित्रा. ल. ३
फर.	३	शु.६ शुक्रे रेवत्यां अभिजिति
फर.	४	शु.७ शनौ अश्वि. अभिजिति
फर.	१०	शु.१३ शुक्रे पुन. अभिजिति
		फाल्गुन मासः
फर.	१८	कृ.५ शनौ चित्रा. ल. १२
फर.	१९	कृ.६ रवौ स्वात्यां अभिजिति
मार्च	२	शु.३ गुरौ रेवत्यां अभि.

अथ देव प्रतिष्ठा मुहूर्त्ताः

सन२००५		बैशास्त्र मासः
अप्रे.	३०	कृ.७ शनौ उ.षा. ल. ६
मई	११	शु.३ बुधे मृगे ल. २।३
मई	१४	शु.६ शनौ पुष्ये अभिजिति
मई	२०	शु.११ शुक्रे हस्ते अभिजिति
		ज्येष्ठ मासः
मई	२८	कृ.५ शनौ श्रवणे अभिजिति
जून	१०	शु.३ शुक्रे पुष्ये ल. ६
जून	११	शु.४ शनौ पुष्ये ल. ६
जून	२०	शु.१३ चंद्रे अनु. अभिजिति
		आषाढ मासः
जून	२६	कृ.५ रवौ शत. अभिजिति
जुला.	१३	शु.६ बुधे हस्ते ल. ६
सन२००६		माघ मासः
जन.	१९	कृ.५ गुरौ उ. फा. अभिजिति

अथ गेहारंभ (भूमि पूजन) मुहूर्त्ताः

सन२००५		बैशास्त्र मासः
मई	२३	शु.१५ चंद्रेऽनुराधा. ल. ६ (स्टै. १४।५९ उप.)
		ज्येष्ठमासः
मई	२७	कृ.४ शुक्रे उ.षा. ल. ६ (स्टै.१४।०७ उप.)
		आषाढ मासः
जुला.	१८	शु.११ चंद्रे अनु. ल. ६ (भौ. ८ दो., स्टै. ११।०३ या.)
जुला.	२१	शु.१५ गुरौ उ.षा. अभिजिति
		श्रावण मासः
जुला.	२३	कृ.२ शनौ धनि. अभिजिति
अग.	१७	शु.१२ बुधे उ.षा. ल. ९ (श. बु. ८ दो.)
अग.	१८	शु.१३ गुरौ उ.षा. ल. ६ (भौ.८दो.)
		भाद्रपद मासः
सितं.	१४	शु.११ बुधे उ.षा. ल. ६ (भौ.८दो.)
		मार्गशीर्ष मासः
नवं.	१७	कृ.२ गुरौ रोहि. अभिजिति
दिसं.	७	शु.७ बुधे शत. ल. ११।१२ (कुंभः स्टै. १२।१४ उप.)
दिसं.	१४	शु.१४ बुधे रोहि. ल.११।१२ (ति.दो.)

वृष चक्र रहिताः गेहारंभ मुहूर्त्ताः

सन२००५		बैशास्त्र मासः
अप्रे.	३०	कृ.७ शनौ उ.षा. ल. ६
मई	११	शु.३ बुधे मृगे ल. २।३।५
		ज्येष्ठमासः
जून	१	कृ.१० बुधे उ.भा. ल. ३।६ (कन्या. स्टै. १४।२६ या.)
जून	१०	शु.३ शुक्रे पुष्ये ल. ६ (ति.दो.)
जून	११	शु.४ शनौ पुष्ये अभिजिति
		श्रावण मासः
जुला.	२५	कृ.५ चंद्रे उ.भा. ल. ९ (बु.सू. श. ८ दो.)
अग.	१	कृ.१२ चंद्रे मृगेऽभिजिति
अग.	११	शु.६ गुरौ चित्रा. अभि. (ति.दो.)
		भाद्रपद मासः
सितं.	१०	शु.६ शनौ अनु. अभिजिति
		कार्तिक मासः
नवं.	७	शु.६ चंद्रे उ.षा. अभि. (ति.दो.)
		मार्गशीर्ष मासः
नवं.	२१	कृ.५ चंद्रे पुष्ये अभिजिति
नवं.	२८	कृ.१२ चंद्रे चित्रा. अभिजिति
दिसं.	५	शु.४ चंद्रे उ.षा. अभिजिति
दिसं.	७	शु.७ बुधे धनि. ल. ९।११ (धनु. श.८ दो., कुंभः स्टै.१२।१४ या.)
सन२००६		माघ मासः
जन.	१९	कृ.५ गुरौ उ.फा. अभिजिति
		फाल्गुन मासः
फर.	२५	कृ.१२ शनौ उ.षा. अभिजिति
मार्च	२	शु.३ गुरौ रेवत्यां अभिजिति

अथ नूतन गृहप्रवेश (वास्तु) मुहूर्त्ताः

सन२००५		बैशास्त्र मासः
मई	५	कृ.१२ गुरौ उ.भा. अभिजिति
		ज्येष्ठ मासः
जून	१	कृ.१० बुधे उ.भा. ल. ३।५ (सिंहे चं.श.८ दो.)
सन२००६		माघ मासः
जन.	२५	कृ.१० बुधे अनु. ल. १२।२ (वृषे भौ. १२ दो.)
फर.	३	शु.६ शुक्रे रेवत्यां अभिजिति
		फाल्गुन मासः
फर.	२५	कृ.१२ शनौ उ.षा. ल. ३

कुंभचक्र रहिताः नूतनगृहप्रवेश मुहूर्त्ताः

सन२००५		बैशास्त्र मासः
अप्रे.	३०	कृ.७ शनौ उ.षा. ल. ५।६ (सिंहे स्टै. १४।१४ उप.)
मई	११	शु.३ बुधे मृगे अभिजिति
सन२००६		माघ मासः
जन.	१९	कृ.५ गुरौ उ.फा. अभिजिति
जन.	२०	कृ.६ शुक्रे उ.फा. ल. ११।१२ (कुं. के. चं. ८ दो.)
जन.	२५	कृ.१० बुधे अनु. ल. १२।२ (वृषे भौ. १२ दो.)
		फाल्गुन मासः
फर.	१८	कृ.५ शनौ चित्रा. ल. १२।२ (ल.२ स्टै. १२।०२ या.)

अथ जीर्ण गृहप्रवेश (वास्तु) मुहूर्त्ताः

सन२००५		बैशास्त्र मासः
मई	१४	शु.६ शनौ पुष्ये अभिजिति
		श्रावण मासः
अग.	१२	शु.७ शुक्रे स्वात्यां अभिजिति
		मार्गशीर्ष मासः
दिसं.	७	शु.७ बुधे धनि. ल.९ (श.८ दो.)
दिसं.	८	शु.८ गुरौ शत. ल. ९
सन२००६		माघ मासः
जन.	२३	कृ.८ चंद्रे स्वत्यां ल. ११ (स्टै. ९।१४ या.)

कुंभ चक्र रहिता जीर्ण गृहप्रवेश मुहूर्त्ताः

सन२००५		ज्येष्ठ मासः
जून	११	शु.४ शनौ पुष्ये अभिजिति
		श्रावण मासः
जुला.	२३	कृ.२ शनौ धनि. अभिजिति
		मार्गशीर्ष मासः
नवं.	२१	कृ.५ चंद्रे पुष्ये अभिजिति

CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

॥ सन् २००५-०६, संवत् २०६२ ॥ + (उत्तर) रविक्रान्ति-रेल्वे प्रातः ६।२७ बजे (अंश-कलादौ) - (दक्षिण)

ता.	अप्रेल	मई	जून	जुलाई	अगस्त	सितंबर	अक्टूबर	नवंबर	दिसंबर	जनवरी	फरवरी	मार्च
१	. . . .	+१५।०३	+२२।०३	+२३।०७	+१८।०२	+ ८।१९	- ३।०९	-१४।२४	-२१।४७	-२३।०२	-१७।११	- ७।४२
२	. . . .	+१५।२१	+२२।११	+२३।०३	+१७।४७	+ ७।५७	- ३।३२	-१४।४३	-२१।५६	-२२।५७	-१६।५४	- ७।१९
३	. . . .	+१५।३९	+२२।१८	+२२।५८	+१७।३१	+ ७।३५	- ३।५६	-१५।०२	-२२।०५	-२२।५१	-१६।३७	- ६।५६
४	. . . .	+१५।५७	+२२।२५	+२२।५३	+१७।१६	+ ७।१३	- ४।१९	-१५।२१	-२२।१४	-२२।४५	-१६।१९	- ६।३३
५	. . . .	+१६।१४	+२२।३२	+२२।४८	+१७।००	+ ६।५१	- ४।४२	-१५।३९	-२२।२१	-२२।३९	-१६।०१	- ६।१०
६	. . . .	+१६।३१	+२२।३९	+२२।४२	+१६।४३	+ ६।२८	- ५।०५	-१५।५७	-२२।२९	-२२।३२	-१५।४३	- ५।४७
७	. . . .	+१६।४८	+२२।४५	+२२।३६	+१६।२७	+ ६।०६	- ५।२८	-१६।१५	-२२।३६	-२२।२५	-१५।२४	- ५।२४
८	. . . .	+१७।०४	+२२।५०	+२२।२९	+१६।१०	+ ५।४३	- ५।५१	-१६।३३	-२२।४२	-२२।१७	-१५।०५	- ५।०१
९	+ ७।३३	+१७।२०	+२२।५६	+२२।२२	+१५।५३	+ ५।२१	- ६।१४	-१६।५०	-२२।४९	-२२।०९	-१४।४६	- ४।३७
१०	+ ७।५५	+१७।३६	+२३।००	+२२।१५	+१५।३५	+ ४।५८	- ६।३७	-१७।०७	-२२।५४	-२२।००	-१४।२७	- ४।१४
११	+ ८।१७	+१७।५२	+२३।०५	+२२।०७	+१५।१७	+ ४।३५	- ६।५९	-१७।२४	-२२।५९	-२१।५१	-१४।०७	- ३।५०
१२	+ ८।३९	+१८।०७	+२३।०९	+२१।५९	+१५।००	+ ४।१२	- ७।२२	-१७।४०	-२३।०४	-२१।४२	-१३।४८	- ३।२७
१३	+ ९।०१	+१८।२२	+२३।१२	+२१।५०	+१४।४१	+ ३।५०	- ७।४४	-१७।५६	-२३।०९	-२१।३२	-१३।२८	- ३।०३
१४	+ ९।२३	+१८।३७	+२३।१६	+२१।४१	+१४।२३	+ ३।२७	- ८।०७	-१८।१२	-२३।१२	-२१।२२	-१३।०७	- २।३९
१५	+ ९।४५	+१८।५१	+२३।१८	+२१।३२	+१४।०४	+ ३।०४	- ८।२९	-१८।२८	-२३।१६	-२१।११	-१२।४७	- २।१६
१६	+१०।०६	+१९।०५	+२३।२१	+२१।२३	+१३।४६	+ २।४०	- ८।५१	-१८।४३	-२३।१९	-२१।००	-१२।२६	- १।५२
१७	+१०।२७	+१९।१९	+२३।२३	+२१।१३	+१३।२७	+ २।१७	- ९।१३	-१८।५८	-२३।२१	-२०।४८	-१२।०६	- १।२८
१८	+१०।४८	+१९।३२	+२३।२४	+२१।०२	+१३।०७	+ १।५४	- ९।३५	-१९।१२	-२३।२३	-२०।३६	-११।४४	- १।०४
१९	+११।०९	+१९।४५	+२३।२५	+२०।५२	+१२।४८	+ १।३१	- ९।५७	-१९।२६	-२३।२५	-२०।२४	-११।२३	- ०।४१
२०	+११।३०	+१९।५८	+२३।२६	+२०।४०	+१२।२८	+ १।०८	-१०।१८	-१९।४०	-२३।२६	-२०।११	-११।०२	- ०।१७
२१	+११।५०	+२०।१०	+२३।२६	+२०।२९	+१२।०८	+ ०।४४	-१०।४०	-१९।५४	-२३।२६	-१९।५८	-१०।४०	+ ०।०७
२२	+१२।१०	+२०।२२	+२३।२६	+२०।१७	+११।४८	+ ०।२१	-११।०१	-२०।०७	-२३।२६	-१९।४५	-१०।१९	+ ०।३०
२३	+१२।३१	+२०।३४	+२३।२६	+२०।०५	+११।२८	- ०।०२	-११।२२	-२०।१९	-२३।२६	-१९।३१	- ९।५७	+ ०।५४
२४	+१२।५०	+२०।४५	+२३।२५	+१९।५३	+११।०८	- ०।२६	-११।४३	-२०।३२	-२३।२५	-१९।१७	- ९।३५	+ १।१८
२५	+१३।१०	+२०।५६	+२३।२३	+१९।४०	+१०।४७	- ०।४९	-१२।०४	-२०।४४	-२३।२४	-१९।०२	- ९।१२	+ १।४१
२६	+१३।३०	+२१।०७	+२३।२२	+१९।२७	+१०।२६	- १।१३	-१२।२५	-२०।५५	-२३।२२	-१८।४७	- ८।५०	+ २।०५
२७	+१३।४९	+२१।१७	+२३।२०	+१९।१४	+१०।०५	- १।३६	-१२।४५	-२१।०७	-२३।२०	-१८।३२	- ८।२८	+ २।२८
२८	+१४।०८	+२१।२७	+२३।१७	+१९।००	+ ९।४४	- १।५९	-१३।०५	-२१।१७	-२३।१७	-१८।१७	- ८।०५	+ २।५२
२९	+१४।२७	+२१।३६	+२३।१४	+१८।४६	+ ९।२३	- २।२३	-१३।२५	-२१।२८	-२३।१४	-१८।०१	. . . .	+ ३।१५
३०	+१४।४५	+२१।४६	+२३।११	+१८।३२	+ ९।०२	- २।४६	-१३।४५	-२१।३८	-२३।१०	-१७।४५	. . . .	. . . .
३१	. . . .	+२१।५४	. . . .	+१८।१७	+ ८।४०	. . . .	-१४।०५	. . . .	-२३।०६	-१७।२८	. . . .	. . . .

उत्तर (धन) दक्षिण (ऋण)

महापात योगाः (स्टै. समय में) संवत् २०६२ (सन २००५-०६)

	महापात स्पर्शः		महापात मोक्षः	
योगाः	तारीख्र	घं. मि.	तारीख्र	घं. मि.
व्यती.	२० अप्रे.	६।४३	२० अप्रे.	११।१४
वैधृति	२ मई	१७।२५	२ मई	२१।३७
व्यती.	१५ मई	२५।११	१६ मई	६।५२
वैधृति	२८ मई	१८।१६	२८ मई	२३।३१
व्यती.	१० जून	२९।२१	११ जून	१२।३७
वैधृति	२४ जून	९।३०	२४ जून	१५।३६
व्यती.	२ जुला.	१९।४७	२ जुला.	२६।५३
वैधृति	१६ जुला.	२६।१०	१७ जुला.	७।३०
व्यती.	२८ जुला.	२५।१६	२९ जुला.	६।३१
वैधृति	११ अग.	२६।२४	१२ अग.	६।५७
व्यती.	२३ अग.	२३।२५	२३ अग.	२७।२२
वैधृति	६ सितं.	१७।४७	६ सितं.	२१।५६
व्यती.	१८ सितं.	२२।५५	१८ सितं.	२६।२१
वैधृति	२ अक्टू.	७।४२	२ अक्टू.	११।५१
व्यती.	१४ अक्टू.	२१।५८	१४ अक्टू.	२५।३४
वैधृति	२७ अक्टू.	२२।२२	२७ अक्टू.	२७।०५
व्यती.	९ नवं.	१८।२३	९ नवं.	२२।४३
वैधृति	२२ नवं.	१६।०१	२२ नवं.	२१।५१
व्यती.	५ दिसं.	२०।४५	५ दिसं.	२६।२२
वैधृति	१८ दिसं.	२५।१६	१९ दिसं.	८।२४
व्यती.	२८ दिसं.	८।००	२८ दिसं.	१४।१०
वैधृति	९ जन.	१५।५६	९ जन.	२२।०७
व्यती.	२३ जन.	१८।४१	२३ जन.	२३।४७
वैधृति	४ फर.	१६।२०	४ फर.	२०।४८
व्यती.	१८ फर.	१२।०३	१८ फर.	१६।३०
वैधृति	२ मार्च	१४।४२	२ मार्च	१८।१४
व्यती.	१५ मार्च	२४।१५	१५ मार्च	२८।२६
वैधृति	२८ मार्च	१५।३०	२८ मार्च	१८।५१

CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

संवत् २०६२ शाकः १९२७ की मास दशा देखने की सारणी

मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
चै.शु. ०५ से शु द. उ. सू द. दि.२० प्र.	बै.शु. ०६ से शु द. उ. सू द. दि.२० प्र.	चै.कृ. १० से रा द. उ. शु द. दि.७० प्र.	फा.शु.१४ से गु द. उ. रा द. दि.४२ प्र.	चै.शु. १५ से गु द. उ. रा द. दि.४२ प्र.	चै.कृ. ०२ से श द. उ. गु द. दि.५८ प्र.	फा.शु.१२ से बु द. उ. श द. दि.३६ प्र.	चै.शु. १२ से बु द. उ. श द. दि.३६ प्र.	फा.शु.१४ से मं द. उ. बु द. दि.५६ प्र.	चै.कृ. ०१ से चं द. उ. मं द. दि.२८ प्र.	चै.शु. १५ से चं द. उ. मं द. दि.२८ प्र.	चै.कृ. ०९ से सू द. उ. चं द. दि.५० प्र.
बै.कृ. १० से सू द. उ. चं द. दि.५० प्र.	ज्ये.कृ.१२ से सू द. उ. चं द. दि.५० प्र.	ज्ये.शु.०७ से शु द. उ. सू द. दि.२० प्र.	बै.कृ. १३ से रा द. उ. शु द. दि.७० प्र.	ज्ये.कृ.३० से रा द. उ. शु द. दि.७० प्र.	ज्ये.कृ.०२ से गु द. उ. रा द. दि.४२ प्र.	बै.कृ. ०३ से श द. उ. गु द. दि.५८ प्र.	ज्ये.कृ.०४ से श द. उ. गु द. दि.५८ प्र.	बै.शु. ११ से बु द. उ. श द. दि.३६ प्र.	चै.शु. १४ से मं द. उ. बु द. दि.५६ प्र.	बै.शु. १३ से मं द. उ. बु द. दि.५६ प्र.	ज्ये.कृ.०१ से चं द. उ. मं द. दि.२८ प्र.
आ.कृ.०१ से चं द. उ. मं द. दि.२८ प्र.	श्रा.कृ.०४ से चं द. उ. मं द. दि.२८ प्र.	आ.कृ. १३ से सू द. उ. चं द. दि.५० प्र.	आ.शु.०९ से शु द. उ. सू द. दि.२० प्र.	श्रा.शु. ११ से शु द. उ. सू द. दि.२० प्र.	आ.शु.०१ से रा द. उ. शु द. दि.७० प्र.	आ.कृ.०४ से गु द. उ. रा द. दि.४२ प्र.	श्रा.कृ.०५ से गु द. उ. रा द. दि.४२ प्र.	आ.कृ.०४ से श द. उ. गु द. दि.५८ प्र.	ज्ये.शु.१२ से बु द. उ. श द. दि.३६ प्र.	आ.शु. ११ से बु द. उ. श द. दि.३६ प्र.	ज्ये.शु.१४ से मं द. उ. बु द. दि.५६ प्र.
आ.शु. १५ से मं द. उ. बु द. दि.५६ प्र.	भा.कृ. ०२ से मं द. उ. बु द. दि.५६ प्र.	भा.कृ. ०५ से चं द. उ. मं द. दि.२८ प्र.	श्रा.कृ.३० से सू द. उ. चं द. दि.५० प्र.	भा.शु. ०२ से सू द. उ. चं द. दि.५० प्र.	भा.शु. १३ से शु द. उ. सू द. दि.२० प्र.	श्रा.शु.०२ से रा द. उ. शु द. दि.७० प्र.	भा.शु. ०३ से रा द. उ. शु द. दि.७० प्र.	भा.कृ. ०४ से गु द. उ. रा द. दि.४२ प्र.	श्रा.कृ.०५ से श द. उ. गु द. दि.५८ प्र.	भा.कृ. ०४ से श द. उ. गु द. दि.५८ प्र.	श्रा.शु. १२ से बु द. उ. श द. दि.३६ प्र.
भा.शु. १३ से बु द. उ. श द. दि.३६ प्र.	आ.शु. १५ से बु द. उ. श द. दि.३६ प्र.	आ.कृ.०४ से मं द. उ. बु द. दि.५६ प्र.	आ.कृ.०८ से चं द. उ. मं द. दि.२८ प्र.	का.कृ.०९ से चं द. उ. मं द. दि.२८ प्र.	आ.शु.०३ से सू द. उ. चं द. दि.५० प्र.	आ.शु. १५ से शु द. उ. सू द. दि.२० प्र.	मा.कृ. ०१ से शु द. उ. सू द. दि.२० प्र.	आ.शु.०२ से रा द. उ. शु द. दि.७० प्र.	आ.कृ.०५ से गु द. उ. रा द. दि.४२ प्र.	का.कृ.०४ से गु द. उ. रा द. दि.४२ प्र.	आ.कृ.०५ से श द. उ. गु द. दि.५८ प्र.
का.कृ.०५ से श द. उ. गु द. दि.५८ प्र.	मा.कृ. ०६ से श द. उ. गु द. दि.५८ प्र.	मा.कृ. ०२ से बु द. उ. श द. दि.३६ प्र.	का.कृ.०६ से मं द. उ. बु द. दि.५६ प्र.	मा.कृ. ०७ से मं द. उ. बु द. दि.५६ प्र.	मा.कृ. १० से चं द. उ. मं द. दि.२८ प्र.	का.शु.०५ से सू द. उ. चं द. दि.५० प्र.	मा.शु. ०५ से सू द. उ. चं द. दि.५० प्र.	मा.शु. १५ से शु द. उ. सू द. दि.२० प्र.	का.शु.०३ से रा द. उ. शु द. दि.७० प्र.	मा.शु. ०२ से रा द. उ. शु द. दि.७० प्र.	मा.कृ. ०४ से गु द. उ. रा द. दि.४२ प्र.
पौ.कृ. ०५ से गु द. उ. रा द. दि.४२ प्र.	मा.कृ. ०६ से गु द. उ. रा द. दि.४२ प्र.	पौ.कृ. ०७ से श द. उ. गु द. दि.५८ प्र.	पौ.कृ. ०४ से बु द. उ. श द. दि.३६ प्र.	मा.कृ. ०५ से बु द. उ. श द. दि.३६ प्र.	पौ.कृ. ०८ से मं द. उ. बु द. दि.५६ प्र.	पौ.कृ. ११ से चं द. उ. मं द. दि.२८ प्र.	मा.कृ. ११ से चं द. उ. मं द. दि.२८ प्र.	पौ.शु. ०५ से सू द. उ. चं द. दि.५० प्र.	पौ.शु. १५ से शु द. उ. सू द. दि.२० प्र.	मा.शु. १४ से शु द. उ. सू द. दि.२० प्र.	पौ.शु. ०३ से रा द. उ. शु द. दि.७० प्र.
मा.शु. ०३ से रा द. उ. शु द. दि.७० प्र.	फा.शु.०५ से रा द. उ. शु द. दि.७० प्र.	फा.कृ.०७ से गु द. उ. रा द. दि.४२ प्र.	मा.कृ. ०९ से श द. उ. गु द. दि.५८ प्र.	फा.कृ.११ से श द. उ. गु द. दि.५८ प्र.	फा.कृ.०६ से बु द. उ. श द. दि.३६ प्र.	मा.कृ. ०९ से मं द. उ. बु द. दि.५६ प्र.	फा.कृ.१० से मं द. उ. बु द. दि.५६ प्र.	फा.कृ.११ से चं द. उ. मं द. दि.२८ प्र.	मा.शु. ०६ से सू द. उ. चं द. दि.५० प्र.	फा.शु.०५ से सू द. उ. चं द. दि.५० प्र.	फा.शु.१५ से शु द. उ. सू द. दि.२० प्र.

संवत् २०६२, आश्विन कृष्णपक्ष में श्राद्धतिथि निर्णय, सन २००५

पूर्णिमा (पूनम) का श्राद्ध	शनिवार	१७ सितंबर दिन १०।५१ बजे के बाद (भाद्रपद शुक्लपक्ष)
प्रतिपदा (एकम) "	रविवार	१८ सितंबर प्रातः ७।३४ बजे के बाद
द्वितीया (दूज) "	सोमवार	१९ सितंबर
तृतीया (तीज) "	मंगलवार	२० सितंबर
चतुर्थी (चोथ) "	बुधवार	२१ सितंबर
पंचमी (पांच) "	गुरुवार	२२ सितंबर
षष्ठी (छठ) "	शुक्रवार	२३ सितंबर
सप्तमी (सातं) का श्राद्ध	शनिवार	२४ सितंबर
अष्ठमी (आठं) "	रविवार	२५ सितंबर
नवमी (नौमी) "	सोमवार	२६ सितंबर
दशमी (दस) "	मंगलवार	२७ सितंबर
एकादशी "	बुधवार	२८ सितंबर
द्वादशी (बारस) "	गुरुवार	२९ सितंबर प्रातः ८।१३ बजे के बाद
त्रयोदशी (तेरस) "	शुक्रवार	३० सितंबर दिन १०।३७ बजे के बाद
चतुर्दशी (चौदस) "	रविवार	२ अक्टूबर मध्यान्ह २।३३ बजे के पहले
अमावस्या (मावस) "	सोमवार	३ अक्टूबर

CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

९ अप्रेल से २४ अप्रेल तक, श्री चैत्र शुक्लपक्ष संवत् २०६२, शाकः १९२७, वि.मा.सू. सू. तारीख स्टै. प्रातः दैनिक केतकी अहर्गणः ४७५२ वसंतर्तू रविरुत्तरे, अप्रेल २००५

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति	यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।
नवरा.	१	श	४६	५८	२५	०३	रेव	१०	४५	१०	३४	वै	२९	१०	१७	५६	किं	१८	०८	१३	३१	३१/३१	६/१६	६/४८	१९	२९	९	मेषे	१०।३४	११।२५।१७।५७	५८।५२	नवरात्रारम्भः, घटस्था., ध्वजारो., आरोग्य १, विद्या १, कल्पादि C
सिंधारा	२	र	४५	४२	२४	३२	अश्वि	१०	२२	१०	२४	वि	२५	०३	१६	१६	बा	१६	१०	१२	४३	२५	१५	४९	२०	३०	१०	मेषे	·	११।२६।१६।५०	५८।५०	चंद्रदर्शनम्(मु.१५), श्रृंगार(सिंधारा) देशाचारे, मेषे अश्वि. शुक्रः २७।४९
गणगोर	३	सो	४५	५८	२४	३७	भर	११	२४	१०	४७	प्री	२२	०५	१५	०४	तै	१५	४०	१२	३०	२९	१४	४९	२१	१	११	वृषे	१६।५९	११।२७।१५।४०	५८।४८	गणगौरी पूजा, मनोरथ तृतीयाव्र.,अरुन्धती व्रतंपूजनञ्च, मन्वादि, A
गद	४	मं	४७	५०	२५	२१	कृति	१३	५६	११	४७	आ	२०	२२	१४	२१	व	१६	४३	१२	५४	३३	१३	५०	२२	२	१२	वृषे		११।२८।१४।२७	५८।४५	भ. १२।५४ उ. २५।२१ या.,मार्गी बुधः २२।०७
शुभ	५	बु	५१	१६	२६	४२	रोहि	१८	०३	१३	२५	सौ	१९	५४	१४	०९	ब	१९	२४	१३	५७	३७	११	५०	२३	३	१३	मिथु.	२६।२७	११।२९।१३।१३	५८।४३	कल्पादि, डोलोत्सवः, मेषे अश्वि. रविः २३।३१ (सौरः २५।१८), G
मृत्यु	६	गु	५६	०४	२८	३६	मृग	२३	३६	१५	३७	शो	२०	३५	१४	२४	कौ	२३	३३	१५	३५	४१	१०	५१	२४	४	१४	मिथु.		०।००।११।५६	५८।४१	स्कन्द षष्ठी व्र. [C पंचक समाप्तिः १०।३४,
पद्म	७	शु	...	...	...	..	आर्द्रा	३०	१८	१८	१७	अ	२२	११	१५	०२	ग	२८	५५	१७	४३	४५	०९	५१	२५	५	१५	मिथु.		०।०१।१०।३७	५८।३९	[A मत्स्योत्पत्तिः, सौभाग्य शयन व्र., शिवशक्ति पू., रविलावल ३
छत्र	७	श	१	५५	६	५४	पुन	३७	४१	२१	१३	सु	२४	२३	१५	५४	व	१	५५	६	५४	४९	०८	५२	२६	६	१६	कर्के	१४।२८	०।०२।१०।१६	५८।३६	भ. ६।५४ उ. २०।०८ या., भवान्युत्पत्तिः, अशोककलिका प्राशनं
श्रीवत्स	८	र	८	०७	९	२२	पुष्य	४५	०८	२४	११	धृ	२६	४५	१६	४९	ब	८	०७	९	२२	५२	०७	५२	२७	७	१७	कर्के		०।०३।०७।५२	५८।३४	[B चित्रात्रदानं भक्षणञ्च, अश्वमेधयज्ञफलं
रामनव.	९	सो	१४	०५	११	४५	श्ले	५२	०३	२६	५६	शू	२८	४८	१७	३८	कौ	१४	०५	११	४५	५६	०६	५३	२८	८	१८	सिंहे	२६।५६	०।०४।०६।२६	५८।३२	श्री रामनवमी [G धनि. भौमः १८।३२
काल	१०	मं	१९	१७	१३	४८	मघा	५७	५७	२९	१६	गं	३०	१२	१८	१०	ग	१९	१७	१३	४८	३२/००	०५	५३	२९	९	१९	सिंहे		०।०५।०४।५८	५८।३०	भ. २६।३९ उ., सायन वृषे भानुः २८।५३
ए.व्र.	११	बु	२३	१३	१५	२२	पूफा	...	...	..	..	वृ	३०	३५	१८	१८	वि	२३	१३	१५	२२	०४	०४	५४	३०	१०	२०	सिंहे		०।०६।०३।२८	५८।२८	भ. १५।२२ या., कामदा ११ व्र. , लक्ष्मीकान्त दोलोत्सवः
प्र.व्र.	१२	गु	२५	४२	१६	२०	पूफा	२	३२	७	०४	धु	२९	५०	१८	००	बा	२५	४२	१६	२०	०८	०३	५५	९	११	२९	कन्या	१३।२६	०।०७।०९।५६	५८।२५	प्रदोषः, हरि दमनोत्सवः, भा. बैशाख्यारंभः, भर. शुक्रः २२।२२
शुभ	१३	शु	२६	३६	१६	४१	उफा	५	३५	८	१७	व्या	२७	५२	१७	११	तै	२६	३६	१६	४१	१२	०३	५५	२	१२	२२	कन्या		०।०८।००।२१	५८।२३	जैन महावीर जयंती, शिव पूजन विशेषः, कुंभे भौमः २२।५४
मृत्यु	१४	श	२६	००	१६	२५	हस्त	७	०८	८	५३	ह	२४	४४	१५	५५	व	२६	००	१६	२५	१५	०२	५६	३	१३	२३	तुला.	२०।५८	०।०८।५८।४४	५८।२१	भ. १६।२५ उ. २८।०५ या.
पूर्णिमा	१५	र	२३	५९	१५	३६	चित्रा	७	१७	८	५५	व	२०	२८	१४	१२	ब	२३	५९	१५	३६	१९	०१	५६	४	१४	२४	तुला.		०।०९।५७।०६	५८।१९	मन्वादि, श्री हनुमज्जयंती, पूर्णिमा व्रतंपुण्यञ्च, बैशाख स्नानारंभः, B

अयनांशाः २३।५४।४४

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

संक्रांति फलम्

अयनांशाः २३।५४।४५

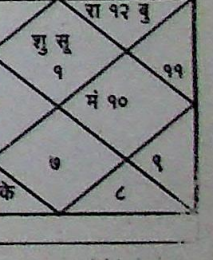
पं. १ चै.शु. ६ गु. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
०	९	११	५	०	२	११	५
००	२३	०७	१८	०३	२७	२८	२८
१६	४१	५८	४०	५०	०६	५५	५५
१९	०७	०७	४८	१८	३१	२८	२८
५८	४३	११	७	७४	२	३	३
४६	३४	५८	२५	१८	३१	११	११
अ	घ	उभा	ह	अ	पुन	रे	चि
१	१	२	३व	२	३	४	२



ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	अप्रे.	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	सायं	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ
११।२५।२५।०७	१ श	९	६।२९	८।०५	१०।०१	१२।१६	२।३६	४।५३	७।०९	९।२८	११।४७	१।५१	३।३५	५।०३
११।२६।२३।५९	२ र	१०	६।२५	८।०१	९।५८	१२।१२	२।३२	४।४९	७।०५	९।२४	११।४३	१।४७	३।३१	४।५९
११।२७।२२।४९	३ चं	११	६।२१	७।५८	९।५४	१२।०८	२।२८	४।४५	७।०१	९।२०	११।३९	१।४३	३।२७	४।५५
११।२८।२१।३७	४ मं	१२	६।१८	७।५४	९।५०	१२।०४	२।२४	४।४१	६।५७	९।१६	११।३५	१।४०	३।२३	४।५२
११।२९।२०।२२	५ बु	१३	६।१४	७।५०	९।४६	१२।००	२।२०	४।३७	६।५३	९।१२	११।३१	१।३६	३।१९	४।४८
००।००।१९।०५	६ गु	१४	६।१०	७।४६	९।४२	११।५६	२।१७	४।३३	६।४९	९।०८	११।२७	१।३२	३।१५	४।४४
००।०१।१७।४५	७ शु	१५	६।०६	७।४२	९।३८	११।५३	२।१३	४।२९	६।४५	९।०४	११।२३	१।२८	३।११	४।४०
००।०२।१६।२४	७ श	१६	६।०२	७।३८	९।३४	११।४९	२।०९	४।२६	६।४१	९।००	११।१९	१।२४	३।०७	४।३६
००।०३।१५।००	८ र	१७	५।५८	७।३४	९।३०	११।४५	२।०५	४।२२	६।३७	८।५७	११।१५	१।२०	३।०३	४।३२
००।०४।१३।३४	९ चं	१८	५।५४	७।३०	९।२६	११।४१	२।०१	४।१८	६।३३	८।५३	११।११	१।१६	२।५९	४।२८
००।०५।१२।०६	१० मं	१९	५।५०	७।२६	९।२२	११।३७	१।५७	४।१४	६।३०	८।४९	११।०७	१।१२	२।५५	४।२४
००।०६।१०।३५	११ बु	२०	५।४६	७।२२	९।१८	११।३३	१।५३	४।१०	६।२६	८।४५	११।०३	१।०८	२।५१	४।२०
००।०७।०९।०२	१२ गु	२१	५।४२	७।१८	९।१४	११।२९	१।४९	४।०६	६।२२	८।४१	१०।५९	१।०४	२।४७	४।१६
००।०८।०७।२८	१३ शु	२२	५।३८	७।१४	९।१०	११।२५	१।४५	४।०२	६।१८	८।३७	१०।५५	१।००	२।४४	४।१२
००।०९।०५।५०	१४ श	२३	५।३४	७।१०	९।०६	११।२१	१।४१	३।५८	६।१४	८।३३	१०।५१	१२।५६	२।४०	४।०८
००।१०।०४।११	१५ र	२४	५।३०	७।०६	९।०२	११।१७	१।३७	३।५४	६।१०	८।२९	१०।४८	१२।५२	२।३६	४।०४

ता. १३ अप्रेल २००५
चैत्र शु. ५ बुधे मेषेऽर्कः प्र. (स्टै.)
टा. २३।३१ वारात् ३ नक्षत्रात् ४
वारनाम मंदाकिनी नृपतीन् सुस्ददा
नक्षत्रनाम मंदाकिनी नृपतीन् सुस्ददा
मध्यरात्रि २ प्रहर व्यापिनी राक्षसान्
हन्ति, उत्तरे गमनं, ऐशान्यां दृष्टिः
बालवकरणे प्रविष्टा मध्यमफलं
व्याघ्रवाहनं अश्वोपवाहनं भीतिकारक
पीतधस्रं गदायुधं रौप्यपात्रं
पायसभक्षणं कुंकुमलेपनं भूतजातिः
जातिपुष्पं कंकणभूषणं पर्णकंचुकी
कुमारिकावस्था (बैठी) मु. ३०
धान्यभावे सम वत्स पश्चिमा. राहु
दक्षिणे मूलं पाताले विवाहस्तंभो
नैऋत्यां शुक्रास्तः पूर्वस्याम् ।
पुण्यकालः (स्टै.) १७।३१ से २९।३१
तक । (दान- मेष) ।

पं. २ चै.शु.१२ गु. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
०	९	११	५	०	२	११	५
०७	२८	१०	१७	१२	२७	२८	२८
०६	४५	५४	५०	२९	२६	३३	३३
४१	५३	३९	२१	३५	१२	१३	१३
५८	४३	४९	६	७४	३	३	३
३२	३४	०४	५४	१०	१३	११	११
अ	घ	उभा	ह	अ	पुन	रे	चि
३	२	३	३व	४	३	४	२



CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

॥ श्रीवल्लभ मनीराम पञ्चाङ्गम् ॥

२५ अप्रेल से ८ मई तक, श्री वैशाख कृष्णपक्ष संवत् २०६२, शाकः १९२७, दि.मा.सू. सू. तारीख स्टै. प्रातः दैनिक ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे चैत्रकृष्णेति गुर्जराः, अप्रेल-मई २००५

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
छत्र	१	सो	२०	४४	९४	१७	स्वा	६	०९	८	२७	सि	९५	१३	९२	०५	कौ	२०	४४	९४	१७	३२/३३	६/००	६/५७	५	९५	२५	वृश्चि. २५।४९	०।९०।५५।२४	५८।९७
श्रीवत्स	२	मं	१६	२८	९२	३४	विशा	३	५७	७	३४	व्य	९	०७	९	३८	ग	१६	२८	९२	३४	२६	५/५	५७	६	१६	२६	वृश्चि.	०।९९।५३।४९	५८।९५
च.व्र.	३	बु	९९	२३	९०	३९	अनु	०/५७	५५/५९	६/२८	२०/५२	व	२/५५	२२/०४	६/२८	५५/००	वि	९९	२३	९०	३९	३०	५८	५८	७	१७	२७	धनु. २८।५२	०।९२।५९।५६	५८।९३
धूम्र	४	गु	५	४५	८	९५	मूल	५३	९४	२७	९५	शि	४७	३२	२४	५८	बा	५	४५	८	९५	३४	५७	५८	८	९८	२८	धनु.	०।९३।५०।०८	५८।९०
क्षयः	५	गु	५९	४७	२९	५२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
प्रवर्धमा	६	शु	५३	४५	२७	२६	पूषा	४९	०८	२५	३६	सि	३९	५३	२९	५३	ग	२६	४७	९६	३९	३७	५६	५९	९	१९	२९	धनु.	०।९४।४८।९९	५८।०८
राक्षस	७	श	४७	५१	२५	०४	उषा	४५	०८	२३	५९	सा	३२	९८	९८	५०	वि	२०	४७	९४	९४	४१	५५	७/००	९०	२०	३०	मक. ७।९१	०।९५।४६।२७	५८।०६
गद	८	र	४२	९४	२२	४८	श्रव	४१	२६	२२	२९	शु	२४	५४	९५	५२	बा	९५	००	९९	५४	४४	५५	००	९९	२१	१	मक.	०।९६।४४।३४	५८।०४
शुभ	९	सो	३७	०४	२०	४४	धनि	३८	९९	२१	९०	शु	९७	५१	९३	०२	तै	९	३६	९	४४	४८	५४	०१	९२	२२	२	कुंभे ९।४८	०।९७।४२।३८	५८।०२
मृत्यु	९०	मं	३२	२१	९८	५३	शत	३५	३०	२०	०५	ब्र	९९	९५	९०	२३	व	४	४३	७	४६	५१	५३	०१	९३	२३	३	कुंभे	०।९८।४०।४०	५८।००
ए.व्र.	९१	बु	२८	३४	९७	९८	पूभा	३३	२९	९९	९६	ऐ	५/५९	५०/३८	७/२९	५६/४३	ब	०	२७	६	०३	५४	५२	०२	९४	२४	४	मीने ९३।२७	०।९९।३८।४१	५७।५८
प्र.व्र.	९२	गु	२५	२५	९६	०९	उभा	३२	९५	९८	४५	वि	५४	४७	२७	४६	तै	२५	२५	९६	०९	५८	५९	०२	९५	२५	५	मीने	०।२०।३६।३९	५७।५६
श्रीवत्स	९३	शु	२३	०६	९५	०५	रेव	३९	५०	९८	३५	प्री	५०	३७	२६	०६	व	२३	०६	९५	०५	३३/००	५९	०३	९६	२६	६	मेषे ९८।३५	०।२९।३४।३६	५७।५४
सौम्य	९४	श	२९	४०	९४	३०	अश्वि	३२	२०	९८	४६	आ	४७	९५	२४	४४	श	२९	४०	९४	३०	०४	५०	०४	९७	२७	७	मेषे	०।२२।३२।३०	५७।५३
अमाव.	३०	र	२९	९७	९४	२०	भर	३३	५९	९९	२२	सौ	४४	४२	२३	४२	ना	२९	९७	९४	२०	०७	४९	०४	९८	२८	८	वृषे २५।३५	०।२३।३०।२३	५७।५९

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।

[B अगस्त्यास्तः ९७।१२

भ. २३।३४ उ., शुक्रोदयः पश्चिमायाम् १४।४०]

शुक्रोदयः पश्चिमायाम्

भ. १०।३१ या., चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः २२।२६, A

अनुसूया जयंती

[A भर. रविः १५।२१ (सौरः ९७।३२), रेव. बुधः २६।०९, B

भ. २७।२६ उ.,उषा. रे. ६ SSIISIIIIS रात्रौ ल. १० D

भ. १४।१४ या.उषा. रे. ७ SSIISIIIII रात्रौ ल. अ.गो. ८

बूढो बास्योड़ो, मई ५ ता. ३१, शत. भौमः २७।२९

पंचक प्रारम्भः ९।४८, (व) हस्ते-२ गुरुः ७।२३, कृत्ति. E

भ. ७।४६ उ. १८।५३ या. [E शुक्रः ९७।३८

वरुथिनि ११ व्र. [D (स्टै.२५।३६ उ.)

प्रदोषः, वृषे शुक्रः १०।३३

भ. १५।०५ उ. २६।४५ या., पंचक समाप्तिः १८।३५, C

टैगोर जयन्ती [C मासिकशिवरात्री व्र.

देवपितृकार्येऽमा., मेषे अश्वि. बुधः १८।२२

अयनांशाः २३।५४।४६

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	अप्रे.	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	सायं	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ
००।९९।०२।३०	१ चं	२५	५।२६	७।०२	८।५८	९९।९३	९।३३	३।५०	६।०६	८।२५	९०।४४	९२।४८	२।३२	४।००
००।९२।००।४६	२ मं	२६	५।२२	६।५८	८।५४	९९।०९	९।२९	३।४६	६।०२	८।२९	९०।४०	९२।४४	२।२८	३।५६
००।९२।५९।०९	३ बु	२७	५।१८	६।५४	८।५१	९९।०५	९।२५	३।४२	५।५८	८।१७	९०।३६	९२।४०	२।२४	३।५२
००।९३।५७।९३	४ गु	२८	५।१४	६।५१	८।४७	९९।०१	९।२१	३।३८	५।५४	८।१३	९०।३२	९२।३६	२।२०	३।४८
००।९४।५५।२३	५ शु	२९	५।१९	६।४७	८।४३	९०।५७	९।१७	३।३४	५।५०	८।०९	९०।२८	९२।३३	२।१६	३।४५
००।९५।५३।३९	६ श	३०	५।०७	६।४३	८।३९	९०।५३	९।१४	३।३०	५।४६	८।०५	९०।२४	९२।२९	२।१२	३।४१
००।९६।५१।३७	७ र	१	५।०३	६।३९	८।३५	९०।४९	९।१०	३।२६	५।४२	८।०१	९०।२०	९२।२५	२।०८	३।३७
००।९७।४९।४२	८ चं	२	४।५९	६।३५	८।३१	९०।४६	९।०६	३।२२	५।३८	७।५७	९०।१६	९२।२१	२।०४	३।३३
००।९८।४७।४४	९ मं	३	४।५५	६।३१	८।२७	९०।४२	९।०२	३।१९	५।३४	७।५३	९०।१२	९२।१७	२।००	३।२९
००।९९।४५।४४	१० बु	४	४।५१	६।२७	८।२३	९०।३८	९२।५८	३।१५	५।३०	७।५०	९०।०८	९२।१३	१।५६	३।२५
००।२०।४३।४२	११ गु	५	४।४७	६।२३	८।१९	९०।३४	९२।५४	३।११	५।२६	७।४६	९०।०४	९२।०९	१।५२	३।२१
००।२१।४१।३८	१२ शु	६	४।४३	६।१९	८।१५	९०।३०	९२।५०	३।०७	५।२३	७।४२	९०।००	९२।०५	१।४८	३।१७
००।२२।३९।३२	१३ श	७	४।३९	६।१५	८।११	९०।२६	९२।४६	३।०३	५।१९	७।३८	९।५६	९२।०१	१।४४	३।१३
००।२३।३७।२४	१४ र	८	४।३५	६।११	८।०७	९०।२२	९२।४२	२।५९	५।१५	७।३४	९।५२	९१।५७	१।४०	३।०९

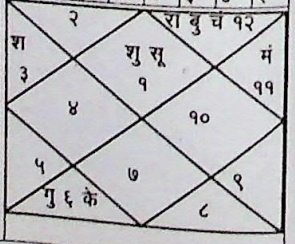
मास फलम्

इस माह में पांच सोमवार होने से धान्य सस्ता हो। अमावस को रविवार और भरणी होने से सन्ताप, अर्थनाश, क्लेश और राजदुःख की पीड़ा हो। इस माह के शुक्लपक्ष का फल नेष्ट है। शुक्ला ३ को मृगशिरा होने से दुर्भिक्ष होता हो। शुक्ला पंचमी को शुक्रवार होने से कलह हो। शुक्ला नौमी को मघा होने से पृथ्वी पर बहुत कष्ट हो। पूर्णिमा विशाखा युक्त होने से दुर्भिक्ष हो। शनिवार की सक्रांति होने से सभी तरह की वस्तुओं का क्षय हो प्रजा में दुर्भिक्ष हो, धान्यादि भाव तेज हो और रोगों की अधिकता हो।

अयनांशाः २३।५४।४८

पं. ३ बै.कृ. ४ गु. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
०	१०	११	५	०	२	११	५
२०	०८	२५	१६	२९	२८	२७	२७
४२	५४	०३	२३	४५	१९	४८	४८
५१	३८	५५	५०	३४	३०	४४	४४
५८	४३	८०	५	७३	४	३	३
०७	२५	५७	१४	५५	२८	११	११
म	श	र	ह	कृ	पुन	रे	चि
३	१	३	२व	१	३	४	२



पं. ३ बै.कृ. ४ गु. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
०	१०	११	५	०	२	११	५
१३	०३	१६	१७	२१	२७	२८	२८
५५	५०	४९	०४	०८	५०	९०	९०
२९	२९	२९	१३	००	३८	५९	५९
५८	४३	६२	६	७४	३	३	३
१९	३१	४०	०९	०२	५२	११	११
म	ध	रे	ह	म	पुन	रे	चि
९	४	१	३व	३	३	४	२



CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

९ मई से २३ मई तक, श्री वैशाख शुक्लपक्ष संवत् २०६२, शाकः १९२७, दि.मा.सू. सू. तारीख्य स्टै. प्रातः दैनिक केतकी अहर्गणः ४७८२ ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे, मई २००५

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
सुस्थिर	१	सो	२२	००	१४	३७	कृति	३६	२८	२०	२४	शो	४३	०४	२३	०२	व	२२	००	१४	३७	३३/११	५/४९	७/०५	१९	२९	९	वृषे	०।२४।२८।१३	५७।४९
मातङ्ग	२	मं	२३	५५	१५	२२	रोहि	४०	१७	२१	५५	अ	४२	२३	२२	४५	कौ	२३	५५	१५	२२	१४	४८	०५	२०	१	१०	वृषे	०।२५।२६।०२	५७।४७
अक्षया	३	बु	२७	०५	१६	३७	मृग	४५	१९	२३	५५	सु	४२	४१	२२	५२	ग	२७	०५	१६	३७	१७	४७	०६	२१	२	११	मिथु.	१०।५१	०।२६।२३।४९	५७।४५
काण	४	गु	३१	२८	१८	२२	आर्द्रा	५१	२८	२६	२२	धृ	४३	५३	२३	२०	वि	३१	२८	१८	२२	२०	४७	०७	२२	३	१२	मिथु.		०।२७।२१।३४	५७।४३
लुम्बक	५	शु	३६	५१	२०	३०	पुन	५८	३१	२९	१०	शू	४५	४९	२४	०६	ब	४	०३	७	२३	२३	४६	०७	२३	४	१३	कर्के	२२।२७	०।२८।१९।१८	५७।४२
मित्र	६	श	४२	५३	२२	५५	पुष्य	...	...	..	...	गं	४८	१२	२५	०२	कौ	९	५०	९	४२	२६	४५	०८	२४	५	१४	कर्के		०।२९।१६।५९	५७।४०
श्रीवत्स	७	र	४८	५९	२५	२१	पुष्य	६	०२	८	१०	वृ	५०	३६	२५	५९	ग	१५	५९	१२	०९	२८	४५	०८	२५	६	१५	कर्के		१।००।१४।३२	५७।३८
सौम्य	८	सो	५४	३५	२७	३४	श्लेषा	१३	२५	११	०६	धु	५२	३६	२६	४७	वि	२९	५४	१४	३०	३१	४४	०९	२६	७	१६	सिंहे	११।०६	१।०१।१२।१७	५७।३६
काल	९	मं	५९	०४	२९	२२	मघा	२०	०४	१३	४५	व्या	५३	४६	२७	१४	बा	२७	०१	१६	३२	३४	४४	०९	२७	८	१७	सिंहे		१।०२।०९।५४	५७।३५
सुस्थिर	१०	बु	...	...	..	..	पूफा	२५	२९	१५	५५	ह	५३	४८	२७	१५	तै	३०	४७	१८	०२	३७	४३	१०	२८	९	१८	कन्या	२२।२२	१।०३।०७।२९	५७।३३
मातङ्ग	१०	गु	२	०४	६	३२	उफा	२९	१८	१७	२६	व	५२	२७	२६	४१	ग	२	०४	६	३२	३९	४३	११	२९	१०	१९	कन्या		१।०४।०५।०२	५७।३२
ए.व्र.	११	शु	३	१४	७	००	हस्त	३१	२०	१८	१४	सि	४९	३९	२५	३४	वि	३	१४	७	००	४२	४२	११	३०	११	२०	कन्या		१।०५।०२।३४	५७।३०
प्र.व्र.	१२	श	२	३२	६	४३	चित्रा	३१	३२	१८	१९	व्य	४५	२२	२३	५१	बा	२	३२	६	४३	४४	४२	१२	३१	१२	२१	तुला.	६।२२	१।०६।००।०४	५७।२८
लुम्बक	१३	र	०	०२	५	४२	स्वा	३०	०१	१७	४२	व्र	३९	४४	२१	३५	तै	०	०२	५	४२	४७	४१	१२	१	१३	२२	तुला.		१।०६।५७।३२	५७।२७
क्षयः	१४	र	५५	५२	२८	०२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
पूर्णिमा	१५	सो	५०	२०	२५	४९	विशा	२७	०१	१६	२९	प	३२	५४	१८	५१	वि	२३	१५	१४	५९	४९	४१	१३	२	१४	२३	वृश्चि.	१०।५०	१।०७।५४।५९	५७।२५

मं. ११ ११ ११

Digitized by Sarayu Trust. Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

२४ मई से ६ जून तक, श्री ज्येष्ठ कृष्णपक्ष संवत् २०६२, शाकः १९२७, दि.मा.सू. सू. तारीख्स स्टै. प्रातः दैनिक ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे वैशाख्यकृष्णेति गुर्जराः, मई-जून २००५

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
वज्र	१	मं	४३	४४	२३	९०	अनु	२२	४७	१४	४७	शि	२५	०७	९५	४४	बा	१७	०९	१२	३२	३३ ५२	५ ४५	७ ९३	३	१५	२४	वृश्चि.	१।०८।५२।२४	५७।२४
ध्याङ्क्ष	२	बु	३६	२५	२०	९४	ज्ये	१७	४२	१२	४५	सि	१६	३८	१२	१९	तै	१०	०९	९	४४	५४	४०	९४	४	१६	२५	धनु.	१।०९।४९।४८	५७।२३
च.व्र.	३	गु	२८	४५	१७	९०	मूल	१२	०८	१०	३१	सा	७ ५८	४४ ४४	८ २९	४५ ९०	व	२	३७	६	४३	५६	४०	९४	५	१७	२६	धनु.	१।१०।४७।११	५७।२१
प्रवर्धमा	४	शु	२९	०७	१४	०७	पूषा	६	२८	८	१५	शु	४९	५६	२५	३८	बा	२१	०७	१४	०७	५८	४०	९५	६	१८	२७	मक.	१।११।४४।३२	५७।२०
चर	५	श	१३	५१	११	१२	उषा	५ ५६	०६ १२	६ २८	०६ ५१	ब्र	४१	३५	२२	१७	तै	१३	५१	११	१२	३४ ००ं	३९	९५	७	१९	२८	मक.	१।१२।४१।५२	५७।१९
मातङ्ग	६	र	७	१५	८	३३	धनि	५२	२३	२६	३६	ऐ	३३	५२	१९	१२	व	७	१५	८	३३	०२	३९	१६	८	२०	२९	कुंभे	१५।२१	१।१३।३९।११	५७।१७
अमृत	७	सो	१	३२	६	१६	शत	४९	२९	२५	२७	वै	२६	५९	१६	२७	ब	१	३२	६	१६	०४	३९	१७	९	२१	३०	कुंभे		१।१४।३६।२८	५७।१६
क्षयः	८	सो	५६	५१	२८	२३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
काण	९	मं	५३	१९	२६	५८	पूभा	४७	४३	२४	४४	वि	२०	५९	१४	०२	तै	२४	५६	१५	३७	०६	३९	१७	१०	२२	३१	मीने	१८।५२	१।१५।३३।४४	५७।१५
लुम्बक	१०	बु	५०	५६	२६	०१	उभा	४७	०४	२४	२८	प्री	१५	५६	१२	०१	व	२१	५९	१४	२६	०८	३८	१७	११	२३	१	मीने		१।१६।३०।५८	५७।१४
ए.व्र.	११	गु	४९	३९	२५	३०	रेव	४७	३३	२४	३९	आ	११	४७	१०	२१	ब	२०	०९	१३	४२	०९	३८	१८	१२	२४	२	मेषे	२४।३९	१।१७।२८।१२	५७।१२
वज्र	१२	शु	४९	२५	२५	२४	अश्वि	४९	०३	२५	१५	सौ	८	३१	९	०३	कौ	१९	२५	१३	२४	११	३८	१८	१३	२५	३	मेषे		१।१८।२५।२४	५७।११
प्र.व्र.	१३	श	५०	१३	२५	४३	भर	५१	३२	२६	१५	शो	६	०६	८	०४	ग	१९	४२	१३	३१	१२	३८	१९	१४	२६	४	मेषे		१।१९।२२।३५	५७।१०
ध्रुम्र	१४	र	५१	५५	२६	२४	कृति	५४	५६	२७	३६	अ	४	२५	७	२४	वि	२०	५७	१४	०१	१४	३८	१९	१५	२७	५	वृषे	८।३३	१।२०।१९।४६	५७।०९
अमाव.	३०	सो	५४	३३	२७	२७	रोहि	५९	१४	२९	१९	सु	३	२९	७	०१	च	२३	०७	१४	५३	१५	३८	२०	१६	२८	६	वृषे		१।२१।१६।५५	५७।०८

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।
मृगे शुक्रः १०।०५, कर्के पुन.-४ शनिः १५।४५ [C वृषे बुधः १७।४०
नारद जयंती, वीणादानं, रोहि. रविः ५।४८ (सौरः ९।५६), C
भ. ६।४३ उ. १७।१० या., चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः २२।२३, रेव.-३ D
उषा. रे. ६ ।।।ऽशुऽ।।ऽऽ।ऽ द. दिवा ल. ३ (चं. ७ पू.)
[D राहुः २०।४१, चित्रा.-१ केतुः २०।४१
भ. ८।३३ उ. १९।२१ या., पंचक प्रारम्भः १५।२१, B
रोहि. बुधः ११।५८ [B मिथुने शुक्रः २०।३५
[A सोमवती अमा., भाऊका ३०, वट सावित्री व्र. (मरु.)
उभा. रे. ८ ।।।ऽगु।।।ऽ।। रात्रौ ११ (षष्ठे लग्नेशदोषस्तेनत्याज्यः)
भ. १४।२६ उ. २६।०१ या., उभा. रे. ८ ।।।ऽगु।।।ऽ।। दिवा F
पंचक समाप्तिः २४।३९, अपरा ११ व्र.
मीने भौमः १६।१६ [F ल. ३। ६, जून ६ ता. ३०
भ. २५।४३ उ., प्रदोषः, आर्द्रा. शुक्रः ७।१४ [E मार्गी गुरुः २२।५४
भ. १४।०१ या., मासिकशिवरात्री व्र., मृगे बुधः १३।५०, E
शनैश्चर जयन्ती, देवपितृकार्येऽमा., वटपूजनम् मरुस्थले, A

अयनांशाः २३।५४।५१

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

पं. ७ ज्ये.कृ. ३ गु. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
९	१०	९	५	९	३	११	५
१०	२४	०१	१५	२५	००	२६	२६
५७	००	०१	०७	३३	०९	४१	४१
१९	३४	०४	३०	३८	२०	५९	५९
५७	४२	१२३	९	७३	५	३	३
३६	४६	५४	४५	३४	५९	११	११
रो	पूभा	कृ	ह	मृ	पुन	रे	चि
१	२	२	२व	१	४	४	२



ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	मई	रात्री	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	सायं	रात्री	रात्री	रात्री	रात्री
०१।०८।५९।२२	१ मं	२४	३।३२	५।०८	७।०४	९।१९	११।३९	१।५६	४।१२	६।३१	८।४९	१०।५४	१२।३७	२।०६
०१।०९।५६।४६	२ बु	२५	३।२८	५।०४	७।००	९।१५	११।३५	१।५२	४।०८	६।२७	८।४५	१०।५०	१२।३३	२।०२
०१।१०।५४।०८	३ गु	२६	३।२४	५।००	६।५६	९।११	११।३१	१।४८	४।०४	६।२३	८।४१	१०।४६	१२।३०	१।५८
०१।११।५१।२९	४ शु	२७	३।२०	४।५६	६।५२	९।०७	११।२७	१।४४	४।००	६।१९	८।३८	१०।४२	१२।२६	१।५४
०१।१२।४८।४९	५ श	२८	३।१६	४।५२	६।४८	९।०३	११।२३	१।४०	३।५६	६।१५	८।३४	१०।३८	१२।२२	१।५०
०१।१३।४६।०७	६ र	२९	३।१२	४।४८	६।४४	८।५९	११।१९	१।३६	३।५२	६।११	८।३०	१०।३४	१२।१८	१।४६
०१।१४।४३।२४	७ चं	३०	३।०८	४।४४	६।४१	८।५५	११।१५	१।३२	३।४८	६।०७	८।२६	१०।३०	१२।१४	१।४२
०१।१५।४०।४०	९ मं	३१	३।०४	४।४०	६।३७	८।५१	११।११	१।२८	३।४४	६।०३	८।२२	१०।२६	१२।१०	१।३८
०१।१६।३७।५४	१० बु	१	३।००	४।३७	६।३३	८।४७	११।०७	१।२४	३।४०	५।५९	८।१८	१०।२२	१२।०६	१।३४
०१।१७।३५।०७	११ गु	२	२।५७	४।३३	६।२९	८।४३	११।०३	१।२०	३।३६	५।५५	८।१४	१०।१९	१२।०२	१।३१
०१।१८।३२।९९	१२ शु	३	२।५३	४।२९	६।२५	८।३९	११।००	१।१६	३।३२	५।५१	८।१०	१०।१५	११।५८	१।२७
०१।१९।२९।३०	१३ श	४	२।४९	४।२५	६।२१	८।३५	१०।५६	१।१२	३।२८	५।४७	८।०६	१०।११	११।५४	१।२३
०१।२०।२६।४०	१४ र	५	२।४५	४।२१	६।१७	८।३२	१०।५२	१।०८	३।२४	५।४३	८।०२	१०।०७	११।५०	१।१९
०१।२१।२३।४९	३० चं	६	२।४१	४।१७	६।१३	८।२८	१०।४८	१।०५	३।२०	५।३९	७।५८	१०।०३	११।४६	१।१५

अयनांशाः २३।५४।५२

पं. ८ ज्ये.कृ.११ गु. इष्टघटी ०।००						
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
१	१०	१	५	२	३	११	५
१७	२८	१५	१४	०४	००	२६	२६
४०	५८	५७	५८	०८	५२	१९	१९
०३	५०	५०	५९	१४	२९	४५	४५
५७	४२	१३२	०	७३	६	३	३
२८	२४	०९	२९	२८	२४	११	११
रो	पूभा	रो	ह	मृ	पुन	रे	चि
३	३	२	२व	४	४	३	१



मास फलम्

इस माह में पांच मंगलवार होने से किसी बड़े व्यक्ति का अभाव हो, पांच बुधवार होने से रसवाली वस्तुओं का अभाव हो ।।बुधेरसक्षयोभूम्याम्।। कृष्णा प्रतिपदा को मंगलवार होने से उदंगल करे । कृष्णा एकादशी में रेवती होने से स्फण्ड वृष्टि हो, सोमवारी अमावस होने से सुभिक्ष क्षेम आरोग्य वर्षा का प्रबल उदय-धान्य की उत्पत्ति और प्रजा सुस्थ हो । सुदी दोयज को आर्द्रा में वर्षा हो तो दुर्भिक्ष करे । पूर्णिमा में ज्येष्ठा का अभाव और मूल युक्त होने से महर्धता हो । धान्यादि एवं लाल वर्ण वाली सभी वस्तुओं के भाव तेज हों, प्रजा में विग्रह हो, कहीं-कहीं हिंसादि हो, अग्निभय हो, घृत तेल लवण रस कपूर चंदन ये सब महँगे हों ।

CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

७ जून से २२ जून तक, श्री ज्येष्ठ शुक्लपक्ष संवत् २०६२, शाकः १९२७, दि.मा.सू. सू. तारीस्त स्टै. प्रातः दैनिक केतकी अहर्गणः ४८११ ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे, जून २००५

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
राक्षस	१	मं	५८	०६	२८	५२	मृग	...	...	...	...	धृ	३	१६	६	५६	किं	२६	१२	१६	०७	३४/१६	५/३८	७/२०	१७	२९	७	मिथु. १८।१९	१।२२।१४।०३	५७।०७
अमृत	२	बु	...	...	..	..	मृग	४	२६	७	२४	शू	३	४६	७	०८	बा	३०	१२	१७	४२	१८	३८	२१	१८	३०	८	मिथु.	१।२३।१९।१०	५७।०६
काण	२	गु	२	३३	६	३९	आर्द्रा	१०	२९	९	४९	गं	४	५७	७	३६	कौ	२	३३	६	३९	१९	३८	२१	१९	१	९	मिथु.	१।२४।०८।१६	५७।०५
लुम्बक	३	शु	७	४९	८	४५	पुन	१७	१९	१२	३३	वृ	६	४५	८	२०	ग	७	४९	८	४५	२०	३८	२१	२०	२	१०	कर्क ५।५१	१।२५।०५।२१	५७।०४
मित्र	४	श	१३	४३	११	०७	पुष्य	२४	४२	१५	३०	धृ	९	०३	९	१५	वि	१३	४३	११	०७	२१	३८	२२	२१	३	११	कर्क	१।२६।०२।२५	५७।०३
वज्र	५	र	१९	५३	१३	३५	श्ले	३२	१८	१८	३३	व्या	११	३५	१०	१६	बा	१९	५३	१३	३५	२१	३८	२२	२२	४	१२	सिंहे १८।३३	१।२६।५९।२८	५७।०३
ध्वाङ्क्ष	६	सो	२५	५१	१५	५८	मघा	३९	३५	२१	२८	ह	१४	०१	११	१४	तै	२५	५१	१५	५८	२२	३८	२३	२३	५	१३	सिंहे	१।२७।५६।३१	५७।०२
धूम्र	७	मं	३१	०२	१८	०३	पूफा	४६	०१	२४	०२	व	१५	५६	१२	००	व	३१	०२	१८	०३	२३	३८	२३	२४	६	१४	सिंहे	१।२८।५३।३३	५७।०१
प्रवर्धमा	८	बु	३४	५५	१९	३६	उफा	५१	०५	२६	०४	सि	१६	५६	१२	२४	वि	३	११	६	५४	२३	३८	२३	२५	७	१५	कन्या ६।३६	१।२९।५०।३४	५७।००
राक्षस	९	गु	३७	०४	२०	२८	हस्त	५४	२४	२७	२४	व्य	१६	४१	१२	१९	बा	६	१३	८	०७	२४	३८	२४	२६	८	१६	कन्या	२।००।४७।३४	५७।००
गंगा	१०	शु	३७	१५	२०	३२	चित्रा	५५	४३	२७	५५	व	१४	५७	११	३७	तै	७	२४	८	३६	२४	३८	२४	२७	९	१७	तुला. १५।४६	२।०१।४४।३४	५६।५९
ए.व्र.	११	श	३५	२१	१९	४६	स्वा	५५	००	२७	३८	प	११	३३	१०	१६	व	६	३३	८	१५	२५	३८	२४	२८	१०	१८	तुला.	२।०२।४१।३३	५६।५८
प्र.व्र.	१२	र	३१	२६	१८	१३	विशा	५२	२१	२६	३५	शि	६/५१	३५/५६	८/२९	१५/३७	ब	३	३८	७	०६	२५	३८	२४	२९	११	१९	वृश्चि. २०।५५	२।०३।३८।३२	५६।५८
मानस	१३	सो	२५	४३	१५	५६	अनु	४८	०१	२४	५१	सा	५१	५९	२६	२६	तै	२५	४३	१५	५६	२५	३९	२५	३०	१२	२०	वृश्चि.	२।०४।३५।२९	५६।५७
मुद्गर	१४	मं	१८	३२	१३	०३	ज्ये	४२	२०	२२	३५	शु	४२	५८	२२	५०	व	१८	३२	१३	०३	२५	३९	२५	३१	१३	२१	धनु. २२।३५	२।०५।३२।२७	५६।५७
पूर्णिमा	१५	बु	१०	१४	९	४५	मूल	३५	४४	१९	५७	शु	३३	१०	१८	५५	ब	१०	१४	९	४५	२५	३९	२५	१	१४	२२	धनु.	२।०६।२९।२४	५६।५६

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह वारादि का समय स्टै.टा.में है।

भाऊका-करिदिन, करिदिनं, श्री गंगादशाश्वमेधस्नान प्रा., मृगे C

चंद्रदर्शनम् (मु.१५), मृगे सौरः ९।२१, उभा. भौमः १०।०१, F

रंभा व्रतं, जमादिलावल ५ [F मिथुने बुधः १५।०४

भ. २१।५४ उ., प्रताप जयंती [C रविः २७।४२ [H लग्नेशः ६ दो)

भ. ११।०७ या., आर्द्रा. बुधः १८।३३ [E अयन करिदिन

बुधोदयः पश्चिमायां २७।१२, मघा रे. ९ ।ऽ।।।।।।।। रात्रौ ल.अ.गो. ९

[A साध्य व्र., ज्येष्ठी योगः, आर्द्रा. रविः २६।४४, सायन कर्के B

भ. १८।०३ उ., मिथुने रविः २७।०६, पुन. शुक्रः २९।००

भ. ६।५४ या., दुर्गाष्टमी, धूमावती जयंती, मिथुने सौरः ९।३६

[B भानुः,सायन दक्षिणायन प्रारम्भ १२।०६, सं.स्त्री.पु.चं.सू.वाहन D

गंगा दशहरा व्र. [D वातक वर्षाश्रेष्ठः [G (परम शु. ३ दोषः)

भ. ८।१५ उ. १९।४६ या., निर्जला ११ व्र. , पुन. बुधः १३।५९

प्रदोषः, वट सावित्री व्रतारंभः अनु. रे. १० ।।।।।।।।। रात्रौ ल. ३ G

अनु. रे. १० ।।।।।।।।। दिवा ल. ४, रात्रौ अ. गो. ११ (कुंभे H

भ. १३।०३ उ. २३।२७ या., गुर्जराणां वटसावित्री व्रतं, अब्द A

मन्वादि, कबीर जयंती, भा. आषाढारंभः, आर्द्रा. सौरः १०।०७, E

अयनांशाः २३।५४।५३

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

संक्रांति फलम्

अयनांशाः २३।५४।५४

पं. ९ ज्ये.शु. २ गु. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
१	११	२	५	२	३	११	५
२४	०३	०१	१४	१२	०१	२५	२५
२२	५४	१८	५९	४२	३८	५७	५७
००	२०	३२	२०	०५	१९	२९	२९
५७	४१	१२८	०	७३	६	३	३
२२	५७	०१	४६	२१	४५	११	११
मृ	उभा	मृ	ह	आ	पुन	रे	वि
१	१	३	२	२	४	३	१



ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	जून	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	सायं	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ
०१।२२।२०।५७	१ मं	७	२।३७	४।१३	६।०९	८।२४	१०।४४	१।०१	३।१६	५।३६	७।५४	९।५९	११।४२	१।११
०१।२३।१८।०४	२ बु	८	२।३३	४।०९	६।०५	८।२०	१०।४०	१२।५७	३।१२	५।३२	७।५०	९।५५	११।३८	१।०७
०१।२४।१५।१०	२ गु	९	२।२९	४।०५	६।०१	८।१६	१०।३६	१२।५३	३।०९	५।२८	७।४६	९।५१	११।३४	१।०३
०१।२५।१२।१५	३ शु	१०	२।२५	४।०१	५।५७	८।१२	१०।३२	१२।४९	३।०५	५।२४	७।४२	९।४७	११।३०	१२।५९
०१।२६।०९।१९	४ श	११	२।२१	३।५७	५।५३	८।०८	१०।२८	१२।४५	३।०१	५।२०	७।३८	९।४३	११।२६	१२।५५
०१।२७।०६।२२	५ र	१२	२।१७	३।५३	५।४९	८।०४	१०।२४	१२।४१	२।५७	५।१६	७।३४	९।३९	११।२३	१२।५१
०१।२८।०३।२४	६ चं	१३	२।१३	३।४९	५।४५	८।००	१०।२०	१२।३७	२।५३	५।१२	७।३०	९।३५	११।१९	१२।४७
०१।२९।००।२६	७ मं	१४	२।०९	३।४५	५।४१	७।५६	१०।१६	१२।३३	२।४९	५।०८	७।२७	९।३१	११।१५	१२।४३
०१।२९।५७।२७	८ बु	१५	२।०५	३।४१	५।३७	७।५२	१०।१२	१२।२९	२।४५	५।०४	७।२३	९।२७	११।११	१२।३९
०२।००।५४।२७	९ गु	१६	२।०१	३।३७	५।३३	७।४८	१०।०८	१२।२५	२।४१	५।००	७।१९	९।२३	११।०७	१२।३५
०२।०१।५१।२६	१० शु	१७	१।५७	३।३३	५।३०	७।४४	१०।०४	१२।२१	२।३७	४।५६	७।१५	९।१९	११।०३	१२।३१
०२।०२।४८।२५	११ श	१८	१।५३	३।३०	५।२६	७।४०	१०।००	१२।१७	२।३३	४।५२	७।११	९।१५	१०।५९	१२।२७
०२।०३।४५।२४	१२ र	१९	१।५०	३।२६	५।२२	७।३६	९।५६	१२।१३	२।२९	४।४८	७।०७	९।१२	१०।५५	१२।२४
०२।०४।४२।२१	१३ चं	२०	१।४६	३।२२	५।१८	७।३२	९।५२	१२।०९	२।२५	४।४४	७।०३	९।०८	१०।५१	१२।२०
०२।०५।३९।१९	१४ मं	२१	१।४२	३।१८	५।१४	७।२८	९।४९	१२।०५	२।२१	४।४०	६।५९	९।०४	१०।४७	१२।१६
०२।०६।३६।१६	१५ बु	२२	१।३८	३।१४	५।१०	७।२५	९।४५	१२।०१	२।१७	४।३६	६।५५	९।००	१०।४३	१२।१२

ता. १४ जून २००५
ज्ये. शु. ७ भौमे मिथुनेऽर्कः प्र. (स्टै.)
टा. २७।०६ वारात् ४ नक्षत्रात् ५
वारनाम महोदरी चोरान् सुस्पदा
नक्षत्रनाम नंदा गणकान् सुस्पदा प्रभात
रात्रि ४ प्रहर व्यापिनी गोरक्षकान्
हन्ति, पश्चिमे गमनं वायव्यां दृष्टिः
विष्टीकरणे प्रविष्टा मध्यमफलं
अश्ववाहनं सिंहोपवाहनं स्थैर्यकारक
कृष्णवस्त्रं कुन्तायुधं पत्रपात्रं
चित्रान्नभक्षणं ओतुमदोलेमनं विप्रजातिः
दुर्वापुष्पं गुंजाभूषणं नीलकंचुकी
वृद्धावस्था (वैठी) मु. ४५ धान्यभावे
समर्घ वत्स उत्तरे राहु पश्चिमा. मूलं
स्वर्गे विवाहस्तंभो ऽग्निकोणे शुक्रोदयः
पश्चिमायाम् । पुण्यकालः (स्टै.)
२७।०६ से बुधवार ९।३० तक ।
(दान- वस्त्रान्न) ।

पं.१० ज्ये.शु. ९ गु. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
२	११	२	५	२	३	११	५
०१	०८	१५	१५	२१	०२	२५	२५
०३	४६	३५	०८	१५	२६	३५	३५
१९	२४	४२	२७	१०	२७	१४	१४
५७	४१	१११४	२	७३	७	३	३
१७	२४	१०	००	१३	०३	११	११
मृ	उभा	आ	ह	पुन	पुन	रे	वि
३	२	३	२	१	४	३	१



CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

॥ श्रीवल्लभ मनोराम पञ्चाङ्गम् ॥

२३ जून से ६ जुलाई तक, श्री आषाढ़ कृष्णपक्ष संवत् २०६२, शाकः १९२७, दि.मा.सू. सू. तारीख्स स्टै. प्रातः दैनिक वर्षर्तू रविर्दक्षिणे ज्येष्ठकृष्णेति गुर्जराः, जून-जुलाई २००५

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घ.	मि.	घ.प	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
धाता	१	गु	१	१६	६	१०	पूषा	२८	४२	१७	०८	ब्र	२३	००	१४	५१	कौ	१	१६	६	१०	३४ २५	५ ३५	७ २५	२	१५	२३	मक. २२।२५	२।०७।२६।२०	५६।५६
भयः	२	गु	५२	०७	२६	३०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
आनन्द	३	शु	४३	११	२२	५६	उषा	२१	४१	१४	२०	ऐ	१२	४१	१०	४७	व	१७	३५	१२	४२	२५	४०	२५	३	१६	२४	मक.	२।०८।२३।१६	५६।५६
च.ब्र.	४	श	३४	५४	११	३७	श्रव	१५	१०	११	४४	वै	२ ५३	१५ ४१	६ २७	१५ ५२	ब	८	५६	९	१४	२४	४०	२६	४	१७	२५	कुंभे	२२।३३	२।०९।२०।१२	५६।५५
मातङ्ग	५	र	२७	३८	१६	४३	धनि	९	३३	९	२९	प्री	४५	३५	२३	५४	कौ	१	०६	६	०७	२४	४०	२६	५	१८	२६	कुंभे		२।१०।१७।०७	५६।५५
अमृत	६	सो	२१	४०	१४	२०	शत	५	०९	७	४४	आ	३८	३०	२१	०४	व	२१	४०	१४	२०	२३	४०	२६	६	१९	२७	मीने	२४।४८	२।११।१४।०३	५६।५५
काण	७	मं	१७	११	१२	३३	पूभा	२	११	६	३३	सौ	३२	३९	१८	४४	ब	१७	११	१२	३३	२३	४१	२६	७	२०	२८	मीने		२।१२।१०।५७	५६।५५
लम्बक	८	बु	१४	१६	११	२३	उभा	०	४७	६	००	शो	२८	०६	१६	५५	कौ	१४	१६	११	२३	२२	४१	२६	८	२१	२९	मीने		२।१३।०७।५२	५६।५४
मित्र	९	गु	१२	५४	१०	५१	रेव	०	५५	६	०४	अ	२४	४६	१५	३६	ग	१२	५४	१०	५१	२१	४१	२६	९	२२	३०	मेषे	६।०४	२।१४।०४।४६	५६।५४
वज्र	१०	शु	१३	०९	१०	५४	अश्वि	२	३२	६	४२	सु	२२	३४	१४	४३	वि	१३	०९	१०	५४	२१	४२	२६	१०	२३	१	मेषे		२।१५।०९।४१	५६।५४
ए.ब्र.	११	श	१४	२५	११	२८	भर	५	२६	७	५३	घृ	२१	२३	१४	१५	बा	१४	२५	११	२८	२०	४२	२६	११	२४	२	वृषे	१४।१५	२।१५।१८।३५	५६।५४
प्र.ब्र.	१२	र	१६	५७	१२	२९	कृति	९	२८	९	३०	शू	२१	०४	१४	०८	तै	१६	५७	१२	२९	१९	४२	२६	१२	२५	३	वृषे		२।१६।१५५।२९	५६।५४
प्रवर्धमा	१३	सो	२०	२५	१३	५३	रोहि	१४	२६	११	२९	गं	२१	२८	१४	१८	व	२०	२५	१३	५३	१८	४३	२६	१३	२६	४	मिथु.	२४।३६	२।१७।१५२।२३	५६।५४
राक्षस	१४	मं	२४	४०	१५	३५	मृग	२०	१०	१३	४७	वृ	२२	२८	१४	४२	श	२४	४०	१५	३५	१६	४३	२६	१४	२७	५	मिथु.		२।१८।४९।१८	५६।५४
अमाव.	३०	बु	२९	३४	१७	३३	आर्द्रा	२६	३३	१६	२१	ध्रु	२३	५८	१५	१९	ना	२९	३४	१७	३३	१५	४४	२६	१५	२८	६	मिथु.		२।१९।४६।१२	५६।५४

अयनांशाः २३।५४।५५

देवपितृकार्येऽमा., पुन. सौरः १९।३३, श्लेषा. बुधः १६।०८, A

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।
उषा. रे. ९ ।।।।ऽ।।।।। रात्रौ ल. १, कर्के शुक्रः ९।४८, पुष्ये-१ D
[D शनिः १७।०८ [E (चं. ७ पू.), कर्के बुधः ९।००
भ. १२।४२ उ. २२।५६ या., उषा. रे. ९ ।।।।ऽ।।।।। दिवा ल. ४ E
पंचक प्रारम्भः २२।३३, चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः २२।४४, B
पुष्ये बुधः ११।५३ [B पुष्ये शुक्रः २७।३१
भ. १४।२० उ. २५।२२ या., रेव. भौमः १९।३८
उभा. रे. ७ ।।।ऽगु।।।ऽऽऽद. दिवा ल. ४।८, रात्रौ अ.गो. १ F
[F (कर्के रे. ८ दग्धारहित सोग्रांगश्च)
भ. २२।४८ उ., पंचक समाप्तिः ६।०४
भ. १०।५४ या., जुलाई ७ ता. ३१
योगिनी ११ ब्र. [A श्लेषा. शुक्रः २६।५६
प्रदोषः [C शनेरस्तः पश्चिमायाम् १८।०९
भ. १३।५३ उ. २६।४२ या., मासिकशिवरात्री ब्र., C
पुन. रविः २६।२१, सं.स्त्री.स्त्री.चं.चं.वाहन नाग अल्पवृष्टिः

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	जून	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	सायं	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ
२।०७।३३।१२	१ गु	२३	१।३४	३।१०	५।०६	७।२१	९।४१	११।५८	२।१३	४।३२	६।५१	८।५६	१०।३९	१२।०८
२।०८।३०।०८	३ शु	२४	१।३०	३।०६	५।०२	७।१७	९।३७	११।५४	२।०९	४।२९	६।४७	८।५२	१०।३५	१२।०४
२।०९।२७।०३	४ श	२५	१।२६	३।०२	४।५८	७।१३	९।३३	११।५०	२।०५	४।२५	६।४३	८।४८	१०।३१	१२।००
२।१०।२३।५९	५ र	२६	१।२२	२।५८	४।५४	७।०९	९।२९	११।४६	२।०२	४।२१	६।३९	८।४४	१०।२७	११।५६
२।११।२०।५४	६ चं	२७	१।१८	२।५४	४।५०	७।०५	९।२५	११।४२	१।५८	४।१७	६।३५	८।४०	१०।२३	११।५२
२।१२।१७।४८	७ मं	२८	१।१४	२।५०	४।४६	७।०१	२।२१	११।३८	१।५४	४।१३	६।३१	८।३६	१०।१९	११।४८
२।१३।१४।४३	८ बु	२९	१।१०	२।४६	४।४२	६।५७	९।१७	११।३४	१।५०	४।०९	६।२७	८।३२	१०।१५	११।४४
२।१४।११।३७	९ गु	३०	१।०६	२।४२	४।३८	६।५३	९।१३	११।३०	१।४६	४।०५	६।२३	८।२८	१०।१२	११।४०
२।१५।०८।३१	१० शु	१	१।०२	२।३८	४।३४	६।४९	९।०९	११।२६	१।४२	४।०१	६।२०	८।२४	१०।०८	११।३६
२।१६।०५।२६	११ श	२	१२।५८	२।३४	४।३०	६।४५	९।०५	११।२२	१।३८	३।५७	६।१६	८।२०	१०।०४	११।३२
२।१७।०२।२०	१२ र	३	१२।५४	२।३०	४।२६	६।४१	९।०१	११।१८	१।३४	३।५३	६।१२	८।१६	१०।००	११।२८
२।१७।५९।१४	१३ चं	४	१२।५०	२।२६	४।२३	६।३७	८।५७	११।१४	१।३०	३।४९	६।०८	८।१२	९।५६	११।२४
२।१८।५६।०८	१४ मं	५	१२।४६	२।२३	४।१९	६।३३	८।५३	११।१०	१।२६	३।४५	६।०४	८।०८	९।५२	११।२०
२।१९।५३।०२	३० बु	६	१२।४२	२।१९	४।१५	६।२९	८।४९	११।०६	१।२२	३।४१	६।००	८।०४	९।४८	११।१६

संक्रांति फलम्

ता. १६ जुलाई २००५
आषा. शु. ९ शनौ कर्केऽर्कः प्र. (स्टै.)
टा. १४।०४ वारात् ५ नक्षत्रात् ५
वारनाम राक्षसी चाण्डालान् सुस्पदा
नक्षत्रनाम मिश्रा पशून् सुस्पदा मध्यान्ह
२ प्रहर व्यापिनी द्विजान् हन्ति, पश्चिमे
गमनं वायव्यां दृष्टिः तैतिलकरणे प्रविष्टा
नेष्टफलं रासभवाहनं मेषोपवाहनं
सुभिक्षकारक अरुणवस्त्रं दण्डायुधं
कांस्यपात्रं पक्वान्नभक्षणं मृद्लेपनं
पक्षीजातिः केतकीपुष्पं प्रवलभूषणं
भूर्जपत्रकंचुकी युवावस्था (सूती) मु.
४५ धान्यभावे समर्घ वत्स उत्तरे राहु
पश्चिमा. मूलं भूमौ विवाहस्तंभो
ऽग्निकोणे शुक्रोदयः पश्चिमायाम्।
पुण्यकालः भृगौ (स्टै.) २६।०४ से
शनौ १४।०४ तक। (दान- घृत,
धेनु)।

अयनांशाः २३।५४।५६

पं.११ आ.कृ. ९ गु. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
२	११	२	५	२	३	११	५
०७	१३	२८	१५	२९	०३	२५	२५
४४	३४	०८	२६	४७	१६	१२	१२
११	१६	१२	०५	२१	३१	५८	५८
५७	४०	९८	३	७३	७	३	३
१४	४४	२४	१२	०५	१७	११	११
आ	उभा	पुन	ह	पुन	पुन	रे	चि
१	४	३	२	३	४	३	१



पं.१२ आ.कृ. ९ गु. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
२	११	३	५	३	३	११	५
१४	१८	०८	१५	०८	०४	२४	२४
२४	१७	४६	५१	१८	०८	५०	५०
४७	०५	२७	५७	३१	०९	४२	४२
५७	३९	८१	४	७२	७	३	३
१२	५६	०५	२०	५५	२९	११	११
आ	रे	पु	ह	पु	पु	रे	चि
३	१	२	२	२	१	३	१



CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

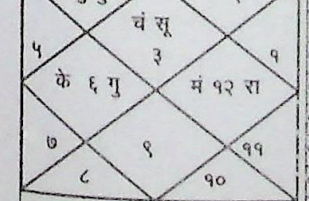
७ जुलाई से २१ जुलाई तक, श्री आषाढ़ शुक्लपक्ष संवत् २०६२, शाकः १९२७, दि.मा.सू. सू. तारीख्स स्टै. प्रातः दैनिक केतकी अहर्गणः ४८४१ वर्षत्तू रविर्दक्षिणे, जुलाई २००५

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	व.प.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
सिद्धि	१	गु	३५	०१	१९	४५	पुन	३३	२७	१९	०७	व्या	२५	५४	१६	०६	किं	२	१३	६	३७	३४ १५	५ ४४	७ २६	१६	२९	७	कर्के १२।२४	२।२०।४३।०६	५६।५४
उत्पात	२	शु	४०	५४	२२	०६	पुष्य	४०	४६	२२	०३	ह	२८	११	१७	०१	बा	७	५४	८	५४	१२	४५	२६	१७	१	८	कर्के	२।२१।४०।०१	५६।५५
मानस	३	श	४७	०१	२४	३३	श्ले	४८	१९	२५	०५	व	३०	४१	१८	०१	तै	१३	५६	११	१९	११	४५	२५	१८	२	९	सिंहे २५।०५	२।२२।३६।५५	५६।५५
मुद्गर	४	र	५३	०५	२६	५९	मघा	५५	४९	२८	०५	सि	३३	११	१९	०२	व	२०	०४	१३	४७	०९	४५	२५	१९	३	१०	सिंहे	२।२३।३३।५०	५६।५५
ध्वजा	५	सो	५८	४१	२९	१४	पूफा	...	...	...	...	व्य	३५	२६	१९	५६	ब	२५	५७	१६	०९	०८	४६	२५	२०	४	११	सिंहे	२।२४।३०।४५	५६।५५
धूम्र	६	मं	...	...	...	...	पूफा	२	४९	६	५४	व	३७	०७	२०	३७	कौ	३१	०९	१८	१४	०६	४६	२५	२१	५	१२	कन्या १३।३३	२।२५।२७।४१	५६।५६
प्रवर्धमा	६	बु	३	१९	७	०७	उफा	८	५५	९	२१	प	३७	५१	२०	५५	तै	३	१९	७	०७	०४	४७	२५	२२	६	१३	कन्या	२।२६।२४।३७	५६।५६
राक्षस	७	गु	६	३६	८	२६	हस्त	१३	३७	११	१४	शि	३७	२१	२०	४४	व	६	३६	८	२६	०२	४७	२४	२३	७	१४	तुला. २३।५५	२।२७।२१।३३	५६।५७
मुसल	८	शु	८	०४	९	०१	चित्रा	१६	३३	१२	२५	सि	३५	१८	१९	५५	ब	८	०४	९	०१	००	४८	२४	२४	८	१५	तुला.	२।२८।१८।२९	५६।५७
सिद्धि	९	श	७	३१	८	४९	स्वा	१७	२८	१२	४७	सा	३१	३५	१८	२६	कौ	७	३१	८	४९	३३ ५८	४८	२४	२५	९	१६	तुला.	२।२९।१५।२६	५६।५७
उत्पात	१०	र	४	४९	७	४५	विशा	१६	१६	१२	१९	शु	२६	१०	१६	१७	ग	४	४९	७	४५	५६	४९	२३	२६	१०	१७	वृश्चि. ६।३१	३।००।१२।२४	५६।५८
ए.व्र.	११	सो	०	०६	५	५२	अनु	१३	०५	११	०३	शु	१९	०९	१३	२९	वि	०	०६	५	५२	५४	४९	२३	२७	११	१८	वृश्चि.	३।०१।०९।२२	५६।५९
क्षयः	१२	सो	५३	३४	२७	१५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
प्र.व्र.	१३	मं	४५	३१	२४	०२	ज्ये	८	०७	९	०५	व्र	१०	४१	१०	०६	कौ	१९	४२	१३	४३	५२	५०	२३	२८	१२	१९	धनु. ९।०५	३।०२।०६।२०	५६।५९
ध्वजा	१४	बु	३६	२३	२०	२४	मूल	१ ५४	४६ ३०	६ २७	३३ ३८	ऐ	१ ५०	०५ ४२	६ २६	१६ ०७	ग	११	०३	१०	१५	४९	५०	२२	२९	१३	२०	धनु.	३।०३।०३।१९	५७।००
पूर्णिमा	१५	गु	२६	३८	१६	३०	उषा	४६	४५	२४	३३	वि	३९	५४	२१	४९	वि	१	३३	६	२८	४७	५१	२२	३०	१४	२१	मक. ८।५२	३।०४।००।१९	५७।००

अयनांशाः २३।५४।५७ ॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥ अयनांशाः २३।५४।५८ अयनांशाः २३।५४।५९

पं.१३ आ.शु. १ गु. इष्टघटी ०।००

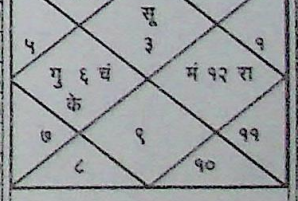
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
२	११	३	५	३	३	११	५
२१	२२	१७	१६	१६	०५	२४	२४
०५	५३	१६	२५	४८	०१	२८	२८
१५	५४	२७	३३	३१	०१	२७	२७
५७	३८	६१	५	७२	७	३	३
१२	५९	१९	२४	४४	३८	११	११
पुन	रे	श्ले	ह	श्ले	पु	रे	चि
१	२	१	२	१	१	३	१



ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	जुला	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	सायं	रात्रौ	रात्रौ
०२।२०।४९।५६	१ गु	७	९२।३९	२।९५	४।११	६।२५	८।४५	११।०२	१।१८	३।३७	५।५६	८।०१	९।४४	११।९३
०२।२१।४६।५१	२ शु	८	९२।३५	२।११	४।०७	६।२१	८।४२	१०।५८	१।१४	३।३३	५।५२	७।५७	९।४०	११।०९
०२।२२।४३।४५	३ श	९	९२।३१	२।०७	४।०३	६।१७	८।३८	१०।५४	१।१०	३।२९	५।४८	७।५३	९।३६	११।०५
०२।२३।४०।४०	४ र	१०	९२।२७	२।०३	३।५९	६।१४	८।३४	१०।५०	१।०६	३।२५	५।४४	७।४९	९।३२	११।०१
०२।२४।३७।३५	५ चं	११	९२।२३	१।५९	३।५५	६।१०	८।३०	१०।४७	१।०२	३।२१	५।४०	७।४५	९।२८	१०।५७
०२।२५।३४।३१	६ मं	१२	९२।१९	१।५५	३।५१	६।०६	८।२६	१०।४३	९२।५८	३।१८	५।३६	७।४१	९।२४	१०।५३
०२।२६।३१।२६	६ बु	१३	९२।१५	१।५१	३।४७	६।०२	८।२२	१०।३९	९२।५४	३।१४	५।३२	७।३७	९।२०	१०।४९
०२।२७।२८।२२	७ गु	१४	९२।११	१।४७	३।४३	५।५८	८।१८	१०।३५	९२।५१	३।१०	५।२८	७।३३	९।१६	१०।४५
०२।२८।२५।१९	८ शु	१५	९२।०७	१।४३	३।३९	५।५४	८।१४	१०।३१	९२।४७	३।०६	५।२४	७।२९	९।१२	१०।४१
०२।२९।२२।१६	९ श	१६	९२।०३	१।३९	३।३५	५।५०	८।१०	१०।२७	९२।४३	३।०२	५।२०	७।२५	९।०८	१०।३७
०३।००।१९।१३	१० र	१७	९१।५९	१।३५	३।३१	५।४६	८।०६	१०।२३	९२।३९	२।५८	५।१६	७।२१	९।०५	१०।३३
०३।०१।१६।११	११ चं	१८	९१।५५	१।३१	३।२७	५।४२	८।०२	१०।१९	९२।३५	२।५४	५।१२	७।१७	९।०१	१०।२९
०३।०२।१३।१०	१३ मं	१९	९१।५१	१।२७	३।२३	५।३८	७।५८	१०।१५	९२।३१	२।५०	५।०९	७।१३	८।५७	१०।२५
०३।०३।१०।०९	१४ बु	२०	९१।४७	१।२३	३।१९	५।३४	७।५४	१०।११	९२।२७	२।४६	५।०५	७।०९	८।५३	१०।२१
०३।०४।०७।०९	१५ गु	२१	९१।४३	१।१९	३।१५	५।३०	७।५०	१०।०७	९२।२३	२।४२	५।०१	७।०५	८।४९	१०।१७

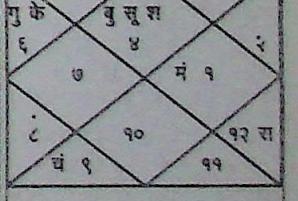
पं.१४ आ.शु. ७ गु. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
२	११	३	५	३	३	११	५
२७	२७	२३	१७	२५	०५	२४	२४
४५	२३	१९	०६	१७	५४	०६	०६
४९	३४	०१	२८	०९	४३	११	११
५७	३७	३८	६	७२	७	३	३
१३	५२	१४	२४	३१	४३	११	११
पुन	रे	श्ले	ह	श्ले	पु	रे	चि
३	४	२	३	३	१	३	१



पं.१५ आ.शु.१५ गु. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
३	०	३	५	४	३	११	५
०४	०१	२६	१७	०३	०६	२३	२३
२६	४४	२३	५४	४४	४८	४३	४३
३७	५१	३७	११	१४	५६	५५	५५
५७	३६	९	७	७२	७	३	३
१६	३३	०४	२०	१७	४६	११	११
पु	अ	श्ले	ह	म	पु	रे	चि
१	१	३	३	२	२	३	१



यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।
चंद्रदर्शनम् (मु.३०) [C गोपद्मव्रतोद्यापनं, मेषे अश्वि. भौमः ९।४२
श्री जगदीश रथ यात्रा, जमादिलास्पर ६
हस्ते-३ गुरुः २०।२१, मघा. रे. १० ।।।।।।।।। रात्रौ ल. १
भ. १३।४७ उ. २६।५९ या., मघा रे. १० ।।।।।।।।। दिवा ल. D
[D ४ (सोग्रांगः) रात्रौ ल. २ (स्टै. २६।५९ उप.)
स्कंध षष्ठी
हस्ते रे. ७ ।।ऽगु।।।ऽऽऽ।। दिवा ल. ७, रात्रौ ल. अ. गो.
भ. ८।२६ उ. २०।४९ या. [B मन्वादि, वायु परीक्षा, गोपद्मव्रतारंभ
स्वातौ रे. ९ ऽ।।।।।।।। दिवा ल. ८, रात्रौ गो. १ (मेषे चं. ७ दोषः)
मड़ली ९, कर्केरविः १४।०४ (सौरः२४।३५), निरयन दक्षिणायनारंभः
भ. ९८।५४ उ., मन्वादि, आशा दशमी, सिंहे मघा. शुक्रः २७।२८
भ. ५।५२ या., देव शयनी ११ व्र., चातुर्मास व्रतारंभः, C
[A पुष्ये-२ शनिः २६।१३, सं.स्त्री.पु.चं.सू.वाहन मण्डूक वर्षाश्रेष्ठः
प्रदोषः,श्रावणे वर्जयेच्छाकम्, जया पार्वती व्रतं, पुष्ये रविः २५।५५, A
भ. २०।२४ उ., आषाढी योगः, पुष्ये सौरः १२।५२
भ. ६।२८ या., पूर्णिमा व्रतंपुण्यञ्च, व्यासपूजा, गुरुपूर्णिमा B

CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust. Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

२२ जुलाई से ५ अगस्त तक, श्री श्रावण कृष्णपक्ष संवत् २०६२, शाकः १९२७, दि.मासू. सू. तारीख स्टै. प्रातः दैनिक वर्षर्तू रविर्दक्षिणे आषाढ़कृष्णेति गुर्जराः, जुलाई-अगस्त २००५

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
धूम्र	१	शु	१६	४५	१२	३४	श्रव	३९	०३	२१	२९	प्री	२९	०६	१७	३०	कौ	१६	४५	१२	३४	३३ ४५	५ ५९	७ २९	३१	१५	२२	मक.	३।०४।५७।१९	५७।०१
प्रवर्धमा	२	श	७	१३	८	४५	धनि	३१	५४	१८	३७	आ	१८	४०	१३	२०	ग	७	१३	८	४५	४२	५२	२१	१	१६	२३	कुंभे	८।०१	३।०५।५४।२१	५७।०२
क्षयः	३	श	५८	२८	२९	१५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
च.व्र.	४	र	५०	५३	२६	१४	शत	२५	४४	१६	१०	सौ	८	५७	९	२७	ब	२४	३०	१५	४०	४०	५२	२०	२	१७	२४	कुंभे	३।०६।५१।२३	५७।०३
मुसल	५	सो	४४	४८	२३	४८	पूभा	२०	५६	१४	१५	शो	० ५२	१९ ५८	६ २७	०५ ०४	कौ	१७	३७	१२	५६	३७	५३	२०	३	१८	२५	मीने	८।४१	३।०७।४८।२५	५७।०४
सिद्धि	६	मं	४०	२५	२२	०३	उभा	१७	४६	१३	००	सु	४७	०१	२४	४२	ग	१२	२२	१०	५१	३४	५४	१९	४	१९	२६	मीने	३।०८।४५।२९	५७।०४
उत्पात	७	बु	३७	५३	२१	०३	रेव	१६	२५	१२	२८	धृ	४२	३५	२२	५६	वि	८	५५	९	२८	३२	५४	१९	५	२०	२७	मेषे	१२।२८	३।०९।४२।३३	५७।०५
मानस	८	गु	३७	१२	२०	४७	अश्वि	१६	५३	१२	४०	शू	३९	३५	२१	४५	बा	७	१८	८	५०	२९	५५	१८	६	२१	२८	मेषे	३।१०।३९।३८	५७।०६
मुद्गर	९	शु	३८	१३	२१	१२	भर	१९	०६	१३	३३	गं	३७	५८	२१	०६	तै	७	३०	८	५५	२६	५५	१८	७	२२	२९	वृषे	१९।५३	३।११।३६।४५	५७।०७
ध्वजा	१०	श	४०	४७	२२	१५	कृति	२२	५२	१५	०५	वृ	३७	३२	२०	५७	व	९	१८	९	३९	२३	५६	१७	८	२३	३०	वृषे		३।१२।३३।५२	५७।०८
ए.व्र.	११	र	४४	३६	२३	४७	रोहि	२७	५७	१७	०७	घ्रु	३८	०६	२१	११	ब	१२	३२	१०	५७	२०	५६	१६	९	२४	३१	वृषे		३।१३।३१।००	५७।०९
आनन्द	१२	सो	४९	२२	२५	४१	मृग	३४	००	१९	३३	व्या	३९	२४	२१	४२	कौ	१६	५३	१२	४२	१७	५७	१६	१०	२५	१	मिथु.	६।१७	३।१४।२८।०९	५७।१०
प्र.व्र.	१३	मं	५४	४७	२७	५२	आर्द्रा	४०	४६	२२	१६	ह	४१	१४	२२	२७	ग	२२	००	१४	४५	१४	५७	१५	११	२६	२	मिथु.		३।१५।२५।१९	५७।११
गद	१४	बु	...	...	...	...	पुन	४७	५६	२५	०८	च	४३	२५	२३	२०	वि	२७	३८	१७	०१	११	५८	१४	१२	२७	३	कर्के	१८।२४	३।१६।२२।३१	५७।१२
शुभ	१४	गु	०	३३	६	१२	पुष्य	५५	१९	२८	०६	सि	४५	४५	२४	१६	श	०	३३	६	१२	०८	५८	१४	१३	२८	४	कर्के		३।१७।१९।४३	५७।१४
अमाव.	३०	शु	६	३३	८	३६	श्ले	...	...	...	...	व्य	४८	०९	२५	१४	ना	६	३३	८	३६	०५	५९	१३	१४	२९	५	कर्के		३।१८।१६।५७	५७।१५

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है ।
नक्त व्रतारंभः, सायन सिंहे भानुः २३।०५
भ. १८।५७ उ. २९।१५ या., पंचक प्रारम्भः ८।०१, बृहत्तल्या, A
[A भा. श्रावणारंभः, वक्री बुधः २६।३३
चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः २१।५३, बुधास्तः पश्चिमायाम् १९।४६
नागपञ्चमी (मरु.)
भ. २२।०३ उ.
भ. ९।२८ या., पंचक समाप्तिः १२।२८
पूफा. शुक्रः २९।२१, रेव.-२ राहुः १८।२३, हस्ते-४ केतुः १८।२३
[B वाहन स्वर अल्पवृष्टिः
भ. ९।३९ उ. २२।१५ या.
कामिका ११ व्र.
अगस्त ८ ता. ३१, तिलकपुण्यतिथि
भ. २७।५२ उ., प्रदोषः, श्लेषा. रविः २४।५१, सं.स्त्री.स्त्री.चं.चं. B
भ. १७।०१ या., मासिकशिवरात्री व्र., श्लेषा. सौरः १३।१८
पितृकार्येऽमा.
देवकार्येऽमा., हरियाली ३०, हस्ते-४ गुरुः १४।२८

अयनांशाः २३।५५।००

पं.१६ श्रा.कृ. ८ गु. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
३	०	३	५	४	३	११	५
११	०५	२५	१८	१२	०७	२३	२३
०७	५६	४२	४८	०९	४३	२१	२१
५१	१४	२७	०७	३८	१७	३९	३९
५७	३५	२६	८	७२	७	३	३
२१	००	०६	११	०१	४५	११	११
पु	अ	श्ले	ह	म	पु	रे	चि
३	२	३व	३	४	२	३	१



॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	जुला	रात्रौं	रात्रौं	रात्रौं	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	सायँ	रात्रौं	रात्रौं
०३।०५।०४।०९	१ शु	२२	१९।३९	१।१५	३।१२	५।२६	७।४६	१०।०३	१२।१९	२।३८	४।५७	७।०१	८।४५	१०।१३
०३।०६।०९।१०	२ श	२३	१९।३५	१।१२	३।०८	५।२२	७।४२	९।५९	१२।१५	२।३४	४।५३	६।५७	८।४१	१०।०९
०३।०६।५८।१२	४ र	२४	१९।३१	१।०८	३।०४	५।१८	७।३८	९।५५	१२।११	२।३०	४।४९	६।५४	८।३७	१०।०५
०३।०७।५५।१५	५ चं	२५	१९।२८	१।०४	३।००	५।१४	७।३४	९।५१	१२।०७	२।२६	४।४५	६।५०	८।३३	१०।०२
०३।०८।५२।१८	६ मं	२६	१९।२४	१।००	२।५६	५।१०	७।३१	९।४७	१२।०३	२।२२	४।४१	६।४६	८।२९	९।५८
०३।०९।४९।२३	७ बु	२७	१९।२०	१२।५६	२।५२	५।०६	७।२७	९।४३	११।५९	२।१८	४।३७	६।४२	८।२५	९।५४
०३।१०।४६।२८	८ गु	२८	१९।१६	१२।५२	२।४८	५।०३	७।२३	९।४०	११।५५	२।१४	४।३३	६।३८	८।२१	९।५०
०३।११।४३।३४	९ शु	२९	१९।१२	१२।४८	२।४४	४।५९	७।१९	९।३६	११।५१	२।१०	४।२९	६।३४	८।१७	९।४६
०३।१२।४०।४१	१० श	३०	१९।०८	१२।४४	२।४०	४।५५	७।१५	९।३२	११।४७	२।०७	४।२५	६।३०	८।१३	९।४२
०३।१३।३७।५०	११ र	३१	१९।०४	१२।४०	२।३६	४।५१	७।११	९।२८	११।४३	२।०३	४।२१	६।२६	८।०९	९।३८
०३।१४।३४।५९	१२ चं	१	१९।००	१२।३६	२।३२	४।४७	७।०७	९।२४	११।४०	१।५९	४।१७	६।२२	८।०५	९।३४
०३।१५।३२।०९	१३ मं	२	१०।५६	१२।३२	२।२८	४।४३	७।०३	९।२०	११।३६	१।५५	४।१३	६।१८	८।०१	९।३०
०३।१६।२९।२१	१४ बु	३	१०।५२	१२।२८	२।२४	४।३९	६।५९	९।१६	११।३२	१।५१	४।०९	६।१४	७।५७	९।२६
०३।१७।२६।३३	१४ गु	४	१०।४८	१२।२४	२।२०	४।३५	६।५५	९।१२	११।२८	१।४७	४।०५	६।१०	७।५४	९।२२
०३।१८।२३।४७	३० शु	५	१०।४४	१२।२०	२।१६	४।३१	६।५१	९।०८	११।२४	१।४३	४।०१	६।०६	७।५०	९।१८

मास फलम्

श्रावण में पांच शुक्रवार शुभद हैं । कृष्णा प्रतिपदा को धृति योग न होने से धान्यादि भाव मंदे हों । कृष्णा एकादशी को रोहिणी होंने से सुभिक्ष हो । अमावस को आश्लेषा होने से मध्यम वर्षा हो । शुक्ला सप्तमी को स्वाति नक्षत्र सुभिक्ष कारक है । पूर्णिमा शुक्रवार और श्रवण युक्त होने से शुभ फल दायिनी है । श्रावणी पूर्णिमा को श्रवण होने से धान्योत्पत्ति बहुत हो । मंगलवार की सक्रांति होने से धान्यादि एवं लाल वर्ण वाली सभी वस्तुओं के भाव तेज हों, प्रजा में विग्रह हो, कहीं-कहीं हिंसादि हो, अग्निभय हो, घृत तेल लवण रस कपूर चंदन ये सब महँगे हों ।

अयनांशाः २३।५५।०१

पं.१७ श्रा.कृ.१४ गु. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
३	०	३	५	४	३	११	५
१७	०९	२१	१९	२०	०८	२२	२२
४९	५६	१६	४७	३३	३७	५९	५९
४१	०१	१४	५०	१०	२६	२३	२३
५७	३३	४८	८	७१	७	३	३
२७	११	०४	५८	४५	४२	११	११
श्ले	अ	श्ले	ह	पूफा	पु	रे	ह
१	३	२व	३	३	२	२	४



CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

६ अगस्त से १९ अगस्त तक, श्री श्रावण शुक्लपक्ष संवत् २०६२, शाकः १९२७, दि.मा.सू. सू. तारीख्स स्टै. प्रातः दैनिक केतकी अहर्गणः ४८७१ वर्षत्तू रविर्दक्षिणे, अगस्त २००५

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
मानस	१	श	१२	३३	११	०१	श्ले	२	४३	७	०५	व	५०	२८	२६	११	ब	१२	३३	११	०१	३३/०३	५/५९	७/१२	१५	३०	६	सिंहे ७।०५	३।१९।१४।१२	५७।१६
सिंधारा	२	र	१८	२५	१३	२२	मघा	१०	०१	१०	०१	प	५२	३५	२७	०२	कौ	१८	२५	१३	२२	३२/५८	६/००	११	१६	१	७	सिंहे	३।२०।१९।२८	५७।१७
तीज	३	सो	२३	५३	१५	३४	पूफा	१७	००	१२	४९	शि	५४	१८	२७	४४	ग	२३	५३	१५	३४	५५	००	११	१७	२	८	कन्या १९।२९	३।२१।०८।४५	५७।१९
धाता	४	मं	२८	४२	१७	३०	उफा	२३	२२	१५	२२	सि	५५	२३	२८	१०	वि	२८	४२	१७	३०	५२	०१	१०	१८	३	९	कन्या	३।२२।०६।०४	५७।२०
आनन्द	५	बु	३२	२९	१९	०१	हस्त	२८	४७	१७	३२	सा	५५	३५	२८	१५	ब	०	४५	६	२०	४८	०२	०९	१९	४	१०	कन्या	३।२३।०३।२४	५७।२१
चर	६	गु	३४	५५	२०	००	चित्रा	३२	५२	१९	११	शु	५४	३५	२७	५२	कौ	३	५३	७	३५	४५	०२	०८	२०	५	११	तुला. ६।२६	३।२४।००।४५	५७।२३
गद	७	शु	३५	३८	२०	१८	स्वा	३५	१९	२०	१०	शु	५२	११	२६	५५	ग	५	३०	८	१४	४२	०३	०७	२१	६	१२	तुला.	३।२४।५८।०८	५७।२४
शुभ	८	श	३४	२८	१९	५०	विशा	३५	५५	२०	२५	ब्र	४८	१५	२५	२१	वि	५	१७	८	१०	३८	०३	०६	२२	७	१३	वृश्चि. १४।२६	३।२५।५५।३२	५७।२६
मृत्यु	९	र	३१	१९	१८	३५	अनु	३४	३३	१९	५३	ऐ	४२	४५	२३	१०	बा	३	०७	७	१९	३५	०४	०५	२३	८	१४	वृश्चि.	३।२६।५२।५८	५७।२७
पद्म	१०	सो	२६	१८	१६	३५	ज्ये	३१	२०	१८	३६	वै	३५	४४	२०	२२	ग	२६	१८	१६	३५	३१	०४	०५	२४	९	१५	धनु. १८।३६	३।२७।५०।२५	५७।२९
ए.ब्र.	११	मं	१९	३५	१३	५५	मूल	२६	२७	१६	४०	वि	२७	२१	१७	०१	वि	१९	३५	१३	५५	२७	०५	०४	२५	१०	१६	धनु.	३।२८।४७।५४	५७।३०
प्र.ब्र.	१२	बु	११	३१	१०	४२	पूषा	२०	१५	१४	११	प्री	१७	५४	१३	१५	बा	११	३१	१०	४२	२४	०५	०३	२६	११	१७	मक. १९।३०	३।२९।४५।२४	५७।३२
ध्वाङ्क्ष	१३	गु	२	२९	७	०५	उषा	१३	०८	११	२१	आ	७/५७	३५/३२	९/२८	०९/४४	तै	२	२९	७	०५	२०	०६	०२	२७	१२	१८	मक.	४।००।४२।५६	५७।३३
क्षयः	१४	गु	५२	५५	२७	१६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
पूर्णिमा	१५	शु	४३	१५	२३	२४	श्रव	५/५८	३३/०१	८/२२	१५/१९	शो	४६	१९	२४	३८	वि	१८	०३	१३	१९	१७	०६	०१	२८	१३	१९	कुंभ १८।४८	४।०१।४०।३०	५७।३५

[A व्रतंपुण्यञ्च, नारियल १५, पंचक प्रारम्भः १८।४८, हयग्रीव जयंती, यजुर्वेदि, तैतरीय, हिरण्यकेशीय, आपस्तंभ, बौधायन, काण्वमध्यन्दिन (कात्या.), अथर्ववेदि, ऋग्वेदि उपाकर्म

[G बुधः १७।५२, सं.स्त्री.पु.चं.चं.वाहन जम्बूक वर्षाश्रेष्ठः

[H पूर्वस्याम् २७।२६, रोटकव्रतारंभः श्रृंगार (सिंधारा) देशाचारे, रज्जव ७

भ. २८।३४ उ., तीज, स्वर्णगौरी व्र., मधुश्रवा व्र.(गुर्जरे), सुकृत F

भ. १७।३० या., वरद चतुर्थी, दूर्वा गणपति व्र., उफा. शुक्रः ८।५०

नागपञ्चमी, नागदष्ट व्र., भर. भौमः १३।०५, (व) पुष्ये बुधः १०।१०

कल्की जयंती, वर्णषष्ठी, कन्यायां शुक्रः २७।५९

भ. २०।१८ उ., शीतला, तुलसी जयंती

भ. ८।१० या., दुर्गाष्टमी, बुधोदयः पूर्वस्याम् २०।३८

पुष्ये-३ शनिः २६।१३ [F तृतीया व्र., सोमेश्वरपूजनं, शनेरुदयः H

भ. २७।२० उ., भारतीयस्वतंत्रतादिवस

भ. १३।५५ या., पवित्रा ११ व्र. , सिंहे मघा. रविः २२।३३, मार्गी G

प्रदोषः, दधि भक्षणत्यागः, पवित्रारोपणं, सिंहे मघा. सौरः १२।११

भ. २७।१६ उ., सूणमाण्डणा (पूरा दिन शुद्ध है)

भ. १३।१९ या., रक्षाबंधनं (भद्रोत्तरं), श्रावणी (मरु), पूर्णिमा A

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

अयनांशाः २३।५५।०२

पं.१८ श्रा.शु. ६ गु. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
३	०	३	५	४	३	११	५
२४	१३	१६	२०	२८	०९	२२	२२
३२	४२	११	५२	५४	३९	३७	३७
१७	०९	३२	४५	४०	००	०७	०७
५७	३९	२९	९	७१	७	३	३
३४	०३	११	४०	२७	३५	११	११
श्ले	भ	पु	ह	उफा	पु	रे	ह
३	१	४व	४	१	२	२	४



ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	अग.	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	सायं	रात्रौ
०३।१९।२१।०२	१ श	६	१०।४०	१२।१६	२।१२	४।२७	६।४७	९।०४	११।२०	१।३९	३।५८	६।०२	७।४६	९।१४
०३।२०।१८।१८	२ र	७	१०।३६	१२।१२	२।०८	४।२३	६।४३	९।००	११।१६	१।३५	३।५४	५।५८	७।४२	९।१०
०३।२१।१५।३६	३ चं	८	१०।३२	१२।०८	२।०४	४।१९	६।३९	८।५६	११।१२	१।३१	३।५०	५।५४	७।३८	९।०६
०३।२२।१२।५४	४ मं	९	१०।२८	१२।०४	२।०१	४।१५	६।३५	८।५२	११।०८	१।२७	३।४६	५।५०	७।३४	९।०२
०३।२३।१०।१५	५ बु	१०	१०।२४	१२।०१	१।५७	४।११	६।३१	८।४८	११।०४	१।२३	३।४२	५।४६	७।३०	८।५८
०३।२४।०७।३६	६ गु	११	१०।२०	११।५७	१।५३	४।०७	६।२७	८।४४	११।००	१।१९	३।३८	५।४३	७।२६	८।५५
०३।२५।०४।५९	७ शु	१२	१०।१७	११।५३	१।४९	४।०३	६।२३	८।४०	१०।५६	१।१५	३।३४	५।३९	७।२२	८।५१
०३।२६।०२।२३	८ श	१३	१०।१३	११।४९	१।४५	३।५९	६।२०	८।३६	१०।५२	१।११	३।३०	५।३५	७।१८	८।४७
०३।२६।५९।४९	९ र	१४	१०।०९	११।४५	१।४१	३।५६	६।१६	८।३२	१०।४८	१।०७	३।२६	५।३१	७।१४	८।४३
०३।२७।५७।१७	१० चं	१५	१०।०५	११।४१	१।३७	३।५२	६।१२	८।२९	१०।४४	१।०३	३।२२	५।२७	७।१०	८।३९
०३।२८।५४।४५	११ मं	१६	१०।०१	११।३७	१।३३	३।४८	६।०८	८।२५	१०।४०	१२।५९	३।१८	५।२३	७।०६	८।३५
०३।२९।५२।१६	१२ बु	१७	९।५७	११।३३	१।२९	३।४४	६।०४	८।२१	१०।३६	१२।५६	३।१४	५।१९	७।०२	८।३१
०४।००।४९।४८	१३ गु	१८	९।५३	११।२९	१।२५	३।४०	६।००	८।१७	१०।३२	१२।५२	३।१०	५।१५	६।५८	८।२७
०४।०१।४७।२१	१५ शु	१९	९।४९	११।२५	१।२१	३।३६	५।५६	८।१३	१०।२९	१२।४८	३।०६	५।११	६।५४	८।२३

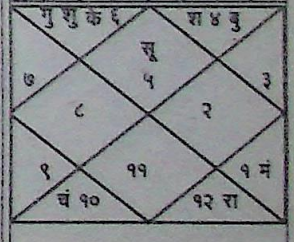
संक्रांति फलम्

ता. १६ अगस्त २००५
श्रा. शु. ११ भौमे सिंहेऽर्कः प्र. (स्टै.) टा. २२।३३ वारात् ४ नक्षत्रात् ५ वारनाम महोदरी चोरान् सुरक्षदा नक्षत्रनाम घोरा शूद्रान् सुरक्षदा मध्यरात्रि २ प्रहर व्यापिनी राक्षसान् हन्ति, उत्तरे गमनं, ऐशान्यां दृष्टिः वधकरणे प्रविष्टा मध्यमफलं सिंहवाहनं गजोपवाहनं भीतिकारक श्वेतवस्त्रं भुशुण्ड्यायुधं स्वर्णपात्रं अन्नभक्षणं कस्तूरीलेपनं दैवतंजातिः पुन्नागपुष्पं पिरोजभूषणं विचित्रकंचुकी बालावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यभावे सम वत्स पूर्वे राहु उत्तरे मूलं स्वर्गे विवाहस्तंभो ऐशान्यां शुक्रोदयः पश्चिमायाम् । पुण्यकालः (स्टै.) १६।०९ से २२।३३ तक । (दान-छत्र) ।

अयनांशाः २३।५५।०४

पं.१९ श्रा.शु.१३ गु. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
४	०	३	५	५	३	११	५
०१	१७	१५	२२	०७	१०	२२	२२
१५	१२	०२	०२	१३	२३	१४	१४
४८	१७	२२	२३	५९	३७	५९	५१
५७	२८	१८	१०	७१	७	३	३
४३	३३	०८	१८	०७	२५	११	११
म	भ	पु	ह	उफा	पु	रे	ह
१	२	४	४	४	३	२	४



CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust. Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

२० अगस्त से ३ सितंबर तक, श्री भाद्रपद कृष्णपक्ष संवत् २०६२, शाकः १९२७, दि.मा.सू. सू. तारीख्य स्टै. प्रातः दैनिक वर्षर्तू रविर्दक्षिणे श्रावणकृष्णेति गुर्जराः, अगस्त-सितंबर २००५

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
आनन्द	१	श	३३	५७	१९	४१	शत	५०	५८	२६	३०	अ	३५	५७	२०	२९	बा	८	३१	९	३१	३२/९३	६/०७	७/००	२९	१४	२०	कुंभे	४।०२।३८।०५	५७।३७
चर	२	र	२५	२५	१६	१७	पूभा	४४	५१	२४	०४	सु	२६	१४	१६	३७	ग	२५	२५	१६	१७	०९	०७	६/५३	३०	१५	२१	मीने	४।०३।३५।४२	५७।३८
च.व्र.	३	सो	१८	०५	१३	२२	उभा	४०	०३	२२	०९	धृ	१७	३१	१३	०८	वि	१८	०५	१३	२२	०५	०८	५८	३१	१६	२२	मीने	४।०४।३३।२०	५७।४०
शुभ	४	मं	१२	१५	११	०२	रेव	३६	५३	२०	५३	शू	१०	०३	१०	०९	बा	१२	१५	११	०२	०२	०८	५८	३१	१६	२३	मेषे	२०।५३	४।०५।३१।०१	५७।४२
मृत्यु	५	बु	८	११	९	२५	अश्वि	३५	३३	२०	२२	गं	४/५९	०५/३३	७/२९	३५/५८	तै	८	११	९	२५	३९/५८	०९	५६	२	१८	२४	मेषे		४।०६।२८।४२	५७।४४
पद्म	६	गु	६	०४	८	३५	भर	३६	०९	२०	३७	धृ	५६	३८	२८	४८	व	६	०४	८	३५	५४	०९	५५	३	१९	२५	वृषे	२६।४८	४।०७।२६।२६	५७।४६
जन्माष्ट.	७	शु	५	५४	८	३१	कृति	३८	३९	२१	३७	व्या	५५	१४	२८	१५	ब	५	५४	८	३१	५०	१०	५४	४	२०	२६	वृषे		४।०८।२४।१२	५७।४७
जन्माष्ट.	८	श	७	३८	९	१३	रोहि	४२	५३	२३	१९	ह	५५	१०	२८	१४	कौ	७	३८	९	१३	४७	१०	५३	५	२१	२७	वृषे		४।०९।२१।५९	५७।४९
गोगा	९	र	११	०१	१०	३५	मृग	४८	३४	२५	३६	व	५६	१०	२८	३८	ग	११	०१	१०	३५	४३	११	५२	६	२२	२८	मिथु.	१२।२४	४।१०।१९।४९	५७।५१
काल	१०	सो	१५	४६	१२	२९	आर्द्रा	५५	१७	२८	१८	सि	५७	५८	२९	२२	वि	१५	४६	१२	२९	३९	११	५१	७	२३	२९	मिथु.		४।११।१७।४०	५७।५३
ए.व्र.	११	मं	२१	२४	१४	४५	पुन	...	...	...	...	व्य	...	...	...	...	बा	२१	२४	१४	४५	३५	११	४९	८	२४	३०	कर्के	२४।२९	४।१२।१५।३३	५७।५५
गद	१२	बु	२७	२९	१७	१२	पुन	२	३६	७	१४	व्य	०	१२	६	१७	तै	२७	२९	१७	१२	३१	१२	४८	९	२५	३१	कर्के		४।१३।१३।२८	५७।५७
प्र.व्र.	१३	गु	३३	३८	१९	४०	पुष्य	१०	०७	१०	१५	व	२	३७	७	१५	ग	०	३४	६	२६	२७	१२	४७	१०	२६	१	कर्के		४।१४।१९।२४	५७।५९
मृत्यु	१४	शु	३९	३३	२२	०२	श्ले	१७	३०	१३	१३	प	४	५७	८	१२	वि	६	३८	८	५२	२३	१३	४६	११	२७	२	सिंहे	१३।१३	४।१५।०९।२३	५८।०१
अमाव.	३०	श	४५	०५	२४	१५	मघा	२४	३३	१६	०२	शि	७	०२	९	०२	च	१२	२२	११	१०	१९	१३	४५	१२	२८	३	सिंहे		४।१६।०७।२४	५८।०३

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है ।
हस्ते शुक्रः १४।०९
भ. २६।४५ उ., कञ्जली(बूढी ३), श्लेषा. बुधः १९।०६
भ. १३।२२ या., चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः २०।५६
पंचक समाप्तिः २०।५३, भा. भाद्रपदारंभः, सायन कन्यायां D
वृहद्गौरी व्र. (कर्नाटके डोली), हलषष्ठी, चंद्रषष्ठी (मरु.)
भ. ८।३५ उ. २०।२७ या., शीतला व्र., चित्रा.-१ गुरुः १४।२८
मन्वादि, जम्माष्टमी व्र. स्मा. |D भानुः ६।१४
जम्माष्टमी व्र. वैष्ण., अगस्त्योदयः २२।२७
भ. २३।२९ उ., गोगानवमी
भ. १२।२९ या. |A सं.स्त्री.स्त्री.सू.चं.वाहन मूषक अल्पवृष्टिः
अजा ११ व्र., जैनपर्युषण, वत्सपूजा, पूफा. रविः १८।३३, A
पूफा. सौरः ८।५५, चित्रा. शुक्रः २१।३६
भ. १९।४० उ., प्रदोषः, मासिकशिवरात्री व्र., सितंबर ९ ता. ३०, F
भ. ८।५२ या. |B लोहार्गल स्ना., |F सिंहे मघा. बुधः १४।२५
कुशाग्रहणी, पिठोरी ३०,देवपितृकार्येऽमा., श्रीशक्ति पूजा,मातृ ३० B

अयनांशाः २३।५५।०५

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

पं.२० भा.कृ. ६ गु. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
४	०	३	५	५	३	११	५
०८	२०	१९	२३	१५	११	२१	२१
००	२३	३८	१६	३०	१४	५२	५२
२४	३७	५५	१४	५६	५७	३५	३५
५७	२५	६६	१०	७०	७	३	३
५३	३६	४५	५२	४६	१२	११	११
म	म	श्ले	ह	ह	पु	२	ह
३	३	९	४	२	३	२	४



ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	अग.	रात्री	रात्री	रात्री	रात्री	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	सायं	रात्री
०४।०२।४४।५७	१ श	२०	९।४५	११।२१	९।१७	३।३२	५।५२	८।०९	१०।२५	१२।४४	३।०२	५।०७	६।५०	८।१९
०४।०३।४२।३४	२ र	२१	९।४१	११।१७	९।१३	३।२८	५।४८	८।०५	१०।२१	१२।४०	२।५८	५।०३	६।४६	८।१५
०४।०४।४०।१२	३ चं	२२	९।३७	११।१३	९।०९	३।२४	५।४४	८।०१	१०।१७	१२।३६	२।५४	४।५९	६।४३	८।११
०४।०५।३७।५३	४ मं	२३	९।३३	११।०९	९।०५	३।२०	५।४०	७।५७	१०।१३	१२।३२	२।५१	४।५५	६।३९	८।०७
०४।०६।३५।३५	५ बु	२४	९।२९	११।०५	९।०१	३।१६	५।३६	७।५३	१०।०९	१२।२८	२।४७	४।५१	६।३५	८।०३
०४।०७।३३।१९	६ गु	२५	९।२५	११।०१	९।२।५७	३।१२	५।३२	७।४९	१०।०५	१२।२४	२।४३	४।४७	६।३१	७।५९
०४।०८।३१।०५	७ शु	२६	९।२१	१०।५७	९।२।५३	३।०८	५।२८	७।४५	१०।०१	१२।२०	२।३९	४।४३	६।२७	७।५५
०४।०९।२८।५२	८ श	२७	९।१७	१०।५३	९।२।५०	३।०४	५।२४	७।४१	९।५७	१२।१६	२।३५	४।३९	६।२३	७।५१
०४।१०।२६।४२	९ र	२८	९।१३	१०।५०	९।२।४६	३।००	५।२०	७।३७	९।५३	१२।१२	२।३१	४।३५	६।१९	७।४७
०४।११।२४।३३	१० चं	२९	९।१०	१०।४६	९।२।४२	२।५६	५।१६	७।३३	९।४९	१२।०८	२।२७	४।३२	६।१५	७।४४
०४।१२।२२।२६	११ मं	३०	९।०६	१०।४२	९।२।३८	२।५२	५।१२	७।२९	९।४५	१२।०४	२।२३	४।२८	६।११	७।४०
०४।१३।२०।२१	१२ बु	३१	९।०२	१०।३८	९।२।३४	२।४८	५।०९	७।२५	९।४१	१२।००	२।१९	४।२४	६।०७	७।३६
०४।१४।१८।१८	१३ गु	१	८।५८	१०।३४	९।२।३०	२।४५	५।०५	७।२१	९।३७	११।५६	२।१५	४।२०	६।०३	७।३२
०४।१५।१६।१७	१४ शु	२	८।५४	१०।३०	९।२।२६	२।४१	५।०१	७।१८	९।३३	११।५२	२।११	४।१६	५।५९	७।२८
०४।१६।१४।१८	३० श	३	८।५०	१०।२६	९।२।२२	२।३७	४।५७	७।१४	९।२९	११।४९	२।०७	४।१२	५।५५	७।२४

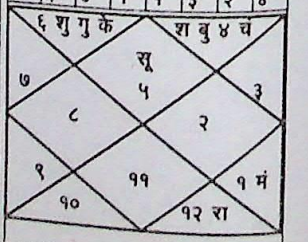
मास फलम्

इस माह में पांच शनिवार और पांच रविवार होने से महँगाई हो । भाद्रपद कृष्णाष्टमी रोहिणीयुक्त होने से शुभदा है । अमावस्या मघा योग समर्घता कारक है लेकिन तेल महंगा हो । सुदी २ सोमवार होने से धान्योत्पत्ति उत्तम और चौपायों की वृद्धि हो । सुदी छठ को अनुराधा होने से सुभिक्ष हो । भादवे में शु. ७ क्षय होने से दुर्भिक्ष हो । पूर्णिमा पूर्वाभाद्रपद युक्त होने से शुभ फल दायिनी है । शुक्रवार की सक्रांति होने से प्रजासुखी हो, स्वर्ण चांदी के भाव तेज हों, गाय भैंस हाथी घोडा मोटर गाड़ी आदि (चतुष्पद) पशु एवं वाहन के भाव तेज हो, रस कस लवण घृत के भाव सम रहे ।

अयनांशाः २३।५५।०६

पं.२१ भा.कृ.१३ गु. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
४	०	३	५	५	३	११	५
१४	२३	२९	२४	२३	१२	२१	२१
४६	१२	२४	३३	४५	०४	३०	३०
१३	५४	५७	४९	१६	३५	२०	२०
५८	२२	१०२	११	७०	६	३	३
०४	१०	२८	२१	२२	५६	११	११
पूफा	म	श्ले	चि	चि	पु	२	ह
१	३	४	१	१	३	२	४



CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

४ सितंबर से १८ सितंबर तक, श्री भाद्रपद शुक्लपक्ष संवत् २०६२, शाकः १९२७, दि.मा.सू. सू. तारीख्स स्टै. प्रातः दैनिक केतकी अहर्गणः ४९०० शरदृतू रविर्दक्षिणे, सितंबर २००५

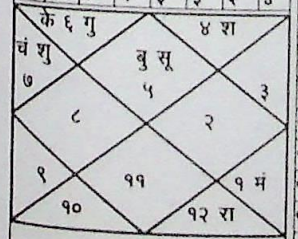
योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
छत्र	१	र	५०	०२	२६	१५	पूफा	३१	०५	१८	४०	सि	८	४६	९	४४	किं	१७	३८	१३	१७	३१/५५	६/४४	६/४४	१३	२९	४	कन्या	२५।१७	४।१७।०५।२७	५८।०५
श्रीवत्स	२	सो	५४	१८	२७	५७	उफा	३७	००	२१	०२	सा	१०	०२	१०	१५	बा	२२	१५	१५	०८	११	१४	४३	१४	३०	५	कन्या		४।१८।०३।३२	५८।०७
सौम्य	३	मं	५७	४३	२९	२०	हस्त	४२	०९	२३	०६	शु	१०	४३	१०	३२	तै	२६	०७	१६	४२	०७	१५	४२	१५	१	६	कन्या		४।१९।०१।३९	५८।०९
गणेश	४	बु	...	...	..	..	चित्रा	४६	१८	२४	४६	शु	१०	४२	१०	३२	व	२९	०१	१७	५२	०३	१५	४१	१६	२	७	तुला.	१२।००	४।१९।५९।४८	५८।११
ऋषि	४	गु	०	०२	६	१७	स्वा	४९	१६	२५	५८	ब्र	९	४९	१०	११	वि	०	०२	६	१७	३०/५९	१६	३९	१७	३	८	तुला.		४।२०।५७।५९	५८।१३
मातङ्ग	५	शु	१	०७	६	४३	विशा	५०	५०	२६	३६	ऐ	७	५५	९	२६	बा	१	०७	६	४३	५५	१६	३८	१८	४	९	वृश्चि.	२०।३०	४।२१।५६।१२	५८।१५
अमृत	६	श	०	४४	६	३४	अनु	५०	५३	२६	३८	वै	४	५२	८	१३	तै	०	४४	६	३४	५१	१७	३७	१९	५	१०	वृश्चि.		४।२२।५४।२७	५८।१७
क्षयः	७	श	५८	४९	२९	४८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
काण	८	र	५५	१८	२८	२४	ज्ये	४९	२३	२६	०२	वि	०/५५	३४/००	६/२८	३०/१७	वि	२७	१४	१७	१०	४७	१७	३६	२०	६	११	धनु.	२६।०२	४।२३।५२।४५	५८।२०
लुम्बक	९	सो	५०	१६	२६	२४	मूल	४६	२२	२४	५०	आ	४८	१३	२५	३५	बा	२२	५७	१५	२८	४३	१८	३५	२१	७	१२	धनु.		४।२४।५१।०४	५८।२२
मित्र	१०	मं	४३	५६	२३	५२	पूषा	४२	०१	२३	०६	सौ	४०	२१	२२	२६	तै	१७	१४	१३	१२	३९	१८	३४	२२	८	१३	मक.	२८।३६	४।२५।४९।२६	५८।२४
ए.व्र.	११	बु	३६	३३	२०	५५	उषा	३६	३६	२०	५७	शो	३१	३४	१८	५६	व	१०	२०	१०	२७	३५	१८	३२	२३	९	१४	मक.		४।२६।४७।५०	५८।२६
प्र.व्र.	१२	गु	२८	२३	१७	४०	श्रव	३०	२६	१८	२९	अ	२२	०९	१५	१०	ब	२	३१	७	१९	३१	१९	३१	२४	१०	१५	कुंभे	२९।११	४।२७।४६।१६	५८।२८
धाता	१३	शु	१९	५०	१४	१६	धनि	२३	५२	१५	५२	सु	१२	२१	११	१६	तै	१९	५०	१४	१६	२७	१९	३०	२५	११	१६	कुंभे		४।२८।४४।४५	५८।३१
आनन्द	१४	श	११	१७	१०	५१	शत	१७	१९	१३	१५	धृ	२/५२	३०/५४	७/२७	२०/२९	व	११	१७	१०	५१	२३	२०	२९	२६	१२	१७	मीने	२९।२३	४।२९।४३।१५	५८।३३
पूर्णिमा	१५	र	३	०४	७	३४	पूभा	११	१०	१०	४८	गं	४३	४९	२३	५२	ब	३	०४	७	३४	१९	२०	२८	२७	१३	१८	मीने		५।००।४१।४८	५८।३५

|A पूजनं, रंभारोपणं, प्रौष्ठपदी, महालय श्राद्धारंभः, विश्वकर्मा पू., कन्यायां सौरः १३।१२, कन्यायां बुधः १४।१९ |D यावत्, स्वा. शुक्रः ७।३९, पुष्ये-४ शनिः १२।४३ |C दशावतार व्र., सं.स्त्री.पु.सू.चं.वाहन नाग वर्षाश्रेष्ठः

अयनांशाः २३।५५।०७ ॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥ संक्रांति फलम् अयनांशाः २३।५५।०८

पं.२२ भा.शु. ४ गु. इष्टघटीं ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
४	०	४	५	६	३	११	५
२१	२५	१२	२५	०१	१२	२१	२१
३३	३६	१३	५४	५६	५२	०८	०८
२२	२२	३५	४२	४२	१०	०४	०४
५८	९८	११५	११	६९	६	३	३
१६	०८	१४	४७	५५	३६	११	११
पूफा	भ	म	चि	चि	पु	रे	ह
३	४	४	१	३	३	२	४



ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	सितं	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	सायं
०४।१७।१२।२१	१ र	४	८।४६	१०।२२	१२।१८	२।३३	४।५३	७।१०	९।२५	११।४५	२।०३	४।०८	५।५१	७।२०
०४।१८।१०।२६	२ चं	५	८।४२	१०।१८	१२।१४	२।२९	४।४९	७।०६	९।२२	११।४१	१।५९	४।०४	५।४७	७।१६
०४।१९।०८।३४	३ मं	६	८।३८	१०।१४	१२।१०	२।२५	४।४५	७।०२	९।१८	११।३७	१।५५	४।००	५।४३	७।१२
०४।२०।०६।४३	४ बु	७	८।३४	१०।१०	१२।०६	२।२१	४।४१	६।५८	९।१४	११।३३	१।५१	३।५६	५।३९	७।०८
०४।२१।०४।५४	४ गु	८	८।३०	१०।०६	१२।०२	२।१७	४।३७	६।५४	९।१०	११।२९	१।४७	३।५२	५।३५	७।०४
०४।२२।०३।०७	५ शु	९	८।२६	१०।०२	११।५८	२।१३	४।३३	६।५०	९।०६	११।२५	१।४३	३।४८	५।३२	७।००
०४।२३।०१।२३	६ श	१०	८।२२	९।५८	११।५४	२।०९	४।२९	६।४६	९।०२	११।२१	१।४०	३।४४	५।२८	६।५६
०४।२३।५९।४१	८ र	११	८।१८	९।५४	११।५०	२।०५	४।२५	६।४२	८।५८	११।१७	१।३६	३।४०	५।२४	६।५२
०४।२४।५८।००	९ चं	१२	८।१४	९।५०	११।४६	२।०१	४।२१	६।३८	८।५४	११।१३	१।३२	३।३६	५।२०	६।४८
०४।२५।५६।२२	१० मं	१३	८।१०	९।४६	११।४३	१।५७	४।१७	६।३४	८।५०	११।०९	१।२८	३।३२	५।१६	६।४४
०४।२६।५४।४७	११ बु	१४	८।०६	९।४२	११।३९	१।५३	४।१३	६।३०	८।४६	११।०५	१।२४	३।२८	५।१२	६।४०
०४।२७।५३।१३	१२ गु	१५	८।०२	९।३९	११।३५	१।४९	४।०९	६।२६	८।४२	११।०१	१।२०	३।२४	५।०८	६।३६
०४।२८।५१।४२	१३ शु	१६	७।५९	९।३५	११।३१	१।४५	४।०५	६।२२	८।३८	९०।५७	१।१६	३।२१	५।०४	६।३३
०४।२९।५०।१२	१४ श	१७	७।५५	९।३१	११।२७	१।४१	४।०२	६।१८	८।३४	९०।५३	१।१२	३।१७	५।००	६।२९
०५।००।४८।४५	१५ र	१८	७।५१	९।२७	११।२३	१।३७	३।५८	६।१४	८।३०	९०।४९	१।०८	३।१३	४।५६	६।२५

ता. १६ सितंबर २००५
भा. शु. १३ भृगौ कन्यायामर्कः प्र. (स्टै.) टा. २२।३३ वारात् ४ नक्षत्रात् ५ वारनाम मिश्रा पशून् सुस्पदा नक्षत्रनाम महोदरी चोरान् सुस्पदा मध्यरात्रि २ प्रहर व्यापिनी राक्षसान् हन्ति, उत्तरे गमनं, ऐशान्यां दृष्टिः गरकरणे प्रविष्टा मध्यमफलं हस्तीवाहनं स्वरोपवाहनं लक्ष्मीकारक रक्तवस्त्रं धनुष्यायुधं लोहपात्रं दुग्धभक्षणं गोरोचनलेपनं पशुजातिः विल्वपुष्पं मुकुटभूषणं श्वेतकंचुकी प्रौढावस्था (बैठी) मु. १५ धान्यभावे महर्घता वत्स पूर्वे राहु उत्तरे मूलं स्वर्गे विवाहस्तंभो ऐशान्यां शुक्रोदयः पश्चिमायाम् । पुण्यकालः (स्टै.) २२।३३ से २८।५७ तक । (दान- गृह वस्त्र) ।

पं.२३ भा.शु.१२ गु. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
४	०	४	५	६	३	११	५
२८	२७	२५	२७	१०	१३	२०	२०
२१	२९	३७	१८	०४	३७	४५	४५
५८	४९	५५	२३	४७	१९	४७	४७
५८	१३	११२	१२	६९	६	३	३
२९	२९	५३	०९	२४	१४	११	११
उफा	कृ	पूफा	वि	स्वा	वु	रे	ह
१	१	४	२	२	४	२	४



CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

१९ सितंबर से ३ अक्टूबर तक, श्री आश्विन कृष्णपक्ष संवत् २०६२, शाकः १९२७, दि.मासू. सू. तारीस्प स्टै. प्रातः दैनिक शरदृतू रविर्दक्षिणे भाद्रपदकृष्णेति गुर्जराः, सितंबर-अक्टूबर २००५

योगाः	ति.	वा.	घ.	प	चं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
क्षयः	१	र	५५	३७	२८	३५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
गद	२	सो	४९	१८	२६	०२	उमा	५	४८	८	४०	वृ	३५	३५	२०	३५	तै	२२	१६	१५	१५	३० १५	६ २९	६ ३७	२८	१४	१९	मीने	५।०१।४०।२३	५८।३७
शुभ	३	मं	४४	१६	२४	०४	रेव	५ ५८	३६ ५३	७ २९	०० ५४	ध्रु	२८	२६	१७	४३	व	१६	३२	१२	५८	१०	२१	२५	२९	१५	२०	मेषे ७।००	५।०२।३९।००	५८।४०
च.ब्र.	४	बु	४०	५८	२२	४५	भर	५७	५२	२९	३०	व्या	२२	३५	१५	२४	ब	१२	२३	११	१९	०६	२२	२४	३०	१६	२१	मेषे	५।०३।३७।४०	५८।४२
लुम्बक	५	गु	३९	३३	२२	११	कृति	५८	४३	२९	५१	ह	१८	११	१३	३९	कौ	१०	००	१०	२२	०२	२२	२३	३१	१७	२२	वृषे ११।३१	५।०४।३६।२२	५८।४४
मित्र	६	शु	४०	०४	२२	२४	रोहि	...	...	...	...	व	१५	१९	१२	३०	ग	९	३२	१०	१२	२९ १५	२३	२२	१	१८	२३	वृषे	५।०५।३५।०६	५८।४६
श्रीवत्स	७	श	४२	३०	२३	२३	रोहि	१	२७	६	५८	सि	१३	५८	११	५८	वि	११	०३	१०	४८	५४	२३	२१	२	१९	२४	मिथु. ११।४७	५।०६।३३।५२	५८।४९
सौम्य	८	र	४६	३८	२५	०३	मृग	५	५९	८	४७	व्य	१३	५९	११	५९	बा	१४	२२	१२	०८	५०	२४	२०	३	२०	२५	मिथु.	५।०७।३२।४१	५८।५१
काल	९	सो	५२	०९	२७	१३	आर्द्रा	१२	०१	११	१२	व	१५	११	१२	२८	तै	१९	११	१४	०४	४६	२४	१८	४	२१	२६	मिथु.	५।०८।३१।३२	५८।५३
सुस्थिर	१०	मं	५८	१०	२९	४०	पुन	९९	०४	१४	०२	प	१७	०८	१३	१६	व	२५	०२	१६	२५	४२	२५	१७	५	२२	२७	कर्के ७।१८	५।०९।३०।२५	५८।५६
मातङ्ग	११	बु	...	..	..	..	पुष्य	२६	३७	१७	०४	शि	१९	३०	१४	१३	ब	३१	१९	१८	५७	३८	२५	१६	६	२३	२८	कर्के	५।१०।२९।२१	५८।५८
ए.ब्र.	११	गु	४	२८	८	१३	श्ले	३४	०७	२०	०४	सि	२१	५२	१५	१०	बा	४	२८	८	१३	३३	२५	१५	७	२४	२९	सिंहे २०।०४	५।११।२८।१९	५९।००
प्र.ब्र.	१२	शु	१०	२८	१०	३७	मघा	४१	०८	२२	५३	सा	२३	५४	१६	००	तै	१०	२८	१०	३७	२९	२६	१४	८	२५	३०	सिंहे	५।१२।२७।१९	५९।०३
लुम्बक	१३	श	१५	४८	१२	४६	पूफा	४७	२३	२५	२४	शु	२५	२३	१६	३६	व	१५	४८	१२	४६	२५	२६	१३	९	२६	१	सिंहे	५।१३।२६।२२	५९।०५
मित्र	१४	र	२०	१४	१४	३३	उफा	५२	४४	२७	३३	शु	२६	१०	१६	५५	श	२०	१४	१४	३३	२१	२७	११	१०	२७	२	कन्या ७।५८	५।१४।२५।२७	५९।०७
अमाव.	३०	सो	२३	४१	१५	५६	हस्त	५७	०५	२९	१७	ब्र	२६	११	१६	५६	ना	२३	४१	१५	५६	१७	२७	१०	११	२८	३	कन्या	५।१५।२४।३४	५९।१०

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है ।
[A गजच्छाया (बोधायन) १५।५६ तक
[C २१।२५, वृश्चिके शुक्रः १६।२० [D श्राद्धं, अक्टूबर १० ता. ३१
भ. १२।५८ उ. २४।०४ या., पंचक समाप्तिः ७।००
चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः २०।३५
सायन तुलायां भानुः २७।५६, हस्ते बुधः २६।३८
भ. २२।२४ उ., चंद्रषष्ठी, भा. अश्विनारंभः, विशा. शुक्रः २१।०९
भ. १०।४८ या. [G चित्रा. बुधः २२।१०
श्रीमहालक्ष्मी व्र., अशोकाष्टमी
सौभाग्यवतीनां श्राद्धं, हस्ते रविः २७।५७, सं.स्त्री.स्त्री.सू.चं. वाहन B
भ. १६।२५ उ. २९।४० या., हस्ते सौरः १८।२८ [B मेष अल्पवृष्टिः
तुलायां चित्रा.-३ गुरुः ६।४८ [E केतुः १५।५९
इंदिरा ११ व्र. , सन्यासिनां श्राद्धं, रेव.-१ राहुः १५।५९, हस्ते-३ E
प्रदोषः, युगादि, गजच्छाया योगः १०।३७ से २२।५३ तक, G
भ. १२।४६ उ. २५।४२ या., मासिकशिवरात्री व्र., शस्त्रादि हतानां D
गजच्छाया (बोधायन) २७।३३ से , गांधी जयन्ती, वक्री भौमः C
सूर्यग्रहणम्, देवपितृकार्येऽमा., सोमवती अमा., सर्वपितृ श्राद्धम्, A

अयनांशाः २३।५५।०९

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

मास फलम् अयनांशाः २३।५५।१०

पं.२४ आ.कृ. ५ गु. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
५	०	५	५	६	३	११	५
०५	२८	०८	२८	१८	१४	२०	२०
१२	४८	३०	४४	०८	१९	२३	२३
०६	४५	०४	२७	५६	३९	३२	३२
५८	८	१०६	१२	६८	५	३	३
४२	११	३१	२८	४७	४७	१९	१९
उफा	कृ	उफा	वि	स्वा	पु	२	ह
३	१	४	२	४	४	२	४



ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	सितं	रात्री	रात्री	रात्री	रात्री	रात्री	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	सायं
०५।०१।४७।२१	२ चं	१९	७।४७	९।२३	११।१९	१।३४	३।५४	६।१०	८।२६	१०।४५	१।०४	३।०९	४।५२	६।२१
०५।०२।४५।५८	३ मं	२०	७।४३	९।१९	११।१५	१।३०	३।५०	६।०७	८।२२	१०।४१	१।००	३।०५	४।४८	६।१७
०५।०३।४४।३८	४ बु	२१	७।३९	९।१५	११।११	१।२६	३।४६	६।०३	८।१८	१०।३८	१२।५६	३।०१	४।४४	६।१३
०५।०४।४३।२०	५ गु	२२	७।३५	९।११	११।०७	१।२२	३।४२	५।५९	८।१४	१०।३४	१२।५२	२।५७	४।४०	६।०९
०५।०५।४२।०५	६ शु	२३	७।३१	९।०७	११।०३	१।१८	३।३८	५।५५	८।११	१०।३०	१२।४८	२।५३	४।३६	६।०५
०५।०६।४०।५९	७ श	२४	७।२७	९।०३	१०।५९	१।१४	३।३४	५।५१	८।०७	१०।२६	१२।४४	२।४९	४।३२	६।०१
०५।०७।३९।४०	८ र	२५	७।२३	८।५९	१०।५५	१।१०	३।३०	५।४७	८।०३	१०।२२	१२।४०	२।४५	४।२८	५।५७
०५।०८।३८।३१	९ च	२६	७।१९	८।५५	१०।५१	१।०६	३।२६	५।४३	७।५९	१०।१८	१२।३६	२।४१	४।२५	५।५३
०५।०९।३७।२५	१० मं	२७	७।१५	८।५१	१०।४७	१।०२	३।२२	५।३९	७।५५	१०।१४	१२।३२	२।३७	४।२१	५।४९
०५।१०।३६।२१	११ बु	२८	७।११	८।४७	१०।४३	१२।५८	३।१८	५।३५	७।५१	१०।१०	१२।२९	२।३३	४।१७	५।४५
०५।११।३५।१९	११ गु	२९	७।०७	८।४३	१०।३९	१२।५४	३।१४	५।३१	७।४७	१०।०६	१२।२५	२।२९	४।१३	५।४१
०५।१२।३४।२०	१२ शु	३०	७।०३	८।३९	१०।३५	१२।५०	३।१०	५।२७	७।४३	१०।०२	१२।२१	२।२५	४।०९	५।३७
०५।१३।३३।२३	१३ श	१	६।५९	८।३५	१०।३२	१२।४६	३।०६	५।२३	७।३९	९।५८	१२।१७	२।२१	४।०५	५।३३
०५।१४।३२।२८	१४ र	२	६।५५	८।३२	१०।२८	१२।४२	३।०२	५।१९	७।३५	९।५४	१२।१३	२।१७	४।०१	५।२९
०५।१५।३१।३५	३० च	३	६।५१	८।२८	१०।२४	१२।३८	२।५८	५।१५	७।३१	९।५०	१२।०९	२।१४	३।५७	५।२५

सूर्यग्रहण, ३ अक्टू. २००५, सोमवार
चन्द्रग्रहण,१७ अक्टू २००५, सोमवार

इस माह में पांच सोमवार होने से धान्य सस्ता हो । इस एक ही माह में सूर्यग्रहण, चन्द्रग्रहण है । कृष्णा एकादशी को बुधवार होने से गाय भैंस महँगी हों । सोमवारी अमावस होने से सुभिक्ष, वर्षा का प्रबल उदय-धान्य की उत्पत्ति लेकिन हस्त का योग नेष्ट है । कृ. छठ रविवार और ज्येष्ठा होने से सब धान्यों में समहर्घता हो । पूर्णिमा रेवती युक्त होने से सुभिक्ष हो । दक्षिण की पवन चले, धान्यादि सभी वस्तुओं के भाव मंदे हो, रस घृत किराणे की वस्तुएं तेज हों, लोक, महाजन प्रसन्न हों, प्रजा में सद्भाव अधिक हो । हस्त में बुध होने से सुभिक्ष हो, तेल, घृत आदि, रस (मधुर आदि) के मुल्य में वृद्धि हो ।

पं.२५ आ.कृ.११ गु. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
५	०	५	६	६	३	११	५
१२	२९	२०	००	२६	१४	२०	२०
०३	२८	३५	१२	०८	५८	०१	०१
५१	४६	२६	२८	२२	४६	१६	१६
५८	२	९९	१२	६८	५	३	३
५६	१९	४६	४२	०२	१८	११	११
ह	कृ	ह	वि	वि	पु	२	ह
१	१	४	३	२	४	२	४



CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

४ अक्टूबर से १७ अक्टूबर तक, श्री आश्विन शुक्लपक्ष संवत् २०६२, शाकः १९२७, दि.मा.सू. सू. तारीख्स स्टै. प्रातः दैनिक केतकी अहर्गणः ४९३० शरदृतू रविर्दक्षिणे, अक्टूबर २००५

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
नवरा.	१	मं	२६	०४	१६	५४	चित्रा	...	...	..	..	ऐ	२५	२३	१६	३७	ब	२६	०४	१६	५४	२९ १३	६ २८	६ ०९	१२	२९	४	तुला. १८।०१	५।१६।२३।४३	५९।१२
काल	२	बु	२७	२४	१७	२६	चित्रा	०	२३	६	३८	वै	२३	४६	१५	५९	कौ	२७	२४	१७	२६	०९	२९	०८	१३	३०	५	तुला.	५।१७।२२।५५	५९।१४
सुस्थिर	३	गु	२७	३७	१७	३२	स्वा	२	३९	७	३३	वि	२१	१६	१४	५९	ग	२७	३७	१७	३२	०५	२९	०७	१४	१	६	वृश्चि. २५।५७	५।१८।२२।१०	५९।१७
मातङ्ग	४	शु	२६	४३	१७	११	विशा	३	५०	८	०२	प्री	१७	५५	१३	३९	वि	२६	४३	१७	११	०१	३०	०६	१५	२	७	वृश्चि.	५।१९।२१।२६	५९।१९
अमृत	५	श	२४	४२	१६	२३	अनु	३	५५	८	०४	आ	१३	३९	११	५८	बा	२४	४२	१६	२३	२८ ५७	३०	०५	१६	३	८	वृश्चि.	५।२०।२०।४५	५९।२१
काण	६	र	२१	३६	१५	०९	ज्ये	२	५५	७	४१	सौ	८	३१	९	५५	तै	२१	३६	१५	०९	५३	३१	०४	१७	४	९	धनु. ७।४१	५।२१।२०।०७	५९।२४
लुम्बक	७	सो	१७	३०	१३	३१	मूल	० ५७	५४ ५८	६ २९	५३ ४२	शो	२ ५५	३४ ५३	७ २८	३३ ५२	व	१७	३०	१३	३१	४९	३१	०३	१८	५	१०	धनु.	५।२२।१९।३०	५९।२६
दुर्गा	८	मं	१२	३०	११	३२	उषा	५४	१३	२८	१३	सु	४८	३०	२५	५६	ब	१२	३०	११	३२	४४	३२	०१	१९	६	११	मक. ११।२२	५।२३।१८।५६	५९।२८
विजया	९	बु	६	४५	९	१४	श्रव	४९	५१	२६	२९	धृ	४०	३७	२२	४७	कौ	६	४५	९	१४	४०	३२	००	२०	७	१२	मक.	५।२४।१८।२४	५९।३१
ए.व्र.	१०	गु	०	२४	६	४२	धनि	४५	०३	२४	३४	शू	३२	२१	१९	२९	ग	०	२४	६	४२	३६	३३	५ ५९	२१	८	१३	कुंभे १३।३२	५।२५।१७।५५	५९।३३
क्षयः	११	गु	५३	४२	२८	०२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
ए.व्र.	१२	शु	४६	५०	२५	१८	शत	४०	०५	२२	३५	गं	२३	५३	१६	०७	ब	२०	१६	१४	४०	३२	३३	५८	२२	९	१४	कुंभे	५।२६।१७।२८	५९।३५
प्र.व्र.	१३	श	४०	०५	२२	३६	पूभा	३५	११	२०	३८	वृ	१५	२५	१२	४४	कौ	१३	२६	११	५६	२८	३४	५७	२३	१०	१५	मीने १५।०७	५।२७।१७।०३	५९।३७
सुस्थिर	१४	र	३३	४४	२०	०४	उभा	३०	३८	१८	५०	धृ	५९	०९ २६	३०	९ २६	ग	६	५०	९	१९	२४	३५	५६	२४	११	१६	मीने	५।२८।१६।४०	५९।४०
पूर्णिमा	१५	सो	२८	०२	१७	४८	रेव	२६	४५	१७	१७	ह	५२	०९	२७	२७	वि	०	४६	६	५४	२०	३५	५५	२५	१२	१७	मेषे १७।१७	५।२९।१६।२०	५९।४२

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।
नवरात्रारम्भः, घटस्था. अग्रसेनजयंती, ग्रहण-करिदिन, मातामह श्रा., I
चंद्रदर्शनम्(मु.१५), अनु. शुक्रः१५।२९, गुरोरस्तः पश्चिमायाम् २७।२३
भ. २९।२५ उ., रमजान ९ [I तुलायां बुधः २५।१५ [K बौद्धावतार
भ. १७।११ या. [C अंवतार, सरस्वती पूजनं पू.षामे, चित्रा. रविः G
उपांग ललिता व्र. [G १६।५६, सं.स्त्री.पु.सू.चं.वाहन महिष वर्षाश्रेष्ठः
स्वा. बुधः ७।५९ [N व्र. स्मार्त, चित्रा.-४ गुरुः २०।१०
भ. १३।३१ उ. २४।३४ या., सरस्वती आवाहनं मूलभे, भद्रकाली C
महाष्टमी, शस्त्रादि पूजा, बलिदानं उ.षामे, चित्रा. सौरः ६।५७
विजया १०, पट्टाभिषेक, सरस्वती विसर्जनं श्रवणे, शमीपूजा, मन्वादि, K
भ. १७।२३ उ. २८।०२ या., पंचक प्रारम्भः १३।३२, पापांकुशा ११ N
[B तुलायां रविः १०।३० (सौरः २४।०९), ज्येष्ठा. शुक्रः १७।११, F
पापांकुशा ११ व्र. वैष्ण. [F कार्तिक स्नान प्रा., आकाश दीपारंभः, H
प्रदोषः, कार्तिके द्विदलंत्यजेत् [H आश्वयुजी कर्म (आश्वलायनशास्त्रा)
भ. २०।०४ उ., शरदपूर्णिमा, कोजागरी व्र., बुधोदयः पश्चिमायाम् २४।५३
भ. ६।५४ या., पंचक समाप्तिः १७।१७, पूर्णिमा व्रतंपुण्यञ्च, A
ग्रस्तोदयं स्वण्डग्रासं चन्द्रग्रहणम्, बंगीयलक्ष्मी पूजा, नवान्नभक्षण, B

अयनांशाः २३।५५।११

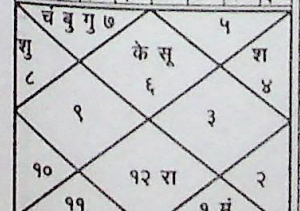
॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

संक्रांति फलम्

अयनांशाः २३।५५।१२

पं.२६ आ.शु. ३ गु. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
५	०	६	६	७	३	११	५
१८	२९	०१	०१	०४	१५	१९	१९
५७	२६	५५	४२	०२	३४	३९	३९
१५	२१	२०	००	०२	१७	०१	०१
५९	३	९३	१२	६७	४	३	३
१०	५५	४५	५३	०६	४५	११	११
ह	कृ	वि	वि	अनु	पु	रे	ह
३	१व	३	३	१	४	१	३

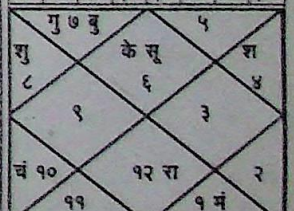


ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	अक्टु	सायँ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा
०५।१६।३०।४५	१ मं	४	६।४८	८।२४	१०।२०	१२।३४	२।५४	५।११	७।२७	९।४६	१२।०५	२।१०	३।५३	५।२२
०५।१७।२९।५८	२ बु	५	६।४४	८।२०	१०।१६	१२।३०	२।५१	५।०७	७।२३	९।४२	१२।०१	२।०६	३।४९	५।१८
०५।१८।२९।१२	३ गु	६	६।४०	८।१६	१०।१२	१२।२६	२।४७	५।०३	७।१९	९।३८	११।५७	२।०२	३।४५	५।१४
०५।१९।२८।२९	४ शु	७	६।३६	८।१२	१०।०८	१२।२३	२।४३	५।००	७।१५	९।३४	११।५३	१।५८	३।४१	५।१०
०५।२०।२७।४८	५ श	८	६।३२	८।०८	१०।०४	१२।१९	२।३९	४।५६	७।११	९।३०	११।४९	१।५४	३।३७	५।०६
०५।२१।२७।१०	६ र	९	६।२८	८।०४	१०।००	१२।१५	२।३५	४।५२	७।०७	९।२७	११।४५	१।५०	३।३३	५।०२
०५।२२।२६।३४	७ चं	१०	६।२४	८।००	९।५६	१२।११	२।३१	४।४८	७।०३	९।२३	११।४१	१।४६	३।२९	४।५८
०५।२३।२६।००	८ मं	११	६।२०	७।५६	९।५२	१२।०७	२।२७	४।४४	७।००	९।१९	११।३७	१।४२	३।२५	४।५४
०५।२४।२५।२९	९ बु	१२	६।१६	७।५२	९।४८	१२।०३	२।२३	४।४०	६।५६	९।१५	११।३३	१।३८	३।२१	४।५०
०५।२५।२४।५९	१० गु	१३	६।१२	७।४८	९।४४	११।५९	२।१९	४।३६	६।५२	९।११	११।२९	१।३४	३।१७	४।४६
०५।२६।२४।३३	१२ शु	१४	६।०८	७।४४	९।४०	११।५५	२।१५	४।३२	६।४८	९।०७	११।२५	१।३०	३।१४	४।४२
०५।२७।२४।०८	१३ श	१५	६।०४	७।४०	९।३६	११।५१	२।११	४।२८	६।४४	९।०३	११।२१	१।२६	३।१०	४।३८
०५।२८।२३।४६	१४ र	१६	६।००	७।३६	९।३२	११।४७	२।०७	४।२४	६।४०	८।५९	११।१८	१।२२	३।०६	४।३४
०५।२९।२३।२६	१५ चं	१७	५।५६	७।३२	९।२८	११।४३	२।०३	४।२०	६।३६	८।५५	११।१४	१।१८	३।०२	४।३०

ता. १७ अक्टूबर २००५
आश्वि. शु. १५ चंद्रे तुलायामर्कः
प्र. (स्टै.) टा. १०।३० वारात् ४
नक्षत्रात् ४ वारनाम ध्वांक्षी वैश्यान्
सुस्पदा नक्षत्रनाम मंदाकिनी नृपतीन्
सुस्पदा मध्यान्ह २ प्रहर व्यापिनी
द्विजान् हन्ति, पश्चिमे गमनं वायव्यां
दृष्टिः बवकरणे प्रविष्टा मध्यमफलं
सिंहवाहनं गजोपवाहनं भीतिकारक
श्वेतवस्त्रं भुशुण्ड्यायुधं स्वर्णपात्रं
अन्नभक्षणं कस्तूरीलेप्पनं दैवतंजातिः
पुन्नागपुष्पं पिरोजभूषणं विचित्रकंचुकी
बालावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यभावे
सम वत्स पूर्वे राहु उत्तरे मूलं भूमौ
विवाहस्तंभो ऐशान्यां शुक्रोदयः
पश्चिमायाम्। पुण्यकालः रवौ (स्टै.)
२८।३० से सोमवार १६।३० तक।
(दान- तिल)।

पं.२७ आ.शु.१० गु. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
५	०	६	६	७	३	११	५
२५	२८	१२	०३	११	१६	१९	१९
५२	४०	३६	१२	४८	०५	१६	१६
२१	०८	३४	३७	३३	५१	४४	४४
५९	१०	८८	१३	६५	४	३	३
२५	०६	५०	००	५६	१०	११	११
वि	कृ	स्वा	वि	अनु	पु	रे	ह
१	१व	२	३	३	४	१	३



CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

१८ अक्टूबर से २ नवंबर तक, श्री कार्तिक कृष्णपक्ष संवत् २०६२, शाकः १९२७, दि.मा.सू. सू. तारीख्त स्टै. प्रातः दैनिक शरदृतू रविर्दक्षिणे आश्विनकृष्णेति गुर्जराः, अक्टूबर-नवंबर २००५

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
अमृत	१	मं	२३	९९	९५	५५	अश्वि	२३	४८	१६	०७	व	४५	५९	२४	५६	कौ	२३	९९	९५	५५	२८ ६६	६ ३६	५ ५४	२६	१३	१८	मेषे	६।००।१६।०२	५९।४४
काण	२	बु	१९	५०	१४	३२	भर	२२	०६	१५	२७	सि	४०	३८	२२	५२	ग	९९	५०	१४	३२	१३	३६	५३	२७	१४	१९	वृषे २१।२२	६।०१।१५।४७	५९।४७
च.ब्र.	३	गु	१७	५३	१३	४६	कृति	२१	५४	१५	२२	व्य	३६	४१	२१	१७	वि	१७	५३	१३	४६	०९	३७	५२	२८	१५	२०	वृषे	६।०२।१५।३३	५९।४९
मित्र	४	शु	१७	३८	१३	४१	रोहि	२३	२२	१५	५८	व	३४	०६	२०	१६	बा	१७	३८	१३	४९	०५	३८	५१	२९	१६	२१	मिथु. २८।३२	६।०३।१५।२२	५९।५१
वज्र	५	श	१९	१३	१४	९९	मृग	२६	३६	१७	१७	प	३२	५५	१९	४८	तै	१९	९३	१४	१९	०१	३८	५१	३०	१७	२२	मिथु.	६।०४।१५।१३	५९।५३
ध्वाङ्क्ष	६	र	२२	३३	१५	४०	आर्द्रा	३१	३१	१९	१५	शि	३३	०३	१९	५२	व	२२	३३	१५	४०	२७ ५७	३९	५०	१	१८	२३	मिथु.	६।०५।१५।०६	५९।५५
मुद्गर	७	सो	२७	२६	१७	३८	पुन	३७	५०	२१	४८	सि	३४	१९	२०	२३	ब	२७	२६	१७	३८	५३	३९	४९	२	१९	२४	कर्के १५।०७	६।०६।१५।०२	५९।५८
प्रवर्धमा	८	मं	३३	२३	२०	०१	पुष्य	४५	०६	२४	४३	सा	३६	२०	२१	१२	बा	०	९८	६	४७	४९	४०	४८	३	२०	२५	कर्के	६।०७।१४।५९	६०।००
राक्षस	९	बु	३९	४८	२२	३६	श्ले	५२	४२	२७	४६	शु	३८	४०	२२	०९	तै	६	३३	९	१८	४५	४९	४७	४	२१	२६	सिंहे २७।४६	६।०८।१४।५९	६०।०२
मुसल	१०	गु	४६	०३	२५	०७	मघा	६०	०९	३०	४२	शु	४०	५१	२३	०२	व	९२	५९	११	५३	४२	४१	४६	५	२२	२७	सिंहे	६।०९।१५।०१	६०।०४
ए.ब्र.	११	शु	५१	३२	२७	१९	पूफा	...	...	...	...	ब्र	४२	३०	२३	४२	ब	९८	५४	१४	१६	३८	४२	४५	६	२३	२८	सिंहे	६।१०।१५।०५	६०।०६
लुम्बक	१२	श	५५	५१	२९	०३	पूफा	६	२८	९	९८	ऐ	४३	१९	२४	०३	कौ	२३	५१	१६	१५	३४	४३	४४	७	२४	२९	कन्या १५।५३	६।११।१५।१२	६०।०८
प्र.ब्र.	१३	र	५८	४८	३०	१५	उफा	११	४६	११	२६	दै	४३	०६	२३	५८	ग	२७	२९	१७	४३	३१	४३	४४	८	२५	३०	कन्या	६।१२।१५।२०	६०।१०
वज्र	१४	सो	...	...	..	..	हस्त	१५	४४	१३	०२	वि	४१	४६	२३	२७	वि	२९	४२	१८	३७	२७	४४	४३	९	२६	३१	तुला. २५।३७	६।१३।१५।३१	६०।१३
दीपाव.	१४	मं	०	१५	६	५१	चित्रा	१८	१७	१४	०४	प्री	३९	२१	२२	२९	श	०	१५	६	५१	२३	४५	४२	१०	२७	१	तुला.	६।१४।१५।४३	६०।१५
अन्नकू.	३०	बु	०	२०	६	५४	स्वा	१९	३०	१४	३३	आ	३५	५१	२१	०६	ना	०	२०	६	५४	२०	४६	४१	११	२८	२	तुला.	६।१५।१५।५८	६०।१७

गुरोरुदयः पूर्वस्याम्

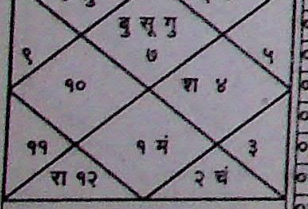
अयनांशाः २३।५५।१३

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

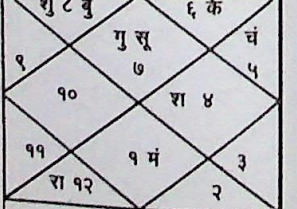
मास फलम् **अयनांशाः २३।५५।१४**

इस माह में पांच मंगलवार होने से शुभ हैं । जायते पंचभौमाश्च पंचमासास्तदाशुभाः । शुक्लपक्ष तेरह दिन का होने से प्रजा में बीमारी महर्घता आदिक उपद्रव हों । कृष्णा त्रयोदशी को रविवार होने से जौ गेहूँ महँगे हों । बुधवारी अमावस और स्वाति नक्षत्र होने से दुर्भिक्ष और अल्प धान्य हो । पूनम क्षय होने से दुर्भिक्ष हो । विशाखा में बुध होने से सुभिक्ष हो, गौओं को पीड़ा हो, स्नेह (तेल, घृत आदि), रस (मधुर आदि) के मुल्य में वृद्धि हो, भूमि अनेक प्रकार के अन्नों से परिपूर्ण हो ।

पं.२८ का.कृ. ३ गु. इष्टघटी ०।००								ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.	प्रातः	तिथि	अब्दु	सार्धं	रात्री	रात्री	रात्री	रात्री	रात्री	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा
६	०	६	६	७	३	११	५	०६।००।२३।०८	१ मं	१८	५।५२	७।२८	९।२४	११।३९	१।५९	४।१६	६।३२	८।५१	११।१०	१।१४	२।५८	४।२६
०२	२७	२२	०४	११	१६	१८	१८	०६।०१।२२।५३	२ बु	१९	५।४८	७।२४	९।२९	११।३५	१।५५	४।१२	६।२८	८।४७	११।०६	१।१०	२।५४	४।२२
४९	१२	४४	४३	२६	३३	५४	५४	०६।०२।२२।४०	३ गु	२०	५।४४	७।२१	९।१७	११।३१	१।५१	४।०८	६।२४	८।४३	११।०२	१।०६	२।५०	४।१८
०८	२०	२९	५५	०६	०५	२८	२८	०६।०३।२२।२९	४ शु	२१	५।४०	७।१७	९।१३	११।२७	१।४७	४।०४	६।२०	८।३९	११।०१	१।०३	२।४६	४।१४
५९	१५	८३	१३	६४	३	३	३	०६।०४।२२।२०	५ श	२२	५।३७	७।१३	९।०९	११।२३	१।४३	४।००	६।१६	८।३५	११।०१	१।०४	२।४२	४।११
३९	३४	५२	०४	२८	३१	११	११	०६।०५।२२।१४	६ र	२३	५।३३	७।०९	९।०५	११।१९	१।४०	३।५६	६।१२	८।३१	११।००	१।०५	२।४२	४।०७
बि	कृ	बि	वि	ज्ये	पु	रे	ह	०६।०६।२२।०९	७ च	२४	५।२९	७।०५	९।०१	११।१६	१।३६	३।५२	६।०८	८।२७	११।०४	१।०५	२।३४	४।०३
३	१व	१	४	१	४	१	३	०६।०८।२२।०७	८ मं	२५	५।२५	७।०१	८।५७	११।१२	१।३२	३।४९	६।०४	८।२३	११।०४	१।०४	२।३०	३।५९
								०६।०८।२२।०७	९ बु	२६	५।२९	६।५७	८।५३	११।०८	१।२८	३।४५	६।००	८।१९	११।०३	१।०३	२।२६	३।५५
								०६।०९।२२।१०	१० गु	२७	५।१७	६।५३	८।४९	११।०४	१।२४	३।४१	५।५६	८।१६	११।०३	१।०३	२।२२	३।५१
								०६।१०।२२।१४	११ शु	२८	५।१३	६।४९	८।४५	११।००	१।२०	३।३७	५।५२	८।१२	११।०३	१।०३	२।१८	३।४७
								०६।११।२२।२९	१२ श	२९	५।०९	६।४५	८।४१	११।०५	१।१६	३।३३	५।४९	८।०८	११।०२	१।०३	२।१४	३।४३
								०६।१२।२२।३०	१३ र	३०	५।०५	६।४१	८।३७	११।०५	१।१२	३।२९	५।४५	८।०४	११।०२	१।०३	२।१०	३।३९
								०६।१३।२२।४०	१४ च	३१	५।०१	६।३७	८।३३	११।०४	१।०८	३।२५	५।४१	८।००	११।०१	१।०२	२।०६	३।३५
								०६।१४।२२।५३	१४ मं	१	४।५७	६।३३	८।२९	११।०४	१।०४	३।२१	५।३७	७।५६	११।०१	१।०२	२।०३	३।३१
								०६।१५।२३।०८	३० बु	२	४।५३	६।२९	८।२५	११।०४	१।००	३।१७	५।३३	७।५२	११।०१	१।०२	१।५९	३।२७



पं.२९ का.कृ.१० गु. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
६	०	७	६	७	३	११	५
०९	२५	०२	०६	२६	१६	१८	१८
४७	१०	१०	१५	५२	५५	३२	३२
३४	१९	४८	२६	१७	४०	१२	१२
५९	१९	७५	१३	६२	२	३	३
५३	३२	५३	०४	३७	४९	११	११
स्वा	भ	वि	वि	ज्ये	श्ले	रे	ह
१	४व	४	४	४	१	१	३



CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust. Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

३ नवंबर से १५ नवंबर तक, श्री कार्तिक शुक्लपक्ष संवत् २०६२, शाकः १९२७, दि.मा.सू. सू. तारीख्स स्टै. प्रातः दैनिक केतकी अहर्गणः ४९६० हेमन्तर्तू रविर्दक्षिणे, नवंबर २००५

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प.	उ.	अ.	भा.	मु	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
क्षयः	१	बु	५९	०७	३०	२४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
प्रवर्धमा	२	गु	५६	४४	२९	२८	विशा	१९	२८	१४	३४	सौ	३१	२४	१९	२०	बा	२८	०३	१७	५९	२७ १६	६ ४६	५ ४१	१२	२९	३	वृश्चि.	८।३६	६।१६।१६।१५	६०।१९
राक्षस	३	शु	५३	२३	२८	०८	अनु	१८	२२	१४	०८	शो	२६	०८	१७	१४	तै	२५	०९	१६	५१	१२	४७	४०	१३	१	४	वृश्चि.		६।१७।१६।३४	६०।२१
मुसल	४	श	४९	१६	२६	३०	ज्ये	१६	२४	१३	२१	अ	२०	०८	१४	५१	व	२१	२४	१५	२१	०९	४८	३९	१४	२	५	धनु.	१३।२१	६।१८।१६।५४	६०।२३
सिद्धि	५	र	४४	३४	२४	३८	मूल	१३	४४	१२	१८	सु	१३	३६	१२	१५	ब	१६	५८	१३	३५	०६	४८	३९	१५	३	६	धनु.		६।१९।१७।१७	६०।२५
उत्पात	६	सो	३९	२९	२२	३७	पूषा	१०	३६	११	०४	धृ	६ ५९	४२ ३४	९ ३०	३० ३९	कौ	१२	०३	११	३८	०२	४९	३८	१६	४	७	मक.	१६।४४	६।२०।१७।४२	६०।२७
पद्म	७	मं	३४	१३	२०	३१	उषा	७	१०	९	४२	गं	५२	१७	२७	४५	ग	६	५१	९	३४	२६ ५६	५०	३७	१७	५	८	मक.		६।२१।१८।०८	६०।२९
छत्र	८	बु	२८	५१	१८	२३	श्रव	३	३७	८	१७	वृ	४४	५७	२४	५०	वि	१	३२	७	२७	५५	५१	३७	१८	६	९	कुंभे	१९।३५	६।२२।१८।३७	६०।३०
श्रीवत्स	९	गु	२३	३३	१६	१७	धनि	० ५६	०२ ३५	६ २९	५२ ३०	ध्रु	३७	४२	२१	५६	कौ	२३	३३	१६	१७	५२	५१	३६	१९	७	१०	कुंभे		६।२३।१९।०७	६०।३२
ध्याड़क्ष	१०	शु	१८	२३	१४	१३	पूभा	५३	१९	२८	१२	व्या	३०	३४	१९	०६	ग	१८	२३	१४	१३	४९	५२	३६	२०	८	११	मीने	२२।३१	६।२४।१९।४०	६०।३४
ए.ब्र.	११	श	१३	२७	१२	१६	उभा	५०	२०	२७	०१	ह	२३	३८	१६	२०	वि	१३	२७	१२	१६	४६	५३	३५	२१	९	१२	मीने		६।२५।२०।१४	६०।३६
प्र.ब्र.	१२	र	८	५३	१०	२७	रेव	४७	४८	२६	०१	व	१७	०१	१३	४२	बा	८	५३	१०	२७	४२	५४	३५	२२	१०	१३	मेषे	२६।०१	६।२६।२०।५०	६०।३८
राक्षस	१३	सो	४	४९	८	५०	अश्वि	४५	५३	२५	१६	सि	१०	४९	११	१४	तै	४	४९	८	५०	३९	५४	३४	२३	११	१४	मेषे		६।२७।२१।२८	६०।४०
पूर्णिमा	१४	मं	१	२५	७	२९	भर	४४	४६	२४	५०	व्य	५	१०	८	५९	व	१	२५	७	२९	३६	५५	३४	२४	१२	१५	वृषे	३०।४७	६।२८।२२।०७	६०।४१
क्षयः	१५	मं	५८	५७	३०	३०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।

[B पूर्तिः, गोपद्मव्रत समाप्ति, त्रिपुरोत्सव पुष्कर यात्रा, पद्मकयोगः चंद्रदर्शनम् (मु.३०), भ्रातृ २, यम २ यमुना स्नानं, कलम दवात पू. सव्वाल १०

भ. १५।२१ उ. २६।३० या., दूर्वागणपति व्र.

सौभाग्य ५, पाण्डव ५, विशा. रविः ११।३३ (सौरः २३।४७)

[C प्रा., चातुर्मास्य व्रत समाप्ति, देवोत्थापनं, पूषा. शुक्रः १९।१५

भ. २०।३१ उ., कल्पादि

भ. ७।२७ या., पंचक प्रारम्भः १९।३५, गोपाष्टमी युगादि, कुष्माण्ड (अक्षय) ९

भ. २५।१३ उ., ज्येष्ठा. बुधः २८।२८ [F वक्री बुधः २०।४७

भ. १२।१६ या., प्रबोधिनी ११ व्र., तुलसी विवाह, भीष्म पंचक C

पंचक समाप्तिः २६।०१, प्रदोषः, मन्वादि, स्वा.-२ गुरुः १४।३५

वैकुण्ठ १४, रोटक व्रत समाप्तिः, नेहरुजयन्ती (बालदिवस), F

भ. ७।२९ उ. १८।५७ या., मन्वादि, पूर्णिमा व्रतंपुण्यञ्च, कार्तिक A

[A व्रतोद्यापनं, नानक जयंती, भीष्मपंचक समाप्ति, कार्तिकस्नान B

अयनांशाः २३।५५।१५

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

संक्रांति फलम्

अयनांशाः २३।५५।१६

पं.३० का.शु. २ गु. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
६	०	७	६	८	३	११	५
१६	२२	१०	०७	०४	१७	१८	१८
४७	४६	२०	४६	०४	१३	०९	०९
३७	४९	२८	४३	०२	१६	५७	५७
६०	२१	५९	१३	६०	२	३	३
०६	१८	४९	००	१४	०६	११	११
स्वा	भ	अनु.	स्वा	मू	श्ले	रे	ह
४	३व	३	१	२	१	१	३



ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	नवं.	दिवा	सायं	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा
०६।१६।२३।२५	२ गु	३	४।४९	६।२५	८।२१	१०।३६	१२।५६	३।१३	५।२९	७।४८	१०।०७	१२।११	१।५५	३।२३
०६।१७।२३।४४	३ शु	४	४।४५	६।२१	८।१७	१०।३२	१२।५२	३।०९	५।२५	७।४४	१०।०३	१२।०७	१।५१	३।१९
०६।१८।२४।०५	४ श	५	४।४१	६।१७	८।१३	१०।२८	१२।४८	३।०५	५।२१	७।४०	९।५९	१२।०३	१।४७	३।१५
०६।१९।२४।२८	५ र	६	४।३७	६।१३	८।१०	१०।२४	१२।४४	३।०१	५।१७	७।३६	९।५५	११।५९	१।४३	३।११
०६।२०।२४।५३	६ चं	७	४।३३	६।१०	८।०६	१०।२०	१२।४०	२।५७	५।१३	७।३२	९।५१	११।५५	१।३९	३।०७
०६।२१।२५।२०	७ मं	८	४।२९	६।०६	८।०२	१०।१६	१२।३६	२।५३	५।०९	७।२८	९।४७	११।५२	१।३५	३।०३
०६।२२।२५।४९	८ बु	९	४।२६	६।०२	७।५८	१०।१२	१२।३२	२।४९	५।०५	७।२४	९।४३	११।४८	१।३१	३।००
०६।२३।२६।२०	९ गु	१०	४।२२	५।५८	७।५४	१०।०८	१२।२९	२।४५	५।०१	७।२०	९।३९	११।४४	१।२७	२।५६
०६।२४।२६।५३	१० शु	११	४।१८	५।५४	७।५०	१०।०५	१२।२५	२।४१	४।५७	७।१६	९।३५	११।४०	१।२३	२।५२
०६।२५।२७।२७	११ श	१२	४।१४	५।५०	७।४६	१०।०१	१२।२१	२।३८	४।५३	७।१२	९।३१	११।३६	१।१९	२।४८
०६।२६।२८।०३	१२ र	१३	४।१०	५।४६	७।४२	९।५७	१२।१७	२।३४	४।४९	७।०८	९।२७	११।३२	१।१५	२।४४
०६।२७।२८।४१	१३ चं	१४	४।०६	५।४२	७।३८	९।५३	१२।१३	२।३०	४।४५	७।०५	९।२३	११।२८	१।११	२।४०
०६।२८।२९।२१	१४ मं	१५	४।०२	५।३८	७।३४	९।४९	१२।०९	२।२६	४।४१	७।०१	९।१९	११।२४	१।०७	२।३६

ता. १६ नवंबर २००५
मार्ग. कृ. १ बुधे वृश्चिकेऽर्कः प्र. (स्टै.) टा. १०।१४ वारात् ३ नक्षत्रात् ४ वारनाम मंदाकिनी नृपतीन् सुस्थदा नक्षत्रनाम मिश्रा पशून् सुस्थदा पूर्वान्ह १ प्रहर व्यापिनी नृपतीन् हन्ति, पूर्वे गमनमाग्नेयां दृष्टिः बालवकरणे प्रविष्टा मध्यमफलं व्याघ्रवाहनं अश्वोपवाहनं भीतिकारक पीतवस्त्रं गदायुधं रौप्यपात्रं पायसभक्षणं कुंकुमलेप्यनं भूतजातिः जातिपुष्पं वंशकर्णभूषणं पर्णवंशधृकी कुमारिकावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यभावे सम वत्स दक्षिणे राहु पूर्वे मूलं पाताले विवाहस्तंभो वायव्याम् शुक्रोदयः पश्चिमायाम्। पुण्यकालः मंगलवार (स्टै.) २७।५० से बुधवार १०।१४ तक। (दान- दीप)।

पं.३१ का.शु. ९ गु. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
६	०	७	६	८	३	११	५
२३	२०	१५	०९	१०	१७	१७	१७
४९	१८	५४	५७	५७	२५	४७	४७
११	३०	२४	२२	११	४०	४०	४०
६०	२०	२७	१२	५७	१	३	३
१९	३३	११	५२	१०	२०	११	११
वि	भ	अनु.	स्वा	मू	श्ले	रे	ह
२	३व	४	१	४	१	१	३



CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

॥ श्रीवल्लभ मनीराम पञ्चाङ्गम् ॥

१६ नवंबर से १ दिसंबर तक, श्री मार्गशीर्ष कृष्णपक्ष संवत् २०६२, शाकः १९२७, दि.मासः सू. तारीख स्टै. प्रातः दैनिक हेमन्तर्तू रविर्दक्षिणे कार्तिककृष्णेति गुर्जराः, नवंबर-दिसंबर २००५

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
सिद्धि	१	बु	५७	३३	२९	५७	कृति	४४	४०	२४	४८	व	०/५६	१३/५०	७/२९	०५/२४	बा	२८	०५	१८	५०/३३	२६/५६	६/३३	५	२५	१३	१६	वृषे	६।२९।२२।४९	६०।४३
उत्पात	२	गु	५७	२८	२९	५६	रोहि	४५	४९	२५	१६	शि	५३	०७	२८	१२	तै	२७	१८	१७	५२	३०	५७	३३	२६	१४	१७	वृषे	७।००।२३।३२	६०।४५
मानस	३	शु	५८	५२	३०	३१	मृग	४८	२३	२६	१९	सि	५९	१३	२७	२७	व	२७	५६	१८	०८	२८	५८	३३	२७	१५	१८	मिथु.	७।०१।२४।१६	६०।४६
च.ग्र.	४	श	....	....	..	..	आर्द्रा	५२	२७	२७	५७	सा	५०	३०	२७	१०	ब	३०	०९	१९	०२	२५	५८	३२	२८	१६	१९	मिथु.	७।०२।२५।०३	६०।४८
ध्वजा	४	र	९	४९	७	४३	पुन	५७	५८	३०	१०	शु	५०	५५	२७	२१	बा	१	४९	७	४३	२२	५९	३२	२९	१७	२०	कर्के	२३।३४	७।०३।२५।५१	६०।४९
धाता	५	सो	६	१८	९	३१	पुष्य	....	....	....	....	शु	५२	२०	२७	५६	तै	६	१८	९	३१	१९	७/००	३२	३०	१८	२१	कर्के	७।०४।२६।४०	६०।५१
प्रवर्धमा	६	मं	१२	००	११	४९	पुष्य	४	४०	८	५३	ब्र	५४	२५	२८	४७	व	१२	००	११	४९	१७	०१	३९	१	१९	२२	कर्के	७।०५।२७।३१	६०।५३
राक्षस	७	बु	१८	२८	१४	२५	श्ले	१२	०९	११	५३	ऐ	५६	४५	२९	४४	ब	१८	२८	१४	२५	१४	०२	३१	२	२०	२३	सिंहे	११।५३	७।०६।२८।२४	६०।५४
मुसल	८	गु	२५	०९	१७	०३	मघा	१९	४८	१४	५७	वै	५८	५१	३०	३५	कौ	२५	०९	१७	०३	१२	०२	३१	३	२१	२४	सिंहे	७।०७।२९।१८	६०।५५
सिद्धि	९	शु	३०	५७	१९	२६	पूफा	२६	५५	१७	४९	वि	....	....	..	..	ग	३०	५७	१९	२६	०९	०३	३१	४	२२	२५	कन्या	२४।२८	७।०८।३०।१३	६०।५७
उत्पात	१०	श	३५	४२	२१	२१	उफा	३२	५६	२०	१४	वि	०	१४	७	१०	व	३	२९	८	२८	०७	०४	३१	५	२३	२६	कन्या		७।०९।३१।१०	६०।५८
ए.ब्र.	११	र	३८	५१	२२	३७	हस्त	३७	२५	२२	०३	प्री	०/५९	३५/५०	७/३०	१९/५६	ब	७	२८	१०	०४	०५	०५	३०	६	२४	२७	कन्या		७।१०।३२।०९	६१।००
मुद्गर	१२	सो	४०	०९	२३	०९	चित्रा	४०	०९	२३	०९	सौ	५७	१७	३०	००	कौ	९	४३	१०	५९	०२	०५	३०	७	२५	२८	तुला.	१०।४१	७।११।३३।०८	६१।०१
प्र.ब्र.	१३	मं	३९	३६	२२	५७	स्वा	४१	०५	२३	३२	शो	५३	२९	२८	३०	ग	१०	०५	११	०८	००	०६	३०	८	२६	२९	तुला.		७।१२।३४।१०	६१।०२
धाता	१४	बु	३७	११	२२	०२	विशा	४०	२०	२३	१५	अ	४८	२१	२६	२७	वि	८	३९	१०	३५	२५/५८	०७	३०	९	२७	३०	वृश्चि.	१७।२३	७।१३।३५।१२	६१।०४
अमाव.	३०	गु	३३	३१	२०	३२	अनु	३८	०६	२२	२२	सु	४२	०४	२३	५७	च	५	३५	९	२२	५६	०८	३०	१०	२८	१	वृश्चि.		७।१४।३६।१६	६१।०५

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है ।
आकाशदीप समाप्तिः, वृश्चिके रविः १०।१४ (सौरः २१।३९), A
[A रोहिण्यां रे. ७ SIIISISIII रात्रौ ल. ५ (मासान्तः, श.१२ B
भ. १८।०८ उ. ३०।३१ या., मृगे रे. १० IIIIIIIII दिवा ल. १ D
चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः २०।१४, अनु. रविः १७।३४ (सौरः २८।४१)
[D (सोप्रांगः, गु. ७ पू.), सौभाग्य सुंदरी व्र.
[B दोषः), (व) अनु. बुधः १०।३८, बुधास्तः पश्चिमायाम् २०।०७
भ. ११।४९ उ. २५।०५ या., भा. मार्गशीर्षारंभः, सायन धनुषि C
कालभैरवाष्टमी, मघा रे. ९ IIIIIIISII दिवा ल. १, रात्रौ G
[G अ.गो. ६ (मेषः सोप्रांगः गु. ७ पू.,कन्या. सोप्रांगः रा. ७ दो.)
[E राहुः १३।४०, हस्ते-२ केतुः १३।४०
भ. ८।२८ उ. २१।२१ या. [C भानुः १०।४८, वक्री शनिः २७।१२
उत्पत्ति ११ व्र. , वैतरणी व्र.
(व) विशा. बुधः २४।४९, उषा. शुक्रः १२।२५
भ. २२।५७ उ., प्रदोषः, मासिकशिवरात्री व्र., बुधोदयः पूर्वस्याम् F
भ. १०।३५ या., महाव्रतारंभः [F १४।५०, स्वा.-३ गुरुः १४।१७
देवपितृकार्येऽमा., गौरीतपोव्र., दिसंबर १२ ता. ३१, उभा.-४ E

अयनांशाः २३।५५।१७

पं.३२ मा.कृ. २ गु. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
७	०	७	६	८	३	११	५
००	१८	१६	१०	१७	१७	१७	१७
५२	०२	२०	४६	२६	३२	२५	२५
११	३८	४५	५३	१४	३९	२४	२४
६०	१७	३२	१२	५३	०	३	३
३०	२९	५१	४०	११	३३	११	११
वि	भ	अनु.	स्वा	पूषा	श्ले	रे	ह
४	२व	४व	२	२	१	१	३



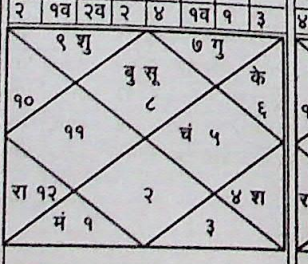
॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

ब्रह्म र. स्प. प्रातः	वार तिथि	ता. नवं.	मेष दिवा	वृष सायं	मिथुन रात्रौ	कर्क रात्रौ	सिंह रात्रौ	कन्या रात्रौ	तुला रात्रौ	वृश्चिक प्रातः	धनु दिवा	मकर दिवा	कुंभ दिवा	मीन दिवा
०६।२९।३०।०३	९ बु	९६	३।५८	५।३४	७।३०	९।४५	१२।०५	२।२२	४।३८	६।५७	९।१५	११।२०	१।०३	२।३२
०७।००।३०।४६	२ गु	१७	३।५४	५।३०	७।२६	९।४१	१२।०१	२।१८	४।३४	६।५३	९।११	११।१६	१२।५९	२।२८
०७।०१।३१।३१	३ शु	१८	३।५०	५।२६	७।२२	९।३७	११।५७	२।१४	४।३०	६।४९	९।०७	११।१२	१२।५५	२।२४
०७।०२।३२।१७	४ श	१९	३।४६	५।२२	७।१८	९।३३	११।५३	२।१०	४।२६	६।४५	९।०३	११।०८	१२।५२	२।२०
०७।०३।३३।०६	५ र	२०	३।४२	५।१८	७।१४	९।२९	११।४९	२।०६	४।२२	६।४१	८।५९	११।०४	१२।४८	२।१६
०७।०४।३३।५५	६ चं	२१	३।३८	५।१४	७।१०	९।२५	११।४५	२।०२	४।१८	६।३७	८।५६	११।००	१२।४४	२।१२
०७।०५।३४।४७	७ मं	२२	३।३४	५।१०	७।०६	९।२१	११।४१	१।५८	४।१४	६।३३	८।५२	१०।५६	१२।४०	२।०८
०७।०६।३५।४०	८ बु	२३	३।३०	५।०६	७।०२	९।१७	११।३७	१।५४	४।१०	६।२९	८।४८	१०।५२	१२।३६	२।०४
०७।०७।३६।३४	९ गु	२४	३।२६	५।०२	६।५९	९।१३	११।३३	१।५०	४।०६	६।२५	८।४४	१०।४८	१२।३२	२।००
०७।०८।३७।३०	१० शु	२५	३।२२	४।५९	६।५५	९।०९	११।२९	१।४६	४।०२	६।२१	८।४०	१०।४४	१२।२८	१।५६
०७।०९।३८।२७	११ श	२६	३।१८	४।५५	६।५१	९।०५	११।२५	१।४२	३।५८	६।१७	८।३६	१०।४१	१२।२४	१।५२
०७।१०।३९।२६	१२ र	२७	३।१५	४।५१	६।४७	९।०१	११।२१	१।३८	३।५४	६।१३	८।३२	१०।३७	१२।२०	१।४९
०७।११।४०।२६	१३ चं	२८	३।११	४।४७	६।४३	८।५७	११।१८	१।३४	३।५०	६।०९	८।२८	१०।३३	१२।१६	१।४५
०७।१२।४१।२७	१४ मं	२९	३।०७	४।४३	६।३९	८।५४	११।१४	१।३०	३।४६	६।०५	८।२४	१०।२९	१२।१२	१।४१
०७।१३।४२।२९	१५ बु	३०	३।०३	४।३९	६।३५	८।५०	११।१०	१।२७	३।४२	६।०१	८।२०	१०।२५	१२।०८	१।३७
०७।१४।४३।३३	३० गु	१	२।५९	४।३५	६।३१	८।४६	११।०६	१।२३	३।३८	५।५७	८।१६	१०।२१	१२।०४	१।३३

अयनांशाः २३।५५।१८

पं.३३ मा.कृ. ८ गु. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
७	०	७	६	८	३	११	५
०७	१६	०९	१२	२३	१७	१७	१७
५६	१३	२०	१४	२३	३४	०३	०३
२९	३६	१३	४९	४७	०७	०८	०८
६०	१२	८३	१२	४७	०	३	३
४१	४६	५८	२४	५६	१५	११	११
अनु	भ	अनु	स्वा	पूषा	श्ले	रे	ह
२	१व	२व	२	४	१व	१	३



अयनांशाः २३।५५।२०

पं.३४ मा.कृ.३० गु. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
७	०	७	६	८	३	११	५
१५	१५	०१	१३	२८	१७	१६	१६
०१	००	३०	४०	३९	३०	४०	४०
५५	३९	५०	३८	४४	०३	५२	५२
६०	७	२८	१२	४०	१	३	३
५०	११	४४	०३	५९	०२	११	११
अनु.	भ	वि	स्वा	उषा	श्ले	रे	ह
४	१व	४व	३	१	१व	१	३



CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

२ दिसंबर से १५ दिसंबर तक, श्री मार्गशीर्ष शुक्लपक्ष संवत् २०६२, शाकः १९२७, वि.मा.सू. सू. तारीख स्टै. प्रातः दैनिक केतकी अहर्गणः ४९८९ हेमन्तर्तू रविर्दक्षिणे, दिसंबर २००५

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
चर	१	शु	२८	३०	१८	३३	ज्ये	३४	४३	२१	०२	धृ	३४	५१	२१	०५	किं	१	०८	७	३६	२५ ५४	७ ०८	५ ३०	११	२९	२	धनु. २१।०२	७।१५।३७।२०	६१।०६
गद	२	श	२२	३९	१६	१३	मूल	३०	३१	१९	२२	शू	२६	५९	१७	५७	को	२२	३९	१६	१३	५२	०९	३०	१२	३०	३	धनु.	७।१६।३८।२७	६१।०७
शुभ	३	र	१६	१६	१३	४०	पूषा	२५	५२	१७	३१	गं	१८	४३	१४	३९	ग	१६	१६	१३	४०	५१	१०	३०	१३	१	४	मक. २३।०३	७।१७।३९।३४	६१।०८
मृत्यु	४	सो	९	४५	११	०५	उषा	२१	०८	१५	३८	वृ	१०	२१	११	१९	वि	९	४५	११	०५	४९	११	३०	१४	२	५	मक.	७।१८।४०।४२	६१।०९
लुम्बक	५	मं	३	२३	८	३३	श्रव	१६	३७	१३	५०	ध्रु	२ ५४	०७ १५	८ २८	०२ ५३	बा	३	२३	८	३३	४८	११	३१	१५	३	६	कुंभे २५।००	७।१९।४१।५१	६१।१०
क्षयः	६	मं	५७	२८	३०	११	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
मित्र	७	बु	५२	०७	२८	०३	धनि	१२	३४	१२	१४	ह	४६	४८	२५	५५	ग	२४	४२	१७	०५	४६	१२	३१	१६	४	७	कुंभे	७।२०।४३।०२	६१।११
वज्र	८	गु	४७	२७	२६	१२	शत	९	०७	१०	५२	व	३९	५३	२३	९०	वि	१९	४०	१५	०५	४५	१३	३१	१७	५	८	मीने २८।०१	७।२१।४४।१३	६१।१२
ध्वाङ्क्ष	९	शु	४३	३०	२४	३८	पूभा	६	२२	९	४६	सि	३३	३५	२०	३९	बा	१५	२२	१३	२२	४४	१४	३१	१८	६	९	मीने	७।२२।४५।२६	६१।१३
धूम्र	१०	श	४०	१९	२३	२२	उभा	४	२०	८	५८	व्य	२७	५०	१८	२२	तै	११	४८	११	५८	४२	१४	३१	१९	७	१०	मीने	७।२३।४६।३९	६१।१४
ए.व्र.	११	र	३७	५०	२२	२३	रेव	३	०२	८	२८	व	२२	४१	१६	१९	व	८	५८	१०	५०	४१	१५	३१	२०	८	११	मेषे ८।२८	७।२४।४७।५३	६१।१५
राक्षस	१२	सो	३६	०८	२१	४३	अश्वि	२	२७	८	१४	प	१८	०७	१४	३०	ब	६	५३	१०	०१	४०	१६	३२	२१	९	१२	मेषे	७।२५।४९।०९	६१।१६
प्र.व्र.	१३	मं	३५	१३	२१	२१	भर	२	३६	८	१९	शि	१४	०९	१२	५६	को	५	३४	९	३०	३९	१६	३२	२२	१०	१३	वृषे १४।२३	७।२६।५०।२४	६१।१७
सिद्धि	१४	बु	३५	१२	२१	२२	कृति	३	३४	८	४३	सि	१०	५१	११	३७	ग	५	०५	९	१९	३९	१७	३२	२३	११	१४	वृषे	७।२७।५१।४१	६१।१७
पूर्णिमा	१५	गु	३६	११	२१	४६	रोहि	५	२७	९	२८	सा	८	१७	१०	३६	वि	५	३३	९	३१	३८	१८	३३	२४	१२	१५	मिथु. २२।००	७।२८।५२।५९	६१।१८

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।
ज्येष्ठा. रविः २१।५०, मकरेशुक्रः ३०।४९
चंद्रदर्शनम् (मु.३०), रंभारत्येयं, ज्येष्ठा. सौरः ७।४६
भ. २४।२२ उ., जिल्काद ११, उषा. रे. ८ ।।ऽशु।।ऽ।।।। रात्रौ E
भ.११।०५ या., उषा. रे. ८ ।।ऽशु।।ऽ।।।। दिवा ल. १२ (सोग्रांगः, F
पंचक प्रारम्भः २५।००, नागपंचमी, स्कंदषष्ठी [F के ७ दो.)
[E ल. ३ (लग्नेश ६, चं. ७ दोषौ), मार्गी बुधः १९।००
भ.२८।०३ उ. [A (मक.श.७ दो.,मी.के ७ दो.सोग्रांगः),मृगे रे.D
भ. १५।०५ या. [D ६ ।ऽ।ऽशु।।ऽ।। रात्रौ लग्नाऽभावः, H
कल्पादि, अनु.बुधः २९।१६ [H श्रीदत्तजयंती, पूर्णिमा व्र. पु., C
मार्गीभौमः २५।४६, रेवत्यां रे.७ ।।।।ऽ।ऽऽ।। रात्रौ ल.६ (सोग्रांग, G
भ. १०।५० उ. २२।२३ या., मोक्षदा ११ व्र., गीता जयंती B
[C द्वात्रिंशी (बत्तीसी) पूर्णिमा, धनुषि मूले रविः २४।४८
प्रदोषः, अनंग त्रयोदशी व्र. [B पंचक समाप्तिः ८।२८.
भ. २१।२२ उ., पिशाच मोचन श्राद्धं [G रा. च. ७ दो.परमावश्यके)
भ. ९।३१ या., मृगे रे. ६ ।ऽ।ऽशु.ऽ।।ऽ।। दिवा ल. १०।१२ A

अयनांशाः २३।५५।२१

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

संक्रांति फलम्

अयनांशाः २३।५५।२२

पं.३५ मा.शु. ८ गु. इष्टघटी ०।००								
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.	
७	०	७	६	९	३	११	५	
२२	१४	०१	१५	०३	१७	१६	१६	
०८	२७	५७	०३	००	२०	१८	१८	
१८	४०	५६	५२	२८	३२	३६	३६	
६०	१	३९	११	३१	१	३	३	
५७	२५	४४	३८	४४	४८	११	११	
ज्ये	भ	वि	स्वा	उषा	श्ले	उभा	ह	
२	१व	४	३	२	१व	४	२	



ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	दिसं	दिवा	दिवा	सायँ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा
०७।१५।४४।३८	१ शु	२	२।५५	४।३१	६।२७	८।४२	११।०२	१।१९	३।३४	५।५४	८।१२	१०।१७	१२।००	१।२९
०७।१६।४५।४५	२ श	३	२।५१	४।२७	६।२३	८।३८	१०।५८	१।१५	३।३०	५।५०	८।०८	१०।१३	११।५६	१।२५
०७।१७।४६।५२	३ र	४	२।४७	४।२३	६।१९	८।३४	१०।५४	१।११	३।२७	५।४६	८।०४	१०।०९	११।५२	१।२१
०७।१८।४८।०१	४ चं	५	२।४३	४।१९	६।१५	८।३०	१०।५०	१।०७	३।२३	५।४२	८।००	१०।०५	११।४८	१।१७
०७।१९।४९।१०	५ म	६	२।३९	४।१५	६।११	८।२६	१०।४६	१।०३	३।१९	५।३८	७।५६	१०।०१	११।४४	१।१३
०७।२०।५०।२१	७ बु	७	२।३५	४।११	६।०७	८।२२	१०।४२	१२।५९	३।१५	५।३४	७।५२	९।५७	११।४१	१।०९
०७।२१।५१।३३	८ गु	८	२।३१	४।०७	६।०३	८।१८	१०।३८	१२।५५	३।११	५।३०	७।४८	९।५३	११।३७	१।०५
०७।२२।५२।४५	९ शु	९	२।२७	४।०३	५।५९	८।१४	१०।३४	१२।५१	३।०७	५।२६	७।४५	९।४९	११।३३	१।०१
०७।२३।५३।५९	१० श	१०	२।२३	३।५९	५।५५	८।१०	१०।३०	१२।४७	३।०३	५।२२	७।४१	९।४५	११।२९	१२।५७
०७।२४।५५।१३	११ र	११	२।१९	३।५५	५।५१	८।०६	१०।२६	१२।४३	२।५९	५।१८	७।३७	९।४१	११।२५	१२।५३
०७।२५।५६।२८	१२ चं	१२	२।१५	३।५१	५।४८	८।०२	१०।२२	१२।३९	२।५५	५।१४	७।३३	९।३७	११।२१	१२।४९
०७।२६।५७।४५	१३ म	१३	२।११	३।४८	५।४४	७।५८	१०।१८	१२।३५	२।५१	५।१०	७।२९	९।३३	११।१७	१२।४५
०७।२७।५९।०१	१४ बु	१४	२।०७	३।४४	५।४०	७।५४	१०।१४	१२।३१	२।४७	५।०६	७।२५	९।३०	११।१३	१२।४१
०७।२९।००।१९	१५ गु	१५	२।०४	३।४०	५।३६	७।५०	१०।१०	१२।२७	२।४३	५।०२	७।२१	९।२६	११।०९	१२।३८

ता. १५ दिसंबर २००५
मार्ग. शु. १५ गुरौ धनुष्यर्कः प्र. (स्टै.) टा. २४।४८ वारात् २ नक्षत्रात् ३ वारनाम नंदा गणकान् सुस्थदा नक्षत्रनाम मंदाकिनी नृपतीन् सुस्थदा अपर रात्रि ३ प्रहर व्यापिनी नटान् हन्ति, पूर्वे गमनमाग्नेयां दृष्टिः बालवकरणे प्रविष्टा मध्यमफलं व्याघ्रवाहनं अश्वोपवाहनं भीतिकारक पीतवस्त्रं गदायुधं रौप्यपात्रं पायसभक्षणं कुंकुमलेपनं भूतजातिः जातिपुष्पं कंकणभूषणं पर्णकंचुकी कुमारिकावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यभावे सम वत्स दक्षिणे राहु पूर्वे मूलं भूमौ विवाहस्तंभो वायव्याम् शुक्रोदयः पश्चिमायाम्। पुण्यकालः (स्टै.) २४।४८ से ३१।१२ तक। (दान- वस्त्र)।

पं.३६ मा.शु.१५ गु. इष्टघटी ०।००								
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.	
७	०	७	६	९	३	११	५	
२९	१४	०८	१६	०६	१७	१५	१५	
१५	३४	२५	२३	०८	०५	५६	५६	
२८	२२	०४	५६	०६	४७	२०	२०	
६१	४	७०	११	१९	२	३	३	
०३	०३	३८	०९	३६	३१	११	११	
ज्ये	भ	अनु	स्वा	उषा	श्ले	उभा	ह	
४	१	२	३	३	१व	४	२	



CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

॥ श्रीवल्लभ मनीराम पञ्चाङ्गम् ॥

१६ दिसंबर से ३१ दिसंबर तक, श्री पोष कृष्णपक्ष संवत् २०६२, शाकः १९२७, दि.मा.सू. सू. तारीख्स स्टै. प्रातः दैनिक हेमन्तर्तू रविर्दक्षिणे मार्गशीर्षकृष्णेति गुर्जराः, दिसंबर २००५

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
मानस	१	शु	३८	१७	२२	३७	मृग	८	२१	१०	३९	शु	६	३१	९	५५	बा	७	०३	९०	०७	२५/३७	७/१८	५/३३	२५	९३	१६	मिथु.	७।२९।५४।१७	६१।१९
मुद्गर	२	श	४१	३५	२३	५७	आर्द्रा	१२	२३	१२	१६	शु	५	४०	९	३५	तै	९	४६	११	९३	३७	१९	३३	२६	१४	१७	मिथु.	८।००।५५।३५	६१।१९
ध्वजा	३	र	४६	०७	२५	४६	पुन	१७	३५	१४	२१	ब्र	५	४३	९	३६	व	९३	४१	१२	४८	३६	१९	३४	२७	१५	१८	कर्के ७।४७	८।०१।५६।५५	६१।२०
च.व्र.	४	सो	५१	४५	२८	०२	पुष्य	२३	५४	१६	५३	ऐ	६	४०	१०	००	ब	१८	४८	१४	५१	३६	२०	३४	२८	१६	१९	कर्के	८।०२।५८।१५	६१।२१
आनन्द	५	मं	५८	१३	३०	३८	श्ले	३१	०८	१९	४८	वै	८	२४	१०	४२	कौ	२४	५४	१७	१८	३६	२०	३५	२९	१७	२०	सिंहे १९।४८	८।०३।५९।३५	६१।२१
चर	६	बु	...	...	...	..	मघा	३८	५२	२२	५४	वि	१०	३९	११	३६	ग	३१	३५	१९	५९	३६	२१	३५	३०	१८	२१	सिंहे	८।०५।००।५६	६१।२१
गद	६	गु	४	५९	९	२१	पूर्फा	४६	३४	२५	५९	प्री	१३	०४	१२	३५	व	४	५९	९	२१	३६	२१	३६	१	१९	२२	सिंहे	८।०६।०२।१८	६१।२२
शुभ	७	शु	११	२८	११	५७	उफा	५३	३५	२८	४८	आ	१५	११	१३	२६	ब	११	२८	११	५७	३६	२२	३६	२	२०	२३	कन्या ८।४४	८।०७।०३।४०	६१।२२
मृत्यु	८	श	१६	५९	१४	१०	हस्त	५९	१८	३१	०५	सौ	१६	३३	१४	००	कौ	१६	५९	१४	१०	३६	२२	३७	३	२१	२४	कन्या	८।०८।०५।०२	६१।२३
पद्म	९	र	२०	५४	१५	४५	चित्रा	...	...	...	...	शो	१६	४५	१४	०५	ग	२०	५४	१५	४५	३६	२३	३७	४	२२	२५	तुला. १९।५९	८।०९।०६।२४	६१।२३
मुद्गर	१०	सो	२२	५४	१६	३३	चित्रा	३	१४	८	४१	अ	१५	३१	१३	३५	वि	२२	५४	१६	३३	३७	२३	३८	५	२३	२६	तुला.	८।१०।०७।४७	६१।२३
ए.व्र.	११	मं	२२	४४	१६	२९	स्वा	५	०९	९	२७	सु	१२	३७	१२	२६	बा	२२	४४	१६	२९	३७	२४	३९	६	२४	२७	वृश्चि. २७।२९	८।११।०९।१०	६१।२३
प्र.ब्र.	१२	बु	२०	२५	१५	३४	विशा	४	५९	९	२४	धृ	८	०३	१०	३७	तै	२०	२५	१५	३४	३८	२४	३९	७	२५	२८	वृश्चि.	८।१२।१०।३४	६१।२३
आनन्द	१३	गु	१६	११	१३	५३	अनु	२/५३	५५/०३	८/३३	३९/०२	शू	९/५४	५५/२६	८/३३	४५/२९	व	१६	११	१३	५३	३९	२४	४०	८	२६	२९	धनु. ३१।०२	८।१३।११।५७	६१।२४
सुस्थिर	१४	शु	१०	१९	११	३२	मूल	५३	५६	२८	५९	वृ	४५	५०	२५	४५	श	१०	१९	११	३२	३९	२५	४०	९	२७	३०	धनु.	८।१४।१३।२१	६१।२४
अमाव.	३०	श	३	१३	८	४२	पूषा	४७	५७	२६	३६	धृ	३६	२८	२२	००	ना	३	१३	८	४२	४०	२५	४१	१०	२८	३१	धनु.	८।१५।१४।४४	६१।२४

अयनांशाः २३।५५।२३

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

पं.३७ पौ.कृ. ६ गु. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
८	०	७	६	९	३	११	५
०६	१५	१७	१७	०७	१६	१५	१५
२३	१७	२३	४०	४१	४६	३४	३४
११	५१	११	२०	०७	०९	०३	०३
६१	८	८३	१०	४	३	३	३
०७	५९	०६	३४	१७	११	११	११
मू	भ	ज्ये	स्वा	उषा	श्ले	उभा	ह
२	१	१	४	४	१व	४	२



ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	दिस	दिवा	दिवा	सायं	रात्री	रात्री	रात्री	रात्री	रात्री	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा
८।००।०९।३७	१ शु	१६	२।००	३।३६	५।३२	७।४६	९०।०७	९२।२३	२।३९	४।५८	७।१७	९।२२	११।०५	१२।३४
८।०१।०२।५६	२ श	१७	१।५६	३।३२	५।२८	७।४३	९०।०३	९२।१९	२।३५	४।५४	७।१३	९।१८	११।०१	१२।३०
८।०२।०४।१६	३ र	१८	१।५२	३।२८	५।२४	७।३९	९।५९	९२।१६	२।३१	४।५०	७।०९	९।१४	१०।५७	१२।२६
८।०३।०५।३६	४ सं	१९	१।४८	३।२४	५।२०	७।३५	९।५५	९२।१२	२।२७	४।४६	७।०५	९।१०	१०।५३	१२।२२
८।०४।०६।५७	५ मं	२०	१।४४	३।२०	५।१६	७।३१	९।५१	९२।०८	२।२३	४।४३	७।०१	९।०६	१०।४९	१२।१८
८।०५।०८।१८	६ बु	२१	१।४०	३।१६	५।१२	७।२७	९।४७	९२।०४	२।१९	४।३९	६।५७	९।०२	१०।४५	१२।१४
८।०६।०९।३९	६ गु	२२	१।३६	३।१२	५।०८	७।२३	९।४३	९२।००	२।१६	४।३५	६।५३	८।५८	१०।४१	१२।१०
८।०७।११।०१	७ शु	२३	१।३२	३।०८	५।०४	७।१९	९।३९	११।५६	२।१२	४।३१	६।४९	८।५४	१०।३७	१२।०६
८।०८।१२।२४	८ श	२४	१।२८	३।०४	५।००	७।१५	९।३५	११।५२	२।०८	४।२७	६।४५	८।५०	१०।३३	१२।०२
८।०९।१३।४६	९ र	२५	१।२४	३।००	४।५६	७।११	९।३१	११।४८	२।०४	४।२३	६।४१	८।४६	१०।३०	११।५८
८।१०।१५।०९	१० चं	२६	१।२०	२।५६	४।५२	७।०७	९।२७	११।४४	२।००	४।१९	६।३७	८।४२	१०।२६	११।५४
८।११।१६।३३	११ मं	२७	१।१६	२।५२	४।४८	७।०३	९।२३	११।४०	१।५६	४।१५	६।३४	८।३८	१०।२२	११।५०
८।१२।१७।५६	१२ बु	२८	१।१२	२।४८	४।४४	६।५९	९।१९	११।३६	१।५२	४।११	६।३०	८।३४	१०।१८	११।४६
८।१३।१९।१९	१३ गु	२९	१।०८	२।४४	४।४०	६।५५	९।१५	११।३२	१।४८	४।०७	६।२६	८।३०	१०।१४	११।४२
८।१४।२०।४३	१४ शु	३०	१।०४	२।४०	४।३७	६।५१	९।११	११।२८	१।४४	४।०३	६।२२	८।२६	१०।१०	११।३८
८।१५।२२।०७	३० श	३१	१।००	२।३७	४।३३	६।४७	९।०७	११।२४	१।४०	३।५९	६।१८	८।२२	१०।०६	११।३४

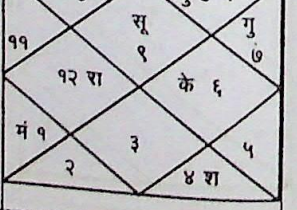
मास फलम्

अयनांशाः २३।५५।२४

इस माह में पांच शुक्रवार होने से प्रजा की वृद्धि हो, पांच शनिवार होने से महँगाई हो । शनिवारी अमावस पूर्वाषाढा योग होने से दुर्भिक्ष और कष्टकारी हो, अनावृष्टि हो । शुक्ला तिथि क्षय होने से दुर्भिक्ष हो । शुक्ला एकादशी को कृत्तिका होने से लाल वस्तुओं तथा धान्य के भावों में तेजी हो । पूर्णिमा शनिवार और पुनर्वसु युक्त होने से महर्घता हो । शनिवार की सक्रांति होने से सभी तरह की वस्तुओं का क्षय हो प्रजा में दुर्भिक्ष हो, धान्यादि भाव तेज हो और रोगों की अधिकता हो । ज्येष्ठा में बुध होने से ईस्, शाली और घी महँगे हों तथा घोड़ों में रोग हो ।

पं.३८ पौ.कृ.१३ गु. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
८	०	७	६	९	३	११	५
१३	१६	२७	१८	०७	१६	१५	१५
३१	३३	२३	५२	१८	२२	११	११
१५	५९	५४	२७	५७	०७	४८	४८
६१	१३	८८	९	१३	३	३	३
०९	१७	३५	५५	१७	४५	११	११
पूषा	भ	ज्ये	स्वा	उषा	पु	उभा	ह
१	१	४	४	४व	४व	४	२



CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

१ जनवरी से १४ जनवरी तक, श्री पोष शुक्लपक्ष संवत् २०६२, शाकः १९२७, दि.मा.सू. सू. तारीख्य स्टै. प्रातः दैनिक केतकी अहर्गणः ५०१९ शिशिरर्तू रविरुत्तरे, जनवरी २००६

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
क्षयः	१	श	५५	२०	२९	३३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
अमृत	२	र	४७	०६	२६	१६	उषा	४१	३४	२४	०३	व्या	२६	४२	१८	०६	बा	२१	१४	१५	५५	२५/४१	७/२५	५/४२	११	२९	१	मक. ७।५८	८।१६।१६।०८	६१।२४
सिद्धि	३	सो	३९	००	२३	०१	श्रव	३५	१५	२१	३१	ह	१६	५३	१४	११	तै	१३	०१	१२	३८	४२	२६	४३	१२	१	२	मक.	८।१७।१७।३२	६१।२४
उत्पात	४	मं	३१	२२	१९	५९	धनि	२९	२३	१९	११	व	७/५८	२०/२९	१०/३०	२२/४६	व	५	०५	९	२८	४४	२६	४३	१३	२	३	कुं.मे ८।१९	८।१८।१८।५६	६१।२४
मानस	५	बु	२४	३४	१७	१६	शत	२४	२०	१७	१०	व्य	५०	०९	२७	२९	बा	२४	३४	१७	१६	४५	२६	४४	१४	३	४	कुंभे	८।१९।२०।१९	६१।२३
मुद्गर	६	गु	१८	४९	१४	५८	पूभा	२०	२०	१५	३४	व	४२	५१	२४	३५	तै	१८	४९	१४	५८	४६	२६	४५	१५	४	५	मीने ९।५६	८।२०।२१।४३	६१।२३
ध्वजा	७	शु	१४	१८	१३	०९	उभा	१७	३२	१४	२७	प	३६	३३	२२	०४	व	१४	१८	१३	०९	४८	२६	४५	१६	५	६	मीने	८।२१।२३।०६	६१।२३
धाता	८	श	११	०२	११	५१	रेव	१५	५८	१३	५०	शि	३१	१६	१९	५७	ब	११	०२	११	५१	४९	२६	४६	१७	६	७	मेषे १३।५०	८।२२।२४।२९	६१।२३
आनन्द	९	र	९	०१	११	०३	अश्वि	१५	३८	१३	४२	सि	२६	५५	१८	१३	कौ	९	०१	११	०३	५१	२७	४७	१८	७	८	मेषे	८।२३।२५।५२	६१।२३
चर	१०	सो	८	१३	१०	४४	भर	१६	२७	१४	०१	सा	२३	३१	१६	५१	ग	८	१३	१०	४४	५३	२७	४८	१९	८	९	वृषे २०।११	८।२४।२७।१५	६१।२२
ए.व्र.	११	मं	८	३१	१०	५१	कृति	१८	२१	१४	४७	शु	२०	५७	१५	५०	वि	८	३१	१०	५१	५४	२७	४८	२०	९	१०	वृषे	८।२५।२८।३७	६१।२२
प्र.व्र.	१२	बु	९	५३	११	२४	रोहि	२१	१४	१५	५६	शु	१९	११	१५	०७	बा	९	५३	११	२४	५६	२७	४९	२१	१०	११	मिथु. २८।४०	८।२६।२९।५९	६१।२२
मृत्यु	१३	गु	१२	१३	१२	२०	मृग	२५	०४	१७	२८	ब्र	१८	१०	१४	४३	तै	१२	१३	१२	२०	५८	२७	५०	२२	११	१२	मिथु.	८।२७।३१।२१	६१।२१
पद्म	१४	शु	१५	३०	१३	३९	आर्द्रा	२९	४७	१९	२१	ऐ	१७	५०	१४	३५	व	१५	३०	१३	३९	२६/००	२७	५१	२३	१२	१३	मिथु.	८।२८।३२।४२	६१।२१
पूर्णिमा	१५	श	१९	४१	१५	१९	पुन	३५	२१	२१	३५	वै	१८	१२	१४	४३	ब	१४	४१	१५	१९	०३	२७	५२	२४	१३	१४	कर्के १५।००	८।२९।३४।०२	६१।२०

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह वारादि का समय स्टै.टा.मे है।
[A उत्तरायनारंभः, माघ स्नानारंभः
चंद्रदर्शनम् (मु.४५), जनवरी १ ता. ३१ सन २००६ ई.
जिल्हेज १२
म. ९।२८ उ. १९।५९ या., पंचक प्रारम्भः ८।१९
बुधास्तः पूर्वस्याम् ८।१२
विशा.-१ गुरुः ८।३१
म. १३।०९ उ. २४।२७ या.
पंचक समाप्तिः १३।५०, शांकभरी यात्रा
पूषा. बुधः २०।४३
म. २२।४४ उ. [C (व) धनुषि शुक्रः १९।४१
म. १०।५१ या., शुक्रास्तः पश्चिमायाम् २८।३६ B
प्रदोषः, उषा. सौरः ११।२२
[B पुत्रदा ११ व्र., मन्वादि, उषा. रविः २८।५६.
म. १३।३९ उ. २६।२६ या., पूर्णिमा व्रतं, शाकंभरी जयंती, C
पूर्णिमा पुण्यं, मकरे रविः ११।२७ (सौरः १७।३६), निरयन A

शुक्रास्तः पश्चिमायाम्

अयनांशाः २३।५५।२५

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

संक्रांति फलम्

अयनांशाः २३।५५।२६

पं.३९ पौ.शु. ६ गु. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
८	०	८	६	९	३	११	५
२०	१८	०७	१९	०४	१५	१४	१४
३९	१८	५३	५९	५५	५४	४९	४९
२६	२०	२०	३५	०२	४४	३३	३३
६१	१६	९१	९	२९	४	३	३
१०	५७	२८	११	२६	१४	११	११
पूषा	भ	मू	स्वा	उषा	पु	उभा	ह
३	२	३	४	३व	४व	४	२

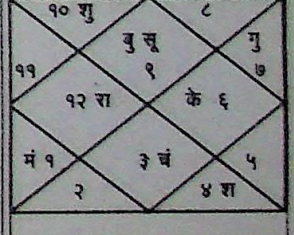


ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	जन.	दिवा	दिवा	दिवा	सायं	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः	दिवा	दिवा
८।१६।२३।३१	२ र	१	१२।५६	२।३३	४।२९	६।४३	९।०३	११।२०	१।३६	३।५५	६।१४	८।१९	१०।०२	११।३१
८।१७।२४।५५	३ चं	२	१२।५३	२।२९	४।२५	६।३९	८।५९	११।१६	१।३२	३।५१	६।१०	८।१५	९।५८	११।२७
८।१८।२६।१९	४ मं	३	१२।४९	२।२५	४।२१	६।३५	८।५६	११।१२	१।२८	३।४७	६।०६	८।११	९।५४	११।२३
८।१९।२७।४२	५ बु	४	१२।४५	२।२१	४।१७	६।३२	८।५२	११।०८	१।२४	३।४३	६।०२	८।०७	९।५०	११।१९
८।२०।२९।०६	६ गु	५	१२।४१	२।१७	४।१३	६।२८	८।४८	११।०५	१।२०	३।३९	५।५८	८।०३	९।४६	११।१५
८।२१।३०।२९	७ शु	६	१२।३७	२।१३	४।०९	६।२४	८।४४	११।०१	१।१६	३।३६	५।५४	७।५९	९।४२	११।११
८।२२।३१।५२	८ श	७	१२।३३	२।०९	४।०५	६।२०	८।४०	१०।५७	१।१२	३।३२	५।५०	७।५५	९।३८	११।०७
८।२३।३३।१५	९ र	८	१२।२९	२।०५	४।०१	६।१६	८।३६	१०।५३	१।०९	३।२८	५।४६	७।५१	९।३४	११।०३
८।२४।३४।३८	१० चं	९	१२।२५	२।०१	३।५७	६।१२	८।३२	१०।४९	१।०५	३।२४	५।४२	७।४७	९।३०	१०।५९
८।२५।३६।०१	११ मं	१०	१२।२१	१।५७	३।५३	६।०८	८।२८	१०।४५	१।०१	३।२०	५।३८	७।४३	९।२६	१०।५५
८।२६।३७।२३	१२ बु	११	१२।१७	१।५३	३।४९	६।०४	८।२४	१०।४१	१२।५७	३।१६	५।३४	७।३९	९।२२	१०।५१
८।२७।३८।४४	१३ गु	१२	१२।१३	१।४९	३।४५	६।००ं	८।२०	१०।३७	१२।५३	३।१२	५।३०	७।३५	९।१९	१०।४७
८।२८।४०।०५	१४ शु	१३	१२।०९	१।४५	३।४१	५।५६	८।१६	१०।३३	१२।४९	३।०८	५।२७	७।३१	९।१५	१०।४३
८।२९।४१।२६	१५ श	१४	१२।०५	१।४१	३।३७	५।५२	८।१२	१०।२९	१२।४५	३।०४	५।२३	७।२७	९।११	१०।३९

ता. १४ जनवरी २००६
पोष शु. १५ शनौ मकरेऽर्कः प्र. (स्टै.) टा. ११।२७ वारात् ३ नक्षत्रात् ३ वारनाम राक्षसी चाण्डालान् सुस्थदा नक्षत्रनाम महोदरी चोरान् सुस्थदा मध्यान्ह २ प्रहर व्यापिनी द्विजान् हन्ति, पश्चिमे गमनं वायव्यां दृष्टिः बवकरणे प्रविष्टा मध्यमफलं सिंहवाहनं गजोपवाहनं भीतिकारक श्वेतवस्त्रं भुशुण्ड्यायुधं स्वर्णपात्रं अन्नभक्षणं कस्तूरीलेप्यनं दैवतंजातिः पुन्नागपुष्पं पिरोजभूषणं विचित्रकंचुकी बालावस्था (बैठी) मु. ४५ धान्यभावे समर्घ वत्स दक्षिणे राहु पूर्वे मूलं स्वर्गे विवाहस्तंभो वायव्याम् शुक्रास्तः पश्चिमायाम् । पुण्यकालः (स्टै.) ११।२७ से २७।२७ तर्क । (दानकाष्ट - अन्न) ।

पं.४० पौ.शु.१३ गु. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
८	०	८	६	९	३	११	५
२७	२०	१८	२१	००	१५	१४	१४
४७	२६	४१	०१	५७	२३	२७	२७
३१	४०	२४	२६	२१	५५	१७	१७
६१	२०	९४	८	३७	४	३	३
०८	०४	११	२१	५४	३६	११	११
उषा	भ	पूषा	वि	उषा	पु	उभा	ह
१	३	२	१	२व	४व	४	२



CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

१५ जनवरी से २९ जनवरी तक, श्री माघ कृष्णपक्ष संवत् २०६२, शाकः १९२७, दि.मासू. सू. तारीख स्टै. प्रातः दैनिक शिशिरर्तू रविरुत्तरे पोषकृष्णेति गुर्जराः, जनवरी २००६

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
श्रीवत्स	१	र	२४	४३	१७	२०	पुष्य	४१	४४	२४	०८	वि	१९	१२	१५	०७	कौ	२४	४३	१७	२०	२६ ०५	७ २७	५ ५२	२५	१४	१५	कर्के	९।००।३५।२३	६१।२०
सौम्य	२	सो	३०	३४	१९	४०	श्ले	४८	५०	२६	५८	प्री	२०	४९	१५	४६	ग	३०	३४	१९	४०	०७	२६	५३	२६	१५	१६	सिंहे २६।५८	९।०१।३६।४२	६१।१९
काल	३	मं	३७	०४	२२	१६	मघा	५६	२८	३०	०२	आ	२२	५४	१६	३६	व	३	४६	८	५७	०९	२६	५४	२७	१६	१७	सिंहे	९।०२।३८।०१	६१।१८
च.ब्र.	४	बु	४३	५३	२४	५९	पूफा	...	...	...	...	सौ	२५	१८	१७	३३	ब	१०	२७	११	३७	१२	२६	५५	२८	१७	१८	सिंहे	९।०३।३९।२०	६१।१८
गद	५	गु	५०	३६	२७	४०	पूफा	४	२०	९	१०	शो	२७	४५	१८	३२	कौ	१७	१७	१४	२१	१४	२६	५६	२९	१८	१९	कन्या १५।५७	९।०४।४०।३७	६१।१७
शुभ	६	शु	५६	४०	३०	०६	उफा	११	५७	१२	१२	अ	२९	५२	१९	२२	ग	२३	४५	१६	५६	१७	२६	५७	३०	१९	२०	कन्या	९।०५।४१।५४	६१।१६
मृत्यु	७	श	...	...	...	...	हस्त	१८	४५	१४	५६	सु	३१	१३	१९	५५	वि	२९	१७	१९	०८	२०	२५	५७	१	२०	२१	तुला. २८।०६	९।०६।४३।१०	६१।१५
पद्म	७	र	१	३०	८	०१	चित्रा	२४	१३	१७	०६	धृ	३१	२६	२०	००	ब	१	३०	८	०१	२२	२५	५८	२	२१	२२	तुला.	९।०७।४४।२६	६१।१५
छत्र	८	सो	४	३३	९	१४	स्वा	२७	५२	१८	३४	शू	३०	१२	१९	३०	कौ	४	३३	९	१४	२५	२५	५९	३	२२	२३	तुला.	९।०८।४५।४०	६१।१४
श्रीवत्स	९	मं	५	३१	९	३७	विशा	२९	२४	१९	१०	गं	२७	१५	१८	१९	ग	५	३१	९	३७	२८	२५	६ ००	४	२३	२४	वृश्चि. १३।०६	९।०९।४६।५४	६१।१३
सौम्य	१०	बु	४	१४	९	०६	अनु	२८	४५	१८	५४	वृ	२२	३५	१६	२६	वि	४	१४	९	०६	३१	२४	०१	५	२४	२५	वृश्चि.	९।१०।४८।०७	६१।१२
ए.ब्र.	११	गु	०	४४	७	४१	ज्ये	२६	०१	१७	४८	धृ	१६	१३	१३	५३	बा	०	४४	७	४१	३४	२४	०१	६	२५	२६	धनु. १७।४८	९।११।४९।१९	६१।११
क्षयः	१२	गु	५५	१४	२९	३०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
प्र.ब्र.	१३	शु	४८	०९	२६	३९	मूल	२१	२९	१५	५९	व्या	८ ५९	२० ११	१० ३१	४३ ०४	ग	२१	५३	१६	०९	३७	२४	०२	७	२६	२७	धनु.	९।१२।५०।३०	६१।१०
मातङ्ग	१४	श	३९	५१	२३	१९	पूषा	१५	३३	१३	३६	व	४९	११	२७	०३	वि	१४	०८	१३	०२	४०	२३	०३	८	२७	२८	मक. १८।५६	९।१३।५१।४०	६१।०९
अमाव.	३०	र	३०	४९	१९	४२	उषा	८	३९	१०	५०	सि	३८	३७	२२	४९	च	५	२५	९	३३	४३	२३	०४	९	२८	२९	मक.	९।१४।५२।४९	६१।०८

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।

शुक्रोदयः पूर्वस्याम् ३०।१७, सक्रान्ति करिदिन |C कुंभे भानुः १०।३९

भ. ८।५७ उ. २२।१६ या., सौभाग्य सुन्दरी व्र., उषा. बुधः ८।०९

संकट हरगणपति व्र., गौरी चतुर्थी, चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः A

मकरे बुधः ९।३७, उफा. रे. ९ ।।।।।।।ऽ।। दिवा ल. २, रात्रौ गो. ९

भ. ३०।०६ उ., उफा. रे. ९ ।।।।।।।ऽ।। दिवा ल. १२ (केतु B

भ. १९।०८ या., भा.माघारंभः |A २१।२९, (व) पूषा. शुक्रः २८।५२

स्वामी विवेकानन्द जयंती, स्वा. रे. ८ ऽ।।।।।ऽ।। रात्रौ अ. गो. ९

नेताजीजयन्ती,श्रव.रविः ३१।१२,स्वातौ रे.८ ऽ।।।।।ऽ।। दिवा D

भ. २१।२८ उ., श्रव. सौरः १२।३३, अभि.नि. रविः २८।११

भ. ९।०६ या., अभि.नि. सौरः ९।२७, श्रव. बुधः १०।१९

षट्तिला ११ व्र., गणराज्यदिवस मूले रे. ७ ।।।।।ऽऽ।ऽऽ. रात्रौ E

|B चं. ७ दो), अभि. प्र.रविः२४।३५ (सौरः ३०।११), सायन C

भ. २६।३९ उ., प्रदोषः |E ल.६ (सोग्रांगः,रा. ७ दो.), तिल द्वादशी

भ. १३।०२ या., मासिकशिवरात्री व्र., कृत्ति. भौमः १६।१९

देवपितृकार्येऽमा., मौनी ३०, युगादि |D ल.१२।३

शुक्रोदयः पूर्वस्याम्

अयनांशाः २३।५५।२७

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

पं.४१ मा.कृ. ५ गु. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा	के.
९	०	८	६	८	३	११	५
०४	२२	२९	२१	२६	१४	१४	१४
५५	५५	५१	५७	३६	५०	०५	०५
१७	१०	०४	११	१३	५५	०२	०२
६१	२२	९७	७	३४	४	३	३
०५	४०	५३	२६	०७	५०	११	११
उषा	भ	उषा	वि	पूषा	पु	उमा	ह
३	३	९	१	४व	४व	४	२



ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	जन.	दिवा	दिवा	दिवा	सायं	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः	दिवा	दिवा
०९।००।४२।४६	१ र	१५	१२।०१	१।३७	३।३३	५।४८	८।०८	१०।२५	१२।४१	३।००	५।१२	७।२३	९।०७	१०।३५
०९।०१।४४।०६	२ चं	१६	१२।५७	१।३३	३।३०	५।४४	८।०४	१०।२१	१२।३७	२।५६	५।१५	७।१९	९।०३	१०।३१
०९।०२।४५।२५	३ मं	१७	१३।५३	१।३०	३।२६	५।४०	८।००	१०।१७	१२।३३	२।५२	५।११	७।१५	८।५९	१०।२७
०९।०३।४६।४३	४ बु	१८	१३।४९	१।२६	३।२२	५।३६	७।५६	१०।१३	१२।२९	२।४८	५।०७	७।१२	८।५५	१०।२३
०९।०४।४८।०१	५ गु	१९	१३।४६	१।२२	३।१८	५।३२	७।५२	१०।०९	१२।२५	२।४४	५।०३	७।०८	८।५१	१०।२०
०९।०५।४९।१८	६ शु	२०	१३।४२	१।१८	३।१४	५।२८	७।४९	१०।०५	१२।२१	२।४०	४।५९	७।०४	८।४७	१०।१६
०९।०६।५०।३४	७ श	२१	१३।३८	१।१४	३।१०	५।२५	७।४५	१०।०१	१२।१७	२।३६	४।५५	७।००	८।४३	१०।१२
०९।०७।५१।४९	७ र	२२	१३।३४	१।१०	३।०६	५।२१	७।४१	९।५८	१२।१३	२।३२	४।५१	६।५६	८।३९	१०।०८
०९।०८।५३।०४	८ चं	२३	१३।३०	१।०६	३।०२	५।१७	७।३७	९।५४	१२।०९	२।२८	४।४७	६।५२	८।३५	१०।०४
०९।०९।५४।१८	९ मं	२४	१३।२६	१।०२	२।५८	५।१३	७।३३	९।५०	१२।०५	२।२५	४।४३	६।४८	८।३१	१०।००
०९।१०।५५।३१	१० बु	२५	१३।२२	१२।५८	२।५४	५।०९	७।२९	९।४६	१२।०२	२।२१	४।३९	६।४४	८।२७	९।५६
०९।११।५६।४३	११ गु	२६	१३।१८	१२।५४	२।५०	५।०५	७।२५	९।४२	११।५८	२।१७	४।३५	६।४०	८।२३	९।५२
०९।१२।५७।५३	१३ शु	२७	१३।१४	१२।५०	२।४६	५।०१	७।२१	९।३८	११।५४	२।१३	४।३१	६।३६	८।१९	९।४८
०९।१३।५९।०३	१४ श	२८	१३।१०	१२।४६	२।४२	४।५७	७।१७	९।३४	११।५०	२।०९	४।२७	६।३२	८।१५	९।४४
०९।१५।००।१२	३० र	२९	१३।०६	१२।४२	२।३८	४।५३	७।१३	९।३०	११।४६	२।०५	४।२३	६।२८	८।१२	९।४०

मास फलम्

इस माह में पांच रविवार नेष्ट एवं पांच सोमवार समर्घता कारक हैं। परन्तु अमावस रविवार उत्तराषाढा योग दुर्भिक्ष कारक है। शुक्रा १ को सोमवार होने से सुभिक्ष हो। मास की शुक्रा चतुर्थी का क्षय होने से मूंग घी महंगे हों। शुक्राष्टमी को कृत्तिका न होने से फागुण में रोली लगे। शुक्रपक्ष में चतुर्दशी की वृद्धि होने से सुभिक्ष हो। पूर्णिमा आश्लेषा युक्त होने से महर्घता हो। रविवार की सक्रांति होने से कहीं कहीं युद्ध हो, राजविग्रह हो, रोगोत्पत्ति हो, धान्यादि महँगे हों। धन राशि में शुक्रोदय होने से अवर्षण से धान्य महँगा हो।

अयनांशाः २३।५५।२८

पं.४२ मा.कृ.११ गु. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
९	०	९	६	८	३	११	५
१२	२५	११	२२	२३	१४	१३	१३
०२	४०	२९	४६	१५	१६	४२	४२
३२	३५	१७	१९	००	४१	४६	४६
६१	२४	१०३	६	२०	४	३	३
००	५१	१९	२७	१४	५६	११	११
श्र	भ	श्र	वि	पूषा	पु	उमा	ह
१	४	१	१	३व	४व	४	२



CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

॥ श्रीवल्लभ मनीराम पञ्चाङ्गम् ॥

३० जनवरी से १३ फरवरी तक, श्री माघ शुक्लपक्ष संवत् २०६२, शाकः १९२७, दि.मा.सू. सू. तारीख स्टै. प्रातः दैनिक केतकी अहर्गणः ५०४८ शिशिरर्तू रविरुत्तरे, जनवरी-फरवरी २००६

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
सिद्धि	१	सो	२१	३२	१५	५९	श्रव	१ ५३	१७ ५६	७ २८	५३ ५६	व्य	२७	५५	१८	३२	ब	२१	३२	१५	५९	२६ ४६	७ २२	६ ०५	१०	२९	३०	कुंभे	१८।२४	९।१५।५३।५७	६१।०७
मृत्यु	२	मं	१२	२७	१२	२०	शत	४७	०४	२६	११	व	१७	२६	१४	२०	कौ	१२	२७	१२	२०	५०	२२	०६	११	१	३१	कुंभे		९।१६।५५।०३	६१।०६
पद्म	३	बु	३	५९	८	५७	पूभा	४१	०४	२३	४७	प	७ ५८	२९ २०	९० ३०	२५ ४९	ग	३	५९	८	५७	५३	२१	०६	१२	२	१	मीने	१८।२०	९।१७।५६।०९	६१।०४
क्षयः	४	बु	५६	२९	२९	५७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
वसंत	५	गु	५०	१८	२७	२८	उभा	३६	१६	२१	५१	सि	५०	१६	२७	२७	ब	२३	१४	१६	३८	५६	२१	०७	१३	३	२	मीने		९।१८।५७।१३	६१।०३
श्रीवत्स	६	शु	४५	३६	२५	३५	रेव	३२	५५	२०	३०	सा	४३	२६	२४	४३	कौ	१७	४५	१४	२६	२७ ०००	२०	०८	१४	४	३	मेषे	२०।३०	९।१९।५८।१७	६१।०२
सौम्य	७	श	४२	३३	२४	२१	अश्वि	३१	१०	१९	४७	शु	३७	५२	२२	२८	ग	१३	५२	१२	५२	०३	२०	०९	१५	५	४	मेषे		९।२०।५९।१८	६१।०१
काल	८	र	४१	११	२३	४७	भर	३१	०३	१९	४४	शु	३३	३८	२०	४६	वि	११	४०	११	५९	०७	१९	१०	१६	६	५	वृषे	२५।४९	९।२२।००।१९	६०।५९
सुस्थिर	९	सो	४१	२७	२३	५३	कृति	३२	३२	२०	१९	ब्र	३०	४२	१९	३५	बा	११	०७	११	४५	१०	१८	१०	१७	७	६	वृषे		९।२३।०१।१८	६०।५८
मातङ्ग	१०	मं	४३	१३	२४	३५	रोहि	३५	३०	२१	२९	ऐ	२८	५७	१८	५२	तै	१२	०९	१२	०९	१४	१८	११	१८	८	७	वृषे		९।२४।०२।१६	६०।५७
ए.ब्र.	११	बु	४६	१९	२५	४९	मृग	३९	४६	२३	११	वै	२८	१४	१८	३५	व	१४	३८	१३	०८	१७	१७	१२	१९	९	८	मिथु.	१०।१७	९।२५।०३।१३	६०।५५
काण	१२	गु	५०	३२	२७	२९	आर्द्रा	४५	०७	२५	१९	वि	२८	२६	१८	३९	ब	१८	१९	१४	३६	२१	१६	१३	२०	१०	९	मिथु.		९।२६।०४।०८	६०।५४
प्र.ब्र.	१३	शु	५५	३७	२९	३०	पुन	५१	१९	२७	४७	प्री	२९	१९	१८	५९	कौ	२३	००	१६	२७	२५	१६	१३	२१	११	१०	कर्के	२१।०९	९।२७।०५।०२	६०।५२
मित्र	१४	श	...	...	...	..	पुष्य	५८	०९	३०	३१	आ	३०	४६	१९	३३	ग	२८	२६	१८	३७	२८	१५	१४	२२	१२	११	कर्के		९।२८।०५।५४	६०।५१
वज्र	१४	र	१	२३	७	४७	श्ले	...	...	...	...	सौ	३२	३८	२०	१७	व	१	२३	७	४७	३२	१४	१५	२३	१३	१२	कर्के		९।२९।०६।४५	६०।४९
पूर्णिमा	१५	सो	७	३६	१०	१६	श्ले	५	२९	९	२५	शो	३४	४७	२१	०८	ब	७	३६	१०	१६	३६	१३	१६	२४	१४	१३	सिंहे	९।२५	१०।००।०७।३४	६०।४८

अयनांशाः २३।५५।२९

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

संक्रांति फलम्

अयनांशाः २३।५५।३०

पं.४३ मा.शु. ५ गु. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
९	०	९	६	८	३	११	५
१९	२८	२३	२३	२१	१३	१३	१३
०९	४०	३७	२८	४६	४२	२०	२०
०२	०६	५२	१४	०४	१०	३१	३१
६०	२६	१०६	५	२	४	३	३
५३	४०	१६	२२	३३	५४	११	११
श्र	कृ	ध	वि	पूषा	पु	उभा	ह
३	१	१	२	३व	४व	४	२

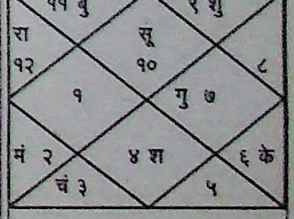


ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	जन.	दिवा	दिवा	दिवा	सायँ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः	दिवा	दिवा
०९।१६।०१।२०	१ चं	३०	११।०२	१२।३८	२।३४	४।४९	७।०९	९।२६	११।४२	२।०१	४।२०	६।२४	८।०८	९।३६
०९।१७।०२।२७	२ मं	३१	१०।५८	१२।३४	२।३०	४।४५	७।०५	९।२२	११।३८	१।५७	४।१६	६।२०	८।०४	९।३२
०९।१८।०३।३२	३ बु	१	१०।५४	१२।३०	२।२६	४।४१	७।०१	९।१८	११।३४	१।५३	४।१२	६।१६	८।००	९।२८
०९।१९।०४।३७	४ गु	२	१०।५०	१२।२६	२।२३	४।३७	६।५७	९।१४	११।३०	१।४९	४।०८	६।१२	७।५६	९।२४
०९।२०।०५।४०	५ शु	३	१०।४६	१२।२२	२।१९	४।३३	६।५३	९।१०	११।२६	१।४५	४।०४	६।०८	७।५२	९।२०
०९।२१।०६।४२	६ श	४	१०।४२	१२।१९	२।१५	४।२९	६।४९	९।०६	११।२२	१।४१	४।००	६।०४	७।४८	९।१६
०९।२२।०७।४२	७ र	५	१०।३९	१२।१५	२।११	४।२५	६।४५	९।०२	११।१८	१।३७	३।५६	६।०१	७।४४	९।१३
०९।२३।०८।४१	८ चं	६	१०।३५	१२।११	२।०७	४।२१	६।४२	८।५८	११।१४	१।३३	३।५२	५।५७	७।४०	९।०९
०९।२४।०९।३९	९ मं	७	१०।३१	१२।०७	२।०३	४।१८	६।३८	८।५४	११।१०	१।२९	३।४८	५।५३	७।३६	९।०५
०९।२५।१०।३६	१० बु	८	१०।२७	१२।०३	१।५९	४।१४	६।३४	८।५१	११।०६	१।२५	३।४४	५।४९	७।३२	९।०१
०९।२६।११।३१	११ गु	९	१०।२३	११।५९	१।५५	४।१०	६।३०	८।४७	११।०२	१।२१	३।४०	५।४५	७।२८	८।५७
०९।२७।१२।२५	१२ शु	१०	१०।१९	११।५५	१।५१	४।०६	६।२६	८।४३	१०।५८	१।१८	३।३६	५।४१	७।२४	८।५३
०९।२८।१३।१७	१३ श	११	१०।१५	११।५१	१।४७	४।०२	६।२२	८।३९	१०।५५	१।१४	३।३२	५।३७	७।२०	८।४९
०९।२९।१४।०८	१४ र	१२	१०।११	११।४७	१।४३	३।५८	६।१८	८।३५	१०।५१	१।१०	३।२८	५।३३	७।१६	८।४५
१०।००।१४।५७	१५ चं	१३	१०।०७	११।४३	१।३९	३।५४	६।१४	८।३१	१०।४७	१।०६	३।२४	५।२९	७।१२	८।४१

ता. १२ फरवरी २००६
माघ शु. १४ रवौ कुंभेऽर्कः प्र. (स्टै.)
टा. २४।२२ वारात् २ नक्षत्रात् ३
वारनाम घोरा शूद्रान् सुस्सदा
नक्षत्रनाम राक्षसी चाण्डालान् सुस्सदा
मध्यरात्रि २ प्रहर व्यापिनी राक्षसान्
हन्ति, उत्तरे गमनं, ऐशान्यां दृष्टिः
बवकरणे प्रविष्टा मध्यमफलं सिंहवाहनं
गजोपवाहनं भीतिकारक श्वेतवस्त्रं
भुशुण्ड्यायुधं स्वर्णपात्रं अन्नभक्षणं
कस्तूरीलेप्नं दैवतंजातिः पुत्रागपुष्पं
पिरोजभूषणं विधित्रकंचुकी
बालावस्था (बैठी) मु. १५ धान्यभावे
महर्घता वत्स पश्चिमा. राहु दक्षिणे
मूलं पाताले विवाहस्तंभो नैऋत्यां
शुक्रोदयः पूर्वस्याम् । पुण्यकालः
(स्टै.) १७।५८ से २४।२२ तक ।
(दान- गोड़ - अन्न) ।

पं.४४ मा.शु.१२ गु. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
९	१	१०	६	८	३	११	५
२६	०१	०६	२४	२२	१३	१२	१२
१४	५१	०७	०२	१९	०८	५८	५८
३७	२५	२५	२०	१६	२०	१६	१६
६०	२८	१०७	४	१३	४	३	३
४५	११	२०	१३	५८	४३	११	११
ध	कृ	ध	वि	पूषा	पु	उभा	ह
१	२	४	२	३	३व	३	१



भ. १९।२३ उ. २९।५७ या., वरद (कुंद) ४, तिल चतुर्थी, B
[B फरवरी २ ला. २८, धनि. बुधः २७।१७
वसन्त पञ्चमी, उभा.-३ राहुः ११।१५, हस्ते-१ केतुः ११।१५
पंचक समाप्तिः २०।३०, रेवत्यां रे ९ ।।।।S।।।। दिवा ल. २।३ D
भ. २४।२१ उ., मन्वादि, पुत्र ७, रथ ७, अचला ७, वृषे भौमः C
भ. ११।५९ या., भीष्माष्टमी, कुंभे बुधः २१।१५
धनि. रविः १०।१९ (सौरः १४।४०), (व) पुष्ये-३ शनिः २०।४०
[E १।२।३ (मेषे गु. ७ पू., वृषे सोग्रांगः, मि.शु. ७ पू.), मघा. F
भ. १३।०८ उ. २५।४९ या., जया ११ ब्र. [D रात्रौ ल. अ.गो.
भीष्मद्वादशी, शत. बुधः १४।३३ [C ३०।३८, मार्गी शुक्रः ७।४४
प्रदोषः, कल्यादि, बुधोदयः पश्चिमायाम् २३।३६ [A (सौरः २८।१४)
[F रे. ८ ।।।।।।SS।। रात्रौ ल. ७ (शु. ३ दोषः स्टै. २४।०६ या.)
भ. ७।४७ उ. २१।०० या., पूर्णिमा व्रतं, कुंभे रविः २४।२२ A
पूर्णिमा पुण्यं, माघस्नान पूर्तिः, मघा. रे. ८ ।।।।।।SS।। दिवा ल. E

CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

१४ फरवरी से २७ फरवरी तक, श्री फाल्गुन कृष्णपक्ष संवत् २०६२, शाकः १९२७, दि.मा.सू. सू. तारीस्प स्टै. प्रातः दैनिक शिशिरर्तू रविरुत्तरे माघकृष्णेति गुर्जराः, फरवरी २००६

योगः	ति.	वा.	घ.	प.	घ.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घ.	मि.	घ.प.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
काल	१	मं	१४	०५	१२	५१	मघा	१३	०४	१२	२६	अ	३७	०८	२२	०४	कौ	१४	०५	१२	५१	२७ ३९	७ १३	६ १६	२५	१५	१४	सिंहे	१०।०१।०८।२२	६०।४६
सुस्थिर	२	बु	२०	४२	१५	२९	पूफा	२०	४५	१५	३०	सु	३९	२९	२३	००	ग	२०	४२	१५	२९	४३	१२	१७	२६	१६	१५	कन्या २२।१६	१०।०२।०९।०८	६०।४४
च.व्र.	३	गु	२७	१२	१८	०४	उफा	२८	१९	१८	३१	धृ	४१	४२	२३	५२	वि	२७	१२	१८	०४	४७	११	१८	२७	१७	१६	कन्या	१०।०३।०९।५३	६०।४३
अमृत	४	शु	३३	१२	२०	२७	हस्त	३५	२६	२१	२०	शू	४३	२८	२४	३३	व	०	१८	७	१७	५१	१०	१८	२८	१८	१७	कन्या	१०।०४।१०।३६	६०।४१
काण	५	श	३८	१६	२२	२८	चित्रा	४१	३९	२३	४९	गं	४४	३१	२४	५८	कौ	५	५३	९	३०	५५	०९	१९	२९	१९	१८	तुला. १०।३८	१०।०५।११।१७	६०।४०
लुम्बक	६	र	४२	००	२३	५७	स्वा	४६	३४	२५	४६	वृ	४४	३१	२४	५७	ग	१०	२१	११	१७	५९	०८	२०	३०	२०	१९	तुला.	१०।०६।११।५७	६०।३८
मित्र	७	सो	४४	००	२४	४४	विशा	४९	४९	२७	०३	धु	४३	१२	२४	२४	वि	१३	१५	१२	२६	२८ ०३	०७	२१	१	२१	२०	वृश्चि. २०।४८	१०।०७।१२।३४	६०।३६
वज्र	८	मं	४४	०९	२४	४३	अनु	५१	०७	२७	३३	व्या	४०	२२	२३	१६	बा	१४	१७	१२	४९	०७	०७	२१	२	२२	२१	वृश्चि.	१०।०८।१३।१०	६०।३४
ध्वाङ्क्ष	९	बु	४१	५७	२३	५२	ज्ये	५०	२३	२७	१५	ह	३५	५४	२१	२७	तै	१३	१६	१२	२४	११	०६	२२	३	२३	२२	धनु. २७।१५	१०।०९।१३।४५	६०।३२
धूम्र	१०	गु	३७	५१	२२	१३	मूल	४७	४२	२६	१०	व	२९	५०	१९	०१	व	१०	०९	११	०८	१५	०५	२३	४	२४	२३	धनु.	१०।१०।१४।१७	६०।३१
ए.व्र.	११	शु	३१	५७	११	५०	पूषा	४३	१७	२४	२२	सि	२२	१६	१५	५८	ब	५	०७	९	०७	११	०४	२३	५	२५	२४	मक. २९।५०	१०।११।१४।४८	६०।२९
प्र.व्र.	१२	श	२४	३३	१६	५२	उषा	३७	२७	२२	०२	व्य	१३	२८	१२	२६	तै	२४	३३	१६	५२	२३	०३	२४	६	२६	२५	मक.	१०।१२।१५।१६	६०।२७
शिवरा.	१३	र	१६	०३	१३	२७	श्रव	३०	३८	१९	१७	व	३ ५३	४९ ४४	८ ३८	३० ४२	व	१६	०३	१३	२७	२७	०२	२५	७	२७	२६	कुंभे २९।४९	१०।१३।१५।४३	६०।२५
अमाव.	१४	सो	६	५३	९	४६	धनि	२३	१५	१६	१९	शि	४२	३१	२४	०१	श	६	५३	९	४६	३१	०१	२५	८	२८	२७	कुंभे	१०।१४।१६।०८	६०।२३
क्षयः	३०	सो	५७	२६	२९	५९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।
मघा रे. ८ IIIISSIIII दिवा ल. १ (गु. ७ पू.)
भ.२८।४७ उ., उफा. रे. १० IIIIIIIII दिवा ल. ४, रात्रौ गो. ९ B
भ. १८।०४ या., चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः २१।०७, पूभा. बुधः ३१।००
|B (कर्कः सोग्रांगः, धनुषि. रा. ४ दो., स्टै. २८।४७ या.)
सायन मीने भानुः २४।४३
भ. २३।५७ उ., शत. रविः १४।४८ (सौरः १८।१४)
भ. १२।२६ या., भा.फाल्गुनारंभः, उषा. शुक्रः ८।११, अनु.रे. C
अनु. रे. ६ SIIISISSII दिवा ल. १।४, रात्रौ अ. गो. ९ (मेषे D
रामदास ९ |D गु. ७ पू.,कर्कः सोग्रांगः, धनुषि रा. ४ दोषः)
भ. ११।०८ उ. २२।१३ या.
विजया ११ व्र., मीने बुधः १७।१९
प्रदोषः, रोहि. भौमः २०।११, मकरे शुक्रः १८।४८ |A व्रतैम्
भ. १३।२७ उ. २३।३८ या., पंचक प्रारम्भः २९।४९, महाशिवरात्री A
देवपितृकार्येऽमा., सोमवती अमा.
|C ६ SIIISISSII रात्रौ ९ (रा. ४ दोषः, स्टै. २७।०३ उपरान्त)

अयनांशाः २३।५५।३१

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

मास फलम्

अयनांशाः २३।५५।३२

पं.४५ फा.कृ. ३ गु. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
१०	१	१०	६	८	३	११	५
०३	०५	१८	२४	२४	१२	१२	१२
१९	१२	२१	२८	३९	३६	३६	३६
०७	३५	५४	०८	१४	०९	०२	०२
६०	२९	९८	२	२७	४	३	३
३५	२८	४९	५९	२५	२५	११	११
ध	कृ	श	वि	पूषा	पु	उभा	ह
३	३	४	२	४	३व	३	१



ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	फर.	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	सायं	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः	दिवा
१०।०१।१५।४४	१ मं	१४	१०।०३	११।३९	१।३५	३।५०	६।१०	८।२७	१०।४३	१।०२	३।२०	५।२५	७।०८	८।३७
१०।०२।१६।३०	२ बु	१५	९।५९	११।३५	१।३१	३।४६	६।०६	८।२३	१०।३९	१२।५८	३।१६	५।२१	७।०५	८।३३
१०।०३।१७।१५	३ गु	१६	९।५५	११।३१	१।२७	३।४२	६।०२	८।१९	१०।३५	१२।५४	३।१३	५।१७	७।०१	८।२९
१०।०४।१७।५८	४ शु	१७	९।५१	११।२७	१।२३	३।३८	५।५८	८।१५	१०।३१	१२।५०	३।०९	५।१३	६।५७	८।२५
१०।०५।१८।३९	५ श	१८	९।४७	११।२३	१।१९	३।३४	५।५४	८।११	१०।२७	१२।४६	३।०५	५।०९	६।५३	८।२१
१०।०६।१९।१८	६ र	१९	९।४३	११।१९	१।१६	३।३०	५।५०	८।०७	१०।२३	१२।४२	३।०१	५।०५	६।४९	८।१७
१०।०७।१९।५६	७ चं	२०	९।३९	११।१६	१।१२	३।२६	५।४६	८।०३	१०।१९	१२।३८	२।५७	५।०१	६।४५	८।१३
१०।०८।२०।३१	८ मं	२१	९।३५	११।१२	१।०८	३।२२	५।४२	७।५९	१०।१५	१२।३४	२।५३	४।५८	६।४१	८।०९
१०।०९।२१।०६	९ बु	२२	९।३२	११।०८	१।०४	३।१८	५।३८	७।५५	१०।११	१२।३०	२।४९	४।५४	६।३७	८।०६
१०।१०।२१।३८	१० गु	२३	९।२८	११।०४	१।००	३।१४	५।३५	७।५१	१०।०७	१२।२६	२।४५	४।५०	६।३३	८।०२
१०।११।२२।०८	११ शु	२४	९।२४	११।००	१२।५६	३।११	५।३१	७।४७	१०।०३	१२।२२	२।४१	४।४६	६।२९	७।५८
१०।१२।२२।३७	१२ श	२५	९।२०	१०।५६	१२।५२	३।०७	५।२७	७।४४	९।५९	१२।१८	२।३७	४।४२	६।२५	७।५४
१०।१३।२३।०४	१३ र	२६	९।१६	१०।५२	१२।४८	३।०३	५।२३	७।४०	९।५५	१२।१५	२।३३	४।३८	६।२१	७।५०
१०।१४।२३।२९	१४ चं	२७	९।१२	१०।४८	१२।४४	२।५९	५।१९	७।३६	९।५१	१२।११	२।२९	४।३४	६।१७	७।४६

फाल्गुन में पांच मंगलवार होने से सुभिक्ष हो लेकिन कृष्णा षष्ठी को स्वाति होने से दुर्भिक्ष हो। फाल्गुन शुक्ला दशमी को आर्द्रा होने से अवर्षण हो। पूर्णिमा पूर्वाफाल्गुनी युक्त होने से समर्घता हो। मंगलवार की सक्रांति होने से धान्यादि एवं लाल वर्ण वाली सभी वस्तुओं के भाव तेज-हों, प्रजा में विग्रह हो, कहीं-कहीं हिंसादि हो, अग्निभय हो, घृत तेल लवण रस कपूर चंदन ये सब महँगे हों। पूर्वाभाद्रपद में बुध होने से कहीं दुर्भिक्ष हो और कही क्षेम तथा आरोग्यता हो, क्षुधा, शस्त्र, चोर और रोगों की वृद्धि हो।

पं.४६ फा.कृ.१० गु. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
१०	१	१०	६	८	३	११	५
१०	०८	२८	२४	२८	१२	१२	१२
२२	४१	३०	४५	२३	०६	१३	१३
२३	५९	४६	१५	३९	२९	४७	४७
६०	३०	६४	१	३७	३	३	३
२४	३२	५२	४३	४४	५९	११	११
श	कृ	पूभा	वि	उषा	पु	उभा	ह
२	४	३	२	१	३व	३	१



CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

२८ फरवरी से १४ मार्च तक, श्री फाल्गुन शुक्लपक्ष संवत् २०६२, शाकः १९२७, दि.मा.सू. सू. तारीख्स स्टै. प्रातः दैनिक केतकी अहर्गणः ५०७७ वसंतर्तू रविरुत्तरे, फरवरी-मार्च २००६

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
मृत्यु	१	मं	४८	१३	२६	१७	शत	१५	४७	१३	१९	सि	३१	५०	१९	४४	किं	२२	४८	१६	०७	२८/३५	७/००	६/२६	९	२९	२८	मीने २९।०८	१०।१५।१६।३१	६०।२९
फुलरि.	२	बु	३९	३५	२२	४९	पूभा	८	३८	१०	२६	सा	२१	३४	१५	३६	बा	१३	४९	१२	३१	३९	६/५९	२६	१०	३०	१	मीने	१०।१६।१६।५३	६०।१९
छत्र	३	गु	३१	५६	१९	४४	उभा	२/५६	१५/५७	७/५२	२९/४५	शु	११	५९	११	४६	तै	५	३८	९	१३	४३	५८	२७	११	१	२	मेषे २९।४५	१०।१७।१७।१२	६०।१७
वज्र	४	शु	२५	३४	१७	११	अश्वि	५३	०९	२८	१२	शु	३/५५	२३/५८	८/२९	१८/२०	वि	२५	३४	१७	११	४७	५७	२८	१२	२	३	मेषे	१०।१८।१७।२९	६०।१५
ध्वाङ्क्ष	५	श	२०	५०	१५	१६	भर	५१	०२	२७	२१	ऐ	४९	५७	२६	५५	बा	२०	५०	१५	१६	५१	५६	२८	१३	३	४	मेषे	१०।१९।१७।४४	६०।१३
धूम्र	६	र	१७	५४	१४	०४	कृति	५०	४७	२७	१४	वै	४५	२८	२५	०६	तै	१७	५४	१४	०४	५५	५५	२९	१४	४	५	वृषे ९।१५	१०।२०।१७।५७	६०।११
प्रवर्धमा	७	सो	१६	५४	१३	४०	रोहि	५२	२६	२७	५२	वि	४२	३०	२३	५४	व	१६	५४	१३	४०	५९	५४	३०	१५	५	६	वृषे	१०।२१।१८।०९	६०।०९
होलाष्ट.	८	मं	१७	५०	१४	०१	मृग	५५	५४	२९	१४	प्री	४१	०१	२३	१७	व	१७	५०	१४	०१	२९/०४	५३	३०	१६	६	७	मिथु. १६।२८	१०।२२।१८।१८	६०।०७
मुसल	९	बु	२०	३५	१५	०६	आर्द्रा	...	...	...	...	आ	४०	५१	२३	१२	कौ	२०	३५	१५	०६	०८	५२	३१	१७	७	८	मिथु.	१०।२३।१८।२५	६०।०५
काण	१०	गु	२४	५१	१६	४७	आर्द्रा	०	५९	७	१४	सौ	४१	४४	२३	३२	ग	२४	५१	१६	४७	१२	५१	३१	१८	८	९	कर्के २७।०५	१०।२४।१८।३०	६०।०३
ए.व्र.	११	शु	३०	१६	१८	५६	पुन	७	१८	९	४४	शो	४३	२६	२४	१२	वि	३०	१६	१८	५६	१६	४९	३२	१९	९	१०	कर्के	१०।२५।१८।३३	६०।०१
मित्र	१२	श	३६	२६	२१	२३	पुष्य	१४	२६	१२	३५	अ	४५	३८	२५	०४	ब	३	१९	८	०८	२०	४८	३२	२०	१०	११	कर्के	१०।२६।१८।३३	५९।५९
प्र.व्र.	१३	र	४२	५७	२३	५८	श्ले	२२	०२	१५	३६	सु	४८	०३	२६	००	कौ	९	४२	१०	४०	२४	४७	३३	२१	११	१२	सिंहे १५।३६	१०।२७।१८।३२	५९।५६
ध्वाङ्क्ष	१४	सो	४९	२८	२६	३३	मघा	२९	४४	१८	४०	धृ	५०	२८	२६	५८	ग	१६	१६	१३	१६	२९	४६	३४	२२	१२	१३	सिंहे	१०।२८।१८।२८	५९।५४
होली	१५	मं	५५	४७	२९	०४	पूफा	३७	१८	२१	४०	शू	५२	४५	२७	५१	वि	२२	४२	१५	५०	३३	४५	३४	२३	१३	१४	कन्या २८।२४	१०।२९।१८।२२	५९।५२

प्रातः केतकी अहर्गणः ५०७७ वसंतर्तू रविरुत्तरे, फरवरी-मार्च २००६

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।

|B जयंती, मार्च ३ ता. ३१

चंद्रदर्शनम् (मु.४५), फुलरिया २, श्री रामकृष्ण परमहंस B

म. ३०।२३ उ., पंचक समाप्तिः २९।४५, सफर २, रेवत्यां रे. C

म. १७।११ या., वक्री बुधः ११।२९

याज्ञवल्क्य जयंती, पूभा. रविः २१।०५ (सौरः २३।४६)

वक्री गुरुः १०।४९ |C ७ ISIISIIIS रात्रौ ल. ९ (रा. ४ दोषः)

म. १३।४० उ. २५।४४ या., बुधास्तः पश्चिमायाम् ८।५०,

होलाष्टक

|D के पहिले भद्रा के बाद, श्रव. शुक्रः १६।१४

म. २९।४८ उ., (व) कुंभे बुधः १४।२३

म. १८।५६ या., आमलकी ११ व्र., बिड़कुला-ढाल थापणा भद्रा D

मेला श्रीश्यामजी (स्नातु)

प्रदोषः |A व्रतंपुण्यञ्च, मन्वादि, करिदिन, मीने रविः २१।११ C

म. २६।३३ उ. |C (सौरः २३।२५)

म. १५।५० या., जेलपोणी भद्रा के बाद, होलिका दहनं, पूर्णिमा A

अयनांशाः २३।५५।३३

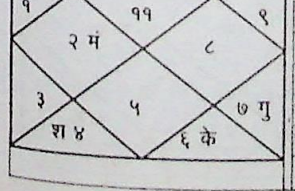
॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

संक्रांति फलम्

अयनांशाः २३।५५।३५

पं.४७ फा.शु. ३ गु. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा	के.
१०	१	११	६	९	३	११	५
१७	१२	०३	२४	०३	११	११	११
२४	१८	०५	५३	१२	४०	५१	५१
१७	१९	०२	१८	०६	०७	३३	३३
६०	३१	१	०	४५	३	३	३
१२	२६	४८	२४	२८	२८	११	११
श	रो	पूभा	वि	उषा	पु	उभा	ह
४	१	४	२	२	३व	३	१



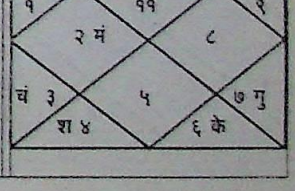
ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	फर.	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	सायं	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः	दिवा
१०।१५।२३।५१	१ मं	२८	९।०८	१०।४४	१२।४०	२।५५	५।१५	७।३२	९।४८	१२।०७	२।२५	४।३०	६।१३	७।४२
१०।१६।२४।१३	२ बु	१	९।०४	१०।४०	१२।३६	२।५१	५।११	७।२८	९।४४	१२।०३	२।२१	४।२६	६।०९	७।३८
१०।१७।२४।३१	३ गु	२	९।००	१०।३६	१२।३२	२।४७	५।०७	७।२४	९।४०	११।५९	२।१७	४।२२	६।०५	७।३४
१०।१८।२४।४९	४ शु	३	८।५६	१०।३२	१२।२८	२।४३	५।०३	७।२०	९।३६	११।५५	२।१३	४।१८	६।०२	७।३०
१०।१९।२५।०४	५ श	४	८।५२	१०।२८	१२।२४	२।३९	४।५९	७।१६	९।३२	११।५१	२।०९	४।१४	५।५८	७।२६
१०।२०।२५।१७	६ र	५	८।४८	१०।२४	१२।२०	२।३५	४।५५	७।१२	९।२८	११।४७	२।०६	४।१०	५।५४	७।२२
१०।२१।२५।२७	७ चं	६	८।४४	१०।२०	१२।१६	२।३१	४।५१	७।०८	९।२४	११।४३	२।०२	४।०६	५।५०	७।१८
१०।२२।२५।३६	८ मं	७	८।४०	१०।१६	१२।१२	२।२७	४।४७	७।०४	९।२०	११।३९	१।५८	४।०२	५।४६	७।१४
१०।२३।२५।४३	९ बु	८	८।३६	१०।१२	१२।०९	२।२३	४।४३	७।००	९।१६	११।३५	१।५४	३।५८	५।४२	७।१०
१०।२४।२५।४८	१० गु	९	८।३२	१०।०९	१२।०५	२।१९	४।३९	६।५६	९।१२	११।३१	१।५०	३।५४	५।३८	७।०६
१०।२५।२५।५१	११ शु	१०	८।२९	१०।०५	१२।०१	२।१५	४।३५	६।५२	९।०८	११।२७	१।४६	३।५१	५।३४	७।०३
१०।२६।२५।५१	१२ श	११	८।२५	१०।०१	११।५७	२।११	४।३२	६।४८	९।०४	११।२३	१।४२	३।४७	५।३०	६।५९
१०।२७।२५।४९	१३ र	१२	८।२१	९।५७	११।५३	२।०७	४।२८	६।४४	९।००	११।१९	१।३८	३।४३	५।२६	६।५५
१०।२८।२५।४६	१४ चं	१३	८।१७	९।५३	११।४९	२।०४	४।२४	६।४०	८।५६	११।१५	१।३४	३।३९	५।२२	६।५१
१०।२९।२५।४०	१५ मं	१४	८।१३	९।४९	११।४५	२।००	४।२०	६।३७	८।५२	११।११	१।३०	३।३५	५।१८	६।४७

संक्रांति फलम्

ता. १४ मार्च २००६
फा. शु. १५ भौमे मीनेऽर्कः प्र. (स्टै.)
टा. २१।११ वारात् ३ नक्षत्रात् ३
वारनाम महोदरी चोरान् सुस्पदा
नक्षत्रनाम घोरा शूद्रान् सुस्पदा प्रदोष
व्यापिनी पिशाचान् हन्ति, दक्षिणे गमनं
नैऋत्यां दृष्टिः बवकरणे प्रविष्टा
मध्यमफलं सिंहवाहनं गजोपवाहनं
भीतिकारक श्वेतवस्त्रं भुशुण्ड्यायुधं
स्वर्णपात्रं अन्नभक्षणं कस्तूरीलेपनं
दैवतंजातिः पुत्रागपुष्पं पिरोजभूषणं
विचित्रकंचुकी बालावस्था (बैठी) मु.
३० धान्यभावे सम वत्स पश्चिमा. राहु
दक्षिणे मूलं भूमौ विवाहस्तंभो नैऋत्यां
शुक्रोदयः पूर्वस्याम् । पुण्यकालः
(स्टै.) २१।११ से २७।३५ तक ।
(दानः भूमि माला) ।

पं.४८ फा.शु.१० गु. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
१०	१	११	६	९	३	११	५
२४	१६	००	२४	०८	११	११	११
२४	००	१६	५२	४८	१७	२९	२९
४२	२८	१४	११	२६	४३	१८	१८
५९	३२	५९	०	५१	२	३	३
५९	११	४०	५५	१५	५१	११	११
पूभा	रो	पूभा	वि	उषा	पु	उभा	ह
२	२	४व	२व	४	३व	३	१



CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

॥ श्रीवल्लभ मनीराम पञ्चाङ्गम् ॥

१५ मार्च से २९ मार्च तक, श्री चैत्र कृष्णपक्ष संवत् २०६२, शाकः १९२७, दि.मा.सू. सू. तारीख स्टै. प्रातः दैनिक वसंतर्तू रविरुत्तरे फाल्गुनकृष्णेति गुर्जराः, मार्च २००६

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प.	उ.	अ.	मा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
छरेंड़ी	१	बु	....	....	..	..	उफा	४४	३२	२४	३३	गं	५४	४३	२८	३७	बा	२८	५०	९८	१६	२९/३७	६/४४	६/३५	२४	१४	१५	कन्या	१११००।१८।१५	५९।५०
राक्षस	१	गु	१	४४	७	२५	हस्त	५१	१५	२७	१३	वृ	५६	१५	२९	१३	कौ	१	४४	७	२५	४१	४३	३५	२५	१५	१६	कन्या	१११०१।१८।०४	५९।४८
मुसल	२	शु	७	०४	९	३१	चित्रा	५७	१४	२९	३५	धृ	५७	१३	२९	३५	ग	७	०४	९	३१	४५	४२	३६	२६	१६	१७	तुला.	१११०२।१७।५२	५९।४६
च.व्र.	३	श	११	३२	११	१७	स्वा	....	....	....	....	व्या	५७	२५	२९	३९	वि	११	३२	११	१७	४९	४१	३६	२७	१७	१८	तुला.	१११०३।१७।३८	५९।४३
लुम्बक	४	र	१४	५६	१२	३८	स्वा	२	१८	७	३५	ह	५६	४०	२९	१९	बा	१४	५६	१२	३८	५४	३९	३७	२८	१८	१९	वृश्चि.	२६।४५	१११०४।१७।२१	५९।४१
मित्र	५	सो	१७	०३	१३	२७	विशा	६	०६	९	०५	व	५४	४७	२८	३३	तै	१७	०३	१३	२७	५८	३८	३७	२९	१९	२०	वृश्चि.	१११०५।१७।०२	५९।३९
वज्र	६	मं	१७	३७	१३	४०	अनु	८	२८	१०	०१	सि	५१	४१	२७	१८	व	१७	३७	१३	४०	३०/०२	३७	३८	३०	२०	२१	वृश्चि.	१११०६।१६।४१	५९।३७
ध्याड़क्ष	७	बु	१६	३५	१३	१४	ज्ये	९	१६	१०	१८	व्य	४७	१७	२५	३१	ब	१६	३५	१३	१४	०६	३६	३८	१	२१	२२	धनु.	१०।१८	१११०७।१६।१७	५९।३४
शीतला	८	गु	१३	५२	१२	०८	मूल	८	२६	९	५७	व	४१	३४	२३	१३	कौ	१३	५२	१२	०८	१०	३५	३९	२	२२	२३	धनु.	१११०८।१५।५१	५९।३२
प्रवर्धमा	९	शु	९	३३	१०	२३	पूषा	६	०२	८	५९	प	३४	३८	२०	२५	ग	९	३३	१०	२३	१४	३४	४०	३	२३	२४	मक.	१४।३८	१११०९।१५।२३	५९।३०
ए.व्र.	१०	श	३	४९	८	०४	उषा	२/५७	१२/०७	७/२९	२५/२३	शि	२६	३७	१७	१२	वि	३	४९	८	०४	१९	३३	४०	४	२४	२५	मक.	१११०।१४।५३	५९।२७
क्षयः	११	श	५६	५०	२९	१७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
ए.व्र.	१२	र	४९	००	२६	०७	धनि	५१	१०	२६	५९	सि	१७	४४	१३	३७	कौ	२३	०२	१५	४४	२३	३२	४१	५	२५	२६	कुंभे	१६।१४	१११११।१४।२०	५९।२५
प्र.व्र.	१३	सो	४०	३३	२२	४४	शत	४४	३९	२४	२२	सा	८/५८	१५/१३	९/२९	४७/४८	ग	१४	५१	१२	२७	२७	३०	४१	६	२६	२७	कुंभे	१११२।१३।४६	५९।२३
काण	१४	मं	३१	५४	१९	१५	पूभा	३७	५५	२१	३९	शु	४८	१३	२५	४६	वि	६	१५	८	५९	३१	२९	४२	७	२७	२८	मीने	१६।२०	१११३।१३।०८	५९।२१
अमाव.	३०	बु	२३	२१	१५	४८	उभा	३१	२३	१९	०१	ब्र	३८	२५	२१	५०	ना	२३	२१	१५	४८	३५	२८	४२	८	२८	२९	मीने	१११४।१२।२९	५९।१८

अयनांशाः २३।५५।३६

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

पं.४९ चै.कृ. १ गु. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
११	१	१०	६	९	३	११	५
०१	१९	२३	२४	१५	१०	११	११
२३	४७	४०	४१	००	५९	०७	०७
३३	३२	३०	५३	३३	५०	०४	०४
५९	३२	५१	२	५५	२	३	३
४५	४९	४०	१३	३५	१०	११	११
पूभा	रो	पूभा	वि	श्र	पु	उभा	ह
४	३	२व	२व	२	३व	३	१



ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	मार्च	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	सायं	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः
११।००।२५।३१	१ बु	१५	८।०९	९।४५	११।४९	१।५६	४।१६	६।३३	८।४८	११।०८	१।२६	३।३१	५।१४	६।४३
११।०१।२५।२९	१ गु	१६	८।०५	९।४१	११।३७	१।५२	४।१२	६।२९	८।४४	११।०४	१।२२	३।२७	५।१०	६।३९
११।०२।२५।०९	२ शु	१७	८।०१	९।३७	११।३३	१।४८	४।०८	६।२५	८।४१	११।००	१।१८	३।२३	५।०६	६।३५
११।०३।२४।५४	३ श	१८	७।५७	९।३३	११।२९	१।४४	४।०४	६।२१	८।३७	१०।५६	१।१४	३।१९	५।०२	६।३१
११।०४।२४।३७	४ र	१९	७।५३	९।२९	११।२५	१।४०	४।००	६।१७	८।३३	१०।५२	१।१०	३।१५	४।५८	६।२७
११।०५।२४।१८	५ चं	२०	७।४९	९।२५	११।२१	१।३६	३।५६	६।१३	८।२९	१०।४८	१।०६	३।११	४।५५	६।२३
११।०६।२३।५६	६ मं	२१	७।४५	९।२१	११।१७	१।३२	३।५२	६।०९	८।२५	१०।४४	१।०३	३।०७	४।५१	६।१९
११।०७।२३।३२	७ बु	२२	७।४१	९।१७	११।१३	१।२८	३।४८	६।०५	८।२१	१०।४०	१२।५९	३।०३	४।४७	६।१५
११।०८।२३।०६	८ गु	२३	७।३७	९।१३	११।०९	१।२४	३।४४	६।०१	८।१७	१०।३६	१२।५५	२।५९	४।४३	६।११
११।०९।२२।३८	९ शु	२४	७।३३	९।०९	११।०६	१।२०	३।४०	५।५७	८।१३	१०।३२	१२।५१	२।५५	४।३९	६।०७
११।१०।२२।०७	१० श	२५	७।२९	९।०६	११।०२	१।१६	३।३६	५।५३	८।०९	१०।२८	१२।४७	२।५१	४।३५	६।०३
११।११।२१।३५	११ र	२६	७।२५	९।०२	१०।५८	१।१२	३।३२	५।४९	८।०५	१०।२४	१२।४३	२।४८	४।३१	५।५९
११।१२।२१।००	१२ चं	२७	७।२२	८।५८	१०।५४	१।०८	३।२८	५।४५	८।०१	१०।२०	१२।३९	२।४४	४।२७	५।५६
११।१३।२०।२२	१३ मं	२८	७।१८	८।५४	१०।५०	१।०४	३।२५	५।४१	७।५७	१०।१६	१२।३५	२।४०	४।२३	५।५२
११।१४।१९।४२	१४ बु	२९	७।१४	८।५०	१०।४६	१।०१	३।२१	५।३७	७।५३	१०।१२	१२।३१	२।३६	४।१९	५।४८

मास फलम् अयनांशाः २३।५५।३७

सूर्यग्रहण,२९ मार्च २००६, बुधवार

इस पक्ष में प्रतिपदा को बुधवार होने से अन्न की महँगाई हो। बुधवारी अमावस उत्तराभाद्रपद योग सुभिक्ष और सुस्वद है। कुम्भ राशि में बुध का उदय होने से मार्ग में हवा बहुत चले। शतभिषा में बुध होने से शूद्रों में रोगोत्पत्ति हो, व्यापारी, वैद्य, नौका से जीविका चलाने वाले, जल में उत्पन्न होने वाले द्रव्य तथा घोड़े (अश्व) पीडित हों। मृगशिरा पर मंगल होने से पृथ्वी जल से पूरित हो जाय और कपास को हानि हो। धनिष्ठा में शुक्र होने से प्रजा में सुस्तों की वृद्धि और सुभिक्ष हो, धनिष्ठा नक्षत्र में शुक्र होने से पाखण्डियों में भय उत्पन्न हो।

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।

वसन्त १, छरेंडी देशाचारे, करिदिन

भ. २२।२७ उ., कल्यादि, उभा. रविः २९।३०

भ. ११।१७ या., चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः २१।४५, उभा. सौरः ७।३८

[C योग सू.उ. से २२।४४ तक

सायन मेषे भानुः २३।३८, बुधोदयः पूर्वस्याम् १०।५६

भ. १३।४० उ. २५।३२ या., (व) शत. बुधः १८।२८

भा. चैत्रारंभः, मृगे भौमः १७।०३

शीतला पूजनं

भ. २१।१८ उ., धनि. शुक्रः २३।२४

भ. ८।०४ या., पापमोचनी ११ व्र.स्मार्त, मार्गी बुधः २९।१३

[B योग २६।५९ से सू.उ. तक

पंचक प्रारम्भः १६।१४, पापमोचनी ११ व्र.वैष्ण., वारुणी B

भ. २२।४४ उ., प्रदोषः, मासिकशिवरात्री व्र., वारुणी C

भ. ८।५९ या. [A चक्र ६, मन्यादि, पूभ्र. बुधः २०।३८

सूर्यग्रहणम्, देवपितृकार्येऽमा., केतकी अहर्गणः ५१०६, A

पं.५० चै.कृ. ८ गु. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
११	१	१०	६	९	३	११	५
०८	२३	१९	२४	२१	१०	१०	१०
२०	३८	२९	२२	३९	४६	४४	४४
४७	४६	२५	३६	३७	५०	५०	५०
५९	३३	११	३	५८	१	३	३
३१	२२	५४	२८	५१	२६	११	११
उभा	मृ	श	वि	श्र	पु	उभा	ह
२	१	४व	२व	४	३व	३	१



CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

श्री गणेशाय नमः ॥ अंचित्याव्यक्तरुपाय निर्गुणाय गुणात्मने ॥ समस्त जगदाधार मूर्तये ब्रह्मणे नमः ॥ पञ्चाङ्ग रत्नं प्रसरन्मयूखं श्री केतकी दृग्गणितेन युक्तम् ॥ लोकोपकाराय कृत प्रयत्न प्रचक्रतु मोह विनाशदक्षम् ॥ २ ॥ अथास्मिन् वर्षे सृष्टितो गताब्दाः १९५५८८५१०७, तत्र कृतयुग प्रमाणम् १७२८०००, त्रेतायुग प्रमाणम् १२९६०००, द्वापरयुग प्रमाणम् ८६४०००, कलियुग प्रमाणम् ४३२०००, तन्मध्ये गतकलिः ५१०७ भोग्यकलिः ४२६८९३ अथास्मिन् - शुभ संवत्सरे श्रीमन्नृपतिविक्रमादित्यराज्यात् संवत् २०६३ शाकः १९२८ । अथाऽस्मिन् वर्षे राजा गुरुः १, मंत्री गुरुः २, सस्येशो रविः ३, धान्येशः शुक्रः ४, मेघेशो गुरुः ५, रसेशो भौमः ६, नीरसेशो रविः ७, फलेशो बुधः ८, धनेशः शनिः ९, दुर्गेशो बुधः १०, एते दशाधिकारिणः । तत्र बार्हस्पत्य मानेन प्रभवादी षष्ट्यब्दानां मध्ये विष्णु विंशतिकायां १३ विकारी नामास्यः संवत्सरः प्रवर्तते । तस्य मेषाऽर्क समये गत मासादि १०।२८।२४।५८ भोग्य मासादि ९।१।३५।२ पिता दैवतं युगम् । वर्षनाम चैत्र । चतुर्मेघनाम पुष्करः । रोहिणी निवासो पर्वते । समय निवासो कुंभकारगृहे । समय विश्वा १० । समय वाहन चातक । स्तंभ २ जल तृण । सोमवत्यमा. २ । सोमवती पंचमी १ । अंगारकी चतुर्थी २ । भानु सप्तमी १ । बुधाष्टमी २ । रविदशमी ३ । समय मुहूर्तानि ४०५ । समय दिनानि ३५५ । तिथि क्षयः १४ । तिथि वृद्धिः ९ । अष्टोत्तरी मतेन उत्पत्ति विश्वा ८७ । स्पति विश्वा ११४ । विंशोत्तरी मतेन उत्पत्ति विश्वा १२३ । स्पति विश्वा ८७ । वर्षा विश्वा ९ । धान्यम् ५ । तृणम् १५ । शीतम् १५ । तेजः ११ । वायुः १३ । वृद्धिः १५ । क्षयः १५ । विग्रह ११ । ऐक्यम् १०९ । (क्षुधा ११ । तृष्णा १७ । निद्रा ३ । आलस्य १३ । उद्यम ११ । शान्ति ९ । क्रोध ११ । दण्ड १३ । मैत्री ३ । उत्सव १५ । पाप १५ । पुण्य ११ । उग्रत्व १७ । रसोत्पत्तिः १५ । फलोत्पत्तिः १९ । व्याधि १७ । व्याधिनाश १३ । आचार ११ । अनाचार १५ । मृत्यु ११ । जन्म १९ । चौर ७ । उपशमन ११ । अग्निभय १७ । अग्निशमः ९) सत्यम् ॥, धर्म १॥, पाप १८ । शनि दृष्टिः दक्षिणस्याम । ग्रहणं २ चन्द्रमसः, १ सूर्यस्य ॥ उद्रिजः ५ । जरायुजः ३ । पिण्डजः १५ । स्वदेजः १३ । इस वर्ष का फल उत्तम है । आगे गौ प्रजा भाग्य प्रबल है ।

(१) भाद्रपद शुक्ला १५ गुरुवार, संवत् २०६३, ता. ७ सितंबर २००६, स्वण्डग्रासं **चन्द्रग्रहणम्**, परमग्रा..१८

	स्पर्श	मध्य	मोक्ष	पर्व
रामगढ घ.	४३	४५	४७	३
स्थानिक प.	१७	१०	०३	४५
रेल्वे घं.	२३	२४	२५	१
टाईम मि.	३४	१९	०४	३०

इस ग्रहण का सूतक स्टै १४।३४ बजे से प्रारम्भ होगा ।

(२) फाल्गुन शुक्ला १५ शनिवार, संवत् २०६३, ता. ३ मार्च २००७, स्वग्रासं **चन्द्रग्रहणम्**, परमग्रास १.२३

	स्पर्श	सम्मी.	मध्य	उन्मी.	मोक्ष	पर्व
रामगढ घ.	५०	५३	५४	५६	५९	९
स्थानिक प.	१०	१६	४७	१७	२३	१४
रेल्वे घं.	२७	२८	२८	२९	३०	३
टाईम मि.	०१	१५	५२	२८	४३	४२

इस ग्रहण का सूतक स्टै १८।०१ बजे से प्रारम्भ होगा ।
नोट- ग्रहण के सूतक में बाल वृद्ध और अस्वस्थ जनों को छोड़कर भोजनादि निषेध है ।

(१) चैत्र कृष्णा ३० चन्द्रवासरे, संवत् २०६३, ता. १९ मार्च २००७, ग्रस्तोदयं स्वण्डग्रासं **सूर्यग्रहणम्**

स्थल	स्पर्श	मध्य	मोक्ष	पर्व
रामगढ घटी-प.	(५८।५९)	१।०३	३।१४	३।१४
रेल्वेटाईम घं.-मि.	(३०।१५)	७।०५	७।५७	१।१८

इस ग्रहण का सूतक पूर्वदिन सायँ स्टै ६।१५ बजे से प्रारम्भ होगा ।

॥ अथ भैरव भवानि संवाद ॥

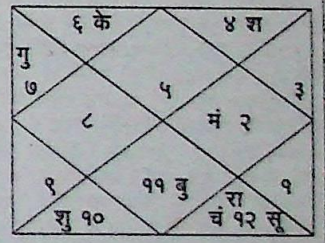


भैरव प्रश्नः जयजननी जगदीश्वरी तूं जग की प्रतिपाल ।
तरेसठ संवत का कहो श्रीमुख से सब हाल ॥
भवानी उ.: सुनले भैरव प्रेम से मैं समझावुं तोय ।
राजामंत्री देस्यतां श्रेष्ठ जमानो होय ॥
सौम्यग्रहों ने वर्ष में लिये षट्क अधिकार ।
समय वासो घटकार के रोहिणी पर्वत धार ॥
धान्याधिष भृगुदेव हैं मेघाधिप गुरुराज ।
प्रचुर धान्य अरु मेघ से सारें जग का काज ॥
पुष्कर नाम है मेघ का वर्षा मंद विशेष ।
कहींक वर्षा अल्प हो कहींक होय विशेष ॥
जल तृण के दो स्तंभ हैं जन-पशु हों निहाल ।
रस कस में तेजी रहे व्यापारी हों खुशाल ॥
वर्षा विश्वा नौ बनी संशय करो न कोय ।
रामकुवार का कथन है भजन कर्यां सब होय ॥

लाभ स्वर्च कोष्ठक

	अष्टोत्तरी मतेन		विंशोत्तरी मतेन	
राशि	लाभ	स्वर्च	लाभ	स्वर्च
मेष	११	५	१४	२
वृष	५	१४	८	११
मिथुन	८	११	१४	८
कर्क	२	११	८	५
सिंह	५	५	११	२
कन्या	८	११	१४	८
तुला	५	१४	८	११
वृश्चिक	११	५	१४	२
धनु	१४	११	११	८
मकर	२	८	५	११
कुंभ	२	८	५	११
मीन	१४	११	११	८

वर्ष लग्नम् ४।०६



वर्षेश लग्नम् ११।१९



लाभ - स्वर्च देखनें की विधि और फल- जिस राशि का देखना हो उस राशि के सामनेवाले लाभ-स्वर्च के अंको को जोड़कर १ घटा देवें और ८ का भाग देवें यदि १ शेष रहे तो लाभ, २ शेष रहे तो सौख्य, ३ शेष रहे तो क्लेश, ४ शेष रहे तो रोग, ५ शेष रहे तो लोकापवाद (अपयश), ६ शेष रहे तो सन्मान, ७ शेष रहे तो विजय, ८ या ० शेष रहे तो हानि होती है ।

पञ्चाङ्ग गणित कर्ता - पं. श्री रामकुवारात्मज ग्यारसीलाल शर्मा
मु. डूमोली कलाँ, पो. डूमोली खुर्द, वाया- सिंघाना, जि. झुन्झुनू (राज.) पिन.३३३५१६.

CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

॥ अथ संवत् २०६३ वर्ष फलम् ॥

॥ श्री गणेशाय नमः ॥ अथ वर्ष फलम् ॥ अथास्मिन् संवत्सरे श्रीमन्नृपति विक्रमादित्य राज्यात् संवत् २०६३ शाकः १९२८ विकारी नामास्यः संवत्सरः प्रवर्ततें तत्फलम् - विकार्यब्देस्खिलालोकाः सरोगावृष्टिपीड़िताः । पूर्वसस्यफलंस्वल्पंबहुलंचापरंफलम् ॥ अथास्मिन् वर्षे राजागुरुस्तत्फलम् - गुरौ नृपे वर्षति कामदं जलं महीतले कामदुधाश्वधेनवः । यजन्तिविप्रा बहवोऽग्निहोत्रिणो महोत्सवः सर्वजनेषु वर्तते ॥ मंत्रीगुरुस्तत्फलम् - विविधधान्ययुतास्तलुमेदिनीप्रचरतोयधनामुदिता भवेत् । नृपतयो जलपालनतत्परः सुरगुरौ ननुमंत्रिसमागते ॥ सस्येशोरविस्तत्फलम् - सस्याधिनाथे तरणौ हि पूर्वं धान्यं समर्घं बहवोपि चौराः । युद्धं नृपाणां जलदा जलाढ्याः स्वल्पं च सस्यं बहुभूतहाश्च ॥ धान्येशः शुक्रस्तत्फलम् - मृगौपश्चिमधान्येशे पश्चाद्धान्यं न पश्यति । सस्यंसमर्घतांयातिस्वल्पंक्षीरंगवामपि ॥ मेघेशोगुरुस्तत्फलम् - गुरुरपिप्रियवृष्टिकरः सदास्खिलविलासवतीधरणीतदा । श्रुतिविचारपरानरपालकारससमृद्धियुतास्खिलमानवाः ॥ रसेशोभौमस्तत्फलम् - यदिधरातनयो रसपोभवेन्नरसराशियुता जनता शुभा । नरपतिर्विषमोजनतापदोनजलदोबहुवृष्टिकरोभुवि ॥ नीरसेशोरविस्तत्फलम् - नीरसाधिपतौसूर्येतात्रचन्दनयोरपि । रत्नमाणिक्यमुक्तादेरर्घवृद्धिः प्रजायते ॥ फलेशोबुधस्तत्फलम् - यदिबुधेफलपेफलमुत्तमंजलधराजलराशिमुचस्तदा । बहुतृणंकुसुमैः कमलैर्युतंजनपदोजनसौख्यमुदान्वितः ॥ धनेशः शनिस्तत्फलम् - द्रविणपे रविजे विरलं धनं गदरता धरणीपतयः सदा । अगनिका वणिजः कृषिजीविनो द्विजवराः परिपीडितमानसाः ॥ दुर्गेशोबुधस्तत्फलम् - विषयसाम्यसुस्खं शशिजे प्रभौ भवति राशिगते तु विशेषतः । राशिसुते यदि कोटकपालके पथिषु द्रव्ययुजां न भयं क्वचित् ॥ वर्षनाम चैत्र तत्फलम् - सस्यानिघृतकापास तैलादिसुस्खसंचयः । चैत्रवर्षेभवेद्वृद्धिर्नृपसौख्यफलप्रदा ॥ चतुर्मेघनाम पुष्करस्तत्फलम् - पुष्करेमंदवृष्टिश्च । रोहिणी निवासो पर्वते तत्फलम् - पर्वते बिन्दुमात्रश्च । समय निवासो कुंभकारगृहे तत्फलम् - कुंभकारगृहे वासो तद्वर्षे मध्यमं फलम् ॥ अपिच - अनावृष्टि प्रजापतौ । एवं संचित्य देवज्ञैः कथनीयं शुभाऽशुभम् ॥

॥ अथ गुरुचार शनिचारात् वर्षफलविचार ॥

इस वर्ष में राजा और मंत्री और मेघेश गुरु हैं । धान्येश शुक्र हैं । धनेश शनि हैं । सस्येश और नीरसेश रवि हैं । रसेश मंगल हैं । फलेश और दुर्गेश बुध हैं । इस ग्रहमंडल की विधानसभा में ६ स्थान सौम्यग्रहों को प्राप्त हुए हैं और ४ स्थान उग्रग्रहों को उपलब्ध हुए हैं अतः वर्षफल उत्तम होगा । प्रजा में सुख शान्ति होगी, धन-धान्य, व्यवसाय, राजकीयकोश की वृद्धि होगी । आधुनिक अस्त्र-शस्त्र, स्वचालित यंत्रो के विकास में वृद्धि होगी, स्मगलरों का ह्रास होगा । **चैत्र** - वर्षलग्न सिंह होने से दक्षिण में दाढ़भय, धान्य में समर्घता और छः मास तक महाधन की प्राप्ति हो । पश्चिम में धातु की वस्तु और फल महँगे हों, उत्तर में महावृष्टि और राजा प्रजा में सुख हो । पूर्व में आधी उपज हो, आगे पांच मास में कल्याण हो, मध्य देश में ५ मास राजयुद्ध रहे । **वैशाख** - राजनीति में क्लेश हो, प्राणियों के धातुओं (वसा,रक्त,मांस,मेधा,अस्थि,मज्जा और शुक्र) की हानि हो । पूर्वभाद्रपदा में स्थित शुक्र जुआड़ी लोग, कुरु तथा पञ्जाब देश में स्थित जनों को पीड़ित और वृष्टि करता है । गुरु उदय से प्रजा में सुखों की वृद्धि और सुभिक्ष हो, काश्मीरी चन्दन तथा फलादि महँगे हों । श्रृंगार की वस्तुएं महंगी हो, व्यापारी, वैद्य, नौका से जीविका चलाने वाले, जल में उत्पन्न होने वाले द्रव्य तथा घोड़े (अश्व) पीडित हों । उ.भा. का शुक्र मूलों को पीड़ित करता है । जौ गेहूँ में रोग हो, ईख, दूध, रस और घी अदि सस्ते हों । हाथियों को पीड़ा हो । अपिच- रेवती में स्थित शुक्र पथिकों (यात्रियों) को पीड़ित करता है । **ज्येष्ठ** - सुभिक्ष हो, जौ, तिल, उड़द व्कपास, सूत महँगे हों । वृहस्पति और शुक्र सप्तमस्थ अनावृष्टि कारक है । ब्राह्मण जाति में विरोध हो । अश्वपालक को पीड़ित हों । बुधोदय और आर्द्रास्थ से वर्षा अधिक हो । मासांत में गेहूँ तिल उड़द सस्ते हों, ग्रहपात तथा पवन का प्रवाह हो, तुष धान्य महँगे हो । **आषाढ** - बालकों को पीड़ा हो, कपास सूत मंदा हो । सभी पीत वर्ण वाली वस्तुओं के भाव तेज हों, धान्यादि भाव मंदे हों । सरसों उड़द कम हों और सब धान्य उत्पन्न हों, अतिवृष्टि हो, नदियों में बहुत बाढ़ आवे । आश्लेषा पर मंगल होने से बहुत वर्षा से धान्य नाश हो, दुर्भिक्ष हो और साँपों का भय अधिक हो । शस्त्रनिपात (युद्ध), क्षुधा, रोग हो । आश्लेषा नक्षत्र में स्थित शनैश्चर जल में उत्पन्न प्राणियों और सर्पो को पीडित करता है । बुध के अस्त होने से अनावृष्टि और चौर भय हो । मासांत में धान्य और रस (मधुर आदि) की महर्घता हो । **श्रावण** - अनावृष्टि हो,उड़द मूंग तिलो और अन्य धान्य के भाव तेज हों । कपास सूत मंदा हो, शस्त्रनिपात (युद्ध), क्षुधा, रोग हो । कर्क में शनि अस्त होने से यात्री गण दुःखी हों, शत्रुओं का भय हो कपास और धान्यादि भावों में महर्घता हो हो । संसार कहीं भी कोई प्राकृतिक आपदा हो, अश्मक और विदर्भ देश में अनय (उपद्रव) हो । पूर्वाफाल्गुनी पर मंगल होने से अल्प वर्षा हो और तेल के मूल्य में वृद्धि हो । **आद्रपद** - शुक्र पुष्य नक्षत्र में होने से महावृष्टि तथा विद्याधरों के युद्ध में विमर्द हो । कर्क राशि में बुध का अस्त, आश्लेषा का शुक्र, कर्कस्थ शनि का उदय, उत्तरा फाल्गुनी का मंगल और मघा का बुध ये सब अनावृष्टि कारक है । लोगों को सर्पो से अत्यन्त पीडा हो, चौपायों में पीड़ा हो, घोड़ों का मूल्य बढे । धान्य की हानि हो, क्षेत्र के बंटवारे को लेकर पडौसी देश से मनमुटाव हो, अन्न मँदा हो, क्षुधा, शस्त्र, चोर और रोगों की वृद्धि हो । मघा नक्षत्र को शुक्र के भेदन करने से हस्तिपति पीडित हों और अतिवृष्टि हो । उड़द मूंग कम उत्पन्न हों । प्राणियों के धातुओं (वसा,रक्त,मांस,मेधा,अस्थि,मज्जा और शुक्र) की हानि हो । **आश्विन** - पूर्वाफाल्गुनी नक्षत्र को शुक्र के भेदन करने से हस्तिपति पीडित हों और अतिवृष्टि हो । तुष धान्य उत्तम हो, घृत गुड़ नमक और स्नेह (तेल, घृत आदि), रस (मधुर आदि) महंगे हो । कुरु देश में निवास करने वाले, जाङ्गल (स्वल्पपोदक स्थान) में निवास करने वाले और पञ्जाबस्थ जन पीड़ित हों तथा वृष्टि हो । गणिका, शिल्पी, और विप्र वर्ग, वैद्य (डाक्टर), सूत्रधार (नटादिक), कौरव और चित्रकार पीड़ित हो । मेघों की गर्जना के साथ वर्षा हो । चावल तथा गेहूँ महँगे हों । **कार्तिक** - कुआँ बनाने वालों को पीड़ा हो तथा सुन्दर वृष्टि हो । दूत, वाणिज्य कर्म करने वाले, नाव चलाने वाले इनमें उपद्रव हो । धातुओं के भाव तेज हों । सिंह राशि का शनि होने से हाथी घोड़े बैलों को हानि हो, युद्ध दुर्भिक्ष और रोगों से लोग पीड़ित रहें । समुद्र के मार्ग के देशों में भंग हो म्लेच्छों से लोगों को दुःख हो । धान्य भाव अच्छा हो राजाओं को धन सुख मिले उनका प्रताप फैले । मघा नक्षत्र में स्थित शनैश्चर बाह्लीक, चीन, गान्धार, शूलिक और पारत देश में रहने वाले मनुष्य, वैश्य, कोष्टागार, वणिक्, किरात इनको पीडित करता है । तुष धान्य की महँगाई हो, सुन्दर वृष्टि हो, वाणिज्य कर्म करने वाले प्रभावित हों । वृश्चिक का बृहस्पति होने से कार्तिक वर्ष होता है इसमें सोम नाम का मेघ वर्षता है । स्फण्ड वर्षा होती है और स्खेतियां कम पैदा होती है तथा भय अधिक होता है । भाद्रपद आश्विन कार्तिक इन तीनों में महँगाई होती है । सोना, चांदी, कांसी, तांबा, तिल, घी, श्रीफल, गुड़, कपास, लवण और सफेद वस्त्र यह महँगे हो । भैंस, बैल, घोड़े यह मध्य प्रदेश में सस्ते हो और म्लेच्छ लोगों में पीड़ा हो तथा बड़े उत्पात हो । देशभंग अल्पवृष्टि तथा स्त्रियों को दुःख हो । मरु देश तथा नागपुर की प्रजा क्लेशों में आकुल हो । **मार्गशीर्ष** - कपास और गेहूँ का भाव महँगा हो । भूकंप तथा युद्धादि हों । क्षत्रियों में परस्पर विरोध हो । शुक्रोदय होने से बहुत वर्षा हो धान्य कम होने से दुर्भिक्ष, सुभिक्ष हो । वृश्चिक में बृहस्पति के उदय होने से दुर्भिक्ष हो । मंगशिर में बृहस्पति उदय होने से धान्य का विदेशों में बहुत निर्यात हो । अनुराधा में गुरु उदय होने से प्रजा यज्ञकर्म में प्रवृत्त हों तथा सब धान्यों की वृद्धि हो । **पौष** - सुभिक्ष हो, स्नेह (तेल, घृत आदि), रस (मधुर आदि), ईख, शाली, धातु के मूल्य में वृद्धि हो । प्रधान वैद्य (डाक्टर) पीड़ित हों, अनावृष्टि हो । वृश्चिक राशि में मंगल का उदय होने से चौर तथा अग्नि का भय हो संदेहात्मक राजनीति और अन्न की उत्पत्ति हो । व्यापारी, वैद्य, नौका से जीविका चलाने वाले, जल में उत्पन्न होने वाले द्रव्य तथा घोड़े (अश्व) पीडित हों । धान्य मन्दा हो । क्षुधा, शस्त्र, चोर और रोगों की वृद्धि हो । **माघ** - कर्णपीड़ा हो, तुष धान्य महँगा हो । अन्न की उत्पत्ति हो, वर्षा का अभाव, राजाओं में दारुण रण हो । गुड़ अलसी और चणे अदि धान्य में बर्फ (ओले) गिरने का भय हो । मकर राशि में बुध का उदय होने से पृथ्वी धान्य तथा रस से पूर्ण हो । जल बहुत हो, गायें दूध कम दें, पृथ्वी अन्न से पूरित हो । शालि, तिल, घी और उड़द महँगे हो । शतभिषा नक्षत्र में स्थित शुक्र शौण्डिकों (मद्यविक्रेता - कलवारों) को पीड़ित करता है । व्यापारी, वैद्य, नौका से जीविका चलाने वाले, जल में उत्पन्न होने वाले द्रव्य तथा घोड़े (अश्व) पीडित हों । **फाल्गुन** - सुभिक्ष हो, जुआड़ी लोग पीड़ित हों, वृष्टि हो, शालि, तिल, घी और उड़द महँगे हो । हवा बहुत चले और हिम (ठंढ) से वृक्ष जल जायें । उत्तरा भाद्रपद में स्थित शुक्र फल-मूलों और रस वाले पदार्थों को पीड़ित करता है । रेवती में स्थित शुक्र पथिकों (यात्रियों) को पीड़ित करता है । धान्योत्पत्ति कम हो । **चैत्र** - कृपया - पक्ष के पृष्ठ पर पढें । आगे सर्वज्ञ जगत नियन्ता जगदीश्वराधीन है । गो प्रजा भाग्य प्रबल है ।

CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

॥ संवत् २०६३मध्ये विवाह मुहूर्तानि रेत्वा सहितानि च ॥

सन२००६		
		बैशाख कृष्णपक्षः
अप्रे.	१७	४ चंद्रेऽनुराधा रे ८ ।ऽ।।।।ऽ।।। दिवा. ल. ४।५
अप्रे.	१८	५ भौमे मूले रे ८ ।।।।।।ऽऽ।। ल. गोधूल्यां १०।१२ (मकरे श.७ दोषः,मीने सोग्रांगः,के.७ दोषः,मकरेमीने च रे.७ दग्धादो.)
अप्रे.	१९	६ बुधे मूले रे ७ ।।।।।।ऽऽ।ऽ दिवा ल. २।३
अप्रे.	२०	७ गुरौ उषा. रे ८ ऽ।।।।।।ऽ।। रात्रौ ल. गोधूलि, ८
अप्रे.	२१	८ भृगौ उषा. रे ८ ऽ।।।।।।ऽ।। दिवा ल. २।३
		बैशाख शुक्लपक्षः
अप्रे.	२९	२ शनौ रोहि. रे १० ।।।।।।।।। रात्रौ ल. १०।१२ (मकरे ३ शु., श. ७ दो. मीने के. ७ दो.)
अप्रे.	३०	३ रवौ रोहि. रे ९ ।।।।।।ऽ।।। दिवा ल. ३।४, रात्रौ ८ (वृश्चि. चं. ७ पू., स्टैं. २१।०० यावत्)
अप्रे.	३०	३ रवौ मृगे रे ९ ।।।।।।ऽ।।। रात्रौ ल. ८।१०।१२ (वृश्चि. स्टैं.२१।४४ उप., मकरे ३ शुक्रः, मीने सोग्रांगः के. ७ दोषः)
मई	१३	१५ शनौ अनु. रे ६ ।।।ऽबुऽ।ऽऽ।। रात्रौ ल. ९।१२ (धनु., भौम. ७ दो., रा. ४ दो., मीने के ७ दो.)
		ज्येष्ठ कृष्णपक्ष
मई	१४	१ रवौ अनु. रे ६ ।।।ऽबुऽ।ऽऽ।। दिवा ल. २।४
मई	१७	४ बुधे उषा. रे ८ ।।।।ऽ।।ऽ।। रात्रौ ल.गो. (भौ.८दोषः)
		ज्येष्ठ शुक्लपक्षः
जून	२	६ शुक्रे मघा. रे ७ ऽ।।।।।ऽऽ।। रात्रौ ल. अ. गो.१ (मेषे गु. ७ पू.)
जून	३	७ शनौ मघा रे ८ ऽ।।।।।।ऽ।। दिवा ल. ३।४
जून	७	११ बुधे स्वातौ रे ८ ऽ।ऽगु।।।।।।। रात्रौ ल. १ (गु. चं. ७ पू. स्टैं. २७।२१ उप.)
जून	८	१२ गुरौ स्वातौ रे ७ ऽ।ऽगु.।।।ऽ।।। दिवा. ल. ३।४, रात्रौ अ. गो. १ (कर्कः सोग्रांगः मेषे गु.चं. ७ पू)
जून	१०	१४ शनौ अनु. रे ९ ।।।ऽशु।।।।।। दिवा ल. ४, रात्रौ ९
		आषाढ कृष्णपक्षः
जून	१२	१ चंद्रे मूले रे ७ ।।।ऽबुऽ।ऽ।। दिवा ल.३, रात्रौ गो.,१ (मिथु. चं ७ पू., मेषे गु. ७ पू.)
		आषाढ शुक्लपक्षः
जून	२९	४ गुरौ मघा. रे ८ ।।।।।।ऽऽ।। रात्रौ ल. १।२ (मेषे गु. ७ पू.)
जून	३०	५ शुक्रे मघा. रे ८ ।।।।।।ऽऽ।। दिवा ल. ८, रात्रौ १२ (वृश्चि. शु.७ पू.,मीनः सोग्रांगः, के.७ दो.स्टैं.२४।२० या.)
जुला.	६	१० गुरौ स्वातौ रे ९ ।।ऽगु।।।।।। दि. ल. ४, ६
जुला.	७	११ शुक्रेऽनुराधा रे १० ।।।।।।।।। रात्रौ ल. १।२ (मेषे गु. ७ पू., वृषे चं. ७ पू.)
		अग्रे चतुर्मासारंभः
		मार्गशीर्षमासे गुरुशुक्रास्तौ
		पोष कृष्णपक्षः
दिसं.	५	१ भौमे रोहि. रे ८ ।।।ऽ।।ऽ।। दिवा ल. १०
दिसं.	१३	८ बुधे हस्ते रे ९ ।।।।।।।ऽ।। रात्रौ ल. ५ (सोग्रांगः, रा. ७ दोषः)
		अग्रे धनुर्ष्यर्कः
सन२००७		**माघ कृष्णपक्षः**
जन.	१५	११ चंद्रेऽनुराधा रे ६ ।ऽ।।।ऽऽ।ऽ दग्धा दि. ल. १।२, रात्रौ अ.गो. (अ.गो. स्टैं. १७।१०या., वृषे चं.गु. ७ पू.)
		माघ शुक्लपक्षः
जन.	२३	५ भौमे उभा. रेत्वा १० ।।।।।।।।। दिवा. ल. १।२, रात्रौ अ. गोधूलि, ८ (मेषः स्टैं. ११।४९ उप., वृषे गु ७ पूज्य, वृश्चि. रा. ४ दो.)
जन.	२४	६ बुधे रेवत्यां रे १० ।।।।।।।।। दिवा ल. १
जन.	२९	११ चंद्रे मृगे रे ७ ।।।ऽऽ।ऽ।ऽ दिवा ल. १
		फाल्गुन कृष्णपक्षः
फर.	६	४ भौमे उफा. रे ८ ।।।ऽ।।ऽ।। दिवा ल. २ (गु. ७ पू.)
फर.	६	४ भौमे हस्ते रे ९ ।।।।।।।ऽ।। रात्रौ ल. गोधूलि, ७।८ (वृश्चि. रा. ७ दो.)
फर.	७	५ बुधे हस्ते रे ९ ।।।।।।ऽ।। दिवा ल. २, रात्रौ गोधूलि
फर.	९	७ शुक्रे स्वात्यांरे ८ ।ऽ।ऽबु।।।।।। दिवा ल. १ रात्रौ अ.गो. (मेषे चं. ७ पू.)
फर.	१३	११ भौमे मूले रे ८ ।ऽ।।।।।ऽ।। दिवा ल.१।२,रात्रौ अ.गो.७
		फाल्गुन शुक्लपक्षः
फर.	१९	२ चंद्रे उभा. रे ८ ।ऽऽशु।।।।।। रात्रौ ल. ८।९ (वृश्चि. रा. ४ दो.)
फर.	२०	३ भौमे उभा. रे ८ ।ऽऽशु।।।।।। दि.ल. २।३(वृषे गु.७ पू.)
फर.	२१	४ बुधे रेवत्यां रे १० ।।।।।।।।। दि.ल. २।३ (वृषे गु. ७ पू.)
		चैत्र कृष्णपक्षः
मार्च	५	१ चंद्रे हस्ते रे ९ ।ऽ।।।।।।। रात्रौ ल. ७ (लग्नेशः शु.६ दो.)
मार्च	६	२ भौमे हस्ते रे ९ ।ऽ।।।।।।। दिवा ३, रात्रौ गो. (मिथु. स्टैं. १२।४१ उप.)
मार्च	१०	६ शनौ अनु. रे ८ ऽऽ।।।।।।। दिवा ल. २, रात्रौ अ. गो. (वृषे चं. गु ७ पू.,अ.गो.१९।१९ यावत् तदुपरान्त भद्रारंभः)
मार्च	११	७ रवौ अनु. रे ८ ऽऽ।।।।।।। दिवा ल. २ (चं. गु. ७ पू)
मार्च	१२	८ चंद्रे मूले रे ८ ऽ।।।।।ऽ।। रात्रौ अ. गो. ८ (वृश्चि. राहु ४ दोषः, स्टैं. २४।५६ यावत्)
		अग्रे मीनेऽर्कः

॥ कात्यायनोक्त विवाह मुहूर्त्ताः नक्षत्र चतुष्टयी ॥

सन२००६		
		बैशाख कृष्णपक्षः
अप्रे.	१४	१ शुक्रे चित्रा रे.७ ।ऽ।ऽबु।।।ऽ।। दिवा ल. ३ (सोग्रांगः)
अप्रे.	२१	८ शुक्रे श्रवणे रे.६ ऽऽ।।ऽ।।ऽ।। रात्रौ ल. अ. गो. ८।१२ (मीने के. ७ दो.)
अप्रे.	२२	९ शनौ श्रवणे रे.६ ऽऽ।।ऽ।।ऽ।। दिवा ल.२।३ (मि.सोग्रांगः)
अप्रे.	२२	९ शनौ धनि. रे.८ ।।।।ऽ।।ऽ।। रात्रौ ल. अ. गो. ८।१२ (मीने के. ७ दो.)
		बैशाख शुक्लपक्षः
मई	१०	१२ बुधे चित्रा रे ९ ।।।।।।ऽ।। रात्रौ अ.गो. ८।११
मई	११	१३ गुरौ चित्रा रे.९ ऽ।।।।।।। दिवा ३।४।५ (सिंहे श.१२दो.)
		ज्येष्ठ कृष्णपक्षः
मई	२०	८ शनौ धनि. रे.९ ऽ।।।।।।। दिवा ३।४ (सोग्रांगौ)
मई	२४	१२ बुधे अश्वि. रे.९ ।।ऽशु।।।।।। दिवा ल. ५ (श. १२ दो.)
		ज्येष्ठ शुक्लपक्षः
जून	७	११ बुधे चित्रा रे.९ ।ऽ।।।।।।। रात्रौ ल. १२ (के. ७ दो.)
		आषाढ कृष्णपक्षः
जून.	२०	१० भौमे अश्वि. रे.७ ऽ।।।।ऽऽ।। रात्रौ ल. २
जून.	२१	११ बुधे अश्वि. रे.७ ऽ।।।।।ऽऽ।। दिवा ल. ४।७
		आषाढ शुक्लपक्षः
जुला.	४	८ भौमे चित्रा रे.९ ।।।।।ऽ।।। दिवा ल. ६।८, रात्रौ १२।१ (कन्या रा. ७ दो., मीने के. ७ दो, मेषे चं. गु. ७ पू.)
सन्२००७		**माघ शुक्लपक्षः**
जन.	२०	१ शनौ श्रवणे रे.९ ।।ऽबु।।।।।। दिवा ल.१।२ (वृषे गु.७पू.)

(दृष्टिदोषश्चेत् क्षन्तव्यं सुधिभिः)

गणितकर्ता- श्री श्री १०८ पं. ईश्वरदत्त शर्म्मणोऽनुगृहीत शिष्यः
पं. ग्यारसीलाल शर्मा (शास्त्री)
१८,राम कुटीर, ३ रा माला, हनुमान रोड
विलेपार्ले (पूर्व) मुम्बई ४०००५७. दू.२८३७२७८३

CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

॥ संवत् २०६३ मध्ये उपनयनादि मुहूर्त्ताः ॥

अथ उपनयन मुहूर्त्ताः

सन२००६	
	वैशाख्य मासः
मई ७	शु.१० रवौ पू.फा. अभिजिति
मई ८	शु.११ चंद्रे पू.फा. ल. ३
	ज्येष्ठ मासः
मई १४	कृ.१ रवौ अनु. अभिजिति (मासान्तः स्टै. १२।१६ उप.)
मई १७	कृ.४ बुधे पू. षा. ल. ४।५ (कर्के भौ. १२ दो., सिंहे श. १२ दो.)
मई २८	शु.१ रवौ मृगे अभिजिति
मई २९	शु.२ चंद्रे आर्द्रा. अभिजिति
जून ७	शु.११ बुधे चित्रा. ल. ४
	आषाढ मासः
जून १६	कृ.५ शुक्रे धनिष्ठा. अभिजिति
सन२००७	माघ मासः
जन. २८	शु.१० रवौ रोहिण्यां अभिजिति
जन. २९	शु.११ चंद्रे मृगेऽभिजिति

अथ देव प्रतिष्ठा मुहूर्त्ताः

सन२००६	
	वैशाख्य मासः
अप्रे. १५	कृ.२ शनौ स्वात्यां अभिजिति
अप्रे. २०	कृ.७ गुरौ उ.षा. ल. ६
अप्रे. ३०	शु.३ रवौ रोहि. अभिजिति
मई ३	शु.६ बुधे पुन. ल. २।३
मई ११	शु.१३ गुरौ चित्रा ल. २।३
	ज्येष्ठ मासः
मई १४	कृ.१ रवौ अनु. अभि. (मासान्तः)
मई १८	कृ.५ गुरौ उ.षा. अभिजिति
मई २८	शु.१ रवौ मृगे अभिजिति
जून ७	शु.११ बुधे चित्रा. ल. ३
	आषाढ मासः
जून १६	कृ.५ शुक्रे धनि. अभिजिति
जुला. ५	शु.९ बुधे स्वात्यां ल. ६ (स्टै. ११।५३ उप.)
जुला. ६	शु.१० गुरौ स्वात्यां अभिजिति
	श्रावण मासः
जुला. १२	कृ.१ बुधे श्रवणे ल. ६
जुला. १३	कृ.३ गुरौ धनि. अभिजिति
सन२००७	माघ मासः
जन. २०	शु.१ शनौ श्रवणे अभिजिति
जन. २४	शु.६ बुधे रेवत्यां ल. १२ (स्टै. १०।११ उप.)
जन. २८	शु.१० रवौ रोहि. अभिजिति
जन. २९	शु.११ चंद्रे मृगे अभिजिति
जन. ३१	शु.१३ बुधे पुन. ल. १२ (स्टै. १०।३१ या.)
	फाल्गुन मासः
फर. ७	कृ.५ बुधे हस्ते ल. १२
फर. ९	कृ.७ शुक्रे स्वात्यां ल. ३
फर. २१	शु.४ बुधे रेवत्यां ल. २।३ (वृषः स्टै. ११।३९ उप.)
	चैत्र कृष्णपक्षः
मार्च ५	कृ.१ चंद्रे उ.फा. अभिजिति

अथ गेहारंभ (भूमि पूजन) मुहूर्त्ताः

सन२००६	
	वैशाख्य मासः
अप्रे. १४	कृ.१ शुक्रे चित्रा. ल. २।३
अप्रे. १४	कृ.१ शुक्रे स्वा. अभिजिति
अप्रे. १५	कृ.२ शनि.स्वा. अभिजिति
मई ११	शु.१३ गुरौ चित्रा. अभिजिति
	ज्येष्ठमासः
जून ७	शु.११ बुधे चित्रा. ल. ३
जून ८	शु.१२ गुरौ स्वा. अभिजिति
	भाद्रपद मासः
अग. १०	कृ.१ गुरौ धनि. अभिजिति
अग. १०	कृ.१ गुरौ शत. ल. ९ (सू.बु.शु.श. ८ दो.)
सितं. ४	शु.११ चंद्रे उ.षा. ल. ९ (श.८दो.)
सितं. ६	शु.१३ बुधे धनि. ल. ६।९ (ति.दो.)
सन२००७	माघ मासः
जन. २९	शु.११ चंद्रे मृगे अभिजिति
फर. १	शु.१४ गुरौ पुष्ये ल. ११
	फाल्गुन मासः
फर. ५	कृ.३ चंद्रे उ.फा. लग्नाऽभावः
फर. ७	कृ.५ बुधे हस्ते ल. ११।१२।२
	चैत्र कृष्णपक्षः
मार्च ८	कृ.४ गुरौ स्वात्यां ल. ५ (श. १२ दो., स्टै.१८।०० या.)

वृषचक्र रहिताः गेहारंभ (भूमिपूजन) मुहूर्त्ताः

सन२००६	
	वैशाख्य मासः
अप्रे. २०	कृ.७ गुरौ उ.षा. ल. ६
अप्रे. २४	कृ.११ चंद्रे शत. ल. २
	श्रावण मासः
जुला. २१	कृ.११ शुक्रे रोहि. अभिजिति
	भाद्रपद मासः
अग. १२	कृ.३ शनौ उ.भा. अभिजिति
	पोष मासः
दिसं. १४	कृ.९ गुरौ हस्तेऽभिजिति
सन२००७	फाल्गुन मासः
फर. ९	कृ.७ शुक्रे स्वात्यां ल. ३
फर. २१	शु.४ बुधे रेवत्यां ल. २।३ (वृषे स्टै.११।३९ उप., मिथु.भौ.८ दो.)

अथ नूतन गृहप्रवेश (वास्तु) मुहूर्त्ताः

सन२००६	
	वैशाख्य मासः
मई ११	शु.१३ गुरौ चित्रा. ल. २।३
	ज्येष्ठ मासः
जून ७	शु.११ बुधे चित्रा. ल. ३
सन२००७	माघ मासः
जन. २४	शु.६ बुधे उ.भा. ल. ११
जन. २४	शु.६ बुधे रेवत्यां ल. १२।२
जन. २९	शु.११ चंद्रे मृगे अभिजिति

कुंभचक्र रहिताः नूतन गृहप्रवेश मुहूर्त्ताः

सन२००६	
	वैशाख्य मासः
अप्रे. १४	कृ.१ शुक्रे चित्रा. ल. २।३
अप्रे. २०	कृ.७ गुरौ उ.षा. ल. ५ (स्टै. १५।५२ उप.,श.१२ दो.)
अप्रे. २१	कृ.८ शुक्रे उ.षा. अभिजिति
	ज्येष्ठ मासः
मई १८	कृ.५ गुरौ उ.षा. अभिजिति
सन२००७	फाल्गुन मासः
फर. २१	शु.४ बुधे रेवत्यां ल. २।३ (वृषः स्टै. ११।३९ उप.)

अथ जीर्ण गृहप्रवेश (वास्तु) मुहूर्त्ताः

सन२००६	
	वैशाख्य मासः
अप्रे. २४	कृ.११ चंद्रे शत. ल. २
	ज्येष्ठ मासः
जून ८	शु.१२ गुरौ स्वात्यां अभिजिति

कुंभचक्र रहिता जीर्ण गृहप्रवेश मुहूर्त्ताः

सन२००६	
	वैशाख्य मासः
अप्रे. १४	कृ.१ शुक्रे स्वात्यां अभिजिति
अप्रे. १५	कृ.२ शनौ स्वात्यां अभिजिति
	ज्येष्ठ मासः
मई २०	कृ.८ शनौ धनि. अभिजिति
	श्रावण मासः
जुला. १३	कृ.३ गुरौ धनि. अभिजिति
सन्२००७	फाल्गुन मासः
फर. ९	कृ.७ शुक्रे स्वात्यां ल. ३

CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

॥ सन् २००६-०७, संवत् २०६३ ॥ + (उत्तर) रविक्रान्ति-रेत्वे प्रातः ६।२७ बजे (अंश-कलादौ) - (दक्षिण)

ता.	मार्च	अप्रेल	मई	जून	जुलाई	अगस्त	सितंबर	अक्टूबर	नवंबर	दिसंबर	जनवरी	फरवरी	मार्च
१	. . . .	+ ४।२५	+१४।५९	+२२।०१	+२३।०८	+१८।०६	+ ८।२४	- ३।०४	-१४।१९	-२१।४५	-२३।०३	-१७।१५	- ७।४८
२	. . . .	+ ४।४८	+१५।१७	+२२।०९	+२३।०४	+१७।५१	+ ८।०२	- ३।२७	-१४।३९	-२१।५४	-२२।५८	-१६।५८	- ७।२५
३	. . . .	+ ५।११	+१५।३५	+२२।१६	+२२।५९	+१७।३५	+ ७।४०	- ३।५०	-१४।५८	-२२।०३	-२२।५२	-१६।४१	- ७।०२
४	. . . .	+ ५।३४	+१५।५३	+२२।२४	+२२।५४	+१७।१९	+ ७।१८	- ४।१३	-१५।१६	-२२।१२	-२२।४७	-१६।२३	- ६।३९
५	. . . .	+ ५।५७	+१६।१०	+२२।३१	+२२।४९	+१७।०३	+ ६।५६	- ४।३६	-१५।३५	-२२।२०	-२२।४०	-१६।०५	- ६।१६
६	. . . .	+ ६।२०	+१६।२७	+२२।३७	+२२।४३	+१६।४७	+ ६।३४	- ५।००	-१५।५३	-२२।२७	-२२।३४	-१५।४७	- ५।५३
७	. . . .	+ ६।४३	+१६।४४	+२२।४३	+२२।३७	+१६।३१	+ ६।११	- ५।२३	-१६।११	-२२।३४	-२२।२६	-१५।२९	- ५।२९
८	. . . .	+ ७।०५	+१७।००	+२२।४९	+२२।३१	+१६।१४	+ ५।४९	- ५।४५	-१६।२८	-२२।४१	-२२।१९	-१५।१०	- ५।०६
९	. . . .	+ ७।२८	+१७।१६	+२२।५४	+२२।२४	+१५।५७	+ ५।२६	- ६।०८	-१६।४६	-२२।४७	-२२।११	-१४।५१	- ४।४३
१०	. . . .	+ ७।५०	+१७।३२	+२२।५९	+२२।१६	+१५।३९	+ ५।०४	- ६।३१	-१७।०३	-२२।५३	-२२।०२	-१४।३२	- ४।१९
११	. . . .	+ ८।१२	+१७।४८	+२३।०४	+२२।०९	+१५।२२	+ ४।४१	- ६।५४	-१७।२०	-२२।५८	-२१।५३	-१४।१२	- ३।५६
१२	. . . .	+ ८।३४	+१८।०३	+२३।०८	+२२।०१	+१५।०४	+ ४।१८	- ७।१६	-१७।३६	-२३।०३	-२१।४४	-१३।५२	- ३।३२
१३	. . . .	+ ८।५६	+१८।१८	+२३।१२	+२१।५२	+१४।४६	+ ३।५५	- ७।३९	-१७।५२	-२३।०७	-२१।३४	-१३।३३	- ३।०९
१४	. . . .	+ ९।१८	+१८।३३	+२३।१५	+२१।४४	+१४।२८	+ ३।३२	- ८।०१	-१८।०८	-२३।११	-२१।२४	-१३।१२	- २।४५
१५	. . . .	+ ९।३९	+१८।४८	+२३।१८	+२१।३४	+१४।०९	+ ३।०९	- ८।२४	-१८।२४	-२३।१५	-२१।१३	-१२।५२	- २।२१
१६	. . . .	+१०।०१	+१९।०२	+२३।२०	+२१।२५	+१३।५०	+ २।४६	- ८।४६	-१८।३९	-२३।१८	-२१।०२	-१२।३१	- १।५८
१७	. . . .	+१०।२२	+१९।१६	+२३।२२	+२१।१५	+१३।३१	+ २।२३	- ९।०८	-१८।५४	-२३।२१	-२०।५१	-१२।११	- १।३४
१८	. . . .	+१०।४३	+१९।२९	+२३।२४	+२१।०५	+१३।१२	+ २।००	- ९।३०	-१९।०९	-२३।२३	-२०।३९	-११।५०	- १।१०
१९	. . . .	+११।०४	+१९।४२	+२३।२५	+२०।५४	+१२।५३	+ १।३६	- ९।५२	-१९।२३	-२३।२४	-२०।२७	-११।२८	- ०।४६
२०	. . . .	+११।२५	+१९।५५	+२३।२६	+२०।४३	+१२।३३	+ १।१३	-१०।१३	-१९।३७	-२३।२५	-२०।१४	-११।०७	. . . .
२१	. . . .	+११।४५	+२०।०७	+२३।२६	+२०।३२	+१२।१३	+ ०।५०	-१०।३५	-१९।५०	-२३।२६	-२०।०१	-१०।४५	. . . .
२२	. . . .	+१२।०६	+२०।१९	+२३।२६	+२०।२०	+११।५३	+ ०।२७	-१०।५६	-२०।०४	-२३।२६	-१९।४८	-१०।२४	. . . .
२३	. . . .	+१२।२६	+२०।३१	+२३।२६	+२०।०८	+११।३३	+ ०।०३	-११।१७	-२०।१६	-२३।२६	-१९।३४	-१०।०२	. . . .
२४	. . . .	+१२।४६	+२०।४३	+२३।२५	+१९।५६	+११।१३	- ०।२०	-११।३८	-२०।२९	-२३।२५	-१९।२०	- ९।४०	. . . .
२५	. . . .	+१३।०५	+२०।५४	+२३।२४	+१९।४३	+१०।५२	- ०।४४	-११।५९	-२०।४१	-२३।२४	-१९।०६	- ९।१८	. . . .
२६	. . . .	+१३।२५	+२१।०४	+२३।२२	+१९।३०	+१०।३१	- १।०७	-१२।२०	-२०।५३	-२३।२३	-१८।५१	- ८।५५	. . . .
२७	. . . .	+१३।४४	+२१।१५	+२३।२०	+१९।१७	+१०।१०	- १।३०	-१२।४०	-२१।०४	-२३।२०	-१८।३६	- ८।३३	. . . .
२८	. . . .	+१४।०३	+२१।२५	+२३।१८	+१९।०३	+ ९।४९	- १।५४	-१३।००	-२१।१५	-२३।१८	-१८।२०	- ८।१०	. . . .
२९	. . . .	+१४।२२	+२१।३४	+२३।१५	+१८।४९	+ ९।२८	- २।१७	-१३।२१	-२१।२५	-२३।१५	-१८।०५	. . . .	. . . .
३०	+ ३।३९	+१४।४१	+२१।४३	+२३।११	+१८।३५	+ ९।०७	- २।४०	-१३।४०	-२१।३५	-२३।११	-१७।४९	. . . .	. . . .
३१	+ ४।०२	. . . .	+२१।५२	. . . .	+१८।२१	+ ८।४५	. . . .	-१४।००	. . . .	-२३।०७	-१७।३२	. . . .	. . . .

उत्तर (धन) — दक्षिण (ऋण)

महापात योगाः (स्टै. समय में)
संवत् २०६३ (सन २००६-०७)

योगाः	महापात स्पर्शः तारीख	घं. मि.	महापात मोक्षः तारीख	घं. मि.
व्यती.	१० अप्रे.	१२।५०	१० अप्रे.	१७।१३
वैधृति	२३ अप्रे.	१४।३४	२३ अप्रे.	१८।२३
व्यती.	५ मई	२७।५५	६ मई	८।५८
वैधृति	१९ मई	१२।५८	१९ मई	१७।५३
व्यती.	३१ मई	२७।२१	१ जून	९।३१
वैधृति	१४ जून	२३।१९	१४ जून	२९।३६
व्यती.	२२ जून	२१।४४	२२ जून	२८।२९
वैधृति	६ जुला.	२९।२१	७ जुला.	११।२५
व्यती.	१९ जुला.	१३।०५	१९ जुला.	१८।३०
वैधृति	२ अग.	१०।०४	२ अग.	१५।०७
व्यती.	१४ अग.	१४।०१	१४ अग.	१८।०५
वैधृति	२७ अग.	२७।०१	२८ अग.	७।२९
व्यती.	९ सितं.	१४।२७	९ सितं.	१७।५०
वैधृति	२२ सितं.	१५।५३	२२ सितं.	२०।०७
व्यती.	५ अक्टू.	१६।०९	५ अक्टू.	१९।३२
वैधृति	१७ अक्टू.	२७।५२	१८ अक्टू.	८।२१
व्यती.	३१ अक्टू.	१४।५१	३१ अक्टू.	१८।५४
वैधृति	१२ नवं.	१८।३०	१२ नवं.	२३।३६
व्यती.	२६ नवं.	१२।३०	२६ नवं.	१७।५६
वैधृति	८ दिसं.	२१।०९	८ दिसं.	२७।२३
व्यती.	१८ दिसं.	११।३९	१८ दिसं.	१८।२३
वैधृति	३० दिसं.	२६।२०	३१ दिसं.	८।३६
व्यती.	१३ जन.	२२।०१	१३ जन.	२७।५७
वैधृति	२६ जन.	९।५६	२६ जन.	१४।४०
व्यती.	८ फर.	१८।५६	८ फर.	२३।४९
वैधृति	२१ फर.	७।५८	२१ फर.	११।३९
व्यती.	६ मार्च	८।२९	६ मार्च	१२।४९
वैधृति	१९ मार्च	८।०४	१९ मार्च	११।२४

CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

संवत् २०६३ शाकः १९२८ की मास दशा देखने की सारणी

मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
चै.शु. १५ से शु द. उ. सू द. दि.२० प्र.	ज्ये.कृ.०१ से शु द. उ. सू द. दि. प्र	चै.शु. ०८ से रा द. उ. शु द. दि.७० प्र.	चै.कृ. ०९ से गु द. उ. रा द. दि.४२ प्र.	बै.कृ. ११ से गु द. उ. रा द. दि.४२ प्र.	चै.कृ. १३ से श द. उ. गु द. दि.५८ प्र.	चै.कृ. ०७ से बु द. उ. श द. दि.३६ प्र.	बै.कृ. ०८ से बु द. उ. श द. दि.३६ प्र.	चै.कृ. ०९ से मं द. उ. बु द. दि.५६ प्र.	चै.कृ. १२ से चं द. उ. मं द. दि.२८ प्र.	बै.कृ. ११ से चं द. उ. मं द. दि.२८ प्र.	चै.शु. ०६ से सू द. उ. चं द. दि.५० प्र.
बै.शु. ०६ से सू द. उ. चं द. दि.५० प्र.	ज्ये.शु. से सू द. उ. चं द. दि.५० प्र.	आ.कृ.०४ से शु द. उ. सू द. दि.२० प्र.	बै.शु. ०९ से रा द. उ. शु द. दि.७० प्र.	ज्ये.शु.१० से रा द. उ. शु द. दि.७० प्र.	ज्ये.कृ.१३ से गु द. उ. रा द. दि.४२ प्र.	बै.कृ. ३० से श द. उ. गु द. दि.५८ प्र.	ज्ये.कृ.३० से श द. उ. गु द दि.५८ प्र.	ज्ये.कृ.०८ से बु द. उ. श द. दि.३६ प्र.	बै.कृ. १० से मं द. उ. बु द. दि.५६ प्र.	ज्ये.कृ.१० से मं द. उ. बु द. दि.५६ प्र.	ज्ये.कृ.१२ से चं द. उ. मं द. दि.२८ प्र.
आ.कृ.१३ से चं द. उ. मं द. दि.२८ प्र.	श्रा.कृ.१४ से चं द. उ. मं द. दि.२८ प्र.	आ.शु. ०९ से सू द. उ. चं द. दि.५० प्र.	श्रा.कृ.०६ से शु द. उ. सू द. दि.२० प्र.	भा.कृ. ०८ से शु द. उ. सू द. दि.२० प्र.	आ.शु. ११ से रा द. उ. शु द. दि.७० प्र.	आ.कृ.३० से गु द. उ. रा द. दि.४२ प्र.	श्रा.कृ.३० से गु द. उ. रा द. दि.४२ प्र.	आ.कृ.३० से श द. उ. गु द. दि.५८ प्र.	आ.कृ.०८ से बु द. उ. श द. दि.३६ प्र.	श्रा.कृ.०८ से बु द. उ. श द. दि.३६ प्र.	आ.कृ.११ से मं द. उ. बु द. दि.५६ प्र.
श्रा.कृ.११ से मं द. उ. बु द. दि.५६ प्र.	भा.कृ. १३ से मं द. उ. बु द. दि.५६ प्र.	भा.शु. ०२ से चं द. उ. मं द. दि.२८ प्र.	श्रा.शु. ११ से सू द. उ. चं द. दि.५० प्र.	भा.शु. १२ से सू द. उ. चं द. दि.५० प्र.	आ.कृ.१० से शु द. उ. सू द. दि.२० प्र.	श्रा.शु.१३ से रा द. उ. शु द. दि.७० प्र.	भा.शु. १३ से रा द. उ. शु द. दि.७० प्र.	भा.कृ. ३० से गु द. उ. रा द. दि.४२ प्र.	श्रा.कृ.३० से श द. उ. गु द. दि ५८ प्र.	भा.कृ. ३० से श द. उ. गु द. दि.५८ प्र.	भा.कृ. ०९ से बु द. उ. श द. दि.३६ प्र.
आ.कृ.१० से बु द. उ. श द. दि.३६ प्र.	का.कृ.५१ से बु द. उ. श द. दि.३६ प्र.	आ.कृ.३० से मं द. उ. बु द. दि.५६ प्र.	आ.शु.०३ से चं द. उ. मं द. दि.२८ प्र.	का.शु.०४ से चं द. उ. मं द. दि.२८ प्र.	आ.शु. १४ से सू द. उ. चं द. दि.५० प्र.	का.कृ.११ से शु द. उ. सू द. दि.२० प्र.	मा.कृ. ११ से शु द. उ. सू द. दि.२० प्र.	आ.शु. १३ से रा द. उ. शु द. दि.७० प्र.	आ.कृ.३० से गु द. उ. रा द. दि.४२ प्र.	का.कृ.१४ से गु द. उ. रा द. दि.४२ प्र.	आ.कृ.३० से श द. उ. गु द. दि.५८ प्र.
का.कृ.३० से श द. उ. गु द. दि.५८ प्र.	मा.शु. ०२ से श द. उ. गु द. दि.५८ प्र.	मा.कृ. १३ से बु द. उ. श द. दि.३६ प्र.	का.शु.०१ से मं द. उ. बु द. दि.५६ प्र.	मा.शु. ०३ से मं द. उ. बु द. दि.५६ प्र.	मा.शु. ०६ से चं द. उ. मं द. दि.२८ प्र.	मा.कृ. ०१ से सू द. उ. चं द. दि.५० प्र.	पौ.कृ. ०२ से सू द. उ. चं द. दि.५० प्र.	पौ.कृ. १० से शु द. उ. सू द. दि.२० प्र.	का.शु.१४ से रा द. उ. शु द. दि.७० प्र.	मा.शु. १३ से रा द. उ. शु द. दि.७० प्र.	मा.कृ. ३० से गु द. उ. रा द. दि.४२ प्र.
पौ.कृ. ३० से गु द. उ. रा द. दि.४२ प्र.	मा.शु. ०१ से गु द. उ. रा द. दि.४२ प्र.	पौ.शु. ०४ से श द. उ. गु द. दि.५८ प्र.	पौ.कृ. १४ से बु द. उ. श द. दि.३६ प्र.	मा.कृ. ३० से बु द. उ. श द. दि.३६ प्र.	पौ.शु. ०४ से मं द. उ. बु द. दि.५६ प्र.	पौ.शु. ०७ से चं द. उ. मं द. दि.२८ प्र.	मा.शु. ०८ से चं द. उ. मं द. दि.२८ प्र.	मा.कृ. ०१ से सू द. उ. चं द. दि.५० प्र.	मा.कृ. १० से शु द. उ. सू द. दि.२० प्र.	फा.कृ.१० से शु द. उ. सू द. दि.२० प्र.	पौ.शु. १४ से रा द. उ. शु द. दि.७० प्र.
मा.शु. १४ से रा द. उ. शु द. दि.७० प्र.	चै.कृ. ०१ से रा द. उ. शु द. दि.७० प्र.	फा.शु.०४ से गु द. उ. रा द. दि.४२ प्र.	मा.शु. ०६ से श द. उ. गु द. दि.५८ प्र.	फा.शु.०८ से श द. उ. गु द. दि.५८ प्र.	फा.शु.०२ से बु द. उ. श द. दि.३६ प्र.	मा.शु ०६ से मं द. उ. बु द. दि.५६ प्र.	फा.शु.०७ से मं द. उ. बु द. दि.५६ प्र.	फा.शु.०८ से चं द. उ. मं द. दि.२८ प्र.	फा.कृ.०१ से सू द. उ. चं द. दि.५० प्र.	चै.कृ. ०१ से सू द. उ. चं द. दि.५० प्र.	चै.कृ. १० से शु द. उ. सू द. दि.२० प्र.

संवत् २०६३, आश्विन कृष्णपक्ष में श्राद्धतिथि निर्णय, सन २००६

पूर्णिमा (पूनम) का श्राद्ध	गुरुवार ७ सितंबर (भाद्रपद शुक्लपक्ष)	
प्रतिपदा (एकम) "	शुक्रवार ८ सितंबर	
द्वितीया (दूज) "	शनिवार ९ सितंबर	
तृतीया (तीज) "	रविवार १० सितंबर मध्यान्ह १।२६ बजे के पहले	
चतुर्थी (चोथ) "	सोमवार ११ सितंबर दिन १०।२६ बजे के पहले	
पंचमी (पांच) "	सोमवार ११ सितंबर दिन १०।२६ बजे के बाद	
षष्ठी (छट) "	मंगलवार १२ सितंबर प्रातः ७।५८ बजे के बाद	
सप्तमी (सातं) का श्राद्ध	बुधवार १३ सितंबर	
अष्टमी (आठं) "	गुरुवार १४ सितंबर	
नवमी (नौमी) "	शुक्रवार १५ सितंबर	
दशमी (दस) "	शनिवार १६ सितंबर	
एकादशी "	रविवार १७ सितंबर	
द्वादशी (बारस) "	सोमवार १८ सितंबर प्रातः ७।३९ बजे के बाद	
त्रयोदशी (तेरस) "	मंगलवार १९ सितंबर दिन ९।४४ बजे के बाद	
चतुर्दशी (चौदस) "	गुरुवार २१ सितंबर मध्यान्ह २।३९ बजे के पहले	
अमावस्या (मावस) "	शुक्रवार २२ सितंबर	

CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

३० मार्च से १३ अप्रेल तक, श्री चैत्र शुक्लपक्ष संवत् २०६३, शाकः १९२८, दि.मासू सू. तारीख्स स्टै. प्रातः दैनिक केतकी ग्रहणि ५१०७ वसंतर्तू रविरुत्तरे, मार्च-अप्रेल २००६

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घ.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प.	उ.	अ.	भा.	मु	इ.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
नवरा.	१	गु	१५	१९	१२	३५	रेव	२५	२४	१६	३७	ऐ	२९	०८	१८	०६	ब	१५	१९	१२	३५	३०/३९	६/२७	६/४३	९	२९	३०	मेषे १६।३७	११।१५।११।४७	५९।१६
सिंधारा	२	शु	८	१०	९	४२	अश्वि	२०	२२	१४	३५	वै	२०	३९	१४	४१	कौ	८	१०	९	४२	४३	२६	४३	१०	१	३१	मेषे	११।१६।११।०३	५९।१४
गणगोर	३	श	२	१५	७	१९	भर	१६	४०	१३	०५	वि	१३	१५	११	४३	ग	२	१५	७	१२	४७	२५	४४	११	२	१	वृषे १८।४८	११।१७।१०।१७	५९।११
क्षयः	४	श	५७	५२	२९	३३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
धूम्र	५	र	५५	२१	२८	३२	कृति	१४	३५	१२	१४	प्री	७	११	९	१६	ब	२६	२३	१६	५७	५२	२४	४४	१२	३	२	वृषे	११।१८।०९।२८	५९।०९
प्रवर्धमा	६	सो	५४	५१	२८	१९	रोहि	१४	२३	१२	०८	आ	२/५९	३७/३६	७/३०	२५/१३	कौ	२४	५१	१६	१९	५६	२३	४५	१३	४	३	मिथु. २४।२३	११।१९।०८।३७	५९।०७
राक्षस	७	मं	५६	२३	२८	५५	मृग	१६	१०	१२	५०	शो	५८	१३	२९	३८	ग	२५	२३	१६	३०	३९/००	२१	४५	१४	५	४	मिथु.	११।२०।०७।४४	५९।०४
मुसल	८	बु	५९	४९	३०	१६	आर्द्रा	१९	५५	१४	१८	अ	५८	१७	२९	३९	वि	२७	५४	१७	३०	०४	२०	४६	१५	६	५	मिथु.	११।२१।०६।४८	५९।०२
रामनव.	९	गु	...	...	...	..	पुन	२५	२३	१६	२९	सु	५९	३३	३०	०९	बा	३२	१०	१९	११	०८	१९	४६	१६	७	६	कर्के ९।५३	११।२२।०५।५०	५९।००
उत्पात	९	शु	४	५१	८	१५	पुष्य	३२	११	१९	११	धृ	...	...	...	...	कौ	४	५१	८	१५	१२	१८	४७	१७	८	७	कर्के	११।२३।०४।५०	५८।५८
मानस	१०	श	१०	५५	१०	३९	श्ले	३९	४७	२२	१२	धृ	१	४३	६	५८	ग	१०	५५	१०	३९	१६	१७	४७	१८	९	८	सिंहे २२।१२	११।२४।०३।४८	५८।५५
ए.व्र.	११	र	१७	३०	१३	१६	मघा	४७	३८	२५	१९	शू	४	१८	७	५९	वि	१७	३०	१३	१६	२०	१६	४८	१९	१०	९	सिंहे	११।२५।०२।४३	५८।५३
प्र.व्र.	१२	सो	२४	०१	१५	५१	पूफा	५५	१५	२८	२१	गं	६	५४	९	०१	बा	२४	०१	१५	५१	२४	१५	४९	२०	११	१०	सिंहे	११।२६।०९।३६	५८।५१
धाता	१३	मं	३०	०६	१८	१६	उफा	...	...	...	...	वृ	९	१५	९	५६	तै	३०	०६	१८	१६	२८	१४	४९	२१	१२	११	कन्या ११।०४	११।२७।००।२६	५८।४८
प्रवर्धमा	१४	बु	३५	२५	२०	२३	उफा	२	२०	७	०९	धु	११	०६	१०	३९	ग	२	५३	७	२२	३२	१३	५०	२२	१३	१२	कन्या	११।२७।५९।१५	५८।४६
पूर्णिमा	१५	गु	३९	५१	२२	०८	हस्त	८	३६	९	३८	व्या	१२	१९	११	०७	वि	७	४७	९	१८	३६	१२	५०	२३	१४	१३	तुला. २२।४४	११।२८।५८।०१	५८।४४

यहाँ जिस्से भद्राः ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।
[C विद्या १, पंचक समाप्तिः १६।३७, ग्रहण-करिदिन, कल्पादि
कल्पादि, डोलोत्सवः [B रविलावल ३, रेव. रविः १६।१९ (सौरः N
स्कन्द षष्ठी व्र., मिथुने भौमः १४।०५ [N १८।०९),कुंभे शुक्रः १४।०२
भ. २८।५५ उ.[D सौभाग्यशयन व्र., शिवशक्ति पू.,अप्रेल ४ ता. ३०
भ. १७।३० या., भवान्युत्पत्तिः, अशोककलिका प्राशनं, बुधाष्टमी, E
श्री रामनवमी, शत. शुक्रः २३।३५, मार्गी शनिः ११।१४, उभा.-२ M
[E प्राशस्त्य योगं १४।१८ से ३०।१६ तक,(व) विशा.-१ गुरुः २८।०९
भ. २३।५७ उ. [M राहुः ८।५३, उफा.-४ केतुः ८।५३
भ. १३।१६ या., कामदा ११ व्र., लक्ष्मीकान्त दोलोत्सवः
प्रदोषः, हरि दमनोत्सवः [A अश्वमेधयज्ञफलं, वैशाख स्नानारंभः, K
जैन महावीर जयती, शिव पूजन विशेषः, मीने बुधः १७।२८
भ. २०।२३ उ. [K चित्रान्नदानं भक्षणञ्च, मेषे अश्वि. रविः २९।४०
भ. ९।१८ या., मन्वादि, श्री हनुमज्जयंती, पूर्णिमा व्रतंपुण्यञ्च, A

अयनांशाः २३।५५।३८

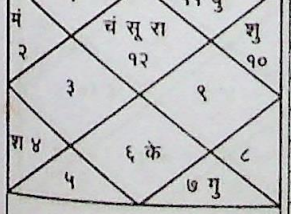
॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

संक्रांति फलम्

अयनांशाः २३।५५।३९

पं.५१ चै.शु. १ गु. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
११	१	१०	६	९	३	११	५
१५	२७	२०	२३	२८	१०	१०	१०
१६	३३	०९	५४	३९	३९	२२	२२
२१	३२	०१	५४	१०	०२	३५	३५
५९	३३	२६	४	६१	०	३	३
१७	४९	४४	३७	२२	४१	११	११
उभा	मृ	पूभा	वि	ध	पु	उभा	ह
४	२	१	२व	२	३व	३	१

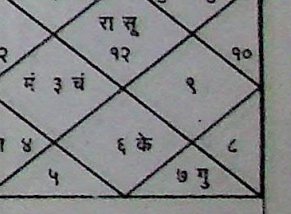


ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	मार्च	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	सायं	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः
११।१५।१९।००	१ गु	३०	७।१०	८।४६	१०।४२	१२।५७	३।१७	५।३४	७।४९	१०।०८	१२।२७	२।३२	४।१५	५।४४
११।१६।१८।१६	२ शु	३१	७।०६	८।४२	१०।३८	१२।५३	३।१३	५।३०	७।४५	१०।०५	१२।२३	२।२८	४।११	५।४०
११।१७।१७।२९	३ श	१	७।०२	८।३८	१०।३४	१२।४९	३।०९	५।२६	७।४१	१०।०१	१२।१९	२।२४	४।०७	५।३६
११।१८।१६।४०	४ र	२	६।५८	८।३४	१०।३०	१२।४५	३।०५	५।२२	७।३८	९।५७	१२।१५	२।२०	४।०३	५।३२
११।१९।१५।४९	५ चं	३	६।५४	८।३०	१०।२६	१२।४१	३।०१	५।१८	७।३४	९।५३	१२।११	२।१६	३।५९	५।२८
११।२०।१४।५५	६ मं	४	६।५०	८।२६	१०।२२	१२।३७	२।५७	५।१४	७।३०	९।४९	१२।०७	२।१२	३।५५	५।२४
११।२१।१४।००	७ बु	५	६।४६	८।२२	१०।१८	१२।३३	२।५३	५।१०	७।२६	९।४५	१२।०३	२।०८	३।५२	५।२०
११।२२।१३।०१	८ गु	६	६।४२	८।१८	१०।१४	१२।२९	२।४९	५।०६	७।२२	९।४१	११।५९	२।०४	३।४८	५।१६
११।२३।१२।०१	९ शु	७	६।३८	८।१४	१०।१०	१२।२५	२।४५	५।०२	७।१८	९।३७	११।५६	२।००	३।४४	५।१२
११।२४।१०।५८	१० श	८	६।३४	८।१०	१०।०६	१२।२१	२।४१	४।५८	७।१४	९।३३	११।५२	१।५६	३।४०	५।०८
११।२५।०९।५३	११ र	९	६।३०	८।०६	१०।०२	१२।१७	२।३७	४।५४	७।१०	९।२९	११।४८	१।५२	३।३६	५।०४
११।२६।०८।४६	१२ चं	१०	६।२६	८।०२	९।५९	१२।१३	२।३३	४।५०	७।०६	९।२५	११।४४	१।४८	३।३२	५।००
११।२७।०७।३६	१३ मं	११	६।२२	७।५९	९।५५	१२।०९	२।२९	४।४६	७।०२	९।२१	११।४०	१।४४	३।२८	४।५६
११।२८।०६।२४	१४ बु	१२	६।१९	७।५५	९।५१	१२।०५	२।२५	४।४२	६।५८	९।१७	११।३६	१।४१	३।२४	४।५३
११।२९।०५।१०	१५ गु	१३	६।१५	७।५१	९।४७	१२।०१	२।२२	४।३८	६।५४	९।१३	११।३२	१।३७	३।२०	४।४९

ता. १३ अप्रेल २००६
चैत्र शु. १५ गुरौ मेषेऽर्कः प्र. (स्टै.)
टा. २९।४० वारात् ३ नक्षत्रात् ४
वारनाम नंदा गणकान् सुखदा
नक्षत्रनाम मंदाकिनी नृपतीन् सुखदा
प्रभात रात्रि ४ प्रहर व्यापिनी
गोरक्षकान् हन्ति, पश्चिमे गमनं वायव्यां
दृष्टिः बालवकरणे प्रविष्टा मध्यमफलं
व्याघ्रवाहनं अश्वोपवाहनं भीतिकारक
पीतवस्त्रं गदायुधं रौप्यपात्रं पायसभक्षणं
कुंकुमलेपनं भूतजातिः जातिपुष्पं
वंकणभूषणं पर्णवंचुकी
कुमारिकावस्था (बैठी) मु. ३०
धान्यभावे सम वत्स पश्चिमा. राहु
दक्षिणे मूलं पाताले विवाहस्तंभो
नैऋत्यां शुक्रोदयः पूर्वस्याम् ।
पुण्यकालः (स्टै.) २३।४० से शुक्रवार
११।४० तक । (दान- मेष) ।

पं.५२ चै.शु ९ गु. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
११	२	१०	६	१०	३	११	५
२२	०१	२४	२३	०५	१०	१०	१०
१०	३१	३९	१९	५४	३६	००	००
१५	१९	४०	३०	२९	३४	२०	२०
५९	३४	५२	५	६३	०	३	३
०२	१३	२५	३८	१८	०५	११	११
रे	मृ	पूभा	वि	ध	पु	उभा	ह
२	३	२	१व	४	३	३	१



CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

॥ श्रीवल्लभ मनीराम पञ्चाङ्गम् ॥

१४ अप्रेल से २७ अप्रेल तक, श्री वैशाख कृष्णपक्ष संवत् २०६३, शाकः १९२८, दि.मा.सू. सू. तारीख स्टै. प्रातः दैनिक वसंतर्तू रविरुत्तरे चैत्रकृष्णेति गुर्जराः, अप्रेल २००६

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
मुसल	१	शु	४३	१६	२३	२९	चित्रा	१३	५५	११	४५	ह	१२	४९	११	१८	बा	११	४३	१०	५२	३१/४०	६/११	६/५१	२४	१५	१४	तुला.	११।२९।५६।४५	५८।४२
सिद्धि	२	श	४५	३५	२४	२४	स्वा	१८	१४	१३	२७	व	१२	२८	११	०९	तै	१४	३५	१२	००	४४	१०	५१	२५	१६	१५	तुला.	०।००।५५।२६	५८।३९
उत्पात	३	र	४६	४४	२४	५०	विशा	२१	२६	१४	४३	सि	११	१७	१०	३९	व	१६	९९	१२	४०	४८	०९	५२	२६	१७	१६	वृश्चि.	८।२७	०।०१।५४।०५	५८।३७
च.व्र.	४	सो	४६	४१	२४	४८	अनु	२३	३०	१५	३२	व्य	९	१०	९	४८	ब	१६	५३	१२	५३	५२	०८	५२	२७	१८	१७	वृश्चि.		०।०२।५२।४२	५८।३५
मुद्गर	५	मं	४५	२७	२४	१८	ज्ये	२४	२४	१५	५२	व	६	०७	८	३३	कौ	१६	१४	१२	३६	५५	०७	५३	२८	१९	१८	धनु.	१५।५२	०।०३।५१।१७	५८।३३
ध्वजा	६	बु	४३	०३	२३	१९	मूल	२४	०९	१५	४५	प	२/५७	०८/१३	६/२८	५७/५९	ग	१४	२५	११	५२	५९	०६	५३	२९	२०	१९	धनु.		०।०४।४९।५०	५८।३०
घाता	७	गु	३९	३४	२१	५४	पूषा	२२	४७	१५	१२	सि	५१	२८	२६	४०	वि	११	२९	१०	४०	३२/५३	०५	५४	३०	२१	२०	मक.	२०।५९	०।०५।४८।२०	५८।२८
आनन्द	८	शु	३५	०५	२०	०६	उषा	२०	२५	१४	१४	सा	४४	५५	२४	०२	बा	७	२७	९	०३	०७	०४	५४	१	२२	२१	मक.		०।०६।४६।४८	५८।२६
सुस्थिर	९	श	२९	४१	१७	५५	श्रव	१७	०६	१२	५३	शु	३७	४०	२१	०७	तै	२	३०	७	०३	११	०३	५५	२	२३	२२	कुंभे	२४।०६	०।०७।४५।१४	५८।२४
मातङ्ग	१०	र	२३	३१	१५	२६	धनि	१३	०१	११	१४	शु	२९	४९	१७	५७	वि	२३	३१	१५	२६	१४	०२	५६	३	२४	२३	कुंभे		०।०८।४३।३८	५८।२२
ए.व्र.	११	सो	१६	४७	१२	४४	शत	८	१८	९	२०	ब्र	२१	२९	१४	३६	बा	१६	४७	१२	४४	१८	०१	५६	४	२५	२४	मीने	२५।४७	०।०९।४२।००	५८।१९
प्र.व्र.	१२	मं	९	३८	९	५१	पूभा	३/५७	०९/४७	७/२९	५५/०७	ऐ	१२	५१	११	०८	तै	९	३८	९	५१	२२	००	५७	५	२६	२५	मीने		०।१०।४०।१९	५८।१७
उत्पात	१३	बु	२	२०	६	५५	रेव	५२	३३	२७	००	वै	४/५५	०६/२६	७/२८	३७/१०	व	२	२०	६	५५	२५	५/५५	५७	६	२७	२६	मेषे	२७।००	०।११।३८।३७	५८।१५
क्षयः	१४	बु	५५	०७	२८	०२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०		०	०
अमाव.	३०	गु	४८	२५	२५	२०	अश्वि	४७	४५	२५	०४	प्री	४७	१२	२४	५१	च	२९	४२	१४	३९	२९	५८	५८	७	२८	२७	मेषे		०।१२।३६।५२	५८।१३

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।
मेषे अश्वि. सौरः ७।३१, आर्द्रा. भौमः २९।३६, उभा. बुधः १५।०८
[D दोषः मीने सोग्रांगः, के. ७ दोषः, मकरे मीने रे. ७ दग्धा)
भ. १२।४० उ. २४।५० या. [A ISIIIISIII दिवा. ल. ४।५
अनुसूया जयंती, चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः २२।४१, अनु. रे. ८ A
मूले रे. ८ IIIIIISSII ल. रात्रौ गोधूल्यां १०।१२ (मकरे श. ७ D
भ. २३।१९ उ., पूभा. शुक्रः ८।२६, मूले रे. ७ IIIIIISSIS E
भ. १०।४० या., सायन वृषे भानुः १०।३९, उषा. रे. ८ F
बूढो बास्योड़ो, भा.वैशास्यारंभः, उषा.रे.८ SIIIIIISII दिवा ल. २।३
भ. २८।४३ उ., पंचक प्रारम्भः २४।०६
भ. १५।२६ या. [E दिवा ल. २।३ (मिथु. सोग्रांग चं. ७ पू.)
वरुथिनि ११ व्र., रेव. बुधः ७।४३
प्रदोषः [F SIIIIIISII रात्रौ ल. गोधूलि ८
भ. ६।५५ उ. १७।२८ या., पंचक समाप्तिः २७।००, B
[C अगस्त्यास्तः २३।२१ [B मासिकशिवरात्री व्र.
देवपितृकार्येऽमा., भर. रविः २१।३० (सौरः २३।४४), C

अयनांशाः २३।५५।४०

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

पं. १ बै.कृ. १ शु. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
०	२	११	६	१०	३	११	५
००	०६	०२	२२	१४	१०	०९	०९
०१	०६	५२	३०	२६	४०	३४	३४
१६	१४	५७	५९	५२	२०	५६	५६
५८	३४	७२	६	६५	०	३	३
४६	३६	३०	३५	०२	५८	११	११
अ	मृ	पूभा	वि	श	पु	उभा	उका
१	४	४	१व	३	३	२	४



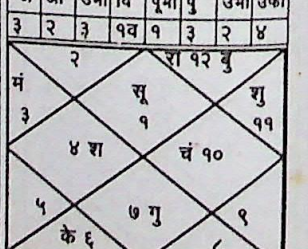
ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	अप्रे.	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	सायं	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ
००।००।०३।५४	१ शु	१४	६।११	७।४७	९।४३	११।५७	२।१८	४।३४	६।५०	९।०९	११।२८	१।३३	३।१६	४।४५
००।०१।०२।३५	२ श	१५	६।०७	७।४३	९।३९	११।५४	२।१४	४।३१	६।४६	९।०५	११।२४	१।२९	३।१२	४।४१
००।०२।०१।१४	३ र	१६	६।०३	७।३९	९।३५	११।५०	२।१०	४।२७	६।४२	९।०१	११।२०	१।२५	३।०८	४।३७
००।०२।५९।५१	४ चं	१७	५।५९	७।३५	९।३१	११।४६	२।०६	४।२३	६।३८	८।५८	११।१६	१।२१	३।०४	४।३३
००।०३।५८।२५	५ मं	१८	५।५५	७।३१	९।२७	११।४२	२।०२	४।१९	६।३४	८।५४	११।१२	१।१७	३।००	४।२९
००।०४।५६।५७	६ बु	१९	५।५१	७।२७	९।२३	११।३८	१।५८	४।१५	६।३१	८।५०	११।०८	१।१३	२।५६	४।२५
००।०५।५५।२७	७ गु	२०	५।४७	७।२३	९।१९	११।३४	१।५४	४।११	६।२७	८।४६	११।०४	१।०९	२।५२	४।२१
००।०६।५३।५५	८ शु	२१	५।४३	७।१९	९।१५	११।३०	१।५०	४।०७	६।२३	८।४२	११।००	१।०५	२।४८	४।१७
००।०७।५२।२९	९ श	२२	५।३९	७।१५	९।११	११।२६	१।४६	४।०३	६।१९	८।३८	१०।५६	१।०१	२।४५	४।१३
००।०८।५०।४४	१० र	२३	५।३५	७।११	९।०७	११।२२	१।४२	३।५९	६।१५	८।३४	१०।५३	१२।५७	२।४१	४।०९
००।०९।४९।०६	११ चं	२४	५।३१	७।०७	९।०३	११।१८	१।३८	३।५५	६।११	८।३०	१०।४९	१२।५३	२।३७	४।०५
००।१०।४८।२५	१२ मं	२५	५।२७	७।०३	८।५९	११।१४	१।३४	३।५१	६।०७	८।२६	१०।४५	१२।४९	२।३३	४।०१
००।११।४५।४२	१३ बु	२६	५।२३	६।५९	८।५६	११।१०	१।३०	३।४७	६।०३	८।२२	१०।४१	१२।४५	२।२९	३।५७
००।१२।४३।५७	३० गु	२७	५।१९	६।५५	८।५२	११।०६	१।२६	३।४३	५।५९	८।१८	१०।३७	१२।४१	२।२५	३।५३

मास फलम्

अयनांशाः २३।५५।४१

इस माह में पांच शुक्रवार होने से प्रजा की वृद्धि हो यथा-प्रजावृद्धिस्तु भार्गवे॥ पांच शनिवार होने से महँगाई हो। गुरुवारी अमावस होने से सदा वृष्टि तथा सुभिक्ष हो, प्रजा स्वस्थ हो, वैशाख्यी अमावस को अश्विनी होने से महर्ध-समर्घ मध्यम हो। वैशाख शुक्ला ३ को रोहिणी होने से सुभिक्ष हो। शुक्ला पंचमी को मंगलवार होने से उपद्रव हो। शुक्ला नौमी को मघा होने से पृथ्वी पर बहुत कष्ट हो। चतुर्दशी को शुक्रवार होने से पृथ्वी पर अन्नोत्पत्ति उत्तम हो। पूर्णिमा विशाख्या शनिवार युक्त होने से दुर्भिक्ष हो। आर्द्रा पर मंगल होने से वृष्टि हो।

पं. २ बै.कृ. ८ शु. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
०	२	११	६	१०	३	११	५
०६	१०	१२	२१	२२	१०	०९	०९
५१	०९	०५	४२	०५	४९	१२	१२
४१	१०	१८	५९	२७	१९	४१	४१
५८	३४	८७	७	६६	१	३	३
३२	५४	२२	११	१३	४३	११	११
अ	आ	उभा	वि	पूभा	पु	उभा	उका
३	२	३	१व	१	३	२	४



CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

२८ अप्रेल से १३ मई तक, श्री वैशाख शुक्लपक्ष संवत् २०६३, शाकः १९२८, दि.मा.सू. सू. तारीख स्टै. प्रातः दैनिक केतकी अहर्गणः ५१३६ ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे, अप्रेल-मई २००६

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
मुद्गर	१	शु	४२	२९	२२	५७	भर	४३	४५	२३	२७	आ	३९	३५	२१	४७	किं	१५	२०	१२	०५	३३/३३	५७	६/५८	८	२९	२८	वृषे २९।०७	०।१३।३५।०५	५८।१९
ध्वजा	२	श	३७	४१	२१	०१	कृति	४०	५४	२२	१८	सौ	३२	५४	१९	०६	बा	९	५५	९	५५	३६	५६	५९	९	३०	२९	वृषे	०।१४।३३।१६	५८।०९
अक्षया	३	र	३४	२२	१९	४०	रोहि	३९	३१	२१	४४	शो	२७	२४	१६	५३	तै	५	५०	८	१६	४०	५६	५९	१०	१	३०	वृषे	०।१५।३१।२५	५८।०७
आनन्द	४	सो	३२	४७	१९	०२	मृग	३९	५३	२१	५२	अ	२३	१७	१५	१३	व	३	२२	७	१५	४३	५५	७/००	११	२	१	मिथु. ९।४२	०।१६।२९।३२	५८।०५
चर	५	मं	३३	१०	१९	१०	आर्द्रा	४२	१०	२२	४६	सु	२०	४०	१४	१०	ब	२	४४	७	००	४७	५४	०१	१२	३	२	मिथु.	०।१७।२७।३७	५८।०३
गद	६	बु	३५	२८	२०	०४	पुन	४६	२०	२४	२५	धृ	१९	३६	१३	४४	कौ	४	०६	७	३१	५०	५३	०१	१३	४	३	कर्के १७।५६	०।१८।२५।४०	५८।०१
शुभ	७	गु	३९	३४	२१	४२	पुष्य	५२	११	२६	४५	शू	१९	५८	१३	५१	ग	७	१९	८	४८	५३	५२	०२	१४	५	४	कर्के	०।१९।२३।४०	५७।५९
मृत्यु	८	शु	४५	०४	२३	५३	श्ले	५९	१६	२९	३४	गं	२१	३१	१४	२८	वि	१२	१२	१०	४४	५७	५२	०२	१५	६	५	सिंहे २९।३४	०।२०।२१।३९	५७।५७
पद्म	९	श	५१	२४	२६	२५	मघा	...	...	...	...	वृ	२३	५२	१५	२४	बा	१८	११	१३	०७	३३/३३	५१	०३	१६	७	६	सिंहे	०।२१।१९।३६	५७।५५
मुद्गर	१०	र	५७	५२	२८	५९	मघा	७	०३	८	३९	ध्रु	२६	३३	१६	२७	तै	२४	४१	१५	४३	०३	५०	०४	१७	८	७	सिंहे	०।२२।१७।३१	५७।५३
ध्वजा	११	सो	...	...	...	..	पूफा	१४	४८	११	४५	व्या	२९	०७	१७	२८	व	३१	००	१८	१३	०७	४९	०४	१८	९	८	कन्या १८।२९	०।२३।१५।२४	५७।५१
ए.व्र.	११	मं	३	५६	७	२३	उफा	२१	५९	१४	३६	ह	३१	०७	१८	१६	वि	३	५६	७	२३	१०	४९	०५	१९	१०	९	कन्या	०।२४।१३।१५	५७।४९
प्र.व्र.	१२	बु	९	०१	९	२४	हस्त	२८	११	१७	०४	व	३२	२०	१८	४४	बा	९	०१	९	२४	१३	४८	०५	२०	११	१०	कन्या	०।२५।११।०५	५७।४७
चर	१३	गु	१२	५२	१०	५६	चित्रा	३३	०९	१९	०३	सि	३२	३३	१८	४९	तै	१२	५२	१०	५६	१६	४७	०६	२१	१२	११	तुला. ६।०८	०।२६।०८।५२	५७।४६
गद	१४	शु	१५	२२	११	५६	स्वा	३६	४७	२०	२९	व्य	३१	४२	१८	२७	व	१५	२२	११	५६	१९	४७	०६	२२	१३	१२	तुला.	०।२७।०६।३८	५७।४४
पूर्णिमा	१५	श	१६	२९	१२	२२	विशा	३९	०४	२१	२४	व	२९	४६	१७	४१	ब	१६	२९	१२	२२	२२	४६	०७	२३	९४	१३	वृश्चि. १५।१३	०।२८।०४।२२	५७।४२

दैनिक

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.मैं है।

मीने शुक्रः ८।५६ [A रात्रौ ल. १०।१२ (मक. ३ शु.,श.७ दो., B

चंद्रदर्शनम् (मु.३०), शिवाजी जयंती, रोहि. रे. १० ||||||||| A

परशुराम जयंती, अक्षय तृतीया, रोहि. रे. ९ |||||||S||| दिवा C

म. ७।१५ उ. १९।०२ या., मई ५ ता. ३१, उमा. शुक्रः ८।१४

श्रीआद्यशंकराचार्य ज., मेषेऽश्वि. बुधः ७।०९ [B मीने के.७ दो.)

श्रीरामानुज जयंती [C ल. ३।४, रात्रौ ८ (मिथुनकर्कयोर्सोव्रांगः D

म. २१।४२ उ., गंगोत्पत्ति, (व) स्वा.-४ गुरुः २४।१०

म. १०।४४ या. [D वृश्चि. चं.७ पू., स्टै. २१।०० या.), युगादि, E

सीता ९, [E रविलाग्नस्थ ४, कल्पादि, बुधास्तः पूर्वस्याम् १०।१० F

टैगोर जयन्ती, पुन. भौमः २५।१३ [F मृगे रे. ९ |||||||S||| रात्रौ G

म. १८।१३ उ. [G ल. ८।१०।१२ (वृश्चि स्टै. २१।४४ उप.,मकरे H

म. ७।२३ या., मोहिनी ११ व्र., भर. बुधः ७।५८ [H ३ शुक्रः)

प्रदोषः [J ९।१२ (धनु., भौम. ७ दो., रा. ४ दो.,) धर्मप्रीत्यर्थं K

नृसिंह १४, कृत्ति.रविः १५।४२ (सौरः १८।४३) [K जलकुंमदानं

म.११।५६ उ. २४।१३ या.,कूर्मोत्पत्तिः, पूर्णिमाव्रतं, रेव.शुक्रः २६।०३

पूर्णिमा पुण्यं, वैशाख्स्नानपूर्तिः, अनु.रे.६ |||SबुSSS|| रात्रौ ल. J

अयनांशाः २३।५५।४२

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

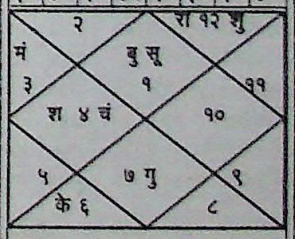
पं. ३ बै.शु. १ शु. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
०	२	११	६	१०	३	११	५
१३	१४	२२	२०	२९	११	०८	०८
४०	१४	५८	५१	५१	०३	५०	५०
३३	०३	३९	२९	४१	२८	२६	२६
५८	३५	१०१	७	६७	२	३	३
१९	०९	१२	३३	११	२६	११	११
म	आ	रे	वि	पूभा	पु	उभा	उफा
१	३	२	१४	३	३	२	४



ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	अप्रे.	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	सायं	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ
००।१३।४२।१०	१ शु	२८	५।१५	६।५२	८।४८	११।०२	१।२२	३।३९	५।५५	८।१४	१०।३३	१२।३८	२।२१	३।४९
००।१४।४०।२१	२ श	२९	५।१२	६।४८	८।४४	१०।५८	१।१८	३।३५	५।५१	८।१०	१०।२९	१२।३४	२।१७	३।४६
००।१५।३८।२९	३ र	३०	५।०८	६।४४	८।४०	१०।५४	१।१५	३।३१	५।४७	८।०६	१०।२५	१२।३०	२।१३	३।४२
००।१६।३६।३६	४ चं	१	५।०४	६।४०	८।३६	१०।५१	१।११	३।२७	५।४३	८।०२	१०।२१	१२।२६	२।०९	३।३८
००।१७।३४।४०	५ मं	२	५।००	६।३६	८।३२	१०।४७	१।०७	३।२४	५।३९	७।५८	१०।१७	१२।२२	२।०५	३।३४
००।१८।३२।४३	६ बु	३	४।५६	६।३२	८।२८	१०।४३	१।०३	३।२०	५।३५	७।५५	१०।१३	१२।१८	२।०१	३।३०
००।१९।३०।४४	७ गु	४	४।५२	६।२८	८।२४	१०।३९	१२।५९	३।१६	५।३१	७।५१	१०।०९	१२।१४	१।५७	३।२६
००।२०।२८।४२	८ शु	५	४।४८	६।२४	८।२०	१०।३५	१२।५५	३।१२	५।२८	७।४७	१०।०५	१२।१०	१।५३	३।२२
००।२१।२६।३९	९ श	६	४।४४	६।२०	८।१६	१०।३१	१२।५१	३।०८	५।२४	७।४३	१०।०१	१२।०६	१।४९	३।१८
००।२२।२४।३३	१० र	७	४।४०	६।१६	८।१२	१०।२७	१२।४७	३।०४	५।२०	७।३९	९।५७	१२।०२	१।४५	३।१४
००।२३।२२।२६	११ चं	८	४।३६	६।१२	८।०८	१०।२३	१२।४३	३।००	५।१६	७।३५	९।५३	११।५८	१।४१	३।१०
००।२४।२०।१७	११ मं	९	४।३२	६।०८	८।०४	१०।१९	१२।३९	२।५६	५।१२	७।३१	९।४९	११।५४	१।३८	३।०६
००।२५।१८।०६	१२ बु	१०	४।२८	६।०४	८।००	१०।१५	१२।३५	२।५२	५।०८	७।२७	९।४६	११।५०	१।३४	३।०२
००।२६।१५।५३	१३ गु	११	४।२४	६।००	७।५६	१०।११	१२।३१	२।४८	५।०४	७।२३	९।४२	११।४६	१।३०	२।५८
००।२७।१३।३९	१४ शु	१२	४।२०	५।५६	७।५२	१०।०७	१२।२७	२।४४	५।००	७।१९	९।३८	११।४२	१।२६	२।५४
००।२८।११।२२	१५ श	१३	४।१६	५।५२	७।४९	१०।०३	१२।२३	२।४०	४।५६	७।१५	९।३४	११।३८	१।२२	२।५०

अयनांशाः २३।५५।४३

पं. ४ बै.शु. ८ शु. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
०	२	०	६	११	३	११	५
२०	१८	०५	१९	०७	११	०८	०८
२७	२०	२४	५८	४४	२२	२८	२८
५८	३८	५२	११	११	३४	१२	१२
५८	३५	११३	७	६७	३	३	३
०७	२३	४०	३९	५९	०७	११	११
म	आ	अ	स्वा	उभा	पु	उभा	उफा
३	४	२	४व	२	३	२	४



अयनांशाः २३।५५।४४

पं. ५ बै.शु.१४ शु. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
०	२	०	६	११	३	११	५
२७	२२	१९	१९	१५	११	०८	०८
१४	२८	१४	०४	४१	४६	०५	०५
०१	४७	१२	५६	५९	२२	५७	५७
५७	३५	१२५	७	६८	३	३	३
५६	३५	४४	३०	४०	४६	११	११
कृ	पुन	म	स्वा	उभा	पु	उभा	उफा
१	१	२	४व	४	३	२	४



CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

॥ श्रीवत्सभ मनीराम पञ्चाङ्गम् ॥

१४ मई से २७ मई तक, श्री ज्येष्ठ कृष्णपक्ष संवत् २०६३, शाकः १९२८, दि.मा.सू. सू. तारीख्य स्टै. प्रातः दैनिक ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे वैशाख्यकृष्णेति गुर्जराः, मई २००६

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
मृत्यु	१	र	१६	१७	१२	१६	अनु	४०	०७	२१	४८	प	२६	५०	१६	२९	कौ	१६	१७	१२	१६	३३ ५५	५ ४६	७ ०८	२४	१५	१४	वृश्चि.	०।२९।०२।०४	५७।४०
पद्म	२	सो	१४	५२	११	४२	ज्ये	४०	०३	२१	४६	शि	२२	५७	१४	५६	ग	१४	५२	११	४२	२८	४५	०८	२५	१६	१५	धनु.	२१।४६	०।२९।५९।४४	५७।३९
च.ब्र.	३	मं	१२	२४	१०	४२	मूल	३९	०९	२१	२१	सि	१८	१५	१३	०२	वि	१२	२४	१०	४२	३१	४४	०९	२६	१७	१६	धनु.		१।००।५७।२३	५७।३७
श्रीवत्स	४	बु	९	०५	९	२२	पूषा	३७	१२	२०	३७	सा	१२	५३	१०	५३	बा	९	०५	९	२२	३३	४४	०९	२७	१८	१७	मक.	२१।२३	१।०९।५५।००	५७।३५
सौम्य	५	गु	५	०४	७	४५	उषा	३४	४७	१९	३८	शु	६	५७	८	३०	तै	५	०४	७	४५	३६	४२	१०	२८	१९	१८	मक.		१।०२।५२।३५	५७।३४
धूम्र	६	शु	०	३०	५	५५	श्रव	३१	५४	१८	२९	शु	० ५३	३५ ५३	५ २७	५७ ६१	व	०	३०	५	५५	३९	४३	१०	२९	२०	१९	मक.		१।०३।५०।०९	५७।३२
क्षयः	७	शु	५५	३१	२७	५५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
प्रवर्धमा	८	श	५०	१४	२५	४८	धनि	२८	४१	१७	११	ऐ	४६	५७	२४	२९	बा	२२	५१	१४	५३	४१	४२	१५	३०	२१	२०	कुंभे	५।५१	१।०४।४७।४१	५७।३०
राक्षस	९	र	४४	४४	२३	३६	शत	२५	१२	१५	४७	वै	३९	४८	२१	३७	तै	१७	३१	१२	४३	४४	४२	१२	३१	२२	२१	कुंभे		१।०५।४५।११	५७।२९
मुसल	१०	सो	३९	०४	२१	१९	पूभा	२१	३१	१४	१८	वि	३२	३२	१८	४२	व	११	५६	१०	२८	४६	४२	१२	९	२३	२२	मीने	८।४१	१।०६।४२।४०	५७।२७
ए.ब्र.	११	मं	३३	२०	१९	०१	उभा	१७	४६	१२	४७	प्री	२५	१३	१५	४७	ब	६	१२	८	१०	४९	४१	१३	२	२४	२३	मीने		१।०७।४०।०७	५७।२६
प्र.ब्र.	१२	बु	२७	४२	१६	४५	रेव	१४	०२	११	१८	आ	१७	५७	१२	५१	कौ	०	३०	५	५३	५१	४१	१३	३	२५	२४	मेषे	११।१८	१।०८।३७।३३	५७।२४
मानस	१३	गु	२२	१८	१४	३६	अश्वि	१०	३१	९	५३	सौ	१०	५१	१०	०१	व	२२	१८	१४	३६	५३	४०	१४	४	२६	२५	मेषे		१।०९।३४।५७	५७।२३
मुद्गर	१४	शु	१७	२५	१२	३८	भर	७	२७	८	३९	शो	४ ५७	०७ ५८	७ २८	१२ ५९	श	१७	२५	१२	३८	५६	४०	१४	५	२७	२६	वृषे	१४।२३	१।१०।३२।२०	५७।२२
अमाव.	३०	श	१३	१९	१०	५९	कृत्ति	५	०६	७	४२	सु	५२	३८	२६	४०	ना	१३	१९	१०	५९	५८	४०	१५	६	२८	२७	वृषे		१।११।२९।४२	५७।२०

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है ।
वृषे रविः २६।३५, अनु. रे. ६ ।।।ऽबुऽ।ऽऽ।। दिवा ल. २।४ B
भ. २३।१५ उ., नारद जयंती, वीणादानं, वृषे सौरः ५।५२, E
भ. १०।४२ या., अंगारकी चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः २२।३५
वृषे बुधः ७।२६, उषा. रे. ८ ।।।।ऽ।।ऽ।। रात्रौ ल. गोधूलि F
[F (भौम ८ दोषः)
भ. ५।५५ उ. १६।५६ या. [B (कर्क सोग्रांगः)
[E कृत्ति. बुधः १८।२२
पंचक प्रारम्भः ५।५९ [A मृगे बुधः २६।१६
सायन मिथुने भानुः ९।५०, रोहि. बुधः २१।०१
भ. १०।२८ उ. २१।१९ या., भा. ज्येष्ठारंभः
अपरा ११ व्र. [C ११।५७ (सौरः १६।०९) [D शुक्रः १५।३६
पंचक समाप्तिः ११।१८, प्रदोषः, कर्के भौमः २०।४८, मेषे अश्वि. D
भ. १४।३६ उ. २५।३५ या., मासिकशिवरात्री व्र., रोहि. रविः C
शनैश्चर जयन्ती, पितृकार्येऽमा., भाऊका ३०, वट सावित्री व्र. (मरु.)
देवकार्येऽमा., वटपूजनम् मरुस्थले, भाऊका-करिदिन, A

अयनांशाः २३।५५।४५

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

संक्रांति फलम्

अयनांशाः २३।५५।४६

पं. ६ ज्ये.कृ. ६ शु. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा	के.
१	२	१	६	११	३	११	५
०३	२६	०४	१८	२३	१२	०७	०७
५८	३८	१२	१३	४४	१४	४३	४३
५०	१९	३०	३५	१८	३५	४२	४२
५७	३५	१३।१	७	६९	४	३	३
४५	४६	४२	०६	१५	२२	११	११
कृ	पुन	कृ	स्वा	रे	पु	उभा	उभा
३	२	३	४व	३	३	२	४



ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	मई	रात्री	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	सायं	रात्री	रात्री	रात्री	रात्री
००।२९।०९।०४	९ र	१४	४।१२	५।४९	७।४५	९।५९	१२।१९	२।३६	४।५२	७।१९	९।३०	११।३४	१।१८	२।४६
०१।००।०६।४४	२ चं	१५	४।०८	५।४५	७।४१	९।५५	१२।१५	२।३२	४।४८	७।१७	९।२६	११।३१	१।१४	२।४२
०१।०१।०४।२३	३ मं	१६	४।०५	५।४१	७।३७	९।५१	१२।११	२।२८	४।४४	७।०३	९।२२	११।२७	१।१०	२।३९
०१।०२।०१।५९	४ बु	१७	४।०१	५।३७	७।३३	९।४७	१२।०८	२।२४	४।४०	६।५९	९।१८	११।२३	१।०६	२।३५
०१।०२।५९।३४	५ गु	१८	३।५७	५।३३	७।२९	९।४४	१२।०४	२।२०	४।३६	६।५५	९।१४	११।१९	१।०२	२।३१
०१।०३।५७।०८	६ शु	१९	३।५३	५।२९	७।२५	९।४०	१२।००	२।१७	४।३२	६।५१	९।१०	११।१५	१२।५८	२।२७
०१।०४।५४।३९	८ श	२०	३।४९	५।२५	७।२१	९।३६	११।५६	२।१३	४।२८	६।४८	९।०६	११।११	१२।५४	२।२३
०१।०५।५२।०९	९ र	२१	३।४५	५।२१	७।१७	९।३२	११।५२	२।०९	४।२४	६।४४	९।०२	११।०७	१२।५०	२।१९
०१।०६।४९।३८	१० चं	२२	३।४१	५।१७	७।१३	९।२८	११।४८	२।०५	४।२१	६।४०	८।५८	११।०३	१२।४६	२।१५
०१।०७।४७।०५	११ मं	२३	३।३७	५।१३	७।०९	९।२४	११।४४	२।०१	४।१७	६।३६	८।५४	१०।५९	१२।४२	२।११
०१।०८।४४।३९	१२ बु	२४	३।३३	५।०९	७।०५	९।२०	११।४०	१।५७	४।१३	६।३२	८।५०	१०।५५	१२।३८	२।०७
०१।०९।४१।५५	१३ गु	२५	३।२९	५।०५	७।०१	९।१६	११।३६	१।५३	४।०९	६।२८	८।४६	१०।५१	१२।३४	२।०३
०१।१०।३९।१८	१४ शु	२६	३।२५	५।०१	६।५७	९।१२	११।३२	१।४९	४।०५	६।२४	८।४२	१०।४७	१२।३१	१।५९
०१।११।३६।३९	३० श	२७	३।२१	४।५७	६।५३	९।०८	११।२८	१।४५	४।०१	६।२०	८।३९	१०।४३	१२।२७	१।५५

ता. १४ मई २००६
ज्ये. कृ. १ रवौ वृषेऽर्कः प्र. (स्टै.)
टा. २६।३५ वारात् ४ नक्षत्रात् ५
वारनाम घोरा शूद्रान् सुस्पदा
नक्षत्रनाम राक्षसी चाण्डालान् सुस्पदा
अपर रात्रि ३ प्रहर व्यापिनी नटान्
हन्ति, पूर्वे गमनमाग्नेयां दृष्टिः
गरकरणे प्रविष्टा मध्यमफलं
हस्तीवाहनं स्वरोपवाहनं लक्ष्मीकारक
रक्तवस्त्रं धनुष्यायुधं लोहपात्रं
दुग्धभक्षणं गोरोचनलेप्यनं पशुजातिः
विल्वपुष्पं मुकुटभूषणं श्वेतकंचुकी
प्रौढावस्था (बैठी) मु. १५ धान्यभावे
महर्घता वत्स उत्तरे राहु पश्चिमा. मूलं
पातालें विवाहस्तंभो ऽग्निकोणे
शुक्रोदयः पूर्वस्याम् । पुण्यकालः
(रटै.) २०।११ से २६।३५ तक ।
(दान- गौ) ।

पं. ७ ज्ये.कृ.१४ शु. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
१	३	१	६	०	३	११	५
१०	००	१९	१७	०१	१२	०७	०७
४२	४९	२६	२५	५०	४६	२१	२१
३४	११	४२	४०	३०	५३	२७	२७
५७	३५	१२।६	६	६९	४	३	३
३६	५७	२५	२७	४६	५६	११	११
रो	पुन	रो	स्वा	अ	पु	उभा	उभा
१	४	३	४व	१	३	२	४



CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

२८ मई से ११ जून तक, श्री ज्येष्ठ शुक्लपक्ष संवत् २०६३, शाकः १९२८, दि.मा.सू. सू. तारीख्स

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	स्टै. चद्रः	प्रातः सौर र. स्प.	दैनिक गति
धाता	१	र	१०	१६	९	४६	रोहि	३	४६	७	१०	धृ	४८	१९	२४	५९	ब	१०	१६	९	४६	३४ ०००	५ ३१	७ १५	७	२९	२८	मिथु.	१९।०५	१।१२।२७।०२	५७।१९
आनन्द	२	सो	८	३६	९	०६	मृग	३	४६	७	१०	शू	४५	१३	२३	४४	को	८	३६	९	०६	०२	३९	१६	८	१	२९	मिथु.	१।१३।२४।२१	५७।१८
चर	३	मं	८	३०	९	०३	आर्द्रा	५	१८	७	४६	गं	४३	२७	२३	०२	ग	८	३०	९	०३	०४	३९	१६	९	२	३०	कर्के	२६।४०	१।१४।२१।३९	५७।१६
गद	४	बु	१०	०८	९	४२	पुन	८	३१	९	०३	वृ	४३	०४	२२	५२	वि	१०	०८	९	४२	०५	३९	१७	१०	३	३१	कर्के	१।१५।१८।५५	५७।१५
शुभ	५	गु	१३	२८	११	०२	पुष्य	१३	२५	११	००	ध्रु	४३	५७	२३	१३	बा	१३	२८	११	०२	०७	३९	१७	११	४	१	कर्के	१।१६।१६।१०	५७।१४
मृत्यु	६	शु	१८	२०	१२	५८	श्ले	१९	४६	१३	३३	व्या	४५	५०	२३	५९	तै	१८	२०	१२	५८	०९	३८	१८	१२	५	२	सिंहे	१३।३३	१।१७।१३।२४	५७।१३
पद्म	७	श	२४	१६	१५	२०	मघा	२७	०८	१६	२९	ह	४८	२२	२४	५९	व	२४	१६	१५	२०	१०	३८	१८	१३	६	३	सिंहे	१।१८।१०।३६	५७।११
छत्र	८	र	३०	३९	१७	५४	पूफा	३४	५५	१९	३६	व	५१	०५	२६	०४	ब	३०	३९	१७	५४	१२	३८	१९	१४	७	४	कन्या	२६।२२	१।१९।०७।४८	५७।१०
श्रीवत्स	९	सो	३६	४८	२०	२१	उफा	४२	२६	२२	३६	सि	५३	२६	२७	००	बा	३	४८	७	०९	१३	३८	१९	१५	८	५	कन्या	१।२०।०४।५८	५७।०९
गंगा	१०	मं	४२	०४	२२	२७	हस्त	४९	०३	२५	१५	व्य	५५	००	२७	३८	तै	९	३५	९	२८	१५	३८	२०	१६	९	६	कन्या	१।२१।०२।०७	५७।०८
ए.व्र.	११	बु	४५	५८	२४	०१	चित्रा	५४	१९	२७	२१	व	५५	२८	२७	४९	व	१४	१२	११	१९	१६	३८	२०	१७	१०	७	तुला.	१४।२३	१।२१।५९।१६	५७।०७
सुस्थिर	१२	गु	४८	११	२४	५४	स्वा	५७	५६	२८	४८	प	५४	३८	२७	२९	ब	१७	१७	१२	३२	१७	३८	२१	१८	११	८	तुला.	१।२२।५६।२३	५७।०६
प्र.व्र.	१३	शु	४८	४१	२५	०६	विशा	५९	५२	२९	३५	शि	५२	२५	२६	३६	को	९८	३९	१३	०५	१८	३८	२१	१९	१२	९	वृश्चि.	२३।२७	१।२३।५३।२९	५७।०५
अमृत	१४	श	४७	३०	२४	३८	अनु	...	...	...	...	सि	४८	५४	२५	११	ग	१८	१८	१२	५७	१९	३८	२१	२०	१३	१०	वृश्चि.	१।२४।५०।३५	५७।०४
पूर्णिमा	१५	र	४४	५१	२३	३४	अनु	० ५९	१२ ०६	पु २१	४२ १६	सा	४४	११	२३	१८	वि	१६	२१	१२	१०	२०	३८	२२	२१	१४	११	धनु.	२९।१६	१।२५।४७।३९	५७।०४

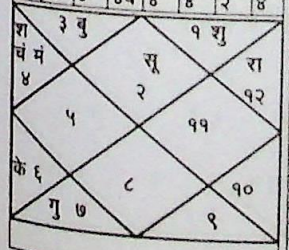
[E (कर्कः सोग्रांगः मेषे गु.चं. ७ पू), मृगे रविः ९।५१ (सौरः १५।३३), उभा.-१ राहुः ६।३५, उफा.-३ केतुः ६।३५

अयनांशाः २३।५५।४८

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

पं. ८ ज्ये.शु. ६ शु. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
१	३	२	६	०	३	११	५
१७	०५	०३	९६	१०	१३	०६	०६
२५	०९	२६	४२	००	२२	५९	५९
२०	१६	३९	५२	०८	५६	१२	१२
५७	३६	११०	५	७०	५	३	३
२९	०७	२८	३७	१३	२६	११	११
रो	पु	मृ	स्वा	अ	पु	उभा	उफा
३	१	४	४व	४	४	२	४



ब्रह्म र. स्प. प्रातः	वार	तिथि	ता. मई	मेष रात्रौ	वृष प्रातः	मिथुन दिवा	कर्क दिवा	सिंह दिवा	कन्या दिवा	तुला दिवा	वृश्चिक सायं	धनु रात्रौ	मकर रात्रौ	कुंभ रात्रौ	मीन रात्रौ
०१।१२।३३।५९	१ र	२८		३।१७	४।५३	६।४९	९।०४	११।२४	१।४९	३।५७	६।१६	८।३५	१०।३९	१२।२३	१।५१
०१।१३।३१।१८	२ चं	२९		३।१३	४।४९	६।४५	९।००	११।२०	१।३७	३।५३	६।१२	८।३१	१०।३५	१२।१९	१।४७
०१।१४।२८।३५	३ मं	३०		३।०९	४।४५	६।४२	८।५६	११।१६	१।३३	३।४९	६।०८	८।२७	१०।३१	१२।१५	१।४३
०१।१५।२५।५१	४ बु	३१		३।०५	४।४२	६।३८	८।५२	११।१२	१।२९	३।४५	६।०४	८।२३	१०।२७	१२।११	१।३९
०१।१६।२३।०६	५ गु	१		३।०१	४।३८	६।३४	८।४८	११।०८	१।२५	३।४१	६।००	८।१९	१०।२४	१२।०७	१।३५
०१।१७।२०।१९	६ शु	२		२।५८	४।३४	६।३०	८।४४	११।०४	१।२१	३।३७	५।५६	८।१५	१०।२०	१२।०३	१।३२
०१।१८।१७।३२	७ श	३		२।५४	४।३०	६।२६	८।४०	११।०१	१।१७	३।३३	५।५२	८।११	१०।१६	११।५९	१।२८
०१।१९।१४।४३	८ र	४		२।५०	४।२६	६।२२	८।३७	१०।५७	१।१३	३।२९	५।४८	८।०७	१०।१२	११।५५	१।२४
०१।२०।११।५३	९ चं	५		२।४६	४।२२	६।१८	८।३३	१०।५३	१।१०	३।२५	५।४४	८।०३	१०।०८	११।५१	१।२०
०१।२१।०९।०२	१० मं	६		२।४२	४।१८	६।१४	८।२९	१०।४९	१।०६	३।२१	५।४१	७।५९	१०।०४	११।४७	१।१६
०१।२२।०६।१०	११ बु	७		२।३८	४।१४	६।१०	८।२५	१०।४५	१।०२	३।१७	५।३७	७।५५	१०।००	११।४३	१।१२
०१।२३।०३।१७	१२ गु	८		२।३४	४।१०	६।०६	८।२१	१०।४१	१।२१	३।१४	५।३३	७।५१	९।५६	११।३९	१।०८
०१।२४।००।२३	१३ शु	९		२।३०	४।०६	६।०२	८।१७	१०।३७	१२।५८	३।१०	५।२९	७।४७	९।५२	११।३५	१।०४
०१।२४।५७।२९	१४ श	१०		२।२६	४।०२	५।५८	८।१३	१०।३३	१२।५०	३।०६	५।२५	७।४३	९।४८	११।३१	१।००
०१।२५।५४।३३	१५ र	११		२।२२	३।५८	५।५४	८।०९	१०।२९	१२।४६	३।०२	५।२१	७।३९	९।४४	११।२७	१२।५६

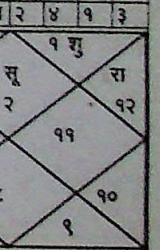
मास फलम्

इस माह में पांच रविवार हैं जो कि शुभ नहीं हैं। ज्येष्ठ कृष्णा प्रतिपदा को रविवार होने से पवन अधिक चले। शनिवारी अमावस होने से दुर्भिक्ष होकर महादुःख तथा महाभय हो पिता-पुत्रों में पराङ्मुखता हो। सुदी तीज को आर्द्रा में वर्षा हो तो दुर्भिक्ष करे। ज्येष्ठ की पूर्णिमा को ज्येष्ठा का क्षय होने से महँगाई हो। रविवार की सक्रांति होने से कहीं कहीं युद्ध हो, राजविग्रह हो, सूर्य बहुत तपे, रोगोत्पत्ति हो, धान्यादि महँगे हों। कृत्तिका में बुध होने से विप्रगण पीड़ित हों, अल्पवृष्टि हो, अल्प अन्न हो मनुष्यों में ज्वर पीड़ा हो और कहीं कुछ उपद्रव हो।

अयनांशाः २३।५५।४९

पं. ९ ज्ये.शु.१३ शु. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
१	३	२	६	०	३	११	५
२४	०९	१५	१६	१८	१४	०६	०६
०७	१४	२५	०६	१२	०२	३६	३६
१८	३२	३०	२७	४८	२४	५७	५७
५७	३६	९२	४	७०	५	३	३
२२	१७	०७	३७	३७	५४	११	११
मृ	पु	आ	स्वा	म	पु	उभा	उफा
१	२	३	३व	२	४	१	३



CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

॥ श्रीवल्लभ मनीराम पञ्चाङ्गम् ॥

१२ जून से २५ जून तक, श्री आषाढ़ कृष्णपक्ष संवत् २०६३, शाकः १९२८, दि.मा.सू. सू. तारीख्स स्टै. प्रातः दैनिक ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे ज्येष्ठकृष्णेति गुर्जराः, जून २००६

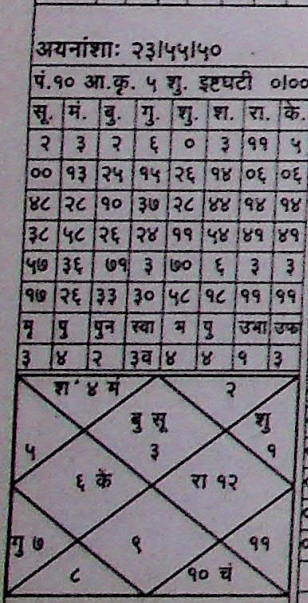
योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
लुम्बक	१	सो	४०	५७	२२	००	मूल	५६	५१	२८	२२	शु	३८	२८	२१	०१	बा	१३	०२	१०	५०	३४/२१	५/३८	७/२२	२२	१५	१२	धनु.	१।२६।४४।४३	५७।०३
मित्र	२	मं	३६	०८	२०	०५	पूषा	५३	४६	२७	०८	शु	३१	५९	१८	२५	तै	८	३९	९	०५	२२	३८	२३	२३	१६	१३	धनु.	१।२७।४९।४६	५७।०२
च.व्र.	३	बु	३०	४१	१७	५४	उषा	५०	०९	२५	४१	ब्र	२४	५७	१५	३७	व	३	२८	७	०१	२३	३८	२३	२४	१७	१४	मक.	८।४७	१।२८।३८।४८	५७।०१
ध्वजा	४	गु	२४	५४	१५	३५	श्रव	४६	१७	२४	०९	ऐ	१७	३९	१२	४१	बा	२४	५४	१५	३५	२३	३८	२३	२५	१८	१५	मक.		१।२९।३५।४९	५७।०१
धाता	५	शु	१९	०१	१३	१४	धनि	४२	२५	२२	३६	वै	१०	१४	९	४४	तै	१९	०१	१३	१४	२४	३८	२३	२६	१९	१६	कुंभे	११।२२	२।००।३२।४९	५७।००
आनन्द	६	श	१३	१५	१०	५६	शत	३८	४२	२१	०७	वि	२/५५	५३/४२	६/२७	४७/५५	व	१३	१५	१०	५६	२४	३८	२४	२७	२०	१७	कुंभे		२।०१।२९।४९	५६।५९
चर	७	र	७	४९	८	४३	पूभा	३५	१५	१९	४४	आ	४८	४५	२५	०८	ब	७	४१	८	४३	२५	३८	२४	२८	२१	१८	मीने	१४।०४	२।०२।२६।४८	५६।५९
गद	८	सो	२	२६	६	३७	उभा	३२	०८	१८	२९	सौ	४२	०४	२२	२८	कौ	२	२६	६	३७	२५	३८	२४	२९	२२	१९	मीने		२।०३।२३।४७	५६।५८
क्षयः	९	सो	५७	३१	२८	३९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
शुभ	१०	मं	५३	००	२६	५०	रेव	२९	२२	१७	२३	शो	३५	४२	१९	५५	व	२५	११	१५	४३	२५	३९	२५	३०	२३	२०	मेषे	१७।२३	२।०४।२०।४५	५६।५८
ए.व्र.	११	बु	४८	५५	२५	१३	अश्वि	२७	०२	१६	२८	अ	२९	४२	१७	३२	ब	२०	५३	१४	००	२५	३९	२५	३१	२४	२१	मेषे		२।०५।१७।४३	५६।५७
पद्म	१२	गु	४५	२४	२३	४९	भर	२५	१३	१५	४४	सु	२४	०६	१५	१७	कौ	१७	०५	१२	२९	२५	३९	२५	१	२५	२२	वृषे	२१।३६	२।०६।१४।४०	५६।५७
प्र.व्र.	१३	शु	४२	३७	२२	४२	कृति	२४	०३	१५	१६	घृ	१९	०३	१३	१६	ग	१३	५४	११	१३	२५	३९	२५	२	२६	२३	वृषे		२।०७।११।३६	५६।५६
श्रीवत्स	१४	श	४०	४१	२१	५६	रोहि	२३	४१	१५	०८	शू	१४	३८	११	३१	वि	११	३१	१०	१६	२५	३९	२५	३	२७	२४	मिथु.	२७।१३	२।०८।०८।३२	५६।५६
अमाव.	३०	र	३९	४९	२१	३५	मृग	२४	२०	१५	२४	गं	११	००	१०	०४	च	१०	०६	९	४२	२४	४०	२५	४	२८	२५	मिथु.		२।०९।०५।२८	५६।५५

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है ।
पुन. बुधः ७।२९, मूले रे. ७ ।।।ऽबुऽ।।ऽ।। दिवा ल. ३ D
[D (चं ७ पू.), रात्रौ गोधूलि १ (गु. ७ पू.)
भ. ७।०१ उ. १७।५४ या., चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः २२।१४
मिथुने रविः ९।१५ (सौरः १५।४९)
पंचक प्रारम्भः ११।२२, कृत्ति. शुक्रः ९।३८
भ. १०।५६ उ. २१।४८ या.
वृषे शुक्रः २९।१३
[B १७।५२, श्लेषा. भौमः ११।१८
[A करिदिन, सं.स्त्री.पु.चं.चं.वाहन मूषक वर्षाश्रेष्ठः
भ. १५।४३ उ. २६।५० या., पंचक समाप्तिः १७।२३, C
योगिनी ११ व्र., सायन कर्के भानुः, सायन दक्षिणायन प्रारम्भ B
भा. आषाढारंभः, आर्द्रा. रविः ८।५३ (सौरः १६।२०), अयन A
भ. २२।४२ उ., प्रदोषः, मासिकशिवरात्री व्र.
भ. १०।१६ या., पुष्ये बुधः १२।०२
देवपितृकार्येऽमा. [C कर्के बुधः १५।०७

अयनांशाः २३।५५।५०

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

पं.१० आ.कृ. ५ शु. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
२	३	२	६	०	३	११	५
००	१३	२५	१५	२६	१४	०६	०६
४८	२८	१०	३७	२८	४४	१४	१४
३८	५८	२६	२४	११	५४	४१	४१
५७	३६	७१	३	७०	६	३	३
१७	२६	३३	३०	५८	१८	११	११
मृ	पु	पुन	स्वा	म	पु	उभा	उफा
३	४	२	३व	४	४	१	३



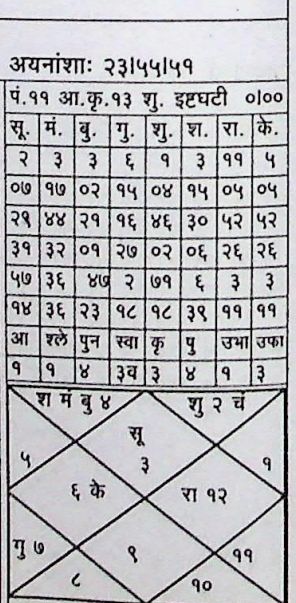
ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	जून	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	सायं	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ
०१।२६।५९।३६	१ चं	१२	२।१८	३।५४	५।५०	८।०५	१०।२५	१२।४२	२।५८	५।१७	७।३५	९।४०	११।२४	१२।५२
०१।२७।४८।३९	२ मं	१३	२।१४	३।५०	५।४६	८।०१	१०।२१	१२।३८	२।५४	५।१३	७।३२	९।३६	११।२०	१२।४८
०१।२८।४५।४१	३ बु	१४	२।१०	३।४६	५।४२	७।५७	१०।१७	१२।३४	२।५०	५।०९	७।२८	९।३२	११।१६	१२।४४
०१।२९।४२।४२	४ गु	१५	२।०६	३।४२	५।३८	७।५३	१०।१३	१२।३०	२।४६	५।०५	७।२४	९।२८	११।१२	१२।४०
०२।००।३९।४२	५ शु	१६	२।०२	३।३८	५।३५	७।४९	१०।०९	१२।२६	२।४२	५।०१	७।२०	९।२४	११।०८	१२।३६
०२।०१।३६।४२	६ श	१७	१।५८	३।३४	५।३१	७।४५	१०।०५	१२।२२	२।३८	४।५७	७।१६	९।२०	११।०४	१२।३२
०२।०२।३३।४१	७ र	१८	१।५४	३।३१	५।२७	७।४१	१०।०१	१२।१८	२।३४	४।५३	७।१२	९।१६	११।००	१२।२८
०२।०३।३०।३९	८ चं	१९	१।५१	३।२७	५।२३	७।३७	९।५७	१२।१४	२।३०	४।४९	७।०८	९।१३	१०।५६	१२।२५
०२।०४।२७।३७	९ मं	२०	१।४७	३।२३	५।१९	७।३३	९।५४	१२।१०	२।२६	४।४५	७।०४	९।०९	१०।५२	१२।२१
०२।०५।२४।३५	१० बु	२१	१।४३	३।१९	५।१५	७।२९	९।५०	१२।०६	२।२२	४।४१	७।००	९।०५	१०।४८	१२।१७
०२।०६।२१।३२	११ गु	२२	१।३९	३।१५	५।११	७।२६	९।४६	१२।०३	२।१८	४।३७	६।५६	९।०१	१०।४४	१२।१३
०२।०७।१८।२८	१२ शु	२३	१।३५	३।११	५।०७	७।२२	९।४२	११।५९	२।१४	४।३३	६।५२	८।५७	१०।४०	१२।०९
०२।०८।१५।२४	१३ श	२४	१।३१	३।०७	५।०३	७।१८	९।३८	११।५५	२।१०	४।३०	६।४८	८।५३	१०।३६	१२।०५
०२।०९।१२।२०	१४ र	२५	१।२७	३।०३	४।५९	७।१४	९।३४	११।५१	२।०६	४।२६	६।४४	८।४९	१०।३२	१२।०१

संक्रांति फलम्

ता. १५ जून २००६
आषा. कृ. ४ गुरौ मिथुनेऽर्कः प्र. (स्टै.) टा. ९।१५ वारात् ५ नक्षत्रात् ५ वारनाम नंदा गणकान् सुस्थदा नक्षत्रनाम महोदरी चोरान् सुस्थदा पूर्वान्ह १ प्रहर व्यापिनी नृपतीन् हन्ति, पूर्वे गमनमाग्नेयां दृष्टिः बालवकरणे प्रविष्टा मध्यमफलं व्याघ्रवाहनं अश्वोपवाहनं भीतिकारक पीतवस्त्रं गदायुधं रौप्यपात्रं पायसभक्षणं कुंकुमलेपनं भूतजातिः जातिपुष्पं वंकणभूषणं पर्णवंशध्वजी कुमारिकावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यभावे सम वत्स उत्तरे राहु पश्चिमा. मूलं स्वर्गे विवाहस्तंभो ऽग्निकोणे शुक्रोदयः पूर्वस्याम् । पुण्यकालः (स्टै.) ९।१५ से १५।३९ तक । (दान- वस्त्रात्र) ।

अयनांशाः २३।५५।५१

पं.११ आ.कृ.१३ शु. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
२	३	३	६	१	३	११	५
०७	१७	०२	१५	०४	१५	०५	०५
२९	४४	२१	१६	४६	३०	५२	५२
३१	३२	०१	२७	०२	०६	२६	२६
५७	३६	४७	२	७१	६	३	३
१४	३६	२३	१८	१८	३९	११	११
आ	श्ले	पुन	स्वा	कृ	पु	उभा	उफा
१	१	४	३व	३	४	१	३



CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

२६ जून से ११ जुलाई तक, श्री आषाढ़ शुक्लपक्ष संवत् २०६३, शाकः १९२८, दि.मा.सू. सू. तारीख्स्य स्टे. प्रातः दैनिक केतकी अहर्गणः ५१९५ वर्षत्तू रविर्दक्षिणे, जून-जुलाई २००६

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
काल	१	सो	४०	१२	२१	४५	आर्द्रा	२६	०९	१६	०७	वृ	८	१९	८	५९	किं	९	५०	९	३६	३४/३४	५/४०	७/२६	५	२९	२६	मिथु.	२।१०।०२।२४	५६।५५
सुस्थिर	२	मं	४१	५७	२२	२७	पुन	२९	१७	१७	२३	ध्रु	६	३९	८	२०	बा	१०	५४	१०	०२	२४	४०	२६	६	३०	२७	कर्के	११।०१	२।१०।५९।१९	५६।५५
मातङ्ग	३	बु	४५	०८	२३	४४	पुष्य	३३	४८	१९	१२	व्या	६	०५	८	०६	तै	१३	२१	११	०१	२३	४१	२६	७	१	२८	कर्के		२।११।५६।१४	५६।५५
अमृत	४	गु	४९	३९	२५	३३	श्लेषा	३९	३९	२१	३२	ह	६	३७	८	२०	व	१७	१३	१२	३४	२२	४१	२६	८	२	२९	रिं.हे	२१।३२	२।१२।५३।०९	५६।५५
काण	५	शु	५५	१७	२७	४८	मघा	४६	३७	२४	२०	व	८	०९	८	५७	ब	२२	२१	१४	३८	२२	४१	२६	९	३	३०	सिंहे		२।१३।५०।०३	५६।५४
लुम्बक	६	श	...	...	...	..	पूफा	५४	१७	२७	२५	सि	१०	२८	९	५३	कौ	२८	२३	१७	०३	२१	४२	२६	१०	४	१	सिंहे		२।१४।४६।५७	५६।५४
मित्र	६	र	१	३५	६	२०	उफा	...	...	...	...	व्य	९३	११	१०	५९	तै	१	३५	६	२०	२०	४२	२६	११	५	२	कन्या	१०।१२	२।१५।४३।५२	५६।५४
श्रीवत्स	७	सो	७	५७	८	५३	उफा	२	०५	६	३२	व	१५	५२	१२	०३	व	७	५७	८	५३	१९	४२	२६	१२	६	३	कन्या		२।१६।४०।४६	५६।५४
सौम्य	८	मं	१३	४०	११	११	हस्त	९	२०	९	२७	प	१८	००	१२	५५	ब	१३	४०	११	११	१८	४३	२६	१३	७	४	तुला.	२२।४४	२।१७।३७।४०	५६।५४
काल	९	बु	१८	०९	१२	५९	चित्रा	१५	२५	११	५३	शि	१९	०८	१३	२३	कौ	१८	०९	१२	५९	१७	४३	२६	१४	८	५	तुला.		२।१८।३४।३४	५६।५४
सुस्थिर	१०	गु	२०	५५	१४	०६	स्वा	१९	५१	१३	४०	सि	१८	५७	१३	१८	ग	२०	५५	१४	०६	१५	४४	२६	१५	९	६	तुला.		२।१९।३१।२८	५६।५४
ए.ब्र.	११	शु	२१	४२	१४	२५	विशा	२२	२२	१४	४१	सा	१७	१२	१२	३७	वि	२१	४२	१४	२५	१४	४४	२६	१६	१०	७	वृश्चि.	८।३०	२।२०।२८।२३	५६।५४
प्र.ब्र.	१२	श	२०	३०	१३	५६	अनु	२२	५६	१४	५५	शु	१३	५३	११	१८	बा	२०	३०	१३	५६	१३	४४	२६	१७	११	८	वृश्चि.		२।२१।२५।१७	५६।५५
काण	१३	र	१७	२५	१२	४३	ज्ये	२१	३९	१४	२५	शु	९	०२	९	२२	तै	१७	२५	१२	४३	११	४५	२५	१८	१२	९	धनु.	१४।२५	२।२२।२२।१२	५६।५५
लुम्बक	१४	सो	१२	४६	१०	५२	मूल	१८	४८	१३	१७	ब्र	२/५५	५२/३७	६/२८	१५४/००	व	१२	४६	१०	५२	१०	४५	२५	१९	१३	१०	धनु.		२।२३।१९।०७	५६।५५
पूर्णिमा	१५	मं	६	५०	८	३०	पूषा	१४	४४	११	३९	वै	४७	३३	२४	४७	ब	६	५०	८	३०	०८	४६	२५	२०	१४	११	मक.	१७।१२	२।२४।१६।०२	५६।५५

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टे.टा.में है।
[F चातुर्मास व्रतारंभः. गोपद्मव्रतोद्यापनं, हरिवासरः १४।४१ से G
चंद्रदर्शनम् (मु.३०), श्री जगदीश रथ यात्रा, रोहि. शुक्रः १५।१४
जमादिलास्वर ६ [G २०।४९, बुधास्तः पश्चिमायाम् ९।४०
भ. १२।३४ उ. २५।३३ या., मघा. रे. ८ IIIIIISSII रात्रौ ल. ९।२
मघा. रे. ८ IIIIIISSII दिवा ल. ८ (शु. ७ पू.), रात्रौ १२ A
स्कंध षष्ठी, जुलाई ७ ता. ३१ [A (सोग्रांगः, स्टें. २४।२० या.)
[B (सोग्रांगः, रा. ७ दो.), मन्वादि, आशा दशमी, पुन. रविः C
भ. ८।५३ उ. २२।०५ या., श्लेषा.-१ शनिः १०।२६
[C ८।३० , (सौरः १७।४६), मार्गी गुरुः २४।३०, सं.स्त्री.स्त्री.चं. D
भड़ली ९, वक्री बुधः १५।३८ [D सू. वाहन नाग अल्पवृष्टिः
भ. २६।२१ उ., स्वातौ रे. ९ IISगुIIIIII दि. ल. ४ (सोग्रांगः), ६ B
भ.१४।२५ या., देवशयनी ११ व्र.,अनु. रे. १० IIIIIIIII रात्रौ ल. E
प्रदोषः, श्रावणे वर्जयेच्छाकम्, मृगे शुक्रः १९।००
जया पार्वती व्रतं [E ११२ (मेषे गु. ७ पू., वृषे चं. ७ पू.) F
भ. १०।५२ उ. २१।४४ या., पूर्णिमा व्रतं, वायुपरीक्षा, गोपद्मव्रतारंभ
मन्वादि, पूर्णिमा पुण्यं, व्यासपूजा, गुरु पूर्णिमा, आषाढी योगः

अयनांशाः २३।५५।५२

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

मास फलम्

अयनांशाः २३।५५।५३

पं.१२ आ.शु. ५ शु. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
२	३	३	६	१	३	११	५
१४	२२	०६	१५	१३	१६	०५	०५
१०	०१	३१	०४	०६	१७	३०	३०
०७	१४	०९	०८	०९	३७	१०	१०
५७	३६	१९	१	७१	६	३	३
१२	४५	२८	०३	३६	५७	११	११
आ	श्लेषा	पु	स्वा	रो	पु	उभा	उफा
३	२	१	३व	१	४	१	३

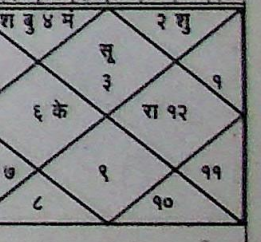


ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	जून	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	सायँ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ
०२।१०।०९।१५	१ चं	२६	१।२३	२।५९	४।५५	७।९०	९।३०	११।४७	२।०३	४।२२	६।४०	८।४५	१०।२८	११।५७
०२।११।०६।१०	२ मं	२७	१।१९	२।५५	४।५१	७।०६	९।२६	११।४३	१।५९	४।१८	६।३६	८।४१	१०।२४	११।५३
०२।१२।०३।०५	३ बु	२८	१।१५	२।५१	४।४७	७।०२	९।२२	११।३९	१।५५	४।१४	६।३२	८।३७	१०।२०	११।४९
०२।१३।००।००	४ गु	२९	१।११	२।४७	४।४३	६।५८	९।१८	११।३५	१।५१	४।१०	६।२८	८।३३	१०।१७	११।४५
०२।१३।५६।५४	५ शु	३०	१।०७	२।४३	४।३९	६।५४	९।१४	११।३१	१।४७	४।०६	६।२४	८।२९	१०।१३	११।४१
०२।१४।५३।४८	६ श	१	१।०३	२।३९	४।३५	६।५०	९।१०	११।२७	१।४३	४।०२	६।२१	८।२५	१०।०९	११।३७
०२।१५।५०।४२	६ र	२	१।२५९	२।३५	४।३१	६।४६	९।०६	११।२३	१।३९	३।५८	६।१७	८।२१	१०।०५	११।३३
०२।१६।४७।३७	७ चं	३	१।२५५	२।३१	४।२७	६।४२	९।०२	११।१९	१।३५	३।५४	६।१३	८।१७	१०।०१	११।२९
०२।१७।४४।३१	८ मं	४	१।२५१	२।२७	४।२४	६।३८	८।५८	११।१५	१।३१	३।५०	६।०९	८।१३	९।५७	११।२५
०२।१८।४१।२५	९ बु	५	१।२४७	२।२४	४।२०	६।३४	८।५४	११।११	१।२७	३।४६	६।०५	८।०९	९।५३	११।२१
०२।१९।३८।१९	१० गु	६	१।२४३	२।२०	४।१६	६।३०	८।५०	११।०७	१।२३	३।४२	६।०१	८।०६	९।४९	११।१७
०२।२०।३५।१३	११ शु	७	१।२४०	२।१६	४।१२	६।२६	८।४६	११।०३	१।१९	३।३८	५।५७	८।०२	९।४५	११।१४
०२।२१।३२।०७	१२ श	८	१।२३६	२।१२	४।०८	६।२२	८।४३	१०।५९	१।१५	३।३४	५।५३	७।५८	९।४१	११।१०
०२।२२।२९।०२	१३ र	९	१।२३२	२।०८	४।०४	६।१९	८।३९	१०।५५	१।११	३।३०	५।४९	७।५४	९।३७	११।०६
०२।२३।२५।५७	१४ चं	१०	१।२२८	२।०४	४।००	६।१५	८।३५	१०।५२	१।०७	३।२६	५।४५	७।५०	९।३३	११।०२
०२।२४।२२।५२	१५ मं	११	१।२२४	२।००	३।५६	६।११	८।३१	१०।४८	१।०३	३।२२	५।४१	७।४६	९।२९	१०।५८

इस माह में पांच सोमवार और पांच मंगलवार होने से धान्य सस्ता हो। छठ को शनिवार होने से गेहूं के भाव मंदे हों। कृष्णा चतुर्दशी में रोहिणी होने से राजयुद्ध तथा प्रजा में शोक हो। अमावस्या को रविवार मृगशिरा योग सुभिक्ष कारक है। शुक्ला पंचमी को शुक्रवार होने से भारी तूफान चले। शुक्ला चतुर्दशी को सोमवार होने से धान्य और तृणादि (घास) में कमी हो। पूर्णिमा मंगलवार और पूर्वाषाढा युक्त होने से व्याधि हो। पूनम पन्द्रह घडी से भी कम होने से महर्घता हो, वायु और बादल के संयोग से फलों में न्यूनाधिकता हो।

पं.१३ आ.शु.११ शु. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
२	३	३	६	१	३	११	५
२०	२६	०७	१५	२१	१७	०५	०५
५०	१९	१४	००	२८	०७	०७	०७
३६	०६	५७	३७	२१	०६	५४	५४
५७	३६	११	०	७१	७	३	३
१२	५५	४०	१३	५३	१३	११	११
पुन	श्लेषा	पु	स्वा	रो	श्लेषा	उभा	उफा
१	३	२व	३	४	१	१	३



CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

॥ श्रीवल्लभ मनोराम पञ्चाङ्गम् ॥

१२ जुलाई से २५ जुलाई तक, श्री श्रावण कृष्णपक्ष संवत् २०६३, शाकः १९२८, दि.मा.सू. सू. तारीख स्टै. प्रातः दैनिक

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.व.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
मुद्गर	१	बु	०	०१	५	४७	उषा	९	५०	९	४२	वि	३९	००	२१	२२	कौ	०	०१	५	४७	३४ ०६	५ ४६	७ २५	२१	१५	१२	मक.	२।२५।१९।५७	५६।५६
क्षयः	२	बु	५२	४४	२६	५२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
ध्वजा	३	गु	४५	१७	२३	५४	श्रव	४ ५९	३५ ०९	७ २९	३५ ३७	प्री	३०	१६	१७	५३	व	१९	००	१३	२३	०५	४७	२५	२२	१६	१३	कुंभे	१८।३१	२।२६।०९।५३	५६।५६
च.ब्र.	४	शु	३८	०२	२१	००	शत	५४	०२	२७	२४	आ	२१	३७	१४	२६	ब	११	३७	१०	२६	०३	४७	२४	२३	१७	१४	कुंभे		२।२७।०६।१२	५६।५६
काल	५	श	३१	१४	१८	१७	पूभा	४९	२५	२५	३४	सौ	१३	१६	१९	०६	कौ	४	३३	७	३७	०१	४८	२४	२४	१८	१५	मीने	२०।००	२।२८।०३।४५	५६।५७
सुस्थिर	६	र	२५	०२	१५	४९	उभा	४५	२९	२४	००	शो	५ ५८	२४ ०८	७ २९	५८ ०४	व	२५	०२	१५	४९	३३ ५९	४८	२४	२५	१९	१६	मीने		२।२९।०७।४२	५६।५७
मातङ्ग	७	सो	१९	३६	१३	३९	रेव	४२	२१	२२	४५	सु	५१	३१	२६	२५	ब	१९	३६	१३	३९	५७	४९	२३	२६	२०	१७	मेषे	२२।४५	२।२९।५७।३९	५६।५८
अमृत	८	मं	१५	०१	११	५०	अश्वि	४०	०४	२१	५१	धृ	४५	३७	२४	०४	कौ	१५	०१	११	५०	५४	४९	२३	२७	२१	१८	मेषे		३।००।५४।३७	५६।५८
काण	९	बु	११	१९	१०	२१	भर	३८	४१	२१	१८	शू	४०	२८	२२	०१	ग	११	१९	१०	२१	५२	५०	२३	२८	२२	१९	वृषे	२७।१४	३।०१।५१।३६	५६।५९
लुम्बक	१०	गु	८	३३	९	१५	कृति	३८	१६	२१	०९	गं	३६	०५	२०	१६	वि	८	३३	९	१५	५०	५०	२२	२९	२३	२०	वृषे		३।०२।४८।३५	५७।००
ए.ब्र.	११	शु	६	४७	८	३४	रोहि	३८	५०	२१	२३	वृ	३२	३०	१८	५१	बा	६	४७	८	३४	४८	५१	२२	३०	२४	२१	वृषे		३।०३।४५।३४	५७।००
प्र.ब्र.	१२	श	६	०२	८	१६	मृग	४०	२७	२२	०२	धु	२९	४६	१७	४६	तै	६	०२	८	१६	४५	५१	२१	३१	२५	२२	मिथु.	९।३९	३।०४।४२।३४	५७।०१
ध्वाङ्क्ष	१३	र	६	२१	८	२४	आर्द्रा	४३	०७	२३	०७	व्या	२७	५३	१७	०१	व	६	२१	८	२४	४३	५२	२१	१	२६	२३	मिथु.		३।०५।३९।३५	५७।०२
धूम्र	१४	सो	७	४७	८	५९	पुन	४६	५३	२४	३८	ह	२६	५३	१६	३७	श	७	४७	८	५९	४०	५२	२०	२	२७	२४	कर्के	१८।१२	३।०६।३६।३७	५७।०२
अमाव.	३०	मं	१०	२०	१०	०१	पुष्य	५१	४४	२६	३५	व	२६	४५	१६	३५	ना	१०	२०	१०	०१	३८	५३	२०	३	२८	२५	कर्के		३।०७।३३।४०	५७।०३

अयनांशाः २३।५५।५४

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	जुला	रात्री	रात्री	रात्री	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	सायं	रात्री	रात्री
०२।२५।१९।४७	१ बु	१२	१२।२०	९।५६	३।५२	६।०७	८।२७	१०।४४	१२।५९	३।१९	५।३७	७।४२	९।२५	१०।५४
०२।२६।१६।४३	३ गु	१३	१२।१६	९।५२	३।४८	६।०३	८।२३	१०।४०	१२।५६	३।१५	५।३३	७।३८	९।२१	१०।५०
०२।२७।१३।३९	४ शु	१४	१२।१२	९।४८	३।४४	५।५९	८।१९	१०।३६	१२।५२	३।११	५।२९	७।३४	९।१७	१०।४६
०२।२८।१०।३५	५ श	१५	१२।०८	९।४४	३।४०	५।५५	८।१५	१०।३२	१२।४८	३।०७	५।२५	७।३०	९।१३	१०।४२
०२।२९।०७।३२	६ र	१६	१२।०४	९।४०	३।३६	५।५१	८।११	१०।२८	१२।४४	३।०३	५।२१	७।२६	९।०९	१०।३८
०३।००।०४।२९	७ चं	१७	१२।००	९।३६	३।३२	५।४७	८।०७	१०।२४	१२।४०	२।५९	५।१७	७।२२	९।०६	१०।३४
०३।०१।०१।२७	८ मं	१८	११।५६	९।३२	३।२८	५।४३	८।०३	१०।२०	१२।३६	२।५५	५।१४	७।१८	९।०२	१०।३०
०३।०१।५८।२५	९ बु	१९	११।५२	९।२८	३।२४	५।३९	७।५९	१०।१६	१२।३२	२।५१	५।१०	७।१४	८।५८	१०।२६
०३।०२।५५।२४	१० गु	२०	११।४८	९।२४	३।२०	५।३५	७।५५	१०।१२	१२।२८	२।४७	५।०६	७।१०	८।५४	१०।२२
०३।०३।५२।२४	११ शु	२१	११।४४	९।२०	३।१६	५।३१	७।५१	१०।०८	१२।२४	२।४३	५।०२	७।०६	८।५०	१०।१८
०३।०४।४९।२४	१२ श	२२	११।४०	९।१६	३।१३	५।२७	७।४७	१०।०४	१२।२०	२।३९	४।५८	७।०२	८।४६	१०।१४
०३।०५।४६।२५	१३ र	२३	११।३६	९।१३	३।०९	५।२३	७।४३	१०।००	१२।१६	२।३५	४।५४	६।५८	८।४२	१०।१०
०३।०६।४३।२७	१४ चं	२४	११।३२	९।०९	३।०५	५।१९	७।३९	९।५६	१२।१२	२।३१	४।५०	६।५५	८।३८	१०।०६
०३।०७।४०।२९	३० मं	२५	११।२९	९।०५	३।०१	५।१५	७।३५	९।५२	१२।०८	२।२७	४।४६	६।५१	८।३४	१०।०३

संक्रांति फलम्

ता. १६ जुलाई २००६
श्रा. कृ. ६ रवौ कर्केऽर्कः प्र. (रटै.)
टा. २०।१३ वारात् ४ नक्षत्रात् ५
वारनाम घोरा शूद्रान् सुस्वदा
नक्षत्रनाम नंदा गणकान् सुस्वदा प्रदोष
व्यापिनी पिशाचान् हन्ति, दक्षिणे गमन
नैऋत्यां दृष्टिः विष्टीकरणे प्रविष्टा
मध्यमफलं अश्ववाहनं सिंहोपवाहनं
स्थैर्यकारक कृष्णवस्त्रं कुन्तायुधं
पत्रपात्रं चित्रान्नभक्षणं ओतुमदोलेप्यनं
विप्रजातिः दुर्वापुष्पं गुंजाभूषणं
नीलकंचुकी वृद्धावस्था (बैठी) मु.
४५ धान्यभावे समर्घ वत्स उत्तरे राहु
पश्चिमा. मूलं भूमौ विवाहस्तंभो
ऽग्निकोणे शुक्रोदयः पूर्वस्याम् ।
पुण्यकालः (रटै.) ८।१३ से २०।१३
तक । (दानः घृत, धेनु) ।

अयनांशाः २३।५५।५५

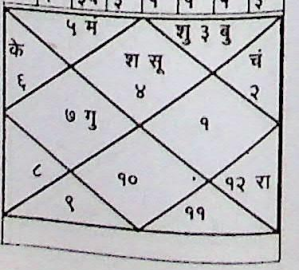
पं.१४ श्रा.कृ. ४ शु. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
२	४	३	६	१	३	११	५
२७	००	०४	१५	२९	१७	०४	०४
३१	३८	२७	०५	५२	५८	४५	४५
०९	०८	०५	५८	३३	१३	३८	३८
५७	३७	३७	१	७२	७	३	३
१३	०६	३६	२९	१०	२४	११	११
पुन	म	पु	श्ले	मृ	श्ले	उभा	उभा
३	१	१व	३	२	१	१	३



पं.१५ श्रा.कृ.११ शु. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
३	४	२	६	२	३	११	५
०४	०५	२९	१५	०८	१८	०४	०४
११	१८	४६	२०	१८	५०	२३	२३
१७	२३	१७	०२	३९	३४	२२	२२
५७	५७	३६	२	७२	७	३	३
९६	५६	५७	४२	२६	३३	११	११
पु	म	पुन	श्ले	आ	श्ले	उभा	उभा
१	२	३व	३	१	१	१	३



वर्षर्तू रविर्दक्षिणे आषाढ़कृष्णेति गुर्जराः, जुलाई २००६

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है ।
नक्त व्रतारंभः, बृहत्तल्पा, सिंहे मघा. भौमः २९।०६
[A बुधः २१।२२, सं.स्त्री.पु.चं.चं.वाहन चातक वर्षाश्रेष्ठः
भ. १३।२३ उ. २३।५४ या., पंचक प्रारम्भः १८।३१
चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः २२।११, मिथुने शुक्रः ८।१६
नागपञ्चमी (मरु.), (व) पुन. बुधः २३।३८
भ. १५।४९ उ. २६।४२ या., कर्के रविः २०।१३, निरयन B
पंचक समाप्तिः २२।४५, कर्के सौरः ६।४८ [B दक्षिणायनारंभः
शनेरस्तः पश्चिमायाम् १९।५१
भ. २१।४६ उ., आर्द्रा. शुक्रः २१।०८
भ. ९।१५ या., पुष्ये रविः ८।०४ (सौरः ५९।०५), (व) मिथुने A
कामिका ११ व्र.
प्रदोषः, सायन सिंहे भानुः २८।५०
भ. ८।२४ उ. २०।३९ या., मासिकशिवरात्री व्र., भा. श्रावणारंभः
पितृकार्येऽमा.
देवकार्येऽमा., हरियाली ३०

CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

२६ जुलाई से ९ अगस्त तक, श्री श्रावण शुक्लपक्ष संवत् २०६३, शाकः १९२८, दि.मा.सू. सू. तारीख स्टे. प्रातः दैनिक केतकी अहर्गणः ५२२५ वर्षतुं रविर्दक्षिणे, जुलाई-अगस्त २००६

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	प.प.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
राक्षस	१	बु	१४	००	११	२९	श्ले	५७	३८	२८	५७	सि	२७	२७	१६	५२	ब	१४	००	११	२९	३३ ३५	५ ५३	७ ९९	४	२९	२६	सिंहे २८।५७	३।०८।३०।४३	५७।०४
सिंधारा	२	गु	१८	४३	१३	२३	मघा	...	...	...	...	व्य	२८	५८	१७	२९	कौ	१८	४३	१३	२३	३२	५४	१९	५	१	२७	सिंहे	३।०९।२७।४७	५७।०५
तीज	३	शु	२४	२०	१५	३९	मघा	४	२६	७	४१	व	३१	०९	१८	२२	ग	२४	२०	१५	३९	२९	५५	१८	६	२	२८	सिंहे	३।१०।२४।५२	५७।०६
लुम्बक	४	श	३०	३७	१८	१०	पूफा	११	५९	१०	४३	प	३३	४७	१९	२६	वि	३०	३७	१८	१०	२७	५५	१८	७	३	२९	कन्या १७।३०	३।११।२१।५८	५७।०७
मित्र	५	र	३७	०९	२०	४७	उफा	१९	५२	१३	५३	शि	३६	३६	२०	३४	ब	३	५३	७	२९	२४	५६	१७	८	४	३०	कन्या	३।१२।१९।०५	५७।०८
वज्र	६	सो	४३	२०	२३	१६	हस्त	२७	३६	१६	५९	सि	३९	११	२१	३६	कौ	१०	१८	१०	०३	२१	५६	१६	९	५	३१	कन्या	३।१३।१६।१३	५७।०९
ध्वाङ्क्ष	७	मं	४८	३६	२५	२३	चित्रा	३४	३५	१९	४६	सा	४१	०३	२२	२२	ग	१६	०६	१२	२३	१८	५७	१६	१०	६	१	तुला. ६।२६	३।१४।१३।२२	५७।१०
धूम्र	८	बु	५२	२१	२६	५४	स्वा	४०	१२	२२	०२	शु	४१	४९	२२	४१	वि	२०	४०	१४	१३	१५	५७	१५	११	७	२	तुला.	३।१५।१०।३२	५७।११
प्रवर्धमा	९	गु	५४	११	२७	३८	विशा	४४	०३	२३	३५	शु	४९	०८	२२	२५	बा	२३	३०	१५	२२	१२	५८	१४	१२	८	३	वृश्चि. १७।१६	३।१६।०७।४३	५७।१२
राक्षस	१०	शु	५३	५४	२७	३२	अनु	४५	५०	२४	१८	ब्र	३८	४९	२१	३०	तै	२४	१८	१५	४९	०९	५८	१४	१३	९	४	वृश्चि.	३।१७।०४।५५	५७।१३
ए.व्र.	११	श	५१	३२	२६	३५	ज्ये	४५	३२	२४	१२	ऐ	३४	४९	१९	५४	व	२२	५८	१५	१०	०६	५९	१३	१४	१०	५	धनु. २४।१२	३।१८।०२।०८	५७।१५
सिद्धि	१२	र	४७	१३	२४	५२	मूल	४३	१७	२३	१८	वै	२९	१०	१७	३९	ब	१९	३५	१३	४९	०२	५९	१२	१५	११	६	धनु.	३।१८।५९।२३	५७।१६
प्र.व्र.	१३	सो	४१	१३	२२	२९	पूषा	३९	२२	२१	४५	वि	२२	०५	१४	५०	कौ	१४	२३	११	४५	३२ ५९	६ ००ं	१२	१६	१२	७	मक. २७।१६	३।१९।५६।३९	५७।१७
मानस	१४	मं	३३	५७	१९	३५	उषा	३४	०८	१९	३९	प्री	१३	५०	११	३२	ग	७	४३	९	०६	५६	००	११	१७	१३	८	मक.	३।२०।५३।५६	५७।१८
पूर्णिमा	१५	बु	२५	४८	१६	२०	श्रव	२८	००	१७	१३	आ	४ ५५	४३ ०४	७ २८	५४ ०३	ब	२५	४८	१६	२०	५३	०१	१०	१८	१४	९	कुंभे २७।५५	३।२१।५१।१४	५७।२०

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टे.टा.में है।

चंद्रदर्शनम्(मु.१५) [G तैतरीय,हिरण्यकेशीय, आपस्तंभ, बौधायन,C श्रृंगार (सिंधारा) देशाचारे, रज्जव ७, बुधोदयः पूर्वस्याम् ६।०३ म.२८।५३ उ., तीज,स्वर्णगौरीव्र., मघुश्रवाव्र.(गुर्जरे),सुकृत तृतीयाव्र. म. १८।१० या., वरद चतुर्थी, दूर्वा गणपति व्र., मार्गी बुधः १४।३८ नागपञ्चमी, नागदष्ट व्र., पुन. शुक्रः २१।४३, श्लेषा.-२ शनिः ८।३७ कल्की जयंती, वणषष्ठी, रोटक व्रतारंभः, सोमेश्वरपूजनं म. २५।२३ उ.,शीतला, तुलसीजयंती, अगस्त ८ ता. ३१, तिलकपुष्यतिथि म. १४।१३ या. दुर्गाष्टमी [H सं.स्त्री.नपु.चं.सू.वाहन स्वर अनावृष्टिः श्लेषा. रविः ७।०० (सौरः १९।३५), पूफा. भौमः १५।२९, H [A हयग्रीव जयंती, नारियल १५, पूर्णिमाः व्रतंपुण्यञ्च, यजुर्वेदि, G म. १५।१० उ. २६।३५ या., पवित्रा ११ व्र., कर्के बुधः १६।१९ दधिभक्षणत्यागः,पवित्रारोपणं [Cकाण्वमध्यन्दिन (कात्या.) अथर्ववेदि, D प्रदोषः,कर्के शुक्रः २७।०८ [D ऋग्वेदि उपाकर्म, स्वा.-४ गुरुः B म.१९।३५ उ. ३०।०० या.,सूणमाण्डणा (पूरादिनशुद्ध है),पुष्ये बुधः२८।०७ श्रावणी (मरु), रक्षाबंधनं (पूरा दिन शुद्ध है),पंचक प्रारम्भः २७।५५, A [B ७।३५, पूभा.-४ राहुः २८।१५, उफा.-२ केतुः २८।१५

अयनांशाः २३।५५।५६

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	जुला	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	सायँ	रात्रौ	रात्रौ
०३।०८।३७।३३	१ बु	२६	१९।२५	१।०१	२।५७	५।१९	७।३२	९।४८	१२।०४	२।२३	४।४२	६।४७	८।३०	९।५९
०३।०९।३४।३७	२ गु	२७	१९।२९	१२।५७	२।५३	५।०८	७।२८	९।४४	१२।००	२।१९	४।३८	६।४३	८।२६	९।५५
०३।१०।३१।४२	३ शु	२८	१९।१७	१२।५३	२।४९	५।०४	७।२४	९।४१	१९।५६	२।१५	४।३४	६।३९	८।२२	९।५१
०३।११।२८।४८	४ श	२९	१९।१३	१२।४९	२।४५	५।००	७।२०	९।३७	१९।५२	२।१२	४।३०	६।३५	८।१८	९।४७
०३।१२।२५।५५	५ र	३०	१९।०९	१२।४५	२।४१	४।५६	७।१६	९।३३	१९।४८	२।०८	४।२६	६।३१	८।१४	९।४३
०३।१३।२३।०३	६ चं	३१	१९।०५	१२।४१	२।३७	४।५२	७।१२	९।२९	१९।४५	२।०४	४।२२	६।२७	८।१०	९।३९
०३।१४।२०।१२	७ मं	१	१९।०१	१२।३७	२।३३	४।४८	७।०८	९।२५	१९।४१	२।००	४।१८	६।२३	८।०६	९।३५
०३।१५।१७।२२	८ बु	२	१०।५७	१२।३३	२।२९	४।४४	७।०४	९।२१	१९।३७	१।५६	४।१४	६।१९	८।०२	९।३१
०३।१६।१४।३३	९ गु	३	१०।५३	१२।२९	२।२५	४।४०	७।००	९।१७	१९।३३	१।५२	४।१०	६।१५	७।५८	९।२७
०३।१७।११।४५	१० शु	४	१०।४९	१२।२५	२।२१	४।३६	६।५६	९।१३	१९।२९	१।४८	४।०६	६।११	७।५५	९।२३
०३।१८।०८।५९	११ श	५	१०।४५	१२।२१	२।१७	४।३२	६।५२	९।०९	१९।२५	१।४४	४।०३	६।०७	७।५१	९।१९
०३।१९।०६।१३	१२ र	६	१०।४१	१२।१७	२।१३	४।२८	६।४८	९।०५	१९।२१	१।४०	३।५९	६।०३	७।४७	९।१५
०३।२०।०३।२९	१३ चं	७	१०।३७	१२।१३	२।०९	४।२४	६।४४	९।०१	१९।१७	१।३६	३।५५	५।५९	७।४३	९।११
०३।२१।००।४६	१४ मं	८	१०।३३	१२।०९	२।०५	४।२०	६।४०	८।५७	१९।१३	१।३२	३।५१	५।५५	७।३९	९।०७
०३।२१।५८।०५	१५ बु	९	१०।२९	१२।०५	२।०२	४।१६	६।३६	८।५३	१९।०९	१।२८	३।४७	५।५१	७।३५	९।०३

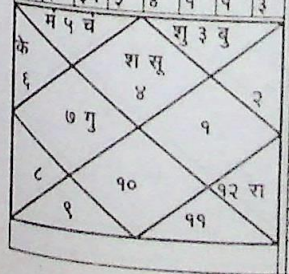
मास फलम्

इस माह में पांच बुधवार होने से सुभिक्ष हो। कृ. प्रतिपदा को बुधवार होने से दुर्भिक्ष हो। कृष्णा प्रतिपदा को धृति योग न होने से धान्यादि भाव मंदे हों। कृष्णा एकादशी को रोहिणी होंने से सुभिक्ष हो। अमावस्या को मंगलवार और पुष्य होने से अरिष्टकारी योग बनता है। श्रावणी पूर्णिमा को श्रवण होने से धान्योत्पत्ति बहुत हो। रविवार की सक्रांति होने से कहीं कहीं युद्ध हो, राजविग्रह हो, सूर्य बहुत तपे, रोगोत्पत्ति हो, धान्यादि महँगे हों! आर्द्रा में शुक्र होने से कोसल तथा कलिङ्ग देश का नाश और अतिवृष्टि हो।

अयनांशाः २३।५५।५७

पं.१६ श्रा.शु. ३ शु. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
३	४	२	६	२	३	११	५
१०	०९	२७	१५	१६	१९	०४	०४
५३	१९	०१	४२	४६	४३	०१	०१
०९	५४	१९	३१	३९	४९	०७	०७
५७	३७	२	३	७२	७	३	३
२०	२७	१५	५३	४२	३९	११	११
पु	म	पुन	स्वा	आ	श्ले	उभा	उफा
३	३	३च	३	४	१	१	३



पं.१७ श्रा.शु.१० शु. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
३	४	२	६	२	३	११	५
१७	१३	२८	१६	२५	२०	०३	०३
३४	४२	५७	१३	१६	३७	३८	३८
५८	४२	४७	०६	३२	३६	५१	५१
५७	३७	४९	५	७२	७	३	३
२६	३८	३९	००	५८	४२	११	११
श्ले	पूफा	पुन	स्वा	पुन	श्ले	उभा	उफा
१	१	३	३	२	२	१	३



CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

॥ श्रीवल्लभ मनीराम पञ्चाङ्गम् ॥

१० अगस्त से २३ अगस्त तक, श्री भाद्रपद कृष्णपक्ष संवत् २०६३, शाकः १९२८, दि.मासू. सू. तारीख्स स्टै. प्रातः दैनिक वर्षतूं रविर्दक्षिणे श्रावणकृष्णेति गुर्जराः, अगस्त २००६

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
श्रीवत्स	१	गु	१७	११	१२	५४	धनि	२१	२५	१४	३५	शो	४५	१२	२४	०६	कौ	१७	११	१२	५४	३२ ४९	६ ०९	७ ०९	९९	१५	१०	कुंभे	३।२२।४८।३४	५७।२५
सौम्य	२	शु	८	२८	९	२५	शत	१४	४६	११	५६	अ	३५	२५	२०	१२	ग	८	२८	९	२५	४६	०२	०८	२०	१६	११	मीने २८।०२	३।२३।४५।५५	५७।२२
च.व्र.	३	श	०	०३	६	०४	पूभा	८	२७	९	२५	सु	२६	०२	१६	२७	वि	०	०३	६	०४	४२	०२	०७	२१	१७	१२	मीने	३।२४।४३।१७	५७।२४
क्षयः	४	श	५२	१५	२६	५६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
सुस्थिर	५	र	४५	१८	२४	१०	उभा	२ ५८	४८ ०६	७ २९	१० १७	धृ	१७	१६	१२	५७	कौ	१८	३८	१३	३०	३९	०३	०७	२२	१८	१३	मेषे २९।१७	३।२५।४०।४१	५७।२५
राक्षस	६	सो	३९	२७	२९	५०	अश्वि	५४	३१	२७	५२	शू	९	१९	९	४७	ग	१२	१२	१०	५६	३५	०४	०६	२३	१९	१४	मेषे	३।२६।३८।०७	५७।२७
जन्माष्ट.	७	मं	३४	५३	२०	०१	भर	५२	१४	२६	५८	गं	२ ५६	२० २७	७ २८	०० ३९	वि	६	५९	८	५२	३२	०४	०५	२४	२०	१५	मेषे	३।२७।३५।३३	५७।२८
जन्माष्ट.	८	बु	३१	४१	१८	४५	कृति	५१	२०	२६	३७	धृ	५१	४१	२६	४५	बा	३	०५	७	१८	२८	०५	०४	२५	२१	१६	वृषे ८।४९	३।२८।३३।०२	५७।३०
गोगा	९	गु	२९	५६	१८	०३	रोहि	५१	५३	२६	५०	व्या	४८	०५	२५	१९	तै	०	३७	६	२०	२५	०५	०३	२६	२२	१७	वृषे	३।२९।३०।३२	५७।३१
मानस	१०	शु	२९	३६	१७	५६	मृग	५३	४९	२७	३७	ह	४५	३७	२४	२०	वि	२९	३६	१७	५६	२१	०६	०२	२७	२३	१८	मिथु. १५।०९	४।००।२८।०३	५७।३३
ए.व्र.	११	श	३०	४२	१८	२३	आर्द्रा	५७	०५	२८	५६	व	४४	१४	२३	४८	बा	३०	४२	१८	२३	१७	०६	०१	२८	२४	१९	मिथु.	४।०१।२५।३६	५७।३५
ध्वजा	१२	र	३३	०४	१९	२०	पुन	...	...	...	...	सि	४३	४९	२३	३८	कौ	१	४३	६	४८	१४	०७	००	२९	२५	२०	कर्के २४।१५	४।०२।२३।११	५७।३६
प्र.व्र.	१३	सो	३६	३६	२०	४५	पुन	१	३२	६	४४	व्य	४४	१६	२३	४९	ग	४	४२	८	००	१०	०७	५९	३०	२६	२१	कर्के	४।०३।२०।४७	५७।३८
प्रवर्धमा	१४	मं	४१	०५	२२	३४	पुष्य	७	०२	८	५६	व	४५	२७	२४	१८	वि	८	४३	९	३७	०६	०८	५८	३१	२७	२२	कर्के	४।०४।१८।२५	५७।४०
अमाव.	३०	बु	४६	२४	२४	४१	श्ले	१३	२३	११	२९	प	४७	१४	२५	०२	च	१३	३८	११	३५	०३	०८	५७	१	२८	२३	सिंहे ११।२९	४।०५।१६।०५	५७।४२

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है ।

पुष्ये शुक्रः २०।४६ [F भारतीयस्वतंत्रतादिवस

भ. १९।४३ उ.,

भ. ६।०४ या., चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः २१।१७ कज़्ज़ली(बूढी ३)

[B सं.स्त्री.पु.चं.सू.वाहन मेष वर्षाश्रेष्ठः

पंचक समाप्तिः २९।१७, चंद्रषष्ठी (मरु.)

भ. २१।५० उ., बृहद्गौरी व्र. (कर्नाटके डोली), हलषष्ठी

भ. ८।५२ या., जन्माष्टमी व्र. स्मा., शीतला व्र.,F

मन्वादि, जन्माष्टमी व्र. वैष्ण., सिंहे मघा. रविः २८।४२, B

भ. २९।५५ उ., गोगानवमी, सिंहे मघा. सौरः १८।२३, भौमारतः D

भ. १७।५६ या. [D पश्चिमायाम् १२।००, श्लेषा. बुधः २६।३१

अजा ११ व्र., जैनपर्युषण, वत्सपूजा

[E पूर्वस्याम् १५।२३, श्लेषा. शुक्रः १८।१९

भ. २०।४५ उ., प्रदोषः, मासिकशिवरात्री व्र., बुधारतः E

भ. ९।३७ या. [C १२।००, शनेरुदयः पूर्वस्याम् १४।५७

कुशाग्रहणी, पिठोरी ३०,देवपितृकार्येऽमा., श्रीशक्ति पूजा,मातृ ३०,A

A लोहार्गल स्ना., भा. भाद्रपदारंभः, सायन कन्यायां भानुः C

अयनांशाः २३।५५।५८

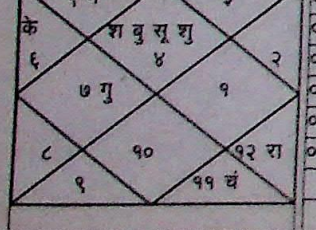
॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

संक्रांति फलम्

अयनांशाः २३।५५।५९

पं.१८ भा.कृ. २ शु. इष्टघटी ०।००

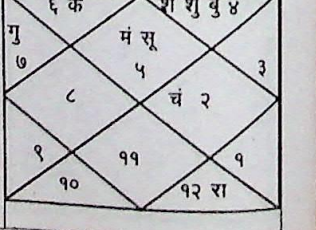
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
३	४	३	६	३	३	११	५
२४	१८	०५	१६	०३	२९	०३	०३
१७	०६	५१	५१	४८	३१	१६	१६
३२	५२	३८	१८	१७	३५	३४	३४
५७	३७	८१	६	७३	७	३	३
३४	५०	०७	०३	१४	४२	११	११
श्ले	पूफा	पु	स्वा	पु	श्ले	पूभा	उफा
३	२	१	४	१	२	४	२



ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	अग.	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	सायं	रात्रौ
०३।२२।५५।२५	१ गु	१०	९०।२५	१२।०२	१।५८	४।१२	६।३२	८।४९	११।०५	१।२४	३।४३	५।४७	७।३१	८।५९
०३।२३।५२।४६	२ शु	११	९०।२२	११।५८	१।५४	४।०८	६।२८	८।४५	११।०१	१।२०	३।३९	५।४४	७।२७	८।५६
०३।२४।५०।०८	३ श	१२	९०।१८	११।५४	१।५०	४।०४	६।२५	८।४१	९०।५७	१।१६	३।३५	५।४०	७।२३	८।५२
०३।२५।४७।३२	४ र	१३	९०।१४	११।५०	१।४६	४।००	६।२१	८।३७	९०।५३	१।१२	३।३१	५।३६	७।१९	८।४८
०३।२६।४४।५८	५ चं	१४	९०।१०	११।४६	१।४२	३।५७	६।१७	८।३३	९०।४९	१।०८	३।२७	५।३२	७।१५	८।४४
०३।२७।४२।२५	६ मं	१५	९०।०६	११।४२	१।३८	३।५३	६।१३	८।३०	९०।४५	१।०४	३।२३	५।२८	७।११	८।४०
०३।२८।३९।५३	७ बु	१६	९०।०२	११।३८	१।३४	३।४९	६।०९	८।२६	९०।४१	१।०१	३।१९	५।२४	७।०७	८।३६
०३।२९।३७।२३	८ गु	१७	९।५८	११।३४	१।३०	३।४५	६।०५	८।२२	९०।३७	९२।५७	३।१५	५।२०	७।०३	८।३२
०४।००।३४।५५	९० शु	१८	९।५४	११।३०	१।२६	३।४१	६।०१	८।१८	९०।३४	९२।५३	३।११	५।१६	६।५९	८।२८
०४।०१।३२।२८	९१ श	१९	९।५०	११।२६	१।२२	३।३७	५।५७	८।१४	९०।३०	९२।४९	३।०७	५।१२	६।५५	८।२४
०४।०२।३०।०३	९२ र	२०	९।४६	११।२२	१।१८	३।३३	५।५३	८।१०	९०।२६	९२।४५	३।०३	५।०८	६।५१	८।२०
०४।०३।२७।३९	९३ चं	२१	९।४२	११।१८	१।१४	३।२९	५।४९	८।०६	९०।२२	९२।४१	२।५९	५।०४	६।४७	८।१६
०४।०४।२५।१८	९४ मं	२२	९।३८	११।१४	१।१०	३।२५	५।४५	८।०२	९०।१८	९२।३७	२।५५	५।००	६।४४	८।१२
०४।०५।२२।५७	३० बु	२३	९।३४	११।१०	१।०६	३।२१	५।४१	७।५८	९०।१४	९२।३३	२।५२	४।५६	६।४०	८।०८

ता. १६ अगस्त २००६
भा. कृ. ८ बुधे सिंहेऽर्के: प्र. (स्टै.)
टा. २८।४२ वारात् ४ नक्षत्रात् ६
वारनाम मंदाकिनी नृपतीन् सुस्मदा
नक्षत्रनाम नंदा गणकान् सुस्मदा
प्रभात रात्रि ४ प्रहर व्यापिनी
गोरक्षकान् हन्ति, पश्चिमे गमनं
वायव्यां दृष्टिः तैतिलकरणे प्रविष्टा
नेष्टफलं रासभवाहनं मेषोपवाहनं
सुभिक्षकारक अरुणवस्त्रं दण्डायुधं
कांस्यपात्रं पक्वान्नभक्षणं मृद्लेप्यनं
पक्षीजातिः केतकीपुष्पं प्रवलभूषणं
भूर्जपत्रकंचुकी युवावस्था (सूती)
मु. ४५ धान्यभावे समर्घ वत्स पूर्वे
राहु उत्तरे मूलं स्वर्गे विवाहस्तंभो
ऐशान्यां शुक्रोदयः पूर्वस्याम् ।
पुण्यकालः (स्टै.) २२।१८ से
२८।४२ तक । (दान- छत्र) ।

पं.१९ भा.कृ.१० शु. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
४	४	३	६	३	३	११	५
०१	२२	१६	१७	१२	२२	०२	०२
०१	३२	५५	३६	२१	२५	५४	५४
०१	२७	५६	३९	५४	२३	१९	१९
५७	३८	११८	७	७३	७	३	३
४२	०३	१५	०२	३०	३९	११	११
म	पूफा	श्ले	स्वा	पु	श्ले	पूभा	उफा
१	३	१	४	३	२	४	२



CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

॥ श्रीवल्लभ मनीराम पञ्चाङ्गम् ॥

२४ अगस्त से ७ सितंबर तक, श्री भाद्रपद शुक्लपक्ष संवत् २०६३, शाकः १९२८, दि.मा.सू. सू. तारीख्स स्टै. प्रातः दैनिक केतकी अहर्गणः ५२५४ शरदृतू रविर्दक्षिणे, अगस्त-सितंबर २००६

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
मुसल	१	गु	५२	१८	२७	०४	मघा	२०	२५	१४	१९	शि	४९	२८	२५	५६	किं	१९	१६	१३	५१	३१ ५९	६ ०९	६ ६	२	२९	२४	सिंहे	४।०६।१३।४७	५७।४३
सिद्धि	२	शु	५८	३९	२९	३७	पूफा	२७	५७	१७	२०	सि	५२	०२	२६	५८	बा	२५	२५	१६	१९	५५	०९	५५	३	३०	२५	कन्या २४।०७	४।०७।१९।३०	५७।४५
उत्पात	३	श	...	...	...	..	उफा	३५	४७	२०	२८	सा	५४	४५	२८	०४	तै	३१	५४	१८	५५	५१	०९	५४	४	१	२६	कन्या	४।०८।०९।१५	५७।४७
गणेश	३	र	५	०९	८	१४	हस्त	४३	३५	२३	३६	शु	५७	२३	२९	०७	ग	५	०९	८	१४	४७	१०	५३	५	२	२७	कन्या	४।०९।०७।०२	५७।४९
ऋषि	४	सो	११	३०	१०	४६	चित्रा	५०	५९	२६	३४	शु	५९	३८	३०	०२	वि	११	३०	१०	४६	४४	१०	५२	६	३	२८	तुला. १३।०७	४।१०।०४।५१	५७।५१
ध्वजा	५	मं	१७	१२	१३	०४	स्वा	५७	२९	२९	११	ब्र	...	...	...	...	बा	१७	१२	१३	०४	४०	११	५१	७	४	२९	तुला.	४।११।०२।४१	५७।५३
धाता	६	बु	२१	४७	१४	५४	विशा	...	...	...	...	ब्र	१	०४	६	३७	तै	२१	४७	१४	५४	३६	११	५०	८	५	३०	वृश्चि. २४।४७	४।१२।००।३४	५७।५४
प्रवर्धमा	७	गु	२४	४८	१६	०७	विशा	२	३६	७	१४	ऐ	१	२६	६	४६	व	२४	४८	१६	०७	३२	१२	४९	९	६	३१	वृश्चि.	४।१२।५८।२८	५७।५६
राक्षस	८	शु	२५	५५	१६	३४	अनु	६	००	८	३६	वै	० ५७	२४ ४८	६ २३	२२ ५९	ब	२५	५५	१६	३४	२८	१२	४८	१०	७	१	वृश्चि.	४।१३।५६।२५	५७।५८
मुसल	९	श	२४	५८	१६	१२	ज्ये	७	२५	९	११	प्री	५३	३२	२७	३८	कौ	२४	५८	१६	१२	२४	१३	४६	११	८	२	धनु. ९।११	४।१४।५४।२३	५८।००
सिद्धि	१०	र	२१	५८	१५	००	मूल	६	४८	८	५६	आ	४७	४०	२५	१७	ग	२१	५८	१५	००	२०	१३	४५	१२	९	३	धनु.	४।१५।५२।२३	५८।०२
ए.व्र.	११	सो	१७	०६	१३	०४	पूषा	४	१५	७	५६	सौ	४०	२१	२२	२२	वि	१७	०६	१३	०४	१६	१४	४४	१३	१०	४	मक. १३।३४	४।१६।५०।२६	५८।०४
प्र.व्र.	१२	मं	१०	३५	१०	२८	उषा	० ५४	०१ २६	६ २८	१४ ००	शो	३१	४८	१८	५७	बा	१०	३५	१०	२८	१२	१४	४३	१४	११	५	मक.	४।१७।१४।३०	५८।०६
मित्र	१३	बु	२	४८	७	२२	धनि	४७	५०	२५	२३	अ	२२	१८	१५	१०	तै	२	४८	७	२२	०८	१५	४२	१५	१२	६	कुंभे १४।४४	४।१८।४६।३६	५८।०८
क्षयः	१४	बु	५४	०५	२७	५३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
पूर्णिमा	१५	गु	४४	५१	२४	१२	शत	४०	४०	२२	३१	सु	१२	१०	११	०७	वि	१९	३०	१४	०३	०४	१५	४१	१६	१३	७	कुंभे	४।१९।४४।४५	५८।११

|C सं.स्त्री.नपु.सू.सू.वाहन मूषक अनावृष्टिः |G शुक्रः १४।२५, सितंबर ९ ता. ३० |A प्रौष्ठपदी, महालय श्राद्धारंभः, महेश्वर पूजनं, कु. संध्यापूजा, इंदुला १५, उफा. बुधः १८।५४

अयनांशाः २३।५६।००

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

मास फलम्

अयनांशाः २३।५६।०१

पं.२० भा.शु. २ शु. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा	के.
४	४	४	६	३	३	११	५
०७	२६	००	१८	२०	२३	०२	०२
४५	५९	२९	२८	५७	१८	३२	३२
३४	३०	०२	४०	२३	३८	०३	०३
५७	३८	१२d	७	७३	७	३	३
५२	१६	०७	५६	४६	३२	११	११
म	उफा	म	स्वा	श्ले	श्ले	पूभा	उफा
३	१	१	४	२	२	४	२



ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	अग.	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	सायं	रात्रौ
०४।०६।२०।३९	१ गु	२४	९।३०	११।०६	१।०२	३।१७	५।३७	७।५४	९०।१०	१२।२९	२।४८	४।५२	६।३६	८।०४
०४।०७।१८।२३	२ शु	२५	९।२६	११।०२	१२।५८	३।१३	५।३३	७।५०	९०।०६	१२।२५	२।४४	४।४८	६।३२	८।००
०४।०८।१६।०८	३ श	२६	९।२२	१०।५८	१२।५५	३।०९	५।२९	७।४६	९०।०२	१२।२१	२।४०	४।४४	६।२८	७।५६
०४।०९।१३।५५	३ र	२७	९।१८	१०।५४	१२।५१	३।०५	५।२५	७।४२	९।५८	१२।१७	२।३६	४।४०	६।२४	७।५२
०४।१०।११।४४	४ चं	२८	९।१४	१०।५१	१२।४७	३।०१	५।२१	७।३८	९।५४	१२।१३	२।३२	४।३६	६।२०	७।४८
०४।११।०९।३५	५ मं	२९	९।११	१०।४७	१२।४३	२।५७	५।१७	७।३४	९।५०	१२।०९	२।२८	४।३३	६।१६	७।४५
०४।१२।०७।२७	६ बु	३०	९।०७	१०।४३	१२।३९	२।५३	५।१४	७।३०	९।४६	१२।०५	२।२४	४।२९	६।१२	७।४१
०४।१३।०५।२२	७ गु	३१	९।०३	१०।३९	१२।३५	२।४९	५।१०	७।२६	९।४२	१२।०१	२।२०	४।२५	६।०८	७।३७
०४।१४।०३।१९	८ शु	१	८।५९	१०।३५	१२।३१	२।४६	५।०६	७।२२	९।३८	११।५७	२।१६	४।२१	६।०४	७।३३
०४।१५।०१।१७	९ श	२	८।५५	१०।३१	१२।२७	२।४२	५।०२	७।१९	९।३४	११।५३	२।१२	४।१७	६।००	७।२९
०४।१५।५९।१८	१० र	३	८।५१	१०।२७	१२।२३	२।३८	४।५८	७।१५	९।३०	११।५०	२।०८	४।१३	५।५६	७।२५
०४।१६।५७।२०	११ चं	४	८।४७	१०।२३	१२।१९	२।३४	४।५४	७।११	९।२६	११।४६	२।०४	४।०९	५।५२	७।२१
०४।१७।५५।२५	१२ मं	५	८।४३	१०।१९	१२।१५	२।३०	४।५०	७।०७	९।२३	११।४२	२।००	४।०५	५।४८	७।१७
०४।१८।५३।३१	१३ बु	६	८।३९	१०।१५	१२।११	२।२६	४।४६	७।०३	९।१९	११।३८	१।५६	४।०१	५।४४	७।१३
०४।१९।५१।४०	१५ गु	७	८।३५	१०।११	१२।०७	२।२२	४।४२	६।५९	९।१५	११।३४	१।५२	३।५७	५।४०	७।०९

मास फलम्

चन्द्रग्रहण ७ सित.२००६, गुरुवार

इस माह में पांच गुरुवार होने से धान्य सस्ता हो यथा- चन्द्रजीवौ यदापंच धान्यादीनां समर्घता॥ अमावस्या बुधवार आश्लेषा योग होने से समर्घ-महर्घता हो। शुक्ला चतुर्थी सोमवार और चित्रा होने से दुर्भिक्ष हो। सुदी छठ को अनुराधा नहीं होने से दुर्भिक्ष हो। पूर्णिमा गुरुवार और शतभिषा युक्त होने से शुभ फल दायिनी है। बुधवार की सक्रांति होने से रस कस घृत महँगे हों, वस्त्रादि और रुई के भाव मंदे हों, प्रजा में भय हो, वर्षा कम हो। पुष्य में शुक्र होने से दुर्भिक्ष तथा चौरों की वृद्धि हो।

पं.२१ भा.शु. ८ शु. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
४	५	४	६	३	३	११	५
१४	०१	१४	१९	२९	२४	०२	०२
३१	२८	२२	२६	३४	१०	०९	०९
२०	०६	०१	४७	४२	५९	४७	४७
५८	३८	११d	८	७४	७	३	३
०३	२९	०१	४६	०१	२३	११	११
पूफा	उफा	पूफा	स्वा	श्ले	श्ले	पूभा	उफा
९	२	१	४	४	३	४	२



CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।
उफा. भौमः १७।५४, सिंहे मघा. बुधः २४।२०
चंद्रदर्शनम् (मु.४५), श्लेषा.-३ शनिः १०।२९
मन्वादि, वराह जयंती, सावान ८ |B (चंद्रदर्शनं निषेधः), जैनसंवत्सरी, D
भ. २१।३१ उ., हरितालिका व्र., हस्तिगौरी व्र., गणेश चतुर्थी B
भ. १०।४६ या.,ऋषि पंचमी |D सामवेदि उपाकर्म, अगस्त्योदयः २८।३६
ललिता षष्ठी व्र. (गुर्जरे), कन्यायां भौमः २३।१२
सौर (सूर्य) षष्ठी, स्कन्द दर्शनं, दूबड़ी सातम, पूफा.रविः २४।४२,C
भ.९।०७ उ. २८।२६ या., गौरीआवाहन ७।१४ उपरान्त,मुक्ताभरणव्र.,F
दधीचीजयंती, श्रीराधा ८, गौरी पूजन ८।३६ उपरान्त, सिंहे मघा. G
अदुःस्थ नवमीव्र.,गौरीविसर्जन ९।११ उपरान्त, श्रीचंद्र(उदासीन संप्रदाय)
भ. २६।०८ उ., दशावतार व्र., श्री रामदेवजी का मेला
भ. १३।०४ या., जलझूलनी ११ व्र., विशा.-१ गुरुः २३।२८
प्रदोषः, वामन जयंती, दुग्धव्रतं, गोत्रिरात्र व्र. |M पूजनं, रंभारोपणं
भ. २७।५३ उ., पंचक प्रारम्भः १४।४४, अनन्त १४, कदली व्रतं M
|F उमामहेश्वर पू., पूफा. सौरः १५।०७. पूफा. बुधः १७।२९
भ. १४।०३ या., स्वण्डग्रासं चन्द्रग्रहणम्, पूर्णिमा व्रतंपुण्यञ्च, A

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

८ सितंबर से २२ सितंबर तक, श्री आश्विन कृष्णपक्ष संवत् २०६३, शाकः १९२८, दि.मा.सू. सू. तारीख्स स्टै. प्रातः दैनिक शरदृतू रविर्दक्षिणे भाद्रपदकृष्णेति गुर्जराः, सितंबर २००६

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
ध्वाङ्क्ष	१	शु	३५	३०	२०	२७	पूभा	३३	१९	१९	३५	धृ	५५	५५	२६	४६	बा	१०	०९	१०	१९	३१	६	६	१७	१४	८	मीने १४।१९	४।२०।४२।५५	५८।१३
धूम्र	२	श	२६	२३	१६	४९	उभा	२६	१३	१६	४५	गं	४९	०६	२२	४२	तै	०	५२	६	३७	३०	१६	३९	१८	१५	९	मीने	४।२१।४१।०८	५८।१५
च.व्र.	३	र	१७	५४	१३	२६	रेव	१९	४५	१४	११	वृ	३१	३३	१८	५४	वि	१७	५४	१३	२६	५२	१६	३७	१९	१६	१०	मेषे १४।११	४।२२।३९।२३	५८।१७
राक्षस	४	सो	१०	२४	१०	२६	अश्वि	१४	१७	१२	००	ध्रु	२२	५३	१५	२६	बा	१०	२४	१०	२६	४८	१७	३६	२०	१७	११	मेषे	४।२३।३७।४०	५८।१९
मुसल	५	मं	४	११	७	५८	भर	१०	०९	१०	२१	व्या	१५	२२	१२	२६	तै	४	११	७	५८	४४	१७	३५	२१	१८	१२	वृषे १६।०२	४।२४।३५।५९	५८।२१
क्षयः	६	मं	५९	३६	३०	०८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
सिद्धि	७	बु	५६	४५	२९	००	कृति	७	३६	९	२०	ह	९	०८	९	५७	वि	२७	५६	१७	२८	४०	१८	३४	२२	१९	१३	वृषे	४।२५।३४।२०	५८।२३
उत्पात	८	गु	५५	४७	२८	३७	रोहि	६	५०	९	०२	व	४	२२	८	०३	बा	२६	००	१६	४२	३६	१८	३३	२३	२०	१४	मिथु. २१।१०	४।२६।३२।४३	५८।२६
मानस	९	शु	५६	३९	२८	५८	मृग	७	५४	९	२८	सि	५९	०५	३०	०५	तै	२५	५८	१६	४२	३२	१९	३२	२४	२१	१५	मिथु.	४।२७।३१।०९	५८।२८
मुद्गर	१०	श	५१	१४	३०	०१	आर्द्रा	१०	४५	१०	३७	व	५८	४६	२९	५०	व	२७	४५	१७	२५	२८	१९	३०	२५	२२	१६	कर्के २९।५५	४।२८।२९।३७	५८।३०
ध्वजा	११	र	...	...	..	..	पुन	१५	१३	१२	२५	प	५९	२२	३०	०५	ब	३९	०६	१८	४६	२४	२०	२९	२६	२३	१७	कर्के	४।२९।२८।०७	५८।३२
ए.व्र.	११	सो	३	१७	७	३९	पुष्य	२१	०१	१४	४५	शि	...	...	...	..	बा	३	१७	७	३९	२०	२०	२८	२७	२४	१८	कर्के	५।००।२६।३९	५८।३४
प्र.व्र.	१२	मं	८	२७	९	४४	श्ले	२७	४७	१७	२८	शि	०	५०	६	४०	तै	८	२७	९	४४	९६	२१	२७	२८	२५	१९	सिंहे १७।२८	५।०१।२५।१३	५८।३७
चर	१३	बु	१४	२३	१२	०६	मघा	३५	११	२०	२५	सि	२	५४	७	३०	व	१४	२३	१२	०६	११	२१	२६	२९	२६	२०	सिंहे	५।०२।२३।५०	५८।३९
गद	१४	गु	२०	४३	१४	३९	पूफा	४२	५२	२३	३०	सा	५	१८	८	२९	श	२०	४३	१४	३९	०७	२२	२४	३०	२७	२१	कन्या ३०।१७	५।०३।२२।२९	५८।४१
अमाव.	३०	शु	२७	१३	१७	१५	उफा	५०	३७	२६	३७	शु	७	५१	९	३१	ना	२७	१३	१७	१५	०३	२२	२३	३१	२८	२२	कन्या	५।०४।२१।१०	५८।४४

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है ।
ग्रहण-करिदिन
भ. २७।०५ उ., कन्यायां बुधः १५।१३
भ. १३।२६ या., पंचक समाप्तिः १४।११, चतुर्थीव्रतं E
|E चन्द्रोदयः २०।२२
भ. ३०।०८ उ., चंद्रषष्ठी, पूफा. शुक्रः ९।१०
|A जम्बूक वर्षाश्रेष्ठः
भ. १७।२८ या., उफा. रविः १८।३५, सं.स्त्री.पु.सू.सू.वाहन A
श्रीमहालक्ष्मी व्र., अशोकाष्टमी, उफा. सौरः ९।१८, C
सौभाग्यवतीनां श्राद्धं, हस्ते बुधः ९।४९ |C हस्ते भौमः ११।४४
भ. १७।२५ उ. ३०।०१ या., कन्यायां रविः २८।४२
विश्वकर्मा पू., कन्यायां सौरः १९।२४
इंदिरा ११ व्र., सन्यासिनां श्राद्धं
प्रदोषः, युगादि
भ. १२।०६ उ. २५।२२ या., मासिकशिवरात्री व्र., शस्त्रादि D
|B श्लेषा.-४ शनिः १०।२७ |D हतानां श्राद्धं
देवपितृकार्यैऽमा., सर्वपितृ श्राद्धम्, उफा. शुक्रः २६।४६, B

अयनांशाः २३।५६।०३

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

अयनांशाः २३।५६।०४

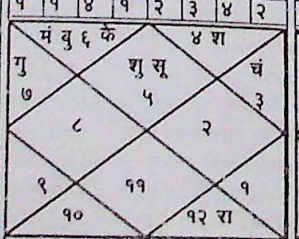
अयनांशाः २३।५६।०५

पं.२२ आ.कृ. १ शु. इष्टघटी ०।००								
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
४	५	४	६	४	३	११	५
२१	०५	२७	२०	०८	२५	०९	०१
१८	५८	३१	३०	१३	०२	४७	४७
२६	१७	४६	३२	४४	०४	३१	३१
५८	३८	१०८	९	७४	७	३	३
१५	४३	१५	३२	१६	१०	११	११
पूफा	उफा	उफा	वि	म	श्ले	पूभा	उफा
३	३	१	१	३	३	४	२



ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	सितं	रात्री	रात्री	रात्री	रात्री	रात्री	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	सायं
०४।२०।५९।५१	१ शु	८	८।३१	१०।०७	१२।०३	२।१८	४।३८	६।५५	९।११	११।३०	१।४८	३।५३	५।३६	७।०५
०४।२९।४८'०४	२ श	९	८।२७	१०।०३	११।५९	२।१४	४।३४	६।५१	९।०७	११।२६	१।४४	३।४९	५।३३	७।०१
०४।२८।४६।१९	३ र	१०	८।२३	९।५९	११।५५	२।१०	४।३०	६।४७	९।०३	११।२२	१।४१	३।४५	५।२९	६।५७
०४।२३।४४।३६	४ चं	११	८।१९	९।५५	११।५१	२।०६	४।२६	६।४३	८।५९	११।१८	१।३७	३।४१	५।२५	६।५३
०४।२४।४२।५५	५ मं	१२	८।१५	९।५१	११।४७	२।०२	४।२२	६।३९	८।५५	११।१४	१।३३	३।३७	५।२९	६।४९
०४।२५।४१।१६	७ बु	१३	८।११	९।४७	११।४४	१।५८	४।१८	६।३५	८।५१	११।१०	१।२९	३।३३	५।१७	६।४५
०४।२६।३९।४०	८ गु	१४	८।०७	९।४४	११।४०	१।५४	४।१४	६।३१	८।४७	११।०६	१।२५	३।२९	५।१३	६।४१
०४।२७।३८।०६	९ शु	१५	८।०३	९।४०	११।३६	१।५०	४।१०	६।२७	८।४३	११।०२	१।२१	३।२६	५।०९	६।३७
०४।२८।३६।३४	१० श	१६	८।००	९।३५	११।३२	१।४६	४।०६	६।२३	८।३९	१०।५८	१।१७	३।२२	५।०५	६।३४
०४।२९।३५।०४	११ र	१७	७।५६	९।३२	११।२८	१।४२	४।०३	६।१९	८।३५	१०।५४	१।१३	३।१८	५।०१	६।३०
०५।००।३३।३६	११ चं	१८	७।५२	९।२८	११।२४	१।३९	३।५९	६।१५	८।३१	१०।५०	१।०९	३।१४	४।५७	६।२६
०५।०१।३२।५९	१२ मं	१९	७।४८	९।२४	११।२०	१।३५	३।५५	६।१२	८।२८	१०।४६	१।०५	३।१०	४।५३	६।२२
०५।०२।३०।४८	१३ बु	२०	७।४४	९।२०	११।१६	१।३१	३।५१	६।०८	८।२३	१०।४२	१।०१	३।०६	४।४९	६।१८
०५।०३।२९।२७	१४ गु	२१	७।४०	९।१६	११।१२	१।२७	३।४७	६।०४	८।१९	१०।३९	१२।५७	३।०२	४।४५	६।१४
०५।०४।२८।०१	३० शु	२२	७।३६	९।१२	११।०८	१।२३	३।४३	६।००	८।१५	१०।३५	१२।५३	२।५८	४।४१	६।१०

पं.२३ आ.कृ. ९ शु. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
४	५	५	६	४	३	११	५
२८	१०	०९	२१	१६	२५	०१	०१
०६	३०	४५	३९	५४	५१	२५	२५
५८	०९	२२	२२	२४	३०	१५	१५
५८	३८	१००	१०	७४	६	३	३
२८	५८	११	१३	२९	५४	११	११
उफ	ह	उफा	वि	पूफा	श्ले	पूभा	उफा
१	१	४	१	२	३	४	२



पं.२४ आ.कृ.३० शु. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
५	५	५	६	४	३	११	५
०४	१५	२१	२२	२५	२६	०१	०१
५७	०३	०४	५२	३६	३८	०३	०३
०३	४५	१३	४६	३२	५३	००	००
५८	३९	९२	१०	७४	६	३	३
४२	१३	४८	५०	४०	३५	११	११
उफा	ह	ह	वि	पूफा	श्ले	पूभा	उफा
३	२	४	१	४	३	४	२



CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

२३ सितंबर से ७ अक्टूबर तक, श्री आश्विन शुक्लपक्ष संवत् २०६३, शाकः १९२८, दि.मा.बू. सू. तारीख्य स्टै. प्रातः दैनिक केतकी अहर्गणः ५२८४ शरदृतू रविर्दक्षिणे, सितंबर-अक्टूबर २००६

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
नवरा.	१	श	३३	३६	१९	४९	हस्त	५८	१२	२९	३९	शु	१०	२४	१०	३२	किं	०	२६	६	३३	२९ ५३	६ २३	६ ३५	१	२९	२३	कन्या	५।०५।१९।५४	५८।४६
पद्म	२	र	३९	४२	२२	१६	चित्रा	...	...	..	...	ब्र	१२	४६	११	२९	बा	६	४३	९	०४	५५	२३	२१	२	३०	२४	तुला.	५।०६।१८।३९	५८।४८
मुद्गर	३	सो	४५	१६	२४	३०	चित्रा	५	२४	८	३३	ऐ	१४	४८	१२	१९	तै	१२	३४	११	२५	५१	२३	२०	३	१	२५	तुला.	५।०७।१७।२८	५८।५०
ध्वजा	४	मं	४९	५७	२६	२३	स्वा	११	५९	११	१२	वै	१६	१६	१२	५४	व	१७	४४	१३	३०	४७	२४	१९	४	२	२६	तुला.	५।०८।१६।१८	५८।५३
धाता	५	बु	५३	२८	२७	४८	विशा	१७	३७	१३	२७	वि	१६	५९	१३	१२	ब	२१	५२	१५	०९	४३	२४	१७	५	३	२७	वृश्चि.	५।०९।१५।११	५८।५५
आनन्द	६	गु	५५	३२	२८	३८	अनु	२१	५९	१५	१२	प्री	१६	४३	१३	०६	कौ	२४	४१	१६	१७	३९	२५	१६	६	४	२८	वृश्चि.	५।१०।१४।०६	५८।५७
चर	७	शु	५५	५५	२८	४७	ज्ये	२४	५०	१६	२१	आ	१५	१३	१२	३१	ग	२५	५५	१६	४७	३४	२५	१५	७	५	२९	धनु.	५।११।१३।०३	५९।००
दुर्गा	८	श	५४	३०	२८	१४	मूल	२५	५९	१६	४९	सौ	१२	२३	११	२३	वि	२५	२५	१६	३६	३०	२६	१४	८	६	३०	धनु.	५।१२।१२।०३	५९।०२
शुभ	९	र	५१	१९	२६	५८	पूषा	२५	२२	१६	३५	शो	८	०७	९	४१	बा	२३	०८	१५	४१	२६	२६	१३	९	७	१	मक.	२२।२५	५।१३।११।०५	५९।०४
विजया	१०	सो	४६	२९	२५	०२	उषा	२३	०२	१५	४०	अ	२ ५५	२७ २९	७ २८	२६ ३८	तै	१९	०५	१४	०५	२२	२७	१२	१०	८	२	मक.	५।१४।१०।०९	५९।०७
ए.ब्र.	११	मं	४०	०७	२२	३०	श्रव	१९	०९	१४	०७	धृ	४७	१८	२५	२३	व	१३	२८	११	५०	१८	२७	११	११	९	३	कुंभे	२५।०८	५।१५।०९।१६	५९।०९
मित्र	१२	बु	३२	३३	१९	२९	धनि	१३	५५	१२	०२	शू	३८	०८	२१	४३	ब	६	२८	९	०३	१४	२८	०९	१२	१०	४	कुंभे	२५।०८	५।१६।०८।२५	५९।११
प्र.ब्र.	१३	गु	२४	०५	१६	०६	शत	७	४०	९	३२	गं	२८	१४	१७	४६	तै	२४	०५	१६	०६	१०	२८	०८	१३	११	५	मीने	२५।२८	५।१७।०७।३६	५९।१४
ध्वाङ्क्ष	१४	शु	१५	०१	१२	२९	पूभा	० ५३	४२ २७	६ २७	४६ ५२	वृ	१७	५२	१३	३८	व	१५	०१	१२	२९	०६	२९	०७	१४	१२	६	मीने		५।१८।०६।५०	५९।१६
पूर्णिमा	१५	श	५	४५	८	४७	रेव	४६	१५	२५	००	ध्रु	७ ५७	२२ ०२	९ २९	२६ ४८	व	५	४५	८	४७	०२	२९	०६	१५	१३	७	मेषे	२५।००	५।१९।०६।०६	५९।१८

दैनिक केतकी अहर्गणः ५२८४ शरदृतू रविर्दक्षिणे, सितंबर-अक्टूबर २००६

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।
नवरात्रारम्भः, घटस्था. अग्रसेन जयंती,मातामहश्रा., भा.अश्विनारंभः, C
चंद्रदर्शनम् (मु.३०), विशा.-२ गुरुः १८।२३ [C सायन तुलायां H
रमजान ९,कन्यायां शुक्रः १९।०० [H भानुः ९।४२, चित्रा. बुधः १७।३६
भ. १३।३० उ. २६।२३ या., बुधोदयः पश्चिमायाम् १०।४६
उपांग ललिता व्र., हस्ते रविः १०।०६ (सौरः २४।४०), D
[D तुलायां बुधः २८।२९, सं.स्त्री.नपु.सू.सू.वाहन मेष अनावृष्टिः
भ. २८।४७ उ., सरस्वती आवाहनं मूलभे
भ. १६।३६ या., भद्रकाली अवतार, महाष्टमी, सरस्वती पूजनं पू.षाभे
मन्वादि, शस्त्रादि पूजा, बलिदानं उ.षाभे, अक्टूबर १० ता. ३१
विजया १०, शुक्रास्तः पूर्वस्याम् २२।५८ बोद्धावतार, शमीपूजा,सरस्वती A
भ.११।५० उ. २२।३० या., पंचकप्रारम्भः २५।०८,पापांकुशा ११ ब्र.,E
कार्तिके द्विदलं त्यजेत्, चित्रा. भौमः २०।२४ [E हस्ते शुक्रः १९।२५
प्रदोषः [A विसर्जनं श्रवणे,पट्टाभिषेक, गांधीजयन्ती स्वा. बुधः २०।३०
भ. १२।२९ उ. २२।३९ या., पूर्णिमा व्रतं, शरद पूर्णिमा, कोजागरी व्र.
पंचक समाप्तिः २५।००, पूर्णिमा पुण्यं, बंगीय लक्ष्मी पूजा, नवान्न B
[B भक्षण, आश्वयुजी कर्म (आश्वलायन शास्त्रा), कार्तिक स्नान प्रा.

अयनांशाः २३।५६।०६

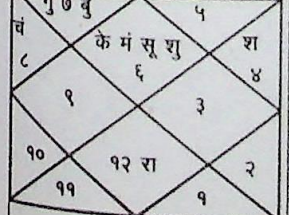
॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

संक्रांति फलम्

अयनांशाः २३।५६।०७

पं.२५ आ.शु. ७ शु. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
५	५	६	६	५	३	११	५
११	१९	०१	२४	०४	२७	००	००
४८	३९	३४	१०	१९	२३	४०	४०
४४	०८	२६	१६	५७	५१	४४	४४
५८	३९	८६	११	७४	६	३	३
५६	२९	२४	२२	५०	१२	११	११
ह	ह	वि	वि	उफा	श्ले	पूभा	उफा
१	३	३	२	३	४	४	२



ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	सितं	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	सायं
०५।०५।२६।५३	१ श	२३	७।३२	९।०८	११।०४	१।१९	३।३९	५।५६	८।१२	१०।३१	१२।४९	२।५४	४।३७	६।०६
०५।०६।२५।३९	२ र	२४	७।२८	९।०४	११।००	१।१५	३।३५	५।५२	८।०८	१०।२७	१२।४५	२।५०	४।३३	६।०२
०५।०७।२४।२७	३ चं	२५	७।२४	९।००	१०।५६	१।११	३।३१	५।४८	८।०४	१०।२३	१२।४१	२।४६	४।२९	५।५८
०५।०८।२३।२८	४ मं	२६	७।२०	८।५६	१०।५२	१।०७	३।२७	५।४४	८।००	१०।१९	१२।३७	२।४२	४।२६	५।५४
०५।०९।२२।११	५ बु	२७	७।१६	८।५२	१०।४८	१।०३	३।२३	५।४०	७।५६	१०।१५	१२।३३	२।३८	४।२२	५।५०
०५।१०।२१।०६	६ गु	२८	७।१२	८।४८	१०।४४	१२।५९	३।१९	५।३६	७।५२	१०।११	१२।३०	२।३४	४।१८	५।४६
०५।११।२०।०४	७ शु	२९	७।०८	८।४४	१०।४०	१२।५५	३।१५	५।३२	७।४८	१०।०७	१२।२६	२।३०	४।१४	५।४२
०५।१२।१९।०४	८ श	३०	७।०४	८।४०	१०।३६	१२।५१	३।११	५।२८	७।४४	१०।०३	१२।२२	२।२६	४।१०	५।३८
०५।१३।१८।०६	९ र	१	७।००	८।३६	१०।३३	१२।४७	३।०७	५।२४	७।४०	९।५९	१२।१८	२।२२	४।०६	५।३४
०५।१४।१७।११	१० चं	२	६।५६	८।३३	१०।२९	१२।४३	३।०३	५।२०	७।३६	९।५५	१२।१४	२।१८	४।०२	५।३०
०५।१५।१६।१८	११ मं	३	६।५२	८।२९	१०।२५	१२।३९	२।५९	५।१६	७।३२	९।५१	९ ..१०	२।१५	३।५८	५।२६
०५।१६।१५।२७	१२ बु	४	६।४९	८।२५	१०।२१	१२।३५	२।५५	५।१२	७।२८	९।४७	१२।०६	२।११	३।५४	५।२३
०५।१७।१४।३८	१३ गु	५	६।४५	८।२१	१०।१७	१२।३१	२।५२	५।०८	७।२४	९।४३	१२।०२	२।०७	३।५०	५।१९
०५।१८।१३।५२	१४ शु	६	६।४१	८।१७	१०।१३	१२।२८	२।४८	५।०४	७।२०	९।३९	११।५८	२।०३	३।४६	५।१५
०५।१९।१३।०९	१५ श	७	६।३७	८।१३	१०।०९	१२।२४	२।४४	५।०१	७।१६	९।३५	११।५४	१।५९	३।४२	५।११

ता. १६ सितंबर २००६
आश्वि. कृ. १० शनौ कन्यायामर्कः
प्र. (स्टै.) टा. २८।४२ वारात् ४
नक्षत्रात् ४ वारनाम राक्षसी
चाण्डालान् सुस्पदा नक्षत्रनाम
महोदरी चोरान् सुस्पदा प्रभात रात्रि
४ प्रहर व्यापिनी गोरक्षकान् हन्ति,
पश्चिमे गमनं वायव्यां दृष्टिः विष्टीकरणे
प्रविष्टा मध्यमफलं अश्वयाहनं
सिंहोपवाहनं स्थैर्यकारक कृष्णवस्त्रं
कुन्तायुधं पत्रपात्रं चित्रान्नभक्षणं
ओतुमदोलेप्यनं विप्रजातिः दुर्वापुष्पं
गुंजाभूषणं नीलकंचुकी वृद्धावस्था
(बैठी) मु. ४५ धान्यभावे समर्घ वत्स
पूर्वे राहु उत्तरे मूलं स्वर्गं विवाहस्तंभो
ऐशान्यां शुक्रोदयः पूर्वस्याम् ।
पुण्यकालः (स्टै.) २८।४२ से रविवार
११।०६ तक । (दान- गृह वस्त्र) ।

पं.२६ आ.शु.१४ शु. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
५	५	६	६	५	३	११	५
१८	२४	११	२५	१३	२८	००	००
४२	१६	१९	३१	०४	०५	१८	१८
०५	२२	५३	२२	२७	५९	२८	२८
५९	३९	७९	११	७४	५	३	३
१०	४५	३३	५१	५९	४६	११	११
ह	वि	स्वा	वि	ह	श्ले	पूभा	उफा
३	१	२	२	१	४	४	२



CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

॥ श्रीवल्लभ मनीराम पञ्चाङ्गम् ॥

८ अक्टूबर से २२ अक्टूबर तक, श्री कार्तिक कृष्णपक्ष संवत् २०६३, शाकः १९२८, दि.मा.सू. सू. तारीख्स स्टै. प्रातः दैनिक शरदृतू रविर्दक्षिणे आश्विनकृष्णेति गुर्जराः, अक्टूबर २००६

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
क्षयः	१	श	५६	४०	२९	१०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
आनन्द	२	र	४८	१२	२५	४७	अश्वि	३९	३४	२२	२०	ह	४७	१०	२५	२२	तै	२२	१९	१५	२६	२८ ५८	३० ६	५ ६	१६	१४	८	मेषे	५।२०।०५।२४	५९।२१
चर	३	सो	४०	४२	२२	४७	भर	३३	५०	२०	०२	व	३८	०८	२१	४६	व	१४	१७	१२	१३	५४	३०	०४	१७	१५	९	वृषे २५।३३	५।२१।०४।४५	५९।२३
च.व्र.	४	मं	३४	३६	२०	२१	कृति	२९	२६	१८	१७	सि	३०	१२	१८	३६	ब	७	२६	९	३०	४९	३९	०३	१८	१६	१०	वृषे	५।२२।०४।०८	५९।२५
शुभ	५	बु	३०	१५	१८	३८	रोहि	२६	४४	१७	१३	व्य	२३	४१	१६	००	कौ	२	१०	७	२४	४५	३२	०२	१९	१७	११	मिथु. २८।५८	५।२३।०३।३३	५९।२८
मृत्यु	६	गु	२७	५४	१७	४२	मृग	२६	००	१६	५६	व	१८	४५	१४	०२	व	२७	५४	१७	४२	४१	३२	०१	२०	१८	१२	मिथु.	५।२४।०३।०१	५९।३०
पद्म	७	शु	२७	४२	१७	३७	आर्द्रा	२७	२१	१७	२९	प	१५	२९	१२	४४	ब	२७	४२	१७	३७	३७	३३	००	२१	१९	१३	मिथु.	५।२५।०२।३१	५९।३२
छत्र	८	श	२९	३६	१८	२४	पुन	३०	४४	१८	५१	शि	१३	५३	१२	०६	कौ	२९	३६	१८	२४	३३	३३	५ ५५	२२	२०	१४	कर्के १२।२६	५।२६।०२।०३	५९।३५
श्रीवत्स	९	र	३३	२३	१९	५५	पुष्य	३५	५६	२०	५६	सि	१३	४७	१२	०५	तै	१	१७	७	०५	२९	३४	५८	२३	२१	१५	कर्के	५।२७।०१।३८	५९।३७
सौम्य	१०	सो	३८	४१	२२	०३	श्ले	४२	३२	२३	३५	सा	१४	५४	१२	३२	व	५	५१	८	५५	२५	३४	५७	२४	२२	१६	सिंहे २३।३५	५।२८।०१।१५	५९।३९
ए.व्र.	११	मं	४४	५५	२४	३३	मघा	५०	०२	२६	३६	शु	१६	५३	१३	२०	ब	११	४१	११	१५	२१	३५	५६	२५	२३	१७	सिंहे	५।२९।००।५४	५९।४१
सुस्थिर	१२	बु	५१	३७	२७	१४	पूफा	५७	५५	२९	४५	शु	१९	२३	१४	२१	कौ	१८	१४	१३	५३	१७	३६	५५	२६	२४	१८	सिंहे	६।००।००।३५	५९।४४
प्र.व्र.	१३	गु	५८	१६	२९	५५	उफा	...	...	...	...	ब्र	२२	००	१५	२४	ग	२४	५८	१६	३५	१३	३६	५४	२७	२५	१९	कन्या १२।३३	६।०१।००।१९	५९।४६
शुभ	१४	शु	...	...	...	..	उफा	५	४१	८	५३	ऐ	२४	२६	१६	२३	वि	३१	२८	१९	१२	१०	३७	५३	२८	२६	२०	कन्या	६।०२।००।०५	५९।४८
दीपाव.	१४	श	४	३१	८	२६	हस्त	१३	०५	११	५२	वै	२६	३१	१७	१४	श	४	३१	८	२६	०६	३७	५२	२९	२७	२१	तुला. २५।१५	६।०२।५९।५३	५९।५०
अन्नकू.	३०	र	१०	११	१०	४२	चित्रा	१९	५३	१४	३५	वि	२८	०६	१७	५२	ना	१०	११	१०	४२	०२	३८	५१	३०	२८	२२	तुला.	६।०३।५९।४४	५९।५३

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।

[C राहुः २५।५१, सिंहे उफा.-१ केतुः २५।५१
भ. १२।१३ उ. २२।४७ या., दशरथ ललिता व्र.
करवा ४ चन्द्रोदयः २०।२३, चित्रा. रविः २३।०६, D
चित्रा. सौरः १३।१०, विशा.-३ गुरुः २३।५०, कुंभे पूभा.-३ C
भ. १७।४२ उ. २९।३३ या., स्कन्द षष्ठी, विशा. बुधः २७।५१
होई (अहोरी) ८
तुलायां भौमः २१।१२, चित्रा. शुक्रः ११।२२
[D सं.स्त्री.पु.सू.सू.वाहन नाग वर्षाश्रेष्ठः
भ. ८।५५ उ. २२।०३ या.
रमा ११ व्र., आकाश दीपारंभः, तुलायां रविः १६।३९ (सौरः ३०।२१)
गोवत्स द्वादशी [B गोत्रित्रात्र व्र., तुलायां शुक्रः १९।०८
भ.२९।५५ उ., प्रदोषः,धनतेरस, धन्वन्तरी जयंती, यमायदीपदानं, B
भ. १९।१२ या., मासिकशिवरात्री व्र., दीपदानं
पितृकार्येऽमा., महालक्ष्मी पूजा, कुवेर पू. [A मार्गपाली बंधन
देवकार्येऽमा.,बलीपूजा, गोवर्धन पू., अन्नकूटं देशाचारे, गोक्रीडा, A

अयनांशाः २३।५६।०८

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	अक्टु	सायं	रात्री	रात्री	रात्री	रात्री	रात्री	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा
०५।२०।१२।२७	२ र	८	६।३३	८।०९	९०।०५	९२।२०	२।४०	४।५७	७।१२	९।३२	११।५०	१।५५	३।३८	५।०७
०५।२१।११।४८	३ चं	९	६।२९	८।०५	९०।०१	९२।१६	२।३६	४।५३	७।०८	९।२८	११।४६	१।५१	३।३४	५।०३
०५।२२।११।१२	४ मं	१०	६।२५	८।०१	९।५७	९२।१२	२।३२	४।४९	७।०५	९।२४	११।४२	१।४७	३।३०	४।५९
०५।२३।१०।३७	५ बु	११	६।२१	७।५७	९।५३	९२।०८	२।२८	४।४५	७।०१	९।२०	११।३८	१।४३	३।२६	४।५५
०५।२४।१०।०५	६ गु	१२	६।१७	७।५३	९।४९	९२।०४	२।२४	४।४१	६।५७	९।१६	११।३४	१।३९	३।२२	४।५१
०५।२५।०९।३५	७ शु	१३	६।१३	७।४९	९।४५	९२।००	२।२०	४।३७	६।५३	९।१२	११।३०	१।३५	३।१८	४।४७
०५।२६।०९।०८	८ श	१४	६।०९	७।४५	९।४१	११।५६	२।१६	४।३३	६।४९	९।०८	११।२६	१।३१	३।१५	४।४३
०५।२७।०८।४३	९ र	१५	६।०५	७।४१	९।३७	११।५२	२।१२	४।२९	६।४५	९।०४	११।२३	१।२७	३।११	४।३९
०५।२८।०८।२०	१० चं	१६	६।०१	७।३७	९।३३	११।४८	२।०८	४।२५	६।४१	९।००	११।१९	१।२३	३।०७	४।३५
०५।२९।०८।००	११ मं	१७	५।५७	७।३३	९।२९	११।४४	२।०४	४।२१	६।३७	८।५६	११।१५	१।१९	३।०३	४।३१
०६।००।०७।४१	१२ बु	१८	५।५३	७।२९	९।२५	११।४०	२।००	४।१७	६।३३	८।५२	११।११	१।१५	२।५९	४।२७
०६।०१।०७।२५	१३ गु	१९	५।४९	७।२५	९।२२	११।३६	१।५६	४।१३	६।२९	८।४८	११।०७	१।११	२।५५	४।२३
०६।०२।०७।१२	१४ शु	२०	५।४५	७।२२	९।१८	११।३२	१।५२	४।०९	६।२५	८।४४	११।०३	१।०७	२।५१	४।१९
०६।०३।०७।००	१४ श	२१	५।४१	७।१८	९।१४	११।२८	१।४८	४।०५	६।२१	८।४०	१०।५९	१।०४	२।४७	४।१५
०६।०४।०६।५१	३० र	२२	५।३८	७।१४	९।१०	११।२४	१।४४	४।०१	६।१७	८।३६	१०।५५	१।००	२।४३	४।१२

संक्रांति फलम्

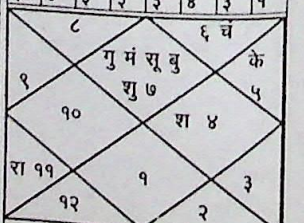
ता. १७ अक्टूबर २००६
का. कृ. ११ भौमे तुलायामर्कः प्र. (स्टै.) टा. १६।३९ वारात् ४ नक्षत्रात् ४ वारनाम महोदरी चोरान् सुस्थदा नक्षत्रनाम घोरा शूद्रान् सुस्थदा अपरान्ह ३ प्रहर व्यापिनी वैश्यान् हन्ति, दक्षिणे गमनं नैऋत्यां दृष्टिः बालवकरणे प्रविष्टा मध्यमफलं व्याघ्रवाहनं अश्वोपवाहनं भीतिकारक पीतवस्त्रं गदायुधं रौप्यपात्रं पायसभक्षणं कुंकुमलेपनं भूतजातिः जातिपुष्पं वंकणभूषणं पर्णवंकचुकी कुमारिकावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यभावे सम वत्स पूर्वे राहु उत्तरे मूलं भूमौ विवाहस्तंभो ऐशान्यां शुक्रास्तः पूर्वस्याम् । पुण्यकालः (स्टै.) १०।३९ से २२।३९ तक । (दान- तिल गोरस)।

अयनांशाः २३।५६।०९

पं.२७ का.कृ. ७ शु.इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
५	५	६	६	५	३	१०	४
२५	२८	२०	२६	२१	२८	२९	२९
३७	५५	०७	५५	४९	४४	५६	५६
०७	३१	५७	३६	५०	५६	०२	०२
५९	४०	६८	०२	७५	५	३	३
२४	०१	३८	१५	०५	१७	११	११
वि	चि	वि	वि	ह	श्ले	पूभा	उफ
१	२	१	३	४	४	३	१



पं.२८ का.कृ.१४ शु.इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
६	६	६	६	६	३	१०	४
०२	०३	२७	२८	००	२९	२९	२९
३३	३६	१३	२२	३५	२०	३३	३३
५०	३८	३९	३०	५६	१७	५६	५६
५९	४०	४७	१२	७५	४	३	३
३९	१८	४१	३६	१०	४४	११	११
चि	चि	वि	वि	चि	श्ले	पूभा	उफा
३	४	३	३	३	४	३	१



CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

॥ श्रीवल्लभ मनीराम पञ्चाङ्गम् ॥

२३ अक्टूबर से ५ नवंबर तक, श्री कार्तिक शुक्लपक्ष संवत् २०६३, शाकः १९२८, दि.मा.सू. सू. तारीख्स स्टै. प्रातः दैनिक केतकी अहर्गणः ५३१४ शरदृतू रविर्दक्षिणे, अक्टूबर-नवंबर २००६

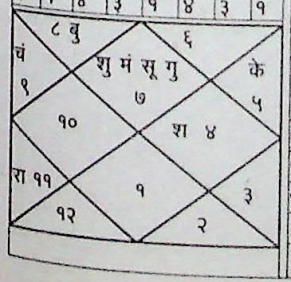
योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
छत्र	१	सो	१५	०४	१२	४०	स्वा	२५	५५	१७	०१	प्री	२९	०३	१८	१६	ब	१५	०४	१२	४०	२७/५८	६/३९	५/५०	१	२९	२३	तुला.	६।०४।५९।३६	५९।५५
श्रीवत्स	२	मं	१९	०४	१४	१७	विशा	३१	०५	१९	०५	आ	२९	१९	१८	२३	कौ	१९	०४	१४	१७	५४	३९	४९	२	३०	२४	वृश्चि.	१२।३६	६।०५।५९।३१	५९।५७
सौम्य	३	बु	२२	०५	१५	३०	अनु	३५	१६	२०	४७	सौ	२८	४८	१८	११	ग	२२	०५	१५	३०	५०	४०	४८	३	१	२५	वृश्चि.		६।०६।५९।२८	५९।५९
काल	४	गु	२३	५८	१६	१६	ज्ये	३८	२२	२२	०१	शो	२७	२५	१७	३९	वि	२३	५८	१६	१६	४६	४१	४७	४	२	२६	धनु.	२२।०१	६।०७।५९।२८	६०।०१
सुस्थिर	५	शु	२४	३८	१६	३२	मूल	४०	१५	२२	४७	अ	२५	०६	१६	४३	बा	२४	३८	१६	३२	४३	४१	४६	५	३	२७	धनु.		६।०८।५९।२९	६०।०४
मातङ्ग	६	श	२४	००	१६	१८	पूषा	४०	५१	२३	०३	सु	२१	४५	१५	२४	तै	२४	००	१६	१८	३९	४२	४५	६	४	२८	मक.	२९।०१	६।०९।५९।३३	६०।०६
अमृत	७	र	२२	०४	१५	३२	उषा	४०	१०	२२	४७	धृ	१७	२३	१३	४०	व	२२	०४	१५	३२	३५	४३	४५	७	५	२९	मक.		६।१०।५९।३९	६०।०८
सिद्धि	८	सो	१८	४७	१४	१४	श्रव	३८	११	२२	००	शू	११	५६	११	३०	ब	१८	४७	१४	१४	३१	४३	४४	८	६	३०	मक.		६।११।५९।४६	६०।१०
उत्पात	९	मं	१४	१४	१२	२६	धनि	३४	५७	२०	४३	गं	५/५८	०२/२९	८/२६	५५/५७	कौ	१४	१४	१२	२६	२८	४४	४३	९	७	३१	कुंभे	९।२५	६।१२।५९।५६	६०।१२
मानस	१०	बु	८	३०	१०	०९	शत	३०	३६	१८	५९	ध्रु	४९	४४	२६	३८	ग	८	३०	१०	०९	२४	४५	४२	१०	८	१	कुंभे		६।१४।००।०८	६०।१४
ए.व्र.	११	गु	१	४४	७	२७	पूभा	२५	१८	१६	५३	व्या	४०	४१	२३	०२	वि	१	४४	७	२७	२०	४५	४२	११	९	२	मीने	११।२६	६।१५।००।२३	६०।१६
क्षयः	१२	गु	५४	०९	२८	२५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
प्र.व्र.	१३	शु	४५	५९	२५	१०	उमा	१९	१७	१४	२९	ह	३१	०८	१९	१३	कौ	२०	०७	१४	४९	१७	४६	४१	१२	१०	३	मीने		६।१६।००।३९	६०।१८
धाता	१४	श	३७	३७	२१	५०	रेव	१२	५२	११	५५	व	२१	१९	१५	१८	ग	११	४८	११	३०	१३	४७	४०	१३	११	४	मेषे	११।५५	६।१७।००।५७	६०।२०
पूर्णिमा	१५	र	२९	२५	१८	३३	अश्वि	६	२५	९	२१	सि	११	३१	११	२४	वि	३	२७	८	९०	१०	४८	३९	१४	१२	५	मेषे		६।१८।०१।१७	६०।२२

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।
गुर्जराणां नूतनवर्षारंभः, भा.कार्तिकारंभः,सायन वृश्चिके भानुः १९।०४
चंद्रदर्शनम्(मु.४५), भ्रातृ २, यम २, यमुनास्नानं, कलम दवात पू..A
भ. २७।५६ उ.,सव्वाल १० [C बुधः ९।०८, स्वा. शुक्रः २६।४९, सं.J
भ.१६।१६ या.,दूर्वागणपति व्र. [J स्त्री.नपु.सू.सू.वाहन जम्बूक अनावृष्टिः
सौभाग्य ५, पाण्डव ५, वृश्चिके विशा.-४ गुरुः २२।१८
[A स्वा. रविः ९।३५ (सौरः २२।५२), स्वा. भौमः १९।३६ वृश्चिके C
भ. १५।३२ उ. २६।५७ या.,कल्पादि, बुधास्तः पश्चिमायाम् २१।४१.L
गोपाष्टमी [L वक्री बुधः ७।५८, सिंहे मघा.-१ शनिः ७।३५
पंचक प्रारम्भः ९।२५, युगादि, कुष्माण्ड (अक्षय) ९
भ. २०।५१ उ., नवंबर ११ ता. ३०, (व) तुलायां बुधः २१।३६
भ. ७।२७ या., प्रबोधिनी ११ व्र., तुलसी विवाह, भीष्म पंचक प्रा.,E
[F समाप्तिः,कार्तिकव्रतोद्यापनं, विशा.शुक्रः ९७।५८ [E चातुर्मास्य K
प्रदोषः [D कार्तिक स्नानपूर्तिः [K व्रत समाप्ति, देवोत्थापनं, मन्वादि
भ. २१।५० उ., पंचक समाप्तिः ११।५५, वैकुण्ठ १४, रोटक व्रत F
भ. ८।१० या., मन्वादि, पूर्णिमा व्रतंपुण्यञ्च, गोपद्मव्रत समाप्ति, B
B त्रिपुरोत्सव, पुष्कर यात्रा, नानकजयंती, भीष्मपंचक समाप्ति, D

अयनांशाः २३।५६।१०

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

पं.२९ का.शु. ५ शु. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
६	६	७	६	६	३	१०	४
०९	०८	०१	२९	०९	२९	२९	२९
३२	१९	०२	५१	२२	५१	११	११
१३	४५	१३	३७	३४	४०	४०	४०
५९	४०	८	१२	७५	४	३	३
५२	३६	०६	५३	१४	०८	११	११
स्वा	स्वा	वि	वि	स्वा	श्ले	पूभा	उफा
१	१	४	३	१	४	३	१



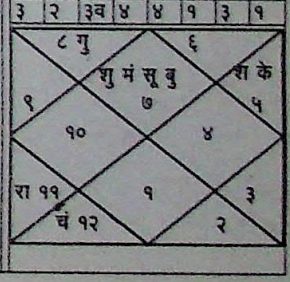
ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	अक्टु	सायं	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा
०६।०५।०६।४४	१ चं	२३	५।३४	७।१०	९।०६	११।२०	१।४१	३।५७	६।१३	८।३२	१०।५१	१२।५६	२।३९	४।०८
०६।०६।०६।३९	२ मं	२४	५।३०	७।०६	९।०२	११।१७	१।३७	३।५३	६।०९	८।२८	१०।४७	१२।५२	२।३५	४।०४
०६।०७।०६।३६	३ बु	२५	५।२६	७।०२	८।५८	११।१३	१।३३	३।५०	६।०५	८।२४	१०।४३	१२।४८	२।३१	४।००
०६।०८।०६।३६	४ गु	२६	५।२२	६।५८	८।५४	११।०९	१।२९	३।४६	६।०१	८।२१	१०।३९	१२।४४	२।२७	३।५६
०६।०९।०६।३८	५ शु	२७	५।१८	६।५४	८।५०	११।०५	१।२५	३।४२	५।५७	८।१७	१०।३५	१२।४०	२।२३	३।५२
०६।१०।०६।४२	६ श	२८	५।१४	६।५०	८।४६	११।०१	१।२१	३।३८	५।५४	८।१३	१०।३१	१२।३६	२।१९	३।४८
०६।११।०६।४८	७ र	२९	५।१०	६।४६	८।४२	१०।५७	१।१७	३।३४	५।५०	८।०९	१०।२७	१२।३२	२।१५	३।४४
०६।१२।०६।५६	८ चं	३०	५।०६	६।४२	८।३८	१०।५३	१।१३	३।३०	५।४६	८।०५	१०।२३	१२।२८	२।११	३।४०
०६।१३।०७।०६	९ मं	३१	५।०२	६।३८	८।३४	१०।४९	१।०९	३।२६	५।४२	८।०१	१०।१९	१२।२४	२।०७	३।३६
०६।१४।०७।१९	१० बु	१	४।५८	६।३४	८।३०	१०।४५	१।०५	३।२२	५।३८	७।५७	१०।१५	१२।२०	२।०४	३।३२
०६।१५।०७।३३	११ गु	२	४।५४	६।३०	८।२६	१०।४१	१।०१	३।१८	५।३४	७।५३	१०।१२	१२।१६	२।००	३।२८
०६।१६।०७।५०	१२ शु	३	४।५०	६।२६	८।२२	१०।३७	१२।५७	३।१४	५।३०	७।४९	१०।०८	१२।१२	१।५६	३।२४
०६।१७।०८।०८	१४ श	४	४।४६	६।२२	८।१८	१०।३३	१२।५३	३।१०	५।२६	७।४५	१०।०४	१२।०८	१।५२	३।२०
०६।१८।०८।२९	१५ र	५	४।४२	६।१८	८।१४	१०।२९	१२।४९	३।०६	५।२२	७।४१	१०।००	१२।०४	१।४८	३।१६

मास फलम्

इस माह में पांच रविवार है जो कि नेष्ट हैं। अमावस्या को चित्रा होने से दुर्भिक्ष (महर्घ) हो रविवारी होने से राजाओ में युद्ध हो। पूर्णिमा को कृतिका का अभाव होने से महर्घता हो। मंगलवार की सक्रांति होने से धान्यादि एवं लाल वर्ण वाली सभी वस्तुओं के भाव तेज हों, प्रजा में विग्रह हो, कहीं-कहीं हिंसादि हो, अग्निभय हो, घृत तेल लवण रस कपूर चंदन ये सब महँगे हों। कुंभ का राहु होने से सण सूत्र का भाव मंदा हो। सब प्रकार के बर्तन विशेष कर कांसी पीतल के बर्तनों का भाव मंदा हो।

अयनांशाः २३।५६।११

पं.३० का.शु.१३ शु. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
६	६	६	७	६	४	१०	४
१६	१३	२९	०१	१८	००	२८	२८
३२	०४	०३	२२	०९	१८	४९	४९
१२	५५	१२	२९	३५	४३	२४	२४
६०	४०	५२	१३	७५	३	३	३
०६	५३	३२	०६	१७	२९	११	११
स्वा	स्वा	वि	वि	स्वा	म	पूभा	उफा
३	२	३व	४	४	१	३	१



CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

॥ श्रीवल्लभ मनीराम पञ्चाङ्गम् ॥

६ नवंबर से २० नवंबर तक, श्री मार्गशीर्ष कृष्णपक्ष संवत् २०६३, शाकः १९२८, दि.मासू. सू. तारीख स्टै. प्रातः दैनिक हेमन्तर्तू रविर्दक्षिणे कार्तिककृष्णेति गुर्जराः, नवंबर २००६

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प.	उ.	अ.	मा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
घर	१	सो	२९	४५	१५	३०	मर	०५५	२०	०८	६	५६	व्य	२	५३	०३	७	३७	कौ	२९	४५	१५	३०	२७	६	५	१५	१३	६	वृषे	१२।२३	६।१९।०१।४०	६०।२४
मातङ्ग	२	मं	१५	०६	१२	५२	रोहि	५१	०९	२७	१६	प	४५	३४	२५	०३	ग	१५	०६	१२	५२	०३	४९	३८	१६	१४	७	वृषे		६।२०।०२।०४	६०।२६
च.व्र.	३	बु	९	५३	१०	४७	मृग	४८	४८	२६	२१	शि	३९	०८	२२	२९	वि	९	५३	१०	४७	००	५०	३८	१७	१५	८	मिथु.	१४।४३	६।२१।०२।३०	६०।२८
काण	४	गु	६	२६	९	२५	आर्द्रा	४८	२५	२६	१२	सि	३४	१४	२०	३२	बा	६	२६	९	२५	२६	५०	३७	१८	१६	९	मिथु.		६।२२।०२।५८	६०।३०
लुम्बक	५	शु	५	०३	८	५३	पुन	५०	०८	२६	५४	सा	३१	००	१९	१५	तै	५	०३	८	५३	५३	५१	३६	१९	१७	९०	कर्के	२०।३९	६।२३।०३।२८	६०।३२
मित्र	६	श	५	५२	९	१३	पुष्य	५३	५६	२८	२६	शु	२९	२८	१८	३९	व	५	५२	९	१३	५०	५२	३६	२०	१८	११	कर्के		६।२४।०४।००	६०।३४
वज्र	७	र	८	४७	१०	२३	श्ले	५९	३३	३०	४२	शु	२९	२८	१८	४०	ब	८	४७	१०	२३	४६	५३	३५	२१	१९	१२	सिंहे	३०।४२	६।२५।०४।३४	६०।३६
ध्वाङ्क्ष	८	सो	१३	३३	१२	१९	मघा	...	...	...	...	ब्र	३०	४५	१९	१२	कौ	१३	३३	१२	१९	४३	५४	३५	२२	२०	१३	सिंहे		६।२६।०५।०९	६०।३७
काल	९	मं	१९	३८	१४	४५	मघा	६	३२	९	३१	ऐ	३२	५४	२०	०४	ग	१९	३८	१४	४५	४०	५४	३४	२३	२१	१४	सिंहे		६।२७।०५।४६	६०।३९
सुस्थिर	१०	बु	२६	२५	१७	२९	पूफा	१४	१९	१२	३९	वै	३५	२७	२१	०६	वि	२६	२५	१७	२९	३७	५५	३४	२४	२२	१५	कन्या	१९।२६	६।२८।०६।२५	६०।४१
ए.व्र.	११	गु	३३	१३	२०	१३	उफा	२२	१३	१५	४९	वि	३७	५६	२२	०६	बा	३३	१३	२०	१३	३४	५६	३३	२५	२३	१६	कन्या		६।२९।०७।०६	६०।४३
अमृत	१२	शु	३९	२८	२२	४४	हस्त	२९	४२	१८	४९	प्री	४०	०१	२२	५७	कौ	६	२४	९	३०	३९	५७	३३	२६	२४	१७	कन्या		७।००।०७।४९	६०।४४
प्र.व्र.	१३	श	४४	४८	२४	५३	चित्रा	३६	२९	२१	३०	आ	४१	२३	२३	३९	ग	१२	१५	११	५१	२८	५७	३३	२७	२५	१८	तुला.	८।१३	७।०१।०८।३३	६०।४६
लुम्बक	१४	र	४९	०१	२६	३५	स्वा	४१	५६	२३	४५	सौ	४१	५६	२३	४५	वि	१७	०३	१३	४७	२५	५८	३२	२८	२६	१९	तुला.		७।०२।०९।१९	६०।४८
अमाव.	३०	सो	५२	०९	२७	४७	विशा	४६	२३	२५	३२	शो	४१	३३	२३	३६	च	२०	३९	१५	१५	२३	५९	३२	२९	२७	२०	वृश्चि.	१९।०८	७।०३।१०।०६	६०।४९

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है ।

गुरोरस्तः पश्चिमायाम् २६।२९, विशा. B

भ. २३।४४ उ.

भ. १०।४७ या., सौभाग्य सुंदरी व्र., चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः १९।५९

[B रविः १७।४२ (सौरः ३०।००)

(व) स्वा. बुधः २२।५७

भ. ९।१३ उ. २१।४२ या., अनु.-१ गुरुः २८।४२

कालभैरवाष्टमी, वृश्चिके शुक्रः १७।१२

विशा. भौमः ९।१६, बुधोदयः पूर्वस्याम् २६।०९

भ. २८।०६ उ., नेहरुजयन्ती (बालदिवस)

भ. १७।२९ या., अनु. शुक्रः ८।५५

उत्पत्ति ११ व्र., वैतरणी व्र., आकाशदीप समाप्तिः, वृश्चिके रविः C

[C १६।२३ (सौरः २७।५१)

भ. २४।५३ उ., प्रदोषः, मार्गी बुधः १८।१२ [A अनु. सौरः १०।५३

भ. १३।४७ या., मासिकशिवरात्री व्र., अनु. रविः २३।४३

देवपितृकार्येऽमा., सोमवती अमा., गौरीतपोव्र., महाव्रतारंभः, A

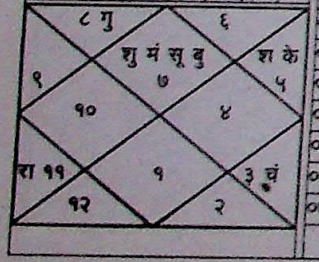
अयनांशाः २३।५६।१२

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

संक्रांति फलम् अयनांशाः २३।५६।१३

पं.३१ मा.कृ. ५ शु. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
६	६	६	७	६	४	१०	४
२३	१७	२०	०२	२६	००	२८	२८
३३	५२	५०	५४	५६	४१	२७	२७
४३	१०	४८	४०	५५	०६	०८	०८
६०	४१	७५	१३	७५	२	३	३
१८	११	४४	१५	१९	४८	११	११
वि	स्वा	वि	वि	वि	म	पूभा	उफा
२	४	१व	४	३	१	३	१



ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	नवं.	दिवा	सायं	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा
०६।१९।०८।५१	१ चं	६	४।३८	६।१४	८।११	९०।२५	९२।४५	३।०२	५।१८	७।३७	९।५६	१२।००	१।४४	३।१२
०६।२०।०९।१६	२ मं	७	४।३४	६।११	८।०७	९०।२१	९२।४१	२।५८	५।१४	७।३३	९।५२	११।५६	१।४०	३।०८
०६।२१।०९।४२	३ बु	८	४।३०	६।०७	८।०३	९०।१७	९२।३७	२।५४	५।१०	७।२९	९।४८	११।५३	१।३६	३।०४
०६।२२।९०।१०	४ गु	९	४।२७	६।०३	७।५९	९०।१३	९२।३३	२।५०	५।०६	७।२५	९।४४	११।४९	१।३२	३।०१
०६।२३।९०।४१	५ शु	९०	४।२३	५।५९	७।५५	९०।०९	९२।३०	२।४६	५।०२	७।२१	९।४०	११।४५	१।२८	२।५७
०६।२४।९१।१३	६ श	११	४।१९	५।५५	७।५१	९०।०६	९२।२६	२।४२	४।५८	७।१७	९।३६	११।४१	१।२४	२।५३
०६।२५।९१।४७	७ र	९२	४।१५	५।५१	७।४७	९०।०२	९२।२२	२।३९	४।५४	७।१३	९।३२	११।३७	१।२०	२।४९
०६।२६।९२।२३	८ चं	१३	४।११	५।४७	७।४३	९।५८	९२।१८	२।३५	४।५०	७।१०	९।२८	११।३३	१।१६	२।४५
०६।२७।९३।००	९ मं	१४	४।०७	५।४३	७।३९	९।५४	९२।१४	२।३१	४।४६	७।०६	९।२४	११।२९	१।१२	२।४१
०६।२८।९३।३९	१० बु	१५	४।०३	५।३९	७।३५	९।५०	९२।१०	२।२७	४।४३	७।०२	९।२०	११।२५	१।०८	२।३७
०६।२९।९४।२९	११ गु	१६	३।५९	५।३५	७।३१	९।४६	९२।०६	२।२३	४।३९	६।५८	९।१६	११।२१	१।०४	२।३३
०७।००।९५।०३	१२ शु	१७	३।५५	५।३१	७।२७	९।४२	९२।०२	२।१९	४।३५	६।५४	९।१२	११।१७	१।००	२।२९
०७।०१।९५।४८	१३ श	१८	३।५१	५।२७	७।२३	९।३८	९१।५८	२।१५	४।३१	६।५०	९।०८	११।१३	९२।५६	२।२५
०७।०२।९६।३४	१४ र	१९	३।४७	५।२३	७।१९	९।३४	९१।५४	२।११	४।२७	६।४६	९।०४	११।०९	९२।५३	२।२१
०७।०३।९७।२२	३० चं	२०	३।४३	५।१९	७।१५	९।३०	९१।५०	२।०७	४।२३	६।४२	९।०१	११।०५	९२।४९	२।१७

ता. १६ नवंबर २००६
मार्ग. कृ. ११ गुरौ वृश्चिकेऽर्कः प्र. (स्टै.) टा. १६।२३ वारात् ३ नक्षत्रात् ४ वारनाम नंदा गणकान् सुस्थदा नक्षत्रनाम ध्यांक्षी वैश्यान् सुस्थदा अपरान्ह ३ प्रहर व्यापिनी वैश्यान् हन्ति, दक्षिणे गमनं नैऋत्यां दृष्टिः बालवकरणे प्रविष्टा मध्यमफलं व्याघ्रवाहनं अश्वोपवाहनं भीतिकारक पीतवस्त्रं गदायुधं रौप्यपात्रं पायसभक्षणं कुंकुमलेप्यनं भूतजातिः जातिपुष्पं कंकणभूषणं पर्णकंचुकी कुमारिकावरथा (बैठी) मु. ३० धान्यभावे साम वत्स दक्षिणे राहु पूर्वे मूलं पाताले विवाहस्तंभो वायव्याम् शुक्रास्तः पूर्वस्याम् । पुण्यकालः (स्टै.) ९।५९ से १६।२३ तक । (दान- दीप) ।

पं.३२ मा.कृ.१२ शु. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
७	६	६	७	७	४	१०	४
००	२२	१५	०४	०५	००	२८	२८
३६	४१	०२	२७	४४	५८	०४	०४
४०	३१	५१	४३	२६	३०	५२	५२
६०	४१	५	१३	७५	२	३	३
३०	२९	२१	२०	२०	०४	११	११
वि	वि	स्वा	अनु	अनु	म	पूभा	उफा
४	१	३व	१	१	१	३	१



CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

२१ नवंबर से ४ दिसंबर तक, श्री मार्गशीर्ष शुक्लपक्ष संवत् २०६३, शाकः १९२८, दि.मा.सू. सू. तारीख स्टै. प्रातः दैनिक केतकी अहर्गणः ५३४३ हेमन्तर्तू रविर्दक्षिणे, नवंबर-दिसंबर २००६

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
वज्र	१	मं	५३	५१	२८	३२	अनु	४९	४१	२६	५२	अ	४०	१७	२३	०६	किं	२३	०५	१६	१४	२६/२०	७/००	५/३२	३०	२८	२१	वृश्चि.	७।०४।१०।५५	६०।५१
ध्याड्क्ष	२	बु	५४	३५	२८	५१	ज्ये	५१	५४	२७	४६	सु	३८	०८	२२	१६	बा	२४	२०	१६	४४	१७	०१	३१	१	२९	२२	धनु.	७।०५।११।४६	६०।५२
धूम्र	३	गु	५४	१६	२८	४४	मूल	५३	०७	२८	१६	धृ	३५	१०	२१	०५	तै	२४	३१	१६	५०	१५	०१	३१	२	१	२३	धनु.	७।०६।१२।३८	६०।५४
प्रवर्धमा	४	शु	५३	०२	२८	१५	पूषा	५३	२७	२८	२५	शू	३१	२८	१९	३७	व	२३	४५	१६	३२	१२	०२	३१	३	२	२४	धनु.	७।०७।१३।३२	६०।५५
राक्षस	५	श	५०	५६	२७	२५	उषा	५२	५६	२८	१३	गं	२७	०४	१७	५३	व	२२	०५	१५	५३	१०	०३	३१	४	३	२५	मक.	७।०८।१४।२७	६०।५७
गद	६	र	४८	०४	२६	१७	श्रव	५१	३९	२७	४३	वृ	२२	०२	१५	५२	कौ	१९	३६	१४	५४	०७	०४	३१	५	४	२६	मक.	७।०९।१५।२४	६०।५८
शुभ	७	सो	४४	२५	२४	५०	धनि	४९	३६	२६	५५	ध्रु	१६	२२	१३	३७	ग	१६	१९	१३	३६	०५	०४	३०	६	५	२७	कुंभे	७।१०।१६।२२	६०।५९
मृत्यु	८	मं	४०	०१	२३	०६	शत	४६	४९	२५	४९	व्या	१०	०६	११	०८	वि	१२	१७	१२	००/५५	०३	०५	३०	७	६	२८	कुंभे	७।११।१७।२१	६१।०१
पद्म	९	बु	३४	५३	२१	०३	पूभा	४३	२०	२४	२६	ह	३/५५	५५/५२	८/२९	२४/२७	बा	७	३२	१०	०७	०१	०६	३०	८	७	२९	मीने	७।१२।१८।२२	६१।०२
छत्र	१०	गु	२९	०६	१८	४५	उभा	३९	१२	२२	४७	सि	४७	५७	२६	१८	तै	२	०४	७	५६	२५/५५	०७	३०	९	८	३०	मीने	७।१३।१९।२४	६१।०३
ए.व्र.	११	शु	२२	४६	१६	१४	रेव	३४	३३	२०	५७	व्य	३९	३७	२२	५९	वि	२२	४६	१६	१४	५७	०८	३०	१०	९	१	मेषे	२०।५७	७।१४।२०।२८	६१।०५
प्र.व्र.	१२	श	१६	०५	१३	३४	अश्वि	२९	३७	१८	५९	व	३१	०५	१९	३४	बा	१६	०५	१३	३४	५५	०८	३०	११	१०	२	मेषे		७।१५।२१।३२	६१।०६
काल	१३	र	९	१९	१०	५३	भर	२४	४०	१७	०१	प	२२	३२	१६	१०	तै	९	१९	१०	५३	५३	०९	३०	१२	११	३	वृषे	२२।३२	७।१६।२२।३८	६१।०७
पूर्णिमा	१४	सो	२	४८	८	१७	कृति	२०	०४	१५	११	शि	१४	१५	१२	५२	व	२	४८	८	१७	५१	१०	३०	१३	१२	४	वृषे		७।१७।२३।४५	६१।०८
क्षयः	१५	सो	५६	५६	२९	५६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।

[A सौरः १३।५९, वृश्चिके बुधः ३१।०५,. पिशाच मोचन श्राद्धं.

चंद्रदर्शनम् (मु.१५), भा. मार्गशीर्षारंभः, सायन धनुषि भानुः १६।३५

रंभास्थेयं, जिल्काद ११ [F २७।५९, अनु. भौमः १३।३३

म. १६।३२ उ. २८।१५ या.

नागपंचमी, ज्येष्ठा. शुक्रः २३।४६

स्कंदषष्ठी, विशा. बुधः ९।४६, अनु.-२ गुरुः २८।४९

म. २४।५० उ., पंचक प्रारम्भः १५।२१, वृश्चिके भौमः १९।२०

म. १२।०० या. [C जयंती, दिसंबर १२ ता. ३१

शुक्रोदयः पश्चिमायाम्

कल्पादि

भ. २९।३१ उ., शुक्रोदयः पश्चिमायाम् १७।०६

भ. १६।१४ या., पंचक समाप्तिः २०।५७, मोक्षदा ११ व्र., गीता C

प्रदोषः, अनंग त्रयोदशी व्र., ज्येष्ठा. रविः F

गुरोरुदयः पूर्वस्याम्

गुरोरुदयः पूर्वस्याम् १५।४२, ज्येष्ठा. A

भ. ८।१७ उ. १९।०४ या., श्री दत्त जयंती, B

[B पूर्णिमा व्रतंपुण्यञ्च, द्वात्रिंशी (बत्तीसी) पूर्णिमा

अयनांशाः २३।५६।१४

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

अयनांशाः २३।५६।१५

पं.३३ मा.शु. ४ शु. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
७	६	६	७	७	४	१०	४
०७	२७	१७	०६	१४	०१	२७	२७
४०	३३	५५'	०१	३२	१०	४२	४२
५५	००	२३	११	०७	४२	३६	३६
६०	४१	५५	१३	७५	१	३	३
४०	४८	५९	२१	२१	१८	११	११
अनु.	वि	ख्या	अनु.	अनु.	म	पूभा	उफा
२	३	४	१	४	१	३	१



ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	नवं.	दिवा	सायं	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा
०७।०४।१८।११	१ मं	२१	३।३९	५।१५	७।११	९।२६	११।४६	२।०३	४।१९	६।३८	८।५७	११।०१	१२।४५	२।१३
०७।०५।१९।०२	२ बु	२२	३।३५	५।११	७।०७	९।२२	११।४२	१।५९	४।१५	६।३४	८।५३	१०।५७	१२।४१	२।०९
०७।०६।१९।५५	३ गु	२३	३।३१	५।०७	७।०३	९।१८	११।३८	१।५५	४।११	६।३०	८।४९	१०।५३	१२।३७	२।०५
०७।०७।२०।४८	४ शु	२४	३।२७	५।०३	७।००	९।१४	११।३४	१।५१	४।०७	६।२६	८।४५	१०।४९	१२।३३	२।०१
०७।०८।२१।४४	५ श	२५	३।२३	५।००	६।५६	९।१०	११।३०	१।४७	४।०३	६।२२	८।४१	१०।४५	१२।२९	१।५७
०७।०९।२२।४१	६ र	२६	३।१९	४।५६	६।५२	९।०६	११।२६	१।४३	३।५९	६।१८	८।३७	१०।४२	१२।२५	१।५३
०७।१०।२३।३९	७ चं	२७	३।१६	४।५२	६।४८	९।०२	११।२२	१।३९	३।५५	६।१४	८।३३	१०।३८	१२।२१	१।५०
०७।११।२४।३९	८ मं	२८	३।१२	४।४८	६।४४	८।५८	११।१९	१।३५	३।५१	६।१०	८।२९	१०।३४	१२।१७	१।४६
०७।१२।२५।४०	९ बु	२९	३।०८	४।४४	६।४०	८।५५	११।१५	१।३१	३।४७	६।०६	८।२५	१०।३०	१२।१३	१।४२
०७।१३।२६।४२	१० गु	३०	३।०४	४।४०	६।३६	८।५१	११।११	१।२८	३।४३	६।०२	८।२१	१०।२६	१२।०९	१।३८
०७।१४।२७।४५	११ शु	१	३।००	४।३६	६।३२	८।४७	११।०७	१।२४	३।३९	५।५९	८।१७	१०।२२	१२।०५	१।३४
०७।१५।२८।५०	१२ श	२	२।५६	४।३२	६।२८	८।४३	११।०३	१।२०	३।३५	५।५५	८।१३	१०।१८	१२।०१	१।३०
०७।१६।२९।५६	१३ र	३	२।५२	४।२८	६।२४	८।३९	१०।५९	१।१६	३।३२	५।५१	८।०९	१०।१४	११।५७	१।२६
०७।१७।३१।०३	१४ चं	४	२।४८	४।२४	६।२०	८।३५	१०।५५	१।१२	३।२८	५।४७	८।०५	१०।१०	११।५३	१।२२

मास फलम्

इस माह में पांच सोमवार होने से धान्य सस्ता हो। कृष्णा चतुर्दशी में स्वाति होने से वर्षा का अभाव हो। सोमवारी अमावस होने से सुभिक्ष क्षेम और विशात्सा योग दुर्भिक्ष कारक है। पूर्णिमा को मृगशिरा का अभाव होने से महर्घता हो। वृश्चिक राशि में गुरु के अस्त होने से आँस्वे दूस्वने का विकार अधिक फैले। सभी पीत वर्ण वाली वस्तुओं के भाव तेज हों, धान्यादि भाव मंदे हों, अन्नोत्पत्ति उत्तम हो, प्रजा सात्विक कर्म करें। स्वाति में बुध होने से मन्द वर्षा हो। गौओं को पीड़ा हो, स्नेह (तेल, घृत आदि), रस (मधुर आदि) के मुल्य में वृद्धि हो, भूमि अनेक प्रकार के अन्नों से परिपूर्ण हो।

पं.३४ मा.शु.११ शु. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
७	७	६	७	७	४	१०	४
१४	०२	२५	०७	२३	०१	२७	२७
४६	२६	५४	३४	१९	१७	२०	२०
१८	३८	२७	३६	५२	३०	२०	२०
६०	४२	८०	१३	७५	०	३	३
४९	०६	११	१८	२२	३१	११	११
अनु.	वि	वि	अनु.	ज्ये	म	पूभा	उफा
४	४	२	२	२	१	३	१



CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust. Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

॥ श्रीवल्लभ मनोराम पञ्चाङ्गम् ॥

५ दिसंबर से २० दिसंबर तक, श्री पोष कृष्णपक्ष संवत् २०६३, शाकः १९२८, दि.मासू. सू. तारीस्त स्टै. प्रातः दैनिक हेमन्तर्तू रविर्दक्षिणे मार्गशीर्षकृष्णेति गुर्जराः, दिसंबर २००६

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
मातङ्ग	१	मं	५२	०३	२८	००	रोहि	१६	१२	९३	३९	सि	६	३३	९	४८	बा	२४	१९	१६	५४	२५	७	५	९४	९३	५	मिथु. २५।०३	७।१८।२४।५३	६९।०९
अमृत	२	बु	४८	३४	२६	३७	मृग	१३	२८	१२	३५	शु	५४	०२	२८	४८	तै	२०	०५	१५	९३	४८	११	३०	१५	९४	६	मिथु.	७।१९।२६।०२	६९।१०
काण	३	गु	४६	४६	२५	५४	आर्द्रा	१२	१४	१२	०६	शु	४९	४२	२७	०५	व	१७	२५	९४	९०	४६	१२	३१	१६	१५	७	कर्के ३०।१२	७।२०।२७।१२	६९।११
च.व्र.	४	शु	४६	५५	२५	५९	पुन	१२	४६	१२	१९	ब्र	४६	५२	२५	५८	ब	१६	३५	९३	५१	४५	१३	३१	१७	१६	८	कर्के	७।२१।२८।२३	६९।१२
मित्र	५	श	४९	०५	२६	५१	पुष्य	१५	१३	१३	१९	ऐ	४५	३५	२५	२८	कौ	१७	४५	१४	१९	४४	१३	३१	१८	१७	९	कर्के	७।२२।२९।३६	६९।१३
वज्र	६	र	५३	०८	२८	२९	श्ले	१९	३५	१५	०४	वै	४५	४४	२५	३२	ग	२०	५२	१५	३५	४३	१४	३१	१९	१८	१०	सिंहे १५।०४	७।२३।३०।४९	६९।१४
व्याङ्क्ष	७	सो	५८	४४	३०	४४	मघा	२५	३६	१७	२९	वि	४७	०३	२६	०४	वि	२५	४५	१७	३३	४२	१५	३१	२०	१९	११	सिंहे	७।२४।३२।०३	६९।१५
धूम्र	८	मं	...	...	..	..	पूफा	३२	५१	२०	२४	प्री	४९	१२	२६	५६	बा	३१	५५	२०	०२	४१	१५	३२	२१	२०	१२	कन्या २७।१०	७।२५।३३।१८	६९।१६
प्रवर्धमा	८	बु	५	१६	९	२३	उफा	४०	४१	२३	३२	आ	५१	४२	२७	५७	कौ	५	१६	९	२३	४०	१६	३२	२२	२१	१३	कन्या	७।२६।३४।३३	६९।१६
राक्षस	९	गु	१२	०७	१२	०८	हस्त	४८	२४	२६	३८	सौ	५४	००	२८	५३	ग	१२	०७	१२	०८	३९	१७	३२	२३	२२	१४	कन्या	७।२७।३५।५०	६९।१७
मुसल	१०	शु	१८	३३	१४	४३	चित्रा	५५	२३	२९	२७	शो	५५	४१	२९	३४	वि	१८	३३	१४	४३	३८	१७	३३	२४	२३	१५	तुला. १६।०६	७।२८।३७।०७	६९।१८
ए.व्र.	११	श	२३	५४	१६	५२	स्वा	...	...	..	..	अ	५६	२४	२९	५२	बा	२३	५४	१६	५२	३७	१८	३३	२५	२४	१६	तुला.	७।२९।३८।२५	६९।१९
लुम्बक	१२	र	२७	५२	१८	२७	स्वा	१	०८	७	४६	सु	५५	५९	२९	४२	तै	२७	५२	१८	२७	३७	१९	३३	२६	२५	१७	वृश्चि. २७।०७	८।००।३९।४३	६९।१९
प्र.व्र.	१३	सो	३०	१६	१९	२६	विशा	५	२६	९	३०	धृ	५४	२२	२९	०४	व	३०	१६	१९	२६	३६	१९	३४	२७	२६	१८	वृश्चि.	८।०१।४१।०३	६९।२०
वज्र	१४	मं	३१	०४	१९	४५	अनु	८	१३	१०	३७	शू	५१	३५	२७	५८	वि	०	५१	७	४०	३६	२०	३४	२८	२७	१९	वृश्चि.	८।०२।४२।२३	६९।२०
अमाव.	३०	बु	३०	२९	१९	३२	ज्ये	९	३५	११	१०	गं	४७	४५	२६	२६	च	०	५५	७	४२	३६	२०	३५	२९	२८	२०	धनु. ११।१०	८।०३।४३।४३	६९।२१

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।
रोहि. रे. ८ ।।।।ऽ।।ऽ।। दिवा ल. १०
अनु. बुधः १५।०८, धनुषि मूले शुक्रः १४।३३, वक्री शनिः २१।५७
भ. १४।१० उ. २५।५४ या.
चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः २०।४८
[C पूभा.-२ राहुः २३।२९, पूफा.-४ केतुः २३।२९
भ. २८।२९ उ.
भ. १७।३३ या., अनु.-३ गुरुः ३०।५४
भौमोदयः पूर्वस्याम् १२।५७
हस्ते रे. ९ ।।।।।।।ऽ।। रात्रौ ल. ५ (सोग्रांगः, रा. ७ दोषः) , C
भ. २५।२८ उ. [B बुधः १३।११
भ. १४।४३ या., धनुषि मूले रविः ३०।५७, ज्येष्ठा. B
सफला ११ व्र., सुरुप द्वादशी १२, धनुषि मूले सौरः १५।४५, A
[A बुधास्तः पूर्वस्याम् २५।३६, पूषा. शुक्रः २९।२१
भ. १९।२६ उ., प्रदोषः, मासिकशिवरात्री व्र.
भ. ७।४० या.
देवपितृकार्येऽमा., कुहूः

अयनांशाः २३।५६।१६

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	दिसं	दिवा	दिवा	सायं	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा
०७।१८।३२।१२	१ मं	५	२।४४	४।२०	६।१६	८।३१	१०।५१	११०८	३।२४	५।४३	८।०१	१०।०६	१९।४९	१।१८
०७।१९।३३।२१	२ बु	६	२।४०	४।१६	६।१२	८।२७	१०।४७	१।०४	३।२०	५।३९	७।५७	१०।०२	१९।४५	१।१४
०७।२०।३४।३१	३ गु	७	२।३६	४।१२	६।०८	८।२३	१०।४३	९।००.	३।१६	५।३५	७।५३	९।५८	१९।४२	१।१०
०७।२१।३५।४३	४ शु	८	२।३२	४।०८	६।०४	८।१९	१०।३९	१२।५६	३।१२	५।३१	७।५०	९।५४	१९।३८	१०।०६
०७।२२।३६।५५	५ श	९	२।२८	४।०४	६।००	८।१५	१०।३५	१२।५२	३।०८	५।२७	७।४६	९।५०	१९।३४	१०।०२
०७।२३।३८।०८	६ र	१०	२।२४	४।००	५।५६	८।११	१०।३१	१२।४८	३।०४	५।२३	७।४२	९।४६	१९।३०	१२।५८
०७।२४।३९।२३	७ चं	११	२।२०	३।५६	५।५२	८।०७	१०।२७	१२।४४	३।००	५।१९	७।३८	९।४२	१९।२६	१२।५४
०७।२५।४०।३८	८ मं	१२	२।१६	३।५२	५।४९	८।०३	१०।२३	१२।४०	२।५६	५।१५	७।३४	९।३८	१९।२२	१२।५०
०७।२६।४१।५४	८ बु	१३	२।१२	३।४९	५।४५	७।५९	१०।१९	१२।३६	२।५२	५।११	७।३०	९।३४	१९।१८	१२।४६
०७।२८।४४।२८	९ गु	१४	२।०८	३।४५	५।४१	७।५५	१०।१५	१२।३२	२।४८	५।०७	७।२६	९।३१	१९।१४	१२।४२
०७।२९।४५।४६	१० शु	१५	२।०५	३।४१	५।३७	७।५१	१०।११	१२।२८	२।४४	५।०३	७।२२	९।२७	१९।१०	१२।३९
०८।००।४७।०५	११ श	१६	२।०१	३।३७	५।३३	७।४७	१०।०८	१२।२४	२।४०	४।५९	७।१८	९।२३	१९।०६	१२।३५
०८।०१।४८।२४	१२ र	१७	१।५७	३।३३	५।२९	७।४४	१०।०४	१२।२०	२।३६	४।५५	७।१४	९।१९	१९।०२	१२।३१
०८।०२।४९।४४	१३ चं	१८	१।५३	३।२९	५।२५	७।४०	१०।००	१२।१७	२।३२	४।५१	७।१०	९।१५	१९।०८	१२।२७
०८।०३।५१।०४	१४ मं	१९	१।४९	३।२५	५।२१	७।३६	९।५६	१२।१३	२।२८	४।४८	७।०६	९।११	१९।५४	१२।२३
	३० बु	२०	१।४५	३।२१	५।१७	७।३२	९।५२	१२।०९	२।२४	४।४४	७।०२	९।०७	१९।५०	१२।१९

पं.३५ पौ.कृ. ४ शु. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
७	७	७	७	८	४	१०	४
२१	०७	०५	०९	०२	०१	२६	२६
५२	२२	४६	०७	०७	१८	५८	५८
४०	२३	१०	३१	३९	४७	०३	०३
६०	४२	८८	१३	७५	०	३	३
५७	२४	३६	१२	२२	१६	११	११
ज्ये	अनु	अनु	अनु	मू	म	पूभा	उफा
२	२	१	२	१	१व	३	१



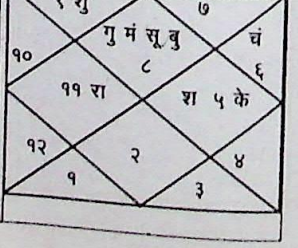
संक्रांति फलम्

ता. १५ दिसंबर २००६
पौष कृ. १० भृगौ धनुष्यर्कः प्र. (स्टै.)
टा. ३०।५७ वारात् २ नक्षत्रात् ३
वारनाम मिश्रा पशून् सुस्थदा नक्षत्रनाम
महोदरी चोरान् सुस्थदा प्रभात रात्रि
४ प्रहर व्यापिनी गोरक्षकान् हन्ति,
पश्चिमे गमनं वायव्यां दृष्टिः बालव्रकरणे
प्रविष्टा मध्यमफलं व्याघ्रवाहनं
अश्वोपवाहनं भीतिकारक पीतवस्त्रं
गदायुधं रौप्यपात्रं पायसभक्षणं
कुंकुमलेपनं भूतजातिः जातिपुष्पं
कंकणभूषणं पर्णकंचुकी कुमारिकावस्था
(बैठी) मु. १५ धान्यभावे महर्घता वत्स
दक्षिणे राहु पूर्वे मूलं भूमौ विवाहस्तंभो
वायव्याम् शुक्रोदयः पश्चिमायाम् ।
पुण्यकालः (स्टै.) ३०।५७ से शनिवार
९३।२१ तक । (दान- वस्त्र) ।

अयनांशाः २३।५६।१८

पं.३६ पौ.कृ.१० शु. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
७	७	७	७	८	४	१०	४
२८	१२	१६	१०	१०	०१	२६	२६
५९	२०	१७	३९	५५	१४	३५	३५
४८	१६	२९	२६	२३	३४	४७	४७
६१	४२	९१	१३	७५	१	३	३
०३	४३	३८	०१	२१	०३	११	११
ज्ये	अनु	अनु	अनु	मू	म	पूभा	पूफा
४	३	४	३	४	१व	२	४



CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

२१ दिसंबर से ३ जनवरी तक, श्री पोष शुक्लपक्ष संवत् २०६३, शाकः १९२८, दि.मा.सू. सू. तारीख स्टै. प्रातः दैनिक केतकी अहर्गणः ५३७३ हेमन्तर्तू रविर्दक्षिणे, दिसंबर-जनवरी २००६-२००७

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
धूम्र	१	गु	२८	३९	१८	४८	मूल	९	४१	११	१३	वृ	४३	०१	२४	३३	ब	२८	३९	१८	४८	२५/३६	७/२९	५/३५	३०	२९	२१	धनु.	८।०४।४५।०४	६१।२१
प्रवर्धमा	२	शु	२५	५३	१७	४३	पूषा	८	४६	१०	५२	ध्रु	३७	३५	२२	२३	कौ	२५	५३	१७	४३	३६	२१	३६	१	३०	२२	मक. १६।४३	८।०५।४६।२५	६१।२२
चर	३	श	२२	२४	१६	१९	उषा	७	०५	१०	१२	व्या	३१	३८	२०	०१	ग	२२	२४	१६	१९	३६	२२	३६	२	१	२३	मक.	८।०६।४७।४७	६१।२२
गद	४	र	१८	२४	१४	४४	श्रव	४	५०	९	१८	ह	२५	१७	१७	२९	वि	१८	२४	१४	४४	३६	२२	३७	३	२	२४	कुंभे २०।४८	८।०७।४९।०९	६१।२२
शुभ	५	सो	१४	०४	१३	००	धनि	३/५९	१४/२४	८/३१	१६/०८	व	१८	४१	१४	५१	बा	१४	०४	१३	००	३६	२३	३७	४	३	२५	कुंभे	८।०८।५०।३१	६१।२३
काण	६	मं	९	२९	११	११	पूभा	५६	२२	२९	५६	सि	११	५५	१२	०९	तै	९	२९	११	११	३७	२३	३८	५	४	२६	मीने २४।१४	८।०९।५१।५४	६१।२३
लुम्बक	७	बु	४	४४	९	१७	उभा	५३	११	२८	४०	व्य	५/५७	००/५९	९/३०	२४/३५	व	४	४४	९	१७	३७	२४	३८	६	५	२७	मीने	८।१०।५३।१७	६१।२३
क्षयः	८	बु	५९	५१	३१	२०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
मित्र	९	गु	५४	५१	२९	२०	रेव	४९	५२	२७	२१	प	५०	५१	२७	४४	बा	२७	२२	१८	२१	३८	२४	३९	७	६	२८	मेषे २७।२१	८।११।५४।४१	६१।२३
वज्र	१०	शु	४९	४८	२७	२०	अश्वि	४६	३१	२६	०१	शि	४३	४०	२४	५२	तै	२२	१९	१६	२०	३८	२४	४०	८	७	२९	मेषे	८।१२।५६।०४	६१।२४
ए.व्र.	११	श	४४	५०	२५	२१	भर	४३	१४	२४	४२	सि	३६	३४	२२	०२	व	१७	१७	१४	१९	३९	२५	४०	९	८	३०	वृषे ३०।२३	८।१३।५७।२८	६१।२४
धूम्र	१२	र	४०	०७	२३	२८	कृति	४०	१२	२३	३०	सा	२९	३७	१९	१६	ब	१२	२४	१२	२३	४०	२५	४१	९०	९	३१	वृषे	८।१४।५८।५१	६१।२४
प्र.व्र.	१३	सो	३५	५४	२१	४७	रोहि	३७	३९	२२	२९	शु	२३	०२	१६	३८	कौ	७	५४	१०	३५	४१	२५	४२	११	१०	१	वृषे	८।१६।००।१५	६१।२४
राक्षस	१४	मं	३२	२६	२०	२४	मृग	३५	५२	२१	४६	शु	१७	०२	१४	१४	ग	४	०३	९	०३	४२	२५	४२	१२	११	२	मिथु. १०।०५	८।१७।०१।३९	६१।२४
पूर्णिमा	१५	बु	३०	०३	१९	२७	आर्द्रा	३५	०८	२१	२९	ब्र	११	४७	१२	०८	वि	१	०६	७	५२	४३	२६	४३	१३	१२	३	मिथु.	८।१८।०३।०२	६१।२४

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है ।
सायन मकरे भानुः, सायन उत्तरायण प्रारम्भ २९।५९, B
चंद्रदर्शनम् (मु.४५), भा. पोषारंभः, अयन करिदिन
भ. २७।३३ उ., जिल्हेज १२, धनुषि मूले बुधः २८।५६
भ. १४।४४ या., पंचकं प्रारम्भः २०।४८
बडादिन
[B ज्येष्ठा. भौमः ८।५२
भ. ९।१७ उ. २०।१९ या., शांकभरी यात्रा, अनु.-४ गुरुः D
[D २०।२०, उषा. शुक्रः २०।१५
पंचक समाप्तिः २७।२१
पूषा. रविः ९।०९ (सौरः १६।४६)
भ. १४।१९ उ. २५।२१ या., पुत्रदा ११ व्र., मन्वादि, A
[A मकरे शुक्रः १२।०१
प्रदोषः, जनवरी १ ता. ३१ सन २००७ ई., पूषा. बुधः १६।५५
भ. २०।२४ उ.
भ. ७।५२ या., पूर्णिमा व्रतंपुण्यञ्च, शाकंभरी जयंती, माघ स्नानारंभः

अयनांशाः २३।५६।१९

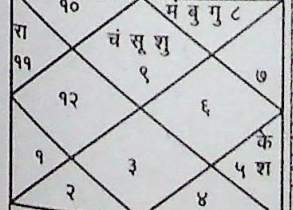
॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

मास फलम्

इस माह में पांच मंगलवार होने से किसी बडे व्यक्ति का अभाव हो । पांच बुधवार होने से रसवाली वस्तुओं का अभाव हो । कृष्णा प्रतिपदा में रोहिणी होने से धान्य के भावों में तेजी हो, राजनीति प्रभावित हो । कृ. सप्तमी सोमवार होने से भैंसो में रोग पीड़ा बहुत हो । बुधवारी अमावस ज्येष्ठा योग होने से दुर्भिक्षकारी हो कम धान्य हो । शुक्रा ४ रविवार होने से बीमारी बढे । पूर्णिमा आर्द्रा युक्त और पुष्य का अभाव होने से महर्घता हो । प्रजासुस्थी हो, स्वर्ण चांदी के भाव तेज हों, गाय भैस हाथी घोडा मोटर गाड़ी आदि (चतुष्पद) पशु एवं वाहन के भाव तेज हो, रस कस लवण घृत के भाव सम रहे ।

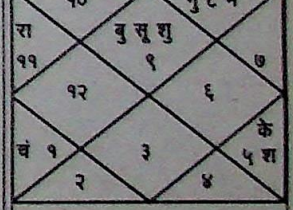
अयनांशाः २३।५६।२०

पं.३७ पौ.शु. २ शु. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
८	७	७	७	८	४	१०	४
०६	१७	२७	१२	१९	०१	२६	२६
०७	२०	०३	०९	४२	०४	१३	१३
३०	१६	२२	५५	५८	५५	३१	३१
६१	४३	९२	१२	७५	१	३	३
०७	०१	५५	४६	१९	४८	११	११
मू	ज्ये	ज्ये	अनु	पूषा	म	पूभा	पूफा
२	१	४	३	२	१व	२	४



ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	दिसं	दिवा	दिवा	सायं	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा
०८।०४।५२।२५	१ गु	२१	१।४१	३।१७	५।१३	७।२८	९।४८	९२।०५	२।२१	४।४०	६।५८	९।०३	९०।४६	९२।१५
०८।०५।५३।४७	२ शु	२२	१।३७	३।१३	५।०९	७।२४	९।४४	९२।०१	२।१७	४।३६	६।५४	८।५९	९०।४२	९२।११
०८।०६।५५।०९	३ श	२३	१।३३	३।०९	५।०५	७।२०	९।४०	९१।५७	२।१३	४।३२	६।५०	८।५५	९०।३८	९२।०७
०८।०७।५६।३१	४ र	२४	१।२९	३।०५	५।०१	७।१६	९।३६	९१।५३	२।०९	४।२८	६।४६	८।५१	९०।३४	९२।०३
०८।०८।५७।५४	५ चं	२५	१।२५	३।०१	४।५७	७।१२	९।३२	९१।४९	२।०५	४।२४	६।४२	८।४७	९०।३१	९१।५९
०८।०९।५९।१७	६ मं	२६	१।२१	२।५७	४।५३	७।०८	९।२८	९१।४५	२।०१	४।२०	६।३९	८।४३	९०।२७	९१।५५
०८।११।००।४०	७ बु	२७	१।१७	२।५३	४।४९	७।०४	९।२४	९१।४१	१।५७	४।१६	६।३५	८।३९	९०।२३	९१।५१
०८।१२।०२।०३	८ गु	२८	१।१३	२।४९	४।४५	७।००	९।२०	९१।३७	१।५३	४।१२	६।३१	८।३५	९०।१९	९१।४७
०८।१३।०३।२७	९ शु	२९	१।०९	२।४५	४।४२	६।५६	९।१६	९१।३३	१।४९	४।०८	६।२७	८।३१	९०।१५	९१।४३
०८।१४।०४।५०	१० श	३०	१।०५	२।४१	४।३८	६।५२	९।१२	९१।२९	१।४५	४।०४	६।२३	८।२७	९०।११	९१।३९
०८।१५।०६।१४	११ र	३१	१।०१	२।३८	४।३४	६।४८	९।०८	९१।२५	१।४१	४।००	६।१९	८।२३	९०।०७	९१।३५
०८।१६।०७।३८	१२ चं	१	९२।५७	२।३४	४।३०	६।४४	९।०४	९१।२१	१।३७	३।५६	६।१५	८।२०	९०।०३	९१।३२
०८।१७।०९।०२	१३ मं	२	९२।५४	२।३०	४।२६	६।४०	९।०१	९१।१७	१।३३	३।५२	६।११	८।१६	९।५९	९१।२८
०८।१८।१०।२६	१४ बु	३	९२।५०	२।२६	४।२२	६।३६	८।५७	९१।१३	१।२९	३।४८	६।०७	८।१२	९।५५	९१।२४

पं.३८ पौ.शु.१० शु. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
८	७	८	७	८	४	१०	४
१३	२२	०७	१३	२८	००	२५	२५
१५	२२	५८	३८	३०	५०	५१	५१
३४	२१	०३	२५	१६	०६	१६	१६
६१	४३	९४	१२	७५	२	३	३
०९	१९	२५	२७	१७	३१	११	११
मू	ज्ये	मू	अनु	उषा	म	पूभा	पूफा
४	२	३	४	१	१व	२	४



CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

॥ श्रीवत्सब्रह्म मनीराम पञ्चाङ्गम् ॥

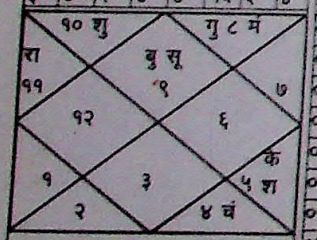
४ जनवरी से १९ जनवरी तक, श्री माघ कृष्णपक्ष संवत् २०६३, शाकः १९२८, दि.मा.सू. सू. तारीख्स स्टै. प्रातः दैनिक शिशिरर्तू रविरुत्तरे पोषकृष्णेति गुर्जराः, जनवरी २००७

योगाः	ति.	बा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
सिद्धि	१	गु	२८	५९	१९	०२	पुन	३५	४२	२१	४३	ऐ	७	३०	१०	२६	कौ	२८	५९	१९	०२	२५/४५	७/२६	५/४४	१४	१३	४	कर्के १५।३६	८।१९।०४।२६	६१।२४
उत्पात	२	शु	२९	२६	१९	१२	पुष्य	३७	४६	२२	३२	वै	४	२९	९	११	ग	२९	२६	१९	१२	४६	२६	४४	१५	१४	५	कर्के	८।२०।०५।५०	६१।२३
च.ग्र.	३	श	३१	३१	२०	०३	श्ले	४१	२४	२४	००	वि	२	२६	८	२५	व	०	१६	७	३३	४७	२६	४५	१६	१५	६	सिंहे २४।००	८।२१।०७।१३	६१।२३
मुद्गर	४	र	३५	१५	२१	३३	मघा	४६	३६	२६	०५	प्री	१	४७	८	०९	ब	३	१०	८	४३	४९	२६	४६	१७	१६	७	सिंहे	८।२२।०८।३६	६१।२३
ध्वजा	५	सो	४०	२७	२३	३७	पूफा	५३	०८	२८	४२	आ	२	२०	८	२२	कौ	७	४१	१०	३१	५१	२७	४७	१८	१७	८	सिंहे	८।२३।०९।५९	६१।२३
घाता	६	मं	४६	४४	२६	०८	उफा	...	...	...	...	सौ	३	५१	८	५९	ग	१३	२९	१२	५०	५२	२७	४८	१९	१८	९	कन्या ११।२५	८।२४।११।२२	६१।२२
प्रवर्धमा	७	बु	५३	३३	२८	५२	उफा	०	३७	७	४२	शो	६	०५	९	५३	वि	२०	०८	१५	३०	५४	२७	४८	२०	१९	१०	कन्या	८।२५।१२।४४	६१।२२
राक्षस	८	गु	...	...	...	...	हस्त	८	२८	१०	५०	अ	८	३१	१०	५१	बा	२६	५६	१८	१३	५६	२७	४९	२१	२०	११	तुला. २४।२२	८।२६।१४।०६	६१।२२
मुसल	८	शु	०	१०	७	३१	चित्रा	१५	५९	१३	५०	सु	१०	४३	११	४४	कौ	०	१०	७	३१	५८	२७	५०	२२	२१	१२	तुला.	८।२७।१५।२८	६१।२१
सिद्धि	९	श	५	५६	९	४९	स्वा	२२	३१	१६	२७	धृ	१२	१०	१२	१९	ग	५	५६	९	४९	२६/००/	२७	५१	२३	२२	१३	तुला.	८।२८।१६।४९	६१।२१
उत्पात	१०	र	१०	१३	११	३२	विशा	२७	३३	१८	२८	शू	१२	३१	१२	२७	वि	१०	१३	११	३२	०२	२७	५१	२४	२३	१४	वृश्चि. १२।०२	८।२९।१८।१०	६१।२०
ए.ग्र.	११	सो	१२	४२	१२	३९	अनु	३०	५१	१९	४७	गं	११	३१	१२	०३	बा	१२	४२	१२	३१	०४	२७	५२	२५	२४	१५	वृश्चि.	९।००।१९।३०	६१।२०
प्र.ग्र.	१२	मं	१३	१८	१२	४६	ज्ये	३२	१९	२०	२२	वृ	९	०३	११	०४	तै	१३	१८	१२	४६	०७	२६	५३	२६	२५	१६	धनु. २०।२२	९।०१।२०।५०	६१।१९
ध्वजा	१३	बु	१२	०४	१२	१६	मूल	३२	०५	२०	१६	घ्रु	५	१२	९	३१	व	१२	०४	१२	१६	०९	२६	५४	२७	२६	१७	धनु.	९।०२।२२।०९	६१।१९
घाता	१४	गु	९	१६	११	०९	पूषा	३०	२३	१९	३५	व्या	०/५३	०३/५०	७/२८	२७/५८	श	९	१६	११	०९	११	२६	५५	२८	२७	१८	मक. २५।२१	९।०३।२३।२८	६१।१८
अमाव.	३०	शु	५	०८	९	२९	उषा	२७	३२	१८	२७	व	४६	४८	२६	०९	ना	५	०८	९	२९	१४	२६	५६	२९	२८	१९	मक.	९।०४।२४।४६	६१।१७

दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

अयनांशाः २३।५६।२१

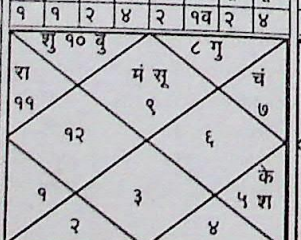
पं.३९ मा.कृ. २ शु. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
८	७	८	७	९	४	१०	४
२०	२७	१९	१५	०७	००	२५	२५
२३	२६	०६	०४	१७	३०	२९	२९
४५	२८	०२	२०	०७	५१	००	००
६१	४३	९६	१२	७५	३	३	३
१०	३६	५५	०४	१३	१०	११	११
पूषा	ज्ये	पूषा	अनु	उषा	म	पूभा	पूफा
३	४	२	४	४	१व	२	४



ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	जन.	दिवा	दिवा	दिवा	सायँ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः	दिवा	दिवा
८।१९।१९।४९	१ गु	४	१२।४६	२।२२	४।१८	६।३३	८।५३	११।०९	१।२५	३।४४	६।०३	८।०८	९।५१	११।२०
८।२०।१३।१३	२ शु	५	१२।४२	२।१८	४।१४	६।२९	८।४९	११।०६	१।२१	३।४०	५।५९	८।०४	९।४७	११।१६
८।२१।१४।३६	३ श	६	१२।३८	२।१४	४।१०	६।२५	८।४५	११।०२	१।१७	३।३७	५।५५	८।००	९।४३	११।१२
८।२२।१६।००	४ र	७	१२।३४	२।१०	४।०६	६।२१	८।४१	१०।५८	१।१३	३।३३	५।५१	७।५६	९।३९	११।०८
८।२३।१७।२३	५ चं	८	१२।३०	२।०६	४।०२	६।१७	८।३७	१०।५४	१।१०	३।२९	५।४७	७।५२	९।३५	११।०४
८।२४।१८।४६	६ मं	९	१२।२६	२।०२	३।५८	६।१३	८।३३	१०।५०	१।०६	३।२५	५।४३	७।४८	९।३१	११।००
८।२५।२०।०८	७ बु	१०	१२।२२	१।५८	३।५४	६।०९	८।२९	१०।४६	१।०२	३।२१	५।३९	७।४४	९।२७	१०।५६
८।२६।२१।३०	८ गु	११	१२।१८	१।५४	३।५०	६।०५	८।२५	१०।४२	१२।५८	३।१७	५।३५	७।४०	९।२३	१०।५२
८।२७।२२।५२	८ शु	१२	१२।१४	१।५०	३।४६	६।०१	८।२१	१०।३८	१२।५४	३।१३	५।३१	७।३६	९।२०	१०।४८
८।२८।२४।१३	९ श	१३	१२।१०	१।४६	३।४२	५।५७	८।१७	१०।३४	१२।५०	३।०९	५।२८	७।३२	९।१६	१०।४४
८।२९।२५।३४	१० र	१४	१२।०६	१।४२	३।३८	५।५३	८।१३	१०।३०	१२।४६	३।०५	५।२४	७।२८	९।१२	१०।४०
९।००।२६।५४	११ चं	१५	१२।०२	१।३८	३।३४	५।४९	८।०९	१०।२६	१२।४२	३।०१	५।२०	७।२४	९।०८	१०।३६
९।०१।२८।१४	१२ मं	१६	११।५८	१।३४	३।३१	५।४५	८।०५	१०।२२	१२।३८	२।५७	५।१६	७।२०	९।०४	१०।३२
९।०२।२९।३३	१३ बु	१७	११।५४	१।३१	३।२७	५।४१	८।०१	१०।१८	१२।३४	२।५३	५।१२	७।१६	९।००	१०।२८
९।०३।३०।५२	१४ गु	१८	११।५०	१।२७	३।२३	५।३७	७।५७	१०।१४	१२।३०	२।४९	५।०८	७।१३	८।५६	१०।२४
९।०४।३२।१०	३० शु	१९	११।४७	१।२३	३।१९	५।३३	७।५३	१०।१०	१२।२६	२।४५	५।०४	७।०९	८।५२	१०।२१

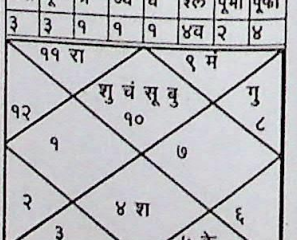
अयनांशाः २३।५६।२२

पं.४० मा.कृ. ८ शु. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
८	८	९	७	९	४	१०	४
२७	०२	००	१६	१६	००	२५	२५
३१	३२	३३	२७	०३	०६	०६	०६
५१	३५	५१	२४	२१	५२	४४	४४
६१	४३	१००	११	७५	३	३	३
०८	५३	०१	३५	०७	४५	११	११
उषा	मू	उषा	अनु	श्र	म	पूभा	पूफा
१	१	२	४	२	१व	२	४



अयनांशाः २३।५६।२३

पं.४१ मा.कृ.३० शु. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
९	८	९	७	९	३	१०	४
०४	०७	१२	१७	२४	२९	२४	२४
३९	४०	२१	४६	४८	३९	४४	४४
३७	३८	४२	५५	४४	११	२९	२९
६१	४४	१०२	११	७४	४	३	३
०५	१०	१७	०३	५९	१३	११	११
उषा	मू	श्र	ज्ये	ध	श्ले	पूभा	पूफा
३	३	१	१	१	४व	२	४



यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है ।

[E (रात्रौ अ. गो. स्टै. १७।१०या., वृषे चं. गु. ७ पू.)

[A हरगणपति व्र., चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः २०।३२

भ. ७।३३ उ. २०।०३ या., सौभाग्य सुन्दरी व्र., संकट A

गौरी चतुर्थी, श्रव. शुक्रः ११।२५

धनुषि मूले भौमः १९।५०

भ. २६।०८ उ., उषा. बुधः २२।५५

भ. १५।३० या., स्वामी विवेकानन्द जयंती

उषा. रविः ११।०६ (सौरः १७।३४), मकरे बुधः २३।१७

[D शनिः २७।०७

भ. २२।४५ उ., ज्येष्ठा.-१ गुरुः ९।३४, (व) कर्के श्लेषा.-४ D

भ. ११।३२ या., मकरे रविः १७।३७ (सौरः २३।४९), निरयन B

षट्तिला ११ व्र., अनु. रे. ६ ।ऽ।।।।ऽऽ।ऽ दग्धा दि. ल. १।२, E

प्रदोषः, तिल द्वादशी, सक्रान्ति करिदिन [B उत्तरायनारंभः

भ. १२।१६ उ. २३।४७ या., मासिकशिवरात्री व्र., श्रव. बुधः C

पितृकार्येऽमा., मौनी ३०, युगादि [C २२।०६, धनि. शुक्रः २७।०३

देवकार्येऽमा.

CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

२० जनवरी से २ फरवरी तक, श्री माघ शुक्लपक्ष संवत् २०६३, शाकः १९२८, दि.मा.सू. सू. तारीख्स स्टै. प्रातः दैनिक केतकी अहर्गणः ५४०३ शिशिरर्तू रविरुत्तरे, जनवरी-फरवरी २००७

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
सुस्थिर	१	श	०	०३	७	२७	श्रव	२३	५१	१६	५८	सि	३९	१२	२३	०७	व	०	०३	७	२७	२६ १६	७ २६	५ ५६	३०	२९	२०	कुंभे २८।०९	९।०५।२६।०३	६१।१६
क्षयः	२	श	५४	१९	२९	०९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
मातङ्ग	३	र	४८	१५	२६	४४	धनि	१९	४१	१५	१८	व्य	३१	१६	१९	५६	तै	२१	९९	१५	५७	१९	२६	५७	१	१	२१	कुंभे	९।०६।२७।१९	६१।१६
अमृत	४	सो	४२	०८	२४	१७	शत	१५	१९	१३	३३	व	२३	१३	१६	४३	व	१५	१२	१३	३०	२२	२५	५८	२	२	२२	मीने ३०।१५	९।०७।२८।३५	६१।१५
वसंत	५	मं	३६	११	२१	५३	पूभा	११	००	११	४९	प	१५	१४	१३	३१	व	९	०८	११	०४	२५	२५	५९	३	३	२३	मीने	९।०८।२१।५०	६१।१४
लुम्बक	६	बु	३०	३१	१९	३७	उभा	६	५६	१०	११	शि	७ ५९	२७ ५८	१० ३१	२४ २४	कौ	३	१७	८	४४	२७	२५	६ ००'	४	४	२४	मीने	९।०९।३१।०४	६१।१३
मित्र	७	गु	२५	१५	१७	३०	रेव	३ ५९	१३ ५८	८ ३१	४२ २४	सा	५२	५२	२८	३३	व	२५	१५	१७	३०	३०	२४	००	५	५	२५	मेषे ८।४२	९।१०।३२।१७	६१।१२
मुद्गर	८	शु	२०	३२	१५	३७	भर	५७	१८	३०	१९	शु	४६	१३	२५	५३	ब	२०	३२	१५	३७	३३	२४	०१	६	६	२६	मेषे	९।११।३३।२९	६१।११
ध्वजा	९	श	१६	२४	१३	५७	कृति	५५	१७	२९	३०	शु	४०	०६	२३	२६	कौ	१६	२४	१३	५७	३६	२४	०२	७	७	२७	वृषे १२।०५	९।१२।३४।४०	६१।१०
धाता	१०	र	१२	५९	१२	३५	रोहि	५४	००	२८	५९	ब्र	३४	३३	२१	१२	ग	१२	५९	१२	३५	३९	२३	०३	८	८	२८	वृषे	९।१३।३५।५०	६१।०९
ए.ब्र.	११	सो	१०	२०	११	३१	मृग	५३	३५	२८	४९	ऐ	२९	४०	१९	१५	वि	१०	२०	११	३१	४२	२३	०४	९	९	२९	मिथु. १६।५१	९।१४।३६।५९	६१।०८
प्र.ब्र.	१२	मं	८	३७	१०	४९	आर्द्रा	५४	०८	२९	०१	वै	२५	३१	१७	३५	वा	८	३७	१०	४९	४६	२२	०५	१०	१०	३०	मिथु.	९।१५।३८।०८	६१।०७
गद	१३	बु	७	५३	१०	३१	पुन	५५	४४	२९	३९	वि	२२	१०	१६	१४	तै	७	५३	१०	३१	४९	२२	०५	११	११	३१	कर्के २३।२७	९।१६।३९।१५	६१।०६
शुभ	१४	गु	८	१६	१०	४०	पुष्य	५८	२८	३०	४४	प्री	१९	४३	१५	१५	व	८	१६	१०	४०	५२	२१	०६	१२	१२	१	कर्के	९।१७।४०।२१	६१।०५
पूर्णिमा	१५	शु	९	५१	११	१७	श्ले	...	...	..	..	आ	१८	११	१४	३७	ब	९	५१	११	१७	५६	२१	०७	१३	१३	२	कर्के	९।१८।४१।२५	६१।०४

पूर्णिमा पुण्यं, माघ स्नान पूर्तिः, शत. बुधः २४।३९

|C अ. गोधूलि, ८ (रा. ४ दो.) (मेषः स्टै. ११।४९ उप., वृषे गु ७ पूज्य)नेताजी जयन्ती, कुंभे शुक्रः ११।०७

केतकी लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।

चंद्रदर्शनम् (मु.३०), पंचक प्रारम्भः २८।०९, श्री वल्लभ जयंती, A

[A अभि.प्र.रविः३०।४४, सायन कुंभे भानुः १६।२६

मा. माघारंभः, मोहोर्रम १ सन १४२८ हि. , अभि.प्र. सौरः १२।२४

भ. १३।३० उ. २४।१७ या., वरद (कुंद) ४, तिल चतुर्थी

वसन्त पञ्चमी, उभा. रेस्वा १० ||||||||| दिवा. ल. १।२, रात्रौ C

श्रव. रविः १३।२२ (सौरः १८।४५), रेवत्यां रे. १० ||||||||| D

भ. १७।३० उ. २८।३२ या., पुत्र ७, रथ ७, अचला ७, पंचक B

भीष्माष्टमी, गणराज्य दिवस, पूषा. भौमः २३।१८ [B समाप्तिः G

[G ८।४२, अभि.नि. रविः १०।२० (सौरः १५।४०), धनि. बुधः E

भ. २४।०० उ., शत. शुक्रः १९।२४ [E १७।५७, मन्वादि

भ. ११।३१ या., जया ११ व्र., मृगे रे. ७ |||SIS||S दिवा ल. १, F

प्रदोषः, कल्पादि [D दिवा ल. १, बुधोदयः पश्चिमायाम् २१।२९

ज्येष्ठा.-२ गुरुः २३।०९ [F भीष्मद्वादशी, कुंभे बुधः १७।५६

भ. १०।४० उ. २२।५५ या., पूर्णिमा व्रतं, फरवरी २ ता. २८

अयनांशाः २३।५६।२४

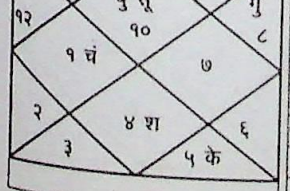
॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

संक्रांति फलम्

अयनांशाः २३।५६।२५

पं.४२ मा.शु. ८ शु. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
९	८	९	७	१०	३	१०	४
११	१२	२४	१९	०३	२९	२४	२४
४६	५०	१६	०२	३३	०८	२२	२२
५३	३४	५६	२३	०२	३२	१४	१४
६१	४४	१०८	१०	७४	४	३	३
००	२६	५७	२५	४९	३४	११	११
श्र	मू	ध	ज्ये	ध	श्ले	पूभा	पूफा
१	४	१	१	४	४व	२	४

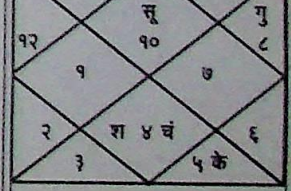


ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	जन.	दिवा	दिवा	दिवा	सायं	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः	दिवा	दिवा
०९।०५।३३।२७	१ श	२०	११।४३	१।१९	३।१५	५।२९	७।५०	१०।०६	१२।२२	२।४१	५।००	७।०५	८।४८	१०।१७
०९।०६।३४।४३	३ र	२१	११।३९	१।१५	३।११	५।२६	७।४६	१०।०२	१२।१८	२।३७	४।५६	७।०१	८।४४	१०।१३
०९।०७।३५।५९	४ चं	२२	११।३५	१।११	३।०७	५।२२	७।४२	९।५९	१२।१४	२।३३	४।५२	६।५७	८।४०	१०।०९
०९।०८।३७।१४	५ मं	२३	११।३१	१।०७	३।०३	५।१८	७।३८	९।५५	१२।१०	२।३०	४।४८	६।५३	८।३६	१०।०५
०९।०९।३८।२७	६ बु	२४	११।२७	१।०३	२।५९	५।१४	७।३४	९।५१	१२।०६	२।२६	४।४४	६।४९	८।३२	१०।०१
०९।१०।३९।४१	७ गु	२५	११।२३	१२।५९	२।५५	५।१०	७।३०	९।४७	१२।०३	२।२२	४।४०	६।४५	८।२८	९।५७
०९।११।४०।५३	८ शु	२६	११।१९	१२।५५	२।५१	५।०६	७।२६	९।४३	११।५९	२।१८	४।३६	६।४१	८।२४	९।५३
०९।१२।४२।०४	९ श	२७	११।१५	१२।५१	२।४७	५।०२	७।२२	९।३९	११।५५	२।१४	४।३२	६।३७	८।२०	९।४९
०९।१३।४३।१४	१० र	२८	११।११	१२।४७	२।४३	४।५८	७।१८	९।३५	११।५१	२।१०	४।२८	६।३३	८।१६	९।४५
०९।१४।४४।२३	११ चं	२९	११।०७	१२।४३	२।३९	४।५४	७।१४	९।३१	११।४७	२।०६	४।२४	६।२९	८।१३	९।४१
०९।१५।४५।३१	१२ मं	३०	११।०३	१२।३९	२।३५	४।५०	७।१०	९।२७	११।४३	२।०२	४।२१	६।२५	८।०९	९।३७
०९।१६।४६।३८	१३ बु	३१	१०।५९	१२।३५	२।३१	४।४६	७।०६	९।२३	११।३९	१।५८	४।१७	६।२१	८।०५	९।३३
०९।१७।४७।४४	१४ गु	१	१०।५५	१२।३१	२।२७	४।४२	७।०२	९।१९	११।३५	१।५४	४।१३	६।१७	८।०१	९।२९
०९।१८।४८।४९	१५ शु	२	१०।५१	१२।२७	२।२४	४।३८	६।५८	९।१५	११।३१	१।५०	४।०९	६।१३	७।५७	९।२५

ता. १४ जनवरी २००७ माघ कृ. १० रवौ मकरेऽर्कः प्र. (स्टै.) टा. १७।३७ वारात् ३ नक्षत्रात् २ वारनाम घोरा शूद्रान् सुस्सदा नक्षत्रनाम मिश्रा पशून् सुस्सदा अपरान्ह ३ प्रहर व्यापिनी वैश्यान् हन्ति, दक्षिणे गमनं नैऋत्यां दृष्टिः बवकरणे प्रविष्टा मध्यमफलं सिंहवाहनं गजोपवाहनं भीतिकारक श्वेतवस्त्रं भुशुण्ड्यायुधं स्वर्णपात्रं अन्नभक्षणं कस्तूरीलेपनं दैवतंजातिः पुन्नागपुष्पं पिरोजभूषणं विचित्रकंचुकी बालावस्था (बैठी) मु. ४५ धान्यभावे समर्घ वत्स दक्षिणे राहु पूर्व मूलं स्वर्गं विवाहस्तंभो वायव्याम् शुक्रोदयः पश्चिमायाम्। पुण्यकालः (स्टै.) १७।३७ से सोमवार ९।३७ तक। (दान- काष्ट - अन्न)।

पं.४३ मा.शु.१५ शु. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
९	८	१०	७	१०	३	१०	४
१८	१८	०५	२०	१२	२८	२३	२३
५३	०२	३६	१३	१६	३५	५९	५९
२५	१७	१४	१२	०१	४६	५९	५९
६०	४४	८८	९	७४	४	३	३
५३	५१	२५	४२	३७	४८	११	११
श्र	पूषा	ध	ज्ये	श	श्ले	पूभा	पूफा
३	२	४	२	२	४व	२	४



CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

॥ श्रीवल्लभ मनीराम पञ्चाङ्गम् ॥

३ फरवरी से १७ फरवरी तक, श्री फाल्गुन कृष्णपक्ष संवत् २०६३, शाकः १९२८, दि.मासू. सू. तारीस्प स्टै. प्रातः दैनिक शिशिरर्तू रविरुत्तरे माघकृष्णेति गुर्जराः, फरवरी २००७

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
मानस	९	श	१२	३९	१२	२४	श्ले	२	२३	८	१८	सौ	१७	३४	१४	२२	कौ	१२	३९	१२	२४	२६/५९	७/२०	६/०८	१४	१४	३	सिंहे ८।१८	९।१९।४२।२९	६१।०२
मुद्गर	२	र	१६	४१	१४	००	मघा	७	२९	१०	१९	शो	१७	५४	१४	२९	ग	१६	४१	१४	००	२७/०२	२०	०९	१५	१५	४	सिंहे	९।२०।४३।३१	६१।०१
च.व्र.	३	सो	२१	५२	१६	०४	पूफा	१३	४१	१२	४७	अ	१९	०४	१४	५७	वि	२१	५२	१६	०४	०६	१९	०९	१६	१६	५	कन्या १९।२८	९।२१।४४।३२	६१।००
धाता	४	मं	२८	००	१८	३०	उफा	२०	४८	१५	३८	सु	२०	५८	१५	४२	बा	२८	००	१८	३०	०९	१८	१०	१७	१७	६	कन्या	९।२२।४५।३२	६०।५८
आनन्द	५	बु	३४	४१	२१	१०	हस्त	२८	३२	१८	४२	धृ	२३	२०	१६	३८	कौ	१	१९	७	४९	१३	१८	११	१८	१८	७	कन्या	९।२३।४६।३०	६०।५७
चर	६	गु	४१	२५	२३	५१	चित्रा	३६	२०	२१	४९	शू	२५	४९	१७	३७	ग	८	०६	१०	३२	१६	१७	१२	१९	१९	८	तुला. ८।१६	९।२४।४७।२७	६०।५६
गद	७	शु	४७	३४	२६	१८	स्वा	४३	३८	२४	४४	गं	२७	५७	१८	२७	वि	१४	३८	१३	०८	२०	१६	१२	२०	२०	९	तुला.	९।२५।४८।२३	६०।५४
शुभ	८	श	५२	३०	२८	१६	विशा	४९	५०	२७	१२	वृ	२९	२१	१९	००	बा	२०	१४	१५	२२	२४	१६	१३	२१	२१	१०	वृश्चि. २०।३८	९।२६।४९।१७	६०।५३
मृत्यु	९	र	५५	४५	२९	३३	अनु	५४	२४	२९	०१	धृ	२९	३४	१९	०५	तै	२४	२३	१७	००	२७	१५	१४	२२	२२	११	वृश्चि.	९।२७।५०।०९	६०।५१
पद्म	१०	सो	५७	००	३०	०२	ज्ये	५७	०६	३०	०५	व्या	२८	२२	१८	३५	व	२६	३९	१७	५४	३१	१४	१५	२३	२३	१२	धनु. ३०।०५	९।२८।५१।०१	६०।५०
ए.व्र.	११	मं	५६	१२	२९	४२	मूल	५७	४८	३०	२१	ह	२५	३६	१७	२८	ब	२६	५२	१७	५८	३५	१४	१५	२४	२४	१३	धनु.	९।२९।५१।५०	६०।४८
ए.व्र.	१२	बु	५३	२८	२८	३६	पूषा	५६	३७	२९	५१	व	२१	१६	१५	४३	कौ	२५	०५	१७	१५	३९	१३	१६	२५	२५	१४	धनु.	१०।००।५२।३८	६०।४७
प्र.व्र.	१३	गु	४९	०१	२६	४८	उषा	५३	४६	२८	४२	सि	१५	२९	१३	२३	ग	२१	२७	१५	४७	४२	१२	१७	२६	२६	१५	मक. ११।३८	१०।०१।५३।२५	६०।४५
शिवरा.	१४	शु	४३	०९	२४	२७	श्रव	४९	३५	२७	०९	व्य	८	२५	१०	३३	वि	१६	१६	१३	४१	४६	११	१८	२७	२७	१६	मक.	१०।०२।५४।१०	६०।४३
अमाव.	३०	श	३६	१७	२१	४१	धनि	४४	२४	२४	५६	व	०/५१	२०/३८	७/२७	१८/४५	च	९	५०	११	०६	५०	१०	१८	२८	२८	१७	कुंभे १४।०१	१०।०३।५४।५३	६०।४२

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।
[F अ. गो. ७ (वृषे गु. ७ पू.), कुंभे सौरः १०।२७,उषा. G
भ. २६।५९ उ. [A बुधास्तः पश्चिमायाम् २२।३३
भ. १६।०४ या., चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः २१।०५ [G भौमः २०।१६
धनि. रविः १६।२९ (सौरः २०।५२), उ.फा. रे. ८ ।।।।ऽ।।ऽ।। दिवा C
हस्ते रे. ९ ।।।।।।।ऽ।। दिवा ल. २, रात्रौ गो. (वृषे गु. ७ पू.)
भ. २३।५१ उ., पूभा. शुक्रः १२।४५
भ. १३।०८ या., स्वात्यां रे. ८ ।ऽ।ऽबु।।।।।। दिवा ल. १ रात्रौ E
[C ल. २ (गु. ७ पू.), हस्ते रे. ९ ।।।।।।।ऽ।। रात्रौ ल. गो. ७।८ D
रामदास ९ [E अ.गो. (मेषे चं. ७ पू.) [D (वृश्चि. रा. ७ दो.)
भ. १७।५४ उ. ३०।०२ या., कुंभे रविः ३०।३१
विजया ११ व्र.स्मार्त, मूले रे. ८ ।ऽ।।।।।ऽ।। दिवा ल. १।२, रात्रौ F
विजया ११ व्र.वैष्ण., वक्री बुधः २०।५१, पूभा.-१ राहुः २१।०८, B
भ. २६।४८ उ., प्रदोषः [B पूफा.-३ केतुः २१।०८
भ. १३।४१ या., महाशिवरात्री व्रतम्, मीने शुक्रः १४।३८
पंचक प्रारम्भः १४।०१, देवपितृकार्येऽमा., मकरे भौमः ३०।३८, A

अयनांशाः २३।५६।२६

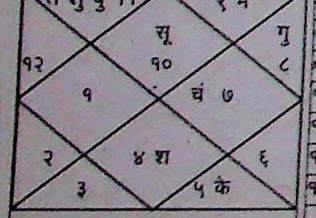
॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

संक्रांति फलम्

अयनांशाः २३।५६।२७

पं.४४ फा.कृ. ७ शु. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
९	८	१०	७	१०	३	१०	४
२५	२३	१४	२१	२०	२८	२३	२३
५९	१५	११	१८	५७	०१	३७	३७
०३	४२	५०	४८	२६	४८	४४	४४
६०	४४	४६	८	७४	४	३	३
४५	५६	३४	५५	२३	५४	११	११
घ	पूषा	श	ज्ये	पूभा	श्ले	पूभा	पूफा
१	३	३	२	१	४व	२	४



ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	फर.	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	सायं	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः	दिवा
०९।१९।४२।५२	१ श	३	१०।४७	१२।२४	२।२०	४।३४	६।५४	९।११	११।२७	१।४६	४।०५	६।०९	७।५३	९।२१
०९।२०।५०।५४	२ र	४	१०।४३	१२।२०	२।१६	४।३०	६।५०	९।०७	११।२३	१।४२	४।०१	६।०६	७।४९	९।१७
०९।२१।५१।५५	३ चं	५	१०।४०	१२।१६	२।१२	४।२६	६।४६	९।०३	११।१९	१।३८	३।५७	६।०२	७।४५	९।१४
०९।२२।५२।५५	४ मं	६	१०।३६	१२।१२	२।०८	४।२२	६।४३	८।५९	११।१५	१।३४	३।५३	५।५८	७।४१	९।१०
०९।२३।५३।५३	५ बु	७	१०।३२	१२।०८	२।०४	४।१९	६।३९	८।५५	११।११	१।३०	३।४९	५।५४	७।३७	९।०६
०९।२४।५४।५०	६ गु	८	१०।२८	१२।०४	२।००	४।१५	६।३५	८।५२	११।०७	१।२६	३।४५	५।५०	७।३३	९।०२
०९।२५।५५।४६	७ शु	९	१०।२४	१२।००	१।५६	४।११	६।३१	८।४८	११।०३	१।२३	३।४१	५।४६	७।२९	८।५८
०९।२६।५६।४०	८ श	१०	१०।२०	११।५६	१।५२	४।०७	६।२७	८।४४	१०।५९	१।१९	३।३७	५।४२	७।२५	८।५४
०९।२७।५७।३२	९ र	११	१०।१६	११।५२	१।४८	४।०३	६।२३	८।४०	१०।५६	१।१५	३।३३	५।३८	७।२१	८।५०
०९।२८।५८।२३	१० चं	१२	१०।१२	११।४८	१।४४	३।५९	६।१९	८।३६	१०।५२	१।११	३।२९	५।३४	७।१७	८।४६
०९।२९।५९।१३	११ मं	१३	१०।०८	११।४४	१।४०	३।५५	६।१५	८।३२	१०।४८	१।०७	३।२५	५।३०	७।१३	८।४२
१०।००।००।०१	१२ बु	१४	१०।०४	११।४०	१।३६	३।५१	६।११	८।२८	१०।४४	१।०३	३।२१	५।२६	७।०९	८।३८
१०।०१।००।४७	१३ गु	१५	१०।००	११।३६	१।३२	३।४७	६।०७	८।२४	१०।४०	१२।५९	३।१७	५।२२	७।०६	८।३४
१०।०२।०१।३२	१४ शु	१६	९।५६	११।३२	१।२८	३।४३	६।०३	८।२०	१०।३६	१२।५५	३।१४	५।१८	७।०२	८।३०
१०।०३।०२।१५	३० श	१७	९।५२	११।२८	१।२४	३।३९	५।५९	८।१६	१०।३२	१२।५१	३।१०	५।१४	६।५८	८।२६

ता. १२ फरवरी २००७
फा. कृ. १० चंद्रे कुंभेऽर्कः प्र. (स्टै.)
टा. ३०।३१ वारात् २ नक्षत्रात् ४
वारनाम ध्यांक्षी वैश्यान् सुस्पदा
नक्षत्रनाम राक्षसी चाण्डालान् सुस्पदा
प्रभात रात्रि ४ प्रहर व्यापिनी
गोरक्षकान् हन्ति, पश्चिमे गमनं वायव्यां
दृष्टिः बवकरणे प्रविष्टा मध्यमफलं
सिंहवाहनं गजोपवाहनं भीतिकारक
श्वेतवस्त्रं भुशुण्ड्यायुधं स्वर्णपात्रं
अन्नभक्षणं कस्तूरीलेपनं दैवतंजातिः
पुन्नागपुष्पं पिरोजभूषणं विचित्रकंचुकी
बालावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यभावे
सम वत्स पश्चिमा. राहु दक्षिणे मूलं
पाताले विवाहस्तंभो नैऋत्यां शुक्रोदयः
पश्चिमायाम् । पुण्यकालः (स्टै.)
२४।०७ से ३०।३१ तक। (दान- गोड़
- अन्न)।

पं.४५ फा.कृ.१४ शु. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
१०	८	१०	७	१०	३	१०	४
०३	२८	१६	२२	२९	२७	२३	२३
०३	३०	०६	१८	३७	२७	१५	१५
३६	४२	१०	३७	०१	३४	२९	२९
६०	४५	२५	८	७४	४	३	३
३५	०९	५३	०२	०६	५१	११	११
घ	उषा	श	ज्ये	पूभा	श्ले	पूभा	पूफा
३	१	३व	२	३	४व	१	३



CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

१८ फरवरी से ३ मार्च तक, श्री फाल्गुन शुक्लपक्ष संवत् २०६३, शाकः १९२८, दि.मासू. सू. तारीस्प स्टे. प्रातः दैनिक केतकी अहर्गणः ५४३२ शिशिरर्तू रविरुत्तरे, फरवरी-मार्च २००७

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
राक्षस	१	र	२८	४४	१८	३९	शत	३८	३७	२२	३६	शि	४२	११	२४	०२	किं	२	३५	८	१२	२७ ५४	७ ०९	६ ५९	२९	२९	१८	कुंभे	१०।०४।५५।३५	६०।४०
फुलरि.	२	सो	२०	५२	१५	२९	पूभा	३२	३५	२०	११	सि	३२	४२	२०	१३	कौ	२०	५२	१५	२९	५८	०९	२०	३०	३०	१९	मीने	१४।४७	१०।०५।५६।१५	६०।३८
सिद्धि	३	मं	१३	०२	१२	२१	उभा	२६	३९	१७	४८	सा	२३	२०	१६	२८	ग	१३	०२	१२	२१	२८ ०२	०८	२०	१	१	२०	मीने		१०।०६।५६।५३	६०।३६
उत्पात	४	बु	५	३३	९	२०	रेव	२१	१०	१५	३५	शु	१४	१७	१२	५०	वि	५	३३	९	२०	०६	०७	२१	२	२	२१	मेषे	१५।३५	१०।०७।५७।२९	६०।३५
क्षयः	५	बु	५८	४०	३०	३५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
मानस	६	गु	५२	४२	२८	११	अश्वि	१६	२२	१३	३९	शु	५ ५८	४८ ०१	९ ३०	२५ ५८	कौ	२५	३५	१७	२०	१०	०६	२२	३	३	२२	मेषे		१०।०८।५८।०४	६०।३३
मुद्गर	७	शु	४७	४८	२६	१२	भर	१२	३१	१२	०६	ऐ	५१	०९	२७	३३	ग	२०	०७	१५	०८	१४	०५	२२	४	४	२३	वृषे	१७।४६	१०।०९।५८।३७	६०।३१
होलाष्ट.	८	श	४४	१०	२४	४४	कृति	९	४९	११	००	वै	४५	१८	२५	११	वि	१५	५०	१३	२४	१८	०४	२३	५	५	२४	वृषे		१०।१०।५९।०८	६०।२९
धाता	९	र	४१	५२	२३	४८	रोहि	८	२२	१०	२४	वि	४०	३०	२३	१५	बा	१२	५१	१२	१२	२२	०३	२४	६	६	२५	मिथु.	२२।१८	१०।११।५९।३८	६०।२७
आनन्द	१०	सो	४०	५५	२३	२४	मृग	८	१६	१०	२१	प्री	३६	४८	२१	४५	तै	११	१५	११	३२	२६	०२	२४	७	७	२६	मिथु.		१०।१३।००।०५	६०।२५
ए.व्र.	११	मं	४१	२२	२३	३४	आर्द्रा	९	३१	१०	४९	आ	३४	१०	२०	४१	व	११	००	११	२५	३०	०१	२५	८	८	२७	कर्के	२९।३२	१०।१४।००।३०	६०।२४
गद	१२	बु	४३	०५	२४	१४	पुन	१२	०३	११	४९	सौ	३२	३२	२०	०१	ब	१२	०६	११	५१	३४	००	२६	९	९	२८	कर्के		१०।१५।००।५४	६०।२२
प्र.व्र.	१३	गु	४५	५८	२५	२२	पुष्य	१५	४६	१३	१८	शो	३१	४९	१९	४३	कौ	१४	२६	१२	४५	३८	५९	२६	१०	१०	१	कर्के		१०।१६।०१।१६	६०।२०
मृत्यु	१४	शु	४९	५३	२६	५६	श्ले	२०	३२	१५	११	अ	३१	५४	१९	४४	ग	१७	५०	१४	०६	४२	५८	२७	११	११	२	सिंहे	१५।११	१०।१७।०१।३५	६०।१८
होली	१५	श	५४	४०	२८	४९	मघा	२६	१३	१७	२६	सु	३२	४१	२०	०१	वि	२२	११	१५	५०	४६	५७	२८	१२	१२	३	सिंहे		१०।१८।०१।५३	६०।१६

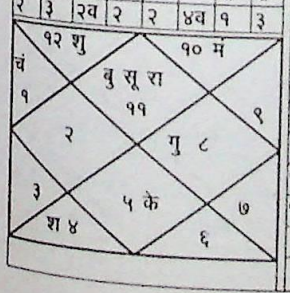
यहाँ लिखे भद्रा ग्रह वारादि का समय स्टे.टा.में है।
सायन मीने भानुः ३०।३० [D ७ पू.), भा. फाल्गुनारंभः, सफर २
चंद्रदर्शनम् (मु.३०), फुलरिया २, श्री रामकृष्ण परमहंस जयंती, B
भ. २२।४९ उ., उभा. रे. ८ ISSशु।।।।।।। दिवा ल. २।३ (वृषे.गु. D
भ. ९।२० या., रेवत्यां रे. १० ।।।।।।।।। दि.ल. २।३ पंचक G
[B उभा. रे. ८ ISSशु।।।।।।। रात्रौ ल. ८।९ (वृश्चि. रा. ४ दो.) C
[C उभा. शुक्रः ७।२६, शत. रविः २०।५७ (सौरः २४।२७),
भ. २६।१२ उ. [G समाप्तिः १५।३५, याज्ञवल्क्य जयंती
भ. १३।२४ या., होलाष्टक, ज्येष्ठा.-३ गुरुः १०।०६
[A दहनं,मन्वादि, पूर्णिमा व्रतंपुण्यञ्च,करिदिन, श्रव. भौमः ११।५८
(व) धनि. बुधः १७।२०, (व) श्लेषा.-३ शनिः ७।४२
भ. ११।२५ उ. २३।३४ या., आमलकी ११ व्र., बिड़कुला-ढाल E
मेला श्रीश्यामजी (स्वादु) [E थापणा भद्रा के पहिले
प्रदोषः, मार्च ३ ता. ३१, बुधोदयः पूर्वस्याम् २७।२०, रेव. शुक्रः F
भ. २६।५६ उ. [F २७।४६
भ. १५।५० या.,स्वग्रासं चन्द्रग्रहणम्,जेलपोषी भद्रा के बाद, होलिका A

अयनांशाः २३।५६।२८

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

मास फलम् अयनांशाः २३।५६।२९

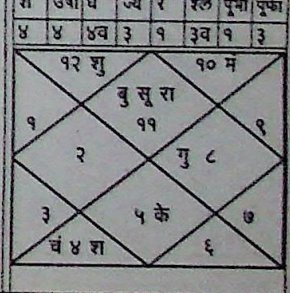
पं.४६ फा.शु. ७ शु. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
१०	९	१०	७	११	३	१०	४
१०	०३	१०	२३	०८	२६	२२	२२
०६	४७	२३	१२	१४	५४	५३	५३
५४	११	१६	०३	३४	०३	१५	१५
६०	४५	६६	७	७३	४	३	३
२४	२१	३४	०५	४८	४१	११	११
श	उभा	श	ज्ये	उभा	श्ले	पूभा	पूफा
२	३	२व	२	२	४व	१	३



ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	फर.	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	सायं	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः	दिवा
१०।०५।०२।५७	१ र	१८	९।४८	११।२४	१।२०	३।३५	५।५५	८।१२	१०।२८	१२।४७	३।०६	५।१०	६।५४	८।२२
१०।०६।०३।३७	२ चं	१९	९।४४	११।२०	१।१७	३।३१	५।५१	८।०८	१०।२४	१२।४३	३।०२	५।०६	६।५०	८।१८
१०।०७।०४।१५	३ मं	२०	९।४०	११।१७	१।१३	३।२७	५।४७	८।०४	१०।२०	१२।३९	२।५८	५।०२	६।४६	८।१४
१०।०८।०४।५१	४ बु	२१	९।३६	११।१३	१।०९	३।२३	५।४३	८।००	१०।१६	१२।३५	२।५४	४।५९	६।४२	८।१०
१०।०९।०५।२६	५ गु	२२	९।३३	११।०९	१।०५	३।१९	५।४०	७।५६	१०।१२	१२।३१	२।५०	४।५५	६।३८	८।०७
१०।१०।०५।५८	७ शु	२३	९।२९	११।०५	१।०१	३।१५	५।३६	७।५२	१०।०८	१२।२७	२।४६	४।५१	६।३४	८।०३
१०।११।०६।२९	८ श	२४	९।२५	११।०१	१२।५७	३।१२	५।३२	७।४८	१०।०४	१२।२३	२।४२	४।४७	६।३०	७।५९
१०।१२।०६।५८	९ र	२५	९।२१	१०।५७	१२।५३	३।०८	५।२८	७।४५	१०।००	१२।१९	२।३८	४।४३	६।२६	७।५५
१०।१३।०७।२६	१० चं	२६	९।१७	१०।५३	१२।४९	३।०४	५।२४	७।४१	९।५६	१२।१६	२।३४	४।३९	६।२२	७।५१
१०।१४।०७।५१	११ मं	२७	९।१३	१०।४९	१२।४५	३।००	५।२०	७।३७	९।५२	१२।१२	२।३०	४।३५	६।१८	७।४७
१०।१५।०८।१४	१२ बु	२८	९।०९	१०।४५	१२।४१	२।५६	५।१६	७।३३	९।४९	१२।०८	२।२६	४।३१	६।१४	७।४३
१०।१६।०८।३६	१३ गु	१	९।०५	१०।४१	१२।३७	२।५२	५।१२	७।२९	९।४५	१२।०४	२।२२	४।२७	६।१०	७।३९
१०।१७।०८।५५	१४ शु	२	९।०१	१०।३७	१२।३३	२।४८	५।०८	७।२५	९।४१	१२।००	२।१८	४।२३	६।०६	७।३५
१०।१८।०९।१३	१५ श	३	८।५७	१०।३३	१२।२९	२।४४	५।०४	७।२१	९।३७	११।५६	२।१४	४।१९	६।०३	७।३१

चन्द्रग्रहण ३ मार्च २००७,शनिवार,
इस माह में पांच शनिवार होने से महँगाई हो। मार्गशीर्ष से फाल्गुन तक शुक्ल पक्ष में तिथियां क्षय होने से लोगों का स्वास्थ्य बिगड़े, राजविग्रह हो और छत्रभंग हो। कृष्णा षष्ठी को चित्रा नक्षत्र होने से सुभिक्ष हो। शनिवारी अमावस और धनिष्ठा योग दुर्भिक्ष कारक है। शुक्ला अष्टमी कृतिका होने से सुभिक्ष हो। शुक्ला एकादशी आर्द्रा होने से अवर्षण हो। पूर्णिमा मघा युक्त और उत्तरा फाल्गुनी का अभाव होने से भावों में घटा बढी हो। दक्षिण की पवन चले, धान्यादि सभी वस्तुओं के भाव मंदे हो, रस घृत किराणें की वस्तुएं तेज हों, लोक, महाजन प्रसन्न हों, प्रजा में सद्भाव अधिक हो।

पं.४७ फा.शु.१४ शु. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
१०	९	१०	७	११	३	१०	४
१७	०९	०३	२३	१६	२६	२२	२२
०८	०४	३१	५८	४९	२२	३१	३१
५१	५८	२४	३१	४८	०९	००	००
६०	४५	३८	६	७३	४	३	३
१२	३२	५६	०३	२७	२३	११	११
श	उभा	घ	ज्ये	रे	श्ले	पूभा	पूफा
४	४	४व	३	१	३व	१	३



CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

४ मार्च से १९ मार्च तक, श्री चैत्र कृष्णपक्ष संवत् २०६३, शाकः १९२८, दि.मा.सू. सू. तारीस्त स्टै. प्रातः दैनिक वसंतर्तू रविरुत्तरे फाल्गुनकृष्णेति गुर्जराः, मार्च २००७

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
छरेंडी	१	र	...	...	..	..	पूफा	३२	४०	२०	००	धृ	३४	०३	२०	३३	बा	२७	२२	१७	५३	२८ ५०	६ ५६	६ २८	१३	१३	४	कन्या	२६।४१	१०।१९।०२।०९	६०।१४
श्रीवत्स	१	सो	०	१५	७	०१	उफा	३९	४५	२२	४९	शू	३५	५७	२१	१८	कौ	०	१५	७	०१	५४	५५	२९	१४	१४	५	कन्या		१०।२०।०२।२३	६०।१२
सौम्य	२	मं	६	२३	९	२७	हस्त	४७	१८	२५	४९	गं	३८	१२	२२	११	ग	६	२३	९	२७	५८	५४	२९	१५	१५	६	कन्या		१०।२१।०२।३४	६०।१०
च.व्र.	३	बु	१२	५६	१२	०३	चित्रा	५५	०४	२८	५५	वृ	४०	४०	२३	०९	वि	१२	५६	१२	०३	२९ ०३	५३	३०	१६	१६	७	तुला.	१५।२२	१०।२२।०२।४४	६०।०८
सुस्थिर	४	गु	१९	३३	१४	४१	स्वा	...	...	..	..	ध्रु	४३	०४	२४	०६	बा	१९	३३	१४	४१	०७	५२	३१	१७	१७	८	तुला.		१०।२३।०२।५२	६०।०५
गद	५	शु	२५	४८	१७	१०	स्वा	२	४२	७	५६	व्या	४५	०५	२४	५३	तै	२५	४८	१७	१०	११	५१	३१	१८	१८	९	वृश्चि.	२८।०२	१०।२४।०२।५७	६०।०३
शुभ	६	श	३१	९२	१९	१९	विशा	९	३८	१०	४१	ह	४६	२१	२५	२२	व	३१	९२	१९	१९	१५	५०	३२	१९	१९	१०	वृश्चि.		१०।२५।०३।०१	६०।०१
मृत्यु	७	र	३५	१४	२०	५४	अनु	१५	२७	१२	५९	व	४६	३१	२५	२५	वि	३	२६	८	११	१९	४९	३२	२०	२०	११	वृश्चि.		१०।२६।०३।०२	५९।५९
शीतला	८	सो	३७	३४	२१	४९	ज्ये	१९	४२	१४	४०	सि	४५	२०	२४	५६	बा	६	४०	९	२७	२३	४८	३३	२१	२१	१२	धनु.	१४।४०	१०।२७।०३।०१	५९।५७
छत्र	९	मं	३७	५५	२१	५६	मूल	२२	०७	१५	३७	व्य	४२	३७	२३	४९	तै	८	००	९	५९	२८	४६	३३	२२	२२	१३	धनु.		१०।२८।०२।५८	५९।५५
श्रीवत्स	१०	बु	३६	१५	२१	१५	पूषा	२२	३४	१५	४७	व	३८	१९	२२	०५	व	७	२१	९	४२	३२	४५	३४	२३	२३	१४	मक.	२१।४२	१०।२९।०२।५३	५९।५३
ए.व्र.	११	गु	३२	३७	१९	४७	उषा	२१	०५	१५	१०	प	३२	२९	१९	४४	ब	४	४२	८	३७	३६	४४	३५	२४	२४	१५	मक.		११।००।०२।४५	५९।५१
प्र.व्र.	१२	शु	२७	५६	१७	३८	श्रव	१७	५०	१३	५९	शि	२५	१६	१६	४९	कौ	०	११	६	४७	४०	४३	३५	२५	२५	१६	कुंभे	२४।५८	११।०१।०२।३६	५९।४८
प्रवर्धमा	१३	श	२०	२७	१४	५३	धनि	१३	०५	११	५६	सि	१६	५१	१३	२६	व	२०	२७	१४	५३	४४	४२	३६	२६	२६	१७	कुंभे		११।०२।०२।२४	५९।४६
राक्षस	१४	र	१२	३०	११	४१	शत	७	०९	९	३३	सा	७ ५७	२९ २६	९ २४	४५ ३९	श	१२	३०	११	४१	४८	४१	३६	२७	२७	१८	मीने	२५।३२	११।०३।०२।१०	५९।४४
अमाव.	३०	सो	३ ५४	४९ ४२	८ २८	१५ ३३	पूभा	० ५३	२६ ४६	६ २७	५० ५८	शु	४७	०४	२५	२९	ना	३	४९	८	११	५३	४०	३७	२८	२८	१९	मीने		११।०४।०१।५४	५९।४२

सोमवती अमा., ग्रस्तोदयं सूर्यग्रहणम्, नवरात्रारम्भः, घटस्था., A

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है ।
ग्रहण-करिदिन, वसन्त १, छरेंडी देशाचारे,करिदिन, पूभा.रविः C
हस्ते रे. ९ ।ऽ।।।।।।।। रात्रौ ल. ७ [E स्टै. १२।४९ उप.), कल्पादि
भ. २२।४५ उ., हस्ते रे. ९ ।ऽ।।।।।।।। दिवा ३, रात्रौ गो. (मिथु. E
भ.१२।०३ या.,चतुर्थीव्र. चन्द्रोदयः २१।३४ [C २७।१४ (सौरः२९।५८)
मार्गीबुधः २२।११ [A ध्वजारो.,आरोग्य १,विद्या १,देवकार्येऽमा., B
[B.केतकी अहर्गणः ५४६१, चक्र ६, कल्पादि, शत. बुधः ८।११
भ. १९।१९ उ., अनु. रे. ८ ऽऽ।।।।।।।। दिवा ल. २, रात्रौ अ. गो. F
भ. ८।११ या., अनु. रे. ८ ऽऽ।।।।।।।। दिवा ल. २ (चं. गु. ७ पू.)
शीतला पूजनं, मूले रे. ८ ऽ।।।।।ऽ।। रात्रौ अ. गो. ८ (वृश्चि. G
[G राहु ४ दोषः, स्टै. २४।५६ यावत्), मेषे अश्वि. शुक्रः २६।०६
भ. ९।४२ उ. २१।१५ या., मीने रविः २७।२० (सौरः २९।३८)
पापमोचनी ११ व्र. [F (अ.गो. १९।१९ यावत्, वृषे चं. गु. ७ पू.)
पंचक प्रारम्भः २४।५८, प्रदोषः [D ११।५६ से १४।५३ तक
भ. १४।५३ उ. २५।२० या., मासिकशिवरात्री व्र., महावारुणी योग D
पितृकार्येऽमा., मन्वादि, उभा. रविः ११।३९ (सौरः १३।५०)

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

अयनांशाः २३।५६।३०

पं.४८ चै.कृ. ५ शु. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
१०	९	१०	७	११	३	१०	४
२४	१४	०१	२४	२५	२५	२२	२२
०९	२३	२४	३७	२२	५२	०८	०८
१९	५७	४६	२९	३०	४४	४६	४६
५९	४५	८	४	७३	३	३	३
५९	४१	३७	५५	०४	५७	११	११
पूभा	श्र	ध	ज्ये	रे	श्ले	पूभा	पूफा
२	२	३	३	३	३व	१	३



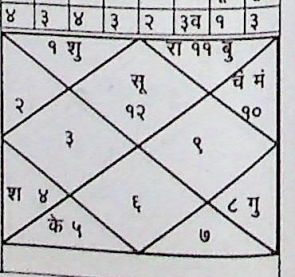
ब्रह्म र.स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	मार्च	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	सायं	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः
१०।१९।०९।२९	१ र	४	८।५३	१०।२९	१२।२५	२।४०	५।००	७।१७	९।३३	११।५२	२।११	४।१५	५।५९	७।२७
१०।२०।०९।४२	१ चं	५	८।४९	१०।२५	१२।२९	२।३६	४।५६	७।१३	९।२९	११।४८	२।०७	४।११	५।५५	७।२३
१०।२१।०९।५३	२ मं	६	८।४५	१०।२१	१२।१७	२।३२	४।५२	७।०९	९।२५	११।४४	२।०३	४।०७	५।५१	७।१९
१०।२२।१०।०३	३ बु	७	८।४१	१०।१७	१२।१४	२।२८	४।४८	७।०५	९।२१	११।४०	१।५९	४।०३	५।४७	७।१५
१०।२३।१०।१०	४ गु	८	८।३७	१०।१३	१२।१०	२।२४	४।४४	७।०१	९।१७	११।३६	१।५५	३।५९	५।४३	७।११
१०।२४।१०।१६	५ शु	९	८।३३	१०।१०	१२।०६	२।२०	४।४०	६।५७	९।१३	११।३२	१।५१	३।५५	५।३९	७।०७
१०।२५।१०।१९	६ श	१०	८।३०	१०।०६	१२।०२	२।१६	४।३६	६।५३	९।०९	११।२८	१।४७	३।५२	५।३५	७।०४
१०।२६।१०।२०	७ र	११	८।२६	१०।०२	११।५८	२।१२	४।३३	६।४९	९।०५	११।२४	१।४३	३।४८	५।३१	७।००
१०।२७।१०।१९	८ चं	१२	८।२२	९।५८	११।५४	२।०९	४।२९	६।४५	९।०१	११।२०	१।३९	३।४४	५।२७	६।५६
१०।२८।१०।१५	९ मं	१३	८।१८	९।५४	११।५०	२।०५	४।२५	६।४२	८।५७	११।१६	१।३५	३।४०	५।२३	६।५२
१०।२९।१०।१०	१० बु	१४	८।१४	९।५०	११।४६	२।०१	४।२१	६।३८	८।५३	११।१३	१।३१	३।३६	५।१९	६।४८
११।००।१०।०२	११ गु	१५	८।१०	९।४६	११।४२	१।५७	४।१७	६।३४	८।४९	११।०९	१।२७	३।३२	५।१५	६।४४
११।०१।०९।५३	१२ शु	१६	८।०६	९।४२	११।३८	१।५३	४।१३	६।३०	८।४६	११।०५	१।२३	३।२८	५।११	६।४०
११।०२।०९।४१	१३ श	१७	८।०२	९।३८	११।३४	१।४९	४।०९	६।२६	८।४२	११।०१	१।१९	३।२४	५।०७	६।३६
११।०३।०९।२६	१४ र	१८	७।५८	९।३४	११।३०	१।४५	४।०५	६।२२	८।३८	१०।५७	१।१५	३।२०	५।०३	६।३२
११।०४।०९।१०	३० चं	१९	७।५४	९।३०	११।२६	१।४१	४।०१	६।१८	८।३४	१०।५३	१।११	३।१६	४।५९	६।२८

संक्रांति फलम्

अयनांशाः २३।५६।३१

ता. १४ मार्च २००७
चैत्र कृ. १० बुधे मीनेऽर्कः प्र. (स्टै.)
टा. २७।२० वारात् ३ नक्षत्रात् ३
वारनाम मंदाकिनी नृपतीन् सुस्थदा
नक्षत्रनाम नंदा गणकान् सुस्थदा अपर
रात्रि ३ प्रहर व्यापिनी नटान् हन्ति,
पूर्वे गमनमाग्नेयां दृष्टिः ववकरणे
प्रविष्टा मध्यमफलं सिंहवाहनं
गजोपवाहनं भीतिकारक श्वेतवस्त्रं
भुशुण्ड्यायुधं स्वर्णपात्रं अन्नभक्षणं
कस्तूरीलेपनं दैवतंजातिः पुन्नागपुष्पं
पिरोजभूषणं विचित्रकंचुकी बालावस्था
(बैठी) मु. ४५ धान्यभावे समर्घ वत्स
पश्चिमा. राहु दक्षिणे मूलं भूमौ
विवाहस्तंभो नैऋत्यां शुक्रोदयः
पश्चिमायाम् । पुण्यकालः (स्टै.)
२७।२० से गुरुवार ९।४४ तक ।
(दान- भूमि माला) ।

पं.४९ चै.कृ.१२ शु. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
११	९	१०	७	०	३	१०	४
०१	१९	०४	२५	०३	२५	२१	२१
०८	४३	१७	०८	५२	२६	४६	४६
१४	५६	१६	२६	२२	३५	३१	३१
५९	४५	४२	३	७२	३	३	३
४५	४९	५७	४४	३९	२६	११	११
पूभा	श्र	ध	ज्ये	अ	श्ले	पूभा	पूफा
४	३	४	३	२	३व	१	३



CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

श्री गणेशाय नमः ॥ अंचित्याव्यक्तरुपाय निर्गुणाय गुणात्मने ॥ समस्त जगदाधार मूर्तये ब्रह्मणे नमः ॥ **पञ्चाङ्ग रत्नं प्रसरन्मयूखं श्री केतकी दृग्गणितेन युक्तम् ॥ लोकोपकाराय कृत प्रबत्न प्रचक्रतु मोह** विनाशदक्षम् ॥ २ ॥ अथास्मिन् वर्षे सृष्टितो गताब्दाः १९५५८८५१०८, तत्र कृतयुग प्रमाणम् १७२८०००, त्रेतायुग प्रमाणम् १२९६०००, द्वापरयुग प्रमाणम् ८६४०००, कलियुग प्रमाणम् ४३२०००, **तन्मध्ये गतकलिः** ५१०८ भोग्यकलिः ४२६८९२ अथास्मिन् - शुभ संवत्सरे श्रीमन्नृपतिविक्रमादित्यराज्यात् संवत् २०६४ शाकः १९२९ । अथाऽस्मिन् वर्षे राजा चंद्रः १, मंत्री शनिः २, सस्येशश्चंद्रः ३, धान्येशो रविः ४, मेघेशः शुक्रः ५, रसेशो बुधः ६, नीरसेशश्चंद्रः ७, फलेशः शुक्रः ८, धनेशश्चंद्रः ९, दुर्गेशः शुक्रः १०, एते दशाधिकारिणः । तत्र बार्हस्पत्य मानेन प्रभवादी षष्ट्यब्दानां मध्ये विष्णु विंशतिकायां १४ सर्वरी नामास्यः संवत्सरः प्रवर्तते । तस्य मेषाऽर्क समये गत मासादि ११।२।३८।२४ भोग्य मासादि ०।२७।२१।३६ पिता दैवतं युगम् । वर्षनाम वैशाख । चतुर्मेघनाम द्रोणः । रोहिणी निवासः समुद्रे । समय निवासो मालाकारगृहे । समय विश्वा २० । समय वाहन मृग । स्तंभाऽभावः । सोमवत्यमा. ० । सोमवती पंचमी २ । अंगारकी चतुर्थी ३ । भानु सप्तमी २ । बुधाष्टमी १ । रविदशमी २ । समय मुहूर्तानि ३३० । समय दिनानि ३८४ । तिथि क्षयः १८ । तिथि वृद्धिः १३ । अष्टोत्तरी मतेन उत्पत्ति विश्वा ९३ । स्पपति विश्वा ८४ । विंशोत्तरी मतेन उत्पत्ति विश्वा ८७ । स्पपति विश्वा ९६ । वर्षा विश्वा १५ । धान्यम् ५ । तृणम् १५ । शीतम् १५ । तेजः ११ । वायुः १३ । वृद्धिः १५ । क्षयः १५ । विग्रह ११ । ऐक्यम् ११५ । (क्षुधा ७ । तृष्णा १३ । निद्रा १७ । आलस्य १३ । उद्यम ११ । शान्ति ९ । क्रोध ११ । दण्ड १३ । मैत्री ३ । उत्सव १५ । पाप १५ । पुण्य ११ । उग्रत्व १५ । रसोत्पत्तिः १३ । फलोत्पत्तिः १७ । व्याधि १५ । व्याधिनाश ११ । आचार ९ । अनाचार १३ । मृत्यु ९ । जन्म १७ । चौर ५ । उपशमन ९ । अग्निभय १५ । अग्निशमः ७) सत्यम् ॥, धर्म ९॥, पाप १८ । शनि दृष्टिः दक्षिणस्याम । ग्रहणाऽभावः ॥ उद्भिजः १५ । जरायुजः ३ । पिण्डजः ५ । स्वदेजः ७ । इस वर्ष का फल उत्तम है । आगे गौ प्रजा भाग्य प्रबल है ।

(१) नोट - श्रावण शुक्ला १५ मंगलवार, संवत् २०६४, ता. २८ अगस्त २००७, रामगढ में स्वग्रास **चंद्रग्रहण** का अभाव है लेकिन भारत के अन्य भागों में दिस्ताई देगा ।

(२) नोट - माघ शुक्ला.१५ गुरुवार, संवत् २०६४, ता. २१ फरवरी २००८, रामगढ में स्वग्रास **चंद्रग्रहण** का अभाव है लेकिन भारत के अन्य भागों में दिस्ताई देगा ।

जहाँ ग्रहण दिस्ताई नहीं दे वहाँ तत्सम्बधि धार्मिक कृत्य करना आवश्यक नहीं है ।

सूर्यग्रहणाऽभावः

नोट- ग्रहणों का विशेष विवरण वार्षिक पञ्चाङ्ग में देखें ।

पञ्चाङ्ग गणित कर्ता -
पं. श्री रामकुवारात्मज ग्यारसीलाल शर्मा
मु. डूमोली कलाँ, पो. डूमोली खुर्द
वाया- सिंघाना, जि. झुन्झुनू (राज.) पिन. ३३३५१६.

॥ अथ भैरव भवानि संवाद ॥

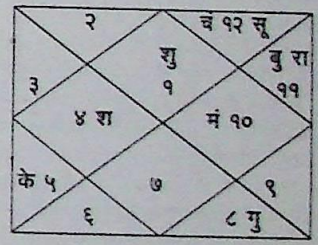


भैरव प्रश्नः जयजननी जगदीश्वरी तूं जग की प्रतिपाल ।
चोसठ संवत का कहो श्रीमुख से सब हाल ॥
भवानी उ.: सुनले भैरव प्रेम से मैं समझावुं तोय ।
राजामंत्री देस्तां श्रेष्ठ जमानो होय ॥
सौम्यग्रहों ने वर्ष में लिये अष्ट अधिकार ।
रोहिणी वास समुद्र में वृष्टि हो अपार ॥
समय वास माली यहाँ मंदा करे व्यापार ।
अनाज पाणी हो घणा मंगल गावें नार ॥
मेघाधिप फल के पति शुक्र बने दुर्गेश ।
सूर्यपुत्र मंत्री बने सूर्य बने धान्येश ॥
इनकी सैंचाताण में राजकाज गरमाय ।
चार पदों के चंद्रमा शीत बात समझाय ॥
रसकस तो होसी घणो प्रजा में जै जै कार ।
ईश्वरदत्तजी गुरु बने जो ज्ञन दियो अपार ॥

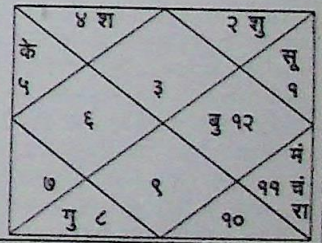
लाभ स्वर्च कोष्ठक

	अष्टोत्तरी मतेन		विंशोत्तरी मतेन	
राशि	लाभ	स्वर्च	लाभ	स्वर्च
मेष	१४	२	११	१४
वृष	८	११	५	८
मिथुन	११	८	११	५
कर्क	५	८	५	२
सिंह	८	२	८	१४
कन्या	११	८	११	५
तुला	८	११	५	८
वृश्चिक	१४	२	११	१४
धनु	२	११	८	५
मकर	५	५	२	८
कुंभ	५	५	२	८
मीन	२	११	८	५

वर्ष लग्नम् ०।०६



वर्षेश लग्नम् २।२८



लाभ - स्वर्च देखनें की विधि और फल

जिस राशि का देखना हो उस राशि के सामनेवाले लाभ-स्वर्च के अंको को जोड़कर १ घटा देवें और ८ का भाग देवें यदि १ शेष रहे तो लाभ, २ शेष रहे तो सौख्य, ३ शेष रहे तो क्लेश, ४ शेष रहे तो रोग, ५ शेष रहे तो लोकापवाद (अपयश), ६ शेष रहे तो सन्मान, ७ शेष रहे तो विजय, ८ या ० शेष रहे तो हानि होती है ।

CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

॥ अथ संवत् २०६४ वर्ष फलम् ॥

॥ श्री गणेशाय नमः ॥ अथ वर्ष फलम् ॥ अथास्मिन् संवत्सरे श्रीमन्नृपति विक्रमादित्य राज्यात् संवत् २०६४ शाकः १९२९ सर्वरी नामास्यः संवत्सरः प्रवर्ततें तत्फलम् - शर्वरीवत्सरेपूर्णाधरासस्यार्धवृष्टिभिः । जनाश्चसुस्थिनःसर्वेराजानःस्युर्विवैरिणः ॥ अथास्मिन् वर्षे राजाचंद्रस्तत्फलम् - चन्द्रे नृपे मंगलशोभनानि प्रभूतवृष्टिः प्रचूरं च धान्यम् । सोख्यं जनानामुदयो नृपाणां प्रशाम्यति व्याधिजरा नराणाम् ॥ मंत्रीशनिस्तत्फलम् - रविसुतेयदिमंत्रिणिपार्थिवाविनयसंरहिताबहुदुःखदाः । नजलदाजलदाजनतापदाजनपदेषु सुस्थंधनंक्वचित् ॥ सस्येशश्चंद्रस्तत्फलम् - सस्याधिपे शीतकरे प्रजासुस्थं मेघः पयो मुञ्चति गोपगोधुक् । देवद्विजाराधनतत्परा नृपा धरा भवेद्धान्यधनौघपूर्णा ॥ धान्येशोरविस्तत्फलम् - पश्चाद्धान्याधिपेसूर्येपश्चाद्धान्यंतदानहि । विग्रहंभूभृतांधान्यंमहर्घजेवरपीड़नम् ॥ मेघेशः शुक्रस्तत्फलम् - भृगुसुतोजलदस्यपतिर्यदाजलमुचोजलदादिविशोभनाः । धननिधानयुताद्विजपालकानृपतयो जनतासुस्वदायकाः ॥ रसेशोबुधस्तत्फलम् - रसपतौद्विराजयुतेमहीसुलभधान्यघृतादियुता जनाः । प्रमुदिता वरनायकपालिताबहुजलास्खिलदेशसुरक्षिता ॥ नीरसेशश्चंद्रस्तत्फलम् - शुक्लवर्णादिवस्तूनांमुक्तारजतवाससाम् । अर्घवृद्धिः प्रजायेतशंशाकेनीरसाधिपे ॥ फलेशः शुक्रस्तत्फलम् - यदि फलस्यपतौभृगुजेधरामृदुकुमारमहीरुहराशयः । बहुफलानरनातसुभोगदाद्विजवराः श्रुतिपाठपरायणाः ॥ धनेशश्चंद्रस्तत्फलम् - धनपतिर्मृगलाञ्छनकोयदारसचयक्रयविक्रयतो धनम् । वसनशालिसुगंधर संबद्रविणतैलघृतं नृपसौख्यकम् ॥ दुर्गेशः शुक्रस्तत्फलम् - नरवरेभुविशेद्यपतिर्यदा भृगुसुतो बहुसौख्यकरो मतः । विनयवाणिजगेहसमः सुखे गतवनं निकटेऽपि च दूरतः॥ वर्षनाम बैशाख्य तत्फलम् - अंधंविविधभावेन जायतेद्रविणप्रदम् । नीरुजानिर्भयालोका वैशाखेजनपूजिताः ॥ चतुर्मेघनाम द्रोणस्तत्फलम् - द्रोणेवर्षत्तिसर्वदा । रोहिणी निवासः समुद्रे तत्फलम् - समुद्रे तु महावृष्टिः । समय निवासो मालाकारगृहे तत्फलम् - सर्ववस्तुसमर्घं स्यान्मालाकारगृहेऽद्वके ॥ अपिच - मालिनः प्रचुरा वृष्टिः । एवं संचित्य देवज्ञैः कथनीयं शुभाऽशुभम् ॥

॥ अथ वृहच्चार शनिचारात् वर्षफलविचार ॥

इस वर्ष में राजा और सस्येश और नीरसेश और धनेश चंद्र हैं । रसेश बुध हैं । मेघेश और फलेश और दुर्गेश शुक्र है । मंत्री शनि है । धान्येश रवि हैं । इस ग्रहमंडल की विधानसभा में ८ स्थान सौम्यग्रहों को प्राप्त हुए हैं और २ स्थान उग्रग्रहों को उपलब्ध हुए हैं अतः वर्षफल उत्तम होगा । प्रजा में सुख शान्ति होगी , धन-धान्य ,व्यवसाय , राजकीयकोश की वृद्धि होगी । आधुनिक अस्त्र-शस्त्र ,स्वचालित यंत्रो के विकास में वृद्धि होगी ,स्मग्लरों का ह्रास होगा । **चैत्र** - वर्षलग्न मेष होने से उस वर्ष पूर्व में राज विग्रह तथा दुर्भिक्ष हो, दक्षिण में बहुत धान्य और सुभिक्ष हो । धान्य बेचने से लाभ हो, मेघ बहुत वर्षे, घी तैलादि महंगे हों । उत्तर में सुभिक्ष हो, राजाओं में उद्वेग हो, मध्य देश में महावर्षा और धान्य उपजे । **वैशाख** - वृहस्पति और शुक्र परस्पर सप्तम राशि में स्थित होने से रोग और अवृष्टि हो । गुरु वक्री होने से धान्य सस्ते हों, खेतियां बहुत हों । राजनीति में क्लेश हो, प्राणियों के धातुओं (वसा,रक्त,मांस,मेधा,अस्थि,मज्जा और शुक्र) की हानि हो । कहीं कहीं अत्यधिक मरी पड़े, श्रृंगार की वस्तुएं महंगी हो । व्यापारी, वैद्य, नौका से जीविका चलाने वाले, जल में उत्पन्न होने वाले द्रव्य तथा घोड़े (अश्व) पीडित हों । तिल, वस्त्र, कपास, सुपारी आदि महँगे हो, ईख, दूध, रस (मधुर आदि) और घी अदि सस्ते हों । मृगशिरा में शुक्र होने से धान्य की महर्घता हो । हाथियों को पीड़ा हो, चाण्डालों का नाश हो, तीव्र रोग हो । **ज्ये.ज्येष्ठ** - विप्रगण पीड़ित हों, अल्पवृष्टि हो, ज्वर पीड़ा हो और कहीं कुछ उपद्रव हो, कोसल तथा कलिङ्ग देश पीड़ित हो । कपास, तिल, सूत महँगे हों । ज्येष्ठा नक्षत्र में गुरु उदय होने से अच्छे कुल में उत्पन्न, अति धनी, बहुतों में प्रधान, राजा लोग, धर्म को जानने वाले और कंगनी तथा शमी के अतिरिक्त सब धान्य पीडित हों । सुभिक्ष हो, वायु से वर्षा हो । अश्मक और विदर्भ देश में अनय (उपद्रव) हो । गेहूँ तिल उड़द सस्ते हों, ग्रहपात (शस्त्रनिपात), पवन का प्रवाह हो । **द्वि.ज्येष्ठ** - पुष्य में शुक्र होने से अधिक वृष्टि तथा विद्याधरों के युद्ध में विमर्द हो । तुष धान्य मँहगे हों । लोगों को सर्पो से अत्यन्त पीडा हो । मिथुन राशि में बुध का अस्त होने से राजाओं को पीड़ा हो । **आषाढ** - हस्तिपति पीडित हों और अतिवृष्टि हो । सिंह राशि का शनि होने से हाथी घोड़े बैलों का नाश हो, युद्ध दुर्भिक्ष और रोगों से लोग पीड़ित रहें । समुद्र के मार्ग के देशों में भंग हो म्लेच्छों से लोगों को दुःख हो । धान्य भाव अच्छा हो राजाओं को धन सुख मिले उनका प्रताप फैले । मघा नक्षत्र में स्थित शनैश्चर बाह्लीक, चीन, गान्धार, शूलिक और पारत देश में रहने वाले मनुष्य, वैश्य, कोष्ठागार, वणिक्, किरात इनको पीडित करता है । दक्षिण की पवन चले, धान्यादि सभी वस्तुओं के भाव मंदे हो, रस घृत किराणें की वस्तुएं तेज हों । धान्य महंगा हो, तपस्वियों के आश्रमों में पीड़ा हो । कपास सूत मंदा हो, शस्त्रनिपात (युद्ध), क्षुधा, रोग हो । **श्रावण** - सिंह में शनि अस्त होने से व्यथा उत्पन्न हो । **शस्त्रनिपात** (युद्ध), क्षुधा, रोग हो । कर्क राशि में बुध का अस्त होने से अनावृष्टि । सिंह राशि में शुक्रास्त होने से भूपवर्ग में पीड़ा हो । महावृष्टि हो, तुष धान्य उत्पन्न हों । वृक्षों में रोग, चौपायों में पीड़ा, कपास वस्त्र और सूत की महँगाई हो । लोगों को सर्पो से अत्यन्त पीडा हो । क्षेत्र के बंटवारे को लेकर पडोसी देश से मनमुटाव हो, अन्न मँदा हो, क्षुधा, शस्त्र, चोर और रोगों की वृद्धि हो । कर्क राशि में शुक्रोदय होने से अतिवृष्टि से धान्यनाश हो । **भाद्रपद** - उड़द मूंग कम उत्पन्न हों । प्राणियों के धातुओं (वसा,रक्त,मांस,मेधा,अस्थि,मज्जा और शुक्र) की हानि हो । अतिवृष्टि हो, बहुत धान्य और सुख हो । सिंह का शनि उदय होने से बालकों में पीड़ा हो । स्नेह (तेल, घृत आदि), रस (मधुर आदि) के मुल्य में वृद्धि हो । वर्षा कम हो, गणिका, शिल्पी, और विप्र वर्ग पीड़ित हो । **आश्विन** - वृष्टि हो, हस्तिपति पीडित हों और अतिवृष्टि हो । तुला राशि में बुध का अस्त होने से व्यापारी वस्तु महँगी हो । शबर-पुलिन्द जन पीड़ित हों और अतिवृष्टि हो । वर्षा कम हो, गणिका, शिल्पी, और विप्र वर्ग पीड़ित हो । **कार्तिक** - भूकंप तथा युद्धादि हों । कुरु देश में निवास करने वाले, जाङ्गल (स्वल्पोदक स्थान) में निवास करने वाले और पञ्जाबस्थ जन पीड़ित हों तथा वृष्टि हो । पूर्वाफाल्गुनी नक्षत्र में स्थित शनैश्चर रस (मधुर, अम्ल, लवण, तिक्त, कटु और कषाय) बेचने वाले, वैश्या, कुमारी, महाराष्ट्र देश में निवास करने वाले मनुष्य इन सबों को पीडित करता है । मेघों की गर्जना के साथ वर्षा हो, कौरव और चित्रकार पीडित हों अनावृष्टि हो । धन का बृहस्पति होने से हेममाली मेघ वर्षता है और घर घर में स्त्रियों को पीड़ा होती है, पूर्वकाल में धान्य, गेहूँ, चावल, शक्कर अधिक हों और कपास प्रवाल, कांसी, लोह, घी, सीसा, सोना, चांदी यह महँगे हों तथा तिल तेल, गुड़, सुपारी, श्वेत वस्त्र यह कुछ सस्ते हों । घी महंगा हो और भैंस, घोड़े, गौ, मंजीठ महँगे हो । मंगशिर तथा पौष में मंजिठ, हींग, मोती, जायफल, सुपारी और प्रवाल महँगे हो । **मार्गशीर्ष** - अतिवृष्टि हो, वैद्य, दूत, वाणिज्य कर्म करने वाले, नाव चलाने वाले इनमें उपद्रव हो । ईख, शाली और घी महँगे हों । तुष धान्य की महँगाई हो । **पौष** - अतिवृष्टि हो, और कपास की खेती को हानि हो । छोटे बालकों में पीड़ा हो । धन में बृहस्पति के उदय होने से अल्प वर्षा हो, धान्योत्पत्ति उत्तम हो । मूल में गुरु उदय होने से अच्छे कुल में उत्पन्न, अति धनी, बहुतों में प्रधान, राजा लोग, धर्म को जानने वाले और कंगनी तथा शमी के अतिरिक्त सब धान्य पीडित हों । पृथ्वी धान्य तथा रस से पूर्ण हो, संसार में कहीं भी प्राकृतिक आपदा हो । गुड़ अलसी और चणे अदि धान्य में बर्फ (ओले) गिरने का भय हो । प्रधान वैद्य (डाक्टर) पीड़ित हों अनावृष्टि हो । **माघ** - क्षेत्रपति का क्षय हो, जल में उत्पन्न जीव पीड़ित हों । मकर राशि में बुध का अस्त होने से व्यापारियों को कम लाभ हो । सुभिक्ष हो, पृथ्वी धान्य तथा रस से पूर्ण हो । कर्णपीड़ा हो । **फाल्गुन** - सुभिक्ष हो, पाखण्डियों में भय उत्पन्न हो । वर्षा का अभाव हो । बालकों में पीड़ा हो । वृष्टि हो, शतभिषा नक्षत्र में स्थित शुक्र शौण्डिकों (मद्यविक्रेता - कलवारों) को पीड़ित करता है । व्यापारी, वैद्य, नौका से जीविका चलाने वाले, जल में उत्पन्न होने वाले द्रव्य तथा घोड़े (अश्व) पीडित हों । **चैत्र** - राजनीति में क्लेश हो, प्राणियों के धातुओं (वसा,रक्त,मांस,मेधा,अस्थि,मज्जा और शुक्र) की हानि हो । फल-मूल पीड़ित हों । उ.षाढा का गुरु वृष्टिकारक है । आगे सर्वज्ञ जगत नियन्ता जगदीश्वराधीन है । गो प्रजा भाग्य प्रबल है ।

CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

सन्२००७ वैशाख्य शुक्लपक्षः

अप्रे २० ३ शुक्रे रोहि. रे ९ ॥ऽशु॥॥॥॥ दिवा ल. २।४।६ (कर्के सोग्रांगः, कन्या बु. ७ दो., स्टें. १७।०० यावत्)
अप्रे २० ३ शुक्रे मृगे रे ७ ऽ॥॥ऽ॥ऽ॥ रात्रौ १२ (शु. ३ दोषः)
अप्रे. २१ ५ शनौ मृगे रे ६ ऽ॥॥ऽ॥ऽऽ॥ दिवा ल. ३।४।६ रात्रौ अ.गो. ८ (वृश्चि. शु. ७ पू. रा.४ दो.)
अप्रे. २८ १२ शनौ उफा. रे ८ ।॥॥ऽ॥ऽ॥॥ रात्रौ ल. अ.गो. ११ (कुं. सोग्रांगः के. ७, श. ६ दो.)
अप्रे. २९ १२ रवौ उफा. रे ८ ।॥॥ऽ॥ऽ॥॥ दिवा ल. ३
अप्रे. २९ १२ रवौ हस्ते रे ६ ऽऽ॥ऽ॥ऽ॥॥ दिवा ल.४,रात्रौ अ.गो.११ (कुं सोग्रांगः, के. ७, श ६ दो. कर्के सोग्रांगः)
अप्रे. ३० १३ चंद्रे हस्ते रे ८ ऽऽ॥॥॥॥॥॥ दिवा ल. ३।४

प्र. ज्येष्ठकृष्णपक्षः

मई ६ ४ रवौ मूले रे ८ ।॥॥ऽ॥ऽ॥ दिवा ३।६, रात्रौ गो., १२
मई ८ ६ भौमे उषा. रे ७ ।ऽ।ऽशु॥॥॥ऽ द. दिवा ल. २।४, रात्रौ अ. गोधूलि (कर्के सोग्रांगः, चं. ७ पू.)
मई १४ १२ चंद्रे रेवत्यां रे ९ ।॥॥॥॥ऽ॥ दिवा ल. २ (गु. ७ पू.)

द्वि. ज्येष्ठ शुक्लपक्षः

जून १९ ५ भौमे मघा रे ९ ।ऽ॥॥॥॥॥ रात्रौ अ. गो., १ (सोग्रांगः)
जून २० ६ बुधे मघा. रे.९ ।ऽ॥॥॥॥॥ दिवा ६, रात्रौ अ. गोधूलि
जून २१ ७ गुरौ उफा. रे ९ ।॥॥॥॥ऽ॥ रात्रौ लग्नाऽभावः
जून २३ ८ शनौ हस्ते रे ९ ।॥॥॥॥ऽ॥ दिवा ल. ८,रात्रौ अ.गो.१२ (मीने चं.७ पू.)
जून २७ १२ बुधेऽनुराधा रे ८ ऽऽ॥॥॥॥॥ रात्रौ अ.गो.१२।९ (मेषे.सो.)
जून २८ १३ गुरावनुराधा रे ८ ऽऽ॥॥॥॥॥ दिवा ल. ६

आषाढ कृष्णपक्षः

जुला. १ १ रवौ उषा. रे १० ।॥॥॥॥॥ रात्रौ ल. १२।९ (मेषे सोग्रांगः, स्टें. २५।४२ यावत्)
जुला. ६ ६ शुक्रे उभा. रे १० ।॥॥॥॥॥ रात्रौ ल. १।२ (मेषे सोग्रांगः)
जुला. ७ ७ शनौ उभा. रे ८ ।॥॥॥ऽ॥ऽ दि.ल. ६ (चं. ७ दोषः)
जुला. ७ ७ शनौ रेवत्यां रे ७ ऽ॥॥॥॥ऽ॥ऽ द. रात्रौ ल. अ. गो. १।२ (मेषे - सोग्रांगः, वृषे गु. ७ पू.)
जुला. ८ ८ रवौ रेवत्यां रे ७ ऽ॥॥॥ऽ॥ऽदग्धा दिवा ल. ६
जुला. ११ १२ बुधे रोहि. रे ७ ऽऽ॥॥॥॥ऽ॥ दिवा. ल. ६, रात्रौ १० (मकरे श ७ दोषः)

अग्रे कर्केऽर्कः

कार्तिक शुक्लपक्षः

नवं. २१ ११ बुधे रेवत्यां रे ९ ।॥॥ऽ॥॥॥॥ दिवा १०।१, रात्रौ गो., ३।५ (रात्रौ मिथु. सोग्रांगः, सिंहे सोग्रांगः, के.७ दोषः)

नवं. २४ १५ शनौ रोहि. रे ८ ।॥॥ऽ॥ऽ॥ रात्रौ ५।७ (सिंहे सोग्रांगः के. ७ दो.)

मार्गशीर्ष कृष्णपक्षः

नवं. २५ १ रवौ रोहि. रे ८ ।॥॥ऽ॥ऽ॥ दिवा ल.१०।१२ (मीने७ पू.)
नवं. २५ १ रवौ मृगे रे ८ ऽ॥॥ऽ॥॥॥ रात्रौ ल. ३।७ (मिथु.स्टें. २०।१६ उप.)
नवं. २६ २ चंद्रे मृगे रे ९ ऽ॥॥॥॥॥॥ दिवा ल. १२ (शु. ७ पू.)
दिसं. २ ९ रवौ उफा. रे ८ ऽ॥॥॥ऽ॥ रात्रौ अ. गो. ४।७
दिसं. ३ ९ चंद्रे उफा. रे ७ ऽ॥॥॥॥ऽ॥ऽ द. दि. ल. १०।१२, रात्रौ अ.गो. (मीने चं. ७ पू.)
दिसं. ४ १० भौमे हस्ते रे ८ ।॥॥॥॥॥ऽ॥ऽ द. दिवा ल. १०।१२, रात्रौ अ.गो. ४ (मीने चं. ७ पू. कर्कः स्टें. २२।१५ या.)

अग्रे गुरोरस्तत्वादभावः

सन्२००८ माघ कृष्णपक्षः

जन. २६ ४ शनौ उफा. रे ९ ।॥॥॥॥॥ दिवा ल. १।२, रात्रौ गो. ८ (वृश्चि. रा. ४ दो.)
जन. २७ ५ रवौ उफा. रे ९ ।॥॥॥॥॥ दिवा ल. १२ (चं. ७ पू.)
जन. २७ ५ रवौ हस्ते रे ९ ।॥॥॥॥॥ दिवा ल.२. रात्रौ गोधूलि ८ (वृश्चि. रा. ४ दो.)
जन. २८ ६ चंद्रे हस्ते रे ९ ।॥॥॥॥॥ दिवा ल. १२ (चं. ७ पू.)
जन. ३१ ९ गुरौ अनु. रे ९ ऽ॥॥॥॥॥ रात्रौ ल. ७।९ (तुला शु. ३ दो., धनु. भौम सप्तम दो.)
फर. १ १० शुक्रेऽनुराधा रे ८ ।॥॥॥॥॥ दिवा ल. १२।१।२ (वृषे चं. ७ दो.)
फर. ३ १२ रवौ मूले रे ७ ।॥॥ऽ॥ऽ॥ रात्रौ ल. ८ (रा. ४ दो.)

माघ शुक्लपक्षः

फर. १० ४ रवौ उभा. रे १० ।॥॥॥॥॥॥ दिवा ल. १।२ रात्रौ ९ (धनु. भौम ७ दो., स्टें. २८।१९ उप.)
फर. ११ ५ चंद्रे रेवत्यां रे ८ ।ऽ।॥॥॥॥ दिवा ल. १।२

फाल्गुन कृष्णपक्षः

फर. २२ १ शुक्रे उभा. रे १० ।॥॥॥॥॥॥ रात्रौ ल. ७।१०
फर. २४ ३ रवौ हस्ते रे ७ ।ऽ।॥॥ऽ॥ऽ द. दि. ल. २
फर. २८ ७ गुरौ अनु. रे ७ ऽ॥॥॥ऽऽ॥ दि. ल. १२।१, रात्रौ अ.गो. ७।९।१०
फर. २९ ८ भृगौ अनु. रे ८ ऽ॥॥॥॥ऽ॥ दिवा ल. १२
मार्च १ ९ शनौ मूले रे ७ ।॥॥ऽ॥ऽऽ॥ रात्रौ ल. अ. गो. ७।१०
मार्च २ १० रवौ मूले रे ८ ।॥॥ऽ॥ऽ॥ दिवा ल. १२।१।२

फाल्गुन शुक्लपक्षः

मार्च ९ २ रवौ उभा. रे १० ।॥॥॥॥॥॥ दिवा ल. १।२

मार्च ९ २ रवौ रेवत्याम् रे १० ।॥॥॥॥॥॥ दिवा ल. ४, रात्रौ ८।१० (कर्के बु. ७ पू.)
मार्च १० ३ चंद्रे रेवत्यां रे १० ।॥॥॥॥॥॥ दिवा ल. १।२

॥ कात्यायनोक्त विवाह मुहूर्त्ताः नक्षत्र चतुष्टयी ॥

सन्२००७ प्र. ज्येष्ठ कृष्णपक्षः

मई ९ ७ बुधे श्रवणे रे.९ ।॥॥॥॥ऽ॥ ल. अ. गो. ९।१२ (सोग्रांगः मीनः)

द्वि. ज्येष्ठ शुक्लपक्षः

जून २३ ८ शनौ चित्रा रे.९ ।॥॥॥॥ऽ॥ रात्रौ ल. २ (शु. ३ दो.)
जून २४ ९ रवौ चित्रा रे.९ ।॥॥॥॥ऽ॥ दिवा ल.६, रात्रौ अ.गो. १२।१ (मेषः सोग्रांगः)

आषाढ कृष्णपक्षः

जुला. २ २ चंद्रे श्रवणे रे.१० ।॥॥॥॥॥॥ रात्रौ ल. १२।२ (मीनः स्टें. २४।११ उप.)

मार्गशीर्ष कृष्णपक्षः

दिसं. ४ १० भौमे चित्रा. रे.८ ॥ऽशु॥॥ऽ॥ रात्रौ ल. ७
दिसं. ५ ११ बुधे चित्रा. रे.८ ॥ऽशु॥॥ऽ॥ दिवा ल. १०।१२ (मीने चं. ७ दो.)

सन्२००८ माघ कृष्णपक्षः

जन. २८ ६ चंद्रे चित्रा. रे.१० ।॥॥॥॥॥ दिवा ल. ३ रात्रौ गोधूलि (गोधू स्टें. १९।०४ या. तदुपरान्त भद्राः)
जन. २९ ७ भौमे चित्राः रे.१० ।॥॥॥॥॥॥ दिवा ल. १२।१५।३ (मेषे चं. ७ पू., मि. गु.शु. ७ पू.)

फाल्गुन कृष्णपक्षः

फर. २४ ३ रवौ चित्रा रे.७ ।ऽ।॥॥॥ऽ।ऽ द. रात्रौ ७।१० (तुला स्टें. २२।२९ उप.)
फर. २५ ४ चंद्रे चित्रा. रे.७ ।ऽ।॥॥॥ऽ।ऽ द. दिवा ल. १।२ (वृषः स्टें. १९।३३ यावत्)

फाल्गुन शुक्लपक्षः

मार्च १० ३ चंद्रे अश्वि. रे.१० ।॥॥॥॥॥॥ दिवा ल. ४, रात्रौ अ. गो. ७ (कर्कः स्टें. १५।३६ उप. तुला चं. ७ पू.)

(दृष्टिदोषश्चेत् क्षन्तव्यं सुधिभिः)

गणितकर्ता- श्री श्री १०८ पं. ईश्वरदत्त शर्म्मणोऽनुग्रहीत शिष्यः
पं. ग्यारसीलाल शर्मा (शास्त्री)
५८, राम कुटीर, ३ रा माला, हनुमान रोड
विलेपार्ले (पूर्व) मुम्बई ४०००५७. दू. २६१६६७८३

CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

॥ संवत् २०६४ मध्ये उपनयनादि मुहूर्त्ताः ॥

अथ उपनयन मुहूर्त्ताः

सन२००७		
	बैशास्व मासः	
अप्रे. २९	शु.१२ रवौ हस्तेऽभिजि. (तिथ्यामावः)	
	प्र. ज्येष्ठ कृष्णपक्षः	
मई ७	कृ.५ चंद्रे पू.षा.	अभिजिति
	द्वि. ज्येष्ठ शुक्लपक्षः	
जून १७	शु.३ रवौ पुन.	अभिजिति
सन२००८	माघ मासः	
जन. २७	कृ.५ रवौ हस्तेऽभिजिति	
फर. ११	शु.५ चंद्रे रेवत्यां	अभिजिति
	फाल्गुन मासः	
फर. २२	कृ.९ शुक्रे पू.फा.	अभिजिति
फर. २५	कृ.४ चंद्रे चित्रा.	अभिजिति
मार्च ९	शु.२ रवौ उ.भा.	अभिजिति
मार्च १०	शु.३ चंद्रे रेवत्यां	ल. १२
	चैत्र कृष्णपक्षः	
मार्च २३	कृ.२ रवौ चित्रा.	अभिजिति
मार्च २७	कृ.५ गुरौ अनु.	अभिजिति

अथ देव प्रतिष्ठा मुहूर्त्ताः

सन२००७		
	बैशास्व मासः	
अप्रे. २१	शु.५ शनौ मृगे	अभिजिति
अप्रे. २३	शु.७ चंद्रे पुन.	अभिजिति
अप्रे. २८	शु.१२ शनौ उ.फा.	अभिजिति
अप्रे. २९	शु.१२ रवौ हस्ते	अभिजिति
अप्रे. ३०	शु.१३ चंद्रे हस्ते	ल. २।३
	प्र. ज्येष्ठ कृष्णपक्षः	
मई ९	कृ.७ बुधे श्रव.	ल. ६
	द्वि. ज्येष्ठ शुक्लपक्षः	
जून १७	शु.३ रवौ पुन.	अभिजिति
जून २४	शु.९ रवौ चित्रा.	अभि.
	आषाढ मासः	
जुला. ७	कृ.७ शनौ उ.भा.	अभिजिति
सन२००८	पोष मासः	
जन. १९	शु.१२ शनौ रोहिण्यां	अभिजिति
	माघ मासः	
जन. २७	कृ.५ रवौ हस्ते	अभिजिति
जन. २८	कृ.६ चंद्रे हस्ते	अभिजिति
फर. ८	शु.१ शुक्रे शत.	अभिजिति
फर. ११	शु.५ चंद्रे रेव.	अभिजिति
फर. १८	शु.१२ चंद्रे पुन.	अभिजिति
	फाल्गुन मासः	
फर. २३	कृ.२ शनौ उ.फा.	अभिजिति
फर. २५	कृ.४ चंद्रे चित्रा.	अभिजिति
फर. २८	कृ.७ गुरौ अनु.	अभिजिति
मार्च १०	शु.३ चंद्रे अश्वि.	अभिजिति
मार्च १३	शु.६ गुरौ रोहि.	अभिजिति

अथ गेहारंभ (भूमि पूजन) मुहूर्त्ताः

सन२००७		
	बैशास्व मासः	
अप्रे. ३०	शु.१३ चंद्रे हस्ते	अभिजिति
	भाद्रपद मासः	
अग. ३०	कृ.२ गुरौ उ.भा.	अभिजिति
	आश्विन मासः	
अक्टू. २४	शु.१३ बुधे उ.भा.	ल. ९।११।१२
अक्टू. २५	शु.१४ गुरौ रेवत्यां	अभि. (ति.दो.)
	मार्गशीर्ष मासः	
नवं. २६	कृ.२ चंद्रे मृगे	अभिजिति
सन२००८	माघ मासः	
फर. १६	शु.१० शनौ मृगे	अभिजिति
	फाल्गुन मासः	
फर. २३	कृ.२ शनौ उ.फा.	अभिजिति
फर. २५	कृ.४ चंद्रे चित्रा.	अभिजिति

वृषचक्ररहिताः गेहारंभ (भूमिपूजन) मुहूर्त्ताः

सन२००७		
	बैशास्व मासः	
अप्रे. २१	शु.५ शनौ मृगेऽभिजिति	
	आषाढ मासः	
जुला. २१	शु.७ शनौ हस्ते	ल. ५
जुला. २१	शु.७ शनौ चित्रा.	अभिजिति
जुला. २५	शु.११ बुधेऽनुराधा.	ल. ५
	श्रावण मासः	
अग. ४	कृ.६ शनौ रेवत्यां	अभिजिति
	भाद्रपद मासः	
सितं. ८	कृ.१२ शनौ पुष्येऽभिजिति	
सितं. १३	शु.२ गुरौ हस्तेऽभिजिति	
सितं. १४	शु.३ शुक्रे चित्रा.	अभिजिति
सितं. १७	शु.६ चंद्रेऽनुराधा.	ल. ६ (ति.दो.)
	कार्तिक मासः	
नवं. १	कृ.७ गुरौ पुष्येऽभिजिति	
नव. ५	कृ.११ चंद्रे उ.फा.	अभिजिति
नवं. १५	शु.५ गुरौ उ.षा.	अभिजिति
	मार्गशीर्ष मासः	
नवं. २९	कृ. ६ गुरौ पुष्ये	अभि. (ति. दो.)
दिसं. ५	कृ.११ बुधे चित्रा.	ल. ९।११।१२
सन२००८	माघ मासः	
जन. २३	कृ.१ बुधे पुष्ये	ल. ११
फर. १	कृ.१० शुक्रेऽनुराधा.	अभिजिति
फर. ८	शु.१ शुक्रे शते.	अभिजिति
फर. ११	शु.५ चंद्रे रेवत्यामभिजिति	
फर. १६	शु.१० शनौ मृगेऽभिजिति	
	फाल्गुन मासः	
फर. २३	कृ.२ शनौ उ.फा.	अभिजिति
फर. २८	कृ.७ गुरौ अनु.	अभिजिति
मार्च १३	शु.६ गुरौ रोहि.	अभिजिति

अथ नूतन गृहप्रवेश (वास्तु) मुहूर्त्ताः

सन२००७		
	बैशास्व मासः	
अप्रे. २८	शु.१२ शनौ उ.फा.	ल. २
	प्र. ज्येष्ठ मासः	
मई १४	कृ.१२ चंद्रे रेवत्यां	अभिजिति
सन२००८	पोष मासः	
जन. १९	शु.१२ शनौ रोहि.	अभिजिति
	माघ मासः	
फर. १	कृ.१० शुक्रेऽनुराधा.	अभिजिति
	फाल्गुन मासः	
मार्च १३	शु.६ गुरौ रोहिण्यामभिजिति	(ति. क्षय दो.)

कुंभचक्र रहिताः नूतन गृहप्रवेश मुहूर्त्ताः

सन२००७		
	बैशास्व मासः	
अप्रे. २१	शु.५ शनौ मृगे	अभिजिति
सन२००८	माघ मासः	
जन. २८	कृ.६ चंद्रे चित्रा.	ल. २।३ (वृषः स्टैं. १३।४२ उप.)
फर. ११	शु.५ चंद्रे रेवत्यां	अभिजिति
	फाल्गुन मासः	
फर. २३	कृ.२ शनौ उ.फा.	अभिजिति
फर. २५	कृ.४ चंद्रे चित्रा.	अभिजिति
फर. २८	कृ.७ गुरौ अनु.	अभिजिति
मार्च १०	शु.३ चंद्रे रेवत्यां	ल. १२।२ (मीने रा.चं.सू. शु. १२ दो., वृष स्टैं. ११।४७ या.)
मार्च १३	शु.६ गुरौ रोहि.	अभि. (ति.क्ष.दो.)

अथ जीर्ण गृहप्रवेश (वास्तु) मुहूर्त्ताः

सन२००७		
	प्र. ज्येष्ठ कृष्णपक्षः	
मई १०	कृ.८ गुरौ धनि.	अभिजिति
	मार्गशीर्ष मासः	
नवं. २९	कृ.६ गुरौ पुष्ये	अभिजिति

कुंभचक्ररहिता जीर्णगृहप्रवेश (वास्तु) मुहूर्त्ताः

सन२००७		
	कार्तिक मासः	
नवं. १	कृ.७ गुरौ पुष्ये	अभिजिति
	मार्गशीर्ष मासः	
नवं. २८	कृ.४ बुधे पुष्ये	ल. १२ (स्टैं. १४।१४ उप.)
नवं. २९	कृ.६ गुरौ पुष्ये	अभिजिति
सन२००८	माघ मासः	
जन. २३	कृ.१ बुधे पुष्ये	ल. ११
जन. ३०	कृ.८ बुधे स्वात्यां	ल. ११।१२।२

परे लग्नशुद्धया कुयोगादिनाशम् - व्याख्या- अथ परे आचार्या लग्नशुद्धया समीचीनलग्नबलेन कुयोगानां मृत्युक्रकचादीनां नाशं भवंतीति शेषः । - पीयूषधारा

(दृष्टिदोषश्चेत् क्षन्तव्यं सुधिभिः)

CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

॥ सन् २००७-०८, संवत् २०६४ ॥ + (उत्तर) रविक्रान्ति-रेत्वे प्रातः ६।२७ बजे (अंश-कलादौ) - (दक्षिण)

ता.	मार्च	अप्रेल	मई	जून	जुलाई	अगस्त	सितंबर	अक्टूबर	नवंबर	दिसंबर	जनवरी	फरवरी	मार्च	अप्रेल
१	. . . .	+ ४।२०	+१४।५५	+२१।५९	+२३।०९	+१८।०९	+ ८।२९	- २।५८	-१४।१५	-२१।४३	-२३।०४	-१७।१९	- ७।३०	+ ४।३७
२	. . . .	+ ४।४३	+१५।१३	+२२।०७	+२३।०५	+१७।५४	+ ८।०७	- ३।२१	-१४।३४	-२१।५२	-२२।५९	-१७।०२	- ७।०८	+ ५।००
३	. . . .	+ ५।०६	+१५।३१	+२२।१५	+२३।००	+१७।३९	+ ७।४५	- ३।४५	-१४।५३	-२२।०१	-२२।५४	-१६।४५	- ६।४५	+ ५।२३
४	. . . .	+ ५।२९	+१५।४८	+२२।२२	+२२।५५	+१७।२३	+ ७।२३	- ४।०८	-१५।१२	-२२।१०	-२२।४८	-१६।२८	- ६।२२	+ ५।४६
५	. . . .	+ ५।५२	+१६।०६	+२२।२९	+२२।५०	+१७।०७	+ ७।०१	- ४।३१	-१५।३०	-२२।१८	-२२।४२	-१६।१०	- ५।५८	+ ६।०९
६	. . . .	+ ६।१५	+१६।२३	+२२।३६	+२२।४५	+१६।५१	+ ६।३९	- ४।५४	-१५।४९	-२२।२५	-२२।३५	-१५।५२	- ५।३५	+ ६।३२
७	. . . .	+ ६।३७	+१६।४०	+२२।४२	+२२।३९	+१६।३५	+ ६।१७	- ५।१७	-१६।०७	-२२।३३	-२२।२८	-१५।३३	- ५।१२	. . . .
८	. . . .	+ ७।००	+१६।५६	+२२।४८	+२२।३२	+१६।१८	+ ५।५४	- ५।४०	-१६।२४	-२२।३९	-२२।२१	-१५।१४	- ४।४८	. . . .
९	. . . .	+ ७।२२	+१७।१३	+२२।५३	+२२।२५	+१६।०१	+ ५।३२	- ६।०३	-१६।४२	-२२।४६	-२२।१३	-१४।५६	- ४।२५	. . . .
१०	. . . .	+ ७।४५	+१७।२९	+२२।५८	+२२।१८	+१५।४३	+ ५।०९	- ६।२६	-१६।५९	-२२।५२	-२२।०४	-१४।३६	- ४।०१	. . . .
११	. . . .	+ ८।०७	+१७।४४	+२३।०३	+२२।११	+१५।२६	+ ४।४६	- ६।४८	-१७।१६	-२२।५७	-२१।५६	-१४।१७	- ३।३८	. . . .
१२	. . . .	+ ८।२९	+१८।००	+२३।०७	+२२।०३	+१५।०८	+ ४।२३	- ७।११	-१७।३२	-२३।०२	-२१।४६	-१३।५७	- ३।१४	. . . .
१३	. . . .	+ ८।५१	+१८।१५	+२३।११	+२१।५४	+१४।५०	+ ४।०१	- ७।३४	-१७।४९	-२३।०६	-२१।३७	-१३।३७	- २।५१	. . . .
१४	. . . .	+ ९।१३	+१८।३०	+२३।१४	+२१।४६	+१४।३२	+ ३।३८	- ७।५६	-१८।०५	-२३।११	-२१।२७	-१३।१७	- २।२७	. . . .
१५	. . . .	+ ९।३४	+१८।४४	+२३।१७	+२१।३७	+१४।१३	+ ३।१५	- ८।१८	-१८।२०	-२३।१४	-२१।१६	-१२।५७	- २।०३	. . . .
१६	. . . .	+ ९।५६	+१८।५८	+२३।२०	+२१।२७	+१३।५५	+ २।५२	- ८।४१	-१८।३६	-२३।१७	-२१।०५	-१२।३६	- १।४०	. . . .
१७	. . . .	+१०।१७	+१९।१२	+२३।२२	+२१।१७	+१३।३६	+ २।२८	- ९।०३	-१८।५१	-२३।२०	-२०।५४	-१२।१६	- १।१६	. . . .
१८	. . . .	+१०।३८	+१९।२६	+२३।२४	+२१।०७	+१३।१७	+ २।०५	- ९।२५	-१९।०५	-२३।२२	-२०।४२	-११।५५	- ०।५२	. . . .
१९	. . . .	+१०।५९	+१९।३९	+२३।२५	+२०।५७	+१२।५७	+ १।४२	- ९।४६	-१९।२०	-२३।२४	-२०।३०	-११।३३	- ०।२८	. . . .
२०	- ०।२३	+११।२०	+१९।५२	+२३।२६	+२०।४६	+१२।३८	+ १।१९	-१०।०८	-१९।३४	-२३।२५	-२०।१७	-११।१२	- ०।०५	. . . .
२१	+ ०।०१	+११।४०	+२०।०४	+२३।२६	+२०।३५	+१२।१८	+ ०।५५	-१०।३०	-१९।४७	-२३।२६	-२०।०५	-१०।५१	+ ०।१९	. . . .
२२	+ ०।२५	+१२।०१	+२०।१७	+२३।२६	+२०।२३	+११।५८	+ ०।३२	-१०।५१	-२०।००	-२३।२६	-१९।५१	-१०।२९	+ ०।४३	. . . .
२३	+ ०।४८	+१२।२१	+२०।२८	+२३।२६	+२०।११	+११।३८	+ ०।०९	-११।१२	-२०।१३	-२३।२६	-१९।३८	-१०।०७	+ १।०६	. . . .
२४	+ १।१२	+१२।४१	+२०।४०	+२३।२५	+१९।५९	+११।१८	- ०।१५	-११।३३	-२०।२६	-२३।२६	-१९।२४	- ९।४५	+ १।३०	. . . .
२५	+ १।३६	+१३।०१	+२०।५१	+२३।२४	+१९।४६	+१०।५७	- ०।३८	-११।५४	-२०।३८	-२३।२५	-१९।०९	- ९।२३	+ १।५४	. . . .
२६	+ १।५९	+१३।२०	+२१।०२	+२३।२३	+१९।३३	+१०।३६	- १।०१	-१२।१५	-२०।५०	-२३।२३	-१८।५५	- ९।०१	+ २।१७	. . . .
२७	+ २।२३	+१३।४०	+२१।१२	+२३।२१	+१९।२०	+१०।१६	- १।२५	-१२।३५	-२१।०१	-२३।२१	-१८।४०	- ८।३८	+ २।४१	. . . .
२८	+ २।४६	+१३।५९	+२१।२२	+२३।१८	+१९।०७	+ ९।५५	- १।४८	-१२।५६	-२१।१२	-२३।१८	-१८।२४	- ८।१६	+ ३।०४	. . . .
२९	+ ३।१०	+१४।१८	+२१।३२	+२३।१५	+१८।५३	+ ९।३३	- २।११	-१३।१६	-२१।२३	-२३।१६	-१८।०९	- ७।५३	+ ३।२८	. . . .
३०	+ ३।३३	+१४।३६	+२१।४१	+२३।१२	+१८।३९	+ ९।१२	- २।३५	-१३।३६	-२१।३३	-२३।१२	-१७।५२	. . . .	+ ३।५१	. . . .
३१	+ ३।५६	. . . .	+२१।५०	. . . .	+१८।२४	+ ८।५१	. . . .	-१३।५५	. . . .	-२३।०८	-१७।३६	. . . .	+ ४।१४	. . . .

उत्तर (धन) — दक्षिण (ऋण)

महापात योगाः (स्टै. समय में) संवत् २०६४ (सन २००७-०८)

योगाः	महापात स्पर्शः तारीख	घं. मि.	महापात मोक्षः तारीख	घं. मि.
व्यती.	३१ मार्च	२०।२६	३१ मार्च	२४।४२
वैधृति	१४ अप्रे.	८।२१	१४ अप्रे.	१२।००
व्यती.	२६ अप्रे.	९।१३	२६ अप्रे.	१३।५१
वैधृति	९ मई	२९।३५	१० मई	१०।१९
व्यती.	२१ मई	२९।०१	२२ मई	१०।२३
वैधृति	५ जून	७।०८	५ जून	१३।३५
व्यती.	१७ जून	१८।०५	१७ जून	२४।२९
वैधृति	२६ जून	२६।२९	२७ जून	९।३९
व्यती.	९ जुला.	२९।०८	१० जुला.	१०।५०
वैधृति	२३ जुला.	१२।३८	२३ जुला.	१८।२८
व्यती.	५ अग.	९।३८	५ अग.	१४।०२
वैधृति	१८ अग.	८।३५	१८ अग.	१३।२२
व्यती.	३१ अग.	८।१७	३१ अग.	११।५४
वैधृति	१२ सितं.	२४।०२	१२ सितं.	२८।१६
व्यती.	२६ सितं.	८।०१	२६ सितं.	११।२७
वैधृति	८ अक्टू.	१३।०२	८ अक्टू.	१७।१६
व्यती.	२१ अक्टू.	३०।३४	२२ अक्टू.	१०।३१
वैधृति	२ नवं.	२६।०४	२ नवं.	३०।४२
व्यती.	१६ नवं.	२५।२३	१६ नवं.	३०।४२
वैधृति	२८ नवं.	२३।३५	२८ नवं.	२९।०७
व्यती.	१२ दिसं.	२७।३३	१३ दिसं.	१०।५५
वैधृति	२५ दिसं.	१३।४९	२५ दिसं.	२०।११
व्यती.	३ जन.	२१।३८	३ जन.	२८।५३
वैधृति	१६ जन.	३०।५४	१७ जन.	१२।०५
व्यती.	२९ जन.	२३।०८	२९ जन.	२८।३८
वैधृति	११ फर.	२९।११	१२ फर.	९।१७
व्यती.	२४ फर.	१६।०६	२४ फर.	२०।३२
वैधृति	८ मार्च	२४।५८	८ मार्च	२८।३४
व्यती.	२१ मार्च	७।२१	२१ मार्च	११।२५
वैधृति	३ अप्रे.	२२।०६	३ अप्रे.	२५।५०

CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

संवत् २०६४ शाकः १९२९ की मास दशा देखने की सारणी

मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
बै.कृ. ११ से शु द. उ. सू द. दि. २० प्र.	प्र.ज्ये.कृ. १३ से शु द. उ. सू द. दि. २० प्र.	बै.कृ. ०३ से शु द. उ. शु द. दि. ७० प्र.	चै.शु. ०६ से गु द. उ. रा द. दि. ४२ प्र.	बै.शु. ०९ से गु द. उ. रा द. दि. ४२ प्र.	चै.शु. १० से श द. उ. गु द. दि. ५८ प्र.	चै.शु. ०४ से बु द. उ. श द. दि. ३६ प्र.	बै.शु. ०५ से बु द. उ. श द. दि. ३६ प्र.	चै.शु. ०७ से मं द. उ. बु द. दि. ५६ प्र.	चै.शु. ०८ से चं द. उ. मं द. दि. २८ प्र.	बै.शु. ०९ से चं द. उ. मं द. दि. २८ प्र.	बै.कृ. ०२ से सू द. उ. चं द. दि. ५० प्र.
प्र.ज्ये.कृ. ०२ से सू द. उ. चं द. दि. ५० प्र.	द्वि.ज्ये.कृ. ०३ से सू द. उ. चं द. दि. ५० प्र.	द्वि.ज्ये.कृ. ३० से शु द. उ. सू द. दि. २० प्र.	प्र.ज्ये.कृ. ०४ से रा द. उ. शु द. दि. ७० प्र.	द्वि.ज्ये.कृ. ०६ से रा द. उ. शु द. दि. ७० प्र.	प्र.ज्ये.शु. १० से गु द. उ. रा द. दि. ४२ प्र.	बै.शु. ११ से श द. उ. गु द. दि. ५८ प्र.	प्र.ज्ये.शु. ११ से श द. उ. गु द. दि. ५८ प्र.	प्र.ज्ये.शु. ०५ से बु द. उ. श द. दि. ३६ प्र.	बै.शु. ०७ से मं द. उ. बु द. दि. ५६ प्र.	प्र.ज्ये.शु. ०७ से मं द. उ. बु द. दि. ५६ प्र.	प्र.ज्ये.शु. ०९ से चं द. उ. मं द. दि. २८ प्र.
द्वि.ज्ये.शु. ०९ से चं द. उ. मं द. दि. २८ प्र.	आ.शु. ११ से चं द. उ. मं द. दि. २८ प्र.	आ.कृ. ०५ से सू द. उ. चं द. दि. ५० प्र.	आ.शु. ०२ से शु द. उ. सू द. दि. २० प्र.	श्रा.शु. ०४ से शु द. उ. सू द. दि. २० प्र.	आ.कृ. ०८ से रा द. उ. शु द. दि. ७० प्र.	द्वि.ज्ये.शु. १० से गु द. उ. रा द. दि. ४२ प्र.	आ.शु. ११ से गु द. उ. रा द. दि. ४२ प्र.	द्वि.ज्ये.शु. ११ से श द. उ. गु द. दि. ५८ प्र.	द्वि.ज्ये.शु. ०५ से बु द. उ. श द. दि. ३६ प्र.	आ.शु. ०५ से बु द. उ. श द. दि. ३६ प्र.	द्वि.ज्ये.शु. ०८ से मं द. उ. बु द. दि. ५६ प्र.
आ.शु. ०८ से मं द. उ. बु द. दि. ५६ प्र.	श्रा.शु. ०९ से मं द. उ. बु द. दि. ५६ प्र.	श्रा.शु. १२ से चं द. उ. मं द. दि. २८ प्र.	श्रा.कृ. ०७ से सू द. उ. चं द. दि. ५० प्र.	भा.कृ. १० से सू द. उ. चं द. दि. ५० प्र.	भा.शु. ०६ से शु द. उ. सू द. दि. २० प्र.	श्रा.कृ. ०९ से रा द. उ. शु द. दि. ७० प्र.	भा.कृ. १० से रा द. उ. शु द. दि. ७० प्र.	श्रा.शु. ११ से गु द. उ. रा द. दि. ४२ प्र.	आ.शु. ११ से श द. उ. गु द. दि. ५८ प्र.	श्रा.शु. ११ से श द. उ. गु द. दि. ५८ प्र.	श्रा.शु. ०५ से बु द. उ. श द. दि. ३६ प्र.
भा.शु. ०६ से बु द. उ. श द. दि. ३६ प्र.	आ.शु. ०७ से बु द. उ. श द. दि. ३६ प्र.	भा.शु. १० से मं द. उ. बु द. दि. ५६ प्र.	भा.शु. १३ से चं द. उ. मं द. दि. २८ प्र.	का.कृ. ०२ से चं द. उ. मं द. दि. २८ प्र.	आ.कृ. १२ से सू द. उ. चं द. दि. ५० प्र.	आ.शु. ०६ से शु द. उ. सू द. दि. २० प्र.	का.शु. ०६ से शु द. उ. सू द. दि. २० प्र.	आ.कृ. ११ से रा द. उ. शु द. दि. ७० प्र.	भा.शु. १० से गु द. उ. रा द. दि. ४२ प्र.	आ.शु. ११ से गु द. उ. रा द. दि. ४२ प्र.	भा.शु. ११ से श द. उ. गु द. दि. ५८ प्र.
आ.शु. १२ से श द. उ. गु द. दि. ५८ प्र.	का.शु. १४ से श द. उ. गु द. दि. ५८ प्र.	का.शु. ०८ से बु द. उ. श द. दि. ३६ प्र.	आ.शु. १२ से मं द. उ. बु द. दि. ५६ प्र.	का.शु. १५ से मं द. उ. बु द. दि. ५६ प्र.	मा.कृ. ०३ से चं द. उ. मं द. दि. २८ प्र.	का.कृ. १२ से सू द. उ. चं द. दि. ५० प्र.	मा.कृ. १२ से सू द. उ. चं द. दि. ५० प्र.	मा.शु. ०७ से शु द. उ. सू द. दि. २० प्र.	का.कृ. १० से रा द. उ. शु द. दि. ७० प्र.	मा.कृ. १० से रा द. उ. शु द. दि. ७० प्र.	का.शु. ११ से गु द. उ. रा द. दि. ४२ प्र.
मा.शु. १२ से गु द. उ. रा द. दि. ४२ प्र.	पौ.शु. १४ से गु द. उ. रा द. दि. ४२ प्र.	पौ.कृ. ०१ से श द. उ. गु द. दि. ५८ प्र.	मा.शु. १० से बु द. उ. श द. दि. ३६ प्र.	पौ.शु. १३ से बु द. उ. श द. दि. ३६ प्र.	पौ.कृ. ०२ से मं द. उ. बु द. दि. ५६ प्र.	पौ.कृ. ०४ से चं द. उ. मं द. दि. २८ प्र.	मा.कृ. ०४ से चं द. उ. मं द. दि. २८ प्र.	पौ.कृ. १२ से सू द. उ. चं द. दि. ५० प्र.	पौ.शु. ०६ से शु द. उ. सू द. दि. २० प्र.	मा.शु. ०७ से शु द. उ. सू द. दि. २० प्र.	पौ.कृ. १० से रा द. उ. शु द. दि. ७० प्र.
मा.कृ. ११ से रा द. उ. शु द. दि. ७० प्र.	फा.कृ. १२ से रा द. उ. शु द. दि. ७० प्र.	मा.शु. १५ से गु द. उ. रा द. दि. ४२ प्र.	मा.कृ. ०२ से श द. उ. गु द. दि. ५८ प्र.	फा.कृ. ०४ से श द. उ. गु द. दि. ५८ प्र.	मा.शु. १४ से बु द. उ. श द. दि. ३६ प्र.	मा.कृ. ०२ से मं द. उ. बु द. दि. ५६ प्र.	फा.कृ. ०२ से मं द. उ. बु द. दि. ५६ प्र.	फा.कृ. ०४ से चं द. उ. मं द. दि. २८ प्र.	मा.कृ. १२ से सू द. उ. चं द. दि. ५० प्र.	फा.कृ. १२ से सू द. उ. चं द. दि. ५० प्र.	फा.शु. ०८ से शु द. उ. सू द. दि. २० प्र.

संवत् २०६४, आश्विन कृष्णपक्ष में श्राद्धतिथि निर्णय, सन २००७

पूर्णिमा	(पूनम) का श्राद्ध	बुधवार २६ सितंबर (भाद्रपद शुक्लपक्ष)	सप्तमी	(सातं) का श्राद्ध	मंगलवार २ अक्टूबर
प्रतिपदा	(एकम) "	गुरुवार २७ सितंबर	अष्ठमी	(आठं) "	बुधवार ३ अक्टूबर
द्वितीया	(दूज) "	शुक्रवार २८ सितंबर	नवमी	(नौमी) "	गुरुवार ४ अक्टूबर
तृतीया	(तीज) "	शनिवार २९ सितंबर	दशमी	(दस) "	शुक्रवार ५ अक्टूबर
चतुर्थी	(चोथ) "	रविवार ३० सितंबर मध्यान्ह ११।२६ बजे के पहले	एकादशी	"	शनिवार ६ अक्टूबर
पंचमी	(पांच) "	रविवार ३० सितंबर मध्यान्ह ११।२६ बजे के बाद	द्वादशी	(बारस) "	रविवार ७ अक्टूबर
षष्ठी	(छठ) "	सोमवार १ अक्टूबर प्रातः ८।३० बजे के बाद	त्रयोदशी	(तेरस) "	सोमवार ८ अक्टूबर
			चतुर्दशी	(चौदस)	" मंगलवार ९ अक्टूबर
			अमावस्या	(मावस) "	बुधवार १० अक्टूबर प्रातः ८।१९ बंजे के बाद

CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

२० मार्च से २ अप्रेल तक, श्री चैत्र शुक्लपक्ष संवत् २०६४, शाकः १९२९,

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	प.प.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
क्षयः	१	सो	५४	४२	२८	३३		०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
सिंधारा	२	मं	४५	३९	२४	५४	रेव	४६	१०	२५	०७	ब्र	३६	४१	२१	१९	बा	२०	९०	१४	४३	२९ ५७	६ ३९	६ ३७	२९	२९	२०	मेषे २५।०७	१९।०५।०९।३५	५९।३९
गणगोर	३	बु	३७	०२	२१	२६	अश्वि	३९	३०	२२	२५	ऐ	२६	३५	१७	१६	तै	११	१७	११	०८	३० ०१	३७	३८	३०	१	२१	मेषे	१९।०६।०९।१५	५९।३७
पद्म	४	गु	२९	१४	१८	१८	भर	३३	४०	२०	०४	वै	१७	०७	१३	२७	व	३	०२	७	४९	०५	३६	३८	१	२	२२	वृषे २५।३३	१९।०७।००।५२	५९।३५
छत्र	५	शु	२२	३६	१५	३८	कृत्ति	२९	०२	१८	१२	वि	८	३३	१०	००	बा	२२	३६	१५	३८	०९	३५	३९	२	३	२३	वृषे	१९।०८।००।२७	५९।३३
श्रीवत्स	६	श	१७	२७	१३	३३	रोहि	२५	५५	१६	५६	प्री	५५	०८ ०१	७ २८	०५ ३४	तै	१७	२७	१३	३३	१३	३४	३९	३	४	२४	मिथु. २८।३३	१९।०८।५९।५९	५९।३०
सौम्य	७	र	१४	०२	१२	१०	मृग	२४	३१	१६	२२	सौ	५०	२३	२६	४२	व	१४	०२	१२	१०	१८	३३	४०	४	५	२५	मिथु.	१९।०९।५९।३०	५९।२८
रामनव.	८	सो	१२	२७	११	३१	आर्द्रा	२४	५८	१६	३१	शो	४७	१६	२५	२६	व	१२	२७	११	३१	२२	३२	४०	५	६	२६	मिथु.	१९।१०।५८।५८	५९।२६
सुस्थिर	९	मं	१२	४५	११	३७	पुन	२७	१३	१७	२४	अ	४५	३३	२४	४४	कौ	१२	४५	११	३७	२६	३१	४१	६	७	२७	कर्के ११।०७	१९।११।५८।२३	५९।२३
मातङ्ग	१०	बु	१४	४६	१२	२४	पुष्य	३१	०६	१८	५६	सु	४५	०५	२४	३२	ग	१४	४६	१२	२४	३०	३०	४२	७	८	२८	कर्के	१९।१२।५७।४७	५९।२१
ए.व्र.	११	गु	१८	१८	१३	४८	श्ले	३६	२१	२१	०१	धृ	४५	३९	२४	४४	वि	१८	१८	१३	४८	२४	३२	४८	८	९	२९	सिंहे २१।०९	१९।१३।५७।०८	५९।१९
प्र.व्र.	१२	शु	२२	५९	१५	३९	मघा	४२	३७	२३	३०	शू	४६	५९	२५	१५	बा	२२	५९	१५	३९	३८	२७	४३	९	१०	३०	सिंहे	१९।१४।५६।२७	५९।१६
लुम्बक	१३	श	२८	३१	१७	५०	पूफा	४९	३६	२६	१६	गं	४८	५३	२५	५९	तै	२८	३१	१७	५०	४२	२६	४३	१०	११	३१	सिंहे	१९।१५।५५।४३	५९।१४
मित्र	१४	र	३४	३२	२०	१४	उफा	५६	५९	२९	१३	वृ	५१	०४	२६	५१	ग	१	३०	७	०१	४६	२५	४४	११	१२	१	कन्या ९।००	१९।१६।५४।५७	५९।१२
पूर्णिमा	१५	सो	४०	५१	२२	४४	हस्त	...	...	...	...	ध्रु	५३	२७	२७	४७	वि	७	४१	९	२८	५१	२४	४४	१२	१३	२	कन्या	१९।१७।५४।०९	५९।१०

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।

संवत्सरारंभः सोमवासरे [B ग्रहण-करिदिन, सायन मेषेभानुः २९।२५, C
चंद्रदर्शनम्(मु.३०), श्रृंगार(सिंधारा) देशाचारे, पंचकसमाप्तिः २५।०७, B
गणगौरी पूजा, अरुन्धती व्रतंपूजनञ्च, मनोरथतृतीया व्र., मन्वादि, A
भ. ७।४९ उ. १८।१९ या., भा. चैत्रारंभः [C धनि. भौमः २३।५०
कल्पादि, डोलोत्सवः, मर. शुक्रः २६।५० [A मत्स्योत्पत्तिः, D
स्कन्द षष्ठी व्र. [D सौभाग्य शयन व्र., शिवशक्ति पू., रविलाबल ३
भ. १२।१० उ. २३।४४ या., अशोककलिका प्राशनं
श्री रामनवमी, भवान्युत्पत्तिः
[E २४।२२), पूभा. बुधः ८।४९
भ. २५।०२ उ.
भ. १३।४८ या., कामदा ११ व्र., लक्ष्मीकान्त दोलोत्सवः, कुंभे M
प्रदोषः, हरि दमनोत्सवः [M भौमः १६।४९
जैन महावीर जयंती, शिव पूजन विशेषः, रेव.रविः २२।२९ (सौरः E
भ. २०।१४ उ., अप्रेल ४ ता. ३० [F वैशाख स्नानारंभः
भ. ९।२८ या., मन्वादि, श्री हनुमज्जयंती, पूर्णिमा व्रतंपुण्यञ्च, F

केतकी अहर्गणः ५४६२ वसंततूं रविरुत्तरे, मार्च-अप्रेल २००७

अयनांशाः २३।५६।३३

पं.५० चै.शु. ५ शु. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
११	९	१०	७	०	३	१०	४
०८	२५	१०	२५	१२	२५	२१	२१
०५	०४	२५	३०	१९	०४	२४	२४
३१	४३	२८	५३	०७	१९	१७	१७
५९	४५	६३	२	७२	२	३	३
३१	५५	३८	३०	१०	५०	११	११
उभा	ध	श	ज्ये	अ	श्ले	पूभा	पूफा
२	१	२	३	४	३व	१	३



॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	मार्च	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	सायँ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः
११।०५।०८।५१	२ मं	२०	७।५०	९।२६	११।२२	१।३७	३।५७	६।१४	८।३०	१०।४९	१।०७	३।१२	४।५६	६।२४
११।०६।०८।३१	३ बु	२१	७।४६	९।२२	११।१८	१।३३	३।५३	६।१०	८।२६	१०।४५	१।०४	३।०८	४।५२	६।२०
११।०७।०८।०७	४ गु	२२	७।४२	९।१८	११।१४	१।२९	३।४९	६।०६	८।२२	१०।४१	१।००	३।०४	४।४८	६।१६
११।०८।०७।४२	५ शु	२३	७।३८	९।१४	११।१०	१।२५	३।४५	६।०२	८।१८	१०।३७	१२।५६	३।००	४।४४	६।१२
११।०९।०७।१४	६ श	२४	७।३४	९।१०	११।०७	१।२१	३।४१	५।५८	८।१४	१०।३३	१२।५२	२।५६	४।४०	६।०८
११।१०।०६।४४	७ र	२५	७।३०	९।०७	११।०३	१।१७	३।३७	५।५४	८।१०	१०।२९	१२।४८	२।५२	४।३६	६।०४
११।११।०६।१२	८ चं	२६	७।२६	९।०३	१०।५९	१।१३	३।३३	५।५०	८।०६	१०।२५	१२।४४	२।४९	४।३२	६।००
११।१२।०५।३८	९ मं	२७	७।२३	८।५९	१०।५५	१।०९	३।३०	५।४६	८।०२	१०।२१	१२।४०	२।४५	४।२८	५।५७
११।१३।०५।०१	१० बु	२८	७।१९	८।५५	१०।५१	१।०५	३।२६	५।४२	७।५८	१०।१७	१२।३६	२।४१	४।२४	५।५३
११।१४।०४।२१	११ गु	२९	७।१५	८।५१	१०।४७	१।०२	३।२२	५।३८	७।५४	१०।१३	१२।३२	२।३७	४।२०	५।४९
११।१५।०३।४०	१२ शु	३०	७।११	८।४७	१०।४३	१२।५८	३।१८	५।३५	७।५०	१०।०९	१२।२८	२।३३	४।१६	५।४५
११।१६।०२।५६	१३ श	३१	७।०७	८।४३	१०।३९	१२।५४	३।१४	५।३१	७।४६	१०।०६	१२।२४	२।२९	४।१२	५।४१
११।१७।०२।१०	१४ र	१	७।०३	८।३९	१०।३५	१२।५०	३।१०	५।२७	७।४२	१०।०२	१२।२०	२।२५	४।०८	५।३७
११।१८।०१।२२	१५ चं	२	६।५९	८।३५	१०।३१	१२।४६	३।०६	५।२३	७।३९	९।५८	१२।१६	२।२१	४।०४	५।३३

चैत्र मास फलम्

इस पक्ष में पूर्णिमा सोमवार और हस्त युक्त होने से धान्य महँगा हो। चैत्र की पूर्णिमा को चित्रा का अभाव होने से महर्धता हो। धनिष्ठा पर मंगल होने से इन्द्र की भांति समृद्धि हो, धान्य सस्ता हो और गुड शक्कर भी सस्ते हों। भरणी पर शुक्र होने से तुष धान्य महँगे हो और तिलों का अभाव हो, भरणी में स्थित शुक्र किरात तथा यवनों को पीड़ित करता है। पूर्वाभाद्रपद में बुध होने से कहीं दुर्भिक्ष हो और कहीं क्षेम तथा आरोग्यता हो, क्षुधा, शस्त्र, चोर और रोगों की वृद्धि हो।

अयनांशाः २३।५६।३४

पं.५१ चै.शु.१२ शु. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
११	१०	१०	७	०	३	१०	४
१५	००	१८	२५	२०	२४	२१	२१
०१	२६	३४	४४	४२	४६	०२	०२
०९	०८	३४	३१	२१	२८	०३	०३
५९	४५	७७	१	७१	२	३	३
१७	५९	३८	१३	३८	१०	११	११
उभा	ध	श	ज्ये	म	श्ले	पूभा	पूफा
४	३	४	३	३	३व	१	३



CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

॥ श्रीवल्लभ मनीराम पञ्चाङ्गम् ॥

३ अप्रेल से १७ अप्रेल तक, श्री दैशास्य कृष्णपक्ष संवत् २०६४, शाकः १९२९, दि.मा.सू. सू. तारीस्य स्टै. प्रातः दैनिक वसंतर्तू रविरुत्तरे चैत्रकृष्णेति गुर्जराः, अप्रेल २००७

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
सौम्य	१	मं	४७	१४	२५	१६	हस्त	४	३७	८	१४	व्या	५५	५२	२८	४४	बा	१४	०३	१२	००	३० ५५	६ २३	६ ५५	१३	१४	३	तुला.	२१।४४	१९।२८।५३।१९	५९।०७
काल	२	बु	५३	२९	२७	४५	चित्रा	१२	१३	११	१५	ह	५८	१२	२९	३९	तै	२०	२४	१४	३१	५९	२२	४५	१४	१५	४	तुला.	१९।१९	१।५२।२६	५९।०५
सुस्थिर	३	गु	५९	२४	३०	०६	स्वा	१९	३८	१४	१२	व	...	...	...	...	व	२६	३२	१६	५७	३९ ०३	२१	४६	१५	१६	५	तुला.	१९।२०	१।५१।३१	५९।०३
च.व्र.	४	शु	...	...	...	...	विशा	२६	३६	१६	५८	व	०	१७	६	२६	ब	३२	०९	१९	११	०७	२०	४६	१६	१७	६	वृश्चि.	१०।१८	१।२१।५०।३४	५९।००
अमृत	४	श	४	४२	८	११	अनु	३२	५०	१९	२६	सि	१	५१	७	०३	बा	४	४२	८	११	११	१८	४७	१७	१८	७	वृश्चि.	१९।२२	१।४९।३४	५८।५८
काण	५	र	८	५९	९	५३	ज्ये	३७	५९	२१	२९	व्य	२	४०	७	२१	तै	८	५९	९	५३	१५	१७	४७	१८	१९	८	धनु.	२१।२९	१।२३।४८।३२	५८।५६
लुम्बक	६	सो	११	५९	११	०४	मूल	४१	४६	२२	५८	व	२	३२	७	१७	व	११	५९	११	०४	१९	१६	४८	१९	२०	९	धनु.	१९।२४	१।४७।२८	५८।५४
मित्र	७	मं	१३	२३	११	३६	पूषा	४३	५६	२३	४९	प	५ ५८	१४ ३२	६ २९	४५ ४०	ब	१३	२३	११	३६	२३	१५	४८	२०	२१	१०	मक.	२९।५६	१।२५।४६।२२	५८।५१
वज्र	८	बु	१३	०४	११	२८	उषा	४४	२०	२३	५८	सि	५४	२९	२८	०२	कौ	१३	०४	११	२८	२७	१४	४९	२१	२२	११	मक.	१।२६	१।४५।१३	५८।४९
ध्वजा	९	गु	१०	५५	१०	३५	श्रव	४२	५८	२३	२४	सा	४८	५८	२५	४८	ग	१०	५५	१०	३५	३१	१३	४९	२२	२३	१२	मक.	१।२७	१।४४।०२	५८।४७
धाता	१०	शु	६	५९	९	००	धनि	३९	५३	२२	०९	शु	४२	०५	२३	०२	वि	६	५९	९	००	३५	१२	५०	२३	२४	१३	कुंभे	१०।५२	१।२८।४२।४९	५८।४४
ए.व्र.	११	श	१	२३	६	४४	शत	३५	१६	२०	१७	शु	३३	५६	१९	४६	बा	१	२३	६	४४	३९	११	५१	२४	२५	१४	कुंभे	१।२९	१।४१।३३	५८।४२
क्षयः	१२	श	५४	१६	२७	५३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
प्र.व्र.	१३	र	४६	०३	२४	३५	पूभा	२९	२२	१७	५५	ब्र	२४	४४	१६	०३	ग	२०	१८	१४	१७	४३	१०	५१	२५	२६	१५	मीने	१२।३३	०।००।४०।१५	५८।४०
गद	१४	सो	३७	००	२०	५७	उभा	२२	३१	१५	०९	ऐ	१४	४४	१२	०२	वि	११	३७	१०	४८	४७	०९	५२	२६	२७	१६	मीने	०।०१।३८।५५	५८।३८
अमाव.	३०	मं	२७	३२	१७	०९	रेव	१५	०८	१२	११	वै	४ ५३	१३ ३०	७ २७	४९ ३२	च	२	१८	७	०३	५१	०८	५२	२७	२८	१७	मेषे	१२।११	०।०२।३७।३३	५८।३५

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है ।

कृत्ति. शुक्रः ६।३३

भ. १६।५७ उ. ३०।०६ या.

अनुसूया जयंती, चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः २२।१५, वक्री गुरुः १६।३३, A शत. भौमः ९।२९, मीने बुधः १०।२३

[A.वृषे शुक्रः २६।०२

भ. ११।०४ उ. २३।२५ या., बूढो वास्योड़ो, उभा. बुधः १४।०१

बुधास्तः पूर्वस्याम् २०।५५

भ. २१।५३ उ.

भ. ९।०० या., पंचक प्रारम्भः १०।५२

वरुथिनि ११ व्र., मेषे अश्वि. रविः ११।४९ (सौरः १३।४३)

भ. २४।३५ उ., प्रदोषः, रोहि. शुक्रः १४।०४

भ. १०।४८ या., मासिकशिवरात्री व्र.

पंचक समाप्तिः १२।११, देवपितृकार्येऽमा., रेव. बुधः ११।१३

अयनांशाः २३।५६।३५

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

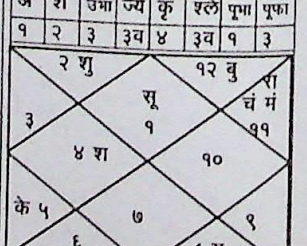
ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	अप्रे.	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	सायँ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ
१९।१९।००।३१	१ मं	३	६।५५	८।३१	१०।२७	१२।४२	३।०२	५।१९	७।३५	९।५४	१२।१२	२।१७	४।००	५।२९
१९।१९।५९।३८	२ बु	४	६।५१	८।२७	१०।२३	१२।३८	२।५८	५।१५	७।३१	९।५०	१२।०८	२।१३	३।५६	५।२५
१९।२०।५८।४३	३ गु	५	६।४७	८।२३	१०।१९	१२।३४	२।५४	५।११	७।२७	९।४६	१२।०४	२।०९	३।५३	५।२१
१९।२१।५७।४६	४ शु	६	६।४३	८।१९	१०।१५	१२।३०	२।५०	५।०७	७।२३	९।४२	१२।०१	२।०५	३।४९	५।१७
१९।२२।५६।४६	४ श	७	६।३९	८।१५	१०।११	१२।२६	२।४६	५।०३	७।१९	९।३८	११।५७	२।०१	३।४५	५।१३
१९।२३।५५।४३	५ र	८	६।३५	८।११	१०।०७	१२।२२	२।४२	४।५९	७।१५	९।३४	११।५३	१।५७	३।४१	५।०९
१९।२४।५४।३९	६ चं	९	६।३१	८।०७	१०।०४	१२।१८	२।३८	४।५५	७।११	९।३०	११।४९	१।५३	३।३७	५।०५
१९।२५।५३।३२	७ मं	१०	६।२७	८।०३	१०।००	१२।१४	२।३४	४।५१	७।०७	९।२६	११।४५	१।४९	३।३३	५।०१
१९।२६।५२।२३	८ बु	११	६।२३	८।००	९।५६	१२।१०	२।३०	४।४७	७।०३	९।२२	११।४१	१।४५	३।२९	४।५७
१९।२७।५१।१२	९ गु	१२	६।२०	७।५६	९।५२	१२।०६	२।२६	४।४३	६।५९	९।१८	११।३७	१।४२	३।२५	४।५४
१९।२८।४९।५८	१० शु	१३	६।१६	७।५२	९।४८	१२।०२	२।२३	४।३९	६।५५	९।१४	११।३३	१।३८	३।२१	४।५०
१९।२९।४८।४२	११ श	१४	६।१२	७।४८	९।४४	११।५९	२।१९	४।३५	६।५१	९।१०	११।२९	१।३४	३।१७	४।४६
००।००।४७।२४	१२ र	१५	६।०८	७।४४	९।४०	११।५५	२।१५	४।३२	६।४७	९।०६	११।२५	१।३०	३।१३	४।४२
००।०१।४६।०४	१४ चं	१६	६।०४	७।४०	९।३६	११।५१	२।११	४।२८	६।४३	९।०३	११।२१	१।२६	३।०९	४।३८
००।०२।४४।४१	३० मं	१७	६।००	७।३६	९।३२	११।४७	२।०७	४।२४	६।३९	८।५९	११।१७	१।२२	३।०५	४।३४

संक्रांति फलम्

ता. १४ अप्रेल २००७
वैशा. कृ. ११ शनौ मेषेऽर्कः प्र. (स्टै.)
टा. ११।४९ वारात् ४ नक्षत्रात् ४
वारनाम राक्षसी चाण्डालान् सुस्वदा
नक्षत्रनाम महोदरी चोरान् सुस्वदा
मध्यान्ह २ प्रहर व्यापिनी द्विजान् हन्ति,
पश्चिमे गमनं वायव्यां दृष्टिः कौल्म्बकरणे
प्रविष्टा महर्घफलं सिंहवाहनं
वृषभोपवाहनं कष्टकारक नीलवस्त्रं
स्फड्गायुधं ताम्रपात्रं मिष्ठान्नभक्षणं
रक्तचंदनलेप्यनं सर्पजातिः वकुलपुष्पं
मोतीभूषणं हरितकंचुकी गतालक्कावस्था
(उभी) मु. १५ धान्यभावे महर्घता वत्स
पश्चिमा. राहु दक्षिणे मूलं पातालेवियाहस्तंभो नैऋत्यां शुक्रोदयः
पश्चिमायाम् । पुण्यकालः शुक्रवार
(स्टै.) २९।४९ से शनिवार १७।४९
तक । (दान- मेष) ।

अयनांशाः २३।५६।३६





CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

१८ अप्रेल से २ मई तक, श्री वैशाख शुक्लपक्ष संवत् २०६४, शाकः १९२९, दि.मा.सू. सू. तारीख स्टै.

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घ.	मि.	घ.प.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः
मृत्यु	१	बु	१८	०४	१३	२०	अश्वि	७	३८	९	१०	प्री	४३	०२	२३	१९	ब	१८	०४	१३	२०	३१/५४	६/०७	६/५३	२८	२९	१८	मेषे
अक्षया	२	गु	९	०२	९	४३	भर	०/५४	३०/०९	६/२७	१८/४६	आ	३३	०७	१९	२१	कौ	९	०२	९	४३	५८	०६	५३	२९	१	१९	वृषे
मित्र	३	शु	०	५५	६	२७	रोहि	४९	०८	२५	४४	सौ	२४	०६	१५	४४	ग	०	५५	६	२७	३२/०२	०५	५४	३०	२	२०	वृषे
क्षयः	४	शु	५४	०५	२७	४३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
वज्र	५	श	४९	००	२५	४०	मृग	४५	४७	२४	२३	शो	१६	२२	१२	३७	ब	२१	१९	१४	३६	०६	०४	५४	१	३	२१	मिथु.
ध्वाङ्क्ष	६	र	४५	५२	२४	२४	आर्द्रा	४४	२३	२३	४८	अ	१०	०६	१०	०५	कौ	१७	११	१२	५५	१०	०३	५५	२	४	२२	मिथु.
धूम्र	७	सो	४४	५३	२३	५९	पुन	४५	०५	२४	०४	सु	५	२९	८	१४	ग	१५	०७	१२	०५	१३	०२	५५	३	५	२३	कर्के
प्रवर्धमा	८	मं	४६	०१	२४	२५	पुष्य	४७	५१	२५	१०	धृ	२	३५	७	०३	वि	१५	१३	१२	०६	१७	०१	५६	४	६	२४	कर्क
राक्षस	९	बु	४९	०४	२५	३८	श्ले	५२	२९	२७	००	शू	१	१९	६	३२	बा	१७	२१	१२	५६	२१	००	५७	५	७	२५	सिंहे
मुसल	१०	गु	५३	४१	२७	२८	मघा	५८	३५	२९	२५	गं	१	३०	६	३५	तै	२१	१४	१४	२९	२५	५/५५	५७	६	८	२६	सिंहे
ए.व्र.	११	शु	५९	२३	२९	४४	पूफा	...	...	...	...	वृ	२	४८	७	०५	व	२६	२७	१६	३३	२८	५८	५८	७	९	२७	सिंहे
लुम्बक	१२	श	...	...	...	...	पूफा	५	४५	८	१५	धृ	४	५२	७	५४	ब	३२	३२	१८	५८	३२	५८	५८	८	१०	२८	कन्या
प्र.व्र.	१२	र	५	४४	८	१४	उफा	१३	२४	११	१८	व्या	७	२३	८	५४	बा	५	४४	८	१४	३५	५७	५९	९	११	२९	कन्या
वज्र	१३	सो	१२	११	१०	४८	हस्त	२१	०९	१४	२३	ह	१०	००	९	५६	तै	१२	११	१०	४८	३९	५६	५९	१०	१२	३०	तुला.
ध्वाङ्क्ष	१४	मं	१८	२८	१३	१८	चित्रा	२८	४२	१७	२४	व	१२	३०	१०	५५	व	१८	२८	१३	१८	४२	५५	७/५९	११	१३	१	तुला.
पूर्णिमा	१५	बु	२४	१९	१५	३८	स्वा	३५	५०	२०	१४	सि	१४	४९	११	४६	ब	२४	१९	१५	३८	४६	५४	००	१२	१४	२	तुला.

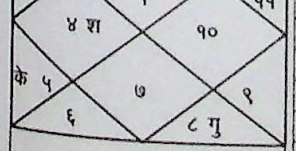
सौर र. स्प.	गति
०।०३।३६।०८	५८।३३
०।०४।३४।४१	५८।३१
०।०५।३३।१२	५८।२९
०	०
०।०६।३१।४१	५८।२७
०।०७।३०।०७	५८।२४
०।०८।२८।३२	५८।२२
०।०९।२६।५४	५८।२०
०।१०।२५।१४	५८।१८
०।११।२३।३२	५८।१६
०।१२।२१।४८	५८।१४
०।१३।२०।०१	५८।१२
०।१४।१८।१३	५८।०९
०।१५।१६।२२	५८।०७
०।१६।१४।३०	५८।०५
०।१७।१२।३५	५८।०३

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह वारादि का समय स्टै.टा.में है।
चंद्रदर्शनम् (मु.१५), शत.-४ राहुः १८।४९, पूफा.-२ केतुः १८।४९
कल्पादि, अक्षय तृतीया, शिवाजी ज., परशुराम ज.,रविलाक्षर ४
भ. १७।०० उ. २७।४३ या., रोहि. रे. ९ ।।ऽशु।।।।।।। दिवा ल. B
[B २।४।६ (कन्या स्टैं. १७।०० या.), मृगे रे. ७ SIIISIISII रात्रौ C
श्रीआद्यशंकराचार्य जयंती, भा. वैशाखारंभः, मृगे रे.६ SIIISISSII E
श्रीरामानुज जयंती [E दिवा ल. ३।४।६ रात्रौ अ.गो. ८ (रा. ४ दो.)
भ. २३।५९ उ., गंगोत्पत्ति [M (सौरः २९।५७), अगस्त्यास्तः २९।३०
भ. १२।०६ या., पूमा. भौमः १८।४८, मेषे अश्वि. बुधः १२।२१
सीता ९ [C १२ (शु. ३ दोषः), सायन वृषे भानुः १६।२६, मार्गी D
मृगे शुक्रः २६।३७ [D शनिः १९।१८ [N मिथुने शुक्रः २३।१९
भ. १६।३३ उ. २९।४४ या., मोहिनी ११ व्र., भर. रविः २७।३९ M
उफा. रे. ८ ।।।।SISIII रात्रौ ल. अ.गो. ११ (कुं. श. ६ दो.)
प्रदोषः,उफा. रे. ८ ।।।।SISIII दिवा ल. ३, हस्ते रे.६ SSIISISIII A
नृसिंह १४,भर.बुधः २४।१४, हस्ते रे. ८ SSIIIIIIII दिवा ल. ३।४
भ. १३।१८ उ. २६।२९ या., कूर्मोत्पत्तिः, मई ५ ता. ३१
पूर्णिमा व्रतंपुण्यञ्च, वैशाखस्नानपूर्तिः, धर्म प्रीत्यर्थं जलकुंभदानं, N
[A दिवा ल. ४, रात्रौ अ. गो., ११ (कुंभे सोग्रांगः, के. ७, श ६ दो. कर्के सोग्रांगः)

अयनांशाः २३।५६।३७

पं. २ बै.शु. ६ र. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
०	१०	११	७	१	३	१०	४
०७	१८	२५	२५	१७	२४	१९	१९
३५	०३	३४	२५	४४	२३	४८	४८
११	४०	४८	०५	५२	०२	५८	५८
५८	४५	११६	३	६९	०	३	३
३१	५८	१३	०३	१६	१६	११	११
अ	श	रे	ज्ये	रो	श्ले	श	पूफा
३	४	३	३व	३	३	४	२



॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

ब्रह्म र. स्प. प्रातः	वार तिथि	ता. अप्रे.	मेष प्रातः	वृष दिवा	मिथुन दिवा	कर्क दिवा	सिंह दिवा	कन्या दिवा	तुला सायं	वृश्चिक रात्रौ	धनु रात्रौ	मकर रात्रौ	कुंभ रात्रौ	मीन रात्रौ
००।०३।४३।१६	१ बु	१८	५।५६	७।३२	९।२८	११।४३	२।०३	४।२०	६।३६	८।५५	११।१३	१।१८	३।०१	४।३०
००।०४।४१।४९	२ गु	१९	५।५२	७।२८	९।२४	११।३९	१।५९	४।१६	६।३२	८।५१	११।०९	१।१४	२।५७	४।२६
००।०५।४०।२०	३ शु	२०	५।४८	७।२४	९।२०	११।३५	१।५५	४।१२	६।२८	८।४७	११।०५	१।१०	२।५३	४।२२
००।०६।३८।४८	४ श	२१	५।४४	७।२०	९।१६	११।३१	१।५१	४।०८	६।२४	८।४३	११।०१	१।०६	२।४९	४।१८
००।०७।३७।१४	५ र	२२	५।४०	७।१६	९।१२	११।२७	१।४७	४।०४	६।२०	८।३९	१०।५७	१।०२	२।४६	४।१४
००।०८।३५।३८	६ चं	२३	५।३६	७।१२	९।०८	११।२३	१।४३	४।००	६।१६	८।३५	१०।५४	१२।५८	२।४२	४।१०
००।०९।३४।००	७ मं	२४	५।३२	७।०८	९।०४	११।१९	१।३९	३।५६	६।१२	८।३१	१०।५०	१२।५४	२।३८	४।०६
००।१०।३२।२०	८ बु	२५	५।२८	७।०४	९।००	११।१५	१।३५	३।५२	६।०८	८।२७	१०।४६	१२।५०	२।३४	४।०२
००।११।३०।३८	९ गु	२६	५।२४	७।००	८।५७	११।११	१।३१	३।४८	६।०४	८।२३	१०।४२	१२।४६	२।३०	३।५८
००।१२।२८।५३	१० शु	२७	५।२०	६।५७	८।५३	११।०७	१।२७	३।४४	६।००	८।१९	१०।३८	१२।४२	२।२६	३।५४
००।१३।२७।०६	११ श	२८	५।१६	६।५३	८।४९	११।०३	१।२३	३।४०	५।५६	८।१५	१०।३४	१२।३९	२।२२	३।५०
००।१४।२५।१८	१२ र	२९	५।१३	६।४९	८।४५	१०।५९	१।१९	३।३६	५।५२	८।११	१०।३०	१२।३५	२।१८	३।४७
००।१५।२३।२७	१३ चं	३०	५।०९	६।४५	८।४१	१०।५५	१।१६	३।३२	५।४८	८।०७	१०।२६	१२।३१	२।१४	३।४३
००।१६।२१।३४	१४ मं	१	५।०५	६।४१	८।३७	१०।५२	१।१२	३।२८	५।४४	८।०३	१०।२२	१२।२७	२।१०	३।३९
००।१७।१९।३९	१५ बु	२	५।०१	६।३७	८।३३	१०।४८	१।०८	३।२५	५।४०	७।५९	१०।१८	१२।२३	२।०६	३।३५

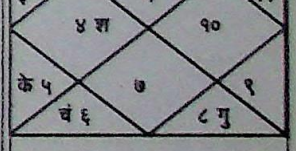
मास फलम्

इस माह में पांच मंगलवार होने से अग्नि का भय हो तथा कहीं वर्षा में देरी हो। पांच बुधवार होने से रसवाली वस्तुओं का अभाव हो। वैशाखी अमावस को रेवती होने से सुभिक्ष हो। शुक्ला चतुर्थी का क्षय होने से मूंग घी महंगें हों। शुक्ला ३ को रोहिणी होने से सुभिक्ष हो। शुक्ला पंचमी को शनिवार होने से अन्न की हानि हो। पूर्णिमा स्वाति युक्त होने से दुर्भिक्ष हो। शनिवार की सक्रांति होने से अशुभ फलकारक है धान्यादि भाव तेज हो और रोगों की अधिकता हो। कृतिका पर शुक्र होने से सरसों उड़द कम हों और सब धान्य उत्पन्न हों, अतिवृष्टि हो, नदियों में बहुत बाढ़ आवे।

अयनांशाः २३।५६।३८

पं. ३ बै.शु.१२ र. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
०	१०	०	७	१	३	१०	४
१४	२३	०९	२५	२५	२४	१९	१९
२३	२५	३७	००	४६	२७	२६	२६
५४	०२	३०	१०	३३	०८	४३	४३
५८	४५	१२५	४	६८	१	३	३
१८	५३	४६	१४	१७	०१	११	११
भ	पूमा	अ	ज्ये	मृ	श्ले	श	पूफा
१	२	३	३व	१	३	४	२



CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

३ मई से १६ मई तक, श्री प्र.ज्येष्ठ कृष्णपक्ष संवत् २०६४, शाकः १९२९, दि.मा.सू. सू. तारीख स्टै. प्रातः दैनिक ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे वैशाख्यकृष्णेति गुर्जराः, मई २००७

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
प्रवर्धमा	१	गु	२९	३७	१७	४४	विशा	४२	२५	२२	५१	व्य	१६	२८	१२	२९	कौ	२९	३७	१७	४४	३२ ४९	५ ५३	७ ०९	१३	१५	३	वृश्चि. १६।१३	०।१८।१०।३९	५८।०१
राक्षस	२	शु	३४	१२	१९	३३	अनु	४८	१७	२५	११	व	१७	४५	१२	५९	तै	२	०१	६	४१	५३	५३	०२	१४	१६	४	वृश्चि.	०।१९।०८।४०	५७।५९
च.ब्र.	३	श	३७	५७	२९	०३	ज्ये	५३	१९	२७	११	प	१८	२५	१३	१४	व	६	१२	८	२१	५६	५२	०२	१५	१७	५	धनु. २७।११	०।२०।०६।३९	५७।५७
सिद्धि	४	र	४०	४३	२२	०८	मूल	५७	२२	२८	४८	शि	१८	२१	१३	१२	ब	९	२९	९	३९	५९	५१	०३	१६	१८	६	धनु.	०।२१।०४।३७	५७।५५
उत्पात	५	सो	४२	१८	२२	४६	पूषा	...	...	...	...	सि	१७	२८	१२	४९	कौ	११	४१	१०	३९	३३ ३७	५०	०३	१७	१९	७	धनु.	०।२२।०२।३२	५७।५४
मित्र	६	मं	४२	३९	२२	५३	पूषा	०	१७	५	५६	सा	१५	३७	१२	०४	ग	१२	४०	१०	५३	०६	५०	०४	१८	२०	८	मक. १२।०९	०।२३।००।२६	५७।५२
मुद्गर	७	बु	४१	३४	२२	२६	उषा	१	५२	६	३४	शु	१२	४१	१०	५३	वि	१२	१७	१०	४४	०९	४९	०५	१९	२१	९	मक.	०।२३।५८।१७	५७।५०
ध्वजा	८	गु	३९	०१	२१	२५	श्रव	२	०४	६	३८	शु	८	३७	९	१५	वा	१०	२९	१०	००१२		४८	०५	२०	२२	१०	कुंभे १८।२७	०।२४।५६।०७	५७।४८
धाता	९	शु	३४	५८	१९	४७	धनि	० ५८	४८ ०३	६ २१	०७ ०९	ब्र	३ ५६	२३ १४	७ २८	०९ ३३	तै	७	१९	८	४०	१५	४८	०६	२१	२३	११	कुंभे	०।२५।५३।५५	५७।४६
काल	१०	श	२९	३०	१७	३५	पूषा	५३	५६	२७	२१	वै	४९	१९	२५	३०	व	२	२५	६	४५	१८	४७	०६	२२	२४	१२	मीने २१।४९	०।२६।५१।४१	५७।४४
ए.ब्र.	११	र	२२	४३	१४	५१	उमा	४८	३६	२५	१३	वि	४०	४३	२२	०४	वा	२२	४३	१४	५१	२१	४६	०७	२३	२५	१३	मीने	०।२७।४९।२६	५७।४३
प्र.ब्र.	१२	सो	१४	५२	११	४२	रेव	४२	२०	२२	४२	प्री	३१	१८	१८	१७	तै	१४	५२	११	४२	२४	४६	०७	२४	२६	१४	मेषे २२।४२	०।२८।४७।०८	५७।४१
अमृत	१३	मं	६	१४	८	१५	अश्वि	३५	२९	१९	५७	आ	२१	२१	१४	१८	व	६	१४	८	१५	२७	४५	०८	२५	२७	१५	मेषे	०।२९।४४।४९	५७।३९
क्षयः	१४	मं	५७	११	२८	३७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
अमाव.	३०	बु	४८	११	२५	०१	भर	२८	२८	१७	०८	सौ	११	०९	१०	१२	च	२२	४०	१४	४९	३०	४५	०९	२६	२८	१६	वृषे २२।२६	१।००।४२।२८	५७।३७

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।

[A वटपूजनम् मरुस्थले,शनैश्चर जयन्ती, भाऊका ३० नारद जयंती, वीणादानं

भ. ८।२१ उ. २१।०३ या., चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः २२।०४

कृत्ति. बुधः २८।३९, मूले रे. ८ ।।।।ऽ।।ऽ।। दिवा ३।६, रात्रौ गो., D

टैगोर जयन्ती, मीने भौमः २०।५० [D १२ (मिथु. चं. ७ पू.)

भ. २२।५३ उ.,उषा. रे. ७ ।ऽ।ऽशु।।।।।ऽ द. दिवा ल. २।४, E

भ. १०।४४ या. [E रात्रौ अ. गोधूलि (कर्के सोग्रांगः, चं. ७ पू.), F

पंचक प्रारम्भः १८।२७ [F वृषे बुधः १७।३९, आर्द्रा. शुक्रः २२।०४

कृत्ति. रविः २१।५१ (सौरः २४।५६)

भ. ६।४५ उ. १७।३५ या., उभा. भौमः ५।५५, बुधोदयः C

अपरा ११ व्र., रोहि. बुधः ११।४४ [C पश्चिमायाम् १७।३१

पंचक समाप्तिः २२।४२, प्रदोषः, रेवत्यां रे. ९ ।।।।।।।ऽ।। दिवा ल. २

भ. ८।१५ उ. १८।२७ या., मासिकशिवरात्री व्र., वृषे रविः B

[B ८।४४ (सौरः १२।०४)

देवपितृकार्येऽप्रा., अधिक मासारंभः, वट सावित्री व्र. (मरु.) A

अयनांशाः २३।५६।३९

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

संक्रांति फलम्

अयनांशाः २३।५६।४०

पं. ४ प्र.ज्ये.कृ. ४ र. इष्टघटी ०।००

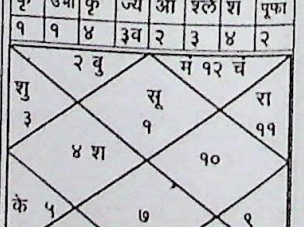
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
०	१०	०	७	२	३	१०	४
२१	२८	२४	२४	०३	२४	१९	१९
११	४५	३६	२७	४०	३६	०४	०४
१०	४१	१३	१८	५०	२७	२९	२९
५८	४५	१३०	५	६७	१	३	३
०६	४५	१६	१८	०७	४५	११	११
भ	पूभा	भ	ज्ये	मृ	श्ले	श	पूफा
३	३	४	३व	४	३	४	२



ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	मई	रात्रौ	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	सायं	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ
००।१८।१७।४२	१ गु	३	४।५७	६।३३	८।२९	१०।४४	१।०४	३।२१	५।३६	७।५६	१०।१४	१२।१९	२।०२	३।३१
००।१९।१५।४३	२ शु	४	४।५३	६।२९	८।२५	१०।४०	१।००	३।१७	५।३२	७।५२	१०।१०	१२।१५	१।५८	३।२७
००।२०।१३।४२	३ श	५	४।४९	६।२५	८।२१	१०।३६	१२।५६	३।१३	५।२९	७।४८	१०।०६	१२।११	१।५४	३।२३
००।२१।११।४०	४ र	६	४।४५	६।२१	८।१७	१०।३२	१२।५२	३।०९	५।२५	७।४४	१०।०२	१२।०७	१।५०	३।१९
००।२२।०९।३५	५ चं	७	४।४१	६।१७	८।१३	१०।२८	१२।४८	३।०५	५।२१	७।४०	९।५८	१२।०३	१।४६	३।१५
००।२३।०७।२८	६ मं	८	४।३७	६।१३	८।०९	१०।२४	१२।४४	३।०१	५।१७	७।३६	९।५४	११।५९	१।४२	३।११
००।२४।०५।१९	७ बु	९	४।३३	६।०९	८।०५	१०।२०	१२।४०	२।५७	५।१३	७।३२	९।५०	११।५५	१।३९	३।०७
००।२५।०३।०९	८ गु	१०	४।२९	६।०५	८।०१	१०।१६	१२।३६	२।५३	५।०९	७।२८	९।४७	११।५१	१।३५	३।०३
००।२६।००।५७	९ शु	११	४।२५	६।०१	७।५७	१०।१२	१२।३२	२।४९	५।०५	७।२४	९।४३	११।४७	१।३१	२।५९
००।२६।५८।४२	१० श	१२	४।२१	५।५७	७।५३	१०।०८	१२।२८	२।४५	५।०१	७।२०	९।३९	११।४३	१।२७	२।५५
००।२७।५६।२६	११ र	१३	४।१७	५।५३	७।५०	१०।०४	१२।२४	२।४१	४।५७	७।१६	९।३५	११।३९	१।२३	२।५१
००।२८।५४।०९	१२ चं	१४	४।१३	५।५०	७।४६	१०।००	१२।२०	२।३७	४।५३	७।१२	९।३१	११।३५	१।१९	२।४७
००।२९।५१।४९	१३ मं	१५	४।०९	५।४६	७।४२	९।५६	१२।१६	२।३३	४।४९	७।०८	९।२७	११।३२	१।१५	२।४३
०१।००।४९।२८	१४ बु	१६	४।०६	५।४२	७।३८	९।५२	१२।१३	२।२९	४।४५	७।०४	९।२३	११।२८	१।११	२।४०

ता १५ मई २००७
प्र.ज्ये. कृ. १३ भौमे वृषेऽर्कः प्र. (स्टै.) टा. ८।४४ वारात् ४ नक्षत्रात् ५ वारनाम महोदरी चोरान् सुस्वदा नक्षत्रनाम ध्वांक्षी वैश्यान् सुस्वदा पूर्वान्हे १ प्रहर व्यापिनी नृपतीन् हन्ति, पूर्वे गमनमाग्नेयां दृष्टिः विष्टीकरणे प्रविष्टा मध्यमफलं अश्ववाहनं सिंहोपवाहनं स्थैर्यकारक कृष्णवस्त्रं कुन्तायुधं पत्रपात्रं चित्रान्नभक्षणं ओतुमदोलेप्यनं विप्रजातिः दुर्वापुष्पं गुंजाभूषणं नीलकंचुकी वृद्धावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यभावे सम वत्स उत्तरे राहु पश्चिमा. मूलं पातालेविवाहस्तंभो ऽग्निकोणे शुक्रोदयः पश्चिमायाम्। पुण्यकालः सोमवार (स्टै.) २६।२० से भौमवार ८।४४ तक। (दान- गौ)।

पं. ५ प्र.ज्ये.कृ.११ र.इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
०	११	१	७	२	३	१०	४
२७	०४	०९	२३	११	२४	१८	१८
५७	०५	२९	४७	२६	५०	४२	४२
०५	२०	४९	२४	२५	४९	१४	१४
५७	४५	१२९	६	६५	२	३	३
५५	३५	२३	१२	४४	२८	११	११
कृ	उभा	कृ	ज्ये	आ	श्ले	श	पूफा
१	१	४	३व	२	३	४	२



CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

१७ मई से १ जून तक, श्री प्र.ज्येष्ठ शुक्लपक्ष संवत् २०६४, शाकः १९२९, दि.मा.सू. सू. तारीख स्टै. प्रातः दैनिक केतकी अहर्गणः ५५२० ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे, मई-जून २००७

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	च.प.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति	यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।
लुम्बक	१	गु	३९	४०	२१	३६	कृति	२१	४५	१४	२६	शो	५१	३०	२६	५०	किं	१३	५१	११	१७	३३	५	७	२७	२९	१७	वृषे	१।०१।४०।०५	५७।३६	(व) ज्येष्ठा.-२ गुरुः १२।३९
मित्र	२	शु	३२	०५	१८	३४	रोहि	१५	५०	१२	०४	सु	४२	४७	२२	५०	बा	५	४४	८	०१	३५	४४	९०	२८	३०	१८	मिथु. २३।०३	१।०२।३७।४१	५७।३४	चंद्रदर्शनम् (मु.३०)
वज्र	३	श	२५	५२	१६	०४	मृग	११	१०	१०	११	धृ	३५	१७	१९	५०	ग	२५	५२	१६	०४	३८	४३	९०	२९	१	१९	मिथु.	१।०३।३५।१५	५७।३२	म. २७।०४ उ., जमार्दिलावल ५
ध्वाङ्क्ष	४	र	२१	२४	१४	१६	आर्द्रा	८	०९	८	५८	शू	२९	१६	१७	२५	वि	२१	२४	१४	१६	४१	४३	९१	३०	२	२०	कर्के २६।३४	१।०४।३२।४७	५७।३१	म. १४।१६ या., मृगे बुधः १४।२०, पुन. शुक्रः २७।३३
ध्रुम्र	५	सो	१८	५७	१३	१७	पुन	७	०५	८	३२	गं	२४	५५	१५	४०	बा	१८	५७	१३	१७	४३	४२	९१	३१	३	२१	कर्के	१।०५।३०।१८	५७।२९	सायन मिथुने भानुः १५।३६
प्रवर्धमा	६	मं	१८	४१	१३	१०	पुष्य	८	०९	८	५७	वृ	२२	१७	१४	३६	तै	१८	४१	१३	१०	४६	४२	१२	१	४	२२	कर्के	१।०६।२७।४८	५७।२८	मा. ज्येष्ठारंभः
राक्षस	७	बु	२०	३१	१३	५४	श्लेषा	११	१९	१०	१३	ध्रु	२१	१९	१४	१३	व	२०	३१	१३	५४	४८	४१	१३	२	५	२३	सिंहे १०।१३	१।०७।२५।१५	५७।२६	म. १३।५४ उ. २६।३३ या.
मुसल	८	गु	२४	१५	१५	२३	मघा	१६	२१	१२	१३	व्या	२१	५०	१४	२५	ब	२४	१५	१५	२३	५०	४१	१३	३	६	२४	सिंहे	१।०८।२२।४२	५७।२५	मिथुने बुधः १८।३६
सिद्धि	९	शु	२९	२८	१७	२८	पूफा	२२	५२	१४	५०	ह	२३	२९	१५	०४	कौ	२९	२८	१७	२८	५३	४१	१४	४	७	२५	कन्या २१।३३	१।०९।२०।०६	५७।२३	रोहि. रविः १८।०६ (सौरः २२।२१)
उत्पात	१०	श	३५	३५	१९	५४	उफा	३०	१९	१७	४८	व	२५	५२	१६	०१	तै	२	२६	६	३९	५५	४०	१४	५	८	२६	कन्या	१।१०।१७।३०	५७।२२	
ए.व्र.	११	र	४२	००	२२	२८	हस्त	३८	०७	२०	५५	सि	२८	३४	१७	०५	व	८	४७	९	११	५७	४०	१५	६	९	२७	कन्या	१।११।१४।५२	५७।२१	म. ९।११ उ. २२।२८ या., कमला ११ व्र.
मुद्गर	१२	सो	४८	११	२४	५६	चित्रा	४५	४३	२३	५७	व्य	३१	०९	१८	०७	ब	१५	०९	११	४३	५९	४०	१५	७	१०	२८	तुला. १०।२७	१।१२।१२।१२	५७।१९	
प्र.व्र.	१३	मं	५३	४६	२७	१०	स्वा	५२	४५	२६	४५	व	३३	२०	१८	५९	कौ	२१	०४	१४	०५	३९	३९	१६	८	११	२९	तुला.	१।१३।०९।३१	५७।१८	प्रदोषः, रेव. भौमः २१।२२, आर्द्रा. बुधः १७।०२
धाता	१४	बु	५८	३०	२९	०३	विशा	५८	५८	२९	१४	प	३४	५७	१९	३८	ग	२६	१५	१६	०९	०३	३९	१६	९	१२	३०	वृश्चि. २२।३९	१।१४।०६।४९	५७।१७	म. २९।०३ उ., कर्के शुक्रः १७।२४
आनन्द	१५	गु	...	...	...	...	अनु	...	...	...	...	शि	३५	५०	१९	५९	वि	३०	३०	१७	५१	०५	३९	१७	१०	१३	३१	वृश्चि.	१।१५।०४।०६	५७।१५	म. १७।५१ या., पूर्णिमा व्रतंपुण्यञ्च
पूर्णिमा	१५	शु	२	१७	६	३३	अनु	४	१७	७	२१	सि	३५	५८	२०	०२	ब	२	१७	६	३३	०७	३९	१७	११	१४	१	वृश्चि.	१।१६।०१।२१	५७।१४	जून ६ ता. ३०

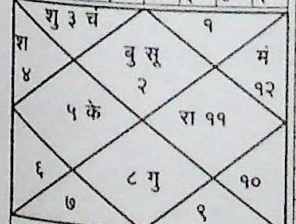
अयनांशाः २३।५६।४१

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

मास फलम्

अयनांशाः २३।५६।४२

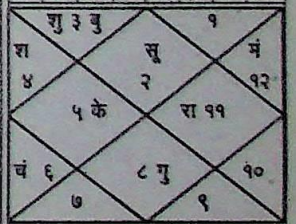
पं. ६ प्र.ज्ये.शु. ४ र. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
१	११	१	७	२	३	१०	४
०४	०९	२२	२३	१९	२५	१८	१८
४१	२३	४३	०१	०१	१०	१९	१९
४७	४९	२४	४४	४१	०४	५९	५९
५७	४५	१०९	६	६४	३	३	३
४४	२२	४८	५५	०६	०८	११	११
कृ	उभा	रो	ज्ये	आ	श्लेषा	श	पूफा
३	२	४	२व	४	३	४	२



ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	मई	रात्री	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	सायं	रात्री	रात्री	रात्री	रात्री
०१।०१।४७।०५	१ गु	१७	४।०२	५।३८	७।३४	९।४८	१२।०९	२।२५	४।४१	७।००	९।१९	११।२४	१।०७	२।३६
०१।०२।४४।४१	२ शु	१८	३।५८	५।३४	७।३०	९।४५	१२।०५	२।२१	४।३७	६।५६	९।१५	११।२०	१।०३	२।३२
०१।०३।४२।१४	३ श	१९	३।५४	५।३०	७।२६	९।४१	१२।०१	२।१८	४।३३	६।५२	९।११	११।१६	१२।५९	२।२८
०१।०४।३९।४७	४ र	२०	३।५०	५।२६	७।२२	९।३७	११।५७	२।१४	४।२९	६।४९	९।०७	११।१२	१२।५५	२।२४
०१।०५।३७।१७	५ चं	२१	३।४६	५।२२	७।१८	९।३३	११।५३	२।१०	४।२५	६।४५	९।०३	११।०८	१२।५१	२।२०
०१।०६।३४।४६	६ मं	२२	३।४२	५।१८	७।१४	९।२९	११।४९	२।०६	४।२२	६।४१	८।५९	११।०४	१२।४७	२।१६
०१।०७।३२।१४	७ बु	२३	३।३८	५।१४	७।१०	९।२५	११।४५	२।०२	४।१८	६।३७	८।५५	११।००	१२।४३	२।१२
०१।०८।२९।४०	८ गु	२४	३।३४	५।१०	७।०६	९।२१	११।४१	१।५८	४।१४	६।३३	८।५१	१०।५६	१२।३९	२।०८
०१।०९।२७।०४	९ शु	२५	३।३०	५।०६	७।०२	९।१७	११।३७	१।५४	४।१०	६।२९	८।४७	१०।५२	१२।३५	२।०४
०१।१०।२४।२७	१० श	२६	३।२६	५।०२	६।५८	९।१३	११।३३	१।५०	४।०६	६।२५	८।४३	१०।४८	१२।३२	२।००
०१।११।२१।४९	११ र	२७	३।२२	४।५८	६।५४	९।०९	११।२९	१।४६	४।०२	६।२१	८।४०	१०।४४	१२।२८	१।५६
०१।१२।१९।०९	१२ चं	२८	३।१८	४।५४	६।५०	९।०५	११।२५	१।४२	३।५८	६।१७	८।३६	१०।४०	१२।२४	१।५२
०१।१३।१६।२८	१३ मं	२९	३।१४	४।५०	६।४६	९।०१	११।२१	१।३८	३।५४	६।१३	८।३२	१०।३६	१२।२०	१।४८
०१।१४।१३।४६	१४ बु	३०	३।१०	४।४६	६।४३	८।५७	११।१७	१।३४	३।५०	६।०९	८।२८	१०।३२	१२।१६	१।४४
०१।१५।११।०२	१५ गु	३१	३।०६	४।४३	६।३९	८।५३	११।१३	१।३०	३।४६	६।०५	८।२४	१०।२८	१२।१२	१।४०
०१।१६।०८।१७	१५ शु	१	३।०२	४।३९	६।३५	८।४९	११।०९	१।२६	३।४२	६।०१	८।२०	१०।२५	१२।०८	१।३६

दो ज्येष्ठ होने से राजध्वंस, धनधान्य की उत्पत्ति हो। इस माह में पांच गुरुवार होने से धान्य सस्ता हो। पांच शुक्रवार होने से प्रजा की वृद्धि हो। ज्येष्ठ कृष्णा प्रतिपदा को बृहस्पतिवार होने से समर्धता हो। कृष्णा द्वादशी में रेवती होने से दुर्भिक्ष हो। बुधवारी अमावस भरणी योग होने से मिश्रित फल हो। शुक्रा १० को शनिवार होने से वृष्टि को रोक लगे, गायों में बिमारी फैले। पूर्णिमा अनुराधा युक्त होने से दुर्भिक्ष हो। धान्यादि एवं लाल वर्ण वाली सभी वस्तुओं के भाव तेज हों, प्रजा में विग्रह हो, कहीं-कहीं हिंसादि हो, अग्निभय हो, घृत तेल लवण रस कपूर चंदन ये सब महँगे हों।

पं. ७ प्र.ज्ये.शु.११ र.इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
१	११	२	७	२	३	१०	४
११	१४	०३	२२	२६	२५	१७	१७
२५	४०	३०	११	२४	३३	५७	५७
२४	२३	०३	४५	३७	५६	४४	४४
५७	४५	७९	७	६२	३	३	३
३५	०६	२९	२४	०८	४६	११	११
रो	उभा	मृ	ज्ये	पुन	श्लेषा	श	पूफा
१	४	४	२व	२	३	४	२



CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

॥ श्रीवल्लभ मनोराम पञ्चाङ्गम् ॥

२ जून से १५ जून तक, श्री द्वि.ज्येष्ठ कृष्णपक्ष संवत् २०६४, शाकः १९२९, दि.मासू. सू. तारीस्प स्टै. प्रातः दैनिक ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे प्र.ज्येष्ठकृष्णेति गुर्जराः, जून २००७

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	च.प्र.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
मुसल	१	श	५	०५	७	४०	ज्ये	८	३८	९	०६	सा	३५	२०	१९	४६	कौ	५	०५	७	४०	३४ ०८	५ ३८	७ ९८	१२	१५	२	धनु. ९।०६	१।१६।५८।३५	५७।१३
सिद्धि	२	र	६	५३	८	२३	मूल	१२	०२	१०	२७	शु	३३	५७	१९	१३	ग	६	५३	८	२३	१०	३८	१८	१३	१६	३	धनु.	१।१७।५५।४८	५७।१२
च.व्र.	३	सो	७	४४	८	४४	पूषा	१४	२९	११	२६	शु	३१	४८	१८	२१	वि	७	४४	८	४४	१२	३८	१९	१४	१७	४	मक. १७।३७	१।१८।५३।००	५७।११
मानस	४	मं	७	३५	८	४०	उषा	१५	५८	१२	०१	ब्र	२८	५२	१७	११	वा	७	३५	८	४०	१३	३८	१९	१५	१८	५	मक.	१।१९।५०।११	५७।१०
छत्र	५	बु	६	२८	८	१३	श्रव	१६	२९	१२	१३	ऐ	२५	०८	१५	४१	तै	६	२८	८	१३	१५	३८	२०	१६	१९	६	कुंभ २४।१०	१।२०।४७।२०	५७।०९
श्रीवत्स	६	गु	४	१८	७	२१	धनि	१५	५८	१२	०१	वै	२०	३४	१३	५१	व	४	१८	७	२१	१६	३८	२०	१७	२०	७	कुंभे	१।२१।४४।२९	५७।०८
सौम्य	७	शु	१	०६	६	०४	शत	१४	२५	११	२४	वि	१५	१०	११	४२	ब	१	०६	६	०४	१७	३८	२०	१८	२१	८	मीने २८।३९	१।२२।४१।३६	५७।०७
क्षयः	८	शु	५६	४८	२८	२१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
काल	९	श	५१	३०	२६	१४	पूभा	११	४८	१०	२१	प्री	८	५३	९	११	तै	२४	१६	१५	२०	१८	३८	२१	१९	२२	९	मीने	१।२३।३८।४३	५७।०६
सुस्थिर	१०	र	४५	१३	२३	४३	उभा	८	१०	८	५४	आ	५३	४५	२७	४०	व	१८	२७	१३	००	१९	३८	२१	२०	२३	१०	मीने	१।२४।३५।४८	५७।०५
ए.व्र.	११	सो	३८	०७	२०	५२	रेव	३ ५८	३६ ४९	७ २८	०४ ५७	शो	४५	२०	२३	४६	ब	११	४५	१०	२०	२०	३८	२२	२१	२४	११	मेषे ७।०४	१।२५।३२।५३	५७।०४
प्र.व्र.	१२	मं	३०	३०	१७	५०	भर	५२	३६	२६	४०	अ	३६	२३	२०	११	कौ	४	२२	७	२२	२१	३८	२२	२२	२५	१२	मेषे	१।२६।२९।५७	५७।०३
सिद्धि	१३	बु	२२	३९	१४	४१	कृत्ति	४६	४९	२४	२१	सु	२७	१७	१६	३२	व	२२	३९	१४	४१	२२	३८	२२	२३	२६	१३	वृषे ८।०५	१।२७।२७।००	५७।०२
उत्पात	१४	गु	१४	५७	११	३७	रोहि	४१	२२	२२	११	धृ	१८	२०	१२	५८	श	१४	५७	११	३७	२३	३८	२३	२४	२७	१४	वृषे	१।२८।२४।०२	५७।०१
अमाव.	३०	शु	७	४९	८	४५	मृग	३६	४१	२०	१८	शू	९	५२	९	३५	ना	७	४९	८	४५	२३	३८	२३	२५	२८	१५	मिथु. ९।१२	१।२९।२१।०४	५७।०१

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय रटै.टा.में है।
पुष्ये शुक्रः २४।३५
भ. २०।३६ उ.
भ. ८।४४ या., चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः २२।३२
|B गुरुः १४।४९
पंचक प्रारम्भः २४।१०
भ. ७।२१ उ. १८।४६ या.
मृगे रविः १६।०० (सौरः २१।४६)
|A (सौरः २२।०१)
भ. १३।०० उ. २३।४३ या.
पंचक समाप्तिः ७।०४, कमला ११ व्र., श्लेषा.-४ शनिः ९।१८
प्रदोषः
भ. १४।४१ उ. २५।०८ या., मासिकशिवरात्री व्र., (व) ज्येष्ठा.-१ B
पितृकार्येऽमा.
देवकार्येऽमा., अधिक मास समाप्तिः, मिथुने रविः १५।२५ A

अयनांशाः २३।५६।४४

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ रटैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

पं. ८ द्वि.ज्ये.कृ. २ र.इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
१	११	२	७	३	३	१०	४
१८	१९	११	२१	०३	२६	१७	१७
०८	५५	३२	१९	३२	०२	३५	३५
०४	०९	०१	०६	४०	०७	२९	२९
५७	४४	५३	७	५९	४	३	३
२८	४७	५१	३८	४६	२२	१९	११
रो	रे	आ	ज्ये	पु	श्ले	श	पूफा
३	१	२	२व	१	३	४	२



ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	जून	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	सायं	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ
०१।१७।०५।३१	१ श	२	२।५९	४।३५	६।३१	८।४५	११।०६	१।२२	३।३८	५।५७	८।१६	१०।२१	१२।०४	१।३३
०१।१८।०२।४४	२ र	३	२।५५	४।३१	६।२७	८।४१	११।०२	१।१८	३।३४	५।५३	८।१२	१०।१७	१२।००	१।२९
०१।१८।५९।५५	३ चं	४	२।५१	४।२७	६।२३	८।३८	१०।५८	१।१४	३।३०	५।४९	८।०८	१०।१३	११।५६	१।२५
०१।१९।५७।०६	४ मं	५	२।४७	४।२३	६।१९	८।३४	१०।५४	१।११	३।२६	५।४५	८।०४	१०।०९	११।५२	१।२१
०१।२०।५४।१५	५ बु	६	२।४३	४।१९	६।१५	८।३०	१०।५०	१।०७	३।२२	५।४२	८।००	१०।०५	११।४८	१।१७
०१।२१।५१।२४	६ गु	७	२।३९	४।१५	६।११	८।२६	१०।४६	१।०३	३।१८	५।३८	७।५६	१०।०१	११।४४	१।१३
०१।२२।४८।३१	७ शु	८	२।३५	४।११	६।०७	८।२२	१०।४२	१२।५९	३।१५	५।३४	७।५२	९।५७	११।४०	१।०९
०१।२३।४५।३७	८ श	९	२।३१	४।०७	६।०३	८।१८	१०।३८	१२।५५	३।११	५।३०	७।४८	९।५३	११।३६	१।०५
०१।२४।४२।४३	९ र	१०	२।२७	४।०३	५।५९	८।१४	१०।३४	१२।५१	३।०७	५।२६	७।४४	९।४९	११।३२	१।०१
०१।२५।३९।४७	१० चं	११	२।२३	३।५९	५।५५	८।१०	१०।३०	१२।४७	३।०३	५।२२	७।४०	९।४५	११।२८	१२।५७
०१।२६।३६।५१	११ मं	१२	२।१९	३।५५	५।५१	८।०६	१०।२६	१२।४३	२।५९	५।१८	७।३६	९।४१	११।२५	१२।५३
०१।२७।३३।५४	१२ बु	१३	२।१५	३।५१	५।४७	८।०२	१०।२२	१२।३९	२।५५	५।१४	७।३३	९।३७	११।२१	१२।४९
०१।२८।३०।५६	१३ गु	१४	२।११	३।४७	५।४३	७।५८	१०।१८	१२।३५	२।५१	५।१०	७।२९	९।३३	११।१७	१२।४५
०१।२९।२७।५७	१४ शु	१५	२।०७	३।४३	५।३९	७।५४	१०।१४	१२।३१	२।४७	५।०६	७।२५	९।२९	११।१३	१२।४१

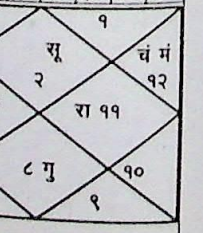
संक्रांति फलम्

ता. १५ जून २००७
द्वि.ज्ये. कृ. ३० भृगौ मिथुनेऽर्कः प्र. (रटै.) टा. १५।२५ वारात् ४ नक्षत्रात् ५ वारनाम मिश्रा पशून् सुस्पदा नक्षत्रनाम मंदाकिनी नृपतीन् सुस्पदा अपरान्ह ३ प्रहर व्यापिनी वैश्यान् हन्ति, दक्षिणे गमनं नैऋत्यां दृष्टिः किंचुष्नकरणे प्रविष्टा मध्यमफलं वृषवृश्चटवाहनं वानरोपवाहनं अपमृत्युकारक श्यामवस्त्रं वाणायुधं वंशपात्रं शर्कराभक्षणं कपूरलेपनं संकरजातिः जपापुष्पं स्वर्णभूषणं पाण्डुरकंचुकी प्रव्राजिकावस्था (उभी) मु. ३० धान्यभावे सम वत्स उत्तरे राहु पश्चिमा. मूलं स्वर्गे विवाहस्तंभोऽग्निकोणे शुक्रोदयः पश्चिमायाम्। पुण्यकालः (रटै.) १५।२५ से २१।४९ तक। (दान- वस्त्रान्न)।

अयनांशाः २३।५६।४५

पं. ९ द्वि.ज्ये.कृ.१० र.इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
१	११	२	७	३	३	१०	४
२४	२५	१६	२०	१०	२६	१७	१७
४९	०७	२१	२५	२२	३४	१३	१३
५८	३६	१८	३७	३३	२०	१४	१४
५७	४४	२३	७	५६	४	३	३
२२	२६	५८	३६	५०	५५	११	११
मृ	रे	आ	ज्ये	पु	श्ले	श	पूफा
१	३	३	२व	३	३	४	२



CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

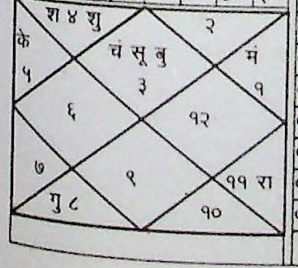
योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प्र.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	सौर र. स्प.	गति
मुद्गर	१	श	१	३७	६	१७	आर्द्रा	३३	११	१८	५४	गं	२	१३	६	३५	व	१	३७	६	१७	३४	५	७	२६	२९	१६	मिथु.	२।००।१८।०४	५७।००
क्षयः	२	श	५६	४७	२८	२१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
ध्वजा	३	र	५३	३६	२७	०४	पुन	३१	१३	१८	०७	ध्रु	५०	३०	२५	५०	तै	२४	५८	१५	३७	२४	३८	२४	२७	१	१७	कर्के	१२।१५	२।०१।१५।०४	५६।५९
धाता	४	सो	५२	२०	२६	३४	पुष्य	३१	०३	१८	०३	व्या	४६	४९	२४	२२	व	२२	४३	१४	४३	२५	३८	२४	२८	२	१८	कर्के	२।०२।१२।०४	५६।५९
आनन्द	५	मं	५३	०२	२६	५१	श्ले	३२	४९	१८	४६	ह	४४	४४	२३	३२	ब	२२	२६	१४	३७	२५	३८	२४	२९	३	१९	सिंहे	१८।४६	२।०३।०९।०३	५६।५८
चर	६	बु	५५	४१	२७	५५	मघा	३६	३२	२०	१५	व	४४	११	२३	१९	कौ	२४	०७	१५	१७	२५	३९	२५	३०	४	२०	सिंहे	२।०४।०६।०१	५६।५८
गद	७	गु	५९	५९	२९	३९	पूफा	४१	५७	२२	२६	सि	४४	५९	२३	३८	ग	२७	३९	१६	४२	२५	३९	२५	३१	५	२१	कन्या	२९।०४	२।०५।०२।५८	५६।५७
शुभ	८	शु	...	...	...	...	उफा	४८	४२	२५	०८	व्य	४६	४९	२४	२३	वि	३२	३९	१८	४२	२५	३९	२५	१	६	२२	कन्या		२।०५।५९।५६	५६।५७
मृत्यु	८	श	५	३२	७	५२	हस्त	५६	१२	२८	०८	व	४९	१७	२५	२२	ब	५	३२	७	५२	२५	३९	२५	२	७	२३	कन्या		२।०६।५६।५२	५६।५६
पद्म	९	र	११	४२	१०	२०	चित्रा	...	...	...	...	प	५१	५३	२६	२५	कौ	११	४२	१०	२०	२५	३९	२५	३	८	२४	तुला.	१७।४०	२।०७।५३।४९	५६।५६
गंगा	१०	सो	१७	५२	१२	४८	चित्रा	३	५०	७	१२	शि	५४	११	२७	२०	ग	१७	५२	१२	४८	२४	४०	२५	४	९	२५	तुला.		२।०८।५०।४५	५६।५६
ए.व्र.	११	मं	२३	२४	१५	०१	स्वा	१०	५९	१०	०४	सि	५५	५१	२८	००	वि	२३	२४	१५	०१	२४	४०	२६	५	१०	२६	तुला.		२।०९।४७।४०	५६।५५
प्र.व्र.	१२	बु	२७	५५	१६	५०	विशा	१७	१४	१२	३४	सा	५६	३७	२८	१९	बा	२७	५५	१६	५०	२४	४०	२६	६	११	२७	वृश्चि.	५।५९	२।१०।४४।३५	५६।५५
आनन्द	१३	गु	३१	१३	१८	१०	अनु	२२	१९	१४	३६	शु	५६	२४	२८	१४	तै	३१	१३	१८	१०	२३	४१	२६	७	१२	२८	वृश्चि.		२।११।४१।३०	५६।५५
चर	१४	शु	३३	१४	१८	५९	ज्ये	२६	०८	१६	०८	शु	५५	११	२७	४५	ग	२	२३	६	३८	२३	४१	२६	८	१३	२९	धनु.	१६।०८	२।१२।३८।२५	५६।५५
पूर्णिमा	१५	श	३४	००	१९	१७	मूल	२८	४५	१७	११	ब्र	५३	०१	२६	५४	वि	३	४६	७	१२	२२	४१	२६	९	१४	३०	धनु.		२।१३।३५।२०	५६।५४

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।
चंद्रदर्शनम् (मु.४५), करिदिनं, श्री गंगादशाश्वमेधस्नान प्रा., मेषे B
B अश्वि. भौमः २०।०९, वक्री बुधः १४।३३, श्लेषा. शुक्रः २५।१२
रंभा व्रतं, प्रताप जयंती, जमादिलास्वर ६ D व्र., कबीर जयंती
भ. १४।४३ उ. २६।३४ या. E १६।२८, पूफा.-१ केतुः १६।२८
मघा रे. ९ ISIIIIIIII रात्रौ अ. गोधूलि १, बुधास्तः पश्चिमा. ६।१४
मघा. रे. ९ ISIIIIIIII दिवा ६, रात्रौ अ. गोधूलि, शत.-३ राहुः E
भ. २९।३९ उ., उफा. रे. ९ IIIIIIISII रात्रौ लग्नाऽभावः, सायन F
भ.१८।४२ या.,दुर्गाष्टमी, धूमावती ज.,भा.आषाढारंभः, आर्द्रा.रविः A
हस्ते रे. ९ IIIIIIISII दिवा ल. ८, रात्रौ अ.गो. १२ (मीने चं.७ पू.)
A १५।०२ (सौरः २२।३२),अयन करिदिन, सं.स्त्री.स्त्री.चं.सू. C
भ. २५।५७ उ., गंगा दशहरा व्र. C वाहन महिष अल्पवृष्टिः
भ. १५।०१ या., निर्जला ११ व्र. F कर्के भानुः, सायन G
प्रदोषः, अनु. रे. ८ SSIIIIIIII रात्रौ अ. गो. १२।१ (मेषे सोग्रांगः)
वट सावित्री व्रतारंभः, अनु. रे. ८ SSIIIIIIII दिवा ल. ६
भ. १८।५९ उ. G दक्षिणायन प्रारम्भ २३।३७
भ. ७।१२ या., मन्वादि, गुर्जराणां वटसावित्री व्रतं, अब्द साध्य D

अयनांशाः २३।५६।४६

पं.१० द्वि.ज्ये.शु. ३ र.इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
२	०	२	७	३	३	१०	४
०१	००	१७	१९	१६	२७	१६	१६
३१	१७	३५	३३	४९	१०	५०	५०
१५	२५	१०	०६	५७	१४	५८	५८
५७	४४	७	७	५३	५	३	३
१७	०१	००	१९	११	२५	११	११
मृ	अ	आ	ज्ये	श्ले	श्ले	श	पूफा
३	१	४व	१व	१	४	४	२



॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	जून	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	सायँ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ
०२।००।२४।५८	१ श	१६	२।०३	३।३९	५।३६	७।५०	९०।९०	९२।२७	२।४३	५।०२	७।२९	९।२५	११।०९	९२।३७
०२।०१।२१।५७	३ र	१७	१।५९	३।३५	५।३२	७।४६	९०।०६	९२।२३	२।३९	४।५८	७।१७	९।२१	११।०५	९२।३३
०२।०२।१८।५७	४ चं	१८	१।५५	३।३२	५।२८	७।४२	९०।०२	९२।१९	२।३५	४।५४	७।१३	९।१८	११।०१	९२।२९
०२।०३।१५।५५	५ मं	१९	१।५२	३।२८	५।२४	७।३८	९।५८	९२।१५	२।३१	४।५०	७।०९	९।१४	१०।५७	९२।२६
०२।०४।१२।५३	६ बु	२०	१।४८	३।२४	५।२०	७।३४	९।५५	९२।११	२।२७	४।४६	७।०५	९।१०	१०।५३	९२।२२
०२।०५।०९।५१	७ गु	२१	१।४४	३।२०	५।१६	७।३१	९।५१	९२।०७	२।२३	४।४२	७।०१	९।०६	१०।४९	९२।१८
०२।०६।०६।४८	८ शु	२२	१।४०	३।१६	५।१२	७।२७	९।४७	९२।०४	२।१९	४।३८	६।५७	९।०२	१०।४५	९२।१४
०२।०७।०३।४४	८ श	२३	१।३६	३।१२	५।०८	७।२३	९।४३	९२।००	२।१५	४।३५	६।५३	८।५८	१०।४१	९२।१०
०२।०८।००।४१	९ र	२४	१।३२	३।०८	५।०४	७।१९	९।३९	९१।५६	२।११	४।३१	६।४९	८।५४	१०।३७	९२।०६
०२।०८।५७।३६	१० चं	२५	१।२८	३।०४	५।००	७।१५	९।३५	९१।५२	२।०८	४।२७	६।४५	८।५०	१०।३३	९२।०२
०२।०९।५४।३२	११ मं	२६	१।२४	३।००	४।५६	७।११	९।३१	९१।४८	२।०४	४।२३	६।४१	८।४६	१०।२९	९१।५८
०२।१०।५१।२७	१२ बु	२७	१।२०	२।५६	४।५२	७।०७	९।२७	९१।४४	२।००	४।१९	६।३७	८।४२	१०।२५	९१।५४
०२।११।४८।२२	१३ गु	२८	१।१६	२।५२	४।४८	७।०३	९।२३	९१।४०	१।५६	४।१५	६।३३	८।३८	१०।२१	९१।५०
०२।१२।४५।१६	१४ शु	२९	१।१२	२।४८	४।४४	६।५९	९।१९	९१।३६	१।५२	४।११	६।२९	८।३४	१०।१८	९१।४६
०२।१३।४२।११	१५ श	३०	१।०८	२।४४	४।४०	६।५५	९।१५	९१।३२	१।४८	४।०७	६।२६	८।३०	१०।१४	९१।४२

मास फलम् अयनांशाः २३।५६।४७

इस माह में पांच शनिवार होने से महँगाई हो। कृ. पड़वा को शनिवार होने से जल शोष, राजनीति में हलचल और प्रजा में उत्पात हो। कृष्णा एकादशी में रेवती होने से स्वण्ड वृष्टि हो। शुक्रवारी अमावस और मृगशिरा योग होने से उद्धत मेघों से जलभ्रंश हो, और सुभिक्ष हो। पूर्णिमा शनिवार और मूल युक्त होने से दुर्भिक्ष हो, ज्येष्ठा का अभाव होने से महर्घता हो। प्रजासुस्थी हो, स्वर्ण चांदी के भाव तेज हों, गाय भैंस हाथी घोडा मोटर गाड़ी आदि (चतुष्पद) पशु एवं वाहन के भाव तेज हो, रस कस लवण घृत के भाव सम रहे।

पं.११ द्वि.ज्ये.शु. ९ र.इष्टघटी ०।००

सु.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
२	०	२	७	३	३	१०	४
०८	०५	१५	१८	२२	२७	१६	१६
१२	२४	२६	४३	४९	४९	२८	२८
०६	१०	२८	२२	०४	२९	४२	४२
५७	४३	३१	६	४८	५	३	३
१४	३३	०२	४७	३३	५२	११	११
आ	अ	आ	ज्ये	श्ले	श्ले	श	पूफा
१	२	३व	१व	२	४	३	१



CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

१ जुलाई से १४ जुलाई तक, श्री आषाढ़ कृष्णपक्ष संवत् २०६४, शाकः १९२९, दि.मासू. सू. तारीस्प स्टै. प्रातः दैनिक वर्षर्तू रविर्दक्षिणे द्वि.ज्येष्ठकृष्णेति गुर्जराः, जुलाई २००७

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
शुभ	१	र	३३	४०	१९	१०	पूषा	३०	१५	१७	४८	ऐ	५०	००	२५	४२	बा	३	५८	७	१७	३४ ३१	५ ४२	७ २६	१०	१५	१	मक.	२३।५३	२।१४।३२।१४	५६।५४
मृत्यु	२	सो	३२	२०	१८	३८	उषा	३०	४७	१८	०१	वै	४६	१४	२४	११	तै	३	०६	६	५६	२०	४२	२६	११	१६	२	मक.		२।१५।२९।०८	५६।५४
च.ग्र.	३	मं	३०	०८	१७	४६	श्रव	३०	२७	१७	५३	वि	४१	४७	२२	२५	व	१	२०	६	१४	१९	४२	२६	१२	१७	३	कुंभे	२९।४३	२।१६।२६।०२	५६।५४
मित्र	४	बु	२७	१२	१६	३५	धनि	२९	२३	१७	२८	प्री	३६	४४	२०	२४	बा	२७	१२	१६	३५	१८	४३	२६	१३	१८	४	कुंभे		२।१७।२२।५७	५६।५४
वज्र	५	गु	२३	३३	१५	०८	शत	२७	३७	१६	४६	आ	३१	०९	१८	११	तै	२३	३३	१५	०८	१७	४३	२६	१४	१९	५	कुंभे		२।१८।१९।५१	५६।५४
ध्वाङ्क्ष	६	शु	१९	१७	१३	२६	पूभा	२५	१३	१५	४९	सौ	२५	०२	१५	४४	व	१९	१७	१३	२६	१६	४४	२६	१५	२०	६	मीने	१०।०४	२।१९।१६।४५	५६।५४
धूम्र	७	श	१४	२५	११	३०	उभा	२२	१४	१४	३८	शो	१८	२६	१३	०६	ब	१४	२५	११	३०	१४	४४	२६	१६	२१	७	मीने		२।२०।१३।३९	५६।५४
प्रवर्धमा	८	र	८	५९	९	२०	रेव	१८	४३	१३	१४	अ	११	२४	१०	१८	कौ	८	५९	९	२०	१३	४४	२६	१७	२२	८	मेषे	१३।१४	२।२१।१०।३४	५६।५५
राक्षस	९	सो	३	०७	७	००	अश्वि	१४	४६	११	३९	सु	३ ५६	५९ ३०	७ २५	२५ ४७	ग	३	०७	७	००	१२	४५	२५	१८	२३	९	मेषे		२।२२।०७।२८	५६।५५
क्षयः	१०	सो	५६	५६	२८	३१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
ए.व्र.	११	मं	५०	३८	२६	००	भर	१०	३२	९	५८	शू	४८	३३	२५	१०	ब	२३	४६	१५	१६	१०	४५	२५	१९	२४	१०	वृषे	१५।३२	२।२३।०४।२३	५६।५५
ए.व्र.	१२	बु	४४	२५	२३	३२	कृति	६	१३	८	१५	गं	४०	५२	२२	०७	कौ	१७	२९	१२	४५	०८	४६	२५	२०	२५	११	वृषे		२।२४।०१।१८	५६।५५
प्र.व्र.	१३	गु	३८	३८	२१	१३	रोहि	२ ५८	०७ ३२	६ २६	३७ ११	वृ	३३	२९	१९	१०	ग	११	२७	१०	२१	०७	४६	२५	२१	२६	१२	मिथु.	१७।५२	२।२४।५८।१३	५६।५६
पद्म	१४	शु	३३	३३	१९	१२	आर्द्रा	५५	४५	२८	०५	ध्रु	२६	४१	१६	२७	वि	५	५८	८	१०	०५	४७	२५	२२	२७	१३	मिथु.		२।२५।५५।०९	५६।५६
अमाव.	३०	श	२९	२७	१७	३४	पुन	५४	०४	२७	२५	व्या	२०	३९	१४	०३	च	१	२१	६	२०	०३	४७	२४	२३	२८	१४	कर्के	२१।३२	२।२६।५२।०५	५६।५६

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।
जुलाई ७ ता. ३१, उषा. रे. १० ।।।।।।।।। रात्रौ ल. १२।१ (मेषे A
[D २३।५८), सं.स्री.पु.चं.सू.वाहन अश्व वर्षाश्रेष्ठः
भ. ६।१४ उ. १७।४६ या., अंगारकी चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः २१।५१, B
[B पंचक प्रारम्भः २९।४३, सिंहे मघा. शुक्रः १९।४६
भर. भौमः ६।१२ [A सोग्रांगः, स्टै. २५।४२ यावत्)
भ. १३।२६ उ. २४।३० या., उभा. रे. १० ।।।।।।।।। रात्रौ ल. १।२ C
उभा.रे. ८ ।।।।।S।।S दि.ल. ६, रेवत्यां रे. ७ S।।।।।S।S८. रात्रौ E
पंचक समाप्तिः १३।१४, बुधोदयः पूर्वस्याम् २८।४९, रेवत्यां रे. ७ G
भ. १७।४६ उ. २८।३१ या. [G S।।।।।S।S८. दिवा ल. ६
[E ल. अ. गो. १।२ (मेषे सोग्रांगः, वृषे गु. ७ पू.)
योगिनी ११ व्र.स्मार्त, मार्गी बुधः २०।४३ [F १० (मकरे श ७ दोषः)
योगिनी ११ व्र.वैष्ण. रोहिण्यां रे.७ S।।।।।।S।। दिवा.ल.६, रात्रौ F
भ. २१।१३ उ., प्रदोषः, मासिकशिवरात्री व्र.
भ. ८।१० या. [C (मेषे - सोग्रांगः), पुन.रविः १४।३९ (सौरः D
देवपितृकार्येऽमा., सिंहे मघा.-१ शनिः १६।२५

अयनांशाः २३।५६।४८

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

पं.१२ आ.कृ. १ र. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
२	०	२	७	३	३	१०	४
१४	१०	११	१७	२८	२८	१६	१६
५२	२७	२४	५८	१२	३१	०६	०६
४०	३१	३३	००	००	४४	२७	२७
५७	४३	३३	६	४२	६	३	३
१२	०१	५१	०२	३५	१६	११	११
आ	अ	आ	ज्ये	श्ले	श्ले	श	पूफा
३	४	२व	१व	४	४	३	१



ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	जुलै	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	सायं	रात्रौ	रात्रौ
०२।१४।३९।०५	१ र	१	१।०४	२।४०	४।३६	६।५१	९।१९	११।२८	१।४४	४।०३	६।२२	८।२६	१०।१०	११।३८
०२।१५।३५।५९	२ चं	२	१।००	२।३६	४।३२	६।४७	९।०७	११।२४	१।४०	३।५९	६।१८	८।२२	१०।०६	११।३४
०२।१६।३२।५३	३ मं	३	१२।५६	२।३२	४।२८	६।४३	९।०३	११।२०	१।३६	३।५५	६।१४	८।१८	१०।०२	११।३०
०२।१७।२९।४७	४ बु	४	१२।५२	२।२८	४।२५	६।३९	८।५९	११।१६	१।३२	३।५१	६।१०	८।१४	९।५८	११।२६
०२।१८।२६।४२	५ गु	५	१२।४८	२।२५	४।२१	६।३५	८।५५	११।१२	१।२८	३।४७	६।०६	८।१०	९।५४	११।२२
०२।१९।२३।३६	६ शु	६	१२।४४	२।२१	४।१७	६।३१	८।५१	११।०८	१।२४	३।४३	६।०२	८।०७	९।५०	११।१८
०२।२०।२०।३०	७ श	७	१२।४१	२।१७	४।१३	६।२७	८।४८	११।०४	१।२०	३।३९	५।५८	८।०३	९।४६	११।१५
०२।२१।१७।२४	८ र	८	१२।३७	२।१३	४।०९	६।२३	८।४४	११।००	१।१६	३।३५	५।५४	७।५९	९।४२	११।११
०२।२२।१४।१९	९ चं	९	१२।३३	२।०९	४।०५	६।२०	८।४०	१०।५६	१।१२	३।३१	५।५०	७।५५	९।३८	११।०७
०२।२३।११।१३	१० मं	१०	१२।२९	२।०५	४।०१	६।१६	८।३६	१०।५३	१।०८	३।२७	५।४६	७।५१	९।३४	११।०३
०२।२४।०८।०८	११ बु	११	१२।२५	२।०१	३।५७	६।१२	८।३२	१०।४९	१।०४	३।२४	५।४२	७।४७	९।३०	१०।५९
०२।२५।०५।०४	१२ गु	१२	१२।२१	१।५७	३।५३	६।०८	८।२८	१०।४५	१।००	३।२०	५।३८	७।४३	९।२६	१०।५५
०२।२६।०१।५९	१३ शु	१३	१२।१७	१।५३	३।४९	६।०४	८।२४	१०।४१	१२।५७	३।१६	५।३४	७।३९	९।२२	१०।५१
०२।२६।५८।५५	१४ श	१४	१२।१३	१।४९	३।४५	६।००	८।२०	१०।३७	१२।५३	३।१२	५।३०	७।३५	९।१८	१०।४७

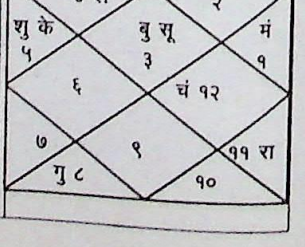
संक्रांति फलम्

ता. १६ जुलाई २००७
आषा. शु. २ चंद्रे कर्केऽर्कः प्र. (स्टै.)
टा. २६।२२ वारात् ४ नक्षत्रात् ५
वारनाम ध्वांक्षी वैश्यान् सुस्थदा
नक्षत्रनाम राक्षसी चाण्डालान् सुस्थदा
अपर रात्रि ३ प्रहर व्यापिनी नटान्
हन्ति, पूर्वे गमनमाग्नेयां दृष्टिः
तैतिलकरणे प्रविष्टा नेष्टफलं
रासभवाहनं मेषोपवाहनं सुभिक्षकारक
अरुणवस्त्रं दण्डायुधं कांस्यपात्रं
पक्वान्नभक्षणं मृद्लेप्तनं पक्षीजातिः
केतकीपुष्पं प्रवलभूषणं भूर्जपत्रकंचुकी
युवावस्था (सूती) मु. १५ धान्यभावे
महर्घता वत्स उत्तरे राहु पश्चिमा. मूलं
भूमौ विवाहस्तंभो ऽग्निकोणे शुक्रोदयः
पश्चिमायाम् । पुण्यकालः (स्टै.)
१४।२२ से २६।२२ तक। (दानः घृत,
धेनु)।

अयनांशाः २३।५६।४९

पं.१३ आ.कृ. ८ र. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
२	०	२	७	४	३	१०	४
२१	१५	०८	१७	०२	२९	१५	१५
३३	२७	२९	१८	४८	१६	४४	४४
०९	००	४३	२८	०३	३८	११	११
५७	४२	८	५	३४	६	३	३
१२	२६	३४	०६	४८	३६	११	११
पुन	भ	आ	ज्ये	म	श्ले	श	पूफा
१	१	१व	१व	१	४	३	१



CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

१५ जुलाई से ३० जुलाई तक, श्री आषाढ़ शुक्लपक्ष संवत् २०६४, शाकः १९२९, दि.मा.सू. सू. तारीख स्टै. प्रातः दैनिक केतकी अहर्गणः ५५७९ वर्षतूं रविर्दक्षिणे, जुलाई २००७

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति	यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।
श्रीवत्स	१	र	२६	३९	१६	२७	पुष्य	५३	४६	२७	१८	ह	१५	३८	१२	०३	ब	२६	३९	१६	२७	३४/०१	५/४८	७/२४	२४	२९	१५	कर्के	२।२७।४९।०१	५६।५७	चंद्रदर्शनम् (मु.३०)
सौम्य	२	सो	२५	२०	१५	५६	श्ले	५५	०१	२७	४९	व	११	४७	१०	३१	कौ	२५	२०	१५	५६	३३/५१	४८	२४	२५	१	१६	सिंहे	२।२८।४५।५८	५६।५७	श्री जगदीश रथ यात्रा, रज्जव ७, कर्के रविः २६।२२, निरयन B
काल	३	मं	२५	४१	१६	०५	मघा	५७	५५	२८	५९	सि	९	१४	९	३०	ग	२५	४१	१६	०५	५७	४९	२३	२६	२	१७	सिंहे	२।२९।४२।५५	५६।५८	भ. २८।२४ उ., कर्के सौरः १३।०१
सुस्थिर	४	बु	२७	४१	१६	५४	पूफा	...	...	...	...	व्य	८	०१	९	०२	वि	२७	४१	१६	५४	५५	४९	२३	२७	३	१८	सिंहे	३।००।३९।५३	५६।५८	भ. १६।५४ या.
गद	५	गु	३१	१९	१८	२१	पूफा	२	२४	६	४७	व	८	०५	९	०४	बा	३१	१९	१८	२१	५३	५०	२३	२८	४	१९	कन्या	३।०१।३६।५१	५६।५९	[B दक्षिणायनारंभः, (व) अनु.-४ गुरुः १७।५७
शुभ	६	शु	३६	१६	२०	२१	उफा	८	२०	९	१०	प	९	१६	९	३२	कौ	३	३८	७	१७	५१	५०	२२	२९	५	२०	कन्या	३।०२।३३।५०	५६।५९	स्कंध षष्ठी, पुष्ये रविः १४।१३ (सौरः २५।१७), C
मृत्यु	७	श	४२	०५	२२	४१	हस्त	१५	१९	११	५८	शि	११	१६	१०	२१	ग	९	०५	९	२९	४८	५१	२२	३०	६	२१	तुला.	२५।२८	३।०३।३०।४९	५७।००	भ. २२।४१ उ. [C सं.स्त्री.स्त्री.चं.सू.वाहन मूषक अल्पवृष्टिः
पद्म	८	र	४८	१३	२५	०८	चित्रा	२२	५०	१४	५९	सि	१३	४५	११	२१	वि	१५	०९	११	५५	४६	५१	२२	३१	७	२२	तुला.		३।०४।२७।४९	५७।०१	भ. ११।५५ या.
छत्र	९	सो	५३	५८	२७	२७	स्वा	३०	१४	१७	५७	सा	१६	१०	१२	२०	बा	२१	१०	१४	२०	४३	५२	२१	१	८	२३	तुला.		३।०५।२४।५०	५७।०२	भड्ली ९, भा. श्रावणारंभः, सायन सिंहे भानुः १०।३६
श्रीवत्स	१०	मं	५८	४७	२९	२३	विशा	३६	५४	२०	३८	शु	१८	०८	१३	०७	तै	२६	३०	१६	२८	४१	५२	२१	२	९	२४	वृश्चि.	१४।००	३।०६।२१।५२	५७।०२	मन्वादि, आशा दशमी, कृत्ति. भौमः ९।०१
सौम्य	११	बु	...	...	...	..	अनु	४२	२३	२२	५०	शु	१९	१४	१३	३४	व	३०	४०	१८	०९	३८	५३	२०	३	१०	२५	वृश्चि.		३।०७।१८।५४	५७।०३	भ. १८।०९ उ. [D गोपद्मव्रतोद्यापनं, पुन. बुधः १२।११
ए.व्र.	११	गु	२	११	६	४६	ज्ये	४६	२२	२४	२६	ब्र	१९	११	१३	३४	वि	२	११	६	४६	३६	५३	२०	४	११	२६	धनु.	२४।२६	३।०८।१५।५७	५७।०४	भ. ६।४६ या., देव शयनी ११ व्र., चातुर्मास व्रतारंभः, D
प्र.व्र.	१२	शु	४	०४	७	३२	मूल	४८	४९	२५	२६	ऐ	१७	५५	१३	०४	बा	४	०४	७	३२	३३	५४	१९	५	१२	२७	धनु.		३।०९।१३।०१	५७।०५	प्रदोषः, श्रावणे वर्जयेच्छाकम्, जया पार्वती व्रतं
मातङ्ग	१३	श	४	२३	७	४०	पूषा	४९	४७	२५	४९	वै	१५	२५	१२	०४	तै	४	२३	७	४०	३०	५४	१८	६	१३	२८	धनु		३।१०।१०।०६	५७।०६	वक्री शुक्रः १०।४८ [E वृषे भौमः ७।१६
अमृत	१४	र	३	१३	७	१२	उषा	४९	२६	२५	४१	वि	११	४५	१०	३७	व	३	१३	७	१२	२७	५५	१८	७	१४	२९	मक.	७।५०	३।११।०७।११	५७।०७	भ. ७।१२ उ. १८।४६ या., मन्वादि, पूर्णिमा व्रतं, वायु परीक्षा, A
पूर्णिमा	१५	सो	०	४६	६	१४	श्रव	४७	५९	२५	०७	प्री	७	०६	८	४६	ब	०	४६	६	१४	२४	५५	१७	८	१५	३०	मक.		३।१२।०४।१८	५७।०८	पूर्णिमा पुण्यं, व्यासपूजा, गुरु पूर्णिमा [A गोपद्मव्रतारंभ, E

अयनांशाः २३।५६।५०

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

अयनांशाः २३।५६।५१

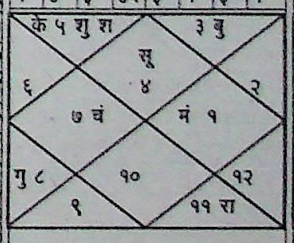
अयनांशाः २३।५६।५२

पं.१४ आ.शु. १ र. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
२	०	२	७	४	४	१०	४
२८	२०	०९	१६	०६	००	१५	१५
१३	२२	२३	४५	२२	०३	२१	२१
४३	१२	४७	५८	४८	५०	५५	५५
५७	४१	२९	४	२४	६	३	३
१३	४७	५९	०१	३९	५४	११	११
पुन	भ	आ	ज्ये	म	म	श	पूफा
३	३	१	१व	२	१	३	१



ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	जुला	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	सायं	रात्रौ	रात्रौ
०२।२७।५५।५१	१ र	१५	१२।०९	१।४५	३।४१	५।५६	८।१६	१०।३३	१२।४९	३।०८	५।२६	७।३१	९।१४	१०।४३
०२।२८।५२।४८	२ चं	१६	१२।०५	१।४१	३।३७	५।५२	८।१२	१०।२९	१२।४५	३।०४	५।२२	७।२७	९।१०	१०।३९
०२।२९।४९।४५	३ मं	१७	१२।०१	१।३७	३।३३	५।४८	८।०८	१०।२५	१२।४१	३।००	५।१८	७।२३	९।०७	१०।३५
०३।००।४६।४३	४ बु	१८	११।५७	१।३३	३।२९	५।४४	८।०४	१०।२१	१२।३७	२।५६	५।१५	७।१९	९।०३	१०।३१
०३।०१।४३।४१	५ गु	१९	११।५३	१।२९	३।२५	५।४०	८।००	१०।१७	१२।३३	२।५२	५।११	७।१५	८।५९	१०।२७
०३।०२।४०।४०	६ शु	२०	११।४९	१।२५	३।२१	५।३६	७।५६	१०।१३	१२।२९	२।४८	५।०७	७।११	८।५५	१०।२३
०३।०३।३७।३९	७ श	२१	११।४५	१।२१	३।१८	५।३२	७।५२	१०।०९	१२।२५	२।४४	५।०३	७।०७	८।५१	१०।१९
०३।०४।३४।३९	८ र	२२	११।४१	१।१७	३।१४	५।२८	७।४८	१०।०५	१२।२१	२।४०	४।५९	७।०३	८।४७	१०।१५
०३।०५।३१।४०	९ चं	२३	११।३७	१।१४	३।१०	५।२४	७।४४	१०।०१	१२।१७	२।३६	४।५५	६।५९	८।४३	१०।११
०३।०६।२८।४२	१० मं	२४	११।३३	१।१०	३।०६	५।२०	७।४०	९।५७	१२।१३	२।३२	४।५१	६।५६	८।३९	१०।०७
०३।०७।२५।४४	११ बु	२५	११।३०	१।०६	३।०२	५।१६	७।३७	९।५३	१२।०९	२।२८	४।४७	६।५२	८।३५	१०।०४
०३।०८।२२।४७	११ गु	२६	११।२६	१।०२	२।५८	५।१२	७।३३	९।४९	१२।०५	२।२४	४।४३	६।४८	८।३१	१०।००
०३।०९।१९।५१	१२ शु	२७	११।२२	१२।५८	२।५४	५।०९	७।२९	९।४६	१२।०१	२।२०	४।३९	६।४४	८।२७	९।५६
०३।१०।१६।५६	१३ श	२८	११।१८	१२।५४	२।५०	५।०५	७।२५	९।४२	११।५७	२।१६	४।३५	६।४०	८।२३	९।५२
०३।११।१४।०२	१४ र	२९	११।१४	१२।५०	२।४६	५।०१	७।२१	९।३८	११।५३	२।१३	४।३१	६।३६	८।१९	९।४८
०३।१२।११।०८	१५ चं	३०	११।१०	१२।४६	२।४२	४।५७	७।१७	९।३४	११।४९	२।०९	४।२७	६।३२	८।१५	९।४४

पं.१५ आ.शु. ८ र. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
३	०	२	७	४	४	१०	४
०४	२५	१४	१६	०८	००	१४	१४
५४	१२	४५	२१	३७	५२	५९	५९
३३	३७	२९	२३	५५	५८	३९	३९
५७	४१	६६	२	११	७	३	३
१६	०३	०८	५०	३५	०९	११	११
पु	भ	आ	अनु	म	म	श	पूफा
१	४	३	४व	३	१	३	१



पं.१६ आ.शु.१४ र. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
३	०	२	७	४	४	१०	४
११	२९	२४	१६	०९	०१	१४	१४
३५	५७	०३	०५	१२	४३	३७	३७
४९	४४	३६	२०	४७	४१	२४	२४
५७	४०	९६	१	४	७	३	३
२१	१५	४८	३४	१७	२१	११	११
पु	कृ	पुन	अनु	म	म	श	पूफा
३	१	२	४व	३व	१	३	१



CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust. Digitized by eGangotri.Funding by MoE-IKS

३१ जुलाई से १२ अगस्त तक, श्री श्रावण कृष्णपक्ष संवत् २०६४, शाकः १९२९, दि.मा.सू. सू. तारीस्प स्टै. प्रातः दैनिक वर्षर्तू रविर्दक्षिणे आषाढ़कृष्णेति गुर्जराः, जुलाई-अगस्त २००७

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
क्षयः	१	सो	५७	१६	२८	५०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
उत्पात	२	मं	५२	५४	२७	०५	धनि	४५	३९	२४	१२	आ	१	३५	६	३४	तै	२५	०९	१६	००	३३	५	७	९	१६	३१	कुंभे	१२।४२	३।१३।०१।२६	५७।०९
मानस	३	बु	४७	५४	२५	०६	शत	४२	४०	२३	००	शो	४८	४३	२५	२६	व	२०	२७	१४	०८	१९	५७	१६	१०	१७	१	कुंभे	३।१३।५८।३४	५७।१०
च.व्र.	४	गु	४२	२७	२२	५६	पूभा	३९	१२	२१	३८	अ	४१	४०	२२	३७	ब	१५	१२	१२	०२	१६	५७	१५	११	१८	२	मीने	१५।५९	३।१४।५५।४४	५७।११
ध्वजा	५	शु	३६	४३	२०	३९	उभा	३५	२८	२०	०९	सु	३४	२२	१९	४२	कौ	९	३६	९	४८	१३	५८	१५	१२	१९	३	मीने	३।१५।५२।५५	५७।१२
धाता	६	श	३०	५२	१८	१९	रेव	३१	३५	१८	३६	धृ	२६	५६	१६	४५	ग	३	४७	७	२९	०९	५८	१४	१३	२०	४	मेषे	१८।३६	३।१६।५०।०७	५७।१३
आनन्द	७	र	२५	००	१५	५९	अश्वि	२७	४२	१७	०३	शू	१९	३२	१३	४७	ब	२५	००	१५	५९	०६	५९	१३	१४	२१	५	मेषे		३।१७।४७।२०	५७।१४
चर	८	सो	१९	१७	१३	४२	भर	२३	५८	१५	३४	गं	१२	१३	१०	५२	कौ	१९	१७	१३	४२	०३	५९	१२	१५	२२	६	वृषे	२१।१३	३।१८।४४।३४	५७।१५
गद	९	मं	१३	५१	११	३२	कृति	२०	३२	१४	१३	वृ	५	०६	८	०२	ग	१३	५१	११	३२	००	६	१२	१६	२३	७	वृषे		३।१९।४१।५०	५७।१७
शुभ	१०	बु	८	५२	९	३३	रोहि	१७	३४	१३	०२	व्या	५२	०५	२६	५०	वि	८	५२	९	३३	३२	००	११	१७	२४	८	मिथु.	२४।३२	३।२०।३९।०६	५७।१८
ए.व्र.	११	गु	४	३१	७	४९	मृग	१५	१४	१२	०६	ह	४६	२४	२४	३४	बा	४	३१	७	४९	५३	०९	१०	१८	२५	९	मिथु.		३।२१।३६।२४	५७।१९
प्र.व्र.	१२	शु	०	५४	६	२३	आर्द्रा	१३	४२	११	३०	व	४१	२६	२२	३६	तै	०	५४	६	२३	५०	०९	०९	१९	२६	१०	कर्के	२९।१८	३।२२।३३।४४	५७।२१
क्षयः	१३	शु	५८	१६	२९	२०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
छत्र	१४	श	५६	४२	२८	४२	पुन	१३	०७	११	१७	सि	३७	१९	२०	५७	वि	२७	१९	१६	५८	४७	७२	०८	२०	२७	११	कर्के		३।२३।३१।०४	५७।२२
अमाव.	३०	र	५६	१८	२८	३३	पुष्य	१३	३९	११	३०	व्य	३४	०६	१९	४१	च	२६	२०	१६	३४	४३	०२	०८	२१	२८	१२	कर्के		३।२४।२८।२६	५७।२३

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।

[B कर्के बुधः १८।०३, शनेरस्तः पश्चिमायाम् १७।२४

पंचक प्रारम्भः १२।४२

भ. १४।०८ उ. २५।०६ या., अगस्त ८ ता. ३१, तिलकपुण्यतिथि, B

चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः २१।३३

नागपञ्चमी (मरु.), श्लेषा. रविः १३।०९ (सौरः २५।४३), पुष्ये A

भ. १८।१९ उ. २९।०९ या., पंचक समाप्तिः १८।३६

बुधास्तः पूर्वस्याम् २१।१०

[A बुधः १३।२५, सं.स्त्री.पु.चं.चं.वाहन नाग वर्षाश्रेष्ठः

भ. २२।३१ उ., शुक्रास्तः पश्चिमायाम् १३।५१, C

शुक्रास्तः पश्चिमायाम्

भ. ९।३३ या.

कामिका ११ व्र., श्लेषा. बुधः २९।१७

भ. २९।२० उ., प्रदोषः, मघा.-२ शनिः २७।१८

[C मार्गी गुरुः १८।२१

भ. १६।५८ या., मासिकशिवरात्री व्र.

देवपितृकार्येऽमा., हरियाली ३०

अयनांशाः २३।५६।५३

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

अयनांशाः २३।५६।५४

पं.१७ श्रा.कृ. ७ र. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
३	१	३	७	४	४	१०	४
१८	०४	०६	१५	०७	०२	१४	१४
१७	३६	३५	५८	५१	३५	१५	१५
४२	५८	१२	१२	४०	३८	०७	०७
५७	३९	११।८	०	२१	७	३	३
२७	२२	४७	१७	११	३०	११	११
श्लेषे	कृ	पु	अनु	म	म	श	पूफा
१	३	१	४व	३व	१	३	१



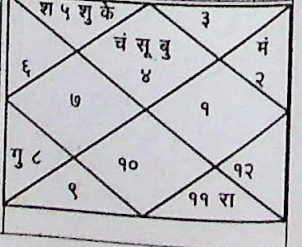
ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	जुल	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	सायं	रात्रौ	रात्रौ
०३।१३।०८।१६	२ मं	३१	१९।०६	१२।४२	२।३८	४।५३	७।१३	९।३०	११।४६	२।०५	४।२३	६।२८	८।११	९।४०
०३।१४।०५।२५	३ बु	१	११।०२	१२।३८	२।३४	४।४९	७।०९	९।२६	११।४२	२।०१	४।१९	६।२४	८।०७	९।३६
०३।१५।०२।३४	४ गु	२	१०।५८	१२।३४	२।३०	४।४५	७।०५	९।२२	११।३८	१।५७	४।१५	६।२०	८।०३	९।३२
०३।१५।५९।४५	५ शु	३	१०।५४	१२।३०	२।२६	४।४१	७।०१	९।१८	११।३४	१।५३	४।११	६।१६	७।५९	९।२८
०३।१६।५६।५७	६ श	४	१०।५०	१२।२६	२।२२	४।३७	६।५७	९।१४	११।३०	१।४९	४।०७	६।१२	७।५६	९।२४
०३।१७।५४।१०	७ र	५	१०।४६	१२।२२	२।१८	४।३३	६।५३	९।१०	११।२६	१।४५	४।०४	६।०८	७।५२	९।२०
०३।१८।५१।२५	८ चं	६	१०।४२	१२।१८	२।१४	४।२९	६।४९	९।०६	११।२२	१।४१	४।००	६।०४	७।४८	९।१६
०३।१९।४८।४०	९ मं	७	१०।३८	१२।१४	२।१०	४।२५	६।४५	९।०२	११।१८	१।३७	३।५६	६।००	७।४४	९।१२
०३।२०।४५।५७	१० बु	८	१०।३४	१२।१०	२।०७	४।२१	६।४१	८।५८	११।१४	१।३३	३।५२	५।५६	७।४०	९।०८
०३।२१।४३।१५	११ गु	९	१०।३०	१२।०६	२।०३	४।१७	६।३७	८।५४	११।१०	१।२९	३।४८	५।५२	७।३६	९।०४
०३।२२।४०।३५	१२ शु	१०	१०।२६	१२।०३	१।५९	४।१३	६।३३	८।५०	११।०६	१।२५	३।४४	५।४८	७।३२	९।००
०३।२३।३७।५५	१३ श	११	१०।२३	११।५९	१।५५	४।०९	६।२९	८।४६	११।०२	१।२१	३।४०	५।४५	७।२८	८।५७
०३।२४।३५।१८	१४ र	१२	१०।१९	११।५५	१।५१	४।०५	६।२६	८।४२	१०।५८	१।१७	३।३६	५।४१	७।२४	८।५३

मास फलम्

इस माह में कृष्णपक्ष तेरह दिन का होने से प्रजा में बीमारी महर्घता आदिक उपद्रव हों। श्रावण में पांच मंगलवार होने से महाभय हो। श्रावण कृष्णा एकादशी को मृगशिरा होने से दुर्भिक्ष हो। अमावस्या को रविवार और पुष्य होने से अरिष्टकारी योग बनता है। पूर्णिमा धनिष्ठा युक्त होने से शुभ फल दायिनी है लेकिन श्रवण का अभाव होने से महर्घता हो। शुक्रवार की सक्रांति होने से प्रजासुस्थी हो, स्वर्ण चांदी के भाव तेज हों, गाय भैंस हाथी घोडा मोटर गाड़ी आदि (चतुष्पद) पशु एवं वाहन के भाव तेज हो, रस कस लवण घृत के भाव सम रहे।

पं.१८ श्रा.कृ.३० र. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
३	१	३	७	४	४	१०	४
२५	०९	२०	१६	०४	०३	१३	१३
००	०९	५२	००	३९	२८	५२	५२
२१	४०	०८	०९	१८	२७	५१	५१
५७	३८	१२३	१	३४	७	३	३
३४	२२	५१	०१	३६	३६	११	११
श्लेषे	कृ	श्लेषे	अनु	म	म	श	पूफा
३	४	२	४	२व	२	३	१



CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

१३ अगस्त से २८ अगस्त तक, श्री श्रावण शुक्लपक्ष संवत् २०६४, शाकः १९२९, दि.मा.सू. सू. तारीख स्टै. प्रातः दैनिक केतकी अहर्गणः ५६०८ वर्षर्तु रविर्दक्षिणे, अगस्त २००७

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
सौम्य	१	सो	५७	११	२८	५५	श्ले	१५	२२	१२	१२	व	३१	५४	१८	४८	किं	२६	३४	१६	४१	३२/४०	६/०३	७/०७	२२	२९	१३	सिंहे १२।१२	३।२५।२५।५०	५७।२५
सिंधारा	२	मं	५९	२३	२९	४९	मघा	१८	२१	१३	२४	प	३०	४२	१८	२०	बा	२८	०६	१७	१८	३६	०३	०६	२३	३०	१४	सिंहे	३।२६।२३।१५	५७।२६
तीज	३	बु	...	...	...	..	पूफा	२२	३७	१५	०७	शि	३०	३१	१८	१६	तै	३०	५९	१८	२७	३३	०४	०५	२४	१	१५	कन्या २१।३७	३।२७।२०।४१	५७।२८
मातङ्ग	३	गु	२	५२	७	१३	उफा	२८	०६	१७	१९	सि	३१	२०	१८	३६	ग	२	५२	७	१३	२९	०४	०४	२५	२	१६	कन्या	३।२८।१८।०९	५७।२९
अमृत	४	शु	७	३३	९	०६	हस्त	३४	३९	१९	५६	सा	३२	५७	१९	१६	वि	७	३३	९	०६	२६	०५	०३	२६	३	१७	कन्या	३।२९।१५।३९	५७।३१
काण	५	श	१३	१०	११	२१	चित्रा	४१	५६	२२	५२	शु	३५	११	२०	१०	बा	१३	१०	११	२१	२२	०५	०२	२७	४	१८	तुला. ९।२३	४।००।१३।१०	५७।३३
लुम्बक	६	र	१९	१७	१३	४९	स्वा	४९	२९	२५	५४	शु	३७	३९	२१	१०	तै	१९	१७	१३	४९	१८	०६	०१	२८	५	१९	तुला.	४।०१।१०।४२	५७।३४
मित्र	७	सो	२५	२१	१६	१५	विशा	५६	४२	२८	४७	ब्र	३९	५६	२२	०५	व	२५	२१	१६	१५	१५	०६	००	२९	६	२०	वृश्चि. २२।०५	४।०२।०८।१७	५७।३६
वज्र	८	मं	३०	४५	१८	२५	अनु	...	...	...	...	ऐ	४१	३७	२२	४६	ब	३०	४५	१८	२५	११	०७	५/५३	३०	७	२१	वृश्चि.	४।०३।०५।५३	५७।३८
सौम्य	९	बु	३४	५५	२०	०५	अनु	२	५९	७	१९	वै	४२	१८	२३	०३	बा	३	००	७	१९	०७	०७	५८	३१	८	२२	वृश्चि.	४।०४।०३।३०	५७।३९
काल	१०	गु	३७	२७	२९	०७	ज्ये	७	५३	९	१७	वि	४१	४१	२२	४८	तै	६	२३	८	४१	०४	०८	५७	१	९	२३	धनु. ९।१७	४।०५।०१।१०	५७।४१
ए.व्र.	११	शु	३८	११	२१	२५	मूल	११	०६	१०	३५	प्री	३९	४०	२२	००	व	८	०२	९	२१	००	०८	५६	२	१०	२४	धनु.	४।०५।५८।५१	५७।४३
मातङ्ग	१२	श	३७	०६	२०	५९	पूषा	१२	३२	११	१०	आ	३६	१२	२०	३८	ब	७	५१	९	१७	३१/१९	०९	५५	३	११	२५	मक. १७।१२	४।०६।५६।३४	५७।४५
प्र.व्र.	१३	र	३४	२०	१९	५३	उषा	१२	१३	११	०३	सौ	३१	२२	१८	४२	कौ	५	५५	८	३१	५२	०९	५४	४	१२	२६	मक.	४।०७।५४।१८	५७।४६
सिद्धि	१४	सो	३०	०६	१८	१२	श्रव	१०	२२	१०	१९	शो	२५	२०	१६	१८	ग	२	२२	७	०७	४८	१०	५३	५	१३	२७	कुंभे २१।४४	४।०८।५२।०५	५७।४८
पूर्णिमा	१५	मं	२४	३६	१६	०१	धनि	७	१२	९	०३	अ	१८	१७	१३	२९	ब	२४	३६	१६	०१	४५	१०	५२	६	१४	२८	कुंभे	४।०९।४९।५३	५७।५०

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।
रोटक व्रतारंभः, सोमेश्वरपूजनं, रोहि. भौमः १३।३३
चंद्रदर्शनम् (मु.३०), श्रृंगार (सिंधारा) देशाचारे
तीज, स्वर्णगौरी व्र.,मधुश्रवाव्र.(गुर्जरे), सुकृतं तृतीयाव्र.,सावान ८,G
भ. २०।०६ उ.,वरद चतुर्थी, दूर्वा गणपतिव्र., सिंहे मघा. बुधः १७।१३
भ. ९।०६ या., सिंहे मघा. रविः १०।५१ (सौरः २४।३६), सं.स्त्री.K
कल्की जयंती, नागपञ्चमी, नागदष्ट व्र., वर्णषष्ठी
(व) कर्के श्लेषा. शुक्रः १७।२९ |K स्त्री.चं.सू.वाहन मेष अल्पवृष्टिः
भ. १६।१५ उ. २९।२३ या., शीतला, तुलसी जयंती
दुर्गाष्टमी |G भारतीयस्वतंत्रतादिवस
शत.-२ राहुः १४।०७, मघा.-४ केतुः १४।०७
शुक्रोदयः पूर्वस्याम् ८।२८ सायन कन्यायां J
भ. ९।२१ उ. २१।२५ या., पवित्रा ११ व्र.
दधिभक्षणत्यागः, पवित्रारोपणं |L (भद्रा के पूर्व), ऋग्वेदि उपाकर्म
प्रदोषः |J भानुः १७।४६, भा. भाद्रपदारंभः, पूफा. बुधः १३।३७,
भ. १८।१२ उ. २९।१० या., पंचक प्रारम्भः २१।४४, सूणमाण्डणा L
रक्षाबंधनं (पूरा दिन शुद्ध है), श्रावणी(मरु),पूर्णिमा व्रतंपुण्यञ्च, A

शुक्रोदयः पूर्वस्याम्

|A नारियल १५, हयग्रीव जयंती, यजुर्वेदि, तैतरीय, हिरण्यकेशीय, आपस्तंभ, बौधायन, काण्वमध्यन्दिन (कात्या.), अथर्ववेदि उपाकर्म, ज्येष्ठा.-१ गुरुः १८।१८, अगस्त्योदयः १०।४५

अयनांशाः २३।५६।५५

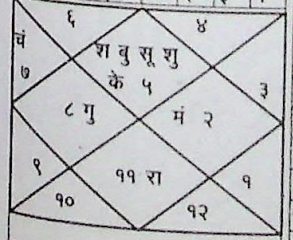
॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

संक्रांति फलम्

अयनांशाः २३।५६।५६

पं.१९ श्रा.शु. ६ र. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा	के.
४	१	४	७	४	४	१०	४
०१	१३	०५	१६	००	०४	१३	१३
४३	३५	०३	११	१८	२१	३०	३०
५७	०६	०४	०५	१९	४७	३६	३६
५७	३७	११७	२	३८	७	३	३
४३	१६	२०	१७	३६	३८	११	११
म	रो	म	अनु	म	म	श	पूफा
१	२	२	४	१५	२	३	१

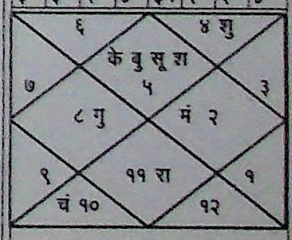


ब्रह्म्य र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	अग.	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	सायं	रात्रौ
०३।२५।३२।४९	१ चं	१३	९०।१५	९१।५१	९।४७	४।०२	६।२२	८।३८	९०।५४	९।१३	३।३२	५।३७	७।२०	८।४९
०३।२६।३०।०६	२ मं	१४	९०।११	९१।४७	९।४३	३।५८	६।१८	८।३५	९०।५०	९।०९	३।२८	५।३३	७।१६	८।४५
०३।२७।२७।३३	३ बु	१५	९०।०७	९१।४३	९।३९	३।५४	६।१४	८।३१	९०।४६	९।०५	३।२४	५।२९	७।१२	८।४१
०३।२८।२५।०१	३ गु	१६	९०।०३	९१।३९	९।३५	३।५०	६।१०	८।२७	९०।४२	९।०२	३।२०	५।२५	७।०८	८।३७
०३।२९।२२।३१	४ शु	१७	९।५९	९१।३५	९।३१	३।४६	६।०६	८।२३	९०।३८	९२।५८	३।१६	५।२१	७।०४	८।३३
०४।००।२०।०२	५ श	१८	९।५५	९१।३१	९।२७	३।४२	६।०२	८।१९	९०।३५	९२।५४	३।१२	५।१७	७।००	८।२९
०४।०१।१७।३५	६ र	१९	९।५१	९१।२७	९।२३	३।३८	५।५८	८।१५	९०।३१	९२।५०	३।०८	५।१३	६।५६	८।२५
०४।०२।१५।०९	७ चं	२०	९।४७	९१।२३	९।१९	३।३४	५।५४	८।११	९०।२७	९२।४६	३।०४	५।०९	६।५२	८।२१
०४।०३।१२।४५	८ मं	२१	९।४३	९१।१९	९।१५	३।३०	५।५०	८।०७	९०।२३	९२।४२	३।००	५।०५	६।४८	८।१७
०४।०४।१०।२३	९ बु	२२	९।३९	९१।१५	९।११	३।२६	५।४६	८।०३	९०।१९	९२।३८	२।५६	५।०१	६।४५	८।१३
०४।०५।०८।०२	१० गु	२३	९।३५	९१।११	९।०७	३।२२	५।४२	७।५९	९०।१५	९२।३४	२।५३	४।५७	६।४१	८।०९
०४।०६।०५।४४	११ शु	२४	९।३१	९१।०७	९।०३	३।१८	५।३८	७।५५	९०।११	९२।३०	२।४९	४।५३	६।३७	८।०५
०४।०७।०३।२६	१२ श	२५	९।२७	९१।०३	९२।५९	३।१४	५।३४	७।५१	९०।०७	९२।२६	२।४५	४।४९	६।३३	८।०१
०४।०८।०१।११	१३ र	२६	९।२३	९०।५९	९२।५६	३।१०	५।३०	७।४७	९०।०३	९२।२२	२।४१	४।४५	६।२९	७।५७
०४।०८।५८।५८	१४ चं	२७	९।१९	९०।५५	९२।५२	३।०६	५।२६	७।४३	९।५९	९२।१८	२।३७	४।४१	६।२५	७।५३
०४।०९।५६।४६	१५ मं	२८	९।१५	९०।५२	९२।४८	३।०२	५।२२	७।३९	९।५५	९२।१४	२।३३	४।३८	६।२१	७।४९

ता. १७ अगस्त २००७
श्रा. शु. ४ भृगौ सिंहेऽर्कः प्र. (स्टै.)
टा. १०।५१ वारात् ५ नक्षत्रात् ५
वारनाम मिश्रा पशून् सुस्थदा नक्षत्रनाम
ध्वांक्षी वैश्यान् सुस्थदा मध्यान्ह २
प्रहर व्यापिनी द्विजान् हन्ति, पश्चिमे
गमनं वायव्यां दृष्टिः बक्करणे प्रविष्टा
मध्यमफलं सिंहवाहनं गजोपवाहनं
भीतिकारक श्वेतवस्त्रं भुशुण्ड्यायुधं
स्वर्णपात्रं अन्नभक्षणं कस्तूरीलेपनं
दैवतंजातिः पुत्रागपुष्पं पिरोजभूषणं
विचित्रकंचुकी बालावस्था (बैठी) मु.
३० धान्यभावे सम वत्स पूर्वे राहु
उत्तरे मूलं स्वर्गे विवाहस्तंभो ऐशान्यां
शुक्रास्तः पश्चिमायाम्। पुण्यकालः
गुरुवार (स्टै.) २८।२७ से शुक्रवार
१०।५१ तक। (दान- छत्र)।

पं.२० श्रा.शु.१३ र. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
४	१	४	७	३	४	१०	४
०८	१७	१८	१६	२६	०५	१३	१३
२८	५२	१७	३०	०५	१५	०८	०८
३७	२५	४२	५०	०२	१७	२०	२०
५७	३६	१०८	३	३०	७	३	३
५३	०२	११	३१	५५	३८	११	११
म	रो	पूफा	अनु	श्ले	म	श	म
३	३	२	४	३व	२	२	४



CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

॥ श्रीवल्लभ मनीराम पञ्चाङ्गम् ॥

२९ अगस्त से ११ सितंबर तक, श्री भाद्रपद कृष्णपक्ष संवत् २०६४, शाकः १९२९, वि.मासू. सू. तारीख्य स्टै. प्रातः दैनिक शरदृतू रविर्दक्षिणे श्रावणकृष्णेति गुर्जराः, अगस्त-सितंबर २००७

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
मानस	१	बु	१८	१४	१३	२८	शत	३ ५८	०० ०७	७ २२	२३ २६	सु	१०	२७	१०	२२	कौ	१८	१४	१३	२८	३५ ४९	६ १५	६ ५६	७	१५	२९	मीने २३।५६	४।१०।४७।४३	५७।५२
छत्र	२	गु	११	१२	१०	४०	उभा	५२	४९	२७	१९	घृ	३ ५३	०३ २२	७ २७	०० ३२	ग	११	१२	१०	४०	३७	११	५०	८	१६	३०	मीने	४।११।४५।३५	५७।५४
च.व्र.	३	शु	३	५२	७	४५	रेव	४७	२६	२५	१०	गं	४४	३५	२४	०२	वि	३	५२	७	४५	३३	१२	४९	९	१७	३१	मेषे २५।१०	४।१२।४३।२९	५७।५६
क्षयः	४	शु	५६	३१	२८	४८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
सौम्य	५	श	४९	२५	२५	५८	अश्वि	४२	१५	२३	०६	वृ	३५	५९	२०	३६	कौ	२२	५५	१५	२२	२९	१२	४८	१०	१८	१	मेषे	४।१३।४१।२५	५७।५८
काल	६	र	४२	५१	२३	२१	भर	३७	३३	२१	१४	ध्रु	२७	४४	१७	१८	ग	१६	०३	१२	३८	२५	१३	४७	११	१९	२	वृषे २६।४९	४।१४।३९।२३	५८।००
जन्माष्ट.	७	सो	३७	००	२१	०१	कृति	३३	३५	१९	३९	व्या	२०	०४	१४	१५	वि	९	४९	१०	०९	२१	१३	४६	१२	२०	३	वृषे	४।१५।।३७।२३	५८।०२
जन्माष्ट.	८	मं	३२	०६	१९	०४	रोहि	३०	३२	१८	२६	ह	१३	०५	११	२८	बा	४	२५	८	००	१७	१४	४४	१३	२१	४	मिथु. २९।५९	४।१६।३५।२४	५८।०४
गोगा	९	बु	२८	१६	१७	३२	मृग	२८	३२	१७	३९	व	६	५७	९	०१	तै	०	०२	६	१५	१३	१४	४३	१४	२२	५	मिथु.	४।१७।३३।२८	५८।०६
काण	१०	गु	२५	३६	१६	२९	आर्द्रा	२७	४२	१७	१९	सि	१ ५७	४५ ३२	६ २९	५७ ५५	वि	२५	३६	१६	२९	०९	१५	४२	१५	२३	६	मिथु.	४।१८।३१।३४	५८।०८
ए.व्र.	११	शु	२४	०९	१५	५५	पुन	२८	०३	१७	२८	व	५४	१५	२७	५७	बा	२४	०९	१५	५५	०५	१५	४१	१६	२४	७	कर्के ११।२३	४।१९।२९।४२	५८।१०
प्र.व्र.	१२	श	२३	५५	१५	५०	पुष्य	२९	३६	१८	०६	प	५१	५३	२७	०१	तै	२३	५५	१५	५०	०१	१५	४०	१७	२५	८	कर्के	४।२०।२७।५२	५८।१२
वज्र	१३	र	२४	५१	१६	१३	श्ले	३२	१७	१९	११	शि	५०	२६	२६	२६	व	२४	५१	१६	१३	३० ५७	१६	३९	१८	२६	९	सिंहे ११।११	४।२१।२६।०४	५८।१४
ध्वाङ्क्ष	१४	सो	२६	५३	१७	०२	मघा	३६	०१	२०	४१	सि	४९	४९	२६	१२	श	२६	५३	१७	०२	५३	१६	३८	१९	२७	१०	सिंहे	४।२२।२४।१८	५८।१६
अमाव.	३०	मं	२९	५७	१८	१६	पूका	४०	४५	२२	३५	सा	४९	५८	२६	१६	ना	२९	५७	१८	१६	४९	१७	३६	२०	२८	११	कन्या २९।०७	४।२३।२२।३५	५८।१८

अयनांशाः २३।५६।५७

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

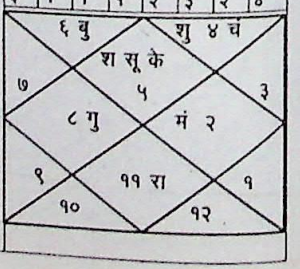
ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	अग.	रात्री	रात्री	रात्री	रात्री	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	सायं	रात्री
०४।१०।५४।३७	१ बु	२९	९।१२	१०।४८	१२।४४	२।५८	५।१८	७।३५	९।५१	१२।१०	२।२९	४।३४	६।१७	७।४६
०४।११।५२।२९	२ गु	३०	९।०८	१०।४४	१२।४०	२।५४	५।१५	७।३१	९।४७	१२।०६	२।२५	४।३०	६।१३	७।४२
०४।१२।५०।२३	३ शु	३१	९।०४	१०।४०	१२।३६	२।५१	५।११	७।२७	९।४३	१२।०२	२।२१	४।२६	६।०९	७।३८
०४।१३।४८।१९	४ श	१	९।००	१०।३६	१२।३२	२।४७	५।०७	७।२४	९।३९	११।५८	२।१७	४।२२	६।०५	७।३४
०४।१४।४६।१७	५ र	२	८।५६	१०।३२	१२।२८	२।४३	५।०३	७।२०	९।३५	११।५५	२।१३	४।१८	६।०१	७।३०
०४।१५।४४।१७	६ चं	३	८।५२	१०।२८	१२।२४	२।३९	४।५९	७।१६	९।३१	११।५१	२।०९	४।१४	५।५७	७।२६
०४।१६।४२।१९	७ मं	४	८।४८	१०।२४	१२।२०	२।३५	४।५५	७।१२	९।२८	११।४७	२।०५	४।१०	५।५३	७।२२
०४।१७।४०।२३	८ बु	५	८।४४	१०।२०	१२।१६	२।३१	४।५१	७।०८	९।२४	११।४३	२।०१	४।०६	५।४९	७।१८
०४।१८।३८।२९	९ गु	६	८।४०	१०।१६	१२।१२	२।२७	४।४७	७।०४	९।२०	११।३९	१।५७	४।०२	५।४५	७।१४
०४।१९।३६।३७	१० शु	७	८।३६	१०।१२	१२।०८	२।२३	४।४३	७।००	९।१६	११।३५	१।५३	३।५८	५।४१	७।१०
०४।२०।३४।४८	११ श	८	८।३२	१०।०८	१२।०४	२।१९	४।३९	६।५६	९।१२	११।३१	१।४९	३।५४	५।३७	७।०६
०४।२१।३३।००	१२ र	९	८।२८	१०।०४	१२।००	२।१५	४।३५	६।५२	९।०८	११।२७	१।४६	३।५०	५।३४	७।०२
०४।२२।३१।१४	१३ चं	१०	८।२४	१०।००	११।५६	२।११	४।३१	६।४८	९।०४	११।२३	१।४२	३।४६	५।३०	६।५८
०४।२३।२९।३१	१४ मं	११	८।२०	९।५६	११।५२	२।०७	४।२७	६।४४	९।००	११।१९	१।३८	३।४२	५।२६	६।५४

मास फलम्

इस माह में पांच बुधवार होने से रसवाली वस्तुओं का अभाव हो यथा-बुधेरसक्षयोभूम्याम्॥ मास के प्रथम दिन में बुधवार होने से अन्न की महँगाई हो। कृष्णाष्टमी रोहिणी युक्त होने से शुभदा है। अमावस्या पूर्वाफाल्गुनी योग समर्घता कारक है। शुक्ला षष्ठी को अनुराधा होने से सुभिक्ष हो। पूर्णिमा बुधवार और पूर्वाभाद्रपद युक्त होने से शुभ फल दायिनी है। सोमवार की सक्रांति होने से दक्षिण की पवन चले, धान्यादि सभी वस्तुओं के भाव मंदे हो, रस घृत किराणें की वस्तुएं तेज हों, लोक, महाजन प्रसन्न हों, प्रजा में सद्भाव अधिक हो।

अयनांशाः २३।५६।५८

पं.२१ भा.कृ. ६ र. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
४	१	५	७	३	४	१०	४
२२	२५	११	१७	२२	०७	१२	१२
०१	५८	३२	३५	१६	०१	२३	२३
४६	३७	५६	२२	०३	१७	४८	४८
५८	३३	९०	५	१	७	३	३
१७	०४	१०	४९	४७	२८	११	११
पूका	मृ	ह	ज्ये	श्ले	म	श	म
३	१	१	१	२	३	२	४





CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

॥ श्रीवल्लभ मनीराम पञ्चाङ्गम् ॥

१२ सितंबर से २६ सितंबर तक, श्री भाद्रपद शुक्लपक्ष संवत् २०६४, शाकः १९२९, दि.मा.सू. सू. तारीख्स्टै. प्रातः दैनिक केतकी अहर्गणः ५६३८ शरदृतू रविर्दक्षिणे, सितंबर २००७

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प.	उ.	अ.	मा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
प्रवर्धमा	१	बु	३४	००	१९	५३	उफा	४६	२३	२४	५१	शु	५०	५०	२६	३७	किं	१	५१	७	०२	३०/४५	६/१७	६/३५	२१	२९	१२	कन्या	४।२४।२०।५३	५८।२१
राक्षस	२	गु	३८	५४	२१	५१	हस्त	५२	५०	२७	२६	शु	५२	१९	२७	१३	बा	६	१९	८	४९	४१	१८	३४	२२	३०	१३	कन्या	४।२५।१९।१४	५८।२३
मुसल	३	शु	४४	३२	२४	०७	चित्रा	५९	५६	३०	१७	ब्र	५४	२१	२८	०३	तै	११	३७	१०	५७	३७	१८	३३	२३	१	१४	तुला.	४।२६।१७।३७	५८।२५
गणेश	४	श	५०	४१	२६	३५	स्वा	...	...	...	...	ऐ	५६	४३	२९	००	व	१७	३२	१३	२०	३३	१९	३२	२४	२	१५	तुला.	४।२७।१६।०१	५८।२७
ऋषि	५	र	५६	५८	२९	०६	स्वा	७	२७	९	१८	वै	५९	०८	२९	५८	ब	२३	४९	१५	५१	२९	१९	३१	२५	३	१६	वृश्चि.	२९।३४	४।२८।१४।२९	५८।२९
मित्र	६	सो	...	...	...	...	विशा	१४	५९	१२	१९	वि	...	...	...	...	कौ	२९	५९	१८	१९	२५	२०	२९	२६	४	१७	वृश्चि.	४।२९।१२।५८	५८।३२
वज्र	६	मं	२	५२	७	२९	अनु	२२	०३	१५	०९	वि	१	१६	६	५१	तै	२	५२	७	२९	२१	२०	२८	२७	५	१८	वृश्चि.	५।००।११।३०	५८।३४
ध्वाङ्क्ष	७	बु	७	५४	९	३०	ज्ये	२८	०६	१७	३५	प्री	२	४५	७	२७	व	७	५४	९	३०	१६	२१	२७	२८	६	१९	धनु.	५।०१।१०।०४	५८।३६
धूम्र	८	गु	११	३४	१०	५८	मूल	३२	४२	१९	२६	आ	३	१२	७	३८	ब	११	३४	१०	५८	१२	२१	२६	२९	७	२०	धनु.	५।०२।०८।४०	५८।३८
प्रवर्धमा	९	शु	१३	२८	११	४५	पूषा	३५	३१	२०	३४	सौ	३/५९	१९/५८	७/३०	१७/२९	कौ	१३	२८	११	४५	०८	२१	२५	३०	८	२१	मक. २६।४४	५।०३।०७।१८	५८।४१
राक्षस	१०	श	१३	२६	११	४४	उषा	३६	२५	२०	५६	अ	५६	०२	२८	४७	ग	१३	२६	११	४४	०४	२२	२४	३१	९	२२	मक.	५।०४।०५।५९	५८।४३
ए.ब्र.	११	र	११	२५	१०	५६	श्रव	३५	२४	२०	३२	सु	५०	३५	२६	३६	वि	११	२५	१०	५६	००	२२	२२	१	१०	२३	मक.	५।०५।०४।४२	५८।४५
प्र.ब्र.	१२	सो	७	३३	९	२४	धनि	३२	३६	१९	२५	घृ	४३	४२	२३	५२	बा	७	३३	९	२४	२/१६	२३	२१	२	११	२४	कुंभे ८।०४	५।०६।०३।२७	५८।४७
मृत्यु	१३	मं	२	०१	७	१२	शत	२८	१७	१७	४२	शू	३५	३७	२०	३८	तै	२	०१	७	१२	५२	२३	२०	३	१२	२५	कुंभे	५।०७।०२।१४	५८।५०
क्षयः	१४	मं	५५	०६	२८	२६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
पूर्णिमा	१५	बु	४७	०८	२५	१५	पूभा	२२	४३	१५	२९	गं	२६	३४	१७	०१	वि	२१	१३	१४	५३	४८	२४	१९	४	१३	२६	मीने १०।०५	५।०८।०१।०४	५८।५२

|A दर्शनं, कन्यायां रविः १०।५१ (सौरः २५।३७), चित्रा. बुधः ११।४० |B २०।३२ तक, हरिवासरः १०।५६ से १२।४० तक, भा. अश्विनारंभः, सायन तुलायां भानुः १५।२९

|F सं.स्त्री.स्त्री.सू.सू.वाहन जम्बूक अल्पवृष्टिः |H उफा.सौरः १५।३०

चंद्रदर्शनम् (मु.३०), सामवेदि उपाकर्म, उफा. रविः २४।४४, F

मन्वादि, वराह जयंती, हरितालिका व्र., हस्तिगौरी व्र., रमजान ९.H

भ. १३।२० उ. २६।३५ या., गणेश चतुर्थी (चंद्र दर्शनं निषेधः), M

ऋषि पंचमी, मिथुने भौमः १७।५० |M जैन संवत्सरी

ललिता षष्ठी व्र. (गुर्जरे), विश्वकर्मा पू.,सौर (सूर्य) षष्ठी, स्कन्द A

दूबड़ी सातम, गौरी आवाहन १५।०९ या., मुक्ताभरणव्र., उमामहेश्वरपू.

भ. ९।३० उ. २२।१९ या., गौरी पूजन १७।३५ यावत्

दधीची जयंती, श्री राधा ८, गौरी विसर्जन १९।२६ यावत्

अदुःख्ल नवमी व्र., श्री चंद्र (उदासीन संप्रदाय), दशावतार व्र.

भ. २३।२६ उ., श्री रामदेवजी का मेला, विष्णुश्रृंखला २०।५६ से .K

भ. १०।५६ या., जलझूलनी ११ व्र., वामन जयंती, विष्णुश्रृंखला B

पंचक प्रारम्भः ८।०४, प्रदोषः, दुग्धव्रतं, गोत्रिरात्र व्र.

भ. २८।२६ उ., अनन्त १४, कदली व्रतं पूजनं, रंभारोपणं

|K तुलायां बुधः १४।५१ |C महेश्वर पूजनं, कु. संध्यापूजा, इंदुला १५

भ. १४।५३ या.,पूर्णिमा व्रतंपुण्यञ्च, प्रौष्ठपदी, महालय श्राद्धारंभः, C

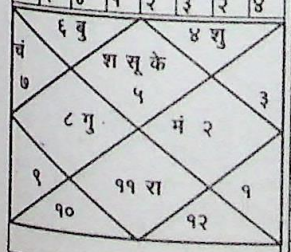
अयनांशाः २३।५६।५९

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

संक्रांति फलम् अयनांशाः २३।५७।०१

पं.२३ भा.शु. ५ र. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा	के.
४	१	५	७	३	४	१०	४
२८	२९	२१	१८	२३	०७	१२	१२
५०	४५	३९	१९	१६	५३	०१	०१
२८	००	५३	१६	१८	०४	३२	३२
५८	३१	८२	६	१७	७	३	३
२९	१८	०४	५२	१०	१८	११	११
उफा	मृ	ह	ज्ये	श्ले	म	श	म
१	२	४	१	२	३	२	४



ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	सित	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	सायं
०४।२४।२७।५०	१ बु	१२	८।१६	९।५२	११।४८	२।०३	४।२३	६।४०	८।५६	११।१५	१।३४	३।३८	५।२२	६।५०
०४।२५।२६।१०	२ गु	१३	८।१२	९।४८	११।४५	१।५९	४।१९	६।३६	८।५२	११।११	१।३०	३।३४	५।१८	६।४६
०४।२६।२४।३३	३ शु	१४	८।०८	९।४५	११।४१	१।५५	४।१५	६।३२	८।४८	११।०७	१।२६	३।३०	५।१४	६।४२
०४।२७।२२।५९	४ श	१५	८।०४	९।४१	११।३७	१।५१	४।११	६।२८	८।४४	११।०३	१।२२	३।२७	५।१०	६।३८
०४।२८।२१।२६	५ र	१६	८।०१	९।३७	११।३३	१।४७	४।०८	६।२४	८।४०	१०।५९	१।१८	३।२३	५।०६	६।३५
०४।२९।१९।५६	६ चं	१७	७।५७	९।३३	११।२९	१।४३	४।०४	६।२०	८।३६	१०।५५	१।१४	३।१९	५।०२	६।३१
०५।००।१८।२८	६ मं	१८	७।५३	९।२९	११।२५	१।४०	४।००	६।१६	८।३२	१०।५१	१।१०	३।१५	४।५८	६।२७
०५।०१।१७।०२	७ बु	१९	७।४९	९।२५	११।२१	१।३६	३।५६	६।१३	८।२८	१०।४७	१।०६	३।११	४।५४	६।२३
०५।०२।१५।३८	८ गु	२०	७।४५	९।२१	११।१७	१।३२	३।५२	६।०९	८।२४	१०।४४	१।०२	३।०७	४।५०	६।१९
०५।०३।१४।१७	९ शु	२१	७।४१	९।१७	११।१३	१।२८	३।४८	६।०५	८।२०	१०।४०	१२।५८	३।०३	४।४६	६।१५
०५।०४।१२।५८	१० श	२२	७।३७	९।१३	११।०९	१।२४	३।४४	६।०१	८।१७	१०।३६	१२।५४	२।५९	४।४२	६।११
०५।०५।११।४१	११ र	२३	७।३३	९।०९	११।०५	१।२०	३।४०	५।५७	८।१३	१०।३२	१२।५०	२।५५	४।३८	६।०७
०५।०६।१०।२६	१२ चं	२४	७।२९	९।०५	११।०१	१।१६	३।३६	५।५३	८।०९	१०।२८	१२।४६	२।५१	४।३४	६।०३
०५।०७।०९।१४	१३ मं	२५	७।२५	९।०१	१०।५७	१।१२	३।३२	५।४९	८।०५	१०।२४	१२।४२	२।४७	४।३०	५।५९
०५।०८।०८।०४	१४ बु	२६	७।२१	८।५७	१०।५३	१।०८	३।२८	५।४५	८।०१	१०।२०	१२।३८	२।४३	४।२७	५।५५

ता. १७ सितंबर २००७
भा. शु. ६ चंद्रे कन्यायामर्कः प्र. (स्टै.) टा. १०।५१ वारात् ४ नक्षत्रात् ४ वारनाम ध्यांक्षी वैश्यान् सुस्पदा नक्षत्रनाम मिश्रा पशून् सुस्पदा मध्यान्ह २ प्रहर व्यापिनी द्विजान् हन्ति, पश्चिमे गमनं वायव्यां दृष्टिः कौलवकरणे प्रविष्टा महर्घफलं सिंहवाहनं वृषभोपवाहनं कष्टकारक नीलवस्त्रं स्पड्गायुधं ताम्रपात्रं मिष्ठान्नभक्षणं रक्तचंदनलेपनं सर्पजातिः बकुलपुष्पं मोतीभूषणं हरितकंचुकी गतालकावस्था (उभी) मु. ४५ धान्यभावे समर्घ वत्स पूर्वे राहु उत्तरे मूलं स्वर्गे विवाहस्तंभो ऐशान्यां शुक्रोदयः पूर्वस्याम् । पुण्यकालः (स्टै.) १०।५१ से १७।१५ तक । (दान- गृह वस्त्र) ।

पं.२४ भा.शु.११ र. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा	के.
५	२	६	७	३	४	१०	४
०५	०३	००	१९	२५	०८	११	११
४०	१८	४७	१०	५५	४३	३९	३९
४३	१०	५८	१६	३०	३१	१७	१७
५८	२९	७२	७	२९	७	३	३
४३	१५	३५	५०	३५	०५	११	११
उफा	मृ	चि	ज्ये	श्ले	म	श	म
३	३	३	१	३	३	२	४



CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

॥ श्रीवल्लभ मनीराम पञ्चाङ्गम् ॥

२७ सितंबर से ११ अक्टूबर तक, श्री आश्विन कृष्णपक्ष संवत् २०६४, शाकः १९२९, दि.मासू. सू. तारीख स्टै. प्रातः दैनिक शरदृत्तु रविर्दक्षिणे भाद्रपदकृष्णेति गुर्जराः, सितंबर-अक्टूबर २००७

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
छत्र	१	गु	३८	३०	२१	४८	उभा	१६	१८	१२	५५	वृ	१६	४९	१३	०८	बा	१२	५२	११	३३	२९ ५४	६ २४	६ १८	५	१४	२७	मीने	५।०८।५९।५६	५८।५४
श्रीवत्स	२	शु	२९	३४	१८	१४	रेव	९	२५	१०	११	ध्रु	६ ५६	४५ ३२	२९	०५ ०१	तै	४	०२	८	०२	४०	२५	१७	६	१५	२८	मेषे १०।११	५।०९।५८।५१	५८।५७
च.ब्र.	३	श	२०	४७	१४	४४	अश्वि	५६	३५ ०१	७ २८	२६ ५०	ह	४६	३८	२५	०५	वि	२०	४७	१४	४४	३५	२५	१५	७	१६	२९	मेषे	५।१०।५७।४८	५८।५९
धृम्र	४	र	१२	३१	११	२६	कृति	५०	१७	२६	३३	व	३७	२१	२१	२२	बा	१२	३१	११	२६	३१	२६	१४	८	१७	३०	वृषे १०।१३	५।११।५६।४७	५९।०१
प्रवर्धमा	५	सो	५	०९	८	३०	रोहि	४५	४३	२४	४४	सि	२८	५७	१८	०१	तै	५	०९	८	३०	२७	२६	१३	९	१८	१	वृषे	५।१२।५५।४८	५९।०४
क्षयः	६	सो	५९	०४	३०	०४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	८	०	०	०	०	०	०	०	०
राक्षस	७	मं	५४	२७	२८	१४	मृग	४२	३५	२३	२९	व्य	२१	३९	१५	०६	वि	२६	३३	१७	०४	२३	२७	१२	१०	१९	२	मिथु. १२।०१	५।१३।५४।५२	५९।०६
मुसल	८	बु	५१	२९	२७	०३	आर्द्रा	४१	०३	२२	५३	व	१५	३८	१२	४२	बा	२२	४४	१५	३३	१९	२७	११	११	२०	३	मिथु.	५।१४।५३।५८	५९।०८
सिद्धि	९	गु	५०	१३	२६	३३	पुन	४१	११	२२	५६	प	१०	५७	१०	५१	तै	२०	३७	१४	४३	१५	२८	१०	१२	२१	४	कर्के १६।५२	५।१५।५३।०६	५९।११
उत्पात	१०	शु	५०	३४	२६	४२	पुष्य	४२	५६	२३	३९	शि	७	३६	९	३१	व	२०	११	१४	३३	११	२८	०९	१३	२२	५	कर्के	५।१६।५२।१७	५९।१३
ए.ब्र.	११	श	५२	२६	२७	२७	श्ले	४६	०९	२४	५६	सि	५	३०	८	४१	ब	२१	२०	१५	०१	०७	२९	०७	१४	२३	६	सिंहे २४।५६	५।१७।५१।३०	५९।१५
मुद्गर	१२	र	५५	३२	२८	४२	मघा	५०	३५	२६	४३	सा	४	३०	८	१७	कौ	२३	५०	१६	०१	०३	२९	०६	१५	२४	७	सिंहे	५।१८।५०।४६	५९।१८
प्र.ब्र.	१३	सो	५९	३९	३०	२१	पूफा	५६	००	२८	५४	शु	४	२६	८	१६	ग	२७	२८	१७	२९	२८ ५९	३०	०५	१६	२५	८	सिंहे	५।१९।५०।०३	५९।२०
धाता	१४	मं	...	...	...	...	उफा	...	...	...	...	शु	५	०५	८	३२	वि	३१	५९	१९	१८	५५	३०	०४	१७	२६	९	कन्या ११।३०	५।२०।४९।२३	५९।२२
प्रवर्धमा	१४	बु	४	३१	८	१९	उफा	२	१०	७	२३	ब्र	६	१८	९	०२	श	४	३१	८	१९	५०	३१	०३	१८	२७	१०	कन्या	५।२१।४८।४६	५९।२५
अमाव.	३०	गु	९	५९	१०	३१	हस्त	८	५४	१०	०५	ऐ	७	५८	९	४३	ना	९	५९	१०	३१	४६	३१	०२	१९	२८	११	तुला. २३।३०	५।२२।४८।१९	५९।२७

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है ।
हस्ते रविः १६।१५, सं.स्त्री.पु.सू.चं.वाहन मूषक वर्षाश्रेष्ठः
भ. २८।२८ उ., पंचक समाप्तिः १०।११, हस्ते सौरः ६।५३, C
भ. १४।४४ या., चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः १९।५६, ज्येष्ठा.-२ गुरुः ८।३३
आर्द्रा. भौमः ९।४८, सिंहे मघा. शुक्रः १०।४९
भ. ३०।०४ उ., चंद्रषष्ठी, अक्टूबर १० ता. ३१
[C स्वा. बुधः ९।१९
भ. १७।०४ या., गांधी जयन्ती
श्रीमहालक्ष्मी व्र., अशोकाष्टमी
सौभाग्यवतीनां श्राद्धं, मघा.-४ शनिः ९।१८
भ. १४।३३ उ. २६।४२ या.
इंदिरा ११ व्र. [A से २९।१५ तक, चित्रा. रविः २९।१५, D
सन्यासिनां श्राद्धं [D सं.स्त्री.स्त्री.सू.सू. वाहन नाग अल्पवृष्टिः
भ. ३०।२१ उ., प्रदोषः, युगादि [B पश्चिमायाम् २२।०१
भ. १९।१८ या., मासिकशिवरात्री व्र., शस्त्रादि हतानां श्राद्धं
पितृकार्येऽमा., सर्वपितृ श्राद्धम्, गजच्छाया (बोधायन) ८।१९ A
देवकार्येऽमा., मातामह श्रा., चित्रा. सौरः १९।२३, बुधास्तः B

अयनांशाः २३।५७।०२

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	सितं	रात्री	रात्री	रात्री	रात्री	रात्री	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	सायं
०५।०९।०६।५७	१ गु	२७	७।१७	८।५३	९०।४९	९।०४	३।२४	५।४१	७।५७	९०।९६	९२।३५	२।३९	४।२३	५।५१
०५।९०।०५।५१	२ शु	२८	७।१३	८।४९	९०।४५	९।००	३।२०	५।३७	७।५३	९०।९२	९२।३१	२।३५	४।१९	५।४७
०५।११।०४।४८	३ श	२९	७।०९	८।४५	९०।४१	९२।५६	३।१६	५।३३	७।४९	९०।०८	९२।२७	२।३१	४।१५	५।४३
०५।१२।०३।४८	४ र	३०	७।०५	८।४९	९०।३८	९२।५२	३।१२	५।२९	७।४५	९०।०४	९२।२३	२।२७	४।११	५।३९
०५।१३।०२।४९	५ चं	१	७।०१	८।३७	९०।३४	९२।४८	३।०८	५।२५	७।४१	९०।००	९२।१९	२।२३	४।०७	५।३५
०५।१४।०१।५३	७ मं	२	६।५७	८।३४	९०।३०	९२।४४	३।०४	५।२१	७।३७	९।५६	९२।१५	२।१९	४।०३	५।३१
०५।१५।०१।००	८ बु	३	६।५३	८।३०	९०।२६	९२।४०	३।००	५।१७	७।३३	९।५२	९२।११	२।१६	३।५९	५।२७
०५।१६।००।०८	९ गु	४	६।५०	८।२६	९०।२२	९२।३६	२।५७	५।१३	७।२९	९।४८	९२।०७	२।१२	३।५५	५।२४
०५।१६।५९।२०	१० शु	५	६।४६	८।२२	९०।१८	९२।३२	२।५३	५।०९	७।२५	९।४४	९२।०३	२।०८	३।५१	५।२०
०५।१७।५८।३३	११ श	६	६।४२	८।१८	९०।१४	९२।२९	२।४९	५।०५	७।२१	९।४०	९१।५९	२।०४	३।४७	५।१६
०५।१८।५७।४९	१२ र	७	६।३८	८।१४	९०।१०	९२।२५	२।४५	५।०२	७।१७	९।३६	९१।५५	२।००	३।४३	५।१२
०५।१९।५७।०७	१३ चं	८	६।३४	८।१०	९०।०६	९२।२१	२।४१	४।५८	७।१३	९।३३	९१।५१	१।५६	३।३९	५।०८
०५।२०।५६।२७	१४ मं	९	६।३०	८।०६	९०।०२	९२।१७	२।३७	४।५४	७।०९	९।२९	९१।४७	१।५२	३।३५	५।०४
०५।२१।५५।५०	१४ बु	१०	६।२६	८।०२	९।५८	९२।१३	२।३३	४।५०	७।०६	९।२५	९१।४३	१।४८	३।३१	५।००
०५।२२।५५।१५	३० गु	११	६।२२	७।५८	९।५४	९२।०९	२।२९	४।४६	७।०२	९।२१	९१।३९	१।४४	३।२७	४।५६

मास फलम्

इस माह में पांच गुरुवार होने से धान्य सस्ता हो । पांच शुक्रवार होने से प्रजा की वृद्धि हो । गुरुवारी अमावस होने से वृष्टि तथा सुभिक्ष हो, हस्त योग दुर्भिक्षता (महर्घता) कारक है । पूर्णिमा शुक्रवार और अश्विनी युक्त होने से शुभ फल दायिनी है । बुधवार की सक्रांति होने से रस कस घृत महँगे हों, वस्त्रादि और रुई के भाव मंदे हों, प्रजा में भय हो, वर्षा कम हो । स्वाति में बुध होने से मन्द वर्षा हो, गौओं को पीड़ा हो, स्नेह (तेल, घृत आदि), रस (मधुर आदि) के मुल्य में वृद्धि हो, भूमि अनेक प्रकार के अन्नों से परिपूर्ण हो ।

अयनांशाः २३।५७।०३

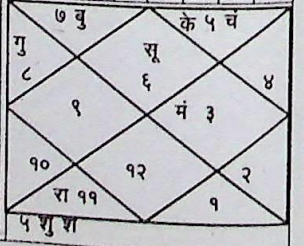
पं.२५ आ.कृ. ४ र. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
५	२	६	७	३	४	१०	४
१२	०६	०८	२०	२९	०९	११	११
३२	३६	३४	०७	५२	३२	१७	१७
३४	१३	४७	५०	५०	१६	००	००
५८	२६	५६	८	३९	६	३	३
५७	५५	५९	४४	१०	४८	११	११
ह	मृ	स्वा	ज्ये	श्ले	म	श	म
१	४	१	२	४	३	२	४



पं.२६ आ.कृ.१२ र. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
५	२	६	७	४	४	१०	४
१९	०९	१३	२१	०४	१०	१०	१०
२६	३६	५७	११	५०	१८	५४	५४
०६	५१	०७	२६	१४	५६	४५	४५
५९	२४	२८	९	४६	६	३	३
११	१३	०७	३३	३०	२८	११	११
ह	आ	स्वा	ज्ये	म	म	श	म
३	१	३	२	२	४	२	४



CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

१२ अक्टूबर से २६ अक्टूबर तक, श्री आश्विन शुक्लपक्ष संवत् २०६४, शाकः १९२९, दि.मा.सू. सू. तारीख्य

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	स्टै. चंद्रः	प्रातः सौर र. स्प.	दैनिक गति
नवरा.	१	शु	१५	५४	१२	५४	चित्रा	१६	०३	१२	५७	वै	९	५८	१०	३१	ब	१५	५४	१२	५४	२८	६	६	२०	२९	१२	तुला.	५।२३।४७।३८	५९।२९
सिद्धि	२	श	२२	०५	१५	२३	स्वा	२३	२८	१५	५६	वि	१२	१०	११	२४	कौ	२२	०५	१५	२३	३८	३३	००	२१	३०	१३	तुला.	५।२४।४७।०७	५९।३२
उत्पात	३	र	२८	२३	१७	५४	विशा	३०	५८	१८	५६	प्री	१४	२७	१२	२०	ग	२८	२३	१७	५४	३४	३३	५५	२२	१	१४	वृश्चि. १२।११	५।२५।४६।३९	५९।३४
मानस	४	सो	३४	२८	२०	२१	अनु	३८	१५	२१	५२	आ	१६	३९	१३	१३	व	१	२७	७	०९	३०	३४	५८	२३	२	१५	वृश्चि.	५।२६।४६।१३	५९।३६
मुद्गर	५	मं	४०	०१	२२	३५	ज्ये	४४	५९	२४	३४	सौ	१८	३०	१३	५८	ब	७	१९	९	३०	२६	३४	५७	२४	३	१६	धनु. २४।३४	५।२७।४५।४९	५९।३९
ध्वजा	६	बु	४४	३३	२४	२४	मूल	५०	४५	२६	५३	शो	१९	४२	१४	२८	कौ	१२	२५	११	३३	२२	३५	५६	२५	४	१७	धनु.	५।२८।४५।२८	५९।४१
धाता	७	गु	४७	४१	२५	४०	पूषा	५५	०८	२८	३९	अ	१९	५८	१४	३५	ग	१६	१८	१३	०७	१८	३५	५५	२६	५	१८	धनु.	५।२९।४५।०८	५९।४३
दुर्गा	८	शु	४९	०८	२६	१५	उषा	५७	४९	२९	४४	सु	१९	००	१४	१२	वि	१८	३७	१४	०३	१४	३६	५४	२७	६	१९	मक. १०।५९	६।००।४४।५१	५९।४५
वर	९	श	४८	३७	२६	०३	श्रव	५८	३७	३०	०३	धृ	१६	३७	१३	१५	बा	१९	०६	१४	१५	१०	३७	५३	२८	७	२०	मक.	६।०१।४४।३७	५९।४८
विजया	१०	र	४६	०८	२५	०४	धनि	५७	२६	२९	३६	शू	१२	४१	११	४२	तै	१७	३६	१३	४०	०७	३७	५२	२९	८	२१	कुंभे १७।५५	६।०२।४४।२५	५९।५०
ए.व्र.	११	सो	४१	४१	२३	१८	शत	५४	२३	२८	२३	गं	७	०९	९	३०	व	१४	०७	१२	१७	०३	३८	५१	३०	९	२२	कुंभे	६।०३।४४।१४	५९।५२
काण	१२	मं	३५	२७	२०	४९	पूभा	४९	३७	२६	२९	वृ	० ५१	०७ ४३	६ २७	४१ २०	ब	८	४५	१०	०९	२७ ५१	३९	५०	१	१०	२३	मीने २१।०१	६।०४।४४।०७	५९।५४
प्र.व्र.	१३	बु	२७	४५	१७	४५	उभा	४३	२७	२४	०२	व्या	४२	१०	२३	३१	कौ	१	४६	७	२१	५५	३९	४९	२	११	२४	मीने	६।०५।४४।०१	५९।५७
मित्र	१४	गु	१८	५४	१४	१३	रेव	३६	१६	२१	१०	ह	३१	४५	१९	२२	व	१८	५४	१४	१३	५१	४०	४८	३	१२	२५	मेषे २१।१०	६।०६।४३।५७	५९।५९
पूर्णिमा	१५	शु	९	२१	१०	२५	अश्वि	२८	३१	१८	०५	व	२०	५०	१५	००	ब	९	२१	१०	२५	४७	४०	४७	४	१३	२६	मेषे	६।०७।४३।५६	६०।०१

दैनिक केतकी अहर्गणः ५६६८ शरदृतू रविर्दक्षिणे, अक्टूबर २००७

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।
नवरात्रारम्भः, घटस्था. अग्रसेन जयंती , वक्री बुधः १५।३२
चंद्रदर्शनम् (मु.४५) [D बलिदानं उ.षामे, ज्येष्ठा.-३ गुरुः २२।१७
सव्वाल १० [C २४।५०, (व) चित्रा. बुधः २०।५१
म. ७।०९ उ. २०।२१ या. [B मघा.-३ केतुः ११।४४, F
उपांग ललिता व्र. [F सं.स्त्री.पु.सू.चं.वाहन मण्डूक वर्षाश्रेष्ठः
आकाशदीपारंभः, सरस्वती आवाहनं मूलभे, तुलायां रविः २२।४८, E
म. २५।४० उ., सरस्वती पूजनं पू.षामे, तुलायां सौरः १२।३४
म. १४।०३ या., भद्रकाली अवतार, महाष्टमी, शस्त्रादि पूजा, D
मन्वादि,पट्टाभिषेक, सरस्वती विसर्जनं श्रवणे [E पूफा. शुक्रः १०।०५
पंचक प्रारम्भः १७।५५, बोद्धावतार, विजया १०, शमीपूजा
म. १२।१७ उ. २३।१८ या., पापांकुशा ११ व्र. [M कोजागरी व्र.
कार्तिके द्विदलं त्यजेत्, भा. कार्तिकारंभः, सायन वृश्चिके भानुः C
प्रदोषः, स्वा. रविः १५।४४ (सौरः २९।०५), शत.-९ राहुः ११।४४, B
म. १४।१३ उ. २४।२१ या., पंचकसमाप्तिः २१।१०, शरदपूर्णिमा, M
पूर्णिमा व्रतंपुण्यञ्च, बंगीय लस्सी पूजा, नवान्न भक्षण, आश्वयुजी A
[A कर्म (आश्वलायन शास्त्रा), कार्तिक स्नान प्रा.

अयनांशाः २३।५७।०४

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

ब्रह्म र. स्प. प्रातः	वार तिथि	ता. अक्टू	मेष सायँ	वृष रात्रौ	मिथुन रात्रौ	कर्क रात्रौ	सिंह रात्रौ	कन्या रात्रौ	तुला प्रातः	वृश्चिक दिवा	धनु दिवा	मकर दिवा	कुंभ दिवा	मीन दिवा
०५।२३।५४।४२	१ शु	१२	६।१८	७।५४	९।५०	१२।०५	२।२५	४।४२	६।५८	९।१७	११।३५	१।४०	३।२३	४।५२
०५।२४।५४।१२	२ श	१३	६।१४	७।५०	९।४६	१२।०१	२।२१	४।३८	६।५४	९।१३	११।३१	१।३६	३।१९	४।४८
०५।२५।५३।४४	३ र	१४	६।१०	७।४६	९।४२	११।५७	२।१७	४।३४	६।५०	९।०९	११।२७	१।३२	३।१६	४।४४
०५।२६।५३।१८	४ चं	१५	६।०६	७।४२	९।३८	११।५३	२।१३	४।३०	६।४६	९।०५	११।२४	१।२८	३।१२	४।४०
०५।२७।५२।५४	५ मं	१६	६।०२	७।३८	९।३४	११।४९	२।०९	४।२६	६।४२	९।०१	११।२०	१।२४	३।०८	४।३६
०५।२८।५२।३३	६ बु	१७	५।५८	७।३४	९।३०	११।४५	२।०५	४।२२	६।३८	८।५७	११।१६	१।२०	३।०४	४।३२
०५।२९।५२।१५	७ गु	१८	५।५४	७।३०	९।२७	११।४१	२।०१	४।१८	६।३४	८।५३	११।१२	१।१६	३।००	४।२८
०६।००।५१।५८	८ शु	१९	५।५०	७।२६	९।२३	११।३७	१।५७	४।१४	६।३०	८।४९	११।०८	१।१२	२।५६	४।२४
०६।०१।५१।४४	९ श	२०	५।४६	७।२३	९।१९	११।३३	१।५३	४।१०	६।२६	८।४५	११।०४	१।०८	२।५२	४।२०
०६।०२।५१।३२	१० र	२१	५।४२	७।१९	९।१५	११।२९	१।४९	४।०६	६।२२	८।४१	११।००	१।०५	२।४८	४।१६
०६।०३।५१।२२	११ चं	२२	५।३९	७।१५	९।११	११।२५	१।४६	४।०२	६।१८	८।३७	१०।५६	१।०१	२।४४	४।१३
०६।०४।५१।१४	१२ मं	२३	५।३५	७।११	९।०७	११।२२	१।४२	३।५८	६।१४	८।३३	१०।५२	१२।५७	२।४०	४।०९
०६।०५।५१।०९	१३ बु	२४	५।३१	७।०७	९।०३	११।१८	१।३८	३।५५	६।१०	८।२९	१०।४८	१२।५३	२।३६	४।०५
०६।०६।५१।०६	१४ गु	२५	५।२७	७।०३	८।५९	११।१४	१।३४	३।५१	६।०६	८।२५	१०।४४	१२।४९	२।३२	४।०१
०६।०७।५१।०५	१५ शु	२६	५।२३	६।५९	८।५५	११।१०	१।३०	३।४७	६।०२	८।२२	१०।४०	१२।४५	२।२८	३।५७

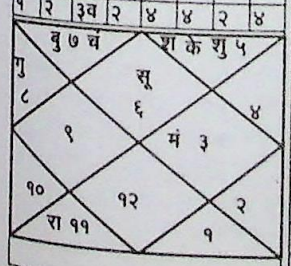
संक्रांति फलम्

ता. १७ अक्टूबर २००७
आश्वि. शु. ६ बुधे तुलायामर्कः प्र. (स्टै.) टा. २२।४८ वारात् ३ नक्षत्रात् ४ वारनाम मंदाकिनी नृपतीन् सुस्नदा नक्षत्रनाम राक्षसी वाण्डालान् सुस्नदा मध्यरात्रि २ प्रहर व्यापिनी राक्षसान् हन्ति, उत्तरे गमनं, ऐशान्यां दृष्टिः तैतिलकरणे प्रयिष्टा नेष्टफलं रासभवाहनं मेषोपवाहनं सुभिक्षकारक अरुणवस्त्रं दण्डायुधं कांस्यपात्रं पक्वान्नभक्षणं मृद्लेपनं पक्षीजातिः केतकीपुष्पं प्रवलभूषणं भूर्जपत्रकंचुकी युवावस्था (सूती) मु. ३० धान्यभावे सम वत्स पूर्वे राहु उत्तरे मूलं भूमौ विवाहस्तंभो ऐशान्यां शुक्रोदयः पूर्वस्याम्। पुण्यकालः (स्टै.) १६।४८ से २८।४८ तक। (दान- तिल)।

अयनांशाः २३।५७।०५

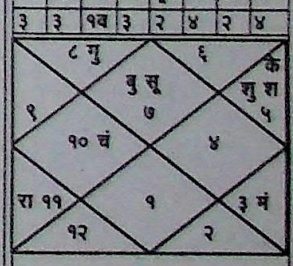
पं.२७ आ.शु. ३ र. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
५	२	६	७	४	४	१०	४
२६	१२	१४	२२	१०	११	१०	१०
२१	१७	५९	२०	३३	०३	३२	३२
९८	२३	३२	३२	३५	०७	२९	२९
५९	२१	२०	१०	५२	६	३	३
२६	०६	२७	१७	०८	०५	११	११
चि	आ	स्वा	ज्ये	म	म	श	म
१	२	३व	२	४	४	२	४



पं.२८ आ.शु.१० र. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
६	२	६	७	४	४	१०	४
०३	१४	०९	२३	१६	११	१०	१०
९८	३४	४९	३४	५२	४४	१०	१०
१२	३७	२८	३६	२५	२५	१३	१३
५९	१७	७०	१०	५६	५	३	३
४०	२९	४९	५७	३१	३८	११	११
चि	आ	स्वा	ज्ये	पूका	म	श	म
३	३	१व	३	२	४	२	४



CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust, Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

२७ अक्टूबर से ९ नवंबर तक, श्री कार्तिक कृष्णपक्ष संवत् २०६४, शाकः १९२९, दि.मा.सू. सू. तारीख्स स्टै. प्रातः दैनिक

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
क्षयः	१	शु	५९	३४	३०	३०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
ध्वाङ्क्ष	२	श	४९	५९	२६	४१	मर	२०	४१	१४	५७	सि	९ ५९	४८ ०२	५० ३०	३६ ५८	तै	२४	४२	१६	३४	२७ ४४	६ ४१	५ ४७	५	१४	२७	वृषे	२०।१२	६।०८।४३।५७	६०।०३
धूम्र	३	र	४१	०५	२३	०८	कृति	१३	१६	१२	००	व	४८	५४	२६	१५	व	१५	२४	१२	५१	४०	४२	४६	६	१५	२८	वृषे		६।०९।४४।००	६०।०५
च.व्र.	४	सो	३३	२०	२०	०२	रोहि	६	४६	९	२५	प	३९	४६	२२	३७	ब	७	०१	९	३१	३६	४२	४५	७	१६	२९	मिथु.	२०।१९	६।१०।४४।०५	६०।०७
राक्षस	५	मं	२७	०८	१७	३४	मृग	१ ५८	३८ ५४	७ ३०	२२ ०१	शि	३१	५६	१९	२९	कौ	०	००	६	४३	३२	४३	४४	८	१७	३०	मिथु.		६।१९।४४।१३	६०।०९
गद	६	बु	२२	४७	१५	५१	पुन	५६	४५	२९	२६	सि	२५	३६	१६	५८	व	२२	४७	१५	५१	२९	४४	४३	९	१८	३१	कर्के	२३।३०	६।१२।४४।२२	६०।१२
शुभ	७	गु	२०	३१	१४	५७	पुष्य	५७	१९	२९	४०	सा	२०	५४	१५	०६	ब	२०	३१	१४	५७	२५	४५	४२	१०	१९	१	कर्के		६।१३।४४।३४	६०।१४
मृत्यु	८	शु	२०	१७	१४	५२	श्लें	५९	४९	३०	४१	शु	१७	४९	१३	५३	कौ	२०	१७	१४	५२	२१	४५	४२	११	२०	२	सिंहे	३०।४१	६।१४।४४।४७	६०।१६
पद्म	९	श	२२	००	१५	३४	मघा	...	...	..	..	शु	१६	१५	१३	१६	ग	२२	००	१५	३४	१८	४६	४१	१२	२१	३	सिंहे		६।१५।४५।०३	६०।१८
मुद्गर	१०	र	२५	२२	१६	५५	मघा	४	००	८	२२	ब्र	१५	५८	१३	१०	वि	२५	२२	१६	५५	१४	४७	४०	१३	२२	४	सिंहे		६।१६।४५।२१	६०।२०
ए.व्र.	११	सो	३०	०३	१८	४८	पूफा	९	३४	१०	३७	ऐ	१६	४२	१३	२८	बा	३०	०३	१८	४८	१९	४७	४०	१४	२३	५	कन्या	१७।१५	६।१७।४५।४०	६०।२२
धाता	१२	मं	३५	३७	२१	०३	उफा	१६	०७	१३	१५	वै	१८	१०	१४	०४	कौ	२	४३	७	५३	०७	४८	३९	१५	२४	६	कन्या		६।१८।४६।०२	६०।२४
प्र.व्र.	१३	बु	४९	४२	२३	३०	हस्त	२३	१४	१६	०६	वि	२०	०४	१४	५०	ग	८	३७	१०	१५	०४	४९	३८	१६	२५	७	तुला.	२९।३५	६।१९।४६।२६	६०।२६
रुप १४	१४	गु	४८	००	२६	०१	चित्रा	३०	३७	१९	०५	प्री	२२	११	१५	४२	वि	१४	४९	१२	४५	००	५०	३८	१७	२६	८	तुला.		६।२०।४६।५२	६०।२८
दीपाव.	३०	शु	५४	१६	२८	३३	स्वा	३८	०३	२२	०३	आ	२४	२२	१६	३५	च	२१	०७	१५	१७	२६ ५७	५०	३७	१८	२७	९	तुला.		६।२१।४७।१९	६०।२९

हेमन्तर्त्तू रविर्दक्षिणे आश्विनकृष्णेति गुर्जराः, अक्टूबर-नवंबर २००७

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है ।

[A यमायदीपदानं, गोत्रिरात्र व्र., विशा. सौरः १२।१२

भ. १२।५१ उ. २३।०८ या., दशरथ ललिता व्र.

करवा ४ चन्द्रोदयः २०।२७, बुधोदयः पूर्वस्याम् १२।११

(व) कन्यायां बुधः १२।३२, उफा. शुक्रः ३०।३८

भ. ९५।५१ उ. २७।१८ या., स्कन्द षष्ठी

होई (अहोरी) ८, नवंबर ११ ता. ३०

मार्गी बुधः १८।०५

भ. २८।१० उ., कन्यायां शुक्रः १२।२९

भ. १६।५५ या., तुलायां बुधः २५।३०

रमा ११ व्र. [B प्रभात स्नानं

गोवत्स द्वादशी, विशा. रविः २३।५१, ज्येष्ठा.-४ गुरुः ७।२२

भ. २३।३० उ., प्रदोषः, धनतेरस, धन्वन्तरी जयंती, A

भ. १२।४५ या., मासिकशिवरात्री व्र., दीपदानं, रुप (नरक) १४, B

देवपितृकार्येऽमा., महालक्ष्मी पूजा, कुबेर पू., पूफा.-१ शनिः १३।१३

अयनांशाः २३।५७।०६

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

मास फलम्

अयनांशाः २३।५७।०७

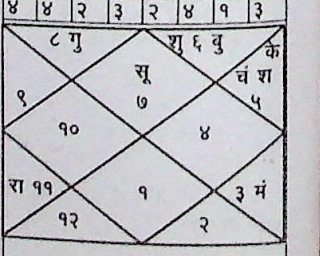
पं.२९ का.कृ. ३ र. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
६	२	६	७	४	४	१०	४
१०	१६	०१	२४	२३	१२	०९	०९
१६	२४	३७	५३	३८	२२	४७	४७
४५	५३	२९	०६	५९	२६	५७	५७
५९	९३	५०	११	५९	५	३	३
५४	९९	२०	३२	५८	०८	११	११
स्वा	आ	चि	ज्ये	पूफा	म	श	म
२	३	३व	३	४	४	१	३



ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	अक्टु	सार्यं	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा
०६।०८।५९।०६	२ श	२७	५।१९	६।५५	८।५१	११।०६	१।२६	३।४३	५।५८	८।१८	१०।३६	१२।४१	२।२४	३।५३
०६।०९।५९।०९	३ र	२८	५।१५	६।५१	८।४७	११।०२	१।२२	३।३९	५।५५	८।१४	१०।३२	१२।३७	२।२०	३।४९
०६।१०।५९।१५	४ चं	२९	५।११	६।४७	८।४३	१०।५८	१।१८	३।३५	५।५१	८।१०	१०।२८	१२।३३	२।१६	३।४५
०६।११।५९।२२	५ मं	३०	५।०७	६।४३	८।३९	१०।५४	१।१४	३।३१	५।४७	८।०६	१०।२४	१२।२९	२।१२	३।४१
०६।१२।५९।३२	६ बु	३१	५।०३	६।३९	८।३५	१०।५०	१।१०	३।२७	५।४३	८।०२	१०।२०	१२।२५	२।०८	३।३७
०६।१३।५९।४४	७ गु	१	४।५९	६।३५	८।३१	१०।४६	१।०६	३।२३	५।३९	७।५८	१०।१६	१२।२१	२।०५	३।३३
०६।१४।५९।५८	८ शु	२	४।५५	६।३१	८।२७	१०।४२	१।०२	३।१९	५।३५	७।५४	१०।१३	१२।१७	२।०१	३।२९
०६।१५।५२।१४	९ श	३	४।५१	६।२७	८।२३	१०।३८	१२।५८	३।१५	५।३१	७।५०	१०।०९	१२।१३	१।५७	३।२५
०६।१६।५२।३२	१० र	४	४।४७	६।२३	८।१९	१०।३४	१२।५४	३।११	५।२७	७।४६	१०।०५	१२।०९	१।५३	३।२१
०६।१७।५२।५२	११ चं	५	४।४३	६।१९	८।१६	१०।३०	१२।५०	३।०७	५।२३	७।४२	१०।०१	१२।०५	१।४९	३।१७
०६।१८।५३।१४	१२ मं	६	४।३९	६।१५	८।१२	१०।२६	१२।४६	३।०३	५।१९	७।३८	९।५७	१२।०१	१।४५	३।१३
०६।१९।५३।३८	१३ बु	७	४।३५	६।१२	८।०८	१०।२२	१२।४२	२।५९	५।१५	७।३४	९।५३	११।५७	१।४१	३।०९
०६।२०।५४।०४	१४ गु	८	४।३१	६।०८	८।०४	१०।१८	१२।३८	२।५५	५।११	७।३०	९।४९	११।५४	१।३७	३।०५
०६।२१।५४।३२	३० शु	९	४।२८	६।०४	८।००	१०।१४	१२।३५	२।५१	५।०७	७।२६	९।४५	११।५०	१।३३	३।०२

इस माह में पांच शनिवार होने से महँगाई हो । कार्तिक कृष्णा दशमी रविवार होने से रोगोत्पत्ति हो । शुक्रवारी अमावस होने से उद्धत मेघों से जलभ्रंश हो और स्वाति होने से दुर्भिक्ष (महर्घ) हो । शुक्लपक्ष में प्रतिपदा की वृद्धि होने से सुभिक्ष हो । शुक्ला सप्तमी शनिवार होने से धान्य और सफेद वस्तु के भावों में तेजी हो । पूर्णिमा कृतिका युक्त होने से शुभ और शनिवार युक्त होने से दुर्भिक्ष हो । शुक्रवार की सक्रांति होने से प्रजासुस्थी हो, स्वर्ण चांदी के भाव तेज हों, गाय भैंस हाथी घोडा मोटर गाड़ी आदि (चतुष्पद) पशु एवं वाहन के भाव तेज हो, रस कस लवण घृत के भाव सम रहे ।

पं.३० का.कृ.१० र. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
६	२	५	७	५	४	१०	४
१७	१७	२९	२६	००	१२	०९	०९
१६	४४	३८	१५	४७	५६	२५	२५
५४	१०	३५	३०	३३	४८	४१	४१
६०	८	२७	१२	६२	४	३	३
०७	३२	२६	०४	४३	३५	११	११
स्वा	आ	चि	ज्ये	उफा	म	श	म
४	४	२	३	२	४	१	३



CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

१० नवंबर से २४ नवंबर तक, श्री कार्तिक शुक्लपक्ष संवत् २०६४, शाकः १९२९, दि.मा.सू. सू. तारीख्य स्टै. प्रातः दैनिक केतकी अहर्गणः ५६९७ हेमन्तर्तू रविर्दक्षिणे, नवंबर २००७

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
शुभ	१	श	...	...	..	..	विशा	४५	२१	२४	५९	सौ	२६	२७	१७	२६	किं	२७	२०	१७	४७	२६ ५४	६ ५१	५ ३७	१९	२८	१०	वृश्चि.	१८।१६	६।२२।४७।४९	६०।३१
मृत्यु	१	र	०	२१	७	००	अनु	५२	२३	२७	४९	शो	२८	२२	१८	१३	ब	०	२१	७	००	५०	५२	३६	२०	२९	११	वृश्चि.		६।२३।४८।२०	६०।३३
पद्म	२	सो	६	१०	९	२०	ज्ये	५९	०१	३०	२९	अ	३०	००	१८	५२	कौ	६	१०	९	२०	४७	५३	३५	२१	१	१२	धनु.	३०।२९	६।२४।४८।५३	६०।३५
छत्र	३	मं	११	२९	११	२९	मूल	...	...	..	..	सु	३१	१३	१९	२२	ग	११	२९	११	२९	४४	५३	३५	२२	२	१३	धनु.		६।२५।४९।२८	६०।३७
ध्वजा	४	बु	१६	०७	१३	२१	मूल	४	५८	८	५३	धृ	३१	४९	१९	३८	वि	१६	०७	१३	२१	४१	५४	३४	२३	३	१४	धनु.		६।२६।५०।०५	६०।३९
धाता	५	गु	१९	४६	१४	४९	पूषा	१०	०४	१०	५७	शू	३१	३९	१९	३४	बा	१९	४६	१४	४९	३८	५५	३४	२४	४	१५	मक.	१७।२३	६।२७।५०।४४	६०।४०
काल	६	शु	२२	०८	१५	४७	उषा	१४	००	१२	३२	गं	३०	२७	१९	०७	तै	२२	०८	१५	४७	३५	५६	३४	२५	५	१६	मक.		६।२८।५१।२४	६०।४२
सुस्थिर	७	श	२२	५७	१६	०७	श्रव	१६	२८	१३	३२	वृ	२८	०३	१८	९०	व	२२	५७	१६	०७	३२	५६	३३	२६	६	१७	कुंभे	२५।४७	६।२९।५२।०६	६०।४४
मातङ्ग	८	र	२२	०२	१५	४६	धनि	१७	१५	१३	५१	धु	२४	१६	१६	४०	ब	२२	०२	१५	४६	२९	५७	३३	२७	७	१८	कुंभे		७।००।५२।५०	६०।४५
अमृत	९	सो	१९	१६	१४	४०	शत	१६	१४	१३	२८	व्या	१९	०२	१४	३५	कौ	१९	१६	१४	४०	२६	५८	३२	२८	८	१९	मीने	३०।४२	७।०१।५३।३५	६०।४७
काण	१०	मं	१४	३९	१२	५०	पूभा	१३	२५	१२	२१	ह	१२	२०	११	५५	ग	१४	३९	१२	५०	२३	५९	३२	२९	९	२०	मीने		७।०२।५४।२३	६०।४९
ए.व्र.	११	बु	८	२१	१०	२०	उभा	८	५४	१०	३३	व	४ ५५	१६ ०२	८ २९	४२ ००ा	वि	८	२१	१०	२०	२१	७ ००ा	३२	३०	१०	२१	मीने		७।०३।५५।११	६०।५०
प्र.व्र.	१२	गु	०	३५	७	१४	रेव	२ ५५	५७ ५८	८ २९	१५ २३	व्य	४४	४९	२४	५६	बा	०	३५	७	१४	१८	००	३२	१	११	२२	मेषे	८।११	७।०४।५६।०१	६०।५२
क्षयः	१३	गु	५१	४७	२७	४३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०		०	०
मुद्गर	१४	शु	४२	१५	२३	५५	भर	४८	१८	२६	२०	व	३४	००	२०	३७	ग	१७	०४	१३	५१	१५	०१	३१	२	१२	२३	मेषे		७।०५।५६।५३	६०।५३
पूर्णिमा	१५	श	३२	३२	२०	०३	कृति	४०	३०	२३	१४	प	२२	५७	१६	१३	वि	७	२३	९	५९	१३	०२	३१	३	१३	२४	वृषे	७।३४	७।०६।५७।४७	६०।५५

[J ।।।।ऽ।।।।। दिवा १०।१, रात्रौ गो. ३।५ (सिंहे सोग्रांगः,के.७ दो.) [A रात्रौ ५।७ (सिंहे सोग्रांगः, के. ७ दोषः) गोपद्मव्रतसमाप्ति, भीष्मपंचकसमाप्ति, त्रिपुरोत्सव, मन्वादि, पुष्करयात्रा, कार्तिकस्नानपूर्तिः, चित्रा.शुक्रः २१।३१

अयनांशाः २३।५७।०८

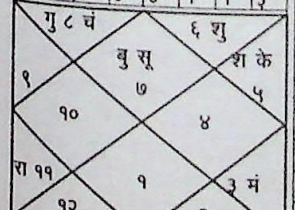
॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

संक्रांति फलम्

अयनांशाः २३।५७।०९

पं.३१ का.शु. १ र. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
६	२	६	७	५	४	१०	४
२४	१८	०५	२७	०८	१३	०९	०९
१८	२८	३५	४१	१३	२७	०३	०३
३५	११	५९	२१	४८	०७	२५	२५
६०	३	७४	१२	६४	३	३	३
२०	१०	१२	३०	५८	५९	११	११
वि	आ	चि	ज्ये	उफा	पूफा	श	म
२	४	४	४	४	१	१	३

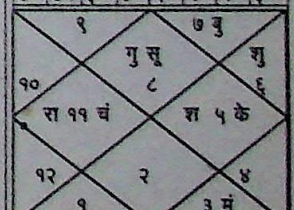


ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	नवं.	दिवा	सायं	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा
०६।२२।५५।०१	१ श	१०	४।२४	६।००	७।५६	९०।११	१२।३१	२।४७	५।०३	७।२२	९।४१	११।४६	१।२९	२।५८
०६।२३।५५।३३	१ र	११	४।२०	५।५६	७।५२	९०।०७	१२।२७	२।४४	४।५९	७।१८	९।३७	११।४२	१।२५	२।५४
०६।२४।५६।०७	२ चं	१२	४।१६	५।५२	७।४८	९०।०३	१२।२३	२।४०	४।५५	७।१४	९।३३	११।३८	१।२१	२।५०
०६।२५।५६।४२	३ मं	१३	४।१२	५।४८	७।४४	९।५९	१२।१९	२।३६	४।५१	७।११	९।२९	११।३४	१।१७	२।४६
०६।२६।५७।१९	४ बु	१४	४।०८	५।४४	७।४०	९।५५	१२।१५	२।३२	४।४७	७।०७	९।२५	११।३०	१।१३	२।४२
०६।२७।५७।५८	५ गु	१५	४।०४	५।४०	७।३६	९।५१	१२।११	२।२८	४।४४	७।०३	९।२१	११।२६	१।०९	२।३८
०६।२८।५८।३८	६ शु	१६	४।००	५।३६	७।३२	९।४७	१२।०७	२।२४	४।४०	६।५९	९।१७	११।२२	१।०५	२।३४
०६।२९।५९।२१	७ श	१७	३।५६	५।३२	७।२८	९।४३	१२।०३	२।२०	४।३६	६।५५	९।१३	११।१८	१।०१	२।३०
०७।०१।००।०५	८ र	१८	३।५२	५।२८	७।२४	९।३९	११।५९	२।१६	४।३२	६।५१	९।०९	११।१४	१२।५७	२।२६
०७।०२।००।५१	९ चं	१९	३।४८	५।२४	७।२०	९।३५	११।५५	२।१२	४।२८	६।४७	९।०५	११।१०	१२।५४	२।२२
०७।०३।०१।३८	१० मं	२०	३।४४	५।२०	७।१६	९।३१	११।५१	२।०८	४।२४	६।४३	९।०२	११।०६	१२।५०	२।१८
०७।०४।०२।२७	११ बु	२१	३।४०	५।१६	७।१२	९।२७	११।४७	२।०४	४।२०	६।३९	८।५८	११।०२	१२।४६	२।१४
०७।०५।०३।१७	१२ गु	२२	३।३६	५।१२	७।०८	९।२३	११।४३	२।००	४।१६	६।३५	८।५४	१०।५८	१२।४२	२।१०
०७।०६।०४।१०	१३ शु	२३	३।३२	५।०८	७।०५	९।१९	११।३९	१।५६	४।१२	६।३१	८।५०	१०।५४	१२।३८	२।०६
०७।०७।०५।०३	१५ श	२४	३।२८	५।०४	७।०१	९।१५	११।३५	१।५२	४।०८	६।२७	८।४६	१०।५०	१२।३४	२।०२

ता. १६ नवंबर २००७
का. शु. ६ भृगौ वृश्चिकेऽर्कः प्र. (स्टै.) टा. २२।३३ वारात् ३ नक्षत्रात् ४ वारनाम मिश्रा पशून् सुस्थदा नक्षत्रनाम महोदरी चोरान् सुस्थदा मध्यरात्रि २ प्रहर व्यापिनी राक्षसान् हन्ति, उत्तरे गमनं, ऐशान्यां दृष्टिः गरकरणे प्रविष्टा मध्यमफलं हस्तीवाहनं स्वरोपवाहनं लक्ष्मीकारक रक्तवस्त्रं धनुष्यायुधं लोहपात्रं दुग्धभक्षणं गोरोचनलेपनं पशुजातिः विल्वपुष्पं मुकुटभूषणं श्वेतकंचुकी प्रौढावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यभावे सम वत्स दक्षिणे राहु पूर्वे मूलं पातालेविवाहस्तंभो वायव्याम् शुक्रोदयः पूर्वस्याम्। पुण्यकालः (स्टै.) १६।०९ से २२।३३ तक। (दान- दीप)।

पं.३२ का.शु. ८ र. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
७	२	६	७	५	४	१०	४
०१	१८	१५	२९	१५	१३	०८	०८
२१	३३	१२	१०	५४	५३	४१	४१
४०	०३	४२	०७	२९	०३	०९	०९
६०	२	८९	१२	६६	३	३	३
३१	४१	३७	५३	४८	१९	११	११
वि	आ	स्वा	ज्ये	ह	पूफा	श	म
४	४व	३	४	२	१	१	३



CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

॥ श्रीवल्लभ मनीराम पञ्चाङ्गम् ॥

२५ नवंबर से ९ दिसंबर तक, श्री मार्गशीर्ष कृष्णपक्ष संवत् २०६४, शाकः १९२९, दि.मा.सू. सू. तारीख स्टै. प्रातः दैनिक हेमन्तर्तू रविर्दक्षिणे कार्तिककृष्णेति गुर्जराः, नवंबर-दिसंबर २००७

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
धाता	९	र	२३	०६	९६	९७	रोहि	३३	०४	२०	९६	शि	९२	०४	११	५२	कौ	२३	०६	९६	९७	२६ ९०	७ ८३	५ ३९	४	९४	२५	मिथु. ३०।५५	७।०७।५८।४२	६०।५६
आनन्द	२	सो	१४	२९	९२	५१	मृग	२६	३१	९७	४०	सि	पू ५२	४४ ३३	७ २८	४५ ४५	ग	१४	२९	९२	५१	०८	०३	३१	५	९५	२६	मिथु.	७।०८।५९।३८	६०।५८
च.व्र.	३	मं	७	०५	९	५४	आर्द्रा	२१	१९	९५	३६	शु	४४	९६	२४	४७	वि	७	०५	९	५४	०६	०४	३९	६	९६	२७	मिथु.	७।९०।००।३५	६०।५९
गद	४	बु	९	२३	७	३८	पुन	९७	५१	९४	९४	शु	३७	४०	२२	०९	बा	९	२३	७	३८	०३	०५	३०	७	९७	२८	कर्के ८।३०	७।९९।०९।३४	६९।००
क्षयः	५	बु	५७	४०	३०	०९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
शुभ	६	गु	५६	०७	२९	३३	पुष्य	९६	२५	९३	४०	ब्र	३२	४४	२०	११	ग	२६	३६	९७	४४	०९	०६	३०	८	९८	२९	कर्के	७।९२।०२।३५	६९।०२
मृत्यु	७	शु	५६	४३	२९	४८	श्ले	९७	०७	९३	५७	ऐ	२९	३२	९८	५६	वि	२६	०८	९७	३४	२५ ६२	०७	३०	९	९९	३०	सिंहे ९३।५७	७।९३।०३।३७	६९।०३
पद्म	८	श	५९	२४	३०	५३	मघा	९९	५४	९५	०५	वै	२७	५९	९८	९९	बा	२७	४९	९८	९५	५७	०७	३०	५०	२०	९	सिंहे	७।९४।०४।४०	६९।०४
छत्र	९	र	...	...	...	..	पूफा	२४	३३	९६	५७	वि	२७	५०	९८	९६	तै	३९	२३	९९	४९	५५	०८	३०	११	२९	२	कन्या २३।३९	७।९५।०५।४४	६९।०५
श्रीवत्स	९	सो	३	४३	८	३८	उफा	३०	३९	९९	२४	प्री	२८	५०	९८	४१	ग	३	४३	८	३८	५३	०९	३०	९२	२२	३	कन्या	७।९६।०६।४९	६९।०७
सौम्य	१०	मं	९	२२	९०	५४	हस्त	३७	४४	२२	९५	आ	३०	३८	९९	२५	वि	९	२२	१०	५४	५२	१०	३०	९३	२३	४	कन्या	७।९७।०७।५६	६९।०८
ए.व्र.	११	बु	१५	४२	९३	२७	चित्रा	४५	९७	२५	९७	सौ	३२	४८	२०	९८	बा	१५	४२	९३	२७	५०	१०	३०	९४	२४	५	तुला. ११।४६	७।९८।०९।०४	६९।०९
सुस्थिर	१२	गु	२२	९६	९६	०६	स्वा	५२	५१	२८	२०	शो	३५	०४	२९	९३	तै	२२	९६	९६	०६	४८	११	३०	९५	२५	६	तुला.	७।९९।९०।९२	६९।९०
प्र.व्र.	१३	शु	२८	३९	९८	३९	विशा	...	...	..	..	अ	३७	०९	२२	०३	व	२८	३९	९८	३९	४७	१२	३५	९६	२६	७	वृश्चि. २४।३२	७।२०।९९।२२	६९।९१
शुभ	१४	श	३४	३३	२१	०२	विशा	०	०५	७	९५	सु	३८	५०	२२	४५	वि	९	३९	७	५२	४५	१३	३१	९७	२७	८	वृश्चि.	७।२१।९२।३३	६९।९२
अमाव.	३०	र	३९	५२	२३	९०	अनु	६	५०	९	५७	धृ	४०	०६	२३	९६	च	७	९७	९०	०८	४४	१३	३१	९८	२८	९	वृश्चि.	७।२२।९३।४५	६९।९३

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।
रोहिण्यां रे. ८ IIIIऽIIऽII दिवा ल. १०।१२ (मीने शु. ७ पू.), A
भ. २३।१८ उ., मृगे रे. ९ ऽIIIIIIII दिवा ल. १२ (शु. ७ पू.)
भ. ९।५४ या., सौभाग्य सुंदरी व्र., अंगारकी चतुर्थीव्रतं B
[B चन्द्रोदयः २०।२०, वृश्चिके बुधः २१।३०, बुधास्तः C
[A मृगे रे. ८ ऽIIIऽIIIII रात्रौ ल. ३।७ (मिथु.स्टै. २०।१६ उप.)
भ. २९।३३ उ., अनु. बुधः २४।३० [C पूर्वस्याम् २५।३६
भ. १७।३४ या., तुलायां शुक्रः १७।१७ [D रात्रौ अ.गो., ज्येष्ठा. E
कालभैरवाष्टमी, दिसंबर १२ ता. ३१ [E रविः१०।०८ (सौरः२०।११)
उफा. रे. ८ ऽIIIIIIIऽII रात्रौ अ. गो. ४।७
भ. २१।४३ उ., उफा. रे. ७ ऽIIIIIIऽISऽद. दि. ल. १०।१२, D
भ.१०।५४ या., हस्ते रे.८ IIIIIIIऽISऽद. दिवा ल. १०।१२, रात्रौ F
उत्पत्ति ११ व्र., वैतरणी व्र. [F अ.गो. ४ (मीने चं.७ पू. कर्कः G
मूले-२ गुरुः २७।४०, स्वा. शुक्रः ११।०३ [G स्टै. २२।१५ या.)
भ. १८।३९ उ., प्रदोषः, मासिकशिवरात्री व्र.
भ. ७।५२ या., महाव्रतारंभः, ज्येष्ठा. बुधः १२।२२
देवपितृकार्येऽमा., गौरीतपोव्र., गुरोरस्तः पश्चिमायाम् ३०।५५

गुरोरस्तः पश्चिमायाम्

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

अयनांशाः २३।५७।१०

पं.३३ मा.कृ. ९ र. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
७	२	६	८	५	४	१०	४
०८	१७	२५	००	२३	१४	०८	०८
२६	५६	५५	४१	४७	१४	१८	१८
०३	०३	५०	१९	०१	१६	५३	५३
६०	८	९३	९३	६८	२	३	३
४१	४६	४०	१२	१९	३८	११	११
अनु	आ	वि	मू	चि	पूफा	श	म
२	४व	२	१	१	१	१	३



ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	नव.	दिवा	सायं	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा
०७।०८।०५।५८	१ र	२५	३।२४	५।०९	६।५७	९।११	११।३९	१।४८	४।०४	६।२३	८।४२	१०।४६	१२।३०	१।५८
०७।०९।०६।५५	२ चं	२६	३।२०	४।५७	६।५३	९।०७	११।२७	१।४४	४।००	६।१९	८।३८	१०।४३	१२।२६	१।५४
०७।१०।०७।५३	३ मं	२७	३।१७	४।५३	६।४९	९।०३	११।२४	१।४०	३।५६	६।१५	८।३४	१०।३९	१२।२२	१।५१
०७।११।०८।५२	४ बु	२८	३।१३	४।४९	६।४५	९।००	११।२०	१।३६	३।५२	६।११	८।३०	१०।३५	१२।१८	१।४७
०७।१२।०९।५२	५ गु	२९	३।०९	४।४५	६।४१	८।५६	११।१६	१।३३	३।४८	६।०७	८।२६	१०।३१	१२।१४	१।४३
०७।१३।१०।५४	७ शु	३०	३।०५	४।४१	६।३७	८।५२	११।१२	१।२९	३।४४	६।०३	८।२२	१०।२७	१२।१०	१।३९
०७।१४।११।५८	८ श	१	३।०१	४।३७	६।३३	८।४८	११।०८	१।२५	३।४०	६।००	८।१८	१०।२३	१२।०६	१।३५
०७।१५।१३।०२	९ र	२	२।५७	४।३३	६।२९	८।४४	११।०४	१।२१	३।३६	५।५६	८।१४	१०।१९	१२।०२	१।३१
०७।१६।१४।०८	९ चं	३	२।५३	४।२९	६।२५	८।४०	११।००	१।१७	३।३३	५।५२	८।१०	१०।१५	११।५८	१।२७
०७।१७।१५।१५	१० मं	४	२।४९	४।२५	६।२१	८।३६	१०।५६	१।१३	३।२९	५।४८	८।०६	१०।११	११।५४	१।२३
०७।१८।१६।२३	११ बु	५	२।४५	४।२१	६।१७	८।३२	१०।५२	१।०९	३।२५	५।४४	८।०२	१०।०७	११।५०	१।१९
०७।१९।१७।३२	१२ गु	६	२।४१	४।१७	६।१३	८।२८	१०।४८	१।०५	३।२१	५।४०	७।५८	१०।०३	११।४६	१।१५
०७।२०।१८।४२	१३ शु	७	२।३७	४।१३	६।०९	८।२४	१०।४४	१।०१	३।१७	५।३६	७।५४	९।५९	११।४३	१।११
०७।२१।१९।५३	१४ श	८	२।३३	४।०९	६।०५	८।२०	१०।४०	१२।५७	३।१३	५।३२	७।५१	९।५५	११।३९	१।०७
०७।२२।२१।०५	३० र	९	२।२९	४।०५	६।०१	८।१६	१०।३६	१२।५३	३।०९	५।२८	७।४७	९।५१	११।३५	१।०३

अयनांशाः २३।५७।११

पं.३४ मा.कृ. ९ र. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
७	२	७	८	६	४	१०	४
९५	१६	०६	०२	०१	१४	०७	०७
३१	३६	५४	१४	४९	३०	५६	५६
३३	५३	३३	३०	२२	२८	३६	३६
६०	१४	९४	१३	६९	१	३	३
५०	३५	१४	२६	३४	५३	११	११
अनु	आ	अनु	मू	चि	पूफा	श	म
४	३व	२	१	३	१	१	३



अयनांशाः २३।५७।१२

पं.३५ मा.कृ.३० र. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
७	२	७	८	६	४	१०	४
२२	१४	१७	०३	०९	१४	०७	०७
३८	३९	५३	४९	५९	४१	३४	३४
००	१४	५४	१०	४८	२६	२०	२०
६०	१९	९४	१३	७०	१	३	३
५८	३०	०२	३७	३६	०८	११	११
ज्ये	आ	ज्ये	मू	स्वा	पूफा	श	म
२	३व	१	२	१	१	१	३



CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

१० दिसंबर से २३ दिसंबर तक, श्री मार्गशीर्ष शुक्लपक्ष संवत् २०६४, शाकः १९२९, दि.मा.सू. सू. तारीख्य स्टै. प्रातः दैनिक केतकी अहर्गणः ५७२७ हेमन्तर्तू रविर्दक्षिणे, दिसंबर २००७

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घ.	मि.	घ.प.	उ.	अ.	मा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
पद्म	१	सो	४४	३०	२५	०२	ज्ये	१२	५८	१२	२५	शू	४०	५०	२३	३४	किं	१२	१५	१२	०८	२५/४३	७/१४	५/३१	१९	२९	१०	धनु.	१२।२५	७।२३।१४।५८	६९।१४
छत्र	२	मं	४८	२३	२६	३६	मूल	१८	२४	१४	३६	गं	४१	०१	२३	३९	बा	१६	३१	१३	५१	४२	१५	३१	२०	३०	११	धनु.		७।२४।१६।१२	६९।१५
श्रीवत्स	३	बु	५१	२६	२७	५०	पूषा	२३	०६	१६	३०	वृ	४०	३५	२३	२९	तै	२०	००	१५	१५	४१	१५	३२	२१	१	१२	मक.	२२।५५	७।२५।१७।२७	६९।१५
सौम्य	४	गु	५३	३२	२८	४१	उषा	२६	५७	१८	०३	ध्रु	३९	२६	२३	०२	व	२२	३६	१६	१८	४०	१६	३२	२२	२	१३	मक.		७।२६।१८।४२	६९।१६
धृम्र	५	शु	५४	३३	२९	०६	श्रव	२९	४९	१९	१२	व्या	३७	३१	२२	१७	ब	२४	१०	१६	५७	३९	१७	३२	२३	३	१४	मक.		७।२७।१९।५८	६९।१७
प्रवर्धमा	६	श	५४	१८	२९	०१	धनि	३१	३२	१९	५४	ह	३४	३८	२१	०८	कौ	२४	३५	१७	०७	३८	१७	३३	२४	४	१५	कुंभे	७।३७	७।२८।२१।१५	६९।१८
राक्षस	७	र	५२	४०	२८	२२	शत	३१	५६	२०	०४	व	३०	४३	१९	३५	ग	२३	३९	१६	४६	३८	१८	३३	२५	५	१६	कुंभे		७।२९।२२।३३	६९।१८
मुसल	८	सो	४९	३३	२७	०८	पूभा	३०	५५	१९	४१	सि	२५	३८	१७	३४	वि	२१	१७	१५	४९	३७	१८	३३	२६	६	१७	मीने	१३।५०	८।००।२३।५२	६९।१९
सिद्धि	९	मं	४४	५६	२५	१७	उभा	२८	२६	१८	४२	व्य	१९	२४	१५	०५	बा	१७	२५	१४	१७	३७	१९	३४	२७	७	१८	मीने		८।०१।२५।११	६९।२०
उत्पात	१०	बु	३८	५७	२२	५४	रेव	२४	३३	१७	०९	व	११	५९	१२	०७	तै	१२	०५	१२	१०	३६	२०	३४	२८	८	१९	मेषे	१७।०९	८।०२।२६।३०	६९।२०
ए.व्र.	११	गु	३१	४७	२०	०३	अश्वि	१९	२६	१५	०७	प	३/५४	३३/१७	८/२२	४५/०३	व	५	२९	९	३२	३६	२०	३५	२९	९	२०	मेषे		८।०३।२७।५१	६९।२१
प्र.व्र.	१२	शु	२३	४६	१६	५१	भर	१३	२३	१२	४२	सि	४४	२५	२५	०७	बा	२३	४६	१६	५१	३६	२१	३५	३०	१०	२१	वृषे	१८।०३	८।०४।२९।११	६९।२१
ध्वजा	१३	श	१५	१६	१३	२७	कृति	६	४७	१०	०४	सा	३४	१७	२१	०४	तै	१५	१६	१३	२७	३६	२१	३६	१	११	२२	वृषे		८।०५।३०।३२	६९।२२
पूर्णिमा	१४	र	६	४१	१०	०२	रोहि	०/५३	०२/३८	७/२८	२२/४९	शु	२४	१५	१७	०४	व	६	४१	१०	०२	३६	२२	३६	२	१२	२३	मिथु.	१८।०४	८।०६।३१।५४	६९।२२
क्षयः	१५	र	५८	३१	३०	४६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह वारादि का समय स्टै.टा.में है।

[D मूले बुधः २४।१४

चंद्रदर्शनम् (मु.३०)

रंभास्थेयं, जिल्हेज १२

भ. १६।१८ उ. २८।४१ या.

नागपंचमी

पंचक प्रारम्भः ७।३७, स्कंदषष्ठी

भ. २८।२२ उ., धनुषि मूले रविः १३।०७ (सौरः २१।५८), धनुषि D

भ. १५।४९ या., विशा. शुक्रः १७।५५

कल्पादि [B उत्तरायण प्रारम्भ ११।३९

पंचक समाप्तिः १७।०९ [C वक्री शनिः १०।०४

भ. ९।३२ उ. २०।०३ या., मोक्षदा ११ व्र., गीता जयंती, C

प्रदोषः, अनंग त्रयोदशी व्र., मूले-३ गुरुः १८।३३

पिशाच मोचन श्राद्धं, भा. पोषारंभः, सायन मकरे भानुः, सायन B

भ. १०।०२ उ. २०।२२ या., श्री दत्त जयंती, पूर्णिमा व्रतंपुण्यञ्च, A

[A द्वात्रिंशी (बत्तीसी) पूर्णिमा, अयन करिदिन

अयनांशाः २३।५७।१३

|| दैनिक लग्न प्रवेश सारणी || स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ||

संक्रांति फलम्

अयनांशाः २३।५७।१४

पं.३६ मा.शु. ७ र. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
७	२	७	८	६	४	१०	४
२९	१२	२८	०५	१८	१४	०७	०७
४५	११	५३	२४	१६	४७	१२	१२
१३	४८	१९	५१	५४	००	०४	०४
६१	२२	९४	१३	७१	०	३	३
०३	४४	३०	४३	२७	२१	११	११
ज्ये	आ	ज्ये	मू	स्वा	पूषा	श	म
४	२व	४	२	४	१	१	३



ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	दिसं	दिवा	दिवा	सायं	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा
०७।२३।२२।१८	१ चं	१०	२।२५	४।०१	५।५७	८।१२	१०।३२	१२।४९	३।०५	५।२४	७।४३	९।४७	११।३१	१२।५९
०७।२४।२३।३२	२ मं	११	२।२९	३।५७	५।५४	८।०८	१०।२८	१२।४५	३।०१	५।२०	७।३९	९।४३	११।२७	१२।५५
०७।२५।२४।४७	३ बु	१२	२।१७	३।५३	५।५०	८।०४	१०।२४	१२।४१	२।५७	५।१६	७।३५	९।३९	११।२३	१२।५१
०७।२६।२६।०३	४ गु	१३	२।१३	३।५०	५।४६	८।००	१०।२०	१२।३७	२।५३	५।१२	७।३१	९।३५	११।१९	१२।४७
०७।२७।२७।१९	५ शु	१४	२।०९	३।४६	५।४२	७।५६	१०।१६	१२।३३	२।४९	५।०८	७।२७	९।३२	११।१५	१२।४३
०७।२८।२८।३६	६ श	१५	२।०६	३।४२	५।३८	७।५२	१०।१३	१२।२९	२।४५	५।०४	७।२३	९।२८	११।११	१२।४०
०७।२९।२९।५४	७ र	१६	२।०२	३।३८	५।३४	७।४९	१०।०९	१२।२५	२।४१	५।००	७।१९	९।२४	११।०७	१२।३६
०८।००।३१।१३	८ चं	१७	१।५८	३।३४	५।३०	७।४५	१०।०५	१२।२२	२।३७	४।५६	७।१५	९।२०	११।०३	१२।३२
०८।०१।३२।३२	९ मं	१८	१।५४	३।३०	५।२६	७।४१	१०।०१	१२।१८	२।३३	४।५२	७।११	९।१६	१०।५९	१२।२८
०८।०२।३३।५२	१० बु	१९	१।५०	३।२६	५।२२	७।३७	९।५७	१२।१४	२।२९	४।४९	७।०७	९।१२	१०।५५	१२।२४
०८।०३।३५।१२	११ गु	२०	१।४६	३।२२	५।१८	७।३३	९।५३	१२।१०	२।२५	४।४५	७।०३	९।०८	१०।५१	१२।२०
०८।०४।३६।३३	१२ शु	२१	१।४२	३।१८	५।१४	७।२९	९।४९	१२।०६	२।२२	४।४१	६।५९	९।०४	१०।४७	१२।१६
०८।०५।३७।५४	१३ श	२२	१।३८	३।१४	५।१०	७।२५	९।४५	१२।०२	२।१८	४।३७	६।५५	९।००	१०।४३	१२।१२
०८।०६।३९।१६	१४ र	२३	१।३४	३।१०	५।०६	७।२१	९।४१	११।५८	२।१४	४।३३	६।५१	८।५६	१०।३९	१२।०८

ता. १६ दिसंबर २००७
मार्ग. शु. ७ रवौ धनुर्धर्कः प्र. (स्टै.)
टा. १३।०७ वारात् ३ नक्षत्रात् ३
वारनाम घोरा शूद्रान् सुस्त्दा
नक्षत्रनाम महोदरी चोरान् सुस्त्दा
मध्यान्ह २ प्रहर व्यापिनी द्विजान्
हन्ति, पश्चिमे गमनं वायव्यां दृष्टिः
गरकरणे प्रविष्टा मध्यमफलं
हस्तीवाहनं स्वरोपवाहनं लक्ष्मीकारक
रक्तवस्त्रं धनुष्यायुधं लोहपात्रं
दुग्धभक्षणं गोरोचनलेपनं पशुजातिः
विल्वपुष्पं मुकुटभूषणं श्वेतकंचुकी
प्रौढावस्था (बैठी) मु. १५ धान्यभावे
महर्घता वत्स दक्षिणे राहु पूर्वे मूले
भूमौ विवाहस्तंभो वायव्याम् शुक्रोदयः
पूर्वस्याम्। पुण्यकालः (स्टै.) १३।०७
से १९।३१ तक। (दान- वस्त्र)।

पं.३७ मा.शु.१४ र. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
८	२	८	८	६	४	१०	४
०६	०९	०९	०७	२६	१४	०६	०६
५२	२८	५८	०१	३९	४७	४९	४९
५८	१४	५५	०६	२५	०५	४८	४८
६१	२३	९५	१३	७२	०	३	३
०७	४४	५६	४६	०९	२६	११	११
मू	आ	मू	मू	वि	पूषा	श	म
३	१व	३	३	२	१व	१	३



CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri. Funding by MoE-IKS

॥ श्रीवल्लभ मनीराम पञ्चाङ्गम् ॥

२४ दिसंबर से ८ जनवरी तक, श्री पोष कृष्णपक्ष संवत् २०६४, शाकः १९२९, दि.मा.सू. सू. तारीस्प स्टै. प्रातः दैनिक शिशिरर्तू रविरुत्तरे मार्गशीर्षकृष्णेति गुर्जराः, दिसंबर-जनवरी २००७-२००८

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
काल	९	सो	५१	११	२७	५१	आर्द्रा	४८	००	२६	३४	शु	१४	३८	१३	१३	बा	२४	४३	१७	१५	२५/३६	७/२२	५/३७	३	१३	२४	मिथु.	८।०७।३३।१६	६१।२२
सुस्थिर	२	मं	४५	०४	२५	२४	पुन	४३	३५	२४	४९	ब्र	५/५८	४९/०६	९/३०	४२/३७	तै	१७	५६	१४	३३	३६	२३	३७	४	१४	२५	कर्के	८।०८।३४।३९	६१।२३
मातङ्ग	३	बु	४०	३५	२३	३७	पुष्य	४०	४५	२३	४१	वै	५१	४४	२८	०५	व	१२	३५	१२	२५	३७	२३	३८	५	१५	२६	कर्के	८।०९।३६।०१	६१।२३
घ.व्र.	४	गु	३७	५८	२२	३५	श्ले	३९	४५	२३	१८	वि	४६	५२	२६	०८	ब	९	०१	११	००	३७	२३	३८	६	१६	२७	सिंहे २३।१८	८।१०।३७।२४	६१।२३
काण	५	शु	३७	२६	२२	२२	मघा	४०	४६	२३	४२	प्री	४३	३८	२४	५१	कौ	७	२५	१०	२२	३८	२४	३९	७	१७	२८	सिंहे	८।११।३८।४७	६१।२३
लुम्बक	६	श	३८	५७	२२	५९	पूफा	४३	४७	२४	५५	आ	४१	५८	२४	११	ग	७	५५	१०	३४	३८	२४	४०	८	१८	२९	कन्या ३१।२०	८।१२।४०।११	६१।२४
मित्र	७	र	४२	२४	२४	२२	उफा	४८	३६	२६	५१	सौ	४१	४५	२४	०७	वि	१०	२६	११	३५	३९	२५	४०	९	१९	३०	कन्या	८।१३।४१।३४	६१।२४
वज्र	८	सो	४७	२५	२६	२३	हस्त	५४	५४	२९	२२	शो	४२	४४	२४	३०	बा	१४	४५	१३	१९	४०	२५	४१	१०	२०	३१	कन्या	८।१४।४२।५८	६१।२४
ध्वाङ्क्ष	९	मं	५३	३२	२८	५०	चित्रा	...	...	..	..	अ	४४	३१	२५	१४	तै	२०	२२	१५	३४	४१	२५	४२	११	२१	१	तुला. १८।४७	८।१५।४४।२२	६१।२४
काल	१०	बु	...	...	..	..	चित्रा	२	०८	८	१६	सु	४६	४४	२६	०७	व	२६	४८	१८	०८	४२	२५	४२	१२	२२	२	तुला.	८।१६।४५।४६	६१।२४
सुस्थिर	१०	गु	०	०६	७	२८	स्वा	९	४४	११	१९	धृ	४८	५७	२७	००	वि	०	०६	७	२८	४३	२६	४३	१३	२३	३	तुला.	८।१७।४७।०९	६१।२४
ए.व्र.	११	शु	६	३२	१०	०३	विशा	१७	१०	१४	१८	शू	५०	४७	२७	४५	बा	६	३२	१०	०३	४४	२६	४४	१४	२४	४	वृश्चि. ७।३४	८।१८।४८।३३	६१।२४
प्र.व्र.	१२	श	१२	२४	१२	२४	अनु	२३	५८	१७	०१	गं	५२	०२	२८	१५	तै	१२	२४	१२	२४	४६	२६	४४	१५	२५	५	वृश्चि.	८।१९।४९।५७	६१।२३
काण	१३	र	१७	२१	१४	२३	ज्ये	२९	५४	१९	२४	वृ	५२	३१	२८	२७	व	१७	२१	१४	२३	४७	२६	४५	१६	२६	६	धनु. १९।२४	८।२०।५१।२०	६१।२३
लुम्बक	१४	सो	२१	१७	१५	५७	मूल	३४	४९	२१	२२	ध्रु	५२	१३	२८	१९	श	२१	१७	१५	५७	४९	२६	४६	१७	२७	७	धनु.	८।२१।५२।४३	६१।२३
अमाव.	३०	मं	२४	०८	१७	०६	पूषा	३८	४५	२२	५६	व्या	५१	०८	२७	५४	ना	२४	०८	१७	०६	५०	२७	४७	१८	२८	८	मक. २९।१६	८।२२।५४।०६	६१।२३

गुरोरुदयः पूर्वस्याम्

[A मघा.-२ केतुः ९।२१

बडादिन, पूषा. बुधः ९।३५, वृश्चिके शुक्रः २६।०१

भ. १२।२५ उ. २३।३७ या., धनि.-४ राहुः ९।२१, A

चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः २१।१७

अनु. शुक्रः २०।१६

भ. २२।५९ उ., पूषा. रविः १५।१८ (सौरः २२।५८)

भ. ११।३५ या., (व) मृगे भौमः १२।५०

[C मकरे बुधः १६।०३

जनवरी १ ता. ३१ सन २००८ ई.

भ. १८।०८ उ., उषा: बुधः १५।०१

भ. ७।२८ या.

सफला ११ व्र., सुरुप द्वादशी १२, C

प्रदोषः, गुरोरुदयः पूर्वस्याम् १९।५५, B

भ. १४।२३ उ. २७।१३ या., मासिकशिवरात्री व्र.

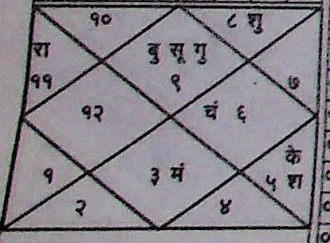
बुधोदयः पश्चिमायाम् १३।४२ [B मूले-४ गुरुः ८।०९

देवपितृकार्येऽमा., कुहूः, ज्येष्ठा. शुक्रः १९।३५

अयनांशाः २३।५७।१५

पं.३८ पौ.कृ. ७ र. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
८	२	८	८	७	४	१०	४
१४	०६	२१	०८	०५	१४	०६	०६
०१	४५	१५	३७	०६	४९	२७	२७
०२	०३	५४	२६	१९	४२	३३	३३
६१	२२	९७	१३	७२	१	३	३
०९	१८	३३	४४	४२	१२	११	११
पूषा	आ	पूषा	मू	अनु	पूफा	घ	म
१	१व	३	३	१	१व	४	२



॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	दिसं	दिवा	दिवा	सायं	रात्री	रात्री	रात्री	रात्री	रात्री	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा
८।०७।४०।३८	१ चं	२४	१।३०	३।०६	५।०२	७।१७	९।३७	११।५४	२।१०	४।२९	६।४७	८।५२	१०।३५	१२।०४
८।०८।४२।०१	२ मं	२५	१।२६	३।०२	४।५८	७।१३	९।३३	११।५०	२।०६	४।२५	६।४३	८।४८	१०।३२	१२।००
८।०९।४३।२४	३ बु	२६	१।२२	२।५८	४।५४	७।०९	९।२९	११।४६	२।०२	४।२१	६।४०	८।४४	१०।२८	११।५६
८।१०।४४।४७	४ गु	२७	१।१८	२।५४	४।५०	७।०५	९।२५	११।४२	१।५८	४।१७	६।३६	८।४०	१०।२४	११।५२
८।११।४६।१०	५ शु	२८	१।१४	२।५०	४।४६	७।०१	९।२१	११।३८	१।५४	४।१३	६।३२	८।३६	१०।२०	११।४८
८।१२।४७।३४	६ श	२९	१।१०	२।४६	४।४३	६।५७	९।१७	११।३४	१।५०	४।०९	६।२८	८।३२	१०।१६	११।४४
८।१३।४८।५७	७ र	३०	१।०६	२।४२	४।३९	६।५३	९।१३	११।३०	१।४६	४।०५	६।२४	८।२८	१०।१२	११।४०
८।१४।५०।२१	८ चं	३१	१।०२	२।३९	४।३५	६।४९	९।०९	११।२६	१।४२	४।०१	६।२०	८।२४	१०।०८	११।३६
८।१५।५१।४५	९ मं	१	१२।५९	२।३५	४।३१	६।४५	९।०५	११।२२	१।३८	३।५७	६।१६	८।२१	१०।०४	११।३३
८।१६।५३।०९	१० बु	२	१२।५५	२।३१	४।२७	६।४१	९।०२	११।१८	१।३४	३।५३	६।१२	८।१७	१०।००	११।२९
८।१७।५४।३३	११ गु	३	१२।५१	२।२७	४।२३	६।३८	८।५८	११।१४	१।३०	३।४९	६।०८	८।१३	९।५६	११।२५
८।१८।५५।५६	११ शु	४	१२।४७	२।२३	४।१९	६।३४	८।५४	११।११	१।२६	३।४५	६।०४	८।०९	९।५२	११।२१
८।१९।५७।२०	१२ श	५	१२।४३	२।१९	४।१५	६।३०	८।५०	११।०७	१।२२	३।४२	६।००	८।०५	९।४८	११।१७
८।२०।५८।४४	१३ र	६	१२।३९	२।१५	४।११	६।२६	८।४६	११।०३	१।१८	३।३८	५।५६	८।०१	९।४४	११।१३
८।२२।००।०७	१४ चं	७	१२।३५	२।११	४।०७	६।२२	८।४२	१०।५९	१।१५	३।३४	५।५२	७।५७	९।४०	११।०९
८।२३।०१।३०	३० मं	८	१२।३१	२।०७	४।०३	६।१८	८।३८	१०।५५	१।११	३।३०	५।४८	७।५३	९।३६	११।०५

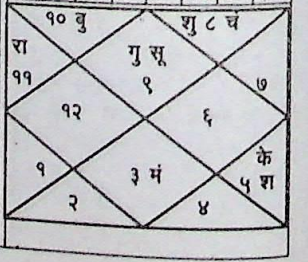
मास फलम्

इस माह में पांच सोमवार होने से धान्य सस्ता हो। पांच मंगलवार होने से किसी बड़े व्यक्ति का अभाव हो। अमावस्या को पूर्वाषाढा और मंगलवार योग होने से अनावृष्टि हो। शुक्ला ४ शनिवार होने से बीमारी बढे। पूर्णिमा पुनर्वसु युक्त होने से महर्घता हो। दक्षिण की पवन चले, धान्यादि सभी वस्तुओं के भाव मंदे हो, रस घृत किराणें की वस्तुएं तेज हों, लोक, महाजन प्रसन्न हों, प्रजा में सद्भाव अधिक हो। पूर्वाषाढा में बुध होने से धान्य मन्दा हो और ग्रीष्म में व्याधि तथा वर्षा हो, पूर्वाषाढा में बुध होने से क्षुधा, शस्त्र, चोर और रोगों की वृद्धि हो।

अयनांशाः २३।५७।१६

पं.३९ पौ.कृ.१३ र. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
८	२	९	८	७	४	१०	४
२१	०४	०२	१०	१३	१४	०६	०६
०९	१८	४०	१३	३६	३१	०५	०५
१४	२४	२७	१७	३८	२५	१६	१६
६१	१८	९७	१३	७३	१	३	३
१०	४८	३२	३९	०८	५७	११	११
पूषा	मृ	उषा	मू	अनु	पूफा	घ	म
३	४व	२	४	४	१व	४	२



CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

९ जनवरी से २२ जनवरी तक, श्री पोष शुक्लपक्ष संवत् २०६४, शाकः १९२९, दि.मा.सू. सू. तारीख स्टै. प्रातः दैनिक केतकी अहर्गणः ५७५७ शिशिरर्तू रविरुत्तरे, जनवरी २००८

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	व.प.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
वज्र	१	बु	२५	५९	१७	५०	उषा	४१	४२	२४	०७	ह	४९	१६	२७	०९	ब	२५	५९	१७	५०	२५/५३	७/२७	५/४७	१९	२९	९	मक.	८।२३।५५।२९	६९।२२
ध्वजा	२	गु	२६	५१	१८	११	श्रव	४३	४३	२४	५६	व	४६	४१	२६	०७	कौ	२६	५१	१८	११	५४	२७	४८	२०	३०	१०	मक.	८।२४।५६।५१	६९।२२
धाता	३	शु	२६	४५	१८	०९	धनि	४४	५०	२५	२३	सि	४३	२२	२४	४८	ग	२६	४५	१८	०९	५५	२७	४९	२१	१	११	कुंभे १३।१२	८।२५।५८।१४	६९।२२
आनन्द	४	श	२५	४५	१७	४५	शत	४५	०२	२५	२७	व्य	३९	२०	२३	११	वि	२५	४५	१७	४५	५७	२७	५०	२२	२	१२	कुंभे	८।२६।५९।३६	६९।२१
चर	५	र	२३	४७	१६	५७	पूभा	४४	१८	२५	१०	व	३४	३३	२१	१६	बा	२३	४७	१६	५७	५९	२७	५०	२३	३	१३	मीने १९।१६	८।२८।००।५७	६९।२१
गद	६	सो	२०	५१	१५	४७	उभा	४२	३८	२४	३०	प	२९	०१	१९	०३	तै	२०	५१	१५	४७	२६/०२	२७	५१	२४	४	१४	मीने	८।२९।०२।१८	६९।२०
शुभ	७	मं	१६	५८	१४	१४	रेव	४०	०३	२३	२८	शि	२२	४३	१६	३२	व	१६	५८	१४	१४	०४	२७	५२	२५	५	१५	मेषे २३।२८	९।००।०३।३८	६९।२०
मृत्यु	८	बु	१२	१०	१२	१९	अश्वि	३६	३६	२२	०५	सि	१५	४४	१३	४४	ब	१२	१०	१२	१९	०६	२६	५३	२६	६	१६	मेषे	९।०१।०४।५८	६९।१९
पद्म	९	गु	६	३६	१०	०५	भर	३२	२७	२०	२५	सा	५९/५७	०५/३१	१०/२५	४५/२५	कौ	६	३६	१०	०५	०८	२६	५४	२७	७	१७	वृषे २५।५८	९।०२।०६।१७	६९।१९
ए.व्र.	१०	शु	०	२२	७	३५	कृति	२७	४५	१८	३२	शु	५१	२९	२८	०२	ग	०	२२	७	३५	११	२६	५५	२८	८	१८	वृषे	९।०३।०७।३६	६९।१८
क्षयः	११	शु	५३	४५	२८	५६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
ए.व्र.	१२	श	४७	००	२६	१४	रोहि	२२	४८	१६	३३	ब्र	४२	५४	२४	३६	ब	२०	२२	१५	३५	१३	२६	५५	२९	९	१९	मिथु. २७।३३	९।०४।०८।५४	६९।१७
प्र.व्र.	१३	र	४०	२५	२३	३६	मृग	१७	५३	१४	३५	ऐ	३४	२७	२१	१३	कौ	१३	४०	१२	५४	१६	२६	५६	३०	१०	२०	मिथु.	९।०५।१०।११	६९।१७
काल	१४	सो	३४	२३	२१	११	आर्द्रा	१३	२०	१२	४६	वै	२६	२४	१७	५९	ग	७	१९	१०	२१	१८	२६	५७	१	११	२१	कर्के २९।३५	९।०६।११।२८	६९।१६
पूर्णिमा	१५	मं	२९	११	१९	०६	पुन	९	३१	११	१४	वि	१८	५९	१५	०१	वि	९	३९	८	०५	२१	२५	५८	२	१२	२२	कर्के	९।०७।१२।४४	६९।१५

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।

चंद्रदर्शनम् (मु.३०), श्रव. बुधः २०।२५

म. ३०।०० उ., पंचक प्रारम्भः १३।१२, मोहोर्रम १ सन १४२९ B

म. १७।४५ या.

[B हि., उषा. रविः १७।१५ (सौरः २३।४७)

मकरे रविः २३।४६ (सौरः ३०।०१), निरयन उत्तरायनारंभः

म. १४।१४ उ. २५।१९ या., पंचक समाप्तिः २३।२८

शांकभरी यात्रा, महाभद्रा, सक्रान्ति करिदिन

[C धनुषि मूले शुक्रः १६।५६

म. १८।१७ उ. २८।५६ या., पुत्रदा ११ व्र.स्मार्त, मन्वादि

[A माघ स्नानारंभः

पुत्रदा ११ व्र.वैष्ण., धनि. बुधः २२।०६, पूषा.-१ गुरुः २७।३०, C

प्रदोषः, सायन कुंभे भानुः २२।१४

म. २१।११ उ., भा. माघारंभः, अभि.प्र.रविः१२।५३ (सौरः १८।३६)

म. ८।०५ या., पूर्णिमा व्रतंपुण्यञ्च, शाकंभरी जयंती, A

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

संक्रांति फलम्

ता. १४ जनवरी २००८
पौष शु. ६ चंद्रे मकरेऽर्कः प्र. (स्टै.)
टा. २३।४६ वारात् २ नक्षत्रात् ३
वारनाम ध्वांक्षी वैश्यान् सुखदा
नक्षत्रनाम नंदा गणकान् सुखदा
मध्यरात्रि २ प्रहर व्यापिनी राक्षसान्
हन्ति, उत्तरे गमनं, ऐशान्यां दृष्टिः
गरकरणे प्रविष्टा मध्यमफलं हस्तीवाहनं
स्वरोपवाहनं लक्ष्मीकारक रक्तवस्त्रं
धनुष्यायुधं लोहपात्रं दुग्धभक्षणं
गोरोचनलेपनं पशुजातिः विल्वपुष्पं
मुकुटभूषणं श्वेतकंचुकी प्रौढावस्था
(बैठी) मु. ४५ धान्यभावे समर्घ वत्स
दक्षिणे राहु पूर्वे मूले स्वर्गे विवाहस्तंभो
वायव्याम् शुक्रोदयः पूर्वस्याम् ।
पुण्यकालः (स्टै.) २३।४६ से मंगल
१५।४६ तक । (दान- काष्ट - अन्न) ।

अयनांशाः २३।५७।१८

पं.४० पौ.शु. ५ र. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
८	२	९	८	७	४	१०	४
२८	०२	१३	११	२२	१४	०५	०५
१७	२१	५२	४८	०९	१५	४३	४३
१८	०१	०९	२४	३५	४०	०१	०१
६१	१३	९२	१३	७३	२	३	३
०८	५३	१४	२९	२७	३९	११	११
उषा	मृ	श्र	मू	ज्ये	पूफा	घ	म
१	३व	२	४	२	१व	४	२



ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	जन.	दिवा	दिवा	दिवा	सायं	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः	दिवा	दिवा
०८।२४।०२।५३	१ बु	९	१२।२७	२।०३	३।५९	६।१४	८।३४	१०।५१	११।०७	३।२६	५।४४	७।४९	९।३२	११।०९
०८।२५।०४।१५	२ गु	१०	१२।२३	१।५९	३।५५	६।१०	८।३०	१०।४७	११।०३	३।२२	५।४०	७।४५	९।२८	१०।५७
०८।२६।०५।३८	३ शु	११	१२।१९	१।५५	३।५१	६।०६	८।२६	१०।४३	१२।५९	३।१८	५।३६	७।४१	९।२४	१०।५३
०८।२७।०६।५९	४ श	१२	१२।१५	१।५१	३।४७	६।०२	८।२२	१०।३९	१२।५५	३।१४	५।३३	७।३७	९।२१	१०।४९
०८।२८।०८।२१	५ र	१३	१२।११	१।४७	३।४३	५।५८	८।१८	१०।३५	१२।५१	३।१०	५।२९	७।३३	९।१७	१०।४५
०८।२९।०९।४२	६ चं	१४	१२।०७	१।४३	३।३९	५।५४	८।१४	१०।३१	१२।४७	३।०६	५।२५	७।२९	९।१३	१०।४१
०९।००।११।०२	७ मं	१५	१२।०३	१।३९	३।३५	५।५०	८।१०	१०।२७	१२।४३	३।०२	५।२१	७।२५	९।०९	१०।३७
०९।०१।१२।२२	८ बु	१६	११।५९	१।३५	३।३२	५।४६	८।०६	१०।२३	१२।३९	२।५८	५।१७	७।२१	९।०५	१०।३३
०९।०२।१३।४१	९ गु	१७	११।५५	१।३२	३।२८	५।४२	८।०२	१०।१९	१२।३५	२।५४	५।१३	७।१७	९।०१	१०।२९
०९।०३।१५।०० ०९।०४।१६।१८	१० शु ११ श	१८ १९	११।५१ ११।४८	१।२८ १।२४	३।२४ ३।२०	५।३८ ५।३४	७।५८ ७।५५	१०।१५ १०।११	१२।३१ १२।२७	२।५० २।४६	५।०९ ५।०५	७।१४ ७।१०	८।५७ ८।५३	१०।२५ १०।२२
०९।०५।१७।३५	१२ र	२०	११।४४	१।२०	३।१६	५।३०	७।५१	१०।०७	१२।२३	२।४२	५।०१	७।०६	८।४९	१०।१८
०९।०६।१८।५२	१३ चं	२१	११।४०	१।१६	३।१२	५।२७	७।४७	१०।०४	१२।१९	२।३८	४।५७	७।०२	८।४५	१०।१४
०९।०७।२०।०८	१४ मं	२२	११।३६	१।१२	३।०८	५।२३	७।४३	१०।००	१२।१५	२।३४	४।५३	६।५८	८।४१	१०।१०

पं.४१ पौ.शु.१३ र. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
९	२	९	८	८	४	१०	४
०५	०१	२३	१३	००	१३	०५	०५
२५	००	४९	२२	४४	५५	२०	२०
०२	२८	३७	११	३०	१४	४६	४६
६१	८	७१	१३	७३	३	३	३
०४	१७	३१	१६	४२	१६	११	११
उषा	मृ	घ	पूषा	मु	पूफा	घ	म
३	३व	१	१	१	१व	४	२



CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

॥ श्रीवल्लभ मनीराम पञ्चाङ्गम् ॥

२३ जनवरी से ७ फरवरी तक, श्री माघ कृष्णपक्ष संवत् २०६४, शाकः १९२९, दि.मा.सू. सू. तारीख्स स्टै. प्रातः दैनिक शिशिरर्तू रविरुत्तरे पोषकृष्णेति गुर्जराः, जनवरी-फरवरी २००८

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
मातङ्ग	१	बु	२५	०८	१७	२८	पुष्य	६	४४	१०	०६	प्री	१२	२७	१२	२४	कौ	२५	०८	१७	२८	२६/२४	७/२५	५/५९	३	१३	२३	कर्के	९।०८।१३।५९	६१।१४
अमृत	२	गु	२२	३९	१६	२५	श्ले	५	१६	९	३१	आ	७	००	१०	१३	ग	२२	३१	१६	२५	२७	२५	५९	४	१४	२४	सिंहे	९।३१	९।०९।१५।१३	६१।१३
च.व्र.	३	शु	२१	३३	१६	०२	मघा	५	२१	९	३३	स्रौ	२/५९	५०/५९	८/३१	३२/२४	वि	२१	३३	१६	०२	३०	२४	६/००	५	१५	२५	सिंहे	९।१०।१६।२६	६१।१२
लुम्बक	४	श	२२	२१	१६	२१	पूफा	७	०८	१०	१५	अ	५८	३२	३०	४९	बा	२२	२१	१६	२१	३३	२४	०१	६	१६	२६	कन्या	९।११।१७।३९	६१।१२
मित्र	५	र	२४	५७	१७	२३	उफा	१०	३८	११	३९	सु	५८	२३	३०	४५	तै	२४	५७	१७	२३	३६	२४	०२	७	१७	२७	कन्या	९।१२।१८।५०	६१।१०
वज्र	६	सो	२९	११	१९	०४	हस्त	१५	४६	१३	४२	धृ	५९	२१	३१	०८	व	२९	११	१९	०४	३९	२३	०३	८	१८	२८	तुला. २६।५५	९।१३।२०।०१	६१।०९
ध्याङ्क्ष	७	मं	३४	४३	२१	१६	चित्रा	२२	१२	१६	१६	शू	...	...	...	...	वि	१	५०	८	०७	४२	२३	०४	९	१९	२९	तुला.	९।१४।२१।१०	६१।०८
धूम्र	८	बु	४१	०३	२३	४७	स्वा	२९	३०	१९	१०	शू	१	०९	७	५०	बा	७	५०	१०	३०	४५	२२	०४	१०	२०	३०	तुला.	९।१५।२२।१८	६१।०७
प्रवर्धमा	९	गु	४७	३०	२६	२२	विशा	३७	०२	२२	११	गं	३	२०	८	४२	तै	१४	१९	१३	०५	४८	२२	०५	११	२१	३१	वृश्चि. १५।२६	९।१६।२३।२६	६१।०६
राक्षस	१०	शु	५३	२९	२८	४५	अनु	४४	१२	२५	०२	वृ	५	२८	९	३३	व	२०	३६	१५	३६	५१	२१	०६	१२	२२	१	वृश्चि.	९।१७।२४।३२	६१।०५
ए.व्र.	११	श	५८	२८	३०	४४	ज्ये	५०	२९	२७	३३	धृ	७	०७	१०	१२	ब	२६	०८	१७	४८	५५	२१	०७	१३	२३	२	धनुः २७।३३	९।१८।२५।३७	६१।०४
सिद्धि	१२	र	...	...	...	...	मूल	५५	३४	२९	३४	व्या	७	५९	१०	३२	कौ	३०	२९	१९	३२	५८	२०	०८	१४	२४	३	धनु.	९।१९।२६।४१	६१।०३
प्र.व्र.	१२	सो	२	०९	८	११	पूषा	५९	१७	३१	०३	ह	७	५०	१०	२८	तै	२	०९	८	११	२९/०१	२०	०८	१५	२५	४	धनु.	९।२०।२७।४३	६१।०१
मानस	१३	मं	४	२५	९	०५	उषा	...	...	...	...	व	६	३७	९	५८	व	४	२५	९	०५	०५	१९	०९	१६	२६	५	मक. १३।२०	९।२१।२८।४५	६१।००
मुद्गर	१४	बु	५	१४	९	२४	उषा	१	४०	७	५९	सि	४	२०	९	०२	श	५	१४	९	२४	०८	१९	१०	१७	२७	६	मक.	९।२२।२९।४५	६०।५९
अमाव.	३०	गु	४	४६	९	१२	श्रव	२	४४	८	२४	व्य	५/६	०१/४४	७/३०	४२/००	ना	४	४६	९	१२	१२	१८	११	१८	२८	७	कुंभे २०।२६	९।२३।३०।४४	६०।५७

[F फरवरी २ ता. २९, बुधास्तः पश्चि. २१।१६ [B १७।१५, वक्री बुधः १४।२८, (व) मघा.-४ शनिः २५।२८ पंचकप्रारम्भः २०।२६, देवकार्येऽमा. [C रविः १६।२९ (सौरः २१।५२)

अयनांशाः २३।५७।२०

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	जन.	दिवा	दिवा	दिवा	सायँ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः	दिवा	दिवा
०९।०८।२९।२३	१ बु	२३	११।३२	१।०८	३।०४	५।१९	७।३९	९।५६	१२।११	२।३१	४।४९	६।५४	८।३७	१०।०६
०९।०९।२२।३७	२ गु	२४	११।२८	१।०४	३।००	५।१५	७।३५	९।५२	१२।०७	२।२७	४।४५	६।५०	८।३३	१०।०२
०९।१०।२३।५०	३ शु	२५	११।२४	१।००	२।५६	५।११	७।३१	९।४८	१२।०४	२।२३	४।४१	६।४६	८।२९	९।५८
०९।११।२५।०३	४ श	२६	११।२०	१२।५६	२।५२	५।०७	७।२७	९।४४	१२।००	२।१९	४।३७	६।४२	८।२५	९।५४
०९।१२।२६।१४	५ र	२७	११।१६	१२।५२	२।४८	५।०३	७।२३	९।४०	११।५६	२।१५	४।३३	६।३८	८।२१	९।५०
०९।१३।२७।२५	६ चं	२८	११।१२	१२।४८	२।४४	४।५९	७।१९	९।३६	११।५२	२।११	४।२९	६।३४	८।१७	९।४६
०९।१४।२८।३४	७ मं	२९	११।०८	१२।४४	२।४०	४।५५	७।१५	९।३२	११।४८	२।०७	४।२६	६।३०	८।१४	९।४२
०९।१५।२९।४३	८ बु	३०	११।०४	१२।४०	२।३६	४।५१	७।११	९।२८	११।४४	२।०३	४।२२	६।२६	८।१०	९।३८
०९।१६।३०।५०	९ गु	३१	११।००	१२।३६	२।३२	४।४७	७।०७	९।२४	११।४०	१।५९	४।१८	६।२२	८।०६	९।३४
०९।१७।३१।५६	१० शु	१	१०।५६	१२।३२	२।२८	४।४३	७।०३	९।२०	११।३६	१।५५	४।१४	६।१८	८।०२	९।३०
०९।१८।३३।०९	११ श	२	१०।५२	१२।२८	२।२५	४।३९	६।५९	९।१६	११।३२	१।५१	४।१०	६।१४	७।५८	९।२६
०९।१९।३४।०५	१२ र	३	१०।४८	१२।२५	२।२१	४।३५	६।५५	९।१२	११।२८	१।४७	४।०६	६।१०	७।५४	९।२२
०९।२०।३५।०७	१२ चं	४	१०।४४	१२।२१	२।१७	४।३१	६।५१	९।०८	११।२४	१।४३	४।०२	६।०७	७।५०	९।१८
०९।२१।३६।०८	१३ मं	५	१०।४१	१२।१७	२।१३	४।२७	६।४८	९।०४	११।२०	१।३९	३।५८	६।०३	७।४६	९।१५
०९।२२।३७।०८	१४ बु	६	१०।३७	१२।१३	२।०९	४।२३	६।४४	९।००	११।१६	१।३५	३।५४	५।५९	७।४२	९।११
०९।२३।३८।०७	३० गु	७	१०।३३	१२।०९	२।०५	४।२०	६।४०	८।५७	११।१२	१।३१	३।५०	५।५५	७।३८	९।०७

मास फलम्

इस माह में पांच बुधवार होने से रसवाली वस्तुओं का अभाव हो यथा-बुधेरसक्षयोभूम्याम्॥ पांच गुरुवार होने से धान्य सस्ता हो । मास के प्रथम दिन में बुधवार होने से अन्न की महँगाई हो । कृष्णा प्रतिपदा को बुधवार होने से महर्घता हो और अनावृष्टि हो । कृ. चौथ शनिवारी होने से दुर्भिक्ष, चौराग्निभय और धान्यनाश हो । गुरुवारी अमावस होने से वृष्टि तथा सुभिक्ष हो कल्याण हो, श्रवण युक्त नेष्ट है । रस कस घृत महँगे हों, वस्त्रादि और रुई भाव मंदे हों, प्रजा में भय हो, वर्षा कम हो । शुक्ला पडवा को शुक्रवार होने से सुभिक्ष हो । शुक्ला तृतीया का क्षय होने से मूंग घी महंगे हों । शुक्ला सप्तमी को भरणी होने से धान्योत्पत्ति उत्तम हो । पूर्णिमा मघा युक्त होने से समर्घता हो ।

अयनांशाः २३।५७।२१

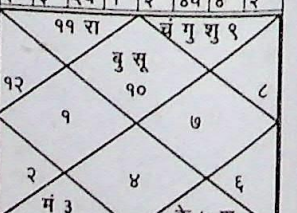
पं.४२ मा.कृ. ५ र. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
९	२	९	८	८	४	१०	४
१२	००	२९	१४	०९	१३	०४	०४
३२	१९	४५	५४	२०	३०	५८	५८
१४	३०	०९	११	५१	४०	३१	३१
६०	२	१४	१२	७३	३	३	३
५९	३९	४८	५८	५३	४९	११	११
श्र	मृ	घ	पूषा	मू	पूफा	घ	म
१	३व	२	९	३	१व	४	२



पं.४३ मा.कृ.१२ र. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
९	२	९	८	८	४	१०	४
१९	००	२७	१६	१७	१३	०४	०४
३८	१७	२९	२३	५८	०२	३६	३६
४१	१२	३२	५३	१२	३५	१६	१६
६०	२	६०/१२	७४	४	३	३	
५२	४०	०३	३६	००	१५	११	११
श्र	मृ	घ	पूषा	पूफा	म	घ	म
३	३	२व	१	२	४व	४	२



CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

८ फरवरी से २१ फरवरी तक, श्री माघ शुक्लपक्ष संवत् २०६४, शाकः १९२९, दि.मा.सू. सू. तारीख्स स्टै. प्रातः दैनिक केतकी अहर्गणः ५७८७ शिशिरर्तू रविरुत्तरे, फरवरी २००८

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्पं.	गति
धाता	१	शु	३	०६	८	३२	धनि	२	४०	८	२१	प	५१	४१	२७	५८	ब	३	०६	८	३२	२७ ९६	७ १७	६ १२	१९	२९	८	कुंभे	९।२४।३१।४१	६०।५६
आनन्द	२	श	०	२६	७	२७	शत	१ ५९	३६ ४०	७ ३१	५५ ०५	शि	४५	५६	२५	३९	को	०	२६	७	२७	१९	१७	१२	२०	१	९	मीने २५।२२	९।२५।३२।३७	६०।५४
क्षयः	३	श	५६	५१	३०	०१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
सुस्थिर	४	र	५२	३८	२८	१९	उभा	५७	०६	३०	०६	सि	३९	३८	२३	०७	व	२४	५०	१७	१२	२३	१६	१३	२१	२	१०	मीने	९।२६।३३।३१	६०।५३
वसंत	५	सो	४७	५२	२६	२४	रेव	५४	००	२८	५१	सा	३२	५१	२०	२४	ब	२०	१९	१५	२३	२६	१५	१४	२२	३	११	मेषे २८।५१	९।२७।३४।२४	६०।५२
अमृत	६	मं	४२	४४	२४	२०	अश्वि	५०	३४	२७	२८	शु	२५	४५	१७	३३	कौ	१५	२१	१३	२३	३०	१४	१५	२३	४	१२	मेषे	९।२८।३५।१६	६०।५०
काण	७	बु	३७	२२	२२	१०	भर	४६	५६	२६	००	शु	१८	२६	१४	३६	ग	१०	०४	११	१५	३४	१४	१५	२४	५	१३	मेषे	९।२९।३६।०६	६०।४९
लुम्बक	८	गु	३१	५५	१९	५९	कृति	४३	१४	२४	३१	ब्र	११	०१	११	३७	वि	४	३९	९	०५	३८	१३	१६	२५	६	१४	वृषे ७।३८	१०।००।३६।५५	६०।४७
मित्र	९	शु	२६	३३	१७	४९	रोहि	३९	३९	२३	०४	ऐ	३ ५९	३७ ३९	८ २९	३५ ३४	को	२६	३३	१७	४९	४१	१२	१७	२६	७	१५	वृषे	१०।०१।३७।४२	६०।४५
वज्र	१०	श	२१	२४	१५	४५	मृग	३६	२१	२१	४४	वि	४९	१८	२६	५५	ग	२१	२४	१५	४५	४५	११	१७	२७	८	१६	मिथु. १०।२३	१०।०२।३८।२७	६०।४४
ए.व्र.	११	र	१६	४०	१३	५१	आर्द्रा	३३	२८	२०	३४	प्री	४२	४०	२४	१५	वि	१६	४०	१३	५१	४९	११	१८	२८	९	१७	मिथु.	१०।०३।३९।११	६०।४२
प्र.व्र.	१२	सो	१२	२९	१२	०९	पुन	३१	१०	१९	३८	आ	३६	३२	२१	४७	बा	१२	२९	१२	०९	५३	१०	१९	२९	१०	१८	कर्के १३।५०	१०।०४।३९।५३	६०।४०
प्रवर्धमा	१३	मं	९	००	१०	४५	पुष्य	२९	३८	१९	००	सौ	३१	०३	१९	३४	तै	९	००	१०	४५	५७	०९	२०	३०	११	१९	कर्के	१०।०५।४०।३३	६०।३९
राक्षस	१४	बु	६	२४	९	४२	श्लेषा	२९	०२	१८	४५	शो	२६	१७	१७	३९	व	६	२४	९	४२	२८ ०१	०८	२०	१	१२	२०	सिंहे १८।४५	१०।०६।४१।१२	६०।३७
पूर्णिमा	१५	गु	४	५१	९	०३	मघा	२९	३०	१८	५५	अ	२२	२४	१६	०५	ब	४	५१	९	०३	०५	०७	२१	२	१३	२१	सिंहे	१०।०७।४१।४९	६०।३५

अयनांशाः २३।५७।२२

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

संक्रांति फलम्

अयनांशाः २३।५७।२३

पं.४४ मा.शु. ४ र. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
९	२	९	८	८	४	१०	४
२६	००	१९	१७	२६	१२	०४	०४
४४	५०	२६	५०	३६	३१	१४	१४
१२	३०	४९	४९	१२	४६	०१	०१
६०	७	६३	१२	७४	४	३	३
४४	२६	१०	१०	०५	३५	११	११
घ	मृ	श्र	पूषा	पूषा	म	घ	म
२	३	३व	२	४	४व	४	२

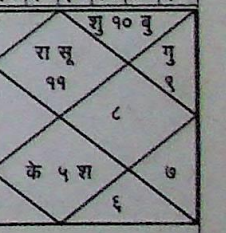


ब्रह्म र. स्प. प्रातः	वार तिथि	ता. फर.	मेष दिवा	वृष दिवा	मिथुन दिवा	कर्क दिवा	सिंह सायँ	कन्या रात्रौ	तुला रात्रौ	वृश्चिक रात्रौ	धनु रात्रौ	मकर रात्रौ	कुंभ प्रातः	मीन दिवा
०९।२४।३९।०४	१ शु	८	१०।२९	१२।०५	२।०१	४।१६	६।३६	८।५३	११।०८	१।२७	३।४६	५।५१	७।३४	९।०३
०९।२५।४०।००	२ श	९	१०।२५	१२।०१	१।५७	४।१२	६।३२	८।४९	११।०४	१।२४	३।४२	५।४७	७।३०	८।५९
०९।२६।४०।५४	४ र	१०	१०।२१	११।५७	१।५३	४।०८	६।२८	८।४५	११।००	१।२०	३।३८	५।४३	७।२६	८।५५
०९।२७।४१।४८	५ चं	११	१०।१७	११।५३	१।४९	४।०४	६।२४	८।४१	१०।५७	१।१६	३।३४	५।३९	७।२२	८।५१
०९।२८।४२।३९	६ मं	१२	१०।१३	११।४९	१।४५	४।००	६।२०	८।३७	१०।५३	१।१२	३।३०	५।३५	७।१८	८।४७
०९।२९।४३।२९	७ बु	१३	१०।०९	११।४५	१।४१	३।५६	६।१६	८।३३	१०।४९	१।०८	३।२६	५।३१	७।१४	८।४३
१०।००।४४।१७	८ गु	१४	१०।०५	११।४१	१।३७	३।५२	६।१२	८।२९	१०।४५	१।०४	३।२२	५।२७	७।१०	८।३९
१०।०१।४५।०४	९ शु	१५	१०।०१	११।३७	१।३३	३।४८	६।०८	८।२५	१०।४१	१।००	३।१९	५।२३	७।०७	८।३५
१०।०२।४५।४९	१० श	१६	९।५७	११।३३	१।२९	३।४४	६।०४	८।२१	१०।३७	९२।५६	३।१५	५।१९	७।०३	८।३१
१०।०३।४६।३३	११ र	१७	९।५३	११।२९	१।२५	३।४०	६।००	८।१७	१०।३३	९२।५२	३।११	५।१५	६।५९	८।२७
१०।०४।४७।१५	१२ चं	१८	९।४९	११।२५	१।२२	३।३६	५।५६	८।१३	१०।२९	९२।४८	३।०७	५।११	६।५५	८।२३
१०।०५।४७।५५	१३ मं	१९	९।४५	११।२१	१।१८	३।३२	५।५२	८।०९	१०।२५	९२।४४	३।०३	५।०७	६।५१	८।१९
१०।०६।४८।३४	१४ बु	२०	९।४१	११।१८	१।१४	३।२८	५।४८	८।०५	१०।२१	९२।४०	२।५९	५।०३	६।४७	८।१५
१०।०७।४९।१०	१५ गु	२१	९।३७	११।१४	१।१०	३।२४	५।४४	८।०१	१०।१७	९२।३६	२।५५	५।००	६।४३	८।११

ता. १३ फरवरी २००८
माघ शु. ७ बुधे कुंभेऽर्कः प्र. (स्टै.)
टा. १२।४० वारात् ३ नक्षत्रात् ४
वारनाम मंदाकिनी नृपतीन् सुस्पदा
नक्षत्रनाम घोरा शूद्रान् सुस्पदा
मध्यान्ह २ प्रहर व्यापिनी द्विजान्
हन्ति, पश्चिमे गमनं वायव्यां दृष्टिः
वणिजकरणे प्रविष्टा मध्यमफलं
महिषवाहनं उष्टोपवाहनं क्लेशकारक
श्यामवस्त्रं तोमरायुधं स्पप्परपात्रं
दधिभक्षणं अलक्तकलेपनं मृगजातिः
अर्कपत्रपुष्पं मणीभूषणं पाण्डुकंचुकी
प्रगल्भावस्था (बैठी) मु. १५ धान्यभावे
महर्घता वत्स पश्चिमा. राहु दक्षिणे
मूलं पाताले विवाहस्तंभो नैऋत्यां
शुक्रोदयः पूर्वस्याम् । पुण्यकालः
मंगलवार (स्टै.) ३०।१६ से बुधवार
१२।४० तक । (दान- गोड़ - अन्न) ।

पं.४५ मा.शु.११ र. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
१०	२	९	८	९	४	१०	४
०३	०१	१४	१९	०५	११	०३	०३
४८	५५	३१	१४	१४	५९	५१	५१
३७	२३	५३	२६	३८	०२	४६	४६
६०	११	११	११	७४	४	३	३
३४	३६	४०	३९	०८	४७	११	११
घ	मृ	श्र	पूषा	उषा	म	घ	म
४	३	२व	२	३	४व	४	२



यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है ।
चंद्रदर्शनम् (मु.१५), श्री वल्लभ जयंती
सफर २
[A पूषा.-३ गुरुः ३०।००, श्रव. शुक्रः २७।३४
भ. १७।१२ उ. २८।१९ या., उभा. रे. १० IIIIIIIII दिवा ल. D
पंचक समाप्तिः २८।५१, वसन्त पञ्चमी, रेवत्यां रे. ८ ISIIIIIS!! F
बुधोदयः पूर्वस्याम् १८।२०, मकरे शुक्रः २५।१७ [F दिवा ल. १।२
भ. २२।१० उ., मन्वादि, पुत्र ७, रथ ७, अचला ७, कुंभे रविः C
भ. ९।०५ या., भीष्माष्टमी [C ९२।४० (सौरः १६।३९)
[D १।२ रात्रौ ९ (धनु. भौम ७ दो., स्टै. २८।१९ उप.), वरद E
भ. २६।४७ उ. [E (कुंद) ४, तिल चतुर्थी, उषा. शुक्रः ८।३०
भ. १३।५१ या., जया ११ व्र., भीष्मद्वादशी
प्रदोषः, कल्पादि
शत. रविः २७।०७ (सौरः ३०।४०), सायन मीने भानुः ९२।१७, B
भ. ९।४२ उ. २१।१९ या., पूर्णिमा व्रतं, भा. फाल्गुनारंभः, A
पूर्णिमा पुण्यं, माघ स्नान पूर्तिः [B मार्गी बुधः २१।३६

CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

॥ श्रीवल्लभ मनीराम पञ्चाङ्गम् ॥

२२ फरवरी से ७ मार्च तक, श्री फाल्गुन कृष्णपक्ष संवत् २०६४, शाकः १९२९, दि.मा.सू. सू. तारीख्स स्टै. प्रातः दैनिक वसंतर्तू रविरुत्तरे माघकृष्णेति गुर्जराः, फरवरी-मार्च २००८

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
सिद्धि	१	शु	४	२८	८	५३	पूफा	३१	१०	१९	३४	सु	१९	२८	१४	५३	कौ	४	२८	८	५३	२८/०९	७/१६	६/२२	३	१४	२२	कन्या २५।४९	१०।०८।४२।२४	६०।३३
उत्पात	२	श	५	२६	९	१५	उफा	३४	११	२०	४५	घृ	१७	३५	१४	०७	ग	५	२६	९	१५	१३·	०५	२२	४	१५	२३	कन्या	१०।०९।४२।५७	६०।३२
च.ग्र.	३	र	७	४७	१०	११	हस्त	३८	३३	२२	२९	शू	१६	४७	१३	४७	वि	७	४७	१०	११	१७	०४	२३	५	१६	२४	कन्या	१०।१०।४३।२९	६०।३०
मुद्गर	४	सो	११	३३	११	४९	चित्रा	४४	१३	२४	४५	गं	१७	०३	१३	५२	बा	११	३३	११	४१	२१	०३	२४	६	१७	२५	तुला. ११।३३	१०।११।४३।५९	६०।२८
ध्वजा	५	मं	१६	३५	१३	४०	स्वा	५०	५७	२७	२५	वृ	१८	१६	१४	२१	तै	१६	३५	१३	४०	२५	०२	२४	७	१८	२६	तुला.	१०।१२।१४४।२६	६०।२६
धाता	६	बु	२२	३३	१६	०२	विशा	५८	२१	३०	२२	ध्रु	२०	१०	१५	०५	व	२२	३३	१६	०२	२९	०१	२५	८	१९	२७	वृश्चि. २३।३७	१०।१३।४४।५३	६०।२४
आनन्द	७	गु	२८	५६	१८	३५	अनु	...	...	...	...	व्या	२२	२४	१५	५८	ब	२८	५६	१८	३५	३३	००	२६	९	२०	२८	वृश्चि.	१०।१४।४५।१७	६०।२२
राक्षस	८	शु	३५	०७	२१	०२	अनु	५	५३	९	२०	ह	२४	३२	१६	४८	बा	२	०८	७	५०	३७	६/५९	२६	१०	२१	२९	वृश्चि.	१०।१५।४५।३९	६०।२०
मुसल	९	श	४०	२९	२३	१०	ज्ये	१२	५०	१२	०६	व	२६	०७	१७	२५	तै	७	५७	१०	०९	४१	५८	२७	११	२२	१	धनु. १२।०६	१०।१६।४५।५९	६०।१८
सिद्धि	१०	र	४४	३१	२४	४६	मूल	१८	४३	१४	२६	सि	२६	४८	१७	४१	व	१२	४२	१२	०२	४५	५७	२७	१२	२३	२	धनु.	१०।१७।४६।१७	६०।१६
ए.ग्र.	११	सो	४६	५५	२५	४२	पूषा	२३	०८	१६	११	व्य	२६	१७	१७	२७	ब	१५	५७	१३	१९	४९	५६	२८	१३	२४	३	मक. २२।३२	१०।१८।४६।३३	६०।१४
मानस	१२	मं	४७	३२	२५	५६	उषा	२५	५३	१७	१६	व	२४	२७	१६	४२	कौ	१७	२८	१३	५४	५३	५५	२९	१४	२५	४	मक.	१०।१९।४६।४८	६०।१२
प्र.ग्र.	१३	बु	४६	२६	२५	२८	श्रव	२६	५६	१७	४१	ध	२१	१६	१५	२५	ग	१७	१३	१३	४८	५७	५४	२९	१५	२६	५	कुंभे २९।३८	१०।२०।४७।००	६०।१०
शिवरा.	१४	गु	४३	४३	२४	२२	धनि	२६	२२	१७	२६	शि	१६	४५	१३	३५	वि	१५	१७	१३	००/२९	५३/०२	५३	३०	१६	२७	६	कुंभे	१०।२१।४७।१०	६०।०८
अमाव.	३०	शु	३९	३७	२२	४३	शत	२४	२१	१६	३७	सि	११	०४	११	१८	च	११	५२	११	३७	०६	५२	३०	१७	२८	७	कुंभे	१०।२२।४७।१८	६०।०६

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है ।
उभा. रे. १० IIIIIIIII रात्रौ ल. ७।१०
भ. २१।३९ उ.
भ. १०।११ या., चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः २१।३२, हस्ते रे. ७ A
|A ISIIIISIIS द. दि. ल. २
धनि.-३ राहुः ३१।००, मघा.-१ केतुः ३१।००
भ. १६।०२ उ. २९।१९ या.
अनु. रे. ७ SIIIIISSII दि. ल. १२।१, रात्रौ अ. गो. ७।९।१०
अनु. रे. ८ SIIIIIISII दिवा ल. १२
रामदास ९, मार्च ३ ता. ३१, मूले रे. ७ IIIISISSII रात्रौ ल. B
भ. १२।०२ उ. २४।४६ या., धनि. शुक्रः २२।२८, मूले रे. ८ C
विजया ११ व्र. |C IIIISSIISII दिवा ल. १२।१।२
पूभा. रविः ९।२३ (सौरः १२।११), धनि. बुधः १९।५६
भ. २५।२८ उ., पंचक प्रारम्भः २९।३८, प्रदोषः
भ. १३।०० या., महाशिवरात्री व्रतम्, आर्द्रा. भौमः ८।४१
देवपितृकार्येऽमा. |B अ.गो. ७।१०

अयनांशाः २३।५७।२४

पं.४६ फा.कृ. ३ र. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
१०	२	९	८	९	४	१०	४
१०	०३	१५	२०	१३	११	०३	०३
५१	२७	३२	३४	५३	२५	२९	२९
४७	३९	५५	१४	१८	१८	३१	३१
६०	१५	३२	११	७४	४	३	३
२३	११	१७	०४	०९	५१	११	११
श	मृ	श्र	पूषा	श्र	म	घ	म
२	४	२	३	२	४व	४	२



॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ रटैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	फर.	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	सायँ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः	दिवा
१०।०८।४९।४६	१ शु	२२	९।३४	११।१०	९।०६	३।२०	५।४१	७।५७	१०।१३	१२।३२	२।५१	४।५६	६।३९	८।०८
१०।०९।५०।१९	२ श	२३	९।३०	११।०६	९।०२	३।१७	५।३७	७।५३	१०।०९	१२।२८	२।४७	४।५२	६।३५	८।०४
१०।१०।५०।५०	३ र	२४	९।२६	११।०२	१२।५८	३।१३	५।३३	७।५०	१०।०५	१२।२४	२।४३	४।४८	६।३१	८।००
१०।११।५१।२०	४ च	२५	९।२२	१०।५८	१२।५४	३।०९	५।२९	७।४६	१०।०१	१२।२१	२।३९	४।४४	६।२७	७।५६
१०।१२।५१।४७	५ मं	२६	९।१८	१०।५४	१२।५०	३।०५	५।२५	७।४२	९।५७	१२।१७	२।३५	४।४०	६।२३	७।५२
१०।१३।५२।१३	६ बु	२७	९।१४	१०।५०	१२।४६	३।०१	५।२१	७।३८	९।५४	१२।१३	२।३१	४।३६	६।१९	७।४८
१०।१४।५२।३७	७ गु	२८	९।१०	१०।४६	१२।४२	२।५७	५।१७	७।३४	९।५०	१२।०९	२।२७	४।३२	६।१५	७।४४
१०।१५।५२।५९	८ शु	२९	९।०६	१०।४२	१२।३८	२।५३	५।१३	७।३०	९।४६	१२।०५	२।२३	४।२८	६।११	७।४०
१०।१६।५३।१९	९ श	१	९।०२	१०।३८	१२।३४	२।४९	५।०९	७।२६	९।४२	१२।०१	२।१९	४।२४	६।०७	७।३६
१०।१७।५३।३७	१० र	२	८।५८	१०।३४	१२।३०	२।४५	५।०५	७।२२	९।३८	११।५७	२।१५	४।२०	६।०४	७।३२
१०।१८।५३।५३	११ च	३	८।५४	१०।३०	१२।२६	२।४१	५।०१	७।१८	९।३४	११।५३	२।१२	४।१६	६।००	७।२८
१०।१९।५४।०७	१२ मं	४	८।५०	१०।२६	१२।२२	२।३७	४।५७	७।१४	९।३०	११।४९	२।०८	४।१२	५।५६	७।२४
१०।२०।५४।१९	१३ बु	५	८।४६	१०।२२	१२।१८	२।३३	४।५३	७।१०	९।२६	११।४५	२।०४	४।०८	५।५२	७।२०
१०।२१।५४।२९	१४ गु	६	८।४२	१०।१८	१२।१५	२।२९	४।४९	७।०६	९।२२	११।४१	२।००	४।०४	५।४८	७।१६
१०।२२।५४।३७	३० शु	७	८।३८	१०।१४	१२।११	२।२५	४।४५	७।०२	९।१८	११।३७	१।५६	४।००	५।४४	७।१२

मास फलम्

इस माह में पांच शुक्रवार होने से प्रजा की वृद्धि हो यथा- प्रजावृद्धिस्तु भार्गवे । शुक्ला तिथि का क्षय होने से लोगों का स्वास्थ्य बिगड़े, राजविग्रह हो और छत्रभंग भी हो । शुक्रवारी अमावस होने से उद्धत मेघों से जलभ्रंश हो शतभिषा योग सुभिक्ष और सुस्पद है । शुक्ला नवमी आर्द्रा होने से अवर्षण हो । पूर्णिमा उत्तरा फाल्गुनी युक्त होने से समर्घता हो । शुक्रवार की सक्रांति होने से प्रजासुस्थी हो, स्वर्ण चांदी के भाव तेज हों, गाय भैस हाथी घोडा मोटर गाड़ी आदि (चतुष्पद) पशु एवं वाहन के भाव तेज हो, रस कस लवण घृत के भाव सम रहे ।

अयनांशाः २३।५७।२५

पं.४७ फा.कृ.१० र. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
१०	२	९	८	९	४	१०	४
१७	०५	२०	२१	२२	१०	०३	०३
५३	२३	४५	४९	३२	५१	०७	०७
३५	१८	५४	४०	०५	२९	१७	१७
६०	१८	५८	१०	७४	४	३	३
११	१४	३०	२४	१०	४७	११	११
श	मृ	श्र	पूष	श्र	म	घ	म
४	४	४	३	४	४व	३	१



CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

८ मार्च से २१ मार्च तक, श्री फाल्गुन शुक्लपक्ष संवत् २०६४, शाकः १९२९, दि.मा.सू. सू. तारीख्स स्टै. प्रातः दैनिक केतकी अहर्गणः ५८१६ वसंतर्तू रविरुत्तरे, मार्च २००८

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
काल	१	श	३४	२३	२०	३६	पूभा	२१	१०	१५	१९	सा	४ ५६	२२ ४८	८ २९	३६ ३३	कि	७	०८	९	४२	२९ ९०	६ ५९	६ ३१	१८	२९	८	मीने	९।४१	१०।२३।४७।२४	६०।०४
फुलरि.	२	र	२८	१९	१८	१०	उभा	१७	०४	१३	४०	शु	४८	४४	२६	१९	बा	१	२७	७	२५	१४	५०	३२	१९	३०	९	मीने		१०।२४।४७।२८	६०।०२
मातङ्ग	३	सो	२१	४५	१५	३१	रेव	१२	२४	११	४७	ब्र	४०	२०	२२	५७	ग	२९	४५	१५	३१	१८	४९	३२	२०	१	१०	मेषे	११।४७	१०।२५।४७।३०	६०।००
अमृत	४	मं	१४	५८	१२	४७	अश्वि	७	२९	९	४७	ऐ	३१	५२	१९	३३	वि	१४	५८	१२	४७	२२	४८	३३	२१	२	११	मेषे		१०।२६।४७।३०	५९।५८
काण	५	बु	८	१७	१०	०५	भर	५८ २	३८ ०५	७ ३०	५० ०१	वै	२३	३५	१६	१३	बा	८	१७	१०	०५	२६	४७	३३	२२	३	१२	वृषे	१३।२२	१०।२७।४७।२७	५९।५५
उत्पात	६	गु	२	००	७	३३	रोहि	५४	११	२८	२६	वि	१५	३९	१३	०१	तै	२	००	७	३३	३१	४६	३४	२३	४	१३	वृषे		१०।२८।४७।२३	५९।५३
क्षयः	७	गु	५६	१५	२९	१६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
होलाष्ट.	८	शु	५१	२२	२७	१७	मृग	५१	०३	२७	१०	प्री	८	१५	१०	०२	वि	२३	४४	१६	१४	३५	४४	३४	२४	५	१४	मिथु.	१५।४५	१०।२९।४७।१६	५९।५१
मुद्गर	९	श	४७	२२	२५	४०	आर्द्रा	४८	४९	२६	१५	आ	९ ५५	३२ ३०	७ २८	२० ५५	बा	१९	१७	१४	२६	३९	४३	३५	२५	६	१५	मिथु.		११।००।४७।०७	५९।४९
ध्वजा	१०	र	४४	२१	२४	२७	पुन	४७	३३	२५	४४	शो	५०	१८	२६	५०	तै	१५	४५	१३	००	४३	४२	३६	२६	७	१६	कर्के	१९।४९	११।०१।४६।५६	५९।४७
ए.व्र.	११	सो	४२	२१	२३	३७	पुष्य	४७	१६	२५	३५	अ	४५	५४	२५	०३	व	१३	१४	११	५९	४७	४१	३६	२७	८	१७	कर्के		११।०२।४६।४२	५९।४४
आनन्द	१२	मं	४१	१८	२३	११	श्ले	४७	५६	२५	५१	सु	४२	१७	२३	३५	ब	११	४४	११	२१	५२	४०	३७	२८	९	१८	सिंहे	२५।५१	११।०३।४६।२७	५९।४२
व्र.व्र.	१३	बु	४१	१४	२३	०८	मघा	४९	३३	२६	२८	धृ	३९	२५	२२	२५	कौ	११	१०	११	०७	५६	३९	३७	२९	१०	१९	सिंहे		११।०४।४६।०९	५९।४०
गद	१४	गु	४२	०८	२३	२९	पूफा	५२	०७	२७	२८	शू	३७	१९	२१	३४	ग	११	३५	११	१६	३० ००	३८	३८	३०	११	२०	सिंहे		११।०५।४५।४९	५९।३८
होली	१५	शु	४४	००	२४	१२	उफा	५५	३६	२८	५१	गं	३५	५७	२०	५९	वि	१२	५७	११	४७	०४	३७	३८	१	१२	२१	कन्या	९।४७	११।०६।४५।२६	५९।३५

अयनांशाः २३।५७।२६

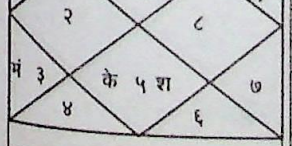
॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

संक्रांति फलम्

अयनांशाः २३।५७।२७

पं.४८ फा.शु. २ र. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
१०	२	९	८	१०	४	१०	४
२४	०७	२८	२३	०१	१०	०२	०२
५३	३८	२४	००	१०	१८	४५	४५
५४	४९	४०	१२	५५	३३	०३	०३
५९	२०	७३	९	७४	४	३	३
५८	४९	३८	३९	१०	३५	११	११
पूभा	आ	ध	पूभा	ध	म	ध	म
२	१	२	३	३	४व	३	१



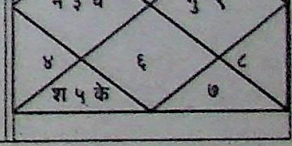
ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	मार्च	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	सायं	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः
१०।२३।५४।४३	१ श	८	८।३४	१०।११	१२।०७	२।२९	४।४१	६।५८	९।१४	११।३३	१।५२	३।५७	५।४०	७।०८
१०।२४।५४।४७	२ र	९	८।३१	१०।०७	१२।०३	२।१७	४।३७	६।५४	९।१०	११।२९	१।४८	३।५३	५।३६	७।०५
१०।२५।५४।४८	३ चं	१०	८।२७	१०।०३	११।५९	२।१३	४।३४	६।५०	९।०६	११।२५	१।४४	३।४९	५।३२	७।०१
१०।२६।५४।४८	४ मं	११	८।२३	९।५९	११।५५	२।१०	४।३०	६।४६	९।०२	११।२१	१।४०	३।४५	५।२८	६।५७
१०।२७।५४।४५	५ बु	१२	८।१९	९।५५	११।५१	२।०६	४।२६	६।४३	८।५८	११।१७	१।३६	३।४१	५।२४	६।५३
१०।२८।५४।४०	६ गु	१३	८।१५	९।५१	११।४७	२।०२	४।२२	६।३९	८।५४	११।१४	१।३२	३।३७	५।२०	६।४९
१०।२९।५४।३३	८ शु	१४	८।११	९।४७	११।४३	१।५८	४।१८	६।३५	८।५०	११।१०	१।२८	३।३३	५।१६	६।४५
११।००।५४।२४	९ श	१५	८।०७	९।४३	११।३९	१।५४	४।१४	६।३१	८।४७	११।०६	१।२४	३।२९	५।१२	६।४१
११।०१।५४।१३	१० र	१६	८।०३	९।३९	११।३५	१।५०	४।१०	६।२७	८।४३	११।०२	१।२०	३।२५	५।०८	६।३७
११।०२।५३।५९	११ चं	१७	७।५९	९।३५	११।३१	१।४६	४।०६	६।२३	८।३९	१०।५८	१।१६	३।२१	५।०४	६।३३
११।०३।५३।४३	१२ मं	१८	७।५५	९।३१	११।२७	१।४२	४।०२	६।१९	८।३५	१०।५४	१।१२	३।१७	५।००	६।२९
११।०४।५३।२५	१३ बु	१९	७।५१	९।२७	११।२३	१।३८	३।५८	६।१५	८।३१	१०।५०	१।०९	३।१३	४।५७	६।२५
११।०५।५३।०५	१४ गु	२०	७।४७	९।२३	११।१९	१।३४	३।५४	६।११	८।२७	१०।४६	१।०५	३।०९	४।५३	६।२१
११।०६।५२।४२	१५ शु	२१	७।४३	९।१९	११।१५	१।३०	३।५०	६।०७	८।२३	१०।४२	१।०१	३।०५	४।४९	६।१७

संक्रांति फलम्

ता. १४ मार्च २००८
फा. शु. ८ मृगौ मीनेऽर्कः प्र. (स्टै.)
टा. ९।२९ वारात् ३ नक्षत्रात् ४
वारनाम मिश्रा पशून् सुस्पदा
नक्षत्रनाम मंदाकिनी नृपतीन् सुस्पदा
पूर्वान्ह १ प्रहर व्यापिनी नृपतीन्
हन्ति, पूर्वे गमनमाग्नेयां दृष्टिः
विष्टीकरणे प्रविष्टा मध्यमफलं
अश्ववाहनं सिंहोपवाहनं स्थैर्यकारक
कृष्णवस्त्रं कुन्तायुधं पत्रपात्रं
चित्रान्नभक्षणं ओतुमदोलेपनं
विप्रजातिः दुर्वापुष्पं गुंजाभूषणं
नीलकंचुकी वृद्धावस्था (बैठी) मु.
३० धान्यभावे सम वत्स पश्चिमा.
राहु दक्षिणे मूलं भूमौ विवाहस्तंभो
नैऋत्यां शुक्रोदयः पूर्वस्याम् ।
पुण्यकालः (स्टै.) ९।२९ से ९५।५३
तक । (दान- भूमि माला) ।

पं.४९ फा.शु.१० र. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
११	२	१०	८	१०	४	१०	४
०१	१०	०७	२४	०१	०९	०२	०२
५२	११	३२	०५	४९	४७	२२	२२
३८	०९	४७	१६	४३	२३	४८	४८
५९	२३	८४	८	७४	४	३	३
४४	००	१८	४९	१०	१६	११	११
पूभा	आ	श	पूभा	श	म	ध	म
४	२	१	४	१	३व	३	१



CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust. Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

॥ श्रीवल्लभ मनीराम पञ्चाङ्गम् ॥

२२ मार्च से ६ अप्रेल तक, श्री चैत्र कृष्णपक्ष संवत् २०६४, शाकः १९२९, दि.मा.सू. सू. तारीख स्टै. प्रातः दैनिक वसंतर्तू रविरुत्तरे फाल्गुनकृष्णेति गुर्जराः, मार्च-अप्रेल २००८

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
छारेंडी	१	श	४६	५१	२५	२०	हस्त	...	...	..	...	वृ	३५	२२	२०	४४	बा	१५	१९	१२	४३	३० ०८	६ ३५	६ ३९	२	१३	२२	कन्या	११।०७।४५।०२	५९।३३
मानस	२	र	५०	४४	२६	५२	हस्त	०	०७	६	३७	घृ	३५	३४	२०	४८	तै	१८	४१	१४	०३	१२	३४	३९	३	१४	२३	तुला.	१९।३९	११।०८।४४।३५	५९।३१
मुद्गर	३	सो	५५	३५	२८	४७	चित्रा	५	३४	८	४७	व्या	३६	३१	२१	१०	व	२३	०४	१५	४७	१७	३३	४०	४	१५	२४	तुला.		११।०९।४४।०६	५९।२८
च.ग्र.	४	मं	...	...	...	...	स्वा	११	५७	११	१९	ह	३८	१०	२१	४८	ब	२८	२३	१७	५३	२१	३२	४०	५	१६	२५	तुला.		११।१०।४३।३४	५९।२६
घाता	४	बु	१	२१	७	०३	विशा	१९	०४	१४	०९	व	४०	१९	२२	३८	बा	१	२१	७	०३	२५	३१	४१	६	१७	२६	वृश्चि.	७।२५	११।११।४३।०१	५९।२४
आनन्द	५	गु	७	३६	९	३२	अनु	२६	३६	१७	०८	सि	४२	४०	२३	३४	तै	७	३६	९	३२	२९	३०	४१	७	१८	२७	वृश्चि.		११।१२।४२।२५	५९।२२
चर	६	शु	१३	५४	१२	०२	ज्ये	३४	०३	२०	०६	व्य	४४	५२	२४	२५	व	१३	५४	१२	०२	३३	२९	४२	८	१९	२८	धनु.	२०।०६	११।१३।४१।४७	५९।१९
गद	७	श	१९	४३	१४	२१	मूल	४०	५१	२२	४८	व	४६	२९	२५	०३	ब	१९	४३	१४	२१	३७	२८	४२	९	२०	२९	धनु.		११।१४।४१।०६	५९।१७
शीतला	८	र	२४	२६	१६	१३	पूषा	४६	२८	२५	०२	प	४७	०८	२५	१८	कौ	२४	२६	१६	१३	४१	२६	४३	१०	२१	३०	धनु.		११।१५।४०।२३	५९।१५
मृत्यु	९	सो	२७	३८	१७	२८	उषा	५०	२८	२६	३६	शि	४६	२९	२५	०१	ग	२७	३८	१७	२८	४६	२५	४४	११	२२	३१	मक.	७।२९	११।१६।३९।३८	५९।१२
लुम्बक	१०	मं	२८	५६	१७	५९	श्रव	५२	३६	२७	२७	सि	४४	२३	२४	०९	वि	२८	५६	१७	५९	५०	२४	४४	१२	२३	१	मक.		११।१७।३८।५०	५९।१०
ए.ग्र.	११	बु	२८	१६	१७	४१	धनि	५२	४७	२७	३०	सा	४०	४२	२२	४०	ध	२८	१६	१७	४१	५४	२३	४५	१३	२४	२	कुंभे	१५।३४	११।१८।३८।०१	५९।०८
प्र.ग्र.	१२	गु	२५	३५	१६	३६	शत	५१	०४	२६	४७	शु	३५	२८	२०	३३	तै	२५	३५	१६	३६	५८	२२	४५	१४	२५	३	कुंभे		११।१९।३७।०९	५९।०६
ध्वाङ्क्ष	१३	शु	२९	०६	१४	४७	पूभा	४७	३९	२५	२४	शु	२८	४७	१७	५२	व	२१	०६	१४	४७	३९ ०२	२१	४६	१५	२६	४	मीने	१९।४९	११।२०।३६।१४	५९।०३
धूम्र	१४	श	१५	०३	१२	२१	उभा	४२	४९	२३	२८	ब्र	२०	५३	१४	४१	श	१५	०३	१२	२१	०६	२०	४६	१६	२७	५	मीने		११।२१।३५।१७	५९।०१
अमाव.	३०	र	७ ४६ ५९	४६ ३७	९ ३०	२५ ५०	रेव	३६	५९	२१	०६	ऐ	१२	०१	११	०७	ना	७	४६	९	२५	१०	१९	४७	१७	२८	६	मेषे	२१।०६	११।२२।३४।१९	५८।५९

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।
वसन्त १, छारेंडी देशाचारे, करिदिन
बुधास्तः पूर्वस्याम् २३।४८
भ. १५।४७ उ. २८।४७ या., कल्पादि, पूभा. बुधः १४।५२, D
अंगारकी चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः २२।०८
[D पूभा. शुक्रः १२।१३
[A विद्या १, पंचक समाप्तिः २१।०६, केतकी अहर्गणः ५८४५, C
भ. १२।०२ उ. २५।१४ या., शीतला पूजनं
[C चक्र ६, कल्पादि
रेव. रविः २८।३८, मीने बुधः १४।४६
भ. २९।४९ उ., रेव. सौरः ६।३४
भ. १७।५९ या., अप्रेल ४ ता. ३०, उभा. बुधः १२।०६, B
पंचक प्रारम्भः १५।३४, पापमोचनी ११ व्र. [B मीने शुक्रः १४।२७
प्रदोषः, वारुणी योग १६।३६ से २६।४७ तक
भ. १४।४७ उ. २५।३८ या., मासिकशिवरात्री व्र., उभा. शुक्रः ७।१३
पितृकार्येऽमा., मन्वादि, उषा.-१ गुरुः २२।२१
देवकार्येऽमा., नवरात्रारम्भः, घटस्था., ध्वजारो., आरोग्य १, A

अयनांशाः २३।५७।२८

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

अयनांशाः २३।५७।२९

अयनांशाः २३।५७।३०

पं.५० चै.कृ. २ र. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
११	२	१०	८	१०	४	१०	४
०८	१२	१७	२५	१८	०९	०२	०२
४९	५७	५२	०४	२८	१८	००	००
४५	४३	२७	१७	२६	४६	३४	३४
५९	२४	९४	७	७४	३	३	३
३०	५१	२३	५५	०९	५०	११	११
उभा	आ	श	पूषा	श	म	घ	म
२	२	४	४	४	३व	३	१



ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	मार्च	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	सायं	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः
११।०७।५२।१७	१ श	२२	७।३९	९।१५	११।१९	१।२६	३।४६	६।०३	८।१९	१०।३८	१२।५७	३।०१	४।४५	६।१३
११।०८।५१।५०	२ र	२३	७।३५	९।१९	११।०८	१।२२	३।४२	५।५९	८।१५	१०।३४	१२।५३	२।५७	४।४१	६।०९
११।०९।५१।२१	३ चं	२४	७।३१	९।०८	११।०४	१।१८	३।३८	५।५५	८।११	१०।३०	१२।४९	२।५३	४।३७	६।०५
११।१०।५०।४९	४ मं	२५	७।२७	९।०४	११।००	१।१४	३।३४	५।५१	८।०७	१०।२६	१२।४५	२।५०	४।३३	६।०१
११।११।५०।१५	४ बु	२६	७।२४	९।००	१०।५६	१।१०	३।३१	५।४७	८।०३	१०।२२	१२।४१	२।४६	४।२९	५।५८
११।१२।४९।३९	५ गु	२७	७।२०	८।५६	१०।५२	१।०७	३।२७	५।४३	७।५९	१०।१८	१२।३७	२।४२	४।२५	५।५४
११।१३।४९।०१	६ शु	२८	७।१६	८।५२	१०।४८	१।०३	३।२३	५।४०	७।५५	१०।१४	१२।३३	२।३८	४।२१	५।५०
११।१४।४८।२०	७ श	२९	७।१२	८।४८	१०।४४	१२।५९	३।१९	५।३६	७।५१	१०।११	१२।२९	२।३४	४।१७	५।४६
११।१५।४७।३७	८ र	३०	७।०८	८।४४	१०।४०	१२।५५	३।१५	५।३२	७।४७	१०।०७	१२।२५	२।३०	४।१३	५।४२
११।१६।४६।५१	९ चं	३१	७।०४	८।४०	१०।३६	१२।५१	३।११	५।२८	७।४४	१०।०३	१२।२१	२।२६	४।०९	५।३८
११।१७।४६।०३	१० मं	१	७।००.	८।३६	१०।३२	१२।४७	३।०७	५।२४	७।४०	९।५९	१२।१७	२।२२	४।०५	५।३४
११।१८।४५।१३	११ बु	२	६।५६	८।३२	१०।२८	१२।४३	३।०३	५।२०	७।३६	९।५५	१२।१३	२।१८	४।०१	५।३०
११।१९।४४।२१	१२ गु	३	६।५२	८।२८	१०।२४	१२।३९	२।५९	५।१६	७।३२	९।५१	१२।०९	२।१४	३।५७	५।२६
११।२०।४३।२६	१३ शु	४	६।४८	८।२४	१०।२०	१२।३५	२।५५	५।१२	७।२८	९।४७	१२।०५	२।१०	३।५४	५।२२
११।२१।४२।२९	१४ श	५	६।४४	८।२०	१०।१६	१२।३१	२।५१	५।०८	७।२४	९।४३	१२।०२	२।०६	३।५०	५।१८
११।२२।४१।३०	३० र	६	६।४०	८।१६	१०।१२	१२।२७	२।४७	५।०४	७।२०	९।३९	११।५८	२।०२	३।४६	५।१४

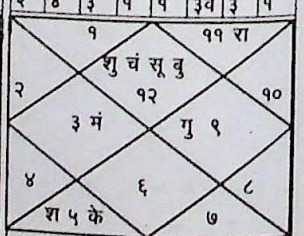
पं.५१ चै.कृ. ८ र. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
११	२	१०	८	१०	४	१०	४
१५	१५	२९	२५	२७	०८	०१	०१
४५	५६	२३	५६	०७	५३	३८	३८
१३	२३	४०	४३	०१	२८	२०	२०
५९	२६	१०४	६	७४	३	३	३
१६	२५	४५	५६	०८	१९	११	११
उभा	आ	पूभा	पूषा	पूभा	म	घ	म
४	३	३	४	३	३व	३	१



पं.५२ चै.कृ.३० र. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
११	२	११	८	११	४	१०	४
२२	१९	१२	२६	०५	०८	०१	०१
३९	०५	०६	४१	४५	३२	१६	१६
००	२०	३९	५९	२५	०४	०६	०६
५९	२७	११४	५	७४	२	३	३
०१	४६	४३	५१	०६	४३	११	११
२	आ	उभा	उषा	उभा	म	घ	म
२	४	३	१	१	३व	३	१



CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

श्री गणेशाय नमः ॥ अंचित्याव्यक्तरुपाय निर्गुणाय गुणात्मने ॥ समस्त जगदाधार मूर्तये ब्रह्मणे नमः ॥ पञ्चाङ्ग रत्नं प्रसरन्मयूखं श्री केतकी दृग्गणितेन युक्तम् ॥ लोकोपकाराय कृत प्रयत्न प्रचक्रतु मोह विनाशदक्षम् ॥ २ ॥ अथास्मिन् वर्षे सृष्टितो गताब्दाः १९५५८८५१०९, तत्र कृतयुग प्रमाणम् १७२८०००, त्रेतायुग प्रमाणम् १२९६०००, द्वापरयुग प्रमाणम् ८६४०००, कलियुग प्रमाणम् ४३२०००, तन्मध्ये गतकलिः ५१०९ भोग्यकलिः ४२६८९१ अथास्मिन् - शुभ संवत्सरे श्रीमन्नृपतिविक्रमादित्यराज्यात् संवत् २०६५ शाकः १९३० । अथाऽस्मिन् वर्षे राजा रविः १, मंत्री रविः २, सस्येशो बुधः ३, धान्येशश्चंद्रः ४, मेघेशः शनिः ५, रसेशो गुरुः ६, नीरसेशो भौमः ७, फलेशः शनिः ८, धनेशो भौमः ९, दुर्गेशः शनिः १०, एते दशाधिकारिणः । तत्र बार्हस्पत्य मानेन प्रभवादी षष्ट्यब्दानां मध्ये विष्णु विंशतिकायां १५ प्लव नामास्यः संवत्सरः प्रवर्तते । तस्य मेषाऽर्क समये गत मासादि ११।६।५१।५० भोग्य मासादि ०।२३।८।१० पिता दैवतं युगम् । वर्षनाम ज्येष्ठ । चतुर्मेघनाम आवर्त्तः । रोहिणी निवासः संधौ । समय निवासो वैश्यगृहे । समय विश्वा १२ । समय वाहन अश्व । स्तंभाऽभावः । सोमवत्यमा. ३ । सोमवती पंचमी २ । अंगारकी चतुर्थी ० । भानु सप्तमी २ । बुधाष्टमी २ । रविदशमी ० । समय मुहूर्तानि ३४५ । समय दिनानि ३५४ । तिथि क्षयः १७ । तिथि वृद्धिः १२ । अष्टोत्तरी मतेन उत्पत्ति विश्वा ९९ । स्पति विश्वा ९३ । विंशोत्तरी मतेन उत्पत्ति विश्वा १२३ । स्पति विश्वा ७५ । वर्षा विश्वा ७ । धान्यम् ११ । तृणम् १५ । शीतम् १५ । तेजः ११ । वायुः १३ । वृद्धिः १५ । क्षयः १५ । विग्रह ११ । ऐक्यम् ११३ । (क्षुधा ३ । तृष्णा ९ । निद्रा १३ । आलस्य ९ । उद्यम ७ । शान्ति ५ । क्रोध ७ । दण्ड ९ । मैत्री १७ । उत्सव १५ । पाप १५ । पुण्य ११ । उग्रत्व १३ । रसोत्पत्तिः ११ । फलोत्पत्तिः १५ । व्याधि १३ । व्याधिनाश ९ । आचार ७ । अनाचार ११ । मृत्यु ७ । जन्म १५ । चौर ३ । उपशमन ७ । अग्निभय १३ । अग्निशमः ५) सत्यम् ॥, धर्म ९॥, पाप १८ । शनि दृष्टिः दक्षिणस्याम । ग्रहणं १ चन्द्रमसः १ सूर्यस्य ॥ उद्भिदः ११ । जरायुजः ३ । पिण्डजः ९ । स्वदेजः १५ । इस वर्ष का फल साधारण उत्तम है । आगे गौ प्रजा भाग्य प्रबल है ।

(१) श्रावण शुक्ला १५ शनिवार, संवत् २०६५, ता.१६ अगस्त २००८, खण्डग्रासं **चन्द्रग्रहणम्**, परमग्रास .८

	स्पर्श	मध्य	मोक्ष	पर्व
रामगढ घ.	४७	५१	५५	७
स्थानिक प.	२३	१८	१३	४९
रेल्वे घं.	२५	२६	२८	३
टाईम मि.	०२	३६	१०	०८

इस ग्रहण का सूतक रविवार ता. १६।०२ बजे से प्रारम्भ होगा । ग्रहण के सूतक में बाल वृद्ध और अस्वस्थ जनों को छोड़कर भोजनादि निषेध है ।

(१) श्रावण कृष्णा ३० शुक्रवासरे, संवत् २०६५ ता. १ अगस्त २००८, खण्डग्रासं **सूर्यग्रहणम्**

स्थल	स्पर्श	मध्य	मोक्ष	पर्व
रामगढ घटी-प.	२५।२५	२७।५३	३०।०६	४।४१
रेल्वेटाईम घं.-मि.	१६।०७	१७।०६	१८।००	१।५२

इस ग्रहण का सूतक पूर्वदिन उत्तररात्री रविवार ४।०७ बजे से प्रारम्भ होगा ।

(२) माघ कृष्णा ३० चन्द्रवासरे, संवत् २०६५, ता.२६ जनवरी २००९, रामगढ में **सूर्यग्रहण** का अभाव है लेकिन भारत के अन्य भागों में दिखाई देगा ।

जहाँ ग्रहण दिखाई नहीं दे वहाँ तत्सम्बधि धार्मिक कृत्य करना आवश्यक नहीं है ।

नोट- ग्रहणों का विशेष विवरण वार्षिकपञ्चाङ्ग में देखें ।

॥ अथ भैरव भवानि संवाद ॥

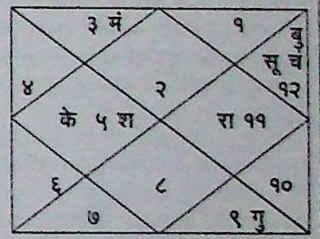


भैरव प्रश्नः जयजननी जगदीश्वरी तूं जग की प्रतिपाल ।
पैसठ संवत का कहो श्रीमुख से सब हाल ॥
भवानी उ.: सुनले भैरव प्रेम से मैं समझावुं तोय ।
राजामंत्री देखतां नेष्ट जमानो होय ॥
सौम्यग्रहों ने वर्ष में लिये तीन अधिकार ।
शुभ कामों की न्यूनता यही है उत्तम सार ॥
समय निवासो वैश्यघर तेजी अधिक दिखाय ।
रोहिणी वासो संधि में है खण्डवृष्टि दर्शाय ॥
वर्षा विश्वा सात है शनि करे जल शोष ।
राजामंत्री सूर्य बने ना रहे पदारथ घोष ॥
रस कस तो होसी घणो रसाधिप है गुरुदेव ।
ज्ञानज्योत जागे नहीं बिना कृपा गुरुदेव ॥
दशाधिकारी योग से दर्शाया फल सार ।
गो प्रजा के भाग्य से भला करे करतार ॥

लाभ स्वर्च कोष्ठक

	अष्टोत्तरी मतेन		विंशोत्तरी मतेन	
राशि	लाभ	स्वर्च	लाभ	स्वर्च
मेष	२	१४	१४	११
वृष	११	५	८	५
मिथुन	१४	२	१४	२
कर्क	८	२	८	१४
सिंह	११	११	११	११
कन्या	१४	२	१४	२
तुला	११	५	८	५
वृश्चिक	२	१४	१४	११
धनु	५	५	११	२
मकर	८	१४	५	५
कुंभ	८	१४	५	५
मीन	५	५	११	२

वर्ष लग्नम् १।१९



१२ शु

वर्षेश लग्नम् ५।१८



लाभ - स्वर्च देखनें की विधि और फल- जिस राशि का देखना हो उस राशि के सामनेवाले लाभ-स्वर्च के अंको को जोड़कर १ घटा देवें और ८ का भाग देवें यदि १ शेष रहे तो लाभ, २ शेष रहे तो सौख्य, ३ शेष रहे तो क्लेश, ४ शेष रहे तो रोग, ५ शेष रहे तो लोकापवाद (अपयश), ६ शेष रहे तो सन्मान, ७ शेष रहे तो विजय, ८ या ० शेष रहे तो हानि होती है ।

पञ्चाङ्ग गणित कर्ता - पं. श्री रामकुवारात्मज ग्यारसीलाल शर्मा
मु. डूमोली कलाँ, पो. डूमोली खुर्द, वाया- सिंघाना, जि. झुन्झुनू (राज.) पिन.३३३५१६.

CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

॥ अथ संवत् २०६५ वर्ष फलम् ॥

॥ श्री गणेशाय नमः ॥ अथ वर्ष फलम् ॥ अथास्मिन् संवत्सरे श्रीमन्नृपति विक्रमादित्य राज्यात् संवत् २०६५ शाकः १९३० प्लव नामास्यः संवत्सरः प्रवर्ततें तत्फलम् - प्लवाब्देनिस्निग्धात्रीवृष्टिभिः प्लाविता भवेत् । रोगाकुलात्वीतिभीतिःसम्पूर्णवत्सरेफलम् ॥ अथास्मिन् वर्षे राजारविस्तत्फलम् - सूर्ये नृपे स्वल्पफलाश्च मेघाः स्वल्पं पयो गौषुजनेषु पीडा । स्वल्पं सुधान्यं फलमल्पवृक्षाश्चौराग्निबाधा निधनं नृपाणाम् ॥ मंत्रीरविस्तत्फलम् - नृपभयं गदतोपि हि तस्करात्प्रचुरधान्यधनादि महीतले । रसचयं हि समर्घतमं तदा रविरमात्यपदं हि समागतः ॥ सस्येशोबुधस्तत्फलम् - जलधरा जलराशिमुचो भृशं सुरवसमृद्धियुतं निरुपद्रवम् । द्विजगणः श्रुतिपाठकरः सदाप्रथमसस्यपतौ सति बोधने ॥ धान्येशश्चंद्रस्तत्फलम् - चन्द्रेधान्यादिपेजातेप्रजावृद्धिः प्रजायते । गोधूमाः सर्षपाश्चैवगोषुक्षीरं तदाबहु ॥ मेघेशः शनिस्तत्फलम् - रविसुते जलदस्यपतौभवेद्विरलवृष्टिवतीवसुधा तदा । मनसितापकरोनृपतिः सदाविविधरोगरता जनतामता ॥ रसेशोगुरुस्तत्फलम् - यदिगुरुरसपोजनसौख्यदः कमलवन्तिसरांसि तृणानिच । जनपदाद्विजपूजनतत्परागजसुवाजिरथोष्ट्रयुतानृपाः ॥ नीरसेशोभौमस्तत्फलम् - नीरसेशोयदाभौमः प्रवालरक्तवाससाम् । रक्तचंदनताम्राणामर्घवृद्धिर्दिनेदिने ॥ फलेशः शनिस्तत्फलम् - यदिशनिः फलपः फलहा भवेज्जनितपुष्पगणस्य दमःसदा । हिमभयंवरतस्करजन्तुभीर्जनपदो गदराशिमहाकुलः ॥ धनेशोभौमस्तत्फलम् - असति मौल्यकरो धरणीसुतः शरदि ताम्रकरस्तुषधान्यहृत् । सकलदेशगताश्चलिता नरा न रपतिर्जनशोकविधायकः ॥ दुर्गेशः शनिस्तत्फलम् - रविसुते गढपालिनि विग्रहो सकलदेशगताश्चलिता जनाः । विविधवैरिविशेषितनागराः कृषिधनं न लभेद्भुवि कश्चन ॥ वर्षनाम ज्येष्ठ तत्फलम् - तस्करैः पापरोगैर्वा पीड्यन्ते पीडया जनाः । भ्रमंतेस्वेच्छयाभूम्यांनिर्द्रव्यैर्ज्येष्ठसंज्ञके ॥ चतुर्मेघनाम आवर्त्तस्तत्फलम् - आवर्तेछिन्न वृष्टिश्च । रोहिणी निवासः संधौ तत्फलम् - स्वंडवृष्टिश्च सन्धिषु । समय निवासो वैश्यगृहे तत्फलम् - सर्वधान्यं महर्घ स्याद्वणिग्वेश्मनि संस्थिते ॥ अपिच - वणिक्गृहे शुभंनास्ति । एवं संचित्य देवज्ञैः कथनीयं शुभाऽशुभम् ॥

॥ अथ गुरुचार शनिचारात् वर्षफलविचार ॥

इस वर्ष मे राजा और मंत्री रवि है । धान्येश चंद्र है । नीरसेश और धनेश मंगल है । सस्येश बुध है । रसेश गुरु है । मेघेश और फलेश और दुर्गेश शनि है । इस ग्रहमंडल की विधानसभा में ३ स्थान सौम्यग्रहों को प्राप्त हुए है और ७ स्थान उग्रग्रहों को उपलब्ध हुए है अतः वर्षफल मध्यमोत्तम होगा । **चैत्र** - वर्षलग्न वृष होने से पश्चिम में काल, पूर्व में राजविग्रह, उत्तर में आधी उपज और दक्षिण में काल पड़े । प्रजा में सुस्तों की वृद्धि और सुभिक्ष हो, रेवती में स्थित शुक्र पथिकों (यात्रियों) को पीडित करता है । **वैशाख** - महर्घता हो, प्राणियों के धातुओं (वसा,रक्त,मांस,मेधा,अस्थि,मज्जा और शुक्र) की हानि हो । गाय बैल आदि चौपायों को बडी भारी पीडा हो, टीडी आदि से धान्य महँगा हो । जौ, तिल, उड़द कम हों, अश्वपालक पीड़ित हों । अल्पवृष्टि हो, और कहीं कुछ उपद्रव हो । शुक्रास्त होने से सब धान्य महँगे हों । कपास, तिल, सूत महँगे हों । गुरु वक्री होने से सब धान्य सस्ते हो । गेहूँ, चने आदि बेचने के धान्य और गुड़ लवणादि के भाव सस्ते हों । वायु से वर्षा हो । सरसों उड़द कम हों और सब धान्य उत्पन्न हों, अतिवृष्टि हो । **ज्येष्ठ** - दुर्भिक्ष हो और साँपों का भय अधिक हो । चौपायों पीड़ित हों । कपास, तिल, सूत महँगे हों । धान्य, रस (मधुर आदि) की महर्घता हो । गुरु उदय होने से अनावृष्टि हो, कहीं-कहीं पर धान्य और कहीं -कहीं पर वर्षा का अभाव हो । कोसल तथा कलिङ्ग देश का नाश और अतिवृष्टि हो । **आषाढ** - वर्षा हो, कहीं भी प्राकृतिक आपदा हो । उड़द मूंग, तिल और अन्य धान्य दुर्लभ हों । अश्मक और विदर्भ देश में अनय (उपद्रव) हो । अधिक वृष्टि तथा विद्याधरों के युद्ध में विमर्द हो । मासांत में गेहूँ तिल उड़द सस्ते हों, ग्रहपात तथा पवन का प्रवाह हो, तेल, रस कस घृत महँगे हों, वस्त्रादि और कपास सूत रुई के भाव मंदे हों । बालकों को पीड़ा हो । **श्रावण** - सुभिक्ष हो, लोगों को सर्पों से अत्यन्त पीडा हो । पूर्वाफाल्गुनी नक्षत्र में स्थित शनैश्चर रस (मधुर, अम्ल, लवण, तिक्त, कटु और कषाय) बेचने वाले, वैश्या, कुमारी, महाराष्ट्र देश में निवास करने वाले मनुष्य इन सबों को पीडित करता है । आश्लेषा में बुध होने से महावृष्टि हो, तुष धान्य उत्पन्न हों, हस्तिपति पीडित हों । घोड़ों का मूल्य बढे । शबर-पुलिन्द जन पीड़ित हों । क्षेत्र के बंटवारे को लेकर पडौसी देश से मनमुटाव हो, अन्न मँदा हो, क्षुधा, शस्त्र, चोर और रोगों की वृद्धि हो । श्रावण में बुध का उदय होने से कहीं भी प्राकृतिक आपदा हो । सिंह में शनि अस्त होने से व्यथा उत्पन्न हो । **आद्रपद** - उफा.नक्षत्र को शुक्र के भेदन करने से कुरु देश में निवास करने वाले, जाङ्गल (स्वल्पपोदक स्थान) में निवास करने वाले और पञ्जाबस्थ जन पीड़ित हों तथा वृष्टि हो । तुष धान्य उत्तम हो, घृत गुड़ और नमक महंगे हो । स्नेह (तेल, घृत आदि), रस (मधुर आदि) के मुल्य में वृद्धि हो, मेघों की गर्जना के साथ वर्षा हो, विप्रवर्ग, कौरव, गणिका और चित्रकार पीडित हों । कुआँ बनाने वालों और पक्षियों को पीड़ा हो तथा सुन्दर वृष्टि हो । चावल तथा गेहूँ महँगे हों । **आश्विन** - गेहूँ और चणे महँगे हों, अतिवृष्टि हो । दूत, वाणिज्य कर्म करने वाले, नाव चलाने वाले इनमें उपद्रव हो, तुष धान्य की महँगाई हो, सुन्दर वृष्टि हो । गाँओं को पीड़ा हो, स्नेह (तेल, घृत आदि), रस (मधुर आदि) के मुल्य में वृद्धि हो, स्वाती पर मंगल होने से अनावृष्टि हो । शस्त्र, चोर, अग्नि, रोग, जल और दुर्भिक्ष का भय हो । **कार्तिक** - कपास और गेहूँ का भाव महँगा हो । गणिका, शिल्पी, और विप्र वर्ग पीड़ित हो, गाँओं को पीड़ा हो, स्नेह (तेल, घृत आदि), रस (मधुर आदि) के मुल्य में वृद्धि हो । क्षत्रियों में प्रधान का अभाव हो, मन्द वर्षा हो । व्यापारी वस्तु महँगी हों । प्रधान वैद्य (डाक्टर) पीड़ित हों अनावृष्टि हो । कहीं कहीं व्याधि भय और दुर्भिक्ष भी हो । **मार्गशीर्ष** - उ.फा. नक्षत्र में स्थित शनैश्चर राजा, गुड़, नमक, भिक्षुक, जल और तक्षशिला नगरी को पीडित करता है । ईख, शाली और घी महँगे हों तथा घोड़ों में रोग हो । कर्णपीड़ा हो । गुरु मकर राशि में होने से जलेन्द्र मेघ वर्षता है । चौपायों का नाश और पृथ्वी पर दुर्भिक्ष तथा मनुष्य निर्जल हो । उत्तर तथा पश्चिम देशों में स्वण्ड वृष्टि और पूर्व दक्षिण में राज विग्रह तथा दुर्भिक्ष हो । लोग पापबुद्धि में रत हों । जल, तेल, घी, दूध, अन्न और लाल वस्त्र यह महंगे हों । क्षत्रियों का छत्रभंग तथा म्लेच्छों का क्षय हो । अन्न तेज रहके पीछे सस्ता हो । सोना, चांदी, तांबा, लोह, कपूर और चन्दन आदि नर्मदा नदी के किनारे महंगे हों और अन्यत्र शुभ हों । मालव देश में छत्रभंग हो और बहुत वर्षा नहीं हो, व्याधियां बहुत हों तथा चांदी महँगी हो । भेदपाट और कटक में बड़े लोगों को पीड़ा हो छत्रभंग तथा भय हो । देश ग्राम पुरादि में विध्वंसक युद्ध होने का योग हो और चावल, जौ, गेंहू यह महंगे हो । **पौष** - क्षत्रियों में पीड़ा हो, तुष धान्य महँगा हो । कहीं भी प्राकृतिक आपदा हो । शतभिषा नक्षत्र में स्थित शुक्र शौण्डिकों (मद्यविक्रेता - कलवारों) को पीड़ित करता है । गुड़ अलसी और चणे अदि धान्य में बर्फ (ओले) गिरने का भय हो । जल बहुत हो, गायें दूध कम दें, पृथ्वी अन्न से पूरित हो । शालि, तिल, घी और उड़द महँगे हो । **माघ** - उड़द तिल अधिक हो, शालि, तिल, घी और उड़द महँगे हो, पृथ्वी धान्य तथा रस से पूर्ण हो । माघ में बुध का उदय होने से कहीं भी प्राकृतिक आपदा हो । सुभिक्ष हो, फल-मूल प्रभावित हों । **फाल्गुन** - श्रवण नक्षत्र में गुरु उदय होने से सब धान्य सम्यक् रुपेण उत्पन्न हों तथा क्षुद्र (क्रूर), पारखण्डी गण (वेदनिन्दक) और उनके भक्त लोग पीडित हो, स्वण्ड वृष्टि हो । रेवती में स्थित शुक्र पथिकों (यात्रियों) को पीड़ित करता है । गुड़ अलसी और चणे अदि धान्य में बर्फ (ओले) गिरने का भय हो । धान्य सस्ता हो और गुड शक्कर भी सस्ते हों । व्यापारी, वैद्य, नौका से जीविका चलाने वाले, जल में उत्पन्न होने वाले द्रव्य तथा घोड़े (अश्व) पीडित हों । **चैत्र** - क्षुधा, शस्त्र, चोर और रोगों की वृद्धि हो । कुम्भ राशि में मंगल का उदय होने से टीडी के आने से पीडा हो, अथवा मूषक वृद्धि हो । पृथ्वी पर अन्नोत्पत्ति उत्तम हो, फल-मूल पीड़ित हो । राजनीति में क्लेश हो, प्राणियों के धातुओं (वसा,रक्त,मांस,मेधा,अस्थि,मज्जा और शुक्र) की हानि हो । मीन राशि में शुक्रास्त होने से मेघ अच्छा वर्ष । आगे सर्वज्ञ जगत नियन्ता जगदीश्वराधीन है । गो प्रजा भाग्य प्रबल है ।

CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

॥ संवत् २०६५ मध्ये विवाह मुहूर्तानि रेख्या सहितानि च ॥

सन२००८	चैत्र शुक्लपक्षः
अप्रे. १७	१२ गुरौ उफा. रे ८ ऽ॥ऽशु॥॥॥॥ रात्रौ ल.अ.गो. ८।१२ (वृश्चि. रा. ४ दो., मीने चं. ७ पू.)
अप्रे. १८	१३ शुक्रे उफा. रे ८ ऽ॥ऽशु॥॥॥॥ दि. ल. २।३ (मिथु. सोग्रांगः, गु. ७ पू., स्टें. ११।०० यावत्)
अप्रे. १९	१४ शनौ हस्ते रे १० ॥॥॥॥॥॥॥॥ दिवा. ल. २।४
अप्रे. २०	१५ रवौ स्वातौ रे ८ ॥॥॥ऽ॥ऽ॥ रात्रौ ल. ८।१२ (मीने चं. ७ पू.)
	वैशाख कृष्णपक्षः
अप्रे. २१	१ चंद्रे स्वातौ रे ८ ॥॥॥ऽ॥ऽ॥ दिवा ल. ३ (सोग्रांगः, गु. ७ पू.)
	अग्रे शुक्रास्तत्वादभावः
	आषाढ शुक्लपक्षः
जुला. ८	६ भौमे उफा. रे ९ ऽ॥॥॥॥॥॥ रात्रौ ल. अ.गो. १२।२ (मीने चं. ७ पू.)
जुला. ९	७ बुधे हस्ते रे ८ ॥॥॥॥ऽऽ॥ रात्रौ ल. अ. गो.
जुला. ११	९ भृगौ स्वातौ रे १० ॥॥॥॥॥॥॥॥ दिवा ल. ६, रात्रौ गोधूलि १२।१ (कन्या. श. १२ दो. मेषे चं. ७ पू.)
जुला. १२	१० शनौ स्वातौ रे १० ॥॥॥॥॥॥॥॥ दि. ल. ४।६ (कर्के सोग्रांग, रा. ७ दो., कन्या श. १२ दोषः)
	अग्रे चतुर्मासारंभ
	मार्गशीर्ष कृष्णपक्षः
नवं. २१	९ भृगौ उफा. रे ८ ॥॥॥॥ऽ।ऽ दग्धा रात्रौ ल. ३ (लग्नेश ६ बो., गु, शु. ७ पू., स्टें. २०।१८ उप.)
नवं. २२	१० शनौ उफा. रे ९ ॥॥॥॥॥ऽ॥ दिवा ल.१२,रात्रौ अ.गो. (मीने चं.७ पू. स्टें.१४।३८ उ., गोधूल्यां भौ. ७ दोषः)
नवं. २२	१० शनौ हस्ते रे ९ ॥॥॥॥॥ऽ॥ रात्रौ ल. ५ (सोग्रांगः)
नवं. २३	११ रवौ हस्ते रे ९ ॥॥॥॥॥ऽ॥ दिवा ल. ९।१२, रात्रौ अ.गो. (रात्रौ भौ. ७ दो.)
	मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः
नवं. २९	२ शनौ मूले रे ८ ऽ॥॥॥॥ऽ॥॥ दिवा १२।१ रात्रौ ५।६ (सिंहः सोग्रांगः, कन्या.श. १२ दो.)
नवं. ३०	३ रवौ मूले रे ८ ऽ॥॥॥॥ऽ॥॥ दिवा १० (सोग्रांगः, के. ७ दो.)
दिसं. १	४ चंद्रे उषा. रे ६ ।ऽऽगुशु॥॥ऽऽ॥ रात्रौ ३ (परमावश्यके बु. ६ दोषः, गु. रा. चं. ७ दो.)
दिसं. २	४ भौमे उषा. रे ९ ॥ऽगुशु॥॥॥॥॥ दिवा.ल.१२।२, रात्रौ अ.गो. (अ.गो.भौ.७ दो., दिवा ल. पातोपग्रह रे. ७)
दिसं. ७	९ रवौ उभा. रे ८ ऽ॥॥ऽ॥॥॥॥ दिवा ल. ९।१० (मकरे के. ७ दो.)
दिसं. ७	९ रवौ उभा. रे ७ ऽ॥॥ऽ॥॥॥ऽद. दिवा १,रात्रौ गोधूलि (गो. भौ ७ दो. स्टें. ९८।०५ या.)
दिसं. ११	१४ गुरौ रोहि. रे ८ ॥॥ऽशु॥॥ऽ॥ रात्रौ ३।५ (मि. बु. ७ पू. स्टें. १९।१९ उप., सिं. सोग्रांगः)
दिसं. १२	१५ भृगौ रोहि. रे ९ ॥॥॥॥॥ऽ॥ दिवा १२।१
दिसं. १२	१५ भृगौ मृगे रे ६ ।ऽ।ऽगुऽ॥ऽ॥ रात्रौ ५।७ (सिंहः सोग्रांगः)
	अग्रे धनुष्यर्कः तदुपरान्त गुरोरस्तः
सन्२००९	फाल्गुन कृष्णपक्षः
फर. १२	३ गुरौ उफा. रे १० ॥॥॥॥॥॥॥॥ दि. ३, रात्रौ गोधूलि (गो. भौ. ७ दो.)
फर. १२	३ गुरौ हस्ते रे ६ ॥॥ऽशुऽ॥ऽ।ऽ द. रात्रौ ल. ८।९
फर. १३	४ भृगौ हस्ते रे ७ ॥॥ऽशुऽ॥ऽ॥ दिवा ल. २।३
फर. १६	७ चंद्रे अनु. रे ९ ॥॥॥॥॥ऽ॥ रात्रौ ल. ९
फर. १७	८ भौमे अनु. रे ९ ॥॥॥॥॥ऽ॥ दिवा ल. १२।२, रात्रौ अ. गो. ६ (कन्या. शु. ७ पू.)
फर. २०	११ शुक्रे मूले रे ८ ॥॥॥॥ऽऽ॥ दिवा ल. १२
	फाल्गुन शुक्लपक्षः
फर. २६	१ गुरौ उभा. रे ९ ।ऽ॥॥॥॥॥॥ रात्रौ ल. ८।९
फर. २७	२ शुक्रे रेवत्यां रे ८ ऽ।ऽशु॥॥॥॥॥ रात्रौ ल. ८।९
फर. २८	३ शनौ रेवत्यां रे ७ ऽ।ऽशु॥॥॥॥ऽ द. दिवा ल. २।३

॥ कात्यायनोक्त विवाह मुहूर्ताः नक्षत्र चतुष्टयी ॥

सन्२००८	चैत्रशुक्लपक्षः
अप्रे. १९	१४ शनौ चित्रा रे.७ ।ऽ॥ऽ॥ऽ॥ रात्रौ ल. १२
अप्रे. २०	१५ रवौ चित्रा रे.७ ।ऽ॥ऽ॥ऽ॥ दिवा ल. ३।४ (मिथु. सोग्रांगः)
	आषाढ शुक्लपक्षः
जुला. १०	८ गुरौ चित्रा रे.८ ॥॥॥॥॥ऽ।ऽद.दिवा ल.८ रात्रौ अ.गो.
जुला. १०	८ गुरौ चित्रा रे.९ ॥॥॥॥॥ऽ॥ रात्रौ ल. १२।१ (मेषे चं. ७ पू.)
जुला. ११	९ भृगौ चित्रा रे.९ ॥॥॥॥॥ऽ॥ दिवा ल. ४ (रा. ७ दो.)
	मार्गशीर्ष कृष्णपक्षः
नवं. २३	११ रवौ चित्रा. रे.९ ॥॥॥॥॥ऽ॥ रात्रौ ४।५ (कर्कः सोग्रांगः, रा. ७ दो. स्टें. २२।४५ उप. सिंह सोग्रांगः)
नवं. २४	१२ चंद्रे चित्रा रे.९ ॥॥॥॥॥ऽ॥ दिवा ल.९।१२,रात्रौ ३।४ (मिथु. बु. ६ दो. कर्कः सोग्रांगः, रा. ७ दो.)
	मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः
दिसं. २	४ भौमे श्रवणे रे.९ ॥॥॥॥॥ऽ॥ रात्रौ ल. ६।७ (कन्या श. १२ दोषः)
दिसं. ३	५ बुधे श्रवणे रे.९ ॥॥॥॥॥ऽ॥ दिवा ल. ९।१२, रात्रौ अ. गो. ३ (गोधू. भौ. ७ दो. मिथु. बु. ६ दो.)
दिसं. ९	११ भौमे अश्वि. रे.१० ॥॥॥॥॥॥॥॥ दिवा १२ रात्रौ अ. गो. (अ. गो. भौम ७ दो.)

(दृष्टिदोषश्चेत् क्षन्तव्यं सुधिभिः)

गणितकर्ता- श्री श्री ५०८ पं. ईश्वरदत्त शर्म्मणोऽनुगृहीत शिष्यः
पं. ग्यारसीलाल शर्मा (शास्त्री)
५८, राम कुटीर, ३ रा माला, हनुमान रोड
विलेपार्ले (पूर्व) मुम्बई ४०००५७. दू. २६१६६७८३

CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

॥ संवत् २०६५मध्ये उपनयनादि मुहूर्त्ताः ॥

अथ उपनयन मुहूर्त्ताः

सन२००८		चैत्र शुक्लपक्षः
अप्रे.	७	शु.२ चंद्रेऽश्विन्यामभिजिति
		वैशास्व मासः
अप्रे.	२३	कृ.३ बुधेऽनुराधा. ल. २
सन२००९		फाल्गुन मासः
फर.	१२	कृ.३ गुरौ उ.फा. अभिजिति
फर.	१३	कृ.४ शुक्रे हस्ते ल. २
फर.	२६	शु.१ गुरौ पू.भा. अभिजिति
फर.	२७	शु.२ शुक्रे उ.भा. अभिजिति

अथ देव प्रतिष्ठा मुहूर्त्ताः

सन२००८		चैत्र शुक्लपक्षः
अप्रे.	१७	शु.१२ गुरौ उ.फा. अभिजिति
अप्रे.	१८	शु.१३ शुक्रे हस्ते अभिजिति
अप्रे.	२०	शु.१५ रवौ चित्रा. अभिजिति
		वैशास्व मासः
अप्रे.	२३	कृ.३ बुधे अनु. ल. २
		आषाढ मासः
जुला.	९	शु.७ बुधे हस्ते ल. ६
जुला.	१२	शु.१० शनौ स्वात्यां अभिजिति
सन२००९		फाल्गुन मासः
फर.	१३	कृ.४ शुक्रे हस्ते ल. २।३ (वृषः स्टै. १२।३६ उप.)
फर.	१४	कृ.५ शनौ चित्रा. अभिजिति
फर.	१५	कृ.६ रवौ स्वात्यां अभिजिति
फर.	२७	शु.२ शुक्रे उ.भा. अभिजिति
		चैत्र कृष्णपक्षः
मार्च	१२	कृ.२ गुरौ हस्ते अभिजिति

अथ गेहारंभ (भूमि पूजन) मुहूर्त्ताः

सन२००८		चैत्र शुक्लपक्षः
अप्रे.	१८	शु.१३ शुक्रे उ.फा. ल. २।३ (मिथु. स्टै. ११।२३ यावत्)
अप्रे.	१८	शु.१३ शुक्रे हस्ते अभिजिति
		वैशास्व मासः
अप्रे.	२३	कृ.३ बुधेऽनुराधा. ल. २
		आषाढ मासः
जुला.	१८	शु.१५ शुक्रे उ.षा. ल. ६ (श.मं.१२ दो., स्टै.१०।५० उप.)
		श्रावण मासः
जुला.	२१	कृ.३ चंद्रे शत. ल. ९
		श्रावण मासः
अग.	१४	शु.१३ गुरौ उ.षा. अभिजिति
अग.	१५	शु.१४ शुक्रे उ.षा. ल. ५।६ (ति.दो.)
		भाद्रपद मासः
अग.	१८	कृ.२ चंद्रे शत. अभिजिति
सित.	११	शु.११ गुरौ उ.षा. ल. ९ (स्टै. १४।४९ उप.)
सितं.	१३	शु.१३ शनौ धनि. अभिजिति
		कार्तिक मासः
नवं.	१०	शु.१२ चंद्रे उ.भा. अभिजिति
		मार्गशीर्ष मासः
नवं.	१४	कृ.१ शुक्रे रोहि. अभिजिति
दिसं.	१२	शु.१५ शुक्रे रोहि. अभिजिति
		पौष मासः
दिसं.	१३	कृ.१ शनौ मृगे अभिजिति
सन२००९		फाल्गुन मासः
फर.	१३	कृ.४ शुक्रे हस्ते अभिजिति

वृषचक्ररहिताः गेहारंभ (भूमिपूजन) मुहूर्त्ताः

सन२००८		श्रावण मासः
जुला.	२३	कृ.५ बुधे उ.भा. ल. ६।९ (कन्या श. मं. १२ दो.)
अग.	७	शु.६ गुरौ चित्रा अभिजिति
		भाद्रपद मासः
अग.	२५	कृ.९ चंद्रे मृगे ल. ९
सितं.	१	शु.२ चंद्रे उ.फा. अभिजिति
		कार्तिक मासः
अक्टू.	१८	कृ.४ शनौ रोहि. ल. ११।१२ (मीन स्टै. १७।२० या.)
अक्टू.	२५	कृ.१२ शनौ उ.फा. ल. ११ (स्टै. १४।५२ उप.)
		मार्गशीर्ष मासः
नवं.	२२	कृ.१० शनौ उ.फा. अभिजिति
नवं.	२४	कृ.१२ चंद्रे चित्रायामभिजिति
दिसं.	४	शु.६ गुरौ धनि. ल. १२
सन२००९		फाल्गुन मासः
फर.	१४	कृ.५ शनौ चित्रा. अभिजिति
फर.	२७	शु.२ शुक्रे उ.भा. अभिजिति
		चैत्र मासः
मार्च	१४	कृ.४ शनौ स्वातौ ल. ५ (स्टै. १८।०० या.)

संवत् २०६५ मध्ये नूतन गृहप्रवेश (वास्तु) मुहूर्त्ताऽभावः

कुंभचक्ररहिताः नूतनगृहप्रवेश(वास्तु) मुहूर्त्ताः

सन२००८		वैशास्व मासः
अप्रे.	२३	कृ.३ बुधे अनु. ल. २
सन२००९		फाल्गुन मासः
फर.	१२	कृ.३ गुरौ उ.फा. ल. ३ (सू.मं.बु. गु. रा. १२ दो., रि. ति.दो.)
फर.	१४	कृ.५ शनौ चित्रा. अभिजिति
फर.	२७	शु.२ शुक्रे उ.भा. अभिजिति
फर.	२८	शु.३ शनौ रेवत्यां अभिजिति (री.ति.दो.)

अथ जीर्ण गृहप्रवेश (वास्तु) मुहूर्त्ताः

सन२००८		श्रावण मासः
अग.	८	शु.७ शुक्रे स्वात्यां अभिजिति (स्टै. १२।४८ या.)
		कार्तिक मासः
नवं.	८	शु.१० शनौ शत. अभिजिति
		मार्गशीर्ष मासः
दिसं.	४	शु.६ गुरौ धनि. अभिजिति
दिसं.	५	शु.७ शुक्रे शत. अभिजिति

कुंभचक्ररहिता जीर्णगृहप्रवेश (वास्तु) मुहूर्त्ताः

सन२००८		वैशास्व मासः
अप्रे.	२१	कृ.१ चंद्रे स्वात्यां अभिजिति

CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

॥ सन् २००८-०९, संवत् २०६५ ॥ + (उत्तर) रविक्रान्ति-रेत्वे प्रातः ६।२७ बजे (अंश-कलादौ) - (दक्षिण)

ता.	अप्रेल	मई	जून	जुलाई	अगस्त	सितंबर	अक्टूबर	नवंबर	दिसंबर	जनवरी	फरवरी	मार्च
१	. . . .	+१५।०८	+२२।०५	+२३।०६	+१७।५८	+ ८।१२	- ३।१६	-१४।२९	-२१।५०	-२३।००	-१७।०७	- ७।३६
२	. . . .	+१५।२६	+२२।१३	+२३।०१	+१७।४३	+ ७।५१	- ३।३९	-१४।४८	-२१।५९	-२२।५५	-१६।४९	- ७।१३
३	. . . .	+१५।४४	+२२।२०	+२२।५७	+१७।२७	+ ७।२९	- ४।०२	-१५।०७	-२२।०८	-२२।५०	-१६।३२	- ६।५०
४	. . . .	+१६।०२	+२२।२७	+२२।५१	+१७।११	+ ७।०७	- ४।२५	-१५।२६	-२२।१६	-२२।४३	-१६।१४	- ६।२७
५	. . . .	+१६।१९	+२२।३४	+२२।४६	+१६।५५	+ ६।४४	- ४।४८	-१५।४४	-२२।२३	-२२।३७	-१५।५६	- ६।०४
६	. . . .	+१६।३६	+२२।४०	+२२।४०	+१६।३९	+ ६।२२	- ५।११	-१६।०२	-२२।३१	-२२।३०	-१५।३८	- ५।४१
७	+ ६।५४	+१६।५२	+२२।४६	+२२।३४	+१६।२२	+ ६।००	- ५।३४	-१६।२०	-२२।३८	-२२।२३	-१५।१९	- ५।१७
८	+ ७।१७	+१७।०९	+२२।५२	+२२।२७	+१६।०५	+ ५।३७	- ५।५७	-१६।३७	-२२।४४	-२२।१५	-१५।००	- ४।५४
९	+ ७।३९	+१७।२५	+२२।५७	+२२।२०	+१५।४८	+ ५।१४	- ६।२०	-१६।५५	-२२।५०	-२२।०६	-१४।४१	- ४।३१
१०	+ ८।०१	+१७।४१	+२३।०२	+२२।१२	+१५।३०	+ ४।५२	- ६।४३	-१७।१२	-२२।५६	-२१।५८	-१४।२२	- ४।०७
११	+ ८।२४	+१७।५६	+२३।०६	+२२।०५	+१५।१२	+ ४।२९	- ७।०६	-१७।२८	-२३।०१	-२१।४९	-१४।०२	- ३।४४
१२	+ ८।४६	+१८।११	+२३।१०	+२१।५६	+१४।५५	+ ४।०६	- ७।२८	-१७।४५	-२३।०५	-२१।३९	-१३।४२	- ३।२०
१३	+ ९।०७	+१८।२६	+२३।१३	+२१।४८	+१४।३६	+ ३।४३	- ७।५१	-१८।०१	-२३।१०	-२१।२९	-१३।२२	- २।५६
१४	+ ९।२९	+१८।४१	+२३।१६	+२१।३९	+१४।१८	+ ३।२०	- ८।१३	-१८।१६	-२३।१३	-२१।१९	-१३।०२	- २।३३
१५	+ ९।५०	+१८।५५	+२३।१९	+२१।२९	+१३।५९	+ २।५७	- ८।३५	-१८।३२	-२३।१७	-२१।०८	-१२।४१	- २।०९
१६	+१०।१२	+१९।०९	+२३।२१	+२१।२०	+१३।४०	+ २।३४	- ८।५७	-१८।४७	-२३।१९	-२०।५७	-१२।२१	- १।४५
१७	+१०।३३	+१९।२३	+२३।२३	+२१।१०	+१३।२१	+ २।११	- ९।१९	-१९।०२	-२३।२२	-२०।४५	-१२।००	- १।२२
१८	+१०।५४	+१९।३६	+२३।२५	+२०।५९	+१३।०२	+ १।४८	- ९।४१	-१९।१६	-२३।२४	-२०।३३	-११।३९	- ०।५८
१९	+११।१५	+१९।४९	+२३।२६	+२०।४८	+१२।४२	+ १।२४	-१०।०३	-१९।३०	-२३।२५	-२०।२१	-११।१७	- ०।३४
२०	+११।३५	+२०।०१	+२३।२६	+२०।३७	+१२।२३	+ १।०१	-१०।२४	-१९।४४	-२३।२६	-२०।०८	-१०।५६	- ०।१०
२१	+११।५६	+२०।१४	+२३।२६	+२०।२६	+१२।०३	+ ०।३८	-१०।४६	-१९।५७	-२३।२६	-१९।५५	-१०।३४	+ ०।१३
२२	+१२।१६	+२०।२६	+२३।२६	+२०।१४	+११।४३	+ ०।१४	-११।०७	-२०।१०	-२३।२६	-१९।४१	-१०।१२	+ ०।३७
२३	+१२।३६	+२०।३७	+२३।२६	+२०।०२	+११।२२	- ०।०९	-११।२८	-२०।२३	-२३।२६	-१९।२७	- ९।५१	+ १।०१
२४	+१२।५६	+२०।४८	+२३।२४	+१९।४९	+११।०२	- ०।३२	-११।४९	-२०।३५	-२३।२५	-१९।१३	- ९।२८	+ १।२४
२५	+१३।१६	+२०।५९	+२३।२३	+१९।३७	+१०।४१	- ०।५६	-१२।१०	-२०।४७	-२३।२३	-१८।५८	- ९।०६	+ १।४८
२६	+१३।३५	+२१।१०	+२३।२१	+१९।२३	+१०।२१	- १।१९	-१२।३०	-२०।५८	-२३।२२	-१८।४३	- ८।४४	+ २।११
२७	+१३।५४	+२१।२०	+२३।१९	+१९।१०	+१०।००	- १।४२	-१२।५१	-२१।१०	-२३।१९	-१८।२८	- ८।२१	. . . .
२८	+१४।१३	+२१।३०	+२३।१६	+१८।५६	+ ९।३८	- २।०६	-१३।११	-२१।२०	-२३।१६	-१८।१२	- ७।५९	. . . .
२९	+१४।३२	+२१।३९	+२३।१३	+१८।४२	+ ९।१७	- २।२९	-१३।३१	-२१।३१	-२३।१३	-१७।५६	. . . .	. . . .
३०	+१४।५०	+२१।४८	+२३।१०	+१८।२८	+ ८।५६	- २।५२	-१३।५१	-२१।४०	-२३।०९	-१७।४०	. . . .	. . . .
३१	. . . .	+२१।५७	. . . .	+१८।१३	+ ८।३४	. . . .	-१४।१०	. . . .	-२३।०५	-१७।२३	. . . .	. . . .

उत्तर (धन) दक्षिण (ऋण)

महापात योगाः (स्टै. समय में) संवत् २०६५ (सन २००८-०९)

	महापात स्पर्शः		महापात मोक्षः	
योगाः	तारीख्स	घं. मि.	तारीख्स	घं. मि.
व्यती.	१५ अप्रे.	२०।५२	१५ अप्रे.	२५।०९
वैधृति	२९ अप्रे.	१७।०३	२९ अप्रे.	२१।४२
व्यती.	११ मई	१३।३०	११ मई	१८।२४
वैधृति	२५ मई	११।५२	२५ मई	१८।२१
व्यती.	६ जून	१९।०१	६ जून	२५।०९
वैधृति	२० जून	२३।२२	२१ जून	७।३६
व्यती.	२९ जून	२१।०२	२९ जून	२७।२२
वैधृति	१२ जुला.	१४।५५	१२ जुला.	२१।५८
व्यती.	२६ जुला.	७।२९	२६ जुला.	१२।२६
वैधृति	७ अग.	१४।१५	७ अग.	१९।२९
व्यती.	२० अग.	२८।३६	२१ अग.	८।४२
वैधृति	२ सितं.	९।३०	२ सितं.	१३।४४
व्यती.	१५ सितं.	२३।१९	१५ सितं.	२७।०५
वैधृति	२७ सितं.	२६।४६	२८ सितं.	६।४४
व्यती.	११ अक्टू.	१७।४६	११ अक्टू.	२१।४९
वैधृति	२३ अक्टू.	१७।०४	२३ अक्टू.	२१।२२
व्यती.	६ नवं.	९।१०	६ नवं.	१४।२३
वैधृति	१८ नवं.	९।५६	१८ नवं.	१५।०५
व्यती.	१ दिसं.	२६।००	२ दिसं.	९।३०
वैधृति	१४ दिसं.	१८।५९	१४ दिसं.	२५।४८
व्यती.	२३ दिसं.	२१।४७	२३ दिसं.	३०।३९
वैधृति	६ जन.	२६।२१	७ जन.	८।३१
व्यती.	१८ जन.	३०।२०	१९ जन.	१२।५१
वैधृति	१ फर.	२७।४८	२ फर.	८।३३
व्यती.	१३ फर.	२५।५२	१३ फर.	३०।३४
वैधृति	२७ फर.	१९।०७	२७ फर.	२३।१५
व्यती.	११ मार्च	२१।१६	११ मार्च	२५।११
वैधृति	२५ मार्च	९।५७	२५ मार्च	१४।०१

CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

संवत् २०६५ शाकः १९३० की मास दशा देखने की सारणी

मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
चै.शु. ०८ से शु द. उ. सू द. दि.२० प्र.	बै.शु. १० से शु द. उ. सू द. दि.२० प्र.	चै.कृ. १३ से रा द. उ. शु द. दि.७० प्र.	चै.कृ. ०३ से गु द. उ. रा द. दि.४२ प्र.	बै.कृ. ०४ से गु द. उ. रा द. दि.४२ प्र.	चै.कृ. ०५ से श द. उ. गु द. दि.५८ प्र.	फा.शु.१५ से बु द. उ. श द. दि.३६ प्र.	चै.शु. १५ से बु द. उ. श द. दि.३६ प्र.	चै.कृ. ०३ से मं द. उ. बु द. दि.५६ प्र.	चै.कृ. ०४ से चं द. उ. मं द. दि.२८ प्र.	बै.कृ. ०४ से चं द. उ. मं द. दि.२८ प्र.	चै.कृ. १२ से सू द. उ. चं द. दि.५० प्र.
बै.कृ. १३ से सू द. उ. चं द. दि.५० प्र.	ज्ये.कृ.३० से सू द. उ. चं द. दि.५० प्र.	ज्ये.शु.११ से शु द. उ. सू द. दि.२० प्र.	बै.शु. ०१ से रा द. उ. शु द. दि.७० प्र.	ज्ये.शु.०३ से रा द. उ. शु द. दि.७० प्र.	ज्ये.कृ.०५ से गु द. उ. रा द. दि.४२ प्र.	बै.कृ. ०६ से श द. उ. गु द. दि.५८ प्र.	ज्ये.कृ.०६ से श द. उ. गु द. दि.५८ प्र.	बै.शु. १५ से बु द. उ. श द. दि.३६ प्र.	बै.कृ. ०२ से मं द. उ. बु द. दि.५६ प्र.	ज्ये.कृ.०२ से मं द. उ. बु द. दि.५६ प्र.	ज्ये.कृ.०४ से चं द. उ. मं द. दि.२८ प्र.
आ.कृ.०४ से चं द. उ. मं द. दि.२८ प्र.	श्रा.कृ.०६ से चं द. उ. मं द. दि.२८ प्र.	आ.शु. ०२ से सू द. उ. चं द. दि.५० प्र.	आ.शु. १३ से शु द. उ. सू द. दि.२० प्र.	श्रा.शु. १५ से शु द. उ. सू द. दि.२० प्र.	आ.शु. ०५ से रा द. उ. शु द. दि.७० प्र.	आ.कृ. ०५ से गु द. उ. रा द. दि.४२ प्र.	श्रा.कृ. ०६ से गु द. उ. रा द. दि.४२ प्र.	आ.कृ. ०६ से श द. उ. गु द. दि.५८ प्र.	ज्ये.शु.१५ से बु द. उ. श द. दि.३६ प्र.	आ.शु. १५ से बु द. उ. श द. दि.३६ प्र.	आ.कृ. ०३ से मं द. उ. बु द. दि.५६ प्र.
श्रा.कृ.०३ से मं द. उ. बु द. दि.५६ प्र.	भा.कृ. ०५ से मं द. उ. बु द. दि.५६ प्र.	भा.कृ. ०८ से चं द. उ. मं द. दि.२८ प्र.	श्रा.शु. ०४ से सू द. उ. चं द. दि.५० प्र.	भा.शु. ०६ से सू द. उ. चं द. दि.५० प्र.	आ.कृ.०१ से शु द. उ. सू द. दि.२० प्र.	श्रा.शु. ०५ से रा द. उ. शु द. दि.७० प्र.	भा.शु. ०६ से रा द. उ. शु द. दि.७० प्र.	भा.कृ. ०७ से गु द. उ. रा द. दि.४२ प्र.	श्रा.कृ.०६ से श द. उ. गु द. दि.५८ प्र.	भा.कृ. ०७ से श द. उ. गु द. दि.५८ प्र.	भा.कृ. ०१ से बु द. उ. श द. दि.३६ प्र.
आ.कृ.०१ से बु द. उ. श द. दि.३६ प्र.	का.कृ.०३ से बु द. उ. श द. दि.३६ प्र.	आ.कृ.०७ से मं द. उ. बु द. दि.५६ प्र.	आ.कृ.११ से चं द. उ. मं द. दि.२८ प्र.	का.कृ.१३ से चं द. उ. मं द. दि.२८ प्र.	आ.शु. ०७ से सू द. उ. चं द. दि.५० प्र.	का.कृ.०२ से शु द. उ. सू द. दि.२० प्र.	मा.कृ. ०३ से शु द. उ. सू द. दि.२० प्र.	आ.शु. ०६ से रा द. उ. शु द. दि.७० प्र.	आ.कृ.०७ से गु द. उ. रा द. दि.४२ प्र.	का.कृ.०८ से गु द. उ. रा द. दि.४२ प्र.	आ.कृ.०८ से श द. उ. गु द. दि.५८ प्र.
का.कृ.०९ से श द. उ. गु द. दि.५८ प्र.	मा.कृ. १० से श द. उ. गु द. दि.५८ प्र.	मा.कृ. ०५ से बु द. उ. श द. दि.३६ प्र.	का.कृ.१० से मं द. उ. बु द. दि.५६ प्र.	मा.कृ. ११ से मं द. उ. बु द. दि.५६ प्र.	मा.कृ. १४ से चं द. उ. मं द. दि.२८ प्र.	का.शु.०७ से सू द. उ. चं द. दि.५० प्र.	मा.शु. ०७ से सू द. उ. चं द. दि.५० प्र.	पौ.कृ. ०३ से शु द. उ. सू द. दि.२० प्र.	का.शु.०५ से रा द. उ. शु द. दि.७० प्र.	मा.शु. ०५ से रा द. उ. शु द. दि.७० प्र.	मा.कृ. ०८ से गु द. उ. रा द. दि.४२ प्र.
पौ.कृ. ०९ से गु द. उ. रा द. दि.४२ प्र.	मा.कृ. १० से गु द. उ. रा द. दि.४२ प्र.	पौ.कृ. ११ से श द. उ. गु द. दि.५८ प्र.	पौ.कृ. ०८ से बु द. उ. श द. दि.३६ प्र.	मा.कृ. ०९ से बु द. उ. श द. दि.३६ प्र.	पौ.कृ. १२ से मं द. उ. बु द. दि.५६ प्र.	पौ.कृ. १४ से चं द. उ. मं द. दि.२८ प्र.	मा.कृ. १४ से चं द. उ. मं द. दि.२८ प्र.	पौ.शु. ०८ से सू द. उ. चं द. दि.५० प्र.	मा.कृ. ०३ से शु द. उ. सू द. दि.२० प्र.	फा.कृ.०३ से शु द. उ. सू द. दि.२० प्र.	पौ.शु. ०६ से रा द. उ. शु द. दि.७० प्र.
मा.शु. ०६ से रा द. उ. शु द. दि.७० प्र.	फा.शु.०८ से रा द. उ. शु द. दि.७० प्र.	फा.कृ.११ से गु द. उ. रा द. दि.४२ प्र.	मा.कृ. १३ से श द. उ. गु द. दि.५८ प्र.	फा.कृ.३० से श द. उ. गु द. दि.५८ प्र.	फा.कृ.१० से बु द. उ. श द. दि.३६ प्र.	मा.कृ. १३ से मं द. उ. बु द. दि.५६ प्र.	फा.कृ.१३ से मं द. उ. बु द. दि.५६ प्र.	फा.कृ.३० से चं द. उ. मं द. दि.२८ प्र.	मा.शु. ०७ से सू द. उ. चं द. दि.५० प्र.	फा.शु.०८ से सू द. उ. चं द. दि.५० प्र.	चै.कृ. ०४ से शु द. उ. सू द. दि.२० प्र.

संवत् २०६५, आश्विन कृष्णपक्ष में श्राद्धतिथि निर्णय, सन २००८

पूर्णिमा (पूनम) का श्राद्ध	सोमवार १५ सितंबर मध्यान्ह २।४२ बजे के पहले (भाद्रपदशुक्लपक्ष)	सप्तमी (सातं) का श्राद्ध	रविवार २१ सितंबर
प्रतिपदा (एकम) "	मंगलवार १६ सितंबर मध्यान्ह १।१४ बजे के पहले	अष्ठमी (आठं) "	सोमवार २२ सितंबर
द्वितीया (दूज) "	मंगलवार १६ सितंबर मध्यान्ह १।१४ बजे के बाद	नवमी (नौमी) "	मंगलवार २३ सितंबर
तृतीया (तीज) "	बुधवार १७ सितंबर मध्यान्ह ११।२१ बजे के बाद	दशमी (दस) "	बुधवार २४ सितंबर
चतुर्थी (चौथ) "	गुरुवार १८ सितंबर प्रातः ९।१० बजे के बाद	एकादशी "	गुरुवार २५ सितंबर
पंचमी (पांच) "	शुक्रवार १९ सितंबर प्रातः ६।४८ बजे के बाद	द्वादशी (बारस) "	शुक्रवार २६ सितंबर
षष्ठी (छठ) "	शनिवार २० सितंबर	त्रयोदशी (तेरस) "	शनिवार २७ सितंबर मध्यान्ह २।२२ बजे के पहले
		चतुर्दशी (चौदस) "	रविवार २८ सितंबर मध्यान्ह १।५१ बजे के पहले
		अमावस्या (मावस) "	सोमवार २९ सितंबर मध्यान्ह १।४३ बजे के पहले

CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

७ अप्रेल से २० अप्रेल तक, श्री चैत्र शुक्लपक्ष संवत् २०६५, शाकः १९३०, दि.मा.सू. सू. तारीख्स स्टै. प्रातः दैनिक केतकी अहर्गणः ५८४६ वसंतर्तू रविरुत्तरे, अप्रेल २००८

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प.	उ.	अ.	मा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
क्षयः	१	र	५९	३७	३०	१०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
सिंधारा	२	सो	५१	०६	२६	४४	अश्वि	३०	३३	१८	३१	वै	२ ५२	२८ ३५	७ २७	१७ ४९	बा	२५	२५	१६	२८	३१ १४	६ १८	६ ४७	१८	२९	७	मेषे	१११२३।३३।१७	५८।५६
गणगोर	३	मं	४२	३७	२३	१९	भर	२३	५८	१५	५२	प्री	४२	४६	२३	२३	तै	१६	५१	१३	०१	१८	१७	४८	१९	१	८	वृषे २१।१३	१११२४।३२।१४	५८।५४
सिद्धि	४	बु	३४	३४	२०	०५	कृति	१७	४१	१३	२०	आ	३३	१९	१९	३५	व	८	३२	९	४०	२२	१५	४८	२०	२	९	वृषे	१११२५।३१।०८	५८।५२
उत्पात	५	गु	२७	१९	१७	१०	रोहि	१२	०५	११	०४	सौ	२४	३२	१६	०३	ब	०	५०	६	३४	२६	१४	४९	२१	३	१०	मिथु. २२।०६	१११२६।२९।५९	५८।५०
मानस	६	शु	२१	११	१४	४२	मृग	७	३२	९	१४	शो	१६	३९	१२	५३	तै	२१	११	१४	४२	३०	१३	४९	२२	४	११	मिथु.	१११२७।२८।४९	५८।४७
मुद्गर	७	श	१६	२२	१२	४५	आर्द्रा	४	१५	७	५४	अ	९	५१	१०	०९	व	१६	२२	१२	४५	३४	१२	५०	२३	५	१२	कर्के २५।१७	१११२८।२७।३६	५८।४५
ध्वजा	८	र	१३	०१	११	२४	पुन	२	२५	७	०९	सु	४ ५९	५५ ४६	७ ३०	५३ ०६	ब	१३	०१	११	२४	३८	११	५०	२४	६	१३	कर्के	१११२९।२६।२९	५८।४३
रामनव	९	सो	११	१०	१०	३८	पुष्य	२	०३	६	५९	शू	५६	३०	२८	४६	कौ	११	१०	१०	३८	४२	१०	५१	२५	७	१४	कर्के	०।००।२५।०४	५८।४०
आनन्द	१०	मं	१०	४४	१०	२७	श्ले	३	०६	७	२३	गं	५४	१६	२७	५१	ग	१०	४४	१०	२७	४६	०९	५१	२६	८	१५	सिंहे ७।२३	०।०१।२३।४४	५८।३८
ए.व्र.	११	बु	११	३५	१०	४६	मघा	५	२५	८	१८	वृ	५२	५५	२७	१८	वि	११	३५	१०	४६	५०	०८	५२	२७	९	१६	सिंहे	०।०२।२२।२३	५८।३६
प्र.व्र.	१२	गु	१३	३४	११	३३	पूफा	८	५०	९	३९	धृ	५२	२३	२७	०४	बा	१३	३४	११	३३	५४	०७	५३	२८	१०	१७	कन्या १६।०३	०।०३।२०।५९	५८।३४
शुभ	१३	शु	१६	२९	१२	४२	उफा	१३	११	११	२३	व्या	५२	३१	२७	०६	तै	१६	२९	१२	४२	५७	०६	५३	२९	११	१८	कन्या	०।०४।०९।३२	५८।३२
मृत्यु	१४	श	२०	१३	१४	१०	हस्त	१८	२०	१३	२५	ह	५३	१३	२७	२२	व	२०	१३	१४	१०	३२ ०१	०५	५४	३०	१२	१९	तुला. २६।३३	०।०५।१८।०४	५८।२९
पूर्णिमा	१५	र	२४	३९	१५	५६	चित्रा	२४	११	१५	४४	व	५४	२६	२७	५१	ब	२४	३९	१५	५६	०५	०४	५४	३१	१३	२०	तुला.	०।०६।१६।३३	५८।२७

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।
संवत्सरारंभः रविवासरे [B रात्रौ ल. ८।१२ , बैशाख स्नानारंभः, D
चंद्रदर्शनम् (मु.१५), श्रृंगार (सिंधारा) देशाचारे, पुन. भौमः २९।२५
गणगौरी पूजा, अरुन्धती व्रतं पूजनञ्च, मन्वादि, मत्स्योत्पत्तिः, A
भ. ९।४० उ. २०।०५ या. [A मनोरथ तृतीया व्र., सौभाग्य शयन C
कल्पादि, डोलोत्सवः [D चित्रान्नदानं भक्ष.,अश्वमेधयज्ञफलं,मन्वादि
स्कन्द षष्ठी व्र. [C व्र., शिवशक्ति पू.,रविलास्सर ४, रेव.बुधः १५।०१
भ. १२।४५ उ. २४।०० या., अशोककलिका प्राशनं
भवान्युत्पत्तिः, मेषे अश्वि.रविः ७।५८ (सौरः १९।५६)
श्री रामनवमी, मेषे अश्वि. बुधः २९।२६, रेव. शुक्रः २६।२४
भ. २२।३३ उ. [E स्टै. ११।०० यावत्), शिव पूजन विशेषः
भ. १०।४६ या., कामदा ११ व्र., लक्ष्मीकान्त दोलोत्सवः
प्रदोषः,हरिदमनोत्सवः, उफा.रे.८ ऽ॥ऽशु॥॥॥॥ रात्रौ ल.अ.गो.८।१२
जैन महावीर जयंती, उफा.रे.८ ऽ॥ऽशु॥॥॥॥ दि. ल. २।३ (मिथु. E
भ. १४।१० उ. २७।०१ या., हस्ते रे. १० ॥॥॥॥॥॥॥ दिवा. ल. F
श्रीहनुमज्जयंती, पूर्णिमा व्रतंपुण्यञ्च, स्वातौ रे. ८ ॥॥ऽ॥ऽ॥ B
[F २।४, सायन वृषे भानुः २२।१२

अयनांशाः २३।५७।३१

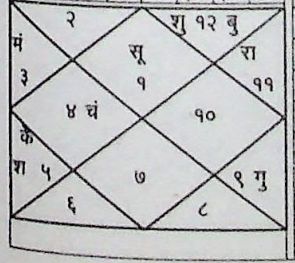
॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

संक्रांति फलम्

अयनांशाः २३।५७।३२

पं. १ चै.शु. ९ सो. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
०	२	११	८	११	४	१०	४
००	२२	२७	२७	१५	०८	००	००
२९	५२	५९	२४	३७	१३	५०	५०
५३	०१	२३	१८	३६	०२	४०	४०
५८	२९	१२४	४	७४	१	३	३
४५	०४	२६	३३	०३	५७	११	११
अ	पुन	रे	उभा	उभा	म	ध	म
१	१	४	१	४	३व	३	१



ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	अप्रे.	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	सायं	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ
१११२३।४०।२८	२ चं	७	६।३६	८।१२	१०।०८	१२।२३	२।४३	५।००	७।१६	९।३५	११।५४	१।५८	३।४२	५।१०
१११२४।३९।२५	३ मं	८	६।३२	८।०८	१०।०५	१२।१९	२।३९	४।५६	७।१२	९।३१	११।५०	१।५४	३।३८	५।०६
१११२५।३८।१८	४ बु	९	६।२८	८।०४	१०।०१	१२।१५	२।३५	४।५२	७।०८	९।२७	११।४६	१।५०	३।३४	५।०२
१११२६।३७।१०	५ गु	१०	६।२४	८।०१	९।५७	१२।११	२।३१	४।४८	७।०४	९।२३	११।४२	१।४७	३।३०	४।५८
१११२७।३५।५९	६ शु	११	६।२१	७।५७	९।५३	१२।०७	२।२७	४।४४	७।००	९।१९	११।३८	१।४३	३।२६	४।५५
१११२८।३४।४६	७ श	१२	६।१७	७।५३	९।४९	१२।०३	२।२४	४।४०	६।५६	९।१५	११।३४	१।३९	३।२२	४।५१
१११२९।३३।३१	८ र	१३	६।१३	७।४९	९।४५	१२।००	२।२०	४।३६	६।५२	९।११	११।३०	१।३५	३।१८	४।४७
००।००।३२।१३	९ चं	१४	६।०९	७।४५	९।४१	११।५६	२।१६	४।३३	६।४८	९।०७	११।२६	१।३१	३।१४	४।४३
००।०१।३०।५३	१० मं	१५	६।०५	७।४१	९।३७	११।५२	२।१२	४।२९	६।४४	९।०४	११।२२	१।२७	३।१०	४।३९
००।०२।२९।३१	११ बु	१६	६।०१	७।३७	९।३३	११।४८	२।०८	४।२५	६।४०	९।००	११।१८	१।२३	३।०६	४।३५
००।०३।२८।०७	१२ गु	१७	५।५७	७।३३	९।२९	११।४४	२।०४	४।२१	६।३७	८।५६	११।१४	१।१९	३।०२	४।३१
००।०४।२६।४०	१३ शु	१८	५।५३	७।२९	९।२५	११।४०	२।००	४।१७	६।३३	८।५२	११।१०	१।१५	२।५८	४।२७
००।०५।२५।१२	१४ श	१९	५।४९	७।२५	९।२१	११।३६	१।५६	४।१३	६।२९	८।४८	११।०६	१।११	२।५४	४।२३
००।०६।२३।४१	१५ र	२०	५।४५	७।२१	९।१७	११।३२	१।५२	४।०९	६।२५	८।४४	११।०२	१।०७	२।५०	४।१९

ता. १३ अप्रेल २००८
चैत्र शु. ८ रवौ मेषेऽर्कः प्र. (स्टै.)
टा. ५७।५८ वारात् ३ नक्षत्रात् ४
वारनाम घोरा शूद्रान् सुस्पदा
नक्षत्रनाम ध्वांक्षी वैश्यान् सुस्पदा
अपरान्ह ३ प्रहर व्यापिनी वैश्यान्
हन्ति, दक्षिणे गमनं नैऋत्यां दृष्टिः
बालवकरणे प्रविष्टा मध्यनफलं
व्याघ्रवाहनं अश्वोपवाहनं भीतिकारक
पीतवस्त्रं गदायुधं रौप्यपात्रं पायसभक्षणं
कुंकुमलेपनं भूतजातिः जातिपुष्पं
कंकणभूषणं पर्णकंचुकी कुमारिकावस्था
(बैठी) मु. ३० धान्यभावे सम वत्स
पश्चिमा. राहु दक्षिणे मूलं पातालें
विवाहस्तंभो नैऋत्यां शुक्रोदयः
पूर्वस्याम्। पुण्यकालः (स्टै.) ११।५८
से २३।५८ तक। (दान- मेष)।

पं. २ बै.कृ. १ सो. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
०	२	०	८	११	४	१०	४
०७	२६	१२	२७	२४	०८	००	००
२०	१८	४४	५२	१५	०१	२८	२८
१२	२४	५४	३०	२७	३१	२६	२६
५८	३०	१२७	३	७४	१	३	३
३२	०३	३९	२०	००	१४	११	११
अ	पुन	अ	उभा	रे	म	ध	म
३	२	४	१	३	३व	३	१



CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

॥ श्रीवल्लभ मनोरम पञ्चाङ्गम् ॥

२१ अप्रेल से ५ मई तक, श्री वैशाख कृष्णपक्ष संवत् २०६५, शाकः १९३०, दि.मा.सू. सू. तारीख स्टै. प्रातः दैनिक ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे चैत्रकृष्णेति गुर्जराः, अप्रेल-मई २००८

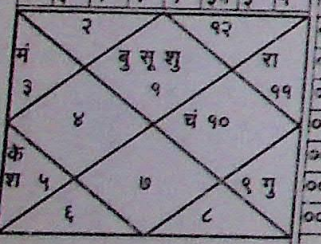
योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
छत्र	१	सो	२९	४५	१७	५७	स्वा	३०	३९	१८	१९	सि	५६	०८	२८	३०	कौ	२९	४५	१७	५७	३२	६	६	१	१४	२१	तुला.	०।०७।१५।००	५८।२५
श्रीवत्स	२	मं	३५	२५	२०	१२	विशा	३७	४०	२१	०६	व्य	५८	१३	२९	२०	तै	२	३२	७	०३	१३	०२	५५	२	१५	२२	वृश्चि.	०।०८।१३।२५	५८।२३
सौम्य	३	बु	४१	२८	२२	३७	अनु	४५	०४	२४	०३	व	...	...	..	...	व	८	२५	९	२३	१६	०१	५६	३	१६	२३	वृश्चि.	०।०९।१९।४८	५८।२१
ध.ब्र.	४	गु	४७	४३	२५	०५	ज्ये	५२	३६	२७	०३	व	०	३७	६	१५	ब	१४	३८	११	५९	२०	००	५६	४	१७	२४	धनु. २७।०३	०।१०।१०।०८	५८।१८
ध्रुवस्थिर	५	शु	५३	४१	२७	२८	मूल	५९	५२	२९	५६	प	३	००	७	१२	कौ	२०	४७	१४	१८	२४	०१	५७	५	१८	२५	धनु.	०।११।०८।२७	५८।१६
मातङ्ग	६	श	५८	५६	२९	३३	पूषा	...	...	...	...	शि	५	०८	८	०२	ग	२६	२७	१६	३३	२७	५९	५८	६	१९	२६	धनु.	०।१२।०६।४३	५८।१४
शुभ	७	र	...	...	..	..	पूषा	६	२६	८	३२	सि	६	४०	८	३८	वि	३१	९०	१८	२६	३१	५८	५८	७	२०	२७	मक. १५।०७	०।१३।०४।५७	५८।१२
काण	७	सो	३	०१	७	०९	उषा	११	४६	१०	३९	सा	७	१५	८	५१	ब	३	०१	७	०९	३४	५७	५९	८	२१	२८	मक.	०।१४।०३।१०	५८।१०
लुम्बक	८	मं	५	२६	८	०७	श्रव	१५	२८	१२	०७	शु	६	३२	८	३३	कौ	५	२६	८	०७	३८	५६	५९	९	२२	२९	कुंभे २४।३४	०।१५।०९।२०	५८।०८
मित्र	९	बु	५	५५	८	१७	धनि	१७	१५	१२	४९	शु	४	१९	७	३९	ग	५	५५	८	१७	४२	५५	७ ००	१०	२३	३०	कुंभे	०।१५।५९।२८	५८।०६
वज्र	१०	गु	४	१८	७	३७	शत	१६	५८	१२	४२	ब्र	० ५४	२७ ५३	६ २७	०५ ५२	वि	४	१८	७	३७	४५	५४	०० ५९	११	२४	१	कुंभे	०।१६।५७।३३	५८।०४
ए.ब्र.	११	शु	०	३७	६	०८	पूभा	१४	३९	११	४५	वै	४७	४७	२५	००	बा	०	३७	६	०८	४८	५४	०१	१२	२५	२	मीने ६।०४	०।१७।५५।३७	५८।०२
क्षयः	१२	शु	५४	५७	२७	५२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
प्र.ब्र.	१३	श	४७	४२	२४	५८	उभा	१०	३०	१०	०५	वि	३९	१७	२१	३५	ग	२१	३१	१४	२९	५२	५३	०२	१३	२६	३	मीने	०।१८।५३।३९	५८।००
प्रवर्धमा	१४	र	३९	११	२१	३३	रेव	४ ५७	४८ ५७	७ २९	४७ ०३	प्री	२९	४२	१७	४५	वि	१३	३५	११	१८	५५	५२	०२	१४	२७	४	मेषे ७।४७	०।१९।५१।३९	५७।५८
अमाव.	३०	सो	२९	५३	१७	४८	भर	५०	३०	२६	०३	आ	१९	२२	१३	३६	च	४	३७	७	४२	५९	५१	०३	१५	२८	५	मेषे	०।२०।४९।३७	५७।५६

अयनांशाः २३।५७।३३

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

पं. ३ बै.कृ. ७ सो. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
०	२	०	८	०	४	१०	४
१४	२९	२७	२८	०२	०७	००	००
०८	५१	१४	१२	५३	५५	०६	०६
५८	१५	५२	०१	००	०३	११	११
५८	३०	११६	२	७३	०	३	३
१९	५४	४५	०४	५७	३०	९१	९१
म	पुन	कृ	उषा	अ	म	घ	म
१	३	१	१	१	३न	३	१



ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	अप्रे.	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	सायं	रात्री	रात्री	रात्री	रात्री	रात्री
००।०७।२२।०७	१ चं	२१	५।४९	७।१७	९।१३	११।२८	१।४८	४।०५	६।२९	८।४०	१०।५९	१।०३	२।४७	४।१५
००।०८।२०।३२	२ मं	२२	५।३७	७।१३	९।०९	११।२४	१।४४	४।०९	६।१७	८।३६	१०।५५	१२।५९	२।४३	४।११
००।०९।१८।५४	३ बु	२३	५।३३	७।०९	९।०५	११।२०	१।४०	३।५७	६।१३	८।३२	१०।५१	१२।५५	२।३९	४।०७
००।१०।१७।१५	४ गु	२४	५।२९	७।०५	९।०१	११।१६	१।३६	३।५३	६।०९	८।२८	१०।४७	१२।५१	२।३५	४।०३
००।११।१५।३३	५ शु	२५	५।२५	७।०१	८।५८	११।१२	१।३२	३।४९	६।०५	८।२४	१०।४३	१२।४७	२।३१	३।५९
००।१२।१३।४९	६ श	२६	५।२१	६।५८	८।५४	११।०८	१।२८	३।४५	६।०१	८।२०	१०।३९	१२।४३	२।२७	३।५५
००।१३।१२।०३	७ र	२७	५।१७	६।५४	८।५०	११।०४	१।२४	३।४१	५।५७	८।१६	१०।३५	१२।४०	२।२३	३।५१
००।१४।१०।१५	७ चं	२८	५।१४	६।५०	८।४६	११।००	१।२१	३।३७	५।५३	८।१२	१०।३१	१२।३६	२।१९	३।४८
००।१५।०८।२४	८ मं	२९	५।१०	६।४६	८।४२	१०।५७	१।१७	३।३३	५।४९	८।०८	१०।२७	१२।३२	२।१५	३।४४
००।१६।०६।३२	९ बु	३०	५।०६	६।४२	८।३८	१०।५३	१।१३	३।३०	५।४५	८।०४	१०।२३	१२।२८	२।११	३।४०
००।१७।०४।३८	१० गु	१	५।०२	६।३८	८।३४	१०।४९	१।०९	३।२६	५।४१	८।००	१०।१९	१२।२४	२।०७	३।३६
००।१८।०२।४५	११ शु	२	४।५८	६।३४	८।३०	१०।४५	१।०५	३।२२	५।३७	७।५७	१०।१५	१२।२०	२।०३	३।३२
००।१९।००।४३	१२ श	३	४।५४	६।३०	८।२६	१०।४१	१।०१	३।१८	५।३४	७।५३	१०।११	१२।१६	१।५९	३।२८
००।१९।५८।४३	१३ र	४	४।५०	६।२६	८।२२	१०।३७	१२।५७	३।१४	५।३०	७।४९	१०।०७	१२।१२	१।५५	३।२४
००।२०।५६।४०	१४ चं	५	४।४६	६।२२	८।१८	१०।३३	१२।५३	३।१०	५।२६	७।४५	१०।०३	१२।०८	१।५१	३।२०

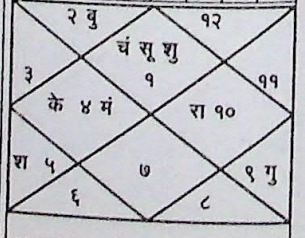
मास फलम्

इस माह में पांच सोमवार होने से धान्य सस्ता हो। वैशाख में पांच मंगलवार होने से अग्नि का भय हो तथा कहीं वर्षा में देरी हो। सोमवारी अमावस होने से सुभिक्ष क्षेम आरोग्य वर्षा का प्रबल उदय हो लेकिन भरणी होने से व्याधि हो। शुक्ला चतुर्थी का क्षय होने से गूंग घी महंगें हों। शुक्ला ३ को मृगशिरा होने से दुर्भिक्ष हो। शुक्ला पंचमी को शुक्रवार होने से कलह हो। शुक्ला नौमी को मघा होने से पृथ्वी पर बहुत कष्ट हो। पूर्णिमा मंगलवार और अनुराधा युक्त होने से व्याधि की वृद्धि हो। रस कस घृत महँगे हों, वस्त्रादि और रुई के भाव मंदे हो।

अयनांशाः २३।५७।३५

पं. ४ बै.कृ.३० सो. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
०	३	१	८	०	४	९	३
२०	०३	०९	२८	११	०७	२९	२९
५६	२९	४४	२२	३०	५३	४३	४३
१६	४७	५२	३२	१३	४५	५६	५६
५८	३१	९३	०	७३	०	३	३
०६	३९	०९	४५	५४	१४	११	११
ग	पु	कृ	उषा	अ	म	घ	श्ले
३	१	४	१	४	३	२	४



यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।
भा. वैशाख्यारंभः, भर. बुधः १२।३९, स्वातौ रे. ८ IIIIsIIsII E
[E दिवा ल. ३ (सोग्रांगः, गु. ७ पू.)
भ. ९।२३ उ. २२।३७ या.
अनुसूया जयंती, चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः २२।४५
बुधोदयः पश्चिमायाम् २९।२०, मेषे अश्वि. शुक्रः २१।४९
भ. २९।३३ उ.
शुक्रास्तः पूर्वस्याम्
भ. १८।२६ या., शुक्रास्तः पूर्वस्याम् २२।४६, A
बूढो बास्योड़ो, कर्के भौमः १२।४४
पंचक प्रारम्भः २४।३४, वृषे बुधः १६।०९, मकरे धनि.-२ B
भ. २०।०४ उ. [B राहुः २८।४०, कर्के श्लेषा.-४ केतुः २८।४०
भ. ७।३७ या., मई ५ ता. ३१
वरुथिनि ११ ब्र. [A भर. रविः ९।४८ (सौरः १२।१०), D
[D कृत्ति. बुधः २२।५६, अगस्त्यास्तः ११।३९
भ. २४।५८ उ., प्रदोषः, मार्गी शनिः २३।२२ [C पुष्ये भौमः २२।२५
भ. ११।१८ या., पंचक समाप्तिः ७।४७, मासिकशिवरात्री ब्र., C
देवपितृकार्येऽमा., सोमवती अमा., रोहि. बुधः ९।४५

CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

६ मई से २० मई तक, श्री वैशाख शुक्लपक्ष संवत् २०६५, शाकः १९३०, दि.मा.सू. सू. तारीख स्टै. प्रातः दैनिक केतकी अहर्गणः ५८७५ ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे, मई २००८

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
गद	१	मं	२०	१४	१३	५६	कृत्ति	४२	५४	२३	००	सौ	८ ५७	४० ५९	५ २९	१९ ०३	ब	२०	१४	१३	५६	३३ ०३	५ ५१	७ ०३	१६	२९	६	वृषे	७।१७	०।२१।४७।३३	५७।५४
शुभ	२	बु	१०	४४	१०	०७	रोहि	३५	४१	२०	०६	अ	४७	४४	२४	५६	कौ	१०	४४	१०	०७	०५	५०	०४	१७	१	७	वृष	०।२२।४५।२७	५७।५२
अक्षया	३	गु	१	५०	६	३३	मृग	२९	१७	१७	३२	सु	३८	१६	२१	०७	ग	१	५०	६	३३	०८	४९	०४	१८	२	८	मिथु.	६।४६	०।२३।४३।१९	५७।५०
क्षयः	४	गु	५३	५७	२७	२४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
पद्म	५	शु	४७	२७	२४	४७	आर्द्रा	२४	०७	१५	२७	धृ	२९	५२	१७	४५	ब	२०	३२	१४	०१	११	४८	०५	१९	३	९	मिथु.	०।२४।४१।१०	५७।४८
छत्र	६	श	४२	३८	२२	५१	पुन	२०	३०	१४	००	शू	२२	४६	१४	५४	कौ	१४	५०	११	४४	१५	४८	०६	२०	४	१०	कर्क ८।१८	०।२५।३८।५८	५७।४७
श्रीवत्स	७	र	३९	३६	२१	३७	पुष्य	१८	३८	१३	१४	गं	१७	०५	१२	३७	ग	१०	५३	१०	०८	१८	४७	०६	२१	५	११	कर्क	०।२६।३६।४५	५७।४५
सौम्य	८	सो	३८	२२	२१	०७	श्लेषा	१८	३५	१३	१२	वृ	१२	५५	१०	५६	वि	८	४७	९	१७	२१	४६	०७	२२	६	१२	सिंहे १३।१२	०।२७।३४।२९	५७।४३
काल	९	मं	३८	५४	२१	१९	मघा	२०	१६	१३	५२	ध्रु	१०	०९	९	४९	बा	८	२७	९	०९	२४	४६	०७	२३	७	१३	सिंहे	०।२८।३२।१२	५७।४१
सुस्थिर	१०	बु	४०	५८	२२	०९	पूफा	२३	३२	१५	१०	व्या	८	४०	९	१३	तै	९	४७	९	४०	२६	४५	०८	२४	८	१४	कन्या २१।३५	०।२९।२९।५४	५७।४०
ए.व्र.	११	गु	४४	१९	२३	२८	उफा	२८	०७	१६	५९	ह	८	१९	९	०४	व	१२	३०	१०	४५	२९	४५	०८	२५	९	९१	कन्या	१।००।२७।३३	५७।३८
अमृत	१२	शु	४८	३८	२५	११	हस्त	३३	४३	१९	१३	व	८	५१	९	१७	ब	१६	२२	१२	१७	३२	४४	०९	२६	१०	१८	कन्या	१।०७।२५।११	५७।३६
प्र.व्र.	१३	श	५३	३९	२७	११	चित्रा	४०	०४	२१	४५	सि	१०	०३	९	४५	कौ	२१	०४	१४	०९	३५	४४	१०	२७	१५	१७	तुला. ८।२७	१।०२।२२।४७	५७।३४
लुम्बक	१४	र	५९	१०	२९	२३	स्वा	४६	५४	२४	२९	व्य	११	४४	१०	२५	ग	२६	२२	१६	१६	३७	४३	१०	२८	१२	१८	तुला.	१।०३।२०।२९	५७।३३
मित्र	१५	सो	...	...	...	..	विशा	५४	०३	२७	२०	व	१३	४४	११	१२	वि	३२	०२	१८	३२	४०	४३	११	२९	१२	१९	वृश्चि. २०।३७	१।०४।१७।५४	५७।३१
पूर्णिमा	१५	मं	४	५७	७	४१	अनु	...	...	..	...	प	१५	५६	१२	०५	ब	४	५७	७	४१	४३	४२	११	३०	१४	२०	वृश्चि.	१।०५।१५।२६	५७।३०

सायन मिथुने भानुः २१।२२, वृषे शुक्रः ६।३०

[B टैगोर जयन्ती

श्री आद्यशंकराचार्य जयंती

श्री रामानुज जयंती, कृत्ति. रविः २८।००, वक्री गुरुः ५।४८

भ. २१।३७ उ., गंगोत्पत्ति, कृत्ति. सौरः ७।०८

भ. ९।१७ या.

सीता ९

वृषे रविः १४।५३ (सौरः १८।१७)

भ. १०।४५ उ. २३।२८ या., मोहिनी ११ व्र.

मृगे बुधः ९।४८ [A वैशाख्स्नानपूर्त्तिः, धर्म प्रीत्यर्थं जलकुंभदानं

प्रदोषः, कृत्ति. शुक्रः १३।२८

भ. २९।२३ उ., नृसिंह १४

भ. १८।३२ या., कूर्मोत्पत्तिः, पूर्णिमा व्रतंपुण्यञ्च, A

सायन मिथुने भानुः २१।२२, वृषे शुक्रः ६।३०

अयनांशाः २३।५७।३६

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

संक्रांति फलम्

अयनांशाः २३।५७।३७

पं. ५ वै.शु. ८ सो. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
०	३	१	८	०	४	९	३
२७	०७	१९	२८	२०	०७	२९	२९
४२	१३	१५	२३	०७	५७	२१	२१
१५	१८	३०	५०	०८	३९	४२	४२
५७	३२	६५	०	७३	०	३	३
५५	१९	३३	३४	५१	५९	११	११
कृ	पु	रो	उषा	भ	म	घ	श्ले
१	२	३	१व	३	३	२	४



ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	मई	रात्रौ	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	सायं	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ
००।२१।५४।३६	१ मं	६	४।४२	६।१८	८।१४	१०।२९	१२।४९	३।०६	५।२२	७।४१	९।५९	१२।०४	१।४७	३।१६
००।२२।५२।३०	२ बु	७	४।३८	६।१४	८।१०	१०।२५	१२।४५	३।०२	५।१८	७।३७	९।५५	१२।००	१।४३	३।१२
००।२३।५०।२२	३ गु	८	४।३४	६।१०	८।०६	१०।२१	१२।४१	२।५८	५।१४	७।३३	९।५२	११।५६	१।४०	३।०८
००।२४।४८।१२	४ शु	९	४।३०	६।०६	८।०२	१०।१७	१२।३७	२।५४	५।१०	७।२९	९।४८	११।५२	१।३६	३।०४
००।२५।४६।००	५ श	१०	४।२६	६।०२	७।५८	१०।१३	१२।३३	२।५०	५।०६	७।२५	९।४४	११।४८	१।३२	३।००
००।२६।४३।४६	६ र	११	४।२२	५।५८	७।५५	१०।०९	१२।२९	२।४६	५।०२	७।२१	९।४०	११।४४	१।२८	२।५६
००।२७।४१।३१	७ चं	१२	४।१८	५।५४	७।५१	१०।०५	१२।२५	२।४२	४।५८	७।१७	९।३६	११।४०	१।२४	२।५२
००।२८।३९।१३	८ मं	१३	४।१४	५।५१	७।४७	१०।०१	१२।२१	२।३८	४।५४	७।१३	९।३२	११।३६	१।२०	२।४८
००।२९।३६।५४	१० बु	१४	४।१०	५।४७	७।४३	९।५७	१२।१७	२।३४	४।५०	७।०९	९।२८	११।३३	१।१६	२।४४
०१।००।३४।३३	११ गु	१५	४।०७	५।४३	७।३९	९।५३	१२।१४	२।३०	४।४६	७।०५	९।२४	११।२९	१।१२	२।४१
०१।०१।३२।११	१२ शु	१६	४।०३	५।३९	७।३५	९।५०	१२।१०	२।२६	४।४२	७।०१	९।२०	११।२५	१।०८	२।३७
०१।०२।२९।४७	१३ श	१७	३।५९	५।३५	७।३१	९।४६	१२।०६	२।२३	४।३८	६।५७	९।१६	११।२१	१।०४	२।३३
०१।०३।२७।२१	१४ र	१८	३।५५	५।३१	७।२७	९।४२	१२।०२	२।१९	४।३४	६।५४	९।१२	११।१७	१।००	२।२९
०१।०४।२४।५४	१५ चं	१९	३।५१	५।२७	७।२३	९।३८	११।५८	२।१५	४।३०	६।५०	९।०८	११।१३	१२।५६	२।२५
०१।०५।२२।२५	१५ मं	२०	३।४७	५।२३	७।१९	९।३४	११।५४	२।११	४।२७	६।४६	९।०४	११।०९	१२।५२	२।२१

ता. १४ मई २००८
बैशा. शु. १० बुधे वृषेऽर्कः प्र. (स्टै.) टा. १४।५३ वारात् ४ नक्षत्रात् ४ वारनाम मंदाकिनी नृपतीन् सुस्पदा नक्षत्रनाम घोरा शूद्रान् सुस्पदा अपरान्ह ३ प्रहर व्यापिनी वैश्यान् हन्ति, दक्षिणे गमनं नैऋत्यां दृष्टिः गरकरणे प्रविष्टा मध्यमफलं हस्तीवाहनं स्वरोपवाहनं लक्ष्मीकारक रक्तवस्त्रं धनुष्यायुधं लोहपात्रं दुग्धभक्षणं गोरोचनलेपनं पशुजातिः विल्वपुष्पं मुकुटभूषणं श्वेतकंचुकी प्रौढावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यभावे सम वत्स उत्तरे राहु पश्चिमा. मूलं पाताले विवाहस्तंभो ऽग्निकोणे शुक्रास्तः पूर्वस्याम् । पुण्यकालः (स्टै.) ८।२९ से १४।५३ तक । (दान- गौ) ।

पं. ६ वै.शु.१५ सो. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
१	३	१	८	०	४	९	३
०४	११	२५	२८	२८	०८	२८	२८
२६	०१	२२	१५	४३	०६	५९	५९
५९	१७	१०	५२	४६	४०	२७	२७
५७	३२	३४	१	७३	१	३	३
४५	५५	००	५३	४८	४२	११	११
कृ	पु	मृ	उषा	कृ	म	घ	श्ले
३	३	१	१व	१	३	२	४



CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

॥ श्रीवल्लभ मनीराम पञ्चाङ्गम् ॥

२१ मई से ३ जून तक, श्री ज्येष्ठ कृष्णपक्ष संवत् २०६५, शाकः १९३०, दि.मा.सू. सू. तारीख्स स्टै. प्रातः दैनिक ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे वैशाख्सकृष्णेति गुर्जराः, मई-जून २००८

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
सौम्य	१	बु	१०	५४	१०	०३	अनु	१	२४	६	१५	शि	१८	१४	१२	५९	कौ	१०	५४	१०	०३	३३ ३५	५ ४२	७ १२	३१	१५	२१	वृश्चि.	१।०६।१२।५५	५७।२८
काल	२	गु	१६	५१	१२	२६	ज्ये	८	४५	९	११	सि	२०	३२	१३	५४	ग	१६	५१	१२	२६	४८	४१	१२	१	१६	२२	धनु. ९।११	१।०७।१०।२३	५७।२७
च.व्र.	३	शु	२२	३५	१४	४३	मूल	१५	५६	१२	०३	सा	२२	४०	१४	४५	वि	२२	३५	१४	४३	५०	४१	१३	२	१७	२३	धनु.	१।०८।०७।५०	५७।२५
मातङ्ग	४	श	२७	४९	१६	४८	पूषा	२२	४०	१४	४५	शु	२४	२५	१५	२७	बा	२७	४९	१६	४८	५२	४१	१४	३	१८	२४	मक. २१।२२	१।०९।०५।१५	५७।२४
अमृत	५	र	३२	१३	१८	३३	उषा	२८	३७	१७	०७	शु	२५	३३	१५	५३	कौ	०	०९	५	४४	५४	४०	१४	४	१९	२५	मक.	१।१०।०२।३९	५७।२२
सिद्धि	६	सो	३५	२२	१९	४९	श्रव	३३	२३	१९	०१	ब्र	२५	४४	१५	५८	ग	३	५७	७	१५	५७	४०	१५	५	२०	२६	मक.	१।११।००।०१	५७।२१
उत्पात	७	मं	३६	५५	२०	२६	धनि	३६	३८	२०	१९	ऐ	२४	४५	१५	३४	वि	६	२१	८	१२	५९	४०	१५	६	२१	२७	कुंभे ७।४५	१।११।५७।२२	५७।२०
मानस	८	बु	३६	३८	२०	१८	शत	३८	०४	२०	५३	वै	२२	२०	१४	३५	बा	७	०१	८	२८	३४ ३९	३९	१६	७	२२	२८	कुंभे	१।१२।५४।४२	५७।१८
मुद्गर	९	गु	३४	२१	१९	२३	पूषा	३७	३२	२०	४०	वि	१८	२२	१३	००	तै	५	४५	७	५७	०३	३९	१६	८	२३	२९	मीने १४।४८	१।१३।५२।००	५७।१७
ध्वजा	१०	शु	३०	०५	१७	४१	उभा	३५	०३	१९	४०	प्री	१२	४७	१०	४६	व	२	२८	६	३८	०५	३९	१७	९	२४	३०	मीने	१।१४।४९।१७	५७।१६
ए.व्र.	११	श	२३	५९	१५	१४	रेव	३०	४६	१७	५७	आ	५ ५७	३९ ०८	७ २८	५४ ३०	बा	२३	५९	१५	१४	०६	३९	१७	१०	२५	३१	मेषे १७।५७	१।१५।४६।३२	५७।१४
प्र.व्र.	१२	र	१६	२०	१२	१०	अश्वि	२४	५७	१५	३७	शो	४७	३१	२४	३९	तै	१६	२०	१२	१०	०८	३८	१८	११	२६	१	मेषे	१।१६।४३।४७	५७।१३
चर	१३	सो	७	३१	८	३९	भर	१८	०२	१२	५९	अ	३७	०९	२०	३०	व	७	३१	८	३९	१०	३८	१८	१२	२७	२	वृषे १८।०७	१।१७।४१।००	५७।१२
क्षयः	१४	सो	५७	५८	२८	४९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
अमाव.	३०	मं	४८	०८	२४	५३	कृति	१०	२७	९	४९	सु	२६	२३	१६	११	च	२३	०३	१४	५१	११	३८	१९	१३	२८	३	वृषे	१।१८।३८।१२	५७।११

शनैश्चर जयन्ती, देवपितृकार्येऽमा., वटपूजनम् मरुस्थले, A

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।

भ. २५।३५ उ., नारद् जयंती, वीणादानं, भा. ज्येष्ठारंभः
भ. १४।४३ या., चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः २२।१९
रोहि. रविः २४।१५ (सौरः २८।३४)

भ. १९।४९ उ., वक्री बुधः २९।२३
भ. ८।१२ या., पंचक प्रारम्भः ७।४५
रोहि. शुक्रः ९।४०
श्लेषा. भौमः १०।०२
भ. ६।३८ उ. १७।४१ या., बुधास्तः पश्चिमायाम् ८।५१
पंचक समाप्तिः १७।५७, अपरा ११ व्र.
प्रदोषः, जून ६ ता. ३०
भ. ८।३९ उ. १८।४६ या., मासिकशिवरात्री व्र.
[A भाऊका ३०, वट सावित्री व्र. (मरु.)

अयनांशाः २३।५७।३८

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	मई	रात्री	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	सायं	रात्री	रात्री	रात्री	रात्री
०१।०६।१९।५४	१ बु	२१	३।४३	५।१९	७।१५	९।३०	११।५०	२।०७	४।२३	६।४२	९।००	११।०५	१२।४८	२।१७
०१।०७।१७।२२	२ गु	२२	३।३९	५।१५	७।११	९।२६	११।४६	२।०३	४।१९	६।३८	८।५६	११।०१	१२।४४	२।१३
०१।०८।१४।४८	३ शु	२३	३।३५	५।११	७।०७	९।२२	११।४२	१।५९	४।१५	६।३४	८।५२	१०।५७	१२।४०	२।०९
०१।०९।१२।१३	४ श	२४	३।३१	५।०७	७।०३	९।१८	११।३८	१।५५	४।११	६।३०	८।४८	१०।५३	१२।३६	२।०५
०१।१०।०९।३७	५ र	२५	३।२७	५।०३	६।५९	९।१४	११।३४	१।५१	४।०७	६।२६	८।४५	१०।४९	१२।३३	२।०१
०१।११।०६।५९	६ चं	२६	३।२३	४।५९	६।५५	९।१०	११।३०	१।४७	४।०३	६।२२	८।४१	१०।४५	१२।२९	१।५७
०१।१२।०४।१९	७ मं	२७	३।१९	४।५५	६।५१	९।०६	११।२६	१।४३	३।५९	६।१८	८।३७	१०।४१	१२।२५	१।५३
०१।१३।०१।३९	८ बु	२८	३।१५	४।५१	६।४८	९।०२	११।२२	१।३९	३।५५	६।१४	८।३३	१०।३७	१२।२१	१।४९
०१।१३।५८।५७	९ गु	२९	३।११	४।४७	६।४४	८।५८	११।१८	१।३५	३।५१	६।१०	८।२९	१०।३३	१२।१७	१।४५
०१।१४।५६।१३	१० शु	३०	३।०७	४।४४	६।४०	८।५४	११।१४	१।३१	३।४७	६।०६	८।२५	१०।२९	१२।१३	१।४१
०१।१५।५३।२९	११ श	३१	३।०३	४।४०	६।३६	८।५०	११।१०	१।२७	३।४३	६।०२	८।२१	१०।२६	१२।०९	१।३७
०१।१६।५०।४३	१२ र	१	३।००	४।३६	६।३२	८।४६	११।०७	१।२३	३।३९	५।५८	८।१७	१०।२२	१२।०५	१।३४
०१।१७।४७।५६	१३ चं	२	२।५६	४।३२	६।२८	८।४३	११।०३	१।१९	३।३५	५।५४	८।१३	१०।१८	१२।०१	१।३०
०१।१८।४५।०८	३० मं	३	२।५२	४।२८	६।२४	८।३९	१०।५९	१।१६	३।३१	५।५०	८।०९	१०।१४	११।५७	१।२६

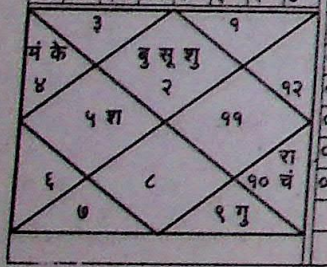
मास फलम्

इस माह में पांच बुधवार होने से रसवाली वस्तुओं का अभाव हो यथा-बुधेरसक्षयोभूम्याम्॥ ज्येष्ठ कृ.पड़वा को बुधवार होने से अन्न की महँगाई, दुर्भिक्ष और स्वण्ड वृष्टि या वृष्टि का अभाव हो। कृष्णा एकादशी में रेवती होने से स्वण्ड वृष्टि हो। मगलवारी अमावस होने से क्लेशो की वृद्धि-उपघात-अल्पवृष्टि, कृतिका योग सुभिक्ष कारक हो। सुदी दोएज को आर्द्रा में वर्षा हो तो दुर्भिक्ष करे। पूर्णिमा ज्येष्ठा युक्त होने से दुर्भिक्ष हो। शनि सक्रांति होने से सभी तरह की वस्तुओं का क्षय हो प्रजा में दुर्भिक्ष हो, धान्यादि भाव तेज हो और रोगों की अधिकता हो।

अयनांशाः २३।५७।३९

पं. ७ ज्ये.कृ. ६ सो. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
१	३	१	८	१	४	९	३
११	१४	२७	२७	०७	०८	२८	२८
९०	५३	३७	५८	२०	२०	३७	३७
३८	१७	२१	५१	१०	४०	१९	१९
५७	३३	०	३	७३	२	३	३
३६	२७	०३	०९	४७	२४	११	११
रो	पु	मृ	उषा	कृ	म	ध	श्ले
१	४	२व	१व	४	३	२	४



पं. ८ ज्ये.कृ.१३ सो.इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
१	३	१	८	१	४	९	३
१७	१८	२६	२७	१५	०८	२८	२८
५३	४८	०९	३३	५६	३९	१४	१४
२१	५७	२२	०८	२७	२९	५७	५७
५७	३३	२६	४	७३	३	३	३
२८	५७	३०	२१	४५	०४	११	११
रो	श्ले	मृ	उषा	रो	म	ध	श्ले
३	१	१व	१व	२	३	२	४



CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

४ जून से १८ जून तक, श्री ज्येष्ठ शुक्लपक्ष संवत् २०६५, शाकः १९३०, दि.मा.सू. सू. तारीख्स स्टै. प्रातः दैनिक केतकी अहर्गणः ५९०४ ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे, जून २००८

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
शुभ	१	बु	३८	३०	२१	०२	रोहि	२ ५५	४३ ३०	६ २७	४३ ४६	धृ	१५	३७	११	५३	किं	१३	१६	१०	५६	३४ ३३	५ ३८	७ ५१	१४	२९	४	मिथु. १७।१३	१।१९।३५।२३	५७।१०
काण	२	गु	२९	३३	१७	२७	आर्द्रा	४८	४६	२५	०८	शू	५ ५५	१४ ३६	७ २७	४३ ५३	बा	३	५५	७	१२	१४	३८	२०	१५	३०	५	मिथु.	१।२०।३२।३३	५७।०९
लुम्बक	३	शु	२१	४१	१४	१८	पुन	४३	२७	२३	०१	वृ	४७	०३	२४	२७	ग	२१	४१	१४	१८	१६	३८	२०	१६	१	६	कर्क १७।२९	१।२१।२९।४२	५७।०८
मित्र	४	श	१५	१५	११	४४	पुष्य	३९	४४	२१	३१	ध्रु	३९	५०	२१	३४	वि	१५	१५	११	४४	१७	३८	२०	१७	२	७	कर्क	१।२२।२६।४९	५७।०७
वज्र	५	र	१०	३४	९	५१	श्ले	३७	४९	२०	४५	व्या	३४	०६	१९	१६	बा	१०	३४	९	५१	१८	३८	२१	१८	३	८	सिंहे २०।४५	१।२३।२३।५६	५७।०६
ध्वाङ्क्ष	६	सो	७	४८	८	४५	मघा	३७	५१	२०	४६	ह	२९	५७	१७	३६	तै	७	४८	८	४५	१९	३८	२१	१९	४	९	सिंहे	१।२४।२१।०२	५७।०५
धूम्र	७	मं	६	५९	८	२५	पूफा	३९	४८	२१	३३	व	२७	२२	१६	३४	व	६	५९	८	२५	२०	३८	२२	२०	५	१०	कन्या २७।५२	१।२५।१८।०७	५७।०४
प्रवर्धमा	८	बु	८	०५	८	५२	उफा	४३	३१	२३	०२	सि	२६	१४	१६	०७	ब	८	०५	८	५२	२१	३८	२२	२१	६	११	कन्या	१।२६।१५।११	५७।०३
राक्षस	९	गु	१०	५३	९	५९	हस्त	४८	४३	२५	०७	व्य	२६	२२	१६	१०	कौ	१०	५३	९	५९	२२	३८	२२	२२	७	१२	कन्या	१।२७।१२।१४	५७।०२
गंगा	१०	शु	१५	०३	११	३९	चित्रा	५५	०१	२७	३८	व	२७	२९	१६	३७	ग	१५	०३	११	३९	२२	३८	२३	२३	८	१३	तुला. १४।२०	१।२८।०९।१७	५७।०२
ए.व्र.	११	श	२०	१२	१३	४३	स्वा	...	...	...	...	प	२९	१८	१७	२१	वि	२०	१२	१३	४३	२३	३८	२३	२४	९	१४	तुला.	१।२९।०६।१८	५७।०१
प्र.व्र.	१२	र	२५	५६	१६	००	स्वा	२	०२	६	२७	शि	३१	३२	१८	१५	बा	२५	५६	१६	००	२४	३८	२३	२५	१०	१५	वृश्चि. २६।३९	२।००।०३।१९	५७।००
मित्र	१३	सो	३१	५३	१८	२३	विशा	९	२३	९	२३	सि	३३	५५	१९	१२	तै	३१	५३	१८	२३	२४	३८	२४	२६	११	१६	वृश्चि.	२।०१।००।२०	५७।००
वज्र	१४	मं	३७	४६	२०	४५	अनु	१६	४५	१२	२०	सा	३६	१४	२०	०८	ग	४	५१	७	३५	२४	३८	२४	२७	१२	१७	वृश्चि.	२।०१।५७।१९	५६।५९
पूर्णिमा	१५	बु	४३	२४	२३	००	ज्ये	२३	५६	१५	१३	शु	३८	२१	२०	५९	वि	१०	३८	९	५४	२५	३८	२४	२८	१३	१८	धनु. १५।१३	२।०२।५४।१८	५६।५८

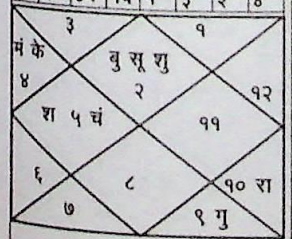
अयनांशाः २३।५७।४०

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

संक्रांति फलम्

अयनांशाः २३।५७।४१

पं. ९ ज्ये.शु. ६ सो. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
१	३	१	८	१	४	९	३
२४	२२	२२	२६	२४	०९	२७	२७
३५	४७	३१	५९	३२	०२	५२	५२
१६	५८	०१	२६	४०	५१	४१	४१
५७	३४	३२	५	७३	३	३	३
२२	२४	४४	२५	४५	४२	११	११
मृ	श्ले	रो	उषा	मृ	म	घ	श्ले
१	२	४व	१व	१	३	२	४



ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	जून	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	सायं	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ
०१।१९।४२।१९	१ बु	४	२।४८	४।२४	६।२०	८।३५	१०।५५	११।२	३।२७	५।४७	८।०५	१०।१०	११।५३	१।२२
०१।२०।३९।२८	२ गु	५	२।४४	४।२०	६।१६	८।३१	१०।५१	११।०८	३।२३	५।४३	८।०१	१०।०६	११।४९	१।१८
०१।२१।३६।३७	३ शु	६	२।४०	४।१६	६।१२	८।२७	१०।४७	११।०४	३।२०	५।३९	७।५७	१०।०२	११।४५	१।१४
०१।२२।३३।४४	४ श	७	२।३६	४।१२	६।०८	८।२३	१०।४३	११।००	३।१६	५।३५	७।५३	९।५८	११।४१	१।१०
०१।२३।३०।५१	५ र	८	२।३२	४।०८	६।०४	८।१९	१०।३९	१२।५६	३।१२	५।३१	७।४९	९।५४	११।३७	१।०६
०१।२४।२७।५७	६ चं	९	२।२८	४।०४	६।००	८।१५	१०।३५	१२।५२	३।०८	५।२७	७।४५	९।५०	११।३३	१।०२
०१।२५।२५।०१	७ मं	१०	२।२४	४।००	५।५६	८।११	१०।३१	१२।४८	३।०४	५।२३	७।४१	९।४६	११।२९	१२।५८
०१।२६।२२।०५	८ बु	११	२।२०	३।५६	५।५२	८।०७	१०।२७	१२।४४	३।००	५।१९	७।३८	९।४२	११।२६	१२।५४
०१।२७।१९।०८	९ गु	१२	२।१६	३।५२	५।४८	८।०३	१०।२३	१२।४०	२।५६	५।१५	७।३४	९।३८	११।२२	१२।५०
०१।२८।१६।११	१० शु	१३	२।१२	३।४८	५।४४	७।५९	१०।१९	१२।३६	२।५२	५।११	७।३०	९।३४	११।१८	१२।४६
०१।२९।१३।१२	११ श	१४	२।०८	३।४४	५।४०	७।५५	१०।१५	१२।३२	२।४८	५।०७	७।२६	९।३०	११।१४	१२।४२
०२।००।१०।१३	१२ र	१५	२।०४	३।४०	५।३७	७।५१	१०।११	१२।२८	२।४४	५।०३	७।२२	९।२६	११।१०	१२।३८
०२।०१।०७।१३	१३ चं	१६	२।००	३।३७	५।३३	७।४७	१०।०७	१२।२४	२।४०	४।५९	७।१८	९।२२	११।०६	१२।३४
०२।०२।०४।१२	१४ मं	१७	१।५६	३।३३	५।२९	७।४३	१०।०३	१२।२०	२।३६	४।५५	७।१४	९।१९	११।०२	१२।३०
०२।०३।०१।११	१५ बु	१८	१।५३	३।२९	५।२५	७।३९	१०।००	१२।१६	२।३२	४।५१	७।१०	९।१५	१०।५८	१२।२७

ता. १४ जून २००८
ज्ये. शु. ११ शनौ मिथुनेऽर्कः प्र. (स्टै.) टा. २१।३४ वारात् ४ नक्षत्रात् ५ वारनाम राक्षसी चाण्डालान् सुस्थदा नक्षत्रनाम महोदरी चोरान् सुस्थदा प्रदोष व्यापिनी पिशाचान् हन्ति, दक्षिणे गमनं नैऋत्यां दृष्टिः बवकरणे प्रविष्टा मध्यमफलं सिंहवाहनं गजोपवाहनं भीतिकारक श्वेतवस्त्रं भुशुण्ड्यायुधं स्वर्णपात्रं अन्नभक्षणं कस्तूरीलेपनं दैवतंजातिः पुन्नागपुष्पं पिरोजभूषणं विचित्रकंचुकी बालावस्था (बैठी) मु. १५ धान्यभावे महर्घता वत्स उत्तरे राहु पश्चिमा. मूलं स्वर्गं विवाहस्तंभो ऽग्निकोणे शुक्रास्तः पूर्वस्याम् । पुण्यकालः (स्टै.) २१।३४ से २७।५८ तक । (दान- वस्त्रात्र) ।

पं.१० ज्ये.शु.१३ सो.इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
२	३	१	८	२	४	९	३
०१	२६	१९	२६	०३	०९	२७	२७
१६	५०	२२	१८	०८	३०	३०	३०
३४	०७	०९	४३	५४	३१	२६	२६
५७	३४	१४	६	७३	४	३	३
१७	५०	५४	१९	४५	१७	११	११
मृ	श्ले	रो	पुष्य	मृ	म	घ	श्ले
३	४	३व	४व	३	३	२	४



CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

॥ श्रीवल्लभ मनोराम पञ्चाङ्गम ॥

१९ जून से ३ जुलाई तक, श्री आषाढ़ कृष्णपक्ष संवत् २०६५, शाकः १९३०, दि.मा.सू. सू. तारीख स्टै. प्रातः दैनिक ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे ज्येष्ठकृष्णेति गुर्जराः, जून-जुलाई २००८

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.ष.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
धृव	१	गु	४८	३९	२५	०६	मूल	३०	४६	१७	५७	शु	४०	११	२१	४३	बा	१६	०५	१२	०४	३४ २५	५ ३८	७ २४	२९	१४	१९	धनु.	२।०३।५१।१६	५६।५८
प्रवर्धमा	२	शु	५३	२१	२६	५९	पूषा	३७	०७	२०	३०	ब्र	४१	३८	२२	१८	तै	२१	०४	१४	०४	२५	३९	२५	३०	१५	२०	मक. २७।०६	२।०४।४८।१४	५६।५७
राक्षस	३	श	५७	१९	२८	३५	उषा	४२	५०	२२	४७	ऐ	४२	३२	२२	४०	व	२५	२५	१५	४९	२५	३९	२५	३१	१६	२१	मक.	२।०५।४५।११	५६।५७
च.ब्र.	४	र	...	...	...	..	श्रव	४७	४१	२४	४३	वै	४२	४६	२२	४५	ब	२८	५८	१७	१४	२५	३९	२५	१	१७	२२	मक.	२।०६।४२।०८	५६।५६
शुभ	४	सो	०	२०	५	४७	धनि	५१	२५	२६	१३	वि	४२	०७	२२	३०	बा	०	२०	५	४७	२५	३९	२५	२	१८	२३	कुंभे १३।३२	२।०७।३९।०५	५६।५६
मृत्यु	५	मं	२	१०	६	३२	शत	५३	४७	२७	११	प्री	४०	२५	२१	५०	तै	२	१०	६	३२	२५	४०	२५	३	१९	२४	कुंभे	२।०८।३६।०१	५६।५६
पद्म	६	बु	२	३४	६	४१	पूषा	५४	३६	२७	३०	आ	३७	२८	२०	३९	व	२	३४	६	४१	२४	४०	२६	४	२०	२५	मीने २१।२९	२।०९।३२।५६	५६।५५
छत्र	७	गु	१	२१	६	१३	उभा	५३	४५	२७	१०	सौ	३३	११	१८	५७	ब	१	२१	६	१३	२४	४०	२६	५	२१	२६	मीने	२।१०।२१।५२	५६।५५
क्षयः	८	गु	५८	२९	२९	०४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
श्रीवत्स	९	शु	५३	५५	२७	१५	रेव	५१	१५	२६	११	शो	२७	३३	१६	४२	तै	२६	२४	१६	१४	२३	४०	२६	६	२२	२७	मेषे २६।११	२।११।२६।४७	५६।५५
सौम्य	१०	श	४७	५१	२४	४९	अश्वि	४७	१३	२४	३४	अ	२०	३५	१३	५५	व	२१	०४	१४	०६	२३	४१	२६	७	२३	२८	मेषे	२।१२।२३।४१	५६।५५
ए.ब्र.	११	र	४०	२९	२१	५३	भर	४१	५३	२२	२६	सु	१२	२७	१०	४०	ब	१४	१८	११	२४	२२	४१	२६	८	२४	२९	वृषे २७।५०	२।१३।२०।३६	५६।५४
प्र.ब्र.	१२	सो	३२	१०	१८	३३	कृति	३५	३५	१९	५६	धृ	३ ५३	२२ ३७	७ २७	०२ ०८	कौ	६	२५	८	१५	२१	४१	२६	९	२५	३०	वृषे	२।१४।१७।३१	५६।५४
मातङ्ग	१३	मं	२३	१५	१५	००	रोहि	२८	४४	१७	११	गं	४३	३१	२३	०६	व	२३	१५	१५	००	२०	४२	२६	१०	२६	१	मिथु. २७।४७	२।१५।१४।२५	५६।५४
अमृत	१४	बु	१४	१०	११	२२	मृग	२१	४४	१४	२४	वृ	३३	२४	१९	०४	श	१४	१०	११	२२	१९	४२	२६	११	२७	२	मिथु.	२।१६।१९।१९	५६।५४
अमाव.	३०	गु	५	२०	७	५१	आर्द्रा	१५	०३	११	४४	ध्रु	२३	३९	१५	१०	ना	५	२०	७	५१	१८	४३	२६	१२	२८	३	कर्के २७।५५	२।१७।०८।१३	५६।५४

अयनांशाः २३।५७।४२

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	जून	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	सायं	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ
०२।०३।५८।०९	१ गु	१९	१।४९	३।२५	५।२१	७।३५	९।५६	१२।१२	२।२८	४।४७	७।०६	९।११	१०।५४	१२।२३
०२।०४।५५।०७	२ शु	२०	१।४५	३।२१	५।१७	७।३२	९।५२	१२।०८	२।२४	४।४३	७।०२	९।०७	१०।५०	१२।१९
०२।०५।५२।०४	३ श	२१	१।४१	३।१७	५।१३	७।२८	९।४८	१२।०५	२।२०	४।३९	६।५८	९।०३	१०।४६	१२।१५
०२।०६।४९।०१	४ र	२२	१।३७	३।१३	५।०९	७।२४	९।४४	१२।०१	२।१६	४।३६	६।५४	८।५९	१०।४२	१२।११
०२।०७।४५।५७	४ चं	२३	१।३३	३।०९	५।०५	७।२०	९।४०	११।५७	२।१२	४।३२	६।५०	८।५५	१०।३८	१२।०७
०२।०८।४२।५३	५ मं	२४	१।२९	३।०५	५।०१	७।१६	९।३६	११।५३	२।०९	४।२८	६।४६	८।५१	१०।३४	१२।०३
०२।०९।३९।४८	६ बु	२५	१।२५	३।०१	४।५७	७।१२	९।३२	११।४९	२।०५	४।२४	६।४२	८।४७	१०।३०	११।५९
०२।१०।३६।४३	७ गु	२६	१।२१	२।५७	४।५३	७।०८	९।२८	११।४५	२।०१	४।२०	६।३८	८।४३	१०।२६	११।५५
०२।११।३३।३८	८ शु	२७	१।१७	२।५३	४।४९	७।०४	९।२४	११।४१	१।५७	४।१६	६।३४	८।३९	१०।२२	११।५१
०२।१२।३०।३३	९ श	२८	१।१३	२।४९	४।४५	७।००	९।२०	११।३७	१।५३	४।१२	६।३०	८।३५	१०।१९	११।४७
०२।१३।२७।२८	१० र	२९	१।०९	२।४५	४।४१	६।५६	९।१६	११।३३	१।४९	४।०८	६।२७	८।३१	१०।१५	११।४३
०२।१४।२४।२२	११ चं	३०	१।०५	२।४१	४।३७	६।५२	९।१२	११।२९	१।४५	४।०४	६।२३	८।२७	१०।११	११।३९
०२।१५।२१।१६	१२ मं	१	१।०१	२।३७	४।३३	६।४८	९।०८	११।२५	१।४१	४।००	६।१९	८।२३	१०।०७	११।३५
०२।१६।१८।१०	१३ बु	२	०२।५७	२।३३	४।३०	६।४४	९।०४	११।२१	१।३७	३।५६	६।१५	८।१९	१०।०३	११।३१
०२।१७।१५।०४	१४ गु	३	०२।५३	२।२९	४।२६	६।४०	९।००	११।१७	१।३३	३।५२	६।११	८।१५	९।५९	११।२७

मास फलम्

अयनांशाः २३।५७।४३

इस माह में पांच गुरुवार होने से धान्य सस्ता हो यथा-चन्द्रजीवौ यदापंच धान्यादीनांसमर्घता॥ पांच शुक्रवार होने से प्रजा की वृद्धि हो। कृष्णा द्वितीया और नौमी को शुक्रवार होने से सुभिक्ष हो। कृष्णा त्रयोदशी में रोहिणी होने से उत्तम पवन चले। गुरुवारी अमावस आर्द्रा योग होने से वृष्टि तथा सुभिक्ष हो कल्याण हो दुःस्प का नाश हो। आरोग्यता हो और प्रजा स्वस्थ हो। शुक्ला पंचमी को सोमवार होने से सुवृष्टि हो। शुक्ला एकादशी को रविवार होने से सुभिक्ष हों। पूर्णिमा को पूर्वाषाढा का अभाव और उत्तराषाढा युक्त होने से महर्घता हो लेकिन पूर्णिमा १५ घटी से अधिक है अतः सुभिक्ष रहे।

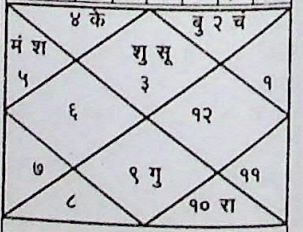
पं.११ आ.कृ. ४ सो. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
२	४	१	८	२	४	९	३
०७	००	१९	२५	११	१०	२७	२७
५७	५५	१२	३२	४५	०२	०८	०८
२६	११	२३	१५	१६	१०	१०	१०
५७	३५	१७	७	७३	४	३	३
१४	१४	४६	०१	४६	५०	११	११
आ	म	रो	पूषा	आ	म	ध	श्ले
१	१	३	४व	२	४	२	४



पं.१२ आ.कृ.१२ सो.इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
२	४	१	८	२	४	९	३
१४	०५	२३	२४	२०	१०	२६	२६
३८	०३	०१	४१	२१	३७	४५	४५
००	०३	०५	३१	४७	२८	५४	५४
५७	३५	५१	७	७३	५	३	३
१२	३७	४९	३०	४७	१९	११	११
आ	म	रो	पूषा	पुन	म	ध	श्ले
३	२	४	४व	१	४	२	४



यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।
बुधोदयः पूर्वस्याम् १६।५० [C मार्गी बुधः १५।१३
सायन कर्के भानुः, सायन दक्षिणायन प्रारम्भ २९।२३, C
भ. १५।४९ उ. २८।३५ या., आर्द्रा. रविः २१।११ (सौरः २८।४५), A
भा. आषाढारंभः, चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः २२।१५, मघा.-४ शनिः १८।४६
पंचक प्रारम्भः १३।३२
[A सिंहे मघा. भौमः १५।५९, अयन करिदिन, D
भ. ६।४१ उ. १८।३२ या.
[D सं.स्त्री.पु.चं.चं.वाहन महिष वर्षाश्रेष्ठः
[B ता. ३१, धनि.-१ राहुः २६।१८, श्लेषा.-३ केतुः २६।१८
पंचक समाप्तिः २६।११
भ. १४।०६ उ. २४।४९ या.
योगिनी ११ ब्र., पुन. शुक्रः २२।३६
प्रदोषः, मृगे बुधः १४।२७
भ. १५।०० उ. २५।११ या., मासिकशिवरात्री ब्र., जुलाई ७ B
पितृकार्येऽमा.
देवकार्येऽमा.

CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust. Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

४ जुलाई से १८ जुलाई तक, श्री आषाढ़ शुक्लपक्ष संवत् २०६५, शाकः १९३०, दि.मा.सू. सू. तारीख्स स्टै. प्रातः दैनिक केतकी अहर्गणः ५९३४ वर्षर्तू रविर्दक्षिणे, जुलाइ २००८

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	च.प.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
क्षयः	१	गु	५७	१०	२८	३५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
लुम्बक	२	शु	५०	०१	२५	४४	पुन	९	०७	९	२२	व्या	१४	३२	११	३२	बा	२३	२६	१५	०५	३४ १७	५ ४३	७ २५	१३	२९	४	कर्के	२।१८।०५।०७	५६।५४
मित्र	३	श	४४	१६	२३	२६	पुष्य	४	१९	७	२७	ह	६ ५९	२४ ३०	८ २९	१७ ३१	तै	१६	५६	१२	३०	१६	४३	२६	१४	१	५	कर्के	२।१९।०२।०२	५६।५४
वज्र	४	र	४०	१०	२१	४८	श्ले	० ५९	५८ ५२	६ २९	०७ २९	सि	५३	५९	२७	२०	व	११	५९	१०	३१	१५	४४	२६	१५	२	६	सिंहे	६।०७	२।१९।५८।५६	५६।५४
ध्वजा	५	सो	३७	५५	२०	५४	पूफा	५९	३८	२९	३६	व्य	५०	०१	२५	४५	ब	८	४७	९	१५	१३	४४	२६	१६	३	७	सिंहे	२।२०।५५।५०	५६।५५
धाता	६	मं	३७	३७	२०	४८	उफा	...	...	...	...	व	४७	३५	२४	४७	कौ	७	३९	८	४५	१२	४५	२५	१७	४	८	कन्या ११।४४	२।२१।५२।४५	५६।५५
प्रवर्धमा	७	बु	३९	१४	२१	२७	उफा	१	४८	६	२८	प	४६	३८	२४	२४	ग	८	११	९	०१	१०	४५	२५	१८	५	९	कन्या	२।२२।४९।३९	५६।५५
राक्षस	८	गु	४२	३३	२२	४७	हस्त	५	४७	८	०५	शि	४७	००	२४	३४	वि	१०	४१	१०	०२	०९	४६	२५	१९	६	१०	तुला. २१।०७	२।२३।४६।३४	५६।५५
मुसल	९	शु	४७	१६	२४	४०	चित्रा	११	१९	१०	१८	सि	४८	२५	२५	०८	बा	१४	४५	११	४०	०७	४६	२५	२०	७	११	तुला.	२।२४।४३।३०	५६।५५
सिद्धि	१०	श	५२	५२	२६	५५	स्वा	१७	५९	१२	५८	सा	५०	३३	२६	००	तै	१९	५८	१३	४६	०५	४७	२५	२१	८	१२	तुला.	२।२५।४०।२५	५६।५६
ए.व्र.	११	र	५८	५३	२९	२०	विशा	२५	१८	१५	५४	शु	५२	५७	२६	५८	व	२५	५१	१६	०७	०४	४७	२४	२२	९	१३	वृश्चि. ९।१०	२।२६।३७।२१	५६।५६
मानस	१२	सो	...	...	...	...	अनु	३२	४५	१८	५४	शु	५५	२०	२७	५६	ब	३१	५२	१८	३२	०२	४८	२४	२३	१०	१४	वृश्चि.	२।२७।३४।१७	५६।५७
प्र.व्र.	१२	मं	४	४७	७	४३	ज्ये	३९	५६	२१	४६	ब्र	५७	२४	२८	४६	बा	४	४७	७	४३	००	४८	२४	२४	११	१५	धनु. २१।४६	२।२८।३१।१४	५६।५७
ध्वजा	१३	बु	१०	१६	९	५५	मूल	४६	३३	२४	२६	ऐ	५८	५९	२९	२४	तै	१०	१६	९	५५	३३ ५८	४९	२४	२५	१२	१६	धनु.	२।२९।२८।११	५६।५८
धाता	१४	गु	१५	०३	११	५०	पूषा	५२	२६	२६	४७	वै	५९	५८	२९	४८	व	१५	०३	११	५०	५६	४९	२३	२६	१३	१७	धनु.	३।००।२५।०८	५६।५८
पूर्णिमा	१५	शु	१९	०३	१३	२७	उषा	५७	३०	२८	४९	वि	...	...	..	..	ब	१९	०३	१३	२७	५३	५०	२३	२७	१४	१८	मक. ९।२०	३।०१।२२।०६	५६।५९

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।	
[A मन्वादि, पुन. बुधः २३।२५	[E मण्डूक अल्पवृष्टिः
चंद्रदर्शनम् (मु.३०), श्री जगदीश रथ यात्रा	शुक्रोदयः पश्चिमायाम्
रज्जव ७, शुक्रोदयः पश्चिमायाम् २८।५६, B	
म. १०।३१ उ. २१।४८ या., पुन. सौरः ६।११, मिथुने बुधः १९।११	
कर्के शुक्रः २५।४५ [B पुन. रविः २०।४८, सं.स्त्री.स्त्री.चं.चं.वाहन E	
स्कंध षष्ठी उफा. रे. ९ SIIIIIIII रात्रौ ल. अ.गो. १२।२	
म. २१।२७ उ., हस्ते रे. ८ IIIIISSII रात्रौ ल. अ. गो.	
म. १०।०२ या., (व) पूषा.-३ गुरुः २१।३६, पुष्ये शुक्रः १८।४७	
भड़ली ९, आर्द्रा. बुधः ११।०६, स्वातौ रे. १० IIIIIIIII दिवा F	
मन्वादि, आशा दशमी, स्वातौ रे. १० IIIIIIIII दिवा ल. ४।६	
म. १६।०७ उ. २९।२० या., देव शयनी ११ व्र., चातुर्मास व्रतारंभः,C	
श्रावणे वर्जयेच्छाकम् [C गोपद्मव्रतोद्यापनं, पूफा. भौमः २५।२३	
प्रदोषः [F ल. ६, रात्रौ गोधूलि १२।१	[D दक्षिणायनारंभः
जया पार्वती व्रतं, कर्के रविः ८।३१ (सौरः १९।१३), निरयन D	
म. ११।५० उ. २४।४१ या., पूर्णिमा व्रतं, वायु परीक्षा, आषाढी योगः	
पूर्णिमापुण्यं, गोपद्मव्रतारंभ, व्यासपूजा, गुरुपूर्णिमा,बौधायन उपा..A	

अयनांशाः २३।५७।४४

पं.१३ आ.शु. ५ सो. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
२	४	२	८	२	४	९	३
२१	०९	००	२३	२८	११	२६	२६
९८	१३	३३	४८	५८	१६	२३	२३
२९	३४	४९	१४	२८	०७	३९	३९
५७	३५	८०	७	७३	५	३	३
१२	५९	४४	४२	४८	४६	११	११
पुन	म	मृ	पूषा	पुन	म	घ	श्ले
१	३	३	४व	३	४	१	३



॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	जुलाइ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	सायँ	रात्रौ	रात्रौ
०२।१८।१९।५८	२ शु	४	१२।४९	२।२६	४।२२	६।३६	८।५६	११।१३	१।२९	३।४८	६।०७	८।११	९।५५	११।२३
०२।१९।०८।५३	३ श	५	१२।४५	२।२२	४।१८	६।३२	८।५२	११।०९	१।२५	३।४४	६।०३	८।०८	९।५१	११।१९
०२।२०।०५।४७	४ र	६	१२।४२	२।१८	४।१४	६।२८	८।४९	११।०५	१।२१	३।४०	५।५९	८।०४	९।४७	११।१६
०२।२१।०२।४१	५ चं	७	१२।३८	२।१४	४।१०	६।२५	८।४५	११।०१	१।१७	३।३६	५।५५	८।००	९।४३	११।१२
०२।२१।५९।३५	६ मं	८	१२।३४	२।१०	४।०६	६।२१	८।४१	१०।५८	१।१३	३।३२	५।५१	७।५६	९।३९	११।०८
०२।२२।५६।३०	७ बु	९	१२।३०	२।०६	४।०२	६।१७	८।३७	१०।५४	१।०९	३।२८	५।४७	७।५२	९।३५	११।०४
०२।२३।५३।२५	८ गु	१०	१२।२६	२।०२	३।५८	६।१३	८।३३	१०।५०	१।०५	३।२५	५।४३	७।४८	९।३१	११।००
०२।२४।५०।२०	९ शु	११	१२।२२	१।५८	३।५४	६।०९	८।२९	१०।४६	१।०१	३।२१	५।३९	७।४४	९।२७	१०।५६
०२।२५।४७।१६	१० श	१२	१२।१८	१।५४	३।५०	६।०५	८।२५	१०।४२	१२।५८	३।१७	५।३५	७।४०	९।२३	१०।५२
०२।२६।४४।११	११ र	१३	१२।१४	१।५०	३।४६	६।०१	८।२१	१०।३८	१२।५४	३।१३	५।३१	७।३६	९।१९	१०।४८
०२।२७।४१।०८	१२ चं	१४	१२।१०	१।४६	३।४२	५।५७	८।१७	१०।३४	१२।५०	३।०९	५।२७	७।३२	९।१५	१०।४४
०२।२८।३८।०४	१२ मं	१५	१२।०६	१।४२	३।३८	५।५३	८।१३	१०।३०	१२।४६	३।०५	५।२३	७।२८	९।११	१०।४०
०२।२९।३५।०१	१३ बु	१६	१२।०२	१।३८	३।३४	५।४९	८।०९	१०।२६	१२।४२	३।०१	५।१९	७।२४	९।०८	१०।३६
०३।००।३१।५९	१४ गु	१७	११।५८	१।३४	३।३०	५।४५	८।०५	१०।२२	१२।३८	२।५७	५।१६	७।२०	९।०४	१०।३२
०३।०१।२८।५७	१५ शु	१८	११।५४	१।३०	३।२६	५।४१	८।०१	१०।१८	१२।३४	२।५३	५।१२	७।१६	९।००	१०।२८

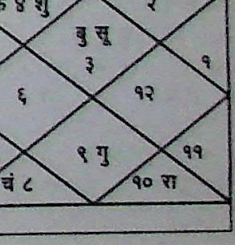
संक्रांति फलम्

ता. १६ जुलाई २००८
आषा. शु. १३ बुधे कर्केऽर्कः प्र. (स्टै.) टा. ८।३१ वारात् ५ नक्षत्रात् ५ वारनाम मंदाकिनी नृपतीन् सुत्सदा नक्षत्रनाम राक्षसी चाण्डालान् सुत्सदा पूर्वान्हे १ प्रहर व्यापिनी नृपतीन् हन्ति, पूर्वे गमनमाग्नेयां दृष्टिः तैतिलकरणे प्रविष्टा नेष्टफलं रासभवाहनं मेषोपवाहनं सुभिक्षकारक अरुणवस्त्रं दण्डायुधं कांस्यपात्रं पक्वान्नभक्षणं मृद्लेपनं पक्षीजातिः केतकीपुष्पं प्रवलभूषणं भूर्जपत्रकंचुकी युवावस्था (सूती) मु. ३० धान्यभावे सम वत्स उत्तरे राहु पश्चिमा. मूलं भूमौ विवाहस्तंभो ऽग्निकोणे शुक्रोदयः पश्चिमायाम्। पुण्यकालः मंगलवार (स्टै.) २०।३१ से बुधवार ८।३१ तक। (दान- घृत, धेनु)।

अयनांशाः २३।५७।४५

पं.१४ आ.शु.१२ सो. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
२	४	२	८	३	४	९	३
२७	१३	११	२२	०७	११	२६	२६
५९	२६	१४	५४	३५	५७	०१	०१
०३	४०	४२	१७	१९	४६	२३	२३
५७	३६	१०५	७	७३	६	३	३
१३	२१	१४	३९	४९	१०	११	११
पुन	पूफा	आ	पूषा	पु	म	घ	श्ले
३	१	२	३व	२	४	१	३



CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

॥ श्रीवल्लभ मनीराम पञ्चाङ्गम ॥

१९ जून से ३ जुलाई तक, श्री आषाढ़ कृष्णपक्ष संवत् २०६५, शाकः १९३०, दि.मासू. सू. तारीख्त स्टै. प्रातः दैनिक ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे ज्येष्ठकृष्णेति गुर्जराः, जून-जुलाई २००८

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
धृम्र	९	गु	४८	३९	२५	०६	मूल	३०	४६	१७	५७	शु	४०	११	२१	४३	बा	१६	०५	१२	०४	३४/२५	५/३८	७/२४	२९	१४	१९	धनु.	२।०३।५१।१६	५६।५८
प्रवर्धमा	२	शु	५३	२१	२६	५९	पूषा	३७	०७	२०	३०	ब्र	४१	३८	२२	१८	तै	२१	०४	१४	०४	२५	३९	२५	३०	१५	२०	मक. २७।०६	२।०४।४८।१४	५६।५७
राक्षस	३	श	५७	१९	२८	३५	उषा	४२	५०	२२	४७	ऐ	४२	३२	२२	४०	व	२५	२५	१५	४९	२५	३९	२५	३१	१६	२१	मक.	२।०५।४५।११	५६।५७
च.ब्र.	४	र	...	...	...	...	श्रव	४७	४१	२४	४३	वै	४२	४६	२२	४५	ब	२८	५८	१७	१४	२५	३९	२५	१	१७	२२	मक.	२।०६।४२।०८	५६।५६
शुभ	४	सो	०	२०	५	४७	धनि	५१	२५	२६	१३	वि	४२	०७	२२	३०	बा	०	२०	५	४७	२५	३९	२५	२	१८	२३	कुंभे	१३।३२	२।०७।३९।०५	५६।५६
मृत्यु	५	मं	२	१०	६	३२	शत	५३	४७	२७	११	प्री	४०	२५	२१	५०	तै	२	१०	६	३२	२५	४०	२५	३	१९	२४	कुंभे		२।०८।३६।०१	५६।५६
पद्म	६	बु	२	३४	६	४१	पूभा	५४	३६	२७	३०	आ	३७	२८	२०	३९	व	२	३४	६	४१	२४	४०	२६	४	२०	२५	मीने	२१।२९	२।०९।३२।५६	५६।५५
छत्र	७	गु	९	२१	६	१३	उभा	५३	४५	२७	१०	सौ	३३	११	१८	५७	ब	९	२१	६	१३	२४	४०	२६	५	२१	२६	मीने		२।१०।२९।५२	५६।५५
क्षयः	८	गु	५८	२९	२९	०४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
श्रीवत्स	९	शु	५३	५५	२७	१५	रेव	५१	१५	२६	११	शो	२७	३३	१६	४२	तै	२६	२४	१६	१४	२३	४०	२६	६	२२	२७	मेषे	२६।११	२।११।२६।४७	५६।५५
सौम्य	१०	श	४७	५१	२४	४९	अश्वि	४७	१३	२४	३४	अ	२०	३५	१३	५५	व	२१	०४	१४	०६	२३	४१	२६	७	२३	२८	मेषे		२।१२।२३।४१	५६।५५
ए.ब्र.	११	र	४०	२९	२१	५३	भर	४१	५३	२२	२६	सु	१२	२७	१०	४०	ब	१४	१८	११	२४	२२	४१	२६	८	२४	२९	वृषे	२७।५०	२।१३।२०।३६	५६।५४
प्र.ब्र.	१२	सो	३२	१०	१८	३३	कृति	३५	३५	१९	५६	धृ	३/५३	२२/३७	७/२७	०२/०८	कौ	६	२५	८	१५	२१	४१	२६	९	२५	३०	वृषे		२।१४।१७।३१	५६।५४
मातङ्ग	१३	मं	२३	१५	१५	००	रोहि	२८	४४	१७	११	गं	४३	३१	२३	०६	व	२३	१५	१५	००	२०	४२	२६	१०	२६	१	मिथु.	२७।४७	२।१५।१४।२५	५६।५४
अमृत	१४	बु	१४	१०	११	२२	मृग	२१	४४	१४	२४	वृ	३३	२४	१९	०४	श	१४	१०	११	२२	१९	४२	२६	११	२७	२	मिथु.		२।१६।१९।१९	५६।५४
अभाव.	३०	गु	५	२०	७	५१	आर्द्रा	१५	०३	११	४४	ध्रु	२३	३९	१५	१०	ना	५	२०	७	५१	१८	४३	२६	१२	२८	३	कर्के	२७।५५	२।१७।०८।१३	५६।५४

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है ।
बुधोदयः पूर्वस्याम् १६।५० [C मार्गी बुधः १५।१३
सायन कर्के भानुः, सायन दक्षिणायन प्रारम्भ २९।२३, C
भ. १५।४९ उ. २८।३५ या., आर्द्रा. रविः २१।११ (सौरः २८।४५), A
भा. आषाढारंभः, चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः २२।१५, मघा.-४ शनिः १८।४६
पंचक प्रारम्भः १३।३२
[A सिंहे मघा. भौमः १५।५९, अयन करिदिन, D
भ. ६।४१ उ. १८।३२ या.
[D सं.स्त्री.पु.चं.चं.वाहन महिष वर्षाश्रेष्ठः
[B ता. ३१, धनि.-१ राहुः २६।१८, श्लेषा.-३ केतुः २६।१८
पंचक समाप्तिः २६।११
भ. १४।०६ उ. २४।४९ या.
योगिनी ११ ब्र., पुन. शुक्रः २२।३६
प्रदोषः, मृगे बुधः १४।२७
भ. १५।०० उ. २५।११ या., मासिकशिवरात्री ब्र., जुलाई ७ B
पितृकार्येऽमा.
देवकार्येऽमा.

अयनांशाः २३।५७।४२

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

पं.११ आ.कृ. ४ सो. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
२	४	१	८	२	४	९	३
०७	००	१९	२५	११	१०	२७	२७
५७	५५	१२	३२	४५	०२	०८	०८
२६	११	२३	१५	१६	१०	१०	१०
५७	३५	१७	७	७३	४	३	३
१४	१४	४६	०१	४६	५०	११	११
आ	म	रो	पुभा	आ	म	घ	श्ले
१	१	३	४व	२	४	२	४



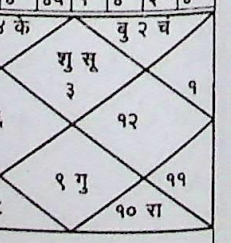
ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	जून	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	सायं	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ
०२।०३।५८।०९	१ गु	१९	१।४९	३।२५	५।२१	७।३५	९।५६	१२।१२	२।२८	४।४७	७।०६	९।१९	१०।५४	१२।२३
०२।०४।५५।०७	२ शु	२०	१।४५	३।२१	५।१७	७।३२	९।५२	१२।०८	२।२४	४।४३	७।०२	९।०७	१०।५०	१२।१९
०२।०५।५२।०४	३ श	२१	१।४१	३।१७	५।१३	७।२८	९।४८	१२।०५	२।२०	४।३९	६।५८	९।०३	१०।४६	१२।१५
०२।०६।४९।०१	४ र	२२	१।३७	३।१३	५।०९	७।२४	९।४४	१२।०१	२।१६	४।३६	६।५४	८।५९	१०।४२	१२।११
०२।०७।४५।५७	५ चं	२३	१।३३	३।०९	५।०५	७।२०	९।४०	११।५७	२।१२	४।३२	६।५०	८।५५	१०।३८	१२।०७
०२।०८।४२।५३	६ मं	२४	१।२९	३।०५	५।०१	७।१६	९।३६	११।५३	२।०९	४।२८	६।४६	८।५१	१०।३४	१२।०३
०२।०९।३९।४८	७ बु	२५	१।२५	३।०१	४।५७	७।१२	९।३२	११।४९	२।०५	४।२४	६।४२	८।४७	१०।३०	११।५९
०२।१०।३६।४३	८ गु	२६	१।२१	२।५७	४।५३	७।०८	९।२८	११।४५	२।०१	४।२०	६।३८	८।४३	१०।२६	११।५५
०२।११।३३।३८	९ शु	२७	१।१७	२।५३	४।४९	७।०४	९।२४	११।४१	१।५७	४।१६	६।३४	८।३९	१०।२२	११।५१
०२।१२।३०।३३	१० श	२८	१।१३	२।४९	४।४५	७।००	९।२०	११।३७	१।५३	४।१२	६।३०	८।३५	१०।१९	११।४७
०२।१३।२७।२८	११ र	२९	१।०९	२।४५	४।४१	६।५६	९।१६	११।३३	१।४९	४।०८	६।२७	८।३१	१०।१५	११।४३
०२।१४।२४।२२	१२ चं	३०	१।०५	२।४१	४।३७	६।५२	९।१२	११।२९	१।४५	४।०४	६।२३	८।२७	१०।११	११।३९
०२।१५।२१।१६	१३ मं	९	१।०१	२।३७	४।३३	६।४८	९।०८	११।२५	१।४१	४।००	६।१९	८।२३	१०।०७	११।३५
०२।१६।१८।१०	१४ बु	२	१२।५७	२।३३	४।३०	६।४४	९।०४	११।२१	१।३७	३।५६	६।१५	८।१९	१०।०३	११।३१
०२।१७।१५।०४	३० गु	३	१२।५३	२।२९	४।२६	६।४०	९।००	११।१७	१।३३	३।५२	६।११	८।१५	९।५९	११।२७

मास फलम्

अयनांशाः २३।५७।४३

इस माह में पांच गुरुवार होने से धान्य सस्ता हो यथा-चन्द्रजीवौ यदापंच धान्यादीनांसमर्घता॥ पांच शुक्रवार होने से प्रजा की वृद्धि हो । कृष्णा द्वितीया और नौमी को शुक्रवार होने से सुभिक्ष हो । कृष्णा त्रयोदशी में रोहिणी होने से उत्तम पवन चले । गुरुवारी अमावस आर्द्रा योग होने से वृष्टि तथा सुभिक्ष हो कल्याण हो दुःख का नाश हो । आरोग्यता हो और प्रजा स्वस्थ हो । शुक्ला पंचमी को सोमवार होने से सुवृष्टि हो । शुक्ला एकादशी को रविवार होने से सुभिक्ष हों । पूर्णिमा को पूर्वाषाढा का अभाव और उत्तराषाढा युक्त होने से महर्घता हो लेकिन पूर्णिमा १५ घटी से अधिक है अतः सुभिक्ष रहे ।

पं.१२ आ.कृ.१२ सो.इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
२	४	१	८	२	४	९	३
१४	०५	२३	२४	२०	१०	२६	२६
३८	०३	०१	४१	२१	३७	४५	४५
००	०३	०५	३१	४७	२८	५४	५४
५७	३५	५१	७	७३	५	३	३
१२	३७	४९	३०	४७	१९	११	११
आ	म	रो	पुभा	पुन	म	घ	श्ले
३	२	४	४व	१	४	२	४



CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

४ जुलाई से १८ जुलाई तक, श्री आषाढ़ शुक्लपक्ष संवत् २०६५, शाकः १९३०, दि.मा.सू. सू. तारीख्य स्टै. प्रातः दैनिक

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	च.प.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
क्षयः	१	गु	५७	१०	२८	३५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
लुम्बक	२	शु	५०	०१	२५	४४	पुन	९	०७	९	२२	व्या	१४	३२	११	३२	बा	२३	२६	१५	०५	३४ १७	५ ४३	७ २६	१३	२९	४	कर्के	२।१८।०५।०७	५६।५४
मित्र	३	श	४४	१६	२३	२६	पुष्य	४	१९	७	२७	ह	६ ५४	२४ ३०	८ २९	५७ ३१	तै	१६	५६	१२	३०	१६	४३	२६	१४	१	५	कर्के	२।१९।०२।०२	५६।५४
वज्र	४	र	४०	१०	२१	४८	श्ले	० ५९	५८ २२	६ २९	०७ २९	सि	५३	५९	२७	२०	व	११	५९	१०	३१	१५	४४	२६	१५	२	६	सिंहे	२।१९।५८।५६	५६।५४
ध्वजा	५	सो	३७	५५	२०	५४	पूफा	५९	३८	२९	३६	व्य	५०	०१	२५	४५	ब	८	४७	९	१५	१३	४४	२६	१६	३	७	सिंहे	२।२०।५५।५०	५६।५५
धाता	६	मं	३७	३७	२०	४८	उफा	...	...	...	...	व	४७	३५	२४	४७	को	७	३१	८	४५	१२	४५	२५	१७	४	८	कन्या	११।४४	२।२१।५२।४५	५६।५५
प्रवर्धमा	७	बु	३९	१४	२१	२७	उफा	१	४८	६	२८	प	४६	३८	२४	२४	ग	८	११	९	०१	१०	४५	२५	१८	५	९	कन्या	२।२२।४९।३९	५६।५५
राक्षस	८	गु	४२	३३	२२	४७	हस्त	५	४७	८	०५	शि	४७	००	२४	३४	वि	१०	४१	१०	०२	०९	४६	२५	१९	६	१०	तुला.	२।२३।४६।३४	५६।५५
मुसल	९	शु	४७	१६	२४	४०	चित्रा	११	१९	१०	१८	सि	४८	२५	२५	०८	बा	१४	४५	११	४०	०७	४६	२५	२०	७	११	तुला.	२।२४।४३।३०	५६।५५
सिद्धि	१०	श	५२	५२	२६	५५	स्वा	१७	५९	१२	५८	सा	५०	३३	२६	००	तै	१९	५८	१३	४६	०५	४७	२५	२१	८	१२	तुला.	२।२५।४०।२५	५६।५६
ए.व्र.	११	र	५८	५३	२९	२०	विशा	२५	१८	१५	५४	शु	५२	५७	२६	५८	व	२५	५१	१६	०७	०४	४७	२४	२२	९	१३	वृश्चि.	९।१०	२।२६।३७।२१	५६।५६
मानस	१२	सो	...	...	...	..	अनु	३२	४५	१८	५४	शु	५५	२०	२७	५६	ब	३१	५२	१८	३२	०२	४८	२४	२३	१०	१४	वृश्चि.	२।२७।३४।१७	५६।५७
प्र.व्र.	१२	मं	४	४७	७	४३	ज्ये	३९	५६	२१	४६	ब्र	५७	२४	२८	४६	बा	४	४७	७	४३	००	४८	२४	२४	११	१५	धनु.	२।२८।३१।१४	५६।५७
ध्वजा	१३	बु	१०	१६	९	५५	मूल	४६	३३	२४	२६	ऐ	५८	५९	२९	२४	तै	१०	१६	९	५५	३३ पृ	४९	२४	२५	१२	१६	धनु.	२।२९।२८।११	५६।५८
धाता	१४	गु	१५	०३	११	५०	पूषा	५२	२६	२६	४७	वै	५९	५८	२९	४८	व	१५	०३	११	५०	५६	४९	२३	२६	१३	१७	धनु.	३।००।२५।०८	५६।५८
पूर्णिमा	१५	शु	१९	०३	१३	२७	उषा	५७	३०	२८	४९	वि	...	...	..	...	ब	१९	०३	१३	२७	५३	५०	२३	२७	१४	१८	मक.	९।२०	३।०१।२२।०६	५६।५९

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।

[A मन्वादि, पुन. बुधः २३।२५ [E मण्डूक अल्पवृष्टिः

चंद्रदर्शनम् (मु.३०), श्री जगदीश रथ यात्रा

रज्जव ७, शुक्रोदयः पश्चिमायाम् २८।५६, B

म. १०।३१ उ. २१।४८ या., पुन. सौरः ६।११, मिथुने बुधः ९९।११

कर्के शुक्रः २५।४५ [B पुन. रविः २०।४८, सं.स्त्री.स्त्री.चं.चं.वाहन E

स्कंध षष्ठी उफा. रे. ९ ऽ।।।।।।।।। रात्रौ ल. अ.गो. १२।२

म. २१।२७ उ., हस्ते रे. ८ ।।।।।ऽऽ।। रात्रौ ल. अ. गो.

म. १०।०२ या., (व) पूषा.-३ गुरुः २१।३६, पुष्ये शुक्रः ९८।४७

भड़ली ९, आर्द्रा. बुधः ११।०६, स्वातौ रे. १० ।।।।।।।।। दिवा F

मन्वादि, आशा दशमी, स्वातौ रे. १० ।।।।।।।।। दिवा ल. ४।६

म. १६।०७ उ. २९।२० या., देव शयनी ११ व्र., चातुर्मास व्रतारंभः,C

श्रावणे वर्जयेच्छाकम् [C गोपद्मव्रतोद्यापनं, पूफा. भौमः २५।२३

प्रदोषः [F ल. ६, रात्रौ गोधूलि १२।१ [D दक्षिणायनारंभः

जया पार्वती व्रतं, कर्के रविः ८।३१ (सौरः ९९।९३), निरयन D

म. ११।५० उ. २४।४१ या., पूर्णिमा व्रतं, वायु परीक्षा, आषाढी योगः

पूर्णिमापुण्यं, गोपद्मव्रतारंभ, व्यासपूजा, गुरुपूर्णिमा, बौधायन उषा., A

शुक्रोदयः पश्चिमायाम्

अयनांशाः २३।५७।४४

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

संक्रांति फलम्

अयनांशाः २३।५७।४५

पं.१३ आ.शु. ५ सो. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
२	४	२	८	२	४	९	३
२१	०९	००	२३	२८	११	२६	२६
१८	१३	३३	४८	५८	१६	२३	२३
२९	३४	४९	१४	२८	०७	३९	३९
५७	३५	८०	७	७३	५	३	३
१२	५९	४४	४२	४८	४६	११	११
पुन	म	मृ	पूषा	पुन	म	घ	श्ले
१	३	३	४व	३	४	१	३

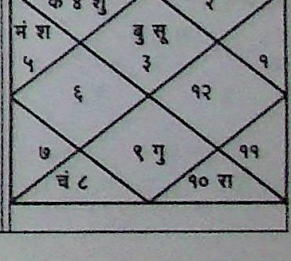


ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	जुला	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	सायं	रात्रौ	रात्रौ
०२।१८।१९।५८	२ शु	४	१२।४९	२।२६	४।२२	६।३६	८।५६	११।१३	१।२९	३।४८	६।०७	८।११	९।५५	११।२३
०२।१९।०८।५३	३ श	५	१२।४५	२।२२	४।१८	६।३२	८।५२	११।०९	१।२५	३।४४	६।०३	८।०८	९।५१	११।१९
०२।२०।०५।४७	४ र	६	१२।४२	२।१८	४।१४	६।२८	८।४९	११।०५	१।२१	३।४०	५।५९	८।०४	९।४७	११।१६
०२।२१।०२।४१	५ चं	७	१२।३८	२।१४	४।१०	६।२५	८।४५	११।०१	१।१७	३।३६	५।५५	८।००	९।४३	११।१२
०२।२१।५९।३५	६ मं	८	१२।३४	२।१०	४।०६	६।२१	८।४१	१०।५८	१।१३	३।३२	५।५१	७।५६	९।३९	११।०८
०२।२२।५६।३०	७ बु	९	१२।३०	२।०६	४।०२	६।१७	८।३७	१०।५४	१।०९	३।२८	५।४७	७।५२	९।३५	११।०४
०२।२३।५३।२५	८ गु	१०	१२।२६	२।०२	३।५८	६।१३	८।३३	१०।५०	१।०५	३।२५	५।४३	७।४८	९।३१	११।००
०२।२४।५०।२०	९ शु	११	१२।२२	१।५८	३।५४	६।०९	८।२९	१०।४६	१।०१	३।२१	५।३९	७।४४	९।२७	१०।५६
०२।२५।४७।१६	१० श	१२	१२।१८	१।५४	३।५०	६।०५	८।२५	१०।४२	१२।५८	३।१७	५।३५	७।४०	९।२३	१०।५२
०२।२६।४४।११	११ र	१३	१२।१४	१।५०	३।४६	६।०१	८।२१	१०।३८	१२।५४	३।१३	५।३१	७।३६	९।१९	१०।४८
०२।२७।४१।०८	१२ चं	१४	१२।१०	१।४६	३।४२	५।५७	८।१७	१०।३४	१२।५०	३।०९	५।२७	७।३२	९।१५	१०।४४
०२।२८।३८।०४	१३ मं	१५	१२।०६	१।४२	३।३८	५।५३	८।१३	१०।३०	१२।४६	३।०५	५।२३	७।२८	९।११	१०।४०
०२।२९।३५।०१	१४ बु	१६	१२।०२	१।३८	३।३४	५।४९	८।०९	१०।२६	१२।४२	३।०१	५।१९	७।२४	९।०८	१०।३६
०३।००।३१।५९	१५ गु	१७	११।५८	१।३४	३।३०	५।४५	८।०५	१०।२२	१२।३८	२।५७	५।१६	७।२०	९।०४	१०।३२
०३।०१।२८।५७	१५ शु	१८	११।५४	१।३०	३।२६	५।४१	८।०१	१०।१८	१२।३४	२।५३	५।१२	७।१६	९।००	१०।२८

ता. १६ जुलाई २००८
आषा. शु. १३ बुधे कर्केऽर्कः प्र. (स्टै.) टा. ८।३१ वारात् ५ नक्षत्रात्
५ वारनाम नंदाकिनी नृपतीन् सुस्नदा
नक्षत्रनाम राक्षसी चाण्डालान् सुस्नदा
पूर्वान्ह १ प्रहर व्यापिनी नृपतीन् हन्ति,
पूर्वे गमनमाग्नेयां दृष्टिः तैतिलकरणे
प्रविष्टा नेष्टफलं रासभवाहनं
मेषोपवाहनं सुभिक्षकारक अरुणवस्त्रं
दण्डायुधं कांस्यपात्रं पक्वान्नभक्षणं
मृद्लेपनं पक्षीजातिः केतकीपुष्पं
प्रवलभूषणं भूर्जपत्रकंचुकी युवावस्था
(सूती) मु. ३० धान्यभावे सम वत्स
उत्तरे राहु पश्चिमा. मूलं भूमौ
विवाहस्तंभो ऽग्निकोणे शुक्रोदयः
पश्चिमायाम्। पुण्यकालः मंगलवार
(स्टै.) २०।३१ से बुधवार ८।३१
तक। (दान- घृत, धेनु)।

पं.१४ आ.शु.१२ सो. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
२	४	२	८	३	४	९	३
२७	१३	११	२२	०७	११	२६	२६
५९	२६	१४	५४	३५	५७	०१	०१
०३	४०	४२	१७	१९	४६	२३	२३
५७	३६	१०५	७	७३	६	३	३
१३	२१	१४	३९	४९	१०	११	११
पुन	पूफा	आ	पूषा	पु	म	घ	श्ले
३	१	२	३व	२	४	१	३



CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

॥ श्रीवल्लभ मनीराम पञ्चाङ्गम् ॥

१९ जुलाई से १ अगस्त तक, श्री श्रावण कृष्णपक्ष संवत् २०६५, शाकः १९३०, दि.मा.सू. सू. तारीख्य स्टै. प्रातः दैनिक वर्षर्तू रविर्दक्षिणे आषाढकृष्णेति गुर्जराः, जुलाई-अगस्त २००८

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
चर	१	श	२२	११	१४	४२	श्रव	...	...	...	...	वि	० ५९	१५ ५३	५ २९	१५ ४७	कौ	२२	११	१४	४२	३३ ५१	५ ५०	७ २२	२८	१५	१९	मक.	३।०२।१९।०५	५६।५९
गद	२	र	२४	२१	१५	३५	श्रव	१	३९	६	३०	आ	५८	४२	२९	१९	ग	२४	२१	१५	३५	४९	५१	२२	२९	१६	२०	कुंभे	१९।१२	३।०३।१६।०४	५७।००
च.व्र.	३	सो	२५	३०	१६	०३	धनि	४	५१	७	४७	सौ	५६	४०	२८	३१	वि	२५	३०	१६	०३	४६	५१	२२	३०	१७	२१	कुंभे		३।०४।१३।०४	५७।०१
मृत्यु	४	मं	२५	३१	१६	०४	शत	६	५८	८	३९	शो	५३	४२	२७	२०	बा	२५	३१	१६	०४	४४	५२	२१	३१	१८	२२	मीने	२६।५९	३।०५।१०।०५	५७।०१
पद्म	५	बु	२४	१९	१५	३६	पूभा	७	५६	९	०३	अ	४९	४५	२५	४६	तै	२४	१९	१५	३६	४१	५२	२१	१	१९	२३	मीने		३।०६।०७।०६	५७।०२
छत्र	६	गु	२१	५४	१४	३८	उभा	७	४१	८	५७	सु	४४	४८	२३	४८	व	२१	५४	१४	३८	३९	५३	२०	२	२०	२४	मीने		३।०७।०४।०८	५७।०३
श्रीवत्स	७	शु	१८	१३	१३	११	रेव	६	१२	८	२२	धृ	३८	५२	२१	२६	ब	१८	१३	१३	११	३६	५३	२०	३	२१	२५	मेषे	८।२२	३।०८।०१।११	५७।०४
सौम्य	८	श	१३	२४	११	१५	अश्वि	३ ५९	३२ ५०	७ २९	१८ ५०	शू	३२	०१	१८	४२	कौ	१३	२४	११	१५	३४	५४	१९	४	२२	२६	मेषे		३।०८।५८।१५	५७।०५
धृम्र	९	र	७	३३	८	५५	कृति	५५	१५	२८	००	गं	२४	२२	१५	३९	ग	७	३३	८	५५	३१	५४	१९	५	२३	२७	वृषे	११।२४	३।०९।५५।१९	५७।०५
ए.व्र.	१०	सो	०	५२	६	१६	रोहि	५०	०३	२५	५६	वृ	१६	०५	१२	२१	वि	०	५२	६	१६	२८	५५	१८	६	२४	२८	वृषे		३।१०।५२।२५	५७।०६
क्षयः	११	सो	५३	३८	२७	२२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
ए.व्र.	१२	मं	४६	०३	२४	२०	मृग	४४	३१	२३	४४	घृ	७ ५८	२३ ३०	८ २९	५२ ५९	कौ	१९	५१	९३	५२	२५	५५	१७	७	२५	२९	मिथु.	१२।५०	३।११।४९।३१	५७।०७
प्र.व्र.	१३	बु	३८	२८	२१	१९	आर्द्रा	३८	५८	२१	३१	ह	४९	३९	२५	४८	ग	१२	१४	१०	४९	२२	५६	१७	८	२६	३०	मिथु.		३।१२।४६।३९	५७।०८
सिद्धि	१४	गु	३१	११	१८	२५	पुन	३३	४३	१९	२६	व	४१	०७	२२	२३	वि	४	४५	७	५०	१९	५६	१६	९	२७	३१	कर्के	१३।५६	३।१३।४३।४७	५७।०९
अमाव.	३०	शु	२४	३२	१५	४६	पुष्य	२९	०८	१७	३६	सि	३३	०९	१९	१३	ना	२४	३२	१५	४६	१६	५७	१५	१०	२८	१	कर्के		३।१४।४०।५७	५७।१०

सूर्यग्रहणम्, देवपितृकार्येऽमा., हरियाली ३०, अगस्त ८ ता. ३१, B

A सं.स्त्री.पु.चं.चं.वाहन मूषक वर्षाश्रेष्ठः
भ. ६।१६ या., कामिका ११ व्र.स्मार्त
B तिलकपुण्यतिथि, सिंहे मघा. शुक्रः १०।५८
कामिका ११ व्र.वैष्ण.
भ. २१।१९ उ., प्रदोषः, मासिकशिवरात्री व्र.
भ. ७।५० या., श्लेषा. बुधः १८।३८

नक्त व्रतारंभः, पुष्ये रविः २०।२२, बुधास्तः पूर्वस्याम् २४।४५, A
भ. २७।५२ उ., पंचक प्रारम्भः १९।१२, वृहत्तल्पा, पुष्ये सौरः ७।३०
भ. १६।०३ या., चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः २१।२२, श्लेषा. शुक्रः १४।५२
सायन सिंहे भानुः १६।२२
नागपञ्चमी (मरु.), भा. श्रावणारंभः, कर्के बुधः २०।५८
भ. १४।३८ उ. २५।५८ या.
पंचक समाप्तिः ८।२२, पुष्ये बुधः १०।५०
पूफा.-१ शनिः २३।१५
भ. १९।३८ उ. [A सं.स्त्री.पु.चं.चं.वाहन मूषक वर्षाश्रेष्ठः

अयनांशाः २३।५७।४६

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	जुला	रात्री	रात्री	रात्री	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	सायँ	रात्री	रात्री
०३।०२।२५।५५	१ श	१९	११।५०	१।२६	३।२२	५।३७	७।५७	१०।१४	१२।३०	२।४९	५।०८	७।१२	८।५६	१०।२४
०३।०३।२२।५५	२ र	२०	११।४६	१।२२	३।१९	५।३३	७।५३	१०।१०	१२।२६	२।४५	५।०४	७।०८	८।५२	१०।२०
०३।०४।१९।५५	३ चं	२१	११।४२	१।१८	३।१५	५।२९	७।४९	१०।०६	१२।२२	२।४१	५।००	७।०४	८।४८	१०।१६
०३।०५।१६।५५	४ मं	२२	११।३८	१।१५	३।११	५।२५	७।४५	१०।०२	१२।१८	२।३७	४।५६	७।००	८।४४	१०।१२
०३।०६।१३।५७	५ बु	२३	११।३४	१।११	३।०७	५।२१	७।४१	९।५८	१२।१४	२।३३	४।५२	६।५७	८।४०	१०।०८
०३।०७।१०।५९	६ गु	२४	११।३१	१।०७	३।०३	५।१७	७।३८	९।५४	१२।१०	२।२९	४।४८	६।५३	८।३६	१०।०५
०३।०८।०८।०२	७ शु	२५	११।२७	१।०३	२।५९	५।१४	७।३४	९।५०	१२।०६	२।२५	४।४४	६।४९	८।३२	१०।०१
०३।०९।०५।०५	८ श	२६	११।२३	१२।५९	२।५५	५।१०	७।३०	९।४७	१२।०२	२।२१	४।४०	६।४५	८।२८	९।५७
०३।१०।०२।१०	९ र	२७	११।१९	१२।५५	२।५१	५।०६	७।२६	९।४३	११।५८	२।१८	४।३६	६।४१	८।२४	९।५३
०३।१०।५९।१५	१० चं	२८	११।१५	१२।५१	२।४७	५।०२	७।२२	९।३९	११।५४	२।१४	४।३२	६।३७	८।२०	९।४९
०३।११।५६।२२	१२ मं	२९	११।११	१२।४७	२।४३	४।५८	७।१८	९।३५	११।५१	२।१०	४।२८	६।३३	८।१६	९।४५
०३।१२।५३।२९	१३ बु	३०	११।०७	१२।४३	२।३९	४।५४	७।१४	९।३१	११।४७	२।०६	४।२४	६।२९	८।१२	९।४१
०३।१३।५०।३८	१४ गु	३१	११।०३	१२।३९	२।३५	४।५०	७।१०	९।२७	११।४३	२।०२	४।२०	६।२५	८।०८	९।३७
०३।१४।४७।४७	३० शु	१	१०।५९	१२।३५	२।३१	४।४६	७।०६	९।२३	११।३९	१।५८	४।१६	६।२१	८।०४	९।३३

मास फलम्

सूर्यग्रहण १ अग. २००८,शुक्रवार
चन्द्रग्रहण १६ अग.२००८,शनिवार

इस माह में पांच शनिवार होने से महँगाई हो । कृष्णा प्रतिपदा को धृति योग न होने से धान्यादि भाव मंदे हों । शुक्रवारी अमावस पुष्य योग होने से समर्घता और मध्यम वर्षा हो । शुक्ला सप्तमी को स्वाति नक्षत्र सुभिक्ष कारक है । पूर्णिमा शनिवार युक्त होने से दुर्भिक्ष और श्रवण युक्त होने से धान्योत्पत्ति बहुत हो । शनिवार की सक्रांति होने से अशुभ फलकारक है सभी तरह की वस्तुओं का क्षय हो प्रजा में दुर्भिक्ष हो, धान्यादि भाव तेज हो और रोगों की अधिकता हो ।

अयनांशाः २३।५७।४७

पं.१५ श्रा.कृ. ३ सो. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
३	४	२	८	३	४	९	३
०४	१७	२४	२२	१६	१२	२५	२५
३९	४२	३२	०१	१२	४२	३९	३९
५२	१७	१८	३२	१५	०४	०७	०७
५७	३६	१२३	७	७३	६	३	३
१६	४२	२४	२०	४९	३१	११	११
पु	पूफा	पुन	पूष	पु	म	ध	श्ले
१	२	२	३व	४	४	१	३



पं.१६ श्रा.कृ.१० सो.इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
३	४	३	८	३	४	९	३
११	२२	०९	२१	२४	१३	२५	२५
२१	००	१५	११	४९	२८	१६	१६
०७	२२	५८	४८	१२	३९	५१	५१
५७	३७	१२६	६	७३	६	३	३
२१	०३	५०	४५	४९	४९	११	११
पु	पूफा	पु	पूफा	श्ले	पूफा	ध	श्ले
३	३	२	३व	३	१	१	३



CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

२ अगस्त से १६ अगस्त तक, श्री श्रावण शुक्लपक्ष संवत् २०६५, शाकः १९३०, दि.मासू. सू. तारीख स्टै. प्रातः दैनिक केतकी अहर्गणः ५९६३ वर्षत्तूं रविर्दक्षिणे, अगस्त २००८

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
मानस	१	श	१८	५१	१३	३०	श्ले	२५	३२	१६	१०	व्य	२६	०२	१६	२२	ब	१८	५१	१३	३०	३३	५७	७	११	२९	२	सिंहे १६।१०	३।१५।३८।०७	५७।९२
सिंधारा	२	र	१४	२३	११	४३	मघा	२३	११	१५	१४	व	१९	५६	१३	५०	ग	१४	२३	११	४३	१०	५८	१४	१२	३०	३	सिंहे	३।१६।३५।१९	५७।९३
तीज	३	सो	११	२५	१०	३३	पूफा	२२	२२	१४	५५	प	१५	०४	१२	००	ग	११	२५	१०	३३	०७	५९	१३	१३	१	४	कन्या २०।५७	३।१७।३२।३१	५७।९४
घाता	४	मं	१०	१०	१०	०३	उफा	२३	१४	१५	१७	शि	११	३४	१०	३७	वि	१०	१०	१०	०३	०४	५९	१३	१४	२	५	कन्या	३।१८।२९।४५	५७।९५
आनन्द	५	बु	१०	४२	१०	१६	हस्त	२५	५३	१६	२१	सि	९	३०	९	४८	बा	१०	४२	१०	१६	०१	६ ००	१२	१५	३	६	तुला. २९।०९	३।१९।२७।००	५७।९६
चर	६	गु	१३	०१	११	१३	चित्रा	३०	१५	१८	०६	सा	८	५०	९	३२	तै	१३	०१	११	१३	३२ ५७	०	११	१६	४	७	तुला.	३।२०।२४।१७	५७।९८
गद	७	शु	१६	५८	१२	४८	स्वा	३६	०६	२०	२७	शु	९	२६	९	४७	व	१६	५८	१२	४८	५४	०१	१०	१७	५	८	तुला.	३।२१।२९।३५	५७।९९
शुभ	८	श	२२	०९	१४	५३	विशा	४३	०१	२३	१४	शु	११	०२	१०	२६	ब	२२	०९	१४	५३	५१	०१	१०	१८	६	९	वृश्चि. १६।३०	३।२२।२८।५४	५७।२०
मृत्यु	९	र	२८	०४	१७	१५	अनु	५०	२६	२६	१२	ब्र	१३	१५	११	२०	कौ	२८	०४	१७	१५	४७	०२	०९	१९	७	१०	वृश्चि.	३।२३।२६।१४	५७।२२
पद्म	१०	सो	३४	०७	१९	४१	ज्ये	५७	४७	२९	०९	ऐ	१५	४०	१२	१८	तै	१	०६	६	२९	४४	०२	०८	२०	८	११	धनु. २९।०९	३।२४।२३।३६	५७।२३
ए.ब्र.	११	मं	३९	४३	२१	५६	मूल	...	...	...	...	वै	१७	५१	१३	११	व	६	५९	८	५०	४१	०३	०७	२१	९	१२	धनु.	३।२५।२०।५९	५७।२५
ध्वजा	१२	बु	४४	२६	२३	५०	मूल	४	३१	७	५२	वि	१९	२९	१३	५१	ब	१२	११	९०	५६	३७	०३	०६	२२	१०	१३	धनु.	३।२६।०८।२३	५७।२६
प्र.ब्र.	१३	गु	४८	०२	२५	१७	पूषा	१०	२०	१०	१२	प्री	२०	१७	१४	११	कौ	१६	२२	१२	३७	३४	०४	०५	२३	११	१४	मक. १६।४३	३।२७।०५।४९	५७।२८
काल	१४	शु	५०	२७	२६	१५	उषा	१५	०१	१२	०५	आ	२०	१०	१४	०८	ग	१९	२३	१३	५०	३०	०४	०४	२४	१२	१५	मक.	३।२८।०३।१७	५७।२९
पूर्णिमा	१५	श	५१	३६	२६	४३	श्रव	१८	२९	१३	२८	सौ	१९	०६	१३	४३	वि	२१	१०	१४	३३	२६	०५	०३	२५	१३	१६	कुंभे २६।००	३।२९।००।४६	५७।३१

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।
ग्रहण-करिदिन, श्लेषा.रविः १९।१८,सं.स्त्री.स्त्री.चं.चं.वाहन जम्बूक अल्पवृष्टिः
चंद्रदर्शनम् (मु.३०), श्रृंगार (सिंधारा) देशाचारे, सुकृततृतीया व्र.,G
भ. २२।१३ उ., तीज, स्वर्णगौरी व्र., मघुश्रवा व्र.(गुर्जरे), वरद B
भ. १०।०३ या., काण्वंमध्यन्दिन (कात्या.) उपाकर्म
कल्कीजयंती, नागपञ्चमी,नागदष्टव्र., वर्णषष्ठी,ऋग्वेदि, यजुर्वेदि, H
शीतला, सिंहे मघा. बुधः १०।५१ |H हिरण्यकेशीय उपाकर्म
भ. १२।४८ उ. २५।४८ या., तुलसीजयंती, दुर्गाष्टमी, (व) पूषा.-२ O
कन्यायां भौमः २६।०७ |G श्लेषा. सौरः ७।५६ |O गुरुः २२।४३
|B चतुर्थी, दूर्वा गणपति व्र., रोटक व्रतारंभ, सोमेश्वरपूजनं, E
|E सावान ८, उफा. भौमः ९८।१४
भ. ८।५० उ. २१।५६ या., पवित्रा ११ व्र., पूफा. शुक्रः ७।१२
दधि भक्षणत्यागः, पवित्रारोपणं |L पश्चिमायाम् १०।४८
प्रदोषः, पूफा. बुधः १७।५५, बुधोदयः पश्चिमायाम् १७।१३,शनैरस्तः L
भ. २६।१५ उ.,सूणमाण्डणा (पूरा दिन शुद्ध है), भारतीयस्वतंत्रतादिवस
भ. १४।३३ या.,रक्षाबंधनं(भद्रोत्तरं), स्नण्डग्रासं चन्द्रग्रहणम्,पूर्णिमा A

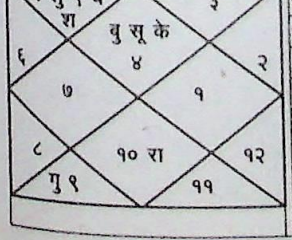
|A व्रतंपुण्यञ्च, पंचक प्रारम्भः २६।००, हयग्रीव जयंती, नारियल १५, सिंहे मघा. रविः १७।००, सं.स्त्री.पु.चं.चं.वाहन घातक वर्षाश्रेष्ठः

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

अयनांशाः २३।५७।४८

पं.१७ श्रा.शु. ३ सो. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
३	४	३	८	४	४	९	३
१८	२६	२३	२०	०३	१४	२४	२४
०२	२०	४३	२६	२६	१७	५४	५४
५८	५४	५४	४८	०३	१२	३५	३५
५७	३७	११९	५	७३	७	३	३
२७	२४	०२	५७	४८	०४	११	११
श्ले	पूफा	श्ले	पूषा	म	पूफा	घ	श्ले
१	४	३	३व	२	१	१	३



ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	अंग	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	सार्यं	रात्रौ
०३।१५।४४।५८	१ श	२	१०।५५	१२।३१	२।२७	४।४२	७।०२	९।१९	११।३५	१।५४	४।१२	६।१७	८।००	९।२९
०३।१६।४२।०९	२ र	३	१०।५१	१२।२७	२।२३	४।३८	६।५८	९।१५	११।३१	१।५०	४।०९	६।१३	७।५७	९।२५
०३।१७।३९।२२	३ चं	४	१०।४७	१२।२३	२।१९	४।३४	६।५४	९।११	११।२७	१।४६	४।०५	६।०९	७।५३	९।२१
०३।१८।३६।३६	४ मं	५	१०।४३	१२।१९	२।१५	४।३०	६।५०	९।०७	११।२३	१।४२	४।०१	६।०५	७।४९	९।१७
०३।१९।३३।५१	५ बु	६	१०।३९	१२।१५	२।११	४।२६	६।४६	९।०३	११।१९	१।३८	३।५७	६।०१	७।४५	९।१३
०३।२०।३१।०८	६ गु	७	१०।३५	१२।११	२।०८	४।२२	६।४२	८।५९	११।१५	१।३४	३।५३	५।५७	७।४१	९।०९
०३।२१।२८।२६	७ शु	८	१०।३१	१२।०७	२।०४	४।१८	६।३८	८।५५	११।११	१।३०	३।४९	५।५३	७।३७	९।०५
०३।२२।२५।४५	८ श	९	१०।२७	१२।०४	२।००	४।१४	६।३४	८।५१	११।०७	१।२६	३।४५	५।५०	७।३३	९।०१
०३।२३।२३।०५	९ र	१०	१०।२४	१२।००	१।५६	४।१०	६।३०	८।४७	११।०३	१।२२	३।४१	५।४६	७।२९	८।५८
०३।२४।२०।२७	१० चं	११	१०।२०	११।५६	१।५२	४।०६	६।२७	८।४३	१०।५९	१।१८	३।३७	५।४२	७।२५	८।५४
०३।२५।१७।५०	११ मं	१२	१०।१६	११।५२	१।४८	४।०३	६।२३	८।३९	१०।५५	१।१४	३।३३	५।३८	७।२१	८।५०
०३।२६।१५।१५	१२ बु	१३	१०।१२	११।४८	१।४४	३।५९	६।१९	८।३६	१०।५१	१।१०	३।२९	५।३४	७।१७	८।४६
०३।२७।१२।४१	१३ गु	१४	१०।०८	११।४४	१।४०	३।५५	६।१५	८।३२	१०।४७	१।०७	३।२५	५।३०	७।१३	८।४२
०३।२८।१०।०९	१४ शु	१५	१०।०४	११।४०	१।३६	३।५१	६।११	८।२८	१०।४३	१।०३	३।२१	५।२६	७।०९	८।३८
०३।२९।०७।३८	१५ श	१६	१०।००	११।३६	१।३२	३।४७	६।०७	८।२४	१०।४०	१२।५९	३।१७	५।२२	७।०५	८।३४

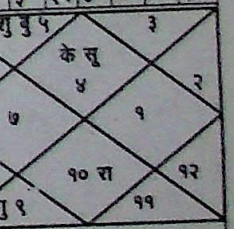
संक्रांति फलम्

ता. १६ अगस्त २००८
श्रा. शु. १५ शनौ सिंहेऽर्कः प्र. (स्टै.)
टा. १७।०० वारात् ४ नक्षत्रात् ५
वारनाम राक्षसी चाण्डालान् सुस्पदा
नक्षत्रनाम महोदरी चोरान् सुस्पदा
अपरान्ह ३ प्रहर व्यापिनी वैश्यान्
हन्ति, दक्षिणे गमनं नैऋत्यां दृष्टिः
बवकरणे प्रविष्टा मध्यमफलं सिंहवाहनं
गजोपवाहनं भीतिकारक श्वेतवस्त्रं
भुशुण्ड्यायुधं स्वर्णपात्रं अन्नभक्षणं
कस्तूरीलेपनं दैवतंजातिः पुन्नागपुष्पं
पिरोजभूषणं विचित्रकंचुकी बालावस्था
(बैठी) मु. ३० धान्यभावे सम वत्स
पूर्वे राहु उत्तरे मूलं स्वर्गं विवाहस्तंभो
ऐशान्यां शुक्रोदयः पश्चिमायाम् ।
पुण्यकालः (स्टै.) १०।३६ से १७।००
तक । (दान- छत्र) ।

अयनांशाः २३।५७।४९

पं.१८ श्रा.शु.१० सो.इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
३	५	४	८	४	४	९	३
२४	००	०७	१९	१२	१५	२४	२४
४५	४३	०६	४७	०२	०७	३२	३२
३६	५२	५३	५९	४९	२०	१९	१९
५७	३७	१०८	४	७३	७	३	३
३४	४५	४३	५८	४५	१६	११	११
श्ले	उफा	म	पूषा	म	पूफा	घ	श्ले
३	२	३	२व	४	१	१	३



CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

॥ श्रीवल्लभ मनीराम पञ्चाङ्गम् ॥

१७ अगस्त से ३० अगस्त तक, श्री भाद्रपद कृष्णपक्ष संवत् २०६५, शाकः १९३०, दि.मा.सू. सू. तारीख्स स्टै. प्रातः दैनिक वर्षर्तू रविर्दक्षिणे श्रावणकृष्णेति गुर्जराः, अगस्त २००८

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	च.च.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
मातङ्ग	१	र	५९	३३	२६	४३	धनि	२०	४६	१४	२४	शो	१७	०४	१२	५५	बा	२१	४२	१४	४६	३२/३३	६/०५	७/०२	२६	१४	१७	कुंभे	३।२९।५८।१७	५७।३२
अमृत	२	सो	५०	२२	२६	१५	शत	२१	५३	१४	५१	अ	१४	०६	११	४४	तै	२१	०५	१४	३२	९९	०६	०२	२७	१५	१८	कुंभे	४।००।५५।४९	५७।३४
काण	३	मं	४८	०६	२५	२१	पूभा	२०	५५	१४	५२	सु	१०	१४	१०	१२	व	१९	२१	९३	५१	९६	०६	०१	२८	१६	१९	मीने ८।५४	४।०१।५३।२३	५७।३६
च.ब्र.	४	बु	४४	५१	२४	०५	उभा	२०	५८	१४	३०	धृ	५	३३	८	२०	ब	१६	३७	१२	४६	१२	०७	००	२९	१७	२०	मीने	४।०२।५०।५८	५७।३७
मित्र	५	गु	४०	५२	२२	२८	रेव	१९	०७	१३	४६	शू	०/५४	०७/०४	६/२७	१०/४५	को	१२	५८	११	१८	०८	०७	५/६	३०	१८	२१	मेषे	१३।४६	४।०३।४८।३६	५७।३९
वज्र	६	शु	३६	०८	२०	३५	अश्वि	१६	३२	१२	४५	वृ	४७	२६	२५	०६	ग	८	३४	९	३४	०४	०८	५८	३१	१९	२२	मेषे	४।०४।४६।१४	५७।४१
जन्माष्ट.	७	श	३०	५१	१८	२९	भर	१३	२१	११	२९	धृ	४०	२३	२२	१८	वि	३	३३	७	३३	०१	०८	५७	१	२०	२३	वृषे	१७।०८	४।०५।४३।५५	५७।४२
जन्माष्ट.	८	र	२५	१५	१६	१३	कृति	९	४३	१०	०२	व्या	३३	०२	१९	२२	कौ	२५	११	१६	१३	२९/३०	०९	५६	२	२१	२४	वृषे	४।०६।४१।३७	५७।४४
गोगा	९	सो	१२	१६	१३	५२	रोहि	५	४८	८	२८	ह	२५	३०	१६	२९	ग	१९	१६	१३	५२	५३	०९	५५	३	२२	२५	मिथु. १९।४०	४।०७।३९।२२	५७।४६
राक्षस	१०	मं	१३	१६	११	२८	मृग	५/५७	४५/४७	६/२९	५२/१६	व	१७	५६	१३	२०	वि	१३	१६	११	२८	४९	१०	५३	४	२३	२६	मिथु.	४।०८।३७।०८	५७।४८
ए.ब्र.	११	बु	७	२१	९	०६	पुन	५४	०१	२७	४७	सि	१०	२४	१०	२०	बा	७	२१	९	०६	४५	१०	५२	५	२४	२७	कर्के २२।०८	४।०९।३४।५५	५७।५०
प्र.ब्र.	१२	गु	१	४२	६	५१	पुष्य	५०	४०	२६	२७	व्य	५६/५६	३/०८	७/२६	४०/४०	तै	१	४२	६	५१	४२	११	५१	६	२५	२८	कर्के	४।१०।३२।४५	५७।५२
क्षयः	१३	गु	५६	३९	२८	४७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
मृत्यु	१४	शु	५१	५९	२६	५९	श्ले	४७	५७	२५	२२	प	४९	५१	२६	०८	वि	२४	०९	१५	५१	३८	११	५०	७	२६	२९	सिंहे २५।२२	४।११।३०।३७	५७।५३
अगाव.	३०	श	४८	१९	२५	३१	मघा	४६	०५	२४	३८	शि	४४	१०	२३	५२	च	२०	००	१४	१२	३४	१२	४९	८	२७	३०	सिंहे	४।१२।२८।३०	५७।५५

अयनांशाः २३।५७।५०

पं.१९ भा.कृ. २ सो. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
४	५	४	८	४	४	९	३
०१	०५	१९	१९	२०	१५	२४	२४
२९	०९	१६	१६	३८	५८	१०	१०
०९	१६	१५	३३	५९	४२	०३	०३
५७	३८	९८	३	७३	७	३	३
४३	०६	०६	५०	४२	२५	११	११
म	उफा	पूफा	पूषा	पूफा	पूफा	घ	श्ले
१	३	२	२व	३	१	१	३



॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	अग.	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	सायं	रात्रौ
०४।००।०५।०९	१	र	१७	९।५६	११।३२	१।२८	३।४३	६।०३	८।२०	१०।३६	१२।५५	३।१३	५।१८	७।०१	८।३०
०४।०१।०२।४१	२	चं	१८	९।५२	११।२८	१।२४	३।३९	५।५९	८।१६	१०।३२	१२।५१	३।०९	५।१४	६।५७	८।२६
०४।०२।००।१५	३	मं	१९	९।४८	११।२४	१।२०	३।३५	५।५५	८।१२	१०।२८	१२।४७	३।०५	५।१०	६।५३	८।२२
०४।०२।५७।५१	४	बु	२०	९।४४	११।२०	१।१६	३।३१	५।५१	८।०८	१०।२४	१२।४३	३।०१	५।०६	६।४९	८।१८
०४।०३।५५।२८	५	गु	२१	९।४०	११।१६	१।१२	३।२७	५।४७	८।०४	१०।२०	१२।३९	२।५८	५।०२	६।४६	८।१४
०४।०४।५३।०७	६	शु	२२	९।३६	११।१२	१।०८	३।२३	५।४३	८।००	१०।१६	१२।३५	२।५४	४।५८	६।४२	८।१०
०४।०५।५०।४८	७	श	२३	९।३२	११।०८	१।०४	३।१९	५।३९	७।५६	१०।१२	१२।३१	२।५०	४।५४	६।३८	८।०६
०४।०६।४८।३१	८	र	२४	९।२८	११।०४	१।००	३।१५	५।३५	७।५२	१०।०८	१२।२७	२।४६	४।५०	६।३४	८।०२
०४।०७।४६।१५	९	चं	२५	९।२४	११।००	१२।५७	३।११	५।३१	७।४८	१०।०४	१२।२३	२।४२	४।४६	६।३०	७।५८
०४।०८।४४।०१	१०	मं	२६	९।२०	१०।५७	१२।५३	३।०७	५।२७	७।४४	१०।००	१२।१९	२।३८	४।४२	६।२६	७।५४
०४।०९।४१।४९	११	बु	२७	९।१६	१०।५३	१२।४९	३।०३	५।२३	७।४०	९।५६	१२।१५	२।३४	४।३९	६।२२	७।५०
०४।१०।३९।३९	१२	गु	२८	९।१३	१०।४९	१२।४५	२।५९	५।२०	७।३६	९।५२	१२।११	२।३०	४।३५	६।१८	७।४७
०४।११।३७।३१	१३	शु	२९	९।०९	१०।४५	१२।४१	२।५५	५।१६	७।३२	९।४८	१२।०७	२।२६	४।३१	६।१४	७।४३
०४।१२।३५।२४	३०	श	३०	९।०५	१०।४१	१२।३७	२।५२	५।१२	७।२८	९।४४	१२।०३	२।२२	४।२७	६।१०	७।३९

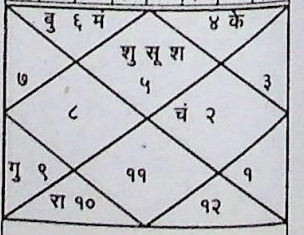
मास फलम्

इस माह में पांच रविवार नेष्ट है। पांच सोमवार होने से धान्य सस्ता हो। शनिवारी अमावस होने से तेल महंगा हो, मघा योग समर्घता कारक है। शुक्ला द्वितिया सोमवार होने से धान्योत्पत्ति उत्तम और चौपायों की वृद्धि हो। शुक्ला षष्ठी को अनुराधा नहीं होने से दुर्भिक्ष हो। पूर्णिमा पूर्वाभाद्रपद युक्त होने से शुभ फल दायिनी है। उत्तरा फाल्गुनी में बुध होने से उड़द मूंग कम उत्पन्न हों, प्राणियों के धातुओं (वसा, रक्त, मांस, मेधा, अस्थि, मज्जा और शुक्र) की हानि हो।

अयनांशाः २३।५७।५१

पं.२० भा.कृ. ९ सो. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
४	५	५	८	४	४	९	३
०८	०९	००	१८	२९	१६	२३	२३
१३	३७	११	५३	१४	५०	४७	४७
४७	०७	५०	२५	५१	५८	४७	४७
५७	३८	८७	२	७३	७	३	३
५३	२७	४४	३५	३८	३१	११	११
म	उफा	उफा	पूषा	उफा	पूफा	ध	श्ले
३	४	२	२व	१	२	१	३



CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।
ग्रहण-करिदिन, सिंहे मघा. सौरः ६।४८
[C कन्यायां भानुः २३।३२, उफा. बुधः २१।४९, उफा. शुक्रः २७।४२
भ. १३।५१ उ. २५।२१ या., कज्जली(बूढी ३)
चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः २०।५८
पंचक समाप्तिः १३।४६, चंद्रषष्ठी (मरु.)
भ. २०।३५ उ., बृहद्गौरी व्र. (कर्नाटके डोली), हलषष्ठी, सायन C
भ. ७।३३ या., जन्माष्टमी व्र. स्मा., शीतलाव्र., भा.भाद्रपदारंभः, D
मन्वादि, जन्माष्टमी व्र. वैष्ण., कन्यायां बुधः २६।५८
भ. २४।४० उ.,गोगानवमी, हस्ते भौमः २०।२६, कन्यायांशुक्रः २०।५२
भ. ११।२८ या. [D पूफा.-२ शनिः १९।०५
अजा ११ व्र., जैनपर्युषण, वत्सपूजा, अगस्त्योदयः १६।५४
भ. २८।४७ उ., प्रदोषः [B सं.स्त्री.स्त्री.सू.चं.वाहन नाग अल्पवृष्टिः
[A लोहार्गल स्ना., पूफा. रविः १३।०० (सौरः २७।३२), B
भ. १५।५१ या., मासिकशिवरात्री व्र.
कुशांग्रहणी, पिठोरी ३०, देवपितृकार्येऽमा., श्रीशक्ति पूजा, मातृ ३०,A

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

३१ अगस्त से १५ सितंबर तक, श्री भाद्रपद शुक्लपक्ष संवत् २०६५, शाकः १९३०, दि.मा.सू. सू. तारीख स्टै. प्रातः दैनिक केतकी अहर्गणः ५९९२ शरदृतू रविर्दक्षिणे, अगस्त-सितंबर २००८

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
छत्र	१	र	४५	४४	२४	३०	पूफा	४५	१७	२४	१९	सि	३९	२०	२१	५६	किं	१६	५१	९२	५७	३१/३०	६/१२	६/४८	९	२८	३१	सिंहे	४।१३।२६।२५	५७।५७
श्रीवत्स	२	सो	४४	२७	२३	५९	उफा	४५	४६	२४	३१	सा	३५	३२	२०	२५	बा	१४	५४	१२	१०	२६	१३	४७	१०	२९	१	कन्या	४।१४।२४।२३	५७।५९
सौभ्य	३	मं	४४	३९	२४	०५	हस्त	४७	४२	२५	१८	शु	३२	५३	१९	२२	तै	१४	२०	११	५७	२२	१३	४६	११	१	२	कन्या	४।१५।२२।२२	५८।०१
गणेश	४	बु	४६	२५	२४	४७	चित्रा	५१	१०	२६	४२	शु	३१	२८	१८	४९	व	१५	१९	१२	२१	१८	१४	४५	१२	२	३	तुला. १३।५५	४।१६।२०।२३	५८।०३
ऋषि	५	गु	४९	४५	२६	०८	स्वा	५६	०९	२८	४२	ब्र	३१	१५	१८	४४	व	१७	५४	१३	२४	१४	१४	४४	१३	३	४	तुला.	४।१७।१८।२७	५८।०५
मातङ्ग	६	शु	५४	३०	२८	०२	विशा	...	...	..	..	ऐ	३२	११	१९	०७	कौ	२१	५८	१५	०२	१०	१४	४२	१४	४	५	वृश्चि. २४।३३	४।१८।१६।३२	५८।०७
शुभ	७	श	...	...	...	..	विशा	२	२५	७	१३	वै	३३	५९	१९	५०	ग	२७	१७	१७	१०	०६	१५	४१	१५	५	६	वृश्चि.	४।१९।१४।३९	५८।०९
मृत्यु	७	र	०	१३	६	२१	अनु	९	३६	१०	०६	वि	३६	१७	२०	४६	व	०	१३	६	२१	०२	१५	४०	१६	६	७	वृश्चि.	४।२०।१२।४९	५८।१२
पद्म	८	सो	६	२३	८	४३	ज्ये	१७	०६	१३	०६	प्री	३८	३९	२१	४३	ब	६	२३	८	४९	३०/५८	१६	३९	१७	७	८	धनु. १३।०६	४।२१।१९।००।	५८।१४
छत्र	९	मं	१२	२०	११	१२	मूल	२४	१८	१६	००	आ	४०	३७	२२	३१	कौ	१२	२०	११	१२	५४	१६	३८	१८	८	९	धनु.	४।२२।०९।१४	५८।१६
श्रीवत्स	१०	बु	१७	२९	१३	१६	पूषा	३०	३७	१८	३२	सौ	४१	४६	२२	५९	ग	१७	२९	१३	१६	५०	१७	३७	१९	९	१०	मक. २५।०५	४।२३।०७।३०	५८।१८
ए.व्र.	११	गु	२१	२१	१४	४९	उषा	३५	३८	२०	३२	शो	४१	५२	२३	०२	वि	२१	२१	१४	४९	४६	१७	३६	२०	१०	११	मक.	४।२४।०५।४८	५८।२०
प्र.व्र.	१२	शु	२३	३८	१५	४५	श्रव	३९	०७	२१	५७	अ	४०	४३	२२	३५	बा	२३	३८	१५	४५	४२	१८	३४	२१	११	१२	मक.	४।२५।०४।०८	५८।२२
प्रवर्धमा	१३	श	२४	१८	१६	०१	धनि	४१	००	२२	४२	सु	३८	१६	२१	३६	तै	२४	१८	१६	०१	३८	१८	३३	२२	१२	१३	कुंभे १०।२४	४।२६।०२।३०	५८।२४
राक्षस	१४	र	२३	२१	१५	३९	शत	४१	२०	२२	५०	धृ	३४	३४	२०	०८	व	२३	२१	१५	३९	३४	१९	३२	२३	१३	१४	कुंभे	४।२७।००।५४	५८।२७
पूर्णिमा	१५	सो	२०	५६	१४	४२	पूभा	४०	१६	२२	२५	शू	२९	४२	१८	१२	ब	२०	५६	१४	४२	३०	१९	३१	२४	१४	१५	मीने १६।३४	४।२७।५९।२१	५८।२९

वहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।

[C मन्वादि, रमजान ९,हस्ते शुक्रः २४।३३, श्रव.-४ राहुः २३।५८, D चंद्रदर्शनम् (मु.४५), सितंबर ९ ता. ३०, हस्ते बुधः ७।२८

वराहजयंती, हरितालिका व्र., हस्तिगौरी व्र., सामवेदि उपाकर्म, C

म. १२।२१ उ. २४।४७ या., गणेश चतुर्थी (चंद्र दर्शनं निषेधः), M

ऋषि पंचमी [D श्लेषा.-२ केतुः २३।५८ [M जैन संवत्सरी

सौर (सूर्य) षष्ठी, स्कन्द दर्शनं, ललिता षष्ठी व्र. (गुर्जरे)

मुक्ताभरणव्र., उमामहेश्वरपू., दूबड़ीसातम,गौरी आवाहन ७।१३ उपरान्त

म. ६।२१ उ. १९।३५ या.,गौसे पूजन १०।०६ उपरान्त [K गुरु. २२।२१

दधीची जयंती, श्रीराधा ८, गौरी विसर्जन १३।०६ उपरान्त, मार्गी K

अदुःस्प नवमी व्र., श्रीचंद्र (उदासीन संप्रदाय) [I चित्रा. बुधः २७।०२

म. २६।०७ उ., दशावतार व्र., श्री रामदेवजी का मेला

म. १४।४९ या., जलझूलनी ११ व्र., हरिवासरः २९।०४ से

प्रदोषः,वामनजयंती, दुग्धव्रतं, गोत्रिरात्रव्र., हरिवासरः १३।२९ तक, I

पंचक प्रारम्भः १०।२४, उफा.रविः ६।५३ (सौरः २१।४३), चित्रा. F

म. १५।३९ उ. २७।१४ या., अनन्त १४,,कदली व्रतं पूजनं, रंभारोपणं

पूर्णिमा व्रतंपुण्यञ्च, प्रौष्ठपदी, आपस्तंभ, तैतरीय, A

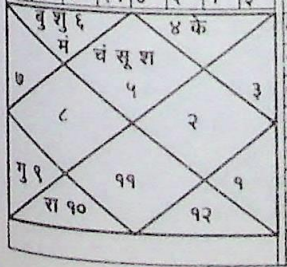
[F शुक्रः २१।५२, सं.स्त्री.पु.सू.चं.वाहन मण्डूक वर्षाश्रेष्ठः [A अथर्ववेदि उपाकर्म, महालय श्राद्धारम्भः, महेश्वर पूजनं, कृ. संध्यापूजा, इंदुला १५, चित्रा. भौमः ९।००

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

अयनांशाः २३।५७।५२

पं.२१ भा.शु. २ सो. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
४	५	५	८	५	४	९	३
१४	१४	०९	१८	०७	१७	२३	२३
५९	०७	५५	३९	५०	४३	२५	२५
३८	२६	५७	१३	१३	४५	३२	३२
५८	३८	७७	१	७३	७	३	३
०४	४८	३५	१७	३३	३४	११	११
पूफा	ह	उफा	पूषा	उफा	पूफा	घ	श्लेषा
१	२	४	२व	४	२	१	३

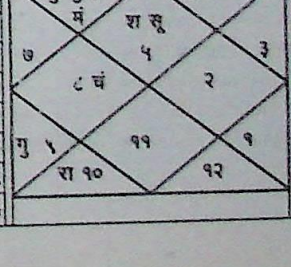


ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	अग.	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	सायं	रात्रौ
०४।१३।३३।२०	१ र	३१	९।०१	१०।३७	१२।३३	२।४८	५।०८	७।२५	९।४०	११।५९	२।१८	४।२३	६।०६	७।३५
०४।१४।३१।१७	२ चं	१	८।५७	१०।३३	१२।२९	२।४४	५।०४	७।२१	९।३६	११।५६	२।१४	४।१९	६।०२	७।३१
०४।१५।२९।१७	३ मं	२	८।५३	१०।२९	१२।२५	२।४०	५।००	७।१७	९।३२	११।५२	२।१०	४।१५	५।५८	७।२७
०४।१६।२७।१८	४ बु	३	८।४९	१०।२५	१२।२१	२।३६	४।५६	७।१३	९।२९	११।४८	२।०६	४।११	५।५४	७।२३
०४।१७।२५।२२	५ गु	४	८।४५	१०।२१	१२।१७	२।३२	४।५२	७।०९	९।२५	११।४४	२।०२	४।०७	५।५०	७।१९
०४।१८।२३।२७	६ शु	५	८।४१	१०।१७	१२।१३	२।२८	४।४४	७।०५	९।२१	११।४०	१।५८	४।०३	५।४६	७।१५
०४।१९।२१।३५	७ श	६	८।३७	१०।१३	१२।०९	२।२४	४।४०	७।०१	९।१७	११।३६	१।५४	३।५९	५।४२	७।११
०४।२०।१९।४४	७ र	७	८।३३	१०।०९	१२।०५	२।२०	४।३६	६।५७	९।१३	११।३२	१।५०	३।५५	५।३९	७।०७
०४।२१।१७।५६	८ चं	८	८।२९	१०।०५	१२।०१	२।१६	४।३२	६।५३	९।०९	११।२८	१।४७	३।५१	५।३५	७।०३
०४।२२।१६।१०	९ मं	९	८।२५	१०।०१	११।५७	२।१२	४।२८	६।४९	९।०५	११।२४	१।४३	३।४७	५।३१	६।५९
०४।२३।१४।२६	१० बु	१०	८।२१	९।५७	११।५३	२।०८	४।२४	६।४५	९।०१	११।२०	१।३९	३।४३	५।२७	६।५५
०४।२४।१२।४४	११ गु	११	८।१७	९।५३	११।५०	२।०४	४।२०	६।४१	८।५७	११।१६	१।३५	३।३९	५।२३	६।५१
०४।२५।११।०५	१२ शु	१२	८।१३	९।४९	११।४६	२।००।	४।१६	६।३७	८।५३	११।१२	१।३१	३।३५	५।१९	६।४७
०४।२६।०९।२७	१३ श	१३	८।०९	९।४६	११।४२	१।५६	४।१२	६।३३	८।४९	११।०८	१।२७	३।३१	५।१५	६।४३
०४।२७।०७।५२	१४ र	१४	८।०५	९।४२	११।३८	१।५२	४।०२	६।२९	८।४५	११।०४	१।२३	३।२८	५।११	६।३९
०४।२८।०६।१९	१५ चं	१५	८।०२	९।३८	११।३४	१।४८	४।०९	६।२५	८।४१	११।००।	१।१९	३।२४	५।०७	६।३६

अयनांशाः २३।५७।५३

पं.२२ भा.शु. ८ सो. इष्टघटी ०।००

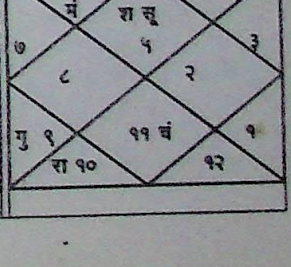
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
४	५	५	८	५	४	९	३
२१	१८	१८	१८	१६	१८	२३	२३
४६	४०	२४	३४	२५	३६	०३	०३
५०	१५	५१	१९	०३	४२	१६	१६
५८	३९	६५	०	७३	७	३	३
१६	१०	१८	०४	२९	३३	११	११
पूफा	ह	ह	पूषा	ह	पूफा	श्र	श्लेषा
३	३	३	२	२	२	४	२



अयनांशाः २३।५७।५४

पं.२३ भा.शु.१५ सो. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
४	५	५	८	५	४	९	३
२८	२३	२५	१८	२४	१९	२२	२२
३५	१५	०८	३८	५९	२९	४१	४१
२९	३५	४९	५०	१७	२७	००	००
५८	३९	४५	१	७३	७	३	३
२९	३२	२३	२५	२३	३०	११	११
उफा	ह	चि	पूषा	चि	पूफा	श्र	श्लेषा
१	४	१	२	१	२	४	२



CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

॥ श्रीवल्लभ मनीराम पञ्चाङ्गम् ॥

१६ सितंबर से २९ सितंबर तक, श्री आश्विन कृष्णपक्ष संवत् २०६५, शाकः १९३०, दि.मासू. सू. तारीख्य स्टै. प्रातः दैनिक शरदृतू रविर्दक्षिणे भाद्रपदंकृष्णेति गुर्जराः, सितंबर २००८

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	च.प.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
सिद्धि	१	मं	१७	१५	१३	१४	उभा	३८	०१	२१	३२	गं	२३	५२	१५	५२	कौ	१७	१५	१३	१४	३० २६	६ ९९	६ ३०	२५	१५	१६	मीने	४।२८।५७।५०	५८।३१
उत्पात	२	बु	१२	३२	११	२१	रेव	३४	५१	२०	१६	वृ	१७	१२	१३	१३	ग	१२	३२	११	२१	२२	२०	२९	२६	१६	१७	मेषे २०।१६	४।२९।५६।२१	५८।३३
च.व्र.	३	गु	७	०४	९	१०	अश्वि	३१	०३	१८	४६	ध्रु	९	५८	१०	२०	वि	७	०४	९	१०	१७	२०	२७	२७	१७	१८	मेषे	५।००।५४।५४	५८।३६
मुद्गर	४	शु	१	०९	६	४८	भर	२६	५५	१७	०७	व्या	२ ५४	२५ ३६	७ २८	१७ ११	बा	१	०९	६	४८	१३	२१	२६	२८	१८	१९	वृषे २२।४२	५।०१।५३।३०	५८।३८
क्षयः	५	शु	५५	०४	२८	२२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
ध्वजा	६	श	४९	००	२५	५८	कृति	२२	४३	१५	२६	व	४६	५३	२५	०७	ग	२२	००	१५	०९	०९	२१	२५	२९	१९	२०	वृषे	५।०२।५२।०८	५८।४०
धाता	७	र	४३	१४	२३	३९	रोहि	१८	४१	१३	५०	सि	३९	२३	२२	०७	वि	१६	०४	१२	४७	०५	२२	२४	३०	२०	२१	मिथु. २५।०५	५।०३।५०।४८	५८।४२
आनन्द	८	सो	३७	५१	२१	३१	मृग	१५	००	१२	२२	व्य	३२	११	१९	१५	बा	१०	२८	१०	३३	०१	२२	२३	३१	२१	२२	मिथु.	५।०४।४९।३०	५८।४५
चर	९	मं	३२	५८	१९	३४	आर्द्रा	१९	४७	११	०५	व	२५	२४	१६	३२	तै	५	२०	८	३१	२९ ५७	२३	२२	१	२२	२३	कर्के २८।१६	५।०५।४८।१५	५८।४७
गद	१०	बु	२८	४२	१७	५२	पुन	९	०७	१०	०२	प	१९	०५	१४	०१	व	०	४६	६	४१	५३	२३	२०	२	२३	२४	कर्के	५।०६।४७।०२	५८।४९
ए.व्र.	११	गु	२५	०३	१६	२५	पुष्य	७	०३	९	१३	शि	१३	१६	११	४२	बा	२५	०३	१६	२५	४९	२४	१९	३	२४	२५	कर्के	५।०७।४५।५१	५८।५२
प्र.व्र.	१२	शु	२२	०५	१५	१४	श्ले	५	४०	८	४०	सि	७	५९	९	३६	तै	२२	०५	१५	१४	४५	२४	१८	४	२५	२६	सिंहे ८।४०	५।०८।४४।४२	५८।५४
पद्म	१३	श	१९	५४	१४	२२	मघा	५	००	८	२५	सा	५९	४७ ४७	७ ३०	४४ ०८	व	१९	५४	१४	२२	४१	२५	१७	५	२६	२७	सिंहे	५।०९।४३।३६	५८।५६
छत्र	१४	र	१८	३४	१३	५१	पूफा	५	०९	८	२९	शु	५५	५९	२८	४९	श	१८	३४	१३	५१	३६	२५	१६	६	२७	२८	कन्या १४।३३	५।१०।४२।३२	५८।५९
अमाव.	३०	सो	१८	१३	१३	४३	उफा	६	१४	८	५५	ब्र	५३	३३	२७	५१	ना	१८	१३	१३	४३	३२	२६	१५	७	२८	२९	कन्या	५।१९।४९।३१	५९।०१

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है ।
कन्यायां रविः १७।०० [D सौरः ७।५० [H पश्चिमायाम् १७।४४
भ. २२।१७ उ., पंचक समाप्तिः २०।१६, विश्वकर्मा पू., कन्यायां D
भ. ९।१० या., चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः २०।१३, भौमास्तः H
तुलायां शुक्रः ८।४१, पूफा.-३ शनिः ८।२५, शनेरुदयः पूर्वस्याम् ११।२०
[A २२।२४, सं.स्त्री.स्त्री.सू.चं.वाहन महिष अल्पवृष्टिः
भ. २५।५८ उ., चंद्रषष्ठी [C हतानां श्राद्धं, गजच्छाया योगःहस्ते J
भ. १२।४७ या., श्रीमहालक्ष्मी व्र. [J ८।२५ तक, सौरः १३।०५
अशोकाष्टमी, सायन तुलायां भानुः २१।१५
सौभाग्यवतीनां श्राद्धं, भा. अश्विनारंभः, बुधास्तः पश्चिमायाम् ११।०७
भ. ६।४१ उ. १७।५२ या., वक्री बुधः २०।०९, स्वा. शुक्रः १९।३८
इंदिरा ११ व्र., तुलायां भौमः १०।२१
प्रदोषः, सन्यासिनां श्राद्धं, गजच्छाया योगः २२।२४ से, हस्ते रविः A
भ. १४।२२ उ. २६।०४ या.,मासिकशिवरात्री व्र., युगादि, शस्त्रादि C
[B गजच्छाया (बोधायन) ८।५५ से १३।४३ तक
देवपितृकार्येऽमा., सोमवती अमा., सर्वपितृ श्राद्धम्, मातामह श्रा., B

अयनांशाः २३।५७।५५

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

पं.२४ आ.कृ. ८ सो. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
५	५	५	८	६	४	९	३
०५	२७	२८	९८	०३	२०	२२	२२
२५	५३	५२	५२	३२	२१	९८	९८
४०	३०	०५	४०	५४	३८	४४	४४
५८	३९	१०	२	७३	७	३	३
४३	५४	२६	४३	१८	२३	११	११
उफा	चि	चि	पूफा	चि	पूफा	श्र	श्ले
३	२	२	२	४	३	४	२

ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	सित	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	सायं
०४।२९।०४।४८	१ मं	१६	७।५८	९।३४	११।३०	१।४५	४।०५	६।२१	८।३७	१०।५६	१।१५	३।२०	५।०३	६।३२
०५।००।०३।१९	२ बु	१७	७।५४	९।३०	११।२६	१।४१	४।०१	६।१८	८।३३	१०।५२	१।११	३।१६	४।५९	६।२८
०५।०१।०१।५२	३ गु	१८	७।५०	९।२६	११।२२	१।३७	३।५७	६।१४	८।२९	१०।४८	१।०७	३।१२	४।५५	६।२४
०५।०२।००।२८	४ शु	१९	७।४६	९।२२	११।१८	१।३३	३।५३	६।१०	८।२५	१०।४५	१।०३	३।०८	४।५१	६।२०
०५।०२।५९।०६	५ श	२०	७।४२	९।१८	११।१४	१।२९	३।४९	६।०६	८।२१	१०।४१	१२।५९	३।०४	४।४७	६।१६
०५।०३।५७।४७	६ र	२१	७।३८	९।१४	११।१०	१।२५	३।४५	६।०२	८।१८	१०।३७	१२।५५	३।००	४।४३	६।१२
०५।०४।५६।२९	७ चं	२२	७।३४	९।१०	११।०६	१।२१	३।४१	५।५८	८।१४	१०।३३	१२।५१	२।५६	४।३९	६।०८
०५।०५।५५।१४	८ मं	२३	७।३०	९।०६	११।०२	१।१७	३।३७	५।५४	८।१०	१०।२९	१२।४७	२।५२	४।३५	६।०४
०५।०६।५४।०१	९ बु	२४	७।२६	९।०२	१०।५८	१।१३	३।३३	५।५०	८।०६	१०।२५	१२।४३	२।४८	४।३१	६।००
०५।०७।५२।५९	१० गु	२५	७।२२	८।५८	१०।५४	१।०९	३।२९	५।४६	८।०२	१०।२१	१२।३९	२।४४	४।२८	५।५६
०५।०८।५१।४३	११ शु	२६	७।१८	८।५४	१०।५०	१।०५	३।२५	५।४२	७।५८	१०।१७	१२।३६	२।४०	४।२४	५।५२
०५।०९।५०।३७	१२ श	२७	७।१४	८।५०	१०।४६	१।०१	३।२१	५।३८	७।५४	१०।१३	१२।३२	२।३६	४।२०	५।४८
०५।१०।४९।३३	१३ र	२८	७।१०	८।४६	१०।४२	१२।५७	३।१७	५।३४	७।५०	१०।०९	१२।२८	२।३२	४।१६	५।४४
०५।११।४८।३२	३० चं	२९	७।०६	८।४२	१०।३९	१२।५३	३।१३	५।३०	७।४६	१०।०५	१२।२४	२।२८	४।१२	५।४०



संक्रांति फलम्

ता. १६ सितंबर २००८
आश्वि. कृ. १ भौमे कन्यायामर्कः प्र. (स्टै.) टा. १७।०० वारात् ४ नक्षत्रात् ४ वारनाम महोदरी चोरान् सुस्पदा नक्षत्रनाम नंदा गणकान् सुस्पदा अपरान्ह ३ प्रहर व्यापिनी वैश्यान् हन्ति, दक्षिणे गमनं नैऋत्यां दृष्टिः तैतिलकरणे प्रविष्टा नेष्टफलं रासभवाहनं मेषोपवाहनं सुभिक्षकारक अरुणवस्त्रं दण्डायुधं कांस्यपात्रं पक्वान्नभक्षणं मृद्लेप्यनं पक्षीजातिः केतकीपुष्पं प्रवलभूषणं भूर्जपत्रकंचुकी युवावस्था (सूती) मु. ४५ धान्यभावे समर्घ वत्स पूर्वे राहु उत्तरे मूलं स्वर्गे विवाहस्तंभो ऐशान्यां शुक्रोदयः पश्चिमायाम् । पुण्यकालः (स्टै.) १७।०० से २३।२४ तक । (दान-गृह वस्त्र) ।

अयनांशाः २३।५७।५६

पं.२५ आ.कृ.३० सो.इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
५	६	५	८	६	४	९	३
१२	०२	२७	१९	१२	२१	२१	२१
१७	३४	३८	१५	०५	१२	५६	५६
२८	००	२५	३६	५३	५२	२८	२८
५८	४०	३९	४	७३	७	३	३
५७	१६	५६	००	१२	१३	११	११
ह	चि	चि	पूफा	स्वा	पूफा	श्र	श्ले
१	३	२	२	२	३	४	२



CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

३० सितंबर से १४ अक्टूबर तक, श्री आश्विन शुक्लपक्ष संवत् २०६५, शाकः १९३०, दि.मा.सू. सू. तारीख्य स्टै. प्रातः दैनिक केतकी अहर्गणः ६०२२ शरदृतू रविर्दक्षिणे, सितंबर-अक्टूबर २००८

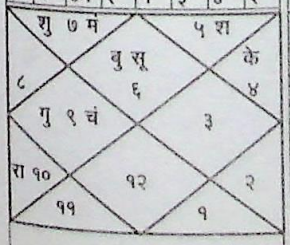
योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
नवरा.	१	मं	१९	००	१४	०२	हस्त	८	२३	९	४७	ऐ	५२	००	२७	१४	ब	१९	००	१४	०२	२९/२८	६/२६	६/१३	८	२९	३०	तुला.	२२।२४	५।१२।४०।३२	५९।०३
काल	२	बु	२१	०१	१४	५१	चित्रा	११	४३	११	०८	वै	५१	२७	२७	०२	कौ	२१	०१	१४	५१	२४	२७	१२	९	३०	१	तुला.		५।१३।३९।३५	५९।०५
सुस्थिर	३	गु	२४	१९	१६	११	स्वा	१६	१८	१२	५८	वि	५१	५४	२७	१३	ग	२४	१९	१६	११	२०	२७	११	१०	१	२	तुला.		५।१४।३८।४०	५९।०८
मातङ्ग	४	शु	२८	५५	१८	०१	विशा	२२	०६	१५	१८	प्री	५३	१५	२७	४६	वि	२८	५५	१८	०१	१६	२८	१०	११	२	३	वृश्चि.	८।४१	५।१५।३७।४८	५९।१०
अमृत	५	श	३४	३३	२०	१७	अनु	२८	५६	१८	०३	आ	५५	१८	२८	३५	ब	१	३६	७	०७	१२	२८	०९	१२	३	४	वृश्चि.		५।१६।३६।५८	५९।१२
काण	६	र	४०	५१	२२	४९	ज्ये	३६	२७	२१	०३	सौ	५७	४२	२९	३४	कौ	७	३८	९	३२	०८	२९	०८	१३	४	५	धनु.	२१।०३	५।१७।३६।१९	५९।१५
लुम्बक	७	सो	४७	१४	२५	२३	मूल	४४	०४	२४	०७	शो	...	...	..	..	ग	१४	०३	१२	०६	०४	२९	०७	१४	५	६	धनु.		५।१८।३५।२५	५९।१७
दुर्गा	८	मं	५३	०४	२७	४३	पूषा	५१	११	२६	५८	शो	०	०२	६	३१	वि	२०	१४	१४	३५	००	३०	०६	१५	६	७	धनु.		५।१९।३४।४३	५९।१९
वज्र	९	बु	५७	४२	२९	३५	उषा	५७	११	२९	२३	अ	१	५३	७	१५	बा	२५	३३	१६	४३	२६/५६	३०	०४	१६	७	८	मक.	९।३७	५।२०।३४।०२	५९।२२
विजया	१०	गु	...	...	..	..	श्रव	...	...	..	..	सु	२	४५	७	३७	तै	२९	२४	१८	१६	५१	३१	०३	१७	८	९	मक.		५।२१।३३।२४	५९।२४
धूम्र	१०	शु	०	४०	६	४७	श्रव	१	३४	७	०९	धृ	२	२०	७	२७	ग	०	४०	६	४७	४७	३१	०२	१८	९	१०	कुंभे	१९।४६	५।२२।३२।४८	५९।२६
ए.व्र.	११	श	१	४४	७	१३	धनि	४	०७	८	११	शू	०/५७	२६/००	६/२९	४२/२०	वि	१	४४	७	१३	४३	३२	०१	१९	१०	११	कुंभे		५।२३।३२।१४	५९।२९
प्र.व्र.	१२	र	०	४८	६	५२	शत	४	४३	८	२६	वृ	५२	०१	२७	२१	बा	०	४८	६	५२	३९	३२	००	२०	११	१२	मीने	२६।०७	५।२४।३१।४३	५९।३१
क्षयः	१३	र	५७	५८	२९	४४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
मुसल	१४	सो	५३	२६	२७	५५	पूभा	३	२७	७	५६	ध्रु	४५	३७	२४	४८	ग	२५	५३	१६	५४	३५	३३	५/५९	२१	१२	१३	मीने		५।२५।३१।१४	५९।३३
पूर्णिमा	१५	मं	४७	२८	२५	३३	उभा	०/५६	३१/१७	६/२९	४६/०४	व्या	३८	०४	२१	४७	वि	२०	३५	१४	४७	३१	३४	५८	२२	१३	१४	मेषे	२९।०४	५।२६।३०।४८	५९।३६

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह वारादि का समय स्टै.टा.में है।
नवरात्रारम्भः, घटस्था. अग्रसेन जयंती
चंद्रदर्शनम्(मु.१५), अक्टूबर १० ता. ३१ [A शरदपूर्णिमा,कोजागरी C
म. २९।०३ उ., सव्वाल १०, गांधी जयन्ती [C व्र., बंगीय लक्ष्मी D
म. १८।०१ या., (व) हस्ते बुधः २८।२१ [D पूजा, नवात्र भक्षण, G
उपांग ललिता व्र. [G आश्वयुजी कर्म (आश्वलायन शास्त्रा), H
स्वा. भौमः ८।३३, विशा. शुक्रः १७।५७ [H कार्तिक स्नान प्रा.
म. २५।२३ उ., सरस्वती आवाहनं मूलभे
म. १४।३५ या., भद्रकाली अवतार, महाष्टमी, सरस्वती पूजनं पू.षामे
मन्वादि, शस्त्रादि पूजा, बलिदानं उ.षामे, पूजा.-३ गुरुः १५।३८
बोद्धावतार, विजया १०, शमीपूजा
म. १९।०६ उ., पंचक प्रारम्भः १९।४६, पट्टाभिषेक, सरस्वती B
म. ७।१३ या., पापांकुशा ११ व्र. [B विसर्जनं श्रवणे, चित्रा. रविः E
प्रदोषः, कार्त्तिके द्विदलं त्यजेत्, बुधोदयः पूर्वस्याम् १८।०९
[E ११।२४ (सौरः २५।३५), सं.स्त्री.पु.सू.चं.वाहन अश्व वर्षाश्रेष्ठः
म. २७।५५ उ., वृश्चिके शुक्रः २३।०५
म. १४।४७ या., पंचक समाप्तिः २९।०४, पूर्णिमा व्रतंपुण्यञ्च, A

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

अयनांशाः २३।५७।५८

ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	सितं	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	सायं
०५।१२।४७।३३	१ मं	३०	७।०२	८।३८	९०।३५	९२।४९	३।०९	५।२६	७।४२	९०।०१	९२।२०	२।२४	४।०८	५।३६
०५।१३।४६।३६	२ बु	१	६।५८	८।३५	९०।३१	९२।४५	३।०५	५।२२	७।३८	९।५७	९२।१६	२।२०	४।०४	५।३२
०५।१४।४५।४२	३ गु	२	६।५४	८।३१	९०।२७	९२।४१	३।०१	५।१८	७।३४	९।५३	९२।१२	२।१७	४।००	५।२८
०५।१५।४४।५०	४ शु	३	६।५१	८।२७	९०।२३	९२।३७	२।५८	५।१४	७।३०	९।४९	९२।०८	२।१३	३।५६	५।२५
०५।१६।४४।०१	५ श	४	६।४७	८।२३	९०।१९	९२।३४	२।५४	५।१०	७।२६	९।४५	९२।०४	२।०९	३।५२	५।२१
०५।१७।४३।१३	६ र	५	६।४३	८।१९	९०।१५	९२।३०	२।५०	५।०७	७।२२	९।४१	९२।००	२।०५	३।४८	५।१७
०५।१८।४२।२८	७ चं	६	६।३९	८।१५	९०।११	९२।२६	२।४६	५।०३	७।१८	९।३८	९१।५६	२।०१	३।४४	५।१३
०५।१९।४१।४६	८ मं	७	६।३५	८।११	९०।०७	९२।२२	२।४२	४।५९	७।१४	९।३४	९१।५२	१।५७	३।४०	५।०९
०५।२०।४१।०६	९ बु	८	६।३१	८।०७	९०।०३	९२।१८	२।३८	४।५५	७।११	९।३०	९१।४८	१।५३	३।३६	५।०५
०५।२१।४०।२८	१० गु	९	६।२७	८।०३	९।५९	९२।१४	२।३४	४।५१	७।०७	९।२६	९१।४४	१।४९	३।३२	५।०१
०५।२२।३९।५२	१० शु	१०	६।२३	७।५९	९।५५	९२।१०	२।३०	४।४७	७।०३	९।२२	९१।४०	१।४५	३।२८	४।५७
०५।२३।३९।१९	११ श	११	६।१९	७।५५	९।५१	९२।०६	२।२६	४।४३	६।५९	९।१८	९१।३६	१।४१	३।२४	४।५३
०५।२४।३८।४८	१२ र	१२	६।१५	७।५१	९।४७	९२।०२	२।२२	४।३९	६।५५	९।१४	९१।३२	१।३७	३।२०	४।४९
०५।२५।३८।१९	१४ चं	१३	६।११	७।४७	९।४३	९१।५८	२।१८	४।३५	६।५१	९।१०	९१।२८	१।३३	३।१७	४।४५
०५।२६।३७।५३	१५ मं	१४	६।०७	७।४३	९।३९	९१।५४	२।१४	४।३१	६।४७	९।०६	९१।२५	१।२९	३।१३	४।४१



अयनांशाः २३।५७।५९

पं.२६ आ.शु. ७ सो. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
५	६	५	८	६	४	९	३
१९	०७	२०	१९	२०	२२	२१	२१
१०	१७	५७	४७	३८	०२	३४	३४
५५	०७	०३	१७	१२	४६	१३	१३
५९	४०	७०	५	७३	७	३	३
११	३९	०३	१३	०६	००	११	११
ह	स्वा	ह	पूषा	वि	पूषा	श्र	श्ले
३	१	४व	२	१	३	४	२

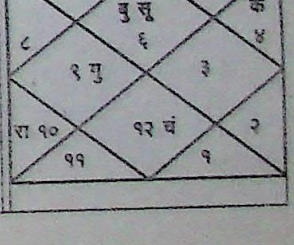
मास फलम्

इस माह में पांच मंगलवार होने से किसी बड़े व्यक्ति का अभाव हो। सोमवारी अमावस होने से सुभिक्ष क्षेम आरोग्य वर्षा का प्रबल उदय-धान्य की उत्पत्ति और प्रजा सुस्ती हो, उत्तराफाल्गुनी महर्घता हो। आश्विन शुक्ला षष्ठी रविवार ज्येष्ठा होने से सब धान्यों में समर्घता हो। सुदी एकादशी को शनिवार होने से शत्रु तथा चौरादि से उपद्रव हो। पूर्णिमा उत्तराभाद्रपद युक्त होने से समर्घता और अश्विनी का अभाव होने से महर्घता हो। धान्यादि एवं लाल वर्ण वाली सभी वस्तुओं के भाव तेज हों, प्रजा में विग्रह हो, कहीं-कहीं हिंसादि हो, अग्निभय हो, घृत तेल लवण रस कपूर चंदन ये सब महँगे हों।

अयनांशाः २३।५७।५९

पं.२७ आ.शु.१४ सो. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
५	६	५	८	६	४	९	३
२६	१२	१४	२०	२९	२२	२१	२१
०६	०२	१५	२७	०९	५०	११	११
०४	५३	५०	१६	४४	५७	५६	५६
५९	४१	२६	६	७२	६	३	३
२५	०२	२०	२२	५९	४३	११	११
वि	स्वा	ह	पूषा	वि	पूषा	श्र	श्ले
१	२	२व	३	३	३	४	२



CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

॥ श्रीवल्लभ मनीराम पञ्चाङ्गम् ॥

१५ अक्टूबर से २८ अक्टूबर तक, श्री कार्तिक कृष्णपक्ष संवत् २०६५, शाकः १९३०, दि.मा.सू. सू. तारीख्स स्टै. प्रातः दैनिक शरदृतू रविर्दक्षिणे आश्विनकृष्णेति गुर्जराः, अक्टूबर २००८

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
मृत्यु	९	बु	४०	३१	२२	४६	अश्वि	५१	०४	२७	००	ह	२९	३७	१८	२५	बा	१४	०५	१२	१२	२८/२७	६/३४	५/५७	२३	१४	१५	मेषे	५।२७।३०।२३	५९।३८
पद्म	२	गु	३२	५६	१९	४५	भर	४५	१९	२४	४२	व	२०	३६	१४	४९	तै	६	४६	९	१७	२३	३५	५६	२४	१५	१६	वृषे	३०।०७	५।२८।३०।०१	५९।४०
च.व्र.	३	शु	२५	१०	१६	३९	कृति	३९	२८	२२	२३	सि	१९	२०	११	०७	वि	२५	१०	१६	३९	१९	३५	५५	२५	१६	१७	वृषे		५।२९।२९।४२	५९।४३
श्रीवत्स	४	श	१७	३६	१३	३८	रोहि	३३	५५	२०	१०	व्य	२/५३	०८/२९	७/२७	२७/५६	बा	१७	३६	१३	३८	१५	३६	५४	२६	१७	१८	वृषे		६।००।२९।२४	५९।४५
सौम्य	५	र	१०	३४	१०	५०	मृग	२८	५९	१८	१२	प	४५	०६	२४	३९	तै	१०	३४	१०	५०	११	३७	५३	२७	१८	१९	मिथु.	७।०९	६।०१।२९।०९	५९।४७
काल	६	सो	४	१९	८	२१	आर्द्रा	२४	५६	१६	३५	शि	३७	३८	२१	४०	व	४	१९	८	२१	०८	३७	५२	२८	१९	२०	मिथु.		६।०२।२८।५६	५९।४९
क्षयः	७	सो	५९	०७	३०	१६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
सुस्थिर	८	मं	५४	५९	२८	३७	पुन	२१	५४	१५	२३	सि	३१	०१	१९	०२	बा	२६	५३	१७	२३	०४	३८	५१	२९	२०	२१	कर्के	९।३९	६।०३।२८।४५	५९।५१
मातङ्ग	९	बु	५१	५७	२७	२५	पुष्य	१९	५८	१४	३८	सा	२५	१८	१६	४६	तै	२३	१८	१५	५८	००	३८	५०	३०	२१	२२	कर्के		६।०४।२८।३७	५९।५४
अमृत	१०	गु	५०	००	२६	३९	श्ले	१९	०७	१४	१८	शु	२०	२६	१४	४९	व	२०	४९	१४	५९	२७/५६	३९	४९	१	२२	२३	सिंहे	१४।१८	६।०५।२८।३१	५९।५६
ए.व्र.	११	शु	४९	०५	२६	१८	मघा	१९	१८	१४	२३	शु	१६	२४	१३	१३	ब	१९	२३	१४	२५	५२	४०	४८	२	२३	२४	सिंहे		६।०६।२८।२७	५९।५८
लुम्बक	१२	श	४९	०८	२६	२०	पूफा	२०	२८	१४	५२	ब्र	१३	१०	११	५६	कौ	१८	५९	१४	१६	४८	४०	४८	३	२४	२५	कन्या	२१।०२	६।०७।२८।२५	६०।००
प्र.व्र.	१३	र	५०	१०	२६	४५	उफा	२२	३४	१५	४३	ऐ	१०	४१	१०	५८	ग	१९	३१	१४	२९	४४	४१	४७	४	२५	२६	कन्या		६।०८।२८।२५	६०।०२
रुप	१४	सो	५२	०८	२७	३३	हस्त	२५	३५	१६	५६	वै	८	५६	१०	१६	वि	२१	०१	१५	०६	४१	४२	४६	५	२६	२७	तुला.	२९।४१	६।०९।२८।२८	६०।०५
दीपाव.	३०	मं	५५	०४	२८	४४	चित्रा	२९	३१	१८	३१	वि	७	५३	९	५२	च	२३	२८	१६	०५	३७	४२	४५	६	२७	२८	तुला.		६।१०।२८।३२	६०।०७

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है ।
[D बुधः १६।०६, अनु. शुक्रः १६।५३
भ. ३०।१२ उ., आकाश दीपारंभः, तुलायां रविः २८।५७, मार्गी D
भ. १६।३९ या., दशरथ ललिता व्र., करवा ४ चन्द्रोदयः १९।४३, C
[C तुलायां सौरः १८।४७, पूफा.-४ शनिः १५।३३
स्कन्द षष्ठी
भ. ८।२१ उ. १९।१५ या.
[A प्रभात स्नानं, चित्रा. बुधः १६।३६, ज्येष्ठा. शुक्रः १६।३९
होई (अहोरी) ८ [B सं.स्त्री.स्त्री.सू.चं.वाहन चातक अल्पवृष्टिः
सायन वृश्चिके भानुः ३०।३८
भ. १४।५९ उ. २६।३९ या., भा. कार्तिकारंभः, स्वा.रविः २१।५३, B
रमा ११ व्र., स्वा. सौरः ११।१७, विशा. भौमः १९।४३
गोवत्स द्वादशी [E यमायदीपदानं, गोत्रिरात्र व्र.
भ. २६।४५ उ., प्रदोषः, धनतेरस, धन्वन्तरी जयंती, E
भ. १५।०६ या., मासिकशिवरात्री व्र., दीपदानं, रुप (नरक) १४, A
देवपितृकार्येऽमा., महालक्ष्मी पूजा, कुबेर पू.

अयनांशाः २३।५८।००

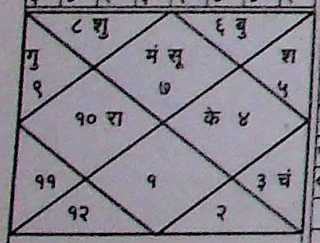
॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

संक्रांति फलम्

अयनांशाः २३।५८।०१

पं.२८ का.कृ. ६ सो. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
६	६	५	८	७	४	९	३
०३	१६	१४	२१	०७	२३	२०	२०
०२	५१	५९	१५	४०	३७	४९	४९
५४	२०	२५	०२	२३	०१	४०	४०
५९	४१	४६	७	७२	६	३	३
४०	२५	३३	२६	५०	२३	११	११
चि	स्वा	ह	पूषा	अनु	पूफा	श्र	श्ले
३	४	२	३	२	४	४	२



ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	अक्टू	सायँ	रात्री	रात्री	रात्री	रात्री	रात्री	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा
०५।२७।३७।२९	१ बु	१५	६।०३	७।३९	९।३५	११।५०	२।१०	४।२७	६।४३	९।०२	११।२१	१।२५	३।०९	४।३७
०५।२८।३७।०७	२ गु	१६	५।५९	७।३५	९।३१	११।४६	२।०६	४।२३	६।३९	८।५८	११।१७	१।२१	३।०५	४।३३
०५।२९।३६।४८	३ शु	१७	५।५५	७।३१	९।२८	११।४२	२।०२	४।१९	६।३५	८।५४	११।१३	१।१७	३।०१	४।२९
०६।००।३६।३९	४ श	१८	५।५१	७।२७	९।२४	११।३८	१।५८	४।१५	६।३१	८।५०	११।०९	१।१३	२।५७	४।२५
०६।०१।३६।१६	५ र	१९	५।४७	७।२४	९।२०	११।३४	१।५४	४।११	६।२७	८।४६	११।०५	१।०९	२।५३	४।२१
०६।०२।३६।०३	६ चं	२०	५।४३	७।२०	९।१६	११।३०	१।५०	४।०७	६।२३	८।४२	११।०१	१।०६	२।४९	४।१७
०६।०३।३५।५३	८ मं	२१	५।४०	७।१६	९।१२	११।२६	१।४७	४।०३	६।१९	८।३८	१०।५७	१।०२	२।४५	४।१४
०६।०४।३५।४५	९ बु	२२	५।३६	७।१२	९।०८	११।२३	१।४३	३।५९	६।१५	८।३४	१०।५३	१२।५८	२।४१	४।१०
०६।०५।३५।३९	१० गु	२३	५।३२	७।०८	९।०४	११।१९	१।३९	३।५६	६।११	८।३०	१०।४९	१२।५४	२।३७	४।०६
०६।०६।३५।३५	११ शु	२४	५।२८	७।०४	९।००	११।१५	१।३५	३।५२	६।०७	८।२७	१०।४५	१२।५०	२।३३	४।०२
०६।०७।३५।३३	१२ श	२५	५।२४	७।००	८।५६	११।११	१।३१	३।४८	६।०३	८।२३	१०।४१	१२।४६	२।२९	३।५८
०६।०८।३५।३४	१३ र	२६	५।२०	६।५६	८।५२	११।०७	१।२७	३।४४	६।००	८।१९	१०।३७	१२।४२	२।२५	३।५४
०६।०९।३५।३७	१४ चं	२७	५।१६	६।५२	८।४८	११।०३	१।२३	३।४०	५।५६	८।१५	१०।३३	१२।३८	२।२१	३।५०
०६।१०।३५।४२	३० मं	२८	५।१२	६।४८	८।४४	१०।५९	१।१९	३।३६	५।५२	८।११	१०।२९	१२।३४	२।१७	३।४६

ता. १६ अक्टूबर २००८
का. कृ. २ गुरौ तुलायामर्कः प्र. (स्टै.)
टा. २८।५७ वारात् ३ नक्षत्रात् ५
वारनाम नंदा गणकान् सुस्थदा
नक्षत्रनाम मिश्रा पशून् सुस्थदा प्रभात
रात्रि ४ प्रहर व्यापिनी गोरक्षकान्
हन्ति, पश्चिमे गमनं वायव्यां दृष्टिः
वणिजकरणे प्रविष्टा मध्यमफलं
महिषवाहनं उष्ट्रोपवाहनं क्लेशकारक
श्यामवस्त्रं तोमरायुधं स्वप्परपात्रं
दधिभक्षणं अलक्तकलेप्यनं मृगजातिः
अर्कपत्रपुष्पं मणीभूषणं पाण्डुकंचुकी
प्रगल्भावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यभावे
सम वत्स पूर्वे राहु उत्तरे मूलं भूमौ
विवाहस्तंभो ऐशान्यां शुक्रोदयः
पश्चिमायाम् । पुण्यकालः (स्टै.)
२२।५७ से शुक्रवार १०।५७ तक ।
(दान- तिल) ।

पं.२९ का.कृ.१४ सो.इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
६	६	५	८	७	४	९	३
१०	२१	२२	२२	१६	२४	२०	२०
०१	४२	४४	१०	०९	२०	२७	२७
२३	२८	४४	०४	५३	३५	२४	२४
५९	४१	८५	८	७२	६	३	३
५३	४८	२५	२५	३९	००	११	११
स्वा	वि	ह	पूषा	अनु	पूफा	श्र	श्ले
२	१	४	३	४	४	४	२



CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

२९ अक्टूबर से १३ नवंबर तक, श्री कार्तिक शुक्लपक्ष संवत् २०६५, शाकः १९३०, दि.मा.सू. सू. तारीख्स स्टै. प्रातः दैनिक केतकी अहर्गणः ६०५१ हेमन्तर्तू रविर्दक्षिणे, अक्टूबर-नवंबर २००८

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	च.प.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
धूम्र	१	बु	५८	५८	३०	१८	स्वा	३४	२३	२०	२८	प्री	७	३६	९	४५	किं	२६	५३	१७	२८	२७/३३	६/४३	५/४४	७	२८	२९	तुला.	६।१९।२८।३९	६०।०९
प्रवर्धमा	२	गु	...	...	...	..	विशा	४०	१०	२२	४८	आ	८	०२	९	५७	बा	३१	१७	१९	१४	३०	४४	४३	८	२९	३०	वृश्चि.	६।१२।२८।४८	६०।१९
राक्षस	२	शु	३	४८	८	१६	अनु	४६	५०	२५	२८	सौ	९	११	१०	२५	कौ	३	४८	८	१६	२६	४४	४३	९	९	३१	वृश्चि.	६।१३।२८।५९	६०।१३
मुसल	३	श	९	३३	१०	३४	ज्ये	५४	१२	२८	२६	शो	१०	५८	११	०८	ग	९	३३	१०	३४	२२	४५	४२	१०	२	१	धनु. २८।२६	६।१४।२९।१२	६०।१५
सिद्धि	४	र	१५	५६	१३	०८	मूल	...	...	...	...	अ	१३	१४	१२	०३	वि	१५	५६	१३	०८	१९	४६	४१	११	३	२	धनु.	६।१५।२९।२७	६०।१७
लुम्बक	५	सो	२२	३७	१५	४९	मूल	१	५५	७	३२	सु	१५	४४	१३	०४	बा	२२	३७	१५	४९	१५	४६	४०	१२	४	३	धनु.	६।१६।२९।४४	६०।१९
मित्र	६	मं	२९	०२	१८	२४	पूषा	९	३६	१०	३७	धृ	१८	०३	१४	००	तै	२९	०२	१८	२४	१२	४७	४०	१३	५	४	मक. १७।२२	६।१७।३०।०४	६०।२१
मुद्गर	७	बु	३४	३५	२०	३८	उषा	१६	३७	१३	२७	शू	१९	४८	१४	४३	ग	१	५६	७	३४	०८	४८	३९	१४	६	५	मक.	६।१८।३०।२५	६०।२३
ध्वजा	८	गु	३८	४०	२२	१७	श्रव	२२	२४	१५	४६	गं	२०	३४	१५	०२	वि	६	५०	९	३२	०५	४९	३८	१५	७	६	कुंभे २८।४१	६।१९।३०।४८	६०।२५
धाता	९	शु	४०	५२	२३	१०	धनि	२६	२८	१७	२५	वृ	१९	५८	१४	४९	बा	१०	०१	१०	५०	०१	४१	३८	१६	८	७	कुंभे	६।२०।३१।१३	६०।२७
आनन्द	१०	श	४०	५५	२३	१२	शत	२८	२९	१८	१४	ध्रु	१७	४५	१३	५६	तै	१९	०९	११	१८	२६/२६	५०	३७	१७	९	८	कुंभे	६।२१।३१।४०	६०।२९
ए.व्र.	११	र	३८	४३	२२	२०	पूभा	२८	२०	१८	११	व्या	१३	४९	१२	२३	व	१०	०४	१०	५२	५४	५१	३७	१८	१०	९	मीने १२।१७	६।२२।३२।०९	६०।३१
गद	१२	सो	३४	२७	२०	३८	उभा	२६	०६	१७	१८	ह	८	१०	१०	०७	ब	६	४९	९	३५	५१	५२	३६	१९	११	१०	मीने	६।२३।३२।४०	६०।३३
प्र.व्र.	१३	मं	२८	२१	१८	१३	रेव	२२	०१	१५	४१	व	०/५२	५६/२३	७/२७	१५/५०	को	१	३५	७	३०	४८	५२	३६	२०	१२	११	मेषे १५।४१	६।२४।३३।१३	६०।३५
मृत्यु	१४	बु	२०	४९	१५	१३	अश्वि	१६	२७	१३	२८	व्य	४२	४८	२४	००	व	२०	४९	१५	१३	४५	५३	३५	२१	१३	१२	मेषे	६।२५।३३।४७	६०।३६
पूर्णिमा	१५	गु	१२	१६	११	४८	भर	९	५१	१०	५०	व	३२	३३	१९	५५	ब	१२	१६	११	४८	४२	५४	३५	२२	१४	१३	वृषे	६।२६।३४।२४	६०।३८

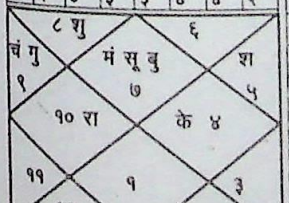
यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।
बलीपूजा, गोवर्धन पू., अन्नकूटं देशाचारे, गोक्रीडा, मार्गपाली बं.,C
चंद्रदर्शनम् (मु.४५), भ्रातृ २, यम २, यमुना स्नानं, कलम दवात पू.
जित्काद ११, तुलायां बुधः २७।०१ [C गुर्जराणां नूतन वर्षारंभः
भ. २३।५० उ., दूर्वागणपति व्र., नवंबर ११ ता. ३०
भ. १३।०८ या. [M पूर्वस्याम् २३।३४, धनुषि मूले शुक्रः १७।३७
सौभाग्य ५, पाण्डव ५, पूषा.-४ गुरुः २८।००
वन्हि (रवि) षष्ठी, श्रव.-३ राहुः २१।३२, श्लेषा.-१ केतुः २१।३२
भ. २०।३८ उ., कल्पादि, विशा. रविः ३०।०१, स्वा. बुधः ७।१५
भ. ९।३२ या., पंचकप्रारम्भः २८।४१, गोपाष्टमी, विशा. सौरः १८।२५
युगादि, कुष्माण्ड (अक्षय) ९, वृश्चिके भौमः २६।२४, बुधास्तः M
[D विवाह, चतुर्मास व्रत समाप्तिः, भीष्म पंचक प्रा.
भ. १०।५२ उ. २२।२० या., प्रबोधिनी ११ व्र., देवोत्थापनं, तुलसी D
मन्वादि [E व्रतोद्यापनं, त्रिपुरोत्सव, पुष्कर यात्रा, अनु. भौमः ११।१४
पंचकसमाप्तिः १५।४१, प्रदोषः,वैकुण्ठ १४ [A भीष्मपंचक समाप्ति,B
भ. १५।१३ उ. २५।३३ या., रोटक व्रत समाप्तिः, कार्तिक E
मन्वादि, पूर्णिमा व्रतंपुण्यञ्च, गोपद्मव्रत समाप्ति, नानक जयंती, A
B कार्तिक स्नानपूर्तिः, पद्मकयोगः, प्रशस्तापूर्णिमा, विशा.बुधः १२।१५

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

अयनांशाः २३।५८।०२

पं.३० का.शु. ५ सो. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
६	६	६	८	७	४	९	३
१७	२६	०३	२३	२४	२५	२०	२०
०१	३६	२४	११	३७	०१	०५	०५
२९	१८	५७	४५	५८	१४	०९	०९
६०	४२	९६	९	७२	५	३	३
०७	११	१८	१९	२५	३३	११	११
स्वा	वि	चि	पूषा	ज्ये	पूफा	श्र	श्ले
४	२	४	३	३	४	४	२



ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	अब्दु	सार्यं	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा
०६।१९।३५।४९	१ बु	२९	५।०८	६।४४	८।४०	१०।५५	१।१५	३।३२	५।४८	८।०७	१०।२५	१२।३०	२।१३	३।४२
०६।१२।३५।५८	२ गु	३०	५।०४	६।४०	८।३६	१०।५१	१।११	३।२८	५।४४	८।०३	१०।२१	१२।२६	२।०९	३।३८
०६।१३।३६।०९	२ शु	३१	५।००	६।३६	८।३२	१०।४७	१।०७	३।२४	५।४०	७।५९	१०।१८	१२।२२	२।०६	३।३४
०६।१४।३६।२३	३ श	१	४।५६	६।३२	८।२८	१०।४३	१।०३	३।२०	५।३६	७।५५	१०।१४	१२।१८	२।०२	३।३०
०६।१५।३६।३८	४ र	२	४।५२	६।२८	८।२४	१०।३९	१२।५९	३।१६	५।३२	७।५१	१०।१०	१२।१४	१।५८	३।२६
०६।१६।३६।५६	५ च	३	४।४८	६।२४	८।२०	१०।३५	१२।५५	३।१२	५।२८	७।४७	१०।०६	१२।१०	१।५४	३।२२
०६।१७।३७।१५	६ मं	४	४।४४	६।२०	८।१७	१०।३१	१२।५१	३।०८	५।२४	७।४३	१०।०२	१२।०६	१।५०	३।१८
०६।१८।३७।३७	७ बु	५	४।४०	६।१६	८।१३	१०।२७	१२।४७	३।०४	५।२०	७।३९	९।५८	१२।०२	१।४६	३।१४
०६।१९।३८।००	८ गु	६	४।३६	६।१३	८।०९	१०।२३	१२।४३	३।००	५।१६	७।३५	९।५४	११।५८	१।४२	३।१०
०६।२०।३८।२६	९ शु	७	४।३२	६।०९	८।०५	१०।१९	१२।३९	२।५६	५।१२	७।३१	९।५०	११।५५	१।३८	३।०६
०६।२१।३८।५३	१० श	८	४।२९	६।०५	८।०१	१०।१५	१२।३६	२।५२	५।०८	७।२७	९।४६	११।५१	१।३४	३।०३
०६।२२।३९।२२	११ र	९	४।२५	६।०१	७।५७	१०।१२	१२।३२	२।४८	५।०४	७।२३	९।४२	११।४७	१।३०	२।५९
०६।२३।३९।५३	१२ च	१०	४।२१	५।५७	७।५३	१०।०८	१२।२८	२।४५	५।००'	७।१९	९।३८	११।४३	१।२६	२।५५
०६।२४।४०।२६	१३ मं	११	४।१७	५।५३	७।४९	१०।०४	१२।२४	२।४१	४।५६	७।१६	९।३४	११।३९	१।२२	२।५१
०६।२५।४१।०१	१४ बु	१२	४।१३	५।४९	७।४५	१०।००'	१२।२०	२।३७	४।५२	७।१२	९।३०	११।३५	१।१८	२।४७
०६।२६।४१।३८	१५ गु	१३	४।०९	५।४५	७।४१	९।५६	१२।१६	२।३३	४।४९	७।०८	९।२६	११।३१	१।१४	२।४३

मास फलम्

इस माह में पांच बुधवार होने से रसवाली वस्तुओं का अभाव हो ॥यथा- बुधेरसक्षयोभूम्याम्॥ पांच गुरुवार होने से धान्य सस्ता हो। कृष्णा प्रतिपदा बुधवार होने से वर्षा मध्यम हो। कृष्णा त्रयोदशी को रविवार होने से जौ गेहूँ महँगे हों। मगलवारी अमावस होने से महाअग्नि काण्ड हो, चित्रा होने से महर्घता हो। पूर्णिमा गुरुवार और भरणी युक्त होने से शुभ फल दायिनी है। सभी पीत वर्ण वाली वस्तुओं के भाव तेज हों, धान्यादि भाव मंदे हों, अन्नोत्पत्ति उत्तम हो, प्रजा सात्विक कर्म अधिक करें। अनुराधा में शुक्र होने से अल्प वृष्टि तथा चौपायों में पीड़ा हो।

अयनांशाः २३।५८।०३

पं.३१ का.शु.१२ सो.इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
६	७	६	८	८	४	९	३
२४	०१	१४	२४	०३	२५	१९	१९
०३	३२	४५	१९	०४	३८	४२	४२
०७	५०	४९	३३	१३	३५	५३	५३
६०	४२	९७	१०	७२	५	३	३
१९	३४	३४	०९	०६	०३	११	११
वि	वि	स्वा	पूषा	मू	पूफा	श्र	श्ले
२	४	३	४	१	४	३	१



CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

॥ श्रीवल्लभ मनीराम पञ्चाङ्गम् ॥

१४ नवंबर से २७ नवंबर तक, श्री मार्गशीर्ष कृष्णपक्ष संवत् २०६५, शाकः १९३०, दि.मासू. सू. तारीख स्टै. प्रातः दैनिक

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.घ.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
छत्र	१	शु	३	१२	८	१२	कृति	२	१५	७	५१	प	२२	०१	१५	४३	कौ	३	१२	८	१२	२१	६	५	२३	१५	१४	वृषे	६।२७।३५।०२	६०।४०
क्षयः	२	शु	५४	०७	२८	३३	०	५१	२९	२९	०६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	३१	५५	३४	०	०	०	०	०	०
वज्र	३	श	४५	२४	२५	०५	मृग	४८	४१	२६	२४	शि	११	३४	११	३३	व	१९	३९	१४	४७	३६	५५	३४	२४	१६	१५	मिथु. १५।४३	६।२८।३५।४२	६०।४२
च.व्र.	४	र	३७	२९	२१	५६	आर्द्रा	४२	४२	२४	०१	सि	१	३५	७	३४	ब	११	९८	११	२७	३३	५६	३३	२५	१७	१६	मिथु.	६।२९।३६।२४	६०।४३
धूम्र	५	सो	३०	४२	१९	१४	पुन	३७	५२	२२	०६	शु	४४	०७	२४	३६	कौ	३	५४	८	३१	३०	५७	३३	२६	१८	१७	कर्के १६।३२	७।००।३७।०७	६०।४५
प्रवर्धमा	६	मं	२५	१७	१७	०५	पुष्य	३४	२६	२०	४४	शु	३७	०१	२१	४६	व	२५	१७	१७	०५	२७	५८	३३	२७	१९	१८	कर्के	७।०१।३७।५२	६०।४७
राक्षस	७	बु	२१	२६	१५	३३	श्ले	३२	३१	१९	५९	ब्र	३१	०९	१९	२६	ब	२१	२६	१५	३३	२४	५९	३२	२८	२०	१९	सिंहे १९।५९	७।०२।३८।३९	६०।४८
मुसल	८	गु	१९	०८	१४	३८	मघा	३२	०९	१९	५१	ऐ	२६	३१	१७	३६	कौ	१९	०८	१४	३८	२१	५९	३२	२९	२१	२०	सिंहे	७।०३।३९।२७	६०।५०
सिद्धि	९	शु	१८	२२	१४	२१	पूफा	३३	१४	२०	१८	वै	२३	०४	१६	१४	ग	१८	२२	१४	२१	१९	७	३२	३०	२२	२१	कन्या २६।३०	७।०४।४०।१७	६०।५१
उत्पात	१०	श	१९	०२	१४	३८	उफा	३५	४१	२१	१७	वि	२०	४३	१५	१८	वि	१९	०२	१४	३८	१६	०१	३१	१	२३	२२	कन्या	७।०५।४१।०८	६०।५३
ए.व्र.	११	र	२०	५८	१५	२५	हस्त	३९	१९	२२	४५	प्री	१९	२१	१४	४६	बा	२०	५८	१५	२५	१३	०२	३१	२	२४	२३	कन्या	७।०६।४२।०१	६०।५४
मुद्गर	१२	सो	२४	०२	१६	३९	चित्रा	४३	५८	२४	३८	आ	१८	४९	१४	३४	तै	२४	०२	१६	३९	११	०३	३१	३	२५	२४	तुला. ११।३९	७।०७।४२।५६	६०।५६
प्र.व्र.	१३	मं	२८	०३	१८	१६	स्वा	४९	२९	२६	५१	सौ	१९	०२	१४	४०	व	२८	०३	१८	१६	०९	०३	३१	४	२६	२५	तुला.	७।०८।४३।५२	६०।५७
घाता	१४	बु	३२	५२	२०	१३	विशा	५५	४३	२९	२१	शो	१९	५१	१५	०१	वि	०	२१	७	१३	०६	०४	३१	५	२७	२६	वृश्चि. २२।४२	७।०९।४४।४९	६०।५९
अमाव.	३०	गु	३८	२३	२२	२६	अनु	...	...	...	...	अ	२१	१९	१५	३३	च	५	३१	९	१७	०४	०५	३०	६	२८	२७	वृश्चि.	७।१०।४५।४८	६१।००

हेमन्तर्तू रविर्दक्षिणे कार्तिककृष्णेति गुर्जराः, नवंबर २००८

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है ।

नेहरुजयन्ती (बालदिवस) [C अ. गो. (रात्रौ भौ. ७ दो.),D

[D वैतरणी व्र., उषा.-१ गुरुः ७।४०, उफा.-१ शनिः १९।५०

भ. १४।४७ उ. २५।०५ या., सौभाग्य सुंदरी व्र., आकाशदीप A

चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः २०।४०, वृश्चिके सौरः १६।१६

[A समाप्तिः, वृश्चिके रविः २८।४२

भ. १७।०५ उ. २८।१४ या., पूषा. शुक्रः २०।२४ [B १७।२५

कालभैरवाष्टमी, अनु. रविः १२।०१ (सौरः २३।१९), वृश्चिके बुधः B

[E स्टै.२०।१८ उप.),सायन धनुषि भानुः २८।१०,अनु. बुधः १९।३९

भ. २६।२५ उ.,उफा.रे.८ ।।।।।।।ऽ।ऽदग्धा रात्रौ ल.३ (ल.६ दो., E

भ. १४।३८ या., उफा. रे. ९ ।।।।।।।ऽ।। दिवा ल. १२, रात्रौ F

उत्पत्ति ११ व्र., हस्ते रे. ९ ।।।।।।।ऽ।। दिवा ल. ९।१२, रात्रौ C

[F अ.गो. (मीने चं.७ पू.स्टै.१४।३८ उ., गोधूल्यां भौ.७ दोषः), G

भ. १८।१६ उ., प्रदोषः, मासिकशिवरात्री व्र. [G हस्ते रे. ९ H

भ. ७।१३ या., महाव्रतारंभः [H ।।।।।।।ऽ।। रात्रौ ल. ५ J

देवपितृकार्येऽमा., गौरीतपोव्र. [J (सोग्रांगः), भा. मार्गशीर्षारंभः

अयनांशाः २३।५८।०४

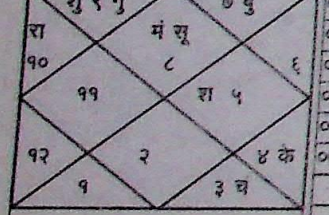
॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

संक्रांति फलम्

अयनांशाः २३।५८।०५

पं.३२ मा.कृ. ५ सो. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
७	७	६	८	८	४	९	३
०१	०६	२६	२५	११	२६	१९	१९
०६	३२	०५	३२	२८	१२	२०	२०
०९	०३	५२	५२	०७	१५	३६	३६
६०	४२	१६	१०	७१	४	३	३
३१	५६	१७	५३	४३	२१	११	११
वि	अनु	वि	पूषा	मू	पूफा	श्र	श्ले
४	१	२	४	४	४	३	१

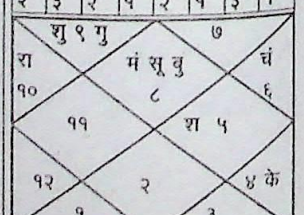


ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	नव.	दिवा	सायं	रात्री	रात्री	रात्री	रात्री	रात्री	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा
०६।२७।४२।१६	१ शु	१४	४।०५	५।४१	७।३७	९।५२	१२।१२	२।२९	४।४५	७।०४	९।२२	११।२७	१।१०	२।३९
०६।२८।४२।५७	३ श	१५	४।०९	५।३७	७।३३	९।४८	१२।०८	२।२५	४।४१	७।००	९।१८	११।२३	१।०६	२।३५
०६।२९।४३।३९	४ र	१६	३।५७	५।३३	७।२९	९।४४	१२।०४	२।२१	४।३७	६।५६	९।१४	११।१९	१।०२	२।३१
०७।००।४४।२२	५ च	१७	३।५३	५।२९	७।२५	९।४०	१२।००	२।१७	४।३३	६।५२	९।१०	११।१५	१२।५८	२।२७
०७।०१।४५।०७	६ मं	१८	३।४९	५।२५	७।२१	९।३६	११।५६	२।१३	४।२९	६।४८	९।०७	११।११	१२।५५	२।२३
०७।०२।४५।५४	७ बु	१९	३।४५	५।२१	७।१७	९।३२	११।५२	२।०९	४।२५	६।४४	९।०३	११।०७	१२।५१	२।१९
०७।०३।४६।४३	८ गु	२०	३।४१	५।१७	७।१३	९।२८	११।४८	२।०५	४।२१	६।४०	८।५९	११।०३	१२।४७	२।१५
०७।०४।४७।३३	९ शु	२१	३।३७	५।१३	७।०९	९।२४	११।४४	२।०१	४।१७	६।३६	८।५५	१०।५९	१२।४३	२।११
०७।०५।४८।२५	१० श	२२	३।३३	५।०९	७।०६	९।२०	११।४०	१।५७	४।१३	६।३२	८।५१	१०।५५	१२।३९	२।०७
०७।०६।४९।१८	११ र	२३	३।२९	५।०५	७।०२	९।१६	११।३६	१।५३	४।०९	६।२८	८।४७	१०।५१	१२।३५	२।०३
०७।०७।५०।१३	१२ चं	२४	३।२५	५।०२	६।५८	९।१२	११।३२	१।४९	४।०५	६।२४	८।४३	१०।४७	१२।३१	१।५९
०७।०८।५१।०९	१३ मं	२५	३।२१	४।५८	६।५४	९।०८	११।२८	१।४५	४।०१	६।२०	८।३९	१०।४४	१२।२७	१।५५
०७।०९।५२।०६	१४ बु	२६	३।१८	४।५४	६।५०	९।०४	११।२५	१।४१	३।५७	६।१६	८।३५	१०।४०	१२।२३	१।५२
०७।१०।५३।०५	३० गु	२७	३।१४	४।५०	६।४६	९।०१	११।२१	१।३७	३।५३	६।१२	८।३१	१०।३६	१२।१९	१।४८

ता. १५ नवंबर २००८
मार्ग. कृ. ३ शनौ वृश्चिकेऽर्कः प्र. (स्टै.) टा. २८।४२ वारात् ३ नक्षत्रात् ४ वारनाम राक्षसी चाण्डालान् सुखदा नक्षत्रनाम राक्षसी चाण्डालान् सुखदा प्रभात रात्रि ४ प्रहर व्यापिनी गोरक्षकान् हन्ति, पश्चिमे गमनं वायव्यां दृष्टिः ववकरणे प्रविष्टा मध्यमफलं सिंहवाहनं गजोपवाहनं भीतिकारक श्वेतवस्त्रं भुशुण्ड्यायुधं स्वर्णपात्रं अन्नभक्षणं करतूरीलेपनं दैवतंजातिः पुत्रागपुष्पं पिरोजभूषणं विचित्रकंचुकी बालावस्था (बैठी) मु. १५ धान्यभावे महर्घता वत्स दक्षिणे राहु पूर्वे मूलं पाताले विवाहस्तंभो वायव्याम् शुक्रोदयः पश्चिमायाम् । पुण्यकालः (स्टै.) २२।१८ से २८।४२ तक । (दान- दीप) ।

पं.३३ मा.कृ.१२ सो. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
७	७	७	८	८	४	९	३
०८	११	०७	२६	१९	२६	१८	१८
१०	३३	१५	५१	४९	४१	५८	५८
२९	५५	१८	१०	००	५१	२०	२०
६०	४३	९४	११	७१	३	३	३
४१	१९	४३	३३	१४	५२	११	११
अनु	अनु	अनु	उषा	पूषा	उफा	श्र	श्ले
२	३	२	१	२	१	३	१



CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

२८ नवंबर से १२ दिसंबर तक, श्री मार्गशीर्ष शुक्लपक्ष संवत् २०६५, शाकः १९३०, दि.मा.सू. सू. तारीख्स स्टै. प्रातः दैनिक केतकी अहर्गणः ६०८१ हेमन्तर्तु रविर्दक्षिणे, नवंबर-दिसंबर २००८

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
राक्षस	१	शु	४४	२६	२४	५२	अनु	२	३१	८	०६	सु	२२	५७	१६	१६	किं	११	१९	११	३७	२६/०३	७/०६	५/३०	७	२९	२८	वृश्चि.	७।११।४६।४८	६१०१
मुसल	२	श	५०	५४	२७	२८	ज्ये	९	५०	११	०२	धृ	२५	०४	१७	०८	बा	१७	३६	१४	०९	००	०६	३०	८	३०	२९	धनु.	७।१२।४७।४९	६१०३
सिद्धि	३	र	५७	३५	३०	०९	मूल	१७	२८	१४	०७	शू	२७	२४	१८	०५	तै	२४	५३	१६	४८	२५/	०७	३०	९	१	३०	धनु.	७।१३।४८।५२	६१०४
उत्पात	४	सो	...	...	...	...	पूषा	२५	१२	१७	१३	गं	२९	४५	१९	०२	व	३०	५३	१९	२९	५६	०८	३०	१०	२	१	मक.	२३।५८	६१०५
मानस	४	मं	४	०६	८	४७	उषा	३२	३८	२०	१२	वृ	३१	५२	१९	५४	वि	४	०६	८	४७	५४	०९	३०	११	३	२	मक.	७।१५।५१।०१	६१०६
छत्र	५	बु	१०	०५	११	११	श्रव	३९	२०	२२	५३	ध्रु	३३	२४	२०	३१	बा	१०	०५	११	११	५२	०९	३०	१२	४	३	मक.	७।१६।५२।०७	६१०७
श्रीवत्स	६	गु	१५	००	१३	१०	धनि	४४	४८	२५	०५	व्या	३४	००	२०	४६	तै	१५	००	१३	१०	५०	१०	३०	१३	५	४	कुंभे	१२।०४	६१०९
सौम्य	७	शु	१८	२०	१४	३१	शत	४८	३४	२६	३७	ह	३३	२०	२०	३१	व	१८	२०	१४	३१	४९	११	३०	१४	६	५	कुंभे	७।१८।५४।२३	६१।१०
काल	८	श	१९	४४	१५	०५	पूभा	५०	२१	२७	२०	व	३१	०६	१९	३८	ब	१९	४४	१५	०५	४७	१२	३१	१५	७	६	मीने	२१।१४	७।१९।५५।३३	६१।११
सुस्थिर	९	र	१८	५८	१४	४८	उभा	४९	५८	२७	१२	सि	२७	११	१८	०५	कौ	१८	५८	१४	४८	४६	१२	३१	१६	८	७	मीने	७।२०।५६।४३	६१।१२
मातङ्ग	१०	सो	१५	५९	१३	३७	रेव	४७	२९	२६	१३	व्य	२१	३२	१५	५०	ग	१५	५९	१३	३७	४४	१३	३१	१७	९	८	मेषे	२६।१३	७।२१।५७।५५	६१।१३
ए.व्र.	११	मं	१०	५६	११	३६	अश्वि	४३	०७	२४	२९	व	१४	१६	१२	५६	वि	१०	५६	११	३६	४३	१४	३१	१८	१०	९	मेषे	७।२२।५९।०८	६१।१४
प्र.व्र.	१२	बु	४	०७	८	५३	भर	३७	१२	२२	०७	प	५	३४	९	२८	बा	४	०७	८	५३	४२	१४	३१	१९	११	१०	वृषे	२७।२७	७।२४।००।२१	६१।१४
क्षयः	१३	बु	५५	५६	२९	३७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
लुम्बक	१४	गु	४६	४७	२५	५८	कृति	३०	११	१९	१९	सि	५५	४२	३५	३९	ग	२१	२६	१५	५०	४१	१५	३२	२०	१२	११	वृषे	७।२५।०१।३६	६१।१५
पूर्णिमा	१५	शु	३७	०९	२२	०८	रोहि	२२	३२	१६	१६	सा	३४	१२	२०	५६	वि	११	५९	१२	०४	४०	१६	३२	२१	१३	१२	मिथु.	२६।४३	७।२६।०२।५१	६१।१६

[A ज्येष्ठा. बुधः ३०।३८, उषा. शुक्रः २५।५५
[B रात्रौ ३ (परमावश्यके बु.६ दोषः, गु. C
[C रा.चं.७ दो.), ज्येष्ठा.भौमः ८।०१
[D अ. गो. (गो भौम ७ दो., दिवा ल. E
[E पातोपग्रह रे. ७), ज्येष्ठा.रविः १६।१८ (सौरः २६।२४),मकरे F
[F शुक्रः २१।५२
[G दिवा १, रात्रौ गोधूलि (गो.भौ ७ दो.स्टै.१८।०५ वा.), कल्यादि
[H रात्रौ ३।५ (मि. बु. ७ पू. स्टै. १९।१९ उप., सिं. सोग्रांगः), श्रव. शुक्रः ११।३१ [P रोहिण्यां रे. ९ ।।।।।।।ऽ।। दिवा १२।१, मृगे रे. ६ ।ऽ।ऽगुऽ।।ऽ।। रात्रौ ५।७ (सिंहः सोग्रांगः), (बत्तीसी) पूर्णिमा

प्रदोषः, अनंग त्रयोदशी व्र. [N गुरुः २०।२३ [F शुक्रः २१।५२
मास फलम्
इस माह में पांच शुक्रवार होने से प्रजा की वृद्धि हो यथा-प्रजावृद्धिस्तु भार्गवे।। कृष्णा एकादशी को रविवार होने से कपासादि सूत के भावों में मंदी हो। गुरुवारी अमावस होने से वृष्टि तथा सुभिक्ष हो लेकिन अनुराधा योग नेष्ट है। पूर्णिमा शुक्रवार और रोहिणी युक्त होने से शुभ फल दायिनी है। शनिवार की सक्रांति होने से सभी तरह की वस्तुओं का क्षय हो प्रजा में दुर्भिक्ष हो, धान्यादि भाव तेज हो। पूर्वाषाढा में शुक्र होने से लोकभय और क्षेत्रपति का क्षय हो, जल में उत्पन्न जीव पीड़ित हों। अनुराधा में बुध होने से सुभिक्ष हो, पक्षियों में पीड़ा हो, प्रजा सुस्थी हों।

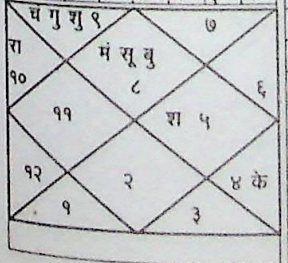
अयनांशाः २३।५८।०६

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

अयनांशाः २३।५८।०७

पं.३४ मा.शु. ४ सो. इष्टघटी ०।००

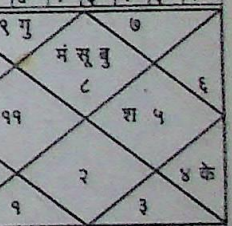
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
७	७	७	८	८	४	९	३
१५	१६	१८	२८	२८	२७	१८	१८
१५	३८	१६	१३	०६	०७	३६	३६
५७	२३	००	५१	०५	०२	०४	०४
६०	४३	९४	१२	७०	३	३	३
५०	४१	०२	०८	३७	१३	११	११
अनु	अनु	ज्ये	उषा	उषा	उषा	श्र	श्ले
४	४	१	१	१	१	३	१



ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	नवं.	दिवा	सायं	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा
०७।११।५४।०५	१ शु	२८	३।१०	४।४६	६।४२	८।५७	११।१७	१।३४	३।४९	६।०८	८।२७	१०।३२	१२।१५	१।४४
०७।१२।५५।०७	२ श	२९	३।०६	४।४२	६।३८	८।५३	११।१३	१।३०	३।४५	६।०५	८।२३	१०।२८	१२।११	१।४०
०७।१३।५६।१०	३ र	३०	३।०२	४।३८	६।३४	८।४९	११।०९	१।२६	३।४१	६।०१	८।१९	१०।२४	१२।०७	१।३६
०७।१४।५७।१४	४ चं	१	२।५८	४।३४	६।३०	८।४५	११।०५	१।२२	३।३८	५।५७	८।१५	१०।२०	१२।०३	१।३२
०७।१५।५८।१९	४ मं	२	२।५४	४।३०	६।२६	८।४१	११।०१	१।१८	३।३४	५।५३	८।११	१०।१६	११।५९	१।२८
०७।१६।५९।२६	५ बु	३	२।५०	४।२६	६।२२	८।३७	१०।५७	१।१४	३।३०	५।४९	८।०७	१०।१२	११।५५	१।२४
०७।१८।००।३४	६ गु	४	२।४६	४।२२	६।१८	८।३३	१०।५३	१।१०	३।२६	५।४५	८।०३	१०।०८	११।५१	१।२०
०७।१९।०१।४२	७ शु	५	२।४२	४।१८	६।१४	८।२९	१०।४९	१।०६	३।२२	५।४१	७।५९	१०।०४	११।४७	१।१६
०७।२०।०२।५२	८ श	६	२।३८	४।१४	६।१०	८।२५	१०।४५	१।०२	३।१८	५।३७	७।५६	१०।००	११।४४	१।१२
०७।२१।०४।०३	९ र	७	२।३४	४।१०	६।०६	८।२१	१०।४१	१२।५८	३।१४	५।३३	७।५२	९।५६	११।४०	१।०८
०७।२२।०५।१५	१० चं	८	२।३०	४।०६	६।०२	८।१७	१०।३७	१२।५४	३।१०	५।२९	७।४८	९।५२	११।३६	१।०४
०७।२३।०६।२८	११ मं	९	२।२६	४।०२	५।५८	८।१३	१०।३३	१२।५०	३।०६	५।२५	७।४४	९।४८	११।३२	१।००
०७।२४।००।४२	१२ बु	१०	२।२२	३।५८	५।५५	८।०९	१०।२९	१२।४६	३।०२	५।२१	७।४०	९।४४	११।२८	१२।५६
०७।२५।०८।५६	१३ गु	११	२।१८	३।५४	५।५१	८।०५	१०।२५	१२।४२	२।५८	५।१७	७।३६	९।४०	११।२४	१२।५२
०७।२६।१०।१२	१५ शु	१२	२।१४	३।५१	५।४७	८।०१	१०।२१	१२।३८	२।५४	५।१३	७।३२	९।३६	११।२०	१२।४८

पं.३५ मा.शु.१० सो. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
७	७	७	८	९	४	९	३
२२	२१	२९	२९	०६	२७	१८	१८
२२	४५	१४	४०	१८	२७	१३	१३
२२	२५	५०	२४	२४	२९	४८	४८
६०	४४	९४	१२	६९	२	३	३
५७	०३	१५	३८	५१	३१	११	११
ज्ये	ज्ये	ज्ये	उषा	उषा	उषा	श्र	श्ले
२	२	४	१	३	१	३	१



CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

॥ श्रीवल्लभ मनीराम पञ्चाङ्गम ॥

१३ दिसंबर से २७ दिसंबर तक, श्री पोष कृष्णपक्ष संवत् २०६५, शाकः १९३०, दि.मा.सू. सू. तारीख स्टै. प्रातः दैनिक हेमन्तर्तू रविर्दक्षिणे मार्गशीर्षकृष्णेति गुर्जराः, दिसंबर २००८

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प.	उ.	अ.	मा.	मु.	ई.	चंद्रः	सौर र. स.	गति
वज्र	१	श	२७	३३	१८	१८	मृग	१४	४४	१३	१०	शु	२३	११	१६	३३	बा	२	१९	८	१२	२५/३२	७/१६	५/३२	२२	१४	१३	मिशु.	७।२७।०४।०७	६१।१७
ध्वाङ्क्ष	२	र	१८	२२	१४	३८	आर्द्रा	७	१८	१०	१२	शु	१२	३०	१२	१७	ग	१८	२२	१४	३८	३८	१७	२२	२३	१५	१४	कर्के २६।११	७।२८।०५।२४	६१।१८
ध्व.व्र.	३	सो	१०	०५	११	२०	पुन	०/५५	३९/५९	७/२९	३३/३२	ब्र	२/५३	३५/३२	८/२८	१८/४२	वि	१०	०५	११	२०	३८	१८	३३	२४	१५	१५	कर्के	७।२९।०६।४१	६१।१८
आनन्द	४	मं	३	०१	८	३१	श्ले	५१	१२	२७	४७	वै	४५	४३	२५	३६	बा	३	०१	८	३१	३७	१८	३३	२५	१७	१६	सिंहे २७।४७	८।००।०८।००	६१।१९
क्षयः	५	मं	५७	३३	३०	१९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
चर	६	बु	५३	४७	२८	५०	मघा	४८	५४	२६	५३	वि	३९	१६	२३	०१	ग	२५	२६	१७	२९	३७	१९	३४	२६	१८	१७	सिंहे	८।०१।०९।१९	६१।२०
गद	७	गु	५१	५३	२८	०५	पूफा	४८	२६	२६	४२	प्री	३४	१७	२१	०२	वि	२२	३६	१६	२२	३६	१९	३४	२७	१९	१८	सिंहे	८।०२।१०।३८	६१।२०
शुभ	८	शु	५१	५२	२८	०५	उफा	४९	४८	२७	१५	आ	३०	४७	१९	३९	बा	२१	३९	५६	००	३६	२०	३४	२८	२०	१९	कन्या ८।४६	८।०३।११।५८	६१।२१
मृत्यु	९	श	५३	३९	२८	४८	हस्त	५२	५२	२८	२९	सौ	२८	४०	१८	४९	तै	२२	३१	१६	२१	३६	२१	३५	२९	२१	२०	कन्या	८।०४।१३।१९	६१।२१
पद्म	१०	र	५६	५८	३०	०८	चित्रा	५७	२६	३०	२०	शो	२७	५०	१८	२९	व	२५	०६	१७	२३	३६	२१	३५	३०	२२	२१	तुला. १७।२०	८।०५।१४।४०	६१।२२
छत्र	११	सो	...	...	...	..	स्वा	...	...	...	...	अ	२८	०३	१८	३५	ब	२९	०६	१९	००	३६	२२	३६	:	२३	२२	तुला.	८।०६।१६।०१	६१।२२
ए.व्र.	११	मं	९	३२	७	५९	स्वा	३	१२	८	३९	सु	२९	०७	१९	०१	बा	१	३२	७	५९	३६	२२	३६	२	२४	२३	वृश्चि. २८।३७	८।०७।१७।२३	६१।२२
प्र.व्र.	१२	बु	७	०४	१०	१२	विशा	९	५१	११	१९	धृ	३०	४५	१९	४१	तै	७	०४	१०	१२	३६	२३	३७	३	२५	२४	वृश्चि.	८।०८।१८।४६	६१।२३
आनन्द	१३	गु	१३	१२	१२	४०	अनु	१७	०४	१४	१३	शू	३२	४५	२०	२९	व	१३	१२	१२	४०	३७	२३	३८	४	२६	२५	वृश्चि.	८।०९।२०।०८	६१।२३
चर	१४	शु	१९	४०	१५	१५	ज्ये	२४	३५	१७	१३	गं	३४	५६	२१	२२	श	१९	४०	१५	१५	३७	२३	३८	५	२७	२६	धनु. १७।१३	८।१०।२१।३१	६१।२३
अमाव.	३०	श	२६	१३	१७	५३	मूल	३२	०९	२०	१५	वृ	३७	०८	२२	१५	ना	२६	१३	१७	५३	३७	२४	३९	६	२८	२७	धनु.	८।११।२२।५४	६१।२३

अयनांशाः २३।५८।०८

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

संक्रांति फलम्

अयनांशाः २३।५८।०९

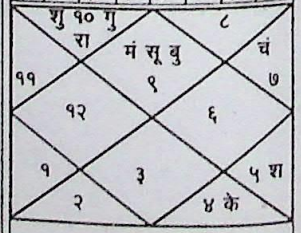
ता. १५ दिसंबर २००८
पौष कृ. ३ चंद्रे धनुष्यर्कः प्र. (स्टै.)
टा. १९।१६ वारात् ३ नक्षत्रात् ३
वारनाम ध्वांक्षी वैश्यान् सुस्वदा
नक्षत्रनाम ध्वांक्षी वैश्यान् सुस्वदा
प्रदोष व्यापिनी पिशाचान् हन्ति,
दक्षिणे गमनं नैऋत्यां दृष्टिः बवकरणे
प्रविष्टा मध्यमफलं सिंहवाहनं
गजोपवाहनं भीतिकारक श्वेतवस्त्रं
भुशुण्ड्यायुधं स्वर्णपात्रं अन्नभक्षणं
कस्तूरीलेपनं दैवतंजातिः पुन्नागपुष्पं
पिरोजभूषणं विचित्रवर्णचुकी
बालावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यभावे
सम वत्स दक्षिणे राहु पूर्वे मूलं
मूर्मौ विवाहस्तंभो वायव्याम् शुक्रोदयः
पश्चिमायाम् । पुण्यकालः (स्टै.)
९९।१६ से २५।४० तक । (दान-
वस्त्र) ।

पं.३६ पौ.कृ. ३ सो. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
७	७	८	९	९	४	९	३
२९	२६	१०	०१	१४	२७	१७	१७
२९	५४	१५	१०	२४	४२	५१	५१
३३	५६	४०	१६	४८	५६	३२	३२
६१	४४	९४	१३	६८	१	३	३
०३	२४	१८	०४	५३	४७	११	११
ज्ये	ज्ये	मू	उषा	श्र	उफा	श्र	श्ले
४	४	४	२	२	१	३	१



ब्रह्म र. स.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	दिसं	दिवा	दिवा	सायं	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा
०७।२७।११।२८	१ श	१३	२।१०	३।४७	५।४३	७।५७	९०।१७	९२।३४	२।५०	५।०९	७।२८	९।३३	११।१६	१२।४४
०७।२८।१२।४५	२ र	१४	२।०७	३।४३	५।३९	७।५३	९०।१४	९२।३०	२।४६	५।०५	७।२४	९।२९	११।१२	१२।४१
०७।२९।१४।०३	३ चं	१५	२।०३	३।३९	५।३५	७।५०	९०।१०	९२।२६	२।४२	५।०१	७।२०	९।२५	११।०८	१२।३७
०८।००।१५।२१	४ मं	१६	१।५९	३।३५	५।३१	७।४६	९०।०६	९२।२३	२।३८	४।५७	७।१६	९।२१	११।०४	१२।३३
०८।०१।१६।४०	५ बु	१७	१।५५	३।३१	५।२७	७।४२	९०।०२	९२।१९	२।३४	४।५४	७।१२	९।१७	११।००	१२।२९
०८।०२।१८।००	७ गु	१८	१।५१	३।२७	५।२३	७।३८	९।५८	९२।१५	२।३०	४।५०	७।०८	९।१३	१०।५६	१२।२५
०८।०३।१९।२०	८ शु	१९	१।४७	३।२३	५।१९	७।३४	९।५४	९२।११	२।२७	४।४६	७।०४	९।०९	१०।५२	१२।२१
०८।०४।२०।४१	९ श	२०	१।४३	३।१९	५।१५	७।३०	९।५०	९२।०७	२।२३	४।४२	७।००	९।०५	१०।४८	१२।१७
०८।०५।२२।०२	१० र	२१	१।३९	३।१५	५।११	७।२६	९।४६	९२।०३	२।१९	४।३८	६।५६	९।०१	१०।४४	१२।१३
०८।०६।२३।२४	११ चं	२२	१।३५	३।११	५।०७	७।२२	९।४२	९१।५९	२।१५	४।३४	६।५२	८।५७	१०।४०	१२।०९
०८।०७।२४।४६	११ मं	२३	१।३१	३।०७	५।०३	७।१८	९।३८	९१।५५	२।११	४।३०	६।४८	८।५३	१०।३६	१२।०५
०८।०८।२६।०८	१२ बु	२४	१।२७	३।०३	४।५९	७।१४	९।३४	९१।५१	२।०७	४।२६	६।४५	८।४९	१०।३३	१२।०१
०८।०९।२७।३१	१३ गु	२५	१।२३	२।५९	४।५५	७।१०	९।३०	९१।४७	२।०३	४।२२	६।४१	८।४५	१०।२९	११।५७
०८।१०।२८।५४	१४ शु	२६	१।१९	२।५५	४।५१	७।०६	९।२६	९१।४३	१।५९	४।१८	६।३७	८।४१	१०।२५	११।५३
०८।११।३०।१७	३० श	२७	१।१५	२।५१	४।४७	७।०२	९।२२	९१।३९	१।५५	४।१४	६।३३	८।३७	१०।२१	११।४९

पं.३७ पौ.कृ.११ सो. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
८	८	८	९	९	४	९	३
०६	०२	२१	०२	२२	२७	१७	१७
३७	०६	११	४२	२३	५३	२९	२९
१७	५०	१८	५६	५०	१०	१६	१६
६१	४४	९२	१३	६७	१	३	३
०७	४४	०१	२६	४३	०२	११	११
मू	मू	पूषा	उषा	श्र	उफा	श्र	श्ले
२	१	३	२	४	१	३	१



CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

२८ दिसंबर से ११ जनवरी तक, श्री पोष शुक्लपक्ष संवत् २०६५, शाकः १९३०, दि.मासु. सू. तारीख स्टै. प्रातः दैनिक केतकी अहर्गणः ६१११ शिशिरर्तू रविरुत्तरे, दिसंबर-जनवरी २००८-२००९

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घ.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.५	उ.	अ.	भ.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
शुभ	१	र	३२	४०	२०	२८	पूषा	३९	३८	२३	१५	ध्रु	३९	१६	२३	०७	ब	३२	४०	२०	२८	२५ ३८	७ २४	५ ३९	७	२९	२८	मक. २९।५९	८।१२।२४।१८	६१।२३
मृत्यु	२	सो	३८	५२	२२	५७	उषा	४६	५०	२६	०८	व्या	४१	११	२३	५३	बा	५	४९	९	४४	३९	२४	४०	८	३०	२९	मक.	८।१३।२५।४१	६१।२४
लुम्बक	३	मं	४४	३२	२५	१४	श्रव	५३	३०	२८	४९	ह	४२	४३	२४	३०	तै	११	४६	१२	०७	४०	२५	४१	९	९	३०	मक.	८।१४।२७।०५	६१।२४
मित्र	४	बु	४९	२३	२७	१०	धनि	५९	२१	३१	१०	व	४३	३८	२४	५२	व	१७	०५	१४	१५	४१	२५	४१	१०	२	३१	कुंभे १८।०२	८।१५।२८।२९	६१।२४
वज्र	५	गु	५३	०२	२८	३८	शत	...	...	...	...	सि	४३	४२	२४	५४	ब	२१	२३	१५	५८	४२	२५	४२	११	३	९	कुंभे	८।१६।२९।५२	६१।२४
सौम्य	६	शु	५५	१३	२९	३१	शत	४	०१	९	०२	व्य	४२	३९	२४	२९	कौ	२४	१९	१७	०९	४३	२१	४३	१२	४	२	मीने २८।०४	८।१७।३१।१६	६१।२४
काल	७	श	५५	३७	२९	४०	पूभा	७	१३	१०	१९	व	४०	१८	२३	३३	ग	२५	३९	१७	४१	४४	२६	४३	१३	५	३	मीने	८।१८।३२।४०	६१।२३
सुस्थिर	८	र	५४	०७	२९	०५	उभा	८	४१	१०	५४	प	३६	३१	२२	०२	वि	२५	०७	१७	२९	४५	२६	४४	१४	६	४	मीने	८।१९।३४।०३	६१।२३
मातङ्ग	९	सो	५०	४२	२७	४३	रेव	८	१६	१०	४५	शि	३१	१२	१९	५५	बा	२२	३८	१६	२९	४७	२६	४५	१५	७	५	मेषे १०।४५	८।२०।३५।२७	६१।२३
अमृत	१०	मं	४५	३१	२५	३९	अश्वि	६	०१	९	५१	सि	२४	२७	१७	१३	तै	१८	१९	१४	४६	४८	२६	४६	१६	८	६	मेषे	८।२१।३६।५०	६१।२३
ए.व्र.	११	बु	३८	४७	२२	५७	भर	२ ५६	०५ ४३	८ ३०	१६ ०८	सा	१६	२२	१३	५९	व	१२	१९	१२	२२	५०	२६	४६	१७	९	७	वृषे १३।४७	८।२२।३८।१३	६१।२३
उत्पात	१२	गु	३०	५२	१९	४७	रोहि	५०	१७	२७	३३	शु	७ ५७	१२ ३३	१० ३०	२० २०	ब	४	५७	९	२६	५१	२७	४७	१८	१०	८	वृषे	८।२३।३९।३६	६१।२३
प्र.व्र.	१३	शु	२२	०७	१६	१७	मृग	४३	१०	२४	४३	ब्र	४६	४४	२६	०८	तै	२२	०७	१६	१७	५३	२७	४८	१९	११	९	मिथु. १४।०९	८।२४।४०।५९	६१।२२
मुद्गर	१४	श	१२	५७	१२	३८	आर्द्रा	३५	४९	२१	४६	ऐ	३६	०४	२१	५२	व	१२	५७	१२	३८	५५	२७	४२	२०	१२	१०	मिथु.	८।२५।४२।२१	६१।२२
पूर्णिमा	१५	र	३	४८	८	५८	पुन	२८	४०	१८	५५	वै	२५	३५	१७	४१	ब	३	४८	८	५८	५७	२७	४९	२१	१३	११	कर्के १३।३७	८।२६।४३।४३	६१।२२

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है ;
पूषा. रविः २१।२७ (सौरः २९।११), कुंमे शुक्रः २६।२६
चंद्रदर्शनम् (मु.४५)
मोहोरंम १ सन १४३० हि.
म. १४।१५ उ. २७।१० या., पंचक प्रारम्भः १८।०२
जनवरी १ ता. ३१ सन २००९ ई. , वक्री शनिः १४।०३
म. २९।४० उ., शत. शुक्रः २८।३६
म. १७।२९ या., शांकभरी यात्रा, श्रव. बुधः २६।५५
पंचक समाप्तिः १०।४५, पूषा. भौमः २९।५९
श्रव.-२ राहुः १९।१०, पुष्ये-४ केतुः १९।१०
म. १२।२२ उ. २२।५७ या., पुत्रदा ११ व्र., मन्वादि
उषा.-४ गुरुः १३।३३
प्रदोषः
म. १२।३८ उ. २२।४७ या., पूर्णिमा व्रतं, शाकंभरी जयंती, उषा. A
पूर्णिमा पुण्यं, माघ स्नानारंभः [A रविः २३।२४ (सौरः ३०।००)

अयनांशाः २३।५८।१०

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

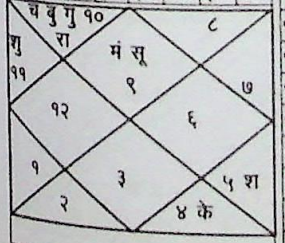
अयनांशाः २३।५८।१९

ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	दिस	दिवा	दिवा	सायं	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा
०८।१२।३१।४१	१ र	२८	१।११	२।४७	४।४४	६।५८	९।१८	११।३५	१।५१	४।१०	६।२९	८।३३	१०।१७	११।४५
०८।१३।३३।०४	२ चं	२९	१।०७	२।४३	४।४०	६।५४	९।१४	११।३१	१।४७	४।०६	६।२५	८।२९	१०।१३	११।४१
०८।१४।३४।२८	३ मं	३०	१।०३	२।४०	४।३६	६।५०	९।१०	११।२७	१।४३	४।०२	६।२१	८।२६	१०।०९	११।३७
०८।१५।३५।५२	४ बु	३१	१।००	२।३६	४।३२	६।४६	९।०७	११।२३	१।३९	३।५८	६।१७	८।२२	१०।०५	११।३३
०८।१६।३७।१६	५ गु	१	१२।५६	२।३२	४।२८	६।४२	९।०३	११।१९	१।३५	३।५४	६।१३	८।१८	१०।०१	११।३०
०८।१७।३८।४०	६ शु	२	१२।५२	२।२८	४।२४	६।३९	८।५९	११।१५	१।३१	३।५०	६।०९	८।१४	९।५७	११।२६
०८।१८।४०।०३	७ श	३	१२।४८	२।२४	४।२०	६।३५	८।५५	११।१२	१।२७	३।४६	६।०५	८।१०	९।५३	११।२२
०८।१९।४१।२७	८ र	४	१२।४४	२।२०	४।१६	६।३१	८।५१	११।०८	१।२३	३।४३	६।०१	८।०६	९।४९	११।१८
०८।२०।४२।५१	९ चं	५	१२।४०	२।१६	४।१२	६।२७	८।४७	११।०४	१।१९	३।३९	५।५७	८।०२	९।४५	११।१५
०८।२१।४४।१४	१० मं	६	१२।३६	२।१२	४।०८	६।२३	८।४३	११।००ा	१।१६	३।३५	५।५३	७।५८	९।४१	११।११
०८।२२।४५।३७	११ बु	७	१२।३२	२।०८	४।०४	६।१९	८।३९	१०।५६	१।१२	३।३१	५।४९	७।५४	९।३७	११।०६
०८।२३।४७।००	१२ गु	८	१२।२८	२।०४	४।००	६।१५	८।३५	१०।५२	१।०८	३।२७	५।४५	७।५०	९।३३	११।०२
०८।२४।४८।२३	१३ शु	९	१२।२४	२।००	३।५६	६।११	८।३१	१०।४८	१।०४	३।२३	५।४१	७।४६	९।२९	१०।५८
०८।२५।४९।४५	१४ श	१०	१२।२०	१।५६	३।५२	६।०७	८।२७	१०।४४	१।००	३।१९	५।३७	७।४२	९।२५	१०।५४
०८।२६।५१।०७	१५ र	११	१२।१६	१।५२	३।४८	६।०३	८।२३	१०।४०	१२।५६	३।१५	५।३४	७।३८	९।२२	१०।५०

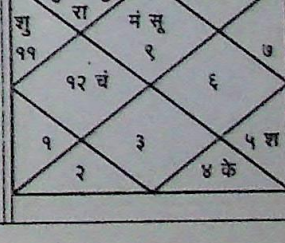
मास फलम्

इस माह में पांच शनिवार होने से महँगाई हो, पांच रविवार नेष्ट हैं। कृ. नौमी को शनिवार होने से अन्नादि भावों में समर्घता हो। अमावस्या को मूल और शनिवार होने से धान्य भावों में महर्घता हो। पूर्णिमा रविवार और पुनर्वसु युक्त होने से धन की हानि हो। सोमवार की संक्रांति होने से दक्षिण की पवन चले, धान्यादि सभी वस्तुओं के भाव मंदे हो, रस घृत किराणें की वस्तुएं तेज हों, लोक, महाजन प्रसन्न हों, प्रजा में सद्भाव अधिक हो। पूर्वाषाढा में बुध होने से धान्य मन्दा हो और ग्रीष्म में व्याधि तथा वर्षा हो, क्षुधा, शस्त्र, चोर और रोगों की वृद्धि हो।

पं.३८ पौ.शु. २ सो. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
८	८	९	९	१०	४	९	३
१३	०७	०१	०४	००	२७	१७	१७
४५	२१	३४	१७	१३	५८	०७	०७
२१	०१	४२	५३	४६	०२	००	००
६१	४५	८३	१३	६६	०	३	३
०९	०३	०६	४३	१५	१५	११	११
पूष	मू	उषा	उषा	घ	उषा	श्र	श्ले
१	३	२	३	३	१	३	१



पं.३९ पौ.शु. ९ सो. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
८	८	९	९	१०	४	९	३
२०	१२	१०	०५	०७	२७	१६	१६
५३	३७	११	५४	५२	५७	४४	४४
३२	२३	४१	३२	२३	५१	४४	४४
६१	४५	५६	१३	६४	०	३	३
१०	२२	०८	५६	२६	३१	११	११
पूष	मू	श्र	उषा	श	उषा	श्र	श्ले
३	४	१	३	१	१व	३	१



CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

॥ श्रीवल्लभ मनीराम पञ्चाङ्गम् ॥

१२ जनवरी से २६ जनवरी तक, श्री माघ कृष्णपक्ष संवत् २०६५, शाकः १९३०, दि.मासू. सू. तारीस्प स्टै. प्रातः दैनिक शिशिरर्तू रविरुत्तरे पोषकृष्णेति गुर्जराः, जनवरी २००९

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
क्षयः	१	र	५५	०४	२९	२८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
धाता	२	सो	४७	०९	२६	१८	पुष्य	२२	०८	१६	१८	वि	१५	३४	१३	४०	तै	२०	५९	१५	५०	२५ ५५	७ २४	५ ५०	२२	१४	१२	कर्के	८।२७।४५।०४	६१।२१
आनन्द	३	मं	४०	२५	२३	३७	श्ले	१६	३६	१४	०५	प्री	६ ५८	२५ ११	९ ३०	५९ ४३	व	१३	३६	१२	५३	२६ ०१	२७	५१	२३	१५	१३	सिंहे	८।२८।४६।२५	६१।२१
च.ब्र.	४	बु	३५	१३	२१	३२	मघा	१२	२६	१२	२५	स्रौ	५१	२०	२७	५९	ब	७	३७	१०	२९	०३	२७	५२	२४	१६	१४	सिंहे	८।२९।४७।४६	६१।२०
गद	५	गु	३१	४७	२०	०९	पूफा	९	५७	११	२५	शो	४५	५८	२५	५०	कौ	३	१६	८	४५	०५	२७	५३	२५	१७	१५	कन्या	९।००।४९।०६	६१।२०
शुभ	६	शु	३०	२१	१९	३५	उफा	९	२०	११	१०	अ	४२	०९	२४	१८	ग	०	४९	७	४६	०८	२६	५४	२६	१८	१६	कन्या	९।०१।५०।२५	६१।१९
मृत्यु	७	श	३०	५९	१९	५०	हस्त	१०	४२	११	४३	सु	३९	५५	२३	२४	वि	०	२४	७	३६	१०	२६	५४	२७	१९	१७	तुला.	२४।१७	९।०२।५१।४४	६१।१८
पद्म	८	र	३३	३२	२०	५१	चित्रा	१४	००	१३	०२	धृ	३९	१०	२३	०६	बा	२	०१	८	१५	१३	२६	५५	२८	२०	१८	तुला.		९।०३।५३।०२	६१।१७
छत्र	९	सो	३७	४९	२२	३४	स्वा	१९	०२	१५	०३	शू	३९	४१	२३	१८	तै	५	३०	९	३८	१५	२६	५६	२९	२१	१९	तुला.		९।०४।५४।२०	६१।१७
श्रीवत्स	१०	मं	४३	२६	२४	४८	विशा	२५	२६	१७	३६	गं	४१	१०	२३	५४	व	१०	२९	११	३७	१८	२६	५७	३०	२२	२०	वृश्चि.	१०।५५	९।०५।५५।३७	६१।१६
ए.ब्र.	११	बु	४९	५०	२७	२२	अनु	३२	४५	२०	३१	वृ	४३	१६	२४	४४	ब	१६	३४	१४	०३	२०	२५	५८	१	२३	२१	वृश्चि.		९।०६।५६।५३	६१।१५
काल	१२	गु	५६	३५	३०	०३	ज्ये	४०	२८	२३	३६	ऊ	४५	३८	२५	४१	कौ	२३	१२	१६	४२	२३	२५	५८	२	२४	२२	धनु.	२३।३६	९।०७।५८।०८	६१।१४
प्र.ब्र.	१३	शु	...	...	...	...	मूल	४८	११	२६	४१	व्या	४७	५८	२६	३६	ग	२९	५६	१९	२३	२६	२५	५९	३	२५	२३	धनु.		९।०८।५९।२२	६१।१३
मातङ्ग	१३	श	३	१२	८	४१	पूषा	५५	३३	२९	३८	ह	५०	०२	२७	२६	व	३	१२	८	४१	२९	२५	६ ००	४	२६	२४	धनु.		९।१०।००।३६	६१।१३
अमृत	१४	र	९	२४	११	१०	उषा	...	...	...	...	व	५१	४२	२८	०५	श	९	२४	११	१०	३२	२४	०१	५	२७	२५	मक.	१२।२०	९।११।०१।४९	६१।१२
अमाव.	३०	सो	१४	५९	१३	२३	उषा	२	२३	८	२१	सि	५२	५०	२८	३२	ना	१४	५९	१३	२३	३५	२४	०२	६	२८	२६	मक.		९।१२।०३।००	६१।११

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।

[A संकट हरगणपति व्र., मकरे रविः २९।५५, D गुरोरस्तः पश्चिमायाम् १०।२४, C भ. १२।५३ उ. २३।३७ या., सौभाग्य सुन्दरी व्र., A गौरी चतुर्थी, चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः २१।३६, मकरे सौरः १२।१४ बुधास्तः पश्चिमायाम् २२।५५, साक्रान्ति करिदिन भ. १९।३५ उ., पूभा. शुक्रः २२।०५ [C वक्री बुधः ११।५९ भ. ७।३६ या., स्वामी विवेकानन्द जयंती (व) उषा. बुधः ७।३३ [B (व) धनुषि बुधः १९।५७,मीने शुक्रः ३०।१९ सायन कुंभे भानुः २८।०१ [D निरयन उत्तरायनारंभः भ. ११।३७ उ. २४।४८ या., अभि.प्र.रविः१९।०३ (सौरः २४।४९) षट्तिला ११ व्र., भा. माघारंभः तिल द्वादशी, श्रव.-१ गुरुः १७।२६ [F भौमः १७।५४ प्रदोषः, नेताजी जयन्ती, श्रव. रविः २५।४० (सौरः ३१।१०),उषा. F भ. ८।४१ उ. २१।५७ या., मासिकशिवरात्री व्र., अभि.नि. E युगादि, बुधोदयः पूर्वस्याम् २५।०४ [E रविः २२।३९ (सौरः २८।०५) देवपितृकार्येऽमा., सोमवती अमा., मौनी ३०, गणराज्यदिवस, B

गुरोरस्तः पश्चिमायाम्

अयनांशाः २३।५८।१२

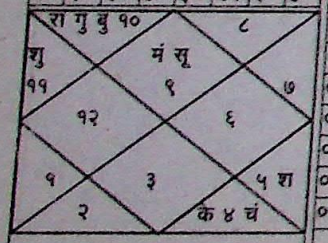
॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

अयनांशाः २३।५८।१३

अयनांशाः २३।५८।१४

पं.४० मा.कृ. २ सो. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
८	८	९	९	१०	४	९	३
२८	१७	१३	०७	१५	२७	१६	१६
०१	५५	५२	३२	१६	५१	२२	२२
३७	४७	२३	३७	४९	५५	२९	२९
६१	४५	९	१४	६२	१	३	३
०८	३९	३८	०६	०८	१७	११	११
उषा	पूषा	श्र	उषा	श	उफा	श्र	पु
१	२	२व	४	३	१व	२	४



ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	जन.	दिवा	दिवा	दिवा	सायँ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः	दिवा	दिवा
०८।२७।५२।२८	२ चं	१२	१२।१२	१।४८	३।४४	५।५९	८।१९	१०।३६	१२।५२	३।११	५।३०	७।३४	९।१८	१०।४६
०८।२८।५३।५०	३ मं	१३	१२।०८	१।४४	३।४०	५।५५	८।१५	१०।३२	१२।४८	३।०७	५।२६	७।३०	९।१४	१०।४२
०८।२९।५५।१०	४ बु	१४	१२।०४	१।४०	३।३७	५।५१	८।११	१०।२८	१२।४४	३।०३	५।२२	७।२६	९।१०	१०।३८
०९।००।५६।३०	५ गु	१५	१२।००	१।३६	३।३३	५।४७	८।०७	१०।२४	१२।४०	२।५९	५।१८	७।२२	९।०६	१०।३४
०९।०१।५७।५०	६ शु	१६	११।५६	१।३३	३।२९	५।४३	८।०३	१०।२०	१२।३६	२।५५	५।१४	७।१८	९।०२	१०।३०
०९।०२।५९।१०	७ श	१७	११।५२	१।२९	३।२५	५।३९	७।५९	१०।१६	१२।३२	२।५१	५।१०	७।१५	८।५८	१०।२६
०९।०४।००।२७	८ र	१८	११।४९	१।२५	३।२१	५।३५	७।५६	१०।१२	१२।२८	२।४७	५।०६	७।११	८।५४	१०।२३
०९।०५।०१।४४	९ चं	१९	११।४५	१।२१	३।१७	५।३२	७।५२	१०।०८	१२।२४	२।४३	५।०२	७।०७	८।५०	१०।१९
०९।०६।०३।०१	१० मं	२०	११।४१	१।१७	३।१३	५।२८	७।४८	१०।०५	१२।२०	२।३९	४।५८	७।०३	८।४६	१०।१५
०९।०७।०४।१७	११ बु	२१	११।३७	१।१३	३।०९	५।२४	७।४४	१०।०१	१२।१६	२।३६	४।५४	६।५९	८।४२	१०।११
०९।०८।०५।३२	१२ गु	२२	११।३३	१।०९	३।०५	५।२०	७।४०	९।५७	१२।१२	२।३२	४।५०	६।५५	८।३८	१०।०७
०९।०९।०६।४७	१३ शु	२३	११।२९	१।०५	३।०१	५।१६	७।३६	९।५३	१२।०९	२।२८	४।४६	६।५१	८।३४	१०।०३
०९।१०।०८।००	१३ श	२४	११।२५	१।०१	२।५७	५।१२	७।३२	९।४९	१२।०५	२।२४	४।४२	६।४७	८।३०	९।५९
०९।११।०९।१३	१४ र	२५	११।२१	१२।५७	२।५३	५।०८	७।२८	९।४५	१२।०१	२।२०	४।३८	६।४३	८।२६	९।५५
०९।१२।१०।२५	३० चं	२६	११।१७	१२।५३	२।४९	५।०४	७।२४	९।४१	११।५७	२।१६	४।३४	६।३९	८।२२	९।५१

पं.४१ मा.कृ. ९ सो. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
९	८	९	९	१०	४	९	३
०५	२३	०८	०९	२२	२७	१६	१६
०९	१६	४८	११	२३	४०	००	००
२२	०४	२०	३२	२२	४५	१४	१४
६१	४५	७६	१४	५९	२	३	३
०५	५४	४०	१०	१३	००	११	११
उषा	पूषा	उषा	उषा	पूषा	उफा	श्र	पु
३	३	४व	४	१	१व	२	४



पं.४२ मा.कृ.३० सो. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
९	८	९	९	१०	४	९	३
१२	२८	००	१०	२९	२७	१५	१५
१६	३८	२५	५०	०७	२४	३७	३७
३५	०५	४०	५१	०२	३८	५८	५८
६१	४६	४९	१४	५५	२	३	३
००	०९	०२	१२	२७	४१	११	११
श्र	उषा	उषा	श्र	पूभा	उफा	श्र	पु
१	१	२व	१	३	१व	२	४



CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

२७ जनवरी से ९ फरवरी तक, श्री माघ शुक्लपक्ष संवत् २०६५, शाकः १९३०, दि.मा.सू. सू. तारीस्त स्टे. प्रातः दैनिक केतकी अहर्गणः ६१४१ शिशिरर्तू रविरुत्तरे, जनवरी-फरवरी २००९

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि	च.प.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
लुम्बक	१	मं	१९	४८	१५	१९	श्रव	८	३०	१०	४७	व्य	५३	२१	२८	४४	ब	१९	४८	१५	१९	२६ १२	७ २३	६ ०३	७	२९	२७	कुंभे २३।५३	९।१३।०४।११	६१।९०
मित्र	२	बु	२३	४४	१६	५२	धनि	१३	४८	१२	५४	व	५३	०७	२८	३८	कौ	२३	४४	१६	५२	४१	२३	०३	८	१	२८	कुंभे	९।१४।०५।२१	६१।०९
वज्र	३	गु	२६	३७	१८	०१	शत	१८	०८	१४	३८	प	५२	०३	२८	१२	ग	२६	३७	१८	०१	४४	२३	०४	९	२	२९	कुंभे	९।१५।०६।२९	६१।०८
ध्वाङ्क्ष	४	शु	२८	१९	१८	४२	पूभा	२१	२१	१५	५४	शि	५०	०४	२७	२४	वि	२८	१९	१८	४२	४७	२२	०५	१०	३	३०	मीने ९।३८	९।१६।०७।३७	६१।०६
वसंत	५	श	२८	४२	१८	५०	उभा	२३	१९	१६	४१	सि	४७	०२	२६	१०	बा	२८	४२	१८	५०	५१	२२	०६	११	४	३१	मीने	९।१७।०८।४३	६१।०५
प्रवर्धमा	६	र	२७	४३	१८	२६	रेव	२३	५७	१६	५६	सा	४२	५६	२४	३१	तै	२७	४३	१८	२६	५४	२१	०७	१२	५	१	मेषे १६।५६	९।१८।०९।४९	६१।०४
राक्षस	७	सो	२५	२०	१७	२८	अश्वि	२३	१३	१६	३८	शु	३७	४३	२२	२६	व	२५	२०	१७	२८	५७	२१ २९	०७	१३	६	२	मेषे	९।१९।१०।५३	६१।०३
मुसल	८	मं	२१	३५	१५	५८	भर	२१	०९	१५	४८	शु	३१	२८	१९	५५	व	२१	३५	१५	५८	२१ ५८	२०	०८	१४	७	३	वृषे २१।३०	९।२०।१९।५६	६१।०२
सिद्धि	९	बु	१६	३४	१३	५७	कृति	१७	५२	१४	२८	ब्र	२४	१३	१७	०१	कौ	१६	३४	१३	५७	०४	१९	०९	१५	८	४	वृषे	९।२१।१२।५८	६१।००
उत्पात	१०	गु	१०	२९	११	३०	रोहि	१३	३०	१२	४३	ऐ	१६	०७	१३	४६	ग	१०	२९	११	३०	०८	१९	१०	१६	९	५	मिथु. २३।४२	९।२२।१३।५८	६०।५९
ए.ब्र.	११	शु	३	३२	८	४३	मृग	८	१८	१०	३७	वै	७ ५८	२२ ०५	१० ३०	५५ ३२	वि	३	३२	८	४३	११	१८	११	१७	१०	६	मिथु.	९।२३।१४।५७	६०।५८
क्षयः	१२	शु	५५	५७	२९	४१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
प्र.ब्र.	१३	श	४८	०५	२६	३१	आर्द्रा	२ ५६	३१ २७	८ २९	१८ ५२	प्री	४८	३७	२६	४४	कौ	२२	०३	१६	०७	१५	१७	११	१८	११	७	कर्के २४।२९	९।२४।१५।५४	६०।५६
श्रीवत्स	१४	र	४०	१५	२३	२३	पुष्य	५०	२९	२७	२८	आ	३९	०९	२२	५६	ग	१४	०९	१२	५६	१८	१७	१२	१९	१२	८	कर्के	९।२५।१६।५१	६०।५५
पूर्णिमा	१५	सो	३२	४५	२०	२२	श्ले	४४	५६	२५	१५	सौ	२९	५९	१९	१६	वि	६	२६	९	५१	२२	१६	१३	२०	१३	९	सिंहे २५।१५	९।२६।१७।४६	६०।५३

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टे.टा.में है।
चंद्रदर्शनम् (मु.३०), पंचक प्रारम्भः २३।५३, श्री वल्लभ जयंती, A
सफर २ |A मकरे भौमः २५।५९
भ. ३०।२५ उ.
भ. १८।४२ या., वरद (कुंद) ४, तिल चतुर्थी, उभा. C
वसन्त पञ्चमी
पंचक समाप्तिः १६।५६, फरवरी २ ता. २८, मार्गी बुधः २५।४६
भ. ५७।२८ उ. २८।४७ या., मन्वादि, पुत्र ७, रथ ७, अचला ७
भीष्माष्टमी
|C शुक्रः २३।१८
भ. २२।०९ उ., धनि. रविः २८।४७, श्रव.-२ गुरुः २०।०६
भ. ८।४३ या., जया ११ व्र., भीष्मद्वादशी, धनि. सौरः ९।५७
प्रदोषः, कल्पादि, मकरे बुधः २४।३७
भ. २३।२३ उ., (व) पूफा.-४ शनिः २६।४८ |B श्रव. भौमः २४।३०
भ. ९।५१ या., पूर्णिमा व्रतंपुण्यञ्च, माघ स्नान पूर्तिः, B

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

संक्रांति फलम्

अयनांशाः २३।५८।१९

ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	जन.	दिवा	दिवा	दिवा	सायं	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः	दिवा	दिवा
०९।१३।१९।३५	१ मं	२७	१९।१३	१२।४९	२।४५	५।००	७।२०	९।३७	११।५३	२।१२	४।३०	६।३५	८।१८	९।४७
०९।१४।१२।४५	२ बु	२८	१९।०९	१२।४५	२।४१	४।५६	७।१६	९।३३	११।४९	२।०८	४।२७	६।३१	८।१५	९।४३
०९।१५।१३।५४	३ गु	२९	१९।०५	१२।४९	२।३७	४।५२	७।१२	९।२९	११।४५	२।०४	४।२३	६।२७	८।११	९।३९
०९।१६।१५।०१	४ शु	३०	१९।०९	१२।३७	२।३३	४।४८	७।०८	९।२५	११।४१	२।००	४।१९	६।२३	८।०७	९।३५
०९।१७।१६।०८	५ श	३१	१०।५७	१२।३३	२।३०	४।४४	७।०४	९।२१	११।३७	१।५६	४।१५	६।१९	८।०३	९।३१
०९।१८।१७।१३	६ र	१	१०।५३	१२।२९	२।२६	४।४०	७।००	९।१७	११।३३	१।५२	४।११	६।१५	७।५९	९।२७
०९।१९।१८।१७	७ चं	२	१०।४९	१२।२६	२।२२	४।३६	६।५६	९।१३	११।२९	१।४८	४।०७	६।११	७।५५	९।२३
०९।२०।१९।२०	८ मं	३	१०।४५	१२।२२	२।१८	४।३२	६।५२	९।०९	११।२५	१।४४	४।०३	६।०८	७।५१	९।१९
०९।२१।२०।२१	९ बु	४	१०।४२	१२।१८	२।१४	४।२८	६।४९	९।०५	११।२१	१।४०	३।५९	६।०४	७।४७	९।१६
०९।२२।२१।२२	१० गु	५	१०।३८	१२।१४	२।१०	४।२५	६।४५	९।०१	११।१७	१।३६	३।५५	६।००	७।४३	९।१२
०९।२३।२२।२१	११ शु	६	१०।३४	१२।१०	२।०६	४।२१	६।४१	८।५८	११।१३	१।३२	३।५१	५।५६	७।३९	९।०८
०९।२४।२३।१८	१२ श	७	१०।३०	१२।०६	२।०२	४।१७	६।३७	८।५४	११।०९	१।२९	३।४७	५।५२	७।३५	९।०४
०९।२५।२४।१४	१३ र	८	१०।२६	१२।०२	१।५८	४।१३	६।३३	८।५०	११।०५	१।२५	३।४३	५।४८	७।३१	९।००
०९।२६।२५।०९	१४ चं	९	१०।२२	११।५८	१।५४	४।०९	६।२९	८।४६	११।०२	१।२१	३।३९	५।४४	७।२७	८।५६

ता. १३ जनवरी २००९
माघ कृ. ३ भौमे मकरेऽर्कः प्र. (स्टै.)
टा. २९।५५ वारात् २ नक्षत्रात् ३
वारनाम महोदरी घोरान् सुस्पदा
नक्षत्रनाम घोरा शूद्रान् सुस्पदा प्रभात
रात्रि ४ प्रहर व्यापिनी गोरक्षकान्
हन्ति, पश्चिमे गमनं वायव्यां दृष्टिः
बवकरणे प्रविष्टा मध्यमफलं सिंहवाहनं
गजोपवाहनं भीतिकारक श्वेतवस्त्रं
भुशुण्ड्यायुधं स्वर्णपात्रं अन्नभक्षणं
कस्तूरीलेपनं दैवतंजातिः पुन्नागपुष्पं
पिरोजभूषणं विचित्रकंचुकी बालवस्था
(बैठी) मु. ३० धान्यभावे सम वत्स
दक्षिणे राहु पूर्वे मूलं स्वर्गं विवाहस्तंभो
वायव्याम् शुक्रोदयः पश्चिमायाम् ।
पुण्यकालः (स्टै.) २९।५५ से बुधवार
२९।५५ तक । (दान- काष्ट - अन्न) ।

अयनांशाः २३।५८।१६

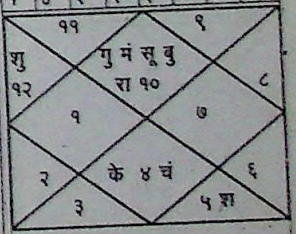
पं.४३ मा.शु. ७ सो. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
९	९	८	९	११	४	९	३
१९	०४	२७	१२	०५	२७	१५	१५
२३	०१	४३	३०	२१	०३	१५	१५
०४	३९	५६	०५	०८	५८	४४	४४
६०	४६	९	१४	५०	३	३	३
५३	२२	०५	०९	३३	१८	११	११
श्र	उभा	उभा	श्र	उभा	उफा	श्र	पु
३	३	१	१	१	१४	२	४



पं.४४ मा.शु.१५ सो. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
९	९	९	९	११	४	९	३
२६	०२	००	१४	१०	२६	१४	१४
२८	२६	५३	०८	५६	३९	५३	५३
३७	३५	२४	४८	३०	१८	२८	२८
६०	४६	४६	१४	४४	३	३	३
४४	३३	५७	०२	०६	४९	११	११
घ	उभा	उभा	श्र	उभा	पूफा	श्र	पु
१	४	२	२	३	४व	२	४



CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

॥ श्रीवल्लभ मनीराम पञ्चाङ्गम् ॥

१० फरवरी से २५ फरवरी तक, श्री फाल्गुन कृष्णपक्ष संवत् २०६५, शाकः १९३०, दि.मा.सू. सू. तारीख स्टै. प्रातः दैनिक शिशिरर्तू रविरुत्तरे माघकृष्णेति गुर्जराः, फरवरी २००९

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं	चद्रः	सौर र. स्प.	गति
काल	१	मं	२५	५९	१७	३९	मघा	४०	१२	२३	२०	शो	२१	२३	१५	४९	कौ	२५	५९	१७	३९	२७ १५	७ ९	६ १४	२१	१४	१०	सिंहे	९।२७।१८।३९	६०।५२
सुस्थिर	२	बु	२०	१८	१५	२२	पूफा	३६	३६	२१	५३	अ	१३	३८	१२	४२	ग	२०	१८	१५	२२	२९	१५	१४	२२	१५	११	कन्या २७।३७	९।२८।१९।३१	६०।५१
च.व्र.	३	गु	१६	००	१३	३८	उफा	३४	३०	२९	०२	सु	६	५९	१०	०२	वि	१६	००	१३	३८	३३	१४	१५	२३	१६	१२	कन्या	९।२९।२०।२२	६०।४९
अमृत	४	शु	१३	२७	१२	३६	हस्त	३४	१०	२०	५३	धृ	९ ५७	४० ४८	७ ३०	५३ २८	बा	१३	२७	१२	३६	३७	१३	१६	२४	१७	१३	कन्या	१०।००।२९।१९	६०।४७
काण	५	श	१२	४९	१२	२०	चित्रा	३५	४६	२९	३९	गं	५५	३४	२९	२६	तै	१२	४९	१२	२०	४९	१२	१७	२५	१८	१४	तुला. ९।०६	१०।०१।२९।५८	६०।४६
लुम्बक	६	र	१४	१३	१२	५३	स्वा	३९	१८	२२	५५	वृ	५४	५०	२९	०७	व	१४	१३	१२	५३	४४	१२	१७	२६	१९	१५	तुला.	१०।०२।२२।४४	६०।४४
मित्र	७	सो	१७	३३	१४	१२	विशा	४४	३८	२५	०२	धु	५५	२८	२९	२२	ब	१७	३३	१४	१२	४८	११	१८	२७	२०	१६	वृश्चि. १८।२६	१०।०३।२३।२८	६०।४३
वज्र	८	मं	२२	३४	१६	११	अनु	५१	२१	२७	४२	व्या	५७	०८	३०	०१	कौ	२२	३४	१६	११	५२	१०	१९	२८	२१	१७	वृश्चि.	१०।०४।२४।१०	६०।४१
ध्वाङ्क्ष	९	बु	२८	४४	१८	३९	ज्ये	५८	५७	३०	४४	ह	५९	२७	३०	५६	ग	२८	४४	१८	३९	५६	०९	१९	२९	२२	१८	धनु. ३०।४४	१०।०५।२४।५१	६०।३९
धूम्र	१०	गु	३५	२८	२१	२०	मूल	...	...	...	...	व	...	...	...	...	व	२	०५	७	५८	२८ ००	०८	२०	३०	२३	१९	धनु.	१०।०६।२५।३०	६०।३७
ए.व्र.	११	शु	४२	०७	२३	५८	मूल	६	४९	९	५१	व	१	५९	७	५५	ब	८	५१	१०	४०	०४	०७	२१	१	२४	२०	धनु.	१०।०७।२६।०८	६०।३६
मातङ्ग	१२	श	४८	१०	२६	२२	पूषा	१४	२१	१२	५१	सि	४	१७	८	४९	कौ	१५	१६	१३	१३	०८	०६	२९	२	२५	२१	मक. १९।३३	१०।०८।२६।४३	६०।३४
प्र.व्र.	१३	र	५३	१८	२८	२५	उषा	२१	०८	१५	३३	व्य	६	०३	९	३०	ग	२०	५४	१५	२७	१२	०५	२२	३	२६	२२	मक.	१०।०९।२७।१७	६०।३२
शिवरा.	१४	सो	५७	१७	२९	५९	श्रव	२६	५६	१७	५१	व	७	०३	९	५४	वि	२५	२८	१७	१६	१६	०४	२३	४	२७	२३	कुंभे ३०।५०	१०।१०।२७।४९	६०।३०
उत्पात	३०	मं	...	...	...	...	धनि	३१	३४	१९	४१	प	७	१०	९	५६	च	२८	५०	१८	३५	२०	०४	२३	५	२८	२४	कुंभे	१०।११।२८।१९	६०।२८
अमाव.	३०	बु	०	०५	७	०४	शत	३५	०२	२१	०३	शि	६	२३	९	३६	ना	०	०५	७	०४	२४	०३	२४	६	२९	२५	कुंभे	१०।१२।२८।४८	६०।२६

गुरोरुदयः पूर्वस्याम्

गुरोरुदयः पूर्वस्याम् १८।५९
भ. २६।२६ उ.
भ. १३।३८ या., चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः २१।१९, कुंभे रविः १८।५० B
हस्ते रे. ७ ।।।ऽशुऽ।।ऽ।। दिवा ल. २।३
|B (सौरः २२।५२),उफा. रे. १० ।।।।।।।।।। दि. ३, रात्रौ गोधूलि C
भ. १२।५३ उ. २५।२७ या. |C (गो. भौ. ७ दो.), हस्ते रे. ६ D
अनु. रे. ९ ।।।।।।ऽ।। रात्रौ ल. ९ |E शु. ७ पू.), रेव.शुक्रः २३।५१
अनु. रे. ९ ।।।।।।ऽ।। दिवा ल. १२।२, रात्रौ अ. गो. ६ (कन्या. E
रामदास ९, सायन मीने भानुः १८।०५, श्रव. बुधः १०।५६
भ. ७।५८ उ. २१।२० या., शत. रविः ९।१६ (सौरः १२।५२), A
विजया ११ व्र., मूले रे. ८ ।।।।।ऽऽ।। दिवा ल. १२ , भा. F
|A श्रव.-३ गुरुः २८।०५
भ. २८।२५ उ., प्रदोषः |F फाल्गुनारंभः
भ. १७।१६ या., पंचक प्रारम्भः ३०।५०, महाशिवरात्री व्रतम्
पितृकार्येऽमा. |D ।।ऽशुऽ।।ऽऽ द. रात्रौ ल. ८।९
देवकार्येऽमा.

अयनांशाः २३।५८।१७

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

पं.४५ फा.कृ. ७ सो. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
१०	९	९	९	११	४	९	३
०३	१४	०७	१५	१५	२६	१४	१४
३३	५२	३१	४६	४०	११	३९	३९
०५	४१	२२	३१	४५	१५	१४	१४
६०	४६	६७	१३	३५	४	३	३
३४	४२	४२	५२	३२	१५	११	११
घ	श्र	उषा	श्र	उषा	पूफा	श्र	पु
४	२	४	२	४	४व	२	४



ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	फर.	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	सायँ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः	दिवा
०९।२७।२६।०३	९ मं	१०	१०।१८	११।५४	१।५०	४।०५	६।२५	८।४२	१०।५८	१।१७	३।३५	५।४०	७।२३	८।५२
०९।२८।२६।५४	२ बु	११	१०।१४	११।५०	१।४६	४।०९	६।२९	८।३८	१०।५४	१।१३	३।३९	५।३६	७।१९	८।४८
०९।२९।२७।४५	३ गु	१२	१०।१०	११।४६	१।४२	३।५७	६।१७	८।३४	१०।५०	१।०९	३।२७	५।३२	७।१५	८।४४
१०।००।२८।३४	४ शु	१३	१०।०६	११।४२	१।३८	३।५३	६।१३	८।३०	१०।४६	१।०५	३।२३	५।२८	७।११	८।४०
१०।०१।२९।२१	५ श	१४	१०।०२	११।३८	१।३४	३।४९	६।०९	८।२६	१०।४२	१।०१	३।२०	५।२४	७।०८	८।३६
१०।०२।३०।०६	६ र	१५	९।५८	११।३४	१।३०	३।४५	६।०५	८।२२	१०।३८	१२।५७	३।१६	५।२०	७।०४	८।३२
१०।०३।३०।५०	७ चं	१६	९।५४	११।३०	१।२६	३।४१	६।०१	८।१८	१०।३४	१२।५३	३।१२	५।१६	७।००	८।२८
१०।०४।३१।३३	८ मं	१७	९।५०	११।२६	१।२३	३।३७	५।५७	८।१४	१०।३०	१२।४९	३।०८	५।१२	६।५६	८।२४
१०।०५।३२।१४	९ बु	१८	९।४६	११।२२	१।१९	३।३३	५।५३	८।१०	१०।२६	१२।४५	३।०४	५।०८	६।५२	८।२०
१०।०६।३२।५३	१० गु	१९	९।४२	११।१९	१।१५	३।२९	५।४९	८।०६	१०।२२	१२।४१	३।००	५।०४	६।४८	८।१६
१०।०७।३३।३०	११ शु	२०	९।३८	११।१५	१।११	३।२५	५।४५	८।०२	१०।१८	१२।३७	२।५६	५।०१	६।४४	८।१२
१०।०८।३४।०५	१२ श	२१	९।३५	११।११	१।०७	३।२१	५।४२	७।५८	१०।१४	१२।३३	२।५२	४।५७	६।४०	८।०९
१०।०९।३४।३९	१३ र	२२	९।३१	११।०७	१।०३	३।१८	५।३८	७।५४	१०।१०	१२।२९	२।४८	४।५३	६।३६	८।०५
१०।१०।३५।१२	१४ चं	२३	९।२७	११।०३	१२।५९	३।१४	५।३४	७।५१	१०।०६	१२।२५	२।४४	४।४९	६।३२	८।०१
१०।११।३५।४९	३० मं	२४	९।२३	१०।५९	१२।५५	३।१०	५।३०	७।४७	१०।०२	१२।२२	२।४०	४।४५	६।२८	७।५७
१०।१२।३६।०९	३० बु	२५	९।१९	१०।५५	१२।५१	३।०६	५।२६	७।४३	९।५८	१२।१८	२।३६	४।४१	६।२४	७।५३

संक्रांति फलम्

ता. १२ फरवरी २००९
फा. कृ. ३ गुरौ कुंभेऽर्कः प्र. (स्टै.)
टा. १८।५० वारात् ३ नक्षत्रात् ३
वारनाम नंदा गणकान् सुस्थदा
नक्षत्रनाम नंदा गणकान् शुस्थदा प्रदोष
व्यापिनी पिशाचान् हन्ति, दक्षिणे गमनं
नैऋत्यां दृष्टिः ववकरणे प्रविष्टा
मध्यमफलं सिंहवाहनं गजोपवाहनं
भीतिकारक श्वेतवस्त्रं भुशुण्ड्यायुधं
स्वर्णपात्रं अन्नभक्षणं कस्तूरीलेपनं
दैवतंजातिः पुन्नागपुष्पं पिरोजभूषणं
विचित्रकंचुकी बालावस्था (बैठी) मु.
४५ धान्यभावे समर्घ वत्स पश्चिमा.
राहु दक्षिणे मूलं पाताले विवाहस्तंभो
नैऋत्यां शुक्रोदयः पश्चिमायाम् ।
पुण्यकालः (स्टै.) १२।२६ से १८।५०
तक । (दान- गोड़ - अन्न) ।

अयनांशाः २३।५८।१८

पं.४६ फा.कृ.१४ सो.इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
१०	९	९	९	११	४	९	३
१०	२०	१६	१७	१९	२५	१४	१४
३६	१९	०३	२२	१७	४०	०८	०८
१९	४५	११	४८	१९	३४	५९	५९
६०	४६	७९	१३	२४	४	३	३
२३	४९	२२	३७	१६	३३	११	११
श	श्र	श्र	श्र	रे	पूफा	श्र	पु
२	४	२	३	१	४व	२	४



CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

॥ श्रीवल्लभ मनीराम पञ्चाङ्गम् ॥

२६ फरवरी से ११ मार्च तक, श्री फाल्गुन शुक्लपक्ष संवत् २०६५, शाकः १९३०, दि.मासू. सू. तारीख्य स्टै. प्रातः दैनिक केतकी अहर्गणः ६१७१ वसंतर्तू रविरुत्तरे, फरवरी-मार्च २००९

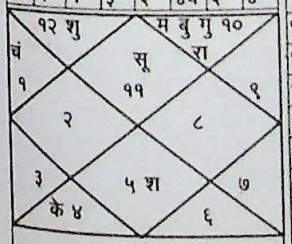
योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
मुद्गर	१	गु	१	३५	७	४०	पूभा	३७	१९	२१	५७	सि	४	३८	८	५३	ब	१	३५	७	४०	२८ ३८	७ ०२	६ २५	७	३०	२६	मीने १५।४६	१०।१३।२९।१४	६०।२५
फुलरि.	२	शु	१	५३	७	४६	उभा	३८	२७	२२	२४	सा	१ ५८	५८ ३३	७ ३०	४८ २९	कौ	१	५३	७	४६	३२	०१	२५	८	१	२७	मीने	१०।१४।२९।३९	६०।२३
धाता	३	श	१	०२	७	२५	रेव	३८	३३	२२	२५	शु	५४	००	२८	३६	ग	१	०२	७	२५	३६	००	२६	९	२	२८	मेषे २२।२५	१०।१५।३०।०२	६०।२१
क्षयः	४	श	५९	०७	३०	३८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
आनन्द	५	र	५६	१८	२९	३०	अश्वि	३७	४१	२२	०३	ब्र	४८	५३	२६	३२	ब	२७	५१	१८	०७	४०	५६	२७	१०	३	१	मेषे	१०।१६।३०।२२	६०।१९
चर	६	सो	५२	४०	२८	०२	भर	३५	५९	२१	२१	ऐ	४३	०७	२४	१२	कौ	२४	३६	९६	४८	४४	५८	२७	११	४	२	वृषे २७।०८	१०।१७।३०।४१	६०।१७
गद	७	मं	४८	२०	२६	१६	कृति	३३	३४	२०	२२	वै	३६	४६	२१	३९	ग	२०	३६	१५	११	४८	५७	२८	१२	५	३	वृषे	१०।१८।३०।५८	६०।१५
होलाष्ट.	८	बु	४३	२४	२४	१७	रोहि	३०	३२	१९	०८	वि	२९	५६	१८	५४	वि	१५	५८	१३	१९	५२	५६	२८	१३	६	४	मिथु. ३०।२७	१०।१९।३१।१३	६०।१३
मृत्यु	९	गु	३८	००	२२	०६	मृग	२७	००	१७	४३	प्री	२२	४२	१५	५९	बा	१०	४७	११	१३	५६	५५	२९	१४	७	५	मिथु.	१०।२०।३१।२५	६०।११
पद्म	१०	शु	३२	१३	१९	४७	आर्द्रा	२३	०५	१६	०७	आ	१५	०८	१२	५७	तै	५	१०	८	५८	२९ ०१	५३	३०	१५	८	६	मिथु.	१०।२१।३१।३६	६०।०९
ए.व्र.	११	श	२६	११	१७	२१	पुन	१८	५३	१४	२६	सौ	७ ५१	२० २३	९ ३०	४८ ३७	वि	२६	११	१७	२१	०५	५२	३०	१६	९	७	कर्के ८।५२	१०।२२।३१।४५	६०।०७
प्र.व्र.	१२	र	२०	०४	१४	५३	पुष्य	१४	३६	१२	४२	अ	५१	३०	२७	२७	बा	२०	०४	१४	५३	०९	५१	३१	१७	१०	८	कर्के	१०।२३।३१।५१	६०।०४
सौम्य	१३	सो	१४	०४	१२	२८	श्ले	१०	२४	११	००	सु	४३	५१	२४	२२	तै	१४	०४	१२	२८	१३	५०	३१	१८	११	९	सिंहे ११।००	१०।२४।३१।५६	६०।०२
होली	१४	मं	८	२७	१०	१२	मघा	६	३३	९	२६	धृ	३६	३६	२१	२८	व	८	२७	१०	१२	१७	४९	३२	१९	१२	१०	सिंहे	१०।२५।३१।५८	६०।००
छारेंडी	१५	बु	३	२९	८	१२	पूफा	३	२१	८	०८	शू	३०	०२	१८	४९	व	३	२९	८	१२	२१	४८	३३	२०	१३	११	कन्या १३।५२	१०।२६।३१।५८	५९।५८

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह वारादि का समय स्टै.टा.नें है।
चंद्रदर्शनम् (मु.३०), उभा. रे. ९ ISIIIIIIII रात्रौ ल. ८।९, धनि. E
फुलरिया २,, रेवत्यां रे. ८ SISशु||||||| रात्रौ ल. ८।९ श्री F
भ. १९।०५ उ. ३०।३८ या., रेवत्यां रे. ७ SISशु||||||S द. दिवा C
[C ल. २।३, पंचक समाप्तिः २२।२५, धनि. बुधः १४।४७
याज्ञवल्क्य जयंती, मार्च ३ ता. ३१ [E भौमः २७।२६
[A पहिले, होलिका दहनं भद्रोत्तरम्, करिदिन, श्रव.-९ राहुः H
भ. २६।१६ उ. [F रामकृष्ण परमहंस जयंती रविलावल ३
भ. १३।१९ या., होलाष्टक, पूभा. रविः १५।३२ (सौरः D
भ. १७।२१ या., आमलकी ११ व्र., बिड़कुला-ढाल थापणा भद्रा B
प्रदोषः, मेला श्रीश्यामजी (स्वादु) [D १८।२४), कुंभे बुधः २८।०५
शत. बुधः ११।१५ [H १६।५०, पुष्ये-३ केतुः १६।५०
भ. १०।१२ उ. २१।०९ या., पूर्णिमा व्रतं, जेलपोणी भद्रा के A
मन्वादि, पूर्णिमा पुण्यं, छारेंडी देशाचारे, करिदिन, वसन्त १

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

अयनांशाः २३।५८।१९

पं.४७ फा.शु. ६ सो. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
१०	९	९	९	११	४	९	३
१७	२५	२५	१८	२१	२५	१३	१३
३८	४७	४४	५७	२५	०८	४६	४६
१०	३३	१०	०९	३०	०६	४५	४५
६०	४६	८७	१३	९	४	३	३
११	५४	४४	१८	४७	४४	११	११
श	घ	घ	श्र	रे	पूफा	श्र	पु
४	१	१	३	२	४व	२	४



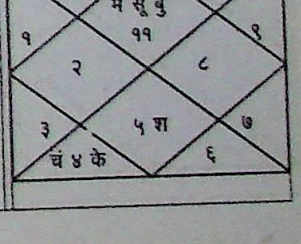
ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	फर.	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	सायं	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः	दिवा
१०।१३।३६।३५	१ गु	२६	९।१५	१०।५१	१२।४७	३।०२	५।२२	७।३९	९।५५	१२।१४	२।३२	४।३७	६।२०	७।४९
१०।१४।३७।००	२ शु	२७	९।११	१०।४७	१२।४३	२।५८	५।१८	७।३५	९।५१	१२।१०	२।२८	४।३३	६।१६	७।४५
१०।१५।३७।२२	३ श	२८	९।०७	१०।४३	१२।३९	२।५४	५।१४	७।३१	९।४७	१२।०६	२।२४	४।२९	६।१२	७।४१
१०।१६।३७।४३	५ र	१	९।०३	१०।३९	१२।३५	२।५०	५।१०	७।२७	९।४३	१२।०२	२।२०	४।२५	६।०८	७।३७
१०।१७।३८।०१	६ चं	२	८।५९	१०।३५	१२।३१	२।४६	५।०६	७।२३	९।३९	११।५८	२।१६	४।२१	६।०५	७।३३
१०।१८।३८।१८	७ मं	३	८।५५	१०।३१	१२।२७	२।४२	५।०२	७।१९	९।३५	११।५४	२।१३	४।१७	६।०१	७।२९
१०।१९।३८।३३	८ बु	४	८।५१	१०।२७	१२।२३	२।३८	४।५८	७।१५	९।३१	११।५०	२।०९	४।१३	५।५७	७।२५
१०।२०।३८।४५	९ गु	५	८।४७	१०।२३	१२।१९	२।३४	४।५४	७।११	९।२७	११।४६	२।०५	४।०९	५।५३	७।२१
१०।२१।३८।५६	१० शु	६	८।४३	१०।१९	१२।१६	२।३०	४।५०	७।०७	९।२३	११।४२	२।०१	४।०५	५।४९	७।१७
१०।२२।३९।०४	११ श	७	८।३९	१०।१५	१२।१२	२।२६	४।४६	७।०३	९।१९	११।३८	१।५७	४।०१	५।४५	७।१३
१०।२३।३९।१०	१२ र	८	८।३५	१०।१२	१२।०८	२।२२	४।४२	६।५९	९।१५	११।३४	१।५३	३।५८	५।४१	७।०९
१०।२४।३९।१५	१३ चं	९	८।३२	१०।०८	१२।०४	२।१८	४।३९	६।५५	९।११	११।३०	१।४९	३।५४	५।३७	७।०६
१०।२५।३९।१७	१४ मं	१०	८।२८	१०।०४	१२।००	२।१५	४।३५	६।५१	९।०७	११।२६	१।४५	३।५०	५।३३	७।०२
१०।२६।३९।१७	१५ बु	११	८।२४	१०।००	११।५६	२।११	४।३१	६।४८	९।०३	११।२२	१।४१	३।४६	५।२९	६।५८

मास फलम्

इस माह में पांच मंगलवार होने से शुभ है, पांच बुधवार होने से रसवाली वस्तुओं का अभाव हो। मार्गशीर्ष से फाल्गुन तक शुक्ल पक्ष में तिथियां क्षय होने से लोगों का स्वास्थ्य बिगड़े, राजविग्रह हो और छत्रभंग भी हो। कृष्णा षष्ठी को स्वाति होने से दुर्भिक्ष हो। मगलवारी अमावस धनिष्ठा योग से दुर्भिक्ष हो, बुधवारी अमावस शतभिषा योग सुभिक्ष और सुस्पद है। मास की शुक्ल चतुर्थी का क्षय होने से मूंग घी महंगें हों। शुक्ला सप्तमी को कृत्तिका होने से सुभिक्ष हो। शुक्ला सप्तमी को आर्द्रा होने से अवर्षण हो। पूर्णिमा पूर्वाफाल्गुनी युक्त होने से समर्घता हो। गुरुवार की सक्रांति होने से सभी पीत वर्ण वाली वस्तुओं के भाव तेज हों, धान्यादि भाव मंदे हों, अन्नोत्पत्ति उत्तम हो, प्रजा सात्विक कर्म अधिक करें।

अयनांशाः २३।५८।२०

पं.४८ फा.शु.१३ सो.इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
१०	१०	१०	९	११	४	९	३
२४	०१	०६	२०	२१	२४	१३	१३
३८	१५	२२	२९	४३	३४	२४	२४
३२	५१	२०	१०	१३	४५	३१	३१
५९	४६	९६	१२	७	४	३	३
५८	५८	०३	५६	३१	४७	११	११
पूफा	घ	घ	श्र	रे	पूफा	श्र	पु
२	३	४	४	२व	४व	२	४



CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

॥ श्रीवल्लभ नंनाराम पञ्चाङ्गम् ॥

१२ मार्च से २६ मार्च तक, श्री चैत्र कृष्णपक्ष संवत् २०६५, शाकः १९३०, दि.मा.सू. सू. तारीख्स स्टै. प्रातः दैनिक वसंतर्तू रविरुत्तरे फाल्गुनकृष्णेति गुर्जराः, मार्च २००९

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
क्षयः	१	बु	५९	२६	३०	३४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
मातङ्ग	२	गु	५६	४४	२९	२८	उफा	१	०६	७	१४	गं	२४	२१	१६	३१	तै	२७	५६	१७	५७	२९/३६	६/७७	६/३३	२१	१४	१२	कन्या	१०।२७।३१।५६	५९।५६
अमृत	३	शु	५५	३५	२९	००	हस्त	०	०८	६	४९	वृ	१९	४७	१४	४१	व	२५	५८	१७	०९	३०	४६	३४	२२	१५	१३	तुला. १८।५१	१०।२८।३१।५२	५९।५४
च.व्र.	४	श	५६	१२	२९	१३	चित्रा	०	४३	७	०२	धृ	१६	३४	१३	२२	ब	२५	४१	१७	०१	३४	४५	३४	२३	१६	१४	तुला.	१०।२९।३१।४६	५९।५२
लुम्बक	५	र	५८	३९	३०	११	स्वा	३	०२	७	५६	व्या	१४	४४	१२	३७	कौ	२७	१३	१७	३७	३८	४४	३५	२४	१७	१५	वृश्चि. २७।०५	११।००।३१।३८	५९।४९
मित्र	६	सो	...	...	...	..	विशा	७	०८	९	३४	ह	१४	९९	१२	२६	ग	३०	३५	९८	५७	४२	४३	३५	२५	१८	१६	वृश्चि.	११।०९।३१।२७	५९।४७
वज्र	६	मं	२	५५	७	५१	अनु	१२	५२	११	५०	व	१५	१०	१२	४६	व	२	५५	७	५१	४६	४१	३६	२६	१९	१७	वृश्चि.	११।०२।३१।१४	५९।४५
ध्वाङ्क्ष	७	बु	८	३१	१०	०५	ज्ये	१९	५२	१४	३७	सि	१७	०३	१३	२९	ब	८	३१	१०	०५	५१	४०	३७	२७	२०	१८	धनु. १४।३७	११।०३।३०।५९	५९।४३
शीतला	८	गु	१४	५९	१२	३९	मूल	२७	३६	१७	४१	व्य	१९	२९	१४	२७	कौ	१४	५९	१२	३९	५५	३९	३७	२८	२१	१९	धनु.	११।०४।३०।४२	५९।४०
प्रवर्धमा	९	शु	२१	३८	१५	१७	पूषा	३५	२२	२०	४७	व	२२	०२	१५	२७	ग	२१	३८	१५	१७	५९	३८	३८	२९	२२	२०	मक. २७।३१	११।०५।३०।२३	५९।३८
राक्षस	१०	श	२७	४६	१७	४३	उषा	४२	३१	२३	३७	प	२४	११	१६	१७	वि	२७	४६	१७	४३	३०/०३	३७	३८	३०	२३	२१	मक.	११।०६।३०।०१	५९।३६
ए.व्र.	११	र	३२	४९	१९	४३	श्रव	४८	३४	२६	०२	शि	२५	३५	१६	५०	ब	०	२९	६	४७	०७	३६	३९	१	२४	२२	मक.	११।०७।२९।३७	५९।३४
शुभ	१२	सो	३६	२७	२१	०९	धनि	५३	१२	२७	५२	सि	२५	५६	१६	५७	कौ	४	५१	८	३१	११	३५	३९	२	२५	२३	कुंभे १५।०१	११।०८।२९।११	५९।३२
प्र.व्र.	१३	मं	३८	२९	२१	५७	शत	५६	१६	२९	०४	सा	२५	०३	१६	३५	ग	७	४२	९	३८	१६	३४	४०	३	२६	२४	कुंभे	११।०९।२८।४२	५९।२९
पद्म	१४	बु	३८	५३	२२	०६	पूभा	५७	४७	२९	३९	शु	२२	५६	१५	४३	वि	८	५५	१०	०६	२०	३२	४०	४	२७	२५	मीने २३।३४	११।१०।२८।११	५९।२७
अमाव.	३०	गु	३७	४६	२१	३८	उभा	५७	५३	२९	४०	शु	१९	३५	१४	२१	च	८	३२	९	५६	२४	३१	४१	५	२८	२६	मीने	११।११।२७।३८	५९।२५

तिथि	प्रारंभ	समाप्ति
प्रतिपदा	१२।०७।२९	१३।०७।१९
द्वितीया	१३।०७।१९	१४।०७।१०
तृतीया	१४।०७।१०	१५।०७।०२
चतुर्थी	१५।०७।०२	१५।०७।५४
पंचमी	१५।०७।५४	१६।०८।४७
षष्ठी	१६।०८।४७	१७।०९।४१
सप्तमी	१७।०९।४१	१८।१०।३७
अष्टमी	१८।१०।३७	१९।११।३४
नवमी	१९।११।३४	२०।१२।३३
दशमी	२०।१२।३३	२१।०१।३४
एकादशी	२१।०१।३४	२२।०२।३७
द्वादशी	२२।०२।३७	२३।०३।४२
त्रयोदशी	२३।०३।४२	२४।०४।४९
चतुर्दशी	२४।०४।४९	२५।०५।५८
पूर्णिमा	२५।०५।५८	२६।०७।०९

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है ।
[A मासिकशिवरात्री व्र., वारुणी योग सू.उ. से २१।५७ तक, B
[B उभा. बुधः १५।४९, (व) पूफा.-३ शनिः ३०।२३
भ. १७।०९ उ. २९।०० या., कल्पादि
चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः २२।०१, मीने रविः १५।३८ (सौरः १८।०३)
शत. भौमः २८।२७
[D पूभा. बुधः ९।५६
भ. ७।५१ उ. २०।५५ या., उभा. रविः २३।५८ (सौरः २६।१६), D
भौमोदयः पूर्वस्याम् ९।४०
शीतला पूजनं
भ. २८।३३ उ., सायन मेषे भानुः १६।५९
भ. १७।४३ या. [C गुरुः २२।२१, (व) उभा. शुक्रः १७।१०
पापमोचनी ११ व्र., भा. चैत्रारंभः, मीने बुधः २१।३९, धनि.-१ C
पंचक प्रारम्भः १५।०१, वारुणी योग २७।५२ से सू.उ. तक
भ. २१।५७ उ., [शुक्रास्तः पश्चिमायाम् ८।२१], प्रदोषः, A
भ. १०।०६ या.
देवपितृकार्येऽमा., केतकी अहर्गणः ६१९९, चक्र ६, मन्वादि

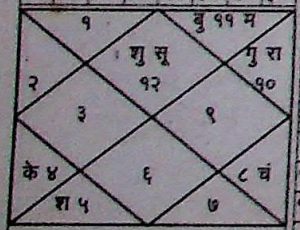
अयनांशाः २३।५८।२१

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

संक्रांति फलम्

अयनांशाः २३।५८।२२

पं.४९ चै.कृ. ६ सो. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
११	१०	१०	९	११	४	९	३
०१	०६	१८	२१	१९	२४	१३	१३
३७	४४	००	५८	५६	०१	०२	०२
२०	२५	४४	१९	४७	२३	१६	१६
५९	४६	१०४	१२	२५	४	३	३
४५	५९	५९	२९	०५	४३	११	११
पूभा	श	श	श्र	रे	पूफा	श्र	पु
४	१	४	४	१व	४व	१	३



ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	मार्च	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	सायँ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः
१०।२७।३९।१५	२ गु	१२	८।२०	९।५६	११।५२	२।०७	४।२७	६।४४	८।५९	११।१८	१।३७	३।४२	५।२५	६।५४
१०।२८।३९।१०	३ शु	१३	८।१६	९।५२	११।४८	२।०३	४।२३	६।४०	८।५५	११।१५	१।३३	३।३८	५।२१	६।५०
१०।२९।३९।०४	४ श	१४	८।१२	९।४८	११।४४	१।५९	४।१९	६।३६	८।५२	११।११	१।२९	३।३४	५।१७	६।४६
११।००।३८।५५	५ र	१५	८।०८	९।४४	११।४०	१।५५	४।१५	६।३२	८।४८	११।०७	१।२५	३।३०	५।१३	६।४२
११।०१।३८।४४	६ चं	१६	८।०४	९।४०	११।३६	१।५१	४।११	६।२८	८।४४	११।०३	१।२१	३।२६	५।०९	६।३८
११।०२।३८।३२	६ मं	१७	८।००	९।३६	११।३२	१।४७	४।०७	६।२४	८।४०	१०।५९	१।१७	३।२२	५।०५	६।३४
११।०३।३८।१६	७ बु	१८	७।५६	९।३२	११।२८	१।४३	४।०३	६।२०	८।३६	१०।५५	१।१३	३।१८	५।०१	६।३०
११।०४।३७।५९	८ गु	१९	७।५२	९।२८	११।२४	१।३९	३।५९	६।१६	८।३२	१०।५१	१।१०	३।१४	४।५८	६।२६
११।०५।३७।३९	९ शु	२०	७।४८	९।२४	११।२०	१।३५	३।५५	६।१२	८।२८	१०।४७	१।०६	३।१०	४।५४	६।२२
११।०६।३७।१७	१० श	२१	७।४४	९।२०	११।१६	१।३१	३।५१	६।०८	८।२४	१०।४३	१।०२	३।०६	४।५०	६।१८
११।०७।३६।५३	११ र	२२	७।४०	९।१६	११।१३	१।२७	३।४७	६।०४	८।२०	१०।३९	१२।५८	३।०२	४।४६	६।१४
११।०८।३६।२६	१२ चं	२३	७।३६	९।१२	११।०९	१।२३	३।४३	६।००	८।१६	१०।३५	१२।५४	२।५८	४।४२	६।१०
११।०९।३५।५७	१३ मं	२४	७।३२	९।०९	११।०५	१।१९	३।३९	५।५६	८।१२	१०।३१	१२।५०	२।५४	४।३८	६।०६
११।१०।३५।२६	१४ बु	२५	७।२८	९।०५	११।०१	१।१५	३।३५	५।५२	८।०८	१०।२७	१२।४६	२।५१	४।३४	६।०२
११।११।३४।५३	३० गु	२६	७।२५	९।०१	१०।५७	१।११	३।३२	५।४८	८।०४	१०।२३	१२।४२	२।४७	४।३०	५।५९

पं.५० चै.कृ.१२ सो. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
११	१०	११	९	११	४	९	३
०८	१२	००	२३	१६	२३	१२	१२
३४	१३	४१	२४	१९	२८	४०	४०
३०	००	५५	०७	५०	५७	०२	०२
५९	४६	११३	११	३७	४	३	३
३१	५८	५०	५८	१५	३१	११	११
उभा	श	पूभा	घ	उभा	पूफा	श्र	पु
२	२	४	१	४व	४व	१	३



ता. १४ मार्च २००९
चैत्र कृ. ४ शनौ मीनेऽर्कः प्र. (स्टै.)
टा. १५।३८ वारात् ३ नक्षत्रात् ४
वारनाम राक्षसी चाण्डालान् सुस्थदा
नक्षत्रनाम महोदरी चोरान् सुस्थदा
अपरान्ह ३ प्रहर व्यापिनी वैश्यान्
हन्ति, दक्षिणे गमनं नैऋत्यां दृष्टिः
बवकरणे प्रविष्टा मध्यमफलं सिंहवाहनं
गजोपवाहनं भीतिकारक श्वेतवस्त्रं
भुशुण्ड्यायुधं स्वर्णपात्रं अन्नभक्षणं
कस्तूरीलेपनं दैवतंजातिः पुन्नागपुष्पं
पिरोजभूषणं विचित्रकंचुकी बालावस्था-
(बैठी) मु. १५ धान्यभावे महर्घता वत्स
पश्चिमा. राहु दक्षिणे मूलं भूमौ
विवाहस्तंभो नैऋत्यां शुक्रोदयः
पश्चिमायाम् । पुण्यकालः (स्टै.)
१५।३८ से २२।०२ तक। (दान- भूमि
माला) ।

CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

श्री गणेशाय नमः ॥ अचिंत्याव्यक्तरुपाय निर्गुणाय गुणात्मने ॥ समस्त जगदाधार मूर्तये ब्रह्मणे नमः ॥ पञ्चाङ्ग रत्नं प्रसरन्मयूखं श्री केतकी दृग्गणितेन युक्तम् ॥ लोकोपकाराय कृत प्रयत्न प्रचक्रतु मोह विनाशदक्षम् ॥ २ ॥ अथास्मिन् वर्षे सृष्टितो गताब्दाः १९५५८८५११०, तत्र कृतयुग प्रमाणम् १७२८०००, त्रेतायुग प्रमाणम् १२९६०००, द्वापरयुग प्रमाणम् ८६४०००, कलियुग प्रमाणम् ४३२०००, तन्मध्ये गतकलिः ५११० भोग्यकलिः ४२६८९० अथास्मिन् - शुभ संवत्सरे श्रीमन्नृपतिविक्रमादित्यराज्यात् संवत् २०६६ शाकः १९३१ । अथाऽस्मिन् वर्षे राजा शुक्रः १, मंत्री चंद्रः २, सस्येशो गुरुः ३, धान्येशो भौमः ४, मेघेशो रविः ५, रसेशः शनिः ६, नीरसेशो गुरुः ७, फलेशो रविः ८, धनेशो बुधः ९, दुर्गेशो रविः १०, एते दशाधिकारिणः । तत्र बाहस्पत्य मानेन प्रभवादी षष्ट्यब्दानां मध्ये विष्णु विंशतिकायां १६ शुभकृत् नामास्यः संवत्सरः प्रवर्तते । तस्य मेषाऽर्क समये गत मासादि ११।११।५।१७ भोग्य मासादि ०।१८।५४।४३ विश्वेदेव दैवतं युगम् । वर्षनाम श्रावण । चतुर्मेघनाम संवर्त्तः । रोहिणी निवासः समुद्रे । समय निवासो मालाकारगृहे । समय विश्वा १८ । समय वाहन दुर्दुर । स्तंभ २ जल तृण । सोमवत्यमा. ३ । सोमवती पंचमी २ । अंगारकी चतुर्थी ३ । :.नु सप्तमी २ । बुधाष्टमी २ । रविदशमी २ । समय मुद्गलानि ३१५ । समय दिनानि ३५४ । तिथि क्षयः १६ । तिथि वृद्धिः १० । अष्टोत्तरी मतेन उत्पत्ति विश्वा ९९ । स्वपति विश्वा १२६ । विंशोत्तरी मतेन उत्पत्ति विश्वा ८७ । स्वपति विश्वा १२३ । वर्षा विश्वा १३ । धान्यम् ११ । तृणम् १५ । शीतम् १५ । तेजः ११ । वायुः १३ । वृद्धिः १५ । क्षयः १५ । विग्रह ११ । ऐक्यम् ११९ । (क्षुधा १७ । तृष्णा ९ । निद्रा १३ । आलस्य ९ । उद्यम ७ । शान्ति ५ । क्रोध ७ । दण्ड ९ । मैत्री १७ । उत्सव १५ । पाप १५ । पुण्य ११ । उग्रत्व ११ । रसोत्पत्तिः ९ । फलोत्पत्तिः १३ । व्याधि ११ । व्याधिनाश ७ । आचार ५ । अनाचार ९ । मृत्यु ५ । जन्म १३ । चौर १९ । उपशमन ७ । अग्निभय १३ । अग्निशमः ५) सत्यम् ॥, धर्म ११।, पाप १८ । शनि दृष्टिः दक्षिणस्याम । ग्रहणं १ चन्द्रमसः, २ सूर्यस्य ॥ उद्भिजः ७ । जरायुजः ३ । पिण्डजः १३ । स्वदेजः ९ । इस वर्ष का फल मध्यम है । आगे गौ प्रजा भाग्य प्रबल है ।

(१) पौष शुक्ला १५ गुरुवार, संवत् २०६६, ता. ३१ दिसंबर २००९, स्वण्डग्रासं **चन्द्रग्रहणम्**, परमग्रास.०७

	स्पर्श	मध्य	मोक्ष	पर्व
रामगढ घ.	४२	४३	४४	२
स्थानिक प.	२१	३५	४९	२८
रेल्वे घं.	२४	२४	२५	०
टाईम मि.	२२	५१	२१	५९

इस ग्रहण का सूतक स्टैं १५।२२ बजे से प्रारम्भ होगा । ग्रहण के सूतक में बाल वृद्ध और अस्वस्थ जनों को छोड़कर भोजनादि निषेध है ।

(१) श्रावण कृष्णा ३० बुधवासरे, संवत् २०६६, ता.२२ जुलाई २००९, ग्रस्तोदयं स्वण्डग्रासं **सूर्यग्रहणम्**

स्थल	स्पर्श	मध्य	मोक्ष	पर्व
रामगढ घटी-प.	(५९।२०)	१।३२	३।५४	३।५४
रेल्वेटाईम घं. मि.	(२९।३५)	६।२८	७।२५	१।३४

इस ग्रहण का सूतक पूर्वदिन सायँ स्टैं ५।३५ बजे से प्रारम्भ होगा ।

(२) माघ कृष्णा ३० शुक्रवासरे, संवत् २०६६
ता. १५ जनवरी २०१०, स्वण्डग्रासं **सूर्यग्रहणम्**

स्थल	स्पर्श	मध्य	मोक्ष	पर्व
रामगढ घटी-प.	१०।५३	१५।२०	१९।१२	८।१९
रेल्वेटाईम घं.-मि.	११।४८	१३।३४	१५।०७	३।२०

इस ग्रहण का सूतक पूर्वदिन रात्री स्टैं ११।४८ बजे से प्रारम्भ होगा ।

॥ अथ भैरव भवानि संवाद ॥

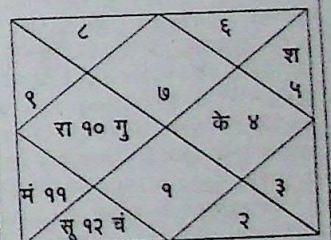


भैरव प्रश्नः जयजननी जगदीश्वरी तूं जग की प्रतिपाल ।
छासठ संवत का कहो श्रीमुख से सब हाल ॥
भवानी उ.: सुनले भैरव प्रेम से मैं समझावुं तोय ।
राजामंत्री देस्तां श्रेष्ठ जमानो होय ॥
सौम्यग्रहों ने वर्ष में लिये पांच अधिकार ।
रोहिणी वास समुद्र में वृष्टि बने अपार ॥
समय वास माली यहाँ मंदा करे व्यापार ।
अनाज पाणी हो घणा मंगल गावें नार ॥
रस कस में तेजी रहे व्यापारी हों खुशाल ।
वर्षा तेरह जाणियो प्रजा होसी निहाल ॥
नीरस सस्याधिप गुरु मंदा अन्न बिकाय ।
गुरुचरणों का ध्यान धरुँ चित्त सदा लगाय ॥
दशाधिकारी योग से दर्शाया फल सार ।
गो प्रजा के भाग्य से भला करे करतार

लाभ स्वर्च कोष्टक

	अष्टोत्तरी मतेन		विंशोत्तरी मतेन	
राशि	लाभ	स्वर्च	लाभ	स्वर्च
मेष	२	८	११	५
वृष	११	१४	५	१४
मिथुन	१४	११	११	११
कर्क	८	११	५	८
सिंह	११	५	८	५
कन्या	१४	११	११	११
तुला	११	१४	५	१४
वृश्चिक	२	८	११	५
धनु	५	१४	८	११
मकर	८	८	२	१४
कुंभ	८	८	२	१४
मीन	५	१४	८	११

°वर्ष लग्नम् ६।२१



१२ बु शु

वर्षेश लग्नम् ८।०९



लाभ - स्वर्च देखनें की विधि और फल- जिस राशि का देखना हो उस राशि के सामनेवाले लाभ-स्वर्च के अंको को जोड़कर १ घटा देवें और ८ का भाग देवें यदि १ शेष रहे तो लाभ, २ शेष रहे तो सौख्य, ३ शेष रहे तो क्लेश, ४ शेष रहे तो रोग, ५ शेष रहे तो लोकापवाद (अपयश), ६ शेष रहे तो सन्मान, ७ शेष रहे तो विजय, ८ या ० शेष रहे तो हानि होती है ।

पञ्चाङ्ग गणित कर्ता - पं. श्री रामकुवारात्मज ग्यारसीलाल शर्मा
मु. डूमोली कलाँ, पो. डूमोली खुर्द, वाया- सिंघाना, जि. झुन्झुनू (राज.) पिन.३३३५१६.

CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

॥ अथ संवत् २०६६ वर्ष फलम् ॥

॥ श्री गणेशाय नमः ॥ अथ वर्ष फलम् ॥ अथास्मिन् संवत्सरे श्रीमन्नृपति विक्रमादित्य राज्यात् संवत् २०६६ शाकः १९३१ शुभकृत् नामास्यः संवत्सरः प्रवर्तते तत्फलम् - शुभकृद्वत्सरेपृथ्वीराजतेविविधोत्सवैः । आतंकचोरामयदाराजानःसमरोत्सुकाः ॥ अथास्मिन् वर्षे राजाशुक्रस्तत्फलम् - शुक्रस्य राज्ये बहुसस्यसंकुला सुतीव्रवेगाः सरितोऽम्बुराशिभिः । फलन्ति वृक्षा बहुगोप्रसूतिर्वसुन्धरापार्थिवसौख्यसंयुता ॥ मंत्रीचंद्रस्तत्फलम् - शशिनि मन्त्रिगते बहुसस्यवत्यपि धरा रमते सुस्यमण्डिता । वियति वारिधरा बहुवर्षिणो जनपदाः सुखराशिसुशोभिताः ॥ सस्येशोगुरुस्तत्फलम् - कणपतौसुरराजपुरोहिते सकलसौख्यकरः श्रुतिपूर्वकः । जलधरा जलदा बहुसस्यदा रसपयांसि बहुनि वसूनि वै ॥ धान्येशोभौमस्तत्फलम् - भूमिजेग्रीष्मधान्येशेग्रीष्मधान्यमहर्घकम् । शालीक्षुघृततैलादिमहर्घाणिभवन्ति च ॥ मेघेशोरविस्तत्फलम् - जलदपेयदिवासरपेतदासरसिवैरमतेजनतारसम् । यदचणेक्षुनिवारसुशालिभिः सुस्यचयंसुलभंभुवि वर्तते ॥ रसेशः शनिस्तत्फलम् - रविसुते रसपेरससंक्षयोनजलदागददाश्वपयोधराः । अजगवांगजवाजिस्वरोष्ट्रहाजनपदेषुनरा न रसैर्युताः ॥ नीरसेशोगुरुस्तत्फलम् - हरिद्रापीतवस्त्रूनिपीतवस्त्रादिकंचयत् । नीरसेशोयदाजीवः सर्वेषांप्रीतिरुत्तमा ॥ फलेशोरविस्तत्फलम् - द्रुमवतीवरपुष्पवतीधराप्रमुदिताफलभोगविशेषता । बहुजलंजलदोभुविमुंचति क्वचिदपिप्रमितं फलपो रविः ॥ धनेशोबुधस्तत्फलम् - द्रविणपो हिमरश्मिसुतो यदा विविधसंग्रहवस्तुफल तदा । द्वीजवरा जपयज्ञसुसंयुताः कृषिविशेष विशेषितमानसाः ॥ दुर्गेशोरविस्तत्फलम् - नयविशेषकरस्तरणिरतदा गतभया नरराजपुररोगमाः । समधिकेन तदा नृपतोन्यतः पथिषुसंव्रजतां न भयं क्वचित् ॥ वर्षनाम श्रावण तत्फलम् - मनोल्हादंप्रकुर्वतिजनाः सौख्यसमायुताः । श्रावणेवृष्टिरत्युग्रागोमहिष्यादिकं सुख्यम् ॥ चतुर्मेघनाम संवर्त्तस्तत्फलम् - संवर्त्तेजलपूरिता । रोहिणी निवासः समुद्रे तत्फलम् - समुद्रे तु महावृष्टिः । समय निवासो मालाकारगृहे तत्फलम् - सर्ववस्तुसमर्घ स्यान्मालाकारगृहेऽद्वके ॥ अपिच - मालिनः प्रचुरा वृष्टिः । एवं संचित्य देवज्ञैः कथनीयं शुभाऽशुभम् ॥

॥ अथ गुरुचार शनिचारात् वर्षफलविचार ॥

इस वर्ष में राजा शुक्र हैं । रसेश शनि है । मेघेश और फलेश और दुर्गेश रवि हैं । मंत्री चंद्र है । धान्येश मंगल है । धनेशं बुध है । सस्येश और नीरसेश गुरु है । इस ग्रहमंडल की विधानसभा में ५ स्थान सौम्यग्रहों को प्राप्त हुए है और ५ स्थान उग्रग्रहों को उपलब्ध हुए है अतः वर्षफल मध्यम होगा । **चैत्र** - वर्षलग्न तुला होने से मध्यदेश में विग्रह तथा छत्रभंग हो । पूर्व में भी छत्रभंग और उपद्रव हो । दुर्भिक्ष हो वायु बहुत चले वर्षा कम हो पश्चिम में महायुद्ध हो और दाढमय तथा महँगाई हो । दक्षिण में सुख, उत्तर में दुर्भिक्ष और पश्चिम में दो मास कुछ उत्पात हो । **वैशाख** - टीडी आदि से धान्य महँगा हो । रस घृत किराणे की वस्तुएं तेज हों । हाथियों को पीड़ा हो । प्राणियों के धातुओं (वसा,रक्त, मांस, मेधा,अस्थि,मज्जा और शुक्र) की हानि हो । विप्रगण पीड़ित हों, अल्पवृष्टि हो, कहीं कुछ उपद्रव हो । कुम्भ का बृहस्पति होने से उसमें वज्रदंश नामक मेघ वर्षता है, कांसी, पीतल, लोह, मंजीठ, सीसा, सोना सस्तापन रहे, नमक महँगा तथा मरु देश में धान्य महँगा हो, सिंधु देश में कटक तथा चालक प्रदेश में वस्त्र कंबल हीग महँगे हों, छत्रभंग हो और रस कपास वस्त्र यह सर्वत्र महँगे हों । युगंधरी के विक्रय से लाभ हो । **ज्येष्ठ** - रेवती में स्थित शुक्र पथिकों (यात्रियों) को पीड़ित करता है । तुष धान्य मँहगे हों । टीडी आदि से धान्य महँगा हो । अश्विनी में शुक्र होने से ब्राह्मण जाति में विरोध हो । जौ, तिल, उड़द कम हों, अश्वपालक पीड़ित हो । **आषाढ** - तुष धान्य, कपास, तिल, सूत महँगे हो, किरात तथा यवन पीड़ित हों, वर्षा का अभाव हो । कुंभ का गुरु वक्री होने से राजाओं को विजय श्री मिलें, सब धान्यों के भाव तेज हों, घी तेल तुला और भाण्ड (वर्तन) के भाव मंदे हो, सुभिक्ष हो । वायु से अतिवृष्टि हो, धान्य महंगा हो, और तपस्वियों के आश्रमों और राजाओं को पीड़ा हो । गेहूँ तिल उड़द सस्ते हों, ग्रहपात हो, **श्रावण** - कपास सूत मंदा हो, शस्त्रनिपात (युद्ध), क्षुधा, रोग हो । रोहिणी पर मंगल होने से कपास वस्त्र और सूत की महँगाई हो । धान्य की महर्घता हो, रस (मधुर आदि) को हानि हो । महावृष्टि हो, श्रावण में बुध का उदय होने से कहीं भी प्राकृतिक आपदा हो । घनिष्ठा नक्षत्र में गुरु उदय होने से सब धान्य सम्यक् रुपेण उत्पन्न हों तथा क्षुद्र (क्रूर), पाखण्डी गण (वेदनिन्दक) और उनके भक्त लोग पीडित हो । कोशल तथा कलिङ्ग देश का नाश और अतिवृष्टि हो । **भाद्रपद** - क्षेत्र के बंटवारे को लेकर पडौसी देश से मनमुटाव हो, अन्न मँदा हो । उ.फा.में स्थित शनैश्चर राजा, गुड़, नमक, भिक्षुक, जल और तक्षशिला नगरी को पीडित करता है । पुनर्वसु में शुक्र होने से अन्न का अभाव हो, अश्मक और विदर्भ देश में अनय (उपद्रव) हो । उड़द मूंग कम उत्पन्न हों, प्राणियों के धातुओं (वसा, रक्त,मांस,मेधा,अस्थि,मज्जा और शुक्र) की हानि हो । परस्पर सप्तम गुरु और शुक्र वृष्टि के बाधक हैं । विद्याधरों के युद्ध में विमर्द हो । आर्द्रा पर मंगल होने से वृष्टि हो । सिंह में शनि अस्त होने से व्यथा उत्पन्न हो । गौओं को पीड़ा हो, स्नेह (तेल, घृत आदि), रस (मधुर आदि) के मुल्य में वृद्धि हो । **आश्विन** - कन्या का शनि होने से काश्मीर पीडित हो घोड़ो में रव (शब्द) पूरित विग्रह हो रत्न धातु चांदी हाथी घोड़े बैल छाली, भैंस, मंजीठ और केसर यह रस कस सहित सब सस्ते हों और सब मनुष्यों को सुख हो तथा धान्य क्रय लाभदायक हो । उड़द मूंग कम उत्पन्न हों । हस्तिपति पीडित हों और अतिवृष्टि हो । तिलों का नाश तथा भैसों को पीड़ा हो । कन्या का शनि उदय होने से धान्यादि भाव तेज हों । पृथ्वी पर अन्नोत्पत्ति उत्तम । कुआँ बनाने वालों और पक्षियों को पीड़ा हो तथा सुन्दर वृष्टि हो । **मार्गशीर्ष** - सुभिक्ष हो, कहीं कहीं दुर्भिक्ष भी हो, गौओं को पीड़ा हो, स्नेह (तेल, घृत आदि), रस (मधुर आदि) के मुल्य में वृद्धि हो । अतिवृष्टि हो, दूत, वाणिज्य कर्म करने वाले, नाव चलाने वाले इनमें उपद्रव हो । साँपों का भय अधिक हो । धन राशि पर राहु होने से भैंसे, घोड़े, हाथी गधे, मोटरगाड़ी (चतुष्पद) इनके मूल्य में कमी हो । तुष धान्य की महँगाई हो, सुन्दर वृष्टि हो, वाणिज्य कर्म करने वाले प्रभावित हों । ईख, शाली और घी महँगे हों । क्षत्रियों में परस्पर विरोध हो, व्यापारी, वैद्य, नौका से जीविका चलाने वाले, जल में उत्पन्न होने वाले द्रव्य तथा घोड़े (अश्व) पीडित हों । धन राशि में बुध का उदय होने से प्रजा में सुख का उदय हो । **पौष** - क्षत्रियों में प्रधान का अभाव हो अनावृष्टि हो । हस्त नक्षत्र में स्थित शनैश्चर, हजाम, चक्रिक (कुम्भार, तेली आदि), चोर, वैद्य (डाक्टर), शिल्पी, हाथी पकड़ने वाले, वेश्या, कोशल देश में निवास करने वाले, माली इन सबों को पीडित करता है । (यथा - हस्ते नापितचाक्रिकचौरभिषक्सूचिका द्विपग्राहाः । बन्धक्यः कौशलका मालाकाराश्च पीड्यन्ते ॥९॥ - वाराहीसं.) । धान्य मन्दा हो, जल में उत्पन्न जीव पीड़ित हों । **माघ** - कहीं भी प्राकृतिक आपदा हो । जल में उत्पन्न होने वाले द्रव्य तथा घोड़े (अश्व) पीडित हों । क्षेत्रपति का क्षय हो, । अन्नोत्पत्ति उत्तम हो । कर्णपीड़ा हो । आपसी विरोध से क्षति हो, और राजा कमजोर हों । **फाल्गुन** - पाखण्डियों में भय उत्पन्न हो, अन्न की उत्पत्ति हो, छोटे बालकों में पीड़ा हो, वर्षा का अभाव हो । शतभिषा नक्षत्र में स्थित शुक्र शौण्डिकों (मद्यविक्रेता - कलवारों) को पीड़ित करता है । श्रवण में बुध होने से गुड़ अलसी और चणे अदि धान्य में बर्फ (ओले) गिरने का भय हो । उत्तराफाल्गुनी नक्षत्र में स्थित शनैश्चर राजा, गुड़, नमक, भिक्षुक, जल और तक्षशिला नगरी को पीडित करता है । कर्क राशि में मंगल का उदय होने से वैश्यों को बहुत पीड़ा हो, धान्योत्पत्ति हो । कुम्भ राशि में गुरु के अस्त होने से प्रजा में और गर्भवती स्त्रियों में पीड़ा हो । गायें पीड़ित हों । वर्षा का अभाव हो । पूर्वभाद्रपदा में स्थित शुक्र जुआड़ी लोग, कुरु तथा पञ्जाब देश में स्थित जनों को पीड़ित और वृष्टि करता है । **चैत्र** -उ.भा. में स्थित शुक्र फल-मूलों को पीड़ित और और सुभिक्ष करता है । आगे सर्वज्ञ जगत नियन्ता जगदीश्वराधीन है, गो प्रजा भाग्य प्रबल है ।

CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

॥ संवत् २०६६ मध्ये विवाह मुहूर्तानि रेखा सहितानि च ॥

सन्२००९		
		वैशाख कृष्णपक्षः
अप्रे.	१७	८ भृगो उषा. रे ९ ।।।।।।।ऽ। दिवा ल. २, रात्रौ अ.गो. ८।९।१२ (मीने सोग्रांगः)
		वैशाख शुक्लपक्षः
अप्रे.	२८	४ भौमे मृगे रे १० ।।।।।।।।। रात्रौ ल. ९।१२ (धनु. चं. ७ पू., मीनः सोग्रांगः)
मई	५	११ भौमे उफा. रे ९ ।।।।।।ऽ।। दिवा ल. ३।५, रात्रौ अ. गो. ८ (मिथु. स्टै. ९।३६ उप. सिंहः सोग्रांगः, वृश्चि बु. ७ दो.)
मई	७	१३ गुरौ स्वातौ रे ९ ।।।।।।ऽ।। रात्रौ ल. ११।१२ (कुंभे श. ७ दो., मीनः सोग्रांगः)
		ज्येष्ठ कृष्णपक्षः
मई	१२	३ भौमे मूले. रे १० ।।।।।।।।। रात्रौ ल. गोधूलि
मई	१९	१० भौमे उभा. रे ८ ।।।।।ऽऽ।। रात्रौ ल. १
मई	२०	११ बुधे उभा. रे ८ ।।।।।ऽऽ।। दिवा ल. ५, रात्रौ अ. गो. ९ (सिं सोग्रांगः, गु. ७ पू.)
		ज्येष्ठ शुक्लपक्षः
मई	२६	२ भौमे मृगे रे १० ।।।।।।।।। दिवा ल. ५ (सोग्रांगः, गु. ७ पू.)
मई	३०	७ शनौ मघा रे ७ ।।।।ऽ।ऽऽ।। दिवा ल.३,रात्रौ अ.गो.
मई	३१	८ रवौ उफा. रे ९ ।।।।।।ऽ।।। रात्रौ ल. १ (सोग्रांगः , स्टैं. २७।५६ उप.)
जून	१	९ चंद्रे उफा. रे ९ ।।।।।।ऽ।।। दिवा ३।५, रात्रौ गोधूलि ९।१२ (सिंह सोग्रांगः गु. ७ पू., मीने चं. ७ पू.)
जून	२	१० भौमे हस्ते रे ९ ।।।।।।।ऽ।। दिवा ल. ३।५ (सिं. सोग्रांगः, गु. ७ पू.)
जून	४	१२ गुरौ स्वातौ रे ८ ऽ।।।ऽ।।।। दिवा ल. ३।५ रात्रौ अ. गो. ९।१२ (सिंहः सोग्रांगः गु. ७ पू.)
जून	६	१४ शनौ अनु. रे ८ ।।।।ऽ।।ऽ।। दिवा ल. ५ रात्रौ ९ (सिं. सोग्रांगः गु. ७ पू. धन. स्टैं. २१।५७ यावत्)
		आषाढ कृष्णपक्षः
जून	८	१ चंद्रे मूले रे ८ ।।।।ऽ।।ऽ।। रात्रौ ल. गो. १२।१ (मेषः सोग्रांगः)
जून	९	२ भौमे मूले रे ८ ।।।।ऽ।।ऽ।। दिवा ल. ३।५ (मि. चं. ७ पू., सिं. सोग्रांगः गु. ७ पू.)
जून	१७	९ बुधे रेवत्यांरे ९ ।।।।।।।ऽ।। दिवा ल. ५, रात्रौ अ. गो. ११।१ (सिं. सोग्रांगः गु. ७ पू., रात्रौ कुंभे श. ७ दो., मेषः सोग्रांगः स्टैं. २७।३९ यावत्तदुपरान्त भद्रारंभः)
		आषाढ शुक्लपक्षः
जून	२६	४ भृगौ मघा रे ७ ।।।।ऽ।ऽऽ।। रात्रौ अ. गो. १।२ (मेषः सोग्रांगः)
जून	२८	६ रवौ उफा. रे ७ ।ऽ।।।।ऽऽ।। रात्रौ ल. अ. गोधूलि
जुला.	१	१० बुधे स्वातौ रे ९ ।।।।।।।ऽ।। रात्रौ ल. गो. ११।१ (कुंभे श. ७ दो., मे. सोग्रांगः, चं. ७ पू.)
जुला.	२	११ गुरौ स्वातौ रे ९ ।।।।।।।ऽ।। दिवा ल. ५ (सोग्रांगः गु. ७ पू.)
जुला.	३	११ भृगौ अनु. रे ७ ऽऽ।।ऽ।।।। रात्रौ ल. अ. गो. १।११ (कुंभे श. ७ दो.)
		अग्रे चतुर्मासारंभः
		मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः
नवं.	२७	१० शुक्रे उभा. रे ६ ।।।।ऽ।ऽऽ।ऽ द. दिवा ल. ११।१ रात्रौ गोधूलि
नवं.	२७	१० शुक्रे उभा. रे ७ ।।।।ऽ।ऽऽ।। रात्रौ ल. ४।५ (कर्कः सोग्रांगः गु. ७ पू.)
दिसं.	१	१४ भौमे रोहि. रे ८ ।।।।ऽ।।ऽ।। रात्रौ ल. ६ (सोग्रांगः स्टैं. २६।३२ उपरान्त)
दिसं.	२	१५ बुधे रोहि. रे ८ ।।।।ऽ।।ऽ।। दिवा ल. ११।१ रात्रौ ४ (कर्कः सोग्रांगः गु. ७ पू.)
		पोष कृष्णपक्षः
दिसं.	८	७ भौमे मघा रे ७ ।ऽ।।ऽ।।।। दिवा ल.११ (चं.७ पू.)
दिसं.	१०	९ गुरौ हस्ते रे ८ ऽ।।।।।।ऽ।। रात्रौ ल. अ. गोधूलि ५

अग्रे शुक्रास्तत्वादभावः तदुपरान्त गुरोरस्तः

॥ कात्यायनोक्त विवाह मुहूर्त्ताः नक्षत्र चतुष्टयी ॥

सन्२००९		
		वैशाख शुक्लपक्षः
मई	६	१२ बुधे चित्रा रे.८ ।।।।ऽ।ऽ।।। रात्रौ ल. ९।११ (धनुः स्टैं. २२।४९ उप.)
मई	७	१३ गुरौ चित्रा रे.८ ।।।।ऽ।ऽ।।। दिवा ल. २।५ (सोग्रांगः सिंह) रात्रौ ८ (बु. ७ पू.)
		ज्येष्ठ कृष्णपक्षः
मई	१७	८ रवौ धनि. रे.७ ऽ।ऽगु।।।ऽ।। दिवा ल. ४, रात्रौ अ.गो. (कर्कः सोग्रांगः रा. ७ दो.)
		आषाढ शुक्लपक्षः
जून	३०	९ भौमे चित्रा रे.९ ।।।।।ऽ।।। दिवाल.५ रात्रौ अ.गो.१ (सिंहःसोग्रांगः,स्टैं.१०।०८ उप.,मेषः सोग्रांगःचं.७ पू.)
जुला.	१	१० बुधे चित्रा रे.१० ।।।।।।।।। दिवा लग्नाऽभावः (कर्के चिन्त्यम्)
		मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः
नवं.	२२	५ रवौ श्रवणे रे.१० ।।।।।।।।। रात्रौ अ. गो. ६ (कन्या सोग्रांगः)
नवं.	२९	१२ रवौ अश्वि.रे.७ ऽऽ।।।ऽ।।। दिवा ल. ११, रात्रौ अ. गो. ४।५ (कर्कः सोग्रांगः)

(दृष्टिदोषश्चेत् क्षन्तव्यं सुधिभिः)

गणितकर्ता- श्री श्री १०८ पं. ईश्वरदत्त शर्म्मणोऽनुग्रहीत शिष्यः
पं. ग्यारसीलाल शर्मा (शास्त्री)
५८, राम कुटीर, ३ रा माला, हनुमान रोड
मुम्बई ४०००५७. दू. २६१६६७८३,

CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

॥ संवत् २०६६ मध्ये उपनयनादि मुहूर्त्ताः ॥

अथ उपनयन मुहूर्त्ताः

सन२००९		चैत्र शुक्लपक्षः
अप्रे.	५	शु.११ रवौ आश्ले. अभिजिति
		वैशाख्य मासः
अप्रे.	२९	शु.५ बुधे आर्द्रा. ल. २।४
		ज्येष्ठ मासः
मई	१०	कृ.१ रवौ अनु. अभिजिति
जून	४	शु.१२ गुरौ स्वात्यां अभिजिति
		आषाढ मासः
जून	१०	कृ.३ बुधे पू.षा. ल. ३
जून	१२	कृ.४ शुक्रे श्रवणेऽभिजिति
जून	२६	शु.४ शुक्रे आश्ले. अभिजिति
जुला.	२	शु.११ गुरौ स्वात्यां अभिजिति
		श्रावण मासः
जुला.	३१	शु.१० शुक्रेऽनुराधायामभिजिति
		भाद्रपद मासः
अग.	७	कृ.१ शुक्रे शत. ल. ९
सितं.	४	शु.१५ शुक्रे शत. अभिजिति
		कार्तिक मासः
अक्टू.	२८	शु.१० बुधे धनि. ल. ९
		मार्गशीर्ष मासः
दिसं.	२	शु.१५ बुधे रोहि. ल. ९।११।१२

अथ देव प्रतिष्ठा मुहूर्त्ताः

सन२००९		वैशाख्य मासः
अप्रे.	३०	शु.६ गुरौ पुन. अभिजिति
		ज्येष्ठ मासः
मई	१०	कृ.१ रवौ अनु. अभिजिति
जून	४	शु.१२ गुरौ स्वात्यां अभिजिति
		आषाढ मासः
जून	१२	कृ.४ शुक्रे श्रवणेऽभिजिति
जून	१४	कृ.६ रवौ शत. अभि. (मासान्तः)
जून	२४	शु.२ बुधे पुन. ल. ६
जुला.	१	शु.१० बुधे स्वात्यां ल. ६
जुला.	२	शु.११ गुरौ स्वात्यां अभिजिति
जुला.	४	शु.१२ शनौ अनु. अभिजिति
		श्रावण मासः
जुला.	१०	कृ.३ शुक्रे धनि. अभिजिति
जुला.	१२	कृ.५ रवौ शत. अभिजिति
सन२०१०		फाल्गुन मासः
फर.	१५	शु.१ चंद्रे शत. अभिजिति

अथ गेहारंभ (भूमि पूजन) मुहूर्त्ताः

सन२००९		ज्येष्ठ मासः
जून	४	शु.१२ गुरौ स्वात्यां अभिजिति

वृषचक्ररहिताः गेहारंभ (भूमिपूजन) मुहूर्त्ताः

सन२००९		वैशाख्य मासः
अप्रे.	२०	कृ.१० चंद्रे धनि. अभिजिति (स्टै. १२।०४ उप.)
अप्रे.	२०	कृ.१० चंद्रे शत. ल. ५।६
		श्रावण मासः
जुला.	२७	शु.६ चंद्रे हस्ते ल. ९ (स्टै.१५।५५ उप.)
		भाद्रपद मासः
अग.	१०	कृ.४ चंद्रे उ.भा. ल. ९
अग.	१५	कृ.९ शनौ रोहि. अभिजिति
		कार्तिक मासः
अक्टू.	१९	शु.१ चंद्रे स्वात्यां लग्नाऽभावः
		मार्गशीर्ष मासः
नवं.	१३	कृ.१२ शुक्रे हस्ते अभिजिति
नवं.	१४	कृ.१३ शनौ चित्रा. अभिजिति
		पोष मासः
दिसं.	११	कृ.१० शुक्रे चित्रा. ल. २
दिसं.	१२	कृ.११ शनौ चित्रा. ल. ९
दिसं.	१२	कृ.११ शनौ स्वातौ अभिजिति
सन२०१०		फाल्गुन मासः
फर.	११	कृ.१३ गुरौ उ.षा. अभिजिति

अथ नूतन गृहप्रवेश (वास्तु) मुहूर्त्ताः

सन२००९		वैशाख्य मासः
मई	७	शु.१३ गुरौ चित्रा. ल. २
		ज्येष्ठ मासः
मई	२०	कृ.११ बुधे उ.भा. ल. ३।५ (सिंहे शु. चं. मं. ८ दो.)
जून	१	शु.९ चंद्रे उ.फा. अभि.(रि.ति.दो.)
सन२०१०		फाल्गुन मासः
फर.	११	कृ.१३ गुरौ उ.षा. अभिजिति

कुंभचक्ररहिताः नूतनगृहप्रवेश (वास्तु) मुहूर्त्ताः

सन२००९		वैशाख्य मासः
अप्रे.	१७	कृ.८ शुक्रे उ.षा. अभिजिति
अप्रे.	१८	कृ.८ शनौ उ.षा. ल. २ (स्टै. ७।५२ या.)

अथ जीर्ण गृहप्रवेश (वास्तु) मुहूर्त्ताः

सन२००९		वैशाख्य मासः
अप्रे.	२०	कृ.१० चंद्रे शत. ल. ५
		ज्येष्ठ मासः
जून	४	शु.१२ गुरौ स्वात्यां अभिजिति
जून	५	शु.१३ शुक्रे स्वात्यां ल. ३ (स्टै. ६।४९ या.)
		श्रावण मासः
जुला.	२९	शु.८ बुधे स्वात्यां अभिजिति
		कार्तिक मासः
अक्टू.	२८	शु.१० बुधे धनि. ल. ९
		मार्गशीर्ष मासः
नवं.	२५	शु.८ बुधे शत. ल. ९।१२

कुंभचक्ररहिता जीर्णगृहप्रवेश(वास्तु) मुहूर्त्ताः

सन२००९		वैशाख्य मासः
अप्रे.	२०	कृ.१० चंद्रे शत. ल. ५
		श्रावण मासः
जुला.	१०	कृ.३ शुक्रे धनिष्ठा. ल. ५ (स्टै. ९।०३ या.)
		कार्तिक मासः
अक्टू.	१९	शु.१ चंद्रे स्वात्यां अभिजिति
सन२०१०		फाल्गुन मासः
फर.	१५	शु.१ चंद्रे शत. अभिजिति

CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

॥ सन् २००९-१०, संवत् २०६६ ॥ + (उत्तर) रविक्रान्ति-रेल्वे प्रातः ६।२७ बजे (अंश-कलादौ) - (दक्षिण)

ता.	मार्च	अप्रेल	मई	जून	जुलाई	अगस्त	सितंबर	अक्टूबर	नवंबर	दिसंबर	जनवरी	फरवरी	मार्च
१	. . . .	+ ४।३२	+१५।०४	+२२।०३	+२३।०७	+१८।०२	+ ८।१८	- ३।१०	-१४।२५	-२१।४८	-२३।०१	-१७।११	- ७।४१
२	. . . .	+ ४।५५	+१५।२२	+२२।११	+२३।०२	+१७।४६	+ ७।५६	- ३।३३	-१४।४४	-२१।५७	-२२।५६	-१६।५४	- ७।१९
३	. . . .	+ ५।१८	+१५।४०	+२२।१९	+२२।५८	+१७।३१	+ ७।३४	- ३।५७	-१५।०३	-२२।०५	-२२।५१	-१६।३६	- ६।५६
४	. . . .	+ ५।४१	+१५।५७	+२२।२६	+२२।५३	+१७।१५	+ ७।१२	- ४।२०	-१५।२१	-२२।१४	-२२।४५	-१६।१८	- ६।३३
५	. . . .	+ ६।०४	+१६।१५	+२२।३३	+२२।४७	+१६।५९	+ ६।५०	- ४।४३	-१५।४०	-२२।२२	-२२।३९	-१६।००	- ६।१०
६	. . . .	+ ६।२६	+१६।३२	+२२।३९	+२२।४१	+१६।४३	+ ६।२७	- ५।०६	-१५।५८	-२२।२९	-२२।३२	-१५।४२	- ५।४६
७	. . . .	+ ६।४९	+१६।४८	+२२।४५	+२२।३५	+१६।२६	+ ६।०५	- ५।२९	-१६।१६	-२२।३६	-२२।२४	-१५।२४	- ५।२३
८	. . . .	+ ७।१२	+१७।०५	+२२।५१	+२२।२९	+१६।०९	+ ५।४३	- ५।५२	-१६।३३	-२२।४३	-२२।१७	-१५।०५	- ५।००
९	. . . .	+ ७।३४	+१७।२१	+२२।५६	+२२।२२	+१५।५२	+ ५।२०	- ६।१५	-१६।५१	-२२।४९	-२२।०८	-१४।४६	- ४।३६
१०	. . . .	+ ७।५६	+१७।३७	+२३।०१	+२२।१४	+१५।३४	+ ४।५७	- ६।३७	-१७।०८	-२२।५४	-२२।००	-१४।२६	- ४।१३
११	. . . .	+ ८।१८	+१७।५२	+२३।०५	+२२।०७	+१५।१७	+ ४।३४	- ७।००	-१७।२४	-२३।००	-२१।५१	-१४।०७	- ३।४९
१२	. . . .	+ ८।४०	+१८।०८	+२३।०९	+२१।५८	+१४।५९	+ ४।१२	- ७।२३	-१७।४१	-२३।०४	-२१।४१	-१३।४७	- ३।२६
१३	. . . .	+ ९।०२	+१८।२३	+२३।१२	+२१।५०	+१४।४१	+ ३।४९	- ७।४५	-१७।५७	-२३।०९	-२१।३१	-१३।२७	- ३।०२
१४	. . . .	+ ९।२४	+१८।३७	+२३।१६	+२१।४१	+१४।२२	+ ३।२६	- ८।०८	-१८।१३	-२३।१२	-२१।२१	-१३।०७	- २।३८
१५	. . . .	+ ९।४५	+१८।५२	+२३।१८	+२१।३२	+१४।०४	+ ३।०३	- ८।३०	-१८।२८	-२३।१६	-२१।१०	-१२।४६	- २।१५
१६	. . . .	+१०।०७	+१९।०६	+२३।२१	+२१।२२	+१३।४५	+ २।४०	- ८।५२	-१८।४३	-२३।१९	-२०।५९	-१२।२६	. . .
१७	. . . .	+१०।२८	+१९।१९	+२३।२३	+२१।१२	+१३।२६	+ २।१६	- ९।१४	-१८।५८	-२३।२१	-२०।४८	-१२।०५	. . .
१८	. . . .	+१०।४९	+१९।३३	+२३।२४	+२१।०२	+१३।०७	+ १।५३	- ९।३६	-१९।१३	-२३।२३	-२०।३६	-११।४४	. . .
१९	. . . .	+११।१०	+१९।४६	+२३।२५	+२०।५१	+१२।४७	+ १।३०	- ९।५८	-१९।२७	-२३।२५	-२०।२४	-११।२२	. . .
२०	. . . .	+११।३०	+१९।५८	+२३।२६	+२०।४०	+१२।२८	+ १।०७	-१०।१९	-१९।४१	-२३।२६	-२०।११	-११।०१	. . .
२१	. . . .	+११।५१	+२०।११	+२३।२६	+२०।२९	+१२।०८	+ ०।४३	-१०।४१	-१९।५४	-२३।२६	-१९।५८	-१०।३९	. . .
२२	. . . .	+१२।११	+२०।२३	+२३।२६	+२०।१७	+११।४८	+ ०।२०	-११।०२	-२०।०७	-२३।२६	-१९।४४	-१०।१८	. . .
२३	. . . .	+१२।३१	+२०।३४	+२३।२६	+२०।०५	+११।२७	- ०।०३	-११।२३	-२०।२०	-२३।२६	-१९।३१	- ९।५६	. . .
२४	. . . .	+१२।५१	+२०।४६	+२३।२५	+१९।५२	+११।०७	- ०।२७	-११।४४	-२०।३२	-२३।२५	-१९।१६	- ९।३४	. . .
२५	. . . .	+१३।११	+२०।५७	+२३।२३	+१९।४०	+१०।४६	- ०।५०	-१२।०५	-२०।४४	-२३।२४	-१९।०२	- ९।१२	. . .
२६	. . . .	+१३।३०	+२१।०७	+२३।२२	+१९।२७	+१०।२६	- १।१३	-१२।२५	-२०।५६	-२३।२२	-१८।४७	- ८।४९	. . .
२७	+ २।३५	+१३।५०	+२१।१७	+२३।१९	+१९।१३	+१०।०५	- १।३७	-१२।४६	-२१।०७	-२३।२०	-१८।३२	- ८।२७	. . .
२८	+ २।५८	+१४।०९	+२१।२७	+२३।१७	+१८।५९	+ ९।४४	- २।००	-१३।०६	-२१।१८	-२३।१७	-१८।१६	- ८।०४	. . .
२९	+ ३।२२	+१४।२७	+२१।३७	+२३।१४	+१८।४५	+ ९।२२	- २।२३	-१३।२६	-२१।२८	-२३।१४	-१८।००	. . .	. . .
३०	+ ३।४५	+१४।४६	+२१।४६	+२३।१०	+१८।३१	+ ९।०१	- २।४७	-१३।४६	-२१।३८	-२३।१०	-१७।४४	. . .	. . .
३१	+ ४।०९	. . . .	+२१।५५	. . . .	+१८।१६	+ ८।३९	. . . .	-१४।०५	. . . .	-२३।०६	-१७।२८	. . .	. . .

उत्तर (धन) | दक्षिण (ऋण)

महापात योगाः (स्टै. समय में) संवत् २०६६ (सन २००९-१०)

महापात स्पर्शः			महापात मोक्षः		
योगाः	तारीख	घं. मि.	तारीख	घं. मि.	
व्यती.	६ अप्रे.	१४।३७	६ अप्रे.	१८।३५	
वैधृति	१९ अप्रे.	२४।०४	१९ अप्रे.	२८।४७	
व्यती.	१ मई	२९।४८	२ मई	१०।२६	
वैधृति	१५ मई	१३।२१	१५ मई	१९।४१	
व्यती.	२७ मई	२७।१४	२८ मई	९।१९	
वैधृति	१० जून	११।४६	१० जून	२०।५४	
व्यती.	२३ जून	१७।४०	२३ जून	२५।१८	
वैधृति	२ जुला.	२२।३१	३ जुला.	७।२७	
व्यती.	१६ जुला.	२७।४२	१७ जुला.	९।४७	
वैधृति	२८ जुला.	२५।२३	२९ जुला.	७।२६	
व्यती.	११ अग.	२५।०५	११ अग.	२९।५६	
वैधृति	२३ अग.	२२।२५	२३ अग.	२६।४९	
व्यती.	६ सितं.	१५।०६	६ सितं.	१९।२६	
वैधृति	१८ सितं.	१९।३६	१८ सितं.	२३।२५	
व्यती.	१ अक्टू.	२७।२६	२ अक्टू.	७।४८	
वैधृति	१४ अक्टू.	१३।३५	१४ अक्टू.	१७।३७	
व्यती.	२७ अक्टू.	१३।५२	२७ अक्टू.	१९।०४	
वैधृति	८ नवं.	२७।५०	९ नवं.	८।४९	
व्यती.	२१ नवं.	२४।२५	२२ नवं.	७।३७	
वैधृति	४ दिसं.	२४।२२	५ दिसं.	७।४२	
व्यती.	१७ दिसं.	२५।३२	१८ दिसं.	१२।१६	
वैधृति	२८ दिसं.	१८।२३	२८ दिसं.	२७।०१	
व्यती.	९ जन.	२२।०९	९ जन.	३०।२९	
वैधृति	२३ जन.	२४।३३	२३ जन.	३०।३१	
व्यती.	४ फर.	१८।०८	४ फर.	२३।२५	
वैधृति	१८ फर.	१३।३८	१८ फर.	१८।३२	
व्यती.	२ मार्च	१४।११	२ मार्च	१८।१२	

CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

संवत् २०६६ शाकः १९३१ की मास दशा देखने की सारणी

मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
बै.कृ. ०४ से शु द. उ. सू द. दि.२० प्र.	ज्ये.कृ.०५ से शु द. उ. सू द. दि.२० प्र.	चै.शु. १० से रा द. उ. शु द. दि.७० प्र.	चै.कृ. १३ से गु द. उ. रा द. दि.४२ प्र.	बै.कृ. १४ से गु द. उ. रा द. दि.४२ प्र.	चै.शु. ०१ से श द. उ. गु द. दि.५८ प्र.	चै.कृ. ११ से बु द. उ. श द. दि.३६ प्र.	बै.कृ. ११ से बु द. उ. श द. दि.३६ प्र.	चै.कृ. १३ से मं द. उ. बु द. दि.५६ प्र.	चै.कृ. ३० से चं द. उ. मं द. दि.२८ प्र.	बै.कृ. १४ से चं द. उ. मं द. दि.२८ प्र.	चै.शु. ०८ से सू द. उ. चं द. दि.५० प्र.
बै.शु. ०९ से सू द. उ. चं द दि.५० प्र.	ज्ये.शु.११ से सू द. उ. चं द. दि.५० प्र.	आ.कृ.०६ से शु द. उ. सू द. दि.२० प्र.	बै.शु. १२ से रा द. उ. शु द. दि.७० प्र.	ज्ये.शु.१४ से रा द. उ. शु द. दि.७० प्र.	ज्ये.शु.०१ से गु द. उ. रा द. दि.४२ प्र.	बै.शु. ०३ से श द. उ. गु द. दि.५८ प्र.	ज्ये.शु.०३ से श द. उ. गु द. दि.५८ प्र.	ज्ये.कृ.११ से बु द. उ. श द. दि.३६ प्र.	बै.कृ. १३ से मं द. उ. बु द. दि.५६ प्र.	ज्ये.कृ.१३ से मं द. उ. बु द. दि.५६ प्र.	ज्ये.कृ.३० से चं द. उ. मं द. दि.२८ प्र.
आ.शु. ०१ से चं द. उ. मं द. दि.२८ प्र.	आ.शु. ०३ से चं द. उ. मं द. दि.२८ प्र.	आ.शु. १२ से सू द. उ. चं द. दि.५० प्र.	आ.कृ.०९ से शु द. उ. सू द. दि.२० प्र.	भा.कृ. १० से शु द. उ. सू द. दि.२० प्र.	आ.शु. १५ से रा द. उ. शु द. दि.७० प्र.	आ.शु. ०३ से गु द. उ. रा द. दि.४२ प्र.	आ.शु. ०४ से गु द. उ. रा द. दि.४२ प्र.	आ.शु. ०३ से श द. उ. गु द. दि.५८ प्र.	आ.कृ. ११ से बु द. उ. श द. दि.३६ प्र.	आ.कृ. ११ से बु द. उ. श द. दि.३६ प्र.	आ.कृ. १३ से मं द. उ. बु द. दि.५६ प्र.
आ.कृ. १४ से मं द. उ. बु द. दि.५६ प्र.	भा.शु. ०१ से मं द. उ. बु द. दि.५६ प्र.	भा.शु. ०५ से चं द. उ. मं द. दि.२८ प्र.	आ.शु. १५ से सू द. उ. चं द. दि.५० प्र.	आ.कृ.०१ से सू द. उ. चं द. दि.५० प्र.	आ.कृ.१२ से शु द. उ. सू द. दि.२० प्र.	भा.कृ. ०१ से रा द. उ. शु द. दि.७० प्र.	आ.कृ.०२ से रा द. उ. शु द. दि.७० प्र.	भा.शु. ०३ से गु द. उ. रा द. दि.४२ प्र.	आ.शु. ०४ से श द. उ. गु द. दि.५८ प्र.	भा.शु. ०३ से श द. उ. गु द. दि.५८ प्र.	भा.कृ. १२ से बु द. उ. श द. दि.३६ प्र.
आ.कृ.१२ से बु द. उ. श द. दि.३६ प्र.	का.कृ.१४ से बु द. उ. श द. दि.३६ प्र.	आ.शु.०३ से मं द. उ. बु द. दि.५६ प्र.	आ.शु.०७ से चं द. उ. मं द. दि.२८ प्र.	का.शु.०८ से चं द. उ. मं द. दि.२८ प्र.	का.कृ.०२ से सू द. उ. चं द. दि.५० प्र.	का.कृ.१४ से शु द. उ. सू द. दि.२० प्र.	मा.कृ. ३० से शु द. उ. सू द. दि.२० प्र.	का.कृ.०१ से रा द. उ. शु द. दि.७० प्र.	आ.शु. ०४ से गु द. उ. रा द. दि.४२ प्र.	का.शु.०३ से गु द. उ. रा द. दि.४२ प्र.	आ.शु. ०४ से श द. उ. गु द. दि.५८ प्र.
का.शु.०४ से श द. उ. गु द. दि.५८ प्र.	मा.शु. ०५ से श द. उ. गु द. दि.५८ प्र.	मा.शु. ०१ से बु द. उ. श द. दि.३६ प्र.	का.शु.०५ से मं द. उ. बु द. दि.५६ प्र.	मा.शु. ०६ से मं द. उ. बु द. दि.५६ प्र.	मा.शु. ०९ से चं द. उ. मं द. दि.२८ प्र.	मा.कृ. ०४ से सू द. उ. चं द. दि.५० प्र.	पौ.कृ. ०५ से सू द. उ. चं द. दि.५० प्र.	पौ.कृ. १४ से शु द. उ. सू द. दि.२० प्र.	मा.कृ. ०२ से रा द. उ. शु द. दि.७० प्र.	पौ.कृ. ०१ से रा द. उ. शु द. दि.७० प्र.	मा.शु. ०४ से गु द. उ. रा द. दि.४२ प्र.
पौ.शु. ०४ से गु द. उ. रा द. दि.४२ प्र.	मा.शु. ०५ से गु द. उ. रा द. दि.४२ प्र.	पौ.शु. ०६ से श द. उ. गु द. दि.५८ प्र.	पौ.शु. ०३ से बु द. उ. श द. दि.३६ प्र.	मा.शु. ०४ से बु द. उ. श द. दि.३६ प्र.	पौ.शु. ०७ से मं द. उ. बु द. दि.५६ प्र.	पौ.शु. १० से चं द. उ. मं द. दि.२८ प्र.	मा.शु. ११ से चं द. उ. मं द. दि.२८ प्र.	मा.कृ. ०४ से सू द. उ. चं द. दि.५० प्र.	मा.कृ. १४ से शु द. उ. सू द. दि.२० प्र.	फा.कृ.१४ से शु द. उ. सू द. दि.२० प्र.	मा.कृ. ०२ से रा द. उ. शु द. दि.७० प्र.
फा.कृ.०३ से रा द. उ. शु द. दि.७० प्र.	चै.कृ. ०४ से रा द. उ. शु द. दि.७० प्र.	फा.शु.०६ से गु द. उ. रा द. दि.४२ प्र.	मा.शु. ०९ से श द. उ. गु द. दि.५८ प्र.	फा.शु.१० से श द. उ. गु द. दि.५८ प्र.	फा.शु.०५ से बु द. उ. श द. दि.३६ प्र.	मा.शु. ०१ से मं द. उ. बु द. दि.५६ प्र.	फा.शु.०९ से मं द. उ. बु द. दि.५६ प्र.	फा.शु.१० से चं द. उ. मं द. दि.२८ प्र.	फा.कृ.०५ से सू द. उ. चं द. दि.५० प्र.	चै.कृ. ०४ से सू द. उ. चं द. दि.५० प्र.	चै.कृ. १४ से शु द. उ. सू द. दि.२० प्र.

संवत् २०६६, आश्विन कृष्णपक्ष में श्राद्धतिथि निर्णय, सन २००९

पूर्णिमा (पूनम) का श्राद्ध	शुक्रवार	४ सितंबर (भाद्रपद शुक्लपक्ष)
प्रतिपदा (एकम) "	शनिवार	५ सितंबर
द्वितीया (दूज) "	रविवार	६ सितंबर
तृतीया (तीज) "	सोमवार	७ सितंबर
चतुर्थी (चोथ) "	मंगलवार	८ सितंबर
पंचमी (पांच) "	बुधवार	९ सितंबर
षष्टी (छठ) "	गुरुवार	१० सितंबर
सप्तमी (सातं) का श्राद्ध	शुक्रवार	११ सितंबर
अष्ठमी (आठं) "	शनिवार	१२ सितंबर
नवमी (नौमी) "	रविवार	१३ सितंबर
दशमी (दस) "	सोमवार	१४ सितंबर मध्यान्ह २।२२ बजे के पहले
एकादशी "	मंगलवार	१५ सितंबर मध्यान्ह ११।४२ बजे के पहले
द्वादशी (वारस) "	मंगलवार	१५ सितंबर मध्यान्ह ११।४२ बजे के बाद
त्रयोदशी (तेरस) "	बुधवार	१६ सितंबर प्रातः ८।५१ बजे के बाद
चतुर्दशी (चौदस)	"	गुरुवार १७ सितंबर
अमावस्या (मादस) "	शुक्रवार	१८ सितंबर

हमारे प्रकाशनों की अधिक जानकारी व खरीद के लिये हमारे निजी स्थान :

१) खेमराज श्रीकृष्णदास
अध्यक्ष : श्रीवेंकटेश्वर प्रेस,
९१/१०९,खेमराज श्रीकृष्णदास मार्ग
७ वी खेतवाडी बॅक रोड कार्नर,
मुंबई - ४०० ००४.
दूरभाष/फैक्स-०२२-२३८५७४५६

२) खेमराज श्रीकृष्णदास
६६, हडपसर इण्डस्ट्रियल इस्टेट,
पुणे - ४११ ०१३.
दूरभाष-०२०-२६८७१०२५,
फैक्स -०२०-२६८७४९०७.

३) गंगाविष्णु श्रीकृष्णदास,
लक्ष्मी वेंकटेश्वर प्रेस
व बुक डिपो
श्रीलक्ष्मीवेंकटेश्वर प्रेस बिल्डींग,
जूना छापाखाना गली,
अहिल्याबाई चौक, कल्याण,
जि.ठाणे, महाराष्ट्र-४२१३०१.
दूरभाष/फैक्स-०२५१-२२०९०६१

४) खेमराज श्रीकृष्णदास
चौक, वाराणसी (उ.प्र.) २२१००१
दूरभाष - ०५४२-२४२००७८

CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust. Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

२७ मार्च से ९ अप्रेल तक, श्री चैत्र शुक्लपक्ष संवत् २०६६, शाकः १९३१, दि.मासू. सू. तारीस्प स्टै. प्रातः दैनिक केतकी अहर्गणः ६२०० वसंतर्तू रविरुत्तरे, मार्च-अप्रेल २००९

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.व.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
नवरा.	१	शु	३५	२०	२०	३८	रेव	५६	४४	२९	१२	ब्र	१५	०९	१२	३४	किं	६	४४	९	१२	३० २८	६ ३०	६ ४१	६	२९	२७	मेषे	२९।१२	११।१२।२७।०३	५९।२२
सिंधारा	२	श	३१	४९	१९	१३	अश्वि	५४	३८	२८	२०	ऐ	९	४७	१०	२४	बा	३	४३	७	५८	३२	२९	४२	७	३०	२८	मेषे		११।१३।२६।२५	५९।२०
गणगोर	३	र	२७	२८	१७	२७	भर	५१	५०	२७	१२	वै	३ ५७	४५ ०१	७ २९	५६ ४६	ग	२७	२८	१७	२७	३६	२८	४२	८	१	२९	मेषे		११।१४।२५।४५	५९।१८
सुस्थिर	४	सो	२२	३४	१५	२८	कृत्ति	४८	३६	२५	५३	प्री	५०	०३	२६	२८	वि	२२	३४	१५	२८	४०	२७	४३	९	२	३०	वृषे	८।५३	११।१५।२५।०३	५९।१५
मातङ्ग	५	मं	१७	२३	१३	२३	रोहि	४५	१०	२४	३०	आ	४२	५६	२३	३६	बा	१७	२३	१३	२३	४५	२६	४३	१०	३	३१	वृषे		११।१६।२४।१८	५९।१३
अमृत	६	बु	१२	०४	११	१४	मृग	४९	४३	२३	०६	सो	३५	४८	२०	४४	तै	१२	०४	११	१४	४९	२४	४४	११	४	१	मिथु.	११।४८	११।१७।२३।३१	५९।११
काण	७	गु	६	४९	९	०७	आर्द्रा	३८	२२	२१	४४	शो	२८	४५	१७	५३	व	६	४९	९	०७	५३	२३	४४	१२	५	२	मिथु.		११।१८।२२।४२	५९।०८
रामनव.	८	शु	१	४२	७	०३	पुन	३५	१२	२०	२७	अ	२१	५०	१५	०६	ब	१	४२	७	०३	५७	२२	४५	१३	६	३	कर्क	१४।४६	११।१९।२१।५१	५९।०६
क्षयः	९	शु	५६	४४	२९	०४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
मित्र	१०	श	५२	०२	२७	१०	पुष्य	३२	१५	१९	१५	सु	१५	०५	१२	२३	तै	२४	२३	१६	०६	३१ ०५	२१	४६	१४	७	४	कर्क		११।२०।२०।५७	५९।०४
ए.ग्र.	११	र	४७	३८	२५	२३	श्ले	२९	३३	१८	०९	धृ	८	३२	९	४५	व	१९	५०	१४	१६	०५	२०	४६	१५	८	५	सिंहे	१८।०९	११।२१।२०।०१	५९।०२
ध्वाङ्क्ष	१२	सो	४३	३८	२३	४६	मघा	२७	१३	१७	१२	शू	२ ५६	१५ ५५	७ २८	१३ ४९	ब	१५	३६	१२	३३	०९	१९	४७	१६	९	६	सिंहे		११।२२।१९।०२	५८।५९
प्र.ग्र.	१३	मं	४०	०८	२२	२१	पूफा	२५	२१	१६	२६	वृ	५०	४६	२६	३६	को	११	५०	११	०२	१३	१८	४७	१७	१०	७	कन्या	२२।१७	११।२३।१८।०२	५८।५७
प्रवर्धमा	१४	बु	३७	२२	२१	१४	उफा	२४	०९	१५	५६	धु	४५	५३	२४	३८	ग	८	४०	९	४५	१७	१७	४८	१८	११	८	कन्या		११।२४।१६।५९	५८।५५
पूर्णिमा	१५	गु	३५	३२	२०	२८	हस्त	२३	४९	१५	४७	व्या	४१	४६	२२	५८	वि	६	२०	८	४८	२१	१६	४८	१९	१२	९	तुला.	२७।५२	११।२५।१५।५३	५८।५२

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है। शुक्रोदयः पूर्वस्याम्

नवरात्रारम्भः, शुक्रोदयः पूर्वस्याम् २७।३९, घटस्था., C
चंद्रदर्शनम् (मु.३०), श्रृंगार (सिंधारा) देशाचारे
भ. २८।२९ उ., गणगौरी पूजा, मनोरथ तृतीया व्र., मत्स्योत्पत्तिः, A
भ. १५।२८ या. [A अरुन्धती व्रतं पूजनञ्च, सौभाग्य शयन व्र., G
कल्पादि, डोलोत्सवः, स्कन्द षष्ठी व्र., रेव. रविः १०।४७ (सौरः F
अप्रेल ४ ता. ३०, पूभा. भौमः २९।२२ [F १२।४७), रेव. बुधः ९।४४
भ. ९।०७ उ. २०।०४ या., भवान्युत्पत्तिः, अशोककलिका प्राशनं
श्री रामनवमी [G शिवशक्ति पू., मन्वादि, रविलास्त्र ४
[C ध्वजारो.,आरोग्य १,विद्या १,पंचक समाप्तिः २९।१२, कल्पादि,
[B वैशाख स्नानारंभः, चित्रान्नदानं भक्षणञ्च, अश्वमेधयज्ञफलं, D
भ. १४।१६ उ. २५।२३ या., कामदा ११ व्र., लक्ष्मीकान्त दोलोत्सवः
हरि दमनोत्सवः, मेषे अश्वि. बुधः २०।५२
प्रदोषः, जैन महावीर जयंती, शिव पूजन विशेषः
भ. २१।१४ उ. [D धनि.-२ गुरुः १६।२९
भ. ८।४८ या., मन्वादि, श्री हनुमज्जयंती, पूर्णिमा व्रतंपुण्यञ्च, B

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

अयनांशाः २३।५८।२३

पं.५१ चै.शु. ४ सो. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
११	१०	११	९	११	४	९	३
१५	१७	१४	२४	११	२२	१२	१२
३०	४१	२१	४६	४९	५८	१७	१७
०२	२३	५२	०७	०९	१७	४७	४७
५९	४६	१२१	११	३८	४	३	३
१६	५५	२२	२३	११	१२	११	११
उभा	श	उभा	घ	उभा	पूफा	श्र	पु
४	४	४	१	३व	३व	१	३



ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	मार्च	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	सायं	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः
११।१२।१३।४।१७	१ शु	२७	७।२१	८।५७	९।०।५३	९।०८	३।२८	५।४४	८।००	९।०।१९	९२।३८	२।४३	४।२६	५।५५
११।१३।३३।३९	२ श	२८	७।१७	८।५३	९।०।४९	९।०४	३।२४	५।४१	७।५६	९।०।१५	९२।३४	२।३९	४।२२	५।५१
११।१४।३२।५९	३ र	२९	७।१३	८।४९	९।०।४५	९।००	३।२०	५।३७	७।५२	९।०।१२	९२।३०	२।३५	४।१८	५।४७
११।१५।३२।१७	४ च	३०	७।०९	८।४५	९।०।४१	९२।५६	३।१६	५।३३	७।४८	९।०।०८	९२।२६	२।३१	४।१४	५।४३
११।१६।३१।३२	५ मं	३१	७।०५	८।४१	९।०।३७	९२।५२	३।१२	५।२९	७।४५	९।०।०४	९२।२२	२।२७	४।१०	५।३९
११।१७।३०।४५	६ बु	१	७।०१	८।३७	९।०।३३	९२।४८	३।०८	५।२५	७।४१	९।०।००	९२।१८	२।२३	४।०६	५।३५
११।१८।२९।५५	७ गु	२	६।५७	८।३३	९।०।२९	९२।४४	३।०४	५।२१	७।३७	९।५६	९२।१४	२।१९	४।०२	५।३१
११।१९।२९।०३	८ शु	३	६।५३	८।२९	९।०।२५	९२।४०	३।००	५।१७	७।३३	९।५२	९२।१०	२।१५	३।५८	५।२७
११।२०।२८।०९	९० श	४	६।४९	८।२५	९।०।२१	९२।३६	२।५६	५।१३	७।२९	९।४८	९२।०६	२।११	३।५५	५।२३
११।२१।२७।१३	११ र	५	६।४५	८।२१	९।०।१७	९२।३२	२।५२	५।०९	७।२५	९।४४	९२।०३	२।०७	३।५१	५।१९
११।२२।२६।१४	१२ चं	६	६।४१	८।१७	९।०।१३	९२।२८	२।४८	५।०५	७।२१	९।४०	९१।५९	२।०३	३।४७	५।१५
११।२३।२५।१३	१३ मं	७	६।३७	८।१३	९।०।०९	९२।२४	२।४४	५।०१	७।१७	९।३६	९१।५५	१।५९	३।४३	५।११
११।२४।२४।१०	१४ बु	८	६।३३	८।०९	९।०।०६	९२।२०	२।४०	४।५७	७।१३	९।३२	९१।५१	१।५५	३।३९	५।०७
११।२५।२३।०४	१५ गु	९	६।२९	८।०५	९।०।०२	९२।१६	२।३६	४।५३	७।०९	९।२८	९१।४७	१।५१	३।३५	५।०३

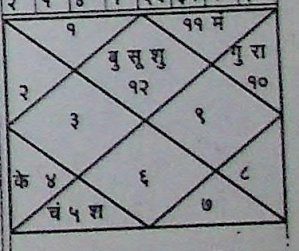
मास फलम्

इस पक्ष में प्रतिपदा को शुक्र होने से सुभिक्ष हो। पूर्णिमा हस्त युक्त होने से समर्घता हो। रेवती में बुध होने से श्रृंगार की वस्तुएं महंगी हो, व्यापारी, वैद्य, नौका से जीविका चलाने वाले, जल में उत्पन्न होने वाले द्रव्य तथा घोड़े (अश्व) पीडित हों। पूर्वा भाद्रपद पर मंगल होने से तिल, वस्त्र, कपास, सुपारी आदि महँगे हो। अश्विनी में बुध होने से जौ गेहूँ में रोग हो। ईख, दूध, रस और घी अदि सस्ते हों। मीन राशि में शुक्रोदय होने से संसार में सुख तथा सुभिक्ष हो। चैत्र में शुक्रोदय होने से उपद्रव अधिक हों।

अयनांशाः २३।५८।२४

पं.५२ चै.शु.१२ सो. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
११	१०	११	९	११	४	९	३
२२	२३	२८	२६	०७	२२	११	११
२३	०९	४४	०३	४८	३०	५५	५५
५३	१७	३५	४६	४९	११	३३	३३
५९	४६	१२४	१०	२७	३	३	३
०२	५०	२४	४३	२८	४६	११	११
रे	पूभा	रे	ध	उभा	पूफा	श्र	पु
२	१	४	१	२व	३व	१	३



CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

१० अप्रेल से २५ अप्रेल तक, श्री वैशाख कृष्णपक्ष संवत् २०६६, शाकः १९३१, दि.मा.सू. सू. तारीख्य स्टै. प्रातः दैनिक वसंतर्तू रविरुत्तरे चैत्रकृष्णेति गुर्जराः, अप्रेल २००९

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं	मि.	घ.प.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
मुसल	१	शु	३४	५१	२०	११	चित्रा	२४	३५	१६	०४	ह	३८	३६	२१	४९	बा	५	०४	८	९६	३५ ५५	६ ५५	६ ५५	२०	९३	९०	तुला.	११।२६।१४।४६	५८।५०
सिद्धि	२	श	३५	३३	२०	२७	स्वा	२६	३९	१६	५३	व	३६	३२	२०	५०	तै	५	०२	८	९४	२९	१४	४९	२१	१४	११	तुला.	११।२७।१३।३६	५८।४८
च.व्र.	३	र	३७	४५	२१	१९	विशा	३०	११	१८	१७	सि	३५	३७	२०	२७	व	६	२९	८	४८	३३	१३	५०	२२	१५	१२	वृश्चि.	११।५२	११।२८।१२।२४	५८।४६
मानस	४	सो	४१	३०	२२	४७	अनु	३५	११	२०	१६	व्य	३५	५४	२०	३३	ब	९	२८	९	५९	३७	११	५०	२३	१६	१३	वृश्चि.	११।२९।११।०९	५८।४३
मुद्गर	५	मं	४६	३६	२४	४९	ज्ये	४१	३२	२२	४७	व	३७	१५	२१	०५	कौ	१३	५५	११	४४	४१	१०	५१	२४	१७	१४	धनु.	२२।४७	०।००।०९।५३	५८।४१
ध्वजा	६	बु	५२	४३	२७	१५	मूल	४८	५४	२५	४३	ष	३९	२६	२१	५६	ग	१९	३६	१४	००	४५	०९	५१	२५	१८	१५	धनु.		०।०१।०८।३४	५८।३९
घाता	७	गु	५९	१८	२९	५२	पूषा	५६	४४	२८	५०	शि	४२	०२	२२	५७	वि	२६	०१	१६	३३	४९	०८	५२	२६	१९	१६	धनु.		०।०२।०७।१२	५८।३७
आनन्द	८	शु	...	...	...	..	उषा	...	...	...	...	सि	४४	३६	२३	५८	बा	३२	३३	१९	०९	५३	०७	५२	२७	२०	१७	मक.	११।३६	०।०३।०५।४९	५८।३४
चर	८	श	५	३९	८	२२	उषा	४	२४	७	५२	सा	४६	३९	२४	४६	कौ	५	३९	८	२२	५६	०६	५३	२८	२१	१८	मक.		०।०४।०४।२३	५८।३२
गद	९	र	११	०४	१०	३१	श्रव	११	०९	१०	३३	शु	४७	४३	२५	११	ग	११	०४	१०	३१	३२ ०००	०५	५४	२९	२२	१९	कुंभे	२३।४२	०।०५।०२।५५	५८।३०
शुभ	१०	सो	१४	५९	१२	०४	धनि	१६	३०	१२	४०	शु	४७	२९	२५	०४	वि	१४	५९	१२	०४	०४	०४	५४	३०	२३	२०	कुंभे		०।०६।०१।२५	५८।२८
ए.व्र.	११	मं	१७	०७	१२	५४	शत	२०	०६	१४	०६	ब्र	४५	४७	२४	२२	बा	१७	०७	१२	५४	०८	०३	५५	१	२४	२१	कुंभे		०।०६।५९।५३	५८।२५
प्र.व्र.	१२	बु	१७	१६	१२	५७	पूषा	२१	४७	१४	४५	ऐ	४२	३३	२३	०४	तै	१७	१६	१२	५७	१२	०२	५५	२	२५	२२	मीने	८।४०	०।०७।५८।१८	५८।२३
छत्र	१३	गु	१५	३२	१२	१४	उषा	२१	३८	१४	४१	वै	३७	५१	२१	१०	व	१५	३२	१२	१४	१५	०२	५६	३	२६	२३	मीने		०।०८।५६।४२	५८।२१
श्रीवत्स	१४	शु	१२	०५	१०	५१	रेव	१९	५०	१३	५७	वि	३१	५३	१८	४६	श	१२	०५	१०	५१	१९	०१	५६	४	२७	२४	मेषे	१३।५७	०।०९।५५।०३	५८।१९
अमाव.	३०	श	७	१५	८	५४	अश्वि	१६	४१	१२	४०	प्री	२४	५३	१५	५७	ना	७	१५	८	५४	२३	००	५७	५	२८	२५	मेषे		०।१०।५३।२२	५८।१७

दैनिक चंद्र प्रवेश सारणी, चंद्र राशि में प्रवेश का समय स्टै.टा.में है।

[A बुधः ११।५७
भ. ८।४८ उ. २१।१९ या., चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः २१।४५
अनुसूया जयंती, मेषे अश्वि. रविः २४।०७ (सौरः २६।०८), भर. A
मीने भौमः २५।०७
भ. २७।१५ उ.
भ. १६।३३ या.
बूढो वास्योड़ो, उषा. रे. ९ ।।।।।।।ऽ। दिवा ल. २, रात्रौ अ. गो. C
मार्गी शुक्रः १३।२०
[C ८।९।१२ (मीने सोग्रांगः)
भ. २३।२३ उ., पंचक प्रारम्भः २३।४२, सायन वृषे भानुः २७।५९, B
भ. १२।०४ या.
[B उभा. भौमः ८।०३
वरुथिनि ११ व्र., भा. वैशास्वारंभः, कृत्ति. बुधः १२।४८
प्रदोषः
भ. १२।१४ उ. २३।३७ या., मासिकशिवरात्री व्र., वृषे बुधः २७।४१
पंचक समाप्तिः १३।५७, पितृकार्येऽमा.
देवकार्येऽमा.

अयनांशाः २३।५८।२६

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

संक्रांति फलम्

अयनांशाः २३।५८।२७

पं. १ बै.कृ. ५ मं. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
०	१०	०	९	११	४	९	३
००	२९	१४	२७	०५	२२	११	११
१४	२३	४६	२६	१४	०२	३०	३०
५०	०९	१०	२९	५०	०५	०८	०८
५८	४६	११।०	९	८	३	३	३
४६	४१	२४	५२	१०	१०	११	११
अ	पूभा	भ	घ	उभा	पूफा	श्र	पु
१	३	१	२	१।व	३।व	१	३

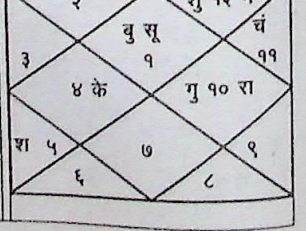


ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	अप्रे.	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	सायं	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ
११।२६।२९।५६	१ शु	१०	६।२५	८।०२	९।५८	१२।१२	२।३२	४।४९	७।०५	९।२४	११।४३	१।४८	३।३१	४।५९
११।२७।२०।४६	२ श	११	६।२२	७।५८	९।५४	१२।०८	२।२९	४।४५	७।०१	९।२०	११।३९	१।४४	३।२७	४।५६
११।२८।१९।३४	३ र	१२	६।१८	७।५४	९।५०	१२।०५	२।२५	४।४१	६।५७	९।१६	११।३५	१।४०	३।२३	४।५२
११।२९।१८।१९	४ चं	१३	६।१४	७।५०	९।४६	१२।०१	२।२१	४।३८	६।५३	९।१२	११।३१	१।३६	३।१९	४।४८
००।००।१७।०२	५ मं	१४	६।१०	७।४६	९।४२	११।५७	२।१७	४।३४	६।४९	९।०८	११।२७	१।३२	३।१५	४।४४
००।०१।१५।४३	६ बु	१५	६।०६	७।४२	९।३८	११।५३	२।१३	४।३०	६।४५	९।०५	११।२३	१।२८	३।११	४।४०
००।०२।१४।२१	७ गु	१६	६।०२	७।३८	९।३४	११।४९	२।०९	४।२६	६।४२	९।०१	११।१९	१।२४	३।०७	४।३६
००।०३।१२।५८	८ शु	१७	५।५८	७।३४	९।३०	११।४५	२।०५	४।२२	६।३८	८।५७	११।१५	१।२०	३।०३	४।३२
००।०४।११।३२	८ श	१८	५।५४	७।३०	९।२६	११।४१	२।०१	४।१८	६।३४	८।५३	११।११	१।१६	२।५९	४।२८
००।०५।१०।०३	९ र	१९	५।५०	७।२६	९।२२	११।३७	१।५७	४।१४	६।३०	८।४९	११।०७	१।१२	२।५५	४।२४
००।०६।०८।३३	१० चं	२०	५।४६	७।२२	९।१८	११।३३	१।५३	४।१०	६।२६	८।४५	११।०३	१।०८	२।५१	४।२०
००।०७।०७।००	११ मं	२१	५।४२	७।१८	९।१४	११।२९	१।४९	४।०६	६।२२	८।४१	११।००	१।०४	२।४८	४।१६
००।०८।०५।२६	१२ बु	२२	५।३८	७।१४	९।१०	११।२५	१।४५	४।०२	६।१८	८।३७	१०।५६	१।००	२।४४	४।१२
००।०९।०३।४९	१३ गु	२३	५।३४	७।१०	९।०६	११।२१	१।४१	३।५८	६।१४	८।३३	१०।५२	१२।५६	२।४०	४।०८
००।१०।०२।०९	१४ शु	२४	५।३०	७।०६	९।०३	११।१७	१।३७	३।५४	६।१०	८।२९	१०।४८	१२।५२	२।३६	४।०४
००।११।००।२८	३० श	२५	५।२६	७।०२	८।५९	११।१३	१।३३	३।५०	६।०६	८।२५	१०।४४	१२।४८	२।३२	४।००

ता. १३ अप्रेल २००९
वैशा. कृ. ४ चंद्रे मेषेऽर्कः प्र. (स्टै.)
टा. २४।०७ वारात् ३ नक्षत्रात् ४
वारनाम ध्वांक्षी वैश्यान् सुस्पदा
नक्षत्रनाम राक्षसी चाण्डालान् सुस्पदा
मध्यरात्रि २ प्रहर व्यापिनी राक्षसान्
हन्ति, उत्तरे गमनं, ऐशान्यां दृष्टिः
कौलवकरणे प्रविष्टा महर्घफलं
सिंहवाहनं वृषभोपवाहनं कष्टकारक
नीलवस्त्रं स्रुङ्गायुधं ताम्रपात्रं
मिष्ठान्नभक्षणं रक्तचंदनलेपनं
सर्पजातिः वकुलपुष्पं मोतीभूषणं
हरितकंचुकी गतालकावस्था (उभी)
मु. १५ धान्यभावे महर्घता वत्स
पश्चिमा. राहु दक्षिणे मूलं पातालेविवाहस्तंभो नैऋत्यां शुक्रोदयः
पूर्वस्याम्। पुण्यकालः (स्टै.) १८।०७
से ३०।०७ तक। (दान- मेष)।

पं. २ बै.कृ.११ मं. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
०	११	०	९	११	४	९	३
०७	०४	२६	२८	०५	२१	११	११
०५	४९	१७	३३	०९	४१	०७	०७
१२	१४	०६	०१	१२	४२	५३	५३
५८	४६	८१	९	८	२	३	३
३२	३१	२५	०२	३६	३४	११	११
अ	उभा	भ	घ	उभा	पूफा	श्र	पु
३	१	४	२	१	३।व	१	३



CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

२६ अप्रेल से ९ मई तक, श्री वैशाख शुक्लपक्ष संवत् २०६६, शाकः १९३१, दि.मा.सू. सू. तारीख स्टै. प्रातः दैनिक केतकी अहर्गणः ६२३० ग्रीष्मर्त्तू रविरुत्तरे, अप्रेल-मई २००९

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	च.प.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
काल	१	र	१	२१	६	३१	भर	१२	३३	११	००	आ	१७	०७	१२	५०	ब	१	२१	६	३१	३३ ३५	५ ५९	६ ७	६	२९	२६	वृषे	१६।३२	०।२१।५१।३९	५८।१५
क्षयः	२	र	५४	४४	२७	५३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
अक्षया	३	सो	४७	५३	२५	०७	कृति	७	५०	९	०६	सौ	८	५४	९	३२	तै	२१	२१	१४	३०	३०	५८	५८	७	१	२७	वृषे	०।१२।४९।५३	५८।१३
मातङ्ग	४	मं	४१	०४	२२	२३	रोहि	२ ५८	५४ ०४	७ २९	०७ ११	शो	० ५२	३५ ५३	६ ४९	१० ५०	च	१४	२९	११	४५	३४	५७	५९	८	२	२८	मिथु.	०।१४।४६।१७	५८।०९
मुसल	५	बु	३४	३३	१९	४५	आर्द्रा	५३	३९	२७	२४	सु	४४	१४	२३	३८	ब	७	४७	९	०३	३७	५६	५९	९	३	२९	मिथु.	०।१४।४६।१७	५८।०९
सिद्धि	६	गु	२८	३४	१७	२१	पुन	४९	४९	२५	५१	धृ	३६	४२	२०	३६	कौ	१	३१	६	३२	४१	५५	७ ०००	१०	४	३०	कर्के	२०।१३	०।१५।४४।२५	५८।०६
उत्पात	७	शु	२३	१४	१५	१२	पुष्य	४६	३९	२४	३४	शू	२९	४३	१७	४८	व	२३	१४	१५	१२	४४	५५	००	११	५	१	कर्के		०।१६।४२।३२	५८।०४
मानस	८	श	१८	३७	१३	२०	श्लेषा	४४	१५	२३	३६	गं	२३	१९	१५	१३	ब	१८	३७	१३	२०	४८	५४	०१	१२	६	२	सिंहे	२३।३६	०।१७।४०।३६	५८।०२
मुद्गर	९	र	१४	४५	११	४७	मघा	४२	३५	२२	५५	वृ	१७	३३	१२	५४	कौ	१४	४५	११	४७	५१	५३	०१	१३	७	३	सिंहे		०।१८।३८।३८	५८।००
ध्वजा	१०	सो	११	४०	१०	३२	पूफा	४१	४२	२२	३३	ध्रु	१२	२५	१०	५०	ग	११	४०	१०	३२	५४	५२	०२	१४	८	४	कन्या	२८।३१	०।१९।३६।३९	५७।५८
ए.व्र.	११	मं	९	२२	९	३६	उफा	४१	३८	२२	३१	व्या	७	५४	९	०१	वि	९	२२	९	३६	५८	५१	०३	१५	९	५	कन्या		०।२०।३४।३७	५७।५६
प्र.व्र.	१२	बु	७	५६	९	०१	हस्त	४२	२६	२२	४९	ह	४	०५	७	२९	बा	७	५६	९	०१	३३ ३४	५१	०३	१६	१०	६	कन्या		०।२१।३२।३४	५७।५५
चर	१३	गु	७	२३	८	४७	चित्रा	४४	१०	२३	३०	व	० ५८	५९ ३७	६ २९	१३ ५९	तै	७	२३	८	४७	०४	५०	०४	१७	११	७	तुला.	१९।०६	०।२२।३०।२८	५७।५३
गद	१४	शु	७	५०	८	५७	स्वा	४६	५५	२४	३५	व्य	५७	०९	२८	४१	व	७	५०	८	५७	०७	४९	०४	१८	१२	८	तुला.		०।२३।२८।२१	५७।५१
पूर्णिमा	१५	श	९	२१	९	३३	विशा	५०	४६	२६	०७	व	५६	३२	२८	२५	ब	९	२१	९	३३	११	४९	०५	१९	१३	९	वृश्चि.	१९।४१	०।२४।२६।१२	५७।४९

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।

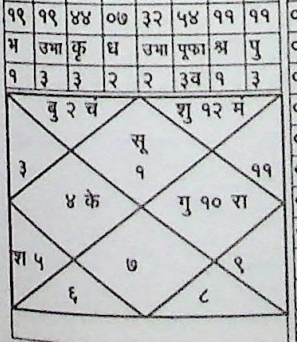
चंद्रदर्शनम् (मृ.३०), शिवाजी जयंती

[A युगादि, भर. रविः १५।५८ (सौरः १८।२२), अगस्त्यास्तः १७।४८
कल्पादि, परशुराम जयंती, अक्षय तृतीया, जमादिलावल ५, A
भ. ११।४५ उ. २२।२३ या. मृगे रे. १० ||||||||| रात्रौ ल. ९।१२ B
श्री आद्यशंकराचार्य जयंती [B (धनु. चं. ७ पू., मीनः सोग्रांगः)
श्री रामानुज जयंती [C धनि.-३ गुरुः १३।५४
भ. १५।१२ उ. २६।१४ या., गंगोत्पत्ति, मई ५ ता. ३१, कुंभे C
[F दो., मीनः सोग्रांगः), टैगोर जयन्ती, वक्री बुधः २१।३३
सीता ९ [D ३।५, रात्रौ अ. गो. ८ (मिथु. स्टै. ९।३६ उप. सिंहः E
भ. २२।०२ उ. [E सोग्रांगः, वृश्चि बु. ७ दो.)
भ. ९।३६ या., मोहिनी ११ व्र., उफा. रे. ९ ||||||S||| दिवा ल. D
प्रदोषः, रेव. भौमः १४।२६
नृसिंह १४, स्वातौ रे. ९ ||||||S|| रात्रौ ल. ११।१२ (कुंभे श. ७ F
भ. ८।५७ उ. २१।१२ या., कूर्मोत्पत्तिः, पूर्णिमा व्रतं
पूर्णिमा पुण्यं, वैशाखस्नानपूर्त्तिः, धर्म प्रीत्यर्थं जलकुंभदानं

अयनांशाः २३।५८।२८

पं. ३ बै.शु. ४ मं. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
०	११	१	९	११	४	९	३
१३	१०	०४	२९	०६	२१	१०	१०
५४	१४	०४	३३	५२	२५	४५	४५
०१	०५	४९	३१	५५	४२	३९	३९
५८	४६	४६	८	२२	१	३	३
१९	१९	४४	०७	३२	५४	११	११
भ	उभा	कृ	ध	उभा	पूफा	श्र	पु
१	३	३	२	२	३व	१	३



|| दैनिक लग्न प्रवेश सारणी || स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ||

ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	अप्रे.	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	सायँ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ
००।१९।५८।४५	९ र	२६	५।२२	६।५९	८।५५	११।०९	१।२९	३।४६	६।०२	८।२१	१०।४०	१२।४४	२।२८	३।५६
००।१२।५६।५९	३ चं	२७	५।१८	६।५५	८।५१	११।०५	१।२५	३।४२	५।५८	८।१७	१०।३६	१२।४१	२।२४	३।५२
००।१३।५५।१२	४ मं	२८	५।१५	६।५१	८।४७	११।०१	१।२२	३।३८	५।५४	८।१३	१०।३२	१२।३७	२।२०	३।४९
००।१४।५३।२२	५ बु	२९	५।११	६।४७	८।४३	१०।५८	१।१८	३।३४	५।५०	८।०९	१०।२८	१२।३३	२।१६	३।४५
००।१५।५१।३०	६ गु	३०	५।०७	६।४३	८।३९	१०।५४	१।१४	३।३१	५।४६	८।०५	१०।२४	१२।२९	२।१२	३।४१
००।१६।४९।३६	७ शु	१	५।०३	६।३९	८।३५	१०।५०	१।१०	३।२७	५।४२	८।०२	१०।२०	१२।२५	२।०८	३।३७
००।१७।४७।४०	८ श	२	४।५९	६।३५	८।३१	१०।४६	१।०६	३।२३	५।३८	७।५८	१०।१६	१२।२१	२।०४	३।३३
००।१८।४५।४२	९ र	३	४।५५	६।३१	८।२७	१०।४२	१।०२	३।१९	५।३५	७।५४	१०।१२	१२।१७	२।००	३।२९
००।१९।४३।४३	१० चं	४	४।५१	६।२७	८।२३	१०।३८	१२।५८	३।१५	५।३१	७।५०	१०।०८	१२।१३	१।५६	३।२५
००।२०।४१।४१	११ मं	५	४।४७	६।२३	८।१९	१०।३४	१२।५४	३।११	५।२७	७।४६	१०।०४	१२।०९	१।५२	३।२१
००।२१।३९।३७	१२ बु	६	४।४३	६।१९	८।१५	१०।३०	१२।५०	३।०७	५।२३	७।४२	१०।००	१२।०५	१।४८	३।१७
००।२२।३७।३१	१३ गु	७	४।३९	६।१५	८।११	१०।२६	१२।४६	३।०३	५।१९	७।३८	९।५६	१२।०१	१।४४	३।१३
००।२३।३५।२४	१४ शु	८	४।३५	६।११	८।०७	१०।२२	१२।४२	२।५९	५।१५	७।३४	९।५३	११।५७	१।४१	३।०९
००।२४।३३।१४	१५ श	९	४।३१	६।०७	८।०३	१०।१८	१२।३८	२।५५	५।११	७।३०	९।४९	११।५३	१।३७	३।०५

मास फलम्

अयनांशाः २३।५८।२९

इस माह में पांच शुक्रवार होने से प्रजा की वृद्धि हो यथा- प्रजावृद्धिस्तु मार्गवे॥ पांच शनिवार होने से महँगाई हो। कृ. चतुर्दशी शुक्रवार होने से पृथ्वी पर अन्नोत्पत्ति उत्तम हो। वैशाख्सी शनिवारी अमावस को अश्विनी होने से महर्ध-समर्ध मध्यम हो। शुक्ला तृतिया को कृतिका होने से मध्यम वर्ष जानना। शुक्ला पंचमी को बुधवार होने से पवन अधिक चले। शुक्लाष्टमी को शनिवार होने से जल शोष, प्रजापीड़ित और राजनीति में हलचल हो। वैशाख्स शुक्ल नौमी को मघा होने से पृथ्वी पर कष्ट हो। शुक्ला चतुर्दशी को शुक्रवार होने से पृथ्वी पर अन्नोत्पत्ति उत्तम हो। पूर्णिमा शनिवार और विशाख्सा युक्त होने से दुर्भिक्ष हो।

पं. ४ बै.शु.११ मं. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
०	११	१	१०	११	४	९	३
२०	१५	०७	००	१०	२१	१०	१०
४१	३७	३८	२७	०४	१४	२३	२३
२३	२८	५९	२४	३७	२५	२४	२४
५८	४६	८	७	३३	१	३	३
०७	०५	४९	०८	२०	१३	११	११
भ	उभा	कृ	ध	उभा	पूफा	श्र	पु
३	४	४	३	३	३व	१	३



CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

१० मई से २४ मई तक, श्री ज्येष्ठ कृष्णपक्ष संवत् २०६६, शाकः १९३१, दि.मासू. सू. तारीख स्टै. प्रातः दैनिक ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे वैशाख्यकृष्णेति गुर्जराः, मई २००९

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
मृत्यु	१	र	१२	०२	१०	३७	अनु	५५	४५	२८	०६	प	५६	५१	२८	३२	कौ	१२	०२	१०	३७	३३ १४	५ ४८	७ ०५	२०	१४	१०	वृश्चि.	०।२५।२४।०१	५७।४७
पद्म	२	सो	१५	५३	१२	०८	ज्ये	...	...	...	...	शि	५८	०३	२९	००	ग	१५	५३	१२	०८	१७	४७	०६	२१	१५	११	वृश्चि.	०।२६।२१।४८	५७।४५
च.व्र.	३	मं	२०	५०	१४	०७	ज्ये	१	५२	६	३१	सि	...	...	...	...	वि	२०	५०	१४	०७	२०	४७	०७	२२	१६	१२	धनु. ६।३१	०।२७।१९।३३	५७।४३
ध्वजा	४	बु	२६	४४	१६	२७	मूल	८	५५	९	२०	सि	०	०३	५	४७	बा	२६	४४	१६	२७	२३	४६	०७	२३	१७	१३	धनु.	०।२८।१७।१६	५७।४२
धाता	५	गु	३३	१०	१९	०२	पूषा	१६	३७	१२	२४	सा	२	३४	६	४७	तै	३३	१०	१९	०२	२६	४५	०८	२४	१८	१४	मक. १९।११	०।२९।१४।५८	५७।४०
आनन्द	६	शु	३९	३८	२१	३६	उषा	२४	२९	१५	३२	शु	५	१९	७	५३	ग	६	२८	८	२०	२९	४५	०८	२५	१९	१५	मक.	१।००।१२।३८	५७।३८
सुस्थिर	७	श	४५	३०	२३	५६	श्रव	३१	५४	१८	३०	शु	७	५२	८	५३	वि	१२	४२	१०	४९	३१	४४	०९	२६	२०	१६	मक.	१।०१।१०।१६	५७।३७
मातङ्ग	८	र	५०	०८	२५	४७	धनि	३८	१६	२१	०२	ब्र	९	४४	९	३७	बा	१८	०१	१२	५६	३४	४४	०९	२७	२१	१७	कुंभे ७।५०	१।०२।०७।५३	५७।३५
अमृत	९	सो	५३	००	२६	५५	शत	४३	०१	२२	५६	ऐ	१०	३०	९	५५	तै	२१	४८	१४	२७	३७	४३	१०	२८	२२	१८	कुंभे	१।०३।०५।२८	५७।३३
काण	१०	मं	५३	५०	२७	१५	पूभा	४५	४९	२४	०३	वै	९	५०	९	३९	व	२३	४१	१५	११	३९	४३	११	२९	२३	१९	मीने १७।५०	१।०४।०३।०१	५७।३२
ए.व्र.	११	बु	५२	३२	२६	४३	उभा	४६	३३	२४	१९	वि	७	३२	८	४३	ब	२३	२७	१५	०५	४२	४२	११	३०	२४	२०	मीने	१।०५।००।३३	५७।३०
मित्र	१२	गु	४९	१२	२५	२३	रेव	४५	१४	२३	४८	प्री	३ ५७	३३ ५६	७ २८	०७ ५२	कौ	२१	०७	१४	०९	४५	४२	१२	३१	२५	२१	मेषे २३।४८	१।०५।५८।०३	५७।२९
प्र.व्र.	१३	शु	४४	०४	२३	१९	अश्वि	४२	०८	२२	३३	सौ	५०	५६	२६	०४	ग	१६	५१	१२	२६	४७	४१	१२	१	२६	२२	मेषे	१।०६।५५।३१	५७।२७
ध्वाङ्क्ष	१४	श	३७	३१	२०	४१	भर	३७	३५	२०	४३	शो	४२	४७	२२	४८	वि	१०	५७	१०	०४	४९	४१	१३	२	२७	२३	वृषे २६।११	१।०७।५२।५८	५७।२६
अमाव.	३०	र	२९	५६	१७	३९	कृति	३२	००	१८	२९	अ	३३	४८	१९	१२	च	३	५०	७	१३	५२	४१	१३	३	२८	२४	वृषे	१।०८।५०।२४	५७।२४

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है ।
बुधास्तः पश्चिमायाम् २४।२८ [A (सौरः १३।२१)
भ. २५।०४ उ., नारद जयंती, वीणादानं, कृत्ति. रविः १०।०९ A
भ. १४।०७ या., अंगारकी चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः २२।१६, मूले. B
[B रे. १० ||||||||| रात्रौ ल. गोधूलि, उषा.-४ राहुः १४।२९, C
वृषे रविः २१।०२ (सौरः २४।३०) [C पुष्ये-२ केतुः १४।२९
भ. २१।३६ उ., रेव. शुक्रः १०।३२
भ. १०।४९ या. [D ९ (सिं सोग्रांगः, गु. ७ पू.), सायन मिथुने E
पंचक प्रारम्भः ७।५०, मार्गी शनिः २२।३८ [E भानुः २७।०९
[M भाऊका ३०, वट सावित्री व्र. (मरु.)
भ. १५।११ उ. २७।१५ या., उभा. रे. ८ ||||||ऽऽ|| रात्रौ ल. १
अपरा ११ व्र., उमा. रे. ८ ||||||ऽऽ|| दिवा ल. ५, रात्रौ अ. गो. D
पंचक समाप्तिः २३।४८
भ. २३।१९ उ., प्रदोषः, मासिकशिवरात्री व्र., भा. ज्येष्ठारंभः
भ. १०।०४ या., मेषे अश्वि. भौमः २६।३०
शनैश्चर जयन्ती, देवपितृकार्येऽमा., बटपूजनम् मरुस्थले, M

अयनांशाः २३।५८।३०

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

पं. ५ ज्ये.कृ. ३ मं. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
०	११	१	१०	११	४	९	३
२७	२०	०६	०१	१४	२१	१०	१०
२७	५९	५४	१४	२३	०८	०१	०१
२४	०९	१३	०६	४३	०६	०९	०९
५७	४५	२४	६	४१	०	३	३
५५	४९	०७	०४	३१	२९	११	११
कृ	रे	कृ	घ	रे	पूफा	उभा	पु
१	२	४व	३	४	३व	१	३



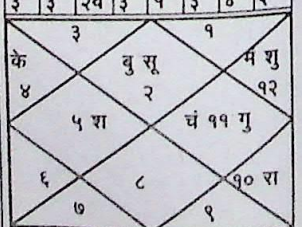
ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	नई	रात्री	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	सायं	रात्री	रात्री	रात्री	रात्री
००।२५।३९।०३	१ र	१०	४।२७	६।०३	७।५९	९०।१४	९२।३४	२।५१	५।०७	७।२६	९।४५	११।४९	१।३३	३।०१
००।२६।२८।४९	२ चं	११	४।२३	५।५९	७।५६	९०।१०	९२।३०	२।४७	५।०३	७।२२	९।४१	११।४५	१।२९	२।५७
००।२७।२६।३४	३ मं	१२	४।१९	५।५५	७।५२	९०।०६	९२।२६	२।४३	४।५९	७।१८	९।३७	११।४१	१।२५	२।५३
००।२८।२४।१८	४ बु	१३	४।१५	५।५२	७।४८	९०।०२	९२।२२	२।३९	४।५५	७।१४	९।३३	११।३७	१।२१	२।४९
००।२९।२१।५९	५ गु	१४	४।११	५।४८	७।४४	९।५८	९२।१८	२।३५	४।५१	७।१०	९।२९	११।३४	१।१७	२।४५
०९।००।९९।३९	६ शु	१५	४।०८	५।४४	७।४०	९।५४	९२।१५	२।३१	४।४७	७।०६	९।२५	११।३०	१।१३	२।४२
०९।०९।९७।१७	७ श	१६	४।०४	५।४०	७।३६	९।५१	९२।११	२।२७	४।४३	७।०२	९।२१	११।२६	१।०९	२।३८
०९।०२।९४।५३	८ र	१७	४।००	५।३६	७।३२	९।४७	९२।०७	२।२४	४।३९	६।५८	९।१७	११।२२	१।०५	२।३४
०९।०३।९२।२८	९ चं	१८	३।५६	५।३२	७।२८	९।४३	९२।०३	२।२०	४।३५	६।५५	९।१३	११।१८	१।०१	२।३०
०९।०४।९०।०१	१० मं	१९	३।५२	५।२८	७।२४	९।३९	९१।५९	२।१६	४।३१	६।५१	९।०९	११।१४	१२।५७	२।२६
०९।०५।०७।३२	११ बु	२०	३।४८	५।२४	७।२०	९।३५	९१।५५	२।१२	४।२८	६।४७	९।०५	११।१०	१२।५३	२।२२
०९।०६।०५।०२	१२ गु	२१	३।४४	५।२०	७।१६	९।३१	९१।५१	२।०८	४।२४	६।४३	९।०१	११।०६	१२।४९	२।१८
०९।०७।०२।३०	१३ शु	२२	३।४०	५।१६	७।१२	९।२७	९१।४७	२।०४	४।२०	६।३९	८।५७	११।०२	१२।४५	२।१४
०९।०७।५९।५७	१४ श	२३	३।३६	५।१२	७।०८	९।२३	९१।४३	२।००	४।१६	६।३५	८।५३	११।०८	१२।४१	२।१०
०९।०८।५७।२२	३० र	२४	३।३२	५।०८	७।०४	९।१९	९१।३९	१।५६	४।१२	६।३१	८।४९	११।५४	१२।३७	२।०६

संक्रांति फलम्

ता. १४ मई २००९
ज्ये. कृ. ५ गुरौ वृषेऽर्कः प्र. (स्टै.)
टा. २१।०२ वारात् ४ नक्षत्रात् ४
वारनाम नंदा गणकान् सुस्त्यदा
नक्षत्रनाम नंदा गणकान् सुस्त्यदा प्रदोष
व्यापिनी पिशाचान् हन्ति, दक्षिणे गमनं
नैऋत्यां दृष्टिः गरकरणे प्रविष्टा
मध्यमफलं हस्तीवाहनं स्वरोपवाहनं
लक्ष्मीकारक रक्तवस्त्रं धनुष्यायुधं
लोहपात्रं दुग्धभक्षणं गोरोचनलेप्यनं
पशुजातिः विल्वपुष्पं मुकुटभूषणं
श्वेतकंचुकी प्रौढावस्था (बैठी) मु.
४५ धान्यभावे समर्घ वत्स उत्तरे राहु
पश्चिमा. मूलं पाताले विवाहस्तंभो
ऽग्निकोणे शुक्रोदयः पूर्वस्याम् ।
पुण्यकालः (स्टै.) १४।३८ से २१।०२
तक । (दान- गौ) ।

अयनांशाः २३।५८।३१

पं. ६ ज्ये.कृ.१० मं. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
१	११	१	१०	११	४	९	३
०४	२६	०३	०१	१९	२१	०९	०९
१२	१८	१७	५३	३३	०६	३८	३८
११	५५	१४	०७	४५	५१	५४	५४
५७	४५	३४	४	४७	०	३	३
४५	३२	४४	५५	४२	१४	११	११
कृ	रे	कृ	घ	रे	पूफा	उभा	पु
३	३	२व	३	१	३	४	२



CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

२५ मई से ७ जून तक, श्री ज्येष्ठ शुक्लपक्ष संवत् २०६६, शाकः १९३१, दि.मासू. सू. तारीख स्टै. प्रातः दैनिक केतकी अहर्गणः ६२५९ ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे, मई-जून २००९

योगः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
प्रवर्धमा	१	सो	२१	४४	१४	२२	रोहि	२५	४९	१६	००	सु	२४	२१	१५	२५	ब	२१	४४	१४	२२	३३ ५४	५ ४०	७ १४	४	२९	२५	मिथु. २६।४३	१।०९।४७।४८	५७।२३
राक्षस	२	मं	१३	२१	११	००	मृग	१९	२८	१३	२७	धृ	१४	४६	११	३४	कौ	१३	२१	११	००	५६	४०	१४	५	१	२६	मिथु.	१।१०।४५।१९	५७।२१
मुसल	३	बु	५	०९	७	४३	आर्द्रा	१३	२२	११	००	शू	५ ५६	२१ २१	७ २८	४८ ४२	ग	५	०९	७	४३	५८	४०	१५	६	२	२७	कर्क २७।१९	१।११।४२।३२	५७।२०
क्षयः	४	बु	५७	२८	२८	३९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
सिद्धि	५	गु	५०	३५	२५	५३	पुन	७	५०	८	४७	वृ	४८	०१	२४	५२	ब	२३	५४	१५	१३	३४ ५०	३९	१६	७	३	२८	कर्क	१।१२।३९।५२	५७।१९
उत्पात	६	शु	४४	४१	२३	३२	पुष्य	३ ५३	०८ २९	६ ५५	५५ ३१	घु	४०	३१	२१	५२	कौ	१७	३०	१२	३९	०२	३९	१६	८	४	२९	सिंहे २९।२७	१।१३।३७।१०	५७।१७
पद्म	७	श	३९	५५	२१	३७	मघा	५६	५९	२८	२७	व्या	३३	५६	१९	१३	ग	१२	१०	१०	३१	०४	३९	१७	९	५	३०	सिंहे	१।१४।३४।२७	५७।१६
छत्र	८	र	३६	२३	२०	१२	पूफा	५५	४४	२७	५६	ह	२८	२१	१६	५९	वि	८	०१	८	५१	०६	३९	१७	१०	६	३१	सिंहे	१।१५।३१।४३	५७।१५
श्रीवत्स	९	सो	३४	०८	१९	१८	उफा	५५	४४	२७	५६	व	२३	४८	१५	०९	वा	५	०६	७	४१	०८	३८	१८	११	७	१	कन्या ९।५३	१।१६।२८।५८	५७।१४
गंगा	१०	मं	३३	०७	१८	५३	हस्त	५६	५८	२८	२६	सि	२०	१४	१३	४४	तै	३	२८	७	०२	०९	३८	१८	१२	८	२	कन्या	१।१७।२६।१२	५७।१२
ए.व्र.	११	बु	३३	२१	१८	५९	चित्रा	५९	२४	२९	२४	व्य	१७	४१	१२	४३	व	३	०६	६	५३	११	३८	१९	१३	९	३	तुला. १६।५१	१।१८।२३।२४	५७।११
सुस्थिर	१२	गु	३४	४६	१९	३३	स्वा	...	...	...	...	व	१६	०५	१२	०४	ब	३	५५	७	१२	१२	३८	१९	१४	१०	४	तुला.	१।१९।२०।३५	५७।१०
प्र.व्र.	१३	शु	३७	१८	२०	३३	स्वा	२	५८	६	४९	प	१५	२१	११	४६	कौ	५	५५	८	००	१४	३८	१९	१५	११	५	वृश्चि. २६।०९	१।२०।१७।४५	५७।०९
शुभ	१४	श	४०	४९	२१	५७	विशा	७	३३	८	३९	शि	१५	२७	११	४९	ग	८	५७	९	१२	१५	३८	२०	१६	१२	६	वृश्चि.	१।२१।१४।५५	५७।०८
पूर्णिमा	१५	र	४५	१५	२३	४४	अनु	१३	०४	१०	५२	सि	१६	१६	१२	०८	वि	१२	५६	१०	४८	१६	३८	२०	१७	१३	७	वृश्चि.	१।२२।१२।०३	५७।०७

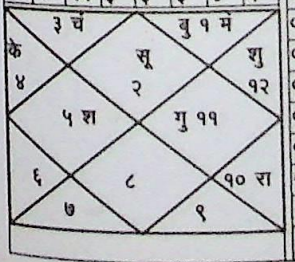
यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।
चंद्रदर्शनम् (मु.३०), भाऊका-करिदिन, श्री गंगादशाश्वमेधस्नान A
रंभा व्रतं, जमादिलास्सर ६, मृगे रे. १० ||||||||||| दिवा ल. ५ B
भ. १८।०९ उ. २८।३९ या., प्रताप जयंती [B (सोग्रांगः, गु. ७ घू.)
[A प्रा., रोहि. रविः ६।२४ (सौरः १०।४७),(व) मेषे बुधः १७।१२
[C (सोग्रांगः , स्टै. २७।५६ उप.), धूमावती जयंती, बुधोदयः D
[D पूर्वस्याम् १५।२६, मार्गी बुधः २६।४०, मेषे अश्वि. शुक्रः १०।०२
भ. २१।३७ उ.,शनौ मघा रे. ७ ||||SISSI| दिवा ल. ३,रात्रौ अ.गो.
भ. ८।५१ या., दुर्गाष्टमी, उफा. रे. ९ ||||||SI|| रात्रौ ल. १ C
जून ६ ता. ३०, उफा.रे. ९ ||||||SI|| दिवा ३।५, रात्रौ गो. ९।१२
गंगा दशहरा व्र., हस्ते रे. ९ ||||||||SI| दिवा ल. ३।५
भ. ६।५३ उ. १८।५९ या., निर्जला ११ व्र.
स्वातौ रे. ८ SI||SI|||| दिवा ल. ३।५ रात्रौ अ. गो. ९।१२
प्रदोषः,वट सावित्री व्रतारंभः [E धन.स्टै.२१।५७ या.), वृषेबुधः ६।२२
भ. १०।४८ या., मन्वादि, गुर्जराणां वटसावित्री व्रतं, अब्द साध्य E
भ. १०।४८ या.,मन्वादि, गुर्जराणां वटसावित्रीव्रतं, अब्दसाध्यव्र., P
[P व्र., कबीर जयंती, ज्येष्ठी योगः, मृगे रविः २८।१८

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

अयनांशाः २३।५८।३२

पं. ७ ज्ये.शु. २ मं. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
१	०	०	१०	११	४	९	३
१०	०१	२९	०२	२५	२१	०९	०९
५५	३६	४८	२३	२२	१०	१६	१६
५३	३२	१०	५५	२२	४२	३९	३९
५७	४५	१९	३	५२	०	३	३
३६	१२	२६	४२	२५	५८	११	११
रो	अ	कृ	घ	रे	पूफा	उषा	पु
१	१	१व	३	३	३	४	२



ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	मई	रात्रौ	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	सायं	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ
०१।०९।५४।४६	१ चं	२५	३।२८	५।०४	७।००	९।१५	११।३५	९।५२	४।०८	६।२७	८।४६	१०।५०	१२।३४	२।०२
०१।१०।५२।०८	२ मं	२६	३।२४	५।००	६।५६	९।११	११।३१	९।४८	४।०४	६।२३	८।४२	१०।४६	१२।३०	१।५८
०१।११।४९।२९	३ बु	२७	३।२०	४।५६	६।५२	९।०७	११।२७	९।४४	४।००	६।१९	८।३८	१०।४२	१२।२६	१।५४
०१।१२।४६।४९	४ गु	२८	३।१६	४।५२	६।४९	९।०३	११।२३	९।४०	३।५६	६।१५	८।३४	१०।३८	१२।२२	१।५०
०१।१३।४४।०७	५ शु	२९	३।१२	४।४८	६।४५	८।५९	११।१९	९।३६	३।५२	६।११	८।३०	१०।३४	१२।१८	१।४६
०१।१४।४१।२४	६ श	३०	३।०८	४।४५	६।४१	८।५५	११।१५	९।३२	३।४८	६।०७	८।२६	१०।३०	१२।१४	१।४२
०१।१५।३८।४०	७ र	३१	३।०४	४।४१	६।३७	८।५१	११।११	९।२८	३।४४	६।०३	८।२२	१०।२७	१२।१०	१।३८
०१।१६।३५।५५	८ चं	१	३।०१	४।३७	६।३३	८।४७	११।०८	९।२४	३।४०	५।५९	८।१८	१०।२३	१२।०६	१।३५
०१।१७।३३।०८	९ मं	२	२।५७	४।३३	६।२९	८।४४	११।०४	९।२०	३।३६	५।५५	८।१४	१०।१९	१२।०२	१।३१
०१।१८।३०।२०	१० बु	३	२।५३	४।२९	६।२५	८।४०	११।००	९।१७	३।३२	५।५१	८।१०	१०।१५	११।५८	१।२७
०१।१९।२७।३१	११ गु	४	२।४९	४।२५	६।२१	८।३६	१०।५६	९।१३	३।२८	५।४८	८।०६	१०।११	११।५४	१।२३
०१।२०।२४।४१	१२ शु	५	२।४५	४।२१	६।१७	८।३२	१०।५२	९।०९	३।२४	५।४४	८।०२	१०।०७	११।५०	१।१९
०१।२१।२१।५०	१३ श	६	२।४१	४।१७	६।१३	८।२८	१०।४८	९।०५	३।२१	५।४०	७।५८	१०।०३	११।४६	१।१५
०१।२२।१८।५८	१४ र	७	२।३७	४।१३	६।०९	८।२४	१०।४४	९।०१	३।१७	५।३६	७।५४	९।५९	११।४२	१।११

मास फलम्

इस माह में पांच रविवार नेष्ट फलप्रद हैं यथा- एकमासेरवेर्वाराः पंचनस्युः शुभावहाः॥ कृष्णा प्रतिपदा को रविवार होने से पवन अधिक चले। कृष्णा द्वादशी में रेवती होने से कष्ट हो। अमावस्या रविवार कृतिका योग सुभिक्ष और सुस्पद है। शुक्ला चतुर्थी का क्षय होने से मूंग घी महंगें हों। ज्येष्ठ सुदी तीज को आर्द्रा में वर्षा हो तो दुर्भिक्ष करे। पूर्णिमा अनुराधा युक्त होने से दुर्भिक्ष हो। गुरुवार की सक्रांति होने से सभी पीत वर्ण वाली वस्तुओं के भाव तेज हों, धान्यादि भाव मंदे हों, अन्नोत्पत्ति उत्तम हो, प्रजा सात्विक कर्म अधिक करें।

अयनांशाः २३।५८।३३

पं. ८ ज्ये.शु.१० मं. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
१	०	०	१०	०	४	९	३
१७	०६	२८	०२	०१	२१	०८	०८
३८	५१	५४	४६	४०	१९	५४	५४
३७	४८	४२	०१	३७	३५	२४	२४
५७	४४	९	२	५६	१	३	३
२८	५०	२२	२६	०३	४९	११	११
रो	अ	कृ	घ	अ	पूफा	उषा	पु
३	३	१	३	१	३	४	२



CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

८ जून से २२ जून तक, श्री आषाढ़ कृष्णपक्ष संवत् २०६६, शाकः १९३१, दि.मा.सू. सू. तारीख स्टै. प्रातः दैनिक ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे ज्येष्ठकृष्णेति गुर्जराः, जून २००९

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
पद्म	१	सो	५०	२८	२५	४९	ज्ये	१९	२५	१३	२४	सा	१७	४४	१२	४३	बा	१७	४५	१२	४४	३४/३८	५/३८	७/२९	१८	१४	८	धनु. १३।२४	१।२३।०९।१०	५७।०६
छत्र	२	मं	५६	२९	२८	१०	मूल	२६	२७	१६	१३	शु	१९	४६	१३	३२	तै	२३	२०	१४	५८	१९	३८	२१	१९	१५	९	धनु.	१।२४।०६।१६	५७।०५
श्रीवत्स	३	बु	...	...	..	..	पूषा	३४	०२	१९	१४	शु	२२	१५	१४	३२	व	२९	२८	१७	२५	२०	३८	२२	२०	१६	१०	मक. २६।०१	१।२५।०३।२१	५७।०४
च.व्र.	३	गु	२	४०	६	४२	उषा	४१	५१	२२	२२	ब्र	२४	५८	१५	३७	वि	२	४०	६	४२	२१	३८	२२	२१	१७	११	मक.	१।२६।००।२५	५७।०३
धूम्र	४	शु	९	०५	९	१६	श्रव	४९	३२	२५	२६	ऐ	२७	४०	१६	४२	बा	९	०५	९	१६	२१	३८	२२	२२	१८	१२	मक.	१।२६।५७।२९	५७।०३
प्रवर्धमा	५	श	१५	०८	११	४१	धनि	५६	३३	२८	१५	वै	२९	५८	१७	३७	तै	१५	०८	११	४१	२२	३८	२३	२३	१९	१३	कुंभे १४।५४	१।२७।५४।३१	५७।०२
राक्षस	६	र	२०	१९	१३	४५	शत	...	...	..	..	वि	३१	३१	१८	१४	व	२०	१९	१३	४५	२३	३८	२३	२४	२०	१४	कुंभे	१।२८।५१।३३	५७।०१
अमृत	७	सो	२४	०५	१५	१६	शत	२	२४	६	३६	प्री	३१	५५	१८	२४	ब	२४	०५	१५	१६	२३	३८	२३	२५	२१	१५	मीने २५।५५	१।२९।४८।३४	५७।००
काण	८	मं	२६	०१	१६	०२	पूभा	६	३६	८	१६	आ	३०	५२	१७	५९	कौ	२६	०१	१६	०२	२४	३८	२४	२६	२२	१६	मीने	२।००।४५।३५	५७।००
लुम्बक	९	बु	२५	५४	१६	००	उभा	८	५१	९	११	सौ	२८	११	१६	५४	ग	२५	५४	१६	००	२४	३८	२४	२७	२३	१७	मीने	२।०१।४२।३४	५६।५९
मित्र	१०	गु	२३	३९	१५	०६	रेव	९	००	९	१४	शो	२३	४७	१५	०९	वि	२३	३९	१५	०६	२५	३८	२४	२८	२४	१८	मेषे ९।१४	२।०२।३९।३३	५६।५८
ए.व्र.	११	शु	१९	२४	१३	२४	अश्वि	७	०८	८	३०	अ	१७	४७	१२	४५	बा	१९	२४	१३	२४	२५	३८	२४	२९	२५	१९	मेषे	२।०३।३६।३२	५६।५८
प्र.व्र.	१२	श	१३	२४	११	००	भर	३/५८	२७/२६	७/२८	०५/५७	सु	१०	१९	९	४६	तै	१३	२४	११	००	२५	३९	२५	३०	२६	२०	वृषे १२।३३	२।०४।३३।३०	५६।५७
घाता	१३	र	५	५९	८	०२	रोहि	५२	००	२६	२७	धृ	५/५२	४०/०८	६/२६	१९/३०	व	५	५९	८	०२	२५	३९	२५	३१	२७	२१	वृषे	२।०५।३०।२७	५६।५७
क्षयः	१४	र	५७	३३	२८	४०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
अमाव.	३०	सो	४८	२९	२५	०३	मृग	४५	०४	२३	४१	गं	४२	०३	२२	२८	च	२३	०४	१४	५३	२५	३९	२५	१	२८	२२	मिथु. १३।०५	२।०६।२७।२४	५६।५७

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है ।
मृगे सौरः १०।११, मूले रे. ८ ।।।।ऽ।।ऽ।। रात्रौ ल. गो. १२।१
मूले रे. ८ ।।।।ऽ।।ऽ।। दिवा ल. ३।५ (मि. चं. ७ पू., सिं. D
भ. १७।२५ उ., भर. भौमः २२।२४ [D सोग्रांगः गु. ७ पू.)
भ. ६।४२ या., चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः २२।१६
[E ल. ५, रात्रौ अ. गो. ११।१ (सिं. सोग्रांगः गु. ७ पू., रात्रौ F
पंचक प्रारम्भः १४।५४, भर. शुक्रः २९।३७
भ. १३।४५ उ. २६।३५ या., मिथुने रविः २७।४३
मिथुने सौरः १०।२७, वक्री गुरुः २४।३३
[F कुंभे श. ७ दो., मेषः सोग्रांगः स्टै. २७।३९ यावत्
भ. २७।३९ उ., रोहि. बुधः २७।१५, रेवत्यां रे. ९ ।।।।।।ऽ।। दिवा E
भ. १५।०६ या., पंचक समाप्तिः ९।१४
योगिनी ११ व्र. [B १०।५८, अयन करिदिन
प्रदोषः [C ११।१०, सं.स्त्री.पु.चं.सू.वाहन नाग वर्षाश्रेष्ठः
भ. ८।०२ उ. १८।२४ या., मासिकशिवरात्री व्र., आर्द्रा. रविः A
[A २७।२०, सायन कर्के भानुः, सायन दक्षिणायन प्रारम्भ C
देवपितृकार्येऽमा., सोमवती अमा., भा. आषाढारंभः, आर्द्रा. सौरः B

अयनांशाः २३।५८।३४

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

संक्रांति फलम्

अयनांशाः २३।५८।३५

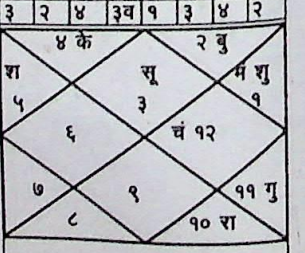
पं. ९ आ.कृ. २ मं. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
९	०	१	१०	०	४	९	३
२४	१२	०१	०२	०८	२१	०८	०८
२०	०४	३४	५९	२१	३३	३२	३२
३४	३१	४१	०५	५६	२३	०९	०९
५७	४४	४०	१	५८	२	३	३
२२	२७	३९	०७	५५	२२	११	११
मृ	अ	कृ	घ	अ	पूफा	उषा	पु
१	४	२	३	३	३	४	२



ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	जून	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	सायं	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ
०१।२३।१६।०५	१ चं	८	२।३३	४।०९	६।०५	८।२०	१०।४०	१२।५७	३।१३	५।३२	७।५०	९।५५	११।३८	१।०७
०१।२४।१३।१९	२ मं	९	२।२९	४।०५	६।०१	८।१६	१०।३६	१२।५३	३।०९	५।२८	७।४६	९।५१	११।३४	१।०३
०१।२५।१०।१६	३ बु	१०	२।२५	४।०१	५।५७	८।१२	१०।३२	१२।४९	३।०५	५।२४	७।४२	९।४७	११।३०	१२।५९
०१।२६।०७।२०	३ गु	११	२।२१	३।५७	५।५३	८।०८	१०।२८	१२।४५	३।०१	५।२०	७।३९	९।४३	११।२७	१२।५५
०१।२७।०४।२३	४ शु	१२	२।१७	३।५३	५।४९	८।०४	१०।२४	१२।४१	२।५७	५।१६	७।३५	९।३९	११।२३	१२।५१
०१।२८।०१।२५	५ श	१३	२।१३	३।४९	५।४५	८।००	१०।२०	१२।३७	२।५३	५।१२	७।३१	९।३५	११।१९	१२।४७
०१।२८।५८।२७	६ र	१४	२।०९	३।४५	५।४२	७।५६	१०।१६	१२।३३	२।४९	५।०८	७।२७	९।३१	११।१५	१२।४३
०१।२९।५५।२८	७ चं	१५	२।०५	३।४१	५।३८	७।५२	१०।१२	१२।२९	२।४५	५।०४	७।२३	९।२७	११।११	१२।३९
०२।००।५२।२८	८ मं	१६	२।०१	३।३८	५।३४	७।४८	१०।०८	१२।२५	२।४१	५।००	७।१९	९।२३	११।०७	१२।३५
०२।०१।४९।२८	९ बु	१७	१।५७	३।३४	५।३०	७।४४	१०।०४	१२।२१	२।३७	४।५६	७।१५	९।२०	११।०३	१२।३१
०२।०२।४६।२७	१० गु	१८	१।५४	३।३०	५।२६	७।४०	१०।०१	१२।१७	२।३३	४।५२	७।११	९।१६	१०।५९	१२।२८
०२।०३।४३।२५	११ शु	१९	१।५०	३।२६	५।२२	७।३७	९।५७	१२।१३	२।२९	४।४८	७।०७	९।१२	१०।५५	१२।२४
०२।०४।४०।२३	१२ श	२०	१।४६	३।२२	५।१८	७।३३	९।५३	१२।१०	२।२५	४।४४	७।०३	९।०८	१०।५१	१२।२०
०२।०५।३७।२०	१३ र	२१	१।४२	३।१८	५।१४	७।२९	९।४९	१२।०६	२।२१	४।४१	६।५९	९।०४	१०।४७	१२।१६
०२।०६।३४।१७	१० चं	२२	१।३८	३।१४	५।१०	७।२५	९।४५	१२।०२	२।१७	४।३७	६।५५	९।००	१०।४३	१२।१२

ता. १४ जून २००९
आषा. कृ. ६ रवौ मिथुनेऽर्कः प्र. (स्टै.) टा. २७।४३ वारात् ४ नक्षत्रात् ४ वारनाम घोरा शूद्रान् सुस्थदा नक्षत्रनाम महोदरी चौरान् सुस्थदा प्रभात रात्रि ४ प्रहर व्यापिनी गोरक्षकान् हन्ति, पश्चिमे गमनं वायव्यां दृष्टिः बवकरणे प्रविष्टा मध्यमफलं सिंहवाहनं गजोपवाहनं भीतिकारक श्वेतवस्त्रं भुशुण्ड्यायुधं स्वर्णपात्रं अन्नभक्षणं कस्तूरीलेपनं दैवतंजातिः पुत्रागपुष्पं पिरोजभूषणं विचित्रकंचुकी बालावस्था (बैठी) मु. १५ धान्यभावे महर्घता वत्स उत्तरे राहु पश्चिमा. मूलं स्वर्गे विवाहस्तंभो ऽग्निकोणे शुक्रोदयः पूर्वस्याम् । पुण्यकालः (स्टै.) २७।४३ से सोमवार १०।०७ तक । (दान- वस्त्रान्न) ।

पं.१० आ.कृ. ८ मं. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
२	०	१	१०	०	४	९	३
०१	१७	०७	०३	१५	२१	०८	०८
०१	१४	४६	०२	२१	५१	०९	०९
५४	२८	१२	५०	३४	५५	५४	५४
५७	४४	६८	०	६१	३	३	३
१७	०२	४२	१४	१३	०१	११	११
मृ	भ	कृ	घ	भ	पूफा	उषा	पु
३	२	४	३व	१	३	४	२



CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust. Funding by MoE-IKS

२३ जून से ७ जुलाई तक, श्री आषाढ़ शुक्लपक्ष संवत् २०६६, शाकः १९३१, दि.मासू. सू. तारीस्प स्टै. प्रातः दैनिक केतकी अहर्गणः ६२८८ वर्षर्तु रविर्दक्षिणे, जून-जुलाई २००९

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प.	उ.	अ.	मा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
चर	१	मं	३९	१४	२१	२१	आर्द्रा	३७	५४	२०	४९	वृ	३१	४५	१८	२१	किं	१३	५२	११	१२	३४ २५	५ ३९	७ २५	२	२९	२३	मिथु.	२।०७।२४।२१	५६।५६
गद	२	बु	३०	११	१७	४४	पुन	३०	५६	१८	०२	ध्रु	२१	३५	१४	१७	बा	४	४०	७	३२	२५	४०	२५	३	३०	२४	कर्के	२।०८।२१।१७	५६।५६
शुभ	३	गु	२१	४२	१४	२१	पुष्य	२४	३२	१५	२९	व्या	११	५०	१०	२४	ग	२१	४२	१४	२१	२४	४०	२६	४	१	२५	कर्के	२।०९।१८।१३	५६।५५
मृत्यु	४	शु	१४	०५	११	१८	श्ले	१९	०३	१३	१७	ह	२ ५४	४६ ४०	६ २७	४७ ३२	वि	१४	०५	११	१८	२४	४०	२६	५	२	२६	सिंहे	२।१०।१५।०८	५६।५५
पद्म	५	श	७	४०	८	४४	मघा	१४	४७	११	३५	सि	४७	४०	२४	४४	बा	७	४०	८	४४	२३	४०	२६	६	३	२७	सिंहे	२।११।१२।०३	५६।५५
छत्र	६	र	२	३९	६	४४	पूफा	११	५६	१०	२७	व्य	४१	५७	२२	२७	तै	२	३९	६	४४	२३	४१	२६	७	४	२८	कन्या	१६।१६	२।१२।०८।५८	५६।५५
क्षयः	७	र	५९	१४	२९	२२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
श्रीवत्स	८	सो	५७	२८	२८	४०	उफा	१०	४२	९	५८	व	३७	३२	२०	४२	वि	२८	०८	१६	५६	२२	४१	२६	८	५	२९	कन्या	२।१३।०५।५३	५६।५४
सौम्य	९	मं	५७	२३	२८	३९	हस्त	११	०७	१०	०८	प	३४	३०	१९	३०	बा	२७	९३	१६	३४	२१	४१	२६	९	६	३०	तुला.	२।१४।०२।४७	५६।५४
काल	१०	बु	५८	५५	२९	१६	चित्रा	१३	१२	१०	५८	शि	३२	४७	१८	४९	तै	२७	५७	१६	५३	२१	४२	२६	१०	७	१	तुला.	२।१४।५९।४१	५६।५४
सुस्थिर	११	गु	...	...	...	..	स्वा	१६	४८	१२	२५	सि	३२	१४	१८	३६	व	३०	१४	१७	४८	२०	४२	२६	११	८	२	तुला.	२।१५।५६।३६	५६।५४
ए.व्र.	११	शु	१	५२	६	२७	विशा	२१	४४	१४	२४	सा	३२	४३	१८	४८	वि	१	५२	६	२७	१९	४३	२६	१२	९	३	वृश्चि. ७।५२	२।१६।५३।३०	५६।५४
प्र.व्र.	१२	श	६	०१	८	०७	अनु	२७	४४	१६	४९	शु	३४	००	१९	१९	बा	६	०१	८	०७	१८	४३	२६	१३	१०	४	वृश्चि.	२।१७।५०।२४	५६।५४
काण	१३	र	११	०५	१०	०९	ज्ये	३४	३१	१९	३२	शु	३५	५३	२०	०५	तै	११	०५	१०	०९	१६	४३	२६	१४	११	५	धनु. १९।३२	२।१८।४७।१८	५६।५४
लुम्बक	१४	सो	१६	४५	१२	२६	मूल	४१	४९	२२	२८	ब्र	३८	१२	२१	०१	व	१६	४५	१२	२६	१५	४४	२६	१५	१२	६	धनु.	२।१९।४४।१२	५६।५४
पूर्णिमा	१५	मं	२२	४९	१४	५२	पूषा	४९	२५	२५	३०	ऐ	४०	४४	२२	०२	ब	२२	४९	१४	५२	१४	४४	२६	१६	१३	७	धनु.	२।२०।४१।०७	५६।५४

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह वारादि का समय स्टै.टा.में है।
[A शयनी ११ व्र.,गोपद्मव्रतोद्यापनं, चातुर्मास्य व्रतारंभः,हरिवासरः B
चंद्रदर्शनम् (मु.३०), श्री जगदीश रथ यात्रा
भ. २४।४६ उ., रक्षव ७ [B १४।२४ से २०।५८ तक, वृषे भौमः C
भ. ११।१८ या., मघा रे. ७ IIIISISSII रात्रौ अ. गो. १।२ (मेषः E
स्कंध षष्ठी [E सोग्रांगः), मृगे बुधः २८।४०, कृत्ति. शुक्रः २५।५९
भ. २९।२२ उ., कृत्ति. भौमः २८।३१, उफा. रे. ७ ISIIIISSII F
[G ल.गो. ११।१ (कुंभे श.७ दो., मे.सोग्रांगः, चं ७ पू.), मन्वादि
भ. १६।५६ या., वृषे शुक्रः २८।४६ [F रात्रौ ल. अ. गो.
मड़ली ९, मिथुने बुधः २२।१३ [C १९।५८, बुधास्तः पूर्वस्या. २०।०४
आशा दशमी, जुलाई ७ ता. ३१, स्वाती रे.९ IIIIIIISII रात्रौ G
भ. १७।४८ उ.,स्वातौ रे. ९ IIIIIIISII दिवा ल.५ (सोग्रांगः गु.७ पू.)
भ. ६।२७ या.,अनु.रे. ७ SSIISIIIII रात्रौ ल. अ.गो. १।११, देव A
प्रदोषः,श्रावणे वर्जयेच्छ्राकम्, आर्द्रा. बुधः ८।३७ [D वर्षाश्रेष्ठः
जया पार्वती व्रतं, पुन. रविः २६।५७, सं.स्त्री.पु.चं.सू.वाहन मेष D
भ.१२।२६ उ. २५।३८ या.,पूर्णिमाव्रतं, वांयुपरीक्षा, पुन.सौरः १२।२४
मन्वादि,पूर्णिमापु.,गोपद्मव्रतारंभ, व्यासपूजा,गुरुपूर्णिमा, आषाढीयोगः

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

अयनांशाः २३।५८।३६

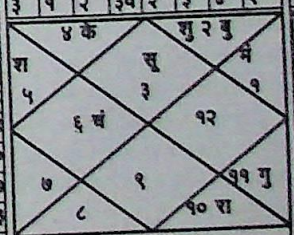
पं.११ आ.शु. १ मं. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
२	०	१	१०	०	४	९	३
०७	२२	१६	०२	२२	२२	०७	०७
४२	२१	५९	५७	३५	१४	४७	४७
४६	२८	०५	१०	५९	५७	३८	३८
५७	४३	९१	१	६३	३	३	३
१४	३६	५०	३५	०५	३९	११	११
आ	भ	रो	घ	भ	पूफा	उषा	पु
१	३	३	३व	३	३	४	२



ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	जून	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	सायं	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ
०२।०७।३१।१३	१ मं	२३	१।३४	३।१०	५।०६	७।२१	९।४१	११।५८	२।१४	४।३३	६।५१	८।५६	१०।३९	१२।०८
०२।०८।२८।०९	२ बु	२४	१।३०	३।०६	५।०२	७।१७	९।३७	११।५४	२।१०	४।२९	६।४७	८।५२	१०।३५	१२।०४
०२।०९।२५।०५	३ गु	२५	१।२६	३।०२	४।५८	७।१३	९।३३	११।५०	२।०६	४।२५	६।४३	८।४८	१०।३१	१२।००
०२।१०।२२।००	४ शु	२६	१।२२	२।५८	४।५४	७।०९	९।२९	११।४६	२।०२	४।२१	६।३९	८।४४	१०।२७	११।५६
०२।११।१८।५५	५ श	२७	१।१८	२।५४	४।५०	७।०५	९।२५	११।४२	१।५८	४।१७	६।३५	८।४०	१०।२३	११।५२
०२।१२।१५।५०	६ र	२८	१।१४	२।५०	४।४६	७।०१	९।२१	११।३८	१।५४	४।१३	६।३१	८।३६	१०।२०	११।४८
०२।१३।१२।४४	८ चं	२९	१।१०	२।४६	४।४२	६।५७	९।१७	११।३४	१।५०	४।०९	६।२८	८।३२	१०।१६	११।४४
०२।१४।०९।३९	९ मं	३०	१।०६	२।४२	४।३८	६।५३	९।१३	११।३०	१।४६	४।०५	६।२४	८।२८	१०।१२	११।४०
०२।१५।०६।३३	१० बु	१	१।०२	२।३८	४।३४	६।४९	९।०९	११।२६	१।४२	४।०१	६।२०	८।२४	१०।०८	११।३६
०२।१६।०३।२७	११ गु	२	१२।५८	२।३४	४।३१	६।४५	९।०५	११।२२	१।३८	३।५७	६।१६	८।२०	१०।०४	११।३२
०२।१७।००।२१	११ शु	३	१२।५४	२।३०	४।२७	६।४१	९।०१	११।१८	१।३४	३।५३	६।१२	८।१६	१०।००	११।२८
०२।१७।५७।१५	१२ श	४	१२।५०	२।२७	४।२३	६।३७	८।५७	११।१४	१।३०	३।४९	६।०८	८।१२	९।५६	११।२४
०२।१८।५४।०९	१३ र	५	१२।४६	२।२३	४।१९	६।३३	८।५३	११।१०	१।२६	३।४५	६।०४	८।०९	९।५२	११।२०
०२।१९।५१।०३	१४ चं	६	१२।४३	२।१९	४।१५	६।२९	८।५०	११।०६	१।२२	३।४१	६।००	८।०५	९।४८	११।१७
०२।२०।४७।५८	१५ मं	७	१२।३९	२।१५	४।११	६।२६	८।४६	११।०२	१।१८	३।३७	५।५६	८।०१	९।४४	११।१३

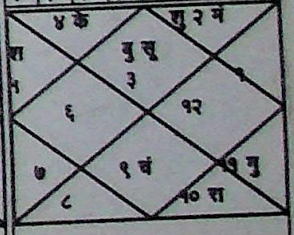
अयनांशाः २३।५८।३७

पं.१२ आ.शु. ९ मं. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
२	०	१	१०	१	४	९	३
१४	२७	२८	०२	००	२२	०७	०७
२३	२५	४३	४२	०२	४२	२५	२५
२९	१९	०४	११	३०	१४	२२	२२
५७	४३	११९	२	६४	४	३	३
१२	०८	४३	५३	३८	१३	११	११
आ	कृ	मृ	घ	कृ	पूफा	उषा	पु
३	१	२	३व	२	३	४	२



अयनांशाः २३।५८।३८

पं.१३ आ.शु.१५ मं. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
२	१	२	१०	१	४	९	३
२१	०२	१२	०२	०७	२३	०७	०७
०३	२५	३५	१८	३९	१३	०३	०३
५०	४८	४५	१०	०५	२७	०७	०७
५७	४२	१२६	४	६५	४	३	३
१२	३८	५२	०८	५६	४६	११	११
पुन	कृ	आ	घ	कृ	पूफा	उषा	पु
१	२	२	३व	४	३	४	२



CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

॥ श्रीवल्लभ मनीराम पञ्चाङ्गम् ॥

८ जुलाई से २२ जुलाई तक, श्री श्रावण कृष्णपक्ष संवत् २०६६, शाकः १९३१, दि.मासू. सू. तारीख स्टै. प्रातः दैनिक वर्षर्तू रविर्दक्षिणे आषाढ़कृष्णेति गुर्जराः, जुलाई २००९

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
वज्र	१	बु	२९	०३	१७	२२	उषा	५७	०५	२८	३५	वै	४३	२१	२३	०५	कौ	२९	०३	१७	२२	३४ ५२	५ ४५	७ २६	१७	१४	८	मक. ८।१६	२।२१।३८।०१	५६।५५
ध्वाङ्क्ष	२	गु	३५	१५	१९	५१	श्रव	...	...	..	..	वि	४५	५४	२४	०७	तै	२	१०	६	३७	११	४५	२५	१८	१५	९	मक.	२।२२।३४।५६	५६।५५
धूम्र	३	शु	४१	०८	२२	१३	श्रव	४	३५	७	३६	प्री	४८	१०	२५	०१	व	८	१५	९	०३	०९	४६	२५	१९	१६	१०	कुंभे २१।०३	२।२३।३१।५१	५६।५५
च.व्र.	४	श	४६	२०	२४	१८	धनि	११	४०	१०	२६	आ	४९	५४	२५	४३	ब	१३	४९	११	१८	०८	४६	२५	२०	१७	११	कुंभे	२।२४।२८।४६	५६।५५
राक्षस	५	र	५०	३०	२५	५८	शत	१७	५६	१२	५७	सौ	५०	४८	२६	०५	कौ	१८	३३	१३	१२	०६	४६	२५	२१	१८	१२	कुंभे	२।२५।२५।४१	५६।५६
मुसल	६	सो	५३	१५	२७	०५	पूभा	२३	००	१४	५९	शो	५०	३६	२६	०१	ग	२२	०३	१४	३६	०४	४७	२५	२२	१९	१३	मीने ८।३२	२।२६।२२।३७	५६।५६
सिद्धि	७	मं	५४	१६	२७	३०	उभा	२६	३२	१६	२४	अ	४९	०३	२५	२५	वि	२३	५८	१५	२३	०२	४७	२४	२३	२०	१४	मीने	२।२७।१९।३३	५६।५७
उत्पात	८	बु	५३	२६	२७	१०	रेव	२८	१८	१७	०७	सु	४६	०३	२४	१३	बा	२४	०५	१५	२६	००	४८	२४	२४	२१	१५	मेषे १७।०७	२।२८।१६।३०	५६।५७
मानस	९	गु	५०	४१	२६	०५	अश्वि	२८	११	१७	०५	घृ	४१	३१	२२	२५	तै	२२	१७	१४	४३	३३ ५९	४८	२४	२५	२२	१६	मेषे	२।२९।१३।२७	५६।५७
मुद्गर	१०	शु	४६	०८	२४	१६	भर	२६	१३	१६	१८	शू	३५	२९	२०	००	व	१८	३७	१३	१६	५६	४९	२३	२६	२३	१७	वृषे २२।००	३।००।१०।२४	५६।५८
ए.व्र.	११	श	३९	५९	२१	४९	कृति	२२	३४	१४	५१	गं	२८	०७	१७	०४	ब	१३	१४	११	०७	५४	४९	२३	२७	२४	१८	वृषे	३।०१।०७।२२	५६।५९
प्र.व्र.	१२	र	३२	३०	१८	५०	रोहि	१७	२९	१२	५०	वृ	१९	३५	१३	४०	कौ	६	२२	८	२३	५२	५०	२३	२८	२५	१९	मिथु. २३।३९	३।०२।०४।२१	५६।५९
आनन्द	१३	सो	२४	०३	१५	२८	मृग	११	१९	१०	२२	घ्रु	१०	०८	९	५४	व	२४	०३	१५	२८	४९	५०	२२	२९	२६	२०	मिथु.	३।०३।०९।२०	५७।००
वर	१४	मं	१४	५७	११	५०	आर्द्रा	४ ५७	२५ ५२	७ २८	३७ ४४	व्या	० ४९	०६ ४६	५ २५	५३ ४५	श	१४	५७	११	५०	४७	५१	२२	३०	२७	२१	कर्के २३।२७	३।०३।५८।१९	५७।००
अमाव.	३०	बु	५	३७	८	०६	पुष्य	५०	०१	२५	५२	व	३९	२५	२१	३८	ना	५	३७	८	०६	४५	५१	२१	३१	२८	२२	कर्के	३।०४।५५।२०	५७।०१

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।
नक्त व्रतारंभः, पूफा.-४ शनिः १४।३६
बृहत्तल्पा, रोहि. शुक्रः ८।५७
भ. ९।०३ उ. २२।१३ या., पंचक प्रारम्भः २१।०३, पुन. बुधः १६।५३
चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः २१।५३
नागपञ्चमी (मरु.)
भ. २७।०५ उ.
भ. १५।२३ या., उषा.-३ राहुः १२।०८, पुष्ये-१ केतुः १२।०८
पंचक समाप्तिः १७।०७, कर्के बुधः ८।००
कर्के रविः १४।४० (सौरः २५।२६), निरयन दक्षिणायनारंभः, पुष्ये B
भ. १३।१६ उ. २४।१६ या., रोहि. भौमः २३।४० [B बुधः २१।३६
कामिका ११ व्र. [C वर्षाश्रेष्ठः
प्रदोषः, पुष्ये रविः २६।३१, सं.स्त्री.पु.चं.सू.वाहन महिष C
भ. १५।२८ उ. २५।४० या., मासिकशिवरात्री व्र., पुष्ये सौरः १३।४२
पितृकार्येऽमा., मृगे शुक्रः ७।०५ [A सिंहे भानुः २२।०८
ग्रस्तोदयं सूर्यग्रहणम्, देवकार्येऽमा., हरियाली ३०, सायन A

अयनांशाः २३।५८।३९

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

संक्रांति फलम्

अयनांशाः २३।५८।४०

पं.१४ श्रा.कृ. ७ मं. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
२	१	२	१०	१	४	९	३
२७	०७	२७	०१	१५	२३	०६	०६
४४	२२	३९	४५	२४	४८	४०	४०
२३	४४	१२	४९	१०	१८	५०	५०
५७	४२	१२८	५	६७	५	३	३
१३	०६	५८	१६	०२	१५	११	११
पुन	कृ	पुन	घ	रो	पूफा	उषा	पु
३	४	३	३व	२	४	४	२



ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	जुला	रात्री	रात्री	रात्री	रात्री	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	सायं	रात्री	रात्री
०२।२९।४४।५२	१ बु	८	१२।३५	२।११	४।०७	६।२२	८।४२	१०।५९	१।१४	३।३३	५।५२	७।५७	९।४०	११।०९
०२।२२।४९।४७	२ गु	९	१२।३१	२।०७	४।०३	६।१८	८।३८	१०।५५	१।१०	३।३०	५।४८	७।५३	९।३६	११।०५
०२।२३।३८।४२	३ शु	१०	१२।२७	२।०३	३।५९	६।१४	८।३४	१०।५१	१।०६	३।२६	५।४४	७।४९	९।३२	११।०१
०२।२४।३५।३७	४ श	११	१२।२३	१।५९	३।५५	६।१०	८।३०	१०।४७	१।०३	३।२२	५।४०	७।४५	९।२८	१०।५७
०२।२५।३२।३२	५ र	१२	१२।१९	१।५५	३।५१	६।०६	८।२६	१०।४३	१२।५९	३।१८	५।३६	७।४१	९।२४	१०।५३
०२।२६।२९।२८	६ चं	१३	१२।१५	१।५१	३।४७	६।०२	८।२२	१०।३९	१२।५५	३।१४	५।३२	७।३७	९।२०	१०।४९
०२।२७।२६।२४	७ मं	१४	१२।११	१।४७	३।४३	५।५८	८।१८	१०।३५	१२।५१	३।१०	५।२८	७।३३	९।१६	१०।४५
०२।२८।२३।२०	८ बु	१५	१२।०७	१।४३	३।३९	५।५४	८।१४	१०।३१	१२।४७	३।०६	५।२४	७।२९	९।१२	१०।४१
०२।२९।२०।१७	९ गु	१६	१२।०३	१।३९	३।३५	५।५०	८।१०	१०।२७	१२।४३	३।०२	५।२१	७।२५	९।०९	१०।३७
०३।००।१७।१५	१० शु	१७	११।५९	१।३५	३।३१	५।४६	८।०६	१०।२३	१२।३९	२।५८	५।१७	७।२१	९।०५	१०।३३
०३।०१।१४।१३	११ श	१८	११।५५	१।३१	३।२७	५।४२	८।०२	१०।१९	१२।३५	२।५४	५।१३	७।१७	९।०१	१०।२९
०३।०२।११।११	१२ र	१९	११।५१	१।२७	३।२३	५।३८	७।५८	१०।१५	१२।३१	२।५०	५।०९	७।१३	८।५७	१०।२५
०३।०३।०८।१०	१३ चं	२०	११।४७	१।२३	३।२०	५।३४	७।५४	१०।११	१२।२७	२।४६	५।०५	७।०९	८।५३	१०।२१
०३।०४।०५।१०	१४ मं	२१	११।४३	१।१९	३।१६	५।३०	७।५०	१०।०७	१२।२३	२।४२	५।०१	७।०५	८।४९	१०।१७
०३।०५।०२।१०	३० बु	२२	११।३९	१।१६	३।१२	५।२६	७।४६	१०।०३	१२।१९	२।३८	४।५७	७।०२	८।४५	१०।१३

ता. १६ जुलाई २००९
श्रा. कृ. ९ गुरौ कर्केऽर्कः प्र. (स्टै.)
टा. १४।४० वारात् ५ नक्षत्रात् ५
वारनाम नंदा गणकान् सुस्थदा
नक्षत्रनाम ध्वांक्षी वैश्यान् सुस्थदा
मध्यान्ह २ प्रहर व्यापिनी द्विजान्
हन्ति, पश्चिमे गमनं वायव्यां दृष्टिः
तैतिलकरणे प्रविष्टा नेष्टफलं
रासभवाहनं मेषोपवाहनं सुभिक्षकारक
अरुणवस्त्रं दण्डायुधं कांस्यपात्रं
पक्वान्नभक्षणं मृद्लेप्यनं पक्षीजातिः
केतकीपुष्पं प्रवलभूषणं भूर्जपत्रकंचुकी
युवावस्था (सूती) मु. ३० धान्यभावे
सम वत्स उत्तरे राहु पश्चिमा. मूलं
भूमौ विवाहरतंभो ऽग्निकोणे शुक्रोदयः
पूर्वस्याम्। पुण्यकालः बुधवार (स्टै.)
२६।४० से गुरुवार १४।४० तक।
(दान- घृत, धेनु)।

पं.१५ श्रा.कृ.१४ मं. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
३	१	३	१०	१	४	९	३
०४	१२	१२	०१	२३	२४	०६	०६
२५	१५	१८	०५	१६	२६	१८	१८
११	५५	३८	५९	३१	२९	३४	३४
५७	४१	११९	६	६७	५	३	३
१६	३३	५९	१४	५९	४२	११	११
पु	रो	पु	घ	रो	पूफा	उषा	पु
१	१	३	३व	४	४	३	१



CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

२३ जुलाई से ६ अगस्त तक, श्री श्रावण शुक्लपक्ष संवत् २०६६, शाकः १९३१, दि.मा.सू. सू. तारीख्स स्टै. प्रातः दैनिक केतकी अहर्गणः ६३१८ वर्षर्तुं रविर्दक्षिणे, जुलाई-अगस्त २००९

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	च.प.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
क्षयः	१	बु	५६	२४	२८	२५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
सिंधारा	२	गु	४७	४३	२४	५७	श्ले	४३	१९	२३	१२	सि	२९	२४	१७	३७	बा	२१	५८	१४	३९	३३ ४३	५ ५२	७ २१	१	२९	२३	सिंहे	२३।१२	३।०५।५२।२१	५७।०२
तीज	३	शु	३९	५३	२१	५०	मघा	३७	२८	२०	५२	व्य	२०	००	१३	५३	तै	१३	३९	११	२०	३९	५३	२०	२	१	२४	सिंहे		३।०६।४९।२३	५७।०३
लुम्बक	४	श	३३	१८	१९	१२	पूफा	३२	५१	१९	०२	व	११	३२	१०	३०	व	६	२४	८	२७	३७	५३	२०	३	२	२५	कन्या	२४।४०	३।०७।४६।२६	५७।०३
मित्र	५	र	२८	१६	१७	१२	उफा	२९	४८	१७	४९	प	४ ५८	१५ २३	७ २९	३६ ४५	ब	०	३३	६	०७	३४	५४	१९	४	३	२६	कन्या		३।०८।४३।२९	५७।०४
वज्र	६	सो	२५	०१	१५	५५	हस्त	२८	३२	१७	१९	सि	५४	०२	२७	३१	तै	२५	०१	१५	५५	३१	५४	१९	५	४	२७	तुला.	२९।२१	३।०९।४०।३३	५७।०५
ध्वाङ्क्ष	७	मं	२३	४५	१५	२५	चित्रा	२९	१२	१७	३५	सा	५१	१६	२६	२५	व	२३	४५	१५	२५	२९	५५	१८	६	५	२८	तुला.		३।१०।३७।३९	५७।०६
धूम्र	८	बु	२४	२६	१५	४२	स्वा	३१	४८	१८	३९	शु	५०	०२	२५	५६	ब	२४	२६	१५	४२	२६	५५	१८	७	६	२९	तुला.		३।११।३४।४५	५७।०७
प्रवर्धमा	९	गु	२७	००	१६	४४	विशा	३६	१२	२०	२५	शु	५०	०९	२६	००	कौ	२७	००	१६	४४	२३	५६	१७	८	७	३०	वृश्चि.	१३।५४	३।१२।३१।५२	५७।०८
राक्षस	१०	शु	३१	०८	१८	२४	अनु	४२	०४	२२	४६	ब्र	५१	२५	२६	३०	ग	३१	०८	१८	२४	२०	५६	१६	९	८	३१	वृश्चि.		३।१३।२९।००	५७।०९
ए.व्र.	११	श	३६	२६	२०	३१	ज्ये	४९	००	२५	३३	ऐ	५३	२७	२७	२०	व	३	३९	७	२५	१७	५७	१६	१०	९	१	धनु.	२५।३३	३।१४।२६।०९	५७।१०
सिद्धि	१२	र	४२	२९	२२	५७	मूल	५६	३२	२८	३४	वै	५५	५७	२८	२०	ब	९	२४	९	४३	१४	५७	१५	११	१०	२	धनु.		३।१५।२३।१९	५७।११
प्र.व्र.	१३	सो	४८	४८	२५	२९	पूषा	...	...	...	...	वि	५८	३६	२९	२४	कौ	१५	३७	१२	१३	११	५८	१४	१२	११	३	धनु.		३।१६।२०।३१	५७।१२
मित्र	१४	मं	५५	०४	२८	००	पूषा	४	१४	७	४०	प्री	...	...	...	...	ग	२१	५६	१४	४५	०८	५८	१४	१३	१२	४	मक.	१४।२६	३।१७।१७।४३	५७।१३
पूर्णिमा	१५	बु	...	...	...	..	उषा	११	५०	१०	४३	प्री	१	०८	६	२६	वि	२८	०५	१७	१३	०५	५९	१३	१४	१३	५	मक.		३।१८।१४।५७	५७।१५
पूर्णिमा	१५	गु	०	५८	६	२३	श्रव	१९	०४	१३	३७	आ	३	२६	७	२२	ब	०	५८	६	२३	०१	५९	१२	१५	१४	६	कुंभे	२६।५९	३।१९।१२।१२	५७।१६

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।

[C भा.श्रावणारंभः, श्लेषा. बुधः १०।३४ [H २२।५२ तिलकपुण्यतिथि चंद्रदर्शनम् (मु.१५), ग्रहण-करिदिन, श्रृंगार(सिंधारा) देशाचारे, C तीज, स्वर्णगौरी व्र., मधुश्रवाव्र.(गुर्जरे), सुकृत तृतीया व्र.,सावान ८ भ. ८।२७ उ. १९।१२ या., वरद चतुर्थी, दूर्वा गणपति व्र. कल्कीजयंती, नागपञ्चमी,नागदष्टव्र., वर्णषष्ठी,बुधोदयः पश्चि. F रोटक व्रतारंभः, सोमेश्वरपूजनं [F २६।५०, मिथुने शुक्रः २७।३९ भ. १५।२५ उ. २७।२७ या., शीतला, तुलसी जयंती, दुर्गाष्टमी [A हयग्रीवजयंती, नारियल १५, यजुर्वेदि, हिरण्यकेशीय, B सिंहे मघा. बुधः १५।०३, (व) मकरे धनि.-२ गुरुः २५।१७ [B तैतरीय, बौधायन, काण्वमध्यन्दिन(कात्या.), अथर्ववेदि उपाकर्म भ. ७।२५ उ. २०।३१ या., पवित्रा ११ व्र.,अगस्त ८ ता. ३१,आर्द्रा.शुक्रः H दधि भक्षणत्यागः, पवित्रारोपणं, श्लेषा. रविः २५।२७, सं.ज्ञी.पु. E प्रदोषः, श्लेषा. सौरः १४।०९ [E चं.सू.वाहन जम्बूक वर्षाश्रेष्ठः भ. २८।०० उ., सूणमाण्डणा (भद्रोत्तरं), [D भौमः ११।३० भ. १७।१३ या., रक्षाबंधनं, श्रावणी (मरु), पूर्णिमा व्रतंपुण्यञ्च, A भ. १७।१३ या., रक्षाबंधनं, श्रावणी (मरु), पूर्णिमा व्रतंपुण्यञ्च, पंचक प्रारम्भः २६।५९, ,आपस्तंभ, ऋग्वेदि उपाकर्म, मृगे D

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

अयनांशाः २३।५८।४२

ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	जुला	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	सायं	रात्रौ	रात्रौ
०३।०५।५९।१९	२ गु	२३	१९।३५	१।१२	३।०८	५।२२	७।४३	९।५९	१२।१५	२।३४	४।५३	६।५८	८।४१	१०।०९
०३।०६।५६।१३	३ शु	२४	१९।३२	१।०८	३।०४	५।१८	७।३९	९।५५	१२।१९	२।३०	४।४९	६।५४	८।३७	१०।०६
०३।०७।५३।१६	४ श	२५	१९।२८	१।०४	३।००	५।१५	७।३५	९।५१	१२।०७	२।२६	४।४५	६।५०	८।३३	१०।०२
०३।०८।५०।२०	५ र	२६	१९।२४	१।००	२।५६	५।११	७।३१	९।४८	१२।०३	२।२२	४।४१	६।४६	८।२९	९।५८
०३।०९।४७।२४	६ चं	२७	१९।२०	१२।५६	२।५२	५।०७	७।२७	९।४४	१९।५९	२।१९	४।३७	६।४२	८।२५	९।५४
०३।१०।४४।२९	७ मं	२८	१९।१६	१२।५२	२।४८	५।०३	७।२३	९।४०	१९।५५	२।१५	४।३३	६।३८	८।२१	९।५०
०३।११।४१।३५	८ बु	२९	१९।१२	१२।४८	२।४४	४।५९	७।१९	९।३६	१९।५२	२।११	४।२९	६।३४	८।१७	९।४६
०३।१२।३८।४२	९ गु	३०	१९।०८	१२।४४	२।४०	४।५५	७।१५	९।३२	१९।४८	२।०७	४।२५	६।३०	८।१३	९।४२
०३।१३।३५।५१	१० शु	३१	१९।०४	१२।४०	२।३६	४।५१	७।११	९।२८	१९।४४	२।०३	४।२१	६।२६	८।०९	९।३८
०३।१४।३३।००।	११ श	१	१९।००।	१२।३६।	२।३२	४।४७	७।०७	९।२४	१९।४०।	१५।५९	४।१७	६।२२	८।०५	९।३४
०३।१५।३०।१०	१२ र	२	१०।५६।	१२।३२	२।२८	४।४३	७।०३	९।२०	१९।३६	१५।५५	४।१३	६।१८	८।०१	९।३०
०३।१६।२७।२२	१३ चं	३	१०।५२	१२।२८	२।२४	४।३९	६।५९	९।१६	१९।३२	१५।५१	४।१०	६।१४	७।५८	९।२६
०३।१७।२४।३४	१४ मं	४	१०।४८	१२।२४	२।२०	४।३५	६।५५	९।१२	१९।२८	१५।४७	४।०६	६।१०	७।५४	९।२२
०३।१८।२१।४८	१५ बु	५	१०।४४	१२।२०	२।१६	४।३१	६।५१	९।०८	१९।२४	१५।४३	४।०२	६।०६	७।५०	९।१८
०३।१९।१९।०३	१५ गु	६	१०।४०	१२।१६	२।१३	४।२७	६।४७	९।०४	१९।२०	१५।३९	३।५८	६।०२	७।४६	९।१४

अयनांशाः २३।५८।४१

पं.१६ श्रा.शु. ७ मं. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
३	१	३	१०	२	४	९	३
११	१७	२५	००	०१	२५	०५	०५
०६	०५	४४	१९	१५	०७	५६	५६
२५	०८	४३	५३	०९	३७	१९	१९
५७	४०	१०८	७	६८	६	३	३
२१	५८	२९	००	४९	०६	११	११
पु	रो	श्ले	ध	मृ	पूफा	उषा	पु
३	३	३	३व	३	४	३	१



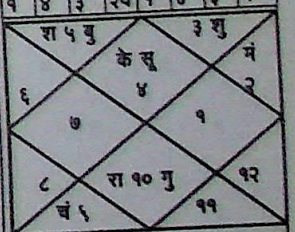
मास फलम्

सूर्यग्रहण २२ जुला.२००९, बुधवार श्रावण में पांच बुधवार शुभद है। श्रावण में पांच बृहस्पतिवार होने से दुर्भिक्ष हो तथा छत्रभंग हो। कृष्णा प्रतिपदा को धृति योग न होने से धान्यादि भाव मंदे हों। कृष्णा एकादशी को कृतिका होने से मध्यम फल हो। कृष्णा चतुर्दशी को आर्द्रा होने से अन्नादि भाव में तेजी हो। बुधवारी अमावस होने से दुर्भिक्ष, पुष्य योग समर्घता एवं मध्यम वर्षा कारक है। पूर्णिमा गुरुवार और श्रवण युक्त होने से शुभ फल दायिनी है। श्रावणी पूर्णिमा को श्रवण होने से धान्योत्पत्ति बहुत हो। सभी पीत वर्ण वाली वस्तुओं के भाव तेज हों, धान्यादि भाव मंदे हों।

अयनांशाः २३।५८।४२

पं.१७ श्रा.शु.१४ मं. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
३	१	४	९	२	४	९	३
१७	२१	०७	२९	०९	२५	०५	०५
४८	५०	४८	२९	१९	५१	३४	३४
१५	०९	३१	०५	१८	२४	०३	०३
५७	४०	९६	७	६९	६	३	३
२६	२१	२९	३२	३३	२७	११	११
श्ले	रो	म	ध	आ	पूफा	उषा	पु
१	४	३	२व	१	४	३	१



CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

॥ श्रीवल्लभ मनीराम पञ्चाङ्गम् ॥

७ अगस्त से २० अगस्त तक, श्री भाद्रपद कृष्णपक्ष संवत् २०६६, शाकः १९३१, दि.मा.सू. सू. तारीख स्टै. प्रातः दैनिक वर्षर्तू रविर्दक्षिणे श्रावणकृष्णेति गुर्जराः, अगस्त २००९

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
धाता	१	शु	६	२२	८	३३	धनि	२५	४५	१६	१८	सौ	५	१९	८	०८	कौ	६	२२	८	३३	३२ घ	६	७	१६	१५	७	कुंभे	३।२०।०९।२८	५७।१७
आनन्द	२	श	११	०४	१०	२६	शत	३१	४१	१८	४१	शो	६	४०	८	४१	ग	११	०४	१०	२६	५५	०१	११	१७	१६	८	कुंभे	३।२१।०६।४५	५७।१९
च.ब्र.	३	र	९४	५१	११	५८	पूभा	३६	४२	२०	४२	अ	७	२०	८	५७	वि	१४	५१	११	५८	५२	०१	१०	१८	१७	९	मीने	३।२२।०४।०४	५७।२०
गद	४	सो	१७	३४	१३	०३	उभा	४०	३४	२२	१५	सु	७	१०	८	५३	बा	१७	३४	१३	०३	४८	०२	०९	१९	१८	१०	मीने	३।२३।०१।२४	५७।२१
शुभ	५	मं	१८	५८	१३	३७	रेव	४३	०७	२३	१७	घृ	६	००	८	२६	तै	१८	५८	१३	३७	४५	०२	०८	२०	१९	११	मेषे	२३।१७	३।२३।५८।४५	५७।२३
मृत्यु	६	बु	१८	५६	१३	३७	अश्वि	४४	१३	२३	४४	शू	३	४४	७	३२	व	१८	५६	१३	३७	४१	०३	०७	२१	२०	१२	मेषे	३।२४।५६।०८	५७।२४
जन्माष्ट.	७	गु	१७	२३	१३	००	भर	४३	५०	२३	३५	गं	० ५५ घ	१६ ३७	६	३८	ब	१७	२३	१३	००	३८	०३	०६	२२	२१	१३	वृषे	२९।२७	३।२५।५३।३२	५७।२६
जन्माष्ट.	८	शु	१४	२०	११	४८	कृति	४१	५९	२२	५१	घ्रु	४९	४५	२५	५८	कौ	१४	२०	११	४८	३४	०४	०५	२३	२२	१४	वृषे		३।२६।५०।५८	५७।२७
गोगा	९	श	९	५२	१०	०१	रोहि	३८	४५	२९	३४	व्या	४२	४७	२३	११	ग	९	५२	१०	०१	३१	०४	०५	२४	२३	१५	वृषे		३।२७।४८।२५	५७।२९
ए.ब्र.	१०	र	४	०४	७	४२	मृग	३४	१८	१९	४८	ह	३४	४९	२०	००	वि	४	०४	७	४२	२७	०५	०४	२५	२४	१६	मिथु.	८।४४	३।२८।४५।५४	५७।३०
क्षयः	११	र	५७	११	२८	५७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
ए.ब्र.	१२	सो	४९	२४	२५	५१	आर्द्रा	२८	५१	१७	३८	व	२६	०२	१६	३०	कौ	२३	२२	१५	२६	२४	०५	०३	२६	२५	१७	मिथु.		३।२९।४३।२४	५७।३२
प्र.ब्र.	१३	मं	४१	००	२२	३०	पुन	२२	४१	१५	१०	सि	१६	३८	१२	४५	ग	१५	१५	१२	१२	२०	०६	०२	२७	२६	१८	कर्के	९।४८	४।००।४०।५६	५७।३३
मातङ्ग	१४	बु	३२	१९	१९	०२	पुष्य	१६	०६	१२	३३	व्य	६ ५७	५५ ००ध	८ २८	५५ ४४	वि	६	४०	८	४६	१६	०६	०१	२८	२७	१९	कर्के		४।०१।३८।२९	५७।३५
अमाव.	३०	गु	२३	४३	१५	३६	श्ले	९	२९	९	५४	ष	४७	२०	२५	०३	ना	२३	४३	१५	३६	१३	०७	००	२९	२८	२०	सिंहे	९।५४	४।०२।३६।०४	५७।३७

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है ।
पूफा. बुधः १८।२४
भ. २३।१५ उ., कज्जली(बूढी ३)
भ. ११।५८ या., चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः २०।५४
|B चंद्रषष्ठी (मरु.), उफा.-१ शनिः १५।०४
पंचक समाप्तिः २३।१७, बृहद्गौरी व्र. (कर्नाटके डोली), B
भ. १३।३७ उ. २५।२३ या., हलषष्ठी
मन्वादि, जन्माष्टमी व्र. स्मा., शीतला व्र., पुन. शुक्रः ९।५०
जन्माष्टमी व्र. वैष्ण. |C १३।०१, उफा. बुधः १०।२६
भ. २०।५५ उ., गोगानवमी, भारतीयस्वतंत्रतादिवस
भ. ७।४२ या., अजा ११ व्र.स्मार्त, सिंहे मघा. रविः २३।०९, A
|A मिथुने भौमः १३।१६, सं.स्त्री.स्त्री.चं.चं.वाहन मूषक अल्पवृष्टिः
अजा ११ व्र.वैष्ण., जैनपर्युषण, वत्सपूजा, सिंहे मघा. सौरः C
भ. २२।३० उ., प्रदोषः, मासिकशिवरात्री व्र.
भ. ८।४६ या., कुशाग्रहणी, पिठोरी ३०, कन्यायां बुधः २९।३५
देवपितृकार्येऽमा., श्री शक्ति पूजा, लोहार्गल स्ना., मातृ ३०

अयनांशाः २३।५८।४३

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

पं.१८ भा.कृ. ५ मं. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
३	१	४	९	२	४	९	३
२४	२६	१८	२८	१७	२६	०५	०५
३०	३०	२७	३५	२८	३७	११	११
५१	४३	३१	१८	२२	२८	४७	४७
५७	३९	८४	७	७०	६	३	३
३४	४१	१६	४९	१३	४५	११	११
श्ले	मृ	पूफा	ध	आ	पूफा	उफा	पु
३	१	२	२व	४	४	३	१



ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	अग.	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	सायं	रात्रौ
०३।२०।१६।१९	१ शु	७	१०।३६	१२।१२	२।०९	४।२३	६।४३	९।००	११।१६	१।३५	३।५४	५।५८	७।४२	९।१०
०३।२१।१३।३६	२ श	८	१०।३२	१२।०९	२।०५	४।१९	६।३९	८।५६	११।१२	१।३१	३।५०	५।५४	७।३८	९।०६
०३।२२।१०।५५	३ र	९	१०।२८	१२।०५	२।०१	४।१५	६।३५	८।५२	११।०८	१।२७	३।४६	५।५१	७।३४	९।०२
०३।२३।०८।१५	४ चं	१०	१०।२५	१२।०१	१।५७	४।११	६।३२	८।४८	११।०४	१।२३	३।४२	५।४७	७।३०	८।५९
०३।२४।०५।३७	५ मं	११	१०।२१	११।५७	१।५३	४।०८	६।२८	८।४४	११।००	१।१९	३।३८	५।४३	७।२६	८।५५
०३।२५।०२।५९	६ बु	१२	१०।१७	११।५३	१।४९	४।०४	६।२४	८।४१	१०।५६	१।१५	३।३४	५।३९	७।२२	८।५१
०३।२६।००।२४	७ गु	१३	१०।१३	११।४९	१।४५	४।००	६।२०	८।३७	१०।५२	१।११	३।३०	५।३५	७।१८	८।४७
०३।२६।५७।५०	८ शु	१४	१०।०९	११।४५	१।४१	३।५६	६।१६	८।३३	१०।४८	१।०८	३।२६	५।३१	७।१४	८।४३
०३।२७।५५।१७	९ श	१५	१०।०५	११।४१	१।३७	३।५२	६।१२	८।२९	१०।४४	१।०४	३।२२	५।२७	७।१०	८।३९
०३।२८।५२।४६	१० र	१६	१०।०१	११।३७	१।३३	३।४८	६।०८	८।२५	१०।४१	१।००	३।१८	५।२३	७।०६	८।३५
०३।२९।५०।१६	१२ चं	१७	९।५७	११।३३	१।२९	३।४४	६।०४	८।२१	१०।३७	१२।५६	३।१४	५।१९	७।०२	८।३१
०४।००।४७।४८	१३ मं	१८	९।५३	११।२९	१।२५	३।४०	६।००	८।१७	१०।३३	१२।५२	३।१०	५।१५	६।५८	८।२७
०४।०१।४५।२२	१४ बु	१९	९।४९	११।२५	१।२१	३।३६	५।५६	८।१३	१०।२९	१२।४८	३।०६	५।११	६।५४	८।२३
०४।०२।४२।५७	३० गु	२०	९।४५	११।२१	१।१७	३।३२	५।५२	८।०९	१०।२५	१२।४४	३।०२	५।०७	६।५०	८।१९

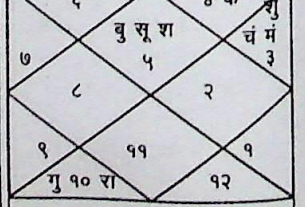
संक्रांति फलम्

ता. १६ अगस्त २००९
भा. कृ. १० रवौ सिंहेऽर्कः प्र. (स्टै.)
टा. २३।०९ वारात् ४ नक्षत्रात् ६
वारनाम घोरा शूद्रान् सुस्पदा
नक्षत्रनाम राक्षसी चाण्डालान् सुस्पदा
मध्यरात्रि २ प्रहर व्यापिनी राक्षसान्
हन्ति, उत्तरे गमनं, ऐशान्यां दृष्टिः
बालवकरणे प्रविष्टा मध्यमफलं
व्याघ्रवाहनं अश्वोपवाहनं भीतिकारक
पीतवस्त्रं गदायुधं राँप्यपात्रं
पायसभक्षणं कुंकुमलेप्यनं भूतजातिः
जातिपुष्पं कंकणभूषणं पर्णकंचुकी
कुमारिकावस्था (बैठी) मु. १५
धान्यभावे महर्घता वत्स पूर्वे राहु
उत्तरे मूलं स्वर्गे विवाहस्तंभो ऐशान्यां
शुक्रोदयः पूर्वस्याम् । पुण्यकालः
(स्टै.) १६।४५ से २३।०९ तक ।
(दान- छत्र) ।

अयनांशाः २३।५८।४४

पं.१९ भा.कृ.१३ मं. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
४	२	४	९	२	४	९	३
०१	०१	२७	२७	२५	२७	०४	०४
१४	०६	४०	४०	४१	२५	४९	४९
२२	३४	१२	२४	५१	२८	३१	३१
५७	३८	७१	७	७०	७	३	३
४३	५९	३७	४८	४९	००	११	११
म	मृ	उफा	ध	पुन	उफा	उषा	पु
१	३	१	२व	२	१	३	१



CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

२१ अगस्त से ४ सितंबर तक, श्री भाद्रपद शुक्लपक्ष संवत् २०६६, शाकः १९३१, दि.मा.सू. सू. तारीस्त स्टै. प्रातः दैनिक केतकी अहर्गणः ६३४७ वर्षत्तूं रविर्दक्षिणे, अगस्त-सितंबर २००९

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
काण	१	शु	१५	३२	१२	२०	मघा	५७	४०	२९	२४	शि	३८	११	२१	२४	ब	१५	३२	१२	२०	३२	६	६	३०	२९	२१	सिंहे	४।०३।३३।४१	५७।३८
उत्पात	२	श	८	१२	९	२५	उफा	५३	१७	२७	२७	सि	२९	५३	१८	०५	कौ	८	१२	९	२५	०५	०८	५८	३१	३०	२२	कन्या	४।०४।३१।१९	५७।४०
गणेश	३	र	२	०७	६	५९	हस्त	५०	२७	२६	१९	सा	२२	४३	१५	१३	ग	२	०७	६	५९	०२	०८	५७	१	१	२३	कन्या	४।०५।२८।५९	५७।४२
क्षयः	४	र	५७	३८	२९	११	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
ऋषि	५	सो	५५	०१	२८	०९	चित्रा	४९	२६	२५	५५	शु	१६	५५	१२	५५	ब	२६	०३	१६	३४	३१	०९	५६	२	२	२४	तुला.	४।०६।२६।४१	५७।४४
ध्वजा	६	मं	५४	२८	२७	५६	स्वा	५०	२८	२६	२०	शु	१२	४४	११	१५	कौ	२४	२७	१५	५६	५४	०९	५५	३	३	२५	तुला.	४।०७।२४।२५	५७।४५
धाता	७	बु	५६	००	२८	३४	विशा	५३	३२	२७	३४	ब्र	१०	१२	१०	१४	ग	२४	५७	१६	०९	५०	१०	५४	४	४	२६	वृश्चि.	४।०८।२२।११	५७।४७
आनन्द	८	गु	५९	२९	२९	५८	अनु	५८	२९	२९	३४	ऐ	९	१७	९	५३	वि	२७	३०	१७	१०	४६	१०	५३	५	५	२७	वृश्चि.	४।०९।१९।५८	५७।४९
चर	९	शु	...	...	...	...	ज्ये	...	...	...	...	वै	९	४९	१०	०६	बा	३१	४९	१८	५४	४३	११	५२	६	६	२८	वृश्चि.	४।१०।१७।४७	५७।५१
मुसल	९	श	४	२९	७	५९	ज्ये	४	५५	८	०९	वि	११	२९	१०	४७	कौ	४	२९	७	५९	३९	११	५१	७	७	२९	धनु. ८।०९	४।११।१५।३८	५७।५३
सिद्धि	१०	र	१०	३३	१०	२५	मूल	१२	२१	११	०८	प्री	१३	५३	११	४५	ग	१०	३३	१०	२५	३५	१२	४९	८	८	३०	धनु.	४।१२।१३।३१	५७।५५
ए.व्र.	११	सो	१७	०३	१३	०१	पूषा	२०	११	१४	१६	आ	१६	३३	१२	४९	वि	१७	०३	१३	०१	३१	१२	४८	९	९	३१	मक. २१।०३	४।१३।१९।२६	५७।५७
प्र.व्र.	१२	मं	२३	२५	१५	३५	उषा	२७	५१	१७	२१	सौ	१९	०८	१३	५२	बा	२३	२५	१५	३५	२७	१२	४७	१०	१०	१	मक.	४।१४।०९।२३	५७।५९
छत्र	१३	बु	२९	१४	१७	५४	श्रव	३४	५८	२०	१२	शो	२१	१९	१४	४५	तै	२९	१४	१७	५४	२३	१३	४६	११	११	२	मक.	४।१५।०७।२२	५८।०१
श्रीवत्स	१४	गु	३४	११	१९	५४	धनि	४१	१६	२२	४४	अ	२२	५२	१५	२२	ग	१	४८	६	५७	१९	१३	४५	१२	१२	३	कुंभे ९।३१	४।१६।०५।२२	५८।०३
पूर्णिमा	१५	शु	३८	०९	२१	३०	शत	४६	३५	२४	५२	सु	२३	४०	१५	४२	वि	६	१७	८	४५	१५	१४	४४	१३	१३	४	कुंभे	४।१७।०३।२५	५८।०५

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।
कर्के शुक्रः २१।२७ [E उपाकर्म, भा. भाद्रपदारंभः, रमजान ९
चंद्रदर्शनम् (मु.४५), वराह जयंती, सायन कन्यायां भानुः २९।१९
भ. १८।०० उ. २९।११ या.,मन्वादि,हरितालिका व्र., हस्तिगौरी व्र.,A
[A गणेश चतुर्थी (चंद्र दर्शनं निषेधः), जैन संवत्सरी, सामवेदि E
ऋषि पंचमी, पुष्ये शुक्रः १६।५३ [G धनि.-१ गुरुः २६।४६
सौर (सूर्य) षष्ठी, स्कन्द दर्शनं, ललिता षष्ठी व्र. (गुर्जरे), (व) G
भ.२८।३४ उ., मुक्ताभरणव्र., उमामहेश्वर पू.,दूबड़ी सातम, आर्द्रा. J
भ. १७।१० या., दधीची जयंती, दूर्वाष्टमी, गौरी आवाहन २९।३४ C
श्रीराधा ८, श्रीचंद्र (उदासीन संप्रदाय), गौरी पूजन्न [J भौमः २१।३०
अदुःस्प नवमी व्र., दशावतार व्र., गौरी विसर्जन ८।०९ उपरान्त
भ. २३।४३ उ., श्रीरामदेवजी का मेला, पूफा. रविः १९।०९, हस्ते D
भ. १३।०१ या., जलझूलनी ११ व्र., पूफा. सौरः ९।४५
प्रदोषः, वामन जयंती, दुग्धव्रतं, गोत्रिरात्र व्र., सितंबर ९ ता. ३०
[D बुधः २६।१०,सं.स्त्री.पु.सू.चं.वाहन अश्व वर्षाश्रेष्ठः [H रंभारोपणं
भ. १९।५४ उ., पंचकप्रारम्भः ९।३१, अनन्त १४, कदलीव्रतं पूजनं, H
भ. ८।४५ या., पूर्णिमा व्रतंपुण्यञ्च, प्रौष्ठपदी, महालय श्राद्धारंभः,B

[C यावत्, शनेरस्तः पश्चिमायाम् २४।०३, अगस्त्योदयः २३।०३ [B महेश्वर पूजनं, कु. संध्यापूजा, श्लेषा. शुक्रः २०।३८

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

अयनांशाः २३।५८।४५

पं.२० भा.शु. ६ मं. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
४	२	५	९	३	४	९	३
०७	०५	०५	२६	०३	२८	०४	०४
५८	३७	१७	४६	५९	१५	२७	२७
५७	२३	४७	२८	२६	०४	१५	१५
५७	३८	५५	७	७१	७	३	३
५२	१५	५५	३१	२२	१२	११	११
म	मृ	उफा	ध	पु	उफा	उषा	पु
३	४	३	२व	१	१	३	१



ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	अं.	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	सायं	रात्रौ
०४।०३।४०।३४	१ शु	२१	९।४१	११।१७	१।१३	३।२८	५।४८	८।०५	१०।२१	१२।४०	२।५९	५।०३	६।४७	८।१५
०४।०४।३८।१२	२ श	२२	९।३७	११।१३	१।०९	३।२४	५।४४	८।०१	१०।१७	१२।३६	२।५५	४।५९	६।४३	८।११
०४।०५।३५।५३	३ र	२३	९।३३	११।०९	१।०५	३।२०	५।४०	७।५७	१०।१३	१२।३२	२।५१	४।५५	६।३९	८।०७
०४।०६।३३।३५	५ चं	२४	९।२९	११।०५	१।०२	३।१६	५।३६	७।५३	१०।०९	१२।२८	२।४७	४।५१	६।३५	८।०३
०४।०७।३१।१९	६ मं	२५	९।२५	११।०१	१२।५८	३।१२	५।३२	७।४९	१०।०५	१२।२४	२।४३	४।४७	६।३१	७।५९
०४।०८।२९।०४	७ बु	२६	९।२१	१०।५८	१२।५४	३।०८	५।२८	७।४५	१०।०१	१२।२०	२।३९	४।४३	६।२७	७।५५
०४।०९।२६।५२	८ गु	२७	९।१७	१०।५४	१२।५०	३।०४	५।२४	७।४१	९।५७	१२।१६	२।३५	४।४०	६।२३	७।५१
०४।१०।२४।४१	९ शु	२८	९।१४	१०।५०	१२।४६	३।००	५।२१	७।३७	९।५३	१२।१२	२।३१	४।३६	६।१९	७।४८
०४।११।२२।३२	९ श	२९	९।१०	१०।४६	१२।४२	२।५७	५।१७	७।३३	९।४९	१२।०८	२।२७	४।३२	६।१५	७।४४
०४।१२।२०।२५	१० र	३०	९।०६	१०।४२	१२।३८	२।५३	५।१३	७।३०	९।४५	१२।०४	२।२३	४।२८	६।११	७।४०
०४।१३।१८।२१	११ चं	३१	९।०२	१०।३८	१२।३४	२।४९	५।०९	७।२६	९।४१	१२।०१	२।१९	४।२४	६।०७	७।३६
०४।१४।१६।१७	१२ मं	१	८।५८	१०।३४	१२।३०	२।४५	५।०५	७।२२	९।३७	११।५७	२।१५	४।२०	६।०३	७।३२
०४।१५।१४।१६	१३ बु	२	८।५४	१०।३०	१२।२६	२।४१	५।०१	७।१८	९।३३	११।५३	२।११	४।१६	५।५९	७।२८
०४।१६।१२।१७	१४ गु	३	८।५०	१०।२६	१२।२२	२।३७	४।५७	७।१४	९।३०	११।४९	२।०७	४।१२	५।५५	७।२४
०४।१७।१०।२०	१५ शु	४	८।४६	१०।२२	१२।१८	२।३३	४।५३	७।१०	९।२६	११।४५	२।०३	४।०८	५।५१	७।२०

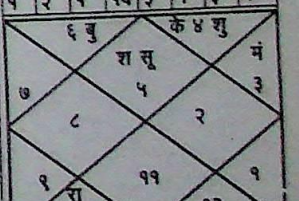
मास फलम्

इस माह में पांच शुक्रवार होने से प्रजा की वृद्धि हो यथा- प्रजावृद्धिस्तु भार्गवे॥ चैत्र से लेकर भाद्रपद तक शुक्ल पक्ष में तिथियां क्षय होने से धान्योत्पत्ति कम हो। गुरुवारी अमावस होने से सदा वृष्टि तथा सुभिक्ष हो आश्लेषा योग समर्घता कारक है। शुक्ला चतुर्थी का क्षय होने से मूंग घी महंगें हों। सुदी छठ को अनुराधा नहीं होने से दुर्भिक्ष हों। पूर्णिमा शुक्रवार और शतभिषा युक्त होने से शुभ फल दायिनी है। रविवार की सक्रांति होने से कहीं कहीं युद्ध हो, राजविग्रह हो, सूर्य बहुत तपे, रोगोत्पत्ति हो, धान्यादि महँगे हों।

अयनांशाः २३।५८।४६

पं.२१ भा.शु.१२ मं. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
४	२	५	९	३	४	९	३
१४	१०	१०	२५	१२	२९	०४	०४
४४	०२	४२	५५	२०	०५	०५	०५
४५	४९	०५	२०	४६	५४	००	००
५८	३७	३१	६	७१	७	३	३
०४	२७	०१	५७	५४	२०	११	११
पूफा	आ	ह	घ	पु	उफा	उषा	पु
१	२	१	१व	३	१	३	१



CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

॥ श्रीवल्लभ मनीराम पञ्चाङ्गम् ॥

५ सितंबर से १८ सितंबर तक, श्री आश्विन कृष्णपक्ष संवत् २०६६, शाकः १९३१, दि.मा.सू. सू. तारीख स्टै. प्रातः दैनिक शरदृतू रविर्दक्षिणे भाद्रपदकृष्णेति गुर्जराः, सितंबर २००९

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
काल	१	श	४१	०३	२२	४०	पूमा	५०	५३	२६	३५	धृ	२३	४०	१५	४२	बा	९	४४	१०	०८	३५ १५	६	६ ४३	१४	१४	५	मीने २०।१२	४।१८।०१।३०	५८।०७
सुस्थिर	२	र	४२	५२	२३	२४	उमा	५४	०६	२७	५३	शू	२२	४८	१५	२२	तै	१२	०६	११	०५	०७	१५	४२	१५	१५	६	मीने	४।१८।५९।३७	५८।०९
मातङ्ग	३	सो	४३	३५	२३	४१	रेव	५६	१५	२८	४५	गं	२१	०६	१४	४२	व	१३	२२	११	३६	०३	१५	४१	१६	१६	७	मेषे २८।४५	४।१९।५७।४६	५८।११
च.व्र.	४	मं	४३	१३	२३	३३	अश्वि	५७	२०	२९	१२	वृ	१८	३१	१३	४०	ब	१३	३१	११	४०	३० ५९	१६	३९	१७	१७	८	मेषे	४।२०।५५।५७	५८।१३
काण	५	बु	४१	४७	२२	५९	भर	५७	२३	२९	१३	ध्रु	१५	०५	१२	१८	कौ	१२	३६	११	१९	५५	१६	३८	१८	१८	९	मेषे	४।२१।५४।१०	५८।१५
लुम्बक	६	गु	३९	१८	२२	००	कृति	५६	२६	२८	५१	व्या	१०	४९	१०	३६	ग	१०	३९	१०	३२	५१	१७	३७	१९	१९	१०	वृषे ११।१०	४।२२।५२।२५	५८।१७
मित्र	७	शु	३५	५१	२०	३८	रोहि	५४	३०	२८	०५	ह	५ ५५	४४ ५८	८ ३०	३५ ५५	वि	७	४२	९	२२	४७	१७	३६	२०	२०	११	वृषे	४।२३।५०।४२	५८।२०
वज्र	८	श	३१	२७	१८	५३	मृग	५१	४०	२६	५८	सि	५३	१८	२७	३७	बा	३	४५	७	४८	४३	१८	३५	२१	२१	१२	मिथु. १५।३४	४।२४।४९।०२	५८।२२
ध्वाङ्क्ष	९	र	२६	१२	१६	४७	आर्द्रा	४८	००	२५	३०	व्य	४६	०१	२४	४२	ग	२६	१२	१६	४७	३९	१८	३४	२२	२२	१३	मिथु.	४।२५।४७।२४	५८।२४
धूम्र	१०	सो	२०	०९	१४	२२	पुन	४३	३६	२३	४५	व	३८	०७	२१	३३	वि	२०	०९	१४	२२	३५	१८	३२	२३	२३	१४	कर्के १८।१३	४।२६।४५।४७	५८।२६
ए.व्र.	११	मं	१३	२८	११	४२	पुष्य	३८	३७	२१	४६	प	२९	४४	१८	१३	बा	१३	२८	११	४२	३१	१९	३१	२४	२४	१५	कर्के	४।२७।४४।१३	५८।२८
प्र.व्र.	१२	बु	६	१९	८	५१	श्ले	३३	१७	१९	३८	शि	२१	०२	१४	४४	तै	६	१९	८	५१	२७	१९	३०	२५	२५	१६	सिंहे १९।३८	४।२८।४२।४२	५८।३०
क्षयः	१३	बु	५८	५८	२९	५५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
मुसल	१४	गु	५१	४१	२७	००	मघा	२७	५२	१७	२९	सि	१२	१२	११	१३	वि	२५	१७	१६	२७	२३	२०	२९	२६	२६	१७	सिंहे	४।२९।४१।१२	५८।३३
अमाव.	३०	शु	४४	५१	२४	१७	पूफा	२२	४५	१५	२६	सा	५५	३ ३५	६	३५	च	१८	११	१३	३७	१८	२०	२८	२७	२७	१८	कन्या २०।५८	५।००।३९।४५	५८।३५

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है ।

[B विश्वकर्मा पू., कन्यायां सौरः १४।०२, पुन. भौमः १५।१२

बुधास्तः पश्चिमायाम् १३।५४

भ. ११।३६ उ. २३।४१ या., पंचक समाप्तिः २८।४५, वक्री बुधः २१।००

अंगारकी चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः २०।३६, कन्यायां उफा.-२ शनिः १३।५९

चंद्रषष्ठी [D सं.स्त्री.स्त्री.सू.चं.वाहन मेष अल्पवृष्टिः

भ. २२।०० उ.

भ. ९।२२ या., श्रीमहालक्ष्मी व्र.

अशोकाष्टमी

भ. २७।३६ उ., सौभाग्यवतीनां श्राद्धं, उफा. रविः १३।०२ (सौरः A

भ. १४।२२ या. [A २७।५६), (व) उफा. बुधः २५।१६, D

इंदिरा ११ व्र., सन्यासिनां श्राद्धं, सिंहे मघा. शुक्रः २१।३०, C

भ. २९।५५ उ., प्रदोषः, युगादि, कन्यायां रविः २३।०९

[C उषा.-२ राहुः ९।४४, पुन.-४ केतुः ९।४४

भ. १६।२७ या., मासिकशिवरात्री व्र., शस्त्रादि हतानां श्राद्धं, B

देवपितृकार्येऽमा., सर्वपितृ श्राद्धम्

अयनांशाः २३।५८।४७

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

संक्रांति फलम्

अयनांशाः २३।५८।४८

पं.२२ आ.कृ. ४ मं. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
४	२	५	९	३	४	९	३
२१	१४	१२	२५	२०	२९	०३	०३
३१	२२	२७	०८	४५	५७	४२	४२
५४	२६	५२	५४	४०	३६	४३	४३
५८	३६	९	६	७२	७	३	३
१६	३५	०५	०९	२३	२६	११	११
पूफा	आ	ह	घ	श्ले	उफा	उषा	पु
३	३	१४	१४	२	१	३	१



ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	सितं	रात्री	रात्री	रात्री	रात्री	रात्री	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	सायं
०४।१८।०८।२५	१ श	५	८।४२	१०।१८	१२।१४	२।२९	४।४९	७।०६	९।२२	११।४१	१।५९	४।०४	५।४७	७।१६
०४।१९।०६।३२	२ र	६	८।३८	१०।१४	१२।१०	२।२५	४।४५	७।०२	९।१८	११।३७	१।५५	४।००	५।४३	७।१२
०४।२०।०४।४२	३ चं	७	८।३४	१०।१०	१२।०६	२।२१	४।४१	६।५८	९।१४	११।३३	१।५१	३।५६	५।४०	७।०८
०४।२१।०२।५३	४ मं	८	८।३०	१०।०६	१२।०२	२।१७	४।३७	६।५४	९।१०	११।२९	१।४८	३।५२	५।३६	७।०४
०४।२२।०१।०६	५ बु	९	८।२६	१०।०२	११।५८	२।१३	४।३३	६।५०	९।०६	११।२५	१।४४	३।४८	५।३२	७।००
०४।२२।५९।२२	६ गु	१०	८।२२	९।५८	११।५४	२।०९	४।२९	६।४६	९।०२	११।२१	१।४०	३।४४	५।२८	६।५६
०४।२३।५७।३९	७ शु	११	८।१८	९।५४	११।५१	२।०५	४।२५	६।४२	८।५८	११।१७	१।३६	३।४०	५।२४	६।५२
०४।२४।५५।५९	८ श	१२	८।१४	९।५०	११।४७	२।०१	४।२१	६।३८	८।५४	११।१३	१।३२	३।३६	५।२०	६।४८
०४।२५।५४।२१	९ र	१३	८।१०	९।४७	११।४३	१।५७	४।१७	६।३४	८।५०	११।०९	१।२८	३।३२	५।१६	६।४४
०४।२६।५२।४५	१० चं	१४	८।०६	९।४३	११।३९	१।५३	४।१३	६।३०	८।४६	११।०५	१।२४	३।२९	५।१२	६।४०
०४।२७।५१।११	११ मं	१५	८।०३	९।३९	११।३५	१।४९	४।१०	६।२६	८।४२	११।०१	१।२०	३।२५	५।०८	६।३७
०४।२८।४९।४०	१२ बु	१६	७।५९	९।३५	११।३१	१।४६	४।०६	६।२२	८।३८	१०।५७	१।१६	३।२१	५।०४	६।३३
०४।२९।४८।१०	१३ गु	१७	७।५५	९।३१	११।२७	१।४२	४।०२	६।१९	८।३४	१०।५३	१।१२	३।१७	५।००	६।२९
०५।००।४६।४३	१४ शु	१८	७।५१	९।२७	११।२३	१।३८	३।५८	६।१५	८।३०	१०।५०	१।०८	३।१३	४।५६	६।२५

संक्रांति फलम्

ता. १६ सितंबर २००९

आश्वि. कृ. १२ बुधे कन्यायामर्कः

प्र. (स्टै.) टा. २३।०९ वारात् ४

नक्षत्रात् ५ वारनाम मंदाकिनी नृपतीन्

सुस्थदा नक्षत्रनाम घोरा शूद्रान् सुस्थदा

मध्यरात्रि २ प्रहर व्यापिनी राक्षसान्

हन्ति, उत्तरे गमनं, ऐशान्यां दृष्टिः

वणिजकरणे प्रविष्टा मध्यमफलं

महिषवाहनं उष्ट्रोपवाहनं क्रौशकारक

श्यामवस्त्रं तोमरायुधं स्वप्परपात्रं

दधिभक्षणं अलक्तकलेपनं मृगजातिः

अर्कपत्रपुष्पं मणीभूषणं पाण्डुर्कचुकी

प्रगल्भावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यभावे

सम वत्स पूर्वे राहु उत्तरे मूलं स्वर्गे

विवाहस्तंभो ऐशान्यां शुक्रोदयः

पूर्वस्याम्। पुण्यकालः (स्टै.) २३।०९

से २९।३३ तक। (दान- गृह वस्त्र)।

पं.२३ आ.कृ.११ मं. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
४	२	५	९	३	५	९	३
२८	१८	०९	२४	२९	००	०३	०३
२०	३५	०२	२८	१३	४९	२०	२०
२९	४८	०९	४४	५४	५०	२७	२७
५८	३५	५४	५	७२	७	३	३
२८	३८	०५	०९	५१	२९	११	११
उफा	आ	उफा	घ	श्ले	उफा	उषा	पु
१	४	४व	१व	४	२	३	१



CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

१९ सितंबर से ४ अक्टूबर तक, श्री आश्विन शुक्लपक्ष संवत् २०६६, शाकः १९३१, दि.मा.सू. सू. तारीख्स स्टै. प्रातः दैनिक केतकी अहर्गणः ६३७६ शरदृतू रविर्दक्षिणे, सितंबर-अक्टूबर २००९

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.घ.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
नवरा.	१	श	३८	५०	२१	५३	उफा	१८	१६	१३	३९	शु	४७	४५	२५	२७	किं	११	४२	११	०२	३० ५४	६ २१	६ २७	२८	२८	१९	कन्या	५।०१।३८।२०	५८।३७
मानस	२	र	३४	०१	१९	५८	हस्त	१४	५१	१२	१८	ब्र	४१	१४	२२	५१	बा	६	१४	८	५१	१०	२१	२५	२९	२९	२०	तुला.	२३।५०	५।०२।३६।५७	५८।४०
मुद्गर	३	सो	३०	४६	१८	४०	चित्रा	१२	५३	११	३१	ऐ	३६	०२	२०	४६	तै	२	१०	७	१४	०६	२२	२४	३०	१	२१	तुला.		५।०३।३५।३७	५८।४२
ध्वजा	४	मं	२९	२३	१८	०७	स्वा	१२	३९	११	२६	वै	३२	१९	१९	१८	वि	२९	२३	१८	०७	०२	२२	२३	३१	२	२२	वृश्चि.	२९।५२	५।०४।३४।१८	५८।४४
घाता	५	बु	२९	५९	१८	२२	विशा	१४	२१	१२	०७	वि	३०	१०	१८	२७	बा	२९	५९	१८	२२	२९ ५८	२३	२२	१	३	२३	वृश्चि.		५।०५।३३।०२	५८।४६
आनन्द	६	गु	३२	३६	१९	२५	अनु	१८	०१	१३	३५	प्री	२९	३६	१८	१३	कौ	१	०३	६	४८	५४	२३	२१	२	४	२४	वृश्चि.		५।०६।३१।४९	५८।४९
वर	७	शु	३७	०१	२१	१२	ज्ये	२३	२८	१५	४७	आ	३०	२२	१८	३३	ग	४	३५	८	१४	५०	२४	१९	३	५	२५	धनु.	१५।४७	५।०७।३०।३७	५८।५१
दुर्गा	८	श	४२	४६	२३	३१	मूल	३०	२०	१८	३२	सौ	३२	१५	१९	१८	वि	९	४५	१०	१८	४६	२४	१८	४	६	२६	धनु.		५।०८।२९।२८	५८।५३
शुभ	९	र	४९	१७	२६	०७	पूषा	३८	००	२१	३७	शो	३४	४३	२०	१८	बा	१५	५८	१२	४८	४२	२५	१७	५	७	२७	मक.	२८।२४	५।०९।२८।२२	५८।५६
विजया	१०	सो	५५	४९	२८	४५	उषा	४५	४९	२४	४५	अ	३७	२०	२१	२१	तै	२२	३४	१५	२७	३७	२५	१६	६	८	२८	मक.		५।१०।२७।१७	५८।५८
लुम्बक	११	मं	...	...	...	..	श्रव	५३	०८	२७	४१	सु	३९	३८	२२	१७	व	२८	५३	१७	५९	३३	२६	१५	७	९	२९	मक.		५।११।२६।१५	५९।००
ए.व्र.	११	बु	१	४३	७	०७	धनि	५९	२९	३०	१४	धृ	४१	१२	२२	५५	वि	१	४३	७	०७	२९	२६	१४	८	१०	३०	कुंभे	१७।०१	५।१२।२५।१५	५९।०३
प्र.व्र.	१२	गु	६	३६	९	०५	शत	...	...	...	...	शू	४१	४९	२३	१०	बा	६	३६	९	०५	२५	२७	१३	९	११	१	कुंभे		५।१३।२४।१८	५९।०५
सौम्य	१३	शु	१०	०७	१०	३०	शत	४	३३	८	१६	गं	४१	२१	२३	००	तै	१०	०७	१०	३०	२१	२७	११	१०	१२	२	मीने	२७।२६	५।१४।२३।२३	५९।०७
काल	१४	श	१२	१३	११	२१	पूभा	८	१५	९	४५	वृ	३९	४८	२२	२३	व	१२	१३	११	२१	१७	२८	१०	११	१३	३	मीने		५।१५।२२।३०	५९।१०
पूर्णिमा	१५	र	१२	५६	११	३८	उभा	१०	३६	१०	४२	धु	३७	११	२१	२०	ब	१२	५६	११	३८	१३	२८	०९	१२	१४	४	मीने		५।१६।२१।३९	५९।१२

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।
नवरात्रारम्भः, घटस्था. अग्रसेन जयंती , मातामह श्रा.
चंद्रदर्शनम् (मु.३०) [B कर्म (आश्वलायन शास्त्रा), कार्तिक स्नान C
भ. ३०।१८ उ., सब्वाल १० [C प्रा., (व) श्रव.-४ गुरुः १४।३२
भ. १८।०७ या., सायंन तुलायां भानुः २७।०३ [E विसर्जनं श्रवणे
उपांग ललिता व्र., भा. अश्विनारंभः
(व) सिंहे बुधः ८।१९ [D सं.स्त्री.पु.सू.चं.वाहन स्मर वर्षाश्रेष्ठः
भ. २१।१२ उ., सरस्वती आवाहनं मूलभे, भद्रकाली अवतार
भ. १०।१८ या.,महाष्टमी, सरस्वती पूजनं पू.वाभे, हस्ते रविः २८।३३, A
मन्वादि, शस्त्रादि पूजा, बलिदानं उ.वाभे, हस्ते सौरः १९।१८
बोद्धावतार, विजया १०, शमीपूजा, पट्टाभिषेक, सरस्वती E
भ. १७।५९ उ. [A बुधोदयः पूर्वस्याम् १७।१८, पूष्टा. शुक्रः १९।५१, D
भ. ७।०७ या., पंचकप्रारम्भः १७।०१, पापांकुशा ११ व्र.,मार्गी बुधः ९।०९
प्रदोषः, कार्तिके द्विदलं त्यजेत्, अक्टूबर १० ता. ३१
गांधी जयन्ती, शनैरुदयः पूर्वस्याम् ३०।०४
भ. ११।२१ उ. २३।३४ या., पूर्णिमा व्रतं, शरद पूर्णिमा, कोजागरी व्र.
पूर्णिमा पुण्यं, बंगीय लक्ष्मी पूजा, नवान्न भक्षण, आश्वयुजी B

अयनांशाः २३।५८।४९

पं.२४ आ.शु. ४ मं. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
५	२	५	९	४	५	९	३
०५	२२	०१	२३	०७	०१	०२	०२
१०	४२	५४	५६	४५	४२	५८	५८
३७	१८	०९	०७	१६	१३	१२	१२
५८	३४	५७	३	७३	७	३	३
४२	३६	४६	५९	१६	२८	११	११
उफा	पुन	उफा	ध	म	उफा	उषा	पुन
३	१	२४	१४	३	२	२	४



॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	सितं	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	सायं
०५।०१।४५।१९	१ श	१९	७।४७	९।२३	११।१९	११।३४	३।५४	६।१९	८।२६	९०।४६	१।०४	३।०९	४।५२	६।२१
०५।०२।४३।५६	२ र	२०	७।४३	९।१९	११।१५	१।३०	३।५०	६।०७	८।२३	९०।४२	१।००	३।०५	४।४८	६।१७
०५।०३।४२।३६	३ चं	२१	७।३९	९।१५	११।११	१।२६	३।४६	६।०३	८।१९	९०।३८	९२।५६	३।०१	४।४४	६।१३
०५।०४।४१।१८	४ मं	२२	७।३५	९।११	११।०७	१।२२	३।४२	५।५९	८।१५	९०।३४	९२।५२	२।५७	४।४०	६।०९
०५।०५।४०।०२	५ बु	२३	७।३१	९।०७	११।०३	१।१८	३।३८	५।५५	८।११	९०।३०	९२।४८	२।५३	४।३६	६।०५
०५।०६।३८।४९	६ गु	२४	७।२७	९।०३	९०।५९	१।१४	३।३४	५।५१	८।०७	९०।२६	९२।४४	२।४९	४।३२	६।०१
०५।०७।३७।३८	७ शु	२५	७।२३	८।५९	९०।५५	१।१०	३।३०	५।४७	८।०३	९०।२२	९२।४१	२।४५	४।२९	५।५७
०५।०८।३६।२९	८ श	२६	७।१९	८।५५	९०।५१	१।०६	३।२६	५।४३	७।५९	९०।१८	९२।३७	२।४१	४।२५	५।५३
०५।०९।३५।२२	९ र	२७	७।१५	८।५१	९०।४७	१।०२	३।२२	५।३९	७।५५	९०।१४	९२।३३	२।३७	४।२१	५।४९
०५।१०।३४।१८	१० चं	२८	७।११	८।४७	९०।४३	९२।५८	३।१८	५।३५	७।५१	९०।१०	९२।२९	२।३३	४।१७	५।४५
०५।११।३३।१६	११ मं	२९	७।०७	८।४३	९०।४०	९२।५४	३।१४	५।३१	७।४७	९०।०६	९२।२५	२।२९	४।१३	५।४१
०५।१२।३२।१७	११ बु	३०	७।०३	८।३९	९०।३६	९२।५०	३।१०	५।२७	७।४३	९०।०२	९२।२१	२।२५	४।०९	५।३७
०५।१३।३१।२०	१२ गु	१	६।५९	८।३६	९०।३२	९२।४६	३।०६	५।२३	७।३९	९।५८	९२।१७	२।२१	४।०५	५।३३
०५।१४।३०।२५	१३ शु	२	६।५५	८।३२	९०।२८	९२।४२	३।०३	५।१९	७।३५	९।५४	९२।१३	२।१८	४।०१	५।२९
०५।१५।२९।३२	१४ श	३	६।५२	८।२८	९०।२४	९२।३८	२।५९	५।१५	७।३१	९।५०	९२।०९	२।१४	३।५७	५।२६
०५।१६।२८।४२	१५ र	४	६।४८	८।२४	९०।२०	९२।३५	२।५५	५।११	७।२७	९।४६	९२।०५	२।१०	३।५३	५।२२

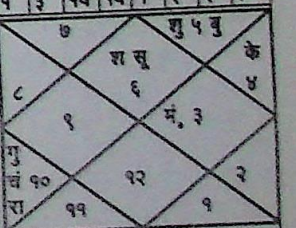
मास फलम्

इस माह में पांच शनिवार एवं पांच रविवार होने से नेट फलप्रद और महर्घता हो। शुक्रवारी अमावस होने से उद्धत मेघों से जलभ्रंश हो और पूर्वाफाल्गुनी योग समर्घता कारक हो। आसोज सुदी पड़वा को शनिवार होने से धान्यादि भाव में मंदी हो। पूर्णिमा उत्तराभाद्रपद युक्त होने से शुभ फल दायिनी है लेकिन आश्विन की पूर्णिमा को अश्विनी का अभाव होने से महर्घता हो। बुधवार की संक्रांति होने से रस कस घृत महँगे हों, शस्त्रादि और रुई भाव मंदे हों, प्रजा में भय हो, चतुर्मास में वर्षा कम हो। कन्या राशि में बुध का अस्त होने से चौर भय तथा अतिवृष्टि हो।

अयनांशाः २३।५८।५०

पं.२५ आ.शु.११ मं. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
५	२	४	९	४	५	९	३
१२	२६	२७	२३	१६	०२	०२	०२
०२	४१	३६	३२	१९	३४	३५	३५
२१	१५	१५	०६	३५	२२	५६	५६
५८	३३	१	२	७३	७	३	३
५६	२८	०९	४१	४०	२५	११	११
ह	पुन	उफा	ध	पूफा	उफा	उषा	पुन
१	३	१५	१५	१	२	२	४



CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

॥ श्रीवल्लभ मनीराम पञ्चाङ्गम् ॥

५ अक्टूबर से १८ अक्टूबर तक, श्री कार्तिक कृष्णपक्ष संवत् २०६६, शाकः १९३१, दि.मा.सू. सू. तारीख्स स्टै. प्रातः दैनिक शरदृतू रविर्दक्षिणे आश्विनकृष्णेति गुर्जराः, अक्टूबर २००९

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	च.प.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स.	गति
मातङ्ग	१	सो	१२	२३	११	२६	रेव	११	४३	११	१०	व्या	३३	३७	९९	५५	कौ	१२	२३	११	२६	२९ ०४	६ २९	६ ०८	१३	१५	५	मेषे ११।१०	५।१७।२०।५१	५९।१४
अमृत	२	मं	१०	४४	१०	४७	अश्वि	११	४५	११	११	ह	२९	१५	१८	११	ग	१०	४४	१०	४७	०५	२९	०७	१४	१६	६	मेषे	५।१८।२०।०५	५९।१७
च.व्र.	३	बु	८	११	९	४६	भर	१०	५५	१०	५१	व	२४	१३	१६	११	वि	८	११	९	४६	०१	३०	०६	१५	१७	७	वृषे १६।४४	५।१९।१९।२२	५९।१९
लुम्बक	४	गु	४	५७	८	२९	कृति	९	२२	१०	१५	सि	१८	३८	१३	५७	बा	४	५७	८	२९	२८ ५६	३०	०५	१६	१८	८	वृषे	५।२०।१८।४१	५९।२१
मित्र	५	शु	९	०७	६	५७	रोहि	७	१७	९	२५	व्य	१२	३८	११	३४	तै	१	०७	६	५७	५२	३१	०४	१७	१९	९	मिथु. २०।५७	५।२१।१८।०२	५९।२४
क्षयः	६	शु	५६	५२	२९	१६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
वज्र	७	श	५२	५५	२७	२५	मृग	४	४६	८	२५	व	६ ५१	१७ ३९	९ ३०	०२ २३	वि	२४	३५	१६	२१	४८	३१	०३	१८	२०	१०	मिथु.	५।२२।१७।२६	५९।२६
ध्वाङ्क्ष	८	र	४७	१५	२५	२६	आर्द्रा	९ ५८	५२ ४१	७ ३०	१७ ००	शि	५२	४३	२७	३७	बा	१९	४६	१४	२६	४४	३२	०१	१९	२१	११	कर्के २४।२०	५।२३।१६।५१	५९।२८
धाता	९	सो	४१	५९	२३	२०	पुष्य	५५	१०	२८	३६	सि	४५	३३	२४	४६	तै	१४	३८	१२	२४	४०	३२	००	२०	२२	१२	कर्के	५।२४।१६।२०	५९।३१
आनन्द	१०	मं	३६	२९	२१	०८	श्ले	५१	२७	२७	०८	सा	३८	११	२१	४९	व	९	१४	१०	१४	३६	३३	५ ५९	२१	२३	१३	सिंहे २७।०८	५।२५।१५।५०	५९।३३
ए.व्र.	११	बु	३०	५०	१८	५३	मघा	४७	३७	२५	३६	शु	३०	४३	१८	५१	ब	३	३९	८	०१	३२	३३	५८	२२	२४	१४	सिंहे	५।२६।१५।२३	५९।३५
प्र.व्र.	१२	गु	२५	१२	१६	३९	पूफा	४३	५३	२४	०७	शु	२३	१५	१५	५२	तै	२५	१२	१६	३९	२८	३४	५७	२३	२५	१५	कन्या २९।४६	५।२७।१४।५८	५९।३७
शुभ	१३	शु	१९	५०	१४	३१	उफा	४०	३१	२२	४७	ब्र	१६	०१	१२	५९	व	१९	५०	१४	३१	२४	३५	५६	२४	२६	१६	कन्या	५।२८।१४।३५	५९।४०
दीपाव.	१४	श	१५	०२	१२	३६	हस्त	३७	४७	२१	४२	ऐ	९	११	१०	१६	श	१५	०२	१२	३६	२०	३५	५५	२५	२७	१७	कन्या	५।२९।१४।१५	५९।४२
अन्नकू.	३०	र	११	०५	११	०२	चित्रा	३६	०३	२१	०१	वै	३ ५७	०१ ४८	७ २९	४८ ४३	ना	११	०५	११	०२	१६	३६	५४	२६	२८	१८	तुला. ९।१८	६।००।५३।५७	५९।४४

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है ।
पंचक समाप्तिः ११।१०, कर्के भौमः ६।५२,कन्यायां बुधः ७।१३, D
भ. २२।१९ उ. [D उफा.-३ शनिः ११।००
भ. ९।४६ या., दशरथ ललिता व्र., करवा ४ चन्द्रोदयः २०।०१, E
[E उफा. शुक्रः १६।००
भ. २९।१६ उ., स्कन्द षष्ठी
[A (नरक) १४, प्रभात स्नानं, तुलायां रविः ११।०६ (सौरः २४।५९)
भ. १६।२१ या., चित्रा. रविः १७।३३, कन्यायां शुक्रः ८।४४, C
होई (अहोरी) ८, चित्रा. सौरः ७।४८, पुष्ये भौमः १३।२९
हस्ते बुधः २७।२० [C सं.स्त्री.स्त्री.सू.चं.वाहन जम्बूक अल्पवृष्टिः
भ. ७०।१४ उ. २९।०८ या., मार्गी गुरुः २१।३६
रमा ११ व्र., गोवत्स द्वादशी
प्रदोषः, धनतेरस, धन्वन्तरी जयंती, यमायदीपदानं, गोत्रिरात्र व्र.
भ. १४।३१ उ. २५।३१ या., मासिकशिवरात्री व्र., दीपदानं
पितृकार्येऽमा., महालक्ष्मी पूजा, कुबेर पू., आकाश दीपारंभः, रुप A
देवकार्येऽमा., बलीपूजा, गोवर्धन पू., अन्नकूटं देशाचारे, गोक्रीडा, B

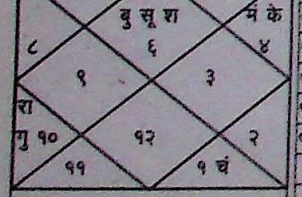
अयनांशाः २३।५८।५१

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

संक्रांति फलम्

अयनांशाः २३।५८।५२

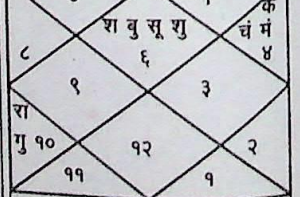
पं.२६ का.कृ. २ मं. इष्टघटी ०।००								
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.	
५	३	५	९	४	५	९	३	
१८	००	००	२३	२४	०३	०२	०२	
५५	३१	५३	१७	५६	२५	१३	१३	
४५	५३	५९	२०	३६	५६	४०	४०	
५९	३२	६३	१	७४	७	३	३	
१०	१२	१४	१९	०२	१८	११	११	
ह	पुन	उफा	श्र	पूफा	उफा	उषा	पुन	
३	४	२	४व	४	३	२	४	



ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	अक्टु	सायँ	रात्री	रात्री	रात्री	रात्री	रात्री	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा
०५।१७।२७।५४	१ चं	५	६।४४	८।२०	१०।१६	१२।३१	२।५१	५।०८	७।२३	९।४२	१२।०१	२।०६	३।४९	५।१८
०५।१८।२७।०९	२ मं	६	६।४०	८।१६	१०।१२	१२।२७	२।४७	५।०४	७।१९	९।३९	११।५७	२।०२	३।४५	५।१४
०५।१९।२६।२५	३ बु	७	६।३६	८।१२	१०।०८	१२।२३	२।४३	५।००	७।१५	९।३५	११।५३	१।५८	३।४१	५।१०
०५।२०।२५।४५	४ गु	८	६।३२	८।०८	१०।०४	१२।१९	२।३९	४।५६	७।१२	९।३१	११।४९	१।५४	३।३७	५।०६
०५।२१।२५।०६	५ शु	९	६।२८	८।०४	१०।००	१२।१५	२।३५	४।५२	७।०८	९।२७	११।४५	१।५०	३।३३	५।०२
०५।२२।२४।३०	७ श	१०	६।२४	८।००	९।५६	१२।११	२।३१	४।४८	७।०४	९।२३	११।४१	१।४६	३।२९	४।५८
०५।२३।२३।५६	८ र	११	६।२०	७।५६	९।५२	१२।०७	२।२७	४।४४	७।००	९।१९	११।३७	१।४२	३।२५	४।५४
०५।२४।२३।२५	९ चं	१२	६।१६	७।५२	९।४८	१२।०३	२।२३	४।४०	६।५६	९।१५	११।३३	१।३८	३।२१	४।५०
०५।२५।२२।५५	१० मं	१३	६।१२	७।४८	९।४४	११।५९	२।१९	४।३६	६।५२	९।११	११।३०	१।३४	३।१८	४।४६
०५।२६।२२।२८	११ बु	१४	६।०८	७।४४	९।४०	११।५५	२।१५	४।३२	६।४८	९।०७	११।२६	१।३०	३।१४	४।४२
०५।२७।२२।०४	१२ गु	१५	६।०४	७।४०	९।३६	११।५१	२।११	४।२८	६।४४	९।०३	११।२२	१।२६	३।१०	४।३८
०५।२८।२१।४१	१३ शु	१६	६।००	७।३६	९।३२	११।४७	२।०७	४।२४	६।४०	८।५९	११।१८	१।२२	३।०६	४।३४
०५।२९।२१।२२	१४ श	१७	५।५६	७।३२	९।२९	११।४३	२।०३	४।२०	६।३६	८।५५	११।१४	१।१८	३।०२	४।३०
०६।००।२१।०४	३० र	१८	५।५२	७।२८	९।२५	११।३९	१।५९	४।१६	६।३२	८।५१	११।१०	१।१४	२।५८	४।२६

ता. १७ अक्टूबर २००९
का. कृ. १४ शनौ तुलायामर्कः प्र. (स्टै.) टा. ११।०६ वारात् ४ नक्षत्रात् ४ वारनाम राक्षसी चाण्डालान् सुस्वदा नक्षत्रनाम ध्वांक्षी वैश्यान् सुस्वदा मध्यान्ह २ प्रहर व्यापिनी द्विजान् हन्ति, पश्चिमे गमनं वायव्यां दृष्टिः शकुनिकरणे प्रविष्टा महर्धफलं श्वान्धाहनं शार्दूलोपवाहनं सुभिक्षकारक चित्रकवस्त्रं पाशायुधं वस्त्रपात्रं गुड़भक्षणं हरिद्रालेप्यनं क्षत्रीयजातिः कमलपुष्पं कोडीभूषणं कृष्णजिकंचुकी वंन्ध्यावस्था (उभी) मु. ३० धान्यभावे सम वत्स पूर्व राहु उत्तरे मूलं भूमौ विवाहस्तंभो ऐशान्यां शुक्रोदयः पूर्वस्याम् । पुण्यकालः शुक्रवार (स्टै.) २९।०६ से शनिवार १७।०६ तक । (दान-तिल) ।

पं.२७ का.कृ.१० मं. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
५	३	५	९	५	५	९	३
२५	०४	१०	२३	०३	०४	०१	०१
५०	१३	१२	१२	३६	१६	५१	५१
५०	१०	२३	१७	०४	३२	२४	२४
५९	३०	९५	०	७४	७	३	३
२५	४६	०५	०५	२२	०७	११	११
चि	पु	ह	श्र	उफा	उफा	उषा	पुन
१	१	१	४	३	३	२	४



CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

१९ अक्टूबर से २ नवंबर तक, श्री कार्तिक शुक्लपक्ष संवत् २०६६, शाकः १९३१, दि.मा.सू. सू. तारीख्त स्टै. प्रातः दैनिक केतकी अहर्गणः ६४०६ शरदृतू रविर्दक्षिणे, अक्टूबर-नवंबर २००९

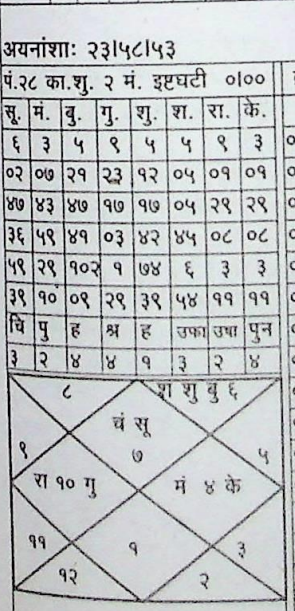
योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
छत्र	१	सो	८	२१	९	५७	स्वा	३५	३६	२०	५१	प्री	५३	४०	२८	०५	ब	८	२१	९	५७	२८/१२	६/३६	५/५३	२७	२९	१९	तुला.	६।०१।१३।४९	५९।४६
श्रीवत्स	२	मं	७	०३	९	२६	विशा	३६	४३	२१	१८	आ	५०	५०	२६	५७	कौ	७	०३	९	२६	०८	३७	५२	२८	३०	२०	वृश्चि. १५।०७	६।०२।१३।२८	५९।४९
सौम्य	३	बु	७	२८	९	३७	अनु	३९	३१	२२	२६	सौ	४९	२२	२६	२३	ग	७	२८	९	३७	०५	३८	५१	२९	१	२१	वृश्चि.	६।०३।१३।१६	५९।५१
काल	४	गु	९	४०	१०	३०	ज्ये	४४	०२	२४	१५	शो	४९	१५	२६	२०	वि	९	४०	१०	३०	०१	३८	५०	३०	२	२२	धनु. २४।१५	६।०४।१३।०७	५९।५३
सुस्थिर	५	शु	१३	३४	१२	०५	मूल	५०	०५	२६	४१	अ	५०	२१	२६	४७	बा	१३	३४	१२	०५	२७/५७	३९	५०	१	३	२३	धनु.	६।०५।१३।०१	५९।५५
मातङ्ग	६	श	१८	५८	१४	१५	पूषा	५७	१८	२९	३५	सु	५२	२०	२७	३५	तै	१८	५८	१४	१५	५३	३६	४९	२	४	२४	धनु.	६।०६।१२।५६	५९।५८
अमृत	७	र	२५	२१	१६	४९	उषा	...	...	...	...	धृ	५४	५०	२८	३६	व	२५	२१	१६	४९	४९	४०	४८	३	५	२५	मक.	६।०७।१२।५४	६०।००
काण	८	सो	३२	०२	१९	३०	उषा	५	०४	८	४२	शू	५७	१८	२९	३६	ब	३२	०२	१९	३०	४५	४१	४७	४	६	२६	मक.	६।०८।१२।५३	६०।०२
लुम्बक	९	मं	३८	२०	२२	०१	श्रव	१२	४४	११	४७	गं	५९	१७	३०	२४	बा	५	१६	८	४८	४२	४१	४६	५	७	२७	कुंभे २५।१४	६।०९।१२।५५	६०।०४
मित्र	१०	बु	४३	३२	२४	०७	धनि	१९	३८	१४	३३	वृ	...	...	...	...	तै	११	०५	११	०८	३८	४२	४५	६	८	२८	कुंभे	६।१०।१२।५९	६०।०६
ए.व्र.	११	गु	४७	१४	२५	३६	शत	२५	१२	१६	४८	वृ	०	१७	६	५०	व	१५	३५	१२	५७	३४	४३	४४	७	९	२९	कुंभे	६।११।१३।०६	६०।०८
घाड़क्ष	१२	शु	४९	१०	२६	२३	पूभा	२९	०८	१८	२३	ध्रु	०/५८	०६/३४	६/३०	४६/०९	ब	१८	२५	१४	०५	३०	४३	४४	८	१०	३०	मीने १२।०३	६।१२।१३।१४	६०।१०
प्र.व्र.	१३	श	४९	१९	२६	२८	उभा	३१	२०	१९	१६	ह	५५	३९	२९	००	कौ	१९	२६	१४	३१	२७	४४	४३	९	११	३१	मीने	६।१३।१३।२४	६०।१३
प्रवर्धमा	१४	र	४७	४८	२५	५२	रेव	३१	५२	१९	३०	व	५१	२६	२७	१९	ग	१८	४३	१४	१४	२३	४५	४२	१०	१२	१	मेषे १९।३०	६।१४।१३।३७	६०।१५
पूर्णिमा	१५	सो	४४	५२	२४	४३	अश्वि	३०	५७	१९	०९	सि	४६	०६	२५	१२	वि	१६	२९	१३	२१	१९	४६	४१	११	१३	२	मेषे	६।१५।१३।५२	६०।१७

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।
गुर्जराणां नूतन वर्षारंभः [E विवाह, चतुर्मास व्रत समाप्तिः, H
चंद्रदर्शनम् (मु.४५), भ्रातृ २, यम २, यमुना स्नानं, कलम दवात C
भ. २१।५८ उ., दूर्वागणपति व्र., जिल्हाद ११, धनि.-१ गुरुः २७।३७
भ. १०।३० या. [B सायन वृश्चिके भानुः १२।२५, सं.स्त्री.पु.सू.चं.G
सौभाग्य ५, पाण्डव ५, भा. कार्तिकारंभः, स्वा. रविः २८।०३, B
स्वा. सौरः १७।३०, तुलायां बुधः २६।१६ [G वाहन मूषक वर्षाश्रेष्ठः
भ. १६।४९ उ. ३०।०९ या., कल्पादि [H भीष्म पंचक प्रा.
गोपाष्टमी [C पू., चित्रा. बुधः २८।१८, बुधास्तः पूर्वस्याम् १३।५९
पंचक प्रारम्भः २५।१४, युगादि, कुष्माण्ड (अक्षय) ९
स्वा. बुधः २५।०५, चित्रा. शुक्रः २७।१० [D कार्तिक स्नान पूर्तिः
भ. १२।५७ उ. २५।३६ या., प्रबोधिनी ११ व्र.,देवोत्थापनं, तुलसी E
मन्वादि [F समाप्तिः, कार्तिक व्रतोद्यापनं, नवंबर ११ ता. ३०
प्रदोषः [A समाप्ति, पुष्करयात्रा, नानकजयंती, भीष्मपंचक समाप्ति,D
भ. २५।५२ उ., पंचकसमाप्तिः १९।३०, वैकुण्ठ १४, रोटक व्रत F
भ. १३।२१ या.,मन्वादि, पूर्णिमा व्रतंपुण्यञ्च, त्रिपुरोत्सव,गोपद्मव्रत A

अयनांशाः २३।५८।५३

पं.२८ का.शु. २ मं. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
६	३	५	९	५	५	९	३
०२	०७	२१	२३	१२	०५	०१	०१
४७	४३	४७	१७	१७	०५	२९	२९
३६	५९	४१	०३	४२	४५	०८	०८
५९	२९	१०३	१	७४	६	३	३
३९	१०	०९	२९	३९	५४	११	११
चि	पु	ह	श्र	ह	उभा	उभा	पुन
३	२	४	४	१	३	२	४



॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	अक्टु	सायं	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा
०६।०१।२०।४८	१ चं	१९	५।४८	७।२५	९।२१	११।३५	१।५५	४।१२	६।२८	८।४७	११।०६	१।१९	२।५४	४।२२
०६।०२।२०।३५	२ मं	२०	५।४४	७।२१	९।१७	११।३१	१।५२	४।०८	६।२४	८।४३	११।०२	१।०७	२।५०	४।१८
०६।०३।२०।२४	३ बु	२१	५।४१	७।१७	९।१३	११।२७	१।४८	४।०४	६।२०	८।३९	१०।५८	१।०३	२।४६	४।१५
०६।०४।२०।१५	४ गु	२२	५।३७	७।१३	९।०९	११।२४	१।४४	४।००	६।१६	८।३५	१०।५४	१२।५९	२।४२	४।११
०६।०५।२०।०९	५ शु	२३	५।३३	७।०९	९।०५	११।२०	१।४०	३।५७	६।१२	८।३१	१०।५०	१२।५५	२।३८	४।०७
०६।०६।२०।०४	६ श	२४	५।२९	७।०५	९।०१	११।१६	१।३६	३।५३	६।०८	८।२८	१०।४६	१२।५१	२।३४	४।०३
०६।०७।२०।०२	७ र	२५	५।२५	७।०१	८।५७	११।१२	१।३२	३।४९	६।०४	८।२४	१०।४२	१२।४७	२।३०	३।५९
०६।०८।२०।०२	८ चं	२६	५।२१	६।५७	८।५३	११।०८	१।२८	३।४५	६।०१	८।२०	१०।३८	१२।४३	२।२६	३।५५
०६।०९।२०।०५	९ मं	२७	५।१७	६।५३	८।४९	११।०४	१।२४	३।४१	५।५७	८।१६	१०।३४	१२।३९	२।२२	३।५१
०६।१०।२०।०९	१० बु	२८	५।१३	६।४९	८।४५	११।००	१।२०	३।३७	५।५३	८।१२	१०।३०	१२।३५	२।१८	३।४७
०६।११।२०।१६	११ गु	२९	५।०९	६।४५	८।४१	१०।५६	१।१६	३।३३	५।४९	८।०८	१०।२६	१२।३१	२।१४	३।४३
०६।१२।२०।२४	१२ शु	३०	५।०५	६।४१	८।३७	१०।५२	१।१२	३।२९	५।४५	८।०४	१०।२२	१२।२७	२।१०	३।३९
०६।१३।२०।३५	१३ श	३१	५।०१	६।३७	८।३३	१०।४८	१।०८	३।२५	५।४१	८।००	१०।१९	१२।२३	२।०७	३।३५
०६।१४।२०।४८	१४ र	१	४।५७	६।३३	८।२९	१०।४४	१।०४	३।२१	५।३७	७।५६	१०।१५	१२।१९	२।०३	३।३१
०६।१५।२१।०३	१५ चं	२	४।५३	६।२९	८।२५	१०।४०	१।००	३।१७	५।३३	७।५२	१०।११	१२।१५	१।५९	३।२७

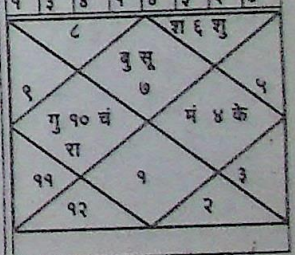
मास फलम्

इस माह में पांच सोमवार होने से धान्य सस्ता हो। कार्तिकी अमावस्या रविवारी होने से राजाओं में युद्ध (उपद्रव) हो और चित्रा होने से महर्घता हो। पूर्णिमा अश्विनी युक्त होने से सुभिक्ष हो। शनिवार की सक्रांति होने से अशुभ फलकारक है सभी तरह की वस्तुओं का क्षय हो प्रजा में दुर्भिक्ष हो, धान्यादि भाव तेज हो और रोगों की अधिकता हो। उत्तरा फाल्गुनी नक्षत्र को शुक्र के भेदन करने से कुरु देश में निवास करने वाले, जाङ्गल (स्वल्पोदक स्थान) में निवास करने वाले और पञ्जाबस्थ जन पीडित हों तथा वृष्टि हो।

अयनांशाः २३।५८।५४

पं.२९ का.शु. ९ मं. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
६	३	६	९	५	५	९	३
०९	११	०३	२३	२१	०५	०१	०१
४६	०२	४१	३१	०१	५३	०६	०६
०२	५३	५०	३५	१३	१३	५२	५२
५९	२७	१०१	२	७४	६	३	३
५३	२०	०२	५१	५३	३७	११	११
स्वा	पु	चि	ध	ह	उभा	उभा	पुन
१	३	४	१	४	३	२	४



CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

३ नवंबर से १६ नवंबर तक, श्री मार्गशीर्ष कृष्णपक्ष संवत् २०६६, शाकः १९३१, दि.मा.सू. सू. तारीख्स स्टै. प्रातः दैनिक हेमन्तर्तू रविर्दक्षिणे कार्तिककृष्णेति गुर्जराः, नवंबर २००९

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
मुसल	९	मं	४०	५०	२३	०६	मर	२८	५२	९८	१९	व्य	३९	५५	२२	४४	बा	१२	५७	११	५७	२७ ४६	६ ५६	५ ५४	१२	१४	३	वृषे २४।०३	६।१६।१४।०८	६०।१९
सिद्धि	२	बु	३६	०९	२९	११	कृति	२५	५५	१७	०९	वै	३३	०४	२०	०१	तै	८	३०	१०	११	१२	४७	४०	९३	१५	४	वृषे	६।१७।१४।२७	६०।२१
च.व्र.	३	गु	३०	४१	१९	०४	रोहि	२२	२६	१५	४६	प	२५	४८	१७	०७	व	३	२३	८	०९	०९	४८	३९	१४	१६	५	मिथु. २७।०२	६।१८।१४।४८	६०।२३
मानस	४	शु	२५	०९	१६	५२	मृग	१८	४२	१४	१७	शि	१८	२१	१४	०९	बा	२५	०९	१६	५२	०५	४८	३९	१५	१७	६	मिथु.	६।१९।१५।१०	६०।२५
मुद्गर	५	श	१९	३६	१४	४०	आर्द्रा	१४	५५	१२	४७	सि	१०	५२	११	१०	तै	१९	३६	१४	४०	०२	४९	३८	१६	१८	७	कर्के २९।४१	६।२०।१५।३५	६०।२७
ध्वजा	६	र	१४	१०	१२	३०	पुन	११	१५	११	२०	सा	५ ३१	३ २७	२५	८ २३	व	१४	१०	१२	३०	२५ २५	५०	३७	१७	१९	८	कर्के	६।२१।१६।०२	६०।२९
घाता	७	सो	८	५६	१०	२५	पुष्य	७	४८	९	५८	शु	४९	१२	२६	३२	ब	८	५६	१०	२५	५५	५१	३७	१८	२०	९	कर्के	६।२२।१६।३०	६०।३०
आनन्द	८	मं	४	००	८	२७	श्ले	४	३६	८	४२	ब्र	४२	२५	२३	४९	कौ	४	००	८	२७	५२	५१	३६	१९	२१	१०	सिंहे ८।४२	६।२३।१७।०१	६०।३२
क्षयः	९	मं	५९	२५	३०	३७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
चर	१०	बु	५५	१०	२८	५६	मघा	९ ५९	४३ ५५	७ ३०	३३ ३८	ऐ	३५	५४	२९	९४	व	२७	९४	१७	४६	४९	५२	३६	२०	२२	११	सिंहे	६।२४।१७।३३	६०।३४
ए.व्र.	११	गु	५१	२५	२७	२७	उफा	५७	१४	२९	४७	वै	२९	४४	१८	४७	ब	२३	९३	१६	१०	४६	५३	३५	२१	२३	१२	कन्या १२।२१	६।२५।१८।०७	६०।३६
ए.व्र.	१२	शु	४८	१७	२६	१३	हस्त	५५	५१	२९	१४	वि	२४	०१	१६	३०	कौ	१९	४४	१४	४७	४२	५४	३५	२२	२४	१३	कन्या	६।२६।१८।४३	६०।३८
प्र.व्र.	१३	श	४५	५७	२५	१७	चित्रा	५५	१६	२९	०१	प्री	१८	५३	१४	२८	ग	१७	००	१३	४२	३९	५४	३४	२३	२५	१४	तुला. १७।०५	६।२७।१९।२०	६०।३९
लम्बक	१४	र	४४	३७	२४	४६	स्वा	५५	४१	२९	१२	आ	१४	२७	१२	४२	वि	१५	०८	१२	५८	३६	५५	३४	२४	२६	१५	तुला.	६।२८।२०।००	६०।४१
अमाव.	३०	सो	४४	२६	२४	४३	विशा	५७	१६	२९	५०	सौ	१०	५१	११	१७	च	१४	२२	१२	४१	३३	५६	३३	२५	२७	१६	वृश्चि. २३।३८	६।२९।२०।४१	६०।४३

हेमन्तर्तू रविर्दक्षिणे कार्तिककृष्णेति गुर्जराः, नवंबर २००९

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।

तुलायां शुक्रः ११।०९, उफा.-४ शनिः १२।२३

भ. ८।०९ उ. १९।०४ या., सौभाग्य सुंदरी व्र., चतुर्थीव्रतं C

विशा. रविः १२।१० (सौरः २४।३८)

[C चन्द्रोदयः १९।४५, विशा. बुधः २७।२५

भ. १२।३० उ. २३।२७ या., स्वा. शुक्रः १८।५६

कालभैरवाष्टमी, श्लेषा. भौमः १२।२०

[A आकाशदीप समाप्तिः, वृश्चिके रविः १०।५१ (सौरः २२।२९)

भ. १७।४६ उ. २८।५६ या.

उत्पत्ति ११ व्र.स्मार्त, वैतरणी व्र., वृश्चिके बुधः ९।४९

उत्पत्ति ११ व्र.वैष्ण.

भ. २५।१७ उ., प्रदोषः, नेहरुजयन्ती (बालदिवस), अनु.बुधः १२।४३

भ. १२।५८ या., मासिकशिवरात्री व्र.

देवपितृकार्येऽमा., सोमवती अमा., गौरीतपोव्र., महाव्रतारंभः, A

अयनांशाः २३।५८।५५

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

संक्रांति फलम् **अयनांशाः २३।५८।५६**

ता. १६ नवंबर २००९
मार्ग. कृ. ३० चंद्रे वृश्चिकेऽर्कः प्र. (स्टै.) टा. १०।५१ वारात् ३ नक्षत्रात् ४ वारनाम ध्वांक्षी वैश्यान् सुस्पदा नक्षत्रनाम मिश्रा पशून् सुस्पदा मध्यान्ह २ प्रहर व्यापिनी द्विजान् हन्ति, पश्चिमे गमनं वायव्यां दृष्टिः चतुष्पादकरणे प्रविष्टा नेष्टफलं मेषवाहनं महिषोपवाहनं पीड़ाकारक कंबलवस्त्रं अंकुशायुधं करपात्रं मधुभक्षणं अंजनलेपनं वैश्यजातिः मल्लिकापुष्पं नीलभूषणं चर्मकंचुकी अतिवंध्यावस्था (सूती) मु. ४५ धान्यभावे समर्घ वत्स दक्षिणे राहु पूर्वे मूलं पाताले विवाहस्तंभो वायव्याम् शुक्रोदयः पूर्वस्याम्। पुण्यकालः रविवार (स्टै.) २८।२७ से सोमवार १०।५१ तक। (दान-दीप)।

पं.३० मा.कृ. ९ मं. इष्टघटी ०।००								ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.	प्रातः	तिथि	नक्ष.	दिवा	सायं	रात्री	रात्री	रात्री	रात्री	रात्री	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा
६	३	६	९	५	५	९	३	०६।१६।२१।२०	१ मं	३	४।४९	६।२५	८।२२	१०।३६	१२।५६	३।१३	५।२९	७।४८	१०।०७	१२।१९	१।५५	३।२३
१६	१४	१५	२३	२९	०६	००	००	०६।१७।२१।३९	२ बु	४	४।४५	६।२१	८।१८	१०।३२	१२।५२	३।०९	५।२५	७।४४	१०।०३	१२।०७	१।५१	३।१९
४६	०८	२०	५५	४६	३८	४४	४४	०६।१८।२२।००	३ गु	५	४।४१	६।१७	८।१४	१०।२८	१२।४८	३।०५	५।२१	७।४०	९।५९	१२।०३	१।४७	३।१५
०४	१२	४४	३४	१७	३२	३६	३६	०६।१९।२२।२३	४ शु	६	४।३७	६।१४	८।१०	१०।२४	१२।४४	३।०१	५।१७	७।३६	९।५५	१२।००	१।४३	३।११
६०	२५	९८	४	७५	६	३	३	०६।२०।२२।४८	५ श	७	४।३३	६।१०	८।०६	१०।२०	१२।४१	२।५७	५।१३	७।३२	९।५१	११।५६	१।३९	३।०७
०६	१४	०३	११	०५	१६	११	११	०६।२१।२३।१४	६ र	८	४।३०	६।०६	८।०२	१०।१७	१२।३७	२।५३	५।०९	७।२८	९।४७	११।५२	१।३५	३।०४
स्वा	पु	स्वा	घ	वि	उफा	उषा	पुन	०६।२२।२३।४३	७ चं	९	४।२६	६।०२	७।५८	१०।१३	१२।३३	२।४९	५।०५	७।२४	९।४३	११।४८	१।३१	३।००
४	४	३	१	२	३	२	४	०६।२३।२४।१४	८ मं	१०	४।२२	५।५८	७।५४	१०।०९	१२।२९	२।४६	५।०१	७।२०	९।३९	११।४४	१।२७	२।५६
								०६।२४।२४।४६	९ बु	११	४।१८	५।५४	७।५०	१०।०५	१२।२५	२।४२	४।५७	७।१७	९।३५	११।४०	१।२३	२।५२
								०६।२५।२५।२१	१० गु	१२	४।१४	५।५०	७।४६	१०।०१	१२।२१	२।३८	४।५३	७।१३	९।३१	११।३६	१।१९	२।४८
								०६।२६।२५।५७	११ शु	१३	४।१०	५।४६	७।४२	९।५७	१२।१७	२।३४	४।५०	७।०९	९।२७	११।३२	१।१५	२।४४
								०६।२७।२६।३५	१२ श	१४	४।०६	५।४२	७।३८	९।५३	१२।१३	२।३०	४।४६	७।०५	९।२३	११।२८	१।११	२।४०
								०६।२८।२७।१५	१३ र	१५	४।०२	५।३८	७।३४	९।४९	१२।०९	२।२६	४।४२	७।०१	९।१९	११।२४	१।०७	२।३६
								०६।२९।२७।५६	३० चं	१६	३।५८	५।३४	७।३०	९।४५	१२।०५	२।२२	४।३८	६।५७	९।१५	११।२०	१।०३	२।३२



पं.३१ मा.कृ. ८ मं. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
६	३	६	९	६	५	९	३
२३	१६	२६	२४	०८	०७	००	००
४७	५७	३८	२८	३२	२१	२२	२२
३८	५४	२३	४१	३६	१७	२०	२०
६०	२२	९५	५	७५	५	३	३
१९	४९	१०	२७	१४	५२	११	११
वि	श्ले	वि	घ	स्वा	उफा	उषा	पुन
२	१	२	१	१	४	२	४



CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

॥ श्रीवल्लभ मनीराम पञ्चाङ्गम् ॥

१७ नवंबर से २ दिसंबर तक, श्री मार्गशीर्ष शुक्लपक्ष संवत् २०६६, शाकः १९३१, दि.मा.सू. सू. तारीख्स्टै. प्रातः दैनिक केतकी अहर्गणः ६४३५ हेमन्तर्तू रविर्दक्षिणे, नवंबर-दिसंबर २००९

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.घ.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
वज्र	१	मं	४५	३५	२५	११	अनु	...	...	...	...	शो	८	१३	१०	१४	किं	१४	५०	१२	५३	२६/३०	६/५७	५/३३	२६	२८	१७	वृश्चि.	७।००।२१।२४	६०।४५
सौम्य	२	बु	४८	०९	२६	१३	अनु	०	०६	७	००	अ	६	३८	९	३७	बा	१६	४९	१३	३८	२७	५८	३३	२७	२९	१८	वृश्चि.	७।०१।२२।०९	६०।४६
काल	३	गु	५२	०८	२७	४९	ज्ये	४	२०	८	४३	सु	६	०८	९	२६	तै	१९	५७	१४	५७	२५	५८	३२	२८	१	१९	धनु.	८।४३	७।०२।२२।५५	६०।४८
सुस्थिर	४	शु	५७	२५	२९	५७	मूल	९	५५	१०	५७	धृ	६	४१	९	४०	व	२४	३६	१६	५०	२२	५९	३२	२९	२	२०	धनु.		७।०३।२३।४३	६०।४९
मातङ्ग	५	श	...	...	...	...	पूषा	१६	३९	१३	४०	शू	८	०९	१०	१५	ब	३०	२६	१९	१०	१९	७/००	३२	३०	३	२१	मक.	२०।२४	७।०४।२४।३२	६०।५१
अमृत	५	र	३	३९	८	२८	उषा	२४	१३	१६	४२	गं	१०	१९	११	०८	बा	३	३९	८	२८	१७	०१	३१	१	४	२२	मक.		७।०५।२५।२३	६०।५३
सिद्धि	६	सो	१०	२७	११	१२	श्रव	३२	०६	१९	५२	वृ	१२	४९	१२	०९	तै	१०	२७	११	१२	१४	०२	३१	२	५	२३	मक.		७।०७।२७।१०	६०।५६
उत्पात	७	मं	१७	०६	१३	५३	धनि	३९	३८	२२	५३	ध्रु	१५	११	१३	०७	व	१७	०६	१३	५३	११	०२	३१	३	६	२४	कुंभे	९।२५	७।०८।२८।०५	६०।५७
मानस	८	बु	२२	५६	१६	१३	शत	४६	१०	२५	३१	व्या	१६	५९	१३	५१	ब	२२	५६	१६	१३	०९	०३	३१	४	७	२५	कुंभे		७।०९।२९।०२	६०।५८
मुद्गर	९	गु	२७	१९	१७	५९	पूभा	५१	११	२७	३२	ह	१७	४३	१४	०९	कौ	२७	१९	१७	५९	०७	०४	३१	५	८	२६	मीने	२१।०६	७।१०।३०।०१	६१।००
ध्वजा	१०	शु	२९	५१	१९	०१	उभा	५४	१९	२८	४८	व	१७	०५	१३	५५	ग	२९	५१	१९	०१	०४	०५	३०	६	९	२७	मीने		७।११।३१।००	६१।०१
ए.व्र.	११	श	३०	२१	१९	१४	रेव	५५	२८	२९	१६	सि	१४	५५	१३	०३	व	०	२१	७	१४	०२	०५	३०	७	१०	२८	मेषे	२९।१६	७।१२।३२।०२	६१।०२
आनन्द	१२	र	२८	५०	१८	३८	अश्वि	५४	४३	२८	५९	व्य	११	१०	११	३४	बा	२८	५०	१८	३८	००/२५	०६/२९	३०	८	११	२९	मेषे		७।१३।३३।०४	६१।०४
प्र.व्र.	१३	सो	२५	३०	१७	१९	भर	५२	१७	२८	०२	व	५/५५	२४/५५	३०/५३	३/५२	तै	२५	३०	१७	१९	२५/५८	०७	३०	९	१२	३०	मेषे		७।१४।३४।०७	६१।०५
गद	१४	मं	२०	३८	१५	२३	कृति	४८	३२	२६	३२	शि	५१	४९	२७	५१	व	२०	३८	१५	२३	५६	०८	३०	१०	१३	१	वृषे	९।४२	७।१५।३५।१२	६१।०६
पूर्णिमा	१५	बु	१४	३५	१२	५९	रोहि	४३	४८	२४	४०	सि	४३	२७	२४	३१	ब	१४	३५	१२	५९	५४	०९	३०	११	१४	२	वृषे		७।१५।३५।१२	६१।०६

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है ।

धनुषि उषा.-९ राहुः ७।२८, मिथुने पुन.-३ केतुः ७।२८
चंद्रदर्शनम् (मु.१५) [A ४ (कर्क: सोग्रांगः गु. ७ पू.), द्वात्रिंशी J
रंभास्थेयं, जिल्हेज १२, अनु. रविः ९८।११ (सौरः २९।३१), E
म. १६।५० उ. २९।५७ या. [J (बत्तीसी) पूर्णिमा, ज्येष्ठा. रविः K
नागपंचमी [B (स्टै. २६।३२ उपरान्त), श्री दत्त जयंती, पिशाच H
स्कंदषष्ठी, भा.मार्गशीर्षारंभः,सायन धनुषि भानुः ९।५८, ज्येष्ठा. C
[H मोचन श्राद्धं, दिसंबर १२ ता. ३१, धनुषि मूले बुधः २०।०९
म. १३।५३ उ. २७।०६ या., पंचकप्रारम्भः ९।२५ [C बुधः २६।४९
[F रात्रौ गोधूलि, उभा. रे. ७ ।।।।SISSII रात्रौ ल. ४।५ (कर्क: G
कल्पादि [K २२।२७,बुधोदयः पश्चि. २२।१८ [G सोग्रांगः गु.७ पू.)
वृश्चिके शुक्रः ८।५४, उभा. रे. ६ ।।।।SISSISSd. दिवा ल.११।१ F
म. ७।१४ उ. १९।१४ या., पंचक समाप्तिः २९।१६, मोक्षदा ११ D
अनंग त्रयोदशी व्र., अनु. शुक्रः २४।३० [E विशा. शुक्रः ९।५७
प्रदोषः [D व्र., गीता जयंती, धनि.-२ गुरुः ३०।०१
म. १५।२३ उ. २६।१३ या., रोहि. रे. ८।।।।SIISIISII रात्रौ ल. ६ B
पूर्णिमा व्रतंपुण्यञ्च, रोहि. रे. ८ ।।।।SIISII दिवा ल. १९।१ रात्रौ A

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

अयनांशाः २३।५८।५७

पं.३२ मा.शु. १ मं. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
७	३	७	९	६	५	९	३
००	१९	०७	२५	१७	०८	००	००
५०	२९	३८	१०	१९	०१	००	००
३८	३३	३६	२५	५३	०६	०४	०४
६०	२०	९३	६	७५	५	३	३
३०	०१	१८	३८	२१	२५	११	११
वि	श्लें	अनु	ध	स्वा	उषा	उषा	पुन
४	१	२	१	४	४	२	४



ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	नवं.	दिवा	सायं	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा
०७।००।२८।३९	१ मं	१७	३।५४	५।३०	७।२६	९।४१	९२।०१	२।१८	४।३४	६।५३	९।११	११।१६	१२।५९	२।२८
०७।०१।२९।२४	२ बु	१८	३।५०	५।२६	७।२२	९।३७	११।५७	२।१४	४।३०	६।४९	९।०८	११।१२	१२।५६	२।२४
०७।०२।३०।११	३ गु	१९	३।४६	५।२२	७।१८	९।३३	११।५३	२।१०	४।२६	६।४५	९।०४	११।०८	१२।५२	२।२०
०७।०३।३०।५९	४ शु	२०	३।४२	५।१८	७।१४	९।२९	११।४९	२।०८	४।२२	६।४१	९।००	११।०४	१२।४८	२।१६
०७।०४।३१।४९	५ श	२१	३।३८	५।१४	७।१०	९।२५	११।४५	२।०२	४।१८	६।३७	८।५६	११।००	१२।४४	२।१२
०७।०५।३२।४०	६ र	२२	३।३४	५।१०	७।०७	९।२१	११।४१	१।५८	४।१४	६।३३	८।५२	१०।५६	१२।४०	२।०८
०७।०६।३३।३३	७ चं	२३	३।३०	५।०६	७।०३	९।१७	११।३७	१।५४	४।१०	६।२९	८।४८	१०।५२	१२।३६	२।०४
०७।०७।३४।२७	८ मं	२४	३।२६	५।०३	६।५९	९।१३	११।३३	१।५०	४।०६	६।२५	८।४४	१०।४९	१२।३२	२।००
०७।०८।३५।२३	९ बु	२५	३।२२	४।५९	६।५५	९।०९	११।२९	१।४६	४।०२	६।२१	८।४०	१०।४५	१२।२८	१।५६
०७।०९।३६।२०	१० गु	२६	३।१९	४।५५	६।५१	९।०५	११।२६	१।४२	३।५८	६।१७	८।३६	१०।४१	१२।२४	१।५३
०७।१०।३७।१९	११ शु	२७	३।१५	४।५१	६।४७	९।०२	११।२२	१।३८	३।५४	६।१३	८।३२	१०।३७	१२।२०	१।४९
०७।११।३८।१९	१२ श	२८	३।११	४।४७	६।४३	८।५८	११।१८	१।३५	३।५०	६।०९	८।२८	१०।३३	१२।१६	१।४५
०७।१२।३९।२०	१३ र	२९	३।०७	४।४३	६।३९	८।५४	११।१४	१।३१	३।४६	६।०६	८।२४	१०।२९	१२।१२	१।४१
०७।१३।४०।२२	१४ चं	३०	३।०३	४।३९	६।३५	८।५०	११।१०	१।२७	३।४२	६।०२	८।२०	१०।२५	१२।०८	१।३७
०७।१४।४१।२६	१५ मं	१	२।५९	४।३५	६।३१	८।४६	११।०६	१।२३	३।३९	५।५८	८।१६	१०।२१	१२।०४	१।३३
०७।१५।४२।३१	१६ बु	२	२।५५	४।३१	६।२७	८।४२	११।०२	१।१९	३।३५	५।५४	८।१२	१०।१७	१२।००	१।२९

CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

अयनांशाः २३।५८।५८

पं.३३ मा.शु. ७ मं. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
७	३	७	९	६	५	८	२
०७	२९	१८	२६	२६	०८	२९	२९
५४	४०	२८	००	०७	३७	३७	३७
५५	२०	४१	१२	५१	३३	४८	४८
६०	१६	९२	७	७५	४	३	३
४९	४७	१५	४४	२६	५५	११	११
अनु	श्लें	ज्ये	ध	वि	उषा	उषा	पुन
२	२	१	१	२	४	१	३



अयनांशाः २३।५८।५९

पं.३४ मा.शु.१४ मं. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
७	३	७	९	७	५	८	२
१५	२३	२९	२६	०४	०९	२९	२९
००	२६	१०	५७	५६	१०	१५	१५
२०	५५	५२	२७	१९	२७	३२	३२
६०	१३	९०	८	७५	४	३	३
५०	०२	३७	४५	२९	२१	११	११
अनु	श्लें	ज्ये	ध	अनु	उषा	उषा	पुन
४	३	४	२	१	४	१	३



Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

३ दिसंबर से १६ दिसंबर तक, श्री पोष कृष्णपक्ष संवत् २०६६, शाकः १९३१, दि.मा.सू. सू. तारीख स्टै. प्रातः दैनिक

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
मृत्यु	१	गु	७	४५	९०	९५	मृग	३८	३०	२२	३३	सा	३४	३६	२१	००	कौ	७	४५	९०	९५	२५	७	५	१२	९५	३	मिथु. ११।३८	७।१६।३६।१८	६१।०७
पद्म	२	शु	०	३१	७	२२	आर्द्रा	३२	५९	२०	२२	शु	२५	३३	१७	२३	ग	०	३१	७	२२	५१	१०	३०	१३	१६	४	मिथु.	७।१७।३७।२५	६१।०८
क्षयः	३	शु	५३	९४	२८	२८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
च.ब्र.	४	श	४६	०८	२५	३८	पुन	२७	३४	१८	१३	शु	१६	३४	१३	४९	ब	१९	३८	९५	०२	४९	११	३०	१४	१७	५	कर्के १२।४४	७।१८।३८।३४	६१।०९
श्रीवत्स	५	र	३९	३१	२३	००	पुष्य	२२	३४	१६	१३	ब्र	५९	३५	३०	०३	कौ	१२	४५	१२	१७	४८	१२	३१	१५	१८	६	कर्क	७।१९।३९।४३	६१।१०
सौम्य	६	सो	३३	३४	२०	३८	श्ले	१८	०९	१४	२८	वै	५१	५९	२८	००	ग	६	२६	९	४७	४६	१२	३१	१६	१९	७	सिंहे १४।२८	७।२०।४०।५४	६१।११
काल	७	मं	२८	२६	१८	३५	मघा	१४	३१	१३	०१	वि	४५	००	२५	१३	वि	०	५३	७	३४	४५	१३	३१	१७	२०	८	सिंहे	७।२१।४२।०५	६१।१२
सुस्थिर	८	बु	२४	१४	१६	५५	पूफा	११	४६	११	५६	प्री	३८	४९	२२	४५	कौ	२४	१४	१६	५५	४३	१४	३१	१८	२१	९	कन्या १७।४३	७।२२।४३।१७	६१।१३
मातङ्ग	९	गु	२१	०४	१५	४०	उफा	१०	०१	११	१५	आ	३३	२५	२०	३७	ग	२१	०४	१५	४०	४२	१४	३१	१९	२२	१०	कन्या	७।२३।४४।३१	६१।१४
अमृत	१०	शु	१८	५८	१४	५०	हस्त	९	१८	१०	५८	सौ	२८	५४	१८	४८	वि	१८	५८	१४	५०	४१	१५	३२	२०	२३	११	तुला. २३।००	७।२४।४५।४५	६१।१५
ए.ब्र.	११	श	१८	०१	१४	२८	चित्रा	९	४२	११	०८	शो	२५	१५	१७	२१	बा	१८	०१	१४	२८	४०	१६	३२	२१	२४	१२	तुला.	७।२५।४७।००	६१।१६
प्र.ब्र.	१२	र	१८	१३	१४	३३	स्वा	११	१२	११	४५	अ	२२	३०	१६	१६	तै	१८	१३	१४	३३	३९	१६	३२	२२	२५	१३	वृश्चि. ३०।३०	७।२६।४८।१६	६१।१७
मित्र	१३	सो	१९	३४	१५	०७	विशा	१३	४९	१२	४९	सु	२०	३८	१५	३२	व	१९	३४	१५	०७	३९	१७	३२	२३	२६	१४	वृश्चि.	७।२७।४९।३२	६१।१७
वज्र	१४	मं	२२	०४	१६	०७	अनु	१७	३२	१४	१८	धृ	१९	३८	१५	०९	श	२२	०४	१६	०७	३८	१८	३३	२४	२७	१५	वृश्चि.	७।२८।५०।५०	६१।१८
अभाव.	३०	बु	२५	३९	१७	३४	ज्ये	२२	१८	१६	१३	शू	१९	२८	१५	०५	ना	२५	३९	१७	३४	३७	१८	३३	२५	२८	१६	धनु. १६।१३	७।२९।५२।०८	६१।१९

हेमन्तर्तू रविर्दक्षिणे मार्गशीर्षकृष्णेति गुर्जराः, दिसंबर २००९

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।

ज्येष्ठा. सौरः ८।३६

भ. १७।५५ उ. २८।२८ या.

चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः २०।५२

[B पूषा. बुधः २३।२२, ज्येष्ठा. शुक्रः १४।४८

भ. २०।३८ उ.

भ. ७।३४ या., मघा रे. ७ ISIISISIII दिवा ल. ११ (चं. ७ पू.)

[A मासिकशिवरात्री व्र., हस्ते-१ शनिः ७।५३

भ. २७।१२ उ., हस्ते रे. ८ SIIIIIISII रात्रौ ल. अ. गो. ५, B

भ. १४।५० या.

सफला ११ व्र., सुरुप द्वादशी १२

प्रदोषः, शुक्रास्तः पूर्वस्याम् २४।५६

भ. १५।०७ उ. २७।३३ या., A

धनुषि मूले रविः २५।२५

देवपितृकार्येऽमा., कुहूः, धनुषि मूले सौरः १०।२३

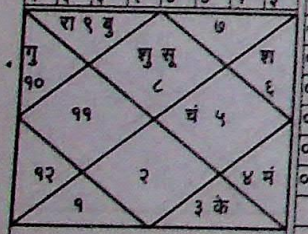
शुक्रास्तः पूर्वस्याम्

अयनांशाः २३।५९।००

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

पं.३५ पौ.कृ. ७ मं. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
७	३	८	९	७	५	८	२
२२	२४	०९	२८	१३	०९	२८	२८
०६	४५	३३	०१	४५	३८	५३	५३
४४	३८	४३	३३	०५	५४	१५	१५
६०	८	८५	९	७५	३	३	३
५७	४४	४४	४१	३१	४४	११	११
ज्ये	श्ले	मू	घ	अनु	उफा	उषा	पुन
२	३	३	२	४	४	१	३



ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	दिसं	दिवा	दिवा	सायं	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा
०७।१६।४३।३७	१ गु	३	२।५१	४।२७	६।२३	८।३८	१०।५८	१।१५	३।३९	५।५०	८।०८	१०।९३	११।५६	१।२५
०७।१७।४४।४५	२ शु	४	२।४७	४।२३	६।१९	८।३४	१०।५४	१।११	३।२७	५।४६	८।०४	१०।०९	११।५२	१।२१
०७।१८।४५।५३	४ श	५	२।४३	४।१९	६।१५	८।३०	१०।५०	१।०७	३।२३	५।४२	८।००	१०।०५	११।४८	१।१७
०७।१९।४७।०३	५ र	६	२।३९	४।१५	६।११	८।२६	१०।४६	१।०३	३।१९	५।३८	७।५७	१०।०१	११।४५	१।१३
०७।२०।४८।९३	६ चं	७	२।३५	४।११	६।०७	८।२२	१०।४२	१२।५९	३।१५	५।३४	७।५३	९।५७	११।४१	१।०९
०७।२१।४९।२५	७ मं	८	२।३१	४।०७	६।०३	८।१८	१०।३८	१२।५५	३।११	५।३०	७।४९	९।५३	११।३७	१।०५
०७।२२।५०।३८	८ बु	९	२।२७	४।०३	५।५९	८।१४	१०।३४	१२।५१	३।०७	५।२६	७।४५	९।४९	११।३३	१।०१
०७।२३।५१।५१	९ गु	१०	२।२३	३।५९	५।५६	८।१०	१०।३०	१२।४७	३।०३	५।२२	७।४१	९।४५	११।२९	१२।५७
०७।२४।५३।०६	१० शु	११	२।१९	३।५५	५।५२	८।०६	१०।२६	१२।४३	२।५९	५।१८	७।३७	९।४१	११।२५	१२।५३
०७।२५।५४।२१	११ श	१२	२।१५	३।५२	५।४८	८।०२	१०।२२	१२।३९	२।५५	५।१४	७।३३	९।३८	११।२१	१२।४९
०७।२६।५५।३७	१२ र	१३	२।११	३।४८	५।४४	७।५८	१०।१९	१२।३५	२।५१	५।१०	७।२९	९।३४	११।१७	१२।४५
०७।२७।५६।५४	१३ चं	१४	२।०८	३।४४	५।४०	७।५४	१०।१५	१२।३१	२।४७	५।०६	७।२५	९।३०	११।१३	१२।४२
०७।२८।५८।१९	१४ मं	१५	२।०४	३।४०	५।३६	७।५१	१०।११	१२।२७	२।४३	५।०२	७।२१	९।२६	११।०९	१२।३८
०७।२९।५९।३०	३० बु	१६	२।००	३।३६	५।३२	७।४७	१०।०७	१२।२४	२।३९	४।५८	७।१७	९।२२	११।०५	१२।३४

संक्रांति फलम्

ता. १५ दिसंबर २००९

पौष कृ. १४ भौमे धनुर्ध्वकः प्र. (स्टै.)

टा. २५।२५ वारात् २ नक्षत्रात् ३

वारनाम महोदरी चोरान् सुस्थदा

नक्षत्रनाम राक्षसी चाण्डालान् सुस्थदा

अपर रात्रि ३ प्रहर व्यापिनी नटान्

हन्ति, पूर्वे गमनमाग्नेयां दृष्टिः

चतुष्पादकरणे प्रविष्टा नेष्टफलं

मेषवाहनं महिषोपवाहनं पीड़ाकारक

कंबलवस्त्रं अंकुशायुधं करपात्रं

मधुभक्षणं अंजनलेपनं वैश्यजातिः

मल्लिकापुष्पं नीलभूषणं चर्मकंचुकी

अतिवंध्यावस्था (सूती) मु. १५

धान्यभावे महर्घता वत्स दक्षिणे राहु

पूर्वे मूलं भूमौ विवाहस्तंभो वायव्याम्

शुक्रास्तः पूर्वस्याम्। पुण्यकालः

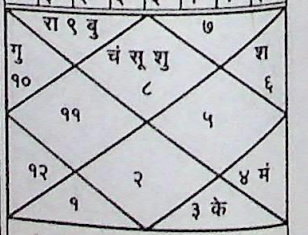
(स्टै.) २५।२५ से बुधवार ७।४९

तक। (दान- वस्त्र)।

अयनांशाः २३।५९।०१

पं.३६ पौ.कृ.१४ मं. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
७	३	८	९	७	५	८	२
२९	२५	१९	२९	२२	१०	२८	२८
१३	३२	०१	११	३४	०३	३०	३०
५३	२९	५०	५२	००	०६	५९	५९
६१	३	७२	१०	७५	३	३	३
०३	५२	३५	३१	३२	०४	११	११
ज्ये	श्ले	पूषा	घ	ज्ये	ह	उषा	पुन
४	३	२	२	१	१	३	



CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

१७ दिसंबर से ३१ दिसंबर तक, श्री पोष शुक्लपक्ष संवत् २०६६, शाकः १९३१, दि.मा.सू. सू. तारीख्य स्टै. प्रातः दैनिक केतकी अहर्गणः ६४६५ हेमन्तर्तू रविर्दक्षिणे, दिसंबर २००९

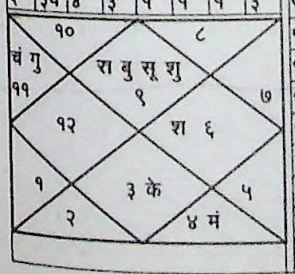
योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
ध्रुव	१	गु	३०	१७	१९	२५	मूल	२८	०३	१८	३२	गं	२०	०४	१५	२०	ब	३०	१७	१९	२५	२५/३७	७/९९	५/३४	२६	२९	१७	धनु.	८।००।५३।२७	६१।१९
प्रवर्धमा	२	शु	३५	४९	२१	३९	पूषा	३४	४२	२१	१२	वृ	२१	२३	१५	५३	बा	२	५६	८	३०	३६	१९	३४	२७	३०	१८	मक.	८।०१।५४।४६	६१।२०
राक्षस	३	श	४२	०९	२४	१२	उषा	४२	०४	२४	०९	ध्रु	२३	१८	१६	३९	तै	८	५४	१०	५३	३६	२०	३४	२८	१	१९	मक.	८।०२।५६।०६	६१।२०
गद	४	र	४८	५७	२६	५५	श्रव	४९	५३	२७	१८	व्या	२५	३९	१७	३६	व	१५	३१	१३	३३	३६	२०	३५	२९	२	२०	मक.	८।०३।५७।२६	६१।२१
शुभ	५	सो	५५	४८	२९	४०	धनि	५७	४३	३०	२६	ह	२८	०९	१८	३६	ब	२२	२४	१६	१८	३६	२१	३५	३०	३	२१	कुंभे	८।०४।५८।४७	६१।२१
मृत्यु	६	मं	...	...	...	..	शत	...	...	..	..	व	३०	२५	१९	३१	कौ	२९	०३	१८	५८	३६	२१	३६	१	४	२२	कुंभे	८।०६।००।०९	६१।२२
मानस	६	बु	२	०६	८	१२	शत	५	०२	९	२३	सि	३२	०५	२०	१२	तै	२	०६	८	१२	३६	२२	३६	२	५	२३	मीने	८।०७।०१।३१	६१।२२
मुद्गर	७	गु	७	१८	१०	१७	पूभा	११	१७	११	५३	व्य	३२	४३	२०	२८	व	७	१८	१०	१७	३६	२२	३७	३	६	२४	मीने	८।०८।०२।५३	६१।२३
ध्वजा	८	शु	१०	५१	११	४३	उभा	१५	५७	१३	४६	व	३२	०१	२०	११	ब	१०	५१	११	४३	३६	२३	३७	४	७	२५	मीने	८।०९।०४।१५	६१।२३
धाता	९	श	१२	२६	१२	२२	रेव	१८	४३	१४	५२	प	२९	४५	१९	१७	कौ	१२	२६	१२	२२	३७	२३	३८	५	८	२६	मेषे	८।१०।०५।३८	६१।२३
आनन्द	१०	र	११	५४	१२	०९	अश्वि	१९	२५	१५	१०	शि	२५	५१	१७	४४	ग	११	५४	१२	०९	३७	२४	३९	६	९	२७	मेषे	८।११।०७।०१	६१।२३
ए.व्र.	११	सो	९	१७	११	०७	भर	१८	०७	१४	३९	सि	२०	२०	१५	३२	वि	९	१७	११	०७	३८	२४	३९	७	१०	२८	वृषे	२०।२४	८।१२।१०८।२५	६१।२३
प्र.व्र.	१२	मं	४	४६	९	१९	कृति	१५	००	१३	२४	सा	१३	२२	१२	४५	बा	४	४६	९	१९	३९	२४	४०	८	११	२९	वृषे		८।१३।०९।४८	६१।२४
क्षयः	१३	मं	५८	४२	३०	५३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
शुभ	१४	बु	५१	२२	२७	५८	रोहि	१०	२३	११	३४	शु	५/६६	१०/०१	९/२३	२९/४९	ग	२५	१०	१७	२९	३९	२५	४१	९	१२	३०	मिथु.	२२।२८	८।१४।१९।१२	६१।२४
पूर्णिमा	१५	गु	४३	११	२४	४१	मृग	४/५८	३७/७	९/३०	१६/४४	ब्र	४६	११	२५	५३	वि	१७	२१	१४	२१	४०	२५	४१	१०	१३	३१	मिथु.		८।१५।१२।३५	६१।२४

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

अयनांशाः २३।५९।०२

पं.३७ पौ.शु. ६ मं. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
८	३	८	१०	८	५	८	२
०६	२५	२६	००	०१	१०	२८	२८
२१	४३	०५	२७	२२	२२	०८	०८
३६	३८	५१	४७	५८	३२	४३	४३
६१	१	३८	११	७५	२	३	३
०७	३१	३१	१६	३२	२२	११	११
मू	श्ले	पूभा	ध	मू	ह	उभा	पुन
२	३व	४	३	१	१	१	३



ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	दिसं	दिवा	दिवा	सायँ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा
०८।०१।००।४८	१ गु	१७	१।५६	३।३२	५।२८	७।४३	९०।०३	९२।२०	२।३५	४।५५	७।१३	९।१८	११।०१	१२।३०
०८।०२।०२।०८	२ शु	१८	१।५२	३।२८	५।२४	७।३९	९।५९	९२।१६	२।३१	४।५१	७।०९	९।१४	११।०५७	१२।२६
०८।०३।०३।२८	३ श	१९	१।४८	३।२४	५।२०	७।३५	९।५५	९२।१२	२।२८	४।४७	७।०५	९।१०	११।०५३	१२।२२
०८।०४।०४।४९	४ र	२०	१।४४	३।२०	५।१६	७।३१	९।५१	९२।०८	२।२४	४।४३	७।०१	९।०६	११।०४९	१२।१८
०८।०५।०६।१०	५ चं	२१	१।४०	३।१६	५।१२	७।२७	९।४७	९२।०४	२।२०	४।३९	६।५७	९।०२	११।०४५	१२।१४
०८।०६।०७।३१	६ मं	२२	१।३६	३।१२	५।०८	७।२३	९।४३	९२।००	२।१६	४।३५	६।५३	८।५८	११।०४१	१२।१०
०८।०७।०८।५३	६ बु	२३	१।३२	३।०८	५।०४	७।१९	९।३९	९१।५६	२।१२	४।३१	६।४९	८।५४	११।०३७	१२।०६
०८।०८।१०।१६	७ गु	२४	१।२८	३।०४	५।००	७।१५	९।३५	९१।५२	२।०८	४।२७	६।४६	८।५०	११।०३४	१२।०२
०८।०९।११।३८	८ शु	२५	१।२४	३।००	४।५६	७।११	९।३१	९१।४८	२।०४	४।२३	६।४२	८।४६	११।०३०	११।५८
०८।१०।१३।०१	९ श	२६	१।२०	२।५६	४।५२	७।०७	९।२७	९१।४४	२।००	४।१९	६।३८	८।४२	११।०२६	११।५४
०८।११।१४।२५	१० र	२७	१।१६	२।५२	४।४९	७।०३	९।२३	९१।४०	१।५६	४।१५	६।३४	८।३८	११।०२२	११।५०
०८।१२।१५।४८	११ चं	२८	१।१२	२।४८	४।४५	६।५९	९।१९	९१।३६	१।५२	४।११	६।३०	८।३४	११।०१८	११।४६
०८।१३।१७।१२	१२ मं	२९	१।०८	२।४५	४।४१	६।५५	९।१५	९१।३२	१।४८	४।०७	६।२६	८।३०	११।०१४	११।४२
०८।१४।१८।३५	१४ बु	३०	१।०४	२।४१	४।३७	६।५१	९।११	९१।२८	१।४४	४।०३	६।२२	८।२७	११।०१०	११।३८
०८।१५।१९।५९	१५ गु	३१	१।००	२।३७	४।३३	६।४७	९।०८	९१।२४	१।४०	३।५९	६।१८	८।२३	११।००६	११।३४

मास फलम् अयनांशाः २३।५९।०३

चन्द्रग्रहण ३१ दिस.२००९,गुरुवार इस माह में पांच गुरुवार होने से धान्य सस्ता हो यथा ॥चन्द्रजीवौ यदापंचधान्यादीनां समर्घता॥ बुधवारी अमावस ज्येष्ठा योग दुर्भिक्ष है। शुक्ला ४ रविवार होने से बीमारी बढे। शु. नौमी को शनिवार होने से अन्नादि भावों में समर्घता हो। पूर्णिमा गुरुवार और मृगशिरा युक्त होने से शुभ फल दायिनी है। मंगलवार की सक्रांति होने से धान्यादि एवं लाल वर्ण वाली सभी वस्तुओं के भाव तेज हों, प्रजा में विग्रह हो, कहीं-कहीं हिंसादि हो, अग्निभय हो, घृत तेल लवण रस कपूर चंदन ये सब महँगे हों।

पं.३८ पौ.शु.१२ मं. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
८	३	८	१०	८	५	८	२
१३	२५	२७	०१	१०	१०	२७	२७
२९	१५	१७	४८	११	३६	४६	४६
४०	५९	५६	४०	५३	५९	२८	२८
६१	७	३४	११	७५	१	३	३
०९	१४	१४	५५	३२	३९	११	११
पूभा	श्ले	उभा	ध	मू	ह	उभा	पुन
१	३व	१व	३	४	१	१	३



CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

॥ श्रीवल्लभ मनीराम पञ्चाङ्गम् ॥

१ जनवरी से १९ जनवरी तक, श्री माघ कृष्णपक्ष संवत् २०६६, शाकः १९३१, दि.मा.सू. सू. तारीख्य स्टै. प्रातः दैनिक शिशिरर्तू रविरुत्तरे पोषकृष्णेति गुर्जराः, जनवरी २०१०

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
लुम्बक	१	शु	३४	३३	२१	९५	पुन	५१	९५	२७	५५	ऐ	३५	५९	२१	४९	बा	८	५३	९०	५९	२५/४९	७/२५	५/४२	११	९४	१	कर्के	२२।३७	८।१६।१३।५९	६।१२४
मित्र	२	श	२५	५०	१७	४६	पुष्य	४४	२६	२५	९२	वै	२५	४५	१७	४४	तै	०	९०	७	३०	४२	२६	४३	९२	९५	२	कर्के		८।१७।१५।२३	६।१२४
च.व्र.	३	र	१७	२४	१४	२४	श्ले	३८	०२	२२	३९	वि	१५	४५	१३	४४	वि	१७	२४	१४	२४	४४	२६	४३	९३	९६	३	सिंहे	२२।३९	८।१८।१६।४७	६।१२३
ध्वाङ्क्ष	४	सो	९	३८	११	१७	मघा	३२	२६	२०	२४	प्री	६/५७	१६/२४	९/३०	५६/३८	बा	९	३८	११	१७	४५	२६	४४	१४	१७	४	सिंहे		८।१९।१८।१०	६।१२४
धूम्र	५	मं	२	५०	८	३४	पूफा	२७	५४	१८	३६	सौ	४९	५०	२७	२२	तै	२	५०	८	३४	४६	२६	४५	९५	१८	५	कन्या	२४।१३	८।२०।१९।३४	६।१२३
क्षयः	६	मं	५७	१७	३०	२१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
प्रवर्धमा	७	बु	५३	११	२८	४३	उफा	२४	४२	१७	१९	शो	४३	१६	२४	४५	वि	२५	०२	१७	२७	४८	२६	४५	१६	१९	६	कन्या		८।२१।२०।५७	६।१२३
राक्षस	८	गु	५०	४२	२७	४३	हस्त	२३	०२	१६	३९	अ	३७	५८	२२	३८	बा	२९	४४	१६	०८	४९	२६	४६	१७	२०	७	तुला.	२८।३४	८।२२।२२।२०	६।१२३
मुसल	९	शु	४९	५५	२७	२४	चित्रा	२३	००	१६	३८	सु	३३	५८	२१	०२	तै	२०	०६	१५	२९	५१	२७	४७	१८	२१	८	तुला.		८।२३।२३।४३	६।१२३
सिद्धि	१०	श	५०	४६	२७	४५	स्वा	२४	३४	१७	१६	धृ	३१	१५	१९	५७	व	२०	०८	१५	३०	५३	२७	४८	१९	२२	९	तुला.		८।२४।२५।०६	६।१२२
ए.व्र.	११	र	५३	०६	२८	४१	विशा	२७	४०	१८	३१	शू	२९	४४	१९	२०	ब	२१	४५	१६	०९	५५	२७	४९	२०	२३	१०	वृश्चि.	१२।०९	८।२५।२६।२८	६।१२२
मानस	१२	सो	५६	४६	३०	०९	अनु	३२	०६	२०	१७	गं	२९	१७	१९	०९	कौ	२४	४८	१७	२२	५६	२७	४९	२१	२४	११	वृश्चि.		८।२६।२७।५०	६।१२२
ब्र.व्र.	१३	मं	...	...	...	...	ज्ये	३७	३८	२२	३०	वृ	२९	४२	१९	१९	ग	२९	०१	१९	०३	५८	२७	५०	२२	२५	१२	धनु.	२२।३०	८।२७।२९।१२	६।१२१
ध्वजा	१३	बु	९	३०	८	०३	मूल	४४	०१	२५	०३	ध्रु	३०	४९	१९	४६	व	१	३०	८	०३	२६/००/	२७	५१	२३	२६	१३	धनु.		८।२८।३०।३३	६।१२१
धाता	१४	गु	७	०२	१०	१५	पूषा	५१	०२	२७	५२	व्या	३२	२७	२०	२६	श	७	०२	१०	१५	०३	२७	५२	२४	२७	१४	धनु.		८।२९।३१।५४	६।१२०
अमाव.	३०	शु	१३	०९	१२	४२	उषा	५८	३०	३०	५०	ह	३४	२८	२१	१४	ना	१३	०९	१२	४२	०५	२७	५३	२५	२८	१५	मक.	१०।३५	९।००।३३।१४	६।१२०

शब्दार्थ	
यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।	
ग्रहण-करिदिन, जनवरी १ ता. ३१ सन २०१० ई.	
भ. २८।०३ उ.	
भ. १४।२४ या., सौभाग्य सुन्दरी व्र., संकट हरगणपति व्र., गौरी A	
[A चतुर्थी, चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः २०।५०	
भ. ३०।२१ उ., धनि.-४ गुरुः १९।२०	
भ. १७।२७ या., स्वामी विवेकानन्द जयंती	
[B निरयन उत्तरायनारंभः, वक्री शनिः ११।०६	
[C करिदिन	
भ. १५।३० उ. २७।४५ या., बुधोदयः पूर्वस्याम् १९।२३	
षट्तिला ११ व्र., उषा. रविः २९।३४, (व) मूले बुधः २५।२०	
तिल द्वादशी, उषा. सौरः १२।१२, उषा. शुक्रः ९।२६	
प्रदोषः	
भ. ८।०३ उ. २१।०७ या., मासिकशिवरात्री व्र., मकरे शुक्रः २५।००	
युगादि, मकरे रविः १२।०५ (सौरः १८।२६), B	
ग्रस्तास्तं सूर्यग्रहणम्, देवपितृकार्येऽमा., मौनी ३०, सक्रान्ति C	

अयनांशाः २३।५९।०४

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

संक्रांति फलम्

अयनांशाः २३।५९।०५

पं.३९ मा.कृ. ५ मं. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
८	३	८	१०	८	५	८	२
२७	२४	१९	०३	१९	१०	२७	२७
३७	०८	५६	१३	००	४६	२४	२४
५१	०९	१०	४८	४०	३५	१२	१२
६१	१२	८२	१२	७५	०	३	३
१०	५५	१४	३०	३१	५३	१९	१९
पूषा	श्ले	पूषा	ध	पूषा	ह	उषा	पुन
३	३व	२व	३	२	१	१	३



ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	जन.	दिवा	दिवा	दिवा	सायं	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः	दिवा	दिवा
८।१९।२१।२३	१ शु	१	१२।५७	२।३३	४।२९	६।४४	९।०४	११।२०	१।३६	३।५५	६।१४	८।१९	१०।०२	११।३१
८।१७।२२।४७	२ श	२	१२।५३	२।२९	४।२५	६।४०	९।००	११।१७	१।३२	३।५१	६।१०	८।१५	९।५८	११।२७
८।१८।२४।११	३ र	३	१२।४९	२।२५	४।२१	६।३६	८।५६	११।१३	१।२८	३।४८	६।०६	८।११	९।५४	११।२३
८।१९।२५।३४	४ चं	४	१२।४५	२।२१	४।१७	६।३२	८।५२	११।०९	१।२४	३।४४	६।०२	८।०७	९।५०	११।१९
८।२०।२६।५८	५ मं	५	१२।४१	२।१७	४।१३	६।२८	८।४८	११।०५	१।२०	३।४०	५।५८	८।०३	९।४६	११।१५
८।२१।२८।२१	७ बु	६	१२।३७	२।१३	४।०९	६।२४	८।४४	११।०१	१।१७	३।३६	५।५४	७।५९	९।४२	११।११
८।२२।२९।४५	८ गु	७	१२।३३	२।०९	४।०५	६।२०	८।४०	१०।५७	१।१३	३।३२	५।५०	७।५५	९।३८	११।०७
८।२३।३१।०७	९ शु	८	१२।२९	२।०५	४।०१	६।१६	८।३६	१०।५३	१।०९	३।२८	५।४६	७।५१	९।३४	११।०३
८।२४।३२।३०	१० श	९	१२।२५	२।०१	३।५७	६।१२	८।३२	१०।४९	१।०५	३।२४	५।४२	७।४७	९।३०	१०।५९
८।२५।३३।५३	११ र	१०	१२।२१	१।५७	३।५३	६।०८	८।२८	१०।४५	१।०१	३।२०	५।३८	७।४३	९।२६	१०।५५
८।२६।३५।१५	१२ चं	११	१२।१७	१।५३	३।४९	६।०४	८।२४	१०।४१	१२।५७	३।१६	५।३५	७।३९	९।२३	१०।५१
८।२७।३६।३६	१३ मं	१२	१२।१३	१।४९	३।४५	६।००	८।२०	१०।३७	१२।५३	३।१२	५।३१	७।३५	९।१९	१०।४७
८।२८।३७।५७	१३ बु	१३	१२।०९	१।४५	३।४१	५।५६	८।१६	१०।३३	१२।४९	३।०८	५।२७	७।३१	९।१५	१०।४३
८।२९।३९।१८	१४ गु	१४	१२।०५	१।४१	३।३८	५।५२	८।१२	१०।२९	१२।४५	३।०४	५।२३	७।२७	९।११	१०।३९
०९।००।४०।३८	१० शु	१५	१२।०१	१।३७	३।३४	५।४८	८।०८	१०।२५	१२।४१	३।००	५।१९	७।२३	९।०७	१०।३५

ता. १४ जनवरी २०१०
माघ कृ. १४ गुरौ मकरेऽर्कः प्र. (स्टै.) टा. १२।०५ वारात् ३ नक्षत्रात् ३ वारनाम नंदा गणकान् सुस्सदा नक्षत्रनाम घोरा शूद्रान् सुस्सदा मध्यान्ह २ प्रहर व्यापिनी द्विजान् हन्ति, पश्चिमे गमनं वायव्यां दृष्टिः चतुष्पादकरणे प्रविष्टा नेष्टफलं मेषवाहनं महिषोपवाहनं पीड़ाकारक कंवलवस्त्रं अंकुशायुधं करपात्रं मधुभक्षणं अंजनलेपनं वैश्यजातिः मल्लिकापुष्पं नीलभूषणं चर्मकंचुकी अतिवंध्यावस्था (सूती) मु. ३० धान्यभावे सम वत्स दक्षिणे राहु पूर्वे मूलं स्वर्गे विवाहस्तंभो वायव्याम् शुक्रास्तः पूर्वस्याम्। पुण्यकालः (स्टै.) १२।०५ से २८।०५ तक। (दान- काष्ट - अन्न)।

पं.४० मा.कृ.१३ मं. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
८	३	८	१०	८	५	८	२
२७	२२	१२	०४	२७	१०	२७	२७
४५	२१	२९	४२	४९	५०	०१	०१
५६	५३	०१	५४	१६	३२	५६	५६
६१	१८	२८	१३	७५	०	३	३
०८	०२	४२	००	३०	०८	११	११
उषा	श्ले	मू	ध	उषा	ह	उषा	पुन
१	२व	४व	४	१	१	१	३



CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

१६ जनवरी से ३० जनवरी तक, श्री माघ शुक्लपक्ष संवत् २०६६, शाकः १९३१, दि.मा.सू. सू. तारीख्स स्टै. प्रातः दैनिक केतकी अहर्गणः ६४९५ शिशिरर्तू रविरुत्तरे, जनवरी २०१०

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
चर	१	श	१९	४१	१५	१९	श्रव	...	...	...	...	व	३६	४५	२२	०९	ब	१९	४९	१५	१९	२६ ०७	७ २६	५ ५३	२६	२९	१६	मक.	९।०१।३४।३३	६१।१९
गद	२	र	२६	२५	१८	००	श्रव	६	१३	९	५५	सि	३९	०९	२३	०६	कौ	२६	२५	१८	००	१०	२६	५४	२७	१	१७	कुंभे	२३।२९	९।०२।३५।५२	६१।१८
शुभ	३	सो	३३	०७	२०	४१	धनि	१३	५८	१३	०१	व्य	४१	२७	२४	०१	ग	३३	०७	२०	४१	१२	२६	५५	२८	२	१८	कुंभे		९।०३।३७।११	६१।१८
मृत्यु	४	मं	३९	२४	२३	११	शत	२१	२७	१६	०१	व	४३	२६	२४	४८	व	६	१९	९	५८	१५	२६	५६	२९	३	१९	कुंभे		९।०४।३८।२८	६१।१७
वसंत	५	बु	४४	५५	२५	२४	पूभा	२८	१८	१८	४५	प	४४	५०	२५	२२	ब	१२	१६	१२	२०	१७	२६	५७	३०	४	२०	मीने	१२।०६	९।०५।३९।४५	६१।१६
छत्र	६	गु	४९	११	२७	०६	उभा	३४	०६	२१	०४	शि	४५	१९	२५	३३	कौ	१७	१३	१४	१९	२०	२५	५७	१	५	२१	मीने		९।०६।४१।०२	६१।१५
श्रीवत्स	७	शु	५१	५१	२८	१०	रेव	३८	२६	२२	४८	सि	४४	३६	२५	१६	ग	२०	४५	१५	४३	२३	२५	५८	२	६	२२	मेषे	२२।४८	९।०७।४२।१७	६१।१५
सौम्य	८	श	५२	४१	२८	२९	अश्वि	४१	०२	२३	५०	सा	४२	२९	२४	२५	वि	२२	३०	१६	२५	२५	२५	५९	३	७	२३	मेषे		९।०८।४३।३२	६१।१४
काल	९	र	५१	३०	२८	०१	भर	४१	४४	२४	०६	शु	३८	५२	२२	५७	बा	२२	२१	१६	२१	२८	२५	६ ०००	४	८	२४	वृषे	३०।०३	९।०९।४४।४५	६१।१३
सुस्थिर	१०	सो	४८	२३	२६	४६	कृति	४०	३१	२३	३६	शु	३३	४१	२०	५३	तै	२०	११	१५	२९	३१	२४	०१	५	९	२५	वृषे		९।१०।४५।५८	६१।१२
ए.व्र.	११	मं	४३	२७	२४	४७	रोहि	३७	२९	२२	२३	ब्र	२७	०२	१८	१३	व	१६	०८	१३	५१	३४	२४	०२	६	१०	२६	वृषे		९।११।४७।१०	६१।११
अमृत	१२	बु	३६	५५	२२	०९	मृग	३२	५१	२०	३२	ऐ	१९	०३	१५	०१	ब	१०	२२	११	३२	३७	२४	०२	७	११	२७	मिथु.	९।३२	९।१२।४८।२१	६१।१०
प्र.व्र.	१३	गु	२९	०५	१९	०१	आर्द्रा	२६	५६	१८	०९	वै	९ ५३	५७ ५४	१५ ३१	२२ ३२	कौ	३	०९	८	३९	४०	२३	०३	८	१२	२८	मिथु.		९।१३।४९।३१	६१।०९
लुम्बक	१४	शु	२०	२१	१५	३१	पुन	२०	०४	१५	२४	प्री	४९	२५	२७	०८	व	२०	२१	१५	३१	४३	२३	०४	९	१३	२९	कर्के	१०।०७	९।१४।५०।४०	६१।०८
पूर्णिमा	१५	श	११	०५	११	४८	पुष्य	१२	४०	१२	२६	आ	३८	३७	२२	४९	ब	११	०५	११	४८	४७	२२	०५	१०	१४	३०	कर्के		९।१५।५१।४८	६१।०७

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।
चंद्रदर्शनम् (मु.३०), श्री वल्लभ जयंती, मार्गी बुधः १०।१८
पंचक प्रारम्भः २३।२९, सफर २
पूषा.-४ राहुः २९।०७, पुन.-२ केतुः २९।०७
भ. ९।५८ उ. २३।११ या., वरद (कुंद) ४, तिल चतुर्थी
वसन्त पञ्चमी, अभि.प्र.रविः२५।१२ (सौरः ३१।०१), सायन कुंभे A
भा. माघारंभः, पूषा. बुधः १०।००, श्रव. शुक्रः २३।४२
भ. २८।१० उ., पंचक समाप्तिः २२।४८, मन्वादि, पुत्र ७, B
भ. १६।२५ या., भीष्माष्टमी, नेताजी जयन्ती [B रथ ७, अचला ७
श्रव. रविः ७।५० (सौरः १३।२३), अभि.नि. रविः २८।४८
अभि.नि. सौरः १०।१७ [A भानुः ९।५०, शत.-१ गुरुः २७।३६
भ. १३।५१ उ. २४।४७ या., जया ११ व्र., गणराज्यदिवस
भीष्मद्वादशी, (व) पुष्ये भौमः २६।२१
प्रदोषः, कल्पादि
भ. १५।३१ उ. २५।४१ या.
पूर्णिमा व्रतंपुण्यञ्च, माघ स्नान पूर्तिः

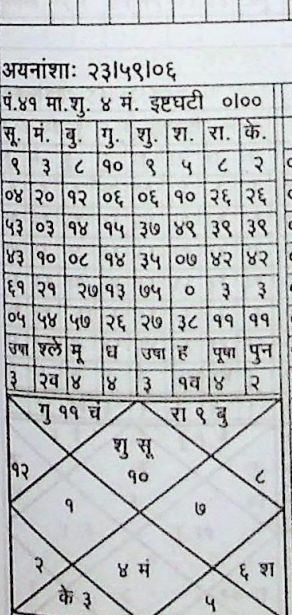
॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

मास फलम्

अयनांशाः २३।५९।०६

पं.४१ मा.शु. ४ मं. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
९	३	८	१०	९	५	८	२
०४	२०	१२	०६	०६	१०	२६	२६
५३	०३	१४	१५	३७	४९	३९	३९
४३	१०	०८	१४	३५	०७	४२	४२
६१	२१	२७	१३	७५	०	३	३
०५	५४	५७	२६	२७	३८	११	११
उषा	श्लेषा	मू	घ	उषा	ह	पूषा	पुन
३	२४	४	४	३	१४	४	२



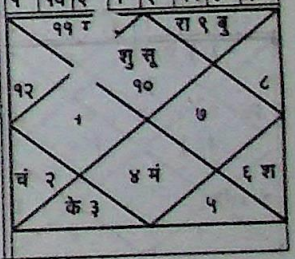
ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	जन.	दिवा	दिवा	दिवा	सायँ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः	दिवा	दिवा
०९।०७।४७।५८	१ श	१६	७१।५७	१।३४	३।३०	५।४४	८।०४	१०।२१	१२।३७	२।५६	५।१५	७।१९	९।०३	१०।३१
०९।०२।४३।१७	२ र	१७	७१।५३	१।३०	३।२६	५।४०	८।०१	१०।१७	१२।३३	२।५२	५।११	७।१६	८।५९	१०।२७
०९।०३।४४।३५	३ चं	१८	७१।५०	१।२६	३।२२	५।३६	७।५७	१०।१३	१२।२९	२।४८	५।०७	७।१२	८।५५	१०।२४
०९।०४।४५।५३	४ मं	१९	७१।४६	१।२२	३।१८	५।३३	७।५३	१०।०९	१२।२५	२।४४	५।०३	७।०८	८।५१	१०।२०
०९।०५।४७।१०	५ बु	२०	७१।४२	१।१८	३।१४	५।२९	७।४९	१०।०६	१२।२१	२।४०	४।५९	७।०४	८।४७	१०।१६
०९।०६।४८।२६	६ गु	२१	७१।३८	१।१४	३।१०	५।२५	७।४५	१०।०२	१२।१७	२।३७	४।५५	७।००	८।४३	१०।१२
०९।०७।४९।४२	७ शु	२२	७१।३४	१।१०	३।०६	५।२१	७।४१	९।५८	१२।१३	२।३३	४।५१	६।५६	८।३९	१०।०८
०९।०८।५०।५६	८ श	२३	७१।३०	१।०६	३।०२	५।१७	७।३७	९।५४	१२।१०	२।२९	४।४७	६।५२	८।३५	१०।०४
०९।०९।५२।१०	९ र	२४	७१।२६	१।०२	२।५८	५।१३	७।३३	९।५०	१२।०६	२।२५	४।४३	६।४८	८।३१	९।५९
०९।१०।५३।२३	१० चं	२५	७१।२२	१२।५८	२।५४	५।०९	७।२९	९।४६	१२।०२	२।२१	४।३९	६।४४	८।२७	९।५६
०९।११।५४।३५	११ मं	२६	७१।१८	१२।५४	२।५०	५।०५	७।२५	९।४२	११।५८	२।१७	४।३५	६।४०	८।२३	९।५२
०९।१२।५५।४६	१२ बु	२७	७१।१४	१२।५०	२।४६	५।०१	७।२१	९।३८	११।५४	२।१३	४।३१	६।३६	८।१९	९।४८
०९।१३।५६।५६	१३ गु	२८	७१।१०	१२।४६	२।४२	४।५७	७।१७	९।३४	११।५०	२।०९	४।२८	६।३२	८।१६	९।४४
०९।१४।५८।०५	१४ शु	२९	७१।०६	१२।४२	२।३८	४।५३	७।१३	९।३०	११।४६	२।०५	४।२४	६।२८	८।१२	९।४०
०९।१५।५९।१२	१५ श	३०	७१।०२	१२।३८	३।३४	४।४९	७।०९	९।२६	११।४२	२।०१	४।२०	६।२४	८।०८	९।३६

सूर्यग्रहण १५ जन. २०१०, शुक्रवार
इस माह में पांच शुक्रवार होने से प्रजा की वृद्धि हो यथा- ॥प्रजावृद्धिस्तु भार्गवे॥ पांच शनिवार होने से महँगाई हो। शुक्रवारी अमावस होने से उद्धत मेघों से जलप्रंश हो और उत्तराषाढा योग होने से दुर्भिक्ष हो। शु. पड़वा को शनिवार होने से सब धान्योत्पत्ति उत्तम हो। शुक्लाष्टमी को कृत्तिका न होने से फागुण में रोली लगे। पूर्णिमा पुष्य युक्त और मघा का अभाव होने से महंघता हो। गुरुवार की सक्रांति होने से सभी पीत वर्ण वाली वस्तुओं के भाव तेज हों, धान्यादि भाव मंदे हों, अन्नोत्पत्ति उत्तम हो, प्रजा सात्विक कर्म अधिक करें।

अयनांशाः २३।५९।०७

पं.४२ मा.शु.११ मं. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
९	३	८	१०	९	५	८	२
१२	१७	१७	०७	१५	१०	२६	२६
००	२२	१४	५०	२५	४२	१७	१७
५७	४८	१९	१९	३१	२५	२६	२६
६१	२३	५८	१३	७५	१	३	३
००	५२	५४	४७	२४	२३	११	११
श्र	श्लेषा	पूषा	श	श्र	ह	पूषा	पुन
१	१४	२	१	२	१४	४	२



CC-0. In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

३१ जनवरी से १४ फरवरी तक, श्री फाल्गुन कृष्णपक्ष संवत् २०६६, शाकः १९३१, दि.मा.सू. सू. तारीख स्टै. प्रातः दैनिक शिशिरर्तू रविरुत्तरे माघकृष्णेति गुर्जराः, जनवरी-फरवरी २०१०

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
वज्र	१	र	१	४१	८	०२	हस्ते	५ ५७	०८ ५५	९ ३०	२५ ३२	स्ती	२७	५४	१८	३१	कौ	१	४१	८	०२	२६ ५०	७ २२	६ ०६	११	१५	३१	सिंहे ९।२५	९।१६।५२।५५	६१।०६
क्षयः	२	र	५२	३३	२८	२३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
ध्वजा	३	सौ	४४	०९	२५	०१	पूफा	५१	२८	२७	५६	हो	१७	३६	१४	२४	व	१८	१४	१४	३९	५३	२१	०६	१२	१६	१	सिंहे	९।१७।५४।०१	६१।०४
च.ब्र.	४	मं	३६	५२	२२	०५	उफा	४६	१२	२५	४९	ऊ	५९	०४ ३३	१० ३९	३४ ४०	ब	१०	२०	११	२९	५६	२१	०७	१३	१७	२	कन्या ९।२२	९।१८।५५।०५	६१।०३
आनन्द	५	बु	३१	०५	१९	४६	हस्त	४२	२९	२४	२०	घृ	५२	२५	२८	१८	कौ	३	४७	८	५९	२७ ००८	२०	०८	१४	१८	३	कन्या	९।१९।५६।०८	६१।०२
वर	६	गु	२७	०७	१८	१०	चित्रा	४०	३७	२३	३४	शू	४६	४७	२६	०२	व	२७	०७	१८	१०	०३	१९	०९	१५	१९	४	तुला. ११।५१	९।२०।५७।१०	६१।०१
गद	७	शु	२५	१२	१७	२४	स्वा	४०	४५	२३	३७	गं	४२	४७	२४	२६	ब	२५	१२	१७	२४	०७	१९	१०	१६	२०	५	तुला.	९।२१।५८।११	६०।५९
शुभ	८	श	२५	२१	१७	२६	विशा	४२	५४	२४	२८	वृ	४०	२५	२३	२८	कौ	२५	२१	१७	२६	१०	१८	१०	१७	२१	६	वृश्चि. १८।११	९।२२।५९।१०	६०।५८
मृत्यु	९	र	२७	३०	१८	१८	अनु	४६	५६	२६	०४	घृ	३९	३१	२३	०६	ग	२७	३०	१८	१८	१४	१८	११	१८	२२	७	वृश्चि.	९।२४।००।०८	६०।५७
पद्म	१०	सौ	३१	२३	१९	५०	ज्ये	५२	३१	२८	१७	व्या	३९	५३	२३	१४	वि	३१	२३	१९	५०	१७	१७	१२	१९	२३	८	धनु. २८।१७	९।२५।०१।०५	६०।५५
ए.ब्र.	११	मं	३६	३९	२१	५६	मूल	५९	१५	३०	५८	ह	४१	१५	२३	४६	ब	३	५३	८	४९	२१	१६	१३	२०	२४	९	धनु.	९।२६।०२।००	६०।५४
श्रीवत्स	१२	बु	४२	४७	२४	२२	पूषा	...	...	...	...	व	४३	१५	२४	३४	कौ	९	३९	११	०७	२५	१६	१३	२१	२५	१०	धनु.	९।२७।०२।५४	६०।५२
प्र.ब्र.	१३	गु	४९	२५	२७	०१	पूषा	६	४३	९	५६	सि	४५	३६	२५	२९	ग	१६	०५	१३	४१	२८	१५	१४	२२	२६	११	मक. १६।४२	९।२८।०३।४६	६०।५१
शिवरा.	१४	शु	५६	१०	२९	४२	उषा	१४	२९	१३	०२	व्य	४८	०४	२६	२८	वि	२२	४९	१६	२२	३२	१४	१५	२३	२७	१२	मक.	९।२९।०४।३७	६०।४९
सुस्थिर	३०	श	...	...	...	...	श्रव	२२	१६	१६	०८	व	५०	२७	२७	२४	च	२९	३१	१९	०२	३६	१३	१६	२४	२८	१३	कुंभे २९।३९	१०।००।०५।२७	६०।४८
अमाव.	३०	र	२	४८	८	२०	धनि	२९	५१	१९	०९	प	५२	३७	२८	१५	ना	२	४८	८	२०	४०	१३	१६	२५	२९	१४	कुंभे	१०।०१।०६।१४	६०।४६

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।
[A उफा.-४ शनिः २६।३७
[C शुक्रः १४।२९
भ. १४।३९ उ. २५।०१ या., फरवरी २ ता. २८, धनि. C
अंगारकी चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः २१।४८
उषा. बुधः १५।०९
भ. १८।१० उ. २९।४१ या., शत.-२ गुरुः १४।३४
मकरे बुधः २८।४४
धनि. रविः १०।५७ (सौरः १५।३०), कुंभे शुक्रः २१।५७
भ. ३१।०० उ., रामदास ९
भ. १९।५० या.
विजया ११ व्र., शुक्रोदयः पश्चिमायाम् १४।५९
[B (सौरः २९।०५)
भ. २७।०१ उ., प्रदोषः, शत. शुक्रः २९।३२
भ. १६।२२ या., महाशिवरात्री व्रतम्, कुंभे रविः २४।५९ B
पंचक प्रारम्भः २९।३९, पितृकार्येऽमा., श्रव. बुधः ९।०२, (व) A
देवकार्येऽमा.

शुक्रोदयः पश्चिमायाम्

अयनांशाः २३।५९।०८

पं.४३ फा.कृ. ४ मं. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
९	३	८	१०	९	५	८	२
१९	१४	२५	०९	२४	१०	२५	२५
०७	३५	००	२७	१२	३०	५५	५५
२८	९८	१५	३७	५७	३७	११	११
६०	२३	७४	१४	७५	२	३	३
५३	३५	५२	०३	२०	०५	११	११
श्र	पु	पूषा	श	ध	ह	पूषा	पुन
३	४व	४	१	१	१व	४	२



॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

ब्रह्म र. स्प. प्रातः	वार तिथि	ता. जन.	मेष दिवा	वृष दिवा	मिथुन दिवा	कर्क सायं	सिंह रात्रौ	कन्या रात्रौ	तुला रात्रौ	वृश्चिक रात्रौ	धनु रात्रौ	मकर प्रातः	कुंभ दिवा	मीन दिवा
०९।१७।००।१९	१ र	३१	१०।५८	१२।३४	२।३१	४।४५	७।०५	९।२२	११।३८	१।५७	४।१६	६।२०	८।०४	९।३२
०९।१८।०१।२५	३ चं	१	१०।५४	१२।३०	२।२७	४।४९	७।०१	९।१८	११।३४	१।५३	४।१२	६।१६	८।००	९।२८
०९।१९।०२।२९	४ मं	२	१०।५०	१२।२७	२।२३	४।३७	६।५७	९।१४	११।३०	१।४९	४।०८	६।१२	७।५६	९।२४
०९।२०।०३।३२	५ बु	३	१०।४६	१२।२३	२।१९	४।३३	६।५४	९।१०	११।२६	१।४५	४।०४	६।०९	७।५२	९।२०
०९।२१।०४।३४	६ गु	४	१०।४३	१२।१९	२।१५	४।२९	६।५०	९।०६	११।२२	१।४१	४।००	६।०५	७।४८	९।१७
०९।२२।०५।३५	७ शु	५	१०।३९	१२।१५	२।११	४।२६	६।४६	९।०२	११।१८	१।३७	३।५६	६।०१	७।४४	९।१३
०९।२३।०६।३४	८ श	६	१०।३५	१२।११	२।०७	४।२२	६।४२	८।५९	११।१४	१।३३	३।५२	५।५७	७।४०	९।०९
०९।२४।०७।३२	९ र	७	१०।३१	१२।०७	२।०३	४।१८	६।३८	८।५५	११।१०	१।३०	३।४८	५।५३	७।३६	९।०५
०९।२५।०८।२९	१० चं	८	१०।२७	१२।०३	१।५९	४।१४	६।३४	८।५१	११।०६	१।२६	३।४४	५।४९	७।३२	९।०१
०९।२६।०९।२४	११ मं	९	१०।२३	११।५९	१।५५	४।१०	६।३०	८।४७	११।०३	१।२२	३।४०	५।४५	७।२८	८।५७
०९।२७।१०।१८	१२ बु	१०	१०।१९	११।५५	१।५१	४।०६	६।२६	८।४३	१०।५९	१।१८	३।३६	५।४१	७।२४	८।५३
०९।२८।११।१०	१३ गु	११	१०।१५	११।५१	१।४७	४।०२	६।२२	८।३९	१०।५५	१।१४	३।३२	५।३७	७।२०	८।४९
०९।२९।१२।००	१४ शु	१२	१०।११	११।४७	१।४३	३।५८	६।१८	८।३५	१०।५१	१।१०	३।२८	५।३३	७।१६	८।४५
१०।००।१२।५०	३० श	१३	१०।०७	११।४३	१।३९	३।५४	६।१४	८।३१	१०।४७	१।०६	३।२४	५।२९	७।१२	८।४१
१०।०१।१३।३७	३० र	१४	१०।०३	११।३९	१।३५	३।५०	६।१०	८।२७	१०।४३	१।०२	३।२१	५।२५	७।०९	८।३७

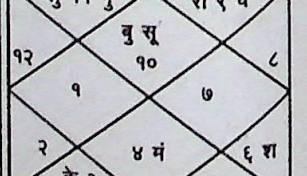
संक्रांति फलम्

ता. १२ फरवरी २०१०
फा. कृ. १४ भृगौ कुंभेऽर्कः प्र. (स्टै.)
टा. २४।५९ वारात् २ नक्षत्रात् ३
वारनाम मिश्रा पशून् सुस्थदा
नक्षत्रनाम महोदरी चौरान् सुस्थदा
अपर रात्रि ३ प्रहर व्यापिनी नटान्
हन्ति, पूर्वे गमनमाग्नेयां दृष्टिः
शकुनिकरणे प्रविष्टा महर्घफलं
श्वान्वाहनं शार्दूलोपधाहनं
सुभिक्षकारक चित्रकवस्त्रं पाशायुधं
वस्त्रपात्रं गुड़भक्षणं हरिद्रालेपनं
क्षत्रीयजातिः कमलपुष्पं कोडीभूषणं
कृष्णजिकंचुकी वंन्ध्यावस्था (उभी)
मु. ३० धान्यभावे सम वत्स पश्चिमा.
राहु दक्षिणे मूलं पातालेविवाहस्तंभो
नैऋत्यां शुक्रोदयः पश्चिमायाम्।
पुण्यकालः (स्टै.) १८।३५ से २४।५९
तक। (दान- गोड़ - अन्न)।

अयनांशाः २३।५९।०९

पं.४४ फा.कृ.११ मं. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
९	३	९	१०	१०	५	८	२
२६	११	०४	११	०२	१०	२५	२५
१३	५६	१३	०६	५९	१४	३२	३२
०३	२६	०२	३७	४६	००	५६	५६
६०	२९	८३	१४	७५	२	३	३
४५	०८	४१	१६	१४	४५	११	११
घ	पु	उषा	श	ध	ह	पूषा	पुन
१	३व	३	२	३	१व	४	२



CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

१५ फरवरी से २८ फरवरी तक, श्री फाल्गुन शुक्लपक्ष संवत् २०६६, शाकः १९३१, दि.मासू. सू. तारीख्य स्टै. प्रातः दैनिक केतकी अहर्गणः ६५२५ शिशिरर्तू रविरुत्तरे, फरवरी २०१०

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
अमृत	१	सो	९	०५	१०	५०	शत	३७	०३	२२	०१	शि	५४	२६	२८	५८	ब	९	०५	१०	५०	२७ x३	७ १२	६ १७	२६	३०	१५	कुंभे	१०।०२।०७।०१	६०।४५
फुलरि.	२	मं	१४	५०	१३	०७	पूभा	४३	४१	२४	३९	सि	५५	४६	२९	२९	कौ	१४	५०	१३	०७	४७	११	१८	२७	१	१६	मीने	१०।०३।०७।४५	६०।४३
लुम्बक	३	बु	१९	५३	१५	०७	उभा	४९	३३	२६	५९	सा	५६	२८	२९	४५	ग	१९	५३	१५	०७	५१	१०	१९	२८	२	१७	मीने	१०।०४।०८।२८	६०।४१
मित्र	४	गु	२३	५९	१६	४५	रेव	५४	२५	२८	५५	शु	५६	२३	२९	४२	वि	२३	५९	१६	४५	५५	०९	१९	२९	३	१८	मेषे २८।५५	१०।०५।०९।०९	६०।४०
वज्र	५	शु	२६	५४	१७	५४	अश्वि	५८	०३	३०	२२	शु	५५	१९	२९	१६	बा	२६	५४	१७	५४	५९	०८	२०	३०	४	१९	मेषे	१०।०६।०९।४९	६०।३८
ध्वाङ्क्ष	६	श	२८	२८	१८	३१	भर	...	...	...	...	ब्र	५३	०७	२८	२२	तै	२८	२८	१८	३१	२८ ०३	०७	२९	१	५	२०	मेषे	१०।०७।१०।२७	६०।३६
काल	७	र	२८	२९	१८	३०	भर	०	१९	७	१४	ऐ	४९	४२	२६	५९	व	२८	२९	१८	३०	०७	०७	२९	२	६	२१	वृषे १३।२२	१०।०८।११।०३	६०।३४
होलाट.	८	सो	२६	५०	१७	५०	कृति	१	००	७	३०	वै	४५	००	२५	०६	ब	२६	५०	१७	५०	११	०६	२२	३	७	२२	वृषे	१०।०९।११।३७	६०।३३
मातङ्ग	९	मं	२३	३३	१६	३०	रोहि	० ५७	०४ २९	७ ३०	०६ ०४	वि	३९	००	२२	४१	कौ	२३	३३	१६	३०	१५	०५	२३	४	८	२३	मिथु. १८।४०	१०।१०।१२।१०	६०।३१
मुसल	१०	बु	१८	३९	१४	३२	आर्द्रा	५३	२७	२८	२७	प्री	३१	४४	१९	४५	ग	१८	३९	१४	३२	१९	०४	२३	५	९	२४	मिथु.	१०।११।१२।४०	६०।२९
ए.व्र.	११	गु	१२	१९	११	५९	पुन	४८	०७	२६	१७	आ	२३	२०	१६	२३	वि	१२	१९	११	५९	२३	०३	२४	६	१०	२५	कर्के २०।५२	१०।१२।१३।०९	६०।२७
प्र.व्र.	१२	शु	४	४६	८	५६	पुष्य	४१	४४	२३	४४	सौ	१३	५९	१२	३७	बा	४	४६	८	५६	२७	०२	२५	७	११	२६	कर्के	१०।१३।१३।३६	६०।२५
क्षयः	१३	शु	५६	१४	२९	३१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
मानस	१४	श	४७	१०	२५	५३	श्ले	३४	४१	२०	५३	शो	५३ ३४	५५	२८	८ ३५ ३२	ग	२१	४६	१५	४३	३१	०१	२५	८	१२	२७	सिंहे २०।५३	१०।१४।१४।०१	६०।२३
होली	१५	र	३७	५६	२२	१०	मघा	२७	२२	१७	५७	सु	४२	४९	२४	०८	वि	१२	३४	१२	०२	३५	००	२६	९	१३	२८	सिंहे	१०।१५।१४।२४	६०।२१

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।

चंद्रदर्शनम् (मु.१५)

फुलरिया २, गुरोरस्तः पश्चिमायाम् १८।५६ A

भ. २७।५९ उ., बुधास्तः पूर्वस्याम् २३।४५

भ. १६।४५ या., पंचक समाप्तिः २८।५५, सायन मीने D

याज्ञवल्क्य जयंती, शत. रविः १५।२५ (सौरः १९।०५)

भा. फाल्गुनारंभः [D भानुः २३।५३, शत.-३ गुरुः १४।२३

भ. १८।३० उ. ३०।१५ या., धनि. बुधः २७।५०

होलाष्टक, पूभा. शुक्रः २१।१०

[A श्री रामकृष्ण परमहंस जयंती, रविलावल ३.

भ. २५।१९ उ.

भ. ११।५९ या., आमलकी ११ व्र., बिड़कुला-ढाल थापना C

प्रदोषः, मेला श्रीश्यामजी (स्वादु)

[C भद्रा के बाद, कुंभे बुधः ३०।२६

भ. २५।५३ उ. [B के बाद, होलिका दहनं, करिदिन

भ. १२।०२ या., मन्वादि, पूर्णिमा व्रतंपुण्यञ्च, जेलपोणी भद्रा B

गुरोरस्तः पश्चिमायाम्

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

अयनांशाः २३।५९।१०

पं.४५ फा.शु. २ मं. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
१०	३	९	१०	१०	५	८	२
०३	०९	१४	१२	११	०९	२५	२५
१७	४०	१८	४६	४५	५२	१०	१०
३४	११	१८	५२	५०	५९	४१	४१
६०	१७	९०	१४	७५	३	३	३
३५	००	०९	२४	०७	२०	११	११
घ	पु	श्र	श	श	उभा	पूभा	पुन
३	२व	२	२	२	४व	४	२



ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	फर.	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	सायं	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः	दिवा
१०।०२।१४।२४	१ चं	१५	९।५९	११।३५	१।३१	३।४६	६।०६	८।२३	१०।३९	१२।५८	३।१७	५।२१	७।०५	८।३३
१०।०३।१५।०८	२ मं	१६	९।५५	११।३१	१।२७	३।४२	६।०२	८।१९	१०।३५	१२।५४	३।१३	५।१७	७।०१	८।२९
१०।०४।१५।५१	३ बु	१७	९।५१	११।२७	१।२४	३।३८	५।५८	८।१५	१०।३१	१२।५०	३।०९	५।१३	६।५७	८।२५
१०।०५।१६।३२	४ गु	१८	९।४७	११।२३	१।२०	३।३४	५।५४	८।११	१०।२७	१२।४६	३।०५	५।०९	६।५३	८।२१
१०।०६।१७।११	५ शु	१९	९।४३	११।२०	१।१६	३।३०	५।५०	८।०७	१०।२३	१२।४२	३।०१	५।०५	६।४९	८।१७
१०।०७।१७।४९	६ श	२०	९।३९	११।१६	१।१२	३।२६	५।४७	८।०३	१०।१९	१२।३८	२।५७	५।०२	६।४५	८।१३
१०।०८।१८।२५	७ र	२१	९।३६	११।१२	१।०८	३।२३	५।४३	७।५९	१०।१५	१२।३४	२।५३	४।५८	६।४१	८।१०
१०।०९।१८।५९	८ चं	२२	९।३२	११।०८	१।०४	३।१९	५।३९	७।५६	१०।११	१२।३०	२।४९	४।५४	६।३७	८।०६
१०।१०।१९।३९	९ मं	२३	९।२८	११।०४	१।००	३।१५	५।३५	७।५२	१०।०७	१२।२६	२।४५	४।५०	६।३३	८।०२
१०।११।२०।०२	१० बु	२४	९।२४	११।००	१२।५६	३।११	५।३१	७।४८	१०।०३	१२।२३	२।४१	४।४६	६।२९	७।५८
१०।१२।२०।३१	११ गु	२५	९।२०	१०।५६	१२।५२	३।०७	५।२७	७।४४	९।५९	१२।१९	२।३७	४।४२	६।२५	७।५४
१०।१३।२०।५७	१२ शु	२६	९।१६	१०।५२	१२।४८	३।०३	५।२३	७।४०	९।५६	१२।१५	२।३३	४।३८	६।२१	७।५०
१०।१४।२१।२२	१४ श	२७	९।१२	१०।४८	१२।४४	२।५९	५।१९	७।३६	९।५२	१२।११	२।२९	४।३४	६।१७	७।४६
१०।१५।२१।४५	१५ र	२८	९।०८	१०।४४	१२।४०	२।५५	५।१५	७।३२	९।४८	१२।०७	२।२५	४।३०	६।१३	७।४२

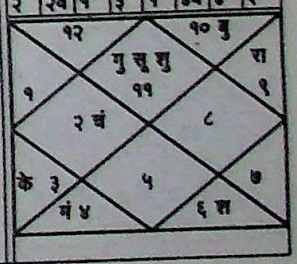
मास फलम्

इस माह में पांच रविवार नेष्ट फलप्रद है। मार्गशीर्ष से फाल्गुन तक शुक्ल पक्ष में तिथियों की वृद्धि होने से स्वास्थ्य अच्छा रहे। कृष्णा षष्ठी को चित्रा नक्षत्र होने से तीन मास सुभिक्ष हो। अमावस्या रविवार और धनिष्ठा योग दुर्भिक्ष और कटकारी है। शुक्ला अष्टमी को कृतिका होने से सुभिक्ष हो। शुक्ला दशमी को आर्द्रा होने से अवर्षण हो। पूर्णिमा मघा युक्त होने से समर्घता हो। शुक्रवार की संक्रांति होने से प्रजासुस्थी हो, स्वर्ण चांदी के भाव तेज हों, गाय भैंस हाथी घोड़ी मोटर गाड़ी आदि (चतुष्पद) पशु एवं वाहन के भाव तेज हो, रस कस लवण घृत के भाव सम रहे।

अयनांशाः २३।५९।११

पं.४६ फा.शु. ९ मं. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
१०	३	९	१०	१०	५	८	२
१०	०७	२५	१४	२०	०९	२४	२४
२०	५६	०८	२७	३०	२८	४८	४८
५०	२०	४२	५३	५८	०७	२७	२७
६०	११	९६	१४	७४	३	३	३
२४	५१	५५	२९	५९	५०	११	११
श	पु	ध	श	पूभा	उभा	पूभा	पुन
२	२व	१	३	१	४व	४	२



CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

॥ श्रीवल्लभ मनीराम पञ्चाङ्गम् ॥

१ मार्च से १५ मार्च तक, श्री चैत्र कृष्णपक्ष संवत् २०६६, शाकः १९३९, दि.मा.सू. सू. तारीख स्टै. प्रातः दैनिक वसंतर्तू रविरुत्तरे फाल्गुनकृष्णेति गुर्जराः, मार्च २०१०

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
छारेंडी	१	सो	२८	५९	१८	३५	पूफा	२०	१५	१५	०५	धृ	३२	३१	१९	५९	बा	३	२५	८	२१	२८/३९	५९	६/२७	१०	१४	१	कन्या	२०।२४	१०।१६।१४।४६	६०।१९
धाता	२	मं	२०	४७	१५	१७	उफा	१३	४७	१२	२९	शू	२२	५१	१६	०६	ग	२०	४७	१५	१७	४३	५८	२७	११	१५	२	कन्या	१०।१७	१०।१५।०५	६०।१७
च.ब्र.	३	बु	१३	४६	१२	२७	हस्त	८	२७	१०	२०	गं	१४	११	१२	३७	वि	१३	४६	१२	२७	४७	५७	२८	१२	१६	३	तुला.	२९।२९	१०।१८।१५।२२	६०।१५
वर	४	गु	८	२१	१०	१६	चित्रा	४	४१	८	४८	वृ	६	५०	९	४०	बा	८	२१	१०	१६	५१	५६	२८	१३	१७	४	तुला.		१०।१९।१५।३७	६०।१३
गद	५	शु	४	५५	८	५३	स्वा	२	५१	८	०३	ध्रु	५/५६	०३/५७	७/२९	२०/४२	तै	४	५५	८	५३	५५	५५	२९	१४	१८	५	वृश्चि.	२६।०३	१०।२०।१५।५१	६०।११
शीतला	६	श	३	४०	८	२२	विशा	३	०८	८	०९	ह	५४	३९	२८	४५	व	३	४०	८	२२	२९/००	५४	३०	१५	१९	६	वृश्चि.		१०।२१।१६।०२	६०।०९
मृत्यु	७	र	४	३८	८	४४	अनु	५	३६	९	०७	व	५३	५९	२८	२८	ब	४	३८	८	४४	०४	५३	३०	१६	२०	७	वृश्चि.		१०।२२।१६।११	६०।०७
पद्म	८	सो	७	४३	९	५७	ज्ये	१०	०५	१०	५३	सि	५४	४३	२८	४५	कौ	७	४३	९	५७	०८	५२	३१	१७	२१	८	धनु.	१०।५३	१०।२३।१६।१८	६०।०५
छत्र	९	मं	१२	३२	११	५१	मूल	१६	१४	१३	२०	व्य	५६	३१	२९	२७	ग	१२	३२	११	५१	१२	५१	३१	१८	२२	९	धनु.		१०।२४।१६।२३	६०।०३
श्रीवत्स	१०	बु	१८	३७	१४	१६	पूषा	२३	३२	१६	१४	व	५८	५७	३०	२४	वि	१८	३७	१४	१६	१६	४९	३२	१९	२३	१०	मक.	२३।००	१०।२५।१६।२६	६०।०१
ए.ब्र.	११	गु	२५	२०	१६	५६	उषा	३१	२५	१९	२२	प	...	...	..	..	बा	२५	२०	१६	५६	२०	४८	३२	२०	२४	११	मक.		१०।२६।१६।२७	५९।५९
धूम्र	१२	शु	३२	०९	१९	३९	श्रव	३९	२१	२२	३२	प	१	३९	७	२७	तै	३२	०९	१९	३९	२४	४७	३३	२१	२५	१२	मक.		१०।२७।१६।२६	५९।५७
प्र.ब्र.	१३	श	३८	३७	२२	१३	धनि	४६	५६	२५	३२	शि	४	१२	८	२७	ग	५	२९	८	५८	२९	४६	३४	२२	२६	१३	कुंभे	१२।०४	१०।२८।१६।२२	५९।५४
राक्षस	१४	र	४४	२७	२४	३२	शत	५३	५२	२८	१८	सि	६	२३	९	१८	वि	११	३९	११	२५	३३	४५	३४	२३	२७	१४	कुंभे		१०।२९।१६।१६	५९।५२
अमाव.	३०	सो	४९	२७	२६	३१	पूभा	....	...	..	..	सा	८	००	९	५६	च	१७	०५	१३	३४	३७	४४	३५	२४	२८	१५	मीने	२४।०९	११।००।१६।०९	५९।५०

अयनांशाः २३।५९।१२

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

पं.४७ चै.कृ. २ मं. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
१०	३	१०	१०	१०	५	८	२
१७	०६	०६	१६	२९	०९	२४	२४
२२	५०	४९	०९	१५	००	२६	२६
४४	०१	१४	१४	०३	०१	१३	१३
६०	६	१०४	१४	७४	४	३	३
१२	१९	३२	२९	५०	१४	११	११
श	पु	श	श	पूभा	उफा	पूषा	पुन
४	२व	१	३	३	४व	४	२



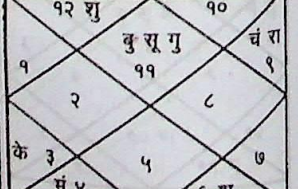
ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	मार्च	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	सायं	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः
१०।१६।२२।०६	१ चं	१	९।०४	१०।४०	१२।३६	२।५१	५।१९	७।२८	९।४४	१२।०३	२।२१	४।२६	६।०९	७।३८
१०।१७।२२।२५	२ मं	२	९।००	१०।३६	१२।३२	२।४७	५।०७	७।२४	९।४०	११।५९	२।१८	४।२२	६।०६	७।३४
१०।१८।२२।४३	३ बु	३	८।५६	१०।३२	१२।२८	२।४३	५।०३	७।२०	९।३६	११।५५	२।१४	४।१८	६।०२	७।३०
१०।१९।२२।५८	४ गु	४	८।५२	१०।२८	१२।२४	२।३९	४।५९	७।१६	९।३२	११।५१	२।१०	४।१४	५।५८	७।२६
१०।२०।२३।११	५ शु	५	८।४८	१०।२४	१२।२१	२।३५	४।५५	७।१२	९।२८	११।४७	२।०६	४।१०	५।५४	७।२२
१०।२१।२३।२२	६ श	६	८।४४	१०।२०	१२।१७	२।३१	४।५१	७।०८	९।२४	११।४३	२।०२	४।०६	५।५०	७।१८
१०।२२।२३।३१	७ र	७	८।४०	१०।१७	१२।१३	२।२७	४।४७	७।०४	९।२०	११।३९	१।५८	४।०२	५।४६	७।१४
१०।२३।२३।३८	८ चं	८	८।३६	१०।१३	१२।०९	२।२३	४।४३	७।००	९।१६	११।३५	१।५४	३।५९	५।४२	७।१०
१०।२४।२३।४३	९ मं	९	८।३३	१०।०९	१२।०५	२।१९	४।४०	६।५६	९।१२	११।३१	१।५०	३।५५	५।३८	७।०७
१०।२५।२३।४५	१० बु	१०	८।२९	१०।०५	१२।०१	२।१६	४।३६	६।५२	९।०८	११।२७	१।४६	३।५१	५।३४	७।०३
१०।२६।२३।४६	११ गु	११	८।२५	१०।०१	११।५७	२।१२	४।३२	६।४९	९।०४	११।२३	१।४२	३।४७	५।३०	६।५९
१०।२७।२३।४४	१२ शु	१२	८।२१	९।५७	११।५३	२।०८	४।२८	६।४५	९।००	११।२०	१।३८	३।४३	५।२६	६।५५
१०।२८।२३।४१	१३ श	१३	८।१७	९।५३	११।४९	२।०४	४।२४	६।४१	८।५६	११।१६	१।३४	३।३९	५।२२	६।५१
१०।२९।२३।३५	१४ र	१४	८।१३	९।४९	११।४५	२।००	४।२०	६।३७	८।५३	११।१२	१।३०	३।३५	५।१८	६।४७
११।००।२३।२६	३० चं	१५	८।०९	९।४५	११।४१	१।५६	४।१६	६।३३	८।४९	११।०८	१।२६	३।३१	५।१४	६।४३

संक्रांति फलम् **अयनांशाः २३।५९।१३**

ता. १४ मार्च २०१०
चैत्र कृ. १४ रवौ मीनेऽर्कः प्र. (स्टै.)
टा. २१।४८ वारात् ३ नक्षत्रात् ३
वारनाम घोरा शूद्रान् सुस्थदा नक्षत्रनाम महोदरी चोरान् सुस्थदा मध्यरात्रि २ प्रहर व्यापिनी राक्षसान् हन्ति, उत्तरे गमनं, ऐशान्यां दृष्टिः शकुनिकरणे प्रविष्टा महर्धफलं श्वान्वाहनं शार्दूलोपवाहनं सुभिक्षकारक चित्रकवस्त्रं पाशायुधं वस्त्रपात्रं गुडभक्षणं हरिद्रालेपनं क्षत्रीयजातिः कमलपुष्पं कोडीभूषणं कृष्णजिकंचुकी वंन्ध्यावस्था (उभी) मु. १५ धान्यभावे महर्धता वत्स पश्चिमा. राहु दक्षिणे मूलं भूमौ विवाहस्तंभो नैऋत्यां शुक्रोदयः पश्चिमायाम् । पुण्यकालः (स्टै.) २१।४८ से २८।१२ तक । (दान- भूमि माला) ।

पं.४८ चै.कृ. ९ मं. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
१०	३	१०	१०	११	५	८	२
२४	०६	१९	१७	०७	०८	२४	२४
२३	२२	२३	५०	५७	२९	०३	०३
०९	१२	४८	२८	५५	२८	५८	५८
५९	०	११२	१४	७४	४	३	३
५९	५४	१३	२६	३९	३१	११	११
पूभा	पु	श	श	उभा	उफा	पूषा	पुन
२	१व	४	४	२	४व	४	२



CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

श्री गणेशाय नमः ॥ अचित्याव्यक्तरुपाय निर्गुणाय गुणात्मने ॥ समस्त जगदाधार मूर्तये ब्रह्मणे नमः ॥ पञ्चाङ्ग रत्नं प्रसरन्मयूखं श्री केतकी दृग्गणितेन युक्तम् ॥ लोकोपकाराय कृत प्रयत्न प्रचक्रतु मोह विनाशदक्षम् ॥ २ ॥ अथास्मिन् वर्षे सृष्टितो गताब्दाः १९५५८८५१११, तत्र कृतयुग प्रमाणम् १७२८०००, त्रेतायुग प्रमाणम् १२९६०००, द्वापरयुग प्रमाणम् ८६४०००, कलियुग प्रमाणम् ४३२०००, तन्मध्ये गतकलिः ५१११ भोग्यकलिः ४२६८८९ अथास्मिन् - शुभ संवत्सरे श्रीमन्नृपतिविक्रमादित्यराज्यात् संवत् २०६७ शाकः १९३२ । अथाऽस्मिन् वर्षे राजा भौमः १, मंत्री बुधः २, सस्येशः शुक्रः ३, धान्येशो गुरुः ४, मेघेशो भौमः ५, रसेशो रविः ६, नीरसेशः शुक्रः ७, फलेशो रविः ८, धनेशो गुरुः ९, दुर्गेशश्चंद्रः १०, एते दशाधिकारिणः । तत्र वार्हस्पत्य मानेन प्रभवादी षष्ट्यब्दानां मध्ये विष्णु विंशतिकायां १७ शोभन नामास्यः संवत्सरः प्रवर्तते । तस्य मेषाऽर्क समये गत मासादि ११।५५।१८।४३ भोग्य मासादि ०।१४।४१।१७ विश्वेदेव दैवतं युगम् । वर्षनाम श्रावण । चतुर्मेघनाम पुष्करः । रोहिणी निवासो पर्वते । समय निवासो कुंभकारगृहे । समय विश्वा १८ । समय वाहन वृषभ । स्तंभ २ वायु अन्न । सोमवत्यमा. ० । सोमवती पंचमी १ । अंगारकी चतुर्थी २ । भानु सप्तमी १ । बुधाष्टमी २ । रविदशमी ३ । समय मुहूर्तानि ३९० । समय दिनानि ३८४ । तिथि क्षयः २० । तिथि वृद्धिः १४ । अष्टोत्तरी मतेन उत्पत्ति विश्वा ९६ । स्वपति विश्वा १०८ । विंशोत्तरी मतेन उत्पत्ति विश्वा ९९ । स्वपति विश्वा ८७ । वर्षा विश्वा ५ । धान्यम् १७ । तृणम् १५ । शीतम् १५ । तेजः ११ । वायुः १३ । वृद्धिः १५ । क्षयः १५ । विग्रह ११ । ऐक्यम् ११७ । (क्षुधा १३ । तृष्णा ५ । निद्रा ९ । आलस्य ५ । उद्यम ३ । शान्ति १ । क्रोध ३ । दण्ड ५ । मैत्री १३ । उत्सव ११ । पाप ११ । पुण्य ७ । उग्रत्व ९ । रसोत्पत्तिः ७ । फलोत्पत्तिः ११ । व्याधि ९ । व्याधिनाश ५ । आचार ३ । अनाचार ७ । मृत्यु ३ । जन्म ११ । चौर १७ । उपशमन ५ । अग्निभय ११ । अग्निशमः ३) सत्यम् ॥, धर्म १॥, पाप १८ । शनि दृष्टिः दक्षिणस्याम । ग्रहणं १ सूर्यस्य । उद्भिजः ३ । जरायुजः ३ । पिण्डजः ३ । स्वदेजः ३ । इस वर्ष का फल उत्तम है । आगे गौ प्रजा भाग्य प्रबल है ।

(१) नोट - ज्येष्ठ शुक्ला १५ शनिवार, संवत् २०६७, ता. २६ जून २०१०, रामगढ (राज.) में स्पण्डग्रास **चंद्रग्रहण** का अभाव है लेकिन भारत के अन्य भागों में दिस्साई देगा ।

जहाँ ग्रहण दिस्साई नहीं दे वहाँ तत्सम्बधि धार्मिक कृत्य करना आवश्यक नहीं है ।

(१) पौष कृष्णा ३० भौमवासरे, संवत् २०६७, ता. ४ जनवरी २०११, अल्पग्रासं **सूर्यग्रहणम्**

स्थल	स्पर्श	मध्य	मोक्ष	पर्व
रामगढ घटी-प.	१९।१९	२०।१५	२१।०८	१।४९
रेल्वेटाईम घं.-मि.	१५।१०	१५।३२	१५।५३	०।४४

इस ग्रहण का सूतक पूर्वदिन उत्तररात्री स्टै ३।१० बजे से प्रारम्भ होगा । ग्रहण के सूतक में बाल वृद्ध और अस्वस्थ जनों को छोड़कर भोजनादि निषेध है ।

पञ्चाङ्ग गणित कर्ता -
पं. श्री रामकुवारात्मज ग्यारसीलाल शर्मा
मु. डूमोली कलाँ, पो. डूमोली खुर्द
वाया- सिंघाना, जि. झुन्झुनू (राज.) पिन. ३३३५१६.

॥ अथ भैरव भवानि संवाद ॥



भैरव प्रश्नः जयजननी जगदीश्वरी तूं जग की प्रतिपाल ।
सड़सठ संवत का कहो श्रीमुख से सब हाल ॥

भवानी उ.: सुनले भैरव प्रेम से मैं समझावुं तोय ।
राजामंत्री देस्तां श्रेष्ठ जमानो होय ॥
सौम्यग्रहों ने वर्ष में लिये षट्क अधिकार ।
समय वास माली यहाँ मंदा करे व्यापार ।
रोहिणी पर्वत पर वसी भूमितनय मेघेश ।
रसकसकी कमतीरहे रसपति भये दिनेश ॥
वर्षा विश्वा पांच है करे तेज व्यापार ।
पण सुरगुरु धान्येश हैं करै धान्य की सार ।
दशाधिकारी योग से दर्शाया फल सार ।
गो प्रजा के भाग्य से भला करे करतार
फलसंवत्सर का कहा देस्य ग्रहों का चार ।
गुरु ईश्वरदत्तजी ज्ञान दें भजन जगत में सार ॥

लाभ स्वर्च कोष्ठक

राशि	अष्टोत्तरी मतेन लाभ	अष्टोत्तरी मतेन स्वर्च	विंशोत्तरी मतेन लाभ	विंशोत्तरी मतेन स्वर्च
मेष	८	१४	२	१४
वृष	२	८	११	५
मिथुन	५	५	२	५
कर्क	१४	२	११	१४
सिंह	२	१४	१४	११
कन्या	५	५	२	५
तुला	२	८	११	५
वृश्चिक	८	१४	२	१४
धनु	११	५	१४	२
मकर	१४	१४	८	५
कुंभ	१४	१४	८	५
मीन	११	५	१४	२ -

लाभ - स्वर्च देखनें की विधि और फल

जिस राशि का देखना हो उस राशि के सामनेवाले लाभ-स्वर्च के अंको को जोड़कर १ घटा देवें और ८ का भाग देवें यदि १ शेष रहे तो लाभ, २ शेष रहे तो सौख्य, ३ शेष रहे तो क्लेश, ४ शेष रहे तो रोग, ५ शेष रहे तो लोकापवाद (अपयश), ६ शेष रहे तो सन्मान, ७ शेष रहे तो विजय, ८ या ० शेष रहे तो हानि होती है ।

वर्ष लग्नम् ८।१६



वर्षेश लग्नम् ०।०२



CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

॥ अथ संवत् २०६७ वर्ष फलम् ॥

॥ श्री गणेशाय नमः ॥ अथ वर्ष फलम् ॥ अथास्मिन् संवत्सरे श्रीमन्नृपति विक्रमादित्य राज्यात् संवत् २०६७ शाकः १९३२ शोभन नामास्यः संवत्सरः प्रवर्ते तत्फलम् - शोभनेवत्सरेधात्रीप्रजानांरोगशोकदा । तथापिसुस्निनोलोकाबहुसस्यार्घवृष्टयः ॥ अथास्मिन् वर्षे राजाभौमस्तत्फलम् - भौमे नृपे वह्निभयं जनक्षयं चौराकुलं पार्थिवविग्रहं च । दुःस्थं प्रजाव्याधिवियोगपीडा स्वल्पं पयो मुञ्चति वारिवाहः ॥ मंत्रीबुधस्तत्फलम् - शशिसुतेशुभमंत्रिसमागतेस्वपतिनारमते मदनक्रियाम् । बहुधनबहुवादिसमन्वितंयवमसूरचणाऋमहर्घताम ॥ सस्येशःशुक्रस्तत्फलम् - शुक्रोयदाधान्यपतिर्धरायांमेघोजलंवर्षतिशोभनम् प्रियम् । गोधूमशालीक्षुधनं प्रियंगुवृक्षेषु पुष्पाणि सुस्पप्रदानि ॥ धान्येशोगुरुस्तत्फलम् - गुरौधान्यपतौ याते यवगोधूमशालयः । पच्यन्तेसर्वदेशेषुयज्वानोब्राह्मणादयः ॥ मेघेशोभौमस्तत्फलम् - अवनिजेजलदस्यपतौभुविश्रुतिविचारविहीनधरामराः । क्वचिदपिप्रचुरंजलमल्पकंक्वचिदपिप्रशमंबहुतापदम् ॥ रसेशोरविस्तत्फलम् - रसपतौतरणीधरणोतदाविरसभागरतात्पयपोधरा । वसनतैलघृतप्रियमानवाः सुस्पेरसंनभुनक्ति महीपतिः ॥ नीरसेशः शुक्रस्तत्फलम् - कर्परागरगन्धानांहेममौक्तिकवाससाम् । अर्घवृद्धिः प्रजायेतनीरसेशोभृगुर्यदि ॥ फलेशोरविस्तत्फलम् - द्रुमवतीवरपुष्पवतीधराप्रमुदिताफलभोगविशेषता । बहुजलंजलदोभुविमुंचति क्वचिदपिप्रमितं फलपो रविः ॥ धनेशोगुरुस्तत्फलम् - सुमनसां च गुरुर्द्रविणाधिपो वणिजवृत्तिपराः सुस्पभाजनाः । फलितपुष्पितभूमिरुहाः सदा विविधद्रव्ययुता भुवि मानवाः ॥ दुर्गेशश्चंद्रस्तत्फलम् - गढपतिर्मृगलांछनको यदा नृपसुराज्यविलासितपौरजाः । बहुधनेक्षुजगोरसभोगिनो नरवरा नरवर्णितविग्रहाः ॥ वर्षनाम श्रावण तत्फलम् - मनोल्हादप्रकुंर्वतिजनाः सौस्यसमायुताः । श्रावणेवृष्टिरत्युग्रागोमहिष्यादिकं सुस्पम् ॥ चतुर्मेघनाम पुष्करस्तत्फलम् - पुष्करेमंदवृष्टिश्च । रोहिणी निवासो पर्वते तत्फलम् - पर्वते बिन्दुमात्रश्च । समय निवासो कुंभकारगृहे तत्फलम् - कुंभकारगृहे वासो तद्वर्षे मध्यमं फलम् ॥ अपिच - अनावृष्टि प्रजापतौ । एवं संचित्य देवज्ञैः कथनीयं शुभाऽशुभम् ॥

॥ अथ गुरुचार शनिचारात् वर्षफलविचार ॥

इस वर्ष में राजा और मेघेश मंगल है । मंत्री बुध है । धान्येश और धनेश गुरु है । सस्येश और नीरसेश शुक्र है । रसेश और फलेश रवि है । दुर्गेश चंद्र है । इस ग्रहमंडल की विधानसभा में ६ स्थान सौम्यग्रहों को प्राप्त हुए है और ४ स्थान उग्रग्रहों को उपलब्ध हुए है अतः वर्षफल उत्तम होगा । प्रजा में सुस्प शान्ति होगी , धन-धान्य ,व्यवसाय , राजकीयकोश की वृद्धि होगी । आधुनिक अस्त्र-शस्त्र ,स्वचालित यंत्रो के विकास में वृद्धि होगी ,स्मगलरों का ह्रास होगा । **चैत्र** - वर्षलग्न धन होने से उत्तर पूर्व में सुस्प हो, मध्यप्रदेश में प्रबल वर्षा से दुर्भिक्ष तथा रोग हो । पश्चिम में पांच मास में घी धान्य सस्ते हों, दक्षिण में सुस्प रहे, किन्तु चौपायो को कुछ पीड़ा हो । सुभिक्ष हो, रेवती में स्थित शुक्र पथिकों (यात्रियों) को पीड़ित करता है । गुरु उदय से वर्षा हो और श्रृंगार की वस्तुएं और धान्य बहुत महँगाई हो । जौ गेहूँ में रोग हो । ईस्प, दूध, रस और घी अदि सस्ते हों । **प्र.वैशाख** - तुष धान्य महँगे हो और तिलों का अभाव हो । भरणी में स्थित शुक्र किरात तथा यवनों को पीड़ित करता है । हाथियों को पीड़ा हो, धान्य महँगे हों, प्राणियों के धातुओं (वसा,रक्त,मांस,मेधा,अस्थि,मज्जा और शुक्र) की हानि हो । अतिवृष्टि हो, साँपों का भय अधिक हो । **द्वि.वैशाख** - व्यापारी, वैद्य, नौका से जीविका चलाने वाले, जल में उत्पन्न होने वाले द्रव्य तथा घोड़े (अश्व) पीडित हों । मीन के बृहस्पति होने से संभव नामक मेघ वर्षता है, स्पण्ड वृष्टि होती है और सब धान्य महंगे होते है । राज विरोध से पांच महीने भय रहे पीछे सुस्प और सुभिक्ष हो । शाली, गेहूँ, शक्कर, तिल, गुड़ यह महँगे हों । मजीठ, नारियल, श्वेत वस्त्र, हाथीदांत, कपूर, नमक और घी महंगे हों । मरुदेश में महापीड़ा तथा दुर्भिक्ष हो । चौपायों का मरण और धान्य तथा घी तेल महंगे हों, तिल, कपास, सस्ते हों, आबू में छत्रभंग हो और मारवाड़ में उत्पात हो । टीडी आदि से धान्य महँगा हो । **ज्येष्ठ** - अभाव हो, अश्मक और विदर्भ देश में अनय (उपद्रव) हो । प्राणियों के धातुओं (वसा,रक्त,मांस,मेधा,अस्थि,मज्जा और शुक्र) की हानि हो । अल्पवृष्टि तथा विद्याधरों के युद्ध में विमर्द हो । कपास, तिल, सूत महँगे हों । सुभिक्ष हो, वायु से वर्षा हो । तेल का मूल्य बढ जाय । **आषाढ** - कपास सूत मंदा हो । शस्त्रनिपात (युद्ध), क्षुधा, रोग, अनावृष्टि । मघा नक्षत्र को शुक्र के भेदन करने से हस्तिपति पीडित हों और अतिवृष्टि हो । आषाढ में बुध का उदय होने से कहीं भी प्राकृतिक आपदा हो । घोड़ों का मूल्य बढे । आश्लेषा में बुध होने से महावृष्टि हो, पू.फा. नक्षत्र को शुक्र के भेदन करने से शबर-पुलिन्द जन पीड़ित हों और अतिवृष्टि हो । मीन का गुरु वक्री होने से चौर तथा राजाओं के द्वारा धन का नाश हो । निराधार प्रजा पीडित हो, तुल भाण्ड गुड़ स्पण्ड इनका भाव तेज हो । लवण, घी, तैलादि और सब धान्य महँगे हों, कपास महँगा हो । **श्रावण** - कुरु देश में निवास करने वाले, जाङ्गल (स्वल्पोदक स्थान) में निवास करने वाले और पञ्जाबस्थ जन पीड़ित हों तथा वृष्टि हो । परस्पर सप्तम राशि में गुरु और शुक्र होने से अवृष्टि हो । पूर्वाफाल्गुनी में बुध होने से क्षेत्र के बंटवारे को लेकर पडौसी देश से मनमुटाव हो, अन्न मँदा हो, क्षुधा, शस्त्र, चोर और रोगों की वृद्धि हो । तुष धान्य उत्तम हो, घृत गुड़ और नमक महंगे हो । मेघों की गर्जना के साथ वर्षा हो, कौरव और चित्रकार पीडित हों अनावृष्टि हो । कुआँ बनाने वालों और पक्षियों को पीड़ा हो तथा सुन्दर वृष्टि हो । **आद्रपद** - गुरुवार की सक्रांति होने से सभी पीत वर्ण वाली वस्तुओं के भाव तेज हों । चावल तथा गेहूँ महँगे हों, शस्त्रनिपात हो, धातुओं की महँगाई हो अन्न भाव तेज हो । स्वाती पर मंगल होने से अनावृष्टि हो । पू.फा. में बुध होने से क्षेत्र के बंटवारे को लेकर पडौसी देश से मनमुटाव हो । मीन में बृहस्पति के उदय होने से राजाओं के युद्ध का योग हो और मनुष्यों में महामारी से पीड़ा हो, धान्य का नाश हो । उ.भा. में गुरु उदय होने से वल्लीज (मूँग आदि अन्न) की उत्पत्ति उत्तम हो शेष उत्पत्ति कम हो । **आश्विन** - प्राणियों के धातुओं (वसा,रक्त,मांस,मेधा,अस्थि,मज्जा और शुक्र) की हानि हो । कपास और गेहूँ का भाव महँगा हो । स्नेह (तेल, घृत आदि), रस (मधुर आदि) के मुल्य में वृद्धि हो । गणिका, शिल्पी, और विप्र वर्ग पीड़ित हो । मन्द वर्षा हो । **कार्तिक** - कुआँ बनाने वालों और पक्षियों को पीड़ा हो तथा सुन्दर वृष्टि हो, गौओं को पीड़ा हो, कार्तिक मास में बुध का उदय होने से शस्त्र, चोर, अग्नि, रोग, जल और दुर्भिक्ष का भय हो । ज्येष्ठा में बुध होने से ईस्प, शाली और घी महँगे हों तथा घोड़ों में रोग हो । **मार्गशीर्ष** - क्षत्रियों में पीड़ा हो, तुष धान्य महँगा हो । स्वाती नक्षत्र में शुक्र होने से अतिवृष्टि तथा दूत, वाणिज्य कर्म करने वाले, नाव चलाने वाले इनमें उपद्रव हो । जल बहुत हो, गायें दूध कम दें, पृथ्वी अन्न से पूरित हो, शालि, तिल, घी और उड़द महँगे हो । **पौष** - ईस्प, शाली और घी महँगे हों तथा घोड़ों में रोग हो, रस (मधुर आदि) के मुल्य में वृद्धि हो । जल बहुत हो, गायें दूध कम दें, पृथ्वी अन्न हो । क्षत्रियों में परस्पर विरोध हो अनावृष्टि हो । बुध मूल को भेदने से व्यापारी, वैद्य, नौका से जीविका चलाने वाले, जल में उत्पन्न होने वाले द्रव्य तथा घोड़े (अश्व) पीडित हों । चित्रा नक्षत्र में स्थित शनैश्चर स्त्रीगण, लेखक, चित्रकार, भाण्ड (अनेक प्रकार के वैश्यों के धन - भाण्ड वणिङ्मूलधने भूषाश्वभूषयोरिति मेदिनी) इन सबों को पीडित करता है । **माघ** - प्रधान वैद्य (डाक्टर) पीड़ित हों अनावृष्टि हो । धान्य, गुड शक्कर सस्ते हों । श्रवण में बुध होने से गुड़ अलसी और चणे अदि धान्य में बर्फ (ओले) गिरने का भय हो । जल में उत्पन्न जीव पीड़ित हों, गायें पीड़ित हों । **फाल्गुन** - व्यापारी, वैद्य, नौका से जीविका चलाने वाले, जल में उत्पन्न होने वाले द्रव्य तथा घोड़े (अश्व) पीडित हों । धान्य सम्पदा अच्छी हो, सुभिक्ष हो, कर्णपीड़ा हो । तिल, वस्त्र, कपास, सुपारी आदि महँगे हो । श्रृंगार की वस्तुएं महंगी हो, व्यापारी, वैद्य, नौका से जीविका चलाने वाले, जल में उत्पन्न होने वाले द्रव्य तथा घोड़े (अश्व) पीडित हों । पाखण्डियों में भय उत्पन्न हो । **चैत्र** - वर्षा तथा अन्न का अभाव हो, श्रृंगार की वस्तुएं महंगी हो । मीन राशि में बुध का अस्त होने से राज्यवर्ग में पीड़ा और प्रजा सुस्पी हो । आगे सर्वज्ञ जगत नियन्ता जगदीश्वराधीन है, गो प्रजा भाग्य प्रबल है ।

CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

॥ संवत् २०६७ मध्ये विवाह मुहूर्तानि रेखा सहितानि च ॥

सन् २०१०

द्वि. बैशाख शुक्लपक्षः

मई १५ २ शनौ रोहि. रे १० ।।।।।।।।। दिवा. ल. ५।६
मई १५ २ शनौ मृगे रे ९ ।।ऽशु।।।।।। रात्रौ ल. ११।१२ (मी. श. ७ दो.)
मई २४ ११ चंद्रे हस्ते रे ८ ।।।ऽगु ऽ।।।। दिवा ल. ४।५

ज्येष्ठ कृष्णपक्षः

मई २८ १ भृगौ अनु. रे ८ ।।।ऽबु।।।ऽ।। दिवा ल. ४
मई २९ २ शनौ मूले रे ८ ऽऽ।।।।।।।। दिवा ल. ६ रात्रौ गो. १२ (क. सोग्रांगः, रा. ४ दो. गु. ७ पू., मीने श. ७ दोषः)
मई ३० ३ रवौ मूले रे ८ ऽऽ।।।।।।।। दिवा ल. ५ (सोग्रांगः)
मई ३१ ३ चंद्रे उषा. रे ७ ।।।।ऽ।।ऽ।ऽ द. रात्रौ ल. गोधूलि
जून ६ ९ रवौ उभा. रे ७ ।।ऽगु।ऽ।।ऽ।। दिवा ल. ४।५, रात्रौ अ.गो. ११ (सिंहः सोग्रांगः)

ज्येष्ठ शुक्लपक्षः

जून १९ ८ शनौ हस्ते रे ६ ।ऽ।ऽगु ऽ।ऽ।।। रात्रौ ल. १२ (श.चं.७ दो.)
जून २० ९ रवौ हस्ते रे ७ ।ऽ।ऽगु ऽ।।।।। दिवा ल. ४।५
जून २१ १० चंद्रे स्वातौ रे ९ ।।।।।।ऽ।।। रात्रौ ल. गोधूलि, १०।१ (मक. शु. ७ पू., मेषे चं. ७ पू.)
जून २४ १३ गुरौ अनु. रे ८ ऽऽ।।।।।।।। दिवा ल. ४।५

आषाढ कृष्णपक्षः

जून २८ २ चंद्रे उषा. रे १० ।।।।।।।।। दि. ल. ४।६
जूला. ४ ७ रवौ उभा. रे ६ ।।ऽगु ऽ।।ऽ।ऽ दिवा ल. ४।५
जुला. ८ ११ गुरौ रोहि. रे ७ ऽऽ।।।।ऽ।। रात्रौ ल. १०।१ (मक. बु. ७ पू. स्टै. २०।३३ उप.)

आषाढ शुक्लपक्षः

जुला. १४ ३ बुधे मघा रे ९ ।।ऽशु।।।।।। दिवा ल. ६।७ (कन्या सोग्रांगः गु.७ पू.रा.४ दो.,तुला.शनि.१२ दोषस्तेनत्याज्यः)
अग्रे कर्केऽर्कः

कार्तिक शुक्लपक्षः

नवं. १८ १२ गुरौ रेवत्यां रे ८ ऽ।।।ऽ।।।। रात्रौ ल. गोधूलि ४।६ (कन्या सोग्रांगः स्टै. २७।५८ या.)

मार्गशीर्ष कृष्णपक्षः

नवं. २२ १ चंद्रे रोहि. रे ८ ।।।।ऽ।।ऽ।। दिवा ल. १०।१ रात्रौ ४।६ (मेषे शु. ७ दो., कन्या सोग्रांगः रा ४ दो.)
नवं. २३ २ भौमे मृगे रे ९ ।।।।ऽ।।।।। दिवा ल. १०।१ रात्रौ ४।६ (मेषे शु. ७ पू., कन्या सोग्रांगः रा. ४ दो.)
नवं. २८ ७ रवौ मघा रे ८ ऽ।।।।।।ऽ।। दिवा ल. १०
नवं. २९ ८ चंद्रे उफा. रे ८ ।।।।ऽ।।ऽ।। रात्रौ ल. ६ (सोग्रांगः रा. ४ दो. स्टै. २६।०३ उप.)

नवं. ३० ९ भौमे उफा. रे ७ ।।।।ऽ।।ऽ।ऽ द. दिवा १०।११, रात्रौ अ. गो. (गोधूल्यां भौम ८ दोषः)
दिसं. २ १२ गुरौ स्वातौ रे ९ ।।ऽशु।।।।।। रात्रौ ल. ४।५ (कर्कः स्टै. २१।१८ उप., सिंहे गु. ७ पू.)

मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः

दिसं. ८ ३ बुधे उषा. रे ९ ऽ।।।।।।।। रात्रौ ल. ५
अग्रे धनुष्यर्कः

सन् २०११

पोष शुक्लपक्षः

जन. १६ ११ रवौ रोहिण्यां रे ६ ऽ।।।ऽऽ।।।ऽ द. दिवा ल. ११।१२।१, रात्रौ गोधूलि

माघ कृष्णपक्षः

जन. २१ २ शुक्रे मघा. रे १० ।।।।।।।।। रात्रौ ल. गो. ८ (गोधूल्यां तु सप्तम भौम दोषः)
जन. २३ ४ रवौ उफा. रे ८ ।।।।।ऽऽ।। रात्रौ ल. गोधूलि, ८ (गो. भौम ७ दो.)
जन. २४ ५ चंद्रे उफा. रे ८ ।।।।।।ऽऽ।। दिवा ल. ११
जन. २८ १० शुक्रे अनु. रे ९ ।।।।।।।।। दिवा ल. ११।१२।२

माघ शुक्लपक्षः

फर. ७ ४ चंद्रे रेवत्यां रे ६ ऽऽ।।ऽ।।ऽ।। रात्रौ ल. ८ (स्टै. २५।४९ उपरांत)
फर.. ८ ५ भौमे रेवत्यां रे, ६ ऽऽ।।ऽ।।ऽ।। दिवा ल. ११।१२, रात्रौ अ.गो. ८ (गोधू. भौ. ७ दो.)
फर. १८ १५ भृगौ मघा रे ७ ।।।।ऽऽऽ।। दिवा ल. १, रात्रौ ८ (वृश्चि. स्टै. २६।४४ या.)

फाल्गुन कृष्णपक्षः

फर. १९ १ शनौ उफा. रे १० ।।।।।।।।। दिवा ल. १, रात्रौ ८।१०
फर. २४ ७ गुरौ अनु. रे ७ ऽ।।।।ऽऽ।। रात्रौ अ. गो. १० (गोधू. भौ. ७ दो.)
फर. २५ ८ शुक्रे अनु. रे ८ ऽ।।।।।ऽ।। दिवा ल. १२।१

फाल्गुन शुक्लपक्षः

मार्च ७ २ चंद्रे रेवत्यां रे ८ ऽ।।।ऽ।।।। दिवा ल. १।४, रात्रौ १० (कर्के शु. ७ पू.)
मार्च ८ ३ भौमे रेवत्यां रे ७ ऽ।।।ऽ।।।ऽ द. दिवा ल. १
मार्च ११ ६ शुक्रे रोहि. रे ७ ऽ।।।।।ऽऽ।। रात्रौ ल. १०
अग्रेमीनेऽर्कः

॥ कात्यायनोक्त विवाह मुहूर्त्ताः नक्षत्र चतुष्टयी ॥

सन् २०१०

ज्येष्ठ कृष्णपक्षः

जून ८ ११ भौमे अश्वि. रे.८ ऽ।।।।।ऽ।। दिवा ल. ५, रात्रौ ९ (सिंहः सोग्रांगः धनु. सोग्रांगः केशु. ७ पू.)
जून ९ १२ बुधे अश्वि. रे.७ ऽ।।।।।ऽऽ।। दिवा ल. ४

ज्येष्ठ शुक्लपक्षः

जून २० ९ रवौ चित्रा. रे.९ ।।।।।।।ऽ।। रात्रौ अ. गो. १०।१२ (अ.गो. स्टै. १९।२८ उप. मीने श.चं. ७ दो.)
जून २१ १० चंद्रे चित्रा रे.९ ।।।।।।।ऽ।। दिवा ल.४।५ (सिंहसोग्रांगः)

आषाढ कृष्णपक्षः

जून ३० ४ बुधे धनि. रे.६ ।।।ऽशु ऽ।ऽऽ।। दिवा ल. ४, रात्रौ गोधूलि, १ (कर्के चं. ७ पू.)

कार्तिक शुक्लपक्षः

नवं. १८ १२ गुरौ अश्वि. रे.९ ।।।।ऽ।।।। रात्रौ ल.७ (स्टै.२९।३० उप. चं. ७, श. १२ दोषौ)

मार्गशीर्ष कृष्णपक्षः

दिसं. १ १० बुधे चित्रा. रे.७ ।।ऽशु ऽगु।।।ऽ।। रात्रौ ल. ५।७ (सिंहे शु. ३ दो., तुला श. १२ दो.)
दिसं. २ १२ गुरौ चित्रा रे.८ ।।ऽशु ऽगु।।।ऽ।। दिवा ल. १०।११।१ (मेषे चं. ७ पू.)

मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः

दिसं. ९ ४ गुरौ श्रवणे रे.१० ।।।।।।।।। रात्रौ ल. ६ (सोग्रांगः रा. ४ दो., गु. ७ पू.)
दिसं. १० ५ शुक्रे श्रवणे रे.९ ।।।।।।।ऽ।। दिवा ल. ११।१, रात्रौ अ. गो. ४ (अ. गो. भौ. ८ दो., कर्के चं. ७ पू.)
दिसं. १० ५ शुक्रे धनि. रे.८ ।।।।।ऽऽ।। रात्रौ ल. ६ (सोग्रांगः, रा. ४ दो., गु. ७ पू.)
दिसं. ११ ६ शनौ धनि. रे.८ ।।।।।ऽऽ।। दिवा ल. १,रात्रौ अ.गो. ४ (अ.गो. भौ. ८ दो.)

सन् २०११

माघ शुक्लपक्षः

फर. ४ १ शुक्रे धनि. रे.९ ।ऽ।।।।।।। दिवा ल. २
फर. ८ ५ भौमे अश्वि. रे.१० ।।।।।।।।। रात्रौ ल. ९ (स्टै. २८।४८ उप. के. ७ दो.)
फर. ९ ६ बुधे अश्वि. रे.१० ।।।।।।।।। दिवा ल. ३, रात्रौ ल. ९ (मिथु. सोग्रांगः, राशु. ७ पू.,धनु. के. ७ दो.)

फाल्गुन कृष्णपक्षः

फर. २१ ४ चंद्रे चित्रा रे.८ ।ऽ।।।।।ऽ।ऽ द. रात्रौ ल. ८।९ (धनु. के .७ दो.)

फाल्गुन शुक्लपक्षः

मार्च ८ ३ भौमे अश्वि. रे.९ ।।।।।।।।ऽ द. दि. ल. ३।४

(दृष्टिदोषश्चेत् क्षन्तव्यं सुधिभिः)

गणितकर्ता- श्री श्री १०८ पं. ईश्वरदत्त शर्म्मणोऽ नुग्रहीत शिष्यः
पं. ग्यारसीलाल शर्मा (शास्त्री)
५८,राम कुटीर, ३ रा माला, हनुमान रोड
मुम्बई ४०००५७. दू. २६१६६७८३.

CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

॥ संवत् २०६७मध्ये उपनयनादि मुहूर्त्ताः ॥

अथ उपनयन मुहूर्त्ताः

सन२०१०		चैत्र शुक्लपक्षः	
मार्च	२६	शु.११	शुक्रे आश्ले. ल. २ (स्टै. १०।१० या.)
		ज्येष्ठ मासः	
मई	३०	कृ.३	रवौ मुले अभिजिति
जून	१४	शु.२	चंद्रे पुन. अभिजिति
जून	१६	शु.४	बुधे आश्ले. ल. ५
जून	२१	शु.१०	चंद्रे चित्रा. अभिजिति
		आषाढ मासः	
जून	२८	कृ.२	चंद्रे उ.षा. अभिजिति
सन२०११		माघ मासः	
जन.	२१	कृ.२	शुक्रे आश्ले. अभिजिति
जन.	२४	कृ.५	चंद्रे उ.फा. ल. ११।१२
फर.	४	शु.१	शुक्रे धनि. अभिजिति
फर.	६	शु.३	रवौ पू. भा. अभिजिति
		फाल्गुन कृष्णपक्षः	
फर.	२०	कृ.३	रवौ उ.फा. अभिजिति
मार्च	७	शु.२	चंद्रे रेवत्यां अभिजिति

अथ देव प्रतिष्ठा मुहूर्त्ताः

सन२०१०		द्वि. वैशाख्य शुक्लपक्षः	
मई	१५	शु.२	शनौ रोहि. अभिजिति
मई	१६	शु.३	रवौ मृगे अभिजिति
मई	१९	शु.६	बुधे पुष्ये ल. ३
मई	२४	शु.११	चंद्रे हस्ते अभिजिति
		ज्येष्ठ मासः	
जून	२	कृ.५	बुधे श्रवणेऽभिजिति
जून	४	कृ.७	शुक्रे शत. अभिजिति
जून	१४	शु.२	चंद्रे पुन. अभिजिति
जून	२१	शु.१०	चंद्रे चित्रा. अभिजिति
जून	२४	शु.१३	गुरौ अनु. अभिजिति
		आषाढ मासः	
जून	२८	कृ.२	चंद्रे उ.षा. अभिजिति
जुला.	१	कृ. ५	गुरौ शत. अभिजिति
जुला.	४	कृ.७	रवौ उ.भा. अभिजिति
सन२०११		माघ मासः	
जन.	२४	कृ.५	चंद्रे हस्ते अभिजिति
फर.	४	शु.१	शुक्रे धनि. अभिजिति
फर.	५	शु.२	शनौ शत. अभिजिति
फर.	१६	शु.१३	बुधे पुष्ये अभिजिति
सन२०११		फाल्गुन मासः	
फर.	२०	कृ.३	रवौ उ.फा. अभिजिति
फर.	२४	कृ.७	गुरौ अनु. ल. ३ (स्टै. १३।३३ उप.)
मार्च	७	शु.२	चंद्रे रेव. अभिजिति
मार्च	९	शु.४	बुधे अश्वि. ल. ३ (स्टै. १४।०५ या.)
मार्च	१२	शु.७	शनौ रोहि. अभिजिति

अथ गेहारंभ (भूमि पूजन) मुहूर्त्ताः

सन२०१०		द्वि. वैशाख्य मासः	
मई	२४	शु.११	चंद्रे हस्ते अभिजिति
मई	२६	शु.१३	बुधे स्वात्यां ल. ३ (ति. दो.)
		आषाढ मासः	
जुला.	२१	शु.११	बुधेऽनुराधा. ल. ५।६
जुला.	२६	शु.१५	चंद्रे उ.षा. ल. ५
		श्रावण मासः	
जुला.	२८	कृ.२	बुधे धनि. ल. ५ (स्टै. १९।२२ या.)
जुला.	२९	कृ.३	गुरौ शत. ल. ९ (ति.दो.)
अग.	२१	शु.१२	शनौ उ.षा. ल. ९
		भाद्रपद मासः	
अग.	२५	कृ.१	बुधे शत. ल. ६।९
अग.	२७	कृ.३	शुक्रे उ.भा. अभिजिति
		कार्तिक मासः	
नवं.	१५	शु.९	चंद्रे शत. ल. ११।१२ (कुंभ स्टै. १३।५२ उप.)

वृषचक्ररहिताः गेहारंभ (भूमिपूजन) मुहूर्त्ताः

सन२०१०		द्वि. वैशाख्य मासः	
मई	१५	शु.२	शनौ रोहि. अभिजिति
मई	१९	शु.६	बुधे पुष्ये ल. ३।५।६ (ति.दो.)
		ज्येष्ठ मासः	
जून	४	कृ.७	शुक्रे शते अभिजिति
		आषाढ मासः	
जुला.	१७	शु.६	शनौ हस्तेऽभिजिति
		श्रावण मासः	
जुला.	३१	कृ.५	शनौ उ.भा. अभिजिति
अग.	१४	शु.५	शनौ चित्रा. अभिजिति
		भाद्रपद मासः	
सितं.	१	कृ.७	बुधे रोहि. ल. ९
सितं.	९	शु.१	गुरौ उ.फा. अभिजिति
		कार्तिक मासः	
नवं.	१२	शु.६	शुक्रे उ.षा. ल. ९
नवं.	१८	शु.१२	गुरौ रेवत्यां अभिजिति
		मार्गशीर्ष मासः	
दिसं.	२	कृ.१२	गुरौ चित्रा. अभिजिति
दिसं.	३	कृ.१३	शुक्रे स्वात्यां अभिजिति
सन२०११		माघ मासः	
जन.	२४	कृ.५	चंद्रे उ.फा. ल. ११।१२ (ल. मीन १२।०५ या.)
जन.	२४	कृ.५	चंद्रे हस्तेऽभिजिति
फर.	४	शु.१	शुक्रे धनि. अभिजिति
		फाल्गुन मासः	
मार्च	१२	शु.७	शनौ रोहि. अभिजिति

अथ नूतन गृहप्रवेश (वास्तु) मुहूर्त्ताः

सन२०११		माघ मासः	
जन.	२८	कृ.१०	शुक्रेऽनुराधा. अभिजिति
फर.	१२	शु.९	शनौ रोहि. अभि.(रि.ति.दो.)
		फाल्गुन मासः	
मार्च	१२	शु.७	शनौ रोहि. अभिजिति

कुंभचक्ररहिताः नूतनगृहप्रवेश(वास्तु) मुहूर्त्ताः

सन२०१०		द्वि. वैशाख्य मासः	
मई	१५	शु.२	शनौ रोहि. अभिजिति
		ज्येष्ठ मासः	
मई	२८	कृ.१	शुक्रेऽनुराधा. ल. ३।५ (ल. ५ स्टै. १२।१० या.)
सन२०११		माघ मासः	
जन.	२४	कृ.५	चंद्रे उ.फा. ल. ११ (चं.श.८ दो.,मं.१२ दो.)
		फाल्गुन मासः	
फर.	२४	कृ.७	गुरौ अनु. ल. ३ (स्टै. १३।३३ उप.)
फर.	२५	कृ.८	शुक्रे अनु. अभिजिति

अथ जीर्ण गृहप्रवेश (वास्तु) मुहूर्त्ताः

सन२०१०		द्वि. वैशाख्य शुक्लपक्षः	
मई	१९	शु.६	बुधे पुष्ये ल. ३।५
		मार्गशीर्ष मासः	
दिसं.	३	कृ.१३	शुक्रे स्वात्यां अभिजिति
दिसं.	११	शु.६	शनौ धनि. अभिजिति
सन२०११		माघ मासः	
फर.	१६	शु.१३	बुधे पुष्ये ल. २।३

कुंभचक्ररहिता जीर्णगृहप्रवेश(वास्तु) मुहूर्त्ताः

सन२०१०		ज्येष्ठ मासः	
जून	३	कृ.६	गुरौ धनि. ल. ३ (स्टै. ७।१४ या.)
जून	४	कृ.७	शुक्रे शत. अभिजिति
		श्रावण मासः	
जुला.	२८	कृ.२	बुधे धनि. ल. ५।६
सन२०११		माघ मासः	
जन.	२०	कृ.१	गुरौ पुष्ये अभिजिति
जन.	२६	कृ.८	बुधे स्वात्यां ल. ११।१२।२ (ल. कुंभ ८।५२ उप.)
फर.	४	शु.१	शुक्रे धनि. अभिजिति
फर.	५	शु.२	शनौ शत. अभिजिति

परे लग्नशुद्धया कुयोगादिनाशम् -

व्याख्या- अथ परे आचार्या लग्नशुद्धया समीचीनलग्नबलेन कुयोगानां मृत्युक्रकचादीनां नाशं भवंतीति शेषः । - पीयूषधारा

(दृष्टिदोषश्चेत् क्षन्तव्यं सुधिभिः)

CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

॥ सन् २०१०-११, संवत् २०६७ ॥ + (उत्तर) रविक्रान्ति-रेल्वे प्रातः ६।२७ बजे (अंश-कलादौ) - (दक्षिण)

ता.	मार्च	अप्रेल	मई	जून	जुलाई	अगस्त	सितंबर	अक्टूबर	नवंबर	दिसंबर	जनवरी	फरवरी	मार्च	अप्रेल
१	. . . .	+ ४।२६	+१५।००	+२२।०१	+२३।०८	+१८।०५	+ ८।२३	- ३।०४	-१४।२०	-२१।४५	-२३।०३	-१७।१५	- ७।४७	+ ४।२१
२	. . . .	+ ४।४९	+१५।१८	+२२।०९	+२३।०३	+१७।५०	+ ८।०१	- ३।२८	-१४।३९	-२१।५५	-२२।५८	-१६।५८	- ७।२४	+ ४।४४
३	. . . .	+ ५।१२	+१५।३६	+२२।१७	+२२।५९	+१७।३५	+ ७।३९	- ३।५१	-१४।५८	-२२।०३	-२२।५२	-१६।४०	- ७।०१	+ ५।०७
४	. . . .	+ ५।३५	+१५।५३	+२२।२४	+२२।५४	+१७।१९	+ ७।१७	- ४।१४	-१५।१७	-२२।१२	-२२।४६	-१६।२३	- ६।३८	. . . .
५	. . . .	+ ५।५८	+१६।११	+२२।३१	+२२।४९	+१७।०३	+ ६।५५	- ४।३७	-१५।३५	-२२।२०	-२२।४०	-१६।०५	- ६।१५	. . . .
६	. . . .	+ ६।२१	+१६।२८	+२२।३७	+२२।४३	+१६।४६	+ ६।३३	- ५।००	-१५।५३	-२२।२७	-२२।३३	-१५।४७	- ५।५२	. . . .
७	. . . .	+ ६।४४	+१६।४४	+२२।४३	+२२।३७	+१६।३०	+ ६।१०	- ५।२३	-१६।११	-२२।३४	-२२।२६	-१५।२८	- ५।२९	. . . .
८	. . . .	+ ७।०६	+१७।०१	+२२।४९	+२२।३०	+१६।९३	+ ५।४८	- ५।४६	-१६।२९	-२२।४१	-२२।१९	-१५।०९	- ५।०५	. . . .
९	. . . .	+ ७।२८	+१७।१७	+२२।५४	+२२।२३	+१५।५६	+ ५।२५	- ६।०९	-१६।४६	-२२।४७	-२२।१०	-१४।५०	- ४।४२	. . . .
१०	. . . .	+ ७।५१	+१७।३३	+२२।५९	+२२।१६	+१५।३९	+ ५।०३	- ६।३२	-१७।०३	-२२।५३	-२२।०२	-१४।३१	- ४।१८	. . . .
११	. . . .	+ ८।१३	+१७।४९	+२३।०४	+२२।०८	+१५।२१	+ ४।४०	- ६।५५	-१७।२०	-२२।५८	-२१।५३	-१४।१२	- ३।५५	. . . .
१२	. . . .	+ ८।३५	+१८।०४	+२३।०८	+२२।००	+१५।०३	+ ४।१७	- ७।१७	-१७।३७	-२३।०३	-२१।४४	-१३।५२	- ३।३१	. . . .
१३	. . . .	+ ८।५७	+१८।१९	+२३।१२	+२१।५२	+१४।४५	+ ३।५४	- ७।४०	-१७।५३	-२३।०८	-२१।३४	-१३।३२	- ३।०८	. . . .
१४	. . . .	+ ९।१९	+१८।३४	+२३।१५	+२१।४३	+१४।२७	+ ३।३१	- ८।०२	-१८।०९	-२३।१२	-२१।२४	-१३।१२	- २।४४	. . . .
१५	. . . .	+ ९।४०	+१८।४८	+२३।१८	+२१।३४	+१४।०८	+ ३।०८	- ८।२४	-१८।२४	-२३।१५	-२१।१३	-१२।५१	- २।२०	. . . .
१६	- १।५१	+१०।०२	+१९।०२	+२३।२०	+२१।२४	+१३।४९	+ २।४५	- ८।४७	-१८।४०	-२३।१८	-२१।०२	-१२।३१	- १।५७	. . . .
१७	- १।२७	+१०।२३	+१९।१६	+२३।२२	+२१।१५	+१३।३०	+ २।२२	- ९।०९	-१८।५५	-२३।२१	-२०।५१	-१२।१०	- १।३३	. . . .
१८	- १।०४	+१०।४४	+१९।२९	+२३।२४	+२१।०४	+१३।११	+ १।५९	- ९।३१	-१९।०९	-२३।२३	-२०।३९	-११।४९	- १।०९	. . . .
१९	- ०।४०	+११।०५	+१९।४३	+२३।२५	+२०।५४	+१२।५२	+ १।३६	- ९।५२	-१९।२३	-२३।२४	-२०।२७	-११।२८	- ०।४६	. . . .
२०	- ०।१६	+११।२५	+१९।५५	+२३।२६	+२०।४३	+१२।३२	+ १।१२	-१०।१४	-१९।३७	-२३।२५	-२०।१४	-११।०६	- ०।२२	. . . .
२१	+ ०।०८	+११।४६	+२०।०८	+२३।२६	+२०।३१	+१२।१२	+ ०।४९	-१०।३५	-१९।५१	-२३।२६	-२०।०१	-१०।४५	+ ०।०२	. . . .
२२	+ ०।३१	+१२।०६	+२०।२०	+२३।२६	+२०।२०	+११।५२	+ ०।२६	-१०।५७	-२०।०४	-२३।२६	-१९।४८	-१०।२३	+ ०।२६	. . . .
२३	+ ०।५५	+१२।२६	+२०।३२	+२३।२६	+२०।०८	+११।३२	+ ०।०२	-११।१८	-२०।१७	-२३।२६	-१९।३४	-१०।०१	+ ०।४९	. . . .
२४	+ १।१९	+१२।४६	+२०।४३	+२३।२५	+१९।५५	+११।१२	- ०।२१	-११।३९	-२०।२९	-२३।२५	-१९।२०	- ९।३९	+ १।१३	. . . .
२५	+ १।४२	+१३।०६	+२०।५४	+२३।२४	+१९।४३	+१०।५१	- ०।४४	-१२।००	-२०।४१	-२३।२४	-१९।०५	- ९।१७	+ १।३७	. . . .
२६	+ २।०६	+१३।२६	+२१।०५	+२३।२२	+१९।३०	+१०।३१	- १।०८	-१२।२०	-२०।५३	-२३।२२	-१८।५१	- ८।५५	+ २।००	. . . .
२७	+ २।२९	+१३।४५	+२१।१५	+२३।२०	+१९।१६	+१०।१०	- १।३१	-१२।४१	-२१।०४	-२३।२०	-१८।३५	- ८।३२	+ २।२४	. . . .
२८	+ २।५३	+१४।०४	+२१।२५	+२३।१७	÷१९।०३	+ ९।४९	- १।५४	-१३।०१	-२१।१५	-२३।१८	-१८।२०	- ८।१०	+ २।४७	. . . .
२९	+ ३।१६	+१४।२३	+२१।३५	+२३।१५	+१८।४९	+ ९।२७	- २।१८	-१३।२१	-२१।२६	-२३।१५	-१८।०४	. . . .	+ ३।११	. . . .
३०	+ ३।४०	+१४।४१	+२१।४४	+२३।११	+१८।३५	+ ९।०६	- २।४१	-१३।४१	-२१।३६	-२३।११	-१७।४८	. . . .	+ ३।३४	. . . .
३१	+ ४।०३	. . . .	+२१।५३	. . . .	+१८।२०	+ ८।४५	. . . .	-१४।०१	. . . .	-२३।०७	-१७।३२	. . . .	+ ३।५७	. . . .

उत्तर (धन) — दक्षिण (ऋण)

महापात योगाः (स्टै. समय में)
संवत् २०६७ (सन २०१०-११)

महापात स्पर्शः			महापात मोक्षः		
योगाः	तारीख	घं. मि.	तारीख	घं. मि.	
व्यती.	२८ मार्च	११।०२	२८ मार्च	१४।५०	
वैधृति	१० अप्रे.	६।३६	१० अप्रे.	११।३०	
व्यती.	२२ अप्रे.	२७।२२	२३ अप्रे.	७।४८	
वैधृति	५ मई	१४।५०	५ मई	२०।५७	
व्यती.	१८ मई	१७।४०	१८ मई	२३।५३	
वैधृति	३० मई	२८।२४	३१ मई	१३।३६	
व्यती.	१३ जून	१८।२८	१३ जून	२८।५८	
वैधृति	२३ जून	१४।२६	२३ जून	२६।५२	
व्यती.	७ जुला.	२२।०४	८ जुला.	७।०८	
वैधृति	१९ जुला.	२२।४१	२० जुला.	६।१६	
व्यती.	२ अग.	२०।०६	२ अग.	२६।१२	
वैधृति	१४ अग.	१८।०४	१४ अग.	२३।००	
व्यती.	२८ अग.	७।२३	२८ अग.	१२।२८	
वैधृति	९ सितं.	१४।५८	९ सितं.	१८।५३	
व्यती.	२२ सितं.	१५।०२	२२ सितं.	१९।५०	
वैधृति	५ अक्टू.	११।२८	५ अक्टू.	१५।२२	
व्यती.	१७ अक्टू.	२०।३०	१७ अक्टू.	२५।४६	
वैधृति	३० अक्टू.	२५।४२	३० अक्टू.	३०।३६	
व्यती.	११ नवं.	२६।२५	१२ नवं.	९।११	
वैधृति	२५ नवं.	११।३४	२५ नवं.	१९।२५	
व्यती.	७ दिसं.	१३।४७	७ दिसं.	२६।०४	
वैधृति	२१ दिसं.	१०।३३	२१ दिसं.	२६।३२	
व्यती.	३१ दिसं.	२५।०१	१ जन.	१४।५१	
वैधृति	१४ जन.	२०।३७	१४ जन.	२९।३५	
व्यती.	२६ जन.	२०।५५	२६ जन.	२७।२७	
वैधृति	९ फर.	८।०७	९ फर.	१४।०६	
व्यती.	२१ फर.	१२।३९	२१ फर.	१७।०६	
वैधृति	६ मार्च	१३।३७	६ मार्च	१८।४४	
व्यती.	१९ मार्च	८।१२	१९ मार्च	१२।०६	
वैधृति	३१ मार्च	१७।३६	३१ मार्च	२२।४१	

CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

संवत् २०६७ शाकः १९३२ की मास दशा देखने की सारणी

मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्र.बै.कृ. ३० से	द्वि.बै.कृ. ३० से	प्र.बै.कृ. ०७ से	चै.शु. ०९ से	प्र.बै.शु. १० से	चै.शु. १२ से	चै.शु. ०७ से	प्र.बै.शु. ०७ से	चै.शु. १० से	चै.शु. ११ से	प्र.बै.शु. १० से	प्र.बै.कृ. ०५ से
शु द. उ. सू	शु द. उ. सू	रा द. उ. शु	गु द. उ. रा	गु द. उ. रा	श द. उ. गु	बु द. उ. श	बु द. उ. श	मं द. उ. बु	चं द. उ. मं	चं द. उ. मं	सू द. उ. चं
द. दि. २० प्र.	द. दि. २० प्र.	द. दि. ७० प्र.	द. दि. ४२ प्र.	द. दि. ४२ प्र.	द. दि. ५८ प्र.	द. दि. ३६ प्र.	द. दि. ३६ प्र.	द. दि. ५६ प्र.	द. दि. २८ प्र.	द. दि. २८ प्र.	द. दि. ५० प्र.
द्वि.बै.कृ. ०६ से	ज्ये.कृ. ०६ से	ज्ये.शु. ०३ से	द्वि.बै.कृ. ०८ से	ज्ये.कृ. ०९ से	द्वि.बै.शु. १२ से	प्र.बै.शु. १४ से	द्वि.बै.शु. १५ से	द्वि.बै.शु. ०८ से	प्र.बै.शु. ०९ से	द्वि.बै.शु. ०९ से	द्वि.बै.शु. ११ से
सू द. उ. चं	सू द. उ. चं	शु द. उ. सू	रा द. उ. शु	रा द. उ. शु	गु द. उ. रा	श द. उ. गु	श द. उ. गु	बु द. उ. श	मं द. उ. बु	मं द. उ. बु	चं द. उ. मं
द. दि. ५० प्र.	द. दि. ५० प्र.	द. दि. २० प्र.	द. दि. ७० प्र.	द. दि. ७० प्र.	द. दि. ४२ प्र.	द. दि. ५८ प्र.	द. दि. ५८ प्र.	द. दि. ३६ प्र.	द. दि. ५६ प्र.	द. दि. ५६ प्र.	द. दि. २८ प्र.
ज्ये.शु. १३ से	आ.शु. १४ से	आ.कृ. ०८ से	आ.शु. ०५ से	श्रा.शु. ०७ से	आ.कृ. १० से	ज्ये.शु. १४ से	आ.शु. १५ से	ज्ये.शु. १५ से	ज्ये.शु. ०८ से	आ.शु. ०८ से	ज्ये.शु. १० से
चं द. उ. मं	चं द. उ. मं	सू द. उ. चं	शु द. उ. सू	शु द. उ. सू	रा द. उ. शु	गु द. उ. रा	गु द. उ. रा	श द. उ. गु	बु द. उ. श	बु द. उ. श	मं द. उ. बु
द. दि. २८ प्र.	द. दि. २८ प्र.	द. दि. ५० प्र.	द. दि. २० प्र.	द. दि. २० प्र.	द. दि. ७० प्र.	द. दि. ४२ प्र.	द. दि. ४२ प्र.	द. दि. ५८ प्र.	द. दि. ३६ प्र.	द. दि. ३६ प्र.	द. दि. ५६ प्र.
आ.शु. १२ से	श्रा.शु. १२ से	भा.कृ. ०१ से	श्रा.कृ. १० से	भा.कृ. १२ से	भा.शु. ०९ से	श्रा.कृ. १२ से	भा.कृ. १३ से	श्रा.शु. १५ से	आ.शु. १५ से	श्रा.शु. १४ से	श्रा.शु. ०८ से
मं द. उ. बु	मं द. उ. बु	चं द. उ. मं	सू द. उ. चं	सू द. उ. चं	शु द. उ. सू	रा द. उ. शु	रा द. उ. शु	गु द. उ. रा	श द. उ. गु	श द. उ. गु	बु द. उ. श
द. दि. ५६ प्र.	द. दि. ५६ प्र.	द. दि. २८ प्र.	द. दि. ५० प्र.	द. दि. ५० प्र.	द. दि. २० प्र.	द. दि. ७० प्र.	द. दि. ७० प्र.	द. दि. ४२ प्र.	द. दि. ५८ प्र.	द. दि. ५८ प्र.	द. दि. ३६ प्र.
भा.शु. १० से	आ.शु. १० से	भा.शु. १४ से	आ.कृ. ०२ से	का.कृ. ०३ से	आ.कृ. १३ से	आ.शु. १० से	का.शु. १० से	आ.कृ. १३ से	भा.शु. १४ से	आ.शु. १४ से	भा.शु. १४ से
बु द. उ. श	बु द. उ. श	मं द. उ. बु	चं द. उ. मं	चं द. उ. मं	सू द. उ. चं	शु द. उ. सू	शु द. उ. सू	रा द. उ. शु	गु द. उ. रा	गु द. उ. रा	श द. उ. गु
द. दि. ३६ प्र.	द. दि. ३६ प्र.	द. दि. ५६ प्र.	द. दि. २८ प्र.	द. दि. २८ प्र.	द. दि. ५० प्र.	द. दि. २० प्र.	द. दि. २० प्र.	द. दि. ७० प्र.	द. दि. ४२ प्र.	द. दि. ४२ प्र.	द. दि. ५८ प्र.
आ.शु. १५ से	मा.कृ. ०१ से	का.शु. १२ से	आ.शु. १५ से	मा.कृ. ०२ से	मा.कृ. ०५ से	का.कृ. ३० से	मा.शु. ०१ से	मा.शु. १० से	का.कृ. १३ से	मा.कृ. १३ से	का.शु. १४ से
श द. उ. गु	श द. उ. गु	बु द. उ. श	मं द. उ. बु	मं द. उ. बु	चं द. उ. मं	सू द. उ. चं	सू द. उ. चं	शु द. उ. सू	रा द. उ. शु	रा द. उ. शु	गु द. उ. रा
द. दि. ५८ प्र.	द. दि. ५८ प्र.	द. दि. ३६ प्र.	द. दि. ५६ प्र.	द. दि. ५६ प्र.	द. दि. २८ प्र.	द. दि. ५० प्र.	द. दि. ५० प्र.	द. दि. २० प्र.	द. दि. ७० प्र.	द. दि. ७० प्र.	द. दि. ४२ प्र.
मा.शु. १५ से	मा.कृ. ०१ से	पौ.कृ. ०३ से	मा.शु. १३ से	पौ.शु. १५ से	पौ.कृ. ०३ से	पौ.कृ. ०७ से	मा.कृ. ०८ से	पौ.शु. ०१ से	पौ.शु. ०९ से	मा.शु. ०९ से	पौ.कृ. १३ से
गु द. उ. रा	गु द. उ. रा	श द. उ. गु	बु द. उ. श	बु द. उ. श	मं द. उ. बु	चं द. उ. मं	चं द. उ. मं	सू द. उ. चं	शु द. उ. सू	शु द. उ. सू	रा द. उ. शु
द. दि. ४२ प्र.	द. दि. ४२ प्र.	द. दि. ५८ प्र.	द. दि. ३६ प्र.	द. दि. ३६ प्र.	द. दि. ५६ प्र.	द. दि. २८ प्र.	द. दि. २८ प्र.	द. दि. ५० प्र.	द. दि. २० प्र.	द. दि. २० प्र.	द. दि. ७० प्र.
मा.कृ. ३० से	फा.कृ. ३० से	फा.कृ. ०४ से	मा.कृ. ०५ से	फा.कृ. ०७ से	फा.कृ. ०१ से	मा.कृ. ०५ से	फा.कृ. ०६ से	फा.कृ. ०८ से	मा.कृ. ३० से	फा.कृ. ३० से	फा.शु. ०९ से
रा द. उ. शु	रा द. उ. शु	गु द. उ. रा	श द. उ. गु	श द. उ. गु	बु द. उ. श	मं द. उ. बु	मं द. उ. बु	चं द. उ. मं	सू द. उ. चं	सू द. उ. चं	शु द. उ. सू
द. दि. ७० प्र.	द. दि. ७० प्र.	द. दि. ४२ प्र.	द. दि. ५८ प्र.	द. दि. ५८ प्र.	द. दि. ३६ प्र.	द. दि. ५६ प्र.	द. दि. ५६ प्र.	द. दि. २८ प्र.	द. दि. ५० प्र.	द. दि. ५० प्र.	द. दि. २० प्र.

संवत् २०६७, आश्विन कृष्णपक्ष में श्राद्धतिथि निर्णय, सन २०१०

पूर्णिमा (पूनम)	का श्राद्ध	गुरुवार २३ सितंबर मध्यान्ह २।४५ बजे के पहले (भाद्रपदशुक्लपक्ष)
प्रतिपदा (एकम)	"	शुक्रवार २४ सितंबर
द्वितीया (दूज)	"	शनिवार २५ सितंबर
तृतीया (तीज)	"	रविवार २६ सितंबर
चतुर्थी (चोथ)	"	सोमवार २७ सितंबर
पंचमी (पांच)	"	मंगलवार २८ सितंबर
षष्ठी (छठ)	"	बुधवार २९ सितंबर
सप्तमी (सातं)	का श्राद्ध	गुरुवार ३० सितंबर
अष्ठमी (आठं)	"	शुक्रवार १ अक्टूबर
नवमी (नौमी)	"	शनिवार २ अक्टूबर
दशमी (दस)	"	रविवार ३ अक्टूबर
एकादशी	"	सोमवार ४ अक्टूबर मध्यान्ह २।१३ बजे के पहले
द्वादशी (बारस)	"	मंगलवार ५ अक्टूबर दिन ११।०० बजे के पहले
त्रयोदशी (तेरस)	"	मंगलवार ५ अक्टूबर दिन ११।०० बजे के बाद
चतुर्दशी (चौदस)	"	बुधवार ६ अक्टूबर प्रातः ७।३० बजे के बाद
अमावस्या (मावस)	"	गुरुवार ७ अक्टूबर

CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

१६ मार्च से ३० मार्च तक, श्री चैत्र शुक्लपक्ष संवत् २०६७, शाकः १९३२, दि.मा.सू. सू. तारीख स्टै. प्रातः दैनिक केतकी अहर्गणः ६५५४ वसंतर्तू रविरुत्तरे, मार्च २०१०

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
नवरा.	१	मं	५३	३३	२८	०८	पूभा	०	०३	६	४४	शु	९	००	१०	१९	किं	२१	३९	१५	२२	२९/४१	६/४३	६/३५	२५	२९	१६	मीने	११।०१।१५।५९	९९।४८
सिंधारा	२	बु	५६	४१	२९	२२	उभा	५	२०	८	५०	शु	९	१८	१०	२५	बा	२५	१६	१६	४८	४५	४२	३६	२६	३०	१७	मीने	११।०२।१५।४६	५९।४६
गणगोर	३	गु	५८	५०	३०	१२	रेव	९	४०	१०	३३	ब्र	८	५२	१०	१३	तै	२७	५५	१७	५१	५०	४१	३६	२७	१	९८	मेषे	१०।३३	११।०३।१५।३२	५९।४३
वज्र	४	शु	५९	५६	३०	३८	अश्वि	१३	०३	११	५३	ऐ	७	३९	९	४३	व	२९	३३	१८	२९	५४	३९	३७	२८	२	१९	मेषे	११।०४।१५।१५	५९।४९
ध्याङ्क्ष	५	श	५९	५७	३०	३७	भर	१५	२५	१२	४८	वै	५	३९	८	५४	ब	३०	०६	१८	४१	५८	३८	३७	२९	३	२०	वृषे	१८।५८	११।०५।१४।५६	५९।३९
धूम्र	६	र	५८	४९	३०	०९	कृति	१६	४२	१३	१८	वि	२/५९	४७/०९	७/३०	४४/१३	कौ	२९	३२	१८	२६	३०/३२	३७	३८	३०	४	२१	वृषे		११।०६।१४।३५	५९।३७
प्रवर्धमा	७	सो	५६	३०	२९	१२	रोहि	१६	५३	१३	२१	आ	५४	२०	२८	२०	ग	२७	५०	१७	४४	०६	३६	३९	१	५	२२	मिथु. २५।१२	११।०७।१४।१२	५९।३४
राक्षस	८	मं	५२	५९	२७	४७	मृग	१५	५४	१२	५६	सौ	४८	४३	२६	०४	वि	२४	५५	१६	३३	१०	३५	३९	२	६	२३	मिथु.	११।०८।१३।४६	५९।३२
रामनव.	९	बु	४८	१७	२५	५३	आर्द्रा	१३	४३	१२	०३	शो	४२	०८	२३	२५	बा	२०	४८	१४	५३	१५	३४	४०	३	७	२४	कर्के २९।०४	११।०९।१३।१८	५९।३०
सिद्धि	१०	गु	४२	२५	२३	३०	पुन	१०	२१	१०	४१	अ	३४	३६	२०	२३	तै	१५	३१	१२	४५	१९	३३	४०	४	८	२५	कर्के	११।१०।१२।४८	५९।२७
ए.व्र.	११	शु	३५	३४	२०	४५	पुष्य	५	५५	८	५४	सु	२६	१५	१७	०२	व	९	०७	१०	१०	२३	३२	४१	५	९	२६	कर्के	११।११।१२।१५	५९।२५
प्र.व्र.	१२	श	२७	५५	१७	४०	श्ले	०/५४	३४/३३	६/२८	४४/२०	धृ	१७	१३	१३	२४	ब	१	५०	७	१५	२७	३०	४१	६	१०	२७	सिंहे ६।४४	११।१२।११।४१	५९।२३
छत्र	१३	र	१९	५०	१४	२५	पूफा	४८	१७	२५	४८	शू	७/५८	४५/०७	९/२९	३५/४४	तै	१९	५०	१४	२५	३१	२९	४२	७	११	२८	सिंहे	११।१३।११।०४	५९।२१
श्रीवत्स	१४	सो	११	३९	११	०८	उफा	४२	१०	२३	२०	वृ	४८	४१	२५	५७	व	११	३९	११	०८	३५	२८	४२	८	१२	२९	कन्या ७।१०	११।१४।१०।२४	५९।१८
पूर्णिमा	१५	मं	३	४७	७	५८	हस्त	३६	३९	२१	०६	ध्रु	३९	४८	२२	२२	ब	३	४७	७	५८	३९	२७	४३	९	१३	३०	कन्या	११।१५।०९।४२	५९।१६

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।
नवरात्रारम्भः,घटस्था., ध्वजारो., आरोग्य १, विद्या १, कल्पादि, D
चंद्रदर्शनम् (मु.३०), श्रृंगार (सिंधारा) देशाचारे, उभा. रविः ३०।०७
गणगौरी पूजा, पंचकसमाप्तिः १०।३३,मत्स्योत्पत्तिः,अरुन्धती व्र. A
भ.१८।२९ उ. ३०।३८ या. [A पूजनञ्च, मनोरथ तृतीया व्र., B
कल्पादि,डोलोत्सवः, गुरोरुदयः पूर्वस्याम् २९।१९, H
स्कन्द षष्ठीव्र. [B मन्वादि, सौभाग्यशयन व्र., शिव C
भ. २९।१२ उ., भा. चैत्रारंभः, रेव. बुधः २९।११, पूषा.-३ राहुः E
भ. १६।३३ या., भवान्युत्पत्तिः,अशोककलिका प्राशनं
श्रीरामनवमी [E २६।३९,पुन.-१ केतुः २६।३९ [F रेव. शुक्रः ६।५३
बुधोदयः पश्चिमायाम् २१।१० [H सायनमेषे भानुः २२।४७
भ. १०।१० उ. २०।४५ या., कामदा ११ व्र., लक्ष्मीकान्त L
प्रदोषः, हरि दमनोत्सवः [L दोलोत्सवः, मेषे अश्वि. शुक्रः २५।१७
जैन महावीर जयंती, शिव पूजन विशेषः [D उमा. बुधः १२।५९. F
भ. ११।०८ उ. २१।३१ या., पूर्णिमा व्रतं, मेषे अश्वि. बुधः २७।०२
मन्वादि, श्री हनुमज्जयंती, पूर्णिमा पुण्यं, बैशाख स्नानारंभः
[C शक्तिपू., रविलाभ्यर ४, उमा.सौरः ८।२८,पूभा.-१ गुरुः ७।०४

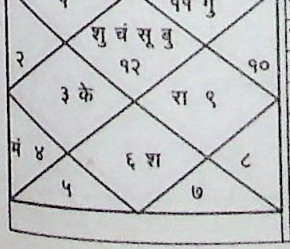
गुरोरुदयः पूर्वस्याम्

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

अयनांशाः २३।५९।१४

पं.४९ चै.शु. १ मं. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
११	३	११	१०	११	५	८	२
०१	०६	०२	१९	१६	०७	२३	२३
२२	३१	४९	३१	३९	५७	४१	४१
०१	०८	००	१०	२८	१६	४३	४३
५९	४	११८	१४	०४	४	३	३
४५	०६	३१	२०	२७	४१	११	११
पूभा	पु	पूभा	श	उभा	उफा	पूषा	पुन
४	१	४	४	४	४व	४	२

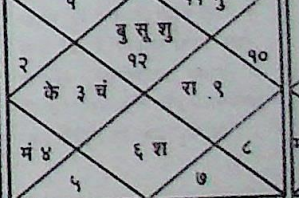


ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	मार्च	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	सायं	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः
११।०१।२३।१६	१ मं	१६	८।०५	९।४१	११।३७	१।५२	४।१२	६।२९	८।४५	११।०४	१।२२	३।२७	५।१०	६।३९
११।०२।२३।०४	२ बु	१७	८।०१	९।३७	११।३३	१।४८	४।०८	६।२५	८।४१	११।००	१।१८	३।२३	५।०६	६।३५
११।०३।२२।४९	३ गु	१८	७।५७	९।३३	११।२९	१।४४	४।०४	६।२१	८।३७	१०।५६	१।१४	३।१९	५।०२	६।३१
११।०४।२२।३२	४ शु	१९	७।५३	९।२९	११।२५	१।४०	४।००	६।१७	८।३३	१०।५२	१।११	३।१५	४।५९	६।२७
११।०५।२२।१३	५ श	२०	७।४९	९।२५	११।२१	१।३६	३।५६	६।१३	८।२९	१०।४८	१।०७	३।११	४।५५	६।२३
११।०६।२१।५२	६ र	२१	७।४५	९।२१	११।१७	१।३२	३।५२	६।०९	८।२५	१०।४४	१।०३	३।०७	४।५१	६।१९
११।०७।२१।३२	७ चं	२२	७।४१	९।१७	११।१४	१।२८	३।४८	६।०५	८।२१	१०।४०	९२।५९	३।०३	४।४७	६।१५
११।०८।२१।१२	८ मं	२३	७।३७	९।१३	११।१०	१।२४	३।४४	५।५७	८।१७	१०।३६	९२।५५	२।५९	४।४३	६।११
११।०९।२०।३४	९ बु	२४	७।३३	९।१०	११।०६	१।२०	३।४०	५।५३	८।१३	१०।३२	९२।५१	२।५५	४।३९	६।०७
११।१०।२०।०३	१० गु	२५	७।२९	९।०६	११।०२	१।१६	३।३७	५।४९	८।०९	१०।२८	९२।४७	२।५२	४।३५	६।०३
११।११।१९।३१	११ शु	२६	७।२६	९।०२	१०।५८	१।१२	३।३३	५।४९	८।०५	१०।२४	९२।४३	२।४८	४।३१	६।००
११।१२।१८।५५	१२ श	२७	७।२२	८।५८	१०।५४	१।०९	३।२९	५।४५	८।०१	१०।२०	९२।३९	२।४४	४।२७	५।५६
११।१३।१८।१८	१३ र	२८	७।१८	८।५४	१०।५०	१।०५	३।२५	५।४२	७।५७	१०।१६	९२।३५	२।४०	४।२३	५।५२
११।१४।१७।३८	१४ चं	२९	७।१४	८।५०	१०।४६	१।०१	३।२१	५।३८	७।५३	१०।१३	९२।३१	२।३६	४।१९	५।४८
११।१५।१६।५६	१५ मं	३०	७।१०	८।४६	१०।४२	१।५७	३।१७	५।३४	७।४९	१०।०९	९२।२७	२।३२	४।१५	५।४४

अयनांशाः २३।५९।१५

पं.५० चै.शु. ८ मं. इष्टघटी ०।००

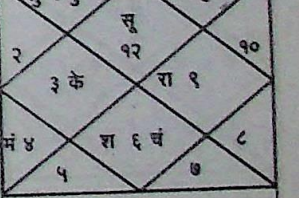
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
११	३	११	१०	११	५	८	२
०८	०७	१६	२१	२५	०७	२३	२३
१९	१३	४७	१०	१९	२४	१९	१९
१५	३१	०१	५२	३६	१८	२९	२९
५९	८	११९	९४	७४	४	३	३
३१	३४	५१	०९	१५	४४	११	११
उभा	पु	रे	पूभा	रे	उफा	पूषा	पुन
२	२	१	१	३	४व	३	१



अयनांशाः २३।५९।१६

पं.५१ चै.शु.१५ मं. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
११	३	०	१०	०	५	८	२
१५	०८	००	२२	०३	०६	२२	२२
१४	२५	१५	४९	५८	५१	५७	५७
५०	२८	३४	११	१३	२६	१५	१५
५९	१२	१०५	१३	७४	४	३	३
१७	२९	५४	५५	०१	३८	११	११
उभा	पु	अ	पूभा	अ	उफा	पूषा	पुन
४	२	१	१	२	४व	३	१



CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

॥ श्रीवल्लभ मनीराम पञ्चाङ्गम् ॥

३१ मार्च से १४ अप्रेल तक, श्री प्र.वैशाख कृष्णपक्ष संवत् २०६७, शाकः १९३२, हि.मासू. सू. तारीख स्टै. प्रातः दैनिक वसंतर्तू रविरुत्तरे चैत्रकृष्णेति गुर्जराः, मार्च-अप्रेल २०१०

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
क्षयः	१	मं	५६	४०	२९	०७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
काल	२	बु	५०	४७	२६	४५	चित्रा	३२	१०	१९	१८	व्या	३१	४७	१९	०९	तै	२३	३४	१५	५१	३० ४४ २६	६ ४३	१०	१४	३१	तुला.	८।०८	१११।१६।०८।५९	५९।१४
सुस्थिर	३	गु	४६	३०	२५	०१	स्वा	२९	०९	१८	०४	ह	२४	५८	१६	२४	व	१८	२६	१३	४७	४८	२५	४४	११	१५	१	तुला.	१११।१७।०८।१२	५९।११
च.व्र.	४	शु	४४	०८	२४	०३	विशा	२७	५६	१७	३४	व	१९	३६	१४	१४	ब	१५	०५	१२	२६	५२	२४	४४	१२	१६	२	वृश्चि.	१११।१८।०७।२४	५९।०९
अमृत	५	श	४३	५१	२३	५५	अनु	२८	४४	१७	५२	सि	१५	५१	१२	४३	को	१३	४५	११	५२	५६	२३	४५	१३	१७	३	वृश्चि.	१११।१९।०६।३३	५९।०७
काण	६	र	४५	४२	२४	३८	ज्ये	३१	३८	१९	००	व्य	१३	४९	११	५३	ग	१४	३२	१२	१०	३९ ००	२१	४५	१४	१८	४	धनु.	१९।०० १११।२०।०५।३९	५९।०५
लुम्बक	७	सो	४९	२९	२६	०८	मूल	३६	२७	२०	५५	व	१३	२१	११	४१	वि	१७	२४	१३	१८	०४	२०	४६	१५	१९	५	धनु.	१११।२१।०४।४४	५९।०२
मित्र	८	मं	५४	५१	२८	१६	पूषा	४२	५३	२३	२८	प	१४	१६	१२	०२	बा	२२	०२	१५	०८	०८	१९	४६	१६	२०	६	मक.	३०।११	१११।२२।०३।४६	५९।००
वज्र	९	बु	...	...	...	...	उषा	५०	२१	२६	२७	शि	१६	१४	१२	४८	तै	२७	५८	१७	२९	१२	१८	४७	१७	२१	७	मक.		१११।२३।०२।४६	५८।५८
ध्वजा	९	गु	१	१४	६	४७	श्रव	५८	१५	२९	३५	सि	१८	४७	१३	४८	ग	१	१४	६	४७	१६	१७	४७	१८	२२	८	मक.		१११।२४।०१।४४	५८।५५
धाता	१०	शु	७	५५	९	२६	धनि	...	...	...	...	सा	२१	२७	१४	५१	वि	७	५५	९	२६	२०	१६	४८	१९	२३	९	कुंभे	१९।०८	१११।२५।००।३९	५८।५३
ए.व्र.	११	श	१४	१६	११	५७	धनि	५	५९	८	३८	शु	२३	४९	१५	४६	बा	१४	१६	११	५७	२४	१५	४९	२०	२४	१०	कुंभे		१११।२५।५९।३२	५८।५१
प्र.व्र.	१२	र	१९	५०	१४	१०	शत	१२	५७	११	२५	शु	२५	३२	१६	२७	तै	१९	५०	१४	१०	२८	१४	४९	२१	२५	११	कुंभे		१११।२६।५८।२३	५८।४८
मुसल	१३	सो	२४	१९	१५	५६	पूभा	१८	५५	१३	४७	ब्र	२६	२४	१६	४६	व	२४	१९	१५	५६	३२	१३	५०	२२	२६	१२	मीने	७।१४	१११।२७।५७।११	५८।४६
सिद्धि	१४	मं	२७	३३	१७	१३	उभा	२३	४२	१५	४१	ऐ	२६	२२	१६	४४	श	२७	३३	१७	१३	३६	१२	५०	२३	२७	१३	मीने		१११।२८।५५।५७	५८।४४
अमाव.	३०	बु	२९	३५	१८	०९	रेव	२७	१९	१७	०६	वै	२५	२२	१६	१९	ना	२९	३५	१८	०१	४०	११	५१	२४	२८	१४	मेषे	१७।०६	१११।२९।५४।४१	५८।४२

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।

रेव. रविः १६।५६ (सौरः १९।००)

भ. १३।४७ उ. २५।०१ या., अप्रेल ४ ता. ३०, पूभा.-२ गुरुः B

अनुसूया जयंती, चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः २२।२८

[B ११।४२, (व) उफा.-३ शनिः १७।४९

भ. २४।३८ उ.

भ. १३।१८ या., बूढो बास्योड़ो

भर. शुक्रः २०।५२

भर. बुधः २९।४७

भ. २०।०६ उ.

भ. ९।२६ या., पंचक प्रारम्भः १९।०८

भ. १५।५६ उ. २८।३८ या., मासिकशिवरात्री व्र.

[A मेषे अश्वि. रविः ६।१६ (सौरः ८।२१)

पंचक समाप्तिः १७।०६, देवपितृकार्येऽमा., अधिक मासारंभः, A

अयनांशाः २३।५९।१७

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

पं.५२ प्र.वै.कृ. ८ मं. इष्टघटी ०।०८

सू.	म.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
११	३	०	१०	०	५	८	२
२२	१०	११	२४	१२	०६	२२	२२
०८	०३	०३	२५	३५	१९	३५	३५
४५	०८	२५	३९	१५	३३	००	००
५९	१५	७१	१३	७३	४	३	३
०२	५१	५७	३७	४७	२६	११	११
रे	पु	अ	पूभा	अ	उफा	पूषा	पुन
२	३	४	२	४	३व	३	१



ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	मार्च	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	सायं	रात्री	रात्री	रात्री	रात्री	रात्री	प्रातः
११।१६।१६।१२	२ बु	३१	७।०६	८।४२	१०।३८	१२।५३	३।१३	५।३०	७।४६	१०।०५	१२।२३	२।२८	४।११	५।४०
११।१७।१५।२६	३ गु	१	७।०२	८।३८	१०।३४	१२।४९	३।०९	५।२६	७।४२	१०।०१	१२।१९	२।२४	४।०७	५।३६
११।१८।१४।३७	४ शु	२	६।५८	८।३४	१०।३०	१२।४५	३।०५	५।२२	७।३८	९।५७	१२।१५	२।२०	४।०३	५।३२
११।१९।१३।४६	५ श	३	६।५४	८।३०	१०।२६	१२।४१	३।०१	५।१८	७।३४	९।५३	१२।११	२।१६	३।५९	५।२८
११।२०।१२।५२	६ र	४	६।५०	८।२६	१०।२२	१२।३७	२।५७	५।१४	७।३०	९।४९	१२।०८	२।१२	३।५६	५।२४
११।२१।११।५६	७ चं	५	६।४६	८।२२	१०।१८	१२।३३	२।५३	५।१०	७।२६	९।४५	१२।०४	२।०८	३।५२	५।२०
११।२२।१०।५८	८ मं	६	६।४२	८।१८	१०।१४	१२।२९	२।४९	५।०६	७।२२	९।४१	१२।००	२।०४	३।४८	५।१६
११।२३।०९।५८	९ बु	७	६।३८	८।१४	१०।११	१२।२५	२।४५	५।०२	७।१८	९।३७	११।५६	२।००	३।४४	५।१२
११।२४।०८।५५	१० गु	८	६।३४	८।१०	१०।०७	१२।२१	२।४१	४।५८	७।१४	९।३३	११।५२	१।५६	३।४०	५।०८
११।२५।०७।५०	११ शु	९	६।३०	८।०७	१०।०३	१२।१७	२।३७	४।५४	७।१०	९।२९	११।४८	१।५२	३।३६	५।०४
११।२६।०६।४३	१२ श	१०	६।२६	८।०३	९।५९	१२।१३	२।३३	४।५०	७।०६	९।२५	११।४४	१।४९	३।३२	५।००
११।२७।०५।३३	१३ र	११	६।२३	७।५९	९।५५	१२।०९	२।३०	४।४६	७।०२	९।२१	११।४०	१।४५	३।२८	४।५७
११।२८।०४।२१	१४ चं	१२	६।१९	७।५५	९।५१	१२।०६	२।२६	४।४२	६।५८	९।१७	११।३६	१।४१	३।२४	४।५३
११।२९।०३।०७	१४ मं	१३	६।१५	७।५१	९।४७	१२।०२	२।२२	४।३९	६।५४	९।१३	११।३२	१।३७	३।२०	४।४९
००।००।०१।५१	३० बु	१४	६।११	७।४७	९।४३	११।५८	२।१८	४।३५	६।५०	९।१०	११।२८	१।३३	३।१६	४।४५

संक्रांति फलम्

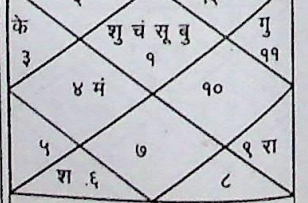
ता. १४ अप्रेल २०१०

प्र.वैशा. कृ. ३० बुधे मेषेऽर्कः प्र. (स्टै.) टा. ६।१६ वारात् ४ नक्षत्रात् ४ वारनाम मंदाकिनी नृपतीन् सुस्थदा नक्षत्रनाम मंदाकिनी नृपतीन् सुस्थदा पूर्वान्ह १ प्रहर व्यापिनी नृपतीन् हन्ति, पूर्वे गमनमाग्नेयां दृष्टिः नागकरणे प्राविष्टा नेष्टफलं वृषभथवाहनं व्याघ्रोपवाहनं रघैर्यकारक दिगम्बरवस्त्रं अस्त्रायुधं भूमीपात्रं आज्यंभक्षणं अगरुलेपनं शूद्रजातिः पाटलिकापुष्पं दर्पणभूषणं वल्कलकंचुकी सुतावस्था (सूती) मु. ३० धान्यभावे सम वत्स पश्चिमा. राहु दक्षिणे मूलं पाताले विवाहस्तंभो नैऋत्यां शुक्रोदयः पश्चिमायाम्। पुण्यकालः मंगलवार (स्टै.) २४।१६ से बुधवार १२।१६ तक। (दान- मेष)।

अयनांशाः २३।५९।१८

पं. १ प्र.वै.शु. १ गु. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
०	३	०	१०	०	५	८	२
००	१२	१८	२६	२३	०५	२२	२२
५८	४०	१२	२६	३७	४१	०६	०६
३०	४५	२४	१६	३७	२०	२५	२५
५८	१९	१६	१३	७३	४	३	३
४४	२९	२६	०८	२८	००	११	११
अ	पु	भ	पूभा	भ	उफा	पूषा	पुन
१	३	२	२	४	३व	३	१



CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

१५ अप्रेल से २८ अप्रेल तक, श्री प्र.वैशाख्य शुक्लपक्ष संवत् २०६७, शाकः १९३२, दि.मा.सू. सू. तारीख्य स्टै. प्रातः दैनिक केतकी अहर्गणः ६५८४ वसंतर्तू रविरुत्तरे, अप्रेल २०१०

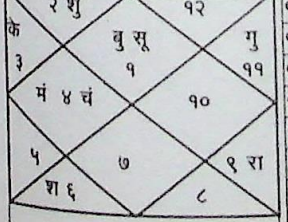
योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
मानस	१	गु	३०	२६	१८	२०	अश्वि	२९	४८	१८	०५	वि	२३	२९	१५	३३	किं	०	१०	६	१४	३१/४४	६/१०	६/५१	२५	२९	१५	मेषे	०।००।५३।२३	५८।३९
मुद्गर	२	शु	३०	१५	१८	१५	भर	३१	१६	१९	५१	प्री	२०	४६	१४	२७	बा	०	३०	६	२१	४८	०९	५२	२६	१	१६	वृषे	२४।४४	०।०१।५२।०२	५८।३७
ध्वजा	३	श	२९	०९	१७	४७	कृति	३१	५०	१८	५२	आ	१७	१९	१३	०३	ग	२९	०९	१७	४७	५२	०८	५२	२७	२	१७	वृषे		०।०२।५०।३९	५८।३५
धाता	४	र	२७	१३	१७	००	रोहि	३१	३५	१८	४५	सौ	१३	१२	११	२४	वि	२७	१३	१७	००	५६	०७	५३	२८	३	१८	वृषे		०।०३।४९।१४	५८।३३
आनन्द	५	सो	२४	३०	१५	५४	मृग	३०	३५	१८	२०	शो	८	२८	९	२९	बा	२४	३०	१५	५४	५९	०६	५३	२९	४	१९	मिथु.	६।३४	०।०४।४७।४७	५८।३०
चर	६	मं	२१	०५	१४	३१	आर्द्रा	२८	५२	१७	३८	अ	५७/५२	३/०८	८/२८	२०/५७	तै	२१	०५	१४	३१	३३/०३	०५	५४	३०	५	२०	मिथु.		०।०५।४६।१७	५८।२८
गद	७	बु	१६	५५	१२	५०	पुन	२६	२७	१६	३९	धृ	५०	४४	२६	२१	व	१६	५५	१२	५०	०७	०४	५४	१	६	२१	कर्के	१०।५५	०।०६।४४।४५	५८।२६
शुभ	८	गु	१२	०४	१०	५२	पुष्य	२३	२१	१५	२३	शू	४३	४२	२३	३२	ब	१२	०४	१०	५२	११	०३	५५	२	७	२२	कर्के		०।०७।४३।१२	५८।२४
मृत्यु	९	शु	६	३३	८	३९	श्ले	१९	३७	१३	५२	गं	३६	१२	२०	३०	कौ	६	३३	८	३९	१४	०२	५६	३	८	२३	सिंहे	१३।५२	०।०८।४१।३५	५८।२२
ए.व्र.	१०	श	०	२९	६	१३	मघा	१५	२१	१२	०९	वृ	२८	१८	१७	२०	ग	०	२९	६	१३	१८	०१	५६	४	९	२४	सिंहे		०।०९।३९।५७	५८।२०
क्षयः	११	श	५४	००	२७	३७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
ए.व्र.	१२	र	४७	२३	२४	५७	पूफा	१०	४५	१०	१८	ध्रु	२०	१०	१४	०४	ब	२०	४३	१४	१७	२२	००	५७	५	१०	२५	कन्या	१५।५०	०।१०।३८।१७	५८।१७
प्र.व्र.	१३	सो	४०	५४	२२	२१	उफा	६	०५	८	२५	व्या	१२	०२	१०	४८	कौ	१४	०७	११	३८	२६	५/५३	५७	६	११	२६	कन्या		०।११।३६।३४	५८।१५
सौम्य	१४	मं	३४	५४	१९	५६	हस्त	५७	५०	३३	०६	ह	५६	४२	२८	३३	ग	७	५१	९	०६	२९	५८	५८	७	१२	२७	तुला.	१७।५०	०।१२।३४।४२	५८।१३
पूर्णिमा	१५	बु	२९	४३	१७	५१	स्वा	५५	०१	२७	५८	सि	५०	०८	२६	००	वि	२	१२	६	५०	३३	५७	५८	८	१३	२८	तुला.		०।१३।३३।०३	५८।११

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।
चंद्रदर्शनम् (मु.१५)
जमादिलावल ५, पूभा.-३ गुरुः ७।१४
भ. २९।२६ उ., कृत्ति. शुक्रः १७।४६
भ. १७।०० या., वक्री बुधः २१।३८
सायन वृषे भानुः ९।४६, वृषे शुक्रः ११।१२
भ. १२।५० उ. २३।५३ या., भा. वैशाख्यारंभः, बुधास्तः A
[A पश्चिमायाम् १९।१३
भ. १६।५६ उ. २७।३७ या., कमला ११ व्र.स्मार्त
[B अगस्त्यास्तः २३।५७
कमला ११ व्र.वैष्ण.
प्रदोषः, श्लेषा. भौमः १२।३५
भ. १९।५६ उ., भर. रविः २२।०७ (सौरः २४।३५), B
भ. ६।५० या., पूर्णिमा व्रतंपुण्यञ्च, रोहि. शुक्रः १६।०४

अयनांशाः २३।५९।१९

पं. २ प्र.वै.शु. ८ गु. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा	के.
०	३	०	१०	१	५	८	२
०७	१५	१८	२७	०२	०५	२१	२१
४८	०४	००	५६	१०	१४	४४	४४
४२	२५	१६	५३	४९	४२	१०	१०
५८	२१	२३	१२	०३	३	३	३
३१	५२	४३	४२	१३	३२	११	११
अ	पु	भ	पूभा	कृ	उभा	पूभा	पुन
३	४	२व	३	२	३व	३	१



॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	अप्रे.	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	सायं	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ
००।०१।००।३२	१ गु	१५	६।०७	७।४३	९।३९	११।५४	२।१४	४।३१	६।४६	९।०६	११।२४	१।२९	३।१२	४।४१
००।०१।५९।११	२ शु	१६	६।०३	७।३९	९।३५	११।५०	२।१०	४।२७	६।४३	९।०२	११।२०	१।२५	३।०८	४।३७
००।०२।५७।४८	३ श	१७	५।५९	७।३५	९।३१	११।४६	२।०६	४।२३	६।३९	८।५८	११।१६	१।२१	३।०४	४।३३
००।०३।५६।२३	४ र	१८	५।५५	७।३१	९।२७	११।४२	२।०२	४।१९	६।३५	८।५४	११।१२	१।१७	३।००	४।२९
००।०४।५४।५५	५ चं	१९	५।५१	७।२७	९।२३	११।३८	१।५८	४।१५	६।३१	८।५०	११।०८	१।१३	२।५६	४।२५
००।०५।५३।२५	६ मं	२०	५।४७	७।२३	९।१९	११।३४	१।५४	४।११	६।२७	८।४६	११।०४	१।०९	२।५२	४।२१
००।०६।५१।५३	७ बु	२१	५।४३	७।१९	९।१५	११।३०	१।५०	४।०७	६।२३	८।४२	११।०१	१।०५	२।४९	४।१७
००।०७।५०।१९	८ गु	२२	५।३९	७।१५	९।११	११।२६	१।४६	४।०३	६।१९	८।३८	१०।५७	१।०१	२।४५	४।१३
००।०८।४८।४३	९ शु	२३	५।३५	७।११	९।०७	११।२२	१।४२	३।५९	६।१५	८।३४	१०।५३	९२।५७	२।४१	४।०९
००।०९।४७।०४	१० श	२४	५।३१	७।०७	९।०४	११।१८	१।३८	३।५५	६।११	८।३०	१०।४९	९२।५३	२।३७	४।०५
००।१०।४५।२३	११ र	२५	५।२७	७।०३	९।००	११।१४	१।३४	३।५१	६।०७	८।२६	१०।४५	९२।४९	२।३३	४।०१
००।११।४३।४०	१२ चं	२६	५।२३	७।००	८।५६	११।१०	१।३०	३।४७	६।०३	८।२२	१०।४१	९२।४५	२।२९	३।५७
००।१२।४१।५५	१३ मं	२७	५।१९	६।५६	८।५२	११।०६	१।२७	३।४३	५।५९	८।१८	१०।३७	९२।४२	२।२५	३।५३
००।१३।४०।०८	१४ बु	२८	५।१६	६।५२	८।४८	११।०२	१।२३	३।३९	५।५५	८।१४	१०।३३	९२।३८	२।२१	३।५०

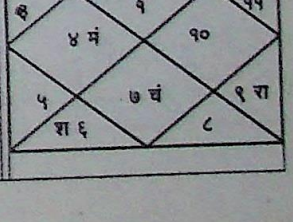
मास फलम्

दो वैशाख होने से कहीं - कहीं धान्य की उत्पत्ति उत्तम हो। इस माह में पांच बुधवार होने से रसवाली वस्तुओं का अभाव हो यथा- बुधेरसक्षयोभूम्याम्॥ मास के प्रथम दिन में बुधवार होने से अन्न की महँगाई हो। अमावस को रेवती होने से सुभिक्ष हो। शुक्ला ३ को कृतिका होने से मध्यम वर्ष जानना, शुक्ला पंचमी को सोमवार होने से अतिवृष्टि हो। पूर्णिमा स्वाति युक्त होने से दुर्भिक्ष हो। बुधवार की सक्रांति होने से रस कस घृत महँगे हों, वस्त्रादि और रुई भाव मंदे हों, प्रजा में भय हो, चतुर्मास में वर्षा कम हो।

अयनांशाः २३।५९।२०

पं. ३ द्वि.वै.कृ. १ गु.इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
०	३	०	१०	१	५	८	२
१४	१७	१४	२९	१०	०४	२१	२१
३७	४३	०५	२४	४२	५१	२१	२१
२२	३९	४७	१०	१२	२९	५५	५५
५८	२३	४०	१२	७२	३	३	३
१८	५४	०२	११	५७	००	११	११
भ	श्ले	भ	पूभा	रो	उभा	पूभा	पुन
१	१	१व	३	१	३व	३	१



CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

२९ अप्रेल से १४ मई तक, श्री द्वि.वैशाख कृष्णपक्ष संवत् २०६७, शाकः १९३२, द्वि.मासू. सू. तारीख स्टै. प्रातः दैनिक ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे प्र.वैशाखकृष्णेति गुर्जराः, अप्रेल-मई २०१०

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
प्रवर्धमा	९	गु	२५	४४	१६	१४	विशा	५३	३१	२७	२१	व्य	४४	३७	२३	४७	कौ	२५	४४	१६	१४	३२/३६	५/५६	६/५३	९	१४	२९	वृश्चि. २९।२७	०।२४।३१।१४	५८।०९
राक्षस	२	शु	२३	१४	१५	१३	अनु	५३	३७	२७	२२	व	४०	२१	२२	०४	ग	२३	१४	१५	१३	४०	५६	७/००	१०	१५	३०	वृश्चि.	०।१५।२९।२३	५८।०७
च.ब्र.	३	श	२२	२७	१४	५४	ज्ये	५५	२८	२८	०६	प	३७	२९	२०	५४	वि	२२	२७	१४	५४	४३	५५	००	११	१६	१	धनु. २८।०६	०।१६।२७।३०	५८।०५
सिद्धि	४	र	२३	२९	१५	१८	मूल	५९	०७	२९	३३	शि	३६	०५	२०	२०	बा	२३	२९	१५	१८	४७	५४	०१	१२	१७	२	धनु.	०।१७।२५।३५	५८।०३
उत्पात	५	सो	२६	२९	१६	२६	पूषा	...	...	...	...	सि	३६	०५	२०	१९	तै	२६	२९	१६	२६	५०	५३	०१	१३	१८	३	धनु.	०।१८।२३।३८	५८।०१
मित्र	६	मं	३०	५१	१८	१३	पूषा	४	२८	७	४०	सा	३७	१७	२०	४७	व	३०	५१	१८	१३	५४	५२	०२	१४	१९	४	मक. १४।१७	०।१९।२१।३८	५७।५९
मुद्गर	७	बु	३६	३३	२०	२९	उषा	११	०९	१०	१९	शु	३९	२२	२१	३६	वि	३	३५	७	१८	५७	५२	०२	१५	२०	५	मक.	०।२०।१९।३७	५७।५७
ध्वजा	८	गु	४२	५२	२३	००	श्रव	१८	३९	१३	१९	शु	४१	५६	२२	३७	बा	९	४१	९	४३	३३/००/	५१	०३	१६	२१	६	कुंभे २६।५१	०।२१।१७।३४	५७।५५
धाता	९	शु	४९	०९	२५	३०	धनि	२६	२२	१६	२३	ब्र	४४	२७	२३	३७	तै	१६	०५	१२	१६	०४	५०	०४	१७	२२	७	कुंभे	०।२२।१५।२९	५७।५३
आनन्द	१०	श	५४	४५	२७	४३	शत	३३	३७	१९	१६	ऐ	४६	३०	२४	२५	व	२२	०५	१४	३९	०७	४९	०४	१८	२३	८	कुंभे	०।२३।१३।२३	५७।५१
ए.ब्र.	११	र	५९	१०	२९	२९	पूषा	३९	५२	२९	४६	वै	४७	४०	२४	५३	ब	२७	०७	१६	४०	१०	४९	०५	१९	२४	९	मीने १५।११	०।२४।११।१४	५७।४९
गद	१२	सो	...	...	...	...	उभा	४४	४७	२३	४३	वि	४७	४६	२४	५४	कौ	३०	५०	१८	०८	१३	४८	०५	२०	२५	१०	मीने	०।२५।०९।०३	५७।४८
प्र.ब्र.	१२	मं	२	०७	६	३८	रेव	४८	११	२५	०४	प्री	४६	३९	२४	२७	तै	२	०७	६	३८	१६	४७	०६	२१	२६	११	मेषे २५।०४	०।२६।०६।५१	५७।४६
मृत्यु	१३	बु	३	३९	७	११	अश्वि	५०	०८	२५	५०	आ	४४	२१	२३	३१	व	३	३९	७	११	१९	४७	०६	२२	२७	१२	मेषे	०।२७।०४।३६	५७।४४
पद्म	१४	गु	३	२५	७	०८	भर	५०	४५	२६	०४	सौ	४०	५९	२२	१०	श	३	२५	७	०८	२२	४६	०७	२३	२८	१३	मेषे	०।२८।०२।२०	५७।४२
अमाव.	३०	शु	२	०१	६	३४	कृति	५०	१३	२५	५१	शो	३६	३९	२०	२५	ना	२	०१	६	३४	२५	४६	०८	२४	२९	१४	वृषे ८।०३	०।२९।००।०३	५७।४०

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है ।

भ. २६।५८ उ., (व) अश्वि. बुधः ९।२६

भ. १४।५४ या., मई ५ ता. ३१, चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः २२।०९, C

[C मीने पूभा.-४ गुरुः २९।०२

भ. १८।१३ उ.

भ. ७।१८ या.

पंचक प्रारम्भः २६।५१

टैगोर जयन्ती

भ. १४।३९ उ. २७।४३ या.

कमला ११ व्र., मृगे शुक्रः १५।५८

[A १९।३४), बुधोदयः पूर्वस्याम् १९।५१

पंचक समाप्तिः २५।०४, प्रदोषः, कृत्ति. रविः १६।१८ (सौरः A

भ. ७।११ उ. १९।१४ या., मासिकशिवरात्री व्र., मार्गी बुधः १८।२५

पितृकार्येऽस्मा. [B मिथुने शुक्रः २८।३५

देवकार्येऽस्मा., अधिक मास समाप्तिः, वृषे रविः २७।११, B

अयनांशाः २३।५९।२९

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

संक्रांति फलम्

अयनांशाः २३।५९।२२

पं. ४ द्वि.बै.कृ. ८ गु. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
०	३	०	११	१	५	८	२
२१	२०	१०	००	१९	०४	२०	२०
२४	३६	००	४७	११	३२	५९	५९
३५	१७	२५	४०	३९	१४	४१	४१
५८	२५	२३	११	७२	२	३	३
०५	४०	३५	३६	३९	२४	११	११
म	श्ले	अ	पूभा	रो	उभा	पूषा	पुन
३	२	४व	४	३	३व	३	१



ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	अप्र.	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	सायं	रात्री	रात्री	रात्री	रात्री	रात्री
००।१४।३८।१९	१ गु	२९	५।१२	६।४८	८।४४	१०।५९	१।१९	३।३५	५।५१	८।१०	१०।२९	१२।३४	२।१७	३।४६
००।१५।३६।२८	२ शु	३०	५।०८	६।४४	८।४०	१०।५५	१।१५	३।३२	५।४७	८।०६	१०।२५	१२।३०	२।१३	३।४२
००।१६।३४।३५	३ श	१	५।०४	६।४०	८।३६	१०।५१	१।११	३।२८	५।४३	८।०३	१०।२१	१२।२६	२।०९	३।३८
००।१७।३२।३९	४ र	२	५।००	६।३६	८।३२	१०।४७	१।०७	३।२४	५।३९	७।५९	१०।१७	१२।२२	२।०५	३।३४
००।१८।३०।४२	५ चं	३	४।५६	६।३२	८।२८	१०।४३	१।०३	३।२०	५।३६	७।५५	१०।१३	१२।१८	२।०१	३।३०
००।१९।२८।४२	६ मं	४	४।५२	६।२८	८।२४	१०।३९	१२।५९	३।१६	५।३२	७।५१	१०।०९	१२।१४	१।५७	३।२६
००।२०।२६।४९	७ बु	५	४।४८	६।२४	८।२०	१०।३५	१२।५५	३।१२	५।२८	७।४७	१०।०५	१२।१०	१।५३	३।२२
००।२१।२४।३८	८ गु	६	४।४४	६।२०	८।१६	१०।३१	१२।५१	३।०८	५।२४	७।४३	१०।०१	१२।०६	१।४९	३।१८
००।२२।२२।३३	९ शु	७	४।४०	६।१६	८।१२	१०।२७	१२।४७	३।०४	५।२०	७।३९	९।५७	१२।०२	१।४५	३।१४
००।२३।२०।२५	१० श	८	४।३६	६।१२	८।०८	१०।२३	१२।४३	३।००	५।१६	७।३५	९।५४	११।५८	१।४२	३।१०
००।२४।१८।१६	११ र	९	४।३२	६।०८	८।०४	१०।१९	१२।३९	२।५६	५।१२	७।३१	९।५०	११।५४	१।३८	३।०६
००।२५।१६।०६	१२ चं	१०	४।२८	६।०४	८।००	१०।१५	१२।३५	२।५२	५।०८	७।२७	९।४६	११।५०	१।३४	३।०२
००।२६।१३।५३	१२ मं	११	४।२४	६।००	७।५७	१०।११	१२।३१	२।४८	५।०४	७।२३	९।४२	११।४६	१।३०	२।५८
००।२७।११।३८	१३ बु	१२	४।२०	५।५६	७।५३	१०।०७	१२।२७	२।४४	५।००	७।१९	९।३८	११।४२	१।२६	२।५४
००।२८।०९।२२	१४ गु	१३	४।१६	५।५३	७।४९	१०।०३	१२।२३	२।४०	४।५६	७।१५	९।३४	११।३९	१।२२	२।५०

ता. १४ मई २०१०
द्वि.वैशा. कृ. ३० भृगौ वृषेऽर्कः प्र. (रटै.) टा. २७।११ वारात् ३ नक्षत्रात् ५ वारनाम मिश्रा पशून् सुस्थदा नक्षत्रनाम नंदा गणकान् सुस्थदा प्रभात रात्रि ४ प्रहर व्यापिनी गोरक्षकान् हन्ति, पश्चिमे गमनं वायव्यां दृष्टिः बवकरणे प्रविष्टा मध्यमफलं सिंहवाहनं गजोपवाहनं भीतिकारक श्वेतवस्त्रं भुशुण्ड्यायुधं स्वर्णपात्रं अन्नभक्षणं कस्तूरीलेप्यनं दैवतंजातिः पुन्नागपुष्पं पिरोजभूषणं विचित्रकंचुकी बालावस्था (बैठी) मु. ४५ धान्यभावे समर्घ वत्स उत्तरे राहु पश्चिमा. मूलं पातालें विवाहरत्तंभो ऽग्निकोणे शुक्रोदयः पश्चिमायाम् । पुण्यकालः (रटै.) २०।४७ से २७।११ तक । (दान- गौ) ।

पं. ५ द्वि.बै.कृ.१४ गु.इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
०	३	०	११	१	५	८	२
२८	२३	०८	०२	२७	०४	२०	२०
१०	४०	४३	०६	३८	१७	३७	३७
२८	३२	४४	५२	५८	२१	२६	२६
५७	२७	६	१०	७२	१	३	३
५४	११	३१	५६	१९	४५	११	११
कृ	श्ले	अ	पूभा	मृ	उभा	पूषा	पुन
१	३	३	४	२	३व	३	१



CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

१५ मई से २७ मई तक, श्री द्वि.वैशाख शुक्लपक्ष संवत् २०६७, शाकः १९३२, दि.मा.सू. सू. तारीख्य स्टै. प्रातः दैनिक केतकी अहर्गणः ६६१४ ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे, मई २०१०

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
क्षयः	१	शु	५९	२८	२९	३३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
श्रीवत्स	२	श	५६	०४	२८	१०	रोहि	४८	४६	२५	१६	अ	३१	३२	१८	२२	बा	२७	५२	१६	५४	३३/२८	५/४५	७/०८	२५	३०	१५	वृषे	०।२९।५७।४३	५७।३९
अक्षया	३	र	५१	५७	२६	३१	मृग	४६	३७	२४	२३	सु	२५	४८	१६	०४	तै	२४	०५	१५	२२	३१	४४	०९	२६	१	१६	मिथु.	१।०१।५२।५९	५७।३५
काल	४	सो	४७	१९	२४	३९	आर्द्रा	४३	५६	२३	१८	धृ	१९	३५	१३	३४	व	१९	४१	१३	३६	३३	४४	०९	२७	२	१७	मिथु.	१।०२।५०।३४	५७।३४
सुस्थिर	५	मं	४२	१९	२२	३९	पुन	४०	५२	२२	०४	शू	१३	००	१०	५५	व	१४	५१	११	४०	३६	४३	१०	२८	३	१८	कर्के १६।२३	१।०३।४८।०८	५७।३२
मातङ्ग	६	बु	३७	०२	२०	३२	पुष्य	३७	३२	२०	४४	गं	६/५९	९०/०८	८/२९	५५/३२	कौ	९	४२	९	३६	३९	४३	१०	२९	४	१९	कर्के	१।०४।४५।४०	५७।३०
अमृत	७	गु	३१	३५	१८	२१	श्लें	३४	०१	१९	१९	ध्रु	५१	५९	२६	३०	ग	४	२१	७	२७	४१	४२	११	३०	५	२०	सिंहे	१।०५।४३।१०	५७।२९
काण	८	शु	२६	०३	१६	०७	मघा	३०	२६	१७	५२	व्या	४४	४९	२३	३८	व	२६	०३	१६	०७	४४	४२	१२	३१	६	२१	सिंहे	१।०६।४०।३९	५७।२७
लुम्बक	९	श	२०	३३	१३	५५	पूफा	२६	५३	१६	२७	ह	३७	४२	२०	४६	कौ	२०	३३	१३	५५	४६	४२	१२	१	७	२२	कन्या २२।०६	१।०७।३८।०६	५७।२६
मित्र	१०	र	१५	१२	११	४६	उफा	२३	३०	१५	०५	व	३०	४६	१७	५९	ग	१५	१२	११	४६	४९	४१	१३	२	८	२३	कन्या	१।०८।३५।३२	५७।२४
ए.व्र.	११	सो	१०	१०	९	४५	हस्त	२०	२९	१३	५२	सि	२४	०८	१५	२०	वि	१०	१०	९	४५	५१	४१	१३	३	९	२४	तुला. २५।२९	१।०९।३२।५७	५७।२३
प्र.व्र.	१२	मं	५	४१	७	५७	चित्रा	१८	०२	१२	५३	व्य	१७	५९	१२	५२	बा	५	४१	७	५७	५३	४०	१४	४	१०	२५	तुला.	१।१०।३०।२०	५७।२२
धृम्र	१३	बु	९	५६	६	२६	स्वा	१६	२३	१२	१३	व	१२	२९	१०	४०	तै	९	५६	६	२६	५६	४०	१४	५	११	२६	तुला.	०	०
क्षयः	१४	बु	५९	०८	२९	१९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
पूर्णिमा	१५	गु	५७	३०	२८	४०	विशा	१५	४४	११	५७	प	७	४७	८	४७	वि	२८	०९	१६	५६	५८	४०	१५	६	१२	२७	वृश्चि. ५।५९	१।११।२७।४१	५७।२०

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।

[A (कन्या. सोग्रांगः गु. ७ पू.), मृगे रे. ९ ॥ऽशु॥॥॥॥ रात्रौ B चंद्रदर्शनम् (मु.४५), रोहि. रे. १० ॥॥॥॥॥॥ दिवा. ल. ५।६ A युगादि, कल्पादि, परशुराम जयंती, अक्षय तृतीया, जमादिलास्वर ६ भ. १३।३६ उ. २४।३९ या. [B ल. ११।१२ (मी. श. ७ दो.) D श्री आद्यशंकराचार्य जयंती [D शिवाजी जयंती, वृषे सौरः ६।४२ श्री रामानुज जयंती, उमा.-१ गुरुः २६।४८ भ. १८।२१ उ. २९।१४ या., गंगोत्पत्ति, आर्द्रा. शुक्रः १७।४४ सायन मिथुने भानुः ८।५६ सीता ९, भा. ज्येष्ठारंभः [G कुंमदानं, वैशाख्स्नानपूर्त्तिः भ. २२।४४ उ., भर. बुधः १६।४२ भ. ९।४५ या., मोहिनी ११ व्र., हस्ते रे. ८ ॥ऽगुऽ॥॥॥ दिवा ल.E प्रदोषः, रोहि. रविः १२।३३ (सौरः १६।५९) [F केतुः २४।१९ भ. २९।१९ उ., नृसिंह १४, सिंहे मघा. भौमः १४।५७ [E ४।५ (कर्कः सोग्रांगः), पूषा.-२ राहुः २४।१९, आर्द्रा.-४ F भ.१६।५६ या., कूर्मोत्पत्तिः, पूर्णिमा व्रतंपुण्यञ्च, धर्मप्रीत्यर्थं जल G

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

अयनांशाः २३।५९।२३

पं. ६ द्वि.वै.शु. ७ गु. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
१	३	०	११	२	५	८	२
०४	२६	१०	०३	०६	०४	२०	२०
५५	५४	५९	२१	०३	०७	१५	१५
०८	५३	०५	१५	५६	१०	११	११
५७	२८	३५	१०	०१	१	३	३
४४	३१	५१	१२	५७	०४	११	११
कृ	श्लें	अ	उभा	मृ	उफा	पूषा	पुन
३	४	४	१	४	३व	३	१



ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	मई	रात्रौ	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	सायं	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ
०१।००।०४।४४	२ श	१५	४।०९	५।४५	७।४१	९।५६	१२।१६	२।३२	४।४८	७।०७	९।२६	११।३१	१।१४	२।४३
०१।०१।०२।२२	३ र	१६	४।०५	५।४१	७।३७	९।५२	१२।१२	२।२९	४।४४	७।०३	९।२२	११।२७	१।१०	२।३९
०१।०१।५९।५९	४ चं	१७	४।०१	५।३७	७।३३	९।४८	१२।०८	२।२५	४।४०	६।५९	९।१८	११।२३	१।०६	२।३५
०१।०२।५७।३४	५ मं	१८	३।५७	५।३३	७।२९	९।४४	१२।०४	२।२१	४।३६	६।५६	९।१४	११।१९	१।०२	२।३१
०१।०३।५५।०८	६ बु	१९	३।५३	५।२९	७।२५	९।४०	१२।००	२।१७	४।३२	६।५२	९।१०	११।१५	१२।५८	२।२७
०१।०४।५२।३९	७ गु	२०	३।४९	५।२५	७।२१	९।३६	११।५६	२।१३	४।२९	६।४८	९।०६	११।११	१२।५४	२।२३
०१।०५।५०।१०	८ शु	२१	३।४५	५।२१	७।१७	९।३२	११।५२	२।०९	४।२५	६।४४	९।०२	११।०७	१२।५०	२।१९
०१।०६।४७।३८	९ श	२२	३।४१	५।१७	७।१३	९।२८	११।४८	२।०५	४।२१	६।४०	८।५८	११।०३	१२।४६	२।१५
०१।०७।४५।०५	१० र	२३	३।३७	५।१३	७।०९	९।२४	११।४४	२।०१	४।१७	६।३६	८।५४	१०।५९	१२।४२	२।११
०१।०८।४२।३१	११ चं	२४	३।३३	५।०९	७।०५	९।२०	११।४०	१।५७	४।१३	६।३२	८।५१	१०।५५	१२।३८	२।०७
०१।०९।३९।५५	१२ मं	२५	३।२९	५।०५	७।०१	९।१६	११।३६	१।५३	४।०९	६।२८	८।४७	१०।५१	१२।३५	२।०३
०१।१०।३७।१८	१३ बु	२६	३।२५	५।०१	६।५७	९।१२	११।३२	१।४९	४।०५	६।२४	८।४३	१०।४७	१२।३१	१।५९
०१।११।३४।३९	१४ गु	२७	३।२१	४।५७	६।५३	९।०८	११।२८	१।४५	४।०१	६।२०	८।३९	१०।४३	१२।२७	१।५५

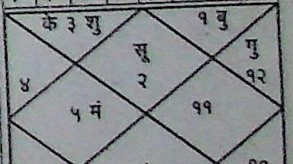
मास फलम्

इस माह में पांच गुरुवार होने से धान्य सस्ता हो यथा- चन्द्रजीयौ यदापंचधान्यादीनां समर्घता॥ यह पक्ष तेरह दिन का होने से प्रजा में बीमारी महर्घता आदिक उपद्रव हों। कृ. चतुर्दशी को गुरुवार होने से पृथ्वी पर अन्नोत्पत्ति उत्तम हो। शुक्रवारी अमावस होने से उद्धत मेघों से जलभ्रंश हो और कृतिका योग सुभिक्ष कारक है। शुक्ला ३ को मृगशिरा होने से दुर्भिक्ष होता हो। शुक्ला पंचमी को मंगलवार होने से युद्ध (उपद्रव) हो। पूर्णिमा विशाख्या युक्त होने से दुर्भिक्ष हो। शुक्रवार की सक्रांति होने से प्रजासुस्ती हो, स्वर्ण चांदी के भाव तेज हों, गाय भैंस हाथी घोडा मोटर गाड़ी आदि (चतुष्पद) पशु एवं वाहन के भाव तेज हो, रस कस लवण घृत के भाव सम रहे।

अयनांशाः २३।५९।२४

पं. ७ द्वि.वै.शु.१५ गु.इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
१	४	०	११	२	५	८	२
११	००	१६	०४	१४	०४	१९	१९
३८	१८	२९	३०	२६	०१	५२	५२
४२	०६	४६	१९	१६	५३	५६	५६
५७	२९	६१	९	७१	०	३	३
३५	४२	४८	२४	३२	२१	११	११
रों	म	भ	उभा	आ	उफा	पूषा	आ
१	१	१	१	३	३व	२	४



CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

॥ श्रीवल्लभ मनीराम पञ्चाङ्गम् ॥

२८ मई से १२ जून तक, श्री ज्येष्ठ कृष्णपक्ष संवत् २०६७, शाकः १९३२, दि.मा.सू. सू. तारीस्प स्टै. प्रातः दैनिक ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे द्वि.वैशास्यकृष्णेति गुर्जराः, मई-जून २०१०

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	च.प.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
राक्षस	१	शु	५७	१२	२८	३२	अनु	१६	१६	१२	१०	शि	४	०३	७	१७	बा	२७	१०	१६	३२	३४ ०००	५ ३९	७ ९५	७	१३	२८	वृश्चि.	१।१२।२५।०२	५७।१९
मुसल	२	श	५८	१८	२८	५८	ज्ये	१८	०८	१२	५५	सि	५ ५९	२२ ४८	६ २९	१२ ३५	तै	२७	३४	१६	४१	०२	३९	१६	८	१४	२९	धनु.	१।१३।२२।२१	५७।१८
सिद्धि	३	र	...	...	...	...	मूल	२१	२६	१४	१३	शु	५९	२४	२९	२५	व	२९	२५	१७	२५	०४	३९	१६	९	१५	३०	धनु.	१।१४।१९।३८	५७।१६
च.व्र.	३	सो	०	५३	६	००	पूषा	२६	०८	१६	०६	शु	...	...	...	...	वि	०	५३	६	००	०६	३९	१७	१०	१६	३१	मक.	१।१५।१६।५४	५७।१५
मानस	४	मं	४	५१	७	३५	उषा	३२	०८	१८	३०	शु	०	०६	५	४१	बा	४	५१	७	३५	०७	३९	१७	११	१७	१	मक.	१।१६।१४।१०	५७।१४
छत्र	५	बु	१०	०१	९	३९	श्रव	३९	०८	२१	१८	ब्र	१	४३	६	२०	तै	१०	०१	९	३९	०९	३८	१८	१२	१८	२	मक.	१।१७।११।२३	५७।१३
श्रीवत्स	६	गु	१५	५९	१२	०२	धनि	४६	४१	२४	१९	ऐ	४	०१	७	१४	व	१५	५९	१२	०२	११	३८	१८	१३	१९	३	कुंभे	१।१८।०८।३६	५७।१२
सौम्य	७	शु	२२	११	१४	३१	शत	५४	१२	२७	१९	वै	६	३३	८	१५	ब	२२	११	१४	३१	१२	३८	१९	१४	२०	४	कुंभे	१।१९।०५।४८	५७।११
काल	८	श	२७	५९	१६	४९	पूभा	...	...	...	...	वि	८	५५	९	१२	कौ	२७	५९	१६	४९	१४	३८	१९	१५	२१	५	मीने	२३।२४	१२।०।०२।५८	५७।०९
वर	९	र	३२	४६	१८	४४	पूभा	१	०१	६	०२	प्री	१०	३८	९	५३	तै	०	३२	५	५१	१५	३८	२०	१६	२२	६	मीने	१।२१।००।०७	५७।०८
गद	१०	सो	३६	०५	२०	०४	उभा	६	३७	८	१७	आ	११	१९	१०	०९	व	४	३८	७	२९	१६	३८	२०	१७	२३	७	मीने	१।२१।५७।१६	५७।०७
ए.व्र.	११	मं	३७	४०	२०	४२	रेव	१०	३८	९	५३	सौ	१०	४४	९	५५	ब	७	०६	८	२८	१७	३८	२१	१८	२४	८	मेषे	९।५३	१२।२।५४।२३	५७।०६
मृत्यु	१२	बु	३७	२९	२०	३७	अश्वि	१२	५५	१०	४८	शो	८	४६	९	०८	को	७	४८	८	४५	१८	३८	२१	१९	२५	९	मेषे	१।२३।५१।२९	५७।०५
प्र.व्र.	१३	गु	३५	३६	१९	५२	भर	१३	३०	११	०२	अ	५	२४	७	४७	ग	६	४५	८	२०	१९	३८	२१	२०	२६	१०	वृषे	१६।५९	१।२४।४८।३५	५७।०५
छत्र	१४	शु	३२	१५	१८	३२	कृ	१२	३२	१०	३८	सु	० ५४	४५ ५९	५ २७	५६ ३७	वि	४	०६	७	१६	२०	३८	२२	२१	२७	११	वृषे	१।२५।४५।३९	५७।०४
अमाव.	३०	श	२७	४०	१६	४२	रोहि	१०	१५	९	४४	शू	४८	१९	२४	५७	च	०	०६	५	४०	२१	३८	२२	२२	२८	१२	मिथु.	२१।०६	१।२६।४२।४३	५७।०३

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है ।

अनु. रे. ८ ।।।sबु।।।s।। दिवा ल. ४

नारद जयंती,वीणादानं, मूले रे. ८ ऽऽ।।।।।।।। दिवा ल. ६ रात्रौ A

भ. १७।२५ उ., मूले रे. ८ ऽऽ।।।।।।।। दिवा ल. ५ (सोग्रांगः)

भ. ६।०० या., चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः २२।२१, पुन. शुक्रः २१।४८, B

जून ६ ता. ३० [B उषा. रे. ७ ।।।।s।।s।s द. रात्रौ ल. C

[A गोधूलि १२ (क. सोग्रांगः,रा.४ दो.,गु.७ पू.,मीने श.७ दोषः)

भ. १२।०२ उ. २५।१६ या., पंचक प्रारम्भः १०।४७

कृत्ति. बुधः १२।३२ [C गोधूलि, मार्गी शनिः १५।३०

[F भाऊका ३०, वट सावित्री व्र. (मरु.), रोहि. बुधः १८।२०

वृषे बुधः १८।१७, उभा. रे. ७ ।।sगु।s।।s।। दिवा ल. ४।५, रात्रौ D

भ. ७।२९ उ. २०।०४ या. [D अ.गो. ११ (सिंहः सोग्रांगः)

पंचक समाप्तिः ९।५३, अपरा ११ व्र., मृगे रविः १०।२७ E

कर्के शुक्रः ८।४२ [E (सौरः १६।२४)

भ. १९।५२ उ., प्रदोषः, मासिकशिवरात्री व्र.

भ. ७।१६ या., उभा.-२ गुरुः १२।५७, पुष्ये शुक्रः २८।४५

शनैश्चर जयन्ती, देवपितृकार्येऽमा., बटपूजनम् मरुस्थले, F

अयनांशाः २३।५९।२५

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

पं. ८ ज्ये.कृ. ६ गु. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
९	४	०	११	२	५	८	२
१८	०३	२४	०५	२२	०४	१९	१९
२१	४९	५१	३३	४५	०१	३०	३०
२२	१०	०५	२९	३७	३४	४१	४१
५७	३०	८३	८	७१	०	३	३
२८	४५	५८	३१	०५	२२	११	१९
रो	म	भ	उभा	पुन	उफा	पुषा	आ
३	२	४	१	१	३	२	४



ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	मुहू	रात्रौ	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	सायं	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ
०१।१२।३१।५९	१ शु	२८	३।१७	४।५३	६।५०	९।०४	११।२४	१।४९	३।५७	६।१६	८।३५	१०।३९	१२।२३	१।५१
०१।१३।२९।१८	२ श	२९	३।१३	४।४९	६।४६	९।००	११।२०	१।३७	३।५३	६।१२	८।३१	१०।३५	१२।१९	१।४७
०१।१४।२६।३५	३ र	३०	३।०९	४।४६	६।४२	८।५६	११।१६	१।३३	३।४९	६।०८	८।२७	१०।३२	१२।१५	१।४३
०१।१५।२३।५१	३ च	३१	३।०५	४।४२	६।३८	८।५२	११।१३	१।२९	३।४५	६।०४	८।२३	१०।२८	१२।११	१।३९
०१।१६।२१।०८	४ मं	१	३।०२	४।३८	६।३४	८।४९	११।०९	१।२५	३।४१	६।००	८।१९	१०।२४	१२।०७	१।३६
०१।१७।१८।२०	५ बु	२	२।५८	४।३४	६।३०	८।४५	११।०५	१।२२	३।३७	५।५६	८।१५	१०।२०	१२।०३	१।३२
०१।१८।१५।३२	६ गु	३	२।५४	४।३०	६।२६	८।४१	११।०१	१।१८	३।३३	५।५२	८।११	१०।१६	११।५९	१।२८
०१।१९।१२।४४	७ शु	४	२।५०	४।२६	६।२२	८।३७	१०।५७	१।१४	३।२९	५।४९	८।०७	१०।१२	११।५५	१।२४
०१।२०।०९।५४	८ श	५	२।४६	४।२२	६।१८	८।३३	१०।५३	१।१०	३।२५	५।४५	८।०३	१०।०८	११।५१	१।२०
०१।२१।०७।०३	९ र	६	२।४२	४।१८	६।१४	८।२९	१०।४९	१।०६	३।२२	५।४१	७।५९	१०।०४	११।४७	१।१६
०१।२२।०४।१९	१० च	७	२।३८	४।१४	६।१०	८।२५	१०।४५	१।०२	३।१८	५।३७	७।५५	१०।००	११।४३	१।१२
०१।२३।०१।१८	११ मं	८	२।३४	४।१०	६।०६	८।२१	१०।४१	१२।५८	३।१४	५।३३	७।५१	९।५६	११।३९	१।०८
०१।२३।५८।२४	१२ बु	९	२।३०	४।०६	६।०२	८।१७	१०।३७	१२।५४	३।१०	५।२९	७।४७	९।५२	११।३५	१।०४
०१।२४।५५।३०	१३ गु	१०	२।२६	४।०२	५।५८	८।१३	१०।३३	१२।५०	३।०६	५।२५	७।४३	९।४८	११।३१	१।००
०१।२५।५२।३४	१४ शु	११	२।२२	३।५८	५।५४	८।०९	१०।२९	१२।४६	३।०२	५।२१	७।४०	९।४४	११।२८	१२।५६
०१।२६।४९।३७	३० श	१२	२।१८	३।५४	५।५०	८।०५	१०।२५	१२।४२	२।५८	५।१७	७।३६	९।४०	११।२४	१२।५२

मास फलम्

अयनांशाः २३।५९।२६

इस माह में पांच शुक्रवार होने से प्रजा की वृद्धि हो यथा-॥प्रजावृद्धिस्तु भार्गवे॥ पांच शनिवार होने से महँगाई हो । कृष्णा प्रतिपदा को शुक्रवार होने से समर्धता हो । कृष्णा एकादशी में रेवती होने से स्फण्ड वृष्टि हो । शनिवारी अमावस होने से दुर्भिक्ष हो, रोहिणी योग सुभिक्ष और सुस्वद है । सुदी दोयज व तीज को आर्द्रा में वर्षा हो तो दुर्भिक्ष करे । पूर्णिमा शनिवार मूल युक्त होने से दुर्भिक्ष हो, पूर्णिमा को ज्येष्ठा का अभाव होने से महर्धता हो । मंगलवार की सक्रांति होने से धान्यादि एवं लाल वर्ण वाली सभी वस्तुओं के भाव तेज हों, प्रजा में विग्रह हो, कहीं-कहीं हिंसादि हो, अग्निभय हो, घृत तेल लवण रस कपूर चंदन ये सब महँगे हों ।

पं. ९ ज्ये.कृ.१३ गु. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
१	४	१	११	३	५	८	२
२५	०७	०५	०६	०१	०४	१९	१९
०३	२७	३५	३०	०१	०६	०८	०८
१४	१४	५६	१२	३५	१७	२६	२६
५७	३१	१०२	७	७०	१	३	३
२१	४१	२६	३३	३३	०५	११	११
मृ	म	कृ	उभा	पुन	उफा	पुषा	आ
१	३	३	१	४	३	२	४



CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

१३ जून से २६ जून तक, श्री ज्येष्ठ शुक्लपक्ष संवत् २०६७, शाकः १९३२, दि.मासू. सू. तारीस्प स्टै. प्रातः दैनिक केतकी अहर्गणः ६६४३ ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे, जून २०१०

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	च.प.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
सौम्य	१	र	२२	०७	१४	२८	मृग	६	५५	८	२४	गं	४०	५६	२२	००	ब	२२	०७	१४	२८	३३ २३	५ ३८	७ २३	२३	२९	१३	मिथु.	१।२७।३९।४६	५७।०२
काल	२	सो	१५	५४	१२	००	आर्द्रा	२	५१ ४९	६	४६ ५७	वृ	३३	०७	१८	५२	कौ	१५	५४	१२	००	२३	३८	२३	२४	१	१४	कर्के २३।२५	१।२८।३६।४८	५७।०१
प्रवर्धमा	३	मं	९	१८	९	२१	पुष्य	५३	३५	२७	०४	धृ	२५	००	१५	३८	ग	९	१८	९	२१	२३	३८	२३	२५	२	१५	कर्के	१।२९।३३।४९	५७।०१
राक्षस	४	बु	२	३२	६	३९	श्ले	४८	५४	२५	११	व्या	१६	५१	१२	२२	वि	२	३२	६	३९	२४	३८	२४	२६	३	१६	सिंहे २५।११	२।००।३०।५०	५७।००
क्षयः	५	बु	५५	५२	२७	५९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
मुसल	६	गु	४९	२७	२५	२५	मघा	४४	२८	२३	२५	ह	८	४७	९	०९	कौ	२२	३७	१४	४१	२४	३८	२४	२७	४	१७	सिंहे	२।०१।२७।५०	५६।५९
सिद्धि	७	शु	४३	३२	२३	०३	पूफा	४०	२९	२१	५०	व	५३	०१ ४०	६ २७	०२ ०६	ग	१६	२६	१२	१३	२५	३८	२४	२८	५	१८	कन्या २७।२८	२।०२।२४।४९	५६।५९
उत्पात	८	श	३८	१५	२०	५६	उफा	३७	०८	२०	३०	व्य	४६	५१	२४	२३	वि	१०	४८	९	५८	२५	३८	२४	२९	६	१९	कन्या	२।०३।२१।४७	५६।५८
मानस	९	र	३३	४४	१९	०८	हस्त	३४	३४	१९	२८	व	४०	४२	२१	५५	बा	५	५३	८	००	२५	३९	२५	३०	७	२०	कन्या	२।०४।१८।४६	५६।५८
गंगा	१०	सो	३०	०९	१७	४२	चित्रा	३२	५५	१८	४९	प	३५	१९	१९	४६	तै	१	४९	६	२२	२५	३९	२५	३१	८	२१	तुला. ७।०६	२।०५।१५।४३	५६।५७
ए.व्र.	११	मं	२७	३४	१६	४१	स्वा	३२	१६	१८	३३	शि	३०	४६	१७	५७	वि	२७	३४	१६	४९	२५	३९	२५	१	९	२२	तुला.	२।०६।१२।४०	५६।५७
प्र.व्र.	१२	बु	२६	०४	१६	०५	विशा	३२	४३	१८	४४	सि	२७	०४	१६	२९	बा	२६	०४	१६	०५	२५	३९	२५	२	१०	२३	वृश्चि. १२।३९	२।०७।०९।३७	५६।५६
आनन्द	१३	गु	२५	४४	१५	५७	अनु	३४	१६	१९	२२	सा	२४	१८	१५	२३	तै	२५	४४	१५	५७	२५	४०	२५	३	११	२४	वृश्चि.	२।०८।०६।३३	५६।५६
चर	१४	शु	२६	३१	१६	१६	ज्ये	३६	५७	२०	२७	शु	२२	२६	१४	३८	व	२६	३१	१६	१६	२४	४०	२६	४	१२	२५	धनु. २०।२७	२।०९।०३।२९	५६।५५
पूर्णिमा	१५	श	२८	२८	१७	०३	मूल	४०	४५	२१	५८	शु	२१	२८	१४	१५	ब	२८	२८	१७	०३	२४	४०	२६	५	१३	२६	धनु.	२।१०।००।२४	५६।५५

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।
चंद्रदर्शनम्(मु.१५),श्रीगंगादशाश्वमेधस्नान प्रा.,माऊका-करिदिन,
रंभाव्रतं, रज्जव ७ |A ९।२९ (सौरः१७।१०), मिथुने बुधः २१।२३, D
भ. २०।०० उ., प्रताप जयंती, मिथुने रविः ९।५२ (सौरः १६।३९)
भ. ६।३९ या., बुधास्तः पूर्वस्याम् २४।४३
|D अयन करिदिन, सं.स्त्री.स्त्री. चं.सू.वाहन अश्व अल्पवृष्टिः
|B (श. चं. ७ दो.), धूमावती जयंती, मृगे बुधः १६।५७
भ. २३।०३ उ. |F भानुः, सायन दक्षिणायन प्रारम्भ -१६।५७
भ. ९।५८ या., दुर्गाष्टमी, हस्ते रे. ६ ।SISगुSIS।।। रात्रौ ल. १२ B
पूफा. भौमः २७।५१, हस्ते रे. ७ ।SISगुS।।।।। दिवा ल. ४।५
भ. २९।०८ उ., गंगा दशहरा व्र.,स्वातौ रे. ९ ।।।।।।SI।। रात्रौ ल. E
भ. १६।४१ या., निर्जला ११ व्र., भा. आषाढारंभः, आर्द्रा. रविः A
प्रदोषः, वट सावित्री व्रतारंभः, श्लेषा. शुक्रः १५।१८
अनु. रे. ८ SSI।।।।।।। दिवा ल. ४।५ (सिंहः सोग्रांगः)
भ. १६।१६ उ. २८।३६ या., गुर्जराणां वटसावित्री व्रतं, अब्दसाध्य C
मन्वादि, कबीर जयंती |C व्र., ज्येष्ठी योगः, आर्द्रा. बुधः २३।१८
|E गोधूलि, १०।१ (मक. शु. ७ पू., मेषे [illegible]७ पू.), सायन कर्के F

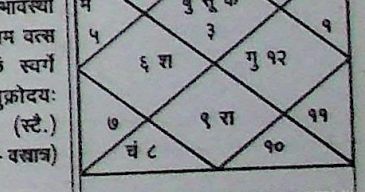
॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

संक्रांति फलम्

ता. १५ जून २०१०
ज्ये. शु. ३ भौमे मिथुनेऽर्कः प्र. (स्टै.)
टा. ९।५२ वारात् ५ नक्षत्रात् ५
वारनाम महोदरी चोरान् सुस्सदा
नक्षत्रनाम ध्वांक्षी वैश्यान् सुस्सदा
पूर्वान्ह १ प्रहर व्यापिनी नृपतीन् हन्ति,
पूर्वे गमनमाग्नेयां दृष्टिः वणिजकरणे
प्रविष्टा मध्यमफलं महिषवाहनं
उष्ट्रोपवाहनं क्लेशकारक श्यामवस्त्रं
तोमरायुधं स्वप्परपात्रं दधिभक्षणं
अलक्तकलेपनं मृगजातिः अर्कपत्रपुष्पं
मणीभूषणं पाण्डुकंचुकी प्रगल्भावस्था
(बैठी) मु. ३० धान्यभावे सम वत्स
उत्तरे राहु पश्चिमा. मूलं स्वर्गं
वियाहस्तंभो ऽग्निकोणे शुक्रोदयः
पश्चिमायाम् । पुण्यकालः (स्टै.)
९।५२ से १६।१६ तक। (दान- वस्त्रात्)
।

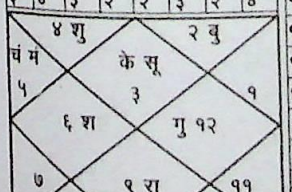
अयनांशाः २३।५९।२८

पं.११	ज्ये.शु.१३	गु.	इष्टघटी	०।००
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
२	४	२	११	३	५	८	२
०८	१५	०२	०८	१७	०४	१८	१८
२५	०१	५३	०२	२१	३०	२३	२३
२०	४५	२१	०१	२९	२४	५४	५४
५७	३३	१३व	५	६९	२	३	३
१४	१९	१८	२२	१७	२७	११	११
आ	पूफा	मृ	उभा	श्ले	उफा	पूषा	आ
१	१	३	२	१	३	२	४



अयनांशाः २३।५९।२७

पं.१०	ज्ये.शु.	६	गु.	इष्टघटी	०।००
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
२	४	१	११	३	५	८	२
०१	११	१८	०७	०९	०४	१८	१८
४४	११	२२	१९	१३	१५	४६	४६
३०	३८	३९	५४	४२	५६	१०	१०
५७	३२	११८	६	६९	१	३	३
१७	३२	३९	२९	५७	४७	११	११
मृ	म	रो	उभा	पु	उफा	पूषा	आ
३	४	३	२	२	३	२	४



ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	जून	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	सायं	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ
०।१२।७।४६।४०	१ र	१३	२।१५४	३।५०'	५।४६	८।०९	९०।२९	९२।३८	२।५४	५।१३	७।३२	९।३६	११।२०	१२।४८
०।१२।८।४३।४२	२ चं	१४	२।१९०	३।४६	५।४३	७।५७	९०।१७	९२।३४	२।५०	५।०९	७।२८	९।३२	११।१६	१२।४४
०।१२।९।४०।४३	३ मं	१५	२।०६	३।४२	५।३९	७।५३	९०।१३	९२।३०	२।४६	५।०५	७।२४	९।२८	११।१२	१२।४०
०।२।००।३७।४३	४ बु	१६	२।०२	३।३९	५।३५	७।४९	९०।०९	९२।२६	२।४२	५।०१	७।२०	९।२४	११।०८	१२।३६
०।२।०१।३४।४३	५ गु	१७	१।५८	३।३५	५।३१	७।४५	९०।०६	९२।२२	२।३८	४।५७	७।१६	९।२१	११।०४	१२।३२
०।२।०२।३१।४२	७ शु	१८	१।५५	३।३१	५।२७	७।४१	९०।०२	९२।१८	२।३४	४।५३	७।१२	९।१७	११।००	१२।२८
०।२।०३।२८।४१	८ श	१९	१।५१	३।२७	५।२३	७।३८	९।५८	९२।१४	२।३०	४।४९	७।०८	९।१३	१०।५६	१२।२४
०।२।०४।२५।३९	९ र	२०	१।४७	३।२३	५।१९	७।३४	९।५४	९२।११	२।२६	४।४५	७।०४	९।०९	१०।५२	१२।२०
०।२।०५।२२।३६	१० चं	२१	१।४३	३।१९	५।१५	७।३०	९।५०	९२।०७	२।२२	४।४२	७।००	९।०५	१०।४८	१२।१७
०।२।०६।१९।३३	११ मं	२२	१।३९	३।१५	५।११	७।२६	९।४६	९२।०३	२।१८	४।३८	६।५६	९।०१	१०।४४	१२।१३
०।२।०७।१६।२९	१२ बु	२३	१।३५	३।११	५।०७	७।२२	९।४२	९१।५९	२।१५	४।३४	६।५२	८।५७	१०।४०	१२।०९
०।२।०८।१३।२६	१३ गु	२४	१।३१	३।०७	५।०३	७।१८	९।३८	९१।५५	२।११	४।३०	६।४८	८।५३	१०।३६	१२।०५
०।२।०९।१०।२१	१४ शु	२५	१।२७	३।०३	४।५९	७।१४	९।३४	९१।५१	२।०७	४।२६	६।४४	८।४९	१०।३२	१२।०१
०।२।१०।०७।१७	१५ श	२६	१।२३	२।५९	४।५५	७।१०	९।३०	९१।४७	२।०३	४।२२	६।४०	८।४५	१०।२८	११।५७

CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

॥ श्रीवल्लभ मनीराम पञ्चाङ्गम् ॥

२७ जून से ५१ जुलाई तक, श्री आषाढ़ कृष्णपक्ष सँवत् २०६७, शाकः १९३२, दि.मा.सू. सू. तारीख स्टै. प्रातः दैनिक वर्षर्तू रविर्दक्षिणे ज्येष्ठकृष्णेति गुर्जराः, जून-जुलाई २०१०

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः
शुभ	१	र	३१	२९	१८	१६	पूषा	४५	३५	२३	५५	ब्र	२१	२२	१४	१३	कौ	३१	२९	१८	१६	३४ ३४	५ ४०	७ २६	६	१४	२७	धनु.
मृत्यु	२	सो	३५	३४	१९	५४	उषा	५१	२६	२६	१५	ऐ	२२	०४	१४	३०	तै	३	२३	७	०२	२३	४१	२६	७	१५	२८	मक.
लम्बक	३	मं	४०	३४	२१	५५	श्रव	५८	०९	२८	५६	वै	२३	३२	१५	०६	व	७	५७	८	५२	२२	४१	२६	८	१६	२९	मक.
च.व्र.	४	बु	४६	१९	२४	१३	धनि	...	...	...	...	वि	२५	३६	१५	५६	व	१३	२२	११	०२	२२	४१	२६	९	१७	३०	कुंभे
श्रीवत्स	५	गु	५२	२७	२६	४०	धनि	५	२८	७	५३	प्री	२८	०३	१६	५५	कौ	१९	२१	१३	२६	२१	४२	२६	१०	१८	१	कुंभे
सौम्य	६	शु	५८	२६	२९	०५	शत	१३	०२	१०	५५	आ	३०	३४	१७	५६	ग	२५	२९	१५	५४	२०	४२	२६	११	१९	२	कुंभे
काल	७	श	...	...	...	...	पूभा	२०	२०	१३	५१	सौ	३२	४६	१८	४९	वि	३१	१३	१८	१२	१९	४२	२६	१२	२०	३	मीने
सुस्थिर	७	र	३	४५	७	१३	उभा	२६	४८	१६	२६	शो	३४	१२	१९	२४	व	३	४५	७	१३	१८	४३	२६	१३	२१	४	मीने
मातङ्ग	८	सो	७	५१	८	५२	रेव	३१	५५	१८	२९	अ	३४	३१	१९	३२	कौ	७	५१	८	५२	१७	४३	२६	१४	२२	५	मेषे
अमृत	९	मं	१०	२०	९	५२	अश्वि	३५	२१	१९	५२	सु	३३	२९	१९	०७	ग	१०	२०	९	५२	१५	४४	२६	१५	२३	६	मेषे
काण	१०	बु	१०	५६	१०	०६	भर	३६	५५	२०	३०	धृ	३०	५७	१८	०७	वि	१०	५६	१०	०६	१४	४४	२६	१६	२४	७	वृषे
ए.व्र.	११	गु	९	३८	९	३६	कृति	३६	३७	२०	२३	शू	२६	५३	१६	३०	बा	९	३८	९	३६	१३	४५	२६	१७	२५	८	वृषे
प्र.व्र.	१२	शु	६	३०	८	२१	रोहि	३४	३५	१९	३५	गं	२१	२३	१४	१८	तै	६	३०	८	२१	११	४५	२५	१८	२६	९	वृषे
वज्र	१३	श	९	४४	६	२७	मृग	३१	०३	१८	१०	वृ	१४	३७	११	३६	व	१	४४	६	२७	१०	४५	२५	१९	२७	१०	मिथु.
क्षयः	१४	श	५५	३७	२८	००	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
अमाव.	३०	र	४८	२५	२५	०८	आर्द्रा	२६	१७	१६	१७	धृ	६ ५८	४६ ०६	८ २९	२८ ००	च	२२	०७	१४	३६	०८	४६	२५	२०	२८	११	मिथु.

प्रातः	सौर र. स्प.	गति
	२।१०।५७।१९	५६।५५
	२।११।५४।१४	५६।५५
	२।१२।५१।०९	५६।५५
	२।१३।४८।०४	५६।५४
	२।१४।४४।५८	५६।५४
	२।१५।४१।५२	५६।५४
	२।१६।३८।४६	५६।५४
	२।१७।३५।४१	५६।५४
	२।१८।३२।३५	५६।५४
	२।१९।२९।२९	५६।५४
	२।२०।२६।२३	५६।५४
	२।२१।२३।१८	५६।५५
	२।२२।२०।१२	५६।५५
	२।२३।१७।०७	५६।५५
०	०	०
	२।२४।१४।०२	५६।५५

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।
[A २०।४८, सं.स्त्री.पु.चं.चं.वाहन मेष वर्षाश्रेष्ठः
उषा. रे. १० ।।।।।।।।। दि. ल. ४।६ (कर्के चं. ७ पू., कन्या B
भ. ८।५२ उ. २१।५५ या. [B सोग्रांगः गु. ७ पू.)
पंचक प्रारम्भः १८।२३, चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः २२।०३
जुलाई ७ ता. ३१, पुन. बुधः २५।५९
भ. २९।०५ उ.
भ. १८।१२ या.
उभा. रे. ६ ।।ऽगुऽ।।ऽऽ दिवा ल. ४।५ (सिंह सोग्रांगः)
पंचक समाप्तिः १८।२९, सिंहे मघा. शुक्रः ६।३०
भ. २२।०५ उ., पुन. रविः ९।०६ (सौरः १८।३६), कर्के बुधः A
भ. १०।०६ या.
योगिनी ११ व्र., रोहि. रे. ७ ऽऽ।।।।ऽ।। रात्रौ ल. १०।१ (मक. C
प्रदोषः, बुधोदयः पश्चिमायाम् १७।०१
भ. ६।२७ उ. १७।१७ या., मासिकशिवरात्री व्र.
[C बु. ७ पू. स्टै. २०।३३ उप.), पुष्ये बुधः १२।४५
देवपितृकार्येऽमा.

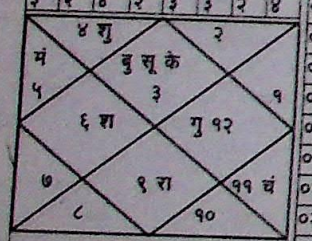
अयनांशाः २३।५९।२९

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

मास फलम् अयनांशाः २३।५९।३०

पं.१२ आ.कृ. ५ गु. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
२	४	२	११	४	५	८	२
१५	१८	१८	०८	२५	०४	१८	१८
०५	५७	१०	३५	२४	४९	०१	०१
५४	१०	४६	५८	२१	३०	३९	३९
५७	३४	१२९	४	६८	३	३	३
१२	०२	१५	०९	३१	०६	११	११
आ	पूफा	आ	उभा	श्ले	उफा	पूषा	आ
३	२	४	२	३	३	२	४



ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	जून	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	सायँ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ
०२।१९।०४।१२	१ र	२७	९।१९	२।५५	४।५१	७।०६	९।२६	११।४३	१।५९	४।१८	६।३६	८।४१	१०।२४	११।५३
०२।१२।०१।०६	२ चं	२८	९।१५	२।५१	४।४७	७।०२	९।२२	११।३९	१।५५	४।१४	६।३३	८।३७	१०।२१	११।४९
०२।१२।५८।०१	३ मं	२९	९।११	२।४७	४।४३	६।५८	९।१८	११।३५	१।५१	४।१०	६।२९	८।३३	१०।१७	११।४५
०२।१३।५४।५५	४ बु	३०	९।०७	२।४३	४।३९	६।५४	९।१४	११।३१	१।४७	४।०६	६।२५	८।२९	१०।१३	११।४१
०२।१४।५१।५०	५ गु	१	९।०३	२।३९	४।३५	६।५०	९।१०	११।२७	१।४३	४।०२	६।२१	८।२५	१०।०९	११।३७
०२।१५।४८।४४	६ शु	२	९।००।५९	२।३५	४।३२	६।४६	९।०६	११।२३	१।३९	३।५८	६।१७	८।२१	१०।०५	११।३३
०२।१६।४५।३८	७ श	३	९।००।५५	२।३१	४।२८	६।४२	९।०२	११।१९	१।३५	३।५४	६।१३	८।१७	१०।०१	११।२९
०२।१७।४२।३२	७ र	४	९।००।५१	२।२८	४।२४	६।३८	८।५८	११।१५	१।३१	३।५०	६।०९	८।१४	९।५७	११।२५
०२।१८।३९।२६	८ चं	५	९।००।४७	२।२४	४।२०	६।३४	८।५५	११।११	१।२७	३।४६	६।०५	८।१०	९।५३	११।२१
०२।१९।३६।२०	९ मं	६	९।००।४४	२।२०	४।१६	६।३१	८।५१	११।०७	१।२३	३।४२	६।०१	८।०६	९।४९	११।१८
०२।२०।३३।१५	१० बु	७	९।००।४०	२।१६	४।१२	६।२७	८।४७	११।०४	१।१९	३।३८	५।५७	८।०२	९।४५	११।१४
०२।२१।३०।०९	११ गु	८	९।००।३६	२।१२	४।०८	६।२३	८।४३	११।००।	१।१५	३।३४	५।५३	७।५८	९।४१	११।१०
०२।२२।२७।०३	१२ शु	९	९।००।३२	२।०८	४।०४	६।१९	८।३९	१०।५६	१।११	३।३१	५।४९	७।५४	९।३७	११।०६
०२।२३।२३।५८	१३ श	१०	९।००।२८	२।०४	४।००	६।१५	८।३५	१०।५२	१।०७	३।२७	५।४५	७।५०	९।३३	११।०२
०२।२४।२०।५३	३० र	११	९।००।२४	२।००	३।५६	६।११	८।३१	१०।४८	१।०४	३।२३	५।४१	७।४६	९।२९	१०।५८

इस माह में पांच रविवार नेष्ट फलप्रद हैं। पांच सोमवार होने से धान्य सस्ता हो। कृष्णा द्वितीया को सोमवार होने से सुभिक्ष हो। कृष्णा तीज को श्रवण होने से समर्धता कारक है। कृष्णा १२ को रोहिणी होने से दुर्भिक्ष हो। अमावस्या आर्द्रा योग सुभिक्ष और सुस्वद है। शुक्ला प्रतिपदा में पुनर्वसु नक्षत्र का २१ घटी भोग है अतः चौमासे में ३५ प्रतिशत वर्षा हो। शुक्ला पंचमी को शुक्रवार होने से भारी तूफान चले। पूर्णिमा को पूर्वाषाढा अभाव होने से महर्धता हो, लेकिन पूर्णिमा साठ घटी से अधिक है अतः बारह महीने तक धान्य का सुभिक्ष रहे। प्रजासुस्थी हो, स्वर्ण चांदी के भाव तेज हों, गाय भैंस हाथी घोडा मोटर गाड़ी आदि (चतुष्पद) पशु एवं वाहन के भाव तेज हो, रस कस लवण घृत के भाव सम रहे।

पं.१३ आ.कृ.११ गु. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
२	४	३	११	४	५	८	२
२१	२२	०२	०९	०३	०५	१७	१७
४६	५७	४५	०१	२१	१३	३९	३९
२३	२८	२७	१६	३७	००	२३	२३
५७	३४	११८	२	६७	३	३	३
१२	४२	१७	५३	४०	४२	११	११
पुन	पूफा	पुन	उभा	म	उफा	पूषा	आ
१	३	४	२	२	३	२	४



CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

१२ जुलाई से २६ जुलाई तक, श्री आषाढ़ शुक्लपक्ष संवत् २०६७, शाकः १९३२, दि.मा.सू. सू. तारीख्स स्टै. प्रातः दैनिक केतकी अहर्गणः ६६७२ वर्षत्तूं रविर्दक्षिणे, जुलाई २०१०

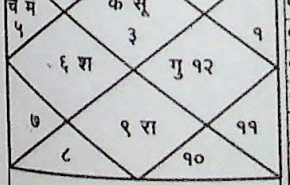
योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
धृव	१	सो	४०	२८	२१	५८	पुन	२०	३९	१४	०२	ह	४८	५१	२५	१९	किं	१४	३०	११	३४	३४ ३६	५ ४६	७ २५	२१	२९	१२	कर्के	८।३७	२।२५।१०।५८	५६।५६
प्रवर्धमा	२	मं	३२	०९	१८	३९	पुष्य	१४	२९	११	३५	व	३९	१९	२१	३१	बा	६	२०	८	१९	०४	४७	२५	२२	३०	१३	कर्के		२।२६।०७।५३	५६।५६
राक्षस	३	बु	२३	४८	१५	१९	श्ले	८	११	९	०४	सि	२९	५०	१७	४३	ग	२३	४८	१५	१९	०३	४७	२४	२३	१	१४	सिंहे	९।०४	२।२७।०४।४९	५६।५६
मुसल	४	गु	१५	४६	१२	०६	मघा	२ ५६	०४ ३३	६ २८	३८ ५५	व्य	२०	३७	१४	०३	वि	१५	४६	१२	०६	०१	४८	२४	२४	२	१५	सिंहे		२।२८।०१।४६	५६।५७
शुभ	५	शु	८	२२	९	०९	उफा	५१	५३	२६	३४	व	११	५७	१०	३५	बा	८	२२	९	०९	३३ ५९	४८	२४	२५	३	१६	कन्या	९।५५	२।२८।५८।४२	५६।५७
मृत्यु	६	श	१	५३	६	३४	हस्त	४८	२२	२५	१०	प	४ ५७	०६ ३४	७ २८	२७ ४२	तै	१	५३	६	३४	५७	४९	२३	२६	४	१७	कन्या		२।२९।५५।४०	५६।५८
क्षयः	७	श	५६	३८	२८	२८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०		०	०
पद्म	८	र	५२	४३	२६	५५	चित्रा	४६	११	२४	१८	सि	५१	२९	२६	२५	वि	२४	२९	१५	३७	५४	४९	२३	२७	५	१८	तुला.	१२।३९	३।००।५२।३८	५६।५८
छत्र	९	सो	५०	१६	२५	५६	स्वा	४५	२८	२४	०१	सा	४६	५५	२४	३६	बा	२१	१७	१४	२१	५२	५०	२३	२८	६	१९	तुला.		३।०१।४९।३६	५६।५९
श्रीवत्स	१०	मं	४९	१९	२५	३४	विशा	४६	१३	२४	२०	शु	४३	३३	२३	१५	तै	१९	३६	१३	४१	५०	५०	२२	२९	७	२०	वृश्चि.	१८।१२	३।०२।४६।३५	५७।००
ए.व्र.	११	बु	४९	५०	२५	४७	अनु	४८	२४	२५	१२	शु	४१	२१	२२	२३	व	१९	२३	१३	३६	४८	५१	२२	३०	८	२१	वृश्चि.		३।०३।४३।३५	५७।००
काल	१२	गु	५१	३७	२६	३०	ज्ये	५१	५१	२६	३६	ब्र	४०	११	२१	५६	ब	२०	३३	१४	०५	४५	५१	२१	३१	९	२२	धनु.	२६।३६	३।०४।४०।३५	५७।०१
प्र.व्र.	१३	शु	५४	३४	२७	४१	मूल	५६	२५	२८	२६	ऐ	३९	५५	२१	५०	कौ	२२	५७	१५	०३	४३	५२	२१	१	१०	२३	धनु.		३।०५।३७।३६	५७।०२
मातङ्ग	१४	श	५८	२६	२९	१५	पूषा	...	...	...	...	वै	४०	२५	२२	०३	ग	२६	२३	१६	२६	४०	५२	२०	२	११	२४	धनु.		३।०६।३४।३७	५७।०२
पूर्णिमा	१५	र	...	...	...	..	पूषा	१	५२	६	३८	वि	४१	३४	२२	३१	वि	३०	४०	१८	०९	३८	५३	२०	३	१२	२५	मक.	१३।१४	३।०७।३१।४०	५७।०३
पूर्णिमा	१५	सो	३	०५	७	०७	उषा	८	०४	९	०७	प्री	४३	१३	२३	११	ब	३	०५	७	०७	३५	५३	१९	४	१३	२६	मक.		३।०८।२८।४३	५७।०४

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।
[G ६।७ (कन्या सोग्रांगः गु. ७ पू. रा. ४ दो., तुला. शनि. १२ H
चंद्रदर्शनम् (मु.१५), श्री जगदीश रथ यात्रा
भ. २५।४९ उ., सावान ८, मघा रे. ९ ॥ऽशु।।।।।।। दिवा ल. G
भ. १२।०६ या., श्लेषा. बुधः १६।००
स्कंध षष्ठी, कर्के रविः २०।४९, निरयन दक्षिणायनारंभः, पूफा. D
भ. २८।२८ उ., कर्के सौरः ७।३८ [D शुक्रः २७।४४
[B कन्यायां भौमः ५।५३, सं.स्त्री.नपु.चं.सू.वाहन नाग अनावृष्टिः
भ. १५।३७ या. [C वक्री गुरुः २८।५८
मङ्गली ९ [H दोषास्तेनत्याज्यः), उफा. भौमः १४।३५
मन्वादि, आशा दशमी, पुष्ये रविः ८।४० (सौरः १९।५५), B
भ. १३।३६ उ. २५।४७ या., देव शयनी ११ व्र.,चातुर्मास व्रतारंभः, E
श्रावणे वर्जयेच्छाकम्, सायन सिंहे भानुः २७।५५ [E गोपद्मव्रतोद्यापनं
प्रदोषः,जया पार्वती व्रतं, भा.श्रावणारंभः, सिंहे मघा. बुधः २०।५०, C
भ. २९।१५ उ. [A गोपद्मव्रतारंभ, व्यासपूजा,गुरु पूर्णिमा, आषाढी F
भ. १८।०९ या., मन्वादि, पूर्णिमा व्रतंपुण्यञ्च, वायु परीक्षा, A
पूषा.-१ राहुः २२।००, आर्द्रा.-३ केतुः २२।०० [F योगः

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

अयनांशाः २३।५९।३१

पं.१४	आ.शु. ४	गु. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.		
२	४	३	११	४	५	८	२		
२८	२७	१५	०९	११	०५	१७	१७		
२६	०२	५५	१७	१२	४०	१७	१७		
५७	२१	१४	३०	३१	३९	०७	०७		
५७	३५	१०५	१	६६	४	३	३		
१३	२०	२१	३३	४०	१६	११	११		
पुन	उफा	पु	उमा	म	उफा	पूषा	आ		
३	१	४	२	४	३	२	४		



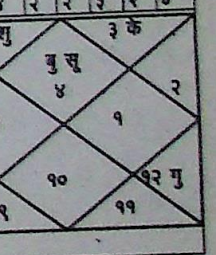
ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	जुल	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	सायं	रात्रौ	रात्रौ
०२।२५।१७।४८	१ चं	१२	१२।२०	१।५६	३।५२	६।०७	८।२७	१०।४४	११००	३।१९	५।३७	७।४२	९।२५	१०।५४
०२।२६।१४।४४	२ मं	१३	१२।१६	१।५२	३।४८	६।०३	८।२३	१०।४०	१२।५६	३।१५	५।३३	७।३८	९।२९	१०।५०
०२।२७।११।४०	३ बु	१४	१२।१२	१।४८	३।४४	५।५९	८।१९	१०।३६	१२।५२	३।११	५।२९	७।३४	९।१७	१०।४६
०२।२८।०८।३६	४ गु	१५	१२।०८	१।४४	३।४०	५।५५	८।१५	१०।३२	१२।४८	३।०७	५।२५	७।३०	९।१३	१०।४२
०२।२९।०५।३३	५ शु	१६	१२।०४	१।४०	३।३६	५।५१	८।११	१०।२८	१२।४४	३।०३	५।२२	७।२६	९।१०	१०।३८
०३।००।०२।३१	६ श	१७	१२।००	१।३६	३।३२	५।४७	८।०७	१०।२४	१२।४०	२।५९	५।१८	७।२२	९।०६	१०।३४
०३।००।५९।२८	८ र	१८	११।५६	१।३२	३।२८	५।४३	८।०३	१०।२०	१२।३६	२।५५	५।१४	७।१८	९।०२	१०।३०
०३।०१।५६।२७	९ चं	१९	११।५२	१।२८	३।२५	५।३९	७।५९	१०।१६	१२।३२	२।५१	५।१०	७।१४	८।५८	१०।२६
०३।०२।५३।२६	१० मं	२०	११।४८	१।२४	३।२१	५।३५	७।५५	१०।१२	१२।२८	२।४७	५।०६	७।१०	८।५४	१०।२२
०३।०३।५०।२५	११ बु	२१	११।४४	१।२१	३।१७	५।३१	७।५१	१०।०८	१२।२४	२।४३	५।०२	७।०६	८।५०	१०।१८
०३।०४।४७।२५	१२ गु	२२	११।४०	१।१७	३।१३	५।२७	७।४७	१०।०४	१२।२०	२।३९	४।५८	७।०३	८।४६	१०।१४
०३।०५।४४।२६	१३ शु	२३	११।३६	१।१३	३।०९	५।२३	७।४४	१०।००	१२।१६	२।३५	४।५४	६।५९	८।४२	१०।१०
०३।०६।४१।२८	१४ श	२४	११।३३	१।०९	३।०५	५।२०	७।४०	९।५६	१२।१२	२।३१	४।५०	६।५५	८।३८	१०।०७
०३।०७।३८।३१	१५ र	२५	११।२९	१।०५	३।०१	५।१६	७।३६	९।५३	१२।०८	२।२७	४।४६	६।५१	८।३४	१०।०३
०३।०८।३५।३४	१५ चं	२६	११।२५	१।०१	२।५७	५।१२	७।३२	९।४९	१२।०४	२।२४	४।४२	६।४७	८।३०	९।५९

संक्रांति फलम्

ता. १६ जुलाई २०१०
आषा. शु. ५ मृगौ कर्केऽर्कः प्र. (स्टै.)
टा. २०।४९ वारात् ४ नक्षत्रात् ५
वारनाम मिश्रा पशून् सुस्नदा नक्षत्रनाम
नंदा गणकान् सुस्नदा प्रदोष व्यापिनी
पिशाचान् हन्ति, दक्षिणे गमनं नैऋत्यां
दृष्टिः तैतिलकरणे प्रविष्टा नेष्टफलं
रासभवाहनं मेषोपवाहनं सुभिक्षकारक
अरुणवस्त्रं दण्डायुधं कांस्यपात्रं
पक्वान्नभक्षणं मृद्लेपनं पक्षीजातिः
केतकीपुष्पं प्रवलभूषणं भूर्जपत्रकंचुकी
युवावस्था (सूती) मु. ४५ धान्यभावे
समर्घ वत्स उत्तरे राहु पश्चिमा. मूलं
भूमौ विवाहस्तंभो ऽग्निकोणे शुक्रोदयः
पश्चिमायाम् । पुण्यकालः (स्टै.)
८।४९ से २०।४९ तक। (दान- घृत,
धेनु)।

अयनांशाः २३।५९।३२

पं.१५	आ.शु.१२	गु. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.		
३	५	३	११	४	५	८	२		
०५	०१	२७	०९	१८	०६	१६	१६		
०७	११	३२	२४	५६	१२	५४	५४		
४८	३३	२३	१९	०३	०९	५१	५१		
५७	३५	९१	०	६५	४	३	३		
१६	५६	४०	११	३१	४८	११	११		
पु	उफा	श्ले	उमा	पूषा	उफा	पूषा	आ		
१	२	४	२	२	३	२	४		



CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

॥ श्रीवल्लभ मनीराम पञ्चाङ्गम् ॥

२७ जुलाई से १० अगस्त तैक, श्री श्रावण कृष्णपक्ष संवत् २०६७, शाकः १९३२, दि.मा.सू. सू. तारीख स्टै. प्रातः दैनिक वर्षतूं रविर्दक्षिणे आषाढकृष्णेति गुर्जराः, जुलाई-अगस्त २०१०

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
लुम्बक	१	मं	८	२२	९	१५	श्रव	१४	५२	११	५१	आ	४५	१७	२४	०१	की	८	२२	९	१५	३३/३२	५/५४	७/९	५	१४	२७	कुंभे	२५।१७	३।०९।२५।४७	५७।०५
मित्र	२	बु	१४	०९	११	३४	धनि	२२	०७	१४	४५	त्ती	४७	३९	२४	५८	ग	१४	०९	११	३४	२९	५५	१८	६	१५	२८	कुंभे		३।१०।२२।५२	५७।०६
च.ग्र.	३	गु	२०	११	१३	५९	शत	२९	३७	१७	४६	शो	५०	०८	२५	५८	वि	२०	११	१३	५९	२७	५५	१८	७	१६	२९	कुंभे		३।११।१९।५८	५७।०७
ध्वाङ्क्ष	४	शु	२६	१४	१६	२५	पूभा	३७	०३	२०	४५	अ	५२	२८	२६	५५	बा	२६	१४	१६	२५	२४	५६	१७	८	१७	३०	मीने	१४।०१	३।१२।१७।०५	५७।०८
धूम्र	५	श	३९	५३	१८	४९	उभा	४४	०२	२३	३३	सु	५४	२२	२७	४९	तै	३९	५३	१८	४१	२१	५६	१६	९	१८	३१	मीने		३।१३।१४।१३	५७।०९
प्रवर्धमा	६	र	३६	४२	२०	३७	रेव	५०	०७	२५	५९	धृ	५५	२९	२८	०८	ग	४	२४	७	४२	१८	५७	१६	१०	१९	१	मेषे	२५।५९	३।१४।११।२२	५७।१०
राक्षस	७	स्रो	४०	१३	२२	०२	अश्वि	५४	५२	२७	५४	शू	५५	३२	२८	१०	वि	८	३७	९	२४	१५	५७	१५	११	२०	२	मेषे		३।१५।०८।३२	५७।११
मुसल	८	मं	४२	०५	२२	४८	भर	५७	५९	२९	०९	गं	५४	१४	२७	४०	बा	११	२१	१०	३०	१२	५८	१४	१२	२१	३	मेषे		३।१६।०५।४३	५७।१२
सिद्धि	९	बु	४२	०७	२२	४९	कृति	५९	१४	२९	४०	वृ	५१	२८	२६	३३	तै	१२	१९	१०	५४	०९	५८	१४	१३	२२	४	वृषे	११।२१	३।१७।०२।५५	५७।१३
उत्पात	१०	गु	४०	११	२२	०३	रोहि	५८	३४	२९	२४	घ्रु	४७	०८	२४	५०	व	११	२२	१०	३२	०५	५९	१३	१४	२३	५	वृषे		३।१८।००।०८	५७।१५
ए.व्र.	११	शु	३६	२२	२०	३२	मृग	५६	०४	२८	२५	व्या	४१	१७	२२	३०	ब	८	३०	९	२३	०२	५९	१२	१५	२४	६	मिथु.	१७।००	३।१८।५७।२३	५७।१६
प्र.व्र.	१२	श	३०	५०	१८	२०	आर्द्रा	५१	५५	२६	४६	ह	३४	०२	१९	३७	कौ	३	४७	७	३१	३/३	०/६	११	१६	२५	७	मिथु		३।१९।५४।३८	५७।१७
ध्वजा	१३	र	२३	४७	१५	३९	पुन	४६	२२	२४	३३	व	२५	३२	१६	१३	व	२३	४७	१५	३१	५६	००/००	११	१७	२६	८	कर्के	११।०९	३।२०।५१।५५	५७।१८
धाता	१४	स्रो	१५	३४	१२	१४	पुष्य	३९	४७	२१	५६	सि	१६	०५	१२	२७	श	१५	३४	१२	१४	५२	०१	१०	१८	२७	९	कर्के		३।२१।४९।१४	५७।२०
अमाव.	३०	मं	६	३२	८	३८	श्ले	३२	३४	१९	०३	व्य	५/५५	५/२८	८/२८	२४/१३	ना	६	३२	८	३८	४९	०१	०१	११	२८	१०	सिंहे	११।०३	३।२२।४६।३३	५७।२१

अयनांशाः २३।५९।३३

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	जुला	रात्री	रात्री	रात्री	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	सायं	रात्री	रात्री
०३।०९।३२।३८	१ मं	२७	११।२१	१२।५७	२।५३	५।०८	७।२८	९।४५	१२।००	२।२०	४।३८	६।४३	८।२६	९।५५
०३।१०।२९।४३	२ बु	२८	११।१७	१२।५३	२।४९	५।०४	७।२४	९।४१	११।५६	२।१६	४।३४	६।३९	८।२२	९।५१
०३।११।२६।४९	३ गु	२९	११।१३	१२।४९	२।४५	५।००	७।२०	९।३७	११।५३	२।१२	४।३०	६।३५	८।१८	९।४७
०३।१२।२३।५६	४ शु	३०	११।०९	१२।४५	२।४१	४।५६	७।१६	९।३३	११।४९	२।०८	४।२६	६।३१	८।१४	९।४३
०३।१३।२१।०४	५ श	३१	११।०५	१२।४१	२।३७	४।५२	७।१२	९।२९	११।४५	२।०४	४।२२	६।२७	८।१०	९।३९
०३।१४।१८।१३	६ र	१	११।०१	१२।३७	२।३३	४।४८	७।०८	९।२५	११।४१	२।००	४।१८	६।२३	८।०६	९।३५
०३।१५।१५।२३	७ चं	२	१०।५७	१२।३३	२।२९	४।४४	७।०४	९।२१	११।३७	१।५६	४।१४	६।१९	८।०२	९।३१
०३।१६।१२।३४	८ मं	३	१०।५३	१२।२९	२।२५	४।४०	७।००	९।१७	११।३३	१।५२	४।१०	६।१५	७।५९	९।२७
०३।१७।०९।४६	९ बु	४	१०।४९	१२।२५	२।२१	४।३६	६।५६	९।१३	११।२९	१।४८	४।०७	६।११	७।५५	९।२३
०३।१८।०६।५९	१० गु	५	१०।४५	१२।२१	२।१७	४।३२	६।५२	९।०९	११।२५	१।४४	४।०३	६।०७	७।५१	९।१९
०३।१९।०४।१४	११ शु	६	१०।४१	१२।१७	२।१४	४।२८	६।४८	९।०५	११।२१	१।४०	३।५९	६।०३	७।४७	९।१५
०३।२०।०१।३०	१२ श	७	१०।३७	१२।१३	२।१०	४।२४	६।४४	९।०१	११।१७	१।३६	३।५५	५।५९	७।४३	९।११
०३।२०।५८।४७	१३ र	८	१०।३३	१२।१०	२।०६	४।२०	६।४०	८।५७	११।१३	१।३२	३।५१	५।५५	७।३९	९।०७
०३।२१।५६।०५	१४ चं	९	१०।२९	१२।०६	२।०२	४।१६	६।३६	८।५३	११।०९	१।२८	३।४७	५।५२	७।३५	९।०३
०३।२२।५३।२५	३० मं	१०	१०।२५	१२।०२	१।५८	४।१२	६।३३	८।४९	११।०५	१।२४	३।४३	५।४८	७।३१	८।५९

मास फलम्

श्रावण में पांच मंगलवार होने से महाभय हो यथा- ॥पंचभौमे भयंमहत्॥ कृष्णा प्रतिपदा को धृति योग न होने से धान्यादि भाव मंदे हों। कृष्णा एकादशी को मृगशिरा होने से दुर्भिक्ष हो। श्रावण अमावस्या को मंगलवार और आश्लेषा होने से अरिष्टकारी योग बनता है। शुक्ला सप्तमी को स्वाति नक्षत्र सुभिक्ष कारक है। पूर्णिमा धनिष्ठा युक्त होने से शुभ फल दायिनी है। सोमवार की सक्रांति होने से दक्षिण की पवन चले, धान्यादि सभी वस्तुओं के भाव मंदे हो, रस घृत किराणें की वस्तुएं तेज हों, लोक, महाजन प्रसन्न हों, प्रजा में सद्भाव अधिक हो।

अयनांशाः २३।५९।३४

पं.१७ श्रा.कृ.१० गु. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
३	५	४	११	५	५	८	२
१८	०९	१५	०९	०३	०७	१६	१६
३०	४२	४४	०९	५५	२५	१०	१०
५९	१०	१८	०५	३८	२८	२०	२०
५७	३७	६१	२	६२	५	३	३
२७	०३	०४	३३	३३	४३	११	११
श्ले	उफा	पूफा	उभा	उफा	उफा	पूषा	आ
१	४	१	२व	३	४	१	३





CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

॥ श्रीवल्लभ मनीराम पञ्चाङ्गम् ॥

११ अगस्त से २४ अगस्त तक, श्री श्रावण शुक्लपक्ष संवत् २०६७, शाकः १९३२, दि.मा.सू. सू. तारीख स्टै. प्रातः दैनिक केतकी अहर्गणः ६७०२ वर्षेतू रविर्दक्षिणे, अगस्त २०१०

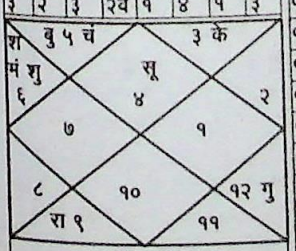
योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
क्षयः	१	मं	५७	०७	२८	५२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
सिंधारा	२	बु	४७	४१	२५	०६	मघा	२५	०९	१६	०६	प	४४	५८	२४	०१	बा	२२	२२	१४	५९	३२ ४६	६ ०३	७ ०८	२०	२९	११	सिंहे	३।२३।४३।५४	५७।२२
तीज	३	गु	३८	४२	२१	३१	पूफा	१८	००	१३	१५	शि	३४	५०	१९	५९	तै	१३	०६	११	१७	४२	०३	०७	२१	१	१२	कन्या १८।३४	३।२४।४१।१७	५७।२४
शुभ	४	शु	३०	३६	१८	१७	उफा	११	३३	१०	४०	सि	२५	२४	१६	१३	व	४	३०	७	५१	३९	०३	०७	२२	२	१३	कन्या	३।२५।३८।४१	५७।२५
मृत्यु	५	श	२३	४५	१५	३४	हस्त	६	१५	८	३३	सा	१७	००	१२	५१	बा	२३	४५	१५	३४	३५	०४	०६	२३	३	१४	तुला. १९।४३	३।२६।३६।०६	५७।२७
पद्म	६	र	१८	२९	१३	२८	चित्रा	२	२६	७	०२	शु	९	५२	१०	०१	तै	१८	२९	१३	२८	३२	०४	०५	२४	४	१५	तुला.	३।२७।३३।३३	५७।२८
छत्र	७	सो	१५	०२	१२	०५	स्वा	०	२१	६	१३	शु	४	१०	७	४५	व	१५	०२	१२	०५	२८	०५	०४	२५	५	१६	वृश्चि. २४।०६	३।२८।३१।०१	५७।३०
श्रीवत्स	८	मं	१३	२९	११	२९	विशा	०	१०	६	०९	ब्र	० ५७	०२ २४	६ २९	०६ ०३	ब	१३	२९	११	२९	२५	०५	०३	२६	६	१७	वृश्चि.	३।२९।२८।३१	५७।३१
सौम्य	९	बु	१३	५०	११	३८	अनु	१	५१	६	५०	वै	५६	०९	२८	३३	कौ	१३	५०	११	३८	२१	०६	०२	२७	७	१८	वृश्चि.	४।००।२६।०२	५७।३३
काल	१०	गु	१५	५४	१२	२८	ज्ये	५	१४	८	१२	वि	५६	०५	२८	३२	ग	१५	५४	१२	२८	१७	०६	०१	२८	८	१९	धनु. ८।१२	४।०१।२३।३५	५७।३५
ए.व्र.	११	शु	१९	२२	१३	५१	मूल	१०	०४	१०	०८	प्री	५६	५८	२८	५४	वि	१९	२२	१३	५१	१४	०७	००	२९	९	२०	धनु.	४।०२।२१।१०	५७।३६
प्र.व्र.	१२	श	२३	५७	१५	४२	पूषा	१६	००	१२	३१	आ	५८	३२	२९	३२	बा	२३	५७	१५	४२	१०	०७	५९	३०	१०	२१	मक. १९।१०	४।०३।१८।४६	५७।३८
अमृत	१३	र	२९	१७	१७	५०	उषा	२२	४१	१५	१२	सौ	...	...	..	..	तै	२९	१७	१७	५०	०६	०८	५८	३१	११	२२	मक.	४।०५।१४।०४	५७।४१
सिद्धि	१४	सो	३५	०३	२०	०९	श्रव	२९	४९	१८	०४	सौ	०	२९	६	२०	ग	२	०७	६	५९	०२	०८	५७	१	१२	२३	कुंभ ७।३२	४।०६।१९।४५	५७।४३
पूर्णिमा	१५	मं	४१	०२	२२	३३	धनि	३७	१०	२१	०१	शो	२	४४	७	१४	वि	८	०१	९	२१	३१ ५९	०९	५६	२	१३	२४	कुंभ		

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।
[C सोमेश्वरपूजनं, सिंहे मघा. रविः २९।१८, सं.स्त्री.नपु.चं.सू. F चंद्रदर्शनम्(मु.३०),शृंगार(सिंधारा) देशाचारे [F वाहनमहिष अनावृष्टिः तीज, स्वर्णगौरीव्र., मधुश्रवा व्र.(गुर्जरे), सुकृत तृतीयाव्र., रमजान १ भ. ७।५१ उ. १८।१७ या., वरद चतुर्थी, दूर्वा गणपति व्र. कल्की जयंती, नागपञ्चमी, नाग्दट्ट व्र., वर्णषष्ठी शीतला, भारतीयस्वतंत्रतादिवस [A (मरु), पंचक प्रारम्भः ७।३२, B भ. १२।०५ उ. २३।४२ या.,तुलसीजयंती, दुर्गाष्टमी, रोटकव्रतारंभः,C सिंहे मघा. सौरः १९।१४ [B हयग्रीव जयंती,नारियल १५, D [D यजुर्वेदि, तैतरीय, हिरण्यकेशीय, आपस्तंभ, काण्वमध्यन्दिन K भ. २५।०६ उ. [E भा. भाद्रपदारंभः, सायन कन्यायां भानुः ११।०६ भ. १३।५१ या., पवित्रा ११ व्र., बुधास्तः पश्चिमायाम् २३।०८ प्रदोषः, दधि भक्षणत्यागः, पवित्रारोपणं, वक्री बुधः १६।१३ [K (कात्या.), बौधायन, अथर्ववेदि उपाकर्म, चित्रा. शुक्रः १८।३७ भ. २०।०९ उ.,सूणमाण्डणा (पूरा दिन शुद्ध है),ऋग्वेदि उपाकर्म, E भ. ९।२१ या., पूर्णिमा व्रतंपुण्यञ्च, रक्षाबंधनं (भद्रोत्तरं), श्रावणी A

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

अयनांशाः २३।५९।३५

पं.१८	श्रा.शु. ३	गु.	इष्टघटी	०।००
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
३	५	४	११	५	५	८	२
२५	१४	२१	०८	११	०८	१५	१५
१३	०३	५३	४७	०७	०६	४८	४८
४०	१६	४०	१९	५२	३९	०३	०३
५७	३७	४०	३	६०	६	३	३
३५	३६	१०	५१	३३	०६	११	११
श्लै	ह	पूफा	उभा	ह	उफा	पूषा	आ
३	२	३	२व	१	४	१	३



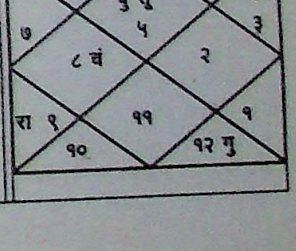
ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	अग.	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	सायं	रात्रौ
०३।२३।५०।४६	२ बु	११	९०।२२	९१।५८	१।५४	४।०९	६।२९	८।४५	११।०१	९।२०	३।३९	५।४४	७।२७	८।५६
०३।२४।४८।०९	३ गु	१२	९०।१८	९१।५४	१।५०	४।०५	६।२५	८।४२	९०।५७	९।१६	३।३५	५।४०	७।२३	८।५२
०३।२५।४५।३३	४ शु	१३	९०।१४	९१।५०	१।४६	४।०१	६।२१	८।३८	९०।५३	९।१३	३।३१	५।३६	७।१९	८।४८
०३।२६।४२।५८	५ श	१४	९०।१०	९१।४६	१।४२	३।५८	६।१७	८।३४	९०।४९	९।०९	३।२७	५।३२	७।१५	८।४४
०३।२७।४०।२५	६ र	१५	९०।०६	९१।४२	१।३८	३।५३	६।१३	८।३०	९०।४६	९।०५	३।२३	५।२८	७।११	८।४०
०३।२८।३७।५३	७ चं	१६	९०।०२	९१।३८	१।३४	३।४९	६।०९	८।२६	९०।४२	९।०१	३।१९	५।२४	७।०७	८।३६
०३।२९।३५।२३	८ मं	१७	९।५८	९१।३४	१।३०	३।४५	६।०५	८।२२	९०।३८	९२।५७	३।१५	५।२०	७।०३	८।३२
०४।००।३२।५५	९ बु	१८	९।५४	९१।३०	१।२६	३।४१	६।०१	८।१८	९०।३४	९२।५३	३।११	५।१६	६।५९	८।२८
०४।०१।३०।२८	१० गु	१९	९।५०	९१।२६	१।२२	३।३७	५।५७	८।१४	९०।३०	९२।४९	३।०७	५।१२	६।५५	८।२४
०४।०२।२८।०३	११ शु	२०	९।४६	९१।२२	१।१८	३।३३	५।५३	८।१०	९०।२६	९२।४५	३।०३	५।०८	६।५१	८।२०
०४।०३।२५।३९	१२ श	२१	९।४२	९१।१८	१।१४	३।२९	५।४९	८।०६	९०।२२	९२।४१	३।००	५।०४	६।४८	८।१६
०४।०४।२३।१७	१३ र	२२	९।३८	९१।१४	१।१०	३।२५	५।४५	८।०२	९०।१८	९२।३७	२।५६	५।००	६।४४	८।१२
०४।०५।२०।५७	१४ चं	२३	९।३४	९१।१०	१।०६	३।२१	५।४१	७।५८	९०।१४	९२।३३	२।५२	४।५६	६।४०	८।०८
०४।०६।१८।३९	१५ मं	२४	९।३०	९१।०६	१।०३	३।१७	५।३७	७।५४	९०।१०	९२।२९	२।४८	४।५२	६।३६	८।०४

संक्रांतिः फलम्

ता. १६ अगस्त २०१०
श्रा. शु. ७ चंद्रे सिंहेऽर्कः प्र. (स्टै.)
टा. २९।१८ वारात् ४ नक्षत्रात् ५
वारनाम ध्वांक्षी वैश्यान् सुस्वदा
नक्षत्रनाम मिश्रा पशून् सुस्वदा प्रभात
रात्रि ४ प्रहर व्यापिनी गोरक्षकान्
हन्ति, पश्चिमे गमनं वायव्यां दृष्टिः
बवकरणे प्रविष्टा मध्यमफलं सिंहवाहनं
गजोपवाहनं भीतिकारक श्वेतवस्त्रं
भुशुण्ड्यायुधं स्वर्णपात्रं अन्नभक्षणं
कस्तूरीलेपनं दैवतंजातिः पुन्नागपुष्पं
पिरोजभूषणं विचित्रकंचुकी बालावस्था
(बैठी) मु. ४५ धान्यभावे समर्घ वत्स
पूर्वे राहु उत्तरे मूलं स्वर्गे विवाहस्तंभो
ऐशान्यां शुक्रोदयः पश्चिमायाम् ।
पुण्यकालः (स्टै.) २२।५४ से २९।१८
तक । (दान- छत्र) ।

अयनांशाः २३।५९।३६

पं.१९	श्रा.शु.१०	गु.	इष्टघटी	०।००
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
४	५	४	११	५	५	८	२
०१	१८	२५	०८	१८	०८	१५	१५
५७	२८	०६	१६	०४	५०	२५	२५
१८	०६	५१	४१	४५	२३	४८	४८
५७	३८	८	५	५८	६	३	३
४४	०७	११	०३	०४	२६	११	११
म	ह	पूफा	उभा	ह	उफा	पूषा	आ
१	३	४	२व	३	४	१	३



CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

॥ श्रीवल्लभ मनीराम पञ्चाङ्गम् ॥

२५ अगस्त से ८ सितंबर तक, श्री भाद्रपद कृष्णपक्ष संवत् २०६७, शाकः १९३२, दि.मासू. सू. तारीख स्टै. प्रातः दैनिक शरदृतू रविर्दक्षिणे श्रावणकृष्णेति गुर्जराः, अगस्त-सितंबर २०१०

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स.	गति
मानस	१	बु	४७	०२	२४	५८	शत	४४	३४	२३	५९	अ	५	०३	८	१०	बा	१४	०३	११	४६	३५	६	६	३	१४	२५	कुंभे	४।०७।०९।२९	५७।४५
मुद्गर	२	गु	५२	५६	२७	२०	पूभा	५१	५०	२६	५३	सु	७	२१	९	०६	तै	२०	००	१४	१०	५१	१०	५४	४	१५	२६	मीने २०।१०	४।०८।०७।१४	५७।४७
ध्वजा	३	शु	५८	२८	२९	३३	उभा	५८	४७	२९	४१	धृ	९	३१	९	५८	व	२५	४५	१६	२८	४७	१०	५३	५	१६	२७	मीने	४।०९।०५।०१	५७।४९
च.व्र.	४	श	....	....	....	....	रेव	....	....	....	....	शू	११	२२	१०	४३	ब	३१	०२	१८	३५	४३	१०	५२	६	१७	२८	मीने	४।१०।०२।४९	५७।५१
प्रवर्धमा	४	र	३	२५	७	३३	रेव	५	०८	८	१४	गं	१२	४३	११	१६	बा	३	२५	७	३३	४०	११	५१	७	१८	२९	मेषे ८।१४	४।११।००।४०	५७।५२
राक्षस	५	सो	७	२८	९	११	अश्वि	१०	३८	१०	२६	वृ	१३	२०	११	३१	तै	७	२८	९	११	३६	११	५०	८	१९	३०	मेषे	४।११।५८।३२	५७।५४
मुसल	६	मं	१०	१८	१०	१९	भर	१४	५५	१२	१०	घ्रु	१२	५९	११	२४	व	१०	१८	१०	१९	३२	१२	४९	९	२०	३१	वृषे ९८।३१	४।१२।५६।२७	५७।५६
जन्माष्ट.	७	बु	११	३७	१०	५१	कृति	१७	४४	१३	१८	व्या	११	२७	१०	४७	ब	११	३७	१०	५१	२८	१२	४८	१०	२१	१	वृषे	४।१३।५४।२३	५७।५८
जन्माष्ट.	८	गु	११	१४	१०	४३	रोहि	१८	५२	१३	४६	ह	८	३४	९	३९	कौ	११	१४	१०	४३	२४	१३	४६	११	२२	२	मिथु. २५।४३	४।१४।५२।२९	५८।००
गोगा	९	शु	९	०२	९	५०	मृग	१८	१२	१३	३०	व	४ ५८	५६ ०९	७ २९	५६ ३७	ग	९	०२	९	५०	२०	१३	४५	१२	२३	३	मिथु.	४।१५।५०।२२	५८।०२
ए.व्र.	१०	श	५	००	८	१४	आर्द्रा	१५	४४	१२	३१	व्य	५१	१५	२६	४४	वि	५	००	८	१४	१६	१४	४४	१३	२४	४	कर्के २९।२०	४।१६।४८।२४	५८।०४
क्षयः	११	श	५९	१६	२९	५६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
ए.व्र.	१२	र	५२	००	२७	०२	पुन	११	३४	१०	५२	व	४२	४६	२३	२०	कौ	२५	४८	१६	३३	१२	१४	४३	१४	२५	५	कर्के	४।१७।४६।२८	५८।०६
प्र.व्र.	१३	सो	४३	३१	२३	३९	पुष्य	५ ५५	५७ ४३	८ २९	३७ ५६	प	३३	११	१९	३१	ग	१७	५२	१३	२३	०८	१५	४२	१५	२६	६	सिंहे २९।५६	४।१८।४४।३४	५८।०८
काल	१४	सं	३४	१०	१९	५५	मघा	५१	४४	२६	५७	शि	२२	५१	१५	२३	वि	८	५५	९	४९	०४	१५	४१	१६	२७	७	सिंहे	४।१९।४२।४३	५८।१०
अमाव.	३०	बु	२४	२६	१६	०२	पूफा	४४	००	२३	५१	सि	१२	०४	११	०५	ना	२४	२६	१६	०२	००	१६	४०	१७	२८	८	कन्या २९।०६	४।२०।४०।५३	५८।१३

[A रविः २५।१८, सं.स्त्री.पु.सू.चं.वाहन अश्व वर्षाश्रेष्ठः
चित्रा. भौमः २०।४२
भ. १६।२८ उ. २९।३३ या., कज्जली(बूढी ३), अगरस्त्योदयः २९।१२
चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः २०।३७
पंचक समाप्तिः ८।१४, हस्ते-१ शनिः १८।०२
वृहद्गौरी व्र. (कर्नाटके डोली), हलषष्ठी, चंद्रषष्ठी (मरु.), पूफा. A
भ. १०।१९ उ. २२।४० या., शीतला व्र., पूफा. सौरः १५।५८, C
मन्वादि, जम्माष्टमी व्र. स्मा., सितंबर ९ ता. ३०
जम्माष्टमी व्र. वैष्ण. [C तुलायां शुक्रः २८।३४
भ. २१।०७ उ., गोगानवमी, (व) उभा.-१ गुरुः २५।२८
भ. ८।१४ या., अजा ११ व्र.स्मार्त
[B लोहार्गल स्ना., मातृ ३०
अजा ११ व्र.वैष्ण., जैनपर्युषण, वत्सपूजा, तुलायां भौमः २६।४६
भ. २३।३९ उ., प्रदोषः, मासिकशिवरात्री व्र.
भ. ९।४९ या., (व) मघा. बुधः २२।०८
कुशाग्रहणी, पिठोरी ३०, देवपितृकार्येऽमा., श्री शक्ति पूजा, B

अयनांशाः २३।५९।३७

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	अग.	रात्री	रात्री	रात्री	रात्री	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	सायं	रात्री
०४।०७।१६।२२	१ बु	२५	९।२६	९९।०२	१२।५९	३।९३	५।३३	७।५०	९०।०६	९२।२५	२।४४	४।४८	६।३२	८।००
०४।०८।१४।०७	२ गु	२६	९।२२	१०।५९	१२।५५	३।०९	५।२९	७।४६	९०।०२	९२।२१	२।४०	४।४४	६।२८	७।५६
०४।०९।११।५४	३ शु	२७	९।१८	१०।५५	१२।५१	३।०५	५।२६	७।४२	९।५८	९२।१७	२।३६	४।४१	६।२४	७।५२
०४।१०।०९।४३	४ श	२८	९।१५	१०।५१	१२।४७	३।०१	५।२२	७।३८	९।५४	९२।१३	२।३२	४।३७	६।२०	७।४९
०४।११।०७।३४	५ र	२९	९।११	१०।४७	१२।४३	२।५८	५।१८	७।३४	९।५०	९२।०९	२।२८	४।३३	६।१६	७।४५
०४।१२।०५।२७	६ चं	३०	९।०७	१०।४३	१२।३९	२।५४	५।१४	७।३१	९।४६	९२।०५	२।२४	४।२९	६।१२	७।४१
०४।१३।०३।२१	७ मं	३१	९।०३	१०।३९	१२।३५	२।५०	५।१०	७।२७	९।४२	९२।०२	२।२०	४।२५	६।०८	७।३७
०४।१४।०१।१८	८ बु	१	८।५९	१०।३५	१२।३१	२।४६	५।०६	७।२३	९।३८	९१।५८	२।१६	४।२१	६।०४	७।३३
०४।१४।५९।१६	९ गु	२	८।५५	१०।३१	१२।२७	२।४२	५।०२	७।१९	९।३५	९१।५४	२।१२	४।१७	६।००	७।२९
०४।१५।५७।१७	१० शु	३	८।५१	१०।२७	१२।२३	२।३८	४।५८	७।१५	९।३१	९१।५०	२।०८	४।१३	५।५६	७।२५
०४।१६।५५।१९	११ श	४	८।४७	१०।२३	१२।१९	२।३४	४।५४	७।११	९।२७	९१।४६	२।०४	४।०९	५।५२	७।२१
०४।१७।५३।२४	१२ र	५	८।४३	१०।१९	१२।१५	२।३०	४।५०	७।०७	९।२३	९१।४२	२।००	४।०५	५।४८	७।१७
०४।१८।५१।३०	१३ चं	६	८।३९	१०।१५	१२।११	२।२६	४।४६	७।०३	९।१९	९१।३८	१।५६	४।०१	५।४४	७।१३
०४।१९।४९।३९	१४ मं	७	८।३५	१०।११	१२।०७	२।२२	४।४२	६।५९	९।१५	९१।३४	१।५३	३।५७	५।४९	७।०९
०४।२०।४७।४९	३० बु	८	८।३१	१०।०७	१२।०३	२।१८	४।३८	६।५५	९।११	९१।३०	१।४९	३।५३	५।३७	७।०५



संक्रांति फलम्

ता. १६ सितंबर २०१०
भा. शु. ९ गुरौ कन्यायामर्कः प्र. (स्टै.) टा. २९।१८ वारात् ४ नक्षत्रात् ५ वारनाम नंदा गणक्रान् सुस्पदा नक्षत्रनाम घोरा शूद्रान् सुस्पदा प्रभात रात्रि ४ प्रहर व्यापिनी गोरक्षकान् हन्ति, पश्चिमे गमनं वायव्यां दृष्टिः तैतिलकरणे प्रविष्टा नेष्टफलं रासभवाहनं मेषोपवाहनं सुभिक्षकारक अरुणवस्त्रं दण्डायुधं कांस्यपात्रं पक्वान्नभक्षणं मृद्लेप्यनं पक्षीजातिः केतकीपुष्पं प्रवल्भूषणं भूर्जपत्रकंचुकी युवावस्था (सूती) मु. ३० धान्यभावे सम वत्स पूर्वे राहु उत्तरे मूलं स्वर्गे विवाहस्तंभो ऐशान्यां शुक्रोदयः पश्चिमायाम् । पुण्यकालः (स्टै.) २९।१८ से शुक्रवार ११।४२ तक । (दान- गृह वस्त्र) ।

अयनांशाः २३।५९।३८

पं.२१ भा.कृ. ८ गु. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
४	५	४	११	६	५	८	२
१५	२७	१८	०६	००	१०	१४	१४
२७	२८	२१	५२	५५	२४	४१	४१
५७	३९	१५	३७	०१	०९	१६	१६
५८	३९	५८	६	५०	६	३	३
०५	०९	३३	५८	४८	५८	११	११
पूफा	चि	पूफा	उभा	चि	ह	पूभा	आ
१	२	२व	२व	३	१	१	३



CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

॥ श्रीवल्लभ मनीराम पञ्चाङ्गम् ॥

९ सितंबर से २३ सितंबर तक, श्री भाद्रपद शुक्लपक्ष संवत् २०६७, शाकः १९३२, दि.मा.सू. सू. तारीस्व स्टै. प्रातः दैनिक केतकी अहर्गणः ६७३१ शरदृतू रविर्दक्षिणे, सितंबर २०१०

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	च.प.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
मातङ्ग	१	गु	१४	४४	१२	१०	उफा	३६	२९	२०	५२	सा	५०	१४	४५	३६	ब	१४	४४	१२	१०	३०	१६	३	१८	२९	९	कन्या •	४।२१।३९।०६	५८।१५
अमृत	२	शु	५	३४	८	३०	हस्त	२९	४३	१८	१०	शु	४०	५७	२२	३९	कौ	५	३४	८	३०	५२	१७	३७	१९	३०	१०	तुला.	२८।५९	४।२२।३७।२०	५८।१७
क्षयः	३	शु	५७	२४	२९	१४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
गणेश	४	श	५०	४०	२६	३३	चित्रा	२४	१०	१५	५७	ब्र	३२	१४	१९	११	व	२३	४९	१५	४९	४८	१७	३६	२०	१	११	तुल.	४।२३।३५।३७	५८।१९
ऋषि	५	र	४५	४३	२४	३५	स्वा	२०	१४	१४	२३	ऐ	२४	५५	१६	१५	ब	१७	५६	१३	२८	४४	१७	३५	२१	२	१२	तुला.	४।२४।३३।५६	५८।२१
मित्र	६	सो	४२	४९	२३	२६	विशा	१८	१५	१३	३६	वै	१९	११	१३	५८	कौ	१३	५९	११	५४	४०	१८	३४	२२	३	१३	वृश्चि.	७।४३	४।२५।३२।१७	५८।२३
वज्र	७	मं	४२	०४	२३	०८	अनु	१८	२१	१३	३९	वि	१५	१०	१२	२२	ग	१२	१०	११	१०	३६	१८	३३	२३	४	१४	वृश्चि.		४।२६।३०।४१	५८।२५
ध्वाङ्क्ष	८	बु	४३	२५	२३	४१	ज्ये	२०	३३	१४	३२	प्री	१२	४९	११	२६	वि	१२	२८	११	१८	३२	१९	३२	२४	५	१५	धनु.	१४।३२	४।२७।२९।०६	५८।२८
धूम्र	९	गु	४६	३६	२४	५८	मूल	२४	३८	१६	११	आ	१२	०२	११	०८	बा	१४	४७	१२	१४	२८	१९	३०	२५	६	१६	धनु.		४।२८।२७।३४	५८।३०
प्रवर्धमा	१०	शु	५१	१५	२६	५०	पूषा	३०	१६	१८	२६	सौ	१२	३२	११	२०	तै	१८	४५	१३	५०	२४	२०	२९	२६	७	१७	मक. २५।०५	४।२९।२६।०४	५८।३२
ए.व्र.	११	श	५६	५४	२९	०६	उषा	३७	०१	२१	०८	शो	१३	५९	११	५६	व	२३	५७	१५	५५	१९	२०	२८	२७	८	१८	मक.		५।००।२४।३६	५८।३४
गद	१२	र	....	....	....	....	श्रव	४४	२२	२४	०५	अ	१६	०४	१२	४६	ब	२९	५६	१८	१९	१५	२१	२७	२८	९	१९	मक.		५।०१।२३।१०	५८।३७
प्र.व्र.	१२	सो	३	०२	७	३४	धनि	५१	५५	२७	०७	सु	१८	२६	१३	४४	बा	३	०२	७	३४	११	२१	२६	२९	९०	२०	कुंभे १३।३६	५।०२।२१।४७	५८।३९
मृत्यु	१३	मं	९	१७	१०	०५	शत	५९	२०	३०	०५	धृ	२०	४९	१४	४१	तै	९	१७	१०	०५	०७	२२	२४	३०	११	२१	कुंभे		५।०३।२०।२६	५८।४१
पद्म	१४	बु	१५	१९	१२	३०	पूभा	....	....	....	....	शू	२३	००	१५	३४	व	१५	१९	१२	३०	०३	२२	२३	३१	१२	२२	मीने २६।१४	५।०४।१९।०७	५८।४३
पूर्णिमा	१५	गु	२०	५७	१४	४५	पूभा	६	२२	८	५५	गं	२४	५०	१६	१९	व	२०	५७	१४	४५	२९	२३	२२	१	१३	२३	मीने	५।०५।१७।५०	५८।४६

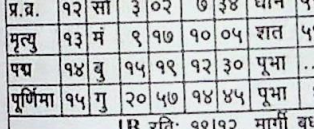
|B रविः १९।१२, मार्गी बुधः १७।३३, सं.स्त्री.नपु.सू.सू.वाहन मूषक अनावृष्टिः |E उमामहेश्वर पू., यावत्, उफा. सौरः ९०।०८ |L २१।०८ से , हरिवासरः ३०।०६ से , पूफा. बुधः ८।३२ |F यावत्, कन्यायां रविः २९।१८

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

अयनांशाः २३।५९।३९

पं.२२ भा.शु. १ गु. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
४	६	४	११	६	५	८	२
२२	०२	१२	०६	०६	११	१४	१४
१५	०४	२९	०१	३५	१३	१९	१९
१४	१५	१३	५१	२९	३०	००	००
५८	३९	२९	७	४५	७	३	३
१७	३९	०६	३५	२६	०९	११	११
पूफा	चि	म	उमा	चि	ह	पूषा	आ
३	३	४व	१५	४	१	१	३



ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	सिद्ध	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	सायं
०४।२१।४६।०२	१ गु	९	८।२७	९०।०३	११।५९	२।९४	४।३४	६।५१	९।०७	११।२६	१।४५	३।४९	५।३३	७।०१
०४।२२।४४।१७	२ शु	१०	८।२३	९।५९	११।५५	२।९०	४।३०	६।४७	९।०३	११।२२	१।४१	३।४५	५।२९	६।५७
०४।२३।४२।३४	४ श	११	८।१९	९।५५	११।५२	२।०६	४।२६	६।४३	८।५९	११।१८	१।३७	३।४१	५।२५	६।५३
०४।२४।४०।५३	५ र	१२	८।१५	९।५१	११।४८	२।०२	४।२२	६।३९	८।५५	११।१४	१।३३	३।३७	५।२१	६।४९
०४।२५।३९।१५	६ चं	१३	८।११	९।४८	११।४४	१।५८	४।१८	६।३५	८।५१	११।१०	१।२९	३।३३	५।१७	६।४५
०४।२६।३७।३८	७ मं	१४	८।०७	९।४४	११।४०	१।५४	४।१५	६।३१	८।४७	११।०६	१।२५	३।३०	५।१३	६।४१
०४।२७।३६।०४	८ बु	१५	८।०४	९।४०	११।३६	१।५०	४।११	६।२७	८।४३	११।०२	१।२१	३।२६	५।०९	६।३८
०४।२८।३४।३२	९ गु	१६	८।००	९।३६	११।३२	१।४७	४।०७	६।२३	८।३९	१०।५८	१।१७	३।२२	५।०५	६।३४
०४।२९।३३।०२	१० शु	१७	७।५६	९।३२	११।२८	१।४३	४।०३	६।२०	८।३५	१०।५४	१।१३	३।१८	५।०१	६।३०
०५।००।३१।३४	११ श	१८	७।५२	९।२८	११।२४	१।३९	३।५९	६।१६	८।३१	१०।५१	१।०९	३।१४	४।५७	६।२६
०५।०१।३०।०९	१२ र	१९	७।४८	९।२४	११।२०	१।३५	३।५५	६।१२	८।२७	१०।४७	१।०५	३।१०	४।५३	६।२२
०५।०२।२८।४६	१२ चं	२०	७।४४	९।२०	११।१६	१।३१	३।५१	६।०८	८।२४	१०।४३	१।०१	३।०६	४।४९	६।१८
०५।०३।२७।२५	१३ मं	२१	७।४०	९।१६	११।१२	१।२७	३।४७	६।०४	८।२०	१०।३९	१२।५७	३।०२	४।४५	६।१४
०५।०४।२६।०६	१४ बु	२२	७।३६	९।१२	११।०८	१।२३	३।४३	६।००	८।१६	१०।३५	१२।५३	२।५८	४।४१	६।१०
०५।०५।२४।५०	१५ गु	२३	७।३२	९।०८	११।०४	१।१९	३।३९	५।५६	८।१२	१०।३१	१२।४९	२।५४	४।३७	६।०६

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।

स्वा. शुक्रः ८।३९ [A हस्तिगौरीव्र., सामवेदि उपाकर्म, बुधोदयः G
चंद्रदर्शनम् (मु.३०), मन्वादि, वराह जयंती, हरितालिका व्र., A
[G पूर्वस्याम् ७।१०, शनेरस्तः पश्चिमायाम् ९।०१
भ. १५।४९ उ. २६।३३ या., गणेश चतुर्थी (चंद्र दर्शनं निषेधः), M
ऋषि पंचमी [M जैन संवत्सरी, सव्वाल १० [J स्वा. भौमः २८।१९
सौर (सूर्य) षष्ठी, स्कन्द दर्शनं, ललिता षष्ठीव्र. (गुर्जरे), उफा. B
भ. २३।०८ उ., दूबड़ी सातम, गौरी आवाहन १३।३९ मुक्ताभरणव्र.,E
भ. १९।१८ या.,दधीचीजयंती, श्रीराधा ८,गौरीपूजन १४।३२ यावत्, J
अदुःस्व नवमीव्र., श्रीचंद्र(उदासीन संप्रदाय), गौरीविसर्जन १६।११ F
दशावतारव्र.,श्रीरामदेवजी का मेला,द्विश्चकर्मापू.,कन्यायांसौरः २०।१५
भ. १५।५५ उ. २९।०६ या., जलझूलनी ११ व्र., विष्णुश्रृंखला L
वामनजयंती,दुग्धव्रतं, विष्णुश्रृंखला २४।०५ तक,हरिवासरः१५।०६ तक
पंचक प्रारम्भः १३।३६, प्रदोषः, गोत्रिरात्र व्र. [D पूजनं, रंभारोपणं,
[C तुलायां भानुः ८।५१, संध्यापूजा, इंदुला १५, भा. अश्विनारंभः
भ. १२।३० उ. २५।३९ या., पूर्णिमा व्रतं, अनन्त १४, कदली व्रतं D
पूर्णिमापुण्यं, प्रौष्ठपदी,महालय श्राद्धारंभः महेश्वरपूजनं,कु. सायन C

अयनांशाः २३।५९।४०

पं.२३ भा.शु. ९ गु. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	शु.	श.	रा.	के.
४	६	११	६	५	८	२
२९	०६	१२	०५	११	१२	१३	१३
०३	४३	०३	०७	३३	०४	५६	५६
५९	२१	१२	३२	२६	००	४४	४४
५८	४०	३९	७	३८	७	३	३
३०	०८	४८	५६	१९	१७	११	११
उफा	स्वा	म	उमा	स्वा	ह	पूषा	आ
१	१	४	१५	२	१	१	३



अयनांशाः २३।५९।४१

पं.२४ भा.शु.९५ गु. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु	शु.	श.	रा.	के.
५	६	४	११	६	५	८	२
०५	११	१८	०४	१५	१२	१३	१३
५४	२५	३४	११	३५	५५	३४	३४
१७	५५	२७	३६	०१	१७	२९	२९
५८	४०	८३	८	२८	७	३	३
४४	३८	०८	००	५४	२२	११	११
उफा	स्वा	पूफा	उमा	स्वा	ह	पूषा	आ
३	२	२	१५	३	१	१	३



CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

॥ श्रीवल्लभ मनीराम पञ्चाङ्गम् ॥

२४ सितंबर से ७ अक्टूबर तक, श्री आश्विन कृष्णपक्ष संवत् २०६७, शाकः १९३२, दि.मासू. सू. तारीस्त स्टै. प्रातः दैनिक शरदृतू रविर्दक्षिणे भाद्रपदकृष्णेति गुर्जराः, सितंबर-अक्टूबर २०१०

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
ध्वजा	१	शु	२६	०३	९६	४८	उमा	१२	५५	११	३३	वृ	२६	१७	९६	५४	कौ	२६	०३	९६	४८	२९/५५	६/२३	६/२९	२	१४	२४	मीने	५।०६।१९।३६	५८।४८
धाता	२	श	३०	३१	९८	३६	रेव	९८	५४	९३	५७	ध्रु	२७	१४	१७	१७	ग	३०	३१	९८	३६	५१	२३	२०	३	१५	२५	मेषे	५।०७।१५।२४	५८।५०
आनन्द	३	र	३४	१५	२०	०६	अश्वि	२४	११	१६	०४	व्या	२७	३७	१७	२७	व	२	२९	७	२३	४७	२४	९९	४	१६	२६	मेषे	५।०८।१४।१४	५८।५३
च.ब्र.	४	सो	३७	०४	२१	१४	भर	२८	३७	१७	५१	ह	२७	१९	१७	२०	ब	५	४६	८	४३	४३	२४	१७	५	१७	२७	वृषे	२४।१५	५।०९।१३।०७	५८।५५
गद	५	मं	३८	५०	२१	५७	कृति	३२	०३	१९	१४	व	२६	१३	१६	५४	कौ	८	०६	९	३९	३८	२५	१६	६	१८	२८	वृषे		५।१०।१२।०२	५८।५७
शुभ	६	बु	३९	२०	२२	१०	रोहि	३४	१६	२०	०८	सि	२४	१०	१६	०६	ग	९	१५	१०	०७	३४	२५	१५	७	१९	२९	वृषे		५।११।१०।५९	५९।००
मृत्यु	७	गु	३८	२५	२१	४८	मृग	३५	०७	२०	२९	व्य	२१	०१	१४	५०	वि	९	०३	१०	०३	३०	२६	१४	८	२०	३०	मिथु. ८।२३	५।१२।०९।५९	५९।०२
पद्म	८	शु	३५	५६	२०	४९	आर्द्रा	३४	२६	२०	१३	व	१६	४१	१३	०७	बा	७	२२	९	२३	२६	२६	१३	९	२१	१	मिथु.	५।१३।०९।०१	५९।०४
छत्र	९	श	३१	५३	१९	१२	पुन	३२	१२	१९	२०	प	११	०४	१०	५२	तै	४	०६	८	०५	२२	२७	१२	१०	२२	२	कर्के १३।३६	५।१४।०८।०५	५९।०७
श्रीवत्स	१०	र	२६	१८	१६	५९	पुष्य	२८	२७	१७	५०	शि	४/५६	१२/१०	८/२८	०८/५५	वि	२६	१८	१६	५९	१८	२७	११	११	२३	३	कर्के	५।१५।०७।१२	५९।०९
ए.ब्र.	११	सो	१९	२२	१४	१३	श्ले	२३	२१	१५	४८	सा	४७	०६	२५	१८	बा	१९	२२	१४	१३	१४	२८	०९	१२	२४	४	सिंहे १५।४८	५।१६।०६।२१	५९।११
प्र.ब्र.	१२	मं	११	१९	११	००	मघा	१७	१०	१३	२०	शु	३७	१७	२१	२३	तै	११	१९	११	००	१०	२८	०८	१३	२५	५	सिंहे	५।१७।०५।३२	५९।१४
सुस्थिर	१३	बु	२	३२	७	३०	पूफा	१०	१७	१०	३६	शु	२७	००	१७	१७	व	२	३२	७	३०	०६	२९	०७	१४	२६	६	कन्या १५।५३	५।१८।०४।४६	५९।१६
क्षयः	१४	बु	५३	२६	२७	५१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
अमाव.	३०	गु	४४	२६	२४	१६	उफा	३/५६	०७/११	७/२८	४४/५८	ब्र	१६	३६	१३	०८	च	१८	५३	१४	०३	०२	२९	०६	१५	२७	७	कन्या	५।१९।०४।०१	५९।१८

अयनांशाः २३।५९।४२

पं.२५ आ.कृ. ७ गु. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
५	६	४	११	६	५	८	२
१२	१६	२९	०३	१८	१३	१३	१३
४६	११	३८	१६	२२	४७	१२	१२
१२	५४	१२	११	१५	०१	१३	१३
५८	४१	१०४	७	१६	७	३	३
५८	०७	५२	४५	३६	२४	११	११
ह	स्वा	उफा	पूभा	स्वा	ह	मू	आ
१	३	१	४व	४	२	४	२



॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

ब्रह्म र. स्प. प्रातः	वार तिथि	ता. सितं	मेष रात्रौ	वृष रात्रौ	मिथुन रात्रौ	कर्क रात्रौ	सिंह रात्रौ	कन्या प्रातः	तुला दिवा	वृश्चिक दिवा	धनु दिवा	मकर दिवा	कुंभ दिवा	मीन सायं
०५।०६।२३।३६	१ शु	२४	७।२८	९।०४	११।००	१।१५	३।३५	५।५२	८।०८	१०।२७	१२।४५	२।५०	४।३३	६।०२
०५।०७।२२।२५	२ श	२५	७।२४	९।००	१०।५६	१।११	३।३१	५।४८	८।०४	१०।२३	१२।४२	२।४६	४।३०	५।५८
०५।०८।२१।१५	३ र	२६	७।२०	८।५६	१०।५२	१।०७	३।२७	५।४४	८।००	१०।१९	१२।३८	२।४२	४।२६	५।५४
०५।०९।२०।०८	४ चं	२७	७।१६	८।५२	१०।४८	१।०३	३।२३	५।४०	७।५६	१०।१५	१२।३४	२।३८	४।२२	५।५०
०५।१०।१९।०३	५ मं	२८	७।१२	८।४८	१०।४५	१२।५९	३।१९	५।३६	७।५२	१०।११	१२।३०	२।३४	४।१८	५।४६
०५।११।१८।०१	६ बु	२९	७।०८	८।४४	१०।४१	१२।५५	३।१५	५।३२	७।४८	१०।०७	१२।२६	२।३०	४।१४	५।४२
०५।१२।१७।०१	७ गु	३०	७।०४	८।४०	१०।३७	१२।५१	३।११	५।२८	७।४४	१०।०३	१२।२२	२।२६	४।१०	५।३८
०५।१३।१६।०३	८ शु	१	७।००ा	८।३७	१०।३३	१२।४७	३।०७	५।२४	७।४०	९।५९	१२।१८	२।२३	४।०६	५।३४
०५।१४।१५।०७	९ श	२	६।५६	८।३३	१०।२९	१२।४३	३।०४	५।२०	७।३६	९।५५	१२।१४	२।१९	४।०२	५।३०
०५।१५।१४।१४	१० र	३	६।५३	८।२९	१०।२५	१२।४०	३।००	५।१६	७।३२	९।५१	१२।१०	२।१५	३।५८	५।२७
०५।१६।१३।२४	११ चं	४	६।४९	८।२५	१०।२१	१२।३६	२।५६	५।१३	७।२८	९।४७	१२।०६	२।११	३।५४	५।२३
०५।१७।१२।३५	१२ मं	५	६।४५	८।२१	१०।१७	१२।३२	२।५२	५।०९	७।२४	९।४३	१२।०२	२।०७	३।५०	५।१९
०५।१८।११।४९	१३ बु	६	६।४१	८।१७	१०।१३	१२।२८	२।४८	५।०५	७।२०	९।४०	११।५८	२।०३	३।४६	५।१५
०५।१९।११।०५	३० गु	७	६।३७	८।१३	१०।०९	१२।२४	२।४४	५।०१	७।१६	९।३६	११।५४	१।५९	३।४२	५।११

मास फलम्

इस माह में पांच शुक्रवार होने से प्रजा की वृद्धि हो यथा- ॥प्रजावृद्धिस्तु भार्गवे॥ पांच शनिवार होने से मँहगाई हो। आश्विन कृष्ण एकादशी को सोमवार होने से गाय भैंस महँगी हों। गुरुवारी अमावस होने से सदा वृष्टि तथा सुभिक्ष हो कल्याण हों दुःस्त का नाश हो। आरोग्य रहे और प्रजा स्वस्थ हो। पूर्णिमा शुक्रवार और रेवती युक्त होने से शुभ फल दायिनी है ; पूर्णिमा शनिवार युक्त नेष्ट है। रविवार की सक्रांति होने से कहीं कहीं युद्ध हो, राजविग्रह हो, सूर्य बहुत तपे, रोगोत्पत्ति हो, धान्यादि महँगे हो।

अयनांशाः २३।५९।४३

पं.२६ आ.कृ.३० गु. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
५	६	५	११	६	५	८	२
१९	२१	१२	०२	१९	१४	१२	१२
३९	०१	०५	२३	३४	३८	४९	४९
४६	१८	१०	१९	०२	४८	५७	५७
५९	४१	१०७	७	१	७	३	३
१२	३६	०४	१३	१५	२३	११	११
ह	वि	ह	पूभा	स्वा	ह	मू	आ
३	१	१	४व	४	२	४	२



यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।
[A मूले-४ राहुः १९।३६, आर्द्रा.-२ केतुः १९।३६, D
पंचक समाप्तिः १३।५७ [D सं.स्त्री.पु.सू.चं.वाहन स्पर वर्षाश्रेष्ठः
भ. ७।२३ उ. २०।०६ या., हस्ते-२ शनिः १४।४७
चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः २०।३१, हस्ते रविः १०।४२ (सौरः २५।३१), A
चंद्रषष्ठी, उफा. बुधः १२।४४
भ. २२।१० उ., (व) पूभा.-४ गुरुः १८।४३
भ. १०।०३ या., श्रीमहालक्ष्मी व्र., कन्यायां बुधः ११।२५
अशोकाष्टमी, अक्टूबर १० ता. ३१
भ. ३०।१० उ., सौभाग्यवतीनां श्राद्धं, गांधी जयन्ती, E
भ. १६।५९ या. [E बुधास्तः पूर्वस्याम् २७।३०
इंदिरा ११ व्र., सन्यासिनां श्राद्धं
प्रदोषः, युगादि, गजच्छाया योगः ११।०० से १३।२० तक, विशा. B
भ. ७।३० उ. १७।४१ या., मासिकशिवरात्रीव्र., शस्त्रादि हतानां श्राद्धं
[B भौमः १९।०३, हस्ते बुधः २६।३० [C २४।१६ तक
देवपितृकार्येऽमा., सर्वपितृ श्राद्धम्, गजच्छाया (बोधायन) ७।४४ से C

CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

॥ श्रीवल्लभ मनीराम पञ्चाङ्गम् ॥

८ अक्टूबर से २३ अक्टूबर तक, श्री आश्विन शुक्लपक्ष संवत् २०६७, शाकः १९३२, दि.मा.सू. सू. तारीख्स स्टै. प्रातः दैनिक केतकी अहर्गणः ६७६० शरदृतू रविर्दक्षिणे, अक्टूबर २०१०

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
नवरा.	१	शु	३६	०२	२०	५५	चित्रा	४९	५६	२६	२८	ऐ	५७	०३	२९	०१	कि	१०	०७	१०	३३	२८	३०	०५	१६	२८	८	तुला. १५।४०	५।२०।०३।२०	५९।२१
सिद्धि	२	श	२८	४०	१७	५९	स्वा	४४	५१	२४	२७	वि	४८	३६	२५	५७	बा	२	१०	७	२३	५३	३१	०४	१७	२९	९	तुला.	५।२१।०२।४०	५९।२३
उत्पात	३	र	२२	४६	१५	३८	विशा	४१	२०	२३	०३	प्री	४१	२७	२३	०६	ग	२२	४६	१५	३८	४९	३१	०३	१८	१	१०	वृश्चि. १७।२०	५।२२।०२।०३	५९।२५
मानस	४	सो	१८	४२	१४	०१	अनु	३९	४३	२२	२५	आ	३५	५०	२०	५२	वि	१८	४२	१४	०१	४५	३२	०२	१९	२	११	वृश्चि.	५।२३।०१।२८	५९।२८
मुद्गर	५	मं	१६	४१	१३	१३	ज्ये	४०	१०	२२	३६	सौ	३१	५४	१९	१८	बा	१६	४१	१३	१३	४१	३२	०१	२०	३	१२	धनु. २२।३६	५।२४।००।५६	५९।३०
ध्वजा	६	बु	१६	५०	१३	१७	मूल	४२	४३	२३	३८	शो	२९	३९	१८	२४	तै	१६	५०	१३	१७	३७	३३	००	२१	४	१३	धनु.	५।२५।००।२६	५९।३२
धाता	७	गु	१९	०३	१४	११	पूषा	४७	१०	२५	२५	अ	२८	५८	१८	०८	व	१९	०३	१४	११	३३	३३	५९	२२	५	१४	धनु.	५।२५।५९।५८	५९।३४
दुर्गा	८	शु	२३	०४	१५	४८	उषा	५३	१०	२७	५०	सु	२९	३६	१८	२४	ब	२३	०४	१५	४८	२९	३४	५८	२३	६	१५	मक. ७।५८	५।२६।५९।३३	५९।३७
सुस्थिर	९	श	२८	२८	१७	५८	श्रव	...	...	...	...	धृ	३१	१३	१९	०४	कौ	२८	२८	१७	५८	२५	३४	५७	२४	७	१६	मक.	५।२७।५९।०९	५९।३९
विजया	१०	र	३४	३९	२०	२७	श्रव	०	१३	६	४०	शू	३३	२६	१९	५७	तै	१	३०	७	११	२१	३५	५६	२५	८	१७	कुंभे २०।११	५।२८।५८।४९	५९।४१
ए.ब्र.	११	सो	४१	०६	२३	०२	धनि	७	४८	९	४३	गं	३५	४९	२०	५५	व	७	५२	९	४५	१७	३६	५५	२६	९	१८	कुंभे	५।२९।५८।३०	५९।४४
मृत्यु	१२	मं	४७	१४	२५	३०	शत	१५	२०	१२	४४	वृ	३७	५९	२१	४८	ब	१४	१३	१२	१७	१३	३६	५४	२७	१०	१९	कुंभे	६।००।५८।१४	५९।४६
प्र.ब्र.	१३	बु	५२	४४	२७	४३	पूभा	२२	२३	१५	३४	धृ	३९	४४	२२	३०	कौ	२०	०४	१४	३८	०९	३७	५३	२८	११	२०	मीने ८।५३	६।०१।५७।५९	५९।४८
छत्र	१४	गु	५७	२३	२९	३५	उभा	२८	४२	१८	०६	व्या	४०	५०	२२	५७	ग	२५	१०	१६	४१	०६	३७	५२	२९	१२	२१	मीने	६।०२।५७।४८	५९।५०
श्रीवत्स	१५	शुं	...	...	...	..	रेव	३४	०९	२०	१८	ह	४१	१४	२३	०८	वि	२९	२१	१८	२२	०२	३८	५१	३०	१३	२२	मेषे २०।१८	६।०३।५७।३८	५९।५३
पूर्णिमा	१५	श	१	०५	७	०५	अश्वि	३८	४३	२२	०८	व	४०	५७	२३	०२	ब	१	०५	७	०५	२७	३९	५०	१	१४	२३	मेषे	६।०४।५७।३१	५९।५५

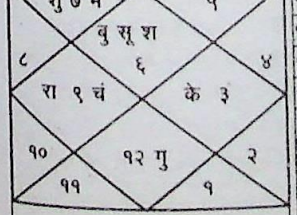
यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।
नवरात्रारम्भः, घटस्था.अग्रसेनजयंती, मातामहश्रा.,वक्री शुक्रः १८।५८
चंद्रदर्शनम् (मु.१५) [G सू.वाहन मेष अनावृष्टिः
म. २६।४३ उ., जिल्काद ११, चित्रा.रविः २३।४२, सं.स्त्री.नपु.सू. G
म. १४।०१ या.,चित्रा. सौरः १४।०० [A पंचक समाप्तिः २०।१८,D
उपांगललिता व्र. [D बंगीयलस्सीपूजा,नवान्न भक्षण, आश्वयुजी कर्म I
सरस्वती आवाहनं मूलभे, चित्रा.बुधः १५।२७ [I (आश्वलायन शास्त्रा)
म.१४।११ उ. २६।५५ या.,भद्रकाली अवतार, सरस्वती पूजनं पू.भाभे
महाष्टमी, शस्त्रादिपूजा, बलिदानं उ.भाभे, शनैरुदयः पूर्वस्याम् २९।२९
मन्वादि, शुक्रास्तः पश्चिमायाम् १६।५४ [E हस्ते-३ शनिः २२।१३
विजया १०, शमीपूजा, बौद्धावतार, पट्टाभिषेक, सरस्वती विसर्जनं B
म. ९।४५ उ. २३।०२ या., पापांकुशा ११ व्र., तुलायां सौरः ७।१२
कार्त्तिके द्विदलं त्यजेत्, वृश्चिके भौमः २६।१८ [B श्रवणे, पंचक C
प्रदोषः [C प्रारम्भः २०।११, आकाश दीपारंभः, तुलायां रविः F
म. २९।३५ उ., स्वा. बुधः १२।१९ [F १७।१६, तुलायां बुधः १२।४१
म. १८।२२ या., पूर्णिमा व्रतंपुण्यञ्च, शरद पूर्णिमा, कोजागरी व्र.,A
कार्तिक स्नान प्रा., भा.कार्तिकारंभः,सायन वृश्चिके भानुः १८।१४, E

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

अयनांशाः २३।५९।४४

पं.२७ आ.शु. ७ गु. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
५	६	५	११	६	५	८	२
२६	२५	२४	०१	१८	१५	१२	१२
३५	५४	२५	३५	५१	३०	२७	२७
०२	०३	३३	००	३०	१६	४१	४१
५९	४२	१०३	६	१५	७	३	३
२६	०५	२९	२६	५५	१८	११	११
चि	वि	वि	पूभा	स्वा	ह	मू	आ
१	२	१	४व	४व	२	४	२



ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	अक्षु	सायं	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा
०५।२०।१०।२४	१ शु	८	६।१३	८।०९	९०।०५	१२।२०	२।४०	४।५७	७।१३	९।३२	११।५०	१।५५	३।३८	५।०७
०५।२९।०९।४५	२ श	९	६।२९	८।०५	९०।०१	१२।१६	२।३६	४।५३	७।०९	९।२८	११।४६	१।५१	३।३४	५।०३
०५।२२।०९।०८	३ र	१०	६।२५	८।०१	९।५७	१२।१२	२।३२	४।४९	७।०५	९।२४	११।४२	१।४७	३।३०	४।५९
०५।२३।०८।३३	४ चं	११	६।२१	७।५७	९।५३	१२।०८	२।२८	४।४५	७।०१	९।२०	११।३८	१।४३	३।२६	४।५५
०५।२४।०८।०१	५ मं	१२	६।१७	७।५३	९।४९	१२।०४	२।२४	४।४१	६।५७	९।१६	११।३४	१।३९	३।२२	४।५१
०५।२५।०७।३१	६ बु	१३	६।१३	७।४९	९।४५	१२।००	२।२०	४।३७	६।५३	९।१२	११।३१	१।३५	३।१९	४।४७
०५।२६।०७।०४	७ गु	१४	६।०९	७।४५	९।४१	११।५६	२।१६	४।३३	६।४९	९।०८	११।२७	१।३१	३।१५	४।४३
०५।२७।०६।३९	८ शु	१५	६।०५	७।४१	९।३७	११।५२	२।१२	४।२९	६।४५	९।०४	११।२३	१।२७	३।११	४।३९
०५।२८।०६।१६	९ श	१६	६।०१	७।३७	९।३४	११।४८	२।०८	४।२५	६।४१	९।००	११।१९	१।२३	३।०७	४।३५
०५।२९।०५।५५	१० र	१७	५।५७	७।३३	९।३०	११।४४	२।०४	४।२१	६।३७	८।५६	११।१५	१।१९	३।०३	४।३१
०६।००।०५।३७	११ चं	१८	५।५३	७।२९	९।२६	११।४०	२।००	४।१७	६।३३	८।५२	११।११	१।१५	२।५९	४।२७
०६।०१।०५।२९	१२ मं	१९	५।४९	७।२६	९।२२	११।३६	१।५६	४।१३	६।२९	८।४८	११।०७	१।१२	२।५५	४।२३
०६।०२।०५।०७	१३ बु	२०	५।४५	७।२२	९।१८	११।३२	१।५३	४।०९	६।२५	८।४४	११।०३	१।०८	२।५१	४।१९
०६।०३।०४।५५	१४ गु	२१	५।४२	७।१८	९।१४	११।२९	१।४९	४।०५	६।२१	८।४०	१०।५९	१।०४	२।४७	४।१६
०६।०४।०४।४६	१५ शु	२२	५।३८	७।१४	९।१०	११।२५	१।४५	४।०२	६।१७	८।३६	१०।५५	१।००	२।४३	४।१२
०६।०५।०४।३९	१५ श	२३	५।३४	७।१०	९।०६	११।२१	१।४१	३।५८	६।१३	८।३३	१०।५१	९२।५६	२।३९	४।०८

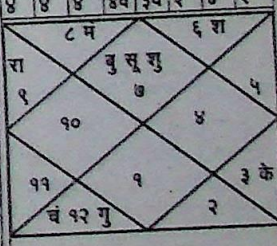
संक्रांति फलम्

ता. १७ अक्टूबर २०१०
आश्वि. शु. १० रवौ तुलायामर्कः
प्र. (स्टै.) टा. १७।१६ वारात् ४
नक्षत्रात् ४ वारनाम घोरा शूद्रान्
सुस्पदा नक्षत्रनाम महोदरी चोरान्
सुस्पदा अपरान्ह ३ प्रहर व्यापिनी
वैश्यान् हन्ति, दक्षिणे गमनं नैऋत्यां
दृष्टिः गरकरणे प्रविष्टा मध्यमफलं
हस्तीवाहनं स्त्रोपवाहनं लक्ष्मीकारक
रक्तवस्त्रं धनुष्यायुधं लोहपात्रं
दुग्धभक्षणं गोरोचनलेप्यनं पशुजातिः
वित्वपुष्पं मुकुटभूषणं श्वेतकंचुकी
प्रौठावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यभावे
सम वत्स पूर्व राहु उत्तरे मूलं भूमौ
विवाहस्तंभो ऐशान्यां शुक्रास्तः
पश्चिमायाम् । पुण्यकालः (स्टै.)
११।१६ से २३।१६ तक । (दान-
तिल) ।

अयनांशाः २३।५९।४५

पं.२८ आ.शु.१४ गु. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
६	७	६	११	६	५	८	२
०३	००	०६	००	१६	१६	१२	१२
३१	५०	१६	५२	११	२१	०५	०५
५९	०७	३१	५५	५६	०३	२५	२५
५९	४२	९८	५	३०	७	३	३
४०	३३	५५	२५	५९	१०	११	११
चि	वि	चि	पूभा	स्वा	ह	मू	आ
४	४	४	४व	३व	२	४	२



CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

॥ श्रीवल्लभ मनीराम पञ्चाङ्गम् ॥

२४ अक्टूबर से ६ नवंबर तक, श्री कार्तिक कृष्णपक्ष संवत् २०६७, शाकः १९३२, दि.मा.सू. सू. तारीख्स स्टै. प्रातः दैनिक हेमन्तर्तू रविर्दक्षिणे आश्विनकृष्णेति गुर्जराः, अक्टूबर-नवंबर २०१०

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
काल	१	र	३	५३	८	१३	भर	४२	२४	२३	३७	सि	३९	५७	२२	३८	कौ	३	५३	८	१३	२७ ५४	६ ३९	५ ५१	२	१५	२४	वृषे २९।५६	६।०५।५७।२५	५९।५७
सुस्थिर	२	सो	५	४७	८	५९	कृति	४५	१३	२४	४५	व्य	३८	१६	२१	५८	ग	५	४७	८	५९	५०	४०	४८	३	१६	२५	वृषे	६।०६।५७।२३	५९।५९
च.व्र.	३	मं	६	४७	९	२४	रोहि	४७	०९	२५	३२	व	३५	५२	२१	०१	वि	६	४७	९	२४	४६	४१	४७	४	१७	२६	वृषे	६।०७।५७।२२	६०।०१
अमृत	४	बु	६	५३	९	२६	मृग	४८	०९	२५	५७	प	३२	४३	१९	४७	बा	६	५३	९	२६	४२	४१	४६	५	१८	२७	मिथु. १३।४७	६।०८।५७।२३	६०।०४
काण	५	गु	५	५८	९	०५	आर्द्रा	४८	०७	२५	५७	शि	२८	४७	१८	१३	तै	५	५८	९	०५	३९	४२	४५	६	१९	२८	मिथु.	६।०९।५७।२७	६०।०६
लुम्बक	६	शु	४	००	८	१९	पुन	४७	०९	२५	३९	सि	२३	५९	१६	१८	व	४	००	८	१९	३५	४३	४५	७	२०	२९	कर्के १९।४०	६।१०।५७।३२	६०।०८
मित्र	७	श	०	५५	७	०५	पुष्य	४४	४७	२४	३८	सा	१८	१७	१४	०२	ब	०	५५	७	०५	३१	४३	४४	८	२१	३०	कर्के	६।११।५७।४०	६०।१०
क्षयः	८	श	५६	४३	२९	२५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
वज्र	९	र	५९	२४	२७	१८	श्लें	४१	२७	२३	१९	शु	११	४०	११	२४	तै	२४	१०	१६	२४	२८	४४	४३	९	२२	३१	सिंहे २३।१९	६।१२।५७।५०	६०।१२
ध्वाङ्क्ष	१०	सो	४५	०७	२४	४७	मघा	३७	०८	२१	३६	शु	४ ५५	१५ ५९	८ २९	२५ ०८	व	१८	२१	१४	०५	२४	४५	४२	१०	२३	१	सिंहे	६।१३।५८।०२	६०।१४
ए.व्र.	११	मं	३८	०४	२१	५९	पूफा	३२	०२	१९	३४	ऐ	४७	११	२५	३८	ब	११	४०	११	२५	२०	४५	४२	११	२४	२	कन्या २५।०१	६।१४।५८।१६	६०।१६
प्रवर्धमा	१२	बु	३०	३५	१९	००	उफा	२६	२५	१७	२०	वै	३८	०२	२१	५९	कौ	४	२१	८	३१	१७	४६	४१	१२	२५	३	कन्या	६।१५।५८।३२	६०।१८
प्र.व्र.	१३	गु	२२	५८	१५	५८	हस्त	२०	४०	१५	०३	वि	२८	५०	१८	१९	व	२२	५८	१५	५८	१३	४७	४०	१३	२६	४	तुला. २५।५६	६।१६।५८।५०	६०।२०
दीपाव.	१४	शु	१५	३७	१३	०२	चित्रा	१५	०९	१२	५१	प्री	१९	५३	१४	४५	श	१५	३७	१३	०२	१०	४८	३९	१४	२७	५	तुला.	६।१७।५९।११	६०।२२
अव्रकू.	३०	श	८	५५	१०	२२	स्वा	१०	१८	१०	५६	आ	११	३१	११	२५	ना	८	५५	१०	२२	०६	४८	३९	१५	२८	६	वृश्चि. २७।४५	६।१८।५९।३३	६०।२४

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है ।
स्वा. रविः १०।१२ (सौरः २३।४२), अनु. भौमः १९।००, B
भ. २१।१४ उ. [B सं.स्री.पु.सू.चं.वाहन मूषक वर्षाश्रेष्ठः
भ. ९।२४ या., दशरथ ललिता व्र., करवा ४ चन्द्रोदयः २०।०७
[E ३०, (व) कुंभे पूभा.-३ गुरुः २५।४९
स्कन्द षष्ठी
भ. ८।१९ उ. १९।४५ या., विशा. बुधः १९।०५
होई (अहोरी) ८ [D प्रभात स्नानं
[A मार्गपाली बंधन, विशा. रविः १८।१९, (व) चित्रा. शुक्रः १३।१८
[C गोत्रिरात्र व्र., दीपदानं, वृश्चिके बुधः २९।५६
भ. १४।०५ उ. २४।४७ या., नवंबर ११ ता. E
रमा ११ व्र., शुक्रोदयः पूर्वस्याम् २२।२४
गोवत्स द्वादशी, धनतेरस, धन्वन्तरी जयंती, यमायदीपदानं
भ. १५।५८ उ. २६।२९ या., प्रदोषः, मासिकशिवरात्री व्र., C
पितृकार्येऽमा., महालक्ष्मी पूजा, कुबेर पू., रुप (नरक) १४, D
देवकार्येऽमा., बलीपूजा, गोवर्धन पू., अन्नकूटं देशाचारे, गोक्रीडा, A

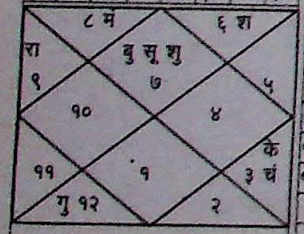
शुक्रोदयः पूर्वस्याम्

अयनांशाः २३।५९।४६

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

पं.२९ का.कृ. ५ गु. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
६	७	६	११	६	५	८	२
१०	०५	१७	००	१२	१७	११	११
३०	४९	३६	१८	०८	१०	४३	४३
३५	२७	२८	३२	०५	४५	०९	०९
५९	४३	९४	४	३७	६	३	३
५४	००	५१	१३	५०	५९	११	११
स्वा	अनु	स्वा	पूभा	स्वा	ह	मू	आ
२	१	४	४व	२व	३	४	२



ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	अब्दु	सार्यं	रात्री	रात्री	रात्री	रात्री	रात्री	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा
०६।०६।०४।३४	१ र	२४	५।३०	७।०६	९।०२	११।१७	१।३७	३।५४	६।०९	८।२९	१०।४७	१२।५२	२।३५	४।०४
०६।०७।०४।३१	२ चं	२५	५।२६	७।०२	८।५८	११।१३	१।३३	३।५०	६।०६	८।२५	१०।४३	१२।४८	२।३१	४।००
०६।०८।०४।३१	३ मं	२६	५।२२	६।५८	८।५४	११।०९	१।२९	३।४६	६।०२	८।२१	१०।३९	१२।४४	२।२७	३।५६
०६।०९।०४।३३	४ बु	२७	५।१८	६।५४	८।५०	११।०५	१।२५	३।४२	५।५८	८।१७	१०।३५	१२।४०	२।२३	३।५२
०६।१०।०४।३७	५ गु	२८	५।१४	६।५०	८।४६	११।०१	१।२१	३।३८	५।५४	८।१३	१०।३१	१२।३६	२।१९	३।४८
०६।११।०४।४२	६ शु	२९	५।१०	६।४६	८।४२	१०।५७	१।१७	३।३४	५।५०	८।०९	१०।२७	१२।३२	२।१५	३।४४
०६।१२।०४।५१	७ श	३०	५।०६	६।४२	८।३८	१०।५३	१।१३	३।३०	५।४६	८।०५	१०।२३	१२।२८	२।११	३।४०
०६।१३।०५।०१	९ र	३१	५।०२	६।३८	८।३४	१०।४९	१।०९	३।२६	५।४२	८।०१	१०।२०	१२।२४	२।०८	३।३६
०६।१४।०५।१३	१० चं	१	४।५८	६।३४	८।३०	१०।४५	१।०५	३।२२	५।३८	७।५७	१०।१६	१२।२०	२।०४	३।३२
०६।१५।०५।२७	११ मं	२	४।५४	६।३०	८।२६	१०।४१	१।०१	३।१८	५।३४	७।५३	१०।१२	१२।१६	२।००	३।२८
०६।१६।०५।४४	१२ बु	३	४।५०	६।२६	८।२३	१०।३७	१२।५७	३।१४	५।३०	७।४९	१०।०८	१२।१२	१।५६	३।२४
०६।१७।०६।०२	१३ गु	४	४।४६	६।२२	८।१९	१०।३३	१२।५३	३।१०	५।२६	७।४५	१०।०४	१२।०८	१।५२	३।२०
०६।१८।०६।२३	१४ शु	५	४।४२	६।१९	८।१५	१०।२९	१२।४९	३।०६	५।२२	७।४१	१०।००	१२।०४	१।४८	३।१६
०६।१९।०६।४५	३० श	६	४।३८	६।१५	८।११	१०।२५	१२।४५	३।०२	५।१८	७।३७	९।५६	१२।०१	१।४४	३।१२

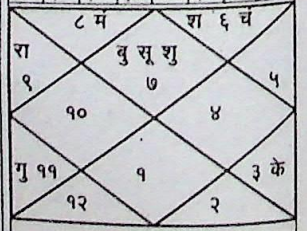
मास फलम्

इस माह में पांच रविवार नेष्ट फलप्रद हैं । पंचमी को आर्द्रा होने से घास का भाव तेज हो और अल्पवृष्टि से चौपाये पीड़ित हों । अमावस्या को स्वाति होने से दुर्भिक्ष (महर्घ) हो, और शनिवारी होने से अन्न तेज हो । शुक्ला सप्तमी शनिवार होने से धान्य और सफेद वस्तु के भावों में तेजी हो । पूर्णिमा को कृतिका की वृद्धि होने से भाव सस्ते हों । मंगलवार की सक्रांति होने से धान्यादि एवं लाल वर्ण वाली सभी वस्तुओं के भाव तेज हों, प्रजा में विग्रह हो, कहीं-कहीं हिंसादि हो, अग्निभय हो, घृत तेल लवण रस कपूर चंदन ये सब महँगे हों ।

अयनांशाः २३।५९।४७

पं.३० का.कृ.१३ गु. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
६	७	६	१०	६	५	८	२
१७	१०	२८	२९	०७	१७	११	११
३०	५१	३१	५२	५१	५८	२०	२०
४७	५८	१९	५६	४६	५८	५२	५२
६०	४३	९१	२	३२	६	३	३
०७	२७	५६	५३	४३	४४	११	११
स्वा	अनु	वि	पूभा	स्वा	ह	मू	आ
४	३	३	३व	१व	३	४	२



CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

॥ श्रीवल्लभ मनीराम पञ्चाङ्गम् ॥

७ नवंबर से २१ नवंबर तक, श्री कार्तिक शुक्लपक्ष संवत् २०६७, शाकः १९३२, दि.मासू. सू. तारीस्प स्टै.

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः
उत्पात	१	र	३	१७	८	०८	विशा	६	३०	९	२५	सौ	४	००	८	२५	व	३	१७	८	०८	२७	६	५	१६	२९	७	वृश्चि.
क्षयः	२	र	५९	०५	३०	२७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०३	४९	३८	१६	२९	७	वृश्चि.
मानस	३	सो	५६	३४	२९	२७	अनु	४	०७	८	२९	अ	५२	३६	२७	५२	तै	२७	३५	१७	५२	५९	५०	३८	१७	१	८	वृश्चि.
मुद्गर	४	मं	५५	५४	२९	१२	ज्ये	३	२४	८	१२	सु	४९	०१	२६	२७	व	२५	५८	१७	१४	५६	५०	३७	१८	२	९	धनु.
ध्वजा	५	बु	५७	११	२९	४४	मूल	४	३३	८	४०	धृ	४६	५७	२५	३८	ब	२६	१७	१७	२२	५३	५१	३६	१९	३	१०	धनु.
घाता	६	गु	...	...	...	..	पूषा	७	३४	९	५३	शू	४६	१९	२५	२४	कौ	२८	३२	१८	१७	५०	५२	३६	२०	४	११	मक.
काल	६	शु	००	१९	७	००	उषा	१२	२०	११	४९	गं	४६	५७	२५	४०	तै	०	१९	७	००	४६	५३	३५	२१	५	१२	मक.
सुस्थिर	७	श	५	०३	८	५५	श्रव	१८	३३	१४	१९	वृ	४८	३२	२६	१८	व	५	०३	८	५५	४३	५४	३५	२२	६	१३	कुंभे
मातङ्ग	८	र	१०	५७	११	१७	धनि	२५	४३	१७	१२	ध्रु	५०	४०	२७	१०	ब	१०	५७	११	१७	४०	५४	३४	२३	७	१४	कुंभे
अमृत	९	सो	१७	२१	१३	५२	शत	३३	१६	२०	१३	व्या	५२	५३	२८	०४	कौ	१७	२१	१३	५२	३७	५५	३४	२४	८	१५	कुंभे
काण	१०	मं	२३	३९	१६	२३	पूभा	४०	३३	२३	०९	ह	५४	४७	२८	५१	ग	२३	३९	१६	२३	३४	५६	३३	२५	९	१६	मीने
ए.व्र.	११	बु	२९	१६	१८	३९	उभा	४७	०५	२५	४७	व	५६	०१	२९	२१	वि	२९	१६	१८	३९	३१	५७	३३	२६	१०	१७	मीने
मित्र	१२	गु	३३	४८	२०	२८	रेव	५२	३१	२७	५८	सि	५६	२२	२९	३०	ब	१	३९	७	३७	२८	५७	३३	२७	११	१८	मेषे
व्र.व्र.	१३	शु	३७	०४	२१	४८	अश्वि	५६	४३	२९	३९	व्य	५५	४४	२९	१६	कौ	५	३४	९	१२	२५	५८	३२	२८	१२	१९	मेषे
ध्वाङ्क्ष	१४	श	३९	०३	२२	३६	भर	५९	४१	३०	५२	व	५४	०७	२८	३८	ग	८	११	९०	१६	२३	५९	३२	२९	१३	२०	मेषे
पूर्णिमा	१५	र	३९	४८	२२	५५	कृति	...	...	..	...	प	५१	३४	२७	३७	वि	९	३३	९०	४९	२०	७ ००	३२	३०	१४	२१	वृषे

योगाः	केतकी	अहर्गणः	हेमन्तर्तू	रविर्दक्षिणे,	नवंबर	२०१०
उत्पात	६७९०					
क्षयः	६७९०					
मानस	०		०		०	
मुद्गर	६।२१।००।२३		६०।२८			
ध्वजा	६।२२।००।५१		६०।३०			
घाता	६।२३।०१।२१		६०।३२			
काल	६।२४।०१।५३		६०।३४			
सुस्थिर	६।२५।०२।२६		६०।३५			
मातङ्ग	६।२६।०३।०२		६०।३७			
अमृत	६।२७।०३।३९		६०।३९			
काण	६।२८।०४।१८		६०।४१			
ए.व्र.	६।२९।०४।५९		६०।४२			
मित्र	७।००।०५।४१		६०।४४			
व्र.व्र.	७।०१।०६।२६		६०।४६			
ध्वाङ्क्ष	७।०२।०७।११		६०।४७			
पूर्णिमा	७।०३।०७।५९		६०।४९			

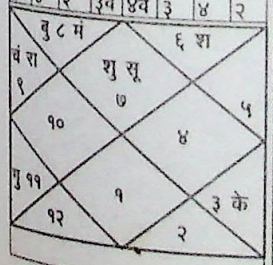
यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।

चंद्रदर्शनम् (मु.३०), भ्रातृ २, यम २, यमुनास्नानं, कलमदवातपू., B
[B गुर्जराणां नूतन वर्षारंभः, विशा.सौरः ६।५०, अनु. बुधः १०।२७
जिल्हेज १२ [F स्टै. २७।५८ या.), पंचक समाप्तिः २७।५८,मन्वादि
भ. १७।१४ उ. २९।१२ या., दूर्वागणपति व्र.
सौभाग्य ५, पाण्डव ५ [C कार्तिक स्नान पूर्तिः
ज्येष्ठा. भौमः ३०।०३ [D पंचक प्रा. चतुर्मास व्रत समाप्तिः
कल्पादि [G २८।४२), ज्येष्ठा. बुधः ९।१६ [H सौरः ११।४४
भ. ८।५५ उ. २२।०४ या., पंचक प्रारम्भः २७।४३ [E शुक्रः १५।४६
गोपाष्टमी, नेहरुजयन्ती (बालदिवस), भौमास्तः पश्चिमायाम् १८।३७
युगादि, कुष्माण्ड (अक्षय) ९, बुधोदयः पश्चिमायाम् १३।५०
भ. २९।३४ उ., आकाशदीप समाप्तिः,वृश्चिके रविः १७।०१ (सौरः G
भ. १८।३९ या.,प्रबोधिनी ११ व्र.,देवोत्थापनं, तुलसीविवाह, भीष्म D
रेवत्यां रे. ८ ऽ॥ऽऽ॥॥ रात्रौ ल. गोधूलि ४।६ (कन्या सोग्रांगः F
प्रदोषः, वैकुण्ठ १४, अनु. रविः २४।२०, मार्गी गुरुः ८।२५, मार्गी E
भ. २२।३६ उ., रोटक व्रत समाप्तिः, कार्तिक व्रतोद्यापनं, अनु. H
भ. १०।४९ या., मन्वादि, पूर्णिमा व्रतंपुण्यञ्च, गोपद्मव्रत समाप्ति, A
[A त्रिपुरोत्सव, पुष्करयात्रा, नानकजयंती, भीष्म पंचकसमाप्ति, C

अयनांशाः २३।५९।४८

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

पं.३१ का.शु. ६ गु. इष्टघटी ०।००								
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.	
६	७	७	१०	६	५	८	२	
२४	९५	०९	२९	०४	१८	१०	१०	
३२	५७	०८	३६	४२	४५	५८	५८	
३०	३६	०२	५३	०९	१८	३७	३७	
६०	४३	८९	१	१८	६	३	३	
२०	५३	३२	२९	२२	२६	११	११	
वि	अनु	अनु	पूभा	चि	ह	मू	आ	
२	४	२	३व	४व	३	४	२	



ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	नव.	दिवा	सायं	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा
०६।२०।०७।१०	१ र	७	४।३४	६।१९	८।०७	९०।२१	९२।४२	२।५८	५।१४	७।३३	९।५२	११।५७	१।४०	३।०८
०६।२१।०७।३६	३ चं	८	४।३१	६।०७	८।०३	९०।१८	९२।३८	२।५४	५।१०	७।२९	९।४८	११।५३	१।३६	३।०५
०६।२२।०८।०४	४ मं	९	४।२७	६।०३	७।५९	९०।१४	९२।३४	२।५१	५।०६	७।२५	९।४४	११।४९	१।३२	३।०१
०६।२३।०८।३५	५ बु	१०	४।२३	५।५९	७।५५	९०।१०	९२।३०	२।४७	५।०२	७।२२	९।४०	११।४५	१।२८	२।५७
०६।२४।०९।०७	६ गु	११	४।१९	५।५५	७।५१	९०।०६	९२।२६	२।४३	४।५८	७।१८	९।३६	११।४१	१।२४	२।५३
०६।२५।०९।४०	६ शु	१२	४।१५	५।५१	७।४७	९०।०२	९२।२२	२।३९	४।५५	७।१४	९।३२	११।३७	१।२०	२।४९
०६।२६।१०।१६	७ श	१३	४।११	५।४७	७।४३	९।५८	९२।१८	२।३५	४।५१	७।१०	९।२८	११।३३	१।१६	२।४५
०६।२७।१०।५४	८ र	१४	४।०७	५।४३	७।३९	९।५४	९२।१४	२।३१	४।४७	७।०६	९।२४	११।२९	१।१२	२।४१
०६।२८।११।३३	९ चं	१५	४।०३	५।३९	७।३५	९।५०	९२।१०	२।२७	४।४३	७।०२	९।२०	११।२५	१।०८	२।३७
०६।२९।१२।१४	१० मं	१६	३।५९	५।३५	७।३१	९।४६	९२।०६	२।२३	४।३९	६।५८	९।१६	११।२१	१।०४	२।३३
०७।००।१२।५७	११ बु	१७	३।५५	५।३१	७।२७	९।४२	९२।०२	२।१९	४।३५	६।५४	९।१२	११।१७	१।००	२।२९
०७।०१।१३।४१	१२ गु	१८	३।५१	५।२७	७।२३	९।३८	९१।५८	२।१५	४।३१	६।५०	९।०९	११।१३	१२।५७	२।२५
०७।०२।१४।२७	१३ शु	१९	३।४७	५।२३	७।१९	९।३४	९१।५४	२।११	४।२७	६।४६	९।०५	११।०९	१२।५३	२।२१
०७।०३।१५।१५	१४ श	२०	३।४३	५।१९	७।१५	९।३०	९१।५०	२।०७	४।२३	६।४२	९।०१	११।०५	१२।४९	२।१७
०७।०४।१६।०४	१५ र	२१	३।३९	५।१५	७।१२	९।२६	९१।४६	२।०३	४।१९	६।३८	८।५७	११।०१	१२।४५	२।१३

संक्रांति फलम्

ता. १६ नवंबर २०१०
का. शु. १० भौमे वृश्चिकेऽर्कः प्र. (स्टै.) टा. १७।०१ वारात् ३ नक्षत्रात् ३ वारनाम महोदरी चोरान् सुस्पदा नक्षत्रनाम घोरा शूद्रान् सुस्पदा अपरान्ह ३ प्रहर व्यापिनी वैश्यान् हन्ति, दक्षिणे गमनं नैऋत्यां दृष्टिः वणिजकरणे प्रविष्टा मध्यमफलं महिषवाहनं उष्ट्रोपवाहनं क्लेशकारक श्यामवस्त्रं तोमरायुधं स्पष्परपात्रं दधिभक्षणं अलक्तकलेपनं मृगजातिः अर्कपत्रपुष्पं मणीभूषणं पाण्डुकंचुकी प्रगल्भावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यभावे सम वत्स दक्षिणे राहु पूर्वे मूलं पाताले विवाहस्तंभो वायव्याम् शुक्रोदयः पूर्वस्याम्। पुण्यकालः (स्टै.) १०।३७ से १७।०१ तक। (दान- दीप)।

अयनांशाः २३।५९।४९

पं.३२ का.शु.१२ गु. इष्टघटी ०।००								
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.	
७	७	७	१०	६	५	८	२	
०१	२१	१९	२९	०३	१९	१०	१०	
३५	०६	२५	३०	२५	२९	३६	३६	
३८	१५	०८	५२	४७	२२	२१	२१	
६०	४४	८५	०	०	६	३	३	
३१	१९	४०	०२	५४	०५	११	११	
वि	ज्ये	ज्ये	पूभा	चि	ह	मू	आ	
४	२	१	३व	४व	३	४	२	



CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

॥ श्रीवल्लभ मनीराम पञ्चाङ्गम ॥

२२ नवंबर से ५ दिसंबर तक, श्री मार्गशीर्ष कृष्णपक्ष संवत् २०६७, शाकः १९३२, दि.मा.सू. सू. तारीख्स स्टै. प्रातः दैनिक हेमन्तर्तू रविर्दक्षिणे कार्तिककृष्णेति गुर्जराः, नवंबर-दिसंबर २०१०

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
सुस्थिर	१	सो	३९	२७	२२	४७	कृति	१	२९	७	३६	शि	४८	५२	२६	१७	बा	९	४४	१०	५४	२६ १३	७ ०२	५ ३९	१	१५	२२	वृषे	७।०५।०९।३९	६०।५२
मातङ्ग	२	मं	३८	०७	२२	१६	रोहि	२	१६	७	५६	सि.	४४	०४	२४	३९	तै	८	५३	१०	३५	१५	०१	३१	२	१६	२३	मिथु.	७।०६।१०।३१	६०।५४
अमृत	३	बु	३५	५५	२१	२४	मृग	२	०९	७	५४	सा	३९	१६	२२	४५	व	७	०६	९	५२	१२	०२	३१	३	१७	२४	मिथु.	७।०७।११।२४	६०।५५
च.व्र.	४	गु	३२	५८	२०	१४	आर्द्रा	९ ५९	१५ ३९	७ ३०	३३ ५४	शु	३३	५२	२०	३६	ब	४	३२	८	५२	१०	०३	३१	४	१८	२५	कर्के २५।०५	७।०८।१२।१९	६०।५७
उत्पात	५	शु	२९	१९	१८	४७	पुष्य	५७	२२	३०	००	शु	२७	५५	१८	१४	कौ	१	१३	७	३३	०७	०४	३१	५	१९	२६	कर्के	७।०९।१३।१६	६०।५८
मानस	६	श	२५	०२	१७	०५	श्लें	५४	२९	२८	५२	ब्र	२१	२७	१५	३९	व	२५	०२	१७	०५	०५	०४	३०	६	२०	२७	सिंहे २८।५२	७।१०।१४।१४	६०।५९
मुद्गर	७	र	२०	१३	१५	१०	मघा	५१	०७	२७	३२	ऐ	१४	३३	१२	५४	ब	२०	१३	१५	१०	०३	०५	३०	७	२१	२८	सिंहे	७।११।१५।१३	६१।०१
ध्वजा	८	सो	१४	५४	१३	०४	पूफा	४७	२१	२६	०३	वै	७ ५९	१६ ४३	१० ३०	०० ५९	कौ	१४	५४	१३	०४	०९	०६	३०	८	२२	२९	सिंहे	७।१२।१६।१४	६१।०२
धाता	९	मं	९	१७	१०	५०	उफा	४३	२१	२४	२७	प्री	५१	५९	२७	५४	ग	९	१७	१०	५०	२५ ५९	०७	३०	९	२३	३०	कन्या ७।३९	७।१३।१७।१६	६१।०३
ए.व्र.	१०	बु	३	२९	८	३१	हस्त	३९	१८	२२	५१	आ	४४	१४	२४	४९	वि	३	२९	८	३१	५७	०८	३०	१०	२४	१	कन्या	७।१४।१८।१९	६१।०४
क्षयः	११	बु	५७	४५	३०	१४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
ए.व्र.	१२	गु	५२	१४	२८	०२	चित्रा	३५	२५	२१	१८	सौ	३६	३८	२१	४७	कौ	२४	५५	१७	०७	५५	०८	३०	११	२५	२	तुला. १०।०४	७।१५।१९।२४	६१।०६
प्र.व्र.	१३	शु	४७	१४	२६	०३	स्वा	३१	५८	१९	५६	शो	२९	२४	१८	५५	ग	१९	३९	१५	०१	५३	०९	३०	१२	२६	३	तुला.	७।१६।२०।३०	६१।०७
शुभ	१४	श	४३	०२	२४	२३	विशा	२९	१३	१८	५१	अ	२२	४२	१६	१५	वि	१५	००	१३	१०	५१	१०	३०	१३	२७	४	वृश्चि. १३।०६	७।१७।२१।३६	६१।०८
अमाव.	३०	र	३९	५१	२३	०७	अनु	२७	२६	१८	०९	सु	१६	४६	१३	५३	च	११	१६	११	४१	४९	११	३०	१४	२८	५	वृश्चि.	७।१८।२२।४५	६१।०९

[A दो.,कन्या सोग्रांगः रा ४ दो.), भा. मार्गशीर्षारंभः, सायन [B धनुषि भानुः १५।४७ [C कन्या सोग्रांगः रा. ४ दो.), हस्ते-४ शनिः १०।१६ [D रा. ४ दो. स्टै. २६।०३ उप.), मूले-३ राहुः १७।१७, आर्द्रा.-१ केतुः १७।१७ [E अ.गो.(गोधूल्यां भौम८ दो.) [F स्टै. २१।१८ उप., सिंह गु. ७ पू.), ज्येष्ठा. रविः २८।३६, स्वा. शुक्रः ९।१९

यहाँ लिख्ये भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है ।
रोहिण्यां रे. ८ ।।।।S।।S।। दिवा ल. १०।१ रात्रौ ४।६ (मेषे शु. ७ A
मृगे रे. ९ ।।।।S।।।।। दिवा ल. १०।१ रात्रौ ४।६ (मेषे शु. ७ पू., C
भ. ९।५२ उ. २१।२४ या.,सौभाग्यसुंदरी व्र.
चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः २१।००, धनुषि मूले बुधः २४।५७
धनुषि मूले भौमः३०।०२,उफा.रे.८ ।।।।S।।S।। रात्रौ ल.६ (सोग्रांगः D
भ. २१।४० उ., उफा. रे. ७ ।।।।S।।S।S द. दिवा १०।११, रात्रौ E
भ. ८।३१ या., उत्पत्ति ११ व्र.स्मार्त, वैतरणी व्र.,दिसंबर १२ ता. ३१
उत्पत्ति ११ व्र.वैष्ण.,स्वातौ रे.९ ।।S।।।।।। रात्रौ ल. ४।५ (कर्कः F
भ. २६।०३ उ., प्रदोषः, ज्येष्ठा. सौरः १४।४९
भ.१३।१० या., मासिकशिवरात्री व्र.
देवपितृकार्येऽमा.,गौरीतपोव्र.,महाव्रतारंभः, मीने पूभा.-४ गुरुः१८।५८

अयनांशाः २३।५९।५०

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

पं.३३ मा.कृ. ४ गु. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
७	७	७	१०	६	५	८	२
०८	२६	२९	२९	०४	२०	१०	१०
४०	१७	०२	३५	०९	१०	१४	१४
०३	४८	४२	००	२४	४५	०५	०५
६०	४४	७६	१	१५	५	३	३
४२	४३	४९	२५	१४	४०	११	११
अनु	ज्ये	ज्ये	पूभा	चि	ह	मू	आ
२	३	४	३	४	४	४	२



ब्रह्म र. स्प.	वारु	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	नव.	दिवा	सायं	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा
०७।०५।१६।५५	१ चं	२२	३।३५	५।१९	७।०८	९।२२	११।४२	१।५९	४।१५	६।३४	८।५३	१०।५७	१२।४१	२।०९
०७।०६।१७।४८	२ मं	२३	३।३१	५।०८	७।०४	९।१८	११।३८	१।५५	४।११	६।३०	८।४९	१०।५३	१२।३७	२।०५
०७।०७।१८।४२	३ बु	२४	३।२७	५।०४	७।००	९।१४	११।३४	१।५१	४।०७	६।२६	८।४५	१०।५०	१२।३३	२।०१
०७।०८।१९।३७	४ गु	२५	३।२३	५।००	६।५६	९।१०	११।३१	१।४७	४।०३	६।२२	८।४१	१०।४६	१२।२९	१।५७
०७।०९।२०।३४	५ शु	२६	३।२०	४।५६	६।५२	९।०७	११।२७	१।४३	३।५९	६।१८	८।३७	१०।४२	१२।२५	१।५४
०७।१०।२१।३२	६ श	२७	३।१६	४।५२	६।४८	९।०३	११।२३	१।४०	३।५५	६।१४	८।३३	१०।३८	१२।२१	१।५०
०७।११।२२।३२	७ र	२८	३।१२	४।४८	६।४४	८।५९	११।१९	१।३६	३।५१	६।११	८।२९	१०।३४	१२।१७	१।४६
०७।१२।२३।३३	८ चं	२९	३।०८	४।४४	६।४०	८।५५	११।१५	१।३२	३।४७	६।०७	८।२५	१०।३०	१२।१३	१।४२
०७।१३।२४।३५	९ मं	३०	३।०४	४।४०	६।३६	८।५१	११।११	१।२८	३।४३	६।०३	८।२१	१०।२६	१२।०९	१।३८
०७।१४।२५।३८	१० बु	१	३।००	४।३६	६।३२	८।४७	११।०७	१।२४	३।४०	५।५९	८।१७	१०।२२	१२।०५	१।३४
०७।१५।२६।४३	१२ गु	२	२।५६	४।३२	६।२८	८।४३	११।०३	१।२०	३।३६	५।५५	८।१३	१०।१८	१२।०१	१।३०
०७।१६।२७।४९	१३ शु	३	२।५२	४।२८	६।२४	८।३९	१०।५९	१।१६	३।३२	५।५१	८।०९	१०।१४	११।५७	१।२६
०७।१७।२८।५६	१४ श	४	२।४८	४।२४	६।२०	८।३५	१०।५५	१।१२	३।२८	५।४७	८।०५	१०।१०	११।५३	१।२२
०७।१८।३०।०४	३० र	५	२।४४	४।२०	६।१६	८।३१	१०।५१	१।०८	३।२४	५।४३	८।०१	१०।०६	११।४९	१।१८

मास फलम्

इस माह में पांच सोमवार होने से धान्य सस्ता हो । इस माह में पांच मंगलवार होने से किसी बड़े व्यक्ति का अभाव हो । अमावस को रविवार अनुराधा योग दुर्भिक्ष कारक है । पूर्णिमा मृगशिरा युक्त होने से महर्घता हो । गुरुवार की सक्रांति होने से सभी पीत वर्ण वाली वस्तुओं के भाव तेज हों, धान्यादि भाव मंदे हों, अन्नोत्पत्ति उत्तम हो, प्रजा सात्विक कर्म अधिक करें । मूल में बुध होने से पशु पक्षी और बालकों में पीडा हो, व्यापारी, वैद्य, नौका से जीविका चलाने वाले, जल में उत्पन्न होने वाले द्रव्य तथा घोड़े (अश्व) पीडित हों ।

अयनांशाः २३।५९।५१

पं.३४ मा.कृ.१२ गु. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
७	८	८	१०	६	५	८	२
१५	०१	०७	२९	०६	२०	०९	०९
४५	३२	०९	४९	३७	४९	५१	५१
३५	०७	०९	१२	२५	०३	४९	४९
६०	४५	५६	२	२८	५	३	३
५०	०६	२४	५०	२४	१२	११	११
अनु	मू	मू	पूभा	चि	ह	मू	आ
४	१	३	३	४	४	३	१



CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

६ दिसंबर से २१ दिसंबर तक, श्री मार्गशीर्ष शुक्लपक्ष संवत् २०६७, शाकः १९३२, दि.मा.सू. सू. तारीख्य स्टै. प्रातः दैनिक केतकी अहर्गणः ६८१९ हेमन्तर्तू रविर्दक्षिणे, दिसंबर २०१०

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घ.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घ.	मि.	यो.	घ.	प.	घ.	मि.	क.	घ.	प.	घ.	मि.	घ.घ.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
पद्म	१	सो	३७	५६	२२	२२	ज्ये	२६	४९	१७	५५	धृ	११	४६	११	५४	किं	८	४२	१०	४०	२५ ४८	७ ११	५ ३०	१५	२९	६	धनु.	१७।५५	७।१९।२३।५४	६१।९०
छत्र	२	मं	३७	२८	२२	११	मूल	२७	३५	१८	१४	शू	७	४८	१०	१९	बा	७	२९	१०	१२	४६	१२	३१	१६	३०	७	धनु.		७।२०।२५।०४	६१।११
श्रीवत्स	३	बु	३८	३३	२२	३८	पूषा	२९	५१	१९	०९	गं	५	०३	९	१४	तै	७	४८	१०	२०	४५	१३	३१	१७	१	८	मक.	२५।२९	७।२१।२६।१५	६१।९२
सौम्य	४	गु	४१	१६	२३	४४	उषा	३३	४०	२०	४२	वृ	३	३१	८	३८	व	९	४२	११	०६	४४	१३	३१	१८	२	९	मक.		७।२२।२७।२७	६१।९३
घूम्र	५	शु	४५	३०	२५	२६	श्रव	३८	५७	२२	४९	ध्रु	३	१०	८	३०	ब	१३	११	१२	३१	४३	१४	३१	१९	३	१०	मक.		७।२३।२८।४०	६१।९४
प्रवर्धमा	६	श	५०	५७	२७	३८	धनि	४५	२६	२५	२५	व्या	३	५४	८	४९	कौ	१८	०५	१४	२९	४१	१५	३१	२०	४	११	कुंभे	१२।०४	७।२४।२९।५४	६१।९५
राक्षस	७	र	५७	१३	३०	०९	शत	५२	४३	२८	२१	ह	५	२९	९	२७	ग	२४	००	१६	५२	४०	१६	३२	२१	५	१२	कुंभे		७।२५।३१।०९	६१।९६
मुसल	८	सो	...	...	...	...	पूभा	...	...	..	...	व	७	३४	१०	१८	वि	३०	२७	१९	२७	४०	१६	३२	२२	६	१३	मीने	२४।३६	७।२६।३२।२५	६१।९६
काण	८	मं	३	३७	८	४४	पूभा	०	११	७	२१	सि	९	४२	११	०९	ब	३	३७	८	४४	३९	१७	३२	२३	७	१४	मीने		७।२७।३३।४१	६१।९७
लुम्बक	९	बु	९	३३	११	०७	उभा	७	१४	१०	११	व्य	११	२५	११	५२	कौ	९	३३	११	०७	३८	१७	३३	२४	८	१५	मीने		७।२८।३४।५८	६१।९८
मित्र	१०	गु	१४	२७	१३	०५	रेव	१३	१९	१२	३८	व	१२	२१	१२	१४	ग	१४	२७	१३	०५	३७	१८	३३	२५	९	१६	मेषे	१२।३८	७।२९।३६।१६	६१।९९
ए.व्र.	११	शु	१७	५५	१४	२९	अश्वि	१८	०१	१४	३१	ष	१२	१२	१२	११	वि	१७	५५	१४	२९	३७	१९	३३	२६	१०	१७	मेषे		८।००।३७।३५	६१।९९
प्र.व्र.	१२	श	१९	४४	१५	१३	भर	२१	१०	१५	४७	शि	१०	४९	११	३९	बा	१९	४४	१५	१३	३६	१९	३४	२७	११	१८	वृषे	२२।००	८।०१।३८।५४	६१।२०
घूम्र	१३	र	१९	५६	१५	९८	कृति	२२	४५	१६	२६	सि	८	११	१०	३६	तै	१९	५६	१५	९८	३६	२०	३४	२८	१२	१९	वृषे		८।०२।४०।१४	६१।२०
प्रवर्धमा	१४	सो	१८	३४	१४	४६	रोहि	२२	५०	१६	२८	सा	४ ५९	२० २६	९ ३५	०५ ०४	व	१८	३४	१४	४६	३६	२०	३५	२९	१३	२०	मिथु.	२८।१८	८।०३।४१।३४	६१।२१
पूर्णिमा	१५	मं	१५	५२	१३	४२	मृग	२१	३८	१६	००	शु	५३	३३	२८	४६	ब	१५	५२	१३	४२	३६	२१	३५	३०	१४	२१	मिथु.		८।०४।४२।५५	६१।२१

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।

[C १४३२ हि.

चंद्रदर्शनम् (मु.३०)

उषा. रे. ९ sssssssss रात्रौ ल. ५, रंभास्थेयं, मोहोर्रम १ सन C

भ. ११।०६ उ. २३।४४+ या.

नागपंचमी, वक्री बुधः ३०।४४

पंचक प्रारम्भः १२।०४, स्कंदषष्ठी

भ. ३०।०९ उ.

भ. १९।२७ या.

कल्पादि, बुधास्तः पश्चिमायाम् १३।०१

[B रविः ७।३५ (सौरः १६।३६)

भ. २५।५१ उ., पंचक समाप्तिः १२।३८, धनुषि मूले B

भ. १४।२९ या., मोक्षदा ११ व्र., गीता जयंती, पूषा. भौमः २०।४८

प्रदोषः, अनंग त्रयोदशी व्र.

[A भानुः, सायन उत्तरायण प्रारम्भ २९।०४, विशा. शुक्रः २४।०३

भ. १४।४६ उ. २६।१८ या., श्री दत्त जयंती, पिशाच मोचन श्राद्धं

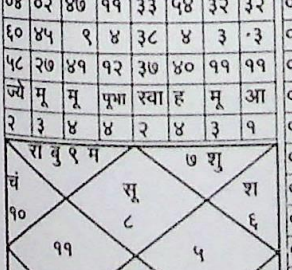
पूर्णिमा व्रतंपुण्यञ्च, द्वात्रिंशी (बत्तीसी) पूर्णिमा, सायन मकरे A

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

अयनांशाः २३।५९।५२

पं.३५ मा.शु. ४ गु. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
७	८	८	११	६	५	८	२
२२	०६	११	००	१०	२१	०९	०९
५२	४९	४४	१३	२८	२३	२९	२९
०४	०२	४७	११	३३	५४	३२	३२
६०	४५	९	४	३८	४	३	३
५८	२७	४१	१२	३७	४०	११	११
ज्ये	मू	मू	पूभा	स्वा	ह	मू	आ
२	३	४	४	२	४	३	१



ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	दिसं	दिवा	दिवा	सायं	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा
७।१९।३१।१३	१ च	६	२।४०	४।१६	६।१२	८।२७	९०।४७	१।०४	३।२०	५।३९	७।५८	९०।०२	१९।४६	१।९४
७।२०।३२।२४	२ म	७	२।३६	४।१२	६।०८	८।२३	९०।४३	१।००	३।१६	५।३५	७।५४	९।५८	१९।४२	१।९०
७।२१।३३।३५	३ बु	८	२।३२	४।०८	६।०४	८।१९	९०।३९	१२।५६	३।१२	५।३१	७।५०	९।५४	१९।३८	१।०६
७।२२।३४।४८	४ गु	९	२।२८	४।०४	६।०१	८।१५	९०।३५	१२।५२	३।०८	५।२७	७।४६	९।५०	१९।३४	१।०२
७।२३।३६।०१	५ शु	१०	२।२४	४।००	५।५७	८।११	९०।३१	१२।४८	३।०४	५।२३	७।४२	९।४६	१९।३०	१२।५८
७।२४।३७।१५	६ श	११	२।२०	३।५७	५।५३	८।०७	९०।२७	१२।४४	३।००	५।१९	७।३८	९।४२	१९।२६	१२।५४
७।२५।३८।३०	७ र	१२	२।१६	३।५३	५।४९	८।०३	९०।२३	१२।४०	२।५६	५।१५	७।३४	९।३९	१९।२२	१२।५०
७।२६।३९।४६	८ चं	१३	२।१२	३।४९	५।४५	७।५९	९०।२०	१२।३६	२।५२	५।१९	७।३०	९।३५	१९।१८	१२।४६
७।२७।४१।०३	८ मं	१४	२।०९	३।४५	५।४१	७।५६	९०।१६	१२।३२	२।४८	५।०७	७।२६	९।३१	१९।१४	१२।४३
७।२८।४२।२०	९ बु	१५	२।०५	३।४१	५।३७	७।५२	९०।१२	१२।२९	२।४४	५।०३	७।२२	९।२७	१९।१०	१२।३९
७।२९।४३।३८	१० गु	१६	२।०१	३।३७	५।३३	७।४८	९०।०८	१२।२५	२।४०	५।००	७।१८	९।२३	१९।०६	१२।३५
८।००।४४।५७	११ शु	१७	१।५७	३।३३	५।२९	७।४४	९०।०४	१२।२१	२।३६	४।५६	७।१४	९।१९	१९।०२	१२।३१
८।०१।४६।१६	१२ श	१८	१।५३	३।२९	५।२५	७।४०	९०।००	१२।१७	२।३३	४।५२	७।१०	९।१५	१८।५८	१२।२७
८।०२।४७।३६	१३ र	१९	१।४९	३।२५	५।२१	७।३६	९।५६	१२।१३	२।२९	४।४८	७।०६	९।११	१८।५४	१२।२३
८।०३।४८।५७	१४ चं	२०	१।४५	३।२१	५।१७	७।३२	९।५२	१२।०९	२।२५	४।४४	७।०२	९।०७	१८।५०	१२।१९
८।०४।५०।१८	१५ मं	२१	१।४१	३।१७	५।१३	७।२८	९।४८	१२।०५	२।२१	४।४०	६।५८	९।०३	१८।४६	१२।१५

संक्रांति फलम्

अयनांशाः २३।५९।५३

ता. १६ दिसंबर २०१०

मार्ग. शु. १० गुरौ धनुर्धर्कः प्र. (स्टै.)

टा. ७।३५ वारात् ३ नक्षत्रात् ३

वारनाम नंदा गणकान् सुस्थदा

नक्षत्रनाम मंदाकिनी नृपतीन् सुस्थदा

पूर्वान्ह १ प्रहर व्यापिनी नृपतीन् हन्ति,

पूर्वे गमनमाग्नेयां दृष्टिः गरकरणे प्रविष्टा

मध्यमफलं हस्तीवाहनं स्वरोपवाहनं

लक्ष्मीकारक रक्तवस्त्रं धनुष्यायुधं

लोहपात्रं दुग्धभक्षणं गोरोचनलेपनं

पशुजातिः विल्वपुष्पं मुकुटभूषणं

श्वेतकंचुकी प्रौढावस्था (बैठी) मु. ३०

धान्यभावे सम वत्स दक्षिणे राहु पूर्वे

मूलं भूमौ विवाहस्तंभो वायव्याम्

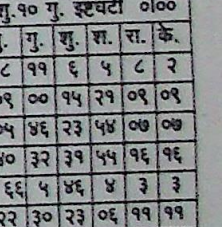
शुक्रोदयः पूर्वस्याम् । पुण्यकालः

(स्टै.) ७।३५ से १३।५९ तक। (दान-

वस्त्र)।

पं.३६ मा.शु.१० गु. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
७	८	८	११	६	५	८	२
२९	१२	०९	००	१५	२१	०९	०९
५९	०८	०५	४६	२३	५४	०७	०७
१८	२५	४०	३२	३१	५५	१६	१६
६१	४५	६६	५	४६	४	३	३
०३	४८	२२	३०	२३	०६	११	११
ज्ये	मू	मू	पूषा	स्वा	ह	मू	आ
४	४	३व	४	३	४	३	१



CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

॥ श्रीवत्सलम मनीराम पञ्चाङ्गम् ॥

२२ दिसंबर से ४ जनवरी तक, श्री पोष कृष्णपक्ष संवत् २०६७, शाकः १९३२, दि.मा.सू. सू. तारीख्य स्टै. प्रातः दैनिक शिशिरर्तू रविरुत्तरे मार्गशीर्षकृष्णेतिगुर्जराः, दिसंबर-जनवरी २०१०-११

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
मुसल	१	बु	१२	०३	१२	१०	आर्द्रा	१९	२०	१५	०५	ब्र	४६	५४	२६	०७	कौ	१२	०३	१२	१०	२५/३६	७/२१	५/३६	१	१५	२२	मिथु.	८।०५।४४।१६	६१।२२
सिद्धि	२	गु	७	१९	१०	१८	पुन	१६	१२	१३	५१	ऐ	३९	३९	२३	१३	ग	७	१९	१०	१८	३६	२२	३६	२	१६	२३	कर्के ८।११	८।०६।४५।३८	६१।२२
च.व्र.	३	शु	१	५७	८	०९	पुष्य	१२	२८	१२	२१	वै	३२	०१	२०	११	वि	१	५७	८	०९	३६	२२	३७	३	१७	२४	कर्के	८।०७।४७।००	६१।२२
क्षयः	४	शु	५६	१३	२९	५१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
मानस	५	श	५०	१५	२७	२९	श्ले	८	२२	१०	४४	वि	२४	०८	१७	०२	कौ	२३	१४	१६	४०	३६	२३	३७	४	१८	२५	सिंहे १०।४४	८।०८।४८।२३	६१।२३
मुद्गर	६	र	४४	२१	२५	०८	मघा	४	१०	९	०३	प्री	१६	१४	१३	५३	ग	१७	१७	१४	१८	३७	२३	३८	५	१९	२६	सिंहे	८।०९।४९।४५	६१।२३
ध्वजा	७	सो	३८	४२	२२	५२	पूफा	०/५६	०२/१३	७/२९	२५/५३	आ	८	२६	१०	४६	वि	११	२९	११	५९	३७	२४	३८	६	२०	२७	कन्या १३।०१	८।१०।५१।०८	६१।२३
सौम्य	८	मं	३३	२६	२०	४६	हस्त	५२	५०	२८	३२	सौ	०/५३	५३/४३	७/२८	४५/५३	बा	६	००	९	४८	३८	२४	३९	७	२१	२८	कन्या	८।११।५२।३२	६१।२३
काल	९	बु	२८	४४	१८	५४	चित्रा	५०	०२	२७	२५	अ	४७	०१	२६	१३	तै	१	००	७	४८	३८	२४	४०	८	२२	२९	तुला. १५।५७	८।१२।५३।५५	६१।२४
सुस्थिर	१०	गु	२४	४२	१७	१७	स्वा	४७	५६	२६	३५	सु	४०	५३	२३	४६	वि	२४	४२	१७	१७	३९	२५	४०	९	२३	३०	तुला.	८।१३।५५।१९	६१।२४
ए.व्र.	११	शु	२१	२७	१६	००	विशा	४६	३९	२६	०४	घृ	३५	२३	२१	३४	बा	२१	२७	१६	००	४०	२५	४१	१०	२४	३१	वृश्चि. २०।१०	८।१४।५६।४२	६१।२४
प्र.व्र.	१२	श	१९	०४	१५	०३	अनु	४६	१४	२५	५५	शू	३०	३६	१९	४०	तै	१९	०४	१५	०३	४१	२५	४२	११	२५	१	वृश्चि.	८।१५।५८।०६	६१।२४
काण	१३	र	१७	३८	१४	२९	ज्ये	४६	४६	२६	०८	गं	२६	३३	१८	०३	व	१७	३८	१४	२९	४२	२६	४२	१२	२६	२	धनु. २६।०८	८।१६।५९।३०	६१।२४
लुम्बक	१४	सो	१७	१२	१४	१९	मूल	४८	२०	२६	४६	वृ	२३	१८	१६	४५	श	१७	१२	१४	१९	४३	२६	४३	१३	२७	३	धनु.	८।१८।००।५४	६१।२४
अमाव.	३०	मं	१७	५२	१४	३५	पूषा	५०	५८	२७	४९	ध्रु	२०	५३	१५	४७	ना	१७	५२	१४	३५	४५	२६	४४	१४	२८	४	धनु.	८।१९।०२।१७	६१।२३

सूर्यग्रहणम्, देवपितृकार्येऽमा., कुहूः

अयनांशाः २३।५९।५४

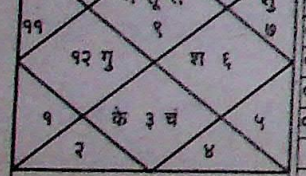
॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

मास फलम् अयनांशाः २३।५९।५५

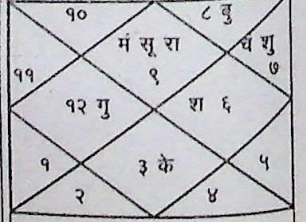
पं.३७ पौ.कृ. २ गु. इष्टघटी ०।००									ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.		प्रातः	तिथि	दिसं	दिवा	दिवा	सायं	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा
८	८	७,	११	६	५	८	२		०८।०५।५९।३९	९ बु	२२	९।३७	३।९३	५।०९	७।२४	९।४४	९२।०१	२।१७	४।३६	६।५४	८।५९	९०।४२	९२।११
०७	१७	२९	०१	२१	२२	०८	०८		०८।०६।५३।०१	२ गु	२३	९।३३	३।०९	५।०५	७।२०	९।४०	९१।५७	२।१३	४।३२	६।५०	८।५५	९०।३८	९२।०७
०७	३०	५७	२८	०७	२१	४५	४५		०८।०७।५४।२३	३ शु	२४	९।२९	३।०५	५।०१	७।१६	९।३६	९१।५३	२।०९	४।२८	६।४७	८।५१	९०।३५	९२।०३
०४	०३	५२	४१	०३	४४	००	००		०८।०८।५५।४६	५ श	२५	९।२५	३।०१	४।५७	७।१२	९।३२	९१।४९	२।०५	४।२४	६।४३	८।४७	९०।३१	९१।५९
६१	४६	६८	६	५२	३	३	३		०८।०९।५७।०९	६ र	२६	९।२१	२।५७	४।५३	७।०८	९।२८	९१।४५	२।०१	४।२०	६।३९	८।४३	९०।२७	९१।५५
०७	०६	३९	४२	१९	२८	११	११		०८।१०।५८।३२	७ चं	२७	९।१७	२।५३	४।५०	७।०४	९।२४	९१।४१	१।५७	४।१६	६।३५	८।३९	९०।२३	९१।५१
मू	पूषा	ज्ये	पूषा	वि	ह	मू	आ		०८।११।५९।५५	८ मं	२८	९।१३	२।४९	४।४६	७।००	९।२०	९१।३७	१।५३	४।१२	६।३१	८।३५	९०।१९	९१।४७
३	२	४व	४	१	४	३	१		०८।१३।०१।५९	९ बु	२९	९।०९	२।४६	४।४२	६।५६	९।१६	९१।३३	१।४९	४।०८	६।२७	८।३१	९०।१५	९१।४३
									०८।१४।०२।४२	१० गु	३०	९।०५	२।४२	४।३८	६।५२	९।१२	९१।२९	१।४५	४।०४	६।२३	८।२८	९०।११	९१।३९
									०८।१५।०४।०६	११ शु	३१	९।०९	२।३८	४।३४	६।४८	९।०९	९१।२५	१।४१	४।००	६।१९	८।२४	९०।०७	९१।३५
									०८।१६।०५।३०	१२ श	१	९।०१	२।३४	४।३०	६।४५	९।०५	९१।२१	१।३७	३।५६	६।१५	८।२०	९०।०३	९१।३२
									०८।१७।०६।५४	१३ र	२	९।०१	२।३०	४।२६	६।४१	९।०१	९१।१८	१।३३	३।५२	६।११	८।१६	९।५९	९१।२८
									०८।१८।०८।१८	१४ चं	३	९।१५	२।२६	४।२२	६।३७	८।५७	९१।१४	१।२९	३।४९	६।०७	८।१२	९।५५	९१।२४
									०८।१९।०९।४९	३० मं	४	९।१४	२।२२	४।१८	६।३३	८।५३	९१।१०	१।२५	३।४५	६।०३	८।०८	९।५१	९१।२०

सूर्यग्रहण ४ जन. २०११, मंगलवार

इस माह में पांच बुधवार होने से रसवाली वस्तुओं का अभाव हो यथा- ॥बुधेरसक्षयोभूम्याम्॥ मास के प्रथम दिन में बुधवार होने से अन्न की महँगाई हो। कृ.सप्तमी सोमवार होने से भैंसो में रोग, पीड़ा बहुत हो। पौष की अमावस्या को पूर्वाषाढा और मंगलवार योग से अनावृष्टि हो। पौष शुक्ला ४ शनिवार होने से बीमारी बढे। पूर्णिमा पुनर्वसु युक्त होने से महर्घता हो। शुक्रवार की सक्रांति होने से प्रजासुस्थी हो, स्वर्ण चांदी के भाव तेज हों, गाय भैंस हाथी घोडा मोटर गाड़ी आदि (चतुष्पद) पशु एवं वाहन के भाव तेज हो, रस कस लवण घृत के भाव सम रहे।



पं.३८ पौ.कृ.१० गु. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
८	८	७	११	६	५	८	२
१४	२२	२५	०२	२७	२२	०८	०८
१५	५३	३२	१९	२७	४४	२२	२२
०९	४४	२४	०१	३८	०२	४५	४५
६१	४६	३	७	५६	२	३	३
०९	२३	०१	४९	५१	४८	११	११
पूषा	पूषा	ज्ये	पूषा	वि	ह	मू	आ
१	३	३	४	३	४	३	१



CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

५ जनवरी से १९ जनवरी तक, श्री पोष शुक्लपक्ष संवत् २०६७, शाकः १९३२, दि.मा.सू. सू. तारीख्स स्टै. प्रातः दैनिक केतकी अहर्गणः ६८४९ शिशिरर्तू रविरुत्तरे, जनवरी २०११

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
वज्र	१	बु	१९	४१	१५	१९	उषा	५४	४३	२९	१९	व्या	१९	२१	१५	१०	ब	१९	४१	१५	१९	३५	७	५	१५	२९	५	मक.	८।२०।०३।४१	६१।२३
ध्वजा	२	गु	२२	४१	१६	३१	श्रव	५९	३७	३१	१७	ह	१८	४३	१४	५६	कौ	२२	४१	१६	३१	४७	२६	४५	१६	१	६	मक.	८।२१।०५।०४	६१।२३
धाता	३	शु	२६	५३	१८	१२	धनि	...	...	..	...	व	१९	००	१५	०२	ग	२६	५३	१८	१२	४९	२६	४६	१७	२	७	कुंभे	२०।२६	८।२२।०६।२७	६१।२३
प्रवर्धमा	४	श	३२	०९	२०	१८	धनि	५	३७	९	४१	सि	२०	०५	१५	२९	वि	३२	०९	२०	१८	५१	२७	४७	१८	३	८	कुंभे		८।२३।०७।५०	६१।२३
राक्षस	५	र	३८	१६	२२	४५	शत	१२	३२	१२	२७	व्य	२१	५१	१६	११	ब	५	०९	९	३०	५२	२७	४८	११	४	९	कुंभे		८।२४।०९।१३	६१।२२
मुसल	६	सो	४४	४८	२५	२२	पूभा	१९	५९	१५	२६	व	२४	००	१७	०३	कौ	११	३१	१२	०३	५४	२७	४८	२०	५	१०	मीने	८।४१	८।२५।१०।३५	६१।२२
सिद्धि	७	मं	५१	०८	२७	५४	उभा	२७	३०	१८	२७	प	२६	१०	१७	५५	ग	१८	०१	१४	३९	५६	२७	४९	२१	६	११	मीने		८।२६।११।५७	६१।२२
उत्पात	८	बु	५६	३९	३०	०६	रेव	३४	२७	२१	१४	शि	२७	५५	१८	३७	वि	२४	०२	१७	०४	५८	२७	५०	२२	७	१२	मेषे	२१।१४	८।२७।१३।१९	६१।२१
मानस	९	गु	...	...	...	..	अश्वि	४०	१८	२३	३४	सि	२८	४९	१८	५८	बा	२८	५६	१९	०१	२६ ००	२७	५१	२३	८	१३	मेषे		८।२८।१४।४०	६१।२१
मुद्गर	९	शु	०	५१	७	४७	भर	४४	३६	२५	१७	सा	२८	३३	१८	५२	कौ	०	५१	७	४७	०२	२७	५१	२४	९	१४	मेषे		८।२९।१६।०१	६१।२०
ध्वजा	१०	श	३	२०	८	४६	कृति	४७	०७	२६	१७	शु	२६	५५	१८	१३	ग	३	२०	८	४६	०४	२७	५२	२५	१०	१५	वृषे	७।३६	९।००।१७।२२	६१।२०
ए.व्र.	११	र	३	५३	९	००	रोहि	४७	४६	२६	३३	शु	२३	४९	१६	५८	वि	३	५३	९	००	०७	२६	५३	२६	११	१६	वृषे		९।०१।१८।४१	६१।१९
प्र.व्र.	१२	सो	२	३२	८	२७	मृग	४६	३७	२६	०५	ब्र	१९	१३	१५	०७	बा	२	३२	८	२७	०९	२६	५४	२७	१२	१७	मिथु.	९४।२४	९।०२।२०।००	६१।१९
क्षयः	१३	सो	५९	२२	३१	११	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
चर	१४	मं	५४	३६	२९	१७	आर्द्रा	४३	५१	२४	५९	ऐ	१३	१४	१२	४४	ग	२७	१०	१८	१८	११	२६	५५	२८	१३	१८	मिथु.		९।०३।२१।१९	६१।१८
पूर्णिमा	१५	बु	४८	३३	२६	५१	पुन	३९	४५	२३	२०	वै	५७	५३	३०	३५	वि	२१	४३	१६	०७	१४	२६	५६	२९	१४	१९	कर्के	१७।४७	९।०४।२२।३७	६१।१७

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह वारादि का समय स्टै.टा.में है।

चंद्रदर्शनम् (मु.४५), ग्रहण-करिदिन, अनु. शुक्रः ८।४४

सफर २, उभा.-१ गुरुः १६।१२

भ. ३१।१२ उ., पंचक प्रारम्भः २०।२६, धनुषि मूले बुधः २५।४७

भ. २०।१८ या., मकरे भौमः ११।१५

[A माघ स्नानारंभः, पूषा. बुधः १३।११

भ. २७।५४ उ., उषा. रविः ११।४३ (सौरः १८।२५)

भ. १७।०४ या., पंचक समाप्तिः २१।१४, शांकभरी यात्रा, महाभद्रा

मकरे रविः १८।१४ (सौरः २४।३९), निरयन उत्तरायनारंभः

भ. २०।५९ उ., मन्वादि

भ. ९।०० या., पुत्रदा ११ व्र., रोहिण्यां रे. ६ SIIISSIIISD. B

प्रदोषः, ज्येष्ठा. शुक्रः २९।०६, चित्रा.-१ शनिः २६।५३

[B दिवा ल. ११।१२।१५, रात्रौ गोधूलि

भ. २९।१७ उ.

भ. १६।०७ या., पूर्णिमा व्रतंपुण्यञ्च, शाकंभरी जयंती, A

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

अयनांशाः २३।५९।५६

पं.३९ पौ.शु. २ गु. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
८	८	७	११	७	५	८	२
२१	२८	२८	०३	०४	२३	०८	०८
२३	१९	३०	१६	१६	०१	००	००
२०	१६	१७	४६	३९	५४	२९	२९
६१	४६	४९	८	६०	२	३	३
१०	३८	०१	५१	२१	०६	११	११
पूषा	उषा	ज्ये	पूभा	अनु	ह	मू	आ
३	१	४	४	१	४	३	१



ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	जन.	दिवा	दिवा	दिवा	सायँ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः	दिवा	दिवा
०८।२०।१९।०५	१ बु	५	१२।४२	२।१८	४।१४	६।२९	८।४९	११।०६	१।२२	३।४१	५।५९	८।०४	९।४७	११।१६
०८।२१।१२।२८	२ गु	६	१२।३८	२।१४	४।१०	६।२५	८।४५	११।०२	१।१८	३।३७	५।५५	८।००	९।४३	११।१२
०८।२२।१३।५२	३ शु	७	१२।३४	२।१०	४।०६	६।२१	८।४१	१०।५८	१।१४	३।३३	५।५१	७।५६	९।३९	११।०८
०८।२३।१५।१५	४ श	८	१२।३०	२।०६	४।०२	६।१७	८।३७	१०।५४	१।१०	३।२९	५।४७	७।५२	९।३५	११।०४
०८।२४।१६।३८	५ र	९	१२।२६	२।०२	३।५८	६।१३	८।३३	१०।५०	१।०६	३।२५	५।४३	७।४८	९।३१	११।००
०८।२५।१८।००	६ चं	१०	१२।२२	१।५८	३।५४	६।०९	८।२९	१०।४६	१।०२	३।२१	५।४०	७।४४	९।२७	१०।५६
०८।२६।१९।२२	७ मं	११	१२।१८	१।५४	३।५०	६।०५	८।२५	१०।४२	१२।५८	३।१७	५।३६	७।४०	९।२४	१०।५२
०८।२७।२०।४४	८ बु	१२	१२।१४	१।५०	३।४६	६।०१	८।२१	१०।३८	१२।५४	३।१३	५।३२	७।३६	९।२०	१०।४८
०८।२८।२२।०५	९ गु	१३	१२।१०	१।४६	३।४२	५।५७	८।१७	१०।३४	१२।५०	३।०९	५।२८	७।३२	९।१६	१०।४४
०८।२९।२३।२६	९ शु	१४	१२।०६	१।४२	३।३९	५।५३	८।१३	१०।३०	१२।४६	३।०५	५।२४	७।२८	९।१२	१०।४०
०९।००।२४।४६	१० श	१५	१२।०२	१।३८	३।३५	५।४९	८।०९	१०।२६	१२।४२	३।०१	५।२०	७।२४	९।०८	१०।३६
०९।०१।२६।०६	११ र	१६	११।५८	१।३५	३।३१	५।४५	८।०५	१०।२२	१२।३८	२।५७	५।१६	७।२१	९।०४	१०।३२
०९।०२।२७।२५	१२ चं	१७	११।५४	१।३१	३।२७	५।४१	८।०२	१०।१८	१२।३४	२।५३	५।१२	७।१७	९।००	१०।२८
०९।०३।२८।४४	१३ मं	१८	११।५१	१।२७	३।२३	५।३८	७।५८	१०।१४	१२।३०	२।४९	५।०८	७।१३	८।५६	१०।२५
०९।०४।३०।०२	१४ बु	१९	११।४७	१।२३	३।१९	५।३४	७।५४	१०।११	१२।२६	२।४५	५।०४	७।०९	८।५२	१०।२१

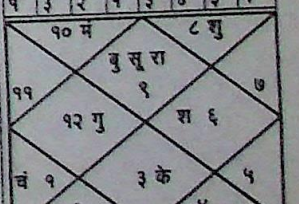
संक्रांति फलम्

ता. १४ जनवरी २०११
पौष शु. ९ भृगौ मकरेऽर्कः प्र. (स्टै.)
टा. १८।१४ वारात् २ नक्षत्रात् ३
वारनाम मिश्रा पशून् सुस्पदा
नक्षत्रनाम घोरा शूद्रान् सुस्पदा प्रदोष
व्यापिनी पिशाचान् हन्ति, दक्षिणे
गमनं नैऋत्यां दृष्टिः तैतिलकरणे
प्रविष्टा नेष्टफलं रासभवाहनं
मेषोपवाहनं सुभिक्षकारक अरुणवस्त्रं
दण्डायुधं कांस्यपात्रं पक्वान्नभक्षणं
मृद्लेपनं पक्षीजातिः केतकीपुष्पं
प्रवलभूषणं भूर्जपत्रकंचुकी युवावस्था
(सूती) मु. १५ धान्यभावे महर्घता
वत्स दक्षिणे राहु पूर्वे मूलं स्वर्गे
विवाहस्तंभो वायव्याम् शुक्रोदयः
पूर्वस्याम्। पुण्यकालः (स्टै.) १८।१४
से शनिवार १०।१४ तक। (दान-
काष्ट - अन्न)।

अयनांशाः २३।५९।५७

पं.४० पौ.शु. ९ गु. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
८	९	८	११	७	५	८	२
२८	०३	०५	०४	११	२३	०७	०७
३१	४६	२८	२१	२७	१४	३८	३८
२४	२४	१८	३४	४१	२५	१३	१३
६१	४६	७०	९	६३	१	३	३
०८	५१	५६	४७	०४	२२	११	११
उषा	उषा	मू	उषा	अनु	ह	मू	आ
१	३	२	१	३	४	३	१



CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

॥ श्रीवल्लभ मनीराम पञ्चाङ्गम् ॥

२० जनवरी से ३ फ़रवरी तक, श्री माघ कृष्णपक्ष संवत् २०६७, शाकः १९३२, दि.मा.सू. सू. तारीख्स स्टै. प्रातः दैनिक शिशिरर्तू रविरुत्तरे पोषकृष्णेति गुर्जराः, जनवरी-फरवरी २०११

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
शुभ	१	गु	४१	३२	२४	०३	पुष्य	३४	३८	२१	१७	प्री	४८	५९	२७	०२	बा	१५	०९	१३	२९	२६/१७	७/२६	५/५६	३०	१५	२०	कर्के	९।०५।२३।५४	६१।१६
मृत्यु	२	शु	३३	५५	२१	००	श्ले	२८	५३	१८	५९	आ	३९	३९	२३	१७	तै	७	४७	१०	३२	१९	२६	५७	१	१६	२१	सिंहे १८।५९	९।०६।२५।१०	६१।१६
च.व्र.	३	श	२६	०६	१७	५२	मघा	२२	५३	१६	३४	सौ	३०	१०	१९	२९	व	०	०१	७	२६	२२	२५	५८	२	१७	२२	सिंहे	९।०७।२६।२६	६१।१५
छत्र	४	र	१८	२६	१४	४८	पूफा	१७	०१	१४	१३	शो	२०	५१	१५	४५	बा	१८	२६	१४	४८	२५	२५	५९	३	१८	२३	कन्या १९।४०	९।०८।२७।४१	६१।१४
श्रीवत्स	५	सो	१९	१८	१९	५६	उफा	१९	४०	१२	०५	अ	१९	५८	१२	१२	तै	११	१८	११	५६	२७	२५	६/००	४	१९	२४	कन्या	९।०९।२८।५५	६१।१३
सौम्य	६	मं	५	००/	९	२४	हस्त	७	०८	१०	१६	सु	५/६	४६/५५	८/२९	५५/५८	व	५	००	९	२४	३०	२४	०१	५	२०	२५	तुला. २१।३०	९।१०।३०।०८	६१।१२
क्षयः	७	मं	५९	४४	३१	१८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
काल	८	बु	५५	४४	२९	४२	चित्रा	३	४०	८	५२	शू	५०	०३	२७	२५	बा	२७	३५	१८	२६	३३	२४	०१	६	२१	२६	तुला.	९।११।३१।२०	६१।११
सुस्थिर	९	गु	५३	०४	२८	३७	स्वा	१	२७	७	५८	गं	४४	४५	२५	१८	तै	२४	१४	१७	०५	३६	२४	०२	७	२२	२७	वृश्चि. २५।३८	९।१२।३२।३२	६१।१०
मातङ्ग	१०	शु	५९	४३	२८	०४	विशा	०	३९	७	३६	वृ	४०	२९	२३	३५	व	२२	१५	१६	१७	३९	२३	०३	८	२३	२८	वृश्चि.	९।१३।३३।४२	६१।०९
ए.व्र.	११	श	५१	३९	२८	०२	अनु	०	५३	७	४४	घु	३७	१३	२२	१६	ब	२१	३२	१५	५९	४३	२३	०४	९	२४	२९	वृश्चि.	९।१४।३४।५१	६१।०८
काण	१२	र	५२	४२	२८	२७	ज्ये	२	२७	८	२१	व्या	३४	५१	२१	१९	कौ	२२	०२	१६	११	४६	२२	०५	१०	२५	३०	धनु. ८।२१	९।१५।३५।५९	६१।०७
प्र.व्र.	१३	सो	५४	४८	२९	१७	मूल	५	०७	९	२५	ह	३३	२०	२०	४२	ग	२३	३८	१६	४९	४९	२२	०५	११	२६	३१	धनु.	९।१६।३७।०६	६१।०६
मित्र	१४	मं	५७	४९	३०	२९	पूषा	८	४५	१०	५१	व	३२	३१	२०	२२	वि	२६	१३	१७	५०	५२	२१	०६	१२	२७	१	मक. १७।१६	९।१७।३८।१२	६१।०५
मुद्गर	३०	बु	....	....	..	..	उषा	१३	१६	१२	३९	सि	३२	२३	२०	१८	च	२९	४१	१९	१३	५६	२१	०७	१३	२८	२	मक.	९।१८।३९।१७	६१।०४
अमाव.	३०	गु	१	४४	८	०२	श्रव	१८	३४	१४	४६	व्य	३२	५२	२०	२९	ना	१	४४	८	०२	५९	२०	०८	१४	२९	३	कुंभे २७।५६	९।१९।४०।२०	६१।०२

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।
अभि.प्र.रविः३१।२१, सायन कुंभे भानुः १५।३९, श्रव. भौमः ३०।२६
मघा. रे. १० ||||||||| रात्रौ ल. गो. ८ (गोधूल्यां तु सप्तम भौम A
भ. ७।२६ उ. १७।५२ या.,सौभाग्य सुन्दरी व्र.,संकट हरगणपति M
उफा.रे.८ ||||||ऽऽ|| रात्रौ ल.गो, ८ (गो.भौम ७ दो.),नेताजी ज.
उफा.रे.८ ||||||ऽऽ|| दिवा ल. ११, श्रव.रविः१३।५९ (सौरः१९।३६)
भ. ९।२४ उ. २०।१७ या., स्वामी विवेकानन्द जयंती, अभि.नि. C
[M व्र.,गौरीचतुर्थी, चतुर्थीव्र. चन्द्रोदयः २०।५५ [C रविः१०।५७ D
गणराज्यदिवस, उभा.-२ गुरुः ११।५६, वक्री शनिः २५।१८
[A दोषः), भा.माघारंभः, अभि.प्र.सौरः१३।१४ [D (सौरः १६।३०)
भ. १६।१७ उ. २८।०४ या., अनु. रे. ९ ||||||||ऽ|| दिवा ल. B
षट्तिला ११ व्र. [B ११।१२।२ (वृषे चं.शु.७ पू.), उषा.बुधः २३।३३
तिल द्वादशी, मकरे बुधः २९।१८, धनुषि मूले शुक्रः ७।५६
भ. २९।१७ उ., प्रदोषः, बुधास्तः पूर्वस्याम् २९।३३, मूले-२ राहुः P
भ. १७।५० या., मासिकशिवरात्री व्र., फरवरी २ ता. २८
पितृकार्येऽमा., मौनी ३०, युगादि [P १४।५४, मृगे-४ केतुः १४।५४
पंचक प्रारम्भः २७।५६, देवकार्येऽमा., (व) हस्ते-४ शनिः २४।०३

अयनांशाः २३।५९।५८

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

अयनांशाः २३।५९।५९

अयनांशाः २३।५९।५९

पं.४१ मा.कृ. ९ गु. इष्टघटी ०।००

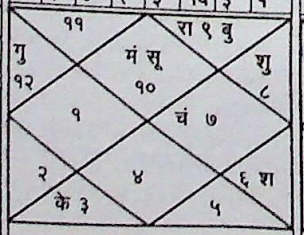
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
९	९	८	११	७	५	८	२
०५	०९	१४	०५	१८	२३	०७	०७
३९	१४	२१	३२	५५	२१	१५	१५
०७	५५	१७	३३	४९	४४	५८	५८
६१	४७	८९	१०	६५	०	३	३
०४	०२	४४	३७	१२	३७	११	११
उषा	उषा	पूषा	उभा	ज्ये	चि	मू	आ
३	४	१	१	१	१	३	१



ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	जन.	दिवा	दिवा	दिवा	सायँ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः	दिवा	दिवा
०९।०५।३१।१९	१ गु	२०	११।४३	१।१९	३।१५	५।३०	७।५०	९०।०७	१२।२२	२।४२	५।००	७।०५	८।४८	१०।१७
०९।०६।३२।३५	२ शु	२१	११।३९	१।१५	३।११	५।२६	७।४६	१०।०३	१२।१८	२।३८	४।५६	७।०१	८।४४	१०।१३
०९।०७।३३।५१	३ श	२२	११।३५	१।११	३।०७	५।२२	७।४२	९।५९	१२।१५	२।३४	४।५२	६।५७	८।४०	१०।०९
०९।०८।३५।०६	४ र	२३	११।३१	१।०७	३।०३	५।१८	७।३८	९।५५	१२।११	२।३०	४।४८	६।५३	८।३६	१०।०५
०९।०९।३६।२०	५ चं	२४	११।२७	१।०३	२।५९	५।१४	७।३४	९।५१	१२।०७	२।२६	४।४४	६।४९	८।३२	१०।०१
०९।१०।३७।३३	६ मं	२५	११।२३	१२।५९	२।५५	५।१०	७।३०	९।४७	१२।०३	२।२२	४।४०	६।४५	८।२८	९।५७
०९।११।३८।४५	७ बु	२६	११।१९	१२।५५	२।५१	५।०६	७।२६	९।४३	११।५९	२।१८	४।३६	६।४१	८।२४	९।५३
०९।१२।३९।५६	८ गु	२७	११।१५	१२।५१	२।४७	५।०२	७।२२	९।३९	११।५५	२।१४	४।३३	६।३७	८।२०	९।४९
०९।१३।४१।०७	९ शु	२८	११।११	१२।४७	२।४३	४।५८	७।१८	९।३५	११।५१	२।१०	४।२९	६।३३	८।१७	९।४५
०९।१४।४२।१६	१० श	२९	११।०७	१२।४३	२।३९	४।५४	७।१४	९।३१	११।४७	२।०६	४।२५	६।२९	८।१३	९।४१
०९।१५।४३।२४	११ र	३०	११।०३	१२।३९	२।३५	४।५०	७।१०	९।२७	११।४३	२।०२	४।२१	६।२५	८।०९	९।३७
०९।१६।४४।३१	१२ चं	३१	१०।५९	१२।३५	२।३२	४।४६	७।०६	९।२३	११।३९	१।५८	४।१७	६।२१	८।०५	९।३३
०९।१७।४५।३७	१३ मं	१	१०।५५	१२।३१	२।२८	४।४२	७।०२	९।१९	११।३५	१।५४	४।१३	६।१७	८।०१	९।२९
०९।१८।४६।४१	१४ बु	२	१०।५१	१२।२८	२।२४	४।३८	६।५८	९।१५	११।३१	१।५०	४।०९	६।१३	७।५७	९।२५
०९।१९।४७।४५	१५ गु	३	१०।४७	१२।२४	२।२०	४।३४	६।५५	९।११	११।२७	१।४६	४।०५	६।१०	७।५३	९।२१

पं.४२ मा.कृ. ९ गु. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
९	९	८	११	७	५	८	२
१२	१४	२४	०६	२६	२३	०६	०६
४६	४४	१२	४९	३७	२३	५३	५३
१७	३४	४५	०८	१८	४८	४३	४३
६०	४७	८७	११	६६	०	३	३
५९	११	४४	२२	५१	०८	११	११
श्र	श्र	पूषा	उभा	ज्ये	चि	मू	आ
१	२	४	२	३	१व	३	१



पं.४३ मा.कृ.३० गु. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
९	९	९	११	८	५	८	२
१९	२०	०४	०८	०४	२३	०६	०६
५२	१५	४१	१०	२९	२०	३१	३१
४३	०५	०२	३७	१२	३७	२८	२८
६०	४७	९२	१२	६८	०	३	३
५२	१८	३३	०१	०९	५३	११	११
श्र	श्र	उषा	उभा	मू	चि	मू	मृ
३	४	३	२	२	१व	२	४



CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

४ फरवरी से १८ फरवरी तक, श्री माघ शुक्लपक्ष संवत् २०६७, शाकः १९३२, दि.मा.सू. सू. तारीख्स स्टै. प्रातः दैनिक केतकी अहर्गणः ६८७९ शिशिरर्तु रविरुत्तरे, फरवरी २०११

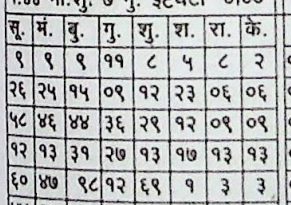
योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.घ	उ.	अ.	मा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
धाता	१	शु	६	२५	९	५४	धनि	२४	३९	१७	११	व	३३	५७	२०	५५	ब	६	२५	९	५४	२७ ०२	७ २०	६ ०९	१५	३०	४	कुंभे	९।२०।४१।२३	६१।०१
आनन्द	२	श	११	५१	१२	०४	शत	३१	२४	१९	५३	प	३५	३४	२१	३३	कौ	११	५१	१२	०४	०६	१९	०९	१६	१	५	कुंभे	९।२१।४२।२४	६१।००
धर	३	र	१७	५६	१४	२९	पूभा	३८	४३	२२	४८	शि	३७	३६	२२	२१	ग	१७	५६	१४	२९	०९	१८	१०	१७	२	६	मीने	१६।०३	९।२२।४३।२३	६०।५८
गद	४	सो	२४	२४	१७	०४	उभा	४६	१९	२५	४९	सि	३९	५२	२३	१५	वि	२४	२४	१७	०४	१३	१८	११	१८	३	७	मीने	९।२३।४४।२२	६०।५७
वसंत	५	मं	३०	५५	१९	३९	रेव	५३	४८	२८	४८	सा	४२	०५	२४	०७	बा	३०	५५	१९	३९	१७	१७	१२	१९	४	८	मेषे	२८।४८	९।२४।४५।१९	६०।५६
मृत्यु	६	बु	३६	५६	२२	०३	अश्वि	...	...	...	...	शु	४३	५२	२४	४९	कौ	४	०२	८	५३	२०	१६	१२	२०	५	९	मेषे		९।२५।४६।१४	६०।५४
मानस	७	गु	४१	५७	२४	०३	अश्वि	०	४१	७	३२	शु	४४	५३	२५	१३	ग	९	३७	११	०६	२४	१६	१३	२१	६	१०	मेषे		९।२६।४७।०९	६०।५३
मुद्गर	८	शु	४५	२९	२५	२७	भर	६	२४	९	४९	ब्र	४४	४५	२५	०९	वि	१३	५६	१२	५०	२७	१५	१४	२२	७	११	वृषे	१६।१७	९।२७।४८।०१	६०।५१
ध्वजा	९	श	४७	१०	२६	०६	कृति	१०	३४	११	२८	ऐ	४३	१४	२४	३२	बा	१६	३५	१३	५२	३१	१४	१५	२३	८	१२	वृषे		९।२८।४८।५३	६०।५०
धाता	१०	र	४६	४७	२५	५६	रोहि	१२	५०	१२	२२	वै	४०	०७	२३	१६	तै	१७	१५	१४	०७	३५	१४	१५	२४	९	१३	मिथु.	२४।३०	९।२९।४९।४२	६०।४८
ए.ब्र.	११	सो	४४	१७	२४	५६	मृग	१३	०५	१२	२७	वि	३५	२३	२१	२२	व	१५	४९	१३	३२	३९	१३	१६	२५	१०	१४	मिथु.		१०।००।५०।३१	६०।४७
धर	१२	मं	३९	५०	२३	०८	आर्द्रा	११	१९	११	४४	प्री	२९	०३	१८	४९	ब	१२	१९	१२	०७	४३	१२	१७	२६	११	१५	कर्के	२८।४२	१०।०१।५१।१७	६०।४५
प्र.ब्र.	१३	बु	३३	३६	२०	३८	पुन	७	४२	१०	१६	आ	२१	१७	१५	४२	कौ	६	५६	९	५७	४६	११	१८	२७	१२	१६	कर्के		१०।०२।५२।०२	६०।४३
शुभ	१४	गु	२५	५९	१७	३४	पुष्य	२ ५६	३० ०४	८ २९	१० ३६	सौ	१२	१७	१२	०५	व	२५	५९	१७	३४	५०	१०	१८	२८	१३	१७	सिंहे	२९।३६	१०।०३।५२।४५	६०।४२
पूर्णिमा	१५	शु	१७	२०	१४	०६	मघा	४८	५६	२६	४४	शो	२ ५१	२२ ५१	८ २७	०६ ५४	ब	१७	२०	१४	०६	५४	०९	१९	२९	१४	१८	सिंहे		१०।०४।५३।२७	६०।४०

पूर्णिमा व्रतंपुण्यञ्च,माघ स्नान पूर्त्तिः, मघा रे. ७ IIIISISSII A

अयनांशाः २४।००।०० ॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥ संक्रांति फलम् अयनांशाः २४।००।०१

पं.४४ मा.शु. ७ गु. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
९	९	९	११	८	५	८	२
२६	२५	१५	०९	१२	२३	०६	०६
५८	४६	४४	३६	२९	१२	०९	०९
१२	१३	३१	२७	१३	१७	१३	१३
६०	४७	९८	१२	६९	१	३	३
४४	२२	०५	३५	१०	३६	११	११
घ	घ	श्र	उभा	मू	ह	मू	मृ
२	१	२	२	४	४व	२	४

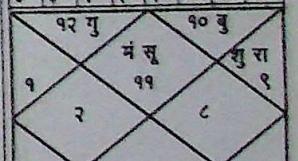


ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	फर.	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	सायँ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः	दिवा
०९।२०।४८।४७	१ शु	४	१०।४४	१२।२०	२।१६	४।३१	६।५१	९।०७	११।२३	१।४२	४।०१	६।०६	७।४९	९।१८
०९।२१।४९।४८	२ श	५	१०।४०	१२।१६	२।१२	४।२७	६।४७	९।०४	११।१९	१।३८	३।५७	६।०२	७।४५	९।१४
०९।२२।५०।४८	३ र	६	१०।३६	१२।१२	२।०८	४।२३	६।४३	९।००	११।१५	१।३४	३।५३	५।५८	७।४१	९।१०
०९।२३।५१।४६	४ चं	७	१०।३२	१२।०८	२।०४	४।१९	६।३९	८।५६	११।११	१।३१	३।४९	५।५४	७।३७	९।०६
०९।२४।५२।४३	५ मं	८	१०।२८	१२।०४	२।००	४।१५	६।३५	८।५२	११।०८	१।२७	३।४५	५।५०	७।३३	९।०२
०९।२५।५३।३८	६ बु	९	१०।२४	१२।००	१।५६	४।११	६।३१	८।४८	११।०४	१।२३	३।४१	५।४६	७।२९	८।५८
०९।२६।५४।३२	७ गु	१०	१०।२०	११।५६	१।५२	४।०७	६।२७	८।४४	११।००	१।१९	३।३७	५।४२	७।२५	८।५४
०९।२७।५५।२५	८ शु	११	१०।१६	११।५२	१।४८	४।०३	६।२३	८।४०	१०।५६	१।१५	३।३३	५।३८	७।२१	८।५०
०९।२८।५६।१६	९ श	१२	१०।१२	११।४८	१।४४	३।५९	६।१९	८।३६	१०।५२	१।११	३।२९	५।३४	७।१७	८।४६
०९।२९।५७।०६	१० र	१३	१०।०८	११।४४	१।४०	३।५५	६।१५	८।३२	१०।४८	१।०७	३।२६	५।३०	७।१३	८।४२
१०।००।५७।५४	११ चं	१४	१०।०४	११।४०	१।३६	३।५१	६।११	८।२८	१०।४४	१।०३	३।२२	५।२६	७।१०	८।३८
१०।०१।५८।४०	१२ मं	१५	१०।००	११।३६	१।३२	३।४७	६।०७	८।२४	१०।४०	१२।५९	३।१८	५।२२	७।०६	८।३४
१०।०२।५९।२५	१३ बु	१६	९।५६	११।३२	१।२८	३।४३	६।०३	८।२०	१०।३६	१२।५५	३।१४	५।१८	७।०२	८।३०
१०।०४।००।०८	१४ गु	१७	९।५२	११।२८	१।२५	३।३९	५।५९	८।१६	१०।३२	१२।५१	३।१०	५।१४	६।५८	८।२६
१०।०५।००।५०	१५ शु	१८	९।४८	११।२४	१।२१	३।३५	५।५५	८।१२	१०।२८	१२।४७	३।०६	५।१०	६।५४	८।२२

ता. १२ फरवरी २०११
माघ शु. ९ शनौ कुंभेऽर्कः प्र. (स्टै.)
टा. ३१।०८ वारात् २ नक्षत्रात् ३
वारनाम राक्षसी चाण्डालान् सुस्सदा
नक्षत्रनाम नंदा गणकान् सुस्सदा
प्रभात रात्रि ४ प्रहर व्यापिनी
गोरक्षकान् हन्ति, पश्चिमे गमनं वायव्यां
दृष्टिः तैतिलकरणे प्रविष्टा नेष्टफलं
रासभवाहनं मेषोष्ट्रवाहनं सुभिक्षकारक
अरुणवस्त्रं दण्डायुधं कांस्यपात्रं
पक्वान्नभक्षणं मृदलेपनं पक्षीजातिः
केतकीपुष्पं प्रवलभूषणं भूर्जपत्रकंचुकी
युवावस्था (सूती) मु. ४५ धान्यभावे
समर्घ वत्स पश्चिमा. राहु दक्षिणे मूलं
पाताले विवाहस्तंभो नैऋत्यां
शुक्रोदयः पूर्वस्याम् । पुण्यकालः
(स्टै.) २४।४४ से ३१।०८ तक ।
(दान- गोड़ - अन्न) ।

पं.४५ मा.शु.१४ गु. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
१०	१०	९	११	८	५	८	२
०४	०१	२७	११	२०	२२	०५	०५
०२	१७	२९	०६	३५	५९	४६	४६
३५	४२	४४	००	३३	००	५८	५८
६०	४७	१०४	१३	६९	२	३	३
३४	२४	३१	०४	५७	१७	११	११
घ	घ	घ	उभा	पूभ	ह	मू	मृ
४	३	२	३	३	४व	२	४



CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

॥ श्रीवल्लभ मनीराम पञ्चाङ्गम् ॥

१९ फरवरी से ४ मार्च तक, श्री फाल्गुन कृष्णपक्ष संवत् २०६७, शाकः १९३२, दि.मासू. सू. तारीस्प स्टै. प्रातः दैनिक वसंतर्तू रविरुत्तरे माघकृष्णेति गुर्जराः, फरवरी-मार्च २०११

योगः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	च.प.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
लुम्बक	१	श	८	०८	१०	२४	पूफा	४१	३१	२३	४५	सु	४१	११	२३	३७	कौ	८	०८	१०	२४	२७ ५८	७ ०९	६ २०	३०	१५	१९	कन्या २९।०१	१०।०५।५४।०७	६०।३८
क्षयः	२	श	५८	४९	३०	४०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
मित्र	३	र	४९	५३	२७	०५	उफा	३४	२०	२०	५२	धृ	३०	४०	१९	२४	व	२४	१८	१६	५१	२८ ०२	०८	२०	१	१६	२०	कन्या	१०।०६।५४।४५	६०।३७
च.व्र.	४	सो	४१	४८	२३	५०	हस्त	२७	४९	१८	१४	शू	२०	४३	१५	२४	ब	१५	४४	१३	२५	०६	०७	२१	२	१७	२१	तुला. २९।०५	१०।०७।५५।२२	६०।३५
ध्वाङ्क्ष	५	मं	३४	५४	२१	०४	चित्रा	२२	२५	१६	०४	गं	११	३८	११	४५	कौ	८	११	१०	२२	१०	०६	२२	३	१८	२२	तुला.	१०।०८।५५।५७	६०।३३
धूम्र	६	बु	२९	३२	१८	५४	स्वा	१८	२८	१४	२८	वृ	३ ५७	४५ ५२	८ २९	३३ ४४	ग	२	०२	७	५४	१४	०५	२२	४	१९	२३	तुला.	१०।०९।५६।३०	६०।३१
प्रवर्धमा	७	गु	२५	५२	१७	२५	विशा	१६	१२	१३	३३	व्या	५१	५०	२७	४८	ब	२५	५२	१७	२५	१८	०४	२३	५	२०	२४	वृश्चि. ७।४३	१०।१०।५७।०१	६०।२९
राक्षस	८	शु	२४	०२	१६	४०	अनु	१५	४२	१३	२०	ह	४८	०३	२६	१६	कौ	२४	०२	१६	४०	२२	०३	२४	६	२१	२५	वृश्चि.	१०।११।५७।३०	६०।२७
मुसल	९	श	२३	५७	१६	३७	ज्ये	१६	५६	१३	४९	व	४५	३७	२५	१७	ग	२३	५७	१६	३७	२६	०२	२४	७	२२	२६	धनु. १३।४९	१०।१२।५७।५८	६०।२६
सिद्धि	१०	र	२५	२८	१७	१२	मूल	१९	४४	१४	५५	सि	४४	२०	२४	४५	वि	२५	२८	१७	१२	३०	०१	२५	८	२३	२७	धनु.	१०।१३।५८।२३	६०।२४
ए.व्र.	११	सो	२८	२१	१८	२१	पूषा	२३	५३	१६	३३	व्य	४४	०३	२४	३७	बा	२८	२१	१८	२१	३४	००	२६	९	२४	२८	मक. २३।०२	१०।१४।५८।४७	६०।२२
मानस	१२	मं	३२	२०	१९	५५	उषा	२९	०५	१८	३७	व	४४	३२	२४	४८	कौ	०	१५	७	०५	३८	५९	२६	१०	२५	१	मक.	१०।१५।५९।०९	६०।२०
शिवरा.	१३	बु	३७	०६	२९	४९	श्रव	३५	०४	२१	००	प	४५	३६	२५	१३	ग	४	३८	८	४९	४२	५८	२७	११	२६	२	मक.	१०।१६।५९।२९	६०।१८
श्रीवत्स	१४	गु	४२	३०	२३	५७	धनि	४१	३९	२३	३७	शि	४७	०६	२५	४८	वि	९	४५	१०	५१	४६	५७	२८	१२	२७	३	कुंभे १०।१७	१०।१७।५९।४६	६०।१६
अमाव.	३०	शु	४८	१८	२६	१५	शत	४८	३९	२६	२४	सि	४८	५६	२६	३०	च	१५	२३	१३	०५	५०	५६	२८	१३	२८	४	कुंभे	१०।१९।००।०२	६०।१४

देवपितृकार्येऽमा., पूभा. रविः २७।५१ (स्प्रैरः ३०।४९)

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।

उफा. रे. १० ।।।।।।।।। दिवा ल. १, रात्रौ ८।१०, शत. A

[A रविः २१।३४ (सौरः २५।१७)

भ. १६।५१ उ. २७।०५ या., भा. फाल्गुनारंभः

चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः २१।५६

शत. बुधः ११।१३, उषा. शुक्रः ११।५२

भ. १८।५४ उ. ३०।०४ या., शत. भौमः २६।२२

अनु. रे. ७ ऽ।।।।ऽऽ।। रात्रौ अ. गो. १० (गोधू. भौ. ७ दो.)

अनु. रे. ८ ऽ।।।।।।ऽ।। दिवा ल. १२।१, मकरे शुक्रः ७।५८

भ. २८।५० उ., रामदास ९

भ. १७।१२ या., उभा.-४ गुरुः ८।१७

विजया ११ व्र.

मार्च ३ ता. ३१, पूभा. बुधः १५।०१

भ. २१।४९ उ., प्रदोषः, महाशिवरात्री व्रतम्

भ. १०।५१ या., पंचक प्रारम्भः १०।१७

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

अयनांशाः २४।००।०२

पं.४६ फा.कृ. ७ गु. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
१०	१०	१०	११	८	५	८	२
११	०६	१०	१२	२८	२२	०५	०५
०५	४९	००	३८	४६	४१	२४	२४
४३	१७	१६	४३	४८	०७	४४	४४
६०	४७	११०	१३	७०	२	३	३
२३	२३	५१	२९	३३	५५	११	११
श	श	श	उभा	उभा	ह	मू	मृ
२	१	२	३	१	४व	२	४



ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	फर.	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	सायं	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः	दिवा
१०।०६।०१।३०	१ श	१९	९।४४	११।२१	१।१७	३।३१	५।५१	८।०८	१०।२४	१२।४३	३।०२	५।०७	६।५०	८।१८
१०।०७।०२।०८	३ र	२०	९।४०	११।१७	१।१३	३।२७	५।४८	८।०४	१०।२०	१२।३९	२।५८	५।०३	६।४६	८।१४
१०।०८।०२।४४	४ चं	२१	९।३७	११।१३	१।०९	३।२४	५।४४	८।००	१०।१६	१२।३५	२।५४	४।५९	६।४२	८।११
१०।०९।०३।१९	५ मं	२२	९।३३	११।०९	१।०५	३।२०	५।४०	७।५७	१०।१२	१२।३१	२।५०	४।५५	६।३८	८।०७
१०।१०।०३।५२	६ बु	२३	९।२९	११।०५	१।०१	३।१६	५।३६	७।५३	१०।०८	१२।२८	२।४६	४।५१	६।३४	८।०३
१०।११।०४।२३	७ गु	२४	९।२५	११।०१	१२।५७	३।१२	५।३२	७।४९	१०।०४	१२।२४	२।४२	४।४७	६।३०	७।५९
१०।१२।०४।५२	८ शु	२५	९।२१	१०।५७	१२।५३	३।०८	५।२८	७।४५	१०।०१	१२।२०	२।३८	४।४३	६।२६	७।५५
१०।१३।०५।१९	९ श	२६	९।१७	१०।५३	१२।४९	३।०४	५।२४	७।४१	९।५७	१२।१६	२।३४	४।३९	६।२२	७।५१
१०।१४।०५।४५	१० र	२७	९।१३	१०।४९	१२।४५	३।००	५।२०	७।३७	९।५३	१२।१२	२।३०	४।३५	६।१८	७।४७
१०।१५।०६।०८	११ चं	२८	९।०९	१०।४५	१२।४१	२।५६	५।१६	७।३३	९।४९	१२।०८	२।२६	४।३१	६।१४	७।४३
१०।१६।०६।३०	१२ मं	१	९।०५	१०।४१	१२।३७	२।५२	५।१२	७।२९	९।४५	१२।०४	२।२२	४।२७	६।१०	७।३९
१०।१७।०६।४९	१३ बु	२	९।०१	१०।३७	१२।३३	२।४८	५।०८	७।२५	९।४१	१२।००	२।१९	४।२३	६।०७	७।३५
१०।१८।०७।०७	१४ गु	३	८।५७	१०।३३	१२।२९	२।४४	५।०४	७।२१	९।३७	११।५६	२।१५	४।१९	६।०३	७।३१
१०।१९।०७।२३	३० शु	४	८।५३	१०।२९	१२।२५	२।४०	५।००	७।१७	९।३३	११।५२	२।११	४।१५	५।५९	७।२७

मास फलम्

इस माह में पांच शनिवार होने से महँगाई हो। मार्गशीर्ष से फाल्गुन तक शुक्ल पक्ष में तिथियों की वृद्धि होने से स्वास्थ्य उत्तम (निरोग) रहें। कृष्णा षष्ठी को स्वाति होने से दुर्भिक्ष हो। शुक्रवारी अमावस होने से उद्धत मेघों से जलभ्रंश हो और शतभिषा योग सुभिक्ष और सुस्वद है। शुक्ल नवमी को आर्द्रा होने से अवर्षण हो। पूर्णिमा पूर्वाफाल्गुनी युक्त होने से समर्घता हो। सोमवार की सक्रांति होने से दक्षिण की पवन चले, धान्यादि सभी वस्तुओं के भाव मंदे हो, रस घृत किराणें की वस्तुएं तेज हों, लोक, महाजन प्रसन्न हों, प्रजा में सद्भाव अधिक हो।

अयनांशाः २४।००।०३

पं.४७ फा.कृ.१४ गु. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
१०	१०	१०	११	९	५	८	२
१८	१२	२३	१४	०७	२२	०५	०५
०७	२०	१०	१४	०१	१९	०२	०२
२८	४१	५१	०४	५१	०४	३०	३०
६०	४७	११५	१३	७१	३	३	३
१०	२१	१७	४९	०२	२८	११	११
श	श	पूभा	उभा	उभा	ह	मू	मृ
४	२	१	४	४	४व	२	४



CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

॥ श्रीवल्लभ मनीराम पञ्चाङ्गम् ॥

५ मार्च से १९ मार्च तक, श्री फाल्गुन शुक्लपक्ष संवत् २०६७, शाकः १९३२, दि.मा.सू. सू. तारीख स्टै. प्रातः दैनिक केतकी अहर्गणः ६९०८ वसंतर्तू रविरुत्तरे, मार्च २०११

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
काल	१	श	५४	२७	२८	४२	पूभा	५५	५७	२९	१८	सा	५०	५९	२७	१९	किं	२१	२२	१५	२८	२८ ५४	६ ३९	१४	२९	५	मीने	२२।३४	१०।२०।००।१६	६०।१२
फुलरि.	२	र	...	...	...	..	उभा	...	...	...	...	शु	५३	१२	२८	११	बा	२७	३८	१७	५७	५९	५४	२९	१५	३०	६	मीने		१०।२१।००।२८	६०।१०
गद	२	सो	०	४९	७	१२	उभा	३	२८	८	१६	शु	५५	२७	२९	०४	कौ	०	४९	७	१२	२९ ०३	५३	३०	१६	१	७	मीने		१०।२२।००।३७	६०।०८
शुभ	३	मं	७	०८	९	४३	रेव	१०	५५	११	१४	ब्र	५७	३०	२९	५२	ग	७	०८	९	४३	०७	५२	३१	१७	२	८	मेषे	११।१४	१०।२३।००।४५	६०।०६
मृत्यु	४	बु	१३	०८	१२	०६	अश्वि	१८	०५	१४	०५	ऐ	५९	०८	३०	३०	वि	१३	०८	१२	०६	११	५१	३१	१८	३	९	मेषे		१०।२४।००।५१	६०।०३
पद्म	५	गु	१८	२८	१४	१३	भर	२४	३४	१६	३९	वै	...	...	...	...	बा	१८	२८	१४	१३	१५	५०	३२	१९	४	१०	वृषे	२३।१४	१०।२५।००।५४	६०।०१
छत्र	६	शु	२२	४३	१५	५४	कृति	२९	५९	१८	४८	वै	० ५९	०६ ५६	६ ३०	५५ ४७	तै	२२	४३	१५	५४	१९	४९	३२	२०	५	११	वृषे		१०।२६।००।५५	५९।५९
श्रीवत्स	७	श	२५	२८	१६	५९	रोहि	३३	५६	२०	२२	प्री	५८	३३	३०	१३	व	२५	२८	१६	५९	२३	४८	३३	२१	६	१२	वृषे		१०।२७।००।५५	५९।५७
होलाष्ट.	८	र	२६	२४	१७	२०	मृग	३६	०५	२१	१२	आ	५५	३७	२९	०१	ब	२६	२४	१७	२०	२८	४६	३३	२२	७	१३	मिथु.	८।५३	१०।२८।००।५२	५९।५५
काल	९	सो	२५	१८	१६	५३	आर्द्रा	३६	१५	२१	१५	सौ	५१	०५	२७	११	कौ	२५	१८	१६	५३	३२	४५	३४	२३	८	१४	मिथु.		१०।२९।००।४७	५९।५३
सुस्थिर	१०	मं	२२	०७	१५	३५	पुन	३४	२२	२०	२९	शो	४४	५५	२४	४२	ग	२२	०७	१५	३५	३६	४४	३५	२४	९	१५	कर्के	१४।४५	११।००।००।३९	५९।५१
ए.ब्र.	११	बु	१६	५७	१३	३०	पुष्य	३०	३४	१८	५७	अ	३७	१२	२१	३६	वि	१६	५७	१३	३०	४०	४३	३५	२५	१०	१६	कर्के		११।०१।००।३०	५९।४८
प्र.ब्र.	१२	गु	१०	०१	१०	४२	श्ले	२५	०६	१६	४४	सु	२८	१०	१७	५८	बा	१०	०१	१०	४२	४४	४२	३६	२६	११	१७	सिंहे	१६।४४	११।०२।००।१८	५९।४६
काण	१३	शु	१	४१	७	२१	मघा	१८	२०	१४	०१	धृ	१८	०४	१३	५५	तै	१	४१	७	२१	४९	४१	३६	२७	१२	१८	सिंहे		११।०३।००।०४	५९।४४
क्षयः	१४	शु	५२	१९	२७	३६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
होली	१५	श	४२	२९	२३	३९	पूफा	१०	४५	१०	५८	शू	७ ५६	१८ १०	९ २९	३५ ०८	वि	१७	२८	१३	३९	५३	४०	३७	२८	१३	१९	कन्या	१६।१०	११।०३।५९।४८	५९।४२

[A के बाद, होलिका दहनं, करिदिन

[B मीने बुधः १९।५६

[C के बाद, धनि. शुक्रः २३।५५

[D (कर्के शु. ७ पू.)

[E समाप्तिः ११।१४, उभा. बुधः १३।३१

स्टै.टा.में है।

श्रव. शुक्रः १९।०६

चंद्रदर्शनम् (मु.४५), फुलरिया २, श्री रामकृष्ण परमहंस जयंती, B

रविलास्पर ४, रेवत्यां रे. ८ ऽIIIऽIIII दिवा ल. १।४, रात्रौ १० D

भ. २२।५६ उ., रेवत्यां रे. ७ ऽIIIऽIIIIऽ द. दिवा ल. १, पंचक E

भ. १२।०६ या., बुधोदयः पश्चिमायाम् १९।१४

याज्ञवल्क्य जयंती

रोहिण्यां रे. ७ ऽIIIIIऽऽII रात्रौ ल. १०

भ. १६।५९ उ. २९।१५ या., पूभा. भौमः २४।००

होलाष्टक, रेव.-१ गुरुः १७।०८

मीने रविः २७।५७ (सौरः ३०।२८)

भ. २६।३८ उ., रेव. बुधः २०।४६

भ. १३।३० या., आमलकी ११ व्र., बिड़कुला-ढाल थापणा भद्रा C

प्रदोषः, मेला श्रीश्यामजी (त्साटु)

भ. २७।३६ उ., उभा. रविः १२।१६ (सौरः १४।४१)

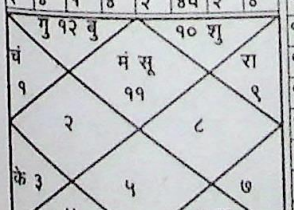
भ. १३।३९ या., मन्वादि, पूर्णिमा व्रतंपुण्यञ्च, जेलपोणी भद्रा A

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

अयनांशाः २४।००।०४

पं.४८ फा.शु. ५ गु. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
१०	१०	११	११	९	५	८	२
२५	१७	०६	१५	१५	२१	०४	०४
०७	५१	३७	५१	१९	५३	४०	४०
४३	४०	००	३४	५३	२६	१५	१५
५९	४७	११२	१४	७१	३	३	३
५७	१६	५९	०५	२४	५५	११	११
पूभा	श	उभा	उभा	श्र	ह	मू	मृ
२	४	१	४	२	४व	२	४



ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	मार्च	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	सायं	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः
१०।२०।०७।३६	१ श	५	८।४९	१०।२५	१२।२२	२।३६	४।५६	७।१३	९।२९	११।४८	२।०७	४।११	५।५५	७।२३
१०।२१।०७।४८	२ र	६	८।४५	१०।२९	१२।१८	२।३२	४।५२	७।०९	९।२५	११।४४	२।०३	४।०७	५।५१	७।१९
१०।२२।०७।५७	२ चं	७	८।४१	१०।१८	१२।१४	२।२८	४।४८	७।०५	९।२१	११।४०	१।५९	४।०३	५।४७	७।१५
१०।२३।०८।०५	३ मं	८	८।३७	१०।१४	१२।१०	२।२४	४।४५	७।०१	९।१७	११।३६	१।५५	४।००	५।४३	७।११
१०।२४।०८।१०	४ बु	९	८।३४	१०।१०	१२।०६	२।२०	४।४१	६।५७	९।१३	११।३२	१।५१	३।५६	५।३९	७।०८
१०।२५।०८।१३	५ गु	१०	८।३०	१०।०६	१२।०२	२।१७	४।३७	६।५३	९।०९	११।२८	१।४७	३।५२	५।३५	७।०४
१०।२६।०८।१४	६ शु	११	८।२६	१०।०२	११।५८	२।१३	४।३३	६।५०	९।०५	११।२४	१।४३	३।४८	५।३१	७।००
१०।२७।०८।१४	७ श	१२	८।२२	९।५८	११।५४	२।०९	४।२९	६।४६	९।०१	११।२१	१।३९	३।४४	५।२७	६।५६
१०।२८।०८।१०	८ र	१३	८।१८	९।५४	११।५०	२।०५	४।२५	६।४२	८।५७	११।१७	१।३५	३।४०	५।२३	६।५२
१०।२९।०८।०५	९ चं	१४	८।१४	९।५०	११।४६	२।०१	४।२१	६।३८	८।५४	११।१३	१।३१	३।३६	५।१९	६।४८
११।००।०७।५७	१० मं	१५	८।१०	९।४६	११।४२	१।५७	४।१७	६।३४	८।५०	११।०९	१।२७	३।३२	५।१५	६।४४
११।०१।०७।४८	११ बु	१६	८।०६	९।४२	११।३८	१।५३	४।१३	६।३०	८।४६	११।०५	१।२३	३।२८	५।११	६।४०
११।०२।०७।३६	१२ गु	१७	८।०२	९।३८	११।३४	१।४९	४।०९	६।२६	८।४२	११।०१	१।१९	३।२४	५।०७	६।३६
११।०३।०७।२२	१३ शु	१८	७।५८	९।३४	११।३०	१।४५	४।०५	६।२२	८।३८	१०।५७	१।१५	३।२०	५।०३	६।३२
११।०४।०७।०५	१४ श	१९	७।५४	९।३०	११।२६	१।४१	४।०१	६।१८	८।३४	१०।५३	१।१२	३।१६	५।००	६।२८

संक्रांति फलम्

ता. १४ मार्च २०११

फा. शु. ९ चंद्रे मीनेऽर्कः प्र. (स्टै.)

टा. २७।५७ वारात् ३ नक्षत्रात् ४

वारनाम ध्यांक्षी वैश्यान् सुस्पदा

नक्षत्रनाम महोदरी चोरान् सुस्पदा

प्रभात रात्रि ४ प्रहर व्यापिनी

गोरक्षकान् हन्ति, पश्चिमे गमनं वाय्यां

दृष्टिः तैतिलकरणे प्रविष्टा नेष्टफलं

रासभवाहनं मेषोपवाहनं सुभिक्षकारक

अरुणवस्त्रं दण्डायुधं कांस्यपात्रं

पक्वान्नभक्षणं मृद्लेपनं पक्षीजातिः

केतकीपुष्पं प्रवलभूषणं भूर्जपत्रकंचुकी

युवावस्था (सूती) मु. ४५ धान्यभावे

समर्घ वत्स पश्चिमा. राहु दक्षिणे मूलं

भूमौ विवाहस्तंभो नैऋत्यां शुक्रोदयः

पूर्वस्याम्। पुण्यकालः (स्टै.) २७।५७

से मंगलवार १०।२१ तक। (दान-

भूमि माला)।

अयनांशाः २४।००।०५

पं.४९ फा.शु.१२ गु. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
११	१०	११	११	९	५	८	२
०२	२३	१८	१७	२३	२१	०४	०४
०६	२१	५७	३०	४०	२४	१८	१८
२५	५९	५३	४४	१५	५३	००	००
५९	४७	९१	१४	७१	४	३	३
४४	०२	३८	१७	४२	१७	११	११
पूभा	पूभा	रे	रे	घ	ह	मू	मृ
४	२	१	१	१	४व	२	४



CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

॥ श्रीवल्लभ मनीराम पञ्चाङ्गम् ॥

२० मार्च से ३ अप्रेल तक, श्री चैत्र कृष्णपक्ष संवत् २०६७, शाकः १९३२, दि.मा.सू. सू. तारीख्स स्टै. प्रातः दैनिक वसंतर्तू रविरुत्तरे फाल्गुनकृष्णेति गुर्जराः, मार्च-अप्रेल २०११

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प.	उ.	अ.	भा.	नु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
छारेंडी	१	र	३२	४०	१९	४२	उफा	२	५०	७	४६	वृ	४५	१२	२४	४३	बा	७	३४	९	४०	२९	६	६	२९	१४	२०	कन्या	१११०४।५९।३०	५९।३९
मुद्गर	२	सो	२३	१८	१५	५७	चित्रा	४८	०१	२५	५०	ध्रु	३४	४४	२०	३१	ग	२३	१८	१५	५७	३०	३७	३८	३०	१५	२१	तुला. १५।१२	१११०५।५९।०९	५९।३७
च.ब्र.	३	मं	१४	५३	१२	३४	स्वा	४२	०९	२३	२८	व्या	२५	०८	१६	३९	वि	१४	५३	१२	३४	०५	३६	३८	१	१६	२२	तुला.	१११०६।५८।४७	५९।३५
घाता	४	बु	७	५०	९	४३	विशा	३७	५०	२९	४३	ह	१६	४३	१३	१७	बा	७	५०	९	४३	०९	३५	३९	२	१७	२३	वृश्चि. १६।०६	१११०७।५८।२१	५९।३३
आनन्द	५	गु	२	३०	७	३४	अनु	३५	२२	२०	४३	व	९	४५	१०	२८	तै	२	३०	७	३४	१४	३४	३९	३	१८	२४	वृश्चि.	१११०८।५७।५४	५९।३०
क्षयः	६	गु	५९	०३	३०	११	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
शीतला	७	शु	५७	४२	२९	३८	ज्ये	३४	५३	२०	३०	सि	४	२१	८	१७	वि	२८	०९	१७	४८	१८	३३	४०	४	१९	२५	धनु. २०।३०	१११०९।५७।२४	५९।२८
गद	८	श	५८	२०	२९	५२	मूल	३६	२२	२१	०५	व्य	०	३५	६	४६	बा	२७	४८	१७	३९	२२	३२	४१	५	२०	२६	धनु.	१११०१।५६।५२	५९।२६
शुभ	९	र	...	...	...	...	पूषा	३९	४२	२२	२४	प	५७	३१	२९	३१	तै	२९	२३	१८	१६	२६	३१	४१	६	२१	२७	मक. २८।५०	१११११५६।१८	५९।२४
मृत्यु	९	सो	०	५०	६	४९	उषा	४४	३६	२४	२०	शि	५७	५२	२९	३८	ग	०	५०	६	४९	३०	३०	४२	७	२२	२८	मक.	१११२।५५।४२	५९।२९
लुम्बक	१०	मं	४	४६	८	२३	श्रव	५०	४१	२६	४५	सि	५९	०७	३०	०७	वि	४	४६	८	२३	३४	२८	४२	८	२३	२९	मक.	१११३।५५।०३	५९।१९
ए.ब्र.	११	बु	९	५०	१०	२३	धनि	५७	३४	२९	२९	सा	...	...	...	...	बा	९	५०	१०	२३	३८	२७	४३	९	२४	३०	कुंभे १६।०५	१११४।५४।२२	५९।१७
प्र.ब्र.	१२	गु	१५	३८	१२	४१	शत	...	...	...	...	सा	०	५९	६	५०	तै	१५	३८	१२	४१	४३	२६	४३	१०	२५	३१	कुंभे	१११५।५३।३९	५९।१४
सौम्य	१३	शु	२१	४७	१५	०८	शत	४	५७	८	२४	शु	३	१०	७	४१	व	२१	४७	१५	०८	४७	२५	४४	११	२६	१	मीने २८।३७	१११६।५२।५३	५९।१२
काल	१४	श	२८	००	१७	३६	पूषा	१२	२५	११	२२	शु	५	२७	८	३५	श	२८	००	१७	३६	५१	२४	४४	१२	२७	२	मीने	१११७।५२।०५	५९।१०
अमाव.	३०	र	३४	०८	२०	०२	उमा	१९	५०	१४	१९	ब्र	७	४३	९	२८	च	१	०७	६	५०	५५	२३	४५	१३	२८	३	मीने	१११८।५१।१५	५९।०७

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।
वसन्त १, छारेंडी देशाचारे, करिदिन, सायन मेषे भानुः २८।३६
भ. २६।१२ उ. [B चन्द्रोदयः २१।५०, कुंभे शुक्रः १३।४०
भ. १२।३४ या., कल्पादि, भा. चैत्रारंभः, अंगारकी चतुर्थीव्रतं B
[D बुधास्तः पश्चिमायाम् ७।३९
गुरोरस्तः पश्चिमायाम्
भ. ३०।११ उ.
[A मीने भौमः १७।३७,
भ. १७।४८ या., शीतलापूजनं, गुरोरस्तः पश्चिमायाम् १४।२५ A
[E (सौरः २५।१२), वक्री बुधः १३।०६
रेव.-२ गुरुः १५।५५, शत. शुक्रः २७।०६
भ. १९।३२ उ., मेषे अश्वि. बुधः १०।४२
भ. ८।२३ या., उमा. भौमः २३।५४
पंचक प्रारम्भः १६।०५, पापमोचनी ११ व्र.
प्रदोषः, वारुणी योग १२।४१ से सू.उ. तक, रेव. रविः २३।०५ E
भ.१५।०८ उ. २८।२२ या.,मासिकशिवरात्रीव्र., वारुणीयोग सू.उ. C
(व) मीने रेव. बुधः १६।४१ [C से ८।२४ तक, अप्रेल ४ ता. ३०
देवपितृकार्येऽमा., केतकी अहर्गणः ६९३७, चक्र ६, मन्वादि, D

अयनांशाः २४।००।०६

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	मार्च	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	सायं	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः
१११०५।०६।४७	१ र	२०	७।५०	९।२६	११।२२	१।३७	३।५७	६।१४	८।३०	१०।४९	१।०८	३।१२	४।५६	६।२४
१११०६।०६।२६	२ चं	२१	७।४६	९।२२	११।१८	१।३३	३।५३	६।१०	८।२६	१०।४५	१।०४	३।०८	४।५२	६।२०
१११०७।०६।०३	३ मं	२२	७।४२	९।१८	११।१५	१।२९	३।४९	६।०६	८।२२	१०।४५	१।००	३।०४	४।४८	६।१६
१११०८।०५।३८	४ बु	२३	७।३८	९।१४	११।११	१।२५	३।४५	६।०२	८।१८	१०।३७	१२।५६	३।००	४।४४	६।१२
१११०९।०५।१०	५ गु	२४	७।३४	९।११	११।०७	१।२१	३।४१	५।५८	८।१४	१०।३३	१२।५२	२।५७	४।४०	६।०८
१११०९।०४।४०	६ शु	२५	७।३०	९।०७	११।०३	१।१७	३।३८	५।५४	८।१०	१०।२९	१२।४८	२।५३	४।३६	६।०४
१११११।०४।०८	८ श	२६	७।२७	९।०३	१०।५९	१।१४	३।३४	५।५०	८।०६	१०।२५	१२।४४	२।४९	४।३२	६।०१
१११२।०३।३३	९ र	२७	७।२३	८।५९	१०।५५	१।१०	३।३०	५।४७	८।०२	१०।२१	१२।४०	२।४५	४।२८	५।५७
१११३।०२।५७	९ चं	२८	७।१९	८।५५	१०।५१	१।०६	३।२६	५।४३	७।५८	१०।१८	१२।३६	२।४१	४।२४	५।५३
१११४।०२।२८	१० मं	२९	७।१५	८।५१	१०।४७	१।०२	३।२२	५।३९	७।५४	१०।१४	१२।३२	२।३७	४।२०	५।४९
१११५।०१।३६	११ बु	३०	७।११	८।४७	१०।४३	१२।५८	३।१८	५।३५	७।५१	१०।१०	१२।२८	२।३३	४।१६	५।४५
१११६।००।५३	१२ गु	३१	७।०७	८।४३	१०।३९	१२।५४	३।१४	५।३१	७।४७	१०।०६	१२।२४	२।२९	४।१२	५।४१
१११७।००।०७	१३ शु	१	७।०३	८।३९	१०।३५	१२।५०	३।१०	५।२७	७।४३	१०।०२	१२।२०	२।२५	४।०८	५।३७
१११७।५९।१८	१४ श	२	६।५९	८।३५	१०।३१	१२।४६	३।०६	५।२३	७।३९	९।५८	१२।१६	२।२१	४।०४	५।३३
१११८।५८।२८	३० र	३	६।५५	८।३१	१०।२७	१२।४२	३।०२	५।१९	७।३५	९।५४	१२।१२	२।१७	४।००	५।२९

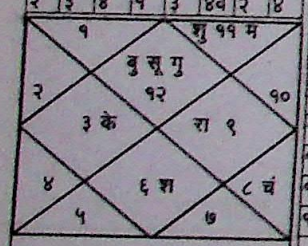
मास फलम्

इस पक्ष में अमावस्या उत्तराभाद्रपद योग सुभिक्ष और सुखद है। मीन राशि में गुरु के अस्त होने से सुभिक्ष हो, कुशल हो, धान्य की समर्घता हो और धान्य अधिक हो। शतभिषा में शुक्र होने से प्रजा में सुस्तों की वृद्धि और सुभिक्ष हो, शतभिषा नक्षत्र में स्थित शुक्र शौण्डिकों (मद्यविक्रेता - कलवारों) को पीड़ित करता है। अश्विनी में बुध होने से जौ गेहूँ में रोग हो। ईख, दूध, रस और घी अदि सस्ते हों, व्यापारी, वैद्य, नौका से जीविका चलाने वाले, जल में उत्पन्न होने वाले द्रव्य तथा घोड़े (अश्व) पीडित हों।

अयनांशाः २४।००।०७

पं.५० चै.कृ. ५ गु. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
११	१०	११	११	१०	५	८	२
०९	२८	२७	१९	०२	२०	०३	०३
०३	५१	३४	११	०२	५४	५५	५५
२९	२३	३४	०४	३०	०९	४६	४६
५९	४७	४६	१४	७१	४	३	३
३०	००	५३	२५	५६	३२	११	११
उमा	पूषा	रे	रे	घ	ह	मू	मृ
२	३	४	१	३	४ब	२	४



पं.५१ चै.कृ.१२ गु. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
११	११	०	११	१०	५	८	२
९५	०४	००	२०	१०	२०	०३	०३
५८	१९	२५	५२	२६	२२	३३	३३
५३	३७	१०	१०	१६	०३	३२	३२
५९	४६	५	१४	७२	४	३	३
१५	४९	१०	२९	०८	३९	११	११
उमा	उमा	अ	रे	श	ह	मू	मृ
४	१	१ब	२	२	४ब	२	४



CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

श्री गणेशाय नमः ॥ अंचित्याव्यक्तरुपाय निर्गुणाय गुणात्मने ॥ समस्त जगदाधार मूर्तये ब्रह्मणे नमः ॥ पञ्चाङ्ग रत्नं प्रसरन्मयूखं श्री केतकी दृग्गणितेन युक्तम् ॥ लोकोपकाराय कृत प्रयत्न प्रचक्रतु मोह विनाशदक्षम् ॥ २ ॥ अथास्मिन् वर्षे सृष्टितो गताब्दाः १९५५८८५११२, तत्र कृतयुग प्रमाणम् १७२८०००, त्रेतायुग प्रमाणम् १२९६०००, द्वापरयुग प्रमाणम् ८६४०००, कलियुग प्रमाणम् ४३२०००, तन्मध्ये गतकलिः ५११२ भोग्यकलिः ४२६८८८ अथास्मिन् - शुभ संवत्सरे श्रीमन्नृपतिविक्रमादित्यराज्यात् संवत् २०६८ शाकः १९३३ । अथाऽस्मिन् वर्षे राजा चंद्रः १, मंत्री गुरुः २, सस्येशः शनिः ३, धान्येशः शुक्रः ४, मेघेशो बुधः ५, रसेशश्चंद्रः ६, नीरसेशः शनिः ७, फलेशो बुधः ८, धनेशः शनिः ९, दुर्गेशो बुधः १०, एते दशाधिकारिणः । तत्र बार्हस्पत्य मानेन प्रभवादी षष्ट्यब्दानां मध्ये विष्णु विंशतिकायां १८ क्रोधी नामास्यः संवत्सरः प्रवर्तते । तस्य मेषाऽर्क समये गत मासादि ११।१९।३२।१० भोग्य मासादि ०।१०।२७।५० विश्वेदेव दैवतं युगम् । वर्षनाम भाद्रपद । चतुर्मेघनाम द्रोणः । रोहिणी निवासः समुद्रे । समय निवासो मालाकारगृहे । समय विश्वा ५ । समय वाहन मृग । स्तंभ २ जल अन्न । सोमवत्यमा. २ । सोमवती पंचमी ३ । अंगारकी चतुर्थी ० । भानु सप्तमी २ । बुधाष्टमी १ । रविदशमी २ । समय मुहूर्तानि ३३० । समय दिनानि ३५४ । तिथि क्षयः १५ । तिथि वृद्धिः ९ । अष्टोत्तरी मतेन उत्पत्ति विश्वा ९३ । स्पर्पति विश्वा ८४ । विंशोत्तरी मतेन उत्पत्ति विश्वा ८७ । स्पर्पति विश्वा ९६ । वर्षा विश्वा ११ । धान्यम् १७ । तृणम् १५ । शीतम् १५ । तेजः ११ । वायुः १३ । वृद्धिः १५ । क्षयः १५ । विग्रह ११ । ऐक्यम् १२३ । (क्षुधा ९ । तृष्णा १ । निद्रा ५ । आलस्य १ । उद्यम १७ । शान्ति १ । क्रोध ३ । दण्ड ५ । मैत्री १३ । उत्सव ११ । पाप ११ । पुण्य ७ । उग्रत्व ७ । रसोत्पत्तिः ५ । फलोत्पत्तिः ९ । व्याधि ७ । व्याधिनाश ३ । आचार १९ । अनाचार ७ । मृत्यु ३ । जन्म ११ । चौर १७ । उपशमन ५ । अग्निभय ११ । अग्निशमः ३) सत्यम् ॥, धर्म १॥, पाप १८ । शनि दृष्टिः दक्षिणस्याम । ग्रहणं २ चन्द्रमसः । उद्रिजः १३ । जरायुजः ३ । पिण्डजः ७ । स्वदेजः ११ । इस वर्ष का फल उत्तम है । आगे गौ प्रजा भाग्य प्रबल है ।

(१) ज्येष्ठ शुक्ला १५ बुधवार, संवत् २०६८, ता. १५ जून २०११, स्पग्रासं **चन्द्रग्रहणम्**, परमग्रास १.७२

	स्पर्श	सम्मी.	मध्य	उन्मी.	मोक्ष	पर्व
रामगढ घ.	४५	४८	५०	५२	५५	९
स्थानिक प.	५४	२३	२९	३६	०४	११
रेल्वे घं.	२३	२४	२५	२६	२७	३
टाईम मि.	५९	५९	४९	४०	४०	४०

इस ग्रहण का सूतक स्टै १४।५९ बजे से प्रारम्भ होगा ।

(२) मार्गशीर्ष शुक्ला १५ शनिवार, संवत् २०६८, ता.१० दिसं. २०११, स्पग्रासं **चन्द्रग्रहणम्**, परमग्रास १.११

	स्पर्श	सम्मी.	मध्य	उन्मी.	मोक्ष	पर्व
रामगढ घ.	२७	३०	३२	३३	३६	८
स्थानिक प.	३६	५७	०३	०९	३०	५४
रेल्वे घं.	१८	१९	२०	२०	२१	३
टाईम मि.	१७	३७	०३	३०	५०	३३

इस ग्रहण का सूतक स्टै ९।१७ बजे से प्रारम्भ होगा ।
नोट- ग्रहण के सूतक में बाल वृद्ध और अस्वस्थ जनों को छोड़कर भोजनादि निषेध है ।

सूर्यग्रहणाऽभावः

पञ्चाङ्ग गणित कर्ता -
पं. श्री रामकुवारात्मज व्यासीलाल शर्मा
मु. डूमोली कलाँ, पो. डूमोली खुर्द
वाया- सिंघाना, जि. झुन्झुनू (राज.) पिन. ३३३५१६.

॥ अथ भैरव भवानि संवाद ॥



भैरव प्रश्नः जयजननी जगदीश्वरी तूं जग की प्रतिपाल ।
अड़सठ संवत का कहो श्रीमुख से सब हाल ॥
भवानी उ.: सुनले भैरव प्रेम से मैं समझावुं तोय ।
राजामंत्री देस्तां श्रेष्ठ जमानो होय ॥
सौम्यग्रहों ने वर्ष में लिये सात अधिकार ।
रोहिणी वास समुद्र में वृष्टि बने अपार ॥
समय वास माली यहाँ मंदा करे व्यापार ।
अनाज पाणी हो घणा घरघर मंगलाचार ।
राजा रसपति चंद्र हैं मंत्री भये गुरुदेव ।
मेघ दुर्ग अरु फलपति कवज किये बुधदेव ॥
दशाधिकारी योग से दर्शाया फल सार ।
गो प्रजा के भाग्य से भला करे करतार
वर्षा विश्वा रुद्र है समय जाणियो पांच ।
रामकुवारात्मज कहे भजन कर्यां ना आंच ॥

लाभ स्वर्च कोष्ठक

	अष्टोत्तरी मतेन		विंशोत्तरी मतेन	
राशि	लाभ	स्वर्च	लाभ	स्वर्च
मेष	१४	२	११	१४
वृष	८	११	५	८
मिथुन	११	८	११	५
कर्क	५	८	५	२
सिंह	८	२	८	१४
कन्या	११	८	११	५
तुला	८	११	५	८
वृश्चिक	१४	२	११	१४
धनु	२	११	८	५
मकर	५	५	२	८
कुंभ	५	५	२	८
मीन	२	११	८	५

वर्ष लग्नम् ६।०६



१२ मं बु गु

वर्षेश लग्नम् ३।०६



लाभ - स्वर्च देखनें की विधि और फल

जिस राशि का देखना हो उस राशि के सामनेवाले लाभ-स्वर्च के अंको को जोड़कर १ घटा देवें और ८ का भाग देवें यदि १ शेष रहे तो लाभ, २ शेष रहे तो सौख्य, ३ शेष रहे तो क्लेश, ४ शेष रहे तो रोग, ५ शेष रहे तो लोकापवाद (अपयश), ६ शेष रहे तो सन्मान, ७ शेष रहे तो विजय, ८ या ० शेष रहे तो हानि होती है ।

CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

॥ अथ संवत् २०६८ वर्ष फलम् ॥

॥ श्री गणेशाय नमः ॥ अथ वर्ष फलम् ॥ अथास्मिन् संवत्सरे श्रीमन्नृपति विक्रमादित्य राज्यात् संवत् २०६८ शाकः ९९३३ क्रोधी नामास्यः संवत्सरः प्रवर्तते तत्फलम् - क्रोध्यब्देत्यखिलालोकाः क्रोधलोभपरायणाः । ईतिदोषेणसंतंतमध्यस्स्यार्घवृष्टयः ॥ अथास्मिन् वर्षे राजाचंद्रस्तत्फलम् - चन्द्रे नृपे मंगलशोभनानि प्रभूतवृष्टिः प्रचूरं च धान्यम् । सोस्थं जनानामुदयो नृपाणां प्रशाम्यति व्याधिजरा नराणाम् ॥ मंत्रीगुरुस्तत्फलम् - विविधधान्ययुतास्त्वलुमेदिनीप्रचरतोयघनानामुदिता भवेत् । नृपतयो जलपालनतत्परः सुरगुरौ ननुमंत्रिसमागते ॥ सस्येशः शनिस्तत्फलम् - रविसुतेयदिधान्यपतौजनानृपतिभिः परिपीडितविग्रहाः । गदभयंतुषधान्यहरंसदादुरितवादविवादयुतानराः ॥ धान्येशः शुक्रस्तत्फलम् - भृगौपश्चिमधान्येशे पश्चाद्धान्यं न पश्यति । सस्यंसमर्घतांयातिस्वल्पंक्षीरंगवामपि ॥ मेघेशोबुधस्तत्फलम् - अमृतरश्मिसुतेयदिवारिपेवहुजलंतुषधान्यरसादिकम् । द्विजवरायजनोत्सुकचेतसोविविधसौख्ययुतावरधरणीतदा ॥ रसेशश्चंद्रस्तत्फलम् - यदिविधौरसपेभुविमानवोनवनवांयुवती बुभुजे प्रियाम् । जलधराबहुवारिधियायकारसवतीधनधान्यवतीमही ॥ नीरसेशः शनिस्तत्फलम् - अयः पिण्डादिलोहानांकृष्णवस्त्रादिवस्तुनाम् । अर्घवृद्धिः प्रजायेतमन्देनीरसनायके ॥ फलेशोबुधस्तत्फलम् - यदिबुधेफलपेफलमुत्तमंजलधराजलराशिमुचस्तदा । बहुतृणंकुसुमैः कमलैर्युतंजनपदोजनसौख्यमुदान्वितः ॥ धनेशः शनिस्तत्फलम् - द्रविणपे रविजे विरलं धनं गदरता धरणीपतयः सदा । अगनिका वणिजः कृषिजीविनो द्विजवराः परिपीडितमानसाः ॥ दुर्गेशोबुधस्तत्फलम् - विषयसाम्यसुरवं शशिजे प्रभौ भवति राशिगते तु विशेषतः । राशिसुते यदि कोटकपालके पथिषु द्रव्ययुजां न भयं क्वचित् ॥ वर्षनाम भाद्रपद तत्फलम् - अर्घमहर्घतांयात धनधान्यं समं भवेत् । मघवावर्षतिस्वच्छं संपदोभोद्रवर्षके ॥ चतुर्मेघनाम द्रोणस्तत्फलम् - द्रोणेवर्षत्तिसर्वदा । रोहिणी निवासः समुद्रे तत्फलम् - समुद्रे तु महावृष्टिः । समय निवासो मालाकारगृहे तत्फलम् - सर्ववस्तुसमर्घ स्यान्मालाकारगृहेऽद्रके ॥ अपिच - मालिनः प्रचुरा वृष्टिः । एवं संचित्य देवज्ञैः कथनीयं शुभाऽशुभम् ॥

॥ अथ गुरुचार शनिचारात् वर्षफलविचार ॥

इस वर्ष में राजा और रसेश चंद्र है । मेघेश और फलेश और दुर्गेश बुध है । मंत्री गुरु है । धान्येश शुक्र है । सस्येश और नीरसेश और धनेश शनि है । इस ग्रहमंडल की विधानसभा में ७ स्थान सौम्यग्रहों को प्राप्त हुए है और ३ स्थान उग्रग्रहों को उपलब्ध हुए है अतः वर्षफल उत्तम होगा । प्रजा में सुख शान्ति होगी, धन-धान्य, व्यवसाय, राजकीयकोश की वृद्धि होगी । आधुनिक अस्त्र-शस्त्र, स्वचालित यंत्रो के विकास में वृद्धि होगी, स्मगलरों का ह्रास होगा । **चैत्र** - वर्षलग्न तुला होने से मध्यदेश में विग्रह तथा छत्रभंग हो, पूर्व में भी छत्रभंग और उपद्रव हो, दुर्भिक्ष हो वायु बहुत चले वर्षा कम हो पश्चिम में महायुद्ध हो और दाढभय तथा महँगाई हो, दक्षिण में सुख, उत्तर में दुर्भिक्ष और पश्चिम में दो मास कुछ उत्पात हो । **वैशाख** - प्रजा में सुखों की वृद्धि और सुभिक्ष हो, उ.भा. में स्थित शुक्र फल-मूलों को पीड़ित करता है, । गुरु उदय राजाओं के युद्ध का योग हो सुभिक्ष हो, बहुत वृष्टि हो । रेवती में स्थित शुक्र पथिकों (यात्रियों) को पीड़ित करता है, तुष धान्य मँहगे हों । मेष राशि में गुरु होने से प्रबुद्ध नाम का मेघ चारों ओर जल वर्षाता है, सुभिक्ष होता है, राजाओं में विग्रह रहता है, वस्त्र, कपीठ, सोना, चाँदी, तांबा, कपास और मूंगे यह सस्ते होते है । घोड़ो में महा रोग हो, गेहूँ - चावल, घी, उड़द इनकी सस्ती होती है और दक्षिण उत्तर में खण्ड वृष्टि होती है, दक्षिणोत्तर देश में कहीं छत्रभंग भी हो, वर्षा हो, कपास तथा अन्न महँगा हो । भेदपाठ में राज्यपीड़ा तथा देश भंग हो, रस की महँगाई हो, व्यापार लाभ में संशय रहे गुर्जर देश में उपद्रव होने से छत्रभंग हो । जौ, तिल, उड़द कम हों । **ज्येष्ठ** - धान्य महँगे हों और वैर बढे, किरात तथा यवन पीड़ित हों, विप्रगण पीड़ित हों, अल्पवृष्टि हो, कहीं कुछ उपद्रव हो, कपास, तिल, सूत महँगे हों, वृश्चिक का राहु होने से घी तथा कपड़ों का भाव मंदा हो, वायु से वर्षा हो । **आषाढ** - वर्षा अधिक हो, गेहूँ तिल उड़द सस्ते हों, ग्रहपात तथा पवन का प्रवाह हो, आषाढ में बुध का उदय होने से कहीं भी प्राकृतिक आपदा हो, बालकों को पीड़ा हो, कपास सूत मंदा हो । धान्य, रस (मधुर आदि) की महर्घता हो, चौपायों में पीड़ा, कपास वस्त्र और सूत की महँगाई हो । कोसल तथा कलिङ्ग देश का नाश और अतिवृष्टि हो । आश्लेषा में बुध होने से महावृष्टि हो, तुष धान्य उत्पन्न हों । मासांत में अन्न का अभाव हो, अश्मक और विदर्भ देश में अनय (उपद्रव) हो । **श्रावण** - मघा में बुध होने से वर्षा मध्यम हो, धान्यादि भाव तेज हों, शस्त्रनिपात (युद्ध), क्षुधा, रोग हो, विद्याधरों के युद्ध में विमर्द हो, सुभिक्ष हो । लोगों को सर्पों से अत्यन्त पीडा हो । **भाद्रपद** - आश्लेषा में बुध होने से महावृष्टि हो, तुष धान्य उत्पन्न हों । मघा नक्षत्र को शुक्र के भेदन करने से हस्तिपति पीडित हों और अतिवृष्टि हो । पुनर्वसु पर मंगल होने से तिलों की हानि हो तथा भैंस पीड़ित हों । पू.फा. नक्षत्र को शुक्र के भेदन करने से शवर-पुलिन्द जन पीड़ित हों और अतिवृष्टि हो । मेष का बृहस्पति वक्री होने से चन्दन, पुष्प, सुगन्धवाली वस्तुएं और तैलादि सब दो मास महँगे हों । कुरु देश में निवास करने वाले, जाङ्गल (स्वल्पपोदक स्थान) में निवास करने वाले और पञ्जाबस्थ जन पीड़ित हों । **आश्विन** - पडौसी देश से मनमुटाव हो, अन्न मँदा हो, मेघों की गर्जना के साथ वर्षा हो, कौरव और चित्रकार पीडित हों । उड़द मूंग कम उत्पन्न हों । कन्या में शनि अस्त होने से धातुओं की महँगाई हो अन्न भाव तेज हो । स्नेह (तेल, घृत आदि), रस (मधुर आदि) के मुल्य में वृद्धि हो । परस्पर सप्तम राशि में गुरु और शुक्र होने से रोग और अवृष्टि हो । गणिका, शिल्पी, और विप्र वर्ग पीड़ित हो । साँपों का भय अधिक हो । दूत, वाणिज्य कर्म करने वाले, नाव चलाने वाले इनमें उपद्रव हो । **कार्तिक** - रस (मधुर आदि) के मुल्य में वृद्धि हो, धान्य सम्पदा अच्छी हो । तुष धान्य की महँगाई हो, सुन्दर वृष्टि हो, वाणिज्य कर्म करने वाले प्रभावित हों । तुला राशि में बुध का उदय होने से भूकंप तथा युद्धादि हों । शस्त्र, चोर, अग्नि, रोग, जल और दुर्भिक्ष का भय हो । क्षत्रियों में परस्पर विरोध हो अनावृष्टि हो । ईख, शाली और घी महँगे हों तथा घोड़ों में रोग हो । क्षत्रियों में प्रधान का अभाव हो अनावृष्टि हो । **मार्गशीर्ष** - गुरु उदय से धान्य का विदेशों में बहुत निर्यात हो, बहुत वृष्टि हो । क्षेत्रपति का क्षय हो, प्रधान वैद्य पीड़ित हों । तेल का मूल्य बढे, बुध का अस्त होने से धातुओं के भाव तेज हों । स्नेह (तेल, घृत आदि), रस (मधुर आदि) के मुल्य में वृद्धि हो । **पौष** - कर्णपीड़ा हो, ईख, शाली और घी महँगे हों, स्नेह (तेल, घृत आदि), रस (मधुर आदि) के मुल्य में वृद्धि हो । घोड़ों का मूल्य बढे । पाखण्डियों में भय उत्पन्न हो । व्यापारी, वैद्य, नौका से जीविका चलाने वाले, जल में उत्पन्न होने वाले द्रव्य तथा घोड़े (अश्व) पीडित हों । **माघ** - धान्य मन्दा हो, धन राशि में बुध का अस्त होने से राजाओं में भय हो । शतभिषा नक्षत्र में स्थित शुक्र शौण्डिकों (मद्यविक्रेता - कलवारों) को पीड़ित करता है । उत्तराषाढा में बुध होने से अन्न की उत्पत्ति हो, छोटे बालकों में पीड़ा हो, वर्षा का अभाव और रोगोत्पत्ति हो । मंगल अश्रुमुख वक्र (औदयिक नक्षत्र से द्वादश नक्षत्र में यदि मङ्गल वक्री हो तो वह अश्रुमुख कहलाता है) होने से रसों में दोष पैदा हो तथा रोग की वृद्धि और अनावृष्टि हो । जुआड़ी लोग, कुरु तथा पञ्जाब देश में स्थित जन पीड़ित हों । श्रवण में बुध होने से गुड़ अलसी और चणे अदि धान्य में बर्फ (ओले) गिरने का भय हो, उ.भाद्रपद में स्थित शुक्र फल-मूलों को पीड़ित करता है । **फाल्गुन** - तेल का मूल्य बढे, व्यापारी, वैद्य, नौका से जीविका चलाने वाले, जल में उत्पन्न होने वाले द्रव्य तथा घोड़े (अश्व) पीडित हों । रेवती में स्थित शुक्र पथिकों (यात्रियों) को पीड़ित करता है । पूर्वाभाद्रपद में बुध होने से क्षुधा, शस्त्र, चोर और रोगों की वृद्धि हो । कुम्भ राशि में बुध का उदय होने से मार्ग में हवा बहुत चले । अश्विनी में शुक्र होने से ब्राह्मण जाति में विरोध हो । जौ, तिल, उड़द कम हों, अश्वपालक पीड़ित हो । उ.भा. में बुध होने से राजनीति में क्लेश हो, उ.भा. को बुध के भेदने से प्राणियों के धातुओं (वसा,रक्त,मांस,मेधा,अस्थि,मज्जा और शुक्र) की हानि हो । भरणी पर गुरु होने से सुभिक्ष हो तथा धान्य सम्पदा अच्छी हो । **चैत्र** - मीन राशि में बुध का अस्त होने से राज्यवर्ग में पीड़ा हो । उड़द, मूंग, तिल और अन्य धान्यादि भाव तेज हो । आगे गो प्रजा भाग्य प्रबल है ।

CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

॥ संवत् २०६८ मध्ये विवाह मुहूर्तानि रेखा सहितानि च ॥

सन्२०११		वैशाख शुक्लपक्षः
मई	५	२ गुरौ रोहि. रे ९ ।।।।।।ऽ।।। दि. ल. ५, रात्रौ ८।११ (वृश्चि. चं. ७ पू.)
मई	१७	१५ भौमे अनु. रे ७ ।।।।ऽ।ऽऽ।। रात्रौ ल. १०।१२
		ज्येष्ठ कृष्णपक्षः
मई	१८	१ बुधे अनु. रे ८ ।।।।ऽ।ऽ।।। दिवा ल. ५।६
मई	२८	११ शनौ रेवत्यां रे ७ ऽ।।।ऽ।।ऽ।। दिवा ल. ५।६,• रात्रौ अ. गो. १०।१ (कन्या सोग्रांगः)
		ज्येष्ठ शुक्लपक्षः
जून	७	६ भौमे मघा रे ८ ।।।।।।ऽऽ।। रात्रौ ल. अ. गो. १०।११।१ (कुं. चं. ७ पू.)
जून	८	७ बुधे मघा रे ९ ।।।।।।।ऽ।। दिवा ल. ३
जून	९	८ गुरौ उफा. रे ९ ।।।।।।।ऽ।। रात्रौ ल. गो. १०।११
जून	१२	११ रवौ स्वातौ रे ८ ।।।।ऽ।ऽ।।। रात्रौ अ. गो. १०।११।१ (मेषे चं. ७ पू.)
जून	१४	१३ भौमेऽनुराधा रे ९ ।।।।ऽ।।।।। रात्रौ ल. १०।११।१
		आषाढ कृष्णपक्षः
जून	२४	८ शुक्रे रेवत्यां रे ७ ऽ।।।ऽ।।ऽ।। रात्रौ अ.गो. १०।११।१
जून	२५	९ शनौ रेवत्यां रे ६ ऽ।।।ऽ।ऽऽ।। दिवा ल. ४
		आषाढ शुक्लपक्षः
जुला.	५	४ भौमे मघा रे ९ ।।।।।।।ऽ।। दिवा ल. ४।६
जुला.	६	५ बुधे उफा. रे १० ।।।।।।।।। रात्रौ अ. गो.११।२ (अ.गो. स्टै.१७।४४ उप. कुंभ चं. ७ पू.,वृषे रा.७ दोष सोग्रांगश्च)
जुला.	७	७ गुरौ उफा. रे १० ।।।।।।।।। दिवा ल. ४
जुला.	९	९ शनौ स्वातौ रे ९ ।।।।ऽ।।।। रात्रौ ल. गोधूलि ११
जुला.	१०	१० रवौ स्वातौ रे ९ ।।।।ऽ।।।। दिवा ल. ४
		अग्रे चतुर्मासारंभः
		मार्गशीर्ष कृष्णपक्षः
नवं.	२०	१० रवौ उफा. रे ८ ऽ।।।।।ऽ।। दिवा १, रात्रौ ७ (मेषेः स्टै. १७।०८ या. रे ७ दग्धा तुला सोग्रांगः)
नवं.	२१	११ चंद्रे उफा. रे ८ ऽ।।।।।ऽ।। दिवा ल. ९।१०
नवं.	२१	११ चंद्रे हस्ते रे ८ ऽ।।।।।ऽ।। दिवा ल.१२,रात्रौ अ.गो. ३ (मीने श. ७ दो., मिथु. शु. ७ पू.)
नवं.	२२	१२ भौमे हस्ते रे ८ ऽ।।।।।ऽ।। दिवा ९।१०
		मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः
नवं.	२८	४ चंद्रे उषा. रे ७ ऽऽ।।।।।ऽ।। रात्रौ ल.६ (स्टै.२६।२२उ.)
नवं.	२९	५ भौमे उषा. रे ७ ऽऽ।।।।।ऽ।। दिवा ल.९।१२,रात्रौ अ.गो.
दिसं.	३	९ शनौ उभा. रे ८ ऽ।।।।।।।ऽ द. रात्रौ ल. ६ (चं. ७ पू., स्टै. २६।०१ उप.)
दिसं.	४	१० रवौ उभा. रे ८ ऽ।।।।।।।ऽद. दिवा ल. ९।१०,रात्रौ गो.
		पोष कृष्णपक्षः
दिसं.	११	१ रवौ मृगे रे ७ ।ऽ।।ऽ।।ऽ।। दिवा ल. ९।१२, रात्रौ गो. (धनु. चं. ७ पू.)
दिसं.	१५	५ गुरौ मघा. रे ८ ।ऽ।।।ऽ।।। रात्रौ ल. ६
सन २०१२		माघ कृष्णपक्षः
जन.	१६	८ चंद्रे स्वातौ रे ६ ऽ।।ऽशुऽ।।ऽ।। रात्रौ ल. ६ (स्टै. २३।३१ उपरान्त)
जन.	१९	११ गुरौ अनु. रे ८ ।ऽ।।।।।ऽ।। दिवा ल. १२, रात्रौ अ.गो. (अ. गो. स्टै. १९।०९ यावत्)
		माघ शुक्लपक्षः
जन.	२७	४ शुक्रे उभा. रे ७ ऽ।।।ऽ।।ऽ।। रात्रौ ल. ८ (सोग्रांगः रा. ७ पू.)
जन.	२८	५ शनौ उभा. रे ७ ऽ।।।ऽ।।ऽ।। दिवा ल. ३, रात्रौ अ. गो.
		फाल्गुन कृष्णपक्षः
फर.	८	१ बुधे मघा रे ८ ।।।।ऽ।।ऽ।। दिवा ल. ३, रात्रौ गो. ६।९ (कन्या. शु. ७ पू.)
फर.	११	४ शनौ हस्ते रे ६ ।।।ऽशुऽ।ऽ।। दिवा. ल.३, रात्रौ गोधूलि ९
फर.	१२	५ रवौ स्वातौ रे ८ ।ऽ।।ऽ।।।।। रात्रौ ल. ९ (स्टै. २८।४० उपरांत)
फर.	१७	११ शुक्रे मूले रे ८ ।ऽ।।।।।ऽ।। दिवा ल.१२।३,रात्रौ अ.गो. (मिथु. चं. ७ पू.)
		फाल्गुन शुक्लपक्षः
फर.	२४	३ शुक्रे. उभा. रे ९ ।ऽ।।।।।।। दिवा ल. ३।४, रात्रौ ९
फर.	२५	३ शनौ रेवत्यां रे ८ ।।ऽशु।।।।।ऽ द. दिवा ल. ४
		चैत्र कृष्णपक्षः
मार्च	१०	२ शनौ हस्ते रे ७ ऽ।।ऽबुऽ।।।।। दिवा ल. ३
मार्च	११	४ रवौ स्वातौ रे ७ ।।।।ऽ।।ऽ।ऽ दिवा ल. ३।४ रात्रौ गो. ९
मार्च	११	४ रवौ स्वातौ रे ८ ।।।।ऽ।।ऽ।। रात्रौ ल. १०
		अग्रे मीनेऽर्कः

॥ कात्यायनोक्त विवाह मुहूर्त्ताः नक्षत्र चतुष्टयी ॥

सन २०११		वैशाख शुक्लपक्षः
मई	१४	१२ शनौ चित्रा. रे.९ ऽ।।।।।।।।। रात्रौ ल. ११ (शु. ३ दो. स्टै. २५।३६ उप.)
मई	१५	१३ रवौ चित्रा रे.९ ऽ।।।।।।।।। दि. ल. ५ (मासांतः)
मई	२४	ज्येष्ठ कृष्णपक्षः ७ भौमे धनि. रे.८ ऽ।।।।।।ऽ।। दिवा ल. ५ (चं. ७ पू.)
मई	२९	१२ रवौ अश्वि. रे.८ ।।ऽगु।।।।ऽ।। दिवा ल. ५, रात्रौ ल. ९ (धनु. सोग्रांगः के. ७ दो.)
		ज्येष्ठ शुक्लपक्षः
जून	११	१० शनौ चित्रा रे.९ ।।।।।।।।ऽ।। दि. ल. ५,रात्रौ गो. १०।११ (कुंभः स्टै. २४।१५ या.)
		आषाढ कृष्णपक्षः
जून	१८	३ शनौ श्रवणे रे.९ ।।।।।।।।ऽ।। रात्रौ ल. १
जून	२०	५ चंद्रे धनि. रे.८ ।ऽ।।।।।।ऽ।। दिवा ल.४।६,रात्रौ गो.१०।१ (कर्के चं. ७ पू., कन्या सोग्रांगः)
जून	२५	९ शनौ अश्वि. रे.७ ऽ।ऽगु।।।।ऽ।। रात्रौ ल. अ. गो. १० (मक. स्टै. २२।०१ यावत्)
		आषाढ शुक्लपक्षः
जुला.	८	८ भृगौ चित्रा रे.८ ।।।।।।ऽ।ऽ द. रात्रौ अ. गोधूलि ११
जुला.	९	९ शनौ चित्रा. रे.९ ।।।।।।।।ऽ।। दिवा ४।६ (कन्या. सोग्रांगः)
		मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः
नवं.	२९	५ भौमे श्रवणे रे.१० ।।।।।।।।।। रात्रौ ६
नवं.	३०	६ बुधे श्रवणे रे.१० ।।।।।।।।।। दिवा ल.९।१२,रात्रौ अ.गो.
नवं.	३०	६ बुधे धनि. रे.९ ।।।।।।।।ऽ।। रात्रौ ल. ६
दिसं.	१	७ गुरौ धनि. रे.९ ।।।।।।।।ऽ।। दिवा ल. ९।१०।१२, रात्रौ अ. गोधूलि
सन्२०१२		माघ शुक्लपक्षः
जन.	२४	१ भौमे श्रवणे रे.१० ।।।।।।।।।। दिवा ल. १२।१
जन.	२५	२ बुधे धनि. रे.८ ।ऽ।।।।ऽ।। दिवा ल. ३, रात्रौ ७ (तुला. सोग्रांगः, गु. ७ पू.)
जन.	२९	६ रवौ अश्वि. रे.६ ।ऽऽगु।ऽ।।ऽ।। रात्रौ ल. ७ (सोग्रांगः, गु. चं. ७ पू.)
जन.	३०	७ चंद्रे अश्वि. रे.६ ।ऽऽगु।ऽ।।ऽ।। दिवा ल. १२।३, रात्रौ अ. गोधूलि

(दृष्टिदोषश्चेत् क्षन्तव्यं सुधिभिः)

गणितकर्ता- श्री श्री १०८ पं. ईश्वरदत्त शर्म्मणोऽनुग्रहीत शिष्यः
पं. ग्यारसीलाल शर्मा (शास्त्री)
५८,राम कुटीर, ३ रा माला, हनुमान रोड
विलेपार्ले (पूर्व) मुम्बई ४०००५७. दू. २८३७२७८३

CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

॥ संवत् २०६८ मध्ये उपनयनादि मुहूर्ताः ॥

अथ उपनयन मुहूर्ताः

सन२०११		बैशाख्य मासः
मई	५	शु.२ गुरौ रोहि. अभिजिति
मई	८	शु.५ रवौ आर्द्रा. ल. २ (मं. सू. १२ दो.)
मई	१३	शु.१० शुक्रे उ.फा. अभिजिति
		आषाढ मासः
जून	१७	कृ.२ शुक्रे पू.षा. अभिजिति
जून	२०	कृ.५ चंद्रे धनि. अभिजिति
सन२०१२		माघ मासः
फर.	३	शु.११ शुक्रे मृगे अभिजिति
		फाल्गुन मासः
फर.	२४	शु.३ शुक्रे उ.भा. अभिजिति

अथ देव प्रतिष्ठा मुहूर्ताः

सन२०११		बैशाख्य मासः
मई	५	शु.२ गुरौ रोहि. अभिजिति
मई	९	शु.६ चंद्रे पुष्ये अभिजिति
मई	१३	शु.१० शुक्रे उ.फा. अभि. (ति.क्ष.दो.)
मई	१५	शु.१३ रवौ चित्रा. अभिजिति (मासान्त दोषः)
		ज्येष्ठ मासः
जून	११	शु.१० शनौ चित्रा. अभिजिति
जून	१२	शु.११ रवौ स्वात्यामभिजिति
		आषाढ मासः
जून	२०	कृ.५ चंद्रे धनि. अभिजिति
जुला.	७	शु.७ गुरौ उ.फा. अभिजिति
जुला.	१०	शु.१० रवौ स्वा. ल. ६
सन२०१२		माघ मासः
जन.	२६	शु.३ गुरौ शत. अभिजिति
जन.	२८	शु.५ शनौ उ.भा. अभिजिति
जन.	२९	शु.६ रवौ रेवत्यामभिजिति
जन.	३०	शु.७ चंद्रे अश्वि. अभिजिति
फर.	३	शु.११ शुक्रे मृगे अभिजिति
फर.	५	शु.१३ रवौ पुन. ल. ३
		फाल्गुन मासः
फर.	१३	कृ.६ चंद्रे स्वात्यां अभिजिति
फर.	२४	शु.३ शुक्रे उ.भा. अभिजिति
		चैत्र कृष्णपक्षः
मार्च	१०	कृ.२ शनौ हस्ते अभिजिति
मार्च	१२	कृ.५ चंद्रे स्वात्यां ल. १२

अथ गेहारंभ (भूमि पूजन) मुहूर्ताः

सन२०११		बैशाख्य मासः
मई	१३	शु.१० शुक्रे उ.फा. अभिजिति
मई	१६	शु.१४ चंद्रे स्वात्यां ल. ६ (ति. दो.)
		ज्येष्ठ मासः
मई	१८	कृ.१ बुधेऽनुराधा ल. ५।६
जून	११	शु.१० शनौ चित्रा. अभिजिति
		मार्गशीर्ष मासः
नवं.	१४	कृ.३ चंद्रे मृगे अभि. (ति.दो.)
सन२०१२		चैत्र कृष्णपक्षः
मार्च	९	कृ.१ शुक्रे उ.फा. ल. ३ (रटैं. १२।३६ उप.)
मार्च	९	कृ.१ शुक्रे हस्ते ल. ५ (रटैं. १८।०० या.)
मार्च	१०	कृ.२ शनौ हस्ते अभिजिति
मार्च	१२	कृ.५ चंद्रे स्वात्यां ल. १२

वृषचक्ररहिताः गेहारंभ (भूमिपूजन) मुहूर्ताः

सन२०११		बैशाख्य मासः
अप्रे.	२७	कृ.१० बुधे धनि. ल. २।३
		ज्येष्ठ मासः
मई	२८	कृ.११ शनौ रेवत्यां अभिजिति
जून	११	शु.१० शनौ चित्रा अभिजिति
		श्रावण मासः
जुला.	१८	कृ.३ चंद्रे शत. ल. ९ (रटैं. ११।०० या.)
		मार्गशीर्ष मासः
नवं.	२९	कृ.११ चंद्रे उ.फा. अभिजिति
दिसं.	१	शु.७ गुरौ धनि. अभिजिति
सन२०१२		माघ मासः
जन.	२५	शु.२ बुधे शत. ल. ३ (रटैं. १५।५६ उप.)
फर.	३	शु.११ शुक्रे मृगे अभिजिति
		फाल्गुन मासः
फर.	२४	शु.३ शुक्रे उ.भा. ल. २
फर.	२५	शु.३ शनौ रेवत्यां ल. ३ (रटैं. १४।०९ उप., ति.दो.)

अथ नूतन गृहप्रवेश (वास्तु) मुहूर्ताः

सन२०११		बैशाख्य मासः
मई	१३	शु.१० शुक्रे उ.फा. अभिजिति
		ज्येष्ठ मासः
मई	२८	कृ.११ शनौ रेवत्यां अभिजिति
जून	९	शु.८ गुरौ उ.फा. अभिजिति
जून	११	शु.१० शनौ चित्रा. अभिजिति
सन२०१२		माघ मासः
जन.	१९	कृ.११ गुरौ अनु. अभिजिति

कुंभचक्ररहिताः नूतनगृहप्रवेश(वास्तु) मुहूर्ताः

सन२०११		बैशाख्य मासः
मई	५	शु.२ गुरौ रोहि. अभिजिति
		ज्येष्ठ मासः
मई	१८	कृ.१ बुधे अनु. ल. ३।५
सन२०१२		माघ मासः
जन.	२८	शु.५ शनौ उ.भा. अभिजिति
		फाल्गुन मासः
फर.	२४	शु.३ शुक्रे उ.भा. अभिजिति

अथ जीर्ण गृहप्रवेश (वास्तु) मुहूर्ताः

सन२०११		बैशाख्य मासः
अप्रे.	२७	कृ.१० बुधे धनि. ल. २।३
अप्रे.	२८	कृ.११ गुरौ शत. अभिजिति
मई	९	शु.६ चंद्रे पुष्ये ल. २।३
		कार्तिक मासः
नवं.	४	शु.९ शुक्रे धनि. अभिजिति
		मार्गशीर्ष मासः
नवं.	२३	कृ.१३ बुधे स्वात्यां ल. ९।११
दिसं.	१	शु.७ गुरौ धनि. अभिजिति

कुंभचक्ररहिता जीर्णगृहप्रवेश(वास्तु) मुहूर्ताः

सन२०११		ज्येष्ठ मासः
जून	६	शु.५ चंद्रे पुष्ये ल. ३
सन२०१२		माघ मासः
जन.	२५	शु.२ बुधे धनि. ल. ३ (रटैं. १५।५६ या.)
जन.	२५	शु.२ बुधे शत. ल. ३ (रटैं. १५।५६ उप.)
जन.	२६	शु.३ गुरौ शत. अभिजिति
		फाल्गुन मासः
फर.	१३	कृ.६ चंद्रे स्वात्यां अभिजिति

CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

॥ सन् २०११-१२, संवत् २०६८ ॥ + (उत्तर) रविक्रान्ति-रेत्वे प्रातः ६।२७ बजे (अंश-कलादौ) - (दक्षिण)

ता.	अप्रेल	मई	जून	जुलाई	अगस्त	सितंबर	अक्टूबर	नवंबर	दिसंबर	जनवरी	फरवरी	मार्च
१	. . . .	+१४।५५	+२१।५९	+२३।०८	+१८।०९	+ ८।२८	- २।५९	-१४।१५	-२१।४३	-२३।०४	-१७।१९	- ७।३०
२	. . . .	+१५।१३	+२२।०७	+२३।०४	+१७।५४	+ ८।०६	- ३।२२	-१४।३५	-२१।५२	-२२।५९	-१७।०२	- ७।०७
३	. . . .	+१५।३१	+२२।१५	+२३।००	+१७।३८	+ ७।४५	- ३।४५	-१४।५४	-२२।०१	-२२।५४	-१६।४५	- ६।४४
४	+ ५।३०	+१५।४९	+२२।२२	+२२।५५	+१७।२३	+ ७।२३	- ४।०९	-१५।१२	-२२।१०	-२२।४८	-१६।२७	- ६।२१
५	+ ५।५३	+१६।०६	+२२।२९	+२२।५०	+१७।०७	+ ७।००	- ४।३२	-१५।३१	-२२।१८	-२२।४२	-१६।०९	- ५।५८
६	+ ६।१५	+१६।२३	+२२।३६	+२२।४४	+१६।५०	+ ६।३८	- ४।५५	-१५।४९	-२२।२५	-२२।३५	-१५।५१	- ५।३४
७	+ ६।३८	+१६।४०	+२२।४२	+२२।३८	+१६।३४	+ ६।१६	- ५।१८	-१६।०७	-२२।३३	-२२।२८	-१५।३३	- ५।११
८	+ ७।०१	+१६।५७	+२२।४८	+२२।३२	+१६।१७	+ ५।५३	- ५।४१	-१६।२५	-२२।३९	-२२।२०	-१५।१४	- ४।४८
९	+ ७।२३	+१७।१३	+२२।५३	+२२।२५	+१६।००	+ ५।३१	- ६।०४	-१६।४२	-२२।४६	-२२।१२	-१४।५५	- ४।२४
१०	+ ७।४५	+१७।२९	+२२।५८	+२२।१८	+१५।४३	+ ५।०८	- ६।२६	-१६।५९	-२२।५२	-२३।०४	-१४।३६	- ४।०१
११	+ ८।०८	+१७।४५	+२३।०३	+२२।१०	+१५।२५	+ ४।४५	- ६।४९	-१७।१६	-२२।५७	-२१।५५	-१४।१६	- ३।३७
१२	+ ८।३०	+१८।००	+२३।०७	+२२।०२	+१५।०८	+ ४।२३	- ७।१२	-१७।३३	-२३।०२	-२१।४६	-१३।५७	- ३।१४
१३	+ ८।५२	+१८।१५	+२३।११	+२१।५४	+१४।५०	+ ४।००	- ७।३४	-१७।४९	-२३।०७	-२१।३६	-१३।३७	- २।५०
१४	+ ९।१३	+१८।३०	+२३।१४	+२१।४५	+१४।३१	+ ३।३७	- ७।५७	-१८।०५	-२३।११	-२१।२६	-१३।१७	- २।२६
१५	+ ९।३५	+१८।४५	+२३।१७	+२१।३६	+१४।१३	+ ३।१४	- ८।१९	-१८।२१	-२३।१४	-२१।१६	-१२।५६	- २।०३
१६	+ ९।५६	+१८।५९	+२३।२०	+२१।२७	+१३।५४	+ २।५१	- ८।४१	-१८।३६	-२३।१७	-२१।०५	-१२।३६	- १।३९
१७	+१०।१८	+१९।१३	+२३।२२	+२१।१७	+१३।३५	+ २।२८	- ९।०३	-१८।५१	-२३।२०	-२०।५३	-१२।१५	- १।१५
१८	+१०।३९	+१९।२६	+२३।२४	+२१।०७	+१३।१६	+ २।०४	- ९।२५	-१९।०६	-२३।२२	-२०।४२	-११।५४	- ०।५१
१९	+११।००	+१९।३९	+२३।२५	+२०।५६	+१२।५७	+ १।४१	- ९।४७	-१९।२०	-२३।२४	-२०।३०	-११।३३	- ०।२८
२०	+११।२०	+१९।५२	+२३।२६	+२०।४५	+१२।३७	+ १।१८	-१०।०९	-१९।३४	-२३।२५	-२०।१७	-११।११	- ०।०४
२१	+११।४१	+२०।०५	+२३।२६	+२०।३४	+१२।१७	+ ०।५५	-१०।३०	-१९।४८	-२३।२६	-२०।०४	-१०।५०	+ ०।२०
२२	+१२।०१	+२०।१७	+२३।२६	+२०।२३	+११।५७	+ ०।३१	-१०।५२	-२०।०१	-२३।२६	-१९।५१	-१०।२८	+ ०।४३
२३	+१२।२२	+२०।२९	+२३।२६	+२०।११	+११।३७	+ ०।०८	-११।१३	-२०।१४	-२३।२६	-१९।३७	-१०।०६	. . . .
२४	+१२।४२	+२०।४०	+२३।२५	+१९।५८	+११।१७	- ०।१५	-११।३४	-२०।२६	-२३।२६	-१९।२३	- ९।४४	. . . .
२५	+१३।०१	+२०।५१	+२३।२४	+१९।४६	+१०।५६	- ०।३९	-११।५५	-२०।३८	-२३।२४	-१९।०९	- ९।२२	. . . .
२६	+१३।२१	+२१।०२	+२३।२२	+१९।३३	+१०।३६	- १।०२	-१२।१५	-२०।५०	-२३।२३	-१८।५४	- ९।००	. . . .
२७	+१३।४०	+२१।१३	+२३।२१	+१९।२०	+१०।१५	- १।२५	-१२।३६	-२१।०२	-२३।२१	-१८।३९	- ८।३८	. . . .
२८	+१३।५९	+२१।२३	+२३।१८	+१९।०६	+ ९।५४	- १।४९	-१२।५६	-२१।१२	-२३।१८	-१८।२४	- ८।१५	. . . .
२९	+१४।१८	+२१।३२	+२३।१५	+१८।५२	+ ९।३३	- २।१२	-१३।१६	-२१।२३	-२३।१५	-१८।०८	- ७।५२	. . . .
३०	+१४।३७	+२१।४२	+२३।१२	+१८।३८	+ ९।११	- २।३६	-१३।३६	-२१।३३	-२३।१२	-१७।५२	. . . .	. . . .
३१	. . . .	+२१।५०	. . . .	+१८।२४	+ ८।५०	. . . .	-१३।५६	. . . .	-२३।०८	-१७।३६	. . . .	. . . .

उत्तर (धन) — दक्षिण (ऋण)

महापात योगाः (स्टै. समय में) संवत् २०६८ (सन २०११-१२)

योगाः	महापात स्पर्शः तारीख	घं. मि.	महापात मोक्षः तारीख	घं. मि.
व्यती.	१३ अप्रे.	२५।३०	१३ अप्रे.	२९।५२
वैधृति	२५ अप्रे.	२१।२३	२५ अप्रे.	२७।२२
व्यती.	९ मई	११।१७	९ मई	१७।४१
वैधृति	२० मई	२९।०३	२१ मई	१३।४७
व्यती.	३ जून	१५।२०	४ जून	५।४५
वैधृति	२२ मई	२३।०८	१६ जून	१३।३६
व्यती.	२८ जून	२१।२६	१ जुला.	६।१५
वैधृति	११ जुला.	८।१७	११ जुला.	२१।०२
व्यती.	२४ जुला.	१६।२१	२४ जुला.	२५।१४
वैधृति	५ अग.	२३।३२	५ अग.	२९।३५
व्यती.	१८ अग.	२४।५५	१९ अग.	६।५९
वैधृति	३१ अग.	१५।०९	३१ अग.	१९।३२
व्यती.	१३ सितं.	६।४१	१३ सितं.	११।५३
वैधृति	२६ सितं.	९।०८	२६ सितं.	१३।१३
व्यती.	८ अक्टू.	९।५९	८ अक्टू.	१५।१६
वैधृति	२१ अक्टू.	२३।०२	२१ अक्टू.	२७।५६
व्यती.	२ नवं.	१२।१६	२ नवं.	१८।३९
वैधृति	१५ नवं.	२६।१३	१६ नवं.	१०।१६
व्यती.	२७ नवं.	१४।३६	२७ नवं.	२६।५३
वैधृति	५ जन.	२७।४४	११ जन.	२१।३३
व्यती.	१८ जन.	११।२९	१८ जन.	२१।४५
वैधृति	३० जन.	२९।२०	३१ जन.	१३।२८
व्यती.	१२ फर.	१९।५०	१२ फर.	२५।१५
वैधृति	२५ फर.	८।२५	२५ फर.	१४।०९
व्यती.	९ मार्च	८।१५	९ मार्च	१२।३६
वैधृति	२१ मार्च	११।५१	२१ मार्च	१७।०१

CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

संवत् २०६८ शाकः १९३३ की मास दशा देखने की सारणी

मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
चै.शु. ११ से शु द. उ. सू द. दि.२० प्र.	बै.शु. १३ से शु द. उ. सू द. दि.२० प्र.	चै.शु. ०२ से रा द. उ. शु द. दि.७० प्र.	चै.कृ. ०५ से गु द. उ. रा द. दि.४२ प्र.	बै.कृ. ०८ से गु द. उ. रा द. दि.४२ प्र.	चै.कृ. ०९ से श द. उ. गु द. दि.५८ प्र.	चै.कृ. ०३ से बु द. उ. श द. दि.३६ प्र.	बै.कृ. ०४ से बु द. उ. श द. दि.३६ प्र.	चै.कृ. ०७ से मं द. उ. बु द. दि.५६ प्र.	चै.कृ. ०८ से चं द. उ. मं द. दि.२८ प्र.	बै.कृ. ०८ से चं द. उ. मं द. दि.२८ प्र.	चै.शु. ०१ से सू द. उ. चं द. दि.५० प्र.
बै.शु. ०१ से सू द. उ. चं द. दि.५० प्र.	ज्ये.शु.०३ से सू द. उ. चं द. दि.५० प्र.	ज्ये.शु.१५ से शु द. उ. सू द. दि.२० प्र.	बै.शु. ०३ से रा द. उ. शु द. दि.७० प्र.	ज्ये.शु.०६ से रा द. उ. शु द. दि.७० प्र.	ज्ये.कृ.०९ से गु द. उ. रा द. दि.४२ प्र.	बै.कृ. १० से श द. उ. गु द. दि.५८ प्र.	ज्ये.कृ.१० से श द. उ. गु द. दि.५८ प्र.	ज्ये.कृ.०४ से बु द. उ. श द. दि.३६ प्र.	बै.कृ. ०६ से मं द. उ. बु द. दि.५६ प्र.	ज्ये.कृ.०६ से मं द. उ. बु द. दि.५६ प्र.	ज्ये.कृ.०८ से चं द. उ. मं द. दि.२८ प्र.
आ.कृ.०८ से चं द. उ. मं द. दि.२८ प्र.	श्रा.कृ.१० से चं द. उ. मं द. दि.२८ प्र.	आ.शु.०४ से सू द. उ. चं द. दि.५० प्र.	श्रा.कृ.०१ से शु द. उ. सू द. दि.२० प्र.	भा.कृ.०४ से शु द. उ. सू द. दि.२० प्र.	आ.शु.०८ से रा द. उ. शु द. दि.७० प्र.	आ.कृ.०९ से गु द. उ. रा द. दि.४२ प्र.	श्रा.कृ.१० से गु द. उ. रा द. दि.४२ प्र.	आ.कृ.१० से श द. उ. गु द. दि.५८ प्र.	आ.कृ.०४ से बु द. उ. श द. दि.३६ प्र.	श्रा.कृ.०४ से बु द. उ. श द. दि.३६ प्र.	आ.कृ.०७ से मं द. उ. बु द. दि.५६ प्र.
श्रा.कृ.०७ से मं द. उ. बु द. दि.५६ प्र.	भा.कृ.०८ से मं द. उ. बु द. दि.५६ प्र.	भा.कृ.११ से चं द. उ. मं द. दि.२८ प्र.	श्रा.शु.०६ से सू द. उ. चं द. दि.५० प्र.	भा.शु.०९ से सू द. उ. चं द. दि.५० प्र.	आ.कृ.०५ से शु द. उ. सू द. दि.२० प्र.	श्रा.शु.०९ से रा द. उ. शु द. दि.७० प्र.	भा.शु.०९ से रा द. उ. शु द. दि.७० प्र.	भा.कृ.१० से गु द. उ. रा द. दि.४२ प्र.	श्रा.कृ.१० से श द. उ. गु द. दि.५८ प्र.	भा.कृ.१० से श द. उ. गु द. दि.५८ प्र.	भा.कृ.०४ से बु द. उ. श द. दि.३६ प्र.
आ.कृ.०५ से बु द. उ. श द. दि.३६ प्र.	का.कृ.०६ से बु द. उ. श द. दि.३६ प्र.	आ.कृ.०९ से मं द. उ. बु द. दि.५६ प्र.	आ.कृ.१३ से चं द. उ. मं द. दि.२८ प्र.	का.शु.०१ से चं द. उ. मं द. दि.२८ प्र.	आ.शु.११ से सू द. उ. चं द. दि.५० प्र.	का.कृ.०५ से शु द. उ. सू द. दि.२० प्र.	मा.कृ.०५ से शु द. उ. सू द. दि.२० प्र.	आ.शु.१० से रा द. उ. शु द. दि.७० प्र.	आ.कृ.०९ से गु द. उ. रा द. दि.४२ प्र.	का.कृ.१० से गु द. उ. रा द. दि.४२ प्र.	आ.कृ.१० से श द. उ. गु द. दि.५८ प्र.
का.कृ.११ से श द. उ. गु द. दि.५८ प्र.	मा.कृ. १३ से श द. उ. गु द. दि.५८ प्र.	मा.कृ. ०७ से बु द. उ. श द. दि.३६ प्र.	का.कृ.११ से मं द. उ. बु द. दि.५६ प्र.	मा.कृ. १४ से मं द. उ. बु द. दि.५६ प्र.	मा.शु. ०३ से चं द. उ. मं द. दि.२८ प्र.	का.शु.११ से सू द. उ. चं द. दि.५० प्र.	मा.शु. ११ से सू द. उ. चं द. दि.५० प्र.	पौ.कृ. ०६ से शु द. उ. सू द. दि.२० प्र.	का.शु.०९ से रा द. उ. शु द. दि.७० प्र.	मा.शु. १० से रा द. उ. शु द. दि.७० प्र.	मा.कृ. ११ से गु द. उ. रा द. दि.४२ प्र.
पौ.कृ. ११ से गु द. उ. रा द. दि.४२ प्र.	मा.कृ. १३ से गु द. उ. रा द. दि.४२ प्र.	पौ.कृ. ३० से श द. उ. गु द. दि.५८ प्र.	पौ.कृ. ०९ से बु द. उ. श द. दि.३६ प्र.	मा.कृ. १२ से बु द. उ. श द. दि.३६ प्र.	पौ.शु. ०१ से मं द. उ. बु द. दि.५६ प्र.	पौ.शु. ०३ से चं द. उ. मं द. दि.२८ प्र.	मा.शु. ०३ से चं द. उ. मं द. दि.२८ प्र.	पौ.शु. ११ से सू द. उ. चं द. दि.५० प्र.	मा.कृ. ०५ से शु द. उ. सू द. दि.२० प्र.	फा.कृ.०६ से शु द. उ. सू द. दि.२० प्र.	पौ.शु. १० से रा द. उ. शु द. दि.७० प्र.
मा.शु. १० से रा द. उ. शु द. दि.७० प्र.	फा.शु.११ से रा द. उ. शु द. दि.७० प्र.	फा.कृ.३० से गु द. उ. रा द. दि.४२ प्र.	मा.शु. ०१ से श द. उ. गु द. दि.५८ प्र.	फा.शु.०३ से श द. उ. गु द. दि.५८ प्र.	फा.कृ.१४ से बु द. उ. श द. दि.३६ प्र.	मा.शु. ०१ से मं द. उ. बु द. दि.५६ प्र.	फा.शु.०२ से मं द. उ. बु द. दि.५६ प्र.	फा.शु.०३ से चं द. उ. मं द. दि.२८ प्र.	मा.शु. ११ से सू द. उ. चं द. दि.५० प्र.	फा.शु.११ से सू द. उ. चं द. दि.५० प्र.	चै.कृ. ०७ से शु द. उ. सू द. दि.२० प्र.

संवत् २०६८, आश्विन कृष्णपक्ष में श्राद्धतिथि निर्णय, सन २०११

पूर्णिमा (पूनम) का श्राद्ध		सोमवार १२ सितंबर (भाद्रपद शुक्लपक्ष)
प्रतिपदा (एकम)	"	मंगलवार १३ सितंबर
द्वितीया (दूज)	"	बुधवार १४ सितंबर
तृतीया (तीज)	"	गुरुवार १५ सितंबर
चतुर्थी (चोथ)	"	शुक्रवार १६ सितंबर
पंचमी (पांच)	"	शनिवार १७ सितंबर
षष्ठी (छठ)	"	रविवार १८ सितंबर
सप्तमी (सातं) का श्राद्ध		सोमवार १९ सितंबर
अष्ठमी (आठं)	"	मंगलवार २० सितंबर प्रातः ६।३४ बजे के बाद
नवमी (नौमी)	"	बुधवार २१ सितंबर प्रातः ७।३० बजे के बाद
दशमी (दस)	"	गुरुवार २२ सितंबर प्रातः ७।३७ बजे के बाद
एकादशी	"	शुक्रवार २३ सितंबर प्रातः ६।५२ बजे के बाद
द्वादशी (बारस)	"	शनिवार २४ सितंबर
त्रयोदशी (तेरस)	"	रविवार २५ सितंबर
चतुर्दशी (चौदस)		" सोमवार २६ सितंबर
अमावस्या (मावस)	"	मंगलवार २७ सितंबर

CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

॥ श्रीवल्लभ मनीराम पञ्चाङ्गम् ॥

४ अप्रेल से १८ अप्रेल तक, श्री चैत्र शुक्लपक्ष संवत् २०६८, शाकः १९३३, दि.मा.सू. सू. तारीख्स स्टै. प्रातः दैनिक केतकी अहर्गणः ६९३८ वसंतर्तू रविरुत्तरे, अप्रेल २०११

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प.	उ.	अ.	मा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
नवरा.	१	सो	४०	०१	२२	२२	रेव	२७	०३	१७	११	ऐ	९	५०	१०	१८	किं	७	०८	९	१३	३० ५९	६ २२	६ ४५	१४	२९	४	मेषे	१७।११	१९।१९।५०।२२	५९।०५
सिंधारा	२	मं	४५	३१	२४	३३	अश्वि	३३	५५	१९	५४	वै	११	४३	११	०२	बा	१२	५१	११	२९	३३ ४३	२१	४६	१५	३०	५	मेषे	१९।२०	१९।२०।४९।२७	५९।०३
गणगौर	३	बु	५०	२६	२६	३०	भर	४०	१६	२२	२६	वि	१३	१६	११	३८	तै	१८	०५	१३	३४	०७	१९	४६	१६	१	६	वृषे	२९।०१	१९।२१।४८।३०	५९।००
लुम्बक	४	गु	५४	३२	२८	०७	कृति	४५	५३	२४	४०	प्री	१४	१८	१२	०२	व	२२	३६	१५	२१	११	१८	४७	१७	२	७	वृषे	१९।२२	१४।४७।३०	५८।५८
मित्र	५	शु	५७	३२	२९	१८	रोहि	५०	२९	२६	२९	आ	१४	३९	१२	०९	ब	२६	१२	१६	४६	१५	१७	४७	१८	३	८	वृषे	१९।२३	१४।४६।२८	५८।५६
वज्र	६	श	५९	०८	२९	५६	मृग	५३	४७	२७	४७	सौ	१४	०४	११	५४	कौ	२८	३३	१७	४१	१९	१६	४८	१९	४	९	मिथु.	१५।१२	१९।२४।४५।२४	५८।५४
ध्वाङ्क्ष	७	र	५९	०८	२९	५४	आर्द्रा	५५	३२	२८	२८	शो	१२	२४	११	१३	ग	२९	२२	१८	००	२३	१५	४८	२०	५	१०	मिथु.		१९।२५।४४।१८	५८।५१
धूम्र	८	सो	५७	२०	२९	१०	पुन	५५	३१	२८	२७	अ	९	२४	१०	००	वि	२८	२९	१७	३८	२७	१४	४९	२१	६	११	कर्के	२२।३१	१९।२६।४३।०९	५८।४९
रामनव.	९	मं	५३	४२	२७	४२	पुष्य	५३	४३	२७	४२	सु	५९ ५५	४ ०४	५९ २९	८ ५४	बा	२५	४६	१६	३१	३१	१३	४९	२२	७	१२	कर्के		१९।२७।४१।५८	५८।४७
राक्षस	१०	बु	४८	१८	२५	३१	श्ले	५०	०९	२६	१६	शू	५१	४६	२६	५४	तै	२१	९४	१४	४१	३५	१२	५०	२३	८	१३	सिंहे	२६।१६	१९।२८।४०।४५	५८।४५
ए.व्र.	११	गु	४१	२१	२२	४३	मघा	४५	०३	२४	१२	गं	४३	१३	२३	२८	व	१५	००	१२	११	३९	११	५१	२४	९	१४	सिंहे		१९।२९।३९।३०	५८।४२
प्र.व्र.	१२	शु	३३	१०	१९	२६	पूफा	३८	४५	२१	४०	वृ	३३	४०	१९	३८	ब	७	२४	९	०७	४३	१०	५१	२५	१०	१५	कन्या	२६।५८	०।००।३८।१२	५८।४०
उत्पात	१३	श	२४	०७	१५	४८	उफा	३१	३८	१८	४८	ध्रु	२३	२५	१५	३१	तै	२४	०७	१५	४८	४७	०९	५२	२६	११	१६	कन्या		०।०१।३६।५२	५८।३८
मानस	१४	र	१४	४१	१२	००	हस्त	२४	१२	१५	४८	व्या	१२	४९	११	१६	व	१४	४१	१२	००	५१	०८	५२	२७	१२	१७	तुला.	२६।१९	०।०२।३५।२९	५८।३५
पूर्णिमा	१५	सो	५	१९	८	१४	चित्रा	१६	५४	१२	५२	ह	२ ५२	१६ ०५	७ २६	०५ ५७	ब	५	१९	८	१४	५५	०७	५३	२८	१३	१८	तुला.		०।०३।३४।०५	५८।३३

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह वारादि का समय स्टै.टा.में है।
नवरात्रारम्भः,घटस्था., ध्वजारो.,आरोग्य १,विद्या १,पंचकसमाप्तिः B
चंद्रदर्शनम् (मु.३०), श्रृंगार (सिंधारा) देशाचारे
गणगौरी पूजा, मत्स्योत्पत्तिः,अरुन्धती व्रतपूजनञ्च, मनोरथतृतीया A
भ. १५।२१ उ. २८।०७ या., पूभा. शुक्रः २९।०६
कल्पादि, डोलोत्सवः [B १७।११, कल्पादि, (व) हस्ते-३ शनिः C
स्कन्द षष्ठी व्र. [C २४।००,मूले-१ राहुः १२।३४,मृगे-३ केतुः १२।३४
भ. २९।५४ उ., रेव.-३ गुरुः ११।०७ [A व्र.,मन्वादि, सौभाग्य E
भ. १७।३८ या., भवान्युत्पत्तिः, अशोककलिका प्राशनं
श्री रामनवमी [E शयन व्र., शिवशक्ति पू.,जमादिलावल ५
[F मेषे अश्वि. रविः १२।२५ (सौरः १४।३४)
भ. १२।११ उ. २२।४३ या.,कामदा ११ व्र., लक्ष्मीकान्तदोलोत्सवः,F
प्रदोषः, हरि दमनोत्सवः, रेव. भौमः २७।५२
जैन महावीर जयंती, शिव पूजन विशेषः, मीने शुक्रः १२।०१
भ. १२।०० उ. २२।०७ या., पूर्णिमा व्रतं [D चित्रात्रदानं भक्षणञ्च
मन्वादि, श्री हनुमज्जयंती, पूर्णिमा पुण्यं, वैशाख स्नानारंभः, D

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

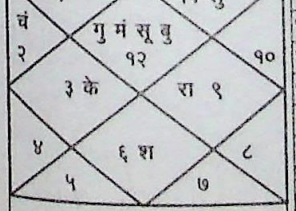
संक्रांति फलम्

ता. १४ अप्रेल २०११
चैत्र शु. ११ गुरौ मेषेऽर्कः प्र. (स्टै.)
टा. १२।२५ वारात् ४ नक्षत्रात् ४
वारनाम नंदा गणकान् सुस्सदा
नक्षत्रनाम घोरा शूद्रान् सुस्सदा मध्यान्ह
२ प्रहर व्यापिनी द्विजान् हन्ति, पश्चिमे
गमनं वायव्यां दृष्टिः विष्टीकरणे प्रविष्टा
मध्यमफलं अश्ववाहनं सिंहोपवाहनं
स्थैर्यकारक कृष्णवस्त्रं कुन्तायुधं
पत्रपात्रं चित्रान्नभक्षणं ओतुमदोलेम्यनं
विप्रजातिः दुर्वापुष्पं गुंजाभूषणं
नीलकंचुकी वृद्धावस्था (बैठी) मु.
३० धान्यभावे सम वत्स पश्चिमा. राहु
दक्षिणे मूलं पाताले विवाहस्तंभो
नैऋत्यां शुक्रोदयः पूर्वस्याम् ।
पुण्यकालः (स्टै.) ६।२५ से १८।२५
तक। (दान- मेष)।

अयनांशाः २४।००।०८

पं.५२ चै.शु. ४ गु. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
११	११	११	११	१०	५	८	२
२२	०९	२७	२२	१८	१९	०३	०३
५२	४६	४०	३३	५१	४९	११	११
३७	२९	२२	३५	२०	२७	१८	१८
५९	४६	४२	१४	७२	४	३	३
०१	३६	३२	३०	१८	३९	११	११
रे	उभा	रे	रे	श	ह	मू	मृ
२	२	४व	२	४	३व	१	३



अयनांशाः २४।००।०९

पं. १ चै.शु.१२ शु. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
०	११	११	११	१०	५	८	२
००	१५	२१	२४	२८	१९	०२	०२
४३	५८	४३	२९	२१	१२	४५	४५
२७	०७	३२	२२	५२	४०	५२	५२
५८	४६	३७	१४	७२	४	३	३
४५	१९	०७	२७	२८	३०	११	११
अ	उभा	रे	रे	पूभा	ह	मू	मृ
१	४	२व	३	३	३व	१	३



ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	अप्रे.	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	सायं	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ
११।१९।५७।३५	१ चं	४	६।५१	८।२७	१०।२३	१२।३८	२।५८	५।१५	७।३१	९।५०	१२।०९	२।१३	३।५७	५।२५
११।२०।५६।४०	२ मं	५	६।४७	८।२३	१०।१९	१२।३४	२।५४	५।११	७।२७	९।४६	१२।०५	२।०९	३।५३	५।२१
११।२१।५५।४२	३ बु	६	६।४३	८।१९	१०।१५	१२।३०	२।५०	५।०७	७।२३	९।४२	१२।०१	२।०५	३।४९	५।१७
११।२२।५४।४२	४ गु	७	६।३९	८।१५	१०।१२	१२।२६	२।४६	५।०३	७।१९	९।३८	११।५७	२।०१	३।४५	५।१३
११।२३।५३।४०	५ शु	८	६।३५	८।११	१०।०८	१२।२२	२।४२	४।५९	७।१५	९।३४	११।५३	१।५७	३।४१	५।०९
११।२४।५२।३६	६ श	९	६।३१	८।०८	१०।०४	१२।१८	२।३८	४।५५	७।११	९।३०	११।४९	१।५३	३।३७	५।०५
११।२५।५१।२९	७ र	१०	६।२७	८।०४	१०।००	१२।१४	२।३५	४।५१	७।०७	९।२६	११।४५	१।५०	३।३३	५।०१
११।२६।५०।२०	८ चं	११	६।२४	८।००	९।५६	१२।१०	२।३१	४।४७	७।०३	९।२२	११।४१	१।४६	३।२९	४।५७
११।२७।४९।०९	९ मं	१२	६।२०	७।५६	९।५२	१२।०७	२।२७	४।४३	६।५९	९।१८	११।३७	१।४२	३।२५	४।५४
११।२८।४७।५५	१० बु	१३	६।१६	७।५२	९।४८	१२।०३	२।२३	४।४०	६।५५	९।१४	११।३३	१।३८	३।२१	४।५०
११।२९।४६।४०	११ गु	१४	६।१२	७।४८	९।४४	११।५९	२।१९	४।३६	६।५१	९।११	११।२९	१।३४	३।१७	४।४६
००।००।४५।२२	१२ शु	१५	६।०८	७।४४	९।४०	११।५५	२।१५	४।३२	६।४७	९।०७	११।२५	१।३०	३।१३	४।४२
००।०१।४४।०१	१३ श	१६	६।०४	७।४०	९।३६	११।५१	२।११	४।२८	६।४४	९।०३	११।२१	१।२६	३।०९	४।३८
००।०२।४२।३९	१४ र	१७	६।००	७।३६	९।३२	११।४७	२।०७	४।२४	६।४०	८।५९	११।१७	१।२२	३।०५	४।३४
००।०३।४१।१४	१५ चं	१८	५।५६	७।३२	९।२८	११।४३	२।०३	४।२०	६।३६	८।५५	११।१३	१।१८	३।०१	४।३०

CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

॥ श्रीवल्लभ मनीराम पञ्चाङ्गम् ॥

१९ अप्रेल से ३ मई तक, श्री वैशाख कृष्णपक्ष संवत् २०६८, शाकः १९३३, दि.मा.सू. सू. तारीख स्टै. प्रातः दैनिक वसंतर्तू रविरुत्तरे चैत्रकृष्णेति गुर्जराः, अप्रेल-मई २०११

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
क्षयः	१	सो	५६	२५	२८	४१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
ध्वजा	२	मं	४८	३२	२५	३१	स्वा	१०	१४	१०	११	सि	४२	४३	२३	११	तै	२२	२१	१५	०२	३१ ५८	०६	६ ५३	२९	९४	९९	वृश्चि. २६।२७	०।०४।३२।३८	५८।३१
धाता	३	बु	४१	५९	२२	५३	विशा	४	३९	७	५६	व्य	३४	२६	१९	५१	व	१५	०५	१२	०७	३३ ३३	०५	५४	३०	१५	२०	वृश्चि.	०।०५।३१।०९	५८।२९
च.व्र.	४	गु	३७	०८	२०	५५	अनु	० ५८	३२ ०८	६ २१	१७ ९९	व	२७	३१	१७	०४	ब	९	२१	९	४८	०६	०४	५४	१	१६	२१	धनु. २९।१९	०।०६।२९।३८	५८।२७
सुस्थिर	५	शु	३४	१२	१९	४४	मूल	५७	४३	२९	०८	प	२२	०६	१४	५३	कौ	५	२५	८	१३	१०	०३	५५	२	१७	२२	धनु.	०।०७।२८।०४	५८।२४
मातङ्ग	६	श	३३	१७	१९	२१	पूषा	५९	२०	२९	४६	शि	१८	१९	१३	२२	ग	३	३०	७	२६	१४	०२	५५	३	१८	२३	धनु.	०।०८।२६।२९	५८।२२
अमृत	७	र	३४	२३	१९	४६	उषा	...	...	...	...	सि	१६	०८	१२	२८	वि	३	३६	७	२८	१७	०१	५६	४	१९	२४	मक. १२।०३	०।०९।२४।५१	५८।२०
काण	८	सो	३७	२०	२०	५६	उषा	२	५३	७	०९	सा	१५	२७	१२	११	बा	५	४०	८	१६	२१	००	५७	५	२०	२५	मक.	०।१०।२३।१९	५८।१८
लुम्बक	९	मं	४१	४९	२२	४३	श्रव	८	०४	९	१३	शु	१६	०३	१२	२५	तै	९	२७	९	४६	२५	५ ५२	५७	६	२१	२६	कुंभे २२।२७	०।११।२१।२९	५८।१६
मित्र	१०	बु	४७	२३	२४	५६	धनि	१४	३२	११	४७	शु	१७	३८	१३	०२	व	१४	३१	११	४७	२८	५८	५८	७	२२	२७	कुंभे	०।१२।१९।४५	५८।१४
ए.व्र.	११	गु	५३	३२	२७	२२	शत	२१	४७	१४	४०	ब्र	१९	४९	१३	५३	ब	२०	२६	१४	०८	३२	५७	५८	८	२३	२८	कुंभे	०।१३।१७।५९	५८।१२
ध्वाङ्क्ष	१२	शु	५९	४८	२९	५२	पूषा	२९	२२	१७	४१	ऐ	२२	१६	१४	५१	कौ	२६	४१	१६	३७	३५	५७	५९	९	२४	२९	मीने १०।५६	०।१४।१६।१०	५८।१०
प्र.व्र.	१३	श	...	...	..	..	उमा	३६	५१	२०	४०	वै	२४	४०	१५	४८	ग	३२	५१	१९	०४	३९	५६	५९	१०	२५	३०	मीने	०।१५।१४।२०	५८।०८
प्रवर्धमा	१३	र	५	४९	८	१५	रेव	४३	५५	२३	२९	वि	२६	४८	१६	३८	व	५	४९	८	१५	४३	५५	७ ००|	११	२६	१	मेषे २३।२९	०।१६।१२।२८	५८।०५
राक्षस	१४	सो	११	१७	१०	२५	अश्वि	५०	२५	२६	०४	प्री	२८	३०	१७	१८	श	११	१७	१०	२५	४६	५४	०१	१२	२७	२	मेषे	०।१७।१०।३३	५८।०३
अमाव.	३०	मं	१६	०५	१२	१९	भर	५६	१३	२८	२३	आ	२९	४०	१७	४५	ना	१६	०५	१२	१९	४९	५३	०१	१३	२८	३	मेषे	०।१८।०८।३६	५८।०१

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है ।

उभा. शुक्रः ६।१४

भ. १२।०७ उ. २२।५३ या., सायन वृषे भानुः १५।३५

अनुसूया जयंती, भा. वैशाखारंभः, चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः २२।४३, A

[A बुधोदयः पूर्वस्याम् ८।२१

भ. १९।२१ उ., मार्गी. बुधः २५।०४

भ. ७।२८ या., रेव.-४ गुरुः ८।१२

गुरोरुदयः पूर्वस्याम्

बूढो वास्योड़ो

पंचक प्रारम्भः २२।२७, गुरोरुदयः पूर्वस्याम् २१।०८

भ. ११।४७ उ. २४।५६ या., भर. रविः २८।१६

वरुथिनि ११ व्र., भर. सौरः ६।४७, अगस्त्यास्तः ६।०६

[B मासिकशिवरात्री व्र., मई ५ ता. ३१

प्रदोषः, रेव. शुक्रः ६।३९

भ. ८।१५ उ. २१।२२ या., पंचक समाप्तिः २३।२९, B

पितृकार्येऽमा.

देवकार्येऽमा., मेषे अश्वि. भौमः १३।३८

अयनांशाः २४।००।१०

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	अप्रे.	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	सायँ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ
००।०४।३९।४७	२ मं	१९	५।५२	७।२८	९।२४	११।३९	१।५९	४।१६	६।३२	८।५१	११।०९	१।१४	२।५७	४।२६
००।०५।३८।१७	३ बु	२०	५।४८	७।२४	९।२०	११।३५	१।५५	४।१२	६।२८	८।४७	११।०५	१।१०	२।५३	४।२२
००।०६।३६।४६	४ गु	२१	५।४४	७।२०	९।१६	११।३१	१।५१	४।०८	६।२४	८।४३	११।०२	१।०६	२।५०	४।१८
००।०७।३५।१२	५ शु	२२	५।४०	७।१६	९।१२	११।२७	१।४७	४।०४	६।२०	८।३९	१०।५८	१।०२	२।४६	४।१४
००।०८।३३।३६	६ श	२३	५।३६	७।१२	९।०८	११।२३	१।४३	४।००	६।१६	८।३५	१०।५४	१२।५८	२।४२	४।१०
००।०९।३२।५८	७ र	२४	५।३२	७।०८	९।०५	११।१९	१।३९	३।५६	६।१२	८।३१	१०।५०	१२।५४	२।३८	४।०६
००।१०।३०।१८	८ चं	२५	५।२८	७।०४	९।०१	११।१५	१।३५	३।५२	६।०८	८।२७	१०।४६	१२।५०	२।३४	४।०२
००।११।२८।३६	९ मं	२६	५।२४	७।०१	८।५७	११।११	१।३१	३।४८	६।०४	८।२३	१०।४२	१२।४६	२।३०	३।५८
००।१२।२६।५१	१० बु	२७	५।२०	६।५७	८।५३	११।०७	१।२८	३।४४	६।००	८।१९	१०।३८	१२।४३	२।२६	३।५४
००।१३।२५।०५	११ गु	२८	५।१७	६।५३	८।४९	११।०४	१।२४	३।४०	५।५६	८।१५	१०।३४	१२।३९	२।२२	३।५१
००।१४।२३।१६	१२ शु	२९	५।१३	६।४९	८।४५	११।००	१।२०	३।३७	५।५२	८।११	१०।३०	१२।३५	२।१८	३।४७
००।१५।२१।२६	१३ श	३०	५।०९	६।४५	८।४१	१०।५६	१।१६	३।३३	५।४८	८।०८	१०।२६	१२।३१	२।१४	३।४३
००।१६।१९।३३	१४ र	१	५।०५	६।४१	८।३७	१०।५२	१।१२	३।२९	५।४४	८।०४	१०।२२	१२।२७	२।१०	३।३९
००।१७।१७।३८	१५ चं	२	५।०१	६।३७	८।३३	१०।४८	१।०८	३।२५	५।४१	८।००	१०।१८	१२।२३	२।०६	३।३५
००।१८।१५।४१	१६ मं	३	४।५७	६।३३	८।२९	१०।४४	१।०४	३।२१	५।३७	७।५६	१०।१४	१२।१९	२।०२	३।३१

मास फलम्

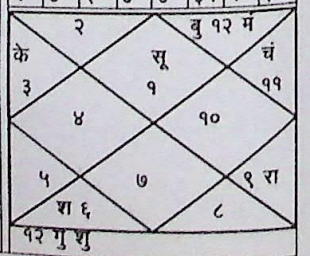
इस माह में पांच मंगलवार होने से अग्नि का भय हो तथा कहीं वर्षा में देरी हो यथा- ॥पंचभौमे भयंवहे वृष्टिरोधस्तु कुत्रचित्॥ मगलवारी अमावस भरणी योग होने से उपघात और व्याधि हो । शुक्ला ३ को रोहिणी होने से सुभिक्ष हो । शुक्ला पंचमी को सूर्यवार होने से मंद वर्षा हो । शुक्ला नौमी को मघा होने से पृथ्वी पर दुर्भिक्ष हो । पूर्णिमा मंगलवार और विशाखा युक्त होने से व्याधि की वृद्धि हो । रविवार की सक्रांति होने से कहीं कहीं युद्ध हो, राजविग्रह हो, सूर्य बहुत तपे, रोगोत्पत्ति हो, धान्यादि महँगे हों ।

अयनांशाः २४।००।११

पं. २ बै.कृ. ५ शु. इष्टघटी ०।००								
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.	
०	११	११	११	११	५	८	२	
०७	२१	१८	२६	०६	१८	०२	०२	
३३	२१	५८	१०	५७	४१	२३	२३	
४२	२२	२५	०६	०७	५१	३८	३८	
५८	४६	३	१४	७२	४	३	३	
३१	०३	५७	२०	३५	१५	११	११	
अ	रे	रे	रे	उभा	ह	मू	मृ	
३	२	१व	३	२	३व	१	३	



पं. ३ बै.कृ.१२ शु. इष्टघटी ०।००								
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.	
०	११	११	११	११	५	८	२	
१४	२६	२०	२७	१५	१८	०२	०२	
२२	४२	१०	४९	२५	१३	०१	०१	
२६	३९	३१	५१	१०	०७	२३	२३	
५८	४५	२७	१४	७२	३	३	३	
१८	४५	५५	०९	४१	५४	११	११	
भ	रे	रे	रे	उभा	ह	मू	मृ	
१	४	२	४	४	३व	१	३	



CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

४ मई से १७ मई तक, श्री वैशाख शुक्लपक्ष संवत् २०६८, शाकः १९३३, दि.मा.सू. सू. तारीख स्टै. प्रातः दैनिक केतकी अहर्गणः २८ ग्रीष्मर्तु रविरुत्तरे, मई २०११

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	च.प.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
सिद्धि	१	बु	२०	०९	१३	५६	कृति	...	...	...	...	सौ	३०	१५	१७	५८	ब	२०	०९	१३	५६	३२/५३	५/५३	७/०२	१४	२९	४	वृषे १०।५४	०।१९।०६।३८	५७।५९
लुम्बक	२	गु	२३	२२	१५	१३	कृति	१	१७	६	२३	शो	३०	१२	१७	५६	कौ	२३	२२	१५	१३	५६	५२	०२	१५	१	५	वृषे	०।२०।०४।३७	५७।५७
अक्षया	३	शु	२५	३८	१६	०६	रोहि	५	२७	८	०२	अ	२९	२३	१७	३६	ग	२५	३८	१६	०६	५९	५१	०३	१६	२	६	मिथु. २०।४३	०।२१।०२।३५	५७।५६
वज्र	४	श	२६	५०	१६	३४	मृग	८	३६	९	१७	सु	२७	४५	१६	५६	वि	२६	५०	१६	३४	३३/५३	५०	०३	१७	३	७	मिथु.	०।२२।००।३०	५७।५४
ध्वाङ्क्ष	५	र	२६	४९	१६	३३	आर्द्रा	१०	३७	१०	०४	धृ	२५	०९	१५	५३	बा	२६	४९	१६	३३	०६	५०	०४	१८	४	८	कर्के २८।२०	०।२२।५८।२४	५७।५२
धूम्र	६	सो	२५	२७	१६	००	पुन	११	२१	१०	२१	शू	२१	३०	१४	२५	तै	२५	२७	१६	००	०९	४९	०५	१९	५	९	कर्के	०।२३।५६।१६	५७।५०
प्रवर्धमा	७	मं	२२	४२	१४	५३	पुष्य	१०	४३	१०	०६	गं	१६	४४	१२	३०	व	२२	४२	१४	५३	१२	४८	०५	२०	६	१०	कर्के	०।२४।५४।०६	५७।४८
राक्षस	८	बु	१८	३३	१३	१३	श्ले	८	४३	९	१७	वृ	१०	५१	१०	०८	ब	१८	३३	१३	१३	१५	४८	०६	२१	७	११	सिंहे ९।१७	०।२५।५१।५४	५७।४६
मुसल	९	गु	१३	०७	११	०२	मघा	५	२४	७	५७	धृ	३/५५	४८/५८	७/३८	२१/४०	कौ	१३	०७	११	०२	१८	४७	०६	२२	८	१२	सिंहे	०।२६।४९।४०	५७।४४
ए.व्र.	१०	शु	६	३५	८	२४	पूफा	०/५५	५६/३३	६/२७	०९/५९	ह	४७	१९	२४	४२	ग	६	३५	८	२४	२१	४६	०७	२३	९	१३	कन्या ११।३८	०।२७।४७।२४	५७।४३
क्षयः	११	शु	५९	०७	२९	२५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
ए.व्र.	१२	श	५१	०८	२६	१३	हस्त	४९	३५	२५	३६	व	३८	०७	२१	०१	ब	२५	११	१५	५०	२४	४६	०७	२४	१०	१४	कन्या	०।२८।४५।०७	५७।४१
प्र.व्र.	१३	र	४२	५६	२२	५५	चित्रा	४३	२५	२३	०७	सि	२८	४१	१७	१४	कौ	१७	०२	१२	३४	२७	४५	०८	२५	११	१५	तुला. १२।२२	०।२९।४२।४८	५७।३९
छत्र	१४	सो	३४	५४	१९	४२	स्वा	३७	२४	२०	४२	व्य	१९	१८	१३	२८	ग	८	५२	९	१७	३०	४५	०९	२६	१२	१६	तुला.	१।००।४०।२७	५७।३७
पूर्णिमा	१५	मं	२७	२४	१६	४२	विशा	३१	५८	१८	३१	व	१०	१६	९	५१	वि	१	०४	६	१०	३३	४४	०९	२७	१३	१७	वृश्चि. १३।०२	१।०१।३८।०४	५७।३६

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।
चंद्रदर्शनम् (मु.३०)
रोहिण्यां रे. ९ IIIIIIS III दि. ल. ५, रात्रौ ८।११ (वृश्चि. चं. ७ A
भ. २८।२४ उ., युगादि, कल्पादि, अक्षय तृतीया
भ. १६।३४ या., टैगोर जयन्ती
श्री आद्यशंकराचार्य जयंती, मेषे अश्वि.-१ गुरुः १२।४२
श्री रामानुज जयंती [A पू.), शिवाजी जयंती, परशुराम जयंती, B
भ. १४।५३ उ. २६।०७ या., गंगोत्पत्ति [B जमादिलास्सर ६
कृत्ति. रविः २२।२७ (सौरः २५।४६), मेषे अश्वि. बुधः १२।५६, C
सीता ९ [C मेषे अश्वि. शुक्रः ६।३१
भ. १८।५७ उ. २९।२५ या., मोहिनी ११ व्र.स्मार्त
[D ल. १०।१२, कूर्मोत्पत्तिः, वैशाखस्नानपूर्तिः, धर्म प्रीत्यर्थं E
मोहिनी ११ व्र.वैष्ण. [E जलकुंभदानं, भौमोदयः पूर्वस्याम् १३।४०
प्रदोषः, वृषे रविः ९।२० (सौरः १२।५५)
भ. १९।४२ उ., नृसिंह १४
भ. ६।१० या., पूर्णिमा व्रतंपुण्यञ्च, अनु. रे. ७ IIIISISSII रात्रौ D

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

अयनांशाः २४।००।१२

पं. ४ बै.शु. ३ शु. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
०	०	११	११	११	५	८	२
२१	०२	२४	२९	२३	१७	०१	०१
०९	०१	४४	२८	५३	४७	३९	३९
४२	४८	०१	१५	५९	१२	०८	०८
५८	४५	५२	१३	७२	३	३	३
०६	२६	५६	५६	४७	२६	११	११
भ	अ	रे	रे	रे	ह	मू	मृ
३	१	३	४	३	३व	१	३



ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	मई	रात्रौ	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	सायं	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ
००।१९।१३।४२	१ बु	४	४।५३	६।२९	८।२५	९०।४०	११००	३।१७	५।३३	७।५२	९०।१०	९२।१५	११।५८	३।२७
००।२०।११।४१	२ गु	५	४।४९	६।२५	८।२१	९०।३६	९२।५६	३।१३	५।२९	७।४८	९०।०६	९२।११	११।५४	३।२३
००।२१।०९।३९	३ शु	६	४।४५	६।२१	८।१७	९०।३२	९२।५२	३।०९	५।२५	७।४४	९०।०२	९२।०७	११।५०	३।१९
००।२२।०७।३४	४ श	७	४।४१	६।१७	८।१३	९०।२८	९२।४८	३।०५	५।२१	७।४०	९।५९	९२।०३	११।४६	३।१५
००।२३।०५।२७	५ र	८	४।३७	६।१३	८।०९	९०।२४	९२।४४	३।०१	५।१७	७।३६	९।५५	९१।५९	११।४३	३।११
००।२४।०३।१९	६ चं	९	४।३३	६।०९	८।०५	९०।२०	९२।४०	२।५७	५।१३	७।३२	९।५१	९१।५५	११।३९	३।०७
००।२५।०१।०८	७ मं	१०	४।२९	६।०५	८।०१	९०।१६	९२।३६	२।५३	५।०९	७।२८	९।४७	९१।५१	११।३५	३।०३
००।२५।५८।५६	८ बु	११	४।२५	६।०१	७।५८	९०।१२	९२।३२	२।४९	५।०५	७।२४	९।४३	९१।४७	११।३१	२।५९
००।२६।५६।४२	९ गु	१२	४।२१	५।५७	७।५४	९०।०८	९२।२८	२।४५	५।०१	७।२०	९।३९	९१।४३	११।२७	२।५५
००।२७।५४।२६	१० शु	१३	४।१७	५।५४	७।५०	९०।०४	९२।२४	२।४१	४।५७	७।१६	९।३५	९१।४०	११।२३	२।५१
००।२८।५२।०८	१२ श	१४	४।१३	५।५०	७।४६	९०।००	९२।२१	२।३७	४।५३	७।१२	९।३१	९१।३६	११।१९	२।४७
००।२९।४९।४९	१३ र	१५	४।१०	५।४६	७।४२	९।५७	९२।१७	२।३३	४।४९	७।०८	९।२७	९१।३२	११।१५	२।४४
०१।००।४७।२८	१४ चं	१६	४।०६	५।४२	७।३८	९।५३	९२।१३	२।३०	४।४५	७।०४	९।२३	९१।२८	११।११	२।४०
०१।०१।४५।०५	१५ मं	१७	४।०२	५।३८	७।३४	९।४९	९२।०९	२।२६	४।४१	७।०१	९।१९	९१।२४	११।०७	२।३६

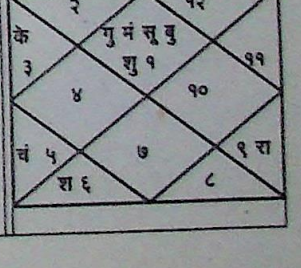
संक्रांति फलम्

ता. १५ मई २०११
वैशा. शु. १३ रवौ वृषेऽर्कः प्र. (स्टै.)
टा. ९।२० वारात् ४ नक्षत्रात् ५
वारनाम घोरा शूद्रान् सुस्नदा नक्षत्रनाम
मंदाकिनी नृपतीन् सुस्नदा पूर्वान्हि १
प्रहर व्यापिनी नृपतीन् हन्ति, पूर्व
गमनमाग्नेयां दृष्टिः कौल्वकरणे प्रविष्टा
महर्धफलं सिंहवाहनं वृषभोपवाहनं
कष्टकारक नीलवस्त्रं स्रड्गायुधं
ताम्रपात्रं मिष्ठान्नभक्षणं रक्तचंदनलेपनं
सर्पजातिः वकुलपुष्पं मोतीभूषणं
हरितकंचुकी गतालकावस्था (उभी)
मु. ३० धान्यभावे सम वत्स उत्तरे
राहु पश्चिमा. मूलं पातालेवाहस्तंभो
ऽग्निकोणे शुक्रोदयः पूर्वस्याम् ।
पुण्यकालः शनिवार (स्टै.) २६।५६
से रविवार ९।२० तक। (दान- गौ)।

अयनांशाः २४।००।१३

पं. ५ बै.शु.१० शु. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
०	०	०	०	०	५	८	२
२७	०७	०१	०१	०२	१७	०१	०१
५५	१८	५८	०४	२३	२४	१६	१६
३७	४०	५५	५१	२७	४०	५४	५४
५७	४५	७३	१३	७२	२	३	३
५५	०६	५४	३८	५२	५४	११	११
कृ	अ	अ	अ	अ	ह	मू	मृ
१	३	१	१	१	३व	१	३



CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

॥ श्रीवल्लभ मनीराम पञ्चाङ्गम् ॥

१८ मई से १ जून तक, श्री ज्येष्ठ कृष्णपक्ष संवत् २०६८, शाकः १९३३, दि.मा.सू. सू. तारीख स्टै. प्रातः दैनिक ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे वैशाखेकृष्णेति गुर्जराः, मई-जून २०११

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
सौम्य	१	बु	२०	४८	१४	०३	अनु	२७	२८	१६	४३	प	१	५४	४८	२६	कौ	२०	४८	१४	०३	३३	५	७	२८	१४	१८	वृश्चि.	१।०२।३५।४०	५७।३४
काल	२	गु	१५	२७	११	५४	ज्ये	२४	१४	१५	२५	सि	४८	१०	२४	५९	ग	१५	२७	११	५४	३८	४३	१०	२९	१५	१९	धनु. १५।२५	१।०३।३३।१४	५७।३२
च.व्र.	३	शु	११	३७	१०	२१	मूल	२२	३४	१४	४४	सा	४३	१५	२३	००	वि	११	३७	१०	२१	४१	४३	११	३०	१६	२०	धनु.	१।०४।३०।४७	५७।३१
मातङ्ग	४	श	९	३१	९	३९	पूषा	२२	३९	१४	४६	शु	३९	४६	२१	३७	बा	९	३१	९	३१	४३	४२	११	३१	१७	२१	मक. २०।५३	१।०५।२८।१७	५७।२९
अमृत	५	र	९	१८	९	२५	उषा	२४	३५	१५	३२	शु	३७	४९	२०	४९	तै	९	१८	९	२५	४६	४२	१२	१	१८	२२	मक.	१।०६।२५।४७	५७।२८
सिद्धि	६	सो	१०	५८	१०	०४	श्रव	२८	२१	१७	०२	ब्र	३७	१८	२०	३६	व	१०	५८	१०	०४	४८	४१	१३	२	१९	२३	मक.	१।०७।२३।१५	५७।२६
उत्पात	७	मं	१४	२२	११	२६	धनि	३३	४३	१९	१०	ऐ	३८	०२	२०	५४	ब	१४	२२	११	२६	५१	४१	१३	३	२०	२४	कुंभे ६।०२	१।०८।२०।४१	५७।२५
मानस	८	बु	१९	११	१३	२१	शत	४०	२१	२१	४९	वै	३९	४५	२१	३५	कौ	१९	११	१३	२१	५३	४१	१४	४	२१	२५	कुंभे	१।०९।१८।०६	५७।२३
मुद्गर	९	गु	२४	५६	१५	३९	पूभा	४७	४२	२४	४५	वि	४२	०४	२२	३०	ग	२४	५६	१५	३९	५५	४०	१४	५	२२	२६	मीने १८।००	१।१०।१५।२९	५७।२२
ध्वजा	१०	शु	३१	०४	१८	०६	उभा	५५	१२	२७	४५	प्री	४४	३२	२३	२९	वि	३१	०४	१८	०६	५७	४०	१५	६	२३	२७	मीने	१।११।१२।५१	५७।२१
ए.व्र.	११	श	३७	००	२०	२७	रेव	...	...	..	..	आ	४६	४६	२४	२२	ब	४	०६	७	१८	५९	४०	१५	७	२४	२८	मीने	१।१२।१०।१२	५७।१९
प्रवर्धमा	१२	र	४२	१८	२२	३४	रेव	२	२२	६	३६	सो	४८	२९	२५	०३	कौ	९	४५	९	३३	३४ ०९	३९	१६	८	२५	२९	मेषे ६।३६	१।१३।०७।३१	५७।१८
प्र.व्र.	१३	सो	४६	३९	२४	१९	अश्वि	८	४७	९	१०	शो	४९	२९	२५	२७	ग	१४	३६	११	२९	०३	३९	१६	९	२६	३०	मेषे	१।१४।०४।४९	५७।१७
मुसल	१४	मं	४९	५७	२५	३८	भर	१४	१५	११	२१	अ	४९	३९	२५	३१	वि	१८	२७	१३	०२	०५	३९	१७	१०	२७	३१	वृषे १७।४९	१।१५।०२।०५	५७।१५
अमाव.	३०	बु	५२	१०	२६	३१	कृति	१८	३९	१३	०६	सु	४८	५९	२५	१४	च	२१	१२	१४	०७	०७	३९	१७	११	२८	१	वृषे	१।१५।५९।२१	५७।१४

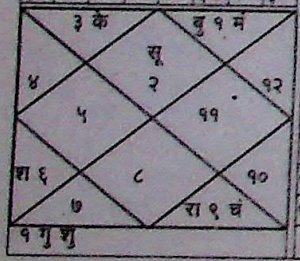
शनैश्चर जयन्ती, देवपितृकार्येऽमा., वटपूजनम् मरुस्थले, D

अयनांशाः २४।००।१४

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

मास फलम् अयनांशाः २४।००।१५

ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	मई	रात्रौ	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	सायं	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ
०१।०२।४२।४०	१ बु	१८	३।५८	५।३४	७।३०	९।४५	१२।०५	२।२२	४।३७	६।५७	९।१५	११।२०	१।०३	२।३२
०१।०३।४०।१४	२ गु	१९	३।५४	५।३०	७।२६	९।४१	१२।०१	२।१८	४।३४	६।५३	९।११	११।१६	१२।५९	२।२८
०१।०४।३७।४६	३ शु	२०	३।५०	५।२६	७।२२	९।३७	११।५७	२।१४	४।३०	६।४९	९।०७	११।१२	१२।५५	२।२४
०१।०५।३५।१७	४ श	२१	३।४६	५।२२	७।१८	९।३३	११।५३	२।१०	४।२६	६।४५	९।०३	११।०८	१२।५१	२।२०
०१।०६।३२।४६	५ र	२२	३।४२	५।१८	७।१४	९।२९	११।४९	२।०६	४।२२	६।४१	८।५९	११।०४	१२।४७	२।१६
०१।०७।३०।१४	६ च	२३	३।३८	५।१४	७।१०	९।२५	११।४५	२।०२	४।१८	६।३७	८।५५	११।००	१२।४३	२।१२
०१।०८।२७।४०	७ मं	२४	३।३४	५।१०	७।०६	९।२१	११।४१	१।५८	४।१४	६।३३	८।५२	१०।५६	१२।३९	२।०८
०१।०९।२५।०४	८ बु	२५	३।३०	५।०६	७।०२	९।१७	११।३७	१।५४	४।१०	६।२९	८।४८	१०।५२	१२।३६	२।०४
०१।१०।२२।२८	९ गु	२६	३।२६	५।०२	६।५८	९।१३	११।३३	१।५०	४।०६	६।२५	८।४४	१०।४८	१२।३२	२।००
०१।११।१९।४९	१० शु	२७	३।२२	४।५८	६।५५	९।०९	११।२९	१।४६	४।०२	६।२१	८।४०	१०।४४	१२।२८	१।५६
०१।१२।१७।१०	११ श	२८	३।१८	४।५४	६।५१	९।०५	११।२५	१।४२	३।५८	६।१७	८।३६	१०।४०	१२।२४	१।५२
०१।१३।१४।२९	१२ र	२९	३।१४	४।५०	६।४७	९।०१	११।२१	१।३८	३।५४	६।१३	८।३२	१०।३६	१२।२०	१।४८
०१।१४।११।४६	१३ च	३०	३।१०	४।४७	६।४३	८।५७	११।१७	१।३४	३।५०	६।०९	८।२८	१०।३३	१२।१६	१।४४
०१।१५।०९।०३	१४ मं	३१	३।०६	४।४३	६।३९	८।५३	११।१४	१।३०	३।४६	६।०५	८।२४	१०।२९	१२।१२	१।४०
०१।१६।०६।१८	३० बु	१	३।०३	४।३९	६।३५	८।५०	११।१०	१।२६	३।४२	६।०१	८।२०	१०।२५	१२।०८	१।३७



चन्द्रग्रहण १५ जून २०११, बुधवार

इस माह में पांच बुधवार होने से रसवाली वस्तुओं का अभाव हो यथा- ॥बुधेरसक्षयोभूम्याम्॥ ज्येष्ठ कृ.पड़वा को बुधवार होने से अन्न की महँगाई, दुर्भिक्ष और वृष्टि का अभाव हो। कृष्ण एकादशी में रेवती होने से स्नण्ड वृष्टि हो। अमावस्या कृतिका योग सुभिक्ष और सुस्वद है। सुदी तीज को आर्द्रा में वर्षा हो तो दुर्भिक्ष करे। शुक्ल १० को शनिवार होने से वृष्टि को रोक लगे, गायों में बिमारी फैलें। पूर्णिमा ज्येष्ठा युक्त होने से दुर्भिक्ष हो। बुधवार की सक्रांति होने से रस कस घृत महँगे हों, वस्त्रादि और रुई भाव मंदे हों, प्रजा में भय हो, चतुर्मास में वर्षा कम हो।

पं. ६ ज्ये.कृ. ३ शु. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
१	०	०	०	०	५	८	२
०४	१२	११	०२	१०	१७	००	००
४०	३३	३२	३९	५३	०६	५४	५४
२०	०७	१७	१५	३२	०५	३९	३९
५७	४४	९२	९३	७२	२	३	३
४४	४४	०८	१७	५६	१९	११	११
कृ	अ	अ	अ	अ	ह	मू	मृ
३	४	४	१	४	३व	१	३

पं. ७ ज्ये.कृ.१० शु. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
१	०	०	०	०	५	८	२
११	१७	२३	०४	१९	१६	००	००
२३	४५	०५	११	२४	५१	३२	३२
५७	०३	०८	०३	११	५०	२४	२४
५७	४४	१०७	१२	७३	१	३	३
३६	२१	४४	५२	०१	४०	११	११
रो	भ	भ	अ	भ	ह	मू	मृ
१	२	३	२	२	३व	१	३



CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

२ जून से १५ जून तक, श्री ज्येष्ठ शुक्लपक्ष संवत् २०६८, शाकः १९३३, दि.मा.सू. सू. तारीख्स स्टै. प्रातः दैनिक केतकी अहर्गणः ५७ ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे, जून २०११

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घ.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
उत्पात	१	गु	५३	१५	२६	५६	रोहि	२१	५९	१४	२६	धृ	४७	२६	२४	३७	किं	२२	५१	१४	४७	३४/०९	५/३८	७/१८	१२	२९	२	मिथु. २६।५६	१।१६।५६।३५	५७।१३
मानस	२	शु	५३	१४	२६	५६	मृग	२४	१४	१५	२०	शू	४५	०१	२३	३९	बा	२३	२४	१५	००	९०	३८	१८	१३	३०	३	मिथु.	१।१७।५३।४८	५७।१२
मुद्गर	३	श	५२	१०	२६	३०	आर्द्रा	२५	२५	१५	४८	गं	४१	४५	२२	२०	तै	२२	५०	१४	४६	१२	३८	१९	१४	१	४	मिथु.	१।१८।५१।००	५७।११
ध्वजा	४	र	५०	०१	२५	३८	पुन	२५	३३	१५	५१	वृ	३७	३९	२०	४२	व	२१	१३	१४	०७	१३	३८	१९	१५	२	५	कर्के ९।५३	१।१९।४८।११	५७।१०
धाता	५	सो	४६	५४	२४	२३	पुष्य	२४	४१	१५	३०	ध्रु	३२	४४	१८	४३	ब	१८	३५	१३	०४	१५	३८	२०	१६	३	६	कर्के	१।२०।४५।२०	५७।०९
आनन्द	६	मं	४२	५०	२२	४६	श्लेषा	२२	५२	१४	४७	व्या	२७	०२	१६	२७	कौ	१४	५९	११	३७	१६	३८	२०	१७	४	७	सिंहे १४।४७	१।२१।४२।२९	५७।०८
चर	७	बु	३७	५७	२०	४९	मघा	२०	११	१३	४२	ह	२०	३९	१३	५३	ग	१०	३०	९	५०	१७	३८	२१	१८	५	८	सिंहे	१।२२।३९।३६	५७।०७
गद	८	गु	३२	२३	१८	३५	पूफा	१६	४७	१२	२०	व	१३	४०	११	०६	वि	५	१४	७	४३	१८	३८	२१	१९	६	९	कन्या १७।५७	१।२३।३६।४३	५७।०६
शुभ	९	शु	२६	१६	१६	०८	उफा	१२	४७	१०	४४	सि	६/५८	११/२३	८/२८	०६/५९	कौ	२६	१६	१६	०८	१९	३८	२१	२०	७	१०	कन्या	१।२४।३३।४९	५७।०५
गंगा	१०	श	१९	५०	१३	३४	हस्त	८	२४	८	५९	व	५०	२४	२५	४७	ग	१९	५०	१३	३४	२०	३८	२२	२१	८	११	तुला. २०।०५	१।२५।३०।५३	५७।०४
ए.व्र.	११	र	१३	१५	१०	५६	चित्रा	३/५९	५०/२०	७/२९	१०/२२	प	४२	२४	२२	३५	वि	१३	१५	१०	५६	२१	३८	२२	२२	९	१२	तुला.	१।२६।२७।५७	५७।०३
प्र.व्र.	१२	सो	६	४६	८	२०	विशा	५५	०८	२७	४१	शि	३४	३६	१९	२८	बा	६	४६	८	२०	२२	३८	२२	२३	१०	१३	वृश्चि. २२।०५	१।२७।२५।००	५७।०२
वज्र	१३	मं	०	३८	५	५३	अनु	५१	३१	२६	१४	सि	२७	११	१६	३०	तै	०	३८	५	५३	२३	३८	२३	२४	११	१४	वृश्चि.	१।२८।२२।०२	५७।०१
क्षयः	१४	मं	५५	०६	२७	४०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
पूर्णिमा	१५	बु	५०	२५	२५	४८	ज्ये	४८	४३	२५	०७	सा	२०	२२	१३	४७	वि	२२	३८	१४	४१	२३	३८	२३	२५	१२	१५	धनु. २५।०७	१।२९।१९।०४	५७।०१

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।
भाऊका-करिदिन, करिदिनं, श्री गंगादशाश्वमेधस्नान प्रा.
चंद्रदर्शनम् (मु.१५) [B मिथुने रविः १६।०१ (सौरः २२।५२)
रंभा व्रतं, प्रताप जयंती, रज्जव ७, रोहि. बुधः २४।३०, वृषे शुक्रः C
भ. १४।०७ उ. २५।३८ या.,(व) हस्ते-२ शनिः १५।३१ [C २२।३४
वृश्चिके ज्येष्ठा.-४ राहुः १०।१४, वृषे मृगे-२ केतुः १०।१४
मघा रे. ८ IIIIIISSII रात्रौ ल. अ. गो. १०।११।१, अश्वि.-३ E
भ. २०।४९ उ., मघा रे. ९ IIIIIIIIS॥ दिवा ल. ३, मृगे रविः F
भ. ७।४३ या.,दुर्गाष्टमी,उफा.रे.९ IIIIIIIS॥ रात्रौ ल.गो. १०।११, G
[F १६।३६ (सौरः २२।३६),कृत्ति. भौमः ९।०९ [E गुरुः २७।३७
भ. २४।१५ उ., गंगा दशहरा व्र.,मृगे बुधः ५५८ [G धूमावती ज.
भ. १०।५६ या.,निर्जला ११ व्र.,स्वातौ रे.८ IIIISIS॥ रात्रौ D
प्रदोषः, वट सावित्री व्रतारंभः,मार्गी शनिः २६।०४ [H बुधः ६।३२
भ. २७।४० उ., अनु.रे. ९ IIIIS॥॥॥ रात्रौ ल. १०।११।१, मिथुने H
[D अ.गो. १०।११।१, वृषे भौमः२३।१९,रोहि. शुक्रः २७।२९
भ. १४।४१ या., स्पग्रासं चन्द्रग्रहणम्, गुर्जराणां वटसावित्री A
[A व्रतं, मन्वादि, अब्दसाध्यव्र., कबीरजयंती, ज्येष्ठी योगः, B

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैडर्ड घंटा-मिनट में ॥

संक्रांति फलम्

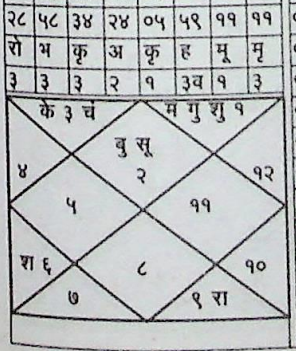
अयनांशाः २४।००।१७

ता. १५ जून २०११
ज्ये. शु. १५ बुधे मिथुनेऽर्कः प्र. (स्टै.) टा. १६।०१ वारात् ४ नक्षत्रात् ५ वारनाम मंदाकिनी नृपतीन् सुस्त्रदा नक्षत्रनाम राक्षसी चाण्डालान् सुस्त्रदा अपरान्ह ३ प्रहर व्यापिनी वैश्यान् हन्ति, दक्षिणे गमनं नैऋत्यां दृष्टिः बवकरणे प्रविष्टा मध्यमफलं सिंहवाहनं गजोपवाहनं भीतिकारक श्वेतवस्त्रं भुशुण्ड्यायुधं स्वर्णपात्रं अन्नभक्षणं कस्तूरीलेपनं दैवतंजातिः पुन्नागपुष्पं पिरोजभूषणं विचित्रकंचुकी बालावस्था (बैठी) मु. १५ धान्यभावे महर्घता वत्स उत्तरे राहु पश्चिमा. मूलं स्वर्गे विवाहस्तंभो ऽग्निकोणे शुक्रोदयः पूर्वस्याम्। पुण्यकालः (स्टै.) १६।०१ से २२।२५ तक। (दान- वस्त्रात्र)।

अयनांशाः २४।००।१६

पं. ८ ज्ये.शु. २ शु. इष्टघटी ०।००

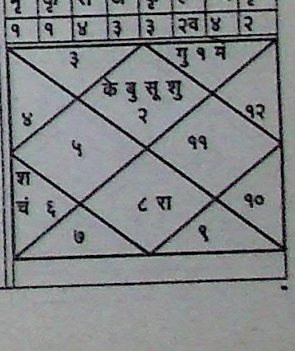
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
१	०	१	०	०	५	८	२
१८	२२	०६	०५	२७	१६	००	००
०६	५४	२१	३९	५५	४२	१०	१०
३८	२०	२६	४६	२१	१२	०९	०९
५७	४३	१२/१२	१२	७३	०	३	३
२८	५८	३४	२४	०५	५९	११	११
रो	भ	कृ	अ	कृ	ह	मू	मृ
३	३	३	२	१	३व	१	३



ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	जून	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	सायं	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ
०१।१७।०३।३२	१ गु	२	२।५९	४।३५	६।३१	८।४६	११।०६	१।२३	३।३८	५।५७	८।१६	१०।२१	१२।०४	१।३३
०१।१८।००।४५	२ शु	३	२।५५	४।३१	६।२७	८।४२	११।०२	१।१९	३।३४	५।५४	८।१२	१०।१७	१२।००	१।२९
०१।१८।५७।५६	३ श	४	२।५१	४।२७	६।२३	८।३८	१०।५८	१।१५	३।३०	५।५०	८।०८	१०।१३	११।५६	१।२५
०१।१९।५५।०७	४ र	५	२।४७	४।२३	६।१९	८।३४	१०।५४	१।११	३।२७	५।४६	८।०४	१०।०९	११।५२	१।२१
०१।२०।५२।१६	५ चं	६	२।४३	४।१९	६।१५	८।३०	१०।५०	१।०७	३।२३	५।४२	८।००	१०।०५	११।४८	१।१७
०१।२१।४९।२४	६ मं	७	२।३९	४।१५	६।११	८।२६	१०।४६	१।०३	३।१९	५।३८	७।५६	१०।०१	११।४४	१।१३
०१।२२।४६।३२	७ बु	८	२।३५	४।११	६।०७	८।२२	१०।४२	१२।५९	३।१५	५।३४	७।५२	९।५७	११।४०	१।०९
०१।२३।४३।३८	८ गु	९	२।३१	४।०७	६।०३	८।१८	१०।३८	१२।५५	३।११	५।३०	७।४८	९।५३	११।३६	१।०५
०१।२४।४०।४४	९ शु	१०	२।२७	४।०३	५।५९	८।१४	१०।३४	१२।५१	३।०७	५।२६	७।४५	९।४९	११।३२	१।०१
०१।२५।३७।४८	१० श	११	२।२३	३।५९	५।५५	८।१०	१०।३०	१२।४७	३।०३	५।२२	७।४१	९।४५	११।२९	१२।५७
०१।२६।३४।५२	११ र	१२	२।१९	३।५५	५।५१	८।०६	१०।२६	१२।४३	२।५९	५।१८	७।३७	९।४१	११।२५	१२।५३
०१।२७।३१।५५	१२ चं	१३	२।१५	३।५१	५।४७	८।०२	१०।२२	१२।३९	२।५५	५।१४	७।३३	९।३७	११।२१	१२।४९
०१।२८।२८।५७	१३ मं	१४	२।११	३।४७	५।४४	७।५८	१०।१८	१२।३५	२।५१	५।१०	७।२९	९।३३	११।१७	१२।४५
०१।२९।२५।५८	१४ बु	१५	२।०७	३।४३	५।४०	७।५४	१०।१४	१२।३१	२।४७	५।०६	७।२५	९।२९	११।१३	१२।४१

पं. ९ ज्ये.शु. ९ शु. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
१	०	१	०	१	५	७	१
२४	२८	२१	०७	०६	१६	२९	२९
४८	००	०६	०४	२७	३७	४७	४७
३२	५४	३७	५८	०५	२३	५३	५३
५७	४३	१३/११	११	७३	०	३	३
२२	३४	३०	५१	०९	१७	११	११
मृ	कृ	रो	अ	कृ	ह	ज्ये	मृ
१	१	४	३	३	२व	४	२



CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

१६ जून से १ जुलाई तक, श्री आषाढ़ कृष्णपक्ष संवत् २०६८, शाकः १९३३, दि.मा.सू. सू. तारीख स्टै. प्रातः दैनिक ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे ज्येष्ठकृष्णेति गुर्जराः, जून-जुलाई २०११

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
धृम्र	१	गु	४६	४८	२४	२१	मूल	४७	०१	२४	२६	शु	१४	२१	११	२२	बा	१८	२८	१३	०१	३४/३५	५/३८	७/२३	२६	१३	१६	धनु.	२।००।१६।०५	५७।००
प्रवर्धमा	२	शु	४४	३१	२३	२७	पूषा	४६	३६	२४	१७	शु	९	१८	९	२१	तै	१५	२९	११	५०	२४	३८	२४	२७	१४	१७	धनु.	२।०१।१३।०५	५६।५९
राक्षस	३	श	४३	४५	२३	०८	उषा	४७	४१	२४	४३	ब्र	५	२२	७	४७	व	१३	५५	११	१२	२५	३८	२४	२८	१५	१८	मक.	२।०२।१०।०४	५६।५९
च.ब्र.	४	र	४४	३४	२३	२८	श्रव	५०	२२	२५	४७	ऐ	२	३९	६	४२	ब	१३	५६	११	१३	२५	३८	२४	२९	१६	१९	मक.	२।०३।०७।०३	५६।५८
शुभ	५	सो	४७	०४	२४	२८	धनि	५४	३८	२७	३०	वै	१	१६	६	०९	की	१५	३७	११	५३	२५	३९	२५	३०	१७	२०	कुंभे	२।०४।०४।०१	५६।५८
मृत्यु	६	मं	५१	०२	२६	०४	शत	...	...	..	...	वि	१	०९	६	०६	ग	१८	५२	१३	११	२५	३९	२५	३१	१८	२१	कुंभे	२।०५।००।५९	५६।५७
मानस	७	बु	५६	१४	२८	०९	शत	०	२९	५	४७	प्री	२	०९	६	३१	वि	२३	३१	१५	०३	२५	३९	२५	१	१९	२२	मीने	२५।४८	२।०५।५७।५६	५६।५७
मुद्गर	८	गु	...	...	..	..	पूषा	७	०९	८	३१	आ	४	०९	७	१६	बा	२९	०८	१७	१८	२५	३९	२५	२	२०	२३	मीने	२।०६।५४।५३	५६।५६
ध्वजा	८	शु	२	०७	६	३०	उमा	१४	३२	११	२८	सौ	६	२२	८	१२	कौ	२	०७	६	३०	२५	३९	२५	३	२१	२४	मीने	२।०७।५१।४९	५६।५६
धाता	९	श	८	०५	८	५४	रेव	२१	५३	१४	२५	शो	८	४५	९	१०	ग	८	०५	८	५४	२४	४०	२५	४	२२	२५	मेषे	१४।२५	२।०८।४८।४५	५६।५६
आनन्द	१०	र	१३	३०	११	०४	अश्वि	२८	३६	१७	०७	अ	१०	४४	९	५८	वि	१३	३०	११	०४	२४	४०	२६	५	२३	२६	मेषे	२।०९।४५।४१	५६।५५
ए.ब्र.	११	सो	१७	५६	१२	५१	भर	३४	१७	१९	२३	सु	११	५७	१०	२७	बा	१७	५६	१२	५१	२४	४०	२६	६	२४	२७	वृषे	२५।५२	२।१०।४२।३६	५६।५५
प्र.ब्र.	१२	मं	२१	०२	१४	०६	कृति	३८	३७	२१	०८	धृ	१२	०९	१०	३२	तै	२१	०२	१४	०६	२३	४१	२६	७	२५	२८	वृषे	२।११।३९।३१	५६।५५
शुभ	१३	बु	२२	४२	१४	४६	रोहि	४१	३३	२२	१८	शू	११	१५	१०	११	व	२२	४२	१४	४६	२२	४१	२६	८	२६	२९	वृषे	२।१२।३६।२६	५६।५५
मृत्यु	१४	गु	२२	५३	१४	५१	मृग	४३	०३	२२	५४	गं	९	१०	९	२१	श	२२	५३	१४	५१	२२	४१	२६	९	२७	३०	मिथु.	१०।४०	२।१३।३३।२०	५६।५४
अमाव.	३०	शु	२१	४१	१४	२२	आर्द्रा	४३	१३	२२	५९	वृ	५	५९	८	०५	ना	२१	४१	१४	२२	२१	४२	२६	१०	२८	१	मिथु.	२।१४।३०।१४	५६।५४

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।
ग्रहण-करिदिन [Aप्रारम्भ २२।४४, हस्ते-३ शनिः १२।०६
आर्द्रा. बुधः ७।३८ [C अयन करिदिन, सं.स्त्री.पु.चं.सू.वाहन D
भ. ११।१२ उ. २३।०८ या.
चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः २२।१३
पंचक प्रारम्भः १४।३४ [D जम्बूक वर्षाश्रेष्ठः
भ. २६।०४ उ., सायन कर्के भानुः, सायन दक्षिणायन A
भ. १५।०३ या., भा. आषाढारंभः, आर्द्रा. रविः १५।३८ (सौरः B
पुन. बुधः १७।२०, मृगे शुक्रः २५।३९
रेवत्यां रे. ७ ऽ।।।ऽ।।ऽ।। रात्रौ अ.गो. १०।११।१
भ. २२।०१ उ., रेवत्यां रे. ६ ऽ।।।ऽ।ऽऽ।। दिवा ल. ४, पंचक E
भ. ११।०४ या., रोहि. भौमः २२।०१ [E समाप्तिः १४।२५, F
योगिनी ११ व्र. [B २३।२३), बुधोदयः पश्चिमायाम् २६।३०, C
प्रदोषः, कर्के बुधः २३।५५
भ. १४।४६ उ. २६।५३ या.,मासिकशिवरात्री व्र.,मिथुने शुक्रः १२।३२
पुष्ये बुधः२१।०४ [F अश्वि.-४ गुरुः २०।५१
देवपितृकार्येऽमा., जुलाई ७ ता. ३१

अयनांशाः २४।००।१८

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

अयनांशाः २४।००।१९

अयनांशाः २४।००।२०

पं.१० आ.कृ. २ शु. इष्टघटी ०।००

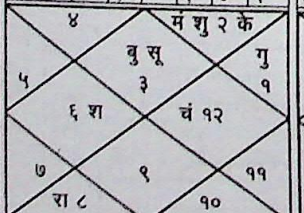
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
२	१	२	०	१	५	७	१
०१	०३	०६	०८	१४	१६	२९	२९
२९	०४	२९	२६	५९	३७	२५	२५
४९	४०	११	०९	२२	३०	३८	३८
५७	४३	१२९	११	७३	०	३	३
१७	०९	२६	१४	१४	२५	११	११
मृ	कृ	मृ	अ	रो	ह	ज्ये	मृ
३	२	४	३	२	२	४	२



ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	जून	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	सायं	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ
०२।००।२२।५९	१ गु	१६	२।०३	३।४०	५।३६	७।५०	९०।९०	९२।२७	२।४३	५।०२	७।२१	९।२५	११।०९	१२।३७
०२।०१।१९।५९	२ शु	१७	१।५९	३।३६	५।३२	७।४६	१०।०७	९२।२३	२।३९	४।५८	७।१७	९।२२	११।०५	१२।३३
०२।०२।१६।५८	३ श	१८	१।५६	३।३२	५।२८	७।४३	१०।०३	९२।१९	२।३५	४।५४	७।१३	९।१८	११।०१	१२।३०
०२।०३।१३।५६	४ र	१९	१।५२	३।२८	५।२४	७।३९	९।५९	९२।१५	२।३१	४।५०	७।०९	९।१४	१०।५७	१२।२६
०२।०४।१०।५५	५ चं	२०	१।४८	३।२४	५।२०	७।३५	९।५५	९२।१२	२।२७	४।४६	७।०५	९।१०	१०।५३	१२।२२
०२।०५।०७।५२	६ मं	२१	१।४४	३।२०	५।१६	७।३१	९।५१	९२।०८	२।२३	४।४३	७।०१	९।०६	१०।४९	१२।१८
०२।०६।०४।४९	७ बु	२२	१।४०	३।१६	५।१२	७।२७	९।४७	९२।०४	२।१९	४।३९	६।५७	९।०२	१०।४५	१२।१४
०२।०७।०१।४६	८ गु	२३	१।३६	३।१२	५।०८	७।२३	९।४३	९२।००	२।१६	४।३५	६।५३	८।५८	१०।४१	१२।१०
०२।०७।५८।४२	९ श	२४	१।३२	३।०८	५।०४	७।१९	९।३९	९१।५६	२।१२	४।३१	६।४९	८।५४	१०।३७	१२।०६
०२।०८।५५।३८	१० र	२५	१।२८	३।०४	५।००	७।१५	९।३५	९१।५२	२।०८	४।२७	६।४५	८।५०	१०।३३	१२।०२
०२।०९।५२।३३	११ चं	२६	१।२४	३।००	४।५६	७।११	९।३१	९१।४८	२।०४	४।२३	६।४१	८।४६	१०।२९	११।५८
०२।१०।४९।२८	१२ मं	२७	१।२०	२।५६	४।५२	७।०७	९।२७	९१।४४	२।००	४।१९	६।३७	८।४२	१०।२५	११।५४
०२।११।४६।२३	१३ बु	२८	१।१६	२।५२	४।४८	७।०३	९।२३	९१।४०	१।५६	४।१५	६।३४	८।३८	१०।२२	११।५०
०२।१२।४३।१८	१४ गु	२९	१।१२	२।४८	४।४४	६।५९	९।१९	९१।३६	१।५२	४।११	६।३०	८।३४	१०।१८	११।४६
०२।१३।४०।१२	१५ शु	३०	१।०८	२।४४	४।४०	६।५५	९।१५	९१।३२	१।४८	४।०७	६।२६	८।३०	१०।१४	११।४२
०२।१४।३७।०६	३० शु	१	१।०४	२।४०	४।३७	६।५१	९।११	९१।२८	१।४४	४।०३	६।२२	८।२६	१०।१०	११।३८

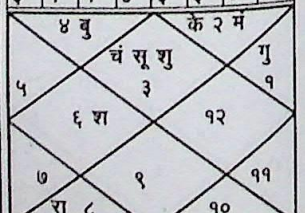
पं.११ आ.कृ. ८ शु. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
२	१	२	०	१	५	७	१
०८	०८	२१	०९	२३	१६	२९	२९
१०	०५	०१	४२	३२	४२	०३	०३
४०	३३	१०	५०	१६	३३	२२	२२
५७	४२	११५	१०	७३	१	३	३
१४	४४	०४	३३	१९	०७	११	११
आ	कृ	पुन	अ	मृ	ह	ज्ये	मृ
१	४	१	३	१	३	४	२



पं.१२ आ.कृ.३० शु. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
२	१	३	०	२	५	७	१
१४	१३	०३	१०	०२	१६	२८	२८
५१	०३	५७	५४	०५	५२	४१	४१
१४	२९	३७	२७	५०	२७	०६	०६
५७	४२	१०२	९	७३	१	३	३
१२	१९	३२	४७	२५	४८	११	११
आ	रो	पु	अ	मृ	ह	ज्ये	मृ
३	१	१	४	३	३	४	२



CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

२ जुलाई से १५ जुलाई तक, श्री आषाढ़ शुक्लपक्ष संवत् २०६८, शाकः १९३३, दि.मासू. सू. तारीख स्टै. प्रातः दैनिक केतकी अहर्गणः ८७ वर्षर्तू रविर्दक्षिणे, जुलाई २०११

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
छत्र	१	श	१९	१२	१३	२३	पुन	४२	११	२२	३४	ध्रु	१	४५	६	२४	ब	१९	१२	१३	२३	३४	५	७	११	२९	२	कर्क १६।४३	२।१५।२७।०९	५६।५४
श्रीवत्स	२	र	१५	३८	११	५८	पुष्य	४०	०८	२१	४५	ह	५०	३७	२५	५७	कौ	१५	३८	११	५८	१९	४२	२६	१२	३०	३	कर्क	२।१६।२४।०३	५६।५४
सौम्य	३	सो	११	११	१०	११	श्ले	३७	१६	२०	३७	व	४४	०१	२३	१९	ग	११	११	१०	११	१८	४३	२६	१३	१	४	सिंहे २०।३७	२।१७।२०।५७	५६।५४
काल	४	मं	६	०१	८	०७	मघा	३३	४९	१९	१५	सि	३६	५८	२०	३०	वि	६	०१	८	०७	१७	४३	२६	१४	२	५	सिंहे	२।१८।१७।५१	५६।५४
सुस्थिर	५	बु	०	२३	५	५३	पूफा	३०	०१	१७	४४	व्य	२९	३८	१७	३५	बा	०	२३	५	५३	१६	४४	२६	१५	३	६	कन्या २३।२१	२।१९।१४।४६	५६।५४
क्षयः	६	बु	५४	३०	२७	३२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
मातङ्ग	७	गु	४८	३४	२५	१०	उफा	२६	०४	१६	१०	व	२२	१०	१४	३६	ग	२१	३१	१४	२०	१४	४४	२६	१६	४	७	कन्या	२।२०।११।४०	५६।५४
अमृत	८	शु	४२	४४	२२	५०	हस्त	२२	१०	१४	३६	प	१४	४५	११	३८	वि	१५	३६	११	५९	१३	४४	२६	१७	५	८	तुला. २५।५१	२।२१।०८।३४	५६।५५
काण	९	श	३७	०९	२०	३७	चित्रा	१८	२८	१३	०८	शि	७	२८	८	४४	बा	९	५४	९	४२	१२	४५	२५	१८	६	९	तुला.	२।२२।०५।२९	५६।५५
लुम्बक	१०	र	३१	५९	१८	३३	स्वा	१५	०८	११	४९	सि	०	२८	५	५६	तै	४	३१	७	३४	१०	४५	२५	१९	७	१०	वृश्चि. २८।५६	२।२३।०२।२४	५६।५५
ए.ब्र.	११	सो	२७	२०	१६	४२	विशा	१२	१६	१०	४०	शु	४७	३९	२४	४९	वि	२७	२०	१६	४२	०८	४६	२५	२०	८	११	वृश्चि.	२।२३।५९।१९	५६।५५
प्र.ब्र.	१२	मं	२३	१८	१५	०५	अनु	१०	००	९	४६	शु	४२	००	२२	३४	बा	२३	१८	१५	०५	०७	४६	२५	२१	९	१२	वृश्चि.	२।२४।५६।१४	५६।५६
ध्वाङ्क्ष	१३	बु	१९	५८	१३	४६	ज्ये	८	२५	९	०९	ब्र	३६	५८	२०	३४	तै	१९	५८	१३	४६	०५	४७	२५	२२	१०	१३	धनु. ९।०९	२।२५।५३।०९	५६।५६
धूम्र	१४	गु	१७	३०	१२	४७	मूल	७	४०	८	५१	ऐ	३२	३९	१८	५१	व	१७	३०	१२	४७	०३	४७	२४	२३	११	१४	धनु.	२।२६।५०।०५	५६।५६
पूर्णिमा	१५	शु	१६	०१	१२	१२	पूषा	७	५१	८	५६	वै	२९	०९	१७	२७	ब	१६	०१	१२	१२	०१	४८	२४	२४	१२	१५	मक. १५।०१	२।२७।४७।०२	५६।५७

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।

[G आषाढी योगः, मृगे भौमः २३।००, पुन. शुक्रः २०।२१ चंद्रदर्शनम् (मु.३०), श्री जगदीश रथ यात्रा म. २१।११ उ., सावान ८, आर्द्रा. शुक्रः २३।१८ म. ८।०७ या., मघा रे. ९ ।।।।।।।।S।। दिवा ल. ४।६ (कन्या A स्कंध षष्ठी, उफा. रे. १० ।।।।।।।।। रात्री अ.गो. ११।२ (अ.गो. B [B स्टै.१७।४४ उप. कुंभे चं.७ पू., वृषे रा.७ दोष सोग्रांगत्र), C म. २५।१० उ., उफा. रे. १० ।।।।।।।।। दिवा ल. ४ [E बुधः ६।४८ म. ११।५९ या. [C पुन.रविः १५।१५ (सौरः २४।४९), सं.स्त्री.स्त्री.D भड़ली ९, स्वाती रे. ९ ।।।।S।।।।। रात्री ल. गोधूलि ११, श्लेषा. E म.२९।३६ उ.,स्वाती रे.९ ।।।।S।।।।। दिवा ल. ४,मन्वादि,आशादशमी म. १६।४२ या., देव शयनी ११ व्र., चातुर्मास व्रतारंभः, F प्रदोषः, श्रावणे वर्जयेच्छाकम् [D चं.सू.वाहन चातक अल्पवृष्टिः जया पार्वती व्रतं [A सोग्रांगः स्टै.१४।०४ या.) [F गोपद्मव्रतोद्यापनं म. १२।४७ उ. २४।२६ या., पूर्णिमा व्रतं, वायु परीक्षा मन्वादि, पूर्णिमा पुण्यं, गोपद्मव्रतारंभ, व्यासपूजा, गुरु पूर्णिमा, G

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

मास फलम्

अयनांशाः २४।००।२१

पं.१३ आ.शु. ८ शु. इष्टघटी ०।००

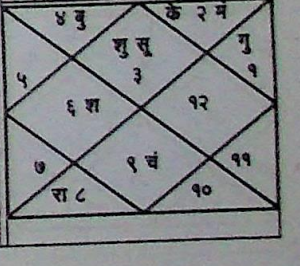
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
२	१	३	०	२	५	७	१
२१	१७	१५	१२	१०	१७	२८	२८
३१	५८	०९	००	४०	०७	१८	१८
४३	२६	२४	२८	११	०६	५१	५१
५७	४१	८६	८	७३	२	३	३
१२	५२	५१	५६	३१	२८	११	११
पुन	रो	पु	अ	आ	ह	ज्ये	मू
१	३	४	४	२	३	४	२



अयनांशाः २४।००।२२

पं.१४ आ.शु.१५ शु. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
२	१	३	०	२	५	७	१
२८	२२	२४	१३	१९	१७	२७	२७
१२	५०	२६	००	१५	२६	५६	५६
१७	११	१६	२०	२१	१९	३५	३५
५७	४१	६९	८	७३	३	३	३
१३	२६	२३	०१	३९	०६	११	११
पुन	रो	श्ले	अ	आ	ह	ज्ये	मू
३	४	३	४	४	३	४	२



ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	जुल	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	सायं	रात्रौ	रात्रौ
०२।१५।३४।०१	१ श	२	१।००	२।३६	४।३३	६।४७	९।०७	११।२४	१।४०	३।५९	६।१८	८।२२	१०।०६	११।३४
०२।१६।३०।५५	२ र	३	१२।५६	२।३२	४।२९	६।४३	९।०३	११।२०	१।३६	३।५५	६।१४	८।१८	१०।०२	११।३०
०२।१७।२७।४९	३ चं	४	१२।५२	२।२९	४।२५	६।३९	८।५९	११।१६	१।३२	३।५१	६।१०	८।१५	९।५८	११।२६
०२।१८।२४।४३	४ मं	५	१२।४८	२।२५	४।२१	६।३५	८।५६	११।१२	१।२८	३।४७	६।०६	८।११	९।५४	११।२२
०२।१९।२१।३७	५ बु	६	१२।४५	२।२१	४।१७	६।३२	८।५२	११।०८	१।२४	३।४३	६।०२	८।०७	९।५०	११।१९
०२।२०।१८।३१	७ गु	७	१२।४१	२।१७	४।१३	६।२८	८।४८	११।०५	१।२०	३।३९	५।५८	८।०३	९।४६	११।१५
०२।२१।१५।२६	८ शु	८	१२।३७	२।१३	४।०९	६।२४	८।४४	११।०१	१।१६	३।३६	५।५४	७।५९	९।४२	११।११
०२।२२।१२।२०	९ श	९	१२।३३	२।०९	४।०५	६।२०	८।४०	१०।५७	१।१२	३।३२	५।५०	७।५५	९।३८	११।०७
०२।२३।०९।१५	१० र	१०	१२।२९	२।०५	४।०१	६।१६	८।३६	१०।५३	१।०९	३।२८	५।४६	७।५१	९।३४	११।०३
०२।२४।०६।१०	११ चं	११	१२।२५	२।०१	३।५७	६।१२	८।३२	१०।४९	१।०५	३।२४	५।४२	७।४७	९।३०	१०।५९
०२।२५।०३।०५	१२ मं	१२	१२।२१	१।५७	३।५३	६।०८	८।२८	१०।४५	१।०१	३।२०	५।३८	७।४३	९।२६	१०।५५
०२।२६।००।००	१३ बु	१३	१२।१७	१।५३	३।४९	६।०४	८।२४	१०।४१	१२।५७	३।१६	५।३४	७।३९	९।२२	१०।५१
०२।२६।५६।५६	१४ गु	१४	१२।१३	१।४९	३।४५	६।००	८।२०	१०।३७	१२।५३	३।१२	५।३०	७।३५	९।१८	१०।४७
०२।२७।५३।५३	१५ शु	१५	१२।०९	१।४५	३।४१	५।५६	८।१६	१०।३३	१२।४९	३।०८	५।२६	७।३१	९।१४	१०।४३

इस माह में पांच गुरुवार होने से धान्य सस्ता हो यथा- ॥चन्द्रजीवौ यदापंचधान्यादीनां समर्घता॥ पांच शुक्रवार होने से प्रजा की वृद्धि हो। कृष्णा द्वितीया को शुक्रवार होने से सुभिक्ष हो। कृष्णा नौमी को शनिवार होने से दुर्भिक्ष हो। कृष्णा त्रयोदशी में रोहिणी होने से उत्तम पवन चले। शुक्रवारी अमावस होने से उद्धत मेघों से जलश्रंश हो और आर्द्रा योग सुभिक्ष और सुस्पद हो। शुक्रा प्रतिपदा में पुनर्वसु नक्षत्र का ४२ घटी भोग है अतःचौमासे में ७० प्रतिशत वर्षा हो। शुक्रा पंचमी को बुधवार होने से पवन अधिक चले। पूर्णिमा पूर्वाषाढा युक्त होने से दुर्भिक्ष हो। पूर्णिमा १५ घटी से अधिक है अतः चौमासे भर सुभिक्ष रहे।

CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

॥ श्रीवल्लभ मनीराम पञ्चाङ्गम् ॥

१६ जुलाई से ३० जुलाई तक, श्री श्रावण कृष्णपक्ष संवत् २०६८, शाकः १९३३, दि.मा.सू. सू. तारीख स्टै. प्रातः दैनिक वर्षर्तू रविर्दक्षिणे आषाढ़कृष्णेति गुर्जराः, जुलाई २०११

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः
चर	१	श	१५	३९	१२	०४	उषा	९	०७	९	२७	वि	२६	३४	१६	२६	कौ	१५	३९	१२	०४	३३ ५९	५ ४८	७ २४	२५	१३	१६	मक.
गद	२	र	१६	३२	१२	२५	श्रव	११	३६	१०	२७	प्री	२५	००	१५	४९	ग	१६	३२	१२	२५	५७	४९	२३	२६	१४	१७	कुंभे २३।०९
च.व्र.	३	सो	१८	४६	१३	१९	धनि	१५	२३	११	५८	आ	२४	२८	१५	३६	वि	१८	४६	१३	१९	५५	४९	२३	२७	१५	१८	कुंभे
मृत्यु	४	मं	२२	१९	१४	४५	शत	२०	२८	१४	०१	सौ	२४	५९	१५	४९	बा	२२	१९	१४	४५	५३	५०	२३	२८	१६	१९	कुंभे
पद्म	५	बु	२७	०६	१६	४०	पूभा	२६	४४	१६	३२	शो	२६	२५	१६	२४	तै	२७	०६	१६	४०	५०	५०	२२	२९	१७	२०	मीने ९।५२
छत्र	६	गु	३२	४७	१८	५७	उभा	३३	५१	१९	२३	अ	२८	३३	१७	१६	व	३२	४७	१८	५७	४८	५१	२२	३०	१८	२१	मीने
श्रीवत्स	७	शु	३८	४९	२१	२३	रेव	४१	२०	२२	२३	सु	३०	५९	१८	१५	वि	५	४६	८	१०	४६	५१	२२	३१	१९	२२	मेषे २२।२३
सौम्य	८	श	४४	३८	२३	४३	अश्वि	४८	३३	२५	१७	घृ	३३	१८	१९	११	बा	११	४७	१०	३५	४३	५२	२१	१	२०	२३	मेषे
काल	९	र	४९	३५	२५	४२	भर	५४	५६	२७	५१	शू	३५	०२	१९	५३	तै	१७	१४	१२	४६	४१	५२	२१	२	२१	२४	मेषे
सुस्थिर	१०	सो	५३	१२	२७	१०	कृति	५९	५८	२९	५२	गं	३५	४९	२०	१२	व	२१	३४	१४	३०	३८	५३	२०	३	२२	२५	वृषे १०।२४
ए.व्र.	११	मं	५५	०८	२७	५७	रोहि	...	...	...	...	वृ	३५	२१	२०	०२	ब	२४	२२	१५	३८	३५	५३	२०	४	२३	२६	वृषे
शुभ	१२	बु	५५	१७	२८	०१	रोहि	३	२०	७	१४	घ्रु	३३	२९	१९	१७	कौ	२५	२६	१६	०४	३३	५४	१९	५	२४	२७	मिथु. १९।३९
प्र.व्र.	१३	गु	५३	३७	२७	२१	मृग	४	५७	७	५३	व्या	३०	११	१७	५९	ग	२४	३८	१५	४६	३०	५४	१८	६	२५	२८	मिथु.
पद्म	१४	शु	५०	१७	२६	०२	आर्द्रा	४	४९	७	५१	ह	२५	२९	१६	०७	वि	२२	०८	१४	४६	२७	५५	१८	७	२६	२९	कर्के २५।२३
अमाव.	३०	श	४५	३२	२४	०८	पुन	३ ५९	१०५ ५९	७ २९	१०९ ५५	व	१९	३२	१३	४४	च	१८	०४	१३	०९	२४	५५	१७	८	२७	३०	कर्के

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है ।	
नक्त व्रतारंभः, कर्के रविः २६।५८, निरयन दक्षिणायनारंभः	
भ. २४।४८ उ., पंचक प्रारम्भः २३।०९, बृहत्तल्पा, कर्के C	
भ. १३।१९ या., चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः २१।१८	
[C सौरः १३।५१, भर.-१ गुरुः १७।३४	
नागपञ्चमी (मरु.), पुष्ये रविः १४।४९ (सौरः २६।०८), सिंहे A	
भ. १८।५७ उ.	
भ. ८।१० या., पंचकं समाप्तिः २२।२३	शुक्रास्तः पूर्वस्याम्
भा. श्रावणारंभः, शुक्रास्तः पूर्वस्याम् १४।४४ B	
[B सायन सिंहे भानुः ९।४३, कर्के शुक्रः २३।४१	
भ. १४।३० उ. २७।१० या., मिथुने भौमः १६।३३	
कामिका ११ व्र., पुष्ये शुक्रः १६।४२	
[A मघा. बुधः ११।५१, सं.स्त्री.पु.चं.सू.वाहन नाग वर्षाश्रेष्ठः	
भ. २७।२१ उ., प्रदोषः	
भ. १४।४६ या., मासिकशिवरात्री व्र.	
देवपितृकार्येऽमा., हरियाली ३०	

अयनांशाः २४।००।२३

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	जुल	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	सायं	रात्रौ	रात्रौ
०२।२८।५०।४९	१ श	१६	१२।०५	१।४१	३।३७	५।५२	८।१२	१०।२९	१२।४५	३।०४	५।२३	७।२७	९।१९	१०।३९
०२।२९।४७।४६	२ र	१७	१२।०९	१।३७	३।३३	५।४८	८।०८	१०।२५	१२।४१	३।००	५।१९	७।२३	९।०७	१०।३५
०३।००।४४।४४	३ चं	१८	११।५७	१।३३	३।२९	५।४४	८।०४	१०।२१	१२।३७	२।५६	५।१५	७।१९	९।०३	१०।३१
०३।०१।४१।४२	४ मं	१९	११।५३	१।२९	३।२६	५।४०	८।००	१०।१७	१२।३३	२।५२	५।११	७।१५	८।५९	१०।२७
०३।०२।३८।४१	५ बु	२०	११।४९	१।२५	३।२२	५।३६	७।५६	१०।१३	१२।२९	२।४८	५।०७	७।११	८।५५	१०।२३
०३।०३।३५।४१	६ गु	२१	११।४५	१।२२	३।१८	५।३२	७।५२	१०।०९	१२।२५	२।४४	५।०३	७।०७	८।५१	१०।१९
०३।०४।३२।४१	७ शु	२२	११।४१	१।१८	३।१४	५।२८	७।४८	१०।०५	१२।२१	२।४०	४।५९	७।०४	८।४७	१०।१५
०३।०५।२९।४१	८ श	२३	११।३७	१।१४	३।१०	५।२४	७।४५	१०।०१	१२।१७	२।३६	४।५५	७।००	८।४३	१०।११
०३।०६।२६।४३	९ र	२४	११।३४	१।१०	३।०६	५।२१	७।४१	९।५७	१२।१३	२।३२	४।५१	६।५६	८।३९	१०।०८
०३।०७।२३।४५	१० चं	२५	११।३०	१।०६	३।०२	५।१७	७।३७	९।५४	१२।०९	२।२८	४।४७	६।५२	८।३५	१०।०४
०३।०८।२०।४८	११ मं	२६	११।२६	१।०२	२।५८	५।१३	७।३३	९।५०	१२।०५	२।२५	४।४३	६।४८	८।३१	१०।००
०३।०९।१७।५२	१२ बु	२७	११।२२	१२।५८	२।५४	५।०९	७।२९	९।४६	१२।०१	२।२१	४।३९	६।४४	८।२७	९।५६
०३।१०।१४।५७	१३ गु	२८	११।१८	१२।५४	२।५०	५।०५	७।२५	९।४२	११।५८	२।१७	४।३५	६।४०	८।२३	९।५२
०३।११।१२।०३	१४ शु	२९	११।१४	१२।५०	२।४६	५।०१	७।२१	९।३८	११।५४	२।१३	४।३१	६।३६	८।१९	९।४८
०३।१२।०९।०९	३० श	३०	११।१०	१२।४६	२।४२	४।५७	७।१७	९।३४	११।५०	२।०९	४।२७	६।३२	८।१५	९।४४

संक्रांति फलम्

ता. १६ जुलाई २०११
श्रा. कृ. १ शनौ कर्केऽर्कः प्र. (स्टै.)
टा. २६।५८ वारात् ४ नक्षत्रात् ५
वारनाम राक्षसी चाण्डालान् सुस्वदा
नक्षत्रनाम महोदरी चोरान् सुस्वदा
अपर रात्रि ३ प्रहर व्यापिनी नटान्
हन्ति, पूर्वे गमनमाग्नेयां दृष्टिः
गरकरणे प्रविष्टा मध्यमफलं
हस्तीवाहनं स्वरोपवाहनं लक्ष्मीकारक
रक्तवस्त्रं धनुष्यायुधं लोहपात्रं
दुग्धभक्षणं गोरोचनलेप्यनं पशुजातिः
विल्वपुष्पं मुकुटभूषणं श्वेतकंचुकी
प्रौढावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यभावे
सम वत्स उत्तरे राहु पश्चिमा. मूलं
भूमौ विवाहस्तंभो ऽग्निकोणे
शुक्रोदयः पूर्वस्याम् । पुण्यकालः
(स्टै.) १४।५८ से २६।५८ तक ।
(दान- घृत, धेनु) ।

अयनांशाः २४।००।२३

पं.१५ श्रा.कृ. ७ शु. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
३	१	४	०	२	५	७	१
०४	२७	०१	१३	२७	१७	२७	२७
५३	३९	३४	५३	५१	४९	३४	३४
०७	०५	०६	२६	२६	५२	१९	१९
५७	४०	४९	७	७३	३	३	३
१६	५९	२३	००	४६	४२	११	११
पु	मृ	म	भ	पुन	ह	ज्ये	मृ
१	२	१	१	३	३	४	२



पं.१६ श्रा.कृ.१४ शु. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
३	२	४	०	३	५	७	१
११	०२	०६	१४	०६	१८	२७	२७
३४	२४	०७	३९	२८	१७	१२	१२
२३	४१	२०	१०	२७	३०	०३	०३
५७	४०	२३	५	७३	४	३	३
२१	३१	३८	५४	५५	१६	११	११
पु	मृ	म	भ	पु	ह	ज्ये	मृ
३	३	२	१	१	३	४	२



CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

३१ जुलाई से १३ अगस्त तक, श्री श्रावण शुक्लपक्ष संवत् २०६८, शाकः १९३३, दि.मासू. सू. तारीख्स स्टे. प्रातः दैनिक केतकी अहर्गणः ११६ वर्षत्तूं रविर्दक्षिणे, जुलाई-अगस्त २०११

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घ.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
वज्र	१	र	३९	३८	२१	४७	श्ले	५५	४९	२८	१६	सि	१२	३२	१०	५७	किं	१२	४२	११	०१	३३ २९	५ ५६	७ १७	९	२८	३१	सिंहे २८।१६	३।१२।५९।२६	५७।०९
सिंधारा	२	सो	३२	५६	१९	०७	मघा	५०	५६	२६	१९	व्य	४ ५६	४३ २४	७ २८	५० ३०	बा	६	२२	८	२९	९९	५७	१६	१०	२९	१	सिंहे	३।१३।५६।३४	५७।१०
तीज	३	मं	२५	४७	१६	१६	पूफा	४५	४३	२४	१४	प	४७	४८	२५	०४	ग	२५	४७	१६	१६	९५	५७	१५	११	१	२	कन्या २९।४३	३।१४।५३।४४	५७।११
प्रवर्धमा	४	बु	१८	३१	१३	२२	उफा	४०	३२	२२	१०	शि	३९	१४	२१	३९	वि	१८	३१	१३	२२	१२	५८	१५	१२	२	३	कन्या	३।१५।५०।५५	५७।१२
राक्षस	५	गु	११	२८	१०	३४	हस्त	३५	४२	२०	१५	सि	३०	५७	१८	२१	बा	११	२८	१०	३४	०९	५८	१४	१३	३	४	कन्या	३।१६।४८।०७	५७।१३
मुसल	६	शु	४	५६	७	५७	चित्रा	३१	२७	१८	३४	सा	२३	०९	१५	१४	तै	४	५६	७	५७	०६	५९	१३	१४	४	५	तुला. ७।२२	३।१७।४५।२०	५७।१४
क्षयः	७	शु	५९	०८	२९	३८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
सिद्धि	८	श	५४	१०	२७	३९	स्वा	२८	०१	१७	१२	शु	१५	५९	१२	२३	वि	२६	३२	१६	३६	०३	५९	१२	१५	५	६	तुला.	३।१८।४२।३४	५७।१५
उत्पात	९	र	५०	०८	२६	०३	विशा	२५	२८	१६	११	शु	९	३३	९	४९	बा	२२	०२	१४	४८	००	०६	१२	१६	६	७	वृश्चि. १०।२४	३।१९।३९।४९	५७।१७
मानस	१०	सो	४७	०४	२४	५०	अनु	२३	५३	१५	३४	ब्र	३ ५२	५३ ०९	७ २९	३३ ३७	तै	१८	२९	१३	२४	३२ ५७	००	११	१७	७	८	वृश्चि.	३।२०।३७।०६	५७।१८
ए.ब्र.	११	मं	४४	५९	२४	०१	ज्ये	२३	१६	१५	१९	वै	५४	५४	२७	५९	व	१५	५४	१२	२३	५३	०१	१०	१८	८	९	धनु. १५।१९	३।२१।३४।२४	५७।१९
ध्वजा	१२	बु	४३	५०	२३	३३	मूल	२३	३४	१५	२७	वि	५१	३२	२६	३८	ब	१४	१७	११	४४	५०	०१	०९	१९	९	१०	धनु.	३।२२।३९।४३	५७।२१
प्र.ब्र.	१३	गु	४३	३६	२३	२८	पूषा	२४	४८	१५	५७	प्री	४८	५६	२५	३६	कौ	१३	३५	११	२८	४६	०२	०८	२०	१०	११	मक. २२।०८	३।२३।२९।०४	५७।२२
आनन्द	१४	शु	४४	२०	२३	४६	उषा	२६	५७	१६	४९	आ	४७	०२	२४	५१	ग	१३	५०	११	३४	४३	०२	०८	२१	११	१२	मक.	३।२४।२६।२६	५७।२३
पूर्णिमा	१५	श	४६	०१	२४	२७	श्रव	३०	०३	१८	०४	सौ	४५	५६	२४	२५	वि	१५	०२	१२	०४	४०	०३	०७	२२	१२	१३	मक.	३।२५।२३।४९	५७।२५

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।

|D सोमेश्वरपूजनं, अगरत ८ ता. ३१, तिलकपुण्यतिथि चंद्रदर्शनम् (मु.३०), श्रृंगार (सिंधारा) देशाचारे, रोटक व्रतारंभः, D
म. २६।४९ उ., तीज, स्वर्णगौरी व्र., मधुश्रवा व्र.(गुर्जरे), सुकृत I
म. १३।२२ या., वरदचतुर्थी, दूर्वागणपतिव्र., श्लेषा. रविः १३।४५ C
कल्कीजयंती, नागपञ्चमी,नागदंष्ट्रव्र., वर्णषष्ठी, आर्द्रा.भौमः १३।४८,F
म. २९।३८ उ., तुलसी जयंती, शीतला |I तृतीया व्र., रमजान ९
|C (सौरः २६।३४), वक्री बुधः २६।५०, सं.स्त्री.स्त्री.चं.सू.वाहन H
म. १६।३६ या., दुर्गाष्टमी, श्लेषा. शुक्रः १२।१९ |H मेष अल्पवृष्टिः
|A (मरु), हयग्रीव जयंती, नारियल १५, यजुर्वेदि, तैतरीय, B
ज्येष्ठा.-३ राहुः ७।५२, मृगे-१ केतुः ७।५२ |J ऋग्वेदि उपाकर्म
म. १२।२३ उ. २४।०१ या.,पवित्रा ११ व्र. |E (कात्या.),अथर्ववेदि, J
दधि भक्षणत्यागः, पवित्रारोपणं |F बुधास्तः पश्चिमायाम् ६।२५
प्रदोषः |B हिरण्यकेशीय, आपस्तंभ, बौधायन, काण्वमध्यन्दिन E
म. २३।४६ उ., सूणमाण्डणा (पूरा दिन शुद्ध है)
म. १२।०४ या., पूर्णिमा व्रतंपुण्यञ्च, रक्षाबंधनं (भद्रोत्तरं), श्रावणी A

अयनांशाः २४।००।२४

पं.१७ श्रा.शु. ६ शु. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
३	२	४	०	३	५	७	१
१८	०७	०७	१५	१५	१८	२६	२६
१६	०७	१२	१६	०६	४८	४९	४९
१६	०४	११	५९	२५	५७	४७	४७
५७	४०	११	४	७४	४	३	३
२७	०३	३९	४३	०३	४७	११	११
श्ले	आ	म	भ	पु	ह	ज्ये	मृ
१	१	३व	१	४	३	४	२



॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	जुला	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	सायं	रात्रौ	रात्रौ
०३।१३।०६।१७	१ र	३१	१११०६	१२।४२	२।३८	४।५३	७।१३	९।३०	११।४६	२।०५	४।२३	६।२८	८।११	९।४०
०३।१४।०३।२६	२ चं	१	१११०२	१२।३८	२।३४	४।४९	७।०९	९।२६	११।४२	२।०१	४।१९	६।२४	८।०७	९।३६
०३।१५।००।३५	३ मं	२	१०।५८	१२।३४	२।३०	४।४५	७।०५	९।२२	११।३८	१।५७	४।१६	६।२०	८।०३	९।३२
०३।१५।५७।४६	४ बु	३	१०।५४	१२।३०	२।२६	४।४१	७।०१	९।१८	११।३४	१।५३	४।१२	६।१६	८।००	९।२८
०३।१६।५४।५८	५ गु	४	१०।५०	१२।२६	२।२२	४।३७	६।५७	९।१४	११।३०	१।४९	४।०८	६।१२	७।५६	९।२४
०३।१७।५२।११	६ शु	५	१०।४६	१२।२२	२।१८	४।३३	६।५३	९।१०	११।२६	१।४५	४।०४	६।०८	७।५२	९।२०
०३।१८।४९।२५	८ श	६	१०।४२	१२।१८	२।१५	४।२९	६।४९	९।०६	११।२२	१।४१	४।००	६।०४	७।४८	९।१६
०३।१९।४६।४१	९ र	७	१०।३८	१२।१४	२।११	४।२५	६।४५	९।०२	११।१८	१।३७	३।५६	६।००	७।४४	९।१२
०३।२०।४३।५८	१० चं	८	१०।३४	१२।१०	२।०७	४।२१	६।४१	८।५८	११।१४	१।३३	३।५२	५।५६	७।४०	९।०८
०३।२१।४०।१६	११ मं	९	१०।३०	१२।०७	२।०३	४।१७	६।३८	८।५४	११।१०	१।२९	३।४८	५।५२	७।३६	९।०४
०३।२२।३८।३५	१२ बु	१०	१०।२६	१२।०३	१।५९	४।१३	६।३४	८।५०	११।०६	१।२५	३।४४	५।४९	७।३२	९।००
०३।२३।३५।५६	१३ गु	११	१०।२३	११।५९	१।५५	४।१०	६।३०	८।४६	११।०२	१।२१	३।४०	५।४५	७।२८	८।५७
०३।२४।३३।१८	१४ शु	१२	१०।१९	११।५५	१।५१	४।०६	६।२६	८।४३	१०।५८	१।१७	३।३६	५।४१	७।२४	८।५३
०३।२५।३०।४२	१५ श	१३	१०।१५	११।५१	१।४७	४।०२	६।२२	८।३९	१०।५४	१।१४	३।३२	५।३७	७।२०	८।४९

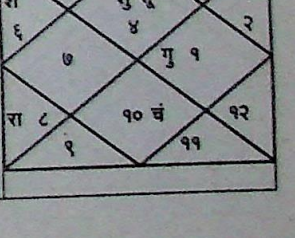
मास फलम्

श्रावण में पांच शनिवार होंने से दुर्भिक्ष हो। कृष्णा प्रतिपदा को धृति योग न होने से धान्यादि भाव मंदे हों। कृष्णा एकादशी को रोहिणी होंने से सुभिक्ष हो। कृष्णा चतुर्दशी को आर्द्रा होने से अन्नादि भाव में तेजी हो। अमावस्या पुनर्वसु योग समर्घता कारक है। श्रावणी पूर्णिमा को श्रवण होने से धान्योत्पत्ति बहुत हो। शनिवार की सक्रांति होने से अशुभ फलकारक है सभी तरह की वस्तुओं का क्षय हो प्रजा में दुर्भिक्ष हो, धान्यादि भाव तेज हो और रोगों की अधिकता हो। भरणी पर गुरु होने से सुभिक्ष हो तथा धान्य सम्पदा अच्छी हो।

अयनांशाः २४।००।२५

पं.१८ श्रा.शु.१४ शु. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
३	२	४	०	३	५	७	१
२४	११	०३	१५	२३	१९	२६	२६
५८	४६	५८	४६	४५	२३	२७	२७
५५	०८	२३	१८	१८	५३	३१	३१
५७	३९	४६	३	७४	५	३	३
३४	३५	०३	२८	१०	१५	११	११
श्ले	आ	म	भ	श्ले	ह	ज्ये	मृ
३	२	२व	१	३	३	३	१



CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

॥ श्रीवल्लभ मनीराम पञ्चाङ्गम् ॥

१४ अगस्त से २९ अगस्त तक, श्री भाद्रपद कृष्णपक्ष संवत् २०६८, शाकः १९३३, दि.ना.सू. सू. तारीख्स स्टै. प्रातः दैनिक वर्षर्तू रविर्दक्षिणे श्रावणकृष्णेति गुर्जराः, अगस्त २०११

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
मातङ्ग	१	र	४८	४४	२५	३३	धनि	३४	०७	१९	४२	शो	४५	३६	२४	१८	बा	१७	१५	१२	५७	३२ ३६	६ ०३	७ ०६	२३	१३	१४	कुंभे	३।२६।२१।१४	५७।२६
अमृत	२	सो	५२	३०	२७	०४	शत	३९	११	२१	४४	अ	४६	०४	२४	२९	तै	२०	२९	१४	१६	३३	०४	०५	२४	१४	१५	कुंभे	३।२७।१८।४१	५७।२८
काण	३	मं	५७	१४	२८	५८	पूभा	४५	१३	२४	१०	सु	४७	१९	२५	००	व	२४	४४	१५	५८	२९	०४	०४	२५	१५	१६	मीने	३।२८।१६।०९	५७।२९
च.व्र.	४	बु	...	...	...	...	उभा	५२	०७	२६	५६	धृ	४९	१४	२५	४६	व	२९	५६	१८	०४	२५	०५	०३	२६	१६	१७	मीने	३।२९।१३।३८	५७।३१
मित्र	४	गु	२	४९	७	१३	रेव	५९	३५	२९	५५	शू	५१	३६	२६	४४	बा	२	४९	७	१३	२२	०५	०२	२७	१७	१८	मेषे	२९।५५	४।००।११।०९	५७।३३
वज्र	५	शु	८	५७	९	४१	अश्वि	....	....	..	...	गं	५४	०८	२७	४५	तै	८	५७	९	४१	१८	०६	०१	२८	१८	१९	मेषे		४।०१।०८।४२	५७।३४
सौम्य	६	श	१५	०९	१२	१०	अश्वि	७	०९	८	५८	वृ	५६	२३	२८	४०	व	१५	०९	१२	१०	१५	०६	००	२९	१९	२०	मेषे		४।०२।०६।१६	५७।३६
जन्माष्ट.	७	र	२०	४९	१४	२६	भर	१४	१८	१९	५०	ध्रु	५७	५७	२९	१८	ब	२०	४९	१४	२६	११	०७	५६	३०	२०	२१	वृषे	१८।३०	४।०३।०३।५२	५७।३८
जन्माष्ट.	८	सो	२५	२१	१६	१६	कृति	२०	२६	१४	१८	व्या	५८	२६	२९	३०	कौ	२५	२१	१६	१६	०७	०७	५८	३१	२१	२२	वृषे		४।०४।०१।२९	५७।३९
गोगा	९	मं	२८	१७	१७	२७	रोहि	२५	०२	१६	०९	ह	५७	३२	२९	०९	ग	२८	१७	१७	२७	०३	०८	५७	१	२२	२३	मिथु.	२८।४८	४।०४।५९।०९	५७।४१
अमृत	१०	बु	२९	१८	१७	५२	मृग	२७	४७	१७	१५	व	५५	०१	२८	०९	वि	२९	१८	१७	५२	००	०८	५६	२	२३	२४	मिथु.		४।०५।५६।५०	५७।४३
ए.व्र.	११	गु	२८	१४	१७	२६	आर्द्रा	२८	२९	१७	३३	सि	५०	५२	२६	३०	बा	२८	१४	१७	२६	३५ ५६	०९	५५	३	२४	२५	मिथु.		४।०६।५४।३२	५७।४५
प्र.व्र.	१२	शु	२५	०७	१६	१२	पुन	२७	११	१७	०२	व्य	४५	०६	२४	१२	तै	२५	०७	१६	१२	५२	०९	५४	४	२५	२६	कर्के	११।१४	४।०७।५२।१७	५७।४६
मित्र	१३	श	२०	०९	१४	१४	पुष्य	२४	०३	१५	४७	व	३७	५४	२१	९९	व	२०	०९	१४	१४	४८	१०	५३	५	२६	२७	कर्के		४।०८।५०।०३	५७।४८
वज्र	१४	र	१३	३८	११	३८	श्ले	१९	२२	१३	५५	प	२९	३०	१७	५८	श	१३	३८	११	३८	४४	१०	५२	६	२७	२८	सिंहे	१३।५५	४।०९।४७।५२	५७।५०
अमाव.	३०	सो	५	५५	८	३३	मघा	१३	३३	११	३६	शि	२०	१४	१४	१६	ना	५	५५	८	३३	४१	११	५१	७	२८	२९	सिंहे		४।१०।४५।४२	५७।५२

दैनिक वर्षर्तू रविर्दक्षिणे श्रावणकृष्णेति गुर्जराः, अगस्त २०११

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है ।

पंचकप्रारम्भः ६।५० [A (सौरः २५।२६),सिंहे मघा. शुक्रः ७।१४, C

भारतीयस्वतंत्रतादिवस [C सं.स्त्री.पु.चं.चं.वाहन स्वर वर्षाश्रेष्ठः

भ. १५।५८ उ. २८।५८ या., कज्जली(बूढी ३), D

चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः २०।५२, सिंहे मघा. रविः ११।२७ A

पंचक समाप्तिः २९।५५, हस्ते-४ शनिः २१।३२

वृहद्गौरी व्र. (कर्नाटके डोली), हलषष्ठी, चंद्रषष्ठी (मरु.)

भ. १२।१० उ. २५।२१ या., शीतला व्र.

जन्माष्टमी व्र. स्मा. [D (व) कर्के श्लेषा. बुधः २४।४७

मन्वादि, जन्माष्टमी व्र. वैष्ण. [E भानुः १६।५४

भ. २९।४६ उ., गोगानवमी, भा. भाद्रपदारंभः, सायन कन्यायां E

भ. १७।५२ या., पुन. भौमः २०।३६, बुधोदयः पूर्वस्याम् १०।४४

अजा ११ व्र., जैनपर्युषण, वत्सपूजा

प्रदोषः [B १३।४१, पूफा. शुक्रः २५।३२

भ. १४।१४ उ. २५।०० या., मासिकशिवरात्री व्र., मार्गी बुधः B

कुशांग्रहणी, पिठोरी ३०, पितृकार्येऽमा., अगस्त्योदयः ११।२१

देवकार्येऽमा., श्रीशक्ति पूजा, लोहार्गलस्ना., मातृ ३०, सोमवतीअमा.

अयनांशाः २४।००।२६

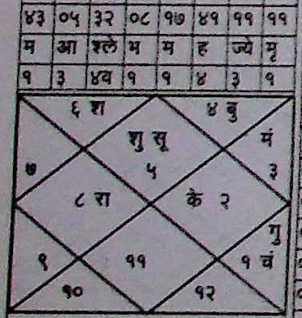
॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

संक्रांति फलम्

अयनांशाः २४।००।२७

पं.१९ भा.कृ. ५ शु. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
४	२	३	०	४	५	७	१
०१	१६	२८	१६	०२	२०	२६	२६
४२	२१	०८	०६	२५	०२	०५	०५
३०	५१	५६	३६	०२	००	१६	१६
५७	३९	४५	२	७४	५	३	३
४३	०५	३२	०८	१७	४१	११	११
म	आ	श्ले	भ	म	ह	ज्ये	मृ
१	३	४व	१	१	४	३	१



ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	अग.	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	सायं	रात्रौ
०३।२६।२८।०७	१ र	१४	१०।११	११।४७	१।४३	३।५८	६।१८	८।३५	१०।५०	१।१०	३।२८	५।३३	७।१६	८।४५
०३।२७।२५।३३	२ चं	१५	१०।०७	११।४३	१।३९	३।५४	६।१४	८।३१	१०।४७	१।०६	३।२४	५।२९	७।१२	८।४१
०३।२८।२३।०९	३ मं	१६	१०।०३	११।३९	१।३५	३।५०	६।१०	८।२७	१०।४३	१।०२	३।२०	५।२५	७।०८	८।३७
०३।२९।२०।३१	४ बु	१७	९।५९	११।३५	१।३१	३।४६	६।०६	८।२३	१०।३९	१२।५८	३।१६	५।२१	७।०४	८।३३
०४।००।१८।०२	४ गु	१८	९।५५	११।३१	१।२७	३।४२	६।०२	८।१९	१०।३५	१२।५४	३।१२	५।१७	७।००	८।२९
०४।०१।१५।३५	५ शु	१९	९।५१	११।२७	१।२३	३।३८	५।५८	८।१५	१०।३१	१२।५०	३।०८	५।१३	६।५६	८।२५
०४।०२।१३।०९	६ श	२०	९।४७	११।२३	१।१९	३।३४	५।५४	८।११	१०।२७	१२।४६	३।०५	५।०९	६।५२	८।२१
०४।०३।१०।४५	७ र	२१	९।४३	११।१९	१।१५	३।३०	५।५०	८।०७	१०।२३	१२।४२	३।०१	५।०५	६।४९	८।१७
०४।०४।०८।२३	८ चं	२२	९।३९	११।१५	१।११	३।२६	५।४६	८।०३	१०।१९	१२।३८	२।५७	५।०१	६।४५	८।१३
०४।०५।०६।०२	९ मं	२३	९।३५	११।११	१।०७	३।२२	५।४२	७।५९	१०।१५	१२।३४	२।५३	४।५७	६।४१	८।०९
०४।०६।०३।४३	१० बु	२४	९।३१	११।०७	१।०४	३।१८	५।३८	७।५५	१०।११	१२।३०	२।४९	४।५३	६।३७	८।०५
०४।०७।०१।२६	११ गु	२५	९।२७	११।०३	१।००	३।१४	५।३४	७।५१	१०।०७	१२।२६	२।४५	४।४९	६।३३	८।०१
०४।०७।५९।११	१२ शु	२६	९।२३	११।००	१२।५६	३।१०	५।३०	७।४७	१०।०३	१२।२२	२।४१	४।४५	६।२९	७।५७
०४।०८।५६।५८	१३ श	२७	९।१९	१०।५६	१२।५२	३।०६	५।२७	७।४३	९।५९	१२।१८	२।३७	४।४२	६।२५	७।५३
०४।०९।५४।४६	१४ र	२८	९।१६	१०।५२	१२।४८	३।०३	५।२३	७।३९	९।५५	१२।१४	२।३३	४।३८	६।२१	७।५०
०४।१०।५२।३६	३० चं	२९	९।१२	१०।४८	१२।४४	२।५९	५।१९	७।३५	९।५१	१२।१०	२।२९	४।३४	६।१७	७।४६

संक्रांति फलम्

ता. १७ अगस्त २०११

भा. कृ. ४ बुधे सिंहेऽर्कः प्र. (स्टै.)

टा. ११।२७ वारात् ५ नक्षत्रात् ५

वारनाम मंदाकिनी नृपतीन् सुस्वदा

नक्षत्रनाम नंदा गणकान् सुस्वदा

मध्यान्ह २ प्रहर व्यापिनी द्विजान्

हन्ति, पश्चिमे गमनं वायव्यां दृष्टिः

ववकरणे प्रविष्टा मध्यमफलं सिंहवाहनं

गजोपवाहनं भीतिकारक श्वेतवस्त्रं

भुशुण्ड्यायुधं स्वर्णपात्रं अन्नभक्षणं

कस्तूरीलेप्यनं दैवतंजातिः पुत्रागपुष्पं

पिरोजभूषणं विचित्रकंचुकी बालावस्था

(बैठी) मु. ४५ धान्यभावे समर्घ वत्स

पूर्वे राहु उत्तरे मूलं स्वर्गे विवाहरतंभो

ऐशान्यां शुक्रास्तः पूर्वस्याम् ।

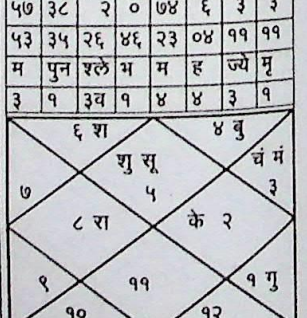
पुण्यकालः मंगलवार (स्टै.) २९।०३

से बुधवार ११।२७ तक । (दान-

छत्र) ।

पं.२० भा.कृ.१२ शु. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
४	२	३	०	४	५	७	१
०८	२०	२४	१६	११	२०	२५	२५
२७	५४	४३	१७	०५	४३	४२	४२
१०	०५	२७	३०	३२	००	५९	५९
५७	३८	२	०	७४	६	३	३
५३	३५	२६	४६	२३	०४	११	११
म	पुन	श्ले	भ	म	ह	ज्ये	मृ
३	१	३व	१	४	४	३	१



CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

३० अगस्त से १२ सितंबर तक, श्री भाद्रपद शुक्लपक्ष संवत् २०६८, शाकः १९३३, दि.मा.सू. सू. तारीख्य स्टै. प्रातः दैनिक केतकी अहर्गणः १४६ शरदृतू रविर्दक्षिणे, अगस्त-सितंबर २०११

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
क्षयः	१	सो	५७	२८	२९	१०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
धूम्र	२	मं	४८	४२	२५	४०	पूफा	७	०१	९	००	सि	१०	२५	१०	२१	बा	२३	०६	१५	२६	३१ ३७	६ १९	६ ५०	८	२९	३०	कन्या	१४।२०	४।१९।४३।३४	५७।५४
प्रवर्धमा	३	बु	४०	०५	२२	१४	उफा	० ५३	१७ ४७	६ २७	१८ ४३	सा	० ५०	२७ ४१	६ २६	२३ २८	तै	१४	२०	११	५६	३३	१२	४९	९	१	३१	कन्या	४।१२।४९।२७	५७।५६
गणेश	४	गु	३१	५८	१९	००	चित्रा	४७	५५	२५	२२	शु	४१	२५	२२	४६	व	५	५६	८	३४	२९	१२	४८	१०	२	१	तुल i.	१४।३०	४।१३।३९।२३	५७।५८
ऋषि	५	शु	२४	४७	१६	०७	स्वा	४३	०२	२३	२५	ब्र	३२	५७	१९	२३	बा	२४	४७	१६	०७	२५	१३	४७	११	३	२	तुला.		४।१४।३७।२१	५८।००
शुभ	६	श	१८	४४	१३	४३	विशा	३९	२३	२१	५८	ऐ	२५	२७	१६	२४	तै	१८	४४	१३	४३	२१	१३	४६	१२	४	३	वृश्चि. १६।१७		४।१५।३५।२१	५८।०२
मृत्यु	७	र	१४	०२	११	५१	अनु	३७	०६	२१	०४	वै	१९	०४	१३	५१	व	१४	०२	११	५१	१७	१४	४४	१३	५	४	वृश्चि.		४।१६।३३।२३	५८।०४
पद्म	८	सो	१०	४६	१०	३२	ज्ये	३६	१४	२०	४४	वि	१३	५०	११	४६	ब	१०	४६	१०	३२	१३	१४	४३	१४	६	५	धनु. २०।४४		४।१७।३१।२६	५८।०६
छत्र	९	मं	८	५३	९	४८	मूल	३६	४३	२०	५६	प्री	९	४२	१०	०७	कौ	८	५३	९	४८	०९	१५	४२	१५	७	६	धनु.		४।१८।२९।३२	५८।०८
श्रीवत्स	१०	बु	८	२२	९	३६	पूषा	३८	२८	२१	३८	आ	६	३९	८	५५	ग	८	२२	९	३६	०५	१५	४१	१६	८	७	मक. २७।५३		४।१९।२७।४०	५८।१०
ए.व्र.	११	गु	९	०३	९	५३	उषा	४१	२१	२२	४८	सौ	४	३३	८	०५	वि	९	०३	९	५३	०१	१६	४०	१७	९	८	मक.		४।२०।२५।५०	५८।१२
प्र.व्र.	१२	शु	१०	५१	१०	३६	श्रव	४५	१४	२४	२१	शो	३	१९	७	३५	बा	१०	५१	१०	३६	३० ५७	१६	३९	१८	१०	९	मक.		४।२१।२४।०२	५८।१४
प्रवर्धमा	१३	श	१३	३५	११	४२	धनि	४९	५९	२६	१६	अ	२	५०	७	२५	तै	१३	३५	११	४२	५३	१६	३८	१९	११	१०	कुंभे १३।१६		४।२२।२२।१६	५८।१६
राक्षस	१४	र	१७	१३	१३	१०	शत	५५	३२	२८	३०	सु	३	०२	७	३०	व	१७	१३	१३	१०	४९	१७	३६	२०	१२	११	कुंभे		४।२३।२०।३२	५८।१८
पूर्णिमा	१५	सो	२१	३९	१४	५७	पूभा	...	...	...	...	धृ	३	५०	७	४९	ब	२१	३९	१४	५७	४५	१७	३५	२१	१३	१२	मीने २४।२१	४।२४।१८।५१	५८।२०

[A उपाकर्म, सव्वाल १०, पूफा. रविः ७।२७ (सौरः २२।१०), सं.स्त्री.स्त्री.सू.सू.वाहन मण्डूक अल्पवृष्टिः [D पूजनं, रंभारोपणं, इंदुलग्न १५

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।

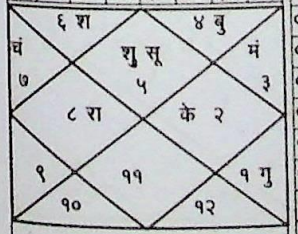
[C गौरी विसर्जन २०।५६ यावत् [E संवत्सरी, सितंबर ९ ता. ३० चंद्रदर्शनम् (मु.४५), वक्री गुरुः २६।२१ [G दूबड़ी सातम मन्वादि, वराह जयंती, हरितालिका व्र., हस्तिगौरी व्र., सामवेदि A भ. ८।३४ उ. १९।०० या.,गणेश चतुर्थी (चंद्र दर्शनं निषेधः),जैन E. ऋषि पंचमी, ललिता षष्ठी व्र. (गुर्जरे) [B मघा. बुधः २७।२५ सौर (सूर्य) षष्ठी, स्कन्द दर्शनं, मुक्ताभरण व्र., उमामहेश्वर पू., G भ. १९।५१ उ. २३।०७ या., गौरी आवाहन २१।०४ यावत्, सिंहे B दधीची जयंती, श्री राधा ८, गौरी पूजन २०।४४ यावत् अदुःस्य नवमी व्र., श्री चंद्र (उदासीन संप्रदाय), दशावतार व्र., C भ. २१।४१ उ., श्री रामदेवजी का मेला, उफा. शुक्रः १९।२३ भ. ९।५३ या., जलझूलनी ११ व्र., वामन जयंती प्रदोषः, दुग्धव्रतं, गोत्रिरात्र व्र., हरिवासरः ७।१७ से १०।३६ तक, J पंचक प्रारम्भः १३।१६, कन्यायां शुक्रः ११।४८ [J कर्के भौमः१४।१० भ. १३।१० उ. २६।०१ या., पूर्णिमा व्रतं, अनन्त १४, कदली व्रतं D पूर्णिमापुण्यं,प्रौष्ठपदी, महालय श्राद्धारंभः, महेश्वर पू., कु.संध्यापूजा

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

अयनांशाः २४।००।२८

पं.२१ भा.शु. ५ शु. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
४	२	३	०	४	५	७	१
१५	२५	२७	१६	१९	२१	२५	२५
१३	२२	१०	१८	४६	२६	२०	२०
०४	४३	४६	४०	४०	३०	४४	४४
५८	३८	५१	०	७४	६	३	३
०४	०४	५१	३८	२८	२४	११	११
पूफा	पुन	श्ले	म	पूफा	ह	ज्ये	मृ
१	२	४	१व	२	४	३	१



ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	अग.	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	सायं	रात्रौ
०४।१९।५०।२८	२ मं	३०	९।०८	९०।४४	९२।४०	२।५५	५।१५	७।३२	९।४७	९२।०६	२।२५	४।३०	६।१३	७।४२
०४।१२।४८।२२	३ बु	३१	९।०४	९०।४०	९२।३६	२।५१	५।११	७।२८	९।४३	९२।०३	२।२१	४।२६	६।०९	७।३८
०४।१३।४६।१८	४ गु	१	९।००	९०।३६	९२।३२	२।४७	५।०७	७।२४	९।३९	९१।५९	२।१७	४।२२	६।०५	७।३४
०४।१४।४४।१६	५ शु	२	८।५६	९०।३२	९२।२८	२।४३	५।०३	७।२०	९।३६	९१।५५	२।१३	४।१८	६।०१	७।३०
०४।१५।४२।१६	६ श	३	८।५२	९०।२८	९२।२४	२।३९	४।५९	७।१६	९।३२	९१।५१	२।०९	४।१४	५।५७	७।२६
०४।१६।४०।१८	७ र	४	८।४८	९०।२४	९२।२०	२।३५	४।५५	७।१२	९।२८	९१।४७	२।०५	४।१०	५।५३	७।२२
०४।१७।३८।२२	८ चं	५	८।४४	९०।२०	९२।१६	२।३१	४।५१	७।०८	९।२४	९१।४३	२।०१	४।०६	५।४९	७।१८
०४।१८।३६।२८	९ मं	६	८।४०	९०।१६	९२।१२	२।२७	४।४७	७।०४	९।२०	९१।३९	१।५७	४।०२	५।४५	७।१४
०४।१९।३४।३६	१० बु	७	८।३६	९०।१२	९२।०८	२।२३	४।४३	७।००	९।१६	९१।३५	१।५४	३।५८	५।४२	७।१०
०४।२०।३२।४६	११ गु	८	८।३२	९०।०८	९२।०४	२।१९	४।३९	६।५६	९।१२	९१।३१	१।५०	३।५४	५।३८	७।०६
०४।२१।३०।५९	१२ शु	९	८।२८	९०।०४	९२।००	२।१५	४।३५	६।५२	९।०८	९१।२७	१।४६	३।५०	५।३४	७।०२
०४।२२।२९।१३	१३ श	१०	८।२४	९०।००	९१।५७	२।११	४।३१	६।४८	९।०४	९१।२३	१।४२	३।४६	५।३०	६।५८
०४।२३।२७।२९	१४ र	११	८।२०	९।५६	९१।५३	२।०७	४।२७	६।४४	९।००	९१।१९	१।३८	३।४२	५।२६	६।५४
०४।२४।२५।४८	१५ चं	१२	८।१६	९।५२	९१।४९	२।०३	४।२३	६।४०	८।५६	९१।१५	१।३४	३।३८	५।२२	६।५०

मास फलम्

इस माह में पांच रविवार नेष्ट है। पांच सोमवार होने से धान्य सस्ता हो। चैत्र से लेकर भाद्रपद तक शुक्ल पक्ष में तिथियां क्षय होने से धान्योत्पत्ति कम हो। सोमवारी अमावस मघा योग होने से सुभिक्ष क्षेम आरोग्य वर्षा का प्रबल उदय-धान्य की उत्पत्ति और समर्धता कारक हो। सुदी चौथ को गुरुवार और चित्रा होने से दुर्भिक्ष हो। सुदी छठ को अनुराधा नहीं होने से दुर्भिक्ष हों। पूर्णिमा पूर्वाभाद्रपद युक्त और वृद्धि होने से भाव सस्ते हों। बुधवार की सक्रांति होने से रस कस घृत महँगे हों, वस्त्रादि और रुई भाव मंदे हों, प्रजा में भय हो, चतुर्मास में वर्षा कम हो।

अयनांशाः २४।००।२९

पं.२२ भा.शु.१२ शु. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
४	२	४	०	४	५	७	१
२२	२९	०५	१६	२८	२२	२४	२४
००	४७	३३	१०	२८	१२	५८	५८
१८	३८	०३	०३	१८	१०	२८	२८
५८	३७	९४	२	७४	६	३	३
१६	३१	१३	०२	३२	४१	११	११
पूफा	पुन	म	भ	उफा	ह	ज्ये	मृ
३	३	२	१व	१	४	३	१



CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

॥ श्रीवल्लभ मनीराम पञ्चाङ्गम् ॥

१३ सितंबर से २७ सितंबर तक, श्री आश्विन कृष्णपक्ष संवत् २०६८, शाकः १९३३, दि.मा.सू. सू. तारीख स्टै. प्रातः दैनिक शरदृतू रविर्दक्षिणे भाद्रपदकृष्णेति गुर्जराः, सितंबर २०११

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
काण	१	मं	२६	४६	१७	००	पूभा	१	४६	७	००	शु	५	१२	८	२३	कौ	२६	४६	१७	००	३० ४१	६ ५८	६ ३४	२२	१४	१३	मीने	४।२५।१७।१९	५८।२३
लुम्बक	२	बु	३२	३०	१९	१८	उभा	८	३९	९	४६	गं	७	०३	९	०८	ग	३२	३०	१९	१८	३७	१८	३३	२३	१५	१४	मीने	४।२६।१५।३४	५८।२५
मित्र	३	गु	३८	४२	२१	४७	रेव	१६	०१	१२	४३	वृ	९	१८	१०	०२	व	५	३२	८	३२	३३	१९	३२	२४	१६	१५	मेषे	१२।४३	४।२७।१३।५९	५८।२७
च.व्र.	४	शु	४५	०२	२४	२०	अश्वि	२३	३९	१५	४७	धु	११	४६	११	०२	ब	११	५१	११	०४	२९	१९	३१	२५	१७	१६	मेषे		४।२८।१२।२६	५८।२९
ध्वाङ्क्ष	५	श	५१	०९	२६	४७	भर	३९	११	१८	४८	व्या	१४	१३	१२	०१	कौ	१८	०८	१३	३५	२५	२०	२९	२६	१८	१७	वृषे	२५।३२	४।२९।१०।५५	५८।३२
धूम्र	६	र	५६	२९	२८	५६	कृति	३८	०८	२१	३५	ह	१६	१८	१२	५१	ग	२३	५५	१५	५४	२०	२०	२८	२७	१९	१८	वृषे		५।००।०९।२७	५८।३४
प्रवर्धमा	७	सो	...	...	...	...	रोहि	४४	००	२३	५७	व	१७	३९	१३	२४	वि	२८	४२	१७	४९	१६	२१	२७	२८	२०	१९	वृषे		५।०१।०८।०१	५८।३६
राक्षस	७	मं	०	३१	६	३४	मृग	४८	१८	२५	४०	सि	१७	५४	१३	३१	ब	०	३१	६	३४	१२	२१	२६	२९	२१	२०	मिथु.	१२।५४	५।०२।०६।३७	५८।३८
मुसल	८	बु	२	५१	७	३०	आर्द्रा	५०	३९	२६	३७	व्य	१६	४४	१३	०३	कौ	२	५१	७	३०	०८	२१	२५	३०	२२	२१	मिथु.		५।०३।०५।१५	५८।४१
सिद्धि	९	गु	३	०७	७	३७	पुन	५०	५३	२६	४३	व	१३	५५	१९	५६	ग	३	०७	७	३७	०४	२२	२४	३१	२३	२२	कर्के	२०।४७	५।०४।०३।५६	५८।४३
ए.व्र.	१०	शु	१	१३	६	५२	पुष्य	४९	०१	२५	५९	प	९	२२	१०	०७	वि	१	१३	६	५२	००	२२	२२	१	२४	२३	कर्के		५।०५।०२।३८	५८।४५
क्षयः	११	शु	५७	१३	२९	१६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
ए.व्र.	१२	श	५१	१६	२६	५३	श्ले	४५	११	२४	२७	शि	३ ५५	०८ २२	७ २८	३८ ३२	कौ	२४	२७	१६	१०	२९ ५६	२३	२१	२	२५	२४	सिंहे	२४।२७	५।०६।०१।२४	५८।४७
प्र.व्र.	१३	र	४३	४३	२३	५३	मघा	३९	४३	२२	१७	सा	४६	१८	२४	५५	ग	१७	३९	१३	२७	५२	२३	२०	३	२६	२५	सिंहे		५।०७।००।११	५८।५०
ध्वजा	१४	सो	३५	००	२०	२४	पूफा	३३	०२	१९	३७	शु	३६	१६	२०	५४	वि	९	२८	१०	११	४८	२४	१९	४	२७	२६	कन्या	२४।५३	५।०७।५९।०१	५८।५२
अमाव.	३०	मं	२५	३४	१६	३८	उफा	२५	३७	१६	३९	शु	२५	३९	१६	४०	च	०	२१	६	३३	४४	२४	१८	५	२८	२७	कन्या		५।०८।५७।५३	५८।५४

देवपितृकार्येऽमा., सर्वपितृ श्राद्धम्, हस्ते रविः १६।५१, B

शुक्रोदयः पश्चिमायाम्

भ. ८।३२ उ. २१।४७ या., पंचक समाप्तिः १२।४३

चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः २०।३६, बुधास्तः पूर्वस्याम् १२।३२

विश्वकर्मा पू., कन्यायां रविः ११।२७ (सौरः २६।२८)

भ. २८।५६ उ., शुक्रोदयः पश्चिमायाम् १४।३९, C

भ. १७।४९ या. [C चंद्रषष्ठी, हस्ते शुक्रः १२।५६, E

श्रीमहालक्ष्मी व्र., अशोकाष्टमी, उफा. बुधः २५।५९

सौभाग्यवतीनां श्राद्धं [B सं.स्त्री.स्त्री.सू.सू.वाहन अश्व अल्पवृष्टिः

भ. १९।२१ उ., कन्यायां बुधः २०।४७ [E चित्रा.-१ शनिः २८।३४

भ. ६।५२ या., इंदिरा ११ व्र.स्मार्त, भा. अश्विनारंभः, सायन A

[A तुलायां भानुः १४।३९, शनेरस्तः पश्चिमायाम् १३।३७

इंदिरा ११ व्र.वैष्ण., सन्यासिनां श्राद्धं

भ. २३।५३ उ., प्रदोषः, मासिकशिवरात्री व्र., युगादि

भ. १०।११ या., शस्त्रादि हतानां श्राद्धं

अयनांशाः २४।००।३०

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

संक्रांति फलम्

अयनांशाः २४।००।३१

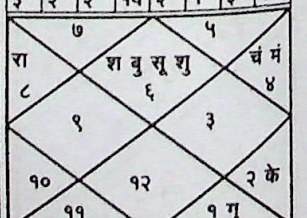
पं.२३ आ.कृ. ४ शु. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
४	३	४	०	५	५	७	१
२८	०४	१७	१५	०७	२२	२४	२४
४८	०८	३९	५१	१०	५९	३६	३६
५९	३८	०३	४४	१९	४१	१२	१२
५८	३६	१११	३	७४	६	३	३
२९	५७	३०	२३	३४	५५	११	११
उफा	पु	पूफा	भ	उफा	ह	ज्ये	मृ
१	१	२	१व	४	४	३	१



ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	सितं	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	सायं
०४।२५।२४।०९	१ मं	१३	८।१२	९।४९	११।४५	१।५९	४।१९	६।३६	८।५२	११।११	१।३०	३।३५	५।१८	६।४६
०४।२६।२२।३२	२ बु	१४	८।०८	९।४५	११।४१	१।५५	४।१६	६।३२	८।४८	११।०७	१।२६	३।३१	५।१४	६।४२
०४।२७।२०।५७	३ गु	१५	८।०५	९।४१	११।३७	१।५२	४।१२	६।२८	८।४४	११।०३	१।२२	३।२७	५।१०	६।३९
०४।२८।१९।२४	४ शु	१६	८।०१	९।३७	११।३३	१।४८	४।०८	६।२५	८।४०	१०।५९	१।१८	३।२३	५।०६	६।३५
०४।२९।१७।५४	५ श	१७	७।५७	९।३३	११।२९	१।४४	४।०४	६।२१	८।३६	१०।५६	१।१४	३।१९	५।०२	६।३१
०५।००।१६।२६	६ र	१८	७।५३	९।२९	११।२५	१।४०	४।००	६।१७	८।३२	१०।५२	१।१०	३।१५	४।५८	६।२७
०५।०१।१५।००	७ चं	१९	७।४९	९।२५	११।२१	१।३६	३।५६	६।१३	८।२८	१०।४८	१।०६	३।११	४।५४	६।२३
०५।०२।१३।३६	७ मं	२०	७।४५	९।२१	११।१७	१।३२	३।५२	६।०९	८।२५	१०।४४	१।०२	३।०७	४।५०	६।१९
०५।०३।१२।१४	८ बु	२१	७।४१	९।१७	११।१३	१।२८	३।४८	६।०५	८।२१	१०।४०	९२।५८	३।०३	४।४६	६।१५
०५।०४।१०।५५	९ गु	२२	७।३७	९।१३	११।०९	१।२४	३।४४	६।०१	८।१७	१०।३६	९२।५४	२।५९	४।४२	६।११
०५।०५।०९।३८	१० शु	२३	७।३३	९।०९	११।०५	१।२०	३।४०	५।५७	८।१३	१०।३२	९२।५०	२।५५	४।३८	६।०७
०५।०६।०८।२४	११ श	२४	७।२९	९।०५	११।०१	१।१६	३।३६	५।५३	८।०९	१०।२८	९२।४६	२।५१	४।३४	६।०३
०५।०७।०७।१२	१३ र	२५	७।२५	९।०१	१०।५७	१।१२	३।३२	५।४९	८।०५	१०।२४	९२।४३	२।४७	४।३१	५।५९
०५।०८।०६।०२	१४ चं	२६	७।२१	८।५७	१०।५३	१।०८	३।२८	५।४५	८।०१	१०।२०	९२।३९	२।४३	४।२७	५।५५
०५।०९।०४।५४	३० मं	२७	७।१७	८।५३	१०।४९	१।०४	३।२४	५।४१	७।५७	१०।१६	९२।३५	२।३९	४।२३	५।५१

ता. १७ सितंबर २०११
आश्वि. कृ. ५ शनौ कन्यायामर्कः प्र. (स्टै.) टा. ११।२७ वारात् ४ नक्षत्रात्
४ वारनाम राक्षसी चाण्डालान् सुस्पदा
नक्षत्रनाम घोरा शूद्रान् सुस्पदा मध्यान्ह
२ प्रहर व्यापिनी द्विजान् हन्ति, पश्चिमे
गमनं वायव्यां दृष्टिः कौलवकरणे प्रविष्टा
महर्घफलं सिंहवाहनं वृषभोपवाहनं
कष्टकारक नीलवस्त्रं स्रुङ्गायुधं ताम्रपात्रं
मिष्ठान्नभक्षणं रक्तचंदनलेप्तनं सर्पजातिः
वकुलपुष्पं मोतीभूषणं हरितकंचुकी
गतालकावस्था (उभी) मु. १५
धान्यभावे महर्घता वत्स पूर्वे राहु उत्तरे
मूलं स्वर्गे वियाहस्तंभो ऐशान्यां
शुक्रास्तः पूर्वस्याम्। पुण्यकालः (स्टै.)
११।२७ से १७।५१ तक। (दान- गृह
वस्त्र)।

पं.२४ आ.कृ.१० शु. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
५	३	५	०	५	५	७	१
०५	०८	००	१५	१५	२३	२४	२४
३९	२५	४४	२४	५२	४८	१३	१३
१४	३१	३९	०६	३४	४०	५६	५६
५८	३६	१११	४	७४	७	३	३
४३	२०	१७	४०	३६	०६	११	११
उफा	पु	उफा	भ	ह	चि	ज्ये	मृ
३	२	२	१व	२	१	३	१



CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

२८ सितंबर से १२ अक्टूबर तक, श्री आश्विन शुक्लपक्ष संवत् २०६८, शाकः १९३३, दि.मासू. सू. तारीख्य स्टै. प्रातः दैनिक केतकी अहर्गणः १७५ शरदृतू रविर्दक्षिणे, सितंबर-अक्टूबर २०११

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
नवरा.	१	बु	१५	५६	१२	४७	हस्त	१७	५८	१३	३६	ब्र	१४	५०	१२	२१	ब	१५	५६	१२	४७	२९ ३९	६ २५	६ १७	६	२९	२८	तुला. २४।०६	५।०९।५६।४७	५८।५७
चर	२	गु	६	३१	९	०२	चित्रा	१०	३४	१०	३९	ऐ	४ ५४	१२ ५०	८ २८	०६ ०५	कौ	६	३१	९	०२	३५	२५	१५	७	३०	२९	तुला.	५।१०।५५।४४	५८।५९
क्षयः	३	गु	५७	४८	२९	३२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
गद	४	शु	५०	०९	२६	२९	स्वा	३ ५८	५४ २३	८ २९	०० ४७	वि	४४	५८	२४	२५	व	२३	४८	१५	५७	३१	२६	१४	८	१	३०	वृश्चि. २४।१७	५।११।५४।४३	५९।०१
अमृत	५	श	४३	५५	२४	००	अनु	५४	१७	२८	०९	प्री	३६	५४	२१	९२	ब	९६	५०	९३	१०	२७	२६	९३	९	२	१	वृश्चि.	५।१२।५३।४४	५९।०४
काण	६	र	३९	१८	२२	१०	ज्ये	५१	५१	२७	११	आ	३०	०९	१८	३०	कौ	११	२३	११	००	२३	२७	९२	१०	३	२	धनु. २७।११	५।१३।५२।४८	५९।०६
लम्बक	७	सो	३६	२६	२१	०२	मूल	५१	०८	२६	५४	सौ	२४	४७	१६	२२	ग	७	३८	९	३०	१९	२७	११	११	४	३	धनु.	५।१४।५१।५४	५९।०८
दुर्गा	८	मं	३५	२१	२०	३६	पूषा	५२	०८	२७	१९	शो	२०	४९	१४	४८	वि	५	४०	८	४४	१५	२८	१०	१२	५	४	धनु.	५।१५।५१।०२	५९।११
प्रवर्धमा	१२	श	४५	४८	२४	४९	धनि	३	५२	८	०३	शू	१६	५८	१३	१७	ब	१३	२९	११	५३	२८ ५८	३०	०५	१६	९	८	कुंभे	५।१९।४७।५९	५९।२०
प्र.व्र.	१३	र	५०	५८	२६	५४	शत	९	५४	१०	२८	गं	१८	०८	१३	४६	कौ	१८	१८	१३	५०	५४	३०	०४	१७	१०	९	मीने ३०।२८	५।२०।४७।१९	५९।२२
मुसल	१४	सो	५६	४१	२९	११	पूभा	१६	३५	१३	०९	वृ	१९	४७	१४	२६	ग	२३	४६	१६	०१	५०	३१	०३	१८	११	१०	मीने	५।२१।४६।४१	५९।२५
सिद्धि	१५	मं	...	...	..	..	उभा	२३	४१	१६	००	ध्रु	२१	४४	१५	१३	वि	२९	३९	१८	२३	४६	३१	०२	१९	१२	११	मीने	५।२२।४६।०६	५९।२७
पूर्णिमा	१५	बु	२	४१	७	३६	रेव	३१	०३	१८	५७	व्या	२३	५४	१६	०६	ब	२	४१	७	३६	४२	३२	०१	२०	१३	१२	मेषे ९८।५७	५।२३।४५।३३	५९।२९

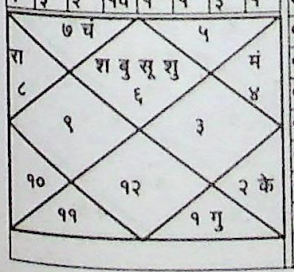
यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।
नवरात्रारम्भः, घटस्था. अग्रसेन जयंती , मातामहश्रा., हस्ते सौरः D
चंद्रदर्शनम्(मु.१५) [D ७।४३, हस्ते बुधः ७।३८, चित्रा. शुक्रः ३०।१८
[A बंगीयलक्ष्मीपूजा, आश्वयुजीकर्म (आश्वलायनशास्त्रा), नवात्र, B
भ. १५।५७ उ. २६।२९ या., जिल्काद ११
उपांगललिता व्र., अक्टूबर १० ता. ३१ [B भक्षण,चित्रा.सौरः२०।१३
गांधी जयन्ती [F २९।२८, रोहि.-४ केतुः २९।२८
भ. २१।०२ उ., सरस्वती आवाहनं मूलभे, भद्रकाली अवतार
भ. ८।४४ या.,महाष्टमी,सरस्वतीपूजनं पू.षाभे, तुलायां शुक्रः १४।५८
मन्वादि, शस्त्रादि पूजा, बलिदानं उ.षाभे, चित्रा. बुधः २२।५४
बोद्धावतार, विजया १०, शमीपूजा, पट्टाभिषेक, सरस्वती C
भ. १०।१८ उ. २३।०३ या., पंचकप्रारम्भः १८।५७, पापांकुशा ११ व्र.
कार्तिके द्विदलं त्यजेत् [C विसर्जनं श्रवणे, श्लेषा. भौमः २६।३३
प्रदोषः, तुलायां बुधः २३।०४, स्वा. शुक्रः २३।३७, ज्येष्ठा.-२ राहुः F
भ. २९।११ उ., चित्रा. रविः २९।५२, सं.स्त्री.पु.सू.चं.वाहन मेष H
भ. १८।२३ या., पूर्णिमा व्रतंपुण्यञ्च, शरद पूर्णिमा, कोजागरी व्र.,A
पंचक समाप्तिः १८।५७, कार्तिक स्नान प्रा. [H चर्षाश्रेष्ठः

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

अयनांशाः २४।००।३२

पं.२५ आ.शु. ४ शु. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
५	३	५	०	५	५	७	१
१२	१२	१३	१४	२४	२४	२३	२३
३१	३७	२९	४७	३५	३८	५१	५१
०५	५९	०३	५४	००	४५	४०	४०
५८	३५	१०५	५	७४	७	३	३
५७	४१	५८	४९	३७	१३	११	११
ह	पु	ह	भ	चि	चि	ज्ये	मृ
१	३	२	१व	१	१	३	१



ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	सितं	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	सायं
०५।१०।०३।४८	१ बु	२८	७।१३	८।४९	९०।४६	९।००	३।२०	५।३७	७।५३	९०।१२	९२।३९	२।३५	४।१९	५।४७
०५।११।०२।४५	२ गु	२९	७।०९	८।४५	९०।४२	९२।५६	३।१६	५।३३	७।४९	९०।०८	९२।२७	२।३१	४।१५	५।४३
०५।१२।०१।४५	४ शु	३०	७।०५	८।४१	९०।३८	९२।५२	३।१२	५।२९	७।४५	९०।०४	९२।२३	२।२७	४।११	५।३९
०५।१३।००।४६	५ श	१	७।०१	८।३८	९०।३४	९२।४८	३।०८	५।२५	७।४१	९०।००	९२।१९	२।२४	४।०७	५।३५
०५।१३।५९।५०	६ र	२	६।५७	८।३४	९०।३०	९२।४४	३।०५	५।२१	७।३७	९।५६	९२।१५	२।२०	४।०३	५।३१
०५।१४।५८।५७	७ चं	३	६।५४	८।३०	९०।२६	९२।४१	३।०१	५।१७	७।३३	९।५२	९२।११	२।१६	३।५९	५।२८
०५।१५।५८।०५	८ मं	४	६।५०	८।२६	९०।२२	९२।३७	२।५७	५।१४	७।२९	९।४८	९२।०७	२।१२	३।५५	५।२४
०५।१६।५७।१६	९ बु	५	६।४६	८।२२	९०।१८	९२।३३	२।५३	५।१०	७।२५	९।४५	९२।०३	२।०८	३।५१	५।२०
०५।१७।५६।२९	१० गु	६	६।४२	८।१८	९०।१४	९२।२९	२।४९	५।०६	७।२१	९।४१	९१।५९	२।०४	३।४७	५।१६
०५।१८।५५।४५	११ शु	७	६।३८	८।१४	९०।१०	९२।२५	२।४५	५।०२	७।१८	९।३७	९१।५५	२।००	३।४३	५।१२
०५।१९।५५।०३	१२ श	८	६।३४	८।१०	९०।०६	९२।२१	२।४१	४।५८	७।१४	९।३३	९१।५१	१।५६	३।३९	५।०८
०५।२०।५४।२३	१३ र	९	६।३०	८।०६	९०।०२	९२।१७	२।३७	४।५४	७।१०	९।२९	९१।४७	१।५२	३।३५	५।०४
०५।२१।५३।४६	१४ चं	१०	६।२६	८।०२	९।५८	९२।१३	२।३३	४।५०	७।०६	९।२५	९१।४३	१।४८	३।३१	५।००
०५।२२।५३।११	१५ मं	११	६।२२	७।५८	९।५४	९२।०९	२।२९	४।४६	७।०२	९।२१	९१।३९	१।४४	३।२७	४।५६
०५।२३।५२।३८	१५ बु	१२	६।१८	७।५४	९।५०	९२।०५	२।२५	४।४२	६।५८	९।१७	९१।३५	१।४०	३।२३	४।५२

मास फलम्

इस माह में पांच मंगलवार होने से किसी बड़े व्यक्ति का अभाव हो। पांच बुधवार होने से रसवाली वस्तुओं का अभाव हो यथा- ॥बुधेरसक्षयो भूम्याम्॥ मगलवारी अमावस होने से उपघात-अल्पवृष्टि और उ.फाल्गुनी होने से दुर्भिक्ष (महर्घ) हो। शुक्रा तृतीया का क्षय होने से मूंग घी महंगे हों। कृ. छठ रविवार और ज्येष्ठा होने से सब धान्यों में समर्घता हो। पूर्णिमा बुधवार और रेवती युक्त होने से शुभ फल दायिनी है। शनिवार की सक्रांति होने से सभी तरह की वस्तुओं का क्षय हो प्रजा में दुर्भिक्ष हो, धान्यादि भाव तेज हो और रोगों की अधिकता हो।

अयनांशाः २४।००।३३

पं.२६ आ.शु.११ शु. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
५	३	५	०	६	५	७	१
१९	१६	२५	१४	०३	२५	२३	२३
२४	४५	३२	०४	१७	२९	२९	२९
३५	४५	५८	१०	३१	३६	२५	२५
५९	३४	९९	६	७४	७	३	३
११	५८	५८	४७	३७	१८	११	११
ह	श्लेषा	चि	भ	चि	चि	ज्ये	मृ
३	१	१	१व	३	१	३	१



CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

॥ श्रीवल्लभ मनीराम पञ्चाङ्गम् ॥

१३ अक्टूबर से २६ अक्टूबर तक, श्री कार्तिक कृष्णपक्ष संवत् २०६८, शाकः १९३३, दि.मा.सू. सू. तारीस्प स्टै. प्रातः दैनिक शरदृतू रविर्दक्षिणे आश्विनकृष्णेति गुर्जराः, अक्टूबर २०११

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
मानस	१	गु	८	५५	१०	०६	अश्वि	३८	३०	२१	५७	ह	२६	०९	१७	००	कौ	८	५५	१०	०६	२८/३८	६/३३	६/००	२१	१४	१३	मेषे	५।२४।४५।०२	५९।३२
मुद्गर	२	शु	१५	०९	१२	३७	भर	४५	५३	२४	५४	व	२८	२३	१७	५४	ग	१५	०९	१२	३७	३४	३३	५/५९	२२	१५	१४	मेषे	५।२५।४४।३४	५९।३४
च.व्र.	३	श	२१	०९	१५	०१	कृति	५२	५६	२७	४४	सि	३०	२४	१८	४३	वि	२१	०९	१५	०१	३०	३४	५८	२३	१६	१५	वृषे ७।३८	५।२६।४४।०८	५९।३६
घाता	४	र	२६	३७	१७	१३	रोहि	५९	१८	३०	१७	व्य	३१	५९	१९	२२	बा	२६	३७	१७	१३	२६	३४	५७	२४	१७	१६	वृषे	५।२७।४३।४४	५९।३८
आनन्द	५	सो	३१	१२	१९	०४	मृग	...	...	...	...	व	३२	५०	१९	४३	तै	३१	१२	१९	०४	२२	३५	५६	२५	१८	१७	मिथु. १९।२५	५।२८।४३।२२	५९।४१
राक्षस	६	मं	३४	२७	२०	२२	मृग	४	३३	८	२५	प	३२	४०	१९	४०	ग	३	००	७	४७	१८	३५	५५	२६	१९	१८	मिथु.	५।२९।४३।०३	५९।४३
मुसल	७	बु	३५	५९	२१	००	आर्द्रा	८	२२	९	५७	शि	३१	१२	१९	०५	वि	५	२५	८	४६	१४	३६	५४	२७	२०	१९	कर्के २८।३८	६।००।४२।४६	५९।४५
सिद्धि	८	गु	३५	३५	२०	५१	पुन	१०	२३	१०	४६	सि	२८	१४	१७	५४	बा	६	०१	९	०१	१०	३७	५३	२८	२१	२०	कर्के	६।०१।४२।३१	५९।४८
उत्पात	९	शु	३३	०८	१९	५२	पुष्य	१०	२५	१०	४७	सा	२३	३९	१६	०५	तै	४	३६	८	२८	०६	३७	५२	२९	२२	२१	कर्के	६।०२।४२।१९	५९।५०
मानस	१०	श	२८	४१	१८	०६	श्ले	८	२८	१०	०१	शु	१७	२७	१३	३७	व	१	०८	७	०५	०३	३८	५१	३०	२३	२२	सिंहे १०।०१	६।०३।४२।०९	५९।५२
ए.व्र.	११	र	२२	२७	१५	३७	मघा	४/५९	३९/५७	८/३०	३०/३५	शु	९	४७	१०	३३	बा	२२	२७	१५	३७	२७/५९	३९	५०	१	२४	२३	सिंहे	६।०४।४२।०१	५९।५४
प्र.व्र.	१२	सो	१४	४५	१२	३३	उफा	५२	४०	२७	४३	ब्र	०/५०	४९/५५	६/२७	५९/०४	तै	१४	४५	१२	३३	५५	३९	४९	२	२५	२४	कन्या ११।४४	६।०५।४१।५५	५९।५६
सौम्य	१३	मं	५	५८	९	०३	हस्त	४५	१८	२४	४७	वै	४०	२०	२२	४८	व	५	५८	९	०३	५१	४०	४८	३	२६	२५	कन्या	६।०६।४१।५२	५९।५९
क्षयः	१४	मं	५६	३४	२९	५८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
दीपाव.	३०	बु	४६	५७	२५	२७	चित्रा	३७	३८	२१	४४	वि	२९	२८	१८	२८	च	२९	४४	१५	२२	४७	४०	४७	४	२७	२६	तुला. ११।१५	६।०७।४१।५०	६०।०१

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है ।
स्वा. बुधः २६।२६, (व) अश्वि.-४ गुरुः १२।२०
भ. २५।५० उ. [C महिष अल्पवृष्टिः
भ. १५।०१ या., दशरथ ललिता व्र., करवा ४ चन्द्रोदयः १९।५८
चित्रा.-२ शनिः २१।२७
आकाश दीपारंभः, तुलायां रविः २३।२५
भ. २०।२२ उ., स्कन्द षष्ठी, तुलायां सौरः १३।२४
भ. ८।४६ या., होई (अहोरी) ८
विशा. शुक्रः १६।५४
[B कुबेर पू., बलीपूजा [D वृश्चिके भानुः २४।०३
भ. ७।०५ उ. १८।०६ या., विशा. बुधः १८।२२
रमा ११ व्र., गोवत्स द्वादशी, भा. कार्तिकारंभः, सायन D
प्रदोषः, धनतेरस, धन्वन्तरी जयंती, यमायदीपदानं, गोत्रिरात्र व्र.,A
भ. ९।०३ उ. १९।१२ या., मासिकशिवरात्री व्र., दीपदानं
[A स्वा. रविः १६।२१ (सौरः २९।५५), सं.स्वी.स्वी.सू.सू.वाहन C
देवपितृकार्येऽमा.,रुप (नरक) १४, प्रभात.स्नानं, महालक्ष्मी पूजा, B

अयनांशाः २४।००।३४

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

पं.२७ का.कृ. २ शु. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा	के.
५	३	६	०	६	५	७	१
२६	२०	०६	१३	१२	२६	२३	२३
१९	४८	५६	१४	००	२०	०७	०७
४७	२३	२१	२२	०५	४९	०९	०९
५९	३४	९४	७	७४	७	३	३
२६	१२	३६	३१	३८	१९	११	११
चि	श्ले	स्वा	अ	स्वा	चि	ज्ये	रो
१	२	१	४व	२	१	२	४



ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	अब्द	सायं	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा
०५।२४।५२।०८	१ गु	१३	६।१४	७।५०	९।४६	१२।०९	२।२१	४।३८	६।५४	९।१३	११।३२	१।३६	३।२०	४।४८
०५।२५।५१।४०	२ शु	१४	६।१०	७।४६	९।४२	११।५७	२।१७	४।३४	६।५०	९।०९	११।२८	१।३२	३।१६	४।४४
०५।२६।५१।१४	३ श	१५	६।०६	७।४२	९।३८	११।५३	२।१३	४।३०	६।४६	९।०५	११।२४	१।२८	३।१२	४।४०
०५।२७।५०।५०	४ र	१६	६।०२	७।३८	९।३५	११।४९	२।०९	४।२६	६।४२	९।०१	११।२०	१।२४	३।०८	४।३६
०५।२८।५०।२९	५ चं	१७	५।५८	७।३४	९।३१	११।४५	२।०५	४।२२	६।३८	८।५७	११।१६	१।२०	३।०४	४।३२
०५।२९।५०।१०	६ मं	१८	५।५४	७।३१	९।२७	११।४१	२।०१	४।१८	६।३४	८।५३	११।१२	१।१६	३।००	४।२८
०६।००।४९।५३	७ बु	१९	५।५०	७।२७	९।२३	११।३७	१।५८	४।१४	६।३०	८।४९	११।०८	१।१३	२।५६	४।२४
०६।०१।४९।३९	८ गु	२०	५।४६	७।२३	९।१९	११।३३	१।५४	४।१०	६।२६	८।४५	११।०४	१।०९	२।५२	४।२०
०६।०२।४९।२७	९ शु	२१	५।४३	७।१९	९।१५	११।३०	१।५०	४।०६	६।२२	८।४१	११।००	१।०५	२।४८	४।१७
०६।०३।४९।१७	१० श	२२	५।३९	७।१५	९।११	११।२६	१।४६	४।०३	६।१८	८।३७	१०।५६	१।०१	२।४४	४।१३
०६।०४।४९।०९	११ र	२३	५।३५	७।११	९।०७	११।२२	१।४२	३।५९	६।१४	८।३४	१०।५२	१२।५७	२।४०	४।०९
०६।०५।४९।०४	१२ चं	२४	५।३१	७।०७	९।०३	११।१८	१।३८	३।५५	६।१०	८।३०	१०।४८	१२।५३	२।३६	४।०५
०६।०६।४९।०१	१३ मं	२५	५।२७	७।०३	८।५९	११।१४	१।३४	३।५१	६।०७	८।२६	१०।४४	१२।४९	२।३२	४।०१
०६।०७।४९।००	३० बु	२६	५।२३	६।५९	८।५५	११।१०	१।३०	३।४७	६।०३	८।२२	१०।४०	१२।४५	२।२८	३।५७

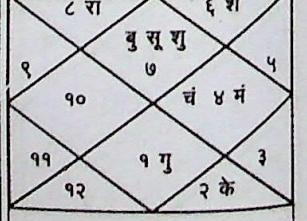
संक्रांति फलम्

ता. १७ अक्टूबर २०११
का. कृ. ५ चंद्रे तुलायामर्कः प्र. (स्टै.)
टा. २३।२५ वारात् ३ नक्षत्रात् ४
वारनाम ध्यांक्षी वैश्यान् सुस्पदा
नक्षत्रनाम मंदाकिनी नृपतीन् सुस्पदा
मध्यरात्रि २ प्रहर व्यापिनी राक्षसान्
हन्ति, उत्तरे गमनं, ऐशान्यां दृष्टिः
गरकरणे प्रविष्टा मध्यमफलं हस्तीवाहनं
स्वरोपवाहनं लक्ष्मीकारक रक्तवस्त्रं
धनुष्यायुधं लोहपात्रं दुग्धभक्षणं
गोरोचनलेपनं पशुजातिः विल्वपुष्पं
मुकुटभूषणं श्वेतकंचुकी प्रौढावस्था
(बैठी) मु. ३० धान्यभावे सम वत्स
पूर्वे राहु उत्तरे मूलं भूमौ विवाहस्तंभो
ऐशान्यां शुक्रोदयः पश्चिमायाम् ।
पुण्यकालः (स्टै.) १७।२५ से २९।२५
तक । (दान- तिल) ।

अयनांशाः २४।००।३५

पं.२८ का.कृ. ९ शु. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
६	३	६	०	६	५	७	१
०३	२४	१७	१२	२०	२७	२२	२२
१६	४५	४५	२०	४२	१२	४४	४४
४१	२५	३६	१२	४१	०२	५२	५२
५९	३३	९०	७	७४	७	३	३
४०	२१	२४	५९	३८	१८	११	११
चि	श्ले	स्वा	अ	वि	चि	ज्ये	रो
३	३	४	४व	१	२	२	४



CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

॥ श्रीवल्लभ मनीराम पञ्चाङ्गम् ॥

२७ अक्टूबर से १० नवंबर तक, श्री कार्तिक शुक्लपक्ष संवत् २०६८, शाकः १९३३, दि.मा.सू. सू. तारीख्य स्टै. प्रातः दैनिक केतकी अहर्गणः २०४ हेमन्तर्तू रविर्दक्षिणे, अक्टूबर-नवंबर २०११

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
सुस्थिर	१	गु	३७	३६	२१	४३	स्वा	३०	०९	१८	४५	प्री	१८	४१	१४	०९	किं	१२	१२	११	३४	२७ ४३	६ ४१	५ ४६	५	२८	२७	तुला.	६।०८।४१।५१	६०।०३
मातङ्ग	२	शु	२८	५८	१८	१७	विशा	२३	१९	१६	०१	आ	८ २५	२५ ५०	३०	०२ ४४	बा	३	०९	७	५७	४०	४२	४६	६	२९	२८	वृश्चि. १०।४०	६।०९।४१।५४	६०।०५
अमृत	३	श	२१	२४	१५	१६	अनु	१७	३१	१३	४३	शो	५०	२१	२६	५१	ग	२१	२४	१५	१६	३६	४२	४५	७	१	२९	वृश्चि.	६।१०।४१।५९	६०।०७
काण	४	र	१५	१८	१२	५०	ज्ये	१३	०९	११	५९	अ	४३	०९	२३	५९	वि	१५	१८	१२	५०	३२	४३	४४	८	२	३०	धनु. ११।५९	६।११।४२।०६	६०।०९
लुम्बक	५	सो	१०	५४	११	०५	मूल	१०	२८	१०	५५	सु	३७	२५	२१	४२	बा	१०	५४	११	०५	२९	४४	४३	९	३	३१	धनु.	६।१२।४२।१६	६०।११
मित्र	६	मं	८	२३	१०	०६	पूषा	९	३८	१०	३६	धृ	३३	१३	२०	०२	तै	८	२३	१०	०६	२५	४५	४२	१०	४	१	मक. १६।३८	६।१३।४२।२७	६०।१४
मुद्गर	७	बु	७	५२	९	५४	उषा	१०	४४	११	०३	शू	३०	३४	१८	५९	व	७	५२	९	५४	२१	४५	४२	११	५	२	मक.	६।१४।४२।४१	६०।१६
ध्वजा	८	गु	९	१५	१०	२८	श्रव	१३	४१	१२	१४	गं	२९	२०	१८	३०	ब	९	१५	१०	२८	१८	४६	४१	१२	६	३	कुंभे २५।०५	६।१५।४२।५६	६०।१८
धाता	९	शु	१२	२३	११	४४	धनि	१८	१६	१४	०५	वृ	२९	२०	१८	३१	कौ	१२	२३	११	४४	१४	४७	४०	१३	७	४	कुंभे	६।१६।४३।१४	६०।२०
आनन्द	१०	श	१६	५५	१३	३३	शत	२४	११	१६	२८	ध्रु	३०	२१	१८	५६	ग	१६	५५	१३	३३	११	४७	४०	१४	८	५	कुंभे	६।१७।४३।३४	६०।२२
ए.व्र.	११	र	२२	२९	१५	४८	पूभा	३१	०२	१९	१३	व्या	३२	०३	१९	३७	वि	२२	२९	१५	४८	०७	४८	३९	१५	९	६	मीने १२।३०	६।१८।४३।५५	६०।२४
गद	१२	सो	२८	३९	१८	१६	उभा	३८	२३	२२	१०	ह	३४	०९	२०	२८	बा	२८	३९	१८	१६	०४	४९	३८	१६	१०	७	मीने	६।१९।४४।१९	६०।२६
प्र.व्र.	१३	मं	३५	०१	२०	५०	रेव	४५	५३	२५	११	व	३६	२३	२१	२३	कौ	१	५०	७	३३	००	५०	३८	१७	११	८	मेषे २५।११	६।२०।४४।४५	६०।२८
मृत्यु	१४	बु	४१	१८	२३	२१	अश्वि	५३	१५	२८	०८	सि	३८	३२	२२	१५	ग	८	११	१०	०७	२६ ५७	५०	३७	१८	१२	९	मेषे	६।२१।४५।१२	६०।२९
पूर्णिमा	१५	गु	४७	१६	२५	४६	भर	...	...	..	..	व्य	४०	२६	२३	०२	वि	१४	१९	१२	३५	५४	५१	३७	१९	१३	१०	मेषे	६।२२।४५।४२	६०।३१

[A त्रिपुरोत्सव, पुष्कर यात्रा, नानक जयंती, भीष्म पंचक समाप्ति, कार्तिक स्नान पूर्तिः, ज्येष्ठा. बुधः २८।११, ज्येष्ठा. शुक्रः २७।३०

[B पू., बुधोदयः पश्चिमायाम् १५।१०, [G वृश्चिके शुक्रः१७।५१, [N शनेरुदयः पूर्वस्याम् १८।४२

[C पंचक प्रा., चतुर्मास व्रत समाप्तिः, विशा. [H

[D पंचक प्रा., चतुर्मास व्रत समाप्तिः, विशा.

[E नूतन वर्षारंभः

[F नूतन वर्षारंभः

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

अयनांशाः २४।००।३६

पं.२९ का.शु. २ शु. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
६	३	६	०	६	५	७	९
१०	२८	२८	११	२९	२८	२२	२२
१५	३६	०७	२३	२५	०२	२२	२२
१३	१६	१६	४०	१८	५३	३६	३६
५९	३२	८६	८	७४	७	३	३
५४	२५	२९	०९	३७	१२	११	११
स्वा	श्ले	वि	अ	वि	चि	ज्ये	रो
२	४	३	४व	३	२	२	४



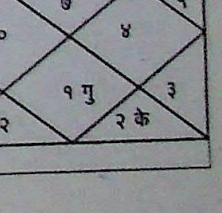
ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	अक्षु	सायं	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा
०६।०८।४९।०१	१ गु	२७	५।१९	६।५५	८।५१	११।०६	१।२६	३।४३	५।५९	८।१८	१०।३६	१२।४१	२।२४	३।५३
०६।०९।४९।०४	२ शु	२८	५।१५	६।५१	८।४७	११।०२	१।२२	३।३९	५।५५	८।१४	१०।३२	१२।३७	२।२०	३।४९
०६।१०।४९।०९	३ श	२९	५।११	६।४७	८।४३	१०।५८	१।१८	३।३५	५।५१	८।१०	१०।२८	१२।३३	२।१६	३।४५
०६।११।४९।१७	४ र	३०	५।०७	६।४३	८।३९	१०।५४	१।१४	३।३१	५।४७	८।०६	१०।२५	१२।२९	२।१२	३।४१
०६।१२।४९।२७	५ चं	३१	५।०३	६।३९	८।३५	१०।५०	१।१०	३।२७	५।४३	८।०२	१०।२१	१२।२५	२।०९	३।३७
०६।१३।४९।३८	६ मं	१	४।५९	६।३५	८।३१	१०।४६	१।०६	३।२३	५।३९	७।५८	१०।१७	१२।२१	२।०५	३।३३
०६।१४।४९।५२	७ बु	२	४।५५	६।३१	८।२७	१०।४२	१।०२	३।१९	५।३५	७।५४	१०।१३	१२।१७	२।०१	३।२९
०६।१५।५०।०८	८ गु	३	४।५१	६।२७	८।२४	१०।३८	१२।५८	३।१५	५।३१	७।५०	१०।०९	१२।१३	१।५७	३।२५
०६।१६।५०।२६	९ शु	४	४।४७	६।२३	८।२०	१०।३४	१२।५४	३।११	५।२७	७।४६	१०।०५	१२।०९	१।५३	३।२१
०६।१७।५०।४६	१० श	५	४।४३	६।२०	८।१६	१०।३०	१२।५०	३।०७	५।२३	७।४२	१०।०१	१२।०५	१।४९	३।१७
०६।१८।५१।०८	११ र	६	४।३९	६।१६	८।१२	१०।२६	१२।४७	३।०३	५।१९	७।३८	९।५७	१२।०२	१।४५	३।१३
०६।१९।५१।३२	१२ चं	७	४।३५	६।१२	८।०८	१०।२२	१२।४३	२।५९	५।१५	७।३४	९।५३	११।५८	१।४१	३।०९
०६।२०।५१।५८	१३ मं	८	४।३२	६।०८	८।०४	१०।१९	१२।३९	२।५५	५।११	७।३०	९।४९	११।५४	१।३७	३।०६
०६।२१।५२।२६	१४ बु	९	४।२८	६।०४	८।००	१०।१५	१२।३५	२।५२	५।०७	७।२६	९।४५	११।५०	१।३३	३।०२
०६।२२।५२।५५	१५ गु	१०	४।२४	६।००	७।५६	१०।११	१२।३१	२।४८	५।०३	७।२३	९।४१	११।४६	१।२९	२।५८

मास फलम्

इस माह में पांच गुरुवार होने से धान्य सस्ता हो यथा- ॥चन्द्रजीवौ यदापंचधान्यादीनां समर्घता॥ कार्तिक कृष्ण दशमी शनिवार को यदि अंबर में मेघ हों तो घी और सुपारी महँगे हों। बुधवारी अमावस चित्रा युक्त होने से दुर्भिक्ष और कम धान्य हो। कार्तिक की पूर्णिमा को कृतिका का अभाव होने से महर्घता हो। सोमवार की सक्रांति होने से दक्षिण की पवन चले, धान्यादि सभी वस्तुओं के भाव मंदे हो, रस घृत किराणें की वस्तुएं तेज हों, लोक, महाजन प्रसन्न हों, प्रजा में सद्भाव अधिक हो। स्वाति में बुध होने से मन्द वर्षा हो।

अयनांशाः २४।००।३७

पं.३० का.शु. ९ शु. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
६	४	७	०	७	५	७	९
१७	०२	०७	१०	०८	२८	२२	२२
१५	२०	५६	२६	०७	५२	००	००
२२	१४	५९	५३	५४	५७	२१	२१
६०	३१	८०	८	७४	७	३	३
०७	२२	२५	००	३७	०४	११	११
स्वा	म	अनु	अ	अनु	चि	ज्ये	रो
४	१	२	४व	२	२	२	४



CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

११ नवंबर से २५ नवंबर तक, श्री मार्गशीर्ष कृष्णपक्ष संवत् २०६८, शाकः १९३३, दि.मा.सू. सू. तारीख स्टै. प्रातः दैनिक हेमन्तर्तू रविर्दक्षिणे कार्तिककृष्णेति गुर्जराः, नवंबर २०११

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
मुद्गर	१	शु	५२	४६	२७	५८	भर	०	१६	६	५८	व	४२	०२	२३	४१	बा	२०	०५	१४	५४	२६ ५०	६ ५२	५ ३६	२०	१४	११	वृषे	६।२३।४६।१३	६०।३३
ध्वजा	२	श	५७	४१	२९	५७	कृति	६	५१	९	३७	प	४३	१०	२४	०९	तै	२५	१८	१७	००	४७	५३	३५	२१	१५	१२	वृषे	६।२४।४६।४६	६०।३५
धाता	३	र	...	...	...	...	रोहि	१२	४८	१२	०१	शि	४३	४४	२४	२३	व	२९	४९	१८	४९	४४	५३	३५	२२	१६	१३	मिथु.	२५।०६	६।२५।४७।२१	६०।३७
च.व्र.	३	सो	१	४४	७	३६	मृग	१७	५७	१४	०५	सि	४३	३५	२४	२०	वि	१	४४	७	३६	४१	५४	३४	२३	१७	१४	मिथु.	६।२६।४७।५८	६०।३९
चर	४	मं	४	४८	८	५०	आर्द्रा	२२	०३	१५	४४	सा	४२	३१	२३	५५	बा	४	४८	८	५०	३८	५५	३४	२४	१८	१५	मिथु.	६।२७।४८।३६	६०।४०
गद	५	बु	६	३७	९	३४	पुन	२४	५२	१६	५२	शु	४०	२२	२३	०४	तै	६	३७	९	३४	३५	५६	३४	२५	१९	१६	कर्के	१०।३८	६।२८।४९।१७	६०।४२
शुभ	६	गु	६	५५	९	४३	पुष्य	२६	१२	१७	२५	शु	३७	०१	२१	४५	व	६	५५	९	४३	३२	५६	३३	२६	२०	१७	कर्के	६।२९।४९।५९	६०।४४
मृत्यु	७	शु	५	३८	९	१३	श्ले	२५	५७	१७	२०	ब्र	३२	२२	१९	५४	ब	५	३८	९	१३	२९	५७	३३	२७	२१	१८	सिंहे	१७।२०	७।००।५०।४२	६०।४५
पद्म	८	श	२	४२	८	०३	मघा	२४	०५	१६	३६	ऐ	२६	२६	१७	३२	कौ	२	४२	८	०३	२६	५८	३२	२८	२२	१९	सिंहे		७।०१।५१।२८	६०।४७
क्षयः	९	श	५८	१३	३०	१५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
छत्र	१०	र	५२	१५	२७	५३	पूफा	२०	४२	१५	१६	वै	१९	१६	१४	४१	व	२५	२२	१७	०८	२३	५९	३२	२९	२३	२०	कन्या	२०।५०	७।०२।५२।१५	६०।४९
ए.व्र.	११	सो	४५	०८	२५	०३	उफा	१६	०१	१३	२४	वि	११	०१	१९	२४	ब	१८	४८	१४	३१	२०	७ ००	३२	३०	२४	२१	कन्या		७।०३।५३।०४	६०।५०
सौम्य	१२	मं	३७	०९	२१	५२	हस्त	१०	१७	११	०७	प्री	५ ५२	५४ ५२	७ २७	४६ ५३	कौ	११	१३	११	३०	१८	००	३२	१	२५	२२	तुला.	२१।५२	७।०४।५३।५४	६०।५२
प्र.व्र.	१३	बु	२८	४०	१८	२९	चित्रा	३ ५७	८ ३४			सौ	४२	०८	२३	५२	ग	२	५७	८	१२	१५	०१	३१	२	२६	२३	तुला.		७।०५।५४।४६	६०।५३
प्रवर्धमा	१४	गु	२०	०३	१५	०३	विशा	५०	३१	२७	१४	शो	३२	०३	१९	५१	श	२०	०३	१५	०३	१३	०२	३१	३	२७	२४	वृश्चि.	२१।५३	७।०६।५५।३९	६०।५५
अमाव.	३०	शु	११	४२	११	४४	अनु	४४	२०	२४	४७	अ	२२	१४	१५	५६	ना	११	४२	११	४४	१०	०३	३१	४	२८	२५	वृश्चि.		७।०७।५६।३४	६०।५६

अयनांशाः २४।००।३८

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

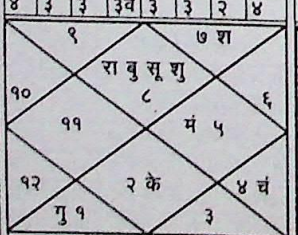
पं.३१ मा.कृ. १ शु. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
६	४	७	०	७	५	७	१
२४	०५	१६	०९	१६	२९	२१	२१
१७	५६	४७	३२	५०	४१	३८	३८
०२	२९	५१	०३	२६	५१	०५	०५
६०	३०	६७	७	७४	६	३	३
२०	११	५३	३३	३६	५२	११	११
वि	म	ज्ये	अ	ज्ये	चि	ज्ये	रो
२	२	१	३व	१	२	२	४



ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	नव.	दिवा	सायं	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा
०६।२३।५३।२७	१ शु	११	४।२०	५।५६	७।५२	९०।०७	९२।२७	२।४४	४।५९	७।१९	९।३७	११।४२	१२५	२।५४
०६।२४।५४।००	२ श	१२	४।१६	५।५२	७।४८	९०।०३	९२।२३	२।४०	४।५६	७।१५	९।३३	११।३८	१२९	२।५०
०६।२५।५४।३६	३ र	१३	४।१२	५।४८	७।४४	९।५९	९२।१९	२।३६	४।५२	७।११	९।२९	११।३४	१।१७	२।४६
०६।२६।५५।१३	३ चं	१४	४।०८	५।४४	७।४०	९।५५	९२।१५	२।३२	४।४८	७।०७	९।२५	११।३०	१।१३	२।४२
०६।२७।५५।५१	४ मं	१५	४।०४	५।४०	७।३६	९।५१	९२।११	२।२८	४।४४	७।०३	९।२१	११।२६	१।०९	२।३८
०६।२८।५६।३२	५ बु	१६	४।००	५।३६	७।३२	९।४७	९२।०७	२।२४	४।४०	६।५९	९।१७	११।२२	१।०५	२।३४
०६।२९।५७।१४	६ गु	१७	३।५६	५।३२	७।२८	९।४३	९२।०३	२।२०	४।३६	६।५५	९।१४	११।१८	१।०१	२।३०
०७।००।५७।५८	७ शु	१८	३।५२	५।२८	७।२४	९।३९	९१।५९	२।१६	४।३२	६।५१	९।१०	११।१४	१२।५८	२।२६
०७।०१।५८।४४	८ श	१९	३।४८	५।२४	७।२०	९।३५	९१।५५	२।१२	४।२८	६।४७	९।०६	११।१०	१२।५४	२।२२
०७।०२।५९।३१	९ र	२०	३।४४	५।२०	७।१६	९।३१	९१।५१	२।०८	४।२४	६।४३	९।०२	११।०६	१२।५०	२।१८
०७।०४।००।२०	१० चं	२१	३।४०	५।१६	७।१३	९।२७	९१।४७	२।०४	४।२०	६।३९	८।५८	११।०२	१२।४६	२।१४
०७।०५।०१।११	११ मं	२२	३।३६	५।१२	७।०९	९।२३	९१।४३	२।००	४।१६	६।३५	८।५४	१०।५८	१२।४२	२।१०
०७।०६।०२।०३	१२ बु	२३	३।३२	५।०९	७।०५	९।१९	९१।३९	१।५६	४।१२	६।३१	८।५०	१०।५४	१२।३८	२।०६
०७।०७।०२।५६	१३ गु	२४	३।२८	५।०५	७।०१	९।१५	९१।३६	१।५२	४।०८	६।२७	८।४६	१०।५१	१२।३४	२।०२
०७।०८।०३।५१	३० शु	२५	३।२४	५।०१	६।५७	९।११	९१।३२	१।४८	४।०४	६।२३	८।४२	१०।४७	१२।३०	१।५८

अयनांशाः २४।००।३९

पं.३२ मा.कृ. ७ शु. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
७	४	७	०	७	६	७	१
०१	०९	२३	०८	२५	००	२१	२१
२०	२४	३५	४१	३२	२९	१५	१५
०७	००	०२	१३	५०	१२	४९	४९
६०	२८	४१	६	७४	६	३	३
३१	५१	२२	४९	३४	३७	११	११
वि	म	ज्ये	अ	ज्ये	चि	ज्ये	रो
४	३	३	३व	३	३	२	४



अयनांशाः २४।००।३९

पं.३३ मा.कृ.३० शु. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
७	४	७	०	८	६	७	१
०८	१२	२६	०७	०४	०१	२०	२०
२४	४१	०२	५६	१४	१४	५३	५३
२९	३४	२२	१६	५९	३६	३२	३२
६०	२७	१२	५	७४	६	३	३
४१	१९	३४	५१	३१	१८	११	११
अनु	म	ज्ये	अ	मू	चि	ज्ये	रो
२	४	३व	३व	२	३	२	४



यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है ।
]D ८ ऽ।।।।।।ऽ।। दिवा ल. १२, रात्रौ अ. गो., ३ (मीने श. ७ E
]E दो., मिथु. शु. ७ पू.), वैतरणी व्र., धनुषि मूले शुक्रः २०।५७
भ. १८।४९ उ., तुलायां चित्रा.-३ शनिः २२।३३
भ. ७।३६ या., सौभाग्य सुंदरी व्र., चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः २०।२५, A
]A नेहरुजयन्ती (बालदिवस)
आकाशदीप समाप्तिः, वृश्चिके रविः २३।१०
भ. ९।४३ उ. २१।३३ या., वृश्चिके सौरः १०।५४
कालभैरवाष्टमी
अनु. रविः ३०।२९]C अनु. सौरः १७।५६
]B रात्रौ ७ (मेषेः स्टै.१७।०८ या. रे. ७ दग्धा तुला सोग्रांगः), C
भ. १७।०८ उ. २७।५३ या., उफा. रे. ८ ऽ।।।।।ऽ।। दिवा १, B
उत्पत्ति ११ व्र., उफा.रे.८ ऽ।।।।।ऽ।। दिवा ल. ९।१०, हस्ते रे. D
हस्ते रे. ८ ऽ।।।।।ऽ।। दिवा ९।१०, भा. मार्गशीर्षारंभः, सायन F
भ. १८।२९ उ. २८।४६ या., प्रदोषः, मासिकशिवरात्री व्र.
पितृकार्येऽमा., गौरीतपोव्र., महाव्रतारंभः, वक्री बुधः २३।४६
देवकार्येऽमा.]F धनुषि भानुः २१।३७

CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

२६ नवंबर से १० दिसंबर तक, श्री मार्गशीर्ष शुक्लपक्ष संवत् २०६८, शाकः १९३३, दि.मा.सू. सू. तारीस्व स्टै. प्रातः दैनिक केतकी अहर्गणः २३४ हेमन्तर्तू रविर्दक्षिणे, नवंबर-दिसंबर २०११

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः
मुसल	१	श	३	५९	८	३९	ज्ये	३९	०२	२२	४०	सु	१३	०१	१२	१६	ब	३	५९	८	३९	२६/८८	७/०४	५/३१	५	२९	२६	धनु.
क्षयः	२	श	५७	१७	२९	५८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
सिद्धि	३	र	५१	५६	२७	५१	मूल	३४	५७	२१	०३	धृ	४/५७	३९/२८	८/३०	५६/०३	तै	२४	२४	१६	५०	०६	०४	३१	६	१	२७	धनु.
उत्पात	४	सो	४८	१३	२६	२२	पूषा	३२	२५	२०	०३	गं	५१	३४	२७	४३	व	१९	४९	१५	०१	०३	०५	३०	७	२	२८	मक. २५/५५
मानस	५	मं	४६	२३	२५	३९	उषा	३१	४१	१९	४६	वृ	४७	०९	२५	५८	ब	१७	०१	१३	५४	०१	०६	३०	८	३	२९	मक.
छत्र	६	बु	४६	३३	२५	४४	श्रव	३२	५२	२०	१५	धृ	४४	१८	२४	५०	कौ	१६	१२	१३	३५	२५/५९	०७	३०	९	४	३०	मक.
श्रीवत्स	७	गु	४८	४३	२६	३७	धनि	३५	५९	२१	३१	व्या	४२	५९	२४	१९	ग	१७	२२	१४	०४	५७	०७	३०	१०	५	१	कुंभे ८।४७
सौम्य	८	शु	५२	४०	२८	१२	शत	४०	५२	२३	२९	ह	४३	०३	२४	२१	वि	२०	२८	१५	१९	५५	०८	३०	११	६	२	कुंभे
काल	९	श	५८	०३	३०	२२	पूभा	४७	११	२६	०१	व	४४	१३	२४	५०	बा	२५	११	१७	१३	५३	०९	३०	१२	७	३	मीने १९।२१
सुस्थिर	१०	र	...	...	...	..	उभा	५४	२६	२८	५६	सि	४६	०८	२५	३७	तै	३१	०६	१९	३६	५२	१०	३०	१३	८	४	मीने
मातङ्ग	१०	सो	४	१७	८	५३	रेव	...	...	...	...	व्य	४८	२३	२६	३२	ग	४	१७	८	५३	५०	१०	३०	१४	९	५	मीने
ए.व्र.	११	मं	१०	५३	११	३२	रेव	२	०२	८	००	व	५०	३७	२७	२६	वि	१०	५३	११	३२	४८	११	३०	१५	१०	६	मेषे ८।००
प्र.व्र.	१२	बु	१७	१७	१४	०६	अश्वि	९	३३	११	०१	प	५२	३१	२८	१२	बा	१७	१७	१४	०६	४७	१२	३१	१६	११	७	मेषे
पद्म	१३	गु	२३	०५	१६	२७	भर	१६	३१	१३	४९	शि	५३	५२	२८	४६	तै	२३	०५	१६	२७	४५	१३	३१	१७	१२	८	वृषे २०।२९
छत्र	१४	शु	२८	०५	१८	२७	कृति	२२	४४	१६	१९	सि	५४	३३	२९	०३	व	२८	०५	१८	२७	४४	१३	३१	१८	१३	९	वृषे
पूर्णिमा	१५	श	३२	०६	२०	०४	रोहि	२८	०२	१८	२७	सा	५४	२९	२९	०१	वि	०	१२	७	१९	४३	१४	३१	१९	१४	१०	वृषे

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।
चंद्रदर्शनम् (मु.१५), पूफा. भौमः १६।५४
[D व्रतंपुण्यञ्च, द्वात्रिंशी (बत्तीसी) पूर्णिमा
रंमास्त्येयं, मोहोर्रम १ सन १४३३ हि. , बुधास्तः पश्चिमायाम् १४।१६
भ. १५।०१ उ. २६।२२ या., उषा. रे. ७ SSIIIIISII रात्रौ ल. ६ A
उषा. रे. ७ SSIIIIISII दिवा ल. ९।१२, रात्रौ अ. गो., नागपंचमी
स्कंदषष्ठी [A (स्टै. २६।२२ उप.)
भ. २६।३७ उ., पंचक प्रारम्भः ८।४७, दिसंबर १२ ता. ३१
भ. १५।१९ या., पूषा. शुक्रः १४।३९
उभा. रे. ८ SIIIIIIIS द. रात्रौ ल. ६ (चं. ७ पू., स्टै. २६।०१ B
उभा. रे. ८ SIIIIIIIS दग्धा दिवा ल. ९।५०, रात्रौ गोधूलि
भ. २२।१३ उ., (व) अनु. बुधः १०।०६
भ. ११।३२ या., पंचक समाप्तिः ८।००, मोक्षदा ११ व्र., गीता जयंती
प्रदोषः, अनंग त्रयोदशी व्र. [B उप.), कल्पादि, ज्येष्ठा. रविः C
बुधोदयः पूर्वस्याम् २९।४८ [C १०।४५ (सौरः २९।०२)
भ. १८।२७ उ., पिशाच मोचन श्राद्धं
भ. ७।१९ या., स्पग्रासं चन्द्रग्रहणम्, श्री दत्त जयंती, पूर्णिमा D

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

अयनांशाः २४।००।४०

पं.३४ मा.शु. ८ शु. इष्टघटी ०।००								
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.	
७	४	७	०	८	६	७	९	
१५	१५	२०	०७	१२	०१	२०	२०	
२९	४७	५६	१८	५६	५७	३१	३१	
५९	४५	१९	४५	४२	३८	१६	१६	
६०	२५	७९	४	७४	५	३	३	
५०	३३	०८	४०	२७	५६	११	११	
अनु	पूफा	ज्ये	अ	मू	चि	ज्ये	रो	
४	१	२व	३व	४	३	२	४	



ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	नवं.	दिवा	सायं	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा
०७।०९।०४।४८	१ श	२६	३।२१	४।५७	६।५३	९।०८	११।२८	१।४४	४।००	६।१९	८।३८	९०।४३	९२।२६	१।५५
०७।१०।०५।४६	३ र	२७	३।१७	४।५३	६।४९	९।०४	११।२४	१।४१	३।५६	६।१५	८।३४	९०।३९	९२।२२	१।५१
०७।११।०६।४५	४ चं	२८	३।१३	४।४९	६।४५	९।००	११।२०	१।३७	३।५२	६।१२	८।३०	९०।३५	९२।१८	१।४७
०७।१२।०७।४५	५ मं	२९	३।०९	४।४५	६।४१	८।५६	११।१६	१।३३	३।४८	६।०८	८।२६	९०।३१	९२।१४	१।४३
०७।१३।०८।४७	६ बु	३०	३।०५	४।४१	६।३७	८।५२	११।१२	१।२९	३।४५	६।०४	८।२२	९०।२७	९२।१०	१।३९
०७।१४।०९।५०	७ गु	१	३।०१	४।३७	६।३३	८।४८	११।०८	१।२५	३।४१	६।००	८।१८	९०।२३	९२।०६	१।३५
०७।१५।१०।५५	८ शु	२	२।५७	४।३३	६।२९	८।४४	११।०४	१।२१	३।३७	५।५६	८।१४	९०।१९	९२।०२	१।३१
०७।१६।१२।००	९ श	३	२।५३	४।२९	६।२५	८।४०	११।००	१।१७	३।३३	५।५२	८।१०	९०।१५	९१।५८	१।२७
०७।१७।१३।०७	१० र	४	२।४९	४।२५	६।२१	८।३६	१०।५६	१।१३	३।२९	५।४८	८।०६	९०।११	९१।५४	१।२३
०७।१८।१४।१५	११ चं	५	२।४५	४।२१	६।१७	८।३२	१०।५२	१।०९	३।२५	५।४४	८।०३	९०।०७	९१।५०	१।१९
०७।१९।१५।२४	१२ मं	६	२।४१	४।१७	६।१३	८।२८	१०।४८	१।०५	३।२१	५।४०	७।५९	९०।०३	९१।४७	१।१५
०७।२०।१६।३४	१३ बु	७	२।३७	४।१३	६।०९	८।२४	१०।४४	१।०१	३।१७	५।३६	७।५५	९।५९	९१।४३	१।११
०७।२१।१७।४५	१४ गु	८	२।३३	४।०९	६।०५	८।२०	१०।४०	९२।५७	३।१३	५।३२	७।५१	९।५५	९१।३९	१।०७
०७।२२।१८।५७	१५ शु	९	२।२९	४।०५	६।०२	८।१६	१०।३६	९२।५३	३।०९	५।२८	७।४७	९।५१	९१।३५	१।०३
०७।२३।२०।११	१६ श	१०	२।२५	४।०१	५।५८	८।१२	१०।३२	९२।४९	३।०५	५।२४	७।४३	९।४७	९१।३१	९२।५९

संक्रांति फलम्

ता. १६ नवंबर २०११
मार्ग. कृ. ५ बुधे वृश्चिकेऽर्कः प्र. (स्टै.) टा. २३।५० वारात् ३ नक्षत्रात् ४ वारनाम मंदाकिनी नृपतीन् सुस्त्रदा नक्षत्रनाम ध्वांक्षी वैश्यान् सुस्त्रदा मध्यरात्रि २ प्रहर व्यापिनी राक्षसान् हन्ति, उत्तरे गमनं, ऐशान्यां दृष्टिः वणिजकरणे प्रविष्टा मध्यमफलं महिषवाहनं उष्ट्रोपवाहनं क्रौशकारक श्यामवस्त्रं तोमरायुधं स्वप्परपात्रं दधिभक्षणं अलक्तकलेप्यनं मृगजातिः अर्कपत्रपुष्पं मणीभूषणं पाण्डुरकंचुकी प्रगल्भावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यभावे सम वत्स दक्षिणे राहु पूर्वे मूले पाताले विवाहस्तंभो वायव्याम् शुक्रोदयः पश्चिमायाम् । पुण्यकालः (स्टै.) १६।४६ से २३।५० तक । (दान-दीप) ।

अयनांशाः २४।००।४१

पं.३५ मा.शु.१४ शु. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
७	४	७	०	८	६	७	९
२२	१८	११	०६	२१	०२	२०	२०
३६	४०	५९	४९	३७	३७	०२	०९
२६	४८	२०	५५	४५	५४	००	००
६०	२३	५०	३	७४	५	३	३
५७	३१	१३	२१	२०	३०	११	११
ज्ये	पूफा	अनु	अ	पूषा	चि	ज्ये	रो
२	२	३व	३व	३	३	२	४



CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

॥ श्रीवल्लभ मनीराम पञ्चाङ्गम् ॥

११ दिसंबर से २४ दिसंबर तक, श्री पोष कृष्णपक्ष संवत् २०६८, शाकः १९३३, दि.मा.सू. सू. तारीख्स स्टै. प्रातः दैनिक हेमन्तर्तू रविर्दक्षिणे मार्गशीर्षकृष्णेति गुर्जराः, दिसंबर २०११

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
सौम्य	१	र	३५	०६	२१	१७	मृग	३२	२२	२०	११	शु	५३	३८	२८	४२	बा	३	४२	८	४४	२५/४२	७/१५	५/३१	२०	१५	११	मिथु. ७।२२	७।२४।१४।०३	६१।१५
काल	२	सो	३७	००	२२	०३	आर्द्रा	३५	४०	२९	३१	शु	५१	५६	२८	०२	तै	६	१०	९	४४	४१	१५	३२	२१	१६	१२	मिथु.	७।२५।१५।१८	६१।१५
सुस्थिर	३	मं	३७	४८	२२	२३	पुन	३७	५४	२२	२५	ब्र	४९	२४	२७	०१	व	७	३३	१०	१७	४०	१६	३२	२२	१७	१३	कर्के १६।१४	७।२६।१६।३३	६१।१६
च.ब्र.	४	बु	३७	२९	२२	१६	पुष्य	३९	०१	२२	५३	ऐ	४५	५७	२५	४०	ब	७	४७	१०	२३	३९	१७	३२	२३	१८	१४	कर्के	७।२७।१७।५०	६१।१७
अमृत	५	गु	३६	००	२१	४१	श्ले	३९	०२	२२	५४	वै	४१	३९	२३	५७	कौ	६	५२	१०	०२	३८	१७	३३	२४	१९	१५	सिंहे २२।५४	७।२८।१९।०७	६१।१८
काण	६	शु	३३	२५	२०	४०	मघा	३७	५९	२२	२९	वि	३६	२८	२१	५३	ग	४	४९	९	१४	३८	१८	३३	२५	२०	१६	सिंहे	७।२९।२०।२४	६१।१८
लुम्बक	७	श	२९	४७	१९	१३	पूफा	३५	५३	२१	४०	प्री	३०	२६	१९	२९	वि	१	४२	७	५९	३७	१८	३३	२६	२१	१७	कन्या २७।२४	८।००।२१।४३	६१।१९
मित्र	८	र	२५	१०	१७	२३	उफा	३२	५२	२०	२८	आ	२३	४०	१६	४७	कौ	२५	१०	१७	२३	३७	१९	३४	२७	२२	१८	कन्या	८।०१।२३।०२	६१।२०
वज्र	९	सो	१९	४५	१५	१३	हस्त	२९	०२	१८	५७	सौ	१६	१३	१३	४९	ग	१९	४५	१५	१३	३६	२०	३४	२८	२३	१९	तुला. ३०।०५	८।०२।२४।२२	६१।२०
ध्वाङ्क्ष	१०	मं	१३	३८	१२	४७	चित्रा	२४	३५	१७	१०	शो	८/५१	१३/५०	१०/३१	३८/५६	वि	१३	३८	१२	४७	३६	२०	३५	२९	२४	२०	तुला.	८।०३।२५।४२	६१।२१
ए.ब्र.	११	बु	७	०४	१०	१०	स्वा	१९	४१	१५	१३	सु	५१	११	२७	४९	बा	७	०४	१०	१०	३६	२१	३५	३०	२५	२१	तुला.	८।०४।२७।०२	६१।२१
प्र.ब्र.	१२	गु	०	१३	७	२६	विशा	१४	३५	१३	११	धृ	४२	३०	२४	२१	तै	०	१३	७	२६	३६	२१	३६	१	२६	२२	वृश्चि. ७।४२	८।०५।२८।२४	६१।२२
क्षयः	१३	गु	५३	२२	२८	४२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
राक्षस	१४	शु	४६	४७	२६	०५	अनु	९	३३	११	११	शू	३३	५८	२०	५७	वि	२०	००	१५	२२	३६	२२	३६	२	२७	२३	वृश्चि.	८।०६।२९।४५	६१।२२
अमाव.	३०	श	४०	४५	२३	४०	ज्ये	४	५२	९	१९	गं	२५	५१	१७	४३	च	१३	३९	१२	५०	३६	२२	३७	३	२८	२४	धनु. ९।१९	८।०७।३१।०७	६१।२२

अयनांशाः २४।००।४२

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

पं.३६ पौ.कृ. ६ शु. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
७	४	७	०	९	६	७	१
२९	२१	१०	०६	००	०३	१९	९९
४३	१८	०४	३०	१७	१५	४६	४६
३८	४०	०५	३८	५१	०१	४४	४४
६१	२१	२३	१	७४	५	३	३
०३	१०	३९	५७	१०	०१	११	११
ज्ये	पूफा	अनु.	अ	उषा	वि	ज्ये	रो
४	३	३	२व	२	३	१	३



ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	दिन	दिवा	दिवा	सायं	रात्री	रात्री	रात्री	रात्री	रात्री	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा
०७।२४।२१।२४	१ र	११	२।२१	३।५८	५।५४	८।०८	१०।२८	१२।४५	३।०१	५।२०	७।३९	९।४३	११।२७	१२।५५
०७।२५।२२।३९	२ च	१२	२।१७	३।५४	५।५०	८।०४	१०।२५	१२।४१	२।५७	५।१६	७।३५	९।४०	११।२३	१२।५१
०७।२६।२३।५५	३ मं	१३	२।१३	३।५०	५।४६	८।००	१०।२१	१२।३७	२।५३	५।१२	७।३१	९।३६	११।१९	१२।४७
०७।२७।२५।११	४ बु	१४	२।१०	३।४६	५।४२	७।५७	१०।१७	१२।३३	२।४९	५।०८	७।२७	९।३२	११।१५	१२।४४
०७।२८।२६।२९	५ गु	१५	२।०६	३।४२	५।३८	७।५३	१०।१३	१२।३०	२।४५	५।०४	७।२३	९।२८	११।११	१२।४०
०७।२९।२७।४६	६ शु	१६	२।०२	३।३८	५।३४	७।४९	१०।०९	१२।२६	२।४१	५।०१	७।१९	९।२४	११।०७	१२।३६
०८।००।२९।०५	७ श	१७	१।५८	३।३४	५।३०	७।४५	१०।०५	१२।२२	२।३७	४।५७	७।१५	९।२०	११।०३	१२।३२
०८।०१।३०।२४	८ र	१८	१।५४	३।३०	५।२६	७।४१	१०।०१	१२।१८	२।३४	४।५३	७।११	९।१६	१०।५९	१२।२८
०८।०२।३१।४४	९ च	१९	१।५०	३।२६	५।२२	७।३७	९।५७	१२।१४	२।३०	४।४९	७।०७	९।१२	१०।५५	१२।२४
०८।०३।३३।०४	१० मं	२०	१।४६	३।२२	५।१८	७।३३	९।५३	१२।१०	२।२६	४।४५	७।०३	९।०८	१०।५१	१२।२०
०८।०४।३४।२५	११ बु	२१	१।४२	३।१८	५।१४	७।२९	९।४९	१२।०६	२।२२	४।४१	६।५९	९।०४	१०।४७	१२।१६
०८।०५।३५।४७	१२ गु	२२	१।३८	३।१४	५।१०	७।२५	९।४५	१२।०२	२।१८	४।३७	६।५५	९।००	१०।४३	१२।१२
०८।०६।३७।०८	१३ शु	२३	१।३४	३।१०	५।०६	७।२१	९।४१	११।५८	२।१४	४।३३	६।५२	८।५६	१०।३९	१२।०८
०८।०७।३८।३०	१४ श	२४	१।३०	३।०६	५।०२	७।१७	९।३७	११।५४	२।१०	४।२९	६।४८	८।५२	१०।३६	१२।०४

संक्रांति फलम्

ता. १६ दिसंबर २०११
पौष कृ. ६ भृगौ धनुर्ध्यर्कः प्र. (स्टै.)
टा. १३।४४ वारात् ३ नक्षत्रात् ३
वारनाम मिश्रा पशून् सुस्थदा नक्षत्रनाम घोरा शूद्रान् सुस्थदा मध्यान्ह २ प्रहर व्यापिनी द्विजान् हन्ति, पश्चिमे गमनं वायव्यां दृष्टिः वणिजकरणे प्रविष्टा मध्यमफलं महिषवाहनं उष्ट्रोपवाहनं क्लेशकारक श्यामवस्त्रं तोमरायुधं स्थपरपात्रं दधिभक्षणं अलक्तकलेपनं मृगजातिः अर्कपत्रपुष्पं मणीभूषणं पाण्डुकंचुकी प्रगल्भावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यभावे सम वत्स दक्षिणे राहु पूर्वे मूलं भूमौ विवाहस्तंभो वायव्याम् शुक्रोदयः पश्चिमायाम् । पुण्यकालः (स्टै.) १३।४४ से २०।०८ तक । (दानवस्त्र) ।

अयनांशाः २४।००।४३

पं.३७ पौ.कृ.१४ शु. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
८	४	७	०	९	६	७	१
०६	२३	१५	०६	०८	०३	१९	१९
५१	३८	०३	२१	५६	४८	२४	२४
२३	५३	१२	२३	४०	३६	२८	२८
६१	१८	६२	०	७३	४	३	३
०७	२६	००	२९	५८	२९	११	११
मू	पूफा	अनु.	अ	उषा	वि	ज्ये	रो
३	४	४	२व	४	४	१	३



CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

२५ दिसंबर से ९ जनवरी तक, श्री पोष शुक्लपक्ष संवत् २०६८, शाकः १९३३, दि.मासू. सू. तारीख स्टै. प्रातः दैनिक केतकी अहर्गणः २६३ शिशिरर्तू रविरुत्तरे,दिसंबर-जनवरी २०११-१२

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
सिद्धि	१	र	३५	३९	२१	३८	मूल	०५७	५२५३	७३०	४३३२	वृ	१८	२३	१४	४४	किं	८	०४	१०	३६	२५३६	७२३	५३७	४	२९	२५	धनु.	८।०८।३२।३०	६१।२३
मृत्यु	२	सो	३९	४४	२०	०५	उषा	५६	११	२९	५२	ध्रु	११	४८	१२	०६	बा	३	३०	८	४७	३७	२३	३८	५	३०	२६	मक.	८।०९।३३।५२	६१।२३
पद्म	३	मं	२९	२१	१९	०८	श्रव	५६	०५	२९	४९	व्या	-६	२१	९	५६	तै	०	१९	७	३१	३७	२३	३८	६	१	२७	मक.	८।१०।३५।१५	६१।२३
मित्र	४	बु	२८	४३	१८	५३	धनि	५७	४५	३०	३०	ह	२५९	१५३०	८३१	४६१२	वि	२८	४३	१८	५३	३८	२४	३९	७	२	२८	कुंभे	८।१९।३६।३९	६१।२३
वज्र	५	गु	२९	५९	१९	२४	शत	...	...	...	...	सि	५८	१४	३०	४२	बा	२९	५९	१९	२४	३८	२४	४०	८	३	२९	कुंभे	८।१२।३८।०२	६१।२४
सौम्य	६	शु	३३	०७	२०	३९	शत	१	१५	७	५५	व्य	५८	२१	३०	४५	कौ	१	१९	७	५६	३९	२५	४०	९	४	३०	मीने	८।१३।३९।२५	६१।२४
काल	७	श	३७	५६	२२	३५	पूभा	६	२९	१०	००	व	५९	३५	३१	१५	ग	५	१९	९	३३	४०	२५	४१	१०	५	३१	मीने	८।१४।४०।४९	६१।२४
सुस्थिर	८	र	४३	५७	२५	००	उभा	१३	०५	१२	३९	प	...	...	..	..	वि	१०	४९	११	४५	४१	२५	४२	११	६	१	मीने	८।१५।४२।१३	६१।२४
मातङ्ग	९	सो	५०	३५	२७	३९	रेव	२०	३४	१५	३९	प	१	३४	८	०३	बा	१७	१४	१४	१९	४२	२५	४२	१२	७	२	मेषे	१५।३९	८।१६।४३।३७	६१।२४
अमृत	१०	मं	५७	०९	३०	१७	अश्वि	२८	१६	१८	४४	शि	३	५४	८	५९	तै	२३	५५	१६	५९	४३	२६	४३	१३	८	३	मेषे	८।१७।४५।००	६१।२४
काण	११	बु	...	...	...	..	भर	३५	३४	२१	४०	सि	६	०५	९	५२	व	३०	१३	१९	३१	४४	२६	४४	१४	९	४	वृषे	२८।२०	८।१८।४६।२४	६१।२४
ए.ब्र.	११	गु	३	०३	८	३९	कृति	४१	५९	२४	१४	सा	७	४३	१०	३१	वि	३	०३	८	३९	४६	२६	४४	१५	१०	५	वृषे	८।१९।४७।४८	६१।२३
प्र.ब्र.	१२	शु	७	५२	१०	३५	रोहि	४७	११	२६	१९	शु	८	३१	१०	५०	बा	७	५२	१०	३५	४७	२६	४५	१६	११	६	वृषे	८।२०।४९।११	६१।२३
वज्र	१३	श	११	१८	११	५८	मृग	५१	०२	२७	५१	शु	८	१८	१०	४५	तै	११	१८	११	५८	४९	२६	४६	१७	१२	७	मिथु.	२९।५०	८।२१।५०।३४	६१।२३
ध्वाङ्क्ष	१४	र	१३	१९	१२	४६	आर्द्रा	५३	२९	२८	५०	ब्र	७	००	१०	१४	व	१३	१९	१२	४६	५०	२७	४७	१८	१३	८	मिथु.	१५।०९	८।२२।५१।५७	६१।२३
पूर्णिमा	१५	सो	१३	५३	१३	००	पुन	५४	३७	२९	१७	ऐ	४	३६	९	१७	ब	१३	५३	१३	००	५२	२७	४७	१९	१४	९	कर्के	२३।१३	८।२३।५३।२०	६१।२३

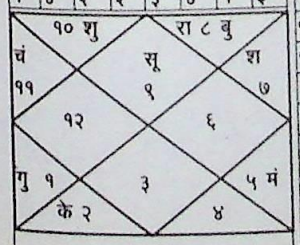
यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।
बडादिन
चंद्रदर्शनम् (मु.४५), मार्गी गुरुः १५।१४
म. ३०।५५ उ., सफर २
म. १८।५३ या., पंचक प्रारम्भः १८।०४
पूषा. रविः १५।५५ (सौरः २३।४९)
म. २२।३५ उ.
म. ११।४५ या., शांकभरी यात्रा, जनवरी १ ता. ३१ सन २०१२ ई.
पंचक समाप्तिः १५।३९
उष्का. भौमः १३।३५, धनि. शुक्रः २४।१६
म. १९।३१ उ., मन्वादि, धनुषि मूले बुधः ७।३१
म. ८।३९ या., पुत्रदा ११ व्र.
प्रदोषः
[A अश्वि.-३ गुरुः २१।०४
म. १२।४६ उ. २४।५७ या., पूर्णिमा व्रतं, शाकंभरी जयंती, A
पूर्णिमा पुण्यं, माघ स्नानारंभः, कुंभे शुक्रः ११।०६

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

अयनांशाः २४।००।४४

पं.३८ पौ.शु. ६ शु. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
८	४	७	०	९	६	७	१
१३	२५	२३	०६	१७	०४	१९	१९
५९	३८	१४	२२	३३	१८	०२	०२
२८	३८	१४	२२	४९	१७	१२	१२
६१	१५	७८	०	७३	३	३	३
०९	१५	२७	५९	४२	५४	११	११
पूषा	पूका	ज्ये	अ	श्र	चि	ज्ये	रो
१	४	२	२	३	४	१	३



ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	दिसं	दिवा	दिवा	सायं	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा
८।०८।३९।५३	१ र	२५	१।२६	३।०२	४।५८	७।१३	९।३३	११।५०	२।०६	४।२५	६।४४	८।४८	१०।३२	१२।००
८।०९।४१।१६	२ चं	२६	१।२२	२।५८	४।५४	७।०९	९।२९	११।४६	२।०२	४।२१	६।४०	८।४४	१०।२८	११।५६
८।१०।४२।३९	३ मं	२७	१।१८	२।५४	४।५१	७।०५	९।२५	११।४२	१।५८	४।१७	६।३६	८।४०	१०।२४	११।५२
८।११।४४।०२	४ बु	२८	१।१४	२।५०	४।४७	७।०१	९।२१	११।३८	१।५४	४।१३	६।३२	८।३६	१०।२०	११।४८
८।१२।४५।२६	५ गु	२९	१।१०	२।४७	४।४३	६।५७	९।१७	११।३४	१।५०	४।०९	६।२८	८।३२	१०।१६	११।४४
८।१३।४६।४९	६ शु	३०	१।०६	२।४३	४।३९	६।५३	९।१४	११।३०	१।४६	४।०५	६।२४	८।२९	१०।१२	११।४०
८।१४।४८।१३	७ श	३१	१।०२	२।३९	४।३५	६।४९	९।१०	११।२६	१।४२	४।०१	६।२०	८।२५	१०।०८	११।३६
८।१५।४९।३७	८ र	१	९२।५९	२।३५	४।३१	६।४६	९।०६	११।२२	१।३८	३।५७	६।१६	८।२१	१०।०४	११।३३
८।१६।५१।०१	९ चं	२	९२।५५	२।३१	४।२७	६।४२	९।०२	११।१९	१।३४	३।५३	६।१२	८।१७	१०।००	११।२९
८।१७।५२।२५	१० मं	३	९२।५१	२।२७	४।२३	६।३८	८।५८	११।१५	१।३०	३।५०	६।०८	८।१३	९।५६	११।२५
८।१८।५३।४८	११ बु	४	९२।४७	२।२३	४।१९	६।३४	८।५४	११।११	१।२६	३।४६	६।०४	८।०९	९।५२	११।२१
८।१९।५५।१२	११ गु	५	९२।४३	२।१९	४।१५	६।३०	८।५०	११।०७	१।२३	३।४२	६।००	८।०५	९।४८	११।१७
८।२०।५६।३५	१२ शु	६	९२।३९	२।१५	४।११	६।२६	८।४६	११।०३	१।१९	३।३८	५।५६	८।०१	९।४४	११।१३
८।२१।५७।५९	१३ श	७	९२।३५	२।११	४।०७	६।२२	८।४२	१०।५९	१।१५	३।३४	५।५२	७।५७	९।४०	११।०९
८।२२।५९।२२	१४ र	८	९२।३१	२।०७	४।०३	६।१८	८।३८	१०।५५	१।११	३।३०	५।४८	७।५३	९।३६	११।०५
८।२४।००।४५	१५ चं	९	९२।२७	२।०३	३।५९	६।१४	८।३४	१०।५१	१।०७	३।२६	५।४४	७।४९	९।३२	११।०१

मास फलम्

इस माह में पांच रविवार नेष्ट फलप्रद है। पांच सोमवार होने से धान्य सस्ता हो। पौष की अमावस्या को ज्येष्ठा और शनिवार योग से अनावृष्टि हो। शुक्ला एकादशी को कृतिका होने से लाल वस्तुओं तथा धान्य के भावों में तेजी हो। पूर्णिमा पुनर्वसु युक्त होने से महर्घता हो। शुक्रवार की सक्रांति होने से प्रजासुस्सी हो, स्वर्ण चांदी के भाव तेज हों, गाय भैंस हाथी घोडा मोटर गाड़ी आदि (चतुष्पद) पशु एवं वाहन के भाव तेज हो, रस कस लवण घृत के भाव सम रहे। उत्तराषाढा में शुक्र होने से लोकभय और क्षेत्रपति का क्षय हो, रोगों की उत्पत्ति हो।

अयनांशाः २४।००।४५

पं.३९ पौ.शु.१२ शु. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
८	४	८	०	९	६	७	१
२१	२७	०२	०६	२६	०४	१८	१८
०७	१४	४९	३३	०८	४४	३९	३९
३९	३७	२३	२३	५२	०४	५६	५६
६१	११	८६	२	७३	३	३	३
१०	३४	०२	२५	२२	१६	११	११
पूषा	उष्का	मृ	अ	ध	चि	ज्ये	रो
३	१	१	२	१	४	१	३



CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

॥ श्रीवल्लभ मनीराम पञ्चाङ्गम् ॥

१० जनवरी से २३ जनवरी तक, श्री माघ कृष्णपक्ष संवत् २०६८, शाकः १९३३, दि.मासू. सू. तारीख्स स्टै. प्रातः दैनिक शिशिरर्त्तू रविरुत्तरे पोषकृष्णेति गुर्जराः, जनवरी २०१२

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
प्रवर्धमा	१	मं	१३	०८	१२	४२	पुष्य	५४	३३	२९	१६	वै	५ ५६	१० ४६	७ ३०	५५ ०९	कौ	१३	०८	१२	४२	२५ ५४	७ २७	५ ४८	२०	१५	१०	कर्के	८।२४।५४।४२	६१।२२
राक्षस	२	बु	११	१२	११	५६	श्ले	५३	२८	२८	५०	प्री	५१	३५	२८	०५	ग	११	१२	११	५६	५६	२७	४९	२१	१६	११	सिंहे २८।५०	८।२५।५६।०५	६१।२२
च व्र.	३	गु	८	१७	१०	४६	मघा	५१	३४	२८	०४	आ	४५	४२	२५	४४	वि	८	१७	१०	४६	५७	२७	५०	२२	१७	१२	सिंहे	८।२६।५७।२७	६१।२१
सिद्धि	४	शु	४	३४	९	१६	पूफा	४९	०२	२७	०३	सौ	३९	१९	२३	१०	बा	४	३४	९	१६	५९	२७	५०	२३	१८	१३	सिंहे	८।२७।५८।४८	६१।२१
उत्पात	५	श	०	१६	७	३३	उफा	४६	०४	२५	५२	शो	३२	३३	२०	२८	तै	०	१६	७	३३	२५ ०३	२७	५१	२४	१९	१४	कन्या ८।४६	८।२९।००।०९	६१।२०
क्षयः	६	श	५५	३३	२९	४०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
मानस	७	र	५०	३४	२७	४०	हस्त	४२	४९	२४	३४	अ	२५	३२	१७	४०	वि	२३	०५	१६	४१	०४	२७	५२	२५	२०	१५	कन्या	९।००।०१।२९	६१।२०
मुद्गर	८	सो	४५	२९	२५	३८	चित्रा	३९	२६	२३	१३	सु	१८	२२	१४	४७	बा	१८	०२	१४	३९	०६	२६	५३	२६	२१	१६	तुला. ११।५४	९।०१।०२।४९	६१।१९
ध्वजा	९	मं	४०	२०	२३	३४	स्वा	३६	००	२१	५०	धृ	११	०९	११	५४	तै	९२	५४	१२	३६	०८	२६	५४	२७	२२	१७	तुला.	९।०२।०४।०८	६१।१९
धाता	१०	बु	३५	१३	२१	३१	विशा	३२	३५	२०	२८	शृ	३ ५६	५५ ४३	९ ३०	०० ०८	व	७	४६	१०	३३	११	२६	५५	२८	२३	१८	वृश्चि. १४।४९	९।०३।०५।२७	६१।१८
ए.व्र.	११	गु	३०	१४	१९	३२	अनु	२९	१८	११	०९	वृ	४९	४१	२७	१८	ब	२	४२	८	३१	१३	२६	५५	२९	२४	१९	वृश्चि.	९।०४।०६।४५	६१।१७
प्र.व्र.	१२	शु	२५	२८	१७	३७	ज्ये	२६	१४	१७	५६	धृ	४२	५२	२४	३५	तै	२५	२८	१७	३७	१६	२६	५६	३०	२५	२०	धनु. १७।५६	९।०५।०८।०३	६१।१७
गद	१३	श	२१	०८	१५	५३	मूल	२३	३४	१६	५१	व्या	३६	२६	२२	००	व	२१	०८	१५	५३	१९	२६	५७	१	२६	२१	धनु.	९।०६।०९।१९	६१।१६
शुभ	१४	र	१७	२२	१४	२२	पूषा	२१	३०	१६	०१	ह	३०	३०	१९	३७	श	१७	२२	१४	२२	२१	२५	५८	२	२७	२२	मक. २१।५२	९।०७।१०।३५	६१।१५
अमाव.	३०	सो	१४	२६	१३	११	उषा	२०	१५	१५	३१	व	२५	१६	१७	३१	ना	१४	२६	१३	११	२४	२५	५९	३	२८	२३	मक.	९।०८।११।५०	६१।१४

[D मकरे बुधः ३०।४४
भ. २३।२३ उ., उषा. रविः १७।५२ (सौरः २४।३७)
भ. १०।४६ या., सौभाग्य सुन्दरी व्र., संकट हरगणपति व्र., गौरी B
पूषा. बुधः ११।२९ [B चतुर्थी, चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः २१।०६
भ. २९।४० उ., मकरे रविः २४।२३ (सौरः ३०।५२), निरयन A
[A उत्तरायनारंभः, बुधास्तः पूर्वस्याम् २७।१८, शत. शुक्रः २२।२९
भ. १६।४१ या., स्वामी विवेकानन्द जयंती
स्वातौ रे. ६ ऽ।।ऽशुऽ।।ऽ।। रात्रौ ल. ६ (स्टै. २३।३१ उपरान्त)
[C अभि.प्र.रविः१३।३१ (सौरः १९।२७), उषा. बुधः २८।०७
भ. १०।३३ उं. २१।३१ या.
षट्तिला ११ व्र., अनु. रे. ८ ।ऽ।।।।।ऽ।। दिवा ल. १२, रात्रौ E
प्रदोषः, तिल द्वादशी, सायन कुंभे भानुः २१।२९
भ. १५।५३ उ. २७।०५ या., मासिकशिवरात्री व्र., भा. माघारंभः, C
युगादि [E अ. गो. (अ. गो. स्टै. १९।०९ यावत्)
देवपितृकार्येऽमा., सोमवती अमा., मौनी.३०, नेताजी जयन्ती, D

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.मे है।

अयनांशाः २४।००।४६

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

संक्रांति फलम्

अयनांशाः २४।००।४७

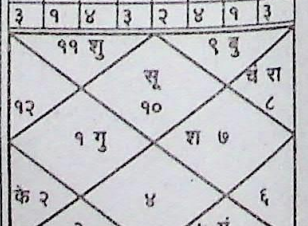
पं.४० मा.कृ. ४ शु. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
८	४	८	०	१०	६	७	९
२८	२८	१३	०६	०४	०५	१८	१८
१५	२३	०४	५४	४१	०४	१७	१७
४३	१२	५१	२६	२०	५९	४१	४१
६१	७	१०	३	७२	२	३	३
०८	२०	०५	४७	५८	३६	११	११
उषा	उफा	मू	अ	ध	चि	ज्ये	रों
१	१	४	३	४	४	१	३



ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	जन.	दिवा	दिवा	दिवा	सायं	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः	दिवा	दिवा
०८।२५।०२।०७	१ मं	१०	१२।२३	१।५९	३।५५	६।१०	८।३०	१०।४७	१।०३	३।२२	५।४१	७।४५	९।२८	१०।५७
०८।२६।०३।३०	२ बु	११	१२।१९	१।५५	३।५१	६।०६	८।२६	१०।४३	१२।५९	३।१८	५।३७	७।४१	९।२५	१०।५३
०८।२७।०४।५१	३ गु	१२	१२।१५	१।५१	३।४७	६।०२	८।२२	१०।३९	१२।५५	३।१४	५।३३	७।३७	९।२१	१०।४९
०८।२८।०६।१३	४ शु	१३	१२।११	१।४७	३।४४	५।५८	८।१८	१०।३५	१२।५१	३।१०	५।२९	७।३३	९।१७	१०।४५
०८।२९।०७।३४	५ श	१४	१२।०७	१।४३	३।४०	५।५४	८।१४	१०।३१	१२।४७	३।०६	५।२५	७।२९	९।१३	१०।४१
०९।००।०८।५४	७ र	१५	१२।०३	१।३९	३।३६	५।५०	८।१०	१०।२७	१२।४३	३।०२	५।२१	७।२५	९।०९	१०।३७
०९।०१।१०।१४	८ चं	१६	११।५९	१।३६	३।३२	५।४६	८।०६	१०।२३	१२।३९	२।५८	५।१७	७।२२	९।०५	१०।३३
०९।०२।११।३३	९ मं	१७	११।५५	१।३२	३।२८	५।४२	८।०३	१०।१९	१२।३५	२।५४	५।१३	७।१८	९।०१	१०।२९
०९।०३।१२।५२	१० बु	१८	११।५२	१।२८	३।२४	५।३९	७।५९	१०।१५	१२।३१	२।५०	५।०९	७।१४	८।५७	१०।२६
०९।०४।१४।१०	११ गु	१९	११।४८	१।२४	३।२०	५।३५	७।५५	१०।१२	१२।२७	२।४६	५।०५	७।१०	८।५३	१०।२२
०९।०५।१५।२८	१२ शु	२०	११।४४	१।२०	३।१६	५।३१	७।५१	१०।०८	१२।२३	२।४३	५।०१	७।०६	८।४९	१०।१८
०९।०६।१६।४४	१३ श	२१	११।४०	१।१६	३।१२	५।२७	७।४७	१०।०४	१२।१९	२।३९	४।५७	७।०२	८।४५	१०।१४
०९।०७।१८।००	१४ र	२२	११।३६	१।१२	३।०८	५।२३	७।४३	१०।००	१२।१६	२।३५	४।५३	६।५८	८।४१	१०।१०
०९।०८।१९।१५	३० चं	२३	११।३२	१।०८	३।०४	५।१९	७।३९	९।५६	१२।१२	२।३१	४।४९	६।५४	८।३७	१०।०६

ता. १४ जनवरी २०१२
माघ कृ. ५ शनौ मकरेऽर्के प्र. (स्टै.)
टा. २४।२३ वारात् २ नक्षत्रात् ३
वारनाम राक्षसी चाण्डालान् सुस्थदा
नक्षत्रनाम नंदा गणकान् सुस्थदा
मध्यरात्रि २ प्रहर व्यापिनी राक्षसान्
हन्ति, उत्तरे गमनं, ऐशान्यां दृष्टिः
वणिजकरणे प्रविष्टा मध्यमफलं
महिषवाहनं उष्ट्रोपवाहनं क्रौशकारक
श्यामवस्त्रं तोमरायुधं स्वप्परपात्रं
दधिभक्षणं अलक्तकलेपनं मृगजातिः
अर्कपत्रपुष्पं मणीभूषणं पाण्डुकंचुकी
प्रगल्भावस्था (बैठी) मु. ४५ धान्यभावे
समर्घ वत्स दक्षिणे राहु पूर्वे मूलं स्वर्गे
विवाहस्तंभो वायव्याम् शुक्रोदयः
पश्चिमायाम् । पुण्यकालः (स्टै.)
२४।२३ से रविवार १६।२३ तक। (दान-
काष्ट - अन्न)।

पं.४१ मा.कृ.१२ शु. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
९	४	८	०	१०	६	७	१
०५	२९	२३	०७	१३	०५	१७	१७
२३	००	४५	२४	१०	२१	५५	५५
२७	३३	२५	५६	४३	०७	२६	२६
६१	२	९३	५	७२	१	३	३
०४	३४	३०	०६	३०	५४	११	११
उषा	उफा	पूषा	अ	श	चि	ज्ये	रों
३	१	४	३	२	४	१	३



CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

२४ जनवरी से ७ फरवरी तक, श्री माघ शुक्लपक्ष संवत् २०६८, शाकः १९३३, दि.मा.सू. सू. तारीस्प स्टै. प्रातः दैनिक

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प.	उ.	अ.	मा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
लुम्बक	१	मं	१२	३५	१२	२७	श्रव	२०	०७	१५	२७	सि	२०	५७	१५	४८	ध	१२	३५	१२	२७	२६ २७	७ २५	५ ५६	४	२९	२४	कुंभे	२७।३७	९।०९।१३।०४	६१।९३
मित्र	२	बु	१२	०६	१२	१५	धनि	२१	१८	१५	५६	व्य	१७	४२	१४	२९	कौ	१२	०६	१२	१५	३०	२४	०६	५	१	२५	कुंभे		९।१०।१४।१८	६१।९२
वज्र	३	गु	१३	१०	१२	४०	शत	२४	०१	१७	००	व	१५	३९	१३	४०	ग	१३	१०	१२	४०	३३	२४	०१	६	२	२६	कुंभे		९।१९।१५।३०	६१।९१
ध्वाङ्क्ष	४	शु	१५	५३	१३	४५	पूभा	२८	१९	१८	४३	प	१४	५२	१३	२१	वि	१५	५३	१३	४५	३६	२४	०२	७	३	२७	मीने	१२।१४	९।१२।१६।४२	६१।९१
वसंत	५	श	२०	९३	१५	२८	उभा	३४	०७	२१	०२	शि	१५	१८	१३	३०	बा	२०	१३	१५	२८	३९	२३	०३	८	४	२८	मीने		९।१३।१७।५२	६१।०९
प्रवर्धमा	६	र	२५	५३	१७	४४	रेव	४१	०८	२३	५०	सि	१६	४६	१४	०५	तै	२५	५३	१७	४४	४२	२३	०४	९	५	२९	मेषे	२३।५०	९।१४।१९।०२	६१।०८
राक्षस	७	सो	३२	२५	२०	२०	अश्वि	४८	४९	२६	५४	सा	१८	५६	१४	५७	व	३२	२५	२०	२०	४५	२२	०४	१०	६	३०	मेषे		९।१५।२०।१०	६१।०७
मुसल	८	मं	३९	१०	२३	०२	भर	५६	३२	२९	५९	शु	२१	२१	१५	५४	वि	५	५०	९	४२	४८	२२	०५	११	७	३१	मेषे		९।१६।२१।१७	६१।०६
सिद्धि	९	बु	४५	२४	२५	३१	कृति	...	...	...	...	शु	२३	३३	१६	४७	बा	१२	२३	१२	१९	५१	२१	०६	१२	८	१	वृषे	१२।४३	९।१७।२२।२४	६१।०५
लुम्बक	१०	गु	५०	३१	२७	३३	कृति	३	३८	८	४८	ब्र	२५	०३	१७	२२	तै	१८	०८	१४	३६	५५	२१	०७	१३	९	२	वृषे		९।१८।२३।२९	६१।०४
ए.ब्र.	११	शु	५४	०२	२८	५७	रोहि	९	३१	११	०९	ऐ	२५	२९	१७	३२	व	२२	३०	१६	२०	५८	२०	०८	१४	१०	३	मिथु.	२४।०५	९।१९।२४।३२	६१।०३
वज्र	१२	श	५५	४५	२९	३८	मृग	१३	४८	१२	५१	वै	२४	३७	१७	११	ब	२५	०८	१७	२३	२७ ०२	२०	०८	१५	११	४	मिथु.		९।२०।२५।३५	६१।०१
प्र.ब्र.	१३	र	५५	३६	२९	३४	आर्द्रा	१६	१८	१३	५१	वि	२२	२१	१६	१५	कौ	२५	५५	१७	४१	०५	१९	०९	१६	१२	५	मिथु.		९।२१।२६।३६	६१।००ा
धूम्र	१४	सो	५३	४३	२८	४८	पुन	१७	०३	१४	०८	प्री	१८	४०	१४	४६	ग	२४	५२	१७	१६	०९	१९	१०	१७	१३	६	कर्के	८।०७	९।२२।२७।३७	६०।५२
पूर्णिमा	१५	मं	५०	१८	२७	२५	पुष्य	१६	१०	१३	४६	आ	१३	४०	१२	४६	वि	२२	१२	१६	११	१२	१८	११	१८	१४	७	कर्के		९।२३।२८।३५	६०।५७

केतकी अहर्गणः २९३ शिशिरर्तू रविरुत्तरे, जनवरी-फरवरी २०१२

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।

चंद्रदर्शनम् (मु.३०), पंचक प्रारम्भः २७।३७, श्री वल्लभ जयंती, A

रविलावल ३, अभि.नि. रविः १७।०७ (सौरः २२।४३), B

भ. २५।०८ उ., वरद (कुंद) ४, तिल चतुर्थी, गणराज्यदिवस

भ. १३।४५ या., उभा. रे. ७ SIIISIISII रात्रौ ल. ८ (सोग्रांगः D

वसन्त पञ्चमी, उभा. रे.७ SIIISIISII दिवा ल.३, रात्रौ ल. अ.गो.

पंचक समाप्तिः २३।५० [D रा. ७ पू.)

भ. २०।२० उ.,मन्वादि, पुत्र ७,रथ ७, अचला ७, श्रव. बुधः १०।२६

भ. ९।४२ या., भीष्माष्टमी

फरवरी २ ता. २९ [B पूभा. शुक्रः २३।१६

[A श्रव. रविः २०।०८ (सौरः २५।४८), वक्री भौमः १२।११

भ. १६।२० उ. २८।५७ या., जया ११ ब्र., मीने शुक्रः ८।०४

भीष्मद्वादशी

प्रदोषः, कल्पादि, उभा. शुक्रः २७।३१ [C बुधः २९।३७

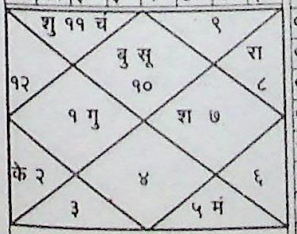
भ. २८।४८ उ., धनि. रविः २३।५५ (सौरः २७।५५), धनि. C

भ. १६।११ या., पूर्णिमा व्रतंपुण्यञ्च, माघ स्नान पूर्त्तिः

अयनांशाः २४।००।४८

पं.४२ मा.शु. ४ शु. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
९	४	९	०	१०	६	७	१
१२	२९	०४	०८	२१	०५	१७	१७
३०	०३	५१	०४	३६	३२	३३	३३
३९	००	५६	२१	२६	१५	११	११
६०	२	९७	६	७१	१	३	३
५९	४१	४७	१९	५६	१०	११	११
श्र	उभा	उभा	अ	पूभा	चि	ज्ये	रो
१	१व	३	३	१	४	१	३



॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

ब्रह्म र. स्प. प्रातः	वार तिथि	ता. जन.	मेष दिवा	वृष दिवा	मिथुन दिवा	कर्क सायं	सिंह रात्रौ	कन्या रात्रौ	तुला रात्रौ	वृश्चिक रात्रौ	धनु रात्रौ	मकर प्रातः	कुंभ दिवा	मीन दिवा
०९।०९।२०।२९	१ मं	२४	१९।२८	१०४	३।००	५।१५	७।३५	९।५२	११।०८	२।२७	४।४५	६।५०	८।३३	१०।०२
०९।१०।२१।४३	२ बु	२५	१९।२४	१।००	२।५६	५।१९	७।३१	९।४८	११।०४	२।२३	४।४१	६।४६	८।२९	९।५८
०९।११।२२।५५	३ गु	२६	१९।२०	१२।५६	२।५२	५।०७	७।२७	९।४४	११।००	२।१९	४।३७	६।४२	८।२५	९।५४
०९।१२।२४।०७	४ शु	२७	१९।१६	१२।५२	२।४८	५।०३	७।२३	९।४०	१९।५६	२।१५	४।३४	६।३८	८।२१	९।५०
०९।१३।२५।१७	५ श	२८	१९।१२	१२।४८	२।४४	४।५९	७।१९	९।३६	१९।५२	२।११	४।३०	६।३४	८।१८	९।४६
०९।१४।२६।२७	६ र	२९	१९।०८	१२।४४	२।४०	४।५५	७।१५	९।३२	१९।४८	२।०७	४।२६	६।३०	८।१४	९।४२
०९।१५।२७।३५	७ चं	३०	१९।०४	१२।४०	२।३६	४।५१	७।११	९।२८	१९।४४	२।०३	४।२२	६।२६	८।१०	९।३८
०९।१६।२८।४२	८ मं	३१	१९।००	१२।३६	२।३३	४।४७	७।०७	९।२४	१९।४०	१।५९	४।१८	६।२२	८।०६	९।३४
०९।१७।२९।४८	९ बु	१	१०।५६	१२।३२	२।२९	४।४३	७।०३	९।२०	१९।३६	१।५५	४।१४	६।१८	८।०२	९।३०
०९।१८।३०।५३	१० गु	२	१०।५२	१२।२९	२।२५	४।३९	६।५९	९।१६	१९।३२	१।५१	४।१०	६।१५	७।५८	९।२६
०९।१९।३१।५७	११ शु	३	१०।४८	१२।२५	२।२१	४।३५	६।५६	९।१२	१९।२८	१।४७	४।०६	६।११	७।५४	९।२२
०९।२०।३३।००ा	१२ श	४	१०।४५	१२।२१	२।१७	४।३२	६।५२	९।०८	१९।२४	१।४३	४।०२	६।०७	७।५०	९।१९
०९।२१।३४।०१	१३ र	५	१०।४१	१२।१७	२।१३	४।२८	६।४८	९।०५	१९।२०	१।३९	३।५८	६।०३	७।४६	९।१५
०९।२२।३५।०१	१४ चं	६	१०।३७	१२।१३	२।०९	४।२४	६।४४	९।०१	१९।१६	१।३६	३।५४	५।५९	७।४२	९।११
०९।२३।३६।००ा	१५ मं	७	१०।३३	१२।०९	२।०५	४।२०	६।४०	८।५७	१९।१२	१।३२	३।५०	५।५५	७।३८	९।०७

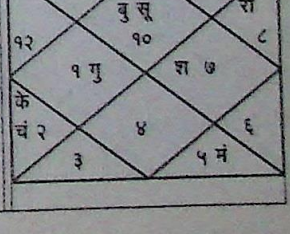
मास फलम्

इस माह में पांच मंगलवार होने से किसी बड़े व्यक्ति का अभाव हो । सोमवारी अमावस होने से सुभिक्ष क्षेम आरोग्य वर्षा का प्रबल उदय- धान्य की उत्पत्ति और प्रजा सुस्थ हो । शुक्ला प्रतिपदा को मंगलवार होने से ईतिभय हो । शुक्ला सप्तमी सोमवार होने से दुर्भिक्ष हो, तथा राजविग्रह हो । शुक्लाष्टमी को कृतिका न होने से फागुण में रोली लगे । पूर्णिमा पुष्य युक्त और मघा का अभाव होने से महर्घता हो । शनिवार की सक्रांति होने से अशुभ फलकारक है सभी तरह की वस्तुओं का क्षय हो प्रजा में दुर्भिक्ष हो, धान्यादि भाव तेज हो और रोगों की अधिकता हो ।

अयनांशाः २४।००।४९

पं.४३ मा.शु.११ शु. इष्टघटी ०।००

सू.	म.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
९	४	९	०	१०	६	७	१
१९	२८	१६	०८	२१	०५	१७	१७
३७	२७	३१	५२	५७	३८	१०	१०
०६	४४	२०	०१	५१	१४	५६	५६
६०	८	१०२	७	७१	०	३	३
५२	१३	५६	२७	१६	२६	११	११
श्र	उभा	श्र	अ	पूभा	चि	ज्ये	रो
३	१व	२	३	३	४	१	३



CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

८ फरवरी से २१ फरवरी तक, श्री फाल्गुन कृष्णपक्ष संवत् २०६८, शाकः १९३३, दि.मासू. सू. तारीस्थ स्टै. प्रातः दैनिक शिशिरर्तू रविरुत्तरे माघकृष्णेति गुर्जराः, फरवरी २०१२

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
राक्षस	९	बु	४५	४०	२५	३३	श्ले	९३	५४	९२	५९	सौ	७	३३	१०	९८	बा	१८	०९	१४	३३	२७ ९६	७ १७	६ ९३	१९	१५	८	सिंहे १२।५१	९।२४।२९।३३	६०।५६
मुसल	२	गु	४०	११	२३	२१	मघा	१०	३४	११	३०	शो	० ५२	३२ ५३	७ २८	३० ३६	तै	१३	०२	१२	२९	१९	१७	१२	२०	१६	९	सिंहे	९।२५।३०।२९	६०।५५
च.व्र.	३	शु	३४	०९	२०	५५	पूफा	६	३२	९	५३	सु	४४	५४	२५	१३	व	७	१३	१०	०९	२३	१६	१३	२१	१७	१०	कन्या १५।२७	९।२६।३१।२३	६०।५३
उत्पात	४	श	२७	५७	१८	२६	उफा	२ ५७	०९ ४३	८ ३०	०७ २०	धृ	३६	४९	२१	५९	ब	९	०४	७	४१	२७	१५	१४	२२	१८	११	कन्या	९।२७।३२।१६	६०।५२
पद्म	५	र	२१	५१	१५	५९	चित्रा	५३	३३	२८	४०	शू	२८	५२	१८	४७	तै	२१	५१	१५	५९	३०	१४	१५	२३	१९	१२	तुला. १७।२९	९।२८।३३।०८	६०।५०
छत्र	६	सो	१६	०५	१३	४०	स्वा	४९	५०	२७	१०	गं	२१	१३	१५	४३	व	१६	०५	१३	४०	३४	१४	१५	२४	२०	१३	तुला.	९।२९।३३।५८	६०।४९
श्रीवत्स	७	मं	१०	५१	११	३३	विशा	४६	४०	२५	५३	वृ	१३	५९	१२	४८	ब	१०	५१	११	३३	३८	१३	१६	२५	२१	१४	वृश्चि. २०।११	१०।००।३४।४७	६०।४७
सौम्य	८	बु	६	०९	९	४०	अनु	४४	०७	२४	५१	ध्रु	७	१३	१०	०५	कौ	६	०९	९	४०	४२	१२	१७	२६	२२	१५	वृश्चि.	१०।०१।३५।३४	६०।४५
काल	९	गु	२	०७	८	०२	ज्ये	४२	१०	२४	०३	व्या	० ५५	५७ ०१	७ २९	३४ ३५	ग	२	०७	८	०२	४५	११	१७	२७	२३	१६	धनु. २४।०३	१०।०२।३६।१९	६०।४४
क्षयः	१०	गु	५८	३९	३०	३९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
ए.व्र.	११	शु	५५	५१	२९	३१	मूल	४०	५१	२३	३१	व	४१	५३	२७	०८	ब	२७	११	१८	०३	४९	१०	१८	२८	२४	१७	धनु.	१०।०३।३७।०३	६०।४२
ए.व्र.	१२	श	५३	४५	२८	४०	पूषा	४०	१०	२३	१४	सि	४५	०९	२५	१३	की	२४	४३	१७	०३	५३	१०	१९	२९	२५	१८	मक. २९।१२	१०।०४।३७।४५	६०।४०
प्र.व्र.	१३	र	५२	२३	२८	०६	उषा	४०	१३	२३	१४	व्य	४१	०१	२३	३३	ग	२२	५९	१६	२०	५७	०९	२०	३०	२६	१९	मक.	१०।०५।३८।२५	६०।३९
शिवरा.	१४	सो	५९	५४	२७	५४	श्रव	४१	०५	२३	३४	व	३७	३२	२२	०९	वि	२२	०३	१५	५७	२८ ०९	०८	२०	१	२७	२०	मक.	१०।०६।३९।०४	६०।३७
अमाव.	३०	मं	५२	२६	२८	०५	धनि	४२	५६	२४	१७	प	३४	५०	२१	०३	च	२२	०३	१५	५६	०५	०७	२१	२	२८	२१	कुंभे ११।५३	१०।०७।३९।४१	६०।३५

शिवरात्रौ रविरुत्तरे माघकृष्णेति गुर्जराः, फरवरी २०१२

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।
मघा रे. ८ ।।।।ऽ।।ऽ।। दिवा ल. ३, रात्रौ गोधूलि ६।९ (कन्या E
[E शु. ७ पू.), वक्री शनिः ९।३३ [C कुंभे बुधः २३।३२
भ. १०।०९ उ. २०।५५ या., चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः २०।५९, C
हस्ते रे. ६ ।।।ऽशुऽ।ऽ।। दिवा. ल. ३, रात्रौ गोधूलि ९, अश्वि.-४ F
स्वातौ रे. ८ ।ऽ।।ऽ।।।।। रात्रौ ल. ९ (स्टै. २८।४० उपरांत), (व) D
भ. १३।४० उ. २४।३५ या., कुंभे रविः १३।१८ (सौरः १७।३०)
शत. बुधः १५।३७ [F गुरुः १९।०२
[D पूफा.भौमः १६।१९, अनु.-४ राहुः २४।४८, रोहि.-२ केतुः २४।४८
भ. १९।१९ उ. ३०।३९ या., रामदास ९ [B सौरः ७।३०
[G रात्रौ अ. गो. (मिथु. चं. ७ पू.), रेव. शुक्रः १२।३०
विजया ११ व्र.स्मार्त, मूले रे. ८ ।ऽ।।।।।ऽ।। दिवा ल. १२।३, G
विजया ११ व्र.वैष्ण. [A बुधोदयः पश्चिमायाम् ७।५१
भ. २८।०६ उ.,प्रदोषः,शत. रविः २७।४४, सायन मीने भानुः ११।३२
भ. १५।५७ या., महाशिवरात्री व्रतम्, भा. फाल्गुनारंभः, शत. B
पंचक प्रारम्भः ११।५३, देवपितृकार्येऽमा., पूभा. बुधः २१।४८, A

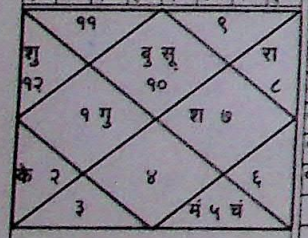
अयनांशाः २४।००।५०

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

संक्रांति फलम् **अयनांशाः २४।००।५१**

पं.४४ फा.कृ. ३ शु. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा	के.
९	४	९	०	११	६	७	१
२६	२७	२८	०९	०८	०५	१६	१६
४२	१३	४६	४७	१४	३९	४८	४८
३८	४६	५२	१८	१२	०३	४०	४०
६०	१३	१०७	८	७०	०	३	३
४४	३९	५३	२९	२९	१८	११	११
घ	उफा	घ	अ	उभा	चि	ज्ये	रो
२	१व	२	३	२	४व	१	३

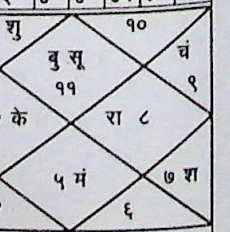


ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	फर.	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	सायँ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः	दिवा
०९।२४।३६।५७	१ बु	८	१०।२९	१२।०५	२।०१	४।१६	६।३६	८।५३	११।०९	१।२८	३।४६	५।५१	७।३४	९।०३
०९।२५।३७।५३	२ गु	९	१०।२५	१२।०१	१।५७	४।१२	६।३२	८।४९	११।०५	१।२४	३।४२	५।४७	७।३०	८।५९
०९।२६।३८।४७	३ शु	१०	१०।२९	११।५७	१।५३	४।०८	६।२८	८।४५	११।०१	१।२०	३।३८	५।४३	७।२६	८।५५
०९।२७।३९।४०	४ श	११	१०।१७	११।५३	१।४९	४।०४	६।२४	८।४१	१०।५७	१।१६	३।३४	५।३९	७।२२	८।५१
०९।२८।४०।३२	५ र	१२	१०।१३	११।४९	१।४५	४।००	६।२०	८।३७	१०।५३	१।१२	३।३०	५।३५	७।१८	८।४७
०९।२९।४१।२२	६ चं	१३	१०।०९	११।४५	१।४१	३।५६	६।१६	८।३३	१०।४९	१।०८	३।२७	५।३१	७।१४	८।४३
१०।००।४२।१०	७ मं	१४	१०।०५	११।४१	१।३७	३।५२	६।१२	८।२९	१०।४५	१।०४	३।२३	५।२७	७।११	८।३९
१०।०१।४२।५७	८ बु	१५	१०।०१	११।३७	१।३३	३।४८	६।०८	८।२५	१०।४१	१।००	३।१९	५।२३	७।०७	८।३५
१०।०२।४३।४३	९ गु	१६	९।५७	११।३३	१।३०	३।४४	६।०४	८।२१	१०।३७	१२।५६	३।१५	५।१९	७।०३	८।३१
१०।०३।४४।२६	१० शु	१७	९।५३	११।२९	१।२६	३।४०	६।००	८।१७	१०।३३	१२।५२	३।११	५।१५	६।५९	८।२७
१०।०४।४५।०८	११ श	१८	९।४९	११।२५	१।२२	३।३६	५।५६	८।१३	१०।२९	१२।४८	३।०७	५।११	६।५५	८।२३
१०।०५।४५।४८	१२ र	१९	९।४५	११।२२	१।१८	३।३२	५।५२	८।०९	१०।२५	१२।४४	३।०३	५।०८	६।५१	८।१९
१०।०६।४६।२७	१३ चं	२०	९।४१	११।१८	१।१४	३।२८	५।४९	८।०५	१०।२१	१२।४०	२।५९	५।०४	६।४७	८।१५
१०।०७।४७।०४	१४ मं	२१	९।३८	११।१४	१।१०	३।२५	५।४५	८।०१	१०।१७	१२।३६	२।५५	५।००	६।४३	८।१२

ता. १३ फरवरी २०१२
फा. कृ. ६ चंद्रे कुंभेऽर्कः प्र. (स्टै.)
टा. १३।१८ वारात् ३ नक्षत्रात् ४
वारनाम ध्यांक्षी वैश्यान् सुस्थदा
नक्षत्रनाम महोदरी चोरान् सुस्थदा
मध्यान्ह २ प्रहर व्यापिनी द्विजान् हन्ति,
पश्चिमे गमनं वायव्यां दृष्टिः वणिजकरणे
प्रविष्टा मध्यमफलं महिषवाहनं
उष्ट्रोपवाहनं क्लैशकारक श्यामवस्त्रं
तोमरायुधं स्वप्परपात्रं दधिभक्षणं
अलक्तकलेप्यनं मृगजातिः अर्कपत्रपुष्पं
मणीभूषणं पाण्डुकंचुकी प्रगल्भावस्था
(बैठी) मु. १५ धान्यभावे महर्घता वत्स
पश्चिमा. राहु दक्षिणे मूलं पातालेः
विवाहस्तंभो नैऋत्यां शुक्रोदयः
पश्चिमायाम् । पुण्यकालः रविवार
(स्टै.) ३०।५४ से सोमवार १३।१८
तक । (दान- गोड़ - अन्न) ।

पं.४५ फा.कृ.११ शु. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
१०	४	१०	०	११	६	७	१
०३	२५	११	१०	१६	०५	१६	१६
४७	२३	३१	४९	२४	३४	२६	२६
०३	११	५५	२९	३५	४२	२६	२६
६०	१८	११०	९	६९	१	३	३
३४	२९	३४	२५	३३	०२	११	११
घ	पूफा	श	अ	उभा	चि	अनु	रो
४	४व	२	४	४	४व	४	२



CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

२२ फरवरी से ८ मार्च तक, श्री फाल्गुन शुक्लपक्ष संवत् २०६८, शाकः १९३३, दि.मासू. सू. तारीस्प स्टै. प्रातः दैनिक केतकी अहर्गणः ३२२ वसंतर्तू रविरुत्तरे, फरवरी-मार्च २०१२

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
मानस	१	बु	५४	०८	२८	४५	शत	४५	५२	२५	२७	शि	३२	५९	२०	१८	किं	२३	०९	१६	२२	२८/०९	७/०६	६/२३	३	२९	२२	कुंभे	१०।०८।४०।१७	६०।३३
फुलरि.	२	गु	५७	०७	२९	५६	पूभा	५०	०२	२७	०६	सि	३२	०६	१९	५६	बा	२५	२९	१७	१७	१३	०५	२२	४	३०	२३	मीने २०।३८	१०।०९।४०।५०	६०।३२
ध्वजा	३	शु	...	...	...	..	उभा	५५	२७	२९	१५	सा	३२	१२	१९	५७	तै	२९	०६	१८	४३	१७	०४	२३	५	१	२४	मीने	१०।१०।४१।२१	६०।३०
धाता	३	श	१	२६	७	३८	रेव	...	...	...	...	शु	३३	१६	२०	२२	ग	१	२६	७	३८	२१	०३	२४	६	२	२५	मीने	१०।११।४१।५१	६०।२८
प्रवर्धमा	४	र	६	५५	९	४८	रेव	२	०४	७	५२	शु	३५	०९	२१	०६	वि	६	५५	९	४८	२५	०२	२४	७	३	२६	मेषे ७।५२	१०।१२।४२।१९	६०।२६
राक्षस	५	सो	९३	१८	१२	२१	अश्वि	९	३२	१०	५०	ब्र	३७	३५	२२	०३	बा	१३	१८	१२	२१	२९	०१	२५	८	४	२७	मेषे	१०।१३।४२।४५	६०।२४
मुसल	६	मं	२०	०८	१५	०३	भर	१७	२६	१३	५९	ऐ	४०	११	२३	०५	तै	२०	०८	१५	०३	३३	००	२६	९	५	२८	वृषे २०।४६	१०।१४।४३।०९	६०।२२
सिद्धि	७	बु	२६	४२	१७	४०	कृति	२५	०९	१७	०३	वै	४२	२६	२३	५८	व	२६	४२	१७	४०	३७	५/५	२६	१०	६	२९	वृषे	१०।१५।४३।३२	६०।२०
होलाष्ट.	८	गु	३२	२४	१९	५६	रोहि	३२	०२	१९	४७	वि	४३	५६	२४	३३	ब	३२	२४	१९	५६	४१	५८	२७	११	७	१	वृषे	१०।१६।४३।५२	६०।१८
मानस	९	शु	३६	३५	२१	३५	मृग	३७	२९	२१	५७	प्री	४४	१४	२४	३९	बा	४	४३	८	५१	४५	५७	२७	१२	८	२	मिथु. ८।५७	१०।१७।४४।२०	६०।१६
मुद्गर	१०	श	३८	५०	२२	२८	आर्द्रा	४१	०६	२३	२३	आ	४३	०१	२४	०९	तै	७	५९	१०	०८	४९	५६	२८	१३	९	३	मिथु.	१०।१८।४४।२७	६०।१४
ए.व्र.	११	र	३८	५८	२२	३०	पुन	४२	३९	२३	५९	सौ	४०	१०	२२	५९	व	९	१२	१०	३६	५३	५५	२९	१४	१०	४	कर्के १७।५४	१०।१९।४४।४१	६०।१२
धाता	१२	सो	३६	५९	२१	४२	पुष्य	४२	०९	२३	४६	शो	३५	४२	२१	११	ब	८	१४	१०	१२	५८	५४	२९	१५	११	५	कर्के	१०।२०।४४।५३	६०।१०
प्र.व्र.	१३	मं	३३	०४	२०	०७	श्ले	३९	४६	२२	४८	अ	२९	४०	१८	४५	कौ	५	१६	९	००/२९	५३	३०	१६	१२	६	सिंहे २२।४८	१०।२१।४५।०४	६०।०८
होली	१४	बु	२७	३१	१७	५३	मघा	३५	५१	२१	१२	सु	२२	२०	१५	४८	ग	०	२९	७	०४	०६	५२	३०	१७	१३	७	सिंहे	१०।२२।४५।१२	६०।०६
छारेंडी	१५	गु	२०	४५	१५	०९	पूफा	३०	४५	१९	०९	धृ	१३	५८	१२	२६	ब	२०	४५	१५	०९	१०	५१	३१	१८	१४	८	कन्या २४।३५	१०।२३।४५।१८	६०।०४

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।

चंद्रदर्शनम् (मु.३०), फुलरिया २, श्री रामकृष्ण परमहंस जयंती
उभा. रे. ९ ।ऽ।।।।।।। दिवा ल. ३।४, रात्री ९, रविलास्तर ४
भ. २०।४० उ., रेवत्यां रे. ८ ।।ऽशु।।।।।ऽ द. दिवा ल. ४
भ. ९।४८ या., पंचक समाप्तिः ७।५२
याज्ञवल्क्य जयंती, मीने बुधः १५।०२
मेषे अश्वि. शुक्रः २८।०९
भ. १७।४० उ. ३०।५२ या., उभा. बुधः १८।०१
होलाष्टक, मार्च ३ ता. ३१
भर.-१ गुरुः २४।३५
[A थापणा भद्रा के पहिले पूभा. रविः १०।०० (सौरः १३।०१)
भ. १०।३६ उ. २२।३० या., आमलकी ११ व्र., बिड़कुल्ल-ढाल A
मेला श्रीश्यामजी (स्यादु)
प्रदोषः [B दहनं भद्रोत्तरम्, करिदिन
भ. १७।५३ उ. २८।३४ या., जेलपोणी भद्रा के पहिले, होलिका B
मन्वादि, पूर्णिमा व्रतंपुण्यञ्च, छरेंडी देशाचारे, करिदिन

अयनांशाः २४।००।५२

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	फर.	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	सायं	रात्री	रात्री	रात्री	रात्री	रात्री	प्रातः	दिवा
१०।०८।४७।३९	१ बु	२२	९।३४	९९।१०	१।०६	३।२१	५।४१	७।५८	९०।१३	९२।३२	२।५१	४।५६	६।३९	८।०८
१०।०९।४८।१२	२ गु	२३	९।३०	९९।०६	१।०२	३।१७	५।३७	७।५४	९०।०९	९२।२९	२।४७	४।५२	६।३५	८।०४
१०।१०।४८।४४	३ शु	२४	९।२६	९९।०२	९२।५८	३।१३	५।३३	७।५०	९०।०५	९२।२५	२।४३	४।४८	६।३१	८।००
१०।११।४९।१३	३ श	२५	९।२२	९०।५८	९२।५४	३।०९	५।२९	७।४६	९०।०२	९२।२१	२।३९	४।४४	६।२७	७।५६
१०।१२।४९।४१	४ र	२६	९।१८	९०।५४	९२।५०	३।०५	५।२५	७।४२	९।५८	९२।१७	२।३५	४।४०	६।२३	७।५२
१०।१३।५०।०७	५ चं	२७	९।१४	९०।५०	९२।४६	३।०१	५।२१	७।३८	९।५४	९२।१३	२।३१	४।३६	६।१९	७।४८
१०।१४।५०।३१	६ मं	२८	९।१०	९०।४६	९२।४२	२।५७	५।१७	७।३४	९।५०	९२।०९	२।२७	४।३२	६।१५	७।४४
१०।१५।५०।५३	७ बु	२९	९।०६	९०।४२	९२।३८	२।५३	५।१३	७।३०	९।४६	९२।०५	२।२३	४।२८	६।११	७।४०
१०।१६।५१।१३	८ गु	१	९।०२	९०।३८	९२।३४	२।४९	५।०९	७।२६	९।४२	९२।०१	२।२०	४।२४	६।०८	७।३६
१०।१७।५१।३१	९ शु	२	८।५८	९०।३४	९२।३०	२।४५	५।०५	७।२२	९।३८	९१।५७	२।१६	४।२०	६।०४	७।३२
१०।१८।५१।४७	१० श	३	८।५४	९०।३०	९२।२६	२।४१	५।०१	७।१८	९।३४	९१।५३	२।१२	४।१६	६।००	७।२८
१०।१९।५२।०२	११ र	४	८।५०	९०।२६	९२।२३	२।३७	४।५७	७।१४	९।३०	९१।४९	२।०८	४।१२	५।५६	७।२४
१०।२०।५२।१४	१२ चं	५	८।४६	९०।२२	९२।१९	२।३३	४।५३	७।१०	९।२६	९१।४५	२।०४	४।०८	५।५२	७।२०
१०।२१।५२।२४	१३ मं	६	८।४२	९०।१९	९२।१५	२।२९	४।४९	७।०६	९।२२	९१।४१	२।००	४।०४	५।४८	७।१६
१०।२२।५२।३२	१४ बु	७	८।३८	९०।१५	९२।११	२।२५	४।४६	७।०२	९।१८	९१।३७	१।५६	४।०१	५।४४	७।१२
१०।२३।५२।३८	१५ गु	८	८।३४	९०।११	९२।०७	२।२२	४।४२	६।५८	९।१४	९१।३३	१।५२	३।५७	५।४०	७।०८

मास फलम्

इस माह में पांच बुधवार होने से रसवाली वस्तुओं का अभाव हो यथा- ॥बुधेरसक्षयोमूम्याम्॥ पांच गुरुवार होने से धान्य सस्ता हो यथा- ॥चन्द्रजीवौ यदापंच धान्यादीनां समर्घता ॥ मास के प्रथम दिन में बुधवार होने से अन्न की महँगाई हो। कृष्णा षष्ठी को स्वाति होने से दुर्भिक्ष हो। मगलवारी अमावस होने से उपघात-अल्पवृष्टि और धनिष्ठा योग दुर्भिक्ष हो। शुक्ला सप्तमी को कृत्तिका होने से सुभिक्ष हो। शुक्ला दशमी को आर्द्रा होने से अवर्षण हो। पूर्णिमा पूर्वाफाल्गुनी युक्त होने से समर्घता हो। सोमवार की सक्रांति होने से दक्षिण की पवन चले, धान्यादि सभी वस्तुओं के भाव मंदे हो, रस घृत किराणे की वस्तुएं तेज हों, लोक, महाजन प्रसन्न हों।

अयनांशाः २४।००।५२

पं.४६ फा.शु. ३ शु. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
१०	४	१०	०	११	६	७	१
१०	२३	२४	११	२४	०५	१६	१६
५०	०२	१७	५७	२७	२५	०४	०४
१४	१६	४८	५५	५३	२०	११	११
६०	२२	१०५	१०	६८	१	३	३
२३	०२	३१	१५	२६	४४	११	११
श	पूफा	पूभा	अ	रे	चि	अनु	रो
२	३४	२	४	३	४ब	४	२



पं.४७ फा.शु. ९ शु. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
१०	४	११	०	०	६	७	१
१७	२०	०५	१३	०२	०५	१५	१५
५२	२१	३२	१९	२२	११	४१	४१
०२	४९	४१	५५	४५	०९	५७	५७
६०	२३	७८	११	६७	२	३	३
११	४३	४२	००	०६	२४	११	११
श	पूफा	उभा	अ	ज	चि	अनु	रो
४	३४	१	४	१	४ब	४	२



CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

॥ श्रीवल्लभ मनीराम पञ्चाङ्गम् ॥

९ मार्च से २२ मार्च तक, श्री चैत्र कृष्णपक्ष संवत् २०६८, शाकः १९३३, दि.मासू. सू. तारीख स्टै. प्रातः दैनिक वसंतर्तू रविरुत्तरे फाल्गुनकृष्णेति गुर्जराः, मार्च २०१२

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
शुभ	१	शु	१३	१०	१२	०६	उफा	२४	५७	१६	४९	शु	४ ५५	५३ २५	८ २९	४७ ००*	कौ	१३	१०	१२	०६	२९ ५४	६ ५०	६ ३२	१९	१५	९	कन्या	१०।२४।४५।२२	६०।०२
मृत्यु	२	श	५	१४	८	५४	हस्त	१८	५२	१४	२२	वृ	४५	५८	२५	९२	ग	५	१४	८	५४	१८	४९	३२	२०	१६	१०	तुला.	२५।०९	१०।२५।४५।२४	६०।००
क्षयः	३	श	५७	१८	२९	४४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
च.ग्र.	४	र	४९	४९	२६	४३	चित्रा	१२	५७	११	५९	ध्रु	३६	४८	२१	३१	ब	२३	३०	१६	१२	२२	४८	३३	२१	१७	११	तुला.	१०।२६।४५।२४	५९।५८
छत्र	५	सो	४३	०४	२४	००	स्वा	७	३२	९	४८	व्या	२८	११	९८	०३	कौ	१६	२२	१३	९९	२७	४७	३३	२२	१८	१२	वृश्चि.	२६।२२	१०।२७।४५।२१	५९।५५
श्रीवत्स	६	मं	३७	१४	२१	३९	विशा	२ ५९	५५ ५५	७ ३०	५६ २७	ह	२०	१६	१४	५२	ग	१०	०२	१०	४६	३१	४६	३४	२३	१९	१३	वृश्चि.	२८।२८	१०।२८।४५।१७	५९।५३
ध्वाङ्क्ष	७	बु	३२	२७	९९	४३	ज्ये	५६	४३	२९	२६	व	१३	१२	१२	०१	वि	४	४३	८	३८	३५	४४	३४	२४	२०	१४	धनु.	२९।२६	१०।२९।४५।१०	५९।५१
शीतला	८	गु	२८	५०	१८	१६	मूल	५५	१९	२८	५१	सि	७	०३	९	३२	बा	०	३१	६	५६	३९	४३	३५	२५	२१	१५	धनु.	११।००।४५।०१	५९।४९
प्रवर्धमा	९	शु	२६	२२	१७	१५	पूषा	५५	०२	२८	४३	व्य	९ ५७	४९ २५	७ २९	२६ ४०	ग	२६	२२	१७	१५	४३	४२	३६	२६	२२	१६	धनु.	११।०१।४४।५०	५९।४७
राक्षस	१०	श	२५	००	१६	४९	उषा	५५	५०	२९	०१	प	५३	५८	२८	१६	वि	२५	००	१६	४१	४७	४१	३६	२७	२३	१७	मक.	१०।४५	११।०२।४४।३७	५९।४५
ए.ग्र.	११	र	२४	४४	१६	३३	श्रव	५७	४१	२९	४४	शि	५१	२०	२७	१२	बा	२४	४४	१६	३३	५२	४०	३७	२८	२४	१८	मक.		११।०३।४४।२१	५९।४२
प्र.ग्र.	१२	सो	२५	३०	१६	५९	धनि	...	...	...	...	सि	४९	३१	२६	२७	तै	२५	३०	१६	५१	५६	३९	३७	२९	२५	१९	कुंभे	१८।१५	११।०४।४४।०३	५९।४०
उत्पात	१३	मं	२७	१९	१७	३३	धनि	०	३५	६	५२	सा	४८	३०	२६	०२	व	२७	१९	१७	३३	३० ००*	३८	३८	३०	२६	२०	कुंभे		११।०५।४३।४३	५९।३८
मानस	१४	बु	३०	०७	१८	३९	शत	४	२४	८	२२	शु	४८	१३	२५	५४	श	३०	०७	१८	३९	०४	३७	३८	१	२७	२१	मीने	२७।४५	११।०६।४३।२१	५९।३६
अमाव.	३०	गु	३३	५२	२०	०८	पूषा	९	११	१०	१६	शु	४८	४१	२६	०४	च	१	५५	७	२१	०८	३५	३९	२	२८	२२	मीने		११।०७।४२।५७	५९।३३

तिथि	घटी	पल
शु. ९	५९	५८
कृ. ७	५९	५८
बु. ९	५९	५८
गु. ०	५९	५८
शु. ९	५९	५८
श. ६	५९	५८
रा. ७	५९	५८
के. ९	५९	५८

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।
वसन्त १ [A ३, कल्यादि
भ. १९।१८ उ. २९।४४ या., हस्ते रे. ७ ऽ।।ऽबुऽ।।।।। दिवा ल. A
[B योग ६।५२ से १७।३३ तक, सायन मेषे भानुः १०।२५
चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः २२।०१, स्वातौ रे. ७ ।।।।ऽ।।ऽ।ऽ दिवा ल. C
वक्री बुधः २३।०० [C ३।४ रात्रौ गो. ९, स्वातौ रे.८ ।।।।ऽ।।ऽ।। D
भ. २१।३९ उ. [D रात्रौ ल. १०, भर. शुक्रः २९।४३
म. ८।३८ या., मीने रविः १०।०६ (सौरः १२।४१)
शीतला पूजनं, बुधास्तः पश्चिमायाम् १८।१६
भ. २८।५५ उ.
भ. १६।४१ या., उभा. रविः १८।२५ (सौरः २०।५३)
पापमोचनी ११ व्र.
पंचक प्रारम्भः १८।१५, प्रदोषः, भर.-२ गुरुः २३।५९
भ. १७।३३ उ. ३०।०३ या., मासिकशिवरात्री व्र., वारुणी B
भा. चैत्रारंभः, (व) मघा. भौमः १०।०५
देवपितृकार्येऽमा., केतकी अहर्गणः ३५१, चक्र ७, मन्वादि

अयनांशाः २४।००।५३

पं.४८ चै.कृ. १ शु. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
१०	४	११	०	०	६	७	१
२४	१७	१२	१४	१०	०४	१५	१५
५२	३६	१०	३०	०७	५२	१९	१९
२१	०५	११	५२	२४	३४	४३	४३
५९	२३	२३	११	६५	३	३	३
५८	१४	४४	३९	२८	००	११	११
पूषा	पूषा	उभा	भ	अ	चि	अनु	रो
२	२व	३	१	४	४व	४	२



॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	मार्च	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	सायं	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः
१०।२४।५२।४१	१ शु	९	८।३१	१०।०७	१२।०३	२।१८	४।३८	६।५५	९।१०	११।२९	१।४८	३।५३	५।३६	७।०५
१०।२५।५२।४३	२ श	१०	८।२७	१०।०३	११।५९	२।१४	४।३४	६।५१	९।०६	११।२६	१।४४	३।४९	५।३२	७।०१
१०।२६।५२।४३	४ र	११	८।२३	९।५९	११।५५	२।१०	४।३०	६।४७	९।०२	११।२२	१।४०	३।४५	५।२८	६।५७
१०।२७।५२।४०	५ चं	१२	८।१९	९।५५	११।५१	२।०६	४।२६	६।४३	८।५९	११।१८	१।३६	३।४१	५।२४	६।५३
१०।२८।५२।३५	६ मं	१३	८।१५	९।५१	११।४७	२।०२	४।२२	६।३९	८।५५	११।१४	१।३२	३।३७	५।२०	६।४९
१०।२९।५२।२८	७ बु	१४	८।११	९।४७	११।४३	१।५८	४।१८	६।३५	८।५१	११।१०	१।२८	३।३३	५।१६	६।४५
११।००।५२।१९	८ गु	१५	८।०७	९।४३	११।३९	१।५४	४।१४	६।३१	८।४७	११।०६	१।२४	३।२९	५।१२	६।४१
११।०१।५२।०८	९ शु	१६	८।०३	९।३९	११।३५	१।५०	४।१०	६।२७	८।४३	११।०२	१।२०	३।२५	५।०८	६।३७
११।०२।५१।५४	१० श	१७	७।५९	९।३५	११।३१	१।४६	४।०६	६।२३	८।३९	१०।५८	१।१७	३।२१	५।०४	६।३३
११।०३।५१।३८	११ र	१८	७।५५	९।३१	११।२७	१।४२	४।०२	६।१९	८।३५	१०।५४	१।१३	३।१७	५।०१	६।२९
११।०४।५१।२०	१२ चं	१९	७।५१	९।२७	११।२३	१।३८	३।५८	६।१५	८।३१	१०।५०	१।०९	३।१३	४।५७	६।२५
११।०५।५१।००	१३ मं	२०	७।४७	९।२३	११।१९	१।३४	३।५४	६।११	८।२७	१०।४६	१।०५	३।०९	४।५३	६।२१
११।०६।५०।३८	१४ बु	२१	७।४३	९।१९	११।१६	१।३०	३।५०	६।०७	८।२३	१०।४२	१।०१	३।०५	४।४९	६।१७
११।०७।५०।१३	१० गु	२२	७।३९	९।१५	११।१२	१।२६	३।४६	६।०३	८।१९	१०।३८	१२।५७	३।०१	४।४५	६।१३

संक्रांति फलम्

ता. १४ मार्च २०१२
चैत्र कृ. ७ बुधे मीनेऽर्कः प्र. (स्टै.) टा. १०।०६ वारात् ३ नक्षत्रात् ४ वारनाम मंदाकिनी नृपतीन् सुस्वदा नक्षत्रनाम राक्षसी चाण्ड़ालान् सुस्वदा पूर्वान्हे १ प्रहर व्यापिनी नृपतीन् हन्ति, पूर्वे गमनमाग्नेयां दृष्टिः बवकरणे प्रविष्टा मध्यमफलं सिंहवाहनं गजोपवाहनं भीतिकारक श्वेतवस्त्रं भुशुण्ड्यायुधं स्वर्णपात्रं अन्नभक्षणं कस्तूरीलेपनं दैवतंजातिः पुन्नागपुष्पं पिरोजभूषणं विचित्रकंचुकी बालावस्था (बैठी) मु. १५ धान्यभावे महर्घता वत्स पश्चिमा. राहु दक्षिणे मूलं भूमी विवाहस्तंभो नैऋत्यां शुक्रोदयः पश्चिमायाम् । पुण्यकालः (स्टै.) १०।०६ से १६।३० तक । (दान- भूमि माला) ।

अयनांशाः २४।००।५४

पं.४९ चै.कृ. ९ शु. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
११	४	११	०	०	६	७	१
०१	१५	११	१५	१७	०४	१४	१४
५१	००	५४	५४	३९	३०	५७	५७
०६	१७	२७	०९	३७	०१	२८	२८
५९	२०	३३	१२	६३	३	३	३
४४	३९	३८	१३	२९	३१	११	११
पूषा	पूषा	उभा	भ	भ	चि	अनु	रो
४	१व	३व	१	२	४व	४	२



CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

श्री गणेशाय नमः ॥ अंचित्याव्यक्तरुपाय निर्गुणाय गुणात्मने ॥ समस्त जगदाधार मूर्तये ब्रह्मणे नमः ॥ पञ्चाङ्ग रत्नं प्रसरन्मयूखं श्री केतकी दृग्गणितेन युक्तम् ॥ लोकोपकाराय कृत प्रयत्न प्रचक्रतु मोह विनाशदक्षम् ॥ २ ॥ अथास्मिन् वर्षे सृष्टितो गताब्दाः १९५५८८५११३, तत्र कृतयुग प्रमाणम् १७२८०००, त्रेतायुग प्रमाणम् १२९६०००, द्वापरयुग प्रमाणम् ८६४०००, कलियुग प्रमाणम् ४३२०००, तन्मध्ये गतकलिः ५११३ भोग्यकलिः ४२६८८७ अथास्मिन् - शुभ संवत्सरे श्रीमन्नृपतिविक्रमादित्यराज्यात् संवत् २०६९ शाकः १९३४ । अथाऽस्मिन् वर्षे राजा शुक्रः १, मंत्री शुक्रः २, सस्येशश्चंद्रः ३, धान्येशः शनिः ४, मेघेशो गुरुः ५, रसेशो भौमः ६, नीरसेशो रविः ७, फलेशो गुरुः ८, धनेशो रविः ९, दुर्गेशो गुरुः १०, एते दशाधिकारिणः । तत्र वार्हस्पत्य मानेन प्रभवादी षट्यब्दानां मध्ये विष्णु विंशतिकायां १९ विश्वावसु नामास्यः संवत्सरः प्रवर्तते । तस्य मेषाऽर्क समये गत मासादि ११।२३।४५।३६ भोग्य मासादि ०।६।१४।२४ विश्वेदेव दैवतं युगम् । वर्षनाम आश्विन । चतुर्मेघनाम आवर्त्तः । रोहिणी निवासो पर्वते । समय निवासो कुंभकारगृहे । समय विश्वा २० । समय वाहन दुर्दुर । स्तंभ १ तृण । सोमवत्यमा. २ । सोमवती पंचमी १ । अंगारकी चतुर्थी २ । भानु सप्तमी २ । बुधाष्टमी ३ । रविदशमी १ । समय मुहूर्तानि ३९० । समय दिनानि ३८४ । तिथि क्षयः १८ । तिथि वृद्धिः १२ । अष्टोत्तरी मतेन उत्पत्ति विश्वा ९९ । स्वपति विश्वा १२६ । विंशोत्तरी मतेन उत्पत्ति विश्वा ८७ । स्वपति विश्वा १२३ । वर्षा विश्वा १७ । धान्यम् १७ । तृणम् १५ । शीतम् १५ । तेजः ११ । वायुः १३ । वृद्धिः १५ । क्षयः १५ । विग्रह ११ । ऐक्यम् १२९ । (क्षुधा ५ । तृष्णा १५ । निद्रा ५ । आलस्य १ । उद्यम १७ । शान्ति १ । क्रोध ३ । दण्ड ५ । मैत्री १३ । उत्सव ११ । पाप ११ । पुण्य ७ । उग्रत्व ५ । रसोत्पत्तिः ३ । फलोत्पत्तिः ७ । व्याधि ५ । व्याधिनाश १९ । आचार १९ । अनाचार ७ । मृत्यु ३ । जन्म ११ । चौर १७ । उपशमन ५ । अग्निभय ११ । अग्निशमः ३) सत्यम् ॥, धर्म ११॥, पाप १८ । शनि दृष्टिः पश्चिमायाम् । ग्रहणाऽभावः ॥ उद्रिजः ९ । जरायुजः ३ । पिण्डजः ११ । स्वदेजः ५ । इस वर्ष का फल उत्तम है । आगे गौ प्रजा भाग्य प्रबल है ।

(१) नोट - ज्येष्ठ शुक्ला १५ सोमवार, संवत् २०६९, ता. ४.जून २०१२, रामगढ में खण्डग्रास **चंद्रग्रहण** का अभाव है. लेकिन भारत के अन्य भागों में दिखाई देगा ।

(१) ज्येष्ठ कृष्णा ३० चन्द्रवासरे, संवत् २०६९, ता. २१ मई २०१२, रामगढ में **सूर्यग्रहण** का अभाव है लेकिन भारत के अन्य भागों में दिखाई देगा ।

जहाँ ग्रहण दिखाई नहीं दे वहाँ तत्सम्बधि धार्मिक कृत्य करना आवश्यक नहीं है ।

नोट- ग्रहणों का विशेष विवरण वार्षिकपञ्चाङ्ग में देखें ।

पञ्चाङ्ग गणित कर्ता -

पं. श्री रामकुवारात्मज ग्यारसीलाल शर्मा

मु. डूमोली कलाँ, पो. डूमोली खुर्द

वाया- सिंघाना, जि. झुन्झुनू (राज.) पिन. ३३३५१६.

॥ अथ भैरव भवानि संवाद ॥



भैरव प्रश्नः जयजननी जगदीश्वरी तूं जग की प्रतिपाल ।
उन्हेत्तर संवत का कहो श्रीमुख से सब हाल ॥

भवानी उ.: सुनले भैरव प्रेम से मैं समझावुं तोय ।
राजामंत्री देखतां श्रेष्ठ जमानो होय ॥
सौम्यग्रहों ने वर्ष में लिये षट्क अधिकार ।
समय वासो घटकार के रोहिणी पर्वत धार ॥
मेघ नाम आवर्त्त है समय है विश्वा बीस ।
वर्षा सत्तरा जाणियों शनि धान्य के ईश ॥
मेघ दुर्ग अरु फलपति कबज किये बुधदेव ।
सस्याधिप शशि बन गये रसपति मंगलदेव ॥
धननिरसाधिप सूर्य है राजा मंत्री भृगु जान ।
दशाधिकारी योग से फल सब उत्तम मान ।
घर घर सुख अरु चैन हो होसी अन्न अपार ।
गुरुचरणों में धाम है होसी बेड़ा पार ॥

लाभ स्वर्च कोष्ठक

	अष्टोत्तरी मतेन		विंशोत्तरी मतेन	
राशि	लाभ	स्वर्च	लाभ	स्वर्च
मेष	२	८	११	५
वृष	११	१४	५	१४
मिथुन	१४	११	११	११
कर्क	८	११	५	८
सिंह	११	५	८	५
कन्या	१४	११	११	११
तुला	११	१४	५	१४
वृश्चिक	२	८	११	५
धनु	५	१४	८	११
मकर	८	८	२	१४
कुंभ	८	८	२	१४
मीन	५	१४	८	११

वर्ष लग्नम् ५।२८



वर्षेश लग्नम् ५।२७



लाभ - स्वर्च देखनें की विधि और फल

जिस राशि का देखना हो उस राशि के सामनेवाले लाभ-स्वर्च के अंको को जोड़कर १ घटा देवें और ८ का भाग देवें यदि १ शेष रहे तो लाभ, २ शेष रहे तो सौख्य, ३ शेष रहे तो क्लेश, ४ शेष रहे तो रोग, ५ शेष रहे तो लोकापवाद (अपयश), ६ शेष रहे तो सन्मान, ७ शेष रहे तो विजय, ८ या ० शेष रहे तो हानि होती है ।

CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

॥ अथ संवत् २०६९ वर्ष फलम् ॥

॥ श्री गणेशाय नमः ॥ अथ वर्ष फलम् ॥ अथास्मिन् संवत्सरे श्रीमन्नृपति विक्रमादित्य राज्यात् संवत् २०६९ शाकः १९३४ विश्वावसु नामास्यः संवत्सरः प्रवर्तते तत्फलम् - अब्देविश्वावसौशश्वद्घोररोगाकुलाधरा । सस्यार्घवृष्टयोमध्यामूपालानातिभूतयः ॥ अथास्मिन् वर्षे राजाशुक्रस्तत्फलम् - शुक्रस्य राज्ये बहुसस्यसंकुला सुतीव्रवेगाः सरितोऽम्बुराशिभिः । फलन्ति वृक्षा बहुगोप्रसूतिर्वसुन्धरापार्थिवसौख्यसंयुता ॥ मंत्रीशुक्रस्तत्फलम् - भृगुसुतेननुमंत्रिपदंगतेशलभमूषकमूषकरौहिषः । भवन्ति धान्यसमर्घतयामलंजनपदेषुजलं सरितोधिकम् ॥ सस्येशश्चंद्रस्तत्फलम् - सस्याधिपे शीतकरे प्रजासुस्सं मेघः पयो मुञ्चति गोपगोधुक् । देवद्विजाराधनतत्परा नृपा धरा भवेद्धान्यधनौघपूर्णा ॥ धान्येशः शनिस्तत्फलम् - दुर्भिक्षंजायते तत्र कलहंदेशविग्रहं । सोराष्ट्रदेशो नष्टश्च यत्र धान्याधिपः शनिः ॥ मेघेशोगुरुस्तत्फलम् - गुरुरपिप्रियवृष्टिकरः सदास्विलविलासवतीधरणीतदा । श्रुतिविचारपरानरपालकारससमृद्धियुतास्विलमानवाः ॥ रसेशोभौमस्तत्फलम् - यदिघरातनयो रसपोभवेन्नृरसराशियुता जनता शुभा । नरपतिर्विषमोजनतापदोनजलदोबहुवृष्टिकरोभुवि ॥ नीरसेशोरविस्तत्फलम् - नीरसाधिपतौसूर्येतात्रचन्दनयोरपि । रत्नमाणिक्यमुक्तादेरर्घवृद्धिः प्रजायते ॥ फलेशोगुरुस्तत्फलम् - सुरगुरुः फलनायकतांगतोगतभयावनराशिमहाद्रुमाः । यजनयाजनकोत्सवमन्दिराः श्रुतिविचारपराद्विजपूर्वकाः ॥ धनेशोरविस्तत्फलम् - द्रविणपे यदिवासरपेतदावणिजतोबहुद्रव्यमसागमः । गजतुरंगममेषस्त्ररोष्ट्रतोधनचयंलभतेक्रयविक्रयात् ॥ दुर्गेशोगुरुस्तत्फलम् - सुरगुरौ गढपे नयशोभिता नरवरा नरपाः करपालिताः । गिरिषु वै नगरेषु समं सुस्सं सुस्समेति द्विजशस्त्रवताम विशाम् ॥ वर्षनाम आश्विन तत्फलम् - सुमिक्षंपूर्वसस्यंस्याज्वररोगाकुंलजगत् । आश्विनेशोभनावृष्टिर्नृपसौख्यकरीसदा ॥ चतुर्मेघनाम आवर्त्तस्तत्फलम् - आवर्त्तेछिन्न वृष्टिश्च । रोहिणी निवासो पर्वते तत्फलम् - पवर्ते बिन्दुमात्रश्च । समय निवासो कुंभकारगृहे तत्फलम् - कुंभकारगृहे वासो तद्वर्षे मध्यमं फलम् ॥ अपिच - अनावृष्टि प्रजापतौ । एवं संचिंत्य देवज्ञैः कथनीयं शुभाऽशुभम् ॥

॥ अथ गुरुचार शनिचारात् वर्षफलविचार ॥

इस साह में राजा और मंत्री शुक्र है । धान्येश शनि है । नीरसेश और धनेश रवि है । सस्येश चंद्र है । रसेश मंगल है । मेघेश और फलेश और दुर्गेश गुरु है । इस ग्रहमंडल की विधानसभा में ६ स्थान सौम्यग्रहों को प्राप्त हुए हैं और ४ स्थान उग्रग्रहों को उपलब्ध हुए है अतः वर्षफल उत्तम होगा । प्रजा में सुस्त शान्ति होगी, धन-धान्य, व्यवसाय, राजकीयकोश की वृद्धि होगी । आधुनिक अस्त्र-शस्त्र, स्वचालित यंत्रो के विकास में वृद्धि होगी, स्मगलरों का ह्रास होगा । **चैत्र** - वर्षलग्न कन्या होने से पूर्व में स्थिरता, घी की महँगाई और ३ मास मंजीठ आदि सस्ते हों । दक्षिण में मरी पड़े, बंगाल में उपद्रव हो । पश्चिम में लोक विग्रह और अन्न महँगा हो, फिर चौपायों में सुस्त, पूर्वोत्तर में राजविग्रह, मध्य देश में प्रजाभंग और घी में समर्घता (सस्ता) हो । **वैशाख** - तुला का शनि उदय होने से पृथ्वीश संधि करे । राजनीति में क्लेश हो, धान्य की महर्घता हो, रस (मधुर आदि) हो । श्रृंगार की वस्तुएं महंगी हो, व्यापारी, वैद्य, नौका से जीविका चलाने वाले, जल में उत्पन्न होने वाले द्रव्य तथा घोड़े (अश्व) पीडित हों । वर्षा तथा स्वैती मध्यम हो । ईख, दूध, रस और घी अदि सस्ते हों । **ज्येष्ठ** - तेल का मूल्य बढे, वृषराशि में गुरु होने से नंदशाल नामक मेघ वर्षा करता है और सब रस सस्ते होते हैं, स्त्री और हाथियों को पीड़ा हो परस्पर विरोध हो, गेहूँ, चावल, चने, मूंग, उड़द, तिल महँगे हों । श्रृंगाल मालवा इनमें उत्पात हो राजाओं में विग्रह हो देश भंग हो, घी और धान्य थोड़े कम बिके, वर्षा हो, चौपायों में रोग हो, गुरु उदय से सुभिक्ष हो, पाषाण शाली मणि रत्न महंगे हों, ज्येष्ठ में गुरु उदय से अनावृष्टि हो । कृत्तिका नक्षत्र में गुरु उदय होने से गाड़ी से तथा अग्नि से आजीविका चलने वाले (लोहार, सोनार आदि) और गौ ये सब पीड़ित हो । लोगों में व्याधि और लड़ाई हो, पर लाल और पीले पुष्पों की वृद्धि हो । वायु से वर्षा हो । **आषाढ** - सभी पीत वर्ण वाली वस्तुओं के भाव तेज हों, धान्यादि भाव मंदे हों । आषाढ में बुध का उदय होने से कहीं भी प्राकृतिक आपदा हो । आर्द्रा में बुध होने से वर्षा अधिक हो, गेहूँ तिल उड़द सस्ते हों, ग्रहपात तथा पवन का प्रवाह हो, घोड़ों का मूल्य बढे । पुनर्वसु में बुध होने से बालकों को पीड़ा हो, कपास सूत मंदा हो । रोहिणी नक्षत्र पर बृहस्पति होने से वर्षा तथा स्वैती मध्यम हो । **श्रावण** - आश्लेषा में बुध होने से महावृष्टि हो, तुष धान्य उत्पन्न हों, घृत गुड़ और नमक महंगे हो । रस (मधुर आदि) का क्षय हो । तुला का शनि होने से धान्य महँगे हो, शहरों वा गावों के मनुष्य क्लेशयुक्त हों, पृथ्वी कम्पित हो सब मुनि श्रेष्ठो में भी देह पीड़ा हो, जल बहुत कम वर्षे । **प्र.भाद्रपद** - चावल तथा गेहूँ महँगे हों । आर्द्रा में शुक्र होने से कोसल तथा कलिङ्ग देश का नाश और अतिवृष्टि हो । आश्लेषा में बुध होने से महावृष्टि हो, तुष धान्य उत्पन्न हों, पुनर्वसु में शुक्र होने से अन्न का अभाव हो, अश्मक और विदर्भ देश में अनय (उपद्रव) हो । स्वाती पर मंगल होने से अनावृष्टि हो । मघा में बुध होने से वर्षा कम हो, धान्य हानि हो । सिंह राशि में बुध का अस्त होने से वर्षा कम हो । **द्वि.भाद्रपद** - पूर्वाफाल्गुनी में बुध होने से क्षेत्र के बंटवारे को लेकर पडौसी देश से मनमुटाव हो, अन्न मँदा हो । विद्याधरों के युद्ध में विमर्द हो । उड़द मूंग कम उत्पन्न हों, प्राणियों के धातुओं (वसा,रक्त, मांस, मेधा,अस्थि,मज्जा और शुक्र) की हानि हो । कपास और गेहूँ का भाव महँगा हो । लोगों को सर्पों से अत्यन्त पीडा हो । स्नेह (तेल, घृत आदि), रस (मधुर आदि) के मुल्य में वृद्धि हो । गणिका, शिल्पी, और विप्र वर्ग पीड़ित हो । हस्तिपति पीडित हों और अतिवृष्टि हो । **आश्विन** - वृष का बृहस्पति वक्री होने से पांच महीने बैल आदि चौपाये तथा तौल के बिकनेवाले पदार्थ और वर्तन महँगे हों । सब धान्यादि भावों में आठ महीने महंगाई रहे । स्नेह (तेल, घृत आदि), रस (मधुर आदि) के मुल्य में वृद्धि हो । तुला राशि में बुध का उदय होने से भूकंप तथा युद्धादि हों । शबर-पुलिन्द जन पीड़ित हों और अतिवृष्टि हो । स्वाती नक्षत्र में स्थित शनैश्चर मागध (कीर्ति गाने वाले या मगध देश में रहनेवाले), गुप्तचर, दूत, सारथी, नाव पर चलने वाले, नट आदि इन सबों को पीडित करता है । जाङ्गल (स्वल्पोदक स्थान) में निवास करने वाले और पञ्जाबस्थ जन पीड़ित हों तथा वृष्टि हो । सुभिक्ष हो, मनुष्य सुस्सी हों । **कार्तिक** - धातुओं के भाव तेज हों । क्षत्रियों में पीड़ा हो, तुष धान्य महँगा हो । तुला का शनि उदय होने से पृथ्वीश संधि करे वर्षा नहीं हो । कुआँ बनाने वालों को पीड़ा हो तथा सुन्दर वृष्टि हो । सुभिक्ष हो,स्वाति में शुक्र होने से क्षेम और सुभिक्ष हो, अतिवृष्टि तथा दूत, वाणिज्य कर्म करने वाले, नाव चलाने वाले इनमें उपद्रव हो । जल बहुत हो, गायें दूध कम दें, पृथ्वी अन्न से पूरित हो । शालि, तिल, घी और उड़द महँगे हो । **मार्गशीर्ष** - वाणिज्य कर्म करने वाले प्रभावित हों । शालि, तिल, घी, उड़द, ईख, और शाली महँगे हो तथा घोड़ों में रोग हो । गुरु उदय से सुभिक्ष हो, पाषाण शाली मणि रत्न महंगे हों, धान्य का विदेशों में बहुत निर्यात हो । सुनार भड़ भूजे और ग्वालों को शस्त्र तथा अग्नि से धातादि की पीड़ा हो, तुला राशि का राहु होने से दुर्भिक्ष हो, चावल और कंबल तथा कांसी का क्रय लाभ प्रद हो । क्षत्रियों में प्रधान का अभाव हो, जल में उत्पन्न होने वाले द्रव्य तथा घोड़े (अश्व) पीडित हों । धातुओं के भाव तेज हों । **पौष** - अन्न की उत्पत्ति हो, छोटे बालकों में पीड़ा हो, जल में उत्पन्न जीव पीड़ित हों । धान्य सस्ता हो और गुड शक्कर भी सस्ते हों । श्रवण में बुध होने से गुड़ अलसी और चणे अदि धान्य में बर्फ (ओले) गिरने का भय हो । **माघ** - गायें पीड़ित हों, वर्षा का अभाव और रोगोत्पत्ति हो । शतभिषा पर मंगल होने से धान्योत्पत्ति उत्तम हों । मार्ग में शीत हवा बहुत चले, माघ में बुध का उदय होने से कहीं भी प्राकृतिक आपदा हो । शतभिषा में बुध होने से शूद्रों में रोगोत्पत्ति हो, व्यापारी, वैद्य, नौका से जीविका चलाने वाले, जल में उत्पन्न होने वाले द्रव्य तथा घोड़े (अश्व) पीडित हों । श्रवण में शुक्र होने से प्रजा में सुस्सों की वृद्धि और सुभिक्ष हो, कर्णपीड़ा हो । कुंभ राशि में मंगल का अस्त होने से चौर तथा अग्नि का भय हो, राजाओं में विग्रह हो । पूर्वा भाद्रपद पर मंगल होने से तिल, वस्त्र, कपास, सुपारी आदि महँगे हो । **फाल्गुन** - हिमपात (ठंढ) हो, शतभिषा नक्षत्र में स्थित शुक्र शौण्डिकों (मद्यविक्रेता - कलवारों) को पीड़ित करता है । व्यापारी, वैद्य, नौका से जीविका चलाने वाले, जल में उत्पन्न होने वाले द्रव्य तथा घोड़े (अश्व) पीडित हों । अन्न का अभाव हो, जुआड़ी लोग, कुरु तथा पञ्जाब देश में स्थित जन पीड़ित हों और वृष्टि हो । उ.भा. में स्थित शुक्र फल-मूलों को पीड़ित करता है । रेवती नक्षत्र पर मंगल होने से सुभिक्ष हो । **चैत्र** - कृपया - पक्ष के पृष्ठ पर देखें । आगे सर्वज्ञ जगत नियन्ता जगदीश्वराधीन है, गो प्रजा भाग्य प्रबल है ।

CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

॥ संवत् २०६९ मध्ये विवाह मुहूर्तानि रेखा सहितानि च ॥

सन२०१२

वैशाख्य कृष्णपक्षः

अप्रे. १४ | ९ शनौ उषा. रे ९ ऽ।।।।।।।।। दिवा ल. २ (सोग्रांगः श. ७ दो.)

वैशाख्य शुक्लपक्षः

अप्रे. २५ | ४ बुधे मृगे रे ७ ।।ऽशु।।।ऽऽ।। रात्रौ ल. ११ (भौम ७ दो.)

अप्रे. २६ | ५ गुरौ मृगे रे ७ ।।ऽशु।।।ऽऽ।। दिवा ल. २ (रा. ७ दो.)

अग्रे गुरोरस्तत्वादभावः तदुपरान्त शुक्रास्तः

आषाढ कृष्णपक्षः

जून १४ | १० गुरौ रेवत्यांरे ८ ऽ।।।।।।ऽ।। दिवा ल. ३।४ (कर्कः ९।४९ यावत्)

आषाढ शुक्लपक्षः

जून २४ | ५ रवौ मघा रे ८ ।।।।।।ऽऽ।। दिवा ल. ४, रात्रौ अ. गो. १० (मकरे बु. ७ पू.)

जून २७ | ८ बुधे हस्ते रे ८ ।।।।।।ऽ।ऽ द. दिवा ल. ४।५, रात्रौ अ.गो.

जून २७ | ८ बुधे हस्ते रे ९ ।।।।।।।ऽ।। रात्रौ ल. १०।११ (मकरे बु. ७ पू.)

जून २८ | ९ गुरौ स्वातौ रे ९ ।।।।।।।ऽ।। रात्रौ २ (रा. ७ दो., स्टैं. २७।१२ उपरांत)

जून २९ | १० शुक्रे स्वातौ रे ९ ।।।।।।।ऽ।। दिवा ल. ४।५, रात्रौ गोधूलि १०।११ (मकरे बु. ७ पू.)

अग्रे चतुर्मासारंभ

कार्तिक शुक्लपक्षः

नवं. २४ | ११ शनौ रेवत्यांरे १० ।।।।।।।।। दिवा ल. १०।११, रात्रौ ४।६

नवं. २८ | १५ बुधे रोहि. रे ७ ।।ऽगु।ऽ।।ऽ।। रात्रौ ल. ४।६

मार्गशीर्ष कृष्णपक्षः

नवं. २९ | १ गुरौ रोहि. रे ७ ।।ऽगु।ऽ।।ऽ।। दिवा ल. १०।११

नवं. २९ | १ गुरौ मृगे रे १० ।।।।।।।।। रात्रौ ४।६

नवं. ३० | २ शुक्रे मृगे रे १० ।।।।।।।।। दिवा ल. ११, रात्रौ अ.गो. (अ.गो. भौ. ८ दो.)

दिसं. ७ | ८ शुक्रे उफा. रे ८ ऽ।।।।।।ऽ।। दिवा ल. १०।११, रात्रौ ४।६ (कुंभे चं. ७ पू.)

दिसं. ८ | ९ शनौ हस्ते रे ८ ।।।।।।।ऽ।ऽ द. दिवा ल. १०।११, रात्रौ अ.गो. (अ.गो. भौ. ८ दो.)

अग्रे धनुष्यर्कः

सन्२०१३

पोषशुक्लपक्षः

जन. १६ | ५ बुधे उभा. रे ९ ।।।।।ऽ।।। रात्रौ ल. ६।९ (कन्या चं. ७ पू.)

जन. १७ | ६ गुरौ उभा. रे १० ।।।।।।।।। दिवा ल. ११।२।३ (मिथुने शु. ७ पू.)

जन. १७ | ६ गुरौ रेवत्यांरे ९ ।।।।।।।ऽ।। रात्रौ ६।९ (कन्या. चं. ७ पू.)

जन. १८ | ७ भृगौ रेवत्यांरे ९ ।।।।।।।ऽ।। दिवा ल. ११।२।३ (मिथु. शु. ७ पू.)

जन. २३ | १२ बुधे मृगे रे ८ ऽ।।।।।।।ऽ रात्रौ ल. ६

माघ कृष्णपक्षः

जन. ३० | ३ बुधे उफा. रे ९ ।।।।।।।ऽ।। रात्रौ ल. ६।९

जन. ३१ | ४ गुरौ उफा. रे ९ ।।।।।।।ऽ।। दिवा ल.१२।३,रात्रौ गो. (मीने चं. ७ पू., गो. भौ. ८ दो.)

जन. ३१ | ४ गुरौ हस्ते रे ९ ।।।।।।।ऽ।। रात्रौ ल. ९

फर. १ | ५ शुक्रे हस्ते रे ९ ।।।।।।।ऽ।। दिवा ल.१२।३,रात्रौ गो. (मीने चं. ७ पू., गो. भौ. ८ दो.)

फर. ४ | ९ चंद्रे अनु. रे ७ ऽ।।ऽ।।ऽ।। रात्रौ ल. अ. गो. (स्टैं. १६।४८ उप., भौ. ८ दो.)

फर. ५ | १० भौमे अनु. रे ७ ऽ।।ऽ।।ऽ।। दिवा ल. १२

फर. ६ | ११ बुधे मूले रे ८ ।ऽ।।।।।ऽ।। दिवा ल. ३ (चं. ७ पू.)

फर. ६ | ११ बुधे मूले रे ७ ।ऽ।।।।।ऽ।ऽ द. रात्रौ ल. ७ (सोग्रांगः के. ७ दो.)

फर. ७ | १२ गुरौ मूले रे ८ ।ऽ।।।।।ऽ।। दिवा ल. १२

अग्रे शुक्रास्तत्वादभावः

॥कात्यायनोक्त विवाह मुहूर्ताः नक्षत्र चतुष्टयी॥

सन२०१२

आषाढ शुक्लपक्षः

जून १५ | ११ शुक्रे अश्वि.रे.७ ऽ।।।।ऽऽ।। दिवा ल. ४

कार्तिक शुक्लपक्षः

नवं. २५ | १२ रवौ अश्वि.रे.७ ऽऽ।।।।ऽ।। रात्रौ ल. ४।६ (कन्या. स्टैं. २६।५८ बा.)

मार्गशीर्ष कृष्णपक्षः

दिसं. ९ | ११ रवौ चित्रा रे.९ ।।।।।।।ऽ।। दिवाल.१०।११,रात्रौ ४।६

सन्२०१३

पोष शुक्लपक्षः

जन. १४ | ३ चंद्रे धनि. रे.१० ।।।।।।।।। लग्नाऽभावः (दिवा कुंभे चिन्त्यम्)

जन. १९ | ८ शनौ अश्वि.रे.९ ।।।।।।।ऽ।। दिवा ल. ११।१२।२, रात्रौ अ. गो. (अ. गो. भौ. ७ दो.)

माघ कृष्णपक्षः

फर. १ | ५ शुक्रे चित्रा रे.१० ।।।।।।।।। रात्रौ ल. ६ (स्टैं. २२।५२ बा.)

(दृष्टिदोषश्चेत् क्षन्तव्यं सुधिभिः)

गणितकर्ता- श्री श्री १०८ पं. ईश्वरदत्त शर्म्मणोऽ नुग्रहीत शिष्यः
पं. ग्यारसीलाल शर्मा (शास्त्री)
५८,राम कुटीर, ३ रा माळा, हनुमान रोड
मुम्बई ४०००५७. दू. २६१६६७८३,

CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

॥ संवत् २०६९ मध्ये उपनयनादि मुहूर्त्ताः ॥

अथ उपनयन मुहूर्त्ताः

सन२०१२		चैत्रमासः	
अप्रे.	२	शु.१० चंद्रे पुष्ये	ल. १
अप्रे.	४	शु.१२ बुधे पू. फा.	ल. १।२
		वैशास्व मासः	
अप्रे.	२६	शु.५ गुरौ मृगे	अभिजिति
		ज्येष्ठ मासः	
मई	३१	शु.१० गुरौ हस्ते	ल. ४
		आषाढ मासः	
जून	२१	शु.२ गुरौ पुन.	अभिजिति
जून	२२	शु.३ शुक्रे पुष्ये	अभिजिति
सन२०१३		पोष मासः	
जन.	१६	शु.५ बुधे पू. भा.	ल. १
जन.	२३	शु.१२ बुधे मृगे	ल. १२।१
		माघ मासः	
जन.	२८	कृ.१ चंद्रे आश्ले.	अभिजिति
फर.	१	कृ.५ शुक्रे हस्ते	ल. ११

अथ देव प्रतिष्ठा मुहूर्त्ताः

सन२०१२		वैशास्व मासः	
अप्रे.	२६	शु.५ गुरौ मृगे	अभिजिति
अप्रे.	२८	शु.७ शनौ पुन.	अभिजिति
		ज्येष्ठ मासः	
मई	३०	शु.९ बुधे उ.फा.	ल. ६
मई	३१	शु.१० गुरौ हस्ते	अभिजिति
		आषाढ मासः	
जून	२१	शु.२ गुरौ पुन.	अभिजिति
जून	२२	शु.३ शुक्रे पुष्ये	अभिजिति
जून	२९	शु.१० शुक्रे स्वा.	अभिजिति
		श्रावण मासः	
जुला.	६	कृ.३ शुक्रे धनि.	अभिजिति
जुला.	८	कृ.५ रवौ शत.	ल. ६
			(रटै. ११।३२ या.)
जुला.	९	कृ.६ चंद्रे उ.भा.	ल. ६
			(रटै. १२।३८ उप.)

सन२०१३		पोष मासः	
जन.	१७	शु.६ गुरौ उ.भा.	अभिजिति
जन.	१८	शु.७ शुक्रे रेवत्यां	अभिजिति
जन.	२३	शु.१२ बुधे मृग.	ल. १२।२
जन.	२७	शु.१५ रवौ पुष्ये	अभिजिति
		माघ मासः	
जन.	३१	कृ.४ गुरौ उ.फा.	अभिजिति
फर.	१	कृ.५ शुक्रे हस्ते	अभिजिति

अथ गेहारंभ (भूमि पूजन) मुहूर्त्ताः

सन२०१२		ज्येष्ठ मासः	
मई	३१	शु.१० गुरौ हस्ते	ल. ३
		श्रावण मासः	
अग.	१	शु.१४ बुधे उ.षा.	ल. ५।६
			(कन्या. रटै. ११।०१ या.)
		प्र. भाद्रपद मासः	
अग.	४	कृ.२ शनौ शतेऽभिजिति	
		कार्तिक मासः	
नवं.	१	कृ.३ गुरौ रोहि.	अभिजिति
नवं.	२	कृ.३ शुक्रे रोहि.	ल. ९
			(रटै. ११।२६ या.)
नवं.	२	कृ.३ शुक्रे मृगे	अभि. (ति. दो.)
नवं.	२४	शु.११ शनौ रेवत्यां	अभिजिति
नवं.	२८	शु.१५ बुधे रोहिण्यां	लग्नाऽभावः
		मार्गशीर्ष मासः	
नवं.	३०	कृ.२ शुक्रे मृगे	अभिजिति
सन२०१३		पोषमासः	
जन.	१८	शु.७ शुक्रे रेवत्यां	अभिजिति
जन.	२३	शु.१२ बुधे मृगे	ल. ११।१२।२।३
जन.	२४	शु.१३ गुरौ मृगे	ल. ११
			(रटै. ९।१८ या.)
		माघ मासः	
जन.	३१	कृ.४ गुरौ उ.फा.	अभिजिति

वृषचक्ररहिताः गेहारंभ (भूमिपूजन) मुहूर्त्ताः

सन२०१२		वैशास्व मासः	
अप्रे.	१८	कृ.१२ बुधे उ. भा.	ल. ६
अप्रे.	२६	शु.५ गुरौ मृगे	अभिजिति
अप्रे.	२८	शु.७ शनौ पुष्ये	ल. ६
		आषाढ मासः	
जून	१३	कृ.९ बुधे रेवत्यां	ल. ५।६
		श्रावण मासः	
जुला.	१६	कृ.१२ चंद्रे मृगेऽभिजिति	(आवश्यके)
जुला.	२३	शु.४ चंद्रे उ.फा.	अभिजिति
		प्र. भाद्रपद मासः	
अग.	३	कृ.१ शुक्रे धनि.	अभिजिति
अग.	११	कृ.९ शनौ रोहि.	अभि. (ति.दो.)
अग.	१३	कृ.११ चंद्रे मृगे	अभिजिति
		आश्विन मासः	
अक्टू.	२७	शु.१३ शनौ उ.भा.	अभिजिति
		कार्तिक मासः	
नवं.	३	कृ.४ शनौ मृगेऽभिजिति	
नवं.	१०	कृ.११ शनौ उ.फा.	ल. १२
सन२०१३		माघ मासः	
फर.	८	कृ.१३ शुक्रे उ.षा.	अभिजिति
फर.	१३	शु.३ बुधे उ.भा.	ल. १२।२।३

अथ नूतन गृहप्रवेश (वास्तु) मुहूर्त्ताः

सन२०१२		वैशास्व मासः	
अप्रे.	१८	कृ.१२ बुधे उ.भा.	ल. ६
			(रटै. १७।१७ या., भौ. १२ दो.)
		आषाढ मासः	
जून	१३	कृ.९ बुधे रेव.	ल. ३।५।६
			(मिथुने सू. शु. गु. के. १२ दो., कन्या. भौ १२ दो.)
सन२०१३		पोष मासः	
जन.	१६	शु.५ बुधे उ.भा.	ल. २
जन.	१७	शु.६ गुरौ उ.भा.	अभिजिति
जन.	२३	शु.१२ बुधे मृगे	ल. ११।१२ (कुंभे सू.भौ.बु. १२ दो., मीने श. ८ दो.)
जन.	२४	शु.१३ गुरौ मृगे	ल. ११
			(रटै. ९।१८ या., सू.बु.मं. १२ दो.)
		माघ मासः	
फर.	८	कृ.१३ शुक्रे उ.षा.	अभिजिति

कुंभचक्ररहिताः नूतनगृहप्रवेश(वास्तु) मुहूर्त्ताः

सन२०१२		वैशास्व मासः	
अप्रे.	२६	शु.५ गुरौ मृगे	अभिजिति
सन२०१३		पोष मासः	
जन.	१८	शु.७ शुक्रे रेवत्यामभिजिति	
		माघ मासः	
जन.	३१	कृ.४ गुरौ उ.फा.	अभिजिति

अथ जीर्ण गृहप्रवेश (वास्तु) मुहूर्त्ताः

सन२०१२		वैशास्व मासः	
अप्रे.	१६	कृ.११ चंद्रे धनि.	ल. २,३, अभि.
अप्रे.	१६	कृ.११ चंद्रे शत.	ल. ५
अप्रे.	२८	शु.७ शनौ पुष्ये	ल. ६
		श्रावण मासः	
जुल.	२६	शु.८ गुरौ स्वात्यां	ल. ८
			(रटै. १४।२८ उप.)
		मार्गशीर्ष मासः	
दिसं.	१०	कृ.१२ चंद्रे स्वात्यां	अभिजिति

कुंभचक्ररहिता जीर्णगृहप्रवेश(वास्तु) मुहूर्त्ताः

सन२०१२		श्रावण मासः	
जुला.	७	कृ.४ शनौ शत.	ल. ८
			(रटै. १६।४४ उप.)

परे लग्नशुद्धया कुयोगादिनाशम् -

व्याख्या- अथ परे आचार्या लग्नशुद्धया समीचीनलग्नबलेन कुयोगानां मृत्युक्रकचादीनां नाशं भवंतीति शेषः । - पीयूषधारा

(दृष्टिदोषश्चेत् क्षन्तव्यं सुधिभिः)

CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

॥ सन् २०१२-१३, संवत् २०६९ ॥ + (उत्तर) रविक्रान्ति-रेल्वे प्रातः ६।२७ बजे (अंश-कलादौ) - (दक्षिण)

ता.	मार्च	अप्रेल	मई	जून	जुलाई	अगस्त	सितंबर	अक्टूबर	नवंबर	दिसंबर	जनवरी	फरवरी	मार्च	अप्रेल
१	. . . .	+ ४।३८	+१५।०९	+२२।०५	+२३।०५	+१७।५७	+ ८।१२	- ३।१६	-१४।३०	-२१।५०	-२३।००	-१७।०६	- ७।३५	+ ४।३२
२	. . . .	+ ५।०१	+१५।२७	+२२।१३	+२३।०१	+१७।४२	+ ७।५०	- ३।४०	-१४।४९	-२१।५९	-२२।५५	-१६।४९	- ७।१२	+ ४।५६
३	. . . .	+ ५।२४	+१५।४५	+२२।२१	+२२।५६	+१७।२६	+ ७।२८	- ४।०३	-१५।०८	-२२।०८	-२२।४९	-१६।३१	- ६।४९	+ ५।१९
४	. . . .	+ ५।४७	+१६।०२	+२२।२८	+२२।५१	+१७।११	+ ७।०६	- ४।२६	-१५।२६	-२२।१६	-२२।४३	-१६।१४	- ६।२६	+ ५।४२
५	. . . .	+ ६।१०	+१६।१९	+२२।३४	+२२।४६	+१६।५४	+ ६।४४	- ४।४९	-१५।४५	-२२।२४	-२२।३७	-१५।५५	- ६।०३	+ ६।०४
६	. . . .	+ ६।३३	+१६।३६	+२२।४१	+२२।४०	+१६।३८	+ ६।२१	- ५।१२	-१६।०३	-२२।३१	-२२।३०	-१५।३७	- ५।४०	+ ६।२७
७	. . . .	+ ६।५५	+१६।५३	+२२।४६	+२२।३३	+१६।२१	+ ५।५९	- ५।३५	-१६।२०	-२२।३८	-२२।२२	-१५।१८	- ५।१७	+ ६।५०
८	. . . .	+ ७।१८	+१७।०९	+२२।५२	+२२।२७	+१६।०४	+ ५।३६	- ५।५८	-१६।३८	-२२।४४	-२२।१४	-१५।००	- ४।५३	+ ७।१२
९	. . . .	+ ७।४०	+१७।२५	+२२।५७	+२२।२०	+१५।४७	+ ५।१४	- ६।२१	-१६।५५	-२२।५०	-२२।०६	-१४।४०	- ४।३०	+ ७।३५
१०	. . . .	+ ८।०२	+१७।४१	+२३।०२	+२२।१२	+१५।३०	+ ४।५१	- ६।४४	-१७।१२	-२२।५६	-२१।५७	-१४।२१	- ४।०६	+ ७।५७
११	. . . .	+ ८।२४	+१७।५७	+२३।०६	+२२।०४	+१५।१२	+ ४।२८	- ७।०६	-१७।२९	-२३।०१	-२१।४८	-१४।०१	- ३।४३	. . . .
१२	. . . .	+ ८।४६	+१८।१२	+२३।१०	+२१।५६	+१४।५४	+ ४।०५	- ७।२९	-१७।४५	-२३।०६	-२१।३९	-१३।४२	- ३।१९	. . . .
१३	. . . .	+ ९।०८	+१८।२७	+२३।१३	+२१।४७	+१४।३६	+ ३।४२	- ७।५१	-१८।०१	-२३।१०	-२१।२९	-१३।२१	- २।५६	. . . .
१४	. . . .	+ ९।३०	+१८।४१	+२३।१६	+२१।३८	+१४।१७	+ ३।१९	- ८।१४	-१८।१७	-२३।१३	-२१।१८	-१३।०१	- २।३२	. . . .
१५	. . . .	+ ९।५१	+१८।५५	+२३।१९	+२१।२९	+१३।५९	+ २।५६	- ८।३६	-१८।३२	-२३।१७	-२१।०७	-१२।४१	- २।०८	. . . .
१६	. . . .	+१०।१३	+१९।०९	+२३।२१	+२१।१९	+१३।४०	+ २।३३	- ८।५८	-१८।४७	-२३।१९	-२०।५६	-१२।२०	- १।४५	. . . .
१७	. . . .	+१०।३४	+१९।२३	+२३।२३	+२१।०९	+१३।२१	+ २।१०	- ९।२०	-१९।०२	-२३।२२	-२०।४५	-११।५९	- १।२१	. . . .
१८	. . . .	+१०।५५	+१९।३६	+२३।२५	+२०।५९	+१३।०१	+ १।४७	- ९।४२	-१९।१७	-२३।२४	-२०।३३	-११।३८	- ०।५७	. . . .
१९	. . . .	+११।१५	+१९।४९	+२३।२६	+२०।४८	+१२।४२	+ १।२४	-१०।०४	-१९।३१	-२३।२५	-२०।२०	-११।१७	- ०।३३	. . . .
२०	. . . .	+११।३६	+२०।०२	+२३।२६	+२०।३७	+१२।२२	+ १।००	-१०।२५	-१९।४४	-२३।२६	-२०।०७	-१०।५५	- ०।१०	. . . .
२१	. . . .	+११।५६	+२०।१४	+२३।२६	+२०।२५	+१२।०२	+ ०।३७	-१०।४६	-१९।५८	-२३।२६	-१९।५४	-१०।३४	+ ०।१४	. . . .
२२	. . . .	+१२।१७	+२०।२६	+२३।२६	+२०।१४	+११।४२	+ ०।१४	-११।०८	-२०।११	-२३।२६	-१९।४१	-१०।१२	+ ०।३८	. . . .
२३	+ १।०७	+१२।३७	+२०।३७	+२३।२५	+२०।०१	+११।२२	- ०।१०	-११।२९	-२०।२३	-२३।२६	-१९।२७	- ९।५०	+ १।०१	. . . .
२४	+ १।३१	+१२।५७	+२०।४९	+२३।२४	+१९।४९	+११।०१	- ०।३३	-११।५०	-२०।३५	-२३।२५	-१९।१२	- ९।२८	+ १।२५	. . . .
२५	+ १।५४	+१३।१६	+२१।००	+२३।२३	+१९।३६	+१०।४१	- ०।५६	-१२।१०	-२०।४७	-२३।२३	-१८।५८	- ९।०६	+ १।४९	. . . .
२६	+ २।१८	+१३।३६	+२१।१०	+२३।२१	+१९।२३	+१०।२०	- १।२०	-१२।३१	-२०।५९	-२३।२१	-१८।४३	- ८।४३	+ २।१२	. . . .
२७	+ २।४१	+१३।५५	+२१।२०	+२३।१९	+१९।०९	+ ९।५९	- १।४३	-१२।५१	-२१।१०	-२३।१९	-१८।२७	- ८।२१	+ २।३६	. . . .
२८	+ ३।०५	+१४।१४	+२१।३०	+२३।१६	+१८।५६	+ ९।३८	- २।०७	-१३।११	-२१।२१	-२३।१६	-१८।१२	- ७।५८	+ २।५९	. . . .
२९	+ ३।२८	+१४।३२	+२१।३९	+२३।१३	+१८।४१	+ ९।१६	- २।३०	-१३।३१	-२१।३१	-२३।१३	-१७।५६	. . . .	+ ३।२३	. . . .
३०	+ ३।५२	+१४।५१	+२१।४८	+२३।०९	+१८।२७	+ ८।५५	- २।५३	-१३।५१	-२१।४१	-२३।०९	-१७।४०	. . . .	+ ३।४६	. . . .
३१	+ ४।१५	. . . .	+२१।५७	. . . .	+१८।१२	+ ८।३३	. . . .	-१४।११	. . . .	-२३।०५	-१७।२३	. . . .	+ ४।०९	. . . .

उत्तर (धन) — दक्षिण (ऋण)

महापात योगाः (स्टै. समय में) संवत् २०६९ (सन २०१२-१३)

महापात स्पर्शः			महापात मोक्षः		
योगाः	तारीख्स	घं. मि.	तारीख्स	घं. मि.	
व्यती.	३ अप्रे.	२२।१३	३ अप्रे.	२६।४५	
वैधृति	१५ अप्रे.	१३।३६	१५ अप्रे.	१९।१८	
व्यती.	२८ अप्रे.	२९।०३	२९ अप्रे.	११।२३	
वैधृति	१० मई	१६।११	१० मई	२४।१५	
व्यती.	२३ मई	१७।४७	२४ मई	१०।०६	
व्यती.	१४ जुला.	२५।४२	१६ जुला.	११।२१	
वैधृति	२७ जुला.	१५।१५	२७ जुला.	२४।१३	
व्यती.	८ अग.	२२।५३	९ अग.	६।३९	
वैधृति	२१ अग.	२२।४८	२१ अग.	२८।११	
व्यती.	२ सितं.	२७।१८	३ सितं.	८।५३	
वैधृति	१६ सितं.	९।१३	१६ सितं.	१३।४९	
व्यती.	२८ सितं.	७।५१	२८ सितं.	१३।०३	
वैधृति	११ अक्टू.	१८।५३	११ अक्टू.	२३।५९	
व्यती.	२३ अक्टू.	९।०४	२३ अक्टू.	१५।०४	
वैधृति	५ नवं.	१८।२०	५ नवं.	२६।११	
व्यती.	१६ नवं.	२९।४७	१७ नवं.	१६।३४	
वैधृति	२१ जन.	१४।४३	२१ जन.	३०।५८	
व्यती.	३ फर.	११।५४	३ फर.	१९।२२	
वैधृति	१५ फर.	८।३४	१५ फर.	१५।१७	
व्यती.	२८ फर.	१४।२४	२८ फर.	१९।३९	
वैधृति	१२ मार्च	१२।२६	१२ मार्च	१७।४०	
व्यती.	२५ मार्च	२०।०९	२५ मार्च	२५।१०	
वैधृति	६ अप्रे.	१६।०१	६ अप्रे.	२१।२३	

CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

संवत् २०६९ शाकः १९३४ की मास दशा देखने की सारणी

मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
बै.कृ. ०८ से	ज्ये.कृ. ०९ से	चै.शु. १२ से	चै.शु. ०२ से	बै.शु. ०३ से	चै.शु. ०५ से	चै.कृ. १४ से	बै.कृ. १४ से	चै.शु. ०२ से	चै.शु. ०३ से	बै.शु. ०३ से	चै.शु. ११ से
शु द. उ. सू	शु द. उ. सू	रा द. उ. शु	गु द. उ. रा	गु द. उ. रा	श द. उ. गु	बु द. उ. श	बु द. उ. श	मं द. उ. बु	चं द. उ. मं	चं द. उ. मं	सू द. उ. चं
द. दि. २० प्र.	द. दि. २० प्र.	द. दि. ७० प्र.	द. दि. ४२ प्र.	द. दि. ४२ प्र.	द. दि. ५८ प्र.	द. दि. ३६ प्र.	द. दि. ३६ प्र.	द. दि. ५६ प्र.	द. दि. २८ प्र.	द. दि. २८ प्र.	द. दि. ५० प्र.
बै.शु. १२ से	ज्ये.शु. १४ से	आ.कृ. १० से	बै.शु. १५ से	आ.कृ. ०२ से	ज्ये.शु. ०४ से	बै.शु. ०५ से	ज्ये.शु. ०५ से	ज्ये.कृ. ३० से	बै.शु. ०१ से	ज्ये.शु. ०१ से	ज्ये.शु. ०३ से
सू द. उ. चं	सू द. उ. चं	शु द. उ. सू	रा द. उ. शु	रा द. उ. शु	गु द. उ. रा	श द. उ. गु	श द. उ. गु	बु द. उ. श	मं द. उ. बु	मं द. उ. बु	चं द. उ. मं
द. दि. ५० प्र.	द. दि. ५० प्र.	द. दि. २० प्र.	द. दि. ७० प्र.	द. दि. ७० प्र.	द. दि. ४२ प्र.	द. दि. ५८ प्र.	द. दि. ५८ प्र.	द. दि. ३६ प्र.	द. दि. ५६ प्र.	द. दि. ५६ प्र.	द. दि. २८ प्र.
आ.शु. ०४ से	श्रा.शु. ०५ से	श्रा.कृ. ०१ से	श्रा.कृ. १२ से	प्र.भा.कृ. १४ से	श्रा.कृ. ०४ से	आ.शु. ०५ से	श्रा.शु. ०५ से	आ.शु. ०६ से	आ.कृ. १४ से	श्रा.कृ. १४ से	आ.शु. ०२ से
चं द. उ. मं	चं द. उ. मं	सू द. उ. चं	शु द. उ. सू	शु द. उ. सू	रा द. उ. शु	गु द. उ. रा	गु द. उ. रा	श द. उ. गु	बु द. उ. श	बु द. उ. श	मं द. उ. बु
द. दि. २८ प्र.	द. दि. २८ प्र.	द. दि. ५० प्र.	द. दि. २० प्र.	द. दि. २० प्र.	द. दि. ७० प्र.	द. दि. ४२ प्र.	द. दि. ४२ प्र.	द. दि. ५८ प्र.	द. दि. ३६ प्र.	द. दि. ३६ प्र.	द. दि. ५६ प्र.
श्रा.शु. ०२ से	प्र.भा.शु. ०४ से	प्र.भा.शु. ०७ से	प्र.भा.कृ. ०४ से	द्वि.भा.कृ.०५ से	द्वि.भा.कृ.३० से	प्र.भा.कृ. ०४ से	द्वि.भा.कृ.०५ से	प्र.भा.शु. ०६ से	श्रा.शु. ०५ से	प्र.भा.शु. ०६ से	प्र.भा.कृ. ३० से
मं द. उ. बु	मं द. उ. बु	चं द. उ. मं	सू द. उ. चं	सू द. उ. चं	शु द. उ. सू	रा द. उ. शु	रा द. उ. शु	गु द. उ. रा	श द. उ. गु	श द. उ. गु	बु द. उ. श
द. दि. ५६ प्र.	द. दि. ५६ प्र.	द. दि. २८ प्र.	द. दि. ५० प्र.	द. दि. ५० प्र.	द. दि. २० प्र.	द. दि. ७० प्र.	द. दि. ७० प्र.	द. दि. ४२ प्र.	द. दि. ५८ प्र.	द. दि. ५८ प्र.	द. दि. ३६ प्र.
द्वि.भा.कृ.३० से	आ.शु. ०२ से	द्वि.भा.शु.०६ से	द्वि.भा.शु.१० से	आ.शु. १२ से	आ.कृ. ०६ से	आ.शु. ०१ से	का.शु. ०२ से	आ.कृ. ०५ से	द्वि.भा.शु.०६ से	आ.शु. ०७ से	द्वि.भा.शु.०७ से
बु द. उ. श	बु द. उ. श	मं द. उ. बु	चं द. उ. मं	चं द. उ. मं	सू द. उ. चं	शु द. उ. सू	शु द. उ. सू	रा द. उ. शु	गु द. उ. रा	गु द. उ. रा	श द. उ. गु
द. दि. ३६ प्र.	द. दि. ३६ प्र.	द. दि. ५६ प्र.	द. दि. २८ प्र.	द. दि. २८ प्र.	द. दि. ५० प्र.	द. दि. २० प्र.	द. दि. २० प्र.	द. दि. ७० प्र.	द. दि. ४२ प्र.	द. दि. ४२ प्र.	द. दि. ५८ प्र.
आ.शु. ०८ से	का.शु. ०९ से	का.शु. ०४ से	आ.शु. ०९ से	का.शु. १० से	का.शु. १३ से	का.कृ. ०६ से	मा.कृ. ०६ से	मा.शु. ०३ से	का.कृ. ०४ से	मा.कृ. ०५ से	का.शु. ०७ से
श द. उ. गु	श द. उ. गु	बु द. उ. श	मं द. उ. बु	मं द. उ. बु	चं द. उ. मं	सू द. उ. चं	सू द. उ. चं	शु द. उ. सू	रा द. उ. शु	रा द. उ. शु	गु द. उ. रा
द. दि. ५८ प्र.	द. दि. ५८ प्र.	द. दि. ३६ प्र.	द. दि. ५६ प्र.	द. दि. ५६ प्र.	द. दि. २८ प्र.	द. दि. ५० प्र.	द. दि. ५० प्र.	द. दि. २० प्र.	द. दि. ७० प्र.	द. दि. ७० प्र.	द. दि. ४२ प्र.
मा.शु. ०८ से	पौ.शु. ०९ से	मा.शु. ११ से	मा.शु. ०७ से	पौ.शु. ०८ से	मा.शु. १२ से	मा.शु. १३ से	पौ.शु. १४ से	पौ.कृ. ०७ से	पौ.शु. ०२ से	मा.शु. ०२ से	पौ.कृ. ०५ से
गु द. उ. रा	गु द. उ. रा	श द. उ. गु	बु द. उ. श	बु द. उ. श	मं द. उ. बु	चं द. उ. मं	चं द. उ. मं	सू द. उ. चं	शु द. उ. सू	शु द. उ. सू	रा द. उ. शु
द. दि. ४२ प्र.	द. दि. ४२ प्र.	द. दि. ५८ प्र.	द. दि. ३६ प्र.	द. दि. ३६ प्र.	द. दि. ५६ प्र.	द. दि. २८ प्र.	द. दि. २८ प्र.	द. दि. ५० प्र.	द. दि. २० प्र.	द. दि. २० प्र.	द. दि. ७० प्र.
मा.कृ. ०५ से	फा.कृ. ०७ से	मा.शु. १० से	पौ.शु. १३ से	मा.शु. १४ से	मा.शु. ०९ से	पौ.शु. १२ से	मा.शु. १२ से	मा.शु. १४ से	मा.कृ. ०६ से	फा.कृ. ०७ से	फा.शु. ०३ से
रा द. उ. शु	रा द. उ. शु	गु द. उ. रा	श द. उ. गु	श द. उ. गु	बु द. उ. श	मं द. उ. बु	मं द. उ. बु	चं द. उ. मं	सू द. उ. चं	सू द. उ. चं	शु द. उ. सू
द. दि. ७० प्र.	द. दि. ७० प्र.	द. दि. ४२ प्र.	द. दि. ५८ प्र.	द. दि. ५८ प्र.	द. दि. ३६ प्र.	द. दि. ५६ प्र.	द. दि. ५६ प्र.	द. दि. २८ प्र.	द. दि. ५० प्र.	द. दि. ५० प्र.	द. दि. २० प्र.

संवत् २०६९, आश्विन कृष्णपक्ष में श्राद्धतिथि निर्णय, सन २०१२

पूर्णिमा	(पूनम) का श्राद्ध	शनिवार २९ सितंबर प्रातः ८।०३ बजे के बाद (द्वि.भाद्रपदशुक्लपक्ष)	सप्तमी	(सातं) का श्राद्ध	रविवार ७ अक्टूबर
प्रतिपदा	(एकम) "	रविवार ३० सितंबर प्रातः ८।४९ बजे के बाद	अष्टमी	(आठं) "	सोमवार ८ अक्टूबर
द्वितीया	(दूज) "	सोमवार १ अक्टूबर दिन १०।०४ बजे के बाद	नवमी	(नौमी) "	मंगलवार ९ अक्टूबर
तृतीया	(तीज) "	बुधवार ३ अक्टूबर मध्यान्ह १।५६ बजे के पहले	दशमी	(दस) "	बुधवार १० अक्टूबर
चतुर्थी	(चोथ) "	गुरुवार ४ अक्टूबर	एकादशी	"	गुरुवार ११ अक्टूबर
पंचमी	(पांच) "	शुक्रवार ५ अक्टूबर	द्वादशी	(बारस) "	शुक्रवार १२ अक्टूबर
षष्ठी	(छठ) "	शनिवार ६ अक्टूबर	त्रयोदशी	(तेरस) "	शनिवार १३ अक्टूबर
			चतुर्दशी	(चौदस) "	रविवार १४ अक्टूबर
			अमावस्या	(मावस) "	सोमवार १५ अक्टूबर

CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

२३ मार्च से ६ अप्रेल तक, श्री चैत्र शुक्लपक्ष संवत् २०६९, शाकः १९३४, दि.मासू. सू. तारीख्स स्टै. प्रातः दैनिक केतकी अहर्गणः ३५२ वसंतर्तू रविरुत्तरे, मार्च-अप्रेल २०१२

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	च.घ.	उ.	अ.	मा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
नवरा.	१	शु	३८	३५	२२	००	उभा	१४	५२	१२	३१	ब्र	४९	५३	२६	३२	किं	६	०९	९	०२	३०	६	६	३	२९	२३	मीने	११।०८।४२।३०	५९।३१
सिंधारा	२	श	४४	११	२४	१४	रेव	२१	२६	१५	०८	ऐ	५१	४२	२७	१४	बा	११	१९	११	०५	१७	३३	४०	४	३०	२४	मेषे	१५।०८	११।०९।४२।०१	५९।२९
गणगोर	३	र	५०	२९	२६	४४	अश्वि	२८	४५	१८	०२	वै	५४	०४	२८	१०	तै	१७	१७	१३	२७	२१	३२	४०	५	१	२५	मेषे		११।१०।४०।२९	५९।२६
चर	४	सो	५७	१४	२९	२४	भर	३६	३५	२१	०९	वि	५६	४४	२९	१२	व	२३	५२	१६	०४	२५	३१	४१	६	२	२६	वृषे	२७।५६	११।११।४०।५६	५९।२४
गद	५	मं	...	...	...	..	कृति	४४	३२	२४	१९	प्री	५१	२३	३०	१५	ब	३०	३८	१८	४५	२९	३०	४१	७	३	२७	वृषे		११।१२।४०।२०	५९।२२
शुभं	५	बु	३	५९	८	०४	रोहि	५२	०६	२७	१९	आ	...	...	..	..	बा	३	५९	८	०४	३३	२९	४२	८	४	२८	वृषे		११।१३।३९।४२	५९।२०
मृत्यु	६	गु	१०	०६	१०	३०	मृग	५८	४१	२९	५६	आ	१	४२	७	०८	तै	१०	०६	१०	३०	३७	२८	४३	९	५	२९	मिथु.	१६।४१	११।१४।३९।०१	५९।१७
पद्म	७	शु	१५	०१	१२	२७	आर्द्रा	...	...	..	..	सौ	३	०६	७	४१	व	१५	०१	१२	२७	४२	२६	४३	१०	६	३०	मिथु.		११।१५।३८।१८	५९।१५
मुद्गर	८	श	१८	१५	१३	४३	आर्द्रा	३	४७	७	५६	शो	३	१७	७	४४	ब	१८	१५	१३	४३	४६	२५	४४	११	७	३१	कर्के	२६।५७	११।१६।३७।३३	५९।१३
रामनव.	९	र	१९	२३	१४	०९	पुन	६	५६	९	१०	अ	५८	५७ ४१	२९	५७	कौ	१९	२३	१४	०९	५०	२४	४४	१२	८	१	कर्के		११।१७।३६।४६	५९।१०
घाता	१०	सो	१८	१८	१३	४२	पुष्य	७	५५	९	३३	घृ	५४	०४	२८	०१	ग	१८	१८	१३	४२	५४	२३	४५	१३	९	२	कर्के		११।१८।३५।५६	५९।०८
ए.व्र.	११	मं	१५	०३	१२	२३	श्लें	६	४६	९	०४	शू	४७	३८	२५	२५	वि	१५	०३	१२	२३	५८	२२	४५	१४	१०	३	सिंहे	९।०४	११।१९।३५।०४	५९।०६
प्र.व्र.	१२	बु	९	५१	१०	१७	मघा	५८	३८	२९	४८ ५३	गं	३९	४५	२२	१५	बा	९	५१	१०	१७	३३ ३२	२१	४६	१५	११	४	सिंहे		११।२०।३४।१०	५९।०३
मातङ्ग	१३	गु	३	०३	७	३३	उफा	५२	४६	२७	२६	वृ	३०	४४	१८	३८	तै	३	०३	७	३३	०६	२०	४६	१६	१२	५	कन्या	११।१८	११।२१।३३।१३	५९।०१
क्षयः	१४	गु	५४	५७	२८	१९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०		०	०	०
पूर्णिमा	१५	शु	४६	०९	२४	४६	हस्त	४५	५७	२४	४२	ध्रु	२०	५५	१४	४१	वि	२०	३८	१४	३४	१०	१९	४७	१७	१३	६	कन्या		११।२२।३२।१४	५८।५९

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।
नवरात्रारम्भः, घटस्था., ध्वजारो., आरोग्य १, विद्या १, कल्यादि
चंद्रदर्शनम् (मु.३०), पंचक समाप्तिः १५।०८, श्रृंगार (सिंधारा) C
मन्वादि, मत्स्योत्पत्तिः, अरुन्धती व्रतं पूजनञ्च, गणगौरी A
भ. १६।०४ उ. २९।२४ या., (व) पूभा. बुधः २१।१५
कल्यादि [C देशाचारे, कृत्ति. शुक्रः २३।२५
डोलोत्सवः, स्कन्द षष्ठी व्र., वृषे शुक्रः ७।४०
[A पूजा, मनोरथ तृतीया व्र.,सौभाग्य शयन व्र., शिवशक्तिपू., E
भ. १२।२७ उ. २५।११ या., अशोककलिका प्राशनं, रेव. रविः D
भवान्युत्पत्तिः,रेव. सौरः ७।२५ [D २९।१४, बुधोदयःपूर्वस्याम् २८।५६
श्री रामनवमी, अप्रेल ४ ता. ३० [E जमादिलावल ५
भ. २५।१० उ., (व) कुंभे बुधः १२।०९, (व) चित्रा.-३ शनिः १९।३८
भ. १२।२३ या., कामदा ११ व्र., लक्ष्मीकान्त दोलोत्सवः
प्रदोषः, हरि दमनोत्सवः, मार्गी बुधः २४।३३, भर.-३ गुरुः १०।५२
भ. २८।१९ उ., जैन महावीर जयंती, शिव पूजन विशेषः
[B वैशाख स्नानारंभः, चित्रात्रदानं भक्षणञ्च, मीने बुधः १३।४६
भ. १४।३४ या., मन्वादि, श्री हनुमज्जयंती, पूर्णिमा व्रतंपुण्यञ्च, B

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

अयनांशाः २४।००।५५

ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	मार्च	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	सायं	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः
११।०८।४९।४६	१ शु	२३	७।३५	९।१२	११।०८	१।२२	३।४२	५।५९	८।१५	९०।३४	९२।५३	२।५८	४।४१	६।०९
११।०९।४९।१७	२ श	२४	७।३१	९।०८	११।०४	१।१८	३।३९	५।५५	८।११	९०।३०	९२।४९	२।५४	४।३७	६।०५
११।१०।४८।४५	३ र	२५	७।२८	९।०४	११।००	१।१५	३।३५	५।५१	८।०७	९०।२६	९२।४५	२।५०	४।३३	६।०२
११।११।४८।११	४ चं	२६	७।२४	९।००	१०।५६	१।११	३।३१	५।४८	८।०३	९०।२२	९२।४१	२।४६	४।२९	५।५८
११।१२।४७।३५	५ मं	२७	७।२०	८।५६	१०।५२	१।०७	३।२७	५।४४	७।५९	९०।१९	९२।३७	२।४२	४।२५	५।५४
११।१३।४६।५७	५ बु	२८	७।१६	८।५२	१०।४८	१।०३	३।२३	५।४०	७।५५	९०।१५	९२।३३	२।३८	४।२१	५।५०
११।१४।४६।१६	६ गु	२९	७।१२	८।४८	१०।४४	९२।५९	३।१९	५।३६	७।५२	९०।११	९२।२९	२।३४	४।१७	५।४६
११।१५।४५।३३	७ शु	३०	७।०८	८।४४	१०।४०	९२।५५	३।१५	५।३२	७।४८	९०।०७	९२।२५	२।३०	४।१३	५।४२
११।१६।४४।४७	८ श	३१	७।०४	८।४०	१०।३६	९२।५१	३।११	५।२८	७।४४	९०।०३	९२।२१	२।२६	४।०९	५।३८
११।१७।४४।०० ११।१८।४३।१०	९ र १० चं	१ २	७।०० ६।५६	८।३६ ८।३२	१०।३२ १०।२८	९२।४७ ९२।४३	३।०७ ३।०३	५।२४ ५।२०	७।४० ७।३६	९।५९ ९।५५	९२।१७ ९२।१३	२।२२ २।१८	४।०५ ४।०१	५।३४ ५।३०
११।१९।४२।१८	११ मं	३	६।५२	८।२८	१०।२४	९२।३९	२।५९	५।१६	७।३२	९।५१	९२।१०	२।१४	३।५८	५।२६
११।२०।४१।२३	१२ बु	४	६।४८	८।२४	१०।२०	९२।३५	२।५५	५।१२	७।२८	९।४७	९२।०६	२।१०	३।५४	५।२२
११।२१।४०।२६	१३ गु	५	६।४४	८।२०	१०।१६	९२।३१	२।५१	५।०८	७।२४	९।४३	९२।०२	२।०६	३।५०	५।१८
११।२२।३९।२७	१५ शु	६	६।४०	८।१६	१०।१३	९२।२७	२।४७	५।०४	७।२०	९।३९	११।५८	२।०२	३।४६	५।१४

अयनांशाः २४।००।५५

पं.५० चै.शु. १ शु. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
११	४	११	०	०	६	७	१
०८	१२	०६	१७	२४	०४	१४	१४
४८	४७	२६	२१	५६	०४	३५	३५
१४	४२	३५	०९	२८	०३	१४	१४
५९	१६	५४	१२	६१	३	३	३
३०	२७	२४	४३	००	५७	११	११
उभा	म	उभा	भ	भ	चि	अनु	रो
२	४व	१व	२	४	४व	४	२



अयनांशाः २४।००।५६

पं.५१ चै.शु. ७ शु. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
११	४	११	०	१	६	७	१
९५	११	०१	१८	०१	०३	१४	१४
४३	०७	०७	५१	५४	३५	१२	१२
४२	३९	३५	२२	१३	२२	५९	५९
५९	११	२७	१३	५७	४	३	३
१६	१८	३२	०८	५३	१७	११	११
उभा	म	पूभा	भ	कृ	चि	अनु	रो
४	४व	४व	२	२	४व	४	२



अयनांशाः २४।००।५७

पं.५२ चै.शु.१५ शु. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
११	४	१०	०	१	६	७	१
२२	१०	२९	२०	०८	०३	१३	१३
३७	०४	५६	२४	२७	०४	५०	५०
३०	५७	१५	१५	५२	४२	४५	४५
५९	५	१२	१३	५३	४	३	३
०१	४९	०३	२८	५७	३०	११	११
रे	म	पूभा	भ	कृ	चि	अनु	रो
२	४व	३	३	४	३व	४	२



CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

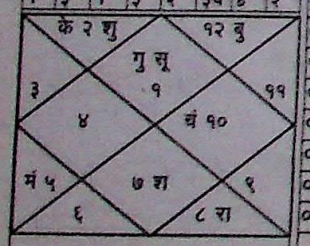
॥ श्रीवत्सलभ मनीराम पञ्चाङ्गम् ॥

७ अप्रेल से २१ अप्रेल तक, श्री वैशास्व कृष्णपक्ष संवत् २०६९, शाकः १९३४, दि.मा.सू. सू. तारीख्स स्टै. प्रातः दैनिक वसंतर्तू रविरुत्तरे चैत्रकृष्णेति गुर्जराः, अप्रेल २०१२

योगाः	ति.	बा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
काण	१	श	३७	०१	२१	०६	चित्रा	३८	४९	२१	४९	व्या	१०	३८	१०	३३	बा	११	३७	१०	५७	३५ ४५	६ ४८	६ ४७	१८	१४	७	तुला. ११।१६	१११।२३।३१।१३	५८।५६
लुम्बक	२	र	२८	०१	१७	२९	स्वा	३१	४९	१९	००	ह	५०	०९	२६	२३	तै	२	३१	७	१७	१८	१६	४८	१९	१५	८	तुला.	१११।२४।३०।१०	५८।५४
च.ग्र.	३	सो	१९	३२	१४	०४	विशा	२५	२१	१६	२४	सि	४०	३५	२२	३०	वि	१९	३२	१४	०४	२२	१५	४८	२०	१६	९	वृश्चि. ११।०१	१११।२५।२९।०४	५८।५२
वज्र	४	मं	११	५३	११	००	अनु	१९	४७	१४	०९	व्य	३१	५२	१८	५९	बा	११	५३	११	००	२६	१४	४९	२१	१७	१०	वृश्चि.	११।२६।२७।५६	५८।५०
ध्वाङ्क्ष	५	बु	५	२३	८	२३	ज्ये	१५	२३	१२	२३	व	२४	०९	१५	५३	तै	५	२३	८	२३	३०	१३	४९	२२	१८	११	धनु. १२।२३	११।२७।२६।४५	५८।४७
धूम्र	६	गु	०	१४	६	१८	मूल	१२	२३	११	०९	प	१७	३५	१३	१४	व	०	१४	६	१८	३४	१२	५०	२३	१९	१२	धनु.	११।२८।२५।३३	५८।४५
क्षयः	७	गु	५६	३३	२८	५०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
प्रवर्धमा	८	शु	५४	३०	२७	५९	पूषा	१०	५४	१०	३३	शि	१२	१५	११	०५	बा	२५	२१	१६	१९	३८	११	५०	२४	२०	१३	मक. १६।२९	११।२९।२४।१८	५८।४३
चर	९	श	५४	०१	२७	४७	उषा	१०	५८	१०	३३	सि	८	१२	९	२७	तै	२४	०५	१५	४८	४२	१०	५१	२५	२१	१४	मक.	०।००।२३।००	५८।४१
गद	१०	र	५५	०३	२८	१०	श्रव	१२	३५	११	११	सा	५	२४	८	१९	व	२४	२१	१५	५४	४६	०९	५१	२६	२२	१५	कुंभे २३।४३	०।०१।२१।४१	५८।३८
ए.ग्र.	११	सो	५७	२७	२९	०७	धनि	१५	३८	१२	२३	शु	३	४५	७	३८	ब	२६	०७	१६	३५	५०	०८	५२	२७	२३	१६	कुंभे	०।०२।२०।१९	५८।३६
ए.ग्र.	१२	मं	...	...	...	...	शत	१९	५८	१४	०६	शु	३	१०	७	२३	कौ	२९	०८	१७	४६	५४	०७	५३	२८	२४	१७	कुंभे	०।०३।१८।५५	५८।३४
प्र.ग्र.	१२	बु	१	०५	६	३२	पूभा	२५	२२	१६	१५	ब्र	३	३०	७	३०	तै	१	०५	६	३२	५८	०६	५३	२९	२५	१८	मीने ९।४१	०।०४।१७।२९	५८।३२
छत्र	१३	गु	५	३९	८	२१	उभा	३१	३९	१८	४५	ऐ	४	३३	७	५४	व	५	३९	८	२१	३२ ४०	०५	५४	३०	२६	१९	मीने	०।०५।१६।०१	५८।२९
श्रीवत्स	१४	शु	११	००	१०	२८	रेव	३८	३६	२१	३०	वै	६	१३	८	३३	श	११	००	१०	२८	०५	०४	५४	३१	२७	२०	मेषे २१।३०	०।०६।१४।३०	५८।२७
अमाव.	३०	श	१६	५६	१२	४९	अश्वि	४६	०१	२४	२८	वि	८	२०	९	२३	ना	१६	५६	१२	४९	०९	०३	५५	१	२८	२१	मेषे	०।०७।१२।५७	५८।२५

पं. १ बै.कृ. ९ श. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
०	४	११	०	१	६	७	१
००	०९	०३	२२	१५	०२	९३	९३
२८	४०	३८	९३	१९	२८	२५	२५
२४	०६	२१	०५	४१	१६	२०	२०
५८	०	४५	९३	४८	४	३	३
४५	१८	१६	४७	०४	३६	११	११
अ	म	उभा	भ	रो	चि	अनु	रो
१	३	१	३	२	३व	४	२



अयनांशाः २४।००।५८

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	अग्रे.	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	सायं	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ
११।२३।३८।२५	१ श	७	६।३६	८।१२	१०।०९	१२।२३	२।४३	५।००	७।१६	९।३५	११।५४	१।५८	३।४२	५।१०
११।२४।३७।२१	२ र	८	६।३२	८।०९	१०।०५	१२।१९	२।३९	४।५६	७।१२	९।३१	११।५०	१।५४	३।३८	५।०६
११।२५।३६।१५	३ चं	९	६।२८	८।०५	१०।०१	१२।१५	२।३६	४।५२	७।०८	९।२७	११।४६	१।५१	३।३४	५।०२
११।२६।३५।०७	४ मं	१०	६।२४	८।०१	९।५७	१२।१२	२।३२	४।४८	७।०४	९।२३	११।४२	१।४७	३।३०	४।५८
११।२७।३३।५६	५ बु	११	६।२१	७।५७	९।५३	१२।०८	२।२८	४।४५	७।००	९।१९	११।३८	१।४३	३।२६	४।५५
११।२८।३२।४३	६ गु	१२	६।१७	७।५३	९।४९	१२।०४	२।२४	४।४१	६।५६	९।१५	११।३४	१।३९	३।२२	४।५१
११।२९।३१।२८	८ शु	१३	६।१३	७।४९	९।४५	१२।००	२।२०	४।३७	६।५२	९।१२	११।३०	१।३५	३।१८	४।४७
००।००।३०।११	९ श	१४	६।०९	७।४५	९।४१	११।५६	२।१६	४।३३	६।४९	९।०८	११।२६	१।३१	३।१४	४।४३
००।०१।२८।५१	१० र	१५	६।०५	७।४१	९।३७	११।५२	२।१२	४।२९	६।४५	९।०४	११।२२	१।२७	३।१०	४।३९
००।०२।२७।२९	११ चं	१६	६।०१	७।३७	९।३३	११।४८	२।०८	४।२५	६।४१	९।००	११।१८	१।२३	३।०६	४।३५
००।०३।२६।०५	१२ मं	१७	५।५७	७।३३	९।२९	११।४४	२।०४	४।२१	६।३७	८।५६	११।१४	१।१९	३।०२	४।३१
००।०४।२४।३८	१३ बु	१८	५।५३	७।२९	९।२५	११।४०	२।००	४।१७	६।३३	८।५२	११।१०	१।१५	२।५८	४।२७
००।०५।२३।०९	१३ गु	१९	५।४९	७।२५	९।२१	११।३६	१।५६	४।१३	६।२९	८।४८	११।०७	१।११	२।५४	४।२३
००।०६।२१।३८	१४ शु	२०	५।४५	७।२१	९।१७	११।३२	१।५२	४।०९	६।२५	८।४४	११।०३	१।०७	२।५१	४।१९
००।०७।२०।०५	३० श	२१	५।४१	७।१७	९।१३	११।२८	१।४८	४।०५	६।२१	८।४०	१०।५९	१।०३	२।४७	४।१५

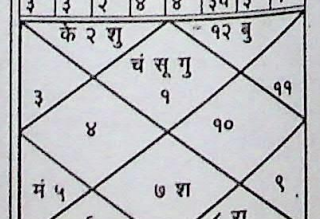
संक्रांति फलम्

ता. १३ अप्रेल २०१२
वैशा. कृ. ८ भृगौ मेषेऽर्कः प्र. (स्टै.)
टा. १८।३५ वारात् ३ नक्षत्रात् ४
वारनाम मिश्रा पशून् सुस्यदा
नक्षत्रनाम नंदा गणकान् सुस्यदा
अपरान्ह ३ प्रहर व्यापिनी वैश्यान्
हन्ति, दक्षिणे गमनं नैऋत्यां दृष्टिः
कौलवकरणे प्रविष्टा महर्घफलं
सिंहवाहनं वृषभोपवाहनं कष्टकारक
नीलवस्त्रं स्रुङ्गायुधं ताम्रपात्रं
मिष्ठान्नभक्षणं रक्तचंदनलेपनं
सर्पजातिः वकुलपुष्पं मोतीभूषणं
हरितकंचुकी गतालकावस्था (उभी)
मु. ४५ धान्यभावे समर्घ वत्स पश्चिमा.
राहु दक्षिणे मूलं पातालेवियाहस्तंभो
नैऋत्यां शुक्रोदयः पश्चिमायाम् ।
पुण्यकालः (स्टै.) १२।३५ से २४।३५
तक । (दानः मेष) ।

अयनांशाः २४।००।५९

पं. २ बै.कृ.३० श. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
०	४	११	०	१	६	७	१
०७	०९	०९	२३	२०	०१	१३	१३
१८	५७	५८	५०	३६	५६	०३	०३
४३	१७	१५	०६	३७	०६	०५	०५
५८	५	६५	१३	४१	४	३	३
३२	१४	२३	५९	१७	३४	११	११
अ	म	उभा	भ	रो	चि	अनु	रो
३	३	२	४	४	३व	३	१



CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

२२ अप्रेल से ६ मई तक, श्री वैशाख शुक्लपक्ष संवत् २०६९, शाकः १९३४, दि.मा.सू. सू. तारीख स्टै. प्रातः दैनिक केतकी अहर्गणः ३८२ ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे, अप्रेल-मई २०१२

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
काल	१	र	२३	१६	१५	२०	भर	५३	४६	२७	३२	प्री	१०	४६	१०	२०	ब	२३	१६	१५	२०	३२	६	६	२	२९	२२	मेषे	०।०८।१९।२२	५८।२३
सुस्थिर	२	सो	२९	४७	१७	५६	कृति	...	...	...	...	आ	१३	२४	११	२३	कौ	२९	४७	१७	५६	१६	०१	५६	३	१	२३	वृषे १०।१९	०।०९।०९।४५	५८।२१
अक्षया	३	मं	३६	१६	२०	३१	कृति	१	३८	६	४०	सौ	१६	०३	१२	२५	तै	३	०४	७	१४	२०	००	५६	४	२	२४	वृषे	०।१०।०८।०६	५८।१९
शुभ	४	बु	४२	१९	२२	५५	रोहि	९	१६	९	४२	शो	१८	२८	१३	२३	व	९	२४	९	४५	२४	५५	५७	५	३	२५	मिथु. २३।०८	०।११।०६।२४	५८।१६
मृत्यु	५	गु	४७	३०	२४	५९	मृग	१६	१७	१२	२९	अ	२०	२३	१४	०८	ब	१५	०५	१२	००	२७	५९	५८	६	४	२६	मिथु.	०।१२।०४।४१	५८।१४
पद्म	६	शु	५१	२४	२६	३१	आर्द्रा	२२	१५	१४	५२	सु	२१	२५	१४	३२	कौ	१९	३९	१३	४९	३१	५८	५८	७	५	२७	मिथु.	०।१३।०२।५५	५८।१२
छत्र	७	श	५३	३३	२७	२२	पुन	२६	४४	१६	३८	धृ	२१	१८	१४	२८	ग	२२	४३	१५	०२	३५	५७	५९	८	६	२८	कर्के १०।१५	०।१४।०१।०७	५८।१०
श्रीवत्स	८	र	५३	४४	२७	२६	पुष्य	२९	२४	१७	४१	शू	१९	४४	१३	५०	वि	२३	५४	१५	३०	३८	५६	५९	९	७	२९	कर्के	०।१४।५९।१७	५८।०८
सौम्य	९	सो	५१	५१	२६	४०	श्ले	३०	०४	१७	५७	गं	१६	३५	१२	३३	बा	२३	०५	१५	०९	४२	५५	७/००	१०	८	३०	सिंहे १७।५७	०।१५।५७।२५	५८।०६
काल-	१०	मं	४७	५८	२५	०५	मघा	२८	४२	१७	२३	वृ	११	४७	१०	३७	तै	२०	१०	१३	५८	४५	५४	००	११	९	१	सिंहे	०।१६।५५।३१	५८।०४
ए.व्र.	११	बु	४२	१४	२२	४७	पूफा	२५	२८	१६	०५	धृ	५/५७	२४/३५	८/२८	०३/५५	व	१५	२०	१२	०२	४९	५४	०१	१२	१०	२	कन्या २९।३९	०।१७।५३।३५	५८।०२
मातङ्ग	१२	गु	३५	०२	१९	५३	उफा	२०	३६	१४	०७	ह	४८	३८	२५	२०	ब	८	४९	९	२४	५२	५३	०२	१३	११	३	कन्या	०।१८।५१।३७	५८।००
प्र.व्र.	१३	शु	२६	३९	१६	३२	हस्त	१४	३०	११	४०	व	३८	४९	२१	२३	कौ	०	५८	६	१५	५५	५२	०२	१४	१२	४	तुला. २२।१८	०।१९।४९।३७	५७।५८
काण	१४	श	१७	३२	१२	५२	चित्रा	७	३३	८	५२	सि	२८	२७	१७	१४	व	१७	३२	१२	५२	५९	५१	०३	१५	१३	५	तुला.	०।२०।४७।३५	५७।५६
पूर्णिमा	१५	र	८	०६	९	०५	स्वा	०/५२	१०/४७	५/२६	५५/५७	व्य	१७	५४	१३	००	ब	८	०६	९	०५	३३/०२	५१	०३	१६	१४	६	वृश्चि. २१।४१	०।२१।४५।३१	५७।५४

पूर्णिमा पुण्यं, वैशाखस्नानपूर्तिः, धर्म प्रीत्यर्थं जलकुंभदानं

गुरोरस्तः पश्चिमायाम्

मई ५ ता. ३१

मृगे रे. ७ ॥ऽशु॥ऽऽऽ॥ रात्रौ ल. ११ C

मृगे रे. ७ ॥ऽशु॥ऽऽऽ॥ दिवा ल: २ (रा. ७ दो.), श्री D

श्री रामानुज जयंती, भर. रविः १०।२५ (सौरः १३।००), B

भ. २७।२२ उ., गंगोत्पत्ति [B अगस्त्यास्तः १२।१५

भ. १५।३० या. [C (भौम ७ दो.), मृगे शुक्रः ९।२७

सीता ९, गुरोरस्तः पश्चिमायाम् २३।५८

भ. १२।०२ उ. २२।४७ या., मोहिनी ११ व्र.

कृत्ति.-१ गुरुः ७।३४

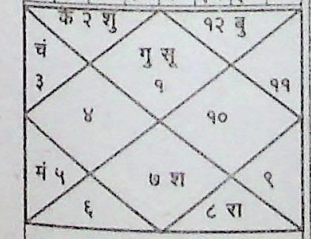
प्रदोषः, नृसिंह १४ [A मेषे अश्वि. बुधः २३।०३

भ. १२।५२ उ. २२।५९ या., कूर्मोत्पत्तिः, पूर्णिमा व्रतं, A

अयनांशाः २४।०१।०० ॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥ मास फलम् अयनांशाः २४।०१।०१

पं. ३ बै.शु. ७ श. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
०	४	११	०	१	६	७	१
१४	१०	१८	२५	२५	०१	१२	१२
०७	४७	२७	२८	००	२४	४०	४०
२९	२५	२५	२०	१८	३१	५१	५१
५८	९	८२	१४	३२	४	३	३
१९	३८	१८	०७	२७	२५	११	११
म	म	रे	भ	मृ	चि	अनु	रो
१	४	१	४	१	३व	३	१

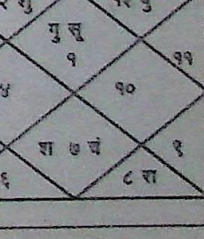


ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	अप्रे.	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	सायं	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ
०।१०८।१८।३०	१ र	२२	५।३७	७।१३	९।०९	११।२४	१।४४	४।०१	६।१७	८।३६	१०।५५	१२।५९	२।४३	४।११
०।१०९।१६।५३	२ चं	२३	५।३३	७।०९	९।०६	११।२०	१।४०	३।५७	६।१३	८।३२	१०।५१	१२।५५	२।३९	४।०७
०।१०।१०५।१३	३ मं	२४	५।२९	७।०५	९।०२	११।१६	१।३६	३।५३	६।०९	८।२८	१०।४७	१२।५१	२।३५	४।०३
०।१९।१३।३१	४ बु	२५	५।२५	७।०२	८।५८	११।१२	१।३२	३।४९	६।०५	८।२४	१०।४३	१२।४८	२।३१	३।५९
०।१२।११।४७	५ गु	२६	५।२१	६।५८	८।५४	११।०८	१।२९	३।४५	६।०१	८।२०	१०।३९	१२।४४	२।२७	३।५५
०।१३।१०।०१	६ शु	२७	५।१८	६।५४	८।५०	११।०५	१।२५	३।४१	५।५७	८।१६	१०।३५	१२।४०	२।२३	३।५२
०।१४।०८।१३	७ श	२८	५।१४	६।५०	८।४६	११।०१	१।२१	३।३८	५।५३	८।१२	१०।३१	१२।३६	२।१९	३।४८
०।१५।०६।२३	८ र	२९	५।१०	६।४६	८।४२	१०।५७	१।१७	३।३४	५।४९	८।०९	१०।२७	१२।३२	२।१५	३।४४
०।१६।०४।३१	९ चं	३०	५।०६	६।४२	८।३८	१०।५३	१।१३	३।३०	५।४५	८।०५	१०।२३	१२।२८	२।११	३।४०
०।१७।०२।३६	१० मं	१	५।०२	६।३८	८।३४	१०।४९	१।०९	३।२६	५।४२	८।०१	१०।१९	१२।२४	२।०७	३।३६
०।१८।००।४०	११ बु	२	४।५८	६।३४	८।३०	१०।४५	१।०५	३।२२	५।३८	७।५७	१०।१५	१२।२०	२।०३	३।३२
०।१८।५८।४२	१२ गु	३	४।५४	६।३०	८।२६	१०।४१	१।०१	३।१८	५।३४	७।५३	१०।११	१२।१६	१।५९	३।२८
०।१९।५६।४२	१३ शु	४	४।५०	६।२६	८।२२	१०।३७	१२।५७	३।१४	५।३०	७।४९	१०।०७	१२।१२	१।५५	३।२४
०।२०।५४।३९	१४ श	५	४।४६	६।२२	८।१८	१०।३३	१२।५३	३।१०	५।२६	७।४५	१०।०३	१२।०८	१।५१	३।२०
०।२१।५२।३५	१५ र	६	४।४२	६।१८	८।१४	१०।२९	१२।४९	३।०६	५।२२	७।४१	१०।००	१२।०४	१।४७	३।१६

इस माह में पांच शनिवार होने से महँगाई हो । पांच रविवार होने से वर्षा के गर्भ को बिगाड़ते हैं यथा-
॥पंचार्कयोगे वैशाख्से वृष्टिगर्भविनाशकः॥
कृ. चतुर्दशी को शुक्रवार होने से पृथ्वी पर अन्नोत्पत्ति उत्तम हो । शनिवारी अमावस होने से दुर्भिक्ष हो, वैशाखी अमावस को अश्विनी होने से मध्यं-समर्घ मध्यम हो । शुक्ला ३ को कृतिका होने से मध्यम वर्ष जानना । शुक्ला पंचमी को गुरुवार होने से सुभिक्ष हो । पूर्णिमा स्वाति युक्त होने से दुर्भिक्ष हो, विशाख्या का क्षय होने से महँगाई हो । शुक्रवार की संक्रांति होने से प्रजासुखी हो, स्वर्ण चांदी के भाव तेज हों, गाय भैंस हाथी घोडा मोटर गाड़ी आदि (चतुष्पद) पशु एवं वाहन के भाव तेज हो, रस कस लवण घृत के भाव सम रहे ।

पं. ४ बै.शु.१४ श. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
०	४	११	०	१	६	७	१
२०	१२	२८	२७	२८	००	१२	१२
५४	०६	५०	०७	१४	५४	१८	१८
४८	४७	०३	२१	४६	२२	३६	३६
५८	१३	९७	१४	२१	४	३	३
०६	३१	३६	१२	०२	०९	११	११
म	म	रे	कृ	मृ	चि	अनु	रो
३	४	४	१	२	३व	३	१



CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

॥ श्रीवल्लभ मनीराम पञ्चाङ्गम् ॥

७ मई से २० मई तक, श्री ज्येष्ठ कृष्णपक्ष संवत् २०६९, शाकः १९३४, दि.मा.सू. सू. तारीख स्टै. प्रातः दैनिक ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे वैशाख्यकृष्णेति गुर्जराः, मई २०१२

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
क्षयः	१	र	५८	४३	२९	२०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
मानस	२	सो	४९	४९	२५	४५	अनु	४५	५२	२४	११	व	७ ५७	२८ २८	२८	४९ ४९	तै	२४	१२	१५	३०	३३ ०५	५ ५०	७ ०४	१७	१५	७	वृश्चि.	०।२२।४३।२५	५७।५२
मुद्गर	३	मं	४१	४६	२२	३१	ज्ये	३९	४६	२१	४४	शि	४८	१४	२५	०७	व	१५	४१	१२	०५	०८	४९	०४	१८	१६	८	धनु.	२१।४४	०।२३।४१।१८	५७।५०
च.ब्र.	४	बु	३४	५३	१९	४६	मूल	३४	५०	१९	४५	सि	४०	०१	२१	४९	ब	८	१०	९	०४	१२	४८	०५	१९	१७	९	धनु.		०।२४।३९।०८	५७।४८
धाता	५	गु	२९	२९	१७	३५	पूषा	३१	२३	१८	२१	सा	३३	०३	१९	०१	कौ	२	००	६	३६	१५	४८	०६	२०	१८	१०	मक.	२४।०६	०।२५।३६।५६	५७।४७
आनन्द	६	शु	२५	४७	१६	०६	उषा	२९	३८	१७	३८	शु	२७	२८	१६	४६	व	२५	४७	१६	०६	१८	४७	०६	२१	१९	११	मक.		०।२६।३४।४३	५७।४५
सुस्थिर	७	श	२३	५६	१५	२१	श्रव	२९	४४	१७	४०	शु	२३	२४	१५	०८	ब	२३	५६	१५	२१	२१	४६	०७	२२	२०	१२	मक.		०।२७।३२।२८	५७।४३
मातङ्ग	८	र	२४	००	१५	२२	धनि	३१	४२	१८	२७	ब्र	२०	५०	१४	०६	कौ	२४	००	१५	२२	२४	४६	०७	२३	२१	१३	कुंभे	५।५८	०।२८।३०।११	५७।४१
अमृत	९	सो	२५	५४	१६	०७	शत	३५	२६	१९	५६	ऐ	१९	४३	१३	३८	ग	२५	५४	१६	०७	२७	४५	०८	२४	२२	१४	कुंभे		०।२९।२७।५२	५७।४०
काण	१०	मं	२९	२५	१७	३१	पूभा	४०	४२	२२	०२	वै	१९	५२	१३	४२	वि	२९	२५	१७	३१	२९	४५	०८	२५	२३	१५	मीने	१५।२७	०।००।२५।३२	५७।३८
ए.ब्र.	११	बु	३४	१३	१९	२६	उभा	४७	०९	२४	३६	वि	२१	०४	१४	१०	ब	१	४२	६	२५	३२	४४	०९	२६	२४	१६	मीने		०।०१।२३।१०	५७।३६
मित्र	१२	गु	३९	५६	२१	४२	रेव	५४	२४	२७	२९	प्री	२३	०२	१४	५७	कौ	७	००	८	३२	३५	४४	१०	२७	२५	१७	मेषे	२७।२९	०।०२।२०।४६	५७।३५
प्र.ब्र.	१३	शु	४६	०९	२४	११	अश्वि	...	...	..	...	आ	२५	२८	१५	५४	ग	१३	०१	१०	५६	३८	४३	१०	२८	२६	१८	मेषे		०।०३।१८।२०	५७।३३
सौम्य	१४	श	५२	३४	२६	४४	अश्वि	२	०५	६	३३	सौ	२८	०७	१६	५७	वि	१९	२३	१३	२८	४०	४३	११	२९	२७	१९	मेषे		०।०४।१५।५३	५७।३१
अमाव.	३०	र	५८	५४	२९	१६	भर	९	५१	९	३९	शो	३०	४६	१८	०१	च	२५	४६	१६	०१	४३	४२	११	३०	२८	२०	वृषे	१६।२५	०।०५।१३।२५	५७।३०

अयनांशाः २४।०१।०२

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

पं. ५ ज्ये.कृ. ७ श. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
०	४	०	०	२	६	७	१
२७	१३	१०	२८	००	००	११	११
४०	५१	५४	४६	००	२६	५६	५६
४७	४३	३७	४६	३६	२२	२१	२१
५७	१६	१११	१४	६	३	३	३
५५	५३	०९	१३	४१	५७	११	११
कृ	पूफा	अ	कृ	मृ	चि	अनु	रो
१	१	४	१	३	३व	३	१



ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	मई	रात्रौ	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	सायँ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ
००।२२।५०।२९	२ चं	७	४।३८	६।१४	८।१०	१०।२५	१२।४५	३।०२	५।१८	७।३७	९।५६	१२।००	१।४४	३।१२
००।२३।४८।२१	३ मं	८	४।३४	६।१०	८।०६	१०।२१	१२।४१	२।५८	५।१४	७।३३	९।५२	११।५६	१।४०	३।०८
००।२४।४६।११	४ बु	९	४।३०	६।०६	८।०३	१०।१७	१२।३७	२।५४	५।१०	७।२९	९।४८	११।५२	१।३६	३।०४
००।२५।४३।५९	५ गु	१०	४।२६	६।०२	७।५९	१०।१३	१२।३३	२।५०	५।०६	७।२५	९।४४	११।४८	१।३२	३।००
००।२६।४१।४५	६ शु	११	४।२२	५।५८	७।५५	१०।०९	१२।२९	२।४६	५।०२	७।२१	९।४०	११।४४	१।२८	२।५६
००।२७।३९।३०	७ श	१२	४।१८	५।५५	७।५१	१०।०५	१२।२५	२।४२	४।५८	७।१७	९।३६	११।४१	१।२४	२।५२
००।२८।३७।१३	८ र	१३	४।१४	५।५१	७।४७	१०।०१	१२।२२	२।३८	४।५४	७।१३	९।३२	११।३७	१।२०	२।४८
००।२९।३४।५४	९ चं	१४	४।११	५।४७	७।४३	९।५८	१२।१८	२।३४	४।५०	७।०९	९।२८	११।३३	१।१६	२।४५
०१।००।३२।३३	१० मं	१५	४।०७	५।४३	७।३९	९।५४	१२।१४	२।३१	४।४६	७।०५	९।२४	११।२९	१।१२	२।४१
०१।०१।३०।११	११ बु	१६	४।०३	५।३९	७।३५	९।५०	१२।१०	२।२७	४।४२	७।०२	९।२०	११।२५	१।०८	२।३७
०१।०२।२७।४७	१२ गु	१७	३।५९	५।३५	७।३१	९।४६	१२।०६	२।२३	४।३८	६।५८	९।१६	११।२१	१।०४	२।३३
०१।०३।२५।२१	१३ शु	१८	३।५५	५।३१	७।२७	९।४२	१२।०२	२।१९	४।३५	६।५४	९।१२	११।१७	१।००	२।२९
०१।०४।२२।५४	१४ श	१९	३।५१	५।२७	७।२३	९।३८	११।५८	२।१५	४।३१	६।५०	९।०८	११।१३	१२।५६	२।२५
०१।०५।२०।२५	१५ र	२०	३।४७	५।२३	७।१९	९।३४	११।५४	२।११	४।२७	६।४६	९।०४	११।०९	१२।५२	२।२१

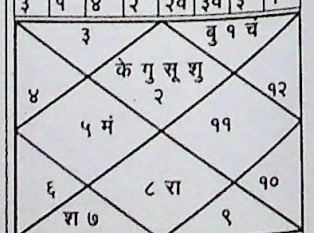
संक्रांति फलम्

ता. १४ मई २०१२
ज्ये. कृ. ९ चंद्रे वृषेऽर्कः प्र. (स्टै.)
टा. १५।२९ वारात् ४ नक्षत्रात् ४
वारनाम ध्वांक्षी वैश्यान् सुस्वदा
नक्षत्रनाम महोदरी चोरान् सुस्वदा
अपरान्ह ३ प्रहर व्यापिनी वैश्यान् हन्ति,
दक्षिणे गमनं नैऋत्यां दृष्टिः गरकरणे
प्रविष्टा मध्यमफलं हस्तीवाहनं
स्वरोपवाहनं लक्ष्मीकारक रक्तवस्त्रं
धनुष्यायुधं लोहपात्रं दुग्धभक्षणं
गोरोचनलेपनं पशुजातिः विल्वपुष्पं
मुकुटभूषणं श्वेतकंचुकी प्रौढावस्था
(बैठी) मु. १५ धान्यभावे महर्घता वत्स
उत्तरे राहु पश्चिमा. मूलं पाताले
विवाहस्तंभो ऽग्निकोणे शुक्रोदयः
पश्चिमायाम् । पुण्यकालः (स्टै.)
९।०५ से १५।२९ तक । (दान- गौ) ।

अयनांशाः २४।०१।०३

पं. ६ ज्ये.कृ.१४ श. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
१	४	०	१	१	६	७	१
०४	१५	२४	००	२९	००	११	११
२५	५८	२९	२६	५८	०१	३४	३४
३२	४९	२२	१०	१२	१३	०७	०७
५७	१९	१२३	१४	१०	३	३	३
४५	४८	१३	११	००	२०	११	११
कृ	पूफा	भ	कृ	मृ	चि	अनु	रो
३	१	४	२	२व	३व	३	१



CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

२१ मई से ४ जून तक, श्री ज्येष्ठ शुक्लपक्ष संवत् २०६९, शाकः १९३४, दि.मा.सू. सू. तारीख्स स्टै. प्रातः दैनिक केतकी अहर्गणः ४११ ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे, मई-जून २०१२

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
सुस्थिर	१	सो	...	...	...	..	कृति	१७	३०	१२	४२	अ	३३	१६	१९	००	किं	३१	५८	१८	२९	३३/४५	५/४२	७/१२	३१	२९	२१	वृषे	१।०६।१०।५४	५७।२८
मातङ्ग	१	मं	४	५७	७	४०	रोहि	२४	४८	१५	३७	सु	३५	२८	१९	५३	ब	४	५७	७	४०	४८	४१	१२	१	३०	२२	मिथु.	२९।००	१।०७।०८।२३	५७।२७
अमृत	२	बु	१०	२८	९	५२	मृग	३१	३४	१८	१८	धृ	३७	१२	२०	३४	कौ	१०	२८	९	५२	५०	४१	१३	२	१	२३	मिथु.		१।०८।०५।४९	५७।२५
काण	३	गु	१५	१४	११	४६	आर्द्रा	३७	३०	२०	४१	शू	३८	१५	२०	५९	ग	१५	१४	११	४६	५२	४१	१४	३	२	२४	मिथु.		१।०९।०३।१४	५७।२४
लुम्बक	४	शु	१८	५८	१३	१६	पुन	४२	२१	२२	३७	गं	३८	२७	२१	०३	वि	१८	५८	१३	१६	५५	४०	१४	४	३	२५	कर्के	१६।१०	१।१०।००।३८	५७।२२
मित्र	५	श	२१	२३	१४	१३	पुष्य	४५	५०	२४	००	वृ	३७	३४	२०	४२	बा	२१	२३	१४	१३	५७	४०	१५	५	४	२६	कर्के		१।१०।५८।०१	५७।२१
वज्र	६	र	२२	१७	१४	३४	श्ले	४७	४६	२४	४६	ध्रु	३५	२७	१९	५०	तै	२२	१७	१४	३४	५९	४०	१५	६	५	२७	सिंहे	२४।४६	१।११।५५।२१	५७।२०
ध्वाङ्क्ष	७	सो	२१	२९	१४	१५	मघा	४८	०१	२४	५२	व्या	३२	००	१८	२७	व	२१	२९	१४	१५	३४/३९	३९	१६	७	६	२८	सिंहे		१।१२।५२।४१	५७।१८
धूम्र	८	मं	१९	००	१३	१५	पूफा	४६	३६	२४	१८	ह	२७	१०	१६	३१	ब	१९	००	१३	१५	०३	३९	१६	८	७	२९	सिंहे		१।१३।४९।५९	५७।१७
प्रवर्धमा	९	बु	१४	५१	११	३५	उफा	४३	३७	२३	०६	व	२१	०२	१४	०४	कौ	१४	५१	११	३५	०५	३९	१७	९	८	३०	कन्या	६।०३	१।१४।४७।१६	५७।१६
गंगा	१०	गु	९	१२	९	१९	हस्त	३९	१४	२१	२०	सि	१३	४०	११	०७	ग	९	१२	९	१९	०६	३९	१७	१०	९	३१	कन्या		१।१५।४४।३२	५७।१४
ए.व्र.	११	शु	२	१७	६	३३	चित्रा	३३	४३	१९	०७	व्य	५/५६	१६/०३	७/२८	४५/०४	वि	२	१७	६	३३	०८	३८	१८	११	१०	१	तुला.	८।१७	१।१६।४१।४६	५७।१३
क्षयः	१२	शु	५४	२१	२७	२३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०		०	०
प्र.व्र.	१३	श	४५	४४	२३	५६	स्वा	२७	२२	१६	३५	प	४६	१६	२४	०८	कौ	२०	०६	१३	४१	१०	३८	१८	१२	११	२	तुला.		१।१७।३९।००	५७।१२
उत्पात	१४	र	३६	४६	२०	२१	विशा	२०	३३	१३	५१	शि	३६	१२	२०	०७	ग	११	१६	१०	०९	११	३८	१९	१३	१२	३	वृश्चि.	८।३३	१।१८।३६।१२	५७।११
पूर्णिमा	१५	सो	२७	४९	१६	४६	अनु	१३	३८	११	०५	सि	२६	०९	१६	०५	वि	२	१७	६	३३	१३	३८	१९	१४	१३	४	वृश्चि.		१।१९।३३।२३	५७।१०

केतकी अहर्गणः ४११ ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे, मई-जून २०१२

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।

भाऊका-करिदिन, वृषे बुधः २१।२५

चंद्रदर्शनम् (मु.३०), करिदिनं, श्री गंगादशाश्वमेधस्नान C

रंभा व्रतं, रज्जव ७ [C प्रा., भा. ज्येष्ठारंभः

भ. २४।३५ उ., प्रताप जयंती, रोहि. रविः २४।५१ (सौरः २९।२४)

भ. १३।१६ या.

रोहि. बुधः १२।४३

[B निर्जला ११ व्र., जून ६ ता. ३०, मृगे बुधः १४।२८,

भ. १४।१५ उ. २५।५० या.

दुर्गाष्टमी, धूमावती जयंती

गुरोरुदयः पूर्वस्याम्

गुरोरुदयः पूर्वस्याम् १४।१८

भ. २०।०० उ., गंगा दशहरा व्र., कृत्ति.-३ गुरुः १३।३०

भ. ६।३३ या., शुक्रास्तः पश्चिमायाम् २६।४४ B

शुक्रास्तः पश्चिमायाम्

[A व्र., कबीर जयंती, ज्येष्ठी योगः, D

प्रदोषः, वट सावित्री व्रतारंभः ९

भ. २०।२१ उ., (व) बोहि. शुक्रः १७।३५ [D मिथुने बुधः १७।३३

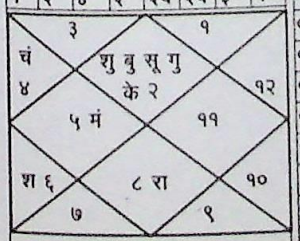
भ. ६।३३ या., मन्वादि, गुर्जराणां वटसावित्री व्रतं, अब्द साध्य A

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

अयनांशाः २४।०७।०४

पं. ७ ज्ये.शु. ५ श. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
१	४	१	१	१	५	७	१
११	१८	०९	०२	२७	२९	११	११
०९	२५	२१	०५	५७	३९	११	११
११	०९	१५	११	३७	२९	५१	५१
५७	२२	१३/१४	१४	२६	२	३	३
३६	१९	४३	०५	२२	४८	११	११
रो	पूफा	कृ	कृ	मृ	चि	अनु	रो
१	२	४	२	२व	२व	३	१



ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	मई	रात्रौ	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	सायं	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ
०१।०६।१७।५४	१ चं	२१	३।४३	५।१९	७।१५	९।३०	११।५०	२।०७	४।२३	६।४२	९।००	११।०५	१२।४८	२।१७
०१।०७।१५।२२	१ मं	२२	३।३९	५।१५	७।११	९।२६	११।४६	२।०३	४।१९	६।३८	८।५६	११।०१	१२।४४	२।१३
०१।०८।१२।४८	२ बु	२३	३।३५	५।११	७।०७	९।२२	११।४२	१।५९	४।१५	६।३४	८।५३	१०।५७	१२।४०	२।०९
०१।०९।१०।१३	३ गु	२४	३।३१	५।०७	७।०३	९।१८	११।३८	१।५५	४।११	६।३०	८।४९	१०।५३	१२।३७	२।०५
०१।१०।०७।३७	४ शु	२५	३।२७	५।०३	६।५९	९।१४	११।३४	१।५१	४।०७	६।२६	८।४५	१०।४९	१२।३३	२।०१
०१।११।०४।५९	५ श	२६	३।२३	४।५९	६।५६	९।१०	११।३०	१।४७	४।०३	६।२२	८।४१	१०।४५	१२।२९	१।५७
०१।१२।०२।२०	६ र	२७	३।१९	४।५५	६।५२	९।०६	११।२६	१।४३	३।५९	६।१८	८।३७	१०।४१	१२।२५	१।५३
०१।१२।५९।३९	७ चं	२८	३।१५	४।५१	६।४८	९।०२	११।२२	१।३९	३।५५	६।१४	८।३३	१०।३७	१२।२१	१।४९
०१।१३।५६।५७	८ मं	२९	३।११	४।४८	६।४४	८।५८	११।१८	१।३५	३।५१	६।१०	८।२९	१०।३४	१२।१७	१।४५
०१।१४।५४।१४	९ बु	३०	३।०७	४।४४	६।४०	८।५४	११।१५	१।३१	३।४७	६।०६	८।२५	१०।३०	१२।१३	१।४१
०१।१५।५१।२९	१० गु	३१	३।०४	४।४०	६।३६	८।५१	११।११	१।२७	३।४३	६।०२	८।२१	१०।२६	१२।०९	१।३८
०१।१६।४८।४४	११ शु	१	३।००	४।३६	६।३२	८।४७	११।०७	१।२४	३।३९	५।५८	८।१७	१०।२२	१२।०५	१।३४
०१।१७।४५।५७	१२ श	२	२।५६	४।३२	६।२८	८।४३	११।०३	१।२०	३।३५	५।५५	८।१३	१०।१८	१२।०१	१।३०
०१।१८।४३।०९	१३ र	३	२।५२	४।२८	६।२४	८।३९	१०।५९	१।१६	३।३१	५।५१	८।०९	१०।१४	११।५७	१।२६
०१।१९।४०।१९	१४ चं	४	२।४८	४।२४	६।२०	८।३५	१०।५५	१।१२	३।२८	५।४७	८।०५	१०।१०	११।५३	१।२२

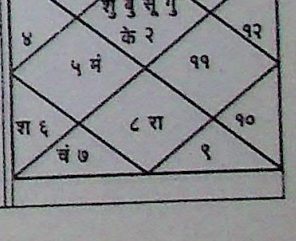
मास फलम्

इस माह में पांच सोमवार होने से धान्य सस्ता हो। कृष्णा प्रतिपदा को सोमवार होने से समर्घता हो। कृष्णा द्वादशी में रेवती होने से कष्ट हो। अमावस को रविवार होने से सन्ताप और भरणी योग सुभिक्ष और सुस्वद है। शुक्ला प्रतिपदा की वृद्धि होने से सुभिक्ष हो। ज्येष्ठ सुदी तीज को आर्द्रा में वर्षा हो तो दुर्भिक्ष करे। पूर्णिमा अनुराधा युक्त होने से दुर्भिक्ष हो। सोमवार की सक्रांति होने से दक्षिण की पवन चले, धान्यादि सभी वस्तुओं के भाव मंदे हो, रस घृत किराणें की वस्तुएं तेज हों, लोक, महाजन प्रसन्न हों, प्रजा में सद्भाव अधिक हो।

अयनांशाः २४।०७।०५

पं. ८ ज्ये.शु.१३ श. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
१	४	१	१	१	५	७	१
१७	२१	२४	०३	२४	२९	१०	१०
५१	०८	४२	४३	१५	२१	४९	४९
५४	०९	१०	२३	५६	४१	३७	३७
५७	२४	१२/२८	१३	३७	२	३	३
२८	३१	३७	५७	०६	१२	११	११
रो	पूफा	मृ	कृ	मृ	चि	अनु	रो
३	३	१	३	१व	२व	३	१



CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

॥ श्रीवल्लभ मनीराम पञ्चाङ्गम् ॥

५ जून से १९ जून तक, श्री आषाढ़ कृष्णपक्ष संवत् २०६९, शाकः १९३४, दि.मा.सू. सू. तारीख्य स्टै. प्रातः दैनिक ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे ज्येष्ठकृष्णेति गुर्जराः, जून २०१२

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
मुद्गर	१	मं	१९	१६	१३	२०	ज्ये	७	००३	८	२६	सा	१६	२४	१२	११	कौ	१९	१६	१३	२०	३४ ५६	५ ३८	७ २०	१५	१४	५	धनु. ८।२६	१।२०।३०।३३	५७।०९
ध्वजा	२	बु	११	२८	१०	१३	मूल	९ ५६	०३ १०	६ २८	०३ ०६	शु	७ ५९	१६ ०५	८ २९	३२ १६	ग	११	२८	१०	१३	१६	३८	२०	१६	१५	६	धनु.	१।२१।२७।४२	५७।०८
च.व्र.	३	गु	४	४८	७	३३	उषा	५२	४२	२६	४३	ब्र	५२	०४	२६	२७	वि	४	४८	७	३३	१७	३८	२०	१७	१६	७	मक. ९।४१	१।२२।२४।४९	५७।०७
क्षयः	४	गु	५९	३७	२९	२८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
धूम्र	५	शु	५६	११	२८	०६	श्रव	५०	५९	२६	०१	ऐ	४६	२९	२४	१३	कौ	२७	३९	१६	४१	१८	३८	२१	१८	१७	८	मक.	१।२३।२१।५६	५७।०६
प्रवर्धमा	६	श	५४	४५	२७	३९	धनि	५१	१२	२६	०७	वै	४२	२८	२२	३७	ग	२५	१३	१५	४३	१९	३८	२१	१९	१८	९	कुंभे १३।५८	१।२४।१९।०२	५७।०५
राक्षस	७	र	५५	२२	२७	४६	शत	५३	२७	२७	००	वि	४०	०६	२१	४०	वि	२४	४८	१५	३३	२०	३८	२२	२०	१९	१०	कुंभे	१।२५।१६।०७	५७।०४
मुसल	८	सो	५७	५७	२८	४८	पूषा	५७	३७	२८	४१	प्री	३९	१८	२१	२१	बा	२६	२५	१६	१२	२१	३८	२२	२१	२०	११	मीने २२।११	१।२६।१३।११	५७।०३
सिद्धि	९	मं	...	...	...	...	उभा	...	...	...	...	आ	३९	५५	२१	३६	तै	२९	५३	१७	३५	२२	३८	२२	२२	२१	१२	मीने	१।२७।१०।१५	५७।०२
लुम्बक	९	बु	२	१३	६	३१	उभा	३	२६	७	००	सौ	४१	३७	२२	१७	ग	२	१३	६	३१	२२	३८	२३	२३	२२	१३	मीने	१।२८।०७।१७	५७।०२
मित्र	१०	गु	७	४५	८	४४	रेव	१०	२८	९	४९	शो	४४	०३	२३	१५	वि	७	४५	८	४४	२३	३८	२३	२४	२३	१४	मेषे ९।४९	१।२९।०४।१९	५७।०१
ए.व्र.	११	शु	१४	०१	११	१५	अश्वि	१८	१०	१२	५४	अ	४६	४८	२४	२१	बा	१४	०१	११	१५	२४	३८	२३	२५	२४	१५	मेषे	२।००।०१।२०	५७।००
प्र.व्र.	१२	श	२०	३०	१३	५०	मर	२६	०१	१६	०२	सु	४९	३१	२५	२७	तै	२०	३०	१३	५०	२४	३८	२४	२६	२५	१६	वृषे २२।४९	२।००।५८।२०	५७।००
धूम्र	१३	र	२६	४१	१६	१९	कृति	३३	३६	१९	०४	धृ	५१	५५	२६	२४	व	२६	४१	१६	१९	२४	३८	२४	२७	२६	१७	वृषे	२।०१।५५।१९	५६।५९
प्रवर्धमा	१४	सो	३२	१९	१८	३४	रोहि	४०	३६	२१	५३	शू	५३	५०	२७	१०	श	३२	१९	१८	३४	२५	३८	२४	२८	२७	१८	वृषे	२।०२।५२।१८	५६।५८
अमाव.	३०	मं	३७	०९	२०	३०	मृग	४६	५०	२४	२३	गं	५५	०६	२७	४१	च	४	५१	७	३५	२५	३९	२४	२९	२८	१९	मिथु. ११।१०	२।०३।४९।१७	५६।५८

देवपितृकार्येऽमा.

अयनांशाः २४।०१।०५

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

संक्रांति फलम्

अयनांशाः २४।०१।०६

पं.	९	आ.	कृ.	६	श.	इष्टघटी	०।००
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
१	४	२	१	१	५	७	१
२४	२४	०९	०५	११	२९	१०	१०
३३	०५	०३	२०	४९	०८	२७	२७
५०	४२	२९	२५	२७	११	२१	२१
५७	२६	११।४	१३	३७	१	३	३
२२	२६	३१	४५	०६	३३	११	११
मृ	पूषा	आ	कृ	रो	चि	अनु	रो
१	४	१	३	३व	२व	३	१



ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	जून	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	सायं	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ
०१।२०।३७।२९	१ मं	५	२।४४	४।२०	६।१६	८।३१	१०।५१	१।०८	३।२४	५।४३	८।०९	१०।०६	११।४९	१।१८
०१।२१।३४।३८	२ बु	६	२।४०	४।१६	६।१२	८।२७	१०।४७	१।०४	३।२०	५।३९	७।५७	१०।०२	११।४५	१।१४
०१।२२।३१।४५	३ गु	७	२।३६	४।१२	६।०८	८।२३	१०।४३	१।००	३।१६	५।३५	७।५३	९।५८	११।४१	१।१०
०१।२३।२८।५२	४ शु	८	२।३२	४।०८	६।०४	८।१९	१०।३९	१२।५६	३।१२	५।३१	७।४९	९।५४	११।३७	१।०६
०१।२४।२५।५८	५ श	९	२।२८	४।०४	६।००	८।१५	१०।३५	१२।५२	३।०८	५।२७	७।४६	९।५०	११।३३	१।०२
०१।२५।२३।०२	६ र	१०	२।२४	४।००	५।५६	८।११	१०।३१	१२।४८	३।०४	५।२३	७।४२	९।४६	११।३०	१२।५८
०१।२६।२०।०६	७ सं	११	२।२०	३।५६	५।५२	८।०७	१०।२७	१२।४४	३।००	५।१९	७।३८	९।४२	११।२६	१२।५४
०१।२७।१७।०९	८ मं	१२	२।१६	३।५२	५।४८	८।०३	१०।२३	१२।४०	२।५६	५।१५	७।३४	९।३८	११।२२	१२।५०
०१।२८।१४।१२	९ बु	१३	२।१२	३।४८	५।४५	७।५९	१०।१९	१२।३६	२।५२	५।११	७।३०	९।३४	११।१८	१२।४६
०१।२९।११।१३	१० गु	१४	२।०८	३।४४	५।४१	७।५५	१०।१५	१२।३२	२।४८	५।०७	७।२६	९।३०	११।१४	१२।४२
०२।००।०८।१४	११ शु	१५	२।०४	३।४१	५।३७	७।५१	१०।११	१२।२८	२।४४	५।०३	७।२२	९।२६	११।१०	१२।३८
०२।०१।०५।१४	१२ श	१६	२।००	३।३७	५।३३	७।४७	१०।०८	१२।२४	२।४०	४।५९	७।१८	९।२३	११।०६	१२।३४
०२।०२।०२।१३	१३ र	१७	१।५७	३।३३	५।२९	७।४४	१०।०४	१२।२०	२।३६	४।५५	७।१४	९।१९	११।०२	१२।३१
०२।०२।५९।१२	१४ सं	१८	१।५३	३।२९	५।२५	७।४०	१०।००	१२।१७	२।३२	४।५१	७।१०	९।१५	११।५८	१२।२७
०२।०३।५६।१०	३० मं	१९	१।४९	३।२५	५।२१	७।३६	९।५६	१२।१३	२।२८	४।४८	७।०६	९।११	११।५४	१२।२३

संक्रांति फलम्

ता. १४ जून २०१२

आषा. कृ. १० गुरौ मिथुनेऽर्कः प्र. (रटै.) टा. २२।१० वारात् ४ नक्षत्रात् ५ वारनाम नंदा गणकान् सुस्पदा नक्षत्रनाम ध्वांक्षी वैश्यान् सुस्पदा मध्यरात्रि २ प्रहर व्यापिनी राक्षसान् हन्ति, उत्तरे गमनं, ऐशान्यां दृष्टिः बालवकरणे प्रविष्टा मध्यमफलं व्याघ्रवाहनं अश्वोपवाहनं भीतिकारक पीतवस्त्रं गदायुधं रौप्यपात्रं पायसभक्षणं कुंकुमलेप्यनं भूतजातिः जातिपुष्पं वंकणभूषणं पर्णवंचुकी कुमारिकावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यभावे सम वत्स उत्तरे राहु पश्चिमा. मूलं स्वर्गे विवाहस्तंभो ऽग्निकोणे शुक्रोदयः पूर्वस्याम् । पुण्यकालः (रटै.) २२।१० से २८।३४ तक । (दान- वस्त्रान्न) ।

पं.	१०	आ.	कृ.	१२	श.	इष्टघटी	०।००
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
२	४	२	१	१	५	७	१
०१	२७	२१	०६	१५	२८	१०	१०
१५	१६	३५	५५	५६	५९	०५	०५
०८	००	४३	५२	४७	१६	०६	०६
५७	२८	९७	१३	२६	०	३	३
१७	०८	५२	२९	२७	५३	११	११
मृ	उ.फा	पुन	कृ	रो	चि	अनु	रो
३	१	१	४	२व	२व	३	१



शुक्रोदयः पूर्वस्याम्

[A (सौरः २८।४९), आर्द्रा. बुधः २४।१५

[C २२।१० (सौरः २९।०४), उफा. भौमः २२।३७, D

[D कृति.-४ गुरुः २५।२९

[E राहुः २०।०६, कृत्ति.-४ केतुः २०।०६

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है ।

बुधोदयः पश्चिमायाम् २५।२३

भ. २०।४९ उ.

भ. ७।३३ या., चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः २२।०९, मृगे रविः २२।४५ A

भ. १५।३३ या.

शुक्रोदयः पूर्वस्याम् १९।०९

भ. १९।३४ उ.

भ. ८।४४ या., रेवत्यां रे. ८ ऽ।।।।।।ऽ।। दिवा ल. ३।४ (कर्कः B

योगिनी ११ व्र., पुन. बुधः ६।४४

प्रदोषः [B ९।४९ यावत्), पंचक समाप्तिः ९।४९, मिथुने रविः C

भ. १६।१९ उ. २९।२८ या., मासिकशिवरात्री व्र., अनु.-२ E

CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

॥ श्रीवल्लभ मनीराम पञ्चाङ्गम् ॥

२० जून से ३ जुलाई तक, श्री आषाढ शुक्लपक्ष संवत् २०६९, शाकः १९३४, दि.मा.सू. सू. तारीख्य स्टै. प्रातः दैनिक केतकी अहर्गणः ४४१ ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे, जून-जुलाई २०१२

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	व.प.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः
मुसल	१	बु	४१	०५	२२	०५	आर्द्रा	५२	१०	२६	३१	वृ	५५	३८	२७	५४	किं	९	१५	९	२१	३५४	५ ३५	७ ३५	३०	२९	२०	मिथु.
सिद्धि	२	गु	४४	००	२३	१५	पुन	५६	२९	२८	१५	ध्रु	५५	२१	२७	४७	बा	१२	४०	१०	४३	२५	३९	२५	३१	३०	२१	कर्के
उत्पात	३	शु	४५	४५	२३	५७	पुष्य	५९	४१	२९	३१	व्या	५४	१०	२७	१९	तै	१५	०१	११	३९	२५	३९	२५	१	१	२२	कर्के
मानस	४	श	४६	१९	२४	११	श्ले	...	...	...	...	ह	५२	०२	२६	२८	व	१६	११	१२	०८	२५	३९	२५	२	२	२३	कर्के
वज्र	५	र	४५	३७	२३	५४	श्ले	१	४०	६	२०	व	४८	५३	२५	१३	व	१६	०७	१२	०६	२५	४०	२५	३	३	२४	सिंहे
ध्वाङ्क्ष	६	सो	४३	३९	२३	०८	मघा	२	२६	६	३८	सि	४४	४५	२३	३४	कौ	१४	४७	११	३५	२४	४०	२६	४	४	२५	सिंहे
धूम्र	७	मं	४०	३०	२१	५२	पूफा	१	५८	६	२८	व्य	३९	३९	२१	३२	ग	१२	१३	१०	३३	२४	४०	२६	५	५	२६	कन्या १२।२०
प्रवर्धमा	८	बु	३६	११	२०	०९	उफा	० ५७	१९ ३४	५ २८	४८ ४२	व	३३	३६	१९	०७	वि	८	२९	९	०४	२३	४१	२६	६	६	२७	कन्या
चर	९	गु	३०	५०	१८	०१	चित्रा	५३	४९	२७	१२	प	२६	४१	१६	२१	बा	३	३७	७	०८	२३	४१	२६	७	७	२८	तुला. १६।००
गद	१०	शु	२४	३४	१५	३१	स्वा	४९	१३	२५	२२	शि	१९	००	१३	१७	ग	२४	३४	१५	३१	२२	४१	२६	८	८	२९	तुला.
ए.व्र.	११	श	१७	३३	१२	४३	विशा	४३	५७	२३	१६	सि	१०	४२	९	५८	वि	१७	३३	१२	४३	२१	४२	२६	९	९	३०	वृश्चि. १७।४९
प्र.व्र.	१२	र	१०	०१	९	४२	अनु	३८	१६	२१	००	सा	१ ५२	५५ ५३	६ २६	२८ ५१	बा	१०	०१	९	४२	२०	४२	२६	१०	१०	१	वृश्चि.
पद्म	१३	सो	२	१०	६	३४	ज्ये	३२	२७	१८	४१	शु	४३	४७	२३	१३	तै	२	१०	६	३४	१९	४२	२६	११	११	२	धनु. १८।४१
क्षयः	१४	सो	५४	२१	२७	२७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
पूर्णिमा	१५	मं	४६	५१	२४	२७	मूल	२६	४९	१६	२६	ब्र	३४	५५	१९	४१	वि	२०	३२	१३	५५	१८	४३	२६	१२	१२	३	धनु.

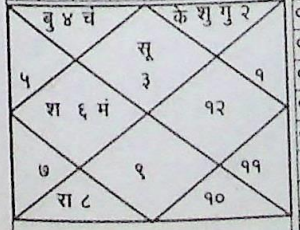
[G गोधूलि १०।११ (मकरे बु. ७ पू.), मन्वादि, आशा दशमी, रोहि.-१ गुरुः २८।५५ [N पूर्णिमा, गोपद्मव्रतारंभ, मन्वादि, आषाढी योगः

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।
सायन कर्के भानुः, सायन दक्षिणायन प्रारम्भ २८।३३
चंद्रदर्शनम् (मु.४५), श्री जगदीश रथ यात्रा, आर्द्रा. रविः २१।४७ A
भा. आषाढारंभः, सावान ८ [A (सौरः २९।३५), कन्यायां भौमः B
म.१२।०८ उ. २४।११ या.,पुष्ये बुधः २७।३५ [B २२।५९.कर्के C
मघा रे. ८ ।।।।।।ऽऽ।। दिवा ल. ४, रात्रौ अ.गो.१० (मकरे बु.७ पू.)
स्कंध षष्ठी, मार्गी शनिः २९।४० [C बुधः १६।५८,सं.स्त्री.स्त्री.चं. D
म. २१।५२ उ. [D चं.वाहन जम्बूक अल्पवृष्टिः, अयन करिदिन
म. ९।०४ या.,हस्ते रे.८ ।।।।।।।ऽऽऽ. दिवा ल.४।५, रात्रौ अ.गो., E
भड्ली ९, स्वातौ रे. ९ ।।।।।।।ऽ।। रात्रौ २ (स्टै. २७।१२ उप.), F
म. २६।०९ उ., स्वातौ रे. ९ ।।।।।।।ऽ।। दिवा ल. ४।५, रात्रौ G
म. १२।४३ या.,देव शयनी ११ व्र., चातुर्मास व्रतारंभः,हरिवासरः M
प्रदोषः,श्रावणेवर्जयेच्छाकम्, जुलाई ७ ता.३१ [F मार्गी शुक्रः १२।२८
म. २७।२७ उ. [M २३।१६ से २८।४३ तक, गोपद्मव्रतोद्यापनं
[E हस्ते रे. ९ ।।।।।।।ऽ।। रात्रौ ल. १०।११ (मकरे बु. ७ पू.)
म. १३।५५ या., पूर्णिमा व्रतंपुण्यञ्च, वायुपरीक्षा, व्यासपूजा, गुरु N

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

अयनांशाः २४।०७।०७

पं.११ आ.शु. ४ श. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
२	५	३	१	१	५	७	१
०७	००	०२	०८	१३	२८	०९	०९
५६	३७	०७	२९	३८	५५	४२	४२
००	३३	१९	२२	४५	०८	५०	५०
५७	२९	७९	१३	१०	०	३	३
१४	३८	३४	१०	१६	१२	११	११
आ	उफा	पुन	कृ	रो	चि	अनु	कृ
१	२	४	४	२व	२व	२	४



ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	जून	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	सायं	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ
०२।०४।५३।०८	१ बु	२०	१।४५	३।२१	५।१७	७।३२	९।५२	१२।०९	२।२४	४।४४	७।०२	९।०७	१०।५०	१२।१९
०२।०५।५०।०५	२ गु	२१	१।४९	३।१७	५।१३	७।२८	९।४८	१२।०५	२।२१	४।४०	६।५८	९।०३	१०।४६	१२।१५
०२।०६।४७।०२	३ शु	२२	१।३७	३।१३	५।०९	७।२४	९।४४	१२।०१	२।१७	४।३६	६।५४	८।५९	१०।४२	१२।१०
०२।०७।४३।५८	४ श	२३	१।३३	३।०९	५।०५	७।२०	९।४०	११।५७	२।१३	४।३२	६।५०	८।५५	१०।३८	१२।०७
०२।०८।४०।५४	५ र	२४	१।२९	३।०५	५।०१	७।१६	९।३६	११।५३	२।०९	४।२८	६।४६	८।५१	१०।३४	१२।०३
०२।०९।३७।५०	६ चं	२५	१।२५	३।०१	४।५७	७।१२	९।३२	११।४९	२।०५	४।२४	६।४२	८।४७	१०।३०	११।५९
०२।१०।३४।४५	७ मं	२६	१।२१	२।५७	४।५३	७।०८	९।२८	११।४५	२।०१	४।२०	६।३८	८।४३	१०।२६	११।५५
०२।११।३१।४०	८ बु	२७	१।१७	२।५३	४।४९	७।०४	९।२४	११।४१	१।५७	४।१६	६।३५	८।३९	१०।२३	११।५१
०२।१२।२८।३४	९ गु	२८	१।१३	२।४९	४।४५	७।००	९।२०	११।३७	१।५३	४।१२	६।३१	८।३५	१०।१९	११।४७
०२।१३।२५।२९	१० शु	२९	१।०९	२।४५	४।४१	६।५६	९।१६	११।३३	१।४९	४।०८	६।२७	८।३१	१०।१५	११।४३
०२।१४।२२।२३	११ श	३०	१।०५	२।४१	४।३८	६।५२	९।१२	११।२९	१।४५	४।०४	६।२३	८।२७	१०।११	११।३९
०२।१५।१९।१७	१२ र	१	१।०१	२।३७	४।३४	६।४८	९।०८	११।२५	१।४१	४।००	६।१९	८।२३	१०।०७	११।३५
०२।१६।१६।१२	१३ चं	२	१२।५७	२।३३	४।३०	६।४४	९।०४	११।२१	१।३७	३।५६	६।१५	८।१९	१०।०३	११।३१
०२।१७।१३।०६	१४ मं	३	१२।५३	२।३०	४।२६	६।४०	९।०१	११।१७	१।३३	३।५२	६।११	८।१६	९।५९	११।२७

अयनांशाः २४।०९।०८

पं.१२ आ.शु.११ श. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
२	५	३	१	१	५	७	१
९४	०४	९०	१०	१३	२८	०९	०९
३६	०९	२२	००	१७	५५	२०	२०
३५	०८	३५	२५	१०	५०	३४	३४
५७	३०	५८	१२	६	०	३	३
१२	५९	२२	४७	१२	३०	११	११
आ	उफा	पु	रो	रो	चि	अनु	कृ
३	३	३	१	१	२	२	४



मास फलम्

इस माह में पांच मंगलवार होने से किसी बडे व्यक्ति का अभाव हो। आषाढ में पांच मंगलवार होने से शुभ हैं। कृ.द्वितीया को बुधवार होने से दुर्भिक्ष हो. कृ. छठ को शनिवार होने से गेहू के भाव मंदे हों और कार्तिक में मंहगे हो। कृष्णा नौमी को बुधवार होने से दुर्भिक्ष हो। आषाढ कृष्णा चतुर्दशी में रोहिणी होने से राजयुद्ध हो। आषाढ कृष्णा चतुर्दशी को सोमवार होने से धान्य और तृणादि (घास) में कमी हो। मगलवारी अमावस होने से उपघात-अल्पवृष्टि और मृगशिरा योग सुभिक्ष और सुस्पद है। शुक्ल पंचमी को रविवार होने से कहीं कहीं वृष्टि हो, शु.एकादशी को शनिवार होने से सुभिक्ष हों। पूर्णिमा मंगलवार मूल युक्त से व्याधि की वृद्धि हो। पूर्णिमा तीस घटी से अधिक है अतः समर्धता हो।

CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

४ जुलाई से १९ जुलाई तक, श्री श्रावण कृष्णपक्ष संवत् २०६९, शाकः १९३४, दि.मा.सू. सू. तारीस्प स्टै. प्रातः दैनिक वर्षर्तू रविर्दक्षिणे आषाढकृष्णेति गुर्जराः, जुलाई २०१२

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
श्रीवत्स	१	बु	४०	०४	२१	४५	पूषा	२१	४५	१४	२५	ऐ	२६	३३	१६	२०	बा	१३	२०	११	०३	३४ ४७	५ ४३	७ २६	१३	१३	४	मक. १९।५८	२।१८।०३।०८	५६।५४
सौम्य	२	गु	३४	२०	१९	२८	उषा	१७	३९	१२	४७	वै	१९	००	१३	२०	तै	७	०२	८	३२	१६	४३	२६	१४	१४	५	मक.	२।१९।००।०२	५६।५४
च.व्र.	३	शु	३०	०१	१७	४४	श्रव	१४	५१	१९	४०	वि	१२	३३	१०	४५	व	९	५८	६	३१	१५	४४	२६	१५	१५	६	कुंभे २३।२२	२।१९।५६।५६	५६।५४
प्रवर्धमा	४	श	२७	२८	१६	४४	धनि	१३	४३	११	१३	प्री	७	२६	८	४३	बा	२७	२८	१६	४४	१३	४४	२६	१६	१६	७	कुंभे	२।२०।५३।५१	५६।५४
राक्षस	५	र	२६	५१	१६	२९	शत	१४	२८	११	३२	आ	३	५१	७	१७	तै	२६	५१	१६	२९	१२	४५	२५	१७	१७	८	कुंभे	२।२१।५०।४५	५६।५५
मुसल	६	सो	२८	१६	१७	०४	पूमा	१७	१३	१२	३८	सौ	९	५२	६	३०	व	२८	१६	१७	०४	१०	४५	२५	१८	१८	९	मीने ६।१७	२।२२।४७।४०	५६।५५
सिद्धि	७	मं	३९	३६	१८	२४	उमा	२१	५१	१४	३०	शो	१	२७	६	२०	ब	३१	३६	१८	२४	०९	४६	२५	१९	१९	१०	मीने	२।२३।४४।३५	५६।५५
उत्पात	८	बु	३६	३२	२०	२३	रेव	२८	०६	१७	००	अ	२	२४	६	४४	बा	३	५३	७	१९	०७	४६	२५	२०	२०	११	मेषे १७।००	२।२४।४९।३०	५६।५५
मानस	९	गु	४२	३१	२२	४७	अश्वि	३५	२६	१९	५७	सु	४	२४	७	३२	तै	९	२५	९	३३	०५	४७	२५	२१	२१	१२	मेषे	२।२५।३८।२६	५६।५६
मुद्गर	१०	शु	४८	५७	२५	२२	भर	४३	१५	२३	०५	धृ	७	०१	८	३५	व	१५	४३	१२	०४	०३	४७	२४	२२	२२	१३	मेषे	२।२६।३५।२१	५६।५६
ए.व्र.	११	श	५५	०९	२७	५१	कृति	५०	५५	२६	१०	शू	९	४६	९	४२	ब	२२	०६	१४	३८	०२	४८	२४	२३	२३	१४	वृषे ५।५२	२।२७।३२।१८	५६।५७
घाता	१२	र	...	...	...	...	रोहि	५७	५६	२८	५८	गं	१२	१४	१०	४२	कौ	२८	००	१७	००	००	४८	२४	२४	२४	१५	वृषे	२।२८।२९।१४	५६।५७
प्र.व्र.	१२	सो	०	३८	६	०४	मृग	...	...	...	...	वृ	१४	०३	११	२६	तै	०	३८	६	०४	३३ ५२	४९	२४	२५	२५	१६	मिथु. १८।१४	२।२९।२६।११	५६।५८
राक्षस	१३	मं	५	०४	७	५१	मृग	३	५४	७	२३	धृ	१५	०२	११	५०	व	५	०४	७	५१	५५	४९	२३	२६	२६	१७	मिथु.	३।००।२३।०९	५६।५८
मुसल	१४	बु	८	१५	९	०७	आर्द्रा	८	४१	९	१८	व्या	१५	०२	११	५०	श	८	१५	९	०७	५३	५०	२३	२७	२७	१८	कर्के २८।२५	३।०१।२०।०७	५६।५९
अमाव.	३०	गु	१०	०८	९	५३	पुन	१२	१४	१०	४३	ह	१४	०१	११	२६	ना	१०	०८	९	५३	५१	५०	२२	२८	२८	१९	कर्के	३।०२।१७।०६	५६।५९

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है ।
नक्त व्रतारंभः
बृहत्तल्पा, पुन. रविः २१।२४, सं.स्त्री.पु.चं.चं.वाहन महिष वर्षाश्रेष्ठः
भ. ६।३१ उ. १७।४४ या., पंचक प्रारम्भः २३।२२, D
|D चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः २१।२४, पुन. सौरः ७।०१
नागपञ्चमी (मरु.), श्लेषा. बुधः ११।१६
भ. १७।०४ उ. २९।३८ या.
पंचक समाप्तिः १७।००, हस्ते भौमः ६।०८
|A दक्षिणायनारंभः, बुधास्तः पश्चिमायाम् २८।१६, रोहि.-२ C
भ. १२।०४ उ. २५।२२ या. |C गुरुः ११।४१
कामिका ११ व्र.
वक्री बुधः २४।३९
प्रदोषः, कर्के रविः ९।०७ (सौरः २०।०४), निरयन A
भ. ७।५१ उ. २०।३३ या., मासिकशिवरात्री व्र.
पितृकार्येऽमा. |B सं.स्त्री.स्त्री.चं.चं.वाहन-अश्व अल्पवृष्टिः
देवकार्येऽमा., हरियाली ३०, पुष्ये रविः २०।५८, B

अयनांशाः २४।०९।०९

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

पं.९३ श्रा.कृ. ४ श. इष्टघटी ०।००								
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.	
२	५	३	१	१	५	७	१	
२१	०७	१५	११	१४	२९	०८	०८	
१७	४९	५९	२८	४४	०१	५८	५८	
०४	४३	३०	३८	३१	२४	१९	१९	
५७	३२	३३	१२	२०	१	३	३	
१२	११	३९	२०	१८	११	११	११	
पुन	उषा	पु	रो	रो	चि	अनु	कृ	
१	४	४	१	२	२	२	४	



ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	जुल	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	सायँ	रात्रौ	रात्रौ
०२।१८।१०।००	१ बु	४	१२।४९	२।२६	४।२२	६।३६	८।५७	११।१३	१।२९	३।४८	६।०७	८।१२	९।५५	११।२३
०२।१९।०६।५४	२ गु	५	१२।४६	२।२२	४।१८	६।३३	८।५३	११।०९	१।२५	३।४४	६।०३	८।०८	९।५१	११।२०
०२।२०।०३।४८	३ शु	६	१२।४२	२।१८	४।१४	६।२९	८।४९	११।०६	१।२१	३।४०	५।५९	८।०४	९।४७	११।१६
०२।२१।००।४२	४ श	७	१२।३८	२।१४	४।१०	६।२५	८।४५	११।०२	१।१७	३।३७	५।५५	८।००	९।४३	११।१२
०२।२१।५७।३७	५ र	८	१२।३४	२।१०	४।०६	६।२१	८।४१	१०।५८	१।१३	३।३३	५।५१	७।५६	९।३९	११।०८
०२।२२।५४।३१	६ चं	९	१२।३०	२।०६	४।०२	६।१७	८।३७	१०।५४	१।१०	३।२९	५।४७	७।५२	९।३५	११।०४
०२।२३।५१।२६	७ मं	१०	१२।२६	२।०२	३।५८	६।१३	८।३३	१०।५०	१।०६	३।२५	५।४३	७।४८	९।३१	११।००
०२।२४।४८।२१	८ बु	११	१२।२२	१।५८	३।५४	६।०९	८।२९	१०।४६	१।०२	३।२१	५।३९	७।४४	९।२७	१०।५६
०२।२५।४५।१७	९ गु	१२	१२।१८	१।५४	३।५०	६।०५	८।२५	१०।४२	१२।५८	३।१७	५।३५	७।४०	९।२३	१०।५२
०२।२६।४२।१३	१० शु	१३	१२।१४	१।५०	३।४६	६।०१	८।२१	१०।३८	१२।५४	३।१३	५।३१	७।३६	९।१९	१०।४८
०२।२७।३९।०९	११ श	१४	१२।१०	१।४६	३।४२	५।५७	८।१७	१०।३४	१२।५०	३।०९	५।२८	७।३२	९।१५	१०।४४
०२।२८।३६।०५	१२ र	१५	१२।०६	१।४२	३।३८	५।५३	८।१३	१०।३०	१२।४६	३।०५	५।२४	७।२८	९।१२	१०।४०
०२।२९।३३।०२	१२ चं	१६	१२।०२	१।३८	३।३४	५।४९	८।०९	१०।२६	१२।४२	३।०१	५।२०	७।२४	९।०८	१०।३६
०३।००।३०।००	१३ मं	१७	११।५८	१।३४	३।३०	५।४५	८।०५	१०।२२	१२।३८	२।५७	५।१६	७।२०	९।०४	१०।३२
०३।०१।२६।५८	१४ बु	१८	११।५४	१।३०	३।२७	५।४१	८।०१	१०।१८	१२।३४	२।५३	५।१२	७।१६	९।००	१०।२८
०३।०२।२३।५७	३० गु	१९	११।५०	१।२६	३।२३	५।३७	७।५७	१०।१४	१२।३०	२।४९	५।०८	७।१२	८।५६	१०।२४

संक्रांति फलम्

ता. १६ जुलाई २०१२
श्रा. कृ. १२ चंद्रे कर्केऽर्कः प्र. (स्टै.)
टा. ९।०७ वारात् ५ नक्षत्रात् ५
वारनाम ध्यांक्षी वैश्यान् सुस्पदा
नक्षत्रनाम मंदाकिनी नृपतीन् सुस्पदा
पूर्वान्हे १ प्रहर व्यापिनी नृपतीन् हन्ति,
पूर्वे गमनमाग्नेयां दृष्टिः गरकरणे प्रविष्टा
मध्यमफलं हस्तीवाहनं स्त्रोपवाहनं
लक्ष्मीकारक रक्तवस्त्रं धनुष्यायुधं
लोहपात्रं दुग्धभक्षणं गोरोचनलेपनं
पशुजातिः विल्वपुष्पं मुकुटभूषणं
श्वेतकंचुकी प्रौढावस्था (बैठी) मु. ३०
धान्यभावे सम वत्स उत्तरे राहु पश्चिमा.
मूलं भूमौ विवाहस्तंभो ऽग्निकोणे
शुक्रोदयः पूर्वस्याम् । पुण्यकालः
रविवार (स्टै.) २१।०७ से सोमवार
९।०७ तक । (दान- घृत, धेनु) ।

अयनांशाः २४।०१।१०

पं.१४ श्रा.कृ.११ श. इष्टघटी ०।००								
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.	
२	५	३	१	१	५	७	१	
२७	११	१८	१२	१७	२९	०८	०८	
५७	३८	२८	५३	४१	११	३६	३६	
३७	२९	४५	३४	४९	४७	०३	०३	
५७	३३	३	११	३१	१	३	३	
१३	१८	४३	५०	२९	५२	११	११	
पुन	ह	श्ले	रो	रो	चि	अनु	कृ	
३	१	१	१	३	२	२	४	



CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

२० जुलाई से २ अगस्त तक, श्री श्रावण शुक्लपक्ष संवत् २०६९, शाकः १९३४, दि.मा.सू. सू. तारीख स्टै. प्रातः दैनिक केतकी अहर्गणः ४७१ वर्षत्रू रविर्दक्षिणे, जुलाई-अगस्त २०१२

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
उत्पात	१	शु	१०	४७	१०	०९	पुष्य	१४	३२	११	३९	व	१२	०१	१०	३९	व	१०	४७	१०	०९	३३ ४९	५ ५३	७ २२	२९	२९	२०	कर्के	३।०३।१४।०५	५७।००
सिंधारा	२	श	१०	१४	९	५७	श्लें	१५	४०	१२	०७	सि	९	०४	९	२९	कौ	१०	१४	९	५७	४६	५१	२२	३०	३०	२१	सिंहे	१२।०७	३।०४।१९।०५	५७।०९
तीज	३	र	८	३६	९	१८	मघा	१५	४६	१२	१०	व्य	५	१६	७	५८	ग	८	३६	९	१८	४४	५२	२१	३१	१	२२	सिंहे		३।०५।०८।०५	५७।०९
ध्वजा	४	सो	६	०२	८	१७	पूफा	१४	५७	११	५१	व	५५	४२ ३०	६	०९ ०४	वि	६	०२	८	१७	४१	५२	२१	१	२	२३	कन्या	१७।४३	३।०६।०५।०७	५७।०२
धाता	५	मं	२	४०	६	५७	उफा	१३	२१	११	१३	शि	४९	४१	२५	४५	बा	२	४०	६	५७	३९	५३	२०	२	३	२४	कन्या		३।०७।०२।०९	५७।०३
क्षयः	६	मं	५८	३७	२९	२०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
आनन्द	७	बु	५३	५८	२७	२८	हस्त	११	०५	१०	९९	सि	४३	२३	२३	९४	ग	२६	२१	१६	२६	३६	५३	२०	३	४	२५	तुला.	२१।४७	३।०७।५९।१९	५७।०४
चर	८	गु	४८	४७	२५	२५	चित्रा	८	९५	९	९२	सा	३६	३९	२०	३३	वि	२१	२५	१४	२८	३३	५४	१९	४	५	२६	तुला.		३।०८।५६।१५	५७।०५
गद	९	शु	४३	१०	२३	१०	स्वा	४	५४	७	५२	शु	२९	३२	१७	४३	बा	१६	०१	१२	१९	३१	५४	१९	५	६	२७	वृश्चि.	२४।४६	३।०९।५३।२०	५७।०५
शुभ	१०	श	३७	१२	२०	४८	विशा	१ ५७	०९ ०५	६ २८	२२ ४५	शु	२२	०६	१४	४५	तै	१०	१३	१०	००	२८	५५	१८	६	७	२८	वृश्चि.		३।१०।५०।२५	५७।०६
ए.व्र.	११	र	३०	५८	१८	१९	ज्ये	५२	४७	२७	०२	ब्र	१४	२६	११	४२	व	४	०६	७	३४	२५	५५	१७	७	८	२९	धनु.	२७।०२	३।११।४७।३९	५७।०७
प्र.व्र.	१२	सो	२४	३९	१५	४८	मूल	४८	२९	२५	२०	ऐ	६ ५८	३८ ५४	८ २९	३५ २३	बा	२४	३९	१५	४८	२२	५६	१७	८	९	३०	धनु.		३।१२।४४।३९	५७।०८
मित्र	१३	मं	१८	२८	१३	२०	पूषा	४४	२५	२३	४३	वि	५१	२३	२६	३०	तै	१८	२८	१३	२०	१९	५६	१६	९	१०	३१	मक.	२९।२०	३।१३।४१।४७	५७।०९
नारियल	१४	बु	१२	३९	११	०१	उषा	४०	५४	२२	१९	प्री	४४	२१	२३	४१	व	१२	३९	११	०१	१६	५७	१५	१०	११	१	मक.		३।१४।३८।५७	५७।१०
पूर्णिमा	१५	गु	७	३४	८	५९	श्रव	३८	१६	२१	१६	आ	३८	०२	२१	१०	व	७	३४	८	५९	१३	५८	१५	११	१२	२	मक.		३।१५।३६।०७	५७।१२

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।

पुष्ये सौरः ८।२० [D दूर्वागणपतिव्र., रमजान ९, सायन सिंहे G चंद्रदर्शनम् (मु.३०), श्रृंगार (सिंधारा) देशाचारे, सुकृत तृतीया व्र. भ. २०।५० उ.,तीज, स्वर्णगौरीव्र., मधुश्रवाव्र(गुर्जरे), वरदचतुर्थी, D भ. ८।१७ या.,रोटकव्रतारंभः, सोमेश्वरपूजनं, मा.श्रावणारंभः, मृगे H कल्की जयंती, नागपञ्चमी, नागदह व्र., वर्णषष्ठी [H शुक्रः ११।०७ [B हिरण्यकेशीय,आपस्तंभ,ऋग्वेदि उपाकर्म, श्लेषा.रविः १९।५४,E भ. २७।२८ उ., शीतला, तुलसी जयंती [E सं.स्त्री.पु.चं.चं.वाहन J भ. १४।२८ या., दुर्गाष्टमी [G भानुः १५।३२, (व) पुष्ये बुधः ९।२६ [A व्रतं, सूणमाण्डणा (भद्रा के पूर्व), यजुर्वेदि, काण्वमध्यन्दिन C [C (कात्या.), बौधायन, अथर्ववेदि उपाकर्म, अगस्त ८ ता. ३१, F भ. ७।३४ उ. १८।१९ या., पवित्रा ११ व्र. [J चातक वर्षाश्रेष्ठः प्रदोषः, दधि भक्षणत्यागः, पवित्रारोपणं [F तिलकपुण्यतिथि, L मिथुने शुक्रः २८।२९ [L तुलायां चित्रा.-३ शनिः ९।३७ भ. ११।०१ उ. २१।५७ या., हयग्रीवजयंती, नारियल १५, पूर्णिमा A पूर्णिमापुण्यं, रक्षाबंधनं (पूरा दिन शुद्ध है), श्रावणी(मरु),तैतरीय, B

अयनांशाः २४।०१।११

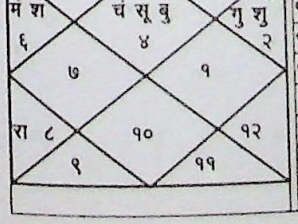
॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

मास फलम्

अयनांशाः २४।०१।१२

पं.१५ श्रा.शु. २ श. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
३	५	३	१	१	५	७	१
०४	१५	१७	१४	२१	२९	०८	०८
३८	३४	१४	१४	४९	२६	१३	१३
२६	४३	१५	४२	२८	४९	४६	४६
५७	३४	२९	११	४०	२	३	३
१६	१९	१७	१५	०७	३१	११	११
पु	ह	श्लें	रो	रो	चि	अनु	कृ
१	२	१व	२	४	२	२	४

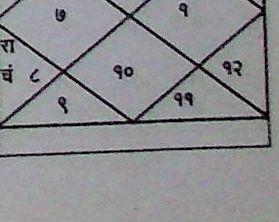


ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	जुला	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	सायं	रात्रौ	रात्रौ
०३।०३।२०।५६	१ शु	२०	१९।४६	१।२३	३।१९	५।३३	७।५३	९०।१०	९२।२६	२।४५	५।०४	७।०८	८।५२	९०।२०
०३।०४।१७।५६	२ श	२१	१९।४२	१।१९	३।१५	५।२९	७।५०	९०।०६	९२।२२	२।४१	५।००	७।०५	८।४८	९०।१६
०३।०५।१४।५६	३ र	२२	१९।३८	१।१५	३।११	५।२६	७।४६	९०।०२	९२।१८	२।३७	४।५६	७।०१	८।४४	९०।१२
०३।०६।१९।५८	४ चं	२३	१९।३५	१।११	३।०७	५।२२	७।४२	९।५८	९२।१४	२।३३	४।५२	६।५७	८।४०	९०।०९
०३।०७।०९।००	५ मं	२४	१९।३१	१।०७	३।०३	५।१८	७।३८	९।५५	९२।१०	२।२९	४।४८	६।५३	८।३६	९०।०५
०३।०८।०६।०३	७ बु	२५	१९।२७	१।०३	२।५९	५।१४	७।३४	९।५१	९२।०६	२।२६	४।४४	६।४९	८।३२	९०।०१
०३।०९।०३।०६	८ गु	२६	१९।२३	१२।५९	२।५५	५।१०	७।३०	९।४७	९२।०२	२।२२	४।४०	६।४५	८।२८	९।५७
०३।१०।००।११	९ शु	२७	१९।१९	१२।५५	२।५१	५।०६	७।२६	९।४३	९१।५९	२।१८	४।३६	६।४१	८।२४	९।५३
०३।१०।५७।१६	१० श	२८	१९।१५	१२।५१	२।४७	५।०२	७।२२	९।३९	९१।५५	२।१४	४।३२	६।३७	८।२०	९।४९
०३।११।५४।२३	११ र	२९	१९।११	१२।४७	२।४३	४।५८	७।१८	९।३५	९१।५१	२।१०	४।२८	६।३३	८।१६	९।४५
०३।१२।५१।३०	१२ चं	३०	१९।०७	१२।४३	२।३९	४।५४	७।१४	९।३१	९१।४७	२।०६	४।२४	६।२९	८।१२	९।४१
०३।१३।४८।३९	१३ मं	३१	१९।०३	१२।३९	२।३५	४।५०	७।१०	९।२७	९१।४३	२।०२	४।२०	६।२५	८।०८	९।३७
०३।१४।४५।४८	१४ बु	१	१०।५९	१२।३५	२।३१	४।४६	७।०६	९।२३	९१।३९	१।५८	४।१७	६।२१	८।०४	९।३३
०३।१५।४२।५८	१५ गु	२	१०।५५	१२।३१	२।२७	४।४२	७।०२	९।१९	९१।३५	१।५४	४।१३	६।१७	८।०१	९।२९

इस माह (श्रावण) में पांच बुधवार और पांच गुरुवार होने से मिलाजुला फल (महर्घ-समर्घ) हो। मास के प्रथम दिन में बुधवार होने से अन्न की महँगाई हो। श्रावण कृष्णा प्रतिपदा को धृति योग न होने से धान्यादि भाव मंदे हों। श्रावण कृष्णा एकादशी को कृत्तिका होने से मध्यम फल हो। श्रावण कृष्णा चतुर्दशी को आर्द्रा होने से अन्नादि भाव में तेजी हो। गुरुवारी अमावस होने से उत्तम वृष्टि, सुभिक्ष हो, पुनर्वसु योग समर्घता कारक है। पूर्णिमा गुरुवार और श्रवण युक्त होने से शुभ फल दायिनी है। श्रावणी पूर्णिमा को श्रवण होने से धान्योत्पत्ति बहुत हो। सोमवार की सक्रांति होने से दक्षिण की पवन चले, धान्यादि सभी वस्तुओं के भाव मंदे हो, रस घृत किराणे की वस्तुएं तेज हों।

पं.१६ श्रा.शु.१० श. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
३	५	३	१	१	५	७	१
११	१९	१२	१५	२६	२९	०७	०७
५९	३७	४२	३१	५१	४६	५१	५१
४१	५०	१८	३२	१४	२२	३१	३१
५७	३५	४५	१०	४६	३	३	३
२१	१५	१८	३६	४४	०९	११	११
पु	ह	पु	रो	मृ	चि	अनु	कृ
३	३	३व	२	२	२	२	४



CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

॥ श्रीवल्लभ मनीराम पञ्चाङ्गम् ॥

३ अगस्त से १७ अगस्त तक, श्री प्र.भाद्रपद कृष्णपक्ष संवत् २०६९, शाकः १९३४, दि.मा.सू. सू. तारीख्स स्टै. प्रातः दैनिक वर्षर्तू रविर्दक्षिणे श्रावणकृष्णेति गुर्जराः, अगस्त २०१२

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
धाता	१	शु	३	३१	७	२२	धनि	३६	५०	२०	४२	सौ	३२	४४	१९	०४	कौ	३	३१	७	२२	३३/९०	५/५८	७/१४	१२	१३	३	कुंभे ८।५५	३।१६।३३।१९	५७।१३
आनन्द	२	श	०	४९	६	१८	शत	३६	५४	२०	४४	शो	२८	३७	१७	२५	ग	०	४९	६	१८	०७	५९	१३	१३	१४	४	कुंभे	३।१७।३०।३१	५७।१४
क्षयः	३	श	५९	४७	२९	५३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
च.व्र.	४	र	...	...	...	...	पूभा	३८	४२	२१	२८	अ	२५	५४	१६	२१	ब	२९	५५	१७	५७	०४	५९	१३	१४	१५	५	मीने १५।१३	३।१८।२७।४५	५७।१५
गद	४	सो	०	२९	६	११	उभा	४२	१७	२२	५४	सु	२४	३६	१५	५०	बा	०	२९	६	११	०१	६/०४	१२	१५	१६	६	मीने	३।१९।२५।००	५७।१६
शुभ	५	मं	३	०३	७	१३	रेव	४७	३५	२५	०२	धृ	२४	४४	१५	५४	तै	३	०३	७	१३	३२/५७	००	११	१६	१७	७	मेषे २५।०२	३।२०।२२।१७	५७।१८
मृत्यु	६	बु	७	२०	८	५७	अश्वि	५४	१६	२७	४३	शू	२६	०४	१६	२६	व	७	२०	८	५७	५४	०१	१०	१७	१८	८	मेषे	३।२१।१९।३४	५७।१९
जन्माष्ट.	७	गु	१२	५४	११	११	भर	...	...	...	...	गं	२८	१८	१७	२१	ब	१२	५४	११	११	५१	०१	०९	१८	१९	९	मेषे	३।२२।१६।५३	५७।२०
जन्माष्ट.	८	शु	१९	१२	१३	४२	भर	१	४९	६	४५	वृ	३०	५८	१८	२५	कौ	१९	१२	१३	४२	४७	०२	०९	१९	२०	१०	वृषे १३।३२	३।२३।१४।१४	५७।२२
गोगा	९	श	२५	३३	१६	१५	कृति	९	३७	९	५३	धु	३३	३४	१९	२८	ग	२५	३३	१६	१५	४४	०२	०८	२०	२१	११	वृषे	३।२४।११।३५	५७।२३
धाता	१०	र	३९	१७	१८	३३	रोहि	१६	५६	१२	४९	व्या	३५	३८	२०	१८	वि	३१	१७	१८	३३	४०	०३	०७	२१	२२	१२	मिथु. २६।०९	३।२५।०८।५८	५७।२५
ए.व्र.	११	सो	३५	४८	२०	२३	मृग	२३	१३	१५	२१	ह	३६	४५	२०	४५	ब	३	४२	७	३२	३७	०३	०६	२२	२३	१३	मिथु.	३।२६।०६।२३	५७।२६
चर	१२	मं	३८	५०	२१	३६	आर्द्रा	२८	०५	१७	१८	व	३६	४२	२०	४५	कौ	७	३१	९	०४	३३	०४	०५	२३	२४	१४	मिथु.	३।२७।०३।४९	५७।२८
प्र.व्र.	१३	बु	४०	१२	२२	०९	पुन	३१	२२	१८	३७	सि	३५	२३	२०	१३	ग	९	४२	९	५७	३०	०४	०४	२४	२५	१५	कर्के १२।२१	३।२८।०१।१६	५७।२९
शुभ	१४	गु	३९	५८	२२	०४	पुष्य	३३	०३	१९	१८	व्य	३२	४६	१९	११	वि	१०	१५	१०	११	२६	०५	०३	२५	२६	१६	कर्के	३।२८।५८।४५	५७।३१
अमाव.	३०	शु	३८	१६	२१	२४	श्ले	३३	१७	१९	२४	व	२८	५९	१७	४१	च	९	१६	९	४८	२३	०५	०२	२६	२७	१७	सिंहे १९।२४	३।२९।५६।१६	५७।३२

प्रातः सौर र. स्प. यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है ।

पंचक प्रारम्भः ८।५५, श्लेषा. सौरः ८।४७, चित्रा. भौमः C

भ. १८।०० उ. २९।५३ या., कज्जली(बूढी ३)

[C ११।४५, रोहि.-३ गुरुः २१।२४

चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः २१।०८, बुधोदयः पूर्वस्याम् २६।४५

[A ३०,लोहार्गलस्ना., अधिक मासारंभः, सिंहे मघा. सौरः ७।३९

पंचक समाप्तिः २५।०२, बृहद्गौरी व्र. (कर्नाटके डोली), B

भ. ८।५७ उ. २२।०० या., शीतला व्र., मार्गी बुधः १९।१३, F

मन्वादि, जन्माष्टमी व्र. स्मा. [B हलषष्ठी, चंद्रषष्ठी (मरु.)

मन्वादि, जन्माष्टमी व्र. वैष्ण. [F आर्द्रा. शुक्रः २१।०८

भ. २९।२७ उ., गोगानवमी

भ. १८।३३ या.

अजा ११ व्र., जैनपर्युषण [D वाहन स्वर अल्पवृष्टिः

वत्सपूजा, तुलायां भौमः ९।५० [E भारतीयस्वतंत्रतादिवस

भ. २२।०९ उ., प्रदोषः, मासिकशिवरात्री व्र., E

भ. १०।११ या., सिंहे मघा. रविः १७।३६, सं.स्त्री.स्त्री.चं.चं. D

कुशांग्रहणी, पिठोरी ३०,देवपितृकार्येऽमा., श्री शक्ति पूजा, मातृ A

अयनांशाः २४।०१।१३

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

संक्रांति फलम्

अयनांशाः २४।०१।१४

पं.१७ प्र.भा.कृ. २ श.इष्टघटी ०।०८							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
३	५	३	१	२	६	७	१
१८	२३	०८	१६	०२	००	०७	०७
०१	४७	१२	४३	३४	१०	२९	२९
३२	२१	३२	३४	३६	११	१५	१५
५७	३६	२२	९	५१	३	३	३
२७	०८	२०	५२	५१	४४	११	११
श्ले	चि	पु	रो	मृ	चि	अनु	कृ
१	१	२व	३	३	३	२	४



ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	अग.	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	सायं	रात्रौ
०३।१६।४०।१०	१ शु	३	१०।५१	१२।२७	२।२३	४।३८	६।५८	९।१५	११।३१	१।५०	४।०९	६।१३	७।५७	९।२५
०३।१७।३७।२३	२ श	४	१०।४७	१२।२३	२।१९	४।३४	६।५४	९।११	११।२७	१।४६	४।०५	६।०९	७।५३	९।२१
०३।१८।३४।३७	४ र	५	१०।४३	१२।१९	२।१६	४।३०	६।५०	९।०७	११।२३	१।४२	४।०१	६।०५	७।४९	९।१७
०३।१९।३१।५२	४ चं	६	१०।३९	१२।१५	२।१२	४।२६	६।४६	९।०३	११।१९	१।३८	३।५७	६।०१	७।४५	९।१३
०३।२०।२९।०९	५ मं	७	१०।३५	१२।१२	२।०८	४।२२	६।४२	८।५९	११।१५	१।३४	३।५३	५।५७	७।४१	९।०९
०३।२१।२६।२६	६ बु	८	१०।३१	१२।०८	२।०४	४।१८	६।३९	८।५५	११।११	१।३०	३।४९	५।५४	७।३७	९।०५
०३।२२।२३।४५	७ गु	९	१०।२७	१२।०४	२।००	४।१५	६।३५	८।५१	११।०७	१।२६	३।४५	५।५०	७।३३	९।०१
०३।२३।२१।०६	८ शु	१०	१०।२४	१२।००	१।५६	४।११	६।३१	८।४८	११।०३	१।२२	३।४१	५।४६	७।२९	८।५८
०३।२४।१८।२७	९ श	११	१०।२०	११।५६	१।५२	४।०७	६।२७	८।४४	१०।५९	१।१८	३।३७	५।४२	७।२५	८।५४
०३।२५।१५।५१	१० र	१२	१०।१६	११।५२	१।४८	४।०३	६।२३	८।४०	१०।५५	१।१५	३।३३	५।३८	७।२१	८।५०
०३।२६।१३।१५	११ चं	१३	१०।१२	११।४८	१।४४	३।५९	६।१९	८।३६	१०।५१	१।११	३।२९	५।३४	७।१७	८।४६
०३।२७।१०।४१	१२ मं	१४	१०।०८	११।४४	१।४०	३।५५	६।१५	८।३२	१०।४८	१।०७	३।२५	५।३०	७।१३	८।४२
०३।२८।०८।०९	१३ बु	१५	१०।०४	११।४०	१।३६	३।५१	६।११	८।२८	१०।४४	१।०३	३।२१	५।२६	७।०९	८।३८
०३।२९।०५।३८	१४ गु	१६	१०।००	११।३६	१।३२	३।४७	६।०७	८।२४	१०।४०	१२।५९	३।१७	५।२२	७।०५	८।३४
०४।००।०३।०९	३० शु	१७	९।५६	११।३२	१।२८	३।४३	६।०३	८।२०	१०।३६	१२।५५	३।१३	५।१८	७।०१	८।३०

ता. १६ अगस्त २०१२
प्र.भा. कृ. १४ गुरौ सिंहेऽर्कः प्र. (स्टै.) टा. १७।३६ वारात् ४ नक्षत्रात् ४ वारनाम नंदा गणकान् सुस्थदा नक्षत्रनाम ध्वांक्षी वैश्यान् सुस्थदा अपरान्ह ३ प्रहर व्यापिनी वैश्यान् हन्ति, दक्षिणे गमनं नैऋत्यां दृष्टिः शकुनिकरणे प्रविष्टा महर्धफलं श्वान्द्याहनं शार्दूलोपवाहनं सुभिक्षकारक चित्रकवस्त्रं पाशायुधं वस्त्रपात्रं गुड़भक्षणं हरिद्रालेपनं क्षत्रीयजातिः कमलपुष्पं कोडीभूषणं कृष्णजिकंचुकी वंन्ध्यावस्था (उभी) मु. ३० धान्यभावे सम वत्स पूर्वे राहु उत्तरे मूलं स्वर्गे विवाहस्तंभो ऐशान्यां शुक्रोदयः पूर्वस्याम् । पुण्यकालः (स्टै.) ११।१२ से १७।३६ तक । (दान- छत्र) ।

पं.१८ प्र.भा.कृ. ९ श.इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
३	५	३	१	२	६	७	१
२४	२८	०७	१७	०८	००	०७	०७
४४	०२	४९	५०	५०	३८	०६	०६
०९	५३	२२	१२	१६	०२	५९	५९
५७	३६	२३	९	५५	४	३	३
३४	५८	३२	०३	५१	१७	११	११
श्ले	चि	पु	रो	आ	चि	अनु	कृ
३	२	२	३	१	३	२	४



CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

॥ श्रीवल्लभ मनीराम पञ्चाङ्गम् ॥

१८ अगस्त से ३१ अगस्त तक, श्री प्र.भाद्रपद शुक्लपक्ष संवत् २०६९, शाकः १९३४, दि.मासू. सू. तारीस्व स्टे. प्रातः दैनिक केतकी अहर्गणः ५०० वर्षत्तूं रविर्दक्षिणे, अगस्त २०१२

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
पद्म	१	श	३५	१९	२०	१३	मघा	३२	१६	१९	००	प	२४	०९	१५	४६	किं	६	५४	८	५२	३२ ४१	६ ०८	७ ०१	२७	२८	१८	सिंहे	४।००।५३।४८	५७।३४
छत्र	२	र	३१	२५	१८	४०	पूफा	३०	१७	१८	१३	शि	१८	३०	१३	३०	बा	३	२७	७	२९	१५	०६	०१	२८	२९	१९	कन्या	२३।५८	४।०१।५१।२२	५७।३५
श्रीवत्स	३	सो	२६	४८	१६	५०	उफा	२७	३५	१७	०९	सि	१२	१५	११	०१	ग	२६	४८	१६	५०	१२	०७	००	२९	१	२०	कन्या	४।०२।४८।५७	५७।३७
सौम्य	४	मं	२१	४५	१४	४९	हस्त	२४	२७	१५	५४	सा	५ ५८	३३ ३८	८ २९	२५ ३५	वि	२१	४५	१४	४९	०८	०७	६ ५१	३०	२	२१	तुला.	४।०३।४६।३५	५७।३९
काल	५	बु	१६	२८	१२	४३	चित्रा	२१	०६	१४	३४	शु	५१	३७	२६	४७	बा	१६	२८	१२	४३	०४	०८	५८	३१	३	२२	तुला.	४।०४।४४।१३	५७।४१
सुस्थिर	६	गु	११	०६	१०	३५	स्वा	१७	४०	१३	१२	ब्र	४४	३५	२३	५८	तै	११	०६	१०	३५	०१	०८	५७	१	४	२३	तुला.	४।०५।४१।५४	५७।४२
मातङ्ग	७	शु	५	४५	८	२७	विशा	१४	१५	११	५१	ऐ	३७	३५	२१	११	व	५	४५	८	२७	३५ ५७	०९	५६	२	५	२४	वृश्चि.	४।०६।३९।३६	५७।४४
अमृत	८	श	०	३०	६	२१	अनु	१०	५६	१०	३२	वै	३०	४०	१८	२५	ब	०	३०	६	२१	५३	०९	५४	३	६	२५	वृश्चि.	४।०७।३७।२०	५७।४६
क्षयः	९	श	५५	२२	२८	१८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
काण	१०	र	५०	२५	२६	२०	ज्ये	७	४५	९	१६	वि	२३	५३	१५	४३	तै	२२	५२	१५	१८	४९	१०	५३	४	७	२६	धनु.	९।१६	४।०८।३५।०६	५७।४८
ए.व्र.	११	सो	४५	४३	२४	२७	मूल	४	४५	८	०४	प्री	१७	१६	१३	०५	व	१८	०१	१३	२३	४५	१०	५२	५	८	२७	धनु.	४।०९।३२।५४	५७।५०
मित्र	१२	मं	४१	२६	२२	४५	पूषा	२ ५९	०३ ५९	७ ३०	०० ०७	आ	१०	५६	१०	३३	ब	१३	३१	११	३५	४१	११	५१	६	९	२८	मक.	१२।४६	४।१०।३०।४४	५७।५२
प्र.व्र.	१३	बु	३७	४६	२१	१८	श्रव	५८	१६	२९	३०	सौ	४ ५९	५९ ३७	८ ११	११ ०२	कौ	९	३०	९	५९	३८	११	५०	७	१०	२९	मक.	४।११।२८।३५	५७।५३
श्रीवत्स	१४	गु	३४	५५	२०	१०	धनि	५७	३६	२९	१४	अ	५४	५८	२८	११	ग	६	१३	८	४१	३४	१२	४९	८	११	३०	कुंभे	१७।१९	४।१२।२६।२८	५७।५५
पूर्णिमा	१५	शु	३३	०७	१९	२७	शत	५८	०३	२९	२५	सु	५१	१३	२६	४१	वि	३	५१	७	४५	३०	१२	४८	९	१२	३१	कुंभे		४।१३।२४।२४	५७।५७

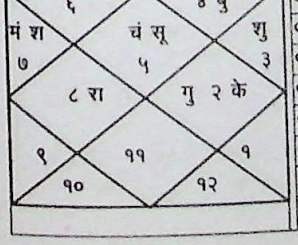
यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टे.टा.में है।

चंद्रदर्शनम् (मु.४५), अनु.-१ राहुः १७।४५, कृत्ति.-३ केतुः १७।४५
भ. २७।५१ उ., सव्वाल १०
भ. १४।४९ या., श्लेषा. बुधः ६।४५
सायन कन्यायां भानुः २२।४३, पुन. शुक्रः १८।०३
भा. भाद्रपदारंभः
भ. ८।२७ उ. १९।२४ या., स्वा. भौमः २३।३०

[A (सौरः २८।२३), बुधास्तः पूर्वस्याम् १०।३०. B
[B सं.स्त्री.पु.सू.चं.वाहन मेष वर्षाश्रेष्ठः
भ. १३।२३ उ. २४।२७ या., कमला ११ ब्र., रोहि.-४ C
सिंहे मघा. बुधः २९।५४ [C गुरुः ९।१८,अगस्त्योदयः १७।३०
प्रदोषः
भ. २०।१० उ., पंचक प्रारम्भः १७।१९, पूफा. रविः १३।३६ A
भ. ७।४५ या., पूर्णिमा व्रतंपुण्यञ्च

अयनांशाः २४।०१।१५

पं.१९ प्र.भा.शु. १ श. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
४	६	३	१	२	६	७	१
०१	०२	१२	१८	१५	०१	०६	०६
२७	२४	५३	५०	३१	०९	४४	४४
४२	०४	४४	५१	२१	३६	४३	४३
५७	३७	६८	८	५९	४	३	३
४३	४५	५२	०८	०२	४८	११	११
म	चि	पु	रो	आ	चि	अनु	कृ
१	३	३	३	३	३	२	४



॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

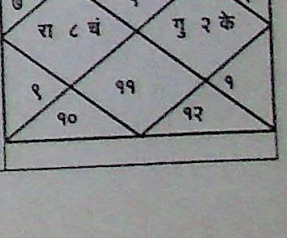
ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	अग.	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	सायं	रात्रौ
०४।०१।००।४१	१ श	१८	९।५२	११।२८	१।२४	३।३९	५।५९	८।१६	१०।३२	१२।५१	३।०९	५।१४	६।५७	८।२६
०४।०१।५८।१५	२ र	१९	९।४८	११।२४	१।२०	३।३५	५।५५	८।१२	१०।२८	१२।४७	३।०६	५।१०	६।५३	८।२२
०४।०२।५५।५१	३ चं	२०	९।४४	११।२०	१।१६	३।३१	५।५१	८।०८	१०।२४	१२।४३	३।०२	५।०६	६।५०	८।१८
०४।०३।५३।२८	४ मं	२१	९।४०	११।१६	१।१२	३।२७	५।४७	८।०४	१०।२०	१२।३९	२।५८	५।०२	६।४६	८।१४
०४।०४।५१।०७	५ बु	२२	९।३६	११।१२	१।०९	३।२३	५।४३	८।००	१०।१६	१२।३५	२।५४	४।५८	६।४२	८।१०
०४।०५।४८।४८	६ गु	२३	९।३२	११।०८	१।०५	३।१९	५।३९	७।५६	१०।१२	१२।३१	२।५०	४।५४	६।३८	८।०६
०४।०६।४६।३०	७ शु	२४	९।२८	११।०४	१।०१	३।१५	५।३५	७।५२	१०।०८	१२।२७	२।४६	४।५०	६।३४	८।०२
०४।०७।४४।१५	८ श	२५	९।२४	११।०१	१२।५७	३।११	५।३१	७।४८	१०।०४	१२।२३	२।४२	४।४६	६।३०	७।५८
०४।०८।४२।०१	९ र	२६	९।२०	१०।५७	१२।५३	३।०७	५।२८	७।४४	१०।००	१२।१९	२।३८	४।४३	६।२६	७।५४
०४।०९।३९।४८	१० चं	२७	९।१७	१०।५३	१२।४९	३।०४	५।२४	७।४०	९।५६	१२।१५	२।३४	४।३९	६।२२	७।५०
०४।१०।३७।३८	११ मं	२८	९।१३	१०।४९	१२।४५	३।००	५।२०	७।३७	९।५२	१२।११	२।३०	४।३५	६।१८	७।४७
०४।११।३५।३०	१२ बु	२९	९।०९	१०।४५	१२।४१	२।५६	५।१६	७।३३	९।४८	१२।०८	२।२६	४।३१	६।१४	७।४३
०४।१२।३३।२३	१३ गु	३०	९।०५	१०।४१	१२।३७	२।५२	५।१२	७।२९	९।४४	१२।०४	२।२२	४।२७	६।१०	७।३९
०४।१३।३१।१९	१४ शु	३१	९।०१	१०।३७	१२।३३	२।४८	५।०८	७।२५	९।४०	१२।००	२।१८	४।२३	६।०६	७।३५

मास फलम्

दो भादवें होने से स्त्रीतियों में उपज अच्छी हो। इस माह में पांच शुक्रवार होने से प्रजा की वृद्धि हो यथा-॥प्रजावृद्धिस्तुमार्गवे॥ चैत्र से लेकर भाद्रपद तक शुक्लपक्ष में तिथियां क्षय होने से धान्योत्पत्ति मध्यम हो। शुक्रवारी अमावस होने से उद्धत मेघों से जलभ्रंश हो, आश्लेषा योग समर्घता कारक है। भादवा सुदी छठ को अनुराधा नहीं होने से दुर्भिक्ष हों। पूर्णिमा शुक्रवार और शतभिषा युक्त होने से शुभ फल दायिनी है। गुरुवार की सक्रांति होने से सभी पीत वर्ण वाली वस्तुओं के भाव तेज हों, धान्यादि भाव मंदे हों, अन्नोत्पत्ति उत्तम हो, प्रजा सात्विक कर्म अधिक करें।

अयनांशाः २४।०१।१५

पं.२० प्र.भा.शु. ८ श.इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
४	६	३	१	२	६	७	१
०८	०६	२२	१२	२२	०१	०६	०६
१२	५०	४९	४४	३२	४४	२२	२२
२०	३८	१४	५७	४२	३९	२७	२७
५७	३८	१०३	७	६१	५	३	३
५३	३०	२७	०९	३६	१६	११	११
म	स्वा	श्ले	रो	पुन	चि	अनु	कृ
३	१	२	३	१	३	१	३



CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

॥ श्रीवल्लभ मनीराम पञ्चाङ्गम् ॥

१ सितंबर से १६ सितंबर तक, श्री द्वि.भाद्रपद कृष्णपक्ष संवत् २०६९, शाकः १९३४, दि.मासू. सू. तारीख्स स्टै. प्रातः दैनिक शरदृत्तू रविर्दक्षिणे प्र.भाद्रपदकृष्णेति गुर्जराः, सितंबर २०१२

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
काल	१	श	३२	३५	१९	१५	पूभा	५९	५०	३०	०८	धृ	४८	३०	२५	३७	बा	२	४०	७	१७	३५ २६	६ १३	६ ४७	१०	१३	१	मीने २३।५४	४।१४।२२।२१	५७।५९
सुस्थिर	२	र	३३	३१	१९	३७	उभा	...	...	...	...	शू	४६	५९	२५	०१	तै	२	५२	७	२२	२२	९३	४६	११	१४	२	मीने	४।१५।२०।२०	५८।०१
गद	३	सो	३५	५९	२०	३७	उभा	३	०३	७	२७	गं	४६	३८	२४	५३	व	४	३३	८	०३	९८	१४	४५	१२	१५	३	मीने	४।१६।१८।२१	५८।०३
च.व्र.	४	मं	३९	५८	२२	१३	रेव	७	४७	९	२१	वृ	४७	२६	२५	१३	ब	७	४७	९	२१	१४	१४	४४	१३	१६	४	मेषे ९।२१	४।१७।१६।२५	५८।०५
मृत्यु	५	बु	४५	१५	२४	२०	अश्वि	१३	५३	११	४८	ध्रु	४९	१२	२५	५५	कौ	१२	२७	११	१३	१०	१४	४२	१४	१७	५	मेषे	४।१८।१४।३०	५८।०७
पद्म	६	गु	५१	२७	२६	५०	भर	२१	०५	१४	४१	व्या	५१	३९	२६	५४	ग	१८	१६	१३	३३	०६	१५	४१	१५	१८	६	वृषे २१।२७	४।१९।१२।३७	५८।०९
छत्र	७	शु	५७	५९	२९	२७	कृति	२८	५२	१७	४८	ह	५४	१९	२७	५९	वि	२४	४२	१६	०८	०२	१५	४०	१६	१९	७	वृषे	४।२०।१०।४७	५८।११
श्रीवत्स	८	श	...	...	...	...	रोहि	३६	३५	२०	५४	व	५६	४५	२८	५८	बा	३१	०९	१८	४४	३० ५८	१६	३९	१७	२०	८	वृषे	४।२१।०८।५८	५८।१४
सौम्य	८	र	४	०८	७	५६	मृग	४३	३३	२३	४२	सि	५८	२६	२९	३९	कौ	४	०८	७	५६	५४	१६	३८	१८	२१	९	मिथु. १०।२१	४।२२।०७।१२	५८।१६
काल	९	सो	९	१४	९	५८	आर्द्रा	४९	१२	२५	५८	व्य	५८	५७	२९	५२	ग	९	१४	९	५८	५०	१७	३७	१९	२२	१०	मिथु.	४।२३।०५।२७	५८।१८
सुस्थिर	१०	मं	१२	४७	११	२४	पुन	५३	०७	२७	३२	व	५८	०५	२९	३१	वि	१२	४७	११	२४	४६	१७	३६	२०	२३	११	कर्के २१।१३	४।२४।०३।४५	५८।२०
ए.व्र.	११	बु	१४	२८	१२	०५	पुष्य	५५	०८	२८	२१	प	५५	४१	२८	३४	बा	१४	२८	१२	०५	४२	१८	३४	२१	२४	१२	कर्के	४।२५।०२।०५	५८।२२
प्र.व्र.	१२	गु	१४	११	११	५९	श्ले	५५	१८	२८	२५	शि	५१	४६	२७	०१	तै	१४	११	११	५९	३८	१८	३३	२२	२५	१३	सिंहे २८।२५	४।२६।००।२७	५८।२४
काण	१३	शु	१२	०३	११	०८	मघा	५३	४७	२७	४९	सि	४६	३०	२४	५५	व	१२	०३	११	०८	३४	१९	३२	२३	२६	१४	सिंहे	४।२६।५८।५२	५८।२७
लुम्बक	१४	श	८	१९	९	३९	पूफा	५०	५३	२६	४०	सा	४०	०३	२२	२०	श	८	१९	९	३९	३०	१९	३१	२४	२७	१५	सिंहे	४।२७।५७।१८	५८।२९
अमाव.	३०	र	३	१५	७	३८	उफा	४६	५८	२५	०७	शु	३२	४२	१९	२४	ना	३	१५	७	३८	२६	२०	३०	२५	२८	१६	कन्या ८।१९	४।२८।५५।४७	५८।३१

शरदृत्तू रविर्दक्षिणे प्र.भाद्रपदकृष्णेति गुर्जराः, सितंबर २०१२

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।

सितंबर ९ ता. ३०, कर्के शुक्रः ९।४७

भ. ८।०३ उ. २०।३७ या.

पंचक समाप्तिः ९।२१, अंगारकी चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः २०।५२, B

|B पूफा. बुधः २६।४५, पुष्ये शुक्रः १२।४७

भ. २६।५० उ.

भ. १६।०८ या.

|A २१।१०, सं.स्त्री.स्त्री.सू.चं.वाहन महिष अल्पवृष्टिः

|C श्लेषा. शुक्रः १६।३२

भ. २२।४६ उ., चित्रा.-४ शनिः २२।०४

भ. ११।२४ या., उफा. बुधः २५।५४

कमला ११ व्र.

प्रदोषः, उफा. रविः ७।३० (सौरः २२।३३), कन्यायां बुधः A

भ. ११।०८ उ. २२।२८ या.,मासिकशिवरात्री व्र., विशा. भौमः ६।२५

पितृकार्येऽमा.

देवकार्येऽमा., अधिक मास समाप्तिः, कन्यायां रविः १७।३६, C

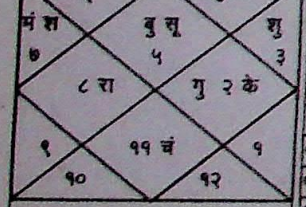
अयनांशाः २४।०१।१६

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

अयनांशाः २४।०१।१७

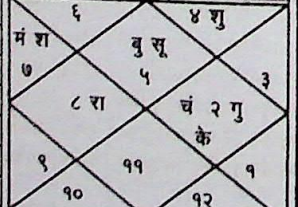
अयनांशाः २४।०१।१८

पं.२१ द्वि.भा.कृ. १ श.इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
४	६	४	१	२	६	७	१
१४	११	०५	२०	२९	०२	०६	०६
५८	२२	४७	३१	५०	२२	००	००
११	२१	२५	५०	३०	४८	१२	१२
५८	३९	११७	६	६३	५	३	३
०४	१२	०९	०५	४१	४१	११	११
पूफा	स्वा	म	रो	पुन	चि	अनु	कृ
१	२	२	४	३	३	१	३

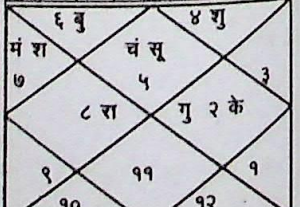


ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	सितं	रात्री	रात्री	रात्री	रात्री	रात्री	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	सायं
०४।१४।२९।१६	१ श	१	८।५७	९०।३३	९२।२९	२।४४	५।०४	७।२१	९।३७	११।५६	२।१४	४।१९	६।०२	७।३१
०४।१५।२७।१६	२ र	२	८।५३	९०।२९	९२।२५	२।४०	५।००	७।१७	९।३३	११।५२	२।१०	४।१५	५।५८	७।२७
०४।१६।२५।१७	३ चं	३	८।४९	९०।२५	९२।२१	२।३६	४।५६	७।१३	९।२९	११।४८	२।०६	४।११	५।५४	७।२३
०४।१७।२३।२१	४ मं	४	८।४५	९०।२१	९२।१७	२।३२	४।५२	७।०९	९।२५	११।४४	२।०२	४।०७	५।५०	७।१९
०४।१८।२१।२६	५ बु	५	८।४१	९०।१७	९२।१३	२।२८	४।४८	७।०५	९।२१	११।४०	१।५८	४।०३	५।४६	७।१५
०४।१९।१९।३४	६ गु	६	८।३७	९०।१३	९२।०९	२।२४	४।४४	७।०१	९।१७	११।३६	१।५५	३।५९	५।४२	७।११
०४।२०।१७।४३	७ शु	७	८।३३	९०।०९	९२।०५	२।२०	४।४०	६।५७	९।१३	११।३२	१।५१	३।५५	५।३९	७।०७
०४।२१।१५।५५	८ श	८	८।२९	९०।०५	९२।०१	२।१६	४।३६	६।५३	९।०९	११।२८	१।४७	३।५१	५।३५	७।०३
०४।२२।१४।०९	८ र	९	८।२५	९०।०१	११।५८	२।१२	४।३२	६।४९	९।०५	११।२४	१।४३	३।४७	५।३१	६।५९
०४।२३।१२।२५	९ चं	१०	८।२१	९।५७	११।५४	२।०८	४।२८	६।४५	९।०१	११।२०	१।३९	३।४३	५।२७	६।५५
०४।२४।१०।४३	१० मं	११	८।१७	९।५३	११।५०	२।०४	४।२४	६।४१	८।५७	११।१६	१।३५	३।३९	५।२३	६।५१
०४।२५।०९।०३	११ बु	१२	८।१३	९।५०	११।४६	२।००	४।२०	६।३७	८।५३	११।१२	१।३१	३।३६	५।१९	६।४७
०४।२६।०७।२५	१२ गु	१३	८।०९	९।४६	११।४२	१।५६	४।१७	६।३३	८।४९	११।०८	१।२७	३।३२	५।१५	६।४३
०४।२७।०५।५०	१३ शु	१४	८।०६	९।४२	११।३८	१।५३	४।१३	६।२९	८।४५	११।०४	१।२३	३।२८	५।११	६।४०
०४।२८।०४।१७	१४ श	१५	८।०२	९।३८	११।३४	१।४९	४।०९	६।२६	८।४१	११।००	१।१९	३।२४	५।०७	६।३६
०४।२९।०२।४६	३० र	१६	७।५८	९।३४	११।३०	१।४५	४।०५	६।२२	८।३७	१०।५७	१।१५	३।२०	५।०३	६।३२

पं.२२ द्वि.भा.कृ. ८ श.इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
४	६	४	१	३	६	७	१
२९	१५	१९	२१	०७	०३	०५	०५
४५	५८	२६	१०	२१	०३	३७	३७
२२	५८	०६	५७	५१	४७	५५	५५
५८	३९	११४	४	६५	६	३	३
१६	५४	५४	५५	२६	०४	११	११
पूफा	स्वा	पूफा	रो	पु	चि	अनु	कृ
३	३	२	४	२	३	१	३



पं.२३ द्वि.भा.कृ.१४ श.इष्टघटी०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
४	६	५	१	३	६	७	१
२८	२०	०२	२१	१५	०३	०५	०५
३४	४०	३१	४१	०४	४७	१५	१५
००	१८	१०	४१	३३	१३	३९	३९
५८	४०	१०८	३	६६	६	३	३
२९	३३	०५	४०	५४	२३	११	११
उफा	वि	उफा	रो	पु	चि	अनु	कृ
१	१	२	४	४	४	१	३



CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

१७ सितंबर से ३० सितंबर तक, श्री द्वि.भाद्रपद शुक्लपक्ष संवत् २०६९, शाकः १९३४, दि.मा.सू. सू. तारीख्य स्टै. प्रातः दैनिक केतकी अहर्गणः ५३० शरदृतू रविर्दक्षिणे, सितंबर २०१२

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
क्षयः	१	र	५७	१७	२९	१४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
वज्र	२	सो	५०	४३	२६	३७	हस्त	४२	२४	२३	१८	शु	२४	४६	१६	१४	बा	२४	०२	१५	५७	३०/३१	२०	६/२६	२६	२९	१७	कन्या	४।२९।५४।१८	५८।३३
ध्वाङ्क्ष	३	मं	४३	५५	२३	५४	चित्रा	३७	३३	२१	२२	ब्र	१६	२९	१२	५६	तै	१७	२०	१३	१६	१७	२०	२७	२७	१	१८	तुला. १०।२०	५।००।५२।५१	५८।३५
गणेश	४	बु	३७	१२	२१	१४	स्वा	३२	४४	१९	२६	ऐ	८/५१	०८/५७	९/३०	३६/२०	व	१०	३१	१०	३३	१३	२१	२६	२८	२	१९	तुला	५।०१।५१।२७	५८।३८
ऋषि	५	गु	३०	४५	१८	३९	विशा	२८	११	१७	३८	वि	५२	०३	२७	११	ब	३	५५	७	५५	०९	२१	२५	२९	३	२०	वृश्चि. १२।०४	५।०२।५०।०४	५८।४०
राक्षस	६	शु	२४	४७	१६	१७	अनु	२४	०६	१६	००	प्री	४४	३५	२४	१२	तै	२४	४७	१६	१७	०५	२२	२४	३०	४	२१	वृश्चि.	५।०३।४८।४४	५८।४२
मुसल	७	श	१९	२४	१४	०८	ज्ये	२०	३६	१४	३७	आ	३७	३७	२१	२५	व	१९	२४	१४	०८	०१	२२	२३	३१	५	२२	धनु. १४।३७	५।०४।४७।२७	५८।४५
सिद्धि	८	र	१४	४१	१२	१५	मूल	१७	४५	१३	२९	सौ	३१	११	१८	५१	ब	१४	४१	१२	१५	२९/५७	२३	२२	१	६	२३	धनु.	५।०५।४६।१९	५८।४७
उत्पात	९	सो	१०	४१	१०	४०	पूषा	१५	३८	१२	३८	शो	२५	२२	१६	३२	कौ	१०	४१	१०	४०	५३	२३	२०	२	७	२४	मक. १८।२८	५।०६।४४।५८	५८।४९
पद्म	१०	मं	७	२८	९	२३	उषा	१४	१६	१२	०६	अ	२०	१०	१४	२८	ग	७	२८	९	२३	४९	२४	१९	३	८	२५	मक.	५।०७।४३।४७	५८।५१
ए.व्र.	११	बु	५	०६	८	२७	श्रव	१३	४७	११	५५	सु	१५	४०	१२	४०	वि	५	०६	८	२७	४५	२४	१८	४	९	२६	कुंभे २३।५७	५।०८।४२।३९	५८।५४
प्र.व्र.	१२	गु	३	४२	७	५४	धनि	१४	१३	१२	०६	धृ	११	५६	११	११	बा	३	४२	७	५४	४०	२५	१७	५	१०	२७	कुंभे	५।०९।४१।३२	५८।५६
सौम्य	१३	शु	३	१९	७	४५	शत	१५	४०	१२	४१	शू	९	०२	१०	०२	तै	३	१९	७	४५	३६	२५	१६	६	११	२८	कुंभे	५।१०।४०।२८	५८।५८
काल	१४	श	४	०२	८	०३	पूभा	१८	१४	१३	४३	गं	६	५८	९	१३	व	४	०२	८	०३	३२	२६	१५	७	१२	२९	मीने ७।२५	५।११।३९।२७	५९।०९
पूर्णिमा	१५	र	५	५६	८	४९	उभा	२१	५५	१५	१२	वृ	५	५०	८	४६	ब	५	५६	८	४९	२८	२६	१३	८	१३	३०	मीने	५।१२।३८।२८	५९।०३

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।

[B पूजन १४।३७ यावत् सायन तुलायां भानुः २०।२९
चंद्रदर्शनम्(मृ.३०),सामवेदि उपाकर्म, विश्वकर्मापू.,कन्यायांसौरः८।४०
मन्वादि, वराह जयंती, हरितालिका व्र., हस्तिगौरी व्र., जिल्काद ११
म.१०।३३ उ. २१।१४ या.,गणेश चतुर्थी (चंद्र दर्शनं निषेधः), जैन J
ऋषि पंचमी, ललिताषष्ठीव्र. (गुर्जरे) [J संवत्सरी, हस्ते बुधः ११।३६
सौर(सूर्य) षष्ठी,स्कन्ददर्शनं,दूबड़ीसातम,गौरीआवाहन १६।०० यावत्
म. १४।०८ उ. २५।१० या., मुक्ताभरण व्र., उमामहेश्वर पू., गौरी B
दधीचीजयंती, श्रीराधा ८.गौरी विसर्जन १३।२९ यावत्,भा.अश्विनारंभः
अदुःस्प नवमी व्र., श्री चंद्र (उदासीन संप्रदाय), दशावतार व्र.
म. २०।५२ उ., श्री रामदेवजी का मेला, विष्णुश्रृंखला १२।०६ से
म. ८।२७ या., पंचक प्रारम्भः २३।५७, जलझूलनी ११ व्र., A
प्रदोषः, दुग्धव्रतं,गोत्रिरात्रव्र., हस्ते सौरः १३।५६, चित्रा. बुधः ११।३०
अनन्त १४, कदली व्रतं पूजनं, रंभारोपणं, वृश्चिके भौमः २०।५८, C
म. ८।०३ उ. २०।२२ या., पूर्णिमा व्रतं, प्रौष्ठपदी, महालय L
पूर्णिमा पुण्यं, महेश्वरपूजनं, कु. संध्यापूजा [L श्राद्धारंभः,इंदुला १५

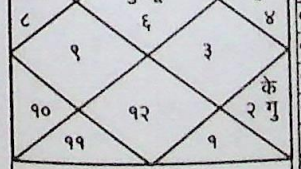
[A वामन जयंती, विष्णुश्रृंस्वला ११।५५ तक, हस्ते रविः २३।०१, सं.खी.पु.सू.चं.वाहन जम्बूक वर्षाश्रेष्ठः [C सिंहे मघा. शुक्रः १०।२८

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

अयनांशाः २४।०१।१९

पं.२४ द्वि.भा.शु. ७ श.इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
५	६	५	१	३	६	७	१
०५	२५	१४	२२	२२	०४	०४	०४
२४	२६	४५	०३	५६	३२	५३	५३
११	११	४७	२८	५२	४६	२४	२४
५८	४१	१००/	२	६८	६	३	३
४२	११	४४	२१	०९	४०	११	११
उ.फा	वि	ह	रो	श्लें	चि	अनु	कृ
३	२	२	४	२	४	१	३



ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	सितं	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	सायं
०५।००।०१।१७	२ चं	१७	७।५४	९।३०	११।२६	१।४१	४।०१	६।१८	८।३३	१०।५३	१।११	३।१६	४।५९	६।२८
०५।००।५९।५०	३ मं	१८	७।५०	९।२६	११।२२	१।३७	३।५७	६।१४	८।३०	१०।४९	१।०७	३।१२	४।५५	६।२४
०५।०१।५८।२६	४ बु	१९	७।४६	९।२२	११।१८	१।३३	३।५३	६।१०	८।२६	१०।४५	१।०३	३।०८	४।५१	६।२०
०५।०२।५७।०४	५ गु	२०	७।४२	९।१८	११।१४	१।२९	३।४९	६।०६	८।२२	१०।४१	१२।५९	३।०४	४।४७	६।१६
०५।०३।५५।४४	६ शु	२१	७।३८	९।१४	११।१०	१।२५	३।४५	६।०२	८।१८	१०।३७	१२।५५	३।००	४।४३	६।१२
०५।०४।५४।२७	७ श	२२	७।३४	९।१०	११।०६	१।२१	३।४१	५।५८	८।१४	१०।३३	१२।५१	२।५६	४।३९	६।०८
०५।०५।५३।१२	८ र	२३	७।३०	९।०६	११।०२	१।१७	३।३७	५।५४	८।१०	१०।२९	१२।४८	२।५२	४।३५	६।०४
०५।०६।५१।५९	९ चं	२४	७।२६	९।०२	१०।५८	१।१३	३।३३	५।५०	८।०६	१०।२५	१२।४४	२।४८	४।३२	६।००/
०५।०७।५०।४८	१० मं	२५	७।२२	८।५८	१०।५४	१।०९	३।२९	५।४६	८।०२	१०।२१	१२।४०	२।४४	४।२८	५।५६
०५।०८।४९।४०	११ बु	२६	७।१८	८।५४	१०।५०	१।०५	३।२५	५।४२	७।५८	१०।१७	१२।३६	२।४०	४।२४	५।५२
०५।०९।४८।३४	१२ गु	२७	७।१४	८।५०	१०।४७	१।०१	३।२१	५।३८	७।५४	१०।१३	१२।३२	२।३६	४।२०	५।४८
०५।१०।४७।३०	१३ शु	२८	७।१०	८।४६	१०।४३	१२।५७	३।१७	५।३४	७।५०	१०।०९	१२।२८	२।३२	४।१६	५।४४
०५।११।४६।२९	१४ श	२९	७।०६	८।४२	१०।३९	१२।५३	३।१३	५।३०	७।४६	१०।०५	१२।२४	२।२८	४।१२	५।४०
०५।१२।४५।३०	१५ र	३०	७।०२	८।३९	१०।३५	१२।४९	३।१०	५।२६	७।४२	१०।०१	१२।२०	२।२५	४।०८	५।३६

संक्रांति फलम्

ता. १६ सितंबर २०१२
द्वि.भा. कृ. ३० रवौ कन्यायामर्कः
प्र. (स्टै.) टा. १७।३६ वारात् ४
नक्षत्रात् ५ वारनाम घोरा शूद्रान्
सुस्पदा नक्षत्रनाम नंदा गणकान्
सुस्पदा अपरान्ह ३ प्रहर व्यापिनी
वैश्यान् हन्ति, दक्षिणे गमनं नैऋत्यां
दृष्टिः किंचुच्चकरणे प्रविष्टा मध्यमफलं
वृषवृष्टवाहनं वानरोपधाहनं
अपमृत्युकारक श्यामवस्त्रं वाणायुधं
वंशपात्रं शर्कराभक्षणं कपूरलेपनं
संकरजातिः जपापुष्पं स्वर्णभूषणं
पाण्डुरकंचुकी प्रव्राजिकावस्था (उभी)
मु. ४५ धान्यभावे समर्घ वत्स पूर्वे
राहु उत्तरे मूलं स्वर्गे विवाहस्तंभो
ऐशान्यां शुक्रोदयः पूर्वस्याम् ।
पुण्यकालः (स्टै.) १७।३६ से २४।०० तक। (दान- गृह वस्त्र)।

अयनांशाः २४।०१।२०

पं.२५ द्वि.भा.शु.१४ श.इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
५	७	५	१	४	६	७	१
१२	००	२६	२२	००	०५	०४	०४
१५	१६	१०	१५	५७	२०	३१	३१
५८	२६	३१	५४	२९	०६	०८	०८
५८	४१	९४/	०	६९	६	३	३
५६	४८	०२	५९	१५	५३	११	११
ह	वि	चि	रो	म	चि	अनु	कृ
१	४	१	४	१	४	१	३



CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

१ अक्टूबर से १५ अक्टूबर तक, श्री आश्विन कृष्णपक्ष संवत् २०६९, शाकः १९३४, दि.मा.सू. सू. तारीस्त स्टै. प्रातः दैनिक शरदृतू रविर्दक्षिणे द्वि.भाद्रपदकृष्णेति गुर्जराः, अक्टूबर २०१२

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
मातङ्ग	१	सो	९	०३	१०	०४	रेव	२६	४७	१७	०९	ध्रु	५	३७	८	४१	कौ	९	०३	१०	०४	२९/२४	६/२७	६/१२	९	१४	१	मेषे १७।०९	५।१३।३७।३१	५९।०५
अमृत	२	मं	१३	२०	११	४७	अश्वि	३२	४४	१९	३३	व्या	६	१७	८	५८	ग	१३	२०	११	४७	२०	२७	११	१०	१५	२	मेषे	५।१४।३६।३६	५९।०८
च.ग्र.	३	बु	१८	४१	१३	५६	भर	३९	४०	२२	२०	ह	७	४७	९	३५	वि	१८	४१	१३	५६	१६	२८	१०	११	१६	३	वृषे २९।०४	५।१५।३५।४४	५९।१०
लुम्बक	४	गु	२४	५२	१६	२५	कृति	४७	१७	२५	२३	व	९	५६	१०	२७	बा	२४	५२	१६	२५	१२	२८	०९	१२	१७	४	वृषे	५।१६।३४।५४	५९।१२
मित्र	५	शु	३१	३२	१९	०५	रोहि	५५	११	२८	३३	सि	१२	३०	११	२९	तै	३१	३२	१९	०५	०८	२९	०८	१३	१८	५	वृषे	५।१७।३४।०६	५९।१५
वज्र	६	श	३८	०५	२१	४३	मृग	...	...	...	...	व्य	१५	०८	१२	३२	ग	४	५१	८	२५	०४	२९	०७	१४	१९	६	मिथु. १८।०६	५।१८।३३।२१	५९।१७
सौम्य	७	र	४३	५३	२४	०३	मृग	२	४५	७	३६	व	१७	२२	१३	२७	वि	११	०७	१०	५७	२८/५९	३०	०६	१५	२०	७	मिथु.	५।१९।३२।३८	५९।१९
काल	८	सो	४८	२२	२५	५१	आर्द्रा	९	२४	१०	१६	प	१८	४६	१४	०९	बा	१६	२०	१३	०२	५५	३०	०४	१६	२१	८	कर्के २९।५३	५।२०।३१।५७	५९।२२
सुस्थिर	९	मं	५१	०२	२६	५६	पुन	१४	३४	१२	२१	शि	१८	५५	१४	०५	तै	१९	५७	१४	२९	५१	३१	०३	१७	२२	९	कर्के	५।२१।३१।१९	५९।२४
मातङ्ग	१०	बु	५१	३९	२७	११	पुष्य	१७	५२	१३	४०	सि	१७	३५	१३	३३	व	२१	३६	१५	१०	४७	३१	०२	१८	२३	१०	कर्के	५।२२।३०।४३	५९।२६
ए.व्र.	११	गु	५०	०७	२६	३५	श्ले	१९	०७	१४	११	सा	१४	३५	१२	२२	व	२१	०८	१४	५९	४३	३२	०१	१९	२४	११	सिंहे १४।११	५।२३।३०।१०	५९।२९
काण	१२	शु	४६	३८	२५	१९	मघा	१८	२०	१३	५३	शु	९	५६	१०	३१	कौ	१८	३५	१३	५९	३९	३२	००	२०	२५	१२	सिंहे	५।२४।२९।३८	५९।३१
प्र.व्र.	१३	श	४९	२५	२३	०७	पूफा	१५	४३	१२	५०	शु	३/५६	४७/२१	८/२६	०४/०५	ग	१४	१२	१२	१४	३५	३३	५/५९	२१	२६	१३	कन्या १८।२९	५।२५।२९।०९	५९।३३
मित्र	१४	र	३४	५१	२०	३०	उफा	११	३५	११	११	ऐ	४७	५१	२५	४२	वि	८	१६	९	५२	३१	३४	५८	२२	२७	१४	कन्या	५।२६।२८।४३	५९।३६
अमाव.	३०	सो	२७	१९	१७	३०	हस्त	६	१७	९	०५	वै	३८	३८	२२	०१	च	१	१०	७	०२	२७	३४	५७	२३	२८	१५	तुला. १९।५५	५।२७।२८।१८	५९।३८

देवपितृकार्येऽमा.,सोमवती अमा., सर्वपितृश्राद्धम्, विशा. बुधः १२।४०

अयनांशाः २४।०१।२१

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

पं.२६ आ.कृ. ६ श. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
५	७	६	१	४	६	७	१
१९	०५	०६	२२	०९	०६	०४	०४
०९	१०	५१	१८	०५	०८	०८	०८
२५	५४	३८	३४	२१	५०	५२	५२
५९	४२	८८	०	७०	७	३	३
११	२३	२५	२५	१२	०३	११	११
ह	अनु	स्वा	रो	म	चि	अनु	कृ
३	१	१	४व	३	४	१	३



ब्रह्म र. स्प. प्रातः	वार	ता. तिथि	अक्षां. सायँ	मेष रात्रौ	वृष रात्रौ	मिथुन रात्रौ	कर्क रात्रौ	सिंह रात्रौ	कन्या रात्रौ	तुला प्रातः	वृश्चिक दिवा	धनु दिवा	मकर दिवा	कुंभ दिवा	मीन दिवा
०५।१३।४४।३३	१ चं	१	६।५८	८।३५	१०।३१	१२।४५	३।०६	५।२२	७।३८	९।५७	१२।१६	२।२१	४।०४	५।३२
०५।१४।४३।३९	२ मं	२	६।५५	८।३१	१०।२७	१२।४२	३।०२	५।१८	७।३४	९।५३	१२।१२	२।१७	४।००	५।२९
०५।१५।४२।४७	३ बु	३	६।५१	८।२७	१०।२३	१२।३८	२।५८	५।१५	७।३०	९।४९	१२।०८	२।१३	३।५६	५।२५
०५।१६।४१।५७	४ गु	४	६।४७	८।२३	१०।१९	१२।३४	२।५४	५।११	७।२६	९।४६	१२।०४	२।०९	३।५२	५।२१
०५।१७।४१।१०	५ शु	५	६।४३	८।१९	१०।१५	१२।३०	२।५०	५।०७	७।२२	९।४२	१२।००	२।०५	३।४८	५।१७
०५।१८।४०।२५	६ श	६	६।३९	८।१५	१०।११	१२।२६	२।४६	५।०३	७।१९	९।३८	११।५६	२।०१	३।४४	५।१३
०५।१९।३९।४२	७ र	७	६।३५	८।११	१०।०७	१२।२२	२।४२	४।५९	७।१५	९।३४	११।५२	१।५७	३।४०	५।०९
०५।२०।३९।०२	८ चं	८	६।३१	८।०७	१०।०३	१२।१८	२।३८	४।५५	७।११	९।३०	११।४८	१।५३	३।३६	५।०५
०५।२१।३८।२४	९ मं	९	६।२७	८।०३	९।५९	१२।१४	२।३४	४।५१	७।०७	९।२६	११।४४	१।४९	३।३२	५।०१
०५।२२।३७।४८	१० बु	१०	६।२३	७।५९	९।५५	१२।१०	२।३०	४।४७	७।०३	९।२२	११।४०	१।४५	३।२८	४।५७
०५।२३।३७।१५	११ गु	११	६।१९	७।५५	९।५१	१२।०६	२।२६	४।४३	६।५९	९।१८	११।३७	१।४१	३।२४	४।५३
०५।२४।३६।४४	१२ शु	१२	६।१५	७।५१	९।४७	१२।०२	२।२२	४।३९	६।५५	९।१४	११।३३	१।३७	३।२१	४।४९
०५।२५।३६।१५	१३ श	१३	६।११	७।४७	९।४३	११।५८	२।१८	४।३५	६।५१	९।१०	११।२९	१।३३	३।१७	४।४५
०५।२६।३५।४९	१४ र	१४	६।०७	७।४३	९।३९	११।५४	२।१४	४।३१	६।४७	९।०६	११।२५	१।२९	३।१३	४।४१
०५।२७।३५।२५	३० चं	१५	६।०३	७।३९	९।३६	११।५०	२।१०	४।२७	६।४३	९।०२	११।२१	१।२५	३।०९	४।३७

मास फलम्

इस माह में पांच सोमवार होने से धान्य सस्ता हो । सोमवारी अमावस होने से सुभिक्ष क्षेम आरोग्य वर्षा का प्रबल उदय-धान्य की उत्पत्ति और प्रजा सुस्थ हो । शुक्ला चतुर्थी का क्षय होने से मूंग घी महंगें हों । आसोज सुदी नौमी को मंगलवार होने से कपासादि का भाव मंदा हो । पूर्णिमा अश्विनी युक्त होने से शुभ फल दायिनी है । मंगलवार की सक्रांति होने से धान्यादि एवं लाल वर्ण वाली सभी वस्तुओं के भाव तेज हों, प्रजा में विग्रह हो, कहीं-कहीं हिंसादि हो, अग्निभय हो, घृत तेल लवण रस कपूर चंदन ये सब महँगे हों ।

अयनांशाः २४।०१।२२

पं.२७ आ.कृ.१३ श. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
५	७	६	१	४	६	७	१
२६	१०	१६	२२	१७	०६	०३	०३
०४	०९	५४	११	१९	५८	४६	४६
३३	२४	४२	२४	३६	३७	३६	३६
५९	४२	८२	१	७१	७	३	३
२५	५७	५०	५०	०३	१०	११	११
चि	अनु	स्वा	रो	पूफा	स्वा	अनु	कृ
१	३	४	४व	२	१	१	३



CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

१६ अक्टूबर से २९ अक्टूबर तक, श्री आश्विन शुक्लपक्ष संवत् २०६९, शाकः १९३४, दि.मासू. सू. तारीख्स स्टै. प्रातः दैनिक केतकी अहर्गणः ५५९ शरदृतू रविर्दक्षिणे, अक्टूबर २०१२

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
नवरा.	१	मं	१९	१२	१४	१६	चित्रा	०/५३	१६/५७	६/२८	४५/०९	वि	२९	०१	१८	११	ब	१९	१२	१४	१६	२८/२३	६/३५	५/५६	२४	२९	१६	तुला.	५।२८।२७।५६	५९।४०
धाता	२	बु	१०	५५	१०	५७	विशा	४७	४०	२५	३९	प्री	१९	१८	१४	१९	कौ	१०	५५	१०	५७	१९	३५	५५	२५	३०	१७	वृश्चि. २०।१६	५।२९।२७।३६	५९।४२
आनन्द	३	गु	२	४८	७	४३	अनु	४१	४६	२३	१८	आ	९	४७	१०	३१	ग	२	४८	७	४३	१५	३६	५४	२६	१	१८	वृश्चि.	६।००।२७।१९	५९।४५
क्षयः	४	गु	५५	१२	२८	४१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
चर	५	शु	४८	२०	२५	५६	ज्ये	३६	३५	२१	१५	सौ	०/५२	४१/५५	६/२७	५३/३९	ब	२१	३९	१५	१६	११	३७	५३	२७	२	१९	धनु. २१।१५	६।८१।२७।०४	५९।४७
गद	६	श	४२	२८	२३	३६	मूल	३२	२०	१९	३३	अ	४४	३७	२४	२८	कौ	१५	१४	१२	४३	०७	३७	५२	२८	३	२०	धनु.	६।०२।२६।५०	५९।४९
शुभ	७	र	३७	४५	२१	४४	पूषा	२९	१३	१८	१९	सु	३७	५७	२१	४८	ग	९	५६	१०	३६	०४	३८	५१	२९	४	२१	मक. २४।०५	६।०३।२६।४०	५९।५१
दुर्गा	८	सो	३४	१९	२०	२२	उषा	२७	२०	१७	३५	धृ	३२	१७	१९	३३	वि	५	५१	८	५९	००	३८	५०	३०	५	२२	मक.	६।०४।२६।३१	५९।५४
लुम्बक	९	मं	३२	१७	१९	३४	श्रव	२६	४८	१७	२२	शू	२७	४२	१७	४४	बा	३	०७	७	५४	२७/५६	३९	४९	१	६	२३	कुंभे २९।२८	६।०५।२६।२५	५९।५६
विजया	१०	बु	३१	३६	१९	१८	धनि	२७	३७	१७	४२	गं	२४	१२	१६	२०	तै	१	४५	७	२२	५२	४०	४८	२	७	२४	कुंभे	६।०६।२६।२१	५९।५८
ए.व्र.	११	गु	३२	१७	१९	३५	शत	२९	४५	१८	३४	वृ	२१	४६	१५	२३	व	१	४६	७	२३	४८	४०	४८	३	८	२५	कुंभे	६।०७।२६।१९	६०।००
ध्वाङ्क्ष	१२	शु	३४	१५	२०	२३	पूभा	३३	०७	१९	५६	ध्रु	२०	१९	१४	४९	ब	३	०६	७	५६	४४	४१	४७	४	९	२६	मीने १३।३३	६।०८।२६।१९	६०।०२
प्र.व्र.	१३	श	३७	२४	२१	३९	उभा	३७	३७	२१	४५	व्या	१९	४९	१४	३७	कौ	५	४०	८	५८	४१	४२	४६	५	१०	२७	मीने	६।०९।२६।२२	६०।०५
प्रवर्धमा	१४	र	४१	३३	२३	२०	रेव	४३	०६	२३	५७	ह	२०	०५	१४	४४	ग	९	२१	१०	२७	३७	४२	४५	६	११	२८	मेषे २३।५७	६।१०।२६।२६	६०।०७
पूर्णिमा	१५	सो	४६	३७	२५	२२	अश्वि	४९	२५	२६	२९	व	२१	०४	१५	०९	वि	१३	५९	१२	१८	३३	४३	४४	७	१२	२९	मेषे	६।११।२६।३३	६०।०९

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।
नवरात्रारम्भः, घटस्था.अग्रसेनजयंती,आकाशदीपारंभः,मातामहश्रा.,E
चंद्रदर्शनम्(मु.४५), तुलायां सौरः १९।३७ [E तुलायां रविः २९।३४
भ. १८।१० उ. २८।४१ या., जिल्हेज १२ [G ज्येष्ठा. भौमः ७।१७
[A मन्वादि, भा.कार्तिकारंभः, स्वा. रविः २२।३०, वृश्चिके बुधः C
उपांग ललिता व्र. [F राहुः १५।२१, कृत्ति.-२ केतुः १५।२१
सरस्वती आवाहनं मूलभे, उफा. शुक्रः २६।५०
भ.२९।४४ उ.,भद्रकाली अवतार,सरस्वतीपूजनं पू.षाभे, विशा.-४ F
भ.८।५९ या.,महाष्टमी,बलिदानं उ.षाभे,सायनवृश्चिके भानुः २९।५३,G
पंचक प्रारम्भः २९।२८, शस्त्रादि पूजा, सरस्वती विसर्जनं श्रवणे, A
बोद्धावतार, विजया १०, शमीपूजा, पट्टाभिषेक, स्वा. सौरः १२।०८
भ. ७।२३ उ. १९।३५ या., पापांकुशा ११ व्र.
कार्तिके द्विदलं त्यजेत्, अनु. बुधः ११।४३ H नाग वर्षाश्रेष्ठः
प्रदोषः [C १०।२५, कन्यायां शुक्रः २१।३१, सं.स्त्री.पु.सू.चं.वाहन H
भ. २३।२० उ., पंचक समाप्तिः २३।५७
भ. १२।१८ या.,पूर्णिमा व्रतंपुण्यञ्च, शरद पूर्णिमा, कोजागरी व्र., B
[B बंगीय लस्मी पूजा, नवान्न भक्षण, आश्वयुजी कर्म (आश्वलायन शास्त्रा),कार्तिकस्नान प्रा.

अयनांशाः २४।०१।२३

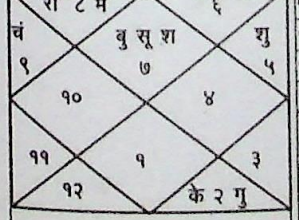
॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

संक्रांति फलम्

अयनांशाः २४।०१।२४

पं.२८ आ.शु. ६ श. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
६	७	६	१	४	६	७	१
०३	१५	२६	२१	२५	०७	०३	०३
०१	११	११	५४	३९	४९	२४	२४
२३	४५	५४	२५	३०	०५	२०	२०
५९	४३	७४	३	७१	७	३	३
३९	२९	१४	१३	४८	१४	११	११
चि	अनु	वि	रो	फूका	स्वा	अनु	कृ
३	४	२	४व	४	१	१	३

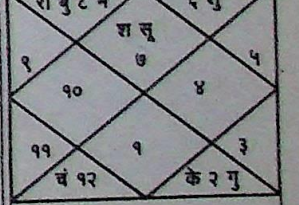


ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	अक्षु	सायं	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा
०५।२८।३५।०३	१ मं	१६	५।५९	७।३५	९।३२	११।४६	२।०६	४।२३	६।३९	८।५८	११।१७	१।२१	३।०५	४।३३
०५।२९।३४।४४	२ बु	१७	५।५५	७।३२	९।२८	११।४२	२।०२	४।१९	६।३५	८।५४	११।१३	१।१७	३।०१	४।२९
०६।००।३४।२६	३ गु	१८	५।५१	७।२८	९।२४	११।३८	१।५९	४।१५	६।३१	८।५०	११।०९	१।१४	२।५७	४।२५
०६।०१।३४।११	५ शु	१९	५।४७	७।२४	९।२०	११।३५	१।५५	४।११	६।२७	८।४६	११।०५	१।१०	२।५३	४।२१
०६।०२।३३।५९	६ श	२०	५।४४	७।२०	९।१६	११।३१	१।५१	४।०७	६।२३	८।४२	११।०१	१।०६	२।४९	४।१८
०६।०३।३३।४८	७ र	२१	५।४०	७।१६	९।१२	११।२७	१।४७	४।०४	६।१९	८।३८	१०।५७	१।०२	२।४५	४।१४
०६।०४।३३।४०	८ चं	२२	५।३६	७।१२	९।०८	११।२३	१।४३	४।००	६।१५	८।३५	१०।५३	१२।५८	२।४१	४।१०
०६।०५।३३।३४	९ मं	२३	५।३२	७।०८	९।०४	११।१९	१।३९	३।५६	६।११	८।३१	१०।४९	१२।५४	२।३७	४।०६
०६।०६।३३।३०	१० बु	२४	५।२८	७।०४	९।००	११।१५	१।३५	३।५२	६।०८	८।२८	१०।४५	१२।५०	२।३३	४।०२
०६।०७।३३।२८	११ गु	२५	५।२४	७।००	८।५६	११।११	१।३१	३।४८	६।०४	८।२३	१०।४१	१२।४६	२।२९	३।५८
०६।०८।३३।२९	१२ शु	२६	५।२०	६।५६	८।५२	११।०७	१।२७	३।४४	६।००	८।१९	१०।३७	१२।४२	२।२५	३।५४
०६।०९।३३।३२	१३ श	२७	५।१६	६।५२	८।४८	११।०३	१।२३	३।४०	५।५६	८।१५	१०।३३	१२।३८	२।२१	३।५०
०६।१०।३३।३७	१४ र	२८	५।१२	६।४८	८।४४	१०।५९	१।१९	३।३६	५।५२	८।११	१०।२९	१२।३४	२।१७	३।४६
०६।११।३३।४४	१५ चं	२९	५।०८	६।४४	८।४०	१०।५५	१।१५	३।३२	५।४८	८।०७	१०।२६	१२।३०	२।१३	३।४२

ता. १६ अक्टूबर २०१२
आश्वि. शु. १ भौमे तुलायामर्कः प्र. (स्टै.) टा. २९।३४ वारात् ३ नक्षत्रात् ५ वारनाम महोदरी चोरान् सुस्त्रदा नक्षत्रनाम मिश्रा पशून् सुस्त्रदा प्रभात रात्रि ४ प्रहर व्यापिनी गोरक्षकान् हन्ति, पश्चिमे गमनं वायव्यां दृष्टिः कौलवकरणे प्रविष्टा महर्घफलं सिंहवाहनं वृषभोपवाहनं कट्टकारक नीलवस्त्रं स्रुङ् गायुधं ताम्रपात्रं मिष्ठान्नभक्षणं रक्तचंदनलेप्तनं सर्पजातिः वकुलपुष्पं मोतीभूषणं हरितकंचुकी गतालकावस्था (उभी) मु. ४५ धान्यभावे समर्घ वत्स पूर्वे राहु उत्तरे मूलं भूमौ विवाहस्तंभो ऐशान्यां शुक्रोदयः पूर्वस्याम्। पुण्यकालः (स्टै.) २३।३४ से बुधवार ११।३४ तक। (दान- तिल)।

पं.२९ आ.शु.१३ श. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
६	७	७	१	५	६	७	१
०९	२०	०४	२१	०४	०८	०३	०३
५९	१७	०७	२७	०४	३९	०२	०२
५१	४८	५६	५९	२५	५०	०४	०४
५९	४४	५७	४	७२	७	३	३
५३	००	२६	३१	२८	१५	११	११
स्वा	ज्ये	अनु	रो	उफा	स्वा	वि	कृ
१	२	१	४व	३	१	४	२



CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgârh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

२९ नवंबर से १३ दिसंबर तक, श्री मार्गशीर्ष कृष्णपक्ष संवत् २०६९, शाकः १९३४, दि.मा.सू. सू. तारीख स्टै. प्रातः दैनिक हेमन्तर्तू रविर्दक्षिणे कार्तिककृष्णेति गुर्जराः, नवंबर-दिसंबर २०१२

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
उत्पात	१	गु	३९	२९	२२	५४	रोहि	२६	३५	१७	४४	सि	४०	३८	२३	२२	बा	६	११	९	३५	२६ ००	७ ०६	५ ३०	८	१४	२९	वृषे	७।१२।४५।४१	६१०३
मानस	२	शु	४५	५२	२५	२८	मृग	३४	०४	२०	४५	सा	४२	४६	२४	१४	तै	१२	४२	१२	१२	२५ ५८	०७	३०	९	१५	३०	मिथु.	७।१३।४६।४३	६१०४
मुद्गर	३	श	५१	४७	२७	५१	आर्द्रा	४१	११	२३	३७	शु	४४	३४	२४	५८	व	१८	५३	१४	४१	५६	०८	३०	१०	१६	९	मिथु.	७।१४।४७।४७	६१०५
च.ब्र.	४	र	५६	५७	२९	५६	पुन	४७	३९	२६	१२	शु	४५	५१	२५	२९	ब	२४	२८	१६	५६	५४	०९	३०	११	१७	२	कर्के	१९।३५	७।१५।४८।५२	६१०६
घाता	५	सो	...	...	..	..	पुष्य	५३	०७	२८	२४	ब्र	४६	२२	२५	४२	कौ	२९	०९	१८	४९	५२	०९	३०	१२	१८	३	कर्के	७।१६।४९।५९	६१०७
आनन्द	५	मं	१	०२	७	३५	श्ले	५७	१७	३०	०५	ऐ	४५	५२	२५	३१	तै	१	०२	७	३५	५०	१०	३०	१३	१९	४	सिंहे	३०।०५	७।१७।५१।०६	६१०८
चर	६	बु	३	४४	८	४१	मघा	५९	५४	३१	०९	वै	४४	१०	२४	५१	व	३	४४	८	४१	४९	११	३०	१४	२०	५	सिंहे	७।१८।५२।१५	६१।१०
गद	७	गु	४	४७	९	०७	पूफा	...	...	..	..	वि	४१	०८	२३	३९	ब	४	४७	९	०७	४७	१२	३१	१५	२१	६	सिंहे	७।१९।५३।२४	६१।११
सिद्धि	८	शु	४	०३	८	५०	पूफा	० ४६ ५९	४६ ५४	७ ३९	३५ ५०	प्री	३६	४०	२१	५२	कौ	४	०३	८	५०	४६	१२	३१	१६	२२	७	कन्या	१३।२९	७।२०।५४।३५	६१।१२
मृत्यु	९	श	१	२९	७	४९	हस्त	५७	१७	३०	०८	आ	३०	४७	१९	३२	ग	१	२९	७	४९	४४	१३	३१	१७	२३	८	कन्या	७।२१।५५।४७	६१।१३
क्षयः	१०	श	५७	१३	३०	०६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
ए.ब्र.	११	र	५१	१९	२७	४५	चित्रा	५३	०६	२८	२८	सौ	२३	३४	१६	३९	ब	२४	२६	१७	००	४३	१४	३१	१८	२४	९	तुला.	१७।२३	७।२२।५६।५९	६१।१३
ए.ब्र.	१२	सो	४४	०३	२४	५२	स्वा	४७	३६	२६	१७	शो	१५	०९	१३	१८	कौ	१७	४९	१४	२२	४२	१५	३१	१९	२५	१०	तुला.	७।२३।५८।१३	६१।१४
प्र.ब्र.	१३	मं	३५	४६	२१	३३	विशा	४१	०४	२३	४१	अ	५ ५५	४४ ३७	९ २१	३३ ३०	ग	१०	००	११	१५	४१	१५	३२	२०	२६	११	वृश्चि.	१८।२१	७।२४।५९।२७	६१।१५
सौम्य	१४	बु	२६	४६	१७	५८	अनु	३३	५२	२०	४९	धृ	४५	००	२५	१६	वि	१	१८	७	४७	४०	१६	३२	२१	२७	१२	वृश्चि.	७।२६।००।४२	६१।१६
अमाव.	३०	गु	१७	२७	१४	१५	ज्ये	२६	२५	१७	५०	शू	३४	१६	२०	५९	ना	१७	२७	१४	१५	३९	१६	३२	२२	२८	१३	धनु.	१७।५०	७।२७।०१।५८	६१।१७

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है ।

रोहि. रे. ७ ॥sगुsIsII दिवा ल. १०।११ A

मृगे रे.१० ||||||||| दिवा ल.११, रात्रौ अ.गो. (अ.गो. भौ.८ दो.)

भ. १४।४१ उ. २७।५१ या., सौभाग्य सुंदरी व्र., दिसंबर १२ ता. ३१

चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः २०।४९, ज्येष्ठा. रविः १६।५५ (सौरः २७।१४)

विशा. शुक्रः १५।४६ [A मृगे रे. १० ||||||||| रात्रौ ४।६

[B पू.), (व) रोहि.-२ गुरुः ९।१९

भ. ८।४१ उ. २०।५९ या.

कालभैरवाष्टमी, वृश्चिके बुधः ९।५६, स्वा.-३ शनिः २०।३९

उफा. रे. ८ sIIIIIIsII दिवा ल. १०।११, रात्रौ ४।६ (कुंभे चं. ७ B

भ. १९।०३ उ. ३०।०६ या., हस्ते रे. ८ ||||||sIs द. दिवा ल. C

[C १०।११, रात्रौ अ.गो. (अ.गो. भौ. ८ दो.), अनु. बुधः ३०।१९

उत्पत्ति ११ व्र.स्मार्त, वैतरणी व्र.

उत्पत्ति ११ व्र.वैष्ण.

भ. २१।३३ उ., प्रदोषः, मासिकशिवरात्री व्र., वृश्चिके शुक्रः १६।१९

भ. ७।४७ या., महाव्रतारंभः

देवपितृकार्येऽमा., गौरीतपोव्र.

अयनांशाः २४।०१।२८

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

अयनांशाः २४।०१।२९

पं.३४ मा.कृ. ३ श. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	कें.
७	८	६	१	६	६	७	१
१५	१६	२५	१७	१७	१२	०९	०१
१४	३६	२४	२९	०३	४४	१०	१०
२३	१३	५९	४६	५४	३५	४४	४४
६०	४६	४२	८	७४	६	३	३
५०	०५	०६	११	३६	२८	११	११
अनु	पूषा	वि	रो	स्वा	स्वा	वि	कृ
४	१	२	३व	४	२	४	२

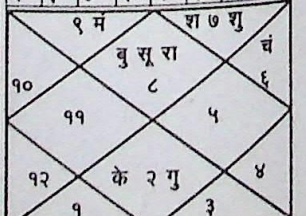


ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	नवं.	दिवा	सायं	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा
०७।१२।५३।००	१ गु	२९	३।०६	४।४२	६।३८	८।५३	११।१३	१।३०	३।४६	६।०५	८।२३	१०।२८	१२।११	१।४०
०७।१३।५४।०३	२ शु	३०	३।०२	४।३८	६।३४	८।४९	११।०९	१।२६	३।४२	६।०१	८।१९	१०।२४	१२।०७	१।३६
०७।१४।५५।०७	३ श	१	२।५८	४।३४	६।३०	८।४५	११।०५	१।२२	३।३८	५।५७	८।१५	१०।२०	१२।०३	१।३२
०७।१५।५६।१२	४ र	२	२।५४	४।३०	६।२६	८।४१	११।०१	१।१८	३।३४	५।५३	८।११	१०।१६	११।५९	१।२८
०७।१६।५७।१९	५ चं	३	२।५०	४।२६	६।२२	८।३७	१०।५७	१।१४	३।३०	५।४९	८।०७	१०।१२	११।५५	१।२४
०७।१७।५८।२६	५ मं	४	२।४६	४।२२	६।१८	८।३३	१०।५३	१।१०	३।२६	५।४५	८।०४	१०।०८	११।५१	१।२०
०७।१८।५९।३५	६ बु	५	२।४२	४।१८	६।१४	८।२९	१०।४९	१।०६	३।२२	५।४१	८।००	१०।०४	११।४८	१।१६
०७।२०।००।४५	७ गु	६	२।३८	४।१४	६।१०	८।२५	१०।४५	१।०२	३।१८	५।३७	७।५६	१०।००	११।४४	१।१२
०७।२१।०१।५६	८ शु	७	२।३४	४।१०	६।०६	८।२१	१०।४१	१२।५८	३।१४	५।३३	७।५२	९।५६	११।४०	१।०८
०७।२२।०३।०७	९ श	८	२।३०	४।०६	६।०३	८।१७	१०।३७	१२।५४	३।१०	५।२९	७।४८	९।५२	११।३६	१।०४
०७।२३।०४।२०	१० र	९	२।२६	४।०२	५।५९	८।१३	१०।३३	१२।५०	३।०६	५।२५	७।४४	९।४८	११।३२	१।००
०७।२४।०५।३४	११ चं	१०	२।२२	३।५९	५।५५	८।०९	१०।२९	१२।४६	३।०२	५।२१	७।४०	९।४४	११।२८	१२।५६
०७।२५।०६।४९	१२ मं	११	२।१८	३।५५	५।५१	८।०५	१०।२६	१२।४२	२।५८	५।१७	७।३६	९।४१	११।२४	१२।५२
०७।२६।०८।०४	१३ बु	१२	२।१४	३।५१	५।४७	८।०२	१०।२२	१२।३८	२।५४	५।१३	७।३२	९।३७	११।२०	१२।४८
०७।२७।०९।२०	१४ गु	१३	२।११	३।४७	५।४३	७।५८	१०।१८	१२।३४	२।५०	५।०९	७।२८	९।३३	११।१६	१२।४५

मास फलम्

इस माह में पांच गुरुवार होने से धान्य सस्ता हो यथा- ॥चन्द्रजीवौ यदापंचधान्यादीनां समर्घता॥ पांच शुक्रवार होने से प्रजा की वृद्धि हो । कृ. तीज को आर्द्रा होने से धान्य सस्ता रहे । राज्य स्वस्थ रहे और प्रजा में सुस्थ रहे । कृ. एकादशी को रविवार होने से कपासादि सूत के भावों में मंदी हो । अमावस ज्येष्ठा योग दुर्भिक्ष और गुरुवारी अमावस होने से सदा वृष्टि तथा सुभिक्ष हो, शु.एकादशी को रविवार होने से कपासादि सूत के भावों में मंदी हो । पूर्णिमा को मृगशिरा का अभाव और आर्द्रा युक्त होने से महर्घता हो । शनिवार की सक्रांति होने से सभी तरह की वस्तुओं का क्षय हो प्रजा में दुर्भिक्ष हो, धान्यादि भाव तेज हो ।

पं.३५ मा.कृ. ९ श. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	कें.
७	८	७	१	६	६	७	१
२२	२१	०२	१६	२५	१३	००	००
२०	५९	०९	३२	४७	२८	४८	४८
४७	५५	४१	३६	०४	५६	२८	२८
६०	४६	७३	८	७४	६	३	३
५७	२४	०२	०५	४९	०९	११	११
ज्ये	पूषा	वि	रो	वि	स्वा	वि	कृ
२	३	४	२व	२	३	४	२



CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

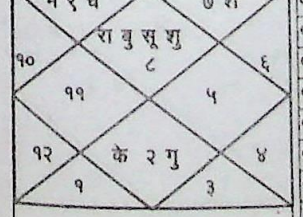
Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

१४ दिसंबर से २८ दिसंबर तक, श्री मार्गशीर्ष शुक्लपक्ष संवत् २०६९, शाकः १९३४, दि.मा.सू. सू. तारीख. स्टै. प्रातः दैनिक केतकी अहर्गणः ६१८ हेमन्तर्तू रविर्दक्षिणे, दिसंबर २०१२

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
सुस्थिर	१	शु	८	१४	१०	३५	मूल	१९	०८	१४	५६	गं	२३	४३	१६	४६	ब	८	१४	१०	३५	२५ ३८	७ १७	५ ३३	२३	२९	१४	धनु.	७।२८।०३।१५	६१।१८
क्षयः	२	शु	५९	३५	३१	०७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
मातङ्ग	३	श	५१	५३	२८	०३	पूषा	१२	२९	१२	१७	वृ	१३	४२	१२	४७	तै	२५	३४	१७	३२	३८	१८	३३	२४	१	१५	मक.	७।२९।०४।३३	६१।१८
मुसल	४	र	४५	३२	२५	३१	उषा	६	५४	१०	०४	धृ	४ ५६	३५ ३५	९ २३	०८ ५९	व	१८	३०	१४	४२	३७	१८	३३	२५	२	१६	मक.	८।००।०५।५१	६१।१९
सिद्धि	५	सो	४०	५८	२३	४२	श्रव	२	४८	८	२६	ह	५०	१२	२७	२४	ब	१२	५९	१२	३१	३७	१९	३४	२६	३	१७	कुंभे	८।०१।०७।१०	६१।१९
उत्पात	६	मं	३८	२४	२२	४१	धनि	०	३१	७	३२	व	४५	२१	२५	२८	कौ	९	२४	११	०५	३६	२०	३४	२७	४	१८	कुंभे	८।०२।०८।२९	६१।२०
मानस	७	बु	३८	०२	२२	३३	शत	०	१७	७	२७	सि	४२	१२	२४	१३	ग	७	५६	१०	३०	३६	२०	३४	२८	५	१९	मीने	२५।५६	८।०३।०९।४९	६१।२१
मुद्गर	८	गु	३९	४८	२३	१६	पूभा	२	१०	८	१३	व्य	४०	४२	२३	३७	वि	८	३९	१०	४८	३६	२१	३५	२९	६	२०	मीने		८।०४।११।१०	६१।२१
ध्वजा	९	शु	४३	३१	२४	४६	उभा	६	०३	९	४६	व	४०	३९	२३	३७	बा	११	२६	११	५५	३६	२१	३५	३०	७	२१	मीने		८।०५।१२।३१	६१।२२
धाता	१०	श	४८	४६	२६	५२	रेव	११	३९	१२	०१	प	४१	४७	२४	०४	तै	१५	५८	१३	४५	३६	२२	३६	१	८	२२	मेषे	१२।०१	८।०६।१३।५३	६१।२२
ए.व्र.	११	र	५५	०३	२९	२३	अश्वि	१८	३१	१४	४६	शि	४३	४२	२४	५१	व	२१	४८	१६	०५	३६	२२	३६	२	९	२३	मेषे		८।०७।१५।१५	६१।२२
चर	१२	सो	...	...	...	...	भर	२६	०७	१७	४९	सि	४६	०४	२५	४८	ब	२८	२४	१८	४४	३६	२३	३७	३	१०	२४	वृषे	२४।३६	८।०८।१६।३७	६१।२३
प्र.व्र.	१२	मं	१	४९	८	०७	कृति	३३	५८	२०	५८	सा	४८	३०	२६	४७	बा	१	४९	८	०७	३७	२३	३८	४	११	२५	वृषे		८।०९।१७।५९	६१।२३
शुभ	१३	बु	८	३७	१०	५०	रोहि	४१	४०	२४	०३	शु	५०	४६	२७	४२	तै	८	३७	१०	५०	३७	२३	३८	५	१२	२६	वृषे		८।१०।१९।२२	६१।२३
मृत्यु	१४	गु	१५	०६	१३	२६	मृग	४८	५७	२६	५९	शु	५२	४२	२८	२९	व	१५	०६	१३	२६	३८	२४	३९	६	१३	२७	मिथु.	१३।३३	८।११।२०।४५	६१।२३
पूर्णिमा	१५	शु	२१	०३	१५	४९	आर्द्रा	५५	३८	२९	३९	ब्र	५४	०९	२९	०४	ब	२१	०३	१५	४९	३८	२४	३९	७	१४	२८	मिथु.		८।१२।२२।०९	६१।२३

अयनांशाः २४।०१।३०

पं.३६	मा.शु. ३	श. इष्टघटी	०।००
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
७	८	७	१	७	६	७	१
२९	२७	११	१५	०४	१४	००	००
२७	२५	२२	३७	३१	१०	२६	२६
५८	४०	४५	०५	३२	५१	११	११
६१	४६	८४	७	७४	५	३	३
०३	४०	४९	४०	५९	४६	११	११
ज्ये	उषा	अनु	रो	अनु	स्वा	वि	कृ
४	१	३	२व	१	३	४	२



॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

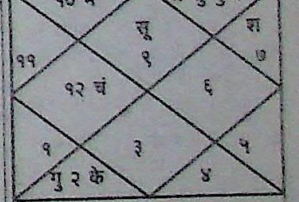
ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	दिस	दिवा	दिवा	सायं	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा
०७।२८।१०।३७	१ शु	१४	२।०७	३।४३	५।३९	७।५४	९०।१४	९२।३१	२।४६	५।०५	७।२४	९।२९	९१।१२	९२।४९
०७।२९।११।५५	३ श	१५	२।०३	३।३९	५।३५	७।५०	९०।१०	९२।२७	२।४२	५।०२	७।२०	९।२५	९१।०८	९२।३७
०८।००।१३।१३	४ र	१६	१।५९	३।३५	५।३१	७।४६	९०।०६	९२।२३	२।३८	४।५८	७।१६	९।२१	९१।०४	९२।३३
०८।०१।१४।३२	५ चं	१७	१।५५	३।३१	५।२७	७।४२	९०।०२	९२।१९	२।३५	४।५४	७।१२	९।१७	९१।००	९२।२९
०८।०२।१५।५२	६ मं	१८	१।५१	३।२७	५।२३	७।३८	९।५८	९२।१५	२।३१	४।५०	७।०८	९।१३	९०।५६	९२।२५
०८।०३।१७।१२	७ बु	१९	१।४७	३।२३	५।१९	७।३४	९।५४	९२।११	२।२७	४।४६	७।०४	९।०९	९०।५२	९२।२१
०८।०४।१८।३३	८ गु	२०	१।४३	३।१९	५।१५	७।३०	९।५०	९२।०७	२।२३	४।४२	७।००	९।०५	९०।४८	९२।१७
०८।०५।१९।५४	९ शु	२१	१।३९	३।१५	५।११	७।२६	९।४६	९२।०३	२।१९	४।३८	६।५६	९।०१	९०।४४	९२।१३
०८।०६।२१।१६	१० श	२२	१।३५	३।११	५।०७	७।२२	९।४२	९१।५९	२।१५	४।३४	६।५३	८।५७	९०।४०	९२।०९
०८।०७।२२।३८	११ र	२३	१।३१	३।०७	५।०३	७।१८	९।३८	९१।५५	२।११	४।३०	६।४९	८।५३	९०।३७	९२।०५
०८।०८।२४।००	१२ चं	२४	१।२७	३।०३	४।५९	७।१४	९।३४	९१।५१	२।०७	४।२६	६।४५	८।४९	९०।३३	९२।०१
०८।०९।२५।२३	१३ मं	२५	१।२३	२।५९	४।५५	७।१०	९।३०	९१।४७	२।०३	४।२२	६।४१	८।४५	९०।२९	९१।५७
०८।१०।२६।४६	१३ बु	२६	१।१९	२।५५	४।५२	७।०६	९।२६	९१।४३	१।५९	४।१८	६।३७	८।४१	९०।२५	९१।५३
०८।११।२८।०९	१४ गु	२७	१।१५	२।५१	४।४८	७।०२	९।२२	९१।३९	१।५५	४।१४	६।३३	८।३७	९०।२१	९१।४९
०८।१२।२९।३३	१५ शु	२८	१।११	२।४८	४।४४	६।५८	९।१८	९१।३५	१।५१	४।१०	६।२९	८।३३	९०।१७	९१।४५

संक्रांति फलम्

ता. १५ दिसंबर २०१२
मार्ग. शु. ३ शनौ धनुर्व्यकः प्र. (स्टै.)
टा. १९।५३ वारात् ३ नक्षत्रात् ४
वारनाम राक्षसी वाण्डालान् सुस्पदा-
नक्षत्रनाम नंदा गणकान् सुस्पदा प्रदोष
व्यापिनी पिशाचान् हन्ति, दक्षिणे गमनं
नैऋत्यां दृष्टिः गरकरणे प्रविष्टा
मध्यमफलं हस्तीवाहनं स्वरोपवाहनं
लक्ष्मीकारक रक्तवस्त्रं धनुष्यायुधं
लोहपात्रं दुग्धभक्षणं गोरोचनलेपनं
पशुजातिः विल्वपुष्पं मुकुटभूषणं
श्वेतकंचुकी प्रौढावस्था (बैठी) मु.
४५ धान्यभावे समर्घ वत्स दक्षिणे
राहु पूर्वे मूलं भूमौ विवाहस्तंभो
वायव्याम् शुक्रोदयः पूर्वस्याम् ।
पुण्यकालः (स्टै.) १९।५३ से २६।१७
तक । (दान- वस्त्र) ।

अयनांशाः २४।०१।३१

पं.३७	मा.शु.१०	श. इष्टघटी	०।००
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
८	९	७	१	७	६	७	१
०६	०२	२१	१४	१३	१४	००	००
३५	५३	३३	४५	१६	४९	०३	०३
४२	१९	२७	२०	५६	५३	५५	५५
६१	४६	८९	६	७५	५	३	३
०७	५४	३८	५८	०५	१९	११	११
मू	उषा	ज्ये	रो	अनु	स्वा	वि	कृ
२	२	२	२व	३	३	४	२



CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

॥ श्रीवल्लभ मनीराम पञ्चाङ्गम् ॥

२९ दिसंबर से ११ जनवरी तक, श्री पोष कृष्णपक्ष संवत् २०६९, शाकः १९३४, दि.मा.सू. सू. तारीख स्टै. प्रातः दैनिक शिशिरर्तू रविरुत्तरे मार्गशीर्षकृष्णेति गुर्जराः, दिसंबर-जनवरी २०१२-१३

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
छत्र	१	श	२६	१६	१७	५५	पुन	...	...	..	..	ऐ	५५	०२	२९	२५	कौ	२६	१६	१७	५५	२५/३९	७/२४	५/४०	८	१५	२९	कर्के २५।२९	८।१३।२३।३२	६१।२४
ध्वजा	२	र	३०	४१	१९	४१	पुन	१	३४	८	०३	वै	५५	१६	२९	३१	ग	३०	४१	१९	४१	४०	२५	४१	९	१६	३०	कर्के	८।१४।२४।५६	६१।२४
घाता	३	सो	३४	१०	२१	०५	पुष्य	६	४१	१०	०६	वि	५४	४५	२९	१९	व	२	३२	८	२६	४१	२५	४१	१०	१७	३१	कर्के	८।१५।२६।२०	६१।२४
च.व्र.	४	मं	३६	३४	२२	०३	श्ले	१०	५०	११	४६	प्री	५३	२५	२८	४७	ब	५	३०	९	३८	४२	२५	४२	११	१८	१	सिंहे ११।४६	८।१६।२७।४३	६१।२४
चर	५	बु	३७	४८	२२	३३	मघा	१३	५५	१२	५९	आ	५१	०९	२७	५३	कौ	७	२०	१०	२१	४३	२६	४३	१२	१९	२	सिंहे	८।१७।२९।०७	६१।२४
गद	६	गु	३७	४६	२२	३२	पूफा	१५	४७	१३	४५	सौ	४७	५३	२६	३५	ग	७	५६	१०	३६	४४	२६	४३	१३	२०	३	कन्या ९९।५१	८।१८।३०।३१	६१।२४
शुभ	७	शु	३६	२२	२१	५९	उफा	१६	२२	१३	५९	शो	४३	३३	२४	५१	वि	७	१४	१०	१९	४५	२६	४४	१४	२१	४	कन्या	८।१९।३१।५४	६१।२३
मृत्यु	८	श	३३	३५	२०	५२	हस्त	१५	३७	१३	४१	अ	३८	०९	२२	४२	बा	५	०८	९	२९	४७	२६	४५	१५	२२	५	तुला. २५।२०	८।२०।३३।१८	६१।२३
पद्म	९	र	२९	२५	१९	१२	चित्रा	१३	३१	१२	५१	सु	३१	४०	२०	०६	तै	१	४१	८	०७	४८	२६	४६	१६	२३	६	तुला.	८।२१।३४।४१	६१।२३
छत्र	१०	सो	२३	५८	१७	०२	स्वा	१०	०६	११	२९	धृ	२४	०८	१७	०६	वि	२३	५८	१७	०२	५०	२६	४६	१७	२४	७	वृश्चि. २८।०९	८।२२।३६।०४	६१।२३
ए.व्र.	११	मं	१७	२१	१४	२३	विशा	५/५५	३०/५४	९/३९	३५/२४	शू	१५	४०	१३	४३	बा	१७	२१	१४	२३	५१	२७	४७	१८	२५	८	वृश्चि.	८।२३।३७।२७	६१।२३
प्र.व्र.	१२	बु	९	४७	११	२१	ज्ये	५३	३५	२८	५३	गं	६/५६	२६/३८	१०/३०	०५/०६	तै	९	४७	११	२१	५३	२७	४८	१९	२६	९	धनु. २८।५३	८।२४।३८।५०	६१।२२
धूम्र	१३	गु	१	३३	८	०४	मूल	४६	५४	२६	१२	ध्रु	४६	३४	२६	०४	व	१	३३	८	०४	५५	२७	४९	२०	२७	१०	धनु.	८।२५।४०।१२	६१।२२
क्षयः	१४	गु	५३	०९	२८	३९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
अमाव.	३०	शु	४४	३४	२५	१६	पूषा	४०	१६	२३	३३	व्या	३६	३०	२२	०३	च	१८	४५	१४	५७	५७	२७	५०	२१	२८	११	मक. २८।५५	८।२६।४१।३४	६१।२२

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।

[A चन्द्रोदयः २१।२७

भ. ८।२६ उ. २१।०५ या., श्रव. भौमः ९।१४

जनवरी १ ता. ३१ सन २०१३ ई., अंगारकी चतुर्थीव्रतं A

भ. २२।३२ उ.

भ. १०।१९ या., धनुषि मूले शुक्रः १५।४३

पूषा. बुधः १३।००, (व) रोहि.-१ गुरुः ८।०५

भ. ३०।११ उ.

भ. १७।०२ या.

सफला ११ व्र., सुरुप द्वादशी १२

प्रदोषः

भ. ८।०४ उ. १८।२२ या., मासिकशिवरात्री व्र., उषा. B

[B रविः २४।०२ (सौरः ३०।५०)

देवपितृकार्येऽमा., कुहूः

अयनांशाः २४।०१।३२

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

संक्रांति फलम्

अयनांशाः २४।०१।३३

पं.३८ पौ.कृ. १ श. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
८	९	८	१	७	६	६	०
१३	०८	०२	१३	२२	१५	२९	२९
४३	२२	०८	५९	०२	२५	४१	४१
४६	१२	३४	१२	५६	४२	४०	४०
६१	४७	९१	६	७५	४	३	३
०९	०६	५५	०२	१०	५०	११	११
पूषा	उषा	मू	रो	ज्ये	स्वा	वि	कृ
१	४	१	२व	२	३	३	१

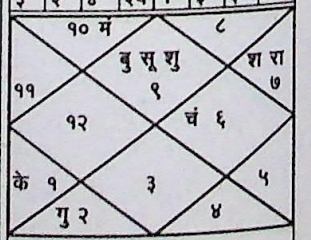


ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	दिन	दिवा	दिवा	सायँ	रात्री	रात्री	रात्री	रात्री	रात्री	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा
८।१३।३०।५६	१ श	२९	१।०७	२।४४	४।४०	६।५४	९।१५	११।३९	१।४७	४।०६	६।२५	८।३०	१०।१३	११।४१
८।१४।३२।२०	२ र	३०	१।०३	२।४०	४।३६	६।५१	९।१९	११।२७	१।४३	४।०२	६।२१	८।२६	१०।०९	११।३७
८।१५।३३।४४	३ चं	३१	१।००	२।३६	४।३२	६।४७	९।०७	११।२४	१।३९	३।५८	६।१७	८।२२	१०।०५	११।३४
८।१६।३५।०८	४ मं	१	१२।५६	२।३२	४।२८	६।४३	९।०३	११।२०	१।३५	३।५५	६।१३	८।१८	१०।०१	११।३०
८।१७।३६।३२	५ बु	२	१२।५२	२।२८	४।२४	६।३९	८।५९	११।१६	१।३१	३।५१	६।०९	८।१४	९।५७	११।२६
८।१८।३७।५५	६ गु	३	१२।४८	२।२४	४।२०	६।३५	८।५५	११।१२	१।२७	३।४७	६।०५	८।१०	९।५३	११।२२
८।१९।३९।१९	७ शु	४	१२।४४	२।२०	४।१६	६।३१	८।५१	११।०८	१।२४	३।४३	६।०१	८।०६	९।४९	११।१८
८।२०।४०।४३	८ श	५	१२।४०	२।१६	४।१२	६।२७	८।४७	११।०४	१।२०	३।३९	५।५७	८।०२	९।४५	११।१४
८।२१।४२।०६	९ र	६	१२।३६	२।१२	४।०८	६।२३	८।४३	११।००	१।१६	३।३५	५।५३	७।५८	९।४१	११।१०
८।२२।४३।२९	१० चं	७	१२।३२	२।०८	४।०४	६।१९	८।३९	१०।५६	१।१२	३।३१	५।४९	७।५४	९।३७	११।०६
८।२३।४४।५२	११ मं	८	१२।२८	२।०४	४।००	६।१५	८।३५	१०।५२	१।०८	३।२७	५।४५	७।५०	९।३३	११।०२
८।२४।४६।१५	१२ बु	९	१२।२४	२।००	३।५६	६।११	८।३१	१०।४८	१।०४	३।२३	५।४२	७।४६	९।२९	१०।५८
८।२५।४७।३७	१३ गु	१०	१२।२०	१।५६	३।५२	६।०७	८।२७	१०।४४	१।००	३।१९	५।३८	७।४२	९।२६	१०।५४
८।२६।४८।५९	३० शु	११	१२।१६	१।५२	३।४८	६।०३	८।२३	१०।४०	१२।५६	३।१५	५।३४	७।३८	९।२२	१०।५०

ता. १३ जनवरी २०१३
पौष शु. २ रवौ मकरेऽर्कः प्र. (स्टै.)
टा. ३०।३३ वारात् २ नक्षत्रात् ३
वारनाम घोरा शूद्रान् सुस्पदा नक्षत्रनाम
महोदरी चोरान् सुस्पदा प्रभात रात्रि
४ प्रहर व्यापिनी गोरक्षकान् हन्ति,
पश्चिमे गमनं वायव्यां दृष्टिः गरकरणे
प्रविष्टा मध्यमफलं हस्तीवाहनं
स्वरोपवाहनं लक्ष्मीकारक रक्तवस्त्रं
धनुष्यायुधं लोहपात्रं दुग्धभक्षणं
गोरोचनलेप्यनं पशुजातिः विल्वपुष्पं
मुकुटभूषणं श्वेतकंचुकी प्रौढावस्था
(बैठी) मु. ३० धान्यभावे सम वत्स
दक्षिणे राहु पूर्वे मूलं स्वर्गे विवाहस्तंभो
वायव्याम् शुक्रोदयः पूर्वस्याम् ।
पुण्यकालः (स्टै.) ३०।३३ से सोमवार
२२।३३ तक । (दान- काष्ट - अन्न) ।

पं.३९ पौ.कृ. ८ श. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
८	९	८	१	८	६	६	०
२०	१३	१२	१३	००	१५	२९	२९
५१	५२	५८	२०	४९	५८	१९	१९
५७	२३	१२	०८	१६	१२	२४	२४
६१	४७	९४	४	७५	४	३	३
१०	१५	०३	५३	१२	१७	११	११
पूषा	श्र	मू	रो	मृ	स्वा	वि	कृ
३	२	४	२व	१	३	३	१



CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

॥ श्रीवल्लभ मनीराम पञ्चाङ्गम् ॥

१२ जनवरी से २७ जनवरी तक, श्री पोष शुक्लपक्ष संवत् २०६९, शाकः १९३४, दि.मा.सू. सू. तारीख्स स्टै. प्रातः दैनिक केतकी अहर्गणः ६४७ शिशिरर्तू रविरुत्तरे, जनवरी २०१३

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	च.प.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
राक्षस	१	श	३६	४०	२२	०७	उषा	३४	०८	२१	०६	ह	२६	५१	१८	११	किं	१०	३२	११	३९	२५	७	५	२२	२९	१२	मक.	८।२७।४२।५५	६१।२१
गद	२	र	२९	४६	१९	२१	श्रव	२८	५७	१९	०२	व	१७	५६	१४	३७	बा	३	०४	८	४०	५६	२७	५०	२३	३०	१३	कुंभे ३०।१२	८।२८।४४।१६	६१।२१
शुभ	३	सो	२४	१५	१७	०९	धनि	२५	११	१७	३१	सि	१०	०५	११	२९	ग	२४	१५	१७	०९	०३	२७	५२	२४	१	१४	कुंभे	८।२९।४५।३७	६१।२०
मृत्यु	४	मं	२०	३५	१५	४१	शत	२३	१२	१६	४३	व्य	५८	४५	३०	५३	वि	२०	३५	१५	४१	०६	२७	५३	२५	२	१५	कुंभे	९।००।४६।५७	६१।२०
पद्म	५	बु	१९	००	१५	०२	पूभा	२३	१६	१६	४५	प	५५	३५	२९	४०	बा	१९	००	१५	०२	०८	२६	५४	२६	३	१६	मीने १०।४०	९।०१।४८।१६	६१।१९
छत्र	६	गु	१९	३७	१५	१७	उभा	२५	३०	१७	३८	शि	५४	०७	२९	०५	तै	१९	३७	१५	१७	१०	२६	५४	२७	४	१७	मीने	९।०२।४९।३५	६१।१८
श्रीवत्स	७	शु	२२	२५	१६	२४	रेव	२९	४७	१९	२१	सि	५४	१२	२९	०७	व	२२	२५	१६	२४	१३	२६	५५	२८	५	१८	मेषे १९।२१	९।०३।५०।५३	६१।१८
सौम्य	८	श	२७	०६	१८	१६	अश्वि	३५	४९	२१	४५	सा	५५	३१	२९	३८	ब	२७	०६	१८	१६	१५	२६	५६	२९	६	१९	मेषे	९।०४।५२।१५	६१।१७
काल	९	र	३३	०९	२०	४१	भर	४३	०४	२४	३९	शु	५७	४०	३०	३०	कौ	३३	०९	२०	४१	१८	२६	५७	३०	७	२०	मेषे	९।०५।५३।२८	६१।१६
सुस्थिर	१०	सो	३९	५८	२३	२५	कृति	५०	५७	२७	४८	शु	...	...	...	...	तै	६	३०	१०	०२	२१	२५	५८	१	८	२१	वृषे ७।२६	९।०६।५४।४४	६१।१५
ए.व्र.	११	मं	४६	५२	२६	१०	रोहि	५८	५०	३०	५७	शु	०	१३	७	३०	व	१३	२८	१२	४८	२३	२५	५८	२	९	२२	वृषे	९।०७।५५।५९	६१।१४
अमृत	१२	बु	५३	२०	२८	४५	मृग	...	...	...	...	ब्र	२	४१	८	२९	ब	२०	११	१५	२९	२६	२५	५९	३	१०	२३	मिथु. २०।२८	९।०८।५७।१४	६१।१३
प्र.व्र.	१३	गु	५८	५६	३०	५९	मृग	६	१३	९	५४	ऐ	४	४४	९	९८	कौ	२६	१५	१७	५५	२९	२५	६०	४	११	२४	मिथु.	९।०९।५८।२७	६१।१३
पद्म	१४	शु	...	...	...	...	आर्द्रा	१२	४४	१२	३०	वै	६	०७	९	५१	ग	३१	२०	१९	५६	३२	२४	०१	५	१२	२५	मिथु.	९।१०।५९।४०	६१।१२
छत्र	१४	श	३	२९	८	४७	पुन	१८	१४	१४	४१	वि	६	४२	१०	०५	व	३	२९	८	४७	३५	२४	०२	६	१३	२६	कर्के ८।११	९।१२।००।५२	६१।११
पूर्णिमा	१५	र	६	५२	१०	०८	पुष्य	२२	३७	१६	२६	प्री	६	२६	९	५८	ब	६	५२	१०	०८	३८	२३	०३	७	१४	२७	कर्के	९।१३।०२।०२	६१।१०

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।

[A निरयन उत्तरायनारंभः, उषा.बुधः २१।३८ [B सक्रान्ति करिदिन चंद्रदर्शनम् (मु.३०), पंचक प्रारम्भः ३०।१२, मकरे रविः ३०।३३, A

भ. २८।१९ उ.,रविलावल ३, मकरे सौरः १३।०४,पूषा. शुक्रः ३१।००

भ. १५।४१ या., मकरे बुधः २२।२९, स्वा.-४ शनिः २६।४३, B

उभा.रे.९ ।।।।।ऽ।।। रात्रौ ल.६।९ (कन्या चं.७ पू.) धनि.भौमः ३१।१६

उभा.रे.१० ।।।।।।।।। दिवा ल.११।२।३ (मिथुने शु. ७ पू.),रेवत्यां C

भ. १६।२४ उ. २९।१५ या., रेवत्यां रे. ९ ।।।।।।ऽ।। दिवा ल. D

शांकभरी यात्रा,सायन कुंभे भानुः २७।२० [D ११।२।३ (मिथु.शु. E

अभि.प्र.रविः१९।४० (सौरः २५।३९) [C रे. ९ ।।।।।।ऽ।। रात्रौ ६।९

भा. माघारंभः, श्रव. बुधः २१।४८ [E ७ पू.), पंचक समाप्तिः १९।२१

भ. १२।४८ उ. २६।१० या., पुत्रदा ११ व्र., मन्वादि

नेताजी जयन्ती, मृगे रे. ८ ऽ।।।।।।।ऽ रात्रौ ल.६, श्रव.रविः २६।१७

प्रदोषः, श्रव. सौरः ८।०१, अभि.नि. रविः २३।१६ (सौरः २८।५५)

कुंभे भौमः १७।४१, उषा. शुक्रः २२।१७

भ. ८।४७ उ. २१।३१ या., पूर्णिमा व्रतं, शाकंभरी जयंती, F

पूर्णिमा पुण्यं, माघ स्नानारंभः [F गणराज्यदिवस

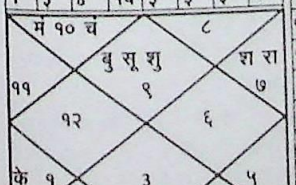
अयनांशाः २४।०१।३४

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

अयनांशाः २४।०१।३४

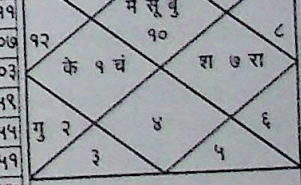
अयनांशाः २४।०१।३५

पं.४० पौ.शु. १ श. इष्टघटी ०।००								
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.	
८	९	८	१	८	६	६	०	
२८	१९	२४	१२	०९	१६	२८	२८	
००	२३	०५	४९	३५	२६	५७	५७	
०२	२८	०९	४१	४४	२६	०८	०८	
६१	४७	९७	३	७५	३	३	३	
०८	२१	०७	३६	१३	४१	११	११	
उषा	श्र	पूषा	रो	मृ	स्वा	वि	कृ	
१	३	४	१व	३	३	३	१	

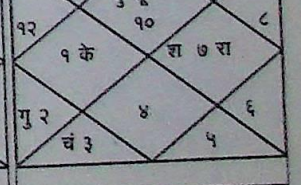


ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	जन.	दिवा	दिवा	दिवा	सायं	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः	दिवा	दिवा
०८।२७।५०।२०	१ श	१२	१२।१२	१।४८	३।४५	५।५९	८।१९	९०।३६	१२।५२	३।११	५।३०	७।३४	९।१८	१०।४६
०८।२८।५१।४२	२ र	१३	१२।०८	१।४४	३।४१	५।५५	८।१५	९०।३२	१२।४८	३।०७	५।२६	७।३०	९।१४	१०।४२
०८।२९।५३।०२	३ चं	१४	१२।०४	१।४०	३।३७	५।५१	८।११	९०।२८	१२।४४	३।०३	५।२२	७।२६	९।१०	१०।३८
०९।००।५४।२२	४ मं	१५	१२।००	१।३७	३।३३	५।४७	८।०८	९०।२४	१२।४०	२।५९	५।१८	७।२३	९।०६	१०।३४
०९।०१।५५।४२	५ बु	१६	११।५६	१।३३	३।२९	५।४३	८।०४	९०।२०	१२।३६	२।५५	५।१४	७।१९	९।०२	१०।३०
०९।०२।५७।०१	६ गु	१७	११।५३	१।२९	३।२५	५।४०	८।००	९०।१६	१२।३२	२।५१	५।१०	७।१५	८।५८	१०।२७
०९।०३।५८।१९	७ शु	१८	११।४९	१।२५	३।२१	५।३६	७।५६	९०।१३	१२।२८	२।४७	५।०६	७।११	८।५४	१०।२३
०९।०४।५९।३६	८ श	१९	११।४५	१।२१	३।१७	५।३२	७।५२	९०।०९	१२।२४	२।४४	५।०२	७।०७	८।५०	१०।१९
०९।०६।००।५३	९ र	२०	११।४१	१।१७	३।१३	५।२८	७।४८	९०।०५	१२।२०	२।४०	४।५८	७।०३	८।४६	१०।१५
०९।०७।०२।०९	१० चं	२१	११।३७	१।१३	३।०९	५।२४	७।४४	९०।०१	१२।१७	२।३६	४।५४	६।५९	८।४२	१०।११
०९।०८।०३।२५	११ मं	२२	११।३३	१।०९	३।०५	५।२०	७।४०	८।५७	१२।१३	२।३२	४।५०	६।५५	८।३८	१०।०७
०९।०९।०४।३९	१२ बु	२३	११।२९	१।०५	३।०१	५।१६	७।३६	८।५३	१२।०९	२।२८	४।४६	६।५१	८।३४	१०।०३
०९।१०।०५।५३	१३ गु	२४	११।२५	१।०१	२।५७	५।१२	७।३२	८।४९	१२।०५	२।२४	४।४२	६।४७	८।३०	९।५९
०९।११।०७।०५	१४ शु	२५	११।२१	१।२५७	२।५३	५।०८	७।२८	८।४५	१२।०१	२।२०	४।३८	६।४३	८।२६	९।५५
०९।१२।०८।१७	१४ श	२६	११।१७	१।२५३	२।४९	५।०४	७।२४	८।४१	११।५७	२।१६	४।३५	६।३९	८।२२	९।५१
०९।१३।०९।२८	१५ र	२७	११।१३	१।२४९	२।४५	५।००	७।२०	८।३७	११।५३	२।१२	४।३१	६।३५	८।१९	९।४७

पं.४१ पौ.शु. ८ श. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
९	९	९	१	८	६	६	०
०५	२४	०५	१२	१८	१६	२८	२८
०७	५५	३६	२८	२२	५०	३४	३४
४७	०८	२३	३४	१२	२४	५४	५४
६९	४७	१०९	२	७५	३	३	३
०५	२५	५९	१३	१३	०३	११	११
उषा	ध	उषा	रो	पूषा	स्वा	वि	कृ
३	१	३	१व	२	४	३	१



पं.४२ पौ.शु.१४ श. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
९	१०	९	१	८	६	६	०
१२	००	१७	१२	२७	१७	२८	२८
१५	२७	३३	१७	०८	०९	१२	१२
०१	०६	५८	१९	३२	४८	३८	३८
६१	४७	१०४	०	७५	२	३	३
००	२६	२३	४७	१२	२३	११	११
श्र	घ	श्र	रो	उषा	स्वा	वि	कृ
१	३	३	१व	१	४	३	१



CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

॥ श्रीवल्लभ मनीराम पञ्चाङ्गम् ॥

२८ जनवरी से १० फरवरी तक, श्री माघ कृष्णपक्ष संवत् २०६९, शाकः १९३४, दि.मा.सू. सू. तारीख्य स्टै. प्रातः दैनिक शिशिरर्तू रविरुत्तरे पोषकृष्णेति गुर्जराः, जनवरी-फरवरी २०१३

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
सौम्य	१	सो	९	०८	११	०२	श्ले	२५	५७	१७	४६	आ	५	१९	९	३०	कौ	९	०८	११	०२	२६ ४५	७ २३	६ ०३	८	१५	२८	सिंहे १७।४६	९।१४।०३।१२	६१।०९
काल	२	मं	१०	२०	११	३१	मघा	२८	१६	१८	४१	सौ	३	२२	८	४३	ग	१०	२०	११	३१	४४	२३	०४	९	१६	२९	सिंहे	९।१५।०४।२१	६१।०७
च.व्र.	३	बु	१०	३१	११	३४	पूफा	२९	३८	१९	१३	शो	० ५७	३९ ११	७ ३०	३८ १४	वि	१०	३१	११	३४	४७	२२	०५	१०	१७	३०	कन्या २५।१८	९।१६।०५।२८	६१।०७
मातङ्ग	४	गु	९	४७	११	१६	उफा	३०	०७	१९	२४	सु	५३	०३	२८	३५	बा	९	४७	११	१६	५१	२२	०६	११	१८	३१	कन्या	९।१७।०६।३५	६१।०५
अमृत	५	शु	८	०९	१०	३७	हस्त	२९	४५	१९	१५	घृ	४८	१५	२६	३९	तै	८	०९	१०	३७	५४	२१	०७	१२	१९	१	तुला. ३१।०३	९।१८।०७।४०	६१।०४
काण	६	श	५	४२	९	३७	चित्रा	२८	३४	१८	४६	शू	४२	४७	२४	२७	व	५	४२	९	३७	५७	२०	०७	१३	२०	२	तुला.	९।१९।०८।४४	६१।०३
लुम्बक	७	र	२	२२	८	१७	स्वा	२६	३३	१७	५७	गं	३६	३९	२१	५९	ब	२	२२	८	१७	२७ ०९	२०	०८	१४	२१	३	तुला.	९।२०।०९।४८	६१।०२
क्षयः	८	र	५८	१०	३०	३६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
मित्र	९	सो	५३	०९	२८	३५	विशा	२३	४२	१६	४८	वृ	२९	५०	१९	१५	तै	२५	४७	१७	३८	०४	१९	०९	१५	२२	४	वृश्चि. ११।०७	९।२१।१०।४९	६१।००
वज्र	१०	मं	४७	२१	२६	१५	अनु	२०	०२	१५	१९	ध्रु	२२	२२	१६	१५	व	२०	२२	१५	२७	०८	१९	१०	१६	२३	५	वृश्चि.	९।२२।११।४९	६०।५९
ए.व्र.	११	बु	४०	५४	२३	४०	ज्ये	१५	३९	१३	३४	व्या	१४	१९	१३	०२	ब	१४	१२	१२	५९	११	१८	११	१७	२४	६	धनु. १३।३४	९।२३।१२।४९	६०।५८
धूम्र	१२	गु	३४	०१	२०	५४	मूल	१०	४४	११	३५	ह	५ ५७	४९ ०४	९ ३०	३७ ०७	कौ	७	३१	१०	१८	१५	१७	११	१८	२५	७	धनु.	९।२४।१३।४६	६०।५६
प्र.व्र.	१३	शु	२७	००	१८	०५	पूषा	५	३२	९	२९	सि	४८	२०	२६	३७	ग	०	३१	७	२९	१८	१७	१२	१९	२६	८	मक. १४।५८	९।२५।१४।४३	६०।५५
चर	१४	श	२०	११	१५	२०	उषा	० ५५	२३ ४९	७ २९	३५ ३२	व्य	३९	५४	२३	१३	श	२०	११	१५	२०	२२	१६	१३	२०	२७	९	मक.	९।२६।१५।३८	६०।५३
अमाव.	३०	र	१३	५९	१२	५१	धनि	५१	५२	२८	००	व	३२	०४	२०	०५	ना	१३	५९	१२	५१	२६	१५	१४	२१	२८	१०	कुंभे १६।४३	९।२७।१६।३१	६०।५२

[C गौरी चतुर्थी, मार्गी गुरुः २७।२५ [G धनि. रविः २९।२४,शत. बुधः ३०।००, श्रव. शुक्रः १३।४० [H ।ऽ।।।।।ऽ।ऽ द. रात्रौ ल. ७ (सोग्रांगः के. ७ दो.), धनि. सौरः १०।०८

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है ।
मकरे शुक्रः १४।०७ [A सुन्दरी व्र., चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः २१।१४, B
भ. २३।३५ उ., धनि. बुधः १४।४१ [B संकट हरगणपति व्र., C
भ. ११।३४ या., उफा. रे. ९ ।।।।।।।ऽ।। रात्रौ ल. ६।९, सौभाग्य A
उफा. रे. ९ ।।।।।।।ऽ।। दिवा ल. १२।३, रात्रौ गो. (मीने चं. ७ D
फरवरी २ ता. २८, हस्ते रे. ९ ।।।।।।ऽ।। दिवा ल. १२।३, रात्रौ E
भ. ९।३७ उ. २१।०० या., शत. भौमः २८।०४, कुंभे बुधः ९।५१
स्वामी विवेकानन्द जयंती, बुधोदयः पश्चिमायाम् १०।४० [F ८ दो.)
[D पू.,गो. भौ. ८ दो.), हस्ते रे. ९ ।।।।।।ऽ।। रात्रौ ल. ९
अनु. रे. ७ ऽ।।।ऽ।।ऽ।। रात्रौ ल. अ. गो. (स्टै. १६।४८ उप., भौ. F
भ. १५।२७ उ. २६।१५ या., अनु. रे. ७ ऽ।।।ऽ।।ऽ।। दिवा ल. १२, G
षट्तिला ११ व्र., मूले रे. ८ ।ऽ।।।।।ऽ।। दिवा ल. ३, मूले रे. ७ H
तिल द्वादशी, मूले रे. ८ ।ऽ।।।।।ऽ।। दिवा ल. १२
भ. १८।०५ उ. २८।४१ या.,प्रदोषः,मासिकशिवरात्रीव्र.,भौमास्तः K
[K पश्चि. २८।३२ [E गोधूलि (मीने चं. ७ पू., गो. भौ. ८ दो.)
पंचक प्रारम्भः १६।४३, देवपितृकार्येऽमा., मौनी ३०, युगादि

अयनांशाः २४।०१।३६

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	जन.	दिवा	दिवा	दिवा	सायं	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः	दिवा	दिवा
०९।१४।१०।३७	१ च	२८	११।०९	१२।४५	२।४९	४।५६	७।१६	९।३३	११।४९	२।०८	४।२७	६।३१	८।१५	९।४३
०९।१५।११।४६	२ मं	२९	११।०५	१२।४१	२।३८	४।५२	७।१२	९।२९	११।४५	२।०४	४।२३	६।२७	८।११	९।३९
०९।१६।१२।५४	३ बु	३०	११।०१	१२।३७	२।३४	४।४८	७।०८	९।२५	११।४१	२।००	४।१९	६।२३	८।०७	९।३५
०९।१७।१४।००	४ गु	३१	१०।५७	१२।३३	२।३०	४।४४	७।०४	९।२१	११।३७	१।५६	४।१५	६।१९	८।०३	९।३१
०९।१८।१५।०५	५ शु	१	१०।५३	१२।३०	२।२६	४।४०	७।००	९।१७	११।३३	१।५२	४।११	६।१६	७।५९	९।२७
०९।१९।१६।०९	६ श	२	१०।४९	१२।२६	२।२२	४।३६	६।५७	९।१३	११।२९	१।४८	४।०७	६।१२	७।५५	९।२३
०९।२०।१७।१२	७ र	३	१०।४६	१२।२२	२।१८	४।३३	६।५३	९।०९	११।२५	१।४४	४।०३	६।०८	७।५१	९।२०
०९।२१।१८।१४	८ च	४	१०।४२	१२।१८	२।१४	४।२९	६।४९	९।०६	११।२१	१।४०	३।५९	६।०४	७।४७	९।१६
०९।२२।१९।१४	९ मं	५	१०।३८	१२।१४	२।१०	४।२५	६।४५	९।०२	११।१७	१।३७	३।५५	६।००	७।४३	९।१२
०९।२३।२०।१३	१० बु	६	१०।३४	१२।१०	२।०६	४।२१	६।४१	८।५८	११।१३	१।३३	३।५१	५।५६	७।३९	९।०८
०९।२४।२१।११	११ गु	७	१०।३०	१२।०६	२।०२	४।१७	६।३७	८।५४	११।१०	१।२९	३।४७	५।५२	७।३५	९।०४
०९।२५।२२।०७	१२ शु	८	१०।२६	१२।०२	१।५८	४।१३	६।३३	८।५०	११।०६	१।२५	३।४३	५।४८	७।३१	९।००
०९।२६।२३।०२	१३ श	९	१०।२२	११।५८	१।५४	४।०९	६।२९	८।४६	११।०२	१।२१	३।३९	५।४४	७।२७	८।५६
०९।२७।२३।५५	१४ र	१०	१०।१८	११।५४	१।५०	४।०५	६।२५	८।४२	१०।५८	१।१७	३।३५	५।४०	७।२३	८।५२

अयनांशाः २४।०१।३६

पं.४३ मा.कृ. ६ श. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
९	१०	९	१	९	६	६	०
२९	०५	२९	१२	०५	१७	२७	२७
२९	५९	४९	१६	५४	२४	५०	५०
३०	०३	००	०५	४१	२४	२४	२४
६०	४७	१०५	०	७५	१	३	३
५३	२५	०१	३९	१०	४१	११	११
श्र	घ	घ	रो	उष	स्वा	वि	कृ
३	४	२	१	३	४	३	१



मास फलम् अयनांशाः २४।०१।३७

इस माह में पांच सोमवार होने से धान्य सस्ता हो । अमावस को रविवार और धनिष्ठा योग दुर्भिक्ष कारक है । शुक्ला प्रतिपदा को सोमवार होने से सुभिक्ष हो । शुक्ला सप्तमी रविवार होने से दुर्भिक्ष परन्तु भरणी होने से धान्योत्पत्ति उत्तम हो । पूर्णिमा सोमवार और मघा युक्त होने से धान्य महँगा हो । मंगलवार की सक्रांति होने से धान्यादि एवं लाल वर्ण वाली सभी वस्तुओं के भाव तेज हों, प्रजा में विग्रह हो, कहीं-कहीं हिंसादि हो, अग्निभय हो, घृत तेल लवण रस कपूर चंदन ये सब महँगे हों ।

पं.४४ मा.कृ.१४ श. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
९	१०	१०	१	९	६	६	०
२६	११	११	१२	१४	१७	२७	२७
२७	३०	४७	२४	४०	३४	२८	२८
०३	४३	०४	५३	३४	०२	०८	०८
६०	४७	९६	२	७५	०	३	३
४४	२२	३५	०३	०८	५८	११	११
घ	श	श	रो	श्र	स्वा	वि	कृ
१	२	२	१	२	४	३	१



CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

११ फरवरी से २५ फरवरी तक, श्री माघ शुक्लपक्ष संवत् २०६९, शाकः १९३४, दि.मासू. सू. तारीस्प स्टॅ. प्रातः दैनिक केतकी अहर्गणः ६७७ शिशिरर्तू रविरुत्तरे, फरवरी २०१३

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
अमृत	१	सो	८	४६	१०	४५	शत	४९	१९	२६	५८	प	२५	१०	१७	१९	ब	८	४६	१०	४५	२७	७	६	२२	२९	११	कुंभे	९।२८।१७।२३	६०।५१
काण	२	मं	४	५९	९	१३	पूभा	४८	२३	२६	३५	शि	१९	२९	१५	०१	कौ	४	५९	९	१३	३३	१४	१५	२३	१	१२	मीने २०।३७	९।२९।१८।१४	६०।४९
लुम्बक	३	बु	२	५५	८	२३	उभा	४९	१९	२६	५७	सि	१५	११	१३	१७	ग	२	५५	८	२३	३७	१३	१६	२४	२	१३	मीने	१०।००।१९।०३	६०।४७
वसंत	४	गु	२	४७	८	१९	रेच	५२	१२	२८	०५	सा	१२	२७	१२	११	वि	२	४७	८	१९	४१	१२	१७	२५	३	१४	मेषे २८।०५	१०।०१।१९।५०	६०।४६
वज्र	५	शु	४	४१	९	०४	अश्वि	५६	५७	२९	५८	शु	११	१७	११	४२	बा	४	४१	९	०४	४४	१२	१७	२६	४	१५	मेषे	१०।०२।२०।३६	६०।४४
ध्वाङ्क्ष	६	श	८	३०	१०	३५	भर	...	...	...	...	शु	११	३२	११	४७	तै	८	३०	१०	३५	४८	११	१८	२७	५	१६	मेषे	१०।०३।२१।२०	६०।४३
काल	७	र	१३	५५	१२	४४	भर	३	२१	८	३०	ब्र	१२	५८	१२	२१	व	१३	५५	१२	४४	५२	१०	१९	२८	६	१७	वृषे	१५।१३	१०।०४।२२।०३	६०।४१
सुस्थिर	८	सो	२०	२२	१५	१८	कृति	१०	४७	११	२८	ऐ	१५	१३	१३	१४	ब	२०	२२	१५	१८	५६	०९	१९	२९	७	१८	वृषे		१०।०५।२२।४४	६०।३९
मातङ्ग	९	मं	२७	११	१८	०१	रोहि	१८	४०	१४	३६	वै	१७	४५	१४	१४	कौ	२७	११	१८	०१	२८	०८	२०	३०	८	१९	मिथु. २८।०९	१०।०६।२३।२३	६०।३८
अमृत	१०	बु	३३	३९	२०	३५	मृग	२६	१९	१७	३९	वि	२०	०६	१५	१०	तै	०	३१	७	२०	०४	०७	२१	१	९	२०	मिथु.	१०।०७।२४।००	६०।३६
ए.ब्र.	११	गु	३९	१३	२२	४७	आर्द्रा	३३	०८	२०	२१	प्री	२१	५१	१५	५१	व	६	३६	९	४५	०८	०६	२१	२	१०	२१	मिथु.	१०।०८।२४।३६	६०।३४
लुम्बक	१२	शु	४३	२६	२४	२८	पुन	३८	४३	२२	३५	आ	२२	४१	१६	१०	ब	११	३१	१९	४२	१२	०५	२२	३	११	२२	कर्क १६।०४	१०।०९।२५।१०	६०।३२
प्र.ब्र.	१३	श	४६	१०	२५	३२	पुष्य	४२	५४	२४	१४	सौ	२२	२५	१६	०२	कौ	१५	००	१३	०४	१६	०४	२३	४	१२	२३	कर्क	१०।१०।२५।४२	६०।३०
वज्र	१४	र	४७	२४	२६	०१	श्ले	४५	३८	२५	१९	शो	२१	००	१५	२८	ग	१६	५८	१३	५१	२०	०४	२३	५	१३	२४	सिंहे २५।१९	१०।११।२६।१२	६०।२८
पूर्णिमा	१५	सो	४७	१७	२५	५७	मघा	४७	०२	२५	५२	अ	१८	३०	१४	२७	वि	१७	३०	१४	०३	२४	०३	२४	६	१४	२५	सिंहे	१०।१२।२६।४१	६०।२७

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टॅ.टा.में है।

चंद्रदर्शनम् (मु.१५), श्री वल्लभ जयंती

रविलास्पर ४, कुंभे रविः १९।२७ (सौरः २३।४२)

म. २०।१५ उ., शुक्रास्तः पूर्वस्याम् ९।४६ A

म. ८।१९ या., पंचक समाप्तिः २८।०५, वसन्त पञ्चमी, पूभा. C

धनि. शुक्रः २९।१३ [C बुधः २१।०२

[A वरद (कुंद) ४, तिल चतुर्थी,

म. १२।४४ उ. २५।५९ या., मन्वादि, भीष्माष्टमी, पुत्र ७, B

सायन मीने भानुः १७।२२ [B रथ ७, अचला ७, विजया ७

शत. रविः ९।५३ (सौरः ९३।४३), पूभा. भौमः २५।४१. D

भा. फाल्गुनारंभः [D वक्री शनिः १२।५२

म. ९।४५ उ. २२।४७ या., जया ११ ब्र., कुंभे शुक्रः १३।०५

भीष्मद्वादशी [E भर.-४ केतुः १०।४१

प्रदोषः, कल्पादि, वक्री बुधः २५।११

म. २६।०१ उ., रोहि.-२ गुरुः २७।५७, विशा.-२ राहुः १०।४१, E

म. १४।०३ या., पूर्णिमा व्रतंपुण्यञ्च, माघ स्नान पूर्तिः

शुक्रास्तः पूर्वस्याम्

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

संक्रांति फलम्

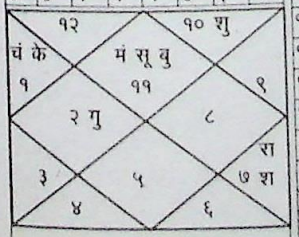
ता. १२ फरवरी २०१३
माघ शु. २ भौमे कुंभेऽर्कः प्र. (स्टॅ.)
टा. १९।२७ वारात् ३ नक्षत्रात् ३
वारनाम महोदरी घोरान् सुस्पदा
नक्षत्रनाम घोरा शूद्रान् सुस्पदा प्रदोष
व्यापिनी पिशाचान् हन्ति, दक्षिणे गमनं
नैऋत्यां दृष्टिः तैतिलकरणे प्रविष्टा
नेष्टफलं रासभवाहनं मेषोपवाहनं
सुभिक्षकारक अरुणवस्त्रं दण्डायुधं
कांस्यपात्रं पक्वान्नभक्षणं मृद्लेपनं
पक्षीजातिः केतकीपुष्पं प्रवलभूषणं
भूर्जपत्रकंचुकी युवावस्था (सूती) मु.
३० धान्यभावे सम वत्स पश्चिमा. राहु
दक्षिणे मूलं पाताले विवाहस्तंभो
नैऋत्यां शुक्रोदयः पूर्वस्याम् ।
पुण्यकालः (स्टॅ.) १३।०३ से १२।२७
तक। (दान- गोड़ - अन्न)।

ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	फर.	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	सायं	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः	दिवा
०९।२८।२४।४७	१ चं	११	१०।१४	११।५०	११।४६	१।४१	४।०९	६।२९	८।३८	१०।५४	१।१३	३।३१	५।३६	७।१९	८।४८
०९।२९।२५।३८	२ मं	१२	१०।१०	११।४६	१।४२	३।५७	६।१७	८।३४	१०।५०	१।०९	३।२८	५।३२	७।१५	८।४४
१०।००।२६।२७	३ बु	१३	१०।०६	११।४२	१।३८	३।५३	६।१३	८।३०	१०।४६	१।०५	३।२४	५।२८	७।१२	८।४०
१०।०१।२७।१४	४ गु	१४	१०।०२	११।३८	१।३४	३।४९	६।०९	८।२६	१०।४२	१।०१	३।२०	५।२४	७।०८	८।३६
१०।०२।२८।००'	५ शु	१५	९।५८	११।३४	१।३१	३।४५	६।०५	८।२२	१०।३८	१२।५७	३।१६	५।२०	७।०४	८।३२
१०।०३।२८।४४	६ श	१६	९।५४	११।३०	१।२७	३।४१	६।०१	८।१८	१०।३४	१२।५३	३।१२	५।१६	७।००	८।२८
१०।०४।२९।२६	७ र	१७	९।५०	११।२६	१।२३	३।३७	५।५७	८।१४	१०।३०	१२।४९	३।०८	५।१२	६।५६	८।२४
१०।०५।३०।०७	८ चं	१८	९।४६	११।२३	१।१९	३।३३	५।५४	८।१०	१०।२६	१२।४५	३।०४	५।०९	६।५२	८।२०
१०।०६।३०।४६	९ मं	१९	९।४२	११।१९	१।१५	३।२९	५।५०	८।०६	१०।२२	१२।४१	३।००	५।०५	६।४८	८।१६
१०।०७।३१।२३	१० बु	२०	९।३९	११।१५	१।११	३।२६	५।४६	८।०२	१०।१८	१२।३७	२।५६	५।०१	६।४४	८।१३
१०।०८।३१।५९	११ गु	२१	९।३५	११।११	१।०७	३।२२	५।४२	७।५९	१०।१४	१२।३३	२।५२	४।५७	६।४०	८।०९
१०।०९।३२।३२	१२ शु	२२	९।३१	११।०७	१।०३	३।१८	५।३८	७।५५	१०।१०	१२।३०	२।४८	४।५३	६।३६	८।०५
१०।१०।३३।०४	१३ श	२३	९।२७	११।०३	१२।५९	३।१४	५।३४	७।५१	१०।०६	१२।२६	२।४४	४।४९	६।३२	८।०१
१०।११।३३।३५	१४ र	२४	९।२३	१०।५९	१२।५५	३।१०	५।३०	७।४७	१०।०३	१२।२२	२।४०	४।४५	६।२८	७।५७
१०।१२।३४।०३	१५ चं	२५	९।१९	१०।५५	१२।५१	३।०६	५।२६	७।४३	९।५९	१२।१८	२।३६	४।४१	६।२४	७।५३

अयनांशाः २४।०१।३८

पं.४५ मा.शु. ६ श. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
१०	१०	१०	१	९	६	६	०
०३	१७	२१	१२	२३	१७	२७	२७
३१	०१	४२	४३	२६	३८	०५	०५
३२	५०	२२	२१	०८	३५	५३	५३
६०	४७	६३	३	७५	०	३	३
३५	१६	०६	२५	०६	१४	११	११
घ	श	पूभा	रो	घ	स्वा	वि	कृ
४	४	१	१	१	४	३	१



अयनांशाः २४।०१।३९

पं.४६ मा.शु.१३ श. इष्टघटी ०।००

सू.	म.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
१०	१०	१०	१	१०	६	६	०
१०	२२	२५	१३	०२	१७	२६	२६
३४	३२	५८	११	११	३८	४३	४३
४५	०८	५१	०५	१९	०१	३९	३९
६०	४७	२	४	७५	०	३	३
२४	०८	३१	४१	०३	३०	११	११
श	पूभा	पूभा	रो	घ	स्वा	वि	कृ
२	१	२४	१	३	४८	३	१



CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

॥ श्रीवल्लभ मनीराम पञ्चाङ्गम् ॥

२६ फरवरी से ११ मार्च तक, श्री फाल्गुन कृष्णपक्ष संवत् २०६९, शाकः १९३४, दि.मा.सू. सू. तारीस्प स्टै. प्रातः दैनिक वसंतर्तू रविरुत्तरे माघकृष्णेति गुर्जराः, फरवरी-मार्च २०१३

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
धूम्र	१	मं	४५	५७	२५	२४	पूफा	४७	१८	२५	५७	सु	१५	००	१३	०२	बा	१६	४६	१३	४४	२८ २८	७ ०२	६ २५	७	१५	२६	सिंहे	१०।१३।२७।०७	६०।२५
प्रयधंमा	२	बु	४३	४०	२४	२९	उफा	४६	३७	२५	३९	धृ	१०	३९	११	१६	तै	१४	५६	१२	५९	३२	०१	२५	८	१६	२७	कन्या ७।५४	१०।१४।२७।३२	६०।२३
राक्षस	३	गु	४०	३७	२३	१४	हस्त	४५	१२	२५	०४	शू	५	३७	९	१४	व	१२	१५	११	५४	३६	००	२६	९	१७	२८	कन्या	१०।१५।२७।५५	६०।२१
च.ब्र.	४	शु	३६	५९	२१	४६	चित्रा	४३	१४	२४	१६	गं	० ५४	०२ ०१	७ २८	०० ३५	ब	८	५३	१०	३२	४०	६ ५९	२७	१०	१८	१	तुला. १२।४२	१०।१६।२८।१५	६०।१९
सिद्धि	५	श	३२	५६	२०	०८	स्वा	४०	५०	२३	१८	धृ	४७	४१	२६	०२	कौ	५	०२	८	५८	४४	५८	२७	११	१९	२	तुला.	१०।१७।२८।३४	६०।१७
उत्पात	६	र	२८	३०	१८	२१	विशा	३८	०६	२२	११	व्या	४१	०७	२३	२३	ग	०	४६	७	१५	४८	५७	२८	१२	२०	३	वृश्चि. १६।२८	१०।१८।२८।५१	६०।१५
मानस	७	सो	२३	४५	१६	२६	अनु	३५	०४	२०	५७	ह	३४	१७	२०	३८	ब	२३	४५	१६	२६	५२	५६	२९	१३	२१	४	वृश्चि.	१०।१९।२९।०६	६०।१३
मुद्गर	८	मं	१८	४५	१४	२५	ज्ये	३१	४७	१९	३७	व	२७	१४	१७	४८	कौ	१८	४५	१४	२५	५७	५४	२९	१४	२२	५	धनु. १९।३७	१०।२०।२९।१९	६०।११
ध्वजा	९	बु	१३	३१	१२	१८	मूल	२८	१८	१८	१३	सि	२०	०३	१४	५५	ग	१३	३१	१२	१८	२९ ०१	५३	३०	१५	२३	६	धनु.	१०।२१।२९।२९	६०।०९
धाता	१०	गु	८	१०	१०	०९	पूषा	२४	४४	१६	४६	व्य	१२	४६	११	५९	वि	८	१०	१०	०९	०५	५२	३०	१६	२४	७	मक. २२।२४	१०।२२।२९।३८	६०।०७
ए.ब्र.	११	शु	२	५१	८	००	उषा	२१	१४	१५	२१	व	५ ५८	३० २४	९ ३०	०३ ९३	बा	२	५१	८	००	०९	५१	३१	१७	२५	८	मक.	१०।२३।२९।४५	६०।०५
क्षयः	१२	शु	५७	४३	२१	५७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
प्र.ब्र.	१३	श	५३	०६	२८	०४	श्रव	१८	०३	१४	०३	शि	५१	४५	२७	३२	ग	२५	२१	१६	५९	१३	५०	३१	१८	२६	९	कुंभे २५।२९	१०।२४।२९।४९	६०।०२
शिवरा.	१४	र	४९	१४	२६	३१	धनि	१५	२६	१३	००	सि	४५	४१	२५	०६	वि	२१	०४	१५	१५	१७	४९	३२	१९	२७	१०	कुंभे	१०।२५।२९।५२	६०।००
अमाव.	३०	सो	४६	२५	२५	२२	शत	१३	४२	१२	१७	सा	४०	२७	२२	५९	च	१७	४२	१३	५३	२१	४८	३३	२०	२८	११	मीने ३०।०२	१०।२६।२९।५२	५९।५८

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है ।

बुधास्तः पश्चिमायाम् २४।०९, शत. शुक्रः २१।०१

भ. ११।५४ उ. २३।१४ या.

मार्च ३ ता. ३१, चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः २२।०६

भ. १८।२१ उ. २९।२४ या.

पूभा. रविः १६।०९ (सौरः १९।१४), मीने भौमः १९।३७, A

A (व) शत. बुधः २०।३७

भ. २३।१४ उ., रामदास ९

भ. १०।०९ या.

विजया ११ व्र., उभा. भौमः २६।०४

भ. २८।०४ उ., पंचक प्रारम्भः २५।२९, प्रदोषः, पूभा. शुक्रः १३।११

भ. १५।१५ या., महाशिवरात्री व्रतम्

देवपितृकार्येऽमा., सोमवती अमा., बुधोदयः पूर्वस्याम् २९।१७

अयनांशाः २४।०९।४०

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

मास फलम्

अयनांशाः २४।०१।४१

पं.४७ फा.कृ. ५ श. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
१०	१०	१०	१	१०	६	६	०
१७	२८	२२	१३	१०	१७	२६	२६
३६	०१	३२	४७	५६	३२	२१	२१
३७	२२	३२	३२	०२	२४	२५	२५
६०	४६	५७	५	७४	१	३	३
११	५८	००	५३	५८	१२	११	११
श	पूभा	पूभा	रो	श	स्वा	वि	भ
४	३	१व	२	२	४व	२	४



ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	फर	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	सायँ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः	दिवा
१०।१३।३४।२९	१ मं	२६	९।१५	१०।५१	१२।४७	३।०२	५।२२	७।३९	९।५५	१२।१४	२।३२	४।३७	६।२०	७।४९
१०।१४।३४।५४	२ बु	२७	९।११	१०।४७	१२।४३	२।५८	५।१८	७।३५	९।५१	१२।१०	२।२८	४।३३	६।१६	७।४५
१०।१५।३५।१६	३ गु	२८	९।०७	१०।४३	१२।३९	२।५४	५।१४	७।३१	९।४७	१२।०६	२।२४	४।२९	६।१२	७।४१
१०।१६।३५।३७	४ शु	१	९।०३	१०।३९	१२।३५	२।५०	५।१०	७।२७	९।४३	१२।०२	२।२१	४।२५	६।०९	७।३७
१०।१७।३५।५६	५ श	२	८।५९	१०।३५	१२।३१	२।४६	५।०६	७।२३	९।३९	११।५८	२।१७	४।२१	६।०५	७।३३
१०।१८।३६।१२	६ र	३	८।५५	१०।३१	१२।२७	२।४२	५।०२	७।१९	९।३५	११।५४	२।१३	४।१७	६।०१	७।२९
१०।१९।३६।२७	७ चं	४	८।५१	१०।२७	१२।२४	२।३८	४।५८	७।१५	९।३१	११।५०	२।०९	४।१३	५।५७	७।२५
१०।२०।३६।३९	८ मं	५	८।४७	१०।२३	१२।२०	२।३४	४।५४	७।११	९।२७	११।४६	२।०५	४।०९	५।५३	७।२१
१०।२१।३६।५०	९ बु	६	८।४३	१०।२०	१२।१६	२।३०	४।५०	७।०७	९।२३	११।४२	२।०१	४।०५	५।४९	७।१७
१०।२२।३६।५९	१० गु	७	८।३९	१०।१६	१२।१२	२।२६	४।४७	७।०३	९।१९	११।३८	१।५७	४।०२	५।४५	७।१३
१०।२३।३७।०५	११ शु	८	८।३५	१०।१२	१२।०८	२।२३	४।४३	६।५९	९।१५	११।३४	१।५३	३।५८	५।४१	७।०९
१०।२४।३७।०९	१३ श	९	८।३२	१०।०८	१२।०४	२।१९	४।३९	६।५६	९।११	११।३०	१।४९	३।५४	५।३७	७।०६
१०।२५।३७।१२	१४ र	१०	८।२८	१०।०४	१२।००	२।१५	४।३५	६।५२	९।०७	११।२७	१।४५	३।५०	५।३३	७।०२
१०।२६।३७।१२	३० चं	११	८।२४	१०।००	११।५६	२।११	४।३१	६।४८	९।०३	११।२३	१।४१	३।४६	५।२९	६।५८

इस माह फाल्गुन में पांच मंगलवार शुभ है । पांच बुधवार होने से रसवाली वस्तुओं का अभाव हो यथा- ॥बुधेरसक्षयो भूम्याम्॥ सोमवारी अमावस और शतभिषा योग होने से सुभिक्ष क्षेम आरोग्य वर्षा का प्रबल उदय-धान्य की उत्पत्ति और प्रजा सुस्थ हो । शुक्ला अष्टमी को आर्द्रा होने से अवर्षण हो । पूर्णिमा उत्तराफाल्गुनी युक्त होने से समर्घता हो । गुरुवार की सक्रांति होने से सभी पीत वर्ण वाली वस्तुओं के भाव तेज हों, धान्यादि भाव मंदे हों, अन्नोत्पत्ति उत्तम हो, प्रजा सात्विक कर्म अधिक करें ।

पं.४८ फा.कृ.१३ श. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
१०	११	१०	१	१०	६	६	०
२४	०३	१५	१४	१९	१७	२५	२५
३६	२९	३५	३२	४०	२१	५९	५९
५९	१७	००	०७	१२	५४	१०	१०
५९	४६	५१	७	७४	१	३	३
५८	४६	१६	००	५३	५३	११	११
पूभा	उभा	श	रो	श	स्वा	वि	भ
२	१	३व	२	४	४व	२	४



CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

॥ श्रीवल्लभ मनीराम पञ्चाङ्गम् ॥

१२ मार्च से २७ मार्च तक, श्री फाल्गुन शुक्लपक्ष संवत् २०६९, शाकः १९३४, दि.मा.सू. सू. तारीख्य स्टै. प्रातः दैनिक केतकी अहर्गणः ७०६ वसंतर्तू रविरुत्तरे, मार्च २०१३

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घ.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	च.प.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
काण	१	मं	४४	५६	२४	४५	पूभा	१३	०६	१२	०१	शु	३६	१५	२१	१७	किं	१५	३०	१२	५९	२९/२६	४७	३३	२१	२९	१२	मीने	१०।२७।२९।५०	५९।५६
फुलरि.	२	बु	४४	५७	२४	४५	उभा	१३	५३	१२	१९	शु	३३	१३	२०	०३	बा	१४	४५	१२	४०	३०	४६	३४	२२	३०	१३	मीने	१०।२८।२९।४६	५९।५४
मित्र	३	गु	४६	३७	२५	२३	रेव	१६	१४	१३	१४	ब्र	३१	२७	१९	१९	तै	१५	३५	१२	५९	३४	४५	३४	२३	१	१४	मेषे	१३।१४	१०।२९।२९।४०	५९।५२
वज्र	४	शु	४९	५५	२६	४२	अश्वि	२०	११	१४	४८	ऐ	३०	५७	१९	०७	व	१८	०५	१३	५८	३८	४४	३५	२४	२	१५	मेषे		११।००।२९।३२	५९।५०
ध्वाङ्क्ष	५	श	५४	४५	२८	३७	भर	२५	४०	१६	५८	वै	३१	४१	१९	२३	ब	२२	११	१५	३५	४२	४२	३५	२५	३	१६	वृषे	२३।३६	११।०१।२९।२१	५९।४७
धूम्र	६	र	...	...		...	कृति	३२	२६	१९	४०	वि	३३	२३	२०	०२	कौ	२७	३९	१७	४५	४६	४१	३६	२६	४	१७	वृषे		११।०२।२९।०९	५९।४५
प्रवर्धमा	६	सो	०	४६	६	५९	रोहि	४०	०१	२२	४१	प्री	३५	४३	२०	५७	तै	०	४६	६	५९	५१	४०	३७	२७	५	१८	वृषे		११।०३।२८।५४	५९।४३
राक्षस	७	मं	७	२१	९	३५	मृग	४७	४९	२५	४७	आ	३८	१६	२१	५८	व	७	२१	९	३५	५५	३९	३७	२८	६	१९	मिथु.	१२।१४	११।०४।२८।३७	५९।४१
होलाष्ट.	८	बु	१३	५२	१२	११	आर्द्रा	५५	०८	२८	४१	सौ	४०	३२	२२	५१	व	१३	५२	१२	११	५९	३८	३८	२९	७	२०	मिथु.		११।०५।२८।१७	५९।३८
सिद्धि	९	गु	१९	३७	१४	२८	पुन	...	...	...	...	शो	४२	०१	२३	२५	कौ	१९	३७	१४	२८	३०/०३	३७	३८	३०	८	२१	कर्के	२४।३६	११।०६।२७।५५	५९।३६
लुम्बक	१०	शु	२४	०३	१६	१३	पुन	१	२६	७	१०	अ	४२	२६	२३	३४	ग	२४	०३	१६	१३	०७	३६	३९	१	९	२२	कर्के		११।०७।२७।३१	५९।३४
ए.ब्र.	११	श	२६	५०	१७	१८	पुष्य	६	११	९	०३	सु	४९	३१	२३	११	वि	२६	५०	१७	१८	११	३५	३९	२	१०	२३	कर्के		११।०८।२७।०५	५९।३२
प्र.ब्र.	१२	र	२७	४८	१७	४१	श्लें	९	१४	१०	१५	धृ	३९	१३	२२	१५	बा	२७	४८	१७	४१	१६	३३	४०	३	११	२४	सिंहे	१०।१५	११।०९।२६।३७	५९।२९
ध्वाङ्क्ष	१३	सो	२७	०१	१७	२१	मघा	१०	३४	१०	४६	शू	३५	३५	२०	४६	तै	२७	०१	१७	२१	२०	३२	४०	४	१२	२५	सिंहे		११।१०।२६।०६	५९।२७
होली	१४	मं	२४	४२	१६	२४	पूफा	१०	१९	१०	३९	गं	३०	४५	१८	४९	व	२४	४२	१६	२४	२४	३१	४१	५	१३	२६	कन्या	१६।३२	११।११।२५।३३	५९।२५
छारेंडी	१५	बु	२१	०५	१४	५६	उफा	८	४३	९	५९	वृ	२४	५५	१६	२८	ब	२१	०५	१४	५६	२८	३०	४१	६	१४	२७	कन्या		११।१२।२४।५८	५९।२२

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।

चंद्रदर्शनम् (मु.३०), फुलरिया २, श्री रामकृष्ण परमहंस जयंती
पंचक समाप्तिः १३।१४, जमादिलावल ५, मीने रविः १६।१५ B
भ. १३।५८ उ. २६।४२ या. [B (सौरः १८।५४)
याज्ञवल्क्य जयंती [A दहनं भद्रोत्तरम्, करिदिन, रेव. भौमः ७।०२
उभा. रविः २४।३५ (सौरः २७।०६), मीने शुक्रः १३।३६
मार्गी बुधः १२।२१
भ. ९।३५ उ. २२।५४ या., उभा. शुक्रः २९।४८
होलाष्टक, सायन मेषे भानुः १६।१६
[C भद्रा के बाद
भ. २८।५१ उ., भा. चैत्रारंभः
भ. १७।१८ या., आमलकी ११ व्र., विड़कुला-ढाल थापणा C
प्रदोषः, मेला श्रीश्यामजी (स्वादु), रोहि.-३ गुरुः २८।०४
(व) स्वा.-३ शनिः १५।०२
भ. १६।२४ उ. २७।४४ या., जेलपोणी भद्रा के पहिले, होलिका A
मन्वादि, पूर्णिमा व्रतंपुण्यञ्च, छारेंडी देशाचारे, करिदिन

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

अयनांशाः २४।०१।४२

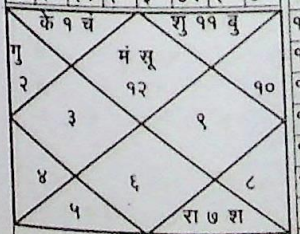
ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	मार्च	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	सायँ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः
१०।२७।३७।१०	१ मं	१२	८।२०	९।५६	११।५२	२।०७	४।२७	६।४४	९।००	११।१९	१।३७	३।४२	५।२५	६।५४
१०।२८।३७।०५	२ बु	१३	८।१६	९।५२	११।४८	२।०३	४।२३	६।४०	८।५६	११।१५	१।३३	३।३८	५।२१	६।५०
१०।२९।३६।५९	३ गु	१४	८।१२	९।४८	११।४४	१।५९	४।१९	६।३६	८।५२	११।११	१।२९	३।३४	५।१७	६।४६
११।००।३६।५०	४ शु	१५	८।०८	९।४४	११।४०	१।५५	४।१५	६।३२	८।४८	११।०७	१।२५	३।३०	५।१३	६।४२
११।०१।३६।४०	५ श	१६	८।०४	९।४०	११।३६	१।५१	४।११	६।२८	८।४४	११।०३	१।२१	३।२६	५।०९	६।३८
११।०२।३६।२७	६ र	१७	८।००	९।३६	११।३२	१।४७	४।०७	६।२४	८।४०	१०।५९	१।१८	३।२२	५।०५	६।३४
११।०३।३६।११	६ चं	१८	७।५६	९।३२	११।२८	१।४३	४।०३	६।२०	८।३६	१०।५५	१।१४	३।१८	५।०२	६।३०
११।०४।३५।५४	७ मं	१९	७।५२	९।२८	११।२४	१।३९	३।५९	६।१६	८।३२	१०।५१	१।१०	३।१४	४।५८	६।२६
११।०५।३५।३४	८ बु	२०	७।४८	९।२४	११।२१	१।३५	३।५५	६।१२	८।२८	१०।४७	१।०६	३।१०	४।५४	६।२२
११।०६।३५।१२	९ गु	२१	७।४४	९।२०	११।१७	१।३१	३।५१	६।०८	८।२४	१०।४३	१।०२	३।०६	४।५०	६।१८
११।०७।३४।४८	१० शु	२२	७।४०	९।१६	११।१३	१।२७	३।४७	६।०४	८।२०	१०।३९	१२।५८	३।०२	४।४६	६।१४
११।०८।३४।२२	११ श	२३	७।३६	९।१३	११।०९	१।२३	३।४४	६।००	८।१६	१०।३५	१२।५४	२।५९	४।४२	६।१०
११।०९।३३।५३	१२ र	२४	७।३२	९।०९	११।०५	१।१९	३।४०	५।५६	८।१२	१०।३१	१२।५०	२।५५	४।३८	६।०६
११।१०।३३।२२	१३ चं	२५	७।२९	९।०५	११।०१	१।१६	३।३६	५।५२	८।०८	१०।२७	१२।४६	२।५१	४।३४	६।०३
११।११।३२।४९	१४ मं	२६	७।२५	९।०१	१०।५७	१।१२	३।३२	५।४९	८।०४	१०।२३	१२।४२	२।४७	४।३०	५।५९
११।१२।३२।१३	१५ बु	२७	७।२१	८।५७	१०।५३	१।०८	३।२८	५।४५	८।००	१०।२०	१२।३८	२।४३	४।२६	५।५५

संक्रांति फलम्

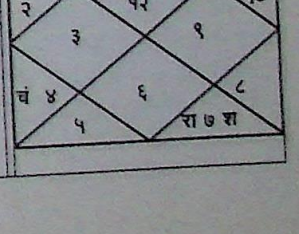
ता. १४ मार्च २०१३
फा. शु. ३ गुरौ मीनेऽर्कः प्र. (स्टै.)
टा. १६।१५ वारात् ३ नक्षत्रात् ४
वारनाम नंदा गणकान् सुस्थदा
नक्षत्रनाम ध्वांक्षी वैश्यान् सुस्थदा
अपरान्ह ३ प्रहर व्यापिनी वैश्यान्
हन्ति, दक्षिणे गमनं नैऋत्यां दृष्टिः
गरकरणे प्रविष्टा मध्यमफलं
हस्तीवाहनं स्वरोपवाहनं लक्ष्मीकारक
रक्तवस्त्रं धनुष्यायुधं लोहपात्रं
दुग्धभक्षणं गोरोचनलेपनं पशुजातिः
विल्वपुष्पं मुकुटभूषणं श्वेतकंचुकी
प्रौढावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यभावे
सम वत्स पश्चिमा. राहु दक्षिणे मूलं
भूमौ विवाहस्तंभो नैऋत्यां शुक्रास्तः
पूर्वस्याम् । पुण्यकालः (स्टै.)
१६।१५ से २२।३९ तक । (दान-
भूमि माला) ।

अयनांशाः २४।०१।४२

पं.४९ फा.शु. ५ श. इष्टघटी	०।००
सू.	११
मं.	११
बु.	९०
गु.	१
शु.	९
श.	६
रा.	६
के.	०
	०१
	०८
	१५
	२५
	३५
	४५
	५५
	४०
	२४
	२३
	०६
	३६
	३६
	४८
	४३
	३९
	०९
	४५
	४७
	५६
	५६
	५९
	४६
	७
	८
	७४
	२
	३
	३
	४५
	३२
	४८
	०१
	४८
	३१
	११
	११
पूभा	पूभा
उभा	उभा
श	श
रो	रो
पूभा	स्वा
वि	वि
भ	भ
४	२
२व	२
३	४व
२	४



पं.५० फा.शु.११ श. इष्टघटी	०।००
सू.	११
मं.	११
बु.	९०
गु.	१
शु.	९
श.	६
रा.	६
के.	०
	०८
	१४
	२०
	२२
	०६
	४७
	१४
	१४
	५९
	२५
	१५
	५८
	३५
	२४
	४२
	४२
	५९
	४६
	३०
	८
	७४
	३
	३
	३
	३१
	१६
	५३
	५६
	४९
	०५
	११
	११
उभा	उभा
श	श
रो	रो
उभा	स्वा
वि	वि
भ	भ
२	४
२	२
२	४व
२	४



CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

॥ श्रीवल्लभ मनीराम पञ्चाङ्गम् ॥

२८ मार्च से १० अप्रेल तक, श्री चैत्र कृष्णपक्ष संवत् २०६९, शाकः १९३४, दि.मा.सू. सू. तारीख्स स्टै. प्रातः दैनिक

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
राक्षस	१	गु	१६	२७	१३	०४	हस्त	६	०४	८	५५	घु	१८	१७	१३	४८	कौ	१६	२७	१३	०४	३० ३२	६ २९	५ ४३	७	१५	२८	तुला. २०।१५	१९।१३।२४।२०	५९।२०
मुसल	२	शु	१९	०७	१०	५४	चित्रा	२ ५८	४० ४४	७ २९	३२ ५८	व्या	१९	०५	१०	५४	ग	१९	०७	१०	५४	३६	२८	४२	८	१६	२९	तुला.	१९।१४।२३।४०	५९।१८
च.ब्र.	३	श	५	२१	८	३५	विशा	५४	३८	२८	१८	ह	३ ५५	३२ ४७	७ २८	५२ ४५	वि	५	२१	८	३५	४१	२७	४३	९	१७	३०	वृश्चि. २२।४३	१९।१५।२२।५८	५९।१६
क्षयः	४	श	५९	१९	३०	१०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
मृत्यु	५	र	५३	२०	२७	४६	अनु	५०	३१	२६	३८	सि	४८	०४	२५	३९	कौ	२६	२०	१६	५८	४५	२६	४३	१०	१८	३१	वृश्चि.	१९।१६।२२।१४	५९।१३
पद्म	६	सो	४७	३१	२५	२५	ज्ये	४६	३३	२५	०२	व्य	४०	२८	२२	३६	ग	२०	२६	१४	३५	४९	२४	४४	११	१९	१	धनु. २५।०२	१९।१७।२१।२७	५९।११
छत्र	७	मं	४२	००	२३	११	मूल	४२	५२	२३	३२	व	३३	०५	१९	३७	वि	१४	४४	१२	१७	५३	२३	४४	१२	२०	२	धनु.	१९।१८।२०।३८	५९।०९
शीतला	८	बु	३६	५२	२९	०७	पूषा	३९	३६	२२	१२	ष	२६	०२	१६	४७	बा	९	२३	१०	०७	५७	२२	४५	१३	२१	३	मक. २७।५४	१९।१९।१९।४६	५९।०६
सौम्य	९	गु	३२	१५	१९	१५	उषा	३६	५९	२१	०५	शि	१९	२३	१४	०६	तै	४	३०	८	०९	३५ ०६	२१	४६	१४	२२	४	मक.	१९।२०।२८।५३	५९।०४
धृष्ण	१०	शु	२८	१७	१७	३९	श्रव	३४	४४	२०	१४	सि	१३	१४	११	३८	व	०	१३	६	२५	०५	२०	४६	१५	२३	५	मक.	१९।२१।१७।५७	५९।०२
ए.ब्र.	११	श	२५	०५	१६	२१	धनि	३३	२४	१९	४१	सा	७	४०	९	२३	बा	२५	०५	१६	२१	०९	१९	४७	१६	२४	६	कुंभे ७।५५	१९।२२।१६।५८	५८।५९
प्र.ब्र.	१२	र	२२	४६	१५	२४	शत	३२	५८	१९	२९	शु	२ ५८	४७ ४८	७ २९	२५ ४५	तै	२२	४६	१५	२४	१३	१८	४७	१७	२५	७	कुंभे	१९।२३।१५।५८	५८।५७
मुसल	१३	सो	२१	२७	१४	५१	पूभा	३३	३२	१९	४२	ब्र	५५	२२	२८	२६	व	२१	२७	१४	५१	१७	१७	४८	१८	२६	८	मीने १३।३६	१९।२४।१४।५५	५८।५५
सिद्धि	१४	मं	२१	१५	१४	४६	उभा	३५	१३	२०	२१	ऐ	५३	०३	२७	२९	श	२१	१५	१४	४६	२१	१६	४८	१९	२७	९	मीने	१९।२५।१३।४९	५८।५२
अमाव.	३०	बु	२२	१४	१५	०८	रेव	३८	०४	२१	२८	वै	५१	४०	२६	५४	ना	२२	१४	१५	०८	२५	१५	४९	२०	२८	१०	मेषे २१।२८	१९।२६।१२।४२	५८।५०

वसंतर्तू रविरुत्तरे फाल्गुनकृष्णेति गुर्जराः, मार्च-अप्रेल २०१३

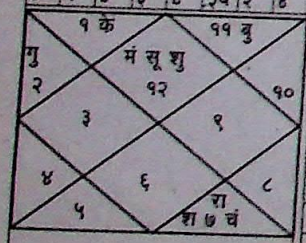
यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।
वसन्त १
भ. २१।४६ उ., कल्पादि
भ. ८।३५ या., चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः २२।०२, रेव. शुक्रः २२।५९
|A ७३५, चक्र ७ मन्वादि, मेषे अश्वि. शुक्रः १६।४९
रेव. रविः ११।२४ (सौरः १३।३७)
भ. २५।२५ उ., अप्रेल ४ ता. ३०, पूभा. बुधः १३।५२
भ. १२।१७ या.
शीतला पूजनं

भ. ६।२५ उ. १७।३९ या.
पंचक प्रारम्भः ७।५५, पापमोचनी ११ व्र.
प्रदोषः, वारुणी योग १५।२४ से १९।२९ तक
भ. १४।५१ उ. २६।४५ या., मासिकशिवरात्री व्र.
मीने बुधः २७।२१
पंचक समाप्तिः २१।२८, देवपितृकार्येऽमाः, केतकी अहर्गणः A

अयनांशाः २४।०१।४३

पं.५१ चै.कृ. ३ श. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
११	११	१०	९	११	६	६	०
१५	१९	१७	१७	१५	१६	२४	२४
२८	४३	४७	२७	४८	२४	५२	५२
३१	१५	१२	५६	३७	१५	२७	२७
५९	४६	५५	९	७४	३	३	३
१६	००	३८	४५	३४	३५	११	११
उभा	रे	श	रो	उभा	स्वा	वि	भ
४	१	४	३	४	३व	२	४



॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

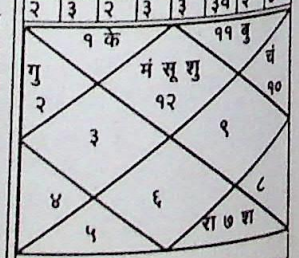
ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	मार्च	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	सायँ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः
१९।१३।३१।३५	१ गु	२८	७।१७	८।५३	९०।४९	९।०४	३।२४	५।४१	७।५६	९०।९६	१२।३४	२।३९	४।२२	५।५१
१९।१४।३०।५५	२ शु	२९	७।१३	८।४९	९०।४५	९।००	३।२०	५।३७	७।५३	९०।९२	१२।३०	२।३५	४।१८	५।४७
१९।१५।३०।१३	३ श	३०	७।०९	८।४५	९०।४१	१२।५६	३।१६	५।३३	७।४९	९०।८८	१२।२६	२।३१	४।१४	५।४३
१९।१६।२९।२८	४ र	३१	७।०५	८।४१	९०।३७	१२।५२	३।१२	५।२९	७।४५	९०।०४	१२।२२	२।२७	४।१०	५।३९
१९।१७।२८।४१	५ चं	१	७।०१	८।३७	९०।३३	१२।४८	३।०८	५।२५	७।४१	९०।००	१२।१८	२।२३	४।०६	५।३५
१९।१८।२७।५२	६ मं	२	६।५७	८।३३	९०।२९	१२।४४	३।०४	५।२१	७।३७	९।५६	१२।१४	२।१९	४।०२	५।३१
१९।१९।२७।००	७ बु	३	६।५३	८।२९	९०।२५	१२।४०	३।००	५।१७	७।३३	९।५२	१२।११	२।१५	३।५८	५।२७
१९।२०।२६।०६	८ गु	४	६।४९	८।२५	९०।२१	१२।३६	२।५६	५।१३	७।२९	९।४८	१२।०७	२।११	३।५५	५।२३
१९।२१।२५।१०	९ शु	५	६।४५	८।२१	९०।१७	१२।३२	२।५२	५।०९	७।२५	९।४४	१२।०३	२।०७	३।५१	५।१९
१९।२२।२४।११	१० श	६	६।४१	८।१७	९०।१४	१२।२८	२।४८	५।०५	७।२१	९।४०	११।५९	२।०३	३।४७	५।१५
१९।२३।२३।१०	११ र	७	६।३७	८।१३	९०।१०	१२।२४	२।४४	५।०१	७।१७	९।३६	११।५५	१।५९	३।४३	५।११
१९।२४।२२।०७	१२ चं	८	६।३३	८।१०	९०।०६	१२।२०	२।४०	४।५७	७।१३	९।३२	११।५१	१।५५	३।३९	५।०७
१९।२५।२१।०१	१३ मं	९	६।२९	८।०६	९०।०२	१२।१६	२।३७	४।५३	७।०९	९।२८	११।४७	१।५२	३।३५	५।०३
१९।२६।१९।५३	३० बु	१८	६।२५	८।०२	९।५८	१२।१३	२।३३	४।४९	७।०५	९।२४	११।४३	१।४८	३।३१	४।५९

मास फलम् अयनांशाः २४।०१।४४

इस पक्ष में कृ. अष्टमी को बुधवार होने से अल्प वर्षा हो। अमावस्या रेवती योग सुभिक्ष और सुखद है। रेवती में शुक्र होने से प्रजा में सुखों की वृद्धि और सुभिक्ष हो। रेवती में स्थित शुक्र पथिकों (यात्रियों) को पीड़ित करता है। पूर्वाभाद्रपद में बुध होने से कहीं दुर्भिक्ष हो और कहीं क्षेम तथा आरोग्यता हो, क्षुधा, शस्त्र, चोर और रोगों की वृद्धि हो। अश्विनी में शुक्र होने से ब्राह्मण जाति में विरोध हो। जौ, तिल, उड़द कम हों। अश्विनी में स्थित शुक्र अश्वपालकों को पीड़ित करता है।

पं.५२ चै.कृ.११ श. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
११	११	१०	९	११	६	६	०
२२	२५	२५	१८	२४	१५	२४	२४
२२	०४	०८	३८	२९	५७	३०	३०
२३	०२	४२	२४	४८	५५	१२	१२
५९	४५	७२	१०	७४	३	३	३
०२	४१	११	२९	२६	५९	११	११
रे	रे	पूभा	रो	रे	स्वा	वि	भ
२	३	२	३	३	३व	२	४



CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

श्री गणेशाय नमः ॥ अंकित्याव्यक्तरुपाय निर्गुणाय गुणात्मने ॥ समस्त जगदाधार मूर्तये ब्रह्मणे नमः ॥ पञ्चाङ्ग रत्नं प्रसरन्मयूखं श्री केतकी दृग्गणितेन युक्तम् ॥ लोकोपकाराय कृत प्रयत्न प्रचक्रतु मोह विनाशदक्षम् ॥ २ ॥ अथास्मिन् वर्षे सृष्टितो गताब्दाः १९५५८८५११४, तत्र कृतयुग प्रमाणम् १७२८०००, त्रेतायुग प्रमाणम् १२९६०००, द्वापरयुग प्रमाणम् ८६४०००, कलियुग प्रमाणम् ४३२०००, तन्मध्ये गतकलिः ५११४ भोग्यकलिः ४२६८८६ अथास्मिन् - शुभ संवत्सरे श्रीमन्नृपतिविक्रमादित्यराज्यात् संवत् २०७० शाकः १९३५ । अथाऽस्मिन् वर्षे राजा गुरुः १, मंत्री शनिः २, सस्येशों भौमः ३, धान्येशो रविः ४, मेघेशः शुक्रः ५, रसेशो गुरुः ६, नीरसेशो भौमः ७, फलेशः शुक्रः ८, धनेशश्चंद्रः ९, दुर्गेशः शुक्रः १०, एते दशाधिकारिणः । तत्र वार्हस्पत्य मानेन प्रभवादी षष्ट्यब्दानां मध्ये विष्णु विंशतिकायां २० पराभव नामास्यः संवत्सरः प्रवर्तते । तस्य मेषाऽर्क समये गत मासादि ११।२७।५९।२ भोग्य मासादि ०।२।०।५८ विश्वेदेव दैवतं युगम् । वर्षनाम कार्तिक । चतुर्मेघनाम संवर्त्तः । रोहिणी निवासः समुद्रे । समय निवासो मालाकारगृहे । समय विश्वा ८ । समय वाहन चातक । स्तंभ २ वायु अन्न । सोमवत्यमा. १ । सोमवती पंचमी २ । अंगारकी चतुर्थी ३ । भानु सप्तमी १ । बुधाष्टमी २ । रविदशमी २ । समय मुहूर्तानि ३७५ । समय दिनानि ३५४ । तिथि क्षयः १९ । तिथि वृद्धिः १३ । अष्टोत्तरी मतेन उत्पत्ति विश्वा ८७ । स्वपति विश्वा ११४ । विंशोत्तरी मतेन उत्पत्ति विश्वा १२३ । स्वपति विश्वा ८७ । वर्षा विश्वा ९ । धान्यम् ९ । तृणम् ७ । शीतम् ७ । तेजः १७ । वायुः १३ । वृद्धिः १५ । क्षयः १५ । विग्रह ११ । ऐक्यम् १०३ । (क्षुधा १ । तृष्णा ११ । निद्रा १ । आलस्य १५ । उद्यम १७ । शान्ति १ । क्रोध ३ । दण्ड ५ । मैत्री १३ । उत्सव ११ । पाप ११ । पुण्य ७ । उग्रत्व ३ । रसोत्पत्तिः १९ । फलोत्पत्तिः ७ । व्याधि ५ । व्याधिनाश १९ । आचार १९ । अनाचार ७ । मृत्यु ३ । जन्म ११ । चौर १७ । उपशमन ५ । अग्निभय ११ । अग्निशमः ३) सत्यम् ॥, धर्म ९॥, पाप १८ । शनि दृष्टिः पश्चिमायाम् । ग्रहणं १ चन्द्रमसः । उद्रिजः ५ । जरायुजः ३ । पिण्डजः १५ । स्वदेजः १३ । इस वर्ष का फल उत्तम है । आगे गौ प्रजा भाग्य प्रबल है ।

(१) चैत्र शुक्ला १५ गुरुवार, संवत् २०७०, ता. २५ अप्रेल २०१३, स्पण्डग्रासं चन्द्रग्रहणम्, परमग्रास .०३

	स्पर्श	मध्य	मोक्ष	पर्व
रामगढ घ.	४८	४८	४९	१
स्थानिक प.	१४	५८	४२	२९
रेल्वे घं.	२५	२५	२५	०
टाईम मि.	१७	३५	५३	३५

इस ग्रहण का सूतक स्टैं १६।१७ बजे से प्रारम्भ होगा । ग्रहण के सूतक में बाल वृद्ध और अस्वस्थ जनों को छोड़कर भोजनादि निषेध है ।

सूर्यग्रहणाऽभावः

नोट- ग्रहणों का विशेष विवरण वार्षिकपञ्चाङ्ग में देखें ।

पञ्चाङ्ग गणित कर्ता -
पं. श्री रामकुवारात्मज व्यासशीलाल शर्मा
मु. डूमोली कलाँ, पो. डूमोली खुर्द
वाया- सिंघाना, जि. झुन्झुनू (राज.) पिन. ३३३५१६.

॥ अथ भैरव भवानि संवाद ॥



भैरव प्रश्नः जयजननी जगदीश्वरी तूं जग की प्रतिपाल ।
सत्तर संवत का कहो श्रीमुख से सब हाल ॥
भवानी उ.: सुनले भैरव प्रेम से मैं समझावुं तोय ।
राजामंत्री देस्सतां श्रेष्ठ जमानो होय ॥
सौम्यग्रहों ने वर्ष में लिये षट्क अधिकार ।
रोहिणी वास समुद्र में वृष्टि बने अपार ॥
समय वास माली यहाँ मंदा करे व्यापार ।
अनाज पाणी हो घणा घरघर मंगलाचार ॥
राजा रसपति गुरु बने सूर्य बने धान्येश ।
चंद्र धनाधिप शुक्र तो मेघां फल दुर्गेश ॥
मंगल तो दंगल करे नीरस अरु सस्येश ।
वर्षा विश्वा नौ कहो धनपति शीतल ईश ॥
संवत् सत्तर फल कहा कर गुरु का ध्यान ।
हाथजोड़ विनति करुँ रस्सियो मेरा मान ॥
सदा विराजत चित्त में गुरु चरणों की धूल ।
क्षमा याचना विनय से हो कोई जो मेरी भूल ॥
विद्या वितरित कर दई जो मोहे था ज्ञान ।
मनीराम पंचांग का माध्यम दिया महान ॥

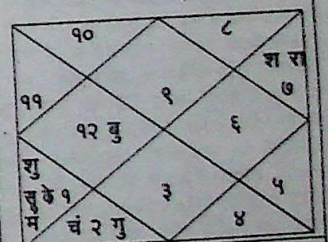
लाभ स्वर्च कोष्ठक

	अष्टोत्तरी मतेन		विंशोत्तरी मतेन	
राशि	लाभ	स्वर्च	लाभ	स्वर्च
मेष	११	५	१४	२
वृष	५	१४	८	११
मिथुन	८	११	१४	८
कर्क	२	११	८	५
सिंह	५	५	११	२
कन्या	८	११	१४	८
तुला	५	१४	८	११
वृश्चिक	११	५	१४	२
धनु	१४	११	११	८
मकर	२	८	५	११
कुंभ	२	८	५	११
मीन	१४	११	११	८

वर्ष लग्नम् ४।०८



वर्षेश लग्नम् ८।१८



लाभ - स्वर्च देखनें की विधि और फल

जिस राशि का देखना हो उस राशि के सामनेवाले लाभ-स्वर्च के अंको को जोड़कर १ घटा देवें और ८ का भाग देवें यदि १ शेष रहे तो लाभ, २ शेष रहे तो सौख्य, ३ शेष रहे तो क्लेश, ४ शेष रहे तो रोग, ५ शेष रहे तो लोकापवाद (अपयश), ६ शेष रहे तो सन्मान, ७ शेष रहे तो विजय, ८ या ० शेष रहे तो हानि होती है ।

CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

॥ अथ संवत् २०७० वर्ष फलम् ॥

॥ श्री गणेशाय नमः ॥ अथ वर्ष फलम् ॥ अथास्मिन् संवत्सरे श्रीमन्नृपति विक्रमादित्य राज्यात् संवत् २०७० शाकः १९३५ पराभव नामास्यः संवत्सरः प्रवर्ततें तत्फलम् - पराभवाब्देराज्ञः स्यात्समरः सहशत्रुभिः । आमयक्षुद्रसस्यानिप्रभूतान्यल्पवृष्टयः ॥ अथास्मिन् वर्षे राजागुरुस्तत्फलंम् - गुरौ नृपे वर्षति कामदं जलं महीतले कामदुघाश्चधेनवः । यजन्तिविप्रा वहवोऽग्निहोत्रिणो महोत्सवः सर्वजनेषु वर्तते ॥ मंत्रीशनिस्तत्फलम् - रविसुतेवदिमंत्रिणिपार्थिवाविनयसंरहितावहुदुःस्वदाः । नजलदाजलदाजनतापदाजनपदेषु सुस्वंनधनंक्वचित् ॥ सस्येशोभौमस्तत्फलम् - प्रथमधान्यपतौधरणीसुतेगजतुरंगखरोष्ट्रगवामपि । प्रभवदोबहुरोगधनोजल.नसमसौख्यकरंतुधान्यहृत् ॥ धान्येशोरविस्तत्फलम् - पश्चाद्धान्याधिपेसूर्यैपश्चाद्धान्यंतदानहि । विग्रहंभूभृतांधान्यंमहर्घजेवरपीड़नम् ॥ मेघेशः शुक्रस्तत्फलम् - भृगुसुतोजलदस्यपतिर्यदाजलमुचोजलदादिविशोभनाः । धननिधानयुताद्विजपालकानृपतयो जनतासुस्वदायकाः ॥ रसेशोगुरुस्तत्फलम् - यदिगुरुरसपोजनसौस्यदः कमलवन्तिसरांसि तृणानिच । जनपदाद्विजपूजनतत्परागजसुवाजिरथोष्ट्रयुतानृपाः ॥ नीरसेशोभौमस्तत्फलम् - नीरसेशोयदाभौमः प्रवालरक्तवाससाम् । रक्तचंदनताम्राणामर्घवृद्धिर्दिनेदिने ॥ फलेशः शुक्रस्तत्फलम् - यदि फलस्यपतौभृगुजेधरामृदुकुमारमहीरुहराशयः । बहुफलानरनातसुभोगदाद्विजवराः श्रुतिपाठपरायणाः ॥ धनेशश्चंद्रस्तत्फलम् - धनपतिर्मृगलाञ्छनकोयदारसचयक्रयविक्रयतो धनम् । वसनशालिसुगंधर संबहुद्रविणतैलघृतं नृपसौख्यकम् ॥ दुर्गेशः शुक्रस्तत्फलम् - नरवरेभुविशेद्यपतिर्यदा भृगुसुतो बहुसौख्यकरो मतः । विनयवाणिजगेहसमः सुखे गतवनं निकटेऽपि च दूरतः॥ वर्षनाम कार्तिक तत्फलम् - पापबुद्धीरतालोकाभवंतिकातिर्कसदा । देवतानैवमन्यंतेराज्यंचंतस्करैर्हृतम् ॥ चतुर्मेघनाम संवर्त्तस्तत्फलम् - संवर्त्तजलपूरिता । रोहिणी निवासः समुद्रे तत्फलम् - समुद्रे तु महावृष्टिः । समय निवासो मालाकारगृहे तत्फलम् - सर्ववस्तुसमर्घं स्यान्मालाकारगृहेऽद्वके ॥ अपिच - मालिनः प्रचुरा वृष्टिः । एवं संचित्य देवज्ञैः कथनीयं शुभाऽशुभम् ॥

॥ अथ गुरुचार शनिचारात् वर्षफलविचार ॥

इस माह में राजा और रसेश गुरु है । मेघेश और फलेश और दुर्गेश शुक्र है । मंत्री शनि है । धान्येश रवि है । धनेश चंद्र है । सस्येश और नीरसेश मंगल है । इस ग्रहमंडल की विधानसभा में ६ स्थान सौम्यग्रहों को प्राप्त हुए है और ४ स्थान उग्रग्रहों को उपलब्ध हुए है अतः वर्षफल उत्तम होगा । प्रजा में सुख्न शान्ति होगी, धन-धान्य, व्यवसाय, राजकीयकोश की वृद्धि होगी । आधुनिक अस्त्र-शस्त्र, स्वचालित यंत्रो के विकास में वृद्धि होगी, स्मगलरों का ह्रास होगा । **चैत्र** - वर्षलग्न सिंह होने से दक्षिण में दाढ़भय, धान्य में समर्घता और छः मास तक महाधन की प्राप्ति हो । पश्चिम में धातु की वस्तु और फल महँगे हों, उत्तर में महावृष्टि और राजा प्रजा में सुख्न हो । पूर्व में आधी उपज हो, आगे पांच मास में कल्याण हो, मध्य देश में ५ मास राजयुद्ध रहे । तुला का शनि उदय होने से पृथ्वीश संधि करे वर्षा नहीं हो, श्रृंगार की वस्तुएं महंगी हो, जल में उत्पन्न होने वाले द्रव्य तथा घोड़े (अश्व) पीडित हों, तुष धान्य महँगे हो और तिलों का अभाव हो, भरणी में स्थित शुक्र किरात तथा यवनों को पीड़ित करता है । **वैशाख** - ईख, दूध, रस और घी अदि सस्ते हों, व्यापारी, वैद्य, नौका से जीविका चलाने वाले पीडित हो, सुभिक्ष हो और उत्तम वर्षा हो, सरसों उड़द कम हों और सब धान्य उत्पन्न हों, अतिवृष्टि हो, कहीं कुछ उपद्रव हो, कपास, तिल, सूत महँगे हों, कृत्तिका के मंगल से धान्य महंगा हो, वायु से वर्षा हो । **ज्येष्ठ** - आर्द्रा में बुध होने से वर्षा अधिक हो, गेहूँ तिल उड़द सस्ते हों, ग्रहपात तथा पवन का प्रवाह हो, मिथुन में बृहस्पति होने से बालकों तथा घोड़ो में पीड़ा हो स्वण्ड वृष्टि हो, उस समय में कर्कोटक नाम का मेघ वर्षा करता है, लोग चोरों से पीडित हों, पश्चिम के सिंधु देश में वायव्य में और उत्तर दिशा में चित्र विचित्र वर्षा (कहीं वर्षा कहीं अभाव) हो तथा रोग पीडा हो, सफेद वस्त्र तथा काँसी कपूर चंदन मजीठ नारियल सुपारी सोना और चाँदी सस्ते होकर फिर महंगे हो । भैंस और हाथियों को बड़ा कष्ट हो और पूर्व, आग्नेय, दक्षिण इशान इन दिशाओं के देशों में सुभिक्ष हो । राजा लोग स्वस्थ रहें, प्रजा में वृद्धि हो, सुभिक्ष हो, पृथ्वी पर मंगल हों, तेल-खांड-शक्कर और धातु सस्ते हों, सोंठ, मिर्च, पीपल, मँजीठ, जायफल, कंकोल यह महँगे हों, मिथुन राशि में गुरु के अस्त होने से तैल, घी, लवण की महर्घता हो, वर्षा कम हो । पुनर्वसु के बुध से कपास सूत मंदा हो, अश्मक और विदर्भ देश में अनय (उपद्रव) हो । **आषाढ** - उत्तम वर्षा हो, विद्याधरों के युद्ध में विमर्द हो । चौपायों में पीड़ा हो, आर्द्रा पर बृहस्पति होने से सुभिक्ष हो, बृहस्पति के उदय से राजाओं में रण तथा अन्न की महर्घता हो, अनावृष्टि हो, जङ्गली जानवर, चूहा, शलभ (टीडी) और पक्षियों से धान्य का नाश हो । मनुष्यों में व्याधि का भय हो तथा मित्रों से भी राजाओं को द्वेष हो । लोगों को सर्पों से अत्यन्त पीडा हो, आर्द्रा पर मंगल होने से वृष्टि हो । मघा नक्षत्र को शुक्र के भेदन करने से हस्तिपति पीडित हों और अतिवृष्टि हो । आषाढ में बुध का उदय होने से कहीं भी प्राकृतिक आपदा हो । **श्रावण** - कपास सूत मंदा हो, शस्त्रनिपात (युद्ध), क्षुधा, रोग हो, शबर-पुलिन्द जन पीड़ित हों और अतिवृष्टि हो । तिलों का नाश, जाङ्गल (स्वल्पपोदक स्थान) में निवास करने वाले और पञ्जाबस्थ जन पीड़ित हों तथा वृष्टि हो । आश्लेषा में बुध होने से महावृष्टि हो, तुष धान्य उत्पन्न हों । हस्त में शुक्र होने से मेघों की गर्जना के साथ वर्षा हो, कौरव और चित्रकार पीडित हों, **आद्रपद** - पुष्य पर मंगल होने से आपसी विरोध से क्षति हो, और राजा कमजोर हों, बंटवारे को लेकर पडौसी देश से मनमुटाव हो, अन्न मँदा हो, क्षुधा, शस्त्र, चोर और रोगों की वृद्धि हो । कुआँ बनाने वालों पीड़ा हो, पुनर्वसु पर गुरु होने से अनावृष्टि से सर्वत्र दुर्भिक्ष हो । उड़द मूंग कम उत्पन्न हों, प्राणियों के धातुओं (वसा,रक्त,मांस,मेधा,अस्थि,मज्जा और शुक्र) की हानि हो, स्नेह (तेल, घृत आदि), रस (मधुर आदि) के मुल्य में वृद्धि हो, स्वाति में शुक्र होने से क्षेम और सुभिक्ष हो, अतिवृष्टि तथा दूत, वाणिज्य कर्म करने वाले, नाव चलाने वाले इनमें उपद्रव हो, आश्लेषा के मंगल से बहुत वर्षा हो, साँपों का भय अधिक हो । **आश्विन** - रसायन के मुल्य में वृद्धि हो, सुन्दर वृष्टि हो, वाणिज्य कर्म करने वाले प्रभावित हों, क्षत्रियों में परस्पर विरोध हो शु.पक्ष में अनावृष्टि हो, ज्येष्ठा में शुक्र होने से क्षेत्रपति का क्षय हो, क्षत्रियों में प्रधान का अभाव हो, तुला में शनि अस्त होने से धान्य कम उपजे । **कार्तिक** - मन्द वर्षा हो, परस्पर सप्तम राशि में गुरु और शुक्र अनावृष्टि करते है, प्रधान वैद्य (डाक्टर) पीड़ित हों । विशाखा नक्षत्र में स्थित शनैश्चर त्रिगर्त, चीन और कुलूत देश में रहने वाले मनुष्य, कुङ्कुम, लाख, धान्य, मंजीठ और कौसुम्भ के पुष्पों को पीड़ित करता है । तुला राशि में बुध का उदय होने से भूकंप तथा युद्धादि हों, शस्त्र, चोर, अग्नि, रोग, जल का भय हो, मिथुन का गुरु वक्री होने से चौपाये महंगे हों, वस्त्रादि सस्ते हों, जल में उत्पन्न जीव पीड़ित हों । **मार्गशीर्ष** - गाँओं को पीड़ा हो, स्नेह (तेल, घृत आदि), रस (मधुर आदि) के मुल्य में वृद्धि हो, धातुओं के भाव तेज हों, ज्येष्ठा में बुध होने से ईख, शाली और घी महँगे हों तथा घोड़ों में रोग हो, हस्त पर मंगल होने से अल्पवृष्टि हो, तुष धान्य उत्तम हो, घृत गुड़ और नमक महंगे हो । **पौष** - मंगलवार की सक्रांति होने से धान्यादि एवं लाल वर्ण वाली सभी वस्तुओं के भाव तेज हों, प्रजा में विग्रह हो, कहीं-कहीं हिंसादि हो, अग्निभय हो, घृत तेल लवण रस कपूर चंदन ये सब महँगे हों, व्यापारी, वैद्य, नौका से जीविका चलाने वाले, जल में उत्पन्न होने वाले द्रव्य तथा घोड़े (अश्व) पीडित हों, धान्य मन्दा हो वर्षा हो, परस्पर सप्तम राशि में गुरु और शुक्र अनावृष्टि करते हैं, चावल तथा गेहूँ महँगे हों, श्रवण में बुध होने से गुड़ अलसी और चणे अदि धान्य में बर्फ (ओले) गिरने का भय हो, आर्द्रा के गुरु से सुभिक्ष हो और उत्तम वर्षा हो, बुध का उदय होने से पृथ्वी धान्य तथा रस से पूर्ण हो, पौष में बुध का उदय होने से कहीं भी प्राकृतिक आपदा हो । **माघ** - गायें पीड़ित हों, वर्षा का अभाव और रोगोत्पत्ति हो । शतभिषा में बुध होने से शूद्रों में रोगोत्पत्ति हो, व्यापारी, वैद्य, नौका से जीविका चलाने वाले, जल में उत्पन्न होने वाले द्रव्य तथा घोड़े (अश्व) पीडित हों, कुम्भ राशि में बुध का अस्त होने से हवा बहुत चले और हिम (ठंढ) से वृक्ष जल जायें, माघ में बुध का अस्त होने से सुभिक्ष हो । **फाल्गुन** - क्षेत्रपति का क्षय हो, मकर राशि में बुध का उदय होने से पृथ्वी धान्य तथा रस से पूर्ण हो, मंगल असिमुसल वक्र होने से चोरो से पीडा, अनावृष्टि और शस्त्रभय हो । मंगल अश्रुमुख वक्र होने से रसों में दोष पैदा हो तथा रोग की वृद्धि और अनावृष्टि हो । श्रवण में शुक्र होने से कर्णपीड़ा हो, प्रजा में सुस्थों की वृद्धि और सुभिक्ष हो । **चैत्र** - कृपया - पक्ष के पृष्ठ पर देखें । आगे गो प्रजा भाग्य प्रबल है ।

CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

॥ संवत् २०७० मध्ये विवाह मुहूर्तानि रेखा सहितानि च ॥

सन२०१३

वैशाख कृष्णपक्षः

अप्रे. २९ ४ चंद्रे मूले रे ९ ।।।।।।।ऽ॥ दिवा ल.३।५,रात्रौ गो.१०।१२ (मिथु. चं. ७ पू., गोधू. भौ.७ दो.)

मई ६ १२ चंद्रे उभा. रे ७ ऽऽ।।।।।ऽ॥ दिवा ल. ५।६, रात्रौ १० (कन्या चं. ७ पू.)

वैशाख शुक्लपक्षः

मई ११ १ शनौ रोहि. रे ९ ऽ।।।।।।।।। दिवा ल. ५।६,रात्रौ १०।११

मई १२ २ रवौ रोहि. रे ९ ऽ।।।।।।।।। दिवा ल. ३।५ (सिंह स्टैं. १३।४४ या.)

मई १२ २ रवौ मृगे रे ९ ।।ऽगु।।।।।।। दिवा ल. ६

मई १८ ८ शनौ मघा रे ८ ऽ।।।।।ऽ॥ दिवा ल. ६, रात्रौ अ.गो. १०।११ (कुंभे चं. ७ पू.)

मई २० १० चंद्रे उफा. रे ८ ।ऽ।।।।ऽ॥ दिवा ल.३।५,रात्रौ गो.१०।११

मई २१ ११ भौमे हस्ते रे ९ ।।।।।।ऽ॥ रात्रौ ल. १०।११

ज्येष्ठ कृष्णपक्षः

मई २६ १ रवौ मूले रे ८ ।ऽ।।ऽ।।।। रात्रौ ल. १०।११

मई २७ ३ चंद्रे मूले रे ८ ।ऽ।।ऽ।।।। दिवा ल. ३ (चं. ७ पू.)

मई २८ ४ भौमे उषा. रे ७ ।।।ऽ।।।ऽ।ऽ द. दिवा ल. ६

जून २ ९ रवौ उभा. रे ९ ।।।।।।।ऽ॥ दिवा ल. ४।६, रात्रौ १० (कन्या चं. ७ पू., मकरः स्टैं. २३।५९ यावत्)

अग्रे गुरोरस्तत्वादभावः

आषाढ शुक्लपक्षः

जुला. ११ ३ गुरौ मघा रे १० ।।।।।।।।। रात्रौ ल. अ. गो. १०।१ (अ.गो. भौ. ७ दो., मकरे शु. ७ पू., मेषः सोग्रांगः, रा. श. ७ दो.)

जुला. १३ ५ शनौ उफा. रे १० ।।।।।।।।। रात्रौ १०।१ (मकरे शु. ७ पू., मेषे सोग्रांगः, रा.श. ७ दो.)

जुला. १४ ६ रवौ उफा. रे १० ।।।।।।।।। दिवा ल. ५

जुला. १५ ७ चंद्रे हस्ते रे ९ ।।।।।।ऽ॥ रात्रौ ल. अ. गो. १० (अ.गो.भौ.७ दो. मकरे शु. ७ पू.)

अग्रे कर्केऽर्कः

मार्गशीर्ष कृष्णपक्षः

नवं. १८ १ चंद्रे रोहि. रे ९ ।।।।।ऽ॥ दिवा ल. १२, रात्रौ ३।६ (मिथु. शु. ७ पू.)

नवं. १९ २ भौमे रोहि. रे १० ।।।।।।।।। दिवा ल. ९।१२ (धनु. चं. गु. ७ पू.)

नवं. १९ २ भौमे मृगे रे १० ।।।।।।।।। रात्रौ ल. गोधूलि ६

नवं. २० ३ बुधे मृगे रे १० ।।।।।।।।। दिवा ल. ९ (चं. गु. ७ पू.)

नवं. २५ ७ चंद्रे मघा रे ८ ऽ।।।।।ऽ॥ दि. ल. ९।१० रात्रौ अ. गो. ३ (धनु. गु. ७ पू. रात्रौ मिथु. शु. ७ पू., स्टैं. २०।११ यावत्)

नवं. २८ १० गुरौ हस्ते रे ९ ।।।।।।।ऽ॥ रात्रौ ल. अ.गो. ३।५ (मिथु. शु. ७ पू.)

नवं. २९ ११ शुक्रे हस्ते रे ९ ।।।।।।।ऽ॥ दिवा ल. ९ (गु. ७ पू.)

मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः

दिसं. १० ८ भौमे उभा. रे ९ ।।।।ऽ।।।।। रात्रौ गो. ४ (कर्के रा. ४ दो. शु. ७ पू.)

अग्रे धनुष्यर्कः

सन२०१४

माघ कृष्णपक्षः

जन. १८ २ शनौ मघा रे ९ ।।।ऽबु।।।।। रात्रौ ल. गो.

जन. २० ४ चंद्रे उफा. रे ८ ।।।।।ऽऽ॥ रात्रौ ल. ७।८ (तुला सोग्रांगः के. ७ दो., वृश्चि श. १२ दो.)

जन. २१ ५ भौमे उफा. रे ८ ।।।।।ऽऽ॥ दिवा ल.११।२।३,रात्रौ गो. ७ (मि. शु. ७ पू., तुला सोग्रांगः के. ७ दो.)

जन. २१ ५ भौमे हस्ते रे १० ।।।।।।।।। रात्रौ ल. ८ (श. १२ दो.)

जन. २२ ६ बुधे हस्ते रे १० ।।।।।।।।। दिवा ल. ११।२।३,रात्रौ गो. (मि. शु. ७ पू.)

जन. २७ ११ चंद्रे मूले रे ७ ।।।।।।ऽऽ।ऽ रात्रौ ल. ७ (सोग्रांगः, के. ७ दो., स्टैं. २४।५५ उप.)

जन. २८ १२ भौमे मूले रे ७ ।।।।।।ऽऽ।ऽ दिवा ल. ११।२

माघ शुक्लपक्षः

फर. ३ ४ चंद्रे उभा. रे ९ ।।।।।।।ऽ॥ दिवा ल. ३, रात्रौ अ.गो. ७ (मि.स्टैं.१४।३६ उप.शु. ७ पू.,तुला सोग्रांगः के.७ दो.)

फर. ३ ४ चंद्रे रेवत्यां रे १० ।।।।।।।।। रात्रौ ल. ९ (दशम भौमस्तेन त्याज्यः)

फर. ४ ५ भौमे रेवत्यां रे १० ।।।।।।।।। दिवा ल. ११।२।३, रात्रौ अ.गो. (मिथु. शु. ७ पू.)

फाल्गुन कृष्णपक्षः

फर. १५ १ शनौ मघा रे ७ ।।।ऽ।ऽऽ॥ दिवा ल. २।३, रात्रौ ६ (मि. शु. ७ पू., कन्या बु. ६ दो.)

फर. १७ २ चंद्रे उफा. रे १० ।।।।।।।।। दिवा ल. २।३, रात्रौ गो. (मिथु. शु. ७ पू.)

फर. १८ ३ भौमे हस्ते रे ८ ।।।।।।।ऽ।ऽद. दिवा ल.२।३,रात्रौ गो. ९ (मिथु. शु. ७ पू. धनु. गु. ७ पू.)

फर. १९ ४ बुधे हस्ते रे ८ ।।।।।।।ऽ।ऽ द. दिवा ल. १२ (चं.७ पू.)

फर. २२ ७ शनौ अनु. रे ७ ऽ।।।।।ऽऽ॥ दिवा ल. २,रात्रौ अ.गो. ६ (वृषे चं. ७ पू.)

फर. २४ ९ चंद्रे मूले रे ८ ।।।।।।ऽऽ॥ दिवा ल. २।३, रात्रौ अ.गो. (मिथु. चं. शु. ७ पू. अ.गोधूल्यान्तु स्टैं. १९।१० यावत्तदुपरान्त भद्रारंभः)

फर. २६ १२ बुधे उषा. रे ७ ।।ऽशु।।।ऽऽ॥ रात्रौ ल. ६

फाल्गुन शुक्लपक्षः

मार्च २ १ रवौ उभा. रे ९ ।ऽ।।।।।।।। रात्रौ ल. ६।९ (कन्यां चं. ७ पू., धनु. गु. ७ पू.)

अग्रे मीनेऽर्कः

॥कात्यायनोक्त विवाह मुहूर्त्ताः नक्षत्र चतुष्टयी॥

सन२०१३

वैशाख कृष्णपक्षः

मई २ ८ गुरौ श्रवणे रे.८ ऽ।।।।।ऽ॥ दिवा ल. २।३।६

मई २ ८ गुरौ धनि. रे.८ ऽ।।।।।ऽ॥ रात्रौ ल. १२

मई ३ ९ भृगौ धनि. रे.८ ऽ।।।।।ऽ॥ दिवा ल. २।३

वैशाख शुक्लपक्षः

मई २२ १२ बुधे चित्रा. रे.९ ऽ।।।।।।।। दिवा ल. ३

मार्गशीर्ष कृष्णपक्षः

नवं. २९ ११ शुक्रे चित्रा. रे.८ ऽ।।।।।ऽ॥ दिवा ल. ११, रात्रौ अ.गो. ३।५।६ (कन्या. सोग्रांगः)

मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः

दिसं. ७ ५ शनौ श्रवणे रे.९ ।।।।।।।ऽ॥ दिवा ल. ११

दिसं. ७ ५ शनौ धनि. रे.८ ऽ।।।।।ऽ॥ रात्रौ ल. अ. गोधूलि ६।७ (अ.गो. स्टैं. १६।५२ उप., कन्या सोग्रांगः, तुला सोग्रांगः के. ७ दो.)

दिसं. ८ ६ रवौ धनि. रे.९ ऽ।।।।।।।। दिवा ल. १०

(दृष्टिदोषश्चेत् क्षन्तव्यं सुधिभिः)

गणितकर्ता- श्री श्री १०८ पं. ईश्वरदत्त शर्म्मणोऽनुगृहीत शिष्यः

पं. ग्यारसीलाल शर्मा (शास्त्री)

५८,राम कुटीर, ३ रा माला, हनुमान रोड

मुम्बई ४०००५७. दू. २६१६६७८३.

CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

॥ संवत् २०७० मध्ये उपनयनादि मुहूर्त्ताः ॥

अथ उपनयन मुहूर्त्ताः

सन२०१३		वैशास्व मासः		
मई	१२	शु.२	रवौ	रोहिण्यामभिजिति
मई	१५	शु.५	बुधे	पुन. ल. ४
मई	२०	शु.१०	चंद्रे	उ.फा. अभिजिति
मई	२२	शु.१२	बुधे	चित्रा. ल. ३
				(सू.बु.शु.गु. १२ दो.)
		ज्येष्ठ मासः		
मई	२७	कृ.३	चंद्रे	मूलेऽभिजिति
		आषाढ मासः		
जुला.	१०	शु.२	बुधे	पुष्ये ल. ५।६
जुला.	११	शु.३	गुरौ	आश्ले. अभिजिति
सन२०१४		फाल्गुन मासः		
फर.	१७	कृ.२	चंद्रे	उ.फा. अभिजिति
मार्च	३	शु.२	चंद्रे	उ.भा. अभिजिति

अथ देव प्रतिष्ठा मुहूर्त्ताः

सन२०१३		वैशास्व मासः		
मई	११	शु.१	शनौ	रोहि. अभिजिति
मई	१२	शु.२	रवौ	रोहि. अभिजिति
मई	१३	शु.३	चंद्रे	मृगे अभिजिति
मई	१५	शु.५	बुधे	पुन. ल. ३
मई	१६	शु.६	गुरौ	पुष्ये अभिजिति
मई	२०	शु.१०	चंद्रे	उ.फा. अभिजिति
मई	२२	शु.१२	बुधे	चित्रा. ल. ३
मई	२५	शु.१५	शनौ	अनु. अभिजिति
		ज्येष्ठ मासः		
मई	२९	कृ.५	बुधे	उ.षा. ल. ३
		आषाढ मासः		
जुला.	१०	शु.२	बुधे	पुष्ये ल. ६
जुला.	१४	शु.६	रवौ	उ.फा. अभिजिति
जुला.	१५	शु.७	चंद्रे	हस्ते अभिजिति
सन२०१४		पोष मासः		
जन.	१६	शु.१५	गुरौ	पुन. अभिजिति
		माघ मासः		
जन.	२२	कृ.६	बुधे	हस्ते ल. १२
फर.	१२	शु.१३	बुधे	पुन. ल. १२।२
		फाल्गुन मासः		
फर.	१७	कृ.२	चंद्रे	उ.फा. अभिजिति
मार्च	३	शु.२	चंद्रे	उ.भा. अभिजिति

अथ गेहारंभ (भूमि पूजन) मुहूर्त्ताः

सन२०१३		चैत्र शुक्लपक्षः		
अप्रे.	२४	शु.१३	बुधे	हस्ते ल. २।३।५।६ (ति.दो.)
		वैशास्व मासः		
मई	२५	शु.१५	शनौ	अनु. अभिजिति
		ज्येष्ठमासः		
मई	२९	कृ.५	बुधे	उ.षा. ल. ९
		श्रावण मासः		
अग.	२१	शु.१५	बुधे	धनिष्ठा. ल. ६
		भाद्रपद मासः		
अग.	२३	कृ.३	शुक्रे	उ.भा. अभिजिति
		आश्विन मासः		
अक्टू.	१७	शु.१४	गुरौ	उ.भा. अभि. (ति.दो.)
सन२०१४		माघ मासः		
जन.	१७	कृ.१	शुक्रे	पुष्येऽभिजिति
फर.	८	शु.९	शनौ	रोहि. ल. ३ (रटैं. १५।०४ उप.)
फर.	१३	शु.१४	गुरौ	पुष्येऽभिजिति (ति.दो.)
		फाल्गुन मासः		
फर.	१७	कृ.२	चंद्रे	उ. फा. अभिजिति

वृषचक्ररहिताः गेहारंभ (भूमिपूजन) मुहूर्त्ताः

सन२०१३		चैत्र शुक्लपक्षः		
अप्रे.	२४	शु.१३	बुधे	हस्ते ल. २।३।५।६ (ति.दो.)
		वैशास्व मासः		
मई	११	शु.१	शनौ	रोहि. अभिजिति
मई	१३	शु.३	चंद्रे	मृगे अभिजिति
मई	१६	शु.६	गुरौ	पुष्येऽभिजिति (ति. दो.)
		श्रावण मासः		
जुला.	२७	कृ.५	शनौ	उ.भा. अभिजिति
अग.	१	कृ.१०	गुरौ	रोहि. ल. ९
अग.	३	कृ.१२	शनौ	मृगे ल. ५।६ (कन्या स्टै. ११।२७ या.)
अग.	१०	शु.३	शनौ	उ.फा. अभिजिति
अग.	१२	शु.५	चंद्रे	चित्रा. अभिजिति
		भाद्रपद मासः		
अग.	२४	कृ.४	शनौ	रेवत्यां अभिजिति
सितं.	११	शु.६	बुधे	अनु. ल. ९
		कार्तिक मासः		
अक्टू.	२३	कृ.४	बुधे	मृगे ल. ९।११।१२
नवं.	१	कृ.१३	भृगौ	हस्तेऽभिजिति
नवं.	१४	शु.१२	गुरौ	रेवत्यां अभिजिति
		मार्गशीर्ष मासः		
नवं.	२३	कृ.५	शनौ	पुष्येऽभिजिति (ति.दो.)
नवं.	२९	कृ.११	शुक्रे	हस्ते ल. ९
नवं.	२९	कृ.११	शुक्रे	चित्रा. अभिजिति
सन२०१४		माघ मासः		
फर.	८	शु.९	शनौ	रोहि. ल. ३ (रटैं. १५।०४ उप.)
		फाल्गुन मासः		
फर.	२२	कृ.७	शनौ	अनु. अभिजिति
मार्च	३	शु.२	चंद्रे	उ.भा. अभिजिति

अथ नूतन गृहप्रवेश (वास्तु) मुहूर्त्ताः

सन२०१३		वैशास्व मासः		
मई	६	कृ.१२	चंद्रे	उ.भा. अभिजिति
मई	२०	शु.१०	चंद्रे	उ.फा. अभिजिति
मई	२२	शु.१२	बुधे	चित्रा. ल. ३
		ज्येष्ठ मासः		
जून	३	कृ.१०	चंद्रे	रेवत्यां अभिजिति (रटै.१२।१८ उप.)
सन२०१४		माघ मासः		
फर.	८	शु.९	शनौ	रोहि. ल. ३ (रटैं. १५।०४ उप.)
फर.	१०	शु.११	चंद्रे	मृगे अभिजिति
		फाल्गुन मासः		
मार्च	७	शु.७	शुक्रे	रोहि. ल. ५ (रटैं. १७।५८ या.)

कुंभचक्ररहिताः नूतनगृहप्रवेश(वास्तु) मुहूर्त्ताः

सन२०१३		वैशास्व मासः		
अप्रे.	२७	कृ.२	शनौ	अनु. ल. ५
मई	११	शु.१	शनौ	रोहि. अभिजिति
मई	१३	शु.३	चंद्रे	मृगे अभिजिति
सन२०१४		फाल्गुन मासः		
फर.	१७	कृ.२	चंद्रे	उ.फा. अभिजिति
फर.	२२	कृ.७	शनौ	अनु. अभिजिति
मार्च	३	शु.२	चंद्रे	उ.भा. अभिजिति

अथ जीर्ण गृहप्रवेश (वास्तु) मुहूर्त्ताः

सन२०१३		वैशास्व मासः		
मई	१६	शु.६	गुरौ	पुष्ये अभिजिति

कुंभचक्ररहिता जीर्णगृहप्रवेश(वास्तु) मुहूर्त्ताः

सन२०१३		श्रावण मासः		
जुला.	२४	कृ.२	बुधे	धनि. ल. ५।६
		कार्तिक मासः		
अक्टू.	२६	कृ.७	शनौ	पुष्ये ल. १२ (रटैं. १६।२३ उप.)
		मार्गशीर्ष मासः		
नवं.	२३	कृ.५	शनौ	पुष्ये अभिजिति
सन२०१४		पोष मासः		
जन.	१६	शु.१५	गुरौ	पुष्ये ल. २
		माघ मासः		
जन.	१७	कृ.१	शुक्रे	पुष्येऽभिजिति

परे लग्नशुद्धया कुयोगादिनाशम् -

व्याख्या- अथ परे आचार्या लग्नशुद्धया समीचीनलग्नबलेन कुयोगानां मृत्युक्रकचादीनां नाशं भवंतीति शेषः । - पीयूषधारा

(दृष्टिदोषश्चेत् क्षन्तव्यं सुधिभिः)

CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

॥ सन् २०१३-१४, संवत् २०७० ॥ + (उत्तर) रविक्रान्ति-रेत्वे प्रातः ६।२७ बजे (अंश-कलादौ) - (दक्षिण)

ता.	अप्रेल	मई	जून	जुलाई	अगस्त	सितंबर	अक्टूबर	नवंबर	दिसंबर	जनवरी	फरवरी	मार्च
१	. . . .	+१५।०५	+२२।०३	+२३।०६	+१८।०१	+ ८।१७	- ३।११	-१४।२५	-२१।४८	-२३।०१	-१७।१०	- ७।४१
२	. . . .	+१५।२३	+२२।११	+२३।०२	+१७।४६	+ ७।५५	- ३।३४	-१४।४४	-२१।५७	-२२।५६	-१६।५३	- ७।१८
३	. . . .	+१५।४०	+२२।१९	+२२।५८	+१७।३०	+ ७।३३	- ३।५७	-१५।०३	-२२।०६	-२२।५१	-१६।३६	- ६।५५
४	. . . .	+१५।५८	+२२।२६	+२२।५३	+१७।१४	+ ७।११	- ४।२०	-१५।२२	-२२।१४	-२२।४५	-१६।१८	- ६।३२
५	. . . .	+१६।१५	+२२।३३	+२२।४७	+१६।५८	+ ६।४९	- ४।४४	-१५।४०	-२२।२२	-२२।३८	-१६।००	- ६।०९
६	. . . .	+१६।३२	+२२।३९	+२२।४१	+१६।४२	+ ६।२७	- ५।०७	-१५।५८	-२२।२९	-२२।३१	-१५।४२	- ५।४६
७	. . . .	+१६।४९	+२२।४५	+२२।३५	+१६।२५	+ ६।०४	- ५।३०	-१६।१६	-२२।३६	-२२।२४	-१५।२३	- ५।२२
८	. . . .	+१७।०५	+२२।५१	+२२।२८	+१६।०८	+ ५।४२	- ५।५२	-१६।३४	-२२।४३	-२२।१६	-१५।०४	- ४।५९
९	. . . .	+१७।२१	+२२।५६	+२२।२१	+१५।५१	+ ५।१९	- ६।१५	-१६।५१	-२२।४९	-२२।०८	-१४।४५	- ४।३६
१०	. . . .	+१७।३७	+२३।०१	+२२।१४	+१५।३४	+ ४।५७	- ६।३८	-१७।०८	-२२।५४	-२२।००	-१४।२६	- ४।१२
११	+ ८।१९	+१७।५३	+२३।०५	+२२।०६	+१५।१६	+ ४।३४	- ७।०१	-१७।२५	-२३।००	-२१।५१	-१४।०६	- ३।४९
१२	+ ८।४१	+१८।०८	+२३।०९	+२१।५८	+१४।५८	+ ४।११	- ७।२३	-१७।४१	-२३।०४	-२१।४१	-१३।४६	- ३।२५
१३	+ ९।०३	+१८।२३	+२३।१३	+२१।५०	+१४।४०	+ ३।४८	- ७।४६	-१७।५७	-२३।०९	-२१।३१	-१३।२६	- ३।०१
१४	+ ९।२४	+१८।३८	+२३।१६	+२१।४१	+१४।२२	+ ३।२५	- ८।०८	-१८।१३	-२३।१३	-२१।२१	-१३।०६	- २।३८
१५	+ ९।४६	+१८।५२	+२३।१८	+२१।३१	+१४।०३	+ ३।०२	- ८।३०	-१८।२९	-२३।१६	-२१।१०	-१२।४६	- २।१४
१६	+१०।०७	+१९।०६	+२३।२१	+२१।२२	+१३।४४	+ २।३९	- ८।५३	-१८।४४	-२३।१९	-२०।५९	-१२।२५	- १।५०
१७	+१०।२९	+१९।२०	+२३।२३	+२१।१२	+१३।२५	+ २।१६	- ९।१५	-१८।५९	-२३।२१	-२०।४७	-१२।०४	- १।२७
१८	+१०।५०	+१९।३३	+२३।२४	+२१।०१	+१३।०६	+ १।५२	- ९।३६	-१९।१३	-२३।२३	-२०।३५	-११।४३	- १।०३
१९	+११।१०	+१९।४६	+२३।२५	+२०।५१	+१२।४७	+ १।२९	- ९।५८	-१९।२७	-२३।२५	-२०।२३	-११।२२	- ०।३९
२०	+११।३१	+१९।५९	+२३।२६	+२०।४०	+१२।२७	+ १।०६	-१०।२०	-१९।४१	-२३।२६	-२०।१०	-११।००	- ०।१५
२१	+११।५२	+२०।११	+२३।२६	+२०।२८	+१२।०७	+ ०।४३	-१०।४१	-१९।५४	-२३।२६	-१९।५७	-१०।३९	+ ०।०८
२२	+१२।१२	+२०।२३	+२३।२६	+२०।१६	+११।४७	+ ०।१९	-११।०३	-२०।०७	-२३।२६	-१९।४४	-१०।१७	+ ०।३२
२३	+१२।३२	+२०।३५	+२३।२६	+२०।०४	+११।२७	- ०।०४	-११।२४	-२०।२०	-२३।२६	-१९।३०	- ९।५५	+ ०।५६
२४	+१२।५२	+२०।४६	+२३।२५	+१९।५२	+११।०६	- ०।२७	-११।४५	-२०।३२	-२३।२५	-१९।१६	- ९।३३	+ १।१९
२५	+१३।११	+२०।५७	+२३।२३	+१९।३९	+१०।४६	- ०।५१	-१२।०५	-२०।४४	-२३।२४	-१९।०१	- ९।११	+ १।४३
२६	+१३।३१	+२१।०८	+२३।२१	+१९।२६	+१०।२५	- १।१४	-१२।२६	-२०।५६	-२३।२२	-१८।४६	- ८।४९	+ २।०६
२७	+१३।५०	+२१।१८	+२३।१९	+१९।१३	+१०।०४	- १।३७	-१२।४६	-२१।०७	-२३।२०	-१८।३१	- ८।२६	+ २।३०
२८	+१४।०९	+२१।२८	+२३।१७	+१८।५९	+ ९।४३	- २।०१	-१३।०७	-२१।१८	-२३।१७	-१८।१६	- ८।०४	+ २।५३
२९	+१४।२८	+२१।३७	+२३।१४	+१८।४५	+ ९।२२	- २।२४	-१३।२७	-२१।२८	-२३।१४	-१८।००	. . . .	+ ३।१७
३०	+१४।४६	+२१।४६	+२३।१०	+१८।३१	+ ९।००	- २।४७	-१३।४६	-२१।३८	-२३।१०	-१७।४४	. . . .	+ ३।४०
३१	. . . .	+२१।५५	. . . .	+१८।१६	+ ८।३९	. . . .	-१४।०६	. . . .	-२३।०६	-१७।२७	. . . .	. . . .

उत्तर (धन)　　दक्षिण (ऋण)

महापात योगाः (स्टै. समय में)
संवत् २०७० (सन २०१३-१४)

महापात स्पर्शः			महापात मोक्षः		
योगाः	तारीख	घं. मि.	तारीख	घं. मि.	
व्यती.	१९ अप्रे.	२२।३१	१९ अप्रे.	२८।५३	
वैधृति	१ मई	१५।३२	१ मई	२२।५२	
व्यती.	१४ मई	७।०९	१४ मई	२१।१२	
व्यती.	३१ जुला.	८।०६	३१ जुला.	२०।४४	
वैधृति	१३ अग.	१३।३०	१३ अग.	२०।४२	
व्यती.	२४ अग.	२९।२७	२५ अग.	११।४२	
वैधृति	७ सितं.	१४।३७	७ सितं.	२०।०६	
व्यती.	१९ सितं.	११।४६	१९ सितं.	१६।५२	
वैधृति	२ अक्टू.	१६।३२	२ अक्टू.	२२।०३	
व्यती.	१४ अक्टू.	१५।४८	१४ अक्टू.	२१।२१	
वैधृति	२७ अक्टू.	१२।२५	२७ अक्टू.	१९।५५	
व्यती.	८ नवं.	१०।२९	८ नवं.	१९।३२	
व्यती.	२६ जन.	१२।३०	२६ जन.	२८।३८	
वैधृति	६ फर.	१७।४६	६ फर.	२६।४०	
व्यती.	१९ फर.	२६।४३	२० फर.	९।२१	
वैधृति	३ मार्च	१७।४३	३ मार्च	२३।१०	
व्यती.	१६ मार्च	२२।५१	१६ मार्च	२८।३४	
वैधृति	२८ मार्च	२४।२७	२८ मार्च	२९।३०	

CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

संवत् २०७० शाकः १९३५ की मास दशा देखने की सारणी

मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
चै.शु. ०३ से शु द. उ. सू द. दि.२० प्र.	बै.शु. ०४ से शु द. उ. सू द. दि.२० प्र.	चै.कृ. ०९ से रा द. उ. शु द. दि.७० प्र.	फा.शु.१२ से गु द. उ. रा द. दि.४२ प्र.	चै.शु. १३ से गु द. उ. रा द. दि.४२ प्र.	फा.शु.१५ से श द. उ. गु द. दि.५८ प्र.	फा.शु.१० से बु द. उ. श द. दि.३६ प्र.	चै.शु. १० से बु द. उ. श द. दि.३६ प्र.	फा.शु.१२ से मं द. उ. बु द. दि.५६ प्र.	फा.शु.१४ से चं द. उ. मं द. दि.२८ प्र.	चै.शु. १३ से चं द. उ. मं द. दि.२८ प्र.	चै.कृ. ०८ से सू द. उ. चं द. दि.५० प्र.
बै.कृ. ०९ से सू द. उ. चं द. दि.५० प्र.	ज्ये.कृ.१० से सू द. उ. चं द. दि.५० प्र.	ज्ये.शु.०५ से शु द. उ. सू द. दि.२० प्र.	बै.कृ. १२ से रा द. उ. शु द. दि.७० प्र.	ज्ये.कृ.१३ से रा द. उ. शु द. दि.७० प्र.	बै.शु. १५ से गु द. उ. रा द. दि.४२ प्र.	बै.कृ. ०२ से श द. उ. गु द. दि.५८ प्र.	ज्ये.कृ.०३ से श द. उ. गु द. दि.५८ प्र.	बै.शु. १० से बु द. उ. श द. दि.३६ प्र.	चै.शु. १२ से मं द. उ. बु द. दि.५६ प्र.	बै.शु. १२ से मं द. उ. बु द. दि.५६ प्र.	बै.शु. १४ से चं द. उ. मं द. दि.२८ प्र.
ज्ये.शु.१५ से चं द. उ. मं द. दि.२८ प्र.	श्रा.कृ.०२ से चं द. उ. मं द. दि.२८ प्र.	आ.कृ.१२ से सू द. उ. चं द. दि.५० प्र.	आ.शु.०८ से शु द. उ. सू द. दि.२० प्र.	श्रा.शु.१० से शु द. उ. सू द. दि.२० प्र.	आ.कृ.१४ से रा द. उ. शु द. दि.७० प्र.	आ.कृ.०२ से गु द. उ. रा द. दि.४२ प्र.	श्रा.कृ.०३ से गु द. उ. रा द. दि.४२ प्र.	आ.कृ.०२ से श द. उ. गु द. दि.५८ प्र.	ज्ये.शु.१० से बु द. उ. श द. दि.३६ प्र.	आ.शु.१० से बु द. उ. श द. दि.३६ प्र.	ज्ये.शु.१३ से मं द. उ. बु द. दि.५६ प्र.
आ.शु.१३ से मं द. उ. बु द. दि.५६ प्र.	श्रा.शु.१५ से मं द. उ. बु द. दि.५६ प्र.	भा.कृ.०४ से चं द. उ. मं द. दि.२८ प्र.	श्रा.कृ.१४ से सू द. उ. चं द. दि.५० प्र.	भा.कृ. ३० से सू द. उ. चं द. दि.५० प्र.	भा.शु. १२ से शु द. उ. सू द. दि.२० प्र.	श्रा.शु.०१ से रा द. उ. शु द. दि.७० प्र.	भा.शु. ०१ से रा द. उ. शु द. दि.७० प्र.	भा.कृ.०३ से गु द. उ. रा द. दि.४२ प्र.	श्रा.कृ.०३ से श द. उ. गु द. दि.५८ प्र.	भा.कृ.०३ से श द. उ. गु द. दि.५८ प्र.	श्रा.शु.११ से बु द. उ. श द. दि.३६ प्र.
भा.शु. १२ से बु द. उ. श द. दि.३६ प्र.	आ.शु.१४ से बु द. उ. श द. दि.३६ प्र.	आ.कृ.०२ से मं द. उ. बु द. दि.५६ प्र.	आ.कृ.०६ से चं द. उ. मं द. दि.२८ प्र.	का.कृ.०७ से चं द. उ. मं द. दि.२८ प्र.	आ.शु.०२ से सू द. उ. चं द. दि.५० प्र.	आ.शु.१४ से शु द. उ. सू द. दि.२० प्र.	का.शु.१४ से शु द. उ. सू द. दि.२० प्र.	आ.शु.०१ से रा द. उ. शु द. दि.७० प्र.	आ.कृ.०३ से गु द. उ. रा द. दि.४२ प्र.	का.कृ.०३ से गु द. उ. रा द. दि.४२ प्र.	आ.कृ.०३ से श द. उ. गु द. दि.५८ प्र.
का.कृ.०३ से श द. उ. गु द. दि.५८ प्र.	मा.कृ. ०५ से श द. उ. गु द. दि.५८ प्र.	का.शु.१५ से बु द. उ. श द. दि.३६ प्र.	का.कृ.०४ से मं द. उ. बु द. दि.५६ प्र.	मा.कृ. ०५ से मं द. उ. बु द. दि.५६ प्र.	मा.कृ. ०८ से चं द. उ. मं द. दि.२८ प्र.	का.शु.०३ से सू द. उ. चं द. दि.५० प्र.	मा.शु. ०४ से सू द. उ. चं द. दि.५० प्र.	मा.शु. १३ से शु द. उ. सू द. दि.२० प्र.	का.शु.०१ से रा द. उ. शु द. दि.७० प्र.	मा.शु. ०१ से रा द. उ. शु द. दि.७० प्र.	मा.कृ. ०३ से गु द. उ. रा द. दि.४२ प्र.
पौ.कृ. ०३ से गु द. उ. रा द. दि.४२ प्र.	मा.कृ. ०४ से गु द. उ. रा द. दि.४२ प्र.	पौ.कृ. ०६ से श द. उ. गु द. दि.५८ प्र.	पौ.कृ. ०२ से बु द. उ. श द. दि.३६ प्र.	मा.कृ. ०३ से बु द. उ. श द. दि.३६ प्र.	पौ.कृ. ०७ से मं द. उ. बु द. दि.५६ प्र.	पौ.कृ. ०९ से चं द. उ. मं द. दि.२८ प्र.	मा.कृ. १० से चं द. उ. मं द. दि.२८ प्र.	पौ.शु. ०४ से सू द. उ. चं द. दि.५० प्र.	पौ.शु. १४ से शु द. उ. सू द. दि.२० प्र.	मा.शु. १३ से शु द. उ. सू द. दि.२० प्र.	पौ.शु. ०१ से रा द. उ. शु द. दि.७० प्र.
मा.शु. ०२ से रा द. उ. शु द. दि.७० प्र.	फा.शु.०४ से रा द. उ. शु द. दि.७० प्र.	फा.कृ.०५ से गु द. उ. रा द. दि.४२ प्र.	मा.कृ. ०८ से श द. उ. गु द. दि.५८ प्र.	फा.कृ.०९ से श द. उ. गु द. दि.५८ प्र.	फा.कृ.०४ से बु द. उ. श द. दि.३६ प्र.	मा.कृ. ०८ से मं द. उ. बु द. दि.५६ प्र.	फा.कृ.०८ से मं द. उ. बु द. दि.५६ प्र.	फा.कृ.०९ से चं द. उ. मं द. दि.२८ प्र.	मा.शु. ०४ से सू द. उ. चं द. दि.५० प्र.	फा.शु.०४ से सू द. उ. चं द. दि.५० प्र.	फा.शु.१३ से शु द. उ. सू द. दि.२० प्र.

संवत् २०७०, आश्विन कृष्णपक्ष में श्राद्धतिथि निर्णय, सन २०१३

पूर्णिमा (पूनम) का श्राद्ध		गुरुवार १९ सितंबर (भाद्रपद शुक्लपक्ष)
प्रतिपदा (एकम)	"	शुक्रवार २० सितंबर
द्वितीया (दूज)	"	शनिवार २१ सितंबर मध्यान्ह २।२६ बजे के पहले
तृतीया (तीज)	"	रविवार २२ सितंबर मध्यान्ह २।१६ बजे के पहले
चतुर्थी (चोथ)	"	सोमवार २३ सितंबर
पंचमी (पांच)	"	मंगलवार २४ सितंबर
षष्ठी (छठ)	"	बुधवार २५ सितंबर
सप्तमी (सातं) का श्राद्ध		गुरुवार २६ सितंबर
अष्ठमी (आठं)	"	शुक्रवार २७ सितंबर
नवमी (नौमी)	"	शनिवार २८ सितंबर
दशमी (दस)	"	रविवार २९ सितंबर
एकादशी	"	सोमवार ३० सितंबर
द्वादशी (बारस)	"	मंगलवार १ अक्टूबर
त्रयोदशी (तेरस)	"	बुधवार २ अक्टूबर
चतुर्दशी (चौदस)	"	गुरुवार ३ अक्टूबर प्रातः ६।३८ बजे के बाद
अमावस्या (मावस)	"	शुक्रवार ४ अक्टूबर प्रातः ६।३५ बजे के बाद

CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

११ अप्रेल से २५ अप्रेल तक, श्री चैत्र शुक्लपक्ष संवत् २०७०, शाकः १९३५, दि.मा.सू. सू. तारीख्स स्टै. प्रातः दैनिक केतकी अहर्गणः ७३६ वसंतर्तू रविरुत्तरे, अप्रेल २०१३

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
नवरा.	१	गु	२४	२९	१६	०१	अश्वि	४२	०७	२३	०४	वि	५१	१५	२६	४३	ब	२४	२९	१६	०१	३५/२९	६/४४	६/४९	२१	२९	११	मेषे	११।२७।११।३२	५८।४८
सिंधारा	२	शु	२७	५७	१७	२३	भर	४७	२२	२५	०९	प्री	५१	४६	२६	५५	कौ	२७	५७	१७	२३	३३	१२	५०	२२	१	१२	मेषे	११।२८।१०।२०	५८।४६
गणगोर	३	श	३२	३७	१९	१४	कृति	५३	४३	२७	४१	आ	५३	१०	२७	२७	तै	०	१०	६	१५	३७	११	५०	२३	२	१३	वृषे	७।४५	११।२९।०९।०६	५८।४३
धाता	४	र	३८	१६	२१	२९	रोहि	...	...	...	...	सौ	५५	१५	२८	१७	व	५	२१	८	१९	४१	१०	५१	२४	३	१४	वृषे	०।००।०७।४९	५८।४१
प्रवर्धमा	५	सो	४४	३५	२४	००	रोहि	०	५९	६	३३	शो	५७	४७	२९	१६	ब	११	२४	१०	४३	४५	०९	५१	२५	४	१५	मिथु.	२०।०५	०।०९।०६।३०	५८।३९
राक्षस	६	मं	५१	०६	२६	३५	मृग	८	४३	९	३७	अ	...	...	...	...	कौ	१७	५३	१३	१७	४९	०८	५२	२६	५	१६	मिथु.		०।०२।०५।०९	५८।३७
मुसल	७	बु	५७	०८	२८	५८	आर्द्रा	१६	२३	१२	४१	अ	०	२३	६	१६	ग	२४	१३	१५	४९	५३	०७	५२	२७	६	१७	मिथु.		०।०३।०३।४६	५८।३४
सिद्धि	८	गु	...	...	...	...	पुन	२३	२४	१५	२८	सु	२	३३	७	०७	वि	२९	४९	१८	०२	५७	०६	५३	२८	७	१८	कर्के	८।४९	०।०४।०२।२०	५८।३२
रामनव.	८	शु	२	०९	६	५७	पुष्य	२९	१२	१७	४६	धृ	३	५३	७	३८	ब	२	०९	६	५७	३२/००/	०५	५४	२९	८	१९	कर्के		०।०५।००।५२	५८।३०
मानस	९	श	५	३४	८	१८	श्लेष	३३	२१	१९	२५	शू	४	००	७	४०	कौ	५	३४	८	१८	०४	०४	५४	३०	९	२०	सिंहे	१९।२५	०।०५।५९।२२	५८।२८
मुद्गर	१०	र	७	०९	८	५५	मघा	३५	३८	२०	१९	गं	२/५९	४२/५१	७/३०	०८/००	ग	७	०९	८	५५	०८	०३	५५	१	१०	२१	सिंहे		०।०६।५७।५०	५८।२६
ए.व्र.	११	सो	६	४५	८	४४	पूफा	३६	०१	२०	२७	धृ	५५	३१	२८	१५	वि	६	४५	८	४४	१२	०२	५५	२	११	२२	कन्या	२६।२२	०।०७।५६।१६	५८।२३
प्र.व्र.	१२	मं	४	२७	७	४८	उफा	३४	३८	१९	५३	व्या	४९	४९	२५	५७	बा	४	२७	७	४८	१६	०२	५६	३	१२	२३	कन्या		०।०८।५४।३९	५८।२१
आनन्द	१३	बु	०	२९	६	१२	हस्त	३१	४३	१८	४२	ह	४२	५३	२३	१०	तै	०	२९	६	१२	१९	०१	५६	४	१३	२४	तुला.	२९।५४	०।०९।५३।००	५८।१९
क्षयः	१४	बु	५५	०३	२८	०२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
पूर्णिमा	१५	गु	४८	३३	२५	२५	चित्रा	२७	३३	१७	०१	व	३५	०२	२०	०१	वि	२१	५६	१४	४६	२३	००	५७	५	१४	२५	तुला.		०।१०।५१।१९	५८।१७

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है ।
चंद्रदर्शनम् (मु.३०), नवरात्रारम्भः,घटस्था., ध्वजारो.,आरोग्य १, F
श्रृंगार(सिंधारा) देशाचारे,जमादिलास्वर ६,मेषे अश्वि.भौमः १८।१३,D
मन्वादि, गणगौरी पूजा,मत्स्योत्पत्तिः,अरुन्धतीव्रतंपूजनञ्च,मनोरथ A
भ. ८।१९ उ. २१।२९ या.[F विद्या १,कल्पादि [D उभा.बुधः १४।१५
कल्पादि,डोलोत्सवः [A तृतीयाव्र.,सौभाग्यशयनव्र.,शिवशक्तिपू., C
स्कन्द षष्ठी व्र. [G पूर्वस्याम् २८।१७, भर. शुक्रः ११।२२
भ. २८।५८ उ., प्राशस्त्य योगं २८।५८ से सू.उ. तक
भ. १८।०२ या., भवान्युत्पत्तिः, अशोककलिका प्राशनं
श्री रामनवमी, सायन वृषे भानुः २७।१४ [E अश्वमेधयज्ञफलं
[C मेषे अश्वि. रविः २४।४४ (सौरः २६।५९), रोहि.-४ गुरुः १९।४५
भ. २०।५५ उ., भा. बैशाख्यारंभः, रेव. बुधः ६।४५, बुधास्तः G
भ. ८।४४ या., कामदा ११ व्र., लक्ष्मीकान्त दोलोत्सवः
प्रदोषः, हरि दमनोत्सवः, शुक्रोदयः पश्चिमायाम् २९।३९ शुक्रोदयः पश्चिमायाम्
भ. २८।०२ उ.,जैन महावीर जयंती,शिव पूजन विशेषः
[B पूर्णिमा व्रतंपुण्यञ्च, वैशाख्य स्नानारंभः, चित्रान्नदानं भक्षणञ्च, E
भ. १४।४६ या., स्वप्नग्रासं चन्द्रग्रहणम्, मन्वादि, श्रीहनुमज्जयंती, B

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

संक्रांति फलम्

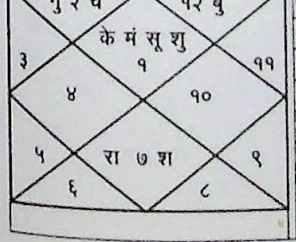
ता. १३ अप्रेल २०१३
चैत्र शु. ३ शनौ मेषेऽर्कः प्र. (स्टै.)
टा. २४।४४ वारात् ३ नक्षत्रात् ३
वारनाम राक्षसी चाण्डालान् सुस्सदा
नक्षत्रनाम मिश्रा पशून् सुस्सदा अपर
रात्रि ३ प्रहर व्यापिनी नटान् हन्ति,
पूर्वे गमनमाग्नेयां दृष्टिः वणिजकरणे
प्रविष्टा मध्यमफलं महिषवाहनं
उष्ट्रोपवाहनं क्रौशकारक श्यामवस्त्रं
तोमरायुधं स्वप्परपात्रं दधिभक्षणं
अलक्तकलेपनं मृगजातिः अर्कपत्रपुष्पं
मणीभूषणं पाण्डुकंचुकी प्रगल्भावस्था
(बैठी) मु. ३० धान्यभावे सम वत्स
पश्चिमा. राहु दक्षिणे मूलं पाताले
वियाहस्तंभो नैऋत्यां शुक्रास्तः
पूर्वस्याम् । पुण्यकालः (स्टै.) १८।४४
से रविवार ६।४४ तक । (दान-
मेष) ।

ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	अप्रे.	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	सायँ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ
११।२७।१८।४३	१ गु	११	६।२२	७।५८	९।५४	१२।०९	२।२९	४।४६	७।०१	९।२०	११।३९	१।४४	३।२७	४।५६
११।२८।१७।३१	२ शु	१२	६।१८	७।५४	९।५०	१२।०५	२।२५	४।४२	६।५७	९।१७	११।३५	१।४०	३।२३	४।५२
११।२९।१६।१६	३ श	१३	६।१४	७।५०	९।४६	१२।०१	२।२१	४।३८	६।५३	९।१३	११।३१	१।३६	३।१९	४।४८
००।००।१५।००	४ र	१४	६।१०	७।४६	९।४२	११।५७	२।१७	४।३४	६।५०	९।०९	११।२७	१।३२	३।१५	४।४४
००।०१।१३।४०	५ चं	१५	६।०६	७।४२	९।३८	११।५३	२।१३	४।३०	६।४६	९।०५	११।२३	१।२८	३।११	४।४०
००।०२।१२।१९	६ मं	१६	६।०२	७।३८	९।३४	११।४९	२।०९	४।२६	६।४२	९।०१	११।१९	१।२४	३।०७	४।३६
००।०३।१०।५५	७ बु	१७	५।५८	७।३४	९।३०	११।४५	२।०५	४।२२	६।३८	८।५७	११।१५	१।२०	३।०३	४।३२
००।०४।०९।२९	८ गु	१८	५।५४	७।३०	९।२६	११।४१	२।०१	४।१८	६।३४	८।५३	११।११	१।१६	२।५९	४।२८
००।०५।०८।०१	८ शु	१९	५।५०	७।२६	९।२२	११।३७	१।५७	४।१४	६।३०	८।४९	११।०८	१।१२	२।५५	४।२४
००।०६।०६।३१	९ श	२०	५।४६	७।२२	९।१८	११।३३	१।५३	४।१०	६।२६	८।४५	११।०४	१।०८	२।५२	४।२०
००।०७।०४।५८	१० र	२१	५।४२	७।१८	९।१४	११।२९	१।४९	४।०६	६।२२	८।४१	११।००	१।०४	२।४८	४।१६
००।०८।०३।२४	११ चं	२२	५।३८	७।१४	९।११	११।२५	१।४५	४।०२	६।१८	८।३७	१०।५६	१।००	२।४४	४।१२
००।०९।०१।४७	१२ मं	२३	५।३४	७।१०	९।०७	११।२१	१।४१	३।५८	६।१४	८।३३	१०।५२	१२।५६	२।४०	४।०८
००।१०।००।०८	१३ बु	२४	५।३०	७।०६	९।०३	११।१७	१।३७	३।५४	६।१०	८।२९	१०।४८	१२।५२	२।३६	४।०४
००।१०।५८।२६	१४ गु	२५	५।२६	७।०३	८।५९	११।१३	१।३३	३।५०	६।०६	८।२५	१०।४४	१२।४९	२।३२	४।००

अयनांशाः २४।०१।४५

पं. १ चै.शु. ४ र. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
०	०	११	१	०	६	६	०
००	०१	०५	२०	०४	१५	२४	२४
१३	०७	४१	०४	२४	२४	०४	०४
२०	५९	५३	५०	२०	४७	४८	४८
५८	४५	८८	११	७४	४	३	३
४६	१९	००	१३	१७	१९	११	११
अ	अ	उभा	रो	अ	स्वा	वि	भ
१	१	१	४	२	३व	२	४



अयनांशाः २४।०१।४६

पं. २ चै.शु.१० र. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
०	०	११	१	०	६	६	०
०७	०६	१६	२१	१३	१४	२३	२३
०३	२३	३७	२५	०३	५३	४२	४२
४३	५८	०६	०२	३४	५८	३३	३३
५८	४४	१०/११	११	७४	४	३	३
३२	५९	०४	४६	०९	३०	११	११
अ	अ	उभा	रो	अ	स्वा	वि	भ
३	२	४	४	४	३व	२	४



CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

॥ श्रीवल्लभ मनीराम पञ्चाङ्गम् ॥

२६ अप्रेल से १० मई तक, श्री वैशाख कृष्णपक्ष संवत् २०७०, शाकः १९३५, दि.मा.सू. सू. तारीख स्टै. प्रातः दैनिक ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे चैत्रकृष्णेति गुर्जराः, अप्रेल-मई २०१३

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	च.प.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
गद	१	शु	४१	१८	२२	३०	स्वा	२२	३०	१४	५९	सि	२६	२८	१६	३४	बा	१५	०१	११	५९	३२/३७	५/५९	६/५७	६	१५	२६	तुला.	०।१११४९।३६	५८।१५
शुभ	२	श	३३	३६	१९	२४	विशा	१६	५३	१२	४३	व्य	१७	२९	१२	५८	तै	७	३०	८	५८	३०	५८	५८	७	१६	२७	वृश्चि. ७।१८	०।१२।४७।५१	५८।१३
च.ब्र.	३	र	२५	४९	१६	१७	अनु	११	०५	१०	२३	व	८/५९	२०/२३	९/२९	१७/३८	वि	२५	४९	१६	१७	३४	५७	५९	८	१७	२८	वृश्चि.	०।१३।४६।०४	५८।११
पद्म	४	सो	१८	१४	१३	१४	ज्ये	५	२३	८	०५	शि	५०	२८	२६	०८	बा	१८	१४	१३	१४	३७	५६	५९	९	१८	२९	धनु. ८।०५	०।१४।४४।१४	५८।०९
छत्र	५	मं	११	०७	१०	२२	मूल	०/५५	०७/३०	५/२८	५८/०७	सि	४२	१६	२२	५०	तै	११	०७	१०	२२	४१	५५	७/००	१०	१९	३०	धनु.	०।१५।४२।२३	५८।०७
वज्र	६	बु	४	४५	७	४९	उषा	५१	५१	२६	३९	सा	३४	४६	१९	४९	व	४	४५	७	४९	४४	५५	००/११	२०	१	मक. ९।४३	०।१६।४०।२९	५८।०४
क्षयः	७	बु	५९	१८	२९	३८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
ध्वजा	८	गु	५५	०२	२७	५४	श्रव	४९	१८	२५	३७	शु	२८	०९	१७	०९	बा	२७	०२	१६	४२	४८	५४	०१	१२	२१	२	मक.	०।१७।३८।३४	५८।०२
घाता	९	शु	५२	०१	२६	४१	धनि	४८	०१	२५	०५	शु	२२	३०	१४	५३	तै	२३	२२	१५	१४	५१	५३	०१	१३	२२	३	कुंभे १३।१७	०।१८।३६।३६	५८।००
आनन्द	१०	श	५०	२१	२६	०१	शत	४८	०२	२५	०५	ब्र	१७	५६	१३	०२	व	२१	०२	१४	१७	५५	५२	०२	१४	२३	४	कुंभे	०।१९।३४।३७	५७।५९
ए.ब्र.	११	र	५०	०२	२५	५२	पूभा	४९	२३	२५	३७	ऐ	१४	२५	११	३८	ब	२०	०३	१३	५२	५८	५१	०३	१५	२४	५	मीने १९।२६	०।२०।३२।३५	५७।५७
गद	१२	सो	५०	५९	२६	१४	उभा	५१	५९	२६	३८	वै	११	५९	१०	३८	कौ	२०	२२	१३	५९	३३/०५	५१	०३	१६	२५	६	मीने	०।२१।३०।३२	५७।५५
प्र.ब्र.	१३	मं	५३	०८	२७	०५	रेव	५५	४५	२८	०८	वि	१०	३१	१०	०२	ग	२१	५६	१४	३६	०४	५०	०४	१७	२६	७	मेषे २८।०८	०।२२।२८।२७	५७।५३
मृत्यु	१४	बु	५६	२२	२८	२२	अश्वि	...	...	..	..	प्री	९	५८	९	४९	वि	२४	३९	१५	४१	०८	४९	०४	१८	२७	८	मेषे	०।२३।२६।१९	५७।५१
मानस	३०	गु	...	...	...	..	अश्वि	०	३५	६	०३	आ	१०	१३	९	५४	च	२८	२०	१७	०९	११	४९	०५	१९	२८	९	मेषे	०।२४।२४।१०	५७।४९
अमाव.	३०	शु	०	३२	६	०१	भर	६	१७	८	१९	सौ	११	१०	१०	१६	ना	०	३२	६	०१	१४	४८	०५	२०	२९	१०	वृषे १४।५६	०।२५।२१।५९	५७।४७

दैनिक ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे चैत्रकृष्णेति गुर्जराः, अप्रेल-मई २०१३

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।

ग्रहण-करिदिन

भ. २९।५० उ., भर. रविः १६।३४ (सौरः १९।१३), B

भ. १६।१७ या., चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः २१।५५, मेषे अश्वि. बुधः A

मूले रे. ९ ।।।।।।।ऽ।। दिवा ल. ३।५, रात्रौ गो. १०।१२ C

भर. भौमः १३।०६, मृगे-१ गुरुः १८।४२

भ. ७।४९ उ. १८।४० या., मई ५ ता. ३१

[A १८।३१, विशा.-१ राहुः ८।१४, भर.-३ केतुः ८।१४

बूढो वास्योड़ो, कृत्ति. शुक्रः ६।३८

पंचक प्रारम्भः १३।१७ [B अगस्त्यास्तः १८।२५

भ. १४।१७ उ. २६।०१ या., वृषे शुक्रः २३।३४

वरुथिनि ११ व्र., भर. बुधः १२।४२

उभा. रे. ७ ऽऽ।।।।ऽ।। दिवा ल. ५।६, रात्रौ १० (कन्या चं. ७ पू.)

भ. २७।०५ उ., पंचक समाप्तिः २८।०८, प्रदोषः, टैगोर जयन्ती

भ. १५।४१ या., मासिकशिवरात्री व्र.

पितृकार्येऽमा. C (मिथु. चं. ७ पू., गोधू.भौ.७दो.), अनुसूया जयंती

देवकार्येऽमा.

अयनांशाः २४।०९।४७

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

मास फलम्

अयनांशाः २४।०९।४८

पं. ३ बै.कृ. ३ र. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
०	०	११	१	०	६	६	०
१३	११	२९	२२	२१	१४	२३	२३
५२	३७	००	४८	४१	२२	२०	२०
३३	३३	५०	५२	५५	१६	१८	१८
५८	४४	१९३	१२	७४	४	३	३
१९	३७	०४	१५	०१	३३	११	११
भ	अ	रे	रो	भ	स्वा	वि	भ
१	४	४	४	३	३व	२	४



ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	अप्रे.	प्रातः-	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	सायँ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ
००।१९।५६।४३	१ शु	२६	५।२२	६।५९	८।५५	११।०९	१।३०	३।४६	६।०२	८।२१	१०।४०	१२।४५	२।२८	३।५६
००।१२।५४।५८	२ श	२७	५।१९	६।५५	८।५१	११।०६	१।२६	३।४२	५।५८	८।१७	१०।३६	१२।४१	२।२४	३।५३
००।१३।५३।१०	३ र	२८	५।१५	६।५१	८।४७	११।०२	१।२२	३।३९	५।५४	८।१३	१०।३२	१२।३७	२।२०	३।४९
००।१४।५१।२०	४ चं	२९	५।११	६।४७	८।४३	१०।५८	१।१८	३।३५	५।५०	८।१०	१०।२८	१२।३३	२।१६	३।४५
००।१५।४९।२९	५ मं	३०	५।०७	६।४३	८।३९	१०।५४	१।१४	३।३१	५।४६	८।०६	१०।२४	१२।२९	२।१२	३।४१
००।१६।४७।३५	६ बु	१	५।०३	६।३९	८।३५	१०।५०	१।१०	३।२७	५।४३	८।०२	१०।२०	१२।२५	२।०८	३।३७
००।१७।४५।३९	८ गु	२	४।५९	६।३५	८।३१	१०।४६	१।०६	३।२३	५।३९	७।५८	१०।१६	१२।२१	२।०४	३।३३
००।१८।४३।४१	९ शु	३	४।५५	६।३१	८।२७	१०।४२	१।०२	३।१९	५।३५	७।५४	१०।१२	१२।१७	२।००	३।२९
००।१९।४१।४२	१० श	४	४।५१	६।२७	८।२३	१०।३८	१२।५८	३।१५	५।३१	७।५०	१०।०८	१२।१३	१।५६	३।२५
००।२०।३९।४०	११ र	५	४।४७	६।२३	८।१९	१०।३४	१२।५४	३।११	५।२७	७।४६	१०।०४	१२।०९	१।५२	३।२१
००।२१।३७।३६	१२ चं	६	४।४३	६।१९	८।१५	१०।३०	१२।५०	३।०७	५।२३	७।४२	१०।०१	१२।०५	१।४८	३।१७
००।२२।३५।३०	१३ मं	७	४।३९	६।१५	८।११	१०।२६	१२।४६	३।०३	५।१९	७।३८	९।५७	१२।०१	१।४५	३।१३
००।२३।३३।२३	१४ बु	८	४।३५	६।११	८।०७	१०।२२	१२।४२	२।५९	५।१५	७।३४	९।५३	११।५७	१।४१	३।०९
००।२४।३१।१३	३० गु	९	४।३१	६।०७	८।०४	१०।१८	१२।३८	२।५५	५।११	७।३०	९।४९	११।५३	१।३७	३।०५
००।२५।२९।०२	३० शु	१०	४।२७	६।०३	८।००	१०।१४	१२।३४	२।५१	५।०७	७।२६	९।४५	११।४९	१।३३	३।०१

इस माह में पांच शुक्रवार होने से प्रजा की वृद्धि हो यथा- ॥प्रजावृद्धिरतु भार्गवे॥ पांच शनिवार होने से महँगाई हो। शुक्रवारी अमावस को उद्धत मेघों से जलप्रंश हो, अमावस्या भरणी योग सुभिक्ष कारक है। शुक्ला पंचमी को बुधवार होने से पवन अधिक चले। शुक्लाष्टमी को शनिवार होने से जल शोष, प्रजापीड़ित और राजनीति हलचल हो। शु. चतुर्दशी को शुक्रवार होने से पृथ्वी पर अन्नोत्पत्ति उत्तम हो। पूर्णिमा शनिवार और अनुराधा युक्त होने से महर्धता हो। मंगलवार की सक्रांति होने से धान्यादि एवं लाल वर्ण वाली सभी वस्तुओं के भाव तेज हों, प्रजा में विग्रह हो, कहीं-कहीं हिंसादि हो, अग्निभय हो, घृत तेल लवण रस कपूर चंदन ये सब महँगे हों।

अयनांशाः २४।०९।४८

पं. ४ बै.कृ.११ र. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
०	०	०	१	१	६	६	०
२०	१६	१२	२४	००	१३	२२	२२
३९	४८	४४	१५	१९	५०	५८	५८
५५	४०	४३	५१	२४	३१	०४	०४
५८	४४	१२३	१२	७३	४	३	३
०७	१६	४५	३९	५४	३०	११	११
भ	भ	अ	मृ	कृ	स्वा	वि	भ
३	२	४	१	२	३व	१	३



CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

॥ श्रीवल्लभ मनीराम पञ्चाङ्गम् ॥

११ मई से २५ मई तक, श्री वैशाख शुक्लपक्ष संवत् २०७०, शाकः १९३५, दि.मा.सू. सू. तारीख स्टै. प्रातः दैनिक केतकी अहर्गणः ७६६ ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे, मई २०१३

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
ध्वजा	१	श	५	३२	८	००	कृति	१२	४५	१०	५३	शो	१२	४४	१०	५३	ब	५	३२	८	००	३३ १७	५ ४७	७ ०६	२१	३०	११	वृषे	०।२६।१९।४६	५७।४५
धाता	२	र	११	११	१०	१५	रोहि	१९	५२	१३	४४	अ	१४	४८	११	४२	कौ	११	११	१०	१५	२०	४७	०७	२२	१	१२	मिथु. २७।१३	०।२७।१७।३२	५७।४४
अक्षया	३	सो	१७	२१	१२	४२	मृग	२७	२६	१६	४५	सु	१७	१५	१२	४०	ग	१७	२१	१२	४२	२३	४६	०७	२३	२	१३	मिथु.	०।२८।१५।१५	५७।४२
चर	४	मं	२३	४२	१५	१४	आर्द्रा	३५	०९	१९	४९	धृ	१९	५२	१३	४२	वि	२३	४२	१५	१४	२६	४५	०८	२४	३	१४	मिथु.	०।२९।१२।५७	५७।४०
गद	५	बु	२९	५०	१७	४१	पुन	४२	३५	२२	४७	शू	२२	१९	१४	४०	बा	२९	५०	१७	४१	२९	४५	०८	२५	४	१५	कर्के १६।०४	१।००।१०।३७	५७।३८
शुभ	६	गु	३५	१६	१९	५१	पुष्य	४९	१३	२५	२६	गं	२४	१७	१५	२७	कौ	२	४२	६	४९	३१	४४	०९	२६	५	१६	कर्के	१।०१।०८।१५	५७।३७
मृत्यु	७	शु	३९	२९	२१	३१	श्लेष	५४	३६	२७	३४	वृ	२५	२४	१५	५३	ग	७	३४	८	४५	३४	४४	०९	२७	६	१७	सिंहे २७।३४	१।०२।०५।५२	५७।३५
पद्म	८	श	४२	०५	२२	३३	मघा	५८	२१	२९	०४	ध्रु	२५	१९	१५	५९	वि	११	०९	१०	०८	३७	४३	१०	२८	७	१८	सिंहे	१।०३।०३।२७	५७।३३
छत्र	९	र	४२	४७	२२	५०	पूफा	...	...	...	...	व्या	२३	५०	१५	१५	बा	१२	४१	१०	४७	४०	४३	११	२९	८	१९	सिंहे	१।०४।०१।००	५७।३२
ध्वजा	१०	सो	४१	३१	२२	१९	पूफा	०	१४	५	४८	ह	२०	४७	१४	०१	तै	१२	२४	१०	४०	४२	४२	११	३०	९	२०	कन्या ११।५२	१।०४।५८।३२	५७।३०
ए.व्र.	११	मं	३८	१९	२१	०१	उफा	० ५८	१० १३	५ २८	४६ ५९	व	१६	११	१२	१०	व	१०	१०	९	४६	४५	४२	१२	३१	१०	२१	कन्या	१।०५।५६।०२	५७।२९
प्र.व्र.	१२	बु	३३	२१	१९	०२	चित्रा	५४	३६	२७	३२	सि	१०	०५	९	४४	ब	६	०३	८	०७	४७	४१	१२	१	११	२२	तुला. १६।२०	१।०६।५३।३०	५७।२७
सुस्थिर	१३	गु	२६	५२	१६	२६	स्वा	४९	३४	२५	३१	व्य	२ ५४	३९ ०५	६ २७	४५ ५९	कौ	०	१७	५	४८	४९	४१	१३	२	१२	२३	तुला.	१।०७।५०।५८	५७।२६
मातङ्ग	१४	शु	१९	१०	१३	२१	विशा	४३	२९	२३	०४	प	४४	४०	२३	३३	व	१९	१०	१३	२१	५२	४१	१३	३	१३	२४	वृश्चि. १७।४३	१।०८।४८।२३	५७।२४
पूर्णिमा	१५	श	१०	३७	९	५५	अनु	३६	४१	२०	२१	शि	३४	४२	१९	३३	ब	१०	३७	९	५५	५४	४०	१४	४	१४	२५	वृश्चि.	१।०९।४५।४७	५७।२३

[F मृगे रे. ९ ॥ऽगु।।।।।।। दिवा ल. ६, शिवाजी जयंती, परशुराम जयंती, रक्षव ७, रोहि. शुक्रः २६।३५ [K रोहि. रविः ७।०० (सौरः ११।३७)

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह वारादि का समय स्टै.टा.में है।
चंद्रदर्शनम् (मु.४५), रोहि. रे. ९ ऽ।।।।।।।। दिवा ल. ५।६, रात्रौ B
रोहि. रे. ९ ऽ।।।।।।।। दिवा ल. ३।५ (सिंह स्टै. १३।४४ या.), F
भ. २५।५८ उ., युगादि, कल्पादि, अक्षय तृतीया, वृषे बुधः ८।०८
भ.१५।१४ या., वृषे रविः २१।३८ (सौरः २५।२०) [B ल.१०।११, C
श्रीआद्यशंकराचार्य जयंती [C कृत्ति.रविः १०।४५ (सौरः१४।११), D
श्री रामानुज जयंती, मृगे-२ गुरुः १०।०० [D कृत्ति. बुधः १९।२७, E
भ.२१।३१ उ.,गंगोत्पत्ति, रोहि.बुधः२२।१७ [E (व) स्वा.-२ शनिः२७।०३
भ. १०।०८ या., मघा रे. ८ ऽ।।।।।ऽ।। दिवा ल. ६, रात्रौ अ.गो. G
सीता ९ [G १०।११ (कुंभे चं. ७ पू.), कृत्ति. भौमः १६।५४
उफा.रे. ८ ।ऽ।।।।ऽ।। दिवा ल.३।५, रात्रौ गो. १०।११, सायन H
भ. ९।४६ उ. २१।०१ या.,हस्ते रे. ९ ।।।।।ऽ।।। रात्रौ ल. १०।११, J
प्रदोषः, भा. ज्येष्ठारंभः [J मोहिनी ११ व्र., बुधोदयः पश्चि. ८।३२
नृसिंह १४,वृषेभौमः ७।२२,मृगे शुक्रः २३।१० [H मिथुने भानुः२६।२२
भ. १३।२१ उ. २३।४० या., कूर्मोत्पत्तिः, मृगे बुधः ९।३५
पूर्णिमा व्रतंपुण्यञ्च, वैशाख्स्नानपूर्तिः, धर्म प्रीत्यर्थं जलकुंभदानं, K

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

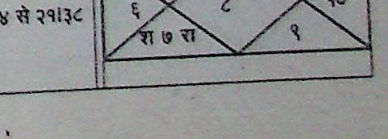
संक्रांति फलम

ता. १४ मई २०१३
वैशा. शु. ४ भौमे वृषेऽर्कः प्र. (स्टै.)
टा. २१।३८ वारात् ४ नक्षत्रात् ५
वारनाम महोदरी चोरान् सुस्पदा
नक्षत्रनाम महोदरी चोरान् सुस्पदा
प्रदोष व्यापिनी पिशाचान् हन्ति, दक्षिणे
गमनं नैऋत्यां दृष्टिः बवकरणे प्रविष्टा
मध्यमफलं सिंहवाहनं गजोपवाहनं
भीतिकारक श्वेतवस्त्रं भुशुण्ड्यायुधं
स्वर्णपात्रं अन्नभक्षणं कस्तूरीलेपनं
दैवतंजातिः पुन्नागपुष्पं पिरोजभूषणं
विचित्रकंचुकी बालावस्था (बैठी) मु.
४५ धान्यभावे समर्घ वत्स उत्तरे राहु
पश्चिमा. मूलं पाताले विवाहस्तंभो
ऽग्निकोणे शुक्रोदयः पश्चिमायाम् ।
पुण्यकालः (स्टै.) १५।१४ से २१।३८
तक । (दान- गौ) ।

अयनांशाः २४।०१।५०

पं. ६ वै.शु. ९ र. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
१	०	१	१	१	६	६	०
०४	२७	१२	२७	१७	१२	२२	२२
१०	०३	४८	१७	३१	५०	१३	१३
४४	१६	१९	१५	५६	०२	३४	३४
५७	४३	१२	१३	७३	४	३	३
४५	३१	४०	१६	४०	०३	११	११
कृ	कृ	रो	मृ	रो	स्वा	वि	भ
३	१	१	२	३	२	१	३



अयनांशाः २४।०१।४९

पं. ५ वै.शु. २ र. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
०	०	०	१	१	६	६	०
२७	२१	२७	२५	०८	१३	२२	२२
२५	५७	३६	४५	५६	१९	३५	३५
५७	१५	०७	२७	०३	३०	४९	४९
५७	४३	१३०	१३	७३	४	३	३
५५	५४	५९	००	४७	१९	११	११
कृ	भ	कृ	मृ	कृ	स्वा	वि	भ
१	३	१	१	४	२व	१	३



ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	मई	रात्रौ	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	सार्यं	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ
००।२६।२६।४९	१ श	११	४।२३	५।५९	७।५६	९०।१०	१२।३०	२।४७	५।०३	७।२२	९।४१	११।४५	१।२९	२।५७
००।२७।२४।३४	२ र	१२	४।१९	५।५६	७।५२	९०।०६	१२।२७	२।४३	४।५९	७।१८	९।३७	११।४२	१।२५	२।५३
००।२८।२२।१७	३ चं	१३	४।१५	५।५२	७।४८	९०।०३	१२।२३	२।३९	४।५५	७।१४	९।३३	११।३८	१।२१	२।४९
००।२९।१९।५९	४ मं	१४	४।१२	५।४८	७।४४	९।५९	१२।१९	२।३५	४।५१	७।१०	९।२९	११।३४	१।१७	२।४६
०१००।१७।३८	५ बु	१५	४।०८	५।४४	७।४०	९।५५	१२।१५	२।३२	४।४७	७।०६	९।२५	११।३०	१।१३	२।४२
०१०१।१५।१६	६ गु	१६	४।०४	५।४०	७।३६	९।५१	१२।११	२।२८	४।४३	७।०३	९।२१	११।२६	१।०९	२।३८
०१०२।१२।५३	७ शु	१७	४।००	५।३६	७।३२	९।४७	१२।०७	२।२४	४।३९	६।५९	९।१७	११।२२	१।०५	२।३४
०१०३।१०।२७	८ श	१८	३।५६	५।३२	७।२८	९।४३	१२।०३	२।२०	४।३६	६।५५	९।१३	११।१८	१।०१	२।३०
०१०४।०८।०१	९ र	१९	३।५२	५।२८	७।२४	९।३९	११।५९	२।१६	४।३२	६।५१	९।०९	११।१४	१२।५७	२।२६
०१०५।०५।३२	१० चं	२०	३।४८	५।२४	७।२०	९।३५	११।५५	२।१२	४।२८	६।४७	९।०५	११।१०	१२।५३	२।२२
०१०६।०३।०२	११ मं	२१	३।४४	५।२०	७।१६	९।३१	११।५१	२।०८	४।२४	६।४३	९।०१	११।०६	१२।४९	२।१८
०१०७।००।३०	१२ बु	२२	३।४०	५।१६	७।१२	९।२७	११।४७	२।०४	४।२०	६।३९	८।५७	११।०२	१२।४५	२।१४
०१०७।५७।५७	१३ गु	२३	३।३६	५।१२	७।०८	९।२३	११।४३	२।००	४।१६	६।३५	८।५४	१०।५८	१२।४१	२।१०
०१०८।५५।२२	१४ शु	२४	३।३२	५।०८	७।०४	९।१९	११।३९	१।५६	४।१२	६।३१	८।५०	१०।५४	१२।३८	२।०६
०१०९।५२।४६	१५ श	२५	३।२८	५।०४	७।००	९।१५	११।३५	१।५२	४।०८	६।२७	८।४६	१०।५०	१२।३४	२।०२

CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

॥ श्रीवल्लभ मनीराम पञ्चाङ्गम् ॥

२६ मई से ८ जून तक, श्री ज्येष्ठ कृष्णपक्ष संवत् २०७०, शाकः १९३५, दि.मा.सू. सू. तारीख स्टै. प्रातः दैनिक ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे वैशाख्यकृष्णेति गुर्जराः, मई-जून २०१३

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
काण	१	र	१	३४	६	१८	ज्ये	२९	३७	१७	३१	सि	२४	२८	१५	२७	कौ	१	३४	६	१८	३३ ५६	५ ४०	७ १४	५	१५	२६	धनु.	१७।३१	१।१०।४३।१०	५७।२१
क्षयः	२	र	५२	२५	२६	३८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
लुम्बक	३	सो	४३	३५	२३	०६	मूल	२२	३९	१४	४३	सा	१४	१७	११	२३	व	१७	५७	१२	५१	५८	४०	१५	६	१६	२७	धनु.		१।११।४०।३१	५७।२०
च.व्र.	४	मं	३५	२५	१९	४९	पूषा	१६	१४	१२	०९	शु	४ ५५	३९ २६	७ २७	२८ ५०	ब	९	२४	९	२५	३४ ००'	३९	१६	७	१७	२८	मक.	१७।३३	१।१२।३७।५१	५७।१९
मुद्गर	५	बु	२८	१८	१६	५८	उषा	१०	४४	९	५७	ब्र	४७	२०	२४	३५	कौ	१	४३	६	२०	०२	३९	१६	८	१८	२९	मक.		१।१३।३५।१०	५७।१७
ध्वजा	६	गु	२२	३४	१४	४०	श्रव	६	३९	८	१५	ऐ	४०	२७	२१	५०	व	२२	३४	१४	४०	०४	३९	१७	९	१९	३०	कुंभे	१९।३८	१।१४।३२।२७	५७।१६
धाता	७	शु	१८	२६	१३	०१	धनि	३	५०	७	११	वै	३४	५७	१९	३७	ब	१८	२६	१३	०१	०६	३९	१७	१०	२०	३१	कुंभे		१।१५।२९।४३	५७।१५
आनन्द	८	श	१६	०४	१२	०४	शत	२	५४	६	४८	वि	३०	५२	१७	५९	कौ	१६	०४	१२	०४	०८	३८	१८	११	२१	०	मीने	२४।५९	१।१६।२६।५८	५७।१४
चर	९	र	१५	२९	११	५०	पूभा	३	४४	७	०८	प्री	२८	१३	१६	५६	ग	१५	२९	११	५०	०९	३८	१८	१२	२२	२	मीने		१।१७।२४।११	५७।१२
गद	१०	सो	१६	३९	१२	१८	उभा	६	१७	८	०९	आ	२६	५५	१६	२४	वि	१६	३९	१२	१८	११	३८	१९	१३	२३	३	मीने		१।१८।२१।२४	५७।११
ए.व्र.	११	मं	१९	२०	१३	२२	रेव	१०	२२	९	४७	सौ	२६	४७	१६	२१	बा	१९	२०	१३	२२	१२	३८	१९	१४	२४	४	मेषे	९।४७	१।१९।१८।३५	५७।१०
प्र.व्र.	१२	बु	२३	१६	१४	५६	अश्वि	१५	४२	११	५५	शो	२७	३५	१६	४०	तै	२३	१६	१४	५६	१४	३८	१९	१५	२५	५	मेषे		१।२०।१५।४५	५७।०९
पद्म	१३	गु	२८	०७	१६	५३	भर	२१	५८	१४	२५	अ	२९	०४	१७	१५	व	२८	०७	१६	५३	१५	३८	२०	१६	२६	६	वृषे	२१।०५	१।२१।१२।५५	५७।०८
छत्र	१४	शु	३३	३८	१९	०५	कृति	२८	५३	१७	११	सु	३१	०३	१८	०३	वि	०	४९	५	५७	१६	३८	२०	१७	२७	७	वृषे		१।२२।१०।०३	५७।०७
अमाव.	३०	श	३९	३२	२१	२७	रोहि	३६	१२	२०	०६	धृ	३३	२१	१८	५८	च	६	३२	८	१५	१८	३८	२१	१८	२८	८	वृषे		१।२३।०७।१०	५७।०६

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।
मूले रे. ८ ।S।।S।।।।। रात्रौ ल. १०।११, नारद जयंती, वीणादानं
[E भाऊका ३०, वट सावित्री व्र. (मरु.), मृगे सौरः ११।०१
भ. १२।५१ उ. २३।०६ या., मूले रे. ८ ।S।।S।।।।। दिवा ल. ३ A
अंगारकी चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः २२।३२, उषा. रे. ७ ।।।S।।।S।SD. B
मिथुने शुक्रः ९।४२ [C (कन्या चं.७ पू., मकरःस्टै.२३।५९ यावत्)
भ. १४।४० उ. २५।४५ या., पंचक प्रारम्भः १९।३८ [B दिवा ल. ६
आर्द्रा. बुधः २२।०५, मिथुने मृगे-३ गुरुः ८।२९
जून ६ ता. ३० [A (चं. ७ पू.), मिथुने बुधः २३।२९
भ. २३।५९ उ., उभा. रे. ९ ।।।।।।।S।। दिवा ल. ४।६, रात्रौ १० C
भ. १२।१८ या., आर्द्रा. शुक्रः २०।२३
पंचक समाप्तिः ९।४७, अपरा ११ व्र.
प्रदोषः, गुरोरस्तः पश्चिमायाम् २८।१९
भ. १६।५३ उ., मासिकशिवरात्री व्र., रोहि. D
भ. ५।५७ या., मृगे रविः २८।५४ [D भौमः ६।३६
शनैश्चर जयन्ती, देवपितृकार्येऽमा., बटपूजनम् मरुस्थले, E

गुरोरस्तः पश्चिमायाम्

अयनांशाः २४।०१।५१

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

संक्रांति फलम्

अयनांशाः २४।०१।५१

पं. ७ ज्ये.कृ. १ र. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
१	१	१	१	१	६	६	०
१०	०२	२६	२८	२६	१२	२१	२१
५४	०६	४९	५०	०७	२२	५१	५१
२६	४२	४८	४७	०५	४१	९९	९९
५७	४३	१९०	१३	७३	३	३	३
३६	०९	२०	२९	३३	४०	११	११
रो	कृ	मृ	मृ	मृ	स्वा	वि	भ
१	२	२	२	१	२व	१	३

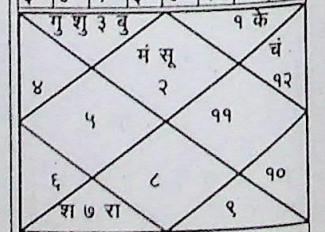


ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	मई	रात्रौ	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	सायं	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ
०९।१०।५०।०९	१ र	२६	३।२४	५।००	६।५७	९।१९	११।३१	१।४८	४।०४	६।२३	८।४२	१०।४६	१२।३०	१।५८
०९।११।४७।३०	३ चं	२७	३।२०	४।५६	६।५३	९।०७	११।२७	१।४४	४।००	६।१९	८।३८	१०।४२	१२।२६	१।५४
०९।१२।४४।४९	४ मं	२८	३।१६	४।५२	६।४९	९।०३	११।२३	१।४०	३।५६	६।१५	८।३४	१०।३८	१२।२२	१।५०
०९।१३।४२।०८	५ बु	२९	३।१२	४।४९	६।४५	८।५९	११।२०	१।३६	३।५२	६।११	८।३०	१०।३५	१२।१८	१।४६
०९।१४।३९।२५	६ गु	३०	३।०८	४।४५	६।४१	८।५५	११।१६	१।३२	३।४८	६।०७	८।२६	१०।३१	१२।१४	१।४२
०९।१५।३६।४१	७ शु	३१	३।०५	४।४१	६।३७	८।५२	११।१२	१।२८	३।४४	६।०३	८।२२	१०।२७	१२।१०	१।३९
०९।१६।३३।५५	८ श	१	३।०१	४।३७	६।३३	८।४८	११।०८	१।२५	३।४०	५।५९	८।१८	१०।२३	१२।०६	१।३५
०९।१७।३१।०९	९ र	२	२।५७	४।३३	६।२९	८।४४	११।०४	१।२१	३।३६	५।५६	८।१४	१०।१९	१२।०२	१।३१
०९।१८।२८।२१	१० चं	३	२।५३	४।२९	६।२५	८।४०	११।००	१।१७	३।३२	५।५२	८।१०	१०।१५	११।५८	१।२७
०९।१९।२५।३२	११ मं	४	२।४९	४।२५	६।२१	८।३६	१०।५६	१।१३	३।२९	५।४८	८।०६	१०।११	११।५४	१।२३
०९।२०।२२।४२	१२ बु	५	२।४५	४।२१	६।१७	८।३२	१०।५२	१।०९	३।२५	५।४४	८।०२	१०।०७	११।५०	१।१९
०९।२१।१९।५१	१३ गु	६	२।४१	४।१७	६।१३	८।२८	१०।४८	१।०५	३।२१	५।४०	७।५८	१०।०३	११।४६	१।१५
०९।२२।१६।५९	१४ शु	७	२।३७	४।१३	६।०९	८।२४	१०।४४	१।०१	३।१७	५।३६	७।५४	९।५९	११।४२	१।११
०९।२३।१४।०६	३० श	८	२।३३	४।०९	६।०५	८।२०	१०।४०	१२।५७	३।१३	५।३२	७।५०	९।५५	११।३८	१।०७

ता. १४ जून २०१३
ज्ये. शु. ५ भृगौ मिथुनेऽर्कः प्र. (स्टै.)
टा. २८।१९ वारात् ४ नक्षत्रात् ४
वारनाम मिश्रा पशून् सुस्थदा नक्षत्रनाम घोरा शूद्रान् सुस्थदा प्रभात रात्रि ४ प्रहर व्यापिनी गोरक्षकान् हन्ति, पश्चिमे गमनं वाय्व्यां दृष्टिः तैतिलकरणे प्रविष्टा नेष्टफलं रासभवाहनं मेषोपवाहनं सुभिक्षकारक अरुणवस्त्रं दण्डायुधं कांस्यपात्रं पक्वान्नभक्षणं मृद्लेपनं पक्षीजातिः केतकीपुष्पं प्रवलभूषणं भूर्जपत्रकंचुकी युवावस्था (सूती) मु. ३० धान्यभावे सम वत्सा उत्तरे राहु पश्चिमा. मूलं स्वर्गे विवाहस्तंभो ऽग्निकोणे शुक्रोदयः पश्चिमायाम् । पुण्यकालः (स्टै.) २८।१९ से शनिवार १०।४३ तक । (दान- वस्त्रात्र) ।

पं. ८ ज्ये.कृ. ९ र. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
१	१	२	२	२	६	६	०
१७	०७	०८	००	०४	११	२१	२१
३७	०७	४३	२५	४१	५८	२९	२९
११	३२	५९	३६	२९	३०	०४	०४
५७	४२	९०	१३	७३	३	३	३
२८	४६	४४	३८	२६	१२	११	११
रो	कृ	आ	मृ	मृ	स्वा	वि	भ
३	४	१	३	४	२व	१	३



CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

९ जून से २३ जून तक, श्री ज्येष्ठ शुक्लपक्ष संवत् २०७०, शाकः १९३५, दि.मा.सू. सू. तारीख्स रटै. प्रातः दैनिक कलकी अहगंणः ७९५ ग्रीष्मर्त्तु रविउत्तरे, जून २०१३

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
सौम्य	१	र	४५	३९	२३	५३	मृग	४३	४४	२३	०७	शू	३५	५१	१९	५८	किं	१२	३५	१०	४०	३४ ३८	५	७ २५	१९	२९	९	मिथु. ९।३६	१।२४।०४।१६	५७।०५
काल	२	सो	५१	४८	२६	२१	आर्द्रा	५१	१८	२६	०९	गं	३८	२२	२०	५८	बा	१८	४४	१३	०७	२०	३८	२२	२०	३०	१०	मिथु.	१।२५।०१।२१	५७।०४
सुस्थिर	३	मं	५७	४६	२८	४४	पुन	५८	४०	२९	०६	वृ	४०	४७	२१	५७	तै	२४	५०	१५	३३	२१	३८	२२	२१	१	११	कर्के २२।२२	१।२५।५८।२५	५७।०३
मातङ्ग	४	बु	...	...	...	...	पुष्य	...	...	...	...	धु	४२	५३	२२	४७	व	३०	३३	१७	५१	२२	३८	२२	२२	२	१२	कर्के	१।२६।५५।२९	५७।०३
शुभ	४	गु	३	१२	६	५४	पुष्य	५	३३	७	५१	व्या	४४	२५	२३	२४	वि	३	१२	६	५४	२२	३८	२३	२३	३	१३	कर्क	१।२७।५२।३१	५७।०२
मृत्यु	५	शु	७	४६	८	४४	श्ले	११	३६	१०	१६	ह	४५	०६	२३	४०	बा	७	४६	८	४४	२३	३८	२३	२४	४	१४	सिंहे १०।१६	१।२८।४९।३३	५७।०१
पद्म	६	श	११	०७	१०	०५	मघा	१६	२७	१२	१३	व	४४	४२	२३	३१	तै	११	०७	१०	०५	२३	३८	२३	२५	५	१५	सिंहे	१।२९।४६।३४	५७।००
छत्र	७	र	१२	५८	१०	४९	पूफा	१९	४७	१३	३३	सि	४३	००	२२	५०	व	१२	५८	१०	४९	२४	३८	२४	२६	६	१६	कन्या १९।४७	२।००।४३।३५	५७।००
श्रीवत्स	८	सो	१३	०३	१०	५२	उफा	२१	२५	१४	१२	व्य	३९	५२	२१	३५	व	१३	०३	१०	५२	२४	३८	२४	२७	७	१७	कन्या	२।०१।४०।३५	५६।५९
सौम्य	९	मं	११	१९	१०	१०	हस्त	२१	१३	१४	०७	व	३५	१५	१९	४४	कौ	११	१९	१०	१०	२५	३८	२४	२८	८	१८	तुला. २५।४९	२।०२।३७।३४	५६।५९
गंगा	१०	बु	७	४३	८	४४	चित्रा	१९	११	१३	१९	प	२९	०९	१७	१८	ग	७	४३	८	४४	२५	३८	२४	२९	९	१९	तुला.	२।०३।३४।३२	५६।५८
ए.ब्र.	११	गु	२	२२	६	३५	स्वा	१५	२७	११	५०	शि	२१	४१	१४	१९	वि	२	२२	६	३५	२५	३९	२५	३०	१०	२०	वृश्चि. २८।१९	२।०४।३९।३०	५६।५७
क्षयः	१२	गु	५५	२९	२७	५०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
प्र.ब्र.	१३	शु	४७	१९	२४	३५	विशा	१०	१४	९	४४	सि	१३	००	१०	५१	कौ	२१	३२	१४	१६	२५	३९	२५	३१	११	२१	वृश्चि.	२।०५।२८।२८	५६।५७
अमृत	१४	श	३८	१३	२०	५६	अनु	३ ५६	४९ ३५	७ २८	११ १७	सा	३ ५३	२० ००*	६ २६	५९ ५१	ग	१२	५१	१०	४८	२५	३९	२५	१	१२	२२	धनु. २८।१७	२।०६।२५।२५	५६।५७
पूर्णिमा	१५	र	२८	३५	१७	०५	मूल	४८	५७	२५	१४	शु	४२	१८	२२	३५	वि	३	२६	७	०२	२५	३९	२५	२	१३	२३	धनु.	२।०७।२२।२१	५६।५६

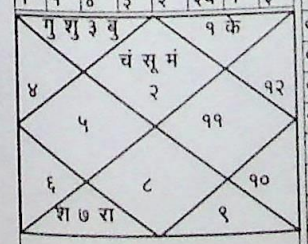
यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।
भाऊका-करिदिन, करिदिनं, श्री गंगादशाश्वमेधस्नान प्रा.
चंद्रदर्शनम् (मु.१५), पुन. बुधः १८।४९
रंभा व्रतं, प्रताप जयंती, सावान ८
भ. १७।५१ उ.
भ. ६।५४ या.
मिथुने रविः २८।१९, मृगे-४ गुरुः २३।००, पुन. शुक्रः १८।१५
मिथुने सौरः १९।१७
भ. १०।४९ उ. २२।५६ या.
दुर्गाष्टमी, धूमावती जयंती [B साध्य ब्र., कबीर जयंती
[C ११।४८, कर्के शुक्रः २३।१०, अयन करिदिन
भ. १९।४५ उ.,गंगा दशहरा ब्र.
भ. ६।३५ या., निर्जला ११ ब्र. [D वाहन मण्डूक अनावृष्टिः
[A भानुः, सायन दक्षिणायन प्रारम्भ १०।२२, सं.स्त्री.नपु.चं.सू.D
प्रदोषः, वट सावित्री व्रतारंभः, आर्द्रा. रविः २७।५६, सायन कर्के A
भ. २०।५६ उ., ज्येष्ठी योगः, भा. आषाढारंभः, आर्द्रा. सौरः C
भ. ७।०२ या., मन्वादि, गुर्जराणां वटसावित्री व्रतं, अब्द B

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	जून	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	सायँ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ
०१।२४।१९।१२	१ र	९	२।२९	४।०५	६।०१	८।१६	९०।३६	९२।५३	३।०९	५।२८	७।४७	९।५१	११।३४	१।०३
०१।२५।०८।१७	२ चं	१०	२।२५	४।०१	५।५७	८।१२	९०।३२	९२।४९	३।०५	५।२४	७।४३	९।४७	११।३१	१२।५९
०१।२६।०५।२१	३ मं	११	२।२१	३।५७	५।५३	८।०८	९०।२८	९२।४५	३।०१	५।२०	७।३९	९।४३	११।२७	१२।५५
०१।२७।०२।२४	४ बु	१२	२।१७	३।५३	५।५०	८।०४	९०।२४	९२।४१	२।५७	५।१६	७।३५	९।३९	११।२३	१२।५१
०१।२७।५९।२६	४ गु	१३	२।१३	३।४९	५।४६	८।००	९०।२०	९२।३७	२।५३	५।१२	७।३१	९।३५	११।१९	१२।४७
०१।२८।५६।२८	५ शु	१४	२।०९	३।४५	५।४२	७।५६	९०।१६	९२।३३	२।४९	५।०८	७।२७	९।३१	११।१५	१२।४३
०१।२९।५३।२९	६ श	१५	२।०५	३।४२	५।३८	७।५२	९०।१२	९२।२९	२।४५	५।०४	७।२३	९।२७	११।११	१२।३९
०२।००।५०।२९	७ र	१६	२।०१	३।३८	५।३४	७।४८	९०।०९	९२।२५	२।४१	५।००	७।१९	९।२४	११।०७	१२।३५
०२।०१।४७।२९	८ चं	१७	१।५८	३।३४	५।३०	७।४५	९०।०५	९२।२१	२।३७	४।५६	७।१५	९।२०	११।०३	१२।३१
०२।०२।४४।२८	९ मं	१८	१।५४	३।३०	५।२६	७।४१	९०।०१	९२।१८	२।३३	४।५२	७।११	९।१६	९०।५९	१२।२८
०२।०३।४१।२६	१० बु	१९	१।५०	३।२६	५।२२	७।३७	९।५७	९२।१४	२।२९	४।४९	७।०७	९।१२	९०।५५	१२।२४
०२।०४।३८।२४	११ गु	२०	१।४६	३।२२	५।१८	७।३३	९।५३	९२।१०	२।२५	४।४५	७।०३	९।०८	९०।५१	१२।२०
०२।०५।३५।२१	१२ शु	२१	१।४२	३।१८	५।१४	७।२९	९।४९	९२।०६	२।२२	४।४१	६।५९	९।०४	९०।४७	१२।१६
०२।०६।३२।१८	१३ श	२२	१।३८	३।१४	५।१०	७।२५	९।४५	९२।०२	२।१८	४।३७	६।५५	९।००	९०।४३	१२।१२
०२।०७।२९।१४	१४ र	२३	१।३४	३।१०	५।०६	७।२१	९।४१	९१।५८	२।१४	४।३३	६।५१	८।५६	९०।३९	१२।०८

अयनांशाः २४।०१।५२

पं. ९ ज्ये.शु. १ र. इष्टघटी ०।००								
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.	
१	१	२	२	२	६	६	०	
२४	१२	१८	०२	१३	११	२१	२१	
१९	०५	१५	०१	१५	३७	०६	०६	
०८	४६	१६	२०	०६	३९	४९	४९	
५७	४२	६८	१३	७३	२	३	३	
२२	२४	४९	४४	१९	४०	११	११	
मृ	रो	आ	मृ	आ	स्वा	वि	भ	
१	१	४	३	२	२व	१	३	



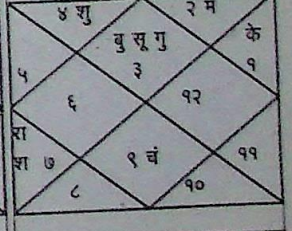
अयनांशाः २४।०१।५३

पं.१० ज्ये.शु. ७ र. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
२	१	२	२	६	६	०	
०१	१७	२५	०३	२१	११	२०	२०
००	०१	०१	३७	४७	२०	४४	४४
२८	२६	३९	३४	५४	४४	३३	३३
५७	४२	४२	१३	७३	२	३	३
१७	०१	५५	४६	११	०४	११	११
मृ	रो	पुन	मृ	पुन	स्वा	वि	भ
३	३	२	४	१	२व	१	३



अयनांशाः २४।०१।५४

पं.११ ज्ये.शु.१५ र. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
२	१	२	२	३	६	६	०
०७	२१	२८	०५	००	११	२०	२०
४१	५४	३५	१३	१९	०८	२२	२२
२०	३१	२८	५६	४५	०७	१७	१७
५७	४१	१३	१३	७३	१	३	३
१४	३९	३१	४५	०१	२६	११	११
आ	रो	पुन	मृ	पुन	स्वा	वि	भ
१	४	३	४	४	२व	१	३



CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

॥ श्रीवत्लभ मनीराम पञ्चाङ्गम् ॥

२४ जून से ८ जुलाई तक, श्री आषाढ़ कृष्णपक्ष संवत् २०७०, शाकः १९३५. दि.मा.सू. सू. तारीस्व स्टै. प्रातः दैनिक वर्षर्तू रविर्दक्षिणे ज्येष्ठकृष्णेति गुर्जराः, जून-जुलाई २०१३

योगाः	ति.	का.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
उत्पात	१	सो	१८	५०	१३	१२	पूषा	४१	२४	२२	१३	ब्र	३१	३७	१८	१८	कौ	१८	५०	१३	१२	३४/२५	५/४०	७/२५	३	१४	२४	मक. २७।३०	२।०८।१९।१७	५६।५६
मानस	२	मं	९	२६	९	२६	उषा	३४	२४	१९	२५	ऐ	२१	१९	१४	१२	ग	९	२६	९	२६	२४	४०	२६	४	१५	२५	मक.	२।०९।१६।१३	५६।५५
च.व्र.	३	बु	०	४९	६	००	श्रव	२८	२४	१७	०२	वै	११	४७	१०	२३	वि	०	४९	६	००	२४	४०	२६	५	१६	२६	कुंभे २८।०३	२।१०।१३।०८	५६।५५
क्षयः	४	बु	५३	२७	२७	०३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
श्रीवत्स	५	गु	४७	३९	२४	४४	धनि	२३	५२	१५	१३	वि	३/५६	२०/१६	७/२८	००/११	कौ	२०	१९	१३	४८	२३	४०	२६	६	१७	२७	कुंभे	२।११।१०।०४	५६।५५
सौम्य	६	शु	४३	४५	२३	११	शत	२१	०६	१४	०७	आ	५०	४७	२५	५९	ग	१५	२७	११	५२	२३	४१	२६	७	१८	२८	कुंभे	२।१२।०६।५८	५६।५५
काल	७	श	४१	५७	२२	२८	पूषा	२०	२१	१३	४९	सौ	४६	५८	२४	२८	वि	१२	३४	१०	४३	२२	४१	२६	८	१९	२९	मीने ७।४९	२।१३।०३।५३	५६।५४
सुस्थिर	८	र	४२	१२	२२	३४	उभा	२१	४०	१४	२१	शो	४४	४९	२३	३७	बा	११	४८	१०	२५	२१	४१	२६	९	२०	३०	मीने	२।१४।००।४८	५६।५४
मातङ्ग	९	सो	४४	२५	२३	२८	रेव	२४	५७	१५	४१	अ	४४	११	२३	२२	तै	१३	०४	१०	५५	२१	४२	२६	१०	२१	१	मेषे १५।४१	२।१४।५७।४२	५६।५४
अमृत	१०	मं	४८	१५	२५	००	अश्वि	२९	५६	१७	४१	सु	४४	५०	२३	३८	व	१६	०८	१२	०९	२०	४२	२६	११	२२	२	मेषे	२।१५।५४।३६	५६।५४
ए.व्र.	११	बु	५३	२०	२७	०२	भर	३६	१४	२०	१२	धृ	४६	२७	२४	१७	व	२०	४०	१३	५८	१९	४३	२६	१२	२३	३	वृषे २६।५३	२।१६।५१।३०	५६।५४
लुम्बक	१२	गु	५९	१०	२९	२३	कृति	४३	२२	२३	०४	शू	४८	४०	२५	११	कौ	२६	१०	१६	११	१७	४३	२६	१३	२४	४	वृषे	२।१७।१४।२४	५६।५४
प्र.व्र.	१३	शु	...	...	...	...	रोहि	५०	५६	२६	०६	गं	५१	१२	२६	१२	ग	३२	१३	१८	३७	१६	४३	२६	१४	२५	५	वृषे	२।१८।४५।१९	५६।५४
वज्र	१३	श	५	१९	७	५१	मृग	५८	३४	२१	०९	वृ	५३	४७	२७	१५	व	५	१९	७	५१	१५	४४	२६	१५	२६	६	मिथु. १५।३८	२।१९।४२।१३	५६।५४
घाड़क्ष	१४	र	१९	३०	१०	२०	आर्द्रा	...	...	...	...	ध्रु	५६	१५	२८	१४	श	११	३०	१०	२०	१४	४४	२६	१६	२७	७	मिथु.	२।२०।३९।०७	५६।५४
अमाव.	३०	सो	१७	२८	१२	४४	आर्द्रा	६	००	८	०९	व्या	५८	२६	२९	०७	ना	१७	२८	१२	४४	१२	४५	२६	१७	२८	८	कर्के २८।१८	२।२१।३६।०२	५६।५५

गुरोरुदयः पूर्वस्याम्

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है ।

भौमोदयः पूर्वस्याम् १५।३७, वक्री बुधः ७।१८

भ. २३।११ उ.

भ. १०।४३ या.,बुधास्तः पश्चिमायाम् ११।०७, आर्द्रा.-१ गुरुः १२।०९

स्वा.-४ राहुः ५।५५, भर.-२ केतुः ५।५५

पंचक समाप्तिः १५।४१, जुलाई ७ ता. ३१

भ. १२।०९ उ. २५।०० या.

योगिनी ११ व्र., गुरोरुदयः पूर्वस्याम् १५।४९

मिथुने भौमः २३।१६

प्रदोषः, पुन. रविः २७।३३, सं.स्त्री.पु.चं.सू.वाहन स्वर वर्षाश्रेष्ठः

भ. ७।५१ उ. २१।०६ या., मासिकशिवरात्री व्र., पुन. सौरः [A

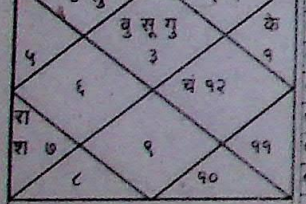
[A १३।१४, श्लेषा. शुक्रः १६।३१

देवपितृकार्येऽमा., सोमवती अमा., मार्गी शनिः २४।३७

अयनांशाः २४।०१।५५

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

पं.१२ आ.कृ. ८ र. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
२	१	२	२	३	६	६	०
१४	२६	२८	०६	०८	११	२०	२०
२१	४५	३७	५०	५०	००	००	००
५५	०४	५२	००	३१	०४	०२	०२
५७	४९	१६	१३	७२	०	३	३
१२	१७	५०	४१	५१	४६	११	११
आ	मृ	पुन	आ	पु	स्वा	वि	भ
३	२	३व	१	२	२व	१	३



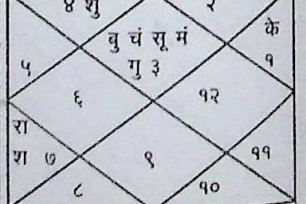
ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	जून	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	सायं	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ
०२।०८।२६।१०	१ चं	२४	१।३०	३।०६	५।०२	७।१७	९।३७	११।५४	२।१०	४।२९	६।४७	८।५२	१०।३५	१२।०४
०२।०९।२३।०६	२ मं	२५	१।२६	३।०२	४।५८	७।१३	९।३३	११।५०	२।०६	४।२५	६।४३	८।४८	१०।३१	१२।००
०२।१०।२०।०१	३ बु	२६	१।२२	२।५८	४।५४	७।०९	९।२९	११।४६	२।०२	४।२१	६।४०	८।४४	१०।२७	११।५६
०२।११।१६।५६	४ गु	२७	१।१८	२।५४	४।५०	७।०५	९।२५	११।४२	१।५८	४।१७	६।३६	८।४०	१०।२४	११।५२
०२।१२।१३।५१	५ शु	२८	१।१४	२।५०	४।४६	७।०१	९।२१	११।३८	१।५४	४।१३	६।३२	८।३६	१०।२०	११।४८
०२।१३।१०।४६	६ श	२९	१।१०	२।४६	४।४२	६।५७	९।१७	११।३४	१।५०	४।०९	६।२८	८।३२	१०।१६	११।४४
०२।१४।०७।४०	७ र	३०	१।०६	२।४२	४।३९	६।५३	९।१३	११।३०	१।४६	४।०५	६।२४	८।२८	१०।१२	११।४०
०२।१५।०४।३४	८ चं	१	१।०२	२।३८	४।३५	६।४९	९।०९	११।२६	१।४२	४।०१	६।२०	८।२४	१०।०८	११।३६
०२।१६।०१।२८	९ मं	२	१२।५८	२।३४	४।३१	६।४५	९।०५	११।२२	१।३८	३।५७	६।१६	८।२०	१०।०४	११।३२
०२।१६।५८।२३	१० बु	३	१२।५४	२।३१	४।२७	६।४१	९।०२	११।१८	१।३४	३।५३	६।१२	८।१७	१०।००	११।२८
०२।१७।५५।१७	११ गु	४	१२।५०	२।२७	४।२३	६।३८	८।५८	११।१४	१।३०	३।४९	६।०८	८।१३	९।५६	११।२४
०२।१८।५२।११	१२ शु	५	१२।४७	२।२३	४।१९	६।३४	८।५४	११।१०	१।२६	३।४५	६।०४	८।०९	९।५२	११।२०
०२।१९।४९।०५	१३ श	६	१२।४३	२।१९	४।१५	६।३०	८।५०	११।०७	१।२२	३।४१	६।००	८।०५	९।४८	११।१७
०२।२०।४५।५९	१४ र	७	१२।३९	२।१५	४।११	६।२६	८।४६	११।०३	१।१८	३।३८	५।५६	८।०१	९।४४	११।१३
०२।२१।४२।५४	३० चं	८	१२।३५	२।११	४।०७	६।२२	८।४२	१०।५९	१।१४	३।३४	५।५२	७।५७	९।४०	११।०९

मास फलम्

अयनांशाः २४।०१।५६

इस माह में पांच सोमवार होने से धान्य सस्ता हो कृष्णा तीज को श्रवण होने से समर्घता कारक है । कृष्णा नौमी को सोमवार होने से सुभिक्ष हो । कृष्णा त्रयोदशी में रोहिणी होने से उत्तम पवन चले । आषाढी अमावस सोमवार आर्द्रा योग समर्घता कारक है । शुक्ल प्रतिपदा में पुनर्वसु नक्षत्र का १३ घटी भोग है अतः २२ प्रतिशत वर्षा हो । शुक्ला पंचमी को शनिवार होने से नाशकारक हवा चले और उत्पात हों । पूर्णिमा पूर्वाषाढा युक्त होने से दुर्भिक्ष हो । पूर्णिमा तीस घटी से अधिक है अतः समर्घता हो, भौम सक्रांति से धान्यादि एवं लाल वर्ण वाली वस्तुओं के भाव तेज हों, प्रजा में विग्रह हो, कहीं-कहीं हिंसादि हो, अग्निभय हो, घृत तेल लवण रस कपूर चंदन ये सब महँगे हों ।

पं.१३ आ.कृ.१४ र. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
२	२	२	२	३	६	६	०
२१	०१	२५	०८	१७	१०	१९	१९
०२	३३	२६	२५	२०	५६	३७	३७
२४	०६	३८	२५	०२	४४	४६	४६
५७	४०	३७	१३	७२	०	३	३
१२	५६	४२	३३	३९	०५	११	११
पुन	मृ	पुन	आ	श्ले	स्वा	स्वा	भ
१	३	२व	१	१	२व	४	२



CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

अशोक

पहाड़े की पुस्तक



हर प्रकार की पुस्तकें मिलने का पता :—

भगवत बुक डिपो

डिप्टी गन्ज बुलन्दशहर

११/८१] [मूल्य २५ पैसे

भगवत प्रिन्टिंग प्रेस, कृष्णनगर, बुलन्दशहर।

CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

गिन्ती रुक से १०० तक

१	२१	२१	३१	४१	५१	६१	७१	८१	९१
२	२२	२२	३२	४२	५२	६२	७२	८२	९२
३	२३	२३	३३	४३	५३	६३	७३	८३	९३
४	२४	२४	३४	४४	५४	६४	७४	८४	९४
५	२५	२५	३५	४५	५५	६५	७५	८५	९५
६	२६	२६	३६	४६	५६	६६	७६	८६	९६
७	२७	२७	३७	४७	५७	६७	७७	८७	९७
८	२८	२८	३८	४८	५८	६८	७८	८८	९८
९	२९	२९	३९	४९	५९	६९	७९	८९	९९
१०	२०	३०	४०	५०	६०	७०	८०	९०	१००
जोड़	१५५	२५५	३५५	४५५	५५५	६५५	७५५	८५५	९५५

पहाड़ा रुक से १० तक

१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०
२	४	६	८	१०	१२	१४	१६	१८	२०
३	६	९	१२	१५	१८	२१	२४	२७	३०
४	८	१२	१६	२०	२४	२८	३२	३६	४०
५	१०	१५	२०	२५	३०	३५	४०	४५	५०
६	१२	१८	२४	३०	३६	४२	४८	५४	६०
७	१४	२१	२८	३५	४२	४९	५६	६३	७०
८	१६	२४	३२	४०	४८	५६	६४	७२	८०
९	१८	२७	३६	४५	५४	६३	७२	८१	९०
१०	२०	३०	४०	५०	६०	७०	८०	९०	१००
जोड़	११०	१६५	२२०	२७५	३३०	३८५	४४०	४९५	५५०

CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

पहाड़ा १९ से २० तक

१९	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०
२२	२४	२६	२८	३०	३२	३४	३६	३८	४०
३३	३६	३९	४२	४५	४८	५१	५४	५७	६०
४४	४८	५२	५६	६०	६४	६८	७२	७६	८०
५५	६०	६५	७०	७५	८०	८५	९०	९५	१००
६६	७२	७८	८४	९०	९६	१०२	१०८	११४	१२०
७७	८४	९१	९८	१०५	११२	११९	१२६	१३३	१४०
८८	९६	१०४	११२	१२०	१२८	१३६	१४४	१५२	१६०
९९	१०८	११७	१२६	१३५	१४४	१५३	१६२	१७१	१८०
११०	१२०	१३०	१४०	१५०	१६०	१७०	१८०	१९०	२००
जोड़ ६०५	६६०	७१५	७७०	८२५	८८०	९३५	९९०	१०४५	११००

पहाड़ा २१ से ३० तक

२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	३०
४२	४४	४६	४८	५०	५२	५४	५६	५८	६०
६३	६६	६९	७२	७५	७८	८१	८४	८७	९०
८४	८८	९२	९६	१००	१०४	१०८	११२	११६	१२०
१०५	११०	११५	१२०	१२५	१३०	१३५	१४०	१४५	१५०
१२६	१३२	१३८	१४४	१५०	१५६	१६२	१६८	१७४	१८०
१४७	१५४	१६१	१६८	१७५	१८२	१८९	१९६	२०३	२१०
१६८	१७६	१८४	१९२	२००	२०८	२१६	२२४	२३२	२४०
१८९	१९८	२०७	२१६	२२५	२३४	२४३	२५२	२६१	२७०
२१०	२२०	२३०	२४०	२५०	२६०	२७०	२८०	२९०	३००
जोड़ ११५५	१२१०	१२६५	१३२०	१३७५	१४३०	१४८५	१५४०	१५९५	१६५०

CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

बड़ा ग्यारह ६१ से २० तक

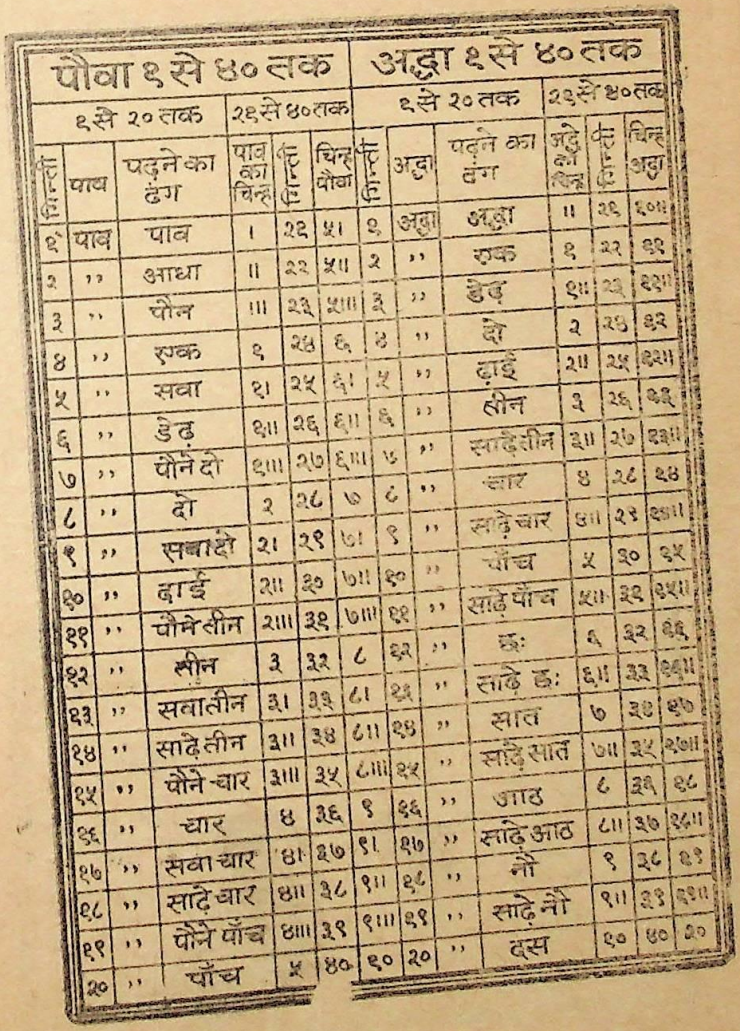
६२१	६३२	६४३	६५४	६६५	६७६	६८७	६९८	२०९	२२०
६३२	६४४	६५६	६६८	६८०	६९२	२०४	२१६	२२८	२४०
६४३	६५६	६६९	६८२	६९५	२०८	२२१	२३४	२४७	२६०
६५४	६६८	६८२	६९६	२१०	२२४	२३८	२५२	२६६	२८०
६६५	६८०	६९५	२१०	२२५	२४०	२५५	२७०	२८५	३००
६७६	६९२	२०८	२२४	२४०	२५६	२७२	२८८	३०४	३२०
६८७	२०४	२२९	२३८	२५५	२७२	२८९	३०६	३२३	३४०
६९८	२१६	२३४	२५२	२७०	२८८	३०६	३२४	३४२	३६०
२०९	२२८	२४७	२६६	२८५	३०४	३२३	३४२	३६१	३८०
२२०	२४०	२६०	२८०	३००	३२०	३४०	३६०	३८०	४००
जोड़ ६७०५	६८६०	२०४५	२१७०	२३२५	२४८०	२६३५	२७४०	२९४५	३१००

बड़ा इकन्ना १ से १०० तक (वर्ग)

१	१२९	४४१	९६१	१६६१	२६०१	३७२९	५०४१	६५६१	८२८१
४	१४४	४८४	१०२४	१६६४	२७०४	३८४४	५१८४	६७२४	८४६४
९	१६१	५२९	१०८१	१८४१	२८०१	३९६१	५३२९	६८८१	८६४१
१६	१९६	५७६	११४६	१९३६	२९६६	४०९६	५४७६	७०४६	८८३६
२५	२२५	६२५	११२५	२०२५	३०२५	४२२५	५६२५	७२२५	९०२५
३६	२५६	६७६	१२९६	२१६६	३१३६	४३५६	५७६६	७३९६	९२१६
४९	२८१	७२९	१३६१	२२०१	३२४९	४४८१	५९२९	७५६१	९४०१
६४	३२४	७८४	१४४४	२३०४	३३६४	४६२४	६०८४	७७४४	९६०४
८१	३६१	८४९	१५२९	२४०१	३४८१	४७६१	६२४९	७९२१	९८०१
१००	४००	९००	१६००	२५००	३६००	४९००	६४००	८१००	१०००
जोड़ ३८५	२४८५	६५८५	१२६८५	२०७८५	३०८५	४२९८५	५७०८५	७३१८५	९१२८५

CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS



पौवा १ से ४० तक

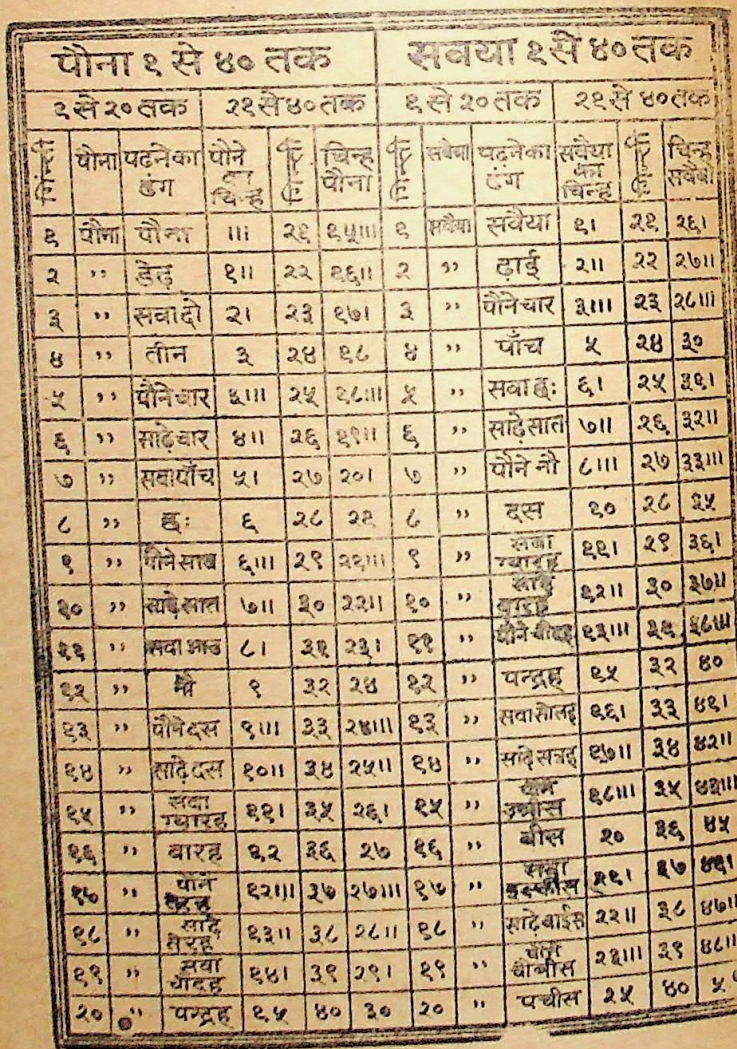
१ से २० तक			२१ से ४० तक		
हिंदी	पाव	पढ़ने का ढंग	पाव का चिन्ह	हिंदी	चिन्ह पौवा
१	पाव	पाव	।	२१	५।
२	,,	आधा	॥	२२	५॥
३	,,	पौन	।।।	२३	५।।।
४	,,	एक	१	२४	६
५	,,	सवा	१।	२५	६।
६	,,	डेढ़	१॥	२६	६॥
७	,,	पौने दो	१।।।	२७	६।।।
८	,,	दो	२	२८	७
९	,,	सवा दो	२।	२९	७।
१०	,,	ढाई	२॥	३०	७॥
११	,,	पौने तीन	२।।।	३१	७।।।
१२	,,	तीन	३	३२	८
१३	,,	सवा तीन	३।	३३	८।
१४	,,	साढ़े तीन	३॥	३४	८॥
१५	,,	पौने चार	३।।।	३५	८।।।
१६	,,	चार	४	३६	९
१७	,,	सवा चार	४।	३७	९।
१८	,,	साढ़े चार	४॥	३८	९॥
१९	,,	पौने पाँच	४।।।	३९	९।।।
२०	,,	पाँच	५	४०	१०

अद्धा १ से ४० तक

१ से २० तक			२१ से ४० तक		
हिंदी	अद्धा	पढ़ने का ढंग	अद्धे का चिन्ह	हिंदी	चिन्ह अद्धा
१	अद्धा	अद्धा	॥	२१	१०॥
२	,,	एक	१	२२	११
३	,,	डेढ़	१॥	२३	११॥
४	,,	दो	२	२४	१२
५	,,	ढाई	२॥	२५	१२॥
६	,,	तीन	३	२६	१३
७	,,	साढ़े तीन	३॥	२७	१३॥
८	,,	चार	४	२८	१४
९	,,	साढ़े चार	४॥	२९	१४॥
१०	,,	पाँच	५	३०	१५
११	,,	साढ़े पाँच	५॥	३१	१५॥
१२	,,	छः	६	३२	१६
१३	,,	साढ़े छः	६॥	३३	१६॥
१४	,,	सात	७	३४	१७
१५	,,	साढ़े सात	७॥	३५	१७॥
१६	,,	आठ	८	३६	१८
१७	,,	साढ़े आठ	८॥	३७	१८॥
१८	,,	नौ	९	३८	१९
१९	,,	साढ़े नौ	९॥	३९	१९॥
२०	,,	दस	१०	४०	२०

CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS



पौना १ से ४० तक

१ से २० तक

अंक	पौना	पढ़नेका ढंग	पौने का चिन्ह
१	पौना	पौना	।।।
२	,,	डेढ़	१।।
३	,,	सवा दो	२।
४	,,	तीन	३
५	,,	पौने चार	३।।।
६	,,	साढ़े चार	४।।
७	,,	सवा पाँच	५।
८	,,	छः	६
९	,,	पौने साव	६।।।
१०	,,	साढ़े सात	७।।
११	,,	सवा आठ	८।
१२	,,	नौ	९
१३	,,	पौने दस	९।।।
१४	,,	साढ़े दस	१०।।
१५	,,	सवा ग्यारह	११।
१६	,,	बारह	१२
१७	,,	पौने तेरह	१२।।।
१८	,,	साढ़े तेरह	१३।।
१९	,,	सवा चौदह	१४।
२०	,,	पन्द्रह	१५

२१ से ४० तक

अंक	पौने का चिन्ह	पौना
२१	१५।	पौने सोलह
२२	१५।।	साढ़े सोलह
२३	१५।।।	सवा सत्रह
२४	१६।	अठारह
२५	१६।।	पौने उन्नीस
२६	१६।।।	साढ़े उन्नीस
२७	१७।	सवा बीस
२८	१७।।	इक्कीस
२९	१७।।।	पौने बाईस
३०	१८।	साढ़े बाईस
३१	१८।।	सवा तेईस
३२	१८।।।	चौबीस
३३	१९।	पौने पच्चीस
३४	१९।।	साढ़े पच्चीस
३५	१९।।।	सवा छब्बीस
३६	२०।	सत्ताईस
३७	२०।।	पौने अट्ठाईस
३८	२०।।।	साढ़े अट्ठाईस
३९	२१।	सवा उनतीस
४०	२१।।	तीस

सवया १ से ४० तक

१ से २० तक

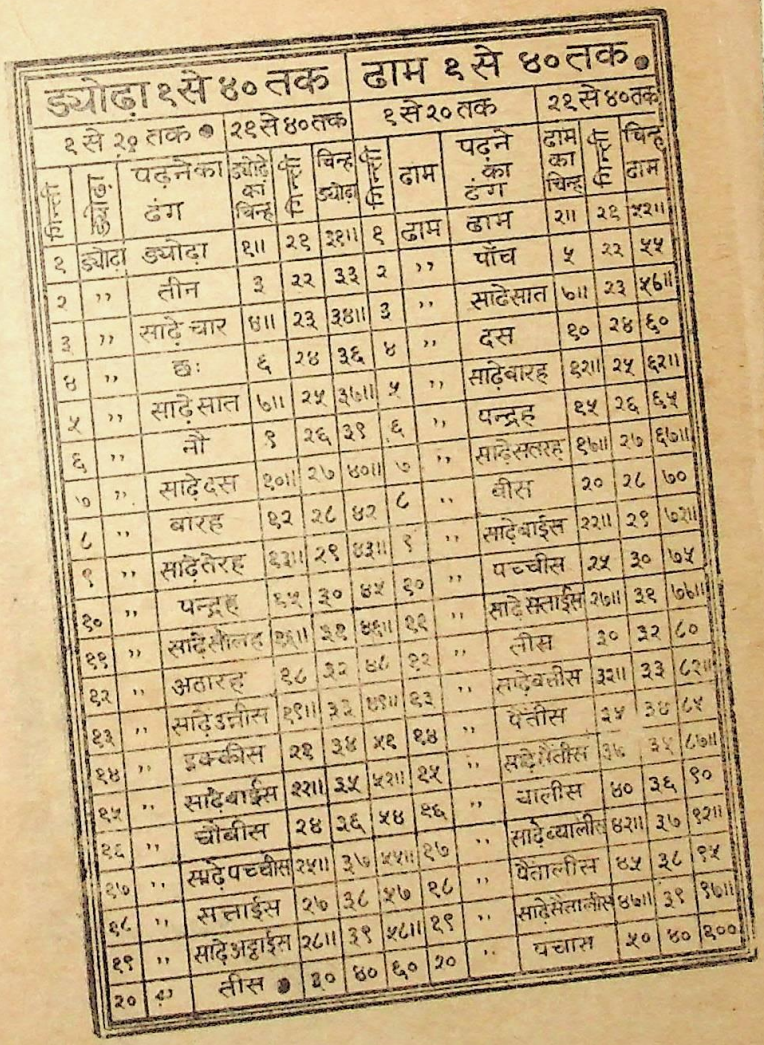
अंक	सवैया	पढ़नेका ढंग	सवैया का चिन्ह
१	सवैया	सवैया	१।
२	,,	ढाई	२।।
३	,,	पौने चार	३।।।
४	,,	पाँच	५
५	,,	सवा छः	६।
६	,,	साढ़े सात	७।।
७	,,	पौने नौ	८।।।
८	,,	दस	१०
९	,,	सवा ग्यारह	११।
१०	,,	साढ़े बारह	१२।।
११	,,	पौने चौदह	१३।।।
१२	,,	पन्द्रह	१५
१३	,,	सवा सोलह	१६।
१४	,,	साढ़े सत्रह	१७।।
१५	,,	पौने उन्नीस	१८।।।
१६	,,	बीस	२०
१७	,,	सवा इक्कीस	२१।
१८	,,	साढ़े इक्कीस	२१।।
१९	,,	पौने बाईस	२२।।।
२०	,,	पचीस	२५

२१ से ४० तक

अंक	सवैया का चिन्ह	सवैया
२१	२५।	सवा छब्बीस
२२	२५।।	साढ़े छब्बीस
२३	२५।।।	सवा सत्ताईस
२४	२६।	अट्ठाईस
२५	२६।।	पौने उनतीस
२६	२६।।।	साढ़े उनतीस
२७	२७।	सवा तीस
२८	२७।।	इकतीस
२९	२७।।।	पौने बत्तीस
३०	२८।	साढ़े बत्तीस
३१	२८।।	सवा तेंतीस
३२	२८।।।	चौंतीस
३३	२९।	पौने पैंतीस
३४	२९।।	साढ़े पैंतीस
३५	२९।।।	सवा छत्तीस
३६	३०।	सैंतीस
३७	३०।।	पौने अड़तीस
३८	३०।।।	साढ़े अड़तीस
३९	३१।	सवा उनचालीस
४०	३१।।	चालीस

CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS



ज्योढ़ा १ से ४० तक

१ से २० तक

क्रिस्त	हिन्दी	पढ़ने का ढंग	ज्योढ़े का चिन्ह	फ़िक्रा	चिन्ह ज्योढ़ा
१	ज्योढ़ा	ज्योढ़ा	१॥	२१	३१॥
२	,,	तीन	३	२२	३३
३	,,	साढ़े चार	४॥	२३	३४॥
४	,,	छः	६	२४	३६
५	,,	साढ़े सात	७॥	२५	३७॥
६	,,	नौ	९	२६	३९
७	,,	साढ़े दस	१०॥	२७	४०॥
८	,,	बारह	१२	२८	४२
९	,,	साढ़े तेरह	१३॥	२९	४३॥
१०	,,	पन्द्रह	१५	३०	४५
११	,,	साढ़े सोलह	१६॥	३१	४६॥
१२	,,	अठारह	१८	३२	४८
१३	,,	साढ़े उन्नीस	१९॥	३३	४९॥
१४	,,	इक्कीस	२१	३४	५१
१५	,,	साढ़े बाईस	२२॥	३५	५२॥
१६	,,	चौबीस	२४	३६	५४
१७	,,	साढ़े पच्चीस	२५॥	३७	५४॥
१८	,,	सत्ताईस	२७	३८	५७
१९	,,	साढ़े अट्ठाईस	२८॥	३९	५८॥
२०	,,	तीस	३०	४०	६०

२१ से ४० तक

फ़िक्रा	दाम	पढ़ने का ढंग	दाम का चिन्ह	फ़िक्रा	चिन्ह दाम
१	दाम	दाम	२॥	२१	३२॥
२	,,	पाँच	५	२२	५५
३	,,	साढ़ेसात	७॥	२३	५७॥
४	,,	दस	१०	२४	६०
५	,,	साढ़ेबारह	१२॥	२५	६२॥
६	,,	पन्द्रह	१५	२६	६५
७	,,	साढ़ेसत्तरह	१७॥	२७	६७॥
८	,,	बीस	२०	२८	७०
९	,,	साढ़ेबाईस	२२॥	२९	७२॥
१०	,,	पच्चीस	२५	३०	७५
११	,,	साढ़ेसत्ताईस	२७॥	३९	७८॥
१२	,,	तीस	३०	३२	८०
१३	,,	साढ़ेबत्तीस	३२॥	३३	८२॥
१४	,,	पैंतीस	३५	३४	८५
१५	,,	साढ़ेसैंतीस	३७॥	३५	८७॥
१६	,,	चालीस	४०	३६	९०
१७	,,	साढ़ेब्यालीस	४२॥	३७	९२॥
१८	,,	पैंतालीस	४५	३८	९५
१९	,,	साढ़ेसैंतालीस	४७॥	३९	९८॥
२०	,,	पचास	५०	४०	१००

CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

पुराने पैसों की (नये) पैसों में परिवर्तन सारणी

आने पाइयाँ	पैसे	आने पाइयाँ	पैसे	आने पाइयाँ	पैसे	आने पाइयाँ	पैसे
० ३	२	४ ३	२७	८ ३	५२	१२ ३	७७
० ६	३	४ ६	२८	८ ६	५३	१२ ६	७८
० ९	५	४ ९	३०	८ ९	५५	१२ ९	८०
१ आना	६	५ आने	३१	९ आने	५६	१३ आने	८१
१ ३	८	५ ३	३३	९ ३	५८	१३ ३	८३
१ ६	९	५ ६	३५	९ ६	५९	१३ ६	८४
१ ९	११	५ ९	३६	९ ९	६१	१३ ९	८६
२ आने	१२	६ आने	३७	१० आने	६२	१४ आने	८७
२ ३	१४	६ ३	३९	१० ३	६४	१४ ३	८९
२ ६	१६	६ ६	४१	१० ६	६६	१४ ६	९१
२ ९	१७	६ ९	४२	१० ९	६७	१४ ९	९२
३ आने	१९	७ आने	४४	११ आने	६९	१५ आने	९४
३ ३	२०	७ ३	४६	११ ३	७०	१५ ३	९५
३ ६	२२	७ ६	४७	११ ६	७२	१५ ६	९७
३ ९	२३	७ ९	४८	११ ९	७३	१५ ९	९८
४ आने	२५	८ आने	५०	१२ आने	७५	१६ आने (एक रुपया)	१००

CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

तोलपरिवर्तन

१ तोला = लगभग ११·६३ ग्राम

छटांक		ग्राम
१	=	५८
२	=	११७
३	=	१७५
४	=	२३३
५	=	२९२
६	=	३५०
७	=	४०८
८	=	४६७
९	=	५२५
१०	=	५८३
१६	=	९४२
१२	=	७००
१३	=	७५८
१४	=	८१६
१५	=	८७५
१सेर	=	९३०

१०० कि० ग्राम = १ क्विंटल

सेर	क्विंटल-कि० ग्राम	
१	०	९३०
२	१	८७०
३	२	८००
४	३	७३०
५	४	६७०

मन	क्विंटल-कि० ग्राम	
१	०	३७
२	०	७५
३	१	१२
४	१	४९
५	१	८७

गज़		मीटर
१	=	०·९१
२	=	१·८३
३	=	२·७४
४	=	३·६६
५	=	४·५७

CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

समय चक्र विभाजन

६० सेकंड = १ मिनट
६० मिनट = १ घंटा २½ घड़ी
२४ घंटा = १ दिन (रात सहित)
७ दिन = १ सप्ताह
५२ सप्ताह २ वर्ष ३६५ दिन

६० विपल = १ पल
६० पल = १ घड़ी
८ घड़ी = १ पहर
८ पहर ६४ घड़ी २४ घंटे
३० दिन = १ महीना
१२ महीने = १ वर्ष

अंग्रेज़ी दिन

१-सन्डे, २-मन्डे, ३-ट्यूज़डे
४-वैडनेसडे, ५-थर्सडे, ६-फ्राइडे
७-सैटरडे

हिन्दी दिन

१-रविवार, २-सोमवार, ३-मंगलवार, ४-बुधवार, ५-बृहस्पतिवार
६-शुक्रवार ७-शनिवार

अंग्रेज़ी महीने

जनवरी, फरवरी, मार्च, अप्रैल
मई, जून, जुलाई, अगस्त,
सितम्बर, अक्तूबर, नवम्बर
दिसम्बर

हिन्दी महीने

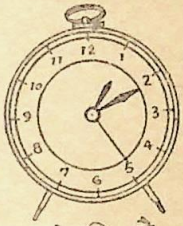
चैत, बैसाख, ज्येष्ठ, असाढ़
सावन, भादों, क्वार, कार्तिक
अगहन, पूस, माघ, फाल्गुन

याद रक्खो

अप्रैल नवम्बर जून सितम्बर, चार मास दिन तीस।
अट्ठाइस, उन्तीस, फरवरी, शेष मास इकतीस॥

CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

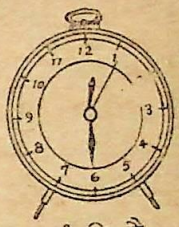
Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS



घं० मि० सै०
९ - १० - २५



घं० मि० सै०
११ - २५ - ३५

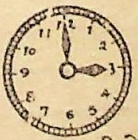


घं० मि० सै०
१२ - ३० - ६

६० सैकिण्ड = १ मिनट
६० मिनट = १ घण्टा
२४ घंटे = १ दिनरात

७ दिनरात = १ सप्ताह
४ सप्ताह = १ मास
१२ मास = १ वर्ष

१०० वर्ष = १ शताब्दी



घंटा-मिनट-सैकिंड



हर घड़ी में तीन सुइयाँ होती हैं। सबसे छोटी सुई सैकिण्ड बताती है। दूसरी बड़ी सुई मिनट बताती है। छोटी घण्टे बताती है। हर घड़ी में १२ अंक होते हैं यह घण्टों के अंक होते हैं। एक अंक से दूसरे अंक तक ५ निशान होते हैं। इसी प्रकार से १२ अंकों में ६० निशान होते हैं। यह निशान मिनट बताते हैं। एक मिनट में ६० सैकिन्ड होते हैं।

CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

पुरानी नाप तौलके पैमाने

३ अंगुल	=	१ गिरह	५ तोला	=	१ छटाँक
४ गिरह	=	१ बालिश्त	१६ छटाँक	=	१ सेर
२ बालिश्त	=	१ हाथ	५ सेर	=	१ धड़ी (आधा पंसेरी)
६६ गिरह	=	१ गज़	८ धड़ी या ४० सेर	=	१ मन

१२ इंच	=	१ फ़ीट	८ खसखश	=	१ चावल
३ फीट	=	१ गज़	८ चावल	=	१ रत्ती
२२० गज़	=	१ फ़र्लांग	८ रत्ती	=	१ माशा = ०·९७२ ग्राम
८ फ़र्लांग	=	१ मील	१२ माशे	=	१ तोला = १९·६७ "
१७६० गज़	=	१ मील	८० तोले	=	१ सेर = ९३३ ग्रा०
			४० सेर	=	१ मन = ३७$\frac{1}{3}$ कि०ग्रा०

गुर

जितने रुपये का १ मैट्रिक टन = १ क्विंटल × १०० (नये) पैसे = मूल्य

" " " १ " = १० कि०ग्रा० के उतने " = "
" " " १ क्विंटल = १० " " १० गुने " = "
" " " १ " = १ " " उतने " = "
" " " १ कि०ग्रा० = १०० ग्राम " १० गुने " = "
" " " १ " = १० " " उतने " = "
" " " १० " = १ " " १० गुने " = "
" " " १० " = १०० मिली ग्रा० उतने " = "
" " " १ " = १०० " " १० गुने " = "
" " " १ " = १० " " उतने " = "

CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

ज्यामितीय अथवा मीट्रिक माप
(MEASUREMENT)

१- डेका, हेक्टो, किलो, मिरिया का अर्थ क्रमशः १०, १००, १००० और १०००० से गुणा करना है।

२- डेसी, सेन्टी और मिली का अर्थ क्रमशः १०, १०० और १००० से भाग करना है।

नाप के पैमाने :

१- लम्बाई :-

१० मिली मीटर = १ सेन्टी मीटर
१० सेन्टी मीटर = १ डेसी मीटर
१० डेसी मीटर = १ मीटर
१० मीटर = १ डेकामीटर
१० डेका मीटर = १ हेक्टामीटर
१० हेक्टो मीटर = १ किलो मीटर
१० किलो मीटर = १ मिरिया मी०

२- क्षेत्रफल :- (AREA)

१०० वर्ग मीटर = १ एयर
१० एयर = १ डेकाएयर
१०० एयर = १ हेक्टोएयर

३- घनफल (VOLUME)

१० लिटर = १ डेकालिटर
लिटर = १ हेक्टोलिटर

३- (WEIGHT)

१० मिली ग्राम = १ सेन्टी ग्राम
१० सेंटी ग्राम = १ डेसी ग्राम
१० डेसी ग्राम = १ ग्राम
१० ग्राम = १ डेका ग्राम
१० डेका ग्राम = १ हेक्टो ग्राम
१० हेक्टो ग्राम = १ किलो ग्राम
१० किलो ग्राम = १ मिरिया ग्राम
१००० कि० ग्राम = १ मीट्रिक टन

नाप तोल परिवर्तन तालिका

१ इंच = २५·४० मिलीमीटर
१२" = ३०४·८० मिलीमी० १ फुट
३ फुट या १ गज = ०·९१ मीटर
१० गज = ९·१४ मीटर
१ मील = १·६१ किलो मीटर
१ एकड़ या ४८४० वर्ग गज = ४०·४५ एयर
१०० वर्ग मील = २६० वर्ग किलोमी०
१ वर्ग गज = ०·८४ वर्ग मीटर
१ गैलन = ४·५५ लीटर
१० गैलन = ४५·४६ लीटर

सम तोल :-

१ ग्राम = ०·०८१ तोला
१ कि० ग्राम = १·७७२ सेर
१ क्विंटल = २·६७९ मन
१ मीट्रिक टन = २६·७९२ मन

१ तोला = ११·६४४ ग्राम
१ सेर = ०·९३३ कि० ग्रा०
१ मन = ०·३७४ क्विंटल

CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

इकाई में एक दर्जा	१	इकाई
दहाई में दो दर्जा	१०	दहाई
सैकड़ा में तीन दर्जा	१००	सैकड़ा
हज़ार में चार दर्जा	१०००	हज़ार
दस हज़ार में पाँच दर्जा	१००००	दसहज़ार
लाख में छः दर्जा	१०००००	लाख
दस लाख में सात दर्जा	१००००००	दस लाख
करोड़ में आठ दर्जा	१०००००००	करोड़
दस करोड़ में नौ दर्जा	१०००००००	दस करोड़
अरब में दस दर्जा	१००००००००	अरब
दस अरब में ग्यारह दर्जा	१००००००००००	दस अरब
खरब में बारह दर्जा	१००००००००००	खरब
दस खरब में तेरह दर्जा	१००००००००००००	दस खरब
नील में चौदह दर्जा	१००००००००००००	नील
दस नील में पन्द्रह दर्जा	१००००००००००००००	दस नील
पदम में सोलह दर्जा	१००००००००००००००	पदम
दस पदम में सत्रह दर्जा	१००००००००००००००००	दस पदम

पैमाना कोस मील

१२ इंच = १ फुट, ३ फुट = १ गज़
२२० गज़ = १ फ़र्लांग, ८ फर्लांग = १ मील
१७६० गज़ = १ मील
सवा मील = १ कोस

तोल अनाज

५ तोले = १ छटांक
१६ छटांक = १ सेर
५ सेर = १ धड़ी
४० सेर = १ मन

CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

बारह खड़ी

क	का	कि	की	कु	कू	के	कै	को	कौ	कं	कः
ख	खा	खि	खी	खु	खू	खे	खै	खो	खौ	खं	खः
ग	गा	गि	गी	गु	गू	गे	गै	गो	गौ	गं	गः
घ	घा	घि	घी	घु	घू	घे	घै	घो	घौ	घं	घः
ङ	ङा	ङि	ङी	ङु	ङू	ङे	ङै	ङो	ङौ	ङं	ङः
च	चा	चि	ची	चु	चू	चे	चै	चो	चौ	चं	चः
छ	छा	छि	छी	छु	छू	छे	छै	छो	छौ	छं	छः
ज	जा	जि	जी	जु	जू	जे	जै	जो	जौ	जं	जः
झ	झा	झि	झी	झु	झू	झे	झै	झो	झौ	झं	झः
ञ	ञा	ञि	ञी	ञु	ञू	ञे	ञै	ञो	ञौ	ञं	ञः
ट	टा	टि	टी	टु	टू	टे	टै	टो	टौ	टं	ठः
ठ	ठा	ठि	ठी	ठु	ठू	ठे	ठै	ठो	ठौ	ठं	ठः
ड	डा	डि	डी	डु	डू	डे	डै	डो	डौ	डं	डः
ढ	ढा	ढि	ढी	ढु	ढू	ढे	ढै	ढो	ढौ	ढं	ढः
ण	णा	णि	णी	णु	णू	णे	णै	णो	णौ	णं	णः
त	ता	ति	ती	तु	तू	ते	तै	तो	तौ	तं	तः
थ	था	थि	थी	थु	थू	थे	थै	थो	थौ	थं	थः
द	दा	दि	दी	दु	दू	दे	दै	दो	दौ	दं	दः

CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS



CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

१ जुलाई

❀ पदवाक्याप्रमाणपारदृश्वनां श्री १००८ श्री गोवर्द्धनरङ्गाचार्यसूरिणामिदंचित्रम् ❀

आसीदासेतुशीता चल ममितगुणैर्मण्डिताशेषविज्ञः कीर्त्या विद्योतितशो द्रविण वितरणैरर्थिनां पूरिताशः॥
रङ्गार्यो देशिकेन्द्रो निखिलवसुमतीमण्डलाखण्डलेज्यःश्रीमद्धाधूलवंशामृतजलधिविधुर्विष्णुभक्ताग्रगण्यः
धर्मब्रह्मसुनीति पाणिनिमहाशास्त्रादिपारङ्गतो दासश्रेणिसरोजकाननसमुल्लासद्युरत्नद्युतिः !!
यो वृन्दावनदिव्यधामनि महादिव्यालयं स्थापयन् स्वर्णस्तम्भमयं जयध्वजतया नैजं यशोऽवीवृथत्



रामानुजस्य समतां समवाप कुर्वन् रचां श्रुतेः परमताल्दलयन् विरुद्धान्॥
आल्वारदर्शनपथं मजगाम किंतु तत्रास्य तेन गतमेव महान्विशेषः ॥
रामानुजोऽयं नम दण्डमण्डितः किं वा गुरुर्नो स दिवीन्द्रसंसदि
किंस्विद्विधिर्नोस चतुर्मुखः श्रुतौ यं वीक्ष्य दोला रूढे मृगांजनैः ॥

यद्भक्तिमात्रेण निवृद्धचित्तः श्रीरङ्गनाथः सदयोदया सदा
द्वन्द्वानि चापि चकार यासं निर्द्वन्द्वं नाथमनिवं के वा ॥
दिव्यादिव्याया धुमणौ प्रयातेऽस्तीर्थं निर्मत्स्यं तमेव तत्र
श्लोकैश्चन्यां समवेक्ष्य मत्स्ये चक्रामिदं ग्राम दिशामुदीक्षे ॥

यत्सम्बन्धसुगन्धदिव्यविभवात्सत्तान्विताम दृशा
अज्ञानातितमिस्रमीलितधियां यद्धानुरश्मीयते ।
यन्निर्व्याजसुहृद्गमासखकृपागुम्फैकलभ्यं धनं
तच्छ्रीरङ्गगुरोः पदाम्बुजमहं निःश्रेयसे संश्रये ।१।

INDIRA GANDHI NATIONAL CENTRE FOR THE ARTS
CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection
Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

॥ श्रीवल्लभ मनीराम पञ्चाङ्गम् ॥

९ जुलाई से २२ जुलाई तक, श्री आषाढ़ शुक्लपक्ष संवत् २०७०, शाकः १९३५, दि.मासू. सू. तारीस्व स्टै. प्रातः दैनिक केतकी अहर्गणः ८२५ वर्षर्तू रविर्दक्षिणे, जुलाई २०१३

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः
सुस्थिर	१	मं	२३	०२	१४	५८	पुन	१३	०६	१०	५९	ह	...	...	..	..	ब	२३	०२	१४	५८	३४ ५१	५ ५५	७ २५	१८	२९	९	कर्के
मातङ्ग	२	बु	२८	०२	१६	५८	पुष्य	१९	४१	१३	३८	ह	०	१४	५	५१	कौ	२८	०२	१६	५८	०९	४६	२५	१९	३०	१०	कर्के
अमृत	३	गु	३२	१९	१८	४२	श्ले	२५	३६	१६	००	व	१	३४	६	२४	तै	०	१६	५	५३	०७	४६	२५	२०	१	११	सिंहे १६।०१
काण	४	शु	३५	४३	२०	०४	मघा	३०	४०	१८	०२	सि	२	१६	६	४१	व	४	०८	७	२६	०६	४६	२५	२१	२	१२	सिंहे
लुम्बक	५	श	३७	५९	२०	५८	पूफा	३४	४०	१९	३९	व्य	२	११	६	३९	ब	६	५९	८	३५	०४	४७	२५	२२	३	१३	कन्या २५।५८
मित्र	६	र	३८	५६	२१	२२	उफा	३७	२३	२०	४५	व	५९ ५९	०४ ०४	६ २९	५५ २५	कौ	८	३७	९	१४	०२	४७	२४	२३	४	१४	कन्या
वज्र	७	सो	३८	२५	२१	१०	हस्त	३८	४०	२१	१६	शि	५५	४५	२८	०६	ग	८	५१	९	२०	००	४८	२४	२४	५	१५	कन्या
ध्वाङ्क्ष	८	मं	३६	१९	२०	२०	चित्रा	३८	२३	२१	०९	सि	५१	०८	२६	१६	वि	७	३४	८	५०	३३ ५८	४८	२४	२५	६	१६	तुला. ९।१७
धूम्र	९	बु	३२	३५	१८	५१	स्वा	३६	२९	२०	२४	सा	४५	१३	२३	५४	बा	४	३९	७	४०	५६	४९	२३	२६	७	१७	तुला.
प्रवर्धमा	१०	गु	२७	१७	१६	४४	विशा	३३	००	१९	०२	शु	३८	००	२१	०२	तै	०	०७	५	५२	५४	४९	२३	२७	८	१८	वृश्चि. १३।२६
ए.व्र.	११	शु	२०	३१	१४	०२	अनु	२८	०७	१७	०५	शु	२९	३९	१७	४१	वि	२०	३१	१४	०२	५२	५०	२३	२८	९	१९	वृश्चि.
प्र.व्र.	१२	श	१२	३४	१०	५२	ज्ये	२२	०२	१४	३९	ब्र	२०	१८	१३	५८	बा	१२	३४	१०	५२	४९	५०	२२	२९	१०	२०	धनु. १४।३९
सिद्धि	१३	र	३	४१	७	२०	मूल	१५	०७	११	५४	ऐ	५० ५९	१५ ४०	९ २५	५७ ४७	तै	३	४१	७	२०	४७	५१	२२	३०	११	२१	धनु.
क्षयः	१४	र	५४	२०	२७	३५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	मक. १४।१३
पूर्णिमा	१५	सो	४४	५३	२३	४९	पूषा	७	४६	८	५८	वि	४९	२२	२५	३६	वि	१९	३५	१३	४१	४४	५२	२१	३१	१२	२२	मक. १४।१३

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।

[A भौ. ७ दो., मकरे शु. ७ पू., मेषः सोग्रांगः, रा. श. ७ दो.)

चंद्रदर्शनम् (मु.१५), श्री जगदीश रथ यात्रा

रमजान ९, मघा.रे.१० ।।।।।।।।। रात्रौ ल. अ.गो. १०।१ (अ.गो. A

भ. ७।२६ उ. २०।०४ या. [B सोग्रांगः, रा.श. ७ दो.)

उफा. रे. १० ।।।।।।।।। रात्रौ १०।१ (मकरे शु. ७ पू., मेषे B

उफा. रे. १० ।।।।।।।।। दिवा ल. ५, स्कंध षष्ठी, आर्द्रा. भौमः C

भ. २१।१० उ., हस्ते रे.९ ।।।।।।।।S।। रात्रौ ल.अ.गो.१० (अ.गो. D

भ. ८।५० या.,कर्केरविः १५।१६ (सौरः २६।१६), (व) आर्द्रा. बुधः E

भड़ली ९,सिंहेमघा.शुक्रः १७।१८ [C १८।२५, आर्द्रा.-२ गुरुः ६।०९

भ. २७।२८ उ.,मन्वादि, आशा दशमी [D भौ.७ दो.मकरे शु.७ पू.)

भ. १४।०२ या., देव शयनी ११ व्र., चातुर्मास व्रतारंभः, गोपद्म M

प्रदोषः, श्रावणे वर्जयेच्छाकम्, पुष्ये सौरः १४।३३

भ. २७।३५ उ.,मार्गी बुधः ९।३२ [E १४।५५,निरयन दक्षिणायनारंभः

[M व्रतोद्यापनं, पुष्ये रविः २७।०७, बुधोदयः पूर्वस्याम् ७।३५, N

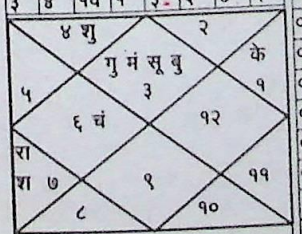
भ. १३।४१ या., पूर्णिमा व्रतंपुण्यञ्च, व्यासपूजा, गुरु पूर्णिमा, P

[N सं.स्त्री.नपु.चं.सू.वाहन जम्बूक अनावृष्टिः [P वायु परीक्षा, मन्वादि, गोपद्मव्रतारंभ, आषाढी योगः, सायन सिंहे भानुः २१।२१

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

अयनांशाः २४।०१।५७

पं.१४ आ.शु. ६ र. इष्टघटी	०।००
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
२	२	२	२	३	६	६	०
२७	०६	२१	०९	२५	१०	१९	१९
४२	१८	०५	५९	४८	५८	१५	१५
५७	४०	०९	४८	०६	१४	३०	३०
५७	४०	३०	१३	७२	०	३	३
१३	३५	१५	२२	२६	३६	११	११
पुन	मृ	पुन	आ	श्ले	स्वा	स्वा	भ
३	४	१व	१	३	२	४	२



ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	जुल	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	सायं	रात्रौ	रात्रौ
०२।२२।३९।४८	९ मं	९	९२।३१	२।०७	४।०३	६।१८	८।३८	९०।५५	१।१९	३।३०	५।४८	७।५३	९।३६	११।०५
०२।२३।३६।४३	२ बु	१०	९२।२७	२।०३	३।५९	६।१४	८।३४	९०।५१	१।०७	३।२६	५।४४	७।४९	९।३२	११।०१
०२।२४।३३।३८	३ गु	११	९२।२३	१।५९	३।५५	६।१०	८।३०	९०।४७	१।०३	३।२२	५।४०	७।४५	९।२८	१०।५७
०२।२५।३०।३३	४ शु	१२	९२।१९	१।५५	३।५१	६।०६	८।२६	९०।४३	९२।५९	३।१८	५।३६	७।४१	९।२४	१०।५३
०२।२६।२७।२९	५ श	१३	९२।१५	१।५१	३।४७	६।०२	८।२२	९०।३९	९२।५५	३।१४	५।३२	७।३७	९।२०	१०।४९
०२।२७।२४।२५	६ र	१४	९२।११	१।४७	३।४३	५।५८	८।१८	९०।३५	९२।५१	३।१०	५।२९	७।३३	९।१६	१०।४५
०२।२८।२१।२२	७ चं	१५	९२।०७	१।४३	३।३९	५।५४	८।१४	९०।३१	९२।४७	३।०६	५।२५	७।२९	९।१३	१०।४१
०२।२९।१८।१८	८ मं	१६	९२।०३	१।३९	३।३५	५।५०	८।१०	९०।२७	९२।४३	३।०२	५।२१	७।२५	९।०९	१०।३७
०३।००।१५।१६	९ बु	१७	९१।५९	१।३५	३।३१	५।४६	८।०६	९०।२३	९२।३९	२।५८	५।१७	७।२१	९।०५	१०।३३
०३।०१।१२।१४	१० गु	१८	९१।५५	१।३१	३।२८	५।४२	८।०२	९०।१९	९२।३५	२।५४	५।१३	७।१७	९।०१	१०।२९
०३।०२।०९।१२	११ शु	१९	९१।५१	१।२७	३।२४	५।३८	७।५८	९०।१५	९२।३१	२।५०	५।०९	७।१३	८।५७	१०।२५
०३।०३।०६।११	१२ श	२०	९१।४७	१।२४	३।२०	५।३४	७।५४	९०।११	९२।२७	२।४६	५।०५	७।०९	८।५३	१०।२१
०३।०४।०३।११	१३ र	२१	९१।४३	१।२०	३।१६	५।३०	७।५१	९०।०७	९२।२३	२।४२	५।०१	७।०६	८।४९	१०।१७
०३।०५।००।१२	१५ चं	२२	९१।३९	१।१६	३।१२	५।२७	७।४७	९०।०३	९२।१९	२।३८	४।५७	७।०२	८।४५	१०।१३

संक्रांति फलम्

अयनांशाः २४।०१।५८

ता. १६ जुलाई २०१३
आषा. शु. ८ भौमे कर्केऽर्कः प्र. (स्टै.)
टा. १५।१६ वारात् ५ नक्षत्रात् ५
वारनाम महोदरी चोरान् सुस्पदा
नक्षत्रनाम मंदाकिनी नृपतीन् सुस्पदा
अपरान्ह ३ प्रहर व्यापिनी वैश्यान् हन्ति,
दक्षिणे गमनं नैऋत्यां दृष्टिः बवकरणे
प्रविष्टा मध्यमफलं सिंहयाहनं
गजोपवाहनं भीतिकारक श्वेतवस्त्रं
भुशुण्ड्यायुधं स्वर्णपात्रं अन्नभक्षणं
कस्तूरीलेपनं दैवतंजातिः पुन्नागपुष्पं
पिरोजभूषणं विचित्रकंचुकी बालावस्था
(बैठी) मु. ३० धान्यभावे सम वत्स
उत्तरे राहु पश्चिमा. मूलं भूमौ
विवाहस्तंभो ऽग्निकोणे शुक्रोदयः
पश्चिमायाम् । पुण्यकालः सोमवार
(स्टै.) २७।१६ से मंगलवार १५।१६
तक । (दान- घृत, धेनु) ।

पं.१५ आ.शु.१३ र. इष्टघटी	०।००
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
३	२	२	२	४	६	६	०
०४	११	१९	११	०४	११	१८	१८
२३	०१	०९	३२	१४	०४	५३	५३
४६	४६	१४	४४	३४	३१	१४	१४
५७	४०	४	१३	७२	१	३	३
१६	१४	५९	०८	११	१७	११	११
पु	आ	आ	आ	म	स्वा	स्वा	भ
१	२	४	२	२	२	४	२



CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

॥ श्रीवल्लभ मनीराम पञ्चाङ्गम् ॥

२३ जुलाई से ६ अगस्त तक, श्री श्रावण कृष्णपक्ष संवत् २०७०, शाकः १९३५, दि.मा.सू. सू. तारीस्त स्टै. प्रातः दैनिक वर्षर्तु रविर्दक्षिणे आषाढकृष्णेति गुर्जराः, जुलाई-अगस्त २०१३

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
पद्म	१	मं	३५	४८	२०	११	उषा	० ५३	२७ ४२	६ २७	०३ २९	प्री	३९	१५	२९	३४	बा	१०	१५	९	५८	३३ ४२	५ ५२	७ २९	१	१३	२३	मक.	३।०५।५०।२१	५७।०२
मित्र	२	बु	२७	३४	१६	५४	धनि	४७	५६	२५	०३	आ	२९	५२	१७	५०	तै	१	३३	६	३०	३९	५३	२०	२	१४	२४	कुंभे	१४।०८	३।०६।४७।२३	५७।०३
च.व्र.	३	गु	२०	३८	१४	०८	शत	४३	३८	२३	२०	सौ	२१	३५	१४	३१	वि	२०	३८	१४	०८	३७	५३	२०	३	१५	२५	कुंभे		३।०७।४४।२६	५७।०३
व्याड्स	४	शु	१५	२३	१२	०३	पूभा	४१	०९	२२	२१	शो	१४	४२	११	४६	बा	१५	२३	१२	०३	३४	५४	१९	४	१६	२६	मीने	१६।३२	३।०८।४१।२९	५७।०४
धूम्र	५	श	१२	०६	१०	४५	उभा	४०	४५	२२	१२	अ	९	२६	९	४०	तै	१२	०६	१०	४५	३१	५४	१९	५	१७	२७	मीने		३।०९।३८।३३	५७।०५
प्रवर्धमा	६	र	१०	५९	१०	१८	रेव	४२	२८	२२	५४	सु	५	५३	८	१६	व	१०	५९	१०	१८	२९	५५	१८	६	१८	२८	मेषे	२२।५४	३।१०।३५।३९	५७।०६
राक्षस	७	सो	१२	०१	१०	४३	अश्वि	४६	१४	२४	२५	धृ	४	०३	७	३३	ब	१२	०१	१०	४३	२६	५५	१८	७	१९	२९	मेषे		३।११।३२।४५	५७।०७
मुसल	८	मं	१५	०१	११	५६	भर	५१	४४	२६	३७	शू	३	४७	७	२७	कौ	१५	०१	११	५६	२३	५६	१७	८	२०	३०	मेषे		३।१२।२९।५२	५७।०८
सिद्धि	९	बु	१९	३८	१३	४७	कृति	५८	३०	२९	२०	गं	४	५०	७	५२	ग	१९	३८	१३	४७	२०	५६	१६	९	२१	३१	वृषे	९।१६	३।१३।२७।००	५७।०९
उत्पात	१०	गु	२५	२०	१६	०५	रोहि	...	...	..	...	वृ	६	४८	८	४०	वि	२५	२०	१६	०५	१७	५७	१६	१०	२२	१	वृषे		३।१४।२४।०९	५७।१०
ए.व्र.	११	शु	३९	३६	१८	३६	रोहि	६	००	८	२१	द्रु	९	१९	९	४१	बा	३१	३६	१८	३६	१४	५७	१५	११	२३	२	मिथु.	२१।५४	३।१५।२१।१९	५७।११
वज्र	१२	श	३७	५९	२१	०६	मृग	१३	४३	११	२७	व्या	११	५७	१०	४५	कौ	४	४४	७	५२	११	५८	१४	१२	२४	३	मिथु.		३।१६।१८।३१	५७।१२
प्र.व्र.	१३	र	४३	४३	२३	२८	आर्द्रा	२१	११	१४	२७	ह	१४	२४	११	४४	ग	१०	५१	१०	११	०८	५८	१४	१३	२५	४	मिथु.		३।१७।१५।४३	५७।१४
धूम्र	१४	सो	४८	५७	२५	३४	पुन	२८	०५	१७	१३	व	१६	२५	१२	३३	वि	१६	२५	१२	३३	०५	५९	१३	१४	२६	५	कर्के	१०।३३	३।१८।१२।५७	५७।१५
अमाव.	३०	मं	५३	२२	२७	२०	पुष्य	३४	१५	१९	४९	सि	१७	५२	१३	०८	च	२१	१४	१४	२९	०१	६ ००	१२	१५	२७	६	कर्के		३।१९।१०।११	५७।१६

देवपितृकार्येऽमा., हरियाली ३०, पुष्ये बुधः २७।१६

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।
नक्त व्रतारंभः, भा. श्रावणारंभः
भ. २७।२७ उ., पंचक प्रारम्भः १४।०८, बृहत्तल्पा, पुन. बुधः २४।२५
भ. १४।०८ या., चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः २१।१२
नागपञ्चमी (मरु.)
भ. १०।१८ उ. २२।२५ या., पंचक समाप्तिः २२।५४, पूफा. B
आर्द्रा.-३ गुरुः १२।१७ |B शुक्रः १९।३१
|A मूषक वर्षाश्रेष्ठः
भ. २६।५३ उ.
भ. १६।०५ या., अगस्त ८ ता. ३१, तिलकपुण्यतिथि
कामिका ११ व्र., श्लेषा. रविः २६।०३, सं.स्त्री.पु.चं.सू.वाहन A
श्लेषा. सौरः १४।५९, पुन. भौमः १७।२३
भ. २३।२८ उ., प्रदोषः, कर्के बुधः २१।०६
भ. १२।३३ या., मासिकशिवरात्री व्र.
देवपितृकार्येऽमा., हरियाली ३०, पुष्ये बुधः २७।१६

अयनांशाः २४।०९।५९

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

पं.१६ श्रा.कृ. ६ र. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
३	२	२	२	४	६	६	०
११	१५	२१	१३	१२	११	१८	१८
०४	४२	४९	०३	३९	१५	३०	३०
५९	२८	५४	४७	१५	३३	५९	५९
५७	३९	४६	१२	७१	१	३	३
२१	५३	२४	५०	५५	५७	११	११
पु	आ	पुन	आ	म	स्वा	स्वा	भ
३	३	१	२	४	२	४	२



ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	जुला	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	सायं	रात्रौ	रात्रौ
०३।०५।५७।१३	१ मं	२३	११।३६	१।१२	३।०८	५।२३	७।४३	९०।००*	९२।१५	२।३४	४।५३	६।५८	८।४१	९०।१०*
०३।०६।५४।१४	२ बु	२४	११।३२	१।०८	३।०४	५।१९	७।३९	९।५६	९२।११	२।३१	४।४९	६।५४	८।३७	९०।०६*
०३।०७।५१।१७	३ गु	२५	११।२८	१।०४	३।००	५।१५	७।३५	९।५२	९२।०७	२।२७	४।४५	६।५०	८।३३	९०।०२*
०३।०८।४८।२१	४ शु	२६	११।२४	१।००	२।५६	५।११	७।३१	९।४८	९२।०३	२।२३	४।४१	६।४६	८।२९	९।५८
०३।०९।४५।२५	५ श	२७	११।२०	९२।५६	२।५२	५।०७	७।२७	९।४४	९२।००	२।१९	४।३७	६।४२	८।२५	९।५४
०३।१०।४२।३०	६ र	२८	११।१६	९२।५२	२।४८	५।०३	७।२३	९।४०	११।५६	२।१५	४।३३	६।३८	८।२१	९।५०
०३।११।३९।३६	७ चं	२९	११।१२	९२।४८	२।४४	४।५९	७।१९	९।३६	११।५२	२।११	४।२९	६।३४	८।१७	९।४६
०३।१२।३६।४३	८ मं	३०	११।०८	९२।४४	२।४०	४।५५	७।१५	९।३२	११।४८	२।०७	४।२५	६।३०	८।१३	९।४२
०३।१३।३३।५२	९ बु	३१	११।०४	९२।४०	२।३६	४।५१	७।११	९।२८	११।४४	२।०३	४।२१	६।२६	८।०९	९।३८
०३।१४।३१।०१	१० गु	१	११।००	९२।३६	२।३२	४।४७	७।०७	९।२४	११।४०	१।५९	४।१८	६।२२	८।०५	९।३४
०३।१५।२८।११	११ शु	२	१०।५६	९२।३२	२।२८	४।४३	७।०३	९।२०	११।३६	१।५५	४।१४	६।१८	८।०२	९।३०
०३।१६।२५।२२	१२ श	३	१०।५२	९२।२८	२।२४	४।३९	६।५९	९।१६	११।३२	१।५१	४।१०	६।१४	७।५८	९।२६
०३।१७।२२।३५	१३ र	४	१०।४८	९२।२४	२।२०	४।३५	६।५५	९।१२	११।२८	१।४७	४।०६	६।१०	७।५४	९।२२
०३।१८।१९।४८	१४ चं	५	१०।४४	९२।२०	२।१७	४।३१	६।५१	९।०८	११।२४	१।४३	४।०२	६।०६	७।५०	९।१८
०३।१९।१७।०३	३० मं	६	१०।४०	९२।१६	२।१३	४।२७	६।४७	९।०४	११।२०	१।३९	३।५८	६।०२	७।४६	९।१४

मास फलम्

इस माह श्रावण में पांच मंगलवार होने से दुर्भिक्ष हो, श्रावण में पांच बुधवार शुभद हैं। श्रावण कृष्णा प्रतिपदा को धृति योग न होने से धान्यादि भाव मंदे हों। कृष्णा एकादशी को रोहिणी होंने से सुभिक्ष हो। मगलवारी अमावस नेष्ट है, श्रावण की अमावस को पुष्य होने से मध्यम वर्षा हो। शुक्ला ७ तिथि क्षय होने से छत्रभंग हो। पूर्णिमा बुधवार और घनिष्ठा युक्त होने से शुभ फल दायिनी है। शुक्रवार की सक्रांति होने से प्रजासुस्थी हो, स्वर्ण चांदी के भाव तेज हों, गाय भैस हाथी घोडा मोटर गाड़ी आदि (चतुष्पद) पशु एवं वाहन के भाव तेज हो, रस कस लवण घृत के भाव सम रहे।

अयनांशाः २४।०१।५९

पं.१७ श्रा.कृ.१३ र. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
३	२	२	२	४	६	६	०
१७	२०	२९	१४	२१	११	१८	१८
४६	२०	०७	३२	०१	३१	०८	०८
४९	४७	४४	३४	५८	१२	४२	४२
५७	३९	८२	१२	७१	२	३	३
२६	३३	५४	२८	३७	३६	११	११
श्ले	पुन	पुन	आ	पूफा	स्वा	स्वा	भ
१	१	३	३	३	२	४	२



CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

॥ श्रीवल्लभ मनीराम पञ्चाङ्गम् ॥

७ अगस्त से २१ अगस्त तक, श्री श्रावण शुक्लपक्ष संवत् २०७०, शाकः १९३५, दि.मा.सू. सू. तारीख्स स्टै. प्रातः दैनिक केतकी अहर्गणः ८५४ वर्षर्तू रविर्दक्षिणे, अगस्त २०१३

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	व.प.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
राक्षस	१	वु	५६	५६	२८	४७	श्ले	३९	३६	२१	५१	व्य	१८	४१	१३	२८	किं	२५	१४	१६	०६	३२ ५८	६ ००*	७ ११	१६	२८	७	सिंहे	२१।५१	३।२०।०७।२७	५७।१७
सिंधारा	२	गु	५९	३८	२९	५२	मघा	४४	०७	२३	३९	व	१८	५०	१३	३३	बा	२८	२३	१७	२२	५५	०१	१०	१७	२९	८	सिंहे		३।२१।०४।४५	५७।१९
तीज	३	शु	...	...	...	...	पूफा	४७	४४	२५	०७	प	१८	१६	१३	२०	तै	३०	३६	१८	१६	५१	०१	१०	१८	१	९	सिंहे		३।२२।०२।०३	५७।२०
उत्पात	३	श	१	२२	६	३४	उफा	५०	२५	२६	१२	शि	१६	५९	१२	४९	ग	१	२२	६	३४	४८	०२	०९	१९	२	१०	कन्या	७।२५	३।२२।५९।२३	५७।२१
मानस	४	र	२	१०	६	५४	हस्त	५२	०४	२६	५२	सि	१४	५४	१२	००	वि	२	१०	६	५४	४५	०२	०८	२०	३	११	कन्या		३।२३।५६।४५	५७।२३
मुद्गर	५	सो	१	५३	६	४८	चित्रा	५२	३७	२७	०६	सा	११	५९	१०	५०	बा	१	५३	६	४८	४१	०३	०७	२१	४	१२	तुला.	१५।०२	३।२४।५४।०७	५७।२४
ध्वजा	६	मं	०	२८	६	१४	स्वा	५१	५८	२६	५०	शु	८	०७	९	१८	तै	०	२८	६	१४	३८	०३	०६	२२	५	१३	तुला.		३।२५।५१।३१	५७।२६
क्षयः	७	मं	५७	५०	२९	११	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
धाता	८	बु	५३	५७	२७	३८	विशा	५०	०४	२६	०५	शु	५७ ११	२६	१९	०२	वि	२६	०२	१६	२९	३४	०४	०५	२३	६	१४	वृश्चि. २०।१९	३।२६।४८।५७	५७।२७
आनन्द	९	गु	४८	४८	२५	३६	अनु	४६	५५	२४	५०	ऐ	५०	३३	२६	१७	बा	२१	३१	१४	४०	३१	०४	०५	२४	७	१५	वृश्चि.		३।२७।४६।२४	५७।२९
चर	१०	शु	४२	३०	२३	०५	ज्ये	४२	३७	२३	०८	वै	४२	४३	२३	१०	तै	१५	४७	१२	२३	२७	०५	०४	२५	८	१६	धनु. २३।०८	३।२८।४३।५३	५७।३०
ए.व्र.	११	श	३५	१५	२०	११	मूल	३७	२१	२१	०१	वि	३४	०५	१९	४३	व	८	५८	९	४०	२४	०५	०३	२६	९	१७	धनु.		३।२९।४१।२३	५७।३२
प्र.व्र.	१२	र	२७	१७	१७	००	पूषा	३१	२३	१८	३९	प्री	२४	५२	१६	०२	व	१	१९	६	३८	२०	०६	०२	२७	१०	१८	मक. २४।०२	४।००।३८।५५	५७।३३
मृत्यु	१३	सो	१८	५८	१३	४१	उषा	२५	०५	१६	०८	आ	१५	१९	१२	१४	तै	१८	५८	१३	४१	१६	०६	०१	२८	११	१९	मक.		४।०१।३६।२८	५७।३५
नारियल	१४	मं	१०	४१	१०	२३	श्रव	१८	५२	१३	३९	सो	५ ५६	४७ ३७	८ २८	२६ ४६	व	१०	४१	१०	२३	१३	०७	००	२९	१२	२०	कुंभे २४।२९	४।०२।३४।०३	५७।३७
पूर्णिमा	१५	बु	२	५१	७	१६	धनि	१३	१०	११	२३	अ	४८	०७	२५	२२	व	२	५१	७	१६	०९	०७	५ ५६	३०	१३	२१	कुंभे	४।०३।३१।४०	५७।३८

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।
[A नारियल १५, पूर्णिमाव्रतं,सूणमाण्डणा (भद्रा के पूर्व),यजुर्वेदि, B चंद्रदर्शनम्(मु.३०), श्रृंगार (सिंधारा) देशाचारे, उफा. शुक्रः २३।२३ तीज, स्वर्णगौरी व्र., मधुश्रवाव्र.(गुर्जरे), सुकृततृतीयाव्र., सव्वाल १० भ. १८।४७ उ., वरद चतुर्थी, दूर्वा गणपति व्र. [D बुधः २८।४८ भ. ६।५४ या., नागपञ्चमी, नागदष्ट व्र., कन्यायां शुक्रः १८।३८ कल्की जयंती, वर्णषष्ठी, रोटक व्रतारंभः, सोमेश्वरपूजनं भ. २९।११ उ., तुलसी जयंती, शीतला [E आपस्तंब उपाकर्म [B तैतरीय, हिरण्यकेशीय,बौधायन, काण्वमध्यन्दिन(कात्या.), C भ. १६।२९ या.,दुर्गाष्टमी, श्लेषा. बुधः १४।००, बुधास्तः पूर्वस्याम् F भारतीयस्वतंत्रतादिवस [F १५।०३, आर्द्रा.-४ गुरुः १७।१० सिंहे मघा. रविः २३।४६, सं.स्त्री.पु.चं.सू.वाहन अश्व वर्षाश्रेष्ठः भ. ९।४० उ. २०।११ या., पवित्रा ११ व्र., सिंहे मघा. सौरः १३।५१ प्रदोषः, दधि भक्षणत्यागः, पवित्रारोपणं, कर्के भौमः २४।२४ हस्ते शुक्रः २९।१० [C अथर्ववेदि, ऋग्वेदि उपाकर्म, सिंहे मघा. D भ. १०।२३ उ. २०।४७ या.,पंचकप्रारम्भः २४।२९, हयग्रीवजयंती, A पूर्णिमा पुण्यं, रक्षाबंधनं (पूरा दिन शुद्ध है), श्रावणी (मरु), E

अयनांशाः २४।०२।००

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

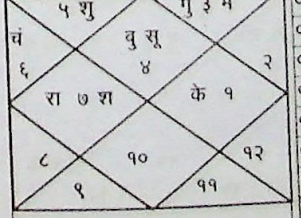
ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	अं	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	सायं	रात्रौ
०३।२०।१४।१९	१ बु	७	१०।३६	१२।१३	२।०९	४।२३	६।४३	९।००	११।१६	१३५	३।५४	५।५८	७।४२	९।१००
०३।२७।११।३७	२ गु	८	१०।३२	१२।०९	२।०५	४।१९	६।४०	८।५६	११।५२	१३१	३।५०	५।५५	७।३८	९।०६
०३।२२।०८।५६	३ शु	९	१०।२८	१२।०५	२।०१	४।१६	६।३६	८।५२	११।०८	१२७	३।४६	५।५१	७।३४	९।०२
०३।२३।०६।१६	३ श	१०	१०।२५	१२।०१	१।५७	४।१२	६।३२	८।४९	११।०४	१२३	३।४२	५।४७	७।३०	८।५९
०३।२४।०३।३७	४ र	११	१०।२१	११।५७	१।५३	४।०८	६।२८	८।४५	१०।५९	१।१९	३।३४	५।३९	७।२२	८।५१
०३।२५।०१।०००	५ चं	१२	१०।१७	११।५३	१।४९	४।०४	६।२४	८।३७	१०।५३	१।१२	३।३०	५।३५	७।१८	८।४७
०३।२५।५८।२४	६ मं	१३	१०।१३	११।४९	१।४५	४।०००	६।२०	८।३३	१०।४९	१।०८	३।२६	५।३१	७।१४	८।४३
०३।२६।५५।५०	८ बु	१४	१०।०९	११।४५	१।४१	३।५६	६।१६	८।२९	१०।४५	१।०४	३।२२	५।२७	७।१०	८।३९
०३।२७।५३।१७	९ गु	१५	१०।०५	११।४१	१।३७	३।५२	६।१२	८।२५	१०।४१	१।०००	३।१८	५।२३	७।०६	८।३५
०३।२८।५०।४६	१० शु	१६	१०।०१	११।३७	१।३३	३।४८	६।०८	८।२१	१०।३७	१२।५६	३।१४	५।१९	७।०२	८।३१
०३।२९।४८।१६	११ श	१७	९।५७	११।३३	१।२९	३।४४	६।०४	८।१७	१०।३३	१२।५२	३।१०	५।१५	६।५८	८।२७
०४।००।४५।४८	१२ र	१८	९।५३	११।२९	१।२५	३।४०	६।०००	८।१३	१०।२९	१२।४८	३।०७	५।११	६।५४	८।२३
०४।०१।४३।२२	१३ चं	१९	९।४९	११।२५	१।२१	३।३६	५।५६	८।०९	१०।२५	१२।४४	३।०३	५।०७	६।५१	८।१९
०४।०२।४०।५७	१४ मं	२०	९।४५	११।२१	१।१७	३।३२	५।५२	८।०५	१०।२१	१२।४०	२।५९	५।०३	६।४७	८।१५
०४।०३।३८।३४	१५ बु	२१	९।४१	११।१७	१।१३	३।२८	५।४८	८।०१	१०।१७	१२।३६	२।५५	४।५९	६।४३	८।११

संक्रांति फलम्

ता. १६ अगस्त २०१३
श्रा. शु. १० भृगौ सिंहेऽर्कः प्र. (स्टै.) टा. २३।४६ वारात् ४ नक्षत्रात् ६ वारनाम मिश्रा पशून् सुस्थदा नक्षत्रनाम राक्षसी चाण्डालान् सुस्थदा मध्यरात्रि २ प्रहर व्यापिनी राक्षसान् हन्ति, उत्तरे गमनं, ऐशान्यां दृष्टिः वणिजकरणे प्रविष्टा मध्यमफलं महिषवाहनं उष्ट्रोपवाहनं क्लेशकारक श्यामवस्त्रं तोमरायुधं स्रुप्परपात्रं दधिभक्षणं अलक्तकलेपनं मृगजातिः अर्कपत्रपुष्पं मणीभूषणं पाण्डुकंचुकी प्रगल्भावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यभावे सम वत्स पूर्वं राहु उत्तरे मूलं स्वर्गं विवाहस्तंभो ऐशान्यां शुक्रोदयः पश्चिमायाम्। पुण्यकालः (स्टै.) १७।२२ से २३।४६ तक। (दान- छत्र)।

अयनांशाः २४।०२।०१

पं.१९ श्रा.शु.१२ र. इष्टघटी ०।००								
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.	
४	२	३	२	५	६	६	०	
०१	२९	२४	१७	०७	१२	१७	१७	
१२	३०	०१	२१	४०	१५	२४	२४	
५५	२०	०५	२६	५२	३५	११	११	
५७	३८	१२५	११	७०	३	३	३	
४३	५३	५१	३२	५८	४८	११	११	
म	पुन	श्ले	आ	उफा	स्वा	स्वा	भ	
१	३	३	४	४	२	४	२	





CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

॥ श्रीवल्लभ मनीराम पञ्चाङ्गम् ॥

२२ अगस्त से ५ सितंबर तक, श्री भाद्रपद कृष्णपक्ष संवत् २०७०, शाकः १९३५, दि.मा.सू. सू. तारीख स्टै. प्रातः दैनिक वर्षर्तू रविर्दक्षिणे श्रावणकृष्णेति गुर्जराः, अगस्त-सितंबर २०१३

योगः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
क्षयः	९	बु	५५	५६	२८	२९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
वज्र	२	गु	५०	१७	२६	१५	शत	८	२७	९	३१	सु	४०	३८	२२	२३	तै	२२	५४	१५	१७	३२ ०५	६ ०८	६ ५८	३१	१४	२२	मीने	२६।२७	४।०४।२९।१८	५७।४०
ध्वाङ्क्ष	३	शु	४६	१६	२४	३९	पूभा	५	०७	८	१९	धृ	३४	२७	१९	५५	व	१८	०३	१३	२१	०९	०८	५७	१	१५	२३	मीने		४।०५।२६।५८	५७।४२
च.ग्र.	४	श	४४	०९	२३	४८	उभा	३	२९	७	३२	शू	२९	४५	१८	०३	ब	१४	५६	१२	०७	३१ ५८	०९	५६	२	१६	२४	मीने		४।०६।२४।४०	५७।४४
प्रवर्धमा	५	र	४४	०४	२३	४७	रेव	३	४७	७	४०	गं	२६	४०	१६	४९	कौ	१३	५०	११	४१	५४	०९	५५	३	१७	२५	मेषे	७।४०	४।०७।२२।२४	५७।४५
राक्षस	६	सो	४६	००	२४	३३	अश्वि	६	०४	८	३५	वृ	२५	११	१६	१४	ग	१४	४७	१२	०४	५०	१०	५४	४	१८	२६	मेषे		४।०८।२०।०९	५७।४७
मुसल	७	मं	४९	४४	२६	०४	भर	१०	१७	१०	१७	ध्रु	२५	१०	१६	१४	वि	१७	३९	१३	१४	४६	१०	५३	५	१९	२७	वृषे	१६।४९	४।०९।१७।५६	५७।४९
जन्माष्ट.	८	बु	५४	५३	२८	०८	कृति	१६	०७	१२	३७	व्या	२६	२३	१६	४४	बा	२२	०९	१५	०२	४२	११	५२	६	२०	२८	वृषे		४।१०।१५।४६	५७।५१
गोगा	९	गु	...	...	...	...	रोहि	२३	०७	१५	२६	ह	२८	२६	१७	३४	तै	२७	५०	१७	१९	३९	११	५०	७	२१	२९	मिथु.	२८।५६	४।११।१३।३७	५७।५३
मानस	९	शु	०	५५	६	३४	मृग	३०	४१	१८	२८	व	३०	५६	१८	३४	ग	०	५५	६	३४	३५	१२	४९	८	२२	३०	मिथु.		४।१२।१९।३०	५७।५५
मुद्गर	१०	श	७	१३	९	०५	आर्द्रा	३८	१५	२९	३०	सि	३३	२३	१९	३३	वि	७	१३	९	०५	३१	१२	४८	९	२३	३१	मिथु.		४।१३।०९।२४	५७।५७
ए.व्र.	११	र	१३	१०	११	२८	पुन	४५	१४	२४	१८	व्य	३५	२७	२०	२३	बा	१३	१०	११	२८	२७	१२	४७	१०	२४	१	कर्के	१७।३८	४।१४।०७।२१	५७।५९
प्र.व्र.	१२	सो	१८	१९	१३	३३	पुष्य	५१	१९	२६	४४	व	३६	४७	२०	५६	तै	१८	१९	१३	३३	२३	१३	४६	११	२५	२	कर्के		४।१५।०५।२०	५८।०१
आनन्द	१३	मं	२२	२४	१५	११	श्ले	५६	१७	२८	४४	प	३७	१६	२१	०८	व	२२	२४	१५	११	१९	१३	४५	१२	२६	३	सिंहे	२८।४४	४।१६।०३।२०	५८।०३
चर	१४	बु	२५	१९	१६	२१	मघा	...	...	...	...	शि	३६	५१	२०	५८	श	२५	१९	१६	२१	१५	१४	४४	१३	२७	४	सिंहे		४।१७।०१।२३	५८।०५
अमाव.	३०	गु	२७	०५	१७	०४	मघा	०	०७	६	१७	सि	३५	३२	२०	२७	ना	२७	०५	१७	०४	११	१४	४३	१४	२८	५	सिंहे		४।१७।५९।२८	५८।०७

अयनांशः २४।०२।०२

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

पं.२० भा.कृ. ५ र. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
४	३	४	२	५	६	६	०
०७	०४	०८	०८	१५	१२	१७	१७
५७	०१	०७	४०	५६	४३	०१	०१
३०	३६	२९	३४	४०	५१	५५	५५
५७	३८	११७	१०	७०	४	३	३
५२	३३	५६	५८	३५	२१	११	११
म	पु	म	आ	ह	स्वा	स्वा	भ
३	१	३	४	२	२	४	२



ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	अग.	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	सायं	रात्रौ
०४।०४।३६।१२	२ गु	२२	९।३७	११।१३	१।१०	३।२४	५।४४	८।०१	१०।१७	१२।३६	२।५५	४।५९	६।४३	८।११
०४।०५।३३।५२	३ शु	२३	९।३३	११।०९	१।०६	३।२०	५।४०	७।५७	१०।१३	१२।३२	२।५१	४।५५	६।३९	८।०७
०४।०६।३१।३४	४ श	२४	९।२९	११।०५	१।०२	३।१६	५।३६	७।५३	१०।०९	१२।२८	२।४७	४।५१	६।३५	८।०३
०४।०७।२९।१८	५ र	२५	९।२५	११।०२	१२।५८	३।१२	५।३२	७।४९	१०।०५	१२।२४	२।४३	४।४७	६।३१	७।५९
०४।०८।२७।०४	६ चं	२६	९।२१	१०।५८	१२।५४	३।०८	५।२९	७।४५	१०।०१	१२।२०	२।३९	४।४४	६।२७	७।५५
०४।०९।२४।५१	७ मं	२७	९।१७	१०।५४	१२।५०	३।०५	५।२५	७।४१	९।५७	१२।१६	२।३५	४।४०	६।२३	७।५१
०४।१०।२२।४०	८ बु	२८	९।१४	१०।५०	१२।४६	३।०१	५।२१	७।३८	९।५३	१२।१२	२।३१	४।३६	६।१९	७।४८
०४।११।२०।३२	९ गु	२९	९।१०	१०।४६	१२।४२	२।५७	५।१७	७।३४	९।४९	१२।०९	२।२७	४।३२	६।१५	७।४४
०४।१२।१८।२५	९ शु	३०	९।०६	१०।४२	१२।३८	२।५३	५।१३	७।३०	९।४५	१२।०५	२।२३	४।२८	६।११	७।४०
०४।१३।१६।२०	१० श	३१	९।०२	१०।३८	१२।३४	२।४९	५।०९	७।२६	९।४२	१२।०१	२।१९	४।२४	६।०७	७।३६
०४।१४।१४।१७	११ र	१	८।५८	१०।३४	१२।३०	२।४५	५।०५	७।२२	९।३८	११।५७	२।१५	४।२०	६।०३	७।३२
०४।१५।१२।१६	१२ चं	२	८।५४	१०।३०	१२।२६	२।४१	५।०१	७।१८	९।३४	११।५३	२।११	४।१६	५।५९	७।२८
०४।१६।१०।१६	१३ मं	३	८।५०	१०।२६	१२।२२	२।३७	४।५७	७।१४	९।३०	११।४९	२।०७	४।१२	५।५५	७।२४
०४।१७।०८।१९	१४ बु	४	८।४६	१०।२२	१२।१८	२।३३	४।५३	७।१०	९।२६	११।४५	२।०३	४।०८	५।५१	७।२०
०४।१८।०६।२४	३० गु	५	८।४२	१०।१८	१२।१४	२।२९	४।४९	७।०६	९।२२	११।४१	१।५९	४।०४	५।४७	७।१६

मास फलम्

इस माह में पांच गुरुवार होने से धान्य सस्ता हो यथा- ॥चन्द्रजीवौ यदापंच धान्यादीनां समर्घता॥ यदि चौथ शनिवार होने से राजनीति प्रभावित, हड़ताल तथा दुर्भिक्ष हो। गुरुवारी अमावस और मघा योग समर्घता कारक है। शु. चतुर्थी को सोमवार और चित्रा होने से दुर्भिक्ष हो। सुदी छठ को अनुराधा नहीं होने से दुर्भिक्ष हों। शुक्ला दशमी का क्षय होने से घी की विशेष महँगाई हों। पूर्णिमा गुरुवार और पूर्वाभाद्रपद युक्त होने से शुभ फल दायिनी है। सोमवार की सक्रांति होने से दक्षिण की पवन चले, धान्यादि सभी वस्तुओं के भाव मंदे हो, रस घृत किराणें की वस्तुएं तेज हों, लोक, महाजन प्रसन्न हों, प्रजा में सद्भाव अधिक हो।

अयनांशः २४।०२।०३

पं.२१ भा.कृ.११ र. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
४	३	४	२	५	६	६	०
१४	०८	२१	१९	२४	१३	१६	१६
४३	३०	२९	५५	०९	१५	३९	३९
१८	३२	३८	२९	४३	४७	३९	३९
५८	३८	१०९	१०	७०	४	३	३
०३	१३	४७	१९	१०	५१	११	११
पूफा	पु	पूफा	आ	चि	स्वा	स्वा	भ
१	२	३	४	१	२	३	१



CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

॥ श्रीवल्लभ मनीराम पञ्चाङ्गम् ॥

६ सितंबर से १९ सितंबर तक, श्री भाद्रपद शुक्लपक्ष संवत् २०७०, शाकः १९३५, दि.मा.सू. सू. तारीस्प स्टै. प्रातः दैनिक केतकी अहर्गणः ८८४ शरदृतू रविर्दक्षिणे, सितंबर २०१३

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	च.प.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
सिद्धि	१	शु	२७	४७	१७	२१	पूफा	२	५२	७	२४	सा	३३	२४	१९	३६	ब	२७	४७	१७	२१	३५ ०७	६ ५५	६ ४३	१५	२९	६	कन्या	१३।३७	४।१८।५७।३५	५८।०९
उत्पात	२	श	२७	३०	१७	१५	उफा	४	३९	८	०७	शु	३०	३०	१८	२७	कौ	२७	३०	१७	१५	०३	१५	४०	१६	३०	७	कन्या		४।१९।५५।४४	५८।१९
मानस	३	र	२६	२०	१६	४८	हस्त	५	३१	८	२८	शु	२६	५४	१७	०१	ग	२६	२०	१६	४८	३० ३९	१६	३९	१७	१	८	तुला.	२०।३१	४।२०।५३।५४	५८।९३
गणेश	४	सो	२४	१९	१६	००	चित्रा	५	३३	८	२९	ब्र	२२	३७	१५	१९	वि	२४	१९	१६	००	५५	१६	३८	१८	२	९	तुला.		४।२१।५२।०७	५८।९५
ऋषि	५	मं	२१	३०	१४	५२	स्वा	४	४६	८	११	ऐ	१७	४१	१३	२१	बा	२१	३०	१४	५२	५१	१७	३७	१९	३	१०	वृश्चि.	२५।४५	४।२२।५०।२३	५८।९७
धाता	६	बु	१७	५२	१३	२६	विशा	३	१२	७	३४	वै	१२	०६	११	०७	तै	१७	५२	१३	२६	४७	१७	३६	२०	४	११	वृश्चि.		४।२३।४८।४०	५८।९९
आनन्द	७	गु	१३	२७	११	४१	अनु	० ५७	५० ४३	६ २९	३७ २३	वि	५ ५९	५३ ९३	८ २९	३९ ५५	व	१३	२७	११	४१	४३	१८	३५	२१	५	१२	धनु.	२९।२३	४।२४।४६।५९	५८।२२
सुस्थिर	८	शु	८	१९	९	३८	मूल	५३	५५	२७	५२	आ	५१	३९	२६	५८	ब	८	१९	९	३८	३९	१८	३४	२२	६	१३	धनु.		४।२५।४५।२१	५८।२४
मातङ्ग	९	श	२	३०	७	१८	पूषा	४९	३५	२६	०९	सौ	४३	४९	२३	५०	कौ	२	३०	७	१८	३५	१८	३२	२३	७	१४	धनु.		४।२६।४३।४५	५८।२६
क्षयः	१०	श	५६	११	२८	४७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
ए.व्र.	११	र	४९	३५	२६	०९	उषा	४४	५५	२४	१७	शो	३५	४१	२०	३५	व	२२	५४	१५	२८	३१	१९	३१	२४	८	१५	मक.	७।४१	४।२७।४२।१९	५८।२८
ए.व्र.	१२	सो	४२	५६	२३	३०	श्रव	४०	१२	२२	२४	अ	२७	२७	१७	१८	ब	१६	१४	१२	४९	२७	१९	३०	२५	९	१६	मक.		४।२८।४०।३९	५८।३०
प्र.व्र.	१३	मं	३६	३३	२०	५७	धनि	३५	४४	२०	३७	सु	१९	२२	१४	०५	कौ	९	४०	१०	१२	२२	२०	२९	२६	१०	१७	कुंभे	९।३०	४।२९।३९।०९	५८।३३
मानस	१४	बु	३०	४७	१८	३९	शत	३१	५२	१९	०५	धृ	११	४२	११	०१	ग	३	३३	७	४६	१८	२०	२८	२७	११	१८	कुंभे		५।००।३७।४२	५८।३५
पूर्णिमा	१५	गु	२५	५५	१६	४३	पूभा	२८	५५	१७	५५	शू	४ ५८	४१ ३६	८ २२	१५ ४७	ब	२५	५५	१६	४३	१४	२१	२६	२८	१२	१९	मीने	९२।१०	५।०१।३६।१७	५८।३७

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।

[B ७।३४ उपरान्त, मुक्ताभरण व्र., उमामहेश्वरपू., हस्ते बुधः L
चंद्रदर्शनम् (मु.३०) [L २२।५८, स्वा. शुक्रः २४।०३
म. २८।२६ उ.,मन्वादि,वराहजयंती, हरितालिकाव्र.,हस्तिगौरी व्र.,E
म. १६।०० या., गणेश चतुर्थी (चंद्र दर्शनं निषेधः), जैन संवत्सरी
ऋषि पंचमी, ललिता षष्ठी व्र. (गुर्जरे), चंपाषष्ठी [F दशावतार व्र.
सौर (सूर्य) षष्ठी, स्कन्द दर्शनं, दूबडी सातम, गौरी आवाहन B
म. ११।४१ उ. २२।४१ या., गौरी पूजन ६।३७ से २९।२३ तक
दधीची जयंती, श्री राधा ८, गौरी विसर्जन २७।५२ यावत्, उफा. A
अदुःस्नवमीव्र.,श्रीचंद्र (उदासीनसंप्रदाय), श्रीरामदेवजी का मेला, F
[E सामवेदि उपाकर्म, जिल्काद ११ [H सौरः १४।५३ [J २४।१७ से
म. १५।२८ उ. २६।०९ या.,जलझूलनी ११ व्र.स्मार्त, विष्णुश्रृंखला J
जलझूलनी ११ व्र.वैष्ण., वामन जयंती, दुग्धव्रतं, विष्णुश्रृंखला C
पंचकप्रारम्भः ९।३०, प्रदोषः, गोत्रिरात्रव्र., विश्वकर्मापू., कन्यायां H
म. १८।३९ उ. २९।३८ या., अनन्त १४, कदलीव्रतंपूजनं, रंभारोपणं
पूर्णिमा व्रतंपुण्यञ्च, प्रौष्ठपदी, महालय श्राद्धारंभः, महेश्वर पूजनं, D

[A रविः १३।३९ (सौरः २८।४६),श्लेषा. भौमः २७।५९, सं.स्त्री.पु.सू.सू.वाहन स्वर वर्षाश्रेष्ठः [C २२।२४ तक, हरिवासरः ७।३९ से १५।०२ तक, कन्यायां रविः २३।४५,बुधोदयः पश्चिमायाम् २२।४६ [D कु. संध्यापूजा, इंदुला १५

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

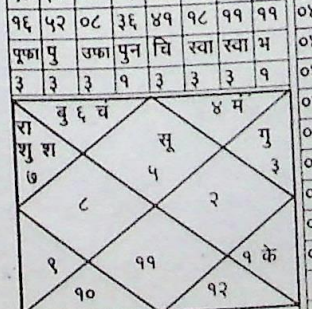
संक्रांति फलम्

ता. १६ सितंबर २०१३
भा. शु. १२ चंद्रे कन्यायामर्कः प्र. (स्टै.) टा. २३।४५ वारात् ४ नक्षत्रात् ५ वारनाम ध्वांक्षी वैश्यान् सुस्पदा नक्षत्रनाम महोदरी चोरान् सुस्पदा मध्यरात्रि २ प्रहर व्यापिनी राक्षसान् हन्ति, उत्तरे गमनं, ऐशान्यां दृष्टिः कौलयकरणे प्रविष्टा महर्घफलं सिंहवाहनं वृषभोपवाहनं कष्टकारक नीलवस्त्रं स्रुङ्गायुधं ताम्रपात्रं मिष्ठान्नभक्षणं रक्तचंदनलेपनं सर्पजातिः वकुलपुष्पं मोतीभूषणं हरित्कंचुकी गतालकावस्था (उभी) मु. ३० धान्यभावे सम वत्स पूर्वे राहु उत्तरे मूलं स्वर्गे विवाहस्तंभो ऐशान्यां शुक्रोदयः पश्चिमायाम्। पुण्यकालः (स्टै.) २३।४५ से ३०।०९ तक। (दान- गृह वस्त्र)।

अयनांशाः २४।०२।०४

पं.२२ भा.शु. ३ र. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
४	३	५	२	६	६	६	०
२१	१२	०३	२१	०२	१३	१६	१६
३०	५७	५२	०५	१९	५१	१७	१७
२६	०५	१५	३८	४०	०७	२३	२३
५८	३७	१०९	९	६९	५	३	३
१६	५२	०८	३६	४१	१८	११	११
पूफा	पु	उफा	पुन	वि	स्वा	स्वा	भ
३	३	३	१	३	३	३	१

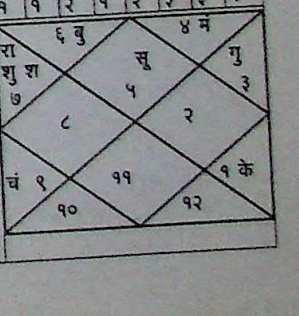


ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	सित	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	सायं
०४।१९।०४।३१	१ शु	६	८।३८	९०।१४	९२।१०	२।२५	४।४५	७।०२	९।१८	११।३७	१।५६	४।००	५।४३	७।१२
०४।२०।०२।४०	२ श	७	८।३४	९०।१०	९२।०६	२।२१	४।४१	६।५८	९।१४	११।३३	१।५२	३।५६	५।४०	७।०८
०४।२१।००।५१	३ र	८	८।३०	९०।०६	९२।०२	२।१७	४।३७	६।५४	९।१०	११।२९	१।४८	३।५२	५।३६	७।०४
०४।२१।५९।०५	४ चं	९	८।२६	९०।०२	९१।५९	२।१३	४।३३	६।५०	९।०६	११।२५	१।४४	३।४८	५।३२	७।०० ६।५६
०४।२२।५७।२०	५ मं	१०	८।२२	९।५८	९१।५५	२।०९	४।२९	६।४६	९।०२	११।२१	१।४०	३।४४	५।२८	६।५२
०४।२३।५५।३८	६ बु	११	८।१८	९।५४	९१।५१	२।०५	४।२५	६।४२	८।५८	११।१७	१।३६	३।४०	५।२४	६।४८
०४।२४।५३।५७	७ गु	१२	८।१४	९।५१	९१।४७	२।०१	४।२२	६।३८	८।५४	११।१३	१।३२	३।३७	५।२०	६।४४
०४।२५।५२।१९	८ शु	१३	८।१०	९।४७	९१।४३	१।५७	४।१८	६।३४	८।५०	११।०९	१।२८	३।३३	५।१६	६।४१
०४।२६।५०।४३	९ श	१४	८।०७	९।४३	९१।३९	१।५४	४।१४	६।३०	८।४६	११।०५	१।२४	३।२९	५।१२	६।३७
०४।२७।४९।०९	११ र	१५	८।०३	९।३९	९१।३५	१।५०	४।१०	६।२७	८।४२	११।०१	१।२०	३।२५	५।०८	६।३३
०४।२८।४७।३८	१२ चं	१६	७।५९	९।३५	९१।३१	१।४६	४।०६	६।२३	८।३८	१०।५८	१।१६	३।२१	५।०४	६।२९
०४।२९।४६।०८	१३ मं	१७	७।५५	९।३१	९१।२७	१।४२	४।०२	६।१९	८।३४	१०।५४	१।१२	३।१७	५।००	६।२५
०५।००।४४।४१	१४ बु	१८	७।५१	९।२७	९१।२३	१।३८	३।५८	६।१५	८।३१	१०।५०	१।०८	३।१३	४।५६	६।२१
०५।०१।४३।१६	१५ गु	१९	७।४७	९।२३	९१।१९	१।३४	३।५४	६।११	८।२७	१०।४६	१।०४	३।०९	४।५२	६।१७

अयनांशाः २४।०२।०५

पं.२३ भा.शु.११ र. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
४	३	५	२	६	६	६	०
२८	१७	१५	२२	१०	१४	१५	१५
१९	२१	१५	१०	२६	२९	५५	५५
००	१३	४२	२६	०२	३१	०७	०७
५८	३७	९३	८	६९	५	३	३
२८	३१	०४	४७	०८	४३	११	११
उफा	श्ले	ह	पुन	स्वा	स्वा	स्वा	भ
१	१	२	१	२	३	३	१



CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

॥ श्रीवल्लभ मनीराम पञ्चाङ्गम् ॥

२० सितंबर से ४ अक्टूबर तक, श्री आश्विन कृष्णपक्ष संवत् २०७०, शाकः १९३५, दि.मासू. सू. तारीख्य स्टै. प्रातः दैनिक शरदृतू रविर्दक्षिणे भाद्रपदकृष्णेति गुर्जराः, सितंबर-अक्टूबर २०१३

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
ध्वजा	१	शु	२२	१९	१५	१७	उभा	२७	१३	१७	१४	वृ	५३	३७	२७	४८	कौ	२२	१९	१५	१७	३०/१०	६/२१	६/२५	२९	१३	२०	मीने	५।०२।३४।५४	५८।३९
धाता	२	श	२०	१२	१४	२६	रेव	२७	००	१७	१०	ध्रु	४९	५४	२६	१९	ग	२०	१२	१४	२६	०६	२२	२४	३०	१४	२१	मेषे	१७।१०	५।०३।३३।३३	५८।४२
च.व्र.	३	र	१९	४५	१४	१६	अश्वि	२८	२६	१७	४४	व्या	४७	३३	२५	२३	वि	१९	४५	१४	१६	०२	२२	२३	३१	१५	२२	मेषे		५।०४।३२।१५५	५८।४४
चर	४	सो	२१	०४	१४	४८	भर	३१	३४	१९	००	ह	४६	३३	२५	००	वा	२१	०४	१४	४८	२९/५८	२३	२२	१	१६	२३	वृषे	२५।२६	५।०५।३०।५९	५८।४६
गद	५	मं	२४	०६	१६	०२	कृति	३६	२१	२०	५६	व	४६	५०	२५	०७	तै	२४	०६	१६	०२	५४	२३	२१	२	१७	२४	वृषे		५।०६।२९।४५	५८।४९
शुभ	६	बु	२८	३९	१७	५१	रोहि	४२	३२	२३	२४	सि	४८	९०	२५	३९	व	२८	३९	१७	५१	५०	२४	१९	३	१८	२५	वृषे		५।०७।२८।३४	५८।५१
मृत्यु	७	गु	३४	१९	२०	०८	मृग	४९	४०	२६	१६	व्य	५०	१३	२६	२९	वि	१	२२	६	५७	४६	२४	१८	४	१९	२६	मिथु.	१२।४८	५।०८।२७।२५	५८।५३
पद्म	८	शु	४०	३४	२२	३८	आर्द्रा	५७	१२	२९	१७	व	५२	३५	२७	२७	वा	७	२४	९	२२	४१	२५	१७	५	२०	२७	मिथु.		५।०९।२६।१८	५८।५५
छत्र	९	श	४६	४२	२५	०६	पुन	...	...	...	...	प	५४	४८	२८	२०	तै	१३	४०	११	५३	३७	२५	१६	६	२१	२८	ककें	२५।३०	५।१०।२५।१३	५८।५८
ध्वजा	१०	र	५२	०७	२७	१६	पुन	४	२८	८	१३	शि	५६	२४	२८	५९	व	१९	३२	१४	१४	३३	२६	१५	७	२२	२९	ककें		५।११।२४।११	५९।००
ए.व्र.	११	सो	५६	२२	२८	५९	पुष्य	१०	५६	१०	४८	सि	५७	०६	२९	१६	व	२४	२४	१६	१२	२९	२६	१४	८	२३	३०	ककें		५।१२।२३।११	५९।०२
आनन्द	१२	मं	५९	१०	३०	०७	श्ले	१६	१०	१२	५५	सा	५६	४०	२९	०६	कौ	२७	५६	१७	३७	२५	२७	१३	९	२४	१	सिंहे	१२।५५	५।१३।२२।१४	५९।०५
प्र.व्र.	१३	बु	.....		...	...	मघा	१९	५९	१४	२६	शु	५५	०४	२८	२९	ग	३०	००	१८	२७	२१	२७	११	१०	२५	२	सिंहे		५।१४।२१।१८	५९।०७
गद	१३	गु	०	२७	६	३८	पूफा	२२	१९	१५	२३	शु	५२	२१	२७	२४	व	०	२७	६	३८	१७	२८	१०	११	२६	३	कन्या	२१।३२	५।१५।२०।२६	५९।१०
अमाव.	१४	शु	०	१७	६	३५	उफा	२३	१९	१५	४७	ब्र	४८	३५	२५	५४	श	०	१७	६	३५	१३	२८	०९	१२	२७	४	कन्या		५।१६।१९।३५	५९।१२
क्षय.	३०	शु	५८	५२	३०	०१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०

अयनांशाः २४।०२।०६

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

पं.२४ आ.कृ. ३ र. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
५	३	५	२	६	६	६	०
०५	२१	२५	२३	१८	१५	१५	१५
०९	४२	४५	०९	२८	१०	३२	३२
०८	५३	२२	१५	११	३९	५२	५२
५८	३७	८५	७	६८	६	३	३
४२	१०	५३	५३	२८	०५	११	११
उफा	श्ले	चि	पुन	स्वा	स्वा	स्वा	भ
३	२	१	१	४	३	३	१



ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	सितं	रात्री	रात्री	रात्री	रात्री	रात्री	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	सार्यं
०५।०२।४१।५४	१ शु	२०	७।४३	९।१९	११।१५	१।३०	३।५०	६।०७	८।२३	१०।४२	१।००	३।०५	४।४८	६।१७
०५।०३।४०।३३	२ श	२१	७।३९	९।१५	११।११	१।२६	३।४६	६।०३	८।१९	१०।३८	१२।५६	३।०१	४।४४	६।१३
०५।०४।३९।१५	३ र	२२	७।३५	९।११	११।०७	१।२२	३।४२	५।५९	८।१५	१०।३४	१२।५२	२।५७	४।४०	६।०९
०५।०५।३८।००	४ चं	२३	७।३१	९।०७	११।०३	१।१८	३।३८	५।५५	८।११	१०।३०	१२।४९	२।५३	४।३६	६।०५
०५।०६।३६।४६	५ मं	२४	७।२७	९।०३	१०।५९	१।१४	३।३४	५।५१	८।०७	१०।२६	१२।४५	२।४९	४।३३	६।०१
०५।०७।३५।३५	६ बु	२५	७।२३	८।५९	१०।५५	१।१०	३।३०	५।४७	८।०३	१०।२२	१२।४१	२।४५	४।२९	५।५७
०५।०८।३४।२६	७ गु	२६	७।१९	८।५५	१०।५१	१।०६	३।२६	५।४३	७।५९	१०।१८	१२।३७	२।४१	४।२५	५।५३
०५।०९।३३।१९	८ शु	२७	७।१५	८।५१	१०।४८	१।०२	३।२२	५।३९	७।५५	१०।१४	१२।३३	२।३७	४।२१	५।४९
०५।१०।३२।१५	९ श	२८	७।११	८।४७	१०।४४	१२।५८	३।१८	५।३५	७।५१	१०।१०	१२।२९	२।३३	४।१७	५।४५
०५।११।३१।१३	१० र	२९	७।०७	८।४३	१०।४०	१२।५४	३।१४	५।३१	७।४७	१०।०६	१२।२५	२।२९	४।१३	५।४१
०५।१२।३०।१४	११ चं	३०	७।०३	८।४०	१०।३६	१२।५०	३।११	५।२७	७।४३	१०।०२	१२।२१	२।२६	४।०९	५।३७
०५।१३।२९।१६	१२ मं	१	६।५९	८।३६	१०।३२	१२।४७	३।०७	५।२३	७।३९	९।५८	१२।१७	२।२२	४।०५	५।३३
०५।१४।२८।२२	१३ बु	२	६।५६	८।३२	१०।२८	१२।४३	३।०३	५।१९	७।३५	९।५४	१२।१३	२।१८	४।०१	५।३०
०५।१५।२७।२९	१३ गु	३	६।५२	८।२८	१०।२४	१२।३९	२।५९	५।१६	७।३१	९।५०	१२।०९	२।१४	३।५७	५।२६
०५।१६।२६।३९	१४ शु	४	६।४८	८।२४	१०।२०	१२।३५	२।५५	५।१२	७।२७	९।४७	१२।०५	२।१०	३।५३	५।२२

मास फलम्

इस माह में पांच शुक्रवार होने से प्रजा की वृद्धि हो यथा- ॥प्रजावृद्धिस्तुभार्गवे॥ कृष्णा एकादशी को सोमवार होने से गाय भैंस महँगी हों। शु. प्रतिपदा को शनिवार होने से धान्यादि भाव में मंदी हो। पूर्णिमा शुक्रवार और रेवती युक्त होने से शुभ फल दायिनी है। गुरुवार की सक्रांति होने से सभी पीत वर्ण वाली वस्तुओं के भाव तेज हों, धान्यादि भाव मंदे हों, अन्नोत्पत्ति उत्तम हो, प्रजा सात्विक कर्म अधिक करें। चित्रा में बुध होने से वर्षा कम हो, गणिका, शिल्पी, और विप्र वर्ग पीड़ित हो।

अयनांशाः २४।०२।०६

पं.२५ आ.कृ.१० र. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
५	३	६	२	६	६	६	०
१२	२६	०५	२४	२६	१५	१५	१५
००	०२	२५	०१	२५	५४	१०	१०
५१	००	०८	३२	१६	११	३५	३५
५८	३६	७८	६	६७	६	३	३
५६	४७	२१	५४	३९	२४	११	११
ह	श्ले	चि	पुन	वि	स्वा	स्वा	भ
१	३	४	२	२	३	३	१



यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।

चित्रा. बुधः १४।२४
भ. २६।१६ उ., पंचक समाप्तिः १७।१०
भ. १४।१६ या., चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः २०।१८, D
भा. अश्विनारंभः, पुन.-२ गुरुः १५।१४, विशा. शुक्रः १४।३४
चंद्रषष्ठी, तुलायां बुधः ३०।२२ |D सायन तुलायां भानुः २६।१९
भ. १७।५१ उ.
भ. ६।५७ या., श्रीमहालक्ष्मी व्र., हस्ते रविः २९।१०, A
अशोकाष्टमी, हस्ते सौरः २०।०८
सौभाग्यवतीनां श्राद्धं |A सं.स्त्री.स्त्री.सू.चं.वाहन मण्डूक अल्पवृष्टिः
भ. १४।१४ उ. २७।१६ या., स्वा. बुधः २९।२२
इंदिरा ११ व्र. |B वृश्चिके शुक्रः १०।४६
सन्यासिनां श्राद्धं, गजच्छाया योगः ३०।०७ से, अक्टूबर १० ता. ३१
प्रदोषः, युगादि, गजच्छाया योगः १४।२६ तक, गांधी जयन्ती, B
भ. ६।३८ उ. १८।४१ या., मासिकशिवरात्रीव्र., शस्त्रादि हतानांश्राद्धं
देवपितृकार्येऽमा.,सर्वपितृ श्राद्धम्, गजच्छाया(बोधायन) १५।४७ से C
|C ३०।०१ तक

CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

॥ श्रीवल्लभ मनीराम पञ्चाङ्गम् ॥

५ अक्टूबर से १८ अक्टूबर तक, श्री आश्विन शुक्लपक्ष संवत् २०७०, शाकः १९३५, दि.मासू. सू. तारीख्स स्टै. प्रातः दैनिक केतकी अहर्गणः ९१३ शरदृतू रविर्दक्षिणे, अक्टूबर २०१३

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	प.प.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
नवरा.	१	श	५६	१९	२९	००	हस्त	२३	०६	१५	४३	ऐ	४३	५४	२४	०२	किं	२७	४३	१७	३४	२९ ०९	६ २९	६ ०८	१३	२८	५	तुला. २७।३१	५।१७।१८।४७	५९।१४
पद्म	२	र	५२	५३	२७	३८	चित्रा	२१	५२	१५	१४	वै	३८	२८	२१	५२	बा	२४	४१	१६	२२	०५	२९	०७	१४	२९	६	तुला.	५।१८।१८।०१	५९।१६
छत्र	३	सो	४८	४१	२५	५८	स्वा	१९	५०	१४	२६	वि	३२	२५	१९	२७	तै	२०	५१	१४	५०	००	३०	०६	१५	१	७	तुल'	५।१९।१७।१७	५९।१९
श्रीवत्स	४	मं	४३	५७	२४	०५	विशा	१७	१०	१३	२२	प्री	२५	५१	१६	५०	व	१६	२२	१३	०३	२८ ५६	३०	०५	१६	२	८	वृश्चि. ७।३९	५।२०।१६।३६	५९।२१
सौम्य	५	बु	३८	४८	२२	०२	अनु	१४	०१	१२	०७	आ	१८	५६	१४	०५	ब	११	२४	११	०४	५२	३१	०४	१७	३	९	वृश्चि.	५।२१।१५।५७	५९।२३
काल	६	गु	३३	२३	१९	५२	ज्ये	१०	३२	१०	४४	सौ	११	४४	११	१३	कौ	६	०७	८	५८	४८	३१	०३	१८	४	१०	धनु. १०।४४	५।२२।१५।२१	५९।२६
सुस्थिर	७	शु	२७	४९	१७	४०	मूल	६	५१	९	१६	शो	४ ५७	२३ ००ं	८ २३	१७ २०	ग	०	३५	६	४६	४४	३२	०१	१९	५	११	धनु.	५।२३।१४।४७	५९।२८
दुर्गा	८	श	२२	१४	१५	२६	पूषा	३ ५९	०६ २७	७ ३०	४७ १९	सु	४९	३८	२६	२४	ब	२२	१४	१५	२६	४०	३२	००	२०	६	१२	मक. १३।२४	५।२४।१४।१५	५९।३०
विजया	९	र	१६	४८	१३	१६	श्रव	५६	०१	२८	५७	धृ	४२	२७	२३	३२	कौ	१६	४८	१३	१६	३६	३३	५ ५९	२१	७	१३	मक.	५।२५।१३।४५	५९।३३
शुभ	१०	सो	११	३८	११	१३	धनि	५२	५९	२७	४५	शू	३५	३३	२०	४७	ग	११	३८	११	१३	३२	३३	५८	२२	८	१४	कुंभे १६।२०	५।२६।१३।१८	५९।३५
ए.व्र.	११	मं	६	५६	९	२१	शत	५०	३३	२६	४७	गं	२९	०५	१८	१२	वि	६	५६	९	२१	२८	३४	५७	२३	९	१५	कुंभे	५।२७।१२।५३	५९।३७
प्र.व्र.	१२	बु	२	५४	७	४४	पूभा	४८	५३	२६	०८	वृ	२३	११	१५	५१	बा	२	५४	७	४४	२४	३५	५६	२४	१०	१६	मीने २०।१६	५।२८।१२।३०	५९।४०
क्षयः	१३	बु	५९	४२	३०	२७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	मीने	५।२९।१२।१०	५९।४२
छत्र	१४	गु	५७	२९	२९	३५	उभा	४८	१०	२५	५१	ध्रु	१८	००	१३	४७	ग	२८	२६	१७	५८	२०	३५	५५	२५	११	१७	मीने	६।००।१९।५२	५९।४४
पूर्णिमा	१५	शु	५६	२४	२९	०९	रेव	४८	३३	२६	०१	व्या	१३	३९	१२	०३	वि	२६	४६	१७	१८	१६	३६	५४	२६	१२	१८	मेषे २६।०१		

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह वारादि का समय स्टै.टा.में है।
नवरात्रारम्भः, घटस्था. अग्रसेन जयंती , मातामहश्रा., सिंहे मघा. F
चंद्रदर्शनम् (मु.१५), स्वा.-४ शनिः ७।२०
जिल्हेज १२ [C अवतार चित्रा. सौरः ८।३८, विशा. बुधः २८।३५
म. १३।०३ उ. २४।०५ या. [F भौमः १८।२९, अनु. शुक्रः ९०।२०
उपांगललिता व्र. [A शरद पूर्णिमा,कोजागरीव्र., बंगीयलक्ष्मीपूजा,B
चित्रा. रविः १८।१०, सं.स्त्री.पु.सू.सू.वाहन मूषक वर्षाश्रेष्ठः
म. ९७।४० उ. २८।३३ या., सरस्वती आवाहनं मूलभे, भद्रकाली C
महाष्टमी, सरस्वती पूजनं पू.षाभे, शस्त्रादि पूजा, बलिदानं उ.षाभे
मन्वादि, बोद्धावतार, विजया १०, शमीपूजा, पट्टाभिषेक, E
म. २२।१५ उ., पंचक प्रारम्भः १६।२० [E सरस्वती विसर्जनं श्रवणे
म. ९।२९ या., पापांकुशा ११ व्र. [B नवान्नभक्षण, आश्वयुजीकर्म D
प्रदोषः,कार्त्तिके द्विदलं त्यजेत् [D (आश्वलायन शास्त्रा),कार्तिक G
[G स्नान प्रा. शनेरस्तः पश्चिमायाम् ९।४०
म. २९।३५ उ., आकाश दीपारंभः, तुलायां रविः ११।४३ (सौरः K
म. १७।१८ या., पंचक समाप्तिः २६।०१, पूर्णिमा व्रतंपुण्यञ्च, A
[K २५।५०), ज्येष्ठा. शुक्रः १४।१०

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

संक्रांति फलम्

ता. १७ अक्टूबर २०१३
आश्वि. शु. १४ गुरौ तुलायामर्कः
प्र. (स्टै.) टा. ११।४३ वारात् ४
नक्षत्रात् ४ वारनाम नंदा गणकान्
सुस्थदा नक्षत्रनाम नंदा गणकान्
सुस्थदा मध्यान्ह २ प्रहर व्यापिनी
द्विजान् हन्ति, पश्चिमे गमनं वायव्यां
दृष्टिः गरकरणे प्रविष्टा मध्यमफलं
हस्तीवाहनं स्वरोपवाहनं लक्ष्मीकारक
रक्तवस्त्रं धनुष्यायुधं लोहपात्रं
दुग्धभक्षणं गोरोचनलेपनं पशुजातिः
विल्वपुष्पं मुकुटभूषणं श्वेतकंचुकी
प्रौढावस्था (बैठी) मु. ४५ धान्यभावे
समर्घ वत्स पूर्वे राहु उत्तरे मूलं
भूमौ विवाहस्तंभो ऐशान्यां शुक्रोदयः
पश्चिमायाम् । पुण्यकालः बुधवार
(स्टै.) २९।४३ से गुरुवार १७।४३
तक । (दान- तिल) ।

अयनांशाः २४।०२।०७

पं.२६	आ.शु.	२	र.	इष्टघटी	०।००
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
५	४	६	२	७	६	६	०
१८	००	१४	२४	०४	१६	१४	१४
५४	१८	०२	४६	१६	३९	४८	४८
१५	२६	५२	३५	०७	४६	२०	२०
५९	३६	६६	५	६६	६	३	३
१०	२४	४८	४९	३९	३९	११	११
ह	म	स्वा	पुन	अनु	स्वा	स्वा	भ
३	१	३	२	१	३	३	१



अयनांशाः २४।०२।०८

पं.२७	आ.शु.	९	र.	इष्टघटी	०।००
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
५	४	६	२	७	६	६	०
२५	०४	२०	२५	११	१७	१६	१४
४९	३२	५३	२३	५९	२७	२६	२६
१९	०२	२६	५०	१३	०३	०४	०४
५९	३५	४५	४	६५	६	३	३
२५	५८	०५	३९	२३	५२	११	११
चि	म	वि	पुन	अनु	स्वा	स्वा	भ
१	२	१	२	३	४	३	१



ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	अक्षु	सायं	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा
०५।१७।२५।५१	१ श	५	६।४४	८।२०	९०।१६	९२।३१	२।५१	५।०८	७।२३	९।४३	९२।०१	२।०६	३।४९	५।१८
०५।१८।२५।०५	२ र	६	६।४०	८।१६	९०।१२	९२।२७	२।४७	५।०४	७।२०	९।३९	९१।५७	२।०२	३।४५	५।१४
०५।१९।२४।२२	३ चं	७	६।३६	८।१२	९०।०८	९२।२३	२।४३	५।००	७।१६	९।३५	९१।५३	१।५८	३।४९	५।१०
०५।२०।२३।४१	४ मं	८	६।३२	८।०८	९०।०४	९२।१९	२।३९	४।५६	७।१२	९।३१	९१।४९	१।५४	३।३७	५।०६
०५।२१।२३।०२	५ बु	९	६।२८	८।०४	९०।००	९२।१५	२।३५	४।५२	७।०८	९।२७	९१।४५	१।५०	३।३३	५।०२
०५।२२।२२।२६	६ गु	१०	६।२४	८।००	९।५६	९२।११	२।३१	४।४८	७।०४	९।२३	९१।४१	१।४६	३।२९	४।५८
०५।२३।२१।५२	७ शु	११	६।२०	७।५६	९।५२	९२।०७	२।२७	४।४४	७।००	९।१९	९१।३८	१।४२	३।२५	४।५४
०५।२४।२१।२१	८ श	१२	६।१६	७।५२	९।४८	९२।०३	२।२३	४।४०	६।५६	९।१५	९१।३४	१।३८	३।२२	४।५०
०५।२५।२०।५१	९ र	१३	६।१२	७।४८	९।४४	९१।५९	२।१९	४।३६	६।५२	९।११	९१।३०	१।३४	३।१८	४।४६
०५।२६।२०।२४	१० चं	१४	६।०८	७।४४	९।४०	९१।५५	२।१५	४।३२	६।४८	९।०७	९१।२६	१।३०	३।१४	४।४२
०५।२७।२०।००	११ मं	१५	६।०४	७।४०	९।३७	९१।५१	२।११	४।२८	६।४४	९।०३	९१।२२	१।२६	३।१०	४।३८
०५।२८।१९।३७	१२ बु	१६	६।००	७।३६	९।३३	९१।४७	२।०७	४।२४	६।४०	८।५९	९१।१८	१।२२	३।०६	४।३४
०५।२९।१९।१७	१४ गु	१७	५।५६	७।३३	९।२९	९१।४३	२।०३	४।२०	६।३६	८।५५	९१।१४	१।१८	३।०२	४।३०
०६।००।१८।५९	१५ शु	१८	५।५२	७।२९	९।२५	९१।३९	२।००	४।१६	६।३२	८।५१	९१।१०	१।१५	२।५८	४।२६

CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

१९ अक्टूबर से ३ नवंबर तक, श्री कार्तिक कृष्णपक्ष संवत् २०७०, शाकः १९३५, दि.मा सू. सू. तारीख्य स्टै. प्रातः दैनिक शरदृतू रविर्दक्षिणे आश्विनकृष्णेति गुर्जराः, अक्टूबर-नवंबर २०१३

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
सौम्य	१	श	५६	३६	२९	१५	अश्वि	५०	१०	२६	४०	ह	१०	१२	१०	४१	बा	२६	२०	१७	०८	२८ ५२	६ ३६	५ ५३	२७	१३	१९	मेषे	६।०१।११।३६	५९।४६
काल	२	र	५८	१०	२९	५३	भर	५३	०५	२७	५१	व	७	४८	९	४४	तै	२७	११	१७	२९	०८	३७	५२	२८	१४	२०	मेषे	६।०२।११।२२	५९।४९
सुस्थिर	३	सो	...	...	...	...	कृति	५७	२०	२९	३३	सि	६	२६	९	१२	व	२९	२७	१८	२४	०४	३८	५१	२९	१५	२१	वृषे १०।१३	६।०३।११।११	५९।५१
च.व्र.	३	मं	९	०५	७	०४	रोहि	...	...	...	...	व्य	६	०७	९	०५	वि	१	०५	७	०४	०९	३८	५०	३०	१६	२२	वृषे	६।०४।११।०२	५९।५३
शुभ	४	बु	५	२१	८	४७	रोहि	२	४९	७	४७	व	६	४८	९	२२	बा	५	२९	८	४७	२७ ५७	३९	५०	१	१७	२३	मिथु. २१।०३	६।०५।१०।५५	५९।५५
मृत्यु	५	गु	१०	४४	१०	५७	मृग	९	२५	१०	२६	घ	८	१८	९	५९	तै	१०	४४	१०	५७	५३	४०	४९	२	१८	२४	मिथु.	६।०६।१०।५०	५९।५८
पद्म	६	शु	१६	५२	१३	२५	आर्द्रा	१६	४४	१३	२२	शि	१०	२३	१०	४९	व	१६	५२	१३	२५	४९	४०	४८	३	१९	२५	मिथु.	६।०७।१०।४८	६०।००
छत्र	७	श	२३	९२	१५	५८	पुन	२४	१४	१६	२३	सि	१२	४०	११	४५	ब	२३	१२	१५	५८	४५	४१	४७	४	२०	२६	कर्के ९।३८	६।०८।१०।४७	६०।०२
श्रीवत्स	८	र	२९	०६	१८	२०	पुष्य	३१	१९	१९	१३	सा	१४	४१	१२	३४	कौ	२९	०६	१८	२०	४१	४१	४६	५	२१	२७	कर्के	६।०९।१०।४९	६०।०४
सौम्य	९	सो	३३	५९	२०	१८	श्ले	३७	२४	२१	४०	शु	१६	०१	१३	०६	तै	१	४२	७	२३	३८	४२	४५	६	२२	२८	सिंहे २१।४०	६।१०।१०।५३	६०।०६
काल	१०	मं	३७	२२	२१	३९	मघा	४२	०२	२३	३२	शु	१६	१८	१३	१४	व	५	५३	९	०४	३४	४३	४४	७	२३	२९	सिंहे	६।११।१०।५९	६०।०८
ए.व्र.	११	बु	३९	०१	२२	२०	पूफा	४४	५९	२४	४३	ब्र	१५	१८	१२	५१	ब	८	२४	१०	०५	३०	४३	४४	८	२४	३०	सिंहे	६।१२।११।०८	६०।१०
मातङ्ग	१२	गु	३८	५१	२२	१७	उफा	४६	१०	२५	१२	ऐ	१२	५५	११	५४	कौ	९	०९	१०	२४	२७	४४	४३	९	२५	३१	कन्या ६।५४	६।१३।११।१८	६०।१२
प्र.व्र.	१३	शु	३६	५८	२९	३२	हस्त	४५	४३	२५	०२	वै	९	०९	१०	२४	ग	८	०६	९	५९	२३	४५	४२	१०	२६	१	कन्या	६।१४।११।३१	६०।१५
रुप १४	१४	श	३३	३३	२०	११	चित्रा	४३	४६	२४	१६	वि	४ ५७	०५ ५५	८ २९	२३ ५५	वि	५	२५	८	५६	१९	४६	४१	११	२७	२	तुला. १२।४३	६।१५।११।४५	६०।१७
दीपाव.	३०	र	२८	५०	१८	१८	स्वा	४०	३५	२३	००	आ	५०	४५	२७	०४	च	१	१९	७	१८	१६	४६	४१	१२	२८	३	तुला.	६।१६।१२।०२	६०।१९

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।

[B ११।४३, सं.स्त्री.पु.सू.सू.वाहन नाग वर्षाश्रेष्ठः

भ. १८।२४ उ., बुधास्तः पश्चिमायाम् २२।०५, वक्री बुधः २२।३३

भ. ७।०४ या., दशरथ ललिता व्र., करवा ४ चन्द्रोदयः २०।२५

भा. कार्तिकारंभः, स्वा. रविः २८।४०, सायन वृश्चिके भानुः B

स्कन्द षष्ठी, स्वा. सौरः १८।२०

भ. ९३।२५ उ. २६।४२ या.

होई (अहोरी) ८ [D राहुः २५।१४, अश्वि.-४ केतुः २५।१४

पूफा. भौमः २७।१५

[A जयंती, यमायदीपदानं, गोत्रिरात्र व्र., नवंबर ११ ता. ३०

भ. ९।०४ उ. २१।३९ या., (व) स्वा. बुधः १०।२९

रमा ११ व्र., धनुषि मूले शुक्रः ७।३०

गोवत्स द्वादशी [C विशा.-१ शनिः २२।१३

भ. २१।३२ उ., प्रदोषः, मासिकशिवरात्री व्र., धनतेरस, धन्वन्तरी A

भ. ८।५६ या., दीपदानं, रुप (नरक) १४, प्रभात स्नानं, स्वा.-२ D

देवपितृकार्येऽमा., महालक्ष्मी पूजा, कुबेर पू., बलीपूजा, C

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

अयनांशाः २४।०२।०९

पं.२८ का.कृ. २ र. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
६	४	६	२	७	६	६	०
०२	०८	२४	२५	१९	१८	१४	१४
४६	४२	२१	५२	३२	१५	०३	०३
०५	३८	४९	४१	३५	३९	४८	४८
५९	३५	५	३	६३	७	३	३
३९	३१	०२	२४	४८	०२	११	११
वि	म	वि	पुन	ज्ये	स्वा	स्वा	भ
३	३	२	२	१	४	३	१



ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	अब्दु	सायं	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा
०६।०१।१८।४४	१ श	९९	५।४८	७।२५	९।२१	११।३६	१।५६	४।१२	६।२८	८।४७	११।०६	१।१११	२।५४	४।२२
०६।०२।१८।३०	२ र	२०	५।४५	७।२१	९।१७	११।३२	१।५२	४।०९	६।२४	८।४३	११।०२	१।०७	२।५०	४।१९
०६।०३।१८।९९	३ चं	२१	५।४१	७।१७	९।१३	११।२८	१।४८	४।०५	६।२०	८।४०	१०।५८	१।०३	२।४६	४।१५
०६।०४।१८।९०	३ मं	२२	५।३७	७।१३	९।०९	११।२४	१।४४	४।०१	६।१६	८।३६	१०।५४	१२।५९	२।४२	४।११
०६।०५।१८।०४	४ बु	२३	५।३३	७।०९	९।०५	११।२०	१।४०	३।५७	६।१२	८।३२	१०।५०	१२।५५	२।३८	४।०७
०६।०६।१८।००	५ गु	२४	५।२९	७।०५	९।०१	११।१६	१।३६	३।५३	६।०९	८।२८	१०।४६	१२।५१	२।३४	४।०३
०६।०७।१७।५७	६ शु	२५	५।२५	७।०१	८।५७	११।१२	१।३२	३।४९	६।०५	८।२४	१०।४२	१२।४७	२।३०	३।५९
०६।०८।१७।५७	७ श	२६	५।२१	६।५७	८।५३	११।०८	१।२८	३।४५	६।०१	८।२०	१०।३८	१२।४३	२।२६	३।५५
०६।०९।१८।००	८ र	२७	५।१७	६।५३	८।४९	११।०४	१।२४	३।४१	५।५७	८।१६	१०।३४	१२।३९	२।२२	३।५१
०६।१०।१८।०४	९ चं	२८	५।१३	६।४९	८।४५	११।००	१।२०	३।३७	५।५३	८।१२	१०।३०	१२।३५	२।१८	३।४७
०६।११।१८।१०	१० मं	२९	५।०९	६।४५	८।४१	१०।५६	१।१६	३।३३	५।४९	८।०८	१०।२७	१२।३१	२।१४	३।४३
०६।१२।१८।१९	११ बु	३०	५।०५	६।४१	८।३७	१०।५२	१।१२	३।२९	५।४५	८।०४	१०।२३	१२।२७	२।११	३।३९
०६।१३।१८।३०	१२ गु	३१	५।०१	६।३७	८।३३	१०।४८	१।०८	३।२५	५।४१	८।००	१०।१९	१२।२३	२।०७	३।३५
०६।१४।१८।४२	१३ शु	१	४।५७	६।३३	८।२९	१०।४४	१।०४	३।२१	५।३७	७।५६	१०।१५	१२।१९	२।०३	३।३१
०६।१५।१८।५७	१४ श	२	४।५३	६।२९	८।२६	१०।४०	१।००	३।१७	५।३३	७।५२	१०।११	१२।१५	१।५९	३।२७
०६।१६।१९।१४	३० र	३	४।४९	६।२५	८।२२	१०।३६	१२।५६	३।१३	५।२९	७।४८	१०।०७	१२।११	१।५५	३।२३

अयनांशाः २४।०२।१०

पं.२९ का.कृ. ८ र. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
६	४	६	२	७	६	६	०
०९	१२	२२	२६	२६	१९	१३	१३
४४	४९	०५	१२	५३	०५	४१	४१
३०	५९	२४	३४	३७	१३	३१	३१
५९	३५	५३	२	६१	७	३	३
५३	०२	२९	०५	४७	०८	११	११
स्वा	म	वि	पुन	ज्ये	स्वा	स्वा	भ
१	४	१व	२	४	४	३	१



अयनांशाः २४।०२।११

पं.३० का.कृ.३० र. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
६	४	६	२	८	६	६	०
१६	१६	१३	२६	०३	१९	१३	१३
४४	५३	५७	२३	५८	५५	१९	१९
३२	४८	४८	०२	५३	२२	१६	१६
६०	३४	७३	०	५९	७	३	३
०६	३०	४१	४३	११	११	११	११
स्वा	पूफा	स्वा	पुन	मू	स्वा	स्वा	अ
४	२	३व	२	२	४	२	४



CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

॥ श्रीवल्लभ मनीराम पञ्चाङ्गम् ॥

४ नवंबर से १७ नवंबर तक, श्री कार्तिक शुक्लपक्ष संवत् २०७०, शाकः १९३५, दि.मा.सू. सू. तारीस्व स्टै. प्रातः दैनिक केतकी अहर्गणः ९४३ हेमन्तर्तू रविर्दक्षिणे, नवंबर २०१३

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.घ	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
मित्र	१	सो	२३	०६	१६	०१	विशा	३६	२७	२१	२२	सौ	४२	५२	२३	५६	ब	२३	०६	१६	०१	२७ १२	६ ४७	५ ४०	१३	२९	४	वृश्चि. १५।४८	६।१७।१२।२०	६०।२१
वज्र	२	मं	१६	३८	१३	२७	अनु	३१	४१	१९	२८	शो	३४	२८	२०	३५	कौ	१६	३८	१३	२७	०९	४८	३९	१४	३०	५	वृश्चि.	६।१८।१२।४१	६०।२३
ध्वाङ्क्ष	३	बु	९	४६	१०	४३	ज्ये	२६	३६	१७	२७	अ	२५	५१	१७	०९	ग	९	४६	१०	४३	०५	४८	३९	१५	१	६	धनु. १७।२७	६।१९।१३।०४	६०।२५
धूम्र	४	गु	२	४८	७	५६	मूल	२१	२९	१५	२५	सु	१७	११	१३	४२	वि	२	४८	७	५६	०२	४९	३८	१६	२	७	धनु	६।२०।१३।२८	६०।२६
क्षयः	५	गु	५६	०१	२९	१४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	२६ ५९	०	०	०	०	०	०	०	०
प्रवर्धमा	६	शु	४९	३९	२६	४२	पूषा	१६	३८	१३	२९	धृ	८	४४	१०	१९	कौ	२२	४५	१५	५६		५०	३७	१७	३	८	मक. १९।०२	६।२१।१३।५५	६०।२८
चर	७	श	४३	५६	२४	२५	उषा	१२	१८	११	४६	शू	० ५३	४० ५२	७ २८	०७ ०७	ग	१६	४१	१३	३१	५५	५१	३७	१८	४	९	मक.	६।२२।१४।२३	६०।३०
गद	८	र	३९	०५	२२	२९	श्रव	८	४३	१०	२०	वृ	४६	२३	२५	२५	वि	११	२२	११	२४	५२	५१	३६	१९	५	१०	कुंभे २१।४६	६।२३।१४।५३	६०।३२
शुभ	९	सो	३५	११	२०	५७	धनि	६	०१	९	१६	ध्रु	४०	२३	२३	०१	बा	६	५९	९	४०	४९	५२	३६	२०	६	११	कुंभे	६।२४।१५।२६	६०।३४
मृत्यु	१०	मं	३२	२१	१९	४९	शत	४	१९	८	३७	व्या	३५	१३	२०	५८	तै	३	३७	८	२०	४५	५३	३५	२१	७	१२	मीने २६।२४	६।२५।१६।००	६०।३६
ए.व्र.	११	बु	३०	३८	१९	०९	पूभा	३	४२	८	२३	ह	३०	५५	१९	१६	व	१	२१	७	२६	४२	५४	३५	२२	८	१३	मीने	६।२६।१६।३६	६०।३८
छत्र	१२	गु	३०	०३	१८	५६	उभा	४	१०	८	३४	व	२७	२९	१७	५४	ब	०	१२	६	५९	३९	५५	३४	२३	९	१४	मीने	६।२७।१७।१३	६०।३९
प्र.व्र.	१३	शु	३०	३१	१९	०८	रेव	५	४२	९	१२	सि	२४	५४	१६	५३	कौ	०	०८	६	५९	३६	५५	३४	२४	१०	१५	मेषे ९।१२	६।२८।१७।५३	६०।४१
सौम्य	१४	श	३२	०३	१९	४५	अश्वि	८	१६	१०	१४	व्य	२३	०८	१६	११	ग	१	०९	७	२४	३३	५६	३३	२५	११	१६	मेषे	६।२९।१८।३४	६०।४३
पूर्णिमा	१५	र	३४	३७	२०	४८	भर	११	४९	११	४१	व	२२	०८	१५	४८	वि	३	१२	८	१४	३०	५७	३३	२६	१२	१७	वृषे	७।००।१९।१७	६०।४४

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है ।
गोवर्धन पू., अन्नकूटं देशाचारे, गोक्रीडा, गुर्जराणां नूतन वर्षारंभः B
चंद्रदर्शनम् (मु.३०), भ्रातृ २, यम २, यमुना स्नानं, कलम दवात पू.
भ. २१।२० उ., दूर्वागणपतिव्र.,मोहोर्रम १ सन १४३५ हि.,विशा. F
भ. ७।५६ या., सौभाग्य ५, पाण्डव ५, वक्री गुरुः २०।११
[F रविः १२।४७ (सौरः २५।२८), बुधोदयः पूर्वस्याम् २७।५६
[A समाप्ति, त्रिपुरोत्सव,पुष्करयात्रा, नानकजयंती, भीष्मपंचक C
भ. २४।२५ उ.,कल्पादि [C समाप्ति, कार्तिकस्नान पूर्तिः,पद्मकयोगः
भ. ११।२४ या., पंचक प्रारम्भः २१।४६, गोपाष्टमी [B मार्गपाली बं.,
युगादि, कुष्माण्ड (अक्षय) ९, मार्गी बुधः १५।२९ [I (सौरः २३।१९)
पूषा. शुक्रः २६।३९ [D आकाशदीप समाप्तिः,वृश्चिके रविः ११।२८ I
भ. ७।२६ उ. १९।०९ या., प्रबोधिनी ११ व्र., देवोत्थापनं, तुलसी E
मन्वादि, नेहरुजयन्ती(बालदिवस) [E विवाह,चतुर्मासव्रतसमाप्तिः,H
पंचक समाप्तिः ९।१२, प्रदोषः, वैकुण्ठ १४ [H भीष्म पंचक प्रा.
भ. १९।४५ उ., रोटक व्रत समाप्तिः, कार्तिक व्रतोद्यापनं, D
भ. ८।१४ या., मन्वादि, पूर्णिमा व्रतंपुण्यञ्च, गोपद्मव्रत A

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

संक्रांति फलम्

ता. १६ नवंबर २०१३
का. शु. १४ शनौ वृश्चिकेऽर्कः प्र. (स्टै.) टा. ११।२८ वारात् ३ नक्षत्रात्
४ वारनाम राक्षसी चाण्डालान् सुस्थदा
नक्षत्रनाम घोरा शूद्रान् सुस्थदा
मध्यान्ह २ प्रहर व्यापिनी द्विजान्
हन्ति, पश्चिमे गमनं वायव्यां दृष्टिः
वणिजकरणे प्रविष्टा मध्यमफलं
महिषवाहनं उष्ट्रोपवाहनं क्रैशकारक
श्यामवस्त्रं तोमरायुधं स्पष्परपात्रं
दधिभक्षणं अलक्तकलेपनं मृगजातिः
अर्कपत्रपुष्पं मणीभूषणं पाण्डुकंचुकी
प्रगल्भावस्था (बैठी) मु. १५ धान्यभावे
महर्घता वत्स दक्षिणे राहु पूर्वे मूलं
पातालें वियाहस्तंभो वायव्याम्
शुक्रोदयः पश्चिमायाम् । पुण्यकालः
शुक्रवार (स्टै.) २९।०४ से शनौ
११।२८ तक । (दान- दीप) ।

अयनांशाः २४।०२।१२

पं.३१ का.शु. ८ र. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
६	४	६	२	८	६	६	०
२३	२०	०८	२६	१०	२०	१२	१२
४६	५३	२१	२३	४३	४५	५७	५७
०५	४४	३२	५०	४९	४३	००	००
६०	३३	४	०	५५	७	३	३
९९	५५	०७	४१	५०	११	११	११
वि	पूफा	स्वा	पुन	मू	वि	स्वा	अ
२	३	१व	२व	४	१	२	४

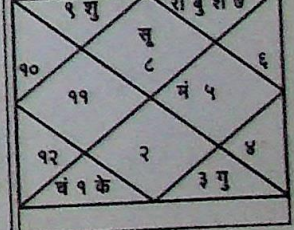


ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	नवं.	दिवा	सायं	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा
०६।१७।१९।३३	१ चं	४	४।४५	६।२२	८।१८	१०।३२	१२।५२	३।०९	५।२५	७।४४	१०।०३	१२।०७	१।५१	३।१९
०६।१८।१९।५४	२ मं	५	४।४१	६।१८	८।१४	१०।२८	१२।४९	३।०५	५।२१	७।४०	९।५९	१२।०४	१।४७	३।१५
०६।१९।२०।१७	३ बु	६	४।३७	६।१४	८।१०	१०।२५	१२।४५	३।०१	५।१७	७।३६	९।५५	१२।००	१।४३	३।११
०६।२०।२०।४२	४ गु	७	४।३४	६।१०	८।०६	१०।२१	१२।४१	२।५८	५।१३	७।३२	९।५१	११।५६	१।३९	३।०८
०६।२१।२१।०८	६ शु	८	४।३०	६।०६	८।०२	१०।१७	१२।३७	२।५४	५।०९	७।२९	९।४७	११।५२	१।३५	३।०४
०६।२२।२१।३७	७ श	९	४।२६	६।०२	७।५८	१०।१३	१२।३३	२।५०	५।०५	७।२५	९।४३	११।४८	१।३१	३।००
०६।२३।२२।०८	८ र	१०	४।२२	५।५८	७।५४	१०।०९	१२।२९	२।४६	५।०१	७।२१	९।३९	११।४४	१।२७	२।५६
०६।२४।२२।४०	९ चं	११	४।१८	५।५४	७।५०	१०।०५	१२।२५	२।४२	४।५८	७।१७	९।३५	११।४०	१।२३	२।५२
०६।२५।२३।१५	१० मं	१२	४।१४	५।५०	७।४६	१०।०१	१२।२१	२।३८	४।५४	७।१३	९।३१	११।३६	१।१९	२।४८
०६।२६।२३।५१	११ बु	१३	४।१०	५।४६	७।४२	९।५७	१२।१७	२।३४	४।५०	७।०९	९।२७	११।३२	१।१५	२।४४
०६।२७।२४।२९	१२ गु	१४	४।०६	५।४२	७।३८	९।५३	१२।१३	२।३०	४।४६	७।०५	९।२३	११।२८	१।११	२।४०
०६।२८।२५।०८	१३ शु	१५	४।०२	५।३८	७।३४	९।४९	१२।०९	२।२६	४।४२	७।०१	९।१९	११।२४	१।०७	२।३६
०६।२९।२५।५०	१४ श	१६	३।५८	५।३४	७।३०	९।४५	१२।०५	२।२२	४।३८	६।५७	९।१६	११।२०	१।०३	२।३२
०७।००।२६।३३	१५ र	१७	३।५४	५।३०	७।२६	९।४१	१२।०१	२।१८	४।३४	६।५३	९।१२	११।१६	१।००	२।२८

अयनांशाः २४।०२।१३

पं.३२ का.शु.१५ र. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
७	४	६	२	८	६	६	०
००	२४	११	२६	१७	२१	१२	१२
४९	४९	२५	१४	०२	३५	३४	३४
०५	२३	२६	४८	१८	५३	४४	४४
६०	३३	५८	२	५१	७	३	३
३०	१६	१५	०५	२६	०७	११	११
वि	पूफा	स्वा	पुन	पुष्य	वि	स्वा	अ
४	४	२	२व	२	१	२	४



CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

१८ नवंबर से २ दिसंबर तक, श्री मार्गशीर्ष कृष्णपक्ष संवत् २०७०, शाकः १९३५, दि.मासू. सू. तारीस्प स्टै. प्रातः दैनिक हेमन्तर्तू रविर्दक्षिणे कार्तिककृष्णेति गुर्जराः, नवंबर-दिसंबर २०१३

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
सुस्थिर	१	सो	३८	१२	२२	१४	कृति	१६	२१	१३	३०	प	२१	५५	१५	४३	बा	६	१६	९	२८	२६/२७	६/५८	५/३३	२७	१३	१८	वृषे	७।०१।२०।०१	६०।४६
मातङ्ग	२	मं	४२	४४	२४	०४	रोहि	२१	४९	१५	४२	शि	२२	२५	१५	५६	तै	१०	२०	११	०६	२५	५८	३२	२८	१४	१९	मिथु. २८।५६	७।०२।२०।४७	६०।४८
अमृत	३	बु	४८	०८	२६	१४	मृग	२८	०८	१८	१४	सि	२३	३५	१६	२५	व	१५	१९	१३	०७	२२	५९	३२	२९	१५	२०	मिथु.	७।०३।२१।३५	६०।४९
च.व्र.	४	गु	५४	१४	२८	४१	आर्द्रा	३५	११	२१	०४	सा	२५	२०	१७	०८	ब	२१	०६	१५	२६	१९	७/००	३२	३०	१६	२१	मिथु.	७।०४।२२।२५	६०।५१
लुम्बक	५	शु	...	...	...	...	पुन	४२	३९	२४	०४	शु	२७	२८	१८	००	कौ	२७	२५	१७	५९	१६	०१	३१	१	१७	२२	कर्के १७।१९	७।०५।२३।१६	६०।५३
मित्र	५	श	०	३९	७	१७	पुष्य	५०	०७	२७	०५	शु	२९	४०	१८	५४	तै	०	३९	७	१७	१४	०२	३१	२	१८	२३	कर्के	७।०६।२४।०८	६०।५४
वज्र	६	र	६	५७	९	४९	श्ले	५७	०४	२९	५२	ब्र	३१	३६	१९	४९	व	६	५७	९	४९	११	०२	३१	३	१९	२४	सिंहे २९।५२	७।०७।२५।०२	६०।५५
ध्वाङ्क्ष	७	सो	१२	३१	१२	०४	मघा	...	...	...	...	ऐ	३२	५९	२०	११	ब	१२	३९	१२	०४	०९	०३	३१	४	२०	२५	सिंहे	७।०८।२५।५७	६०।५७
काल	८	मं	१६	५३	१३	४९	मघा	२	५४	८	१४	वै	३३	०२	२०	१७	कौ	१६	५३	१३	४९	०७	०४	३१	५	२१	२६	सिंहे	७।०९।२६।५४	६०।५८
सुस्थिर	९	बु	१९	३३	१४	५४	पूफा	७	१५	९	५९	वि	३९	५४	१९	५०	ग	१९	३३	१४	५४	०४	०५	३०	६	२२	२७	कन्या १६।१९	७।१०।२७।५३	६१।००
मातङ्ग	१०	गु	२०	१८	१५	१३	उफा	९	४७	११	००	प्री	२९	१५	१८	४८	वि	२०	१८	१५	१३	०२	०५	३०	७	२३	२८	कन्या	७।११।२८।५२	६१।०९
ए.व्र.	११	शु	१९	०२	१४	४३	हस्त	१०	२३	११	१५	आ	२५	०३	१७	०८	बा	१९	०२	१४	४३	००	०६	३०	८	२४	२९	तुला. २३।०६	७।१२।२९।५३	६१।०२
प्र.व्र.	१२	श	१५	५१	१३	२७	चित्रा	९	०४	१०	४५	सौ	१९	२०	१४	५१	तै	१५	५१	१३	२७	२५/५८	०७	३०	९	२५	३०	तुला.	७।१३।३०।५६	६१।०४
लुम्बक	१३	र	१०	५३	११	२९	स्वा	५	५९	९	३२	शो	१२	१३	१२	०१	व	१०	५३	११	२९	५६	०८	३०	१०	२६	१	वृश्चि. २६।१३	७।१४।३१।५९	६१।०५
अमाव.	१४	सो	४	२६	८	५५	विशा	५५	४३	२९	२६	अ	५४	४२	२९	०१	श	४	२६	८	५५	५४	०९	३०	११	२७	२	वृश्चि.	७।१५।३३।०४	६१।०६
क्षयः	३०	सो	५६	५३	२९	५४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।
चंद्रे रोहिण्यां रे. ९ IIIIIIS॥ दिवा ल. १२, रात्रौ ३।६
रोहिण्यां रे. १० IIIIIIIII दिवा ल. ९।१२ (धनु. चं. गु. ७ पू.), A
भ. १३।०७ उ. २६।१४ या., मृगे रे.१० IIIIIIIII दिवा ल.९ (चं. C
चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः २०।४६ [C गु. ७ पू.), सौभाग्य सुंदरी व्र., D
भा. मार्गशीर्षारंभः, सायन धनुषि भानुः ९।१८ [B (सौरः ३०।२२)
[A मृगे रे. १० IIIIIIIII रात्रौ ल.गोधूलि ६, अनु.रविः १८।४८ B
भ. ९।४९ उ. २२।५९ या., विशा.बुधः १२।२७ [G उषा.शुक्रः १६।२५
मघा रे. ८ SIIIIIIS॥ दि.ल. ९।१० रात्रौ अ.गो. ३ (धनु.गु.७ E
कन्यायांभौमः १८।०० [E पू. रात्रौ मिथु. शु.७ पू., स्टै. २०।११ F
भ. २७।०९ उ. [F यावत्), कालभैरवाष्टमी [N ज्येष्ठा.रविः २३।०४
भ. १५।१३ या., हस्ते रे. ९ IIIIIIIS॥ रात्रौ ल. अ.गो. ३।५
उत्पत्ति ११ व्र., हस्ते रे. ९ IIIIIIIS॥ दिवा ल. ९ वैतरणी व्र., G
प्रदोषः [D उफा. भौमः १५।०२, शनेरुदयः पूर्वस्याम् २३।५६
भ. ११।२९ उ. २२।१६ या., मासिकशिवरात्री व्र., दिसंबर १२ H
देवपितृकार्येऽमा., सोमवती अमा., गौरीतपोव्र., महाव्रतारंभः, N
[H ता. ३१, वृश्चिके बुधः १०।२३, विशा.-२ शनिः २७।५४

अयनांशाः २४।०२।९३

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

मास फलम् अयनांशाः २४।०२।९४

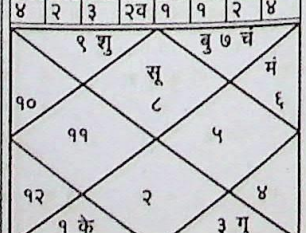
पं.३३ मा.कृ. ६ र. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
७	४	६	२	८	६	६	०
०७	२८	१९	२५	२२	२२	१२	१२
५३	४०	४१	५६	४६	२५	१२	१२
२१	१६	२३	०६	०५	२८	२८	२८
६०	३२	८२	३	४५	७	३	३
४१	३३	३२	२६	३९	०१	११	११
अनु	उफा	स्वा	पुन	पुष्य	वि	स्वा	अ
२	१	४	२व	३	१	२	४



ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	नवं.	दिवा	सायं	रात्री	रात्री	रात्री	रात्री	रात्री	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा
०७।०१।२७।१८	१ चं	१८	३।५०	५।२६	७।२२	९।३७	११।५७	२।१४	४।३०	६।४९	९।०८	११।१२	१२।५६	२।२४
०७।०२।२८।०४	२ मं	१९	३।४६	५।२२	७।१८	९।३३	११।५३	२।१०	४।२६	६।४५	९।०४	११।०८	१२।५२	२।२०
०७।०३।२८।५२	३ बु	२०	३।४२	५।१८	७।१५	९।२९	११।४९	२।०६	४।२२	६।४१	९।००	११।०४	१२।४८	२।१६
०७।०४।२९।४२	४ गु	२१	३।३८	५।१४	७।११	९।२५	११।४५	२।०२	४।१८	६।३७	८।५६	११।००	१२।४४	२।१२
०७।०५।३०।३३	५ शु	२२	३।३४	५।११	७।०७	९।२१	११।४१	१।५८	४।१४	६।३३	८।५२	१०।५६	१२।४०	२।०८
०७।०६।३१।२६	६ श	२३	३।३०	५।०७	७।०३	९।१७	११।३८	१।५४	४।१०	६।२९	८।४८	१०।५३	१२।३६	२।०४
०७।०७।३२।२०	७ र	२४	३।२६	५।०३	६।५९	९।१४	११।३४	१।५०	४।०६	६।२५	८।४४	१०।४९	१२।३२	२।००
०७।०८।३३।१६	८ चं	२५	३।२३	४।५९	६।५५	९।१०	११।३०	१।४७	४।०२	६।२१	८।४०	१०।४५	१२।२८	१।५७
०७।०९।३४।१३	९ मं	२६	३।१९	४।५५	६।५१	९।०६	११।२६	१।४३	३।५८	६।१८	८।३६	१०।४१	१२।२४	१।५३
०७।१०।३५।११	१० बु	२७	३।१५	४।५१	६।४७	९।०२	११।२२	१।३९	३।५४	६।१४	८।३२	१०।३७	१२।२०	१।४९
०७।११।३६।११	११ गु	२८	३।११	४।४७	६।४३	८।५८	११।१८	१।३५	३।५०	६।१०	८।२८	१०।३३	१२।१६	१।४५
०७।१२।३७।१३	१२ शु	२९	३।०७	४।४३	६।३९	८।५४	११।१४	१।३१	३।४७	६।०६	८।२४	१०।२९	१२।१२	१।४१
०७।१३।३८।१५	१३ श	३०	३।०३	४।३९	६।३५	८।५०	११।१०	१।२७	३।४३	६।०२	८।२०	१०।२५	१२।०८	१।३७
०७।१४।३९।१९	१३ र	१	२।५९	४।३५	६।३१	८।४६	११।०६	१।२३	३।३९	५।५८	८।१६	१०।२१	१२।०४	१।३३
०७।१५।४०।२४	१४ चं	२	२।५५	४।३१	६।२७	८।४२	११।०२	१।१९	३।३५	५।५४	८।१२	१०।१७	१२।००	१।२९

इस माह में पांच सोमवार होने से धान्य सस्ता हो, पांच मंगलवार होने से किसी बड़े व्यक्ति का अभाव हो। पूर्णिमा मृगशिरा युक्त होने से महर्घता हो। रविवार की सक्रांति होने से कहीं कहीं युद्ध हो, राजविग्रह हो, सूर्य बहुत तपे, रोगोत्पत्ति हो, धान्यादि महँगे हों। उत्तरा फाल्गुनी पर मंगल होने से वर्षा के अवरोध से चौपायों में पीड़ा हो, घोड़ों का मूल्य बढे। तुला का शनि उदय होने से पृथ्वीश संधि करे वर्षा नहीं हो। विशाखा में बुध होने से सुभिक्ष हो। कहीं कहीं व्याधि भय और दुर्भिक्ष भी हो।

पं.३४ मा.कृ.१३ र. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
७	५	६	२	८	६	६	०
१४	०२	२९	२५	२७	२३	११	११
५८	२५	४७	२८	४३	१४	५०	५०
४६	४८	४७	०७	५७	०५	११	११
६०	३१	९०	४	३७	६	३	३
४९	४३	१९	४३	५७	५०	११	११
अनु	उफा	वि	पुन	उषा	वि	स्वा	अ
४	२	३	२व	१	१	२	४



CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

३ दिसंबर से १७ दिसंबर तक, श्री मार्गशीर्ष शुक्लपक्ष संवत् २०७०, शाकः १९३५, दि.मा.सू. सू. तारीख्स स्टै. प्रातः दैनिक केतकी अहर्गणः ९७२ हेमन्तर्तू रविर्दक्षिणे, दिसंबर २०१३

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
मुद्गर	१	मं	४८	३२	२६	३४	ज्ये	४९	१३	२६	५१	धृ	४४	४९	२५	०५	किं	२२	४६	१६	१६	२५/५२	७/०९	५/३०	१२	२८	३	धनु. २६।५१	७।१६।३४।१०	६१।०७
ध्वजा	२	बु	३९	५१	२३	०७	मूल	४२	२३	२४	०७	शू	३४	३९	२१	०२	बा	१४	१२	१२	५१	५१	१०	३०	१३	२९	४	धनु.	७।१७।३५।१७	६१।०८
धाता	३	गु	३१	१४	१९	४०	पूषा	३५	३९	२१	२६	गं	२४	२९	१६	५८	तै	५	२९	९	२३	४९	११	३०	१४	१	५	मक. २६।४८	७।१८।३६।२५	६१।०९
आनन्द	४	शु	२३	०७	१६	२६	उषा	२९	२६	१८	५८	वृ	१४	४१	१३	०४	वि	२३	०७	१६	२६	४८	१२	३१	१५	२	६	मक.	७।१९।३७।३५	६१।१०
सुस्थिर	५	श	१५	५२	१३	३३	श्रव	२४	०९	१६	५२	ध्रु	५/५७	३३/३३	९/३०	२५/४०	बा	१५	५२	१३	३३	४६	१२	३१	१६	३	७	कुंमे २७।५९	७।२०।३८।४५	६१।११
मातङ्ग	६	र	९	५१	११	०९	धनि	२०	०५	१५	१५	ह	५०	१९	२७	२१	तै	९	५१	११	०९	४५	१३	३१	१७	४	८	कुंभे	७।२१।३९।५६	६१।१२
अमृत	७	सो	५	१६	९	२०	शत	१७	३०	१४	१३	व	४४	२९	२५	०१	व	५	१६	९	२०	४३	१४	३१	१८	५	९	कुंभे	७।२२।४१।०९	६१।१३
काण	८	मं	२	१७	८	०९	पूभा	१६	२९	१३	५०	सि	३९	५७	२३	१३	ब	२	१७	८	०९	४२	१४	३१	१९	६	१०	मीने ७।५२	७।२३।४२।२२	६१।१४
लुम्बक	९	बु	०	५६	७	३८	उभा	१७	०४	१४	०४	व्य	३६	३९	२१	५५	कौ	०	५६	७	३८	४१	१५	३१	२०	७	११	मीने	७।२४।४३।३६	६१।१५
मित्र	१०	गु	१	०९	७	४३	रेव	१९	०७	१४	५४	व	३४	३१	२१	०४	ग	१	०९	७	४३	४०	१६	३२	२१	८	१२	मेषे १४।५४	७।२५।४४।५१	६१।१६
ए.व्र.	११	शु	२	४६	८	२३	अश्वि	२२	२७	१६	१५	प	३३	२०	२०	३६	वि	२	४६	८	२३	३९	१६	३२	२२	९	१३	मेषे	७।२६।४६।०७	६१।१७
प्र.व्र.	१२	श	५	३५	९	३१	भर	२६	५३	१८	०२	शि	३२	५९	२०	२८	बा	५	३५	९	३१	३९	१७	३२	२३	१०	१४	वृषे २४।३२	७।२७।४७।२४	६१।१७
धूम्र	१३	र	९	२२	११	०२	कृति	३२	१०	२०	०९	सि	३३	१८	२०	३७	तै	९	२२	११	०२	३८	१८	३३	२४	११	१५	वृषे	७।२८।४८।४१	६१।१८
प्रवर्धमा	१४	सो	१३	५७	१२	५३	रोहि	३८	०८	२२	३४	सा	३४	०९	२०	५८	व	१३	५७	१२	५३	३७	१८	३३	२५	१२	१६	वृषे	७।२९।४९।५९	६१।१९
पूर्णिमा	१५	मं	१९	०९	१४	५८	मृग	४४	४१	२५	११	शु	३५	२७	२१	२९	ब	१९	०९	१४	५८	३७	१९	३३	२६	१३	१७	मिथु. ११।५१	८।००।५१।१८	६१।१९

केतकी अहर्गणः ९७२ हेमन्तर्तू रविर्दक्षिणे, दिसंबर २०१३

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।

ज्येष्ठा. सौरः ९।२७, अनु. बुधः १५।१८

चंद्रदर्शनम् (मु.३०), मकरे शुक्रः २५।३५

भ. ३०।०२ उ., रंभास्थेयं, सफर २

भ. १६।२६ या.

पंचक प्रारम्भः २७।५९, नागपंचमी, स्कंदषष्ठी

बुधास्तः पूर्वस्याम् १७।३६

भ. ९।२० उ. २०।३९ या.

कल्पादि, उमा. रे. ९ ।।।।ऽ।।।।। रात्रौ गो. ४ B

ज्येष्ठा. बुधः ३१।०४ [B (कर्के रा. ४ दो., शु. ७ पू.)

भ. १९।५९ उ., पंचक समाप्तिः १४।५४

भ. ८।२३ या., मोक्षदा ११ व्र., गीता जयंती

प्रदोषः, अनंग त्रयोदशी व्र. [A मूले सौरः ११।१३

पिशाच मोचन श्राद्धं, धनुषि मूले रविः २६।०३, हस्ते भौमः २५।०७

भ. १२।५३ उ. २५।५४ या., श्री दत्त जयंती, पूर्णिमा व्रतं, धनुषि A

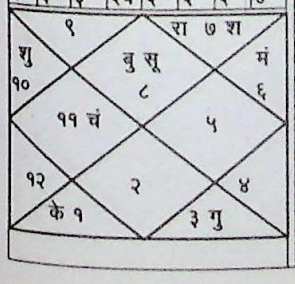
पूर्णिमा पुण्यं, द्वात्रिंशी (बत्तीसी) पूर्णिमा.

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

अयनांशाः २४।०२।१५

पं.३५ मा.शु. ६ र. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
७	५	७	२	९	६	६	०
२२	०६	१०	२४	०१	२४	११	११
०५	०५	२९	५१	४०	०१	२७	२७
०९	१७	०३	३६	४९	१९	५५	५५
६०	३०	९२	५	२७	६	३	३
५७	४८	४१	५१	४६	३६	११	११
ज्ये	उषा	अनु	पुन	उषा	वि	स्वा	अ
२	३	३	२व	२	२	२	४



ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	दिसं	दिवा	दिवा	सायं	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा
०७।१६।४१।३०	९ मं	३	२।५१	४।२७	६।२३	८।३८	९०।५८	११५	३।३१	५।५०	८।०८	९०।१३	११।५६	११।२५
०७।१७।४२।३७	२ बु	४	२।४७	४।२३	६।१९	८।३४	९०।५४	११११	३।२७	५।४६	८।०५	९०।०९	११।५२	११।२१
०७।१८।४३।४६	३ गु	५	२।४३	४।१९	६।१५	८।३०	९०।५०	११०७	३।२३	५।४२	८।०१	९०।०५	११।४९	११।१७
०७।१९।४४।५५	४ शु	६	२।३९	४।१५	६।११	८।२६	९०।४६	११०३	३।१९	५।३८	७।५७	९०।०१	११।४५	११।१३
०७।२०।४६।०६	५ श	७	२।३५	४।११	६।०७	८।२२	९०।४२	९२।५९	३।१५	५।३४	७।५३	९।५७	११।४१	११०९
०७।२१।४७।१७	६ र	८	२।३१	४।०७	६।०४	८।१८	९०।३८	९२।५५	३।११	५।३०	७।४९	९।५३	११।३७	११०५
०७।२२।४८।३०	७ चं	९	२।२७	४।०३	६।००	८।१४	९०।३४	९२।५१	३।०७	५।२६	७।४५	९।४९	११।३३	११०१
०७।२३।४९।४४	८ मं	१०	२।२३	४।००	५।५६	८।१०	९०।३०	९२।४७	३।०३	५।२२	७।४१	९।४५	११।२९	१२।५७
०७।२४।५०।५८	९ बु	११	२।१९	३।५६	५।५२	८।०६	९०।२७	९२।४३	२।५९	५।१८	७।३७	९।४२	११।२५	१२।५३
०७।२५।५२।१३	१० गु	१२	२।१५	३।५२	५।४८	८।०३	९०।२३	९२।३९	२।५५	५।१४	७।३३	९।३८	११।२१	१२।४९
०७।२६।५३।२९	११ शु	१३	२।१२	३।४८	५।४४	७।५९	९०।१९	९२।३६	२।५१	५।१०	७।२९	९।३४	११।१७	१२।४६
०७।२७।५४।४६	१२ श	१४	२।०८	३।४४	५।४०	७।५५	९०।१५	९२।३२	२।४७	५।०७	७।२५	९।३०	११।१३	१२।४२
०७।२८।५६।०४	१३ र	१५	२।०४	३।४०	५।३६	७।५१	९०।११	९२।२८	२।४३	५।०३	७।२१	९।२६	११।०९	१२।३८
०७।२९।५७।२२	१४ चं	१६	२।००	३।३६	५।३२	७।४७	९०।०७	९२।२४	२।३९	४।५९	७।१७	९।२२	११।०५	१२।३४
०८।००।५८।४१	१५ मं	१७	१।५६	३।३२	५।२८	७।४३	९०।०३	९२।२०	२।३६	४।५५	७।१३	९।१८	११।०१	१२।३०

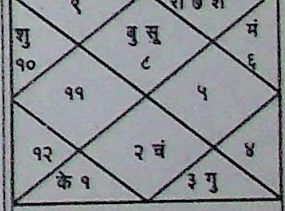
संक्रांति फलम्

ता. १५ दिसंबर २०१३
मार्ग. शु. १३ रवौ धनुर्ध्वर्कः प्र. (स्टै.)
टा. २६।०३ वारात् २ नक्षत्रात् ३
वारनाम घोरा शूद्रान् सुस्पदा
नक्षत्रनाम नंदा गणकान् सुस्पदा अपर
रात्रि ३ प्रहर व्यापिनी नटान् हन्ति,
पूर्वे गमनमाग्नेयां दृष्टिः वणिजकरणे
प्रविष्टा मध्यमफलं महिषवाहनं
उष्ट्रोपवाहनं क्लेशकारक श्यामवस्त्रं
तोमरायुधं स्पर्परपात्रं दधिभक्षणं
अलक्तकलेप्यनं मृगजातिः अर्कपत्रपुष्पं
मणीभूषणं पाण्डुकंचुकी प्रगल्भावस्था
(बैठी) मु. ४५ धान्यभावे समर्घ वत्स
दक्षिणे राहु पूर्वे मूलं भूमौ विवाहस्तंभो
वायव्याम् शुक्रोदयः पश्चिमायाम् ।
पुण्यकालः (स्टै.) २६।०३ से सोमवार
८।२७ तक । (दान- वस्त्र) ।

अयनांशाः २४।०२।१६

पं.३६ मा.शु.१३ र. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
७	५	७	२	९	६	६	०
२९	०९	२१	२४	०४	२४	११	११
१२	३७	२०	०७	१७	४६	०५	०५
९८	५४	३२	४०	२१	४६	३९	३९
६१	२९	९३	६	१४	६	३	३
०३	४५	२३	४८	३१	१९	११	११
ज्ये	उषा	ज्ये	पुन	उषा	वि	स्वा	अ
४	४	२	२व	३	२	२	४



CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

॥ श्रीवल्लभ मनीराम पञ्चाङ्गम् ॥

१८ दिसंबर से १ जनवरी तक, श्री पोष कृष्णपक्ष संवत् २०७०, शाकः १९३५, दि.मासू. सू. तारीख स्टै. प्रातः दैनिक हेमन्तर्तू रविर्दक्षिणे मार्गशीर्षकृष्णेति गुर्जराः, दिसंबर-जनवरी २०१३-१४

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
मुसल	१	बु	२४	५४	१७	१७	आर्द्रा	५१	४९	२८	००	शु	३७	०७	२२	१०	कौ	२४	५४	१७	१७	२५/३६	७/९९	५/३४	२७	१४	१८	मिथु.	८।०१।५२।३७	६१।२०
सिद्धि	२	गु	३१	०३	१९	४५	पुन	५९	००	३०	५६	ब्र	३९	०५	२२	५८	ग	३१	०३	१९	४५	३६	२०	३४	२८	१५	१९	कर्के २४।११	८।०२।५३।५७	६१।२०
उत्पात	३	शु	३७	२६	२२	१९	पुष्य	...	...	..	...	ऐ	४१	११	२३	४९	व	४	१२	९	०१	३६	२०	३५	२९	१६	२०	कर्के	८।०३।५५।१८	६१।२१
च.ब्र.	४	श	४३	४८	२४	५२	पुष्य	६	२७	९	५६	वै	४३	१५	२४	३९	ब	१०	३८	११	३६	३६	२१	३५	३०	१७	२१	कर्के	८।०४।५६।३९	६१।२१
वज्र	५	र	४९	४५	२७	१५	श्ले	१३	४३	१२	५१	वि	४५	०१	२५	२२	कौ	१६	५०	१४	०५	३६	२१	३६	१	१८	२२	सिंहे १२।५१	८।०५।५८।००	६१।२२
ध्वाङ्क्ष	६	सो	५४	४९	२९	१७	मघा	२०	२५	१५	३२	प्री	४६	११	२५	५०	ग	२२	२५	१६	२०	३६	२२	३६	२	१९	२३	सिंहे	८।०६।५९।२२	६१।२२
धूम्र	७	मं	५८	३५	३०	४९	पूफा	२६	०६	१७	४९	आ	४६	२३	२५	५६	वि	२६	५३	१८	०८	३६	२२	३७	३	२०	२४	कन्या २४।१८	८।०८।००।४४	६१।२३
प्रवर्धमा	८	बु	...	...	...	..	उफा	३०	२०	१९	३१	सौ	४५	२२	२५	३१	बा	२९	५०	१९	१९	३६	२३	३७	४	२१	२५	कन्या	८।०९।०२।०७	६१।२३
राक्षस	८	गु	०	३८	७	३९	हस्त	३२	४७	२०	३०	शो	४२	५३	२४	३३	कौ	०	३८	७	३९	३७	२३	३८	५	२२	२६	कन्या	८।१०।०३।२९	६१।२३
मुसल	९	शु	०	४४	७	४१	चित्रा	३३	१६	२०	४२	अ	३८	४९	२२	५५	ग	०	४४	७	४१	३७	२४	३९	६	२३	२७	तुला. ८।४२	८।११।०४।५२	६१।२३
क्षयः	१०	शु	५८	४८	३०	५५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
ए.ब्र.	११	श	५४	४७	२९	१९	स्वा	३१	४५	२०	०६	सु	३३	०८	२०	३९	ब	२७	०१	१८	१३	३८	२४	३९	७	२४	२८	तुला.	८।१२।०६।१६	६१।२३
ए.ब्र.	१२	र	४८	५४	२६	५८	विशा	२८	१७	१८	४३	धृ	२५	५३	१७	४६	कौ	२२	०३	१६	१४	३९	२४	४०	८	२५	२९	वृश्चि. १३।०८	८।१३।०७।३९	६१।२४
प्र.ब्र.	१३	सो	४१	२७	२३	५९	अनु	२३	०९	१६	४०	शू	१७	१६	१४	१९	ग	१५	२१	१३	३३	३९	२५	४१	९	२६	३०	वृश्चि.	८।१४।०९।०३	६१।२४
मुद्गर	१४	मं	३२	४८	२०	३२	ज्ये	१६	४१	१४	०५	गं	७/५६	३५/४८	१०/३०	२५/१२	वि	७	१५	१०	१९	४०	२५	४१	१०	२७	३१	धनु. १४।०५	८।१५।१०।२६	६१।२४
अमाव.	३०	बु	२३	२२	१६	४६	मूल	९	१७	११	०८	घृ	४५	५७	२५	४८	ना	२३	२२	१६	४६	४१	२५	४२	११	२८	१	धनु.	८।१६।११।५०	६१।२४

देवपितृकार्येऽमा., कुहूः, जनवरी १ ता. ३१ सन २०१४ ई.

अयनांशाः २४।०२।१७

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

पं.३७ पौ.कृ. ५ र. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
८	५	८	२	९	६	६	०
०६	१३	०२	२३	०५	२५	१०	१०
२०	०२	१६	१७	१९	३०	४३	४३
०१	४२	४२	४४	३३	०३	२३	२३
६१	२८	९४	७	१	५	३	३
०७	३२	१७	३१	४८	५९	११	११
मू	ह	मू	पुन	उषा	वि	स्वा	अ
२	१	१	१व	३व	२	२	४



ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	दिस	दिवा	दिवा	सायँ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा
०८।०२।००।००	१ बु	१८	१।५२	३।२८	५।२४	७।३९	९।५९	१२।१६	२।३२	४।५१	७।०९	९।१४	१०।५७	१२।२६
०८।०३।०१।२०	२ गु	१९	१।४८	३।२४	५।२०	७।३५	९।५५	१२।१२	२।२८	४।४७	७।०५	९।१०	१०।५३	१२।२२
०८।०४।०२।४१	३ शु	२०	१।४४	३।२०	५।१६	७।३१	९।५१	१२।०८	२।२४	४।४३	७।०१	९।०६	१०।४९	१२।१८
०८।०५।०४।०२	४ श	२१	१।४०	३।१६	५।१२	७।२७	९।४७	१२।०४	२।२०	४।३९	६।५७	९।०२	१०।४५	१२।१४
०८।०६।०५।२३	५ र	२२	१।३६	३।१२	५।०८	७।२३	९।४३	१२।००	२।१६	४।३५	६।५४	८।५८	१०।४१	१२।१०
०८।०७।०६।४५	६ चं	२३	१।३२	३।०८	५।०४	७।१९	९।३९	११।५६	२।१२	४।३१	६।५०	८।५४	१०।३८	१२।०६
०८।०८।०८।०८	७ मं	२४	१।२८	३।०४	५।००	७।१५	९।३५	११।५२	२।०८	४।२७	६।४६	८।५०	१०।३४	१२।०२
०८।०९।०९।३०	८ बु	२५	१।२४	३।००	४।५७	७।११	९।३१	११।४८	२।०४	४।२३	६।४२	८।४६	१०।३०	११।५८
०८।१०।१०।५३	८ गु	२६	१।२०	२।५६	४।५३	७।०७	९।२७	११।४४	२।००	४।१९	६।३८	८।४२	१०।२६	११।५४
०८।११।१२।१७	९ शु	२७	१।१६	२।५२	४।४९	७।०३	९।२३	११।४०	१।५६	४।१५	६।३४	८।३८	१०।२२	११।५०
०८।१२।१३।४०	११ श	२८	१।१२	२।४९	४।४५	६।५९	९।१९	११।३६	१।५२	४।११	६।३०	८।३४	१०।१८	११।४६
०८।१३।१५।०४	१२ र	२९	१।०८	२।४५	४।४१	६।५५	९।१६	११।३२	१।४८	४।०७	६।२६	८।३१	१०।१४	११।४२
०८।१४।१६।२७	१३ चं	३०	१।०४	२।४१	४।३७	६।५२	९।१२	११।२८	१।४४	४।०३	६।२२	८।२७	१०।१०	११।३८
०८।१५।१७।५१	१४ मं	३१	१।०१	२।३७	४।३३	६।४८	९।०८	११।२५	१।४०	३।५९	६।१८	८।२३	१०।०६	११।३५
०८।१६।१९।१५	३० बु	१	१२।५७	२।३३	४।२९	६।४४	९।०४	११।२१	१।३६	३।५६	६।१४	८।१९	१०।०२	११।३१

मास फलम्

इस माह में पांच बुधवार होने से रसवाली वस्तुओं का अभाव हो यथा- ॥बुधेरसक्षयोभूम्याम्॥ पांच गुरुवार होने से धान्य सस्ता हो यथा- ॥चन्द्रजीवौ यद्यापंचधान्यादीनां समर्घता॥ मास के प्रथम दिन में बुधवार होने से अन्न की महँगाई हो। कृष्णा दशमी का क्षय होने से घी की विशेष महँगाई हों। बुधवारी अमावस और मूल योग दुर्भिक्ष कारक है। मास की शुक्ला तृतीया का क्षय होने से मूंग घी महंगें हों। शुक्ला ४ शनिवार होने से बीमारी बढे। शुक्ला एकादशी को कृतिका होने से लाल वस्तुओं तथा धान्य के भावों में तेजी हो। शुक्ला चतुर्दशी की वृद्धि होने से सुभिक्ष हो। पूर्णिमा पुनर्वसु युक्त होने से महर्घता हो।

अयनांशाः २४।०२।१८

पं.३८ पौ.कृ.१२ र. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
८	५	८	२	९	६	६	०
१३	१६	१३	२२	०४	२६	१०	१०
२८	१८	२१	२३	०५	१०	२१	२१
०५	३०	५८	३४	५१	४५	०७	०७
६१	२७	९६	७	१९	५	३	३
०९	०९	११	५८	२५	३५	११	११
पूषा	ह	पूषा	पुन	उषा	वि	स्वा	अ
१	२	१	१व	३व	२	२	४



CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

२ जनवरी से १६ जनवरी तक, श्री पोष शुक्लपक्ष संवत् २०७०, शाकः १९३५, दि.मा.सू. सू. तारीस्व स्टै. प्रातः दैनिक केतकी अहर्गणः १००२ शिशिरर्तू रविरुत्तरे, जनवरी २०१४

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
धाता	१	गु	१३	३९	१२	५३	पूषा	५३	२८	८	०९	व्या	३४	५२	२१	२३	ब	१३	३९	१२	५३	२५	७	५	१२	२९	२	मक. १३।१४	८।१७।१३।१४	६१।२४
धूम्र	२	शु	४	०७	९	०५	श्रव	४६	३६	२६	०४	ह	२४	०७	१७	०५	कौ	४	०७	९	०५	४४	२६	४३	१३	१	३	मक.	८।१८।१४।३८	६१।२४
क्षयः	३	शु	५५	१८	२९	३३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
प्रवर्धमा	४	श	४७	३५	२६	२८	धनि	४०	३०	२३	३८	व	१४	०६	१३	०४	व	२१	१६	१५	५६	४५	२६	४४	१४	२	४	कुंभे १२।४७	८।१९।१६।०१	६१।२३
राक्षस	५	र	४१	२५	२४	००	शत	३५	५३	२१	४८	सि	५	०७	९	२९	ब	१४	१७	१३	०९	४६	२६	४५	१५	३	५	कुंभे	८।२०।१७।२५	६१।२३
मुसल	६	सो	३७	०४	२२	१६	पूभा	३३	०३	२०	४०	व	५१	२०	२७	५८	कौ	९	००	११	०२	४८	२६	४५	१६	४	६	मीने १४।५२	८।२१।१८।४८	६१।२३
सिद्धि	७	मं	३४	४४	२१	२०	उभा	३२	१०	२०	१८	प	४६	४७	२६	०९	ग	५	३८	९	४२	४९	२६	४६	१७	५	७	मीने	८।२२।२०।११	६१।२३
उत्पात	८	बु	३४	२३	२१	१२	रेव	३३	१५	२०	४४	शि	४३	४७	२४	५७	वि	४	१८	९	९०	५१	२७	४७	१८	६	८	मेषे २०।४४	८।२३।२१।३४	६१।२३
मानस	९	गु	३५	५७	२१	४९	अश्वि	३६	०८	२१	५४	सि	४२	१३	२४	२०	बा	४	५७	९	२५	५३	२७	४८	१९	७	९	मेषे	८।२४।२२।५७	६१।२२
मुद्गर	१०	शु	३९	०७	२३	०६	भर	४०	३६	२३	४१	सा	४१	५१	२४	११	तै	७	२१	९०	२३	५५	२७	४९	२०	८	१०	वृषे ३०।१२	८।२५।२४।१९	६१।२२
ए.व्र.	११	श	४३	३५	२४	५३	कृति	४६	१५	२५	५७	शु	४२	२५	२४	२५	व	११	१३	११	५६	५७	२७	४९	२१	९	११	वृषे	८।२६।२५।४१	६१।२२
धाता	१२	र	४८	५६	२७	०१	रोहि	५२	४५	२८	३३	शु	४३	४०	२४	५५	ब	१६	१०	१३	५५	५८	२७	५०	२२	१०	१२	वृषे	८।२७।२७।०३	६१।२१
प्र.व्र.	१३	सो	५४	५१	२९	२३	मृग	५९	४५	३१	२१	ब्र	४५	२१	२५	३५	कौ	२१	५०	१६	११	२६ ०१	२७	५१	२३	११	१३	मिथु. १७।५६	८।२८।२८।२४	६१।२१
चर	१४	मं	...	...	...	...	आर्द्रा	...	...	...	...	ऐ	४७	१६	२६	२१	ग	२७	५५	९८	३७	०३	२७	५२	२४	१२	१४	मिथु.	८।२९।२९।४५	६१।२०
मुसल	१४	बु	१	०२	७	५१	आर्द्रा	७	०१	१०	१५	वै	४९	१६	२७	०९	व	१	०२	७	५१	०५	२७	५३	२५	१३	१५	कर्के ३०।२७	९।००।३१।०५	६१।१९
पूर्णिमा	१५	गु	७	१९	१०	२२	पुन	१४	२१	१३	११	वि	५१	१७	२७	५७	व	७	१९	१०	२२	०७	२६	५३	२६	१४	१६	कर्के	९।०१।३२।२४	६१।१९

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।
चंद्रदर्शनम् (मु.४५)
रविलावल ३, विशा.-३ शनिः १५।०४
[B आर्द्रा.-४ गुरुः २७।५१, सक्रान्ति करिदिन
भ. १५।५६ उ. २६।२८ या., पंचक प्रारम्भः १२।४७, स्वा.-१ E
[E राहुः २२।५४, अश्वि.-३ केतुः २२।५४
उषा. बुधः ११।५४, (व) धनुषि शुक्रः २८।०१
भ. २१।२० उ.
भ. ९।१० या., शुक्रास्तः पश्चिमायाम् १५।५२ पंचक समाप्तिः A
[A २०।४४, शांकभरी यात्रा, महाभद्रा, मकरे बुधः १२।१७,
उषा. रविः ३०।११ [C उत्तरायनारंभः, चित्रा.भौमः २३।३०, D
भ. ११।५६ उ. २४।५३ या.,पुत्रदा ११ व्र.,मन्वादि,उषा. सौरः १३।०३
(व) पूषा. शुक्रः १२।४२ [D श्रव. बुधः १२।०६
प्रदोषः, शुक्रोदयः पूर्वस्याम् २२।४२
मकरे रविः १२।४२ (सौरः १९।१७), निरयन C
भ. ७।५१ उ. २१।०६ या., पूर्णिमा व्रतं, शाकंभरी जयंती, (व) B
पूर्णिमा पुण्यं, माघ स्नानारंभः, बुधोदयः पश्चिमायाम् २९।३०

शुक्रास्तः पश्चिमायाम्

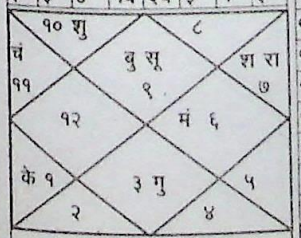
शुक्रोदयः पूर्वस्याम्

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

अयनांशाः २४।०२।१९

पं.३९ पौ.शु. ५ र. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
८	५	८	२	९	६	६	०
२०	१९	२४	२१	०१	२६	०९	०९
३६	२३	४२	२६	०३	४८	५८	५८
१६	५७	५२	५७	३४	४७	५२	५२
६१	२५	९८	८	३३	५	३	३
१०	३३	४१	०७	३५	०८	११	११
पूषा	ह	पूषा	पुन	उषा	वि	स्वा	अ
३	३	४	१५	२५	३	१	३



ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	जन.	दिवा	दिवा	दिवा	सायं	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः	दिवा	दिवा
०८।५७।२०।३९	१ गु	२	९२।५३	२।२९	४।२५	६।४०	९।००	११।१७	१।३२	३।५२	६।१०	८।१५	९।५८	११।२७
०८।५८।२२।०२	२ शु	३	९२।५९	२।२५	४।२१	६।३६	८।५६	११।१३	१।२९	३।४८	६।०६	८।११	९।५४	११।२३
०८।५९।२३।२६	३ श	४	९२।५५	२।२१	४।१७	६।३२	८।५२	११।०९	१।२५	३।४४	६।०२	८।०७	९।५०	११।१९
०८।२०।२४।५०	४ र	५	९२।४९	२।१७	४।१३	६।२८	८।४८	११।०५	१।२१	३।४०	५।५८	८।०३	९।४६	११।१५
०८।२१।२६।१३	५ चं	६	९२।३७	२।१३	४।०९	६।२४	८।४४	११।०१	१।१७	३।३६	५।५४	७।५९	९।४२	११।११
०८।२२।२७।३६	६ मं	७	९२।३३	२।०९	४।०५	६।२०	८।४०	१०।५७	१।१३	३।३२	५।५०	७।५५	९।३८	११।०७
०८।२३।२८।५९	७ बु	८	९२।२९	२।०५	४।०१	६।१६	८।३६	१०।५३	१।०९	३।२८	५।४६	७।५१	९।३४	११।०३
०८।२४।३०।२२	८ गु	९	९२।२५	२।०१	३।५७	६।१२	८।३२	१०।४९	१।०५	३।२४	५।४३	७।४७	९।३०	१०।५९
०८।२५।३१।४४	९ शु	१०	९२।२१	१।५७	३।५३	६।०८	८।२८	१०।४५	१।०१	३।२०	५।३९	७।४३	९।२७	१०।५५
०८।२६।३३।०७	१० श	११	९२।१७	१।५३	३।४९	६।०४	८।२४	१०।४१	९२।५७	३।१६	५।३५	७।३९	९।२३	१०।५१
०८।२७।३४।२८	११ र	१२	९२।१३	१।४९	३।४६	६।००	८।२०	१०।३७	९२।५३	३।१२	५।३१	७।३५	९।१९	१०।४७
०८।२८।३५।४९	१२ चं	१३	९२।०९	१।४५	३।४२	५।५६	८।१६	१०।३३	९२।४९	३।०८	५।२७	७।३१	९।१५	१०।४३
०८।२९।३७।१०	१३ मं	१४	९२।०५	१।४१	३।३८	५।५२	८।१२	१०।२९	९२।४५	३।०४	५।२३	७।२७	९।११	१०।३९
०९।००।३८।३०	१४ बु	१५	९२।०१	१।३८	३।३४	५।४८	८।०९	१०।२५	९२।४१	३।००	५।१९	७।२४	९।०७	१०।३५
०९।०१।३९।५०	१५ गु	१६	९१।५७	१।३४	३।३०	५।४५	८।०५	१०।२१	९२।३७	२।५६	५।१५	७।२०	९।०३	१०।३१

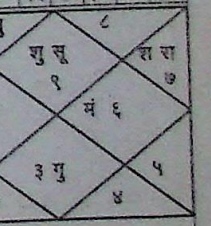
संक्रांति फलम्

ता. १४ जनवरी २०१४
पौष शु. १४ भौमे मकरेऽर्कः प्र. (स्टै.)
टा. १२।४२ वारात् ३ नक्षत्रात् ३
वारनाम महोदरी चोरान् सुस्पदा
नक्षत्रनाम राक्षसी चाण्डालान् सुस्पदा
मध्यान्ह २ प्रहर व्यापिनी द्विजान् हन्ति,
पश्चिमे गमनं वायव्यां दृष्टिः गरकरणे
प्रविष्टा मध्यमफलं हस्तीवाहनं
स्वरोपवाहनं लक्ष्मीकारक रक्तवस्त्रं
धनुष्यायुधं लोहपात्रं दुग्धभक्षणं
गोरोचनलेप्यनं पशुजातिः विल्वपुष्पं
मुकुटभूषणं श्वेतकंबुकी प्रौढावस्था
(बैठी) मु. १५ धान्यभावे महर्धता वत्स
दक्षिणे राहु पूर्वे मूलं स्वर्गे विवाहस्तंभो
वायव्याम् शुक्रोदयः पूर्वस्याम् ।
पुण्यकालः (स्टै.) १२।४२ से २८।४२
तक। (दान- काष्ट - अन्न)।

अयनांशाः २४।०२।२०

पं.४० पौ.शु.१२ र. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
८	५	९	२	८	६	६	०
२७	२२	०६	२०	२६	२७	०९	०९
४४	१७	१९	३०	४८	२३	३६	३६
२१	२६	४६	२४	१८	१२	३६	३६
६९	२३	१००	७	३७	४	३	३
०८	४२	२२	५८	५७	३७	११	११
उषा	ह	उषा	पुन	उषा	वि	स्वा	अ
१	४	३	१५	१५	३	१	३



CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

१७ जनवरी से ३० जनवरी तक, श्री माघ कृष्णपक्ष संवत् २०७०, शाकः १९३५, दि.मा.सू. सू. तारीख स्टै. प्रातः दैनिक शिशिरर्तू रविरुत्तरे पोषकृष्णेति गुर्जराः, जनवरी २०१४

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.घ.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
उत्पात	१	शु	१३	३२	१२	५१	पुष्य	२१	३८	१६	०५	प्री	५३	११	२८	४३	कौ	१३	३२	१२	५१	२६/१०	७/२६	५/५४	२७	१५	१७	कर्के	९।०२।३३।४३	६१।१८
मानस	२	श	१९	३५	१५	१६	श्ले	२८	४२	१८	५५	आ	५४	५१	२९	२३	ग	१९	३५	१५	१६	१२	२६	५५	२८	१६	१८	सिंहे	९।०३।३५।०२	६१।१८
च.व्र.	३	र	२५	१५	१७	३२	मघा	३५	२४	२१	३६	सौ	५६	११	२९	५४	वि	२५	१५	१७	३२	१५	२६	५६	२९	१७	१९	सिंहे	९।०४।३६।१९	६१।१७
ध्वजा	४	सो	३०	१८	१९	३३	पूफा	४१	२८	२४	०१	शो	५६	५७	३०	१२	बा	३०	१८	१९	३३	१७	२६	५७	३०	१८	२०	कन्या	३०।३४	९।०५।३७।३७	६१।१६
धाता	५	मं	३४	२६	२१	१२	उफा	४६	३६	२६	०४	अ	५६	५४	३०	११	कौ	२	३०	८	२६	२०	२५	५७	१	१९	२१	कन्या	९।०६।३८।५३	६१।१६
आनन्द	६	बु	३७	१७	२२	२०	हस्त	५०	२८	२७	३७	सु	५५	५०	२९	४५	ग	६	०२	९	५०	२३	२५	५८	२	२०	२२	कन्या	९।०७।४०।०८	६१।१५
चर	७	गु	३८	३५	२२	५१	चित्रा	५२	४७	२८	३२	धृ	५३	३०	२८	४९	वि	८	०९	१०	४१	२५	२५	५९	३	२१	२३	तुला.	१६।०९	९।०८।४१।२३	६१।१४
गद	८	शु	३८	०४	२२	३८	स्वा	५३	१९	२८	४४	शू	४९	४४	२७	१८	बा	८	३३	१०	५०	२८	२५	०६	४	२२	२४	तुला.		९।०९।४२।३७	६१।१३
शुभ	९	श	३५	३८	२१	३९	विशा	५१	५७	२८	११	गं	४४	२८	२५	११	तै	७	०६	१०	१५	३१	२४	०१	५	२३	२५	वृश्चि.	२२।२४	९।१०।४३।५०	६१।१२
मृत्यु	१०	र	३१	१५	१९	५४	अनु	४८	४३	२६	५३	वृ	३७	४०	२२	२८	व	३	४१	८	५२	३४	२४	०२	६	२४	२६	वृश्चि.		९।११।४५।०२	६१।११
ए.व्र.	११	सो	२५	०६	१७	२६	ज्ये	४३	४८	२४	५५	ध्रु	२९	२८	१९	११	बा	२५	०६	१७	२६	३७	२३	०२	७	२५	२७	धनु.	२४।५५	९।१२।४६।१३	६१।१०
प्र.व्र.	१२	मं	१७	२७	१४	२२	मूल	३७	३१	२२	२३	व्या	२०	०४	१५	२५	तै	१७	२७	१४	२२	४०	२३	०३	८	२६	२८	धनु.		९।१३।४७।२३	६१।०९
श्रीवत्स	१३	बु	८	४०	१०	५१	पूषा	३०	१५	१९	२८	ह	५/५८	४६/५२	१५/३०	१७/५५	व	८	४०	१०	५१	४३	२३	०४	९	२७	२९	मक.	२४।४२	९।१४।४८।३२	६१।०८
क्षयः	१४	बु	५९	०९	३९	०२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
अमाव.	३०	गु	४९	२७	२७	०९	उषा	२२	२९	१६	२२	सि	४७	४८	२६	२९	च	२४	१९	१७	०६	४७	२२	०५	१०	२८	३०	मक.	९।१५।४९।३९	६१।०७

[A गौरीचतुर्थी,चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः२०।५२ [E गो.,धनि.बुधः १४।१४ भ. २८।२५ उ., मघा रे. ९ ।।।ऽबु।।।।।। रात्रौ ल. गो. भ. १७।३२ या., सौभाग्य सुन्दरी व्र., संकट हरगणपति व्र., A उफा. रे. ८ ।।।।।।ऽऽ।। रात्रौ ल. ७।८ (तुला सोग्रांगः के. ७ दो., B उफा. रे. ८ ।।।।।।ऽऽ।। दिवा ल. ११।२।३ रात्रौ गो. ७, हस्ते D भ. २२।२० उ., हस्ते रे. १० ।।।।।।।।।। दिवा ल. ११।२।३, रात्रौ E भ. १०।४१ या., स्वामीं विवेकानन्द जयंती, नेताजी जयन्ती श्रव. रविः ८।२७ (सौरः १४।१४), अभि.नि. रविः २९।२५ अभि.नि.सौरः११।०८ [B वृश्चि श.१२ दो.), अभि.प्र.रविः२५।४९, C भ. ८।५२ उ. १९।५४ या., गणराज्यदिवस, कुंभे बुधः २३।३१ षट्तिला ११ व्र.,मूले रे.७ ।।।।।।ऽऽऽऽ रात्रौ ल.७ (स्टै.२४।५५ उप.) प्रदोषः, मूले रे. ७ ।।।।।।ऽऽऽऽ दिवा ल. ११।२, तिल द्वादशी भ.१०।५१ उ.२०।५७ या.,मासिकशिवरात्री व्र.[F अभि.प्र.सौरः ७।५२ [D रे. १० ।।।।।।।।।। रात्रौ ल. ८ (श. १२ दो.), भा. माघारंभः, F देवपितृकार्येऽमा., मौनी ३०, युगादि [C सायन कुंभे भानुः ९।११

अयनांशाः २४।०२।२०

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

पं.४९ मा.कृ. ३ र. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
९	५	९	२	८	६	६	०
०४	२४	१८	१९	२२	२७	०९	०९
५२	५७	००	३५	४०	५३	१४	१४
०८	०१	०९	४७	०६	५५	२१	२१
६१	२१	९८	७	३०	४	३	३
०५	३२	३३	३९	०१	०४	११	११
उषा	चि	श्र	आ	पूषा	वि	स्वा	अ
३	१	३	४व	३व	३	१	३



ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	जन.	दिवा	दिवा	दिवा	सायं	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः	दिवा	दिवा
०९।०२।४१।०९	१ शु	१७	११।५४	१।३०	३।२६	५।४१	८।०१	१०।१७	१२।३३	२।५२	५।११	७।१६	८।५९	१०।२८
०९।०३।४२।२७	२ श	१८	११।५०	१।२६	३।२२	५।३७	७।५७	१०।१४	१२।२९	२।४८	५।०७	७।१२	८।५५	१०।२४
०९।०४।४३।४५	३ र	१९	११।४६	१।२२	३।१८	५।३३	७।५३	१०।१०	१२।२५	२।४५	५।०३	७।०८	८।५१	१०।२०
०९।०५।४५।०२	४ चं	२०	११।४२	१।१८	३।१४	५।२९	७।४९	१०।०६	१२।२१	२।४१	४।५९	७।०४	८।४७	१०।१६
०९।०६।४६।१८	५ मं	२१	११।३८	१।१४	३।१०	५।२५	७।४५	१०।०२	१२।१८	२।३७	४।५५	७।००	८।४३	१०।१२
०९।०७।४७।३४	६ बु	२२	११।३४	१।१०	३।०६	५।२१	७।४१	९।५८	१२।१४	२।३३	४।५१	६।५६	८।३९	१०।०८
०९।०८।४८।४९	७ गु	२३	११।३०	१।०६	३।०२	५।१७	७।३७	९।५४	१२।१०	२।२९	४।४७	६।५२	८।३५	१०।०४
०९।०९।५०।०२	८ शु	२४	११।२६	१।०२	२।५८	५।१३	७।३३	९।५०	१२।०६	२।२५	४।४३	६।४८	८।३१	१०।००
०९।१०।५१।१५	९ श	२५	११।२२	१२।५८	२।५४	५।०९	७।२९	९।४६	१२।०२	२।२१	४।३९	६।४४	८।२७	९।५६
०९।११।५२।२७	१० र	२६	११।१८	१२।५४	२।५०	५।०५	७।२५	९।४२	११।५८	२।१७	४।३६	६।४०	८।२३	९।५२
०९।१२।५३।३८	११ चं	२७	११।१४	१२।५०	२।४६	५।०१	७।२१	९।३८	११।५४	२।१३	४।३२	६।३६	८।२०	९।४८
०९।१३।५४।४८	१२ मं	२८	११।१०	१२।४६	२।४२	४।५७	७।१७	९।३४	११।५०	२।०९	४।२८	६।३२	८।१६	९।४४
०९।१४।५५।५७	१३ बु	२९	११।०६	१२।४२	२।३९	४।५३	७।१३	९।३०	११।४६	२।०५	४।२४	६।२८	८।१२	९।४०
०९।१५।५७।०५	३० गु	३०	११।०२	१२।३८	२।३५	४।४९	७।०९	९।२६	११।४२	२।०१	४।२०	६।२४	८।०८	९।३६

मास फलम्

इस माह में पांच शुक्रवार होने से प्रजा की वृद्धि हो यथा- ॥प्रजावृद्धिस्तु भार्गवे॥ अमावस उत्तराषाढा योग नेष्ट, गुरुवारी अमावस होने से सदा वृष्टि तथा सुभिक्ष हो कल्याण हों दुःख का नाश हो। आरोग्य रहे और प्रजा स्वस्थ हो। माघ शुक्ला प्रतिपदा को शुक्रवार होने से सुभिक्ष हो। माघी शुक्ला सप्तमी को भरणी होने से धान्योत्पत्ति उत्तम हो। पूर्णिमा आश्लेषा युक्त होने से महर्घता हो। बुधवार को सक्रांति होने से रस कस घृत महँगे हों, वस्त्रादि और रुई भाव मंदे हों, प्रजा में भय हो, चतुर्मास में वर्षा कम हो।

अयनांशाः २४।०२।२१

पं.४२ मा.कृ.१० र. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
९	५	९	२	८	६	६	०
११	२७	२९	१८	१९	२८	०८	०८
५९	२०	०२	४५	५५	२०	५२	५२
२२	२६	१४	०८	१४	३७	०६	०६
६१	१९	८६	६	१४	३	३	३
००	०१	०१	४९	०३	२८	११	११
श्र	चि	घ	आ	पूषा	वि	स्वा	अ
१	२	२	४व	२व	३	१	३



CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

३१ जनवरी से १४ फरवरी तक, श्री माघ शुकुपक्ष संवत् २०७०, शाकः १९३५, दि.मा.सू. सू. तारीख्य स्टै. प्रातः दैनिक केतकी अहर्गणः १०३१ शिशिरर्तू रविरुत्तरे, जनवरी-फरवरी २०१४

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
धूम्र	१	शु	४०	०२	२३	२२	श्रव	१४	४५	१३	१५	व्य	३६	५८	२२	०९	किं	१४	४१	१३	१४	२६/५०	७/२२	६/—	११	२९	३१	कुंभे २३।४६	९।१६।५०।४६	६१।०६
प्रवर्धमा	२	श	३१	२२	१९	५४	धनि	७	३२	१०	२२	व	२६	४५	१८	०३	बा	५	३५	९	३५	५३	२१	०६	१२	३०	१	कुंभे	९।१७।५१।५२	६१।०४
राक्षस	३	र	२३	५८	१६	५६	शत	५/५	२५/३७	७/२९	५३/५९	प	१७	३१	१४	२९	ग	२३	५८	१६	५६	५७	२१	०७	१३	१	२	मीने २४।२४	९।१८।५२।५६	६१।०३
गद	४	सो	१८	१०	१४	३६	उभा	५३	४२	२८	४९	शि	९	३३	११	०९	वि	१८	१०	१४	३६	२७/००/—	२०	०८	१४	२	३	मीने	९।१९।५४।००	६१।०२
वसंत	५	मं	१४	१९	१३	०३	रेव	५२	४९	२८	२७	सि	३/५८	०७/२०	८/३०	३४/३९	बा	१४	१९	१३	०३	०३	१९	०९	१५	३	४	मेषे २८।२७	९।२०।५५।०२	६१।०१
मृत्यु	६	बु	१२	३५	१२	२१	अश्वि	५४	०१	२८	५५	शु	५५	१४	२९	२४	तै	१२	३५	१२	२१	०७	१९	१०	१६	४	५	मेषे	९।२१।५६।०३	६०।५९
पद्म	७	गु	१२	५८	१२	३०	भर	५७	१२	३०	११	शु	५३	४२	२८	४७	व	१२	५८	१२	३०	१०	१८	१०	१७	५	६	मेषे	९।२२।५७।०२	६०।५८
छत्र	८	शु	१५	२२	१३	२६	कृति	...	...	...	...	ब्र	५३	३५	२८	४३	ब	१५	२२	१३	२६	१४	१८	११	१८	६	७	वृषे १२।३७	९।२३।५८।००	६०।५७
ध्वजा	९	श	१९	२७	१५	०४	कृति	२	०९	८	०९	ऐ	५४	३३	२९	०६	कौ	१९	२७	१५	०४	१७	१७	१२	१९	७	८	वृषे	९।२४।५८।५७	६०।५५
धाता	१०	र	२४	५०	१७	१२	रोहि	८	२४	१०	३८	वै	५६	१६	२९	४७	ग	२४	५०	१७	१२	२१	१६	१३	२०	८	९	मिथु. २४।०१	९।२५।५९।५२	६०।५४
ए.ब्र.	११	सो	३०	५९	१९	३९	मृग	१५	३१	१३	२८	वि	५८	२५	३०	३७	वि	३०	५९	१९	३९	२५	१६	१३	२१	९	१०	मिथु.	९।२७।००।४६	६०।५२
चर	१२	मं	३७	२७	२२	१४	आर्द्रा	२३	०२	१६	२८	प्री	...	...	...	...	ब	४	१३	८	५६	२८	१५	१४	२२	१०	११	मिथु.	९।२८।०१।३८	६०।५१
प्र.ब्र.	१३	बु	४३	५०	२४	४६	पुन	३०	३३	१९	२७	प्री	०	४२	७	३१	कौ	१०	४२	११	३१	३२	१४	१५	२३	११	१२	कर्के १२।४३	९।२९।०२।२९	६०।४९
शुभ	१४	गु	४९	५४	२७	११	पुष्य	३७	४७	२२	२०	आ	२	४८	८	२१	ग	१६	५६	१४	००	३६	१३	१६	२४	१२	१३	कर्के	१०।००।०३।१९	६०।४८
पूर्णिमा	१५	शु	५५	२७	२९	२३	श्ले	४४	३४	२५	०२	सौ	४	३७	९	०३	वि	२२	४५	१६	१९	४०	१२	१६	२५	१३	१४	सिंहे २५।०२	१०।००।१०।४०।७७	६०।४६

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।

पंचक प्रारम्भः २३।४६, श्री वल्लभ जयंती [A मार्गी शुक्रः २०।१३

चंद्रदर्शनम् (मु.१५), फरवरी २ ता. २८, शत. बुधः ११।५१, A

भ. २७।४१ उ., वरद (कुंद) ४, तिल चतुर्थी, रविलास्त ४

भ. १४।३६ या., उभा. रे. ९ ।।।।।।।।S।। दिवा ल. ३, रात्रौ B

वसन्त पञ्चमी, भौमे रेवत्यां रे. १० ।।।।।।।।।। दिवा ल. ११।२।३, D

[D रात्रौ अ.गो. (मिथु. शु. ७ पू.), तुलायां भौमः १२।२९, पंचक E

भ. १२।३० उ. २४।५२ या., मन्वादि, भीष्माष्टमी, पुत्र ७, रथ ७, F

वक्री बुधः १४।४१ [B अ.गो. ७ (मि. स्टै. १४।३६ उप. शु.७ पू., C

[F अचला ७, धनि. रविः ११।३४ (सौरः १६।२०)

भ. ३०।२४ उ. [C तुला सोग्रांगः के. ७ दो.)

भ. १९।३९ या., जया ११ ब्र., बुधास्तः पश्चिमायाम् १८।३१

भीष्मद्वादशी [E समाप्तिः २८।२७

प्रदोषः, कल्पादि, कुंभे रविः २५।३६ (सौरः २९।५५), (व) धनि. G

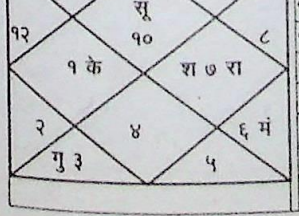
भ. २७।११ उ. [G बुधः १६।१५

भ. १६।१९ या., पूर्णिमा व्रतंपुण्यञ्च, माघ स्नान पूर्तिः

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

अयनांशाः २४।०२।२२

पं.४३ मा.शु. ३ र. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
९	५	१०	२	८	६	६	०
१९	२९	०७	१८	१९	२८	०८	०८
०५	२५	२३	००	१०	४२	२९	२९
५३	०१	१०	१२	१८	५९	५०	५०
६०	१६	४४	५	३	२	३	३
५३	०६	४४	५२	३७	५०	११	११
श्र	चि	श	आ	पूषा	वि	स्वा	अ
३	२	१	४व	२	३	१	३



ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	जन.	दिवा	दिवा	दिवा	सायं	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः	दिवा	दिवा
०९।१६।५८।१२	१ शु	३१	१०।५८	१२।३४	२।३१	४।४५	७।०५	९।२२	११।३८	१।५७	४।१६	६।२०	८।०४	९।३२
०९।१७।५९।१७	२ श	१	१०।५४	१२।३१	२।२७	४।४१	७।०२	९।१८	११।३४	१।५३	४।१२	६।१७	८।००	९।२८
०९।१९।००।२२	३ र	२	१०।५०	१२।२७	२।२३	४।३७	६।५८	९।१४	११।३०	१।४९	४।०८	६।१३	७।५६	९।२४
०९।२०।०१।२५	४ चं	३	१०।४७	१२।२३	२।१९	४।३४	६।५४	९।१०	११।२६	१।४५	४।०४	६।०९	७।५२	९।२०
०९।२१।०२।२७	५ मं	४	१०।४३	१२।१९	२।१५	४।३०	६।५०	९।०७	११।२२	१।४१	४।००	६।०५	७।४८	९।१७
०९।२२।०३।२७	६ बु	५	१०।३९	१२।१५	२।११	४।२६	६।४६	९।०३	११।१८	१।३८	३।५६	६।०१	७।४४	९।१३
०९।२३।०४।२७	७ गु	६	१०।३५	१२।११	२।०७	४।२२	६।४२	८।५९	११।१४	१।३४	३।५२	५।५७	७।४०	९।०९
०९।२४।०५।२५	८ शु	७	१०।३१	१२।०७	२।०३	४।१८	६।३८	८।५५	११।११	१।३०	३।४८	५।५३	७।३६	९।०५
०९।२५।०६।२१	९ श	८	१०।२७	१२।०३	१।५९	४।१४	६।३४	८।५१	११।०७	१।२६	३।४४	५।४९	७।३२	९।०१
०९।२६।०७।१७	१० र	९	१०।२३	११।५९	१।५५	४।१०	६।३०	८।४७	११।०३	१।२२	३।४०	५।४५	७।२८	८।५७
०९।२७।०८।१०	११ चं	१०	१०।१९	११।५५	१।५१	४।०६	६।२६	८।४३	१०।५९	१।१८	३।३६	५।४१	७।२४	८।५३
०९।२८।०९।०३	१२ मं	११	१०।१५	११।५१	१।४७	४।०२	६।२२	८।३९	१०।५५	१।१४	३।३२	५।३७	७।२०	८।४९
०९।२९।०९।५४	१३ बु	१२	१०।११	११।४७	१।४३	३।५८	६।१८	८।३५	१०।५१	१।१०	३।२९	५।३३	७।१६	८।४५
१०।००।१०।४३	१४ गु	१३	१०।०७	११।४३	१।३९	३।५४	६।१४	८।३१	१०।४७	१।०६	३।२५	५।२९	७।१३	८।४१
१०।०१।११।३०	१५ शु	१४	१०।०३	११।३९	१।३५	३।५०	६।१०	८।२७	१०।४३	१।०२	३।२१	५।२५	७।०९	८।३७

संक्रांति फलम्

ता. १२ फरवरी २०१४
माघ शु. १३ बुधे कुंभेऽर्कः प्र. (स्टै.)
टा. २५।३६ वारात् २ नक्षत्रात् ३
वारनाम मंदाकिनी नृपतीन् सुस्पदा
नक्षत्रनाम ध्वांक्षी वैश्यान् सुस्पदा अपर
शत्रि ३ प्रहर व्यापिनी नटान् हन्ति,
पूर्वे गमनमाग्नेयां दृष्टिः गरकरणे प्रविष्टा
मध्यमफलं हस्तीवाहनं स्वरोपवाहनं
लक्ष्मीकारक रक्तवस्त्रं धनुष्यायुधं
लोहपात्रं दुग्धभक्षणं गोरोचनलेपनं
पशुजातिः विल्वपुष्पं मुकुटभूषणं
श्वेतकंचुकी प्रौढावस्था (बैठी) मु. ३०
धान्यभावे सम वत्स पश्चिमा. राहु
दक्षिणे मूलं पाताले विवाहस्तंभो
नैऋत्यां शुक्रोदयः पूर्वस्याम् ।
पुण्यकालः (स्टै.) १९।१२ से २५।३६
तक । (दान- गोड़ - अन्न) ।

अयनांशाः २४।०२।२३

पं.४४ मा.शु.१० र. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
९	६	१०	२	८	६	६	०
२६	०९	०८	१७	२०	२९	०८	०८
११	०७	५९	२२	२३	००	०७	०७
२९	४३	५०	२६	४८	४७	३६	३६
६०	१२	२९	४	१९	२	३	३
४५	४२	५३	४४	०८	०९	११	११
ध	चि	श	आ	पूषा	वि	स्वा	अ
१	३	१व	४व	३	३	१	३



CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

॥ श्रीवल्लभ मनीराम पञ्चाङ्गम् ॥

१५ फरवरी से १ मार्च तक, श्री फाल्गुन कृष्णपक्ष संवत् २०७०, शाकः १९३५; दि.मा.सू. सू. तारीख्य स्टै. प्रातः दैनिक शिशिरर्तू रविरुत्तरे माघकृष्णेति गुर्जराः, फरवरी-मार्च २०१४

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
पद्म	१	श	...	...	..	..	मघा	५०	४८	२७	३१	शो	६	०३	९	३७	बा	२८	००	१८	२४	२७ ४४	७ १२	६ १७	२६	१४	१५	सिंहे	१०।०२।०४।५३	६०।४५
छत्र	१	र	०	२६	७	२१	पूफा	५६	२४	२९	४४	अ	७	०२	१०	००	कौ	०	२६	७	२१	४७	११	१८	२७	१५	१६	सिंहे	१०।०३।०५।३७	६०।४३
श्रीवत्स	२	सो	४	४२	९	०३	उफा	...	...	..	..	सु	७	३०	१०	१०	ग	४	४२	९	०३	५१	१०	१९	२८	१६	१७	कन्या	१२।१५	१०।०४।०६।२०	६०।४१
च.व्र.	३	मं	८	०९	१०	२५	उफा	९	१७	७	४०	धृ	७	२१	१०	०६	वि	८	०९	९०	२५	५५	०९	१९	२९	१७	१८	कन्या	१०।०५।०७।०२	६०।४०
आनन्द	४	बु	१०	३९	११	२४	हस्त	५	२५	९	१४	शू	६	३०	९	४४	बा	१०	३९	११	२४	५९	०८	२०	३०	१८	१९	तुला.	२१।५२	१०।०६।०७।४१	६०।३८
चर	५	गु	१२	०२	११	५६	चित्रा	८	०८	१०	२२	गं	४	४८	९	०३	तै	१२	०२	११	५६	२८ ०३	०७	२१	१	१९	२०	तुला.	१०।०७।०८।१९	६०।३६
गद	६	शु	१२	०४	११	५६	स्वा	९	४५	११	००	वृ	२ ५८	०४ ४२	७ ३०	५६ २३	व	१२	०४	११	५६	०७	०७	२१	२	२०	२१	वृश्चि.	२९।०६	१०।०८।०८।५५	६०।३४
शुभ	७	श	१०	३९	११	२१	विशा	९	५६	११	०४	व्या	५३	०९	२८	२१	ब	१०	३९	११	२१	११	०६	२२	३	२१	२२	वृश्चि.		१०।०९।०९।३०	६०।३३
मृत्यु	८	र	७	३९	१०	०८	अनु	८	३६	१०	३१	ह	४६	५९	२५	४९	कौ	७	३९	१०	०८	१५	०५	२३	४	२२	२३	वृश्चि.		१०।१०।१०।०२	६०।३१
पद्म	९	सो	३	०७	८	१८	ज्ये	५	४४	९	२१	व	३९	२१	२२	४८	ग	३	०७	८	१८	१९	०४	२३	५	२३	२४	धनु.	९।२१	१०।११।१०।३३	६०।२९
क्षयः	१०	सो	५७	०६	२१	५४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
ए.व्र.	११	मं	४९	५४	२७	०१	मूल	५५ ५९	२८ २९	७ ३८	३८ ३६	सि	३०	५०	१९	२३	ब	२३	३९	१६	३१	२३	०३	२४	६	२४	२५	धनु.	१०।१२।११।०२	६०।२७
ए.व्र.	१२	बु	४१	५०	२३	४६	उषा	४९	४१	२६	५४	व्य	२१	२९	१५	३७	कौ	१५	५९	१३	२५	२७	०२	२५	७	२५	२६	मक.	१०।५०	१०।१३।११।२९	६०।२५
शिवरा.	१३	गु	३३	१६	२०	१९	श्रव	४२	५८	२४	१२	व	११	३५	११	३९	ग	७	३६	१०	०३	३१	०१	२५	८	२६	२७	मक.		१०।१४।११।५४	६०।२३
धाता	१४	शु	२४	३६	१६	५०	धनि	३६	१४	२१	३०	प	५१	२८ २७	७ ३५	३५	श	२४	३६	१६	५०	३५	००	२६	९	२७	२८	कुंभे	१०।५०	१०।१५।१२।१७	६०।२१
अमाव.	३०	श	१६	१९	१३	३०	शत	२९	५१	१८	५८	सि	४१	५८	२३	४६	ना	१६	१९	१३	३०	३९	५६	२७	१०	२८	१	कुंभे		१०।१६।१२।३९	६०।१९

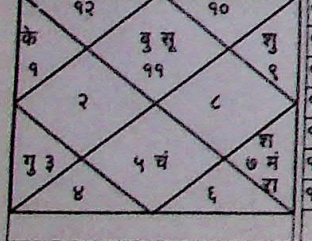
पंचक प्रारम्भः १०।५० [E (व) मकरे बुधः १७।४३

देवपितृकार्येऽमा., मार्च ३ ता. ३१, मार्गी बुधः ८।१४

अयनांशाः २४।०२।२४

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

पं.४५ फा.कृ. १ र. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
१०	६	१०	२	८	६	६	०
०३	०२	०२	१६	२३	२९	०७	०७
१६	२५	४६	५३	१६	१३	४५	४५
००	०४	४८	००	२१	४६	२१	२१
६०	८	६९	३	३१	१	३	३
३५	४६	३४	२९	२६	२७	११	११
ध	चि	ध	आ	पू	वि	स्वा	अ
३	३	३व	४व	३	३	१	३



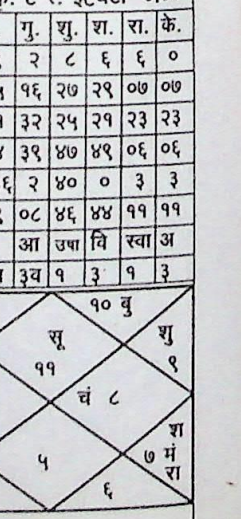
ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	कर.	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	सायं	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः	दिवा
१०।०२।१२।१७	१ श	१५	९।५९	१९।३५	१।३२	३।४६	६।०६	८।२३	१०।३९	१२।५८	३।१७	५।२१	७।०५	८।३३
१०।०३।१३।०१	१ र	१६	९।५५	१९।३१	१।२८	३।४२	६।०२	८।१९	१०।३५	१२।५४	३।१३	५।१७	७।०१	८।२९
१०।०४।१३।४४	२ चं	१७	९।५१	१९।२७	१।२४	३।३८	५।५८	८।१५	१०।३१	१२।५०	३।०९	५।१३	६।५७	८।२५
१०।०५।१४।२५	३ मं	१८	९।४७	१९।२४	१।२०	३।३४	५।५५	८।११	१०।२७	१२।४६	३।०५	५।१०	६।५३	८।२१
१०।०६।१५।०५	४ बु	१९	९।४३	१९।२०	१।१६	३।३९	५।५१	८।०७	१०।२३	१२।४२	३।०१	५।०६	६।४९	८।१७
१०।०७।१५।४२	५ गु	२०	९।४०	१९।१६	१।१२	३।२७	५।४७	८।०४	१०।१९	१२।३८	२।५७	५।०२	६।४५	८।१४
१०।०८।१६।१८	६ शु	२१	९।३६	१९।१२	१।०८	३।२३	५।४३	८।००	१०।१५	१२।३५	२।५३	४।५८	६।४१	८।१०
१०।०९।१६।५३	७ श	२२	९।३२	१९।०८	१।०४	३।१९	५।३९	७।५६	१०।११	१२।३१	२।४९	४।५४	६।३७	८।०६
१०।१०।१७।२५	८ र	२३	९।२८	१९।०४	१।००	३।१५	५।३५	७।५२	१०।०८	१२।२७	२।४५	४।५०	६।३३	८।०२
१०।११।१७।५६	९ चं	२४	९।२४	१९।००	१२।५६	३।११	५।३१	७।४८	१०।०४	१२।२३	२।४१	४।४६	६।२९	७।५८
१०।१२।१८।२४	१० मं	२५	९।२०	१०।५६	१२।५२	३।०७	५।२७	७।४४	१०।००	१२।१९	२।३७	४।४२	६।२५	७।५४
१०।१३।१८।५१	११ बु	२६	९।१६	१०।५२	१२।४८	३।०३	५।२३	७।४०	९।५६	१२।१५	२।३३	४।३८	६।२१	७।५०
१०।१४।१९।१६	१२ गु	२७	९।१२	१०।४८	१२।४४	२।५९	५।१९	७।३६	९।५२	१२।११	२।२९	४।३४	६।१७	७।४६
१०।१५।१९।३९	१३ शु	२८	९।०८	१०।४४	१२।४०	२।५५	५।१५	७।३२	९।४८	१२।०७	२।२६	४।३०	६।१३	७।४२
१०।१६।२०।००	३० श	१	९।०४	१०।४०	१२।३६	२।५१	५।११	७।२८	९।४४	१२।०३	२।२२	४।२६	६।०९	७।३८

संक्रांति फलम्

ता. १४ मार्च २०१४
फा. शु. १३ भृगौ मीनेऽर्कः प्र. (स्टै.)
टा. २२।२५ वारात् ३ नक्षत्रात् ३
वारनाम मिश्रा पशून् सुस्थदा नक्षत्रनाम घोरा शूद्रान् सुस्थदा मध्यरात्रि २ प्रहर व्यापिनी राक्षसान् हन्ति, उत्तरे गमनं, ऐशान्यां दृष्टिः गरकरणे प्रविष्टा मध्यमफलं हस्तीवाहनं स्वरोपवाहनं लक्ष्मीकारक रक्तवस्त्रं धनुष्यायुधं लोहपात्रं दुग्धभक्षणं गोरोचनलेपनं पशुजातिः विल्वपुष्पं मुकुटभूषणं श्वेतकंचुकी प्रौढावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यभावे सम वत्स पश्चिमा. राहु दक्षिणे मूलं भूमौ विवाहस्तंभो नैऋत्यां शुक्रोदयः पूर्वस्याम् । पुण्यकालः (स्टै.) २२।२५ से २८।४९ तक । (दान- भूमि माला) ।

अयनांशाः २४।०२।२५

पं.४६ फा.कृ. ८ र. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
१०	६	९	२	८	६	६	०
१०	०३	२५	१६	२७	२९	०७	०७
१९	१३	५१	३२	२५	२१	२३	२३
१७	२१	२४	३९	४७	४९	०६	०६
६०	४	३६	२	४०	०	३	३
२४	१९	२९	०८	४६	४४	११	११
श	चि	ध	आ	उषा	वि	स्वा	अ
२	३	१व	३व	१	३	१	३



CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

॥ श्रीयल्लभ मनीराम पञ्चाङ्गम् ॥

२ मार्च से १६ मार्च तक, श्री फाल्गुन शुक्लपक्ष संवत् २०७०, शाकः १९३५, दि.नासू. ५१. तारीस्प स्टै. प्रातः दैनिक केतकी अहर्गणः १०६१ वसंतर्तूं रविरुत्तरे, मार्च २०१४

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	च.प.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
चर	१	र	८	४८	१०	२९	पूभा	२४	३८	१६	४९	सा	३३	१८	२०	१७	ब	८	४८	१०	२९	२८ ४३	५८	६ २७	११	२९	२	मीने ११।१९	१०।१७।१२।५८	६०।१७
फुलरि.	२	सो	२	३१	७	५७	उभा	२०	३४	१५	११	शु	२५	४५	१७	१५	कौ	२	३१	७	५७	४७	५७	२८	१२	१	३	मीने	१०।१८।१३।१५	६०।१५
क्षयः	३	सो	५७	४३	३०	०२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
शुभ	४	मं	५४	४७	२८	५१	रेव	१८	०९	१४	१२	शु	१९	३३	१४	४५	व	२६	०२	१७	२०	५१	५६	२८	१३	२	४	मेषे १४।१२	१०।१९।१३।३१	६०।१३
मृत्यु	५	बु	५३	५१	२८	२७	अश्वि	१७	३६	१३	५७	ब्र	१४	५१	१२	५१	ब	२४	०५	१६	३३	५६	५५	२९	१४	३	५	मेषे	१०।२०।१३।४४	६०।१९
पद्म	६	गु	५४	५६	२८	५२	भर	१९	०२	१४	३०	ऐ	११	४६	११	३६	कौ	२४	९०	१६	३४	२९ ०००	५४	३०	१५	४	६	वृषे २०।४६	१०।२१।१३।५५	६०।०९
छत्र	७	शु	५७	५७	३०	०३	कृति	२२	२४	१५	५०	वै	१०	१३	१०	५८	ग	२६	९४	१७	२२	०४	५३	३०	१६	५	७	वृषे	१०।२३।१४।१२	६०।०५
होलाष्ट.	८	श	...	...	...	..	रोहि	२७	२९	१७	५१	वि	१०	०७	१०	५४	वि	३०	०६	१८	५४	०८	५२	३१	१७	६	८	वृषे	१०।२४।१४।१७	६०।०३
सौम्य	८	र	२	३६	७	५३	मृग	३३	५७	२०	२५	प्री	११	११	११	१९	ब	२	३६	७	५३	१२	५०	३१	१८	७	९	मिथु. ७।०५	१०।२५।१४।२०	६०।०१
काल	९	सो	८	२४	१०	११	आर्द्रा	४१	१५	२३	२०	आ	१३	०३	१२	०३	कौ	८	२४	१०	११	१६	४९	३२	१९	८	१०	मिथु.	१०।२६।१४।२१	५१।५९
सुस्थिर	१०	मं	१४	४६	१२	४३	पुन	४८	५२	२६	२१	सौ	१५	२१	१२	५७	ग	१४	४६	१२	४३	२०	४८	३२	२०	९	११	कर्के १९।३६	१०।२७।१४।१९	५९।५७
ए.व्र.	११	बु	२१	९०	१५	१५	पुष्य	५६	१५	२९	१७	शो	१७	४०	१३	५१	वि	२१	१०	१५	१५	२५	४७	३३	२१	१०	१२	कर्के	१०।२८।१४।१६	५९।५४
अमृत	१२	गु	२७	०६	१७	३७	श्ले	...	...	...	...	अ	१९	४०	१४	३८	बा	२७	०६	१७	३७	२९	४६	३४	२२	११	१३	कर्के	१०।२९।१४।२०	५९।५२
प्र.व्र.	१३	शु	३२	१६	१९	३९	श्ले	३	०४	७	५९	सु	२१	०७	१५	१२	तै	३२	१६	१९	३९	३३	४५	३४	२३	१२	१४	सिंहे ७।५९	१०।३०।१४।०३	५९।५०
पद्म	१४	श	३६	३१	२१	२०	मघा	९	०१	१०	२०	धृ	२१	५३	१५	२९	ग	४	३२	८	३३	३७	४४	३५	२४	१३	१५	सिंहे	११।००।१४।०३	५९।५०
होली	१५	र	३९	४७	२२	३७	पूफा	१४	०३	१२	२०	शू	२१	५५	१५	२९	वि	८	१८	१०	०२	४१	४३	३५	२५	१४	१६	कन्या १८।४६	११।०१।१३।५३	५९।४८

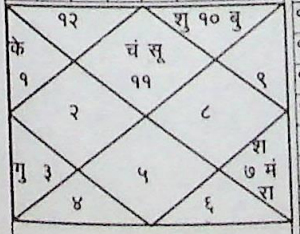
यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।
चंद्रदर्शनम् (मु.४५), उभा. रे. ९ ।SIIIIIII रात्रौ ल. ६।९ F
फुलरिया २, जमादिलावल ५, श्री रामकृष्ण परमहंस जयंती, B
[F (कन्यां चं. ७ पू., धनु. गु. ७ पू.), वक्री भौमः ९।३९
म. १७।२० उ. २८।५१ या., पंचक समाप्तिः १४।१२, D
याज्ञवल्क्य जयंती [D पूभा. रविः २२।१९ (सौरः २५।२७)
मार्गी गुरुः २६।१८
म. ३०।०३ उ. [B वक्री शनिः १२।०५
म. १८।५४ या., होलाष्टक, चित्रा.-४ राहुः २०।३१, E
[E अश्वि.-२ केतुः २०।३१
श्रव. शुक्रः २६।१४
म. २५।५९ उ.
म. १५।१५ या., आमलकी ११ व्र., बिड़कुला-ढाल थापणा C
मेला श्रीश्यामजी (स्थाटु) [C भद्रा के बाद, कुंभे बुधः ९।०१
प्रदोषः, मीने रविः २२।२५ (सौरः २५।०६)
म. २१।२० उ. [A के बाद, होलिका दहनं, करिदिन
म. १०।०२ या., मन्वादि, पूर्णिमा व्रतंपुण्यञ्च, जेलपोणी भद्रा A

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

अयनांशाः २४।०२।२६

पं.४७ फा.शु. १ र. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
१०	६	९	२	९	६	६	०
१७	०३	२४	१६	०२	२९	०७	०७
२१	२८	०८	२१	३३	२४	००	००
११	५२	२३	४८	०७	५१	५३	५३
६०	०	१२	०	४७	०	३	३
१२	३९	२९	४५	४६	०१	११	११
श	चि	ध	आ	उभा	वि	स्वा	अ
४	४व	१	३व	२	३	१	३

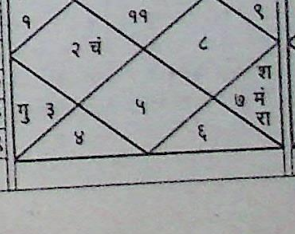


ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः .	तिथि	मार्च	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	सायँ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः
१०।१७।२०।१९	१ र	२	९।०० १०।३६	९२।३२	२।४७	५।०७	७।२४	९।४०	११।५९	२।१८	४।२२	६।०६	७।३४	
१०।१८।२०।३७	२ चं	३	८।५६	१०।३२	९२।२८	२।४३	५।०३	७।२०	९।३६	११।५५	२।१४	४।१८	६।०२	७।३०
१०।१९।२०।५२	४ मं	४	८।५२	१०।२८	९२।२५	२।३९	४।५९	७।१६	९।३२	११।५१	२।१०	४।१४	५।५८	७।२६
१०।२०।२१।०५	५ बु	५	८।४८	१०।२४	९२।२१	२।३५	४।५५	७।१२	९।२८	११।४७	२।०६	४।१०	५।५४	७।२२
१०।२१।२१।१६	६ गु	६	८।४४	१०।२१	९२।१७	२।३१	४।५१	७।०८	९।२४	११।४३	२।०२	४।०६	५।५०	७।१८
१०।२२।२१।२५	७ शु	७	८।४०	१०।१७	९२।१३	२।२७	४।४८	७।०४	९।२०	११।३९	१।५८	४।०३	५।४६	७।१४
१०।२३।२१।३२	८ श	८	८।३६	१०।१३	९२।०९	२।२४	४।४४	७।००	९।१६	११।३५	१।५४	३।५९	५।४२	७।१०
१०।२४।२१।३७	८ र	९	८।३३	१०।०९	९२।०५	२।२०	४।४०	६।५७	९।१२	११।३१	१।५०	३।५५	५।३८	७।०७
१०।२५।२१।४०	९ चं	१०	८।२९	१०।०५	९२।०१	२।१६	४।३६	६।५३	९।०८	११।२८	१।४६	३।५१	५।३४	७।०३
१०।२६।२१।४०	१० मं	११	८।२५	१०।०१	९१।५७	२।१२	४।३२	६।४९	९।०४	११।२४	१।४२	३।४७	५।३०	६।५९
१०।२७।२१।३९	११ बु	१२	८।२१	९।५७	९१।५३	२।०८	४।२८	६।४५	९।०१	११।२०	१।३८	३।४३	५।२६	६।५५
१०।२८।२१।३५	१२ गु	१३	८।१७	९।५३	९१।४९	२।०४	४।२४	६।४१	८।५७	११।१६	१।३४	३।३९	५।२२	६।५१
१०।२९।२१।२९	१३ शु	१४	८।१३	९।४९	९१।४५	२।००	४।२०	६।३७	८।५३	११।१२	१।३०	३।३५	५।१८	६।४७
११।००।२१।२१	१४ श	१५	८।०९	९।४५	९१।४१	१।५६	४।१६	६।३३	८।४९	११।०८	१।२६	३।३१	५।१४	६।४३
११।०१।२१।११	१५ र	१६	८।०५	९।४१	९१।३७	१।५२	४।१२	६।२९	८।४५	११।०४	१।२२	३।२७	५।१०	६।३९

अयनांशाः २४।०२।२६

पं.४८ फा.शु. ८ र. इष्टघटी ०।००

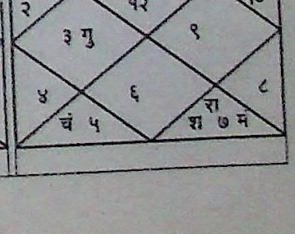
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
१०	६	९	२	९	६	६	०
२४	०३	२७	१६	०८	२९	०६	०६
२९	०८	२६	२०	२३	२२	३८	३८
३७	३०	९८	३९	४३	५१	३८	३८
५९	५	४६	०	५२	०	३	३
५९	५८	०७	३८	५९	४२	११	११
पूभा	चि	ध	आ	उभा	वि	चि	अ
२	३व	२	३	४	३व	४	२



अयनांशाः २४।०२।२७

पं.४९ फा.शु.१५ र. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
११	६	१०	२	९	६	६	०
०१	०२	०३	१६	१४	२९	०६	०६
२०	१०	५३	२९	४६	१५	१६	१६
२९	३०	५७	०६	४३	५५	२३	२३
५९	११	६५	१	५६	१	३	३
४५	२२	५२	५९	५५	२३	११	११
पूभा	चि	ध	आ	श्र	वि	चि	अ
४	३व	४	३	२	३व	४	२



CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

१७ मार्च से ३० मार्च तक, श्री चैत्र कृष्णपक्ष संवत् २०७०, शाकः १९३५, दि.मा.सू. सू. तारीख स्टै. प्रातः दैनिक वसंतर्तू रविरुत्तरे फाल्गुनकृष्णेति गुर्जराः, मार्च २०१४

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
छारेंडी	१	सो	४२	०३	२३	३१	उफा	१८	०७	१३	५७	गं	२१	११	१५	१०	बा	११	०४	११	०७	२९ ४५	६ ४२	६ ३६	२६	१५	१७	कन्या	११।०२।१३।४१	५९।४६
सौम्य	२	मं	४३	२०	२४	००	हस्त	२१	१४	१५	१०	वृ	१९	४३	१४	३४	तै	१२	५०	११	४९	५०	४१	३६	२७	१६	१८	तुला. २७।३९	११।०३।१३।२६	५९।४३
काल	३	बु	४३	३६	२४	०६	चित्रा	२३	२४	१६	०१	ध्रु	१७	२९	१३	३९	व	१३	३७	१२	०६	५४	३९	३७	२८	१७	१९	तुला.	११।०४।१३।१०	५९।४१
च.ब्र.	४	गु	४२	५०	२३	४६	स्वा	२४	३४	१६	२८	व्या	१४	२७	१२	२५	ब	१३	२३	११	५९	५८	३८	३७	२९	१८	२०	तुला.	११।०५।१२।५१	५९।३९
मातङ्ग	५	शु	४१	०२	२३	०२	विशा	२४	४४	१६	३१	ह	१०	३६	१०	५२	कौ	१२	०६	११	२७	३० ०२	३७	३८	३०	१९	२१	वृश्चि. १०।३२	११।०६।१२।३०	५९।३७
अमृत	६	श	३८	११	२१	५२	अनु	२३	५१	१६	०८	व	५	५६	८	५८	ग	९	४६	१०	३०	०६	३६	३९	१	२०	२२	वृश्चि.	११।०७।१२।०६	५९।३४
काण	७	र	३४	१७	२०	१८	ज्ये	२१	५७	१५	२२	सि	० ५४	२६ ०४	६ २१	४५ ९३	वि	६	२२	९	०८	१०	३५	३९	२	२१	२३	धनु. १५।२२	११।०८।११।४१	५९।३२
शीतला	८	सो	२९	२५	१८	२०	मूल	१९	०४	१४	११	वृ	४७	०१	२५	२२	बा	२	००	७	२२	१५	३४	४०	३	२२	२४	धनु.	११।०९।११।१३	५९।३०
मित्र	९	मं	२३	४२	१६	०९	पूषा	१५	१९	१२	४०	प	३९	१८	२२	१६	ग	२३	४२	१६	०१	१९	३३	४०	४	२३	२५	मक. १८।१५	११।१०।१०।४३	५९।२८
मुद्गर	१०	बु	१७	१८	१३	२७	उषा	१०	५२	१०	५२	शि	३९	०५	१८	५८	वि	१७	१८	१३	२७	२३	३१	४१	५	२४	२६	मक.	११।११।१०।१०	५९।२५
ए.ब्र.	११	गु	१०	२८	१०	४२	श्रव	५	५८	८	५३	सि	२२	३५	१५	३२	बा	१०	२८	१०	४२	२७	३०	४१	६	२५	२७	कुंभे १९।५२	११।१२।१०।१३	५९।२३
प्र.ब्र.	१२	शु	३	२९	७	५३	धनि	० ५५	५२ ५२	६ २८	५० ५०	सा	१४	००	१२	०५	तै	३	२९	७	५३	३१	२९	४२	७	२६	२८	कुंभे	११।१३।१०८।५९	५९।२१
क्षयः	१३	शु	५६	३६	२९	०८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
काल	१४	श	५०	१४	२६	३४	पूभा	५१	२२	२७	०१	शु	५ ५७	३६ ३४	८ २८	४२ ३०	वि	२३	२१	१५	४९	३५	२८	४२	८	२७	२९	मीने २१।२७	११।१४।१०८।१९	५९।१८
अमाव.	३०	र	४४	३८	२४	१८	उभा	४७	३९	२५	३१	ब्र	५०	१७	२६	३४	च	१७	२०	१३	२३	४०	२७	४३	९	२८	३०	मीने	११।१५।१०७।३८	५९।१६

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।
वसन्त १, छारेंडी देशाचारे, करिदिन
उभा. रविः ६।४४ (सौरः ९।१९), शत. बुधः १७।४५
भ. १२।०६ उ. २४।०६ या., कल्पादि
भ. १२।०६ उ. २४।०६ या., कल्पादि
चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः २२।१२, सायन मेषे भानुः २२।०६, A
[A आर्द्रा.-४ गुरुः २३।१०
भ. २१।५२ उ., भा. चैत्रारंभः
भ. ९।०८ या.
शीतला पूजनं, धनि. शुक्रः २४।५३
भ. २६।४६ उ., (व) कन्यायां भौमः ९।५१
भ. १३।२७ या.
पंचक प्रारम्भः १९।५२, पापमौचनी ११ व्र.
भ. २९।०८ उ., प्रदोषः, वारुणी योग ७।५३ से २८।५० तक, B
[B पूभा. बुधः २१।२४
भ. १५।४९ या., मासिकशिवरात्री व्र.
देवपितृकार्येऽमा., केतकी अहर्गणः १०८९, चक्र ७, मन्यादि

अयनांशाः २४।०२।२८

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

अयनांशाः २४।०२।२९

पं.५० चै.कृ. ७ र. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
११	६	१०	२	९	६	६	०
०८	००	१२	१६	२१	२९	०५	०५
१७	३५	१५	४६	३४	०४	५४	५४
४४	४४	४३	५०	१०	१३	०९	०९
५९	१६	७८	३	५९	२	३	३
३१	२१	५२	१६	५४	०३	११	११
उभा	चि	श	आ	श्र	वि	चि	अ
२	३व	२	४	४	३व	४	२



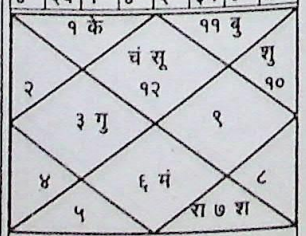
ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	मार्च	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	सायं	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः
११।०२।२०।५९	१ चं	१७	८।०१	९।३७	११।३३	१।४८	४।०८	६।२५	८।४९	११।००	१।१९	३।२३	५।०६	६।३५
११।०३।२०।४४	२ मं	१८	७।५७	९।३३	११।२९	१।४४	४।०४	६।२१	८।३७	१०।५६	१।१५	३।१९	५।०३	६।३१
११।०४।२०।२७	३ बु	१९	७।५३	९।२९	११।२५	१।४०	४।००	६।१७	८।३३	१०।५२	१।११	३।१५	४।५९	६।२७
११।०५।२०।०८	४ गु	२०	७।४९	९।२५	११।२२	१।३६	३।५६	६।१३	८।२९	१०।४८	१।०७	३।११	४।५५	६।२३
११।०६।१९।४७	५ शु	२१	७।४५	९।२१	११।१८	१।३२	३।५२	६।०९	८।२५	१०।४४	१।०३	३।०७	४।५१	६।१९
११।०७।१९।२३	६ श	२२	७।४१	९।१७	११।१४	१।२८	३।४८	६।०५	८।२१	१०।४०	१२।५९	३।०३	४।४७	६।१५
११।०८।१८।५८	७ र	२३	७।३७	९।१४	११।१०	१।२४	३।४५	६।०१	८।१७	१०।३६	१२।५५	३।००	४।४३	६।११
११।०५।१८।३९	८ चं	२४	७।३३	९।१०	११।०६	१।२१	३।४१	५।५७	८।१३	१०।३२	१२।५१	२।५६	४।३९	६।०७
११।१०।१७।५९	९ मं	२५	७।३०	९।०६	११।०२	१।१७	३।३७	५।५३	८।०९	१०।२८	१२।४७	२।५२	४।३५	६।०४
११।११।१७।२६	१० बु	२६	७।२६	९।०२	१०।५८	१।१३	३।३३	५।५०	८।०५	१०।२४	१२।४३	२।४८	४।३१	६।००
११।१२।१६।५१	११ गु	२७	७।२२	८।५८	१०।५४	१।०९	३।२९	५।४६	८।०१	१०।२१	१२।३९	२।४४	४।२७	५।५६
११।१३।१६।१४	१२ शु	२८	७।१८	८।५४	१०।५०	१।०५	३।२५	५।४२	७।५७	१०।१७	१२।३५	२।४०	४।२३	५।५२
११।१४।१५।३५	१३ श	२९	७।१४	८।५०	१०।४६	१।०१	३।२१	५।३८	७।५४	१०।१३	१२।३१	२।३६	४।१९	५।४८
११।१५।१४।५३	३० र	३०	७।१०	८।४६	१०।४२	१२।५७	३।१७	५।३४	७।५०	१०।०९	१२।२७	२।३२	४।१५	५।४४

मास फलम्

इस पक्ष में अमावस को रविवार होने से नेष्ट, उत्तराभाद्रपद योग सुभिक्ष है। शतभिषा में बुध होने से शूद्रों में रोगोत्पत्ति हो, व्यापारी, वैद्य, नौका से जीविका चलाने वाले, जल में उत्पन्न होने वाले द्रव्य तथा घोड़े (अश्व) पीडित हों। धनिष्ठा में शुक्र होने से प्रजा में सुखों की वृद्धि और सुभिक्ष हो, पाखण्डियों में भय उत्पन्न हो। पूर्वाभाद्रपद में बुध होने से कहीं दुर्भिक्ष हो और कहीं क्षेम तथा आरोग्यता हो, क्षुधा, शस्त्र, चोर और रोगों की वृद्धि हो।

पं.५१ चै.कृ.३० र. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
११	५	१०	२	९	६	६	०
१५	२८	२२	१७	२८	२८	०५	०५
१३	२८	०१	१३	४०	४८	३१	३१
१९	४६	२२	२७	१७	०५	५५	५५
५९	२०	९०	४	६२	२	३	३
१७	१८	१०	३०	११	३९	११	११
उभा	चि	पूभा	आ	ध	वि	चि	अ
४	२व	१	४	२	३व	४	२



CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

चूडामुहुर्त

अश्वि. ह. चि. स्वा. विशा. अनु. ध. रेवती नक्षत्र तथा रवि, भौम, बुध, गुरुवार उक्तकर्म में उत्तम हैं ।

सूर्यसंक्रान्ति सूं ५।७।९।१५।२१।२४ इतरा दिन धरती सोवै छै ।

१।२।५।७।९ सूर्यपूजा ।
३।६।१०।११ सूर्यशुद्ध ।

१।३।६।१० गुरुपूजा ।
२।५।७।९।११ गुरुशुद्ध ।

४।८।१२ गुरु रवि अशुद्ध
१।२।३।५।६।७।९।१०।११ चन्द्र शुद्ध
१२ पूजा ४।८ नेष्ट चंन्द्र ।

चन्द्रमा १ राशिपर आठों दिशा में भोग करता है उसकी पृथक् पृथक् व. आवश्यकीय यात्रा में सम्मुख चन्द्र देखना

पूर्वादि.	घ.	१७
अग्नि.	घ.	१५
दक्षिण.	घ.	२१
नैर्ऋत्य.	घ.	१६
पश्चिम.	घ.	१८
वायव्य.	घ.	१९
उत्तर.	घ.	१५
ईशान.	घ.	१४

अथ गर्गबृहस्पतिअंगिरामुहूर्त

श्लोकः-उषःप्रशस्यते गर्गःशकुनं च बृहस्पतिः । अंगिरास्तु मनोत्साहो विप्रवाक्यं जनार्दनः ॥१॥

अर्थ - गर्गजी (५ घटी रात्रि शेष रहै वह उषाकाल) यात्रा को शुभ कहते हैं । शकुन उत्तम देखकर यात्रा करना ये बृहस्पति का मत है । जब मन को उत्साह होय तभी यात्रादि शुभ है यह अंगिरा का मत है। विप्रों की आज्ञा लेकर यात्रादि करना ये जनार्दन का मत है । परंच पूर्व की यात्रा उषाकाल में वर्जित है ।

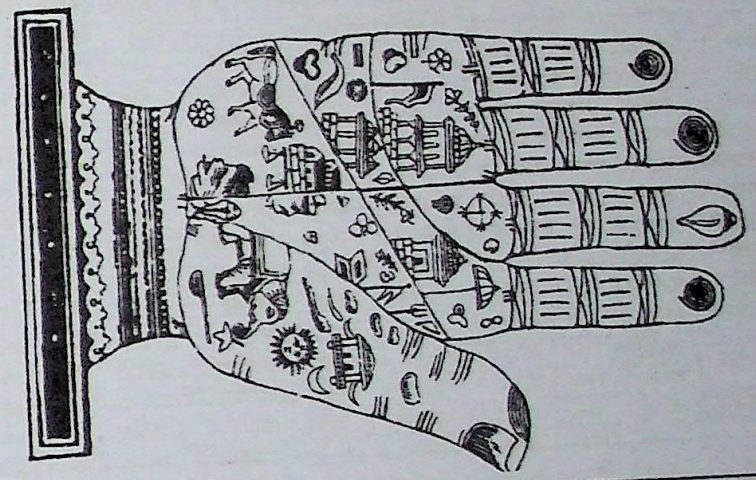
अथ कार्याकार्यविचारप्रश्न ।

श्लोकः-दिशा प्रहरसंयुक्ता तारका वारमिश्रिता। अष्टभिस्तुहरेद्भागं शेषं प्रश्नस्य लक्षणम् ॥१॥ पञ्चैकेत्वरिता सिद्धिःषट्तुर्येचदिनत्रयम् ॥ त्रिसप्तके विलम्बश्च द्वौचाष्टौ न च सिद्धिदाः ॥२॥

अर्थ - पृच्छकरोमुख जिस दिशासामो होय सो दिशा और प्रहरनक्षत्र वार सर्वत्र एकत्र करिने ८ रो भाग दीजै बाकी उबरै जिणरो फल जानिये

१ तथा ५ उबरै तौ बेगा कार्यसिद्धि
६ । ८ उबरै तौ तीन दिन में कार्यसिद्धि
३ । ७ उबरै तौ विलम्बसो कार्यसिद्धि
२ । ८ उबरै तौ कार्य सिद्धि होय नहीं ।

॥ शिवपार्वतीसंवादे सामुद्रिके हस्तरेखाशुभाशुभफलं लिख्यते ॥



॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

अथातः संप्रवक्ष्यामि हस्तरेखाविचारणम् ॥ दक्षिणे पुरुषं ज्ञेयं वामे वामाकरं शुभम् ॥१॥ शिवोक्तं तत्र सामुद्रं हस्तरेखाशुभाशुभम् ॥ येनविज्ञानमात्रेण पुरुषो न विशोचति ॥२॥ यस्य मीनतमारेखा कर्मसिद्धिश्च जायते ॥ धनाढ्यस्तु स विज्ञेयो बहुपुत्रो न संशयः ॥३॥ तुलाग्रामं तथा वज्रं करमध्ये च दृश्यते ॥ तस्य वाणिज्यसिद्धिःस्यात्पुरुषस्य न संशयः॥४॥ पद्मचापादिखड्गंच अष्टकोणादि दृश्यते ॥ स्त्रियश्चपुरुषस्यापि धनवान्ससुखी नरः ॥५॥ शङ्खचक्रध्वजाकारोमत्स्याकारश्च दृश्यते ॥ सर्वविद्याप्रदानेन बुद्धिमान् स सुखी नरः ॥६॥ त्रिशूलं करमध्ये तु तेन राजा प्रवर्तते ॥ यज्ञे धर्मे च दाने च देवद्विजप्रपूजने ॥७॥ शक्तितोमरबाणैश्च करमध्ये च दृश्यते ॥ रथचक्रध्वजाकारः स च राज्यं लभेन्नरः ॥८॥ अंकुशं कुंडलं चक्रं यस्य पाणितले भवेत् ॥ तस्य राज्यं महाश्रेष्ठं सामुद्रवचनं यथा ॥९॥ गिरिकङ्कणयोनीनांनरमुण्डघटादिकम् ॥ करे वै यस्य चिह्नानि राजमन्त्री भवेन्नरः ॥१०॥ रविचन्द्रकृतानेत्रअष्टकोणत्रिनेत्रकम् ॥ मंदिरं गजअश्वानां चिह्ने धनसुखीनरः ॥११॥ अंगुष्ठोदरमध्यस्थो यवो यस्य विराजते ॥ उत्पन्नभक्ष्यभोगीस्यात्स नरः सुखमेधते ॥१२॥ मध्यमातर्जनीमूलंयवोयस्य प्रदृश्यते ॥ धनवान्सुखयोगीस्यात्पुत्रदारगृहादिषु ॥१३॥ एवं बहुधा ॥

CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

देशान्तर सारिणी

+ = पूर्व — = पश्चिम

नाम नगर	अक्षांश उत्तर	पलभा अं. व्यं.	ग्रीन्वीच पू.रेखांश	उज्जै.रेखा. पल-विपल	रेखान्तर मि. से.	नाम नगर	अक्षांश उत्तर	पलभा अं. व्यं.	ग्रीन्वीच पू.रेखांश	उज्जै.रेखा. पल-विपल	रेखान्तर मि. से.	नाम नगर	अक्षांश उत्तर	पलभा अं. व्यं.	ग्रीन्वीच पू.रेखांश	उज्जै.रेखा. पल-विपल	रेखान्तर मि. से.
अयोध्या	२६।४८	६। ४	८२।१४	+ ६५।१०	- १। ४	कानपुर	२६।२७	५।५८	८०।२१	+ ४६।२०	- ८।३६	जालंधर	३१।१९	७।१८	७५।१८	- ४।१०	- २८।४८
अजमेर	२६।२८	५।५८	७४।४०	- १०।३०	- ३१।२०	कांकरोली	२५। २	५।३६	७३।५४	- १८।१०	- ३४।२४	जाजू	२७।४६	६।१९	७३। ०	- २७।१०	- ३८। ०
अमृतसर	३१।३७	७।२३	७४।५५	- ८। ०	- ३०।२०	काश्मीर	३४। ६	८। ७	७४।५४	- ८।१०	- ३०।२४	जामनगर	२२।२७	४।५७	७०। ७	- ५६। ०	- ४९।३२
अकलकोट	१७।३२	३।४७	७६।१३	+ ५। ०	- २५। ८	कांची	९।५६	२। ६	७६।१२	+ ४।५०	- २५।१२	जीन्द	२९।१९	६।४४	७६।२३	+ ६।४०	- २४।२८
अहमदाबाद	२३। २	५। ६	७२।३८	- ३०।५०	- ३९।२८	कुमारी	८। ६	१।४२	७७।३०	+ १७।५०	- २०। ०	जूनागढ	२१।३१	४।४४	७०।३६	- ५१।१०	- ४७।३६
अलीगढ़	२७।५४	६।२९	७८। ६	+ २३।५०	- १७।३६	कुम्भकोणं	१०।५८	२।२०	७९।२३	+ ३६।४०	- १२।२८	जेसलमेर	२६।५५	६। ६	७०।५४	- ४८।१०	- ४६।२४
अगरतल्ला	२३।५२	५।१९	९१।१६	+ १५५।३०	+ ३५। ४	कोकनाडा	१६।५९	३।४०	८२।१३	+ ६५। ०	- १। ८	जोधपुर	२६।१८	५।५६	७३। ४	- २६।३०	- ३७।४४
अलीबाग	१८।३९	४। ३	७२।५४	- २८।१०	- ३८।२४	कोल्हापुर	१६।४२	३।३६	७४।१६	- १४।३०	- ३२।५६	झांसी	२५।३७	५।४५	७८।३७	+ २९। ०	- १५।३२
अनन्तपुर	१४।४०	३। ८	७७।३५	+ १८।४०	- ९९।४०	कोचीन	९।५८	२। ७	७६।१७	+ ५।४०	- २४।५२	झालरापाटन	२४।३२	५।२९	७६।१२	+ ४।५०	- २५।१२
अहमदनगर	१९। ५	४। ९	७४।४४	- ९।५०	- ३१। ४	कोटा	२५।१०	५।३८	७५।५२	+ १।३०	- २६।३२	झरिया	२३।४५	५।१७	८६।२४	+ १०६।५०	+ १५।३६
अलवर	२७।३४	६।१६	७६।३८	+ ९।१०	- २३।२८	कोटकपुरा	३०।३७	७। ६	७४।५०	- ८।५०	- ३०।४०	झुंझूनू	२८। ८	६।२५	७५।२४	- ३।१०	- २८।२४
आगरा	२७।१०	६।१०	७८। २	+ २३।१०	- १७।५२	खरीयार रोड	२०।५४	४।३५	८२।३०	+ ६७।५०	०। ०	ट्रावनकोर	९। ०	९।५४	७७। ०	+ १२।५०	- २२। ०
आजमगढ़	२६। ४	५।५२	८३।१२	+ ७४।५०	+ २।४८	गया	२४।४९	५।३३	८५। ९	+ ९३। ०	+ १०। ४	टोंक	२६।११	५।५४	७५।५०	+ १।१०	- २६।४०
आबू	२४।४०	५।३९	७२।४५	- २९।४०	- ३९। ०	गंगानगर	२९।५९	६।५५	७३।५०	- १८।५०	- ३४।४०	तंजोर	१०।४७	२।१७	७९। ८	+ ३४।१०	- १३।२८
आंकोला	२०।४३	४।३२	७७। ०	+ ९२।५०	- २२। ०	गणदेवी	२०।४९	४।३४	७३। ०	- २७।१०	- ३८। ०	तेजपुर	२६।३८	६। ९	९२।५२	+ १७९।३०	+ ४९।२८
इटावा	२६।४७	६। ३	७९। २	+ ३३।१०	- ९३।५२	गढवाल	३०।१५	७। ०	७९।३०	+ ३७।५०	- १२। ०	त्रिवेन्द्रम	८।३०	९।४८	७६।५७	+ १२।२०	- २२।१२
इम्फाल	२४।४४	५।३२	९३।५८	+ १८२।३०	+ ४५।५२	गिलगिट	३५।२५	८।३२	७४।२२	- ९३।३०	- ३२।३२	त्रिपती	९३। ०	२।४६	७८।३६	+ २८।५०	- १५।३६
इन्दौर	२२।४४	५। २	७५।५०	+ ९।१०	- २६।४०	ग्वालियर	२६।१४	५।५५	७८।१०	+ २४।३०	- १७।२०	डिबरुगढ	२७।२९	६।१५	९४।५६	+ १९२।१०	+ ४९।४४
इटारसी	२२।३७	५। ०	७७।४६	+ २०।३०	- १८।५६	गोरखपुर	२६।४५	६। ३	८३।२४	+ ७६।५०	+ ३।३६	दरभंगा	२६।१०	५।५४	८५।५७	+ १०२।२०	+ ९३।४८
इलाहाबाद	२५।२८	५।४३	८१।५४	+ ६१।५०	- २।२४	गोवा	१५।२५	३।१९	७३।४७	- १९।२०	- ३४।५२	दिल्ली	२८।३८	६।३३	७७।१२	+ १४।५०	- २१।१२
उज्जैन	२३। ९	५। ८	७५।४३	०। ०	- २७। ८	गोहाटी	२६।११	५।५४	९१।४७	+ १६०।४०	+ ३७। ८	धावलपुर	२६।४२	६। २	७७।५४	+ २१।५०	- १८।२४
उदयपुर	२४।३५	५।२९	७३।४२	- २०।१०	- ३५।१२	गोलाघाट	२६।३०	५।५९	९४। ०	+ १८२।५०	+ ४६। ०	नागपुर	२१। ९	४।३९	७९। ६	+ ३३।५०	- १३।३६
उटकमंड	११।१७	२।२४	७६।४४	+ १०।१०	- २३। ४	चंडीगढ़	३०।४०	७। ७	७६।५२	+ ११।३०	- २२।३२	नागोर	२७।११	६।१०	७३।४२	- २०।१०	- ३५।१२
एलिचपुर	२१।१८	४।४९	७७।३०	+ १७।५०	- २०। ०	चिडावा	२८।१३	६।२६	७५।३९	- ०।४०	- २७।२४	नासिक	२०। ०	४।२२	७३।४७	- १९।२०	- ३४।५२
औरंगाबाद	१९।५३	४।२०	७५।१९	- ४। ०	- २८।४४	चूरु	२८।१७	६।२७	७४।५८	- ७।३०	- ३०। ८	नैनीताल	२९।२५	६।४६	७९।२७	+ ३७।२०	- १२।१२
ओकारेश्वर	२१।१३	४।४०	७६। ६	+ ३।५०	- २५।३६	चेरापूंजी	२५।१७	५।४०	९९।४७	+ १६०।४०	+ ३७। ८	पटना	२५।३७	५।४५	८५।१३	+ ९५। ०	+ १०।५२
कटक	२०।२८	४।२९	८५।५४	+ १०१।५०	+ १३।३६	छपरा	२५।४७	५।४८	८४।४७	+ ९०।४०	+ ९। ८	पठानकोट	३२।१५	७।३४	७५।४२	- ०।१०	- २७।१२
कटिहार	२५।३०	५।४३	८७।४०	+ १९९।३०	+ २०।४०	जलपाईगुड़ी	२६।३२	६। ०	८८।४६	+ १३०।३०	+ २५। ४	प्रयाग	२५।२४	५।४२	८१।५३	+ ६१।४०	- २।२८
कोलकाता	२२।३४	४।५९	८८।२८	+ १२७।३०	+ २३।५२	जम्बू	३२।४४	७।४३	७४।५४	- ८।१०	- ३०।२४	पूना	१८।३०	४। १	७३।५२	- १८।३०	- ३४।३२
करौली	२६।३०	५।५९	७७। ४	+ १३।३०	- २१।४४	जगदीशपुरी	९९।४८	४।१९	८५।५०	+ १०१।१०	+ १३।२०	बड़ौदा	२२।१६	४।५५	७३।१६	- २४।३०	- ३६।५६
कल्याण	१९।१४	४।११	७३। ८	- २५।५०	- ३७।२८	जबलपुर	२३।१०	५। ८	७९।५८	+ ४२।३०	- १०। ८	बम्बई	१८।५८	४। ७	७२।४८	- २९।१०	- ३८।४८
काठमाण्डू	२६।४२	६। २	८५।१२	+ ९४।५०	+ १०।४८	जलगांव	२१। १	४।३७	७५।३४	- १।३०	- २७।४४	बागलकोट	१६।१२	३।२९	७५।४२	- ०।१०	- २७।१२
काशी	२५।१९	५।४१	८३। ०	+ ७२।५०	+ २। ०	जयपुर	२६।५६	६। ६	७५।५०	+ ९।१०	- २६।४०	बीकानेर	२८। १	६।२३	७३।१८	- २४।१०	- ३६।४८

CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

+ = पूर्व देशान्तर सारिणी – = पश्चिम

नाम नगर	अक्षांश उत्तर	पलभा अं. व्यं.	ग्रीन्वीच पू.रेखांश	उज्जै.रेखा. पल-विपल	रेल्वेअन्तर मि. से.
बूँदी	२५।२७	५।४३	७५।३८	- ०।५०	- २७।२८
बंगलोर	१२।५८	२।४६	७७।३५	+ १८।४०	- १९।४०
भिवानी	२८।४६	६।३५	७६।१८	+ ५।५०	- २४।४८
भरतपुर	२७।१५	६।११	७७।३०	+ १७।५०	- २०। ०
भागलपुर	२५।१५	५।४०	८७। ०	+ ११२।५०	+ १८। ०
भोपाल	२३।१६	५।१०	७७।३६	+ १८।५०	- १९।३६
मछलीपट्टम	१६। ९	३।२८	८१।१२	+ ५४।५०	- ५।१२
मणिपुर	२४।५०	५।३३	९३।५८	+ १८२।३०	+ ४५।५२
मथुरा	२७।२८	६।१४	७७।४२	+ १९।५०	- १९।१२
चित्रई	१३। ६	२।४८	८०।१५	+ ४५।२०	- ९। ०
मुँगेर	२५।२३	५।४२	८७।३०	+ ११७।५०	+ २०। ०
रत्नागिरी	१७। ८	३।४२	७३।१९	- २४। ०	- ३६।४४
रतनगढ	२८। ५	६।२४	७४।३९	- १०।४०	- ३१।२४
रामगढ शे.	२८। ०	६।२३	७४।५९	- ७।२०	- ३०। ४
रामेश्वरम्	९।१७	१।५८	७९।१८	+ ३५।५०	- १२।४८
रायपुर	२१।१५	४।४०	८१।४१	+ ५९।४०	- ३।१६
लस्सनऊ	२६।५५	६। ६	८०।५४	+ ५१।५०	- ६।२४
लहास्त	३४। ०	८। ६	७८।४२	+ २९।५०	- १५।१२
सदियाकुं.घाट	२७।४६	६।१९	९५।५०	+ २०१।१०	+ ५३।२०
सागर	२३।५०	५।१८	७७।१३	+ १५। ०	- २१। ८
सूरत	२१।११	४।३९	७२।५०	- २८।५०	- ३८।४०
शिमला	३१। ६	७।१४	७७।१०	+ १४।३०	- २१।२०
सिलचर	२४।५०	५।३३	९२।५१	+ १७१।२०	+ ४१।२४
शिलोंग	२५।३४	५।४४	९१।५६	+ १६२।१०	+ ३७।४४
सीकर	२७।३७	६।१७	७५। ९	- ५।४०	- २९।२४
हरद्वार	२९।५८	६।५५	७८।१३	+ २५। ०	- १७। ८
हिसार	२९।१०	६।४२	७५।४६	+ ०।३०	- २६।५६
हरिहर क्षेत्र	१४।३१	३। ६	७५।५०	+ १।१०	- २६।४०
द.हैदराबाद	१७।२०	३।४५	७८।३०	+ २७।५०	- १६। ०
सि.हैदराबाद	२५।२५	५।४२	६८।३८	- ७०।५०	- ५५।२८
होसपेट	१५।१०	३।१५	७६।२४	+ ६।५०	- २४।२४
होशियारपुर	३१।३२	७।२२	७५।५५	+ २। ०	- २६।२०

विदेशी नगरों के अक्षांशादि

नाम नगर	अक्षांश	पलभा अं. व्यं.	रेखांश	दिल्ली से घं. मि. से.
रंगून (ब्रह्मा)	१६।४५	३।३७	९६।१३	+ १।१६। ४
सिंगापुर (मलाया)	१।१७	०।१६	१०३।५१	+ १।४६।३६
ल्हासा (तिब्बत)	२९।४०	६।५०	९१। ५	+ ०।५५।३२
ढाका (बं.दे.)	२३।४३	५।१६	९०।२६	+ ०।५२।५६
टोकियो (जपान)	३५।४०	८।३७	१३९।४५	+ ४।१०।१२
पेकिंग (चीन)	३९।४५	९।५९	११६।२४	+ २।३६।४८
हवाना (क्यूबा)	२३। ८	५। ८	- ८२।२२	-१०।३८।१६
कोलंबो (लंका)	६।५६	१।२८	७९।५६	+ ०।१०।५६
विक्टोरिया(आस्ट्रे)	- ३८। ०	- ९।२३	१४५। ०	+ ४।३१।१२
जकार्ता (जावा)	- ६।१२	- १।१८	१०६।५०	+ १।५८।३२
काबुल (अफगा.)	३४।३०	८।१५	६९।१८	- ०।३१।३६
कोबिजा(चिली)	- २२।३४	- ४।५९	- ७०।२६	- ९।५०।३२
बगदाद(ईराक)	३३।२०	७।५४	४४।२७	- २।१९। ०
मक्का (अरब)	२१।२५	४।४२	३९।५४	- २।२९।१२
काहिरा (मिश्र)	३०। ०	६।५६	३१।१५	- ३। ३।४८
जेनेवा(स्विटज.)	४६।१३	१२।३१	६। ७	- ४।४४।२०
न्यूयार्क (अमे.)	४०।४३	१०।२०	- ७४। ०	-१०। ४।४८
वाशिंगटन (अमे.)	३८।५५	९।४१	- ७७। ४	-१०।१७। ४
बर्लिन (पू.जर्मनी)	५२।३२	१५।३९	१३।२५	- ४।१५। ८
बुडापेस्ट(हंगरी)	४७।२९	१३। ५	१९। ३	- ३।५२।३६
लंदन (इंगलैण्ड)	५१।३०	१५। ५	- ८३। ०	- ५। ९। ८
ग्रीन्वीच	५१।३०	१५। ५	०। ०	- ५। ८।४८
करांची (पाक.)	२४।५१	५।३३	६७। ४	- ०।४०।३२
पेरिस (फ्रांस)	४८।५०	१३।४३	२।२०	- ४।५९।२८
मास्को (रुस)	५।४५	१।१३	३७।३७	- २।३८।२०
रोम (इटली)	४१।५५	१०।४६	१२।२८	- ४।१८।५६
अदन (अरब)	१२।४५	२।४३	४५। ४	- २। ८।३२
अंकारा (टर्की)	३९।५७	१०। ३	३२।५४	- २।५७।१२
तेहरान (ईरान)	३५।४१	८।३७	५१।२५	- १।४३। ८
कोडन्क (सूडान)	९।५२	२। ५	३२। ७	- ३। ०।२०
मोम्बासा(कन्या)	- ४। ०	- ०।५०	३९।४०	- २।३०। ८
लीमा (पेरु)	- १२। २	- २।३३	- ७७। २	-१०।१६।५६

अथ अश्विन्यादिनक्षत्राणां चरणगतकष्टार्थे दानम्। कष्टावलीयंत्रम्।

अश्वि.	१	१०	७	७	मोती
भरणी	५	७	१५	५	अन्न
कृत्ति.	१५	०	१५	५	घृत
रोहि.	१७	१८	२६	२०	मधु
मृग.	१५	१७	२१	८	कालो
आर्द्रा	०	२	७	२	दुग्ध
पुनर्वसु	७	१२	२०	८	पीत
पुष्य	७	११	१०	०	रातो
आश्ले.	७	०	०	०	रुपो
मघा	२१	१५	१७	७	गाय
पूर्वा	१५	५	९	९	गेहूँ
उत्तरा	७	१४	८	८	तैल
हस्त	१७	८	२०	२०	श्वेत
चित्रा	११	२१	२	१	सूत्र
स्वाती	११	२१	२	२३	घृत
विशास्त्रा	१५	१४	१	५	गुड
अनुराधा	१०	११	१२	१५	गेहूँ
ज्येष्ठा	१	५	११	१८	रातो
मूल	१६	१५	१८	८	मीठो
पू.षा.	०	९	०	३०	अन्न
उ.षा.	७	११	१०	०	रातो
अभि.	७	८	५	१५	मूंगो
श्रवण	११	१८	१७	९	मुद्र
धनि.	१०	११	१५	७	तैल
शतभि.	१६	२	२०	९	दूध
पू.भा.	०	७	८	७	अन्न
उ.भा.	७	११	१०	०	कालो
रेवती	९	४७	०	०	हेम

प्रश्नशिरोमणि – हिन्दी टीका सहित। संपूर्ण द्वादश भावों का प्रश्न और उन्हींका फल, लाभप्रश्न, सन्तानप्रश्न, स्त्रीप्राप्तिप्रश्न, यात्राप्रश्न, द्रव्यप्राप्तिप्रश्न आदि लिखे हैं।

सूर्यसिद्धान्त – संस्कृत गूढार्थदीपिका टीका और हिन्दी टीका सहित। इसमें काल-विभाग, ग्रहगति के कारणादि, पूर्वपश्चिमादि-रेखा निर्णय, स्पष्ट चन्द्र-सूर्यादि छायाज्ञान, चन्द्रलम्बन, सूर्यग्रहण परिलेख, ग्रहदर्शन, नक्षत्रस्थान, उदयास्त-कालनिर्णय, चन्द्रोदया-पाताधिकार, अध्यात्म-विद्या, गोलयंत्रादि तथा कालनिर्णयादि विषय हैं।

*****

ज्योतिषकल्पद्रुम – (हिन्दी में)

श्रीमहाराज शंभुसिंहजी सुठालियाधीश कृत। इसमें पृच्छक का विचार, चोरी, रोग उत्पत्ति, भोजन, मृत्यु, स्वप्न, विवाह, शकुन और यात्रा तथा वृष्टि इत्यादि मनुष्योपयोगी प्रकरण तथा प्रकाशक नवग्रहों के अतिरिक्त अप्रकाशक ग्रहों का भी विचार है।

CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

२०८९ दिनमान एवं स्टैण्डर्ड सूर्योदयास्त जानने की सुगम विधि

भारत के किसी भी गांव या शहर का दिनमान निकालना हो उस नगर के अक्षांश पंचांग से प्राप्त करें यदि पंचांग मे न हों तो भारत के नक्शे (अटलस) से प्राप्त करें। पंचांग में दैनिक रविक्रांति की सारणी अलग पृष्ठ पर दी हुई है। उस सारणी से जिस दिन का दिनमान निकालना हो उस दिन की रविक्रांति और अक्षांश की सहायता से चरपल संस्कार सारणी से चरपल लेवें और चरपलों को दुगुना (२ से गुणा) करें यदि ६० पलों से चरपल अधिक हो तो ६० का भाग देकर घटी/पल बना लें। रविक्रांति यदि + (उत्तर) हो तो मध्यम घटी ३०।०० में चरपल जोड दें और रविक्रांति – (दक्षिण) हो तो मध्यम घटी ३०।०० में घटा देने से अभीष्ट गांव या शहर का सूक्ष्मासन्न घट्यात्मक दिनमान प्राप्त आयेगा।

अभीष्ट दिन के दिनमान में पांच का भाग देने से घंटा-मिनटात्मक देशी (सूर्यघटी) सूर्यास्त बनता है। सूर्यास्त को घंटा १२।०० में घटाने से देशी सूर्योदय बनता है। इन देशी सूर्योदयास्त में जिस नगर का हो उसका रैल्वेऽन्तर मिनट संस्कार करने से मध्यम स्थानिक सूर्योदयास्त होते हैं और वेलान्तर संस्कार करने से अभीष्ट दिन के स्पष्ट स्टैण्डर्ड सूर्योदयास्त होते हैं। (रेल्वऽन्तर और वेलान्तर सारणी इसी पंचांग में अलग पृष्ठ पर है ध्यान रहे कि स्थानिक देशी समय से स्टैण्डर्ड (रेल्वे) समय बनाना हो तो रेल्वेऽन्तर संस्कार के चिन्ह ऋण (–) और धन (+) को विलोम व्यस्त चिन्ह करके संस्कार करें। यथा - पंचांग में + (धन) चिन्ह दिया है तो विलोम (व्यस्त) ऋण (–) संस्कार करे और ऋण (–) चिन्ह दिया हो तो धन (+) संस्कार करें। वेलान्तर समय के चिन्ह जैसे पंचांग में दिये हैं वे चिन्ह यथावत् रहेंगे। लेकिन स्टैण्डर्ड समय से स्थानिक समय बनाना हो तो उपरोक्त क्रिया से विपरीत चिन्ह होते हैं यानि कि रेल्वेऽन्तर के निशान ज्यों के त्यों करें लेकिन वेलान्तर संस्कार के निशान जैसे पंचांग में हैं उससे विपरीत करें। इस तरह भारत के किसी भी नगर का दिनमान एवं स्टैण्डर्ड (रेल्वे) सूर्योदयास्त ज्ञात किये जा सकते हैं।

दिनमान = ३० + (चरपल X २)

स्टैण्डर्ड सूर्यास्त = दिनमान ÷ ५ + (वेलान्तर + रेल्वेऽन्तर)

स्टैण्डर्ड सूर्योदय = १२ – (दिनमान ÷ ५) + (वेलान्तर + रेल्वेऽन्तर)

उदाहरण - संवत् २०६९, तारीख १ मई २००४ को अहमदाबाद (गुज.) अक्षांशाः २३°२०' उ., रेखांशाः ७२° ३०' पू. का स्पष्ट दिनमान एवं स्टैण्डर्ड सूर्योदय/सूर्यास्त गणित द्वारा ज्ञात करना है। १ मई २००४ को पञ्चाङ्गस्थ रवि क्रान्ति अंश-कलादि (धन) +१५।०८ है यहाँ अक्षांश और रवि क्रान्ति की सहायता से चरपल संस्कार सारणी से ६७ पल प्राप्त हुई. इनको २ से गुणा किया (१३४ = ६७ X २) पल ६० से ज्यादा है अतः ६० का भाग दिया तो घट्यादि + २।१४ हुआ यहाँ रवि क्रान्ति उत्तर है अतः घटी ३० में जोड दिया (३०।० + २।१४) तो घट्यात्मक ३२।१४ दिनमान हुआ। इसमें ५ का भाग दिया लब्धि घंटादि ६ घंटा २६ मिनट ४८ से. देशी सूर्यास्त टाइम हुई इसको १२ में से घटा दिया तो ५ घंटा ३३ मिनट १२ से. देशी सूर्योदय समय हो गया इसमें रेल्वेऽन्तर संस्कार के लिए - अहमदाबाद (गुज.) का रेखांश ८२।३० से कम है अतः ((८२।३० - ७२।३०) X ४) रेल्वे मध्यान्तर मिनट (ऋण) -४० सेकण्ड ०० को व्यस्तचिन्ह (ऋण हो तो धन और धन हो तो ऋण) करके सूर्योदय/सूर्यास्त में जोड दिया तो ६।१३।१२ सूर्योदय और ७।०६।४८ सूर्यास्त अहमदाबाद (गुज.) का मध्यम मान से हुआ। इसमें तारीख १ मई २००४ को वेलान्तर मिनट - २ सेकण्ड ५३ को धनर्ण करने से स्टैण्डर्ड (रेल्वे) ६।१०।१९ सूर्योदय और ७।०३।५५ सूर्यास्त (अर्धादिक रुप से सूर्योदय ६ बजकर १० मिनट और सूर्यास्त ७ बजकर ०४ मिनट) समय स्पष्ट हो गया। इसी प्रकार भारत के किसी भी गांव या शहर का दिनमान एवं स्टैं. सूर्योदयास्त ज्ञात कर सकते हैं।

अभिजित् मुहूर्त्त ज्ञानायः - **"अष्टमे दिवसस्यार्द्धे त्वभिजित् संज्ञकः क्षणः"** उपनयनादि मुहूर्त्तों में लग्न के स्थान पर **'अभिजिति'** लिखा रहता है इसका स्टैं. समय ज्ञात करने के लिए क्रिया - जिस अभीष्ट शहर का स्टैं. समय निकालना हो उस नगर के दिनमान घंटा-मिनटात्मक (यदि घटी-पल में दिनमान है तो २।। ढाई का भाग देकर घंटा मिनट बना लें) को आधा करके स्टैं. सूर्योदय में + (जोड़) दें यह स्थानिक स्पष्ट मध्यान्ह काल हो गया इस मध्यान्ह काल के २४ मिनट पहले और २४ मिनट बाद (यानि ४८ मि.) का अभीष्ट शहर का स्पष्ट अभिजित् (स्टैं.) समय होता है।

उदाहरण - अहमदाबाद (गुज.) में १ मई २००४ शनिवार को अभिजित् मुहूर्त्त का (स्टैं.)समय निकालना है। उक्त तारीख को गणितागत घट्यात्मक दिनमान ३२।१४ है २।। ढाई का भाग देकर घंटा-मि. बनाया। १२ घं. ५४ मि. का आधा ६ घं. २७ मि.०० से. को स्टैं. सूर्योदय ६ बजकर १० मिनट में जोड़ दिया यह स्टैं. १२ घं. ३७ मि.०० से. मध्यान्ह काल आ गया इसमें २४ मिनट पहले १२।३७।०० - ०।२४ = १२।१३।०० और २४ मिनट बाद तक १२।३७।०० + ०।२४ = १३।०१।०० (यानि कि मध्यान्ह काल के २४ मि. पहले और २४ मि. बाद तक का समय) अहमदाबाद (गुज.) में अभिजित् मुहूर्त्त का स्टैं. समय दिन के १२।१३।०० बजे से दिन के १३ बजकर ०१ मिनट०० से. तक का है। इस प्रकार भारत के किसी भी गांव अथवा शहर का अभिजित् मुहूर्त्त का समय निकाल सकते है। यह ध्यान रहे कि बुधवार के दिन अभिजित् मुहूर्त्त सर्वथा त्याज्य है। यथा - "अभिजिन्न बुधे शस्तं याम्यां तु गमने तथा" ॥

घटी, पल, विपल से घंटा मिनट सैकण्ड परिणत क्रिया - २ विपल ३० प्र. विपल (ढाई विपल) की १ सेकण्ड होती है। १ पल में २४ सेकण्ड होती है। २ पल ३० विपल (ढाई पल) में १ मिनट होती है। १ घटी में २४ मिनट होती है। २ घटी में ४८ मिनट, २ घटी ३० पल (ढाई घटी) में १ घंटा होता है और ६० घटी के २४ घंटे होते है। सब इसी तरह से जानना चाहिए। स्पष्टता के लिए घटी पल से घंटा मिनट का नीचे लिखा चक्र देखें।

घ. प. घं. मि.	घ. प. घं. मि.	घ. प. घं. मि.	घ. प. घं. मि.	घ. प. घं. मि.	घ. प. घं. मि.
१ ०।२४	८ ३।१२	१६ ६।२४	२३ ९।१२	३१ १२।२४	३८ १५।१२
२ ०।४८	९ ३।३६	१७ ६।४८	२४ ९।३६	३२ १२।४८	३९ १५।३६
२।३० १।००	१० ४।००	१७।३० ७।००	२५ १०।००	३२।३० १३।००	४० १६।००
३ १।१२	११ ४।२४	१८ ७।१२	२६ १०।२४	३३ १३।१२	४१ १६।२४
४ १।३६	१२ ४।४८	१९ ७।३६	२७ १०।४८	३४ १३।३६	४२ १६।४८
५ २।००	१२।३० ५।००	२० ८।००	२७।३० ११।००	३५ १४।००	४२।३० १७।००
६ २।२४	१३ ५।१२	२१ ८।२४	२८ ११।१२	३६ १४।२४	४३ १७।१२
७ २।४८	१४ ५।३६	२२ ८।४८	२९ ११।३६	३७ १४।४८	४४ १७।३६
७।३० ३।००	१५ ६।००	२२।३० ९।००	३० १२।००	३७।३० १५।००	४५ १८।००

CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

॥ चरपल संस्कार सारणी ॥ उपकरण = क्रांत्यंशाः उत्तरअक्षांशाश्च (क्रांतिवद्धनर्णम्)

अक्षांशाः ←——— | ———→ अक्षांशाः

क्रांत्यंशाः ↑ | ↓

	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	३०	३१	३२	३३	३४	३५	३६
०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
१	१	२	२	२	२	२	२	३	३	३	३	३	४	४	४	४	४	५	५	५	५	६	६	६	६	६	७	७	७
२	३	३	४	४	४	५	५	५	६	६	७	७	७	८	८	८	९	९	१०	१०	११	११	१२	१२	१३	१३	१३	१४	१५
३	४	५	५	६	६	७	७	८	९	९	१०	१०	११	१२	१२	१३	१३	१४	१५	१५	१६	१७	१७	१८	१९	२०	२०	२१	२२
४	६	६	७	८	९	९	१०	११	११	१२	१३	१४	१५	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९
५	७	८	९	१०	११	१२	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२६	२७	२८	२९	३०	३१	३३	३४	३५	३६
६	८	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	२०	२१	२२	२३	२४	२६	२७	२८	२९	३१	३२	३३	३५	३६	३८	३९	४१	४२	४४
७	१०	११	१२	१४	१५	१६	१८	१९	२०	२२	२३	२४	२६	२७	२८	३०	३१	३३	३४	३६	३७	३९	४१	४२	४४	४६	४८	४९	५१
८	११	१३	१४	१६	१७	१९	२०	२२	२३	२५	२६	२८	२९	३१	३३	३४	३६	३८	३९	४१	४३	४५	४७	४८	५०	५२	५४	५६	५९
९	१३	१४	१६	१८	१९	२१	२३	२४	२६	२८	२९	३१	३३	३५	३७	३९	४०	४२	४४	४६	४८	५०	५२	५५	५७	५९	६१	६४	६६
१०	१४	१६	१८	२०	२१	२३	२५	२७	२९	३१	३३	३५	३७	३९	४१	४३	४५	४७	४९	५२	५४	५६	५८	६१	६३	६६	६८	७१	७४
११	१६	१८	२०	२२	२४	२६	२८	३०	३२	३४	३६	३८	४१	४३	४५	४७	५०	५२	५४	५७	५९	६२	६४	६७	७०	७३	७५	७८	८१
१२	१७	१९	२१	२४	२६	२८	३०	३३	३५	३७	४०	४२	४४	४७	४९	५२	५४	५७	६०	६२	६५	६८	७०	७३	७६	७९	८२	८६	८९
१३	१९	२१	२३	२६	२८	३१	३३	३५	३८	४०	४३	४६	४८	५१	५४	५६	५९	६२	६५	६८	७१	७४	७७	८०	८३	८६	९०	९३	९७
१४	२०	२३	२५	२८	३०	३३	३६	३८	४१	४४	४६	४९	५२	५५	५८	६१	६४	६७	७०	७३	७६	७९	८३	८६	९०	९३	९७	१०१	१०४
१५	२२	२४	२७	३०	३३	३५	३८	४१	४४	४७	५०	५३	५६	५९	६२	६५	६९	७२	७५	७८	८२	८५	८९	९३	९६	१००	१०४	१०८	११२
१६	२३	२६	२९	३२	३५	३८	४१	४४	४७	५०	५३	५७	६०	६३	६७	७०	७३	७७	८०	८४	८८	९१	९५	९९	१०३	१०७	११२	११६	१२०
१७	२५	२८	३१	३४	३७	४०	४४	४७	५०	५४	५७	६०	६४	६७	७१	७५	७८	८२	८६	९०	९४	९८	१०२	१०६	११०	११५	११९	१२४	१२८
१८	२६	२९	३३	३६	४०	४३	४६	५०	५३	५७	६१	६४	६८	७२	७५	७९	८३	८७	९१	९५	९९	१०४	१०८	११३	११७	१२२	१२७	१३२	१३७
१९	२८	३१	३५	३८	४२	४६	४९	५३	५७	६०	६४	६८	७२	७६	८०	८४	८८	९२	९७	१०१	१०५	११०	११५	११९	१२४	१२९	१३४	१४०	१४५
२०	२९	३३	३७	४१	४४	४८	५२	५६	६०	६४	६८	७२	७६	८०	८५	८९	९३	९८	१०२	१०७	११२	११६	१२१	१२६	१३१	१३७	१४२	१४८	१५३
२१	३१	३५	३९	४३	४७	५१	५५	५९	६३	६७	७२	७६	८०	८५	८९	९४	९९	१०३	१०८	११३	११८	१२३	१२८	१३३	१३९	१४४	१५०	१५६	१६२
२२	३३	३७	४१	४५	४९	५४	५८	६२	६७	७१	७५	८०	८५	८९	९४	९९	१०४	१०९	११४	११९	१२५	१३०	१३६	१४२	१४८	१५४	१६०	१६६	१७३	१८०
२३	३४	३९	४३	४७	५२	५६	६१	६५	७०	७५	७९	८४	८९	९४	९९	१०४	१०९	११४	१२०	१२५	१३१	१३७	१४३	१४९	१५५	१६२	१६८	१७५	१८२	१८९
२४	३६	४०	४५	५०	५४	५९	६४	६९	७३	७८	८३	८८	९३	९८	१०३	१०९	११४	१२०	१२६	१३१	१३७	१४४	१५०	१५६	१६३	१६९	१७६	१८३	१९१	१९८
२५	३८	४२	४७	५२	५७	६२	६७	७२	७७	८२	८७	९२	९८	१०३	१०८	११४	११९	१२५	१३१	१३८	१४४	१५०	१५७	१६४	१७०	१७७	१८५	१९२	२००	२०८
२६	३९	४४	४९	५४	६०	६५	७०	७५	८०	८६	९१	९७	१०२	१०८	११४	११९	१२५	१३१	१३७	१४४	१५०	१५७	१६४	१७१	१७८	१८६	१९३	२०१	२०९	२१७
२७	४१	४६	५२	५७	६२	६८	७३	७८	८४	९०	९५	१०१	१०७	११३	११९	१२५	१३१	१३७	१४४	१५०	१५७	१६४	१७१	१७९	१८६	१९४	२०२	२१०	२१९	२२७
२८	४३	४८	५४	५९	६५	७१	७६	८२	८८	९४	९९	१०५	११२	११८	१२४	१३०	१३७	१४३	१५०	१५७	१६४	१७१	१७९	१८७	१९५	२०३	२११	२२०	२२८	२३७
२९	४५	५०	५६	६२	६८	७४	७९	८५	९१	९८	१०४	११०	११६	१२३	१२९	१३६	१४३	१५०	१५७	१६४	१७१	१७९	१८७	१९५	२०३	२११	२२०	२२९	२३८	२४८
३०	४७	५२	५८	६४	७०	७७	८३	८९	९५	१०२	१०८	११५	१२१	१२८	१३५	१४२	१४९	१५६	१६४	१७१	१७९	१८७	१९५	२०३	२११	२२०	२२९	२३८	२४८

नोट : दिनमान बनाने के लिए- चरपलों को २ से गुणा करके, रविक्रांति यदि + (उत्तर) हो तो चरपला का संस्कार + (धन) करें और रविक्रांति यदि - (दक्षिण) हो तो चरपलों का संस्कार - ऋण करें।

CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

मेलापक सारिणी

ऊर्ध्वस्थितर्क्षाणि हि भानि पुंसां वामस्थितर्क्षाणि तथा वधूनाम्, संपात कोष्ठे शुभयोर्गुणैक्यं सर्व शुभं तत्स्मृतितोऽधिकंयत्।

कन्या	वर	मेष			वृष			मिथुन			कर्क			सिंह			कन्या			तुला			वृश्चिक			धनु			मकर			कुम्भ			मीन		
	नक्षत्र	अ. ४	भ. ४	कृ. १	कृ. ३	रो. ४	मृ. २	मृ. २	आ. ४	पु. ३	पु. १	पु. ४	श्ले. ४	म. ४	पू. ४	उ. १	उ. ३	ह. ४	चि. २	चि. २	स्वा. ४	वि. ३	वि १	ज्ञ. ४	ज्ये. ४	मू. ४	पू. ४	उ. १	उ. ३	श्र. ४	ध. २	ध. २	श. ४	पू. ३	पू. १	उ. ४	रे. ४
मेष	अ. ४	२८ ३	३३ ०	२७॥	१७॥ ४	२३॥ -४	२२॥ -४	२५॥	१६॥ ३	१७॥ ३	२२॥ ३	३०॥	२७	२०॥ +५	२४ +५	१४॥ ३५	९॥ ३६	१०॥ २३६	१२॥ ६	२२	२८ -२	२२	१८॥ -६	२४॥ -६	१३ ३६	१२॥ ३५	२४॥ +५	२३ +५	२५	२६	२०	१९॥	१४॥ ३	१५॥ ३	१४॥ ३४	२३॥ +४	२६ +४
	भ. ४	३३	२८ ३	२८ ०१	१८ ०४१	२६॥ -४	१४॥ ३४	१७॥ ३	२५॥	२५॥	३०॥	२२॥ ३	२४॥ १	१९ -१५	१७ ३५	२४ ५	१९ ६	१८॥ ६	३॥ १३६	१३ १३	२८	२१ -१	१८॥ -१६	१७॥ ३६	१९॥ -१६	१९॥ -१५	१७॥ ३५	२५॥ +५	२७॥	२६	१० १३२	९॥ १३२	१९॥ -१	२३ -२	२२॥ +२४	१६॥ ३४	२५॥ +४
	कृ. १	२६॥	२८ १	२८ ३	१८ ३४	१० ०१३४	१६॥ ४	१९॥	१९॥ १	१९॥	२४॥	२६॥	२२॥ ३	१५॥ ३५	१९ १५	२० १५	१५ १६	१४ ६	१७॥ ६	२७	१४ ३	१९ ३	१६॥ ३६	१९॥ ६	२५॥ -६	२५ +५	१९॥ १२५	११॥ ३१५	१३॥ १३	१३॥ २३	२५	२४॥	२५॥	१८॥ १	१७॥ १४	१९॥ १४	१०॥ ३४
वृष.	कृ. ३	१९ ४	१९ १४	१९ ३४	२८ ३	१८॥ १३०	२६॥	१७ +४	१७ १४	१७ +४	२१	२३	१९ ३	१९ ३	२१ १	२२ १	२० १५	१८ +५	२३ +५	२२ -६	९ ३६	१४ ३६	२१॥ ३	२४॥	३०॥	२२ ६	१५ १२६	७ १३६	१२ १३५	१०॥ ३५२	२४॥ +५	२९	३०	२३ १	२० १	२२ १	१३ ३
	रो. ४	२३॥ -४	२३॥ ४	११ ३४१	२० ३१	२८ ३	३६ ०	२६॥ ०४	२३ +४	२२ +४	२६	२७	१२ ३१	१०॥ ३१	२४॥	२७	२५॥ +५	२५॥ +५	१८॥ -१५	१७॥ -१६	१५ ३६	८ ३१६	१४॥ ३१	२९॥	२३॥ १	१३॥ १६	१९॥ ६	११ ३६२	१६ ३५२	१८ ३५	१९ -१५	२४॥ -१	२४ -१	२९	२६	२७	१९ ३
	मृ. २	२३॥ -४	१४॥ ३४	१८॥ -४	२७॥	३५	२८ ३	१८॥ ३४	२३॥ ०४	२२॥ +४	२६	१९ ३	२१	१९॥	१५॥ ३	२४॥	२३ +५	२५ +५	११॥ ३५	१०॥ ३६	२४॥ -६	१७ -६	२३॥	२१॥ ३	२४॥	१४॥ ६	१०॥ ३६	१६॥ २६	२१॥ +२५	२६ +५	१२ ३५	१७॥ ३	२६॥	२८	२५	१८ ३	२७
मिथुन	मृ. २	२६॥	१७॥ ३	२१॥	१९ +४	२६॥ +४	१९॥ ३४	२८ ३	३३ ०	३१॥	१८॥ -४	११॥ ३४	१३॥ ४	२२॥	१८॥ ३	२७॥	३१॥	३४	२० ३	१३ ३५	२७ +५	१९॥ ६	१३ ३६	१४ ६	२३	१९ ३	२५ +२	१९॥ -२६	२४ -६	१० ३६	१२ ३५	२१ +५	२२॥ +५	२४	१७ ३	२६
	आ. ४	१८॥ ३	२६॥	२१॥ १	१९ +१४	२४ +४	२५॥ +४	३४	२८ ३	२५ ३०	१२ ०३४	२०॥ -४	१२॥ १४	२१॥ १	२७॥	२०॥ ३	२४॥ ३	२४॥ ३	२७ १	२० -१५	२७ +५	२० +१५	१३॥ १६	१९ २६	५ १३६२	१५ १३	२८	२७	२१॥ -६	२२॥ -६	१७ -१६	१९ +१५	१२ १३५	१७ ३५	१८॥ ३	२६	२६
	पुन. ३	१८॥ ३	२५॥	२१॥	१९ +४	२२ +४	२३ +४	३१॥	२४ ३	२८ ३	१४ -३४	२१ ४०	१५॥ -४	२१॥ +२	२५॥ +२	१९॥ ३	२३॥ ३	२४॥ ३	२६॥	१९॥ +५	२७ +५	२१ +५	१४॥ ६	२०॥ ६	६ ३६	१४ ३	२७	२७	२१॥ -६	२२॥ -६	१६॥ -६	१८॥ +५	१३ ३५	१६ ३५	१७॥ ३	२६॥	२६
कर्क	पुन. १	२१॥ ३	२८॥	२४॥	२१	२४	२५	१७॥ ४	१० ३४	१३ ३४	२८ ३	३४ ०	२८॥	१६॥ २४	२०॥ २४	१४॥ ३४	१६॥ ३	१७॥ ३	१९॥	१९	२६॥	२०॥	१९ +५	२५ +५	१०॥ ३५	७॥ ३६	२०॥ -६	२०॥ -६	२६	२७	२१	१२ ६	५॥ ३६	९॥ ३६	१६ ३५	२५ +५	२४॥ +५
	पु. ४	२९॥	२०॥ ३	२६॥	२३	२५	१८ ३	१०॥ ३४	१८॥ ४	२४ ४	३४	२८ ३	२९ ०	१८॥ +४	१४॥ ३४	२३॥ +४	२५॥	२५॥	११॥ ३	११ ३	२५	२०॥	१९ -५	१७ ३५	२० -५	१७॥	१२॥ २३६	२०॥ ६	२६	२७ -२	१३ ३	४ ३६	१३ ६	१७॥ ६	२६ +५	१८ ३५	२६ +५
	श्ले. ४	२५	२३ १	२१॥ ३	१८ ३	११ ३१	१९	१९॥ ४	१९॥ १४	१३ ४	२७॥	२८	२८ ३	१५ ०३४	१५॥ १४२	१७॥ १४	१९॥ १	१९॥	२४॥	२४	११ ३	१६॥ ३	१४॥ ३५	१९ +५	२५ -५	२२॥ १६	१५॥ १६	७॥ ३१६	१३ १३	१३ ३	२६	१७ ६	१८ ६	११ १६	१७॥ १५	२० १५	१२ ३५
सिंह	म. ४	१९ +५	१९ १५	१५॥ ३५	१६॥ ३	९॥ ३१	१७॥	२०॥	२०॥ १	१९॥ -२	१६॥ +२४	१८॥ +४	१६ ३४२	२८ ३	३० ०१	२६॥ १	१४॥ १४	१४॥ +४	१९॥ ४	२३॥	१०॥ ३	१५॥ ३	२४॥ ३	२४॥	३२	२४ +५	१९ १५	८॥ १३५	३॥ ३१६	४॥ ३६	१७॥ ६	२३॥	२४॥	१७॥ १	१७॥ -१६	१८॥ १६	१२ ३६
	पू. ४	२५ +५	१७ ३५	१९ -१५	२० १	२३॥	१५॥ ३	१८॥ ३	२६॥	२५॥ -२	२२॥ +२४	१६॥ ३४	१६॥ १२४	३० -१	२८ ३	३४ ०	२४ ०४	२०॥ +४	५॥ १३४	९॥ १३	२४॥	१७॥ १	२३॥ -१	२२॥ ३	२४॥ -१	२० +१५	१७ ३५	२४ +५	१९ ६	१८॥ ६	५॥ १३६	९॥ १३	१८॥ १	२३॥	२३॥ -६	१६॥ ३६	२४॥ -६
	उ. १	१५॥ ३५	२५ +५	२० -१५	२१ १	२६	२४॥	२७॥	१९॥ ३	१७॥ ३	१४॥ ३४	२५॥ +४	१८॥ -१४	२६॥ -१	३४	२८ ३	१६ ३४	१५ ०३४	१२॥ १४२	१६॥ १२	२५॥	१६॥ १२	२२॥ -१२	३०॥	१६॥ १३	९॥ १३५	२५ +५	२५ +५	२० ६	२० ६	११॥ १६	१७॥ १	१०॥ १३	१५॥ ३	१५॥ ३६	२६॥ -६	२४॥ -६
कन्या	उ. ३	११ ३६	२१ ६	१६ १६	२०॥ +१५	२५॥ +५	२४ +५	३१॥	२१॥ ३	२३॥ ३	१७॥ ३	२७॥	२०॥ १	१५॥ १४	२३ +४	१७ ३४	२८ ३	२७ ३०	२४॥ +१२	१६॥ -१२४	२५॥ +४	१६॥ १२४	१८ १२	२६	१२ १३	१४ १३	२९॥	२९॥	२४ +५	२४ +५	१५॥ +१५	१६॥ -१६	९॥ ३१६	१४॥ ३६	१७ ३	२८	२६
	ह. ४	११ २३६	१८॥ ६	१६ ६	२०॥ +५	२३॥ +५	२४॥ +५	३२	१८॥ ३	२३॥ ३	१८॥ ३	२६॥	२१॥	१६ +४	२०॥ +४	१५ ३४	२६ ३	२८ ३	२८ ०	२० ०४	२६॥ +४	१८॥ +४	२०	२६	१३॥ ३	१५ ३	२७	२८॥ २१	२३ +५	२४ +५	१८ +५	१९ ६	१०॥ ३६२	१३॥ ३६	१६ ३	२६	२६
	चि. २	१२॥ ६	४॥ १३६	१८॥ ६	२३ +५	१८॥ १५	१०॥ ३५	१८ ३	२६ १	२४॥	१९॥	१९॥ ३	२५॥	२०॥ +४	६॥ १३४	१३॥ १२४	२४॥ १२	२७	२८ ३	१९ ३४	१९ ०४	२५॥ +४	२७	११ ३	२५	२७	१३ १३	१	१५॥ १५	१७ +५	१५ ३५	१६ ३६	२४ -६	१६॥ १६	१९ १	१० १३२	१९

यह मेलापक (वर्ण वश्य आदि) गुण की सारिणी है, ऊपर की पंक्ति में वर के नक्षत्र हैं और तिरछी पंक्ति में बांयी तरफ कन्या के नक्षत्र लिखे हैं। ऊपरी भाग में गुण हैं और नीचे के भाग में दोषों के चिन्ह दिये हैं, जिनकी पहिचान के चिन्ह इस प्रकार समझना चाहीये - एक नाड़ी दोष का चिह्न (३। गण महादोष (मनुष्य, राक्षस) में (१)। भकूट महादोष (षडष्टक) में (६)। नवपंचम में (५)। द्विर्द्वादश में (४)।

CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

मेलापक सारिणी

कन्या	वर	मेष			वृष			मिथुन			कर्क			सिंह			कन्या			तुला			वृश्चिक			धनु			मकर			कुम्भ			मीन		
	नक्षत्र	अ. ४	भ. ४	कृ. १	कृ. ३	रा. ४	मृ. २	म. २	आ. ४	पु. ३	पु. १	पु. ४	श्ले. ४	म. ४	पू. ४	उ. १	उ. ३	ह. ४	चि. २	चि. २	स्वा. ४	वि. ३	वि. १	ज्ये. ४	मू. ४	पू. ४	उ. १	उ. ३	श्र. ४	ध. २	ध. २	श. ४	पू. ३	पू. १	उ. ४	रे. ४
तुला	चि. २	२२	१४ ९३	२८	२३ +६	१८॥ १६	१०॥ ३६	१२ ३५	२० १५	१८॥ +५	१९	११ ३	२५	२४॥	१०॥ १३	१७॥ १२	१७॥ १२४	२० +४	२० ३४	२८ ३	२७ ०	३३॥	२२॥ ४	६॥ ३४	२०॥ ४	२७	१३ १३	२१ १	२३॥ ०१	२५	२३ ३	१८ ३५	२६ +५	१८॥ १५	१२ १६	३ ९३६२	१२ ६
	स्वा. ४	२९ +२	२८	१६ ३	११ ३६	१४ ३६	२४ -६	२६ +५	२६ +५	२७ +५	२७॥	२६	१३ ३	१२॥ ३	२४	२५॥	२५॥ +४	२७॥ +४	२१ +४	२८	२८ ३	२० ३०	९ ३४०	२१॥ ४	१६॥ ४	२३	२७	१९ ३	२१॥ ३	२२॥ ३	२६	२१ +५	२२ +५२	२५ +५	१८॥ ६	१९ ६	११ ३६
	वि. ३	२१	२२ १	२० ३	१५ ३६	९ ९३६	१७ -६	१८॥ +५	२० १५	२० +५	२०॥	२०॥	१७ ३	१६॥ ३	१८॥ १	१७॥ १२	१७॥ १४२	२६ +४	२६ +४	३३॥	१९ ३	२८ ३	१६ ३४	१६ ०४	२१॥ ४	२७	२१ १	१३ १३	१५॥ ३	१५॥ ३	२९॥	२४ +५	२६ +५	२० १५	१३॥ १६	१२॥ १६२	४ ३६
वृश्चिक	चि. १	१६॥ +६	१६॥ १६	१४॥ ३६	१९॥ ३	१३॥ १३	२१॥	११ ६	१२॥ ३६	१२॥ ६	१८ -५	१८ -५	१४॥ -५	२४॥ ३	२२॥ १	२१॥ १२	१७ १२	१८	२६	२१॥ ३	७ ३४	१५ ३४	२८ ३	२७ ०	३१॥	२१॥ +४	१५ ४१	७॥ १३४	११ १३	११ ३	२५	२४	२५॥	१९॥ १	१९ १५	१८ १५	९॥ ३२५
	अनु. ४	२३॥ -६	१४॥ ३६	१८॥ -६	२३॥	२७॥	२०॥ ३	१० ३६	१५ २६	१९॥ ६	२५ -५	१७ ३५	२० -५	२४॥	२०॥	२८॥	२४	२५	११ ३	६॥ ३४	२०॥ ४	१६ ४	२८	२८ ३	३१ ०	१५॥ +२४	१३॥ ३४	२१॥ +४	२५	२६	१२ ३	११ ३	२०	२४॥	२४ +५	१७ ३५	२६ +५
	ज्ये. ४	१० ३६	१७॥ १६	२३॥ -६	२८॥	२२॥ १	२९॥	१२ ६	२ ३९२	४ ६३	९॥ ५३	१९ -५	२५ -५	३१	२३॥ १	१५॥ १३	१७ १२	११ ३	२४	१९॥ ४	१४ ३	१९ ४	३१॥	३०	२८ ३	१४ ०२३४	१६॥ १४	१६॥ १४	२० १	२०	२५	२४	१७ ३	१० १३	९॥ १३५	२० १५	२० +५
धनु	मू. ४	११॥ ३५	१९ १५	२५ +५	१९॥ ६	१२॥ १६	१२॥ ६	२१	१४ १३	१२ ३	७॥ ३६	१७॥ ६	२३ ६	२४ +५	१८ १५	१९॥ १५३	१३ ३१	१३ ३	२६	२६	२१	२६	२२॥ +४	१६॥ +२४	१६ ३४२	२८ ३	२८ ०१	२५॥ १	१३॥ १४	१४॥ ४	१९॥ ४	२८॥	२१॥ ३	१४॥ १३	१६॥ १३	२४॥ १	३०॥
	पू. ४	२५॥ +५	१७॥ ३५	१९॥ +१२५	१४ १६२	१८॥ ६	१०॥ ३६	१९ ३	२६	२७	२२॥ ६	१४॥ २३६	१६॥ १६	१९ -१५	१७ ३५	२५ +५	२८॥	२७	१२ १३	१२ १३	२७	२० १	१६॥ -१४	१५॥ ३४	१७॥ -१४	२७ +१	२८ ३	३४ ०	२२ ०४	२२॥ ४	५॥ १३४	१४॥ १३	२३॥ १	२९॥	३०॥	२२॥ ३
	उ. १	२४ +५	२५॥ +५	११॥ १३५	६ १३६	१० २३६	१६॥ २६	२५ +२	२६	२७	२२॥ ६	२२॥ ६	८॥ १६३	८॥ १५३	२४ +५	२५ +५	२८॥	२८॥	२० १	२० १	१९ ३	१२ १३	८॥ १३४	२३॥ +४	१७॥ -१४	२५ -१	३५	२८ ३	१६ ३४	१५ ३४०	१३॥ १४	२२॥ १	२३॥ १	२८॥	२९॥	३०॥	२२॥ ३
मकर	उ. ३	२७	२८॥	१४॥ १३	१२ १३५	१६ २३५	२२॥ +२५	१९॥ +२६	२४॥ -६	२१॥ -६	२८	२८	१४ १३	४॥ १३६	२० ६	२१ ६	२४ +५	२४ १५	१५॥ १५	२२॥ -१	२१॥ ३	१४॥ १३	१२ ३१	२७	२१ १	१४॥ १४	२४ ४	१७ ३४	२८ ३	२७ ३०	२५॥ +१	१५॥ +१४	१६॥ +१४	२१॥ +४	२९॥	३०॥	२२॥ ३
	श्र. ४	२८	२७	१४॥ ३२	१२ ३५२	१७ ३५	२६ +५	२३ -६	१९॥ -६	२१॥ -६	२८	२८ +२	१४ ३	५॥ ३६	१८॥ ६	२० ६	२३ +५	२४ +५	१७ ५	२४	२१॥ ३	१४॥ ३	१२ ३	२७	२१ १	१४॥ ४	२२॥ ४	१५ ३४	२६ ३	२८ ३	२७ -०	१७ ०४	१७॥ +४	२०॥ +४	२८॥	१५ १३	२२॥ +२
	ध. २	२०	११ १३२	२६	२३॥ +५	१९ १५	११ ३५	८ ३६	१६ १६	१४॥ -६	२१	१३ ३	२७	१८॥ ६	४॥ १३६	१०॥ १६	११॥ १५	१७॥ १६	१९ +६	१७ ३६	१८ ३५	२० -५	२४॥ -५	२५	१९ ३	२५	२९॥ १३	१५॥ १३	२३॥ १	१६॥ १४	१८ +४	१८ ३४	२८ ३	३३ ०	२७॥ १	१६॥ १४	६॥ १३४	१३॥ ४२
कुम्भ	ध. २	१९॥	१०॥ १३२	२५॥	३०	२५॥ १	१७॥ ३	११ ३५	१८ १५	१७ +५	१२ ६	४ ३६	१८ ६	२४॥	१०॥ १३	१८॥ १६	१७॥ १६	१९ +६	१७ ३६	१८ ३५	२० -५	२४॥ -५	२५	१९ ३	२५	२९॥	१५॥ १३	२३॥ १	१६॥ १४	१८ +४	१८ ३४	२८ ३	३३ ०	२७॥ १	१६॥ १४	६॥ १३४	१३॥ ४२
	श. ४	१४॥ ३	२०॥ १	२६॥	३१	२५ १	२६॥	२० +५	१२ १३५	१२ ३५	६॥ ३६	१३ ६	१९ ६	२५॥	१९॥ १	११॥ १३	१०॥ १३६	१०॥ २३६	२५ ६	२६ +५	२१ +५	२६ +५	२६॥	२० ३	२०॥ १	२६॥	११ १३	१५ १३	२९॥	२९॥	२२॥ +४	२२॥ +४	१८॥ -१४	२७ -१	१९ १३	२८ ३	१६ ३४	२२ ०४	१९॥ ४२
	पू. ३	१७॥ ३	२४॥ +२	१९॥ -१	२४ -१	३०	३०	२३॥ +५	१७ ३५	१७ ३५	११॥ ३६	१९॥ ६	१२ १६	१८॥ १	२४॥	१६॥ ३	१५॥ ३६	१५॥ +३६	१७॥ १६	१८॥ -१५	२६ +५	२० -१५	२६॥	११ १३	१५ १३	२९॥	२९॥	२२॥ +४	२२॥ +४	१८॥ -१४	२७ -१	७ १३	१५ १३४	२८ ३४	३३ ३	३०॥ ०	+२
	पू. १	१४॥ ४	२१॥ +४२	१६॥ -१४	१९ १	२५	२५	२४	१७॥ ३	१७॥ ३	१७ ३५	२५ ५	१७॥ १५	१६॥ -१६	२२॥ +६	१४॥ ३६	१६ ३	१६ ३	१७ १६	११ १६	१८ ३५	२० -१५	२३॥ -१	२१॥ ३	२९॥	२९॥	२९॥	१४॥ १३	५॥ १३४	१४॥ १४	२१ ४	३३	२८ ३	३३ ०			
	उ. ४	२३॥ +४	१५॥ ३४	१८॥ -१४	२१ १	२६	१८ ३	१७ ३	२५	२६॥	२६॥ ५	२५ ३५	२० १५	१७॥ -१६	१५ ३६	२५॥ +६	२७	२७	९ ९३२	३ ९३६२	१९ ६	११॥ १६२	१८ १५२	१८ ३५	२० -१५	२३॥ -१	२१॥ ३	२६	२८॥	२०॥ ३	२३॥ ३	२१॥ ३	२२॥ -२	१३॥ ४२	१५॥ ४	१७॥ ४२	२९॥ +२	३३	२८ ३
	रे. ४	२५ +४	२३॥ +४	१०॥ ३४	१३ ३	१७ ३	२६	२५	२४	२५	२४॥ ५	२६ ५	१३ ३५	१२ ३६	२२॥ ६	२२॥ +६	२४	२४	१९	१२ ६	१० ३६	४ ३६	१०॥ ३५	२६ +५	२१ +५	२६	२८॥	२०॥ ३	२३॥ ३	२१॥ ३	२२॥ -२	४२	१५॥ ४	१७॥ ४२	२९॥ +२	३३	२८ ३

वैर योनि में (२)। और जहां थोड़ा दोष है वहां (-)। जहां दोष का पूरा निर्वाह है वहां (+) चिन्ह है। और जहां वर के नक्षत्र से पूर्व कन्या का नक्षत्र है इसका भी महादोष माना गया है वहां (०) शून्य का चिन्ह है और जहां कोई दोष नहीं मिलता वहां केवल गुण ही लिखे हुए हैं।

CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

अथ सम्मुखचन्द्रदिशाप्रति

मेषे च सिंहे धनु पूर्वभागे वृषेच कन्यामकरे च याम्ये ॥
मिथुने तुले कुंभसु पश्चिमायां कर्कालिमीने दिशि चोतरस्याम् ॥१॥
फलम् –सम्मुखे अर्थलाभाय दक्षिणे सुखसंपदा ॥
पृष्ठतः प्राणनाशाय वामे चन्द्रे धनक्षयः ॥२॥
अर्थः – मेष, सिंह, धनु, पूर्व। वृष, कन्या, मकर, दक्षिण॥
मिथुन, तुला, कुंभ पश्चिम। कर्क, वृश्चिक, मीन उत्तर ॥

चूडामु० प्रमाण।

यावद्भास्करभुक्तिभानिदिवसेधिष्ण्यानिसंख्याततः वह्नि ३ र्भूत ५ गुणा ३ ब्धि ४ सप्त ७ नयनं २ पृथ्वी १ करें २ दुः १ क्रमात् ॥
सूर्यारौकविसौम्यराहुरविजाजीवः शशीकेतवः क्रूरेऽसच्चशुभेशुभंच कथितंचक्रेचचूडाह्वये ॥१॥ चूडानक्षत्र ॥ हस्तादिपंचपूषाश्विधनिष्ठा-सुचकांचनम् ॥ रक्तंपरिदधेद्वस्त्रंभौमार्कगुरुभार्गवे ॥१॥

चूडी च० प्रमाण।

चूडीधारणे विशेषः।

अस्ते गतेभृगुसुते शयने च विष्णोर्जन्माधचापझषगे दिनपे न दध्यात् ॥
रिक्तेन्दुभानुदिवसे शकवर्जिते च शंखं च रक्तपटकं युवतिः कथंचित् ॥

चूडीचक्रम्।

सूर्यनक्षत्रात्	३	५	३	४	७	२	१	२	१
स्वामी	सूर्य	मंगल	शुक्र	बुध	राहु	शनि	गुरु	चन्द्र	केतु
फल	अशुभ	अशुभ	शुभ	शुभ	अशुभ	अशुभ	शुभ	शुभ	अशुभ

अथ दत्तपुत्रतथाखोलेलेणो।

हस्तादिपञ्चसुभिषग्वसुपुष्यमेषुसूर्यक्षमाजगुरुभार्गववासरेषु ॥
रिक्ताविवर्जिततिथिष्वलिकुम्भलग्नेसिंहेवृषेभवतिदत्तपरिग्रहोयम् ॥१॥
हस्त, चित्रा, स्वाती, विशाखा, ज्ये०, अभि०, ध०, पु०, रवि, मंगल, गुरु, शुक्र, सिंह, वृषलग्न शुभ और रिक्ता वृ. कुंभ अशुभ।

अथ योगिनीचक्रम्।

ईशान्य	पूर्व	अग्नि
३०।८	१।९	३।११
उत्तर २।१०	योगिनी सुखदा वामे पृष्ठे वांछितदायिनी ॥ दक्षिणे धनहंत्री च सन्मुखे मरणप्रदा ॥१॥	दक्षिण ५।१३
५।८।७	४।८।३	८।१।२
वायव्य	पश्चिम	नैऋत्य

अथ कालराहुचक्रम्।

ईशान्य	पूर्व	अग्नि
	शनि	शुक्र
उत्तर वायव्य	अर्कोत्तरेवायुदिशाचसोमे-भौमेप्रतीच्यांबुधनैर्ऋतेच। याम्येगुरौवह्निदिशाचशुक्रे-मन्देचपूर्वेप्रवदंतिकालः ॥१॥	दक्षिण पश्चिम
वायव्य	पश्चिम	नैऋत्य

अथ दिशाशूलचक्रम्।

पूर्व
चन्द्र शनि
दिशाशूल ले जावो
वामेराहू योगिनी पूठ ॥
सन्मुख लेवै चन्द्रमा
ल्याबै लक्ष्मी लूट ॥१॥

उत्तर मंगल — दक्षिण

पश्चिम

चूडामुहूर्त।

हस्त,चि.स्वा. वि.अनु.रे.अश्वि.ध. इत्ते नक्षत्र और रवि. मंगल. बुध. गुरु. शुक्र. यह वार शुभ है।

अथ गुरुशुक्रास्तवर्जितकर्म।

वापीकूपतडागयज्ञगमनं क्षौरं प्रतिष्ठाव्रतं विद्यामंदिरकर्णवेधनमहादानंगुरोःसेवनम् ॥
तीर्थस्नानविवाहकाम्यहवनं मन्त्रोपदेशे शुभं दूरेणैव जिजीविषुः परिहरेदस्तेगुरौभार्गवे ॥१॥

अथजलपूजामुहूर्त

जलपूजाचनारीणांमृगेमूलेपुनर्वसौ ।
पुष्यश्रवणहस्तश्चबुधेजीवेचचन्द्रमाः ॥१॥
मृग, मूलं, पुन. पुष्य,श्रव. हस्त, बुध. गुरु. सोम. जल वार्मे एता ग्रहण कीजै।

अथ सूतिकासूर्यपूजनमुहूर्त।

पुनर्वसुद्वयंचित्राविशाखाभरणीद्वयम् ॥ मूलमार्द्रामघाहेयाश्रवणोदशमस्तथा ॥१॥
सोमशुक्रबुधःशौरिःप्रसूतिस्नानकर्मणि ॥ हेयाप्रतिपदाषष्ठीनवमीचतिथिक्षयः ॥२॥
एता त्यागन करीजै।

प्रथमवधूप्रवेशमुकालावामुहूर्त।

हस्तद्वयेब्रह्मयुगेमघायांपुष्येधनिष्ठाश्रवणोत्तरेषु।
मूलानुराधाहयरेवतीषुस्थिरेषुलग्नेषुवधूप्रवेशः ॥१॥
एते नक्षत्र शुभ , चन्द्र, गुरु, बृह० एते वार श्रेष्ठः, २।५।८।११ एतेलग्न श्रेष्ठ , चन्द्रबल देखजै । १।२।३ एतेवर्ष श्रेष्ठ । पश्चात् अशुभ।

अथ गन्धर्वविवाहतथानातरो.।

इन्द्ररुद्रादिऽश्लेषाआग्नेय्यांवरुणस्तथा ॥
अश्विनीवसुदैवत्यंपट्टकालेशुभंस्मृतम् ॥१॥
ज्येष्ठा, आद्रा, पुनर्वसु, आश्लेषा, कृत्तिका, शत. अश्विनी, धनिष्ठा, एते नक्षत्र शुभ और गुरु. शुक्र अस्तोदय दोष नहीं।

कूपारम्भमुहूर्त।

हस्तात्तिस्रो वासवं वारुणंच शैवं पित्र्यं त्रीणि चैवोत्तराणि ॥
प्राजापत्यंचापिनक्षत्रमाहुःकूपारम्भे श्रेष्ठमाद्या मुनीन्द्राः ॥१॥
अर्थ – ह. चि. स्वा. श. ध. आ. म. उत्तरा ३, रोहिणी कूपारंभ में शुभ होय।

तृणकाष्ठादि संग्रह करणा।

वासवोत्तरदलादिपंचकेयाम्यदिग्गमनगेहगोपनम् ॥
प्रेतदाहतृणकाष्ठसंग्रहंशय्यकावितरणंवर्जयेत् ॥१॥
धनिष्ठा को उत्तरदल, शत. पूर्वाभा. उ.भा. रेवती इन नक्षत्रों में दक्षिणगमन, गृहछायणो, माचोवणनो, तृणकाष्ठादि संग्रह करणो नहीं।

CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

लत्तादोषः

दक्षिण					वाम		
सू.	मं.	बृ.	श.	चं.	बु.	शु.	रा.
१२	३	६	८	२२	७	५	९

होमादौ ग्रहमुखेष्वाहुतिज्ञानचक्रम्।

ग्रहाः	सूर्य	बुध	शुक्र	शनि	चन्द्र	मंगल	बृह.	राहु	केतु
नक्षत्र संख्या	३	३	३	३	३	३	३	३	३
फलम्	धन-नाशः	बुद्धि-वर्धन	सम्पत्तिः	धन-नाशः	कृषि-लाभः	अग्नि-दाहः	अभीष्ट-सिद्धिः	हानिः	दुर्भिक्षम्

लग्नभाद्ग्रहस्थिते यामित्रम्।

रो.	मृ.	म.	उ.फा.	ह.	स्वा.	अनु.	मू.	उ.षा.	उ.भा.	रे.
अनु.	ज्ये.	ध.	पू.फा.	उ.भा.	अश्वि.	कृ.	म.	पुन.	उ.फा.	ह.

लग्न नक्षत्र से १४ वें नक्षत्र पर कोई पापग्रह होवे तो अशुभ, अन्यथा शुभ।

सूर्यादिग्रहाणां संक्रान्तेस्त्याज्य घटीचक्रम्

ग्रहाः	सू.	चं.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.
घटी	३२	२	९	६	८८	९	१६०

चन्द्रसूर्यादियुते युतिदोषः

सूर्य	मंगल	बुध	बृह	शुक्र	शनि	राहु	पाप
दरिद्र	निधन	शुभ	सौख्य	सापत्य	वैराग्य	कलह	मरण

लग्ने विश्वादा ग्रहाः।

सू.	चं.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.
३	२	३	१	६	१	६	१	९	३	३
६	३	६	२	९	२	९	२	१०	६	६
११	११	११	३	१०	३	१०	३	११	११	११
			४	११	४	११	४			
			५		५		५			

लग्ने भंगदा ग्रहाः।

१	४	५	६	७	८	९	१०	१२
सू.	मं.	श.	चं.	सर्व	मं.	ल	मं.	मं.	बृ.
चं.	श.	०	शु.	ग्रह	चं.	ग्ने	श.	श.	मं.
मं.	रा.	०	लग्ने		बु.	श		रा.	
श.		०	श.		बृ.				
रा.					शु.				

रविभाच्चन्द्रभं यावदुपग्रह उदाहृतः।

विद्युत्	५
शूल	८
सन्निपात	१४
केतु	१८
उल्का	१९
निर्घात	२२
कम्प	२३
वज्र	२४

संक्रान्तिवशाद्दग्धास्तिथयः।

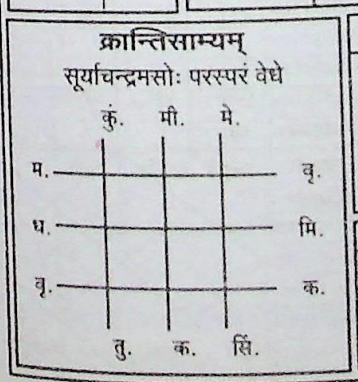
सूर्यराशि	मेष	वृषभ	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या
तिथि	६	४	८	६	१०	८
सूर्यराशि	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
तिथि	१२	१०	२	१२	४	२

विवाहे बाणज्ञानचक्रम्।

बाणनाम	रोग	अग्नि	नृप	चौर	मृत्यु
सूर्यगतांशाः	८।१७	२।११	४।१३	६।१५	१।१०
	२६	२०	२२	२४	१९
सशल्यताद्या०	सूर्ये	भौमे	शनौ	भौमे	बुधै
त्याज्यकर्म	उपनयने	गृहाच्छादन	नृपसं.	यात्रा	विवाहे

क्रान्तिसाम्यम्

सूर्याचन्द्रमसोः परस्परं वेधे



एकार्गलदोषः।

व्याघात, गंड, व्यतिपात, शूल, वज्र, वैधृति, परिघ, अतिगंड ये योग विवाह के दिन हों और सूर्यनक्षत्रसे विवाह नक्षत्र विषमांक पर हो तो एकार्गल दोष होवे।

पातः

हर्षण, गंड, शूल, साध्य, व्यतिपात, वैधृति इन योगों के अंत में विवाह नक्षत्र होवे तो पात दोष होवे।

हमारे यहां से वैदिक, वेदान्त, मीमांसा-योग-सांख्य, न्याय, धर्मशास्त्र, कर्मकाण्डप्रयोगादि, माहात्म्यादि, व्रतकथा, पुराण-उपपुराण, इतिहास, ज्योतिष, वैद्यक, नीति, अलंकार, छन्द, कोश, हिन्दी तथा संस्कृत काव्य, नाटक, मंत्रशास्त्र, स्तोत्र, संगीत-राग, उपन्यास, कबीरपंथी इत्यादि विषयों के हिन्दी तथा संस्कृत ग्रन्थों के साथ मुरादाबाद निवासी स्व. वि. वा. पं. ज्वालाप्रसादजी मिश्र द्वारा संजीवनी टीका सहित 'श्रीमद् गोस्वामी तुलसीदास कृत रामायण' आदि अनेक ग्रन्थ प्रकाशित होते हैं।

विस्तृत जानकारी के लिये हमारा 'सूचीपत्र' मुफ्त मंगाकर देखें।

हमारे प्रकाशनों की अधिक जानकारी व खरीद के लिये हमारे निजी स्थान :

खेमराज श्रीकृष्णदास
अध्यक्ष : श्रीवेंकटेश्वर प्रेस,
९१/१०९, खेमराज श्रीकृष्णदास मार्ग,
७ वी खेतवाडी बॅक रोड कार्नर, मुंबई - ४०० ००४.
दूरभाष / फैक्स-०२२-२३८५७४५६.

गंगाविष्णु श्रीकृष्णदास,
लक्ष्मी वेंकटेश्वर प्रेस व बुक डिपो
श्रीलक्ष्मीवेंकटेश्वर प्रेस बिल्डींग,
जूना छापाखाना गली, अहिल्याबाई चौक,
कल्याण, जि. ठाणे, महाराष्ट्र - ४२१ ३०१.
दूरभाष - ०२५१-२२०९०६१.

खेमराज श्रीकृष्णदास
६६, हडपसर इण्डस्ट्रियल इस्टेट, पुणे - ४११ ०१३.
दूरभाष-०२०-२६८७१०२५,

खेमराज श्रीकृष्णदास
चौक, वाराणसी (उ.प्र.) २२१ ००१.
दूरभाष - ०५४२-२४२००७८.

© सर्वाधिकार : प्रकाशक द्वारा सुरक्षित

Printers & Publishers :
Khemraj Shrikrishnadass, Prop. Shri Venkateshwar Press,
Khemraj Shrikrishnadass Marg, 7th Khetwadi, Mumbai - 400 004.
Web Site : http://www.khe-shri.com Email : Khemraj@vsnl.com

CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

॥ मास तारीख का वेलान्तर मिनट-सेकण्ड ॥

ता.	जनवरी मि.से.	फरवरी मि.से.	मार्च मि.से.	अप्रेल मि.से.	मई मि.से.	जून मि.से.	जुलाई मि.से.	अगस्त मि.से.	सितंबर मि.से.	अक्टूबर मि.से.	नवंबर मि.से.	दिसंबर मि.से.
१	+ ३।०५	+९३।२७	+९२।२३	+ ३।५५	- २।५३	- २।९२	+ ३।४९	+ ६।१८	- ०।०१	-१०।२१	-१६।२६	-११।०१
२	+ ३।३३	+९३।३५	+९२।११	+ ३।३७	- ३।००	- २।०३	+ ४।०१	+ ६।१४	- ०।२०	-१०।४०	-१६।२७	-१०।३८
३	+ ४।०१	+९३।४३	+९१।५८	+ ३।२०	- ३।०७	- १।५३	+ ४।९२	+ ६।०९	- ०।३९	-१०।५९	-१६।२८	-१०।१५
४	+ ४।२९	+९३।५०	+९१।४५	+ ३।०२	- ३।९३	- १।४३	+ ४।२२	+ ६।०४	- ०।५९	-११।१८	-१६।२७	- ९।५१
५	+ ४।५६	+९३।५६	+९१।३२	+ २।४५	- ३।१८	- १।३२	+ ४।३३	+ ५।५८	- १।१९	-११।३६	-१६।२६	- ९।२६
६	+ ५।२३	+९४।०१	+९१।१८	+ २।२८	- ३।२३	- १।२२	+ ४।४३	+ ५।५२	- १।३९	-११।५४	-१६।२४	- ९।०१
७	+ ५।५०	+९४।०५	+९१।०४	+ २।१९	- ३।२७	- १।१०	+ ४।५३	+ ५।४५	- २।००	-१२।११	-१६।२१	- ८।३५
८	+ ६।१६	+९४।०९	+९०।४९	+ १।५४	- ३।३०	- ०।५९	+ ५।०२	+ ५।३७	- २।२०	-१२।२८	-१६।१७	- ८।०९
९	+ ६।४१	+९४।१९	+९०।३५	+ १।३७	- ३।३३	- ०।४८	+ ५।११	+ ५।२९	- २।४१	-१२।४५	-१६।१२	- ७।४३
१०	+ ७।०७	+९४।९३	+९०।१९	+ १।२१	- ३।३६	- ०।३६	+ ५।२०	+ ५।२०	- ३।०२	-१३।०१	-१६।०७	- ७।१६
११	+ ७।३१	+९४।९४	+९०।०४	+ १।०५	- ३।३८	- ०।२४	+ ५।२८	+ ५।११	- ३।२३	-१३।१६	-१६।००	- ६।४८
१२	+ ७।५५	+९४।९५	+ ९।४८	+ ०।५०	- ३।३९	- ०।११	+ ५।३६	+ ५।०१	- ३।४४	-१३।३२	-१५।५३	- ६।२०
१३	+ ८।१८	+९४।९४	+ ९।३२	+ ०।३४	- ३।४०	+ ०।०१	+ ५।४३	+ ४।५०	- ४।०५	-१३।४६	-१५।४५	- ५।५२
१४	+ ८।४१	+९४।९३	+ ९।९५	+ ०।१९	- ३।४०	+ ०।१४	+ ५।५०	+ ४।३९	- ४।२७	-१४।००	-१५।३६	- ५।२४
१५	+ ९।०३	+९४।९१	+ ८।५८	+ ०।०४	- ३।४०	+ ०।२६	+ ५।५६	+ ४।२८	- ४।४८	-१४।१४	-१५।२६	- ४।५५
१६	+ ९।२५	+९४।०९	+ ८।४१	- ०।१०	- ३।३९	+ ०।३९	+ ६।०२	+ ४।१६	- ५।०९	-१४।२७	-१५।१६	- ४।२६
१७	+ ९।४५	+९४।०५	+ ८।२४	- ०।२४	- ३।३७	+ ०।५२	+ ६।०७	+ ४।०३	- ५।३१	-१४।४०	-१५।०४	- ३।५६
१८	+९०।०५	+९४।०१	+ ८।०७	- ०।३७	- ३।३५	+ ९।०५	+ ६।१२	+ ३।५०	- ५।५२	-१४।५१	-१४।५२	- ३।२७
१९	+९०।२५	+९३।५७	+ ७।४९	- ०।५१	- ३।३२	+ ९।१८	+ ६।१६	+ ३।३६	- ६।१४	-१५।०३	-१४।३९	- २।५७
२०	+९०।४३	+९३।५१	+ ७।३२	- ९।०३	- ३।२९	+ ९।३१	+ ६।२०	+ ३।२२	- ६।३५	-१५।१३	-१४।२५	- २।२८
२१	+९१।०१	+९३।४५	+ ७।१४	- ९।१६	- ३।२६	+ ९।४४	+ ६।२३	+ ३।०७	- ६।५६	-१५।२३	-१४।१०	- १।५८
२२	+९१।१९	+९३।३८	+ ६।५६	- ९।२८	- ३।२१	+ ९।५७	+ ६।२५	+ २।५२	- ७।१८	-१५।३३	-१३।५५	- १।२८
२३	+९१।३५	+९३।३९	+ ६।३८	- ९।३९	- ३।१७	+ २।९०	+ ६।२७	+ २।३७	- ७।३९	-१५।४१	-१३।३८	- ०।५८
२४	+९१।५१	+९३।२३	+ ६।२०	- ९।५०	- ३।११	+ २।२३	+ ६।२९	+ २।२१	- ८।००	-१५।४९	-१३।२१	- ०।२८
२५	+९२।०५	+९३।९४	+ ६।०२	- २।०१	- ३।०५	+ २।३६	+ ६।३०	+ २।०४	- ८।२०	-१५।५६	-१३।०३	+ ०।०२
२६	+९२।२०	+९३।०५	+ ५।४३	- २।११	- २।५९	+ २।४९	+ ६।३०	+ १।४८	- ८।४१	-१६।०३	-१२।४५	+ ०।३१
२७	+९२।३३	+९२।५५	+ ५।२५	- २।२०	- २।५२	+ ३।०१	+ ६।२९	+ १।३०	- ९।०१	-१६।०९	-१२।२५	+ १।०१
२८	+९२।४५	+९२।४५	+ ५।०७	- २।२९	- २।४५	+ ३।१३	+ ६।२८	+ १।१३	- ९।२२	-१६।१४	-१२।०५	+ १।३१
२९	+९२।५७	+९२।३४	+ ४।४९	- २।३८	- २।३८	+ ३।२६	+ ६।२७	+ ०।५५	- ९।४२	-१६।१८	-११।४५	+ २।००
३०	+९३।०८	. . . .	+ ४।३१	- २।४६	- २।२९	+ ३।३७	+ ६।२४	+ ०।३७	-१०।०१	-१६।२१	-११।२३	+ २।२९
३१	+९३।१८	. . . .	+ ४।१३	. . . .	- २।२१	. . . .	+ ६।२२	+ ०।१८	. . . .	-१६।२४	. . . .	+ २।५८

+ (धन) - (ऋण)

॥ राशिका उपरथकी शुभाशुभ ग्रह देखणा ॥

राशि	रवि	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
१	स्थान नाश	अन्न	शत्रु भय	बंधु लाभ	भय	शत्रु नाश	धन नाश	हानि	हानि
२	भय	वित्त लाभ	धन नाश	धन लाभ	धन लाभ	द्रव्य लाभ	धन हरण	वित्त नाश	वित्त नाश
३	श्री प्राप्ति	द्रव्य लाभ	मित्र लाभ	क्लेश कारक	सौख्य	वित्त लाभ	धन लाभ	द्रव्य लाभ	द्रव्य लाभ
४	मान भंग	कुक्षि रोग	शत्रु भय	अर्थ लाभ	द्रव्य नाश	धन लाभ	शत्रु वृद्धि	वैर	वैर
५	दैन्य	कार्य नाश	धन क्षय	शत्रु वृद्धि	सौख्य	पुत्र लाभ	अर्थ लाभ	शोक	शोक
६	रिपु नाश	वित्त लाभ	द्रव्य लाभ	स्थान प्राप्ति	शोक	शत्रु भय	अन्न लाभ	वित्त लाभ	वित्त लाभ
७	गमन	धनस्त्री लाभ	शोक	शरीर पीडा	राज मान	शोक	दोष संग्रह	कलि	कलि
८	पीडा	मृत्यु	शत्रु भय	धन लाभ	मृत्यु	अन्न लाभ	शरीर पीडा	प्राण नाश	प्राण नाश
९	कांति क्षय	राज भय	कार्य नाश	पीडा	सौख्य	वस्त्र लाभ	धन लाभ	पाप	पाप
१०	कार्य सिद्धि	महा सौख्य	शोक	सौख्य	दैन्य	सौख्य	दौर्मनस्य	वैर	वैर
११	वित्त लाभ	विविध लाभ	वस्त्र लाभ	अर्थ लाभ	द्रव्य लाभ	धन लाभ	द्रव्य लाभ	यश	यश
१२	रोग नाश	रोगधन नाश	रोगधन नाश	वित्त नाश	पीडा	द्रव्य लाभ	अनर्थ	हानि	हानि

CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

स्वर्गीय पण्डित मनीरामजी शर्मा



दिनका चौघडिया.

र	चं	मं	बु	गु	शु	श
उ	अ	रा	ला	शु	चं	का
चं	का	उ	अ	रो	ला	शु
ला	शु	च	का	उ	अ	रो
अ	रा	ला	शु	चं	का	उ
का	उ	अ	रो	ला	शु	चं
शु	च	का	उ	अ	रो	ला
रो	ला	शु	चं	का	उ	अ
उ	अ	रो	ला	शु	चं	का

रात्रिका चौघडिया.

र	चं	मं	बु	गु	शु	श
शु	चं	का	उ	अ	रो	ला
अ	रो	ला	शु	चं	का	उ
चं	का	उ	अ	रो	ला	शु
रो	ला	शु	चं	का	उ	अ
का	उ	अ	रो	ला	शु	चं
ला	शु	चं	का	उ	अ	रो
उ	अ	रो	ला	शु	चं	का
शु	चं	का	उ	अ	रो	ला

मुम्बयीनगरे श्रेष्ठो वेङ्कटेश्वरनामकः । मुद्रालयो वरीवर्ति नानाग्रन्थप्रकाशकः ॥१॥ यत्र प्रबन्धोऽनुदिनं प्रभूतो ददाति मोदं विदुषां जनानाम् ।
श्रीक्षेमराजाधिकृतं च मान्यं मुद्रागृहे शोभित ईक्षणीयम् ॥ २ ॥ बहवः शास्त्रिणश्चात्र कृतशास्त्रपरिश्रमाः । अनेकविद्याकुशला नियुक्ताः शोधकर्मणि ॥३ ॥
नागधातकृतानेकविधकीलकयोजने । निपुणाः सन्ति चान्येऽपि बहवः कार्मणा जनाः ॥४॥

CC-0. Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS



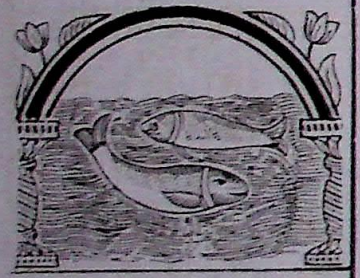
राशि मेष स्वामी भौम क्षत्रिय वर्ण चतुष्पाद चरस्व. लालरंग

रा. वृषभ स्वा. शुक्र वैश्य वर्ण च.खा.स्थि.स्व.श्वेत रङ्ग.

रा. मिथुन स्वा. बुध शुद्रवर्ण मा. जा. द्विस्व हरितरङ्ग.

रा. कर्क स्वामी चन्द्र विप्रवर्ण जलच. जा. चरस्व पाटलरंग.

रा. सिंह. स्वा. सू. क्षत्रियवर्ण स्थि. स्व. धूम्ररङ्ग. चतुष्पाद.



रा. मीन. स्वा. गु. विप्रवर्ण जलचरजा. द्विस्व. पीतरंग

पूर्व मानव पंचांगस्य गणितम् तत्कालीन सीकरनरेशाज्ञानुसारं पंडित मनीराम शर्मणा कृतं मुंबापुर्य्यां श्रीकृष्णसुतेन क्षेमराजेन स्वकीये श्रीवेंकटेश्वर (स्टीम्) मुद्रणागारे मुद्रितम् प्रकाशितश्च । गणकगणानां प्रीत्यै पंचांगमिदम् ६६ हडपसर औद्योगिक क्षेत्र पुणे स्थित खेमराज श्रीकृष्णदासाधिकृत श्रीवेंकटेश्वर स्टीम् मुद्रणालये मुद्रणालयाध्यक्षार्थ संजय बजाज महोदयेन मुद्रितम् प्रकाशितश्च । इति दशवर्षीयमानव पंचांगम ।



रा. कन्या स्वा. बुध मानवजा. वैश्यवर्ण द्विस्व. चित्रविचित्र रंग



रा. कुम्भ स्वा. श. शुद्रवर्ण मा. जा. स्थि. स्व शामरंग

रा. मकर स्वा. श. वैश्यवर्ण ज. जा.चरस्व. लालपीतरङ्ग.

राशि धन स्वा गुरू क्षत्रियवर्ण मा. जा. द्विस्व. पीतरंग.

रा. वृश्चिक. स्वा. भौम. विप्रवर्ण की. जा. स्थि. स्व. सौ. रं.

रा. तुला. स्वा. शु. मा. जा. शू. व. चरस्व कृष्ण रंग.

CC-0.In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri Funding by MoE-IKS

इति दशवर्षीयमानवपञ्चाङ्गम्।

वैक्रमीयसंवत् २०६१ समारभ्य २०७० पर्यन्तम्।

पृथक्पृथग्विवाहमुहूर्तादिसहितम्।

खेमराज श्रीकृष्णदास प्रकाशन, बम्बई

CC-0 In Public Domain. Kirtikant Sharma Nalagarh Delhi Collection